

AN
Illustrated
ARDHA--MAGADHI DICTIONARY

Literary, Philosophic & Scientific
WITH
Sanskrit, Gujrati, Hindi & English

EQUIVALENTS REFERENCES TO THE TEXTS & COPIOUS QUOTATIONS

BY
Shatavdhani The Jaina Muni Shri Ratnachandrajī
Maharaj.

Disciple of Swami Shri Gulabchandrajī (Limbdī).

WITH
AN INTRODUCTION
BY
A. C. Woolner Esqr. M. A. (C. I. E.)
Principal, Oriental College, Lahore.

Vol. II.

Published

BY
AMAR PUBLICATION
VARANASI (INDIA)

Publishers :

M/s. Amar Publication

Satti Chautra Varanasi (U.P.)

Edition : 1946

II. I.S B N No. 81-217-0042-6

Set. I.S.B.N No. 81.217-0046-9

Part II Price 800 00

Complete Set- Five Parts : 3500.-

Distributors :

(1) Bharatiya Vidya Prakashan

1. UB, Jawahar Nagar, Bungalow Road, Delhi-11007

**(2) Post Box No. 1108, Kachauri Gali,
Varanasi-221001**

(3) Bharatiya Book Corporation

1. UB, Jawahar Nagar, Bungalow Road, Delhi-11000

**Printed at : Arya Offset Press,
Daya Basti, Delhi-110035**

॥ श्रीः ॥

ॐ नमोऽस्तु महावीराय ॐ

सचिञ्च

अद्ध-मागधी कोष.

सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुल्लःबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बड़ी सम्प्रदाय).

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

अमर पब्लिकेशन्स

वाराणसी

(भारत)

प्रकाशक :

**अमर पब्लिकेशन्स,
सत्ती चौतरा, वाराणसी-१.**

संस्करण १९८८

II. I.S.B.N No. 81-217-0042-6

Set. I.S.B.N No. 81.217-0046-9

द्वितीय भाग मूल्य ८००.००

सम्पूर्ण सेट ३५००.०० (पांच भाग)

वितरक :

१. भारतीय विद्या प्रकाशन

**(I) १, यू० बी० जवाहरनगर, बैंगनोरोड,
दिल्ली-७.**

(II) कचौड़ी गली, वाराणसी-१.

२. भारतीय बुक कार्पोरेशन,

**१, यू० बी० जवाहरनगर, बैंगनोरोड,
दिल्ली-७.**

मुद्रक :

आर्या आफसेट, दिल्ली ।



Kesarichand Bhandari,

॥ श्रीः ॥

ॐ नमोऽस्तु महावीराय. ॐ

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ]

आ.

[आइ

आ. अ० (आ) भयादा; ६६; सीमा. सीमा;
मर्यादा. Limit. "आमरखंत" पणह० २,
२; क० गं० २, २०; क० प० १, १६; पण० ३६;
(२) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. an
expletive. नाया० २; (३) सम्भुण.
सन्मुख; सामने. in front of राय० (४)
थोड़ा; थोड़ा; थोड़ा. थोड़ा; थोड़ा; कम. a
little. पण० २३

आ. अ. पुं० (आय) लाभ; प्राप्ति. लाभ; प्राप्ति.
(Gain: acquisition. (२) ज्ञेयार्थी
ज्ञान अर्हति प्राप्ति थाय ते; अध्ययन;
अध्ययन. जिसस ज्ञान आद का प्राप्ति हा वह;
अध्ययन; प्रकरण. means of gain-
ing knowledge etc.; chapter;
section विशेष० ६६१; १२२८; क०
ग० १, २३;.

१ आ + इ. धा० I. (आ + इण) आयुं.
आना. To come.

एह-नि विशेष० ४३१; दसा० ७, १; पिं० नि०
२०८; प्रव० ६०६;

एति. विशेष० ११८६;

एउ. आ० विशेष० १३६;

एहि. आ० विवा० १; नाया० २; ६; भग० १५,
१; दस० ७, ४७;

एह. सु० च० २, १६४; उवा० १, ८१;

एही. भ० सु० च० १, २८३;

एस्सति. सूय० १, १, १, २७;

एउं सं० कृ० उत्त० ४, १०;

एतए. हे० कृ० वेय० १, ४६; दसा० ७, १;
वव० ६, १;

एजंत. व० कृ० उत्त० १२, ४; उवा० ७,
२१५;

एजमाण. व० कृ० भग० ५, ४; १२, १; १५,
१; नाया० १; २; ३; ४; ५; ८;
१४; १६; अंत० ६, ३; विवा० १;

आइ. पुं० (आदि) आदि; प्रथम; शुरुआत.
आदि; प्रथम; प्रारंभ. Beginning. क०
गं० १, १५; २१; २८; ओव० २७; अणुओ०
१२८; नाया० १; ५; ७; १०; १४; भग० २,
१; ४, १; ४०, १; पण० ११; जं० प० २,
१६; (२) नाभीनी नीचो भाग. नाभी के
नीचे का भाग-हिस्सा the part below
the navel ठा० ६; (३) इत्यादि; यैरे;
यैरा. बगैरह; इत्यादि. et cetera. भग०
६, ७; नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७;
(४) संसार. संसार. the world;
worldly existence. सूय० १, ७, २२,
—गर. पुं० (-कर) (आदी प्रथमतः ध्रुत

धर्माचारादि ग्रन्थात्मकं कर्म करोति तदर्थं प्रणायकत्वेन प्रणयतीत्येवंशीलः) आदि शरुअपनभां आचारंग आदि श्रुत धर्मना करुना, तीर्थकर. आचारांगार्दि श्रुत धर्म के रचयित; तीर्थकर. the first author of Āchārāṅga etc.: a Tirthāṅkara. “ते सर्वे पायाउया आइगरा धर्मा-रां” सू० २, २, ४१; क० २, १५; नाया० ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १; —तिथ्यर. पुं० (-तीर्थकर) ऋषभदेव स्थाभी. ऋषभदेव स्वामी. Risabhadeva Swāmī. “ भगवओ उस्सह सामिस्स आइतिथ्यरस्स ” नंदा० — दुग. न० (-द्विक) अपर्याप्त सूक्ष्म अने आदर अकेन्द्रिय-रूप मे प्रकृति. अपर्याप्त सूक्ष्म और बादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two Karmic natures (Prakṛitis) viz Aparyāpta Sūkṣhma and Bādara Ekendriya. क० प० १, १५; —मउ. त्रि० (-मृदु) आरंभभा कोमल. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning. अणुजो० १२५; —मुहुत्त. न० (-मुहूर्त) प्रथम मुहूर्त; सूर्य उठ्या पश्चीमे धडी सुधीने सभय. प्रथम मुहूर्त; सूर्योदय के बाद का दो घडी का समय. the first Muhūrta: the first period of 48 minutes after sunrise. 1 Muhūrta=48 minutes=2 Ghaṭikās. “अकिंनतरओ आइ मुहुत्ते जगण उइ अंगुलच्छाण वणयते” सम०—मोक्ष. पुं० (-मोक्ष-आदि: संसारस्तस्मान्मोक्ष: आदि मोक्षः) आदि-संसारथी छुटकारे धये ते. सकार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipation from worldly existence. “इरिधओ जेय केव्वंत आइ मोक्षसाहिते-

जणा ” सू० १, १, २२:—राय. पुं० (-राज) ऋषभदेव प्रभु के गेले साथी पदेलां राज्यनी स्थापना करी असि, मसि, धूपि आदि कर्मभूमिपायुं प्रवर्तानुं. ऋषभ-देव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यको स्थापना की और असि, मसि, धूपि आदि वाणिज्य रूप कर्म भूमिपन का प्रारंभ किया. Lord Risabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. ठा ६;—लेसतिग. न० (-लेश्यात्रिक) शरुआतनी त्रय लेश्या; धृष्ट नील अने कापोत लेश्या. प्रारंभ की तीन लेश्याएं; कृष्ण, नील और कापोत. the first three Lesyās, i. e. thought and matter tints viz black, blue and grey. क० गं० ३, २२; —संग्रयण. न० (-संहनन) प्रथमनु संघयण; वज्र, ऋषभ, नाराय संघयण. प्रथम का संहनन; वज्र, ऋषभ, नाराय. the first or primitive physical constitution called Vajra Riṣabha Nārācha Saṅghayana (i. e. adamantine character of the bones etc.) क० गं० २, २१;

आइअंनियमरण. न० (आत्यन्तिकमरण) देह अने शरीर अत्यंत जुदा पडे ते; मृत्यु. जीव और शरीर का सर्वथा पृथक् होना; मृत्यु. Death; total separation of soul from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३; आइ. अ० (आइ) वाक्यालंकार. वाक्यालंकार. An expletive. भग० १५, १; आइंखिली. आ० (आ चक्षणा) कर्तुं पिशा-

विद्या विद्या, ३ ज्ञेयं योगे साभा भाष्यन्ती
गुप्तं वातं गन्धी शक्राय. कर्णं पिशाचिका
विद्या, जिगक बन्त से दूसरे के मन का गुप्त
बात जाना जामकना है. An art known
as Karpapishāchikā Vidya by
which other persons' secrets
can be fathomed and known.
प्रब० ११३;

✓ आइक्य. धा० I-II (आ+चक्ष्) कर्त्तव्युः
आख्यायनं कर्त्तव्युः अध्यायणी देवी. कहना; आ-
ख्यान करना; बधाई देना. To tell; to
describe; to inform about some
good events.

आइक्यह. भग० ३. ३: ७, ६: ओव० २७;
३४; सू० २, ६: १; नाया० १:
१; ८: १३; १६; जं० प० ७,
१७८: दग० ६, ३: सम० ३६;
दसा० १० ११, निर० १, १:

आइक्यन्ति. भग० १. ६: २, ५; ५, ८:
नाया० १: २; ६: १६; आया०
१, ६, ८, १६०;

आइक्यन्ते. सू० २, १, ११;

आइक्यन्मि. भग० १, ६: १०; २, ५; ३,
१; ७, ६: १६, ५;

आइक्यन्ते. दग० ८, ५१; सू० २, १, ५७;
आया० १, ६, ५, १६४;

आइक्यन्त. दस० ८, १४;

आइक्यन्ता. दसा० १०, ३;

आइक्यन्ति. भग० २, १;

आइक्यन्ति. नाया० १; भग० १५, १;

आइक्यन्ति. सं० कृ० पि० नि० ३२५;

आइक्यन्ति. वे० ३, २०; नाया० ८:
भग० १, ३३;

आइक्यन्ति. भग० १८, २;

आइक्यन्ति. नाया० १२; भग० ३, १:

३३; ११, १२; आया० १, ६,
५, १६५; ओव० ३५;

आइक्यन्ति. त्रि० (आख्यायक) शुभाशुभ
कहेना. शुभाशुभ कहने वाला. A
messenger or teller of good or
evil. जं० प० ओव० अणुजो. ५२;

आइक्यन्ति. त्रि० (आख्यायक - आख्यात)
कहेना. कथन कहेना कहा हुआ. Told;
related. भग० २, १; नाया० १;

आइक्यन्ति. त्रि० (आख्यायक) कहेना
लायक; उपदेश कहेना योग. कहने लायक;
उपदेश करने योग्य. Worth being
told; worth being advised. सू०
२, ७, १५;

आइक्यन्ति. पुं० (आदिशब्) सूर्य; सूर्य.
The sun. " सेक्यन्तेषु भंते एवं बुद्धि
सूर आइक्य गोयमा सूर दियान् समयाह वा
आइक्यियाहवा " भग० १२, ६: १५, १;
उत्त० २६, ८; अणुजो० १४७; दग० ८,
२८; विशे० १५६८; आव० २, ७; सू० प०
५०; प्रब० (२) कृष्णराजना आनंदाभां सेल
आइक्यी नामना विमान ना वासी लोकान्-
तिष्ठ देवता. कृष्णराज प्रदेश क आनर में
रहा हुआ आइक्यी नामक विमान वासी
लोकान्तक देव. the Lokāntika gods
residing in the Archimāli cele-
stial abode in the interior part
of Kṛṣṇarājī. नाया० ८ भग० ६, ५;
(३) ग्रैवेयक विमान विशेष अने तेना देव.
ग्रैवेयक विमान विशेष और उसका निवासी
देव. the celestial abode of
Grāiveyaka. and its resident
gods. प्रब० १४६२; (४) सूर्यभास;
सूर्यभास दिवस प्रभास आइक्य भास.
मौरमग; साहे तास दिन प्रभास भास.

a solar month i. e. 30 days. सम० ३१ प्र० व० ६०४; —मास पु० (—मास) सूर्य मास; ३०॥ दिवसने मास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. a solar month; a month of 30 days. प्रब० ६०४; —संवत्सर. पु० (संवत्सर) सूर्य परेसेथी छेले भांडले ज्येष्ठ इरी परेसे भांडले आवे त्यां मुधीने समय; त्रयुसो जास दिवस प्रमाण सौर वर्ष. सूर्य के पहिले मंडल से अन्तिम मण्डल में जाने और वहां से लौट कर फिर पहिले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय; तीनसां छ्वांस्ट दिन प्रमाण वर्ष. the solar year; an year consisting of 366 days; the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth. जं० प० सू० प० २;

आइचजस. पु० (आदित्ययशम्) भरत यक्षवर्तनी आदित्ययश नामे पुत्र, के जे राज्य भागती अने दीक्षा लभ सकल कर्म क्षय करी भोक्ष गया. भरत चक्रवर्ती का आदित्ययश नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर अंत में दीक्षा ली और कर्म क्षयकर मोक्ष में गया. Adityayasa, the son of the emperor Bharata; he ruled for some time but at last took Dikṣā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. अ० ८, १;

आइचा. स्त्री० (आदित्या) सूर्यनी श्रीष्ठ अथ महिषी. सूर्य की दूसरी पत्नी. The second principal queen of the sun. भग० १०. ४;

आइज. त्रि० (आदेश) ग्रहण करना योग्य.

ग्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया० १२; जं० प० कण्व० ३, ३६; क० गं० १, २६; ५१; २, २३; ६, ७१; (२) जेनुं वचन भाव—ग्रहण करना योग्य होय ते. वह व्याक्ति, जिस का वचन प्राण्य हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गच्छा० ६४;

आइदु न० (आदिष्ट) प्रेरणा करनी; आदेश करवे। ते. प्रेरणा करना; आदेश करना. Instruction; suggestion. सूय० १, ४, १, १६; विशे० ४८६;

आइदु. त्रि० (आविष्ट) आवेशवाला. आवेश वाला. Possessed by; inspired by. “जबसा ऐसेही आइदु समाणी” भग० १७, ७; ठा० ५; दसा० ६, १५; ओप० त्रि० ४६७;

आइदि. स्त्री० (आदिष्टि) धारणा, धारणा; विचार. Intention; idea; fixed thought. ठा० ७;

आइदिठ. स्त्री० (आत्मर्द्धि) आत्मर्द्धि; आत्मशक्ति. आत्मा की शक्ति. Soul-force; soul growth; soul-power. भग० १, ३; ३. ५; २०, १०;

आइदिठय. त्रि० (आत्मर्द्धि-आत्मन एव आदिर्यस्य) आत्मर्द्धि वाला; आत्मशक्ति-वर्धन वाला. आत्मर्द्धि वाला; आत्मशक्तिवान; Possessed of soul-power or soul-wealth. “आइदि एव भंते ! देवे जाव चतारी पंच देवावासं तराई” भग० १०, १;

आइण. न० (आजिन) त्वग्; त्वग्. चमड़ा. Skin; leather. राय० ६७; निमा० १७, १२; क० गं० १, २६; —पावार. न० (—पावार) यम्यत्व; आभयाना कपडां.

चनेइ का वस्त्र. a skin or leather garment. निर्मा० ७, ११;

आइगण, त्रि० (आर्चाण) आना इरेअ. आज्ञा पाया हुआ. Advised; commanded. "आइगणं जं पुण अणुगएयं" आया० निर्मा० १, १, १, ७;

आइगण, त्रि० (आर्कीण) व्या० १; संदीर्घः आत्मा आत्मा अरेअ स्वभावश्च भरा हुआ Pervaded by; thickly scattered over with. आ० आ० निर्मा० नाया० ६, भग० १, १; २, ४; ३, १; ४; (२) त्रि० अति आदिथी शुद्ध अणुवान धेरा. जाति आदि मे शुद्ध गुणवान घोडा. a horse of good breed. "कमवददु माइगणे पावमं पडियजणु" उत्त० १, १२; पगह० १, ६; जावा० ३, ४. "आइगणं वरुणस्य सुमेपवत्तं" भग० ७, ८; नाया० १०; (३) विनयवान पुरुष विनयवान पुरुष a reverent, respectful person. टा० ६, १; (४) आर्क्षि अत न्ना धेराजा इष्टितवान् जन्मायुत्तं १७ मुं अध्ययन. आर्क्षि जाति के घोडे का जिसमे वर्णन है वह जाना मूत्र का १७ वां अध्याय. the 17th chapter of Jhāta Sūtra dealing with a horse of Ākirna breed. नाया० १; सम० १६;—**णाय उभयण. भ० (ज्ञाताध्ययन)** ज्ञातायुत्तं १७ मुं अध्ययन ज्ञाता मूत्र का १७वां अध्याय. the 17th chapter of Jhāta Sūtra. सम० नाया० १७;—**इय. पु० (इय)** अतवान धेरा. जातिवान् घोडा. a horse of noble breed. जावा० ३;

आइगणतर. त्रि० (आर्कीणतर) पधारे व्याप्त; अति आत्मा आत्मा. बहुत उपादह

व्याप्त. Densely or thickly pervaded by; dense: thick. भग० १३; ६;

आइतव्व. त्रि० (आइतव्व) अदणु इरेअ यत्त. ग्रहण करने योग्य. Worthy of acceptance; worth being taken. वेय० ६, २५;

आइत्त. त्रि० (आइत्त) धेरा प्रकाशित. कृत्र प्रकाशित. Faintly gleaming. नाया० १;

आइत्तार. त्रि० (आइत्तार) अतार. लेने वाला. Acceptor: one who takes टा० ७;

आइड. त्रि० (आइड) व्या० १. व्याप्त. भरा हुआ. Pervaded by; filled with. नाया० १;

आइत्त. त्रि० (आर्कीण) लुअ. "आइगण" शब्द. देखा "आइगण" शब्द. Vide "आइगण" उत्त० १, १२, २१ १. पगह० १, ४; जावा० १; नदी० टा० ६, ३;

आइत्त. त्रि० (आर्कीण) आइरेअ व्यवहार में लाया हुआ. Practised; performed. पि० निर्मा० ३२६; ४७६; प्रव० १, १६;

आइम. त्रि० (आदिम) अथमन्. पहिले का; पहिले. First; foremost आ० निर्मा० ६६०; क० गं० ३, १६; प्रव० ६; ६४६;—**गणहर. पु० (गणहर)** अथम गणधर. प्रथम गणधर. the first Garudhara प्रव० ६४६;

आइमय. त्रि० (आदिमक) पहिले. अथमन्. पहिला; प्रथम. First; foremost. दिश० १०१०;

आइय. त्रि० (आइय) आदि अर्थः शुरू. Beginning; first of a series. नाया० १; कण० ४, ६३ ८६;

आइय. त्रि० (आदर) आदर, प भेद. आदर
पाया हुआ. Honoured; respected.
पद० १७;

आइय. त्रि० (आचित) व्याप्त. व्याप्त.
Filled with. नाय० ८;

आइयण. न० (आदान) ग्रहण करने में ते.
ग्रहण करना. Taking; acceptance.
पद० १, ३;

आइयय. त्रि० (आदातय) स्वीकारता योग्य.
स्वीकार करने योग्य. Worthy of accep-
tance. वच० १, ४१;

आइय. त्रि० (आदिम) पहले; आदिम; प्रथ-
म. पहिला; शुरुआत. First; foremost.
पद० २, १७; राय० २३६; मदी० ५६;
प्रव० २२३; अणुजो १; —चंद्र. पुं०
(-चन्द्र) उत्तरो उत्तर द्वीपों की अपेक्षा में
पूर्व पूर्व द्वीपों में अन्तर. उत्तरोत्तर द्वीपों की
अपेक्षा पूर्व पूर्व द्वीपों का चंद्र. the moon
of the preceding continent in a
series of continents. “ आइयचंद्र
सहित अन्तराष्ट्र लेने ” सू० प० ११;
—सूर. पुं० (-सूर) उत्तरोत्तर द्वीपों की
अपेक्षा में पूर्व पूर्व द्वीपों में अन्तर. उत्तरोत्तर
द्वीपों की अपेक्षा में पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य.
the sun of each preceding
continent in a series of
continents. सू० प० १६;

आईल न० (आदीन) अत्यन्त गरीब
बहुत गरीब. (one) who is very
poor. सू० १, १०, ६; — भोज.
त्रि० (-भोजिन्) ईडी द्वीपों में भोजन
आना. पेंका हुआ भोजन खाने वाला.
(One) who eats food thrown
away (by others). “ आदीन-
भोजि बि कंति पावं मंताड पंत सम-

हिमाडु ” सू० १, १०, ६; — विसि.
पुं० (-वृत्ति आ समन्तादीना कल्याणदा
वृत्तिरनुष्ठानं यस्य) अत्यन्त दीन भिक्षु
भिक्षु योरे. अत्यन्त दीन भिक्षारी. (one)
who is indigent: e.g. a beggar.
“ आदीन विसि करेति पावं ” सू० १,
१०, ६;

आईलग. न० (आजिनक) यमभय-आमय-
यम विषय के जो कभीने अति सुंदर
करेक होय छे चमके का वस्त्र विशेष जो कि
कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो
A garment of cured or tanned
leather. “ आईलग रूप बुरबुरापीयसुक्त
कासे ” सू० प० २०; कप० ३, ३२; अंग०
आया० २, २, १, १४३; नावा० १; जंवा०
३; भग० ११, ११; (२) पुं० अनामने. अंक
द्वीप तथा अंक समुद्र एक द्वीप और एक
समुद्र का नाम. an ocean of that
name; also a continent of the
name. जावा० ३;

आईलभद्र. पुं० (आजिनभद्र) आग्नि
द्वीपों अधिपति देवता. आजिन द्वीपों का
अधिपति देव. The presiding deity
of the Ājina-Dvipa. जावा० ३.

आईलमहाभद्र. पुं० (आजिनमहाभद्र)
आग्नि द्वीपों अधिपति देवता. आजिन
द्वीपों का अधिपति देव. The presiding
deity of the Ājina Dvipa.
जावा० ३;

आईलमहावर. पुं० (आजिनमहावर)
आग्नि समुद्र तथा आग्निवर समुद्रों
अधिपति देवता. आजिन और आजिनवर समुद्र
का अधिपति देव. The presiding
deity of the Ājina and Ājina-
vara oceans. जावा० ३;

आर्द्धशतक. पुं० (आजिनवर) એ નામને: એક દ્વીપ તથા એક સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप तथा समुद्र. An ocean as well as a continent of that name. (२)
आजिन समुद्रने तथा आजिनवर समुद्रने अधिपति देवता. आजिन और आजिनवर समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the oceans named Ajina and Ajinevara. जीवा० ३;

आर्द्धशतकभद्र. पुं० (आजिनवरभद्र) आग्निवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavara Dvipa. जीवा० ३;

आर्द्धशतकमहाभद्र. पुं० (आजिनवरमहाभद्र) आग्निवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavara Dvipa. जीवा० ३;

आर्द्धशतकरोभास. पुं० (आजिनवरोभास) એ નામને: એક દ્વીપ તથા સમુદ્ર. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of a continent; also, that of an ocean. जीवा० ३;

आर्द्धशतकरोभासभद्र. पुं० (आजिनवरोभासभद्र) आग्निवरोभास द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ajinavarobhasa Dvipa जीवा. ३;

आर्द्धशतकरोभास महाभद्र. पुं० (आजिनवरोभास महाभद्र) आग्निवरोभास द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवरोभास द्वीप का अधिपति देवता. The presiding deity of Ajinavarobhasa Dvipa. जीवा. ३;

आर्द्धशतकरोभासमहावर. पुं० (आजिनवरोभासमहावर) आग्निवरोभास समुद्रने अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of the Ajinavarobhasa ocean. जीवा. ३;

आर्द्धशतकरोभासवर. पुं० (आजिनवरोभासवर) आग्निवरोभास समुद्रने अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavarobhasa ocean जीवा. ३;

आर्द्धशतकरोभासमहावर. पुं० (आजिनवरोभासमहावर) आग्निवरोभास समुद्रने अधिपति देवता. आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव. The presiding deity of Ajinavarobhasa ocean जीवा ३;

आर्द्धशतक. त्रि० (आर्द्धशतक-आसमन्तादीन-मादीन सहित्यते यस्मिन्सः) अत्यन्त दीनता यात्रु. अत्यन्त दीनता वाला. Indigent; penurious. “आर्द्धशतकं दुष्कृतिं पुराणा” सूय० १, ५, १, २;

आर्द्धशतक. त्रि० (आर्द्धशतक-आसमन्तादीन-मादीन सहित्यते यस्मिन्सः) अत्यन्त दीनता यात्रु. अत्यन्त दीनता वाला. Indigent; penurious. “आर्द्धशतकं दुष्कृतिं पुराणा” सूय० १, ५, १, २;

आर्द्धशतक. त्रि० (आर्द्धशतक-आजिः संग्रामस्तमी रयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति वाचत्) लक्ष्मि शतनार. युद्ध जीतने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. संथा०

आर्द्धशतक. न० (आर्द्धशतक) ईशान देवलोका पर्यंत. ईशान देवलोका पर्यंत Up to, as far as Īśāna heavenly world. प्रब० ११६२;

आठ. अ० (अथवा) अथवा. अथवा; या. Or. सूय० २, ७, ६;

आउ. न० (आयुष्-प्रतिसमयभोग्यत्वे नयतीत्यायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमित्यायुः) तेना उदयार्थं अथ अन्तर्गती भागेषु छे ते; आयुष्य कर्म; अः कर्म भागं पांचमुं कर्म वह कर्म जिस क उदय से आयु प्राप्त करता है; आयुष्य-कर्म; आठ कर्मों में से पांचवा कर्म. The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period; the fifth of the eight kinds of Karma. दसा० ६, २; पञ्च० ३६; भग० ३, १; ५, १; ७, १; ६; १५, १; नाया० २; जं० प० उत्त० ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प० २, ५४, पिं० नि० भा० २६; क० गं० १, ३; ५, ४;—**अउभयवसान.** पुं० (-अभय-वसान) अयुष्यकर्म निष्पादक अध्यवसाय विशेष आयुष्य कर्म उपादान करने वाला अध्यवसाय विशेष. a certain sort of thought-activity giving rise to Āyusya Karma भग० २४, १;—**उवक्रम.** पुं० (-उपक्रम) तेना हाथश्रीर आठिमुं पुरुं करुं ते तेभ श्रेष्ठिद शान्ते दष्ट पिण्डरमां दीशि युद्धी आठिमुं पुरुं करुं तेभ. अपने हाथ से ही अपनी आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा श्रेष्ठिक ने काष्ठके पिण्डरे में द्वारा चूसकर अपनी आयु पूर्ण की. भग० २०, १०; putting a period to one's own existence; e. g. in the case of Śreṇika the king, who sucked a diamond in a wooden cage and died; suicide. —**कम्म.** न० (-कर्मन् एति याति वेत्या युस्तन्नि-बन्धनं कर्मायुष्कर्म) आः कर्मभागं पांच मुं आयुष्य कर्म. आठ कर्मों में से पांचवाँ

आयु कर्म. Āyusya Karma, the fifth of the 8 Karmas. उत्त० ३३, २; ४;—**काल.** पुं० (-काल) मृत्युक्षणः भरणेनो अयसर. मृत्यु समय; मरणकाल. time of death. आया० १, ८, ८, १११;—**कस्य.** पुं० (-कस्य) आयुष्य कर्मणा क्षय; आयुष्य कर्मनी निर्जरा. आयुर्कर्म का क्षय; आयुर्कर्म की निर्जरा. “संसे जह वड्डयं हरे एवमायुस्वशम्म नुदती” the destruction of Āyusya Karma. सूय० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६; नाया० १; ८, १६; १६; भग० २, १; १, ६; ६, ३३; २५, ८; पण्ड १, १; कप्प० १, २; निरं० ३, १;—**कस्सेम.** न. (-सेम) आयुष्य अन्तर्गतीं स्वास्थ्य आयादी. आयुष्य जीवन का स्वास्थ्य. the peace and safety of life. “ जं किंछि व कम्मं, जाणं आउक्खेमस्समप्पणो तस्सव अंतरद्धाणं खिपं सिक्खेज पंडिण् ” आया० १, ८, ८, ६; सूय० १, ८, १५;—**निवत्ति.** स्त्री० (निर्वृत्ति) आयुष्यनी निष्पत्ति. आयुष्य की निष्पत्ति. acquisition of life भग ६, ४;—**पञ्चव.** पुं० (पंचव) आयुष्यना पर्याय आयुष्य का पर्याय-मर्यादा. variation of life. जं० प० २, २६;—**परिणाम.** पुं० (-परिणाम) आयुष्य कर्मणा स्वभाव. आयुष्य परिणाम-स्वभाव; आयुष्य कर्म का स्वभाव. nature of Āyusya Karma. “ नव विहे आउ परिणामं पण्णते तंजहा गइ परिणामि ” गइ कंभण प० डिहप० डिहकंभण प० भग ६, ५, जं० प० ३, १०६;—**पहीण.** पुं० (-प्रहीन) क्षीण थपेय आठिमुं क्षीण आयु. worn out life; worn out life-period भग० ११, १०;

--भेय. पुं० (भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद इत्यकम् आयुर्भेदः) आयुष्यन्ती उपधातुः; आयुर्भेदं तु गेहायु-पुटयुं ते. आयुर्भेदं का हृदनाः आयु मे भेद हो जाना breaking down of Āyusya: the destruction of Āyusya-Karma. 'मत्तवद्दे आउभेदप० तंजहा अउभेदमायु निमित्ते आउरे भेयव पराचाए फासे आणा-पाणु मत्तविहं भिजण आउ " ठा० ७: आउ आ० (अप्) पाण्णि. जल. Water. भग० ५, ६; ६, ४; पि० नि० भा० ६; सूय० १, १, १, ७; प्रब० ४८८: (२) श्री० अपकाय-पाण्णिना ७५; अपकाय. अपकाय जल के जीव. an aquatic sentient being. जं० प० ७; सू० प० १०; उत्त० २६, ३०; क० गं० १, २६; ५७; २, ६; ४, ३; भग० ६, ५; ८; (३) पूर्वाषाढा नक्षत्रतो देवता पूर्वाषाढा नक्षत्र का देव. the deity of the Pūrvaṣāḍṇā constellation. "पुष्कामाका आउ देवताए" सू० प० १०; अणुजो० १३१; ठा० २, ३; --काय-य. पुं० (--काय-आपः कायो यस्येति) अपकायः पाण्णिना ७५. अपकाय के जीव. aquatic lives. सम० ६; उत्त० १०, ६; दम० ६, ३०; भग० २, ६; ७, १०; १६, ३; आया० १, ६, १, १२; --काय. पुं० (--काय-आपो द्वास्ताएव कायः शरीरं यस्यात्) अप पाण्णिना ७५ शरीर छे जेनुं ते: पाण्णिना ७५. ऐसे जीव जिनका शरीर जल है. aquatic lives. भग० १, ५; १७, ८; १८, ८; ३३, १; जीवा० १; पञ्च० १; दस० ४; --काय-य पुं० (काय) अपकाय पाण्णि. आकाय; जन. water; water considered as a sentient mass

उत्त० १०, ६; पि० नि० भा० १६; आया० नि० १, २, ३, ११३; पञ्च० १; पंचा० ५, २६; १०, २४; १६, ७. --काय. पुं० (--कायिक) ज्ञा० आ "आउकाय" शब्द. देखो "आउकाय शब्द" vide 'आउकाय' "सेकिं आउकाया? आउकाया दुविहा पञ्चता " पञ्च० १; भग० २६, १; --कार्यायाहंसग. त्रि० (--कार्याहिंसक) पाण्णिना ७५ नी दि० आ इदन्तर जत्रकाय जीव की हिंसा करने वाला. (one) who kills aquatic sentient beings. दृष्ट्या. १०१; --जीव. पुं० (जीव) ४२७७५; पाण्णिना ७५. जलजीवः पानी के जीव aquatic lives. "दुविहा आउजीवाओ मुहुमा बायरा तहा " उत्त० ३६, ३६; ३६, ८८; ८५; सूय० १, ११, ७; भग० ५, २; --बहुल. त्रि० (--बहुल) जेभां पाण्णि पायुं होय ते. त्रिस मे पानी बहुत हो ऐसा that which is full of water. जं० प० २, ३६; --बहुलकंड. न० (बहुलकाण्ड.) द्रव्या ४२५५३० रत्नप्रभा ५६३० नी नीले ६७७ बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी के तमरा काण्ड-भाग the third section of the Ratnaprabhā world abounding in water. 'आउबहुल कडे असाइ जोअसहस्रसाइ माहज्ज' सम० --याय पुं० (--काय) पाण्णिना ७५; अपकाय. पानी के जीव. aquatic creatures; water considered as a living mass. भग० १६, ३; --सोय. न० (सोय) ४२५५३० गैय-परिवर्ता जलद्वारा शुद्धि. purification, cleaning by means of water ठा० ३, ३;

आउंखण. न० (आकुञ्चन) अवयव संकुचन।
ते. अवयवों को संकुचित करना. Con-
traction of limbs. सम०

आउंट. धा० I. (*आकुञ्च-आ + कृ)
कराना To cause to do. (२)
संकुचयुं. संकुचित करना. to contract.

आउंटए. ओष० नि० २२६;

आउंटेजा. वि० भग० १४, १;

आउंटेहि. आ० नाया० ५;

आउंटेह. आ० नाया० ५;

आउंटावेति. प्रे० भग० १६, ८;

आउंटावेमि. नाया० ५;

आउंटावेतए. प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३; ५;

आउंटावेमाण प्रे० व० कृ० भग० १६, ८;

आउंटण. न० (आकुञ्चन) संकुचन संकोचन.
Contraction. पंचा० १७, १६;

—पसारण. न० (-प्रसारण) संकुचयुं अने
विस्तारयुं ते; संकुचयुं अने पसारयुं ते.
संकोचन और विस्तार करना contrac-
tion and expansion. भग० १६, ८;

आउंटिय. त्रि० (आकुचित) संकुचित
संकुचित किया हुआ. Contracted;
folded. भग० १४, १;

आउण. पुं० (आयुष्क) आ०युं; ७२१;
आयुष्य. आयुष्य; जीवन. Life. भग० ६,
१, —तिग. न० (-त्रिग) न२३. यु.
तिर्यचायु अने मनुष्यायु, ये आयुष्यनी
त्रय प्रकृति नरकायु, तिर्यचायु और मनु-
ष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतियां
the three Prakritis (Karminic
natures) of Āyusya i. e.
life-period viz of hellish beings.
subhuman beings and human
beings. क० गं० ५, ४३; —वज्ज. न०
(-वज्ज) आयुष्य सियाय. आयुष्यके विना.

excepting, with the exception
of, Āyusya, (i. e. life). क० प०
१, ५५;

आउण्ण. जी० (आयुष्ण) लुओ
“ आयुष्ण ” १५६. देखो “ आयुष्ण ”
शब्द. Vide “ आयुष्ण ” पंचा० १२, २६;

आउज्ज. पुं० (आवर्ज-आवर्जमावर्जः आव-
उर्ध्वतेऽभिमुखाकिपते मोक्षोऽनेनेत्यावर्जः)
मन वचन अने कायाने शुभ व्यापार; शुभ
प्रवृत्ति; मोक्षने अनुकूल कर्तव्य मन, वचन,
और काया की शुभ प्रवृत्ति मोक्ष के अनुकूल
कर्तव्य. The good activities of
mind, speech and body. (२)
त्रि० मन वचन अने कायाने शुभ व्यापार
करना. मन, वचन और काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body. पञ्च० ३५;

आउज्ज. त्रि० (आयोज्य) ओझ पीछे साथे
जोड़ने. एक दूसरे के साथ जोड़ा हुआ.
Interlinked. विशेष० १४;

आउज्ज. पुं० (आतोष) वीणा आदि
वाद्य. वीणा आदि वाद्य. A musical
instrument like a lute etc.
“ एवमाह वाणं एतौ वयं आउज्ज विहावाहं
विडम्बति ” राय० ठा० २, ३; पण्ड० २, ४;
—शब्द. पुं० (-शब्द) वीणा आदि
वाद्य अने आवाज. वीणा आदि वाजों की
आवाज. the sound of a musical
instrument such as a lute etc.
“ आउज्जमहे दुविदे पवणुते तंजही ततेष्व
विततेष्व ” ठा० २;

आउज्जण. न० (आवर्जन) मन, वचन
अने कायाने शुभ व्यापार मन, वचन
और काया का शुभ व्यापार. Salutary

activity of mind, speech and body. पण० ४३६;

आउजिय. पुं० (आयोगिक) उपयोग पूर्वक वर्तना; ज्ञानी उपयोग पूर्वक—सावधान पूर्वक व्यवहार करनेवाला; ज्ञानी. One acting attentively; one possessed of knowledge. भग० २, ५;

आउजियकरण. न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितकरणमावर्जितकरणम्) केवल-समुदातनी पूर्ण करोते शुभ व्यापार-योग. केवल-समुदात के पहिल किये जानेवाला शुभ-व्यापार-योग. Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta. पण० ३६;

आउजियाकरण. न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितकरणमावर्जितकरणम्) केवल-समुदातनी पूर्ण करोते शुभ व्यापार-योग. केवल-समुदात के पहिल किये जानेवाला शुभ-व्यापार-योग. Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta; causing an outflow of Karminic atoms for one Antara-Muhūrta. पण० ३६;

आउजीकरण. न० (आयोजिकाकरण) मन, वचन ने आपनो शुभ व्यापार मन वचन और काया का शुभ व्यापार. Salutary activity of thought, speech and body. पण० ३६.

✓ आउह. भा. I-II (आ+उहट) हिंसा करी. हिंसा करना. To kill; to injure. (२) करुं. करना. to do (३) भुलावतुं. भुलाना. to make one forget. (४) भ्रमवतुं भ्रमना; भटकना. to wander. (५) संकल्प करवे; परदे करवे. संकल्प करना; इरादा करना. to resolve, to intend.

आउह. भग० ७, १;

आउह. " "

आउहने आया० १, १, ३, १५;

आउहिया. आया० १, २, २, ७२;

आउह. आया० २, १३, १७३;

आउहिया.

आउहिया. पण० ६, ४१;

आउह. १७० (आहूत) पक्ष पक्ष. उस ओर झुका हुआ. Turned to that side. पंचा. १६, २१; वि० नि० २६७.

(२) व्यवस्थित करने व्यवस्थित. arranged; settled. आया० १, ७, ४, २१४;

आउह पुं० (आकुह आकुहनमाकुटः प्रत्ययः) अययवे छेदना ते; हिंसा करी; मारतुं ते प्राणी के अंगों को छेदना; हिंसा करना. Cutting off limbs of animals; killing; injuring सूय० १ १; २, २४;

आउहण. न० (आवर्तन) पार्श्व इतरतुं ते करवट पलटना. Turning from one side to the other. चाव० ४, ४;

आउहणया. स्त्री. (आवर्तनता-आवर्ततेऽभिमुखीभूय वर्तते येन स तथा तज्ज्वलता) भविष्यते भेद के 'अवयव' तेन अवयव नाम. मातृज्ञानके अवयव नामक भेद का दूसरा नाम. Another name for Avāya which is a variety of Matijñāna नदी० ३२;

आकृष्टि. स्त्री. (आकृष्टि) हिंसा. हिंसा.

Killing; injuring. beating सम०

—कय. त्रि० (-कृष्टि) हिंसा पूर्वक क्रियाओं

अ.वे.न. हिंसा पूर्वक क्रिया हुआ. done

after having first performed

an act of killing or injury.

आया० १, ५, ४, १५८;

आकृष्टि. स्त्री. (आकृष्टि) सन्मुख थकने रहेयुं

ते. सन्मुख होकर रहना. Standing

with the face turned towards.

नंदी० (२) इरी इरी अभ्यास करनेवाले

वारंवार स्वाध्याय आवृत्ति करवीं ते. वारं-

वार अभ्यास करना—पाठ करना. repeat-

ed study; e. g. of Śāstras. (३)

सूर्य तथा चंद्रजं अन्तरना भंडित्थी अन्तर

जं अने अन्तरना भंडित्थी अन्तर आवृत्ति

के अने युगमां—पांच वारंमां सूर्यनी १०

अने चंद्रनी १३४ आवृत्ति थाय छे तेमांनी

अने ते अने. सूर्य तथा चंद्र का भीतर के

मंडल में से बाहिर और बाहिर के मंडल में

से भीतर आने का क्रिया—एक युग (पांच

वर्ष) में सूर्य की १० और चंद्र की १३४

आवृत्तियां होती हैं उन में से कोई भी एक

recurrence of the sun and the

moon to the same point or

place. In five years the sun

has got ten and the moon 134

recurrences. सू० प० १२;

आकृष्टि. त्रि० (आकृष्टि) मत्सीधुनी हिंसा

करना; मराना पूर्वक प्राणिजं छेदन भेदन

करना. जानबूझकर हिंसा करनेवाला; संकल्प

पूर्वक प्राणियों के छेदनभेदन करनेवाला. (One)

who kills or injures animals

purposely. सू० १, १, २, २५;

आकृष्टिया स्त्री० (आकृष्टि) मत्सीधुनी-

छेदन पूर्वक करनेवाले. जानबूझकर करना.

Doing anything intentionally

सम० २१; पंचा० १५, १८; —दंड. पुं०

(-दण्ड) मत्सीधुनी छेदने दंडयुं ते. समझ

बूझकर पापसे अपने को दण्डना-पापजन

करना. दण्ड देना. incurring sin,

consciously and intentionally.

“ आकृष्टिय दंड खंडियव ओवा ” भक्त० २७;

✓ आकृष्टि. धा० II. (आ+कृष्टि) धल्य वरे

कुटयुं; टीपयुं; मारयुं घन से कुटना. मारना.

To hammer; to beat; to pound.

आकृष्टि. भग० ३, २;

आकृष्टि जं० प० २, ५३;

आकृष्टि. भग० ३, २;

आकृष्टि. भग० ६, १; १६, ४;

आकृष्टि. त्रि० ६;

आकृष्टि. त्रि० (आकृष्टि) अक्षर केतरी

नाम पंडित. अक्षर सौंदर्य लिखा हुआ नाम.

(Name) carved in letters.

अणुजां० १४८;

आकृष्टि. त्रि० (आकृष्टि) अक्षर केतरी

सम्बन्धयुक्त थयुं; जोड़युं जड़ता हुआ.

Being linked or united. ‘ कृष्ट-

मथेन भंते मखये आकृष्टि. खाइं सखाइं

सुखाइं ” भग० ५, ४;

आकृष्टि. त्रि० (आकृष्टि) उपयोग पूर्वक; उप-

योग सद्धित; सावधान. उपयोग पूर्वक;

सावधानी से. Carefully; attentive-

ly. “ आकृष्टि गमणं आकृष्टि ठाणं आकृष्टि

चिंतायणं ” भग० ३, ३; ६, ५; ७, ७;

२५, ७; संथा० ६४; सू० २, २, २३;

पञ्च० ११; आ० नि० ५५५; (२) रंथाणं ते

तैयार थयेन. रंथाणं तैयार. ready after

being cooked; cooked and

ready for use. कण० ६; ३३;

आकृष्टि. त्रि० (आकृष्टि) शुभित्थी गोपदेव;

रक्षय करेन. रक्षय किया हुआ. Protect-

७^८ carefully. (२) न० संयत-साधुनी
अति श्रेष्ठ वज्रे. संयत साधु की गति-वेष्टा
बगेरह. the movements, actions
etc. of a Sādhu. भग० २५, ७;

आउत्तया. क्ता० (आकुल) उपयोः साव-
धानी. उपयोग, सावधानी. Attentive-
ness; carefulness. “आउत्तया उत्स-
व नाति काह” उत्त० २०, ४०;

आउधगार. पुं० (आधुगार) आयुध-
शाला; हथिआरो राखवानी जगह. आधु-
गाराला; रक्षा रक्षने की जगह. An
armoury. ओष०

आउय—अ. न० (आयुष्य) आयुष्य;
अ.उ.पुं०; अ.पुं०; अ.पुं०; अ.पुं०; अ.पुं०.
आयुष्य; जीवन; जिवन्; आयुर्कर्म. Life;
Āyusya-Karma. सम० १; नाया०
१; ८; ओष० २०; ३८; ४१; अणुजो० १२७;
क० गं० २, ५; सूत्र० २, ७, ११; आया०
१, २, १, ६२; उत्त० ५, ३७; २४, २२;
भग० १, १; ७; ४; ५, ३; ६; ६, ३; ७, १;
८, ४; ११, १; १८, ५; २४, १; २५.
३६; पञ्च० २२; दसा० ५, ४०; क० प०
१, २६;—कर्म न० (—कर्मन्) अ.पुं०.
“आउकर्म” शब्द. देखो “आउकर्म”
शब्द. vide “आउकर्म” भग० २६, १;
३५, २;—परिहालि. क्ता० (परिहालि)
आयुष्यतो प्रतिक्षेपे यतो क्षयः आउिआतो
धटाडो. आयु का प्रतिक्षेप होता हुआ क्षय;
आयुष्य की हानता. destruction of
life going on every moment.
पंचा० १; ४८;—बंध. पुं० (—बन्ध) आयुष्य-
कर्मतो अ.पुं०. आयुर्कर्म का बंध. the bond-
age of Āyusya-Karma. “कहि-
हेष मंते? आउव बंधेवसते? गोपमा।
इतिहे आउव बंधेवसते” भग० ५, ८;

८. मि० (आतुर) आतुर; आयुष्य-

व्याकुल; तदपी रहेंद; विह्वल. आतुर;
व्याकुल; तदफताहुआ. विह्वल. Enraged;
distracted; longing. “तत्तत्त
पुं० पास आतुरा परितानति” आया० १,
६, २, १८१; उत्त० २, ५; ३२, २४;
वेय० ४, २६; नाया० १; जांवा० ३, १; भग०
२५, ७; (२) रोगी; पीडित; दुःखी; भाँद्य.
रोगी; बीमार. diseased; afflicted;
troubled. भग० २५, ७; दस० ३, ६;
नाया० १४; ठा० ४, ४; विशेष० ८६१;
विवा० ७;—स्मरण. न० (—स्मरण) क्षुधा
आदिथी आतुर यमने पहेलां आयेला
भोराकनुं रमरक्षुं करवुं ते; आतुरपक्षे रमरक्षुं
करवुं ते. क्षुधादि मे आतुर होकर पहिले खिये
हुए भोजन का स्मरण करना. wistful re-
collection of food formerly
taken (by one oppressed with
hunger). “तत्ता विष्णुत मोहसे आउव
संखाखिय” दस० ३, ६;

आउरपचक्कास न० (आतुरपचक्कास)
२८ उत्कलिक सूत्रमंनुं २८ पुं सूत्र; अहि०
पच्यभाष्य नामे अेक पद्यो. २८ उत्कलिक
सूत्रों में से २८ वीं सूत्र; आउर-पचक्कास
नामक एक पद्यो. The 28th of the
29 Utkalika Sūtras; a Pañcā
of the name of Āura-pachcha-
khaṣya नंदी ४३;

आउरिअ. त्रि० (आतुरित) भंदाडीओ;
आतुर थयेअ. बीमार; आतुरतावाला. Di-
sensed; sick; eager. राय० २५८;

आउल. त्रि० (आकुल) आयुष्य व्याकुल
आकुल व्याकुल. Distracted. नाया०
१; ६; भग० १, १०; नंदी० १६; विशेष०
१००; ओष० ४, ४; ओष० मि० ५१५; (२)
व्याप; भरैअ; भराहुआ full of; filled
with. नंदी० १६; ओष० ३१; (३)

समूह समूह a collection or group.
अणुजो० २३:—घर. पु० (गृह) श्रु-
थी भरेन घर. a house full of sen-
tient beings तथा मे भराहुआ घर.
नाया० १:

आउलतर. त्रि० (आकुलतर) अनिश्रु
आकुल: बहुत उगादह आकुल. Highly
distracted: greatly troubled in
mind " एते आउलतराश्च " भग०
१३, ४:

आउलत. न० (आकुलत) आकुलत
व्यापणुं. व्यापना. State of being
titled with or pervaded by.
प्रब० १८६:

आउलिय. त्रि० (आकुलित) व्याकुल श्रुथ.
व्याकुल. Perturbed; distracted
सु० न० २, ३२८:

आउलीकरण. न० (आकुलीकरण) प्रयुगी
करण—आउलीकरण—आउलीकरण. प्रयुगी
व्यापणुं मे: बहुत दुद प्रयुगी प्रयुगी
भ्रमण की बुद्धि करना. Extending
increasing; increasing worldly
existence. भग० १, १.

आउव्यय. पु० (आयुवद-आयुर्विनिर्णय)
दन्ति रघिनुमनुभवन्ति चोपभ्रमरभनेन
विदन्ति वा लभन्त यथा काल येन यस्माद्य
मिन् व्यायुवदः) (विदित्वा सास्त्रः तदु-
क्तं सा. तत्किन्वा शास्त्रः आयुवद शास्त्रः वैद्यक
Science of medicine "अ उविह
आउव्यय परलुने, तं जहा—कुमारभिरु-
—कायविनिर्णय सास्त्रःदमस्तु जंगोली
भयविजा स्वारनन व्यापणुं शा० ८:

✓आउस था० 1-11. (आउस) आउस
उरवे: श्रुथी आउस. आकाश करना; उला-
हना देना. To cry out; to reproach;
to rebuke.

अउसह भग० १५, १: नाया० १८.

आउसिंहति भ० भग० १५, १: नाया० १८:

आउसित्त हे० सु० राय० २६६.

आउसित्ता. सं० क० भग० १५, १:

आउस. न० (आयुष्य) आयुष्य: आयुष्य.
आयुष्य: आयुष्य काल. Life: life-
period. सु० प० ८:

आउस. पु० (आक्रोश) आक्रोश उरवे
व्ययन. श्रुथी आउस. उलाहना भरा बचन.
Words of reproach or rebuke.
राय० २६६:

आउस त्रि० (आयुष्यमन) दीर्घायु: नि-
र्णी. दीर्घायु: आयुष्यमन दीर्घ आयु वाला
Long-lived आयु० १, १, १, १: सम०
१: नाया० १८: पञ्च० १:

आउसो स ए० न० जीता १: भग० ८, १:
१५, १, १०, ३: २० ८: ओ० ३०.

आउमन. पु० (आयुष्यमन) दीर्घायु: नि-
र्णी. दीर्घायु: लया उरवे जाना. Long-
lived " मुने मे आउमन " सुय०
१, ३, १५: २, ३, १, १० १: आया० १,
१, ३, १५, १, ३, ३, ३, ३, ३, ३,
१० ३, निर्णी० ३, ३:

आउमणा. आ० (आक्रोश) आक्रोश उरवे
ने जाना. बुरा भला कहना: शोर करना.
Crying out; reproaching. भग०
१५, १:

आउमन. पु० (आक्रोश) आक्रोश—उरवे
व्ययन. कठोर बचन. Harsh words of
rebuke. सुय० १, ३, ३, १८:

आउह न० (आयुष) आयुष: शस्त्र: हथी-
या२. शस्त्र. हाथियार. A weapon. नाया०
२: १६: १८: भग० ३, १०: ७, ६: ६, ३३:
सु० य० १०, ४४: जं० प० ३, ४३:
—घर न० (-गृह) आयुष घर: आयुष

शाला; दधीपार राभवानुं स्थान शालागार;
हयियार रक्तने की जगह. an armoury.
जं० प० १, ४३; —घरिस्ताला. की.
(—गृहशाला) लुओ. उपलो श०६. देखो
ऊपरका शब्द. vide, “आठहचर” जं०
प० १, ४३; —घरिस्त. पुं० (—गृहिक)
अ युधशाला तो उपरि—अध्यक्ष. आयुध-
शाला का अध्यक्ष. a superintendent
of an armoury. “तएवं से आठहच
रिए” जं० प० १, ४३;

आऊखय. त्रि० (* आऊनक-ईबदनक) कंभक
ओछुं; उछुं. कुछ कम. Somewhat
less. भग० २५, ७;

आऊसिय. त्रि० (*) प्रवेश करेन. प्रविष्ट.
Entered. “आऊसियवयणगंडरंसं”
नाया० ८; (२) संकुचित. संकुचित
contracted. “आऊसिय अक्लचम्म
उइदुगंडवेसं” नाया ८;

आएज्ज. त्रि० (आदेश) ग्रहण करने योग्य;
भननीय. ग्रहण करने योग्य; नःनने योग्य.
Worth being accepted or
taken. जं० प० ८० प० ७, ८;
—वयसु. न० (—वचन) माननीय वचन.
मानने योग्य वचन. words worth
accepting. उत्त० ३६, ६;

आएस. त्रि० (*आ+इप्पस-एप्पस) आयातुं;
आयवानुं. आता हुआ. Coming. “आएस
विभंति सुव्वदा” सूय० १, २, ३, १६;

आएस. पुं० (आदेश आदिबले आजाप्यते
सम्प्रमेव परिजनो वस्मिन्नागते तद्वातिथे-
वावतदाशनदावाविष्वापारे स आदेशः)

पाहुंछे; परोछे; भिजमान. अतिथि; पाहुना.
A guest. “आएसए समीहिए” उत्त०
७, १: ४; आस० नि० १४८; ६६१;
आय० नि० भा० १४७; निरी० १०, १२; वच०
६, १; (२) प्रकार; भेद; प्रकार; भेद. mode;
kind. भग० ८, २; नंदी० ३६; पण० १;
प्रब० ५१६; विश० ४०३; (३) विशेष;
व्यक्ति २५. विशेष; व्यक्तिरूप. parti-
cular; individual. उत्त० ३६, ६;
(४) सूत्र; आगम; शास्त्र. सूत्र; आगम;
शास्त्र. a Sūtra or scripture.
विश० ४०५; (५) उत्पत्ति. व्यय अने धे. व्य
अने त्रिपटी के जे अछुदरने प्रथम संभवाय-
वामां आवेछे उत्पाद, व्यय और धौव्य
ये त्रिपटी जो कि गणधर को पहले
कही जाती है. the three condi-
tions that are first taught to
a Gāṇadhara, viz birth, decay
and steady existence. विश० ५५०;
(६) व्यपदेश; व्यपहार. व्यपदेश; व्यपहार.
denomination; nomenclature.
सूय० १, ८, ३; (७) हुकम; आज्ञा.
हुकम; आज्ञा. command. सु० च० २,
४५६; पि० नि० १८४; पंचा० ५, ४५; जीवा०
१; (८) मत. मत. an opinion.
“वीओविच आपसो” प्रब० ८५५;
—सव्वय पुं० (—सर्व-आदेशनमादेश
उपचारोव्यवहारस्तन सर्वमादेशसर्वम्) उप
आरथी सर्व; प्रयुर अथवा प्रधान वस्तुमां
सर्वतो उपचार करेवो ते जेमे भोजनभोज्य
वधारे होय तो आज तो ओछुं धीज अ. धुं,

* कोष्ठे जग्यामे भूय शब्दने अगतो संस्कृत पर्याय संस्कृत-कोषमां न लेख्य तेवे स्थले संस्कृतनी
जग्या आली शब्दवामां अ.नी छे. जहां मूलशब्द का पर्यायवाचक संस्कृत शब्द नहीं मिला वही संस्कृत
शब्द की जगह खाला रखन म आइ है. Blank space left in brackets indicates that
no satisfactory तद्वच or तत्सम Sanskrit equivalent is available.

आमां भीनी प्रधानाने धीधे धी शिवायनी
परतुमां पणु धीनी उपचार क्यो. एक का
अधिकता से उसका सब में उपचार करना;
जैसा कि भोजन में धी अधिक होने पर यह
कहना कि आज तो धी हां धी खाया इस में
धी का प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में
भी धी का उपचार किया denominating
a thing by giving the whole
of it the name of a part which
is prominently found there.

आरस ए. न० (आदशन) लुहार वगेरे की
के. ३—आरसः लुहार वगेरे का कारखाना,
A workshop of a blacksmith
etc. दमा. १०, १; आया० २, २, २, ८०;
आपासेय न० (आदेशिक) सधुने देवाभाटे
कहा राणस आहारः आहारो अक दोष.
साधु को देने का इच्छा से रखा हुआ आहार
वगेरे; आहार का एक दोष. Food etc.
pre-determined to be given to
a Sādhu; a kind of sin relating
to food. रि० नि० २२६;

आओग. पुं० (आयोग) द्रव्य संपादन कर
वानेो उपायः धन-व्यापार वगेरे. द्रव्य उपा-
जन करने का उपाय; धंदा व्यापार आदि.
Business; trade; means of
earning. भग० २, ५; सूय० २, ७, २;
(२) पैसानी आवक; *अभक्षो त्रयुगक्षो
पटाव. धन की आमदनी; दुगना तिगना
बटाव. income; double or treble
profit of exchange. भाव० जं० प०
३, ५६;—उओग. पुं० (-प्रयोग-आयोग-
होयलाभस्य प्रयोगा उपायाः) द्रव्य
संपादन करवानेो उपायः द्रव्यवृद्धिभाटे

धीरधार करवी ते. द्रव्य संपादन करने का
उपायः धृष्टि के लिये देन लेन करना.
earning wealth; business of
lending etc. जं० प० ३, ५६;—उओग-
संपउत्त त्रि० (-प्रयोगसंपयुक्त) द्रव्य
उपार्जन करवानेो उपायमां प्रवृत्ति यथेष्ट
द्रव्यवर्जन के उपाय में प्रवृत्त तत्पर.
(one) engaged in money-
making concerns. जं० प० ३, ५६;
आओजिया. स्त्री० (आयोजिका) तीव्र
परिश्रमशील करीमां अवतीकिया के जेनाया
संसार सथेना संबंध वधे छे. तीव्र परिश्रम
से की जाने वाली क्रिया, जिससे कि संसार
सम्बन्ध बढ़ता है. An action done
with keen thought-activity
increasing one's worldly attach-
ment. पण० २२;

आओउज. न० (आतोष) वाद्य; वाजिन.
वाज; वाद्य. A kind of musical
instrument. भाव० ३०;

आओउज. त्रि० (आयोग्य) मर्यादा पूर्वक
जोड़ने योग्य
Worth being united within
limits. विशेष० २३;

✓ आओस. धा० I, II. (आ+कृष्) तिर-
स्कार करवे; उपेक्षा देवे. तिरस्कार करना;
उलाहना देना. To upbraid; to
reproach.

आओसोय. उवा० ७, २००;

आओसेजालि. उवा० ७, २००;

आओसेजा. विधि० उवा० ७, २००;

आओस. पुं० (ङ) परीक्षित; सुयोध
पंडितानी भे धी. सेवेरा; प्राप्तःकाल.

like gold etc. पंचा० ११; १६; सु० च० ३, ४७;

प्राकृति. स्त्री० (प्राकृति) आकृति; देखाव. आकृति; स्वरूप. Form; appearance; shape. जीवा० ३, ४;

प्राकृतवास. पुं० (प्राकृतावास) गौतम-द्वीपवासी देवता लवण-समुद्रवा अधिपति सुस्थिक देवतावासी क्रीडावास. गौतम द्वीप में रहने वाले, लवण समुद्र अधिपति सुस्थिक देवता कीड़ा क्षेत्र. The pleasure-abode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa. जीवा० ३, ४;

प्राकुंचण. न० (प्राकुञ्चन) संकोचयुं ते. संकोचना. Contraction. विशेष० २४६२ —पट्टग. न० (—पट्टक) पताही के कभर आधराजुं पत्र. कमर बान्धने का वस्त्र. a cloth used to tie the waist. वेद्य० ५, ३१;

प्राकुंचित. त्रि० (प्राकुञ्चित) संकोचयेल. संकुचित; सिकोड़ा हुआ. Contracted. नाया० १;

प्राकुट. त्रि० (प्राकुट) नेने आदेश नरेल पयन संभलायव भां आवे ते. जिसे कर्कश बचन सुनाये जायें वह. (One) who is upbraided, reproached. आया० १, ६, २, १८३;

प्राकुल. त्रि० (प्राकुल) लुओ " आउल " शब्द. देखो " आउल " शब्द Vide " आउल " सूय० १, १, १, २६;

प्राकृत. न० (प्राकृत) अभिप्रेत वस्तु. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. Desired object विशेष० २१५५;

प्राकृत. पुं० (प्राकृत) अभिप्राय; आशय. अभिप्राय. मन्त्रा. Opinion; intended

meaning. (२) न० अभिप्रेत-प्राकृत वस्तु. चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. a desired thing. विशेष० ६२८;

प्रा-कथा. धा० I, II. (प्रा+कथा) कहें; कथन करने. कहना; कथन करना. To tell; to narrate.

प्राघवेह भग० ८, २; १६, ६;

प्राघवेज. वि० भग० ६, ३१;

प्राघवितप. नाया० १;

प्राघवेतप. नाया० ८; भग० ९, ३३;

प्राघवेता. ठा० ३, १;

प्राघवेमाय. नाया० ५; ८; ओव० ३८;

प्राहिजह. क० वा० सूय० २, १, २०;

प्राहिजंति. क० वा० भग० १६, ३; कप्प० ५, १०३;

प्राघविज्जन्ति. क० वा० नदी० ४५; सम० ५० १७०;

प्राक्सेवण. न० (प्राक्सेपण) आरोप करने. आरोप करना. Blaming for a fault; charging with a fault नाया० ७; ✓ प्राक्खोड. धा० I. (प्रा + खड्) काटें; काट करके टुकड़ा टुकड़ा करने. दातों से टुकड़े करने. To tear into pieces by means of teeth.

प्राक्खोडति. नाया० ४;

प्रागह. स्त्री० (प्रागति) आगमन; परभवभां-थी आ जन्म भां आवयुं ते. आगमन; परभवसे इस भव में आना. Coming; coming to this birth from the previous birth भग० ९, ३; आया० १, ३, ३, ११६; जं० प० २, ३१; वव० ६, २०; राय० २६३; कप्प० ५, १२०; प्रव० ४४; पंचा० २, २५; (२) उत्पत्ति जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. " एगा प्रागह " ठा० १; —गह. स्त्री० (—गति) आवयुं लुंते; अभि-नागमन; अभिगति. आना जाना; गमनगमन.

coming and going; passing and repassing. पंचा० ६, २५; —गइवि-
रणात् न० (गतिविज्ञान) ३५०; आयेने
३५० न० तेने निर्णय करवो ते. भूत भविष्य के
जन्म का निर्णय करना. knowledge of
the past and the future births
etc; knowledge of whence
and whither. “आगइगइविण्णां
इमस्स तह पुक्क पाएण ” पंचा० २, २५;
—गइविस्साय. त्रि० (-गतिविज्ञात)
आवया जयथी, दासया यावयाथी ७५०. ये
जलुपेत्तः तस्मात्ताथी जायाभां अने जायाभां-
थी तस्मां जय आव करया थी ७५
३० जलुपेत्त तसज्ज—येन्द्रिय आदि
७५. आवागमन रूप क्रिया से जावत्व का बाध
होना; जैसे कि किसी के हलन चलन या आने
जाने से यह जानना कि इस में जाव है.
known to be living by to and
fro motion; e. g. a tiny insect
etc. दस० ४;

आगइमिस्स. न० (आकृतिमात्र) आकार
मात्र. आकार मात्र. Only the shape.
विवा० १;

आगंतगार. न० (* आगन्तागार—आगन्तुक
गृह) भुसाइर अपडि वगेरेने उनरवानुं स्थान.
अभ्यागत आदि के उतरने का स्थान; सराय;
धर्मशाला. अतिथि शाला. Caravansary;
a house for travellers. “आगंतगारे
आशमगारे समणे उभातेण उवेतिवासं ”
सू० २, ६, १५;

आगंतव्व. न० (आगन्तव्य) आवतुं. आना.
Coming. सु० च० १, १५३;

आगंतार. त्रि० (आगन्तु) आवतार. आने
वाला. (One) who comes; a comer.
“आगंतारो महम्मदं ” सू० १, २, १, १६;
१, २, १, ६; १ ११, २१;

आगंतार. पुं० न० (आगन्तगार) आगन्तुक-
भुसाइर ने उनरवानी धर्मशाला. धर्मशाला;
सराय. A house for travellers; a
caravansary. आया० २, १, ८, ४४;
निसी० ३, १;

आगंतु. त्रि० (आगन्तु) अतिथि; भुसाइर.
आनेवाला; मुसाफिर. A traveller;
a guest. सू० १, १, ३, १; २,
२, ८१; कण० २, ८७; —छेय. पुं०
(-छेद) भविष्यभां प्राप्त धवानुं हेय
तेनु तत्तवार वगेरेथी भेदन करतुं ते.
भविष्य में प्राप्त होने वाले का तत्तवार आदि
से छेदन करना. destruction of
that which is to come; e. g.
with a sword etc. सू० ३, २, ८१;
—त्रेय. पुं० (-त्रेद) भविष्यभां प्राप्त धवानुं
हेय तेनु आत्ता वगेरेथी भेदन करतुं ते.
भविष्यमें आनेवाले का आत्ता वगेरेह
से भेदन करना. piercing e. g. with
a lance etc. of that which is
to come or to be encountered
in the future. सू० २, २, ८१;

आगंतुग. त्रि० (आगन्तुक) अतिथि; भुसाइर.
अपडी वगेरे. अतिथि; मुसाफिर. (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc. ओध० नि० २१६; (२) आवताने
उपसर्ग. भावो उपसर्ग—भय. the future
trouble. “आगंतुगोय पीलाकरो व जो
सा उवसगो ” पंचा० १६, ८; सू० नि०
१, ३, १, ४५;

आगंतुय. त्रि० (आगन्तुक) लुओ उपलो
शब्द. देखो “आगंतुग ” शब्द. Vide,
“आगंतुग ” ओध० नि० २१६;
आगच्छ. धा० १ (आ+गच्छ) आवतु
आती पोथतुं. आना. आ पहुचना. To
come; to arrive.

आगच्छह. नाया० ३; १५; १६; भग० १,
६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३;

आगच्छति. नाया० ८; भग० १, ८;
आगच्छजा. वि० अणुजो० १३४; भग० ६,
५; १३, ६; वय० ५, १०; जं० प०
२, १६; ओव० १२;

आगच्छे. वि० दत्ता० ७, १; क० गं० २, ८;
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६;
आगच्छिस्सह. भ० उता० ७, १८८;
आगच्छितह. हे० सं० कृ० राय० २४८; भग०
१८, ७; टा० ३, ३;

आगच्छमाण. व० कृ० भग० १२, ६;

आगति. स्त्री० (आकृति) अकृति. आकृति;
आकार; प्रकार. Form; appearance.
विवा० १;

आगति. स्त्री० (आगति) लुप्तो " आगइ "
शब्द. देखो " आगइ " शब्द. Vide
" अगइ ". टा० १, १;

✓ आगच्छ. धा० II. (आ + गम्) भेदयुजुं;
प्राप्तयुं. प्राप्त करना; पाना. To gain.
(२) ज्ञानयुं जानना. to know. (३)
आगत्युं आना. to arrive at.

आगमइ. विवा० ६;

आगन्तु. सं० कृ० राय० २४५;

आगम्य. सं० कृ० आया० १, ६; १, ३;
भग० १, ८; जं० प० ५, १२०;
नाया० १४;

आगमिता. सं० कृ० ओव० २२; उता० १,
२२; १४, ३; दत्ता० ७, १; सूय०
२, ७, २६; आया० १, ५, १, १४;

आगमिन्तु. हे० कृ० सूय० १, १, ३, ११;

आगमिन्तु. हे० कृ० भग० १, ५, ११;

आगमय. सं० कृ० क० प० १०, १३;

आगममाण. व० कृ० सूय० १, ६, ३,
१८५; १, ७, ४, १३;

आगम. पुं० (आगम) आगमः सिद्धांत; सूत्र.
शास्त्र; सिद्धन्तः सूत्रः आगम. Scrip-
ture; principle; motto. भग० ५,
४; अणुजो० ४२; पण्ड० २, २; टा० ४,
३; दत्ता० ६, १; (२) आगम प्रमाण;
आपन वक्ष्यी यजुं ज्ञान. आगम प्रमाण;
आप्तवाक्य स होन वाला ज्ञान. authority
of Sūtra. अणुजो० १४७; विशेष० ४७०;
१४४२; (३) आगम व्यवहार. terms of scripture. टा०
५, २; (४) आकाश. आकाश. the
sky. भग० २०, २; (५) आगमन; आग-
ते आना. arrival; coming. दत्ता० ७,
११; (६) (आ-अभिनिधिना मयोदया वा
गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्थाः येन स आगमः)
केवल मनपर्यव अने अवधि ज्ञान. केवल
मनपर्यव ओर अर्थां ज्ञान the three
kinds of knowledge viz Kevala
Manaparyaya & Avadhiñāna.
भग० ८, ८; वय० १० ३; पंचा० ६, १;
(७) नवमां पूर्व्यां येन पूर्व सुधी. नवे
पूर्वेम चोदहव पूर्वतक. the Pūrvas
from the 9th to the 14th Pū-
va. क० प० ७, १८; —पण्ड. पु० (-पथ)
स. भ. मार्ग. लाभका मार्ग. a benefi-
cial or profitable path. टा० ५;
— बह्मिय पुं० (-बह्मिक) आगम
ज्ञानमां अश्रयन; देवकीप्रवृत्ति. आगम ज्ञान
में बलवान; वेदकी प्रवृत्ति. (one)
strong in the knowledge of
the Śāstras, e. g. Kevali etc
" आगम बह्मिया समया शिगंधा " भग०
८, ८; वय० १०, ३; — बह्ममाण पुं०
(-बह्मण) शास्त्रजुं अदुभन करुं ते.
शास्त्र का अधिक मान. paying high
reverence to scriptures. प्रव०

३२१; —व्यवहार. पुं० (-व्यवहार) नव-
पूर्वाः स्यादपूर्वमुच्यते नान्यतः तथा केवली-
नां व्यवहारः—आयश्चित्तं दानं हि विधिः,
नौ पूर्व से चौदह पूर्व तक जा-नेवाला तथा
केवली का व्यवहार आश्रित दानादि विधि
the Vyavahāra i. e. the work
of a Kevali as also of one who
knows the Pūrvas from the 9th
to the 14th Pūrva e. g. admini-
stering expiation etc. प्रव० ८६१;
—व्यवहारी. पुं० (-व्यवहारिन) प्रत्यक्ष
जानी; नवपूर्वा उपरान्त केवली मुक्षी. प्रत्यक्ष
ज्ञानाः नवपूर्व के ज्ञाना से लगाकर केवल
ज्ञाना तक. (one) having direct
factual knowledge; any one from
one knowing nine Pūrvas to a
Kevali. जीमा० ३: —सत्य. न०
(-शास्त्र) आगम शास्त्र: श्रुतजनन. आगम
शास्त्र. श्रुतज्ञान scripture: Sūtras.
“ नमस्तन्मागमसुखं जं बुद्धिगुणैर्हि ऋद्धिर्हि
विदिदुः ” नदी० —सुद्ध. त्रि० (-शुद्ध)
आगम सूत्र अनुसार निर्दिष्ट-शुद्ध. आगम के
अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as
judged by the code of Sūtras.
“ यं विदिदमागमसुद्धं सपरेसि ननु गह द्वाप ”
पंढा० ६, १;

भगवद्भ्यो. अ० (अगममतः) अगम शास्त्रे
आश्रिते; सूत्रे अवयंश्रिते. शास्त्र का आधर्य
लेकर. Abiding by the principles
of scriptures; with the autho-
rity of scriptures. अणुजे० १२;
विशे० २६;

आगमण. न० (आगमन) अ गमनः अ वृत्तिः
ते. आगमनः आना. Arrival; coming.
भग० ६, ३३; ११, ११; १३, ४; नाश०
३; १६; आं० २६; राय० ६; हिं० नि०

८१: वेद्य० १, ३६: उवा० १, ४८: पंचा० १,
१३: —गह्विय विगिरिच्छुय. प्रि० (-गृहांत
विनिश्चर) अ. ४. १. निश्चयः श्रेयः. अने
का निश्चयिका दुष्सा one determin-
ed to come. मग० १, ३३: —गि. ह.
न० (गृह पथिकादीनामागमनेनोपेतं तदर्थं
वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशशाः भुञ्जते-
भ्यान्. धर्मशला; मराय. a house for
travellers to lodge " अगम्य गह-
सिवा" वेद्य० २, १०; —पठ न० (-८थ)
अ. ४. १. १. अ. का मर्गः मर्या.
a way to come in निशा० ४, ३०;
—पञ्चायण. न० (-प्रगोजन) अ. ४. १. १.
प्रये गत. आने का प्रयाज्ज. cause of
arrival. शिव० १, ६;

अगमणगमणविभक्त. न. (अगमना-
गमनविभक्त) द्वे वा चंद्र आदित्यं आभन-
गमनाद्विभक्तं अवेतेषु त्रयप्र-
नाटकभानुं आनमुं नाटक. चंद्र आदिका आवा-
गमन प्रकट करने वा नास्त्य प्रसार के नाटकों
मसे सत्तवां नाटक the seventh of the
32 kinds of drama exhibiting
the appearance and disappear-
ance of the moon "अगमणाग-
पविभक्तिनामं द्वयं एतद्विहि उच्यते" -
राय० ६२;

आगमिरुत्त. त्रि० (आगमिः) कृषि० भा०
 यत्नः; आयुः. भविष्य म हाने बाजा.
 Future. सू० १, ८, २१: २, २, २३:
 आउ० २८; दसा० ६, १; १०, ३; नाया०
 १६; आया० १, ४, १, १२३. जं० प० २,
 ३६; —णिमित्त. न० (-निमित्त) कृषि०
 तु निमित्त. भविष्य का निमित्त. *an agent*
or omen of the future. नितः०
 १३, १४; जं० प० २, ३६;

अगमेति. (अ.गमिष्यत्) भा.अ.भा. ६७.३;

भविष्य मे हानेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१; ओव० ३४; —भद्र. त्रि० (—भद्र) ओ३ अव करी जेने मोक्ष जयनुं छे ते. एक भव कर जिस मांच जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth. सम० ८००; (२) भविष्यनुं कल्याण. भविष्य का कल्याण. future welfare जं० प० २, ३१; " सप्तमस्त्येव यं भगवन्मो महावीरस्त्यष्ट कथास्तुतरोववाहय यं गच्छ कल्याणाय जाय भगवन्मो महाय उवाचिया " कथ० ६.

आगमेस्स. त्रि० (आ०. भविष्यत्) आगतो
 भवितुः, भविष्यत्, भविष्य कालः, भविष्यका.
 The future (time); -future;
 belonging to the future. अतः
 ५. १; भग. ० २०, ८;

अभगय. त्रि० (अगत) आवेत्; प्राप्तं थयेत्.
 आया हुआ; प्राप्त. Come; obtained.
 उवा० १, ६६: ८; २, ११३; ११४; ११८;
 नाया० १; ८; १६; १८; रि० नि० १६८; स०
 ११; ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५,
 ६; १०, १४; भग० १, ७; २, १; ३, १,
 २; ५, ४; ६, ३३; १६, ५; १८, २; दसा०
 ६, १५; दस० ५, १, ८८; राय० २३२; आया०
 १, १, १, २; —गंध. त्रि० (—गंध) जेभां
 सुगन्ध उत्पन्न थयेत् छे ते. जिसमें सुगन्ध
 उत्पन्न हुई है वह. (that) in which
 fragranco is born. नाया० ७;
 —पण्य. त्रि० (—प्रज्ञ-आगता उत्तज्ज्ञा
 प्रज्ञा बन्धा सावागत प्रज्ञः) जेने प्रज्ञा उत्पन्न
 थछे ते; अगत्युद्दिशले. जिसमें प्रज्ञा
 उत्पन्न हुई है वह; बुद्धिवाला. wise; cau-
 tious. “अग्रिम समितीसु गुतीसुय आगय-
 पयवे ” सूय० १, १४, ५; —पण्यया.
 ली० (—प्रज्ञा-आगतः प्रज्ञयो बन्धाः सा)

जेने पुत्र रहेथी पानो यउयो छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बहजाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. "तैपुखं सा देवाखंदा माहसी आगय पशहवा" भग० १, ३३; —समय. त्रि० (-समय) नमि० भ० जेने अवसर आवेअ छे ते. जिसका समय पास आया हो वह. (that) for which the time is ripe. नाया० ६; आगर. पुं० (आकर) से. नुं रुपुं पगेरेनी आथ. सोने, चांदी की खदान. A mine (of gold, silver etc). जं० प० ३, ५२; जं० प० ठा० २, ४, भग० १, १; ७, ६; नाया. १; ८; १४; १६; राय० २७३; जाज० ३, १, आ० व० नि० भा० ८; आ० व० ३२; उत्त० ३०, १६; सभ० ३; वेय० १, ७; चंदी० ४७; आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उवा० १, २०; १०८; (२) भीक्षुना अगर. नमक की खदान, a salt-pit; a field from which salt is obtained. आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उत्त० ३०, १६; आ० व० ४, ३२;

आगरिअ-य. त्रि० (जाकरिक) भा.पुनो
 ५९१। खदान का मालिक. An owner of
 a mine. ओष० नि० भा० ६;

आगरिस. पुं० (आकर्ष) आकर्षण; जे'यजुं
ते. आकर्षण; खींचना. Attraction.
प्रब० १८; पद्य० १; (२) इरीथी.
अद्वय करजुं ते. फिर से ग्रहण करना. re-
acceptance. प्रब० ८४३; विशे० १४८५
(३) तेरी रीतना (जियवाना) प्रयत्नथी
कर्मद्वयलो'जुं अद्वय करजुं ते. कर्म-
पुद्गलो का आकर्षण करना. attracting
Karmic atoms. सम० पद्य० १;
(४) प्राप्ति; आरि'तनी प्राप्ति प्राप्ति; आरि'त

की प्राप्ति. gain; gaining of right-conduct. “ पुत्रागस्त्यं भवे एग भय-गहयिया केवइया आगरिसा परवता ” भग० २५, ६;

आगाह. त्रि० (आगाह) कर्कश; कटु; आकर्षक. काठन; कठोर. Harsh; hard. निरी० १०, १, २, ३; १३, ११; (२) आर्द्र; कटु; प्रथम कारण. बलवान कारण. powerful cause; cogent reason. गच्छा० ११६; (३) अति अशक्त. असक्त. very weak. ओघ० नि० ७८;

आगाह जोग. पुं० (आगाह योग) गणितयोग. आचार्य योग. यज्ञ करने में गणितयोग; जिसे आचार्य बहन करता है. Head preceptorship. ओघ० नि० ५८८;

आगामि. त्रि० (आगामिन) भविष्यमा भवनात्; भविष्यमा भविष्य में प्राप्त होने वाला. Coming; future. ठा० २, ४; —पह. पुं० (-पथ) भविष्यमा भवनात्नी परगुने मार्ग. भविष्य में मिलनेवाला वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future. ठा २, ४;

आगामिय. त्रि० (आगामिक) गाभ-शब्द परगुने. ग्राम रहित. Devoid of a city or a village. अथेगहया शिगंधा व शिगंधीओय एगमहं आगामियं क्षिप्वायं दीहमद मखुपविह्वा. ” नाया० १८;

आगार. पुं० (आकार) आकृति; संकल्प. आकृति; संस्थान. Configuration; form. “ सिंगारागार चारुवसाए ” राय० भग० ५, ४; पञ्च० १७; नाया० १; २; विशेष० २६; गच्छा० १२१; प्रब० १४६६; पञ्चा० ५, ४; उवा० १, १२; (२) आकार; सिकल; स्वरूप. आकार; रूपरंग. face; appearance; form पञ्च० ३०; (३) भेद; प्रभार;

तरेह. भेद; प्रकार. kind; variety. पञ्च० १३; २१; (४) स्वरूप; विशेष लक्षण. स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape or form; special quality. “ आगारो उ विसो ” जीवा० (५) (आकृत्यते आकृत्यतेऽभिप्रेतं मनोविकल्पितं वस्तुवैज्ञे-त्याकारः) आद्य शेषा; आंतरिक अभिप्राय सूचक आंश, भुग, हान योगेनी शेषा. आंतरिक अभिप्रायसूचक बाह्य शेषा. movements of eye etc, indicative of inward mind. उवा० १, २; विशेष० २१२५; (६) कठिनता अपवाद-छुट. कायोत्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kausagga. “ एव माहर्हि आगारेहि अभगो अविराहिना ” आश० १, ५; (७) पञ्चभाष्यता अपवाद छुट; पञ्चभाष्यमां भुकेल आगार. पञ्चवक्ताया का अपवाद. exception to the rules of Pachchakhiāpa. प्रब० ६५; —अभावओ. अ० (-अभावतस्) आकारना अभावधी. आकार के अभाव से. due to the absence of shape. विशेष० ६५; —दृष्टि. न० (-दर्शन) आकारनु देखातुं ते. आकार का दृश्य. sight of a form or shape. विशेष० ६६; —भाव पुं० (-भाव-आकारस्या कृतेर्भावाः पर्यायाआकार भावाः) आकृतिक प पर्याय; वस्तुनुं स्वरूप विशेष. आकृतिरूप पर्याय; वस्तुका स्वरूप विशेष. a particular modification of the shape of a thing. भग० ७, ६; —भावपटोयार. पुं० (-भावप्रतावतार आकारस्य आकृतेर्भावाः पर्यायास्तेषां प्रववतारोऽवतरणमाधिर्भाव आकारभाव प्रववतारः) आकारना पर्यायनी आविर्भाव करवो ते; आकृतिक प

पर्यायः अतः ते देवैः ते; वस्तुनं स्वरूप
विशेषः। आकार का पर्यायका आविर्भाव करना;
वस्तु का स्वरूप विशेषः manifesting
or showing the particular
modification of the shape of
a thing. “ किमगार भव पञ्चोपराणं
भवेत् देवावनुदायश्रुता ” जीम० नाग० ८;
भग० ६, ७; ७, ६; —विगार, पुं० (-वि-
कार) अङ्गी-येदुरा उपर थयेन विहार-
केधाधिकृत्य ईश्वरः। मुखर होनेवाला
विकारः क्रोधादिभ्यः केकारः a change
on the countenance (produced
by anger etc) “ गृहविभ्रममाहृष्टि
आगार विगारं तद् पश्यन्ति ” गङ्गा० १२१;
—आगारः पुं० (-आगार) घर; स्थान.
घर; जगद्. a house; an abode.
राय० ११३; सू० १, १, १, १६; नाग०
१; पञ्च० २०; भग० २, १; ६, ३१; दसा०
८, १; आय० १, ५; जं० प० २, ३०;
—अ.वास पुं० (-आवास) गृह-
स्थावास; घरके अन्तर्गत लपटर्षि रहने
ते गृह। वात, घर आदि में आरु होना
absorption in worldly or
household matters. नाग० ८;
—चरित्रधर्म पुं० (-चरित्रधर्म-
आदि गृह तत्रैव द्वागार गृहेश्वरं
चरित्रधर्मदाया) आरित्र धर्मने अत्र अत्र
प्रकारः समुक्तिं पूर्य आरुत्राय गृहस्थने
अरित्र धर्म। चरित्र धर्म का एक भद्रः
सम्पन्न पूर्वक बारह व्रत का गृहस्थ का
चरित्र धर्मः a variety of the
rules of right conduct; a house-
holder's duties in connection
with right-conduct consisting
in twelve vows accompanied
with right faith. अ० ४,

—धर्मः पुं० (-धर्म) गृहस्थधर्म.
गृहस्थ धर्मः the duty of a house-
holder. भग० १६, ६; —घासः पुं०
(-घास) गृहवास; गृहस्थधर्मः गृहस्थाधर्मः.
the stage or condition of life
of a householder. “ सेवो आगारवा-
सेवति ” उत्त० २, २६; जं० प० ३, ७०;
नाग० ५० —विणयः पुं० (-विनय)
गृहस्थनो विनयरूप धर्मः; गृहस्थधर्मः.
गृहस्थ का विनयरूप धर्मः the duty of
reverence on the part of a
householder. नाग० ५;

आगारमयः त्रि० (आकारमय) अङ्गीतमयः
आङ्गीतरूप आकृतिकरः Having a
form or shape. विशेषः ६४;

आगारिः पुं० (आगरिन्) गृहस्थ. गृहस्थ.
A householder; a layman. त्रि०
नि० २००;

अःनालः पुं० (आगल) ईर्ष्या प्रीति
स्थितेमाथी ईर्ष्या दक्षिणने उद्दिष्टा प्रीति
अनेने उद्यमं न अतः उद्दिष्टानु आर-
न म. नमका दूरी स्थित मेस कर्म क वाजो
को उद्दिष्टा के द्वारा खींचकर उद्यम में जाना;
उद्दिष्टा का नमनरः Forcing up into
maturity Karma which is yet
in the 2nd stage; this is also
called Uddhāra. क० प० ५, १२;

आगास पुं० न० (आकाश-परिभाषाः आकाश-
नाशकाशम्) आकाशः आकाशे क व्याप्ती
अति प्रेक्षात्मक उद्यमं नु अत्र अभू
द्रव्यः धर्मसिद्धा अति पांच द्रव्यना
आकाशं द्रव्यः आकाशः लोकालोक व्याप्त
अनंत प्रदशात्मक द्रव्यः द्रव्यों में का एक अदृश्य
द्रव्यः धर्मास्तिकाय आदि पांच द्रव्यों का आधा-
रभूत द्रव्यः The sky; one of the
six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पञ० १; अणुजो० १४३; टा० २, १; ओव० १०; सू० प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०; ५, ६; २०, २; सूय० १, १, १, ७; उल० ६, ४८; २६, ७; ३६, २; ६; उवा० २, १३८; १४०; १५१; भल० ६१; जं० प० ३, ५६; —अनिवाह. पुं० (—अनिपानिन्—आकाशं श्यामानपनस्तब-निकामान्ते तथा) आकाशभां छिन्ना आकाश-भांथी सुवर्णं वृष्टिं आदि कृती दिव्य प्रभाप-दशिवन्ति२. आकाश में उड़कर, आकाश में स्वर्ण वृष्टि अदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला. (one) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. “अप्येगह्या...चारणा विजाहुरा आगासाति वाहृणो ” ओव० १६; —गय. त्रि० (—गत) आकाशवर्ति; आकाशभां अधर रहेजुं. आकाशवर्ति; आकाश में अधर रहा हुआ. hanging in the sky. “आगासखं खळं. आगासगवं क्षुत्तं ” सम० ३४; (२) अतिउंच; आकाशतल स्पर्शी. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शी. sky-kiss- ing; very lofty. भग० ६, ३३; १६, ५; —गामि. त्रि० (—गामिन्) आकाशभां क्षरन्तर प्राणु; पक्षी पंगरे. आकाश में उड़ने-वाला प्राणी. a bird etc. “आगास-गामिणां पाणापाणे किलेसन्ति ” आया० १, ६, १, १७७; —तल. न० (—तल) आकाशनुं तलीयुं; आकाश का तल. the bottom of the sky. नाया० १४; (२) गगनतल स्पर्शी—अथ महेक्ष. गगन-स्पर्शी—बहुत उंचा महल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा० ३, ३; नाया० १४;

—तल्लग. न० (—तल्लक) अगासी; जं०भा. फगेला. a terrace. नाया० १६; विबा० ६; —थिगल्ल. न. (—थिगल्ल) शरदःशुभ्रं २५२७ आकाश; वादस्थी धुर्धुं धनुं आकाशमेव ६७७ अतिश्यामहेमाय छे, थिगड. रूप आकाश. शरदःशुभ्रं का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. “आगास थिगल्ले खंभेते किरणा कुंठ कइहिवा काएहि कुंठे ” पञ० १५; —पइट्टिय. त्रि० (—प्रति-ष्ठित) आकाशने अवस्थाने रहेल. आकाश का अवलंबन कर रहने वाला; आकाशावलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; “आगास पइट्टिण् वाण् ” भग० १, १; —पंचम. पुं० (—पञ्चम) आकाश जेभां पांचमुं छे ते—पांच महा भूत पृथ्वी, पाणी, अग्नि, वायु अने आकाश. जिसमें आकाश पंचम है वह पंच महाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश). the five elements of which other is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). “पुडवी आउ वाउ तेउवा, आगासपंचमा ” सूय० १, १, १, ७; —पय. न० (—पद) दृष्टिवादांतगत सिद्धश्रेणि परिक्रमो व्याथो भेद. दृष्टिवाद के अन्तर्गत सिद्धश्रेणि पार-कर्म का चौथा भेद. the fourth part of Siddha Śrēṇi Pari-karma in Dṛiṣṭivāda. सम० १२; —प्यएस. पुं० (—प्रवेश) आकाशने अविभाज्य अंश. आकाश का अविभाज्य अंश. an indivisible part of the sky. भग० २५, ४; विशेष० ४८६; —फलियसरिस. त्रि० (—स्फटिकसरस) अत्यन्त स्वच्छ; स्फटिक तुल्य. clear and trans-

parent like crystal. ओव०
— फलिया मय. त्रि० (— स्फटिकमय) अति-
स्वच्छ; स्फटिकमय. अतिस्वच्छ; स्फटिक मय.
very clear; crystal-like. “आगास
फलियामयं सपायपादं यथायगं” सम० गाय०
— फलिह. पं० । स्फटिक आकाशमिव
यद्वन्तमच्छं स्फटिकमकं स्फटिकम्) अति
स्वच्छ स्फटिक; निर्मल स्फटिक अत्यन्त
स्वच्छ स्फटिक. very clear crystal.
‘आगास फलिहामयं सपायपादं यथा-
यगं’ ज० १०

आगासग. त्रि० (आकाशक) प्रदशः
प्रकाश करनेवाला. (That) which gives
light. यम०

आगासस्थिकाय. पुं० (आकाशस्थिकाय-
अस्तयः प्रदशा नेपां कावः समूहः अस्मि-
काय) द्वादश पद्वन्तु अवयवाश्च आपतन्
द्रव्य; ७ द्रव्यभांजुं त्रीन्तु द्रव्य. प्रत्येक वस्तु
का अवकाश देनेवाला द्रव्य; छः द्रव्यों में का
तीसरा द्रव्य. A substance in which
all things exist or reside; the
third of the six substances.
“आगासस्थिकायस्मिन् पुच्छा गोयमा अण्णा
अभिव्यक्ता” उत्त० २, २०; अणुजो० ६६,
१३१; सम० ६; राय० २७०; भग० २,
१०; ७, १०; २०, २;

आगास फलि ओवमा. स्त्री० (आकाश
स्फटिकोपमा) आकाश अने स्फटिकना जैसी
निर्मल अथवा जलनी भीड़ा रसवाली आद्य
वस्तु आकाश और स्फटिकके समान निर्मल
ऐसा मीठा रस वाली एक प्रकारकी साध वस्तु.
A substance as pure and trans-
parent as crystal used as food-
stuff. पञ्च० १७; ज० प० २, २२;

आगासिउं. हे० कृ० अ० (आकृष्टुम्) आक-
र्षण करने; समीप लाने. आकर्षण करके;

पास लाकर. Having drawn near
having attracted. विशेष० २२२;

आगासिय. त्रि० (आकर्षित) आकर्षण करने;
उपास. आकर्षित; आकर्षण किया हुआ.
Attracted; drawn; lifted up. ओव०

आगासिय. त्रि० (आकाशिन — आकाश-
मन्थर (मनः प्रातः) आकाशवर्ति; आकाशभां-
जित. आकाशवर्ति. Situated in the
sky. “आगासियाहि मेय चामराहि” ओव०

आगाहदत्ता. ग० कृ० अ० (आगाह) —
अवगाहीन. अवगाहन करके. Having
entered; having resorted to.
“आगाहदत्ता चल्दत्ता” दम० ७, ३, ३१;

आगिहः पुं० (आकृति) आकृति; आकाश;
संज्ञा; आकार; संस्थान. Form; con-
figuration; shape. विशेष० २०६२;
७०७; नाया० १; क० ग० ७, ६१; तिग
म० (त्रिक) आकृति मण्डल ६ अध्याय
७ अने गति पांच, अनामनी १७ प्रकृतियों
समुदाय. आकृति-संस्थान ६ संहनन ६ और
पांच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों
का समुदाय. the collection of the
17 Prakritis made up of six
Samsthānas, six Saṅghayanas
and five Jātis. क० ग० ५, ६;

आगिति. स्त्री० (आकृति) अथवा “आगिह”
शब्द. देखो “आगिह” शब्द. Vide
“आगिह” जीवा० ३, ४; राय० १८८;

✓ आगिल. धा० I. (आ + कल् = जि) —
जितुं; जयपाभुं. जीतना; जय प्राप्त करना.
To conquer; to get victory
आगिकति. भग० ३, २;

✓ आ-ग्या. धा० I. (आ + ग्रा) सुगंध लेनी
सुंधयुं; पास लेनी. सुगंध लेना; सूँघना;
To smell; to scent.
आग्यायह. द्र० २, २;

आघायह. नाया० १;

आघायमाण. व० क० नाया० ८;

आघं. त्रि० (आख्यातवन्) उद्देश्यः; उच्यते
उच्यते; व्याख्यानं उच्यते. कहनेवाला;
आख्यान करने वाला. (One) who
tells or lectures or preaches.
सू० १, १०; १; —अउभयण. न०
(आख्यातवद्वयन) अथवा अथवा अथवा
श्रुतिना १० भां समाधि अध्ययनं
अथवा नाम. मृतकतांग के पाहने धृतस्कंध के
१० वे समाधि अध्ययन का दुगला नाम.
another name of the 10th
Samadhi chapter of the first
Suta-skandha of the Snyag-
danga Sutra. सू० नि० १, १०, १०३;

आघेस. त्रि० (आघे) पत्नी साथे घसीने
पत्नी या अथवा घसीने पानी के साथ
पिसकर पीने योग्य आघेस वर्णरु. Medi-
cine which can be taken after
it has been rubbed with water
on a hard substance. वि० नि० ५०२;

आघेसित्ता. स० क० अ. (आघुष्य) घसीने
रिक्का. Having rubbed. अथा०
२, २, १, १४६;

आघवृत्तार. त्रि० (आघवृत्त)
व्याख्यान उच्यते; उच्यते उच्यते. आख्यान
करने वाला; कथा वाचक. (One) who
relates or describes; narrator;
वा० ४, ६;

आघवृत्त. न० (आख्यान) व्याख्यान;
सामान्य उच्यते. व्याख्यान; सामान्य कथन
Telling; lecturing. नाया० १, १८;

आघवृत्तः. स० (आख्यान) व्याख्यान;
सामान्य उच्यते. आख्यान; व्याख्यान. Telli-
ing; lecturing; ' बहुतहि आघवृत्ता
हिय ' उ० २, १११; भग० ६, २२;

आघयिय. त्रि० (आख्यात) उद्देश्य. कहाहुआ.
Told; related. " भगवया महावीरेण
आघयिषु " उ० २६, ७४; पसह० २, १;
(२) स्वीकृत. स्वीकृत. accepted.
अणुजो० १५;

✓आघस. धा० II. (आ + घृ) घीरुं
धसुं थोड़ा घमना. To rub slightly.
आघसेम. वि० निमो० १, ५;

आघात—य. पुं० (आघात—आह्वयन्ते
घातयन्ति विनाशयन्ते प्राणिनां दश प्रकारा
अथि प्राणायस्विन् स आघातः) भ० १;
मृत्यु. मरण मृत्यु. Death. निमो० १२,
२५; दश० ६, ३५; सू० १, ६, ४;
—मंडल. न० (—मण्डल) पक्षस्थान—
भंडियो. वधस्थानः हत्यागृहः वृद्ध खाना.
a slaughter-house; a place of
killing. नाया० ८;

आघात. त्रि० (आख्यात) उद्देश्य. कहाहुआ.
Told; related. सू० १, ६, १, ११; १
१३, २;

आघाय. त्रि० (आख्यात) उद्देश्य. " आघात "
शब्द देला " आघात " शब्द. Vide
" आघात " सू० १, १, २, १;

आघायस. न० (आघातन) पक्षस्थान; शंसी
हैनी जग. वधस्थान; फाँसी देने की जगह.
A place of killing; a place where
men are hanged. निमो० १२, २५;

आघायस. व० क० त्रि० (आघातवन्)
विनाश करते; धान करते. विनाश करनाहुआ;
घान करता हुआ. Killing; destroying.
" आघायस समुत्तम " उ० ५, ३२;

✓आचर. धा० I. (आ + चर्) आचरुं;
अनुष्ठान करते; आचरण करना; अनुष्ठान
करना. To practise; to perform.
आचरति दस० १, १६;
आचरिडं. हे० क० सु० न० १, २५५;

आचरित्तप. हे० कृ० नाया० १४;
आचरंत. व० कृ० उक्त० १, ४२; प्र० १२१;
आचरमात्र. व० कृ० दसा० ६, १; बिशे०
३१६०;

आचरण. न० (आचरण) आचार; अनुष्ठान.
आचार. Practice; performance;
conduct. प्रव० २७७;

अचरमात्रो. अ० (आचरमात्) उ३
पर्यन्त. छोर तक. Up to the end;
till the end. क० प० २, ११;

आचरिण. त्रि० (आचरिण) आचरेत्;
आचरेत् करेत्. आचरण किया हुआ.
Practised; observed. राय० ३७;

आचेलक. त्रि० (आचेलक्य-न विद्यते चेत्
वस्त्रं यस्य समचेलकस्तस्य भाव आचेल-
क्यम्) परिभाषा उपरान्त वस्त्र नराभ्यां ते;
पडेना अने छेडा तीर्थकरना साधुओंने
भटे आंधेरी ओक मर्यादा. परिमाण से अधिक
वस्त्र न रखना; पहिले ओर अन्तिम तीर्थकर के
साधुओं के लिये नियत की हुई एक मर्यादा.
Having no garments beyond
the prescribed limit; a fixed
limit in the matter of garments
of the Sādhus of the 1st and
last Tirthankaras. " आचेलको
धर्मो पुरिमस्तथ पच्छिमस्तथ जिहस्तथ "
पंचा० १७, ६;

आचेलुक. न० (आचेलक्य) पडेना अने
छेडा तीर्थकरना साधुओंने कटप; मान-
परिक्षाम सहित सदैव रंगना. न अत्य मूल्य-
वाला वस्त्र धारण करवां ते. पहिले ओर
अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का कल्प; अथ
मूल्य वाले परिमित मुकेद वस्त्र कोही धारण
करना. The religious practice (in
the matter of wearing clothes)

of the Sādhus of the first and
last Tirthankaras; viz putting
on white, scanty and cheap
garments. प्रव० ६५८;

आच्छादयण न० (आच्छादन) ओ३।३.
आच्छादन; चादरा. A bed-cover; a
covering. आया० १, २, १, ६२. कप०
४, ६५;

✓ आच्छिद्. धा० I. (आ+च्छिद्) छेदन
करनुं; थोड़ा छेदनुं. छेदन करना; कुछ छेदना.
To cut; to cut a little.

आच्छिद्देज. वि० निसी० ३, ३४;

आच्छिद्विहिति. भग० १५, १; डा० ५;

आच्छिदिता. निसी० ३, ३६;

आच्छिद्विद्य. सं० कृ० प्रव० १५६;

आच्छिद्दमात्र. व० कृ० भग० ८, ३;

आच्छिद्वित्तार. त्रि० (आच्छेत्) अंग-
पाशुर. भंग करनेवाला. (One) who
breaks up or disperses by creat-
ing alarm. सम० ३३;

✓ आ-छट. धा० I, II. (आ+छट) छट-
छट-छट. जल छिटकना. To sprinkle
water.

अच्छोडेह. नाया० १८;

आजन्म. अ० (आजन्मन्) छेदनी पर्यन्त.
आजन्म; जीवन पर्यन्त. Life-long.
" वासिष्ठ तस्य आजन्मतोऽयमा संजय मुनी "
गच्छा० ७; पंचा० १७, २८;

आजाह. स्त्री० (आयाति) आयातुं ते; पुरी
अयमांथी आयातु ते. आना; पूर्वभव से आना.
Coming; arrival; coming from
the previous birth. डा० १०;

आजाह. स्त्री० (आजाति-आजायन्ते तस्या-
मित्वाजाति;) आजातुं ते; आजात; उत्पत्ति.
जन्म; उत्पत्ति. Birth; creation. भग०
५, ३; डा० १०; —ट्टाण. न० (-स्थान)

७-भ-उत्पत्तिर्जुस्थान-संसार. जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार. the place of birth. ठा. १०; (२) आग्निर्दशानामे दशाश्रुत-रक्ष्यं दशभुं अभ्ययन. दशाश्रुतस्कंध का आजाहृष्टा नाम का दसवीं अध्ययन. the 10th chapter named Ājāitthāna of Daśāśrutaskandha. ठा. १०; —द्वारुज्जयण. न० (—स्थानाध्ययन) दशाश्रुतरक्ष्यं अपर नाम; आचारदशा-सूत्रं १० भुं अभ्ययन. दशाश्रुतस्कंध का दस-सग नाम; आचारदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन. another name of Daśāśruta-Skandha; 10th chapter of Āchāradaśa Sūtra. ठा. १०;

आजीव. पुं० (आजीव — आजीवनमाजीवः) आश्रयिका; वृत्ति; दे. ७. आजीविका; वृत्ति; धन्दा. Livelihood. प्रब० ११४; (२) आश्रयिका पुरतो द्वय संयय. आजीविका के योग्य द्वय का संयय. wealth sufficient for livelihood. सूय० १, १३, १५; (३) उपायलुना १६ दोषांते येथे दोष; जति यगेरे ग्लानिने आहारदि लेव. ते उपायण के १६ दोषों में का चौथा दोष अर्थात् जाति वगेर दनाकर आहारादि लेना. the 4th out of 16 Upāyana faults; accepting food after making one's caste etc. known; the fourth of the 16 faults known as Upāyana. पि० नि० ४०८; (४) गोशालाना भतनुं नाम. गोशाला के मत का नाम. name of the creed of Gośālā. भग०. ८, १; (५) गोशालाना भतनो साधु. गोशाला के मत का साधु an ascetic of the creed of Gośālā. भग०. ८, ४; पि० नि० ४४५; प्रब० ७३८;

—भय. पुं० (—भय) आश्रयिकानुं भय. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम० १: प्रब० १३३४; —वित्तिया. जी० (—वृत्तिता-जाति कुल गुण कर्म शिष्या-नामा-जीवनमाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद् भाव आजीव वृत्तिता) जति. कुल, आदि दर्शावने आहार लेवे ते; उपायलुना ते येथे दोष. जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारादि लेना; उपायलुना का चौथा दोष. acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upāyana. दस० ३; ६;

आजीवग. पुं० (आजीवक) गोशालानो साधु. गोशाला का साधु. An ascetic of Gośālā creed. प्रब० ७३८;

आजीवग. पुं० (आजीवग-आसमन्ताजीव-त्यनेनराजीवोऽर्थनिश्चयस्तंगच्छत्याश्रयत्वा-सावा जीवगः) पैसानो भद. धन का मद. Pride of wealth. “आजीवगं वेव चउत्थमाहु से पंडिण उत्तम योग्गळे से” सूय० १, १३, १५;

आजीवणा. जी०. (आजीवना) आश्रयिका. आजीविका; हजगार. Livelihood. पि० नि० ४३७;

आजीवि. (आजीविन्) गोशालानो शिष्यः गोशालाना भतनो अनुयायी. गोशाला का शिष्य; गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gośālā; a disciple of Gośālā. उवा० ७, ३; (२) ते साधु भेनानी जति, कुल, शिष्य, तप यगेरेनी प्रशंसा करी आहार लेवे ते; पेटलेरे साधु, अपना जाति, कुल, शिष्य तप आदि की प्रशंसा कर आहार मांगनेवाला; पेटभरा साधु. an ascetic who in order to get food praises

his own community, family conduct, austerity etc. प्रव० ११४.

प्राजीविक. पुं० (प्राजीविक) गुण्यो उपधा शब्द. देखो "प्राजीवि" शब्द. Vide above. आ० ४१;

प्राजीविय. पुं० (प्राजीविक-अविवेकिहोक्तो लब्धिपूजास्वाध्यादिभिःस्तपश्चरणा दीन्या-जीवतीत्यर्थः) गोशास्त्रानो साधुः गोशास्त्राना भूताना अनुयायी. गोशाला का साधु; गोशालाका अनुयायी. An ascetic of the creed of Gōśālā. सम० २२; निरी० १३, ६३; पञ० २०; भग० १, २; १५, १; उवा० ७, १८१; २१४;—उपासक. पुं० (-उपासक) गोशास्त्राना भूताना श्रावक. गोशाला के मत का श्रावक. a Śrāvaka of the faith of Gōśālā. "तस्य सल्लु इमेदुवाज्जस चाजीविशोवासगा भवन्ति" भग ८, ५;—उपासक. अ० त्रि० (-उपासक) गोशास्त्राना भूताना श्रावक. गोशाला के मत का श्रावक. a Śrāvaka of the faith of Gōśālā. उवा० ७, १८१; १८५;—समय. पुं० (-समय) गोशास्त्रानो सिद्धान्त; गोशास्त्राना भूताना शास्त्र. गोशाला का प्ररुपित किया हुआ सिद्धान्त; गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gōśālā. "आजीविय समयसणं अयमट्ठे पणवन्ते" भग० ८२, १५, १, —सुत्त पुं० (-सूत्र) गोशास्त्राना पुरुषेय सूत्र. गोशाला का प्ररुपित सूत्र. a Sūtra of Gōśālā's creed. सम०

आडम्बर. पुं० (आडम्बर) भोटुं नगाई. बड़ा नगाड़ा. A big kettledrum. अणुजो० १२८;

✓ **आडह** धा० I. (आ + दह) आडहुं. जलाना. To burn. 'आडहन्ति.' सूय० १, ५, २, ३; "भूलं विवासं मुहे आडहन्ति"

आडा स्त्री० (आडा) पालीमां तरनार ओड बननुं पक्षी; पक्षी विशेष. पानी में तैरने-वाला पक्षी; पक्षी विशेष. A kind of bird that can swim in water. पञ० १; पण० १, १;

आडोलिया. स्त्री० (*आडोलिया) नाना आलोकने रमयानुं ओड रमकडुं. छोटे बालकों के खेलनेका एक खिलौना. A toy for young children. "एव बहए आडोलि-याओ तेंदुसए पंगुहए साडोलए.....अव-हरति." नाया० १८;

✓ **आडोव.** वा० II. (आ + डोप) विस्तारीने भरनुं. विस्तार करके भरना. To fill by expanding.

आडोवेत्ता भग० १, ६;

आडोव. पुं० (आडोव) विस्तार. विस्तार. Expansion. नाया० १; उवा० २, १०३; कण० ३, ३५;

आडभ—य. पुं० (आडक) आर प्ररुप प्रभापे धान्य माप विशेष. धान्य नारने का माप विशेष. A kind of measure of corn. आ० ३८; राय० २७२, प्रव० १३६५;

आडई. वा० (आडकी) तुवरनुं आः. तूर का भाग. A kind of plant bearing corn called Tuvār. पञ० १;

आडरा. पुं० (आडक) आर आरड प्रभापे धान्य माप विशेष. धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तेंदु० प० १८; अणुजो० १३९;

आडस. त्रि० (*आरड्य) अरनेनुं. आरंभ किया हुआ Begun; even

mancod. पि० पि० ४६३; क० प० ७
४७; भग० ६, ८; सु० च० २, ४, ७;

आढसं. सं० कृ० अ० (आरम्भ.) आरंभिते.
आरंभ करके. Having begun.
परा० १७;

✓ आढा. धा० I. (आ+ट) आढेर करवो.
आदर करना. To honour; to respect.
आढाह-ति. भग० ३, १; ६, ३३; विवा०
६; नावा० १; ५; ६; १६; १६;
राय० ७८; २२७; सूय० १७३७;
उवा० ७, २१५; निर० १, १;

आढति. नाया० २; १६; भग० ३, १;
आढायति. नाया० १; १४; भग० ३, २;
आढाण्जा. वेथ० १, ३३;
आढाहि. नाया० १४;
आढाह. नाया० ६; भग० ३, १;
आढावमाथ. व० कृ० आया० १, ७, १,
१६७; भग० ३, १;

आण. पुं० (आण) श्वासश्वास. श्वासो-
च्छ्वास. Respiration. भग० ५, १;
सू० प० ८; (२) संप्यात आवलिका
प्रमाण कालनो ऐक विभाग; तद्द्वयस्त
भाष्यसना ऐक उच्छ्वास प्रमाणनो काल.
संख्यात-संख्यायुक्त आवलिका प्रमाण काल
का एक विभाग; निरोग मनुष्य के एक श्वास-
प्रमाण काल. a division of time
equal to one breath of a healthy
man. अणुजो० ११५; —गहण. न०
(—ग्रहण) भाष्ययायु (उच्छ्वास निःश्वास)
ने योग्य पुद्गलनुं ग्रहण करवुं ते प्राणवायु
(श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्गल का ग्रहण
करना. taking in matter fit for
respiration. “ समयं आणगहणं ”
पञ्च० १;

आणअ. पुं० (आणत) नयमां देखैकनु

नाम. नौवें देवलोक का नाम. Name of
the 9th Devaloka. अणुजो० १०४;
आणंतर. त्रि० (आनन्तर-अनन्तरे भव
आनन्तरः) अन्तर नदि ते-निरंतर अन्तर
न होना; अनन्तर-इनरंतर. ' Without
interval; coming after imme-
diately. आया० जि० १, १, १, २१;
आणंद. पुं० (आनन्द) आनन्द; दर्श. आनन्द;
हर्ष; प्रमोद. Delight; joy. आया० १,
३, १, ११७; नाया० १; २; भग० ११, ११;
॥ उवा० २, ६१; (२) ऐक अष्टोत्तरिणा त्रीश
मुहूर्तमांता ३६ मां मुहूर्तनुं नाम; समवायंग-
नी गणत्री प्रमाणे ३३ मुं मुहूर्त. एक अष्टो-
त्तरिके तास मुहूर्तांमे से १३ वें मुहूर्त का
नाम; समवायंग की गिन्ती के अनुसार
१३वां मुहूर्त. the name of the
16th out of 30 Muhūrtas of
one day and night; the 11th
Muhūrta according to the calcu-
lation of Samavāyaṅga. सू० प०
१०; जं० प० ७, १५२; सम० ३०; (३)
आयनी यावीसीना छट्ठा पत्रदेवनुं नाम.
आगामी चोवीसां के छठे बलदेवका नाम. the
name of the 6th Baladeva of
the coming Chovisi. सम० प० २४२;
(४) शीतलनाथ स्वामीना पहिला भवधर.
शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर.
the first Gaṇadhara of Śītalā-
nātha Svāmi. सम० प० २३३;
(५) भगवान् महावीर स्वामीना अन्ते-
वासी ऐक शिष्य. महावीर स्वामीका समीपवर्ति
एक शिष्य. a disciple of Mahāvira
Svāmi. “समयस्स भगवज्जो महावीरस्स
अंतेवासी आणंद नामं धेरे” भग० १५. १,
(६) आणुंड नामे भूदपति के जेने धेरे
भगवान् महावीर स्वामीजे जीज भास-

अभ्युज्जुं पारायुं कथुं ५७. आनन्द नामक एक गृहस्थ जिसके यहाँ महावीर स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ānanda; at whose house Mahāvira had broken his fast of second month. भग० १५, १; (७) गन्धमादन नामना वपारापर्वततो वसन्तार देव. गन्धमादन नामक बखारा पर्वत पर रहने वाला देव. a deity residing on the Gandhamādana Vakhārā mountain. जं० प० (८) भरतक्षेत्रना आलु अेवीसीना छट्ठा अत्रदेवुं नाम भरत क्षेत्रकी वर्तमान चौबीसांके छठे बलदेवका नाम. name of the 6th Baladeva of Bharata Kṣetra in the present Chovīsī (i e. cycle). प्रव० १२२५; (६) वालुंन नगरतो निवासी आलुं६७ आयक; उपासक सूत्रना दश आयक पैडी प्रथम आयक, ३ जेष्ठे मदागीर रयाभी पासे प्रत आदर्या, आयकनी ११ पटिमा अंगीकार करी आयकपञ्चाभांज अवधिज्ञान प्राप्त कथुं, अेक मासतो संथारो कथे-विस्तार उवा० ना प्रथम अध्ययनमां छे त्यांथी जेष्ठ देवे। बाणिज नगर का एक आनन्दजी नामक आवक; उपासक सूत्र में वर्णित दस आवकों में का पहिला आवक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, आवक की ११ प्रतिमा अंगीकार करके आवक अवस्थामें हो अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया; इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है. name of a Śrāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvira and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Saṁthāro for a month. उवा० १, १०; संथारो (१०) उपासकदशः सूत्रना पड्डेअ अध्ययननुं नाम. उपासकदशः सूत्र के पहिल अध्यायका नाम. the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sūtra. उवा० १, २: (११) अलुत्तरो-ववाइ सूत्रना ७ भां अध्ययननुं नाम. अणुत्तरा गइ सूत्र के ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of the Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ७: (१२) धरण्डका रथमेना का अधिपति. धरण्डका रथमेना का अधिपति-नायक. commander of Dharanendra's army consisting of chariots. डा० ५, १; —अश्मयण. न. (-अध्ययन) उपासकदशः सूत्रना पड्डेअ अध्ययननुं नाम. उपासक दशः सूत्रके पहिले अध्यायका नाम. the name of the first chapter of Upāsakadaśa Sūtra. उवा० १; (२) अलुत्तरोववाइ सूत्रना ७ भां अध्ययननुं नाम. अणुत्तरो-ववाइ सूत्रके ७ वें अध्यायका नाम. the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sūtra. अणुत्त० ७; (३) निरयावलिक्का सूत्रना २२१ वर्गना नयमां अध्ययननुं नाम निरयावलिक्का सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवें अध्यायका नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. नर० २. ६; —कूड. न० (-कूट-आनन्द नाम्नी देवस्य कूटमानन्द कूटम्) गन्धमादन नामे वपारा पर्वतनुं सातथुं शिपर. गन्धमादन नामक

बनारा पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādāna of Vakhārā mountain. जं० प०—रुक्. त्रि० (-रूप) आनन्दरूप; आनन्दमय. आनन्दरूप; आनन्दमय. full of delight. नाश. ६;

आणंदजीव. पुं० (आनन्दजीव) आपत्ती उत्सर्पिणीमां यनात् पेदात् नामना ८ मां तीर्थकरं पूर्ययन्तु नाम; आनन्दनी आत्मा. आगामो उत्सर्पिण्योऽन्वे तीर्थकर का पूर्वभव का नाम; आनंद की आत्मा. The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpinī; the soul of Ananda. प्रब० ८९७;

आणंदराक्षस्य. पुं० (आनन्दराक्षस) ऐ नामना पारश्वनाथना ऐऽ थियर साधु (स्थविर). पारश्वनाथ स्वामिके एक (स्थविर) साधु का नाम. Name of an ascetic of Pārśvanātha. “तन्धयं आणंदराक्षस्य नाम धरे” भग० २, ५;

आणुदा. बं० (आनन्द) पूर्व दिशाना २ यक्ष पर्वत उपर परनादी आऽमां नी त्रीञ्च दिशां कुमारिका. पूर्वदिशा के रुचक पर्वतपर बसने वाली आठ दिशा-कुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Disākumārīkās residing on the Rūchaka mountain of the East. जं० प० ५. ११४; (२) लक्ष्मीपता पूर्वना अञ्जनक पर्वत उपरनी ऐऽ साय जेवन अमाण् सांणी पड़ोली अने १० जेवन उडी ऐऽ पायन्तु नाम. लवण-द्वीप की पूर्व दिशा के अञ्जनक नामक पर्वत पर की एक बावर्वा का नाम जो एक लवण अञ्जन लंबी चोटी और १० शोबन रंजी है.

the name of a well one lao Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavapa-Dripa. प्रब० १४३३; ठा० ४, २; जीवा ३; ४;

आणंदिअ—य. त्रि० (आनन्दित) आनंद पाभेत्; आनन्द युक्त. आनंद पाया हुआ; आनंदयुक्त. Joyous; delighted. “इह तु चित्तमाखंदिण” ओव० ११; नाया० ५० भग० २, १; सु० व० ३, १२४; कण० १, ५;

आणकखेउं. सं० क० अ० (*परीक्ष) परीक्षा करीने; नपास करीने. परीक्षा करके; जांच करके. Having examined. ओष० नि० ३६;

आणट्टाकिह. त्रि० (आज्ञायांकृति-आज्ञाऽगमोऽर्थ शब्दस्य हेतु वचनस्वादि दर्शनादर्थो हेतुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थान्मुनि वेधालिका यस्य-स आज्ञायांकृतिः) मुनि वेधना देखाय वालो. मुनि वेधका दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like, an ascetic. “आणट्टाकिह पण्य” उल्ल० १८, ५०;

आणख. न० (आनन) भुण्ण; भोदुं. मुख. A face; a mouth. “कुण्डल उज्जोहवाणखे” जं० प० जीवा० ३, ४; पञ्च० २; नाया० १; कण० २, ८४; ३, ३६;

आणयणुद्ध. न० (आनयनार्थ) लावनेभाटे लाने को. In order to bring. पंचा० ७, ३६;

आणत्त. पुं० (आनत) नवमां देवलोकनु नाम. नौवें देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. जीवा० २;

आणत्त. त्रि० (आहस) आत्ता आपेक्ष, आदेश करेस; दुःख करेस. आह्वानित।

आश्रितः हुक्म किंदा हुआ. Ordered;
commanded. पञ्च० १, २; सु० च०
२, १, १३; विशेष० १-२४, नाया० ८; १६;
भग० ७, ४;

आश्रितः न० (आश्रित) परस्पर भेद शिख
नृ० ६७. परस्पर भेद; निजता, जुड़ाई.
At mutual separation; separation.
रा० २६०, पञ्च० १२; भग० १८, ३;

आश्रितः आ० (आश्रित) आज्ञा; हुक्मः
आदेशः, आज्ञा; हुक्म. आज्ञा. (Order;
command. "आश्रितः पञ्चविंशह")
ज० प० ३, ४४; नाया० १; —किंकर. पुं०
(-किंकर) आज्ञापालक नोकर. आज्ञापालक
नोकर an ordered out servant.
ज० प० ३, ४४;

आश्रितः आ० (आश्रित) आज्ञा;
हुक्मः आदेशः आज्ञा; हुक्म. Order;
command. विशा० १; भग० ७, ४; ४
३३ नाया० १; ८; १२; १६; नाया० ४०
आव० २६; रा० २८; उवा० २, १०६;
ज० प० ३, ४४;

आश्रितः पुं० (आश्रित) अथ श्वसो
विकासः अथ वा एक श्वाश्वत्वास मे
जितना ममा लग उतना समय Time
required for a single breath.
जा० ३ ४; —भाषा. जी० (-भाषा)
श्वसोद्भव स आने भाषा अथवा श्वाश्वत्वास
आर भाषा ये दो पर्याय. the de-
velopment of the two faculties
viz that of respiration and
that of speech क० प० ४, १२;

आश्रितः शि० (आश्रित) देने आज्ञा-
हुक्म करी शक्य है; आशा दीक्षित २. जिसे
आज्ञा दी जासके; आज्ञानुसार चलनेवाला.
(One) carrying out an order.
one) who can be ordered.

"आश्रितः इति दासावा" सूत्र० १,
४, २, १२;

✓ आश्रितः भा० I. (आश्रित) अथ
पञ्चविंशह; जीना; प्राण धारण
करना To live; to breathe.

आश्रितः सम० १; भग० १, १; २, १;
६, ३३-३४; पञ्च० ७;

आश्रितः भग० ६, ३३;

✓ आश्रितः भा० I (आश्रित) आश्रित; अथ
आश्रित. ला १. To bring; to fetch
आश्रित. क० प० ३, १२;

आश्रितः पुं० (आश्रित) नवमे देवलोके. नावो
देवलोक The ninth Devaloka. ()
नवम. देवलोकः विमलः नवे देवलोक वा
विमलः a heavenly abode of the
ninth Devaloka. आव० २६; सम०
१६; पञ्च० १; रा० २, ३; उवा० ३६, २००;
नाया० १, भग० ३, १; ८ १; १८, ७;
विश० ६६३; —देव. पुं० (-देव) नवमा
देवलोकना देवलोके नवे देवलोक आश्रितः भवती
स्थिति छे-देवलोकना देवलोक नवे देवलोक
पञ्चविंशह नवे देवलोक आश्रितः भवती
स्थिति छे. नवे देवलोक क देव जिनके आयु
१९ सागरावस है और उन्नीस हजार वर्षवाद
जिन्हे आहार की इच्छा होती है तथा १९
पक्ष (१५ माह) बाद श्वाश्वत्वास करत हैं.
the deities of the ninth Devaloka who live for 19 Sāgaropamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग०
२४, २१;

आश्रितः न० (आश्रित) आश्रितः अथवा
बाहर से लाना Bringing from out-
side. प्रथ० १८२; पञ्चा० १, २०;

- पण्योग. पुं० (-प्रयोग) अ. धेदी ददनी
प्राप्त्यर्थी इष्ट वस्तु भगवती ते; आश्रम
दशभाषणनो प्रथम आश्रम. नियत की
हुई मयादा के बाहर से वस्तु संगाना; आश्रम
के दशवै ज्ञान का प्रथम आश्रम. the
first of the partial violations
of the 10th vow of a Śrāvaka.
पंचा० १, २०; प्रव० २८५;

आश्रमव्यवस्था. न० (आश्रमव्यवस्था) आदेश; प्रति-
प्रेषण; प्रवर्तन. आदेश; प्रवर्तन. Order;
command. उवा० १, ४४;

आश्रमव्यवस्था. आ० (आश्रमव्यवस्था) पापने
आदेश-दुष्कर्म करनेवाली कर्मबंध थाय ते; २५
क्रियाभांति अ०. पाप के आदेश से कर्मबंध
होना; २५ क्रिया में से एक. Incurring
Karma by ordering some evil
action. ठा० २, १;

आश्रमव्यवस्था. आ० (आश्रमव्यवस्था) आश्रम आश्रम
वाणी भाषा; व्यवहार भाषाओं अ० प्र० २
आश्रम करने की भाषा; व्यवहार भाषा का
एक भेद. A sort of language viz
that of command. पञ्च० ११; अग०
१०, १; प्रव० १०१;

आश्रम. आ० (आश्रम) आश्रम; आदेश;
दुष्कर्म; तीर्थकर, गृहधर, गुरु, पंडित; योगी
जुं करनेवाले. आश्रम; दुष्कर्म; आदेश; तीर्थकर,
गृहधर, गुरु, माता पिता आदि की आश्रम.
Order; command. भग० १, १, २,
१, ५; १, १, ७; ७, ६; ८, ८; १८, २;
माया० १; ८; ६; १६; १८; आया० १, १,
१, २१; १, ६, २, १८४; आ० २०; १०;
१२; १४; उवा० २, २; २६, १; अश्रुवा०
२०; ४२; गय० १०; दस० १०, १, १; पि०
नि० ८०; १८३; पि० नि० भा० २६; प्रव०
१००; कण्ठ० २, १३; गच्छा० ३६; जं० पं०
६, ११४; वच० ४, १८, ६; १०; १०, १;

दू० २, १, ४४; २) आश्रम. उपदेश.
आश्रम उपदेश. the teaching or
advice of an authoritative per-
son. पंचा० २, २२; (१) अ० (१) सत्य-
सम्बन्ध right knowledge. पञ्च० १;
(४) आ० व्यवहार. आश्रम व्यवहार.
Ājīvyavahāra. ठा० १, २, प्रव०
८६; — अश्रुवा० नि० (- अश्रुवा) आश्रम
अनुसरनेवाले. आश्रम के अनुसरनेवाले.
(one) who obeys, carries out,
an order. अश्रुवा० ४२; (२)
अश्रुवा० नि० आश्रम के अनुसरनेवाले
(one) who acts according to
the orders (of scriptures).
पंचा० १६, २१; — अश्रुवा० नि० (- अश्रु-
वा० नि०) आश्रम के अनुसरनेवाले. आश्रम के
अनुसरनेवाले. (one) obeying,
carrying out, an order. अश्रुवा०
११; — अश्रुवा० नि० (- अश्रुवा) आश्रम
करनेवाले. अश्रुवा० नि० आश्रम करने में
ऐश्वर्य शक्ति power of ordering;
power of command. " अश्रुवा० नि०
रिदंश में " उवा० २०, १४; — अश्रुवा०
पुं० (- अश्रुवा-आश्रमवा अश्रुवा करनेवाले)
दुष्कर्म करनेवाले; आश्रम करनेवाले. आश्रम करने
वाले. one having the power to
command. सम० १८; जं० पं० १, १६;
— अश्रुवा० नि० (- अश्रुवा) आश्रम-
करनेवाले. अश्रुवा० नि० आश्रम करनेवाले. (one)
abiding by the teachings of the
omniscient. " अश्रुवा० नि० वली पंडित "
आया० १, ४, १, ११५; — अश्रुवा० नि०
(अश्रुवा) सर्वज्ञ की आश्रम प्रमाणे अनुसरनेवाले
सर्वज्ञ की आज्ञाानुसार करनेवाले. (७८७)

acting according to the orders of the omniscient. " एयस्स कलं मखियं इय आणाकारिणो उस्सवुस्स " पंचा० ७, ४६; —गारि. त्रि० (-कारिन्) युवो-दिक्कनी आता प्रभाण्णे वर्तनार. आज्ञाकारी; गुह की आज्ञा को मानने वाला. (one) who acts according to the order of a preceptor etc. पंचा० ८, ११; —सिद्देस्स. पुं० (-निर्देश) विधिनिषेधनुं प्रतिपादन करयुं ते विधिनिषेध का प्रतिपादन करना. explanation of things commanded and things prohibited. (२) आज्ञानो स्वीकार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. " आणा खिहेस्स करे " उत्त० १, २; —सिद्देस्सयर. पुं० (-निर्देश-कर) आज्ञानो आशयक, आता स्वीकारनार. आज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, - an order. " आणा खिहेस्स करे " उत्त० १, २; —परतंस. त्रि० (-परसंज) तीर्थकरनी आता ने आधीन. तीर्थकर की आज्ञा के आधीन. obedient to the order of a Tir-
thāṅkara. पंचा० १४, १६; —पविसि. जी० (-प्रवृत्ति) सर्वज्ञानी आज्ञाने आधीन यथ प्रवर्तन करयुं. आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthāṅkara. " आणापविसिज्जोखिय सुद्धो एसोय अणवहाखियमा " पंचा० ८, १२; —वज्ज. त्रि० (-वाज) सर्वज्ञानी आज्ञानो अकार; आज्ञा रहित. सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहिर. not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient. " समिसि पविसि सव्वा आणा वज्जसि भवकळा वेव " पंचा० ८, १३;

—बलाभियोग. पुं० (-बलाभियोग-आज्ञा-वज्जमाणा भवतेदं कार्यमेव तदकुर्वतो वज्जा-त्कारणं वज्जाभियोगस्ततश्चाज्ञाया सह वज्जाभि-
योगा आज्ञावलाभियोगः) दुःकम अने अजा-
तकारनो उपयोग करवे ते; हुक्म और बलात्कार का उपयोग करना. command accom-
panied with physical force. " आणावलाभियोगो शिगांधावो व कप्पंन काडं " पंचा० १२, ८; —भंग. पुं० (-भङ्ग) सर्वज्ञानी आज्ञानो भंग मर्वज्ज की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient. पंचा० ८, ४४; —कह. जी० (-काच) सर्वज्ञानी पयन-
हरमानथी उत्पन्न थयेसी रुचि; समझितनो अंक प्रकार. सर्वज्ञ के वचन में उत्पन्न रुचि; सम्यक्त्व का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of right faith based on liking. जेल० उत्त० १८, १४; टा० ४, १; पचा० ११, १२; प्रव० २६७; (२) त्रि० तेवी रुचियालो; सम-
झितना दश प्रकारभाने; अंक वैसा रुचिवाला; सम्यक्त्व के दश प्रकार में से एक. (one) possessed of the above kind of liking. भग० २४, ७; उत्त० १८, १७; —लोअ. पुं० (-लोप) आज्ञानो भंग साथ. आज्ञा का भंग. violation of an order. १७० नि० भा० २६; —वज्जहार. पुं० (-वज्जहार) गीतार्थ में आचार्यो लुहे लुहे रखे देखा होय; अवस्थाने लीये ओह जीमनी पासे लपट शोके अनी स्थितिमां नथी त्पारे अभीतार्थ पञ्च भति पारजुमां दुशल अवा ठाध शिष्य ने गुम अर्थमां अतिआरो ओही जीमनी पासे मोहले; जीम आचार्य ने शिष्यनी मारहत प्रथम आचार्यनी भ्रम शब्दोमां हरमावेस आज्ञा प्रभाण्णे प्रापञ्चित

परे ते आता व्यवहार. शास्त्रवेत्ता दो
आचार्य भिन्न स्थानों पर रहते हैं; पर अवस्था
के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हो
और इसलिये एक आचार्य अग्रिणी (शास्त्र
को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण में
कुशल शिष्य को गुप्त अर्थ में अतिचार बतला-
कर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा आचार्य
शिष्य द्वारा भेजा हुआ प्रथम आचार्य की गुप्त
आज्ञा के अनुसार जो प्रायश्चित्त ले वह आज्ञा
व्यवहार. when two Āchāryas
well-versed in Śāstras, resid-
ing in different places cannot
see each other on account of
old age and one of them in-
forms the other of his (other's)
violations of right conduct in
rather abstruse terms, through
a disciple, faithful though
not well-versed in Śāstras, and
the other after receiving the
message from the disciple, per-
forms the expiations ordered
by the first the whole affair is
called Ājñā Vyavahāra. प्र० ८९१;
—विजय. पुं० (विजय) भगवान् की
आज्ञा निर्णय करने के; धर्म आनन्द
प्रथम भेद. भगवान् की आज्ञा का निर्णय
करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद. con-
templation of the authority of
the teachings of scriptures;
the first variety of religious
meditation. भग० २५, ७;—विराहवा.
जी० (—विराहवा) सर्वज्ञ आशानी विरा-
धना करने के. सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग
करना. offending against the
order of the omniscient. पंचा०

१९, २८;—विराहवाचुग. त्रि० (—विरा-
धनाचुग) आशानी विराधना करने के. आज्ञा
भंग करनेवाला. (one) who violates;
offends against, an order.
“ आज्ञाविराहवाचुगमेव विषं होति
वृद्धम् ” पंचा० १९, २८;—विजय.
त्रि० (—विपरीत) संप्रगती आशानी
विपरीत. सर्वज्ञ की आज्ञा से विपरीत.
against the order of the omni-
scient. “ आज्ञा विपरीतमेव व किंचि ”
पंचा० १, १;—सार. त्रि० (—सार)
आम वचनने प्रधान मानना. आज्ञा प्रथम
की प्रधान माननेवाला. (one) believ-
ing the words of an authori-
tative person to be above all
things else. “ आज्ञासारं मुचेवचं ”
पंचा० ११, ८;

आज्ञाश्री. अ० (आज्ञाश्री) आशानी. आज्ञा
से. By order; by the command
of. पंचा० ५, ११;

आज्ञाश्रुति. न० (अज्ञाश्रुति) निरयावलिः
सूत्रना श्रीम आश्रुति पुष्पिका सूत्रं नाम.
निरयावलिः सूत्र के तीसरे भाग स्वक
पुष्पिका सूत्र का नाम. Name of the
Puspikā Sūtra forming the
third part of the Nirayāvalikā
Sūtra. निर० १, १;

आशापाश पुं० (आशापाश) आसोच्छ्वास.
आसोच्छ्वास. Respiration. (२)
आसोच्छ्वास परिमित काल. आसोच्छ्वास
परिमित काल. time required for
one breath. वि० १९०;—पञ्चसि.
जी० (—पञ्चसि) नेथी आसोच्छ्वास ७५
समय लेवी सक्रित. आसोच्छ्वास' पञ्चसि.
जिससे आसोच्छ्वास' सिवा' जाके वह
शक्ति; आसोच्छ्वास पञ्चसि. respira-

tory power; power of breathing. भग० ३. १; ६. ४;

आथाप.पु. पुं० (आनप्राय) शुभो
 "आथाप.पु." शब्द. देखो "आथाप.पु."
 शब्द. Vids "आथाप.पु." भग० २४,
 ४; ठा० २, ४; जाता० १; —योगल
 परियट्ट. पुं० (-पुङ्गव पतिवत्) देवता
 अर्चना यथा पुत्र्यत शुभ. शुभ. अथमा
 श्वसोन्मुखास पक्षु गेटता यथायमा सध
 अने भुके ते. दे. यथाय. समस्त लोकक
 पुत्रता-परमाणुओं को दृष्ट २ भव जन्म में
 श्वास निश्वास रूप से जितने समय में ग्रहण
 कर बोड़ा जाय उतना समय. the time
 taken for inhaling and ex-
 haling in different births all
 the Pudgalas in the world
 भग० १२, ४;

आवापः--त. न० (आनवापः) आसी-
 २५. स पक्षे आमोच्छ्वासन. state.
 condition of, respiration. भग०
 २५, ३;

આણાપાણી. શ્રી (આનંદપ્રસાદ) મુખે.
ઉપરે શબ્દ. દેવો જગદીશ શબ્દ. Video
above. પ્રગ. ૧૨, ૪; ૨૫, ૨,

अःसु १. (आश्वाम) विष्वाय उच्छ्वासः
Breath; breathing in. "इषुमिषं
आश्वामं वाश्वामं वा उश्वासं वा निश्वासं वा"
भग० ३, १;

अ. ला. मे. य. त्र० (अ. ना. मि. ज) ये पुं० नभा-
वे पुं० वं० इरे पुं० कृष्ण नभायादुष्वा. Same-
what bent or inclined. आत्र १०;
उवाच २, १०१;

आज्ञानेत्. न० (आज्ञायात्र) अ गी मात्र
आज्ञा यात्र. Mere order. " आज्ञायात्रमि
त्युदाहृतो. " सं० १५, १५१

आणुः य. सं. ३. अ. (पाठानु) मन्त्रानि.
३. ५५. १. अतः; समकतः Having
known; having understood उ. ३.
२, १२;

आशिष—य. दि० (शनीत) अ. ५.
 सवे। ला। दुषा। १००५५५. भग. ३.
 ३३; मु. च० ५. ५३; पादा० १.

अ.शील. त्रि० (आनांत) लाई लायल्ल्या
Carried; brought ११० ० ० ०

आर्गु.अ. पुं० (आर्गु.क या इन्द्रांशु आ
नील.) धेनुनाशिरस ई० ३ भा. ७ अ. ७
सुक्ष्मनाशिरस. Blue tongue, blue
blue colour " अर्गुशब्द व्युत्पन्न इति
वेदि " सूच० १, ४, २, ४:

माधुकंपियः प्रि० (आनुकम्पिक अनुकम्पया
 वरताम्यानुकम्पिकः) अनुप्राप्तः ७२५२; पोद्यु
 दयावान्; दयालु Compassionate
 भग० ३, १; १२, १

भाष्यगामित्र. त्रि० (आनुगा मिक—गण्यत्वं
 पुरुषमात्मन्तादनुगम्यत्वे च शि. उ. अनुगा मी
 अनुगम्येयाऽनुगा मिक) २१. ५०१. ५३
 २५ भिनी सा. ये साथे जन २ अयधितनः
 उतपन धपुं मे प त्याज न आ. डी रहत साथे
 साथे जन्मे प २ यना अयिं जानने अ
 ५३ २. चिक क मनान साथ २ रहने वाला कद
 निज ; जना उत्तक दुया हा व दान रहने ग ब
 साथ जान जीव ज्ञान कराने वाला अर्थात् ज्ञान का
 एक भद्र. A sort of Avadhijñāna
 is a visual knowledge so-call-
 ed because it accompanies the
 person who has eyes 'आह-
 गमिकोऽनुगम्य इ गण्यत्वं' नदा० ३; 'जे
 किंत आ-नुगामिय आदिना च दृष्टि व० न०
 अंतगव सक्तायं च' नदा० ३; विरो० ३००;
 (२) उपा नित ५५५५५५ अथनी साथे
 आवत्तं ते. उपा नित पापपुण्य का बीज के

साथ आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया० १, ७, ४, २१२;
—भाय पुं (- भाय) ५७५३ अ. सन रत्ना
७.२ अनुकूलता अनुगामका भाव; अनुयायी
का भाव. the attitude of (rever-
ence) of a man who is a follow-
er. सू० २, २, २६;

आद्युगामीय—य ता. जी० (अनुगामिका)
०: वे ० यमां साथे आ वे ते; सुख. अवोमव
—प्रत्येक भव—मे साथ रहने वाला सुख.
Happiness which accompanies
a man in all his births. भग० ६;
३३; ओ० २७; गी० ७१, ८२० ४, ८०

आद्युगामित. जी० (अनुगामित)
जुआ ७५६ २५८. देखो ऊपरका लेख
Vide above. नाया० १; भग० २, १;

आद्युगमन. न० (आनय) असेन्य स-
पक्ष. श्वाश्वत्सापयना Respiration,
breathing in and out क० १०
१ १२;

आद्युपुत्र्य न० (अनुपुत्र्य) अनुक्रम; पति
पत्नी, क्रमक्रम, परंपरा; क्रम. Serial
order, succession सू० १ २, ३
१३; नाया० १; ६; ७; आ० —रुज्जाय
त्रि० (- मुद्रात) अ, क्रमे—तीति उम-
थयैत. अच्छी तरहसे-अनक्रमसे उगा.
well "born: born in proper order

आद्युपुत्र्य सुतायकः लक्ष्म भाव इति या
नाया० १ ४; जी०

आद्युपुत्र्यम १५० (अनुपुत्र्यम-अनुपु-
क्रमस्तरङ्गमरिदात्पुत्र्यः) क्रमस्तर. क्रम
या क्रमता: क्रमानुसार. In proper
order. " आद्युपुत्र्यम मायसे पद्यजासुत
अथ करणं " आया० १, ६; १, १७२.
आद्युपुत्र्य. जी० (अनुपुत्र्य पूर्ववत् ५७५३

पूर्व तद्वत् भाव आद्युपुत्र्य) अनुक्रम.
परिपाटी; पार्यापय भाव. अनुक्रम; क्रमशः
Proper order; proper succe-
sion of one thing to another.
(२) विशेष प्रकार की रचना.
a particular kind of arrange-
ment. " आद्युपुत्र्यम संवाद् " आया०
नि० १, १, ३, ८; १, ८, ८; भग० १, ६;
२, १; ६, ३; ७, १; १२, १, २२, २;
दृष्ट० ८, १; उत्त० ३, ७; रि० नि० ७८;
नंदी० ३६; अनुजो. ७०; शिव० जं० ८०
सू० १ ४, १, ६; प्रब० ६६६; ८८८;
नामकर्मनी अत्र प्रकृत (यद्यु विवेचन भाटे
जुआ " आद्युपुत्र्यम " २०६) नामकर्म
की एक प्रकृति (विशेष वस्तुन देखने के लिये
देखो " आद्युपुत्र्यम " शब्द) (vide also
' आद्युपुत्र्यम ') a division of Nāma
Karma. क० गं० ६, ६; दृष्ट० ९३
—गतिर्य. त्रि० (- प्रकृत) अनुक्रमे मुख्य
अनुक्रम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in pro-
per order. " आद्युपुत्र्यम गतिर्य " भग०
४, २; —साम. न० (- नामम्) नामकर्मनी
अत्र प्रकृत, ३ के अन्तर्गत नामकी पें; अनु-
क्रम गतिर्य अद्युय ६६५मा आद्युय ६६५
नेत्र गतिर्य ६६५मा; ७७७ गतिर्य ७७७मा न
आपे तेदी न मकर्मनी अत्र प्र कृति. नाम-
कर्म की एक प्रकृति वा कि बल के साथ के
समान जीव की जिसगतिर्य उद्युय हावे उसी
गति में ले साथ. a variety of Nāma
karma which porforce carries
a man to that condition of
existence to which his matured
Āyusya has entitled him.
दृष्ट० प्रब० १८३; —विहारि. पुं०
(- विहारि) प्रत्ययः ३ सने अनु० ३
क० म० ३ ते ते १५५ ६८८.२. प्रज्वा-दीक्षा

आत के अनुसार संवस की कियारै करने वाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया० नि० १, ७, १, २७३;

आखुलोमिअ. न० (आखुलोमिक) भधुर पथन; अनुकूल पथन. मीठे बचन; मनोहर बचन; अनुकूल बचन. Pleasing and charming speech. “ बहज बुदेहिबमाखुलोमिअ ” इस० ७, ५६;

आखेयव्व. त्रि० (आनेतव्व) लायवाने ये.अ. लाने के योग्य. Worthy of being brought. दु० च० ८, १०७ जं० प० २, ११३;

आखोह. पुं० (आज्ञीब-आज्ञावा आसोपदेश-स्वोऽः सामान्यम्) सम्भूय ईशित रहित आशा मात्र. Words of the omniscient not accompanied with right faith. “आखोह आखंता मुक्का गेवज्जगेसु-उ सरीरा ” पंचा० १४, ४८;

आत. पुं० (आत्मन्) आत्मा. आत्मा. Soul “कइ बिहाय भेते आता प० तं० गोयमा अट्टबिहा.....दबियाता कसायाता जोगा-याता उवज्जोगाता” भय० १२, १६; १५, १; २०, ३; इस० ४; ठा० १;

आतंक. पुं० (आतङ्क-आ-सामस्येन तङ्क-वन्ति कृष्णजीवितमारामं कुर्वन्तीत्यातङ्काः) अत्यक्षेय रोग; अथ अत्रीताय वजेरे. प्राण हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३; ओव० ३५; (२) रोगने परीपह. रोगका परीपह. trouble given or caused by disease. उत० १०, २७; —दंसि. पुं० (—दंसिन्) शारीरिक या मानसिक दुःख जेना (लज्जुना). शारीरिक या मानसिक दुःख जाननेवाला. (one) hav-

ing knowledge of physical or mental pain. आया० १, ३, २, ४; —संप्रयोग. पुं० (—संप्रयोग) रोगने संभन्ध. रोग का सम्बन्ध. connection of disease. —संप्रयोगसंप्रयुक्त. पुं० (—संप्रयोग संप्रयुक्त) रोगना संभन्धयी जेडापुं ते; आर्तध्यानना उ जे ७६. रोग के सम्बन्ध से संयुक्त होना; आसंध्यान का तासरा भेद. meditating upon disease. ओव०

✓ आतंच. धा० १. (आ+तच्) थापडपु; मसलपुं. चिपचना; मसलना. To rub: to apply.

आयंचइ. उवा० ३, ११२;

आयंचामि. उवा० ३, १२८;

आतंब. त्रि० (आताम्ब) थोडा सास; अरी रातु. कुछ ललाम वाला. Reddish. ओव०

आतंबज्जभयण. न० (आताम्बाज्जभयण) आता-धर्मज्जाना जीवित भूतज्जभयण ७ भां पयना जीवित अभयपननुं नाम के के भां पयनी अभ-महिपानो विस्तार पूर्वक हेवात छे. आता धर्म कथा के दुमरे धृतस्कंध के ७ वे वग के दुमरे अभय का नाम, जियमे कि सूर्य की पटराणी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Śrūta-Skāndha of Jñāta -- Dharma—Kathā, in which is related the account of the principal queen of the sun. नाया० ध० २; ७; २;

आतन. न० (आतन) लंबाई. लंबाई. Length. जं० प०

आतप. पुं० (आतप) नाम कमनी ओक प्रकृति के जेना उद्यथी अथने रयकथी गरम नहि होना छता उष्णता अने प्रकाश आप-नार शरीर भेजे जेम सूर्यभंडागत पृथिव-हायिक अथ. नाम कम की एक प्रकृति त्रिव्यके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर जिसका है
 जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाव के जीव.
 A kind of Nāma Kārīna by the
 force of which the soul which is
 not hot by nature gets a body
 which gives light and heat;
 e. g. a soul having earth-body
 in the sun. पञ्च० २१;

आतपस्य. ०० (आतपस्य) ७२; ७३. ज्वरी.
 An umarella. जं० ५०.

✓ आतप. पा० II. (आतप) आतापना
 लेनी. आतापना सेना. To practise
 austerly by enduring cold,
 heat etc.

आतापवन्ति. दस० १, १२;

आतापिमा. वि० दस० ४;

आतापिहि. आ० दस० २, ५;

आतापित्. हे० कृ० आता० १, ७, १;
 ११०; वे० ५, २२;

आतापिचत्. हे० कृ० कप्प. ८;

आतापेचत्. हे० कृ० नावा० १६, कप्प०
 ६, ५२;

आतापेमाच. व० कृ० नावा० १; १६; अग०
 १, १; १, १; ६, ११; १५, १; १६, १;

आतापेमाच. व० कृ० आ० ४०;

आतप. पुं० (आतप) प्रकाश; तज्ज्वा. प्रकाश;
 उज्ज्वा. Light; sunshine. ठा० १, ४;
 विशेष० २२४२; (१) ओ नामनुं ओ३ अहोरा-
 त्रिनुं २४ भुं मुहूर्त. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्तका
 नाम. name of the 24th Muhūrta
 of the period of a day and
 a night. सम० १०; —साम. न०
 (—नामन्) लुओ " आतप " शब्द. देखा
 " आतप " शब्द. vide " आतप ". प्र०
 १२०५; क० सं० ५, ६६; —विद्याय. पुं०
 (—निपात-आतपस्य-वर्मस्य वितरोपातो

निपातः) अ२भी धवी; अ३रे धवे. गयी
 होना. coming of heat, " आतपस्य
 निपातुं अउवा हवद् देववा " उत०
 १, १५;

आतपवन्त. पुं० (आतपस्य) ओ नामनुं
 अहोरात्रि २४ भुं मुहूर्त. अहोरात्रि के
 २४वें मुहूर्त का नाम. Name of the
 24th Muhūrta of the period
 making up a day and a night.
 सं० ५०

आतपा. जी० (आतपा) सूर्यनी अ३ अदिपी-
 पुं नाम. सूर्य की अ३ पहरानी का नाम.
 The name of the principal
 queen of the sun. सू० ५० १५;

आतपायी. जी० (आतपाया) लुओ
 " आतपा " शब्द. देखा " आतपा " शब्द.
 Vide. " आतपा. " जी० २;

आतापन. पुं० (आतापक-आतापनत्वाताप-
 नां शीतातपादिसह्यक्यां करोतीत्यातापकः)
 आतापना सहन करनेवाला; सूर्यनी आतापना
 लेना. आतापना सहन करनेवाला. One
 who practises the austerly of
 bearing the intense heat of
 the sun. ठा० ४;

आतापन. न० (आतापन) आतापना लेनीते.
 शीत, उष्णता आदि से शरीर को कष्ट देना.
 Practice of austerly by endur-
 ing intense heat, cold etc. ठा०
 १; दस० ४; --भूमि. जी० (—भूमि)
 आतापना लेवानी ज०आ. आतापना सेनेका
 स्थान. a place for practising
 austerly by enduring heat,
 cold etc. निर० १, १;

आतापक्या. जी० (आतापक्या) लुओ
 " आतापक्या " शब्द. देखा " आतापक्या "
 शब्द. Vide " आतापक्या " ठा० १;

आतावि. पुं० (आतापिन्-आतपवति आता-
पनां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापी)
ताप, शीतादि सहन करनेवाला. (One) who
endures heat and cold. ङा० ४;
कप्प० ८;

आसिरण. त्रि० (आस्तीर्य) पाथरेक्षु; भिजा-
वेक्षु; बिजाया हुआ. Spread. भग० १, १;

आसीय. त्रि० (आसीत-आसमन्तावसीवह-
तो ज्ञातः आसीतः) सर्वत्र अत्यंत व्याप्त-
सर्वत्र अत्यंत-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ.
Felt excessive everywhere.
(२) (आसामस्सयेनातीतोऽतिक्रान्तः
आसीतः) समस्त पक्षे उत्सर्गि गये।
सम्पूर्णतया उल्लास हुआ. wholly,
completely, crossed. आया० १, ८,
७, २२६; —ट्ट. त्रि० (—अर्थ) जेष्ठे शुभ
अशुभ आदि सर्व पदार्थ ज्ञेयता से ते.
जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला.
(one) who has known fully
sentient as well as insentient
things. (२) तमाम व्यापारशी निवृत्त
थये। समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one)
retired from all activities.
आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) व्याकुल; तीव्रालापी.
व्याकुल; तद्वदृता हुआ. Afflicted;
intensely longing. आया० १, १,
६, ५१; भग० १६, ४; नाया० ५; (२)
विषय कृपाय आदि दोषयुक्त. विषय,
कषाय आदि दोषों सहित. full of
faults such as passions etc.
आया० १, १, २, १४;

आतोडिअमाण. त्रि० (आतोडमाण) पञ्चा-
वामां आतुं. बजाया जानेवाला. Being
played upon सू० २, ४, ११;

आतोड. पुं० (आतोड) वाद्यं. भावा.
A musical instrument. जीवा-
१, १;

आत्त. पुं० (आत्मन्) आत्मा; शुभ. आत्मा;
जीव. Soul. सू० १, २, २, १०;
(२) शरीर; देह. शरीर; देह. body.
जीवा० १; (३) स्वयं; पोते. खुद; स्वयं.
oneself. सू० १, १३, १; —उप-

क्रम. पुं० (—उपक्रम-अप्राप्तकाकस्वायुषो
निर्जरणं, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम
आत्मोपक्रमः, आत्मन उपक्रमोवा) पेतानुं
उपक्रम-अप्राप्तकाक आउपानुं निर्जरण.

आत्मका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का
निर्जरण. Nirjarā of one's own
unfinished life period. भव०

२०, १०; —आव. पुं० (—आव)
स्वाभिप्राय; स्वच्छंदपक्ष. स्वेच्छाचार; स्व-
च्छंदता. wilfulness; self-will. “जे
आत्ताभावेण विषागरेजा” सू० १, १३,

१; —रक्षकत्र. पुं० (—रक्षक) पेतानु
स्वाभिप्राय शरीरं रक्षयुं करने देवतानी अेक
जत; आत्म-रक्षक देवता. अपने स्वामी की
रक्षा करने वाले देवों की एक जाति; आत्म-
रक्षक देव. a kind of deities who
protect the body of their lord.
जीवा० १, ४; —हिअ. न० (—हित)

आत्मश्रेय; आत्म-कल्याण. आत्मकल्याण.
welfare of the soul. “आत्ताहिं वु
वुदेण जग्गह” सू० १, २, २, १०;

आनीकय. त्रि० (आत्मीकृत) पीरनीरनी
पेरे आत्मानि साथे अेकअेक करे। आत्म-
सातकिया हुआ; दूध और पानी के समान
आत्मा के साथ एकता की हुई. Made
one with the soul like milk
and water मिश्र० १;

आदर्श. पुं० जी० (आदर्श) अेक जतनी

लिपी. एक प्रकारकी लिपि. A particular kind of script; (२) अरिसो. दर्पण; शीशा. a mirror. पञ० १; —घर. न० (—गृह) अरिसानो घर. शीश-महल. a house of mirrors or looking-glasses. जं० प० १, ७०;

आवसंग. पुं० (आदर्शक —आसमन्तात् घरवत् आरमा बसिम्बत्स आदर्शः सप्य आदर्शकः अरिसो. दर्पण; A mirror. “आवसंगं पवच्छाहि” सूय० १, ४, २, ११; आदसिआ. स्त्री० (आदर्शिका) आस विशेष; अक्ष मतनो आसनोपदर्थ. खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance; a kind of food. जं० प० पञ० १७;

✓आवद्. धा० I. (आ+वद्) भक्ष्युं कर्तुं; लेजुं; आदान कर्तुं. ग्रहण करना; लेना. To take; to accept.

आवयद्. उत० ३२, २६;

आवयन्ति. आया० १, ७, १, १६६; विशेष.

१२२८; उत० ३, ७;

आवयमान्. पि० नि० १०७;

आदर. पुं० (आदर) आदर सत्कार. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा० ६;

आदरण. न० (आदरण) स्वीकार. स्वीकार. Acceptance. भग० १२, ५;

आदरिस्स पुं० (आदर्श) लुओ “आदर्श” शब्द. देखो “आदर्श” शब्द. Vide.

“आदर्श”. ओव० १७; जं० प० २, ३१;

आवस्स लिपि. स्त्री० (आदर्शलिपि) आदर लिपिभांती ओ३. अठारह लिपिओं में से एक. One of the 18 scripts. सम० १८;

✓आवह्. धा० I. (आ+वा) धारयुं कर्तुं; पकडुं. धारण करना; पकडना. To put on; to hold; to catch.

आवहह्. ओव० ३०;

आवहिता. ओव० ३०;

✓आदा. धा० I. (आ+दा) ग्रह्युं कर्तुं. ग्रहण करना. To accept; to take.

आदियद्. उवा० २, १२१; सूय० २, १, २३;

आदयद्. वेय० ४, २५; निसी० १६, २४; २६;

आदयन्ति. सूय० २, १, १६;

आदिय्. वि० उत० २४, १४;

आदियन्त. व० कृ० सूय० २, २, २३;

आदयु. सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदिवावेन्ति. पुं० सूय० २, २, २३;

आदवावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १८;

आदाण. न० (आवहण) आध्व. आधन. Boiling water. “आदाण भरिबंसि कडाहयंसि” उवा० ३, १२६; —भरिय. त्रि० (—भृत) आध्वयुं धी भरेय. गरम जल से भरा हुआ. filled with boiling water. “आदाण भरिबंसि कडाहयंसि अहोमि” उवा० ३, १२६;

आदाण्. न० (आदान) लेजुं; ग्रह्युं कर्तुं. लेना; ग्रहण करना. To take; to accept. सूय० १, १६, ३; उवा० १, ५१; ओव० १०; १७; भग० २०, २; उत० १४, २; प्रव० १०७६; (२) कर्मेजुं उपादान कर्तुं. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. “धूणादाणां जोगसित्तंविजं परिआणिया” सूय० १, ६, १०; —फलिह पुं० (—परिच आदी-यते द्वारस्थगनार्थं गृह्यत इत्यादानः स चासौ परिचआदानपरिचः) आरयुं अंध कर्तवानी भोगल. द्वार बंद करने का आधा, बटकन. a bolt of a door. जीवा० ४; परह० १, ४; —भंडमसमिक्के-यणा समिह्. स्त्री० (—भण्डनाद्यनसे-यणासमिति) उपभरय् आदि ५८६.

पूर्वक सेनां मुक्तां ते; साधुनी पात्रं समिति-
मांती योथी समिति. यत्नाचार पूर्वक
उपकरण आदि का उठाना रखना; साधु की
बाँध समिति में से चौथी समिति. care-
fulness in taking up and
laying down implements or
articles of use; the 4th out of
5 Samitis of ascetics. ठा० ७;
सम० ४; —मंडमस्तनिकलेववा समिय.
त्रि० (-आयहमात्रनिषेपचासमित) अं३
उपमरथु वस्त्रपात्रादि जतनाथी सेना
मुक्तानां; पात्रमांती योथी समिति पात्रना
साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक
उठाने रखनेवाला साधु; पात्र में से चौथी
समिति पालने वाला साधु. (one) who
is careful in handling clothes
vessels etc; a Sādhu who
observes the 4th of the 5
Samitis (carefulness) ठा० ७;
सम० ४; भग० २, १;

आश्वलायना. जी० (आदान-स्वाधेताप्रत्ययः)
अक्षु ३२तुं ते. ग्राह्य करना. Accept-
ance. ठा० २;

आश्वलायनजम्भयण. न० (आदानीयाध्ययन)
सूयगडांग सूत्र ना प्रथम श्रुत रक्षणा १५
भां अध्ययनं नाम. सूयगडांग सूत्र के
पाँहले स्कंध के १५ वें अध्याय का नाम.
Name of the 15th chapter
of the first Śrītastakandha of
the Sūyagadāṅga Sūtra. सू०
१, १६;

आश्वलायनीय. त्रि० (आदानीय) आदेययन;
७२ यन सर्वमान्य थाय ते. आदेय वचन;
सर्वमान्य वचन. Speech which is
acceptable to all. तस० १६; कण०
६, १४;

आश्वाय. सं० कृ० अ० (आश्वाय) गृहने;
अक्षु ३२ने. लेकर; ग्रहण करके. Having
taken. दसा० ५, ४१; भग० १५, १;
सू० १, ४, १, १०;

आश्वया. पुं० (आश्वय) अक्षु ३२ना२;
२नी३२ना२. ग्रहण करनेवाला (One)
who accepts. विरो० १५६८;

आदि. जी० (आदि) लुओ "आह" श०६.
देखो "आह" शब्द. Vide "आह".
दसा० ७; १; सू० ५० १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) लुओ "आहगर"
श०६. देखो "आहगर" शब्द. Vide
"आहगर" सू० २, २, ४१;

आदिगर. पुं० (आदिकर) लुओ "आहगर"
श०६. देखो "आहगर" शब्द. Vide
"आहगर". नाया० १६; भग० १, १, ७,
६; १८; २; राय० २२;

आदिज्ञ. त्रि० (आदेय) लुओ "आहज"
श०६. देखो "आहज" शब्द. Vide
"आहज" परह० १, ४;

आदिह. पुं० (आदिह) लुओ "आहह" श०६.
देखो "आहह" शब्द. Vide "आहह"
भग० १२, १०;

आदिय. पुं० (आदिक) लुओ "आह" श०६.
देखो "आह" शब्द. Vide. "आह" भग०
११, ४; १८, १०; २८, १; उवा० १, २६;

आदिज्ञ. त्रि० (आदिम) लुओ "आहज"
श०६. देखो "आहज" शब्द. Vide.
"आहज" भग० ७, २; १०, १; ११, ४;
१५, ८; २४, १; १२; २६, ११;

आदिज्ञय. त्रि० (आदिमिक) लुओ
"आहज" श०६. देखो "आहज" शब्द.
Vide "आहज". भग० ५, १;

आदिज्ञग. त्रि० (आदिमिक) लुओ "आहज"
श०६. देखो "आहज" शब्द. Vide
"आहज" भग० २४, १;

जादी. जी० (जादी) अंभाभा भलतीये
नदी. गंगामे मिलती हुई एक नदी. Name
of a river which flows into
the Ganges. अ० ५, १;

जादीय. त्रि० (जादीय) लुओ " जाईय "
शब्द. देखो " जाईय " शब्द. Vide.
" जाईय ". —चित्ति. त्रि० (-इति)
लुओ " जाईय चिति " शब्द. देखो
" जाईय चिति " शब्द. Vide " जाईय
चिति " " जादीय धिती बकरेति पावं "
सू० १, १०; ६;

जादेज्ज. पुं० (जादेव) लुओ " जाएज्ज-
बाम " शब्द. देखो " जाएज्जबाम "
शब्द. Vide. " जाएज्जबाम " पद्य० २१;
जीवा० १, १; जं० ५०. —बज्ज. पुं०
(-बाक्व) जेना वयन भाज्ज छे ते. जिसका
वचन प्राज्य हो वह. one whose words
are worth accepting. सू० १.
१४, २७;

जादेयवयसु न० (जादेववचन) भद्रपु
अज्ञा योअ वयन. ग्रहण करने के योग्य
वचन. Words worthy of accept-
ance. इत्ता० ४, २७;

जादेस. पुं० (जादेस) लुओ " जाएस "
शब्द. देखो " जाएस " शब्द. Vide
" जाएस " पि० नि० भा० १८; पद्य० १८;
मग० १४, ४;

जाधा. जी० (जाधा) भास साधुनेभाटे
आहारदि अनायवा ते. जिस साधु के लिये
आहारदि का बनाना. Preparing food
etc. specially for Sādhus. अ० १;
—कम्म. न० (-कर्मन-जाधानमाधा
साधुनिमित्तं चेतसःप्रविधानं तदथाः कर्म
पाकादिदिवा जाधाकर्म तच्चोगाज्ज्जाव्याधा-
कर्म) साधुनेभाटे आहार आदि करनेवां ते:

भास साधुनेभाटे अनायव आहारदि जेवाधी
साधुने जायते ओ३ दे०. साधु के लिये
आहारदि बनाना; साधु के लिये बनाने हुए
आहार आदि सेअंत साधु को लगनेवाला एक
दोष. a sin incurred by a Sādhu
by taking food specially pre-
pared for him. अ० १;

जाधार. पुं० (जाधार) आधा२-आधव;
दे०. आधव; जाधार; दे०. Means of
supporting; support. मग० २०, २;
पि० नि० ५७; उवा० १, ६६;

जाधारणिज्ज. दि० (जाधारणीव) धारयु
करवाने योग्य. धारण करने के योग्य.
Worthy of being put on or
accepted. नाया० १६;

✓ जाधाव. पा० I. (जा+धाव्) दे०पुं.
होडना. To run.

जाधावन्ति. मग० १, १;

जाधावमाव. नाया० १;

जाधि. पुं० (जाधि) भानसि३ पीम.
मानसिक पीडा. Mental pain; agony
of mind. मग० १, १;

जाधुणिय. पुं० (जाधुणिक) अ०पासी २६-
माने पांयमे भ०अ० ६, ८८ में छे पांयवां
महाग्रह. The fifth great constella-
tion of the २८ constellations.
सू० ५० २०;

जाधोणिय. पुं० (जाधोणिक) अ०अ० ७२-
मेअ २६ मेपुं अवधिज्ञान; अवधिज्ञानेना
मेअ २६. किसी निबत स्थानपरही रहनेवाला
अवधिज्ञान; अवधिज्ञान का एक भेद. A
variety of Avadhijñāna re-
maining confined to a certain
place. मग० ७, ७; १४, ७; १०; सम०
१६;

जानंद. पुं० (जानन्द) आन०६-७ लुदीपना.

भरतक्षेत्रभांशार आठमां तीर्थकरना पूर्व
अपजुं नाम. जंबू द्वीपके भरत क्षेत्र में होने वाले
आठवें तीर्थकर के पूर्व भव का नाम. Name
of the previous birth of the
would-be eighth Tirthankara in
the Bharataksētra of Jambu-
dvīpa. सम० पं० २४१;

✓ आनम. धा० I. (आ + नम्) नभजुं;
भयोदाधी पने पडजुं; ताभे यजुं; नमना;
मंज्रीमूत होना; मर्यादापूर्वक पैरो पड़ना;
आधीन होना. To bow before; to
submit to.

आनमंति उत० १, ३२;

✓ आने. धा० II. (आ + नी) आणजुं.
लाना. To bring.

आनेमि. पिं० नि० ४६६;

आनेह. आ. भग० ६, ३३;

आनेहि. आ० ओच० नि० मा० ४१; नाया०
१७;

आनाह. आ० सूय० १, ४, २, ११;

आखिउज्जह. क० वा० व० प्र० ए० पिं० नि०
५०७, विरो० २, ३६;

आखिउजंत. क० वा० व० कृ० सु० च० १४,
५; प्रब० ८१६;

✓ आखव. धा० I, II. (आ + ख + णि)
प्रवृत्ति करावही; हुडम करवो. प्रवृत्ति करना;
आदेश करना. To order; to
command.

आखवह. सु० च० २, १०६;

आखवेह. मिवा० ५, ६; राय० ४७; सु०
च० २, १६०; दसा० १०, १; नाया०
८, १६; सं० प० ५, ११५;

आखववति. सूय० १, ४, १, ७;

आखवेह. आ० नाया० ७;

आखवेजा. सं० कृ० नावा० १६;

आखवेमाख. व० कृ० सूय० २, २, ३२;

५६; दसा० १०, ३;

आखविउजह. क० वा० राय० २६५;

✓ आपज्ज. धा० I. (आ + प्) पाभजुं;
भेणवजुं. पाना; प्राप्तकरना. To get; to
obtain; to acquire.

आपज्जह. उत० ३२, १०३;

आपण. पुं० (आपण) दुकान; हाट. दुकान;
हाट. A shop. भग० ५, ७; नाया० १;
(२) शेरी. गली. street. जीवा० ३;

✓ आपा. धा० II. (आ + पा) पीजुं. पीना.
To drink.

आविअह. दस० १, २;

आविए. आ० उत० १०, २६;

✓ आपील. धा० I. (आपीह) अससजुं; पीजुं;
रगजुं; मसलना; दुःखदेना; रगड़ना. To
press; to oppress; to rub.

आपीलेह. भग० १५, १;

आपीलेण. आया० १, ४, १, १३७;

आपीलेउमा दस० ४;

आपीलियाख. सं० कृ० आया० २, १,
८, ४३;

✓ आपुच्छ. धा० I. (आ + प्च्छ) पुच्छजुं;
प्रश्न करवो. पूछना; प्रश्न करना. To ask;
to question.

आपुच्छह. नाया० ५; व० १५; १६; जग०
११, ६; १२, १; उवा० १, ६६;

आपुच्छामि. नाया० १; २; ५; १२; १६;
भग० ६, ३३; १८, २; नाया० ७०

आपुच्छामो. नाया० १६;

आपुच्छह. उवा० १, ६८;

आपुच्छेह. भग० १८, २;

आपुच्छिआ. आया० १; ५; व० १३; १६;

उवा० १, ६६; दसा० १, ९२;

भग० ३, १; मिवा० ७;

आपुच्छेता. नाया० ७; भग० १८; ६;

आपुच्छीका. नावा० २; ५; भग० १५, २;

आपुच्छहता. भग० ११, ६, १२, १; १५,

१; नावा० ५; १५; १६; १८;

आपुच्छिक. ओष० नि० भा० १३, ८;

सु० प० ४, ३६;

आपुच्छिदं. कप्य० ६, ४६;

आपुच्छन्. न० (आप्रच्छन्) पु० तुं ते; प्रश्न
करते ते पूछना; प्रश्नकरना. Question-
ing. नावा० ६;

आपुच्छन्वा. स्त्री० (आप्रच्छन्वा) पु० तुं ते;
प्रश्नकरते ते. पूछना; प्रश्नकरना. Ques-
tioning. भग० ३५, ७; नावा० १२;
अणुत० १, १; पंचा० १२, २; (२)
विनयपूर्वक गुरुपासे आज्ञा मागरी ते;
दस सामाचारिभांति ३ जे प्रक्षार. विनय-
पूर्वक गुरु से आज्ञा मांगना; दस सामाचारी
में का ३रा भेद. Respectfully ask-
ing the command of a precep-
tor; the 3rd of the ten Sāmā-
chāris. "आपुच्छन्वाय तद्वा चठथी पठि
पुच्छन्वा " प्रव० ७७३; उत० ३६, २;

आपुच्छयिष्य. त्रि० (आप्रच्छयिष्य) पु० या
थे। पूछने योग्य. Worthy of being
asked or questioned. नावा० १,
७; उवा० १, ५;

आपुच्छ. त्रि० (आपूर्ण) पु० भरेल. पूर्ण
भरा हुआ Full to the brim; filled
completely. पत्र० ३६.

आपूरमाण. व० कृ० त्रि० (आपूर्वमाण)
पाणी वगैरेथी पूर्ण भरातुं. पानी वगैरेह से
पूर्ण भरा हुआ. Being completely
filled with water etc. भग० १, ६;
३, ३;

आपूरित. त्रि० (आपूरित) भराया। पूर्ण
पूर्ण भरायेतुं. मयांदा पूर्वक पूर्ण भरा हुआ.

Filled to the brim. "आहेतं
वज्रमापूरितं होइ " विरो० २५०;

आपूरेमाण. व० कृ० त्रि० (आपूरय) पूर्ण
करतो. पूरा करता हुआ. Filling; com-
pleting. "सदेयं तप्यसे सज्जको समता
आपूरेमाणे " रांय० जीवा० ३; भग० १, ३;
जं० प० ५, ११६;

आपूषिय. त्रि० (आपूषिक) पूरी के भाव
पैआ बनावनार. पूरी वा मासपुआ
वनाने वाला. (One) who prepares
buns. नदी०

आफालितार. त्रि० (आस्फालवित्) वजा-
नार. बजानेवाला. (One) who plays
upon a musical instrument. सुव०
२, २, ५४;

आवाहा. स्त्री० (आवाहा) पीडा. पीडा.
Affliction; pain; trouble. भग०
५, ४; १५, १; जीवा० ३, ३; वव० ५,
१५; विवा० ६; जं० प० २, २४; न०
४; ५;

आभंकर. पुं० (आभट्ट) ओनाभांति ८८ भ
भांति ६८ भांति ६८. ६८ प्रहों में से ६८ वें
प्रह का नाम. Name of the 68th
constellation out of 88. सु० प० २०;
ठा० २, ३; (२) त्रीण देवलोकां अ
विमानं नाम. तीसरे देव लोक के विमान
का नाम. name of the heavenly
abode of the 3rd Devaloka.
सम० ३;

आभक्षाल. न० (अभ्याक्षाल) ओरो
आक्षेप भुक्तवो; कथं यथावत्. झूठा आरोप
करना; कथं लगाना. False accusa-
tion; falsely charging a person
with guilt. उवा० १, ४६;

आभट्ट. त्रि० (आभाषित) ओषधिलेख.

बुलाना बुला. Called; spoken to.
 विरो० १६०६; सु० व० ६, ५४;
 आभरव. न० (आभरव) धरेलु; अलंकार;
 आभूषण. गहना; अलंकार; आभूषण. An
 ornament; an embellishment.
 परह० १, ३; आवा० २, ५, १, १४५;
 अगुजो० १०३; निती० ७, ११; सम० १,
 ३३१; सू० प० १; उत० १३, १६; ओव० ११;
 जीवा० ३३; नाया० १, २; ५; १८; भग०
 ३, २; ३, ७; १६, ५; पज० २; उवा०
 १, ३१; कप्प० ४, ६२; (२) पुं० अ
 नाभनो अ० ६१५ अने अ० ६ सभु६. एक द्वीप
 और एक समुद्र का नाम. name of an
 island; also that of an ocean.
 वं० प० ३, ४५; पज० १५; जीवा० ३, ४;
 अगुजो० १०३; —अलंकार. पुं० (—अलं-
 कार) धरेलुआँहा पहरेवा ते. गहनों का
 पहिना. putting on ornaments.
 अ. ४, ४; भग० ३, ३३; —अलंकिय.
 त्रि० (—अलंकृत) आभूषणो पहरेल;
 आभूषणोधी अलंकृत. आभूषणों से अलंकृत,
 सुशोभित. adorned; ornamented.
 नावा० १२; भग० २, ५; नाया० ५० (२)
 आभूषणोधी शयुआरेल दे६. आभूषणों से
 सिनगरा बुला शरीर. body adorned
 with ornaments. भग० ६, ३३;
 —विच. त्रि० (विच) लुदी २ लतना
 आभरव; विचित्र प्रकारना आभरव;
 मित्र मित्र प्रकार के आभूषण. various
 kinds of ornaments. जीवा० ३;
 —धारि. त्रि० (—धारि) आभरव
 धारव धरेलु; धरेलुं पहरेनार. आभूषण
 पहिरनेवाला. (one) who puts on
 ornaments. नावा० ८; —वास. जी०
 (—वर्षा) बुदि० आभूषणोनी वृष्टि.
 आभूषणों की वर्षा. a shower of

ornaments. कप्प० ५, ६०; —विचित्र.
 त्रि० (—विचित्र) लुदी लुदी प्रकारना
 धरेलुं. मित्र २ प्रकार के गहने. vari-
 ous kinds of ornaments. “आभ-
 रवाविवा आभरवविचित्राविवा” आवा०
 २, ५, १, १४५; निती० १, ७, ११;
 १७, १२; —विहि. पुं० (विहि) धरेलुं
 बनाववानी तथा पहरेवानी विधि. गहने
 बनाने और पहिनने की विधि. art of
 making and putting on orna-
 ments. “आभरवविहि परिमाव
 करेह” वा० १, ३१; नाया० १; ओव० ४०;
 आभरव—अ. (आभरवम्) अ० पर्यंत;
 अ०—६गी पर्यंत. जीवन पर्यंत. Life-long.
 पंचा० ४, ३४;

आभा जी० (आभा) कान्ति; तेज; प्रभा.
 कान्ति; तेज. Lustre; light. जीवा०
 ३, ४; राय० ७८; भग० १२, ५; (१)
 आकार; उभी. आकार, छवि. form;
 picture. पज० २; जीवा० ४;

आभाकर. पुं० (आभाकर) अ० नाभनुं त्रील
 देव लोकनुं अ० विमान. तिसरे देवलोक के
 विमान का नाम Name of a heavenly
 abode of the third Devaloka.
 सम० ३;

आभाग. पुं (आभाग) पहिलेहलुं अपर
 नाम पहिलेहन का दूसरा नाम. A
 synonym of Padilehana i. e.
 proper examination of clothes
 etc. ओव० नि० ६३;

आभागि त्रि० (आभागि) भागीदार;
 हिस्सेदार. हिस्सेदार. A sharer; a part-
 ner. सि० नि० २, १; नावा० १८;

आभासिय. पुं० (आभासिक) अ० नाभनो
 ५६ अंतर्द्वीप भांनो अ०. इस नाम का ५६
 अन्तरद्वीप में से एक. Name of one

of the 56 Antaradvipas. (२) त्रि० ते अन्तर द्वीपमां रडेनार भनुष्य. आभाषिक नामक अन्तरद्वीप में रहने-वाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvipa called Ābhāsika; डा० ४; जीवा० १; ३; ३; (३) पुं० अ० न० भेदे अ० देश. इस नाम का एक देश. a country of this name. (४) त्रि० ते देशमां रडेनार भनुष्य; अ० न० भेदे अ० देश. आभाषिक देश में रहने वाला मनुष्य, एक म्लेच्छ जाति. (a person) residing in the country called Ābhāsika; a kind of Mlechchhas. पञ्च० १, पण० १, १; —दी० पुं० (-द्वीप) ध्वजसमुद्रमां यूपदिभवंत पर्यतनी उदा उपरने अ० नामना अ० द्वीप. सवण समुद्र में के चूनाहिमवंत पर्वत के अन्तराय पर बसा हुआ द्वीप. name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavaṇa ocean. “ कहियं भंते दाहिणियायं आभासिय मणुषायं आभासिय द्वीवे नामं द्वीवे ” जीवा० ३; डा० ४, ३; पञ्च० १;

आभासी. स्त्री० (आभासी) आभाषिक द्वीप नी रडेयासी स्त्री. आभाषिक द्वीप में रहने वाली स्त्री. A female inhabitant of the Ābhāsika island. जीवा० ३;

आभियोग पुं० (आभियोग्य-आसमन्ताद् पुज्यन्ते प्रेष्यकर्मणि स्वापारर्हन्ते इत्याभि-योग्याः) नोकर देवता; आभियोगिक मलना देवता. नोकर देव; आभियोगिक जाति के देव. A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the Ābhiyogika kind. पण० १, २; भग० १६, २; १८, २; जं० प० १,

१२; नाया० ८; (२) (आभियोग आज्ञा प्रदानलक्षणेऽस्यास्तीत्याभियोगी तज्ज्ञाव आभियोग्यम्) नोकर पात्रु; सेवकत्व. सेवक-पना; सेवकत्व. servitude. दस० ६, २, ४; जं० प० २, ११२; ११४; —पण्यति. स्त्री० (-प्रज्ञति) विद्याधरनी अ० विद्या विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyā-dharas. “ संकामाणि अभियोग पण्यणि गमयिथंभयिमुय वज्जुमु विजाहरीसु विजामु विस्मुयजंस ” नाया० १६; —सेदि. स्त्री० (-धेयि) वैताढ्य पर्वत उपर विद्याधरनी अ० विद्या १० नोकरनी अ० विद्या देवता-ने रडेयासी देवता. वैताढ्य पर्वत के ऊपर विद्याधर धेयि में १० योजन ऊचा अभियोगी देवों का रहने का स्थान. an abode of Abhiyogi deities on the Vaitā-dhya mount ten Yojanas in height from the Vidyādhara Śreni. जं० प० १, १२;

आभियोगा. स्त्री० (आभियोगा) विद्याधरनी अ० विद्या. विद्याधर की एक विद्या. A branch of knowledge or an art possessed by Vidyādhara. नाया० १६;

आभियोगिअ—य. पुं० (आभियोगिक—आभियोगःप्रयोजनमस्त्विति) नोकर देव-तानी अ० मलना देवता. नोकर देवों की एक जाति: निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities. “ आभियोगिण देवे सहावेह ” जीवा० ३; ओव० ३१; नाया० ८; १७; राव० २८; ३४; भग० १४, २; (२) विद्या, मंत्र, वशीकरण, आदि आभियोगिक करने साधु. विद्या, मंत्र, वशीकरण आदि आभियोग कर्म करने-वाला साधु. a Sadhu who practises

charms, incantations etc. विवा० ५; जावा० ३; भग० १, २; पञ्च० २०; जं० प० ५, ११२; —**रुख्य**. पुं० (-रुख्य—अभियोगः प्रयोजनमस्त्यभियोगिकम् परतंत्रना फलं तस्य लुयो विनाश आभियोगिकलुयः) अभियोग-परतंत्रना आपनार उर्नेना नाश. परतंत्रना देनेवाले कर्मों का नाश. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ५, ११२; ११५; पंचा० १२, ७; —**देव**. पुं० (देव) अभियोगमतिना नीत्या देवता. अभियोग जाति के हलके देव. a subordinate kind of deities styled Abhi-yogika. नाया० ध०

आभिग्राहिय. त्रि० (आभिग्रहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहस्तेन निवृत्त आभिग्रहिकः) अभिग्रहणी कार्योत्सर्गादि करनेवाले; अभिग्रहधारण करने वाले इतिवृत्त पञ्चरे करनेवाले. अभिग्रह धारण करके कार्योत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows. पंचा० ४, ८;

आभिणिबोहिय. न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोधः स एवाभिनिबोधिकम्) भतिज्ञान; भन अने छिद्रियथी थजुं जान; ज्ञानना पांच प्रक्षरमाने पड़ेला प्रक्षर. मतिज्ञान; मन और इन्द्रियमे होनवाला ज्ञान; ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. “संस्कृतं आभिणिबोहियणायां आभि० दुविहं प० तं० सुय निस्सियं असुयनिस्सियं च ” नंदी० ओव० १६; आणुजो० १२७; उन० २८, ४; ३३, ४; टा० २, १; विशे० ८० पञ्च० १; - **लद्धि**.

ली० (-लद्धि) भतिज्ञाननी लद्धि-प्राप्ति. मतिज्ञानका प्राप्ति. attainment of Matijñāna. भग० ८, २;

आभिणिबोहियणा. पुं० (आभिनिबोधिक ज्ञान) लुआ “आभिणिबोहिय” शब्द देखो “आभिणिबोहिय” शब्द. Vide “आभिणिबोहिय” टा० २, १; आणुजो० १; भग० १, ५; २, १०; , ६४; ८, २; नंदी० १; विशे० ७६; ओव० सम० २८; —**पज्जव**. पुं० (-पर्यव) भतिज्ञानना पर्याय. मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijñāna. भग० ८, २; २५, ४; —**लद्धिया**. स्त्री० (-लद्धिका) भतिज्ञाननी लद्धि. मतिज्ञान की प्राप्ति. acquirement of Matijñāna. भग० ८, २;

—**आवरण**. न० (-आवरण) भतिज्ञानावरणीय; भतिज्ञानने द्वापनार कर्म. मतिज्ञानावरणीय; मतिज्ञान को ढकनेवाला कर्म. Karma which obscures Matijñāna. सम० १७; —**आवरणज्ज**.

न० (-आवरणीय) भतिज्ञानावरणीय कर्म; भतिज्ञानने अट्टावनार ज्ञान वरणीय कर्मनी अड प्रकृति. मतिज्ञानावरणीय कर्म; मतिज्ञान को न होने देनेवाला ज्ञानावरणी कर्म की एक प्रकृति. a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; —**विणय**.

पुं० (-विनय) भतिज्ञानना विनय. मतिज्ञान का विनय. Vinaya or austerity of Matijñāna. भग० २१, ७;

—**साकारोपयोग**. पुं० (-साकारोपयोग—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनिबोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च तदेव साकारोपयोगः तथा) भतिज्ञानरूप साकारे पर्याय विशेष उपप्राप्य मतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पञ्च० २८;

आभिनिबोध्यणाणि. पुं० (आभिनिबोधिक ज्ञानिन्) आभिनिबोधिक मतिज्ञानवाला. आभिनिबोधिक मतिज्ञान वाला. (One) possessed of Ābhinibodhika Matijñāna. भग० ६, १; ८, २; १८, १; २५, १;

आभिप्रायश्च. त्रि० (आभिप्रायिक) अभिप्रायवाचुः; अभिप्राय युक्त. आभिप्राय वाला Having a definite aim or purpose. अणुतो० १३१;

आभियोग. पुं० (आभियोग) लुप्ते "आभियोग" शब्दे. देखो "आभिप्राय" शब्द. Vido. "आभिप्राय" टा० ६, ८; भग० ३, ५;

आभियोगत्ता. स्त्री० (आभियोग्यता) नाक्षर्याक्षरपणुः; सेवा भावः नाक्षर देवतापणुः. नाक्षरवाकर पनः; सेवकत्व; सेवक देवतन. State of being a servant or a servile deity. "चर्चहिं टाण्हिं जीवा आभियोगत्ताण् ६स्मं पणोति" टा० ८;

आभिसेक. त्रि० (आभियेक्य) राज्याभिषेक इत्या योयः; इत्या अभिषेक इत्याभां आयोये ते. राज्याभिषेक करने योयः. त्रिपका अभिषेककिया जाना हेवह. (One) to be crowned king; (one) to be made king with proper ceremony. "आभिसेकं हविष्ययं पडि कण्पह" जं० प० ओव० २६; राय० १५८;

अभीरी. स्त्री० (अभीरी) आदिपणुः. अहीरनी; अहीर जानि का स्त्री. An Ābhira female. नंदी० ८४;

१/ **आभोअ.** धा० II. (आ+भोग=आ+भुज्)

देखुं देखना. To see. (२)
जानुं. जानना. to know.

आभोइण. कण्प० ५, १०६;

आभोण्ड. राय० २६८; दया० १०, ११;
उवा० ८, २५५; नाया० ८; ६;
भग० ५, १; १६, ५; जं० प० ५, ११५;

आभोण्ति. जं० प० २, ११२;

आहोयंति. भग० ३, १;

आभोण्मि. भग० ३, २; नाया० ८;

आभोण्हिंति. भग० १०, १;

आभोण्ता गं० वृ० नाया० ५;

आभोइत्ता. गं० कृ० नाया० ८; भग० ३, २;
१७, १. दय० ४, १, ८६;

आभोण्साण वं० वृ० नाया० २; ८; १३;
भग० १६, १; नाया० ४०

आभोअ य. पुं० (आभोग) ज्ञानः समज्णु. ज्ञान. समज. Knowledge; understanding. दय० ४, १, ८६; विवा० १;

आभोग. प० (आभोग आभोजनमाभोगः)
ॐ त्वं विभो. इत्येव विशेष A particular kind of attentiveness or carefulness. प्रव० ११८ (२) ज्ञानः समज्णु. ज्ञानः समज. knowledge; information. भग० ७, ६. पञ्च० १४; पिय० नि० ४७३; टा० ८, १ १०. (३) ज्ञानी ज्ञानेन इत्येव प्रवृत्ति जानवृत्तकर का हुई प्रवृत्ति. activity consciously performed. प्रव० ११६८; (४) विना विस्तार. extent नाया० १; —उक्ताण्. न० (—प्याण् आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य प्यानम् ज्ञानपूर्वक व्यापारणु प्यान. ज्ञान पूर्वक व्यापार का प्यान. contemplation of conscious activity. आउ० —निद्वत्तिय. त्रि० (निर्वत्तित) ज्ञानी ज्ञाने

करेयुं. जानबूझकर किया हुआ. performed consciously or purposely. भग० १, १; (२) वैमानिक देवतानो क्रोध विशेष; क्रोधनुं परिणाम नलया छतां पल्य करेय क्रोध. वैमानिक देवों का क्रोध विशेष; क्रोध को परिणाम जानते हुए भी किया हुआ क्रोध. anger of heavenly deities i. e. anger in spite of a knowledge of its results. ठा० ४; —यउम्. पुं० (-बकुश) आभोग-नल्यीने देय अगाधनार साधु. जान बूझकर दोष लगाने वाला साधु. an ascetic consciously incurring sin. ठा० ४, ३; भग० २, ५, ६;

आभोगण. न० (= आभोग) विचारण. विचारणा; विचार. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आभोगणया. स्त्री० (आभोगन) धृष्ट; विचारण. ईदृश; विचारणा. Thought; reflection. नंदी० ३१;

आम त्रि० (आम) अपक्व; अण्ड; अपक; कच्चा. Raw; unripe. वेद्य० १, १; सु० न० ७, १८३; पि० नि० १७; पगह० १, ३; (२) अक्षय आहार. दोष सहित आहार. food involving sin. आया० १, २, ५, ८७; —अभिभूय. त्रि० (-अभिभूत) अपरिपक्व द्रव्यो परात्म्य अभेद विना पके हुए रसमे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence. विवा० ७; —गंध. पुं० (-गन्ध) आधाकर्म अदि दोष. आधाकर्म आदि दोष. a fault such as Ādhā Karma etc. "सध्वाम-गंधं परिणयं यिरामगंधो परिश्वय" आया० १, २, ५, ८७; —डाग. न० (-डाग) क्षयुं पांछुं अर्धुं पाछुं

अर्धुं क्षयुं तांक्षल वगेरेनुं पांछुं. कच्चा पत्ता. a raw, unripe leaf. "सेजं पुण जाणेजा आमडागं वा" आया० २, १, ८, ४६; —मल्लग. पुं० (-मल्लक) अपक्व-क्षयो शरायलो. कच्चा मिष्टिका प्याला. a raw earthen bowl. नाया० ६; —मल्लगरूच. त्रि० (-मल्लकरूप) अपक्व शरायला जेयुं; क्षयो शरायलानी पेडे तरत फूटी नल्य तेयुं. कच्चे प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen bowl. नाया० ६; तंडु० —मधुर. त्रि० (-मधुर) क्षयुं छतां स्वादमां मधुर. कच्चा होनेपर भी स्वाद मे मिष्ट. raw yet sweet (e. g. fruit). "आमे यामं एगे आममकुरे" ठा० ४, १;

आमअ. पुं० (आमय) रोग, बीमारी. Disease. पि० नि० ४५६;

आमअ. त्रि० (आमक) सञ्चित वस्तु; क्षयो-अवस्थादी वस्तु सञ्चितवस्तु; सर्वाव-वस्तु. Raw; (a thing) having life in it दम० ३, ७;

✓आ-मंत. धा० II (आ+मंत+णि) संभो-धन करी अत्रायतु. आमंत्रण करेयुं; नेतृं आयतुं. संबोधनपूर्वक बुलाना; आमंत्रण करना; नाना देना. To call out to; to invite.

आमंतेह. ओव० २६; विवा० ३; नाया० १; १; १८; भग० ११, ८; १५, १;

आमंतेमि. नाया० १२;

आमंतित्ता. नाया० ७; भग० ३, १; १४

७; १५, १; निर० ३, ३; दसा० ४,

६; उवा० २, ११६; दमा० १, १;

ठा० ३, २; उवा० ६, १, ७४;

आमंतेत्ता. नाया० १८; १५; भग० ११, ६, १५, १;

आमंतेऊण. नाया० १५;

आमंतिथ. सं० कृ० सूय० १, ४, १, ६;

आमंतेमाण. व० कृ० आया० २, ४, १, १३४;

आमंतण. न० (आमन्त्रण) संबोधन.

संबोधन. Vocative address; calling out to. टा० ८, १; (२) आमंत्रण, नीतई. निमंत्रण; नीता. invitation. सु० च० ३, ११३;

आमंतणी. छी० (आमन्त्रणी) हे देवदत्त !

हत्यादि संबोधनरूप भाषा; व्यवहार भाषा में ऐक प्रसार. संबोधनरूप भाषा. Language of address in the vocative case; a variety of conventional speech. प्रव० ६०१; भग० १० ३; पञ्च० ११; अणुजो० १०६; (२) संबोधन अर्थभां वपरती (प्रथमा) विभक्ति. संबोधन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा) (विभक्ति). the nominative used in the sense of the vocative. " आमंतणे भवे सट्टमांय जह हे जुवाणत्ति " टा० ८;

आमंतिअ-य. वि० (आमन्त्रित) पृच्छतः

पूछनेवाला इरेय पृष्टा हुआ; आमंत्रण किया हुआ. Asked; addressed; invited. " गच्छामिसायं आमंतिआमि " उल० १३, ३३; " सेमिक्खू वा २ इंधिआमंतेमाणे आमंतिण् " आया० २, ४. १. १३४;

आमग. वि० (आमक) शत्रु; अपरिपक्व

कबा. Raw. (२) सञ्चित. मज्झि सञ्जाव. having life or lives in. दग० ५, २, १६; ८, १०; भग० १५, १; नंद०

✓ आमज्ज. धा० I. II. (आमज्ज) वाज्जु.

साह इरुं; लुंकेरुं. माफ करना; पोछना. To cleanse; to wipe; to sweep.

आमज्जिज. विधि० आया० २. १३, १७२;

आमज्जज. विधि० निमा० ४, ७१; ३, १६; २२;

आमजमाण. वहु० आया० २, १, ६, ३६;

आमयकरणी. छी० (आमयकरणी) विद्या

विशेष; रोग उत्पन्न करनेवाले ऐक विद्या. रोग उत्पन्न करनेवाली एक विद्या. An art of producing or causing diseases. सूय० २, २, ३०;

आमरणं. अ० (आमरणम्) भरणपर्यन्त.

मरणे तक. Up to death; till death. पंचा० ७, ४६;

आमरणंत. अ० (आमरणान्त) भरण

पर्यन्त. मरण पर्यन्त. Till death. टा० ४, १; — दोस. पुं. (-दोष) भरण पर्यन्त पाप का प्रत्यक्ष प्रसारणी पेठे पापनुं पश्चात्ताप न थाय जेवा प्रकरने दोष; रौद्रध्याननुं ऐक लक्षण. मृत्यु तक किन्तु कालमूर्धिया कपाई के समान पाप का पश्चात्ताप न हो ऐसा दोष; रौद्रध्यान का एक लक्षण. sin without repentance till death as in the case of the butcher Kālasūriā; a mark of Raudra Dhyāna. टा० ४; भग० २५, ७; ओत० २०;

आमरिस्स. पुं. (आमरिस्स) संबन्ध; स्पर्श.

सम्बन्ध. स्पर्श; Connection; contact. विशेष० ११०६;

आमल. पुं. (आमल) "पटु श्रीकल्याणं प्लवः

आमलानुं प्लवः बहु बीजवाला इक्षु; आविने का वृक्ष. A hog-plum tree; a kind of tree with many seeds. ज्ञावा० १; आया० टो० १, १, ५, १०६; — कप्पास. न० (कप्पास) आमल के दोस. कल्याण की एक जगह.

a variety or species of cotton.
“आमलकप्यासाशोवा वसीकरणं करेह”
निसी० ३, ७२;

आमलक. न० (आमलक) आमलानुं ५६.
आंवला. A fruit of the hog-plum
tree. “आमलपाण्यं वा” सूय० १, २,
१, १६;

आमलकप्या. स्त्री० (आमलकप्या) अमे
नामनी अक नगरी एक नगरी का नाम.
Name of a city. “इहेव जंबूद्वीवे भा
रहेवासे आमलकप्या नामं नगरी होत्था”
राय० २; नाया० ४०

आमलग. पुं० (आमलक) भारी; भरझी.
चारों तरफ फैली हुई बीमारी. Plague
infecting all quarters. ठा० १०;
(२) न० भरझी संबंधी अधिकारवाचुं विपाक-
सूत्रनुं ६ मुं अध्ययन. विपाक सूत्रका मरी
(बीमारी) के सम्बन्ध का ६ वां अध्ययन.
The 9th chapter of Vipāka
Sūtra dealing with the subject
of plague. ठा० १०;

आमलग. पुं० (आमलक) आमलानुं ५६.
आंवलेका वृक्ष. A hog-plum tree.
पञ्च० १; सू० प० १०; सूय० १, ६, २, १०;
अणुजो० १४३; १५०; भग० २२, ३;
जीवा० १; ठा० ६, ३; —महुर. त्रि०
(-महुर) आंगुलाना इतल गेयुं स्वादिष्ट.
आंवले के फल के समान स्वादिष्ट. as
tasteful as the fruit of a hog-
plum tree. ठा० ६, ३; —रस. पुं०
(-रस) आमलाने रस. आंवले का रस.
juice of hog-plums. सूय० वि० टी०
१, ८, ११; —रसिय. त्रि० (-रसित)
आंगुलाना रसयुं मिश्र करेत्. आंवलेके रस
से मिश्रित. mixed with the juice
of hog-plum fruit. दिवा० ७;

आमलय. पुं० (आमलक) अमे ‘आमलग’
शब्द. देखो ‘आमलग’ शब्द Vide.
‘आमलग’ राय० २६८; उवा० १, २४;
आमिआ. स्त्री० (आमिका) काथी इली पगेरा.
कच्ची फली बगैरह. A raw seed-pod
etc. “आमिअं भजिअं सह” दस० ५,
१, २०;

आमिस. न० (आमिअ) भांस. मांस.
Flesh. सूय० १, १, ३, ३; उत० ३२,
६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ५, २६;
(२) धन धान्यदि भांअ पदार्थ. धनधान्यादि
भोग्य पदार्थ. any thing which can
be eaten or enjoyed. “आकिं-
चणा उज्जुकडा निरामिसा” उत० १४,
४१; ‘आमिसं कुललं दिस्स वज्जमाणं
निरामिसं आमिसं सव्व मुक्किता विहारिस्सा-
मां निरामिसा’ उत० १४; ४१, —आवत.
पुं० (-आवत) भांसार्थी सभझी पगेरे गे
आकाशभां आवतन करे ते; आवतनेो अक
प्रकार. मांस की इच्छा से आकाश में उड़ने
की क्रिया; आवतनका एक प्रकार. act of
wheeling in the sky done by
kites etc. for flesh. ठा० ४, ७;

—आहार. पुं० (-आहार) भांसादर.
मांसाहार. flesh food. (२) त्रि०
भांसादरी. मांस खानेवाला. carnivorous;
flesh-eating; नाया० ४; —तल्लिच्छु.
त्रि० (तल्लिअ) भांसनेो गृहि-वेत्तापी.
मांस का लालुगी. greedy of flesh.
नाया० २; —पिय. त्रि० (-प्रिय) भांस
आवाभां प्रीति पावे. मांस खाने में प्रीति
रखने वाला. fond of flesh-eating.
नाया० ४; —भक्षिअ. त्रि० (-भक्षित)
भांसादरी; भांस लक्ष्य करेनार. मांसाहारी.
carnivorous; flesh-eating. नाया०
१; —लोअ. त्रि० (-लोअ) भांसनेो

लोभपी; मांस क्षपट. मांस का लोलुपी.
greedy of flesh. नाया० ४;

आमिसत्थि. त्रि० (आमिषार्थिन्) मांस नी
छन्द-प्रार्थना करनेवाला. आमिष-मांस की
इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One)
desiring flesh. नाया० ४;

✓आ-मुस. धा० I. (आ+भृश्) धसतुं;
मर्दन करतुं; मर्दनी निम्न्यातुं. घिसना;
मर्दन करना; मर्दकर निचोना. To rub,
to expel water from a wet
cloth by twisting it.

आमुसिजा. वि० दम० ४;

आमुसंत. ठा० १; दम० ४;

आमुसमाण. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुस्तो. अ० (आमुहृतांतस्) अंत-
मुहूर्त पर्यन्त. अन्तमुहूर्त तक. Up to the
limit of an Antaramuhūrta.
क० प० २, ५२;

आमेल. पुं० (*) भटतक भूषण; भुगट उपरकी
झूलनी माला. मस्तक भूषण; मुकुट उपरकी
पुष्प की माला. A flower garland
of a crown. " वणमाला मेल मडल
कुंडल सच्छंद बिडबिवा भरण " पञ०
२; ओव० २४; राय० ८६; नाया० १६;
जीवा० ३;

*आमेलअ-य. पुं० (*) लुओ उपरो शब्द.
देखो ऊपरका शब्द. Vide above. भग०
४, ३३; ओव० ३०;

*आमेलग. पुं० (*) लुओ "आमेल" शब्द.
देखो "आमेल" शब्द. Vide. "आमेल"
"आमेलग जमल जुगल बहिय" भग०
६, ३३; नाया० १; २, राय० १११;

आमेलग. न० (आमोक्षक) स्तननो अभ-

आमः-डीटडी-डीटु. स्तनका अग्रभाग. The
nipple of the breast; a teat.
ज० प० जीवा० ३, ३; (२) प२२५२ थेडा
संबंध वाला. परस्पर थोड़े, संबंध वाला.
having limited inter-relation.
नाया० १; १४;

आमोक्ष. पुं० (आमोक्ष-आमुष्यतेऽस्मिन्नित्या
मोक्षं वाऽऽमोक्षः) आ-संभूतात्-आरे
तरङ्गिणी मोक्ष-छुटकारा; कर्मिणी सर्वथा
छुटकारा. संपूर्णतया मोक्ष; कर्मसे सर्वथा
छुटकारा. Perfect salvation;
perfect emancipation from
Karma. "आह्वयाऽऽह्व आमोक्ष" ॥
आया० नि० १, १, १, ७; सूय० १; १, ४,
१३; २, ५, ३३;

आमोडण. न० (आमोडन) आ-थेडुं भर-
तुं-आंगतुं ते. कुछ मरोडना. A little
twisting. पण० १, १;

आमोडिज्जन्त. व० कृ० त्रि० (आमोडमान)
थेडुं भरतुवाभां आवतुं. जो थोड़ा मरोडा
जाता है वह. Being twisted a
little. राय० ८८;

आमोय. न० (आमोक्ष) इयत्तानो ढगो;
उडरडो. कचरेका ढेर. A heap of re-
fuse. "आमोयविवा" आया० २, १०,
१६६;

आमोयमाण. व० कृ० त्रि० (आमोदमान)
भुशी थतो; आह्लाह पाभतो; प्रसन्न होता
हुआ; खुश. Rejoicing. "आमोयमाणा
गच्छन्ति" उता० १४, ४४;

आमोस. पुं० (आमर्श) स्पर्श करवा ले.
स्पर्श करना. Touching; touch. ओष०

नि० भा० १६४; पण्ड० २, १; प्रब० १५०६
आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) चोत२क्षी चोरी
करेना२. चारों ओर से चोरी करने वाला.
One who steals from all quart-
ers. "आमोसे लोमहारेय" उक्त० ६, २८;

आमोसग. पुं० (आमोषक) चोर, त२३२.
चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०;
ठा० ५, २;

आमोसहि. स्त्री० (आमशौषधि-आमशौहि-
हस्तादिना स्पर्शः संप्रौषधिरामशौषधिः)
हाथना स्पर्शमात्रથી सर्व रूई भटी बनय
येरी जननी मेरवेरी शक्ति; २८ लब्धि-
भांती ऐक. हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि
मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति; २८ लब्धि-
योंमें की एक लब्धि. Power to cure
diseases by mere touch of the
hand etc; one of the 24 Labdhis.
ओव० १६; (२) ऐवि लब्धि पाया साधु.
उक्त लब्धिवाला साधु. an ascetic pos-
sessed of the above mentioned
power. विशेष० ७७६; —पत्त. त्रि० (प्राप्त)
हाथ मात्र लगाववाली अधी पीडा भरी गाय
तेरी लब्धि ने पायेस. हाथ के स्पर्श मात्र से
संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुआ.
possessed of the power of cur-
ing maladies by merely touch-
ing with the hand. पण्ड० २, १;

आय. न० (आज) अकरीनां आयनं अनेस
पत्र. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र.
Cloth made of the hair of a
she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) लाभ; पनादिकनी प्राप्ति;
आयक; कमाएली. लाभ; आय; आमदनी.
Gain; earning; income. "आयं न
कृत्वा इह जीवियत्यर्थी" सूय० १, १०, ३;

१, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पि०
नि० ३१६; अणुमो० १३; (२) कर्मनी
आयक; आश्रय. कर्म का आश्रय-आवक.
inflow of Karma. सूय० १, १०.; ३;
(२) अध्ययन तथा उद्देशादि. अंग सूत्र के
अध्याय वगैरह. chapters, sections
etc. "नायस्स दंसयस्सवि चरणस्सय जेणं
आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोत्त
एगहा" दम० टी० १; (४) डालानी ऐक
जन; वनस्पति विशेष. कोलाकी एक जाति;
वनस्पति विशेष. a kind of vegeta-
tion of the gourd kind. "सेकिंत
कुहणा कुहणा अणंगविहा प० तं० आय
काए कुहणे" पञ्च० १;

आय. पुं० (आयम्) आत्मा; श्रु०. आत्मा;
जांव. Soul; life. "आयगुत्तेजिहंदिण"
नाया० ८; मम० १; पञ्च० १६; २८;
आया० १, १, १, ३; सूय० १, ११,
१६; उक्त० २, १५; ८, १६; १४, १०;
भग० १, ४; ६; २, १; ३, ४; ६, १०;
२०, २; ४१, १; राय० ७८; नंद० ४५; ठा०
७, १; विशेष० ३०; ६२; ३५३६; —अंगुल.
पुं० (-अंगुल) आत्मांगुल; शास्त्राक्त प्रमा-
प्राप्तिन उपायसिद्धा उतम गुणपना शरीरनी
उपायिना १०८ भा भाग; आत्मांगुल कड़े-
वाय छे आ अंगुली की कुवा, नदी, घर, क्षेत्र.
आली वगैरे पदार्थनं माप थाय छे. आत्मां-
गुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की
उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुल
कहलाता है, इस से कुआ, नदी, घर, बाड़ा
आदि का माप होता है. a measure of
height or length, 108th part
of the full height of a man as
settled by the authority of
scriptures; it is used to mea-
sure the depth of wells etc.

विरो० १४०; अणुजो० १३४; प्रव० ५६,
८; १४०३; —अंतकर. पुं० (—अन्तकर-
आत्मनो अन्तमवसानं भवस्व करोतीत्या-
त्मान्तकरः) आत्मानो अन्तनो अंत कर-
नार; आत्मानो वध करनार. आत्मा-जावन
का अंत करनेवाला. one who des-
troys life; one who destroys
the soul. ठा० ४, २; —अजस्त.
म० (—अयशस्) आत्मानो अयस-अशुभ
..भक्ष्मनी अेक प्रकृति. आत्मा का अपयश
—अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति. infamy.
disrepute of the soul; a variety
of evil Nāma Karma. भग० ४१,
१; —अणुकंपय. त्रि० (—अनुकम्पक—
आत्मानमेवानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभा-
नुष्ठानेन सप्रतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानु-
कम्पकः) आत्महित करवाभां प्रवृत्त; प्रत्येक-
पुद्गल अथवा जिनकल्पी. आत्महित करने में
प्रवृत्त; प्रत्येकपुद्गल अथवा जिनकल्पी. one
devoted to the welfare of the
soul. “आवाणुकंपय आत्मवेगे यो पराणु-
कंपय” ठा० ४, ४; सूय० २, २, ८५;
—अभिनिवेश. पुं० (—अभिनिवेश) पोता-
पुत्रानो आभ्रं, भक्त्यभाव. अहंभाव; ममत्व
भाव. self-love, attachment to
one's selfish interests. नंदी०
—आदिमरखवसिय. त्रि० (—अधिकरण
प्रत्यय—आत्मनोऽधिकरणानि आत्मवि-
करणानि तान्नेव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया
करये तदात्माधिकरणप्रत्ययश्च) जेभां
आत्मानो अधिकरण करणरूप छे ते.
जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है
वह. (that) in which relation
with the soul is the active
cause. “आवादिगरखवसिर्व यत् तस्स
वो इरिवावदिवा किरिवा कज्जइ संप्र-
व. ११/८.

राइवा किरिवा कज्जइ” भग० ७, १;
—आदिगरणि. पुं० (—अधिकरणिन्—अधि-
करणानि हस्तकटादीनि कवावाअयभूतानि
वस्य सन्तिसोऽधिकरणी आत्मनोऽधिकरणी
आत्माधिकरणी) आरंभादिदिना साधन,
हुम यगरे जेनी पासे छे ते आत्मा;
पोतानी जते आरंभ समारंभना अधि-
करण मेधयनार. आरंभादिक के साधन;
हल आदि जिसके पास है वह आत्मा;
स्वयं आरंभ समारंभ के साधनों को एक-
त्रित करने वाला. a soul possess-
ed of implements of killing
etc., such as a plough etc. by
his own efforts “आवादिगरणी
भवइ” भग० ७, १; १६, १; —आरंभ.
त्रि० (—आरंभ) पोताने हाथे अवनो धात
करनार. अपने हाथ से जीव की घात करने
वाला. (one) who kills a life
with his own hands. भग० १, १;
—उपक्रम. पुं० (—उपक्रम) पोतानी जते
आदिआनो उपक्रम करवा, आदिपुं दुं दुं
करवुं ते अपने हाथसे आयुष्य को कम करना.
shortening one's own life.
भग० २० १; १०; —कम्म. न०
(कर्मन्) आत्माये करवा कर्म. आत्मा का
किया हुआ कर्म. Karmas done by
one's self or soul. भग० ३, ५; २०,
१०; २५, ८; —गव. त्रि० (—गत—आत्मनि
गतमात्मगतत्वं) आत्माभां रहेल; आत्म-
संबंधी. आत्मा संबंधी. relating to
the soul. पंचा० ३, १७; —गवे-
सय. त्रि० (—गवेचक) आत्मानं कर्म
महापदद्वारेण शुद्धं गवेचवतीत्यात्मगवेचकः)
आत्माना परा स्वरूपने शोधनार. आत्मा
के सचे स्वरूप को खोजनेवाला. (one)
who investigates into the

real nature of the soul. "सा हि साधवोऽयं स भिक्षुः" उत्त० १५, ५; —गुप्त. त्रि० (—गुप्त—अन्यत्राणां भ्यां मनोवाक्यैरात्मना गुप्तः यदा स अस्मात्तः) मनःस्थितं चोपयत्ते इति आत्मने पाप. थी मे परतः; अत्मरक्षक. मन, बचन और काम से आत्मा को रक्षा करने वाला. (one) who guards the soul against sins of thought, word and deed. "सन्नेन साधु जायन्ति आयुस्तः जिह्मिया" सूय० २, २, ६५; अय० १, २, ७, २०४; १, ३, १, १०१; उत्त० १५, ३; सूय० १, ११, १६; —छट्. पुं० (—षष्ठ) आत्मा जेभां छे छे जेभां पाय भूत. आत्मा जिसमें छटा है ऐसे पंचभूत the soul along with the five elements. "आयच्छटो पुणो साहु" सूय० १, १, १, १५; —षट्पदा. पुं० (—षष्ठवादिन्) पंचभूत उपरंत ७१ आत्मने भान्तर सांख्य योगेरे. पंचभूत के सिवाय आत्मा को छटा नाने वाले सांख्य वेगैरह. one who admits the existence of the soul in addition to the five elements; e. g. a Sāṅkhya etc. सूय० टी० १, १, १, १५; —जस. न० (—यशस्) आत्माना यशरूप संयम आत्मा का यशरूप संयम. the glory of the soul viz self-restraint "जावा क आयजसेव उववज्जति" भग० ४१, १; —जोग. त्रि० (—योग) आत्मा तरङ्गनी प्रवृत्ति वाली; कुशल भननी प्रवृत्ति आत्मा संबंधी प्रवृत्ति वाला; कुशल मन की प्रवृत्ति (one) busy with what concerns the soul; salutary

activity of the mind. सूय० २, २, ६५; —जोगि. पुं० (—योगिन्—आत्मनो योगः कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः स यस्यास्ति) सदा धर्म ध्यानभां निमग्न. सदा धर्म ध्यानमें निमग्न. always engaged in religious meditation. दया० ५, २१; —ट्ट. पुं० (—अर्थ) आत्मानुं अर्थ—प्रयोजन; भेद. आत्मा का प्रयोजन; मोक्ष. the aim of the soul; salvation. आया० टी० १, २, १, ६२; —ट्टि. पुं० (—अर्थि आत्मनो अर्थे आत्मार्थः स विद्यते यस्य स तथा) आत्मानुं हित करने. भेदार्थि. आत्मा का हित करने वाला; मोक्षार्थी. one who accomplishes the well-being of the soul; one aiming at salvation. सूय० २, २, ६५; —ट्टि. पुं० (—अद्वि) आत्मनी अद्वि-शक्ति वाली. आत्मा की आद-शक्त्या one possessed of soul power. भग० ३, ४; ६, १; २०, २; २५, ६; —तिगिच्छिअ. त्रि० (—चिकित्सक) पेते पेतनी दत्ता करने. अपने आप औषधि करने वाला. (one) who is his own doctor. टी० ६, ६; —तुला. का० (—तुला) आत्मानुं तुला-समानता-उपमा. आत्मा का उपमा. self-comparison, e. g. comparison of the lives of others with one's own life. "आयुक्तं पाण्डि संजय" सूय० २, २, ३, १२; —दंड. पुं० (—दंड आत्मानं दंडनम्यात्मदंडः) आत्माने दंडन. आत्माने हानि-पदेत्यादितर. आत्मा का कंधनवाला; आत्मा का हानि पहुंचाने वाला one who

destroys or ruins his own soul. " एनेण काण्ण य आयदेइ " सुय० १, ७, २; —इड्ढममायार. पु० (-इड्ढममाचार) आत्माना अदित्तं अनुत्तान करेनार; आत्मा इड्ढ य तेनु अत्तरणु करेनार. आत्मा के आइत का कार्य करनवाला. one acting in a way to injure his own soul सुय० १, २, ३. —निक्केइय. पु० (-निक्केइय) सम्मदरीना आदि अनुत्तान पडे अत्तमे ससारके प डेइयात्त मयी अदार करेनार. सम्मदरीनादि के अनुत्तान के द्वारा आत्मा को संगारकी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सुय० २, २, ८५; —पइट्ठिअ य. त्रि० (-प्रतिष्ठित) पेताने आत्मा उत्पन्न थयेत्त; अदार निमित्तयिना अंतरना निमित्तथीत्त थयेत्त. स्वभावतः उत्पन्न; बाहिर के निमित्त बिना अंदरके निमित्त से ही उत्पन्न. spontaneously produced without the operation of any outside agency ठा० २, ४; ४, १; —पण्णक्कम. न० (-प्रयत्न) आत्मसाक्षी. आत्म साक्षी. with one's self or soul as witness; in one's own presence. भत्त० ५५; —परक्कम. त्रि० (-पराक्रम) आत्मसाधक-संयम अनुत्तानवालो. आत्मसाधक-संयम अनुत्तान वाला. (one) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. सुय० २, २, ८५; वसा० ५, २४; —प्यशोग. पु० (-प्रयोग) आत्मनो व्यापार. आत्मा का व्यापार. activity of the soul.

भग० ३, ८, ५; २०, १०; २३, ८; ३२, १; —प्यशोग निवर्त्तितय. त्रि० (-प्रयोग निवर्त्तित आत्मनः प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निवर्त्तितं निष्पादितम्) आत्मनो व्यापारथी निवर्त्तेत्त. आत्मा के व्यापार से उत्पन्न. produced by the activity of the soul. भग० १६, १; —परमाणु. त्रि० (-प्रमाण) आत्मा देइनुं आत्मा देइ हाथ प्रमाण प्रमाण. आत्मा देइ का माइतान हाथ वा प्रमाण measure of the body equal to three and a half times the length of the arm. प्रव० १२६; —प्यवाय. न० (-प्रवाद—आत्मानं जीवमनेकधा नदमन्नेदेन दत्तवदति तद्वत्प्रवादम्) ओ नामनो अइ पूर्व-अनु विदीय; आइपूर्व भनो अइ. नैदह प्रकार क पूर्वो में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Pārvās. तंदी० ५६; सम० १४; प्रव० ७२०; —वल्ल. पु० (-वल्ल—आत्मनो वल्लं शक्क्युपकय आत्मवज्जम्) आत्मनो शक्ति. power of the soul ज्ञा० १, २, २, ७५; —अव. पु० (-भाव) मिथ्यत्व नियम श्रुतिपणुं पड़ेरे. मिथ्यात्व विषय मे तांजुयता. greediness after sensual pleasures, heretical belief etc. " विण्हकुरुं रुप्पह आबभाव " सुय० १, १३, २१; (२२) पेतानो अलिप्रय-भत्त. अपना मत one's own view or opinion. " सवेण एत्त एट्ठे मो वेवणं आय भाव वत्तवयाए " भग० २, ५; १०; विशेष० ६८; सुय० १, १३, ३; —भाववत्कया. त्रि० (-भाववत्कया) पेतानो अंतरना अप्रशस्त भाव भोटा विवरने सत्ता रूपों देयाइता ते. अपने

अप्रशस्तभाव—सराव विचार को अच्छे रूप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; —रक्षक. पुं० (-रक्ष) अंग-रक्षक; आत्मरक्षक. अंगरक्षक; आत्मरक्षक. a body-guard; one who guards the soul. तस्यो आयरक्खा पञ्चता संजहा धम्मिआए पडिबोयखाए' ठा० ३, १; पञ्च० २; जं० प० ५, ११२; राय० ७१; सूय० २, २, ५६; भग० ३, १; १६, ६; १७, ५; कप्प० २, १३; जं० प० ४, ७३; ५, ११६; —रक्षदेव. पुं० (-रक्षदेव) आत्म-रक्षक देवता. आत्मरक्षक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नामा० ८; नाया० ४० भग० ३, ६; १०, ६; १४, ६; जं० प० ४, ७३; —रक्षित्वय. त्रि० (-रक्षित) जेणे दुगतिथी आत्मानुं रक्षयि करेले छे ते; कुगतिसे आत्मा को बचानेवाला (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. " आयपरक्खं आयरक्खिए " सूय० २, २, ८५; अराहं पिहसो किञ्चा विरेए आयरक्खिए " उल्ल० २, १५; —विस्सेहि. त्रि० (-विशुद्धि) पापनुं प्रायश्चित्त करीने आत्मानि विशुद्ध करी ते. पापका प्रायश्चित्त करके आत्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for sin नदी० ४३; —वेयावच्छकर. त्रि० (-वैयावृत्त्यकर) आलसु आलसी. idle; lazy (२) विसंभोगिक—सधुसमुदायथी लक्षण. विसंभोगिक-साधुसमुदाय से मिला. apart from the assemblage of monks. " आयवेयावच्छकरे नाममंणे वो वरवेयं वरवक्खे' ठा० ४; —संवेयसिज्ज पुं०

(—संवेतनीय-आत्मना संवेत्यन्ते क्रियंतइत्यात्मसंवेतनीयाः) लुओ " आयसंवेयसिज्ज " १७६. देखो " आयसंवेयसिज्ज " शब्द. Vide. " आयसंवेयसिज्ज " " आयसंवेयसिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० सं० बहुलया चउव्विहा धंभवायवा जेसखाया " ठा० ४, ४; —संवेयणीय. पुं० (-संवेदनीय) ६०५ उपसर्गने ओक भ्रकार; पोताना काल्पुथी शरीर के संयमनी उपधान-पीडा थाय ते. इव्य उपसर्ग का एक भेद; अपनेही कारण से अपने शरीर अथवा संयम का उपघात होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self; a variety of material disturbance. " चउव्विहा उवसग्गा प० सं० दिग्वा मायुस्सा तिरिवल्ल जेसिया आयसं वेयसिज्जा " ठा० ४, ४; —सरणह. न० (-स्मरणार्थ) पौनाना आत्माने संभारयाभाटे. अपनी आत्माका स्मरण करने के लिये. in order to remember or keep in remembrance one's own soul. क० गं० ५, १००; —सरीर अणवकंकावसिया. स्त्री० (-शरीरानवकावाप्रत्यया) अणुव-अणुवसिया कियाने ओक भेद; पोताना शरीरने नाश थाय तेया कर्म कस्माथी लागती किया. अणवकंकावसिया किवा का एक भेद; अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म कर्म से लगनेवाला किया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. ठा० १, १; —सात. न० (-सात) आत्मसुख. आत्मसुख. one's own happiness; self-happiness. " सूताहं के हिंसति आवसते " सूत्र १, ७, ५; —कायावृ-

गामि. पुं० (साताजुगामिन्) आत्म सुख
 भेदयथा धर्मनाम्. आत्म सुख प्राप्त करने-
 की इच्छावाला. one desirous of
 getting one's own happiness.
 " इता वेता पगडिभता आय सावासाङ्ग-
 गाभिषो " सूय० १, १३, ५; —सुह.
 न० (-सुख) शरीर सुख. शरीर सुख.
 physical happiness. " वे द्विदती
 आयसुहं पदुष " सूय० १, ७, ८;
 —सोहि. स्त्री० (-शोधि) आत्मशुद्धि;
 अभिनो क्षयोपशम के क्षय. आत्मशुद्धि; कर्म
 का क्षयोपशम अथवा क्षय. soul purifica-
 tion; destruction or attenua-
 tion of Karma. ' आय पजोगमाय-
 सोहीद् " आया० १, १, ४, १६; दसा० ५,
 ४२; —हम्म. त्रि० (-घारय) आत्मानि
 धातु ३२नाम्. आत्माकी घात करने वाला.
 soul-destroying; self-destroying.
 पिं० नि० ६५; —हित. न० (-हित)
 स्वहित; पोताजुं भजुं. स्वहित; अपना भला.
 self-good; self-benefit. " आयहिने
 आयगुते आयजोगे " सूय० १, २, ८५;
 दसा० ५, २१; —हेउ. पुं० (-हेउ)
 आत्मानिभिरनो, पोताभाये. आत्मा के लिये;
 अपने लिये. for one's own sake;
 for one's own self. " केइ पुरिले
 आयहेउं वा आयहेउं वा " सूय० २, २, २२;
 आयम्. त्रि० (आयत्त) लम्बु. लंबा. Long.
 राव० १०२; विरो० ७०४;
 आयद्. स्त्री० (आयति) भविष्य ३५.
 भविष्य काल. The future. पंजा०
 १६, २८; प्रब० १५६१; —अयुग. त्रि०
 (-अयक) भविष्यमां ४४ ६५ आपनाम्.

भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving
 the desired fruit in the
 future. " आयद् जखगोसो " पंजा० १६,
 २८; प्रब० १५६१; —फल. न० (-फल)
 ५२भजुं ४४ ६५. परभव का इष्ट फल.
 desired fruit of the next or
 future birth. " आयतिफलमदु-
 साहयं च निउयं युवेयस्यं " पंजा० १२,
 ४०; —संपगासण. न० (-सम्प्रकाशन-
 आयत्ताः सम्प्रकाशनमायतिसम्प्रकाशनम्)
 भविष्यनी सारी आशा अतापनाम्; आभनो
 मे३ भेद. भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी
 आशा बतानेवाला; साम का एक भेद.
 showing good hopes for the
 future; promising well for the
 future. ठा० ३;

आयं. अ० (आयम्) वाक्याल ३२. वाक्या-
 लंकार. An expletive. नाया० २;

आयंक. पुं० (आतङ्क) अ० "आतंक" १७६.
 देखो 'आतंक' शब्द. Vide, "आतंक"
 "आतंकवन्ती न करेइ पावं" आया० १,
 ३, २, ४; "अरइ गंठं विसूहवा आयंका
 विविहा कुलंतिते" उत० १०, २७; ३,
 १८; आया० १, १, १, ५३; १, ५, २,
 १४७; १, १, २, १११; पिं० नि० ६६६;
 जवा० १, १; महा० प० ३५; राव० ३२;
 सु० च० १०, १३१; नाया० १; ५; मग०
 २, १५ १६, २; १८, १०; २५, ७; उवा०
 ४, १५३; गच्छा० ७६; संत्वा० ३२;

आयंबखियाउदय. न० (*) कुमारना वास-
 ज्जुमां रवेजुं भाटीवाक्षु पाक्षी. कुम्हार के
 बर्तन में रहा-कुआ मिट्टीवाला पानी. Water
 in a potter's vessel i. e. earthen

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ नी फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

vessel and so muddy. भग० १५, १;

आयंत. त्रि० (आचान्त) यधु करेन; पाणी-
थी हाथ मोदुं साइ करेन. चुल्लू किया
हुआ; पानी से हाथ मुंह साफ किया हुआ
With the hands and face
washed with water. नाया० १; १६;
भग० ३, १; ६; ३३; ११, ६; जीवा०
३, ४; ओव० १२; राय० १७३; कप०
५; १०३;

आयंतम. त्रि० (आत्मतम—आत्मानं तमयति
स्वेदयतीत्यात्मतमः) संयम यगेरेणी आत्मा-
ने दमनार. संयमादि के द्वारा आत्मदमन
करनेवाला. One who subdues the
self by self-restraint etc. ठा० ४,
२; (२) (आत्मैव तमोऽहानं क्रोधोवा यस्य
स आत्मतमाः) अज्ञानी; झेधी. अज्ञानी;
क्रोधी. (one) who is ignorant:
(one) given to anger. “ आतं-
तमेवाममेगे ना परंतमे ” ठा० ४, २;

आयंता. स्त्री० (*) आचारंग सूत्रना
पांथमां अध्ययनं नाम. आचारंग सूत्र के
पांचवें अध्ययन का नाम. Name of
the 5th chapter of Achārāṅga.
सम० ६;

आयंतिय मरण. (आत्यंतिकमरण) अंश
वार भरीया पछी ६री बीजवार ते
भतिनुं भरखु न थाय ते. एकवार मरजाने
के बाद फिर दूसरी बार उस गति का मरण
न होना. Final death in a par-
ticular condition of existence
i. e. there will be no birth

again in that condition of
existence. सम० १७;

आयंदम. त्रि० (आत्मदम—आत्मानं दमयति
शमवन्तं करोति शिष्यवर्तीत्यात्मदमः)
आत्माने दमनार. आत्मदमन करनेवाला.
One who subdues the self. ठा०
४, २;

आयंब. त्रि० (अ तात्र) आ-धुनिक—थोड़ी
रतःशवाधुं. कुछ ललामावाला. Reddish.
ओव० १०; प्रव० १४६५;

आयंबिर. त्रि० (आतात्र) लालरंजनु.
लाल रंग का. Red; of red colour.
सु० च० १, ७५; ६. १२४;

आयंबिल. न० (आचाम्ब) जेमां भात
यगेरे धुयधु अनाज ओक वषत अयाय
ते; आयंपिल नामनुं ओक तप. ‘ आयं-
बिल ’ नामक एक तप विशेष जिम में लूखा
भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही बार
खाया जाता है. A kind of austerity
in which a person takes rice,
pulse etc. only once without
adding Ghee to it अंत० ८, १;
नाया० ८; १६; भग० ३, १; ४२, १;
ओव० १६; प्रव० २०४; आव० ६, ६;

—पञ्चदश्याण. न० (—प्रत्याख्यान) आंगेय
करवाना प्रत्याख्यान पञ्चआणु लेना ते
आयंबिल करने का प्रत्याख्यान लेना. a vow
to perform the austerity of
Āyambila (g. v.) नाया० १६;
—पाउम. त्रि० (—प्रायोग्य) अंगेय-
आयंपिलमां पापरंवा ये.अ. आयंबिल-
आयंबिल में काम लाने योग्य. fit to be
used in Āyambila आव० ६, ६;

— घट्टमाण. न० (-वर्जमान) अं६ परस
त्रय मास अने २० दिवसे धनुं ओक तप
के जेमां ओक आयपिलने पारणे; ओक
उपवास करी, ओ आयंगित करवाभ.
अ.पेछे; यथा ओक उपवास करी त्रय
आयंगित; अथ ओक ओक आयंगित यथा-
२नां १०० आयंगित सुधी यथा छ.
चोदह वर्षे, तान मास आर २० दिनतक
होनेवाला अप जियमे कि एक आयंबिल
के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके
बाद दो आयंबिल किये जाते हैं. फिर एक
उपवास तीन आयंबिल, इस प्रकार बढ़ाने
बढ़ाने १०० आयंबिल तक किये जाते हैं.
पारणा के बाद एक उपवास होता है इस
रीति में चोदह वर्षे ३ मास २० दिन में यह
तप पूर्ण होता है. an austerity
extending over 14 years three
months and 20 days; here one
performs one Āyambila's follow-
ed by a fast, then two, follow-
ed by a fast, then three, follow-
ed by a fast and so on up to
100 Āyambilas. अंत० ८, १०;
आ० १६;

आयंबिल-य. पुं० (आचाम्लिक) आभे-
नुं तप करना. आयंबिल-आयंबिल का तप
करनेवाला. One who performs the
austerity known as Āyambila.
पर० २, १; ठा० ५, १;

अयंभर. त्रि० (आत्मभर-आत्मानं विभर्ते
पुण्यातीत्यात्मभरः) स्वार्थी; पोतानुं
पोषण करना. स्वार्थी; अपनाही पोषण
करनेवाला. Selfish. “ आयंभरं नाम-
मेगे चो परंभरे ” ठा० ४, ३;

आयंस. पुं० (आदर्श-आसम्ताद्वरयते
अस्मिन् स आर्जः) अरीसो; ६५७

दर्शण; आयना; कौच. A mirror, a
looking-glass. ज० प० ५, १२०;
राय० ४८, ११८; — घर. न० (-गृह)
अरिसा भुवनः क. अनु धर. कांचका घर; शाश
महल. a house made of glass or
mirrors. ज० प० ३, ७०० — घरग.
पुं० (-गृहक) अनु आ उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द. vide above. राय०
१३६; — तल. न० (-तल) अरिसा नु
तली. दर्शण का पेंदा. the surface
of a mirror. अथ० — तलउपम. त्रि०
(-तलउपम—आदर्शो दर्शणस्तस्य तलं
तेन समतयापमा पश्य आदर्शतलोपमः)
अरीसने आशरे भंडल-गुंलो वालनार
सर्पनी ओक जंत. दर्शण के आकार का
भंडल करनेवाला एक जान का सर्प. a
kind of serpent forming it-
self into the shape of a
mirror circular in form. (२)
(आदर्शो मण्डलनिवादर्शमण्डलम्) भंडल-
कारे गोलेवै अरीस. भंडलाकार सजाये हुए
दर्शण. a circle formed of mirrors.
“ आयंसमंडले इवा ” ज० प० पन्हा० १,
३; — लिपि. स्त्री० (-लिपि) १८ जंत. ती
लिपिभांती ओक लिपि. १८ प्रकार की लिपियों
में से एक लिपि. one of the 18 kinds
of script. पञ्च० १;

आयंसग. पुं० (अदर्शक) असदनी डोकनुं
ओक आभरण. बैल के गर्दन का एक गहना
A neck-ornament of an ox.
अणुजो० १९;

आयंसमुह. पुं० (आदर्शमुख) सवथु समुद्र-
मां अभिपुष्टा तर्ह २६६ आयंसमुप
नाभनो ओ३ अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के
अग्नि-कोण में रहा हुआ आयंसमुख नाम
का अन्तरद्वीप. An island of the
name of Āyamsamukha in the
Lavana ocean. (२) ते द्वीपमां
२६६ना२. उसमें रहनेवाले. an inhabi-
tant of the same. ठा० ४, २; पञ०
१; जीवा० ३, ३;

आयंसय. पुं० (आदर्शक) अरीसो; आयनो.
दर्पण. A mirror; a looking-glass.
ओव०

आयकाय. पुं० (*आयकाय) वनस्पति विशेष.
वनस्पति विशेष. A kind of vegeta-
tion. भग० २३, ३;

आयग. न० (आजक) अङ्गरीनां आशनुं
अनावेक्ष पश्च. बकरी के बाल से बनाया
हुआ वस्त्र. A cloth made of the
hair of a she-goat. आया० २, ५,
१, १४५;

आयचरित. त्रि० (आयचरित्र-आय भूतं
चरितचारतया चरित्रं यस्य स आय
चरित्रः) ६६ आरित्र. दृढ चरित्र. (One)
having a firm character or
right-conduct. संस्था०

आयच्छत्त. न० (आतपत्र) छत्री; छत्र.
छत्री; छत्र. An umbrella. "एते
पुरिसे विद्वानो आयच्छत्तं धरेद्" नाया० १६.

आयद्धिय. सं० क० अ० (आकृष्य) अंयिने;
आकर्षिने. खींचकर; आकर्षण करके.
Having drawn; having at-
tracted. सु० च० ७, १५१; ११, ५६;

आयथ. पुं० (आजीव्य) अभावेक्ष आभुं;
आभुजनुं अ०. कमाया हुआ चमड़ा;

चमड़े का वस्त्र. Tanned leather;
a garment of leather. "जे
भिवल् माडगामस्स मेहुणवडियाए आब-
याणिया आइयपावाराणि वा" निसी०
७, ११;

आयत. त्रि० (आयत) लांथुं; दीर्घ. संवा;
दीर्घ. Long; protracted जं० प० पञ०
१; भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय०
१, २, ३, १५; (२) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution, salvation.
"आयपरे परमायतद्विते" सूय० १, २, ३,
१५; (३) अंयिने, खींचा हुआ. drawn.
भग० १, ८; (४) पुं० दीर्घाकार संस्थान.
दीर्घाकार संस्थान. configuration in
its length. भग० २५, ३; —करणा-
यय. त्रि० (—करणायत) अनिशय प्रयत्नधी
क्षान सुधी अंयिने. बड़े प्रयत्न से कान
तक खींचा हुआ. drawn with great
effort as far as the ear. "आयव
करणाययं उमुं आयामेता चिद्वद्" भग०
१, ८; ६; जं० प० ३, ६२; —चक्षुः.
त्रि० (—चक्षुः-आयत दीर्घमैहिका मुष्मिका-
पायदर्शिवक्षुर्ज्ञानं यस्य स आयत-
चक्षुः) दीर्घं दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one)
able to take a comprehensive
view of things temporal and
spiritual. आया० १, २, ५,
६३; —चरित. न० (—चरित्र) मोक्ष
मार्ग साधक चरित्र. मोक्ष मार्ग साधक
चरित्र. right conduct leading to
salvation. "आदाणि वंमि आयत
चरित" आया० टी० १, १, ७, ६१;
—द्व. पुं० (—अर्थ) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution; final emancipa-
tion. सूय० १, ८, १८; —द्विज. पुं०
(—अधिक) लांथा वपत थी मोक्षनी

अभिप्रायार्थः। बहुत समय से मोक्ष का अभिलाषा वाला। one desirous of salvation from a long time, one longing after salvation from a long time. "आयपरे परमाय-सङ्गि" मू० १, २, ३, १५; -फल-त्रि० (-फल) मोक्षरूप इति आयपनर-भोक्षरूप फल देनेवाला। giving salva- tion as fruit or result. पंचा० १२, ४०; —संठाण न० (संस्थान) दीर्घाद्यः; इति दीर्घाद्यः आकार-संज्ञा; पञ्च संज्ञायां भावः अत्र। दीर्घाकार; लंबाई के समान लंबाईवाला आकार संस्थान। पञ्च संस्थानों में से एक। long configura- tion like that of a stick; one of the five configurations. भग० ८, १; १६, ६; ठा० १; पञ्च० १; —संठाण परिणय-त्रि० (-संस्थानपरि-णय) आयन संज्ञायु रूपे परिणत प. भेद आयत संस्थान रूप से परिणत पाया हुआ। (one) who has been develop- ed into, changed into, a long configuration. पञ्च० १;

आयतण न० (आयतन) स्थानः न अ. श्रयः निवास स्थान. स्थान; आश्रय; निवास स्थान. Place; abode; residence. ओष० नि० ७६२; पण० २, १; आया० १, ७, ४, २१५; पंचा० ८, १६; निर्वा० १६, २६; (२) देहः; देवालय; मंदिर. a temple. पण० १, १; (३) देराली आलुने ओरडा. मंदिर की बाजू का कोठा. a side-room in a temple. दसा० १०, १; आया० २, २, २, ८०; (४) कर्मेणु उपादान कारण. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. निर्वा० १, १; आया० २, १,

३, १५; (५) प्रयत्न इत्युः प्रयत्नो मुद्रामो- द-यो ने प्रगट करना; प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. मू० १, ६, १६; (६) स्थान वधस्थान. a place of execution; a place for killing. नला० ६;

आयति. श्री० (आयति) लुप्ता "आयह" इति. देना "आयह" सन्ध. विद्वा- "आयह" पंचा० १२, ४०; —फल- त्रि० (-फल -- आयनी फलमस्य इति) आयतः भवमां इति आयतः. आगमा भव में फल देनेवाला. giving or ripening into fruit in the next or coming birth. पंचा० १२, ४०;

आयत्त. त्रि० (आयत्त) मिश्रित इत्युः, अत्रुः इत्युः मिश्रित क्रिया हुआ इकट्ठा क्रिया हुआ. Got together; collec- ed together; mixed together पि० नि० २३८;

आयत्ता. स्त्री० (आयत्ता) आय-वनस्पति विशेष तो आय; आय वनस्पति पञ्च आय वनस्पति विशेष का भाव; आय वनस्पति- वन. State of being an Āy- (a kind of vegetation). पण० २, ३, १५;

आयत्तण न० (अकर्ण) श्रवण इत्युः ने श्रवण करना; सुनना. Hearing. मू० ४० १५, ३७;

✓ आयम. धा० I. (आ+चम्) यत् इत्युः अशुविशेष टालवे; आयमन इत्युः आयमन करना; उल्लू करना. To remove im- purity with water after an- swering a call of nature.

आयमण. निती० ४, १५; दसा० ३, ०१;

आयमाण. ठा० ५;

आयमण. न० (आयमन) भक्ष त्याग कर्त्ता पानी जलपानी शुद्धि करती ते; क्षेप रक्षित पाव. मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना; लेप रहितता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव० १३३; पि० नि० भा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (आयमिनी) विश्व विज्ञान. विद्या विज्ञान. A particular branch of knowledge. " आयमिणी एवमाद्वाग्रो विज्ञाग्रो अक्षस्म हेतुं पठं जति " सूय० २, २, ३०;

आयय. त्रि० (आयत) जु० " आयत " शब्द. देखो " आयत " शब्द. Vide " आयत " नाया० ५; सूय० १, ६, १२; उत० ३६, २१; अणुजो० १६१; जावा० ३१; दग० ६, ६, २, ३; रि० नि० ३६७; ओष० नि० १२३; भग० ५, ६; ७, ६; १६, २; पंचा० ११, ४२; प्रव० ५२१; —कण्णायय. त्रि० (कर्णायत) जु० " आयत कण्णायय " शब्द. देखो " आयत कण्णायय " शब्द. vide " आयत कण्णायय " भग० १, ८; —गंतु पचागया स्त्री० (-गत्वा पचादगता) कर्त्ता साधु एक लला-शरीरों सिद्धा आगत जल पाछा पचतां जायती करे ते; भिक्षु नो एक प्रकार नो अभिग्रह. गली में साधे आगे जाकर पीछे लोटते हुए भिक्षा करना; साधुओं की भिक्षा का एक प्रकार का अभिग्रह. a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning.

उत० ३०, १६; —चक्षु. त्रि० (चक्षु) जु० " आयत चक्षु " शब्द. देखो " आयत चक्षु " शब्द. vide " आयत चक्षु " आया० १, २, २, ६३; —टि. पुं० (अर्थिन्) जु० " आयतटि " शब्द. देखो " आयतटि " शब्द. vide " आयतटि " दग० ५, २, ३६; —टि. पुं० (अर्थिक) जु० " आयतटि " शब्द. देखो " आयतटि " शब्द. vide " आयतटि " दग० ६, ४, २, ३; —मग. पुं० (-मार्ग) भिक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. the path of salvation. पंचा० ११, ४२; —संठाण. न० (-संस्थान) लक्षणा जेवो जेवो आधार संस्था. लक्षणा के समान लंबा आकार-संस्थान. long shape, configuration, like that of a stick. भग० ८, १०; —संठाण परिणाम. न० (-संस्थान परिणाम) दीर्घाकार परिणाम. आयत संस्थापर परिणाम दीर्घाकारपरिणाम: आयत संस्थान-रूप परिणाम. modification into a long shape or configuration. भग० ८, १०;

आययण. न० (आयतन) जु० " आयतन " शब्द. देखो " आयतन " शब्द. vide " आयतन " नाया० ६; ओष० नि० २, उत० ३३, ६; आया० १, ५, २, १५८; कण० ६, ४३; प्रव० ६६६; —सेवणा. स्त्री० (-सेवन) साधु प्रभूतिनी सेवना करती ते; समकितानुं त्रींशु भूयन्. सम्यक्त्व का तीसरा भूयण; साधु प्रभुति की सेवा करना. act of rendering service to monks etc; the third commendable quality or merit of Samakita (i. e. right faith). प्रव० ६६६;

आयर. पुं० (आदर) दुग्धा 'आदर' शब्द.
देखो 'आदर' शब्द Vide "आदर"
पि० नि० १२८; २०३; पद्म० १, ४;
जीवा० ३, ४; भक्त० १०;

आयरण. न० (आचरण) अनुष्ठान करने में ते.
अनुष्ठान करना. Practice; perform-
ance. ठा० ८;

आयरण. न० (आदरण) वस्तु को स्वीकार
वस्तु का स्वीकार. Acceptance of a
thing. भग० १२, ४;

आयरण्या. कां० (आदरणा) भाषा-
द्वारा विशेषी को अपमान करने में ते. छल कपट से किमा वस्तु का प्रहण
करना. Acceptance of anything
with some deceitful intention.
भग० १२, ४;

आयरिय. त्रि० (आचार्य) आचरना योग्य.
आदरने योग्य. Worthy of being
performed or practised मृ० १,
४, ३२;

आयरिय. पुं० (आचारिक) आचार संबंधी
तत्त्व. आचार संबंधी तत्त्व. Principles
of right-conduct; truth about
right-conduct "आचार्यं विदित्वा
सर्वं दुःखं विमुच्यते" उक्त० ६, ६;

आयरिय. त्रि० (आचारत) आचरेजुं.
आचरण किया हुआ. Performed;
practised. "ब्रह्मजिज्ञासुं च ब्रह्मार्थं बुद्धे-
र्वाचरितं सदा" उक्त० १, ४२; राय० २६;
उवा० १, ४३; भक्त० २२; प्रब० ७७०;
पंचा० १, २३;

आयरिय-य. पुं० (आचार्य) आचार्य
समुदाय का नायक. आचार्य; समुदाय के नायक.
The head of an assemblage of
monks. (२) तीर्थंकर. तीर्थंकर. Tir-
thankara. (३) गुरु; भू. गुरु; साधु.

preceptor कल्प० १, १; आव० १, २;
भक्त० ६३; ७०; पंचा० ४, ६०; १४, १६;
पद्म० १६; नाया० १: २; ३; १०; १६;
उक्त० १, २०; ४०; सम० ३०; वेद्य० १,
३३; ४, १६; आया० १, ७, १, २००; २,
१, १०, ४६; पि० नि० भा० २७; मु० च०
१०, २०६; श्रव० २०; नय० १, २६; २७;
३७; ३, १०; ११; १०, १२; उवा० १,
७३; विश० ४; भग० १, १; ४, ६; १, ६;
२४, ७; दस० ४, २, ४०; ८, ३३; दसा०
१, १; ४, ६१; ६२; —उप-ध्याय-अ.

पुं० (-उप-ध्याय) आचार्य उपाध्याय;
आचार्य सहित उपाध्याय. an Āchārya
who is also an Upādhyāya;
a head of an order of monks
who is also a preceptor, निर्द०
१६, २४; वेद्य० ६, २६; वच० ३, ४; १०;
११; १२; ६, २; ६७; ७, ६, २; ६, ७;
७, ४; दसा० ६, २०; दस० ६, २, १२;

—पंडितीय. पुं० (-प्रत्यनीक) आचार्य-
को शत्रु प्रतिपक्षी. आचार्य का शत्रु प्रतिपक्षी.
an opponent of an Āchārya
भग० ६, ३३. १४; —पाय. पुं० (-पाद)
आचार्य की चरण-कमल. the feet of an Āchārya.
दस० ८, १, ४; —वेद्याय-अ. न० (-वेद्या-
कृष) आचार्य की सेवा-भक्ति-सेवा
करने में ते. आचार्य की सेवा-भक्ति करना. ser-
vice to an Āchārya श्रव० ठा० ४,
१; वच० १०; ३६; भग० २१, ७; —सम्म-अ.

न० (-सम्मत्) आचार्य को मान्य सम्मत.
आचार्य को सम्मत. liked by, accept-
able to, an Āchārya. दस० ८, ५१;
आयरिय. त्रि० (आर्य) पूज्य; पवित्र.
पूज्य; पवित्र; श्रेष्ठ He is; revered.

आया० १, ८, १, २००; वेद्य० १, ४६;
(२) न० तत्त्व तत्त्व. truth; essence.
उत्त० ६: ६; (३) आर्य वृत्ति पाप नहीं
करनेवाला अर्थात्. आर्यजातः पाप न करनेवाला
जाति. the Ārya race; a person
who does not commit sin. जीवा०
३, ४; पञ्च० १; भग० १, ७; ३, १;
—लेख न० (-लेख) आर्य देश. आर्य-
देश. the country of the Āryas.
१०० वि० टी० १, २, ३, ६६;

प्रायश्चित्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपदं,
आचार्य पद. Preceptorhood, sta-
tus of a preceptor. वन० ७, १६;
प्रब० ८०३;

प्रायश्चित्त स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपदं;
आचार्य पद. आचार्यत्व; आचार्य पद
State of being an Āchārya;
Āchāryahood वन० ३, ७; डा० ३,
३; निर्मा० ७, ३१९;

प्रायश्चित्तमिन्द्रिय न० (आचार्यभाषित)
प्रश्न व्याकरण मन्त्रं चैतन् अध्ययन. प्रश्न
व्याकरण सूत्र का चौथा अध्यायन The
fourth chapter of Prāśnavyā-
karaṇa Sūtra. डा० १०;

प्रायश्चित्त विष्पट्टिबन्धि स्त्री० (आचार्य
विप्रनिवन्धि) अथ दशमस्कन्धं पंचमं अध्या-
यन. दशमस्कन्ध का पांचवां अध्याय The
fifth chapter of Bandha Daśā
Sūtra “ दशमस्कन्ध इत्युक्तकथा पं-
चमं बंधे मुक्तेषु देवदुर्गा दमारमंडले इय
आयश्चित्त विष्पट्टिबन्धि ” डा० १०;

प्रायश्चित्त वि० (आचार्यत्व) आचार्य
पद. आचार्य करने योग्य. Worthy of
being performed or practised.
सम० २८५;

आयश्चित्त पुं० (आदर्श) अदर्शिता; दर्पण
आदर्श. दर्पण आयना. A mirror; a
looking glass. सू० च० २, ११२;

आयश्चित्त पुं० (आतप) अनुभूति “ आतप ”
शब्द. देखो “ आतप ” शब्द. vid 3.
“ आतप ”. ओव० ३८; उत्त० २, ३५;
जीवा० ३, ३; पि० नि० भा० ३४; भग० १,
६; उवा० ७, १६९; जं० प० ५, १५२;

आयश्चित्तोद्योत पुं० (आतपालोक) अग्निना
तपनं दर्शन. आग्न के तार का दर्शन.
Sight of the flames of fire.
“ आतपालोद्योत महंतनुवहय पण कण्ठो ”
नाया० १; दुर्ग. न० (-द्विक) अतप
अने उद्योत नाम. आतप और उद्योत नाम.
the group of the two viz. Ātapa
and Udyota (i. e. heat and
light) क० ग० २, २६;

आयश्चित्त त्रि० (आत्मबन्ध आत्मज्ञानादिकम
स्वात्मज्ञानात्मबन्ध) आत्मज्ञानादिकम
स्वात्मज्ञानात्मबन्ध. (One) Possessed of
self-knowledge or knowledge
of the soul. “ मे आयश्चित्तं नास्ति बन्धं
धर्मबन्धं बन्धं पञ्चासौहं परिचासहं कोयं ”
आया० १; २, १, १०१;

आयश्चित्त न० (आतपत्र) छत्र, छत्री. छत्र,
छत्रा. Umbrella. ओव० ३१; नाया०
१; जं० ३, ४; सू० च० २, ४६८; भग०
६, ३३; जं० प० ५, ११०;

आयश्चित्त न० (आतपवन्) अर्द्धरात्रिना
रात्रिमां भूतं नाम. अर्द्धरात्रि के रात्रि सुहृत्
का नाम. Name of the २४th
Muhūrta of a period consist-
ing of a day and a night. सू०
प० १०; जं० प०

आयवा स्त्री० (आतपा) आतपा नामनी
सूर्यनी ओ३ अत्र महिषी. सूर्य की आतपा

नामक एक पक्षिणी. One of the principal queens of the sun, so named. नाया० घ० ७;

आयवि. त्रि० (आत्मविन्) आत्मजानी. आत्माको जाननेवाला; आत्मजाना. (One) having the knowledge of the soul. आया० १, ३, १, १०७,

आयस. त्रि० (आयस) लोहमय; लोहा-संबंधी. लोहमय; लोह संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग० ७, ६: --भंड. पुं० (-भागड) आत्माके पी आँस, आत्मन विशेष. आत्माका पात्र. the soul considered as a vessel or a receptacle. नाय० १: --वादि. त्रि० (-वादिन् आत्मानं वदितुं शक्तिमन्वात्मवादी) आत्माना पथार्थ स्वरूपने स्वीकारना; आस्तिक; आत्मके पथार्थ स्वरूपको माननेवाला; आस्तिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox.

" से आयावादी सोयावादी कप्पावादी किंवावादी " आया० १, १, १, ५;

--वाय. पुं० (-वाद) आत्मवाद; आत्माना सिद्धांतना पद. स्वसिद्धांत स्थापन आत्मवाद; निज सिद्धांत स्थापन. Ātma-vāda; establishing one's own tenets or doctrines. ओव० १५:

--सुप्याणिहि अ. त्रि० (-सुप्रणिहित) अच्छे आत्मने शुभने पथार्थ प्रवर्तनाये छे ने. आत्माको शुभ योग में प्रवर्ताने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul; (one) who has directed his soul into salutary activities. दसा० ४, ८१:

आयाच. त्रि० (आयाच) आयेहुं. आयाहुवा. Come; arrived. उत० ६, ११;

आयाण. न० (आदान) लेवुं; ग्रहण करवुं; स्वीकारवुं ते. लेना; ग्रहण करना; स्वीकार करना. Taking; acceptance. प्रव० ५००; ओव० १०; ११; भग० ७, १; ७, २; जीवा० ३, ३; उत० १२, २; पं० नि० २५५; ३८६; ओ० नि० ७७; विश० १८४; ४८३; (२) आगच्छ सम्पत्तानुं स्थान. आडा (किवाड अटकानेका डंडा) रखनेका जगह. the place where a door-bolt is kept. ओव० १०; (३) पक्ष्य. वाक्य. sentence. मय० १, १६, ३; (४) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. " आयाणं नश्ये हिंस्य नायहज तरता तरतामपि " मय० १, १५, २; ठा० उत० ६, ८; (५) उपयोगपूर्वक पशुनुं लेवुं मुक्तवुं; आयाणुनं भननिभयवासमिति; पांच समितिभांती आधी समिति. उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना; पांच समितियों में से चौथा समिति. the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down things. उत० २४, २; (६) कर्मनुं उपदान कारण. कर्म का उपदान कारण. the efficient cause of Karma. मय० १, १, २, २६; ७, १, ५३; दसा० ७, १; (७) (आदीयने सावधानुद्धाने स्वीकृतते हस्तादानम्) अह प्रकारना कर्म; जानावरणीयादि कर्म. जाना-वरणीयादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e. g. knowledge-obscuring Karma etc. मय० १, १३, ६; (८) (आदीयने आत्मप्रदेशः सह शिववतेऽष्टप्रकारं कर्म वेन तदादानम्) अह १८प्रकारना; हिसादि आश्रयस्थान पापके अठारह स्थान; हिंसादि आश्रयस्थान. eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. “ आयाणं सगडिजे ” आया० १, ३, ४; १२१; (६) (आदीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोक्षो येन तदादानम्) सम्पत्तान्, दर्शनं अने आरित्रं. सम्यग् ज्ञान, दर्शन, और आरित्र right knowledge, faith and conduct. “ बुद्धय विगयगेही आयाणं सरक्कए ” सूय० १, १, ४, ११; १, ८, २०; (१०) (आदीयते इत्यादानम्) मोक्ष. मोक्ष. absolution; salvation. “ आयाणमट्टं खलु वंचत्ता ” सूय० १, १३, ४; (११) (भ्रमणोपासकेनादीयते इत्यादानं प्रथमव्रतग्रहणं) आचरन्तुं प्रथमं व्रतं प्रवृत्तुं ते. श्रावक के, प्रथम व्रत का ग्रहण करना. Adoption of the first vow of a layman. “ जावजीवाए जेहिं समखोवासगस्स आयाणं सो आमरखंताए दंडे निक्खिते ” सूय० २, ७; (१२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयः पञ्च एभिरेत्यादानां निमित्ताणि) इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रियां. an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. ‘ कंठलीयं आयाणं हि न जायइ न पासइ ’ भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) २म श्रुति; २म. रमणीय; मनोहर. charming; pleasant. पण्ह० १, ४; (१४) संयम. संयम. asceticism. आया० १, २, ४, ८५; —अट्ठि. पुं० (—अधिष्ठ) सम्पत्तान् आदिना प्रयोजनं वा; मोक्षार्थी. one desirous of Moksha; one desirous of right knowledge etc. ‘ आयाणं अदी मोदायमोखं ’ सूय० १, १४, १७;

—पय. न० (—पद-आदीयते गृह्यते प्रथममाद्यौ वत्तदादानं-आदानञ्च तत्पदं च सुवन्तं तिष्ठन्तं वा तदादानपदम्) अध्ययनं श्रुतरक्षणं आदि पद—शरु आतनुं प० ३५-७८ ‘ धम्मो मंगलं. ’ अध्याय अथवा धुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैसे ‘ धम्मो मंगलं. ’ the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. “ धम्मो मंगलं ” (religion is a blessing) “ सेकिते आयाणपदेण ” धम्मो मंगलं “ खुल्लिआ चाउरंगि जं असंखयं आबंता ” अणुजो० १३१; —भय-य. पुं० (—भय) आदान-द्रव्य संबंधी भय; सात भयमानुं भेद. द्रव्य संबंधी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम० ७; टा० ७, १; प्रब० १३३६; —भंडमत्तणिलेखणासमिह. स्त्री० (—भागदमात्रनिषेधणासमिति) जुआ “ आदाणं भंडमत्तणिलेखणासमिह ” शब्द. देखो “ आदाणं भंडमत्तणिलेखणासमिह ” शब्द. nide. “ आदाणं भंडमत्तणिलेखणासमिह ” सम० ५; —भंडमत्तणिलेखणासमिय त्रि० (—भागदमात्रनिषेधणासमित) जुआ “ आदानं भंडमत्तणिलेखणासमिय ” शब्द. देखो “ आदानं भंडमत्तणिलेखणासमिय ” शब्द. vide. “ आदानं भंडमत्तणिलेखणासमिय ” सूय० २, २, २६; नाया० ५; दमा० ५, ११; —सोय. न० (—सोतसु-आदीयते कर्माभेदेत्यादानं बुद्धप्रसिद्धितमिन्द्रियं तत्तत्तत्त-सोतमादानसोतः) बुद्ध इंद्रियरूपं सोत—कर्माभेदं आचरन्तुं ६१२; इंद्रियेणो बुद्ध उपपत्तिरूपं आचरन्तुं ६१३ इंद्रियरूपं सोत—कर्माभेदेका द्वार; इंद्रियेणो बुद्ध उपपत्तिरूपं

आश्रय. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. "आयणसोय-मह्वायसोयं जों-गंय सव्वमो यण्णा" आया० १, ६, १, १६;

आयाणया. क्री० (आदान) जुप्पेआ "आदा-णया" श०६. देवो "आदाणया" शब्द.

Vide "आदाणया" टा० २१;

आयाणयनं. त्रि० (आदानयन) आदान-जान दर्शन अने अन्विज्य दांता धर्म, साधु पंगेरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र्य वाला धर्म मानु दर्शन. (A religion, an ascetic etc.) possessed of right know-ledge, faith, and conduct. "आयाणयनं ममुदाहेजा" मूय० २, ६, ४४;

आयाणयो अ० (आदानयम) अदणु उरुय देव. अरुय मरि. ग्रहण किया होवे तबसे जे. From the time of accept-ance. मूय० २, ७, १६;

आयाणज्ज. त्रि० (आदानीय-आदीयन उपा-दायः इत्यादानीयः) अदणु उरुय योग्य. ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. आयाणज्ज विद्याहण् आया० १, ४, ३, १३७; टा० ६ सम० ७०; (२) (आदीयने गृह्यन्ते सर्वभाया अनेनेत्यादानीयम्) धुन; शास्त्र. धुनः शास्त्र scripture. आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदायन इत्यादानीयम्) धुने. कर्म. Karma "आयाणज्ज आदाय तंमिठाण्ण षिट्ठइ" आया० १, ६, २; १८६; (४) संयम; संयमानुष्ठान. संयम; संयमानुष्ठान. asceti- cism. (५) भेदा. मोक्ष. salvation. आयाणीय. त्रि० (आदानीय) अदणु उरुय देव. अरुय मरि. ग्रहण करने योग्य. आया

Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६;

✓आ-याम. धा० II. (आ+यम्) ७४भा३युं; जिमाना. To feed (२) लंघु ३०युं. लंबा करना. to stretch; to make long.

आयामेइ. "माहणे आयामेइ आयामेइत्ता.

आयामेइत्ता. सउत्तरोट्ठं मुंडं करेइ" भग० १५, १;

आयाम. पुं० (आचाम्ल) आयंभिल तप. आयंभिल नाम का तप. The austerity called Āyambila. उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, ३०; प्रव० ६१३; (२) ६३७. कांज. Konjee. निसी० १७, ३०; विशेष० ११७४;

आयाम. न० (आचाम) ओसामभु. मांइ. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. टा० ३; आया० २, १, ७, ४१; पि० नि० ३७; ३६४; ओव० १६; पि० नि० भा० ३६ —सिक्थमोइ. त्रि० (—सिक्थमोजिन्) ओसामभुमां ७२ इंध अनाग्गनी सिक्थ आवे तेउयुं मात्र आना२. मांइमें जो थोडा बहुत अन्न का अंश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyama. (g. v.) ओव०

आयाम. न० (आयाम) अयाध; लंघुपयुं. लंबाई; लंबापन. Length. विशेष० ५८६; ओव० नि० ७०७; सू० प० १; सम० १; ओव० जं० प० १, ११; टा० २, ३; नाया० ५; १६; भग० २, १, ६; ३, ७, ६, ३; १०, ६; १३, ४; १५, १; जीवा० ३१; प्रव० ५८५;—विक्कंभ पुं० न० (—विक्कंभ) अयाध पदेवाध. लंबाई चौड़ाई.

length and breadth. नाया० ६;

अ० प० १, ३; ७, १४७;

आयामञ्ज. न० (आचामञ्ज) ओसाभयुः

मोड. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा० १, ३;

आयामग. न० (आचामग) ओसाभयुः

मोड; दाल का पानी Vide " आसामञ्ज "

" आचामगञ्जो जवोदगञ्ज " उत्त० १५, १३.

आयामेसा. सं० क० अ० (आचाम्) धात्री

धरीने. लंबा करके. Having lengthened, elongated. भग० १, ८;

आयाय. सं० क० अ० (आदाय) लुओ

" आदाय " शब्द. देखो " आदाय " शब्द

Vide " आदाय " भग० ५, ४; ६, १०;

१३, ६; १५, १; नाया० ५, ८; ६; १५;

उत्त० २, ४३; ५, ३०; आया० १, २, ३,

८०; १, ६, २, १८३; २, १, १, १;

आचार. पुं० (आचार) ज्ञानादि आचार.

ज्ञानादिक आचार. Knowledge etc.

सम० प० १६८; सम० २८; नाया० १; भग०

२, १, २२, ३; विशेष० ३१६०; ओष० नि०

१८३; पंचा० ५, ४; (२) व्यवहार; विधि-

मार्ग. व्यवहार; विधिमार्ग. practice;

prescribed rules. दसा० ६, ५३; ६, ४,

२३; (३) वर्तन; चरित्र. चरित्र; वृत्ति.

conduct; character. पि० नि० २०६;

दस० ६, २; (४) आचारंग सूत्र; १२

अंगमांजु पड्डुं अंग सूत्र. आचारंग सूत्र;

१२ अंगोंमें से पहिला अंगसूत्र. the first

of the twelve Āngasūtras; the

Āchārāṅga Sūtra. सम० १, १८;

अणुजो० ४२; ओष० २१; भग० १६, ६;

२०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; —अंग. न०

(-अङ्ग) १२ अंगसूत्रमांजु प्रथम अंग-

सूत्र बारह अंगसूत्रोंमें से पहिला अंगसूत्र.

the first of the 12 Āngasūtras.

सम० —अंगसूत्रा. ली० (-अङ्गसूत्रा)

आचारंग सूत्रना भीम श्रुतरक्षणे पाठ्ये

भा०. आचारंग सूत्र के दूसरे श्रुतरक्ष का

पिछला हिस्सा. the latter part of

the 2nd Sruta Skandha of

Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १,

१, १; —उद्यगय. त्रि० (-उद्यगत) १४

भो योग संग्रह; आचार विशेष पाठ्ये ते.

१४ वों योग संग्रह; आचार विशेष का पालन

करना. the 14th Yogasaṅgraha;

observance of a particular kind

of conduct. सम० ३२; —कुशल.

त्रि० (-कुशल) आचारमांजु श्रुत. आचार

में कुशल. (one) proficient in

ascetic conduct. वव० ३, ३;

—कलेवली. ली० (-कलेवली) सांभ-

लनारने आचार-अनुष्ठान तरङ्ग भेद्यनारी

कथा; कथानो अङ्क प्रकाश. सुनने वाले को

आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा;

कथा का एक भेद. a story inclining

the hearer to practise or per-

form what he hears. ठा० ४, २;

—गुप्त. त्रि० (-गुप्त) गुप्ताचारी; जेने

गुप्त आचार छे ते. गुप्ताचारी; गुप्त आचार

वाला. (one) whose religious

performances are well protect-

ed or carried on in privacy.

दसा० ६, ३१-३२; —गोचर. पुं०

(-गोचर) आचारविषयक; आचारसंगंधी.

आचार संबंधी. pertaining to

Āchāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा०

८; दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४,

१६०; —सूत्रा. ली० (-सूत्रा)

आचारंग सूत्रना भीम श्रुतरक्षणे

युक्ति. आचारंग सूत्र के दूसरे श्रुतरक्ष

की चूल्का, the latter part (the Chūlikā) of the 2nd Śrutarāṅga of Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १, १, १; —चूलिया. जी० (-चूलिका) अःयारंग सूत्रनी चूलिका. आचारंग सूत्र की चूलिका, the latter part (the Chūlikā) of Āchārāṅga Sūtra. “ आचारस्सयं भगवतो सचूषिषाणस्स पंचासीह उदेसय काळा ” सम० ८९. “ गणिकिहगायं आचार चूलिया वहुयं सत्तावयं आभयया ” सम० १७; —णिज्जुत्ति जी० (नियुक्ति) अःयारंग सूत्र ॥ नियुक्ति. आचारंग सूत्र की नियुक्ति. the commentary on the Āchārāṅga Sūtra. सम० १; आया० नि० १, १, १, १; —सेण. त्रि० (-स्तेन) अःयारंगो येण. अःयारंगी ७नां पानाने अःयारी कडेययनार. आचार चोरः अनाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी कहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not. दस० ५, १, २; —पणत्ति. जी० (-प्रज्ञप्ति) आय रंग अने पणत्ति-अःयारंग पणत्ति अ-ह-पणत्ति भूरी पणत्ति वगेरे सूत्रो. आचारंग और पणत्ति-प्रज्ञप्ति जंबूद्वीप प्रज्ञप्ति, चंद्र प्रज्ञप्ति, सूर्य प्रज्ञप्ति आदि सूत्र. the Āchārāṅga and Pannati Sūtra e. g. Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannati, Sūrya Pannati etc. दस० ८, ५०; —पणत्तिधर. पुं० (-प्रज्ञप्तिधर) आचारंग सूत्र अने प्रज्ञप्ति सूत्र-अःयारंगी पणत्ति अ-ह-पणत्ति सयं पणत्ति वगेरेना धरनार-अःयारंग. आचारंग सूत्र और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला. one who knows the Āchārāṅga and

Pannati Sūtras like Jambūdvīpa Pannati etc. “ आचारपणत्तिधरं दिट्ठिवायमहिज्जं ” दस० ८, ५०; —पत्त. त्रि० (-प्राप्त) अःयारंग अदि आचारवातो. प्रज्ञाचयं वत आदि का आचरण करनेवाला. (one) who practises continence. “ दूययं आचार पत्तायं ” तंड० —भंडग पुं० (-भंडक) पात्रां पट्टं दन्तेदण्ण अदि उपय-यु. पात्र, रजोहरण आदि वरहरण. an ascetic's implements such as alms bowl, soft brush etc. नाया० १, १६; —भंडसेवि. पुं० (-भाण्डसेविन् आचार-शास्त्रविहितो व्यवहारस्तं भाण्डमुपकरणमाचारभाण्डम् तत्सेवितुं शीलं यस्य स आचारभ वड सेवी) शास्त्र विधिने अनुसरी उपययु सेवतार. शास्त्रविधि के अनुसर उपकरण का सेवन करनेवाला an ascetic who uses his implements as prescribed by scriptures. आउ० —भाय पुं० (-भाय) अःयारंग-आचारंगं ययं ५. आचार स्वरूप. the true nature of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ७, १२; —भायसेण पुं० (-भाय-स्तेन) उन्नम अःयार वगरेने; उन्नम-आय रंगो येण. उत्तम आचार रहित; अनाचारचोर. devoid of a high quality of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. दस० ५, २, ४३ —भसदोसण. त्रि० (-भावशान्त —आचारभावस्य दोषं जानातीत्यःआभावादेणत्तु.) अःयारंग-सधु सभाया-निहा देयने सधुत्त. अःयार भाव छोड़ने सा सनायार के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sādhus or ascetics. आचार भाव दोसजू न तं भासिज पञ्चवं" दस० ७, १३; —मद्ग. त्रि० (-अर्थ) ज्ञानादि आचारने अर्थे-निमित्ते. ज्ञानादि आचार के लिये. for the sake of Āchāra i. e. knowledge, faith, conduct etc. " आचारमद्वाविश्वं पडेजे " दस० ६, ३, २; —विणय. पुं० (-विनय-आचारप्रतिना समाचारः स एव विनीयते आनीयते कर्माऽनेनेति विनय आचारविनयः) विनय पूर्वक आचार पालने। ते; विनयने ओक प्रकार. विनय पूर्वक आचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. " सेई तं आचार विणय २ चउविदे पज्जते-तंजहा संजमसमाचारी यावि भवति " प्रव० ५, २४; दसा० ४, १७; —संपत्ता. स्त्री० (-संपत्-आचारसमाचारोऽनुष्ठानं तद्विषया स एव वा संपद्भिर्भूतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राप्तिसाधारसम्पत्) आचारनी संपत्ति; उच्ये आचार. आचार की संपत्ति; उच्च आचार. high kind of Āchāra i. e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc. " आचार संपत्ता चउविदा पज्जता तंजहा संजम पुवजेग जुते " ठा० ८, १; दसा० ४, १०६; —समाहि. पुं० (-समाधि) आचाररूप समाधि; समाधिने ओक प्रकार. आचाररूप समाधि; समाधि का एक भेद. meditation in the form of Āchāra i. e. ascetic life with knowledge, faith etc. " चउविदा मज्झ आचार समाधि भवइ तंजहा "

दस० ६, ४, २; —समाहिसंजुड त्रि० (-समाधिसंजुट) आचाररूप समाधियाहा; आश्रयने रोकना। आचाररूप समाधियाहा; आश्रय को रोकने वाला. (one) having meditation in the form of Āchāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस० ६, ४, १, ३; आचार. पुं० (आकार) आकृति; आश्रय. आकृति; आकार. Form; configuration. जं० प० नाया० १; —भावपडोयार. पुं० (-भावप्रत्ययतार) अनुभो " आगार-भावपडोयार " शब्द. देखो " आगार-भावपडोयार " शब्द. vide " आगार-भावपडोयार " जं० प० १, ११;

आचारकण. न० (आचारकण) निसीथ सूत्रनुं अपर नाम. निसीथ सूत्र का दूसरा नाम. Another name of Nisītha Sūtra. पव० ३, १०; प्रव० ८१४; —धर. त्रि० (-धर) निसीथ सूत्रना अर्थने धरना। निसीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाना. (one) who knows the meaning of Nisītha Sūtra. पव० ३, ४; आचारकण. पुं० (आचारकण) अनुभो " आचारकण " शब्द. देखो " आचारकण " शब्द. Vide. " आचारकण " जं० प० ४, ८८;

आचारदसा. स्त्री० (आचारदशा-आचारप्रतिपादनदशा दशा आचारदशा) आचारदशा नामनुं सूत्र आचारदशा नामक सूत्र. The Sūtra named Āchāra Daśā. " आचारदसावं दस अगम्यका पण्यता तंजहा " ठा० १०;

आचारपकण्य पुं० (आचारप्रकण्य) निसीथना त्रयु अभ्यास संहित आचारसूत्रना २५ अभ्यास. निसीथ सूत्र के तीनों अध्यासोंसहित आचारसूत्र के २५ अध्यास

The 25 chapters of Āchārāṅga plus three chapters of Nisīthā.

“अष्टाद्वीसविधो आचारपण्डि नमोऽयं”

पण्डि० २, ५; वच० १०, २०;

आचारपण्डि. पुं० (आचारपण्डि) आचार प्रतिपादन करनेवाला दशवैकालिक सूत्र का आठवां अध्याय The eighth chapter of Dśa-vaikālika explaining Āchāra i. e. right knowledge, faith etc. “आचारपण्डि खडू जहा कायस्थ भिक्षुका” दस० २, १; ६६.

आचारमंत. त्रि० (आचारमन्त्र) शुद्ध आचार पात्रो. शुद्ध आचरण वाला. Pure in knowledge, conduct, faith etc दस० ६, १, ३;

आचारवेत्त. त्रि० (आचारवेत्ता) ज्ञान, दर्शन, आचरण, तप आने वाली ये पांच आचारवादी. ज्ञान, दर्शन, आचरण, तप आचार वांछ्य इन पांच आचारवाला. (One) possessed of the five Āchāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism. ठा० २, १; भग० २५, ७; दसा० १, ३१; ३२;

आचारवस्तु. न० (आचारवस्तु) नवमा पूर्वा ना त्रिंश प्रकरणं नाम. नौवें पूर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the third chapter of the 9th Pūrva. भग० २५, ७;

आचार. पुं० (आचार) जुओ “आचार” शब्द. देखो “आचार” शब्द. Vide. “आचार” भग० १, ५; कण्ठ० २, ५४; ४, ३३;

आचारपण्डि. त्रि० (आचारपण्डि) आचारपण्डि

लेन. २; सूर्यनी सामे दृष्टि राखी सूर्यको ताप सहनेवाला. आतापना लेनेवाला; सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य के तार को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६; पण्डि० २, १; ठा० ५, १;

आचारपण्डि. त्रि० (आचारपण्डि) जुओ “आचारपण्डि” शब्द. देखो “आचारपण्डि” शब्द. Vide. “आचारपण्डि” पि० नि० ३१७;

आचारपण्डि. न० (आचारपण्डि) आचारपण्डि की नदिकुं सदन करने के आचारपण्डि. शतादिक का सहना. Practice of enduring heat, cold, etc नाया० १६; -- ठाण. न० (--स्थान) शीतादि सहन करने के स्थान. शतादिक सहन करने का स्थान. a place where cold etc. are to be endured. पंचा० १२, ४२; -- भूमि. जी० (--भूमि) आचारपण्डि लेनेवाला जगह. a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३३; ११, ६; १५, १; नाया० १६;

आचारपण्डिभूमि. न० (आचारपण्डिभूमि) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया० १;

आचारपण्डि. जी० (आचारपण्डि) जुओ “आचारपण्डि” शब्द. देखो “आचारपण्डि” शब्द. Vide “आचारपण्डि” ठा० ३, ३;

आचारपण्डि. जी० (आचारपण्डि) आचारपण्डि लेनेवाला. Endurance of heat, cold, etc. as austerities ओव० १६; वच० १, २०; नि० २, ११, ६;

आयास. पुं० (आशस) चित्तो अश. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind. पण० १, ६; (२) १८ त्रिपि. नी १५मी त्रिपि १८ त्रिपियो मे मे १५ वां त्रिपि. the 15th or the 16 scripts. पण० १; —लिवि. का० (-लिवि) १८ त्रिपिभांती १५ भा त्रिपि. १८ त्रिपियोमे से १५ वां त्रिपि. the 15th of the 18 scripts. पण० १; आयाहिनं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिण तरुधी भोले; जम्बुजी तरुधी शरु करीने दक्षिण बाजसे; दाहिना ओर से प्रारंभ करके. Commencing with, starting from, the right side (as opposed to the left.) ओव० २२; नाया० १, १३; १६ भग० १, १; २, १; ३, १; ६१, २; राय० २६; उवा० १, १०; जं० प० ६, ११२;

आयाहिरापयाहिणा. का० (आदक्षिणप्रदक्षिणा—आदक्षिणात् - दक्षिणात्प्रदक्षिणम् प्रदक्षिणः परितो आगतो दक्षिण एवा-दक्षिणप्रदक्षिणः) जम्बुजी तरुधी शरु करीने करी जम्बुजी तरुधु सुधी आपर्तन करीने दाहिनी ओर से आर्तन कर फिर दाहिनी ओर तक (प्रदक्षिणा.) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left.) “ समणं भगवं महावीरं तिलुत्तो आपादिणपयाहिणं कणेइ ” भग० १, १, ६, ३३; विवा० १; राय० चोव० नाया० १६;

आयु. न० (आयुः) आयुः. आयुः; उमर. Life. क० प० ५, ६३; —अयु. पुं० (-अयु) आयुःतो क्षय-अंत. आयुः का क्षय-अंत. decay or end of life क० प० ५, ६३;

आयोग. पुं० (आयोग) धननी आयक. धन की आमदनी. Income of wealth. राय० २८६;

आर. न० (आर इहभवसारम्) अ लोक. यह लोक. This world. “ आहिसि आर कओपरं ” सुय० १, १, १, ८; १, ६, २८; (२) संसार; अस्तित्व समार; मर्य-लोक. world; worldly existence. मूय० १, २, १, ८; (३) गृहस्थपञ्च. गृहस्थपन; गार्हस्थ्य. householder-ship. मूय० १, २, १, ८; (४) चोथी नरकतो अश नरकायसे. चौथा नरक भूमिका एक नरकावामा. a certain division of the 4th hell-region. सुय० टा० ६, १;

आरओ. अ० (आरतश्च) आलेक. यह लोक. (From) this world. “ आरओ परओ वाचि ” सुय० १, ८, ६; (२) पहले; आरंभ; आपार. पहिले; आवाग; इस पार. before (in time or place) being on this side. पि० नि० २३६; २४१;

आरंभ. I. धा० (आरम्भ) आरंभ समारंभ करवे; हिंसा-पापनी आपार करवे. हिंसा का व्यापार-हिंसक कार्य करना; आरंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

आरंभइ. भग० ३, ३;

आरंभे. नि० दस० ६, ३५;

आरंभमाण भग० ३, ३;

आरंभ. पुं० (आरम्भ) हिंसा; कृषि आदि पापकारी व्यापार; आरंभ समारंभ. हिंसा; कृषि आदि पापपूर्ण व्यापार; आरंभ समारंभ. Destructive operation; e. g. killing, in agriculture etc दसा० ६, २; भग० ३, ३; ८, १; ओव० १८;

उवा० १, १७७; सू० १, १, १, १०; १, १, २, ११; उत० २४, २१; २४, २४; विशेष० ३; पंचा० १, ८; प्रथ० १०७४; (२) त्रि० जेणे आरंभ थाय तेरा श्रु० श्रितका आरंभ-व० हो ऐसा जाव a victim of killing प्रथ० १०७४; —उत्तरय. त्रि० (-उपरत) आरंभथी नियुक्त थयेन. आरंभ से निवृत्ति पायाहुआ. free from sinful operations of killing etc. “ जेय पय्याःणमंतो पबुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयेति पासह ” आया० १, ५, ५, १६०; —करण. न० (-करण) ७ क्षयना श्रुते दायता ते छ काय के जावों की हिंसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा० ३, १; पण० १, ३; —कहा आ० (-कथा) भोजनार्थिकतां थनां आरंभ समारंभनां पयायु करयां ते. भोजनार्थ में होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना. praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. ठा० ४, २; —जि० त्रि० (-जीविन्) आरंभ-सावध द्वि०थी आश्रुत यत्नायनार (गृहस्थ). आरंभ-सावध-क्रिया से आजीविका करनेवाला (गृहस्थ). (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc आया० १, ३, २, १११; —उभाण. न० (-ध्यान) द्वि०थी ध्यान; आर्तध्यान. हिंसक ध्यान; आर्तध्यान. meditation of destruction of sentient beings. आउ० —द्वान. न० (-द्वान) आरंभ समारंभ करवाना ठेक था —भेतर-पाई दगेरे. आरंभ समारंभ करने का स्थान

जैसे खेती बारी आदि. a place of sinful operations; e. g. a field, a garden etc. “ आरंभ द्याये पण्यता एता मे व महा पडनेवे ” ठा०: ६ —द्वि. त्रि० (-अर्थिन्) आरंभनेता अर्थी; प.पना व्यापारने धर्मजनार. आरंभ का अर्थी; पाप व्यापार का चाहनेवाला. desirous of sinful operations. “ आरंभद्वी अश्रुवय-माये हयमाये चायमाये ” आया० १, १, ४, १६२; —शिस्तिय. त्रि० (-निमित्त-आरंभमे हिंसादिके सावधानुद्धानरूपे निमित्त-निमित्तता: सम्बद्धा अश्रुपपन्ना आरंभ-निमित्तता:) आरंभमां तत्पर थयेन. आरंभ में तत्पर. plunged in sinful operations. “ मंदा आरंभ शिस्तिया ” सू० १, १, १, १०-१४; १, ६; २; —परिणाय. त्रि० (-परिणत) श्रावकनी आहंभी पडिमा आहंनार श्रावक के गे आहं मदीना सुधी पोते आरंभ समारंभ करे नहि. आवक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला आवक जो कि आठ मास तक स्वयं कोई आरंभ समारंभ नहीं करता a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११; —वज्जय. त्रि० (-वज्जक) आरंभ-पापना व्यापारने त्याग करनेनार; श्रावकनी आहंभी पडिमा सेवनार. आरंभ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला; आवक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc. for eight months. पण० २, ५; —संभिय. त्रि० (-सम्भृत) आरंभथी भरेहुं—आरंभथी पुष्ट आरंभ से भराहुआ; आरंभ से शुद्ध.

full of sinful operations. "आरंभ-संभवाकामा" सू० १, ६, ३; —सत्त्व-त्रि० (—सत्त्व-आरंभो जीवोपघातस्तद्विषयं-सत्त्वमारंभसत्त्वम्) आरंभ निषेध सत्य. आरंभ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सत्त्वमण्युपयोग. पुं० (—सत्त्वमनः प्रयोग) आरंभनिषेध सत्य मनो-प्रयोग-व्यापार. आरंभ सम्बन्धी सत्य मन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc. भग० ८, १; —सत्त्व. त्रि० (—सत्त्व) आरंभभां लागेल; आरंभथी जेज्जाल. आरंभ संलग्न; आरंभसंयुक्त. engaged in sinful operations of killing etc. "आरंभसत्तापकरंतिसंग" आया० १, १, ७, १०; —समारंभ. पुं० (—समारंभ—आरंभः कृत्वादिव्यापारस्तेन समारंभो जीवोपमर्दः-आरंभसमारंभः) आरंभ समारंभ; पापना व्यापारथी ज्वनी घात करती ते. आरंभ समारंभ; पापरूप व्यापार-कृत्य से जीव की घात करना. performance of operations involving destruction of life etc. दसा० ६, ४; पण्ड० १, १;

आरंभग. त्रि० (आरंभक) आरंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. आया० नि० १, ५, १, २३६;

आरंभज. त्रि० (आरंभज) सावध किया ना अनुष्ठानथी उत्पन्न थिये. सावध क्रिया के अनुष्ठान से उत्पन्न Born of sinful operations आया० १, ३, १, १०८;

आरंभय. त्रि० (आरंभय) जुओ उत्पन्नो

श०६. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. आया० १, ३, १, १०८;

आरंभि. त्रि० (आरंभिन्) पापना आरंभ करनेवाला. पाप का आरंभ करनेवाला. (One) performing sinful operations. सू० १, ६, ३;

आरंभिया. स्त्री० (आरंभिकी) पापना व्यापारथी लागती किया. पाप व्यापार से होने वाला कर्मबंध. Karma arising from sinful operations of killing etc.

"आरंभिया किरिया बुविहा परणत्ता तं-जहा जीव आरंभिया चेव" ठा० २, १; ४, ४; भग० १, २; ५, ६; पण० १७, २२;

आरंभक. पुं० (आरंभक) राजना आत्मरक्षक. राजा के आत्मरक्षक. A body-guard of a king. ठा० ३; (२) उग्रवंश अने ते वंशभां उत्पन्न थिये. उग्रवंश और उस वंश से उत्पन्न उग्रवंशी. the Ugra family; a person born it. ठा० ६;

आरंभकग. पुं० (आरंभक) रक्षक करनेवाला-हेतुवा. रक्षा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects; ७. पु. a police constable कण० ५, ६६१

आरंभिकय. पुं० (आरंभिक) हेतुवा. कोतवाल; नगर रक्षक. A constable; one who guards a city. दस० ५, १, १६; ओष० नि० २२२;

आरंभ. पुं० (आरंभ) चक्रो आरा; पंजो-नो आरा. चक्र का आरा; पहिये का आरा. A spoke of a wheel पण्ड० २, ४;

आरंभय. त्रि० (आरंभय) इंद्रियेनी समीप आवेध; इंद्रियगोचर थिये. इंद्रियगोचर; इंद्रियों के समीप आया हुआ. Within the reach of senses; near the senses. "आरंभयाहं मराहं बुद्धेहो पारंभयारं" भग० ५, ४;

आरट्टियसह. पुं० (आरट्टियसह) आह-
नन शब्द. विज्ञाने का शब्द Bawling
sound; loud sound. विवा० ६;

आरट्ट. पुं० (आरट्ट) ११मो देवलो०. ग्यार-
हवाँ देवलोक. The 11th heavenly
world. (२) ते देवलो०ना निवासी देवता.
उस देवलोक के निवासी देव. a deity
of that world. विशेष० ६६३; पञ० १;
भग० १८, ७; जीवा० २; नाया० १; सम०
१६०; ठा० २, ३; आ० उ० ३६, २०६;
(३) लुभ पाइती ते; आ० पुं० ते.
विज्ञाना; बोल मारना. shouting. आ०
नि० १६४;

आरट्टग. पुं० (आरट्टग) ११मो देवलो०
ग्यारहवाँ देवलोक. The 11th heavenly
world. भग० २४, २१;

आरट्टिय. त्रि० (आरट्टियक) अ२५५-११भां
भां ज्युं ते; वानप्रस्थ. वन में जाना; वान-
प्रस्थ. (One) resorting to a
forest; abandoning the world
“ से जे हमे आरट्टिया आबसियाह नाम-
गियति वा ” वृत्ता० १०, ७;

आरट्टग. त्रि० (आरट्टगक) अ२५५-११भां
ज्युं वसना२; वानप्रस्थ. वन में जाकर रहने
वाला; वानप्रस्थ. (One) renounc-
ing the world and resorting
to a forest. “ आरट्टगगा हाह मुखी
पसथा ” उ० १४, ६;

आरट्टय. त्रि० (आरट्टयक) लुभो ३५लो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above
वि० १६, ७;

आरट्टिय. त्रि० (आरट्टियक) ११भां. वसी
हथपुस कंदना आहार करना तापस वगेरे
वनमें रहकर फल, फूल, कंद का आहार
करनेवाले आर्या वगैरह. At ascetic

etc. who stays in the forest
and lives upon roots, fruit etc.
सू० २, २, २१; २७;

आरत. त्रि० (आरत) निवृत्ति पाभेस; उपरत-
विशम पाभेस. निवृत्ति प्राप्त; विराम पावा-
हुआ. (One) who has ceased.
सू० १, ४, १, १;

आरत. त्रि० (आरत) शै० पुं० रंगेधुं; रंगीन
वस्त्रादि. कुछ रंगहुआ; रंगीन वस्त्रादि
Lightly coloured; e. g. a cloth
etc आया० १, २, ३, १६;

आरत. त्रि० (आरत) अ२५५ क२६.
आरम्भ कियाहुआ. Begun; commen-
ced. सु० च० १, ८०; भग० ३, १; ४२,
१; विशेष० ४२२; ६५५; आ० नि० भा०
२४८; क० प० ५, ६५;

आरट्टिय. त्रि० (आरट्टियक) लुभो “ आर-
ट्टिय ” शब्द. देखो “ आरट्टिय ”
शब्द. Vide. “ आरट्टिय ” सू० २,
२, २१; २७;

आरब. पुं० (आरब=अरब) उत्तर भरत
अ२५५ नामे देश; अर्थस्थान. उत्तर भरत
क्षेत्र में का आरब नामक देश; अरबस्थान.
Arabia; name of a country in
Uttara Bharata. (२) अ२५५स्थानना
रहेवासी मनुष्य; आर५. अरबस्थान वासी
मनुष्य. an Arab. प० १, १; जं० प०
आरबग. पुं० (आरबक) आर५; आर५देश-
ना रहेवासी. अरबस्थान का रहनेवाला. An
Arab; a resident of Arabia.
जं० प०

आरबी. स्त्री० (आरबी=आरबी) अर्थस्थान-
भां ज्युं मेस. दासी. अरबस्थान में जम्मीदारी
दासी. An Arab servant-maid.
भग० ६, ३३; आ० ३३; जं० प० प० १,
१; नाया० १;

आरम्भ. सं० कृ० अ० (आरम्भ) आरम्भी-
ने; आरम्भ करीने. आरम्भ करके.
Having begun. पक्ष० १७; पि० नि०
२३३; भग० ८, ७;

✓ आरम्भ. भा० I. (आ-रम्भ) आरम्भयुः
शर्यात करयुः. आरम्भ करना. To begin:
to commence.

आरम्भइ. प्रथ० १४६; ८२८;

आरम्भंत. व० कृ० पि० नि० ५७५; अणुजो०
१२८;

आरम्भड. न० (आरम्भड) ३२ नाटकभांजुं
२८ भुं नाटक. ३२ नाटकों में से २८ वां
नाटक. 28th of the 32 dramas.
जीवा० ३, ४; राय० ६४; ठा० ४, ६; जं०
प० ५, १२१;

आरम्भडमसोल. न० (आरम्भडमसोल)
३० नाटकभांजुं ३० भुं नाटक. ३० प्रकार के
नाटकों में से ३० वां नाटक. 30th of the
32 dramas जीवा० ३, ४; राय० ६४;

आरम्भडा. स्त्री० (*आरम्भडी) पडिलेहण
करती वस्त्रों में से एक ओर से लेना मुकना-के
लेना लागता एक दोष; पडिलेहण तो एक
दोष. पडिलेहण करते समय शीघ्रता से वस्त्र
उठाने रखने या देखने में जो दोष लगता है
वह; पडिलेहण का एक दोष. A fault
connected with the examina-
tion of clothes viz hastily
handling them or hastily in-
specting them. उत्त० २६, २६;
शेष० नि० भा० १६२; ठा० १, १;

आरम्भिय. न० (आरम्भित) नाट्यनी विधिने
एक प्रकार. नाट्यविधि का एक भेद. A
mode of dramatic acting. राय०

आरय. त्रि० (आरत) निवृत्ति पायेन.
निवृत्ति पायाहुआ. (One) who has
ceased; freed from. सू० १, ४;

(२) गयेन; दूर थयेन. गयाहुआ; दूर
होचुका हुआ. departed; gone away.
सू० १, १५, ११; —मेहुण. त्रि०
(—मेहुण आरतमुपरतं मेहुणकामभिजापो
वस्थासावारतमेहुणः) कामनी अभिजापाधी
निवृत्त थयेन. काम की अभिलाषा से निवृत्त
होचुका हुआ. free from sexual
desire. सू० १, १५, ११;

आरव. पुं० (आराव) शब्द; अवाज शब्द;
आवाज; ध्वनि. Sound; noise. जं० प०

✓ आरस. भा० I, II. (आ + रस) २३युं;
विलाप करवे. रोना; विलाप करना. To
weep; to lament.

आरसति. नाया० १६;

आरसंत. नाया० ६; उत्त० ११, ६४;

आरसिय-अ. त्रि० (आरसित) आरसि
पाडेन; आरसेन. चिल्लाया हुआ. Bawling
out; (any thing) bawled out
or piteously cried out. " विषुदे
विसरे आरसिए तएण एयस्स शरगस्स "
विवा० २; —सह. पुं० (-शब्द) २३-
वाला अवाज शब्द. रोने की आवाज.
wailing sound. नाया० १६;

आरा. स्त्री० (आरा) आरा-गाडी वगेरेना
पैसांना मध्य भागमां ते दाकडां गेहयेनां
होय छे ते. आरा गाडी वंगरह के चाकों के
बीच में जो लकड़ी के डंडे लगे हुए होते हैं वे.
A spoke of a wheel. सु० च० १२,
५४; पि० नि० ३३१; (२) आर; आरने
आरवाना बोझानी आधी वाली लाकड़ी
वही आर विशेष. आर; बैल के शरीर में
टोंबने की लकड़ी जिसमें लोहे की खाल
लगी रहती है. a stick with an iron
point to drive oxen etc; a goad
सु० च० १२, ५१; सू० १, ५, २, १४

आरा. अ० (आराह) पासै; १७५. पास;
समीप. Near; in the vicinity.
पंचा० ४. १५;

आराभाग. पुं० (आराभाग) पूर्येनो भाग;
पासैने भाग. पूर्व का भाग; समीपवर्ती भाग.
The adjoining part. बिश० १७३६;

आराम. पुं० (आराम) उपरान्त; आग; आ-
पुशयेने आराम देवानो भंडप. उपवन; बाग;
जी पुरुषों के विभ्राम करनेका मंडप. A
garden; a pleasure garden.
ओव० नाया० १; २; ५; परह० १, १;
ठा० २, ४; राय० २०१; २३४; अणुजो०
१६, १३४; उत्त० २, १५, १६, १५; भग०
५, ७; १८, १०; २५, ७; जवा० ३; कप्य०
४, ८८; (२) त्रि० (आरामयति सुख-
वर्तारारामः) आराम करना—आपना२.
आराम देनेवाला. refreshing; con-
ducive to rest. आया० १, ५, ४,
१५६; राय० ३३; —आगार. न० (—आ-
गार) ओ३ “ आरामगार ” शब्द. देखो
“ आरामगार ” शब्द. vide “ आराम-
गार ” निरु० ३, १, —गय. त्रि० (—गत)
आराम आगमां आती पहुँचै. बागीचे में
आया हुआ. arrived at a pleasure-
garden. ठा० ५; —गार. न० (—गृह)
उद्योगगृह. उद्यानगृह. a house in a
garden. “ आगंतगागरे आरामगारे ”
सूय० २, ६, १५; —गिह. न० (—गृह)
ओ३ ओ३ १५६. देखो ऊपरका शब्द.
vide above. दसा० ७, १;

आरामिय. त्रि० (आरामिक) आराम-आग-
नुं रक्षय्य करान्तर; भावी. बागीचे की देख
रेख करनेवाला; माली. A gardener
ठा० ४;

आराह. धा० I, II. (आ+राह्) आराधना
करनी; सेवना करनी. आराधना करना; सेवा
४. ११/११.

करना. To worship; to resort to.

आराहेह. दस० ५, १, १६; भग० १, ६;
२, १;

आराहह. उवा० १. ७०, ७१;

आराहहह. दस० ६, ३, १;

आराहहह. वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७;
६, १, १६; उत्त० १२, १२;

आराहहहहमि. भ० भक्त० १५८;

आराहहहह. सं० कृ० सु० च० ११, १८;

आराहहहह. सं० कृ० उत्त० २६, १; दस०
६, १, १७;

आराहेहो सं० कृ० नाया० ८; १६; भग०
३. ९; २; १, ८, १०; ६, ३३,

आराहहह. सं० कृ० कप्य० ६, ८३; नाया०
८; ओव० ४०;

आराहहह. हे० कृ० सूय० १, १५, १२;

आराहहह. पुं० (आराधक—आराधयति
सम्यक् पात्रयति बांधिमित्याराधकः) आरा-
धक; संयम आदिनो पात्रना२. पालन करने
वाला; सेवन करनेवाला; संयम आदि की
आराधना करनेवाला. (One) who
worships or devotes himself
to asceticism. ओव० ३४; भग० १,
३; ३, १; ५, ६; ८; राय० ७६; भक्त० १३;
पञ्च० ११; नाया० १; ३; ५; ११;

आराहहह. पुं० (आराधक) ज्ञानादिकनो आ-
राधक. ज्ञानादिक का आराधक. One who
devotes himself to right know-
ledge etc. “ आराहहो य जीवो सव्यहो
भवेद्दि पावती श्रियमा ” पंचा० ७, ३१;
नाया० १०; भग० ३, १; सूय० १, १;
२, २०;

आराहहह. न० (आराधन) आराधन; सेवन.
आराधना; सेवा. Worship; service;
devotion to. संख्या० आ० ४, ६;
भक्त० ९;

आराहण्य. पुं० (आराधनक) संधारे.
संधारा; मृत्यु आनेतक अन्न जल का त्याग
करना. Giving up food and water
till death comes. संस्था०

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) संधारे.
संधारा. Giving up food and
water till death comes. (२)
श्रुत-शास्त्रनुं अभ्यक्ष प्रकारे आराधन-आसे-
वन. श्रुत-शास्त्र का सम्यक् रीति से आरा-
धन-आसेवन. devoted observance
of scriptural injunctions. संस्था०
उप० २६, २;

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) भोक्ष मार्गरूप
ज्ञान आदिनी सेवा; वीतरगता ध्याननुं
पावन. मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा
धीतराग के वचनों का पालन. Devoted
adherence to the precepts of
the omniscient, leading to final
bliss. “ दुविद्वा आराहण्या प० तं० धर्मि-
याराहण्यायेव ” श्रौत० ३४; उवा० १, ५७;
ठा० २; ४: ३, ४; पंचा० ६, ५; सम० ३२;
अणुजो० २८; प्रव० १००; वेद्य० १, ३३;
आड० १५; नाया० ११; भग० ३, ४; ५,
६: ८, १; १०; २४, ६: कण्ठ० ६, ५६;
—उचउत्त. त्रि० (-उपयुक्त) आराधना
सहित. आराधना सहित. full of
worship or devotion. आड० १५;

आराहणी. स्त्री० (आराधनी) जेनाधी
भोक्ष मार्गनी आराधना कराय जेवी भाष;
द्रव्य भाषानो ओक्ष प्रकारे. जिस भाषा से
मोक्ष मार्ग की आराधना की जासकेगेसी
भाषा; द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech
fitted to secure final bliss; a
variety of ordinary speech;
पक्ष० ११;

आराहिय त्रि० (आराधित) आराधना

करेय. आराधना कियाहुआ. Worship-
ped; adored; resorted to. पण्ड०
२, १; उत्त० ८, १६; नाया० ८; भग० ८,
६, १०, २; प्रव० २१३; —संज्ञम. त्रि०
(-संयम) आराधर रीते जेले संयमनी
आराधना-सेवना करी छे ते. पूर्णतया जितने
संयम-साधुत्व का आराधना की है वह.
(one) who has fully observed
asceticism. सम०

आरिह. पुं० (आरिह) मंडप गोत्रनी शाखा.
मंडप गोत्र का एक शाखा. A branch
of the Manglapa family. (२) ते
शाखाभांगे पुरुष उस शाखा का पुरुष. a
person belonging to the above
branch. डा० ७, १;

आरिय. पुं० (आर्य) जानी-दिने. ज्ञान-
तार्थकर. An omniscient; a Tar-
thankara. आया० १, २, २, १६; १,
२, ५, ८७; (२) पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ;
निष्पाप. पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ; पापरहित;
निष्पाप. sinless; holy; pure. उत्त०
२, ३७; ठा० ३, १; पक्ष० १; भग० ६,
३३; श्रौत० २७; (३) आर्य देशभां उत्पन्न
थयेय; श्रेष्ठ मनुष्य. आर्य देशात्यज; श्रेष्ठ
मनुष्य. born in an Ārya country;
high in civilisation. सूय० २, १,
१३; सम० ३४; श्रौत० ३४; भग० १५, १;
(४) पुं० भोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग. path
of salvation सूय० १, ८, १३; (५)
आर्य देश. आर्य देश. the Ārya (i. e.
civilised) country. प्रव० ६४;

—दंस्ति. पुं० (-दंस्ति—आर्य प्रगुणं
न्यायोपपन्नं परयति तच्छालभेत्यादंशी)
न्यायदृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने
वाला. (one) who is just and

impartial. "आरिण् आरियपणणे आरिय
वंसि" आया० १, २, ५, ८७; —धम्म. पुं०
न० (—धर्म) आर्य धर्म; अहिंसा धर्म;
सदाचार धर्म. आर्य धर्म; अहिंसाय धर्म;
सदाचाररूप धर्म. Ārya religion i.e.
one high in morals and morey.
"वेहज्ज सिज्जयेहि आरिय धम्ममणुत्तरं"

उप० २, ६३; —पञ्च. त्रि० (—प्रज्ञ) प्रशंसनीय बुद्धिवाक्; शास्त्रीय ज्ञानमय.
highly talented; well-versed
in Śāstras. आया० १, २, ७, ८७;

आरियत्तण न० (आर्यत्व) आर्य देशमां
उत्पन्न भवुं मे; आर्यपणुं. आर्य देश मे उत्पन्न
होना; आर्यत्व State of being born
in an Ārya country, state of
being an Ārya. उप० १, १६;

आरोग्य. न० (आरोग्य) निरोग्य भवुं;
स्वस्थ. निरोग्यता; स्वस्थ. Health.
freedom from disease. गाय० ६;
दण० ८, ३५; आन० २, ५; भग० ६५.
—बोधिताभ. पुं० (—बोधिताभ-आरोग्य-
भयाय बोधिताभ आरोग्यबोधिताभ.) व्या-
ख्यातेभ्यो अरिहंत प्रणीत योगी प्रभिः
भोक्त भोग्यता योगी प्रभिः स्वास्था के हेतु
अरिहंत प्रणीत धर्म की प्राप्ति; मोक्षमार्ग का
धर्म की प्राप्ति. acquisition of the
religion taught by Tirtha-
karas i. e. one leading to final
bliss. आय० २ ६;

आरुसिय. त्रि० (आरुह) द्वेष्टी भवेत्.
कोपितः क्रुद्ध. Angry; enraged
नाया० २;

आरुदत्त. गं० कृ० (आरुह्य) रोष दृष्टीने.
क्रोध करके. Being angry; having
become angry. सूय० १, ७, २, ३;

✓आ+रुह. धा० I, II. (आ+रुह्) अर्ध
भेसनुं; आरोहण ३२नुं, चढना; पढ बैठना;
आरोहण करना. To mount on or
upon; to ascend. नाया० १, १४;
भग० १५, १; १७, १; क० प० ५, ६३;

आरुहह. उत्त० १७, ७;

आरोहह. दत्ता० १०, १;

आरुहेह. भग० १५, १; नाया० १३;

आरुभेह. भग० २, १;

आरुभह. भग० १७, १;

आरुहेन्ति. जं० प० २, ३३;

आरुभे. वि० वष० ६, ५१;

आरुहेत्ता. भग० १५, १; १७, १;

नाया० १६;

आरुभेत्ता भग० १७, १;

आरुहिता. सूय० २, ६, २८;

आरोहेता. भग० १५, १; नाया० १; १३;

आरुहिय. भत० १८;

आरोविता. भग० २, १;

आरोवंत. सु० च० ४, २८६;

आरोहिज्जह. उता० ७, १४७;

आरोविज्जन्ति. भत० २६;

आरुहण. न० (आरोहण) २१२२ भवुं; अर्ध
गवार होना; चढना. Mounting,
ascending; riding. जं० प० सु० च०
१, ३५१; जांवा० ३, ३; गाय० १८६;
नाया० ६; प्र० १०१७;

आरुहियच्च. त्रि० (आरोहितव्य) अर्ध
अप०; आरोहण ३२या भवेत् चढने योग्य.
आरोहण करने योग्य. Worthy to be
mounted upon; fit for riding.
वय० १, १६; २०; निमी० २०, १०;

आरुह. त्रि० (आरुह) उपर चढना; आश्रिते
रुहना. चढा हुआ; ऊपर चढा हुआ; आश्रय से
रहा हुआ. Mounted; climbed;
resting upon. वि० नि० २६५; २७५

(२) आ० यथेय; उत्पन्न यथेय; उगेय। उत्पन्न; उगाहुआ. got, grown; produced. पि० नि० ८३; —आस्वारोह. पुं० (—आस्वारोह) स्वार यथाउत्तेना उपर ओया —(घोडा); स्वार सहित घोडा. जिसके ऊपर सवार चढ़ा हो ऐसा घोडा; स्वार सहित घोडा. a horse-man; a horse with its rider. वि० २; —हस्त्यारोह. पुं० (—हस्त्यारोह—आकृष्टा हस्त्यारोहा महामात्रा येषु ते तथा) तेना उपर भावत स्वार यथेय उत्तेना. जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it. वि० २;

आरोह. अ० (आरान्) नञ्; पास. नज. तीक; समीप; पास. Before (in time or place); near. ओष० नि० १६३; पि० नि० ३६४; (२) आतरक्ष. आडांठे. इस ओर; इस किनारे पर. on this side. सू० २, ७, २७;

आरोग्य. न० (आरोग्य) निरोगियत्वं; नंदुरित. निरोगता; तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओष० नि० ६=३; कप० ७, २०६; जं० प० ३, ५४; (२) त्रि० रोग रहित; निरोगी. रोग रहित; निरोगी. healthy. नाया० १; भग० ११, ११; १५, १; कप० १, ८; ६, १७; —आरोग्य. त्रि० (—आरोग्य) आधा पीडा रहित. बाधा-पीडा सं रहित. free from pain, or affliction. नाया० ८; —फल. न० (—फल) तेजुं १६६ आरोह्य उत्ते. जिसका फल आरोह्यता है ऐसा कोई भी वस्तु. anything conducive to health. पंचा० १५, ४६; —बोहिलाभ. पुं० (—बोहिलाभ) आरोह्य बोहो भे.धि-स-भुजं तेनेय ध.भ. आरुण्य

और बोधि (सम्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोह्य. पुं० (आरोह्य) धुइ शास्त्रों में कहल ओक देवतानी मत. बौद्ध शास्त्रों में कहल हुई देवों की एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सू० २, ६, २६;

आरोपण. क्री० (आरोपण) आरोपण—ओक अपराधनुं प्रायश्चित्त करतां पुनः तेन अपराध पीछे वार क्यो तेनुं प्रायश्चित्त प्रथम प्रायश्चित्तमां उभेरनुं—आरोपणुं ते. एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वही अपराध दूसरी बार करनेपर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त में शामिल करना अथवा पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as *Āropṇā* or adding expiation to expiation. ठा० ५; निसी० २०, ११; कप० ६, ५७; सम० २८; —पायच्छिस्त. न० (—प्रायश्चित्त) जुओ उपरो १५६. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ४, १;

आरोपयिष्य. त्रि० (आरोपयिष्य) आरोपना योग्य. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसी० २०, ३७;

आरोह्य. पुं० (आरोह्य) ओ नामने ओक देश. इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशयासी भे.उन्दी

अेक जन. आरोह देशवासी स्लेच्छ की एक जाति. a race of barbarians inhabiting the country of Āroṣa: परह० १, १;

आरोह. पुं० (आरोह) शरीर की उचित दीर्घता. शरीर की यथार्थ उंचाई. Proper length of a body. दसा० ४, २०; —परिणाह. पुं० (-परिणाह) शरीर की उचित गेहली में जुगनी पहोलाई होय ते आरोहपरिणाह. जितनी शरीर की उंचाई हो उतनीही यदि दोनों भुजाओं की चौड़ाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —परिणाहजुक्तता. स्त्री० (-परिणाह-युक्तता) शरीर की उचित गेहली जुगनी पहोलाई सहित. शरीर की उंचाई के समान भुजाओं की चौड़ाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४; —परिणाह संपरण. नि० (-परिणाहसंपन्न) आरोहपरिणाह; शरीर की उचित गेहली में जुगनी पहोलाई होय. शरीर की उंचाई के समान दो भुजाओं की चौड़ाई वाला. (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height. दसा० ४, २०;

आरोहण. पुं० (आरोहण) हाथी की सारी उरवार आयत. हाथी को सवार करनेवाला; सवार. One who mounts upon an elephant; an elephant-driver. आश० ३१;

आलम्ब य. त्रि० (आलम्ब) रहैयानु स्थान; घर पर; स्थान. A house; a place.

विश० १८७१; ठा० ३, २; जी० प० २, ३१; पंचा० ११, ४६; प्रब० ४४२; पल० २; —सामि. पुं० (-स्वामिन्) उपाश्रयने पक्षी. उपाश्रय का स्वामी-मालिक. the lord of a Jaina monastery. पंचा० १७, १८;

आलम्बय. त्रि० (आलम्बय) यथा यथा स्थाने पड़ेरेख. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ. Put on properly. जीवा० ४; कण० २, १३; पल० २; —मालउमड. त्रि० (-मालमुकुट.) गेहले माला ने भुगट पड़ेया छे ते जिमने माला और मुकुट पहिना है वह. garlanded and diademed. जीवा० ४; भग० ३, २;

आलंकारिय त्रि० (आलंकारिक) न्यां अलंकार धरेया पड़ेरया उनारयाभां आवे ते स्थान. वह स्थान जहां अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हैं. A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा० ४; —सभा. स्त्री० (-सभा) चमरचंचा राजधानी की अलंकार पहिने का एक सभा. a council-hall of a capital city named Chamara-chañchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments. ठा० ४;

आलम्ब. पुं० (आलम्ब-कालभेदः) पक्षी की आंगो-लीला हाथ मुहाय तेहला यथातथी भांसी ५ रात दिवस सुधीना काल. काल का एक भेद; पानी से आंगा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय. A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० १२१;

आलंब. पुं० (आलम्ब) आधारः आलम्बन आधार; आलम्बन; सहारा. Support; basis. नाया० ५, १६; भग० १८, २;

आलंबल. न० (आलम्बन) आधार; आश्रय; टेढ़ा. आधार; आश्रय; सहारा. Support. अणुजो० २४; राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८; भग० २५, ७; उत्त० २४, ४; उवा० १, ५; क० प० १, ४; गच्छा० ८; जं० प० ४, ७४; (२) धर्मसमितिनुं आलम्बन-ज्ञान दर्शन अने आदित्र. ईयां समिति का आलंबन-ज्ञान दर्शन और आदित्र. basis of Iryā Samiti viz knowledge, faith, and conduct. अणुजो० २४;

आलंबणभूय. त्रि० (आलम्बणभूत) आधार भूत; आधार भूत; आधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया० १;

आलंबण. स्त्री० (आलम्बणा) लुओ "आलंबण" शब्द. देखो "आलंबण" शब्द. Vide "आलंबण" ओव० २०; प्रव० ७८४;

आलंबिया. स्त्री० (आलम्बिका) आलंबिका नामनी ओक नगरी. एक नगरी का नाम Name of a town. "तेखं काखेयं तेखं समणं आलंबिया खामं बयरी होखा" भग० ११, ११; ११, १२; कप्य० ५, १२१; उवा० ५, १५५;

आलक. पुं० (अलक) लकड़िया कुतरी. पावला कुता; A mad dog भल० १२५;

✓ आलव. धा० I, II. (आलव्) आलाप करे; आलाप करना; बोलना To speak; to talk.

आलवह. नाया० १; सम० ३३;

आलवैलि. नाया० १;

आलविज. दस० ७, १७;

आलवे. दस० ७, १८; २१; ४०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०;

आलवित. प्रव० १३५;

आलवत. उत्त० १, २१; अणुजो० १३१; राय० ८८; दस० ६; २; २०;

आलवमाण. ठा० ४, २; नाया० १४;

आलवितप. उवा० १, ५८;

आलवण न० (आलपन) ओलवुं; पत-थिन करी. वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव० १२६;

आलसिय-त. न० (आलस्य) आलस-पणुं. आलस्य; आलसीपन. Idleness. भग० १२, २;

आलस्स. न० (आलस्य) आलसः प्रमाद. आलस्य. Laziness; carelessness. उत्त० ११, ३; गच्छा० ३३;

आलस्समाण. व० क० त्रि० (आलस्यत) आलस करे. आलस्य करना हुआ. Remaining lazy. भग० १२, २;

आलाव. पुं० (आलाप) ओलवुं ओलवुं ते; आलाप करे; ते. बोला बोलना; आलाप करना Talking; whispering. भग० ३, १, ६, ४; पिं० नि० ३७८; विरो० ६६४; ठा० ७, १; —गणण. न० (-गणन) आलावा सरणे सरणा वाक्यसमूहने गणना ते. समान २ वाक्यसमूह का गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६२;

आलावअ पुं० (आलापक) लुओ "आलावग" शब्द. देखो "आलावग" शब्द. Vide. "आलावग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) आलावे; ओक संगन्धवाला वाक्येनो समूह. एक सम्बन्ध-वाले वाक्योंका समूह. A group of

connected sentences. भग० ३, १; ३, ४; ५, ४; ६, ३२; आया० २, १, १, ६; २, १, ६; १५२: टा० २, ३; उवा० २, ११८; सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) परस्पर में परस्पर मिलावटी धनो अन्ध. दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together. भग० ८, ६;—बंध. पु० (-बंध-आलापयेत् आलानि क्रियते अभिरिति आलापनानि रज्ज्वादीनैर्बन्धस्तृणादीनामिति) परस्पर में परस्पर लेजावट्याधी धनो अन्ध-अन्ध-अन्धी लारी अन्धे दोनदुं अन्धे धनो अन्ध. परस्पर दो वस्तुओं के एकचिप होने से जो बंध हो वह जैसे घांस और रस्सी. connection of two things joined together e. g. a rope and a bundle of grass. “ से किंते आलावण बंधे २ जगणं तण भारा-गवा ” भग० ८, ६;

आलि. पु० (आलि) अ३ जननी वनस्पति. एक जलिनका वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० ३, ४; नाया ३—घर. न० (-गृह) आलि नामनी वनस्पति विशेषतः अन्धेय धर-भंडप. आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर-भंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा० ३, ४; नाया० ३;—घरग. न० (-गृहक) लुआ उपला शब्द. देगे ऊपर का शब्द. vide above. राय० १३, ✓ **आलिंग.** धा० I. (आ+लिंगि) आलिंगन ३: पुं. आलिंगन करना. To embrace.

आलिंगण. सु० च० ८, १८०;

अलिंगा. वि० निर्या ७, ३१;

आलिंग पुं० (-आलिंग) पाठ १ विशेष

भुज-भादस नामजुं पाठ १. बाध विशेष; एक विशेष तरह का बाजा; भुज-मृदंग नाम का बाजा. A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, १, ३; राय० ४५; (०) आलिंग-साधुनो वेध. साधु का वेध. dress of an ascetic. नाया० ७;—**पुष्कर.** न० (-पुष्कर—पुरजमुष्कम्) भुज-भादस पाठ १ भोटुं. मृदंग नामक बाजे का मुँह. the face of a drum or tabor. भग० २, ८, ६; ७; जीवा० ३, ३; जं० प० १, ११; राय०

आलिंगण. न० (आलिंगण) आलिंगन; थोड़ा स्पर्श करवाते आलिंगन; थोड़ा स्पर्श करना. Embrace; slight touch. प्र० १०००; सू० प० २०; भग० १२०;

आलिंगणयहि. न० (आलिंगणयहि) शरीर प्रमाण लंबाई आलीकुं. शरीर के अनुसार लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body. “ तारे समंसि सयणिज्जंसिसाहिंगन बहिष् ” सू० प० २०; जीवा० ३; भग० ११, ११; नाया० १; राय०

आलिंगणिया. स्त्री० (आलिंगणिका) शरीर प्रमाण लंबाई आलीकुं. शरीर के प्रमाण लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिंगणी. स्त्री० (आलिंगिनी) गुप्त अने डालीनीय राभ्याने आश्लो. घुटनों और कुहनी के नीचे रखने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon. प्र० ६८४;

✓ **आलिप.** धा० I. (आ+लिप्) शरीर विशेष पर धरुं. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिपि. नाया० ५; ६;

आलिपिज. वि० आया० २, १३. ११२;

आलिप्तेज. वि० निस्सी० ३, ३७; १३, ३८;

आलिप्तेज. हे० क० वेय० ५, ३६;

आलिप्त. त्रि० (*आलिप्त) नावाने अक्षव-
वानां धुलेसां. नाव को चलाने का चाद.

An oar. आया० २, ३, १, ११६;

आलिप्त. त्रि० (आदीप्त) सर्व तरङ्ग-
वर्धित-पक्षी रहस्य. सब तरफ से जलता
हुआ. Burning, on fire, from all
sides. नाया० १, ८; १४; १६; भग०
२, १; ६; ३३; १८, २; नाया० ५०

आलिप्त. त्रि० (आदीप्त) लागेला, जोड़ेला.
लगा हुआ; मिला हुआ. Attached;
joined. " अथेगह्या पुठवीकाइया आ-
लिप्ता " भग० १६, ३; प्रव० १५३;

आलिसिद्ध. पुं० (*आलिसिद्ध) धान्य
विशेष; योधा. धान्य विशेष; चोला नामक
धान्य. A kind of corn. ठा० ५, ३;
जं० प० भग० ६, ७; (२) अक्षसि.
अलसी. linseed. सूय० २, २, १३;

आलिसिद्ध. पुं० (*आलिसिद्ध) लुओ
उपद्रो. शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. भग० २१, २; वसा० ६, ४;

✓ आलिप्त. धा० I. (आ+लिप्त) आलेख्युं;
चित्रितुं. आलेखन करना; चित्ररत्ना. To
draw a picture.

आलिप्त. जीवा० ३४; तय० १८६; जं० प०
५, १२२;

आलिप्त. जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. भग० १५, १;

आलिप्त. जं० प्र० ३, ४३;

आलिप्त. वि० वस० ४;

आलिप्त. आ० नाया० ८;

आलिप्त. सं० क० भग० १, २; ३, १;

२, १५, १;

आलिप्त. भग० ८, ३; जं० प० ३, ४३;

आलिप्त. क० वा० सं० क० जं० प०

आलीप्त. त्रि० (आलीप्त) ध्रिय निग्रह-
भर्यादाभां तत्कालीन. इन्द्रिय निग्रहरूप मर्यादा
में खवलीनः (One) restrained in
senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२)
आश्रित. आश्रित. resting on. नाया० १;
(३) थोड़ा लागेला-वक्षगेला. थोड़ा लगा
हुआ-लिपटा हुआ. attached a little;
clinging a little. जं० प० — गुप्त.
त्रि० (— गुप्त-आलीप्त-आलीप्त-आलीप्त-गुप्तः)
जोड़ेला ध्रियेनो निग्रह करी गोपनीयनी
छे ते. जिसने इन्द्रियों का निग्रह कर उन्हें
आधीन कर लिया है, वह. (one)
having restraint over senses.
" आलीप्तगुप्ता परिचय " आया० १, १,
३, ११७;

आलीप्त. त्रि० (आदीप्त) आग लगाउना;
अग्नि सलगाना. आग लगानेवाला; अग्नि
सिलगाने वाला. (One) who kind-
les fire. " आलीप्तगर्भतत्प्रेमयज्ञहृद-
संप्रउत्ते " नाया०

आलीप्त. त्रि० (आदीप्त) आग लगाउ-
ना; आग सलगाना. आग लगानेवाला.
(One) who sets fire to. पयई०
१, ३; नाया० २;

आलीप्त. न० (आदीप्त) रोशनी करनी ते.
रोशनी का करना Illumination on a
festive occasion. विवा० १;

आलीप्त. त्रि० (आदीप्त) अग्नि में आलेख.
अग्नि में जलाया हुआ. Fire-burnt.
विवा० ६;

आलु. पुं० (आलु) अट्टा. आलू; कन्फ
विशेष. A potato. प्रव० २४२;

आलुर्ह. जी० (आलुकी) ओक जलनी वेश.
एक जाति की वेल. A kind of creeper.
आलुर्ह. नि० १, १, ६, १२६;

✓ आलुप. धा० I. (आ+लुप्) दोष करवा; चोरना; गाँठ छोड़ी कपड़ी वस्तु छपाड़ी देनी. लोप करना; चोरना; गाँठ छोलकर किसीकी वस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal; to remove.

आलुपति. नावा० ४;

आलुपद्. आ० आया० १, २, ७, २०४;

आलुपह. आ० सूय० २, १, १७;

आलुप. त्रि० (आलुम्) चारे आलुपुथी अलुप्त किया। करनार; हिंसा, चोरी, दारिद्र्य वगैरे अकृत्य सेवनार. चारों ओर से अशुभ किया करनेवाला; हिंसा, चोरी, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आवा० १, २, १, ६२;

आलुग. पुं० (आलुक) आलु-कंद विशेष; अटाटा. आलु; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a potato. " साह्य-रत्नसरीरा अयोगदा से पकितिया आलुए मूलए वेव " उत० ३६; भग० ७, २; पञ्च० १०; जीवा० १; अणुत० ३, १;

आलुव. पुं० (आलुक) साधारण वनस्पति विशेष. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जीवा० १; उत० ३६, ६६; भग० ७, २; ८, ३; २३, ६; —अग्न. पुं० (—वर्ग) आलु-अटाटा संयंभी भगवती सूत्र २३ भां शतकेन श्रीनि वर्ग. भगवती सूत्र के तैवीसवें शतक का आलु-संयंभी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Śataka of Bhagavati Sūtra dealing with the subject of potatoes. भग० २३, २;

आलोचय. न० (आलोचय) धोतुं लेपन. बोझ लेप. A slight smearing. १. 11/12.

मिसी० १२, ४५; —आव. न० (—आव) लेपना प्रकार. लेपका भेद. varieties of ointments. मिसी० ३, २६; ६, १२; १२, ४५;

आलोहय-य. त्रि० (आलोहित) निरीक्ष्य करेत्. देखाहुआ; निरीक्ष्य किंवा हुआ. Observed. " आलोहयं इगिवमेवमवा " दस० ६, ३, १;

आलोहय-य. त्रि० (आलोहित) आलोचन करेत्; निवेदन करेत्. आलोचन किया हुआ; निवेदन किया हुआ. Confessed; informed. पि० नि० ११६; नावा० १; १४; १६; सु० च० १, ३२३; भग० २, १; ३, १; ४, ५, ६; ७, ६; १५, १; २०, ६; वव० १, ६; विरो० ३३६व; —पडिकंत. त्रि० (—प्रतिक्रान्त) आलोचने प्रतिक्रान्त्य करेत्; पोताना दोष प्रकाशने तेनाथी पाठा छेत्. आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किंवा हुआ; अपने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हठा हुआ. (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them. भग० २, १; १०, २; विवा० १; —भोह. त्रि० (—भोजिन्) गुरुनी पासे आलोचन करी पठा आहार करनार (मुनि). गुरु के समीप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुनि). (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). ओष० नि० ५५१;

आलोहय-य. त्रि० (आलोहित) ज्ञेनार; अवलोचन करनार. देखनेवाला; अवलोकन करनेवाला. (One) who sees or observes. सम० ६; उत० १६, ४;

आलोचयय. त्रि० (आलोचयय) प्रकाशवा लायक; निवेदन करवा योग्य. प्रकाश करने योग्य; प्रगट करने योग्य; निवेदन करने योग्य.

Wit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा० १५, २२;

आलोक. पुं० (आलोक) रूपी पदार्थ. रूपवाला-दृश्य पदार्थ. A visible object. (२) प्रकाश. उजवाला; प्रकाश. light. आया० १, ३, ३, १२०;

आलोक. पुं० (आलोक) ओ३ओ शब्द. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. ओघ० नि० १३; जं० प० ३, ५४;

आलोडिऊण. सं० कृ० अ० (आलोड्य) चलायीने; मथीने. मथ करके. Having churned. सु० च० २, ४०७;

✓ आलोच. धा० I, II. (आ+लोक) आलोचन करतुं; पोताना दोष तपासी शुद्धीकरण; पोतानी भूत न्यायवी. आलोचन करना; अपने दोष हटकर गुरु से कहना; भूल प्रगट करना. To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor).

आलोच. सम ३३; भग० २, ५; सूय० २, २, २०; उवा० १, ८०;

आलोच. गच्छा० ११८;

आलोच. भग० ८, ६;

आलोच. वव० १०, १; वेय० ४, २५; निसी० ५, १; २०, १०; ११; आया० १, ७, ५, २१६; २, १, २, १२;

आलोच. नि० आया० २, ६, १, १५२;

आलोच. वि० प्रव० १२६; दस० ५, १, ६०;

आलोच. उवा० १, ५८;

आलोच. नाया० १६; उवा० १, ८४; नाया० ५०

आलोच. सं० कृ० आया० २, १५, १७८; नाया० १६;

आलोच. पंचा० १४, ५०;

आलोच. सु० च० २, ४३२;

आलोच. पंचा० ३, ४६;

आलोच. हे० कृ० वव० १, ३०; ५, १९;

निसी० ५, ३६; ठा० २, २;

आलोच. हे० कृ० पि० नि० ५१८;

आलोच. व० कृ० वव० १, १; निसी० २०, १०;

आलोच. क० वा० उवा० १, ८५; नाया० १७;

आलोच. व० कृ० जं० प० ३, ६७;

✓ आलोच. धा० I. (आ+लोक) देखतुं; अवलोकन करतुं. देखना. To see; to observe.

आलोच. हे० कृ० पि० नि० ५१८;

आलोच. व० कृ० भग० १०, १;

आलोच-अ. पुं० (आलोक) अवलोकन; निरीक्षण; दर्शन; देखतुं ते. अवलोकन; देखना; निरीक्षण. Seeing; observation. जं० प० ५, ११०; ओव० ३१; दस० दस० ५, १, १५; कप० २, २७; ओघ० नि० ६२; २८७; राय० ६८; विश० २०६; नाया० १; २; ८; १६; आया० २, १, ६, ३२; (२) दीयाते प्रकाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत० ३२, २४; —दरिसणिज्ज. त्रि० (—दर्शनीय—आलोकं दृष्टिगोचरं यावद् दृश्यतेऽप्युच्यते यः स आलोकदर्शनीय) ने दृष्टिगोचरं यत्तां गीयाभां गीयुं देवाय ते. जो दृष्टिगोचर होतेही ऊंचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's landscape. “ दंडारव आलोच दरिसणिज्ज ” ओव० नाया० १; भग० ६, ३३; —भायण. न० (—भाजन) नेभां प्रकाश पडे अेयुं भाजन. प्रकाश प्राप्त; जिसमें प्रकाश पडे वह. (anything) receiving light. पव० २, १; दस० ५, १, १६;

आलोचन. न० (आलोचन) दर्शन. दर्शन.

Sight; seeing. दस० ४; भग० १, ३३;

आलोचन. न० (आलोचन) शिष्ये गुरु पासं पोताना दोषानुं आलोचन करयुं-निवेदन करयुं ते. शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष की आलोचना करना-दोष प्रकट करना. Confession of a fault by a disciple to his preceptor. सम० ३२; परह० २, १; प्रव० २६; पंचा० १, ३६;

आलोचनया. स्त्री० (*आलोचना) गुरु पासं पोताना दोषानुं निवेदन करयुं ते. गुरु के सन्मुख अपने दोष निवेदन करना. Confession of one's own sins to a Guru. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

आलोचनया. स्त्री० (आलोचना) लागेला दोषानुं गुरु आगत निवेदन करयुं; गुरु समीप दोषानुं प्रकटयुं. लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवेदन करना; दोष प्रकट करना. Confession of sins to a Guru. भग० २५, ७; संत्या० ३३; ओव० २०; प्रव० ७५७; उत्त० ३०, ३०; वव० १, ३५; विरो० ३३६६; —अरिह. न० (-अर्ह) गुरु पासं निवेदन करवाथी जे पापनी शुद्धि निवारयुं थाय ते; आलोचनायेज्य पाप. गुरु के सामने निवेदन करने से पाप की जे शुद्धि हो वह; आलोचना के योग्य पाप. freedom from sin, caused by confession to a Guru; a sin deserving confession. भग० २५, ७; (२) आलोचना येज्य प्रायश्चित. आलोचना के योग्य प्रायश्चित. expiation deserving confession. ठा० ६; —अथ. पुं० (-अथ) गुरुपासे आलोचन करवानी रीति. गुरु के समीप आलोचना करने की रीति. mode of confession of sins to a Guru. तिरो० ३३६६;

आलोचिय. त्रि० (आलोचित) आलोचन करेला. ढाँकहुआ. Covered; concealed under. नाया० १;

आवह. स्त्री० (आपत्) आपत्ति-दुःख; विपत्ति. आपत्ति; दुःख; विपत्ति. Adversity; misery. “आउरे आवहसु व” ठा० १०; “आवहसु दवधम्मया” सम० ३२; “दुहओ गह बावस्स आवहं बह मूलिया” उत्त० ७, १७; नाया० ६; ओव० ३६; भग० २५, ७;

आवहय. न० (आपत्ति) कष्ट; दुःख. कष्ट; दुःख. Misery; adversity. नाया० ९;

आवन्ति अज्जयण. न० (आवन्त्यध्ययन) आचारंगना प्रथम श्रुतरङ्गना पांचवा अध्ययननुं नाम. आचारंग के प्रथम श्रुतरङ्ग के पांचवें अध्ययन का नाम. Name of the fifth chapter of the first Śruta-skandha of Achārāṅga Sūtra. अणुजो० १३१; आया० नि० १, ५; १; १३६; ठा० ६; सम०

आवन्ती. पुं० (बावत्) जितना. As many as. “आवन्ती के बावन्ती खोयंसि” आया० १, ४, २, १३३;

आवकह. अ० (बावत्कथम्) जयअवसुधी; अ-दंगी पर्यन्त. बावजीवन; जिन्दगी पर्यन्त. As long as life endures; till death. “आवकहं भगवं समित्तासि” आया० १, ६, ४, १५;

आवकहा. स्त्री० (बावत्कथा) जयां सुधी नामकथन रहे त्यां सुधी; अ-दंगी पर्यन्त. जब तक नाम धारण करके रहे वहां तक; जीवनपर्यन्त. (Period of time) till life endures; till death. “आवकहाए गुरु कुज बासं खं मुचन्ति” पंचा० ११, १६; सूय० १, २, २, ४; आया० १, ६, १, २; ठा० ४;

आवकहिय. त्रि० (वाक्कथिक) यावन्मृत्यु
सुधीनुं; हमेशनुं; ध्यावन्मृत्यु. यावज्जीवन
तकका; हमेशहका; बहुत समय का. Last-
ing till death; permanent; old.
अयुजो० ११; १४६; पञ० १; भग० २५,
७; ओव० १६; विशे० १२६३; पंचा० १,
३६; ५, १०; १२, ४३;

आवगा. सां० (आवगा) नदी. नदी. A
river. "वज्रसमाधि तित्थाधि आवगाय
विवागरे" दस० ७, ३६;

आवजग. नि० (आवर्जक) प्रसन्न करनेवाला. Causing charm;
delightful. पि० नि० ४३८;

आवजग. न० (आवर्जन) केवलीने उप-
योग-मानसिक व्यापार; शेष रहैला कर्भने
उदयावलिङ्गमां प्रक्षेप करवाने व्यापार-
क्रिया. केवली का उपयोग-मनो व्यापार; बाकी
बचे हुए कर्म का उदयावलिङ्ग में प्रक्षेपण
करने की क्रिया. The thought-acti-
vity of a Kevali that he is to
perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of
a Kevali to force up into ma-
turity the remnants of his
Karmas. विशे० ३०५१;

आवजीकरण न० (आवर्जीकरण) जन्मो-
" आवर्जण " शब्द. देखो " आवर्जण "
शब्द. Vide " आवर्जण " ओव० ८२;

आवह. पुं० (आवर्त-आवर्तयति प्राणिनं
आमयतीत्यावर्तः) समुद्रादिमां मङ्गल-
कारे धुमरी आनुं पाणी देयाय ते. समुद्रादि
में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी
दिखे वह. An eddy in an ocean
etc. राय० ४६; सं० प० आया० १,
२, ३, ८३; नाया० १; ठा० ४; उत्त० ३, ५;
(२) (आवर्तनमावर्तः) २५३३; परिभ-

भयु करवुं ते. भटकना; परिभ्रमण करना.
wandering; going round and
round. नाया० १; (३) मोहपाश; भ्रम-
वर्ण. मोह पाश; भ्रमार्ता; भूल भुलैया. an
infatuation; a maze. ठा० ४; सूत्र०
१, ३, २, १४; (४) (आवर्तते परि-
भ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्तः) संसार.
संसार. the worldly existence.
" आवर्ततोऽप्यसंगमभिजायति " आया०
१, १, ५, ४०; (५) संसारना कारण
विषयना शब्दादि गुण. संसार के कारण
रूप-विषय के शब्दादि गुण. objects of
senses e. g. sound etc. which
lead to worldly existence.
" जे गुण से आवह्ते जे आवह्ते से गुणो "
आया० १, १, ५, ४०; (६) उत्कट
मोहना उदयथी विषयनी प्रार्थना करी ते,
उत्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना
करना. yearning after sensual
pleasures through strong in-
fatuation, " वह मे संति आवह्ता कास-
वेण पवेह्ता हुआ जस वसवन्ति सिवन्ति
अहुहा जहि " सूत्र० १, ३, २, १४; १,
१०, ५; (७) करी करीने उत्पन्न भवुं ते.
बार बार उत्पन्न होना. rising or
being born again and again.
" दुक्खायमेव ; आवहं जगुपरिवह्ति "
आया० १, २, ३, ८१; (८)
महायोग नामे स्थित कुमारना धरना
लोकापालनुं नाम. महायोग नामक स्थित
कुमार के इन्द्र के लोकापाल का नाम name
of the Lokapāla of the Indra
of Thapitakumārās, styled
Mahāghoṣa. ठा० ४; सूत्र० ३, ८;
(९) जन्मदीपमाना ओह दीप वेताह्म पर्वत.
जन्मदीपमें का एक बड़ा वेताह्म पर्वत. mass

of a long Vaitādhya mountain in Jambū Dvīpa. छ० १; (१०) ओ३ भरीवासा स्थलपर निर्यय पंचेन्द्रिणी ओ३ जत. एक कुरवाले निर्यय पंचेन्द्रिणी की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पञ्च० (११) अहोरात्रना २५ भा मुहूर्तं नाम. अहोरात्रि के २५ वें मुहूर्त का नाम. name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम० ३४; (१२) आवर्त नामं एक विमान. name of a heavenly abode. सम० १६; (१३) न्युद्वीपना मे३नी पुरे सीता महानदीनी उत्तरे आवर्त नामनी ओ३ वि०५ जंबूद्वीप के मे३ के पूर्व की ओर सीता महानदी की उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय. name of a Vijaya in the north of the river Sitā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. “हो आवर्ता ” छ० २, ५; जं० प० (१४) आवर्त नामे ३२ नाटकभानु ओ३ नाटक. ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. राव० —कूट, न० (—कूट) महाविदेहमांता नखिनकूट नामे वभाश पर्वतं ओ३ नामं ओ३ शि०२ महाविदेहके ‘नखिन कूट’ नामक पर्वत के एक शिखर का नाम. name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūta, in Mahāvideha. जं० प० आवर्त, पुं० (आवर्त) शिशु देखने में मिलनी ओ३ जत. शिशु देख के मिलने की एक शक्ति. A race of Bīla in the

country of Kirāta. जं० प० २, ११, १; जीवा० ३, ४;

आवर्तक. न० (आवर्तक) आंभुं, ३३३। ३२५। तोड़ना; फोड़ना; टुकड़े करना. Breaking to pieces. ओ३० नि० २२४; ३१२;

आवर्तिय. त्रि० (आवर्तित) आरे तरश्ची आवी पडेयुं; लागेयुं. चारों ओर से आवा हुआ. Come from all sides. “होवि आवर्तिया कुट्टे ” उत० २५, ४०; जं० प० ५, ११५;

आवण. पुं० (आवण) हाट; दुकान. हाट; दुकान. A shop. ओ३० १५; २६; जं० प० वे३० १, १२; वि०० २०६५; दस० ५, १, ७१; भग० ५, ७; ८, ६; अणुजो० १३४; पि० नि० १६६; उवा० ७, १६४; जीवा० ३, ३; (२) अण्वर. बाजार. a market. पि० नि० ३७७; जीवा० ३, ४; कप्प० ४, ३५; —गिह. न० (—गृह) अण्वर व२ये-जुं धर. बाजार के बीच का घर. a house in a market. वे३० १, १२; —बीहि. जी० (—बीबि) अण्वरनी सेरी; अण्वरनी मार्ग. बाजार का रास्ता. a market-road. जीवा० ३; राव०

आवण. वि० (आवण) आ३ धये३; आ३ने रहे३. प्राप्त; आगमन करके रहा हुआ. Got to come to. “आवणवा हीह-मदाय-संसारमि जयंतए ” उत० ६, १३; (२) उ३५३ धये३. उत्पन्न. produced; born. जक० ५; —सत्ता. जी० (—सत्ता) गर्भवती; सम० ३। गर्भवती की; गर्भवती. a pregnant woman. कवा० २; १६; शि० २;

✓ आवर्त. प० I, II. (आवर्त) संसार या ३५३ जं३ संसार के जटवट. To

wander in worldly existence.
(२) क्षीने आवयुं. फिरसे आना. to re-
turn; to come back.

आवट्टति. सूय० १, १०, ५;

आवट्टमाण. दगा० ७, १;

आवत्तयन्त. भग० ११, ११;

आवत्त. पुं० (आवर्त) लुओ 'आवट्ट' शब्द.
देखा " आवट्ट " शब्द. Vide " आवट्ट "
सम० १६; ३०; जावा० ३, ३; ४; राय०
२८; ८१; पण्ड० १, १; उत्त० २५, ३८;
ठा० ४, १; ओव० १०; २१; सु० च० ६,
२६; जं० प० ४, ६५; पञ्च० १; नाया० १;
६; भग० ३, ८; कण्प० २, १४; —कूट.
पुं० (—कूट) नलिनकूट नामे यन्मारा पर्वत-
ना आर कूटमांजु त्रीजुं कूट-शिखर. वज्जारा
पर्वत के चार कूटो में से नलिनकूट नामक
तीसरा कूट-शिखर. the third of the
four summits of the Vakhārā
mountain named Nalinakūta.
जं० प० ४, ६५;

आवत्तण. न० (आवर्तन) उघाडुं बामयुं.
खोलना व बंद करना. Opening and
shutting a door. पि० नि० ३५५;
—वेदिया. स्त्री० (—पीठिका) ग्रेभां भोग्य
रहे ते स्थान. जिस में किवाड़ों का आडा या
चटकनी रहे वह स्थान, the receptacle
of the bolt of a door. जांझ० ३;
राय० १०६, जं० प०

आवत्ता. स्त्री० (आवर्ता) आपर्ता नामनी
येऽ विजय. आवर्ता नामक एक विजय.
Name of a Vijaya. ठा० २, ३;

आवत्तायंत त्रि० (आवर्तायमान) प्रदक्षि-
त्वा देजुं; अभयुं. प्रदक्षिणा करता हुआ.
Revolving; circumambulating.
कण्प० ३, ३५;

आवत्ति. स्त्री० (आपत्ति) प्राप्ति. प्राप्ति.
Acquisition; getting. प्रब० ७६;
(२) उत्पत्ति. उत्पत्ति. birth; rise;
creation. विशेष० ६६;

आवन्न. त्रि० (आपन्न) प्राप्ति. प्राप्ति.
Got; got to. विशेष० १६७; सु० च० १,
१२६; उत्त० ४, ४; प्रब० १३३३;

आवयमाण. त्रि० (आपतन) पडने. गिरना
हुआ Falling; falling down.
नाया० ८;

आवयमाण. त्रि० (आपन्न) आयने.
आता हुआ. Coming; arriving.
भग० ३, २;

आवया. स्त्री० (आपद्) आहत-आपत्ति;
संकट. आपर्त; आफत; संकट. Calamity;
adversity. राय०

✓ आवर. धा० II. (आ+वृ) आरयुं;
दंडयुं. ढांकना. To cover; to hide.
आवरिष्ठा. सं० कृ० राय० २३३;
आवरिय सं० कृ० दगा० ६, १, २;
आवरिष्ठा. सं० कृ० भग० ६, ५; १०, ६;
१५, १;

आवरेमाण. भग० १२, ६

आवरयंत. प्रब० १६१४;

आवरिज्जह. क० वा० भग० ६, ३३;

आवरिज्जति. क० वा० प्रब० १२६८;

आवरिज्जमाण. भग० १५, १;

आवर. त्रि० (अपर) श्रीजुं. दूसरा.
Another सम० १२;

आवरण. न० (आवरण-आ-मर्षादया वृणो-
त्तयावरणम्) ढकन. अपनर. कवच;
बखनर. An armour. जीवा० ३, ४; जं०
प० राय० १३०; नाया० ८; ओव० ३०;
सूय० नि० १, ८, ८२; ६३; (२) ढाल.
ढाल. a shield. ओव० आया० नि० १,
३, ५, १००; (३) ढांकने; ढांकन.

ढक्कन. covering; a cover. पञ्च० २३; राय० ६२; विशेष० १०४; सम० ६; क० प० १, २५; (४) भंजिष्ठ आदि ६०५. मंजीठ आदि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc. जं० प० (५) . सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप पश्यन्त्याजुते अःकायनार कषाय; मोहनीय कर्मनी प्रकृति. सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कषाय; मोहनीय कर्म की एक प्रकृति. a variety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures. विशेष० १२३५; (६) ज्ञान आदि शक्तिने आवरनार ढांकनार ज्ञानावरणीयादि कर्म. ज्ञान आदि शक्ति को ढंकने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. अणुजो० १२७; विशेष० ११५; क० गं० १ ३-६; ६, ८६; —अवगम. पुं० (-अपगम) ज्ञानावरणीयादि कर्मों का दूर होना. exit. passing away, of knowledge-obscuring Karma etc. पंचा० २, ४०; —दुःख. न० (-द्विक) ज्ञानावरण्यु अने दर्शनावरण्यु, ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० गं० १, ५४; —आवरणावरणपविभक्ति. न० (-आवरणावरणप्रविभक्ति) ३२ प्रकारना नाटकभांनुं औ३. बत्तीस प्रकार के नाटकों में से एक. one of the 32 kinds of drama. “ चंदावरणपविभक्तिच सुरावरण-

पविभक्तिच आवरणावरणपविभक्ति चामं विष्णं चण्डविहं उवदंसेहि. ” राय० ६२;

आवरणजि. न० (आवरणीय) आत्मानी ज्ञानादिशक्तिने आवरनार; ज्ञानावरणीयादि कर्म. आत्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढंकनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म. Karina "obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी० ८; आव० ४०; उत्त० ३३; २०; अणुजो० १२७; उक्त० १, ७४;

आवरणी. स्त्री० (आवरणी) आवरणकारी विद्या. आवरणकारा ढंकनेवाली विद्या. Art of veiling or eclipsing things. नाया० १९;

✓आवरस. (आ+वृष) वरसतुं पाणी छंटातुं. बरसना; पानी छिड़कना. To shower water; to sprinkle water; to rain.

आवरसेजा. राय० ३५;

आवरिय. त्रि० (आवृत) ढाँकेल; आवृत; ढाँकाहुआ. Covered; hidden. भग० १५, १;

आवरिसण. न० (आवर्षण-सुगन्धितवारिसिद्धनम्) सुगंधि पाणीने छंटाव करवा. सुगंधित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. अणुजो० २०; राम०

आलवण. न० (आवलन) अंग भरतुं ते. अंग मरोडना. Twisting of the body. परह० १, १;

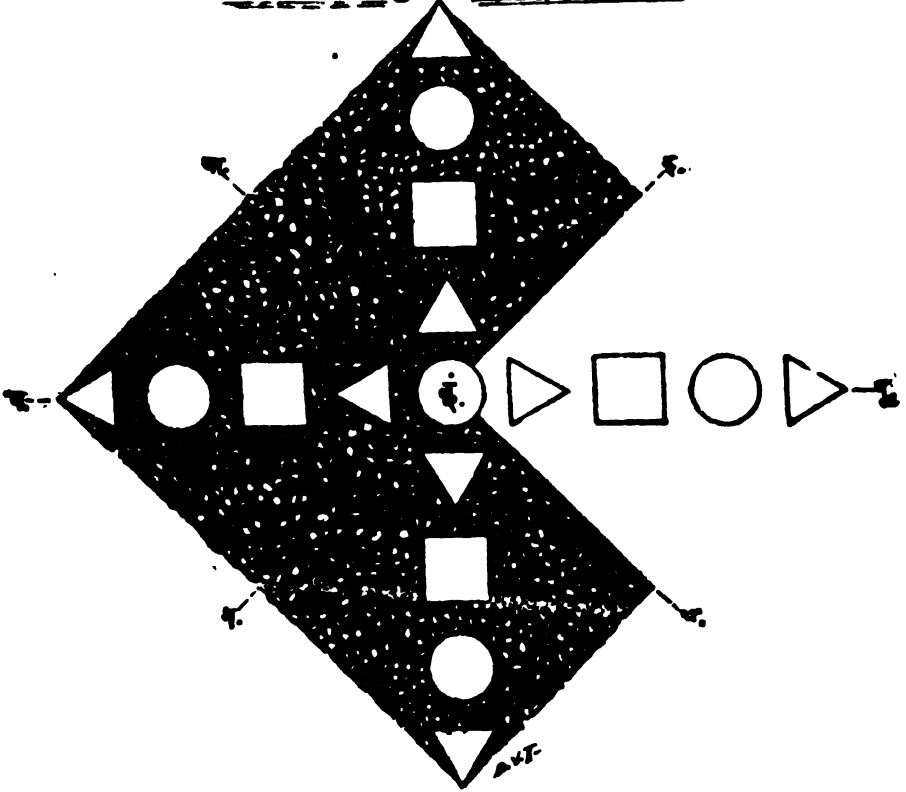
आवलि. स्त्री० (आवलि) ६२; पंक्ति; लाइन. श्रेणी; पंक्ति. A line; a series. सू० प० १०; राय० ४४; ४८; ६१; ओष० नि० २०२; नाया० १; क० प० १, ३८; आवलिय पविभक्ति. न० (आवलिका प्रविभक्ति) नाट्य विधि विशेष. नाटक की

વિધિ વિશેષ. A mode of dramatic performance. “ આવલિયાવિધિનિ જ્ઞાનં વિધ્યં ચદ વિદં ઉચ્ચદસેદ્ ” રાય.

આવલિયા-યા. જી. (આવલિકા) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ; એક આસોઅધ્વાસનો સંખ્યાતમો ભાગ. એક આસોઅધ્વાસ કા સંખ્યાતર્થો ભાગ. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. વિશે. ૨૨૧; ૬૦૮; અનુજો. ૧૧૨, ૧૩૮; જં. ૫૦ ૨, ૧૮; નંદી. ૧૨; મગ. ૨, ૧;

પંક્તિ. line; row. જોવા. ૧, ૧; સૂ. ૫૦ ૧૦; તંદુ. —શિવાય. પું. (-નિવાસ) ક્રમથી મલતું તે. કમરા: મિલના. coming or getting of anything one after another in order. “ તા જોગેતિ વત્યુસ્ત આવલિયા વિદાતે આદિ-તેતિ વદેજ્ઞા તાદૃતિ ” સૂ. ૫૦ ૧૦; —પચિદ્. ત્રિ. (-પચિદ્) અણીમાં રહેલ; અણીમાં પ્રવેશ કરેલ; પંકિતબન્ધ; નરકાવાસના સંકાલ જે પંકિતબન્ધ એટલે બધી દિશાઓમાં અણીમાં-એક લાઇનમાં ગોલ,

— આવલિયા-પવિટ્ટ — આવલિકાવંધ વિમાન.



૨, ૭; ૬, ૧; ૨૨, ૪; વજ. ૧૨; ઠા. ૨, ૪; જોવ. ૧૭; (૨) શ્રેણિ; પંકિત. શ્રેણિ;

ત્રિકોણ અને ચોરસ આકારના છે. શ્રેણી મેં રહે હુએ; શ્રેણી મેં પ્રવેશ કિયે હુએ; પંક્તિવંધ;

भरकावासके संस्थान (आकार) जो पंक्तिबंध याने चारों दिशाओं में एक लाइन में गोल, त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a line or row; in a graded order; e. g. the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, (see diagram) “ आवाखिय पविट्ठाव आवलिय बाहिराय ” जावा० ३. ४; —याहिर. त्रि० (-बाह्य) दा२ अदा२: प्राधनअध नदा; गेभनेम. श्रेणी बद्ध न होना; अव्यवस्थित. not in a line; disordered. जावा० ४; —समय परिमाण. त्रि० (-समयपरिमाण) ओ३ आवलिना समय गेटला. एक आवलि (आंख मिचकना) के समय के समान. of the measure of time equal to one Āvali (twinkling of an eye) क० ग० ४, ८१;

✓ आवस्स. धा० I. (आ + वस्) वसतुं रहंतुं. रहना; बसना. To dwell; to stay.

आवस. विधि० आया० १, १, ६, ४४;

आवसितण्. हे० कृ० नाया० १;

आवसंत. सूय० १, १, १, १६; आया० १, ५, १५५; ठा० १; उवा० १, ८३;

आवसह न० (आवसथ) भंडान; धर; रहे-
हाय. रहने का मकान. A residence;
a house. जं० प० ३, ४६; विवा० ३; ६;
उत्त० १३, १३; सूय० १, ४, २, १४;
(२) तापसनी आश्रम; भंड. तपस्वी का
आश्रम; साधु का मठ. a monastery
आया० १, ७, २, २०२; पणह० २, ३;

भग० २, १; —भवण. न० (-भवन)
निवासगृह. निवासभवन. a place of
residence; a house. जं० प० ३, ४७;

आवसहिय. त्रि० (आवसथिक) आश्रम-
श्रृंखला में रहनेवाला. (One) living a monas-
tery or in hut of leaves etc.
सूय० २, २, २१; दसा० १०, ७;

आवस्सअ-य. न० (आवश्यक) साधु अने
आवसने में पणन अवश्य करवानी क्रिया;
प्रतिक्रमण. साधु और धावक का प्रतिदिन
दो बार अवश्य करने योग्य क्रिया; प्रतिक्रमण.
Pratikramana; a religious
practice to be performed twice
every day, without fail, by
both ascetics and laymen.
नाया० ८; ठा० २, १; विशेष० १; (२)
ते क्रिया प्रतिपादक आवश्यक नामजुं सूत्र.
उक्त क्रिया-प्रतिक्रमण-प्रतिपादक अवश्यक
नामका सूत्र name of a Sūtra ex-
plaining the above religious
practice. ठा० २, १, १०, नंदी० ४३;
प्रव० २३७; —अणुआग पुं० (-अनुयोग)
आवश्यक सूत्रजुं व्याख्यान आवश्यक सूत्र
का व्याख्यान exposition of Āva-
śyaka Sūtra. प्रव० २३७; —करण.
न० (-करण.) केवल समुद्धान्त कर्त्ता
पहले केवलीने अवश्य करवा योग्य व्यापार.
केवलसमुद्धान्त करने के पहले केवली को
अवश्य करने योग्य व्यापार. a kind of
thought-activity necessary to
be performed by a Kevali be-
fore Kevala Samudghāta पंचा०
१६, ३१; —वहरिस्त न० (-वहरिस्त)
आवश्यक सिवायना शक्ति अने उत्तमशक्ति
सूत्र. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और उत्कालिक सूत्र. the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Āvāsya Sūtra. ठा० २; नंदी० ४३;
—सुयसंध. न० (—अतस्कंध) ये नामनुं
अेक-सूत्र. एक सूत्र का नाम. name of a
Sūtra. विशेष० १;

आवस्सग. न० (आवरयकी) लुओ “ आव-
स्सग ” शब्द. देखो “ आवस्सग ” शब्द.
Vide. “ आवस्सग ” धि० नि० १००;
अणुजो० ५; भः० १८, १०; गच्छा० ५३;
प्रब० १०७;

आवस्सया. ली० (आवरयकी) साधुओ अ-
वश्य काम पश्ये पहार जती वपते “ आ-
वस्सहि ” शब्द ओलये ते; सामाचारीनो
ओथो प्रकार. साधुओ आवश्यक कार्य के लिये
बाहिर जाते समय ‘आवस्सहि’ शब्द बोलना.
सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth
variety of Sāmāchāri (ascetic
right conduct); viz uttering
the word “ Āvassahi ” at the
time of moving out on some
unavoidable business. प्रब० ७६७;

आवास्सिया. ली० (आवरयकी — अग्रमत्तके-
वावरयककर्तव्यव्यापार अवाऽऽवरयकी)
साधुने जरुनुं काम पश्ये, उपाश्रय पहार
जनुं पडे, त्तारे ते प्रसंग आवस्यक उ
तेनुं रभरयु करवाने ओइथी ‘आवस्सिया’
शब्द कह्यो ते सामाचारीनो प्रथम प्रकार.
साधु को किसी जरूरी कामके लिये उपाश्रय
के बाहिर जाना पड़े तब उस आवश्यक प्रसंग
की आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से
‘आवास्सिया’ शब्द का कहना; सामाचारी
का प्रथम भेद. The first variety of
Sāmāchāri; viz utterance of
the word “ Āvassiyā ” in a loud
tone by a monk at the time

of leaving monastery for some
pressing work. “ पद्ममा आवास्सिया
यामं ” उत्त० २६, २; ठा० १०; प्रब०
७७२; पंचा० १२, २;

आवाग. पुं० (आपाक) निंभाओ. कुम्हार
का भट्टा; आवा. A potter's kiln.
नंदी० ३५;

आवाह. पुं० (आपात) उत्तर भरतभांनो
किरात नामे बिल्हनी अेक जाति. उत्तर-भरत
के भाँलोंको किरात नामक एक जाति.
A race of Bhils called Kirāta
in Uttara Bharata. “ उत्तरदुभरहे
वासे बहये आवाहा याम बिलाला परिव-
संति ” जं० प० ३, ५८;

आवाय. पुं० (आपात) आवगमन; मायुसोनुं
गमनागमन. आना जाना; मनुष्यों का आवा-
गमन. Coming and going of
men; coming and going. “ तस्स
भोयवस्स आवाय भए भवइ ” भग० ७,
१०; उत्त० ४, २; २४, १६; ओष० ३६;
ओष० नि० २६६; —भइय. पुं० (—भद्रक)
प्रथम भेदापमां ओलया आलया विगेरमां
सुख आपनार. पहली भेट में बातचीत बगे-
रह में सुख देनेवाला. (one) pleasing
at first sight or meeting. “ आ-
वायभइय याममेगे यो संवासभइय ” ठा० ४;

आवाअ-य. पुं० (आपाक—समस्तापरिवेष्ट-
पण्यतेऽत्र) निंभाओ. भट्टा; आवा. A kiln;
a potter's kiln. “ कुंभकारावाय इवा
कवेकलुयावाय इवा रहावाय इ वा ” ठा० ८;

आवाचकहा. ली० (आवापकथा) ओलन
संश्रुती कथा करती ते. भोजन सम्बन्ध
की कथा करना. Talk about food.
ठा० ४, २;

आवास. पुं० (आवास—आवसन्ति वेपु ते
आवासाः) आवास; भइय; हुवेली; निवा-

स्थान; रहनेकी जगह; हवेली; घर; महल. A palace; a mansion; a residence. राय० २२७; नया० ८; १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३; ८; उत० ६, २६; भग० ६, ५; १३, ६; १८, ५; १६; ७; अत्र० सम० ८; (२) शरीर. शरीर. the body. सम० (३) आवास नामने अेक द्वीप अने अेक समुद्र. आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean. जीवा० ३; ४; पञ० १५; (४) नरकावास; नरकावास. abode of hell. प्रब० ४१; —पर्वत. पुं० (-पर्वत) नाम राजने आवास पर्वत. नागराजा का आवास पर्वत. name of a mountain-residence of Nāgarājā. “गोधुमस्त बं आवासपर्वतस्त” सम० भग० २, ८;

आवासग. पुं० (आवासक) निवासस्थान; रहनेवाला स्थान. निवास स्थान; रहने का स्थान. Habitation; place of residence. सूय० १, १४, २;

आवासय-अ. पुं० (आवासक) पक्षिनुं धर-भासे. पक्षी का घर; घोंसला. A bird's nest. सूय० १, १४, २;

आवासय. न० (आवासक) आवश्यक कर्तव्य. A thing which must be done. ओष० नि० २२०;

✓ आवाह. पा० II. (आ+वह) देवादिनुं आवाहन करेनुं; भसे भोक्षापुं. आवाहन करना; नजदीक बुलाना. To call; to invite; to invoke.

आवाहेह. “तालुवाहविजं आवाहेह” नावा० १८;

आवाह. पुं० (आवाह) विवाह पक्षेक्षांतां अथ देवानो उत्सव. विवाह के पहले पान देना का

उत्सव. The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३; जं० प० २, २४; (१) नय० प२प्लेन पद्धतिने प्रथम घेर लाववा ते. नव विवाहित बंधुवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. पञ्च० २, ४;

आवाहण. न० (आवाहन) आमंत्रण देनुं; भोलावतुं. आमंत्रण देना; बुलाना. Invitation; calling. विशेष० १८८३;

अवि. अ० (अवि) संभावना; संभव्य; परंतु. (An indeclinable meaning); possibly; also. आवा० १, १, ५, ४१; क० गं० १, २६;

आवि. अ० (अविर्) प्रगट; नहेर. प्रगट; जाहिर. Publicly; openly. “आवी वा जहवा रहस्ते” उत० १, १७; —कम्म. न० (कर्मक) खुला-प्रगट काम. प्रगट कार्य; जाहिर काम an action openly or publicly done. आवा० २, १५, १७६; राय० २१३; ठा० ६; कप्प० ५, १२०;

आविर्. स्त्री० (आविची-आविचदेशोद्भवा) अवीच देशमां उत्पन्न थीयेस. स्त्री. अवीच देश में उत्पन्न स्त्री. A woman born in the country of Avicha. राय०.

आविह. त्रि० (आविह) युक्त थयेस; जोडा थयेस. मिला हुआ; संयुक्त. Joined with; united with. सम० ३०; (२) अधिष्ठित. अधिष्ठित. presided over by; possessed by. ठा० ५;

आविह. त्रि० (आविह) पड़ेरेनुं; धारण करेनुं. पहना हुआ; धारण किया हुआ. Put on. नाया० १, ५; जं० प० ३, ५७;

पराहं १, ३; जीवां ३, ४; श्रोत्रं २७;
रायं ६१; (२) र्विजुं; यथाचित आदिजुं.
लपेटाहुआ; यथाचित रीति से बांधा हुआ.
wrapped; properly tied. जं० प०
५, १२१; कप० ४, ६२; —गुडिअ.
न० (-गुडित) आविष्क-पदेरापेक्ष छे
गुडिअ-भापर-माना उपाना धृत्तनी अनापेक्ष
जुं. पहिनाई हुई सोने चांदी के फूलों
की बनी भूषण. an ornamental
cloth of gold and silver
flowers placed on the back;
(e. g. of an elephant etc.).
विवां २; —मणिमुवराण. त्रि० (-मणि-
मुवरा) पदेरा छे मणि अने सुवर्णनां
धरेलां गेल्ले ते. जिमने रत्न जाडित
सुवर्ण के आभूषण पहिरे हों वह. (one)
who has put on ornaments
studded with jewels. दमा० १०, १;
—मणिजसुत्तग. त्रि० (-माणिक्य-
सूत्रक) गेल्ले भाणिक्य गडित सूत्रक-दोरे
पदेरा छे ते. जिमने माणिक्य से जडा हुआ
सूत्रक-दोरा पहिना हो वह. (one) who
has put on a necklace studded
with jewels. जं० प० ३, ५७;
—वीरवल्लय. त्रि० (-वीरवल्लय-आवि-
दानि वीरवल्लयानि वीरवल् गवर्मसूचकानि
वल्लयानि येन) वीर पुरुषोने पदेरापेक्ष
आभूषण गेल्ले पदेरा छे ते. वीर पुरुषों के
पहिने का आभूषण जिमने पहिना है वह.
(one) who has put on an
ornament worn by heroes.
नाया० १;

आविष्भाव. पुं० (आविर्भाव) प्रगट् थयुं;
प्रादुर्भाव थये. प्रगट् होना; प्रादुर्भाव होना.
Manifestation. विशेष० ६७;

✓ आविरमय. धा० II (आविर+भू)

आविर्भाव थये. प्रगट् थयुं. आविर्भाव होना;
प्रगट् करना. To be or become ma-
nifest.

आविष्भवमि. त्रे० सूय० २, १, ११;

आविल त्रि० (आविल) आकुल. आकुल.
Distracted. सम० ३०; (२) द्रुपित;
डोपुं. कचुपित; गंदला. turbid. “अनुट्टिदो-
सेण दुही परस्म लोभाविले आयवई अदत्तं”
उत्त० ३२, २६; जीवां ३; —पपा. पुं०
(-आत्मन्) आकुल आत्मा. आकुल
आत्मा. a troubled soul. “अभयं-
करोमिष्व अणाविलप्पा” सूय० १, ७, २१;
✓ आविस. धा० I. (आ + विश्) सेवयुं;
भोगययुं. सेवन करना; भोगना. To
endure; to experience; to re-
sort to.

आविसामि. विशेष० ३२५६;

आवीहमरण. न० (आवीचिमरण) समये
समये आयुष्यना दक्षता अपत्य-थाय ते;
अयुष्य समये समये ओष्ठं थाय ते. समय
समय पर आयुष्य के दल का अपत्य होना;
समय समय पर आयुष्य का क्षय होना.
Diminution of life every in-
stant. सम० १७;

आवीहसगिणय. न० (आवीचिमंजिन)
आवीये नामनुं भरल्ल. आवीचि नाम का
मरण. A variety of death named
Āvichi. प्रव० १०२०;

आवीकम्म. न० (आविष्कर्म) अनुभूति
“आविष्कम्म” शब्द. देखो “आविष्कम्म”
शब्द. Vide “आविष्कम्म” जं० प०
२, ३१;

आवीचिय मरण. न० (आवीचिमरण)
अनुभूति “आवीहमरण” शब्द. देखो
“आवीहमरण” शब्द. Vide “आवी-
हमरण” भाग० १३, ५;

आवुत्त. त्रि० (अग्युत्त) नदि क्षिप्रः; वगर
क्षिप्र. बिना कहा हुआ. Not said;
not spoken. सूय० २, २, ५६;

✓ आवेढ. धा० I. (आ + वेष्ट्) वीट्युं
लपेटना. To wrap round; to
encircle.

आवेढड. दया० ६, ६;

आवेष्टिय. त्रि० (आवेष्टित) पिष्टय. लपेटा-
हुआ. Wrapped round; encircled.
ठा० १०; भग० ८, १०; १६, ६; निसा०
१६, ४०-४१; नाया० १६;

आवेष्टिय. सं० क० (आवेष्ट) कर्त्तुं. कहकर.
Having said or told. पंचा० १५,
४५;

✓ आस. धा० I, II. (आम्) भेस्युं.
बैठना. To sit.

आसइ. व० प्र० ए० नाया० घ०

आगे. वि० दम० ४, ८;

आस. आ० दस० ७, ४७; ८, १३;

आसइस्मामो. भावि० भग० १०, ३;

आसइत्तए. भग० ७, १०; १३, ४; १७, २;
१८; ३;

आसइत्त. दस० ६, ५६;

आसमाण. " अजयं आसमाणोव " दम०
४, ३; राय० ३, ६;

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्)
भोजन. भोजन. Food. " सामासाण
पावरासाण " सूय० २, १, १५; नाया० ५,
आस. न० (आस्य) भुञ्ज. भां. मुख; मुंह.
Mouth; faeo. पि० नि० ३४०; नाया०
८; ९; दस० ५, १, ८५; दमा० ७, १;

आस. पुं० { अश्व-अरनुते इवाप्नोति मार्ग-
मित्यश्वः) धे०; अश्व. अश्व; घोडा. A
horse. सम० १४; उत्त० ४, ८; ६, ५;
११, १६; अणुजो० ६३; १३१; ठा० २, ३;
विसे० १४१६; नाया० १७; भग० ३, ४;

७, ६; ६, ३६; ११, ११; ओव० ३१; ३८;
दसा० ६, ४; १०, ३; विवा० ६; जीवा० ३,
१; आया० २, १, ५, २७; जं० प० ७,
१५७; (२) अश्विनी नक्षत्रतो अधिष्ठाता
देवता. अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव.
the presiding deity of the
constellation Āśvinī. जं० प०
७, १५७; सू० प० २०; (३)
अश्वदेवताधी उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
the constellation Āśvinī pre-
sided over by the deity Āśva.
चं० प० २०; —करण. न० (-करण)
धे०; कला सीपयानी जगह. घोडे को
कला सिक्कने की जगह. a place for
training horses. निमी० १२, १८;
—किसोर. पुं० (-किशोर) नवयान
धे०; अश्व; ५२७३. जातिवान घोडे का
बच्चा, a young one of a noble
horse; a colt. नाया० १३; —किसोरी.
स्त्री० (-किशोरी) नवयान धे०; ५२७३.
जातिवान घोड़ी; बछेरी. a mare of
noble breed; a filly. नाया० ६;
—कलंध. पुं० (-कंध) धे०; धे०; धे०; धे०;
आंध. घोडे का कंधा. the neck or
shoulder of a horse. ठा० २;
नाया० १२; १६; जं० प० ७, १५६;
—कलंध वरगय. त्रि० (-कंधवरगत)
धे०; ५२ अश्व. घोडे पर चढ़ा हुआ.
mounted on a horse. नाया० १२;
१४; —जुद्ध. न० (-जुद्ध) धे०; धे०;
घोडों का युद्ध. horse-fight. निसा०
१२, ३०; —धर त्रि० (-धर) धे०;
धा०; सोदागर. घोडावाला; घोडों का सोदा-
गर. (one) who has a horse or
horses; a horse-merchant

ठा० २; जं० प० ३, ६७; —पोसय. त्रि० (—पोषक) धोड़ाना पोषय; सोढय. घोड़े को पालने वाला. (one) who breeds up horses; a horse-merchant. निसी० ६, २३; —पमहय. (—प्रमर्क) धोड़ाने कृत्वा श्लिषयनय. घोड़े को कला सिखाने वाला. (one) who trains horses. नय्य० १७; —मच्छिषया. स्त्री० (—मच्छिका) धोड़ानी भाष्य; यभा. घोड़ों के शरीर में लगने वाली मच्छी; वग. a horse-fly. पि० नि० भा० ४६; —महु. पुं० (—मृह) धोड़ाना सभारनाय घोड़े को सुधारने वाला. बाबुल असवार. a horse-breaker. निसी० ६, २३; —महय. त्रि० (—मर्क) धोड़ाने मर्दन करने वाला. घोड़ों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निसी० ६, ३३; नाया० १७; —महय. त्रि० (—मर्क) धोड़ाने मर्दन करने वाला. घोड़ा की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. नाय्य० १७; —रयण. न० (—रय) अश्वरत्न अश्वरत्न तिना योद्धरत्नभांजुं अश्व २२. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चारों रत्नों में का एक रत्न. an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravarti. " भरतस्य कमलामेखं कामेखं आसुरवह्नि-बावह्निमेखं समभिरुहं " जं० प० ठा० ७; पण० १६, २०; —रह. पुं० (—रथ) धोड़ा गाड़ी; जेभां धोड़ा जेड़ाय अवे २५. घोड़ा गाड़ी; जिसमें घोड़े जुते ऐसा रथ. a horse-carriage. नाया० १; ८; १६; १६; भग० ७, ६; ६, ३३; राय० २५६; जं० प० —राय. पुं० (—राजन्) अश्वराज-प्रधान-पुच्छ धोड़ा. अश्वराज;

प्रधान घोड़ा-उत्तम घोड़ा. an excellent horse. ठा० ५; —रुष. पुं० (—रूप) धोड़ानुं रूप. घोड़े का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५; —रोह. पुं० (—रोह) धोड़े स्वार. घोड़ सवार. a horseman. निसी० ६, २३; —वर. पुं० (—वर) उत्तम जाति का घोड़ा. a horse of noble breed. दसा० १०, ३; भग० ६, ३३; ओव०. —वाहणिया. स्त्री० (—वाहनिका) धोड़ानी स्त्री; अश्व कीडा. घोड़े की सवारी; अश्व कीडा. horse-riding; play on horse-back. विद्य० ६; नाया० १२; १४; —सहस्र. न० (—सहस्र) हजार धोड़ा. हजार घोड़े. a thousand horses. निर० १, १; अस्सेदिया. स्त्री० (अस्सेदिका) भांथी; भाट. लाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. सूय० १, ४, २, १५; आसंदी. स्त्री० (आस्यन्दी) अश्व जतनुं आसन; भांथी. एक प्रकार का आसन; लाट. a kind of seat; a wooden frame strung up with thread and used as a seat. " आसंदी पलिवंकेष " पि० नि० ३६१; सूय० १, ६, २१; दस० ३, ५; ६, ५४; (२) लाटनुं भांथनुं बांस की. अरथी. a bamboo frame to carry a corpse. सूय० २, १, १५; आसंसहय. त्रि० (आसंरायित) निःसंशय; संशय रहित; जेभां संदेह नहीं; नेयुं. निःसंदेह; संदेह रहिता Doubtless, indubitable सूय० २, २, १६; आसंसव्ययोग. पुं० (आसंसावयोग—आसंसनमांससाभिजायः कृत्वाः प्रयोगो-

व्यापारयम् करणमाशंसाप्रयोगः) आशंसा
अभिलाषा इत्यादि ते. अभिलाषा करना.
Hoping; desiring; wishing.
प्रब० २१६; ठा० १०;

आसंसा. ली० (आशंसा) काम भोग भेद-
यत्नानी इत्यादि; अभिलाषा. काम भोग प्राप्त
करने की इच्छा. Desire or wish for
sensual pleasures. सूय० १, १, ५०;
उवा० १, ५७; प्रब० २६६; ८२३;

आसंसारं. अ० (आसंसारम्) संसार छे-
त्प्राप्तुं. संसार है तबतक. So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists. प्रब० ६३७;

आसकरण. पुं० (अश्वकर्ण) लवण समुद्रमां-
ना ५६ अंतर द्वीपमानो अश्वकर्ण नामनो
अश्व अंतर द्वीप. लवण समुद्र के ५६ अंतर
द्वीप में का अश्वकर्ण नामक एक अंतर द्वीप.
Name of one of the 56 Antara
Dvipas (islands) in Lavana
Samudra. (२) त्रि० ते द्वीपना २६-
पासी उक्त अंतर द्वीप के निवासी मनुष्य.
a native of the above island.
ठा० ४, २; जीवा० ३, ३; पञ्च० १;

आसग. न० (आसक) भोदुं; मुख.
मुह. Mouth; face. भग० १५, १;
नाया० १२; १४; सूय० २, २, ५६; दसा०
१, ३;

आसग. पुं० (आसग) ह्रीक्ष. फेन. Foam;
froth. पञ्च० २;

आसगगीव. पुं० (अश्वगीव) भरतक्षेत्रना
यात्रु अश्वर्षिणीना पदेक्षा प्रतिवासुदेवजं
नाम. भरत क्षेत्र की वर्तमान अश्वर्षिणी के
प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first
Prativāsudeva of the current
Avasarpinī (descending cycle)
of Bharata-kṣetra. प्रब० १२२७;

आसज्ज. न० (आसज) द्विधा विशेष. क्रिया
विशेष. A particular kind of
action. ओष० नि० २२६;

आसज्ज. सं० कृ० (आसाज) प्राप्त करीने;
भेदनीने. प्राप्त करके, पाकर. Having
got to; having acquired. विशेष०
५२७; आवा० १, ३, २, १११; पि० नि०
१५८; प्रब० ८६६;

आसल. न० (आसन) आसन; बैठक;
सिंहासन; लदासन, मयूरसन वगैरे; तप
भाटे आसन लगाया ते. जेम पीरासल,
उच्छिष्टासल; दंडायत आसल धृत्यादि.
आसन; बैठक; सिंहासन; तपश्चर्या में साधुको
लगाने के आसन जैसे बीरासन, दंडायत
आसान इत्यादि (देखो चित्र). A
seat; an unnatural bodily
posture; e. g. Mayūrāsana
etc. adopted by a Sādhu
while practising penance (see
diagram). उत्त० १, २१; ३०; ७, ८;
उवा० २, ११३; राय० २३३; २८६; दस०
५, २, २८; ८, ५, १७; सू० प० २०; ओष०
नाया० १; २; ५; ८; १३; १४; १६; सम०
६; भग० २, ५; ५, ७; १७, ३; २५, ७;
सु० च० ३, ५५; जं० प० २, ३३; सूय०
१, १, ४, ११; १, ४, १, ४; आवा० १,
६, ३, १२; २, ४, २, १३८; (२) आस-
न वाली भेसतुं ते. आसन लगकर बैठना.
sitting in a particular bodily
posture. प्रब० १५८१; —अशुष्यवाण.
न० (-अनुष्यवाण) सत्कार करने के आस-
न आश्रय करने के लिये
आसन का आश्रय करना. honouring
any one by inviting him to
a seat. भग० १४, ३; ठा० ७; —अभि-
ग्राह. पुं० (-अभिग्राह) आसन संभंधी

अभिग्रह धारण करे। ते. आसन संबंधी
अभिग्रह धारण करना. taking a vow
in connection with seat. भग०

neighbouring; near. भग० १, ८;
ओष० नि० १०; दसा० २, ३; ४; ५;
—सिद्धि. त्रि० (—सिद्धि) तत्तमां



१४, ३; सम० २१; आ० २०; —स्थ.
त्रि० (—स्थ) उल्लङ्घ गोमूढासना आसन
वाचीने रहने। उल्लङ्घ गोमूढासना आसन
लगाकर बैठना। (one) sitting or
remaining in a particular bodily
posture; e. g. like that of
one milking a cow. आया० १, ६;
४, १४; प्रव० १२५;

आसण्य. पुं० (आसनक-आसनमेव आसनकः)
आसन. आसन. A seat; a bodily
posture. वेय० ५, ३२;

आसण्य. त्रि० (आसण) नजदीक; पास.
नजदीक का; समीपका. Adjacent;

सिद्ध थाय ओषो; थोडा दृष्टतमां सिद्धि
पाभनार. तुरंत सिद्ध होनेवाला; थोडे समय
में सिद्ध प्राप्त करने वाला. (one) who
is to acquire perfection imme-
diately. पंचा० ११, १५;

आसत्त. पुं० (आसक्त) भूमिमां लागे;
उपरती नीचेना लाग साथे लागे. भूमि
में जुडा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ
संयुक्त. Clung to the earth; atta-
ched to the upper as well as
the lower part. राय० ५६; पञ्च० २;
ओष० कण्ठ० ३, ४१;

आसत्तमं. अ० (आसत्तमम्) सात पेढी

पर्यंत. सात पीढ़ी तक. Up to the 7th generation. नाया० १; १६; मग० ११, २०;

आसत्ति. स्त्री० (आसक्ति) परिग्रह आदिभिः शृद्धि. परिग्रह आदि में आसक्ति. Attachment to worldly possessions etc. पण० १, ५;

आसत्तोसत्त. त्रि० (आसक्तोत्सक्त) उपरना भागथी नीचिना भागने उत्प्रेक्ष. ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part to the lower part. कण० ३, ४१;

आसन्ध. त्रि० (आश्रय) आश्रय दीधेक्ष. आश्रय पाया हुआ; विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed. श्रौत० नि० भा० ५५; नाया० १; २, ३; व; ६; १६, १८; मग० ११, ११; १५, १; कण० १, ५; विवा० ३, ६;

आसन्ध. पुं० न० (आश्रय) पीपल. पीपल. The holy fig-tree. मम० प० २३३; —पत्त. न० (पत्र) पीपलाना पान. पीपल का पत्ता. a leaf of the holy fig-tree निमा० १८, १६; —वृक्ष. पुं० (वृक्ष) पीपलाना पौध, इतना क्यस्तो दगला. पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर. a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree निमा० ३, ७८;

✓ **आसद्.** धा० I. (आ+शद्) आधा करनी; पीडा करनी. बाधा करना; पीडा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

आसादप दस० १, ६, १, ४; निमा० १३, १२;

आसादुजा आया० १, ५, ६, १६५; प्र० ४; उवा० २, १४०, १४६;

आसन. न० (आसन) श्रुत्या “ आसण ” शब्द. देखो “ आसण ” शब्द. Vide “ आसण ” पत्र० ११; दस० ७, २६;

आसन्न. त्रि० (आसन्न) श्रुत्या “ आसगण ” शब्द. देखो “ आसगण ” शब्द. Vide “ आसगण ” वि० ६२६; श्रौत० नि० २६; पि० नि० २०६; २४६; प्रव० १३२; पंचा० ३, ४७; मम० ३३; —भक्ष. पुं० (भक्ष) तेज्र भवे अथवा श्रीते श्रीते भवे भोक्ष गनारे श्रुय; नशुद्ध पञ्चनभां भोक्ष गनारे श्रुय लक्ष्यश्रुय. उमा ही भव में या दूसरे तामरे भव में मोज्ञ जानेवाला जीव. a soul which is to attain final bliss in very near future i. e. in the same birth or the 2nd or 3rd. प्रव० १२६०;

आसपुरा. स्त्री० (आशपुरा) पद्मा विजयनी भुज्य नगरी. पद्मा विजय की मुख्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya. ठा० २, ३; व;

आसम. पुं० (आश्रम) आश्रम; तपस्व लेखने रहनेवाली गन्या. आश्रम; तपस्वी लोगों के रहने की जगह. A hermitage. (२) चार आश्रम पैदा एक आश्रम. चार आश्रमों में से एक आश्रम. one of the four stages of life. सु० च० ७, १८०; ठा० २, ४; उत० ६, ४२; ३०, १७; आया० १, ७, ६, २२२; सृष्ट० २, २, १३; मग० ७, ७, ३, ७; ७, ६; पण० २, १; वेष्ट० १, ६; पंचा० ७, १५; —पय. न० (पय) तपस लेखना आश्रमने नामे आश्रमानु स्थान. तपसी लोगों के आश्रम क नाम से प्रसिद्ध स्थान. a hermitage; a place of abode of a hermit. कण० ६, १५६; —भेद्य पु० (भेद्य) प्रमर्ष, गुरुत्व निरे आपमना

अ३१७. ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद.
the four different stages of
life distinguished as student's
life, householder's life etc.
पंचा० १०, ५०;

आसमपय. न० (आकामपद) ओ नामनुं
ओ३ आग. एक बाग का नाम. Name of
a garden. कण० ६, १२६;

आसमित्त. पुं० (अश्वमित्र) अश्वमित्राचार्य
नामना येथा निन्दत के जेले ६रे३ पदार्थ
क्षणें क्षणें नाश पावे छे ओम स्थापन क्युं.
अश्वमित्राचार्य नामक चौथा निन्दव जिसने
कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिकूल नाश पाता है, ऐसा
मिद्वान्त स्थापन किया. Name of the
fourth Ninava who establish-
ed the doctrine that every
thing perishes every moment.
ठा० ७, १;

आसमुद्र. पुं० (अश्वमुद्र) अश्व समुद्र
आदि उपर जल विदिशा में रहे३ अश्वमुद्र
नामने ओ३ अंतर-द्वीप. लवण समुद्र में
विदिशा में स्थित अश्वमुख नामक अंतर द्वीप
Name of an Antara Dvīpa
(island) in a cardinal direc-
tion of Lavana Samudra. ठा० ४,
२; (२) त्रि० ते द्वीप में रहे३ नार भनु०.
उक्त द्वीप में रहनेवाला मनु०. a person
living in the above island.
जा० ३, ३; पञ० १;

आलय. न० (आश्रय) ओदुं; भु०. मुख;
मुँह. Mouth; face. व० ६, ४२;
आया० २, २, १, १०६; जीवा० ३, १;

आसव. पुं० (आश्रय) आश्रय; स्थान;
भवन आलय; स्थान; मकान. A house;
an abode; a place. ठा० ३; (२)
सेवका योग्य. सेवन करने योग्य. a pro-

per resort; (anything) fit to
be resorted to. नाया० १०; (३)
आश्रय; आधार. आश्रय; आधार. sup-
port. उत्त० २८, ६; परह० १, १; विशेष
१७२४;

आसय. पुं० (आशय) चित्तवृत्ति; परित्याग.
चित्तवृत्ति; आशय. A state of mind;
inclination of mind. पंचा० ७, २५;
१६, २५; —विचिंतय. स्त्री० (-विचि-
त्रता) परित्यागनुं विचित्रपणुं; अनिष्टाय
नुं विविधपणुं. परिणाम की विचित्रता; अनि-
ष्टाय की विविधता. varieties of
thought-activities; varieties
of thoughts. पंचा० १६, २५; —बुद्धि.
स्त्री० (-वृद्धि) परित्याग वृद्धि. परिणाम
वृद्धि. increase in thought-activi-
ty; increase in sense percep-
tions and their objects. पंचा०
७, २५;

आसयमाण. व० कृ० त्रि० (*आशयमान-
आशयन्) आशा करते. आशा करता हुआ.
(One) entertaining a hope.
विवा० १;

✓ आसर धा० II. (आ+रृ) सरइयुं;
असयुं; क्षातयुं. सरकना; हलना. To
move.

आसारेह. प्रे० नाया० ३;

आसरुह. पुं० (अश्वरुह) घोड़ेसार चोड़ा
सवार. A horseman. जं० प० ३, ४४;

आसल. त्रि० (आशज) स्वाद लेता योग्य;
आया योग्य. स्वाद लेने योग्य. Worth
being relished or tasted. जा०
३, ४; पञ० १७;

आसव. पुं० (आसव) दारु; भरीरा; भव
शराब दारु; मरिदा; शराब. Wine

intoxicating liquor. पि० नि० ५४; ५३६; राव० १३३; २२४; पञ० १७; उत० ७, ३४, १४; ओव० जीवा० ३, ३०४; —(बो) उद्गा. जी० (-उद्का -अस-व इव चंद्रहासादिपरं उद्कम् वासां ताः आसवोद्काः) भी३। प० ५१। १। ५१। मी३ पानी की बावली. a well of fresh water. जीवा० ३; राव०

आसव. पुं० (आश्रव) अश्रु-प तक्षायभां कर्मरूप पाशुने अश्रुयानुं गतानुं; कर्म आश्रानुं द्वार; मिथ्यात्व अविरति प्रमाद कषाय अने अशुभयोग ओ पांयभांनुं गमे ते ओ३. जोव-रू तज्ञाव में कर्म-रू पानी आने का रास्ता—द्वार; कर्म आने का द्वार; मिथ्यात्व, अविरति प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पांचों में का कोईभी एक. A door, a sluice for the inflow of Karma; any of the five viz. Mithyātva, Avirati, Pramāda, Kāṣāya and Aśubhayaoga. ओव० १०; ३४; उत० १८, ५; २८, १४; ३६, २१; सम० १; नाया० ६; भग० २, ५; ५, ६; आया० १, ४, २, १३०; १, ८, ७, १०; ठा० १, २; २, १; पि० नि० ६३; पंचा० ५, ४७; क० गं० १, १५; सूय० २, ५, १२; —विरोहभाव. पुं० (-विरोधभाव) आश्रयने निरोध करवे ते; कर्मना द्वारने अश्रुयन्ते ते. आश्रव का निरोध करना; कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma; stopping the door of the inflow of Karma. पंचा० ५, ४७; —द्वार. न० (-द्वार) आश्रव-पाप आवसना द्वार; द्वारान्. आश्रव-पाप आनेका—द्वार. a gate through which Karma enters.

“ पंच आसव दारा प० सं० सिम्बुतं अवि-रह पमाया कसावा जोगा ” ठा० ५, २; सम० ५; भग० १, ६; ३, ३; —सस्ति-त्रि० (-सस्तिन्-आश्रव हिंसाद्यस्तेषु सक्तं संग आश्रवसक्तं तद्विद्यते यस्य स आश्रवसक्ती) आश्रयने संग करना. आश्रव का संग करने वाला. (one) attached to practices like killing etc. which cause an inflow of Karma. आया० १, ५, ११४५;

आसवतर. पुं० (आश्रवतर) अनिशय आश्रव; कर्मनी धनुं आव३. अतिशय आश्रव; कर्मों का बहुत आना. Excessive inflow of Karma. भग० १३, ४;

*आसवतर. पुं० (अश्ववार) अश्वार; घोड़ेस्वार. सवार. A horseman. “ मह आसा आसवरा उमजोपासि जागा ” भग० ६, ३३;

आसवार. पुं० (अश्ववार-अश्वं वारयतीति) अश्वार; अश्व रोदी; घोड़े को गेकने वाला; सुडसवार. A horseman. सु० च० १०, ४३५;

आससा. जी० (आशंस) उ३०३-आकांक्षा; अशा. आकांक्षा; आशा; चाह. Desire; hope; wish. “ सहैत्र. शिनेषुय आस-साए ” उत० १२, १२; विशेष० १५१६;

आससेण. पुं० (अश्वसेन) काशीना राजानुं नाम. काशी के राजा का नाम. Name of a king of Benāres कण्व० ६, १५०; (२) यशु अरसपेक्षीना येथा अश्वरती-ना पिना वर्तमान अश्वरती कालः के बोवे चक्रवर्ती का पिता. name of the father of the fourth Chakra-vartī of the present Avasar-piṇī. सम० प० २३४. (३) २३ भा तीर्थ-कर. पार्थनाथना पितानुं नाम. २३ के

तीर्थकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tirthāṅkara. सम० प० २३०;

आमा. स्त्री० (आशा) आशा: ४२७५; अभिप्रायः आशङ्का. आशा: अभिप्रायः आकांक्षा. Hope: desire: wish. निर्मा० ११, २८; जं० प० २, २२, तं३० आव० २१; उत्त० १२, ७; ३२, २७; सम० ६; दस० ६, ३, ६; (२) नागनी आशङ्का. भोग का आकांक्षा. desire of enjoyments. आमा० १, २, ६, ८४;

आसाअ-यै. पुं० (आस्वाद) स्वादः २२५. स्वादः रस. Taste; relish. जावा० ३, ३; जं० प० २, २२; आमा० १, ५, ३, १५५; नाया० ७; १७; पञ्च० १७; दस० ५, १, ७८;

आसाइय. त्रि० (आसादित) प्राप्त श्येय. प्राप्त. Got; acquired. नाया० १२; उवा० ३, १४०;

आसाढ. पुं० (आषाढ) अषाढ भद्रिने. आषाढ मास The month of Āṣāḍhā, " आषाढ पुष्यमाषण उक्तासपण " भग० ११, ११; १८, १०; ओष० नि० २८३; उत्त० २६, १३; सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १२१; पंचा० ६, ३४; (२) पुष्य विशेष. तृण विशेष. a kind of grass. भग० २१, ६; (३) आषाढाचार्य नामना. श्रीन निन्दय के गेछे दरेके पस्तु अन्यत्त भद्रिने छे, केनाभां साधुना छे अने केनाभां नदि तेना निश्रय आपछे कनी शङ्को नदि भाटे केछने पछे लागनु नदि ऐम स्थापन कर्तु. आषाढाचार्य नामक एक निन्दव जिन्होंने यह मत स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है और किममें नहीं इसका

निश्चय मनुष्य नहा कर सकता अतः किसीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Nihava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. डा० ७, १; विशे० ३३०१;

(ढा)—**आयगिय.** पुं० (-आचार्य) आपाढ नामना प्रिण निन्दय आचार्य. आषाढ नामक तीसरे निन्दव आचार्य. the third Nihava preceptor so named. आव० —**पाडिवया.** स्त्री० (-प्रतिपदा) शस्त्रीय श्रावण पक्ष १ पडवे. शस्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvaṇa according to scriptures डा० ४; —**पुणिमा.** स्त्री० (-पूर्णिमा) अषाढ सुदि पनम; असाढ भद्रिनेनी पूर्णिमा. आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āṣāḍhā.

भग० ११, ११; —**बहुल.** पुं० न० (-बहुल) अषाढ भासनेी कृष्णपक्ष. आषाढ मास का कृष्ण पक्ष. the dark-half of the month of Āṣāḍhā. कप० ७, २०६; —**सुद्ध.** पुं० (-शुक्र) अषाढ भासनेी शुद्ध पक्ष. आषाढ मास का शुक्र पक्ष. the bright-half of the month of Āṣāḍhā. कप० १, ३;

आसाढभूइ. पु० (आषाढभूति) बुभे " आसाढभूइ " शब्द. देखो " आसाढभूइ " शब्द. Vide " आसाढभूइ " पि० नि० ४१४;

आसाढा. स्त्री० (आषाढा) ओ नामनुं नक्षत्र; पूर्वपादा अने उत्तरपादा, इस नाम का

नक्षत्र; पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा. Name of the constellations Pūrṣāḍhā and Uttarāḍhā. “ दो आसादा ” ठा० २; जं० प० ७, १४१;

आसादी. जी० (आषाढी) आषाढ आसनी भूर्तिमा. आषाढ मास की पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āṣāḍhā. जं० प० ७, १६१; —**पाडि-वम.** पुं० (-प्रतिपदा) शास्त्रीय आषाढ १६ ऐकम અને વૌદિક આષાઢ ૧૬ એકમ. शास्त्रीय थावर कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of Śrāvaṇa according to scriptures and the first day of the dark half of Āṣāḍhā according to mere calculation. निसी० १६, १३;

आसादण. न० (आसादन) भेदवयुं; ग्रहण करवुं. प्राप्त करना; ग्रहण करना. Getting; obtaining; taking. नाबा० ६;

आसादणना. जी० (आशातना) अवितय; आशातना. अविनय; अपमान. Irreverence; immolesty. भग० १८, ७;

आसादिय. त्रि० (आसादित) प्र.भ. करेन. प्राप्त किया हुआ. Got or acquired. “ हमे बखल्ले आसादिपु ’ भग० १५, १;

आसायण. न० (आसादन) आस्वादन; रस लेवे ते. आस्वादन; रस लेना; चखना. Tasting; relishing. “ योवमासावण-ट्ठाप हवणमि-द्वखादिमे ” दस० ५, १, ७८;

आसायण. न० (आसादन) ग्रहण करवुं; भेदवयुं. ग्रहण करना; प्राप्त करना. Getting; acquiring. नाया० ६;

आसायणा. जी० (आशातना) आशातना; विनय भयाईनुं उद्वेगवत. आशातना; विनय सयाई का उज्ज्वल; गुरु के प्रति किया जाने

योग्य विनय में न्यूनता करना. Irreverence to a preceptor etc. आड० २६; दस० २, ६; ३ ३४; निखी० १३, १२; दस० ६, १, २; ६; उत्त० ३१, १०; सम० ३३; आव० ३, १; पंचा० ६, ४८; प्रव० ८; —**परिहार.** पुं० (-परिहार) आशातनांना પરિહાર ત્યામ. आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśātana. प्रव० ६४५;

आसायणिज्ज. त्रि० (आस्वादनीय) स्वाद लेवा योग्य; आभवा योग्य. स्वाद लेने योग्य; चखने योग्य. Werth being tasted or relished. जं० प० पञ्च० १७; नाया० १३;

आसालय. न० (आशालय) जेना ઉપર સુશકાય કે બેસાને અરામ લઈ શકાય તેવું એક આસન જેના આસન जिसपर सो सकं या बैठकर आराम किया जासके. A seat on which one can sleep or sit comfortably. “ असंदी वलि-वकेसु ” “ संवमासावणसु का ” दस० ६, ५८;

आसालिया. जी० (आशालिका) એ જાતનો એક સર્પ કે જે પંદર કર્મભૂમિમાં ચક્રવર્તિની સેના નીચે પૃથ્વીમાં સમુદ્ધિમપણે અંત-મુદ્ગર્તને આક્રમે ઉત્પન્ન થાય છે; તેના શરીરની ઉત્કૃષ્ટ ૧૨ ભેજાની અવગાહના હોય છે; ૨૭ ચર્વર્તિની સેનાનો વિનાશ થવનો હોય ત્યારેજ તેની ઉત્પત્તિ થાય છે અને આખી સેનાનો તેથી અંતર્મુદ્ગર્તમાં નશ થાય છે. એટલે તે સર્પ માટી ખાધ ગય છે તેથી ૧૨ ફોજનનો આડો પડતાં લેમાં ભેના દટણ ખટણ થઇ નાશ પામે છે, इस जाति का एक सर्प जोकि पंद्रह कर्मभूमि में चक्रवर्ति की सेना के नीचे पृथ्वी में समुद्धिम् रूप में (अ गट रोति से) अन्तर्मुदूर्त की अशुभ

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है. और इसके कारण सम्पूर्ण मेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्योंकि वह १२ योजन मिश्रित खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बड़ा खड्डा पड़ जाता है जिसमें सेना गिरपड़कर बाश को प्राप्त हो जाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis. It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the army of a Chakravarti of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed.

“ सेकितं आसाविण्या ? कहिणं भंते !

आसाविण्या समुद्धंति ” जावा० १;

पञ्च० १;

आसाविणी. जी० (आभाविणी) छिद्रवाली नाया; जेभां पालि आवे ऐसी नाव. छिद्र-वाली नावा; जिसमें पानी आवे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it. “ जहा आसाविणि नावं जाह् अंधो दुरुहिवा ” सू० १, ११, ३०;

आश्वसन. पुं० (आश्वसन) आश्वसन. आश्वसन. Taking rest: removal of fatigue. ओष० नि० ७३; पगद० २, १; (२) विश्रामन स्थान; धा३ देवानी

७२५१. विश्राम का स्थान. a resting-place. ठा० ४, ३;

आसासण. पुं० (आश्वसन) आश्वसन नाम नो श्व. आश्वसन नामक ग्रह. A planet so named. ठा० २, ३;

आसासण्या. स्त्री० (आश्वसना) आश्वसना. आशीर्वाद. Blessing; words of blessings. भग० १२, ५;

आसासिय. त्रि० (आश्वसित) आश्वसन-आपेक्ष; विश्राम दधिष्ठ. आश्वसन दिया हुआ; विश्राम लिया हुआ. (One) who has rested himself; (one) who has removed his fatigue. नाया० १; भग० ३, ३३;

असि. स्त्री० (आशिम्) दा३. दाद. A jaw. पञ्च० १; प्रव० १५१५;

आसि स्त्री. णि० (आसीत्) अस धातु-॥ भूत काल-२५ दत्तो नी-तु. अस धातु के भूतकाल का रूप; आ-या-ये. He-she-it was. सु० च० १, १२५, ३, ११५; विश० १२६१; पि० नि० १६१; नाया० ३; ११; १४; भग० २, १, ३, १; सूय० १, ६, २; २, ६; १; उवा० ६, १६७; पंचा० १६, १०;

आसित्त. त्रि० (आसित्त) थोड़ा-थोड़ा; छुट्टाव करके. थोड़ा सांचा हुआ; छिड़काव किया हुआ. Sprinkled slightly. पगद० २, ३; नाया० १; जावा० ३, ४; आव० २६;

आसित्तिआ. स्त्री० (आसित्तिका) ओष० आद्य पदार्थ. एक खाद्य पदार्थ. Name of an article of food. “ विवादादि आसित्तिआ भोवा कज्जं म्भंते ” सू० प० १०;

आसिदि. अ० (आसिदि) सिद्धिपर्यन्त. सिद्धि पर्यन्त. Up to, as far as Sid-

dhahood; up to the attainment of final goal. मत० ७१;

आसिथ. त्रि० (आश्रित) आश्रय प्राप्त. Resorted to; resting on; dependent on. ठा० ६;

आसिथ. त्रि० (आसिक्त) जुओ "आसित" शब्द देखो "आसित" शब्द. Vide. "आसित" दसा० १०, १; राय० १८०; नाया० १, ८; १६; भग० १, १३;

आसियावाय. पुं० (आशीर्वाद) आशीर्वाद; आशीर्ष. वचन. आशीर्वाद; आशीर्षवन. Blessings; words of blessings. सू० १, १४, १६;

आसिल, पुं० (आसील) ओ नामना ओक अन्य तीर्था प्रस्थान ऋषि. इस नाम के एक अन्य धर्मानुयायी ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. सू० १, १, ४; ३:

आसी. क्री० (आशी-आशिस्) सर्पनी दाह सर्प की दाह. A jaw of a serpent; a serpent's fang. ठा० ४; —विस. पुं० (-विष) जेनी दाहमां जेर रहेयुं छे तेवे सर्प. जिसका दाह में विष है वह सर्प. a serpent (with venom in the fangs). विशेष० ७८०; भग० ८, १; दस० ६, १, ४; पण्ड० २, १; उत० ६, ६३; तंडु० दसा० ६, ३२. जावा० १; (२) सीतोदा नदीने पश्चिम किनारे शंख विजयनी पश्चिम सरहद परतो वपारा पर्वत. सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय की पश्चिम सीमा प्रांत पर का बखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain on the western boundary of Śāṅkha Vijaya on the western bank of the river Sitodā. ठा० ५, १; जं० ५०

आसील. त्रि० (आसील) ओइल; आश्रय करेन, बेठा हुआ; आश्रय किना हुआ. Sat; seated; resorted to. आवा० १, ८, ७, १७; पण्ड० २, १;

आसीविसस. न० (आसीविसस) छष्ट अनिष्ट करवानुं सामर्थ्य. इष्ट अनिष्ट करने का सामर्थ्य. Power of bringing about good or evil. भग० १२, १; ठा० २;

आसीविससा. क्री० (आशीर्विषता) आशीर्विषता; अति जेरी सर्पने लाय. आशीर्विषता; अति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent. भग० १६, १;

आसीविसभावना. क्री० (आशीविष भावना) आसी विपत्त छटानिष्ट करवाना सामर्थ्य सम्बंधी हकीकत जेमां अतावेन छे तेनुं अंगमात्र ओक आसिक सूत्र-के जे यौह-वर्ष उपरांतनी दीक्षा-प्रवर्ज्यावाधाने वांच्य-या देवानो अधिकार छे. ते सूत्र हमला विद्यमान नथी, बिच्छेद थछ भयेन छे. जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंग से पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीक्षित साधु को पढ़ने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्यमान नहीं है. इसका बिच्छेद हो गया है. Name of an Āṅga Bāhya Kālīka Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities.) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. वच० १०, ३३; ३६;

भासीविषा. स्त्री० (आशीविषा) स्रोतोदा
महानदीने नमस्ते इति आवेष्टी आशीविषा
नामनी नगरी. स्रोतोदा महानदी के दाहिने
किनारे पर का आशीविषा नाम की नगरी.
Name of a town on the right
bank of the great river Sitodā.
डा० २, ३:

आसु. अ० (आशु) जल्दी; शीघ्र; ऐकदम.
शीघ्र; तुरंत; जल्दी. Quickly; at once.
सू० १, ४, १, २७; दस० ८, ८८;

आसुकार. त्रि० (आशुकार-करणं कारः -
अभिलाकरणं, आशु-शीघ्रं कार आशु कारः)
जन्थी तत्काय भरण निपटने ते: भरणो
अवसर लायनार सर्पदंश विमृशिका पंगरे.
शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश,
विमृशिका आदि. Producing, causing
death quickly or instantane-
ously, e. g. serpent-bite. आउ० ६;

आसुचर. त्रि० (आशुचर) शीघ्र आसनार.
जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking
fast; moving fast. विशेष० २४२८;

आसुपन्न. त्रि० (आशुप्रज्ञ-आशु शीघ्रं कार्या-
कार्येषु प्रवृत्तिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स
आशुप्रज्ञः) तीव्र बुद्धिवाला; उत्पानकी बुद्धि-
मान्. तीव्र बुद्धिवाला; उत्पानकी बुद्धिमान.
Quick-witted; sharp-witted.
आया० १, ७, १, २००; सू० १, १६, ४;

आसुर. न० (आसुर) आसुरी भावना;
जन्थी असुरयोनिभां यथा योऽय कर्म यथाय
तेषां भावना. आसुरी भावना; ऐसी भावना
जिसमें आसुर योनि में उत्पन्न होना पड़े
ऐसे कर्मों का बंधन हो Meditation
which causes birth among
demons or as a demon. डा० ६,
४; (२) असुर संबंधी; भवनपति अने
पुनरुत्पत्ति. असुरमत्था, भवनपति और

व्यन्तर संबंधी. pertaining to gods
of the infernal world, like Bha-
vanapatis and Vyantara gods.
सू० १, १, ३, १६; उत्त० ३, ३; ८, १४;
प्रब० ८५६;

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) आसुर पक्ष.
आसुरी भाव; असुराई. State of being
a demon; devilry डा० ४;

आसुरत्त. त्रि० (आसुरत्त) क्रोधधी लाल-
चाल धन्य. जो क्रोध में लाल हो गया हो
वह. Red-hot with anger. निर०
१, १; नाया० १, ७; ८; ६; १६; दस० ८,
२५; उवा० २, ६५;

आसुरत्त. न० (आसुरत्त) आसुरी भावना;
असुरदेवताओं उत्पन्न धर्म पंडे तेषां भावना.
आसुरी भावना; असुरदेवों में जिस भावना में
उत्पन्न होना पड़े वह भावना. A medita-
tion which causes birth among
infernal gods; devilish medi-
tation. उत्त० ३६, २५४;

आसुरा. स्त्री० (आसुरी—असुरा भवनपति-
देवविशेषास्तेषामिदमासुरी) जन्माथी असुर
योनिभां उत्पन्न धर्म येषां भावना.
जिसमें असुर योनि में उत्पन्न होना पड़े ऐसी
भावना. A meditation which
causes birth among
infernal beings. “ चउहिं ठायोह आसुरताए
कम्मं पकरेता ” डा० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) असुरसंबंधी.
असुरसंबंधी. Pertaining to infer-
nal beings. “ आसुरियं विसं बाला
गच्छन्ति अवसानम् ” उत्त० ७, १०; दसा०
१०, ७; (२) (असुराणां षण्डकोपेन
चरन्तीति आसुरिकः) पूर्वजन्मों तीव्र
क्रोध करवाथी असुरपक्षे उत्पन्न धनार.
पूर्वजन्म में नात्र क्रोध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being; on account of habit of sharp anger in previous birth. आठ०

आसुरिय. न० (आसुर्य) असुरपञ्च. असुरपन; असुराई. State of being a denizen of the infernal world; devilry. दसा० १०, ७;

आसुरी. स्त्री० (आसुरी) असुरपञ्च उपायवा योऽप्यभावना; साधु यत्ने कष्ट आ करे, सकाम तप करे, निमित्त प्रकाशे, निर्दयपञ्च करे ते. जिससे असुर योनों में उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना; साधु होकर कगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, और निर्दयता रखना आदि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g. quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रब० ६४८;

आसुरहत. त्रि० (आसुरह—आसुर शत्रुं हतः क्रोधेन विमोहितो यः सः) ७४६ दी कोपायमान बनार. शत्रुता से क्रोधित होनेवाला. (One) getting quickly exasperated. विद्या० २, १; भग० ३, १; २; ७; १५, १; नाया० २; १६; जं० प० ३, ४५;

आसुहर्म. न० (आसौधर्म) साधर्म देवलोके सुधी. साधर्म देवलोके तक. Up to, as far as, the heavenly world called Sudharma. क० गं० ५, ७२;

आसुहृम. न० (आसुहृम) आसुहृम संपराय—मिथ्यात्व-युष्माक्यां सुधी. आसुहृमसंप-

रायं-मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर इसवे सूक्ष्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Gopasthāna named Mithyātva (i. e. first) and ending with that named Sūkṣmasamparāya (i. e. 10th). क० गं० ४, ६३;

आसुणि. न० (आसुनि) धृतपानादिक अलिष्ट औषध-के ग्रंथी माजुस अश्वान् थाय. घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो. A tonic remedy e. g. taking ghee etc by which one becomes strong. सू० १, १५;

आसूय. न० (*) कोष्ठ देवने मानता मानवामां अ वेछे ते. किसी देव की मानता मानना. Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass. पि० नि० ४०२;

✓ आसेव. धा० I. (आ + सेव) सेवन करवुं. सेवन करना. To practise; to adopt; to take to.

आसेविडं. हे० कृ० नाया० १७;

आसेवित्त. सं० कृ० आया० १, ३, २, ११६;

आसेवमाण. व० कृ० नाया० १७;

आसेवण. न० (आसेवन) सेवयु ते. सेवन करना. Resorting to; taking to; waiting upon. पंचा० ७, ३१;

आसेवणा. स्त्री० (आसेवना) सयममां-अतिथार-दोष उभाडवा ते संवम मे अतिथार-रोष लगाना. Partial violation of ascetic vows. प्रब० ७३२; (२)

अनुनु अनुष्ठान करुं ते. सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras. सूय० नि० १, १४, १३१; (३) आरोपणु करुं—आरोपणु. आरोपण करना; आरोप करना adding to; charging with. सम० २८, —कुशील. पुं० (-कुशील) संयमभां अतिशय भगवत्प्राप्ति कुशील थयेस. संयम में अतिचार लगने से जो कुशील हुआ हो वह. one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint. प्रब० ७३२;

आसेवस्तोय-अ. पुं० (आसेवालोचक) पुनः पुनः पापकरी प्रायश्चित लेनार (साधु). बारंबार पाप कर के प्रायश्चित लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विशेष० ८६८;

आसेवेय. त्रि० (आसेवित) आ-थेपुं सेवित-सेवेय; थोड़ा स्वाद लीधिय-आभेय. कुछ स्वाद लिया हुआ-बला हुआ; कुछ सेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. आया० १, १, १६; नाया० ८;

आसोअ. पुं० (अश्वबुज्) आसोभास. आश्विन मास. The month of Āśvina. सम० ३६; जं० प० ओष० नि० २८३; भग० ११, ११; १८, १०; कप० २, ३०; ६, १८४;

आसोई. स्त्री० (आश्वबुजी—अश्वबुजिबनी-तस्या भवाऽश्वबुजी) आसो सुदि पुनम. आश्विन सुदी १५ पूर्णिमा. The full-moon-day of the month of Āśvina. जं० प० ७, १६१;

आसोग. पुं० न० (आशोक-अशोकश्चेदमा-

शोकम्) अशोक वृक्षपुं पुक्ष. अशोक वृक्ष का फूल. A flower of the Āśoka tree. नाया० ८;

आसोद. पुं० (अश्वत्थ) पीपलो; पीपलानुं अस. पीपल का भाव. The holy fig-tree. आया० २, १, ८, ४५,

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) लुप्ते उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पक्ष० १;

✓ आ-स्तय. धा० I. (आ+ञि) आश्रय करवे. आश्रय करना. To rest upon; to resort to.

आसवह. दसा० ६, २७;

आसवति. भग० १३, ६;

आसवति. नाया० १७; जं० प० १, ६; १२;

आसवाहि. नाया० ४०

आसवह. राय० २५७;

आसवत. विशेष० ३२२;

✓ आ-स्तय. धा० I. (आ+स्वद्) स्वाद लेवे. स्वाद लेना. To taste; to relish. (२) अभिलाषा करी. अभिलाषा करना. to desire.

आसवह. सम० ३०;

✓ आ-स्तस. धा० II. (आ+वप्) थक उनाशाने विश्रान्ति लेरी. थकावट उतारने के लिये विश्रान्ति लेना. To take rest in order to remove fatigue.

आसासेह. नाया० १६;

आसासंति. नाया० ६;

आसासि. भू० “ एवमासासि अवाणं ” उत्त० २, ४१;

✓ आ-स्ताद्. धा० I, II. (आ+स्वद्) अ-स्वादन करुं. स्वाद लेना; चखना. To taste; to relish. (२) आहुं; इच्छुं. चाहना; इच्छा करना to wish;

to desire. (३) माह करतुं प्राप्त करना. to acquire: to gain.

आस्तादित्. उत्त० २६, ३३; ठा० २, २, नाया० ६; १२; १६; १८; विवा० ७;

आस्तादित्. पञ्च० १५;

आस्तादेह. नाया० १२;

आस्तादेस्ति. भग० १५, १;

आस्तादन्ति. पञ्च० २८;

आस्तादमि. नाया० ६;

आस्तादमो. नाया० १८;

आस्तादहि. आया० १, ५, ३, १५५;

आस्तादेस्तामो. भग० १५, १;

आस्तादेस्तामो. भग० १५, १;

आस्तादेत्ता. सं० कृ० ठा० ७;

आस्तादत्ता. सं० कृ० नाया० ६;

आस्तात्ता. आया० २, १, ३, १५;

आस्तादमात्त. नाया० १;

आस्तादिय. त्रि० (आस्तादित्) ७५५ओ

“ आस्तादिय ” शब्द. देखो “ आस्तादिय ”

शब्द. Vide “ आस्तादिय ” भग० १५, १,

आस्तादियिञ्. त्रि० (आस्तादियिञ्) २५६

देखा योग्य. स्वाद लेने योग्य. Worth being tasted. दसा० १०, ५;

आस्तादियिणी. श्री० (आस्तादियिणी) ७४३नो

अंश ३ करना; जेमां पाणी आतुं आवे ते.

(नाया) त्रिप में पानी आता हो वह नवः

जहाज का संप्रद करनेवाली. (A ship)

having a leak in it. उत्त० २३, ७०;

आहाह. अ० (आहाह) ३६५; ३६५ित्.

करावित्. Perhaps. उत्त० १, ११;

“ आहाह सवर्णं कर्तुं ” ३, ६; वेद० ४,

११; आर्वा० १, १, ५, ३७; २, १, १, १;

भग० १, २; ७; ६, १०; ७, ६, १०, ७;

वेद० २, २३; ४, १०; ११;

आहाह. अ० (आहाह) आनीने; आनीने.

लाकर. Having brought. आया० १, ७, २, २०४; २, १, १, १;

आहाह. सं० कृ० अ० (आहाह) २५३२

करने. स्वीकार करके. Having accept-

ed. आया० १, २, ४; ८४; (२) आनीने;

आनीने. लम्कर. having brought.

आया० ६, ७, २, २०२; सम० २१; निसी०

३, ५; ११, ८; १६, १५; ४१; १७, २८५

१८, २; १६, १; दसा० २, ७;

आहाह. अ० (आहाह) आ. जे. लावेतुं.

लाया हुआ. Brought; carried. दस०

५, १, २५; ६, ४६; ओष० नि० भा० २३६;

राय० २७४; पणह० २, ५; पंचा० १, १४;

आहाहिया. श्री० (आहाहिया) ५६३थी

आवेदी आणी. बाहिरमे आई हुई लाहिन;

परोक्षता. Food received from out-

side as a present. वेद० १ ४४;

२, १६;

आहाह. त्रि० (आहाह) ओ३ ठेकाजेथी श्री०

ठेकाजे आजेतुं. एक स्थान से दूसरे स्थान में

लाया हुआ. Brought or carried

from one place to another.

प्रव० ८५६;

आहाहिया. न० (आहाहिया) आयातस्थ;

जन्मस्थ. तेजुं. जेमे का तैसा; जैसा चाहिये

वैसा. Real; actual condition.

सम० २३; (२) यथार्थ उपदेशतुं २२५५;

सत्य; पारमार्थिक २२५५; वचार्थ उपदेश का

स्वरूप; सत्य; वास्तविक. स्वरूप. truth;

real nature; e. g. of religious

teaching. सूय० १, १३; १; (३)

सुयगम्यता १३ भा अण्यणनतुं नाम है

जेमां यथार्थ उपदेशतुं २२५५ यतातुं

छे: सूयगम्यता के १३ में आहाह का नाम

जित में कि वचार्थ उपदेश के स्वरूप का

वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagadāṅga in which the real nature of religious teaching is shown. सूय० १, १३, २३;

आहमेत. व० क० त्रि० (आधमत्) धमतेः
धमत्तु धमते. धौकता हुआ; धम्मन धौकता
हुआ. Blowing; blowing a fur-
nace with bellows राय० ८, ८;
आहमिमअयय. न० (अधार्मिकपद) अधा-
र्मिक पद; धर्म विरुद्ध पद. अधार्मिक पद;
धर्म विरुद्ध पद. An irreligious step.
दस० ८, ३१;

आहय. त्रि० (आहत) हल्लेत्तुं. मारा हुआ.
Killed. (२) यगाडेत्तुं; यन्नेत्तुं. पीटा
हुआ; बजाया हुआ. played upon;
beaten e. g. a musical instru-
ment. ओव० ३२; पञ० २; पण० १,
३; उवा० ७, २००; विवा० १; कण्ठ० ३,
४०; ४३; (३) डोल. डोल. a drum.
आया० २, ११, १७; (३) प्रेरणा करेत्तुं.
प्रेरित. inspired; hinted at, mov-
ed. राय०

आहया. स्त्री० (आहता) हुंहुलि. हुंहुली.
A kind of large kettle-drum;
a drum भग० १५, ११

✓ आहर. धा० I, II. (आ+ह) आत्तुं.
खाना. To eat. (२) ग्रहण करेत्तुं; ग्रही-
त्तुं. ग्रहण करना. to take; to accept.
(३) आणुत्तुं; आवत्तुं. लाना. to bring.
आहारेह-ति. प्रे० निस्सी० ४, १७; ठा० २,
२; नय्या० २; व; ६; १५; १६; १८;
भग० १, ७; ३, २; ७, १; जंत०
३, ८; राय० २४०;

आहारेह. ओव० ४०;

आहारं-हें-ति. भग० ६, १०; ७, ३; ८,
५; १४, ६; १४, ६; १८, ३; १६,
३; नाया० ४; पञ० १५;

आहारेसि. नाया० १६;

आहारेसि. पञ० ११;

आहारेसो. नाया० १८;

आहारिजा वि० उत्त० २, ३१;

आहारेज-जा. सूय० १, १, २, २८; भग०
६, २; २०, ६;

आहारे. दस० ५, १, २७;

✓ आ-हर. धा० I, II. (आ+ह) ओड्डुं
डरेत्तुं; इकठा करना. To collect.

आहुणिय. सं० क० नाया० ६; जं० प० ३,
५५; राय० २६;

आहार. आज्ञा० निसी० १, ५;

आहारेहि. आज्ञा० नाया० १६;

आहाराहि. उत्त० २, ३१; भग० १५, ११
सूय० १, ४, २, ४;

आहारेह. आज्ञा० नाया० १५; १६; १८;

आहारेत्तु. हे० क० नाया० १६;

आहारित्तु. ओव० ३८; वेय० १, १६; कण्ठ०
६, ४३; भग० १, ७; ३, १; नाया०
१६;

आहारित्तु. नाया० १८;

आहारेहत्ता. सं० क० नाया० ४; ६; १६;

आहारिता. भग० २०, ६;

आहारेमाव. व० क० नाया० १; भग० ११,
११; २५, ७; वेय० ५, ६; दसा०
३, १६; १६;

आहारमाव. क० वा० व० क० ओव० १६;
भग० ७, १;

आहारंत दस० ५, १, २८,

आहारिजमाव. क० वा० व० क० भग० १,
१; ठा० १०;

आहारिजमाव. ठा० १;

आहारण. व० (आभरण) धरेत्तुं; धारणीत;
आभूषण. गहना; आभूषण. An orna-
ment. ओव० २४; सु० व० १, ३१८;
प्र० १२३५; —विधि. पुं० (—विधि)

धरेषु अनावया तथा धरेवानो विधि-रीति.
आभरण बनाने तथा पहनने की विधि.
the art or process of making or
fashioning ornaments and also
of putting them on. प्रब० १२३४;

**आहरण. न० (उदाहरण—उदाहरिते प्राब-
ल्येन गृह्यतेऽनेन दार्ढ्यान्तिकोऽर्थ इत्युदाहर-
णम्)** दृष्टान्त; उदाहरण. दृष्टान्त; उदाहरण.
An illustration. पि० नि० ६२६;
ठा० ४, ३; —तद्देस. पुं० (-तद्देश)
अेकदेशी दृष्टान्त. एकदेशी दृष्टान्त-एक अंश
में घटित होनेवाला दृष्टान्त. & one-
sided illustration i. e. one not
fully applicable. ठा० ४, ३;
—तद्दोस. पुं० (-तद्दोष) सदोष दृष्टान्त.
सदोष दृष्टान्त. faulty illustration.
“ आहरणस्तदोसे चउबिहे पययते तंजहा
अधम्म जुते ” ठा० ४, ३;

आहवण. पुं० (आह्वान) ओलावपुं. बुलाना.
Calling; inviting. सु० च० ३, ११६;
पंचा० २, १२;

आहव्य. त्रि० (आभाव्य) क्षेत्र, शिष्य, भान,
पाणी, वस्त्र, पात्र वगैरे. क्षेत्र, शिष्य, भान,
पानी, वस्त्र, पात्र आदि. Such things
as, a field, food, water, clothes,
vessels etc.; also a disciple etc.
पंचा० ११, २६;

आहव्यणी. स्त्री० (आघव्यणी) तात्कालिक
अनर्थ करनेवाली ऐक विद्या. तात्कालिक अनर्थ
करनेवाली एक विद्या. An art (enab-
ling a person) to work instan-
taneous disaster or mischief.
सुय० २, २, २७;

आहव्यय. न० (यथावाह) विच्छेद अंगेल
आरंभ दृष्टिवाद अंगना पीन विभाग सूत्र-
ना १० भेद. विच्छेद हो चुके हुए बार-
हवें दृष्टिवाद अंग के दूसरे विभाग-सूत्र का
१० वाँ भेद. The 10th section of
the 2nd part of the lost 12th
Dristivāda Aṅga. नंदा० ५६;

आहाकड. त्रि० (आधाकृत) आस साधुने
भाटे निपणवेस आहारदि. खास साधुके
लिये बनाया हुआ आहारदि. (Food
etc.) prepared specially for a
Sādhu. सूय० १. १०, ६; परब० २, ३;
आहाकम्म. न० (आधाकर्मन्) आधाकर्म-
आहार वगैरे. आधाकर्म आहार वगैरेह.
Food etc. specially prepared
for an ascetic. उत्त० ३, ३; पि० नि०
६२, १०७; सस० २१; भग० १, ६; ५, ६;
७, ८; पंचा० १३, ६; प्रब० ५७१; दसा०
२, ४; ५; ६; निसी० १०, ६;

आहाकम्म. न० (*) पोताना जेया कर्म
होय ते प्रभाजे: स्वयं कर्मानुसार. अपने
दिये हुए कर्म के अनुसार. In accord-
ance with one's own Karma.
उत्त० २, १३;

आहाकम्मिय. त्रि० (आधाकर्मिक) साधुना
भाटे अनावेस आहार. साधु के लिये तैयार
किया हुआ आहार. Food prepared
specially for an ascetic. नाया०
१; भग० ६, ३३; ओव०

आहारचंद्र. त्रि० (यथाचंद्र) पोतानी भरु
मुद्रण वर्तन: स्वैच्छायासी. अपनी इच्छा
अनुसार बर्तन करनेवाला; स्वच्छंदी. Self-
willed. निर० ३, ४;

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

गोदातल न० (याथातथ्य) ने वस्तु नेकी होय तेकी कहेकीते; यथाथे; सत्य. जा कस्तु जैसा चाहिये वैसी ही होना; उचित-कीक ठीकपना Reality; truth. दसा० ५, २०;

आहारतद्विग्रह. न० (याथातथ्य) याथातथिक-सत्य बात नेमां प्रतिपादन की छे ते. सूय-गङ्गां सूत्रना १३ मा अभ्ययनं नाम. सूयगङ्गां सूत्र के १३वें अभ्ययन का नाम जिसमें यथार्थ बात का प्रतिपादन किया है. Name of the 13th chapter of Sūyagadāṅga in which absolute truth is explained. सम० १६०;

आहार्य, सं० कृ० अ० (आचार्य) भुङ्गीने; करीने. छोड़कर; करके. Having done; having placed. पि० नि० १७४; १८०.

आहार. पुं० (आहार) आधार; आश्रय; अवलम्बन; टेका. आधार, आश्रय; अवलम्बन; सहारा. Support; anything which supports. “ शोभं गडभरथायं आहारे पं० सं० मणुस्सायं चैव ” ठा० २; बिरो० ७१६; १४०६; राय० २१०; नाया० १; ५; ७; १२; १४; भग० १८, २; अणुजो० १२६; उवा० १, ५;

आहार, पुं० (आहार) आधार-भोजन; भोजन; भोजन. आहार; भोजन, Food; eating; eating and drinking. पञ्च० १; ३; २६; ३६; ओव० १६; ३८; बिरो० ४; नाया० १; ४; ५; ७; १६; १८; दस० ६, ४७; निमी० १०, ५; ५१; जीवा० १; उत्त० ३०, १३; भग० १, १; ७; २, १; ७, १; १६, ३; २५, ७; सम० १; उवा० १, ५१; जं० प० २, २२; प्रब० ६३८; पंचा० १, २६; कण्ठ० ४, ६५; क० गं० २, १३, १, ७; —अपक्रांति. त्रि० (—अपक्रांति.)

आहारनी अपक्रांति; आहार लेनीनी शक्ति पुरी न थाय ते. आहारकी अपक्रांति; आहार लेनेकी पूरी शक्ति का अभाव. imperfectly developed power of assimilating food. भग० ६, ४; —अवक्रांति. त्रि० (—अवक्रांति) आहारनी त्याग. आहार का त्याग. giving up, abandonment, of food. कण्ठ० १, २; —उपचित. त्रि० (—उपचित) आहारथी उपचित-पुष्ट. आहार से पुष्ट. plump with food. भग० १६, २; ८; —कंचित. त्रि० (—कंचित) आहारनी भक्षणांक्षा वा दो. आहार की इच्छा वाला. (one) desirous of food. वव० १, १; —गम. पुं० (—गम) आहारनी गमे-आहार संबंधी हकीकत बतावना सूत्र-पाठ. आहार संबंधी बर्णन करनेवाला सूत्र-पाठ. a Sūtra-text dealing with instructions about food. भग० २, १; —गुप्त. त्रि० (—गुप्त) थोड़ा आहार करने-ना; आहार परतवे मन वचन अने कायाने पापथी गोपनी राखना. किंचिद् आहार करनेवाला; आहार के सम्बन्ध में मन, वचन और कायको पाप से पृथक् रखनेवाला. (one) taking limited amount of food; self-restrained in the matter of food. प्रब० ६४६; —गोचर. पुं० (—गोचर) आहारनी विषय-वस्तु. आहारकी वस्तु. an article of food. पंचा० ५, ३; —सुग. न० (—सुग) आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, देव-तानुं आयुष्य, नरकनी गति, नरकनुं आयुष्य अने नरकानुपूर्वी अं छे प्रकृति. आहारक शरीर, आहारक अंगोपांग, देवताका आयुष्य, नरक की गति, नरक का आयुष्य और नरकानुपूर्वी ये छे प्रकृतियां. the six Pra-

kṛitis, (Karmic natures) viz *Āhāraka Śarīra*, *Āhāraka Āṅgopāṅga*, *Devatāyus*, *Narakagati*, *Narakāyus*, and *Narakānupūrvī*. क० गं० ३, १५; —जाह. जी० (-जाति) आहार-रत्ना प्रकाश; लुट्ठी लुट्ठी मतलब आहार-रत्ना प्रकाश-आहार के भेद; भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह. varieties of food; collection of foods of various kinds. पंचा० ५, २६; —जाय. न० (-जात) लुट्ठी उपदेश १०६. देखो ऊपर का शब्द. vide above. पंचा० १, २६; —जुगल. न० (-युगल) आहार-रत्ना शरीर अने आहार-रत्ना अंगोपांग में प्रकृति. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग में दो प्रकृतियाँ. the two Prakṛitis viz *Āhāraka Śarīra* and *Āhāraka Āṅgopāṅga* क० गं० २, १७; —(५)टि. त्रि० (-अर्थिन्) भोजन-अर्थी. भोजन का अर्थी. (one) desirous of, asking for, food. भग० १, १; —तिरथवर. पुं० (-तीर्थकर) आहार-रत्ना शरीर अने तीर्थकरनाम में प्रकृति. आहारक शरीर और तीर्थकरनाम में दो प्रकृतियाँ. the two Prakṛitis viz *Āhāraka Śarīra* and *Tirthāṅkaranāma*. “ उच्छेदा संश्लेषा-गुणहीन आहारतिरथवरे ” क० प० १, ७८; —(५)तिथ. त्रि० (-अर्थिन्) आहार-रत्ना अर्थी-आहार-नाम. आहारक अर्थी; आहार चाहने वाला. (one) who desires, wants, food. भाषा० ४; —अव्यवहार. जी० (-अव्यवहार) आहार-रत्ना शरीर में उपयोगी भाव तथा पुद्गल-समुह. आहारक शरीर में उपयोगी होने के ऐसे पुद्गलों का समूह. the

material molecules. which go to build up the *Āhāraka* body. भग० १, १; —दु. न० (-द्वि) लुट्ठी “ आहार-जुगल ” शब्द. देखो “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० गं० ३, ३; —दुग. न० (-द्विक) लुट्ठी “ आहार-जुगल ” शब्द. देखो “ आहार-जुगल ” शब्द. vide “ आहार-जुगल ” क० प० १, ७३; क० गं० २, ३, ३, १६; —पञ्चकस्याण. न० (-प्रत्याख्यान) आहार-पान पाने का त्याग; उपवास संश्लेष. आहार-पान का त्याग; उपवास, संश्लेष आदि. giving up food, drink etc.; a fast. “ आहारपञ्चकस्याणं भोजे जीवे किं जलपय ” उक्त० २६, ३५; —पञ्चासि. जी० (-पर्वसि) ने शक्तिशील आहार लक्ष्मी शरीर रूपे परिष्ठाप पभाडी शक्ति ते शक्तिनी पूर्णता. जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिष्ठाप उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी पूर्णता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १; ६, ४; प्रब० १३३१; —पो-सह. पुं० (-पोषण) अने अक्षरान् सुधी आरे आहारने त्याग करने के एक अक्षरान् तक चारों प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा० १०, १४; —(५)अव्यवहार. पुं० (-अव्यवहार) आहार (भोजन) करने; भाग्य ते. आहार (भोजन) करना. taking food; eating. विदे० २२१; —भाव. पुं० (-भाव) आहार-रत्ना भाव. आहार का भाव. state of being food. भग० १८, १; —आहार. त्रि०

(—आहिक) यार नतना आहार; आहार आदि. चार प्रकार का आहार. food etc.; food of four kinds viz solid, liquid etc. दस० ८, २८; —वर्द्धति. जी० / —व्युत्क्रांति). आहारने छोड़ी देवी-तजवे ते. आहार का त्याग करना. giving up food नाया० ८; —संपज्जण. न० (—संपाति) आहारनी संपत्-रसने उत्पन्न करनेवाला; भीक्षु; लवण. आहार के रस को उत्पन्न करनेवाला; नमक. salt; (so called because it imparts taste to food). “आहार संपज्जण वज्जयेणं” सूय० १, ७, १२; —सण्णा. जी० (—संज्ञा) आहार लेनेकी संज्ञा-इच्छा. desire of taking food. “उडहिं ठावेहिं आहारसण्णा समुप्यज्जह” ठा० ४, ४; पज्ज० ८; भग० ७, ८; १२, ५; २०, ७; २४, १; —सण्णोवउत्त. त्रि० (—संज्ञोपयुक्त) आहारनी संज्ञावाला. आहारकी संज्ञावाला. (one) having a desire of taking food. भग० १११; १३, १; २६, १; —संज्ञा. जी० (—संज्ञा) यार संज्ञाभांती ऐक; आवाणी वासना. चार संज्ञाओं में से एक; खाने की वासना. one of the four Sañjñās or animate feelings; viz desire for food. आश० ४, ७; —समुदघात. पुं० (—समुदघात) आहारक शरीर अनावधानी वअते शुचप्रदेशं उदारिक शरीरथी अहार नीकालुं अने, प्रकृत प्रकृतिनुं आश्रयते करी निर्जरुं ते. आहारक शरीर बनाते समय जीव प्रदेशों का औदारिक शरीर से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उसकी निर्मल करना. emanation of soul particles from the physical body at the

time of the creation of the Āhāraka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul. सम० ६;

आहारहत्तार. त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवाला; खानेवाला.

(One) who eats. सम० ६;

आहारओ. अ० (आहारतस्) आहार आश्रित. भोजन का आश्रय करके. From food; on account of food. “आहारओ पंचकवज्जयेण” सूय० १, ७, १२;

आहारग. न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-न्विष्यते गृह्यते इत्याहारकम्) आहारक शरीर पांच शरीरभांनुं त्रींशुं शरीर. आहारक शरीर; पांच शरीर में का तीसरा शरीर. The 3rd of the 5 kinds of body; प्रव० ६४; ७००; क० गं० १, ३३; भग० ८, ६; (२) त्रि० आहार करनेवाला; खान-पान करनेवाला. (one) who eats. आया० १, १, ५, ४६; भग० ६, ४; ८, २; (३) आहारक शरीरनी लक्ष्यवाला साधु. आहारक शरीर की लक्ष्यवाला साधु. an ascetic who has got the power of evolving the Āhāraka Śarīra. प्रव० ८१७; (४) आहारक समुदघात; आहारक शरीरभां आत्मना प्रदेश विस्तारवा ते. आहारक समुदघात-अर्थात् आहारक शरीर में आत्मा के प्रदेशों का विस्तार करन. Āhāraka Samudghāta i. e. emanation of soul-particles into the tiny body known as Āhāraka Śarīra. प्रव० १३२६; —अगोपांगनाम. न० (—अगोपांगनाम) नाभकर्मनी ऐक प्रकृति

के जेना उदयथी आहारक शरीरना अंगोपांग प्राप्त थाय. नाम कर्म का एक प्रकृति कि जिनके उदय ने आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हो. a variety of Nāmakarma by the maturing of which the Āhāraka body develops limbs and sub-limbs क० गं० १, ३४; —जुगल. न० (-जुगल) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपांग अने अने नामकर्मनी प्रकृतिने जेस. आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा. the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Āhāraka Sarīra and Āhāraka Aṅgopāṅga. क० गं० १, ३५; —शाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी आहारक शरीर भदे अने नाम कर्मनी अने प्रकृति. जिनके उदय ने आहारक शरीर प्राप्त हो देगी नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Namakarma by the rise of which one gets the Āhāraka Sarīra. क० गं० ४, ५८; —दुग. न० (-द्विक) जुओ “ आहारग जुगल ” शब्द. देखो “ आहारग जुगल ” शब्द. vide “ आहारग जुगल ” क० गं० ४, २८; —मीसग. पुं० (-मिश्रक) जुओ “ आहारगमीसा ” शब्द. देखो “ आहारगमीसा ” शब्द. vide “ आहारगमीसा ” भग० २५, १; —मीसा. स्त्री० (-मिश्रा = मिश्र) आहारक मिश्रयोग; आहारक शरीर अनावनी वयने के छेडती वयने छेडारिक आदि शरीरनी साथे मिश्र थाय ते वयन-नो ये:अ-शारीरिक व्यापार. आहारक मिश्र-बोधी; आहारक शरीर बनाते या छोड़ते समय औसदिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो

इस समय का योग-शारीरिक व्यापार. the process of the Āhāraka body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion. भग० ८, १; २५, १; —लब्धि. स्त्री० (-लब्धि) आहारक शरीर अनावनी लब्धि-शक्ति. आहारक शरीर बनाने की लब्धि-शक्ति. the power of making an Āhāraka body प्रब० ८१७; —वर्गणा. स्त्री० (-वर्गणा) आहारक शरीरनी रचनामा उपयोगी थाय तेया पुद्गल नो जेथो. आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह. the molecules of matter which go to build up the Āhāraka body क० गं० १, १६; —वर्जित. त्रि० (-वर्जित) आहारक समुदात शिवायनं. आहारक समुदात के अतिरिक्त. excepting or excluding Āhāraka Samudghāta. प्रब० १३२६; —समुद्घाय. पुं० (-समुद्घात) आहारक शरीर अनावना भाटे आत्माना प्रदेश शरीरथी अहार काढ-या ते. आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहर निकालना. emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhāraka body. ठा० ७; भग० १३, ६;

आहारगसरीर. न० (आहारकशरीर) आहारक शरीर. आहारक शरीर. Āhāraka body. भग० ६, ४; ८, १; —कावपयोग. पुं० (-कावपयोग) आहारक शरीर रचने ते शरीरथी प्रकृति करी ते; आहारक शरीरनो व्यापार. आहार-

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रकृति करना; आहारक शरीर का व्यापार. creating an Āhāraka body and acting with it. भग० ८, १; —सरीरि. त्रि० (-शरीरिन्) आहारक शरीरवाले (श्रव). आहारक शरीरवाला जीव. (a soul) with an Āhāraka body. ठा० ६, १; जीवा० १०; —व्ययोगबन्ध. पुं० (-प्रयोगबन्ध) आहारक शरीरनी रचना करती ते. आहारक शरीर की रचना करना. creating an Āhāraka body. भग० ८, १;

आहारगसरीरत्ता. स्त्री० (आहारकशरीरत्ता) आहारक शरीरवाले आहारक शरीर पन. State of being an Āhāraka body. भग० २५, २;

आहारण न० (उदाहरण) दृष्टान्त. दृष्टान्त. An illustration. विशेष० २३५; १०७७;

आहारत्ता. स्त्री० (आहारता) आहारनेवाली. आहार का भाव. State of being food भग० १८, ७;

आहारपरिणाम. स्त्री० (आहारपरिज्ञा) सूयगङ्गा स्रुतना श्रीमद्भुतस्कन्धना श्रीमद्भुतस्कन्धना नाम ३ अंश सर्व श्रवणी उत्पत्ति देवी रीति थाप अने आहार देवी रीति देखे तेनुं वर्णन छे. सूयगङ्गा सूत्र के दूसरे-भुतस्कन्ध के तीसरे अध्याय का नाम त्रिममें कि सर्व जीवों की उत्पत्ति किम प्रकार होती है और वे किम प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है. Name of the third chapter of the second Śrutaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and their modes of taking food. मय० २. ३, ३८; मम० २३; ठा० ७;

आहारभूय. त्रि० (आधारभूत) आधार भूत. आधार भूत. Forming a support नाया० १;

आहारय. न० (आहारक) ५ शरीरभानुं ओक शरीर के ७१ १४ पूर्वधारी लब्धिवाला साधु अनायी शके काम दातना संदेहनु निवारण करवाने ते साधु ओक आहारक शरीरनुं पुतलुं अनायी महाविदेहभां देवली पासे भोडले छे ते पाछु आपतां तेने संकेली लेछे ते. पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि चौदह पूर्व धारी लब्धिवाला साधु, बना सकता है. उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस संदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर में मिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvās. With this body which is tiny, he can go to Mahāvideha and get his doubts solved by Kevalin. It can afterwards be dispersed. पञ्च० १७; भग० १, ७; ६, ३; ७, १; १८, १; २५, १; ६; विशेष० ३७५; मम० १० २१६; क० ग० १, ३७;

आहारवर्णन पुं० (आहारवाचन) ७ धारे ते धरे लेवे. जो धारे बंदी कहे ऐसा. One who says what he has retained in mind or remembered. ठा० ८, १; भग० २५, ७;

आहारिन्. त्रि० (आहारिन्) आहार ग्रहण करनेवाला. आहार ग्रहण किया हुआ. (One) who has taken food. तंदु०

आहारिस्तार. त्रि० (आहारिन्) आहार

करना। आहार ग्रहण करनेवाला। (One) who takes food. (२) अद्भुत करना। ग्रहण करनेवाला। (one) who takes. दमा० ३. १६:

आहारिम. त्रि० (आहार्य) पाणी साथे उतारना योग्य; आद्य-आपन्न-युक्त योग्य; पानी के साथ खाने योग्य; औषधि, चूर्ण वगैरह। (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पि० नि० १०२;

आहारिय. त्रि० (आहारित) अनुमे " आहारित " शब्द. हेतु " आहारित " शब्द. Vide. " आहारित " नाया० २; ५: १६: १८: १९: भग० १५, १: मय० २. ६, ३५:

आहारियं. अ० (यथाऽऽर्यम्) आर्यते प्रोक्तं तेन रीतिः यथा आर्य पात्रं ग्रामं याव तेन रीतिः, जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार. In a manner worthy of a civilised person. नाया० २, ३. १, ११६:

आहारिस्समाह त्रि० (आहारिस्समाह-आहारिस्सम्) अविष्य कालमां आहार करने वाला। भविष्य काल में आहार करने वाला। (One) who is to take food in future; going to take food in future. भग० १. १:

आहारोद्देश. पुं० (आहारोद्देशक) " पञ्चवक्त्रा " सूत्रना प्रथम उद्देशानुं नाम. " पञ्चवक्त्रा " सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first chapter of Pannavakpā Sūtra. भग० १. १:

आहारोत्तार त्रि० (आहार्य) आहार करनेवाला (One) who takes food. सम० ३०:

आहारोद्यम. त्रि० (आहारोद्यम) आहार करने लायक. आहार करने लायक. Worthy of being eaten. ज्ञ० ३:

आहारलंघि. पुं० (यथाकामिक) उद्भूत आचार्य ऐक प्रचारिता वैन साथ. उत्कृष्ट आचार पालनवाला एक प्रकार का जैन साधु. A class of Jainas saints with excellent ascetic conduct. चउ० ३३:

आहारवला स्त्री० (आभावना) धारणा: संक्षेपः उद्देश. धारणा: संकल्पः उद्देश्य. Thought: keeping, retention, of things in the mind. पि० नि० ३६१,

आहारसिन्धु. पुं० (आभासिक) ऐ नामने ऐक अन्तर्द्वीप. इस नाम का एक अन्तर्द्वीप Name of an Antara Dvipa (island). (२) त्रि० तेमां वसनाः मनुष्य. उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य an inhabitant of the above island. पञ्च० १:

आहि. त्रि० (आहृत) आदरणी अद्भुत करे। आदर से ग्रहण किया हुआ. Respectfully accepted. जं० प० २, १०, विश० ३६३:

आहिअग्नि. पुं० (आहिताग्नि) अग्निने स्थापन करनार आहृतः अग्निहोत्री. अग्निकी स्थापना करनेवाला ब्राह्मण: अग्नि-होत्री. A Brāhmana consecrating or preserving the sacred domestic fire. दस० ६, ३, १, ११:

✓ **आहिड.** धा० I. (आ+हिङ्) करुं: अभजुं: मुसाहरी करी: अटुं: फिरना: मटकना: यात्रा करना. To walk; to roam; to travel.

आहिङ्. नाया० १:

आहिङ्गसि. नाया० ८;

आहिङ्गह. नाया० ८, १७;

आहिङ्गेहि. आ० नाया० ८;

आहिङ्गेह. नाया० १४;

आहिङ्गिऊण. संथा० ७६;

आहिङ्गमाण. नाया० १, विवा० ३;

आहिङ्ग. पुं० (आहिङ्गक) भ्रमणशील;
भुसाक्षर. भ्रमणशीलः मुनाफिर. (One)
who wanders; a traveller. ओघ०
नि० ११५;

आहिङ्ग. पुं० (आहिङ्गक) लुओ उपलो
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
“ उवणस अणुवणसा दुविहा आहिङ्गा
समासेण ” ओव० वव०

आहिङ्गि. त्रि० (*आहिङ्गित) भेकलेख.
भेजा हुआ. Sent: despatched. पि०
नि० ४२७;

आहिङ्ग. न० (आधिक्य) अधिकपणुं; विशेष
पणुं. अधिकता; विशेषता. Excess;
state of being more. विशेष० २०८७;

आहिङ्गराणिया. स्त्री० (आधिकरणिकी)
दण, उभय, अण, वगेरे अधिकरण
भेदव्यापी लागनी क्रिया. हल, उखल,
खड्ग आदि से होती हुई क्रिया; ऐसा
आधिकरण जिससे आत्मा दुर्गति में जाय.
Operations of agricultural
tools which lead a soul to spiri-
tual degradation. ठा० २, १;

आहिङ्गता. सं० क० अ० (आधाय) धक्षभां
लभने. लक्ष में लेकर. Having paid
attention to; having taken in-
to consideration. पि० नि० ६७;

आहिङ्ग. त्रि० (आहण) कहेणुं, प्रतिपादन
कहेणुं. कहा हुआ; प्रतिपादन किया हुआ
— Told; said; described. उल० २४.

१; २८, ४; ३३; ३०, १३; २४; सूय० १,
१, १; ७; ८; जं० प० २. १८;

आहिय त्रि० (आहृत) धरेण; आगल भुकेल.
रखा हुआ; आगे रखा हुआ. Kept;
placed before. सूय० नि० १, १०,
१०६;

आहिय विलेसत्त. न० (आहितविशेषत्व)
सत्य वचननो अेक अतीशय-अद्भुत शक्ति.
सत्य वचन का एक अतिशय-अद्भुत शक्ति.
A super-natural manifestation
of truthfulness in speech. सम०
आहुअ-य. त्रि० (आहृत) भेक्षावेल. बुझाया
हुआ. Called; invoked. सु० च० १,
२८०;

आहुह. स्त्री० (आहुति) अभिभां घी, नर,
ज्य वगेरे होभया ते. अभि में घी, तिल,
जव वंगरह का होम करना. Offering
oblation consisting of ghee,
barley etc. to fire. पि० नि० ६१०;
✓ आ-हुण. आ० I. (आ+धू) कपन.
हिलना; कंपना. To shake.

आहुणिज्जमाण. कं० वा० व० क० नाया० ६;
आहुणिज्ज. त्रि० (आह्वनीय) आह्वान
क्या योग्य; होभया योग्य. हवन करने योग्य.
Worthy of being invoked or
offered as oblation. ओव० नाया० १;

आहुणिय. पुं० (आधुनिक) ८८ अदभाना
५ भो अद. ८८ ग्रहों में का ५ वौं ग्रह.
The 5th of the 88 planets.
“ दो आहुणेआ ” ठा० २, ३; जं० प० ३,
५५; सू० प० २०;

आहेउं. हे० क० अ० (आधातुम) धारण
करवाने. धारण करने के लिये. In order
to place or retain. सूय० १, ६, ४;

आहेण न० (आह्वान) विवाह थाय पछी
वरने त्यां कपाने तेणुं करी जभाउ ते. विवाह

होजाने के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुलाकर भिमाना-भोजन कराना. An invitation to the bride to dine at the bridegroom's house after marriage. आया० २, १, ४, २२;

आहेय. त्रि० (आयेय) आधारभां रहेया येअ वस्तु. आधार में रहने योग्य वस्तु. (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशेष० १०४; १४०२;

आहेरी. स्त्री० (आभीरी) आदि२लु; अरवा-लु; गोवाललु. अहीरनी; ग्वालनी. An Āhira or shepherd's woman. विशेष० १४५४;

आहेवन्ध. न० (आधिपत्य) अधिपतिपल्लु; नायकपल्लु; स्वाभीपल्लु. अधिपतित्व; नायकपन; स्वामित्व. Ownership; lordship; leadership. आव० ३२; सम० ७८;

निर० ५, १; विवा० ७; नाया० १; ३; ५; १८; नाया० ५० पञ्च० २; जांवा० ३, ४; भग० ३, ८; १३, ६; १८, २; १०; जं० ५० ५, ११५; ठा० ६; कप्य० २, १३;

आहेवण. न० (आचेपण) शहरेने धेरे धालवो-थापो भारवो ते. नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना. Besieging a town; invading a town. पण० १, २;

आहोइअ. त्रि० (आभोगिक) जानने अंध प्रकार. ज्ञान का प्रकार. A variety of knowledge. “ आहोइएणं शाण-दंम-येणं अप्पच्छादिस्समण कालंआभोगइ, आ-भोइत्ता ” कप्य० ५, १०६;

आहोहिय-अ. पुं० (आधोऽवधिक) नियमित क्षेत्रभां रहेनाइं अवधिज्ञान. नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवधिज्ञान. Avadhijñāna limited to a particular area. भग० १, ४; ७, ७; १८, १८;

इ.

√इ. भा० I. (इह) अतुं; अति करनी. जाना; गति करना. To go; to move. इति सु० व० ३, १२; इतु. पि० नि० ४४७; इत्तए. हे० कृ० कप्य० ९, २८; इत. व० कृ० भग० १४, ३; पि० नि० २६२; इजंत. व० कृ० दस० ३, २, ४;

इ. अ० (इ) पाठपूरय; पाठपासंकार. पाव-पूरण; वाक्यसंकार. An expletive; a word marking the close of a remark or sentence. (२) अभाषि. इति के अर्थ में; समाप्ति में. thus;

in this way. पञ्च० १७; नाया० १; ८; १४; वद० १, ५;

इअ. त्रि० (इत) प्राप्त थयेल; स्थित रहेल. प्राप्त; स्थित. Acquired; got; remaining steady. विशेष० ३५१; दसा० ६, ३१; (२) गयेल. गया हुआ. gone; departed. “ समिय उवाहु ” सूय० १, ९, ४;

इअर. त्रि० (इतर) भीअु. अपर, दूसरा; अन्य. Another; else. क० गं० ३, ३७; ४, ३; —तुअ. त्रि० (तुअ) भीअु. जैतुं; अन्य अरथुं. औरोंकासा. like

another; resembling another.

क० प० ५, १४;

इअरहा. न० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा.

In another way; otherwise. क०

ग० १, ६०;

इइ. अ० (इति) ऐम; ऐवी रीते. इस प्रकार:

इस तरह. In that way or manner.

उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ८, २:

(२) रूप प्रदर्शन: इति निर्देश करी अता-

पुं. कुछ निर्देश करके बताना: रूप प्रदर्शन.

A word used to point out any-
thing. भग० १, १: १, ७; ओव० नाया०

१; क० प० ५, ११; पंचा० ६, ८:

इतिहास, पुं० (इतिहास—इतिहास पारम्पर्यो-

पदेश आस्तेऽस्मिन्) पुराण: इतिहास.

पुराण; इतिहास. History; narration

of past events. ओव० (२) पृष्ठपत्नी

७२ इत्यांती अत्र इति. पुरुष की ७२ कला-

ओंमें का एक कला. one of the 72

accomplishments of a man.

कण० १, ६; ओव०

इओ. अ० (इतः) अर्थात्: आत्मान्मयी

यहां से: इस जन्म में. From this

place; from this birth or state

of existence. " इओ चतेषु दृढमद्र-

दुग्मं " स्य० १, १०; आया० १, १, १,

३; ओव० ३८; विवा० ५; पण्ड० १, १;

पि० नि० २२३; नाया० १: ७: ८: १०

भग० १५, १: २०, ६;

इन्विणिया. स्त्री० () निन्दा. निन्दा

Censure or slander " अदुइन्वि-

विषा उपाविषा स्य० १, २, २, २;

इन्विणी. स्त्री० (इन्विणी) निन्दा. निन्दा.

Censure; slander " अह मेयकरी

अनेमि इन्विणी " स्य० १, २, २, १:

इंगाल. पुं० (अङ्गार) अंगारो: इंगारो:

धुंवादा रहित अग्नि. अंगारा; धुंवा रहित

अग्नि. A burning charcoal; fire

free from smoke. ओव० ३८; उत्त०

३६; १०६; ठा० ५, ३; स्य० १: ५, १,

७; जं० प० ७, १७०; दस० ५, १: १: ८,

८; अगुण० ३, १; पि० नि० ५६६; जीवा०

१: ३; पञ्च० १; नाया० १; भग० ३, २:

५, ८; १०, ५: १५, १; आया० २, १०,

१६६; उवा० १, ८१; पंचा० १३, ४८;

(२) इंगारानां भाङ्ग संयमने इति इर-

ना० अत्र प्रदर्शनात् आहारनां इंगार कोयले

के समान संयम को काला करनेवाला एक

प्रकार का आहार का दोष. A fault

connected with food, tarnishing

self-restraint or asceticism like

coal. पि० नि० १; (३) अंगार नाम का एक ग्रह. A planet

of this name भग० १० ५:

—उवय. त्रि० (उपम) अंगारो: इति:

देवता इति. अंगार के समान ज्वलंत अंगार

के सदृश दृश्यमान होने से देव समान.

(anything) like burning

charcoal; red-hot ठा० ५ ६:

—कङ्किणी. स्त्री० (-कर्षका) इंगारानां

अङ्किमांशी इंगारानां इंगारानां अङ्किमांशी कोयले

का मट्टा में से निकालने का लोहे का मारग.

an iron rod to take out coal

from an oven or kiln. भग० १६, १:

—कम्म. न० (-कर्म) इंगारानां अङ्किमांशी

अने मेयवानां व्यापार कोयला बनाने और

बेंचने का व्यापार. business of preparing and trading in coal. भग० ८, ५: उवा० १, ५१; —कारिया. स्त्री० (कारिका-अंगारान् करोतीत्यङ्कार-कारिका) अगडी. सिगडी. a portable grate or fire-basket. “ इंगालकारिण्यं भंते अगधिकण् केवह्यं कालं संविद्वह ” भग० १६, १: —दाह. पुं० (-दाह-अङ्कारान् दहतीत्यङ्कार दाहः) अंगारा पाड्यानी ज्योत्वा. अंगारा करने की जगह. a place where fuel is converted into coal. निर्माण ३, ७५: —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका) अंगान पाड्यानी अगडी. अंगारा दहकाने की सिगडी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal. भग० २, १: —सोलिलय. त्रि० (-शूलय) अंगारा डिपर पदवेधु. अंगारों पर पकाया हुआ. cooked, baked upon burning charcoal. “ इंगालसोलिलय मित्र कंदुसोलिलयमित्र ” भग० ११, ६:

इंगालअ. पुं० (अङ्कारक) अ नामने ओइ अदः अंगल. इस नाम का एक ग्रह; मङ्गल. The planet Mars. मय० २०; भग० २, ७:

इंगालग. पुं० (अङ्कारक) अंगल अदः. मंगल नाम का ग्रह. The planet Mars. गान २, ३:

इंगालभूय. त्रि० (अङ्कारभूत) डेपला-अंगालनी सभान. अंगारों के सामान. (Any-thing) like a burning charcoal. भग० ३, १: ४, ६: ७, ६: जं० प० २, ३६:

इंगालवर्द्धिमय. पुं० (अङ्कारावर्तंसक) अंगारद नामे अदना निभाननं नाम. अंगार-

रक नाम के ग्रहका विमान. Name of the heavenly abode of a planet named Angaraka. भग० १०, ४; इंगिअ-य. न० (इङ्गित) अनेलात्रः ज्योत्वा-यवानी निशानी; असादोः आम्प यजेनेनी साभिप्राय येष्टा मनो भावः संकेत; इषारा. Internal thought; significant gesture of the eye etc. “ इंगिया गार संपत्ते ” उक्त० १, २: ३२, १४; अंग० ३३; दस० ६, ३, १: पिं० नि० ६७८: विशेष० ६, ३३; भग० ६, ३३; नाया० १: जं० प० ३, ५३; —आगार. पुं० (-आकार) अनेलाय ज्योत्वायवानी निशानी. मनोभाव प्रगट करने का चिन्ह; इशारा. internal thought; a significant gesture. उक्त० १, २: —आगारसंपण्ण. त्रि० (आकारसंपण्ण) इंगित अने आकार ज्योत्वायवानी संपत्तिवालो. इंगित और आकार जानने की संपत्तिवाला. one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them. “ इंगियागारसंपण्णो से विधीयति बुद्धि ” उक्त० १, २: —मरण. पुं० न० (-मरण) जुआ “ इंगिणी मरण ” शब्द. देखो “ इंगिणी मरण ” शब्द. vide “ इंगिणी मरण ” सम०

इंगिणी. स्त्री० (*इंगिनी-श्रुतविहितक्रिया-विशेषः इंगयते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-इत्यामनशनक्रियायामितीङ्गिनी) शास्त्रभां कहेल ददभां रडी वेयायव्य करान्या यिना संथारे करवे ते. शास्त्र में कही हुई हदमें रहकर वेयावृत्त कराये बिना संथारा करना. Performing Santhāro confining oneself within the limits of space proscribed by Śāstras

and not receiving any service from others. भक्त० ६; प्रव० १०३१; सम० १७; —मरण. न० (-मरण) संथारो करी वैयावृत्य करान्या बिना छित्त-नियमित प्रदेशनी हृद्मां रही समाधि भरलु करुं ते. संथारा करके वैयावृत्य बिना कराये नियमित प्रदेश की हृद् में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service. सम० १७; प्रव० १०३१; ठा० २; संथा० इंद. पुं० (इन्द्र-इन्द्रनीति इन्द्रः) श्रेष्ठ श्रेष्ठ. One who is excellent. स० प० २०; (२) छंद; देवतानी राजः पुरन्दर. इन्द्रः देवों का राजा. the god Indra: the king of gods. पि० नि० १३३; जं० प० ३, ४२; भग० ३, १; ७, ६; विशेष० २२२; नाया० ८; नाया० घ० ३; नंदी० २०; आ० व० सम० १९; पञ्च० २; अणुजो० २०; ठा० ४; दम० ६, १, १४; पंचा० ४, ८८; (३) ज्येष्ठा नक्षत्रतो अधिपति देवता. ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव. the presiding deity of the Jyēsthā constellation. अणुजो० १३१; स० प० १. ठा० २, ३; (४) ज्येष्ठा नामो अद्वैत अने अद्वैत समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island of that name; also an ocean of that name. जीवा० ३, ४; पञ्च० १२; —अभिषेक पुं० (-अभिषेक) सूर्याभ देवता राज्याभिषेक सूर्याभ देव का राज्याभिषेक the coronation ceremony of the Sūryābha god. गाय० १३६; —अहिहिद्या

त्रि० (-अधिष्ठित) छंदने अधिष्ठित. इन्द्राधिष्ठित; इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. “ इंद्राहिहिद्या ” भग० ३, १; ठा० १०; —अधीन. प्रि० (-अधीन) छंदने पश; छंदने आधीन. इन्द्र के आधीन. dependent upon Indra; under the power of Indra. भग० ३, १; —अधीनकार्य. न० (-अधीनकार्य) छंदधीन कार्य-काम. इन्द्र के आधीन कार्य. a work under the control of Indra. भग० ३, १; —आउह. पुं० (-आयुध) छंदनु आयुधः १००. इन्द्र का शस्त्र-ब्रज. the weapon of Indra; Indra's thunderbolt. नाया० १; —केउ. पुं० (-केतु) छंद यष्टिः छंदमहोत्सवमां अनावेत् २४०. इन्द्र यष्टिः इन्द्रमहोत्सव में बनाया हुआ स्तंभ a post erected in the celebration of Indra's festival पण्ड० १, ४; —रगह. पुं० (ग्रह) अन्तरिक्ष देवता उपद्रवशी धनो रोग; पश्यात् व्यंतर देव के उपद्रव में होता हुआ रोग a disease caused by the evil influence of hell-gods; being possessed by hell-gods. भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; (२) ग्रह विशेष. name of a planet जीवा० ३, ३. उभय. पुं० (-ध्वज -शशध्वजापेक्षयाऽनिमहत्वादिन्द्रध्वजो ध्वजश्चेन्द्रध्वजः । इन्द्र ध्वजः आद्य ध्वजतनी अपेक्षां मेदी ध्वज इन्द्र ध्वजाः द्वायं ध्वजा की अपेक्षा में बड़ा ध्वज. a banner taller than all the other banners. “ इंदुभयं पुरश्चो गच्छह ” सम० ३४; प्रव० ४४१; —द्राग. न० (-स्थान) छंदस्थलः छंद-स्थल इन्द्र स्तंभः इन्द्रध्वज a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest. अंत० ६, १५; (२) ईन्द्रं निवास स्थान. इन्द्र का निवास स्थान. the residence of Indra. “ इन्द्राणो-
यं भंते केवतिष कालं विरहिने ” टा० ६; भग० ८, ८; जीवा० ३; सू० ५० १६;
—धनुः. न० (-धनुष) ई० धनु० ५;
आय० ११. इन्द्र धनुष. a rainbow. जं० ५० अणुजो० १२७; भग० ३, ७;
—पाडिवया. स्त्री० (-प्रतिपम) आदर्या
सूरी १५ पछिने ५५०. आदर्या मर्दि पृष्णिमा
के बाद का बिदि एकम. the first day of
the dark half of the month of
Bhādrapada. टा० ४; —मह. पुं०
(-मह) आदर्या भासनी पुनमे अतो
भन्द्रभद्रोत्सव. आदर्या मास की पृष्णिमा को
होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a
festival in honour of Indra on
the full-moon day of Bhādra-
pad. राय० २१७; विवा० १; निमी०
१६, १२; आया० २, १, २, १२; भग० ६,
३३. नाया० १; —लट्टि. स्त्री० (-लट्टि)
भन्द्र भद्रोत्सवाभां जे स्तंभ रोपयामां आवे
ते. इन्द्र महोत्सव में जो स्तंभ गाढ़ा
जाता है वह. a post fixed at the
time of the celebration of
Indra's festival. “ निव्यक्तमहं
इन्द्राद्री विमुक्त संधि बंधया ” नाया० १;
भग० ६, ३३;

इन्द्रकंठ. पुं० (इन्द्रकान्त) भन्द्रकान्त नामे
अेक विमान के जेना देवताओंनी स्थिति
१६ सागरोपमनी छे अे देवता साझा
नय भदिने आसोअंध्यास ले छे, अने १६
६१२ वर्ष क्षुधा खाये छे. इन्द्रकान्त नामक
एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति
v. 11/17.

१६ सागरोपम की है. ये देव साडे नो मास
बाद आसोअंध्यास लेने हैं और १६ हजार
वर्षोबाद इन्हें क्षुधा गलता है. Name of
a heavenly abode; the gods
here live for 19 Sāgaropamas
and they breathe once in 9½
months and feel hungry once
in 19 thousand years. सम० १६;
इन्द्रकाश्य. पुं० (इन्द्रकायिक) त्र्यु छट्टिय
यात्रो अेक ७५; भन्द्रोप. तीन इन्द्रियोंवाला
एक जीव. इन्द्रगोप. A kind of in-
sect of red colour; a kind
of three-sensed living being.
पक्ष० १;

इन्द्रकील. पुं० (इन्द्रकील—गोपुरावयव
विशेषः) नगर्ना दरवाजना अेक अवयवः
जेने आधारे दरवाजना अे कमाउ अंद रदी
शे ते. नगर के दरवाजे का एक अवयवः
जिसके आधार से दरवाजे के दो किवाड बंध
रहसके वह. A portion of a city
-gate: a door-bolt fastening
the two doors of a gate. “ गोम-
उक्तमया इन्द्रकीला ” राय० १०६ भग० ३,
२; ओव० टा० २.

इन्द्रकुम्भ. पुं० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र
इन्द्रकुम्भः) कलशः भद्रोत्सवधेः आतिथ्यो.
कलशः बड़ा घड़ा A big pot. राय०
१०६; जं० ५० १; (२) तीनशोका नग-
रीना दशान भुज्जानुं अेक उद्यान वातशोका
नगरी का दशान कोन का एक उद्यान.
name of a garden in the
north-east of the town of
Vitaśokā. “ तीक्ष्ण विद्यासोमाए राय
हाणीए उत्तरपुरच्छिम दिसिभाए इन्द्रकुम्भ
खामं उजाये ” नाया० ८; (३) नेमनाथ-
ना प्रथम शिष्य. नेमनाथ का प्रथम शिष्य.

name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४: (४) २० भा भुनिसुवत तीर्थकरना प्रथम गणधरनुं नाम. २० वें तीर्थकर मुनिसुवत के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Ganadhara of the 20th Tirthan-kara. Muni Suvrata भम० प० २३३;

इंद्रकील. पुं० (इन्द्रकील) लुग्य ' इन्द्रकील ' शब्द. देखो ' इन्द्रकील ' शब्द. Vide ' इन्द्रकील ' जीवा० ३, ४;

इंद्रग. पुं० (इन्द्रग) त्रिद्विध ७२ विशेष. तीन इंद्रियोंवाला जीव विशेष. A three-sensed living being: a kind of insect. उल० ३६: १३७;

इंद्रगोव. पुं० (इन्द्रगोव) इंद्रगोप: भ्रमभोक्ता: परसाद तथा पथी देवानो अंश प्राप्त ७२; त्र्यु इंद्रिय वासो अंश ७२. इन्द्रगोप: इन्द्रबहुता: वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला एक लाल रंग का जन्तु. A kind of insect of red colour springing up in monsoon; a three-sensed living being. उल० ३६: १३८; अणुजा० १२१: पञ० १;

इंद्रगोव अ-य. पुं० (इन्द्रगोपक) लुग्य ७२ शब्द. देखो ' इन्द्रगोव ' शब्द. Vide above. जीवा० ३, ४; गण० ६३: नाया० १;

इंद्रगोवग. पुं० (इन्द्रगोपक) लुग्य ' इन्द्रगोव ' शब्द. देखो ' इन्द्रगोव ' शब्द. Vide ' इन्द्रगोव ' नाया० १.

इंद्रगि. पुं० (इन्द्रगि) विशाखा नक्षत्रके अधिष्ठाता देवता. विशाखा नक्षत्र का अधिष्ठाता देव. The presiding deity of the constellation Visākhā अणुजा० १३१; सू० प० १०; ठा० २, ३;

(२) ३७ भा अहनुं नाम. ३७वें ग्रहका नाम. name of the 37th constellation. जं० प० ७; ठा० २, ३: सू० प० २०;

इंद्रजम्बा. स्त्री० (इन्द्रजम्बा) पांचाल देशका अम्बरान्जली राणी. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी. Name of the queen of Brahmarāja of the country of Pāñchāla " इन्द्रजम्बा १ इन्द्रजम्बा २ इन्द्रजम्बा ३ चण्डी देवीय " उल० ठा० १३;

इंद्रजालि. त्रि० (इन्द्रजालिन्) विविध रचना करने वाला. विविध रचना करके विस्मित करनेवाला: इन्द्रजालिया; जादूगर. A magician. ठा० ४.

इंद्रजालिअ-य. त्रि० (इन्द्रजालिक) इंद्रजाल करनेवाला: जादूगार अनायना. इन्द्रजाल करनेवाला: जादू विद्या बतानेवाला. (One) who displays magical tricks. विश० १६०७;

इंद्रनील. पुं० (इन्द्रनील) इंद्रनील मणि नीलम. इन्द्रनील मणि: नीलम. A gem so named; a sapphire. आब० गण०

इन्द्रवत्स. न० (इन्द्रवत्स) इंद्रवत्स २४५: पञ्च. इन्द्र का स्वरूप; इन्द्रपन. Power and dignity of Indra: state of being Indra: kingship उल० ३, ४५. भग० ३, २;

इन्द्रता. स्त्री० (इन्द्रता) इंद्रपन. State of being Indra: power and dignity of Indra: kingship. भग० २५, ६;

इन्द्रवत्स. पुं० (इन्द्रवत्स) इंद्रवत्स: आया तीर्थकरने प्रथम शिक्षा आपना. इन्द्रवत्स: बोधे तार्थकर को पहिले पहिल शिक्षा देने

वाला. Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthaṅkara. सम० २४; (२) १२ भा वासुपुत्र्येनो त्रीज पूर्व जन्म नाम. वासुपुत्र्य १२ वें तीर्थंकर के तीसरे पूर्वजन्म का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmi. सम० २४;

इंदुदिगण पुं० (इन्द्रदत्त) ओ नामना केटिक-गच्छना ओक आचार्य. कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम. Name of a preceptor of the Koṭika order of saints. कण० ८;

इंदनील. पुं० (इन्द्रनील) लुओ ' इन्द्रनील ' शब्द. देखो ' इन्द्रनील ' शब्द. Vide ' इन्द्रनील ' उल० ३६, १५: पञ० १:

इंदपुर. न० (इन्द्रपुर) ओ नामना ओक नगर. एक नगर का नाम. Name of a city. " इंदव जंबूद्वीप भारद्वाजे इंदपुर ग्राम नवर " विवा० १०; (२) ओ नामना ओक साधु के देने भोजीपुर नामना ग्रामभा नागदत्त गथापनिओ आहार पाणी पदोपायों दत्ता. इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हे मणिपुर नामक ग्राम के नागदत्त गथापनिने आहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthapati named Nāgalatta. " इंदपुरे जंबूद्वीपे पंडिताभिते जावमिदे " विवा० २, ७:

इंदपुरग. पुं० (इन्द्रपुरग) वेसवाडियगलुथी नीकसेन ओ नामनुं कुश. वेसवाडियगण में निकसे हुद कुल का नाम. Name of a family which was an offshoot of Vesavādiya (Jap. कण० ८;

इंदभूद. पुं० (इन्द्रभूति) महावीर स्वामीना

प्रथम गजुधर: गौतम स्वामी. महावीर स्वामी के प्रथम गजधर: गौतम स्वामी The first Gaṇadhara of Mahāvira Swāmi. भग० १, १: २, ५: ओष० ३८; नाया० ६: जं० ५० नंदी० २०; मम० ११; २४; उवा० १, ७६; प्रव० ३०८: कण० ५, १३३;

इंदभूति. पुं० (इन्द्रभूति) लुओ उपरें शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. सम० ६२; मू० ५० १;

इंदमुखाभिसित्त पुं० (इन्द्रमूर्धाभिविस्त) पञ्चवासीआना सातमा दिवसनुं (सात-भनुं) नाम. पल्लवाडे के सातवें दिन (सप्तमी) का नाम. The 7th day of a fortnight. " इंदमुखाभिसित्त " मू० ब्र० १०; जं० ५०

इंदय. पुं० (इन्द्रक) लुओ ' इंदग ' शब्द. देखो ' इंदग ' शब्द. Vide ' इंदग ' ग्रा० ६:

इंदयणिरय. पुं० (इन्द्रकनिरय) सैथी भेडा नरकावांसा. सबसे बड़ा नरकावांसा. The greatest hell. ग्रा० ६:

इंदयाल. न० (इन्द्रजाल) ओ नामनी ओक विद्या. इन्द्रजाल विद्या. Juggling: a kind of lore: magic. मु० न० ४, १६६;

इंदयालि. पुं० (इन्द्रजालिन्) मन्दगज विद्याने भुजुनार. इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician: a juggler. मु० न० १३, ५०;

इंदसिरी. स्त्री० (इन्द्रक्षी) पांचात्र देशनी क्षापित्य नगरना अम्बदत्त राजनी ओक राणी. पांचात्र देश के अम्बदत्त राजा की रानी. Name of a queen of Brahmādatta, the king of the city of Kāmpilya

in the country of Pāñchāla.

उत्त० टी० १३;

इन्द्रसेना. स्त्री० (इन्द्रसेना) इन्द्रसेना नामनी
ऐक नदी के गे मेरुने उत्तरे रक्तवती
नदीमां भले छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी
जो कि मेरु के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी
में मिलती है. Name of a river
which flows into the river
Raktavati in the north of
Meru. डा० ५, ३; १०;

इन्द्रा. स्त्री० (इन्द्रा) इन्द्रा नामनी नदी के गे
मेरुनी उत्तरे रक्तवतीने भले छे. इन्द्रा
नामक नदी जो कि मेरु की उत्तर दिशा में
रक्तवती नदी में मिलती है. Name
of a river which flows into
the river Raktavati in the
north of Meru. डा० ५, ३; (२)
इन्द्रा नामनी ऐक देवी. एक देवी का नाम.
Name of a goddess. नाया० घ० ३;
(३) धरणेन्द्रनी पांचमी अग्रमहिषीनुं
नाम. धरणेन्द्र की पांचवीं अग्र महिषी का
नाम. name of the 5th princi-
pal queen of Dharanendra.
भग० १०. २;

इन्द्रा. स्त्री० (ऐन्द्रा) पूरु दिशा. पूर्व दिशा.
The eastern direction. भग० ६,
१; डा० १०; जं० प० ५, ११८;

इन्द्राणी. स्त्री० (इन्द्राणी) इन्द्राणी; इन्द्र की पट्टरानी.
The crowned queen of Indra.
डा० ४;

इन्द्रिय. न० (इन्द्रिय) आंख, कान, नाक, तल,
अने त्वचा ऐ पांच इन्द्रिय. आँख, कान,
नाक, जिह्वा और त्वचा ये पांच इन्द्रियाँ.
The five senses viz eye, ear,
nose, tongue and skin. विशेष |

६१; पञ० १५; नाया० १; ४; उत्त०
६, ३६; श्रव० १६; दस० ५, १, १३;
भग० २, १; ४; ८, १; २४, १२; नंदी० ३;
सम० ६; क० गं० १, १०; पंचा० १४, ३;
(२) पञ्चवक्त्रा सूत्रना १५मां पदं नुं नाम.
पञ्चवक्त्रा के पंद्रहवें पद का नाम. name of
the 15th Pada of Pannavanā.
पञ० १५; (३) पञ्चवक्त्रा त्रीन पदना
त्रीन द्वारं नुं नाम. पञ्चवक्त्रा के तीसरे पद के
तीसरे द्वार का नाम. name of the
3rd Dvāra of the 3rd Pada of
Pannavanā. पञ० ३; —अर्थ. पुं०
(-अर्थ) शब्द, रूप, रस, गंध अने
स्पर्श ऐ पांच इन्द्रियना अर्थ-विषय.
शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श ये पांच
इन्द्रियों के अर्थ-विषय. any of the
five objects of the senses
viz sound, form, taste, smell,
and touch. “ पंच इन्द्रियथा पण्यता
तंजहा ’ डा० ५; उत्त० २४; ८; ३३, ७;
—अर्थकोषण. न० (-अर्थकोषण) काम-
विकार; इन्द्रियना विषयना केप अथे ते.
कामविकार; इन्द्रिय के विषय का कोषित होना.
desire for the enjoyment of
the objects of the senses. डा० ६
—अपज्जसि. स्त्री० (-अपर्याप्त) इन्द्रि-
यनी अपूर्णता; इन्द्रिय पर्याप्त आधीन पुरी
न करी दाय ते. इन्द्रियका असम्पूर्णता; इन्द्रिय
पर्याप्त का बाधकर उसे पूर्ण न करना.
imperfect development of the
senses. भग० ६, ४. —उपउत्त. त्रि०
(-उपयुक्त) इन्द्रियना उपयोगसहित.
इन्द्रियों के उपयोग सहित. (one) care-
fully controlling the senses
पञ० ३; —उपचय पुं० (-उपचय)
इन्द्रियना उपचय-वृद्धि. इन्द्रियों की वृद्धि.

the growth of the senses.
 “कइविहेण भंते इन्द्रियउवचय” पञ्च० १५:
 भग० २०, ४: —गमाम्. पुं० (—ग्राम) इन्द्रियोना समुदाय. इन्द्रियों का समुदाय the group of the senses. आया० टा० १, ५, ४, १५६: —चउक्क. न० (—चतुष्क) भन अने यक्षु शिवायनी आर इन्द्रिया: दान, नाद, ध्राज् अने स्पर्श इन्द्रिय. चार इन्द्रियां: कान, नाक, घ्राण और स्पर्श the group of the four senses; viz the senses of hearing smell, taste, and touch. क०गं० १, ४: —चलणा. स्त्री० (—चलना) इन्द्रियनु आउयुं. इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses. भग० १७, ३: —जवाणिज्ज त्रि० (—यापनीय) पांच इन्द्रियोने वश करी ते. पांचों इन्द्रियों को वश करना. controlling all the five senses. भग० १८, १०; नाया० ५: —जाय. न० (—जात) इन्द्रियनी जन प्रशर. इन्द्रियों का जाति-भेद. the variety of the senses. नेय० ५, १३. —द्राण. न० (—स्थान) इन्द्रियना स्थान-विपादान कारण-आकाशाद. इन्द्रियों के स्थान उपादान कारण-आकाशाद. the efficient causes of the senses such as space etc. सूय० नि० १, १, १, ३३: —णिवत्तणा. स्त्री० (—निर्वर्तना) इन्द्रियोने निपन्नयरी ते. इन्द्रियों को उत्पन्न करना. the creating of the senses. “कतिविहेण भंते इन्द्रिय णिवत्तणा” पञ्च० १५: —निरोद्धि. त्रि० (निरोधिन्) इन्द्रियनी लाससने निरोध करना. इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला (one) who checks the craving of the senses. प्रव० ५७०;

—पज्जन्ति. स्त्री० (—पर्याप्ति) इन्द्रियनी संपूर्णता, इन्द्रिय पर्याप्तिने पूरी करी ते. इन्द्रियों का संपूर्णता: full development of the senses भग० ६, ४: —पडिस्संलीणता. स्त्री० (—प्रतिस्लीणता) इन्द्रियोने वश करी ते. इन्द्रियों को वश करना. conquest, control over the senses. भग० २५, ७. —परिणाम. न० (—परिणाम) इन्द्रिय रूपे अयनुं परिणाम इन्द्रिय रूप में जीव का परिणाम. the modification of the soul into the form of the senses. पञ्च० १५: —वल्ल. न० (—बलं) इन्द्रियनी शक्ति. इन्द्रियों का शक्ति. the power of the senses जीवा० ३: —मणोणिमित्त. न० (—मनोनिमित्त) यक्षु ययेरे पांच इन्द्रिय अने भन छे निमित्त जेमां अयनुं जान: मतिभूत जान. चक्षु वगरह पांच इन्द्रियों और मन के निमित्त में होनेवाला ज्ञान: मतिभूत ज्ञान. Mati-
 sruta Jñāna: sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind. विश० ६३: —मणोभव. न० (—मनोभव) इन्द्रिय अने भनथी उत्पन्न थनुं जान. इन्द्रिय और मन में उत्पन्न होनेवाला ज्ञान. knowledge born of the senses and the mind. विश० ६५: —लाद्धि. स्त्री० (—लब्धि) पांच इन्द्रियनी प्राप्ति. पांच इन्द्रियों की प्राप्ति. the attainment of the five senses. भग० ८, २; पञ्च० १५: —लाद्धिया. स्त्री० (—लब्धिका) जुओ उपोला शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ८, २: —वसड्ड. त्रि० (—वसार्त्त) इन्द्रियोने वश थाथी थयेथ दु:खी. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित. (one) miserable on account of lack of control over the senses. भग० १२, २; —विजय. पुं० (-विजय) छद्रियने कथुभां राखवी ते; छद्रियो११२. न्य मेखववो ते; तप विशेष. इन्द्रियों को बश करना; इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना; तप विशेष. control over the senses; a kind of austerity. पंचा० १६, ३८; —विभक्ति. स्त्री० (-विभक्ति) छन्द्रियना विभाग; अकेन्द्रिय, अछद्रिय वगेरे. इन्द्रियों के विभाग; एकेंद्रिय बेइन्द्रिय आदि. the classification of the senses; e. g. one sense, two senses etc. सू० नि० १, ५, १, ६६; —विसय. पुं० (-विषय) छद्रियोनी विषय शक्ति. इन्द्रियों की विषय शक्ति. the power of enjoyment of the senses. भग० ३, ८; —वीरिय. न० (-वीर्य) आत्र आदि छद्रियेनुं पोत पोताना विषयने मह्य करवानुं सामर्थ्य. श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय मह्य करने का सामर्थ्य. the power of the senses e. g. ear etc. to comprehend their objects. सू० नि० १, ८; ६६;

इन्द्रियउद्देश. पुं० (इन्द्रियोद्देश) पनयल्लु अत्रना पंदरमा पदना प्रथम उद्देशनुं नाम. पञ्चवणा सूत्र के पंद्रहवें पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddēśa of the 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० २, ३;

इन्द्रियउद्देशय. पुं० (इन्द्रियोद्देशक) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.

Vide above. भग० १८, ३; २, ४;

इन्द्रिय पय. न० (इन्द्रियपद) पनयल्लु सूत्र. १ १५ं भुं पद. पञ्चवणा का १५वां पद

The 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० २, ४; पञ० १५;

इंद्र. पुं० (इन्द्र) चन्द्र; चन्द्रमा. चन्द्र: चन्द्रमा. The moon. नाया६ १; १६; भग० ६, ३३;

इंद्रोत्तरवर्द्धिसग. पुं० (इन्द्रोत्तरवर्द्धिसक) ओ नामनुं ओक विमान, ओनी स्थिति ओगलीस सागरोपमनी छे. ओ देयना साडा नय भदिने आसोऽप्यास ले छे, ओगलीस हुअर वरें क्षुधा लागे छे. इस नाम का विमान, जिसमें रहनेवाले देवों का १९ सागरोपम आयु है. ये देव साडे नौ महीने बाद आस लेते हैं और इन्हें १९००० वर्ष बाद भक्ष लगता है. Name of a heavenly abode; the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १६;

इंद्रुरय. न० (इन्द्रुरक) गोश्र भुंडलो. बडा टोपला. A large basket. राय० २००;

इंधण. न० (इन्धन) ईंधण; पत्रतणु; ठाणुं लाकडा वगेरे. इन्धन; जगने की लकड़ा, कंडा वगैरह. Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc. उत्त० १६, १०; ३२, ११; पिं० नि० भा० १२; भग० ७, १;

इक. त्रि० (एक) ओक-संख्यावाचक; एक-संख्यावाचक. The numeral, one. (२) ओकलो; ओकली; अद्वितीय. अकेला; एकाकी; अद्वितीय. one; alone; matchless. अणुजो० १३१; नंदी० ३४; आया० १, ५, २, १४८; भग० २, ५; नाया० १५; सु० च० ४, १२६; जं० प० १, १२;

इकअ त्रि० (एकक) ओकलो; ओकली

अकेला: एकाकी. Alone; solitary.

उत्त० १, १०; ३५, ६;

इकड. न० (= इकड) १३३३ - अट्ट-सादी
अनायवान् कामत्र घास; दृढेषु सदृश नृषु
विशेष. चटाई बनाने का कोमल घास; नृण
विशेष. A kind of soft grass of
which a mattress is made.
आया० २, २, ३, १००; २, ७, २, १६१;
सूय० २, २, ७; भग० २१, ५; पण्ड० २,
३; १३३३नी अनावेदी अट्ट। उक्त घास का
बनाई हुई चटाई. a mattress made
of the above grass. आया० २, २,
३, १००; (३) अनामनुं पयश अननुं
अड. इस नाम का पर्वग जाति का झाड़.
a kind of tree. पञ० १;

इककमिकक. त्रि० (एकैक) ऐकैक. परस्पर.
Taken singly; (२) परस्पर; ऐकै-
भीष्म; अयो-य. अन्योन्य: एक दूसरा.
mutual. उत्त० १३, ३; सु० च० २, ८१;

इकवीस. त्रि० (एकविंशति) २१; ऐक्यसः
वीस अने ऐक. इकवीस; २१. Twenty-
one. २१. उत्त० ३१, १५; कण्व०
१, २;

इकसीह. त्रि० (एकाशीति) ऐकशीति: ८१;
इकसीह. Eighty-one: 81. उत्त०
३५, २०;

इककार. त्रि० (एकादशन्) अगीयार: ११.
ग्यारह; ११. Eleven; 11. क० गं० ६,
२०;

इककारस. त्रि० (एकादशन्) अगीयार:
दसने ऐक. ग्यारह; ११. Eleven; 11.
सम० ११; दसा० ६, १, २; उत्त० २८,
२३; उवा० १०, २७७; क० गं० ६, २०;
जं० प० २, ३१; —अंग. पुं० (-अंग)
आयारंगानि ११ अंगसूत्र. आचारंगानि
ग्यारह अंगसूत्र. the 11 Āṅga

Sūtras e. g. Āchārāṅga etc.

नाया० १४, १८;

इककारसग. त्रि० (एकादशक) अगीयार:
ग्यारह. Eleven: 11. क० गं० १, ४२;
इककारसम. त्रि० (एकादशम) ११ भे;
अगीयारभे. ग्यारहवां. Eleventh:
11th नंदा० ४५;

इककारसी. त्रि० (एकादशी) अगीयारस:
पञ्चमीआने ११ भे दीर्घस. ग्यारस;
पञ का ग्यारहवां दिन. The 11th day
of a fortnight. विशेष० २०८३; प्रव०
१५५७; जं० प० २, ३१;

इकिककक. त्रि० (एकैक) ऐकैक. एक
एक. Taken singly. उत्त० २८, ८;
क० गं० ४, ७७; —उद्द्य. पुं० (-उद्द्य)
ऐकैक प्रकृतिने उद्द्य. एकैक प्रकृति का
उद्द्य. the rise or maturity of
each Prakṛiti (Karmic nature)
singly. क० गं० ६, १६;

इक्खाग. न० (इक्ष्वाकु) ऋषभदेव स्वाभीने
वंश; इक्ष्वाकु कुल. ऋषभदेव स्वावी का
वंश; इक्ष्वाकु कुल. The Ikṣvāku
family; the line of descent of
Riṣabhadeva Swāmī. आया० २,
१, २, ११; पञ० १; भग० ६, ३३; २०, ८;
अणुजो० १३१; डा० ७, १; ६०; उत्त० १८,
३६; ओव० राय० २१८; —कुल. पुं०
(-कुल) ऋषो 'इक्खाग शब्द. देखो
'इक्खाग' शब्द. vide. 'इक्खाग' ओव०
—भूमि. त्रि० (-भूमि) इक्ष्वाकु वंश
भूमि उत्पन्न भूमे ते भूमि; अयोध्या.
इक्ष्वाकु वंश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि;
अयोध्या. the land of the birth
of the Ikṣvāku family; Oudh.
कण्व० ७, २०६; —राय. पुं० (-राजन्)
इक्ष्वाकु कुलमां अभिषेक राजन्. इक्ष्वाकु कुल

में जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvāku line. "पडिबुद्धि इक्ष्वागुराया" ठा० ७; नाया० ८; — वंश. पु० (-वंश) ऋषभ देव स्वाभीनो वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Rishabhadeva Swāmi. वि० नि० ४७६;

इक्ष्वाकुकुल. न० (इक्ष्वाकुकुल) इक्ष्वाकु नामजुं कुल. इक्ष्वाकु नामक वंश. A family by name Ikṣvāku. कण० १, २;

इक्षु. पुं० (इक्षु) इक्षुः शेरडी. सांटा. Sugar-cane. भग० २१, ५; ओव० पञ० १; पंचा० ८, २३; — रस. पुं० (-रस) शेरडीनो रस. सांटे कारस. sugar-cane juice. प्रब० २३३; पंचा० १६, १०; — वण. न० (-वन) शेरडीजुं वन. गन्ने का खेत. a forest of sugar-canes. निसी० ३, १६; — वाड. पुं० (-वाड) शेरडीनो आड; ज्यों शेरडी पीयाय ते स्थान. गन्ने का बाड़; गन्ने पेजने की जगह. a place where sugar-canes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown. राय० २७६; — वाडिया. स्त्री० (-वाटिका) इक्षु-शेरडी नो वाड्याडी गन्ने की बाड़ी-खेत. a field where sugar-canes are grown. पञ० १; भग० २१ ५;

इक्षुबुवर. पुं० (इक्षुवर) ओ नामनो ओड द्वीप अने ओड समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of an island; also the name of an ocean. जीवा० ३, ४;

इग. त्रि० (एक) ओकनी संख्या; १. एक की संख्या; १. The number one; 1.

क० गं० १, ८; ३३: २, १४ १३; —चतुसय. न० (-चतुःशत) ओसे ने ओकनादीस. १४१ एकसौ एकतालीस, १४१. one hundred forty-one; 141. क० गं० २, २७; —नवइ. स्त्री० (-नवति) ओड्राणु; ८१. एकानवें; ८१. ninety-one; 91. क० गं० ३, ७; —याल. स्त्री० (-चत्वारिंशत्) ओकतादीश; ४१. एकतालीस; ४१. forty-one; 41. प्रब० ५१६; क० गं० ६, ६६; —वस. स्त्री० (-पञ्चाशत्) ओकपन; ५१. एकावन; ५१. fifty-one; 51. प्रब० ३६०; —घोस. स्त्री० (-विंशति) २१ नी संख्या; ओकवीश. इक्कासवी संख्या. twenty-one; 21. उवा० १०, २७७; —सम्भ. न० (-शत) ओडसे ने ओड; १०१. एक सौ एक; १०१. one hundred and one; 101. क० गं० ३, ४; —सट्टि. स्त्री० (-षष्टि) ओकसठ; ६१. इकसठ; ६१ sixty-one; 61. मम० ६१; —सी. स्त्री० (-अशीति) ओकशी; ८१. इकासी; ८०. eighty-one; 81. क० गं० २, १७;

इगद्विय-अ-सय. न० (एकद्विकशत) ओड अधिक सो: ओकसोनेओक. १०१. एक-सौ-एक; १०१. One hundred and one; 101. क० गं० २, ४;

इगार त्रि० (एकादशन) अगोपार: ११. ग्यार; ११ Eleven; 11. क० गं० ६, ६२; इगारसम. त्रि० (एकादशम) ११ओ; अगोपारओ. ग्यारवां; ११ वाँ. Eleventh; 11th विवा० १, क० गं० २, १४;

इगिन्द्रिय त्रि० (एकेन्द्रिय) जेने ओक छिद्रिय होय ते; पृथ्वी आदि स्थावर अथ. एकेन्द्रिय बाला; पृथ्वी आदि स्थावर जीव One-sensed; e. g. earth etc. क० गं० ३, ११; ४, १८;

हर्गिन्द्रियसा. स्त्री० (एकैन्द्रियता) ऐकैन्द्रिय-
पणं. एकैन्द्रियपन. State of being
one-sensed. भग० ३७, १;

हर्गुण. त्रि० (एकान) ऐक्य ऐक्यं. एक कम.
Less by one. क० प० २, १२;
—अभि. स्त्री० (-अशीति) आगच्छांशः
७८. उनयासी; ७९. seventy-nine;
79. प्रव० ३६७; —नउह. स्त्री० (-नवनि)
नव्याशी; ८८. नेनासी; ८९. eighty-
nine; 89. क० प० २, २३; —शसि. स्त्री०
(-विंशति) आगच्छांशः १८ उजास;
१९. nineteen; 19. क० प० २, १२;
—सद्वि. स्त्री० (-षष्टि) आगच्छांशः ५८.
उनयास ५९. fifty-nine; ५9 क० गं०
६, ७४;

हर्गु त्रि० (एक) ऐक्यनी संख्या. एक को
संख्या. The number. one. क० गं०
५, ४०;

हर्गुत्थ पुं० (हर्गुर्थ) आ प्रकारेण अर्थ.
इस प्रकार का अर्थ. This sort of
meaning. आया० १, १, २, १६;

हर्गु. सं० क० अ० (हर्गु) ज्ञातृगो.
ज्ञानकर. Having known. आया० १,
१, ३, २१;

हर्गुह. त्रि० (हर्गुह) ऐः आदि; भर्गुहृद.
अर्गुहृ. Et cetera. क० गं० १, २८;
प्रव० ६६३;

हर्गुहृ. त्रि० (हर्गुहृद) भर्गुहृ. बर्गहृद बर्ग-
हृद. Et cetera. क० प० ६, २०१;

हर्गुहृ. अ० (हर्गुहृ) आ प्रकारे; ऐयी शंते.
इस प्रकार से; इस तरह. In this way;
in that way. दम० २, ४; पञ० ११;

✓ हर्गु. भा० I. (हर्गु) भर्गुहृद; भर्गुहृद
हृदयी. इच्छा करनी. To wish; to
desire.

हर्गुहृ. मय० १, १, २, ३१; अणुजो० १६;
नाया० १: ५: १३: १६; भग० १५,
५;

हर्गुहृ. दम० ६, ११; नाया० ८: १६;
भग० ८, ५;

हर्गुहृ. विशेष० २०१;

हर्गुहृ. नाया० १: २: ५: ८: १२; भग०
१, ६: २, १: ५: ३, २: ५, ८;
५, १०;

हर्गुहृ. नाया० १: ३: ६; भग० ११, ११;

हर्गुहृ. वि० उम० १, १२: ३२, ४; दम०
३, १६: १६: वव० १, २२: २६:
३०;

हर्गुहृ. वि० क० ६, ४८; दम० ५, १,
६६; ६, ४८;

हर्गुहृ. वि० उम० ९, २६; दम० ५,
१, ६५;

हर्गुहृ. वि० वे० ४, १५;

हर्गुहृ. पि० नि० १०१: ४६५; उत्त०
१२, २८;

हर्गुहृ. विशेष० व० क० ३२५४;

हर्गुहृ. नाया० १६; विशेष० १६०; दम०
८, ३७; उम० १, ६;

हर्गुहृ. पंचा० ६, ५०;

हर्गुहृ. गच्छा० ७८;

हर्गुहृ. प्रे० व० प्र० ए० विशेष० १०८६;

हर्गुहृ. न० (हर्गुहृ) ज्ञातृगो.
ज्ञानकर. Meditation upon some desire
of profit or gain. आउ०

हर्गुहृ. त्रि० (हर्गुहृ-एवमिच्छा स्वा-
भिप्रायस्तथा करणं तत्कार्यनिर्वर्तनमिच्छा-
कारः) भर्गुहृद शुद्धी आजा उदायरी
अनुष्ठान करतुं ते; दश साभाव्यारीभांती ऐक्य.
इच्छा पूर्वक गुरु की आज्ञा मानना; दश
सामाचारियों में की एक सामाचारी. Will-

ingly carrying out the orders of a preceptor, one of the 10 points of ascetic good conduct

ठा० १०; पंचा० १२, ४;

इच्छा. स्त्री० (इच्छा) धृ०; अभिलाषा.

इच्छा; अभिलाषा. Desire; longing.

श्रौ० ३८; आया० १, ४, २, १३१; परह०

१, ४; पि० नि० २१६; सू० प० १०; सम०

५२; ठा० १०; उवा० १, १७; प्रव० ६६,

पंचा० १, ७; १२, ४; भग० १२, ५; २५,

७; वेय० १, ३३; (२) पञ्चदशीआनी

पंद्र रात्रिआमांनी अग्यारवी रात्री. पक्ष

की पंद्रह रात्रियों में की ग्यारहवीं रात्रि.

the 11th night of a fortnight.

जं० प० ७, १५२; —अणुलोम. त्रि०

(-अनुलोम) धृ०; अने अनुक्ष. इच्छा के

अनुकूल. propitious to one's

desires. भग० १, ३; पञ० ११;

—(S) अणुलोमिय. त्रि० (-अनुलो-

मिक) धृ०; अने अनुक्ष ओशनार. इच्छा

के अनुकूल बोलनेवाला. (one) who

speaks agreeably to one's

desire. आया० नि० १, ४, १, २१८;

—काम. पुं० (-काम) अप्राप्त वस्तु की

आकांक्षा. अप्राप्त वस्तु की आकांक्षा.

desire of an unattained object.

उत्त० ३६, ३; —छंद पुं० (-छन्द)

स्वच्छाचार्यः धृ०; अने धृ० धृ० धृ० धृ० धृ०

दत्ता; स्वच्छाचारत्व. wilful, wanton,

action or behaviour. प्रव० १२१;

—पण्डोय. त्रि० (-प्रणीत—इंद्रवर्मना-

विषयानुकूल प्रकृतिदिहेच्छा तथा विषयाभि-

मुखमभिर्मुख्यनसंसारामिमुखं वा प्रकपंच

नीतः इच्छाप्रणोतः) संसार यथे तेरी

विषयानुकूल प्रकृतिना प्रवादभां धसजयेत.

संसार बढानेवाली विषयानुकूल प्रकृति के प्रवाद

में पडा हुआ. (one) drawn by

activities favourable to sensual

gratifications which prolong

worldly existence. आया० १, ४.

२, १३१; —परिमाण. न० (-परिमाण)

धृ०; अने परिमाण-मर्यादा आंधरीते; पांचभुं

आधुन. इच्छा का परिमाण-मर्यादा करना;

पांचवा अणुमत. limitation of de-

sires; the 5th partial vow. ठा०

५; —मुक्ति. स्त्री० (-मुक्ति) धृ०; अ-

मुक्ति; धृ०; अने त्याग इच्छा का त्याग.

giving up, abandonment, of

desires. भग० २०, —लोभ. पुं०

(-लोभ—इच्छा अभिलाषः साचार्यो

लोभश्च इच्छालोभः) धृ०; अने लोभ.

लोभ. avarice in the form of

desire “ इच्छा लोभां उवहिमदरे

गोति” ठा० ६; आया० १, ८, ८, २३६

—लोभिय. त्रि० (-लोभिक-इच्छा लोभो

यस्वास्ति स इच्छा लोभकः) धृ०; अने लोभ.

प्रणीति उवधिवालो. महच्छावाला. बहुत

उपधिवाला. highly ambitious or

avaricious. ठा० ४; —लोल. पुं०

(-लोल) धृ०; अने लोभ. अत्यंत

लोभ. excessive ava-

rice. वेय० ६, १६;

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लु०; ‘इच्छ-

कार’ शब्द. देखा ‘इच्छाकार’ शब्द.

Vide ‘इच्छाकार’. उत्त० २६, ३, श्रौ०

११, उवा० १, ८१;

इच्छाकार. पुं० (इच्छाकार) लु०; ‘इच्छाकार’

देखा ‘इच्छाकार’ शब्द Vide ‘इच्छाकार’

प्रव० ७६९;

इच्छामित्त. न० (इच्छामात्र) धृ०; मात्र;

युक्ति विना कल्पना मात्र इच्छा मात्र;

युक्ति विना कल्पना मात्र Mere desire

(without a plan to carry it out) सूच० १, ७, १६;

इच्छिय. त्रि० (इट) भृ०छेदुं; भृष्ट; वाञ्छित. इच्छित; इष्ट. Desired; wished for. पि० नि० ३४२; ओव० १८, ३२; उत्त० ३०, १०, जं० प० सु० च० १२, १९; विशेष० २६५३; नाया० १; ५; १२; नाया० भ० भग० १, १; २, १; ६, ३३; ११, ११; ४१, १; उवा० १, १२; कण्ठ० १, १२; —काम कामि. त्रि० (-कामकामिन्) भनगभता भोग भोगनार. मन चाहे भोग भोगनेवाला. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जं० प० २;

इच्छियच्छ. त्रि० (इच्छय) भृ०छेदुं. इच्छा करना. Desiring. जं० प० ३, ५२; इच्छुरस. पुं० (इक्षुरस) शे०रु०ने० रस. सांठे का रस. Sugar-cane juice. क० गं० ५, ६५;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) कं०पायमान. Trembling. राय० ६४; इज्जा. स्त्री० (इज्जा) याग; देव पूजा. याग; देव पूजा. Worship of gods; a sacrifice. अणुजो० २६; उत्त० १२, २;

इज्जितस. त्रि० (इज्जैच—इज्जया पूजा इच्छति एवमिति वा यः स इज्जैचः) पूजनी अलि-
लापावालो. पूजा की अभिलाषा वाला. (One) desirous of worshipping gods. भग० ९, ३३;

इज्जमाण. त्रि० (इज्जमान) दीप्यमान. Being kindled or lighted. “ मंदायं मंदा इमे इज्जमाणा ” राय०
इड्डगा. स्त्री० (इड्डका) छट. ईट. A brick.

अंत० ३, ८; विशेष० १०८२; (२) सेव; आद्य विशेष. सेव; खाद्य विशेष. a particular variety of food; macaroni.

पि० नि० ४६६;

इड्डया. स्त्री० (इड्डका) छट. ईट. A brick. जीवा० ३, १;

इड्डा. स्त्री० (इड्डा) छट. ईट. A brick. ठा० ८; —वाय. पुं० (-पाक) छट पकाने का स्थान. A place where bricks are heated; a kiln. “ इड्डा वाण्डवा ” ठा० ८;

इड्डाल. पुं० (*) छट. ईट. A brick. “ होजकट्टं सिखं वावि इड्डाखं वावि एगवा ” दस० ५, १, ६२; पि० नि० भा० ४६.

इष्ट. त्रि० (इष्ट) प्रिय; ०छातुं; भन गभतुं. प्यारा; प्रिय; मनचाहा. Beloved: dear; desired. जं० प० २, ३०; पञ्च० १७, २३; ठा० २, ३; ओव० ३२; ३६; नाया० १; ८; ४; १४; १५; १६; विशेष० २३; ६८; १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जीवा० १; सूय० २०; भग० १, १, २, १; १४, ५; ९; १५, १; १६, ३; पंचा० १२; उवा० १, ६; कण्ठ० ३, ४८; ६, १५५; निर० ३, ४; क० गं० १, ५०; —अणिट्ट. त्रि० (-अनिष्ट) भृष्ट अने अनिष्ट. इष्ट और अनिष्ट. good and evil; desirable and undesirable. प्रय० ६३४; —(ट्टा)अनिष्ट. (-अनिष्ट) कं० भृष्ट अने कं० भृष्ट अनिष्ट; साईं नरसुं. भला बुरा; कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट. good and evil mixed up together. विशेष० ५१५; —अगड्ड. स्त्री० (-अगति) शुभवि-
हायोगति; आशयानी गति. इष्ट गति. de-

sirable capacity of moving in space. क० प० ४, १४: —गंध. त्रि० (-गंध) सुगंध: सुगंधि - पदार्थ. सुगंध; सुगंधित पदार्थ. a fragrant substance. ओव० —स्थ. पुं० (-अर्थ) इच्छित अर्थ: उभ. इच्छित कर्म. desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७: —फल. न० (-फल) इच्छित फल. इच्छित फल. desired fruit. पंचा० ४, २१: —फलज. लग. न० (-फलजनक) अभिमता-फल साधक. इच्छित फल देनेवाला. (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा० ३, ४७: —फलमाहग. त्रि० (-फल-माधक) इच्छित फलने साधनार. इच्छित फल का साधना करने वाला. (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा० ४, ३३: —फलसिद्धि. स्त्री० (-फल-सिद्धि) इच्छित फल की सिद्धि. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा० ४, ३३: —रूप. त्रि० (-रूप) इष्ट रूप में ते दृष्ट रूप वाला. of a beloved, charming appearance. “ सुबाहु कुमारे दृष्टे इदं रूपे ” विवा० २, १: —सह. पुं० (-शब्द) प्रिय शब्द: वीणा वगैरह का शब्द. sweet sound; e. g. that of a musical instrument. पञ्च० २३: —स्वर. पुं० (-स्वर) मधुर: मधुर स्वर. मधुर स्वर. sweet, pleasing, sound. क० प०

४, १४: —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) इष्ट-इच्छित वस्तु की सिद्धि. इच्छित वस्तु की सिद्धि. accomplishment of a desired object. पंचा० ४, ३१: —सुय. पुं० (-सुत) प्रिय पुत्र. प्रिय पुत्र. a beloved son. पंचा० ७, ३६: —स्वर. पुं० (-स्वर) प्रिय स्वर. प्रिय स्वर. a pleasant sound. पञ्च० २३: इष्टतर. त्रि० (इष्टतर) अधिक प्रिय: अति-प्रिय इष्ट. बहुत प्रिय; बहुत इष्ट. Extremely beloved; more pleasant. राय० जं० प० २, २२: इष्टतरिआ. स्त्री० (इष्टतरिका) अतिप्रिय इष्ट. बहुत इष्ट. Most desirable. जं० प० २, २२: इष्टयर. त्रि० (इष्टयर) अधिक प्रिय. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जावा० ३, ३: √ इष्ट. न० (*) गाड़ी के गाड़ी. गाड़ी या गाड़ी. A small or big cart. ओव० नि० ४७६: इष्टि. स्त्री० (अष्टि) समृद्धि: वैभव. समृद्धि: वैभव. Prosperity; wealth. (२) आभय-आपत्ति आदि त्रिपि आभय-श्रौपि आदि त्रिपि spiritual power. उत्त० २, ४४: २७. ६; दस० ६, २, ६: १०, १, १७: आन० ३८; सम० ६, ३०; विशेष० ४६६: निग० १, १: ओघ० नि० ४६८: नंदान० ५०: राय० ४१: नाया० १: २: ८: १६: पञ्च० २, मु० च० १५, ६७: भग० १, २, ३, ६: ८, १, ६; पंचा० ६, १८; दगा० ६, २८: —गारव. पुं० (-गौरव) नरेन्द्रादिकनी तथा आचार्यनी

ऋद्धिपडे अभिमान करी आत्माने भारे
 करी ते. नरेन्द्रादिक को तथा आचार्य का
 ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बंध
 करना *burdening the soul with the pride of the spiritual power of a preceptor or of the temporal power of a king etc.* डा० ३;
 सम० ३; आब० ४, ७; —गारवजभाषा.
 न० (-गौरवध्यान) ऋद्धिना भदन् ध्यान;
 दृष्टान्तो अेक प्रकार. ऋद्धि के मद का
 ध्यान; दुर्ध्यान का एक भेद. *meditation upon the power of prosperity; a bad kind of meditation.* आउ०
 —पक्ष पुं० (-प्राप्त) ऋद्धि-आमर्श
 आदि औषधिनी प्राप्ति थयेव. इद्धि. आमर्श
 आदि औषधियों को प्राप्त. *one who has attained to spiritual or temporal prosperity.* पक्ष० १; भग० १४, ६;
 —पक्षाणुश्रोग. पुं० (-प्राप्त्यनुश्रोग)
 आमर्श औषधि आदिनी लब्धि प्राप्तिनुं
 व्याख्यान. आमर्श आदि औषधियों का
 प्राप्ति का व्याख्यान. *a discourse on the attainment of such spiritual prosperity or power as Amosahi etc.* विशेष ५६९; —पक्षा-
 रिय. पुं० (-प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त थयेव
 आर्य-अरिहंत, चक्रवर्ती, अक्षदेव, वासुदेव,
 आर्य भुनि अने विधाधर. ऋद्धि प्राप्त
 आर्य अर्थात् अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव,
 वासुदेव, चारण मुनि, विद्याधर आदि. *an Arya who has attained to spiritual prosperity; Arihanta, Chakravarti etc.* “ से कितं इति-
 पत्तारिया कुबिहा पयंशत्ता तंजहा ” पक्ष० १;
 —सत्कारसमुद्भव. पुं० (-सत्कारसमुद्भव
 —ऋद्ध्या-वच समुदायिसम्पदा सत्कारः

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि
 करीने सत्कारनो समुदाय. ऋद्धि से वस्त्रा-
 भरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. *presents of clothes ornaments etc. as a mark of honour.* विवा० ३;

इष्टिमंत. त्रि० (ऋद्धिमन्) ऋद्धिवालो; समृ-
 द्धिवान. ऋद्धिवाला; समृद्धिवान. *Prosperous; wealthy.* डा० ५, २;

इत्यमेव. अ० (इदमेव) अेदिअ. वही. *The same.* भग० २. १; ६. ५; १४, ७;
 २०, ६;

इयामेव. अ० (इदमेव) जुअो उपरो शब्द
 देखो ऊपरका शब्द. *Vide above.* पक्ष०
 ३६;

इगिह. अ० (इदानीं) हमारा; आहूता.
 अर्था; अब. *Now.* सूय० २, ६, १;
 उत्त० १२, ३२; पि० नि० ६३४; सु० न०
 ३, ११३; विशेष० १६८; नाया० ८;

इत्तल. पुं० (इतल) तृण विशेष. *A kind of grass.* भग०
 २१, ६;

इति. अ० (इति) जुअो “ इह ” शब्द.
 देखो ‘ इह ’ शब्द. *Vide “ इह ”*
 दस० १, ५; नाया० ३; १६; भग० १; ४;
 ७, २; १५, १; १६, ६; १६, ३; २५, ७;
 वव० १, ३७; ७, १७; दसा० ३, २२; २६;
 निसी० ५. ६६, १४, १२; क० ग० १,
 २५;

इतिहास. पुं० (इतिहास) प्राचीन कालकी
 लकीर्ण दर्शावनार इतिहास शास्त्र. प्राचीन
 काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र.
History; narration of past events. भग० २, १; ओव० ३८;

इतो. अ० (इतः) अहीथी. यहां से. *Hence;*
from this place. सूय० १. १, १,

T

१२; उत्त० ५, १७; ३४, १५; ओव० ३६;
राय० ५, २; सु० च० १, १०४; भग० १,
१; १४, ७; १५, १; विशेष० ८७; पञ्च० १७;
क० प० १, १२; क० गं० ४, २१;

इत्तर. त्रि० (इत्तर) अल्प काल; अल्प
काल; अल्प समय का; किंचित् काल. Of a
short duration. सूय० १, २, ३,
८; विशेष० २६; टा० ६; पंचा० १, ६;
—परिगृहीता. स्त्री० (—परिमहा—इत्तर-
मह्यमह्यकालं वा परिग्रहीता यस्याः सा
इत्तरपरिमहा) थोड़ा चपतने भाटे प्रदत्त
केश; वेश्यादि. थोड़े समय के लिये ग्रहण
की हुई; वेश्यादि. a woman accepted
for a short time; a harlot etc.
प्रव० २७, ८; —परिगृहीतागमण. न०
(—परिगृहीतागमन) नानी उभरनी
परल्लेख स्त्री साथे गमन करने; मैथुन सेवन
ते; श्रावकना स्त्रीया बनने. प्रथम अनिवार.
छोटी उभर की विवाहित स्त्री के साथ गमन
करना—मैथुन सेवन करना; श्रावक के
जीथे व्रत का प्रथम अनिवार. sexual
intercourse with a girl-wife; the
first Atichāra of the 4th vow
of a Jaina layman. पंचा० १, १६;
—परिगृहीता. स्त्री० (—परिगृहीता)
नानी उभरनी परल्लेख स्त्री. छोटी उभरकी
विवाहित स्त्री. a girl-wife. प्रव० २०८;
—वास. पुं० (—वास) थोड़ा निवास.
थोड़ा निवास, short stay or resi-
dence. सूय० १, २, ३, ८;

इत्तरिय. त्रि० (इत्तरिक) थोड़ा चपतनु;
थोड़ा समयनु; अल्प कालीन. अल्प कालीन;
थोड़े समय का. Lasting for a short
time; short-lived. पंचा० १०, ११;
ओव० १९; अणुजो० ११; पञ्च० १, १७;
उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७; ख० २, २४;

६, २०; निस्स० २, ५६; १०, ५०; उवा० १,
४८; (२) पादोपगमन भरलुनी अपेक्षाये
थोड़ा चपतनुं इंगित भरलु करने ते. पादोप-
गमन मरण की अपेक्षा में थोड़े समय का
इंगित मरण करना accepting the
Ingita kind of death which is
speedier than the Padopa-
gamana kind of death. आया०
१, ७, ६, २२२; व्या० श्रावुं; गमनशील.
गमनशील having the nature to
go or move or pass away. उत्त०
१०, ३;

इत्तरी. स्त्री० (इत्तरी) थोड़ा चपतना भाटे
राशिक-वेश्या आदि. थोड़े समय के लिये
रखी हुई वेश्या आदि. A woman
temporarily kept e. g. a harlot
etc. पंचा० १, १६;

इत्ति. अ० (इति) ऐसे; ऐसीरीने; आ प्रकारे.
इस प्रकार का; इस तरह. Thus; in
this way; in that way. आया०
१ १, १, १३; अणुजो० १०;

इत्तिअ-य. त्रि० (इत्तिअन्) अल्प अल्पता
प्रमाणनु; अमुक-नियमित प्रमाणनु इतना;
इतने प्रमाण का; अमुक नियमित प्रमाण
का. That much; this much;
उत्त० ३०, १८;

इत्थं अ० (इत्थं) अर्थात्; आदि; आ
इकां. यहाँ; इस स्थानपर. Here; in
this place उत्त० ६, ८, १; आया० १,
२, ६, १८३; वेय० ३, २९; पि० नि० भा०
२१; भग० १५, १; नाया० ६; १७; जं० प०
व० ६, १०;

इत्थं. अ० (इत्थम्) ऐसी रीति; आ प्रकारे
इस प्रकार में. In this way; thus.
नाया० १: ७; ६; १५; पञ्च० २;

इत्थंस्थ. त्रि० (इत्थंस्थ) शैक्षप्रसिद्ध आकारे
रहेतः, शैक्षिक संस्थानवाचं. लोकप्रसिद्ध
आकार में रहा हुआ. लौकिक संस्थानवाला.
Remaining in a common shape;
possessed of ordinary con-
figuration of body. " इत्थंस्थं च
चवइ मय्यसो मिडे वा हवइ मय्यम् "
दम० ६, ४; २, ३:

इत्थि. स्त्री० (स्त्री) स्त्री: नारी. स्त्री: नारी.
A woman. उक्त० १, १३: नाया० १,
२: भग० ३, ४: १२, १, क० गं० १,
२२; २, ३०: —आज्ञापनी स्त्री०
(—आज्ञापनी) स्त्रिये आदेश दियानी
आज्ञापयानी आप. स्त्री: आदेश करने की
वृत्त का भाषा. a form of address
to a woman to call her. पञ० २:
—कम्म. न० (—कम्म) स्त्रिये यश द-
यानुं काम. स्त्री को वश करने का काम.
the work of bringing a
woman under control. मय० १,
६, १३: (२) दृश्यकर्म पत्रे आयश्र
अनुष्ठान. हस्तकर्म आदि पाप पूर्ण कार्य.
a sinful action like self-abuse
etc. मय० १, ६, १३: —कला. स्त्री०
(कला) स्त्री की शक्ति: कला. स्त्री की
कला: ६४ प्रकार का स्त्री-कला. any of
the 64 accomplishments of a
woman. जं० प० २: —कलेवर. न०
(—कलेवर) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का शरीर.
the body of a woman. " इत्थि
कलेवराण तन्धिरणसु च बहुमाणा " पंचा०
१, ४६: —कहा. स्त्री० (—कथा) स्त्री
संघंधी कथा; याद विदुष्यामांसी अदि. स्त्री
सम्बन्धी कथा; याद विदुष्यामांसी में का एक
कथा. talk about women; one
of the four irreligious kinds of

talk. " इत्थि कहा चउविहा वणकना
तंजहा " डा० ४, २: मम० ४: —काम.
पुं० (—काम) स्त्रीनी कामना: स्त्रीसंघंधी
काम भोग. स्त्री की कामना: स्त्री सम्बन्धी
काम भोग enjoyment of women;
desire for sexual pleasures.
" एवमेव ते इत्थिकामेहिं मुच्छिवा " मय० २,
२, ३५: दम० १०, ३: —कामभोग पुं०
(—कामभोग) स्त्री संघंधी कामभोग.
स्त्री सम्बन्धी कामभोग. sexual enjoy-
ment: enjoyment of women.
" एवमेव ते इत्थिकामभोगात् मुच्छिवा
गिन्हा " मय० डा० २, १, १०: दमा०
६, १: —कुलस्थ. न० (कुलस्थ)
द्वयमां रहेतः द्वयीनी स्त्री: भानादि. कुलान
स्त्री: भानादि. a noble woman: a
mother etc. नाया० १: भग० १२,
१०: —गण. न० (—गण) स्त्रीभियो
समूह. स्त्रियों का समूह. a group
of women; a crowd of women.
" नो इत्थिगणां सेविता भवइ " डा० ६:
—गर्भ. पुं० (—गर्भ) स्त्री संघंधी गर्भ-
सञ्चय पुद्गल पिंड. स्त्रीसम्बन्धी गर्भ-सञ्चय
पुद्गल पिंड. foetus: embryo. भग०
१, ४: —गुग्म. न० (—गुग्म) स्त्रीभियो
समूह. स्त्रियों का समूह. a bevy of
ladies " इत्थिगुग्मपरिदुवुड " दमा० १०:
—चोर. पुं० (—चोर) स्त्रीना रूपतो
धार: परस्त्री प्रपट स्त्री के रूप का चोर:
परस्त्रा लपट. one enamoured of
the beauty of the wives of
others. पन्ह० १, ३: —हाण. न०
(—स्थान) स्त्री ल्यां भेसे. उडे ते
स्थान. स्त्री जहाँ उडे बैठे वह स्थान. a
place frequented by women.
" नो इत्थिहाणं सेविता भवइ " डा०

६; —**नाम. न०** (-नामन्) स्त्री स्त्री रूपे जन्म लेवे। पडे तेवी नामकर्म्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्म का एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पडे. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —**नाम गोय कम्म. न०** (-नामगोत्रकर्मन्) स्त्रीना गोत्रभां-अतिभां जन्म लेवे। पडे तेयुं कर्म. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जानि में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female. नाया० ८; —**तिथ. न०** (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेक भस्तीनाथ तीर्थकरं तीर्थ-शासन. स्त्रीरूप में जन्मे हुए मल्लिनाथ तीर्थकर का शासन. the canon of Mallinātha Tirthāṅkara who was born as a female. डा० १०; —**दोष. पु०** (-दोष) स्त्रीना दोष-अवगुण. स्त्री के दोष अवगुण. the faults of a woman. the defects of a woman: “ इत्थि-दोषं संकिण्ठां ह्येति ” सूय० १, ८, १, १४; —**पच्छाकड. नि०** (-पश्चात्कृत) स्त्रीपक्षुं पाच्छा करयुं छे-टास्युं छे ते. जिसने स्त्री रूप जन्म द्वा कर दिया है वह. (one) who has banished female birth. भग० ८, ८; —**पगणवणी. स्त्री०** (प्रजापनी) स्त्रीना लक्ष्मिं प्रतिपादन इत्यार मोहजनक भाषा. स्त्रीके लक्षण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पन्न० ११; —**परिषह. पु०** (-परिषह) स्त्री संबंधीना परिषद; द्वा स्त्री संयमथी यत्तायवा लाय लाय इरे तो पयुं यत्तिन न थयुं ते; २२ परिषदभांनि ऐक. स्त्री संबंधी परीषद; कोई स्त्री, संयम में विचलित करने

के लिये हाव भाव करे तो भी विचलित न होना; २२ परीषहों में का एक परीषद. resisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parīṣahas. भग० ८, ८, उक्त० २, १; —**परिषह विजय. पु०** (-परिषहविजय) ऐकान्तवासभां अभुक् थयुं उपासी स्त्री आसी, अनेक प्रकाशना लायलाय इटासि वगैरेथी परिषद आपे कतां पयुं मन न उगा-वीने परिषदपर विजय भेत्तववे। ते. एकान्त-वास में कोई बहुत रूपवान् स्त्री के आने और हाव, भाव, कटाक्ष करनेपर भी मन का चलित न होने देना और परिषह विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place. भग० ८, ८; —**पोमय. पु०** (-पोषक—स्त्रियं पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) स्त्रीनिं भोजन पोषण इत्यार पश्य. स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष. a person who maintains a woman. सूय० १, ८, १, २०; —**भाव. पु०** न० (-भाव) इटासि संदर्शन वगैरे स्त्रीना लाय लाय. कटाक्ष, संदर्शन आदि स्त्री के हाव, भाव. amorous movements, glances etc. of a woman. “ मोहुममायजणयाहं सिगारि-याहं इत्थिभावाइ उवदंमेमाणी ” उवा० ८ २४६; —**राज. न०** (-राज्य) स्त्रीनिं राज्यः स्त्री कयां रत्नं वपणं वीं छे ते. स्त्री क राज्यः जहाँ स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करत है वह. petticoat government. “ अजा अवारियाओ इत्थिरजं न तं गच्छ ” गच्छा० १, ६६; —**रयण. न०** (-रत्न) यक्षयतिनीं भुज्य पट्टराणी; यक्षयतिना १० रत्नभांनि ऐक रत्न. चक्रवर्ति की मुकु

पट्टराणी; चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत्न. the principal queen of a Chakravarti; one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३, ६८; पञ० २०; भग० ४, ५; ठा० ७; —रूप. न० (-रूप) स्त्री २।२५; स्त्रीने आधार. स्त्री स्वरूप; स्त्री का आकार. the form of a woman; the shape of a woman. तंडु० —लक्षणा. न० (-लक्षण) सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्रीनां वक्ष्य; ७२ कलाभांती अंक कला. सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षण; ७२ कलाओं में से एक कला. the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया० १; आंव० ४०; (२) अंगुं प्रतिपादन करना पाप. इस का प्रतिपादन करने से लगने वाला पाप. the sin arising from explaining the above; (३) श्रुतं अंक अध्ययन. श्रुत का एक अध्ययन. name of a chapter of scriptures सूय० २, २, ३०; —लिंग. न० (-लिङ्ग स्त्रियो लिङ्ग स्त्रीलिङ्ग) स्त्रीलिङ्ग; स्त्रीनुं शरीर. स्त्रीत्व; स्त्री जाति. womanhood. पञ० १; —लिंगसिद्ध. पुं० (-लिङ्गसिद्ध) स्त्रीपण्डि सिद्ध भवतु ते; स्त्री व्यवसाय में मोक्ष भवतु ते. स्त्रीत्व में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोक्ष जाना. attainment of salvation in the condition of womanhood. पञ० १; —वउ. स्त्री० (-वाष्) स्त्रीलिङ्ग प्रतिपादक ययन; भावा शाखा भत्यादि नारी जनिता शब्द स्त्रीलिङ्ग वचन—शब्द; माला, शाखा आदि स्त्रीलिङ्ग शब्द. a word in the feminine

gender; feminine gender. पञ० ११; —वयण. न० (-वचन) स्त्रीलिङ्ग ययन—नारी जनिता शब्द; वीणा, कन्या आदि. स्त्रीलिङ्ग शब्द. feminine gender; a word in the feminine gender. आया० २, ४, १, १३२; पञ० —वस. पुं० (-वश) स्त्रीने वश; स्त्रीना कृत्यभानां भयेत्. स्त्री के वश; स्त्री के आधीन. a hen-pecked man; one who is under the control of a woman. “ इत्थि वसंगया बाजा ” सूय० १, ३, ४, ६; —विग्गह. पुं० (-विग्रह) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का शरीर. the body of a woman. आया० २, १, ३, १२; दस० ८, २४; —विण्णवणा. स्त्री० (-विज्ञापना) युवतिने भोगभाटे प्रार्थना अर्थात् इच्छा ते. युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना. courting the affection of a young woman for enjoyment. सूय० १, ३, ४, १०, ११, १२; —विप्पजह. पुं० (-विप्रजह) स्त्रीना त्यागी; स्त्रीने त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. “ नारीसु नोवर्गिज्जका इत्थि विप्पजहे वण्णगारे ” उत्त० ८, १६; —विप्परियासिय न० (-विपर्यासित) स्वप्नभां स्त्री साथे भोग भोग्या होय ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह. enjoyment of a woman in a dream. आव० ४, ४; —विसह गेहिअ. त्रि० (-विषय गृह) स्त्रीना विषय सुखभां गृह भयेत्. स्त्री के विषय-सुख में गृह. (one) greedy of sensual enjoyments with women. दसा० ६, ११, १२;

—वेद. पुं० (-वेद) स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म-
नी ऐक प्रकृति; स्त्रीने विकार थाय ते. स्त्रीवेद;
मोहनीयकर्म की एक प्रकृति. स्त्री को जो
विकार होता है वह. desire or
feeling particular to a woman;
a variety of Mohaniya-karma.
सम० २१; जीवा० १; उत्त० ३२, १०२;
—वेदग. पुं० (-वेदक) स्त्रीवेदना
उद्भववाला श्रुति. स्त्री वेद का उद्भववाला जीव.
a soul with feminine feeling
or inclination. भग० २, २; २६, १;
—वेदय. पुं० (-वेदक) श्रुतिओ उपदेश
शब्द. देखो उपर का शब्द. vide
above. भग० ६, ३१; —वेद्य. पुं०
(-वेद) स्त्री वेद; स्त्रीने पुरुष साथे भोग
भोगवयानी प्रवृत्ति थाय ते. स्त्री वेद; स्त्री
को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा
होना. desire on the part of a
woman for sexual pleasure. क०
५० ७, २६; जीवा० १; भग० २, ५; उत्त०
३२, १०२; (२) जेना उद्भवधी स्त्रीवेद
प्राप्त थाय ओही नोकपाय मोहनीयनी ऐक
प्रकृति. नोकपाय मोहनीय की एक प्रकृति
जिसके उद्भव से स्त्रीवेद प्राप्त हो. a variety
of the 9 minor deluding faults
entailing feminine inclination.
सम० २३; (३) स्त्री भोग संयन्धी
विषयजुं प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र; काम
शास्त्र. स्त्री भोग सम्बन्धी विषय का प्रति-
पादन करनेवाला शास्त्र; काम शास्त्र.
sexual science. सूय० १, ४, १, २३;
—वेद्यग. पुं० (-वेदक) श्रुतिओ 'इत्थि-
वेदग' शब्द. देखो 'इत्थि वेदग' शब्द. vide
'इत्थिवेदग.' भग० ६, ३; ४; ठा० ४,
; —वेद्यण. पुं० (-वेदक) स्त्री वेद-
स्त्री चरित्रभां निपुण; स्त्रीवेद-कामशास्त्रने

नियुक्त. स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण; काम
शास्त्र जाननेवाला. one expert in
sexual science; one who knows
the characteristics of women.
सूय० १, ४, १, २०; —संकलित. त्रि०
(-संकलित) स्त्रीने दीधे क्लेश पायेन. स्त्री के
कारण कष्ट पाया हुआ. (one) troubled
on account of a woman. प्रब० १२०;
—संग. पुं० (-सङ्ग) स्त्रीनो संग; स्त्रीनी
सोयत. स्त्री की संगति. company of
a woman. सूय० टी० २, २, २८;
संपर्क. पुं० (-सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग
करेनो ते. स्त्रीसंयन्ध स्त्री के साथ संसर्ग
करना सो; स्त्रीसमागम. companionship,
contact, with a woman. सूय० टी०
२, ४, १, १३; —संवास. पुं० (-संवास)
स्त्री साथे भोग भोगवयेनो ते. स्त्रीक साथ भोग
भोगना. enjoyment of pleasures
with a woman. सूय० टी० १, ४, १,
१०; —संसर्ग. पुं० (-संसर्ग) स्त्रीनो
संसर्ग. स्त्रीका संसर्ग. contact with
a woman. दस० ८, ५७; —संसक्त.
त्रि० (-संसक्त) स्त्री साथे संगत करेन.
स्त्री का संग किया हुआ (one)
attached to or in love with a
woman. ठा० १०; —सहा. स्त्री०
(-सहा) स्त्रीभां श्रद्धा-विश्वास रखवेनो ते.
स्त्री में श्रद्धा-विश्वास-रखना confidence
or trust in a woman. सूय० टी०
१, ४, १; २४; —सहाय. पुं०
(-सहाय) स्त्रीनो सहाय. स्त्रीका स्वभाव.
woman-nature. सू० च० ४, १६७,
सूय० टी० १, ४, १, २०, —सागा-
रिय. त्रि० (-सागारिक) जेभां स्त्री
रहेती होय ते स्थान. जिसमें स्त्री रहती हो वह
स्थान. an apartment for women.

“ नो कल्पह् निगन्त्यायं इत्थिसागरिण उव-
स्सए वरधए’ वेय० १, २५, २६, २७, २८;

इत्थिका. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री. स्त्री. A
woman. दसा० १०, ४;

इत्थिस्स. न० (स्त्रीत्व) स्त्री ५७. स्त्री पना;
स्त्रीत्व. Womanhood. दसा० १०, ४;

इत्थिपरिण्णा. स्त्री० (स्त्रीपरिण्णा) स्त्री नामनुं
सपगङ्गं सत्तनुं येथुं अभ्ययन. इस नाम
का न्यूनगङ्गं सूत्र का चौथा अध्याय. The
4th chapter of Sūyagadāṅga.
सम० २३:

इत्थियल्लक्षणा. न० (स्त्रीलक्षण) स्त्री
भाव आदि स्त्रीना लक्षण. स्त्री के हाव, भाव
आदि लक्षण. A characteristic
mark of a woman; e. g. glances,
sportive gestures etc. नाया० १:

इत्थिया. स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री; स्त्री; स्त्री;
पत्नी; A woman; a wife. ठा० ४, २;
प्रब० ८६०; भग० १५, १; दसा० १०, ३:

इत्थी. स्त्री० (स्त्री) स्त्री; नारी. स्त्री; पत्नी,
औरत. A woman; a wife. क० ग०
४, २६; क० प० २, ८४; ५, ५, ४५; “मे
कंतं इत्थीसो २ तिक्किहासो पव्वत्त सो ”
नाया० ८; सम० ६; जंबा० १; अणुजा०
१२८; ओव १६; ठा० ३, १; दसा० ७, १;
आया० १, ६, २, ८; उत्त० ३०, २२;
३६, ४६; ५२; निसी० ७, २१; ६, ६; पज०
१; सु० च० ४, १५४; दस० ५, २, २६;
६, ५६; पि० नि० १६२; भग० २, ५; ५,
४, ६, ३; १६, ६; १८, ४; —कलेवर.
न० (-कलेवर) स्त्रीनुं शरीर. स्त्री का
शरीर. female body. पंचा० १, ४६;
—कहा. स्त्री० (-कथा) स्त्री विक्थाभांती
श्रेष्ठ. स्त्रीकथा: चार विक्था में की एक
one of the four Vikāthās; talk
about women. आब० ४, ७; —काम.

पुं० (-काम) स्त्री संभोगी काम भोग. १
सम्बन्धी काम भोग. sexual enjoy-
ment. प्रब० ८४०; —गुप्त न
(-गोत्र) स्त्री गोत्र; स्त्री जाति. स्त्री गोत्र
स्त्री जाति. womankind. दस० ७, १;
—पक्कुकड. त्रि० (-पक्काकृत) लु०
“ इत्थि पक्काकड ” शब्द. देखो “ इत्थि
पक्काकड ” शब्द. vide “ इत्थि पक्का-
कड ” भग० ८, ८; —परिवुड. त्रि०
(-परिवृत) स्त्रीधी विट्ठियेक्ष. स्त्री से घिर
हुआ. surrounded by women
निसी० ८, १०; —मज्झगय. त्रि०
(-मध्यगत) लु० “ इत्थि मज्झगय ”
शब्द. देखो “ इत्थि मज्झगय ” शब्द
vide “ इत्थि मज्झगय ” निसी० ८, १०
—रयण. न० (-रत्न) लु० “ इत्थि
रयण ” शब्द. देखो “ इत्थि रयण ” शब्द
vide “ इत्थि रयण ” जं० प० पज० १
—रुव. पुं० (-रूप) लु० “ इत्थि
रुव ” शब्द. देखो “ इत्थि रुव ” शब्द.
vide “ इत्थि रुव ” वेय० ५, १; भग०
३, ४; —वड. स्त्री० (-वाक) लु०
“ इत्थि वड ” शब्द. देखो “ इत्थि वड ”
शब्द. vide “ इत्थि वड ” पज० ११;
—वेद-य. पुं० (-वेद) स्त्रीने थनी
पुरुष सभागमनी अभिलाषा. स्त्री को होता
हुई पुरुष समागम की अभिलाषा. the
desire of sexual intercourse
on the part of a woman. ठा० ६,
१; पज० २३; उत्त० २६, ५; —वेद. पुं०
(-वेद) लु० “ इत्थि वेद ” शब्द. देखो
ऊपर का शब्द vide above. भग०
२०, ७; —वेदग. पुं० (-वेदक) लु०
“ इत्थि वेदग ” शब्द. देखो “ इत्थि
वेदग ” शब्द. vide “ इत्थि वेदग ”
भग० ६, ३१; ११, १; २४, १; २५, ६

३५, १; —संसक्त. त्रि० (—संसक्त)
स्त्रीमां आसक्त. स्त्रीसे आसक्त. attached
to a woman; in love with a
woman. निसी० =, १०; —सहाव. पुं०
(—स्वभाव) लुओ “इत्थि सहाव” श०६.
देखो “इत्थि सहाव” शब्द vide ‘इत्थि
सहाव’ सु० च० ४, १६७;

इत्थीतिथ्य. न० (स्त्रीतीर्थ) १६ मा मल्ली-
नाथ स्त्री रूपे हुतां छनां तीर्थ प्रवर्तान्युं ते;
६श अछेराभांनुं त्रीलुं अछेरे. स्त्री तीर्थ-
कर; १६वें तीर्थकर मल्लीनाथ; १० अछेरे
(आश्चर्यजनक बात) में से एक. the 3rd
of the 10 Achherās (i. e.
wonderful events); viz the
founding of a Tirtha (religi-
ous community) by the 19th
Tirthankara Mallinātha who
was a woman. प्रब० =६२;

इत्थीपरिज्ञा. स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) सुयगडांग
सूत्रना योथा अध्ययननुं नाम के जेमां स्त्री-
ओ साधुओने केरी रीते इसावी दुःखी करे
छे तथा साधुये तेनाथी केम अय्यनुं ते
विषेने उभेदेश तथा समज आपनामां
आपी छे सुयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन
का नाम जिसमें यह वर्णन है कि स्त्रियां साधु-
ओं को किस प्रकार फंसाकर दुःखी करती हैं
और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना
चाहिये. Name of the 4th chapter
of Sūyagadāṅga dealing with
the ways in which women
entice and entrap Sādhus and
also pointing out the ways in
which a Sādhu can avoid and
escape them. सूय० १, ४; २, २२;
सम० १६;

इदानी. अ० (इदानी) अब; अद्युआ.

अभी. Now at this time. भग० ३,
१; ११, ११; १४, ६; नाया० २; सू० प०
१६; उवा० १, ६६;

इदुर. न० (इदुर) सुंडलो. बड़ी टोपली.
A large basket. अणुजो० १३२;
(२) मोटी पाट. बड़ा पाट-लकड़ी का
बैठने का पाट. a large wooden seat
राय०

इन्दि. अ० (इदानीम्) अधुना; हवे. अब.
इस समय. Now; at this time.
प्रब० ३५६;

इम्भ. पुं० (इम्भ) जेटला द्रव्यथी अंभाडी
सहित साथी टंकाय तेदला द्रव्यवालो गृहस्थ
इतने द्रव्यवाला गृहस्थ कि जिसके द्रव्य से
अंबाडी सहित हाथी टंक जाय. A man
possessed of wealth, enough
to drown an elephant bearing
an ornamental seat upon its
back पञ्च० १; १६; ओव० १४, २७;
ठा० ६; भग० ६, ३३; अणुजा० १६; ३१;
राय० २५३; जीवा० ३, ३; जं० प०
नाया० ५; —कुल. न० (—कुल) साधु-
कारनुं कुल. साहूकार का कुल. a wealthy
family. नाया० ५; —जाह. स्त्री०
(—जाति) आर्य जन आर्य जाति. the
Ārya or civilised race. “हरिया
चंचुया चव कुम्भेया इम्भजाइओ” ठा० ६;
—सेट्टि. पुं० (—सेट्टिन्) नगर शेठ.
नगर सेठ; नगरभर का मुखिया सेठ. the
chief merchant-prince of a
town. नाया० ५, १६;

इम. पुं० (इम) साथी. हस्ती; हाथी. An
elephant. जं० प० २; कण्ठ० ३, ३६;

इम त्रि० (—इदम्) आ; ओ; प्रत्यक्ष. यह;
प्रत्यक्ष. This; that. ओव० ३१; वष०
२, २२; २३; २६; ७, ४; १८; दसा० १.

३; ५, १; २; ३; १६; निसी० ६, ४; विशेष०
२६८; सू० प० १; ६४; ३, १३८; भग०
५, १; ८; ६; पञ० १५;

इमं चण. अ० (*इमञ्चन) अटलाभां; ते
दरभान; अे वभतभां; इतने में; इतने समय
में. During that time; mean-
while. अंत० ३, ८; नाया० १; ५; १३;
१४; १६;

इमेयारुख. त्रि० (एतद्रूप) आप्रधारनुं;
आप्रभाणे. इस प्रकार; इस तरह. In this
way; thus. नाया० ३; ७; ८; १२; १३;
१४; १६; विवा० ७; दसा० १०, ३; वव०
२, २३; उवा० १, ६६; ३, १३८; ४,
१५१; कण० ५, १०३; भग० २, १;

इमेरिस. त्रि० (ईरश) आ ग्रेतुं; आप्रधारनुं.
इस प्रकार का; इसके समान. Of this
sort; of this nature. " इमेरिस
मयणावारं आवज्जइ अबोहियं " दस०
६, ५७;

इय. अ० (इति) आ प्रधारि; अे प्रभाणे.
इस प्रकार से; इस तरह से. Thus; in
that way. नाया० १; दस० ६, २१;
पिं० निं० २०१; सु० च० १, ६४; विशेष०
७४; ३६०२; आया० १, २, ३, ७७; १,
६, २, १८३; उवा० ७, २१६; पच० २;
पंचा० ४, ३२; क० गं० १, ५, २६; ३०,
६१; (२) सभाप्ति. समाप्ति a word
marking conclusion. दस० ६, ४६;
नाया० ६; पिं० निं० ३७६; क० गं० १,
२५, ३, ४;

इयगिंह. अ० (इदानीं) दमभ्या. अभी.
Now; at this time. ठा० ३, ३;

इयर. त्रि० (इतर) भीनुं; अन्य; भिन्न.
दूसरा; अन्य; भिन्न. Another; differ-
ent; other. पञ० २१; विशेष० २६;
७५; आया० १, ६, २, १८४; नाया० ५;

११; सू० प० ११; पिं० निं० भा० ७; म०
च० १, १; कण० १, ३; क० गं० १, ८;
पंचा० १, ६; —कुल. न० (—कुल) अन्त
प्राप्त कुल. अन्य कुल. another
family; different family. " इयरे-
हि कुलोहि " आया० १, ६, २, १८४;
—भेद. पुं० (—भेद) अन्य भेद. अन्य
भेद; दूसरा भेद. another difference;
another variety. विशेष० ६७;

इयरत्थ. अ० (इतरत्र) भीने स्थले. दूसरे
स्थान पर. In another place; else-
where. विशेष० १२८;

इयरविह. त्रि० (इतरविध) धतर-भीन
प्रधारनुं. अन्य प्रकार का. Of another
sort; different. क० गं० १, ८;

इयरहा. अ० (इतरथा) अन्यथा; नहिं तो.
अन्यथा. In another way; other-
wise. भग० ३६; प्रव० १४८१;

इयारिणि. अ० (इदानीम्) दमभ्या; अधुना. अभी.
Now; at this time. ओव० ३६;
नाया० १; ५; १३; १४; १६; १६; भग०
१, ४; ६; ७, ६; १४, २; राय० २५२;
आया० १, १, ४, ३५; जं० प० ७, १४१;
कण० ४, ६३;

इयाल. स्त्री० (एकचत्वारिंशत्) अेकतालीस;
४१ नीसंभ्या इकतालीसवीं संख्या. Forty-
one; 41 " चउक पंचग संजोगेणं
इयालं भंगसयं भवति " भग० २०, ५;

✓ **इर.** धा० II. (इर्) प्रेरया करी.
प्रेरणा करना. To impel; to incite.
(२) गभत करेनुं. गमन करना. to go.
इरेइ. विशेष० १०६०;

इरिय. त्रि० (इरित) प्रेरया करेइ. प्रेरित;
गति कराया हुआ. Made to go;
prompted. विशेष० ३१४४;

हरियज्भवन. न० (ईयांभवन) आचारंग
सूत्रनी प्रथम अध्यायं त्रींशुं अध्ययन.
आचारंग सूत्र की प्रथम चूलिका का तीसरा
अध्याय. The third chapter of
the first Chūlikā of Āchārāṅga
Sūtra. आया० २, ३, १, ३०५;

हरियद्ग. त्रि० (ईयांर्थ) ध्यां-विशुद्धि अर्थे.
ईयां अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming
at purity or carefulness in
walking. ठा० ६;

हरिआ-या. स्त्री० (ईयां) गमन क्रिया;
उपयोगपूर्वक यात्रां तु ते; सभिनिनो अेक
प्रकार. गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक चलना;
समिति का एक भेद. Carefulness in
walking; a variety of Samiti
or carefulness. आ० १७; भग० २,
१; ३, ३; पि० नि० ६६२; उत्त० २४, २:
४; उवा० १, ७८; —असमिति. स्त्री०
(-असमिति) ध्यांसमितिना अभाव.
ईयांसमिति का अभाव. lack of care-
fulness in walking. भग० २०, २;
—वह. पुं० (-पथ) गमन मार्ग. जाने
का मार्ग a way or road to go
by. भग० ३, ३; ११, १०; ठा० —वह
किरिया. स्त्री० (-पथ क्रिया) गमन
क्रिया विशेष. गमन की क्रिया विशेष. A
kind of Karma arising from
walking. ठा० ५; —वहिय. त्रि०
(-पथिक) तेरभुं क्रिया स्थानक; समिति
गुप्ति युक्त यत्नायंत साधुने हलतां यात्रतां
आंभनी पांपथु हलायतां योग निमित्ते क्रिया
लागे ते. तेरहवां क्रिया स्थानक; समिति, गुप्ति
युक्त यत्नावान साधु को हलन चलन करने
या आंस के पलकों को हलाने पर योग के
अर्थात् मन बचन, काय के कर्म के निमित्त से
जो कर्म बंध हो वह. the 13th source

of Karma (Kriyā-sthānaka);
a Karma incurred by a careful
and well-restrained Sādhu by
the thought and action of
movement, by twinkling the
eye etc. सम० १३; सूय० २, २, १६;
२३; —वहिय बंध. न० (-पथिकबन्ध)
गमनक्रिया थी लागते कर्म बंध. गमन की
क्रिया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic
bondage incurred by walking.
भग० ८, ८; —समिह. स्त्री० (-समिति)
यात्रायां यत्ना राभ्यती ते; पांच समिति-
भांती पेशी समिति. चलने में यत्नाचार
रखना; इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिससे
जीवों को बाधा न हो; पांच समिति में की
पहिली समिति. carefulness in walk-
ing; the first of the 5 Samitis.
ठा० ५, ३; ८; कण० ५, ११६; —समिय.
त्रि० (-समित) यत्ना पूर्वक यात्रनाः
ध्यांसमिति युक्त. यत्नाचार पूर्वक चलने-
वाला; ईयांसमिति का पालन करनेवाला
(one) walking with care and
attention. नाया० १; ५; १४; १६;
भग० २, १; १२, १; १८, २; २०, २;
दृमा० ५, ६;

हरियावहिआ. स्त्री० (ईयांपथिकी) हरिया-
वही क्रिया; ११-१२-अने १३ में गुणस्थाने
उपशान्तमोह के क्षीणमोहवाला साधुने केवल
योग निमित्ते सातावेदनीय कर्म रूपे कर्म बंध
थाय ते. हरियावही क्रिया; ११, १२ और
१३ में गुणस्थान में उपशान्त मोह या क्षीण
मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त से
साता वेदनीय कर्म रूप जो बंध हो वह.
Iriyāvahī Kriyā; i. e. Karmic
bondage incurred by an asce-
tic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (G u n a Sthāna) arising from Kevāla yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower; (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.)

ठा० २, १; आव० ४, ३; प्रब० ७८; भग० १, ६०; ३, ३; ६, ३; ८, ८; १८, ८; नाया० १६; वेय० ३, १६; दस० ५, १, ८८; — किरिया. जी० (-क्रिया , लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० ७, १, ७;

इला. जी० (इला) लं०पदीपमानं अेक क्षेत्र. जंबूद्वीप में का एक क्षेत्र. Name of a region in Jambū Dvīpa. जं० प० ठा० ४; (२) धत्तावर्धन नगरनी अेक देवी. इलावर्धन नगर की एक देवी. name of a goddess of the town of Ilāvardhana. जं० प० (३) पश्चिम ३यक पर्वत उपर रहनेारी अेक दिशाकुमारी. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी. name of a Disākumārī residing on the western Ruchaka mountain. जं० प० —कूड. न० (-कूट) युद्ध हिमवत पर्वत उपर धत्ता-देवीना वासवाणुं योयुं शिषर. चूल हिमवत पर्वत का चौथा शिखर जहां इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ilā resides. ठा० ४; जं० प० (२) शिषरी पर्वतना ११ कूटमानुं नयभू कूट-शिषर. शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवां शिखर. the ninth of the 11 summits

of the Śikhari mountain. ठा० ४; जं० प०

इला देवी. जी० (इला देवी) पश्चिम ३यक पर्वत पर रहनेारी आठ दिशा कुमारिकाओंनी पहिली. पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा कुमारिकाओं में से पहिली दिशाकुमारी. The first of the eight Disākumārīs residing on the western Ruchaka mountain. निर० ४, १; जं० प० ५, ११४; —कूड. न० (-कूट) लुओ “ इलाकूड ” शब्द. देखो ‘ इलाकूड ’ शब्द. vide ‘ इलाकूड ’ जं० प० २, ११४;

इलापुत्त. पुं० (इलापुत्र) धत्तावर्धन नगरना रहनेारी अेक शैलनी पुत्र-अेतायी कुमार के अेक नटदीमां लुब्ध थाई कुल नतिथी अश्रु थयो दतो पयु पाउथयी ओध पाभी दीक्षा दीधी हती. इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक मेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ध होकर कुल जाति से अश्रु हो गया था और पीछे से बोध को पाकर दीक्षित हुआ. Elāchī Kumāra a son of a merchant of Ilāvardhana town; he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk. जं० प०

इलावह. पुं० (इलापति) अेतापत्य गोत्रनी प्रकाशक आदि पुत्र. एलापत्य नामक गोत्र का आदि पुरुष. The progenitor of the family called Elāpatya. नंदी०

इलावज्जल. न० (इलावर्धन) धत्तायी पुत्रनुं निवास स्थान; धत्तावर्धन नगर. इलाची पुत्र का निवास स्थान; इलावर्धन नगर.

The residence of Ilāchīpātra
viz the town called Ilāvar-
dhana. जं० प०

इलिया-ग्रा. श्री० (इलिका) प्रयत्न; ऐश्वर्य;
योभा वगेरे धान्यभां पडतो ऐश्वर्य कीडा.
इली; चमल वगेरह धान्यों में होनेवाला एक
कीडा. A worm found in rice and
other grains. विशेष० ४३०;

इली. श्री० (इली) द्वयाक्ष; भे धारवाली
तक्षवार. दो धारवाली तरवार. A double-
edged sword. पण० १, ३;

इव. अ० (इव) पेड़; परे; ऐश्वर्य; भाइय.
तुल्य; सदृश. Like; as. सम० ३०;
दसा० ६, १; नया० १; ३, ८; १५, १६,
१८; दस० ६, ६६; ६, २, १२; भग० ८,
३३; १६, १, २५, ७; आया० १, ५, १,
१४२; ओव० १७; उवा० २, १०२; क०
गं० १, ३६, ५२;

इसणा. श्री० (इषणा) अन्वेयणा; दृष्ट वस्तु-
भां प्रवृत्ति अने अनिष्ट वस्तुभां त्यागबुद्धि.
इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग
बुद्धि. Search after what is right
and good accompanied with
the desire of leaving off what
is evil and false. आया० १, ४, १,
१२७;

इसि. पुं० (इसि) ऋषि; जनन साधु;
मुनि. ऋषि; ज्ञानवान् साधु; मुनि. A
sage; a saint; an ascetic
“ इसीस सेट्टे तह वदमाखे ” सूत्र० १,
६, २२; २, १, ६०; जं० प० ३,
५७; पञ्च० २; ओव० ३६; दस० ६, ४७;
भग० ६, ३४; १६, ३; अणुजो० १२८;
ठा० २, ३; डन० १२, १६; २८, ३६;
राय० २६६; जं० प० ३, ५७; —परिसा.

श्री० (परिषत्) अविशय ज्ञानवाला
ऋषिओनी परीपद्वसभ. अविशय महात्मा
ज्ञानवाले साधुओं की मभा. an assembly
of highly enlightened saints.
भग० ६, ३३; दसा० १०, १; —वंस.
पुं० (—वंश) गणेश्वर सिंहायना तीर्थकरना
शिष्येनो वंश. गणेश्वर के सिंहाय तीर्थकरों
के शिष्यों का वंश the lineage
of the disciples of Parthi-
kars, excepting the (Gan-
dharas. () ने वंशज प्रविष्ट करन २
शब्द अन्वय अर्थ वगेरे उक्त वंश का प्रतिपादन
करनेवाला शास्त्र मन्त्रापांग वगेरह. the
scripture e. g. Samvāyāṅga
etc. dealing with the above
सम० २;

इसिगणि प्रा. श्री० (ऋषिगणिका) ओ
नामना अन्तर् देशमां जन्मेन दासी. इस
नाम के अन्तर् देश में जन्मी हुई दासी.
A female servant born in a
non Ārya country of the
name. जं० प० भग० ६, ३३; ओव० ३३;

इसिगुत्त पुं० (ऋषिगुप्त) वशिष्ठ गौतम
सुदस्तिन् अन्वयेना ऐश्वर्य शिष्य.
वांशज गौतम के सुदस्तिन् आचार्य के एक
शिष्यर शिष्य. Name of a Thivara
disciple of the preceptor
Suhastin, of the Vasiṣṭha
family (२) ओ नामनुं माणवगणजं प्रथम
कुल. इस नाम का माणवगण का प्रथम कुल-
नाम of the first family of
Māṇvagaṇa. “ येरेहितां इति-
गुत्तितो वासिष्ठसगोसे हि ” कथा० ८;

इसिगुप्ति. न० (ऋषिगुप्ति) ओ नामनुं
माणवगणजी नीकदेश कुल. माणवगण से
निकले हुए कुल का नाम Name of a

family-offshoot derived from
Māṇava Gṇa. कण० ८;

इसिण. पुं० (इसिन) ओ नःभनो ओऽ
अनार्य देश. एक अनार्य देश का नाम
A non-Ārya (uncivilised)
country of this name. नाय० १;

इसिणिया. स्त्री० (इसिनिका) इसिण नामक
अनार्य देशकी स्त्री. इसिण नामक अनार्य
देश की स्त्री. A woman of a non-
Ārya country (uncivilised
country) named Isina पञ० १;
नाय० १;

इसिइसिय. पुं० (ऋषिइसक) रिसिइस
थियरथी भाष्यगण्युं नीकनन पीळुं इत.
ऋषिगुप्त स्थविर से निकला हुआ मानवगण
का दूसरा कुल. The 2nd Māṇava-
gana lineage starting with
the saint Risigupta. कण० ८;

इसिदास पुं० (ऋषिदास) अथुत्तरोपपाठ
सूत्रना त्रिज्ज वर्गना त्रिज्ज अध्ययननुं नाम.
अथुत्तरोपपाठ सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे
अध्याय का नाम. Name of the
third chapter of the third
section of Anuttarovavāi
Sūtra. (२) कःकदी नगरी निवासी
भद्रासार्थपादीना पुत्र के वं दीक्षा लक्ष ११
अंग लक्ष्मी ७६ ७६८८ पारश्वन्ती प्रतिज्ञा
लक्ष धन्या परसनी प्रत्यया पाद्री ओऽ
भासने संथारो करी सर्वार्थसिद्ध विमानभां
उत्पन्न थाया, त्यांथी ओऽ अतार करी
भोक्ष पाभशे. काकंदी नगरी निवासी भद्रासार्थ-
वाही का पुत्र, जिसने कि दीक्षा लेकर ११
अंग पडे, और प्रत्येक ऋतु २ (दो २ अनशन)
का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली और बहुत बरों
तक प्रमजा का पालन कर अन्त में एक मास
का संभारा किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्धि

विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां से
एक भव और धारण कर मोक्ष जावेगा
name of a son of the mer-
chant Bhadrāsārthavāhī of the
city of Kākandī He took
Dikṣā, studied 11 Āṅga, took
a vow to take food after every
two fasts, practised asceti-
cism for many years and after
a Santhāra (giving up food
and water) for one month
was born in the heavenly
abode called Sarvārtha Siddha
whence after one birth he
will get salvation अणुत्तो०
३, ३; —उभयण. न० (-अध्ययन)
अथुत्तरोपपाठिक सूत्रना त्रिज्ज वर्गना
त्रिज्ज अध्यानुं नाम. अथुत्तरोपपाठिक
सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का
नाम. name of the third chap-
ter of the third section of
the Anuttaropapātika Sūtra.
छा० १०;

इसिदिगम. पुं० (ऋषिदित) जंबूद्वीपना
अेरवतक्षेत्रना यात्रु अवसरपीळीना पांचमा
तीर्थकरः सुमतिनाथ प्रभुना समकालीना
जंबूद्वीप के ऐरावतक्षेत्र के वर्तमान अव-
सरपिणी काल मन्वन्धी पांचवें तीर्थकरः
सुमतिनाथ स्वामी के समकालीन The
5th Tirthāṅkara (contempo-
rary of Lord Sumatinātha) of
the present Avasarpinī in the
Airavatakṣetra of Jambū-
dvīpa. सम० प० २४०; (२) कःकदी-
कःकंदीयाथीना थविर शिष्य. कोटिक काक
न्दकाचार्य का स्थविर शिष्य. name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. कण्ठ० ८;

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) पांचमा वासुदेवना त्रीण पूर्वजन्तुं नाम्. पांचवें वासुदेव के तीसरे पूर्वजन्म का नाम. Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva. सप्त० प० २३६; (२) इसिवाय जतिना व्यंतर देवो ईन्द्र. इसिवाय जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya. ठा० २;

इसिभद्रपुत्र. पुं० (ऋषिभद्रपुत्र) आलंबिका नगरीना भुज्य श्रावक. आलंबिका नगरी का मुख्य श्रावक. The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, १२;

इसिभासिय. न० (ऋषिभाषित) ऋषिभाषित नामनुं ऐक कालिक श्रुत के जेभां तीर्थंकर आदिनी स्तुति करेय छे. हाथ तेना विच्छेद थछ गये छे. ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिस में कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है. वर्तमानमें इस श्रुत का विच्छेद होगया है. Name of a Kālika Śruta (not extant) scripture containing the praises of Tirthankaras etc. सम० ४४; विशेष० १०७५; नंदी० ४३; (२) त्रि० ऋषिमुनिओ कहेय उत्तराध्यायन पगेरेना अध्यायनो. ऋषि-मुनि-द्वारा कहा हुआ उत्तराध्यायन बगैरह का अध्याय. chapters of Uttarādhyayana etc. narrated by ascetics. विशेष० २२६४;

इसिभासियजम्भयण. न० (ऋषिभाषिता-जम्भयण) प्रश्नव्याकरणशास्त्र ३ अं अध्यायन.

प्रश्नव्याकरणद्वारा का तीसरा अध्याय. The third chapter of Prāśnavyākaraṇa Daśā. ठा० १०;

इसिया. स्त्री० (ईषिका) घासनी सत्री. घासकी सलाई. A blade of grass. “ केह पुरिसे मुंजाओ इसियं अभिषि-वाइला ” सूय० २, १, १६;

इसिवाह. पुं० (ऋषिवादिन्) वासुदेवना १६ जतमान्नी ११ भी जत. वासुदेवना की सोलह जातियों में की ११वां जाति. The 11th of the 16 classes of Vāṇavyantara hell-gods. पञ्च० २; ओव०

इसिवाहय. पुं० (ऋषिवादिक) जुओ. उपदे. शब्द. देखो ऊपर का शब्द.

Vide above. ओव० २४; परह० १, ४;

इसिवाल. पुं० (ऋषिपाल) जुओ. ‘इसिपाल’ शब्द. देखो ‘इसिपाल’ शब्द. Vide “ इसिपाल ” पञ्च० २; ठा० २, ३;

इसिवालिय. पुं० (ऋषिपालित) इसिवाय जतिना व्यन्तरदेवो ईन्द्र. इसिवाय जाति के व्यन्तर देवों का इन्द्र. The Indra of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods. ओव० (२) माहर्ष्य गोत्र आर्यशान्तिमैत्रिकना स्थविर शिष्य माहर्ष्य गोत्र के आर्यशान्तिमैत्रिक के स्वामर शिष्य. the Sthavira disciple of Ārya Śāntisainika of the Māhārṣya family. (३) तेना उपरथी नीकलेय शाखा. उक्त गोत्र पर से निकली हुई शाखा. a lineal branch from the above. “ घेरेहिंता अउनु इसिवालि-एहिं ता इत्यर्थ अउनु इसिवालिया साहा गिगया ” कण्ठ० ८;

इसीपञ्चमारा. स्त्री० (ईषपञ्चमारा) जुओ. ‘इसिपञ्चमारा’ शब्द. देखो ‘इसिपञ्चमारा’

शब्द. Vide " इमिपम्भारा " पञ्च० २;
ओष० ४३;

इत्स. पुं० (पृथ्वत्) लविभ्य डात्. भविष्य
कालः आगामकाल. 'The future time.
विशे० ५०८.

इत्सर. पुं० (ईश्वर.) दक्षिणना भूतवादी
जनना व्यन्तरदेवतातो छंद. दक्षिण के
भूतवादी जाति के व्यन्तर देवों का इन्द्र.
Indra of the Bhūtavādī kind
of Vyantara gods of the south.
पञ्च. २; (२) भक्तिः सन्दाहः सामान्य
राज्य मालिकः सरदारः सामान्य राजा an
owner: a lord; a king. जीवा० ३
३: निर० १, १: दमा० ६, १३; १४:
—वाद्. पुं० (वादिन्) ईश्वर जगत्कर्ता है.
छे. अये! वाद करता है. ईश्वर जगत्कर्ता है.
इस प्रकार वाद करने वाला. one who
holds that God is the creator
of the universo. सृ० टी० १, १.
२, ४:

इत्सरिय. न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्यः भद्रोदात्त.
ऐश्वर्यः समृद्धिः बृहत्पत्न. Power:
wealth; greatness. पञ्च० २३;
अणुजो० १३१; उ० १८, ३६; प्रव०
१०७०; निश० १०८८; —मद्-य. पुं०
(-मद्) ऐश्वर्यने:—भद्रोदी संपत्ति यजेरेना
भद्र. ऐश्वर्य-समृद्धि वगैरह का मद. pride,
intoxication, of power, wealth
etc. राम० ८; ठा० ८; —मद्. पुं० (-मद्)
गुणा उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द
vide above. भग० ८, ६; —सिद्धि
पुं० (-सिद्धि) ऐश्वर्यनी सिद्धि-प्राप्ति.
ऐश्वर्य की प्राप्ति. acquisition of
power and wealth. सृ० १, १,
३, १५:

इत्सरीक्य. त्रि० (ईश्वरीकृत) धनादय

नथी तेने धनादय यनावेत्त. जो धनादय न
हो उसे धनादय बनाया हुआ. (One)
raised to power and wealth.
सम० २६; दसा० ६, १३;

इत्सा. स्त्री० (ईर्ष्या) अदेखाई. अदेखाई:
ईर्ष्या; दूसरे का वैभव, मान आदि सहन न
होना. Envy; jealousy. वत्त० ३४, २३:

इह. अ० (इह) अदिआ; आ लोकां.
यहां; इस लोक में. Here; in this
world. राय० २३; नंदी० ४५; नाया० १:
३; ६; ७; ८; ९; १५; १६; भग० १, ६:
२, १; ३, २; ५, ३; ५; ४, ७; ६, ५; ८, ८;
१८, ४; सृ० १, १, १, ७; आया० १, १,
१, ३; दस० ४; ६, ३, १५; दसा० १, ३;
विशे० २१; निरा० ६, १२; क० गं० १,
३-२१; २, १७; जं० प० ७, १३३; —गय.
त्रि० (-गत) अदिआ रहेलो. यहां रहा हुआ.
standing here; remaining here.
नाया० भ० भग० २, १; ६, ६; ७, ६; ६;
जं० प० ७, १३३:

इहई. अ० (इह) आदी. यहां. Here. सृ०
च० १६, ३५;

इहं. अ० (इह) आदि; ईदा. यहां. Here.
आया० १, १, १, १; नाया० १; २; ५; ६:
१६; १८; १७; पि० नि० २१६:

इहन्थ. त्रि० (इहार्थ-इहैव जन्मन्यर्थः प्रयोजनं
यस्य) आलोचना अर्थ सुनने अलिवाली.
दस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला.
(One) desirous of the happi-
ness of this world. ठा० ४, ३:

इहभय. पुं० (इहभय) आ भयः आ जन्मः
मनुष्य जन्म यह भय; यह जन्म; मनुष्य
जन्म. This life; this world;
human birth. नाया० ६; ७; ६; १३;
१५; १८; भग० २, ४;

इहभविष्य. त्रि० (इहभविष्य) आभव संबंधी; आ भवमां रहे तेजुं. इस भव संबंधी. Pertaining to, belonging to, this birth. भग० १, १; ६; ५, ३; —आयुष्य. न० (-आयुष्य) आ भवनुं आयुष्य. इस भव संबंधी आयु. duration of life in this birth. भग० १, ६; ५, ३; —चरित. न० (-चारित्र) आ-भव-ग्र-भनुं चारित्र. इस जन्म का चारित्र. the right-conduct of this birth. भग० १, १; —ज्ञान. न० (-ज्ञान) आ भवमां रहे अंजुं ज्ञान. इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान. knowledge remaining with the possessor in this birth. भग० १, १;

इतरथा. अ० (इतरथा) अन्यथा. Otherwise: in another way. पंचा० १०, २२;

इतरा. अ० (इतरथा) अन्यथा; श्रीशरीते. अन्यथा; दूसरी तरह से. Otherwise; in a different way. विशेष० १-६; सु० च० ७, २८४; पि० नि० ४६१; पंचा० २, ३०;

इहलोह्य. त्रि० (ऐहलौकिक) आ लोक संबंधी. इस लोक सम्बन्धी. Pertaining to this world. सम० ६; आया० १, ६, २, ६; २, ११, १७०; —परलोह्य. त्रि० (-पारलौकिक) आ लोक अने परलोकनुं इस लोक और परलोक का. pertaining to this world and the next world. ठा० ३;

इहलोग. पुं० (इहलोक) आ लोक; आ जन्म; मनुष्यभव. यह लोक; मनुष्यभव; वर्तमान जन्म. This world; this birth; human birth. पि० नि० २६५; दस० ६, २, १३; उवा० १, ५७; —आशंसप्रयोग.

पुं० (-आशंसाप्रयोग) आ लोकमां पुं राजा याउं धत्यादि धत्वा करपी ते; संथारा-नो प्रथम अतिचार. इस लोकमें मैं राजा बनूं, इत्यादि इच्छा करना; संथारा का प्रथम अतिचार. desire of being a king in this world and such other desires; the first step of violation of Santhārā. उवा० १, ५७; —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) मनुष्य-लोक संबंधी कामभोगथी विरुद्ध वर्तनार पंचाग्नि तापस वगेरे; अथवा मानुषिक काम भोगमां उपद्रव करनार; अथवा मनुष्य भव-संबंधी विपरीत प्ररूपणा करनार. मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पंचाग्नि तापस वगैरह; अथवा मानुषिक कामभोग में उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्ररूपणा—विरुद्ध वर्णन करने वाला. (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures; or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life. ठा० ३; —पडिबद्ध. त्रि० (-प्रतिबद्ध) आ लोकमां मयैत; आ भवना भोगमां लपटाए गयेत. इस लोक में-संसार में लुप्त; इस भव के भोगों में तल्लान. plunged or steeped in the pleasures of this world ठा० ४, ४; —पारसहित. पि० (-परसहित) आ लोक अने परलोकनुं हित. इस लोक और परलोक का हित. benefit or welfare of this world and the next world दस० ४४; —भग्न.

पुं० (-भय) अनुभूतिर्यथादिक्थी उत्पन्न
 थतुं लय; सात लयमांतुं ऐक. प्राणीयों-
 मनुष्य तिर्यचादिकों से उत्पन्न भय-डर.
 fear arising from the beings
 (men, animals, etc.,) of this
 world. सम० ७: ठा० ७, १; —वैयल.
 पुं० (-वेदन) आ लोकांना सुखेनो अनु-
 भव. इस लोक के सुख का अनुभव. ex-
 perience of the happiness of
 this world. आया० १, ४, ६, १५८:
 —वैयलवेज्ज. त्रि० (-वेदनवेद्य) आ लय-
 मांज वेदयाथी वेदाज्ज लय तेतुं कर्म; प्रमत्त
 अयनिओ छत्ताविना भाव काय योगथी
 आदिअ कर्म. इस भव में हा वेदने से—
 भोगने से भोगा जाय—ऐसा कर्म; प्रमत्त
 संयति का भी बिना इच्छा के केवल काया
 के योग से बांधा हुआ कर्म. (Karma)
 the result of which can be ex-
 hausted (borne) in this world;
 (Karma) incurred by an err-
 ing ascetic without special
 desire, merely by the weak-
 ness of the flesh. आया० १, ५;
 ६, १५८: —वैयल वेज्जा वडिय. त्रि०
 (वेदन वेद्यापत्ति-इहास्मिन् लोके जन्मानि
 वेदनमनुभवमिहलोकवेदनं तेन वेद्यमनु-
 भवनीयमिहलोकवेदनं वेद्यं तत्रापत्तिमिह-
 लोकवेदन वेद्यापत्तिम्) आ लयमांज

भोगयाज्ज लय ओतुं कर्म; छत्ता विना भाव
 काययोगथी कर्म अंधाय ते. इस भव में
 ही भुगता जाय, ऐसा कर्म; बिना इच्छा के
 केवल काया के योग से जिस कर्म का बंधन
 हा वह. (Karma) the result of
 which is exhausted (borne)
 in this very birth incurred
 without volition, through
 weakness of the flesh. आया० १,
 ५, ६, १५८:—संवेगिणी. स्त्री० (-संवेगिनी)
 आ संसारंतुं २५३५ गणीने वैराग्य पमाय
 तेथी कथा. ऐसा कथा जिससे संसार स्वरूप
 जन कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creat-
 ing disgust towards this world
 by showing its worthlessness.
 ठा० ४;

इहलोक. पुं० (इहलोक) लुओ 'इहलोक'
 शब्द. देखो 'इहलोक' शब्द. Vide
 "इहलोक" निसी० १२, ३५; नाट० २;
 ५: १७: १८; गु० च० ४, ६७; —भय.
 न० (-भय) आ लोकांतुं-तिर्यय मनुष्य
 पगेरेथी थतुं लय. इस लोक का भय.
 fright caused by beings in this
 world e. g. by men, brutes, etc.
 प्रव० १३३५:

इहेव. अ० (इहेव) अदिज्ज. यहाँ हा.
 Here: in this very place. नाया०
 १: ८: ६: १४: १६; भग० ३. २: १५, १:

इह.

इह्य स्त्री० (इति) उपद्रव. विघ्न.
 Disturbance; obstruction. ओष०
 इह्य स्त्री० (इति) अतिपृष्टि अनापृष्टि आदि

उपद्रव. अतिपृष्टि अनापृष्टि आदि उपद्रव.
 A calamity such as excess of
 rain, drought etc. प्रव० ४५०;

ईति. पुं० (ईति) १ स्वयङ्कल्य; २ परस्वङ्कल्य, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ उदर, ६ तीक्ष्ण अने ७ शुक्ल अने सात धृति कहेवाय छे. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ टिड्डी, और ७ शुक्ल यह सात प्रकार के भय हैं. A calamity; a disturbance; it is sevenfold; (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (6) from parrots and (7) from rats. जं० प० १, १०; सम० ३४; —बहुल त्रि० (-बहुल) जेभां स्वयङ्कल्य अने आदि धृति धर्यो होय ते. जिसमें स्वचक्र भय आदि भय बहुत हो. that which is full of calamity, disturbance, from friends etc. जं० प० १, १०;

√ ईर. धा० I, II (ईर) प्रेरणा करनी. प्रेरणा करना. To prompt; to direct. "ईरन्ति" दस० ६, ३६;

ईरिय. त्रि० (ईरिन्) प्रेरणा करेन; हांकिन; हलावेन. प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ; हांका हुआ. Prompted; directed. "समोरिया कोट्टबलि करिति" स्य० १, ५; २, १६; (२) कहेन; प्रतिपादन करेन, कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ. told; explained. आया० १, ६, ४, १६२;

ईरिया. स्त्री० (ईरिया) लुओ "ईरिया" शब्द. देखो "ईरिया" शब्द. Vide "ईरिया" शोध० नि० ७८८; ओव० ४१; —समिह. स्त्री० (-समिति) लुओ "ईरियासमिह" शब्द. देखो "ईरियासमिह" शब्द. vide "ईरियासमिह" सम० ५; ठा० ८, १;

ईस. पुं० (ईश) ईश्वर; ईश्वर. God; lord पञ० २;

ईसकल. त्रि० (ईशाकल-ईश ईश्वर इत्याख्या प्रसिद्धियेषां) ईश्वर-नायक तरीके जेनी प्रसिद्धि होय ते. ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर जिसका प्रसिद्धि हो वह. (One) famous as a leader, or commander. जीवा० ३;

ईसणिया. स्त्री० (ईशानिका) ईशान देश में उत्पन्न थयेन दासी. ईशान देश में उत्पन्न दासी. A maid-servant born in the country of Īśāna. नाया० १;

ईसन्ध. न० (इन्ध) धनुर्विद्या; श्रेष्ठ धनुष अने धनुषी श्रेष्ठ लक्ष्मण अनायवान् ७२ कलाभांनी अने कला. धनुर्विद्या; युद्ध संबंधी शास्त्र; थोड़ा सेना को बहुत और बहुत सेना को थोड़ा बनलानेवाली ७२ कलाओं में का एक कला. Science of archery; one of the 72 arts viz. that of causing a large army to appear small and vice versa. नाया० १; पगण० १, ५; जं० प० २; सम० ओव० ८०;

ईस्वर. पुं० (ईश्वर) ईश्वर; परमेश्वर. ईश्वर; परमेश्वर. God आया० २, २, ३, ८६; पंचा० १७, २१; (२) भाद्रिक; धर्मि: नायक. मालिक; सरदार; स्वामी; नायक. lord; master; commander कप० २, ८३; निर० ३, ४; जं० प० ३, ८३; नाया० ५; ७; १४; आया० २, ७, १, १५५; (३) युवराज. युवराज. an heir-apparent. नाया० १; अणुजो० १६; (४) सामान्य भाद्रिक राजा. सामान्य भाद्रिक राजा. a king; a chief अणुजो० १६; (५) अभ्युपनिषद् प्रधान. मंत्री; प्रधान; कारभारी. a minister; chief minister. अणुजो० १६; (६) श्रीमंत; श्रेष्ठ; श्रीमान; धनी; गेट. a wealthy person

lord of wealth. विशेष० १४४१; सम० ३०; (७) लवण्य समुद्रनी भूमिमां उत्तर दिशाये भूधर नाभेनो भद्रापाताल कलशो. लवण्य समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश. an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ocean in the north. जीवा० ३, ४; ठा० ४, २; सम० ४२, (२) भूतवादि जगतना व्यंतर देवो भद्र. भूतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādi. ठा० २, ३; (६) अग्निमादि ऋषिधातो; समर्थ. अग्निमादि ऋद्धिवाला; समर्थ. powerful; possessed of Yogic powers like Anima etc. पञ० १६; (१०) आथा तीर्थकरना यक्ष देवतानुं नाम. चौथे तीर्थकर के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa deity of the fourth Tirthānkara. प्रब० ३७५; —कार-णिअ. त्रि० (-कारणिक) भूधरने जगतनुं धारण्य माननार वर्ग; जगतकर्तृत्व-वादी. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग; जगत्कर्तृत्व वादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. स्य० २, १, २५; —प्रभृति. त्रि० (-प्रभृति) भूधर प्रभृति आदि. ईश्वर प्रभृति-आदि. God etc. जं० प० ३, ४२;

ईसरिअ-य. न० (देवर्ष) ऐश्वर्य; भोटाभ; संपत्ति. ऐश्वर्य; बढप्पन; संपत्ति. Greatness; wealth; power. अणुजो० १३१; —मद. पुं० (-मद) लुओ 'इस्सरिअमअ' १०६. देवो 'इस्सरिअमअ' कव्य. vide "इस्सरिअमअ" ठा० ८, १;

ईसरी कअ. त्रि० (ईश्वरीकृत) भूधर-धनाढ्य नहि तेने धनाढ्य करवाभां आवेअ. जो धनाढ्य नहीं हो उसे धनाढ्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth. सम० ३०;

ईसा. जी० (ईष्यां) अदेआभ. अदेआई; ईषां; दूसरे का वैभव आदि सहन न होना. Jealousy; envy. सु० च० १५, ६७; ईसा. जी० (ईशा) भद्राक्षीनी अन्दरनी सभा. इन्द्रानी की भीतरी सभा. The private or inner council of Indrāṇī. ठा० ३, २; (२) वायु-व्यंत भद्रनी अव्यन्तर सभा. वायव्यंतर इन्द्र की अन्तरंग सभा. the inner council of the Indra of Vāṇavyantara gods. जीवा० ३, ४;

ईसाख. पुं० (ईशान) भूशान नामे श्रीने देव-लोक. ईशान नामक दूसरा देवलोक. The 2nd heavenly world so named. जीवा० १; ओव० २६; ठा० २, ३; सम० १; नाया० ध० १०; अणुजो० १०४; भग० २, १, १८, ७; नाया० १; विशेष० ६६५; जं० प० ५, ११८; ७, १४२; (२) ओ देवलोकना निवासी देवता. ईशान देव लोकवासी देव. a god residing in the above world. कप्प० २, ८४; पञ० १; क० गं० ५, ४३; (३) भूशान देवलोकने भद्र. ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called Īśāna. नाया० ध० ६; पञ० २; सम० ३२; ठा० २, ३; भग० ३, १; १७, ५; (४) भूशान नामे १६ भुं मुहूर्त. ईशान नामक १६ वां मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time). सम० ३०; (५) ओक अहो-

शनिना २४ मुहूर्तमांनुं ११ मुं मुहूर्त.
एक अहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां
मुहूर्त. the 11th of the 24 Mu-
hūrtas of a day and a night.
सू० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १४२;
(६) धिशन डेअ-भुओ. ईशान कोण.
the north-east. ओष० नि० भा०
२७६; —इंद्र. पुं० (-इन्द्र) धिशन देव-
लोकनो धन्. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र.
Indra of the heaven named
Īśāna. भग० ३, १; —देव. पुं० (-देव)
भीम धिशन देवलोकना देवता. दूसरे
स्वर्ग के देव. a god of the 2nd
heavenly world, named Īśāna.
भग० २४ १२;

ईसाण कण्य. पुं० (ईशानकण्य) भीमो
देवलोक. दूसरा स्वर्ग-देवलोक The 2nd
heavenly world. नाया० १६; नाया०
ध० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईसाणग. पुं० (ईशानक) भीम धिशन
देवलोक वासी देवता. ईशान नामक दूसरे
देवलोकवासी देव. A god residing in
the 2nd Devaloka styled Īśāna.
उत्त० ३६, २०८, जं० प० ५, ११८;

ईसाणवडिसय. पुं० (ईशानावतंसक) धिशन
देवलोकमांनुं सैथी भोटुं विमान; धिशाने-
न्द्रंनुं मध्यंनुं विमान. ईशान स्वर्ग का सब से
बड़ा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान.
The largest abode of the
heavenly world called Īśāna;
the middle or central abode of
Īśānendra. भग० ३, १; ४, १; १७, ५;

ईसाणिआ-या. स्त्री० (ईशानिका) धिशन
डेअ; धिशन भुओ. ईशान कोण; ईशान
नामक विदिशा. The north-east
quarter. भग० १०, १;

ईसानोष. पुं० (ईर्ष्यादोष) धर्ष्या रूप दोष.
ईर्ष्या रूपी दोष. The fault of jea-
lousy or malice. दसा० ६, १४;

ईसालु. त्रि० (ईर्ष्यालु) धर्ष्या वाला. ईर्ष्यालु;
ईर्षी वाला. Jealous; malicious.
प्रव० ८००;

ईसि. अ० (ईषत्) थोड़; अल्प; अना. थोड़ा;
कुछ; जरा; किंचित्. A little. नाया० २;
११; सु० च० १३, ४०; ठा० ८, १. पञ्च०
२; ३६;

ईसि. अ० (ईषत्) गुग्गो उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा० ३,
४; विरो० १२४६; ओष० नि० ७२७;
भग० ३, १; ५, २; पञ्च० २; १७; सम०
३४; ओव० नाया० ६: ८; १६; ठा० ३, १;
राय० ६३; दसा० ७, १; पंचा० १२,
६; कण्य० २, १६; जं० प० ५, ११२; ११५;
—ओठवलंबि. त्रि० (-ओठवलम्बिन्)
थोड़क होइने अवलम्बन करना. ओठ को
थोड़ासा अवलम्बन करने वाला. touching,
resting on, the lips a little. पञ्च०
१७; —तंबच्छिक्करणी. स्त्री० (-ताम्राक्षि-
करणी) थोड़ीक लाल आंख करना (स्त्री).
कुछ लाल आंख करनेवाली (स्त्री). (a
woman) making the eyes a
little red. पञ्च० १७. —तुंग. त्रि०
(-तुङ्ग) ऊँचक अथवा. कुछ ऊँचा. a little
high; somewhat high. जं० प० ६;
—दंत. पुं० (-दन्त) थोड़ा दंत वाला.
थोड़े दाँतों वाला. (one) having a
few teeth or having scanty
teeth. ओव० —दंत. त्रि० (-दन्त)
थोड़ी शिक्षा पायेला दाँती. थोड़ी शिक्षा पाया
हुआ हाथी. (an elephant) scantily
trained. जं० प० ३; —पद्मार. पुं०
(-पद्मभार) थोड़ा कुछ थपुं-नभयं ते.

कुछ नमना; कुछ नम्रीभूत होना. bending a little. पंचा० १८, १९;—पञ्चभार-गय. त्रि० (प्राग्भारगत) थे। पुं० पुं० १८-नमेश. कुछ नमा हुआ. bent a little; somewhat bent. पंचा० १८, १९;—पुरेवात. पुं० (-पुरोवात) ७२१३ पूर्वोत्तरी वायु. जरासा पूर्व का वायु. wind which is a little in front. नाया० ११;—पुरेवाय. पुं० (-पुरोवात) थे। पुं० पूर्व दिशाको वायु. कुछ पूर्व दिशा की हवा a little eastern wind. नाया० ११; भग० २, १;—मत्त. त्रि० (—मत्त) थोपननी शङ्खआतवादा थे। पुं० उन्मत्त-हाथी पगेरे. यौवन की प्रारंभिक अवस्था वाले थोड़े उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant etc.) somewhat intoxicated on account of the budding of youth. जं० प० ३; ओव० —रहस्स. (—हस्व) थे। पुं० २२२२ अक्षर-अक्षर उन्मत्त. पुं० कुछ-हस्व अक्षर अ-इ-उ अ-ल वगैरह. any of the five short vowels-अ-इ-उ-अ-ल. “ईतिरहस्सपंचक्खर उच्चारण द्वारा ” ओव० --वोछेदकहुइ. स्त्री० (—व्यवच्छेदकहुइ) पीछा पीछा थोड़े-थोड़े त-त-त ३३३३ आपनारी. पीने के थोड़े ही देर बाद-तुरंत ही कटु लगने वाली. anything that tastes bitter immediately after it is drunk. पञ्च० १०;

ईसिगढभारा. स्त्री० (ईषत्प्रागभारा ईषत्प्रा-
भारो महश्च रत्नप्रभाषेक्षया यस्याः सा)
सिद्ध शिवाः भुक्ति शिवाः सिद्ध शिला;
मोक्ष शिला. The place of abode
of perfected souls or Siddhas;
Siddha-Silā. अणुजो० १०४: ठा०
४, द, १; ओव० ४३; पञ्च० २: भग०

6, 7; 8, 3; 92, 4; 98, 10; 96, 5;
20, 2;

ईसिण्यभा. स्त्री० (ईष्यभा) सिद्ध शिखा;
 मुक्ति शिखा. सिद्ध शिला; मोक्ष शिला;
 मोक्ष स्थान. The place of abode
 of perfected or liberated souls;
 Siddha-Silā. मग० ३, १;

ईसिय. नि० (ईषत्क) थे।; अ०५. थोडा;
अल्प; कुङ्क. A little; scanty.
नाया० ११;

ईसी. जी० (ईषत्) सिद्ध शिक्षानुं अेक नाम.
सिद्ध शिला का एक नाम. One of the
names of Siddha-Silā or the
abode of perfected souls. ओव०
४३:

ईसिपटभारा. स्त्री० (ईषत्प्रागभारा) ण्युभे।
 'ईसिपटभारा' श०६. देखो 'ईसिपटभारा'
 शब्द. Vide "ईसिपटभारा" सम०
 १२; उत० ३६, ५७; प्रब० ६०६;

✓ इह. धा० I. (इह्) ४^{अ०} २५^{व०}.
इच्छा करना; चाहना. To wish; to
desire.

ईहह-ति. उत्त० ७, ४; सु० च० ८, ४५;

ईद्विडण. सं० कृ० विशेष० २.५७;

ईहिथ. सं० कृ० विशे० २५८;

ईहमाण. व० कृ० उत्त० २६, ३३;

इंहिजह. क० वा० विशेष० २६६,

ईहा. जी० (ईहा) चिन्तारणा; आलोचना; अवग्रह तथा पंजी ते आभ छे के तेम ओयी विशेष चिन्तारणा करी ते; मतिज्ञान-नो नीन्ने भेद. विचारणा; आलोचना; अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा कहलाता है; मतिज्ञान का दूसरा भेद. Dealing with perception to arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा० ४, ४५; ओव० ४०; विरो० १७८; ३६६; पञ० १६; ओव० नि० ६२; नाया० १; ८; भग० ८, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय० १०६; नंदी० २६; सम० ५; २८; कप्प० १, ७; क० गं० १६; (२) भृगु विशेष. एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया० १; ८;

ईहापोह. पुं० (ईहाम्यूह) उहापोह; तर्क वितर्क. ऊहापोह; तर्क वितर्क; संका समाधान. Full consideration of the pros and cons. (२) संग्राम-युद्ध-नीति; ऐक्य ज्ञाननी व्युद्घ रचना. युद्ध नीति; एक तरह की व्युद्घ रचना. science of war; a kind of military array. नाया० १; जं० प० ३, ७०;

ईहामह. स्त्री० (ईहामति) प्रद्वारूप मति-विचारण; मतिज्ञाननो ऐक्य भेद. ईहारूप मतिज्ञान. मतिज्ञान का एक भेद. One of the varieties of Matijñāna; stage next to perception i. e

reflection to arrive at judgment. ठा० ४, ४; ६, १; —संपया. स्त्री० (-सम्पत्) अवग्रह पक्षी विचारण। करवी ते रूप मतिज्ञाननी संपत्ति. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के संबंध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान की संपत्ति. the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived, to form a judgment. दसा० ४, ३५;

ईहामिग. पुं० (ईहामृग) वरु. भेडिया. A wolf. जं० प० २, ३३; कप्प० ३, ४४;

ईहामिय. पुं० (ईहामृग) वरु; नादर. एक प्रकार का पशु; भेडिया; नहार. A wolf; a tiger. ओव० राय० ४२; ११, ११; जावा० ३, ४; जं० प० ५, ११६;

ईहिय. त्रि० (ईहित) ऐष्टा करेन; विचारेन. जिसकी चेष्टा की गई वह; विचारा हुआ. Acted; thought of; reflected upon. “ सङ्गीमागंतुमीहियं ” सूय० १, १, ३, १;

उ.

उ. अ० (तु) नक्षी; निश्चय. निश्चय; नित्संदेह. Positively; surely; दस० ६, २८; ९, १; १; पञ० १५; सूय० १, १, १, ५; (२) वितर्क. वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस० ६, १३; नाया० ९, १६; विरो० ११०;

उअर. पुं० (उअर) पेट; उदर. पेट. Belly; stomach. दस० ८, २६; —मल न० (-मल) पेटनो मल. पेट का मल

dirt or filth in the stomach. भज० ४०;

उअर. पुं० (उअर) उच्चार करेनो ते. ओक्षयुं ते. उच्चारण; बोलना. Act of speaking or uttering words. ओव० २७;

उद्गण. त्रि० (अवतीर्ण) भूमिपर पडी भयेन भूमिपर गिरपडा हुआ. Fallen on the ground. निर० १, १;

उद्गण. त्रि० (उद्गीर्ण) उद्गय पायेन; उर्ध्वना

उदयशी प्राप्त थयेन. उदय पाया हुआ; कर्म के उदय से प्राप्त. Got by the maturing of Karma. उत० १८, १; विशेष० २३०; ठा० ५; पञ० १६; (२) उदीरय्या करी उदयमां लावेन उदीरणा करके उदय में लाया हुआ. caused to be matured. भग० १, १; —कम्म. त्रि० (—कर्मन्—उदीर्यमुदयप्राप्तं कटुविपाकं कर्म चेत्तां ते तथा) उदय आवेन धर्मवाला. उदय में आये हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. “ उदिक्खकम्मणउदियक्खकम्मा पुणो पुणो ते सरहं दुहेति ” सू० १, ५, १, १८: —वलवाहण. त्रि० (—वलवाहन—उदीर्यं मुदयप्राप्तं वलं चतुरङ्गं शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिविकादि वस्य सः तथा) नेने शुभना उदयशी यल वाहन योगेरे प्राप्त था। छे ते. जिसे शुभ के उदय से बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह. (one) who gets strength, vehicles etc. by the rise of good Karma. “ कं पिळे नवरे राया उद्गयवज्जवाहणे ” उत० १८, १;

उदय. त्रि० (उदित) कहेलुं. कहा हुआ. Said; told. विशेष० २३३; (२) उदय आवेन. उदयागत; उदय में आया हुआ. risen; matured. नाया० १: सु० १, १६३; पञ० १६, १२; —गुण. त्रि० (—गुण) नेना गुण कहेतामां आया छे ते. जिसका गुण कहने में आया हो वह. (that) of which the attributes or properties have been described पञ० ३, ३८: —गुणजुस्त. त्रि० (—गुणजुस्त) उदय पायेना गुणजुस्त. उदय पाये हुए गुण से जुक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity. पञ० १०, ९०.

उदीर्य. पुं० (उदीचीन) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र. Northern region. ठा० ५; भग० ५, १; —पादीर्य. पुं० (—प्राचीन) पूर्वोत्तरदिशा; प्रशास्त्रपुष्टो. पूर्व उत्तर दिशाओं के बीच का कोना; ईशान दिशा. the north-east quarter. भग० ५, १; —वाय. पुं० (—वात) उत्तर दिशाने वायु. उत्तर दिशा का हवा. the northern wind. पञ० १; ✓ उदीर. भा० I. (उद+ईर्) उदीरय्या करी. उदीरणा करना. To utter; to cause to rise or move.

उदीरति. क० गं० ४, ६४;

उदीरइत्ता. सू० १, ६, १६:

उदीरैत. ठा० ७;

उदीरय. न० (उदीरय) प्रेरय्या करी. प्रेरणा करना. Act of prompting. ठा० ४; उदीरय्या. स्त्री० (उदीरय्या) लुओ “ उदीरय्या ” शब्द. देखो “ उदीरय्या ” शब्द. Vide “ उदीरय्या ” ठा० २; ओव०.

उदीरिय त्रि० (उदीरित) उदीरय्या करेन; प्रेरय्या करेन. उदीरणा किया हुआ; प्रेरित; कहा हुआ. Told; said; caused to rise or move पञ० २३; भग० १, १; उड. पुं० (ऋतु) ऋतु; ये मास प्रमाथुने ओक कास विभागः हेमंत, शिशिर आदि ७ ऋतु ऋतु; दो मास प्रमाण एक काल; हेमंत, शिशिर, वर्षा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year; e. g. Hemanta, Śisira etc. “ दो मासा उड ” भग० ३, ७; ५, १; ६, ७; ६, ३३; २५, ५; जं० ५० २, ३१; ७, १५१; सू० ५० ८; नाया० १; ३; ६; सम० ३४, ५६; दस० ६, ६६; अणुजो०

११५; १२८; ठा० २, ४; आया० २, १.
२, १०; कप्प० ५, १०८; —गरियह.
पुं० (-परिवर्तव) ऋतुं बदलुं ते. ऋतुं
का बदलना. change of season.
आया० २, १, २, १. —पव्वअ. पुं०
(-पर्वत) ऋतुं पर्वत. ऋतु रूपी
पर्वत-पहाड; a mountain of a
season; season regarded as a
mountain. नाया० ९; —प्पसन्न. पुं०
(-प्रसन्न-प्रसन्नः स्वच्छ ऋतुः ऋतुप्रसन्नः)
स्वच्छ-निर्मल ऋतु; शरत्काल वगैरे. स्वच्छ-
साफ-निर्मल ऋतु; शरत्काल वगैरह.
clear, cloudless season; e. g.
autumn etc. “ उडप्पसन्ने विमल्लेव
चंद्रिमा ” दस० ६, ६६; —बद्ध. पुं०
(-बद्ध) ऋतु अद्धकाल; शीयालो अने
उन्हालो; चोमासा सिवायना काल. ऋतु
बद्धकाल; ठंड और गर्मी का समय; चोमासा
वर्षा के समय का काल. winter and
summer season; any time of
the year except monsoon-
time. “ उड बद्ध पीडक लगे ” प्रव० १०६;
पंचा० ११, २६; आंध० नि० २६५; पिं०
नि० भा० २३; नाया० ५; —मास. पुं०
(-मास) ऋतुमास; परिपूर्ण त्रीस दिवस
प्रमाणुनो काल विभाग; कर्ममास. ऋतु
मास. पूरे तीस दिन प्रमाण काल विभाग;
कर्म मास. a period of time con-
sisting of full thirty days;
a month of full 30 days.
“ एसो चेव उडमासो कम्ममासो भवणह ”
वव० १, १; प्रव० ६०६; —लच्छी.
झा० (-लक्ष्मी) ऋतु लक्ष्मी; ऋतुनी
शोभा संपत्ति. ऋतु लक्ष्मी; ऋतु की शोभा
संपत्ति. beauties of the seasons.
नाया० ६; —वाम. पुं० (-वर्ष) ऋतु

अधकाल; चोमासा सिवायना आठ मास.
चोमासेको छोडकर आठ मास. the whole
year excepting the 4 months
of the rainy season. “ उड बासे
पणव चडमासे ” प्रव० ६१३; —संधि.
पुं० (-सन्धि) ओक ऋतुनो अत-छेडे
अने भीछ ऋतुनी शरत्काल. ऋतु सन्धि;
एक ऋतु का अन्त और दूसरी ऋतु का प्रारंभ
काल का समय. passing of one
season into another. आया० २,
१, २, १०; —संवच्छर. पुं० (-संवत्सर)
ऋतु संवत्सर; छ ऋतु प्रमाणुनो काल.
छह ऋतु प्रमाण काल; एक वर्ष. an
year comprising the six sea-
sons. “ ता एप्पसिणं पंचगहं संवच्छराणं
तव उड संवच्छरस्स ” चं० प० १; १२;
ठा० ५; —सुह न० (-सुख) ऋतुनो
उचित सुखप्रद जेम् भीष्म ऋतुमां छव.
ऋतु के अनुसार उचित सुख; जेम् भीष्म
ऋतु में छत्रा. (anything) appro-
priate to the season; e. g.
umbrella in summer. “ उडं
सुहसि वच्छाय समणु बद्धेण ” ओव०
उडंवर पुं० (उडुम्बर) उडुम्बरुं जाड अने
तेना कल; गुडुम्बर. उडुम्बर का फल और
उमके फल; गुडुम्बर. Name of a tree:
Ficus Glomerata and its fruit.
भग० ८, ५, —पणव. न० (-पणव)
१ वड २ पीपल ३ उडुम्बर ४ प्लक्ष
५ काकोदुम्बरी ओ पांच वृक्षनो समूह.
१ बड, २ पीपल, ३ उडुम्बर, ४ प्लक्ष, और
पांचवां काकोदुम्बरी, ये पांच वृक्षोंका समूह.
a collection of five kinds of
trees viz (1) Vata (2) Pippala
(3) Udumbara (4) Plaksha &
(5) Kākodumbari. भग० ६, ३३;

—पुष्प न० (—पुष्प) उडंबर जाडना फूल; गुल्मरना फूल—के जे लायेर क्वांज जेवाभा आवे; दुप्राप्य वस्तुने आनी उपमा अपवाभा आनी छे. उडंबर के भाइका फूल; गुल्मर का फूल जो भाग्य में हां कहीं दिखलाइ पड़ता है; इसका उपमा दुप्राप्य वस्तुओं के सम्बंध में दा जाता है. a flower of the Udumbara tree; (it is rarely seen and so is used to express a rarity.) भग० ६, २३;

उडंबर दत्त. पुं० (उडुम्बरदत्त) पाटलीपुंड नगरना रहैयशी सागरदत्त सार्थवादने. पुत्र. पाटलाखंड नगर के रहनेवाले सागरदत्त सार्थवाह का पुत्र. Name of a son of the merchant Sagaradatta, a resident of the city named Patalikhanḍa. ठा० १०; (२) पाटलीपुंड नगरना उद्यानमाने: ऐक यक्ष. पाटलाखंड नगर के उद्यानका एक यक्ष. name of a Yakṣa (a ghost or a spirit) living in a garden of the city of Patalikhanḍa. विवा० ७;

उडदेवी. स्त्री० (ऋतुदेवी) वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, चतुर्था नमवाली देवी. वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, आदि ऋतु के नाम वाली देवी. The goddess of a season; e. g. spring-goddess etc. पंचा० २, १४;

उडय. त्रि० (ऋतुज) ऋतु अभ्यन्त्री; भोसभन; क्षयन उचित ऋतु संबन्धा; मोममका; काल के योग्य. Born in the season; appropriate to the season. पञ्च० २; आब० २४; भग० ११, ६; १३, ६;

उड्ड. न० (उड्ड-उड्डयते अस्पात्यतेवा गृहमे भिक्षादिकमित्युड्डम्) भिक्षा: |

थोड़, थोड़, अट्ठल करवुं ते. भोख: भिक्षा, बहुत थोडा २ ग्रहण करना. Getting a little food at a time; begging of alms: सूय० १, २, ३, १४; ओष० नि० भा० १६; ओष० नि० ४२४; उत्त० ३५, १६; दस० ८, २३; १०, १, १७; पणह० २, १; ठा० ४, २; —जीविया. स्त्री० (—जीविका) अपेक्षा; थोडा थोडा आहार लभ छुटिका अभावनी ते. पणना; थोडा २ आहार लेकर जीविका का चलाना. supporting life by begging a little food at a time; alms-begging. ठा० ४; —जीविया संपरण. त्रि० (जीविकासंपन्न) अपेक्षा करनार; अपेक्षा गवेपणा करी शुद्ध आहार लेनार. पणना करनेवाला; गवेपणापूर्वक—स्वयं देखभाल कर—शुद्ध आहार लेनेवाला. (one) living by begging alms; (one) taking food begged from others after examining its purity. ठा० ४;

उज्ज. धा० II. (अज्ज) अग्नि संद्रुक्वे; अग्निभा नरणा पंगरे नाज्या. अग्नि धोकना; अग्रमं तनके वगैरह डालना. To throw fuel (e. g. grass etc.), into fire to kindle it.

उज्जजा दम० ४; ८, ८;

उजावेज्जा. दम० ४,

उजत. व० कृ० दम० ४;

उजायण. पुं० (उजायन) वशिष्ठ गोत्रनी ऐक शाखा वांशष्ठ गात्र का एक शाखा. A branch of the Vasiṣṭha family. (२) त्रि० ते शाखानो पुत्र. उक्त शाखा का पुरुष. a scion of the above branch. ठा० ७, १;

उड्ड. पुं० (उड्ड) उड्ड: स्वारीनो ऐक पशु.

T

उंट. A camel. निसी० ७, ११;
—लेस्स. न० (-लेस्स) उंट; आभु.
ऊंटका चमड़ा. leather of a camel.
निसी० १, ११;

उडग. पुं० (उडग) भूत पात्र; भातुं कर-
वानुं ङम. मूत्र करनेका बरतन. A vessel
for making water into. दस० ४;
(२) पीपडी; लोयो. पिंड. a lump;
a mass " बाबादुमंसडंग मज्जाराह
विराहेम्मा " ओव० नि० भा० २४६;

उडगी. स्त्री० (उडगी) पिपडी; पेशी. छोटा पिंड.
A small lump नाया० ३;

उडुय. न० (उडुय) भोजन करनेवाला स्थान.
भोजन करनेका स्थान. A dining-room.
" सपिड पायमागम्म उडुयं पडिसेहिम्मा "
दस० ६, १, ८७;

उडेरिय. न० (*) रेवडी; आवानी अेक
स्वादिम वस्तु. रेवडी; खाने की एक स्वादिष्ट
वस्तु. A kind of sweet-meat.
ठा० ४;

उडुपाणिम. न० (*) उडु पाणी. उंडा
पानी. Deep water. निसी० १३, ३४;

उडर. पुं० (उडर) उडर चूहा; उडरा. A
rat; a mouse. परड० १, १;

उडिर. पुं० (उडुर) उडर. चूहा. A mouse;
a rat. नाया० ८;

उडुर. पुं० (उडुर) लुओ उडयो शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above
उवा० २, ६५; —माला. स्त्री० (-माला)
उडरनी माला. चूहों की श्रेणी: चूहों की
पंक्ति. a line, a series, of rats.
" उडुरमाळा पारिखड सुकय चिराह "
उवा० २; ६५;

उडुवक. न० (*) उडु = भुभ. उडु =
वृषभादि शब्द; देवतापूजन वषते भोऽथी
अलक्षणा जेवो शब्द करवो ते. देवता के
पूजन के समय मुख से बेल आदि के समान
शब्द करना; उडु अर्थात् मुख और रुक अर्थात्
वृषभ—बेल आदि के समान शब्द. Imit-
tating the sound of a bullock
at the time of worshipping a
deity. अणुजो० २६; गच्छा० २;

उडर. पुं० (उडुम्बर) उडुम्बरानु आड;
गुडरनु आड. गुडर का फल; उडुम्बर
का वृक्ष. A kind of tree; ficus
glomerata. जीवा० १; विवा० १; भग०
६, ३३; आया० २, १, ८, ४६; पञ्च० १;
(२) वीजलुकुमार देव देवानु चैत्य वृक्ष.
विजुतकुमार देव का चैत्य वृक्ष. a tree
growing in the garden of the
deity, Vijjukumāra. ठा० १०, १;

—पुष्प. न० (-पुष्प) गुडरनु वृक्ष; आ
वृक्ष गुडरना वृक्षमां कथयित देवानु दशे:
जे वस्तु अनि भुक्तेषीथी प्राप्ते थड होय छे
तेने भाटना दीकरने आनी उपमा अपाय
छे. गुडर का फूल; यह फूल गुनर के वृक्ष
पर कचित् ही लगा हुआ दिखता है, जो
वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होता है उसे इस
पुष्पकी उपमा बीजाती है. a flower of
the Udumbara tree. (It is rare-
ly seen on the tree and so is
metaphorically used to express
a rarity.) "उडर पुष्पजिबुद्धमे" राय०
२४५; नाया० १; २; —वृक्ष पुं० (-वृक्ष)
गुडरना वृक्षी लरेख. गुडर के फल
से भरा हुआ. filled with the

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot note (*) p 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी० ३, ७८;

उंबर वृक्ष. पुं० (उदुम्बरवृक्ष) ओ नामने।
यक्ष. इस नाम का वृक्ष. Name of a
Yakṣa (a kind of demi-god).
विवा० ७;

उंबरि. स्त्री० (*) वनस्पति विशेष. वन-
स्पति विशेष. A kind of vegetation.
भग० २२, २; पंचा० १, २१;

उंबिका. स्त्री० (उंबिका) धुँ, जव,
गेहूँ, जव, चावल आदि की मज्जरी. Blossoms
growing on the plants of
wheat, barley, rice etc. पंचा०
१०, २३;

उंबेमरिया. स्त्री० (*) ओ नामजुं ओक
जलजुं वृक्ष. इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष.
A kind of tree. पञ्च० १;

उम्मेसावेस्तए. हे० क० अ० (उम्मेसयितुम्)
आप भीयवाने; आपने पलकारे। भार-
वाने. आँख मीचने के लिये. In order
to twinkle the eye. भग० १६, २;

उमुय. पुं० (उमुय) ओ नामना ओक जलज
कुमार. इस नाम का एक यादव कुमार.
Name of a Jādava (Yādava)
Kumāra. पण० १, ४;

उकसमाण. व० क० त्रि० (अकसमाण)
तथ्यतो. तनाता हुआ. Being tight-
ened. वेय० ६, ८;

उकुञ्जिय. सं० क० अ० (उकुञ्ज) उथेथी
हुआ यधने-शरीर नभायीने. कुबडा होकर-
शरीर नभा कर. Bending the body.

“ उकुञ्जिय विकुञ्जिय विकुञ्जिय दिज-
माखं पाहिमाहेति ” निसी० १७, २२;

उकुञ्जिया. स्त्री० (*) उकरी; उकरी।
वृत्त. A dung-hill. निर० १, १;

उकञ्जण. न० (उकञ्जण-उक-ऊर्ध्व शूला-
धारोपचार्य कञ्जणंतथा) शरीरमे यदावधाने
उथे उथकपुं ते. किसी को शूली पर चढ़ाने
के लिये ऊँचा उठकना. Lifting up
a person in order to impale
him. सूय० २, १, ६२; (२) शुष
वगैरना भाष्यसना जोटा वभाष्य करवां ते;
भुशामत. गुणरहित मनुष्य की प्रशंसा
करना; बुशामत. praising an un-
worthy person to flatter him.
नाया० २; (३) गरीबने वधारे दंड करवा
ते. गरीब को बहुत दंड देना. mulcting;
the poor more heavily. भग०
११, ११; (२) काधने छेतरवाभां पासे
उभेले। जाले भाष्यस लथी जशे अम लथी
वातयित यंध राखवी ते. किसी को ठगने
के समय-धोका देते समय पास में खड़े हुए
समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात
चीत बंद करना कि वह समझ जावेगा.
stopping deceitful conversation
lest a wise by-stander might
hear it. शोब० ३४; राय० (५)
दाय; इश्वत. रिश्वत; घूस. bribe;
bribery. नाया० २; दसा० ६, ४; राय०
२०७; —दीव. पुं० (—दीव) मशाल.
मशाल. a torch. भग० ११, ११;

उकञ्जणया. स्त्री० (* उकञ्जण) मुग्ध जनने
छेतरवा ठेग करवा-छल करवा ते. कम
समझ मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना—

बुझ करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. ओष० ३४;

उत्कण्ठिय. त्रि० (उत्कण्ठित) उत्कण्ठा वासो;
उत्सुक थपेल. उत्कण्ठायुक; उत्सुक.
Anxious; eagerly longing. नावा०
१४; सु० च० २; ४४०;

✓ उत्कण्ठ. धा० II. (उत्+कृत्) भांस अने
आमडीनुं उपोडनुं-उतारनुं ते. भांस और
चमड़ी का निकालना. To flay; to cut
out skin and flesh.

उकण्ठे. सू० १, ४, १, २१;

उकण्ठंत. सु० च० १०, ७७;

✓ उत्-कण्-प्रे० धा० II. (उत्+कम्प+णि)
अपावतुं; दवावतुं. दवाना; To cause
to be massaged or shampooed.
उकण्ठवेह. विव० ६;

उत्कण्ठिअ. त्रि० (उत्कण्ठित) बांसनी कामडी
थी अधिष्ठ. बांस की किमड़ी से बांधा हुआ.
Fastened with strips of bam-
boo. आया० २, २, १, ६४.

उत्कण्ठिय. स्त्री० (औपकण्ठिका-कण्ठायाः
समीपमुक्त्वा तदावृद्धिकोपकण्ठिकादेव
तथा) साध्वीना २५ उपकरणभानुं अक
उपकरण; नभषी आशुनी छातीथी कंभ
सुधी सीन्धा पगर धारण करवानुं यत्न है ने
अढी हाथनो चौरस कटका होय छे. साध्वी
के २५ उपकरणों में से एक उपकरण; दाहिनी
तरफ की छाती से कांख तक बिना सिला
हुआ वस्त्र जोकि अढाई हाथ का एक चौरस
टुकड़ा होता है. One of the 25
articles of use permitted to a
nun; a kind of bodice (unsewn)
covering the breast, being 2½
arms in length and breadth.
ओष० ति० ६७७;

v n / 21.

उत्कण्ठि. अ० (उत्कण्ठि) उत्कर्ष उत्कर्षता.
Rise; intensity. सू० ५० १६;

उत्कण्ठः त्रि० (उत्कण्ठक) पृथ्वी उपर शरीर
राश्वीने पवित्रता पडे भेडेल. पृथ्वी पर
शरीर रख कर पवित्रता से बैठा हुआ.
Seated on the ground with
pure mind and body. पंचा० १८,
१६; (२) उकडु आसन. उकडुक आसन.
a seat in a particular bodily
posture. प्रव० ५६२;

उत्कण्ठ. त्रि० (उत्कण्ठ) प्रकृष्ट; उन्नत; उन्नत.
प्रकृष्ट; ऊंचा; उन्नत. High, raised;
intense. उवा० २, १०७; पण० १, १;
नाया० १; (२) पसरेश. फैला हुआ.
spread; extened. कपर० ३, ४३.
(३) अधिष्ठ; यथारे. ज्यादा; बहुत
more; additional. भग० १५, १;
पि० नि० ३१६; (४) कलुषित; डेडुं
कलुषित; गंदला. turbid; muddy
वव० २, २; (५) अश्वान. सबल
strong; powerful. नाया० ६; — गं-
धविलिप्त. त्रि० (-गन्धविलिप्त) अनि
दुर्गंधथा व्याप्त. बहुत दुर्गंध से व्याप्त.
highly stinking. नंदी० — जागि.
त्रि० (-योगिन्) उत्कृष्टयोगे वर्तते.
उत्कृष्ट योगी. (one) practising the
highest kind of contemplation.
क० गं० ५, ८६;

उत्कण्ठय. न० (उत्कण्ठक) उकडु आसन;
उभयध पगे भेडनुं ते. उकडु आसन; घूंटों
के बल बैठना. A kind of bodily
posture; squatting दसा० ७, ६;
नाया० १; पंचा० ५, ११६;

✓ उत्-कण्ठ धा० I. (उत्+कृत्) अ.आ६
थु आबाद होना. To flourish; to
prosper.

उत्कृष्ट. क० प० १, १०;

उत्कृष्ट. पुं० (उत्कृष्ट) चोरने भोलावी
चोरी करना. चोर को बुला कर चोरी करने
वाला. One who calls a thief
and steals. परह० १, ३;

उत्कृष्टि. सं० कृ० अ० (उत्कृष्ट)
कापीने. काट कर. Having cut off.
सु० च० १०, ८४;

उत्कृष्टि. न० (उत्कृष्ट) भास उतारवी;
आभसी उतारवीं ते. चमड़ा उतारना निका-
लना. Flaying; cutting off the
skin. परह० १, १;

उत्कृष्ट. पुं० (उत्कृष्ट) पहेलेथी न गणुतां
छेलेथी गणुतुं ते; पश्चात्पूर्वी; उलटो क्रम.
शुरू से न गिन कर अखिर से गिनना; उलटा
क्रम. Counting from the end
instead of the beginning; re-
versed order. विशेष० २७१: प्रब०
१०६१;

उत्कृष्ट. त्रि० (उत्कृष्ट) प्रारब्धयोगे
प्राप्त थयेस. प्रारब्धयोग से प्राप्त. (Got
through fate. " अहवा उत्कृष्टं
भवंति" सूर्य० १, २, ३, १७;

उत्कृष्ट. पुं० (उत्कृष्ट) समूह; सघात
समूह; जमघट. A collection; a
group. कण० ३, ४२; (२) कर रहित.
कर रहित. (one) having no arm.
नाया० १; भग० ११, ११; जं० प०
कण० ५, १०१;

उत्कृष्टिभाष्य. पुं० (उत्कृष्टि भाष्य)
अभिरुचि के सुकेय भगवती वगेरेतो
तऽ तऽ करतो थतो भेद-भेदतः अरंडी के
बीज अथवा सूखी हुई मूंगफली वगैरह का

तबतब करता हुआ जो आवाज हो वह.

Breaking of dry ground-puts
and other seeds with a crack-
ing sound. " अरंडी के बीजों का उत्कृष्टि-
भाष्य भिन्नभिन्नमात्रां" भग० ५, ४;
पम० ११;

उत्कृष्टि. पुं० (उत्कृष्ट) उत्कर्ष; अतिशय;
उत्कर्ष; बहुत ज्यादा; उच्च दशा. Inten-
sity; abundance; excess. " अत-
समुत्कृष्टिस्थं" सूर्य० नि० १, २, २, ४३;
विशे० १५८३;

उत्कृष्टि. स्त्री० (*) उत्कृष्टि;
मलीन वस्तुने संभ्रम. कचरा; मलीन वस्तु
का संग्रह. A dung hill. नाया० २;

उत्कृष्ट. त्रि० (उत्कृष्ट) यज्ञी इलावालो;
वृद्धि पाभना. चढता कला वाला; वृद्धि
पाने वाला. Rising; increasing.
" पंच उत्कृष्टा पचयता तंजहा दंडुकले
रज्जुकले" ठा० ५, ३; (२) त्रैलोक्य
अथ विशेष. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष
a kind of three-sensed living
being. उल० ३६; १३६;

उत्कृष्टिभाष्य. स्त्री० (उत्कृष्टिभाष्य) वधारे
नानो समुदाय बहुत छोटा समुदाय A
smaller group. आंव० २७; (२)
त्रैलोक्य अथ विशेष; त्रैलोक्यी तीन इन्द्रियों
वाला जीव विशेष. a kind of three-
sensed living being कण० ६, ४५;
(२) लहर; तरंग. लहर. a wave. ठा० ४;
(३) वायुनी भाइक यह दूरतुं ते. वायु के
समान चक्र काटना. whirling like
wind. जीवा० ३, ४; — अरंड. पुं०
(-अरंड) अरंडीवाला धातु. मकड़ी का

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

अणवा. a spider's egg. कप्प० ९, ४४;
—वाय. पुं० (-वात) थोड़ी थोड़ी बारने
अन्तरे वातो अेक प्रकारने वायु. एक प्रकार
की हवा जो थोड़े-२ समय के बाद चलती है
a kind of wind blowing at small
intervals of time. पञ्च० १; आया०
नि० १, १, ७, १६६; उत्त० ३६, ११८;
जीवा० १;

उत्कलिका. स्त्री० (उत्कलिका) डंपरी
जुं आयेजुं ते. बार बार जाना आना.
Coming and going in quick
succession. राय० १८३;

उत्कलिय. त्रि० (उत्कलिक) अेक प्रकारने
अव्यक्त शब्द. एक तरह का अव्यक्त शब्द.
A sort of indistinct sound. भग०
२, १;

उत्कस पुं० (उत्कर्ष-उत्कृष्यते आत्मा र्पा
ध्मातो विधीयतेऽनेनेत्युत्कर्षः) मान; अहं-
कार. मान; घमंड. Pride; conceit.
“ उत्कसं जलवं लूमं मज्जरथं च वि निचय ”
सूय० १, १, ४, १२; (२) १५१रेभां
१५१रे. अधिकार्थाधिक. maximum;
highest limit. क०गं० ४, ७४;

उत्कस्स पुं० (उत्कर्ष) मान; अहंकार. मान;
घमंड. Pride; conceit. सूय. १, १, ४,
१२;

उत्कस्स. त्रि० (उत्कर्षवत्) महवाहुं; अभि-
मानी. घमण्डी; महान्मत्त; आर्भमाना
Proud; conceited. सूय० १, १, ४, १२;

उत्कस्समान. त्रि० (अपकर्षवत्) हुंहुं करतो.
छोटा करता हुआ. Cutting short.
(२) पाहुं पेंथतो. पीछे खेंचता हुआ.
Pulling backward. “ पवंगंसि वा
उवंगंसि वा उत्कस्समाधि ” ठा० ४;

उक्ता. स्त्री० (उक्ता) मूल अग्निथी छुटा
पडेल आगना तनया. मूल अग्नि से अलग

हो चुका हुआ अग्नि का तिनगा. Sparks
of fire ओष० नि० भा० ३१०; नंदी. १०;
दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा. ३, १;
ठा० ८; दिगुं ६६ दिग्वाह; दिशा की ललास
preternatural redness of the
horizon. उत्त० ३६, ११०; आकाशभां
व्यंतरादिकृत अग्नि देखाय ते. आकाश में
व्यंतरादिकृत अग्नि का दृश्य. a fiery ap-
pearance in the sky--the work
of Vyantara etc. दस० ४; पञ्च० १;
(४) तेजनी ज्वाला. तेज की आला.
fire; flame of light. ओष० नि०
२१०; उल्कापात; ताराजुं अ पुं०. उल्कापात;
तारे का दूटना. falling of a meteor.
भग० ३, २; —पाय. पुं० (-पात)
उल्कापात; आकाशभांथी ताराओजुं पड्युं.
उल्कापात; आकाश से तारा का दूटना. fall-
ing of meteors from the sky.
भग० ३, ७; —वाय. पुं० (-पात-उल्का
आकाशजातस्याः पातः) लुओ “ उल्कापाय ”
शब्द. देखो “ उल्कापाय ” शब्द. विदो
“ उल्कापाय ” अणुजो० १२७; ठा० १०,
१; भग० ३, ६; —सहस्स न० (-सहस्र)
अग्नीना हजरे पिपड तनया. अग्नि की
हजारों बिनगरियां. thousands of
sparks of fire. ठा० ८;

उक्तापाया. स्त्री० (उल्कापाता) उल्कापात-
तारा अरे तेनुं शुभाशुभ अणुयानी विद्या.
उल्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या.
Science of interpreting the
good or evil effects of the fall
of meteors. सूय० २, २, २७;

उक्तामुह. पुं० (उक्तामुह) अव्यय समुद्रभां
आहसे योजन उपर आवेल उल्कामुह
नाभने अेक अंतर दीप. लवण समुद्र में
आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उल्कासमुह

नामक एक अंतर द्वीप. Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavana Samudra at a distance of 800 Yojanas. ठा० ४, २; (२) तेमां रहेनार भनुय. उक्त द्वीप के अंदर रहने वाला भनुय. a native of the above island. जीवा० ३, ३; पञ० १; (३) भंगा नदीनी अधिष्ठात्री देवीने निवास पयंत. गंगा नदी की अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत. the mountain-abode of the presiding goddess of the river (Gangā) ठा० ८, १;

उत्कालिका-य. न० (*उत्कालिक—उत्कर्ष काकास्वठवतेतत्ता) आर अक्षाक्ष सि पाय आरे पहेर अक्षाय तेयुं सूत्र; उववाध आदि उत्कालिक सूत्र. चार अकालों के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पढ़े जाने योग्य—चारों प्रहरों में पढ़े जाने योग्य सूत्र; उववाध आदि उत्कालिक सूत्र. Utkālika Sūtras viz Urvāi etc. which can be studied during all the four Prāhars, excepting the 4 Akālas “वेकिंत उत्कालिकां उत्कालिकां अयोग विहा पण्यता” नंदा० ४३; अणुजो ४; ठा० ३, १;

उत्कास पुं० (उत्कर्ष) अभिमानपी पोतानी, समृद्धिना. यथायु इत्यां ते; मेहनीय इमनी ओक प्रकृति. अभिमान से अपनी समृद्धि का बखान करना; मोहनीय कर्म की एक प्रकृत. A variety of deluding Karma; praising one's own prosperity through pride. भग० १२, ४;

उच्छिष्ट. त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट; सर्वोत्तम; श्रेष्ठ. उत्कृष्ट; उत्तम; सब से श्रेष्ठ. Excellent; surpassing; best.

नाया० १; ८; १७; निखी० १७, ३२; राय० २६; पि० नि० ५३.५; दस० १, १; ४, १६; जीवा० ३, १; भग० ३, १; २; ६, ५; कण्ठ० २, २७; (२) क्षिंभडा तुंभडा भीडा वगेरेने मोरीने इरेख जीवा ६६डा. तरबूज, तुंबडी, मिंडी आदि को काट कर किये हुए छोटे टुकड़े slices of vegetables, like water-melons, gourds etc “उच्छिष्टमसंसङ्ग” दस० ५, १, ३४; (३) इरेख वगेरे अभुक् यत्त भाटे भांभुं नही ते. कर्क बगैरह का अभुक् समय के लिये नहीं मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time. “उच्छिष्टं उत्करं उत्कृष्टं अदिजं अमिजं” भग० ११, ११; कण्ठ० ५, १०१; —वण्णग. पुं० (—वर्षक) प्रधान-उत्तम-अद्वैत. उत्तम-सर्व श्रेष्ठ-चंदन. excellent sandal-wood. ‘उच्छिष्ट कण्णगोवरि’ पंचा० २, १७; —मंक्खिसेस. पुं० (—संक्खेस) उत्कृष्ट स्थिति अथ जनक अध्यवसाय स्थान; दलकाभां दलकुं अध्यवसाय स्थान के श्रेष्ठी अशुभ उत्कृष्ट स्थिति अधाय. उत्कृष्ट स्थिति बंध करने वाला अध्यवसाय स्थान; नीच से नीच अध्यवसाय-कृत्य जिस से कि अशुभ कार्यों की उत्कृष्ट स्थिति बंधे. impure thought-activity causing increased duration of evil Karma क० ग० —सररीर. त्रि० (—सरार) उत्कृष्ट-भेदा शरीरवाधुं. बड़े शरीर वाला. having a big, bulky body. “उच्छिष्टे उत्कृष्टसरीरं भविस्सइ” विवा० ४; ७; नाया० ८; १४; १६; —सीहणाव. पुं० (—सिहणाव) भेदा अवाज; उत्कृष्ट सिहनाव. बड़ा आवाज; जोर का आवाज; उत्कृष्ट सिहणाव. thundering sound;

उककुडुअ न० (उत्कुकुडु) वि३३३ आसनः
 उलभपुण्ये भेसतनुं आसनः उलभ३३ आसनः
 उककुडु आसनः घूटों के बल बैठने रूप आसनः
 A squatting bodily posture:
 sitting on heels etc. आया० १, १,
 ४, ४; २, ७, २, १११; उत्त० १, २२;
 ओष० नि० भा० १५६; ओष० १६; भग०
 ७, ६; —आसण. न० (—आसन)
 उकुडु आसनः उलभ३३ पगे भेसतनुं ते.
 आसन विशेष, घूटों के बल बैठने के रूप
 आसन, squatting bodily posture;
 sitting on heels etc भग० २५, ७;
 —आसणिअ त्रि० (—आसणिक)
 उलभ३३ पगे भेसना२; उकुडु आसने भेस-
 ना२. उककुडु आसन से बैठने वाला; घूटों क
 बल बैठने वाला (one) in a squat-

ting bodily posture. ठा० ५, १;
भग० २२, ७;

उक्कुडुग. न० (उक्कुडुग) लुओ " उक्कुडुग "
शब्द. देखो " उक्कुडुग " शब्द. Vide
" उक्कुडुग " जं० प० नाया० १; आया०
२, २, ३, १०१;

उक्कुडुया. स्त्री० (उक्कुडुका) उभङ्ग भेसतुं
ते; पांय प्रकारनी नयद्या-भेङ्कभांनी ऐङ्क.
घुंटों के बल बैठना; पांच प्रकार की बैठकों
में से एक प्रकार की बैठक. One of the
five sitting postures viz. squat-
ting on heels etc. " पंच मिसिआओ
पं० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया "
ठा० ५, १;

उक्कुडुड. पुं० (*) उक्कुडु. घूरा. A
dung-hill. ओष० नि० ४६६;

उक्कुडुडय. पुं० (*) उक्कुडु. घूरा.
A dung-hill. (२) ओ नामने कोर्
भायुम. इस नाम का कोई मनुष्य. name
of a person. अणुजो० १३१;

उक्कुडुडिमा-या. स्त्री० (*) उक्कुडु.
घूरा. A dung-hill. विवा० १;

उक्कुडुय त्रि० (उक्कुजिन्) भदान् अत्यक्त
ध्वनि. बड़ी भारी अग्रगट ध्वनि. Loud
indistinct sound. परह० १, १;

उक्कुल त्रि० (उक्कुल) सम्मार्ग अथवा न्या-
यना दूत-तटथी दूर करनेवाले. सम्मार्ग अथवा
न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला.
Leading away from the path
of justice. परह० १, २;

उक्कुट. पुं० (उक्कुट) गशिः समूहः दगडो.
ढेर. A heap. ओष० नि० २६०; (२)
पृष्टि; उद्गर्जन; कर्मनी स्थिति यगेरेभां यधारे

करवे। ते. वृद्धि; बढ़ती; कर्मकी स्थिति वगेरह
में बढ़ती करना. increase; increase
in the duration of Karma.
विशे० २५१४;

उक्कोडा. स्त्री० (उक्कोडा) दांयः ३२५त.
रिखत; घूस. Bribe; bribery.
" उक्कोडाहिय परामवेहिय दिजेहिय " विवा०
१; परह० १, ३;

उक्कोसिय. त्रि० (औत्कोटिक-उक्कोडा कम्पा
तथा यं व्यवहरन्ति ते तथा) ३२५त आना२;
दांय देना२; दांय(ओ). रिखत खोर; घूस
लेनवाला. (One) who takes
bribes. ओष० भग० १, १;

उक्कोया. स्त्री० (उक्कोया) दांय. रिखत.
Bribe; bribery नाया० १८;

उक्कोस पुं० (उक्कोस) उयुं मोहुं करी शब्द
करना२ पक्षी; यातक; अपैयो. ऊँचा मुँह करके
शब्द करनेवाला पक्षी; चातक; पपैया. A
bird that screams with its
mouth raised up: e. g. Chātaka
etc. परह० १, १;

उक्कोस. पुं० (उक्कर्ष) उत्कृष्ट; यधारेभां यधारे;
धयुभां धयुं. उत्कृष्ट; श्रेष्ठः ज्यादा से
ज्यादा. Highest; longest. पंच० १,
२; १६, ४४; क० प० १, १२; ६७;
" उक्कोसं जीवो उसं वसे " उत० १०, ५;
ओष० ३८; नंदी० १४; अणुजो० ८६; ठा०
१, १; सम० १; विशे० ३४५; पि० नि०
३०; नाया० १६; दसा० ६, २, भग० १,
१; १०; २, ५; ३, ३; ५, १; ८; ६, ३; ८,
८; १०; ६, ३२; १६; १; १८, ७; २४,
२०; २५, ४; ३६, १; जं० प० २, २५;
(२) भान; अदंकार. अहकार; चमंड.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पुरनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vidh
foot-note (*) p. 15th.

pride. सू० १, २, २, २६; सम० २२; (३) उत्तम. श्रेष्ठ; अष्टका. excul-
lent; best हि० नि० भा० १२;
भग० १२, ५; —काल. पुं० (-काळ)
उत्कृष्ट-धत्तामां धत्ता काळ. ज्यादा से ज्या-
दा समय; उत्कृष्ट समय. the longest
time. भग० २४, १; —कालाट्टिह. स्त्री०
(-कालस्थिति) उत्कृष्ट काधनी स्थिति.
उत्कृष्ट काळ की स्थिति. duration
of the longest time. भग० १५,
१; -ट्टिह. स्त्री० (-स्थिति) धत्तामां
धत्ता स्थिति. ज्यादा से ज्यादा—अधिका-
धिक स्थिति. longest duration.
निर० २, २; —ट्टिहय. पुं० (-स्थितिक)
उत्कृष्टि-धत्तामां धत्ता स्थिति वालो. उत्कृष्ट-
ज्यादा से ज्यादा स्थितिवाला. one that
has the longest duration. ठा० १,
१; —पयस्य त्रि० (-प्रदेशिक) धत्तामां
धत्ता प्रदेश वालो. ज्यादा से ज्यादा
प्रदेश वाला. (one) having the
greatest number of molecules.
ठा० १; —पद. न० (-पद) उत्कृष्ट ५६;
उत्कृष्टपदुं. उत्कृष्ट पद; श्रेष्ठ पद; उत्कृष्टता.
excellent status; highest state.
“ उक्कोसपदे अट्ट अरिहंता ” ठा० ८;
I. न० (-पद) लुओ उपलो १५६.
देसो ऊपर का शब्द. vide above.
भग० ११, १०; —मयपस. त्रि० (-मद
प्राप्त—उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्तः)
उत्कृष्ट भदवालो. उत्कृष्ट मदवाला. highly
intoxicated with pride. जीवा ३;
पत्र १७; —सुयज्ञाणि. त्रि० (-सूत्र
ज्ञानिन्) उत्कृष्ट श्रुतज्ञानवालो. उत्कृष्ट श्रुत
ज्ञानवाला. (one) highly learned
in the scriptures. विरो० ४५२;

उक्कोसअ. पुं० (उत्कर्षक) भेदाभां भेदो.

बदे से बड़ा. One that is highest
or biggest. अणुजो. ११२;
उक्कोसओ. अ० (उत्कर्षतस्) ५५२मां
५५२रे; उत्कृष्टपदे. उत्कृष्टतासे. At the
maximum limit; at the highest.
प्रब० ७६४;

उक्कोसंत. त्रि० (उत्क्रोशत्) आ३-६१ ३२तो.
आक्रन्दन करता हुआ; चिल्लाता हुआ.
Screaming; crying aloud.
परह० १ १;

उक्कोसग पुं० (उत्कर्षक) उत्कृष्ट; भेदाभां
भेदाभां. उत्कृष्ट; श्रेष्ठ; बदे से बड़ा. One
that is highest, biggest or best.
“ तताणं च उत्तमं कट्टं वसे उक्कोसए
अट्टारस्स मुहुत्तं ” चं० प० १; भग० २५, ६;

उक्कोसेअय त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट;
५५२रेमां ५५२रे. उत्कृष्ट; ज्यादा से ज्यादा.
Highest; highest in amount.
जं० प० ७, १३४; उत्त० ३३, १६; भग०
५, १; ८, १०; ११, ११; १८, ७; १६, ३;
बव० १, १७; नाया० ८; भज० ३७;
पंचा० ८, २६;

उक्कोसिय. पुं० (उत्कृष्टिक) ओ नमना गो-
नना प्रवर्तक ऋषि. इस नाम के गोत्र के
चलानेवाले ऋषि. (A saint) the
progenitor of a family of that
name. “ येरस्सणं अउअवहरसेणास्स उक्का-
सिय गोत्तस्स ” कट्ठ० ८;

उक्क. पुं० (उक्क) संश्लेष. सम्बन्ध. Con-
nection; relation नदी०

उक्कसंभ. पुं० (उत्तम) ओरधी रोकनु ते.
ओर से रोकना. Stopping. checking
forcibly. संत्था०

उक्कसंभिय. त्रि० (उत्तमिक) ओरधी
रोकना; अटकापना. बल पूर्वक रोकने वाला.

(One) who stops or checks forcibly. संत्वा०

उपसर्गण. न० (उत्खनन) उभेत्तुं ते. उत्खानना. Digging out; scratching out. पण्ड० १, १;

उपसर्गणिय. त्रि० (उत्खनित) उभेत्तुं नाभेत्तुं. उत्खाडा हुआ. Dug out; rooted out. पि० नि० २४६;

उपसर्गय. त्रि० (उत्खात) उभेत्तुं; भोदेत् उत्खाडा हुआ; खोडा हुआ. Rooted out. सु० च० ४, ५६; नाया० ७;

उपसर्गल. पुं० (उदूषक) उभल; आंसली. मोसली. A mortar. पण्ड० १, १;

उपसर्गलग. पुं० (उदूषक) आंसली. आंसली. कुटने की मोसली. A mortar used for pounding. “ को संयमो यमेहाय सुपुष्पलगं च सारगलगं च ” सूय० १, ४, २, १२;

उपसर्गलुब्धिय. सं० क० अ० (*) अन्नेर्द्धाने. खजाकर. Having scratched or rubbed with the nails of the hand to remove itching sensation; having tickled. आया० २, १, ६ ३२;

उपसर्गा. स्त्री० (उका) धात्री; तोखड़ी; हाँडी. धात्री; हंडी; भरतिया. A metal or earthen pot or pan. “ एनायां उपसर्गातो परिण सिज्जमावे पहाय ” आया० २, १, २, १०;

उपसर्गण. त्रि० (*) अरुयेत्. खर-डाया हुआ; क्षिप्त. Bespattered; smeared. पण्ड० १, ३;

उपसर्गत. त्रि० (उचित) सिंयेत्; निक्षेपन

करेत्. खींचा हुआ; छेप किया हुआ. Smeared; bespattered. “ चंदबो-विस्तगाय सरीरे ” सूय० २, २, ५५;

उपसर्गत. त्रि० (उचित) उभुं करेत्; उपाडेत्. उठावेत्. ऊंचा किया हुआ; उखाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up; lifted up. पि० नि० २८४; नाया० १; ३; ८; भग० ८, ६; १६, ५; वंय० २, १; आवा० ८, ६; (२) शाताधर्म कथा सूत्रना पहेला अध्यायनं नाम. शाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jātādharma-kathā. नाया० २; (३) गानना चार प्रकारमाने अेक प्रकार. गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music. राय० ६५; अं० प० ५, १२१; (४) आकर्ष्यु करेत्; अयेत्. आकर्षित; खींचा हुआ. attracted; drawn. नाया० १६; —कण्ठनास. त्रि० (—कर्णनास) जेना कान अने नाक उभेत्तुं नाभ्या छे ते. जिसके कान और नाक उत्खाड डाले हो वह. (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out) विवा० २; ६; —खरज. त्रि० (— खरक) शंभवाना वासजुभांथी आवाना वासजुम गृहस्थे पोताने आया करेत्तुं होय तेन लुं अवे। अभिग्रह धरी गोथरी करनार. सिम्माने के बर्तनमें से खाने के बर्तन में अपने खाने के लिये ग्रहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेने की प्रतिज्ञा करके भिक्षा मांगने वाला. (one) who begs alms with a determination to take

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. ओव० १९, ठा० ५, १; पण्ह० ३, १; — २ पुं० (-वरक) जुओ ७५५। श०६. देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा० ५; ओव० —एणिकिस्सत्तवरअ. पुं० (-निजि-सवरक-पाकभाजनादुत्तिष्ठत्य निजितं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तवरतीति तथा) रांधयाना वासलुभांथी आपाना वासलुभां कादेश हेत्य तेने श्रीम वासलुभां नाप्ते तेने-नार; अक्षिग्रहधारी भुनि. सिक्काने के बरतन में से खाने के बरतन में निकाले हुए भोजनको दूसरे बरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel. ओव० —पसिण्णवागरण. न० (-प्रश्नव्याकरण—उत्तिष्ठान्तिसंक्षिप्तानि प्रश्नोत्तरावदुत्तिष्ठत्प्रश्नव्याकरणाणि) संक्षिप्त प्रश्नव्याकरण; संक्षेप में सवाल जवाब a brief catechism. भग० १६, ५; —पुव्ववसहि. पुं० (पूर्ववसांत) आय-सति-भक्षानभां रहो अम कही साधुने पहले पड़ेले अतावेध उतारो. साधुको, इस वसांत घरमें हो यह कहकर पहले पहल बतलाया हुआ उतरने का स्थान. a lodge first pointed out to an ascetic with the words "live in this house." आया० २, २, ३; ८७; —बलि. न० (-बलि) ७५२ ईडेस अलिदान; अलिदान

तरीके ७५२ ईडेस. ऊपर फेंका हुआ बलि-दान; बलिदानरूप से ऊपर फेंका हुआ. an oblation thrown upwards. "अंगमंगानि सरहिराहुं चडहिसि करोति" नाया० ६; —विवेग. पुं० (-विवेक-उत्तिष्ठ-सस्य शुष्कौदनादिभक्ते निक्षिप्तस्य त्रि-नामयोग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथक्करावमुत्तिष्ठ विवेकः) आत वगेरेभां पडेस अलुअपलु। द्रव्यने लुहुं कादी नाअनुं ते. भात वगेरह में पडे हुए वतियोंके अयोग्य द्रव्य को पृथक् कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. आब० ६, ६;

उक्खित्तअ-य. त्रि० (उत्तिष्ठत्तक) भीतने अेक प्रकार; शरआतथी अदते स्वर आनुं ते. गीतका एक भेद; प्रारंभ में उच्च स्वर से गाना. A pitch of music; singing with a high pitch. ठा० ४, ४; जीवा० ३, ४; राय० १३१;

उक्खित्तयाअ. न० (उत्तिष्ठत्तया) जेजे ससधाने ७५२२५ पण ७५५५ ते उत्तिष्ठन्-मेघकुमार; तंनुं दृष्टान् जेभां आपयामां आनुं छे ते अभ्ययन; ज्ञाता-सूतनुं प्रथम अभ्ययन. खरगंश को बचाने के लिये पैर उंचा रखनेवाले उत्तिष्ठमेघ कुमार का दृष्टान्त ज्ञानमें दिया गया है वह अभ्यास; ज्ञातामूत्र का प्रथम अभ्ययन. The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghākumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया० सम० १६;

उक्खित्तय. न० (उत्तिष्ठत्तक) भीतने प्रथम प्रकार. गीत का प्रथम प्रकार. The first of the varieties of music. जं० ५० राय० १२१;

उक्खुल्लपिय. सं० इ० च० (*) अंग्ने-
लीने. *Scratching; rubbing*
with the nails of the hand,
to remove an itching sensation.

नो गाहावह संगुल्लियाप उक्खुल्लपिय
(उक्खुल्लपिय) जाहजा' आया० २, १,
६, ३२;

उक्खोव. पुं० (उत्थेव) उथे उपासुं; उथे
ईकंउं. ऊंचा उठाना; ऊंचा फेंकना. *Lift-*
ing up; tossing up. जीवा० ३, ४;
पिं० नि० २२७; (२) आरंभ वाक्य.
आरंभ का वाक्य; शुरू का वाक्य. *com-*
mencing sentence or words.
उवा० ३, १२६, ४, १४५; निर० ३, ३;
(३) अधिकार; अधिकार. अधिकार;
अभिधेय. *subject-matter.* विवा० ३;
(४) पुं० उपोद्घात. उपोद्घात; प्रारंभिक
वक्तव्य. *introduction; preface.*
उवा० ३, १२६; ४, १४५;

उक्खोवअ-य. पुं० (उत्थेवअ) प्रस्तावना;
उपोद्घात. प्रस्तावना; प्रारंभिक वक्तव्य;
उपोद्घात. *Introduction; preface.*
भग० २४, १; (२) त्रि० आधावे; अध्याय.
अध्याय; विभाग; परिच्छेद. *a chapter.*
नावा० ४० ५; ६; (३) पवन नाभयानो
वांसो पंथो. हवा करने का वांस का पंथा.
a fan. भग० ४, ३३; नावा० १; (४)
त्रि० ईकनार. फेंकनेवाला. *one who*
throws or flings. भग० ६, ३३;

उक्खोवअ. न० (उत्थेवअ) उथे ईकंउं;
न्यायदर्शन संमत पांच कर्म पैकी प्रथम
कर्म-किया. ऊंचा फेंकना; न्यायदर्शन सम्मत
पांच कर्मों में से प्रथम कर्म. *Throwing*

up; one of the five actions
recognized in the Nyāya
philosophy. विरो० ३४६२; ओव०
नि० २०३;

उग्रा. पुं० (उग्र) ऋषभदेव प्रभुओं रक्षक
तरीके नीमेजुं कुल; उग्रवंश. ऋषभदेव
भगवान् को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ
कुल; उग्रवंश. *The family ap-*
pointed as a guardian family
by lord Rishabhadeva; the
Ugra family. ओव० १३; सम०
२३२; नाया० १; ५; भग० ६, ३३; पञ्च०
१; उवा० २, १०७; जं० प० २, ३०;
(२) त्रि० उग्रकुलमां उग्रज थयेथ. उग्रकुल
में उत्पन्न. *one, born in the Ugra*
family. प्रव० ३६६; अणुजो० १३१;
उत्त० १६. ६; ओव० १३, २७; ठा०
३, १; (३) त्रि० उग्र; प्रधान; अशु-
भादे उग्र; तीव्र; प्रधान; बहुत भारी.
austere; chief; severe. पञ्च०
१; भग० १०, ४; २०, ८; नावा० ८;
(४) त्रि० उग्रकट; आकड़, दुष्मे आयरी
शाय तेजुं. उत्कट; कठिण. *strong;*
austere; severe. उत्त० ३०, २७;
सु० च० १, ३८४; नंदी० ५६; (५) त्रि०
उद्यम सहित उद्यम सहित; उद्योग सहित.
industrious; active. नावा० १९;
—कुल. पुं० (-कुल) उग्रकुल; जे कुल-
ने ऋषभदेवे रक्षक तरीके स्थापित ते कुल.
उग्रकुल; जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने
रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल.
the Ugra family appointed
by Rishabhadeva as a guar-

* लुओ पृष्ठ नं० १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नं० १५ की फूटनोट (*). *Vide*
*foot-note (*) p. 15th.*

उद्गम. पुं० (उद्गम) साधुने अर्थे आहारादि
निषम्यतां गृहस्थी आधाकर्मोदि लागता
१६ दोष, १ आहाकम्म; २ उद्देशीय, ३
पूष्कम्म, ४ मीसजयये, ५ ठवणा, ६
पाहुडिया, ७ पाउयर, ८ कीय, ९ पामिच्च,
१० परीयटि, ११ उग्गिभजे, १२ अभि-
हडे, १३ भानोहडे, १४ अच्चिञ्जे, १५
अज्जोयरे, १६ अण्णसिद्धे, ये सोलभानो
भमे ते ओक. साधु के लिये आहारादि बनाने में
गृहस्थ को लगनेवाले आगकर्मोदि १६ दोष;
१ आहाकम्म. २ उद्देशीय. ३ पूष्कम्म
४ मीसजायए. ५ ठवणा ६ पाहुडिया.
७ पाउयर. ८ कीय. ९ पामिच्च. १० परि-
यटि, ११ उग्गिभजे १२ अभिहडे १६ मालोहड
१४ अच्चिञ्जे १५ अज्जोयरे १६ अण्णसिद्धे,
इन सोलह दोषोंमें से कोई भी एक. Any
of the 16 faults connected with
the preparation of food by a
house-holder for an ascetic;
they are:- (1) Āhākamma (2)
Uddesiya (3) Pūikamma (4)
Misa jāyao (5) Thavaṇā etc.
(vide Guj explanation) पगह०
२, १; दस० ५, १, ५६; टा० ३, ४; उत्त०
२४, १२; सम० ५० १६८; पि० नि० १,
३०; सू० ५० २; मग० ७, १; प्रव० ५७१;
—उवघाय. पुं० (-उवघात) आधाकर्म
आदि उद्गमन-दोषी चारित्रनी विराधना
करती ते. आधा कर्मन् आदि उद्गमन दोष
से चारित्र की विराधना करना. damaging
one's right conduct by an
Udgamana fault e. g. by tak-

ing [Ādhākarma food etc. ठा० १; १०; —कोटि. जी० (-कोटि) उद्गम पक्ष; आधाकर्म अने उद्देशिकता तलु तलु भेद-भेदकर ७ भेद उद्गम डोटी तरीके गलेल छे. उद्गम पक्ष; आधाकर्म और उद्देशिक के तान तीन भेद जुमला कः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं. a group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddesika. पि० नि० ४०१; —दोष. पुं० (-दोष) १६ उद्गमन दे. ५; लुओ “उगम” शब्द. १६ उद्गम दोष; देखो “उगम” शब्द. any of the 16 Udgamana faults; vide “उगम.” “सोखल उगम दोसे गिहियो सुमुट्टिये” पि० नि० ४०१; पंचा० १३, २; —विसोहि. जी० (-विसोधि) १६ उद्गमनना दोषनो अभाव. १६ प्रकार के दोषों का अभाव. absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults. ठा० ५, २;

उगममण. न० (उद्गमन) उगयुं ते; सूर्यनो उदय. उगना; उदय होना; सूर्य का उदय. Rising up; rising; e. g. of the sun. जं० प० ७, १३६; —सुहुत्त. न० (-सुहूर्त) सूर्योदय थयानुं मुहूर्त. सूर्योदय होने का मुहूर्त. time of sunrise. मग० ८, ८;

उगमय-अ. त्रि० (उद्गत) गहार नीकणतो भाग. बाहिर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out. नया० १; राय० (२) उत्पन्न थयेल. उत्पन्न; पैदा हो चुका हुआ. born; produced. अणुजो० १२८; परह० १, ४; बिरो० १०६६; आव० ६१; प्रब० ५६६; कप्प० ४; ६३; (३) उगेल; उदय पामेध. उगा हुआ; उदय प्राप्त.

risen; come out. मग० ७, १; नाया० १; ओष० नि० १७५; जीवा० ३, ३; —विसिअ. त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिर्जीवमोपायो वस्यासौ) दिवसं उग्या पथी गेने वृत्ति-मोराक भेलवथानुं छे ते. दिन उदय होने के पीछे जिसे आहार लाना हो वह. (one) who has to acquire his food after sunrise. “भिवल्लय उगमव विसिअ अल्लथमिव” वेय० ५, ५;

उगमयई-ती. जी० (उद्गमती) पडवे, ७४ अने अग्यारस अे रात्रिनी तलु निधिनं नाम. प्रतिपदा, छठ और ग्यारस की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. जं० पं० ७, १५२; सू० प० १०; उगमसेण. पुं० (उद्गसेन) कंसना पिता उग्रसेन राजा; कृष्ण वासुदेवना ताथाना सोण लगर राजगोभां अभेसर. उग्रसेन राजा; कृष्ण के अधीनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा; कंस का पिता. King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Kṛṣṇa Vāsudeva. अंत० १, १; नाया० ५, १६; निर० ५, १;

उगमह. पुं० (अवग्रह) मन अने धान्दियेनी साथे वस्तुनो सम्बन्ध थतां प्रथम सामान्य बोध थाय ते; मतिज्ञानना चार प्रकारमाने पड़ेले प्रकार. मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद. General knowledge derived from the first perception of an object; the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशेष० १७८; भग० ८, २; १२, ५; १७, २०; नदी० २६; कल्प० ६, ६; (२) उपकार; आश्रय. उपकार; आश्रय. favour; support. भग० १७, १; (३) आशा; २७; संभति. हुक्म, आज्ञा; राय; सम्मति. order; permission; assent. वव० ४, २२; २३; ७, १७; दसा० १०, १; ओव० १२; वेय० १, ३७; रय० २७; २१६; परह० २, ३; नाया० १, २; १६; दस० ५, १, १५; भग० २, ५; ६, ३३; १५, १; १६, १; आया० २, १, ५, २८; २, ७, २, १६२; कल्प० १, ५; (४) अभिग्रहः नियम. अभिग्रहः नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct. अंत० ६, ३; (५) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions. सूय० १, ६, १०; दस० ६, १४; उत्त० ३१; ६; (६) आवास; निवास स्थान. आवास; निवासस्थान. an adode; a residence. निर० १, १; (७) अन्तर; आन्तर. अन्तर. interval; anything that intervenes or forms an interval. “उक्तिर्द्वं सद्भिद्युगो ” प्रव० ७७; —अणुणवणा. क्षी० (-अनुज्ञापना) अग्रग्रह-उपाश्रयनी २७. अवग्रह-उपाश्रय का आज्ञा, अथवा मंजूरी. permission to have an abode in monastery. सम० २५; —पडिमा. क्षी० (-प्रतिमा अवग्रहात् इत्यवग्रहोवर्त्तते स्तम्भप्रतिमा अभिग्रहः अवग्रहप्रतिमा) निवास करवाभां नियम अभिग्रह धारणे ते. उपाश्रयनी प्रतिमा-अभिग्रह. निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा-अभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular

place; e. g. in a monastery. “जाबोग्राहपडिमा पडिमा” आया० नि० २, १, १, १६; ठा० ७, १; पि० नि० ६१; —व्यवेष्ट. पुं० (-प्रवेश) भक्षानभां प्रवेश करवे। ते. मकान में प्रवेश. entering a house etc: पंचा० १२, २२; —ग्रह. क्षी० (-मति) इन्द्रिय अने अर्थ-नो सम्बन्ध थाय ते; मतिज्ञाननो ऐक भेद. इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना; मतिज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna ठा० ४, ४; ६, १; —ग्रहसंप्रया. क्षी० (-मत्तिसम्प्रद) मत्तिसंप्रदानो ऐक प्रकार; सामान्यपक्षे यस्तुनुं ग्रहण करतुं ते. मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद; सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा० ४, ३५;

उग्राहसंग्रह. न० (अवग्रहण) सामान्य अंशनुं ग्रहण करतुं-विचारतुं. सामान्य अंश का ग्रहण करना विचारना. (General perception; perception of broad outlines. विशेष० १७६; (२) स्थाननी आता. स्थान की आज्ञा. permission to lodge. आया० १, २, ६, ८६;

उग्राहसंग्रह. न० (अवग्रहान्तक) नायाने आशारे साध्वीनुं ऐक वस्त्र के जेना शुद्ध प्रदेश दांकयभां उपयोग थायछे; साध्वीना २५ उपकरणभांनुं ऐक. साध्वी के गुताङ्क ढकने का एक वस्त्र; २५ उपकरणों में का एक उपकरण. One of the 25 articles of use for a nun; viz a bottle-shaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रव० ५३६; ओष० नि० मा० ३१३; वेय० ३, ११; —पट्ठग. न० (—पट्ठक) साध्वीजं ओक्क उप्पगरत्थु. साध्वी का एक उपकरण. one of the articles used by a nun. वेय० ३, ११;

उग्गहिय. न० (अबग्रहीत) पाटीआरा उप्पगरत्थु; अभुक्क वप्पत सुत्ती वापरीने पात्ता धत्थी ने सोंपया ये. ३५ उप्पगरत्थु. अभुक्क समय तक काम में लेकर—पीछे उसके मालिक को सोंप देने योग्य उपकरण. An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner. ठा० १०;

उग्गहिय. त्रि० (अबग्रहीत) पीरसवाभाटे उपाडेत्थुं. परोसने के लिये उठाया हुआ. 'Taken up to be served as food' ठा० १०;

उग्गहिया. स्त्री० (अबगृहीता) गृहस्थने थाली शोरेमां पीरसेत्थुं भोजन साधुओ यत्नापूर्वक लेत्थुं ते; पि-उपगुणे पांथमे प्रक्षार. गृहस्थ द्वारा थाली बगैरह में परोसा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक प्रदण करना; पिंडेषणा का पांचवाँ भेद. Careful taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil; the 5th mode of begging food. ठा० ७; प्रव० ७४६;

उग्गाइय. सं० कृ० (उद्गय) गान करीने. गाता हुआ. Singing; having sung. ओष० नि० ६६;

उग्गाल. पुं० (उद्गार) ओडकारनी साथे अनाग के पाणी पेटमेंथी मोहामां आवे ते उकार के साथ अन्न या पानी का पेट में से मुंह में आना. Coming up of water

or food into the mouth along with eructation वेय० ५, १०;

उग्गाइत्ता. स्त्री० (अबगाहना) शरीरनी उचाध. शरीरकी ऊंचाई. The height of the body. भग० १६, ३; २२, ६; उग्गाहिम. त्रि० (अबगाह) घी आदिमां तलेसी वस्तु. ची बगैरह में तली हुई वस्तु. Food fried in ghee etc. पण० २, ५;

उग्गाहिय-अ. त्रि० (उद्ग्राहित) हाथमां धीरेत; उपाडेत्थ. हाथ में लिया हुआ; उठाया हुआ. Taken up; lifted up. ओष० नि० १६७;

उग्गाहियइत्थं. त्रि० (उद्ग्राहितम्) तपास करी. तपास करना; जांच करना. Examining; inquiring. वव० २, २२;

उग्गिण्ण. त्रि० (उद्गीर्ण) ओकेत्थ; वमेत्थ. बमन किया हुआ. Vomited. नाया० १; उग्गिलित्ता. सं० कृ० अ० (उद्गीर्ण) ओगा-लीने. उगाह कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e. g. like cows etc. वेय० ५, १०;

उग्गोवणा. स्त्री० (उद्गोपना) शोधत्थुं; ओपत्था करी. शोधना; खोजना; एषणा करना. To search; being in search of. पिं० नि० ७३;

उग्गोविय. त्रि० (उद्गोपित) भुंजाध अथेत्थ सूत्रने उकेलेत्थ; गुंथ काटत्थ. अस्वष्ट या कठिन सूत्र का संशोधन किया हुआ. Deciphered; e. g. a difficult Sūtra. भग० १६, ६;

उग्गहाइअ-य. त्रि० (उद्घातित) क्षुद्र प्रायश्चित्त. छोटा प्रायश्चित्त. Minor expiation. ठा० ५; नि० १०, १२; वेय० ४,

११; १२; (२) नाश पाये। नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined.
ठा० १०; —संकल्प. पुं० (—संकल्प)
लघु प्रायश्चित्तो विचार. लघुप्रायश्चित्त का
विचार. thought about minor
expiation. निसी० १०, २६;

उग्राहम. न० (उद्घातिम-उद्घातोभाग पात-
स्तेन निर्वृत्तमुग्रातिमम्) लघु प्रायश्चित्त.
लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation.
ठा० ३;

उग्राह. त्रि० (उद्घाह) शेषं दाहेतुं-यासेतुं;
शेषं भुङ्क्तुं; भोग्य न दीयेत्. कुछ बंका हुआ
और कुछ खुला हुआ. Partially
closed; not bolted. आव० ४, ५;
—कवाह. त्रि० (—कपट) अर्धुं दीयेत्
कमाः. आधा बन्द किया. a partially
closed door; a door not bolted
ओव० आव० ४, ५; —कवाहउग्राहणा.
स्त्री० (—कगटोद्घाहना) अध उग्राहं कमाः
पुं० उग्राह्यं ते; साधुनो गौयरीनो अत्र
अतिचार. आधा खुला हुआ किवाह पूरा
उघाहना; साधु का गोचरी का एक अतिचार
opening a partially closed
door; a fault in alms begging
by a Sādhu. “ पडिक्कमामि गोयरग
वरियाए उग्राहकवाहउग्राहणं” आव०
४, ५;

उग्राहण न० (उद्घाहन) उग्राह्यं, भाह्यं.
उघाहना; खोलना. Opening; opening
a door. पिं० नि० १०७; ओव० नि०
४७६; आव० ४, ५;

उग्राहणोरिसी. स्त्री० (उद्घाहणोरिसी)
पहेरने पाछे भाग; पोछो पहेर. प्रहर
का पिछला हिस्सा. The latter part
of a Prabara (a period of
time equal to about three

hours;) three-fourth of a
Prabara. प्रब० ५६८;

उग्राहिय-य. त्रि० (उद्घाहिय) उग्राह्य;
भुङ्क्तुं करेत्. उघाहा हुआ. खोला हुआ.
Opened. नंदी० ४२; पिं० नि० ३५२;
क० प० ५, ६४;

उग्राहियण. त्रि० (उद्घाहियण-उद्घाहियं
प्रकाशितं जानतीति) कहेल भाग लय-
नार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला.
(One) who knows anything
exactly as it is explained or
said to him. नंदी०

उग्राहय. पुं० (उद्घाह) लघु प्रायश्चित्त.
लघु प्रायश्चित्त. Minor expiation
ठा० ३;

उग्राहयण. न० (उद्घाहन) क्षय-नाश करने।
क्षय करना; नाश करना; Destruction.
आया० १, २, ६, १०२;

उग्राह्य. त्रि० (उद्घाह) ध्यायणा करेत्. घोषित;
घोषणा की गई हो वह. Proclaimed.
सु० च० २, १०१;

उग्राहयणा. स्त्री० (उद्घाहयणा) उद्घाहयणा -
करेत्. उद्घाहयणा; प्रमिद्धि. Proclama-
tion; declaration. नाया० ५; १५;

उग्राहसिय. त्रि० (उद्घाह) धसेयः मांजेत्.
धिसा हुआ; मांजा हुआ. Rubbed;
cleansed. “ उग्राहसियसुखिम्मलं
आयंसमंडलतलं” पगह० २. ४;

उच्छिन्न-य. त्रि० (उच्छिन्न) योग्य; लायक.
योग्य; उचित; लायक Fit; proper;
suitable. नाया० १; राय० ४४; पिं०
नि० ६४१; कप० ४, ६२; (२) भेदेल;
भेदेल जोड़ा हुआ; मिला हुआ. united;
joined. पंचा० १, ४३; —अनुग्राहण.
न० (—अनुग्राह) उचित-योग्य अनुग्राह.
उचित अनुग्राह; योग्य कार्य proper

performance. “उचित अणुद्वायाओ बिचित जइ जोगतुहा मोएस” पंचा० ६, १६; —करणिज्ज. त्रि० (-करणीय) योग्य कर्तव्यवादी. योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पंचा० १, ४३; —जाग. पुं० (-योग—उचितः स्वभूमिकायोग्यो योगा व्यापारः) पौनानी भूमिकाने योग्य व्यापार. अपनी भूमिका के योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा० ५, ४४; --ट्टिह. ब्री० (-स्थिति) उचित-योग्य स्थिति योग्य स्थिति. proper condition. पंचा० ३, ४;

उच्चिन्न (य) त्त. न० (उचितत्व) योग्यता; शायकता. योग्यता; त्याकत. Propriety; fitness. पंचा० ६, ५०;

उच्च. त्रि० (उच्च) उच्च; उत्तम; पूज्य. उच्च; उत्तम; श्रेष्ठ; पूजनाय. High; excellent; noble. “ उच्चावयाहिं सिजाहिं उत्त० २, २२; भग० २, ५; ३, १; (२) दिव्या शरीर तथा दिव्या कृत्त वादी. ऊँच शरीर तथा उच्च कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. नाया० १६; ठा० ४, ३; (३) नाम कर्मनी ओक प्रकृति के जेथी उच्च गोत्र प्राप्त थाय. उच्च गोत्र प्राप्त करी वाली नामकर्म की एक प्रकृति. name of a variety of Nāmakarina by the rise of which a man is born in a high family. क० गं० १, ३०—५२; ५, ३०; —आसण. न० (-आसन) उच्च आसन. उच्च आसन. a high seat. सम० ३३; दसा० ३, २४;

—गोय. न० (-गोत्र) उच्च गोत्र नामे गोत्रकर्मनी शुभ प्रकृति के जेना उच्चथी. उच्च उच्च गोत्र पामे. उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है. a variety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. उत्त० ३३, १४; —द्वारा. न० (-स्थान) उच्च स्थान. ऊँचा स्थान. high place; high position. “ उच्चद्वायागणसुग्गाह ” नाया० ८; —फल. त्रि० (-फल) लांया वप्पन सुधि जेनुं कृत्त रहे छे ते; चिरकालने उपकारि. लेबे समय तक जिसका फल रहता है वह; चिरकाल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit. “ उच्च फला अह सुजुं सउयित्थो ” वव० १, ३; —सह. पुं० (-शब्द) अहोटे शब्द. बड़ा शब्द; उच्च शब्द. loud sound. वव० २, ७;

उच्चंत पुं० (*) दांतने रंग; दंतराग. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth colour. राय० ५२;

उच्चंतग. पुं० (*) दंतने रंग; दन्तराग. दांत का रंग. Colour of the teeth; tooth-colour. जीवा० ३, ४;

उच्चंतय. पुं० (उच्चन्तक) जुओ उपलो शब्द. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. राय० पञ्च० १७;

उच्चंपिय त्रि० (*) जेरथी हल्लो करेअ. जोर से किया हुआ हल्ला. Violently attacked. “ सीसं उच्चंपियं कवं धम्मिय ” तंडु०

उच्चत्त. न० (उच्चत्व) उच्चपक्ष. उच्चता;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

वडपन. Nobility. सम० ७; नावा० ८;
जीवा० ३, ४; भग० २, ८; ६, ७; ८, ८;
११, ६; १४; ६, ३५, १; ४०, १५;
(२) गीयाध; ३६; जमीनना तवि"थी
गीयाध. ऊंचाई; कद; जमीन के तल से
ऊंचाई. height. प्रव० ४१२; ठा० १, १;
२, ३; जं० प० १, ४; २, २६; सम० ७;
सू० प० १; (३) उयको; अदलानी अमुक
वस्तु. बदलेकी वस्तु, a certain thing
as reward. ठा० ४, १; —भयञ्ज.
पुं० (-भृतक) उयको आपी काम करावी
ये ते सेवक. मजदूरी देकर जिससे काम कराया
जाय वह सेवक. a servant made to
work by paying some reward.
ठा० ४, १;

उच्चतरिया. स्त्री० (उच्चतरिका) अक्षर
लिपिभांती अक्ष. अठारह लिपिओं में की एक
लिपि. One of the 18 scripts.
सम० १८;

उच्चता. स्त्री० (*) भूत; कंधे अदले
भेयानी धमला न करपी ते. मुफ्त; कुछ भी
इच्छा रखे बिना. Gatis; without
desire of any reward or gain.
" तच्छताए हाखं दुखम " पि० नि० ३२२;

उच्चस्थवणञ्ज. पुं० (उच्चस्थापनक) गीया
मोढानुं लाज्ज निशेष; यंथु. ऊंचे मुंह
का बरतन. A vessel (n. g. a
pot) with a long neck; a
pitcher with a long neck.
अणुत० ३, १;

उच्चय. पुं० (उच्चय) गीयो दगले. ऊंचा
ढेर. A large heap; a high
pile. अंत० ६, ३; कण्ठ० १, ४; —बंध्य.

पुं० (-बन्ध—ऊर्ध्व चयनं शैलीकरत्वं तद्-
रूपोबन्ध उच्चयबन्धः) उपरी उपरी भुकी
दगले करवे ते; रूप अंध. एक के ऊपर एक
रखकर ढेर करना. heaping together
one upon another भग० ८, ६;
उच्चयर. त्रि० (उच्चतर) वधारे गीयुं. बहुत
ऊंचा. Higher; more high. भग०
३, १;

उच्चरण. न० (उच्चरन्) अक्षरादिना उच्च्यार
करवे. अक्षरादि का उच्चारण करना. Pro-
nunciation; act of pronouncing
words etc. गच्छा० ८२;

उच्चाम्र. त्रि० (*) थकी गयेल. बका
हुआ. Tired; fatigued. ओष० नि०
५१८;

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुया—उच्चा चासा
बकुचा-परिस्पन्द रहिताचोच्चाकुचा) जमीन-
थी उथी अने दावे यावे नदी तेथी शय्या.
जमीन से ऊंची और न हिलने वाली शय्या.
A raised, high, bed which
does not shake कण्ठ० ६, ५४;

उच्चाकुइया. स्त्री० (उच्चाकुजिका) जमीनथी
उथी अने उगमगती शय्या न करे तेथी
शय्या वगेरे. जमीनसे ऊंची किन्तु न हिल
सके ऐसी शय्या. A raised bed
which does not shake. कण्ठ०
६, ५४;

उच्चागय. त्रि० (उच्चागज-उच्चो बोआ:
पर्वतो हिमवान् तत्र जातं उच्चागजम्)
हिमायलमां उद्भवेल-उत्पन्न थयेल.
हिमालय में उत्पन्न. Born, produced
on the Himalaya mountain.
कण्ठ० ३, ३६;

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उच्छागोत्र-य. न० (उच्छगोत्र) उच्यु गोत्र; गोत्र कर्मनी उच्य प्रकृति. उच्च गोत्र; गोत्र-कर्म की उच्च प्रकृति. Noble family; a kind of Gotra Karma which causes birth in a noble family "से असहं उच्छागोए असहं नीआगोए" आया० १, २, ३, ७७; ठा० २, ४; अशुजो० १२७; सम० १७; क० प० ७, ४३; प्रब० १२६७; —कम्म. न० (—कर्मन्) उच्य गोत्र कर्म; गोत्र कर्मनी अेक प्रकृति. उच्च गोत्र कर्म; गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग० ८, ६; —खिंघि. पुं० (—निबन्ध) उच्य गोत्र कर्म आंध्रुं ते. उच्च गोत्र कर्म बांधना. performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family. "उच्छागोत्राबन्धो सासव वमथो य कोमांमि" पंचा० १२, ७; उच्छागोत्त. न० (उच्छगोत्र) लुओ "उच्छागोत्र" शब्द देखो "उच्छागोत्र" शब्द. Vide 'उच्छागोत्र' उत० ३, १, ८; उच्छानागरी. स्त्री० (उच्छानागरी) अे नामनी कोडियगल्थी नीकदेवी-शाखा; आर्य संतिसे-लिनी शाखा. कोडिय गणसे निकला हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Kodiyā Gṇṇṇ; the offshoot of Ārya Santiseṇika. कल्प० ८; उच्छार. पुं० (उच्छार) वडी नीत; आडे; विष्टा. विष्टा-मल; टही, Excrements. पि० नि० भा० १५; पि० नि० १६७; ५३६; वंय० १, ६८; खोव० उत० २४, १५; गृय० १, ६, १६; सम० ५; आया० २, १, ५, २, ६; नावा० १; २; ५; पज० १;

इस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३, १२, ७; २०; २; प्रब० ४३८; (२) वडी नीत करवी; मलत्याग करवे। शौच जाना; मल त्याग करना. answering the call of nature; getting rid of faeces "सेमि० उच्छार पासवण करियाए" आया० २, १०, १६६; (३) उपयोग अने यत्ना-पूर्वक परस्परपुं; पोथी परिहायलिया समिति. उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निष्पे-त्याग करना; पांचवीं परिठावणिया समिति. getting rid of, laying down, excreta etc. carefully. वृत्त० २४, २; —करण. न० (—करण) दिशाअे न्युं. मलमूत्रका त्याग करना. easing one-self; answering a call of nature. प्रब० २४; —खिरोह. पुं० (—निरोध) काडानो निरोध अटकाव करवे। ते. मल निरोध; दस्त रोकना. stopping, checking, of stools. "उच्छारखि-रोहेण पासवणखिरोहेण" ठा. ६, १; —पडिक्कमण. न० (—प्रतिक्रमण) उच्यार-विष्टा परस्परने धरिया वहिया पडि-कमनी ते. मल त्याग करके इरिया बाहिया रूप प्रतिक्रमण करना. performing Iriyā Vahiya Pratikkramaṇa (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature. ठा० ६; —पासवण. न० (—प्रसवण) आडे अने पेशाव. मल मूत्र. faeces or solid excrements and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६६; (२) आचारंगना श्रीम श्रुतरङ्गना श्रीम अथ्यननुं नाम. आचारांग के दूसरे श्रुत-स्कंधके तीसरे अध्यायका नाम. name of the third chapter of the second Śrutaskandha of

Achārāṅga. आया० २, २, ३, १०६;

—पासवण भूमि. स्त्री० (-प्रसवणभूमि)

आडा अने पेशाभ ५२६५५५नी जग्या. मल

मूत्र त्यागने की जगह. & place for getting rid of solid excrements

and urine. नाया० १; भग० २, १;

—भूमि. स्त्री० (-भूमि) जग्या जग्यानी

जग्या. शौच जाने का स्थान. a place for answering a call of nature.

दस० ८, १७; —मसत्र. पुं० (-मसत्रक)

स्थंडिल जग्याने भाटे भाजन पेशाब

करनेका पात्र. a vessel in which

urine, solid excrements etc.

are got rid of. कण्य० ६, ४६;

उच्चारण. पुं० (उच्चारण) ओक्षयुं ते.

बोलना. Utterance; speaking. पञ्च०

३६; पंचा० ६, ३८;

उच्चारण. न० (उच्चारण) विष्टापणं.

विष्टापन; मलत्व. State of solid

excrements. भग० ३०, ४;

उच्चार पासवण खेलजल्ल सिंघाण

पारिद्धावणिया समिय. त्रि० (उच्चार

प्रसवणलेखमसत्रासिंघानपरिस्थापनिका समित)

आडा, पेशाभ, अथओ, भेद, नाडने भेद,

अष्टक्षी ५२६५५५ समिति-गत्या-

वालो. मल, मूत्र कफ, मैल; नाक का

मैल, इन को यत्नाचार पूर्वक डालने वाला.

(One) careful in laying down

or throwing out solid excre-

ments, urine, spittle, bodily

dirt & snot. नाया० ५; दसा० ६. ११;

उच्चारिय. त्रि० (उच्चारित) उच्चारैक्ष;

उच्चारैक्ष करेक्ष. कहा हुआ; उच्चार किया

हुआ. Said; uttered. पञ्च० १७; सु०

च० १, ३६३; पि० नि० ६७;

उच्चारियव्य. त्रि० (उच्चारितव्य) उच्चारै

करेया योग्य. उच्चार करने योग्य. Worth

saying or uttering. भग० ६, ३;

१६, ४;

उच्चारैयव्य. त्रि० (उच्चारितव्य) लुओ

उपरो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide

above. भग० १, ४; ५, १; ६; २, ६;

जं० ५० ७, १६२;

उच्चारलइय. त्रि० (उच्चारणिक) दूर करे-

नाइ; असेउनाइ. दूर करने वाला. घसीटने

वाला. (One) who removes or

causes to move. “ जंचाणिजा उच्चा-

लइयंत जाणिजा दूरालइयं ” आया० १,

३, ३, ११८;

उच्चारलिय. त्रि० (उच्चारित) उच्युं करेयुं;

उपाउयुं. ऊंचा किया हुआ; उठाया हुआ.

Lifted up; raised up. “ उच्चारलिय

मिपाए हरिया समियस्स संकमट्ठाए ”

ओष० नि० ७४८;

उच्चावय-य. त्रि० (उच्चावय-उच्चावयाक्

उच्चावय) उच्य-नीय; उतभायम; अनेक

प्रकारनुं. ऊंच नाच; उत्तम अभय; अनेक

प्रकार का. Of various kinds;

high and low. स्य० १, १, १,

२७; उत्त० २, २२; नाया० १; १६;

१८; भग० ७, ६; १५, १; ओष० ४०;

पञ्च० ३४; राय० २६६; दसा० १; ३;

(२) अनुकूल प्रतिफल. अनुकूल प्रतिफल.

favourable as well as adverse

भग० १, ६;

उच्चावय. त्रि० (उच्चव्रत-उच्चानि महान्ति

व्रतानि येषां ते) महाव्रत धारी; उच्य व्रत-

वाओ. महा व्रत धारन करने वाला; ऊंचे

व्रतवाला. (One) observing high

or full vows. “ उच्चावयाहं मुखियो

चरंति ” उत्त० १२, १५;

उच्चावहता. सं० कृ० अ० (उचैःकृत्वा)
 उठ्युं करीने. ऊंचा करके. Having lifted
 up. पञ० १७;

उच्चविय. सं० कृ० अ० (उचैःकृत्वा) उठ्युं
 करीने ऊंचा करके. Having lifted or
 raised up. पञ० १७;

उच्चिद्भ्र. त्रि० (उचैःकृत्वा) उठ्युं. ऊंचा.
 High; elevated. ज्ञा० ३, ३;

उच्छूल. न० (उच्यूल = उच्यै चूला यथा ह्या
 तथा उच्यूलम्) उच्यै चोटी थाय तेरी
 रीते उठ्युं करेस भायुं. जिस तरह से मोटी
 ऊंची हो उस तरह से ओंछा-नांचा किया
 हुआ माथा. (Head) topsy-turvyed
 so that the tuft of hair becomes
 erect. विवा० ६;

उच्छूल. पुं० (अवचूल) हाथीना गथानी ओ
 आनुओ भुमया जेवुं लटकतुं पुमकुं. हाथी
 के गले के दोनों ओर भूमके के समान
 लटकता हुआ भूमका. An ornamental
 pendant (of the shape of a
 flower) on both the sides of
 the neck of an elephant. ओव०
 ३०,

उच्छूलग. पुं० (अवचूलक) ओओ उपशे
 श०६. देखो ऊपर का शब्द. Vide
 above. ओव० ३१;

उच्चोद्भ्र. पुं० (उचोद्भ्र) अलक्षित
 यक्षतिना ओक महेशनु नाम. ब्रह्मदत्त
 चक्रवर्ती के एक मंदिर का नाम. Namo
 of a palace of the Chakravarti
 Brahmadatta. उता० १३, १३;

उच्छ्रंग. पुं० (उच्छ्रंग) गोद; ओलो. गोदी.
 A lap अंत० ३, ८; ओव० ३१; सु० च०
 २, २४४; नाया० २; १६; विवा० ७;
 प्रब० १६०;

उच्छ्रय. त्रि० (उच्छ्रय) दांडेल ढांका

हुआ. Covered; hidden. ओव० पञ०
 २३; जं० प० २, १६;

उच्छ्रय. न० (अवच्छ्रय-अपशब्दं विरुपं वृत्तं
 स्वदोषाणां परगुणानां चावरणमपच्छ्रयम्)
 पैताना दोष अने भीमना गुणाने छुपावया
 ते; असत्यने ओक प्रकार. अपने दोष और
 दूसरे के गुण को छुपाना. Hiding one's
 own demerits as well as an-
 other's merits. परह० १, २;

उच्छ्रय. त्रि० (उच्छ्रय) अंदर उठे उठे उठे.
 अंदर उतरा हुआ; उठे में उतरा हुआ.
 Gone deep into the interior.
 अणुत० ३, १;

उच्छ्रय. त्रि० (उच्छ्रय) ओओ ' उच्छ्रय '
 श०६. देखो ' उच्छ्रय ' शब्द. Vide
 ' उच्छ्रय ' जं० प०

उच्छ्रयंत. त्रि० (उच्छ्रयन्) आ०७१६१
 करतुं; दांकरुं आच्छादन करता हुआ; ढंकता
 हुआ. Covering. " चक्षुषहसुच्छ्रयन्त-
 कश्चिद् गंधोर .. " परह० १, ३;

उच्छ्रयणा. स्त्री० (उच्छ्रयणा) उठ्युं ते.
 उछलना. Leaping up; throwing
 up. परह० १, ३;

उच्छ्रयित. त्रि० (उच्छ्रयित) उठ्युं ते.
 उछला हुआ. (One) that has
 leapt up. परह० १, ३;

उच्छ्रय. पुं० (उच्छ्रय) उच्छ्रयवादि; महो-
 त्सव. इन्द्रोत्सवादि; महोत्सव; बड़ा जल्ला.
 A festival; e. g. one in honour
 of Indra. नाया० १; भग० १, ३३;

उच्छ्रयंत. त्रि० (उच्छ्रयन्) उत्साह राभते.
 उत्साहवाला. Ardent; zealous; en-
 thusiastic. " अओमया उच्छ्रयन्ता
 नरेभ्य " इत० १, ३, ६.

उच्छ्राय. त्रि० (अवच्छ्रायित) आ०७१६१

क्रेतः; क्रेतः। ठांका हुवा। Covered;
hidden. नाया० १;

उच्छादय्या। स्त्री० (उच्छादन) उच्छेदन
करेयुं ते। उच्छेदन करना; उखाड़ना। Root-
ing out; cutting out. “ अंगारं
संभुतराणं घाताय वाहाय उच्छादय्याय ”
भग० १५, १;

उच्छाय। पुं० (उच्छाय) उच्छाय। ऊंचाई।
Height. ठा० ७;

उच्छादय्या। स्त्री० (उच्छादना) उच्छेद-
न। जातिका विच्छेदन करना-
नाश करना। Cutting off; debar-
ring. नाया० ८;

उच्छाह। पुं० (उच्छाह) उत्साह; उत्कंठा।
उत्साह; उत्कंठा। Zoul; enthusiasm;
eager longing. सू० प० २०; मम० ६;
उच्छेदय। न० (उच्छेदन) उच्छेद-
न। लेयुं ते। उधार लेना। Borrowing;
taking on credit. पि० नि० ११६;

उच्छेपग। पुं० (उच्छेपक) चोर विशेष;
भीष्म, भीष्म चोरों के चोर। चोर विशेष;
मीणा, भीष्म चोरों के चोर। A par-
ticular class or tribe of thieves;
e. g. Mīṇā, Bhīṣa etc पण०
१, ३;

उच्छिष्ट। त्रि० (उच्छिष्ट) खाता खाता बचेयुं;
अच्छिष्ट; भूतन. (Food)
remaining after one has eaten
a portion of it. प्रव० ११६;

उच्छिष्टा। त्रि० (उच्छिष्ट) उच्छेद करेयुं;
नाश पामेय। नाश पाया हुआ; नष्ट।
Destroyed; ruined ठा० ६; भग०

३, ७; कप० ४, ८८; — सामिः।
पुं० (-स्वामिक—उच्छिष्टो निःसत्तीभूतः
स्वामी यस्य तत्तथा) जेना स्वामी भूत
नाश पामेय हुआ ते। जिसका स्वामी नष्ट
हो गया हो वह (one) whose master
has been ruined. “उच्छिष्टा सामि-
याह वा उच्छिष्टा येन पाह” भग० ३ ७;

उच्छिष्ट। त्रि० (उच्छिष्ट) उच्छेद करेयुं।
ऊंचा किया हुआ। Raised up;
elevated. श्रव० २६; ३१; नंदी० ६;

उच्छु। पुं० (इच्छु) शेरडी। सांठा; गन्ना।
Sugar-cane. भग० १, १; आया० २,
७, ३; १६०; श्रव० पि० नि० २८०; सु०
च० २, २४; —खंड। पुं० (-खंड)
शेरडीना कटका। कटका। गन्नेका टुकड़ा।
a piece of sugar-cane. दस० ३, ७;
५, २, ३८; दसा० १०, ५; —गंडिया।
स्त्री० (-गण्डिका) शेरडीना गांठ
सहित कटका। गन्नेका गांठ सहित टुकड़ा।
a piece of sugar-cane with
joints. आया० २, १, १०, ५८;
—मेरग। न० (-मेरक) शेरडीनी गंडरी;
छोटी छेदित शेरडीना कटका। गंडरी; गन्नेक
बिना छिलके के छोटे टुकड़े। small pieces
of sugar-cane with the peel
chopped off. आया० २, १, ८, ४७;
—वण। न० (-वन) शेरडीनी वन। गन्ने का
वन। a forest of sugar-canes
अणुजे० १३१; —वाड। पुं० (-वाट) शेर-
डीनी वाट। गन्नेका वाड। a field of sugar-
cane where they are pressed
to extract juice. आया० नि० ७७१;
* उच्छुद्ध। त्रि० (*) उपर आवेयुं। ऊपर

आया हुआ. Come up; come to the surface. विशेष. ११४७;

उच्छुद्ध. त्रि० (विक्षिप्त) वेश्येय; विभेय. बिखरा हुआ. Scattered; dispersed.

शोध० नि० भा० २२१;

उच्छुद्ध. त्रि० (*) शैशयेय. चुराया हुआ.

Stolen. जीवा० ३, ३; (२) त्यजेय.

अपराध हुआ. abandoned. शोध० ३८;

संस्था० (३) पोताना स्थायी रूप करेय;

अपार करेय अवन स्थापने दूर किया

हुआ; बाहर किया हुआ removed. ex-

pelled from one's place. "आयाण

फलिय उच्छुद्ध दीह बाहू" तंदु० शोध० १०;

—सरीर. पुं० (—शरीर) नेत्रे शरीर

संस्कारने तथ दीहा छे अया मुनी. ऐसे मुनि

जिन्होंने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया

है. an ascetic who has given up

all physical needs or ceased to

attend to them. "चोरतयमी चोर

बभयारी उच्छुद्ध सरीरे" विवा० १; भग०

१, १; नाया० १;

उच्छेद. पुं० (उच्छेद) न.श. नाश. Des-

truction; annihilation. नंदी० ३६;

उच्छेय. पुं० (उच्छेय) शुभो विप्लो १७६.

देखो ऊपर का शब्द. Vide above.

नंदी० ३६; —कर. त्रि० (—कर) नाश

करना. नाश करने वाला. (one) who

destroys नंदी० ३६;

उच्छेयण. न० (उच्छेयण) निर्मूल करने;

उच्छेदन करने. निर्मूल करना; उच्छेद

करना. Uprooting; annihilating;

eradication. राय० २०८;

उच्छोभ. त्रि० (उच्छोभ) क्षोभ रहित.

क्षोभ रहित. Free from agitation.

शोध० नि० ४३३;

उच्छोलण. न० (उच्छोलन) अनृतनाथे

हाथ पर धोना. बिना गत्नाचार के

हाथ पर धोना. Careless washing

of hands and feet. सूय० १, ६,

१८; —(शा)पहोअ-य. त्रि० (—प्रश्रुत

—उच्छोलनेन प्रभूतजलवाहनाक्रियया धोता

धोतगात्रा ये ते तथा) प्रशु पाप्मिणी

गत्नाचार पर शरीर धोने धोना. बिना

गत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर धोकर

धोनेवाला. (one) who carelessly

washes his body (needlessly)

with too much water. शोध०

दस० ४, २६; —(शा)पहोइ. त्रि० (—प्र-

धाविन्—उच्छोलनगोदक यतनया प्रकषेण

धावतिपदादिशुद्धि करोति यः स तथा) गत्ना

पर पाद प्रक्षालन करना. बिना गत्नाचार

के पर धोनेवाला. (one) who

washes feet without proper

care. दस० ४;

उच्छोलितार. त्रि० (उच्छोलित) उच्छो-

लना. छीटनेवाला (One) who

washes or sprinkles. सूय० २, २, १८.

उज्जम पुं० (उज्जम) उद्यम; धंधा; प्रवृत्ति.

उद्यम; धंधा; व्यापार; प्रवृत्ति; कर्तव्य

तत्परता. Industry; activity; busi-

ness. शोध० २१; सु० च० १, २५;

नाया० ५; गच्छा० २;

उज्जय. त्रि० (उज्जय) तत्पर; तैयार. तत्पर;

उद्यम; तैयार. Ready; ready to

do, prepared. पद्य० १, ३; शोध०

नि० भा० ४६; सु० च० १, ३०३; पंचा०

* शुभो पृष्ठ नं० १५ नी पृष्ठनोट (*) देखो पृष्ठ नं० १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

८, ५; —विहार त्रि० (-विहार)
विहारभां उद्यत-उत्थमाद्य. विहार में उद्यत.
enthusiastic or zealous about
peregrination (Vihāra). पंचा०
१, ४६,

उज्जयंत. पुं० (उज्जयन्) गिरनार पर्वत.
गिरनार पर्वत. The Giranāra
mountain. प्रब० ३६४; —सेल. पुं०
(-सैल) गिरनार पर्वत. गिरनार पर्वत. the
Giranāra mountain. नाया० १६;

उज्जल. त्रि० (उज्जल) निर्मल; २१२७;
योक्षुं; शुद्ध; कलंक रहित. निर्मल; स्वच्छ;
साफ; निष्कलंक. Clear; pure; stain-
less. कल्प० ३, ४१, ४६; नाया० १;
जीवा० ३, १; राय० श्रव० भग० ६,
३३; १६, १; गच्छा० १०२; (२) उत्कट;
तीव्र. उत्कट; तीव्र. sharp; severe.
नाया० १; ५; १६; ११; सूय० २, २,
६७; राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७,
१६६; दसा० ६, १; —शेवथ. पुं०
(-शेवथ) निर्मल वेष्ट. निर्मल वेष्ट;
स्वच्छ पोशाक. clean, spotless,
dress. भग० ७, ८;

उज्जलिय. त्रि०. (उज्जलित-उद्गता उवाचा
वस्य सः) प्रकाशित; देदीप्यमान. प्रका-
शित; प्रकाशवान्; दैदीप्यमान्. Shining;
sparkling. नाया० १; जीवा० ३;

उज्जल. त्रि० (उज्जल - उद्गता जलः शुष्क-
स्वेदो यस्य सः) शुष्क पसिनाता जमेद्य
भेद्युक्त; मलीन. सूखे पसने के जमे हुए
मेल सहित. Dirty with a sedi-
ment of dried up perspiration.
“मुंहा कंठविषट्ठंगा उज्जला अतमादिता”
सूय० १, ३, १, १०;

उज्जहिता. सं० कृ० (उद्भाव) तलने;
छेदीने. तजकर; जोडकर. Having

abandoned; having left. “उज्ज-
हिता पलायह” उत्त० २७, ७;

उज्जयण. न० (उद्यान-वस्त्राभरणदिसमकं-
कृतविग्रहाः सन्निहितासनाद्याहारा मन्मो-
त्सवादिषु क्रीडार्थं लोका उद्यन्ति यत्र तच्च-
म्यकादितद्वलपदमधिषत्तमुद्यानम्) पुष्प-
क्षुब्ध वाता आडोथी व्याप्त आग; साधारण
जनेने आनन्द उद्योगी करवानुं स्थान;
पर्वत. फूल फल वाले काशों से व्याप्त
बागीचा; साधारण जनों का उत्सव करने का
स्थान; बागीचा. A garden with fruit-
trees and flowering plants; a
place where common people go
for celebrating a festivity. कल्प०
४, ५, ८८; ११३; ७, २११; अणुजो० १६;
१३४; ठा० २, ४; सम० ६; दस० ६, १;
७; २६; राय० २०, ३३; २३४; नंदी० ५०;
पि० नि० २१२; सु० च० १, ६६; दसा० ६,
३; विवा० ५; श्रव० १६; नाया० १; २;
३; ५; ८; १४; १६; भग० ३, २; ५, ७;
१५, १; १८, १; २५, ७; जं० प० २,
३०; ३१; निसी० ८, २; (२) उथी
जमीन; टेकरी. ऊंची जमीन; टेकरी
a high ground; a hill. “उज्जायं
सिव दुबला” सूय० १, ३, २, २०;
—गिह. न० (-गृह) उद्यानभां आधेय
भक्षान. उद्यान गृह; बगीचे वाला घर. a
house in a garden. ठा० २, ४;
निसी० ८, २; —जस्ता. स्त्री० (-वाचा)
उद्यानभां जनुं ते; उद्यान-नी यात्रा. बागीचे
में जाना. going to a garden. नाया०
१; —पाल. त्रि० (-पाल) उद्यानने
रक्षक-भावी. उद्यान का रखवाला; माली. a
gardener; (one) in charge of
a garden. पि० नि० २१४; —पालक.
त्रि० (-पालक) लुभो उपयो २७६

देखो ऊपर का शब्द. vide above. राय० २३०; —संक्षिप्त. त्रि० (—संक्षिप्त) उद्यान-नी आकृति वाला; उद्यानने आकारे रहने. उद्यान की आकृति वाला; उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden. “ उज्जाण रंठिताय ताव वस्येते ” चं० प० २; —साला जी० (—शाखा) उद्यान शाखा. उद्यान शाला; बगीचा. a park; a garden. निषी० ८, २; —सिरि. जी० (—श्री) उद्यान-वननी लक्ष्मी-शेखा. उद्यान की लक्ष्मी; वन की शोभा. beauty of a garden or of a wood. नाया० १६;

उज्जाणियलेण. न० (आधानिकखन) उद्यान गलीयानी अंदरनु विरामगृह उद्यान-बगीचा के भीतर का विरामगृह-ठहरने का स्थान. A rest-house in a garden; a house of recreation in a garden. भग० १३, ६; १४, १;

उज्जायण. पुं० (उजायन) पुष्य नक्षत्रनुं गोत्र. पुष्य नक्षत्र का गोत्र. The family-line of the constellation Pusya. सु० प० १०;

उज्जालअ. त्रि० (उज्जालक) अग्नि सत्र-भावनार. अग्नि जलाने वाला-सिलगाने वाला. (One) who kindles fire. सूय. १, ७, ६;

उज्जालण. न० (उज्जालन) सत्रभावनुं ते. जलाना; सिलगाना. Kindling; setting fire to; causing to burn गच्छा० ७६;

उज्जालिय. त्रि० (उज्जालित) सत्रभावने. सिलगाया हुआ. Kindled. जीवा० ३, ३;

उज्जित. पुं० (उज्जित) सोरह देशमां अनुना-अद पासे आवेष्ट गिरनार पर्वत. गिरनार

पर्वत. The mountain Girnāra in Junāgadhā. पंचा० १६, १७; कप्य० ६, १७४;

उज्जु. त्रि० (अजु-अर्जयति गुणानिति) सरल. अवक; अकुटिल. सरल; सीधा, टेढ़ाई रहित; बिना कुटिलता का. Straight; straight-forward. ओब० १०; ठा० ४, १; आया० १, ३, १, १०७; पि० नि० २८६; ३६५, जं० प० २; जीवा० ३, ३; (२) माया-उपट रहित; संयमधारी. माया रहित; कुल कपट रहित; संयम वाला. free from deceit; self-restrained. ठा० ३; —आयता. जी० (—आयता) सरल अने क्षिप्पी श्रेणी सरल और लंबा श्रेणी. a long and straight line. भग० २५, ३; ३४, १; —आयया. जी० (—आयता) जुगो उपक्षे शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. भग० २५, ३; —कड. त्रि० (—कड) सरल; मायारहित इरेष्ट. सरल-माया रहित किया हुआ. made straight-forward or free from deceit. “ अकिंघवा उज्जुकवा निरामिसा ! परिगाहारंभ निवस्य दोसा ” उत० १४, ४१; आया० १, १, ३, १८; —जड. त्रि० (—जड) सरल अने मूढ़; सीधापणु मूढ़ता वाला. सरल और जड़; सीधा किन्तु मंद बुद्धि. straight-forward but dull and and stupid. “ पुरिमा उज्जुजाहवो वक्क जङ्गाय पण्डिमा ” उत० २३, २६; पंचा० १७, ४३; —इंसि. त्रि० (—इंसिन्-अजु मोहं प्रति अजुत्वात् संवत्सं परवन्त्यु-पादेयतेति अजुइंसिन्ः) अजु लाय-भोक्ष साधक संयमने जेनार; संयमालिखणी. अजु भाव-मोह की सिद्धि करने वाले संयम का अभिलाषी. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस० ३; ११;—पञ्च. त्रि० (—प्रज्ञ) सरल અને સમજી. सरल और समझदार straight-forward and intelligent. दस० ५, १, ६०; उज्जु० ६; २३, २६; पंचा० १७, ४३;—भाष. पुं० (—भाव) ऋजु भाव; सरलता. सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness; self-restraint. “उज्जुभावं च जणवद्” उत्त० २६, ४;—मह. जी० (—मति—मननं मतिः ऋज्वी सामान्यप्राप्तिर्वा मतिः ऋजु मतिः) मन पर्यव ज्ञानो अेक भेद; सामान्यी मनना पर्यवेने ज्ञापनार ज्ञान. मन पर्यव ज्ञान का एक भेद; सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला ज्ञान. a variety of Manaparyava Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६; दस० ४, २७, ठा० २, १. नंदी० १८; भग० ८, २; विश० ७७६; (२) पुं० कंछक न्यून (अदी अंगुल न्यून); अदीदीपना संती प्राप्ति—ओना मनोभावने ज्ञापनार साधु. अवाहं द्वीप के संक्षी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु. (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of 2½ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of 2½ fingers). ओव० १५; —यार. त्रि० (—कार) ऋजु—संयम—सरलताना कर-करनार; संयमधारी; संयम पालनार. संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७;—सुस्त. पुं० (—सूत्र) वर्तमान वस्तुनेज माननार नय; सात नयमानो अेक नय. वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय; सात नय में से एक नय. the theory which admits the present condition of things only; one of the 7 logical stand-points. ठा० ७; —सुय. पुं० (—भुत) अतीत अनागत काल रूप वकता विना मात्र वर्तमान कालवति वस्तुनेज जे ह्योडे, पारकी वस्तु निभ्रयो-जनहोमने असत् समान माने. विंग वयन भिन्न जनां अेकज पदार्थ माने, निभ्रयो-यार स्वीकारे ते; सात नयमानो योथो नय. सात नय में का चौथा नय, जो अतीत अनागत काल रूपी वकता को छोड़ कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु को असत् के समान मानता है, लिज्ज वचनों को भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ बतलाता है और चार निक्षेप स्वीकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. अज्जुजो० १४; १४८; सम० ८८; पञ्च० १६; विश० ४०; २२२२; प्रव० ५५४; (२) निक्षेप अथेव पारमां दृष्टिवाद अंगना गीज्ज गिलज सूत्र-नो प्रथम भेद. जिसका विच्छेद होगया है ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dīrghavāda Aṅga. —संदि. जी० (—नेली) सरल

प्रेक्षी-आकाश प्रदेशपंक्ति. सरल श्रेणी
आकाश प्रदेशों की सरल पंक्ति. a straight
line of spatial units " विष्वज्जित्ता
उज्जुसेटिपत्ते " उत्त० २६. ७१;

उज्जुअ. पुं० (ऋजुक) उदर संप्रप्रेरणा
दर-राक्षस. ऊंदर और गांधी का बांधा A
hole of a snake, a rat etc.
कण० ६, ६६;

उज्जुग. पुं० (ऋजुक) दृष्टिवादना / अग्रभाजं
पदेष्टुं सूत्र. दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का
पहला सूत्र. The first of the 8
Sutras of Drishti-vādā. सम० (२)
निष्कपटी; सरल. कपटवर्हित; सरल. one
free from fraud. जाया० ३;

उज्जुगह. स्त्री० (ऋजुगति) आदि पाताना
अथानथी निक्षिप्री सिर्धसिध्दं ग्रांतीज्जो
रत्न अक्षरे. पक्षतां न अक्षरे ते; ग्रांथरीणा
आदि प्रक्षरभाना पदेष्टो प्रक्षर. ग्रांथरीके आठ
प्रकार में का एक प्रकार, जिस में ग्रांथ प्रप्रे
स्थान में निकल ग्रांथा गृह्यमूर्द्धा में आकर
नक्षरता भिक्षा नेता है और नोटावृण्ण नदी
नक्षरता. The first of the eight
modes of begging alms: viz
proceeding to beg from one's
own abode in a straight line
(of houses) and not begging
while returning. प्रव० ७७३;

उज्जुगभूय. त्रि० (ऋजुभूत) सरल भूत-
थयैत. सरलभूत; सरल हो चुका हुआ
(One) that has become
straight or straight-forward.
" सोहि उज्जुगभयरप धम्मो सुद्धस्य विरूद्ध
उत्त० ३, १२;

उज्जुगया. स्त्री० (ऋजुगता) सरलता. सर-
लता; साधा साधा पन. Straightness;
straight-forwardness. दान० ३;

v. 11/25.

उज्जुत्त. त्रि० (उज्जुक्त) उद्यम वायो; उद्यमी.
उद्यमी: उद्यम करने में तत्पर. Industri-
ous; busy. पंचा० १७, ५२; नंदी० २६;
(२) सावधान. सावधान. सचेत. atten-
tivo; careful. आउ०

उज्जुभूय. त्रि० (ऋजुभूत) सरल थयैत;
सिद्धा-सरल बुद्धयैत. सरलीभूत; सरल
हृदयवाला, (One) who has be-
come straight-forward in mind;
straight-forward. उत्त० ३, १२;

उज्जुय. त्रि० (ऋजुक) सरल; सीधा; निष्क-
पटी. गांधा साधा; कपट प्रपंचराहित. Free
from decoit; guileless. आया० २,
३, १, ११४; भग० १८, ५, दसा० ६, २;
आय० नि० ८००; कण० ३, ३६; (२) पुं०
जम्बुवाय साधा गांधा हाथ; दाहिना हाथ. the
right hand. आय० नि० ५१०;

उज्जुयया. स्त्री० (ऋजुयया) सरलता. सर-
लता; साधा साधा पन. Freedom from
guile; straightforwardness. उत्त०
२६, १८;

उज्जुवालिया. स्त्री० (ऋजुवालुका) जम्बुवा-
याभनी अक्षरे पदेष्टी ओर नदी, के जेने
अक्षरे महावीरस्वामीने केवलज्ञान उत्पन्न थयुं.
जम्बुवाया ग्राम के बाहर बहता हुई एक
नदी, जिसके तार पर महावीरस्वामी को
केवलज्ञान उत्पन्न हुआ. Name of a
river outside the village called
Jambhūyā on the bank of
which Mahāvira Swāmī got
omniscience. " जम्बुवाया गामस्स नगरस्स
बहिया नईण उज्जुवालियाए उत्तरकूले "
आया० २, १५, १७६; कण० ५, ११६;

उज्जेली. स्त्री० (उज्जेली) भाव्य देशनी
अक्षरे नगरीनुं नाम. मालव देशका एक

नगरी का नाम; उज्जायिनी; उज्जैन Ujjain;
name of a city in Mālava.
“ उज्जोणी अट्टये खलु ” आव० ४; संत्था०
६५; सु० च० ११८; विशेष० १०८२; ओष०
नि० भा० २६;

उज्जोअ-य. पुं० (उद्योत) तेज-प्रकाश
उद्योत; अज्ज्यायुं प्रकाश; उज्जला; उद्योत.
Light; brightness. “ देवुज्जोयं करेति ”
राय० उत्त० २३, ७५; २८, १२;
पञ्च० २; आया० २, १५, १७६; भग० २,
८; ५, ६; प्रव० १२७८; भत० १६८;
(२) नामकर्मनी ऐक प्रकृति ३ जेना
उद्योतयि उज्जु-गरम नदी जता प्रकाश करे-
नार शरीर प्राप्त थाय-जेम यंद नक्षत्र रत्न
परेरेनां शरीर नामकर्मकी एक प्रकृति, जिसके
उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान
शरीर प्राप्त हो जैसा कि चंद्र, नक्षत्र,
रत्न आदि का शरीर. a variety of
Nāmakarma by which one
gets a body which is bright
and shining without being
hot, e. g. that of the moon etc.
पञ्च० २३; क० गं० १, २५-६६; २, ५;
—आयव. पुं० (-आतप) उद्योत अने
आतप नाम कर्म. उद्योत और आतप
नामकर्म. the two Nāmakarmas
viz Udyota and Ātapa. क० गं०
५, ३; जं० प० ३, ५४; —गर. त्रि०
(-कर) उद्योत-प्रकाश-ज्ञानदर्शनरूपी
प्रकाशना करनेवा. उद्योत-प्रकाश करनेवाला;
ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला. (one)
who enlightens in right know-
ledge and faith. परह० २, २; सम०
आव० २, १; —चउ. (-चतुष्क) उद्यो-
तादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्य्य गति;
तिर्य्ययनु आयुष्य अने तिर्य्य अनुपूर्वी,

ये चार प्रकृति. उद्योतादि चार प्रकृति;
उद्योतनाम, तिर्य्यचगति, तिर्य्यचका आयुष्य, और
तिर्य्यच अनुपूर्वी ये चार प्रकृति. The four
Prakritis (Karmic natures):
viz Udyota Nāma, Tiryāñcha
Gati, Tiryāñcha Āyusya, and
Tiryāñcha Anupūrvī. क० गं० ३,
१२; २३; —लाम. न० (-नामन्) नाम
कर्मनी ऐक प्रकृति. नामकर्मकी एक प्रकृति.
A variety of Nāmakarma. क०
गं० १, २५;

उज्जोइय. त्रि० (उद्योतित) प्रकाशित; अज-
अजु. प्रकाशित; प्रकाशवान; चिलकता हुआ.
Shining; sparkling. सम० प० २३७;
नाया० ३; ओष० १०; गच्छा० १; सु० च०
२, २६७; कप० ४, ६२; प्रव० ८७;

उज्जोय. पुं० (उद्योग) प्रयत्न; परिश्रम.
प्रयत्न; परिश्रम; महिनत. Effort; work;
labour. सु० च० १, ६६;

उज्जोयग. त्रि० (उद्योतक) उद्योत करनेवा.
उद्योत करने वाला. (One) that
gives light. “ सद्य जगुज्जोयगस्स ”
नंदी० ३;

उज्जोयण. न० (उद्योजन) जेडयुं; तैयारी
करनी. जोड़ना; तैयारी करना. Uniting;
joining; preparing आया० नि० भा०
६०;

उज्जोयिय. त्रि० (उद्योजित) रत्न आदिथी
प्रकाशित. रत्न आदिसे प्रकाशित. Shining
with jewels etc. “ सउज्जो विण्हि ”
राय० ४६; नाया० १;

✓ **उज्जु.** धा० I. (उज्ज्) नष्ट देवुं. त्याग-
देना; छोड़ देना. To abandon; to
leave off.

उज्जुइ. भक्क० १०३.

उज्जुसि विवा० १;

उज्ज्वल. आ० विवा० १;

उज्ज्वल. आ० भक्त० ५६;

उज्ज्वल. सं० कृ० सूय० २, २, ६; नाया० ६;

उज्ज्वल. परह० १, ५;

उज्ज्वल. नया० ८; उवा० २, ६५;

उज्ज्वल. व० कृ० अणुजो० १२६;

उज्ज्वल. प्रे० विवा० २;

उज्ज्वल. त्रि० (उज्ज्वल) सन्निविष्ट वगैरहो।
सद्विवेक से रहित. Devoid of a sense
of decorum or decency. “ तित्ता
तिधा भितावेणं उज्ज्वला-असमाहिता ”
सूय० १, ३, ३, १३;

उज्ज्वल. न० (उज्ज्वल) “दाह दह ननु।
बाहिर लेजाना. Taking or carrying
out. विशेष० २५७७; (२) त्याग. त्याग;
abandoning; giving up. आव०

उज्ज्वल. पुं० (अवकर्) पर्यंतमांथी पडतो पाणीला
अरो; गिरिनिर्जर. पर्वत में से गिरता हुआ
पानीका करना; गिरिनिर्जर. A mountain
torrent; a mountain stream नंदा०
१५; जं० प० १, १०:—रव. पुं० (-रव)
अशब्दों अशब्दों आवाज करने का ध्वनि.
babbling sound of a stream.
नाया० ६;

उज्ज्वल. य. पुं० (उज्ज्वल) उज्ज्वल नाम
विजयमित्र सार्थवादना पुत्र के जेना अधिकार
विपाक सूत्रना भील अभयनमां छे. उज्ज्वल
नामक विजयमित्र सार्थवाद का पुत्र, जिसका
वर्णन विपाक सूत्र के दूसरे अध्याय में है
Name of a son of the merchant
Vijayamitra whose account is
given in the 2nd chapter of
Vipāka Sūtra. विवा० १; २; अणुजो०
१३१; (२) विपाकसूत्रना प्रथम श्रुतस्कंधना
भील अभयननुं नाम. विपाक सूत्र के प्रथम
श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम. name

of the 2nd chapter of the first
Śrutaskandha of Vipāka Sūtra.
विवा० १; (३) त्रि० तज्जल; त्याग
करेन. त्याग हुआ. abandoned;
given up. विवा० १; पि० नि० १६६;
—नियानसल्ल. त्रि० (—निदानशल्ल) निया-
ल्लरूप शल्यनो त्याग करेन छे जेले ते. नियाणा
रूपी शल्य को त्याग देने वाला. (one)
who has got himself rid of the
thorn in the shape of Niyāṇā
(i. e. desire for future sense-
pleasure). भक्त० १८०; —धम्मिय.
त्रि० (—धार्मिक) नाभी देवा योग्य;
निरुपयोगी. फेंक देने योग्य; निरुपयोगी.
worth being thrown away;
useless. अणुजो० ३, १;

उज्ज्वल. पुं० (उज्ज्वल) विजयमित्र
सार्थवादना आया सुभद्राथी उत्पन्न भयेन
पुत्र. विजयमित्र सार्थका की स्त्री सुभद्रा से
पत्न्य पुत्र का नाम. A son of the
merchant Vijayamitra born of
his wife Subhadrā. विवा० १;

उज्ज्वलधम्मा. स्त्री० (उज्ज्वलधर्मा) जे वस्तु
नाभी देवा योग्य होय, जेने डाल देवा न
भये तेनी वस्तु अहोरी ते; अणुजोना
सात प्रकारमां अणुजो जो वस्तु लेने योग्य
न हो, उस का बहोरना-लेना, एषणा के
सात प्रकारों में का एक प्रकार. Receiving
as alms a thing which is worth
being thrown away and which
nobody would care to take;
one of the seven varieties of
receiving alms. प्रव० ७५०;

उज्ज्वल. स्त्री० (उज्ज्वल) धना सार्थ-
वादना पुत्र धनपाल सार्थवाद तेनी स्त्री. धना
नामक सार्थवाद के पुत्र धनपाल की स्त्री.

Wife of the merchant Dhana-pāla, the son of the merchant Dhannā. नाया० ७;

उद्द. पुं० छां० (उद्द) सांढीओ; उद्द. ऊंट;
A camel. “अहमंते उद्दे गोणे खरे
घोडए” पञ्च० १; “भारवहावहंतिउद्दावा”
सूय० १, ४, २, १६; २, २, ४५; ओव०
३८; जीवा० ३, ३; जं० प० उवा० २, ६४;
क० गं० ६, ४३;

उद्दिय. त्रि० (ओस्ट्रिक-उद्दयामिदमैस्ट्रिकम्)
उद्दना वास्तुं अनेतुं सूत्र दाग्री वगेरे.
ऊंट के बालों से बना हुआ वस्त्र; धाबल
वगैरह. A blanket etc. made
of the hair of a camel. ओघ०
नि० ७०६; वेय० २, २३; अणुजो० ३७;
उद्दिया. स्त्री० (उद्दिका उद्दस्याकारः पृष्ठाव-
यव इवाकारोऽस्याः) उद्दना आकारनुं-
लांया आकारयातुं वासयु; शिरोध. ऊंट के
आकार का लम्बी गर्दन वाला बर्तन. A
pot with a long neck like that
of a camel. उवा० १, २७; २, ६४; ७,
१८४; विवा० ७;

उद्दियासमण पुं० (उद्दिकासमण-उद्दिका
महान्मुन्यमोभाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्वा-
म्यन्ति तपस्यन्तीत्युद्दिकासमणाः) मोटा
भाटीना वासयुमां भेरी तपश्चर्या करनेवा;
गोसाक्षाना साधुनी ओक गी. मिथी के बड़े
बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला;
गोसाला के साधु की एक जाति. One who
sits in a large earthen vessel
and practises penance; one of
the sects of the followers of
Gosālā. ओव० ४१;

उद्दी. स्त्री० (उद्दी) उद्दी; सांढीली ऊंटनी;
सांढनी. A she-camel. अणुजो० १३१;
प्रव० २१८;

उद्दीवाल. पुं० (उद्दीपाल) उद्द राखनार.
ऊंट को पालने वाला. A keeper of
camels. अणुजो० १३१;

उद्द. पुं० (उद्द) ओक जलचर प्राणी.
एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind
of aquatic animal. “समूय उद्दा-
द्वारकलसाय” सूय० १, १, १४;

उद्द. पुं० (ओष्ठ) ओष्ठ; छोटा. ओष्ठ. A lip.
कप्प० ३, ३५; नाया० २; ओव० ३८; भग०
११, ११; सम० ११; सु० च० १०, ४१;
ओघ० नि० भा० २६६; उवा० २, ६४;
विशे० ८५७; निसी० ३, ५३; ५, ३८;
दसा० ६, ४; (२) वासयुतो कांठो.
बरतन की कोर. the brim or border
of a vessel. ओघ० नि० ६६०;
—च्छिन्न. त्रि० (-च्छिन्न) छोटा छोटा; छोटा
कापेक्ष. जिस का ओठ कटा हो वह; ओठ
कटा. (one) whose lip is cut.
आया० २, ४, २, १३६; —पुड. पुं०
(-पुट) छोटा पुट. ओष्ठ पुट. the cavity
formed by hollowing the lips.
प्रव० २६३;

उद्दंभिया. सं० क० अ० (अवहम्भ) रोधीने;
रुनभन करीने. रोक कर; स्तभन करके;
थाम कर. Having stopped; hav-
ing checked. आया० १, ६, ३, ११;
उद्दा स्त्री० (उद्दा) शरीरने उद्यु करने; उभा
थनुं. शरीर को ऊंचा करना; खड़े होना.
To raise the body; to stand.
ओव० ३५; उवा० ७, १६३;

उद्दाण. न० (उद्धान) उभा थनुं-उद्यु ते;
ओक प्रकारनी येश. खड़े होना; उठना,
Standing up; getting up. जं० प०
२, ३४; उवा० १, ७३; छ० १, १; भग०
१, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया०
१; सू० प० १६; पञ्च० २३; (२) सांभयवाने

गुरु पास से गुरु ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना. going up to a preceptor to hear. चं० प० २०; (३) उद्यम-यत्न. उद्यम; प्रयत्न. effort; industry. भग० २, १; (४) उत्पत्ति. उत्पत्ति; पैदा-इश. rise; birth; production. नाया० १४; —कर्म. न० (—कर्मन्) उद्यु-शरीर येष्टरूप कर्म. उठनेरूप शारीरिक कर्म. the act of standing up नाया० १; जं० प० २, ३४; —परियाणिय. न० (—परियानिक-परियानं विविधव्याति-करपरिगमनं नदेव परियानिकस्तरितमुत्थाना-जन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिकं) गुरुभ्यां भांती उद्युगीना उद्यु सुधीमां अनेल दरेक अन.वेतो अद्येयात्; अवन-चरित्र. जीवनी; जीवन चरित्र; जन्म से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन. a biography from birth to death. “गोसालम्स मंस्वलिपुत्तस्स उद्वाणपरियाणि-थं परिकहिंयं” भग० १५, १; नाया० १४; १७;

उद्वाणसुय. पु० (उत्थानश्रुत) ७२ कालिक सूत्रभांनुं अेक. ७२ कालिक सूत्रा में का एक. One of the 72 Kalika Sūtras. वव० १०, २६; नंदो० ४३;

उद्वाणय. न० (उरस्थापन) उद्युं ते; उत्थापना करनी. उठना; उत्थापना करना. Causing to stand up, rise, or get up. वय० ४, २६;

उद्वाणय. न० (उरस्थापन) सामाधिक आरित्र-भांती उद्युपस्थापनीय आरित्रनुं आरोपनुं ते. सामाधिक चारित्र से द्वेद्युपस्थापनीय चारित्रका आरोपण करना. Re-establishment of equanimity after a temporary lapse. भक्त० २४; ठा० ४, ३; —अंते-वासि त्रि० (—अन्तेवासिनः) पांच भक्षायतनी

उपस्थापना करी करेक्ष शिष्य. पंचमहाव्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्य. a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows. ठा० ४, ३; **उद्विग्न-य. त्रि०** (उद्विग्न) उद्यु; उद्युथयेक्ष; तैयार थयेक्ष. उठा हुआ; तत्पर: उद्यत. Got up; ready. “उद्विग्नपि सूरै” अणुजो० १६; कल्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४; वव० ३, १३; ठा० ३, ३; ओव० १३; नाया० १; भग० २, २; पें० नि० ४१७; (२) उद्यु पाभेक्ष; उद्युक्ष. उद्यु पाया हुआ; ऊगा हुआ. risen. (३) धर्माचरण भाटे तैयार थयेक्ष; प्रमन्या देवाने तैयार थयेक्ष. धर्माचरण के लिये तैयार; दीक्षा लेने को उद्यत. ready, prepared to take Dikṣā. “अहपास विवेगमुद्विग्न अवित्तिकेह्मा भासह्” सुय० १, २, १८; आया० १, ४, १, १२८; (२) उद्युक्ष; वस्ति-वगरनुं. ऊजड़; वस्तिरहित स्थान. desolate; untenanted. ओव० नि० ८६;

उड. पुं० (पुट) द्वाओ. दोना. A cup made of leaves. ओव० २२; उवा० २, ११३;

उडअ. पुं० (पुटक) जुओ. उपक्षे शब्द. देखो उरर का शब्द. Vide above. विवा० ५;

उडय. पुं० (उडज) तापक्षने आश्रम-युपुं. तापसी का आश्रम-कोषवा. A hermitage; a cottage of a hermit. भग० ११, ९;

उडव. पुं० (उडज) जुओ. उपक्षे शब्द. देखो ऊरर का शब्द. Vide above. जीवा० ३, १;

उडु. पुं० (उडु) नक्षत्र. नक्षत्र. A constellation. जं० प० ३, ६७; सू० प० ५:

—वडु. पुं० (-पति) नक्षत्रनो स्वामी; चंद्र. नक्षत्रका स्वामी; चंद्र. the lord of the constellations; the moon. “जहासे उडुवडु चंदे नक्षत्रपरिवारिण” उत्त० ११. २५; ओष० १०; जीवा० ३, ३; —वर. पुं० (-वर) सूर्य. सूर्य. the sun. “तिरिण सहस्से सगले छुच सण उडुवरो इरइ” तंडु०

उडु. पुं० (ऋतु) वसन्त ग्रीष्म आदि ऋतु. वसन्त, ग्रीष्म आदि छह ऋतु. Any of the six seasons viz spring, summer etc ओष० नि० भा० ३११; ओष० नि० २६; —पञ्जो-सविअ. न० (-पर्युषित) ऋतु अक्षय-योमासा सिवायना पञ्चतमां रहैल-निवास करैल. ऋतु बदकाल में निवास किया हुआ; चोमासे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ. one that has stayed or remained during the Ritu-baddha time i. e. time of the year excepting the rainy season. वव० ८, १; —वडु. पुं० (-वडु) जुओ ‘उडवडु’ शब्द. देखा ‘उडवडु’ शब्द. vide “उडवडु” ओष० नि० २५; निसि० १६, ३२; ३३; ३४; —बडिय. त्रि० (-बडु) शीत अने उष्ण कालमां साधुओनो भास करैल. शांत और उष्ण काल में साधुओं का भास करैल विहार. the monthly peregrinations of an ascetic during the winter and summer seasons. आया० २, २, २, ७८;

उडु कल्लाणिआ. त्री० (ऋतुकल्लाणिका) चक्रवर्तीनी उडु... राणी. चक्रवर्ती की ३२००० राणी. The 32000 queens of a Chakravarti. जं० ५०

उडुप. न० (उडुप) छोटी. नांव; डोंगी. A boat. पिं० नि० ३३०;

उडुव. पुं० न० (उडुप) नांव; छोटी; छोटीने आकारे अनावेयो नापो. नांव; डोंगी; डोंगी के आकार का बनाया हुआ वेडा. A boat; a raft. विशे० १०२७;

उडुवाडियगण. पुं० (ऋतुपाटकगण) भद्रयशस्वरिथो निकलेल ओक गण. भद्रयश स्थावर से निकला हुआ एक गण. Name of a Gana (i. e. order of monks) derived from the Sthavira Bhadrayasa. कण० ८;

उडुविमाण. पुं० (उडुविमान) मौर्य देवोदना पहिला पाथऽमानं ओक विमान ६ जेती लंगाम पहिला ४५ लाख जेनतनी छे. मौर्य नामक स्वर्ग के पहले पाथडे में का एक विमान जिनका लवाई चौडाई ४५ लाख योजन की है. Name of an abode in the first stratum of the Sandharma heaven, having an area of 45 square lacs of Yojanas “उडुविमाणे णं विमाणे पणयालोमं जांयण” टा० ४, ३; मम० ४५;

उडुखल. पुं० (उडुखल) उभय; आंगुली. ओखली. A mortar used for pounding. पिं० नि० ३६१;

उडु. पुं० (उडु) उडु नामनो ओक अनार्य देश जेने बाद उड़ीसा छे छे. उडु नामक एक अनार्य देश; उडासा. Name of an Anārya (uncivilized) country; Orissa. प्रव० १५६७; (२) त्रि० ते देशना रहैवासी. उडु नामक अनार्य देश के रहने-वाले. a native of the above country. पण० ८, १;

उडुंचग. पुं० (*) उडुंचग। कलकत्ताहट.

Bustle; noise ओष० नि० २२१;

उडुावण. न० (उडुावन) आकर्षण.

आकर्षण. Attraction; drawing towards oneself. " हिय उडुावणे का उडुावणहेड " नाया० १४;

उडुाह. पुं० (उडुाह) उपधात. नाश.

नाश. Destruction. " गेलणं दिट्ट उडुाहो " ओष० (२) दसधाष्ट ५२१।

ते. हानना करना. disregard of scriptures. पिं० नि० ४६; वेय० १,

३; (३) हेडना; भीसण। अवहेलना; निंदा. disrespect पिं० नि० ३६१;

(४) हानि; न्यूनता. हानि; नुकसाना; कमी; न्यूनता. loss; diminution. पिं० नि०

३०८; —कर. त्रि० (—कर) हानि कर-
ना२. हानि करनेवाला. productive of,
generating, loss. गच्छा० ५५;

उडुाण त्रि० (उडुाण) आकाशभां उडुा.

उडा हुआ. Flying, flowing in the sky. नाया० १;

उडुभुमडग. पुं० (उडुभुमडक) उडुभुमड देश.

उडुभुमड देश. The country so named. (२) त्रि० तेना रहेवासी.

उनके रहनेवाले. the inhabitants of the above. पञ्च० १;

उडुहूय. न० (*) ओडुकार. डकार.

Eruption. " जंभाहणं उडुहूयं वायाणिसंगं " आष० १, ५;

उडुत. त्रि० (उडुावमान) आकाशभां उडुतो.

आकाश में उडुता हुआ. Flying, soaring in the sky. राय०

उडु. त्रि० (ऊर्ध्व) उडुये; उडुपर; उडुयो-यी-यु

ऊँचा; उपर. High; upwards. जीवा०

१; राय० १०३; नावा० १; द; ६; १६;

भग० १, १; ६; २, द; ३, १; २; ५, ४;

६; २०, ६; २५, ३; पञ्च० २; २८; निर०

२, १; उत्त० ३, १३; २६, २३; ओष०

२१; ३८; आया० १, १, ५, ४१; डा० १,

१; सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७;

अणुजो० १०३; जं० प० १, ४; पिं० नि०

३६३; (२) ऊर्ध्वलोका; स्वर्गलोका. स्वर्गलोक;

ऊर्ध्वलोक. heavenly world. सूय० १,

३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०; (३) उडुय-

दिशा; उडुयी दिशा. उडुय दिशा; ऊँचा दिशा.

the topmost direction. दस० ६,

३४; आया० १, १, १, २; —अभिमुह-

त्रि० (—अभिमुख) उडुयी दिशाभां मुप

डुये. ऊपर की ओर जिसने मुख किया

हो वह. (one) with the face

turned up. भग० ११, १०; —उवच-

गणग. त्रि० (—उपपन्नक) उडुय लोकाभां

आर देवलोक नवग्रीवकादिभां उत्पन्न थनार-

देव देवी. ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक

और नवग्रीवकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव

देवी. (a god or a goddess)

born in the twelve Devalokas,

Nava Graiveyakas etc. of the

upper region. "जे देवा उडुो ववणगा

ते दुविहा पचता " ठा० २; भग० द, ८;

—कडूयग. त्रि० (—कण्डूयक) नाभिनी

उपर भंग्नेलनार; तापसी ओक प्रकार.

नाभि के ऊपर के भाग में खुजानेवाला;

तापसी का एक भेद. (a class of

hermits) who scratch (to

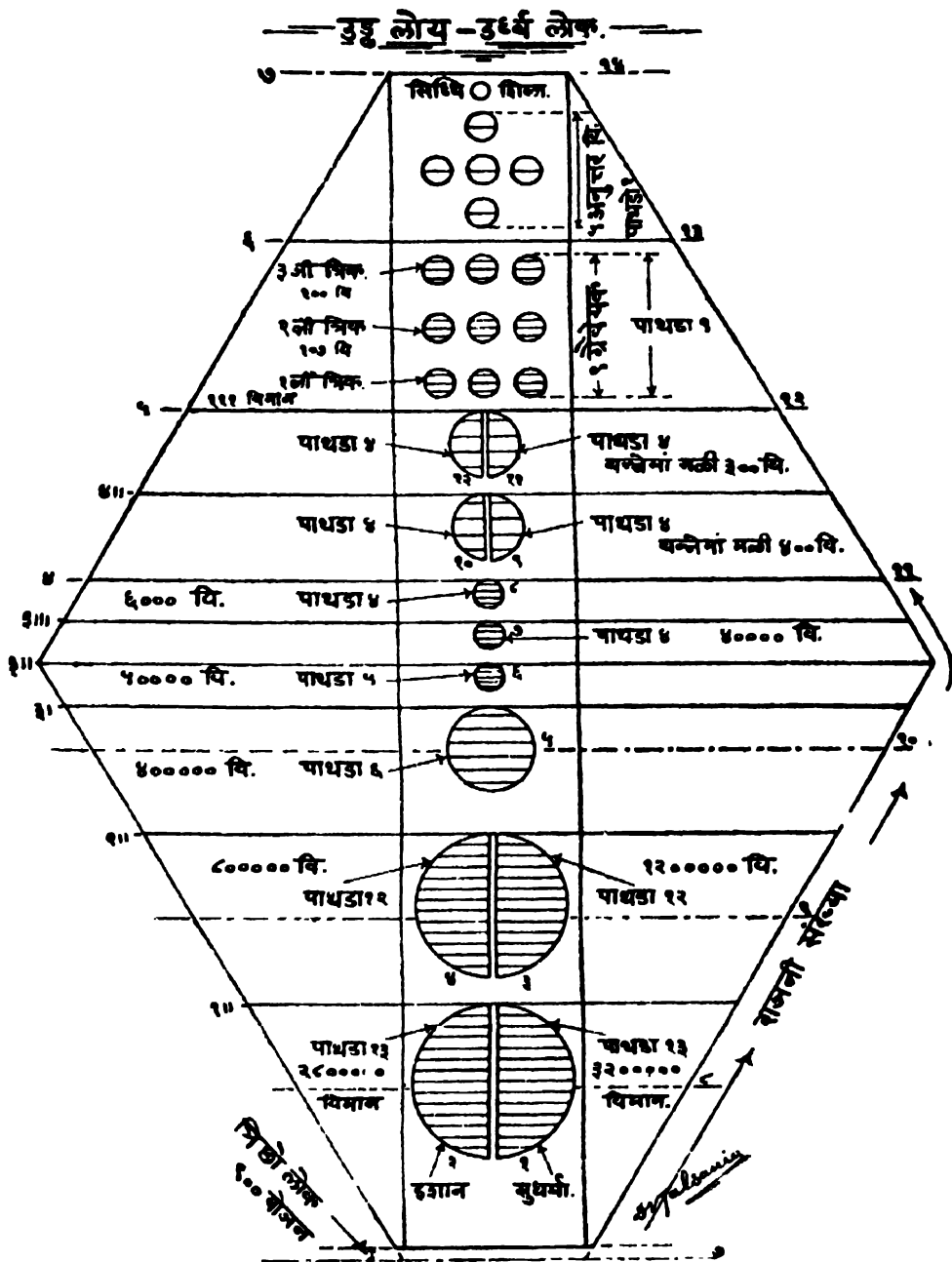
remove itching sensation)

* जुओ ५४ न० १५ नी फुटनोट (*). देखो गृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

only the part above the navel. भग० ११, ६; —गह. ली० (—गति)
 उ० गति. ऊर्ध्व गति; ऊंची गति.
 upward motion; birth in a
 higher state of existence. भग०
 ३, १; —गारव परिणाम. पुं० (—गौरव
 परिणाम—येन आयुः स्वभावेन जीवस्य
 ऊर्ध्वः दिशि गमनशक्तिलक्षणपरिणामो
 भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणामः), आयुष्य परि-
 णामनो अ० प्रकार ३ नेनाथा ७१ उ०—
 उ० गतिमां गय. आयुष्य परिणाम का
 एक भेद जिससे कि जीव ऊंचा गति में जाता
 है. a nature of Āyusya Pari-
 nāma by which the soul has
 an upward motion. टा० १०;
 —चर. त्रि० (—चर) उ० उ० नार—गाथ
 आदि. ऊंचे उड़नेवाले—गाथ आदि.
 flying, soaring high, e. g. a
 vulture etc. आवा० १, ८, ७, ६;
 —जाणु. त्रि० (—जानु—ऊर्ध्व जानुनी
 वस्थासाधूर्ध्वजानुः) ७० या उ० २६ तेवे
 आसने भेसना. ऐसे आसन से बैठने
 वाला जिस में जंघा ऊंची रहे. (one) in
 a posture in which the thighs
 are raised up. “ उ० जाणु अहो
 सिर कोटो वगए ” नाया० १; भग०
 १, १; जं० प० ओव० —दिसि पमाणा-
 इकम. पुं० (—दिकूप्रमाणातिक्रम) ७६
 दिशिप्रतनो प्रथम अतिचार. छठे दिग्भूत
 का प्रथम अतिचार. the first Ati-
 chāra of (the 6th) Disivrata
 (limitation of movement to a
 fixed area). उवा० १, ५०; —पात्र.
 पुं० (—पाद) उ० २० या ५३ नेना
 ते. जिसके पैर ऊंचे रखे हो वह. one
 with his legs thrown up, lifted

up “ कंदतो कंदु कुंभीसु उड्ढपाओ
 अहोसिरो ” उ० १६: ५०. —बद्ध.
 त्रि० (—बद्ध) उ० १६: ५०. आदिमे
 आधेय ऊंचा-बद्ध की डाली आदिसे—बांधा
 हुआ. fastened upwards; e. g. to
 the branch of a tree. “ रसंतो
 कंदुकुंभीसु उड्ढबद्धो अबंधवो ” उ०
 १६: ५२; —बाहु. त्रि० (—बाहु) उ०
 ६५ नेने २० या ७६ ते. ऊंचे हाथवाला;
 जिसने हाथ ऊंचा रखा हो वह. (one)
 with arms raised up. निर० ३, ३;
 भग० १५, १; —भागि. त्रि० (—भागिन्)
 आकाशमां रहेल. आकाशमें रहा हुआ.
 remaining in the sky. “ उड्ढवा
 एसु उड्ढभागी-भवति ” सूय० २, ३, ३०;
 —मुदंग. पुं० (—मृदंग) उ० मोटा-
 वाला देल. ऊंचे मुंहवाला ढोल. a tabor
 or drum with its mouth up-
 wards. भग० ११, १०; —मुदंगाकार.
 त्रि० (—मृदंगाकार) उ० मृदंगना आकारे.
 ऊंचे मृदंग के आकारका. of the shape
 of a tabor with its mouth up-
 wards. भग० ११, १०; —मुदंगाकार
 संठिय. त्रि० (—मृदंगाकारसंस्थित-ऊर्ध्व-
 मूर्ध्व मुखो या मृदङ्गस्तदाकारेण संस्थितो यः
 स तथा) उ० मोटावाला देलना आकारे
 रहेल. ऊंचे मुंह वाले ढोल के आकार
 में स्थित. in the shape of a
 tabor with upward mouth.
 भग० ११, १०; —मुह. त्रि० (—मुख)
 उ० मोटावाला. ऊंचे मुंह वाला. (one)
 with face turned up. जं० प०
 —रेणु. पुं० ली० (—रेणु—जाह्नप्रमामि
 व्यक्तयः स्वतः परतो वा ऊर्ध्वाधोस्तिव्यंकचक्ष्ण
 धर्म्मारेणुऊर्ध्वरेणुः) आ० स० स० स० आ-
 २०३५५ नेनाथयाथी अनेक मोटा २०३५५

सचित्र अर्थ मागणी कोष



३ ७ आकाशमां पोतानी भेदे अथवा परना आश्रयथी उये नीये उरे छे ते; २०८३धु. आठ सन्ह सन्हिआ-रजकण एक-त्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वतः अथवा दूसरे के आश्रय से ऊपर नीचे उड़ता है. a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency. अणुजो० १३४: जं० प० भग० ६; ७; —लोअ-य. पुं० (-लोक) उर्ध्वलोकः स्वर्गलोकः लोकना परना भाग; त्रिच्छा लोकना उपरना छेत्थी ते लोकना अत्रभाग सुधीना प्रदेश. उर्ध्व लोक; स्वर्गलोक; लोक के ऊपर का हिस्सा; त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर से उग लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश. the upper world; the heaven-world. अणुजो० १०३; १४८: पञ० २; भग० २, १०; ११, १०; —लोअ-य-खेत्तणाली. स्त्री० (-लोक क्षेत्रनाडी) उर्ध्व लोक-स्वर्ग लोकनी नाडी-अधुक् विभाग. उर्ध्व लोक-स्वर्ग लोक की नाडी-विभाग. a particular portion of the upper world or heaven-world. भग० ३४, १; —लोअ. पुं० (-लोक) लुओ “उद्गलोअ” शब्द. देखो “उद्गलोअ” शब्द. vide “उद्गलोअ” ठा० ३, २; —लोयवत्थव. त्रि० (लोक वास्तव) उर्ध्व लोक-स्वर्गलोकना पारसी-वसनार. उर्ध्वलोक में बसने वाले. (one) residing in the upper world or heaven-world. “उद्गलोअवत्थ-ववाओ अट्ट दिसा कुमारी ओ” नाया० ८; —वाय-अ. पुं० (-गत-उर्ध्वमुद्-
v. II./26

गच्छन् यो वाति वातः स ऊर्ध्ववातः) उर्ध्व दिक्षानो वायु ऊर्ध्व दिशा में बहने वाली हवा. wind moving in the upward direction. जीवा० १; ठा० ७, १; पञ० १;
उद्गकाय. पुं० न० (ऊर्ध्वकाय) कागडो. कौआ. A crow. “ते उद्गकाएहि पजक्खमाणा अवरोहि” सूय० १, ५, २, ७;
उद्गत्ता. स्त्री० (ऊर्ध्वता) उद्यापणुं. ऊंचापन. State of being high or upwards; height. “अहत्ताए नोउद्गत्ताए” भग० ६, ३;
उद्गवाइय. पुं० (ऊर्ध्ववातिक) उर्ध्ववानिक नामना महावीर स्वामीना नव गणुमानो पांचवो गणु. ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पांचवां गण. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvira Swāmi, so named. “उद्गवाइयगणे विस्सवाइ गणं” ठा० ६, १;
उद्गवाइयगण. पुं० (ऊर्ध्ववातिकगण) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vido above. ठा० ६, १;
उण. अ० (पुनर्) द्वितीय; द्वी. फिर से; पुनः Again; once more. विशं० १४४; पणह० २, २; सु० च० १, २२७; पंचा० २, ३४;
उण. न० (ऊन) वन्दनाना पाठना अक्षरो, पद वगेरे ओछा कहेया ते; वन्दनानो २८ भो द्यो. वन्दना के पाठ के अक्षर, पद वगेरह को कम कहना; वन्दना का २८ वां दोष. The 28th fault connected with salutation; viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation. प्रव० १५३;

उत्पन्न. त्रि० (अवगत) नीच नमेल. नीचे की ओर नमा हुआ. Bent down; bent low विशेष १४२१;

उत्पन्न. त्रि० (ऊनक) न्यून; ओछु. कम; न्यून. Less; diminished; falling short by. जीवा० १; वव० ८, १५;

उत्पन्नभाग. पुं० (ऊनाईभाग) अर्द्ध भागे छोटा-ओछा. जिस का आधा हिस्सा कम हो. Less by a half. निसी० २, ३६;

उत्पन्नालीस. स्त्री० (एकौनचत्वारिंशत्) ३८; ओगुत्पन्नालीस. ३६; उन्वालीस. ३९; Thirty-nine. भग० ३, ७;

उत्पन्निय. त्रि० (ऊनाधिक) ओछु पतुं; न्यून-नाधिक कमज़यादह; न्यूनाधिक. More or less. विशेष १४३;

उत्पन्न. न० (ऊनोन) ओछु ओछु; गिन-गिनतरे-धत्यादि रीति ओछु. ऊन-ऊनतर हत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing. क० प० २, ६२;

उत्पन्नयिरिआ. स्त्री० (ऊनोदरिका.) न्यून-ओछा आहार करवे ते; भोराक उपधि पगेरे नोभमे ते करतं ओछा देया ते. कम आहार करना; आवश्यकता से कम भोजन करना या उपधि आदि कम लेना. Eating less than one's fill. सम० ६;

उत्पन्नइ. स्त्री० (उन्नति) धनति. उन्नति; अभ्युदय. Rise; prosperity. पंचा० ६, ४७; —विमिस्त. न० (-मिस्त) प्रभावने हेतु. प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity. पंचा० ६, ४७;

उत्पन्नइय. त्रि० (उन्नत) उन्नत; गियुं. ऊंचा; उन्नत. Raised; elevated. भग० १३, ६;

उत्पन्नकप्पास. पुं० (ऊर्णकार्पास) धेतरा वास; गिन. ऊन; भेद के बाल. Wool. निसी० ३, ७२;

उत्पन्नतासण. न० (उन्नतासन) गियुं आसन. ऊंचा आसन. A raised seat; an elevated seat भग० ११, ११;

उत्पन्नय. त्रि० (उन्नत) उन्नत; उन्नत; आयाद. ऊंचा; उन्नत; अच्यी दशमं. High; elevated; prosperous. कप० ३;

३६; ओव० १०; दस० ७ २२; नाया० १; स० प० २०; भग० ११, ११; १२. ५;

(२) नीकसतुं; यस्तुं. निकलता हुआ; बढ़िया. prominent; superior.

ओव० १०; (३) शुश्रूषा. गुणवान. virtuous; meritorious, "उन्नत लय-

चरियद्वारगोपुर तोरणउत्पन्नय सुविमलराय मग्गा" नाया० १; ठा० ओव० (४)

अभिमानरूप मोहनीय कर्म. अभिमानरूप मोहनी कर्म. deluding Karma in the form of conceit. भग० १०, ५;

सम० —आवट्ट. पुं० (-आवर्त—उन्नत उच्छिन्नतः स चासावावर्तंश्चाति उन्नतवर्तः)

उन्नत आवर्तन करतुं ते; आवर्तनने ओक प्रकर. ऊपर आवर्तन करना; आवर्तन

का एक भेद. moving round in the upward direction. ठा० ४;

—आसण. न० (-आसन) उन्नत-उन्नत आसन. ऊंचा आसन; उन्नत आसन. high,

elevated, seat. राय० १३६. जं० प० —मण. त्रि० (-मनस्) उन्नत-

उन्नत मन वाला. उदार मन वाला; ऊंचे मन वाला. high-minded. ठा० ४, ४;

—माण. त्रि० (-मान—उन्नतो माने यस्येत्युन्नतमानः) उन्नत ओछु ओछे मानना

गर्वित. अपने आपको उन्नत माननेवाला गर्वित; अभिमानी. proud; conceited

गर्वित; अभिमानी. proud; conceited

गर्वित; अभिमानी. proud; conceited

गर्वित; अभिमानी. proud; conceited

“उरणययमायेय नरे महया मोहेण मुक्कसि”

आया० १, ५, ४, १५७;

उरणययर. त्रि० (उन्नततर) यथाऽरे उंचा.
बहुत उंचा. More elevated;
higher. भग० ३, १;

उरण्णा. स्त्री० (ऊर्णा) जिन. ऊन. Wool.
भग० ८, ६; १५, १; --लोम. पुं०
(-रोमन्) जिनना रोम-रेसा. ऊन के
बाल. hair in the form of
wool. भग० ८, ६; १५, १;

उरण्णाम. पुं० (उण्णाम) गर्व; अहंकार;
भद. गर्व; अहंकार; घमंड; मद. Pride;
intoxication. (२) भदना परिणाम-
थी अंधातुं मोहनीय कर्म. मद रूप परि-
णामसे बंधनेवाला मोहनीय कर्म. delud-
ing Karma incurred by pride.
भग० १२, ५;

उणिणअ-य त्रि० (आणिक) जिनं. ऊन
का; ऊनका बना हुआ. Made of wool;
woollen. वेद्य० २, २३; अणुजो०
३७; आघ० नि० भा० ८६; आघ० नि०
७०६; (२) जिननां अनेल रत्नेहरण्णादि.
ऊन के बने हुए रजोहरणादि. a kind
of brush etc. made of wool.
ठा० ६;

उण्ह. त्रि० (उण्ह - उपति दशति जन्तु
नियुण्हः) गरभी; जिनुं; उण्ह. गर्म; उण्णा.
Hot. पंचा० १७, ४६; क० गं० १, ४१;
सू० प० १०; उक्त० ३६, २०; आया० १,
५, ६, १७०; दसा० ७ १; पिं० नि० भा०
१३; नाया० १; ५; ६; भग० २, १; ४,
१०, ७, १; (२) पुं० गरभी: उण्णता;
ताप; तड्डे. गर्मी; उण्णता; घाम; धूप.
heat; sun shine. राय० ७३६;
नाया० १; आघ० ३६; उक्त० २, ६; पिं०

नि० २००; - अभितत्त. त्रि० (-अभि-
तत्त) गरभीथी अत्यन्त पीडित-दुःखी
थयेल. गर्मी से अत्यन्त दुःखी. troubled
by excessive heat. “उण्हामिततो
मेहावी” उक्त० २, ६; - अभिहय.
त्रि० (-अभिहत) सूर्यनी गरभीथी
अभिभूत थयेल-पीडित. सूर्य की गर्मी से
पीडित. overpowered, oppressed,
by excessive heat. “उण्हामिहय
तण्हामिहय” जीवा० ३; भग० १६, ४;

—उदअ. न० (-उदक) जिनुं पाणी. गरम
जल. hot water. कप्प० ४, ६२;
—ग्गहिय. त्रि० (-ग्राहित) गरभी आपेक्ष.
उण्णता दिया हुआ; जिसे गर्मी दा गई हो
वह. heated; made hot. नाया० ५;
—दिअ. त्रि० (-दत्त) गरभी दीयेल; तड्डे
नायेल. धूप में डाला हुआ; जिस गर्मी दी
हो. वह. heated; put in the sun-
shine. भग० २, १; —परियाव. पुं०
(-परिताप) अतिशय गरभीना परिपक्ष. बहुत
गर्मी का परिवह great affliction
caused by heat. उक्त० २, १०;
—वाय. पुं० (-वात) जिनो वायु; गरम
पवन. गर्म हवा. hot wind. नाया० १;
—सह. न० (-सह) गरभीनुं सहन करतुं
ते. गर्मी का सहन करना. endurance
of heat. भग० १५, १,

उण्हवण. न० (उण्णापन) जिनुं करतुं ते.
गर्म करना. Heating. पिं० नि० २४०;
उक्त. त्रि० (उक्त) कहेल. कहा हुआ. Said;
expressed. दस० ६, ४६; विशेष० १०५;
उक्त० १, ६; क० गं० ४, ८३;
उक्त. त्रि० (उक्त) पावेक्ष. बोया हुआ.
Sown. (२) अनावेक्ष. बनाया हुआ
made. “देवउत्ते अयंलोए” सूय० १,
१, ३, ५; पिं० नि० १७२;

उत्तम. न० (उत्तम-उद्गतानि प्रादुर्भूतानि
नृणानि यत्रेति) जेभां घास उगेधुं छे ते;
उत्तम थयेस नृणुवातुं. जिसमें घास जगा
हुआ हो वह. Grassy अणुजो० १४७;
उत्तम. त्रि० (उत्तम) त्रासयुक्त. त्रास
पाया हुआ; त्रासयुक्त. Terrified. पण्ड०
१. ३; भग० ३, १;

उत्तम. त्रि० (उत्तम) उत्तम; सर्वोत्कृष्ट;
प्रधान. सर्वोत्कृष्ट; श्रेष्ठ; प्रधान; अजडा.
Best; excellent. नाया० १; उत्त०
१०, १६; ओव० १०; राय० २३; दस० ८,
६१; ६, २, २४; भग० २, १; ३, १;
७, ६, ६, ३३; १५, १; कण० ३, ५६;
—कट्टपत्त. त्रि० (-काट्टाप्रस) उत्तम
अवस्थाये पहुँचिये; उत्तमी स्थितिने प्राप्त
थयेस. उत्तम अवस्था को पहुँचा हुआ; उच्च
स्थिति को प्राप्त. (one) in an ex-
cellent condition. “ दुसमदुसम-
समाए उत्तमकट्टपत्ताए ” सू० प० १;
“ उत्तमकट्टपत्ताए भरहस्सवासस्स ” भग०
७, ६; जं० प० २, २६; ७, १३४;
—कट्टा. स्त्री० (-काट्टा) प्रकृष्ट अवस्था;
उत्तम स्थिति. प्रकृष्ट अवस्था; उत्तम स्थिति.
best condition. जं० प० —गुण.
पुं० (-गुण) प्रधान श्रेष्ठ गुण. प्रधान-श्रेष्ठ
गुण. excellent, highest qua-
lity. पंचा० ४, ४८; —गुणबहुमाण.
पुं० (-गुणबहुमान) उत्तम गुणुतो पक्ष-
पात. उत्तम गुण का पक्षपात. honour
paid to excellent or highest
quality. “ उत्तम गुणबहुमाणो ” पंचा०
४, ४८; —चरिय. न० (-चरित)
सत्पुत्र्य येषित-यत्त्रि. सत्पुत्र्य चरित-
चरित्र. high or noble conduct.
पंचा० २, ३१; —जत्ता. स्त्री० (-यात्रा)
श्रेष्ठयात्रा (यात्रा). श्रेष्ठ यात्रा highest,

best, pilgrimage. पंचा० ६, ४५;
—जोगिस. न० (-योगित्व) अयोगी
अवस्थारूप संवर द्वार. stoppage of Karma
(Samvara) by cessation of
all vibratory activity of the
soul. ठा० ५; —ट्टाण. न० (-स्थान)
भोक्ष स्थान. मोक्ष स्थान. salvation;
absolution. “ धीरो अमूटसयणीसो
गच्छइ उत्तमट्टाण ” आउ० —शिवंसण.
न० (-निदर्शन) प्रधान दृष्टांत-उदाहरण.
श्रेष्ठ उदाहरण; मुख्य दृष्टांत. an ex-
cellent illustration; पंचा० ६, ४४;
—धम्मपसिद्धि. स्त्री० (-धर्मप्रसिद्धि)
उत्तम धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
उत्तम-धर्म-धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
the celebrity of the best
religion (Jaina religion). “ उत्तम
धम्म पसिद्धि एयाए जिण वरिंमाण ”
पंचा० ४, ४८; —पुरिस. पुं० (-पुरुष)
तीर्थंकर. अक्षवर्ति, “वलदेव, वासुदेव आदि
उत्तम पुरुष. तीर्थंकर, चक्रवर्ति, वनदेवादि
उत्तम पुरुष. an excellent person;
e. g. Tirthankara, Chakra-
varti, Baladeva, Vasudeva etc.
सम० प० २३६; सम० ४४; पञ्च० ६; ठा०
३; नाया० १६; —पोगल. पुं० (-पुंगव)
आत्मा; उत्तम पुरुष. आत्मा; उत्तम पुरुष.
the best substance; the soul.
“ से पण्डि उत्तम पोगले से ” सूय० १,
१३, १५; —बल विरियसत्तजुत्त. त्रि०
(-बलवीर्यसत्त्वयुक्त) उत्तम बल वीर्य
सत्त्वयुक्त. उत्तम बल वीर्यवाला. (one)
possessed of the highest
strength and might. भग० ६,
३३; —रिद्धि. पुं० (-शक्ति) प्रधान

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति; प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. “सेया य उत्तमाखलु उत्तमरिद्धिं कायम्वा” पंचा० ६, ४४; —विउठिव. त्रि० (—विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्तीत्येवं शीलाः) उत्तम प्रक्ष-
रन्तुं वैद्विष्य करनार. उत्तम प्रकार की विक्रिया-रूपान्तर करनेवाला. (one) able to effect the best transformation e. g. of body. जीवा० ४; —सघयणि. पुं० (—सहननिन्) उभ्या संधयत्यु याक्षे. उच्च सहननवाला. one possessed of a high order of physical or bony constitution. क० प० ४, १०; —सुयवणिय. त्रि० (—श्रुतवर्णित) प्रधान आगमभां कहेल. प्रधान आगम में कहा हुआ. mentioned in the highest scripture पंचा० ६, ४४; उत्तमंग. न० (उत्तमाङ्ग) भस्वक; माथुं. मस्तक; शिर. The head. “लोय विरलु उत्तमंग” पिं० नि० २६२; जं० प० ओव० १०; जीवा० ३, ३; सूय० १, ५, १, १५; दसा० ६, ५; नाया० १८; प्रव० २५४; पंचा० ३, १८;

उत्तमद्ग. पुं० (उत्तमार्थ—उत्तमश्चासावर्थ-
श्चात्तमार्थः) उत्तम पदार्थ; मोक्ष. उत्तम पदार्थ; श्रेष्ठ अर्थ; मोक्ष. The highest or best category viz salvation. उत्त० २५, ६; आउ० ११; (२) उपवासी रहेंतुं ते. उपासे रहना. fasting. आंच० नि० ७; —गवेसय. त्रि० (—गवे-
षक) मोक्षनेो अलिङ्गाणी मोक्ष का अभि-
लाषी. desirous of salvation. “नविरुद्धो नवि तुद्धो, उत्तमद्ग गवेसओ” उत्त० २५, ६; —पत्त. त्रि० (—प्राप्त) उत्तम अवस्थाने प्राप्त थयेल. उत्तम

अवस्था को पहुंचा हुआ. (one) who has reached the highest condition or salvation. “सुसुमाए समाए उत्तमदुपत्ताए भरहस्स” भग० ६, ७; उत्तमा. स्त्री० (उत्तमा) यक्षिना धृष्टि पूर्युलदनी श्रीशु पट्टराणी. यक्ष के इन्द्र पूर्णभद्र की तीसरी पट्टरानी. The third crowned queen of Pūrṇabhadra the Indra of Yakṣas. ठा० ४, १; नाया० ध० ५; भग० १; ५; (२) पञ्च-
वाडीयानी पन्धर रात्रिभांती पड्डेरी रात्रि. पखवाड़े की पंद्रह रात्रियों में की पहली रात्रि. the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०; उत्तर. त्रि० (उत्तर) श्रेष्ठ; प्रधान; उत्तम. प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; अच्छा. Best; highest; prominent. भग० ३, १; ७, २; उत्त० ५, २०; २६; नाया० १; ८; उवा० १, ६६; ओघ० नि० २३२; (२) भीभुं; भनर; अन्य. दूसरा; अन्य. another; next. क० गं० १, २; सम० ८; पञ्च० ३४; जं० प० ५, ११२; दस० २, ३; (३) वृद्धिगत. वृद्धि को प्राप्त. increas-
ed. “कइपणसुतरा” भग० १३, ४; (४) अश्वत्थेश्वरभां आयती उत्सर्पिणीभां थनार २२ भा तीर्थकर जेगवतक्षेत्र में आगामां उत्सर्पिणी में होने वाले २२ वें तीर्थकर. the future 22nd Tirthankara of Airavata-kṣetra in the coming Utsarpiṇī. सम० प० २४३; (५) उतरलु; उतरतुं ते. उतरना, descending. (६) अधिक. अधिक; ज्यादा. more; additional. पञ्च० २; सूय० १, २, २, २४; (७) मुख्य नदि; पेटाआग; भुजनी शाखा. गौणः उ. विभाग; मूल की शाखा a branch of the main stock: a

sub-division. उत्त० ३३, १६; (८)
 उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश. उत्तर दिशा;
 उत्तर प्रदेश. the north; the north
 region राय० ४; ६३; जं० प० १,
 ११; जीवा० ३, १; नाया० ३; ८; भग०
 ३, ७; ५, ४; सम० ६; वेय० १, ४९;
 दस० ६, ३४; (६) उप२. ऊपर.
 above; upwards. भग० २४, १२;
 —अंग. न० (-अंग) दश्याग्न उप२
 आहुं लाहुं स्थापयामां आवे छे ते. द्वार
 पर जो आही लकड़ी लगाई जाती है वह.
 a horizontal piece of wood
 placed on a gate जीवा० ३, ४;
 राय० १०६; प्रब० ६६०; —अभिमुख.
 त्रि० (-अभिमुख) उत्तर दिशानी सन्मुख.
 उत्तर दिशा के सम्मुख. turned to-
 wards the north. दसा० ७, १;
 भग० ११, १०; सम० ४७; —अवक्रमण न०
 (-अवक्रमण) उत्तर दिशाभां ग्युं ते.
 उत्तर दिशा में जाना. going towards
 the north. भग० ६, ३३; १३, ६,
 नाया० १; ८; —(रिं) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र)
 उत्तर दिशाने। इन्द्र. उत्तर दिशा का इन्द्र.
 the Indra of the north. भग० १,
 ५; —(रु)उट्ट. पुं० (-ओठ) उपलो।
 ऊपर का ओठ. the upper lip. “भमुहा
 अहवृद्धा अह पुण एवं जायिजा” कप्प० ६,
 ४३; जं० पं० २, २०; निसी० ३, ५६,
 —उत्तर. पुं० (-उत्तर) उत्तरोत्तर;
 ओ३ भीमथी ओ३ उत्तरोत्तर; क्रमशः एक
 दूसरे से श्रेष्ठ; in ascending order;
 superior. “जक्खाउत्तरउत्तरा” उत्त० ३,
 १४; —उल्ल. त्रि० (-कुल) उपरने ओ३
 वसना२; तापस. ऊपर के तट पर बसनेवाले
 तापस. (an ascetic) residing on
 the upper part of the bank. निर०

३, ३; —(रो)ओट्ट. पुं० (-ओठ) उपलो।
 ओ३. ऊपर का ओठ. the upper lip.
 निसी० ३, ५४; —कुंशुज्ज. त्रि०
 (-कम्पुयिक) उप२ अप्तर पहेरना२.
 ऊपर बहतर पहनने वाला. (one) putt-
 ing on armour appearing out
 side; armoured विवा० २; —कंशु-
 य. पुं० (-कम्पुक) उपलो। अप्तर. ऊपर
 का बहतर. the outer armour विवा०
 २; —कटोषगय. त्रि० (-काटोपगत)
 उत्तर दिशाभां प्राप्त थयेव. उत्तर दिशा तक
 पहुंचा हुआ. (one) that has reach-
 ed the northern direction. सम०
 —करण. न० (-करण) शस्त्रादिने
 पत्थर साथे धसी धारवागुं तथा साइ करपुं
 ते. पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धां करना
 या उन्हें साफ करना sharpening of
 weapons etc on a stone; “जे
 भिक्खू सूखीए उत्तरकरणं अण उथिएण
 वा गारत्थएण वा करेइकरंतं वा साज्जइ”
 निसी० १, १५; १६; —किरिया. न० (-क्रिया)
 वैक्रिय शरीरद्वारा अभन करपुं ते. वैक्रिय विचित्र
 शरीर से गमन करना. act of going in
 the Vaikriya body (physical
 body of a fluid nature). भग०
 ५, १; —कूलग. पुं० (-कूलग) ओ३
 जलना। पानप्रस्थ तापस के ओ३ गंगा-
 नदीना उत्तर ओ३ रहेता। एता. एक प्रकार
 के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के
 उत्तर किनारे पर रहते थे. one of a
 kind of forest ascetics residing
 on the northern bank of the
 Ganges. भग० ११, ६; ओव० —गमिन्न.
 त्रि० (-गामिक) उत्तर दिशाभां अभन कर-
 ना२. उत्तर दिशा में गमन करने वाला go-
 ing towards the north. दसा० ६,

२; —गिह. न० (गृह) उपरनं ग्रीष्मं
धर. दूसरा घर; 1st house a sepa-
rate upper house, another
upper house निर्मा० ६, १६;
—उक्ताय. पुं० (-अध्याय उत्तरा प्रधाना
अध्याया अध्ययनानि । उत्तराश्वने अध्यायाश्च
वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन श्रवणा विन-
यादि अत्रास अध्ययन. उत्तराध्ययन मन्त्र के
विनयादि छत्तीस अध्याय. the 36 chap-
ters viz Vinaya etc of Uttarā-
dhyayana Sūtra. “छत्तीस उत्तर-
उक्ताय भवसिद्धिः ” उत्त० ३६, २७२;
—दारियणकम्बत्त. न० (दारिकनक्षत्र)
उत्तर दिशा तरङ्ग भुज शय्यापर नक्षत्रः
स्वानि आदि सात नक्षत्र. उत्तर दिशा की
ओर मुख रखने वाला नक्षत्रः स्वानि आदि
सात नक्षत्र. a constellation facing
the north; any of the seven
constellations viz Swati etc.
“साहस्यणं सत्त खम्बत्ता उत्तरदारिया
पणत्ता ” टा० ७; —दाहिण पुं०
(-दक्षिण) उत्तर अने दक्षिण दिशा.
उत्तर और दक्षिण दिशा. the north
and the south. भग० ५, १; —दा-
हिणायय. त्रि० (-दक्षिणान्त) उत्तर
दक्षिण लंब. उत्तर दक्षिण लंबा. extend-
ed lengthwise in the north
and the south. “उत्तरदाहिणायण
पाईण पडीण विधिगण ” जं० प०
—दिस्ता. स्त्री० (-दिशा) उत्तर दिशा.
उत्तर दिशा. the north. आद्य० नि०
६६२; —पगडि. स्त्री० (प्रकृति) ज्ञान-
परणीय आदि भूत आदि कर्मना अन्तर्
भेदः कर्मनी प्रकृति. ज्ञानावरणाय आदि मूल
आठ कर्मों के अवान्तर भेद; कर्म की उत्तर
प्रकृति. any of the sub divisions

of the eight main divisions of
Karma viz knowledge-obscur-
ing etc. आया० नि० १ २, १; क० प०
२, ४४; क० गं० १, २; —पगडि. स्त्री०
(-प्रकृति) कर्मनी उत्तर प्रकृति-पेटा भाग
नी प्रकृति. कर्म की उत्तर प्रकृति. a sub-
variety of Karma. प्रव० १२८६;
—पगडिबन्ध. पुं० (-प्रकृतिबन्ध) कर्म-
नी उत्तर प्रकृतिनो बन्ध. कर्म की उत्तर
प्रकृतियों का बन्ध. bondage caused
by any of the sub-divisions of
the main eight divisions of
Karma. भग० १८, २; —पच्चच्छिम.
पुं० (-पश्चिम) वायव्यभुजो; उत्तर अने
पश्चिम पच्च्येता प्रदेश वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the
north-west. भग० ५, १; —पच्चच्छि-
मिल्ल. पुं० (-पश्चिम) वायव्य भुजो; उत्तर
अने पश्चिम पच्च्येता प्रदेश. वायव्य कोन; उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश the north-
west quarter. जं० प० ४, १०४;
—पच्चत्थिम. पुं० (पश्चिम) भुजो
“उत्तर पच्चच्छिम” शब्द. देखो “उत्तर
पच्चच्छिम” शब्द. vide ‘उत्तर पच्चच्छिम’
जं० प० ४, १०४; —पच्चत्थिमिल्ल पुं०
(-पश्चिमक) भुजो “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल”
शब्द. देखो “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल” शब्द.
vide “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल” जं० प० ४,
१०४; —पट्ट पुं० (-पट्ट) आलसके काम-
दानी पथारी उपर पाथरवानुं पत्र. घास
या कम्बल के बिछोने के ऊपर बिछाने का
वस्त्र a covering for a bed of
straw or of a blanket. ओघ०
नि० १२३; प्रव० ५२१; —पडिउत्तर.
न० (-प्रत्युत्तर) उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल
जवाब. उत्तर प्रत्युत्तर; सवाल जवाब.

question and answer. गच्छा० १२६;
—पयडि. स्त्री० (—प्रकृति) जुओ। “उत्तर-
पगडि” शब्द देखो “उत्तरपगडि” शब्द.
vide “उत्तरपगडि” प्रब० ४६;
—पुरच्छिम. पुं० स्त्री० (—पौरस्य)
ध्यान जुओ। ईशान कोन. the north-
east. “तोसेयं मिहिजाण उत्तरपुरच्छिमे
दिशि भाण” सू० प० १; दसा० ५, १;
विवा० १; निर० ५, १; नाया० १; २; ४;
५; ८; १२; १३; १४; १६; भग० ४, १;
६, ५; ६, ३; १०; १; १५, १; सु० च०
२, २२१; —पुरच्छिमिल्ल. पुं० (—पौरस्य)
जुओ। उपरो शब्द. देखो ऊपरका शब्द.
vide above. भग० ६, ३; —पुरत्थिम.
पुं० (—पौरस्य) उत्तर अने पूर दिशानी
वन्नेने प्रदेश; ध्यान कोण. उत्तर और
पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश; ईशान कोन.
the north-east. आंव० भग० १, १;
२, ७; ३, १; राय० ६४; १५०; स्य०
२, १, ४; जं० प० ५, ११७; कप्प० २, २६;
—पोट्टवया. स्त्री० (—प्रोष्ठपदा) उत्तर-
भाद्रपद नक्षत्र. उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the
constellation Uttarā-Bhādra-
pada. सू० प० ४; —फगुणी. स्त्री०
(—फाल्गुनी) उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १९ वें
नक्षत्र. उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १९वां नक्षत्र
the 19th constellation viz
Uttarā-fālgunī. “उत्तर फगुणा-
यस्सते दुत्तरपण्णता” ठा० २; —बाहिर
त्रि० (—बाहिर) उत्तर तरफना अर्धरजुं
उत्तर दिशाके बाहिर. outside the
northern quarter. भग० ५; ६;
—(५) अंतर्. न० (—अन्तर)

उत्तर तरफना अर्धरजुं. उत्तर दिशाके भीतर.
within the northern quarter.
भग० ६, ५; —भेय. पुं० (—भेद) भुवनी
अपेक्षे उत्तर प्रकार. मूलकी अपेक्षा से
उत्तर भेद. further development
or stage as compared with the
original stage. क० गं० १, ३०;
—वाअ. य. पुं० (—वाद) उत्कृष्ट वाद.
उत्कृष्ट वाद. the highest tenet
or doctrine. “आणाण मायगं धम्मं
ए स उत्तर वाण” आया० १, ६, २,
१८४; —वेउव्वि. त्रि० (*)
जन्मपट्टी गमे ते वप्पते वैकिय शक्तिथी
वैकिय शरीर अनायनार. जन्म के बाद चाहे
जब वैकिय शक्तिमे वैकिय शरीर बननेवाला.
(one) who is able to evolve
Vaikriya body by Vaikriya
power at any time after birth.
जं० प० ५, ११७; —वेउव्विय. अ. त्रि०
(*) जन्मपट्टी धारणपणु वप्पते
धारणाप्रमाणे नानुं भोटुं शरीर अनायी
शक्तिय तेवी—वैकिय शक्ति अने ते शक्तिथी
शरीर रचना करी ते. जन्म के पश्चात
क्रिया भी समय धारणाके अनुसार—दन्जा-
नुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य
वैकिय शक्ति; और उस शक्ति से शरीर
रचना करना. the Vaikriya power
i. e. the power of contracting
or expanding the body at any
time after birth to any size
one wishes; making the body
large or small by the use of
this power. ‘उत्तावेउव्विय रुवं विउ-

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th.

व्वइ" राय० २६; प्रव० १०६४; कप्प० २, २;
अणुजो० १३४; नाया० ८; जं० ५०
५, १३७; भग० १, ५; ३, १; २४,
१२; पज्ज० १५; —वेउव्विया. स्त्री०
(*) भूत शरीरस्थी न्दानुं या भेदांतुं
रूप अनायनस्थी प्राप्त थयेत शरीरन्ती अय-
गाहना. मूल शरीरसे छोटा या बड़ा रूप
बनाने से प्राप्त हुई शरीरका अवगाहना-
शरीरका कद. occupation of space
by a body contracted or ex-
panded by the Vaikriyaka
power. जीवा० १; —साल न०
(—शाला) ऐक मत्तनुं घर; ऐसयानुं
स्थान-भेदप थगेरे. एक प्रकार का घर; बैठ-
नेका मंडप आदि स्थान. a kind of
house; a room used for sitting.
“ उत्तर साला गिहा वत्तव्वा ” निमी०
८, १६;

उत्तरओ. अ० (उत्तरतः) उत्तरोत्तरस्थी.
उत्तरात्तर से. From one birth or
generation etc. to another क०
५० ७, ४७; जं० ५० १४४:

उत्तरकुरा. पुं० स्त्री० (उत्तरकुरु) मेरुस्थी
उत्तरे महाविदेहान्तर्गत जुगलियानुं ऐक
क्षेत्र. मेरुके उत्तरकी ओर महाविदेहान्तर्गत
जुगलिया का एक क्षेत्र A region of
Jugaliyās (a Karma Bhūmi)
in Mahāvideha to the north
of Meru. कहिणं भंते । महाविदेहे
वासे उत्तरकुरायामकुरा पण्यता गोयमा? ”
जं० ५० ४; (२) २२ भा तीर्थकरनी
प्रवण्णया पालकीनुं नाम. २२ वें तीर्थकरकी
दीक्षा पालकीका नाम. name of the

palankeen of the 22nd Tirthaṅ-
kara at the time of Dikṣū. सम०
५० २३१; कप्प० ६, १७३;

उत्तरकुरु. पुं० (उत्तरकुरु) जुओ उपले
शब्द. देखो ऊपरका शब्द Vide above.
जं० ५० जीवा० १; सम० ४६; पज्ज० १; १६;
भग० २; ८; नाया० ४; १२; १३; १७;
(२) ते क्षेत्रना भनुय. उत्तर कुरु क्षेत्रकं
मनुय. a native of the above
said region. अणुजो० १३१; (३) ते
क्षेत्रना अधिष्ठाता देवतुं नाम. उक्त क्षेत्रके
अधिष्ठाता देवका नाम. name of the
presiding deity of the above
said region. जं० ५० ५, १२०; (४)
उत्तरकुइ नामते। ऐक द्रव. उत्तरकुरु नामक
एक दह. name of a lake. जीवा० ३४;
जं० ५० —उज्जाण न (—उद्यान) ऐ
नामनुं साकेतपुर नगरनी अदारनुं ऐक
उद्यान. साकेतपुर नगर के बाहिर के एक
उद्यानका नाम. name of a garden
outside the city or Sāketa-
pura. नाया० ध० ६; विवा० १०;
—कूड. पुं० (—कूट) माल्यवन्त नामे
पयारा पर्वतनुं उच्यु शिखर. माल्यवन्त नामक
वखारा पर्वतका ऊंचा शिखर. the high
summit Mālyavanta of the
Vakhārā mount. ठा० ६; (२)
महाविदेहना गन्धमादन पर्वतना चोथा
शिखरनुं नाम. महाविदेह क गन्धमादन
पर्वत के चोथे शिखरका नाम. name of
the 4th summit of the Gandha
mādana mount in Mahāvideha.
ठा० १०; जं० ५० —द्रह. पुं० (—द्रह)

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

उत्तर ३३ नामने ३ गे ६६-६६. उत्तर-
कुरु नामक तीसरा द्रव. the 3rd lake
bearing the name of Uttara-
kuru. टा. ६; —वत्तव्वया. स्त्री० (—वत्त-
व्वया) उत्तर कुरुना अधिकार. उत्तर कुरु
का वर्णन. the subject-matter
or topic dealing with Uttara-
kuru. भग० ६, ७;

उत्तरकुरुअ. त्रि० (उत्तरकुरुक) उत्तरकुरु
क्षेत्रमा गन्धर्व; उत्तरकुरुक्षेत्रवासी. उत्तर-
कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु क्षेत्र में
निवास करनेवाला. Born in Uttara-
Kuru Ksetra. अणुजो० १३१;

उत्तर कुरुग. पुं० (उत्तरकुरुक) लुओ
“ उत्तर कुरुग ” शब्द. देखो “ उत्तर
कुरुग ” शब्द. Vide “ उत्तर कुरुग ”
भग० ६, ७;

उत्तर कोडि. स्त्री० (उत्तरकोट) गान्धर्व
आमनी ७मी भूर्छना. गान्धर्व ग्राम की
७वीं मूर्छना. The 7th note of
the musical scale. टा० ७;

उत्तर गंधारा. स्त्री० (उत्तरगान्धारा)
गंधार आमनी पांचवीं भूर्छना. गान्धार
ग्राम की पांचवीं मूर्छना. The 5th
note of the musical scale. टा०
७, १; अणुजो० १२८;

उत्तर गुण. पुं० (उत्तरगुण) भूत गुणनी
अपेक्षाय उत्तर गुण; स्वाध्याय पिण्ड
विशुद्धि आदि; दश प्रकारना पञ्चभाष्य.
मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण; स्वाध्याय,
पिण्ड विशुद्धि आदि; दश प्रकार के पञ्च-
वक्खाण. A secondary quality;
study of scriptures, purity of
food etc.; 10 kinds of Pachcha-
khāṇas (vows). पंचा० १, ७; प्रव०

७३६; उत्त० २६, १७; भग० २५, ६; —पञ्च-
वक्खाण. पुं० (—प्रत्याख्यान) उत्तरगुण-
रूप पञ्चभाष्य; पञ्चभाष्यना ओक प्रकार.
उत्तर गुण रूप पञ्चवक्खाण; पञ्चवक्खाण का
एक भेद. a kind of Pachcha-
khāṇa in the form of the
practice or observance of
Uttaragūṇas. “ उत्तरगुण पञ्चवक्खाणेषां
कइ विहे पण्यते ” भग० ७, २; —लद्धि.
स्त्री० (—लद्धि) उत्तर गुण-पिण्ड वि-
शुद्धि आदि तपनी श्रद्धि. उत्तर गुण अर्थान्
पिण्ड विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति.
attainment of Uttara Gūṇas
e. g. purity of food, study of
scriptures etc. regarded as
austerities. “ उत्तरगुण लद्धि खय-
माणस्स ” भग० २०, ६; पञ्च० ११;
—सद्धा. स्त्री० (—श्रद्धा) प्रधानतर-गीया
गुणनी अभिधाया प्रधानतर-उच्च गुणों
की श्रद्धा अभिलाषा-चाह. desire to
acquire higher qualities. पंचा०
१, ३७;

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूड) वंदना करीने
पथी ‘ मत्थयेणुं वंदामि ’ कहेंतुं ते: वंद-
नानो १६ मे होय. वंदना करने के
पश्चात् ‘ मत्थएणं वंदामि ’ कहना; वंदना
का १६वां दोष. The 19th fault of
salutation; viz uttering the
words “ I bow with my head ”
after salutation (instead of
before it). प्रव० १५३;

उत्तर चूलिया. स्त्री० (उत्तरचूलिका)
वंदन करीने पथी ‘ भस्तके करी नभुं धुं ’
ओम कहेंतुं ते. वंदना करके पीछे ‘ मस्तक
से नमन करता हूं ’ इस प्रकार कहना.
uttering the words “ I bow

with my head " after salutation (instead of before it)

प्रब० १५३;

उत्तरङ्ग. न० (उत्तरार्द्ध) उत्तरार्ध; वैताढ्यथी के मेरुथी उत्तर. आणुनो प्रदेश. उत्तरार्द्ध; वैताढ्य या मेरुपर्वत से उत्तर का ओर का प्रदेश. The northern half, viz the region north of Vaitāḍhya or Meru. सम० ३६; अणुजा० १४८; जं० प० भग० ३, १; ५, १; —भरत. पुं० (—भरत) वैताढ्य पर्यंतथी उत्तरनो भरत प्रदेश. वैताढ्य पर्वत से उत्तर की ओर का भरत प्रदेश. the Bharata region to the north of Vaitāḍhya mountain. जं० प० —भरह कूड. पुं० (—भरतकूट) जम्बूद्वीपना वैताढ्य पर्यंत ८ भुं शिखर. जंबूद्वीप के वैताढ्य पर्वत का ८वां शिखर. the 8th summit of the Vaitāḍhya mountain of Jambūdvīpa. (२) तेना अधिष्ठाता देवता. उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव. the presiding deity of the above. जं० प० १, १२;

उत्तरङ्ग भरहा. स्त्री० (उत्तरार्द्धभरता) उत्तरार्ध भरतकूटनी पास उत्तरार्ध—भरता नामनी राजधानी. उत्तरार्द्ध भरतकूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम की राजधानी. Name of a capital city near the Uttarārdha Bharatākūta. जं० प० ३, ५३; —माणुस्स-कखेत्त. न० (—माणुप्यक्षेत्र—मनुष्य क्षेत्रस्यार्द्धमर्द्ध मनुष्य क्षेत्र उत्तरंचेतंति) मनुष्य क्षेत्रनो उत्तरार्ध प्रदेश. मनुष्य क्षेत्र का उत्तरार्द्ध प्रदेश. the northern half of the region of Manu-

ṣya Kṣetra. “ उत्तरङ्गमाणुस्सखेत्ताणं छावट्ठि चंदा पमासिंसु ” सम०

उत्तरण. न० (उत्तरण) तरी नयुं; पार उत्तरयुं. तिरजाना; पार उतरना. Crossing; going to the opposite shore or end. “ उत्तरणं चंदसूराणं ” नाया० ६; सम० ७; ठा० ५; १०;

उत्तरणप्पाश्च. त्रि० (उत्तरणप्राय) पार उत्तरया नयुं. पार उतरने योग्य. Wor- thy of, capable of being cross- ed. “ असुहतरं उत्तरणप्पाश्चा ” पंचा० ६, २१;

उत्तरपुट्वा. पुं० (उत्तरपूर्वा) ईशान भुजे। उत्तर अने पूर्व पर्यंतनी विदिशा. उत्तर और पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The north-east. प्रब० ७६०;

उत्तर बलिय. पुं० (उत्तरबलिय) उत्तर बलिय नामे ओक गण. उत्तर बालिय नामक एक गण. Name of a Gaṇa. “ गोदासगणे उत्तरबलियस्सयगणे उदेह- गणे ” ठा० ६, १;

उत्तरबलिस्सह. पुं० (उत्तरबलिस्सह) उत्तर बलिस्सह स्थविरथी निकलेय ओ जतने ओक गण. उत्तरबलिस्सह स्थविर से निकला हुआ इस जाति का एक गण. Name of an order of monks (Gaṇa) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha. कप्प०

उत्तरबलिस्सह पुं० (उत्तरबलिस्सह) महागिरि स्थविरना प्रथम शिष्य अने तेना थी निकलेय गण महागिरि नामक स्थविर का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ गण. The first disciple of the saint Mahāgiri and the order established by him “ धेरोहेतोयं

उत्तरबलिस्सहंहितो तत्थण उत्तर बलिस्सहे”

ठा० ६, १;

उत्तरमहवया. ख्री० (उत्तराभाद्रपदा)

अभिजित पक्षे नक्षत्रमांनुं ६६ नक्षत्र;

उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र. अभिजित वंगरह

नक्षत्रों में का छठवां नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद.

The constellation Uttara

Bhādrapadā i. e. the 6th of

the constellations viz Abhijita

etc. “उत्तर महवया णक्खत्ते दुत्तारे

पण्णता” ठा० ६, १;

उत्तरमंदा. ख्री० (उत्तरमन्दा) गन्धर्व

स्वर अन्तर्गत ऐक मूर्छना; मध्यम ग्रामनी

पंडेरी मूर्छना; गंधार स्वर के अन्तर्गत

एक मूर्छना; मध्यम ग्राम की पहली मूर्छना-

कोट. One of the 7 notes of the

Indian gamut; the 1st note of

the Madhyama scale. राय० १३०;

ठा० ७, १; जावा० ३, ४;

उत्तर वडिसग. न० (उत्तरावन्तमक) ऐ

नामनुं ऐक विमान. इस नाम का एक

विमान. Name of a celestial

abode. जावा० ३, २;

उत्तर, समा. ख्री० (उत्तरसमा) मध्यम

ग्रामनी चौथी मूर्छना. मध्यम ग्राम की

चौथी मूर्छना; चौथा कोट. The 4th

note of the Madhyama musical

scale. ठा० ७, १;

उत्तरा ख्री० (उत्तरा) उत्तराषाढा आदि नक्षत्र

उत्तराषाढा आदि नक्षत्र. The constel-

lation Uttarāṣāḍhā. अणुजो० १३१;

(२) मध्यम ग्रामनी पंडेरी अने त्रीश

मूर्छना. मध्यम ग्रामकी पहली और तीसरी

मूर्छना. the third note of the

Madhyama musical scale. ठा०

७ १; अणुजो० १२८: १३८: (३)

उत्तर दिशा. उत्तर दिशा. the north.

‘ उत्तरा ओ वा दिसाओ आगओ अदमसि’

प्रव० ७६०; क० प० ४, २; भग० १०, १;

२५, ३; आया० १, १, १, २; —आसाढा.

ख्री० (—आषाढा) उत्तराषाढा नक्षत्र. उत्तरा-

षाढा नक्षत्र. the constellation

called Uttarāṣāḍhā. जं० प० २, ३१;

७, १४५; सम० ४; ठा० २, ३;

उत्तरा कोडि. ख्री० (उत्तराकोटि) ऐ

नामनी गंधार ग्रामनी सातवीं मूर्छना.

इस नामकी गंधार ग्रामकी सातवीं मूर्छना.

Namo of a certain musical

note in the Indian gamut

ठा० ७, १;

उत्तराध्वयण. न० (उत्तराध्वयन) ऐ

नामनुं ऐक मूल सूत्र; अत्रीश अध्ययनना

समूह रूप उत्तराध्वयन नामे सूत्र. इस

नामका एक मूल सूत्र. छत्तीस अध्ययनों

का समूह रूप उत्तराध्वयन नामक सूत्र.

Name of a Mula Sūtra; name

of a scripture containing 36

chapters. नंदा० ४३; —फगुणी.

ख्री० (—फाल्गुनी) ऐ नामनुं नक्षत्र. इस

नामका एक नक्षत्र. name of a constel-

lation. जं० प० ७, १२६; ५, ११५.

स० प० १०; सम० २; —महवया

ख्री० (—भाद्रपदा) ऐ नामनुं ऐक नक्षत्र

इस नामका नक्षत्र. name of a constel-

lation. सम० २;

उत्तरायण. पुं० (उत्तरायण) सूर्य दक्षिण दिशा

मांथी उत्तर दिशामां गत्य ते. सूर्य का दक्षिण

दिशामे उत्तर दिशामें जाना. The north-

ward apparent motion of the

sun. सम० २४; ठा० ३; —गय. पुं०

(—गत) कई संक्रांतियों दिवस; उत्तरायणमां

प्रवेश करनेवाले सूर्य. कर्क संक्रांतीवा दिन;

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य. the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress. सम० — शिष्यट्ट. पुं० (-निवृत्त) सूर्य उत्तरने भांडेथी दक्षिणने भांडे गय ते. सूर्य का उत्तरायणसे दक्षिणायन होना. the returning of the sun towards the south from the north. “उत्तरायणशिष्यट्टे सूरिण्” ठा० ३; सम० २४;

उत्तरायया. स्त्री० (उत्तरायता) गंधार आभनी सातवीं मूर्छना. गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut. अणुजो० १२८;

उत्तरावग. पुं० (उत्तरापथक) उत्तरापथ देशना ३५नां अक्ष सिद्धा. उत्तरापथ देश का चांदीका एक सिक्का. Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath. प्रव० ८०५;

उत्तरावह. पुं० (उत्तरापथ) उत्तर तटकेना अक्ष देश उत्तर की ओरका एक देश. Name of a country in the north प्रव० ८०५;

उत्तरासंग. पुं० (उत्तरासङ्ग) भुज ६५२ दुपटानुं आचर्तन ६२युं ते. उत्तरासङ्ग ६२युं ते. उत्तरासन करना. Wrapping of scarf round the face. कण० २. ११; ज० प० ४, ११५; भग० २, ४; ६, ३३; १५, १; श्रव० १२; नाया० १: १६; विवा० १; राय० २३; — करण. न० (-करण) जुआं उपदेो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above “एग साङ्गिणं उत्तरासङ्ग करणं” नाया० १;

उत्तरासमा स्त्री० (उत्तरसमा) मध्य.

आभनी मोथी मूर्छना. मध्य ग्राम की चौथी मूर्छना. The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. अणुजो० १२८;

उत्तराहुत्त. त्रि० (उत्तराभिमुख) उत्तर तटके; उत्तरने सन्भुज. उत्तरकी ओर; उत्तर दिशा के सम्मुख. Towards the north; facing the north “थोधाबसेसियाए सजभाए ठाहु उत्तराहुतो” श्रव० नि० ६५०; उत्तरिज्ज. न० (उत्तरीय) भांभा ७५२ राभयानुं यत्न-६५४. कंधेपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा. A scarf; an upper garment. “उत्तरिज्जं विकट्टमाणी” उवा० ६, १६६; श्रव० ३१; दसा० १०, १; नाया० १: ८; ६; १२; १४; भग० ६, ३३; जं० प० कण० ४, ६२;

उत्तरिज्जग. न० (उत्तरीयक) जुआं उपदेो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६. १६४;

उत्तरिज्जय. न० (उत्तरीयक) जुआं उपदेो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा० ६, १६४;

उत्तरिय. पुं० (उत्तरिक) उत्तर शुभु-अभिनि यगेरे. उत्तर गुण-समिति वगैरह. Samiti etc. (i. e. care in walking, eating etc.) विशेष १२४५; (२) त्रि० प्रधान; श्रेष्ठ प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उत्तम. principal; highest; best. नाया० ८; वेय० ४, १८; ठा० १०; (३) दुपट्टे; भांभा राभयानुं यत्न. दुपट्टा; कंधेपर रखनेका वस्त्र. a scarf; an upper garment. नाया० २;

उत्तरिज्ज. त्रि० (औत्तर) उत्तर दिशाभांनुं; उत्तर दिशासंगधी. उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धी. Northern; pertaining to the north. नाया० ४० ४;

पञ्च २; नाया ६; १३; १६; जं० प० २,
३३; ५, ११४; विवा० ३; भग० ३, १; १०,
७; १६ २; ८; ३४, १; प्रव० ११५२;

उत्तरिण. त्रि० (उत्तराय) उत्तरया योग्य.
उत्तरने योग्य. Worth descending;
worth crossing; fit to be crossed
etc. राय० ७१; जं० प० ५, ११४;

उत्तरीकरण. न० (उत्तरीकरण) तेनी
आलोचना करीछे तेनी पधारे विशुद्धि
करवा-कर्मोत्सर्ग " कठिंसर्ग " करवा ते.
जिमका आलोचना की है उसका अधिक
विशुद्धि के लिये कर्मोत्सर्ग करना। Medi-
tation upon the soul in a par-
ticular posture after confession
of a sin in order to wash off
that sin the more. आव० १, ५;

उत्ताडण. न० (उत्ताडन) ऐक प्रकारन
वाद्य. एक प्रकारका बाजा A kind of
musical instrument. राय०

उत्ताण. त्रि० (उत्तान) यत्नुपाटः समुः
सिधुः. गोधा गच्चा. Flat; straight.
भग० १, १०; " उत्ताण लुत्तयिद्वया " उत्त०
३६, ६१; वच० ५, १८; पञ्च० २; (२)
श्रीकृष्णः श्रुत्वा नदी ते. जो गहरा ऊटा
न हो वह. shallow. टा० ४, ४;
(३) न० पञ्चदशे भार्या विना आंख
भुझी राखी ते. पलक मारे बिना आंखको
खुला रखना. keeping the eye
open without twinkling. आव०
(४) त्रि० यत्ता सुवाना अभिग्रह धरनार.
चित् सोने का अभिग्रह-प्रतिज्ञा वाला.
(one) who has taken a vow
to sleep flat on the back.
पंचा० १८, १५; --- (लो) उदधि. पुं०
(-उदधि) छीछरा पाणीवाला दरोओ,
उधले पानी वाला समुद्र. a sea with

shallow waters. टा० ४, ४;
— ओभासि. त्रि० (-अवभासिन्)
तुच्छ मालूम हो
ऐसा. appearing trivial. टा० ४, ४;
— रायणपेच्छणिदज. त्रि० (-नयनप्रेक्ष-
णीय) अति सुंदर होवाने लीधे उधाडी-
अनिमिष-आंखे नदेया योग्य. बहुत सुंदर
होनेके कारण अनिमिष (बिना पलक मारे)
नेत्रोंसे देखने योग्य deserving to be
gazed at with twinkle-less
eyes on account of fascinating
beauty. " उत्ताणयणपेच्छणिजा पासा-
दिया दरिणिजा " आव० — हस्त. पुं०
(-हस्त) वस्तु लेवाने उठ्या करेला हाथ.
वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊचा किया हुआ
हाथ. a hand raised to grasp at
a thing. " किन्ना त्रिन् उत्ताणहत्था
ओ " तंडु

उत्ताणअ. त्रि० (उत्तानक) यत्ता सुनार.
चित् सोनेवाला. One who lies or
sleeps flat i. e. on the back.
" जावेण भंत गदम गणसमाणे उत्ताणपुत्रा
पामल्लपुत्रा " भग० १, ७; विवा० ६; प्रव०
४, ६०; (२) लोभुं करेनुं; पसारेंनुं.
लंबा किया हुआ; पसारा हुआ; फैलाया
हुआ. projected; expanded; ex-
tended. आया० २, १, १०, ५७;

उत्ताणग. त्रि० (उत्तानक) यत्ता सुनार-सुनार.
चित् होकर सोजाने वाला. (One)
who lies on the back and goes
to sleep. (२) न० समुः; सिधुः. गोधा;
सन्मुख. straight; even. पंचा०
१८, १५;

उत्ताणिअ. त्रि० (उत्ताणिक) यत्ता सुवाने
अभिग्रह धरनार. चित् सोनेका अभिग्रह
धारण करने वाला. (One) who has

taken a vow to lie flat i. e. sleep on the back. दसा० ७, ६; वेय० ५, ३०;

उत्तार. पु० (उत्तार) नदीने उतार; पाणीने आरौ. नदीका उतार. A place where water may be crossed on foot; a ford. जं० प०

उत्तारण. न० (उत्तारण) उतरनु-पार गनु ते. पार जा-उतरना. Crossing; going to the opposite end. विशे० १०४०; जीवा० ३, ३;

उत्ताल. न० (उत्ताल) ताल गाने ते. गायनने अके दोष. तालके खिलाफ गाना; गायनका एक दोष Singing out of tune. “ गाय तो मायगाहि उत्ताल ” ठा० ७; जं० प० अणुजो० १२८;

उत्तासहृत्तार. त्रि० (उत्तासयितृ) अतिशय त्रास आपनार. बहुत त्रास देनेवाला. Highly annoying; excessively troublesome. “ भेत्तबिलुपिता उहसित्ता उत्तासहृत्ता ” आया० १, २, १. ६६;

उत्तासण्ण. त्रि० (उत्तासनक) त्रास उपगयनार; अथ उत्पन्न करनेवाला. त्रास देनेवाला; भय उत्पन्न करने वाला. Terrifying; annoying; frightful. नाया० ८;

उत्तासण्य. त्रि० (उत्तासनक) अन्या उपक्षे शब्द. देखो ऊपरका शब्द. V do above. नाया० ८; पञ० २; भग० ३, २; ६, ५;

उत्तासण्णज्ज. त्रि० (उत्तासनीय) भयावह. महा भयंकर; बहुत डरावना. Very terrible; frightful. “ नरोविज्ज उत्तासाण्णज्जो ” तंडु०

उत्तासिय. त्रि० (उत्तासित) त्रास आपेक्ष त्रस्त. Troubled; frightened; terrified. भग० ३, ५; (२) ५२२५२ भवेक्ष. परस्पर मिला हुआ. mixed together; joined together. भग० ३, १; ५, ६;

उत्ति. स्त्री० (उक्ति) वाणी; वचन. वाणी; वचन. Speech; words. “ गंभीराहरणेहि उत्तीहि य भावसाराहि ” पंचा० ६, १६; विशे० ३३५६;

उत्तिग. पुं० (उत्तिग) शिडीयाइ; शिडीनु ६२. चीटियों का बिल. An ant-hill. “ सपाणे सवीए सहृणिए सउत्तिग ” सम० २१; दस० ५, १, २६; ८, ११; आया० १, ७, ६. २२२; आव० ४, ३; (२) छिद्र; छिद्र. छेद; छिद्र. a hole; an aperture आया० २, ३. १, ११६; निसा० १८, १८; -लेण. पुं० (-लयन) शिडीयाइ. चिउंटी का बिल. an ant-hill. कण० ६, ४५;

उत्तिण्ण. त्रि० (उत्तीर्ण) पार उतरेक्ष. पार उतरा हुआ. Crossed; passed over. जं० प० नाया० १; १६;

उत्तट्ट. त्रि० (*) वासलु उपर जमभेक्ष ओसना भिन्डु. बर्तनके ऊपर जमे हुए ओस बिंदु A dew-drop clinging to a vessel or utensil. “ उत्तेटा वत्थायायन समिति ” पि० नि० भा० १६;

उत्थय. पुं० (उत्थय) ओभार; उभयो. तावता. Rising; increasing; intensity. ओव० ३१;

उत्थय. त्रि० (अवस्तृत) ढाँकेलु; आच्छादन करेलु; ढाँका हुआ; आच्छादित. Covered; concealed. ओव० ३१; जं० प०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्थरंत. व० कृ० त्रि० (उत्तस्त्वृणवत्)

आच्छादन करतो. आच्छादन करता हुआ;

ढांकता हुआ. Covering; hiding.

“ अणि एहि उत्थरंता अभिभूय हरंति पर-
धयाहं ” परह० १, ३;

उत्थल. न० (उत्स्थल—उन्नतार्त्तान धूत्युच्छ्रय

रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) धूलना टेकरा.

धूल के टेकड़े. A sand-hill; a

sandy down. भग० ७, ६;

उत्थाण. न० (उत्थान) उड़नुं; उला थनुं.

उठना; खंड होना. Rising up; getting

up. विशेष० २८२६;

उन्निथय. त्रि० (अवस्तृत) आच्छादन करेय.

ढाँकेय. ढांका हुआ; आच्छादित. Covered;

concealed from view. उवा० १, ५८;

उदअ-य. पुं० न० (उदक) जल; पाणी.

जल; Water. आया० १, ६, १, १७७;

उत्त० ७, २३; २८, २२; नाया० १; ५: ८;

१४; १८; भग० ३ ३; राय० २७; ओव०

३५; दसा० ६, १; ६, २; सू० प० १०; विशेष०

१४६८; पि० नि० ८३; (२) पाणीभांती

ऐक वनस्पति. जल म का एक वनस्पति.

a kind of aquatic plant. पञ्च० १;

(३) पर्यग वनतनी वनस्पति; ऐक

वनतनुं पृक्ष पर्वग जाति का वनस्पति; एक

प्रकारका वृक्ष. a kind of tree. पञ्च० १;

(४) पुं० अ० नामना ऐक अन्यतीर्थि विद्वान्.

इम नामक एक अन्य धर्मी विद्वान्. name

of a learned non-Jain. भग०

६; (५) गोशालाना ऐक भुभ्य श्रावकनुं

नाम. गोशाला क एक मुख्य श्रावक का नाम.

name of one of the principal

lay-followers of Gosālā. भग०

८, ५; (६) उदक नामे (अपर नाम

पेढाल पुत्र) ऐक पार्श्वनाथना संतानीया

निग्रन्थ के गेने गौतमस्वामी साथे संवाद

थयो हुतो. उदक (अपरनाम पेढाल पुत्र)

नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु कि

जिसका गौतम स्वामी के साथ संवाद हुआ

था. name of an ascetic follower

of Pārśvanātha, who had held

discussion with Gautama

Swāmi; he is also named

Pedhālputra. सूत्र० २, ७, ५;

—उदपीला. स्त्रा० (*) पाणी वगेरेना

जस्थे;—समुद्र. जल वगेरह का समूह. a

volume of water etc. भग० ३, ७;

—तल. न० (—तल) पाणीनुं तलीयुं. जल

का तल. the bottom of water.

दमा० ६, १; —परिफोसिया. स्त्रा०

(परिपृषत्) पाणीनाजीला छोटः छुंयाउ.

पाणी के छोट छोट छोटः फुंवार. spray

of water. नाया० ८;

उदइ. त्रि० (उदयिन्) उदय पाभनार. उदय

पाने वाला. Rising; coming to rise.

“ उदइयां अणुदइं ठराहं ” भग० ११, १;

३५, १;

उदइअ पुं० (ओदयिक) कर्मना उदय. कर्म

का उदय. Maturity of Karma;

state of maturity (२) कर्मना

उदयथी निपपन्न थअव आव; ७ आव-

भांते ऐक. उदय से निपपन्न-उपपन्न. any-

thing resulting from matura-

city of Karma. अणुजो ८८; भग०

१७, १; २५, ६; क० ग० ४, ७२; —आइ

त्रि० (—आदि) उदय आव गेभां आदि

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vile
Foot-note (*) p. 15th.

प्रथम छे तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायिक अने पारिप्लमिक आव. स्नि भावो में औदयिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायिक और पारिप्लमिक भाव. (those Bhāvas or states viz Aupśamika, Kṣāyopśamika, Kṣāyaka and Paripñāmika) which are headed by Udayabhāva i. e. state of coming to rise; lit. Udayabhāva etc. विशेष ४०६; —भाव. पुं० (-भाव) लु० औ "उदह्य" शब्द. देखो " उदह्य " शब्द. vide " उदह्य " भग० १४, ७;

उदउल्ल. त्रि० (उदकाद्र) पाल्पुथी बीजुं थयेव. पाणी में भीजा हुआ. Wet with water, " उदउल्ल बीयसंसत्त " दस० ६, २५; ४, ५; १, २३; ८, ७; आया० २, १, ६, ३३; निसी० ४, ४०; कण्प० ६, ४३; प्रव० ६१६; —काय. पुं० (-काय) पाल्पुथी बीजुं शरीर. पानी में गीला शरीर. body wet with water. दस० ४; —वत्थ. न० (-वत्थ) पाल्पुथी बीजुं यत्थ. पानी से गीला वत्थ. cloth wet with water. दस० ४;

उदएचर. त्रि० (उदकवर) जलचर; जल में रहने वाले प्राणी. Aquatic. "उदएचरा आगास गामिणो " आया० १, ६, १, १७७;

उदओदर. पुं० (उदकोदर) जलोदर रोग. Dropsy. जं० प० २;

उदक. न० (उदक) पानी. जल; पानी. Water. जीवा० ३, ३; —भायण. पुं० (-भाजन) पाल्पुथी वासण. पानी का बर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८; १७;

उदग. न० (उदक) पाल्पु; जल; पानी.

Water. पंचा० २, ११; प्रव० १५६२; कण्प० ४, ५६; जं० प० ५, १२०; निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८; भग० १, ६; ८; ५, ४; ७, १; १५, १; पण० १; नंदी० ३५; दस० ४, ५, १, ७५; उवा० १, २७; ४१; —(गा) आवत्त. पुं० (-आवत्त) पाल्पुथी वृक्षर - लभरी - यमल पाणी का भौर. an eddy; a whirlpool of water. अणुजो० १३४; भग० ५, ७; —गम्भ. पुं० (-गर्भ) पाल्पुथी गर्भ - पाल्पुथी रूपे यनार पुद्गल परिप्लव. पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुद्गल पारिप्लव. particles of matter transforming themselves into the element of water. "वत्तार उदग गम्भा परणत्ता तं जहा." भग० २, ५; —जोणिय. पुं० (-योनिक - उदकं योनिरूपत्तिस्थानं येषां ते) पाल्पुथी उत्पन्न यनार ७५. पाणी में उत्पन्न होने वाला जाव. an aquatic sentient being. "इहे गत्तिवा सत्ता उदग जोणिया उदग संभवा" सूय० २, ३, १७; —दोणी. स्त्री० (-द्रोणी) पाल्पुथी पेंचवाणी डोल. पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water. "अलं उदगदोणीणं" दस० ७, २७; (२) न्दानी छोडी; भउवे. छोटीसी डोगी; डोंगा. a small boat. आया० २, ४, २, १३८; (३) दोदरनी पाल्पुथी कुंडी के जेभां तपेनुं दोदुं हारवाभां आवे छे. लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है. a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. "उदग दोणी विवत्तिण" भग० १६, १; —धारा. स्त्री० (-धारा) पाल्पुथी धारा. जलधारा. a stream of water; a down pour of rain. नाया० ६; जं० प० ३, ४३;

—परिणय. त्रि० (-परिणय) पाणी रूपे परिणाम अभेद. जल रूप में परिणाम पाया हुआ. transformed into water. ठा० ३, ३; —पोग्गल. पुं० (-पुद्गल) पाणीना पुद्गल ना सभूद; वादपुं. जल रूप पुद्गल का समूह बादल; मघ. a collection of watery particles; a cloud “तस्य समुद्रियं उदग पोग्गलं परिणयंवा.” ठा० ३, ३; —प्यसूय. त्रि० (-प्रसूत) जलभां उत्पन्न थयेत् कन्द आदि. जल में उत्पन्न हुए कन्द आदि. (a bulbous root etc.) produced in water. “उदग पसूयाणि कंदानि वा मूलाणि वा पक्षाणि वा” आया० २, २, १, ६४; —फोसिया. स्त्री० (-वृषद्) पाणीना बिंदु. जल बिन्दु. Spray of water; small drops of water. नाया० ८; —बिंदु. पुं० (-बिन्दु) पाणीनुं ग्रीपुं. पानी की बिन्दु; जल का छीटा. a drop of water. भग० ५, ७; ६, १; पंचा० ४, ४७; —मच्छु पुं० (-मत्स्य) ध्रुव धनुष्यना कटक. इन्द्र धनुष्य के टुकड़े. bits of rainbow. भग० ३, ७; अणुजो० १२७; जीवा० ३, ३; —माल. पुं० स्त्री० (-माला) उपरा उपर रहैल पाणीनी शिखा; दगभायो. एक पर एक स्थित पानी की शिखा. crests of water piled one upon another “लवणसखं समुद्रस्स के महालप उदगमाले पणयते” जीवा० ३, ४; ठा० १०; —रयण. पुं० (-रत्न) शुद्ध पाणी; रत्न समान पाणी. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. “उल्ले उदगरयण अस्सदिप” भग० १५, १; नाया० १२; —रस. (-रस) पुं० पाणीने रस. पानी का रस water in the fluid form. “तन्नो समुद्रा पणईप उदगरसेखं पणयता” जं० प० १; —राई.

जी० (-राजि) पाणीनी लोटी. बानी की रेखा. a line of water. क० प० २, ४५; —लेख. पुं० (-लेख) नावा आधे तैलवा पाणिभां आधपुं-नदी उतरपी ते. जितने पानी में नाव चले उतने पानी में से नदी पार होना. fording a river etc. at a place where a boat can sail “अतो मासस्स तन्नो दग्गळेवे करे माये सब्बा” सम० २१; दसा० २, १०; ११; (२) पाणीना लेख; पाणीथी बिज्जपुं ते. जलका लेख; पानी से भिजाना getting wet with water. अया० २, १, ११, १२; —वरिय. पुं० स्त्री० (-वस्ति) पाणीनी भसक. पानी की मशक. a leather bag for holding water in. “उदगवीयं परामुयह” नाया० १८; —संभाराणज्ज. त्रि० (-सम्भारणांय) पाणीने शुद्ध करनेवाली वस्तु पानी को शुद्ध करने का वस्तु. any substance used to purify water. “हट्टु तुट्ठे बडुहि उदगसंभारणि-जंहि” नाया० १२; —सन्ध. पुं० (-शस्त्र-उदकमेवशब्दतत्त्वा) पाणीना शत्रुना नाश करनेवाला शस्त्र; अग्नि. आर वगैरे. जल के जावों का नाश करने वाला शस्त्र; अग्नि; चार वगैरह. a weapon which destroys sentient beings living in water o. g. fire, poisonous salts etc. आया० १, १, ३, २३; —साला. स्त्री० (-शाला) पाणीनुं पय (पर्य). पानी की पो. a place where water is supplied to travellers etc. (out, of charity). सूय० २, ७, ४; —सिहा. स्त्री० (-शिखा) धरीयानी वेध; पाणीनी भरती ओट. पानी की बहतो और घटती. ebb and tide of the sea ठा० १०;

उद्गणाय. पुं० (उद्गणाय) आधुना पाण्डि-
ना दृष्टान्तार्थं ज्ञातासूत्रं १२ भुं अध्ययन.
खोद के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का
१२ वां अध्ययन. Name of the 12th
chapter of Jñātā Sūtra con-
taining an illustration of ditch
water. सम० १६; नाया० १;

उद्गत्त. न० (उद्गत्त) पाण्डिपत्रं. जलपना;
जलत्व. State of being water.

“य बहवे उद्गजोणिथा जीवा य पांगला
य उद्गत्ताय वंक्रमति” डा० ३; भग० २, ५;

उद्गसीमय. पुं० (उद्गसीमक) अ नामने
अंश वेलेधर नागराजने अवास पर्वत.
वेलेधर नागरा के निवास करने के एक
पर्वत का नाम. Name of a moun-
tain-abode of Velandhara
Nāgarāja. जीवा० ३;

उद्गग. त्रि० (उद्गग) उत्कट; उन्नत; उत्तरे
तर वृद्धिवांशु. उत्कट; तीव्र; उन्नत; उत्तरोत्तर
वृद्धि वाला. Pierce, intense, tall;
lofty, mighty; increasing.
“उद्गो हृत्परहंसए” उत्त० ११, २०; भग०
२, १; नाया० १; ५: --चारित्र्यं पुं०
श्री० (--चारित्र्यं तप उद्गं प्रवानं चारित्र्यं
तपश्च यस्य सत्तथा) प्रधान चारित्र्य तप
य ले. प्रधान चारित्र्य तप वाला. one of
austere right conduct and
penance उत्त० १३, ३५;

उद्गत्त त्रि० (उद्गत्त) उद्गत; प्रधान; श्रेष्ठ.
उद्गत; प्रधान; मुख्य; श्रेष्ठ; उदार. High;
lofty; prominent. उत्त० १३, ३५;
भग० २, १; ३, १, ६, ३३; (२) अक्ष-
रदि स्वरने अक्ष प्रसर. अकारादि स्वर का
एक प्रकार. a particular variety
(accent) of vowel-sound. प्रव०
५५०;

उद्गत्ताभ. पुं० (उद्गत्ताभ) गौतम गोत्रनी
अंश शाखा अने तेने पुत्र. गौतम गोत्र
का एक शाखा और उस शाखा का पुरुष.
Name of a branch of Gautama
family-stock; a person belong-
ing to this branch. “ते उद्गत्ताभा”
डा० ७, १;

उद्गधि. पुं० (उद्गधि) समुद्र. समुद्र; दर्या.
The ocean; the sea स० प० १६;
जीवा० ३, १;

उदय. पुं० (उदय) उगयुं; प्रगट थयुं; उदय
थयुं ते. उगना, प्रगट होना; उदय होना.
Rising; coming to view; ap-
pearance. डा० २, १; पण्डि० २, ४;
सू० प० १; नाया० ३; श्रीव० १६; (२)
अभ्युदय; उत्थि. अभ्युदय; बढ़ती; चढ़ती.
rise; prosperity सू० २, ६, १६;
पि० नि० ४१४; (३) उपगयुं; उत्पत्ति; पैदा
होना; उत्पत्ति birth; creation; pro-
duction सम० ३२; (४) जंशुर्द्धापना
अरतजंशुमा धनार सातमा तीर्थकरनु नाम.
जंशुर्द्धापके अरतखंड मे होने वाले सातवें तार्थ-
कर का नाम. the name of the 7th
would-be Tirthāṅkara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१; (५) जंशुर्द्धापमा अरत-
क्षेत्रमा धनार त्रीन्त तीर्थकरना पूर्वभवनु
नाम जंशुर्द्धाप के अरतखंड मे होने वाले तीसरे
तार्थकर का पूर्व भव का नाम the name
in the past birth of the third
would-be Tirthāṅkara of Bha-
ratakhanda in Jambudvīpa.
सम० प० २४१; (६) कर्मनु विपाकालि
भुज थयुं ते. क्षान्तवरणीयादि कर्मने उदय.
कर्म का विपाक (फल देने) के सम्मुख होना;
ज्ञानावरण यदि कर्मों का उदय. maturi

ty of Karma; e. g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, १: २, ५: ५, ६: १४, २, २०, ३: ४०, १२: पैं० नि० १०२; (७) उदय भावः ७ भावभावा प्रथम भाव. उदय भावः बृह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth. the first of the 6 Bhavas. भग० १३, १:—अन्त. पुं० (अन्त) नदी आदिवा पाणीनी सीमाः ज्यों नदी पुरी थाय ते प्रदेश नदी आदि के जल का समाप्त, व. प्रदेश जहां नदी पूरा हा. the place where the water of a river ends or terminates. भग० १, ६:—अन्त. पुं० (-अन्त) उदयना स्थानक. उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. क० गं ६, १८:—गय. त्रि० (-गत) उदयना स्थानने प्राप्त थयेत्. उदयस्थान को प्राप्त. come to rise: risen. क० गं ६, ४०:—निष्पकरण. त्रि० (निष्पन्न) उदयना उदयथी निष्पन्न थयेत्. कर्म के उदय में निष्पन्न-उत्पन्न. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma. भग० १३, १: २५, ५:—रथमण. त्रि० (-अस्तमान) सूर्यना उदय अथवाती समय. सूर्यके उदय अस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कण० ३, ३६:—पत्त. त्रि० (-प्राप्त) उदय पाभेत्. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग० २५, ७: पण० २, ५:—विधि. पुं० (-विधि) उदयना प्रकार. उदयका प्रकार. mode or method of coming to rise क० गं ६, ३०:—संदिह

क्षा० (-संस्थानि) सूर्यना उदयनी स्थिति. सूर्य के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of rising. मू० प० ८:—संत. क्षा० (सत्ता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय और सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma). क० प० ७, ५३, ५५.

उदयजिण. पुं० (उदयाजन) अन्तर्गत आदीसीना सातवा तीर्थंकर के जे अन्तर्गत मदातीर स्थायीत अन्तर्गत मदातीर अगामा जीवीयों के मानये तीर्थंकर जो एक समय मदातीर स्वामीक शिखरी नामक धावक थे. The 7th antihankara of the coming Chovisi i. e. cyclo who was once a Srāvaka (by name Śūkhajī) of Mahāvira Swami प्रव० ४६७.

उदयगुप्त. त्रि० (उदयगुप्त) उदय पाभेत्. उदय गेता ते. जियवा गुप्त उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise क० गं ६, ३:

उदयसीमा. पुं० (उदकसीमान्) अवलु समुद्रमा उत्तर दिशाये आवेत्ते अन्तर्गत आवास पर्वत. अवलु समुद्रके उत्तर दिशामें स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavana Samudra in the north. सम० ४३:

उदयसेण. पुं० (उदयसेन) श्रीरसेन ते शूरसेनने पिता. वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम. Name of the father of Virasena and Śūrasena. आय० नि० १, ४, १, १:

उदयायल. पुं० (उदयाचल) उदयायल पर्वत उदयाचल पर्वत The eastern moun

twin named Udayāchala behind which the sun rises. सु० च० ३, ७६;

उदर. न० (उदर) ७८६२; पेट. जठर; पेट The belly; the stomach. सूय० १, ५, २, २; २, १, ४२; दस० ४; जवा० ३, ३; ओव० १०; निसी० ७, १४; अणुजो० १३१; नाया० १३; आया० १, १, २, १६; उवा० २, १०१;

उदरघली. ली० (उदरावलि) कालशुं; कलेजु. कलेजा. The heart. निर० १ १: —मंस. न० (-मांस) कालशुं मांस. कलेजका मांस. the flesh of the heart. निर० १, १.

उदरि. त्रि० (उदरिन्) पेटनो रोगी; जलोदर रोगवाला (One) suffering from a domi-nial affections like dropsy etc. आया० १, ६, १, १७२;

उदरिक. त्रि० (औदरिक) जलोदरना रोग-वाला. जलोदर रोगवाला. (One) suff-ering from dropsy. पण्ड० २, ५;

उदरिय. न० (औदरिक) शुभ्रा "उदरिक" शब्द. देखो "उदरिक" शब्द. Vide "उदरिक" विवा १, ७;

उदवाह पुं० (उदवाह) जलनो नानो प्रवाह. जलका छोटासा प्रवाह A small current of water. "उदवाहाह वा प्रवाहाह वा" भग० ३, ७;

उदधि. पुं० (उदधि) समुद्र; दरीयो. समुद्र; उदधि; दर्या The ocean; the sea. ठा० २, ४; उक्त० ११, ३०; भग० १, ६; ६; विशे० १३३२; पि० नि० भा० १७; प्रव० १४६३; क० प० १, ७०; जं० प० २, ३३; ५, ११६; (२) उदधिकुमार नामे भवनपति देवतानी ओक जन. उदधिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति. a class of Bha-vanapati gods named Udadhi-kumara. उक्त० ३६, २०४; पण्ड० १, ४; मम० ७६; ओव० (३) धनोदधि. धनोदधि. the ocean named Gha-nodadhi. भग० १, ७; (४) समुद्र-सागरोपम; कालविभाग विशेष. सागरोपम; कालविभाग विशेष. a Sagaropama; a particular division of time: क० गं० ५, २६; —पट्टद्वि. त्रि० (-प्रतिष्ठित) धनोदधि समुद्रने आधारै रहैल. धनोदधि समुद्र के आधार से रहा हुआ supported on, resting on Ghanodadhi ocean. "उदधि पट्टद्विया पुढी" भग० १, ७; —पुट्टुत्त. न० (-पृथक्त्व) भेथी भांडीने नवसागरो-पम सुरी. दो से नोसागरोपम तक. ranging from two to nine Sagaropamas of time. क० प० १, ६५; मंगल. पुं० (-मङ्गल) समुद्र ना विधने दूर करनेवाले मंगल. anything that averts or destroys the obstacles or misfortunes con-nected with the sea. पंचा० ८, ३७; —सरिस. त्रि० (-सदृश) समुद्र-सागर सरजुं; सागरोपम; दस कोडा कोडी पल्योपम प्रम. शु काल विभाग. समुद्र के समान; सागरोपम; दस कोडा कोडी पल्यो-पम के प्रमाण काल विभाग. similar to an ocean; a division of time equal to 10 crore x 10 crore Palyopama. उक्त० ३३, १६;

उदधिकुमार. पुं० (उदधिकुमार) उदधि कुमारनामे भवनपति देवतानी ओक जन. भवनपतिदेवों की उदधि-कुमार नामक जाति.

Name of a class of Bhavanapati deities. " उद्दहिकुमाराणं सखे समाररा " भग० १६, ५२; पञ्च० १; —अष्टाश्व पु० (आश्वाम) उद्दहिकुमाराणं देवतायां देवतायां स्थान-भवन, उद्दहिकुमार देवों के रहने का स्थान भवन, the abode of Udadhikumara class of gods. " उद्दहिकुमार-वाम सयमहस्या पयणत्ता " भग०

उद्दहिकुमारी. ब्रा० (उदायिकुमारी) उद्दहिकुमार भवता भवन-पतिनी देवा उदायिकुमार जाति के भवतपति देवों की देवा. A female deity of the Udadhikumara Bhavanapati class of gods. भग० ३, ७.

उदाह. पु० (उदायिन) कुण्डिकायन गोत्रवां जन्मेन उदायी नामना येन मान्य के के गोशाखा तो अहो प्रेम-परिहार देते कुण्डिकायन गोत्र में जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाखा का छठवाँ प्रौढ परिहार था. Name of a person born in the Kundikayana family who was the sixth Preadha Parihara of Gosala. भग० १५, १; (२) उद्दहिकुमार-वाम उदायि नामे मेह दायी. कौणिक राज का उदायि नामक राजा Name of an elephant of king named Konika. भग० ७, ६; १६, १; (३) उदायिकुमार अहो पुत्र के केने उदायिकुमार अथवा पुत्र पाटलिपुत्र नगर पसायी त्यों पानानी राज-पानी स्थायी देते उदायी नामना अथवा पौषामां भारी नाम्यो देते; के तीर्थहर नामक उपायन करी आपनी योनीयोंमां सुपायनामे जीन तीर्थहर थे कौणिक का एक पुत्र जिनमे एक कौणिक का मध्य के

बाद पाटलिपुत्र नगर वसाया और वहाँ अपनी राजधानी स्थापित की: जिसे उदायी नामक अमल्येन पापध—उपवास की अवस्था में मारया; जिनमे तीर्थकर—नामक का उपायन किया और आगामी योनीयों में पपाय नामक तीसरा तीर्थकर होगा. Name of a son of Konika. After Konika's death he founded the city of Pataliputra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fasting-etc). He will earn Tirthankara Namkarma and be the third Tirthankara named Suparsva in the coming Chovisi (cycle). राज० ५.

उदायजीव पु० (उदायिजीव) उदायिकुमार पुत्र-उदायिकुमार-वाम उदायि नामना तीर्थहर थे. कौणिक का पुत्र उदायि राजा का जीव जो राजा वीरगा मे मृगश्र नामके तीर्थकर होंगे. The soul of king Udayi (the son of Konika) who will be the 3rd Tirthankara by name Suparsva in the coming Chovisi (i. e. cycle) प्रव० ४६५;

उदायण पु० (उदायन) सिंधुसंथीर देशना वीरिभय नगरना राज के केने दीक्षने राज्य न आपनी करी नामना आलुजने राज्य आपी मदपीर स्वामि पासे दीक्षा लीथी. सिंधुसंथीर देश के वीरिभय नगर का राजा जिनमे कि पुत्र वं राज्य न देकर अपने केशा नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामीसे दाँचा ली। Name of a king of the city of Vitibhaya of the country of Sindhusanvira. He, instead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Kesi and took Diksha from Mahāvira Swāmi. उल० १८, ४८; भग० १३. ६; (२) कैशापी नगरीना राजा सतानिकाका पुत्र. कैशापी नगरी के राजा सतानिका का पुत्र. name of the son of Sātānika, king of the city of Kōsāmbi. " तस्ससं शयाणीनस्स पुंत्त मियादेवीण अत्तए उशयणे णामं कुमारे हेत्था " भग० १२. २; विवा० १, ४;

उदायि. पुं० (उदायिन्) कैलिङ्ग महा-राज्यना दायीनु नाम. काशिक महाराजा के दाया का नाम. Name of the elephant of king Kōṣika. भग० १७, १;

उदार. त्रि० (उदार) उदारः प्रधानः श्रेष्ठ. उदारः प्रधानः मुख्यः श्रेष्ठ (Honorous; high; excellent; prominent. भग० २, १; ४: —मण. त्रि० (-मणम्) उदार चित्तपक्षे उदार चित्त वाला. magnanimous; generous. भक्त० ३०;

उदारस्त. न० (उदारस्त) उदारपणुः सत्य-वचनना २२ भो अनिशय. उदारता: सत्य-वचन का २२ वां अनिशय (Honesty; nobility; the 22nd super-natural manifestation of truthfulness of speech. सम० दं० ३५;

उदारय. त्रि० (उदारक) उदारता पाधुं (नयकर्म) उदारता पूर्ण (नयकर्म)

High, noble (ascetic Karma) नाया० १;

उदासीण. त्रि० (उदासीन) राग द्वेषरहित; शान्तः मध्यस्थ. राग द्वेष रहित; शान्तः मध्यस्थ; तटस्थ. Free from passion and hatred: dispassionate. neutral. आवा० १, ६, ३, १६१; सूय० १, ४, १, १५;

उदाहृड. त्रि० (उदाहृत) कहेल; दशविश्र. कथित: कहा हुआ; दिखाया हुआ. Said; pointed out; explained. सूय० २, ६, ६१;

उदाहरण न० (उदाहरण=उदाहरणसे गृह्यते दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनेति) उदाहरण; दामलो. उदाहरणः दृष्टान्त. An illustration; an example. पि० नि० ११३; नाया० ३; पंचा० ७, १४;

उदाहरिय. त्रि० (उदाहृत) दामला साथे कहेलु. उदाहरण सहित कहा हुआ. Explained, narrated with illustration नाया० ८;

उदाहिय. त्रि० (उदाहृत) ध्यान करेस; व्याख्यान करेस. कथन किया हुआ; कथित; व्याख्यान किया हुआ. Told; narrated: illustrated. "जामा तिणिह उदाहिया" आया० १, ७, १, २००;

उदाहु. अ० (उताहो) वि३६५: अथवा. विकल्पः अथवा; या. Or; an alternative conjunction. भग० १, १; २, ५; ५, ७; ८, ८; १०: १५. १; १८, ८; नाया० ३; ७: १६; पञ्च० १०; विवा० ३;

उद्दिष्टोद्दिष्ट. त्रि० (उद्दिष्टोद्दिष्ट) आलोचने परलोकोने आशी उद्दिष्ट पामेक्षा जेम भद्व भद्वाराज. इहलोक और परलोक दोनों के लिये उद्दिष्ट पाया हुआ:—

जैसे कि भक्त महाराज. Prosperous, rising both in this world and the next; e. g. king Bharata.

ठा० ४, ३; विभा० ३;

उदिरण. त्रि० (उदीरिष) उदय पाभेक्ष.

उदय पाया हुआ. Come to rise; risen; matured. पञ० २०; २३;

नाया० १; भग० १, २; ३; ४; ७; २, ५;

५, ४; १०, १; नंदी० ८; —काम. त्रि०

(-कर्मन्) उदयमां आवेक्ष छे कर्म जेना ते. जिसके कर्म उदयमें जाये हुए हैं वह.

(one) whose Karma has matured. ठा० २, १; —कामजाअ.

त्रि० (-कामजात) जेने कामने कोउपलु भकार-विकार उदयमां आयो छे ते.

जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार-विकार-उदय आया है वह (one)

whose passion has risen.

दसा० १०, ३; —मोह. त्रि० (-मोह)

उत्कट मोहना उदयपायो. तंत्र मोह का

उदय वाला. (one) whose in-

fatuation or delusion has

acutely risen. “ अक्षुत्तराववाह्यायं

भंते देवा किं उदिरणमोहा ” भग० ५, ४;

उदित. त्रि० (उदित) उदय थयेक्ष; ७६३

आवेक्ष. उदित; उदय प्राप्त. Risen;

come to view. नाया० १;

उदिर. न० त्रि० (उदीरिष) जुओ “उदिरण”

शब्द. देखो “ उदिरण ” शब्द. Vide

“ उदिरण ” क० प० १, ३३;

उदिर. पुं० (उदित) उदय पाभेक्ष; उगेक्ष.

ऊगा हुआ सूर्य. The sun in its rise;

the sun risen above the hori-

zon. नाया० १;

उदीची. स्त्री० (उदीची) उत्तर दिक्षा. उत्तर

दिक्षा. The north. भग० ५, १;

उदीक्ष. पुं० न० (उदीचीन) उत्तर दिक्षा;

उत्तर दिक्षा. उत्तर दिक्षा; उत्तर विभाग.

The north: the northern

region. सू० प० १; जं० प० ४, ७२;

४, १५०; ७, १५०; राय० १०२; नाया०

५; —अभिमुख. त्रि० (-अभिमुख)

उत्तर दिक्षाने सम्मुख. उत्तर दिशाके सम्मुख.

facing the north. वव० १, ३७;

—वाय-य. पुं० (-वात) उत्तर दिक्षाने

वायु. उत्तर दिशा का वायु. the north-

wind. ठा० ५, ३; ७, १; पञ० १;

उदीक्षा. स्त्री० (उदीचीना) उत्तर दिक्षा.

उत्तर दिक्षा. The north. “ दो दिक्षाओ

कप्यह पाहयं खेव उदीक्षं खेव ” ठा० २;

राय० आया० १, ६, ५, १६४; जं० प०

उदीरग. त्रि० (उदीरक) उदीरणा करेना.

उदीरणा करनेवाला. (One) who

forces up (Karma) into matu-

riety. भग० १, १; ३५, १; क० प० ४, ४;

उदीरण. न० (उदीरण) उदीरणा करेना.

उदीरणा करना; गत बात को प्रगट करना.

Telling or exposing the past.

आव० १६; क० गं० २, १३;

उदीरणया. स्त्री० (उदीरणा) जुओ।

“ उदीरण ” शब्द. देखो “ उदीरण ”

शब्द. Vide. “ उदीरण ” क० गं० २, १;

उदीरणा. स्त्री० (उदीरणा) जुओ। “ उदीरणा ”

शब्द. देखो “ उदीरणा ” शब्द. Vide.

“ उदीरणा ” जं० प० भग० ३, १; ७, ६; क०

गं० २, २६; ४, ४; क० प० ४, १; ५,

४०; प्रव० ४६;

उदीरय. त्रि० (उदीरक) जुओ। “ उदीरण ”

शब्द. देखो “ उदीरण ” शब्द. Vide “ उदी-

रण ” भग० २५, ६;

उदीरिय. त्रि० (उदीरित) जुओ। “ उदीरिष ”

शब्द. देखो “ उदीरिष ” शब्द. Vide

“उद्दीरिय” आया० १, ६, ३, १६२; पञ० २३; राय० १२८; भग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उद्दीरि(रे)त्तार. त्रि० (उद्दीरयितृ)
उद्देरना२; प्रेरणा करना२. प्रेरणा करनेवाला.
One who prompts or forces
up (e. g. Karina) into matu-
rity. सम० १०; दसा० १, १४;

उद्दु. पुं० (ऋतु) ऋतु; मोसम. ऋतु; मोसम.
A season नाया० १;

उदुम्बर. न० (उदुम्बर) ओ नामनुं विपाक
सूत्रनुं आहंभुं अध्ययन. इस नामका विपाक
सूत्रका आठवाँ अध्ययन. Name of the
8th chapter of Vipāka Sūtra.
ठा० १०, १;

उदुम्बरिज्या. स्त्री० (औदुम्बरिका) उद्देह
गलुथी निकलेथ ओक शाखा. उद्देह गणसे
निकली हुई एक शाखा. An off-shoot
of Uddelahagana. कण० ८;

उदुम्भेय. पुं० (उदुकोजेय) गीरी-पर्वत तट
आदिभांथी पाणीज निकलतुं. पर्वत, तट
आदिसे जलका निकलना. A spring of
water from a mountain etc.
भग० ३, ७;

उदुहल. पुं० (उदुहल) आंसणी; उभय.
मोलली. A mortar. आया० २, १, ७,
३७; विशे० १०३०;

✓ उद्-अय. धा० I. (उत्+अय्) उद्ध्य
थवे।; उग्रतुं. उदय होना; ऊगना. To
rise; to come to rise.

उदयंति. नाया० ५;

उदयंत. व० कृ० भग० १, ५; ६;

✓ उद्-आ-हर. धा० I. (उत्+आ+ह)
कहेतुं; प्रतिपादन करतुं; द्वाभधा सहित
वर्धन करतुं. कहना; प्रतिपादन करना;
V. II / 29

उदाहरण सहित वर्णन करना. To tell;
to explain; to illustrate.

उदाहरे. वि० उत्त० ११, ४;

उदाहरे. वि० उत्त० २, १; सूय० १, २,
२, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि० उत्त० २, १; दस०
८, १;

उदाहु. उत्त० ६, १८; नाया० ८;

✓ उद्-इ. धा० II. (उत्+इ) उद्ध्यथवे।;
उग्रतुं. उदय होना; ऊगना. To rise;
to come to rise.

उदेह. जीवा० ३, २;

✓ उद्-ईर. धा० I, II. (उत्+ईर्)
उद्दीरणा करवी; परिपाकना समय पहिले
कर्मने आकर्षी उद्ध्यभां लाववां ते. उद्दीरणा
करना; परिपाक के समय के पहिले कर्म को
आकर्षित करके उद्ध्यमें लाना. To cause
to mature (e. g. Karma) be-
fore the ripe time; to force up
Karma into maturity.

उद्दीरइ. राय० २६७; भग० ३, ३; क० प०
५, ५४;

उद्दीरेइ. उत्त० १७, १२; भग० ७, १; २५,
१; ६; ७; ठा० २, ४; निसी० ४,
२३;

उद्दीरंति. भग० ५, २; पञ० १४; गच्छा०
६८;

उद्दीरंति. भग० १८, १०; नाया० ५;

उद्दीरिस्संति. पञ० १४;

उद्दीरंसु भू० का० पञ० १४;

उद्दीरिजा. वि० भत्त० १५६;

उद्दीरितए. हे० कृ० वेय० ६, १;

उद्दीरेमाय. भग० २५, ६; अंत० ३, ८;

उद्दीरिजमाय. क० वा० व० कृ० भग० १,
१; ६, ३३;

✓ उद्-कस. धा० I. (उत् + कृष्) उद्ये
अंथयुं. ऊंचा खेंचना. To draw up.
(२) उत्कर्ष करवो. उत्कर्ष करना. to
flourish; to prosper.
उक्तासद्. सू० प० १;
उक्कसिम्पामि. आया० १, ६; ३, १८५;
उक्कमावेद्. प्रे० निसी० १८, ६; ७; ८;

✓ उद्-कीर. धा० I. (उत् + कृ) शैतयुं;
शैतयुं. कुतरना; छीलना. To carve; to
scratch off.

उक्कीरद्. क० प० २, ६२;

उक्कीरसि. अणुजा० १४६;

उक्कीरमाण. "तंच केह उक्कीरमाणं पासित्ता"

अणुजा० १४८;

उक्कीरिजमाण क० वा० व० कृ० जं० प०

राय० ५६; जांवा० ३, ४;

✓ उद्-कुद्. धा० I. (उत् + कूर्द्) कुदयुं.
कूदना. To leap; to jump.

उक्कुद्द्. उत्त० २७, ४;

✓ उद्-खण. धा० I. (उत् + खन्) आदयुं;
आदयुं. खोदना. उखाडना. To dig; to
dig out; to excavate.

उक्खणद्. सु० च० १२, ५८;

✓ उद्-क्खिक्ख. धा० I, II. (उत् + खिप्)
आदयुं. ऊंचा फेंकना. To throw
high; to toss.

उक्खिक्ख. सं० कृ० आदा० २, २, ३;

उक्खिक्खिक्खु. सं० कृ० " उक्खिक्खिक्खु न
निक्खिक्खे " दस० ५, १, ८५;

उक्खिक्खमाण. व० कृ० भग० १६, १,

उक्खिक्खमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ६;

✓ उद्-गच्छ. धा० I. (उद् + गम्) उद्ये

पामयुं; उद्येयुं ऊगना; उदय होना. To
rise.

उग्गच्छति. सू० प० ८;

उग्गच्छं. सं० कृ० भग० ५, १;

✓ उद्-गम. धा० I. (उद् + गम्) उद्येयुं;
उद्येयुं. उदय थवो. ऊगना; सूर्य का उदय
होना. To rise.

उग्गमंत. व० कृ० सु० च० २, १०५;

उग्गममाण. व० कृ० पञ्च० १;

✓ उद्-गलच्छ. धा० II. (*) दिक्कयुं;
दिक्कयुं. ढक्कन खुलवाना. To get a
lid or cover opened

उग्गलच्छावेमि. प्रे० राय० २५४;

✓ उद्-गाह. धा० I, II. (अव + गाह्)
अवगाहयुं; प्रवेश करवो; अंदर जायुं.
अवगाहन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना;
अंदर जाना. To enter; to penetrate;
to pervade.

उग्गाहेद्. भग० २, ५; ११, ६; १६, ६;

नाया० ६; विवा० ७;

उग्गाहद्. सू० प० १;

उग्गाहिति. नाया० २;

उग्गाहेज्जा. वि० भग० ३, ३; ५, ७;

उग्गाहेह. आ० नाया० ८; ६;

उग्गाहित्ता. सं० कृ० भग० २, ८; २, ४;

६, ५; ६, ३; १३, ४; १६, ६

१८, ३; २०, २;

उग्गाहेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उग्गाहित्तु. हे० कृ० नाया० ६.

उग्गाहेमाण. व० कृ० भग० १६, ६;

✓ उद्-गिरह. धा० I, II. (अव + ग्रह्)
आज्ञा देवी; आज्ञा मागवी. आज्ञा लेना;
बुद्धी मांगना. To ask permission.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

(२) ग्रहण् कर्तुः; धारी राभ्यं प्रहण् करना; धार रखना. To take in; to retain.

उगिणहृद् नाया० १; दसा० ४, ४१;

उगिणहामि. भग० १५, १;

उगिणहिता नाया० १; २; ५: १३: १४;
भग० २, ५: श्रौव० २७;

उगिणहित्ता. दसा० ७, १; ८, वव० ८,
१०; नाया० ध० दसा० ४,
६०; वय० ३, ३१;

✓ उद्-गीर. धा० I. (उद्+गृ) आग्राह्यं;
वाग्राह्यं. उगल जाना; जुगलना करना. To
chew and mix with saliva as
cows etc. do

उगिरसि. सु० च० १६, ३६;

/ उद्-गोव. धा० I, II. (उद्+गृ) उद्-
ग्रह्यं; गुंथ्य ददात्यी. सुलभाना; उक्लना.
To decipher.

उगोवेह भग० १६, ६;

उगोवेमाण भग० १६, ६;

/ उद्-घात. धा० I, II. (उद्+हृ+णि)
हृत्तुं; क्षय कर्तुः; नाश कर्तुः; अपायतुं;
हृत्तुं कर्तुः. मारना; हनन करना; नाश करना;
लय करना. To kill; to destroy.
उग्याग्रह. उत्त० २६, ६.

/ उद्-घोस. धा० II. (उद्+घृप्) उद्-
घृष्टा कर्तुः. उद्घोषणा करना; प्रगट करना.
To proclaim. (२) मंज्युः साध्
कर्तुः. मंजना; साफ करना. to rub;
to cleanse.

उग्धेसेह. नाया० १६;

उग्धोसेता. विवा० १;

उग्धोसेमाण. नाया० १; ५: १३: १४: १६;

१८; विवा० ३; जं० पं० ५, १२३;

राय० ३७; भग० ३, १; १५. १;

उग्धोसमाण भग० ३, १; १५, २;

उग्धोसावेह. प्रे० सु० च० २, ३०८;

उग्धोसिज्जंत. क० वा० व० कृ० विवा० ८;

उग्धोसिज्जमाण. विवा० २;

✓ उद्-चर. धा० I. (उद्+चर्) उद्-
चर्या; आग्रह्यं. उच्चारण करना; बोलना.
To pronounce; to utter.

उच्चारेह. प्रे० नाया० १;

उच्चारमाण. नाया० १; भग० ११, ११;

✓ उद्-चल. धा० I, II. (उद्+चल्-णिच्)
आग्रह्यं कर्तुः; पाणीने उद्-
चालना करना; पानी को उछालना. To cause
to move; to throw up water.

उच्चलित. प्रे० नाया० ४;

उद्-चिण. धा० I. (उद्+चि) चिण्युं;
अग्राह्यं कर्तुः. धनना; एकत्रित करना. To
pick up; to collect.

उच्चिणह. श्रौव० नि० भा० २६६.

उच्चिणितं. गं० कृ० सु० च० ७, ११;

उच्चिता. वव० ६, ४४;

✓ उद्-च्छल. धा० II. (उद्+च्छल्) उद्-
च्छल्युं. उच्छलना. To leap; to jump.

उच्छलति. जावा० ३, ४;

उच्छलितं सं० कृ० सु० च० ६, २६;

उच्छलंत व० कृ० श्रौव० २१; ४० प०
३, ४३;

✓ उद्-च्छिद्. धा० I, II. (उद्+च्छिन्द्)
नाश कर्तुः. नाश करना. To destroy.

उच्छिदसु. आ० सु० च० २, ६०७;

उच्छिदितं. पं० १३, १२;

✓ उद्-क्षुभ. धा० I. (उद्+क्षुम्) क्षोभ
पमाद्युः. क्षोभ पाना. To become dis-
tracted or agitated.

उच्छुभह. राय० २७६;

उच्छुभित. नाया० १;

✓ उद्-च्छील. धा० II. (उद्+च्छल्) पाणी-
शी धोयः; पाणी उद्-
चालना पानी से धोना.

पानी उछालना. To wash with water;
to throw up water.

उच्छ्रोक्षति. वि० राय० १८३, भग० ३, २;
उच्छ्रोक्षज्ज. आया० २, १, ६, ३३; निसा०
१, ७; २, २१;

उच्छ्रोक्षिता. सं० कृ० अ० आया० २, ५,
१, १४६; भग० ३, २;

उच्छ्रोक्षित्तए. हे० कृ० दसा० ७, १;

उच्छ्रोक्षंत. य० कृ० निसी० १, ७;

उच्छ्रोक्षित. गच्छा० १२२;

✓ उद्-जम. धा० I, II. (उद्+यम्) उद्यम
करेवे; प्रयत्न करेवे. उद्यम करना; प्रयत्न
करना. To work; to be industri-
ous; to make an effort.

उज्जमंति. नाया० ५;

उज्जमेड. आ० सु० च० १, २८०;

उज्जमंतु. सु० च० १, ६८;

उज्जमिस्सं. प्रव० ७८६;

उज्जमंत. व० कृ० परह० १, ३;

उज्जममाय. व० कृ० सूय० नि० १, १३,
१२६;

✓ उद्-जा. धा० I. (उद्+या) उपर ४५२.

ऊपर जाना. To go up; to mount.

उदाह. भग० ३, ३;

उदाहंत. नाया० १;

✓ उद्-जोय. धा० I, II. (उद्+युत्)

प्रकाश करेवे; उद्योत करेवे. प्रकाश करना;
उद्योत करना. To light up; to
brighten.

उज्जोयह. प्रे० भग० १, ६;

उज्जोवेह. प्रे० राय० १२०;

उज्जोवेसि. भग० ७, १०; ८, ८; जं०
प० ७, १४१; ७, १३७;

उज्जोवेमाय. भग० २, ५; ३, १; २;

ओव० २२; उदा० २, ११२;

उज्जोयमाय. जीवा० ३; ठा० ८; ओव०

उज्जोयंत. सु० च० २, २; ३, १८६;
नाया० १;

✓ उद्-ज्जल. धा० I. (उद्+ज्वल्)
झलझल; चमकाना. झलकना; चिल-
कना. To shine; to sparkle.

उज्जलह. भग० १६, १;

उज्जलंत. राय० ८०;

उज्जालेह. प्रे० भग० ७, १०; ११, ६;

उज्जालेंति. जं० प० २, ३३;

उज्जालेज्जा. दस० ४;

उज्जालेह आ० जं० प० २, ३३;

उज्जालावेज्जा. पि० दस० ४;

उज्जालेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६;

उज्जालिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

उज्जालित्तए. हे० कृ० आया० १, ७,
३, २१०;

✓ उद्-द्वा. धा० I, II. (उद्+द्वा) उभा
थरुं, उठुं. खड़े होना; उठना. To get
up; to stand.

उद्धेहति. नाया० १; ५; ६; १६; भग०
१, १, ३, १; १५; १; राय० ७५;

उदा० ७, १६३;

उद्धति. भग० ८, १;

उद्धमो. सूय० २, ७, १५;

उद्धिहिति. भ० सू० च० ६, ५७;

उद्धिहिसि. भ० पि० नि० भा० ३६;

उद्धिता. सं० कृ० उत्त० २, २१; भग० १,
१; नाया० १; ठा० ३, ३;

उद्धत्ता. नाया० १; १६; भग० ३, १; ६,
३३; १०, ४; १५, १;

उद्धिऊय. सं० कृ० सु० च० २, ५३;

उद्धाए. सं० कृ० वव० ३, २; नाया०
१; ६; १६; १६; भग० १,

१; २, १; ३, १; ६, ३३; १५,

१; आया० १, ८, ६, २२१;

मय० १, १०, ७;

उद्धत. व० कृ० पि० नि० १८६;

उद्धित. व० कृ० प्रव० १५८;

उद्धियमाण. भक्त० ८५;

उद्धावित्तप. प्रे० हे० कृ० वव० ७, ६;

उद्-दुह. धा० I (उत्+ह्व) थुं० थुं०.
थुं० की पियकारी नाभवी. थूकना; थूक की
पिचकारी डालना. To spit; to eject
saliva from the mouth.

उद्दुहंसि. भग० ३, १;

उद्दुहित्ता. भग० १५, १;

उद्-डा. धा० I. (उत्+द्रा) पाश
रथयुं. पाष-जाल-रचना. To make a
net or a snare; to prepare a
snare.

उद्गाह. १, ८:

उद्-तर. धा० I, II. (उत्+तृ) पार
उतरयुं; पार उतरीने सामे डाँड जयुं.
पार उतरना; पार होकर पहली पार
जाना. To cross; to go to the
opposite shore.

उत्तरद. नाया० १३;

उत्तरेह नाया० ६;

उत्तरिंति. नाया० ४; १६; १७;

उत्तरेह. आ० नाया० १६;

उत्तरह. आ० नाया० १६;

उत्तरित्ता. उत्त० ३२, १८; नाया० १३;

उत्तरित्तप. हे० कृ० ठा० ५, २; श्रव० ४०;

वेय० ४, २८; नाया० १६;

उत्तरिडं-त्त. मु० च० १, १७३; जं० प०

नाया० १६;

उत्तरत्त. व० कृ० संस्था० ५६;

उत्तारेत्ता. प्रे० नाया० १७;

उत्तारेमाण. प्रे० व० कृ० ठा० ५;

उत्तारेह. प्रे० नाया० २; १७;

उद्-दाह. धा० II. (उत्+दाह)
भदा२ भा२या. प्रहार मारना. To strike

blows. (२) आभडी उतारवी. चमडी उता-
रना. to flay. (३) नीचे पाडयुं.
नीचे गिराना. to throw down.

उद्दालित्ता. सं० कृ० सूय० २, २, १८;
दसा० ६, ४;

उद्दालेउं. सं० कृ० मु० च० १४, ४५;

✓ उद्-दिस. धा० I. (उत्+दिश्)
अमुक अध्ययननुं पाठ कर ओवी रीते
शिष्यने शुनो आदेश थवे. गुरुका
' अमुक अध्ययन का पाठ कर ' इस
प्रकार शिष्यको आदेश होना. To order
a disciple to study a parti-
cular scriptural chapter.

उद्दिष्ट. निसी० १, ६;

उद्दिष्टार्थ विशेष० ३४१२;

उद्दिसित्तप. वव० २, १४, ३, ३४; ७,
८; ठा० २, १;

उद्दिस्स. सं० कृ० निसी० १४, ५; पञ्च०
१६; आया० २, २, २, ८०;

उद्दिषिय. सं० कृ० निसी० १४, २;

उद्देहुं. सं० कृ० विशेष० १४८६.

उद्दिसिजांति. क० वा० भग० ४२, १;

अणुजां० २;

उद्दिसावित्ता. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०;
११; वेय० ४. २१;

✓ उद्-हव. धा० I, II. (उत्+ह्व) उपद्रव
करवे; भारयुं. उपद्रव करना; मारना. To
attack; to beat; to trouble.

उद्दवप. आया० १, १, २, १६;

उद्दवंति. पञ्च० ३६;

उद्दवेह. १८, ८;

उद्दवेहिति भग० १५, १;

उद्दवेत्ता. सूय० २, २, ६; भग० ८. ५;

उद्दवित्तप. जं० प०

उद्दवेमाण. भग० १८, ८;

उद्-विजमाणा. क० वा० व० कृ० सूय०

२, १, ४८; २, ४, ११;

उद्-हा. धा० I. (उत्+द्वा) भर्युं.

मरना. To die.

उद्-हाइ. भग० १, १; २, १; विवा० १;

उद्-हायंति. आया० १, १, ६, ३७;

उद्-हाइता. सं० कृ० भग० २, १, १५, १;

जं० प० ६, १२६; टा० १०;

उद्-हाय. सं० कृ० भग० ५, २; जीवा० ३;

उद्-हावेत्ता. प्रे० सं० कृ० राय० २८२;

उद्-हंस. धा० II. (उत्+ध्वंस्)

यन्तादी यन्तादी निरस्कार करवो. किसीकी
नृच्छता बतला बतला कर तिरस्कार
करना. To dispraise a person
and show contempt towards
him.

उद्-हंसेह. भग० १५, १; नाया० १८;

उद्-हंसेनि. नाया० १६;

उद्-हंसेता. भग० १५, १;

उद्-हंसित्वा. हे० कृ० राय० २६६.

उद्-नम. धा० I. (उत्+नम) उभा थयुं;

भस्तक उभ्यु कर्युं. खंड होना; भस्तक
ऊँचा करना. To stand up; to
raise the head.

उद्-नमंति. राय० ८६;

उद्-नमिष. सं० कृ० आया० २, १, ५, ३२;

उद्-नि-क्खिष. धा० I, II. (उत्+नि+

क्खिप्) उभ्ये जेयी देयुं; उभ्येयुं. उखाडना;
ऊपर खेच लेना. To root out; to
draw up; to pull out.

उद्-निक्खिस्तामि. सूब० २, १, ६;

उद्-पज्ज. धा० I. (उत्+पद्) उभ्ये

थयुं; पैदा थयुं. उत्पन्न होना; पैदा होना.
To be born; to be produced.

उद्-पज्जह. उत्त० १७, २; विशे० ७०; ४१६;

प्रव० १११५;

उद्-पज्जह. सूय० १, १, १, १६;

उद्-पज्जन्ति. सूय० १, १, ३, १६;

उद्-पज्जंति नाया० १६, भग० ५, ६;

उद्-पज्जन्तु. परह० १, २;

उद्-पज्जिस्संति. भ० भग० ५, ६; नाया० १६;

उद्-पज्जिस्सं. भ० मु० च० १, २२३०;

उद्-पज्जिसु भू० नाया० १६; भग० ५, ६;

उद्-पज्जित्ता. सं० कृ० भग० ५, ६;

उद्-पज्जमाणा. भग० ३४, १;

✓ उद्-ज्ज. धा० I. (उत्+पद्+जिष्) उभ्ये

कर्युं; पैदा कर्युं. उत्पन्न करना; पैदा करना.

To create; to produce.

उद्-ज्जह. भग० ८, ३;

उद्-ज्जह-ति. प्रे० नाया० ५; भग० १८,

८; निमा० ४, २२; ६, १०;

उद्-ज्जयेति. जं० प० २, २४; भग० ११, १०;

उद्-ज्जज्जा. विधि० भग० ५, ४;

उद्-ज्जज्जा. जीवा० १;

उद्-ज्जज्जह. नाया० ४; भग० १५, १;

उद्-ज्जज्जिता. टा० ४, ७;

उद्-ज्जहय. क० प० २, २६;

उद्-ज्जयंत. व० कृ० नाया० ६, २२;

✓ उद्-पड. धा० I. (उत्+पत्त) उभ्ये

कर्युं; कूंग कूदना. To jump. (२) उभ्ये उड्युं.

कूंग उडना. to jump high.

उद्-पडह. भग० ३, २; १६, १; नाया० ६;

उद्-पडह. भग० ३, २; १५, १; नाया० ६;

उद्-पडयन्ति. जीवा० ३; भग० ३, १; राय०

१८३, जं० प० ६, १२१;

उद्-पडज्जा. वि० भग० ३, ५; १३, ६;

उद्-पडयाहि. आ० मय० २, १, १०;

उद्-पडहत्ता. सं० कृ० पञ्च० २; नाया० १; ६;

६; भग० ३, २; ६, ५; जं० प०

१, १२;

उद्-पडहं सं० कृ० मु० च० २, २११;

उप्ययन्त. व० कृ० आया० २, १५, १०६;

कप्य० ५, ६६;

उप्ययमाण. व० कृ० नाया० १, ६; कप्य०

२, २६;

उप्याहन्ति. प्रे० ओव० ११; सु० च० २,

५६६;

उप्याहे (हिं) ति. प्रे० कप्य० ५, ११५;

उप्याहेजा. वि० ठा० २, १; भग० ६, ३१;

पञ० २०;

उप्याहेत्ता. सं० कृ० पञ० २८;

उद्-पिल. धा० I. (उत्+प्लु+णि) ३५.
अ३युं. उठाना. To cause to lift
up.

उप्लिवावेद्. प्रे० निसी० १८, ६;

उप्लिवावप्. “ वियडेणुप्लिवावप् ” दस०

६, ६२;

उद्-पाड. धा० II. (उत्+पट्+णि)
७५३युं. उठाना; उठालेना. To take up;
to lift up.

उप्याडेद्. नाया० ५; भग० १५, १; १६, ३;

उप्याडे. आ० परह० १, १;

उप्याडेत्ता. सं० कृ० नाया० ५; भग० १५, १;

उप्याडिडं. हे० कृ० सु० च० २, ६६५;

उप्याडेमाण. भग० १६, ६,

उद्-फण. धा० I. (उत्+फण्) ७६-
युं. उफनना. To whisk.

उफणिसु. आया० २, १, ६, ३४.

उद्-फिड. धा० I. (उत्+फुट्) ६३-
युं. आले आ३युं; कुदडा भारया मेंडक
ही चालसे चलना; उड्डल कर चलना. To
bound or leap; to move bound-
ing like a frog.

उफिडद्. उत० २७, ५;

उफिडित्ता. नाया० ८; पञ० १६;

उफिडिडं. सं० कृ० सु० च० ५, १०६;

✓ उद्-बाह. धा० I. (उद्+बाह्) प्र५५
पी३३ ३२५. प्रबल पीडा करना. To
give great trouble; to cause
intense affliction.

उब्बाहति. आया० १, ७, ३, २१०;

उब्बाहिजा. विधि० दसा० ७, १;

उब्बाहे. वि० दस० ७, १;

उब्बाहिस्था. भू० नाया० २;

उब्बाहिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया०

२; आया० १, ६, ४, १५६;

✓ उद्-भम. धा० II. (उत्+भम्) ७८३युं;
भमयुं. भटकना. To wander; to
roam.

उभमंति. नाया० १७;

उभमे. विधि० आया० १; ८, ७, १०;

✓ उद्-भिन्द. धा० I. (उत्+भिद्)
७५३युं; तोडुं. खोलना; तोडना. To
open; to break open; to break.

उडिभद्द्. नाया० ७;

उडिभदित्ता. सं० कृ० नाया० ७;

उडिभदिय. सं० कृ० निसी० १७, २३;

दस० ५, १, ४६;

उडिभदमाण. आया० २, १, ७, ३८;

✓ उद्-मा. धा० I. (उत्+मा) ७-भा३
३२युं; तोडुं तोलना; मापना. To
weigh; to measure.

उमिणिज्जद्. क० वा० अणुजो० १३३;

✓ उद्-मिस्. धा० I. (उत्+मिष्) आ५
७५३५. आंख खोलना. To open the
eyes.

उमिसेज्जा. वि० भग० १४, १; १०;

✓ उद्-मुञ्च. धा० I, II. (उद्+मुञ्च)
७५३युं; तज्जुं; मुडुं. छोडना; त्यागना.
To abandon; to release; to
give up.

उम्मुयद्. भग० ६, ३३; १५, १; १६, ५;

उम्मुच. आ० आया० १, २, २, १११;
उम्मुहत्ता. नाया० ४० क० भग० ६, ३३;
१५, १; १६, ५;

उद्-मूल. धा० II. (उद्+मूल्) ०४३-
मूलमाथी उ०३युं. जड़ मूल से उखाड़ना.
To root out; to eradicate.

उम्मुलेह. भग० १६, ६;

उम्मुलेमाण. भग० १६, ६;

उद्-लंघ. धा० I. (उद्+लंघ्) ओ३धयुं;
इ३धुं. उलौघना; कूदना. To cross; to
leap across.

उहंघिज्ज. वि० पञ्च० ३६;

उहंघिआ. सं० कृ० दस० ६, १, २२;

उहंघित्तप्. हे० कृ० भग० ३, ४; १४, ५;

उद्-लच्छ. धा० I. (उद्+लच्छ्)
ओ३धयुं; उ३धयुं; शी३ तोडयुं. खोलना;
उघाड़ना; मोहर तोड़ना. To open; to
uncover; to break the seal.

उल्लच्छह. नाया० २;

उल्लच्छिता. नाया० २;

उद्-लल. धा० I. (उद्+लल्) उ०३-
लयुं; उल्ललना. To toss; to throw
up.

उल्लालेह. प्रे० जं० प० ५, ११५;

उल्लालेमाण. प्रे० जं० प० ५, ११५;

अंत० ६, ३; राय० ३७;

उद्-लव. धा० I, II. (उद्+लव्) प्र३प
करवे; ग३मेतेम ओ३धयुं; असं०ध ओ३धयुं;
प्र३प करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा
रहित बोलना. To prattle; to
speak irrelevantly.

उल्लवह. उक्त० ११, २;

उल्लवन्ति. गच्छा० ६२;

उल्लवह. आ० सु० च० २, ४४४;

✓ उद्-लिच. धा० I. (*) उ३धेयुं.
उलीचना. To empty a vessel etc.
of the water contained in it; to
take out water in small quan-
tities until a vessel is empty.

उल्लिचह. पि० नि० ३६६;

✓ उद्-लोल. धा० II. (उद्+लोल्)
लुं३धयुं; उ३भर्तन इ३युं. पोंछना; मलना.
To wipe; to rub; to knead.

उल्लोलेह. आया० २, १५, १७६;

उल्लोलेज्ज. वि० नि० ३, १६;

उल्लोलेज्जं. आया० २, १, ३, १७२;

✓ उद्-वत्त. धा० I, II. (उद्+वृत्) उ३-
र्तन इ३युं; अव३शी रुं३वाडीमे भर्तन
इ३युं. उलटे रुँकी ओरसे मर्दन करना. To
rub the body against the grain.
(२) अव्यवसाय विशेषशी धर्मनी दुंदुभी
स्थितीने लांभी इ३यी. अव्यवसाय विशेषमें
कर्मका अल्प स्थिति का लंबा करना. to
lengthen the duration of
Karma by means of sinful
meditation. (३) नरकदि गतिभांय
नि३शी भीष्ट गतिभांय नरकादि गति
में निकलकर अन्य गति में जाना to take
birth in another life after finish-
ing the life-period in hell

उव्वत्तेह. नाया० २; प्रव० १५५;

उव्वट्टेह. नि० १, ६; नाया० ४;

उव्वट्टेति.

उव्वट्टन्ति. भग० १, १; १३, १; २०,

१०; ३२, १;

उद्वत्तन्ति. प्रव० ६३८;

उद्वट्टेज. निर्मा० ३, १६;

उद्वट्टिस्सन्ति. भग० १; १;

उद्वट्टिसु. भू० भग० १, १;

उद्वट्टिता. सं० कृ० टा० ३, १; नाया०
२; १६; १६; उत्त० ८, १५;

भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १५,

१; १६, ३; ३२. १; नाया०

ध० विवा० १; ७;

उद्वट्टेता. सं० कृ० जीवा० १;

उद्वत्तंते. व० कृ० पि० नि० ५७६;

उद्वट्टन्त. व० कृ० निर्मा० १, १३; प्रव०
११८७;

उद्वट्टमाण. व० कृ० भग० १, ७;

उद्वत्तमाण. व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;

उद्वट्टावेह. प्र० विवा० ६;

उद्वत्तिजमाण क० वा० व० कृ० नाया० ३;

उद्-वम. धा० I. (उद्+वम्) उद्ग्री
इरी. उलटी करना; कं करना. To vomit.

उद्वमद् मु० च० २, ५३६;

उद्-वल. धा० I. (उद्+वल) उद्ग्री
इरी. पीसी आणरी ने. उलटे रूँका
आरंभ पीठा ममलना. To rub a per-
fumed ointment on the body
against the grain.

उद्वलिजा. विधि० आया० २, ११३, १७२;

उद्वलमाण. क० प० ७, ४०;

उद्-वह. धा० I, II. (उद्+वह)

निर्वाह इरी; आयाह थयुं. निर्वाह करना;
सुश हाल होना; आवाह हं ना. To sus-
tain; to support; to prosper

उद्वहद्. सम० ३०; दसा० ६, १३; मु०
च० १, ३०;

उद्वहन्ति जं० प० ५, ११४;

उद्वहंत. मु० च० १, १८३;

✓ उद्-वेह. धा० II (उद्+वेह्) उद्ग्री

गुं. लपेटना. The act of enclosing
or enwrapping.

उद्वेदिज. आया० २, ३, २, १२१;

✓ उद्-विह. धा० I. (उद्+विह्) उद्ग्री
इरी. ध्यान पूर्वक ऊँचा फेंकना.
To throw up or toss up care-
fully.

उद्विहद्-ति. नाया० ६, भग० ५, ६;
१८, ३; उवा० २, १०५;

उद्विहन्ति भग० १६, १;

उद्विहामि. नाया० ८; उवा० २, १०१;

उद्विहत्ता. सं० कृ० भग० १८, ३;

उद्विहय. सं० कृ० पञ्च० १६; भग०
६३, ६;

उद्विहमाण. भग० १२, १;

✓ उद्-सक. धा० I, II. (उद्+सक्)
आगध रथयुं. आगे बढना. To proceed;
(२) इयुं इरयुं. ऊँचा करना. to
elevate.

उत्सकद्. पञ्च० १७;

उत्सकित्ता. सं० कृ० टा० ६, १;

उत्सकिया. सं० कृ० दम० ५, १, ६३;

✓ उद्-सप. धा० I. (उद्+सप्) उद्ग्री
इरी. वृद्धि पाना; बढना. To grow;
to prosper.

उत्सपन्ति वेय० १, ४६;

✓ उद्-सव धा० I, II. (उद्+सव) उद्ग्री
इरी; इयइयुं; इयइरयुं; ऊँचा फेंकना;
उचकना; ऊँचा करना. To lift up;
to toss up.

उत्सवेह. भग० ३, २;

उत्सवेह. कण० ६;

उत्सवेह. भग० ११, ११;

उत्सवेता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११;

उत्सविष. सं० कृ० सूय० २, २, ८;

उत्सविता. दम० ६, १, ६७;

✓ उद्-सिच. धा० II. (उत् + सिच्)
 उलेययुं; पाणी पहर कस्ययुं. उलेचना;
 पानी बाहर निकालना. To draw out
 water; to take out water.

उस्सिचइ. निसी० १८, ८;

उस्सिचंजा. भग० ३, ३;

उस्सिचिया. दस० ५, १, ६७;

उस्सिचमाण. आया० २, १, ६, ३६;

उद्-स्सस. धा० I. (उत् + षस्) श्वास
 लेवे। श्वास लेना. To breathe; to
 take breath.

ऊससंति. पज० ७; भग० ६, ३४;

ऊससमाण. भग० ६, ३४;

उद्-हर. धा० I, II. (उत् + ह) उद्गुं;
 उद्गुं. निकालना; उखाड़ना. To abandon;
 to take out; to uproot.

उद्धरेसि. नाया० १;

उद्धरिमो. गच्छा० १;

उद्धरे. विधि० सूय० १, ८, १३;

उद्धरिउं. पंचा० १६;

उद्धरित्ता. उत्त० २३, ४६;

उद्धरंत. चउ० १६;

उद्. पुं० (उद्) सिंध देशभांथनी उद्। जन-
 नी भाजलीना याभडीनी पनापटनुं पत्र.
 सिंध देश में होने वाली उद् जाति की
 मछली के चमड़े की बनावट का वस्त्र. A
 cloth made of the skin of a
 kind of fish produced in Sindh.
 आया० २, ५, १, १४२;

उद्दक. पुं० (उद्गक) जुओ ६५३ डरी
 यादे ते; तापसनी ओक जन. दंड को ऊंचा
 करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति.
 One of a class of ascetics
 walking with a stick raised up.
 ओव० ३८;

उद्दग. पुं० (उद्गक) जुओ " उद्गक "
 शब्द देखो " उद्गक " शब्द. Vide
 " उद्गक " निर० ३, ३; भग० ११, ६;

उद्दपुर. पुं० (उद्गपुर) उद्दपुर नामनुं
 ओक नगर. उद्दपुर नामक एक नगर.
 Name of a city. भग० १५, १;

उद्दस. पुं० (उद्ग) उद्ग; ओक जनने
 तेष्ट्रिय श्रव. दामक; एक प्रकार का तेष्ट्रिय
 जांव. A kind of three-sensed
 living being; a moth. (२) भाकड.
 खटमल. a bug. " कंधुपिपिणि उद्गस "।
 उत्त० ३६, १३६; कप्प० ६, ४६; — अंउ.
 पुं० (— अण्ड) मधुमाप्य अथवा भाकडनुं
 पंडां. मधुमक्खी या खटमल का अंडा. an
 egg of a bee or a bug. कप्प० ६,
 ४६;

उद्दसगा. स्त्री० (उद्गका) जुओ " उद्गस "
 शब्द. देखो " उद्गस " शब्द. Vide
 " उद्गस " पज० १;

उद्द. पुं० (उद्ग) रत्नप्रभा पृथ्वीना
 सीमन्तकप्रभ नामे पूर्व नरकाणां आवलीका-
 अंध नरकावासाथी २० भा नरकावासानुं
 नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक
 पूर्व की ओर के आवलिकाबन्ध नरकावास से
 २० वें नरकावास का नाम. Name of
 the 20th hell-abode in a
 series of such in the east
 (styled Simantaka Prabha),
 belonging to the Ratna-Prabha
 earth डा० ५; ६, १;

उद्दमाज्जम पुं० (उद्गमध्यम) रत्न-
 प्रभा पृथ्वीना सीमन्तकप्रभ नामे उत्तर
 आवलिकाअंध नरकावासाथी २० भा नरका-
 वासानुं नाम. रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ
 नामक आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वें
 नरकावास का नाम. Name of the

20th hell-abode in the northern series of such (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth.

ठा० ६, १;

उद्गाधत्त. पुं० (उद्गाधवत्तं) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आवलिकाबन्ध नरकावासाथी २० भे नरकावासे। रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम का और के आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम। The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Āvarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth.

ठा० ६, १;

उद्गाधासदृ. पुं० (उद्गाधवशिष्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तकावर्त नामे पश्चिम आवलिकाबन्ध नरकावासाथी २० भे नरकावासे। रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम का और के आवलिकाबन्ध नरकावास से २० वें नरकावास का नाम। The 20th hell-abode in a series of such in the west (styled Simantaka Āvarta) belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा० ६, १;

उद्गरिय. त्रि० (उरस) कर्मरूपी शत्रुने छतवाने भगरु थयेन कर्मरूपी शत्रु का जतने के लिये आभमान करने वाला (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma. नंदी० १४;

उद्घवण. न० (उपद्रवण) भारयु; धातु कःपी; उपद्रव; भरयुत कष्ट मारना; धातु करना; उपद्रव; मरणांत कष्ट. Beating; killing; trouble; life-long misery.

“ उद्घवणं पुण जायासु अद्घाय विवज्जियं पीढं ” पिं० नि० ६७; ओव० २०; जं० प० पगह० १, १;

उद्घवणा. स्त्री० (उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव करने ते. उपद्रव करना. Giving trouble or annoyance to. पगह० १, १;

उद्घविसा. त्रि० (उपद्रावितृ) उपद्रव करनेवा; दुःख आपनाने. उपद्रव करने वाला; दुःख देने वाला. (One) who troubles or annoys; (one) who beats or kills. आया० १, २, १, ६६;

उद्घविय. त्रि० (उपद्रुत) डरावेन; उद्भेभ पावेन. उद्भेग पाया हुआ; डराया हुआ. Frightened; troubled; distracted. आवा० ४, ३;

उद्घविया. स्त्री० (उपद्रविका) भरकी. रोग; बीमारी. Plague. भग० १६, ३;

उद्घवेयव्य. त्रि० (उपद्रावयितव्य) उपद्रव करना योग्य; धातु करना योग्य. उपद्रव करने योग्य; धातु करने योग्य. (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. “ अहं उद्घवेयव्या अणं उद्घवेयव्या ” सूय० २, १, ४८; आया० १, ४, १, १२६;

उद्घक. पुं० (उद्गाहक) अटपी यंत्रेने दाद करनेवा. बन वनारह को जलाने वाला. (One) setting fire to; one causing forest conflagration etc. पगह० १, ३;

उद्गाह. अ० (उताहा) अथवा. अथवा; या. (Or; an alternative conjunction. नाया० १;

उद्गाम. त्रि० (उद्गाम) उद्गमः स्वच्छंद. Insolent; self-willed. पगह० १, ३; अणुत्रो० २१;

उद्दामयघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) घंटाथी
युक्त. घंटासे युक्त. Furnished with,
united with a bell. विवा० २;
उद्दालक. पुं० (अद्दाल) ओ नाभनुं ओक
जतनुं जाड. इस नाम का एक जाति का
फाफ. Name of a kind of tree.
जं० प० भग० ६, ७; (२) रेती वगेरेने।
पौथो-दिदो थर के जेना उपर पग भुक्तां
पग नीचे जय ते. रेतां वगेरह का ढाला
थर जिसपर कि पैर रखने से पैर घुस जाय.
a soft heap or layer of sand
etc. which gives way as soon
as it is trodden by foot राय०
१६२; नाया० १; भग० ११, ११,
जीवा० ३, ४; कण० ३, ३२;

उद्दालक. पुं० (उद्दालक) ओक जतनुं वृक्ष.
एक जाति का वृक्ष. A kind of tree
जीवा० ३, ३;

उद्दावणया. स्त्री० (उद्दावणता) उपद्रव करवे।
त्रास आपवे। उपद्रव करना; त्रास देना.
Harassing; troubling; terrify-
ing. भग० ३, ३; ६;

उद्दाह. पुं० (उद्दाह) भोटे दाह. बड़ा भारी
दाह. Great conflagration. ठा० १०;

उद्दिष्ट. त्रि० (उद्दिष्ट) सामान्यपक्षे उद्देश
करेन-करेन; प्रदिपादन करेन. सामान्य
रिति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ.
Generally pointed out; ex-
plained. वेय० ४, २८; विशे० १७६;
निसी० ६, २०; पंचा० १०, ३; प्रव०
१२६६; (२) साधुने उद्देशी जनावेन
आहारदि, साधु के उद्देश से बनाया हुआ
आहार वगेरह. (food etc.) spe-
cially prepared for an ascetic.
परहू० २, ५; पिं० नि० २०८; (३)
अभावस्था. अभाव; अभावस्था. the

15th day of the dark-half of
a month. दसा० ६, २; भग० २, ५;
३, ३; नाया० २; —कड. त्रि० न०
(—कृत) साधु आदिने उद्देशीने करेन.
साधु आदि के उद्देश से किया हुआ.
(food etc.) specially prepared
for a monk. “ उद्दिष्टकडभक्तं विवजति
किमुपसे समारंभे ” पंचा० १०, ३१.
—कय. त्रि० (—कृत) उद्देशीने करेन.
उद्देशकरा किया हुआ. prepared spe-
cially for. प्रव० १००५. —भक्त. पुं०
(—भक्त) साधुने उद्देशीने जनावेन भोजन.
साधु के उद्देश से बनाया हुआ भोजन.
food prepared specially for
an ascetic. सूय० २, ६, ३७; दसा०
६, २; —भक्तपरिणाम-य. त्रि०
(—भक्तपरिणाम) दशमी पडिमा आदर-
नार श्रावक के जे दस भास सुधी उद्दिष्ट
भक्त पान ओटले पोताने उद्देशी करेन
भात पाणीने तपाय करे. दसवीं
प्रतिमा ग्रहण करनेवाला श्रावक जो कि दस
भास तक अपने लिये बनाये हुए भोजन
वगेरह ग्रहण न करने की प्रतिज्ञा करत
है (a Jaina layman) practis-
ing the 10th vow of a Śrāvaka
i. e. not taking food and water
specially meant for him. सम० ११,
उद्दिष्टा. स्त्री० (उद्दिष्टा) अभावस्था; अभावस.
अभावस; अभावस्था. The 15th day
of the dark-half of a month.
राय० २१५; जीवा० ३, ४; नाया० ६;

उद्देश. पुं० (उद्देश) सामान्य आदेश;
सामान्य कथन. सामान्य आदेश; सामान्य
कथन. General mention; (२)
भोय; शिष्याभ्यु. शिक्षा; उपदेश. advice;
opostulation. अणुजो० २; आया०

१, २, ३, ८१; भग० २, २; ५; पंचा० ५, ३१; (३) क्षेत्र का विभाग. क्षेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. वेद्य० ३, १५; (४) अध्ययन के शतकनो ओक पेटा विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Sataka. उत्त० ३१, १७; विशे० २७५;

उद्देश्य-य. पुं० (उद्देशक) अध्ययन के शतकनो ओक विभाग. अध्याय अथवा शतक का एक विभाग. A sub-division of or a portion of a chapter or of a Sataka. भग० ३, ८; ७, ८; ६, ३; निसी० ६, १२;

उद्देशग. पुं० (उद्देशक) लुओ उपेक्षो शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above. अणुजो० १४६; भग० २१, ४; २३, ५; ३१, ६;

उद्देशग. न० (उद्देशन) अंगसूत्र आदिनुं पढ़न करुं ते. अंगसूत्र आदि का पठन करना. The study of Aṅga Sūtra, etc. ठा० ३; आव० ४, ७; —अन्तेवासि. त्रि० (-अन्तेवासिन्) जेने सूत्र भूषपाडे लक्षा-पराभां आल्या होय ते शिष्य. जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य. a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras ठा० ४, ३; वव० १०, १५; —आचरिय. पुं० (-आचार्य) आचारंगदि सूत्र, भूषपाडे लक्षापराभां आचारंग आदि सूत्रों का मूल पाठ पढाने वाला. one who teaches Aṅga and other Sūtras in the original. वव० १०, १३; १४; ठा० ४, ३; —काल. पुं० (-काल) वर्ष अध्ययन के शतकनो ओक विभाग; उद्देशी.

वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग. उद्देश. a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka. नंदी० ४५; सम० ३७; पयह० २, ५. सम० प० १६६;

उद्देशिय. न० (उद्देशिक) ओक साधुने उद्देशी बनावेन आहारादि भीज्जोने पक्ष न अपे ओवो पहेला अने उद्देश तीर्थकरना साधुओनो ३६५. एक साधु को उद्देश कर बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं स्वयं-चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का व्यवहार-आचार. The tenet of the Sādhus of the first and the last Tirthankaras that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sādhus. प्रव० ६५६; (२) अमुक साधुने उद्देशीने निपन्नवेनुं आहार पाणी; उद्देश होय वाहुं. व्यक्तिगत साधु के लिये किया हुआ अन्न जल; उद्देश दोष युक्त. (food, water etc.) specially prepared for a particular Sādhu. सम० २१; वेद्य० २, १५; दस० ३, २; ६, ४६; पि० नि० ६२; २२६; भग० ६, २३; निसी० ५, ६३; ओव० ४०; प्रव० ५७१; नावा० १; उत्त० २०, ४७;

उद्देशगण. पुं० (उद्देशगण) ओ नामने महावीर स्वामीने ओक गण; नव गणुमाने ओक महावीर स्वामी के एक गण का नाम; नौ गणों में का एक गण. Name of an order of saints instituted by Mahāvīra Swāmī; one of the nine such orders. "उद्देशगण चारव गणे" ठा० ६, १; कण० ८;

उद्देहिआ-या. क्री० (उद्देहिका) उधा८; त्रयु
ध्रियवादे ७५ विशेष. दीमक; तीन
इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष. A moth;
a kind of three-sensed living
being पञ० १; उत्त० ३६, १२६; ओष०
नि० ३२६,

उद्देहिगा. क्री० (उद्देहिका) उधा८. दीमक.
A moth. पि० नि० भा० ८८;

उद्ध. त्रि० (उद्ध) उ०. ऊंचा. High;
lofty; tall. भग० १, १; ६; २, ६; ७,
१; सू० प० ४; जं० प० ४, ११३; २,
११; ७, १३६; —घणभबण. न०
(-घनभवन) उ० आने आंतरा पगरना
नो० नो० २६५ ध२. अंतर रहित-परस्पर
में मिले हुए ऊंचे घर. lofty houses
close to each other with-
out any interval of space.
भग० २, १३; —चलणयंघ. पुं० (-चरण
बन्ध) उ० पग आधिया रूप शरीर ६५३.
पैरों को ऊपर करके बांध देने रूप शरीर
दण्ड. a bodily austerity con-
sisting in remaining with the
head downwards and with the
feet tied to something above.
पण० १, ३; —द्विअ. त्रि० (-स्थित)
उ० २ ओ०. ऊपर बैठा हुआ. remain-
ing, sitting above. सु० च० ३, ३०;
—पूरित-य. त्रि० (-पूरित) उ० २ भाग;
नाभिनी उ० २ नो० आसथी अरेदे. भाग.
ऊर्ध्व भाग; नाभि से ऊपर का आस से भरा
हुआ भाग. the part above the
navel which is filled with air
in respiration पण० १, ३; —मुह.
न० (-मुख) उ० २ मो०. ऊंचा मुंह.
face turned upwards. नाया० ८;
जं० प० ७. १६२; —रेण. क्री० (-रेण)

भु० "उद्ध-रेण" श० ६. देको "उद्ध-रेण"
शब्द. vide "उद्ध-रेण" जं० प० २, १६;
उद्धसणा. क्री० (*उद्धसना) . तिरस्कारी
वचन. तिरस्कार युक्त वचन. Contemp-
tuous words. " उच्चाववाहि उद्ध-
सणाहि उद्धसेइ " नाया० १६; भग० १४,
१; राय० २६६; (२) नि०. निन्दा;
बुराई. blame; censure. ओष० नि०
भा० ३८;

उद्धदु. सं० क० अ० (उद्धृ) उ० २ करीने.
ऊंचा करके. Having raised aloft.
" पापुद्धदुं मुद्धिपहाणंति " सू० १, ४;
२, २; दसा० ६, २; वद० २, २७;

उद्धडा. क्रा० (उद्धृता) गृहस्थे पोताना
भाटे रांधयाना वासजुभांथी भीग्न वासजु-
भां क्रादयुं होय ते भिक्षा लेयी ते; त्री०
पि० ३५५. गृहस्थने अपने लिये, रसोई
बनाने के बर्तनमें से दूसरे बर्तन में निकाल
कर जो अन्न खाता हो उसकी भिक्षा लेना;
तीसरा पिरंढवणा. Begging of that
food only which a householder
has served for himself, in a
dish from the cooking vessel;
the third way of receiving or
begging food; viz Pindaisanā.
प्रब० ७४६;

उद्धत त्रि० (उद्धत) उ० २; उ० ८. ऊंचा;
उत्कट; तीव्र. High; lofty; strong.
नाया० १; जं० प० २, ३०; (२) उ० ८;
स्वेच्छाचारी. उद्धत; स्वच्छाचारी. insu-
lent; wanton; self-willed. कण०
७, ३६; —तमंधकार. पुं० (-तमोन्धकार)
अतिशय गां अन्धारे. अतिशय अन्धकार.
dense darkness. पण० १, ३;

उद्धृ. ... अ० (उद्धृ) उ० २ करीने.

ऊंचा करके. Having raised aloft.

सू० १, ४, १, ३;

उद्धर्तुं. प्र० (उद्धर्तुम्) तारवाने; उध्धार करने के लिये; तारने के लिये. In order to save; in order to raise up. उत्त० २४, ३३;
उद्धमंत. त्रि० (उद्धमन्मान) धमत्तो; शंखादि फूंकतो. शंखादि फूंकता हुआ; धौकता हुआ. Blowing; e g. a conch etc. " उद्धमन्तायं संस्त्रायं मिगायं " राय० ८८;

उद्धमाण न० (उद्धमान) शंख आदि गमातो. शंखादि को मुंह से बजाता हुआ. Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth. राय० ८८;

उद्धममाण. त्रि० (*उद्धम्यमान-उत्पाद्यमान) उत्पाद्यमान; उत्पाद्य भवतो. उत्पन्न होता हुआ. Being produced; being created. " वाउवेग उद्धममाणसासा विवास पाया ' पराह० १, ३;

उद्धया. जी० (उद्धता) देवनाली गति विशेष. देवों की गति विशेष. A particular kind of gait possessed by gods. राय० २६; भग० ४, ४; ११, १०;

उद्धरण. न० (उद्धरण) धैर्यी कर्तुं; धैर्य कर्तुं. खेंचकर निकालना; बाहिर निकालना. To draw out; to uproot. ओष० नि० ७६२; प्रव० ७६८;

उद्धरिय. त्रि० (उद्धृत) उधेउत; भूतथी कर्तुं नाभेध. उखाड़ा हुआ; जड़से निकाल डाला हुआ. Rooted out; eradicated. " कवेइ विसमविसयं साओ उद्धरिया कहं " उत्त० २३, ४५; प्रव० २२७; ७४८, (२) धारयु करेध. धारण किया

हुआ. put on. दसा० १०, ३, क० गं० ४, ७८; —सङ्ग. त्रि० (—शल्थ) जेणे शल्थ कर्तुं नाभेध छे ते. जिसने शल्थ निकाल डाला है वह. (one) who has rooted out the feeling of onnity. नाया० १; —सेय-सुत्त. न० (—धेतुत्त) धैर्य छे जेना उधर धैर्य छत्र ते. जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा० १०, ३;

उद्धाहय. त्रि० (उद्धाहित) दैदी आवेध; उताडवथी आवेध. दौड़कर आया हुआ; शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that has come in haste; come running. उत्त० १२, १६;

उद्धायमाण. त्रि० (उद्धायत्) दैउत्तु; कर्तुं दौड़ता हुआ; कूदता हुआ. Running; leaping. ओष० २१; नाया० १;

उद्धायमाणग. त्रि० (उद्धायत्+क) लुभे। उधे। शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पराह० १, २;

उद्धार. पुं० (उद्धार) गोशाखाना भनने अनुसार कालप्रमाणविशेष. गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाणविशेष. A particular measure of time according to the tenet of Goshālā. भग० १५; १; क० गं० २, २७; —पलिओपम. पुं० (—परोपम) काल प्रमाण विशेष; ओष० सागरोपमने दश कालादिओ भाग. कालप्रमाण विशेष; एक सागरोपमका दस कोडाकोठियाँ हिस्सा. a particular measure of time;

1
10xerorexerore
garopama " से किसे उद्धार पलिओपमे १ दुबिहे पकते " जयुजो० १३६; —पल्ल.

न० (-पर्य) ऐक ज्येष्ठतना कुवाभां इंसीने
 लरेत आलाप्रभाथी सभये सभये ऐकेक
 आलाप्र अपरतनां ज्येष्ठता ययनभां द्वे
 आशी थाय नेटलो ययन. एक गोजन के
 कुणमें टांय टांय कर भरे हुए. बालप्र मे मे
 समय समयमें एक एक बालाप्र निकालने पर
 जितने काल में कुआ खाली हो उतना काल
 a well one 'Yojana' i. e. 8
 miles square is to be filled with
 thin points of hair and at every
 Samaya (i. e. unit of time) one
 hair-point is to be taken out;
 the time taken to empty the
 the well is Uddhārapalya. प्र०
 १०३५; —पल्लव. न० (पर्ययक) नृ०
 “ उद्धारपल्लव ” श०६. देखो “ उद्धारपल्लव ”
 शब्द. vide “ उद्धारपल्लव ” प्र० १०३८;
 —समय. पुं० (-समय) अती सागरो-
 पमना समयने समुद्र; अती सागरोपमभां
 ज्येष्ठता सभय थाय नेटला सभयना
 नृ०थानी उद्धार सता छे; उद्धार सभय
 ज्येष्ठता त्रिच्छा लोकना द्वीप अने समुद्र
 छे. अट्टाई सागरोपम काल प्रमाण में
 जितने समय है उन समयों के समूह का
 नाम ‘ उद्धार ’ है; उद्धार में जितने समय
 हैं उतने ही त्रिच्छालोक के द्वीप और समुद्र
 हैं. the number of Samayas
 (time units) contained in
 2½ Sāgaropamas; the number
 of continents and oceans of
 Trichhā Loka is equal to the
 number of Samayas in 2½
 Sāgaropamas. (Samaya = an
 instant) भ० ६, ६; अणुजो० १३६;
 —सागरोपम. पुं० (-सागरोपम-उद्धार
 विषयंतप्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरो-

पमः) दश द्वादशोऽपि पक्षोपम प्रमाद्य दश
 विशेष. दश कोशकोटो पक्षोपम प्रमाद्य
 काल विशेष. a division of time
 equal to 10xerorexerore Palyo-
 pama. श० १; अणुजो० १३६;

उद्दि. स्त्री० (उद्दि) आगनी उद्य. गात्री
 का जुड़ा. A particular part of a
 carriage (the part which rests
 on the axle). सू० प० १०;

उद्ध्य. त्रि० (उद्ध्युत) उद्ध्युत नाभेः देश
 अद्ध्युत इरेत. उद्ध्युत हुया; देश बाहिर
 किया हुआ. Rooted out; banished
 from the country श्रव० महा० प०
 ३५; जं० प० ३. ६६: —कंटय. वि०
 (कण्टक—उत्पृता म्वदेशम्यांगन जावित-
 म्याजनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धन कण्टकम्)
 देश आद्ध्युत इरेत छे प्रतिस्पर्धी ज्येष्ठ
 ते. जितने प्रतिस्पर्धी का देश बाहिर
 किया है वह (one) who has
 banished or deported his
 enemies. श्रव० श्रव० —पय न०
 (-पद) उद्ध्युत इरेत पद-शब्द. उद्धार किया
 हुआ पद-शब्द an extracted or
 quoted word. प्र० ८६५; —मुह
 त्रि० (-मुख) उद्ध्युत इरेत छे मोह ज्येष्ठ
 जितने केवा मुख किया है वह. (one)
 who has raised his face up-
 wards. चं० प० ४; —सत्तु. पुं०
 (-शत्रु—उद्ध्युताः शत्रवस्तदुद्धृतशत्रुः)
 देश निक्षय इरेत शत्रु वैरी. देशसे निकाला
 हुआ शत्रु शत्रु. an enemy who
 has been banished or deport-
 ed. श्रव० श्रव०

उद्दी. स्त्री. (उद्दी) मे पयना अमर
 हुया प.सं पामे श्री वेनीने विस्तार
 पंदाही शशी द्वाविषय इरेत के शत्रु

सम्भन्ना १६ दोषभागे अेक. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमें का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों का पास पास रख और एड़ीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे. Praetising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart: one of the 19 faults connected with Kāusagga. प्रब० २५७;

उद्धीमुह. त्रि० (ऊर्ध्वमुख) त्रि० भेदुं भे ननु ते; त्रि० भेदायाधुं. ऊचे मुंह वाला. (One) with the face turned upwards. “ उद्धीमुहकलंभुता पुक्कग संठाण संठिया ” चं० प० ४; जं० प० ७, १३४;

उद्धुमाय. त्रि० (*) परिपूर्ण; भरित. परिपूर्ण; भरा हुआ. Full; filled to the brim. नंदीस्थ० गा० १३;

उद्धुय. त्रि० (उद्धृत) त्रि० द्वेक्षयेत्; द्वे द्वेक्ष. ऊंचा फेलाया हुआ. Tossed up; flung up. “ वाउद्धुय विजय वेजयंती ” ओव० जीवा० ३, १; पञ्च० २; (२) उत्कट; * प्रकृष्ट. उत्कट; प्रकृष्ट. strong; powerful. सम० प० २१०; नाया० २; (३) उत्पन्न थयेन; उद्देन. उत्पन्न; उठा हुआ. produced; risen up; got up. ओव० सू० प० २०; कण्व० ३, ३२;

उद्धुया जी० (उद्धृता) अकाशमें उडती धूलना जेनी त्वरित गति. आकाश में उडती हुई धूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dust-clouds in the sky. राय०

उद्धुवमाण. त्रि० (उद्धूयमाण) त्रि० पंखा किया हुआ. Boing fanned. ज० प० नाया० १६; भग० ५, ६; ६, ३३; ओव० २१;

उद्धुस्सित. त्रि० (ऊर्ध्वोच्छिन्न) त्रि० विस्तृत. ऊंचाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards. “ से जायणे यवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हेठसहस्समेग ” सू० १, ३, १०; उद्धूय. त्रि० (उद्धृत) त्रि० दलेनुः क्षयेधुं. हता हुआ; कंपा हुआ. Shaken; trembled. ओव० ३१; जं० प० राय० ६६; पञ्च० २; कण्व० २, २७;

उल्लअ त्रि० (उल्लत) उल्लत; मानकषायने पर्याय. उल्लत; मानकषाय को पर्याय. Lofty; high; a synonym for the moral filth called conceit. सम० ४२; ओघ० नि० ४८६; आवा० १, ५, ४, १४७; कण्व० ३, ३२;

उल्लइय. त्रि० (उल्लतिक) उल्लतियाधुं. उल्लति वाला. Lofty; high. जीवा० ३, १;

उल्लमंत. त्रि० (उल्लमत्) तत्रेयां के लाक-मानां आरा उपासते. घांस या लकड़ी का भारा उठाता हुआ. (One) who carries bundles of sticks or grass. सू० २, २, ५६;

उल्लयावत्त. पुं० (उल्लयावर्त) त्रि० यत्तु आवर्त-वर्तनीयो. ऊंचाई में चढा हुआ धूल का चक्कर. A whirlwind; a winding. (२) पर्वत उपर जेतो इरतो भार्य. पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग. a circuitous road on a mountain. ठा० ४, ४;

* बुद्धो पृष्ठ १७७२ १५ नी पृष्ठ १५ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

उच्चास पुं० (उच्चास) मान कषायने।
पर्याय मान कषाय की पर्याय। A
synonym for the moral impu-
rity called conceit. सम० ५२;

उच्चासिम्भ. त्रि० (उच्चासित) अमुक नाम्नी
प्रसिद्धि पाये। अमुक नामसे प्रसिद्ध
पाया हुआ। Famed by a certain
name; known by a particular
name. अणुजो० १३१;

उत्तिक्कमम. त्रि० (उत्तिक्कमम्) दीक्षाने
त्याग करते। दीक्षा का त्याग करता हुआ।
(One) abandoning Diksā i. e.
asceticism. विशेष० १२६१;

उत्तिय. त्रि० (औशिक) जिनमें अनेक;
दायको पड़े। जो वस्त्र कम्पन आदि।
Woolen; made of wool. प्रव०
५१४.

उन्नुपित. त्रि० (*) क्षीजुं थये;
क्षीजुं; भीजा हुआ। Wet; damp.
पण० १, ३;

उपपत्त. पुं० (उपदेश) उपदेश. उपदेश.
Advice; exhortation. पंचा० ५,
३६;

उपयोग. पुं० (उपयोग) उपयोग; ध्यान.
उपयोग; ध्यान. Carefulness; atten-
tiveness. नाया० १६;

उपह. पुं० (उपह) शयना वस्त्र धारण-
कर्ता। सन के बख बनाने वाला। A
weaver of jute cloth. अणुजो०
१३१;

उपणय. पुं० (उपणय) उपाहरण आपी
साध्य अने साधनो संबंध मेधवो ते.
उपाहरण देकर साध्य और साधनका संबंध

मिलाना. Establishing a logical
conclusion by giving an apt
illustration. नाया० ६;

उपणेइसा. सं० कृ० अ० (उपनीय) पास
लेने. समीप में लेजाकर. Having
taken or carried in the vicinity
of. नाया० ५;

उपदेसइसा. सं० कृ० अ० (उपदर्श) देखा-
इने. दिखलाकर. Having shown or
pointed out. भग० १६, ५;

उपपुअ. त्रि० (उपपुन) क्षीजुं थये;
पक्षी गये। भीजा हुआ। Wet; damp;
soaked. अणुजो० १३०; जीवा० ३, १;

उपयुत्त. त्रि० (उपयुक्त) उपयुक्त; उपयोग
सहित. उपयुक्त; उपयोग सहित. Care-
ful; attentive: (one) possessed
of carefulness. नाया० १६;

✓ उप-लभ धा० I (उप+लभ्) ओझो
देवो. उलाहना देना. To taunt; to
blame.

उपलभति. भग० १५, १;

उपलभ. सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८;

✓ उप-लपि धा० I, II. (उप+लपि)
मोहं अंध करी उपर लेप मारवो. मुह बंद
करके ऊपर लेप लगाना. To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance.

उपलपति. नाया० ७;

उपविट्. त्रि० (उपविष्ट) भेड़ा हुआ.
Sat; seated. क० गं० १, ११;

✓ उप-विस धा० I. (उप+विस) भेसवो.
बैठना To sit.

उपविसह. सु० न० १, २२२;

उपविसिध. सं० कृ० सु० च० १, २४७;

उपसंकमिषु सं० कृ० अ० (उपसंक्रम्य)
पासे ७४ने. समीप जाकर. Having
approached. " उपसंकमिषु ब्रूया-आउ-
सम समया " आया० २, १, ३, १४;

उपसंन. पुं० (उपशान्त) ४२५१ क्षेत्रना
वर्तमान चोवीसीना १५ भां तीर्थक्षेत्रनु नाम.
इरवत क्षेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५वें तीर्थ-
कर का नाम. Name of the 15th
Tirthankara of Iravataksetra
in the present Chovisi (i. e.
cycle). प्रव० २६६;

उपसंपया. स्त्री० (उपसंपन्) जानादिने भांटे
भीजन शुद्धी आश्रय लेवे ते. ज्ञानादिक
के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लेना. Re-
sorting to, going to another
preceptor in order to acquire
knowledge etc. पंचा० १२, ३;

✓ उपहस था० I. (उप+हस्) उपहास
करनु; हसनु. उपहास करना; हंसना. To
laugh at; to mock at; to ridi-
cule.

उपमेज. विधि० दया० ६, ७;

उपहाण. न० (उपधान) तप विशेष. एक
प्रकार का तप. A particular kind of
austerity. शा० २, ३; —पडिमा.
स्त्री० (प्रतिमा) उपधान तपनी पडिमा-
प्रतिमा; आरंभिकनी अने अग्यार
श्रावणकी पडिमा. उपधान तपकी प्रतिमा;
माधु की वारह और धावक की ग्यारह
प्रतिमा. the vow of the austerity
known as Upadhāna o. g. 12
vows of an ascetic and 11 of a
layman. शा० २, ३;

उपाय. पुं० (उपाय) उपेत्य; शान्त. उपाय;

कारण. Cause; means; remedy.
नाया० १६;

उपायओ. अ० (उपायतस्) युक्तिथी; उपाय-
थी. युक्ति से; उपाय से. Skillfully; by
some means. उत्त० २३, ४१;

उपालब्ध. त्रि० (उपास्तब्ध) ६५६ अपायेत्.
उपालंभ दिया हुआ. Blamed; rebuk-
ed; reproached. पि० नि० १२५;

✓ उ-पील. धा० II. (अव+पीड्) पीडा
करनी; पीडनु, दुःख देना; पीडा करना. To
give pain to; to afflict.

उवीलेति. जी० ३, ४;

उवीलेमाण. नाया० १८;

उपेहा. स्त्री० (उपेहा) शुभ योगनी प्रवृत्ति
अने अशुभ योगनी निवृत्तिमां भेदभा-
रं देनु ते. शुभ योगकी प्रवृत्ति और
अशुभ योग की निवृत्ति में बेपरवाह रहना.
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad; negligence.
गम० १७;

उपाय-य. त्रि० (उत्पत्ति) संयम
लेनी उपमते सिद्धनी परे उडेल; संयमने
अपे स्थानदे उडेल-कुदके भारेल. संयम
लेने समय सिंह के समान उठा हुआ;
संयम के ऊंचे स्थान पर चढ़ा हुआ.
(One) who has ascended like
a lion to the high pedestal
of asceticism. आया० १, ६; ३,
१२३; (२) उपर आवेत्. उपर-
उत्पन्न born; produced. उत्त० २,
३२; (३) अपे उडेल; उडेल. उंचा
उठलता हुआ; उठा हुआ. leapt up;
flown up. नाया० १६; भग० ३, २;
उना० ३, १३८;

उपपत्त्या. स्त्री० (आत्मात्मिका) त्रेयी अज-
दीर्घ अजसांभस्युं तदर्थो मुञ्च आवे
तेयी अङ्गि; तदर्थ अङ्गि; दाग्दग्दायी -
उत्पातयी अङ्गि; चार अङ्गिभांती ऐङ्गि.
ऐसा बुद्धि जिनमे बिना देसा मुना केवल
तर्कमे हो गमन में आजाय; तर्क बुद्धि; चार
बुद्धियों में मे एक प्रकार का बुद्धि. One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness; quickness of
perception अ० ४, ८:

उपपकडा. स्त्री० (उपपकटा उपप्रावस्येन
प्रकटा प्रस्तुतायेति) आद्य द्वा. चालू कथा.
The narrative which forms
the actual present subject-
matter. भग० ८, ७:

उपपड. पुं० (उपपड) त्रेडिद्य ३८-
विशेष. त्रेडिद्य जीव निस्सम A kind
of three-sensed living being.
पक्ष० १:

उपपण त्रि० (उपपन्न) उत्पन्न थयेस;
उपपण्य उपपन्न. Born; produced
अणुजो० ८२; ओन० ३८; पञ० ११;
दग० ५, १, ६६. भग० १, ८; १३,
६; नाया० १; दसा० ७, १; जं० प०
३, १५; ४, ११२ ३, ६७; ५, ११४;
—कोउडल. त्रि० (कुनुडल) त्रेण्य
अत्युदपण्य उत्पन्न थयेस छे ने. जिम में
अत्युक्तता उपपन्न हुई है वड. (one)
in whom curiosity is engendered. म० प० १; ---णागदंसलुअर
त्रि० (ज्ञानदर्शनधर) उत्पन्न थयेस
ज्ञान दर्शनधर. जिम में ज्ञानदर्शन उत्पन्न
हुए है वड. (one) in whom
right knowledge and right
faith have been engendered.
ममणे भगवं महावीरे उपागणणागदंसल-

धरे " भग० १, १: ८, २; —पक्ख. पु०
(-पक्ख) उत्पन्न पक्ष: उत्पाद-उत्पत्ति पक्ष
उपपन्न पक्ष. coming into existence.
भग० १, १; —संसय त्रि० (संशय)
उत्पन्न थयेस छे संशय जेने ने. जिम
संशय उपपन्न हुआ है वड. (one)
in whom doubt is engendered.
म० प० मय०

उपपनिअ. त्रि० (उपपनिअ) उये थयेस;
आशय तदर्थ गनि दरेस. ऊंचा चढा
हुआ; आकाशकी ओर गमन किया हुआ
Risen up; flown up; gone
upwards. उत्त० ६, ६०;

उपपत्ति. स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति; आवि-
र्भाव; प्रगटीकरण. उत्पत्ति; प्रगट होना;
आवर्भाव. Creation; production;
manifestation ओव० ४३; नाया०
१; विशेष० ११८२; त्रि० त्रि० ८०६;
अणुजं० १३०; भत्त० १५; प्रव० ८१:

उपपत्तिया. स्त्री० (आत्मात्मिका) तद
अङ्गि. तर्क बुद्धि. Power of imagi-
nation; intellect capable of
high imagination. " उपपत्तिया
वेणइया कम्मिया परिणामिया " राय०
२०६; नंदी० २६; नाया० १; ८; भग० १२.
५; १७; २; निग० १, १; विवा० १०:

उपपत्तिना. मं० क० अ० (उपपत्ति) उये
गिने; उये थयेस ऊंचा चढ का.
Having mounted up; having
flown up; जं० प०

उपपण. त्रि० (उपपन्न) अणुओ "उपपण"
शब्द. देखो "उपपण" शब्द. Vide
"उपपण" भग० २, १: ५, ६; सु०
च० २, २६८; उवा० ६, १८७; प्रव०
१११५; —कोउडल. त्रि० (कुनुडल)
अणुओ; उपपण काउडल शब्द.

देखो “ उत्पयण कोउहल ” शब्द. vide
“ उत्पयण कोउहल ” नाया० १; —संसय
पुं० (-संसय) जुओ “उत्पयण संसय”
शब्द. देखो “ उत्पयण संसय ” शब्द.
vide “ उत्पयण संसय ” नाया० १;
—सङ्ग. त्रि० (-अद्) उत्पल थछ छे
श्रद्धा जेते. जिसे श्रद्धा उत्पल हुई है वह.
(one) in whom faith is engendered or begotten. नाया० १;
भग० १, १;

उत्पय. पुं० (उत्पात) उये कुदपुं ते; नीयेथी
उपर कुदके भारवे। ते. नीचेमे उपर कूदना
उठ्ठाल मारना. Leaping up; jump-
ing. जं० प० राय० ६५; विशे० ८६४;
—णिवय. पुं० (-निपात) यः उत्तर
करथीः ओक गतपुं नाटक. चढना उतरना;
एक प्रकार का नाटक. ascending and
descending; a kind of drama.
“ उत्पयणिवय पसत्त संकुचय ” राय०

उत्पयण. न० (उत्पतन) उये वरपुं ते.
ऊँचाईपर जाना. Going up; flying
up; mounting high. टा० १०;
भग० ३, २; —काल. पुं० (-काल)
उये यःयाने क्षत्र पणत. ऊँचा चढने का
समय. the time for going up, fly-
ing up. भग० ३, २;

उत्पयणिया. स्त्री० (उत्पत्तिनिका) उये
यःयानी विद्या. ऊँचाईपर चढनेकी विद्या.
The art of flying up or mount-
ing up. नाया० १६;

उत्पयणी. स्त्री० (उत्पत्ती) नीयेथी उये
यःयानी विद्या. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या
The art of flying up in the air.
सूय० २, २, २७; —विज्ञा. स्त्री०
(-विद्या) जुओ उपरो शब्द. देखो ऊपर
का शब्द. vide above. नाया० १६;

उत्पल. न० (उत्पल) सूर्य विकशी कमल;
नीलकमल. सूर्य को देखकर विकसित होने
वाला कमल; नील कमल. A blue lotus;
a sun-lotus. ओब० १०; १३; अणुजो०
१८; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१;
नाया० १; २; ४; १३; दम० ५, २,
१८; भग० ११, १; २५, ५; जं० प०
१, १७; जीवा० ३, १; पञ्च० १;
विशे० २६३; आंघ० नि० ६८६; उवा०
२, ११८; कप० ३, ३७; (२) गंधद्रव्य
विशेष. सुगंधित द्रव्य विशेष. a parti-
cular scented thing. “ पडमुत्पल
गंधिण ” सम० तंडु० जं० प० ५, १२०;
(३) दशमा कल्पनुं उत्पल नामनुं ओक
विमान के जेनी स्थिति वीस सागरोपमनी
छे, ओ देवता दशमे भदिने श्रसोत्पलवास ले
छे. अने वीस उत्पल वीस क्षुधा उपजे छे.
दसवें कल्पका उत्पल नामका एक विमान
जिगकी स्थिति वीस सागरोपम का है,
इसके देवता दसवें मास श्रसोत्पलवास लेते हैं
और इन्हें बीस हजार वर्षमें क्षुधा लगती
है. name of a heavenly
abode of the 10th Kalpa. Life
there lasts for 20 Sāgaropa-
mas. The gods living there
breathe once in ten months
and feel hungry once in 20
thousand years. सम० ६०; (४)
८४ क्षाप उत्पलांगप्रमाण क्षत्र विभाग;
८४ लाख उत्पलांगप्रमाण काल विभाग.
a division of time measuring
84 lacs of Utpalāngas. भग० ५,
१; ६, ७; टा० २, ४; अणुजो० ११५;
जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२०;
(५) ओ नामने ओक द्वीप तथा ओक
समुद्र. इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. पञ० १५; जीवा० ३, ४; —अंग. पुं० (-अङ्ग) ८४ लाख दुहुप्रमाण ऐक काल विभाग. a division of time measuring 84 lacs of Huhus. अणुजो० ११५; ठा० २, ४; भग० ५, १; २५, ५; जं० प० जीवा० ३, ४; —उद्देश्य. पुं० (-उद्देशक) कभलनां अधिधारवायो भगवतीना २१ भा शत-कनो ऐक उद्देशो. भगवतां सूत्र के २१वें शतक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश. name of a subdivision of the 21st Śataka of Bhagavati Sūtra with the subject-matter of a lotus. भग० २१, २; —कन्द. पुं० (-कन्द) उत्पन्न-कभलनो कन्द. कमल का कन्द; कमलकी जड़. the bulbous root of a lotus, भग० ११, १; —कन्दता. स्त्री० (-कन्दता) कभलनुं कन्दपणुं. कमल का कन्दपन, state of being the bulbous root of a lotus. भग० ११, १; —कण्ठयत्ता. स्त्री० (-कण्ठयत्ता) कभलनो श्रीशृङ्गपणुं. कमल का बीजकोषपना. state of being a seed-vessel of a lotus. भग० ११, १; —केसरत्ता. स्त्री० (-केसरता) कभलनुं पुंकेसर के श्रीकेसरपणुं. कमल की पुंकेसर अथवा लंकेसरता. state of being a filament of a lotus. भग० ११, १; —शाल. न० (-नाल) कभलनी नाली-डांडी. जेना उपर कभल रह्ये छे ते. कमल की दाँडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है. a lotus stalk. भग०

११, १; —शालत्ता. स्त्री० (-नालता) कभलनी नालीपणुं. कमलका नाली पना. state of being a lotus-stalk. भग० ११, १; —थिभुगत्ता. स्त्री० (-थिभुगता) जेभांथी पाँदा पृटे अथवा कभलना ऐक भागनो भाव. जिस में से पत्ते फूटें ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth. भग० ११, १; —नालिआ. स्त्री० (-नालिका) लीला कभलनी नाली-डांडी. नील कमलकी दाँडा. stalk of a blue lotus. दस० ५, २, १८; —पत्त. न० (-पत्र) कभलना पाँदा कमल का पत्ता. a leaf of a lotus. भग० ११, १; —मूलत्ता. स्त्री० (-मूलता) उत्पन्न-कभलनुं मूल-पणुं. कमलका मूलपना. state of being a root of a lotus. भग० ११, १; उपपलगुम्मा. स्त्री० (उत्पल्लगुम्मा) जं० प० बुद्धना अग्निपुल्याना वनपण्डितां पयास जेहन उपर आवेत्त ऐक पायडी. जंबू वृक्षके अमिकोन के वनखण्ड में पचास योजन दूरपर स्थित एक बावडी. Name of a well in the forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं० प० जीवा० ३, ४;

उपपलबैटिय. पुं० (उत्पल्लवृत्तिक) कभलना पिंडजानी भिक्षा लेनार गोशालाना भतनो अनुयायी. कमल के गन्ध-पुष्पों की भिक्षा लेने वाला गोशाला का एक अनुयायी. A follower of Gośālā's tenet, accepting a lotus-stalk as alms. श्रौव० ४१;

उत्पलहस्त्यग. पुं० (उत्पलहस्तक) कमल फूल विशेष. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राव०
उत्पल्ला. स्त्री० (ःउत्पल्ला) सावर्धी नगरीना रहेवाशी शंख नामना आचनी स्त्री. सावर्धी नगरीका निवासी शंख नामक आचक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Śaṅkha residing in the town Sāvartthi. “तस्म्यं संखस्य समणो वासगस्स च उत्पल्लाणामं भारिया होत्था” भग० १२, १: (२) पिशाचना छद्, काक्षनी त्रीण अग्रमदिपी. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas. टा० ४, १; नाया० ध० क० ५: भग० १०, ५: (३) अशुश्रुक्षिता अग्नि शुश्रुमाणा यनभंडनी ऐक आचनी नाम जंबूवृक्ष के अग्निकोन के वनखंड की एक बावडी का नाम. name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. जं० प० जीवा० ३, ४; (४) दक्षिण पुर निवासी भीम नामका इसाछनी स्त्री. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कर्माई की स्त्री name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpura. त्रिवा० २;

उत्पल्लिणीकंद. न (उत्पल्लिर्नाकन्द) ऐक मननी पाणीनी यनस्पति. एक प्रकार की जल में होने वाला वनस्पति. A kind of aquatic plant. “पटमुत्पल्लिणीकंदे अंतरकंदे तद्वर्जकलिय” पञ्च० १;

उत्पल्लुज्जला. स्त्री० (उत्पल्लोज्जला) अशुश्रुक्षिता अग्निशुश्रुमाणा यनभण्डनी ऐक आचनी. जंबू वृक्ष के अग्नि कोन के वनखंड

की एक बावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. जं० प० जीवा० ३, ४;

उत्पल्ल. पुं० (उत्पल्ल) उ०मार्ग; उ०मार्ग. उ०मार्ग; विरुद्ध मार्ग. Wrong path; perverse path. “आवजे उत्पल्लं जंतु” सूय० १, १, २, १६; उत्त० २४, ५: २०, ४,—जाह. पुं० न० (—वायिन्) उ०मार्ग ७ना२. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. टा० ३;

उत्पिलण. न० (उत्पल्लान) शरीर उपर पाणी डेड्यु. शरीर पर पानी डोलना. Pouring of water on the body. पि० नि० ४२२;

उत्पल्लत्तार. त्रि० (उत्पल्लत्ति) उत्पादक; उत्पादक ३२ना२. उत्पन्न करने वाला. (One) who produces or creates. टा० ४, ४: दसा० १, १३: ४, ६१;

उल्पाडण. त्रि० (औल्पातिक) सद्भाव; स्वाभाविक. सहज; स्वाभाविक. Natural. ओ३० ३०; (२) उत्पात ३२ना२ अनिष्ट सूचक अनाय; उत्पातादि उपद्रव. अनिष्ट सूचक चिन्ह; उत्पातादि उपद्रव a portentous event, e. g. the fall of a meteor etc. जं० प० ३, ५६ नाया० ८: ६; १५; सम० ३४:—**पटवय. पुं० (पर्वत)** अस्वाभाविक-कृत्रिम पर्वत. कृत्रिम-बनावटी पर्वत. an artificial mountain “उल्पाडणपटवयं च चकमेसं सखं मत्तं गुलुगुलुं” ओ३०

उल्पाडण. न० (उल्पाटन) उ०मार्ग नाश; भूथली उ०मार्ग उखाड़ डालना; जड़ से उखाड़ना. Uprooting; eradicating; tearing out. ओ३० ३८;

उत्पादित. त्रि० (उत्पादित) उपादेव.

उठाया हुआ; उखाड़ा हुआ. Lifted up; rooted out. भग० १६, ६;

उत्पाडिय. त्रि० (उत्पादित) उभेदेव.

उखाड़ा हुआ. Eradicated; rooted out. दसा० ६, ४;

उत्पाडियग. त्रि० (उत्पादित) उपादेव;

मांस काटे हुए उठाया हुआ; मांस निकाला हुआ. Lifted; (that) from which flesh is torn out. ओव० ३८;

उत्पानिया. स्त्री० (उत्पानिका) उभेदेव

“ उत्पादिया ” शब्द. देखो “ उत्पादिया ” शब्द. Vide “ उत्पादिया ” नाया० १;

उत्पाय अ. पुं० (उत्पान) उभेदेव

उड़ना. Flying up. भग० २०, ६; प्रव० ६०६; (२) प्रकृति के विचित्र-वृद्धि वृष्ट्यादि. प्रकृति का विकार; रूढ़ि वृष्टि आदि. any unusual phenomenon in nature, e. g. a shower of blood etc. प्रव० १४२१; पगद० २, १; ठा० ८, १; अणुजो० १४७; (३) आकाश-मांथी बोली पंगरेनी वृष्टि अथ छे तेरा लक्षण सत्य-शास्त्र. २६ पाप सूत्रमांजु ओ३. आकाश से जो रक्त वर्णरह की वृष्टि होती है उसके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र; २६ प्रकार के पाप सूत्रों में से एक. a scripture dealing with explaining unusual phenomena in nature which portend evil; one of the 29 Pāpa Sūtras. सूय० ८, २, २६; गम० २६;

उत्पाय अ. पुं० (उत्पाद) वृद्धि; वृद्धि अथवा

वृद्धि; बढ़ती. Increase; increasing. विशेष० ७५०; (२) उत्पत्ति. उत्पत्ति creation; production; birth. विशेष० ६६; ४२४; ठा० १. १; (३)

उत्पाद दोष; साधुने पोतायी क्षात्रता

आहारना धात्री आदि १६ दोष. साधु को

अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि

१६ दोष. any of the 16 sins such

as Dhātrī etc. incurred by a

Sādhu himself in connection

with his food. सम० (४) आद-

पूर्वमांजु प्रथम उत्पाद नामे पूर्ण शास्त्र.

चौदहव्य में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-

शास्त्र. name of the 1st of the 14

Pārvās (i. e. scriptures) प्रव०

७१८; - चतुष्टयग न० (चतुष्टय—उत्पादो-

देव्यादिपदार्थान्तरस्थेदस्तेन जीवादि

विभागः उत्पादचतुष्टयम्) ओ३ पर्यायनी

उत्पत्तिथी गीत पर्यायने छंद-विभाग थाप

ने छंद देवता पर्यायना उत्पादथी आदि

द्वयने विभाग थाप छे. एक पर्याय का

उत्पत्ति में दूसरी पर्याय का विभाग होना

जैसे कि देवता पर्याय के उत्पत्ति होने में जावा

दि द्रव्य का विभाग होना. the clas-

sifications of a substance or

rather its subdivisions caused

by the modifications of that

substance; subdivision caused

by modal transformation; e. g.

the substance soul is subdivi-

ded into gods etc. on account

of its modification. ठा० २, ३;

—पञ्चय. पुं० (पर्वत) सूर्याभिविमान-

ना पनपदमांजु ओ३ पर्वत के ज्यों

सूर्याभिविमानवसी देवता की प्रानिभिते

वैदिक शरीर पनाये छे. सूर्याभिविमान के

वनखंडों में का एक पर्वत जहाँ कि सूर्याभ-

विमानवसी देव कीड़ी के अर्थ वैदिक

शरीर बनाने हैं. name of a mountain

in a forest region of the Sūryā

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३५; जीवा० ३. ४; (२) यमरेन्द्रने उपर आयवानो पर्यन्त. चमरेन्द्र के ऊपर जाने का पर्वत, name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend. भग० १३. ६; १६, ६; —पुत्र पुं० (पूर्व) द्रव्य पर्यायना उत्पादने गेमां यस्मिं छे ते उत्पाद नमे १४ पूर्वमिति प्रथम पूर्व-शब्द. द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शब्द. the first of the 14 Pūrvas dealing with the rise of modifications of substances “उपपायपुत्रवस्मिण दसव-त्थु पण्यतो” शा० १०; सम० १४; नंदी० २६; —व्ययधुवधर्म. पुं० (व्ययधुव-धर्म) उत्पादक (नाश) ध्रुव-स्थिति वाला. उत्पाद व्यय (नाश) और ध्रुव-स्थिति वाला. one possessed of or sub-ject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death. विशेष २४३:

उपपायक. त्रि० (उत्पादक) उत्पन्न करनेवाला. उत्पन्न करने वाला. (One) who creates or produces. पण्ड० १. ४; उपपायक. त्रि० (उत्पादक) ज्योतिषोपदेश. देखो ऊपर का शब्द Vide above. उत्त० ३६, २६०;

उपपायक. न० (उत्पादक) उत्पन्न करनेवाला करनेवाला. उत्पन्न करना. Producing; creating. पण्ड० १. २; ३; उत्त० ३२, २८; (२) उत्पादक १६ दोष. उत्पादक के १६ दोष any of the 16 sins

known as Uppāyaka sins. पि० नि० १; ७६; पण्ड० २. १; —(शो) उद्योग. पुं० (उपपात) उत्पादनादि दोषो उपपात-नाश करेवा ते. उत्पादनादि दोष का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādāna sins. शा० १०; —विसो-हि. स्त्री० (विशोधि) उत्पादनादि दोषो अभाव. उत्पाद के १६ दोषों का अभाव. absence of the 16 Utpādāna faults or sins. शा० २. २; उपपायक. स्त्री० (उत्पादक) उत्पन्न करनेवाला करनेवाला. उत्पन्न करना; पैदा करना Creating; producing. पि० नि० ३०९; पंचा १३, ३; (२) आधारना दोषो अक्षर प्रकार; धात्री आदि आधारना १६ दोष के १६ साधुने पोता आश्रि धात्री छे. आहार की मवेपणा के दोष का एक भेद; धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. a variety of sin connected with the taking of food: the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātrī etc. प्रव० २७१; भक्त० २४, १२; भग० ७. १;

उपपायक. स्त्री० (उत्पादक) त्रि० छंदिय वाश्रि उपपाती अक्षर मत. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पण्ड० १;

उत्पि. अ० (उत्पि) उपर; देखो ऊपर; ऊंचाई पर. Above; upon; on. “तेसि भोमाण उत्पिउजाया” जीवा० ३; शा० ३. ४; राय० ४७; १०३; वेय० ४, २६; विवा० ३. ६; पण्ड० २. ३;

प० १, ४; ३, ५८; नाया० १; ६; ८;
१६; १६; भग० १, ६; २, ८; ३, १;
२; ५, ६; ६, ५; ६, ३३; १३, ४;
—पासाय. पुं० (-प्रासाद) उन्मि
भेद. ऊचा महल. a high or lofty
palace. निर० २, १: —सलिलपह-
दाय. त्रि० (-सलिलप्रतिष्ठान) पाणी
डिपे नेत्रं प्रतिष्ठान दक्षिण छे ते. जल
पर जिस का निवास स्थान है वह.
(one) whose residence or
abode is on water भग० ७, १;

उपिजल. त्रि० (उपिजल) दोष जनक.
आकुलता जनक. (Anything) which
causes agitation to the mind.

“उपिजलभूय कह कह भूय” राय० ८६;

उपिजलभूय. त्रि० (उपिजलभूय)
आकुल व्याकुल. आकुल व्याकुल.
Troubled; distracted in mind.
कण० ५. १२६;

उपिचक्षु. न० (*उपिचक्षु) अथर आये
जलदीप्री गात्रि ते; गायनो ओड दोष.
अथरथास में गाना; गायनका एक दोष.
Singing far too rapidly; a
fault in singing. श्रुजो० १२८;
भन० ११६;

उपिपयमाण. त्रि० (उत्प्लावमान पाणी
उपर उधुसते. जलके ऊपर उठलता
हुआ. Leaping on water; rising
and falling on water. “बुडुमाणे
जिबुडुमाणे उपिपयमाणे” उवा० ७, २१८;

उपिडित. त्रि० (उपिडित) दृढ दरेड;
जंझीने आनिवे; तंग दरेड. दृढ किरा
हुआ; बंधकर बांधा हुआ. Tightly

fastened; bound fast. उप्पीडित
धिचपट गहिवा उडपहरणा” भग० ७,
६; नाया० २; ओव० ३०; विवा० २;
राय० ८१; जीवा० ३, ४; पण० १, ३;
जं० प० ३, ५२; ३, ५६; —कच्छु. पुं०
(-कच्छु) आधोछे; कुछोछे छेजे.
जियने कच्छोटा मारा है वह. one who
has tightly tucked up the
bom of his loin-cloth after
carrying it to the back part
of his waist. विवा० २;

उपुय. न० (उपुय) गायनो ओड दोष.
गायन का एक दोष. A kind of fault
in singing. नाया० १५; (२) त्रि०
अपथीन. भयभीत; डरा हुआ. terrified;
alarmed. नाया० ६;

उपूर. पुं० (उपूर) पाणीनो प्रयंस
प्रवाह. प्रचंड प्रवाह. A big current
or flood of water. पण० १, ४;
(२) यण०; गजं. बहुत; उगादह-
much; excessive. पण० १ ३;

उपफालग. त्रि० (*) नदरं ओलनार;
निन्दा इतरा बुग बोलनं वाला; निंदक.
(One) who censures or slan-
ders. उल० ३४, २३;

उपिडंत. पुं० (*) नीड. टिड्डी. A
locust; a grass-hopper. पण० १५७.

उपकुल. त्रि० (उपकुल) विकसित. विक-
सित. प्रकुलित. Full-blown; bloom-
ing. “उपकुलं नवि निःकाण” दम०
५, १, २३;

उष्णेणउष्णेणिय त्रि० (उष्णेणोष्णेणित)
दृधना उष्णेणनी ये? उडनेत्र-दोषाय

मान ध्येय. दूधकं उफान के समान
कोपायमान. Boiling with anger;
with anger rising like boil-
ing milk. “ उपेक्ष्यउपेक्ष्यं सिंहसेवं
राव एव वयासी ” विवा० ६;

उपेक्ष पुं० न० (*) भुयुट; ताज.
मुकुट; ताज. A crown; a diadem.
श्रीव० १२; ठा० ५, १; आया० २, ३, २,
१२१; पञ० २;

उपेक्षय. न० (उद्बन्धन) उये शाखादि-
कमां लटकी भरयुं ते. ऊंचाई पर शाखादिक
में लटक कर मरना. Committing
suicide or dying by hanging
on the branch of a tree etc.
प्रव० १०३०;

उपेक्षय. पुं० (उद्बन्धन) विद्या, मंत्र, यंत्र
वगैरेमां जहेमायलो के जेने दिक्षा आप
पान्ती बना करेन छे. विद्या मंत्र तंत्र आदि
में शंकायुक्त कि जिसे दीक्षा देने की मनाई
की गई है. A person full of super-
stition in the matter of
charms, incantations etc. Such
a person is thought unfit to
be given Dīkṣā to. ठा० ३;

उपेक्ष. त्रि० (*) भागेक्षुं; यायेक्षुं. मांग
हुआ. Prayed for; solicited;
begged. पिं० नि० २८१;

उपेक्ष. त्रि० (उद्घट) खुल्लुं; उधा; खुला
हुआ; उघावा. Open; manifest.
“ उपेक्षयउपेक्षय ” भग० ७, ६; अणुत्त०
३, १; (२) विक्रान्त; भयंकर. भयंकर;
हरावना. terrible; fierce. भक्त०

१०६; जं० प० अणुत्त० ३, १; सु० व०
२, २१२;

उपेक्ष. पुं० (उद्भव) उत्पत्ति. पैदाइश;
उत्पत्ति. Birth; production; rise.
नाया० २;

उपेक्षसुख. त्रि० (*) आडमाने आडमां उभा
उभा सुखाम गयेन. वृक्ष में ही खड़े खड़े सुख
गया हुआ. Dried up in the very
tree, in an erect posture.
श्रीव० नि० ७३५;

उपेक्षाम. पुं० (उद्भ्राम) भिक्षाचारी; भिक्षाने
वारते अभयुं करयुं ते. भिक्षा के लिये
त्रमण करना. One who wanders
to beg alms; wandering in
order to beg alms. ठा० ४;

उपेक्षाम. पुं० (उद्भ्रामक) जार; व्यभिचारी.
जार; व्यभिचारी. A person who
commits illicit sexual inter-
course. पिं० नि० ४२०

उपेक्षाम. पुं० (उद्भ्रामक) ज्योतिषो उपेक्षो
शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. “ अज्ञात विमर्गाई उपेक्षाम
समग अकखरे रिकजा ” श्रीव० नि० भा०
६०; (२) ऐक जलतो वायु एक प्रकार
का वायु. a kind of wind. पञ० १;

उपेक्षणा. स्त्री० (उद्घावना) प्रकट करयुं;
जलहेर करयुं; उत्पन्न करयुं. प्रकट करना;
जाहिर करना; उत्पन्न करना. Mani-
festing; declaring; producing.
श्रीव० ४१; नदी० ४०; (२) प्रभावना.
प्रभावना. explaining; explana-
tion. “ पवयउपेक्षणा ” ठा० १०;

* ज्योतिषो पृष्ठ नं० १५ नी पृष्ठ १५ (*). देखो पृष्ठ नं० १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th

उद्भिज्ज. त्रि० (उद्भिज्ज) जमीन में छेदी हुई गहराई में अद्भुत रूप में आयातार मेथी वगैरे आशुपादों। जमीन फोड़कर बाहिर निकलनेवाली मेथी वगैरह की भांति। Vegetation which pierces the soil and sprouts forth. पि० नि० ६२४; (२) अंगुलिक आदि शृंग। खंजनक आदि जीव। a species of living beings, such as a wag-tail etc. पगह० १, ४;

उद्भिज्जमाण. त्रि० (उद्भिज्जमाण) उद्घाटन में आयातुं; खुलने में आयातुं। खुलता हुआ। Being opened; becoming manifest. “केतइपुडाणवा अणुवायंसि उद्भिज्जमाणा वा” भग० १६, ६; जं० प० १; राय० जीवा० ३, ४;

उद्भिज्ज. न० (उद्भिज्ज-वस्तुपादेः स्थगितं मुखं साधूनां तलघृतादिदानार्थमुद्भिज्ज तल्लादि साधुभ्यो दीयते तदीयमानं तल्लादि पिहि-तोद्भिज्जम्) साधुने धी आदि वदोरायवा भाटे कमाउ उद्घाटन के आगे उद्घाटन आयातुं या लागतो दोष; १६ उद्घमनमांनो १२ मे दोष। साधु को धी आदि वदोराने के लिये किवाँड उघाडकर अथवा बर्तन का ढाट निकाल कर भिक्षा देने में लगने वाला दोष; उद्घमन के १६ दोषों में से १२ वां दोष। The 12th of the 16 Udgamana faults viz. opening a jar or a door in order to give ghee etc. to an ascetic for eating. पि० नि० ६३, ३४७; पंचा० १३, ६; (२) अद्भुत रूप में अद्भुत नीकलेख-फोड़कर बाहिर निकला हुआ। sprouted forth or shot out after piercing something. “तेषां समणेषां उद्भिज्जे मऊरी पोषण” नाया० ३; सु० च० २. ३६४;

उद्भिज्ज. त्रि० (उद्भिज्ज) अद्भुत रूप में नीकलेख-अद्भुत रूप में; अद्भुत रूप में नीकलेख-फोड़कर निकले हुए जन्मे हुए; खंजरीट, मेंडक आदि। Come out, shot out after piercing something; a wag-tail, a frog etc. सूय० १, ६, ८; दस० ४; प्रव० १२५०; —लोण०. न० (-लक्षण) दरिया पारसे आयातुं पाणीयों उत्पन्न थनुं अथवा; दरिया में भीड़. समुद्र के पार खारे जल में उत्पन्न होनेवाला निमक; दर्याई निमक. ४०-४१. आया० २, १, ६, ३५; निगी० १३, ४०;

उद्भिज्जय. त्रि० (उद्भिज्जय) पृथ्वी में अद्भुत रूप में नीकलेख प्राणी नीकलेख पतंग वगैरे। पृथ्वी को फोड़कर निकले हुए प्राणी पतंग आदि। (An insect) coming out by piercing the land, e. g. a locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उद्भूइया. त्रि० (उद्भूइया) अद्भुत रूप में नीकलेख प्राणी नीकलेख पतंग वगैरे। पृथ्वी को फोड़कर निकले हुए प्राणी पतंग आदि। (An insect) coming out by piercing the land, e. g. a locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उन्मेइम. न० (उन्मेइम) समुद्र आदि में उत्पन्न थनुं अथवा; भीड़. समुद्र आदि में उत्पन्न होता हुआ निमक. Salt produced in the sea etc.; common salt. दस० ६, १८;

उभयो. अ० (उभयतस्) भे आद्युभे; भे त२३:
दो तर्फ से; दोनों ओर. On both sides.
(२) भे; २. दो; २. two; २. जं० प० ५,
११७; नाया० १; भग० २४, २२; उत्त० ११,
१७; ओव० ३१; क० गं० १, ३३; कप्प०
३, ३२; क० प० १, १३; —**काल.** पुं०
(-काल) अन्ते यन्त. दोनों समय.
both times. दसा० १०, ३; वव० ६,
२०; —**पार्सि.** अ. (पार्श्व) भे प३भे;
भे आद्यु दोनों तर्फ. on both sides.
सम० ३४;

उभय. त्रि० (उभय) भे. दो. Two;
both भग० ६, ३३; १२, १०; विश०
११८; ४७७ ओव० १६, ३६; अणुजो०
८; २१; दसा० १०, ३. दग० ४, ११;
५, २, १२; नाया० ११; १; पिं० नि०
आ० ३; पिं० नि० २१५; ५८०; उत्त०
१, २३; क० गं० १, २२; — (या) —
अनुपस्मि त्रि० (-अनुदर्शिन) आलो३
अने परलो३ अन्तेना मुपने आदना२.
इय लोक और परलोक-दोनों लोकोंके सुख
को चाहने वाला (one) who
wishes the happiness of both
this world and the next world.
आया० १, ३, २, ११३; — (या) **अभाव.**
पुं० (-अभाव) उभयने अन्तेना
अभाव दोनोंका अभाव absence of
both विश० १३३; — **अरिह.** न०
(-अर्ह) उभय-आलोचना अने प्रतिक्रमण
भे अन्तेना भे.य. आलोचना और प्रतिक्रमण
इन दोनोंके योग्य; deserving both
Alochanā (confession) and
Pratikramanā (repentance
for faults); (२) दश प्रकारके प्राय-
श्चित्तों में का एक one of the ten

kinds of expiation जीवा० ३;
— **परदृष्टि.** त्रि० (-प्रतिष्ठित) पोते
अने पर अन्ते आश्री रहस अपने और
दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ.
in relation to oneself and
for others; i. e. applicable to
both. टा० ४, १; — **भाग.** पुं०
(-भाग) अन्ते भे प३भे २३ीं वेग
वेगवार नक्षत्र. चंद्रकी दोनों ओर रह कर
योग जंड़ने वाला नक्षत्र. a constel-
lation on both sides of the
moon's path. चंद्रस्य जंड़सिद्धस्य
जोहसरकां च णक्षत्ता उभयभागा उत्तरा
निर्णय विसाहा पुण्यसू रोहिणी ” टा०
३; — **लोगहित.** न० (-लोकहित)
अन्ते लो३नं दिन इत्याद्यु. दोनों लोकों
का कल्याण. beneficial both
for this world and the next
world. “ कल्याणभायणत्तेण उभय
लोगहितं ” पंचा० ११, ३६; — **वाय.**
पुं० (-वात) अन्ते त२३ने वायु.
दोनों ओर का वायु. wind blowing
from both sides. नाया० ११;
— **वायजोग** पुं० (-वातयोग) अन्ते
त२३ना वायुना वेग. दोनों तर्फ की
वायुका योग. coming together of
winds from both sides i. e.
opposite sides. नाया० १५;
— **विसुद्ध** त्रि० (-विशुद्ध) भे प्रक्षरे
यु३. दोनों तरह शुद्ध. pure or puri-
fied both ways. पंचा० १, २०;
— **विहृण.** त्रि० (-विहीन) उभय
अ३; अन्तेही रहित. उभय अ३; दोनों में
रहित. devoid of both; desti-
tute of both. पंचा० ३ ४०;
— **मग** पुं० (अन) अन्ते अ३

श्रुत. द्रव्य और भाव श्रुत. scripture of both kinds viz Dravya and Bhāva. विशे० १२६:

उभयतो. अ० (उभयतम्) लु०
“ उभयो ” शब्द. देखो “ उभयो ”
शब्द. Vide “ उभयो ” भग० २४, २०;

उभयद्वा. अ० (उभयथा) ये प्रकारे;
अन्ते शीते. दो प्रकार से; दोनों रीतियों.
Both ways; in both ways.
विशे० १००.

उमा. स्त्री० (उमा) श्रीमत् वासुदेवकी
माताका नाम. दूगरे वासुदेवकी माताका
नाम. Name of the mother of
the 2nd Vāsudeva. गम० ५.
२३५:

उमाण. न० (अपमान) अपमान; अना-
दर; निरस्कार. अपमान; अनादर Insult;
disrespect आया० १. ६, १. १९;

उम्मग. त्रि० (उम्मग) पाणीभाँधी
जल से से ऊपर आया
हुआ. Emerged out of water.
पद० १: ३: जं० ५० ३. ५५;

उम्मग. पुं० (उम्मग) जल से आठवाने
भार्ग; उभयभाँधी भाँधीने पक्षर निकल-
वाने भार्ग ऊपर आने का मार्ग; उभ-
य को मारकर बाहर निकलने का मार्ग.
The way to come up; the emer-
gence out of water after dip-
ping oneself into it. “ पच्छ-
पलाये उम्मगं नालहह भुजंगाद्व ”
आया० १. ६. १. १०२; पंचा० ११, ३६;
क० गं० १. ५६; (२) उभय भाँधी.
उलटा मार्ग; विरुद्ध मार्ग. wrong path;
contrary path. (३) उन्मार्गदर्शक.
निरुद्ध मार्ग-शान्त; निरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला.
one who leads astray अणुतो०

१५१: (४) अकार्य करे. अकार्य करना.
taking to a wrong path; doing
a wrong deed. “ उम्मगवज्जण राग
दोर्मावरण ” आया० नि० १, ५, १,
२६६; —द्रिय. त्रि० (—स्थित) उन्मा-
गभाँधी. उन्मार्ग गाँधी. (one)
who has taken to a wrong or
prohibited path. “ उम्मगाद्रिय
मूरी निष्णि विमगं पणामेति ” गच्छा०
१. २८: —देशना. स्त्री० (—देशना-
उन्मार्गस्य भवहेतोर्माँहीहेतुत्वेन देशना कथ-
नमुन्मार्गदेशना) उन्मार्ग-अपराध भाँधी-
की देशना-उपदेश. उन्मार्ग-अपराध-मार्ग का
उपदेश. unwholesome, pernicious
advice. i. o. one leading
astray आ० ६, ४: —देशना. स्त्री०
(—देशना) उन्मार्गकी देशना-उपदेश
देने से. उन्मार्ग का देशना-आपराध उपदेश
देना. giving a false advice, giv-
ing advice leading to a wrong
path. प्रव० ६६३: —पद्द्रिय. स्त्री०
(—प्रतिष्ठित) अपराध भाँधी अपराध; उन्मार्ग
प्रतिष्ठा पाये. उन्मार्ग में प्रतिष्ठा पाया
हुआ (one) gone astray; mis-
guided. “ भयवं काहं विमोहिं उम्मग
पद्द्रियं वियाखिंजा ” गच्छा० २: —पद्द्रिय
त्रि० (—प्रस्थित) लु० “ उम्मग पद्-
द्रिय ” शब्द. देखो ‘ उम्मग पद्द्रिय ’ शब्द
vide “ उम्मग पद्द्रिय ” गच्छा० ६
—पांडुराण. त्रि० (—प्रतिपक्ष) उन्मार्गने
अधिकार करे. उन्मार्ग को स्वीकार किया
हुआ. (one) who has accepted
a wrong or pernicious path
or course of action उवा० ७, २१८;
—पयङ्ग. त्रि० (—प्रवृत्त) उन्मार्ग प्रवृत्त
थी. उन्मार्ग में प्रवृत्त. gone astray:

started on a wrong path. सु०
च० १, ११५;

उम्मगजला. श्री० (उम्मगजला-उम्मज्जि
शिक्षादिकमस्माद्वि, उम्मगं उम्मगं जलं
वस्थां सा) निमित्त शुद्धने मध्यभागे ओ
नामनी ओं नदी के जेभां क्षोभ वस्तु पड़े तेने
उल्लासीने अद्भुत डेढ़ा दे. निमित्त गुफा
के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम
जो कि किसी वस्तु के पड़नेपर उछलकर
बाहिर फेंक देता है. Name of a river
in the centre of a cave named
Timisa. Its water violently
throws out anything that falls
into it " जगणं उम्मग जलाण महा-
वहणं " ज० प० ३;

✓ उम्मज्ज. श्री० १ (उत् + ज्ज) भ०
पञ्चैशी अप आदियुं अर उतारणं. मंत्रादिगे
सर्पादि का जहर उतारना. To remove
the effects of serpent-bite etc.
by incantations etc.

उम्मज्जेजा. "तं हृथी पुरिमन् उम्मज्जेजा"
व० ५, २१;

उम्मज्ज. पुं० (उम्मज्ज) पाणीनी अंदरी
अपानी उपर आवतुं ते जन के भीतर गे ऊपर
भाग पर आना. Emerging on the
surface of water from below
it. (२) अंसारनी अपानी-भेदा उपर
वस्तु अन्तर श्रद्धा, संयम, वीर्य पञ्चैरी मोक्ष
लेजाने वान प्रदा. संयम, वीर्य आदि.
faith, asceticism, heroism etc.,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
" उम्मज्जकुं हह माणवोहं " आया०
१, ३, २, ११५; — निम्मज्जिया.
श्री० (निम्मज्जिका) पाणीभांथी उपर

आवतुं अने नीचे अतुं ते; दुपरी अपरी
ते. जन में डुबकी मारना. alternately
to emerge out of water and
to submerge under it. "अहेउम्मज्ज
णिमज्जियं करेमाणे देसं पुववीणं चलेजा "
टा० ३;

उम्मज्जक. पुं० (उम्माज्जक) स्नान करवाने
ओकरा पाणीभां पेशी तरन अद्भुत निकले
तेवे तापस; तापसनी ओं जन. स्नान
करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर
नुरंत बाहिर निकल ने वाला तापस; तापसी
की एक जात. A class of ascetics;
an ascetic who dips himself
once in water for his bath and
immediately comes out. ओव०
३८;

उम्मज्जग. पुं० (उम्माज्जक) लुओ उपक्षे
शब्द. देसो उपरका शब्द. Vide above.
भग० ११, ६; ओव० निर० ३, ३;

उम्मज्जा. श्री० (उम्मज्जा) पाणीभां नीचेथी
उपर आवतुं ते. पानी में नीचे से ऊपर आना.
Emerging out from the bottom.
उत्त० ७, १७;

उम्मज्जिय. सं० क० अ० (उम्मज्ज) डायने
दुपरीने. शरीरको डुबाकर. Having
dipped or submerged the body.
भग० १३, ६;

उम्मत्त. त्रि० (उम्मत्त) गांडा; उद्धत. पागल;
उद्ध; उद्धत. Mad; insolent. प्रव०
७६७; विशेष० ३२६०; (२) गर्विष्ठ; भूत
पञ्चैरीता पक्षगाय पातुं. गर्विष्ठ; घमंडी; जिसे
भूत वगैरह लगे हो वह. proud; con-
coited; possessed by a ghost
etc. प्रव० ७६७; पि० नि० ५७२;

उम्मत्तगभूय. त्रि० (उम्मत्तगभूत)
उन्मत्त-गांडा अथवा: भदिशपानथी अन्

थित डेकाछे नथी ओवे। उन्मत्त; पागल;
मदिरा पान से जिसका चित्त मुकामपर न
हो वह. Maddened; intoxicated
with drink. टा० ५, १;

उन्मत्तजला. का० (उन्मत्तजला) २५५
विजयनी पश्चिम सदरद उपरनी नदी:
महाविदेहनी आर अन्तर नदीभांती अंक.
रम्पक विजय की पश्चिम तट पर की नदी.
Name of a river on the west-
ern border of Rampaka Vijaya;
one of the 12 Antara Nadis
(rivers) of Mahāvideha.
“ रम्पक विजय उन्मत्तजला महाकाई ”
जं० प० टा० २, ३;

उन्महण. न० (उन्मर्दन) उक्षरी इयाडीये
मर्दन करतुं ते. उलट हँकें का ओर से
मर्दन करना. Rubbing (i. e. oil)
on the body against the grain.
ग्रंथ० २, २, ६२; नाया० १३;

उन्महिया. का० (उन्मर्दिका) उक्षरी
इयाडीये मर्दन करनेवाली दासी. उलट हँकें
तरफ से मर्दन करनेवाली दासी. A maid-
servant who rubs oil etc. on
the body against the grain.
भग० ११, ११;

उन्माण. न० (उन्मान-उन्मायते तादित्यु-
न्मानम्) तोलथी परिमाण थाय ते; शेर,
भण्ड, कपी, भासा जेरे. तोल, वजन का
परिमाण; सेर, मण, तोला, मासा आदि.
A measure of weight o. g. a
seer, a mound etc. सम० प० २३६;
जं० प० टा० २, ४; नाया० १; (२) नेने
तोलता अर्धभार प्रम थु थाय तेवे। पुरुष
उन्मानोपेत कहैयाय. जो तोलने पर अर्धभार
प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है.
a person who is Ardhabhāra

in weight is styled as Unmāno-
pota. “ सेकित उन्माणे २ जगणं
उम्मिण्णिजइ ” ओव० २०, कण० १, ८;
(३) सामा तालाभां ओय नापी
वरतुने ओभासी तोलथी ते. तराजु के एक
पलडेमें बौट डालकर दूसरे पलडे से वस्तुका
तोलना. weighing a thing
against a measure of weight
in the scales of a balance. टा०
१; अणुजो० १३२;

उन्माद. पुं० (उन्माद) गंडपण्ड; थित
विभ्रम. पागल पन; चित्तविभ्रम. Mad-
ness; intoxication; mental
aberration. भग० १४, २; दसा० ७,
१२; विशेष० १४१५; (२) अत्यन्त काम-
थी उन्मत. अत्यन्त काम से उन्मत.
maddened with love or lust.
“ कह विहणं भंत उन्मादे पण्णते गोयमा
वृविहं उन्माद पण्णते ” भग० १४, २;
(३) यक्षादिना आवेश यक्षादि का आवेश.
being possessed by a Yakṣa
etc. टा० २, १; —पमाय. पुं०
(प्रमाद—उन्माद: संग्रहत्वं त एव प्रमाद:
प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतोन्मादप्रमाद:) यक्षा-
दिना आवेशथी उपयोग शून्यपण्ड. यक्षादि
के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना.
listlessness or inattentiveness
due to one's being possessed
by a Yakṣa etc. टा० ६;

उन्मादण. न० (उन्मादन) कामजु उदी-
पन थाय ते. प्रबल काम का उदीपन होना.
Rise of strong passion or lust.
अणुजो० १३०,

उन्माय. पुं० (उन्माद) णुओ “ उन्माद ”
शब्द. देखो “ उन्माद ” शब्द. Vide
“ उन्माद ” भग० १४, २; दसा० ७.

२१; विशे० १४१५; उवा० ६, २५८; प्रव० १०७७; —पक्ष. त्रि० (—प्राप्त = उन्माद-मुन्मत्तता. प्राप्त उन्मादप्राप्तः) मोहनीय दुर्भनः. उदयथी गांधर्व्य थयेन. मोहनाय कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह. mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma (i. e. Karma which deludes as regards right belief etc.) वव० २, १०; १६;

उर्मि. पुं० (उर्मि) तरंग; मोलनः. तरंग; लहर. A wave. कप्प० ३, ४३; नाया० ८; पण्ड० १, ३; (२) मोलने आकारे जनसमुदाय. लहरों के आकार के समान जन समुदाय. a crowd of people resembling a series of waves. भग० २, १; —वीचि. पुं० (—वीचि) समुद्रना अंदाज तरंग अने नदीना तरंग. समुद्र की बड़ी २ और छोटी छोटी लहरें. waves and ripples of the ocean. भग० १६, ६;

उर्मिमालिणी. स्त्री० (उर्मिमालिनी) मेरु पर्वतनी पश्चिमे अने शीतोला महा नदीनी उत्तरे सुवप्र विजयनी पूर्व सरद्व ७५२नी अन्तर नदी. मेरु पर्वत के पश्चिमकी ओर, सीतोला नदी के उत्तर की ओर और सुवप्र विजय की पूर्वसीमापर की एक अन्तर नदी. Name of a river on the eastern border of Savapra Vijaya to the North of the great river Sitodā and in the west of Meru mountain. “ सुवप्रे विजयं जयति राव-हार्वा उर्मिमालिणी एहं ” डा० २, ३; जं० प० ४;

उर्मिलित. त्रि० (उर्मिलित) लुओ उपदेो शब्द. वेको उपरका शब्द. Vile above.

v. 11/33

ओव० १३;

उर्मिलिय. त्रि० (उर्मिलित) विकसित; भीक्षेन; उद्वेग. फूला हुआ; खिला हुआ; विकसित. Full-blown; opened; blooming. राय० २३८; अणुजो० १६; राम० प० २१३; नाया० १; जीवा० ४; उर्मिलिर त्रि० (उर्मिलितशब्द) भीक्षनः. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. मु० च० ३, ४४;

उर्मिसिय. त्रि० (उर्मिषित) प्रकाशित. प्रकाशित. Bright; shining; opened. भग० १४, १; (२) पुं० आंघ रिंआ-पने उद्वेग तेद्वेो दाव. आंख मीचकर खोलनेमें लगनेवाला समय; समय परिमाण. a measure of time required for the twinkling of an eye. “ उर्मि-सियाणमिसियंतरणे ” जीवा० ३, १;

उर्मिरस. न० (उर्मिरस) भेदसेवयाधु; अक्षुं थयेन; अपेक्षानो ७ मे दोष. मिश्रित; एकत्रित; एषणा समिति का ७ वां दोष. Food etc. of different kinds mixed up together; the 7th fault in connection with food-begging. आया० २, १, १, १; प्रव० २७६; डा० ४;

उर्मिलिय. त्रि० (उर्मिलित) भीक्षेन. खिला हुआ. Full-blown; opened. पण० २; विवा० १, ७;

उर्मिरस. न० (उर्मिरस) अपेक्षाना दश दोषभांनो ७ मे दोष. एषणा के दश दोषों में का ७ वां दोष. The 7th of the ten faults connected with food-begging. दस० २, १, २७; पि० नि० ५२०; पंचा० १३, २८;

उम्मुक्क त्रि० (उम्मुक्क) अर्थ उँकेलुं. ऊँचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. आ० (२) अर्थ त्याग करेस; छोड़ेस. सर्वथा छोड़ा हुआ; त्याग हुआ. abandoned; renounced for ever. कण० १, १०३; विशे० ० १५०; उत० ३६, ६०, नाया० १, ३; १५; नि० नि० ६३२; भग० ११, ११; १०, १; —**कम्मकवच**. पुं० (-कम्मकवच) उद्धत उर्मत्त इत्यादि त्याग करेस छे जेणे अथा सिद्ध भगवान्. गकल कर्मस्य कवच का जिन्होंने त्याग किया है तेमें सिद्ध भगवान्. a liberated soul i. e. a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. आ० —**बालभाव**. पुं० स्त्री० (-बालभाव) आ० तनुं छोड़ी दीयेस बालभाव को जियने त्याग दिया है वह. adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood. भग० ११, १; विद्या० ५; नाया० १; ८; १३; १४; दया० १०, ३, कण० १, ६;

उम्मुल्लणा स्त्री० (उम्मुल्लणा) अर्थ उँलेलुं. मुँड़ी गद्गद झटलुं. जड़मे उखाड़ना. Uprooting; eradication. “उम्मुल्लणा सरीरा ओ” पमह० १, १;

उम्मुल्लिय त्रि० (उम्मुल्लित) अर्थ उँलेलुं. जड़ मूल में उखाड़ा हुआ. Uprooted; eradicated. भग० १६, ६;

उम्मेस पुं० (उम्मेस) आँख चिँगनी उधाःली ते; आँखों पलकपलक. आँख खोलना, मीचना; आँखों की पलक. A glance; twinkling of eyes. भग० १३, ४;

उम्ह पुं० (उम्ह) उँलुता; गरमी. उष्णता; गर्मी. Heat. श्रीघ० नि० ४८४;

उय पुं० (उय) वसंत आदि ऋतु. वसंत आदि ऋतु. A season; o. p. spring etc. नाया० १; ५; भग० ६, ३३;

उय अ० (उत) अथवा. अथवा; या. Or; an alternative conjunction. विशे० १६१०;

उयंसि त्रि० (ओजस्विन्) ओजस्वी; अधिक मनोपल वाले. ओजस्वी; ओज गुण बाला; अधिक मनोबल वाले. Powerful; possessed of strong will-power. राय० २१५; सम० प० २३५;

उयट्ट त्रि० (अववत्तं) दुर्बली शक्ति स्थितिने दुँडी करी ते. कर्म की दार्ढ्य स्थिति को अन्त करना. (One) who has weakened the power of Karma. भग० १, १;

उयट्टण न० (अववत्तन) अर्थ “उयट्ट” शब्द. देखो “उयट्ट” शब्द. Vide “उयट्ट” भग० १, १;

उयर पुं० (उदर) पेट; अ०. उदर; पेट. The belly; the stomach उत० ७, २ नि० नि० भा० ४६; दया० १०, ४; मु० च० १, ३०४; क० गं० १, ३६;

उयरिय त्रि० (उदरिक) अर्थ अ० रोगवाले. जलोदर रोग वाला. (One) suffering from dropsy. विद्या० ७;

उर पुं० (उरम्) उदरस्थ; छाती. छाती; वक्षस्थल. The breast. पञ्च० १; अणुजो० १२८; आया० १, १, २, १६; राय० ३२; ८६; पमह० १, ३; टा० ७; उवा० २, १०८; क० गं० १, ३४;

उरसि न० ए० व० प्रब० ६७; (२) सुंदर सुंदर; खूबसूरत. beautiful; charming. टा० ४; —**कल्लय** पुं०

(-कल्ल) हृदयने धा. हृदय का घाव. a wound in the heart; a heart-sore. विशे० २१६; —**तव** पुं०

(-तपस) गोशाशना उपासकं अथ
 तपः गोशालाके उपासक का एक प्रकार
 का तप. a kind of austerity
 practised by the followers of
 (Gosālā. ठा० ४; —परिसर्प. पुं०
 (-परिसर्प) छातीथी आशनार प्राणी-सर्प
 गेरे. छाती के बल चलनेवाले सर्पादि प्राणी.
 a reptile moving or creeping
 upon the belly; e. g. a serpent
 etc. उत० ३६, १८०; भग० ८, १;
 —परिसर्प विहाण. न० (परिसर्प-
 विधान) सर्पनी गति. सर्प की जाति.
 the serpent kind. भग० १५, १;
 —परिसर्पिणी. स्त्री० (-परिसर्पिणी)
 नागलु; सर्पनी स्त्री. नागिन. a female
 serpent; a female snake. “ से
 किंत उरगपरिसर्पिणी २ ” जीवा० २;
 —सुसिया. स्त्री० (-सूत्रिका) छातीभां
 पड़ेरवान् अ. लुपलु. छाती का एक आभूषण.
 an ornament of breast. जं० प०

उरंउरेणं. अ० (*) छातीसाथे प्रक्षु
 करुं ते; छाती सरसे. छाती से लगाना;
 छाती से छाती मिलाना Embracingly;
 closing in embrace “ च उरं गिरं
 पि उरंउरे गिरिहस्तए ” विवा० ३;

उरग. पुं० स्त्री० (उरग) पेरे आशना-सर्प.
 पेरेके बल चलने वाला सर्प. A snake; a
 serpent. उत० १४, ४७; नाया० १६; १७;
 भग० ८, १; प्रव० ११०६; —परिसर्प
 समुच्छिन्न. पुं० (-परिसर्पसमुच्छिन्न)
 छाती द्वारा आशनार समुच्छिन्न सर्प. छाता
 के बल चलने वाला समुच्छिन्न जीव-सर्प. a
 reptile moving on the belly, e.

g. a serpent. जीवा० १; —परिसर्पिणी.
 स्त्री० (-परिसर्पिणी) नागलु; छातीये
 आशना सर्पनी स्त्री. नागिन; छातीके बल
 चलने वाली साँपिन. a female ser-
 pent; a female snake. जीवा०
 १; —वर. पुं० (-वर) उत्तम नाग; उन्नी
 गतिने सर्प. उत्तम नाग; ऊंची जाति का
 सर्प. a serpent of a high breed;
 a noble serpent. नाया० १६; जं०
 प० ३, ४५; —वीहि. स्त्री० (-वीहि)
 शुक्रनी उरग नामनी वीहि गति विशेष. शुक्र
 की उरगनामक गति विशेष. name of a
 particular kind of motion of
 the planet Venus. ठा० ६, १;

उरस्थ. न० (उरः स्थ) छातीभां पड़ेरवान्
 आभूषण. छाती में पहरने का गहना. An
 ornament to be worn on the
 breast जीवा० ३, ३; भग० ६, ३३;
 कण० ३, ३६;

उरम्भ पुं० स्त्री० (उरम्भ) भेदुं; धेदुं. भेडा;
 भेड; बकरा. A sheep; a lamb.
 पञ्च० १७; सूय० २, ६, ३७; जीवा० ३,
 ४; राय० ४६; पण्ड० १, १; नाया० १, उवा०
 २, ६४; उत० ७, ४; —पुड सरिणभ. वि०
 (-पुडसर्पिणभ) धेडाना नाक जेडुं. बकरेकी नाक
 के समान. resembling the nose of
 a sheep. “उरम्भपुडसरिणभा से नासा”
 उवा० २, ६४; —रुधिर. पुं० (-रुधिर)
 धेडानुं दोदी. बकरेका रक्त. blood of a
 sheep. जीवा० ३;

उरमिमन्त्र-य. पुं० (औरमिमन्त्र) धेडा-अक्ष-
 राने पाशनार-भरवाड; रथारी. बकरे को
 पालकर फिर कसाई को बेचनेवाला. A

* लुओ ५४ न० २२ १५ नी फूटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vido
 foot-note (*) p. 15th.

Shepherd who hords sheep, goats etc. and sells them to a butcher. सू० २, २, २८;

उरदिमय. न० (उरधीय) उत्तराध्ययन सूत्रं सातमं अध्यायन. उत्तराध्ययन सूत्रका ७ वां अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. उ० ७;

उरय अ. पुं० (उरज) ओ३ जननी गुच्छो. एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. प० १: २;

उरल. पुं० (उरारिक) उद्गारिक शरीर. औदारिक शरीर The Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३५; २, ६; २१; प्र० १११३; जं० प० २, ३०;

उरल. न० (औदारिक) औदारिक योग. औदारिक योग. Activity or vibrations of the Udārika i. e. physical body. क० गं० ४, ८: — अंग. पुं० (- अङ्ग) उद्गारिक शरीर. औदारिक देह. the Udārika i. e. physical body. क० गं० १, ३६; प्र० १३२६; — दुर्गा. न० (- द्विक) उद्गारिक अने उद्गारिक मिश्र ये ये प्रकृति. औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियाँ. the two Prakṛitis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamīśra. क० गं० २, ६; ३, ३;

उरस. त्रि० (औरस) पौतानो पुत्र. निजका पुत्र; औरस पुत्र. One's own son. टा० १०;

उरसण. पुं० (उरः सर्प) जानिये आसनार निर्दय सर्प यथेरे. जानिके बख बलने वाले तिर्थच. A reptile walking or moving on its belly, o. g. a serpent etc. प्र० ६७६;

उरसी. स्त्री० (उरगी) ओ३ जननी

गच्छो, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. प० १:

उरस्स. न० (उरस्य-उरसि भवमरस्यं) जानिये. जानी का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. रा० ३२: — बल. न० (- बल) हृदयबल. power of the heart; will-power; strength of the heart. "उरस्सयल-ममणा जणु" रा० ३२;

उराल. त्रि० (उदार) समर्थ; शक्तियुक्त. प्रबल शक्तियुक्त. Powerful. (२) उन्नत स्वभाव वाला. उन्नत स्वभाववाला. aspiring. जीवा० ५; रा० जं० प० (३) उद्गार. उदार. magnanimous. (४) प्रधान; श्रेष्ठ. उदार; श्रेष्ठ. chief; prominent. ओव० ३८; गम० ६; नाया० १:५: ८: १२; १४; १६; गम० १, १: ३, १: ६, ६: ११, ११, १५, १: निर० १, १; प० ३४; जीवा० ३, ४; रा० ५६; ८१; सू० प० २०: क० १, ५; (५) अति अद्भुत. बहुत आश्चर्यजनक. very wonderful. सू० प० १: चं० प० २०: गम० २, १; जं० प० ओव० (६) विशाल. विस्तारवाचुं. विस्तृत. extensivo. आया० १, ६; १, १०: टा० ५: (७) न० ओ३ जननी शरीर; उद्गारिक शरीर. एक प्रकार का शरीर; औदारिक शरीर. a kind of body; Udārika Śarīra: external physical body. क० गं० १, ३७; पंचा० १, १५; (८) त्रि० उद्गारिक शरीर सम्बंधी. औदारिक शरीर संबंधी. pertaining to the Udārika body. रा० २५२; (९) स्थूल; प्रसिद्ध. स्थूल; मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सू० १, १, ४, ६; (१०) प्रधान त०. प्रधान त०. मुख्य त०. principal or prominent authority. नाया० १:

भग० २, १; (११) अ नामनी लीक्षी वन-
स्पति. एक प्रकार की हरि वनस्पति का नाम.
name of a green plant. पञ० १;
—तस. पुं० (-तस) स्थल तसथय.
आधारिक त्रयजीव. & many sensed
living being possessed of an
external physical body; a
mobile sentient being with
physical body. जीवा० १; —मिस्स.
पुं० (-मिश्र) उदारिक मिश्र योग.
उदारिक मिश्रयोग. vibratory activity
of Udārikamīśra i. e. physical
mixed with Karmic body. प्रव०
१३२६;

उरालिअ-य. त्रि० (आधारिक) दाड-
मांस न रधिरयातुं शरीर; मनुष्य अने
निर्यन्तुं स्थूल शरीर. हाड मांस और रधिर
वाला शरीर; मनुष्य और निर्यन्तका प्राकृतिक
शरीर. External physical body
having flesh, blood and bone.
डा० २, १; सम० १३; जीवा० १; नाया०
८; भग० २, १; ६, १; दगा० ५, ४०;
सम० प० २०६; —सरीर. न० (-शरीर)
जुओ ७५थो शब्द. देखो ऊपर का शब्द.
vido above. नाया० १८; —सरीरि.
पुं० (-शरीरिन्) उदारिक शरीर याओ ७५.
आधारिक शरीर वाला जीव. a sentient
being with Udārika or external
physical body. डा० ६, १; जीवा० १०;
उरु. न० (उरु = विस्तीर्ण) विस्तीर्ण;
विशाल. विस्तृत; फैला हुआ. Extensivo
vast. भग० ११, ११; —घंटा. स्त्री०
(-घण्टा) विशाल घंटा; झेली घंटा.

बडा भारी घंटा. a large bell. विवा० ३;
—णायग. पुं० (-नायक) भडोटा नायक;
मोटा नायक. a great leader; a
great guide. कप्प० ३, ३६; —पीवर.
पुं० (-पीवर) थोड़ा पुष्ट. बडा स्थूल.
very fat; corpulent, कप्प० ३, ३६;
उरुणग. पुं० (*) वनस्पतिनो दूर;
अक सुवाओ पदार्थ. वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ A kind of soft substance.
जीवा० ३, ३;

उरुतुंगगा. स्त्री० (उरुतुम्बका) त्रय धद्रिय
वाओ ७५. तीन इन्द्रियों वाला जीव. A
three sensed living being.
पञ० १;

उरोरुह. पुं० (उरोरुह) स्तन. स्तन. The
female breast. ओप० नि० मा० ३१७;
प्रव० ५६३;

उरोविमुद्ध. न० (उरोविमुद्ध—उरसि भूमिका-
नुसारेण स्वरो विशुद्धो भवति इति) गायन-
नी शुद्धिनो अक प्रकार गायन की शुद्धि का
एक भेद. A particular variety of
clearness of voice in singing.
राय०

उलिउभमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) चटातुं;
अयातु. चाटने में आता हुआ; माने में
आता हुआ. Being licked or sip-
ped; being eaten. कप्प० ३, ४२;

उलुग. त्रि० (अवलगण) ज्ञान थपेक्ष.
उदाग. Faded; withered; fati-
gued; wearied. नाया० १; —सरीर.
न० (-शरीर) दुर्बल शरीर. निर्बल
शरीर. an enfeebled body; a weak
and enfeebled body. नाया० १;

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th. १

उलुग्र. पुं० (उलूक) ध्रु३. उल्लू. An owl. (२) वैशेषिक दर्शनना नेता कल्याण भुनि वैशेषिक दर्शन का नेता कल्याण मुनि. Saint Kapāda the founder of the Vaiśeṣika school of philosophy. विशेष० २१६५;

उल्लू. पुं० (उलूक) ध्रु३; ध्रु३. उल्लू. An owl. सू० २, २, १६; सम० विशेष० ११०७; —पक्ष. न० (-पक्ष) ध्रु३३ती पां३ उल्लू के पंख. a wing of an owl. भग० १८, ६;

उल्लूगी. स्त्री० (उल्लूकी) ओ३ प्रशरती विद्या. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) ध्रु३३ती मादा. उल्लूक स्त्री. a female owl. विशेष० २४२४;

उल्ल. त्रि० (*) क्षीजुं; क्षीजुं. आर्द्रः गीला Wet; damp. दस० ५. १, ६६; जं० प० ३, ६२; राय० २५१; पि० नि० भा० १२; पि० नि० ३६७; ५३३; भग० ५, ७; १६, ४; नाया० २; ८; १२; उत्त० २५, ४०; —चर्म. न० (-चर्मन्) क्षीजुं आर्द्रः. गीला चमड़ा; कच्चा चमड़ा. wet skin or loather. विवा० ६; —दृग्. पुं० (-दृग्) क्षीजुं दाल-दालो; ओ३ ल१जुं भ३. हरित-दर्भ. wet i.e. green Darbha grass. विवा० ६; —पटसाडिया. स्त्री० (-पटसाडिका) क्षीजुं आर्द्र. हरी गाड़ी. wet i. e. green thicket of trees. विवा० ७;

उल्लगच्छ. न० (*) उद्देह गन्धुथी नीक्ष-क्षेत्र ओ नामजुं ओ३ क्ष. उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot

from Uildehagap. कण० ८; (२) काश्यप गोत्रथी नीक्षक्षेत्र ३ ने गण, काश्यप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण. the third (३रा) (order of saints) descending from Kāśyapa family-
origin. कण० ८;

उल्लंग्रण. न० (उल्लङ्घन) उद्देधधनुं; क्षीजुं ते. उल्लंग्रण; कूदना. Crossing; leaping across. उत्त० २४, २५; आ३ २०; भग० २५, ७; (२) त्रि० विनय-मर्यादा उद्देधधनार. विनय-मर्यादा का उल्लंग्रण करने वाला. (one) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत्त० १७, ८;

उल्लंग्रण. न० (उल्लम्बन) आर्द्रती आर्द्रो लटकातुं आधनुं; उद्देध लटकातुं. भाट का टाँती से लटकता हुआ धंधना; ऊँचाई पर लटकाना. Suspending or hanging anything on something above: o. g. on a branch of a tree. सम० ११; पण० १, १; नाया २;

उल्लंग्रिय. सं० क० अ० (उल्लम्बित) उद्देध लटकातीने. ऊँचाई पर लटका कर Having suspended or hung on something above. भग० १३, ६;

उल्लंग्रिय. त्रि० (उल्लम्बित) आर्द्रतां लटका-वेध. भाट पर लटकाया हुआ. Hung or kept suspended on a tree दसा० ६, ४;

उल्लग. त्रि० (आर्द्रिक) आर्द्र; क्षीजुं. गीला; भीग हुआ. Wet; damp. अंन० ३, ६;

— हृत्थ. पुं० (-हस्त) भीजुं हाथ. गीला हाथ. a wet hand. भग० १५, १;

उल्लण. न० (*) ओसाभजु. पसामण. Water in which pulso, rice etc. are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. पि० नि० ६२४; (२) भीजुं शरीर जुंजुं ते गीले शरीर का पोंछना. to wipe off a wet body with a towel etc. उवा० १०, २७७;

उल्लणिया. स्त्री० (*) उल्लणियाजु पत्र; लीना शरीरने जुंजुंयाजु पत्र. गीले शरीर का पोंछने का वस्त्र: अंगोछा. A piece of cloth to wipe off a wet body. उवा० १, २२; —विधि. पुं० (-विधि) पाणीशी लीना शरीरने जुंजुंयाना पत्रनी विधि. गीले शरीर का पोंछने के वस्त्र का विधि. a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body. “नयांतरं चयं माणं उल्लणियाविधि परिमाणं करेइ” उवा० १, २२;

उल्लय. त्रि० (आर्द्रक) भीजुं: भीजुं. गांला: आर्द्र Wet; damp सु० च० २, ४९३; भग० १५, १;

उल्लविय. न० (उल्लपित) कामदेय अभ्यधी बातचीत करी ते; कामधूय. कामकथा: काम संबंध बात चंत. Amorous talk; love talk. “अंग पंचग-संद्राणं चारुल्लविय पंहियं” उत० १६, ४०;

उल्लसिय. त्रि० (उल्लसित) उल्लास-आनन्द प्रामेय. उल्लासित; प्रकुलित: अनन्द

प्राप्त. Delighted; joyful सु० च० १, ३६८; प्रव० १४१३; कण्ठ० ३, ४०;

उल्लाहय. त्रि० (*) भाटी लावु:दिशी दीपेय. गोबर मिश्र आदि से लिपा हुआ. (Wall etc.) smeared or be-daubed with cowdung, earth etc. राय० ५६;

उल्लाहय. पु० (उल्लाह) प्रहार; धात. प्रहार; लात. A kick; a violent stroke. तंदु०

उल्लालिय. त्रि० (उल्लालित) लाडल करेय; उल्लासेय. उल्लाला हुआ: ताड़ित. Struck; beaten; tossed or flung up. जं० प० ५, ११५; राय०

उल्लाव. पुं० (उल्लाव) बातचीत; कडु वयन ओझुं ते. बात चीत. Indirect talk; conversation. पि० नि० ४२५; ४६२; अणुजो० १४६; टा० ७, १; नाया० १; सु० च० २, ५७७; ओष० नि० भा० ५६; विशेष० १४११; (२) प्रत्युतर; जवाब. a reply; a response. “सम्भगमां सुणइ द्रैइ उल्लावं” प्रव० १४३;

उल्लास. पुं० (उल्लास) प्रगट करेयुं ते. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रव० १३३७; —संजणण. त्रि० (-संजनन) प्रगट करनेवा. प्रकट करने वाला. (one) who manifests or brings to light. प्रव० १३३५;

उल्लिपमाण. त्रि० (उल्लिपन्) उपर लेप करेते. ऊपर लेप करना हुआ. Smearing or be-daubing the surface of anything. आया० २, १, ७, ३८;

उल्लिखण. न० (उल्लेखन) उद्देश्य करवो ते; वचनं ते. उल्लेख करना; लिखना. Writ-
ing. सू० च० २, २३७;

उल्लिखित. त्रि० (उल्लिखित) धनापेक्ष; उद्भूत
पक्ष. अंकित; घिसा हुआ; रगटाया हुआ.
Scoured; worn out; bearing
marks of being worn out. नाया०
२; श्रौत० उक्त० १६, ६५;

उल्लीण. त्रि० (उल्लीन) गुप्त रक्षित; अज्ञातभां
रक्षित. गुप्त रहा हुआ; अग्रगट रहा हुआ;
एकान्त में रहा हुआ. Hidden, soli-
tary. आया० २, २, ३, ६७;

उल्लुञ्जित. त्रि० (उल्लुञ्जित) उल्लुञ्जित;
उल्लुञ्जित. उल्लुञ्जित हुआ; उल्लुञ्जित हुआ. Root-
ed out; plucked out. सू० च० २,
६७६;

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) ओ नामनी ओड
नदी. एक नदी का नाम. Name of a
river. विशे० २४२६;

उल्लुगानीर. न० (उल्लुगानीर) उल्लुगा
नामनी नदीना इति अवेत्तु ओड नगर के
ओमां अंगार्या नामना निन्दय था.
उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक
नगर जिनमें कि गंगावार्य नामक निन्दय
हृष्ट थे. Name of a town on a
bank of the river Ullugā. It
was the native place of the
Nimbha Gangāchārya. डा० ७, १;

उल्लुगानीर. न० (उल्लुगानीर) ओओ
उपदेश शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide
above. "तेषां कालेषां तेषां समवर्षे उल्लु-
गानीरेणाम् यथेरे हांथा" भग० १६, ३;
उल्लेखण. सं० क० अ० (आर्द्रकृत्य) लीजुं कर
ने. गिला-आर्द्र करके. Having made
wet. विशे० १४५५;

उल्लोह्य अ. न० (उल्लोचित) अग्नी भागी
यजेथी लीन यजेतुं ज्ञेयन करतुं ते. मित्र
वर्गरह से दोवाल वर्गरह का पोतना. Bes-
mearing or bedaubing a wall
etc. with earth cowdung etc.
"लाह उल्लोह्य महियं" नाया० १; वं०
प० पञ्च० २; भग० १२, ८; सम० श्रौत०
(२) यन्त्रेय अर्धित; उद्देश्यथी शय्या-
रक्ष. जहां चन्द्रवा बांधा है वह स्थान.
having a cloth-coiling fastened
above. श्रौत० २६. जीवा० ३, ४;

उल्लोच. पुं० (उल्लोच) उल्लोच; उद्देश्य. दृष्ट.
A cloth-coiling. सू० प० २०;

उल्लोय. पुं० (उल्लोच) उल्लोच; उद्देश्य.
दृष्ट; चन्द्रवा. A cloth-coiling. राय०
६; १०७; जीवा० ३; भग० ११, ११; १४, ६;
कथ० ३, ३२; जीवा० १; राय० जं०
प० ४, ८८; भग० ११, ११; (२) त्रि०
ओस योज्य; दर्शनीर देखने लायक. (a
sight) worth being seen.
नाया० १; ८; भग० ११, ११; १४, ६;

—**तल.** पुं० (-तल) धरती उपरनी
भाग घर का ऊपरी भाग the upper
part of a house नाया० १; —**भूमि**
स्त्री० (-भूमि) प्रासाद-भेदना उपरनी
भूमि. महल के ऊपर की भूमि. The
upper part or upper floor of
a palace. भग० २, ८; —**वर्णण.** पुं०
(-वर्णक) भेदना उपरनी भागना
वर्णित. महल के ऊपरी भाग का वर्णन.
a description of the upper
part of a palace. भग० २, ८;

उल्लोयमेच. न० (उल्लोयमात्र) ओनापेक्ष;
निमेषमात्र निमेष मात्र. At a mere
glance; a mere glance. भग०
१४, १;

उव. अ० (उव) समीप-पासेना अर्थभां.
नजदीक के अर्थ में. Near; in the
vicinity. "उवदंसिवा भगवत्वा ववव-
ववा" पञ० १: २; (३) समस्तप्राप्युं;
समग्रप्राप्युं. समस्तपन; संपूर्णता. an indec.
used to show "entirety." राय०

✓ उव-अति-ने. धा० II. (उव+अति+
नी) अक्षय्य करवुं; स्वीकारवे. ग्रहण करना;
मंजूर करना. To accept; to take.
(२) प्रवेश करवे. प्रवेश करना. to
enter. (३) व्यतीत थयुं. व्यतीत होना.
to elapse; to be spent

उवाइखित्तु हे० कृ० आ० ३, ४: विवा०
६; दसा० ७: १;

उवाइखित्ता. आया० २, २. २. ७८;

उवाइखावेइ निगी० २, ५०; १२, ३६;

उवायणावेति. निगी० १०, ४६; वेग० ३,
३०;

उवाय-इ-खावित्तु. हे० कृ० वेग० ३,
३०; ४, ११; १२: दसा० ७, १:

नाया० १२; कप्य० ६, ५७; ६५;

उवायखावित्ता. सं० कृ० भग० ७, १;

उवाइखावत. व० कृ० वेग० ३, ३०:

✓ उव-अय. धा० I. (उव+अय) पाययुं;
मान्यना करवी. प्रार्थना करना; मांगना To
beg; to pray for; to solicit.
उवाइत्तु. हे० कृ० नाया० २;

✓ उव-आगच्छ. धा० I. (उव+आ+
गम्) पासो आययुं; सन्मुख जयुं. समीप
आना; सन्मुख जाना. To go near:
to approach.

उवागच्छइ. ओव० ११; राय० ३६, ६७;
भग० १, १; ६; २, १; नाया० १;

१२; १६; उवा० १, ५८; ७८; ८६;

उवागच्छति. भग० २, ५; ५, ४; ७, ६;
जं० प० २, ३३; ४, ११२; ५, ११३;

उवागच्छामि भग० ३, २: १५, १; नाया० ८;
उवागच्छामो. नाया० १६;

उवागच्छेजा. दसा० ७, १;

उवागच्छित्ता. सं० कृ० भग० १, १: ८,
७; ओव० २७; जं० प० ५, ११४;
५, ११७; नाया० १; २; ५; ८; ६;
१२; १४; १६; भग० २, १; ५;
३, १; ७, ६; ६, ४;

✓ उव-आ-लभ. धा० I. (उव+आ+लभ्)
अपेक्षा देवे. उपका देना; उपालंभ देना:
उलाहना देना. To rebuke; to re-
proach.

उवालंभति. नाया० १६;

उवालंभित्ता. सं० कृ० राय० १६७;

✓ उव-आस्त. धा० I, II. (उव+आस्त)
उपासना करवी; सेवा करवी. उपागना
करना; सेवा करना. To worship; to
serve; to wait upon.

उवासजा. सूय० १, ६, ३३;

✓ उव-इ. धा० I. (उव+इ) प्राप्त करवुं;
भेदययुं. प्राप्त करना. To get; to ob-
tain; to acquire.

उवेइ. उत्त० ३२, ११; ओव० ४०; अणुजो०
१४६; भग० ६, ३३; १३, ६;

नाया० १६; सूय० २. ६, १६;

दसा० १०, १, २१; विशेष० १५६;

उवेति नाया० २; भग० १३, ६; १४, ८;
विशे० १५६;

उविति. ओव० ३४; सूय० १, २, २, १६;

उवति. दसा० ६, ६६; विशेष० १२७६;

उवेइ. नाया० १६;

उवेइ. उत्त० १२, २८;

उवेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३३;

उवित. व० कृ० सूय० १, ५, १, ६;

✓ उव-इकल. धा० I, II. (उव+इकल)
उपेक्षा करवी; अपेक्षारी राखवी. उपेक्षा

उपदेश; ज्ञान; बोध. Advice; teaching. “ तद्विद्याणं तु भावाणं संभावे उवपसयं ” उत० २८, १२; (२) उपदेश आपवे। ते; श्रीगने को। कार्यमां प्रवर्तायुं ते. उपदेश देना; दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. “ विद्या उवपसये ” डा० ७, अणुजो० १२६;

व्यपसय. पुं० (उपदेशक) उपदेश करनेवाला. An adviser; a preacher. पंचा० १, १२;

उवओग. पुं० (उपयोग=उपयोजनमुपयोगः, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवाऽनेनेत्युपयोगः) यस्तु परिच्छेदः करनेवाला अथवा ज्ञान दर्शनमय व्यापार; चैतन्य शक्ति. वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शनमय व्यापार; चैतन्य शक्ति. The power of consciousness used by the soul in dealing with an object. भग० १, ५; २, १; ६, ३; ७, ५; १३, ४; १६, ६; २४, १; पञ्च० २८; जीवा० १; विशेष० ५४७; ८८०; पि० नि० ११५; प्रव० ५१; क० गं० ४, २; पंचा० ४, १६; (२) साधनपथः; साधने। साधनानां. attentiveness; cautiousness; carefulness. ओव० २१; (३) पञ्चव्या सूत्रना १६ भां पदनुं नाम. पञ्चव्या सूत्र के १६ वें पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० १; (४) पञ्चव्या सूत्रना त्रीन पदना १३ भां द्वारनुं नाम. पञ्चव्या सूत्र के तीसरे पद के १३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dwāra of the 3rd Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० ३; (५) क्षयदुः क्षय. कायदा; लाभ. gain; advantage. सु०

च० ४, १६३; —आत. पुं० (-आत्मन्) उपयोगरूप आत्मा. उपयोगरूप आत्मा. soul in its aspect of consciousness. भग० १२, १०; —गुण. पुं० (-गुण—उपयोगः साकारानाकार चैतन्यं गुणो धर्मो यस्य स तथा) चैतन्यधर्मवाला अथवा चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness. “ जीवे सासए गुणओ उवओग गुणे ” डा० ५; —जुय. त्रि० (-युत) उपयोगवाला. उपयोग वाला. possessed of attentiveness or carefulness. “ तं पुणं संविगंणं उवओग जुयं तिव्व सदाए ” पंचा० १६; —दुया. स्त्री० (-अर्चता) उपयोगी अपेक्षा. उपयोग की अपेक्षा. desire or wish for attentiveness or carefulness. नाया० ५; —सिञ्चस्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) उपयोगी उत्पत्ति. उपयोगकी उत्पत्ति. birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग० १६, ८; —पद्. न० (-पद) पञ्चव्या-प्रज्ञापना-सूत्रना २६ भां पदनुं नाम. प्रज्ञापना सूत्र के २६वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannavapā Sūtra. भग० ११, ७; —परिणाम. पुं० (-परिणाम-उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) अथपरिणामने ओक प्रकार. जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. पञ्च० १२; डा० १०; —लक्षणा. न० (-लक्षण) अथारि। क्षयनुं उपयोग लक्षण. जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग). the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul. भग० १३, ४;

उपंग. न० (उपपङ्ग) शरीरना अयययना
अययय; भुज्य अयययना अययय; उपंग.
शरीर के अवयव का अवयव (उपंग).
A sub-limb of a body जं० प०
अणुजं० १२७; पञ्ज० २३; क० गं० १,
३४; २, ६; ५, ६२; क० प० ४, ६१; १,
५६; (२) अंग मृत्नी पात्रेना उपंग भुजः
दिव्यादि आदि पात्र उपंग. अंगमृत् के उव-
वाट आदि बाह्य उपंग. any of the 12
Upaṅga Sūtras viz. Uvavai
etc. जं० प० १; गय० गिर० १, १; ३;
कप० १, ६; --तिग. न० (त्रिक)
इन्द्रिक् शरीरना अंगोपांग, वेदिय शरीरना
अंगोपांग अने आदादक शरीरना अंगो-
पांग अे मृत्नी समुद. आदादक, नैक्रियक
आर आदादक इन तीनों शरीरों के अंगोपांग.
the limbs and sub-limbs of the
three kinds of bodies, viz
Udarika Vaikreya and Aha-
raka. क० गं० २, २३;

उपंजण. न० पुं० (उपपञ्जन) गाड़ीना चैरुने
ओंगल देवु ओङ्गो पदार्थ लगाने ते गाड़ी
के चक्र में तेल देना. Lubricating a
wheel of a carriage etc. " अक्खो-
वज्जं वण्णानु नेवणं " सूय० २, १, ५६;
पञ्च० २, १;

✓ **उप कप्प.** धा० I. (उप+कप्) निप-
अययु; त/पात्र करवु. उपज करना; तैयार
करना. To produce; to prepare.
उवकप्पति. सूय० १, ११, १६;

✓ **उव-कस.** धा० I. (उप+कप्) पावयु;
भेदययु; प्राप्त करना; पाना 'To get; to
obtain.

उवकसति. सूय० १, ६, १, २०;

उवकसंत. व० कृ० दगा० ६, ११;

✓ **उप-कर.** धा० II. (उप+कृ) उपपार

करवे. उपकार करना. To do a good
turn; to do an act of benevol-
ence.

उवकरेड. उवा० १, ६८;

✓ **उप कर.** धा० II. (उप+कृ) रंयय.
रंयय करवा. निष्काना: रंगोट करना To
cook; to cook food.

उवक्खडेह. नाया० २; १३, १६;

उवक्खडिंति. नाया० ८;

उवक्खडिज्ज वि० आया० २, १, ६, ५०;

उवक्खडेह. आ० नाया० ३;

उवक्खडेड. उवा० १, ६८;

उवक्खडिय. गं० कृ० नाया० १६;

उवक्खडित्ता. नाया० १६;

उवक्खडेत्ता. मय० २, ६, ३७;

उवक्खडेह. प्रे० नाया० २; १६; भग०
१६, ५;

उवक्खडेह वि. प्रे० नाया० १; २; ८; १६
भग० ३, १; विला० ३;

उवक्खडेविंति. प्रे० नाया० १६;

उवक्खडेविंति. प्रे० भग० ११, ६; ६१, १

उवक्खडेविंति. आ० प्रे० नाया० १;

उवक्खडेविह. आ० प्रे० भग० १२, १; १६,
२;

उवक्खडेविय. गं० कृ० भग० १६, १;

उवक्खडेवेत्ता. रो० कृ० नाया० १, १६.
भग० ३, १; १६, ५;

उवक्खडेवेत्ता. गं० कृ० नाया० २, ३; ७,
भग० ३, १;

उपकरण. न० (उपकरण) उपपार; पद-
आदि पदियद. उपकरण; नक्ष नैयग्र परि-
ग्रह. An article of possession,
such as a cloth, a vessel etc.
पगह० १, ५; भग० १५, १; --ओमो-
ययिया. खो० (अवमोदयिका) उप-
पारणी डिपिट्टी. उपकरण की उपोदरा.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed.

ठा० ३, ३;

उपकासिय. न० (*) शरीरना अयय; भात्र. शरीर के अवयव. Any of the limbs of the body. पगह० २, ४;

✓ उप-क्री. धा० III. (उप+कृ) गीष्ठी नाप्युं. बिखेरना. To scatter; to disperse.

उपकीरेह. निर्या० ७, २७;

उपकुल. पुं० (उपकुल) कुलनक्षत्रनी पार्श्वना नक्षत्रो, जेभेदे अधिनी कुल तो भरणी उपकुल; कृतिका कुल तो रोहिणी उपकुल. कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अधिनी नक्षत्र कुल नक्षत्र है और इस के समीप भरणी नक्षत्र उपकुल है, कृतिका कुल नक्षत्र का रोहिणी उपकुल है. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bharanī in the vicinity of Āśvinī; Rohinī in the vicinity of Kṛittikā. जं० प० ७, १६१;

✓ उप-कर्म धा० I. II. (उप+कर्म) केश-पयुं; भेजुं; वापताने येऽय इरुं. जमीन हलना. To cultivate; to till.

उपकर्मिजह. क० वा० विशेष० २०३६;

उपकर्मिजंति. क० वा० अणुजो० ६७;

उपकर्म. पुं० (उपकर्म) दूर रक्षेय वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नज्जि क्षायीने निक्षेप योग्य करी; अनुयोग शब्दविवेचननु प्रथम क्षर. दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप जाकर निक्षेप करना; अनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम द्वार. An intro-

duction; introductory remarks. अणुजो० ५६: १११; (२) जेथी छुंदगी-नो अंत आवे-आयुष्य तुटी नय ते. जिससे जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य टूट जाय-वह. that which puts an end to life. सू० १, ८, १५; आउ० ८; प्रव० १०१७; (३) अनुदित कर्मने उदयभां क्षायया ते. अनुदित कर्म को उदय में लाना. causing unmaturing Karma to mature. ठा० ४, २; (४) पन्धने आरम्भ-शब्दात्. बंध का प्रारंभ. commencement of bondage; commencement. ठा० ३, ३; ४, २; (५) उपय; छज्जण. उपाय. means to accomplish an object; an expedient; a remedy. “ निविहे उपकर्मपणत्ते तज्जहा धम्मिण् उपकमे अहम्मिण् उपकमे ” ठा० ३; सू० १, २, ३, १४; आया० १, ८, ७, ६; भग० १, ४; —काल. पुं० (-काल) दूर रक्षेय वस्तुने प्रतिपादनशैलीथी नज्जि क्षाययानो वपत्त. दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय. time for making introductory remarks on preliminary observations. “ स-किलोपकमकाको किरियापणियाम भूरुओ ” विशेष० ६१७;

उपकर्मण. न० (उपकर्मण) उपकर्म करी; विशेषता करी. उपकर्म करना; विशेषता करनी. Commencement; particularisation; making preliminary observations. अणुजो० ६८;

उपकमिया. स्त्री० (औपकर्मिकी) शैवादि

* लुओ पृष्ठ नं० १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नं० १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कारण थी थी पीडा. रोगादिक से जो पाडा हो वह. Involuntary pain caused by disease etc. "अहं उपकामियं वेय-यं सोसम्मं सहामि" डा० ४; २, ४; पञ० ३५; भग० १, ४;

उपकर. पुं० (उपस्कर) संस्कार शुश्रूषा. संस्कार शुश्रूषा. Attendance of a ceremony. परह० १, १;

उपकखड. त्रि० (उपस्कृत) रोंधवाने आरम्भ करेखुं. पकाने के लिये प्रारम्भ किया हुआ. (Food) begun to be cooked. पि० नि० १७०; जीवा० ३, ३; आ० घ० नि० भा० ५४; नाया० २; उत० १२, ११;

उपकखड. पुं० (उपस्कर) रोंधवानी सामग्री. पकाने का सामान. The articles for cooking. ओव० —संपरण. त्रि० (संपन्न) रोंधवानी सम्पूर्ण सामग्री थी नीप-लेख भात वगेरे. आहार का एक भेद; मिष्ठाने से उत्पन्न भात वगेरह. a kind of food; food prepared by cooking. ओव०

उपकखडिय. त्रि० (उपस्कृत) संस्कार पमादेश. संस्कार किया हुआ. Seasoned. भग० १५, १; नाया० १६;

उपकखर. पुं० (उपस्कर) घरना उपकखरु; घरनाभरी, घर के उपकरण; घर सम्बन्धी सामान. Household furniture. (२) दीग आदि. हीगादि. asafotida etc. डा० ६; —संपरण. त्रि० (संपन्न) दीग आदि थी वखरेख. हीग आदि से बघारा हुआ. seasoned, spiced with asafotida etc. डा० ४, २;

उपकखर. धा० I, II. (उप+खर) नामनि-देष करवे। नामनिर्देश करना. To make mention of a name.

उपकखरजंति. क० वा० भग १६, ३; २०, १; सूय० २, ४, १०;

उपकखरजंति. क्वा० (उपाख्यायिका) उप-कथा; प्रासंगिक कथा. उपकथा; प्रसंग सम्बन्धी कथा. An episode; a story sub-ordinate to the main story; an episodic story. नंदी० ५०; सम० ६;

उपकखरजंति. त्रि० (उपाख्यातृ) ज्यापि-प्रसिद्धि भेदयन्तार. प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला. (One) who has won renown. सूय० २, २, २६;

✓उप-गम. धा० I. (उप+गम्) पास आवतुं; नज्ज आवतुं. पास आना; नज्जदीक आना. To come near.

उपगम. सं० कृ० विरो० ३१६६;

उपगत. व० कृ० सम० ३०;

उपगय-अ. त्रि० (उपगत) पामेख; प्राप्त भेयेख. पया हुआ; प्राप्त. Acquired; got; (one) who has got. राय० ३३; ३५; कप० ४, ६२; ओव० ३१; विवा० २; सूय० २, १, ५६; अणुजं० १३; नाया० १; न० ६; १७; भग० ३, २; १६, ३; उवा० १, ६६; २, ६६; (२) युक्त; युक्त. possessed of; united with. राय० कप० १, २; —सलाहस्त. न० (--सलाहस्त) २४ मे सत्य वचनना अनि-शय. सत्य वचन का २४ वां अतिशय. the 24th supernatural mani-fostration of truthfulness of speech. सम० राय०

उवगरण न० (उपकरण) वख पात्र वगेरे निर्वाहना साधन. निर्वाह की सामग्री; वख पात्र आदि. Articles of use, such as clothes, utensils etc; आ० ४, ६; प्रव० १५, १६८; ५०४; राय० २६७; ओव० १६; उत० १२, ४; जं० प० २, ३१; आया० १, २, १, ६२; २, ३, ३, १४;

दसा० ४, ६१; विरो० १६४२; अणुजो० १३४; पि० नि० २४६; भग० १, ८; ३, १; ५, ४; दस० ४; —इन्द्रिय न० (—इन्द्रिय) शब्दादिने ज्ञान्यामां हेतुरूप शक्ति विशेष. शब्दादि को जानने में हेतु रूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc. विरो० १६४; —उत्पादयथा- स्त्री० (—उत्पादयता) उपकरण ऐक्य करवा ते —आणी आपवा ते. उपकरणों को इकट्ठे करना. collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc. “संकिंते उद्योगरत्न उत्पादयथा चउचिहा वचयता” दसा० ४, ८६; —जात्य. न० (—जात) उपकरणनी जनत; उपकरणनी प्रकार. उपकरण के भेद; उपकरण का जाति varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc. वय० २, २०; ४, २४; दस० ४; वय० ७, १७; ८, ११; निसा० ४, ३०; १५, ३५; —द्वयामोयारिया. स्त्री० (—द्वयामोयारिका) साधुने राख्याग्नेहमे तेना करतां पणु ओछा उपकरण राख्यां ते; द्रव्य विच्छेदरीना ऐक्य प्रकार. साधू के रखने योग्य उपकरणों से भी कम उपकरण रखना; द्रव्य उन्निवार का एक भेद. limitation of implements of use such as clothes etc., beyond that prescribed for even a monk. भग० २५, ७; —परिहाण. न० (—परिधान) शैक्षिक उपकरण—गृहादि, अने लोकान्तर उपकरण—वस्त्रादि, तेनुं परिधान—उपभोग—प्रवर्तन. लौकिक उपकरण—गृहादि—और लोकान्तर उपकरण—वस्त्रादि का उपभोग. use of such worldly possessions as a house etc.; also that

of such implements as clothes utensils etc., by monks. डा० ४, १; —संजम. पुं० (—संयम) महाभुक्ष्यादां वस्त्रेना त्याग करी साधा धोखा वस्त्र पहरेयां ते; संयमना ऐक्य प्रकार. मूल्यवान् वस्त्रों का त्याग कर सादे सफेद वस्त्रोंको पहिना; संयम का एक भेद. a variety of ascetic conduct; giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments. डा० ४; —संवर. पुं० (—संवर) संवरना ऐक्य प्रकार; साधुये प्रमाण उपरान्त तथा अक्षयनीय उपकरण न लेवा ते. संवर का एक भेद; साधुका प्रमाण से अधिक तथा अक्षयनीय उपकरण न लेना. a mode of the stoppage of Karma; non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit. डा० १०;

उद्योगसिंता. सं० कृ० अ० (उपकल्प) सभीपे आवीने. समाप आकर. having approached: “मय बंध मांछहि गेगहि कलुष विखीयमुद्योगसिंता” सूय० १, ४, १, ७.

उद्योगाहजमाण त्रि० (उपगीयमान) गायतुं गाय जाता हुआ. Being sung. ‘उद्योग विज्ज-माणे उद्योगाहजमाणे उद्योगाविज्ज-माणे’ राय० २८६;

उद्योगर. पुं० (उपकार) उपकार. A good turn; a benevolent deed; benevolence; kindness. नंदी० —(रा) अभाव. पुं० (—अभाव) उपकारना अभाव; अपकारी पणु. उपकार का अभाव; अपकार. absence of benevolence or kindness; un-

kindness. " उद्योगाराभावस्मिन्नि पृथ्वां
पूजगस्स उद्योगारो " पंचा० ४, ४४;

उद्योगारण. न० (उपकारण) उपकार करनेवाला। Showing kindness or causing others to show it to those in distress. " उद्योगारणपारणासु विद्यन्ते पर्वजियवो " पय० १. ३;

उद्योगारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करनेवाला। Benevolent; kind; helpful. पंचा० ४, ४१;

उद्योगारिण्यलेण. न० (उपकारिकालयन) प्रासादभां दृष्टव्यं यत्नेन उपकारकथाय तेनोप्यनुरोधेन प्रासादपीठं प्रासाद में जानेके समय चढ़ने का छोटा; प्रासादपीठ. A small platform to ascend the palace. भग० ३, ७; १३, ६;

उद्योगाहित्तण. गं० कृ० अ० (अवगाहितुं) अवगाहन करने के लिये। In order to enter or pervade. नाया० ८;

उद्योगिज्जमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातुं गाता हुआ। Singing; being sung. नाया० १; १३; भग० ६, ३३; राय० २७५; जं० प० ३, ५२; ३, ६७;

✓ उद्योगिगह. धा० I. II. (उप + ग्रह्) ग्रहण करने के लिये। ग्रहण करना। To take; to accept.

उद्योगिगहह. भग० ५, ४;

उद्योगिगहमाण. भग० ५, ६;

उद्योगीयमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातो गाता हुआ। Singing. विवा० ६

उद्योगूह. त्रि० (उपगूह) संस्पृष्ट; अःकेत। छुआ हुआ। स्पर्श किया हुआ Touched by; in contact with. सूय० १, ४, १, २७; नाया० १८; (२) युक्त। युक्त;

साहित. joined with; possessed of. " गुंजावत् कुहरीवगूहं " राय० (३) छुपाई रहे; अःकेत। छुप कर रहा हुआ। remaining hidden or concealed; hiding; lurking. राय० ८६;

उद्योगूहण. न० (उपगूहन) आश्लिष्य आलिंगन; भेंट; मिलाप Embrace; pressing to the bosom with affection. " आरुहणायद्येहिं बालय-उद्योगूहयोहि " तंदु०

उद्योगूहिअ. त्रि० (उपगूहित) आश्लिष्य अलिंगन किया हुआ। Embraced. तंदु० राय० नाया० ६;

उद्योगूहिज्जमाण. त्रि० (उपगूहमान) आश्लिष्य अलिंगन कराता हुआ। Embracing. " उद्योगलज्जमाणो उद्योगूहिज्जमाणं " नाया० १; राय० २८६;

उद्योगा. अ० (उपाग्र) समीपभां; नजदीक; समीप. Near; in the vicinity. विश० ३०१५;

उद्योगह. पुं० (उपग्रह) उपाधि; ऐश्वर्य। अवधि। ते. उपाधि; कर्मबंध का कारण. Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths. श्रव० पञ्च० ३६; (२) अवधुम्भः टेका. टेका; आधार. A support. गच्छा० १५; श्रव० पि० नि० ६६; भग० २, ६; (३) आज्ञा. आज्ञा; हुक्म. order; command. नाया० १३; १४; नाया० ध० —कर्म. न० (-कर्मन्) अवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम, अने गोत्र ओ आरमानुं गये ते ओक भवोपग्राही कर्म; वेदनीय, आयुष्य, नाम और गोत्र इन चार कर्मों में से कोई भी एक कर्म. Karma which is helpful in prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Āyusya, Nāma, Gotra and Vedaniya. पञ्च० ३६; —कुशल. त्रि० (—कुशल) अनुग्रह करनेवाला कुशल. (one) proficient in showing favour, kindness etc. वच० ३, ३; —द्वया. स्त्री० (—अग्रह) अवग्रहीनी अपेक्षा. अवग्रह की अपेक्षा. a desire or wish for Avagraha i. e. favour, help etc. ठा० ५, ३;

उवग्गाहिय. त्रि० (औपग्रहीक) पाडीयाई; साधुओं के पास रहने वाला साधु धर्मों में सौंपी देवायोज्य वस्तु-उपनिधि. ऐसा वस्तु जो कि साधु थोड़े समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता है; वापिस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary use. भग० ६, ३१; ओष० नि० ७२६;

उवग्गाहिय. त्रि० (उपगृहीत) उपस्थापन करने. उपस्थापित freshly admitted after expulsion from the order. पञ्च० २३;

उवग्गाहय. पुं० (उपोद्घात) प्रस्ताव; उपोद्घात. उपोद्घात; प्रस्ताव. An introduction; a preface. अणुजो० १५५; विशेष० ६७२;

उवघादञ्ज-य. पुं० (उपघात) विनाश; भक्षण; संक्षार. विनाश; मरण; संहार. Death; destruction; annihilation. क० गं० १, २५-४८; ५, ७-७०; क० प० १, २८; प्रव० १२७७; १३८८; पिं० नि० भा० २४; ओष० पञ्च० ११; २३; पद्य० १, १; (२) आघात-भोत्रादि छद्मियों के द्वारा योरेना शब्दों की धक्का लागे तो. भोत्रादि शस्त्रियों को बाण आदि के शब्दों के श्रवण

वगैरह से जो धक्का लगे वह. an impact given by sound etc. to the sense-organs e. g. ears etc. विशेष० २०४; (३) पिप३ शब्दा योरेनुं अक्षयनिष्पत्तुः योथी साधुने आहार, शब्दा योरे कक्षे नहि तेवो दाय. पिप३ शब्दा आदिकी अक्षयनीकता. food, bed etc. used by an ascetic against the rules of scriptures. ठा० ३, ४; —कर्म न० (—कर्मन्) भीमनी धातु याय तेनी किया. दूसरे का घात जिस से हो ऐसी क्रिया. an act which involves destruction of other living beings “ आसूखि मक्खिरागं च गिद्धुमुवघायं कम्मगं ” सूय० १, ६, १५; —कर्मग. न० (—कर्मक) लुओ उपोक्षे शब्द. देखो उपरका शब्द. vide above सूय० १, ६, १५; —नाम न० (—नामन्) नामकर्मनी ओष प्रकृति. नाम कर्मकी एक प्रकृति. a variety of Nāmakarma. सम० २८; —विदिसय न० (—निमित्त) दशमं भूषा-जुं दशवीं कूट; असत्य का दशवीं भेद. the 10th variety of falsehood or lie. प्रव० ८६६; ठा० १०; —उज्ज. त्रि० (—उज्ज) उपघात नामकर्मनी प्रकृति शिवा यनु उपघात नामकर्म की प्रकृति के अतिरिक्त. with the exception of the variety of Nāma Karma known as Upaghāta. क० प० ४, ३;

उवघाद. त्रि० (उपघातिन्) घात करनेवाला; मारने वाला. A destroyer; a slaughterer. उत्त० १, ८०;

उवघादञ्ज. त्रि० (उपघातिक) उपघात-नाश करनेवाले दूसरेको घात करने वाला.

(One) that kills or destroys another. दस० ८. २१;

उपघाह्या. स्त्री० (उपघातिका) प्रायश्चित्त-
ना ऐक प्रकार; आरे प्रायश्चित्तमांथी थोड़ा
पश्चन आद करी क्षुद्र प्रायश्चित्त आप्य ते.
प्रायश्चित्त का एक प्रकार; भारी प्रायश्चित्त में
से थोड़ा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त
देना. A mode of expiation;
making an expiation lighter
by curtailing the time requir-
ed for its due performance
and then prescribing it to a
sinner. (२) २८ आचारप्रकरणं
ऐक. २८ आचारप्रकरण में से एक. one
of the २८ Āchāra Prakalpa.
' उपघाह्या आरोव्या अणुघाह्या आरो-
व्या " सम० २८;

✓ उपचिय. धा० I. (उप+च्यु) च्युतुं;
नाश थयो. च्युत होना; नाश पाना To
destroy; to ruin.

उपचयंति भग० २, ५;

उपचय. पुं० (उपचय) पुष्टि; वधारे; वृद्धि.
वृद्धि; बढ़ती; पुष्टि. Increase; growth.
भग० २०, ४; पिं० नि० २; १०१; मु० च०
१, ३१५; राय० २६०; (२) छिद्रिय योऽप्य
पुद्गलना संप्रद इति छिद्रिय पर्याप्ति आधरी
ते. इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संप्रह करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को बांधना. develop-
ment or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पञ्च० १५;
पण्ड० १, ४;

✓ उप-चर. धा० I. (उप+चर्) पासे आयी
उपसर्ग अःपयो-कष्ट आप्युं. सपीप आकर
उपसर्ग करना-कष्ट देना. To trouble
or annoy by approaching.

उपचरन्ति. आया० १, ६, २, ७;

उपचरन्-य. पुं० (उपचरक) सेवाने भिगे
भीमने उनारी पाड्यानी तक्ष नोनार. सेवा
के वहाने दूसरे के पतन का मौका ताकन
वाला. One who watches for an
opportunity to bring another
into disgrace while pretending
to serve him. सूय० २, २, २८;

उपचरिञ्च. त्रि० (उपचरित) उपचार करे.
उपचार किया हुआ. Worshipped.
पंचा० ६, १०;

उपचार. पुं० (उपचार) पूज सामग्री.
पूजा सामग्री. Materials of wor-
ship. पण्ड० १, ३;

उपचिद्र-य. त्रि० (उपचित) पुष्ट थयेतुं;
वृद्धि पायेतुं; छपना प्रदेशथी व्याप्त थयेतुं.
पुष्ट; वृद्धि प्राप्त; जीव के प्रदेश से व्याप्त.
Grown; developed; increased.
" उपचिपतयपत्तरवालं कुर पुष्प कल
समुद्गण " जं० प० २, ३८; विशेष० ८६४;
दस० ७, २२; नाया० १; ४; पञ्च० २;
आव० १०; भग० १, १; ६; २, १; दमा०
१०, १; उवा० २, ६५; कल्प० २, १४; ३,
३२-३३; (२) सदिन. महित; युक्त.
accompanied with. अणुजो० ५३;
जीवा० ३, १; (३) स्थापित; मोहदेन-
स्थापित; जमाया हुआ. established;
settled; arranged. (४) संभारेतुं;
उभावेतुं. संहाला हुआ; कमाया हुआ.
mended; tanned; cured (leather).
राय० १६२;

✓ उप-चिद्र. धा० I, II. (उप+चि)
सभीप जतुं; पासे स्थिति करनी. समीप में
स्थिति करना. To stand in front
of; to go to.

उपचिद्रं. नाया० १; सू० च० ३, २४१;

उवचिद्वंति भग० ७, २;

उवचिद्वे. वि० उत्त० १, २०;

उवचिद्विजा. वि० उत्त० १, ३;

उवचिद्विजा. वि० दस० ६ ११;

✓ उव-विण. धा० II (उप+वि) उपत्य
करो; वृद्धि करो. उपव्य करना; वृद्धि
करना. To increase; to grow; to
develop.

उवचिद्विह. भग० १, १; १, ७; ६; उत्त०
२६, २२;

उवचिद्विहति. ठा० ४, १;

उवचिद्विहसंति. ठा० ४; १;

उवचिद्विहसु. भू० ठा० ४, १;

उवचिद्विह. क० वा० भग० १, १०;

उवचिद्विहति. भग० ६, ३; २५, २;

✓ उव-जा. धा० I. (उप+या) पास जायुं;
भदयुं. पास जाना; मिलना. To go to
or near; to meet.

उवयाह. भक्त० ७२;

✓ उव-जीव धा० I (उप+जीव्) जीवयुं;
निषदि करो जीना. निर्वाह करना. To
live; to maintain livelihood.

उवजीवह. भग० २, १; वच० ६, ६; सय०
२, ५, २१;

उवजीवति. भग० ४१, १;

उवजीवि. वि० (उपजीविन्) आजीविता यत्ता-
नार. आजीविका चलाने वाला (One)
who maintains livelihood; (one)
who supports life वि० नि० २६६;

उवजुञ्जिऊण. सं० क० अ० (उपयुञ्ज) उपयोग
करो. उपयोग करके. Having used:
having made use of. भग० ८, १;

उवजुञ्जति. वि० (उपयुञ्ज) उपयोग सहित.
उपयोग सहित. Full of carefulness
or attentiveness. भग० ६८;

उवजोहय. पुं० (उपज्योतिष्क = ज्योतिषः

समीपे तिष्ठन्तीति उपज्योतिषस्तपोपज्यो-
तिष्काः) अग्नि पास रहने वाला; रसे हया. One
who remains near fire; a cook.
(२) अग्निहोत्री. अग्निहोत्री. one who
consecrates and maintains the
sacred fire. उत्त० १२, १८;

✓ उव-पज्ज. धा० I. (उप+पद्) उप
उत्पन्न थयुं. उत्पन्न होना. To be born;
to be produced.

उववज्जति. दसा० ७, ७;

उववज्जित्तप. ह० क० भग० ७, ६; ३४, १

✓ उव-पज्ज. धा० II. (उप+पद्) उप
उत्पन्न थयुं. पैदा होना; उत्पन्न होना.
To be born or produced.

उववज्जह. भग० १, ७; ३, ४; ५; ४, ६;
८, १०; नाया० १६;

उववज्जति. श्रौ० ३८; उत्त० ८, १४; सू०
५० १६; भग० २, ५; ७, ३; १०, ४;

११, १; १२, ६; १३, १; १६, ३; २०,

१०; २३, ५; २४, १; १२; २५, ८;

३२, १; ३५, ४; ४०, १; ४१, १;

उववज्जज्जा. भग० १, ७; १२, ८; १७,
६; २०, ६; २४, १; ३४, १;

उववज्जिहति. भग० २, १; ७, ६; ११,
११; १३, ६; १४, ८; १५, १;

नाया० ध० उवा० १, ६२; ६०;

२, १२५; श्रौ०

उववज्जिहति. नाया० १; १४; भग० ३, १;
७, ६; विवा० १; ज० ५० २, ३६;

उववज्जिहसि. उवा० ८, २५५; २५६;

उववज्जिहसि. भग० ३, १;

उववज्जित्तप. ह० क० भग० ३, ४; ५, ३;
६, ५; ७, ६; ७; १२, ६; १७, ६;

७; १८, ५; ८; २०, ६; २४, १;

२१; ३६, १; पञ्च० १६;

उववज्जिता. सं० कृ० भग० ११, ६; २०, ६;

उववज्जेता. सं० कृ० भग० ६, ५;

उववज्जिऊण. सं० कृ० पञ्च० १६;

उववज्जमाख. भग० १, २; ६; ७; १२, ८;

२४, १; २; २०; २५, ६; ३४, १;

४१, १,

उववायण. प्रे० वि० उत्त० १, ४३; दग०

८, ३३;

उवज्जोह. त्रि० (उपज्जोतिष) ज्योति-

अग्निं समीपवर्ती. ज्योति-अग्निं समीपस्थ.

(One) who remains near the fire; remaining near the fire.

स्य० १, ४, १, २६;

उवज्झाय. पु० (उपाध्याय-उपसमीपमागत्य-

अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचनं वेद्यस्त उपा-

ध्यायाः, ' उपाध्यायः' शास्त्रं अध्ययनं करो-

यन्नाह; उपाध्याय, शास्त्र का अध्ययन कराने

वाला. An Upādhyāya or preceptor;

a teacher of scriptures.

दसा० १, १; वेय० ४, १५; नाया० २;

२०; भग० १, १; ५, ६; ८, ८; २५, ७;

आव० २०; ४१; उत्त० १७, ४; सम० ४०,

आया० २, १, १०, ५६; राय० १; पञ्च०

१६; वव० १, २६; २६; आव० १, २;

भत्त० ४८; कप्प० १, १; —पडिणीय. पु०

(-प्रत्यनीक) उपाध्यायनो शत्रु. उपाध्याय

का शत्रु. an enemy of an Upā-

dhyāya or preceptor. भग० ६,

३३; १५, १; —वेयावच्च. न० (-वैया-

कृत्य) उपाध्यायनी सेवा करोती ते. उपाध्याय

की सेवा. rendering of service to

an Upādhyāya or teacher of

scriptures. भग० २५, ७; डा० ५, १;

वव० १०, २७;

उवज्झायत्त. न० (उपाध्यायत्त) उपाध्याय

पण्यं. उपाध्याय पना. State of being

an Upādhyāya or teacher of

scriptures; preceptorhood. वेय०

४, १६; १७; वव० ७, १६;

उवज्झाय-ता. स्त्री० (उपाध्यायता) उपाध्याय

नी पदवी. उपाध्यायकी पदवी. Degree or

title of an Upādhyāya or pre-

ceptor. डा० ३, ४; वव० ३, ४; ७;

उवदड्ढं. पुं० (उपदड्ढम्) टेका. टेका. A

support प्रव० १३८१;

✓ उव-ट्ठव. धा० I, II. (उप + स्था)

जोड़व; तैयारी करती; महाव्रतं आरोपण

करती तैयारी करना; मेल मिलाना; जमाना;

सजाना; महाव्रतका आरोपण करना. To

make preparations or arrange-

ments; to administer the great

vows.

उवट्ठवेह. नाया० १; ५; ८; १२; १३;

दसा० १०, १;

उवट्ठवेति. नाया० ८; भग० ७, ६;

उवट्ठवेमि. नाया० १२;

उवट्ठवे. दसा० १०, १;

उवट्ठवेह. आ० नाया० १; ५; ८; १२;

१६; भग० ७, ६; ६, ३३; आव०

२६; ३०; राय० २२६; उवा० ७,

२०६; जं० प० ५, १२०;

उवट्ठवेत्ता. भग० ६, ३३; निसी० १४, ४८;

नाया० १; १३;

उवट्ठवणा. स्त्री० (उपस्थापना) महाव्रतं

आरोपणं करोती ते. महाव्रत का आरोपण

करना. Investing with full vows

(i. e. ascetic vows). पंचा० १७, ३१;

✓ उव-ट्ठा. धा० I, II (उप + स्था + णि)

उपस्थित रहने; तैयार रहने. तैयार रहना

उपस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep

(oneself) ready or prepared.

उवट्ठाह. जं० प०

उषट्वादि. अणुजो० २१;

उषट्वादिभ्यो भग० १५, १;

✓ उषट्वाद्य. धा० I, II. (उपस्थापयि)

आरित्रभां स्थापयुं; महाव्रतं अरोपयुं करयुं. महाव्रत का आरोपण करना. To establish (a fresh disciple) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.

उषट्वादेह. नाया० ८; निमी० ११, ३६;

उषट्वादिनी. नाया० ८;

उषट्वाद्यण्. भग० १, ४; वव० १, २६; २७;

उषट्वादेह. आ० भग० ७, ६;

उषट्वादिषण्. हे० कृ० ठा० २, १. सूय० २, ७, १५; वव० २, १६, ६, २०; १०, १८;

उषट्वादिषण्. ठा० ३, ४;

उषट्वाद्य. न० (उपस्थान) भे३; सभा; मंडप. बैठक; सभा; मंडप. A seat; a meeting-place; a hall of assembly. कण० ४, ८८; भग० १, ३; ३, ७; नाया० २; (२) संयम अनुष्ठान. संयम का अनुष्ठान. observance of asceticism. सूय० १, १, ३, १६; —साला. स्त्री० (—शाला) राजसभा; भे३. राजसभा; बैठक. a seat; a hall of audience; a royal council-hall. नाया० १; ५; १६; जं० प० ३, ४३; भव० ७, ६; ६, ३३; ११, ११; निर० १, १; नाया० ४० दमा० १०, १: “ बाहिरियाण् उषट्वाणसालाण् पडिण्ण पडिण्णहा जत्त. भि मुहाइ जुत्ताइ जायाइ उषट्वादेह ” आ० ११: २६; कण० ४, ५८;

उषट्वादिष्य. न० (उपस्थानिक) भे३; अक्षीय; नजराणा भेंट; इनाम पारितोषक; नजराना. A gift; a present. नं० प० ३, ६४; ३, ४५;

उषट्वादिष्या. स्त्री० (उपस्थानिका) पासे

भेसनारी दासी. समीपमें पाय में बैठनेवाली दासी. An attendant female servant; a waiting maid-servant. भग० ११, ११;

उषट्वाद्यण्. न० (उपस्थापन) दीक्षा दीक्षा पत्नी सात दिवसे आर भद्रदिने के ७ भद्रदिने महाव्रतं आरोपयुं करयुं—भे३. दीक्षा आपत्ती ते; छंदोपस्थापनीय आरित्र आरोपयुं ते. दीक्षा लेने के बाद सात दिन, चार मास या छ मास के नंतर महाव्रत का आरोपण करना; बड़ा दीक्षा देनेवाले छंदोपस्थापनीय चारित्र का आरोपण. Fresh admission after expulsion from the order of monks. वव० १०, १२: १३; ठा० ४, २; —अन्तेवासी. पुं० (अन्तेवासिन्) जेने छंदोपस्थापनीय आरित्र आपत्त्युं देय तेवे शिष्य. जिये छंदोपस्थापनीय चारित्र दिया हो वह शिष्य. a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १३; १४; (रा०)—आचार्य. पुं० (—आचार्य) भे३ दीक्षा आपनार आचार्य, शु३. बड़ा दीक्षा देनेवाले आचार्य. a preceptor entitled to re-admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. ठा० ४, ३; —आरिष्य. पुं० (—आचार्य) उपस्थापना छंदोपस्थापनीय आरित्र आपनार शु३. छंदोपस्थापनीय चारित्र देनेवाले गुरु. a preceptor re-admitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion. वव० १०, १२;

उषट्वाद्य य त्रि० (उपस्थित = उपसमीपेन स्थितः उपस्थितः) पासे आवेष्ट; दाज्जर थगेष्ट. समीप में आया हुआ; हाजिर रहा

हुआ. Come near; approached; present. " उद्योत-र आयरिया वि-आमंत तिगिच्छमा " उत्त० २०, २२; नाया० ८; दस० ४; ६, २, ४; सम० ३०; प्रव० १२५; आया० १, ४, १, १२६; भग० १, ६; ७, ६; सूय० १, १, २, ५; उत्त० २५, ५; ओष० नि० ५१५;

उद्योत-र. त्रि० (उपनय) आगना२.

जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to. सूय० २, २, १८;

✓ उद्योत-र. धा० II (उपनय) मानना. यज्ञायत्री; धरतु मानता करना; मानता बढाना. To offer for acceptance e. g. before a deity; to present as an offering

उद्योत-र. सु० च० २, ३३६;

उद्योत-र. पु० (उपनय) नायतो. नाचता हुआ; नृत्य करता हुआ. One who is dancing. भग० ६, ३३; जं० प० ३, ६७; ३, ५२;

उद्योत-र. त्रि० (उपनय) तैयार करे. तैयार किया हुआ. Made ready; prepared. दस० ५, १, ३५;

उद्योत-र. ली० (उपनय) धन्य. बहुत. Much; more; in a great quantity. भग० ६, ३३;

उद्योत-र. पुं० (उपनय) प्रकृत वस्तुनी साथे उदाहरणनी घटना करती ते. प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the five-membered Indian syllogism (in logic); the application of the Udāharana or illustration to the special case in question. ओष० नि० भा० ४४; विशे० ३१५२; (२) नेटवर्क; अक्षीस. डाला; इनाम; पारितोषक

a gift; a present. राय० २३७; (३) शुक्ली तारीक; प्रशंसा. प्रशंसा. praise or appreciation of merits or virtues. प्रव० ६०३; —वयण. न० (—वचन) प्रशंसा वचन जेभ अभुक्त वस्तुपयान् अने सुशील छे ते. प्रशंसाके वचन. words of praise or admiration. प्रव० ६०३;

उद्योत-र. न० (उपनय) कलाकार्य पासे आशुके कला शिष्यवती ते कला के आचार्य से बालक को कला सिखवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११; पण्ड० १, २; राय० २८८;

उद्योत-र. त्रि० (उपनिषत्) भुक्त. रखा हुआ Placed; deposited. वेय० २, ४;

उद्योत-र. त्रि० (उपनिषत्) पाशुं भुक्तुं. फिरसे रखना. Placing or depositing again. वेय० ४, २४;

उद्योत-र. त्रि० (उपनिषत्) नीकले; अद्वार आवे. निकला हुआ; बाहिर निकला हुआ. Come out; got out; emerged. ओष०

✓ उद्योत-र. धा० II. (उपनय) निमंत्रण करती. नीतई देती. निमंत्रण करना; न्योता करना. To invite; to give an invitation.

उद्योत-र. नाया० १; ८; १४; १६; भग० १२, १; सम० ३३;

उद्योत-र. भग० ८, ६; वेय० १, ३७;

उद्योत-र. नाया० १४;

उद्योत-र. नाया० १;

उद्योत-र. ओष० ४०;

उद्योत-र. त्रि० (उपनिषत्) समीप रहे. समीप में रहा हुआ. Placed near; remaining near; situated near.

राय० ४६, जं० प० ४, ७४;

उद्योगविद्या. श्री० (औपनिषिकी) ऋषि
ऋषि अनेक वस्तुओंका पैदापर्वलाव-अनु-
क्रमनी योजना; आनुपूर्वी-अनुक्रमनी ओं
प्रशंसा. भिन्न २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव
-अनुक्रम की योजना; अनुक्रमका एक भेद.
Arrangement of different
things in order or succession.
अणुजो० ७२;

उद्योगिअ-य. त्रि० (उपनीत) पास
आवेक; प्राप्त थअवेक. समीपगत; प्राप्त.
Come near; brought near;
obtained. उत्त० ४, १; सु० न० १, ३१६;
आया० १, ३, १, १०८; १. ७, १, ६०;
पि० नि० ११३; नाया० १४; १६; राय०
२३७; विवा० ६; पंचा० ७, १७; (२)
अक्षीस आपेक; सम्पर्पण्य करेक. समर्पित;
अर्पित; पारितोषक में दिया हुआ-दा हुआ.
(one) who has been pre-
sented with. ओव० १६; भग० ५,
६, पणह० २, १; (३) प्रशंसा; तारीफ़;
भद्विभा. प्रशंसा; स्तुति. praise; glori-
fication. आया० २, ४, १, १३२;
पण० ११; (४) संयुक्त. संयुक्त; मिला
हुआ. joined with; accompanied
with. भग० ११, ११; (५) प्रस्तावना
उपसंसार पगेरेयी युक्त प्रस्तावना. उप-
संहार आदि सहित. accompanied
with a preface, a conclusion
etc. अणुजो० १२८; (६) योजना करेक
योजित; योजना किया हुआ-का हुई.
planned; arranged. विरो० १५४;
—चरक. त्रि० (-चरक) क्पांक्षी
आवेक होय के अक्षीस आयी होय तेदी
गवेपण्य करेनार. कहां से लाई हुई या परि-
तोषक में प्राप्त वस्तु की गवेपणा करनेवाला.

(one) who seeks only that
which is brought from out side
or got as a present. ओव० १६;
—वचन. न० (-वचन , प्रशंसा रूप
वचन के अक्षी रूपणी छे. प्रशंसायुक्त
वचन जैसे अमुक का रूपवान है. words
of praise; commendation; e.
g. of the beauty of a woman
आया० २, ४, १, १३२;

उद्योगिय. त्रि० (उपनीततर) ज्ञानादिकभां
अतिशय भग्न थअवेक ज्ञानादिक में जो
अतिशय मग्न हो वह. (One) deeply
absorbed in right knowledge
etc. स्य० १ २, २, १७;

उद्योगियनराग. त्रि० (उपनीततर) अति
नज्दक. अतिशय समीपस्थ; बहुत पास
का. Very close to; very near
to. स्य० २, १, ३६;

उद्योगपयशी. श्री० (अवपातोपतनी)
आकाशभां यथा उतरायनी विद्या. आकाश में
चढ़ने उतरने का विद्या. Art of ascend-
ing and descending in the sky.
नाया० १६;

उद्योगसिउं. सं० क० अ० (उपन्यस्य) उप-
न्यास करीने स्थापन करीते. उपन्यास करके
स्थापन का हुई. Having placed;
having deposited; having esta-
blished. विरो० १३५५;

उद्योगिउ. त्रि० (उपस्तृत) आसपास ढंका-
येनुं. आसपास ढंका हुआ. Covered on
all sides. "आतिशया नितिशया उद्योगिउ
संथडा" भग० १, १, राय० २७३;

उद्योगिअ. न० (उपस्थानिक) ऋषि
'उद्योगिअ' शब्द. देखो 'उद्योगिअ'
शब्द. Vide 'उद्योगिअ'. जं० प०

उद्योगिआ. श्री० (उपस्थानिका) ऋषि

‘उवट्टाणिया’ शब्द. देखो ‘उवट्टाणिया’
शब्द. Vide ‘उवट्टाणिया’ भग० ११; ११,

उपस्थिञ्ज-य. त्रि० (उपस्थित) पास २६६;
तैयार २६६. समीप में रहा हुआ-हुई; तैयार.
Situating near; in a state of
readiness; standing near. “ दस-
विहारुक्खा उवभोगत्ताए उवस्थिया ” सम०
१०; नाया० १६; दसा० ६, १७; २३; २४;

✓ उव-दंस. धा० I, II. (उप-दृश्)
देखायुं. दिखाना. To show; to ma-
nifest.

उवदंसेह. ति० भग० २, १०; ३, २; १२,
६; १६, ५; ६; विवा० १; कप्प०
६, ६४;

उवदंसंति. भग० ३, १;

उवदंसंति जं० प० ५, १२१;

उवदंसंमि. सु० न० १५, ११३; सूय० २,
१, ११;

उवदंसिज्जा. वि० भग० ११, १०; दसा०
३, १४; १६;

उवदंसेज्जा. वि० भग० १४, ८;

उवदंसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदंसेत्ता. सं० कृ० भग० ३, १;

उवदंसित्तए. हे० कृ० भग० ६, १०; ५,
६; राय० ७, ८; २६८;

उवदंसित्तए. हे० कृ० भग० ५, ४; १४, ८;

उवदंसेमाण. राय० ७१; भग० १२, ६;
नाया० ८; जं० प० ५, ११७; उवा०
८, २४६;

उवदंसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १३;

उवदंसण. पुं० (उपदर्शन) नीलवन्त पर्वत
उपरनुं नययुं शिखर. नीलवन्त पर्वत पर का
नवमां शिखर. Name of the 9th sum-
mit of Nilavanta mount. ठा० २,
३; जं० प० (२) देखायुं; अताययुं. दिखाना;

बताना. Act of showing or point-
ing out. प्रव० १३६; —कूड. पुं०
(—कूट) जुओ ‘उवदंसण’ शब्द. देखो
“उवदंसण” शब्द. Vide “उवदंसण”
जं० प०

उवदंसणया. स्त्री० (उपदर्शन) नामनी अर्थ
साथे योजना करी वस्तुनुं निदर्शन करयूं ते.
नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का
निदर्शन करना. Pointing out a
thing by naming it and explain-
ing the connection between
the name and its meaning.
अणुजो० ७२;

उवदंसिय. त्रि० (उपदर्शित) दर्शावेयुं;
अतावेयुं. प्रदर्शित; बताया हुआ. Shown;
pointed out. अणुजो० १६; उत्त०
२५, ३५;

उवदिट्ठ. त्रि० (उपादिष्ट) उपदेशेयुं; दर्शावेयुं
उपदेशित; बतलाया हुआ. Taught;
instructed; pointed out. भग० ६,
३३; अणुजो० १७; ओव० २३; पञ्च० १६;

✓ उवदिस. धा० I. (उप+दिश्) उपदेश
करे. उपदेश करना. To teach; to
advise; to preach.

उवदिसह. कप्प० ७, २१०; जं० प० २, ३०;

उवदिसंति. नाया० ५; पणह० १, २;

उवदिसित्तए. हे० कृ० नाया० १४;

उवदेस. पुं० (उपदेश) उपदेश; धर्मनोआध.
उपदेश; धर्म का बोध-ज्ञान. Religious
teaching; instruction; sermon.
भग० ६, ३१; ३३; १८, २; नाया० १६;
पञ्च० १;

उवदेसण. न० (उपदेशन) जुओ ‘उवदेस’
शब्द. देखो ‘उवदेस’ शब्द. Vide
“उवदेस” ठा० ८, १;

✓ उव-हव. धा० I, II. (उप+हृ) उपहृ

करवे। दुःख देतुं; मारतुं। उपद्रव करना; दुःख देना; मारना। To harass; to give pain or trouble; to kill.

उबहवेमो. भग० ८, ७;

उबहवेह. ८, ७;

उबहवेमाण. भग० ८, ७;

उबह्व. पुं० (उपद्रव) मदाकष्ट; आहत. महाकष्ट; आकत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६, ३३; नाया० १; जं० १, २४; जीवा० ३, ३; —रक्षिष्य. त्रि० (-रक्षिक) उपद्रवभांभी रक्षायु करनार. उपद्रवसे रक्षा करनेवाला. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रब० ६४१;

उबधारमाण. त्रि० (उपधारयत्) धारयु करतो. धारण करता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on. भग० ६, ३३;

उबधारणया. स्त्री० (*उपधारण) अर्थावग्रहणं ऐक नाम. अर्थावग्रह का एक नाम. Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha. नंदी० ३०;

उबधारिव. त्रि० (उपधारित) धारयु करेश. धारण किया हुआ-की हुई. Retained in the mind; put on. भग० १, ६;

उबनम. धा० I. (उप+नम्) नमस्कार करवे। नमस्कार करना; प्रणाम करना. To salate; to bow to.

उबणमंति. तंडु० सूय० १, २, १, १;

उबणमंतु. भग० ३, २;

उबनंदणमह. पुं० (उबनन्दनमह) आर्य संभूतविजयना ये नामना ऐक शिष्य. आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम. Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vijaya कण्व० ८.

Vol. II/36.

उबनाच्चमाण. त्रि० (उपनृत्यमान) नाच करतो. नृत्य करता हुआ. Dancing. राय० १७५; २८६;

✓ उब-निमंत्र. धा० II. (उप+नि+मन्त्र्.) पासि आयी निमंत्रणु करतुं. समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching; to invite उबनिमंतेमि. उवा० ७, २२०;

उबनिमंतिस्समि. राय० २२६;

उबनिमंतिस्समि. उवा० ७, १८८;

उबनिमंतेत्ता. भग० १२, ;

उबनिमंतिस्सप. हे० कृ० उवा० ७, १६३;

उबनिहिज्ज. त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थ भेषा होय तेनी नष्टकमां गे अहारादि होय तेनी गवेषणा करवाना अभिग्रह धरनार. गृहस्थ बेटा हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेषणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders. ठा० ५, १; पण० २, १;

✓ उब-ने. धा० I. (उप+नी) लहरतुं; होरतुं. लेजाना To lend; to carry; (२) नेट अ.पयी. भेंट देना to give as a gift; to give a present. (३) सौंपतुं सौंपना to hand over; to give under the charge of.

उबणेइ-ति. नाया० १; २; ३; ५; ८; ६;

१२; १४; १६; १७; १८; जं० ५०

राय० २६०; सु० च० २; ३०८;

पिं० नि० ६२३;

उबणिति. सु० च० २, ३५३;

उबणंति. नाया० १; ३; ५; ८; ६; उवा० ८, २४३;

उबणेमां नामा० वा इति० १०, ३।

उपबोहि. नाया० २; १२; १६;

उपबोह. नाया० १३; ८; १६;

उपबोहिति. श्रौत० ४०;

उपबोसा. सं० कृ० सूय० २; ६; १;

उपबोत्तप. हे० कृ० वव० १, २३;

उपबोत्त. क० वा० उत्त० १३, २६;

उपभासोवणञ्ज. पुं० (उपन्वासोपनय)
वादिने जितवाने प्रत्युत्तर आपने ते. वादी
को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying
an adversary with a view to
refute his argument. ठा० ४, ३,

उपप्राण. न० (उपप्रदान) राजनीतिने
श्रीने प्रसार; पहलेका प्रसारथी दुश्मन वश
न थाय तो पक्षी कम्प आपी ब्रह्मयात्री तेने
वश करवान् नीति. राजनीति के चार भेदों
में से दूसरा भेद; पहले प्रकार से शत्रु
के वश न होनेपर उसे कुछ लालच देकर वश
करने की नीति. (In politics) the 2nd
mode of bringing an enemy
under subjection viz enticing
him to submit by offering some
gift. विवा० ३; नाया० १; राय० २०६;

उपबृह. पुं० (उपबृह) सभानभिधियाना सद्-
गुण्यनी प्रशंसा करी तेभना मनने उत्साहित
करवा ते. समधर्मियोंके सदगुणकी प्रशंसा करके
उनके मनको उत्साहित करना Encourag-
ing; cheering up; cheering up
comrades in a common profes-
sion by praising their virtues.
पञ्च० १; पंचा० १५, २४; प्रव० २६६;

उपबृहत्. न० (उपबृहत्) निभाव; रक्षय;
वृद्धि; पोषण. निभाव; रक्षा; वृद्धि. En-
couraging; nourishing; protect-
ing. पंचा० २, २८; पण्ड० २, १; ५;

उपबृहत्तिय. त्रि० (उपबृहत्तिय) वृद्धि-पुष्टि

कारक. पुष्टि करने वाला. Nourisher of
the body. निशी० ६ ११;

उपबृहत्. स्त्री० (उपबृहत्) गुण्यनीना गुण्यनी
प्रशंसा करवी; समकितना आठ आचारमाने
भयमे आचार. गुणीजनों के गुणकी प्रशंसा
करना; सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेंसे पांचवा
आचार. Praising, glorifying the
merits of the meritorious; the
6th of the eight Āchāras of
right belief or Samakita. उत्त०
२८, ३१;

उपबृहत्तय. अ० (उपबृहत्) कुह कुह आवाज
करने. कुह कुह शब्द करके. Having
made a noise resembling
" Kuha, Kuha; " cooing. सु०
च० १, १३३;

उपबृहत्त. त्रि० (उपबृहत्) प्रशंसा करतो.
प्रशंसा करता हुआ. Praising; ap-
plauding; गच्छा० ३४;

✓ उप-भुंज. धा० I. (उप+भुञ्ज्) भाजुं.
खाना. To eat; to dine.

उपभुंज. नाया० ७;

उपभुंजसि. सु० च० १, २१३;

उपभुक्त. त्रि० (उपभुक्त) भोगवेष्ट. भोग
हुआ. Enjoyed. भक्त० ३६;

उपभोग. पुं० (उपभोग) उपभोगनी वस्तु;
जो बारंबार उपभोग थो शके तेवा स्त्री
वस्त्र भूषण वगैरे. उपभोगकी वस्तु; जिस का
बारंबार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र,
भूषण आदि. An object of enjoy-
ment; an object of enjoyment
which is not consumed by be-
ing used once, e. g. clothes,
ornaments etc. कल्प० ३, ४४; प्रव०
२८२; क० सं० १, ५२; पञ्च० २३;
उवा० १, २३; ५२; पंचा० १, २४;

—अन्तराय. न० (-अन्तराय) अन्तराय कर्मनी ओक प्रकृति के जेना उदयथी वस्त्र आभूषण वगैरेना उपभोग थछ सके नहीं. अन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय से बन्न, आभूषण आदि का उपभोग नहीं हो सकता. A variety of Antarāya (i. e. obstructing) Karma by the rise of which a person cannot enjoy clothes, ornaments etc. उत्त० ३३, १५; सम० १७; भग० ८, ६; —द्व न० (-द्वय) वस्त्र आदिना उपभोग भाटे. बन्न आदि के उपभोग के लिये. for the sake of the enjoyment of clothes etc. दस० ६, २, १३; —परिभोगपरिमाण. न० (-परिभोगपरिमाण) गृहस्थाना सातमा व्रतनुं नाम के जेभा ओकवार के वारंवार भोगवाय तेरी वस्तुओनुं परिमाण आध्यामां आवे छे. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमें कि उपभोग्य-वारंवार भोग में आनेवाला-वस्तु ओं के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है. the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz. those consumed by one use and those not so consumed. भग० ७, २; —सन्धि श्री० (सन्धि) उपभोग-वस्त्रादिकनी प्राप्ति. उपभोग बन्न आदिकी प्राप्ति. acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग० ८, २;

उपभोगस न० (उपभोगस) वस्तुना उपभोग; उपभोग उपभोग; उपभोग. Use; enjoyment. सम० १०; उपमा श्री० (उपमा) भुक्तान्ते; आर्या-

भक्षी; उपमा. तुलना; उपमा. Comparison. “अज्ञाहा परिजे सजे उपमा न बिजब” उत्त० ७, १५; ३६, ६५; पञ० २, ३०; ओव० विशेष० ४७०; राय० २४६; आया० १, ५, ६, १७०; उवा० १, ६२; ३, १४४; क० गं० १, १६; पंचा० १६, १०; (२) आर्या: भाष्यता. धारणा; मान्यता. belief; supposition. उत्त० ४, ६;

उपमिन्न-य. त्रि० (उपमित) उपमायुक्त. उपमा सहित (That which is compared. ० जं प० भग० १८, १; विशेष० ६८५;

उपमिय. त्रि० (औपमिक—उपमानानिवृत्त औपमिक उपमानान्तरेश बल्काप्रमाणम-नतिशायिना प्रहीतुं न शक्यते तदौपमिकम्) जेनुं कालप्रमाण उपमा बिना भीमथी गथी न सकाय मात्र उपमाथीन गथी सकाय के पक्षोपम; सागरोपम वगैरे. जिसका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना जा सके वह; पक्षोपम; सागरोपम आदि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise: e. g. Palyopama; Sāgaropama etc. भग० ६, ७; उपचरिय. त्रि० (उपचरित) उपचार करेन. उपचार किया हुआ. Worshipped. विशेष० २८३;

उपचार. पुं० (उपचार) पूजासामग्री. पूजा-सामग्री. Articles of worship. ओव० पञ० २; सू० प० १०; राय० ६०; जीवा० ३, ३; नाया० १; ३; अणुजो० १३०; भग० ३, ३३; ११, ११; कल्प० ३, ३२; ४, २८; पंचा० २, ३६; जं० प० ४; ६२; सु० च० १, ३७; (२) आर्युभां कार्यतो अने कार्यमां आर्युतो आर्या

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का और कार्य में कारण का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विशेष० १६०; (३) समूह; दलितो. समूह; दल. a group; a collection. सम० ३४; (४) ऐक विषयशी भीम विषयनु प्रदत्त इत्यु. एक विषय से दूसरे विषय का ग्रहण करना. figurative or metaphorical use; secondary application. विशेष० १२; (५) लोकव्यवहार. लोक व्यवहार. conventional practice. आ० २०; रा० २६१; ओष० १० ७४०;

उक्थार. पुं० (उपकार) उपकार; भद्र; भेट. उपकार; भेट; सहायता. Obligation; help; a gift; a present. सु० च० १, १२; ओष० नि० १८३; पि० नि० २५१; भक्त० ११८;

उक्थारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करने वाला. Obliging; helpful; kind. विशेष० २३४४; सु० च० १०, ५५;

उक्थारिभ. पुं० (औपचारिक-उपचारां लोक व्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) औपचारिक विनय; विनयनो. ऐक प्रकार. औपचारिक विनय; विनय का एक प्रकार. A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा० ६, ३७;

उक्थारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) स्थापना वनभक्षमांता भक्ष्य भागनु. ऐक धर-भवन के जे ऐक क्षात्र भोजननु दांछु भेडांछु छे. सूर्याभ के वनखंड के भक्ष्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhanda (forest-region) of Sūryabha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. जं० प० ४, ८८;

उक्थालि. पुं० (उपचालि) अंतगड भूतना आधा वर्जना त्रीम अध्ययननु नाम. अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Anta-gula Sūtra. (२) वसुदेवराजनी धारणी राक्षीना पुत्र के जे नेमनाथ प्रभु पासे दीक्षा दत्त आर अंगेनो अभ्यास करी सोण वरसनी प्रवर्ज्या पाणी शत्रुंजय उपर ऐक भासनी संथारो करी परम पद पाया. वसुदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिसने कि नेमनाथ प्रभु से दीक्षा ली था और बारह अंग का अभ्यास किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर अंत में शत्रुंजय पर एक मास का संथारा किया और मोक्ष पाया. name of a son of Dhārāṇī the queen of king Vasudeva. He took Dikṣā from Lord Neminātha, studied 12 Aṅgas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya got final emancipation अंत० ४, ३; (३) अष्टुत्तरौववाह के प्रथम वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the first section of Aṣṭuttarovavāi. (४) श्रेष्ठिक राजनी धारणी राक्षीना पुत्र के जे दीक्षा दत्त शुत्रयणु तप करी सोण वरसनी

प्रत्यया पाणी विपुत्र पर्यन्त उपर ओक भासने।
संधारो करी जयंत नामना अनुत्तर विमान-
भां ३२ सागर ने आठिमे उपन थया, त्यांथी
ओक अवतार करी मोक्षे जरी। थोणक राजा
का धारणी रानी के पुत्र का नाम जिस ने
कि दीक्षा ग्रहण कर गुह्यरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक व्रतजया का पालन कर
विपुल पर्वत पर अंत में एक मास का संधारा
करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२
सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां
एक अवतार करके मोक्ष जायंगे, name
of a son of Dhārāṇī queen of
king Śreṅka. He took
Dikṣā, practised the Guṇar-
yaṇa austerity, observed ase-
ticism for 16 years and after
a month's Santhārā (giving
up food and water) on Vipula
mount, was born in the cele-
stial abode named Jayanta
with a life of 32 Sūgaras. After
one more birth he will get
salvation. अकृत० १, ३;

उपयोग. पुं० (उपयोग) पोताना विपयने
जलयाने ते तरङ्ग अक्ष आपवुं ते; शब्दादि
विषय तरङ्ग छद्रियनी प्रवृत्ति-व्यापार. अपने
विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना;
शब्दादि विषयों का और इंद्रियों का झुकाव-
व्यापार. Operation of the senses
in cognising their objects; o g
of the ear in relation to
sound; straining of the senses
towards their objects. भाष०
२०६६; (२) पांय ज्ञान प्रत्यु अज्ञान
अने चार दर्शन ओ आरभांनुं गमे ते ओक
पांच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन

में से कोई भी एक. any one of the
group of the twelve, viz. 5
kinds of knowledge (Jñāna),
3 kinds of ignorance (Ajñāna)
and 4 kinds of belief (Darśana)
उत्त० २८, १०; विशेष० ३१०६; - इया.
ज्ञा० (-अर्थता) उपयोगपदार्थ; उपयोगनी
अपेक्षा. उपयोग लगाने का अपेक्षा; उपयोग
पन; उपयोगिता. state of being
Upayoga; desire for Upayoga.
(q. v.) भग० ८, ५;

✓ उपरम धा० I. (उपरम्) निवर्त्य;
अटक्युं. दूर होना; रुकना. To cease; to
stop; to desist from.

उपरमद्. भग० १, ८; नाया० १८;

उपरम. पुं० (उपरम — उपरमणमुपरमः) अ-
भा.३; निवृत्ति. अभाव; निवृत्ति. Absence;
cessation; desisting from. विशेष०
६२;

उपरय. त्रि० (उपरय) पापशी निवृत्ति
पामेय. पाप से दृष्टा हुआ; कुटकार पाया
हुआ. (One) who has desisted
from sin. आया० १, ३, ४, १२१; १,
४, १, १२६; दस० ८, १२; उत्त० ६, ७;
नाया० १; ६; भग० ८, १०; सूत्र० २, १, ५६;
वव० ३, १३, कण्ठ० ४, ६२; कर्म० ६, १०;
(२) वैरभाव विनाश. वैरभाव रहित. free
from feelings of hostility. “ न
इहोपाश्रितोपाश्रिते, भववेराउउपरय ” उत्त०
६, ७; आया० १, ३, १, १०८;

उपराम. पुं० (उपराम) ग्रहण. ग्रहण;
सम्रास. An eclipse. जीवा० ३, ३;

उषारि. ऋ० (उषारि) गिर; उभे. ऊपर;
ऊंचा; ऊर्ध्व भाग में. Above; upon;
upwards. “ मंदरपर्वतवाचं उषारि
चत्वारि जायन्ताई ” ठा० ४; उत्त० ३६, ५७

विशे० ४३०; नाया० १; २: ५; ८; ६: जं०
५०१, ३; भग० २, ८, ६, ७; १४, ६; १६,
६; पिं० नि० भा० ३०; क० गं० १, ५०;
क० प० ५, ५४;

उपरि. अ० (उपरि) उपर. Upon;
above; over. क० प० १, ६७; जं०
५० ५, ११३;

उपरिचर. त्रि० (उपरिचर) आकाशभां
अधर रहेनाउपर आकाश में-अंतराल में
रहने वाला Remaining, situated
up in the sky; high in the
sky. जीवा० ३, १;

उपरितल. त्रि० (उपरितल) उपरनुं तलीयुं
ऊपर का मगट भाग. The above
piat surface. भग० १, ६; जं० ४, ८६;

उपरिपुच्छणी. स्त्री० (उपरिपुच्छणी) सादरी-
नी अत उपर ग्रीष्म तरलानुं मञ्जुत
आच्छादन. चटाई की छत पर बारीक घास
का पका आच्छादन. A strong cover-
ing (made of straws) upon a
mattress ceiling. राख० १०८;

उपरिम. त्रि० (उपरिम) उपरनुं; उपरुं.
ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining
above or upwards. निसी० १६, १७;
भग० १, ५; ८, १०; ९, ३२; १२, १०;
नंदी० १८; पञ्च० १; उत्त० ३६, ६१; ठा०
१, १; पिं० नि० १५०; प्रब० ६, ६; —
गोवेज्जग. पुं० (-प्रवेयक) प्रवेयकना न-
विमानभांता उपरना त्रय विमान. प्रवेयक
के नौ विमानों में से ऊपर के तीन विमान.
the three topmost of the nine
Graiveyaka heavenly abodes.
(२) उपरनी त्रिकना देवता. ऊपर की
त्रिक के देवता. a deity of any of
the three above mentioned
heavenly abodes. भग० १८, ७;

—गोवेज्जगकल्पातीय. न० (-प्रवेयक
कल्पातीय) उपरना प्रवेयकना कल्पातीय
देवता. ऊपर के प्रवेयक के कल्पातीय देवता.
a Kalpātita deity of the
upper Graiveyaka heavenly
abode. भग० ८, १;

—गोवेज्जग. पुं० (प्रवेयक) शुभे “उप-
रियगोवेजग ” शब्द. देखो “उपरिय-गोवे-
जग ” शब्द. vide “उपरियगोवेजग ”
भग० १, २; —तल. पुं० (-तल) उप-
रनुं तलीय-तलीय ऊपर का छत; ऊपरकी
फर्श. the upper floor. “जंबूद्वारव-
माया उपरियबलेय ” भग० २, ८;

उपरिमग. त्रि० (उपरिमग-उपरिमा एवोपरि-
मगः) उपर उपर रहेनाउपर. ऊपरका ऊपर
रहनेवाला. Situated one upon ano-
ther; remaining one above ano-
ther. विशे० ६६८;

उपरिमय. त्रि० (उपरिमग) शुभे “उप-
रिमग ” शब्द. देखो “उपरिमग ” शब्द.
Vide “उपरिमग ” विशे० ७७;

उपरिमा. स्त्री० (उपरिमा) नवप्रवेयकनी त्रय
त्रिकभांती उपरनी त्रिक-त्रय विमान. नवप्रवे-
यक की तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक-
तम विमान. The topmost three of
the 9 Graiveyaka heavenly
abodes. उत्त० ३६, २१२; —उपरिम.
पुं० (-उपरिम) उपरि त्रिकभां उपर-नवभां
प्रवेयकभां रहेनाउपर देवता. ऊपर की त्रिक में
ऊपरके देवता-नव प्रवेयक के. (the dei-
ties) of the ninth and topmost
Graiveyaka heavenly abode.
उत्त० ३६, २१२; —मउमम. पुं० (-मउमम)
उपरी त्रिकभां मउमम-आत्मा प्रवेयकना
देवता. ऊपर की त्रिक में मउमम आठवें
प्रवेयक के देवता. (the deities) of

the eighth (middle of the
topmost three) Graivoyaka
heavenly abode. उक्त० ३६, २१२;

—हिहिम. पुं० (*) उपरी त्रिकमां
अधस्तन-सातमां ग्रन्थेयकना देवता. ऊपर का
त्रिक में न्यचे के देव-सातवें ग्रन्थेयक के देवता
(the doities) of the 7 th (the
lowest of the topmost three)
(trairvoyaka heavenly abode.
उत्त० ३६, २१२;

स्वारल्ल. त्रि० (उपरितन) ७५२नु: ७५४.
 ऊपरका. Situated above; upward:
 upper. “ उकरिहे ताराखं चारि चरति ”
 टा० ६; विशेष० ६६७; पञ्च० २, १६; अनुज्ञा०
 १३५, सम० ६; नाया० ८; जीवा० ३, १;
 पि० लि० १५०; भग० १, ६; २, ८; १०:
 ३, १; ६, ३; ५; ६; १५, १; १६, ८; २२,
 १; २५, ७; ३०, १; जं० प० २, ३३; ७, १६४;

उपरिस्त्रिज्जमाण. त्रि० (उद्वृष्यमान) १२ साद-
धी क्षिप्तं. वरसात् से भोगता हुआ. (Get-
ting wet with rain. निसं० २, ५२;

उबरुह. न० (उपरांद्र) नारदीना अंगोपांग बोरी ह्म दे ते उपरांद्र; परमात्मांनीं लुई जन. नारकीयां के अंगोपांग छेदकर दुःख देने वाले उपरांद्र देव; परमात्मां देवताओं का लुई मान. The 6th class of Paramā-dhāmīs (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell-beings and torture them. भग० ३, ७:

उपलक्ष्यरि. अ० (उपरंशपरि) ओ३ श्रीमन्त
 ७५२. एक दूसरे के ऊपर. One upon
 another; one above another.
 “ उपलक्ष्यरितरंगनादय अतिव्यंग्यकस्य पर-

मोक्षरुतं पगह० १, ३; निर्मा० १०, १८, १८;
 उवरोह पुं० (उपरोध) दृ० अ; आधा. दुःखः
 तर्कनाक. Pain; trouble. (२) आग्रह
 आग्रह. restraint. मु० अ० १, १८२;
 (३) अग्रहः रोडाव. अग्रहः रोक.
 obstruction: impediment. पगह० २,
 २;—कारक. त्रि० (-कारक) उपरोध ३२-
 ना२; अग्रहना२. रोकनेवाला; बाधा पहुँ-
 चागेवाला. impeding: obstructing;
 troubling. पगह० २, २;

उवल. पुं० (उपल) पत्थर; पाणि०. पत्थर.
 A stone. सु० न० १२, ५६; पिं० नि०
 भा० ७: उल्ल० ३६. ७३: भग० ५. २; विशं०
 ५२४; पल० १;

उपलब्ध. पु० (उपलब्ध) इन्द्रियज्ञानः स्पर्शः
 १६२. इन्द्रिय ज्ञानः मात्स्न्यकार. Direct
 perception (by the senses)
 पंचा० ३, २३; ६, १०; १३, ३८; विश्व०
 ३५; १८१३; (२) अभूद. समूह. a
 group; a collection. मु० च० २, ८१;

उपलंभणा क्रा० (: उपलम्भना) ३५३।
पथन; शिक्षणा. उपालंभ; श्रोतव्यता. Words
of rebuke or reproach. नाया० १८:

उपलब्धमाग. पु० (उपलब्धमान) १५३ देता
उपलब्ध देता हुआ Robuking, ro-
proaching. नाया० १८:

उपलक्षण. न० (उपलक्ष्य) परिज्ञान-धीमात्रः
 मुख्य वस्तुनं ज्ञान अर्थात्, गौणवस्तुनं ज्ञान
 ज्ञेयं थाय ते. वह ज्ञान जिनमें मुख्य वस्तु
 का ज्ञान होने से गौण वस्तु का ज्ञान होजाय
 A mark; a characteristic or dis-
 tinctive feature, implying
 something that has not been

* ଭୁବନେଶ୍ୱର ପୃଷ୍ଠ ୧୫ ନଂର ଛବି (*). ଦେଖନ୍ତୁ ପୃଷ୍ଠ ୧୫ ନଂର ଛବି (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

actually expressed. गु० च० ३,
१८३; विशेष० ६३२;

उबलख. त्रि० (उपलब्ध) लब्ध्वाभा
आवेश; प्राप्त थोश. समझा हुआ; प्राप्त.
Known; understood; gained;
obtained. " अहं सही उबलखों,
तोपेसंति तहाभूएहिं अन्ना उपेक्षेपहेहिं "
स्य० १, ४, २, ४; प्रब० ६७०; नाया०
१२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशेष० ६२;
—पुव्व. न० (-पूर्व) पहिलेथीन प्राप्त
थोश. पहिले से ही मिला हुआ. gained;
obtained before-hand. नाया० १४;

उबलखर. स्त्री० (उपलब्ध) वस्तुने सा-
क्षात्कार करने; वस्तुने लब्ध्वाभा. वस्तु
को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला.
One who knows or perceives
an object; direct perceiver of
an object. " उपलब्ध वस्तुना बोधवा "
विशे० १२; १८३;

उबलखि. स्त्री० (उपलब्धि) ज्ञान; साक्षात्कार;
ज्ञान; साक्षात्कार. Knowledge; per-
ception; observation. विशेष० ६१;
—सम. त्रि० (-सम) साक्षात्कार जेजुं.
साक्षात्कार सरीखा. similar to or
equal to direct perception.
विशे० १२८;

✓ उब-लभ. धा० I. (उप + लभ्) प्राप्त कर-
तुं; भोग्युं. प्राप्त करना; मिलाना. To get;
to obtain; to acquire.

उबलभइ. क० वा० अणुजो० १२८;

उबलभमे वि० दसा० ६, १;

उबलभंते. नाया० १२;

उबललिय. न० (उपलक्षित) ओक लतनी
झम थोश. एक तरह की काम-चेष्टा. A
kind of amorous gesture in a
woman; a kind of voluptuous

gesture. नाया० ३;

उबलालिजमाय. त्रि० (उपलक्ष्यमान)
झमझीझ करते; झञ्झानुसार झीझा करते.
कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार क्रीडा
करता हुआ Sporting at will; do-
ing amorous sport. " उबलालिजमा-
ये उबलालिजमाये " राय० २८८; जं० ५०
३, ६७; नाया० १; भग० ६, ३३; राय० २७५;

✓ उब-लिप. धा० I. (उप + लिप्) दाथ
झेरवो; आट्युं; दाथदाथवो. हाथ फेरना;
चाटना; लाइ लड़ाना. To pat with
the hand; to lick; to fondle
and endear.

उबलिप. गच्छा० १६;

उबलिप्यइ. क० वा० उत्त० २५, २६;
ओव० ४०;

उबलित्त. त्रि० (उपलित) आलुपडे लिपेथ.
गोबर से लिपा हुआ. Bedaubed or
smeared with cowdung; cow-
dunged. दसा० १०, १; नाया० १; ३;
१६; जीवा० ३, ४; कप० ४, ५८; ५, ६६;
(२) कर्मथी लिम थोश. कर्म से लिपटा
हुआ. smeared with Karma, स्य०
२, २, ३;

उबलेव. पुं० (उपलेप) कर्मनी लेप. कर्मका लेप.
Assemblage, gathering toge-
ther of Karma. उत्त० २१, २२; २५, ३६;

उबलेवण. न० (उपलेपन) आलु पमेरेथी
लिप्युं ते. गोबर आदि से पोतना; बिलेपन.
Besmearing or anointing with
cowdung etc. " उपलेवण समजव
करेइ " भग० ११, ६; अणुजो० २०; निर०
३, ३; राय० २७७;

उब-लिय. धा० I. (उप + ली) निवास करने
ठहरना. To reside; to have an
abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार करवी. वातुमांस व्यतीत करना. to spend the rainy season; to stay till the expiry of the rainy season.

उववज्ज्जा. आया० २. ३, १, १११;

उववज्ज्ज. त्रि० (औपवाद्य—उपवाद्यानां राजा दिवङ्गभानान्ते कर्मकरा इत्यौपवाद्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेने भेसवायेअ. सेनाध्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य. Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस० ६, २, ५;

उववण्ण. न० (उपवन) नानुं वन; वननी पासैनुं वन. लघु वन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया० १; पंचा० ७, १७;

उववण्ण. त्रि० (उपपन्न—उत्पन्न) उत्पन्न थयेअ; पैदा थयेअ. उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ. Born; produced. “ उववण्णो माणुस्सम्मि जोगम्मि ” उत्त० ६, १; “ बोच्चं पुडवीए नारगा उववणा ” निरु० च० ११; नाया० १; २; ८; ६; १४; १६; भग० २, १; ३; ३, २; ७, ६; ७; ६; ६, ३३; ११, १; १२, ७; १८, ४; २४, १; २०; जीवा० ३, १; उत्त० ६, १; १३, १; पंचा० ४, ४६; —पुण्व. पुं० (-पूर्व) अगाउि न-भेअ. पहिले पैदा हुआ. one born before or previously भग० ६, ५; २१, १; ३४, १;

उववण्ण. पुं० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार; पैदा थयेअ. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग० ५, ४; ८, १; २५, १;

✓ उववत्त. धा० I. (उप+वृत्) निकलपुं; नरकादि भव पुरोक्षरी अहार आवपुं. निकलना; नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहह. पञ्च० १७;

उववत्तार. त्रि० (*उपपत्त) उत्पन्न थनार. उत्पन्न होनेवाला. (One) who is to born; (one) who takes birth. “ देवतोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति ” ओव० ३४; दसा० १०. ३; भग० १. १; २, ५; ७, ६; ८, ५; ६, ३३; २०, ८;

उववत्ति. क्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति; उपजुं ते. पैदायश; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being produced. उत्त० २६, १४; ३४, ५८; नंदी० ५३; भग० ४०, १;

उववत्तिमेत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्य-नी घटनाभात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect. विरो० १०७७;

उववज्ज. त्रि० (उपपन्न) लुओ “ उववण्ण ” शब्द. देखो “ उववण्ण ” शब्द. Vide “ उववण्ण ” प्रव० ११०७;

उववाज्ज-य. पुं० (उपपात) उत्पन्न थनार; उत्पत्ति. उत्पन्न होना; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. “ आलोववाय वयण्णिदे सेचिद्वन्ति ” भग० ३, ३; “ एगे उववाए ” ठा० १०; भग० १, १०; २, ७; ७, ५; ८, ८; ११, १; १२, ८; १४, १;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide footnote (*) p. 15th.

१६, ३; ६: २४, १२; २०; २५, ४, ३४, १; ४१, १; राय० २१३; ओव० ३८; नाया० ध० ३; ४; पञ० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १; उवा० ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा० १४, ४८; (२) उत्पत्ति-देवता અને નારકીનો જન્મ થાય તે ઉત્પત્તિ-દેવતા ઓર નારકી का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly and infernal beings. प्रव० ११०६; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १. १; (३) વિજય દેવતાની સભાનું નામ. विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा० १. (४) भगवती सूत्रના એકત્રિશમાં શતકનું નામ. भगवती सूत्र के एकतीसवें शतक का नाम. name of the 31st Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० ३२, २; (५) ઉપાય; કારણ. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग० ३, ७; वव० ४, १८; (६) सेवा; भक्ति. सेवा; भक्ति. service; reverent attendance upon. नाया० ६; भग० ३, १; (७) સમીપે-નજીકમાં સ્થિત કરવી; પાસે બેસવું. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैठना. sitting near; remaining in the vicinity of. क० प० १, ७८; उत्त० १, २; —कारि. त्रि० (—कारिन्) आचार्यादिनी पाससे निवास करी तेभने आदेश उहायनार. आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा सिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. “ उबवाइ कारीव हरीमखेव ” सूय० १, १३. ६; —कारिया. स्त्री० (—कारिका) अरथ सेवनारी दासी. चरण सेविका-दासी. an attendant female

servant. नाया० ६; —गह. स्त्री० (—गति) જીવ અથવા પુદ્ગલને એક બાવ ઊડીને બીજે બાવ પ્રદક્ષ કરવો કે એક સ્થાનેથી બીજે સ્થાને જવું તે. जीव या पुद्गल का भव त्याग कर दूसरे भव में जाना या एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना. passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter. भग० ८, ७; पञ० १६; —सभा. स्त्री० (—सभा) દેવતાને ઉપજવાની સભા. देवताओं के उत्पन्न होनेकी सभा. A place of birth for heavenly beings. भग० ३, १; १६, ५; ६; राय० १६७; नाया० ध० निर० ३, ४; नाया० १३; ठा० ५, ३;

उबवाइअ-य. त्रि० (औपपातिक) એક બાવમાંથી બીજા બાવમાં જનાર; એક શરીર ઊડી બીજું શરીર પ્રદક્ષ કરનાર. एक भव से दूसरे भव में जानवाला; एक शरीर त्याग दूसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. दस० ४; उत्त० ५, १३; भग० १७. ६; ७; आया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) દેવતા અને નારકી જે સેજા અને કુંભીમાં ઉપજે છે. देवता ओर नारका जो कि शैव्या व कुम्भा में उत्पन्न होते हैं. (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī. आया० १. १. ६. ४८; (३) ओजसूत्रीय वैद्वान्तिक सूत्रमांनु पांचवतु; ઉત્કલ (આપ-પાતક) નામે પ્રથમ ઉપાંગ સૂત્ર. उन्तीस उत्कलिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उबवाइ (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र. the 5th of the 29 Utkālika

Sūtras: the first Upāṅga Sūtra so named. नंदी० ४३; भग० ७, ६; १५, १; २४, ७: —गम. न० (—गम) आपपातिष्ठ सूत्रभां दशावेक्षुं छे ते प्रभाञ्जि. उववाइ सूत्र में दिखाये अनुसार. in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दमा० १०, १:

उववातेयव्य. पुं० (उपवाद्यितव्य) उत्पन्न भवाने योग्य. उत्पन्न होने लायक. (One fit to take birth; one fit to be born or produced. भग० १२, ६; १८, ५; २०, ६; २४, २०; ३१, १; ३४, १;

उववायव्य. पुं० (उपवाद्यितव्य) उत्पन्न भवाने योग्य. उत्पन्न होने योग्य. (One fit to be born or produced. भग० १७, ६;

उववास. पुं० (उपवास=उपेति सह उपावृत्त दोषस्य सतो गुणराहारपरिहारादिरूपवा-
काम उपवासः) आप्ता अष्ट दिवस अन्न पाणिना विधिपूर्वक त्याग करवा. A fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next. राय० २२६. नंदी० ४९. डा० ३, ९; पञ्च० २०; उवा० १, ४५, २, ६४;

✓उव-विम धा० I. (उप+विश) बैठना. To sit.

उवतिसामि. राय० २४ :

उववीयमाण. अ० (उपवीजमान) धमरीधी पवन नापतो धंवरी से पवन उड़ता हुआ.

Fanning with a chowri. नाया० १६;

उववेद्य-य. त्रि० (उवेत्) युक्तः सहित. युक्तः सहित Accompanied with; possessed of. ओव० १५; नाया०

१; ५; ८; १२; नंदी० ४३; भग० २, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६; कंष० १, ८; जं० प० २, २२;

उव-सं-कम्. धा० II. (उप+सम्+कम्) पासे ७युं; समीप ७युं. समीप जाना; पास जाना. To go to; to approach.

उवसंकमन्ति. डा० ३, २;

उवसंकमेजा. सूय० २, ७, १५;

उवसंकमन्तु. सं० कृ० आया० १, ७, २, २०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकमिता. नाया० २; डा० ३, २; जं० प० ७, १३४; ७, १३१;

उवसंकमन्त. सं० कृ० दस० ६, २, १०;

उवसंकममाण. जं० प० ७, १३२;

उवसंघिञ्ज. झि० (उपसंहृत) स्वीकार करेद्य. स्वीकृत. Accepted; adopted. विश० १०११;

उवसंत. पुं० (उपशान्त) शांत प्रतिवाणो; उपशम भाव वाणो; जेना उपायादिह उपश-
भ्या दीप ते. शांत प्रकृति बाला; उपशांत भाव बाला; जिस के कषायादिक शांत हो वह. (One whose passions (e. g. anger etc) have subsided; calm; peaceful वज० १; १४; वव० ३, १३; भग० १, ४, ६; ८; ५, ४; १५, १; १८, १०; २७, ७; दस० ६, ६५५ १०, १, १०; जं० प० सु० च० २, २०३; राय० २७; नाया० १; ५; उत० ६, १; २, १५; डा० २, १; अणुजो० १२७; ओव० ३८; आया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८४; सम० १४. प्रव० १२५; १३१३; क० प० ४, ७०; ६, २७; (१) आकृष्टता रहित. अव-
राहट रहित. one free from dis-
traction of mind. ओव० नि० ५१५;
(३) क्षमावान. समावृत. one posses-
sed of forgiveness जीवा० ३, ३;

(४) सौंदर्य निरीक्षण वगैरे विकारयुक्त नि-
वृत्ति पामेक्ष. सौंदर्य देखने आदि विकार से
निवृत्ति पाया हुआ; सौंदर्यादि देखने में मन का
भाव हटाया हुआ. one not excited
by seeing beautiful objects
etc. अणुत्रो० १३०: (५) उपशान्ति आ-
येन नदिः दयायेन. उदय न आये हो; दवे.
not come to rise; dormant. (६)
जम्बुद्वीपमां अरवत क्षेत्राया आनु अयस-
पिण्डिना पन्द्रमा तीर्थेऽर. जम्बूद्वीप के ऐर-
वत क्षेत्र का वर्तमान अयसपिण्डा के पन्द्रहवें
तीर्थकर. name of the 15th Tir-
thānkara of the current Ava-
sarpiṇi of the Airavata region
of Jambūdvīpa सम० प० २४०;
—अहिगरण न० (—अधिकरण) उपशान्त
उपशान्ति गयेन क्षेत्र. शान्त हुआ क्लेश.
trouble that has subsided. प्रव०
—कसाइ. पुं० (कपायिन्) जेना कप
उपाय वगैरे नाश पाया छे ते. जिस के
क्राभादि कपय शान्त हो. one whose
moral impurities (e. g. an-
ger, greed etc.) have subsided
or have been destroyed. भग०
६, ३१; २५, ६; —कसायवीतराग. पुं०
(—कपायवीतराग) जेना कपाय शान्त गया
छे ते; ११मां शुल्लस्थानवर्ती. जिन के
राग द्वेष शान्त हो गए हैं वे: ११ वें गुणस्था-
नवर्ति. one whose passion and
hatred have been complete-
ly assuaged; one in the 11th
spiritual stage. भग० २५, ६; —
शुल्ल. न० (—शुल्ल) उपशान्त मोहशुल्ल नामे
११भुस्थानक. उपशान्त मोहशुल्ल नामक ११वां
स्थानक. the 11th Sthānaka named
Upasāntamohagūṇa. क० गं० २,

१६; —जीवि. पुं० (—जीविन्) उपायादि
दयायनार. कपायादि को दवाने वाला. one
who subdues his evil passions
like anger, greed etc. पण० २,
१; भग० ६, ३३; —ज्झा. न्नां० (—ज्झा)
उपशान्त मोह नामका ११ मां शुल्लस्थानक
का. उपशान्त मोह नामके ११ वें गुणस्थानक
का समय. the time of the 11th
Gūṇasthānaka named Upasān-
tamohagūṇa. क० प० ५, ५६; —वे-
दय पुं० (—वेदक) जेना वेद-कामविकार
शान्त पाये छे ते. जिस का वेद-काम वि-
कार शान्त हो गया हो. one whose
lust i. e. sexual passion has
been subdued or calmed. भग०
६, ३१; २५, ६;

उव-सं-पज्ज. धा० II. (उप+सम्+पद्)
आश्रय करवे; स्वीकार करवे. स्वीकार
करना; ग्रहण करना. To resort to;
to accept; to get.

उवसंपज्जइ भग० २५, ६; ७;

उवसंपज्जामि. धा० ४, २;

उवसंपज्जे. वि० सूय० १ ८, १३;

उवसंपज्जिता. सं० कृ० भग० १, ६; २, १३;

२: ५, ६; ६, ६३; १०; २, ११, ६;

१२, ६; १५, १; १८, १०; २५, ७: ८;

नाया० १; ५; ८; १२; १३; १४;

१६; १८; जं० प० ७, १४१, वव० १,

२६; ४, ११; १२; नाया० ५० वेय०

४, १५; राय० २२३, ओव० १६,

उवा० १, ६६, ६६;

उवसंपज्जमाण. पण० १६;

उवसंपज्जण. न० (उपसंपादन) पदवीने
स्वीकार. प्रदवी का स्वीकार. Accep-
tance of a degree or title. वव०
५, ११;—(ख)अरिह. त्रि० (अरिह) पदवी

आपना योग्य. पदवी देने योग्य. deserving to be invested with a degree or title. वव० ४, ११; १२; ५, ११;

उपसंपन्नपञ्चावत्त. न० (उपसंपदावत्त) उपसंपन्नपञ्चसेल्लिया परिकर्मनो अउदमेो भेद. उपसम्पादन श्रेणि. परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Upasampajñāseniā Parikarma. नंदा० ५६;

उपसंपन्नसेल्लिया. स्त्री० (उपसंपादनश्रेणिका) उपसंपादन श्रेणी गज्जिता दृष्टिवादांतर्गत परिकर्मनो अउ विभाग. उपसम्पादक श्रेणागण के दृष्टिवादांतर्गत परिकर्म का एक विभाग. Name of a section of the Parikarma forming a portion of Dristivāda. सम० १२;—**परिकर्म.** पुं० (परिकर्मन्) दृष्टिवादाना परिकर्मनो अथो भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का चौथा भेद. the fourth division of the Parikarma of Dristivāda. नंदा० ५६;

उपसंपन्नियत्त. पुं० (उपसंपादयितव्य) पदवी देनी. पदवी देना. Investing with a degree or a title. वव० ४, ११; १२;

उपसंपन्न. त्रि० (उपसंपन्न) उपसन्न थयेल. प्रस्तुत; तैयार. Ready, prepared (to do some action). “ उपसंपन्नो जंकारणं तु तं कारणं अपूरितो ” ध० सं० ३; सूय० २, ७, ६;

उपसंपण्या. स्त्री० (उपसम्पद्य) ज्ञानादि संपत्ति भाटे आचार्यादिकनी निश्चा स्वीकारणी ते: दुं नभारोअ छु अयेरीरि ते स्वीकार करवे ते: सभाचारिनी दशमे या छेदो प्रकाश. ज्ञानाद सम्पत्ति में आचार्यादि की नेत्राय स्वीकार करना; मैं आपकाही हुं ऐसा स्वीकार करना; समाचारी का दशवां या अंतिम भेद. The 10th and last mode of Samā-

chārī; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc. “ अथये उपसंपण्या ” उत० २६, ४; ठा० ३, ३; भग० २५, ७; प्रव० ७७;.

उपसंहार. (उपसंहार) सभेरीयेयुं. एकात्रत करना. Summing up. (२) रोडपुं: निरोध करवे। निरोध करना; लौटा लेना. winding up; withdrawing; withholding. सम० ३२;

उपसर्ग. पुं० (उपसर्ग— उपसृज्यन्ते धातु समीपं युज्यन्ते इति उपसर्गाः) प्र, परि, प्रति, नि, आ, सम, धत्यादि धातुनी आदिभा रवेनार शब्द समूह. प्र, परि, उप, प्रति, नि, आ, सम, इत्यादि धातु के आदि में रहनेवाला शब्द समूह. a preposition prefixed to roots; e. g. प्र, परि, उप, etc. पगह० २, २; (२) उपद्रव; कष्ट; परियद. उपद्रव, कष्ट; परियद. trouble; affliction annoyance. श्रौष० नि० भज० २६३; राय० २२८; नाया० १; ८; ६; जं० प० उत० २, २१; ३१, ६; नंदा० ५; अंत० ६, ३; दसा० ७, १; वव० १०, १; भत० ४; ४४; प्रव० ५८६. (३) देवताये करेअ उपद्रव. देवताओं का किया हुआ उपद्रव. disturbance or trouble caused by gods. भग० १, ६; २, १; पि० नि० ६६६; राय० २६५; सम० ७; आंव० ३६; आया० १, ८, ७, २२; उवा० २, ११८; ३, १४१; ४, १५३; (४) तीर्थकर नियरे त्यां सयासे जेज्जनभां भार भरडी न होय जतां मदायीर स्यामिना समवसरलुभां गोशास्त्राये जे साधुओना उपर तेज्जयेस्या मुडी उपसर्ग आप्पे ते; दश अछेराभांनुं पड़ेनुं अछेइ तीर्थकर विच-

रते हैं वहाँ सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता और महावार स्वामी के समक्ष में गोशाका ने दो साधुओं पर तेजोलेख डाल कर उपसर्ग किया सो दम आश्चर्य जनक बनाओं में से पहिला बनाव. the first of the 10 Achherās (wonderful events) viz. the trouble given by Go-sālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasaraṇa by inflicting Tejoleśyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tīrthāṅkara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्र० ८६२; —पक्ष. त्रि० (—प्राप्त) उप० पा० ५. उप० प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. अ० ५, २; व० २, २०; १०, १८; —सहण. न० (—सहन) देवादिका उपसर्ग सहन करना. endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc. प्र० १३६६;

उपसर्गपरिणाम. अ० (उपसर्गपरिणाम)

सूयगङ्गा सूत्रना त्रिंशत् अश्वयुजं नाम के अर्थात् उपसर्ग-परिषद् के सहन करना तेनी समग्र आपत्तियों की ओर. सूत्र सूयगङ्गा के तीसरे अश्वयुज का नाम, कि जिस में उपसर्ग-परिषद् कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिक्षा दी है. Name of the 3rd chapter of Sūyagadāṅga dealing with the way in which afflictions are to be endured.

सम० १६; २३; सू० १, ३, ४, २२;

उपसर्ग. न० (उपसर्ग) उपसर्ग.

उप० उपसर्ग; उप०. Disturbance; trouble; annoyance. विशेष० ३००५; (२) अप्रधान-भूत-गौण-प. गौण-प. अप्रधान. secondary; subsidiary; subordinate. विशेष० २२६२;

उपस-स-सि. (उपसक्त) आ० आसक्तिवाले.

नाद आसक्तिवाला. Deeply attached; grossly attached. उ० ३२, २६;

✓ **उपसम.** धा० I, II. (उप + शम्) शांति

शब्द; प्रकृतिने उपशमायती. शांतिहोना; प्रकृतिको उपशांत करना. To become calm; to calm down passions.

उपसमह. वे० १, ३३; ना० १६; क० ६, २६;

उपसमेह. प्र० भग० १, ३;

उपसमेति. सम० ३४;

उपसमेति. रा० ३४;

उपसमेजा. वे० १, ३३;

उपसमित्प. हे० क० ना० १३;

उपसमित्प. प्र० हे० क० ना० १३;

विवा० १;

उपसम पुं० (उपशम) क्षमा; शांति. क्षमा;

शांति. Forgiveness; calmness;

peace. द० ८, ३६; वे० १, ३३;

(२) पञ्चाशद्विंशति पंद्रह दिवस पुं० नाम.

पक्ष के पंद्रहवें दिन का नाम. name of the 15th day of a fortnight.

जं० प० सू० प० १०; (३) अक्षरात्रि

त्रिंशद्भुजं नाम पंद्रह अथवा तीस

भुजं नाम अथवा रात्रि के तीस भुजों

में से पंद्रहवें अथवा बीसवें भुज का

नाम. name of the 15th as

also of the 20th Muhūrta of

a day and night (containing

30 such) जं० प० सू० प० १०; क्षम०

३०; (४) मोक्षनीयनी उदयमां आवेदी

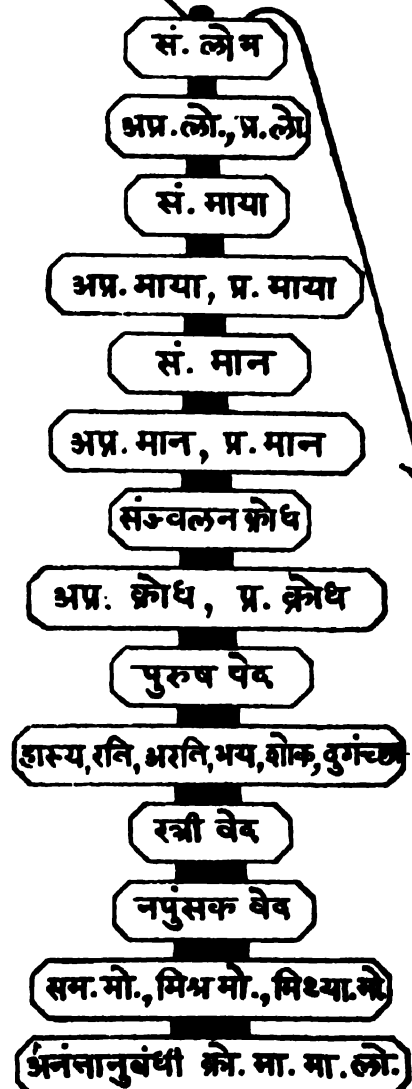
प्रकृतिना क्षय કરવો અને ઉદયમાં આવવાની હોય તેને દબાવી દેવી-ઉદયમાં આવવા ન દેવી તે. મોહનીય કર્મ કાં ઉદયમે આઈ હુઈ પ્રકૃતિ કા સ્થ કરના જૌર ઉદય મે આને-વાલી પ્રકૃતિ કાં દબા દેના-ઉદયમે ન આને-દેના. destruction of that Mohaniya Karma which has matured and the assuaging of that which is dormant. ક. ગં. ૨, ૨, ૪, ૧૬, ૬૭; પ્રવ. ૩૫; ૬૪. ૦; ૬૪૫; ઉત. ૩૨, ૧૧; આયા. ૩, ૬, ૪, ૧૪૪; મત. ૮૮; આવ. ૩૪; અણુજો. ૧૨૭; —નિષ્પક્ષણ. પું. (-નિષ્પક્ષ) જે પ્રકૃતિના ઉપશમ કરવામાં આવ્યો છે-ઉપશમની નિષ્પત્તિ થઈ ચુકી છે તે जिस प्रकृति का उपशान्त कर दिया है-उपशम की निष्पत्ति होगई है वह. calmness which has been born as a result of assuaging the passions. अणुजो. १२७; —सार. त्रि. (-सार) ઉપશમ-પ્રકૃતિઓનો તિરોભાવ છે સાર-સત્ય જેવો. ઉપશમ-પ્રકૃતિયોં કા તિરોભાવ હૈ સાર-સત્ય जिसका ऐसा. (anything) having for its essence the subsidence of Karmic Prakritis. “ उवसमसारं सुसामकं ” कप. ६, ५६; —सेणि. स्त्री. (-श्रेणि) અનંતા નુબંધિ આદિ પ્રકૃતિઓને શસ્ત્રમાં કહેલ કમ પ્રમાણે ઉપશમાવાતાં ગુણશ્રેણિથી ઉપર ચડે તે; આ શ્રેણિથી અગીયારમા ગુણકણપર્યંત જવાય છે. શાસ્ત્રમે કહે હુએ કમાનુસાર અનંતાનુબંધિ આદિ પ્રકૃતિયોં કા શમન કરતે કરતે ગુણશ્રેણિપર ચડના इस उपशम श्रेणि से ग्यारहवें गुणस्थान पर्यन्त पहुँचा जा सकता है. the ladder of spiritual advancement leading

up to the 11th Gunasthānaka by a gradual subsidence of deluding passions etc. પ્રવ. ૭૭૬;



અનુત્તર વિમાન.

—ઉવસમ-સેણિ.—



उवसमञ्ज. पुं० (उपशमक) उपशमभावा
वाणा मुनि; उपशम श्रेष्ठिये यत्नार. उपशम
भाव वाले मुनि; उपशम श्रेष्ठिये चढनेवाले.

An ascetic with passions calm-
ed down; one trying to curb and
assuage his passions भग० २५, ७;

उवसमग. पुं० (उपशमक) जुओ "उप-
समञ्ज" शब्द. देखो "उपसमञ्ज" शब्द.

Vido. "उपसमञ्ज" भग० २५, ६;

उवसमणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ "उवसम-
ण्या" शब्द. देखो "उवसमण्या" शब्द.

Vido. "उवसमण्या" क० प० ५, १;

उवसमि. त्रि० (उपशमिन्) औपशमिक
उपशम समझितवाले उपशम सम्यक्त्ववाला.

One possessed of Upasama
Samyaktva (i. e. subsidential
right belief). क० गं० ७, २५;

उवसमिय. पुं० (औपशमिक) मोहनीय-
कर्मेनी प्रकृतिने उपशम. मोहनीय कर्म की
प्रकृति का उपशम. Subsidence of
Mohaniya Karma. (२) उपशम
निष्पन्न-औपशमिक भाव. उपशम निष्पन्न
भाव. calmness of mind born
of that subsidence. अणुजो० ८८;
१२७; भग० १४, ७; १७, १; २५, ६;
(३) त्रि० शान्त. शांत. free from pas-
sions; calm. सू० न० १, ३४४;

उवसमियच्च. त्रि० (उपशमितच्च) उपशमा-
वयुं ते. उपशम करना. Assuaging;
causing to subside. वेय० १, ३३;
कप्प० ६, ५६;

उवसामञ्ज. पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
२८ प्रकृतिने उपशमावी ११मे शुश्रूस्थाने
वर्तमान शुच. मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-
तियों को शमन कर ग्यारहवें शुश्रूस्थान में
विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gupasthāna with all the
28 varieties of Mohaniya
Karma subsided. सम० १४;

उवसामग. पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
प्रकृतिओने सर्वथा उपशमायनार. मोहनीय
की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला.
One who causes right-conduct-
deluding Karma to subside
completely. क० गं० ४, ७३; प्रव० ७३३;

उवसामणा. स्त्री० (उपशमना) जुओ
"उपशम" शब्द. देखो "उपशम" शब्द.
Vido. "उपशम" क० प० ५, ६५;

उवसामण्या. स्त्री० (उपशमन) शान्ति उप-
शमप्रति. शांति; उपशम भाव. Ascetic
renunciation; calmness; free-
dom from passions. भग० ३, १;

उवसामणोवकम. पुं० (उपशमनोपक्रम)
क्रमेने उपशमायनाना उपक्रम-आरंभ.
कर्म का उपशम करने का उपक्रम-आरंभ.
Commencement of effort to
assuage Karma. ठा० ४, २;

उवसामियच्च. त्रि० (उपशमयितच्च) उपशम
करावे. उपशम कराना. Causing
subsidence of Karma कप्प० ६, ५६;

उवसेवण. न० (उपसेवन) सेवा करनी.
सेवा करना. Attending upon;
rendering service to. प्रव० २७४;

उवसोभमाण. पुं० (उपशोभमान) शोभाय-
मान. शोभायमान. Beautiful; charm-
ing. नावा० १३; भग० २, १; ७, ३;

उवसोभिञ्ज-य त्रि० (उपशोभिञ्ज) शोभिपुं
थओपुं. शोभनीय बना हुआ. शोभित.
Beautified; adorned; made beau-
tiful. " क्विसीसएहि उवसोभिण्ण " राव०
" हारवहार उवसोभिण्ण " राव० जं० ५०
१. ११; नाया० १;

उवसोभेमाण्. पुं० (उपसोभमान्) शोभतो.

सुंदर; सुशोभित; शोभायमान; खूबसूरत.

Beautiful; appearing beautiful

नाया० १; ११; १५; भग० २, १; १५, १;

जं० प० २, १६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोभित) शोभावाञ्छुं.

सुंदर; शोभामान्. Beautiful; lustrous;

handsome. नाया० १; ६; सु० च० १,

५१; जं० प० ७, १६६;

उवसोहिय. त्रि० (उपशोभित) निर्भक्ष करेक्ष;

शोधेक्ष. शाधाहुआ. Purified. नाया० १;

✓ उव-स्सय. धा० I. (उप + आ + श्रि) पेशतुं.

बुसना. To enter; to resort to.

उवस्सय. निर० २, ४;

उवस्सअ-य. पुं० (उवाअय = उपाश्रीयते-

सेव्यते संयमपाज्जनाय शीतादिप्राणार्थं वा यः

स तथा.) साधु साध्वीने रक्षेवानुं स्थान;

उपाश्रय. साधु साध्वीके रहनेका स्थान;

उपाश्रय. A Jaina monastery.

आया० १, १, ३; १५; २, १, १, १; २, ४,

२, १३८; नाया० १४; १६; नाया० ध० राय०

२३५; निर० ३, ४; उत्त० २, २३, ३६,

५; पणह० २, ३; ओघ० नि० भा० १७;

दस० ७, २६; वेय० १, १४; वव० ९, ७;

८, ६; दसा० ७, १; निसा० ८, १२;

कण्ठ० ६, २४; प्रव० ५४४; गच्छा० १४;

उवहअ-य. त्रि० (उपहत) दोड़ोभां

पराभव पायेहुआ; नाश प्राप्त-विनष्ट. Destroyed;

disgraced amongst

people सु० च० १, २७; भग० ३, २;

विशे० ११६; आया० १, २, ३, ७६;

उवहड. पुं० (उपहत) वासलुभां काटेक्ष

होय तेज ओड़तुं ओवे अलीग्रह विशेष.

बर्तन में निकाल कर रखे हुए कोही भोजन

Vol. II/38.

रूपसे ग्रहण करनेका अभिग्रह नियम विशेष.

A kind of vow to eat only

that food which is placed in a

dish वव० ६, ४४; ४५; (२)

वासलुभां काटेक्षु-पीरसेक्षु. बरतन में निकाला

हुआ-परोसाहुआ. served in a dish.

ठा० ३, ३;

✓ उवहण. धा० I. (उप + हन् क० वा०)

नाश पामतुं. नाश पाना. To perish;

to be destroyed.

उवहम्मह. क० वा० पिं० नि० ६२२; दश०

७, १३;

उवहम्मंति. भत्त० १३५;

उवहति. स्त्री० (उपहति) व्याधात-अंतर.

अन्तर; फर्क; Destruction; break

of continuity. विशे० २०१५;

✓ उवहस. धा० II. (उप + हस्) हसतुं;

भरकरी करवी. हंसना; दिङ्गली करना; मजाक

करना. To laugh at; to joke.

उवहसे. दस० ८, ५०;

उवहसंति उत्त० १२, ४;

उवहसिंहित. भग० १५, १;

उवहसिअ. त्रि० (उपहसित) हंसी कडाडि.

हंसा हुआ. Laughed at; ridiculed.

तंडु०

उवहाण. न० (उपधान = उप समीपे धायते

क्रियते सूत्रादिकं येन तपसा तदुपधानम्)

अनशन आदि आर प्रकारना तप. बारह

प्रकार के तप. Austerity of 12

kinds. ओघ० नि० भा० १६८;

नंदी० ५०, उत्त० २, ४३; ठा० २, ३;

सम० ३२; पंचा० ६, ७; १५, २३; (२)

करतुं ते; विधान. करना; विधान. perform-

ance; doing. ओघ० १८; (३) ओसिदुं.

तकिया. a small pillow for the

head. सु० च० १, ४४; ओघ० नि०

२०५: (८) सूत्रनी पाथना उपर तप
 करुं ते. मत्र वचने का तप करना.
 austerly performed after read-
 ing Sūtras. प्रव० २६८; —पडिमा
 ला० (-प्रतिमा) उपधान-तप विशेष
 अभिग्रह करना, नियम करना. & vow to
 perform the austerly known
 as Upadhana. ठा० २; ४, १; ओव०
 —सुय. न० (-भुत=महावीरसेवितस्योपधा-
 नस्य तपसः प्रतिपादकं भुतं गन्धः उपधान-
 भुतम्) उपधान भुत नामनुं आचारंगनुं ८भुं
 अभ्ययन उपधान सूत्र नाम का आचारंग का
 आठवां अध्याय. the 8th chapter of
 the Āchārāṅga Sūtra, styled
 Upadhana Sūtra. ठा० ५; सम० ५;
 उवहास्यग. न० (उपधानक) ओसीङ्ग. तकिग.
 A pillow. प्रव० ६८४;

उवहास्यगंत. पुं० (उपधानवत् = उपधीयते-
 उपटभ्यते छुतमनेनेति उपधानतपस्तद्वि-
 ष्यते यस्मात्सौ उपधानवान्) उपधान-शास्त्र-
 पाथन निमित्तं तपविशेष. तेनुं करना.
 शास्त्रपाथन के लिये किये जानेवाले तप विशेष-
 को करने वाला. One who practises
 the austerly known as Upad-
 āna with a view to study the
 scriptures. “वसे गुरु कुंजाधिपं जंगवं
 उवहास्यवं” उत्त० ११, १४: ३६, २७;
 मूय० १, २, १, १५;

उवहार. पुं० (उपहार) भेंट; “क्षीस. भेंट;
 पारितोषकः इनाम. A gift; a present.
 “ पहासमुदघोवहारेहिं सम्बन्धां देया ”
 कल्प० ३, ३४; पयह० १, २;

उवहिय. पुं० (उपधि = उपधीयते संगृह्यते
 ह्युपधिः) यत्न-धरेणुं धरणात् पगेरे उपधिः;
 उपकरुणुः साभधी. वज्र, आभूषण, घरबार

आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. World-
 ly possessions, such as clothes,
 ornaments, house etc; material
 possessions; implements. भग०
 १२, ५; १७, ३; १८, ७; निसी० २. ५६;
 १२, ४७; १६, २५; पि० नि० भा० २६;
 २६; पि० नि० ६८; दस० ६, २, १८; १०,
 १, १६; आया० २, ३, २, १२१; सम०
 १२; उत्त० १२, ४; १६, ८६; २४, ११;
 ओव० २०; प्रव० ४६८; (१) भाया;
 कपट. माया; कपट. fraud; deceit.
 पयह० १, २; —धोआण. न० (-धावन)
 उपधि-यत्नादि धोया ते. वस्त्रादिका धोना.
 washing, cleansing of clothes
 etc. प्रव० ३०; —पयहकाण. न०
 (प्रत्याख्यान = उपधिरूपकरणं तस्य रजो-
 हरणमुत्सर्वाकाव्यातिरिक्तस्य प्रत्याख्यानं
 न मवाऽसौ गृहीतस्य हस्येवं रूपा निवृत्ति-
 रूपधिमत्याख्यानम्) उपधि-यत्नपात्र आदि
 उपकरुणु-तेने त्याग परिहार. वज्र, पात्र
 आदि उपकरणों का त्याग-परिहार. aban-
 donment of material posses-
 sions such as clothes, vessels
 etc. उत्त० २६, २; —विउदसग. पुं०
 (-व्युत्सर्ग) यत्न पात्र आदि उपधिने
 परित्याग. वज्र, पात्र आदि उपाधि का परि-
 त्याग abandonment of such
 material possessions as clothes,
 vessels etc. भग० २५, ७; ओव०

उवहिय. त्रि० (उपहित) अर्पणु करेण; पास
 भुकेण. अर्पितः अर्पण किया हुआ; पासमें
 रखा हुआ. Offered for acceptance;
 placed near. विशे० ६३७; भग० १, ६;

उवहिय पुं० (औपधिक) भायापडे पापने
 दांकिनार माया-जल कपट-के द्वारा पापको
 दांकिने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया० २;

उवाङ्कत. त्रि० (उपातिक्रान्त) अतीत
थयेत्; पसार थपु गयेत्. गया हुआ; व्यतांत.

Past; gone. आया० १, ७, ४, २१२;

उवाङ्कम्. सं० कृ० अ० (उपातिक्रम्य)

उत्सङ्घन करीने; ओगांधीने. उल्लांघ करके.

Having crossed or transgressed.

आया० १, ७, १, २००; २, ८, १६३;

(२)परितार करीने; त्याग करीने. त्याग करके

छोड़ करके. having abandoned;

having given up. आया० २, २, ३, १००;

उवाह्य. त्रि० (उपायित) यायेत्; भक्षेत्.

मांगा हुआ; इच्छित. Begged; soli-

cited; desired. "उवाह्यं उवाह्यत्"

नाया० २; विवा० ७; (२) देवनी आरा-

धनाथी प्राप्त थयेत्. देवकी आराधना करने

से प्राप्त. got by propitiating

a deity. ठा० १०, १; —सेस. त्रि०

(-शेष) भातां वधेत्; भातां भातां शेष

रहेत् खाते खाते बचाहुआ (the portion

of food) which has remained in

the dish after one has taken

his fill. आया० १, २, १, ६७;

उवाह्य. पुं० (*) त्रयु धृष्टियवाणे श्रु.

तीन इन्द्रिया वाला जांव. A three-

sensed living being. पञ० १;

उवागम-य. त्रि० (उवागत) प्राप्त थयेत्;

भेगवेत्. पाया हुआ; प्राप्त. Got; acquir-

ed; obtained. जं० प० ओव० १०,

नाया० १; ६; १४; १६; भग० १५, १;

उवाचिय. त्रि० (उपायित) भरैत्; व्याप्त.

भरा हुआ; व्याप्त. filled; full; pervad-

ed by. नाया० १३;

उवाह्य. पुं० (उपाह) पञ्चभा; जेडा.

जूती का जोडा. A shoe; a pair of

shoes. " तिगिच्छुमाणावाप, समारंभं

च जोहयो " दस० ३, ४; पण० २, ५;

सूय० १, ४, २, ६; प्रब० ४३८;

उवादाण. न० (उपादान) मुख्य कारण.

पहला कारण. मूल कारण. Primary or

material cause. विशेष १२२६;

उवादेय. त्रि० (उपादेय) उपादेय-आहर्षा-

योग्य वस्तु. उपादेय-ग्रहण करने योग्य.

Acceptable; worthy of being

accepted. पंचा० ५, २०;

उवाच-अ. पुं० (उपाय) उपाय; साधन;

अनीकार. उपाय; साधन; तरीका. A means;

a remedy; an expedient. "विषये

पिजो उवाणं चोहन्ना कुप्पइनरो " दस०

६, २, ४; " एगं च दोसं चतेहं मोह,

उद्धत्तुका मेण समूलं जालं । जे जे उवाया

पडिवजियन्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणु

पुड्वि " उत्त० ३२, ६; विशेष ५६७; ओव०

ठा० ४, ३, नाया० १; ६; ८; १२; सूय० १,

४, १, २; दस० ८, २१; पण० ३६; (२)

युक्ति. युक्ति. a scheme; a plan.

सू० प० १; —उभाय. पुं० (-अध्यायक)

पानाना अने पारका दितनो उपाय अितय-

नार अपने और दूसरे के हितका उपाय

सोचने वाला. one who reflects

upon the means of securing

his own well-being as well as

that of others. विशेष ३१६६;

—पव्वज्जा. स्त्री० (-प्रव्रज्या) भुङ्गती सेवा

करी दीक्षा लेती ते. गुरुकी सेवा कर दीक्षा

लेना. taking of Dikṣā after

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

rendering service to a preceptor. ठा० ३, २;

उवाय-अ. पुं० (अवपात) आचार्यनी निर्देश-आज्ञा आचार्यकी आज्ञा. The order of a preceptor. सू० १, १४, १; (२) आ०. खड्डा; गड्डा. a pit; a ditch. आगा० २, १, ४, २७; जीवा० ३, ३; पगह० १, १;

उवायण. न० (उपायन) भेट. भेंट; पारितोषक. A gift; a present. मु० च० ८, ४६; (२) याचना करती; मागणी करती. मांगन; याचना करना. praying for; asking for; solicitation. विशेष० १८७८; उवायमाख. त्रि० (उपायमान) पुत्र आदिनी याचना करतो-ती-तुं. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter. नाया० २; १७;

उवासंभ. पुं० (उपासम्भ = उपासम्भनमुगालम्भः) ह०. आपवे ते; ओष०. ओ. ठपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproof; a reprimand. पिं० नि० भा० ४५; विशेष० २४८; ठा० ४, ३;

उवास. पुं० (अवकाश) अवकाश; आकाश; खाली जगह Vacant space; sky. भग० १, ६; वव० ७, १८; (२) उपाश्रय; निवास स्थान. उपाश्रय; जैनसाधुओंका ठहरनेका स्थान. a Jain monastery. निसी० १७, २०; —अंतर. न० (-अन्तर) धनवा तनवा पगरेनी पय्येनु आकाश; आंतरारूप आकाश. घन वात विलय और तनवात विलयके बीच का आकाश. intervening void space. एएसुखं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततुवाया पइद्विया ” ठा० ७; २, ४; निसी० ६, १२; वव० ८, १; पज० १५; जीवा० ३, १; भग०

१, ६; ४; २, १०; ६, ४; १२, ५; १३, ४; २०, २;

उवासअ-य. त्रि० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधुनित्युपासकाः) उपासना करनेवाला; सेवा करने वाला; सेवक. (One) who worships or serves or waits upon. निसी० ८, १२; पिं० नि० १५८; ४६४;

उवासग. पुं० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधुनित्युपासकाः) साधुनी उपासना करनेवाला; श्रावक. साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक. One who renders service to an ascetic; a Jainalayman. उवा० १, ७०; २, १२३; उत० ३१, ११; सम० ११; (२) धर्म सांलणवाणी अभिलाषावाणी. धर्मोपदेश सुननेकी इच्छा वाला. one, desirous of learning religious truths from a Guru. भग० ५, ४; —पडिमा. ली० (-प्रतिमा = उपासका-श्रावकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा अभिप्रहविशेषाः उपासक प्रतिमाः) उपासकनी-श्रावकनी ११ पडिमा. श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएं. the 11 vows of a Jainalayman. वचा० १०; १; आव० ४, ७; नाया० ५; दसा० ६, १; २;

उवासगदसा. ली० (उपासकदशा = उपासकाः श्रावकास्तद्गताश्रुतादिक्रियाकलाप-प्रतिबद्धा दशा अध्ययनानि उपासकदशाः) उपासक-श्रावकना अधिकारना दश अध्ययन जेमां छे ओया सातमां अंगसतनुं नाम; उपासकदशा सूत्र. उपासक-श्रावक के अधिकारके जिसमें दश अध्याय हैं उस सातवें अंगरूपका नाम; उपासगदशा सूत्र. Nāṇie of the 7th Aṅga Sūtra dealing with the duties of a Jainalayman in 10 chapters. उवा० १०, २१५; अणुजो० ४२; नंदी० ४४; ५१; सम० १; ७;

उवासिया. स्त्री० (उपासिका) सिद्धांत सांभ-
लाना की धृष्टतावाली स्त्री; श्राविका. सिद्धान्त
सुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री; श्राविका.
A woman desirous of learning
religious truths from a precep-
tor; a Jainalaywoman. भग० २,
४; १५, १.

उवाहृण. पुं० (उपाहृण) पगरभुं; आसपुं.
जूता. A shoe; a pair of shoes.
“कुत्तो बाहृण संजुते, भाउरत्तवत्थ परिहिण्”
भग० २, १; अणुत्त० ३, १;

उवाहि. पुं० (उपाधि) उपाधि; विशेषण.
उपाधि; खिताब; विशेषण; पदवी. World-
ly fetters; attachment to world-
ly objects; a title; an epithet.
आया० १, ३, १, १०६;

उविक्खअ. त्रि० (उपेक्षक) उपेक्षा करनेवाला;
भेदरक्षक. उपेक्षा करने वाला. Neglect-
ful; indifferent. गच्छा० २८;

उविक्खा. स्त्री० (उपेक्षा) उपेक्षा. उपेक्षा.
Neglect; indifference; contempt.
पंचा० १८, ३४;

उविच्छ. अ० (उपत्य) प्राप्त करीने; भेजनीने.
प्राप्त करके; पा करके. Having got or
obtained. उत्त० १३, ३१;

उवीला. स्त्री० (अवपीडा = अवपीडनं परेषा-
मियवपीडा) परने पीडा उपजाने वाली ते. दूसरे
का दुःख देना. Giving pain or trou-
ble to others. विवा० ६; परह० १, ३;

उवेअ. त्रि० (उपेत) युक्त; संयुक्त; सहित
संयुक्त; सहित; साथ. Accompanied
with; joined with; possessed of.
पत्त पुत्त फळावेए ” उत्त० ६, ६;

उवेहलिय. पुं० (*) अनंत काय
विशेष; कंद मूलनी ऐक जाति. कंद मूल की
एक जाति; अनंत कायरूप वनस्पति विशेष.
A kind of bulbous root. भग० २३, ३;

उवेहिअ. त्रि० (उपेक्षित) उपेक्षा करेला.
उपेक्षा किया हुआ; जिसकी परवाह नहीं की
बह. Neglected. सु० च० ५, १००;

*उव्वकिउं. अ० (उव्वकी) आगालीने. उगार
करके. Having reduced to a
semifluid condition by masti-
cating etc. सु० च० ६, ५२;

उव्वट्ट. पुं० (उव्वट्ट) नारकी अने देवतानो
भव पुरे करी आश्रित गतिमां जयुं ते. नारकी
और देव भव को पूरा करके दूसरी गति में
जाना. Passing into another state
of existence after completing
one's term of existence as a
celestial or hell being. विशेष०
२७४८; (२) पीलीवडे मीकाश दूर
करवी ते; उवट्टयुं करयुं ते. पिठा के द्वारा
चिकनाहट दूर करना; उवटन करना. rub-
bing the body with perfumes;
removing oiliness by knead-
ing with a fragrant substance.
विशे० २६६४;

✓उव्वहृण. न० (उव्वहृण) कर्मनी पुंजी-
स्थितिने अध्यवसायविशेषशी लांभी करवी
ते कर्म की अल्प स्थिति को अध्यवसायविशेष
से दीर्घ काल की करना. Lengthening
the duration of Karmas by
meditation. विशेष० २५१४; (२) उव्वटी
रूपाश्रित भेदन करयुं ते. उलटे हँ की ओर

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*)
foot-note (*) p. 15th.

देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide

से मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दस० ३, ५; उवा० १, २६; १०, २७७; गच्छा० ११३; (३) पश्युं हेरयुं ते. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture). आव० ४, ४;

उद्यट्टणा. स्त्री० (उद्धर्तना) देवता अने नारद्री ने भव पुरे करी अक्षर नीकलयुं ते. देव और नारद्री के भवको पुरा कर बाहर निकलना. Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being. प्रब० ११३६; (२) उगट्टया; भर्दन विशेष. उवटना; मलना; मालिश करना. anointing; smearing; rubbing. नाया० १३; विवा० १; भग० ११, १; १६, ३; २१, १; ३५, २; —आलिगा. स्त्री० (—आवलिका) दुर्भेनी दुंडी स्थितिनी लांगी स्थिति करी ते उद्धर्तना तेनी आवलिका-समयविशेष. कर्म की छोटी प्रकृति की लंबी स्थिति करना, उद्धर्तना-उसकी आवलिका-समय विशेष. the particular moment of prolonging the duration of Karma. क० प० २, ३;

उद्यट्टणावय. त्रि० (उद्धर्तनाकारक) पीछे करानार. उवटना. उवटन कराने वाला. (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent. निसी० ६, २४;

उद्यट्टावेयव. त्रि० (उद्धर्तितव्य) नरकादिनो भवपुरे करी नीकलयुं. नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना. Finishing one's term of life in hell etc.

and taking another birth भग० १३, १;

उद्यट्टिता. सं० कृ० अ० (उद्धर्त्य) नरकादि-भांथी अक्षर निकलीने; नरकादि भव पुरे करीने. नरकादि में से बाहर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it. भग० १५, १;

उद्यट्टित. त्रि० (उद्धर्तित) नरकादिनो भव पुरे करी अक्षर नीकलेख. नरकादि गति-सम्बन्धी भव पूरा करके बाहर निकला हुआ. (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. “आउक्कयण उव्विट्ठिण समाणा” प्रब० ११०३; परह० १, १; ३; क० प० २, २६; (२) उगट्टयुं हेरेख; पीछी मोलेख. उवटन किया हुआ पीछी चिपडा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) पदभ्रष्ट. थपेख. पदच्युत; पदभ्रष्ट. deposed; dethroned; degraded. पि० नि० ४२०;

उद्यत्त भोग. पुं० (उद्यत्त भोग) उत्कट भोग. उल्लसभोग. Keen enjoyment. पंचा० २, ६;

उद्यत्त. पुं० (उद्धर्त) रोगी जिलान के संथारो करनार साधुनी वेयावच्च करनार. निर्यामक साधुनो अेकवर्ग के जे रोगीनी उद्धर्तना-पासुं हेरयुं वगेरे रूपे शुश्रूषा करे. रोगी, ग्लान या संथारा करन वाले साधु की वेयावच्च करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी की उद्धर्तना-करवट लिबाना मालिश करना आदि शुश्रूषा करता है. A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn over from one side to another. प्रव० ६३६;

उद्वरिय. त्रि० (उर्वरित) आहारान्नो अक्षेपे, आहार का एक दोष. A fault connected with food. पं० त्रि० २२७; पंचा० १३, ८; (२) व्युद्गं क्षेपे. जुदा किया हुआ. set apart; separated. पंचा० १३, ८;

उद्वलण. न० (उद्वलन) उद्वली इत्यादी-ये मर्दन करतुं; मर्दन करी भक्ष उतारतुं. उलट कर, की ओर से मर्दन करना. Rubbing a perfumed unguent on the body against the grain; rubbing and cleaning the body with perfumes etc. ओव० ३१, नाया० १३; क० प० २, ४८; कप्प० ४, ६१;

उद्वलण. स्त्री० (— उद्वलना=उद्वलन) उद्वलतुं. खोलना. Act of unfolding or unwinding. क० प० २, ६१;

उद्विग्ग. त्रि० (उद्विग्न) उद्वेग पात्रे; अशांत थये. अशांत; उद्वेगयुक्त. Vexed; troubled; agitated. “जम्म मच्चु भउव्विग्ग. दुक्खसंलग्गवसिणो” जं० प० ३, ६८; ओव० २१; नाया० १, ३; ४; ६; १६; १७; पण्ह० १, १; जीवा० ३, १; भग० ३, १; ६, ३३; १२, १; १८, २; पज० २; नाया० ४० म० च० १, २२६; उवा० ८, २५६; जं० प० ३, ४८; उत्त० १४, ४२:—**मण.** त्रि० (मवम) उद्वेगयुक्त मनवालो. उद्वेगयुक्त मन वाला; विवित

मन वाला. troubled or agitated in mind. नाया० १७;

उद्विह. त्रि० (उद्विष्य) उद्वि. उडा; गहरा. Deep. ओव० नाया० १; जं० प० ६, ११५; (२) उद्विहृत; उद्वि. ऊंचा. lofty; raised; high. सम० प० २३६; भग० ६, ३३; पण्ह० १, ४;

उद्विह. पुं० (उद्विष) गोशासना मुख्य श्रावणं नाम. गोशाला के मुख्य श्रावक का नाम. Name of the principal layman of Gosālā. भग० ८, ५; **उद्विहिय.** त्रि० (उद्विह) उद्वि. उडे. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up. भग० ५, ६;

उद्वीह. त्रि० (उद्विह) उद्वि. आलु. उडे. ऊंचा फेंका हुआ. Thrown up; tossed up; shot up. भग० १८, ३;

उद्वीलम्भ-य. पुं० (अवपीडक=लज्जया अतिचारान् गोपायस्तमुपदेशविशेषरप व्रीडयति-विगतलज्जउत्करोतीति अवपीडकः) आलोचना करनेवाला. आलोचना करनेवाले को यदि लज्जा लगती है तो समझाकर उसे दूर करनेवाला. One who reasons with and removes the sense of shame felt by a person confessing his sins. भग० २५, ७; डा० ८, १;

उद्वीलेमाण. त्रि० (अवपीडयत्) पीडित. पीडावता हुआ. Troubling; afflicting. “पथ कोट्टेहिय उद्वीलेमाणे २ विहिंसे माणे २ विहरइ” डा० ८; विवा० १;

उद्वुज्जमाणा. त्रि० (उद्वुज्जमान) पाटीया उपर भेसी तरतो. पटिये पर नेटकर तिरता हुआ. Swimming upon a wooden board. “तत्तेणं अहं उद्वुज्जमाणे रवण

दीर्घं तेषां संयुक्ते" नाया० ६;
उद्वेगग्रह. पुं० (उद्वेगग्रह) उद्वेग उत्पन्न
 थाय अथवा रोग. जिसमें उद्वेग उत्पन्न हो
 गया रोग. A disease or an ail-
 ment giving rise to anxiety
 and alarm. ज्ञाना० ३, ३;
उद्वेग पुं० (उद्वेग) उद्वेग; अद. उद्वेग;
 मेद; चिन्ता. Mental affliction;
 mental agitation. भग० ३, ७; टा० ३;
उद्वेय. पुं० (उद्वेग) व्याकुलता; उद्वेग.
 व्याकुलता; चिन्ता; घबडाहट; उद्वेग. Agi-
 tation; perturbation; mental
 distress. नाया० १,
उद्वेयणञ्च. त्रि० (उद्वेजनक) उद्वेग करना.
 उद्वेग करने वाला. Causing distress
 or misery; giving rise to pain
 and sorrow. पगह० १, १;
उद्वेयणकरि. त्रि० (उद्वेजनकरिन्) उद्वेग
 करना. उद्वेग करने वाला. (One) be-
 coming angry (one) causing
 distress or pain of mind. भग०
 ६, ३३;
उद्वेयणञ्च. त्रि० (उद्वेजनक) जुआ " उद्वे-
 यणञ्च " शब्द. देखो " उद्वेयणञ्च " शब्द.
 Vido " उद्वेयणञ्च. " भग० ६, ३३;
 पगह० १, १;
उद्वेयणिय. त्रि० (उद्वेजक) उद्वेगप्रदायी.
 उद्वेग करने वाला. Distressing;
 painful; full of misery. " असुहृद्
 उद्वेयणियाए भीमाए गम्भव सहाए यमि
 वध्वं भविस्सह " टा० ६, ३;
उद्वेह. पुं० (उद्वेह) जमीनमें उदात्त; उदा-
 त्ता. गहराई; उँडाई. Depth. भग० २,

८; १५, १; राय० १२५; ज्ञाना० ३, ४;
 जं० प० १, १२; ७, १७४; अणुजो०
 १३४; टा० २, ३;

उद्वेहलिया. स्त्री० (*) अद्वेह जननी
 जनरपति. उद्वेहलिया नामक एक वनस्पति.
 A kind of vegetable growth.
 गय० २, ३, १६;

उत्सगम्. पुं० (अवसन्न) संयमथी थकेप. संग-
 मंग थका हुआ. Fatigued, exhaust-
 ed on account of ascetic prac-
 tices; tired of ascetic penance.
 निर्मा० ४, ३६; ३६;

उत्सण्. अ० (*) भेदों आगे; प्राये.
 बहुधा; प्रायः; Mostly; to a great
 extent. पञ्च० ८, भग० ७, ६; आ०
 २०; वव० १, ३४;

उत्सहसगिणञ्च. स्त्री० (उत्सृष्टकणिका)
 अनन्त अणुद्वारे परमाणु अणुवायु
 अणुवायु नदानीमां नदानी रंघनी संज्ञा; उद्वे-
 रणनी ६४ भेद भाग. अनन्त व्यवहारिक पर-
 पाणुओंके एकत्रित होनेमें बने हुए छोटो
 छोटो स्फंभकी संज्ञा. A name given
 to the smallest molecule made
 up of innumerable atoms;
 1/64th part of an Urdhwa
 Requ. भग० ६, ७,

उत्सगहसगिहञ्च. स्त्री० (उत्सृष्टकणिका)
 जुआ उद्वेग शब्द. देखो उत्सग शब्द
 Vide above. अणुजो० १३४;

उत्सन्न. त्रि० (उत्सन्न) उपर आधेप. ऊपर
 बांधा हुआ. Bound or attached to
 the top. आ० पञ्च० २; राय० ५६;

उत्सन्न. अ० (*) अद्वेजता; प्राये

* जुआ १४ नम्बर १५ नी २२नो२ (*). देखो ४४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

बहुलता; अधिकता; प्रचुरता. Mostly; to a great extent. जं० ४, १; —नस्सगणघाति. त्रि० (-असगण-घातिन्) थल्ले भागे अस प्राणीनी घातने करुनार. अधिकतर अस प्राणीकी घात करने वाला. mostly destroying or killing mobile living beings. दसा० ६, १; —संभारकड. त्रि० (-सम्भारकृत) प्राये कर्मना आरथी प्रेरयेत्त; आरे कर्मपण्णथी प्रेरयेत्त. प्रायः कर्मके भार से दबा हुआ; कर्म के भार से प्रेरित. mostly urged by a heavy load of Karma. दसा० ६, १;

उत्सव. पुं० (कृष्ण) शाश्वती ऐकं जिन प्रतिमानं नाम शाश्वत-निरंतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम. A permanent idol of a 'Tirthankara'. जीवा० ३, ४; कप्प० ३, ४४;

उत्सव. पुं० (कृष्ण—कृष्णसि गच्छति परमपद-मिति कृष्णः) प्रथम तीर्थंकर; ऋषभदेव स्वामी. The first Tirthankara; Rishabhadeva Swāmī. आव० २, ४; भग० २०, ८; सम० २३, २४; जं० प० ५, ११५; अणुजो० ११६; पंचा० १६, ८; गम० प० २३४; (२) त्रि० उत्तम; अष्ट. उत्तमः सर्वो अष्ट. highest; excellent. जं० ४, २; (३) पुं० पद्मरमा दुधमन्तु नाम. पद्महने कुलकर-नेताका नाम. name of the 15th Kulagara i. e. a great leader of men. जं० प० (४) अगद; अष्ट. बैल. an ox. भग० ११, ११; १६, ६; अणुजो० ४७; ओव० जं० प० राय० ४३; नाया० १; (५) अगीयारमा आरमा देवलोकना ध्वजं चिन्ह. ग्यारहवें, बारहवें देवलोक के इन्ह का चिन्ह. the emblem of the In-

dra of the 11th and 12th Devalokas. ओव० २६; (६) अगदना गित पाहुं वस्त्र अथवा आभरण ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो. a cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा० ३, ३; (७) आभराने पाटे. नमड़े का पट्टा. a leathorn belt. जं० प० सम० प० २२६; पञ्च० २३; —आसण. न० पुं० (-आसन) अगदना आकारनुं आसन. बैल के आकार का आसन. an ox-shaped seat. जीवा० ३; —कंठ. पुं० (-कण्ठ) ऐकं मतनुं रत्न. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय० १२१; —कंठग. पुं० (-कण्ठक) ऐकं मतनुं रत्न. एक जात का रत्न. a kind of gem. "उत्सवकंठगणघट्टसमं" जीवा० ३, ४; —कुंड. पुं० (-कूट) ऐकं पर्वतनुं नाम. एक पर्वत का नाम. name of a mountain. जं० प० १, १७; ६, १२५; (२) सिन्धु-कुण्डली पूर्व गंगाकुण्डली पश्चिमे नीलवन्त पर्वतना दक्षिणु को उत्तरार्द्ध कच्छविजयमानो माह योजनानो अग्रे ऐकं कूट-शिखर. गिन्धुकुंड के पूर्व की ओर गंगा कुंड की पश्चिम दिशा में नीलवन्त पर्वत के दक्षिण किनारे पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gaṅgā Kuṇḍa and to the east of Sindhu Kuṇḍa. जं० प० १, १७; —नाराय. पुं० (-नाराय) शुभो "उत्सवनारायसंबवव" शब्द. देखो "उत्सवनारायसंबवव" शब्द. vide "उ-

मभनारायसंघयण " भग० २८, १; टा० ६, १; —नारायसंघयण. न० (—नारायसंह-
नन) जेमां दाउदाना सांधा पटा जेवा
पनपंथी पिंठपेस अने भईत अंधरी
अंधायेस होय ते संघयण; ७ संघ-
यणभानुं गीजुं संघयण. जिस में शरीर की
हड्डियों के जोड़ पड़ेके समान वस्तु से लिपटे
हुए और मर्कट बंधन से बंधे हुए हों वह
संहनन: तृह गंहननो में मे दूसरा संहनन.

a physical constitution in
which the bones are wrapped
round by sinews as hard as
stone and fastened together
tightly by Marakata Bandha;
the 2nd of the six kinds of
Saṅghayana (physical struc-
ture). जीवा० १; —पंक्ति. ली०
(-पंक्ति) अगदोनी पंक्ति. बेलोंकी पंक्ति.
a series or line of oxen.

भग० १६, ६; —ललियविक्रान्त. त्रि०
(ललितविक्रान्त) अगदना जेरी सारी गति
वाला. बेल के समान सुंदर गति वाला. pos-
sessed of a gait beautiful like
that of an ox. राय० ३२; —संस्थित.
त्रि० (संस्थित) अगदना आकारनुं. बेल के
आकारका. ox-shaped. भग० ८, २;

उत्सवभद्र. पुं० (ऋषभभद्र) ऋषभभद्रनामे
अेक ब्राह्मण के जेना घरमां महावीर
स्वामी प्रथम आया हता. ऋषभभद्र नामक
एक ब्राह्मण कि जिसके घर महावीर स्वामी
प्रथम गये थे. Name of a Brāhmaṇa
to whose Mahāvira Swāmī
had visited first. भग० १, ३३;
कण्व० १, २; (२) उसुयार नगर निवासी
अेक गाथापति. उसुयार नगर निवासी एक
गाथापति. a merchant-prince of

Uśuyārnagarn. “ उसुयारनगरे
उत्सवभदेत गाथावद् ” विवा० ४;

उत्सवभपुर. न० (ऋषभपुर) अे नाभनुं नगर
के जेमां तिष्यगुप्त नामे अेक निन्द्य था.
एक नगरका नाम जिसमे तिष्यगुप्त नामक
एक निन्द्य हुए थे. Name of a town
which was the native place of
a Nimbava named Tisya Gupta.
टा० ७, १; विवा० २;

उत्सवभसेण. पुं० (ऋषभसेन) ऋषभदेव-
स्वामीना योरासी लग्ग २ साधुओभाना
भुज्य साधु ऋषभदेवस्वामीके चारोंसा हजार
साधुओं में के मुख्य साधु. The chief
of the 84 thousand Sādhus of
Rishabhadeva Swāmī. सम० १०
२३३; जं० ५० कण्व० ७, २१३; (२)
२०मां तीर्थकरने प्रथम भिक्षा आपनार अ्कृत्थ.
वास वें तीर्थकर का प्रथम भिक्षा देनेवाला
गृहस्थ name of a householder
who first of all gave alms to the
20th Tirthaṅkara. सम० १० २३३;

उत्सभा. ली० (ऋषभा) शाश्वती त्वा प्रति-
भाओ पैडी पड़ेसी प्रतिभानुं नाम. शाश्वती
चार प्रतिमाओ में की पहला प्रतिमा का नाम.
Name of the first of the four
permanent Pratimās. राय० १५४;
—लब्धि. ली० (-लब्धि) उश्वासनी
प्राप्ति. उश्वासकी प्राप्ति. the attain-
ment of (the power of) inhaling
air. क० गं० १, ४४;

उत्सह. पुं० (ऋषभ = ऋषति गच्छति परम-
पदमिति ऋषभः) आदि तीर्थकर; पड़ेसा
तीर्थकरनुं नाम. पहले तीर्थकरका नाम.
Name of the first Tirthaṅkara.
जं० ५० नंदी० ४३; प्रव० ४;

उत्सह-पुं० (वृषभ) अगद. बेल. An ox;

a bull. नाया० ८;

उसहकूट. पुं० (वृषभकूट) એ નામનો એક પર્વત ગંગાકૂટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે યુક્તદિશવત પર્વતને દક્ષિણ તરે છે. इस नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवत पर्वतके दक्षिण की ओर है. Name of a mountain between Gangākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain. जं० प०

उसहसेण. पुं० (ऋषभसेन) ભુએ “ उसभ-सेण ” શબ્દ, देखो “ उभ-सेण ” शब्द. Vide “ उसभसेण ” प्रव० ३०६;

उसा. स्त्री० (उषा-अवरबाध) કાઠ; ઝાકળ. ओस. Fog; dew. (२) प्रभात. प्रातःकाल. dawn. “ तेजः परिहानिरुषा, भानोरश्नोदयं बाधत् ” जीवा० १;

उसिण. पुं० न० (उष्ण-उचति दहति जम्बु-त्पुष्पम्) ઉષ્ણ ૨૫૪; ઉષ્ણતા. गर्मी; उष्ण । हरी. Heat; hot touch. (२) त्रि० त्रि०; गरम. गर्म. hot. आया० १, १, ६, ३३; पञ० १; ३५; भग० २, २; ५; ६, ६; ७; ८; १०, १; १८, ६; २०, ६; दस० ६, ६३; पि० ति० ६५२; जीवा० ३, १; उत्त० २, ८; ठा० ४, ४; नाया० १६; प्रव० ३१; (३) पुं० ઉષ્ણકાલ; ઉનાડો. गर्मी की मौसम. summer; hot season. प्रव० ८७५:

—उ. ग. न० (-उदक) ઉનું પાણી; गरम प. ली. गर्म पानी. उष्ण जल. hot water. “ उसिषोऽगंत-तत्कासुयं पडिगाहेज संजए ” दश० ८, ६; प्रव० ८८८; पञ० १; वेय० २, ५; पि० नि० भा० १८; नाया० १६; —उद्गवियड. अ० (-उदकविकृत) વિકૃત-અચેત થયેલ ઉનું પાણી. अचित पानी; जीवजंतु रहित उष्ण जल. hot water rendered lifeless. निसी०

१, ७; दसा० ६, ४; —उसिण. त्रि० (-उष्ण) ઉનું ઉનું. गर्म; उष्ण; ताजा. hot. निसी० १७, २९; —जोषिय. पुं० (-बोमिक-उष्णमेव बोमिर्वैचान्ते उष्णवैमिकाः) ઉષ્ણ યોનિવાલા જીવ. a living being (female) with hot generative organ or womb.

भग० ७, ३; —तेयलेस्सा. स्त्री० (-तेजो-लेखा) ઉષ્ણ તેજો લેશ્યા; गरम अमिरूप देश्या-तपना प्रभावथी उत्पन्न थयेस એક લક્ષિ કે જેથી પીત્તને પાલી શકે. उष्ण-तेजो लेखा; अग्नि के समान लेखा; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लक्षि जो दूसरे को जला सके. hot and bright Leshyā; a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १; —परिसह.

पुं० (-परिह) તાપ-ગરમીનો પરિસહ. गर्मी का परिह; उष्णता सहन करने रूप तप. bearing affliction caused by heat. सम० २२; उत्त० २, ८; भग० ८, ८, —फास. पुं० (-स्पर्श) ઉષ્ણ ૨૫૪. गरमी; आह २५४ भांति એક. गर्मी; आठ प्रकार के स्पर्शों में से एक स्पर्श. heat; hot touch; one of the 8 kinds of touch. क० गं० १ ४५; —भोजण-जात्र. न० (-भोजनजात) ઉના ભોજનની જાત-પ્રકાર. गर्म भोजन उष्ण भोजन की एक जाति. a variety of food served hot. वेय० ५, १२; —विकट. न० (-विकट) ઉકાલેલું ઉનું પાણી; ઉનું અચિત પાણી. उकाला हुआ गरम जल; गरम अचित जल. boiled water; lifeless, sterilised water. कप० ६, २६;

उसिणभूय. त्रि० (उष्णभूत) गरमभूत.

गर्म; उष्ण. Become hot; made hot. "उसिके उसिकभूए बाणि हंरषा"

भग० ३, २;

उसिय. त्रि० (उचित) निवास करेह; रहैल.

निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ.

1)welt; inhabited. आया० १, १,

३, १८७;

उसीर. पुं० (उसीर) बाणो; ऐक सुगंधि द्रव्य;

पीरियुना भूष. खस; एक सुगंधित द्रव्य;

खस की जड़. The fragrant root

of the plant Andropogon

Muricatus. राय० २६; जीवा० ३, ४;

वणह० २, ५; सूय० १, ४, २८; — पुड.

पुं० (-पुड) बाधानो पडा. खस का पुडा.

a bundle of roots of a fragrant

plant named Andropogon

Muricatus. नाया० १७;

उसु. पुं० (इषु) आलु; तीर; कामडुं. बाण;

तीर. An arrow. "अहेबं से उसु"

भग० १, ८; ५, ६; ७, ६; १८; १; १८, ३;

जं० ५० ४, ४५; अंत० ५, १; राय० २२७;

विरो० ३१४१; सूय० १, ५, १, ८;

उसुकारिज्ज. न० (इषुकारीय) उत्तराध्ययन-

ना यादमा अध्ययनतुं नाम, जेमां मधुकार

राज्य कमलावती राजी मधु प्ररोहित अने

तेनी स्त्री तथा पुत्रोनी अधिकार छे. उत्तरा

ध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसे में

इषुकार राजा, कमलावती रानी, मधु पुरोहित

और उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है.

Name of the 14th chapter of

Uttarādhyayana dealing with

the king Iṣukāra, the queen

Kaṇalāvati, the preceptor

Bhagu etc. अष्टमो० १३१;

उसुगार. पुं० (इषुकार) धातकी पंडमां

दक्षिण अने उत्तर दिशामे विभाज करनार

ऐक पर्वत. धातकी संघमें दक्षिण और

उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत.

Nama of a mountain in Dhā-

takī Khaṇḍa, situated

between and separating the

north and the south. ठा० २.३;

उसुअ. पुं० (इषुक) आलुने आकारे आलुजुं

ऐक आभरथु. बाण के आकार का बालक का

एक गहना A kind of ornament

for a child. "उसुपाइएहिं मंडेहिं

नाबबं अहबबं विभूलेभि" पि० नि० ४२३;

उसुवार. पुं० (इषुकार) ऐ नामजुं मधुकार

राज्य नगर. इषुकार राजा के नगर का

नाम Name of a town belong-

ing to king Iṣukāra. विवा० ३;

उत्त० १४, १; (२) मधुकार नगरीने राज.

इषुकार नगरी के राजा का नाम. the

name of the king of Iṣukāra

town. "उसुगारेबं खबरेउसमदले

गाहाइ" विवा० १, १; उत्त० १८, ३;

उसुयाल. न० (*) उभय. ऊखल. A wood-

en mortar used for cleansing

grain from chaff etc. निसी० १३,

५; आया० २, ५, १. १४८;

उसोवली. स्त्री० (अवस्थापिनी) सामा

भाषसेने गह निद्रा आवी मय तेरी विद्या.

ऐसी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य

को गह निद्रा आजाय. Art of hyp-

notising. सूय० २, २, २७;

उत्स. पुं० (अवरबाव) ओस; हर; आशय.

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओस. Dew; fog; hoar-frost.

“अप्यहरिषु अप्युत्सेसु” वेय० ४, १; भग०

१२, १; उत्त० ३६, ८५; विरो० २५७६; ठा० ४, ४;

उत्सन्न. पुं० (उच्च) आवनी उन्नति. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति. Sublimity of thought. पर६० २, १;

उत्सन्नकण. न० (उत्प्लव्ण स्वयोगप्रवृत्त कालावधेरूर्ध्वं पुरतः प्लव्णमारम्भकरण-मुत्प्लव्णम्) जेने भाटे जे काँइ निर्भाण्डु करेछ छे तेने उलंघने ते कार्य करवुं ते. जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करना. Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पि० नि० २८५; (२) उंचे कूदवुं. ऊँचे कूदना. leaping up; high jump. प्रब० १५७; पंचा० १३, १०;

उत्सन्न. पुं० (उत्सर्ग) काउसग्ग कायाना व्यापारनेो त्याग. कायोत्सर्ग; शरीर के व्यापार का त्याग. Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. सम० ६; ओष० नि० ५६; प्रब० ७५; (२) मलमूत्रदिनेो त्याग. मलमूत्रादि का त्याग. getting rid of urine, solid excrements i. e. feces etc. पंचा० ३, २०; पि० नि० भा० १५; ओष० नि० भा० ३१; भक्त० ४४;

उत्सर्गिग. त्रि० (उत्सर्गिग) उत्सर्गभाग तथा अपवादभागने जलुनारः शास्त्रीय आरीक्ष नियमेने समज्जनार. उत्सर्ग और अपवाद भाग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूत्रम नियमों को समझने वाला. (One) who

has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Śāstras. प्रब० ५५०;

उत्सर्ण. न० (*) अहुयता; ध्येभागे; प्राये. बहुलता; बहुत अधिक; प्रायः mostly; to a great extent. “उत्सर्णमंसाहारा” भग० ७, ७; “उत्सर्णं संजुवा” निसी० ३; जीवा० १; भग० ७, ६; १५, १; — दोस. पुं० (-दोष-उत्सर्णमनु परतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सर्णदोषः) हिंसादिभां ध्येयी प्रवृत्तिवाले. हिंसादि में बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला. one who is too much given to the sin of killing etc. भग० २५, ७;

उत्सर्णहसर्णिह मा. स्त्री० (उत्प्लव्णकविहका) अनंत व्यवहारि परमाणु जेभा था थी अनेक रङ्गनी संज्ञा. अनंत व्यवहारी परमाणुओं के एकत्र होनेसे बने हुए रङ्ग की संज्ञा. Name given to a molecule made up of innumerable atoms. जं० प० २, १६;

उत्सर्ण. (*) लुभेो “उत्सर्ण” शब्द देखो ‘उत्सर्ण’ शब्द. Vide “उत्सर्ण” पदह० १, १; सूय० २, २, ६४;

उत्सर्पणी. स्त्री० (उत्सर्पिणी-उत्सर्पन्ति शुभाभावा अस्वामित्युत्सर्पिणीः) अस्ता आरा पुरा थाय तेदलेो काँइ; दश कोडा कोडा सागरोपम प्रमाणुनेो अस्ता काँइ. उत्सर्पिणी काल; प्रगतिशील बृह कालों के समूह का नाम; दश कोडा कोडी सागरोपम बृह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है. The epoch of increase; the up-

* लुभेो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनेो (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Ārās); the era of increase equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. भग० ३, १; ५, १; ५, ६; १५, १; २०, ८; उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५; १४५; सम० २०; छो० १, १; २, ४; सू० प० ८; पञ० १२; जं० प० ७, १५०; नंदी० १६; कण्ठ० २, १८; —काल. पुं० (—काल) ६३ ढोडा ढोडी सागरोपम भ्रमाक्षु यस्तो काल. उत्सर्पिणी काल; दश कोटा कोडी सागरोपम अगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. जं० प० २, १८; भग० २५, ६; —द्वया. स्त्री० (—अर्थता) उत्सर्पिणी अपेक्षाये. उत्सर्पिणी की अपेक्षा से. भग० ११, ११;

उत्सर्गगुल. न० (उच्छ्वांगुल) त्रय प्रकार ना अंगुल पैडी श्रीजुं वत्सेयांगुल; जेनाथी अशाश्वती वस्तुनी जेभाष पदोकाष पगेरेनो भाप थाय अथवा शरीरनी अवगाहना भपाय ते अंगुल. तीन प्रकार के अंगुलों में से दूसरा उत्सेव अंगुल; जिससे अनित्यवस्तुओं की लंबाई चोडाई बंगरह की नाप होती है अथवा शरीर की अवगाहना नापी जाती है वह अंगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utse-dha Aṅgula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth o

destrunctible objects. विशेष० ३४१: उत्सर्ग. पुं० (उच्छ्वांगुल) भान; अदंकार. मान; घमंड; अहंकार. Pride; conceit. “ थंडिलुत्सर्गवाणिय ” सू० १, ६, ११; उत्सर्व. पुं० (उम्माव) ईश आदिनो भद्रोत्सव. ईश आदि का महोत्सव. A festival; e. g. of Indra etc. नाया० १: २; पण्ड० १, ३; २, ५;

उत्सर्गलया. पुं० (उच्छ्वाव) श्रियुं करुं ते. ऊंचा करना. Lifting up; raising up. भग० १, ८;

उत्सर्विय. सं० क० अ० (विश्वास) विश्वासमां पाडीते. विश्वास में डालकर Having inspired with trust or confidence. सू० १, ४, १, ६;

उत्सर्वास. न० (उच्छ्वास) उश्वास. उतांस. Inhaling of air; breathing in of air. क० गं० १, ४४;

उत्सर्वास. न० (उच्छ्वासित) उयोश्वास. ऊंचा श्वास. Inhalation of breath. नंदी० ३८; आव० १, ५;

उत्सा. स्त्री० (अवराय) अक्षय. आंस Frost; dew; mist. कण्ठ० ६, ४५;

उत्सास. पुं० (उच्छ्वास—ऊर्ध्व प्रवहःश्वासः उच्छ्वासः) भ्रातृपाना सातमा पदं नाम जेमां नारकी ७१ पदे पयते श्वास ले छे तेना कागजुं परिभाषु आपेय छे. प्रज्ञापना के ७ वें पद का नाम, जिसमें “ नारकी जीव कितने समय के बाद श्वास लेते हैं ” इसका वर्णन है. Name of the 7th Padh of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

* बुद्धो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

breath. पञ० १; (२) उये आस लेवो ते. ऊंचा आस लेना. inhalation of breath. पञ० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १८; (३) नामकर्म्मणी ऐक प्रकृति के जेना उदयथी ७१ आसोच्छ्वास लक्ष शके छे. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय ने जीव आसोच्छ्वास लेते हैं. a variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क० ग० १, २६; ५. ६०; पञ० २३; —नीसास. पुं० (-निःश्वास) आसोश्वास लेवो ते; उयेथी नीये ने नीयेथी उये आस लेवो ते. आसोच्छ्वास लेना; ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर आस लेना. respiration. पञ० १; —पद्म. पुं० (-पद्) उच्छ्वास पद-प्रज्ञापना सूत्रना सातमां पदं नाम. उच्छ्वास पद; प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajñāpanā Sūtra. भग० १, १; —विस्स. पु० (-विष) जेना आसमां जेर छे ओही जनिने ओक सर्प. जिसके आस में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प. a serpent with venomous breath. पञ० १;

उत्सासग. पुं० (उच्छ्वासक उच्छ्वासन्ता-गुच्छ्वासकाः) आसोच्छ्वास लेनार. आसोच्छ्वास लेने वाला. One who breathes. नाबा० १; ठा० २, २;

उत्सासय. पुं० (उच्छ्वासक) जुओ 'उत्सासग' शब्द. देखो "उत्सासग" शब्द. Vide "उत्सासग" भग० ११, १;

उत्सिञ्च. त्रि० (उच्छिन्न) उये करेल; उये उपाडेस. ऊंचा उठया हुआ Raised up; lifted up. विवा० २; राय० ७०; ओव० ३१;

जं० प० २, २१; —(ओ)उद्वज्ज-य. त्रि० (-उद्वज्ज) वधेयुं पाणी; उये थोस पाणी. बढा हुआ पानी; बढा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. "जबवेणं समुदे उत्सिञ्चोए" भग० ६, ८; —धया. स्त्री० (-ध्वजा) उये करी छे ध्वज जेछे ते (स्त्री). जिसने ध्वजा ऊंची का बढ (स्त्री). (a woman) who has raised up a flag or banner. विवा० ३;

उत्सिञ्चणा. स्त्री० (उत्सिञ्चन = ऊर्ध्वसेचनमुत्सिञ्चनम्) तयायादिनुं पाणी उलेयी फहार कएनुं ते. तलाव वगैरह का पानी उलीच कर बाहर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त० ३०, ६; भग० ३, ३;

उत्सिञ्चितार. त्रि० (उत्सिञ्च) पाणी उलेयनार. पाणी उलीचने वाला. (One) that draws out or takes out water. दसा० ६, ४;

उत्सिन्न. त्रि० (उत्सृत्) उये करेयुं. उंचा करा हुआ. Raised up; lifted up. जावा० ३, ४;

उत्सिन्न. न० (उत्सिन्न) उये कियेयुं. उंचा किया हुआ. Lifted up; raised up; exalted. (२) अविष्ट; उद्वत गर्विष्ठ; घमंडी; उद्वत. proud; vain. भग० ३, ३; उत्सिसय. त्रि० (उत्सृत्) फैलायेस. पसरैस. फैलाया हुआ; पसारा हुआ. Spread; extended. (२) उये करेस. उंचा किया हुआ. lifted up; raised up. सम० प० २१२; राय० ६६;

उदसीस. न० (उच्छीर्ष) ओशीर्ष. तकिया. A small pillow for the head. ओष० नि० २३२; —मूल. न० (-मूल) ओशीर्षानुं मुण; ओशीर्षानी नीये. तकियेक

बीने का भाग. the smaller-portion of a pillow for the head. निपा० २, ७६; नाया० १.

उत्सुय न० (औत्सुक्य) अत्यधिक-उत्सुकता; उत्सुकता. Excessive eagerness or curiosity; busy inquisitiveness. श्रौत० १६;

उत्सुयुः. त्रि० (उत्सुयुः) इदं रक्षितः अथात रक्षितः, आशुभक्तः कर रक्षितः विना फास का; अथात रक्षित. Free from customs duties; free from taxes. " उत्सुयुः विपरहः " का० ५, १०१; नाया० १; ८; १५; १७; विया० ३;

उत्सुग. त्रि० (उत्सुक) उत्कृष्टः; उत्साह-युक्त. उत्कृष्टः; तीव्र चाह वाला; उत्साह-युक्त. Eager; zealous; enthusiastic. श्रौत० २६;

उत्सुगस्त. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता; आशुभता. उत्सुकता; उत्कृष्टा; तीव्र इच्छा; आशुभता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा० ५० ५;

उत्सुगस्तन. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता; आशुभता. उत्सुकता उत्कृष्टा; तीव्र चाह; आशुभता. Eagerness; perturbation of mind. पद० २, ३;

उत्सुज. न० (उत्सुज) मन, चेतन, अने अपात्र की संपत्ति विरुद्ध आचरण करने ने मन, वचन, और कृत्य में सूत्र के निषेध आचरण करना. Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed. आय० १, ४; भग० ७, १; १०, १;

प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उत्सुय. त्रि० (उत्सुक) उत्कृष्टः; उत्साह-युक्त. उत्कृष्टः; तीव्र इच्छावाला; उत्साह-युक्त. Eager; zealous; enthusiastic. (२) पुं० उत्सुक नाम्ना ओक कुमार. उत्सुक नामक एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). नाया० १६;

उत्सुय. न० (औत्सुक्य) उत्सुकता; उत्सुकता; उत्सुकता. Eagerness; curiosity. नाया० १; — कर. त्रि० (कर) उत्कृष्ट उपलब्धता. उत्कृष्ट पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity. नाया० १;

उत्सुगभूय. त्रि० (उत्सुकीभूत) उत्कृष्ट-युक्त; आतुर अनेत्र. उत्कृष्ट वाला; आतुर; उत्सुक. Made eager or anxious; eager; made curious. " उत्सुगभूयः अन्वेषणं " आया० २, १, ३, १५;

✓ उत्सु-याय. ना० धा० १. (उत्सुकं करोतीति-उत्सुकायते) विषय तर्क उत्सुकता करती-आतुरता करती. विषयों की ओर उत्सुकता करना; विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उत्सुयायति. भग० ५, ४;

उत्सुयायज. भग० ५, ४,

उत्सुयमान. भग० ५, ४;

उत्सुलघ्न. पुं० (*) दुश्मननाश करने वाला भाटे दाँकेली छुरी आदि; ओक मतली आदि. आदि; शत्रु की सेना को गिराने के लिये ढाँकी हुई खाई. A ditch; a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त० ४, १८;

* अथो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उत्सेदम्. न० (उत्सेदिम्) धोतनुं धोयत्युः
अंभर पगेरेना धोत ओसावयामां आवे ते
धोत यागुं प. धी. आटे का धोवन. Water
in which rice-flour etc. have
been soaked. छ० ३, ३; आया० २, १, ७, ४१
उत्सेयस्य. न० (उत्सेदन) ओसाभयुं
पाणी. मांड; चामल वगैरह सिझाने के बाद
निकला हुआ पानी. Water taken
out after rice etc. have been
boiled in it. नि० १७, ३०;

उत्सेद. पुं० (उत्सेध) उँचाई; अयमादनाः
ऊँचाई; अवगाहना. Height; measure
of height. आंच. नि० भा० २६३;
राय० ३६; जं० प० २, १६, ५, १२२;
आव० १०; ३८; उत्त० ३६, ६३; उवा० १,
७६; (२) शिखर. शिखर; चोटी. summit;
peak. जीवा० ३, ४; —अंगुल. पुं०
(—अंगुल) उत्सेधांगुल; आक्षेप्य मध्य-
प्रमायु अंक ७२५; आ अंगुलथी नारदी ति-
यंय पगेरे अर्ध श्रुवेना शरीरनी अयमाद-

ना-उँचाधनुं प्रमायु मध्ययामां आयुं छे.
उत्सेधांगुल; नारदी, तिर्यंच वगैरह जीवों के
शरीर की ऊँचाई का प्रमाण जिससे किया
जाय वह अंगुल. a measure equal
in breadth to eight barley
seeds and used to calculate
the height of hell-beings etc.
प्रव० ५८; १४०६; अणुजो० १३४; —प-
माण. न० (—प्रमाण) शरीरादिनी उँचा-
धनुं प्रमायु. शरीरादि की ऊँचाई का प्रमाण.
height of the body etc. राय० १५४;
उत्सेद. पुं० (उत्सेध) माद-भेदीना शिखर.
ऊपर की मंजिल की चोटी. The top
of the upper floor. राय० १०७;

उद्घासलमिक्षा. श्री० (अवभासल मिच्छा)
पोतानी ओदप्रमायु आपीने भिक्षा लेयी ते.
पहचान देकर ली हुई भिक्षा. Begging
alms after introducing oneself
i. e. disclosing one's name etc.
आव० ४, ५;

ऊ.

ऊक्ष. त्रि० (ऊन) उँधुं; ओधुं; न्यून. न्यून;
कम; ओद्धा; उणा. Wanting; lack-
ing; falling short. अणुजो० ६७;
आव० १६; सूय० २, ६, १५; उत्त० ३०,
२१; नाया० ८; पञ० २; सू० प० १; क०
गं० ३, ३२; पंचा० ३, २०; जं० प० ७,
१३४; क० प० १, १३; —ऊक्ष. त्रि०
(—ऊन) उँधुं उँधुं; ओधुं ओधुं. कम
कम. less and less. क० गं० ५, १९;

ऊक्षग. त्रि० (ऊनक) ओधुं. न्यून; कम.
Less; falling short. भग० ७, १;

ऊक्षत्त. न० (ऊक्षत्त) ओद्धा पक्षुं. कमी.
ओक्षपन. State of being less;

paucity; defect. पंचा० १४, २४;
ऊक्षय. त्रि० (ऊनक) ओधुं “ऊक्षय”
शब्द. देखो “ऊक्षय” शब्द. Vide.
‘ऊक्षय’ पि० नि० ६५०;

ऊष्वाहारिसामिक्छादंसख. न० (ऊष्वातिरिक्त-
मिच्छादर्शन) शरीरना प्रमायुथी श्रुवेने
नानो अथवा भेदी मानवो ते; मिच्छा-
त्यनो अंक प्रकाश. शरीर के आकार परसे
जीवको छोटा या बड़ा मानना, मिथ्यात्वका
एक भेद. Measuring the size of the
soul by the size of the body; a
mode of false belief. “ऊष्वाहारि-
सामिक्छादंसख कतिवा चैव ” छ० २, १;

ऊणिय. त्रि० (* ऊन) न्यून. न्यून; कम
Loss; falling short; lacking.
“ बायालीस बासाहं ऊणियाए ” जं० प०
२, १६; २, ३५; २, ४०; भग० ६, ७; २५,
७; कप्प० १, २;

ऊणोदरिया. स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर-
मुनोदरं तस्य करणं भावे-शुब्-ऊनोदरिका)
दमेधना भोराक करतां कष्टं ओष्ठुं आयुं ते;
ऊनोदरी तप. रोज के प्रमाण से कुछ कम
भोजन करना; भूख से कुछ कम खाना.
Eating less than one's fill; this
is called Unodari austeriy.
ओव० १६; उत्त० ३०, ८; भग० २५, ७;
प्रव० २७१; पंचा० १६, २;

ऊरणी. स्त्री० (*) गाडर. भेड़; गाडर.
A female sheep; a ewe; a
sheep. अणुजो० १३१;

ऊरणीअ. पुं० (और्ध्विक) गाडर पावनार; रगारी.
गहरिया. A shepherd. अणुजो० १३१;

ऊर. पुं० (ऊर) साथण जांघ. A thigh.
“ कण्ठगामया ऊर ” राय० १६४;
“ बाह्मणे ऊर मे ” सूय० २, १, ४२; भग०
५; ४; १६; ८; दश० ४; ८; ४६; जं० प०
ओव० १०; उत्त० १, १८; आया० १, १,
२, १६; जीवा० ३१, ३; निसी० ७, १४;
उवा० २, ६४; —घंट्या. स्त्री० (-घण्टा)
साथण ठिपर लटकती घंटडी. जांघ के ऊ-
पर लटकने वाली घंटी. a small bell
hanging upon a thigh. नाया० १८;
—घंटिया. स्त्री० (घण्टिका) साथण ठिपर
लटकती घंटडी. जांघके ऊपर लटकने वाली
घंटी. a small bell hanging upon
a thigh. नाया० १८;

ऊस. पुं० (ऊष) भारे; क्षयक्षुम्भित रेती;
भारी भाटी. नॉन मिली हुई रेती; खार;
खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed
with salt पन्न० १; निसी० ४, ४०;
दस० ५, १, ३३; पिं० नि० भा० १३;
उत्त० २६, ७३; आया० २, १, ६, ३३;

ऊसड. त्रि० (* उत्सृत) ठियुं करेय. ऊंचा.
किया हुआ. Elevated; made high.
जीवा० ३, ४; राय० १३५;

ऊसड. त्रि० (उत्सृष्ट) तजेधुं; नाभी देवानुं.
छोटा हुआ; फेंक देने योग्य. Abandoned;
thrown away; to be thrown
away. निसी० ८, १६; —पिंड. न०
(-पिण्ड) नाभी देवानुं पिण्ड-भोजन.
फेंक देने योग्य भोजन. food, to be
thrown away or cast away.
निसी० ८, १६;

ऊसड. त्रि० (उत्सृत) ऋद्धि संपदा वेगेरेथी
ठियुं. ऋद्धि, संपत्ति आदि से बड़ा.
Exalted, high by reason of
wealth, prosperity. “ ऊसडं नाभि
धारण ” दस० ६, १, २५; सम० ३३;
(२) साईं रसदार सुगन्धि भोजन. अच्छे
रसवाला सुगन्धित भोजन. rich and
sweet-smelling food. “ रसिबं
रसिबं ऊसडं ऊसडं मयसुणं मयसुणं ”
सम० आया० २, १, ६, २६; २, ६, २, १३७;
दया० ३, १६; (३) ठिठराने भेटाया था
आवेश (ठेठना यगेरे). फलफूल कर जो
बड़ा हो गया बड़ा, (वृद्ध वगैरह).
grown up (plants, crops etc.)-
“ थिरा ऊसडाविय ” दस० ७, ३५;

ऊसपिऊण. सं० ह० अ० (उत्सर्ष) ग्राम

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोः (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

इरीने. पा करके; प्राप्त करके. Having got or obtained. गु० ष० २, १७;

ऊसर. न० (ऊपर) आदी जमीन. नमकीन जमीन. Salt land or soil. मु० न० २, २५; भग० ७३;

ऊसरण. न० (उत्सरण) विपर गच्छ. ऊपर गटना. Rising up; mounting up. "आह्वयसंनतश्रीं समुप्यगणं" विशेष० १२०८;

ऊसव. पुं० (उस्मव) उत्सव; भद्रोत्सव. उत्सव; महोत्सव. A festival; a festive occasion. पि० नि० २२४;

ऊसविय. त्रि० (उस्मृत) उच्चैः इरेक्ष. ऊंचा किया हुआ. Elevated; made high. नाया० १: ८; भग० १, ३३; ११, ११; जीवा० ३, ३;

ऊसविय. अ० (उस्मव) ऐक्य इरीने; जेया इरीने. एकत्र कर के; ऊंचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग० १, ८;

ऊसव. पुं० (उच्छ्वास) उच्चैः श्वास ऊर्ध्व श्वास; उच्छ्वास. Inhalation of breath. भग० १, १;

ऊसासेअ -य. न० (उच्छ्वसित) औ श्वास जेयो. ऊंचा श्वास लेना. Inhaling of breath. विशेष० ५०१; मु० च० १३, ४०; —रोमकूय त्रि० (—रोमकूय) जेना इवत्तां दपथी उया था छे ते. उच्छ्वसित रोमकूय (जिग के रोम हर्ष से ऊंचे होते हैं) रोमाञ्जित होने वाला (one) horripilated with joy. कण० २, १४;

ऊसरिय. पुं० (उस्सरित) पसारेश; विरता-देश. प्रसरित; फैलाया हुआ. पमारा हुआ. Spread; extended. नाया० १८; भग० १, ३२;

ऊसास. पुं० (उच्छ्वास = उच्छ्वसित श्वास) श्वास जेयो जेयो ते ऊंचा श्वास लेना: Inhaling of breath. जीवा० ३. १; जं० ५०२, १८; नाया० १: ८; १३, १: ६; श्रीव० ३६; भग० २, १; ६, ७; गु० ष० २, ४१६; (२) गायनगुं ऐक्य गदय मोक्षता जेरेयो वपन जाये जेरेयो वपन प्रभाज्जो दाय विभाग. गायन का एक तरफ बोलने में जितना समय लगे ऊंचे समयाका काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition.

अणुजो० १२८: —णीसास पुं० (निःश्वास = उच्छ्वासोन्मसह निश्वास) श्वाभोच्छ्वास. श्वाभोच्छ्वास: उपर नीचे श्वास लेना. respiration. भग० ७, ६; जं० ५० २, १८: —ऊ. श्री० (—अश्वन) उच्छ्वास प्रभाज्ज दाय. उच्छ्वास प्रमाण काल. a period of time taken up in singing one part of a musical composition. भग० ६, ७;

ऊसासन. पुं० (उच्छ्वासक = उच्छ्वाससिद्धि-शुच्छ्वासक) श्वास जेना२. श्वास लेनेवाला (One who breathes. भग० ३५, १;

ऊसासनाम न० (उच्छ्वासनाम) नाम धर्माती ऐक्य प्रकृति के जेना उदयथी ७१ श्वाभोश्वास क्षम शके. नाम कर्म की एक प्रकृति कि जिस के उदयसे जीव श्वाभोच्छ्वास ले सकता है. A variety of Nāma-karma by the rise of which a soul gets the power of respiration. क गं० १, ४४; प्रव० १२७७;

ऊसिय. त्रि० (उच्छ्रित) उच्चैः इरेक्ष. ऊंचा किया हुआ. Raised high; lifted up. श्रीव० २१; पञ्च० १६; जं० ५० ३, ४६; ५३; ५७; ७. १६६; भग० ३, ४; ११, ११; नाया० १: ८; ६; १५० २, १, ३;

जीवा० ३, ३; कण्य० ३, ३३; प्रव० १४६०;
ऊसिय. त्रि० (उत्सृत) ङित्युं करेत्; ङित्युं
 भुकेत्. ऊंचा किया हुआ. Raised up;
 placed high. राय० २२५; जीवा० ३,
 ४; नाया० ८; ओव० ४०; (२) उन्नत
 उन्नत; ऊंचा उठा हुआ. lofty; high.
 ओव० ४०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६;
 —**ऊझया.** स्त्री० (ध्वजा) ङित्युं करेत्
 ध्वजम्. ऊंची उठाई हुई ध्वजा. raised up
 banner or flag. विवा० १, २; नाया० ३;
 —**फलहि.** पुं० (स्फटिक-उच्छिन्नमुक्तं
 स्फटिकमिव स्फटिकं चित्तं येषां ते उच्छिन्न-
 स्फटिका मौननिद्रप्रवचनावाप्यापरितुष्टमान
 सा इत्यर्थः) यद्वा उच्छिन्नोर्गलास्थानादपनी-
 योर्द्धाकृतोत्तिरश्नीताः कपाटपश्चाद्भागादपनीतः
 परिघोर्गलावेषां ते उच्छिन्न परिघाः । अथवा
 उच्छिन्नो गृहद्वारापगतः परिघो येषां ते उच्छि-
 त्तपरिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदा-
 वित्त्वेन भिक्षुकाणां गृहप्रवेशार्थमनर्गहित
 गृहद्वारा इत्यर्थः) स्फटिक २२८ ङित्युं निर्मल
 चित्तवाला. a person with a mind as pure
 and transparent as crystal.
 (२) ङेत्युं ओगत्त ङित्युं यदांती द्वार उघाडा
 भुक्ता छे ते. जिसने अपने द्वार सदा खुले
 रखे हैं वह. one who has raised
 up a door-bolt and opened the
 doors. “ ऊसियफलिहे अवंगुयदुवारे
 थिवसंतेउर परघरप्पवेसे ” भग० २, ५;
 नाया० ५; —**संगूल.** न० (ऊंगुल) ङित्युं
 पुं० दीवाजुं. ऊंची पूंछवाला. one with
 the tail lifted up नाया० १;

ऊसिया. सं० कृ० अ० (उत्सृत्य) उत्तरोत्तर
 गतीने, आगगा यधीने. उत्तरोत्तर बढ़कर
 अगदी बढ़कर. Progressing; ris-
 ing step by step. उत्त० १०, ३५;
ऊसियारी. स्त्री० (*) श्रीवाडी. बिल्ली. A
 cat. आया० १, ६, ४, ११;

ऊसीस. न० (उच्छीर्ष) ओसिद्धं. तकिया.
 A small pillow for the head
 or for resting the cheeks on.
 नाया० ७; —**मूल.** न० (—मूल) ओसीकानी
 पासं नीत्ति. तकिया के पास; तांकया के
 नीचे. near a pillow; under a
 pillow. “ उसीसामूले डावेइ ” नाया० ७;

ऊसीसग. न० (उच्छीर्षक) ओसीद्धं; तडीयो.
 तांकया; उसासा. A small pillow.
 भग० ६, ३३; —**मूल.** न० (—मूल)
 ओसीका-तडीयानुं भूत्त. तकिये की नीचे
 की ओर. the bottom or under-
 part of a pillow. भग० ६, ३३;

ऊह. पुं० (ओघ) ओघ-सामान्य संज्ञा, आ-
 दा२, अथ भयुत अने परिभ्रष्ट विषयक संज्ञा-
 भञ्ज. सामान्य संज्ञा-ओघः आहार, भय
 आदि संज्ञाएं. Proposition of the
 subject; inclination towards
 food, fear, sex and worldly
 possessions. विशेष० ५२१; —**सण्णा.**
 स्त्री० (—संज्ञा) लुओ ‘ऊह’ शब्द. देखो
 ‘ऊह’ शब्द. Vide “ऊह” विशेष० ५२३;

ऊह. न० (ऊवस्) गाय, भैंस वगैरेना अडि.
 गाय भैंस वगैरे का अड. An udder of
 a cow etc. विवा० २,

ए.

ए. अ० (ए) अंगोपन. संबोधन. A vocative interjection. ज० ए०

ए. अ० (एवं) आप्रभाजि. इस प्रकार: इस तरह. Thus: in this way. गग० ४, ४; पञ० ३६;

एइय. त्रि० (एजित) इति इति: भूति. कुछ कंपा हुआ: कुछ ध्रुज गया हुआ. A little trembled; quaked. जीवा० ३, ४; राय० १२८;

एक. त्रि० (एक) ऐक्य: ऐक्य: ऐक्य. एक: अकेला; एकही. (One; alone; single; only. नाया० १; सम० १:—(का)अइ. स्त्री० (-असीति) ८१: ऐक्याशी. इक्याशी. 81; eighty-one. वव० ६, ३६; —(का)अइ. न० (-अहस) ऐक्य दिन. एक दिन. one day. भग० ६, ४:—अत्तालीसा. स्त्री० (-अत्तारिणन्) ऐक्याशीस. इकतालीस. 41; forty-one. सम० ४१;—दृष्ट. त्रि० (-अर्थक) ऐक्य अर्थवाणु; पर्यायवाचक, एक अर्थवाला. synonymous. अणुजो० २८:—नीसा. स्त्री० (-त्रिणन्) ऐक्यनिस: ३१. इकतीस. 31; thirty-one. पञ० ४;—पासिय त्रि० (-पार्थिक) ऐक्य पार्थिक सुनार. एक करवट से सोनेवाला. (one) who lies or sleeps on one side only. वेय० २, २: ३:—राइ. स्त्री० (-रात्रि) ऐक्य रात्रि. एक रात्रि. one night. वव० ६, १०;—राय. न० (-रात्र) ए०ओ. “ एकराइ ” शब्द. देखो “ एकराइ ” शब्द. vide “ एकराइ ” दसा० ७, १;—सीसा. स्त्री० (-सिंशति) ऐक्यसीस: २१. एकसीस. 21; twenty-one. गङ्गा० ३; १६; क० प० २, १३;

एकंनयं. अ० (एकनयन) ऐक्य: केन ऐक्य. एक; कोई एक. (One; some one. नाया० ६; एकजडि. पुं० (एकजटिन्) ऐक्य जटि-वाला-पुच्छीवाला अद: ८८ अदमानो ऐक्य. एक जटावाला-पुच्छवाला अद: ८८ अदो में ये एक. One of the 88 planets; a planet with a tail. टा० २, ३;

एक राइया. स्त्री० (एक रात्रिका) ऐक्य रात्रि-नी आरभी बिसयु पडिमा. एक रात्रि की बारहवां बिसु की पडिमा. The twelveth austerity of a Jaina-layman which takes one whole night. वव० १, २४;

एकल-ल-विहार. पुं० (एकाकिविहार) साधुये ऐक्य विचरयुं ते. साधु का अकेला विचरना. Lonely peregrination on the part of an ascetic. वव० १, २६; दसा० ४, ११;—पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा) ऐक्य-ऐक्य विचरयानी प्रतिमा करी ते. एकाकी-अकेले विचरने की प्रतिमा लेना. a vow (by an ascetic) of lonely peregrination. वव० १, २६;—समायारी. स्त्री० (-समाचारी) ऐक्य विचरयानी समायारी-अचार मर्यादा. अकेले धूमने की मर्यादा; विचरने की समाचारी (आचार मर्यादा). a Sādhu's Samāchārī (a point of prescribed conduct) consisting in lonely peregrination. दसा० ४, ११;

एकणउइ. स्त्री० (एकनवति) ऐक्य-ऐक्य नवति. 91; ninety-one. सम० ६१; एकणिय. त्रि० (एकाकिन्) ऐक्य-ऐक्य न. अकेला; सहाय रहित. Alone; help-lessness: unaccompanied. वेय० १, ४६;

एकारस. त्रि० (एकादश) अंगीयार; ११.

ग्यारह. 11; Eleven. क० प० २, १२;

नाया० १२; —अंग. न० (-अङ्ग)

आचारंगदि ११ अंगसूत्र. आचारंगदि

ग्यारह अंग सूत्र. the 11 Anga

Sūtras, o. g. Āchārāṅga etc.

नाया० १२;—अलंकार. पुं० (-अलंकार)

संगीतना ११ अलंकार. संगीत के ग्यारह

अलंकार. the 11 melodies or

tropes of music. राय० १३१;

—मास. पुं० (-मास) अंगीयार महिना

ग्यारह मास. 11 months. दसां० ६, २;

—वार. पुं० (-वार) अंगीयारभी वार.

११ वीं वार. eleventh time. नाया० ६;

एकारसम. त्रि० (एकादशम) अंगीयारभे.

ग्यारहवां. 11th; eleventh. दसां० ६,

२; नाया० ११;

एकारसी. स्त्री० (एकादशी) अंगीयारस.

ग्यारस. The 11th day of every

fortnight. जं० प०

एकावली. स्त्री० (एकावली) कनकावली

जुं० अ० प्रकाशं तप; अनुक्रमे यत्ना उत्त-

रता तपनी आवली-समूह. कनकावली के

समान एक प्रकार का तप; अनुक्रम चढते

और उतरते हुए तप का समूह. Name

of an austerity resembling

that known as Kanakāvalī. It

consists of a number of fasts

in ascending and descending

order. श्रव० १६; (२) अ० सरो दार;

अ० जतनुं धरेलुं. एक प्रकार का गहना.

a kind of ornament; a single

string of pearls, beads etc. निसि०

७, ८; सम० प० २३७; जावा० १, १;

एकासण. न० (एकाशन) आभा दिवसभां

अ० वपत आवां व्रत लेवुं ते. एक व्रत

का नाम जिस व्रत में दिन में एकही बार

खाया जाता है. A vow of taking

only one meal in a day. प्रव०

२०३; पंचा० ६, ७;

एकासणिअ. पुं० (एकाशनिक) अ० अंशों अ०

वपत वपनार. मदा एक बार भोजन करने

वाला. One who takes his food

only once a day. परह० २, १;

एकूणवीसा. स्त्री० (एकोनविंशति) ओग.

शीस; १८. उनीस; उगनीस; १६. 19;

nineteen. सम० १६; सू० प० १;

एक. त्रि० (एक) अ०; अद्वितीय एक; अद्वि-

तीय. One; without a second. पि०

नि० १८५; नाया० १; सम० प० २३२;

श्रव० ३; ३; भग० २, ५; १०; ३, २; ५,

६; ८; ६, ७; ८; १; १८, ७; २०, १०;

२५, ४; ३१, २; वेय० १, ४२; उवा० ७,

१८२; क० प० १, ३४; जं० प० ५, ११२;

—अभिलाष. पुं० (-अभिलाष) अ०

समान सूत्र पाठ. एकसा सूत्र पाठ. one

reading of Sūtras. भग० २, १०;

—(का)अचराह. पुं० न० (-अचराह) अ०

अपराध; अ० शुद्ध. एक अपराध. one

fault or crime. नाया० ६; —(का)

असी. स्त्री० (-असीति) अ० असी;

८१. इक्यासी; ८१. eighty-one; 81.

सम० ८१; —असीति स्त्री० (-असीति)

जुं० " एकासी " शब्द. देखो " एकासी "

शब्द. vide " एकासी " भग० ४०, १;

—(का)आसन. न० (-आसन) अ० अ-

साधु; अ० आसने भेसी दिवसभां अ०

वपत भोजन करनेवां व्रत. एकासना; एक

आसन से बैठकर दिन में एक बार भोजन

करने का व्रत. the vow of tak-

ing only one meal on one

seat during a day (i. e

24 hours); this is also called Ekāsaṇṇā. ओष० नि० भा० २७५; —चीसा. ली० (-त्रिंशत्) ३१; ऐकत्रीश. ३१; इकतीस; 31; thirty-one भग० ८, ९; २०, ५; २४, २१; ४०, १७; ओष० १६; ४१; सम० ३१; कण० २, २४; जं० प० ७, १४८; —देस. पुं० (-देश) आदर इष्टि पगेरेथी जेष्ठ श्रुत्य ऐथी यन-रपति काय पगेरेनी हिंसा. स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आसकनेवाली वनस्पति वगैरह की हिंसा. killing of vegetable life etc. which can be perceived with the eyes etc. विशेष १२३४; —चीसा. ली० (-त्रिंशत्) ऐकतीस; २१; इकीस; २१; इकवीस. 21; twenty-one. भग० २, ८; ६, ५; ७; ७, ६; १६, ६; सम० ११; २१; अणुजं० १४१; क० प० २, १६; —सप्तदि. ली० (-सप्तति) ७१; ऐकोतेर. ७१; इकहत्तर. 71; seventy-one. सम० ७१; —समय. पुं० (-समय) ऐक समय. एक समय. one Samaya i.e. a unit of time, an instant. भग० १, १०; —सरय. न० (*) ऐयज सर-पंक्तिवाग्; उद्देशादि पेटा विभाग विनाजुं. एक ही पंक्तिवाला; उद्देशादि उप-विभागसे रहित (a text composition etc.) not divided into sections, chapters etc. “-सम्पत्तं च पञ्चरसमं सचं एकसरचं” भग० १५, १; —साडिअ. न० (-साटिक) यन्त्रे सांधी न होय तेजुं यन्त्र; साल; दुपट्टो. ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड़ न हो; साल; दुपट्टा a shawl; a scarf; a uniform web of cloth

i.e. having no joint. ओष० १२; —सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) ऐकशी पण्डे सिद्ध थयेस. ककाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह. one, who has attained to salvation by himself i. e. not in the company of others. ठा० १, १; —सीई. ली० (-असीति) ऐकशी. इयमासी; ८१. eighty-one; 81; क० प० २, २३;

एकअ. त्रि० (एकक) इत्त ऐकलो; ऐकल विदारी साधु, अकेला; एकाकी; अकेला विहार करने वाला साधु. Alone; solitary; an ascetic wandering alone from place to place दस० ५, १, ६५;

एककगदसि. ली० (एकदसि) जे तपमां ऐकज दात, अन्न पाएनी लेयाय ते. एक तपका नाम जिस में अन्नजलकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है. An austerity in which one cannot take more than one Dāta of food and water. प्रब० १६२०;

एककगसिस्थ. न० (एकसिस्थ) जे तपमां आभो द्वियस अन्ननी ऐक सिथ उपरांत भूयाय नही ते तप. एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक सिथ के सिवाय नहीं खाया जा सकता. An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc.). प्रब० १५२७;

एकसि अ० (एकश) ऐकश; कोष्ठ यभते. एक समय में; एक बार. Once; in one Samaya (a unit of time = one instant). ओष० नि० १४१;

एककसेस. पुं० (एकसेष) ऐकशीय नामने

* शुभो पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*) foot-note (*) p. 15th.

देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide

समास; समासना ऐक प्रकार. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekasēṣa compound. अणुजो० १३१;

एककाईनाम. न० (इकाईनामन्) ऐक।७ नामना राठोड. इकाई नाम वाला; एकाई नामका राठोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste. विवा १;

एककारस. त्रि० (एकादशन्) अगीपार; ११. ११; ग्यारह: 11; eleven. भग० २, १; ३, २; ७, १०; ८, ८; १४, ६, १५, १; २०, ५; २६, १; ३१, १; ३५, ३; उवा० १, ८६; २, १२४; पत्र० ४; ओष० १४; तु० च० १, ३२७; २, ३५३; विरो० १०६२; —अंग. न० (-अंग) आचारंगीदि ११ अंगशास्त्र. आचारंगीदि ग्यारह अंगशास्त्र the 11 Aṅgśāstras e. g. Āchārāṅga etc. भृग० २, १; ६, ३३; नाया० १; ५; ८; ६; १६; —अंगि. पुं० (-अंगिन्) आचारंग आदि ११ अंगना लभ्युना: आचारंगीदि ग्यारह अंगों को जानने वाला. one proficient in, familiar with the 11 Aṅgas viz. Āchārāṅga etc. चउ० ३३; नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) जेना उत्तरपदभां ११ छे ते. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह. (a compound expression) having " eleven " as its latter part. भग० १, ६; —भाग. पुं० (-भाग) अगीपार भाग. ग्यारह भाग-हिस्से. 11 parts. निर० १, १; एककारसम. त्रि० (एकादश) अगीपारभा. ग्यारहवां. 11th; eleventh. उवा० १, ७१; ठा० ६, १; भग० २, १;

एकारसय. त्रि० (एकादशक) अगीपार; ११. ग्यारह: 11; eleven. भग० २०, १०; एकारसी. स्त्री० (एकादशी) ऐकादशीतिथि; अगीपारस. ग्यारस; एकादशी (तिथि). The 11th day of every fortnight. नाया० ८; जं० प० ७, १५३; एकावपणा. स्त्री० (एकपञ्चाशत्) ऐकावण; ५१. इक्कावन. 51; fifty-one. भग० ६, ३; सम० ५१;

एकावादि. पुं० (एकवादिन्) ऐकन् आत्मा छे ऐभ भाननार ऐक वादी. एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One who holds that there is only one soul without a second. ठा० ८, १;

एकिक. त्रि० (एकैक) ऐके ऐके; प्रत्येक. प्रत्येक. Each taken singly; every one. भग० १, १; क० प० १, ६६; —पडिगगहग. त्रि० (-पतद्रप्रहक) ऐके ऐके पात्र राप्पनार. एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time. प्रव० ६३२; एकिया. स्त्री० (एकाकिनी) ऐकदी (स्त्री). अकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman). नाया० ६;

एकेकिय. त्रि० (एकैकक) प्रत्येक. प्रत्येक. Every one; each taken singly. राय० ६१;

एकेक. त्रि० (एकैक) ऐकेऐके; दरेक; प्रत्येक. प्रत्येक; हरएक. Every one; each taken singly भग० १, ६; ६, ५; ८, १; पिं० नि० भा० ८; उत्त० १०, १४; उवा० ४, १४७; १, २२५;

एकोविसतिम. त्रि० (एकोविसतिम) ओमधुसिधु. उन्नीसवां. nineteenth; 19th. नाया० ८;

एग. त्रि० (एक) ओ३. एक. One. भग०
 १, ५; ८; २, १; ५, ३, १; ६, ३३; १५, १;
 १६; ६; १८, १०; २४, १; २५, २; ६
 नाया० १; २; ५; ६; ८; १०; १३; १४;
 १६; १८; उत्त० १, २६; पि० नि० भा०
 ४१; पि० नि० ७५; वेय० १, ६; १०; दग०
 ६, ६०; ६, १, ३; दसा० ७, १; १०, ३;
 पञ० १; ४; जं० प० १, १७; ५, १०, २०;
 सु० च० १, १०३; टा० ७; अणुजो० १०;
 वव० १, ३५; ३६; ८, २; १५; ६, ३७; ४०;
 ४५; १०, १; २; ४; विशेष० ३१; ८४; उवा०
 २, ६३; ११८; क० गं० २, २९; कण्य०
 ४, ७७; क० प० १, २१; (२) दोष ओ३:
 दोषा ओ३. कोई एक; कुछ एक. some
 one; some. सूय० १, १, १, ६; १, १,
 २, १; आया० १, १, १, १; २; १, ६, २.
 १८३; सू० प० २०; —अंगिय. त्रि०
 (-अङ्गिक) सङ्गः आप्ति; अप्ति. गारा;
 अखंड; पूरा. whole; entire; un-
 divided. ओष० नि० ७०७; —अंतर.
 त्रि० (-अन्तर) ओ३ ओ३ द्विसते आंतरे
 आता आयम्भिष्य द्विवास योगे; ओ३तं
 तप. एक२ दिनके अंतरसे अनवाले आयंबिल
 उपवास आदि: एकान्तर तप विशेष practice
 of austerity known as Ekāntara. (o. p. fasting
 etc. on alternate days). उत्त०
 ३६, २५१; (२) अन्तर समय (अन्तर-
 रहित) ओ३ समय अन्तररहित एक समय.
 continued one Samaya or unit
 of time. विशेष० ३५५; —अंतरा. अ०
 (-अन्तरा) ओ३ आंतर्-अंतरात्. एक
 अन्तराल. one interval; (at) an
 interval of one. क० प० १, ४८;
 —अणुपेहा. ली० (-अणुपेहा) ओ३
 ओ३लो ओ३, भाई ओ३ नथी, ओ३ ओ३लो नथी !

ओ३या प्रकारनी आवना. एकत्व भावना; मैं
 अकेला हूं मेरा कोई नहीं है और न मैं किसी
 का हूँ इस प्रकार की भावना. meditation
 on one's loneliness in this
 world taking this form " I am
 alone and nobody is really
 mine. " टा० ४, १; —असी. ली०
 (असीति) लुओ " एकसीई " शब्द.
 देखो " एकसीई " शब्द. vide. " एक-
 सीई " प्रव० ३६७; —अह. पुं० न०
 (-अह) ओ३ द्विस. एक दिन. one
 day; a single day. भग० १२, ७;
 दगा० ६, २; वव० ८, ४; —अदिअ-य.
 त्रि० (-अन्धिक) ओ३ द्विसन्तु. एक दिन
 का. pertaining to, relating
 to one day; diurnal. भग० ६,
 ७; जं० प० ७, १३३; (२) म०
 ओ३ान्तरे तप. इकतरा दुस्कार fever
 on alternate days. जावा० ३, ३;
 भग० ३, ७; —आमार. पुं० (-आमर)
 ओ३ाकार थपेदो; सरभा आकारवातो. एक-
 कार; समान आकार वाला. uniform;
 homogeneous. भग० ८, २; ६;
 —आभरण. न० (-आभरण) ओ३सरभा
 अभूषण. एक से आभूषण. a uniform
 ornament. राय० ८०; दसा० १०, ३;
 —आमोसा. ली० (आमश) पडिलेदवाना
 पत्थनो मध्यभाग पकड़ी भेतरइना छेडने
 ओ३ीसाथे प्रसवाथी लागतो दोष; पडिलेदवाना
 दोषनो ओ३ प्रकार. प्रतिनिखना करके वस्त्रको
 मध्यभाग से पकड़कर दोनों ओर के पालों को
 एक साथ घिसनेसे जो दोष लगे वह; पडि-
 लेहनादोष का एक भेद. a variety of
 fault incurred in connection
 with the inspection of clothes
 viz. holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends. ઉત્ત. ૨૬, ૨૭; —આસન. ન. (-આસન) એક સ્થાનમાં બેસીને દિવસમાં એકજ વખત જ મનુ તે. एक स्थान में बैठ कर एकही बार भोजन करना. confining oneself to a seat in one place and taking meals only once. આવ. ૬, ૪; —આદિય. ત્રિ. (આન્દિક) એક દિવસનું. एक दिन का. lasting for one day. પ્રવ. ૧૦૩૮; —(મિ) દુર્ગા. સ્ત્રી. (-સ્ત્રી) એકલી સ્ત્રી. अकेला स्त्री. a lonely, solitary woman. ઉત્ત. ૧, ૨૬; —ઉત્તર. ત્રિ. (-ઉત્તર) એક એક વધતું. एक एक बढ़ता हुआ. progressing by one. પ્રવ. ૧૩૪૮; —ઉત્પાન્ન. પું. (ઉત્પાત) એક વાર ઉંચે ચડતું. एक बार उंचे चढ़ता. rising up once. પ્રવ. ૬૦૬; —ગુર. ત્રિ. (-ગુર—एक:गुरो येषां ते तथा) એકખરીવાડા નિર્યય પંચેન્દ્રિય થોડા, યંત્રિય વિગેરે; થત્યર નિર્યય પંચેન્દ્રિયનો એક ભેદ. एक खुर वाला; पंचेन्द्रिय तिर्यच छोटा, गघा, आदि स्थलचर पंचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद. single hoofed; five-sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc.). ઉત્ત. ૩૬, ૧૦૬; ઠા. ૪, ૪; મગ. ૧૫, ૧; જીવા. ૧; —ચક્ષુ. ત્રિ. (-ચક્ષુ) શ્રુતજ્ઞાન અને અવાધિજ્ઞાન રહિત માત્ર ચક્ષુ; इन्द्रियरूप द्रव्य-चक्षु धारण करनेवाला. (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhi-
jñāna and possessed of merely physical sight. ઠા. ૩, ૪; —ચરિઆ-યા. સ્ત્રી. (-ચર્ચા) એકજ

વિદારી થતું-એકલા વિચરતું તે એ પ્રકારે-
द्रव्यार्थी અને ભાવથી; એકાકીપણે સંયમ પાલતાં વિચરતું તે દ્રવ્ય એક ચર્ચા; રાગ-
દ્વેષરહિત એકાંત સ્વપરિણતિમાં પરિણત થતું તે-ભાવથી એક ચર્ચા. एकाकी विहार करनेवाला होना; एकाकी विहार द्रव्यचर्चा व भावचर्चा रूप दो प्रकार का होता है. संयम पालते हुए एकाकी रूप से विचरना द्रव्यचर्चा है और राग द्वेष रहित एकान्त स्वपरिणति में परिणत होना भावचर्चा है. lonely wandering or peregrination. It is two-fold viz. physical and mental The latter means freedom from passion and hate accompanied with contemplation upon the soul. જં. ૧૦ ૩, ૫૨; આયા. ૧, ૫, ૧, ૧૪૫; ૧, ૬, ૨, ૧૮૪; —ચારિ. ત્રિ. (-ચારિન્) એકજ વિદારી. એકાકી વિચરનાર एकाकी-अकेला विहार करनेवाला. (one) who wanders or goes from place to place, alone. સૂય. ૧, ૧૩. ૧૮; —જ. પું. (-जर्च) એકાવ-
તારી પુરુષ; જેને એક વાર ફરી મનુષ્યમાં અ-
વતાર લઈ મોક્ષે જવાનું છે તે. एकावतारी पुरुष; जिसे एकवार फिर मनुष्य योनिमें जन्म लेकर मोक्ष जाना है वह. a man who is to get final beatitude after one human birth. ઓવ. ૩૪; —છત્ત. ત્રિ. (-छत्र) એકજ ઝતું. एकछत्र वाला. hav-
ing one paramount or suzerain king. ઉત્ત. ૧૮, ૪૨; —જડિ. પું. (-जटिन्) જુઓ “एकजटि” શબ્દ. देखो “एकजटि” शब्द. vide “एकजटि” स. ૫૦ ૨૦; —જાય. ત્રિ. (-जाय) એકજ; श्रीनं यर यगरतुं. अकेला; एकही प्रकारका single; without a second. ओव.

१७; —जाया. स्त्री० (-जाया) ऐक स्त्री.
एक स्त्री: एव पत्नी. one wife. दसा० १०,
३; —जीव. पुं० (-जीव) ऐक शु०.
एक जीव. one soul; one life. भग०
११, १; —जीविय. त्रि० (-जीविक—
एको जीवो यत्र तत्तथा) जेभां ऐकल
शु० छे ते; ऐक शु०वाचुं. एक जीव वाला.
having only one life i. e. sen-
tient being. “ एगजीविवा पत्ता ”
पत्र० १; —ट्ट. त्रि० (-अर्थ) ऐक अर्थ-
वाचुं पद. एक अर्थ वाला पद. a word or
expression having one mean-
ing. भग० १, १; १६, ८; प्रब० १२१:
पंचा० ५, २; —ट्टिय. त्रि० (-आर्थिक)
समानार्थ; ऐक अर्थवाचुं. समानार्थी: एक
अर्थवाला. synonymous. पि० नि० ७३:
—ट्टिय. पुं० (-अस्थिक) ऐक गोस्तीवाचुं
इत डेरी पिगेरे. * एक. गुठलावालाफल: केरी
पंगरह. a fruit (e. g. a mango
etc.) having only one stone in
it भग० ८, ३; जीवा० १; पत्र० १;
—ट्टया. स्त्री० (-अस्थिका) नाती न्मया:

होडी; तरा छोटी नाव: बोंगा. a small
boat. विवा० ८; नाया० १६; १७;
—तालीसा. स्त्री० (चत्वारिंशत्) ऐक-
तालीस; ४१. एकतालीस. 41; forty-one.
सू० प० १०; —स्थी. स्त्री० (स्त्री) ऐकली
स्त्री. अकेली स्त्री. a lonely, solitary
woman निसां० ८, १; —दिस्सा. स्त्री०
(-दिश्) ऐक दिशा. एक दिशा. one
cardinal point (e. g. east, west
etc.). विशेष ३६५; —दिस्सामिमुह. न०
(दिगभिमुख) ऐक दिशा तरङ्ग मुण. एक
दिशा की तरफ मुख. face turned to-
wards one direction. भग० २, ५;
—दिस्सि. स्त्री० (-दिश्) ऐक दिशा. एक
दिशा. one direction or card-
inal point (e. g. east etc.).
नाया० १; —दुवार. न० (द्वार) ऐक
पारछुं. एक दरवाजा. one door. बच०
६, १४; ६, १३; —देस. पुं० (-देश)
ऐक देश; ऐक विभाग. एक देश; एक विभाग.
one part; one division. भग० १५,
१; नाया० ३; ७; ८; उत्त० ३६, ११; क०

* जेमे देवन शास्त्रभां पनरपति प्रकरणभां गोस्ती भाटे “ अस्थि ” शब्दना प्रयोग कयो छे
ऐमेन दार्ष्टिक वैद्यक शास्त्रभां पण्डितनी अन्तर २६३ गोस्ती भाटे अस्थि शब्दना प्रयोग कयो छे.
ऐ प्राचीन पुराणी प्रथा छे. जेम् मुत्तुनमोदिताना शरीरस्थानाना चीन अभ्यायना ६४२ पृष्ठनी
२७ भी पंक्तिभां लख्ये छे “ चूतफलेऽपरिपके केशर मांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” काया
आंशाना इतभां—गुदा अस्थि मांस भन्ना गुदा गुदा देखाता नथी. जेस प्रकार जैन शास्त्र में
वनस्पति प्रकरण में गुठला के लिये “ अस्थि ” शब्द का प्रयोग किया गया है उसा प्रकार लौकिक
वैद्यक शास्त्र में भी फल के भीतरका गुठला के लिये अस्थि शब्दका प्रयोग किया है यह प्राचीन पुराणों
की प्रथा है. यथा—मुत्तुनमोहता. अभ्याय तीसरा, पृष्ठ ६४२ पंक्ति २७ वां में लिखा है कि “ चूतफलेऽ
परिपक्वे केशरमांसास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यन्ते ” अर्थात् आम के कच्चे फल में गुदा, अस्थि, मांस,
मज्जा आदि पृथक् पृथक् नहीं दिखते The word “ अस्थि ” which literally means
“ a bone ” is used even in old medical writers like Suśruta to denote
“ a stone of a fruit. ” This is noteworthy. Vide Suśruta Samhitā
(Śāstra Sthāna chapter III. page 642 line 27).

प० ४, ६३; —नाणि. पुं० (ज्ञानिन्)
 वैश्वज्ञानवालो. केवलज्ञानवाला. an omni-
 scient person. भग० ८, २; —निष्कल-
 मल. न० (—निष्कमल) शुद्धी मर्यादाभांभी
 वंदना वभते ओकवार अवग्रहणी अहार
 निक्षयुं ते. गुह की मर्यादा में से वंदना के
 समय एकर अग्रप्रह से बाहिर निकलना.
 going or stepping out once
 with Avagraha (disregard)
 at the time of salutation
 or worship; giving up pro-
 priety of conduct towards a
 Guru or preceptor. सम० १२;
 —निष्कलमलप्यवेस. त्रि० (—निष्कमल
 प्रवेश) जेभां पसया नोक्षयानो ओक
 मार्ग छे ते. जिसमें प्रवेश होने और निकलने
 का एकही मार्ग हो वह. having only
 one door or way for exit and
 entrance. वव० ६, १४: ६. १३;
 —पपस. पुं० (—प्रदेश) ओक प्रदेश-
 जीवुंभां जीवुं अंश-विभाग. एक प्रदेश;
 सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग-अंश. one unit
 of space; the smallest indivisi-
 ble atom of matter. भग० १, ४;
 —पपसहिअ. त्रि० (—प्रदेशाधिक) ओक
 प्रदेशे अधिक-वधारे. एक प्रदेश में अधिक.
 exceeding by one indivisible
 atom of matter. भग० १, ५;
 —पपसिया. स्त्री० (—प्रदेशिका) ओक
 प्रदेशनी (अक्षि). एक प्रदेश की (अक्षि)
 (a line) of indivisible atoms
 of matter. भग० ६, २; —पपसोगाह.
 पुं० (—प्रदेशावगाह) ओक आधाश प्रदेश
 उपर अवगाही रहैत पुद्गल. आकाश के
 एक प्रदेशपर फैला हुआ पुद्गल. an indi-
 visible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग०
 ४, ८; —पक्क. त्रि० (—पक्क) निःप्रति-
 पक्ष; प्रतिपक्ष वगैरुं. जिस का कोई विरोधी
 पक्ष न हो वह; प्रतिपक्ष रहित. without
 a rival; unrivalled सू० १, १२;
 ४, —पक्किय. त्रि० (पाक्षिक) ओक शु-
 द्धा श्रेया; ओक पक्षना. एक गुरु के चेला;
 एक पक्ष का. a disciple of the same
 preceptor: one belonging to
 the same camp. वव० २, २३; २४;
 —पज्जवसिय. पुं० (—पर्ववसित) जे
 संख्याने चार भागतां ओक आडी रहै ते.
 जिस संख्या को चार से भागने पर एक बचे
 वह संख्या. any sum which when
 divided by four leaves one as
 remainder. भग० ३१, १; —पसय.
 त्रि० (—पत्रक-एक पत्र पत्र तत्त्वा) ओक
 पत्र-पांडस. पांडु; जेभां ओक पांडु होय ते.
 एक पत्तेवाला; जिसमें एक पत्ता हो वह.
 one-leaved. “उपप्लेणंभंतेपगपत्तयाकिं
 पगजीवे” भग० ११, १; —पदसिय.
 त्रि० (—प्रदेशिक) ओक प्रदेशवाला. एक
 प्रदेशवाला. having one unit of
 space occupied by an indivisi-
 ble atom of matter. भग० ६, ४;
 —पाइया. त्रि० (—पादिका) ओक पग जेजे
 उठ्युं राख्युं छे ते. जिसने एक पैर ऊपर
 रखा है वह. (one) who has lifted
 up one leg. वे० ४, २२; —पाण.
 त्रि० (—पान) ओक पाणीनी (दात). एक
 पानी की दात. One Dāta of water.
 वव० १०, १; —पाय. पुं० (—पात्र)
 ओक पात्र. एक पात्र; एक बरतन. one
 vessel or utensil. वव० ६, ६;
 —पास. पुं० (—पार्श्व) ओक पडमे रहै-
 नार. एक ओर रहनेवाला; एक तर्क रहने

वांला. one who stays (i. e. lies etc.) on one side. पण० २, १: —**पोगलस्थिय. त्रि०** (—**पुद्गलस्थित**)
 ओक पुद्गल विपर २३६६. एक पुद्गल पर
 स्थित—रहा हुआ. supported on, resting
 on one Pudgala (sub-
 stance). दसा० ७, ११; —**फड्ग. पुं०**
 (—**स्पर्क**) कर्मस्पर्क समूह. कर्मस्पर्क
 समूह. a group or collection of
 Karmic molecules. क० प० ५, ४६;
 —**भत्त. न०** (—**भक्त** —**एकं** . वत्तं भोजनं
 यत्र तत्तथा) ओकासत्तुः द्विपसभां ओक वार
 ७८५० ते. एकासना: दिन में एक बार जमना
 the austerity known as Ekā-
 sanā i. e. taking only one
 meal in 24 hours. “तहएगभत्तं”
 दसा० ६, २३; पंचा० १२, ३५; —**भव.**
 पुं० (—**भव**) ओकज भव; प्रकृत—आधु ओक
 भव. एकही भव; केवल वर्तमान भव. only
 one birth; the present birth. प्रव०
 ८६३; —**भवगहणिय. त्रि०** (—**भवग्राहक**)
 ओक भवने ग्रहण करनेवाला. एक भव को ग्रहण
 करनेवाला; एकभववातारी. (one) who
 is to have one birth. भग० २५,
 ६, —**भविष्य. त्रि०** (—**भविष्य**) ओक
 भवने अन्तरे के रूपे उत्पन्न भवानुं होय
 ते. केभ ओक भव पक्षी शंखरूपे उत्पन्न
 भवुं होय तो ते ओकभविष्य शंख कहेताय.
 एक भव के अंतर से जिस रूप में उत्पन्न होना
 हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शंख
 रूप से उत्पन्न होना हो तो एक भविष्य शंख
 कहलायगा. (condition) after the
 interval of one more birth; e.
 g. a soul which is to be born
 as a conch-shell after the in-
 terval of one birth is called

Ekabhavika conch-shell. अखुजो०
 १४६; —**भक्त. त्रि०** (—**भक्त**) ओकाभ
 भक्तवाले; स्थिर चित्तवाले. एकाग्र मनवाला;
 स्थिर चित्तवाला. steady, concen-
 trated in mind. उत्त० ३५. १;
 —**रात्र. स्त्री०** (—**रात्रि**) ओक रात्रि. एक रात्रि.
 one night. दसा० ७, १; पंचा० १८, ३;
 (२) भिक्षुनी १२मी पडिमा—के जेभां अष्टम
 तप करी डाडिसअ रमशान भूमिभां करवाभां
 आवे छे. भिक्षु की १२ वीं प्रतिमा—जिसमें
 अष्टम तप कर के एक रात्रि का कायोत्सर्ग
 रमशान भूमि में किया जाता है. the 12th
 Padinnā (austerity) of an asce-
 tic in which after fasting, one
 night is spent in Kāusagga on
 the funeral ground. प्रव० ५६५;
 —**राह्य. त्रि०** (—**रात्रिक**) ओक रात्रि
 २३६२२; ओक रात्रिने नियास करनार. एक
 रात्रि रहनेवाला. (one) who stays
 for a single night. वेय० ३, ४;
 ओव० १७; वष० १, २३; —**राह्यिया.**
 स्त्री० (—**रात्रिद्विषा**) ओक रात्री अने ओक
 द्विपसनी भिक्षु पडिमा. एक रात्रि और एक
 दिनकी भिक्षु प्रतिमा an austerity
 practised by a Jain layman,
 consisting of a day and night.
 “ एकाराह्यियं भिक्षु पडिमं पडिवहणा ”
 दसा० ७, १; नाया० १. —**राह्या. स्त्री०**
 (—**रात्रिका**) जेभां अष्टम तप करी ओक
 रात्रि रमशानभूमिभां डाडिसअ करवाभां
 आवेछे ते ५२मी भिक्षु पडिमां. बाह्यो
 भिक्षु प्रतिमा जिसमें कि अष्टम तप करते
 हुए एक रात्रि रमशानभूमि में कायोत्सर्ग
 किया जाता है. the 12th vow of an
 ascetic viz. contemplation upon
 the soul for one night in a

cemetery after the Atthama austerity (i. e. three fasts). वव० १, २५; दसा० ६, २; ७, ११; भग० २, १; नाया० ८; —राय. न० (-रात्र-एकाचासा रात्रिश्च) ऐक रात्रि, ऐक रात. एक रात्रि. one night. “ गामे गामे यएग रायं ” परह० १, ५; आंव० २१; वव० १, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३; —रूय. त्रि० (-रूप—एकं समानं रूपं यस्य) ऐक रूप, ऐक सरपुं. एक रूप; एक समान. uniform; of the same type. “पभूएगवणं एग रूपं विउम्वित्तए” भग० ६, ६; ७, ६; —वगडा. लीं (*) ऐक वांटा; ऐक वंडी. एक बाबा; एक चौक; एक आंगन. one open compound at the back of a house; one wall enclosing an open space. वव० ६, १४; ६, ३; ८; —वरण पुं० न० (-वर्ण) ऐक वर्ण; ऐक रंग. एक रंग. one colour; same colour भग० ७, ६; प्रव० ६८१; —वयण. न० (वचन) ऐक वचन; वस्तुनं ऐकत्व यताननार प्रत्यय. एक वचन; वस्तुका एकत्व-अकलापन बताने वाला प्रत्यय. singular number; a termination of the singular number. ठा० ३, ४; आया० २, ४, १, १३२; —वीसा. लीं० (-विंशति) २१, ऐकवीस. २१; इकवीस; इकांय. twenty-one; 21. दसा० २, १; पञ्ज० ४; विवा० २; भग० २०, ८; आव० ६, ७; —सट्टि-भाग. पुं० (-षट्ठिभाग) षोडशपञ्च वस्तुनो ऐकसट्ठो भाग; षोड ऐक वस्तुना सट्ठ्या ६१ भाग इरीये तेभानो ऐक भाग. किसी एक वस्तु का इकसठवीं भाग. 1/61 of anything सम० १३; —समय. पुं० (-समय) ऐक समय. एक समय. one

Samaya (i. e. unit of time); one instant भग० १, ६; क० प० १, १३; —सय. न० (-शत) ऐकसो ऐकः १०१. एकगो एक; १०१. one hundred and one; 101. क० ग० २, ६०; —साड. त्रि० (-शाटक-एकःशाटको यस्य स तथा) ऐक साडी पछेडी राप्पना२. एक दुपट्टा रखने वाला. (one) who keeps only one scraf etc. in his possession. आया० १, ७, ६, २१२; —साडिय. न० (-शाटिक) ऐक-पनावाडु-सांधा वगरनुं वस्त्र; साडी; सेडुं. एक पहने का बख; पहने में गिना जोडवाला बख. a web of cloth not bearing any dividing line upon it (caused by stitching another cloth); a Sari etc “ एग साडिय उत्तरासंन करइ ” भग० २, १; राय० २२; विवा० १ आंव० ३२; कण० २, १४; जं० प० ३, ४३; ५, ११५; —साला. त्रि० (-शाल) ऐक भागवाणुं (धर); ऐक भागवाणी (भेडी). एक मंजिल का घर. (a house) with one floor. जीवा० ३, ३; -सिद्ध. पुं० (-सिद्ध) ऐक अभयभां ऐकए एव सिद्ध थाय ते. एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना. a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls. पञ्ज० १; नंदी० २१; —हिय. त्रि० (-अधिक) ऐक अधिक. एक ज्यादा exceeding by one; one more. क० प० ७, ६८; एगअ. त्रि० (एकक) एक ऐकसो; ऐकडां. एकाकि; अकेला. Alone; solitary. single उत्त० २, २०; एगइअ य. त्रि० (एकक) षोड ऐक; ऐक

अेक; डेटला अेक. कोई एक; कुछ एक.
Some one; some; one by one.
ओव० १४; ३५; दस० ५, २, ३७; जं० प०
सम० १; भग० १, १; ७, ७; नाया० २;
दसा० १०, ३०.

एगओ. अ० (एकतस्) - अेक तरङ्गिणी; एक
ओर से. On the one hand: from
one side; भग० ३, ४; ३४, १; नाया०
१; २; ५; ८; १६; उत्त० ३१, २; दसा०
१०, १; निसा० ४, ७६; २०, १०; जं० प०
५, १२०. कण० ४, ६७; —खडा. खी०
(-ख) जेभां छय ज्यो तरङ्गिणी
प्रवेश करी ज्यो आलुये जे छे उत्पन्न थाय ते
अेलि; वाभअेलि-आकाश-प्रदेश-पंक्ति. जिस
में जीव बाई ओर से प्रवेश करके बाई ओर
जाकर उत्पन्न होता है वह अेलि; आकाशप्रदेश
पंक्ति. a line of space on the left
side along which the soul enters
the left side and is born. भग०
२५, ३; —एगंतअ. त्रि० (-अनन्तक)
अेक अंशभां अनन्त. एक संवाइ में अनन्त.
an endless line of space डा० ५,
३. —वंका. खी० (-वका) अेक तरङ्गिणी
वांकी अेलि; अेक वांकीवांकी अेलि-आकाश
प्रदेश पंक्ति. एक ओरसे टेकी अेलि; आकाश
प्रदेश पंक्ति. a line of space curved
on one side. भग० २५, ३; —सहिय.
पुं० (-सहित) अेकस थयेस; अेकस करेस.
एकत्रित. grouped; assembled;
collected. नाया० ५;

एगओवत्त. पुं० (एकतोवत्त) अेकदियवाला
छयनी अेक मत. दो इन्द्रिय वाले जीवकी
एक जाति. A kind of two-sensed

living being पन्न० १;

एगंतयं अ० (एकंतय) डेट अेक. कोई एक.

Some one. भग० ७, १०; नाया० ८;

एगंत. न० (एकान्त) अेकान्त स्थल; निर्जन
स्थान. निर्जन स्थान; एकांत स्थान A
solitary place; solitude. “ एगंते
पाडेमि ” नाया० ६; “ एगंते एडेइ ” भग०
२, १; ३, २; ७, १; ६, ३३; १५, ८;
नाया० १; ७; ६; १२; १६; पिं० नि० २११;
सू० प० २०; राय० २६; २६३; आया० १,
१, ७, ६, २२२; उत्त० ३; २८; वव० २,
२५; ७, १७; सू० च० २, ४१८; दस० ४;
पंचा० ६, ६; क० प० १, ६७; (२) नक्षी:
योडस. निश्चित. assuredly; certain-
ly पिं० नि० भा० १२; (३) अेकान्त;
इकतः डेटस. एकान्त; सिर्फ; केवल. simply.
उत्त० ३२, २; ओव० ३८; विशेष० ६५; (४)
निरंतर: आलु. निरंतर; चालू. continu-
ously; uninterruptedly. भग० ३,
१; ७, ६; (५) सर्वथा: पुरेपूर. सर्वथा;
पूर्णतया. completely; perfectly.
भग० ८, ७; —छेअ. पुं० (-छेक) अेकान्त
छेक-विशुद्ध. पूर्ण विशुद्ध. altogether,
perfectly pure. पंचा० ३, ३५; —दंड.
पुं० (-दण्ड) अेकान्त-योडस दंडाय
तेवे: दिसक. यथैव दण्डित होनेवाला;
हिंसक one fully sinful: killor
or murderer. सूय० २, ५, १;
—दुखस. न० (-दुःख) डेटस दुःख;
अेकान्त दुःख. एकान्त दुःख; दुःखही दुःख;
सर्वथा दुःख. perfect misery; un-
mitigated misery. भग० ६, १०;
—धारा. खी० (-धारा-एकविभागाभवा

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

चास्त्रे धाराचेति) ऐकान्त-तीक्ष्ण धारा.
एकान्त धारा; तीक्ष्ण धारा. sharp edge.
“सुरोह्व एगंध धाराए” भग० १, ३३;
नाया० २; —पंडित्य. त्रि० (-परिहृत)
ऐकान्त पंडित; पापश्री निवृत्त; सर्व विरति
साधु. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुष; सर्व
विरति साधु. perfectly free from
sin; (an ascetic) absolutely
free from sin. “एकान्त पंडित्या यावि
भवामो” भग० ८, ७; भग० १, ८; —बाल.
त्रि० (-बाल) सर्वथा आश्रित; अज्ञानी;
मिथ्या दृष्टी अने अविदित. सर्वथा अज्ञानां;
मिथ्या दृष्टि और आवरति. absolutely,
perfectly ignorant; heretical
and sinful. भग० १, ८; ८, ७; १७;
२, सूय० २, ४, १; —मंत. पुं० (-अन्त)
सर्वथा ऐकान्त. सर्वथा एकान्त. perfectly
solitary. भग० ७, १; नाया० १३;
—यारि. त्रि० (-चारिन्) ऐकान्त-०८८
रहित स्थानभां विचरनार; ऐकान्तवासी.
निर्जन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त में
रहनेवाला. (one) who moves in
a solitary place; living in soli-
tude सूय० २, ६, १; —लूख. त्रि० (-लूख-
क) ऐकान्त ०८८नी दिसा करनेार. सर्वथा
जन्तु का हिंसा करनेवाला. (one) who is
completely given to the killing
of insects. सूय० १, २, ३, ६; —साया.
स्त्री० (-सात) ऐकान्त शान्ति-सुख. एकान्त
सुख; सर्वथा सुख. perfect, unalloyed
happiness or peace. भग० ६, १०; —
सुत. न० (-सुप्त) ऐकान्त-निश्चये सुतेत;
आनन्दिता; मोहभां उधेत. सर्वथा सोया हुआ;
मोहनिद्रायुक्त assuredly asleep; (me-
taphorically) steeped in infatua-
tion. सूय० २, ४, १; —सुद्धि. (-सुखिन्)

ऐकान्त सुखी. सर्वथा सुखी. perfectly
happy. नाया० ७; —हिय. न० (-हित)
सर्वथा उपकारी. एकान्त हितकारी. al-
together beneficent. पंचा० १४,
१६; —अंबिल. पुं० (-आचाम्बल) ऐकान्त-
तरे आयंबिल करवा ते. एकान्तरे आयंबिल
करना. alternate performance of
Āyambhila austerity. प्रव० १५५८;
—उपवास. पुं० (-उपवास) ऐकान्तरे
उपवास करवा ते. एकान्तरे उपवास करना.
fasting on alternate days. प्रव०
१५६२;

एकान्तरिय. त्रि० (एकान्तरित) ऐक ऐकने
अन्तरे आवेत; ऐकान्तरे; (उपवास आयं-
बिल वगैरे). एक एक के अन्तर पर आया
हुआ; एकान्तर (उपवास आयंबिल आदि).
alternate; coming at intervals
of one. प्रव० ८८२;

एकान्तसो. अ० (एकान्तशः) ऐकान्तथा;
सर्वथा. सर्वथा; पूर्णतया. Perfectly;
in all respects. भग० ८, ६;

एकगुण. न० (एक गेय) ऐकगुण गाभ.
एक गांव. Only one village. प्रव०
७८४; —निवासि. त्रि० (-निवासिन्)
ऐकगुण क्षेत्रभां-गाभभां निवास करनेार
(मुनि वगैरे). एकही गांव में रहनेवाला
(मुनि आदि). (an ascetic etc.)
confining his residence to one
village only. प्रव० ७८४;

एकगुण. त्रि० (एकगुण) ऐकगुणो; वषर्
गंध आदिनी सरभाभण्णी करतां ने अभण्णी
त्रयगुणो न होय किन्तु ऐक गण्णी होय ते.
एक गुणा; वषर् गंध आदि से मिलाने पर जो
दुगुणा त्रिगुणा नहीं किन्तु एक ही गुणा हो
वह. (Of one (i. e. same) amount
or measure; not double treble

etc. in comparison. भग० २५, ४; (२) पुं० न० सिद्ध सेणिया अने मनुष्य सेणिया परिकर्मनो सातमे भेद अने पुं० सेणिया आदि पांच परिकर्मनो योथे भेद. सिद्ध सेणिया और मनुष्य सेणिया परिकर्म का सातवां भेद और पुट्टसेणियादि ५ परिकर्म का चौथा भेद. the 7th division of the Parikarmas of Siddhasenīa and Manusya-senīa and the 4th division of the five Parikarmas viz. Put-thasenīa etc. नंदी० ५६; सम० १२; —गुणककखड. पुं० (-गुणककश) જેમાં એકગણી થોડી કડકશતા છે તે. जिसमें एक गुना (थोड़ा) कर्करता है वह. one having as much (less) harshness or roughness. भग० २५, ४; —कालग. पुं० (कालक) જેમાં એક ગણી કાલાશ છે તે. जिसमें एक गुना कलास-कालापन है वह. one having as much blackness (i. e. not double or treble etc. the amount of blackness). भग० २५, ४;

एगग. न० (एकग्र) चित्तनी ऐकाग्रता; એક મુદ્દા ઉપર મનની સ્થિરતા. चित्त की एकाग्रता; किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त० ३२, १; (२) त्रि० चित्तनी ऐकाग्रता वालो. एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind. उत्त० ३०, १; राय० ४०; —चित्त. पुं० (चित्त) એકાગ્ર ચિત્તવાળો. एकाग्र चित्तवाला. one having a concentrated mind. दस० ६, ४, २; ३; जं० प० ५, ११५; —ग्रण. न० (-मनस्) ભુએ “एगग चित्त” शब्द.

Vol. II/42.

देखो “एगग चित्त” शब्द. vide. “एगग चित्त” उत्त० २६, २; पंचा० १४, २८; —मणसंनिवेशणया. स्त्री० (-मनः सन्निवेशन) મનને એકાગ્ર બનાવવું; એક વસ્તુ ઉપર મનને સ્થાપવું તે. मन को एकाग्र करना. concentration of mind upon one object. उत्त० २६, २; —जंबुय. पुं० (एकजम्बुक) ઉલ્લુકતીર નગરની બહારનો એ નામનો એક બગીચો. उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the town named Ullukatira भग० १६, ३;

एगगृहण. न० (एकस्थान) જેમાં દિવસમાં એક વખત એક રેકાણે બેસીને ખાવા તે ત્યાં; એકઠાણું. एक तपका नाम; जिस तपमें दिन में एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है. Austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० २०३; १५२७;

एगगट्टियपय. न० (एकाधिकपद) સિદ્ધ સેણિયા અને મનુષ્યસેણિયા પરિકર્મનો બીજો ભેદ. સિદ્ધ સેણિયા और मनुष्य सेणिया परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhasenīa and Manusya-senīa Parikarma. नंदी० ५६; (२) त्रि० એક અર્થવાણું; સમાન અર્થવાણું. एक अर्थवाला; समान अर्थवाला. synonymous. सम० १२;

एगगतर. त्रि० (एकतर) એ કે અનેકમાંનો એક. दो या अनेक में से एक. One of two or more. विवा० ७;

एगगति. पुं० (एकक) કેાણે એક. कोई एक. Some one सूय० २, ३, १; पञ० १५;

एगगत्त. न० (एकत्र) એકત્ર; એકસ્થાને;

એક જ ઠેકાણે. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. ओव० ३२;

एगत्त. न० (एकत्व) એકતાપણું; એકતાપણું. अकेलापन. One-ness; solitariness. भग० १, २; ४, ६; १२, १; १७, १; १८, १; २५, ४; नाया० १; ठा० १०, १; उत्त० २८, १३; प्रव० ५०४; —**अणुपेहा.** છાં० (-अनुपेक्षा) આ છવ્ય એકલો આપ્યો છે અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવયું તે. एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना. contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. ओव० २०; भग० २५, ७; —**गत. त्रि० (-गत)** એકત્વ ભાવનાવાળો; અંતઃકરુણાળો. एकत्व भावना वाला. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, १, १, ११; —**गय. त्रि० (-गत)** એકત્વભાવનાને પ્રાપ્ત થયેલ. एकत्व भावना को प्राप्त. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. आया० १, १, १, ११; भग० ८, ६; —**वियक्क. न० (-वितर्क)** એક દ્રવ્ય આશ્રી રહેલ પર્યાયોનું અબેદરૂપે ચિન્તવયું અથવા અનેક પર્યાયોમાંના એક પર્યાયને અવલંબી ચિન્તવન કરવું તે. एक द्रव्य के आश्रय में रहा हुई पर्यायों का अभेदरूप से चिंतवत करना अथवा अनेक पर्यायों में से एक पर्याय का चिन्तवत करना. contemplation of unity among the varieties or modifications of

the same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. ओव० २०; भग० २१, ७;

एगत्तीकरण. न० (एकत्रीकरण) એકાગ્રપણું કરવું તે. एकाग्रता करना. Act of concentrating; concentration. भग० २, ५;

एगत्तीभावकरण. न० (एकत्रीभावकरण) મનના ભાવને એકત્ર કરવા. मन के भावोंका एकत्री करण— एक स्थान पर इकठ्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind. भग० ६, ३३; २६, ७;

एगत्तीभावकरणया. છાં० (એકત્રીભાવકરણ) જુઓ “ એગત્તીભાવકરણ ” શબ્દ. देखें “ एगत्तीभावकरण ” शब्द. Vide “ એગત્તીભાવકરણ ” ભગ० ૧૩, ૪;

एगत्थ. अ० (एकत्र) એક સ્થાને; એક ઠેકાણે एक स्थान पर In one place; in one and the same place. पि०नि० २८४;

एगनासा. છાં० (એકનાસા) પશ્ચિમ દિશાના ૨૫૪ પર્વતપર વસનારી આઠ દિશાકુમારિણી પાંચમી. पश्चिम दिशाके रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों में से पांचवां दिशाकुमारी. The 5th of the 8 Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the west. जं० प० १, ११४;

एगमेग. त्रि० (एकैक) એકેક. प्रत्येक. Each; taken singly. “ ता एएणं दुवे सूरिया तीसाए मुहुसेहि एगमेगं अइमंडलं ” चं० प० भग० १, ५; ३, १; ५, ३, ६; ७; ८, १०; १०, ५; १२, ४; १४, ८; नाया० १; ८; जं० प० २, १८; उवा० ८, २३४;

एगयओ. अ० (* एकत्रतः) ओओ “एगय”
श०६. देखो “ एगय ” शब्द. Vide
“ एगय ” भग० २, ५; ११, १२; १२,
४; १६, ३; नाया० १६; वव० १, २२: २,
१; उवा० ७, १६७; कप्य० ६, ३८; जं० प० ३, ५८;
एगयर. त्रि० (एकतर) भेमानो गमे ते ओक.
दो में से एक; कोईभी एक. One of two
or more. पि० नि० १४०; ४७३; आया०
१, २, ६, ६७; १, ६, २, १८३; उत्त० ६,
२५; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. स्त्री० (एकता) ओकत्व लायना; ओय
ओकसे आयेओ छे अने ओकसे जयाने छे
ओम यिन्तयनुं ते. एकत्व भावना—जिसमें चिन्त-
वन किया जाता है कि जीव अकेला आया
है और अकेला जायगा. The medita-
tion that the soul has come
to this world singly and alone
and that it will pass away also
alone. प्रव० ५७६;

एगया. अ० (एकदा) ओकदा प्रस्तावे; कोछ
प्रसंगे; कोछ यपते. किसी एक प्रसंग पर.
Once upon a time; on one
occasion. आया० १, ६, २, २; उत्त० २,
६; १३; ३, ३; नाया० १२;

एगलया. स्त्री० (एकलता) पहले दिवसे
उपवास, भीगे दीवसे ओकासछुं त्रीगे दिवसे
ओक सीध, योथे दिवसे ओकहाछुं, पांचमे
दिवसे ओक दात, छठे दिवसे नीवी, सातमे
दिवसे आयंबिल अने आठमे दिवसे आठ
कवल ओम आठ दिवस सुधी उपर कवा
प्रभाछे तप करवाभां आवे ते ओकलता तप.
एक तप का नाम. जिसमें पहले दिन
उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक

सीध, चौथे दिन एकठाण, पांचवे दिन एक
दात, छठे दिन नीवी; सातवें दिन आयंबिल
और आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आठ
दिन में होने वाला तप विशेष. an
austerity lasting for eight days
in which on the first day
there is a fast, on the second
there is Ekāśanā, on the third
one Sitha, on the fourth Eka-
thāṇu, on the fifth one Dāta
on the sixth Nīvi, on the
seventh Āyambila and on the
eighth eight morsels (Kavala).
प्रव० १५२७;

एगविह. त्रि० (एकविध) ओक प्रकारनुं. एक
प्रकार का. Of a certain sort; of one
kind. उत्त० ३६, ७७; प्रव० १३५६; आब०
४, ७;

एगसेल. पुं० (एकशैल) पुष्कलावर्त अने
पुष्कलावती विजयनी पर्वतेनो वपारपर्वत.
पुष्कलावर्त और पुष्कलावती, इन दोनों क
बीच का बखारा पर्वत. The Vakhārā
mountain situated between
the two Vijayas named Puṣ-
kalāvarta and Puṣkalāvatī.
“पञ्चथिमेषं एगसेलस्स बखार पण्वतस्स”
नाया० १६; जं० प० ठा० ४, २; —
कूट. पुं० (-कूट) ओकशैल वपारा पर्वतना
आर कूटभानुं भीजुं कूट—श० २. एकशैल
बखारा पर्वतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर.
the 2nd of the four summits
of Ekashaila Vakhārā moun-
tain. जं० प० —बखार पण्वत. पुं०

* ओओ पृष्ठ न० १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

(-वक्षस्कार पर्वत) महाविदेह क्षेत्रभां अेक शैल नामनो अेक वप्पारा पर्वत. महाविदेह क्षेत्र का एक शैल नामक एक वप्पारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain (called Ekaśela) in Mahāvidēha region. नाया० १६.

एगाइ. पुं० (एकादि) अे नामनो अेक ३२ राडोड. एक क्रूर राटोड का नाम. Name of a cruel Rāthoda. विवा० १; —सरिरय. न० (-शरीरक) अेक १२ राडोडनुं शरीर. एकाइ नामक राटोड का शरीर. the body of the Rāthoda named Ekāi. विवा० १;

एगागि. त्रि० (एकाकिन्) अेकले; अेककी. अकेला; एकाकी. Alone; solitary. आया० १, ७, ५, २१६; प्रव० ५३१; गच्छा० १०५; एगासिय. त्रि० (एकाकिन्) अेकजुं. अकेला Alone; solitary. वव० ४, १; ६, २; वेय० १, ४८; ५, १५; आंघ० नि० भा० २८; एगासी. स्त्री० (एकाकिनी) अेककी स्त्री. अकेली स्त्री. A lonely, solitary woman. आंघ० नि० ७८;

एगारस. त्रि० (एकादशन्) जुओ " एकारस " शब्द. देखो " एकारस " शब्द. Vido. " एकारस " नाया० ५; —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) अगल्लार वरसनी प्रवन्धावालो; जेने दीक्षा लीये ११ वर्ष तथा होय ते. जिसे दीक्षा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह. (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism. वव० १०, २६; २७;

एगावली. स्त्री० (एकावली) मञ्जुलिङ्गित हार; अेकसरो हार मणजित हार; एक-जड़ी हार. A single string of

beads, pearls etc. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; सू० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १५६; राय० ८५; १८६; —पविमत्ति. न० (-प्रविमक्ति) अेक-पल्लि हारनी विशेष रचनाथी युक्त-नाट्य विशेष; ३२ नाटकभांनुं अेक एकावलि हार का विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc.; one of the 32 kinds of drama. राय० ६१;

एगाहण. त्रि० (एकाहण—एकैवाहत्याह-तनं प्रहारो यत्र तत्तथा) अेक धार्ये भारवा योअ्य; अेक धाथी अे कटका कटवा योअ्य. एक घाव से मारने योग्य. Worthy to be severed into two pieces by a single blow. " एगाहणं कुडाहणं जीवियाओ ववरो वेइ " भग० ७, ६; १५, १; राय० २४;

एगिदिय. पुं० (एकेन्द्रिय—एकं इन्द्रियं करणं स्पर्शनलक्षणं यस्य) इका अेक २५शेदिय ७५-जेवा ३-पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक; ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. एक-स्पर्श-इन्द्रियवाला जीव. यथा: १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ५, २; ८, १; २४, १; ३३, १; पञ्च० १; जीवा० १; विशेष० १०१; ४११; क० प० १, ४५; २, ५६; आब० ४, ३; —देस. पुं० (-देस) अेक इन्द्रियवाला ७५नो देस-भाग. एगिदिय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings.

भग० १०, १; —**एकस.** पु० (—प्रदेश)
एकेन्द्रिय भवेत्ते। प्रदेश-निर्विभाज्य अंश.
एकेन्द्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश. an
indivisible, atomic part of one-
sensed living beings. भग० १०,
१; ११, १०; —**रूप.** न० (—रूप)
एकेन्द्रियवाले जीव का रूप.
the form, appearance, of one-
sensed living beings. भग० १२,
६; —**सय.** न० (—शत)
एकेन्द्रिय-शतकः भगवती सूत्रना ३३ भां शतकना श्रीम
उद्देशानुं नाम एकेन्द्रिय-शतकः भगवती सूत्र
के ३३ वें शतक के दूसरे उद्देश का नाम.
Ekendriya Śataka; name of
the 2nd Uddēśa (part) of the
33rd Śataka of Bhagavati
Sūtra. “चित्तिं एगंदिय सयं सम्मत्तं”
भग० ३३, २; ४;

एगंदियत्त. न० (एकेन्द्रियत्व)
एकेन्द्रियता. State of being a
one-sensed living being; pos-
session of one senso only. भग०
८, ६;

एगीभूत. त्रि० (एकीभूत)
अनेक भूतीने अने
थयेको. अनेक रूप से मिटकर एक रूप का
प्राप्त. Reduced to unity from
multiplicity. राय० ६६;

एगुत्तरिय. त्रि० (एकोत्तरिक)
अनेक भूतीने
उत्तर अवयव छे ते; अनेक वधतुं-
जैम ११, २१. जैमैरे. जिसका ‘एक’ उत्तर अवयव है
वह संख्या जैतै: ग्यारह, इक्कास आदि.
Having one as the latter part.
(in the case of compound nu-
merals); e. g. 11, 21, etc.:

exceeding by one. भग० १, २, ४;
विशे० ६४२;

एगुरुत्त. पुं० (एकोरुक)
अनेक भूतीने अनेक नामक
५६ अंतरद्वीपमें से एक. One of the 56
Antara Dvipas named Ekoruka.
जीवा० ३, ३; (२) त्रि० ते द्वीपमां रदेनार.
उस देश में रहनेवाला मनुष्य. a resi-
dent of that country. जीवा० ३, ३;

एगुत्त. त्रि० (एकोन)
अनेक भूतीने. सम० ८६; पञ्च० ४; भग० ८, ५;
१५, १; २४, १२; २५, ७; उत्त० ३६,
१३८; अगुजो० १२८; जं० प० ५, ११५.
विवा० ६; —(एका)
असि. श्री० (अशीति)
७६; ओगलुअशी. उन्वासी. 79; seventy-
nine सम० ७६; —एउह. श्री० (नवति)
नव्यासी; ८६ नी संख्या. निव्यासी की
संख्या. 89; eighty-nine. सम० ८६;
—तीसह. श्री० (त्रिंशत्)
ओओ “एगुत्त-
तीस” ६७६. देखो “एगुत्ततीस” शब्द.
vide “एगुत्ततीस” सम० २६; —तीसा.
श्री० (त्रिंशत्) २६; ओगलुतीस. २६;
गुनतीस. 29; twenty-nine. भग०
२४, १२; २५, ७; पञ्च० ४; विवा० २;
—एगुत्त. श्री० (पंचाशत्)
ओगलुपचाश; ४६. उन्वास; ४६. forty-nine;
49. “एगुत्तपचाराहंदिवाहं” भग० २४,
१२; वव० ६, ३७; जं० प० ३, ५४; ५,
११५; २, २६; —एगुत्त. श्री० (पंचाशत्)
ओगलुपचाश; ४६. उन्वास; ४६. forty-
nine; 49. “एगुत्तपचाराहंदिवाहं” सम०
४६; जीवा० १; —एगुत्त. श्री० (पंचा-
शत्) ओगलुपचाश; ४६. उन्वास; ४६.
forty-nine; 49. अगुजो० १२८; —
एगुत्त. श्री० (पंचाशत्) ओओ “एगुत्त-
पचा” ६७६. देखो “एगुत्तपचा” शब्द.

vide “एगूणपत्ता” भग० ८, ५; ३७, १; पञ० ४; उक्त० ३६, १३८;—वीसति. स्त्री० (-विंशति) १८ नी अंभ्या; ओग. एीस. उनीसकी संख्या; १६. 19; nineteen. जं० प० १, ११; वव० १०, ३३; ३६;—वीसा. स्त्री० (-विंशति) ओग. एीस; १८. उनीस; १६. 19; nineteen, “एगूणवीसयायज्ययत्ता” सम० १६; नदी० ५०; भग० १५, १; ३५, १; अणुजो० १४२; नाया० १; १६; आव० ४, ७;—सट्टि. स्त्री० (-षट्ठि) ओग. एी. सा६; ५८. उनसाट; ५६. fifty-nine; 59. “एगूणसाट्ठराइविवाइ” सम० ५६;—सत्तरि. स्त्री० (-सप्तति) ऐकेन्यून. सीतेर; आग. एीतेर; ६८. उनहत्तर. 69; sixty-nine. “एगूणसत्तरि वासा वास. हर पव्ववा पययत्ता” सम० ६६; एगूणवीसइम. त्रि० (एकोनविंशतितम) ओग. एीसओ. उनीसवा. 19th; nineteenth. “एगूणवीसइमं सयं सम्मत्तं” भग० १६, १०; २०, १; ठा० ६, २; नाया० १; १६;

एगूरुई. स्त्री० (एकोरुका) ऐके३३ द्वीपनी स्त्री. एकोरुका द्वीपकी स्त्री. A woman belonging to Ekōruka Dvipa. स्त्रीवा० १;

एगूरुय. पुं० (एकोरुका) ऐ नाभनेा ऐक अन्तरद्वीप; ७५ल अन्तरद्वीपभांनेा पड़ेले. एक अंतर्द्वीपका नाम; कृष्ण अन्तर्द्वीपों में से पहला द्वीप. Name of an Antara Dvipa; the first of the 56 Antara Dvipas. भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २; (२) पुं० स्त्री० ऐ द्वीपभां

रहेना२. उक्त द्वीप में रहने वाला. a resident of the above named Dvipa. भग० ६, ३; १०, ७; --द्वीव. पुं० (-द्वीप) लुओ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. vide “एगूरुय” भग० ६, ३; १०, ७; ठा० ४, २; --मणुस्स. पुं० (-मनुष्य) ऐके३३ द्वीपनी रहेना२ मनुष्य. a person belonging to the Ekōruka Dvipa. भग० ६, ३; १०, ७; एगूरुय. पुं० (एकोरुका) लुओ “एगूरुय” शब्द. देखो “एगूरुय” शब्द. Vide “एगूरुय” पञ० १;

एज. पुं० (एज) वायु; पवन; वायरे. हवा; वायु; पवन. Wind; air. “एहू एजस्स दुगंक्कयाए” आया० १, १, ७, ५५;

एउज. त्रि० (एय्य) आववा येओ. आने योग्य. Worthy to come. सु० च० ७, १६६;

✓ एड. धा० II. (*) प२६५युं; नाभी देयुं; त७७युं. डाल देना; त्यागना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc.

एडेइ. भग० ११, ६; १५, १; १; नाया० ५;

निसा० ३, ७२; राय० २६३; ओव० ३६;

एडेति. राय० ३४; जं० प० २, ११२;

एडेसि. भग० १५, १;

एडेता. सं० कृ० भग० २, १; ११, ६; १४, १; नाया० २;

एडय. पुं० (*) ८४ लाख ऐडयांग परिमित काल विभाग. ८४ लाख एडयांग, जितना काल विभाग. A period of time measuring 84 lacs of Eda-yāngas. भग० ६, ७;

* लुओ ५४ न०भ२ १५ नी फुटनोट (१).. देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

एषी. स्त्री० (एषी) ६२५; भृगुदी. हरिणी;
मृगी. A female deer. जं० प० १३,
५७; परह० १, १; जीवा० ३, ३; ओव० १०;
रणेज्ज. पुं० (एषेय) गोशाले पहेले प्राद परि-
हार कर्ते. गोशालाने पहला जो प्राद परिहार
किया था वह. The first Praudha
Parihāra (a kind of austerity)
practised by Goshālā. भग० १५,
१; (२) त्रि० हरिण संबंधी; भृगुजं.
हरण संबंधी; मृगका. pertaining to,
belonging to a deer. विवा० ८;
—रस. पुं० (-रस) हरिण संबंधी
मांसको रस. हरिण के मांस का रस. taste
of the flesh of a deer. “ मच्छरसेय
एषेज्जरसेय ” विवा० ८;
एत. त्रि० (एतत्) आ; ओ: पहुँचु. यह.
This “ एतेवं जायह ” भग० ६, ३२,
सु० प० १०;
एतावन्त. त्रि० (एतावत्) ओटलुं. इतना.
This much; that much. जं० प०
विवा० १; वेव० १, ४६;
एतोवम. त्रि० (एतदुपम) ओनी अरोअर;
ओनाओवा. इसके समान. Similar to
that or this. सूय० १, ६, १४;
एत्तिअ-य. त्रि० (इयत्) आटलुं; आ
प्रभाजुनुं. इतना. This much; of this
measure. नाया. १७; विशे० १४०; पि०
नि० २२३; —काल. पुं० (-काल)
ओटलो वअत इतना समय. so much
time; that much time. प्रव० ४३२;
एतो. अ० (इतः) आदिथी; हुवे पछी. यहाँ
से; इसके बाद. Hence; hencefor-
ward; from this place. ओव० १६;
अणुजो० ५६; १३०; पि० नि० १५५; भग०
६, ८; वेव० १, ४६; नाया० २; ८; १२;
राय० २६१; प्रव० ३६५; क० प० १, ६;

एतोवरं. अ० (अतःपरं) ओनापछी; ओ ७५-
रांत. इसके बाद; इसके उपरांत. Further
than this or that; in addition
to this or that. अणुजो० १३८;
एत्थ. अ० (अत्र) छदा; ओ २५३. यहाँ; इस
स्थानपर. Here; in this place. भग०
१, ३; ६; २, १; ७, ३; ८, ७; ८, ३३; १५,
१; १६, ६; २७, ५; २१, ८; ४२, १;
नाया० १; ३, ५; ७; ८; १३; १७; १८;
१६; पज० १; जं० प० ५, ११६; २, १४२;
७, १४२; दसा० ६, ५; सू० प० १; ओव०
विशे० ८८; उवा० ७, २०१;
एत्थंतरे. अ० (अत्रान्तरे) ओटला वअतमां.
इतने समय में. Meanwhile; in the
meanwhile; during that time.
सु० च० १, ७६; २४८;
एम. अ० (एवम्) ओ प्रक्षारे. इस तरह से;
इस प्रकार से. Thus; in this way.
“ एमेय समणा बुत्ता ” दस० १, ३;
एमाह. अ० (एवमादि) छत्यादि; ओ विगेरे.
इत्यादि; वगैरह. This, that etc. पि०
नि० भा० १५;
एमेव. अ० (एवमेव) ओदीअ रीते; ओमअ.
इसी प्रकार. Exactly in this way;
precisely in that way. पि० नि०
७६; पज० १; प्रव० १६१; क० प० १, ७०;
✓ एय. धा० I. (एय) ६ पतुं; धुजुं. कंपना.
To tremble; to shiver.
एयह—ति. राय० २६६; भग० ३, ३, ५, ६;
१७, ३; १८, ३;
एयसि. भन० ५, ७; १७, ३;
एयस्संसि. भवि० भग० १७, ३;
एयसु. भू० का० भग० १७, ३;
एय. त्रि० (एतत्) आ; सामे रहेसी नीअ
वीगेरे. यह; सम्मुख की वस्तु वगैरह का
उल्लेख करने योग्य सर्वनाम शब्द This;

that. सू० प० १०;

पयकम्म. त्रि० (एतत्कर्मन्) ओं छे कमे
जेनुं ओवे। ३।४. यह है कर्म जिसका ऐसा
कोई. (one) who has thus acted.
विवा० १; ५;

पयगुण. त्रि० (एतद्गुण) ओं टलाओ गुणोन.
इतने से गुणा हुआ. Multiplied so
much or to this extent. प्रव०
१३६६;

पयजोग. पुं० (एतद्योग) ओने संयंघ. इसका
सम्बन्ध. Connection of this or
that. पंचा० २, ३५;

पयधर. त्रि० (एतद्धर) ओने धारणु करनार.
इसको धारण करनेवाला. (One) that
bears or puts on this or that.
पंचा० १४, २४;

पयपहाण. त्रि० (एतत्प्रधान) ओं छे प्रधान
ओभां ते. जिसमें यह प्रधान है वह. (Any-
thing) having this as a pro-
minent factor. विवा० १; —प्ययार.
त्रि० (—प्रकार) ओं प्रकानुं. इस प्रकार
का. of this nature; of this sort.
नाया० १४;

पयमद्द. न० (एतदर्थ) ओं भाटे; ओं अर्थे.
इसलिये. For this purpose; for
the sake of this. भग० ७, ७; १२,
१; १८, ७; नाया० १; ५; ६; १४; दस०
६, ५२;

पयविउत्त. त्रि० (एतद्विबुद्धम्) ओं थी
रहित. इस के बिना. Devoid of or
free from this or that. पंचा० ६, ६;

पयविज्झ. पुं० त्रि० (एतद्विच्च) ओं छे विद्या
ओनी ते. जिसकी यह विद्या है वह. (One)
possessed of this or that know-
ledge or learning. विवा० १;

पयसमाचार. त्रि० (एतत्समाचार) ओं छे

आचार ओने। ते. जिसका यह अचार है वह.
(One) possessed of this
ascetic conduct. विवा० १;

पयण न० (एजन) कम्पुं; ध्रुणुं. कंपना.
Trembling; quaking. भग० ५, १;
पञ० ३६;

पयणा. स्त्री० (एजना) ध्रुनरी; ध्रुण; कंप
कंपी. Tremour; shivering.
भग० १७, ३;

पयणुद्देशय. पुं० (एजनोद्देशक) भगवती
सूत्रना पांचिमा शतकना आहमा उद्देशानुं
नाम. भगवती सूत्र के पांचवें शतक के आठवें
उद्देश का नाम. Name of the 8th
Uddeśa of the 5th Śataka of
Bhagavutī Sūtra. भग० ५, ८;

पयलई. स्त्री० (एलकी) ओं छे जलनी वनस्पति
एक जात की वनस्पति. A kind of
vegetation. भग० २३, १;

पयाणुरूव. त्रि० (एतदनु रूप) ओं छे अनुसरतुं.
इसके अनुरूप Like, resembling or
worthy of this or that. कप्प०
४, ६०;

पयारिस्स. त्रि० (एताइस्स) ओं छे; ओनाओं.
इस प्रकार का; इसके सरीखा. Of this
sort; of this or that nature;
similar to this. पंचा० २, ३४; उत्त०
३२, १७; सम० ३०; दसा० ६, १७; दस०
५, १, ६६;

पयारूव. त्रि० (एतद्रूप) ओं प्रकानुं. इस
प्रकार का. Of this sort; of that
sort. अंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा०
५; दसा० ६, २; १०, ३; नाया० ६; ५; ६;
भग० २, १; ५, ४, १४, १; १८, १०;
उवा० १, ८०; २, ६४; कप्प० १, ४; जं०
प० २, २२;

पयावंति. ज० (एतावत्) ओं टला. इतना;

इतने. These many; so many.

आया० १, १, १, ७; भग० ६, ७;

एरंड. पुं० (एरवण — ईरवति वार्युमलं वा) अरंडी

अरंडी पुं०. अरंड; अरंड का वृक्ष The

castor-oil plant. भग० २, १; २१,

६; ठा० ४, ४; पञ्च० १; — कटुसगडिया

श्री० (— काष्ठशकटिका) अरंडी का वाहन

गाड़ी. अरंडी की लकड़ी का गाड़ी. a

cart made of the wood of

the castor-oil plant. नाया० १;

— मिजिया. श्री० (मिजिका) अरंडी

की बीज. अरंडा की मीजी. a seed of the

castor-oil plant. भग० ७, १;

एरवणवत्. न० (ऐरवणवत्) अरवणवत्-

नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र. Name

of a region of the Akarma-

bhūmi. गम० १;

एरवणवत्. पुं० (ऐरवणवत्) अरवण-

वत् नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र. Name

of a region inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; ठा० २, ३;

पञ्च० १६; जीवा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्र-

मां वसना२. उक्त क्षेत्र में रहने वाला

(one) who resides in the

above mentioned region. अणुजो०

१३१;

एरवणवत्. पुं० (ऐरवणवत्) अरवण-

वत् नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र. Name

of a region inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

Vol. II/43.

last region of Karma Bhūmi

to the north of Meru, equal in

size to Bharata region. सम० ७;

जीवा० १; सू० प० १०; अणुजो० १३४;

पञ्च० १; नंदी० ४२; भग० २०, ८; विशेष०

२४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५; ठा० २,

३; (२) त्रि० धरत क्षेत्रमां वसना२.

एरावत क्षेत्र में उत्पन्न: एरावत क्षेत्र में रहने-

वाला. born in Iravata Kṣetra;

residing in Iravata Kṣetra.

अणुजो० १३१; — कूट. पुं० (कूट)

शिखरी पर्वत का ११ कूटों में से १०

वां कूट. the 10th of the 11 peaks

of the Śikhari mountain. जं०

प० ६, १२५;

एरावण. पुं० (ऐरावत) अरवणवत्

क्षेत्र. Name of a region

inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; ठा० २, ३;

पञ्च० १६; जीवा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्र-

मां वसना२. उक्त क्षेत्र में रहने वाला

(one) who resides in the

above mentioned region. अणुजो०

१३१;

एरावण. पुं० (ऐरावत) अरवणवत्

क्षेत्र. Name of a region

inhabited by the

Jugalias, situated between Ra-

makavāsa and Iravata Kṣetra.

जं० प० भग० ६, ७; २०, ८; ठा० २, ३;

पञ्च० १६; जीवा० १; (२) त्रि० ते क्षेत्र-

मां वसना२. उक्त क्षेत्र में रहने वाला

(one) who resides in the

above mentioned region. अणुजो०

१३१;

૧. સ્રો. (પૃષ્ઠા) એકત્રી. ફલાયતી.

Cardamom plant; the seed of the plant. जीवा० ३, ४; जं० प० पञ० १; राय० २६; —पुड. पुं० (-पुट) ओन्नयिने पुडा. इलायचा का पुडा. A packet of cardamoms नाया० १७;

एलायच. पुं० (एलायच) भंडुक गोत्रनी शाखारूप ओक गोत्रनुं नाम. मंडुक गोत्रकी शाखा रूप एक गोत्रका नाम. Name of a branch or off-shoot of the Manduka family-origin. नंदी० स्थ० २६; ठा० ७, १; (२) त्रि० ते गोत्रभां उत्पन्न थयेळ पुश्य. उक्त गोत्र में उत्पन्न पुरुष. a man born in the above mentioned branch of family. ज० ७, १;

एलायच्छसगुप्त. न० (एलायचसगोत्र) आर्य महागिरिनुं गोत्र. आर्य महागिरि का गोत्र. Name of the family-line of Arya Mahāgiri. कण० ८;

एलायच्छा. स्त्री० (एलायचा) पञ्चाशीथानी १५ रात्रिथोभांनी त्रीञ्च रातनुं नाम. पञ्चकी तीसरी रात. The third day of a fort-night. सू० प० १०; जं० प० ७, १५२;

एलिकख. त्रि० (ईदख) ओयुं; ओना ओयुं. इसके समान; ऐसा. Such; of this sort; of that sort. “कहंनु जिखनेलिकखं जिख माखो न संखिदे ” उक्त० ७, २२;

एलिकखअ. त्रि० (ईदख) लुओ. “एलिकख” शब्द. देखो “एलिकख” शब्द. Vide “एलिकख” आया० १, ६, ३, ५;

एलुय. पुं० (एलुक) धरनेो उंअरे (उंअर). पर की देली. The threshold of a door. जीवा० ३, ४; राय० १०६; दसा० ७, १; वव० १०, २;

एव. अ० (एव) अन्धकारु; निश्चय; नक्षी.

निश्चय. Positively; assuredly. आया० १, १, १, ११; उत्त० १, १६; अणुजो० १४; वव० १, ३७; निसी० २०, १०; दसा० ६, १; उवा० ७, २१६; विशे० १७८; पि० नि० १७८;

एवइकाल. पुं० (इयत्काल) ओटलो वअत. इतना समय. That much time; so much time. क० प० १, ४५;

एवइलुओ. अ० (एलायचलुओ) ओटली बार. इतनी बार. So often; so many times. कण० ६, ४८;

एवइय. त्रि० (इयत्) आटनुं. इतना. So much; this much. भग० ३, १; ४; ६, ८; १२, ४; १३, ४; १४, ७; ८; १६, ४; २०, ६; २४, १; २४; ओघ० नि० १५४; विशे० ४४४; वव० १, ३७; प्रव० ८४६;

एवं. अ० (एवम्) ओ भकारे; पूर्वोक्त रीते; (पदेलां कहुं तेम). इस प्रकार से; पूर्वोक्त रीतिसे In that way; as said above; thus. भग० १, १; २, १; ३; ५, ४; ८; ६, ४; ७, १; १६, ५; १८, १०; ३४, १; नाया० १; २; ५; ७; ८; ६; ११; १४; १६; दसा० ३, २६; ४, ४५; ६, ४; दस० ५, ३, ३०; ७, ७; ४४; ८, ३; आया० १, १, १, १; १, १, १, २; सूय० १, १, १ २; १, १, १, ६; २, ७, ६; वेय० २, २; जं० प० ५, ११३; ४, ११२; ५, ११२; निर० १, १; विशे० ७२; निसी० २०, १०; उत्त० १, ४; ओव० ११; अणुजो० १४; ठा० १, १; सू० प० २०; उवा० १, १०; १२; १४; नाया० ४० ३; क० प० १, ३१, क० गं० ३, १०; १६; “ एवमेवाणि जंपंता ” सूय० १, १, २, ४; “एवं आउली करिति” भग० १, ६;

एवंलु. अ० (एवंलु) अरेअर; निश्चये; ओभज. निश्चयसे; इसी प्रकार; वास्तव में.

Indeed; exactly so. भग० ७, ६;

नाया० ६; ८; १०; १६; नाया० ४०

एवंचेव अ० (एवंचेव) लुओ " एवं "

शब्द० देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

नाया० १; २; भग० १५, १; २५, २; ४१, ८;

एवइह. अ० (एवइह) लुओ " एवं " शब्द०

देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

वेय० १, १४; ४, २८;

एवतिय. त्रि० (एवतिय) लुओ " एवइह "

शब्द० देखो " एवइह " शब्द. Vide

" एवइह " भग० १, ७; ११, १;

एवंपि. अ० (एवंपि) ओमपय. इस प्रकार

भा०: Even thus; even so. भग० १, ६;

एवंभूत वादि. त्रि० (एवंभूत वादि) भाव-

सहित पदार्थनेत्र पदार्थ माननार ओक नय.

सात नयमानो सातमे नय. भाव सहित

पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय.

(One) who holds the logical

standpoint that a substance

should be styled by its name

only so long as it actually per-

forms the operation denoted by

it; the seventh of the 7 logical

beliefs सूत्र० २, ४, १०;

एवंभूय. पुं० (एवंभूत) ने शब्दने ने अर्थ

थतो होय ते अर्थ पुरे पुरी रीते, ते

वस्तुमां लुओ त्पारेण तेने ते वस्तु कहे,

नेम धट शब्द चेष्टावाची धट धातुमाथी

अनेलो छे तो ज्यारे ते धटो पाछीथी अरेलो

आना भरतक उपर होय त्पारेण तेने धटो

कहे अन्यथा नहि ओम माननार ओक नय

सात नयमानो ७मे नय. जिस शब्द का जो

अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस

शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पके तब ही उस

वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द

वेष्टावाची घट धातु से बना है जब पानी से

भरा हुआ ली के मस्तक पर बटा रखा हो

तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं;

सातनयो में से एक नय. The seventh

of the seven logical stand-

points, viz. that a substance

should be styled by its name

only so long as it performs act-

ually the operation denoted by

it; e g. a pot should be styl-

ed a pot only when it is

actually filled with water

and "carried" by any woman

upon the head. विशेष० २२५१; ठा० ७,

१; भग० ५, ४; पञ्च० १६; प्रब० ८२४;

पंचा० ६, १२; (२) निच्छेद गयेस आरभा

दष्टियाद अंगना भीम विभाग सूत्रनो १६

मे भेद. जिसका विच्छेद हो चुका है

ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के

सूत्रका १६वां भेद. name of the 16th

division of the 2nd section

of the 12th non-extant Āṅga

viz. Dṛiṣṭivāda. नदी० ५, ६,

एवंविह. त्रि० (एवंविह) ओवा प्रकारनुं-ने-

नी. इस प्रकार का-की Of that or

this sort; such. सु० च० ४, ८२; पंचा

१३, ३६;

एवमेव. अ० (एवमेव) ओमण. इसी प्रकार.

Exactly so; quite so. वाण० १;

भग० १, १;

एवामेव. अ० (एवमेव) ओरीण रीते.

इसी प्रकारसे. Exactly so; quite in

this manner. जं० प०/नाया० २; ३;

४; ५; ८; ६; १०; १२; १६; भग० १, १;

६; २, ३; ५, ३; ६; १२, १; २५, ८; उवा०

७, २१६;

✓एस. भा० I II. (एव) शोधनुं; तथास

करवी; पु० ५२७ करवी. खोजना; ढुंढना; पुछ पाछ करना. To search; to inquire after.

एसे. वि० आया० १, ६, ४, १०;

एसिज्जा. वि० उत्त० १, ७; २. ३०; दस०

५, २, २६;

एसेज्जा वि० सूय० १, १, ४, ४;

एसंत. व० क० उत्त० ३०, २१;

एसमाण. व० क० वव० १०, २;

✓एस. भा० I० (इष्) छच्छुं; छच्छा करवी. इच्छा करना. To wish; to desire.

एसह. पि० नि० ७५;

एस. त्रि० (एष्यत्) आवतो; भविष्यन्. भविष्य का; आगामी. Future; the future. विशेष० ४२२; —काल. पुं० (-काल) आवतो काल. आगामी काल. coming time; future time. दस० ७, ७;

एसण. न० (एसण) ओषण्य वस्तु; निर्दोष आहारादि. दोषरहित आहारादि. A thing worthy to be used as food; unobjectionable food etc. उवा० १, ८६; नाया० १६; भग० २, ५;

एसणा. जी० (एषणा) आहारादिनी गवेषणां साधु अने गृहस्थी अन्नेथी लागता शंकितादि दश दोष. आहारादि की गवेषणा में सधु और गृहस्थों से जो दश दोष लगते हैं वे. Any of the 10 faults (viz Śāṅkita etc.) incurred by a layman as well as an ascetic in connection with begging food etc. प्रव० २२; ५७१; ठा० ३, ४; पि० नि० १; (२) उपयोग पूर्वक आहारादिनी गवेषणा करवी; ओषणानामनी श्रीश्र सभिति. उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेषणा करना; तीसरी गभिति का नाम. name of

the third Samiti, circumspection in begging food etc. उत्त० १, ३१; २, ४; ८, ११; २४, २; ३०; २५; भग० २, १; सूय० १, १, ४, ४; पणह० २, १; वव० १०. २, ओव० १७; सम० ५०१६८; —असमिअ. त्रि० (-असमित) आहारादिनी गवेषणारूप सभिति विनानो; ओषणा सभिति रहित. आहारादि की गवेषणा रूप सभिति से रहित; एषणा सभिति से रहित. (one) devoid of circumspection in begging food etc. दसा० १, २; २१; २२; —असमित. त्रि० (-असमित) असमत्तो जातपाणी धर्म भीज साधुनी साथे कलह करना, असमाधिनुं श्रीसभुं-छेदुं स्थानक सेवनार. असूकता (दोषयुक्त) आहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला-असमाधि का २० वां-अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला. (one) who resorts to the last viz. 20th source or cause of Asamādhi i. e. non-concentration; (one) who quarrels with another Sādhu, after receiving food involving sin. सम० २०; —रय. (-रत) निर्दोष आहार लेना सावधान. निर्दोष आहार लेने में सावधान. one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food. दसा० १, ३; —वि. सोहि. जी० (-विशोधि) ओषणानी शुद्धि. एषणा सभिति की शुद्धि. purity or faultlessness of circumspection in begging food etc. ठा० २, २; —समिह. जी० (-समिति) ४२ प्रकारना हूषण टाकी शुद्ध आहार पाणीनी गवेषणा करवी ते; पांच सभितिमांनी त्रीश सभिति.

४२ प्रकार के दूषणों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेषणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz begging of alms untainted by the 42 kinds of faults. सम० ५; ठा० ८, १; —समिय.

पुं० (समिति-एषणायां उवादान्ग्रहणप्राप्त विषयायां सम्यगितः स्थितः) निर्दोष आहार लेनार. निर्दोष आहार ग्रहण करनेवाला. One who receives faultless or absolutely untainted food. “एषणा समिपुण्ड्रं वजयन्ते अयोसयं” सूय० १, ११,

१३; दसा० ५, ६; भग० २०, २; नाया० ५;

एससिज्ज. त्रि० (एषणीय) भूमिने अपेक्ष्य कर्त्ता योऽपि; लेतुं कल्पे तेतुं; दोष रहित मुनि के एषणा करने योग्य; निर्दोष; लेने योग्य. Faultless, unobjectionable; worthy of being received as food by a Sādhu. भग० १, ६; २, ५; ५, ६; ७, १; ८, ६; १८, १०; उत्त० १२, १७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; ठा० ४, २; उवा० १, २८; पि० नि० १६१; राय० २२५;

एसणिय त्रि० (एषणांय-एष्यते गवेष्यते उभ-मादिदोषविकलतया साधुभिर्गतेषणीयम्) निर्दोष-दोष वगरज. निर्दोष; दोष रहित. Faultless; untainted; unobjectionable (e.g. food). दस० ६, २४;

एसिय. त्रि० (एषित) गोचरीनी विधिं प्राप्त थयेत् (आहारादि) गोचरी की विधि से प्राप्त (आहारादि). (Food etc.) got by Gochari (i. e. begging) in a particular fashion. आया० २, १, ६, ५०; सूय० २, १, ५६; भग० ७, १;

एसिय. पुं० (एषिक) असंख्यात ऐकेन्द्रिय भुवोनी द्विसा थाय अया आहार कर्त्ता

ऐक हाथीने मारी जातुं ते अथ ऐम मान-नार ऐक तापस; हाथी तापस. असंख्यात एकैन्द्रिय जीवोंकी हिंसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ठ समझने वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthī Tāpasa). “एसिया बोसिया सुद्धा” सूय० १, ६, २;

एसिय. पुं० (*) गोयाणीया. गोर्ला; ग्वाल. A cowherd. आया० २, १, २, ११;

एस्स. पुं० (एष्यत्) भविष्य काल; भारी. भविष्य काल; भावी काल. The future; future time. विशेष० २८३;

एहंत. त्रि० (एधमान) वधतुं; वृद्धि प्राप्तुं-तो-ती. बढ़ता हुआ; बढ़ता हुआ; वृद्धिगत. Increasing, growing. दस० ६, २, ५;

एहा. स्त्री० (एषा) शमी (पीजडी) ना काष्ठः एषा. शमीकी लकड़ी; उस्तरा नामक वृक्षकी लकड़ी. The wood of the Sami tree; fuel. उत्त० १२, ४४;

एहिय. त्रि० (ऐहिक) आलोक सम्बन्धी; अलोकज. इस लोक सम्बन्धी; इस लोक का. Belonging to, pertaining to this world. ओष० नि० ६२; — एष-सिय. त्रि० (-प्रदेशिक) विषम संख्या-३, ५, ७ वगैरे ऐकी संख्याना प्रदेशी निष्पन्न थयेत्. विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न. resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग० २५, ३;

* बुध्मो ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओ.

ओजसि. पुं० (ओजस्विन्) मननी धीरज
वाला; धैर्यवान्; धीर. धीरज वाला; धैर्य
धारण करनेवाला; धीर. Courageous;
brave. ओव० १६;

ओहण त्रि० (अवतीर्ण) अवतरण; उतरी
आवेष्ट. अवतरित; उतरा हुआ. Born;
descended; come down. ओव०
२६; ओघ० नि० ३४; पंचा० १५, ४२;

ओंकार. पुं० (ओंकार) ॐकारना उच्चार
करना. ॐ कार का उच्चार करना. Pro-
nouncing the word " Omkāra".
उत्त० २६, २६;

ओक्छिद्या. स्त्री० (अवकच्छिका) जुष्टे।
" उक्छिद्या " शब्द. देखो " उक्छिद्या "
शब्द. Vide. " उक्छिद्या " ओघ० नि०
६७७; प्रव० ५४३;

✓ **ओकड** धा० I. (अप+कृष्) पाछुं खें-
चुं. पीछा खींचना. To draw back;
to pull back.

ओकडुह. क० प० ३, ७;

ओकडुव. सं० क० प० ४, १;

ओकडुणा स्त्री० (अपकर्षणा) अपवर्तना.
अपवर्तना. Drawing back; turning
back. क० प० ३, १०;

ओगाहिअ. त्रि० (अवगृहीत) पीरसेष्ट;
भोजनभांती दाथभां लीयेष्ट. ग्रहण किया
हुआ; परोस हुआ Served as food;
held in the hand (sup. food).
ठा० ३, १;

ओगाढ त्रि० (अवगाढ) आकाश प्रदेशने
अवगाड़ी-स्पर्श करीने रहें. आकाश प्रदेश
को व्याप्त करके रहा हुआ. Pervading
or touching Ākāśa Dravya i.
n. space. उत्त० १८, २४; पञ्च० २; जीवा०

१; विशेष० ६७५; अणुजो० १०१, १४८;
ठा० १, १; भग० १३, ४; १६, ६; २०, २;
२५, ३; ४; नाया० ८; ६; १७; जं० ७० ७,
१३७; (२) जमीनमां उडुं. जमीन के
भीतर ऊँडा. deep in the ground.
प्रव० १५८७; —रुह. स्त्री० (-रुचि)
उपदेश के शास्त्रने अवगाढवाणी उत्पन्न यती
धर्मज्ञति. उपदेश अवगाढ शास्त्र के अवगाहन
—मनन से उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि. love
for religion excited by a ser-
mon or a study of scriptures.
भग० २५. ७; ठा० ४, १;

ओगाढसेणिआपरिकर्म. न० (अवगाहन-
श्रेणिकापरिकर्मन्) दृष्टिवादेना परिकर्मने।
छट्ठे। भेद. दृष्टिवाद के परिकर्म का छठवां
भेद. The sixth division of the
Parikarma of Dṛṣṭivāda. नंदी०
५६;

ओगाढावस. न० (अवगाढावस) ओगाढ-
सेणिआपरिकर्मने। १४वो प्रकाश. ओगाढमं-
गिआ परिकर्म का चौदहवां भेद. The
14th division of Ogāḍhasenīa
Parikarma. नंदी० ५६;

ओगास. न० (अवकाश) अवकाश; खुली
जमीन. अवकाश; खुली जगह; खाली स्थान.
Open space. " ओगामं कासुयं नञ्चा "
दम० ५, १, १६;

✓ **ओ गाह.** धा० I, II. (अव + गाह)
अवगाढचुं; अन्दर प्रवेशचुं; स्पर्श करे।
अवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श
करना. To pervade; to enter; to
touch.

ओगाहह. भग० २०, ८; प्रव० ६६८;

ओगाहह. नागा० २; ९; १६;

भोगाहंसि. ओव० ३६;

भोगाहेजा. भग० १, ६; १८, १०; अणुजो०
१३४;

भोगाहह. नाया० १७;

भोगाहित्त. सं० क० ओव० ३६; जं० प०
१, १४; ७, १४२; ७; १२७; भग०
२, १; ८; ३, ७; पञ० २;

भोगाहेसा. सं० क० नाया० २; ६; भग० २०,
८;

भोगाहित्तप. हे० क० ओव० ३८;

भोगाहत. पि० नि० ५७५;

भोगाहिरुच. जं० प० ४, १०५; प्रब० १४३५;

भोगाह. पुं० (अवगाह) अवगाहना; अव-
काश; आकाशं लक्ष्य. अवकाश; आकाश
का लक्षण; खाली स्थान. Interpen-
etration; lit. entrance; giving
space to other substances;
this is the nature of Ākāśa.
उत्त० २८, ६;

भोगाहण. न० (अवगाहन) ७५ शरीर
आदि वस्तु नेटला क्षेत्रने अवगाहि रहे
नेटलु क्षेत्र. जं०, शरीर आदि वस्तु जितने
क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उतना क्षेत्र.
Space occupied by any object.

भग० १, २; ५, ७; ८, १; पि० नि० ६८६;

भोगाहणग. त्रि० (अवगाहनक) अवगाह-
ना२. अवगाहन करने वाला. (Onu)
that occupies a particular
space; occupying space. ठा० १, १;

भोगाहणसेविषया. स्त्री० (अवगाहनसेविषया)
अवगाहनसेविषयी नामे दृष्टिवादांतर्गत परिकर्म-
ने। ओ३ भाग. अवगाहन सेविषी नामक
दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग.
Name of a division of the Pari-
karma forming a part of Driṣ-
tivāda. सम० १२;

भोगाहणा. स्त्री० (अवगाहना-अवगाहन्ते-
आसते अवतिहन्ते जीवा यस्यां सा तथा)
शरीरादिनी उचाई. शरीर आदि की ऊंचाई.
Height of the body etc. भग०
३, १; १६, ३; २४, २०; २५, ४; २५, ६;
३६, १; ओव० ५४; अणुजो० १३४; उत्त०
३६, ६०; ३६, ६१; जीवा० १; नंदी० १२;
नाया० ४० प्रब० ४८१; —छाण. न०
(—स्थान—अवगाहन्तेजीवा यस्यां साऽव-
गाहना तनुस्तदाधारभूतं क्षेत्रं वा तस्याः
स्थानानि प्रदेशवृत्ता विभागाः अवगाहनास्था-
नानि) अवगाहना—शरीरानी उचाईना स्थान-
विभाग. अवगाहना अर्थात् शरीर का ऊंचाई
का स्थान-विभाग. A (smaller) divi-
sion of the height of the body.
भग० १, ५; —नामनिहत्ताउय. न०
(—नामनिहत्तायुक्त) औदारिकादि शरीर
नामकर्म साथे आयुष्म कर्मने अन्ध थाय
ते: आयुष्मने ओ३ प्रकार. औदारिक शरीर
नामकर्म के साथ आयुष्म कर्म का बंध होना;
आयु बंध का एक प्रकार. The linking
together of Āyusya Karma
with the Namakarma that
builds up the physical body
पञ० ६; भग० ६, ८; —संछाण. न०
(—संस्थान) प्रज्ञापनाना २१ भां ५६नुं
नाम क ओ३ भां औदारिक वगेरे पांच शरीर-
ना संछाण वगेरेनुं वर्णन क्युं छे. प्रज्ञापना के
२१ वें पद का नाम कि जिस में औदारिक
आदि पांच शरीरों के संस्थान आदि का
वर्णन है. Name of the 21st Pada
of Prajñāpanā, dealing with
the conformation of the five
kinds of bodies viz. physical
etc. पञ० १;

भोगाहिम. त्रि० (अवगाहिन) पक्ष्यान्तः

सुभक्षी; भावपटुया वगेरे. मालपुवा आदि
पकवान. Rich food; sweetmeats.
पि० नि० ५४८; पंचा० ५, ११;

अोगाहिमग. पुं० न० (*अवग्रहाहिमक)
पकवान; मिठाई वगेरे. पकवान; मिठाई
वगेरह. Sweetmeats. प्रव० २०३, २१८;

✓अोगिणह. धा० I, II. (अव+गृह्)
हाथमां लेनुं; ग्रहण करनुं. हाथमें लेना; ग्रहण
करना. To hold in hand; to take.
अोगिणह. नाया० १; डा० ३, ३; भग०
६, ३३;

अोगिणहता. सं० कृ० नाया० १; भग० ६, ३३;

अोगिणहता. सं० कृ० भग० २, ६; उवा०
७, १६३; २२०; कटप० ८, ६;

अोगिणहय. सं० कृ० आया० २, ७, १, १५६;

अोगिणहण. न० (अवग्रह) अर्थावग्रहणं ऐक
नाम. अर्थावग्रह का एक नाम. A syno-
nym for Arthāvagraha i. e.
vague idea or apprehension of
an object. नंदी० ३०;

अोगगह. न० (अवग्रह) आताः संमतिः
अन. आज्ञा; हुक्म; सम्मति. Order;
permission; consent. भग० ९, ३३;
दस० ५, १, १८; ८, ५ नाया० ५; पंचा०
६, १३;

अोगगहण. क्री० (अवग्रहण) छिद्रियोना विपय-
रूप पुद्गलोनुं ग्रहणं करणं ते. इंद्रियोंके
विषयरूप पुद्गलों का ग्रहण करना. Draw-
ing or taking to oneself the
molecules of the various ob-
jects of senses. पञ्च० १५;

अोग. पुं० (अवग्रह) प्रवाहः संसारने प्रवाहणं रूपक
आपवाभां आवे छे भाटे संसाररूप प्रवाहः
प्रवाहः संसार को प्रवाहका रूपक देने में आता
है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a
flow; metaphorically worldly

existence. “ एते आंशं तरिस्सन्ति ”
सूय० १, ३, ४, १८; २, ६, ५५; क० प०
१. ८१; पंचा० ३. ३; (२) समूह; राशिः
ग्रंथो. समूह; समुदाय; दंग. a group;
a heap; a collection. जं० प० ५,
११५; नाया० १५; सम० ७; राय० ३७;
(३) सामान्य; शमुच्चय. सामान्य; समुच्चय;
साधारण. accumulation; general,
broad nature. भग० २५, ३; ४; पञ्च०
८; —आदेश. पुं० (—आदेश) सामान्य
प्रकारः सामान्य अपेक्षा. सामान्य प्रकार;
सामान्य अपेक्षा. matter of course;
matter of common expectation.
“ अोषदेसेणं सियकड जुम्मा ” भग० २५,
३; ४; —आययण. न० (—आययण) ओष-
प्रवाह-परंपरायी मनापक्षा तीर्थस्थान. परं-
परा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place
traditionally regarded as
sacred. आया० २, १०, १६६; —सण्णा.
क्री० (—संज्ञा) भित्तानावरणकर्तृना क्षयोप-
शमयी सामान्य ओष थाय ते-ज्जेम पीमनी
देवादेप्पीयी आसक नीसरणी पर यदे पण
ते समज्जेतो नथी के दुं केना पर यदयो.
मतिज्ञानावरण कर्मके क्षयोपशमसे जो सामान्य
बोध होता है वह-जैसे दूसरेकी देखादेखा मे
बच्चा निसरनी पर चढ़ता है किन्तु उस यह
नहीं समझता कि वह किसपर चढ़ा है.
ordinary knowledge arising
on account of the subsidence
and destruction of the Karma
which obstructs Matijñāna.
पञ्च० ८; —अोगस्सरा. क्री० (—अव-
स्वरा) यमरयंया शब्धानीना देवताने
संदेशो पोयाउनारी धंटा. चमर चंचा नामक
राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया
जाता है वह घंटा. a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chamara Chanchā capital. जं० प० ५, ११२;
ओत्तार. पुं० (अवतार) धान्यो कोठा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape. अणुजो० १३२;
ओत्तूल. न० (अवतूल) लगाम; योडो. लगाम. A bridle; reins. "ओत्तूलमुह चंदाधर चामर धासक परिमंडित कटिपट्ट" विवा० २; जं० प० ३, ६१;
ओत्तुल्लसि. त्रि० (उत्साहित) उत्साह-यंत करेणु; यथायुं करी उत्साह यथावेणु. उत्साहित किया हुआ; उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. पिं० नि० ४६५;
ओज. न० (ओजस्) शक्ति; ताकत. बल; शक्ति. Strength; power; vigour. पण० २, २;
ओट्ट. पुं० (ओट) लेट. ओट. A lip. अणुजो० १३; १२८; १३१; नाया० ८; जं० प० पञ्च० २; राय० १६४; विवा० २;
ओणमंत. व० कृ० त्रि० (अवनमत्) नीचे नमनुं. नीचे नमा हुआ. Bending or inclining low. ओष० नि० भा० २१२;
ओणय. त्रि० (अवनत) वांङ्गुं वणेणुं; नीचे नमनें. नीचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved. सु० च० १, ३८२; नाया० १; ओष० नि० २२३;
ओ-तर. धा० I, II. (अव+तृ) आध-रथु नाभपुं; उभेरपुं आधन रखना; डालना. To add to; to put or throw into boiling water. (२) उतरपुं. उतरना. to descend.
ओवरई. पिं० नि० ३८८;
ओवरंत. पिं० नि० ५१८;

ओत्तारिवा. प्रे० सं० कृ० दस० ५, १, ६३;
ओत्तारमाच. प्रे० व० कृ० आया० २, १; ६, ३५;
ओत्तार. पुं० (अवतार) प्रवेश करने; अंदर उतरपुं. प्रवेश करना. To enter; to descend into. विशेष० १०४०;
ओत्तिगणा. त्रि० (अवतारिणी) पार उतरने; पार पारने. पार उतरा हुआ. पार पाया हुआ. (One) who has crossed or reached the opposite side. उत० ५, १४; १०, ३२;
ओदण. पुं० (ओदन) भात; रोधेन-योभा. भात, पके हुए चामर. Cooked rice जीवा० ३, २; भग० ४, २; उवा० १, ३५; पंचा० १०, ३७;
ओधारिणी. स्त्री० (अवधारिणी) निश्चय-कारिणी (भाषा). निश्चय कारक भाषा. Decisive speech. दस० ७, ५४;
ओ-पड. धा० I. (अव+पत्) नीचे पडपुं. नीचे गिरना. To fall down; to come down.
ओवयड. भग० ३, २;
ओवयंत. विशेष० १४६;
ओवयंत. आया० २, १५, १७६; नाया० ६; कण्ठ० ३, ३७; ५, ६६;
ओवयमाच. व० कृ० नाया० १; ६; भग० ११, ११; राय० ७२; जं० प० ५, ११७;
ओप्पादय. त्रि० (औत्पातिक) उत्पात संबंधी. उत्पात सम्बन्धी. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc सूय० १, १२, ६;
ओवदय. त्रि० (अववदक) अभुक्त समय सुधीं कोषणीं आधेणु; परपथ. अमुक्त समयतक किसी के बन्धन में आया हुआ, पराधीन. Bound down for a time; dependent. प्रव० १६८;

ओमह त्रि० (*) मागेष्टुं; यायेष्टुं. मांग
हुआ Asked; begged; solicited.
आच० नि० १४७;

ओ-भम. घा० I (अव + भम्) इष्टुं; लभ्युं.
फिरना; भटकना; भमना. To wander;
to roam.

ओभामेह. प्र० राय० २३६;

ओभाषणा. त्री० (अवभाषना) उपहास;
हेलना; भस्करा. उपहास; अवहेलना; हंसी.
Ridicule; insulting; disrespectful
joke. आच० नि० भा० ८१; प्रव० १६३;

✓ ओ-भास. भा० I, II (अव-भाष्) यायुं;
दाता पास मांग्युं. दाता के पास से मांगना;
याचना करना. To beg; to solicit a
favour.

ओभासज्ज. आया० २, १, ५, ३०;

✓ ओ-भास. घा० I, II (अव + भास्)
प्रकाश युं; यलकाट करे. प्रकाशित होना;
विलकाहट करना. To shine; to glitter.
ओभासति. राय० २७०.

ओभासइ. सू० प० १; राय० १२०; ठा० २, २;

ओभासइ. भग० १, ६;

ओभासंति. म० प० १८; भग० ७, १०; ८.
८; १४, ६; जं० प० ७, १३७;
राय० २७०.

ओभास. पुं० (अवभास) ६५वां भासाग्रहं
नाम. ६५वें माहग्रह का नाम Name of
the 65th planet, सू० प० २०; ठा०
२, ३; (२) प्रभा; अंक प्रभा; भाई.
light; lustre; brilliance. आच०

ओभासिय. त्रि० (अवभासित) यायना करे;
भागीधीष्ट. मांगकर लिया हुआ; याचित.
Begged; solicited; got by
solicitation. आच० नि० ३१३;

ओम. त्रि० (अवम) उष्टुं; ओष्टुं; न्यूनः
अधुर्. कम; अधूरा; न्यून. Less; falling
short पंचा० १६, १६; उत्त० २६, १५;
३०, १५; ३२, १२; पि० नि० ६४३; पि०
नि० भा० ४५; (२) दुष्कात; दुर्भिक्ष.
अकाल; दुष्काळ; दुर्भिक्ष. famine; scar-
city; dearth of food. " जोवामु
कहवि ओमे " पि० नि० २२०; (३)
असार; तुच्छ. असार; तुच्छ; सार रहित;
हीन. worthless; unsubstantial.
उत्त० १२, ६; आया० २, २, ५, १४६;
ठा० ४, ४; — (मो) उयरण. न०
(*—उदर = उदर) उजोदरी तप; नित्य
पोराकथी ओष्टुं आयुं ते. उनोदरा तप;
नित्यके भोजन के परिमाण से कम भोजन
करना. the penance consisting
in eating less than one's fill
" ओमोवरण पंचहा " उत्त० ३०, १४;

— (मो) उयरिअ. न० (—उदरिक)
दुष्कात; दुर्भिक्ष. अकाल; दुष्काळ. famine;
scarcity of food. आच० नि० ७;

—उयरिया. स्त्री० (—उदरिका—अवमं न्यून-
मुदरं यस्यां सा तथा) उजोदरी तप; ७
आयुं तपमांनुं श्रीजुं. उनोदरा तप; छह
प्रकारके बाह्य तपों में से दूसरा तप. eating
less than one's fill; the 2nd of
the six external penances.
" अवसतं ओमोवरिया भिक्षावरिया "

ठा० ६, १; भग. ७, १; आया० १, ५, ४, १५६; १, ६, २, १८३; —कोठया. श्री० (-काठता) आली पेट. खाली पेट. emptiness of stomach. “आहारस-पण्या समुप्यज्जहं तज्जहा ओमकोठयाए ” ठा० ४, ४; —चेल्ल. त्रि० (-चेल) प्रमा-लुथी ओमकां पत्त राप्पनार. प्रमाण से कम वस्त्र रखनेवाला. (one) having less than the permitted number or quantity of clothes. आया० १, ७६, २१२; —चेल्लग. पुं० (-चेलक — अवमान असाराणि चेल्लान यस्य सः) दुःखा अने ज्ञाना पत्त पदेरनार. कम आर जने वस्त्र पहनने वाला; मेले वस्त्रों वाला one shabbily dressed; one put-ting on short and old gar-ments. उत्त० १२, ६; —चेल्लिअ. त्रि० (-चेलिक) लुओ “ओमचेल ” शब्द. देखो “ओमचेल ” शब्द. vide “ओम-चेल ” “अदुवा संतदुत्तरे अदुवा ओमचे-लए अदुवा एगसाडे ” आया० २, ५, २, १४६; —रत्त. पुं० (*) क्षय तिथि; धरेक्ष तिथि. क्षय तिथि: घटी हुई तिथि. a lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. ओष० नि० २८५; —राहलिअ. पुं० (-राहिक) दीक्षाये न्दानो (साधु). दीक्षा की अपेक्षा ज्योडा (साधु). a. Sādhu junior in point of Dikṣā or entrance in- to the religious order. ठा० ४, ३;

आमंथिय. त्रि० (अवमस्तक) नीयुं भरतक

डरीने ओडेल. मस्तक नांचा करकें बंठा हुआ.

Sitting with the head bent or low. “नो कप्पइ निगंयोए आमंथियाए ” —

वेय० ५, २६; विवा० २; निर० १, १;

आमंथय. त्रि० (अवमस्तक) आहारनो ओड-देल. आहार का दोष. A fault con- nected with food. पंचा० १३, ८;

ओमत्त. न० (अवमस्तक) ओमकापणुं. हीनत्व; आंक्षापन. Scantiness; paucity. राय० २६०; पञ्च० १२;

✓ओ-मा. धा० I. (अव+मा) क्षय पगेरे-थी भरतुं; भरतु ३२५। हाथ बगैरह से मापना-मापना. To measure with the hand etc; to take measure- ment.

ओमिणज्जह. क० वा० अलुओ० १३३;

ओमाण. न० (अवमान) क्षेत्रादिक्षती भरतु. क्षेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा० २, ४;

ओमाण. पुं० (अपमान) अपमान; मान-भंग; अनादर. अपमान; मानभंग; अनादर. Insult; disrespect; affront. “मि-क्खालसिएएगे एगे ओमाणमीरुए ” उत्त० २७, १०;

ओमिणण न० (अवमान) पोअयु. पौखना. A particular ceremony by which a bridegroom and a bride are greeted at the en- trance of a house. पंचा० ८, २५;

✓ओ-मुंच. धा० I. II. (अव+मुञ्च्) मुञ्चुं; छोडुं. छोडना. To release; to abandon.

ओमुयह. कण० ५, ११४;

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोड (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ओमुसग. कप्प० ५, ११४;

ओमुसग. त्रि० (अवमूर्धक) उँधु भरतः
करेक्ष. ओंधा मस्तक किया हुआ. -(One)
with the head touching the
ground and legs thrown up,
on wards i. e. heels over head.
“ ओमुसगा धरक्षितले पडंति ” सू० १,
५, २, १६;

ओमुय. न० (उस्मुक) अंगारे; अक्षतो
काक्षसे. अंगारा; जलता हुआ कोयला. A
burning charcoal. आ० नि० २७४;

ओय. धा० I. (अव + लोक्) नीहास्युं;
नेतुं. देखना To observe; to see;
to mark.

ओयह. विशेष० ७६८;

ओय. न० (ओजस्) विषम संख्या, ज्येष्ठी के-
अेक, त्रय, पांच पगेरे. विषम संख्या जैसे
कि एक, तीन, पांच, सात वगैरह. Any
odd number: e. g. one, three
five etc. पि० नि० ६२६; भग० २५, ३;
(२) त्रि० निष्ठिअन; निष्परिग्रही. परिग्रह
रहित. having nothing; keeping
no possession of property. सू० १,
१४, २१; (३) राग द्वेषही रहित; कर्म
मल रहित-शुद्ध. राग द्वेष से रहित; कर्म मल
रहित. devoid of attachment or
malice; devoid of the mud of
Karma. आया० १, ५, ६, १७०; १, ७,
६, २२२; सू० १. ४, २, १; (४) पुं०
एव उपज यतावेत प्रथम आहार ग्रहण
करे ते; मातानुं रेतस् अने पितानुं दीयर्.
जीव उत्पन्न होतेही प्रथम जो आहार ग्रहण
करता है वह; माता का रक्त और पिता का
बीर्य. the first food of the soul

or sentient being immediate-
ly after becoming quick viz
the semen of the parents. सू०
२, ३, २१; तंदु० १६; पञ० २८; प्रव०
१३७५; (५) तेज; प्रकाश. तेज; प्रकाश.
luster; light. सू० प० १; —आहार.
त्रि० (—आहार) ओज आहार वाला.
ओज आहार वाला. (one) whose
food consists of invigorating
substances. प्रव० ११६५;

ओयंसि. त्रि० (ओजस्विन्) मनोबलवायु.
मनोबल वाला. Powerful; possessed
of great will power. भग० २, ४;
नाया० १;

ओयण. पुं० (ओदन) राधिका ओंधा; भात.
भात; सिक्काये हुए चामल. Cooked rice.
प्रव० २०८; आया० १, ८, ४. ४; पि० नि०
भा० ३; पंचा० ५, २७; उवा० १०, २७७; ओष०
नि० भा० ३०७; विशेष० ३०२७; उत्त० ७, १;

*ओयरण. न० (अवचरण) पांछुं करतुं; पांछुं
करतुं. पीछे फिरना; पीछे हटना. Retreat-
ing; retracing one's steps. विशेष०
१२१०;

ओयरण. न० (अवतरण) उपरथी गिरतुं;
देईं नयुं. ऊपर से उतरना; नीचे जाना.
Descending; getting down. पि०
नि० ६८, ३६३;

*ओयव. धा० II. (साध्) साधतुं; सर
करतुं. साधना; जीतना. To accomplish;
to subdue.

ओयवेह. जं० प०

ओयवेहि. आ० जं० प०

ओयवेत्ता. सं० कृ० जं० प०

आयस्त्रि. त्रि० (ओजस्विन्) ऋग्वेद " ओ-
बंसि " शब्द. देखो " ओबंसि " शब्द.
Vide " ओबंसि " आया० २, २, १, ७१;

आयय. त्रि० (अनयात्) प्राप्त करने. प्राप्त
किया हुआ. (One) who has reach-
ed; (one) who has got or
obtained. 'महाभिलाकटयं सगामं आयय
पुराणां य से सके " भग० ७, ६;

आयार. पुं० (अवतार) समावेश; अंतर्भाव.
अंतर्भाव. Inclusion; state of being
included. विशेष० ५५१;

आरस. पुं० (आरस) अंग १५५ पुत्र; दत्त
नदि ते आरस पुत्र. A son born of
one's loins; a legitimate son.
सूय० १, ६, २; उत्त० ६, ३;

आरस्म. त्रि० (आरस्म) छाती सम्बन्धी
(दिग्भन). छाती संबंधी (हिम्भन. धैर्य
आदि). (Anything) connected
with the breast i. e. courage,
bravery etc. पि० नि० ४६२;

आराल. त्रि० (उदार) विद्वान्; प्रधान. उदार;
प्रधान: बड़े दिल का (Generous; ex-
tensive; prominent. कण० १, ४;
नाया० १; भग० २, १; १६, ६; (२)
स्थल: भेदाट्ट, मोटा; बड़ा. bulky; large
in size. उत्त० ३६, १०७; (३) आदा-
रिक् शरीर; पांच शरीरों में से एक. आदारीक
शरीर; पांच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार
का शरीर. the external physical
body; one of the five bodies.
क० गं० १, ३३; पि० नि० ६७; —**सरीर.**
न० (-शरीर) आदारीक शरीर; प्रधान
शरीर. आदारीक शरीर; प्रधान शरीर. the
external physical body; the

prominent body. ओष० नि० २२४;
आरालिय. पुं० न० (आदारीक) आदारीक
शरीर; मनुष्य अंतर्निर्भर शरीर.
आदारीक शरीर; मनुष्य और तिर्यच का
स्थूल शरीर. Audārika body; the
external physical body of
human and sub-human beings.

(२) त्रि० आदारीक शरीरवाला. आदारीक
शरीरवाला. possessed of Audārika
body. अणुत्रि० १४५; क० व० २, ७२;
आय० ६२; भग० १, ७; ८, १; पञ्च० १२;
विशे० ३७५; ३३३३; — **प्राग्गलपरिवर्त.**

पुं० (-पुद्गलपरिवर्त) आदारीक पुद्गल
परावर्तन-लोचना तमाम पुद्गलों में से एक
शुद्ध अदृश्या वस्तुओं में आदारीक शरीररूपे
प्रदत्त शरीर परिवर्तन पुद्गल करे देखो
वस्तु. आदारीक पुद्गल परावर्तन-दुनिया के
तमाम पुद्गलों को एक जीव जितने समय में
आदारीक शरीररूप में प्रदत्त कर के परिवर्तित
कर के पूरा करे उनका समय. time
taken by the soul in embody-
ing within itself all the mole-
cules of matter that consti-
tute the Audārika body भग०
१२, ४; — **मिश्रक.** पुं० (-मिश्रक) वैदिक
आदि आदि मिश्रित भूत आदारीक शरीर-
योग वैदिक आदि के साथ मिश्रित आदा-
रिक् शरीर योग. connection of the
Audārika body with other
kinds of bodies, such as Vai-
kriya body etc. and its activity
in that mixed condition. भग०
२५, १; — **सरीर** न० (-शरीर) आदा-
रिक् शरीर; दस भांसेवाले शरीर. आदारीक
शरीर; दस भांसेवाला शरीर. the ex-

ternal physical body of flesh and blood. नाया० २; —सरीरकाय-जोय. पुं० (-शरीरकाययोग) औदारिष्ठ शरीररूप कायातो जेग-प्रवृत्ति. औदारिष्ठ शरीररूप कायाकी प्रवृत्ति. activity of the external physical body. भग० २५, १; —सरीरत्ता. स्त्री० (-शरीरता) औदारिष्ठ शरीरप्राप्ति औदारिष्ठ शरीरपना. state of being or having the external physical body. भग० २५, २;

✓ओर्ध्वभिया. अ० (अवलम्ब) अटका-वीने; ओधीने. रोक कर. Having confined or pent up; having obstructed “ जाबतेयं समारंभे बहु ओर्ध्व-भिया जया ” दसा० ६, ४; सम० ३०;

ओरुध्वबाण. व० क० त्रि० (अवलम्बमान) रोक्याभां आवतो; अटकाव्याभां आवतो. रोक्य हुआ. Being obstructed or checked. उत्त० १४, २०;

ओरुहण. न० (अवरोहण) नीचे उतरजं. नीच उतरना. Coming down; act of descending. विश० १२०८;

ओरोह. पुं० (अवरोध) अंतपुर, जनान-आतुं. अंतःपुर; जनानखाना. A harem: a woman's inner apartment. नाया० ८; १६; उत्त० ६, ४; २०, ५८; विवा० २, १; पं० नि० १२७; (२) दस्ता-जनी अंदरने अयांतर डेही. दरवाज के भीतर का कोठा. an inner apartment of a house. ओव०

ओरोहिया. स्त्री० (अवरोधिका) अंतपुरमें रहनेवाली (स्त्री). अंतःपुर में रहनेवाली (स्त्री). A woman who stays in a harem; a woman. विवा० ६;

ओलंबसदाव. पुं० (अवलंबनदाव) सांक्षि-

थी आंधिलो दीवो लटकतो दीवो. लटकता हुआ दीपक; सांकल से बंधा हुआ दीपक.

A hanging lamp. भग० ११, ११;

ओलंबिय. त्रि० (अवलंबित) देरडी आंधी लटकवेस. रस्सा बांध कर उस से लटकाया हुआ. Kept suspended on or with a rope. “ हमें ओलंबिय करेह. ” स्य० २, २, ६३; ओव० ३५;

✓ओ-लग. धा० I. (अव + लग्) स्थापित करने; आश्रय रचना करना; स्थापित करना. To compose; to arrange.

ओलंबयति. नाया० ८;

ओलित. त्रि० (अवलित) आँख पड़ेथी झिपी भुज्य अंध डरेस. गोबर आदिसे झाब कर मुह बंद किया हुआ. With the mouth (e. g. of a pot etc.) stopped with cow-dung. भग० २, १; ६, ५; वंय० २, ३; टा० ३, १; (२) देपायेस; अस्त्रायेस. स्त्रहाया हुआ. Smeared; bespattered. आया० २, १, ७, ३८;

ओलुग. त्रि० (अवलुग) भंडो; आनि पाभेस. बीमार; म्लान. Diseased; sickly; fatigued. निर० १, १, विवा० २; भग० ६, ३३; नाया० १; —सरीर. पुं० (-शरीर-अवलुगं गतानं दुर्बलं शरीरं यस्य सः) दुर्बल शरीरवाले; भंडो. दुर्बल शरीर वाला; बीमार. A man with a lean and sickly body. विवा० २; नाया० १; निर० १, १;

ओलोह. त्रि० (अवलोकित) जेथेस. देखा हुआ. Seen; observed. स्य० २, ६, ३४;

✓ओ-लोय. धा० I, II. (अव + लोक्) जेथेस; तपासपुं. देखना; खोज करना; जांच करना. To see; to observe; to introspect.

ओलोयमाव. भग० १०, १; नाया० १;

ओलोयंत. नाया० १६;

ओलोय. पुं० (* अवलोक) प्रकाश. उज्ज-
याला; प्रकाश. Light. परह० २, १;

ओवग्गाहिअ. त्रि० (औपग्रहिक) अन्तः
साधारण; अंशानुं नहि. जो किसी अंश
का न हो वह; गच्छ साधारण. Belong-
ing to a whole order or class
of persons jointly. ओव० नि० २३२;
(२) दंड-डाकड़ी, आदि पाटीयारा साधुना
उपकरण. दंड-लकड़ी आदि साधुके उप-
करण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्थी
से मांग लिये जाते हैं. (articles of
use) for an ascetic brought
from a householder for tempo-
rary use. e. g. a stick etc. उत्त०
२४, १३;

ओवसिय. पुं० (*) त्रयुन्द्रियवाला
जन्तु. त्रयुन्द्रियों वाला जीव.
A three-sensed living being.
भग० १५, १;

ओवट्ठणा. स्त्री० (अपवर्तना) अपवर्तना.
अपवर्तना. Turning back; drawing
back. क० प० ३, १०;

ओवट्ठिय. त्रि० (अपवर्तित) अपवर्तित
करे. अपवर्तन किया हुआ; लौटाया हुआ.
Turned back; drawn back. क०
प० २, २८;

ओवट्ठि. स्त्री० (अपवृद्धि) हानि. हानि;
नुकसान. Loss; decrease. सू० प० १;

ओवण्हिय. त्रि० (औपनिषिक) गृहस्थ
समीपे आण्ड अन्नदिनी गवेय्या करनार.
गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नदि की
गवेय्या करने वाला. (One) who
searches for food brought to

him by a householder. ओव० १६;
ओवतणी. स्त्री० (अववातिनी) उपरथी
नीचे पाड्यानी निधा. ऊपर से नीचे गिराने
की विद्या. The art of making a
thing fall down from a high
place. सू० २, २, २७;

ओवसिया. सं० क० अ० (अपवर्ण) अग्नि
उपर रहता पात्रभांती लगने भीत पात्रभां
नाभीने. अग्नि पर चढ़े हुए पात्र में से
लेकर दूसरे पात्र में डालकरके. Having
taken out from a vessel which
is actually on the fire and
placed it in another vessel
(i. e. food etc.). दस० ५, १, ६४;

ओवमिअ. न० (औपमिक) उपमावत्
वाय तेजु. उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके
ऐसा. Capable of being shown
or indicated by a simile or
metaphor. अणुजो० १३६; जं० प० २, १८

ओवम्म. न० (औपम्य) उपमान प्रमाण
अंश वस्तुनी सराभाषणीयं यत्तुं श्रीं सदृश
वस्तुनं ज्ञान. उपमान प्रमाण; एक वस्तुका
उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान.
Argument from analogy; know-
ledge derived from analogy. ओव०
४५; पञ्च० २, ११; भग० ५, ४; अणुजो० १४७;

ओवम्मसत्थ. पुं० (औपम्यसत्थ) उपमा
सत्य जेम् भेदादुं तत्राव जेम् कहे के समुद्र
जेयुं तत्राव छे ते उपमा सत्य. उपमा सत्य,
जैसे किसी बड़े तालाब को देख कर कहना
कि समुद्र के जैसा विशाल ताल है. Truth
of the nature of that found in
similes; verisimilitude; e. g.

* ओलो पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vice
foot-note (*) p. 15th.

comparing a big lake with a sea. प्रव० ८६८:

आवयण. न० (अवपतन) पौषयुः आवा-
नः। देवा. आवा-ना लेना. According
welcome or reception with a
particular kind of ceremony,
auspicious in its nature. नाया०
१. (२) नीचे उतरनुं; नीचे आवयुं. नीचे
उतरना: नीचे आना. coming down:
falling down; descending. भग०
३, २;

आवयत्र. पुं० (अवयत्रक) आरंभ. कंठडा:
कोठा. A room; an apartment in
a house ओघ० नि० ४२१;

आवयसमिय. न० (आपशमिक) उपशम सभ-
दिन: उदयमां आवेय मिथ्यात्व मोहनीय
कर्मना नाश. अनं शेष रदेय मोहकर्मना
उदय थाय ते-उपशम-ते वः क्रायेयुं ते-
आपशमिक. उपशम सम्यक्त्व: उदय में
आये हुए मिथ्यात्व मोहनायकर्म का नाश
और शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना
उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने
वाला सम्यक्त्व आपशमिक सम्यक्त्व होता है.
(Right belief) arising from
the destruction of actually
matured right-belief-deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant.
विश० ५२८;

आवहिअ. त्रि० (आपधिक) धोताना दोषने
दांकनार. अपने दोष को ढांकने वाला.
(One) who hides one's own
faults. उत्त० ३४, २५: (२) कषायनि-
मित्तक कर्म. कषाय नैमित्तिक कर्म. an
action resulting from Kāṣāya
or moral filth. ओव० ४१:

.Vol. II/45.

आवाडित. त्रि० (अवपाटित) विदारयुं;
थीरेयुं-ली-ले। चीरा हुआ: चीरी हुई.
Rent; torn. ओव० ३८;

आवात. पुं० (अवपात) पडवानुं स्थान; ठेस
पाडें। तेरी आवा वाली ० भीन. गिरने का
स्थान; खड़े वाली जमीन. A place un-
safe on account of pitfalls जं० प०

आवाय. न० (अवपात) अपभ्रान्तभी आवा
वाली ० भीन. ऊंचा नीचा-खड़े वाली जमीन.
Rough, uneven ground. दस० ५,
१, ४;

आवाय. (आपाय) उपाय-साधन सम्बन्धी.
उपाय सम्बन्धी. Relating to ways
and means. उत्त० १, २८;—पञ्चज्ञा.
(--प्रवज्वा) गुरुसेवारूप साधनथी दीक्षी.
दीक्षा. गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई
दाक्षा. Dikṣā received on account
of service rendered to a Guru.
ठा० ४, ४;

आवायवंत. त्रि० (अवपातवत्) नम्र: विनय
वान् नम्र; विनीत. Mod-est; humble.
दस० ६, ३, ३;

आविअ-य. त्रि० (* परिकर्मित) सत्भी
रीते जावेय; सभारेय; जडेय. समान रीत
से जमा कर रखा हुआ-रखा हुई; जका हुआ.
Duly arranged; properly set
right; inlaid with. ओव० ३१; नाया० १९;

आवीलग. त्रि० (अवप्रीडक) भीगने नि-
र्लज्ज करना. दूसरे को निर्लज्ज करने वाला.
(One) making or causing an-
other person to be shameless.
परह० १, ३;

ओस. पुं० (अववगाय) त्रेह; आरी ० भीन-
भांथी नीकणी तरपुं ३५२ लमेय पाष्णीना
मि-दु. खारी जमीन से निकल कर घांस पर
जमं हुए पानीके बिन्दु Drops of water

issuing from salt ground and settling on grass. आया० १, ७, ६, २२२; (२) आक्ष; ६१२. ओस. dew; fog. उत्त० १०, २; दस० ४;

ओसकृत्ता. सं० कृ० अ० (अवप्लव्य) तत्र भेदयवान् पाप्मा दृष्टीने. मौका पाने के लिये पीछे हट कर. Having retraced one's steps with a view to secure an advantage. डा० ६, १;

ओसकृत्ता. न० (अवप्लव्य) अभुङ्ग क्रियानो ज्ञे समय नियमित होय ते पहलेवां तेनी शरत्वात करी, जेमे के गायत्रीने मध्यान्ह समय होय उनं रंधियाने वपते गायत्री नये. किसी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहले उसका आरंभ करना, जैसे गौचरी (भिक्षा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गौचरी के लिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of at noon. वि० नि० २८२; ओष० नि० भा० २१६;

ओसविद्य. सं० कृ० अ० (अवप्लव्य) नीच असेदने. नीचे हटा कर. Having drawn below. आया० २, १, ७, ३८; दस० ४;

ओसक्रिया. सं० कृ० अ० (अप्लव्य) जुओ ' ओसक्रिय' शब्द. देखो "ओसक्रिय" शब्द. Vide. "ओसक्रिय" दस० ५, १, ६३;

ओसगण. त्रि० (*) अयश्व करवा लायक धर्म किया करवाभां आगस करनारः संयमभां भेद धरनार. अवश्य करन लायक

धर्मक्रिया करनेमें आस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला. Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties. भग० १४, ४; नाया० ५; १६; १६; ओष० नि० भा० ४८; नाया० ध० (१) भुयी अथेदः दसाध अथेद. गड़ गया हुआ; फसा हुआ. entrapped; entangled; plunged deep (e. g. in mud). पगढ़० १, ४; ओव० ३८;

विहारि. त्रि० (विहारिन्) शिथिल आचार वागो शिथिल आचार वाला. (One) lax in ascetic conduct. (२) रसध्याय आदि न करनार. स्वाध्याय आदि न करने वाला. (one) neglecting scriptural study. भग० १०, ४; नाया० ५; १६; नाया० ध० **ओसगण.** अ० (प्रायशस्) प्रायेकरीः धत्तुं करीने. प्रायः करके; अधिकतर. Most probably; mostly; to a great extent. विश० २२७५; ओव० ३८; कण्ठ० ६, ६१; जं० प० २, ३६;

ओसन्न पुं० (अवसन्न) जुओ "ओसगण" शब्द देखो "ओसगण" शब्द. Vide.

"ओसगण" क० गं० १, १३; प्रव० १०३;

ओसोप्यणी. स्त्री० (अवसोप्यणी) दिवसेदिवसे उतरतो-वस्तुभेदिकभां दानि पामतो शयः दश कांडाशेरी सागरौपमप्रमाणे उतरतो अेद शयविभाग; उतरता ७ आरा-पुराथाय-तेष्टो शय. दिन पर दिन कम होता हुआ-वर्ण गंध आदिमें न्यून होता हुआ कालः दश कांडाकोडी मागरोपम प्रमाण उतरता-कम होता हुआ एक कालः उतरते छः आरे-पूर हों उतना काल. The cycle of decrease; the era of decrease or

degeneration, equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas. भग० २०, ८; अणुजो० ११५, १४५; नंदा० १२; पञ्च० १२; उत्त० ३४, ३३; ठा० २, ४; सू० प० ८; कप्प० १, २; पंचा० १६, ६; जं० प० २, १८; —काल. पुं० (-काल) उत्तरतो क्षयः दश कोडा कोटी सागरोपम प्रमाणु क्षय विभाग. अवसर्पिणी काल; जिसमें दिनपरदिन हीनता हो वह काल विभाग; दश कोडा कोटी सागरोपम प्रमाण कालविभाग. the era of decrease or degeneration equal to 10 x crore x crore Sāgaropamas of time. जं० प० २, १८;

✓ ओ-सम. धा० I, II. (उप + सम्) शांत; क्षुब्ध. शांत करना. To calm; to appease.

ओसामहंति. प्रे० पि० नि० ३२६;

✓ ओ-सर. धा० I. (उप + सृ) पाछा हट्ठुं. पंछा हटना. To retreat; to retrace one's steps.

ओसरह. प्रव० ५, ८८;

ओसारेह. प्रे० निर्गो० २, ५२;

ओसारंत. व० कृ० निसी० २, ५२;

✓ ओ-सर. धा० I. (अव + सृ) विस्तार-क्षेपे; प्रसारयुं; क्षुब्ध क्षुब्ध. विस्तार करना; प्रसार करना; फैलाना; लंबा करना. To extend; to spread; to stretch. ओसारेजा. प्रे० अणुजो० १३८;

ओसरण. न० (अवसरण) साधुओंको समुदाय. साधुओं का समुदाय. A group or assemblage of Sādhus. पि० नि० २२८; पंचा० ६, ३१; प्रव० ५४५;

ओसाधिय. त्रि० (उपसमित) शांत ध्येय; शांत वृत्तिवाला शान्त; शान्त वृत्तिवाला. Peaceful; calm-minded. पि० नि० ३२६;

ओसह. न० (औषध) ओस, मुँह, क्षीर, भरी पिण्डे दवा. औषध; तौट, लोण; मिर्च आदि दवा. A medicine; a drug. पंचा० ६, २२; भग० २, ५; ७, १०; नाया० ५; ८; १३; १४; १६; ठा० ४, ४; ओव० ४१; उत्त० १६, ८०; ३२, १२; उवा० १, ५८; पि० नि० भा० ४६; सु० च० ४, १००; विवा० १; ओसहा. स्त्री० (औषधा) पुष्कलाविजयनी भुष्प राजधानी. पुष्कला विजय की मुख्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puṣkalāvijaya. जं० प० ठा० २, ३;

ओसहि. स्त्री० (औषधि) दल पाके त्योंसुपी रोदेनार पनस्पति; लुगार, आनरे पगेरे. फल आनतक रहनेवाली वनस्पति उवार, बाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens: e. g. crops of grain. उत्त० ११, २६; २२, ६; आया० २, १, १; २; नंदा० १४; सु० च० १, २३४; दस० ७, ३४; जं० प० २, ३३; पंचा० ८, २६; अव० ६, ३३; भग० ७, ६; पि० नि० ८७; पञ्च० १; नाया० १; सूय० २, २, ४६; प्रव० १५१; निसी० ४, २५; उवा० १, ५१; —गंध० पु० (-गन्ध) ओषधनी गंध औषधी की वाग. smell of a medicine. नाया० १७; —बीज. न० (-बीज) ओषधिनां बीज. औषधी के बीज. seeds of medicinal herbs. निसी० १४, ४४;

ओसा. स्त्री० (अवसरण) ओस; त्रैद; अंक्ष. ओस; कुहिरा. Dew; fog; hoar-frost. पञ्च० १; ओव० ४, ३;

ओसाण. न० (अवसान) समीप; नजदीक. In the vicinity of; near. (२) अन्त; अवनान. अंत; अवसान; मृत्यु. death; end. सूय० १, १४, ४;

ओसारिया. त्रि० (अवसारित) अवसंश्लिप्तः;
 उपरशी लटकता. अवलंबित; लटकता.
 Remaining suspended from
 above; hanging. ओव० ३०;
ओसास. पुं० (उच्छ्वास) उच्चैः श्वास भुक्त्वा
 ते. उर्ध्व श्वास लेना; ऊपर की श्वास लेना. A
 sigh; a heavy sigh. अणुजो० १२८;
ओसिचिस्तार. त्रि० (अवसेकम्) छिन्नाकारः.
 छिन्नवाला; सींचनेवाला. (One) who
 sprinkles water etc. मूय० २, ३, १८;
ओसित. त्रि० (अवसिक्त) सिंचित; पक्षालित;
 भिन्नवेत्त भीजा हुआ; गीला; सींचा हुआ.
 Wet; damp. आया० २, १, १, १;
ओसेदम. न० (उत्सेदम) धोत आदि धो-
 यानुं पाणी; धोयण. आटा वगैरह क धोने का
 पानी. Water with which flour,
 rice etc. are washed. कप्प० १, २५;
ओसोवणी. स्त्री० (अवस्थापिनी) अत्यन्त-
 गिनी निद्रा; अतिगह निद्रा. बड़ा भारी गह
 निद्रा. Very deep sleep; pro-
 found sleep. कप्प० २, २७;
ओह. पुं० (ओष) संसार समुद्र. संसाररूपी
 समुद्र. Ocean of worldly exis-
 tence. आया० १, २, ६, ६६; दस० ६,
 २, २४; दसा० ५, २७; २८; सूय० १, ११,
 १; (२) असंयम. असंयम; संयम हीनता.
 absence of self-restraint. वव० २,
 २३; (३) संक्षेप. संक्षेप; थोडासा. general
 statement; brief outlines. ओष०
 नि० २; २१३; (४) समूह. जटायु. समूह
 समुदाय a group; an assemblage.
 उत्त० १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; ओव०
 ३४; नंदी० स्थ० ७; सु० च० १०, १६०;

जं० प० २, २१; (५) प्रवाह. प्रवाह.
 a current; a stream; a flow.
 उत्त० ५, १; विशेष० ११२३; सम० प० २३५;
 (६) समुच्चय. सामान्य. सामान्य; समुच्चय.
 general or broad nature. अणुजो०
 १५४; पिं० नि० २१६; पिं० नि० जा० ३१;
 ओष० नि० २; विशेष० ६५८; क० गं०
 ६, १३; —अणुवेदि. त्रि० (अनुवेदिन्)
 असंयम सेवयानी प्रत्यावासी. असंयम स
 रहने का इच्छावाला. (one) desir-
 ous of leading a life of indul-
 gence. वव० २, २३; —(द्वा) आदेस.
 पुं० (-आदेश) सामान्य प्रकार; द्रव्य
 सामान्य. सामान्य भेद; द्रव्य सामान्य.
 general, broad nature; general
 outline. विशेष० ४०३; —नाण. न०
 (-ज्ञान) अधिक ज्ञान. अधिक ज्ञान.
 general knowledge; know-
 ledge of broad outlines. त्वशं०
 ४७१४; —सण्णा. स्त्री० (-संज्ञा-संज्ञा-
 यते वस्त्वन्वेति) सामान्य-बोध सामान्य
 बोध. general knowledge of an
 object; knowledge or broad
 outlines by perception etc.
 भग० ७, ८; —सुय. न० (-सुत) उत्सर्ग
 श्रुत-शास्त्र. उत्सर्ग शास्त्र. a scripture
 named Utsargashruti. नंदी० ३६;

ओहंजलिया. स्त्री० (*) चार छिद्रियावाला.
 छिद्रों के चार भाग. एक चार इन्द्रियों वाला
 जीव विशेष. A kind of four-sensed
 living being. पञ्च० १;

ओहंतर. त्रि० (ओघन्तर-ओघं संसारसमुद्रं
 तरितुं शीलं यस्य सः) ओघ-संसार प्रवाहने

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

तरुतारः संसार पारगाभी. संसार रूपा प्रवाह
मे पार जाने वाला. (one) wishing to
and possessing capacity to
cross the ocean of worldly
existence; emancipating from
worldly existence. सू० १, १,
१, २०;

ओहट्टंत. व० क० त्रि० (अपसर्पत्) ६६७;
अलग रहनेवाला. Getting
aside; remaining apart. मु० च०
११, ५५;

ओहय. त्रि० (अवहत) ६७३; विनाश करेय.
मारा हुआ; विनिष्ट Killed; destroyed.
उवा० ८; २५६; नाया० ३; ओव० राय०
२६३; जं० प० ३, ६६; कण० ४, ६२;
विवा० ३; —मण. (—मनस्) उत्साह यगन्तुं
मन. उत्साह रहित मन depressed,
gloomy mind. नाया० १; १४; १६;
—मणसकण्ण. त्रि० (—मनःसंकल्प-अव-
हतो मनसः संकल्पोयस्य स तथा) नष्ट
थया छे मनना (विक्षेपादि) संकल्पो जेना
मेवे। संकल्प विकल्प रहित मनवाला; जिसके
मन के संकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free
from doubts and misgivings of
the mind. नाया० १; ६; निर० १, १;
निसी० ८, ११;

✓ ओहहर. धा० I (उप+ह) स्थापन करवुं.
स्थापन करना; प्रतिष्ठित करना. To estab-
lish; to settle.

ओहरइ. नाया० १४;

ओहारेय. सं० क० अ० (उद्धृत्य) उद्धरीने;
बाहर काढीने. बाहर निकाल करके. Hav-
ing taken or drawn out. (२)

वांकोथधने. टेढा होकर. having bent
low. “ अगाथिउ सक्किया थिसक्किया ओह-
रिय आहहु दल्लएजा ” आया० २, १, ७, ३७;
ओहरिय. त्रि० (अवधृत) उतारेलुं; लेके भुकेलुं;
नीचे रखा हुआ; उतारा हुआ. Taken
down; placed down. ओघ० नि० ६०६;

✓ ओहा. धा० I. (अव+हा) द्रव्यलिंग
छोड़ी मैथुनादि असंयम आदरवुं. द्रव्यलिंग
छोडकर मैथुनादि असंयमों का ग्रहण करना.
To indulge in sexual pleasures
etc. in talk, imagination etc.
without actual deed.

ओहायइ. वव० ३, १८;

ओहायमाण. वव० ५, १४;

ओहायंत. ओघ० नि० १२४;

ओहाइय त्रि० (अवहीन) आरित्य संयमथी
अष्ट थियेय. संयमभ्रष्ट; चरित्रभ्रष्ट. (One)
who has fallen off or lapsed
from ascetic right conduct.
वव० ५, १६;

ओहाडली. ली० (अवघाटनी) कभाड अंध
करवाली टांकी द्वार बंद करने की टांकी. A
contrivance to close a door.
जं० प० (२) पातली छोटनी गुथेली क्वा-
सादली विशेष. पतली सलाइयों से गुथी
हुइ चटाई वगैरह a mat made of
thin strips of wood knit to-
gether. राय० १०८; जीवा० ३, ४;

ओहाडिय. त्रि० (अवघाटित) आंधेनु-ली-
लो. बांधा हुआ-हुइ. Fastened. वय०
१, १४;

ओहामिअ. त्रि० (*) तिरस्कार करेलुं.
तिरस्कृत; तिरस्कार कियाहुआ Slighted;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). View
foot-note (*) p. 15th.

disdained. ओष० नि० भा० ६०;

ओहार. पुं० (*) शयभो. कटुवा. A tortoise. पि० नि० ३३२;

आहारइत्तार त्रि० (अवधारयितृ) निश्चयकारि भाषा भोवनः असमाधिनुं ११ भुं स्थानक सेवना. निश्चय कारक भाषा बोलने वाला; असमाधि के ११ वें स्थानक का सेवन करने वाला. (One) speaking with decisiveness or self-confidence; (one) resorting to the 11th source of Asamādhī. सम० २०;

ओहारिणी. स्त्री० (अवधारयिणी) निश्चयकारिणी भाषा; 'तुं आभय इरीश' ऐयी योक्षस रूप योज्जि. निश्चय कारणी भाषा; मैं ऐसा हा कहना ऐसे दृढ वाक्य. decisive or positive speech; e. g. "I will positively act thus." भग० २, ६; उत्त० १, २४; दस० ६, ३, ६; पञ्च० ११; ओहारेमाण. त्रि० (अवहरत्) हलायतो. हिलाता हुआ. Moving; shaking. नाया० १;

ओहावण. न० (अवहापन) अपकीर्ति; अवहलना. अपकीर्ति; नन्दा. Disrepute; disrespect; dishonour. पि० नि० ४८६; ओष० नि० भा० १०२;

ओहासिञ्च. त्रि० (अवभासित) ध्वंशेयुं; आर्थनापूर्वक भागिलुं. इच्छित; प्रार्थनापूर्वक मांगा हुआ. Desired; solicited. ओष० नि० ५५६;

ओहि. पुं० (अवधि) धिप्रियोनी सहाय यिना आत्मप्रकाशयी रूपि पदार्थोनुं हृदयायुं ज्ञान; अवधितान; विकल्पप्रत्यक्षज्ञानो ओक प्रकार. इन्द्रियोंकी बिना सहायता आत्म प्रकाश से

रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान; अवधिज्ञान; विकल्पप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार. Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क० प० ४, ४६; कण० २, १४; उत्त० २८, ४; ३३, ४; भग० ३, १; १६, १; १६, १०; नाया० ८; ६; १३; नाया० ध० दसा० ५, २२; ३०; उवा० १, ७४; ८३; ८, २५५; २५६; क० गं० १, ४; १०; ४, १५; जं० प० ५, ११५; ५, ११२; २, ३३; (०) पञ्चयज्ञाना तेनाशमां पदनुं नाम के जेभां अवधिताननुं वर्णन छे. पञ्चवक्ता के तैतामवे पद का नाम जिसमें कि अवधिज्ञान का वर्णन है. name of the 33rd Pada of Pannavannā dealing with Avadhijñāna. पञ्च० १; (३) अवधि; हृद; भर्षदा. अवधि; हृद; सीमा. limit; border. सु० च० २, ६४८;

—विलस. न० (-वेज) अवधितानने विषय. अवधिज्ञान का विषय. an object of or subject-matter of Avadhijñāna. विशेष० ५६१; —जुञ्ज. पुं० (-जुज) अवधितान अने अवधिदर्शन ऐ ओ प्रकृति अवधिज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति the group of the two Prakṛitis viz. Avadhijñāna and Avadhidarśana. क० प० ४, ८६ —ज्ञाण. न० (-ज्ञान) अवधितान-धिप्रियो अने मनना व्यापार यिना मात्र आत्मज्ञयो-तिथी अभुक्त हृदमां प्रत्यक्षरीते रूपीपदार्थोनुं

अधुना; ज्ञानना पांच प्रकारमाने तीनो भेद. अवधिज्ञान-इंद्रिय और मन के व्यापार के बिना केवल आत्मउद्योति से किसी हृद तक प्रत्यक्ष रीति से रूप पदार्थों का जानना; ज्ञान के पांच प्रकारों में से तीसरा प्रकार direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind, merely through the light of the soul; the third of the 5 kinds of knowledge; it is a kind of knowledge by occult powers. “ यो केवलयाणे भुविह पचंते तंजहा ओहिनाणेचेव ” टा० २; अणुजा० १२७; भग० ८, २; १, ३१; ओव० १६, ४०; विशेष० ७९; —शाण्डिल्य. पुं० (-ज्ञानपर्यव) अवधिज्ञानतो पर्याय. अवधिज्ञान के पर्याय. a modification of Avadhijñāna. भग० २५, ४; —शाण्डि. पुं० (-ज्ञानिन्) अवधिज्ञानवाले शय. अवधिज्ञानवाला जंतु. a soul possessed of Avadhijñāna. भग० २६, १; नाया० ८; जं० प० २, ३१; —बृग. न० (-द्विक) अवधिज्ञान अने अविधिदर्शन. अवधिज्ञान और अवधिदर्शन. the pair of two viz. Avadhijñāna and Avadhidarśana. क० गं० ३, १८; ४, १७; —मरण. न० (-मरण) अवधि मरण; ओ३ ५:२ ओ३ गतिना आयुष्यना दलिया भोगयी भरी इरी तेवा दलिया भोगयीने भरे ते. अवधि मरण; एक बार एक गाँत के आयुष्यके दलिया-समूह भोगकर मरनेपर फिर वैसेही दलिया-समूह भोगकर मरना. death after a repetition of the experiences of a former birth. “ ओहामरणेणमन्ते ” भग० १३, ७; सम०

१७; प्रब० १०२३:—लंभ. पुं० (-लम्भ)
अवधिज्ञानतो धात्र-प्राप्ति. अवधिज्ञान की
प्राप्ति attainment of Avadhi-
jñāna. क० प० ४, ८२; —लखि. कौ०
(-लखि) लुभे। “ओहिलंभ” शब्द.
देखो “ओहिलंभ” शब्द. vide “ओहि-
लंभ” क० प० ६, ११;

ओहिजलिया. श्री० (अन्विषेयिका) यादव
 ७५ विशेष चार इन्द्रियों वाला जीव विशेष.
 A kind of four-sensed living
 being. उत्तर ३६, १४७;

ઐતિહાસિક. ન. (અવધિદર્શન) દ્રવ્ય, ક્ષેત્ર,
 કાલ, ભાવની મર્યાદાથી રૂપિ પદાર્થોનું જોવું;
 જે અવધિજ્ઞાનની પહેલાં થાય છે તે.
 દ્રવ્ય, ક્ષેત્ર, કાલ, ભાવની મર્યાદાસે રૂપિ
 પદાર્થો કો દેખના; જો અવધિજ્ઞાન કે પૂર્વ
 હોતા હૈ વહ. Direct perception of
 matter limited as to subject-
 matter, place, time etc. with
 the help of the senses (This
 state precedes Avadhijñāna.)
 જીવા. ૧; મગ. ૨, ૧૦; ૮, ૨; સમ. ૧૭;
 દમા. ૫, ૨૨; —આચરણ. પું. (—આચ-
 રણ) દર્શનાવરણીય કર્મનો એક પ્રકાર જે
 અવધિદર્શનને રોકે છે. દર્શનાવરણીય કર્મકા
 એક પ્રકાર જો કિ અર્વાચનદર્શન કો રોકતા હૈ.
 obstruction of Avadhijñāna
 caused by the rise of Darśanā-
 varāṇīya Karma. ઉત્ત. ૨૩, ૬; પજ. ૦
 ૨૩; ટા. ૧, ૧; સમ. ૧૭; —પરજલ. પું.
 (—પરજલ) અવધિદર્શનના પર્યાય. અર્વાચ-
 નદર્શન કે પર્યાય. a modification of
 Avadhidarśana. મગ. ૨૫, ૪;

ओहिदंसणि. त्रि० (अवधिदर्शनिन्) अवधि
 दर्शनवाधो अ०. अवधि दर्शन वाला जीव.
 A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग० ६, ३; १३, १; डा० ६, ४;
 ओहिनाण. न० (अवधिज्ञान) अवधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २,
 १०; ६, ४; ८; २; अणुजो० १; नं० १;

डा० २, १; दया० ७; १२; विश० ७९;

—(णा) आवरण. न० (- आवरण)

अवधिज्ञानावरण; ज्ञानावरणीय कर्मणी

अथ प्रकृति. अवधिज्ञानावरण; ज्ञानावरणांय

कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring

or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge

obstructing Karma. मम० १७;

—आवरणज्ज. पुं० (- आवरणीय)

अवधिज्ञानने आवरणात् — दां० २२; २३; २४;

प्रकृति अवधि ज्ञान का दांकने वाला शक्ति.

a variety of Karma obscuring

or hindering the attainment of

Avadhijñāna. भग० ८, ३१; १, ३१;

—लब्धि. बी० (- लब्धि) अवधिज्ञाननी

लब्धि-शक्ति. अवधिज्ञानकी शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ३, ६; —ल-

ब्धिया. बी० (- लब्धिका) अवधिज्ञाननी

लब्धि. अवधिज्ञानका शक्ति. attainment

of or faculty of having

Avadhijñāna. भग० ८, २;

ओहिनाणि. त्रि० (अवधिज्ञानिन्) अवधि-

ज्ञानवाले. अवधिज्ञान वाला Possessed

of Avadhijñāna. भग० ६, ३; ८, २;

ओहिपद. न० (अवधिपद) पञ्चव्यासना

तेत्रोसभां पदं नाम. पञ्चव्यास सूत्र के ३३वें

पद का नाम. Name of the 33rd

Padā of Pannavāṇā Sūtra.

भग० १६, १०;

ओहिय. न० (अवधि) अवधिज्ञान. अवधि

ज्ञान. Avadhijñāna. नाया० १;

—णाण. न० (ज्ञान) अवधिज्ञान.

अवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग० २३, १;

ओहिय-अ. पुं० (आधिक) सामान्य;

अविशेष; समुच्चय. सामान्य; समुच्चय.

(General; common. पञ्च० २; ज्ञाना-

२; भग० १, १, २; ८; ६, ४; २४, १;

१२; २३; ३१, ६, ४३, ४६; अणुजो०

१६४; प्रव० १९१३; —अणाण. (अज्ञा-

न) आधिक समुच्चय अज्ञान. विशेष

अज्ञान; अविशेष अज्ञान. absence of

general knowledge; absence

of broad, comprehensive know-

ledge. भग० ६, ४; —गमय. पुं०

(गमक) लुप्तो उपलो शब्द. देखो

ऊपर का शब्द. vide above. भग० २४;

१; —गम. पुं० (- गम) सामान्य पाठ;

समुच्चय गमो-आवावे. सामान्य पाठ;

समुच्चय वर्णन. ordinary reading

of (scriptures etc.). भग० ३१, १;

—णाण. न० (- ज्ञान) समुच्चय ज्ञान.

समुच्चय ज्ञान; विशेष ज्ञान. general, com-

prehensive knowledge; know-

ledge of broad outlines. भग० ६, ४;

ओहिरिमाण. व० क० त्रि० (अपक्रियमाण)

थोड़ी थोड़ी निद्रा लेता. थोड़ा थोड़ा निद्रा

लेता हुआ Dozing; taking a nap;

slumbering. भग० ११, ११; नाया०

१; कप्य० १, ४;

क.

क. त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थभां उपराय छे;
 काल्युः शुं. प्रश्नवाचक सर्वनाम; कौन; क्या.
 An interrogative pronoun.
 दस० ५, १, ६६; ८, २१; भग० २, १;
 १२, ४; नाया० १; विशेष० १२०;

कह. त्रि० (कति) केटला. कितने How
 many. भग० १, १; २, १०; ३, ३; ६;
 ५, ४; ७, ६; १३, १; १६, ३; २०, ५;
 नाया० २; विशेष० ३७८; सू० च० ३, २१३;
 अणुजो० ८७; सू० प्र० १; डा० ४, २; क०
 गं० ६, २; जं० प० ७, १५१; १५२; —
 —किरिय. त्रि० (—क्रिय) केटली कियावासे.
 कितनी किया वाला. Of how many
 acts. भग० १९, १; —भाग. पुं० (—
 भाग) केटलाभे भाग. कौनसा हिस्सा. what
 numerical portion. विशेष० ३७८;
 —भाग. पुं० (—भाग) केटलाभे भाग.
 कौनसा भाग. what numerical por-
 tion. भग० १, १; —संज्ञिय. त्रि०
 (—संज्ञित) संख्याथी गल्याय तेटला ओक
 सभये उत्पन्न थना नारकी यगेरे. संख्या
 द्वारा गिने जा सकें, उत्पन्न एक समय में
 उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह. numeri-
 cally calculable number of
 Nārakis etc. (hell beings etc)
 born at a time. डा० ३; भग० २०, १०;

कह. पुं० (कवि = कवते नवं नवं भणतीति
 कविः) काव्य अनायनार; कवि. कविता
 बनाने वाला; कवि; शायर. A poet.
 सू० च० १, १३; अणुजो० १२८;

कहअ-य. पुं० (कयिक) आदक; भाद
 लेनार; भरीदनार. आदक; माल लेने वाला;
 खरीदार. A buyer; a customer.

उत्त० ३६, १४; वव० ७, १८; १६; भग० ५, ६;
 कहत्य. त्रि० (कतिथ) केटलाभुं; कछ संख्या
 पागुं. कितनी?; कितनी संख्या वाला. Of
 what number or numerical
 order? विशेष० ३१७;

कहयव. न० (कैतव) छण; कपट; दंभ;
 लुब्ध्याछ. छल; कपट; दंभ; लुच्चाई.
 Fraud; hypocrisy. विशेष० २६८४;
 सू० च० ८, ८५; प्रव० १६७; —परणासि.
 स्त्री० (—प्रज्ञप्ति = कैतवानि कपटानि नेपथ्य-
 भाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाप्यन्ते यमि
 स्ताः) वेप भाषा यगेरे अद्वेषापीने कपट
 गल्यायनार स्त्री. भेष भाषादि बदल कर
 कपट करने वाली स्त्री. (a woman)
 who deceives by change in
 dress, speech etc. तहु०

कहया. अ० (कदाचित्) कछ यअत. किसी
 समय. Sometimes. सू० च० १, १०६;
 कहयावि. अ० (कदाचिदपि) कछपल्य यअते.
 किसी भी समय. At any time.
 प्रव० ५३५;

कहर. पुं० (कहर) वृक्ष विशेष; बांसनी ओक
 जत. वृक्ष विशेष; बांसकी एक जाति. A
 kind of bamboo. पञ० १७—सार.
 पुं० (—सार) बांस जतना वृक्षनो मध्य भाग.
 बांस जाति के वृक्ष का मध्य भाग. the in-
 terior of a tree of the bamboo
 kind. न० पञ० १७;

कहलास. पुं० (कैलास = के प्रखे जालो जसन
 दीसियंस्य स कैलासः) जग्गुदीपना मेरु
 पर्वतने नैर्ऋत पुष्ये लपल्य समुद्रभां आवेल
 कैलास नामे अनुवेक्षधर नागराज देवतानो
 आवास पर्वत. जंघुर्दीपके मेरु पर्वतके नैर्ऋत

कोन में कवच समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहां अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं। Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavana Samudra in the South-western quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa. जीवा० ३, ४; (२) कैलास नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका अनुवेलंधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailāsa. (३) कैलास नामे नन्दीश्वरद्वीपना पूर्वाधिनो अधिपति देवता. कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वाधिका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa. (४) कैलास नामे नागराज देवतानि राजधानि. कैलास नामकी नागराज देवता की राजधानी. the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa. जीवा० ३, ४;

कवचय. त्रि० (कतिपय) કેટલા. कितने ? Some; several; a certain number. नाया० ८; १२; सु०. च० ३, १८१; १५, ६०; नि० २२०; उवा० ७, १४;

कवचिया. स्त्री० (कैतविका) કેણીથી. भक्षि-
बन्ध सुधीनो हाथनो भाग. कुहनी से कलाई तक हाथका हिस्सा. 'The part of the arm from the elbow to the wrist. नाया० १;

कवचिह. त्रि० (कतिविध) કેટલા પ્રકારનું. कितनी तरहका? Of how many kinds? भग० ८, १; २०, २०; २५, ५; अणुजो० १४४; जं० १० ७, १२१;

कउड. पुं० (ककुद्) બળદની ખાંધ. बैल की

कुबड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० ६; ओष नि० भा० ७७; प्रब० ८८७;

कउहि. पुं० (ककुधत्) ખાંધવાળું બળદ, ખુંટિયો. कुबड वाला बैल; सांड. A humped bull; a humped ox: humped. अणुजो० १३१;

कओ. अ० (कुतस्) સાથી; ક્યાંથી. कहाँ से ? कैसे ? Whence ? by what means ? " कओआसादिष्ट " नाया० १२; " कओउ-बलदे " नाया० १२; भय० १, ६; १७, १; १६, ३; २१, ८; २४, ४; ३५, १; ३६, १; नाया० ६; १२; ओष० नि० ४७; उत्त० ६, ११; पञ० ११६;

कओ. अ० (क) ક્યાં ? कहाँ ? Where ? " कओ बवामो " नाया० १४; जीवा० ३, २; **कओहि**तो अ० (कुतः) ક્યાંથી. कहाँ से ? Whence ? भग० २४, १३; जं० १० ७, १३२;

कंक. पुं० (कङ्क) પાણીને આશ્રી રહેનાર માંસાહारी એક જાતનું પક્ષી. पानी के आश्रय से रहने वाला एक जात का मांसाहारी पक्षी. An aquatic carnivorous bird; a heron. भग० ७, ६; १२, ८; जीवा० १, ३, ३; सूय० १, १, ३, ३; १, ११, २५; अणुजो० ३, १; ओष० १०; पञ० १; —उवम. त्रि० (-उपम) કંકપક્ષી સમાન: કંકપક્ષીને જેમ ગમે તેવો દુર્જર આહાર પચાળવ તેમ જેને પચી જાય તે. कंक पक्षी जैसा; जिसे इस पक्षी के समान दुष्प्राक आहार पच जाता है वह. like Kāṅka bird; (ono) who can digest heaviest food like Kāṅka bird. ठा० ४, ४; —गहणी. स्त्री० पुं० (-ग्रहणां-कङ्कः पाचविशेषस्तस्यैव ग्रहणां गुदाशयो यस्य स तथा) तीक्ष्णतर तथा

भुगलिया के जेनी गुदा विष्टाथी भरजाय नहिं ते. तीर्थकर या जुगलियां जिनकी कि गुदा विष्टा से खराब नहीं होती. any of the Tirthankara and Jugaliyās whose anus is not bespattered with excrement. जं० प० २, २१; ओव० परह० १, ४;

कंकड. पुं० (कङ्कट) अवय; अश्वतर. कवच; जिरह बस्तर. An armour; mail. भग० ६, ३३; राय० १३०; जं० प० ओव० ३१; कंकडइय. त्रि० (कङ्कटित) अवययुक्त; अवयव नडेव. जिरह बस्तर से युक्त. Equipped with an armour. परह० १, ३;

कंकडग. न० (कङ्कटक) अवय; अश्वतर. कवच. बस्तर. An armour; mail. जं० प० १६७; कंकण. न० (कङ्कण) श्रीओने हाथमां पहरेवानुं ओक भूषण; कुंठयु स्त्रियों के हाथ में पहिने का एक आभूषण. कंगन. A bracelet. भग० ११, १०; ११;

कंकवांस. पुं० (कङ्कांस) गांधवादी वनस्पति-नी ओक जल. गांधवाली वनस्पति की एक जात. A kind of bulbous vegetation. पत्र० २;

कंकिलि. पुं० (कङ्किलि) अशोक वृक्ष; आशी-पाशवानुं अश. अशोक वृक्ष; आशापल्लव का काष्ठ. Aśoka tree. (२) तीर्थकर जहां भीराजे तहां अशोकवृक्ष धर्मा आवे ते; आठ प्रातिहार्यां ओक. तीर्थकर जहां विराजते हैं वहां अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाता है; आठ प्रतिहार्यों में से एक. springing up of an Aśoka tree where Tirthankara stays; one of the 8 Pratihāryas. प्रब० ४४६;

कंकिलि. पुं०. न० (कङ्किलि) अशोक वृक्ष; आशीपाशव. अशोक वृक्ष; आशापल्लव. The Aśoka tree. प्रब० १४६२;

कंकोल. पुं० (कङ्कोल) ओक प्रकारनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. जीवा० १, ४;

✓कंक. धा० I, II. (कङ्क) धृञ्ठुं; वांछुं. चाहना; इच्छा करना. To wish; to desire.

कंकह. नाया० १६;

कंकंति. ओव० ११;

कंकंति. दसा० १०, १;

कंकापडस. न० (कंकाप्रदोष) भगवतीसूत्रना पड़ेला शतकना त्रीण उदेशानुं नाम के जेभां कंक्षामोहनीयना प्रश्नोत्तर करेव छे. भगवती सूत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देशे का नाम कि जिसमें आकाशमोहनीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddēśa of the first Śataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire. भग० १, १;

कंक्षा. स्त्री० (कङ्क्षा) अभिलाषा; इच्छा; लोभानुं भीञ्ठुं नाम. अभिलाषा; इच्छेच्छा; लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. सु० च० ६, ८०; सम० ५२; भग० १२, ५; दसा० ४, ८४; सूय० १, १५, १४; भग० १, १; उवा० १, ४४; प्रब० २७४, ६४७;

कंक्षापडोस. पुं० (कंक्षाप्रदोष) भोटा मतनी इच्छा करवी ते; मिथ्यात्व मोहनीयना ओक प्रकार. मिथ्या मत की चाह करना; मिथ्यात्व मोहनीय का एक भेद. The desire for false tenets; a variety of Mithyātva Mohaniya. भग० १, ६; कंशि. त्रि० (कंशिच्) धृञ्ठना२. चाहनेवाला. (One) who desires. पि० नि० २१६;

कंक्षिय. त्रि० (कंक्षित) ध्वंशित; आकंक्षित.
इच्छित; अभिलाषित; चाहा हुआ. De-
sired; longed for. नाया० ३; ८;
मग० १, ३; २, १; १०, ४; ठा० ३, ४;
दसा० ४, ८४; उवा० १, ८६;

कंगु. स्त्री० पुं० (कंगु) ओ३ वनजं धान्य;
कांग. एक प्रकार का धान्य; कांग. A
kind of corn (Panic seed).
भग० ६, ७; २१, ३; ग्य० २, २, ११; ठा०
७, १; पञ० १; पि० नि० ६२४; प्र०
१०१३;

कंगुलया. स्त्री० (कंगुलता) ओ३ नामन्ती ओ३
वनजं पेश. इस नामकी एक जाति की
जाता. A kind of creeper of this
name. पञ० १;

कंगुलिया. स्त्री० (-) लघुनीत अथवा
लघुनीत करी ते. लघुनीत-लघुशंका या
बड़ी नीत दीर्घशंका करना. Passing of
urine, stool etc. प्र० ४३६;

कंचल. न० (कंचन) सोनं. सोना; सुवर्ण.
(Gold. विशेष० १८१६; श्रव० १७; नाया० १;
भग० ६, ३३; उवा० २, १०१; प्र० ४५३;
जं० प० ५, १२२; (२) कंचन नामन्ती
ओ३ पर्वत. कंचन नाम का एक पर्वत. the
Kañchana mountain. (३) कंचन
पर्वतना अधिपति देवतानुं नाम. कंचन
पर्वत के अधिपति देवता का नाम. name
of the presiding deity of the
Kañchana mountain. जीवा० ३, ४;
—कोसी. स्त्री० (-कोशी) सोनानी मूर्ति.
सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol
of gold. उवा० २, १०१; जं० प० ७
१६६; —खक्षिय. त्रि० (-खक्षित)

सोनाथी ओ३. सोनेसे जड़ा हुआ. laid in
with gold. नाया० ३; —भिगार. न०
(-भिगार) सोनानी मारी. सुवर्णकी मारी.
a golden kettle. नाया० १; —मणि-
रयणभूमियाग. त्रि० (-मणिरयनसूपि-
काक—काम्बनं च मणयश्च रत्नानि च तेषां
तन्मयो वा सूपिका शिखरं यस्य) सोनं
भण्डित रत्न यगरे युक्त जेनुं शिखर छे ते.
जिसका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से
युक्त है. with the crest or summit
full of gold, jewels etc राय०

कंचलउर. न० (काञ्चनपुर) कंचन देशनुं
ओ३ प्रख्यात नगरं. कलिङ्ग देश का एक
प्रख्यात नगर. Name of a famous
town of the country of Kalinga.
पञ० १;

कंचलकूट पुं० (काञ्चनकूट) कंचनकूट
नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं ओ३ विमान.
कंचनकूट नाम का तीसरे चौथे देवलोक का
एक विमान. Name of a heavenly
abode of the 3rd and the 4th
Devaloka, ठा० ७; सम० ७; (२)
सोमनास पर्वतना सात कूटमानुं
छट् कूट—शिखर. सोमनास पर्वत के
सात कूटों में से छटा कूट-शिखर. the 6th
of the 7 summits of the Soma-
nasa Vakhārā mountain. जं०
प० ४, ६५;

कंचलग्न. पुं० (काञ्चनक) नीलवंत आदि
दश द्रवने पूर्वा अने पश्चिम गंगे पासे दश
दश जेज्जनने आन्तरे ओ नामना तीस
तीस पर्वत छे, ओ३६२ २०० कंचन
पर्वत छे. नीलवंत आदि दश हदों (अगाध

जलारावों-झीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर दस नाम के बीच २ पर्वत हैं. एकंदर दोसौ पर्वत हैं. One of the 200 Kāñchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nilavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा० ३; जं० प० २८४; —पठव्य. पुं० (-पर्वत) उत्तर कु३ क्षेत्रमां निवन्तादि द्रक्षन्ती पूर्वं पश्चिम आनुये रक्षेत् पर्वत. उत्तर कुरु क्षेत्रमें नीलवन्तादि हदोंके पूर्व पश्चिम की ओर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region. जं०प० भग० १४, ८; जीवा० ३; सम० ५०;

कंचला. स्त्री० (काञ्चना) ऐक स्त्री के जेना भाटे युद्ध थयुं दंतुं. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था. Name of a woman for whom a war was waged. पद० १, ४;

कंचणिया. स्त्री० (कांचनिका) ३३क्षन्ती माला. रुद्राक्ष की माला. A rosary of Rudrākṣa beads. ओष० ३६; भग० १, १; (२) कंचन पर्वतना अधिपति देवतानी राजधानिनुं नाम. कंचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी. name of the capital city of the Kāñchana god. जीवा० ३, ३;

कंचीमेहला. स्त्री० (कम्पिमेहला) कंदोरा. An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३;

कंचुअ. पुं० (कंचुक) चोली; कंचली. चोली. A bodice (worn by women); an armour. चउ० पद० ५३७; (२) सर्पनी कंचली. सर्प की कंचली. a slough or skin of a snake. विशे० २५१७; चउ०

कंचुइ. पुं० (कंचुकिन्) नागर; अंतपुर रक्षक. अंतःपुर का रक्षक. दर्शन. An attendant on the women's apartments. (२) सर्प. a serpent. विशे० २५१७;

कंचुइअ. पुं० (कंचुकीय) नागर; द्वारपाल; अंतःपुरने रक्षक. द्वारपाल; प्रतीहारी; अंतःपुर-कारक्षक. A chamberlain; a door-keeper. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; ओष० ३३; निसी० ६, २५; राय० २८६; —पुरिस. पुं० (-पुरुष) अनुओ 'कंचुइअ' शब्द. देखो " कंचुइअ " शब्द. vido " कंचुइअ " भग० ६, ३३;

कंचुग. न० (कंचुक) चोली; साध्वीनेअदन उपर धारण करवानुं वस्त्र; कंचवेला. चोली; साध्वी के बदन पर धारण करने का एक वस्त्र-कंचली. A bodice (worn by women); a piece of cloth worn like a bodice by nuns. ओष० नि० २०१; ६७६;

कंचुय. पुं० न० (कंचुक) अनुओ "कंचुअ" शब्द. देखो " कंचुअ " शब्द. Vido. "कंचुअ. उत्त० ६, २२; अंत० ३, ८; भग० ६, ३३; नाया० १; (२) दाढ़; रोमराज. केश; रोमराजी; बाल. hair. भत० २०;

कंठक. स्त्री० न० (कण्टक) ओरड़ी आवण वगेरेना कंठा. बेर बंदूल आदि का कांटा. A hard thorn e.g. that of Babool etc. जं०प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —बोदिया.

जी० (*) कंठांनी आऽ. कंटों की बाड़.
 thorny fencing. सूय० २, २, ५१;
 कंठग. पुं० (कंठक) कंठी. कंटो A
 thorn. राय० २६४; सूय० १, ४, १, ११;
 जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२;
 जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पट्ट.
 पुं० (-पथ) कंठावाणो रस्ते। कंठक मय
 मार्ग, कंटोंवाला रस्ता. a thorny path.
 ओष० नि० ७८५;

कंठय-अ. पुं० (कंठक) कंठी; प्रतिस्पर्धी.
 कंठा; प्रतिस्पर्धी, डाही. A thorn; a
 rival. ओष० उत्त० २, २६; आया०
 २, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२.
 जीवा० ३, १; ३; (२) विंछिनो आंकडो.
 बिच्छू का डंक. a scorpion's sting.
 नाया० १; दस० ४, १, ७३; दसा० ७, १;
 सम० ३४, आया० २, १३, १७२; उत्त० १०;
 ३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) गलु; डोड; कण्ठ; ग्रीवा;
 भरदन. गला; कंठ; ग्रीवा; गर्दन. Throat;
 neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दसा०
 १०, १; राब० ८१; अणुजो० १३; १२८;
 सम० प० २३७; उत्त० १२, १८; ओष० २७;
 विशेष० ३३२; गच्छा० १२२; जं० प०
 ५, १२१; —मणिसुत्त, न० (-मणिसूत्र)
 डंठिमां पड़ेरवानो हीरानो हार. गले में
 पहिने की हीरे का माला. a diamond
 neckless. कण्ठ० ३, ३६; —मुरवि.
 पुं० (-मुरवि) सोनानी शुथेकी डंठी.
 सोने की गुंथी हुई माला-कंठी. a gold
 string used as an ornament
 for the neck. राय० १८३; —मुही.
 जी० (-मुकी) डंठनी नथक रहेनारुं

डोडकाना आकारनुं आभरण (भादलियुं).
 कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आभरण
 (भादलिया). a neck-ornament
 resembling a knot tied to a
 string. भग० ६, ३३; —विमुत्त. न०
 (-विमुत्त) थोका डंठी गानकरुं. सुंदर
 कंठ से गाना. singing in a clear
 voice. राय० —सुत्त. न० (-सूत्र)
 डोडिमां पड़ेरवानो सोनानो हारे. गले में
 पहिने की सोने की लड़-होर. a gold
 necklace; a gold string used
 as an ornament for the neck.
 ओष० —सुत्तग. पुं० (-सूत्रक) लुओ
 “कंठसुत्त” शब्द. देखो “कंठसुत्त” शब्द.
 विदो “कंठसुत्त” जावा० ३, ३;

कंठगय. त्रि० (कण्ठगत) डण्डे आवेन; गला
 सुधी आवेन. कंठतक आया हुआ; गलेतक
 आया हुआ. Come to the throat.
 गच्छा० ५२; —पाण पुं० (-प्राण) डण्डे
 आवेन श्वास; भरणांत कष्ट. कंठतक आया
 हुआ श्वास; मरणांत कष्ट. life breath
 come to the throat. गच्छा० ५५;
 कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकंठि—कण्ठे कण्ठे
 गृहीत्वैतियोगविभागान्) डंठे डंठे मथीने.
 कंठ से कंठ मिलाकर. With necks
 touching each other; neck of
 one touching that of another.
 नाया० २;

कंठिया. जी० (कण्ठिका कण्ठोभूषणयाऽस्य-
 स्याःसा) डण्ठी. कंठी. A necklace.
 जीवा० ३, ४; (२) डण्डे प्रदेश. कंठ का
 हिस्सा. a part of a neck. गच्छा० १२४;
 (३) थुस्तकुं पुं० पुस्तक का पृष्ठ. a

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

cover of a book. राय० १६६;

कंडगाय. त्रि० (कण्ठोमक-कण्ठभासायुग्मक
श्लोककंडःकण्ठोमकः) तीक्ष्ण स्वरवाक्षो तेज
कंडवाला. One of shrill voice. ठा० ७;

कंडेगुण. पुं० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठे-
गुणः) कण्ठे पहरेयानुं द्वारा सरभुं आभरत्यु.
गले में पहिनने का बोरे जैसा गहना. a
gold string used as an orna-
ment for the neck. पञ्च० ३; विवा० २;

कंडुमालकम. त्रि० (कण्ठे मालकृत) कण्ठे माळा
पहेरी छे जेछे. जिसने गले में माला पहिनी
है. (One) who has put on a gar-
land on the neck. दसा० १०, १;

कंड. पुं० (काण्ड) धनुष्य आणु. धनुष्य बाण.
an arrow. प्रब० ८२६; क० प० १, ३२;
भग० ७, १; जीवा० ३, ४; राय० २०४;
नाया० २८; (२) भाग; हिस्सा. भाग; हिस्सा
a section; a part. (३) ओक वनतली
वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. a kind
of vegetation. भग० २१, ४; (४)
पृथ्वी के पर्यन्तो ओक विभाग; जमीन के
पहाडगा थर. पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा;
जमीन या पहाड का थर. a section of
land or mountain; a layer of
rock on land or on mountain.
अणुजो० १३४; जं० प० पञ्च० २; (५)
अग्नीआरमां देवदोक्तनुं ओक विभान ओनीं
स्थिति ओकवीस सागरोपमनी छे; ओ देवता
ओकवीसमे पञ्चवाडीये आसोआस ले छे.
ओने ओकवीस ह्जार वर्षे क्षुधा उपने छे.
ग्यारहवें देवलोक का एक विमान. इसके
देवताओं की स्थिति इकवीस सागरोपम
की होती है. ये देवता इकवीस पक्ष
में आसोआस लेते हैं. और इकवीस हजार
वर्ष में उन्हें भूक लगती है name of a
heavenly abode of the 11th

Devaloka. Its deities enjoy a
life of 21 Sāgaropamas, breathe
once in 21 fortnights and be-
come hungry once in 21 thou-
sand years. सम० २१; (६) कर्मनां
स्थिति स्थानकोनो समूह. कर्म के स्थिति-
स्थानक का समूह. a collection of
items of the different varieties
of enduring Karma. क० प० १, ८५;

कंडत. त्रि० (कण्डवत्) आंडतुं; उंडतुं.
छूटता हुआ; चूर करवा हुआ. Pound-
ing; e. g. with a pestle. पि० नि०
५७४; ओव०

कंडक. न० (कण्डक) लुओ "कंड" स० ६.
देखो "कंड" शब्द. Vide. "कंड" क०
प० १, ८६;

कंडग. न० (काण्डक) कंड; पाथंडा: पड. पतें;
थर; अस्तर. A layer. सूय० १, ९, १०;
(२) आणु. बाण. arrow. राय० २१५ (३)
संख्यातीत संयमना स्थानकोनो समुदाय. अ-
संख्य संयमके स्थानकका समूह. collection
of countless items of ascetic
conduct. पि० नि० भा० ६६; क० प० १,
४२; ४६; —हेट्ट. त्रि० (अपस्तम) आर
समयना स्थितस्थानक समूह रूप कंडकनी
नीयेतुं. चार समय की स्थिति स्थानक समूह
रूप पत नीचे का. situated below
Kandaka and equal to the
duration of 4 units in a cer-
tain stage. क० प० १, ५०;

कंडय. न० (काण्डक) कंडको ओक सूक्ष्म
भाग. समयका एक सूक्ष्म भाग. A very
small division of time. भग० ३, २;
(२) राक्षसनी सभा आगतनुं त्रैत्यपृक्ष; कंडक
नं आस. राक्षस की सभा के सामने का नैरय

इस कंडक का फाट. name of a Chaitya (garden); tree near the council-hall of demons. टा० ८, १;
कंडरीय. पुं० (कण्डरीक) भूक्षदेवनी
 सदायथी वनभां जतां डोछ पुरुषनी अने
 लभजनार ऐक पुत्र्यो भासुस डे जनी कथा
 उत्पानकी बुद्धि उपर दशविज्ञ छे. मूलदेव
 की मदद से वन के किसी प्रवासी पुरुष की
 भी को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि
 जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घटित की
 है. Name of a scoundrel who
 abducted the wife of a person
 travelling in a forest with the
 help of Mūladeva. This story
 is narrated in connection with
 or to illustrate the variety of
 Buddhi or intellect known as
 Utpātiki. पि० नि० ६६; नंदी० (२)
 पुष्कलावती विजयनी पुंडरिकिणी नगरीना
 महापद्मराजनी पद्मावती राजुनी पुत्र;
 पुंडरीकनो न्दानो भाष्ट डे जे दीक्षा लभ,
 पाछलथी पतित थभ, संसारमां आयेो अने
 तरतज भरलु पाभी नरके गयो. भेटोटा भाष्ट
 पुंडरीक कंडरीकनो उतारेव साधुवेग भेटरी,
 साधुथभ, तलु द्वियसमांज भरलु पाभी, सर्वाथ
 सिद्ध विमाने पड़ोयेो. पुष्कलावती विजय कां
 पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा कां पद्मा-
 वतीरानी का अंगजात. पुंडरिक का लघु भ्राता
 जो कि दीक्षा ले फिर पतीत हंगया और
 संसारी बन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा
 नरक में गया. बड़ा भाई पुंडरीक, कंडरीक
 के उतारे हुए साधु भेष को पहन साधु
 हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ सिद्ध
 विमान में जा पहुंचा. name of the son
 of Padmāvatī, queen of Mahā
 padma king of the city of

Puṇḍarikinī belonging to the
 country Puṣkalāvātī Vijaya.
 He was younger brother to
 Puṇḍarika. He had taken
 Dikṣā but had again sinfully
 taken to worldly life. He imme-
 diately died and went to hell
 while Puṇḍarika putting on
 the ascetic dress cast off by
 him became a Sādhu. He too
 died within three days and
 reached the heavenly abode
 named Sarvārtha Siddha.
 नाया० १६;

कंडवा. स्त्री० (कण्डवा) ऐक जनतुं वाजित.
 एक प्रकार का बाजा. A kind of musi-
 cal instrument. राय० —कंडा. स्त्री०
 (-कण्डा) ऐ नामतुं ऐक पर्वग मतिनुं अट.
 इस नाम का एक पर्वग जाति का फाट. A
 kind of vegetation of Parvaga
 sort. पञ्च० १;

कंडिय. त्रि० (कण्डिन) आडेलुं; अडेनुं. कूटा
 हुआ. पीसा हुआ Pounded with a
 postle. पि० नि० १०१;

कंडियायण. पुं० (कण्डिकायन) वैशाखी नगरी-
 थी अदारनुं ऐक उद्यान वैशाली नगरी के
 बाहर का एक बगीचा. Name of a
 garden outside the city of
 Vaiśālī. भग० १४, १;

कंडिल. पुं० (कण्डिल्य) कण्डिल्य गोत्र प्रवर्तक
 ऐक ऋषि. कण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक
 ऋषि. The name of the proge-
 nitor sage of Kāṇḍilya Gotra
 (lineage). टा० ७;

कंडिज्ञायण. पुं० (कण्डिज्ञायन) ऐ नामना
 ऐक ऋषि. इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. ठा० ७;

कंडु. पुं० (कण्डू) दोढातुं वासञ्च; तपो. लोहे का बरतन; तवा. An iron pan. ओष० ३८; (३) असनो रोग. खाज की बिमारी itches. नाथा० १३; भग० ७ ८;

कंडुइय. न० (कण्डूम्) असपायो. खुजलीवाला; खाज वाला. One having itches. सूय० १, ३, ३, १३; भग० ७, ६; कंडुग. पुं० (कण्डूक) अंगुलिना असंख्या-तमा भाग प्रमाञ्च आकाश प्रदेश परिमित कर्मना स्थिति स्थानकोनो समूह अंगुल के असंख्यातवै भाग के बराबर आकाश परिमित कर्म के स्थिति स्थान का समूह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क०प० ३, ६;

✓कंडुय. धा० II. (कण्डू) आञ्ज करी; अंगेष्टुं. खाज खुजाना; कुचरना. To scratch; to tickle; to remove irritation of skin by scratching. कंडुवप्. आया० १, ३, १, २०;

कंडुइस्वामि. नाया० २;

कंडुइत्ता. सं० कृ० नाया० १;

कंडुवमाण. व० कृ० सु० च० ३, १३६;

कंडुवावेह. क० वा० विवा० ६;

कंडुयण. न० (कण्डूयन) अत्युं; अरञ्ज-यर करी. खोदना; खड़ा करना. Digging. पंचा० ४, २०;

कंडू. स्त्री० पुं० (कण्डू) यर; अज्याण. खाज खुजाना, खजवाल. Itching sensation. नाया० २, सूय० १, ३, १, १०;

कंडूइय. न० (कंडूयित) अरञ्ज; यर. खाज; खुजली. Itching sensation. जं० प० सूय० १, ३, ३, १३;

कंडूयग. त्रि० (कंडूवक) अज्याणिना२.

खुजाने वाला. One who scratches to remove an itching sensation.

ठा० २, १;

✓कंत. धा० I. (कृत) छेदुं. खेदना. To cut. (२) कितुं. कतना. to spin.

कंताति. सूय० १, ८, १०;

कंतामि. पि० नि० भा० ३२; जं० प० २, ११५;

कंत. त्रि० (कान्त) मनोहर; कान्तिवान; शोभायमान. मनोहर; कान्तिवाला; शोभित. Charming; beautiful; lustrous.

“कंतपियदंसखा” नाया० १; ३; १४; भग०

२, १; ११, ११; १२, ६; ओष० ३२; ३३;

जीवा० १; दस० २, ३; सू० प० २०; षम०

प० २३५; ठा० २, ३; दसा० १०, १; सु०

च० १, ३५३; पञ्च० १७, १६; उवा० ४,

१५४; जं० प० ५, ११५; कप्प० १, ८;

३, ३४; (३) धृतसमुद्रना देवातानुं नाम.

धृत समुद्र के देवता का नाम. name of

the deity of Ghruta Samudra.

जीवा० ३, ४; —कव. त्रि० (—कव) सुंदर

रूपवाणुं. सुंदर रूपवान. beautiful; of

charming appearance. विवा० १;

२; —स्वर. त्रि० (—स्वर—कान्तः स्वरोष-

स्य स कान्तस्वरः) सुंदर स्वरवाणुं. सुंदर

कंठवाला. of melodious voice.

पञ्च० ३;

कंस. त्रि० (कान्त—आकान्त) आक्रमण करे.

आक्रमण किया हुआ. Surmounted.

सु० च० १; ३५३;

कंततर. त्रि० (कान्ततर) अति सुंदर. बहुत

सुंदर. Very beautiful. “एतोकंततराए

वेवमखुएवतराए वेव” राय० २१; जीवा० ३;

कंता. स्त्री० (कान्ता) सौंदर्यागिनी स्त्री. रूप-

वान स्त्री. (A woman) possessed

of beauty. भग० १५, १; नाया० १६;

कंसार. पुं० (कान्तार) अरपय; अटवी; मदन

वन. वन; जंगल; गहन वन. A deep dense forest; the world. उवा० १, ५८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ५, ६; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु० च० १, २; सम० १३; श्रौव० ४०; ठा० २, २; महा० प० ३५; श्रौघ० नि० ६८३; —भक्त. न० (भक्त = कान्तारमरणं तत्र भिक्षुकाणां निर्वाहार्थं यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम्) अटवीभां भुमाक्षरीं कर्तां गरीभाने आपयानो भोराक. जंगल में मुसाफरी करते गरीबों को दी जाने-वाली खुराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest. भग० ५, ६; ८, ३३; नाया० १; निसी० ६, ६; श्रौव० —विस्ति. ली० (-वृत्ति) जंगलनी वृत्ति-निर्वाह यथायथा ते; जंगलमें प्राणुधातक आपत्ति आनी पड़े त्यारे प्राणु निर्वाह करवे ते; ७ अगारभानो ऐक. जंगल में प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना; जंगल में प्राणांत कष्ट आ पड़े तब प्राण बचाना; छः आगार में से एक. maintenance in a jungle while travelling; saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle; one of the 6 options (on the part of an ascetic). प्रव० १५३;

कंति. ली० (कान्ति) तेज; कंति प्रभा .तेज; कंति; शोभा; लावण्य. Lustre; beauty. पद्य० २, १; श्रौव० ३२; ३४; (२) शोभा. प्रभा; सुंदरता. beauty; charm. सु० च० २, ३४५;

कंतिमल्ल. त्रि० (कान्तिमत्) कान्तिवालो; कंतिमान्. लावण्यवाला. प्रभावान्. Lustrous; beautiful. सु० च० ८; २४६;

कंतेल्ल. पुं० (कान्तेल्ल) मंडव गोत्रनी शाखा.

मंडव गोत्र का शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) मंडव गोत्रनी शाखाभानो पुरश. मंडव गोत्र की शाखावाला पुरुष. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

कंथश्च. पुं० (कन्थक) जलपान थोड़ा के जे तोपेना अवाज्थी पथु लउके नहीं. कुल-बान घोडा जो तोपोंकी आवाजसे भी न भडके. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns. उत्त० ११, १६;

कंथग. पुं० (कन्थक) जुओ " कंथश्च " शब्द. देखो " कंथश्च " शब्द. Vide " कंथश्च " उत्त० २३, ५८;

कंथीकय. त्रि० (कन्थीकृत) कन्था-गोदडीनी भाङ्क थल्ल थिगडा पातुं कन्था-गोदडी के सदरा बहुतसे जोड़ (चिन्ने) लगेहुए. (Anything) prepared with a good deal of patch-work. विशेष० १४३६; ✓ कंद. धा० I. (कन्द) आकन्दन करतुं; २५तुं; ३३तुं; जूभो भारवा. बूम मारना; रोना; आकन्द करना; शोर मचाना. To cry; to weep; to shout.

कंदइ. आया० १, २, ५, ६४;

कंदिसु. आया० १, ६, १, ५;

कंदमाण. व० कृ० नाया० १: २; ६; १६;

भग० ६, ३३;

कंद. पुं० (कन्द) कन्दमूल; गुंशी, तमलु, गाजर, रताणु पजेरे कन्दवाली साधारण वनस्पति. कन्द मूल; लहसन, गाजर, रताणु आदि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots; bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc.

जं० प० २, १६, ३, ६७; आया० २, २, ३, १२६; पद्य० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४; उत्त० ३६, ६८; निसी० ४, ५२; दस० ५, १, ७०; चउ० २८;

(२) जडना भूल अने थडनी वय्येनो भाग. काव के मूल और चउ के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk.

जोवा० १, राय० १५५; भग० ७, ३; नाया० १५; पञ० १; ओव० (३) कमलादि कना भूल उपरनो गोल भाग. कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots. जं०

प० — अहिकार पुं० (-अधिकार) कंदनो अधिकार-वर्णन. कंद का अधिकार-वर्णन. subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३; २१, १;

— आहार. पुं० (-आहार) कंदनो आहार करनेवाले तपस्वी ओक वर्ग. कंद का भक्षण करने वाली तपस्वी की एक जाति. one who eats bulbous roots. भग० ११, ६;

निर० ३, ३; — जीवकुड. पुं० (-जीवस्पृष्ट) कंदना श्रवणी स्पृष्ट थयेन. कंद के जीवों से छुया हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; — भोजन.

न० (-भोजन) कंदनुं भाजन. कंद का भोजन. food consisting of bulbous roots. डा० ७; सम० २१; नाया १; भग०

६, ३३; दसा० २, १६; — मूल न० (-मूल) कंद भूल. कंद मूल. roots and bulbous roots. भग० ८, ५;

कंदलया. स्त्री० (कन्दन) आकंदन करुं; रोनुं; कडगनुं. आकंदन करना; रोना; शोर मचाना. Crying; weeping; lamenting.

टा० ४, १; भग० २६, ७; ओव० २०;

कंदता. स्त्री० (कंदता) कंदभुग पनुं. कंदमूल पना. State of being bulbous

roots and roots. भग० २१, १; सूय० २, ३, ५;

कंदल्य. पुं० (कन्दर्प) राग अने मोह उपजनयनार हारय, गर्भित येष्टा; वडभाषण; राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय क्रीडा; वक भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, witty love-talk. गच्छा० ८२; उत्त० ३६, २५४; जीवा० ३; पञ० २; ओव० नि० १०२;

(२) कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, परह० २, २; भग० १४, ८; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंचा० १, २४; (३) कुतूहली देव. (३) कुतूहल करने वाले देव. the god Kutūhali. भग०

३, ७; (४) कामदेवनी भावना. कामदेव की भावना. meditation for sexual pleasure. गच्छा० ८२; — कर. पुं०

(-कार) काम उपज्जे तेनी येष्टाना करनेवाले. कामदेव उररज हो ऐसी चेष्टा करनेवाला. one who speaks and acts amorously. ओव० ३१; — देव. पुं० (-देव-

कन्दर्पो — इहाहसने कन्दर्पकरवासीला; कन्दर्पाः कन्दर्पाश्चते देवाश्च कन्दर्पदेवाः) अउमउट दसनारा देवे. हहहह हंसने

वाला देव. a loud-laughing god. तंदु० — भावणा. स्त्री० (-भावना-कन्दर्पः कामस्तप्रधाना निरन्तरं नर्मादिनिरततया

व्रिटप्राया देव विशेषाः कन्दर्पास्तेषामिथ कामदर्पा सा चासौभावना च) ओक प्रकारनी कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना

a kind of love-exciting meditation. प्रव० ६४८; — रति. स्त्री० (रति) कामभोगमं रति आसक्ति. कामभोग में रति आसक्ति. delight in amorous pleasures. नाया० १;

कंदर्पिण्य-य. त्रि० (कान्दर्पिक-कन्दर्पस्त-
द्वुद्धिः प्रबोजनमस्येति) श्रमयेष्टा, ६१२५,
म२३३री ३२११२. कामचेष्टा हास्य विनोद करने
वाला. (One) doing amorous
postures. ओव० ३८; भग० १, २; पञ० २०;
कंदर. न० (कन्दर) पर्वतनी शुक्ल. पर्वत की
गुफा. A cave. नाया० १; २; ८; नंदी०
१४; जीवा० ३, ३; भग० ३, ७; ६, ३३;
विवा० १, ३;

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) शुक्ल. गुफा. A cave.
अंत० ३, १; महा० प० ८२; जं० प० नाया० १;

कंदूल. न० (कन्दूल) ऐक्य ज्ञतनुं आड.
डेगनुं आड. एक जाति का फाड़; केले का
फाड़. A kind of tree. नाया० १; ६; ६;

कंदूलग. पुं० (कन्दूलक) ऐक्य भरीवाला पशु-
नी ऐक्य ज्ञत. एक भुरवाले पशु का एक जात.
A one-hoofed animal. पञ० १;

कंदूलो. स्त्री० (कन्दूली) ऐक्य ज्ञतनेो ३-६.
एक प्रकार का कंद. A kind of bul-
bous root. उत्त० ३६, ६७; (२) डेगनुं
आड. केले का फाड़. a plaintain tree.
पञ० १; भग० २२, १; (३) शीघ्री पनस्पति.
हरा वनस्पति. green vegetation.
आया० नि० १, १, २, १२६;

कंदिय. पुं० न० (कन्दित) वियोगिनी स्त्रीनुं
३६१. वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamen-
tation of a woman separated
from her husband. उत्त० १६, २;
ओव० २१; नाया० १; पंचा० ७, १६;
(२) वायव्यन्तर देवतानी ऐक्य ज्ञत.
वायव्यन्तर देवता की एक जाति. a kind
of Vāpavyantara (infernal)
gods. पञ० २; पगह० १, ४; ओव० २४,
प्रव० ११४४;

कंदु. त्रि० (कन्दु) लोढानुं वासयु; यथु
भभरा यगेरे भुंजनी ३३६. लोहे का एक

बरतन.; चने आदि भुंजने की कढ़ाई. An
iron vessel; an iron pan to
bake grains etc. पगह० १, १; विवा०
३: —सोहिय. त्रि० (-पक्व) यथु भभ
रानी पेडे तावडमां पकवेधु. चने, कूली की
तरह घाममें पका हुआ. Cooked, baked
in the heat of the sun. “ कंदु
सोहियं पिब कहसोहियं पिब अप्पायं जाक
करेमाका विहरंति ” भग० ११, ६;

कंदुकता. त्रि० (कन्दुकता) ३-६३ नाभनी
पनस्पतिना लाय-२५३५. कंदुक नामकी
वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of,
nature of a vegetation named
Kanduka. सूय० २, ३, १६;

कंदुकुंभी. स्त्री० (कन्दुकुंभी) लोढानी कढ़ाई.
तावडी. लोहे की कढ़ाई; लोहे का बरतन.
An iron pan used to bake
bread etc. उत्त० १६, ४८;

कंदुरुक. न० (कन्दुरुक) ऐक्य ज्ञतनेो धूपनेो
युग्ंधी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगंधी
पदार्थ. A kind of fragrant
incense. नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) नारडीने ७५७५१नी इंधी.
नारकियों के पैदा होनेकी कूम्भी. A pot-
like place where the hell be-
ings got their birth. सूय० १, ५, २. ७;

कंध. पुं० (स्कन्ध) आंध. कन्धा; स्कन्ध.
A shoulder. आया० १, ६, १, २२;

✓कंप. धा० II. (कम्प) ड्रुणुं; ड्रुणुं.
ध्रुजना; कांपना; थरथराना. To tremble;
to quiver.

कंपत्त. व० कृ० सु० च० १, ११०;

कंपमाण. व० कृ० भग० ३, २;

कंप. पुं० (कम्प) ड्रुणारी; ध्रुणारी; थरथराहट.
Tremoar; trembling. सम० ११;

कंपण. त० (कम्पन) ड्रुणुं; ध्रुणुं; हलपुं.

कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पि० नि० ५८०; अशुजो० १३०; —वाह्य. पुं० (-वातिक) कम्प-वानुं दद; जेथी भरतक कम्प्या करे अवे। रोग. धूजने का बीमारी; वह बीमारी जिससे सिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. अणुत्त० ३, १;

कंपिल. पुं० न० (कम्पिल) कम्पिलपुर नामनुं कुरुआयाद श्रद्धानुं ऐक जुनुं नगर के जे दक्षिण पांचालदेशनी राजधानी हती अने त्यां द्रापदीनो स्वयंवर थयो हतो। कम्पिलपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश की राजधानी था और जहां द्रापदी का स्वयंवर रचा गया था. Name of an ancient town of Farukhābād district. It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-marriage. पञ० १; निसी० ६, २०; उत्त० १३, ३; (२) अन्तगड सूत्रना १ ला वर्गना सानमा अभ्ययननुं नाम. अंतगड सूत्रके पाँहले वर्गके सातवें अध्यायका नाम. name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (३)अन्धकवृष्णिना पुत्र सातमा दशार्ह के जे नेमिनाथ प्रभु पासे आर परसनी प्रमत्त्या पाणी शत्रुंजय उपर ऐक भासने। संथ. रे। करी भोक्ष गया. अंधकर्षण के पुत्र सातवें दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास बारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्ति पधारे। the 7th Daśārha, son of Andhaka Vriṣṇi. He practised ascotism for twelve years

under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation. अंत० १, ७;

कंपिलपुर. न० (कम्पिलपुर) कम्पिलपुर नामे नगर. कम्पिलपुर नामका नगर. Name of a city. “पंचालेषु जयवत्सु कम्पिलपुरं शयरं तत्थ दुम्मुहोरावा” नाया० १६; नाया० ५०६; भग० १४, ८; नाया० १; ८; १६; उवा० ५, १६३; ओव० ३६;

कंबल. पुं० (कम्बल) कंबल; धातलो; कामलो। कंबल; कामल; शाल. A blanket. ओघ० नि० ७०६; निसी० ७, ११; भग० २, ५; ७, १; ८, ६; १३, ६; विवा० २; पञ० १६; ५३; राय० २२६; नाया० १७; दस० ४; ६, २०; आया० १, २, ५, ८६; १, ७, १, १६७; वेय० १, ३७; जीवा० ३, ३; उवा० १, ५८; कण० ६, ५२; प्रव० ८७६; —कड. पुं० (-कट) कंबल. A blanket. ठा० ४, ४; —किडु. न० (-कट) धातलो. कम्बल. A blanket. भग० १३, ६; —पाधार. न० (-प्राधार) कामलरूप ओदवानुं वस्त्र. कम्बल मराठा ओदने का वस्त्र. a blanket. निसी० ७, ११;

कंबलग. न० (कम्बलक) कामल; कम्बल. A blanket; a rug. आया० २, २, १, १४५;

कंबलय. न० (कम्बलक) धातलो; उननुं वस्त्र. कम्बल; ऊन का वस्त्र. A woolen blanket. प्रव० ६६२;

कंबु. पुं० (कम्बु) शंभु शंख. A conch-shell. ज० प० जीवा० ३, ३; पण० १, ६; ओव० १०; (२) कंबु नामे पांचमा देवदेवानुं ऐक विमान के जेमां वसता देवानुं आर सागरनुं आयुष्य छे. कंबु नामक पांचवें

देवलोक का एक विमान, जहाँ उत्तम हानेवाले देवताओं की आयुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sagaras; (it is in the fifth Devaloka). सम० १२;

कंबुगीव. पुं० (कम्बुग्राव) कंबुग्रीव नामे पांचमा देवलोकनुं ओक विमान के जेभां वसता देवानुं पार सागरनुं आयुष्य छे. कंबुग्राव नामका पांचवें देवलोक का एक विमान, जहाँ के देवताओं की बारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sagaras. सम० १२;

कंबू. स्त्री० (कम्बू) ओ नामनी ओक साधारण वनस्पति; कंदमूलनी ओक जात. इस नामकी एक माधारण वनस्पति; कंद मूल का एक जात. Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पञ्च० १;

कंबोज. पुं० (कम्बोज) कम्बोज देश; कम्बोज देश. कम्बोज देश; काबुल देश. The country called Kamboja. राय० २३६;

कंबोज-अ. त्रि० (कम्बोज) कम्बोज देशना जन्मेस. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kamboja country. राय० २३६; " जहा से कंबोजायां आइसे कंय सिवा " उत्त० ११, १६;

कंस. पुं० न० (कंस) कंस नामनो ८८ अक्षरानो २२ भो अक्षर. ८८ ग्रहों में से कंस नाम का २२ वां ग्रह. The 22nd planet of the 88. ठा० २, ३; सू० प० २०; (२) मथुरानो राजा. मथुरा का राजा. name of a king of Mathurā. ठा० २, ३; पण्ड० १, ४;—कंस. पुं० (—कंस्य) कंसानी ओक धातु. कंसी; एक धातु bronze.

उवा० ८, २३५; सूय० २, १, ३६; उत्त० ६, ४६; जं० प० २, २४; पि० नि० ३३४; नाया० १; ७; भग० ८, ५; ६, ३३; पञ्च० ११; दसा० ६, ५३; जीवा० ३, ३; गण्ड्या० ८८;—पाई. स्त्री० (—पात्री) कंसानी धावी. कंस की धावी. a bronze utensil. " कंस पाईव व मुक्तोए " ठा० ६; ओव० १७; उवा० ८, २३५, —पाय. पुं० (—पात्र) कंसानुं धाम, कंस का बरतन. a bronze pot. "कंसु कंस पापसु, कुंड मोपसु वा-पुखो भुंजंतो अस्य पाणाइ आयरो परि-भस्सइ" दस० ६, ५३; कण्ठ० ५, ११६;

कंसणाम. पुं० (कंसनाम) त्रैलोक्यां अक्षरानुं नाम. २३वें ग्रह का नाम. Name of the 23rd planet. सू० प० २०;

कंसनाल. न० (कंसताल) कंसानुं ओक जतनुं वाजित; कंसिंगा. कंस का एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument made of bronze. आया० २, ११, १६८; राय० ८७; जीवा० ३, ३; —सइ पुं० (—शब्द) कंसियाने आवाज. कंस के बाज का आवाज. the sound of cymbals. निगी० १७ ३५

कंसवर्णाम. पुं० (कंसवर्ण) अक्षरानुं नाम. अक्षरानुं नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व वर्णाभा " ठा० २, ३; सू० प० २०;

कंसवर्ण. पुं० (कंसवर्ण) कंसवर्ण नामनो ग्रह कंसवर्ण नाम का ग्रह. A planet is named. " दो कंस वर्णाभा " ठा० २, ३ सू० प० २०;

कंसिय. पुं० (कंसिक) कंसानुं वाजित कंस का बाजा. A musical instrument of bronze. सू० च० १३, ४१;

कंसीय. न० (कंसीय) कंसानुं पात्र. कंस का बरतन. A vessel of bronze.

पञ० ११;

ककारपविभासि. पुं० (ककारप्रविभासि)
३३२नी रचना वा पुं नाटक. ककार की रचना
वाला नाटक. A drama containing
a special arrangement of the
letter "क." राय० ६३;

ककुद्. त्रि० (ककुद्) प्रधान. प्रधान. Any
one that is prominent, princi-
pal. नाया० १७;

ककुह. स्त्री० (ककुह) राजचिन्ह; जेथी
राजनी ओगभाष्य पडे तेदी निशानी. राज-
चिन्ह; जिससे राजा पहिचाना जासके वह
चिन्ह. Royal insignia. "राय ककुहा"
टा० ५, १; नाया० १७; ओव० १२; जं०
प० ७, १६६; (२) अश्विनी भुंघ. बैल
का कंधा. a hump of a bullock.
(३) पर्वतनी टोय. पर्वत का श्रृंग.
a summit of a mountain. जं० प०
७, १६६; कण्प० ३, ३, ४;

कक्क. पुं० (कक्क) कपट; माया; पाप. कपट;
माया; पाप. Deceit; sin. सम० ५२; भग०
१२, ५; परह० १, २; (२) सुगंधी पदार्थ;
अक कपायवा द्रव्यतो उक्तागो के जेने पीरीमां
उपयोग था छे ते. लोधादिक द्रव्ये शरीरनुं
उभटायुं करपुं ते. सुगंधी पदार्थ; एक कपैला
पदार्थ को उकालकर (पीठां) मर्दन करने
के लिये बनाये हुए लेप में डाला जाता है वह;
सुगंधी पदार्थ का शरीर का उवटन. a fra-
grant substance; a kind of
tenacious paste for the body
prepared from Lodhra etc.
"कक्क उवटणायं" सूय० १, ६; १५; भग०
१२, ५; आया० २, २, १, ६७; निसी० १,
६; दस० ६, ६४;

कक्क. पु० (कक्क) अश्विनी अश्विनीना अक
भेदधनुं नाम. ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती के एक

महल का नाम. Name of a palace
of Brahmadatta Chakravarti.

"उचोवप महुककेय बंभे" उत० १३, १३;
कक्ककुदया. स्त्री० (कक्ककुदया) दंभधी भी-
जने छेतरपुं ते. दंभ से दूसरों को ठगना.
Deceiving others by means of
false tricks. प्रव० १११;

कक्कड. त्रि० (कक्कड) अरुअरु. कक्कड; कठोर.
Rough; harsh. क० प० ४, ४५;

कक्कडग. पुं० (कक्कडग) डाकडी; शाकनी अक
जल. कक्कडी. A cucumber; a kind
of vegetable. पंचा० ५, २८; —जल.
न० (—जल) डाकडी तथा अश्विनी अश्विनी
थी नीकगपुं पाणी. कक्कडी तथा खरवूजा
वगैरह में से निकलता हुआ पानी. the
water that comes out of cucum-
ber etc. प्रव० २०६;

कक्कडय. न० (कक्कडय) दोस्ता दोस्ता पेटमां
उछडतो वायु. दोडते घोडे के पेट में उछ-
लता वायु. The gases that play in
the stomach of a running
horse. भग० १०, ३;

कक्कडिगा. स्त्री० (कक्कडिगा) डाकडी. कक्कडी.
A cucumber. पंचा० ५, २८; १०, २४;

कक्कडी. स्त्री० (कक्कडी) डाकडी. कक्कडी. A
kind of vegetable; a sort of
cucumber. पि० नि० १६६; प्रव० २१०,

कक्कव. पुं० (कक्कव) उक्तागेश शरीरनी रस.
आँटाया गर्म किया हुआ साँठ का रस. Boil-
ed juice of sugarcane. पि० नि० २८३;

कक्कर. पुं० (कक्कर) जेने आवात करकर था
तेदी वस्तु. जिसे चबाने से करकर हो ऐसा
पदार्थ. A substance which pro-
duces a cracking sound when
chewed. उत० ७, ६; (२) डाकरी.
कक्कर. a small stone. दगा० ७, १;

राय० २६; आब० ४, ४; —संज्ञ. न०
(-शत) सैकड़ों। सैकड़ों कंकर.
(with) hundreds of pebbles.
विवा० २;

ककरोण्या. स्त्री० (कंकरण) शय्या उपधि
पगोरेभां दोप कड़ाही लपटाट करतुं ते.
शय्या, उपधि आदि में दोष निकालकर बह र
करना. Loquaciously finding
fault with environments such
as a bed etc. ठा० ३, ३;

ककरोय. पुं० (कंकरक) सुभिक्षादिना हेतु
शीघ्रव्या. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना. Giv-
ing instructions into the reasons
for proper alms-begging etc.
निसी० १३, ८;

ककरी. स्त्री० (कंकरि) आगर. गगर. A
round metal pot. जीवा० ३, ३;

ककस. त्रि० (कंकर) कड़ु; आकड़. कठिन;
कडा. Hard; severe. “विपुला ककसा
पगाढाचंडा दुहाहिवा दुहाहियासति”
विवा० १, १; सु० च० २, ३८०;
भग० ७, ६; ३३; दस० ८, २६; उवा० २,
१०७; ठा० ३; आया० २, ४, १, ६३३,
(२) अरुअरु; कड़ुश. कंकरश; खुदरा.
rough; harsh. गच्छा० ५४; राय० २८२;

ककावंस. पुं० (कंकरवंश) ओक जलनी पत-
रपति; वांसनी ओक जल. एक जाति की
वनस्पति; वांस की एक जाति. A kind
of vegetation so named; a kind
of bamboo. भग० २१, ४;

ककोयण. पुं० (कंकोतन) ओक जलतुं रत्न;
भक्षि. एक जाति का रत्न; मणि. A kind
of gem; a jewel. “आगासकेसकज
ककोयण इंद्रील अयसि कुसुमप्यगासे”
राय० जं० ५० कप्य० ३, ४४;

ककोडई. स्त्री० (कंकोटकी) कड़ाही वेल.

ककुम्बर की लता; ककोटे की वेल. Name
of a creeper; a species of cu-
cumber. पञ्च० १;

ककोडय. पुं० (कंकोटक) वेलंधर जलतना
देवतापुं नाम. वेलंधर जाति के देवता का
नाम. Name of a god belonging
to the Velandhara kind of
gods. भग० ३, ६; ७; (२) कंकोटक देवने
रहेयाना पर्वतपुं नाम. उस पर्वत का नाम
जहां कंकोटक देव रहता है. name of
the mountain abode of the
Karkotaka. जीवा० ३, ४; (३) अनुवेलं-
धर देवताना राजपुं नाम. अनुवेलंधर देवता
के राजा का नाम. name of the king
of the Anuvelandhara kind of
gods. जीवा० ३, ४; (४) लवण समुद्र-
भां पूर्व दिशाये जेतालोश एगरे जेजल
उपर आवेन आवेवेलंधर देवोना आवास
पर्वत. लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर
४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेलंधर देव-
ताओं का निवास पर्वत. name of the
mountain-abode of the Anuve-
landhara gods situated at a
distance of 42000 Yojanas in
Lavapa Samudra in the east.
ठा० ४, २,

ककोल. पुं० (कंकोल) ओक जलतुं फल.
एक जाति का फल. A kind of fruit.
परा० २, ४;

ककल. पुं० (कक) कड़ा; अगल बगल; काल.
An arn-pit. नाया० २; १६; भग० ३,
२; ५, ४; निसी० ५, ४१; जीवा० ३, ३;
प्रव० ६७७; कप्य० ६, २६; —अंतर. न०
(-अंतर = कड़ाया अंतरं मध्यं कडान्त-
रम्) कड़ोना मध्य भाग. बगल का मध्य
भाग. the middle part of the

arm-pit. निर० ४, १; —देशभाग. पुं० (—देशभाग) स्तनपासे काभनो मूल भाग. स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the arm-pit near the breast. नाया० २; —मेत्त. त्रि० (—मात्र) काभ, अगल सुधी प्रमात्युपाधुं; अगल सुधी. बगल तक पापवाला; बगल तक. reaching to the arm-pit. प्रव० ६७७; —रोम. न० (—रोम) काभना रोम. बगल के बाल. the hair of the arm-pit. “परुडण हकेस कक्खरोमा ओत्ति” ओव० ३५; आया० २, १३, १७२; निसी० ३, ४६;

कक्खड. त्रि० (कर्कश) कठोर; अरुण्यपुं; कर्कश. कठोर; कर्कश; खरदरा. Hard; harsh; rough. “एगेकक्खडे” ठा० १, १; ओघ० नि० ६२; अणुजो० १४१; पज० १; जीवा० १, उत्त० ३६, १६; आया० १, ५, ६, १७०; पिं० नि० ४२६; नाया० ६; भग० १, १; १४, ७; १५, १; १८, ६; २०, ५; ठा० १, १; कप्प० ६, ५६; क० प० ४, ६३; —फास०. पुं० (—स्पर्श) कठिनस्पर्श; अरुण्यडोस्पर्श. कठिन स्पर्श; खरखरा स्पर्श. hard touch; rough touch. सम० २२; भग० ६, ६; ८, १; (२) त्रि० कडीलु स्पर्शवाला. कठिन स्पर्श वाला. feeling hard. दसा० ६, १; क० गं० ५, ३२;

कक्खडत्त. न० (कर्कशत्व) कठोरता; कर्कशता. Hardness; harshness. भग० १७, २;

कक्खडा. स्त्री० (कर्कशा) कठोर वेदना; दुःख पीडा. कठोर वेदना, दुःसह पीडा. Hard acute pain. नाया० १;

कक्खा० स्त्री० (कक्षा) काभ; अगल-बगल;

कांख. An arm-pit. “उप्पीच्छिकक्खा” विवा० १, ३; सूय० १, ४, १, ३; नाया० १; १६; ज० प० गच्छा० १२२;

कच्छ. त्रि० (कृत्य) कर्तव्य; करवानेयोग्य. कर्तव्य; करने योग्य. A deed; an action; a duty. राय० ३१;

कट्यायण. पुं० (कात्यायन.) कात्यायन पुत्र श्री प्रभवजी गोत्रका नाम. Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātyāna. नंदी० २३; (२) वैशिक गोत्रनी शाखा. कौशिक गोत्र की शाखा. name of a branch of the Kausika family. ठा० ७, १; (३) वैशिक गोत्रनी शाखाभांनो पुरुष. कौशिक गोत्र की शाखा का पुरुष. a person belonging to the branch of the Kausika family. ठा० ७, १; (४) मूल नक्षत्रं गोत्र. मूल नक्षत्र का गोत्र. the family of the Mūla constellation. “जे कोसिया ते सत्त विहापयत्ता तंजहा ते कोसिया ते कक्षा-यणा” सु० प० ११; ठा० ७; —सगोत्त. त्रि० (—सगोत्र) कात्यायन गोत्रवाणुं. कात्यायन गोत्र वाला. Of Kātyāyana family. “मूलनक्खसे कक्षायणा सगोत्ते पण्णसे” सु० प० १०; भग० २, १;

कच्छोलय. पुं० (*) पीला; क्योला. प्याला; कटोरा. A cup. सु० च० ८, ६५;

कच्छ. पुं० (कच्छ) कांछी; कच्छोटा. कांछ; कच्छोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोऽ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; (२) क्षिप्रः किनारा. a border; a margin; a bank. भग० १, ८; जं० प० १, ४; ६५; ३, ५२; (३) सीता नदीनी उत्तरे निलवंतपर्वतनी दक्षिणे चित्रकूट वज्जारा पर्वतनी पश्चिमे अने मालवंतवज्जारापर्वतनी पूर्वे महाविदेहक्षेत्रभांने अक विजय. सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वज्जारा पर्वतके पश्चिम और मालवंत वज्जारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūṭa Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sitā. जं० प० (४) यारेडार नद्यथी दंडायेस प्रदेश. वह प्रदेश जिसके चारों बाजू जलसे ढंके हों. a place covered with water on all sides. (५) कच्छ विजयना वैताड्य पर्वतना नव कूटभांनो भीम अने सातभा कूटनुं नाम कच्छ विजय के वैताड्य पर्वत के नौ कूटों में से दूसरे और सातवें कूट का नाम. name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitāḍhya mountain of Kachchhaviyaya. जं० प० (६) थोडा नद्यनुं स्थान. थोड़े जलका स्थान. a place containing scanty water. नाया० १; —कूट. पुं० (-कूट) चित्रकूट वज्जारा पर्वतना यार कूटभांनुं तीसुं कूट-शिखर. चित्रकूट वज्जारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर. the third

of the four summits of the Chitrakūṭa Vakhārā mountain. जं० प० (२) मालवंत पर्वतना नव कूटभांनो योथा कूट-शिखरनुं नाम. मालवन्त पर्वत के नौ कूटों में से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain. जं० प० —वस्तव्यया. स्त्री० (-वस्तव्यता) कच्छ विजयनी वस्तव्यता-अधिकार. कच्छविजय का वर्णन. a description of Kachchhaviyaya. कच्छ. पुं० (कच्छ) क्षात्र; अगल, बगल; कोख. An arm-pit. भग० ३, ७; —कोह. पुं० (-कोथ = कक्षायां शरीरावयवाविशेषाणां कोथो दौर्गन्ध्यम्) क्षात्रभांनी दुर्गन्ध. बगलकी दुर्गन्धी. stench proceeding from the arm-pit. भग० ३, ७; कच्छगावती. स्त्री० (कच्छगावती) लुओ. “कच्छगावती” शब्द. देखो “कच्छगावती” शब्द. Vide “कच्छगावती.” “दोकच्छगावती” जं० प० ठा० २, ३; कच्छगावती. स्त्री० (कच्छगावती) अन्नकूट वज्जारा पर्वतनी पश्चिमे अने द्रवती नदीनी पूर्वे अनेनी पश्चिमे महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र विशेष. ब्रह्मकूट वज्जारा पर्वत के पश्चिम और द्रवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūṭa Vakhārā mountain (westward) and Drahavati river (eastward). जं० प० —कूट. पुं० (-कूट) अन्नकूट वज्जारा पर्वतना यार कूटभांनुं योथुं कूट-शिखर. ब्रह्मकूट वज्जारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर. name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhārā mount.
जं० प०

कच्छुभ. पुं० (कच्छुभ) डा०भो. कच्छुभा. A
tortoise. पञ्च० १; जं० प० पण्ड० १,
१; विवा० १; उत्त० ३६, १७१; जीवा० १;
नाया० ४; पि० नि ५६१; भग० ३, २; ७,
६; १२, ६; १५, १; (२) राहुजं० नाम.
राहुका नाम. another name of Rāhu
सू० प० २०;

कच्छुभरिगिय. न० (कच्छुपरिगित) डा०भ.
पानी पेड़ आगल के पाछल भश्चप्रभाजे
आक्षीत वंदना करे ते; वंदनाने ओक दोष.
कछुबे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार
चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोष.
A fault connected with Vandanā (bowing); one who bows by
moving backward and forward
like a tortoise. प्रब० १५०;

कच्छुभाषी. स्त्री० (*) ओक अतनी
पाणीभां उमनी वनस्पति; केशरजं० आ०.
एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाली
वनस्पति; केशर का झाड़. A kind of
aquatic plant; a saffron tree.
पञ्च० १;

कच्छुभी. स्त्री० (कच्छुभी) ओक अतनुं
वाद्य०; पीछा. एक जाति का वाजित्र; बाणा.
A kind of musical instrument;
a kind of lute. “अद्वयं कच्छुभी”
राय० ८८; जं० प० पण्ड० २, ५; नाया०
१७; ठा० ४, २; निसा० १७, ३५;

कच्छुबी. स्त्री० (कच्छुबी) छेडे पातनुं अने
वन्धे पडोनुं ओनुं पुस्तक; पुस्तकना पांथ
प्रकाशमानुं ओक. किनारों पर पतली आर मध्य

में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से
एक. A book tapering at the end
and bulky in the middle; one
of the five varieties of books.
प्रब० ६७१;

कच्छु. स्त्री० (कच्छु) दाथीने छातीभां आंध-
वानी रासड़ी. हाथीकी छातीमें बांधने का
रस्सा. A rope with which an
elephant is tied in the middle
part of its breast. ओव० ३०; भग०
३, ६; (२) महाविदेहनी अत्रीश पि०भ्य-
भांती ओक. महा विदेहकी वस्तीस विजय में
का एक विजय. one of the 32 Vija-
yas of Mahāvideha. ठा० २, ३;

कच्छुय. पुं० (कच्छुक) अरुणवे; असने
रोग. खाजका रोग; खाज A kind of
disease which causes itching
sensation. निसा० ६, २२;

कच्छुरी. स्त्री० (कच्छुरा) धमासे; धमासाने
गुच्छे। एक जातकी वनस्पति; धमासे का
गुच्छा. Name of a plant; a cluster
of the same plant. पञ्च० १;

कच्छुल. पुं० (कच्छूर) गुदम अतनुं ओक
आ०. गुदम जाति का एक झाड़. A kind
of bushy plant. पञ्च० १;

कच्छुलनारय. पुं० (कच्छुलनारय) कच्छुल
नामने नारद. कच्छुल नाम का नारद.
Nārada bearing the name
Kachchhulā. नाया० १६;

कच्छू. स्त्री० (कच्छू) अरुण-आण; कच्छू-
रोग. खाज; खजली; खाज का रोग.
Itch; itching sensation. जीवा०
३, ३; जं० प० भग० ७, ६;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). वेखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कच्छुक. पुं० (कच्छुक) आङ्ग्ल; अस. खाज;
कुजली. Itching sensation. भग० ७, ६;
कच्छुल्ल. त्रि० (कच्छुल्ल) पुन्यदीना ६६६.
जिसे खाजका बीमारी है वह. (One)
suffering from itch, scab etc.
विवा० ७; परह० ३, ५;

कज्ज. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन; कार्य;
कर्तव्य; क्रिया. काम; मतलब; कार्य; कर्तव्य;
क्रिया. A deed; an action; an
aim; a purpose; a duty. "किंजं
भयणत्ति जंतुकीरती तेयं" पिं० निं० भा०
४७; विशेष० ७१; ४२३; २११२; उत्त०
२५, ३८; ओव० २०; राय० २१०; सू०
प० ११; सु० च० १, ५७; जीवा० ३, ४;
भग० ११, ४; १२, ६; १८, २; ७; नाया०
१; २; ३; ५; ७; ८; आया० १, २, २, ७६;
वस० ७, ३६; उवा० १, ५; गच्छा० २२; ५६;
पंचा० ४, १७; ५, ३५; क० प० १, ४;
—अंतर. न० (-अंतर) प्रथम कहेला
कार्य पिना पीलुं कार्य. प्रथम कहे हुए कार्य के
बिना दुसरा कार्य; कार्यन्तर. work other
than the one said before.
पंचा० १२, ३०; —अभाव. पुं० (-अभाव)
कार्योत्पत्ति. कार्यका अभाव. absence
of action or purpose. विशेष० ७१;
—आवस. त्रि० (-आवस) कार्यपल्लुने-उत्पत्ति
प्राप्त भयेन. कार्य रूप को-उत्पत्ति
भाव को प्राप्त. (that) which has
reached the stage of effect or
result; (that) which has been
born. विशेष० ६०; —सिद्धि. स्त्री० (-
सिद्धि) कार्यनी सफलता. कार्य की सफलता.
accomplishment of a purpose,

a deed विशेष० ३; —हेतु. पुं० (-हेतु)
कार्योत्पत्ति-निमित्त. कार्य का हेतु-निमित्त.
(with) a purpose or motive.
ठा० ४, ४; भग० २५, ७;

कज्जकारि. त्रि० (कार्यकारिन्) सार्थक;
सप्रयोजन. अर्थ युक्त; मतलब सहित. Hav-
ing meaning; full of meaning.
गच्छा० २५;

कज्जता. स्त्री० (कार्यता) कार्यपल्लु. कर्तव्य
पन. State of being a deed, a
result etc. विशेष० ११०;

कज्जल. न० (कज्जल) आङ्ग्ल; आङ्ग्ल. अंजन;
कज्जल Soot used as collyrium
for the eyes. जं० प राय० ६०; पञ्च०
१७; आ० १०; जीवा० ३, ३; नाया० १;
भग० २, १;

कज्जलंगी स्त्री० (कज्जलंगी) आङ्ग्लनी उपग्रो
के शीस. कज्जल की शीशी या डिब्बी. A
small box or vial in which eye-
collyrium is kept. ओव०

कज्जलप्पमा स्त्री० (कज्जलप्पमा) जम्बू द्वीप
नैऋत्य पुरुषाना पनपंडनी ओक पावडीनुं
नाम. जम्बू द्वीप के नैऋत्य कोन के वनसंड
की एक बावडी का नाम. Name of a
forest-well to the south-west
of Jambūvrikṣa. जीवा० ३, ४; जं० प०

कज्जसेण. पुं० (कार्यसेन) कार्यसेन नामे अग्र-
अवसर्पिणी पांथमा कुलकर. गत अवसर्पिणी
के कार्यसेन नामक पांचवें कुलकर. The
5th Kulakara (a great leader
of men) of the past Avasarpinī,
named Kāryasena. सम० प० २२६;

* कज्जलावेमाण. त्रि० (*) पाक्षीथी

भगधने कुअनुं. पानी से भरा कर डूबता हुआ. Sinking down after being filled with water. निसी० १८, १८; आया० २, ३, १, ११६; —कज्जोवअ. पुं० (—कार्योपग) ८८ भांजा छेतेरभां भदनुं नाम. ८८ ग्रहों में से ७६वें ग्रह का नाम. name of the 76th planet. सू० प० २०; जं० प० ७, १७०; —कज्जोवग. पुं० (—कार्योपग) अुओ “कजावअ” शब्द. देखो “कजावअ” शब्द. vide “कजावअ” ठा० २, ३;

कटुअ-य. पुं० (कटु) कडवा २२. कटु रस.

Bitter taste. सम० २२; भग० २, १;

कटु०. पुं० (कटु) ठाश, अटली अथवा गरम मसाला.

Whey; a kind of sauce; spices used to season food. पिं० नि० ६२१;

कटु. त्रि० (कटु) दक्षणी भेदेय. हल से खुदा हुआ. Ploughed. पिं० नि० भा० १२;

उवा० १, ३३;

कटु. पुं० (कटु) कष्ट; दुःख; भुंकेली. कष्ट;

दुःख; कठिनार्थ. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा० ७;

८; नाया० ६; भत्त० १६४;

कटु. न० (काष्ठ) लाकड़; काँड. लकड़ी.

Wood; stick; विवा० ७; पिं० नि० भा०

७; निसी० ३, १; सु० च० १३, १६; भग०

७, ६; ६; १८, ७; आया० १, १, ४, ३७;

१, ४, ३, १३५; २, १, ५, २६; नाया०

१; ८; ६; १७; राय० २६; २६२; अणुजो०

१०; १४६; दस० ४; ५, १; २, ३; पञ० १;

पंचा० ७, ६; १८, १०; क० गं० १, १६;

प्रव० २२१; जं० प० ५, ११२; ११४;

—अंतर. पुं० (—अन्तर) लाकड़ा लाकड़ा-

भां अन्तर-विशेष लकड़ी लकड़ी में भेद-

विशेषता. the peculiarity of differ-

ent kinds of wood. ठा० ४, १;—आहार. पुं० (—आहार) लाकड़ाने पाछजनार अेक मतने कीडा; त्रयु धंदियवाले ७१. लकड़ी को खाजनेवाला एक जाति का कीड़ा; तीन इंद्रियवाला जीव. a three-sensed living being; a worm found in wood and eating wood उत्त० ३६;

१३६; पञ० १; नाया० १३; —कर्म. न०

(—कर्म) लाकड़ा केतरवानुं कार्य. लकड़ी

कोरने का काम. engraving of wood.

नाया० १३, १७; निसी० १२, २०; आया०

२, १२, १७१; —कार. पुं० (—कार)

सुतार. सुतार; बडई. a carpenter.

अणुजो० १३१; —खाअ-य. त्रि० (—खाअ

—काष्ठ खादतीति काष्ठखादः) काष्ठ आर्ध

लाकड़ाभां रदेनार अेक मतने कीडा. लकड़ी

खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का

कीड़ा. a kind of worm found in

timber. ठा० ४, १; —पाडया. स्त्री०

(—पादुका) लाकड़ानी पादडी; आभरी.

लकड़ीकी पादुका a sandal of wood

“कटुया उपातिवाजरग उवाहवसिवा”

अणुत० ३, १; —पाडयार. पुं० (—पादु-

काकार) पादुका अनादनार. पादुका बनाने

वाला. one who makes sandals of

wood. पञ० १; —पास. पुं० (—पाश)

लाकड़ाने पाशले. लकड़ी का पाश. a

wooden die. निसी० १२, १; —भार.

पुं० (—भार) लाकड़ाने भारे. लकड़ी का

भार. a load of wood. भग० ८, ६;

—मालिया. स्त्री० (—मालिका) लाकड़ानी

माला. लकड़ी की माला. a rosary of

wood. निसी० ७, १; —मुदा. स्त्री०

(—मुदा) लाकड़ानी पादली. लकड़ी की

पदली. a kind of wooden plank.

“कटुमुदाय मुदंयवह वंयता” निर० ३३;

—रासि. पुं० (-रासि) लाकड़नी टमेलो.
लकड़ी का ढेर. a heap of wood. भग०
८, ६; १५, १; —संधारोबगय. पुं० (-संस्तार-
कांगयत) लाकड़नी आसन सिपर ओइस.
लकड़ी के आसन पर बैठा हुआ. one
seated upon a wooden seat. १५, १; —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका)
लाकड़नी गाडी. लकड़ीकी गाडी. a wood-
en cart. नाया० १; भग० १, २; २, १;
विवा० १; —सिसा. स्त्री० (-शिला—
काष्ठ शिलेवायतिविस्ताराम्यामिति काष्ठ-
शिला) शिलानीपेड़े लांथु, पड़ेथुं अपने
अपठुं लाकड़ानुं पाटीयुं. शिला की तरह लम्बा
मोटा और चपटा लकड़ी का पटिया. a slab
of wood. ठा० ३; आया० २, ७, २, १६१;
—सिख. पुं० (-शिव) लाकड़नी धंडेली
शिवनी मूर्ति लकड़ी की घडी हुई शिव की
मूर्ति. a wooden idol of god
Siva. प्रव० १६६; —सेजा. स्त्री०
(-शय्या) लाकड़नी शय्या—शेज. लकड़ी
की शय्या. a wooden bed. ठा० ३, ४;
भग० १, ६; निर० ५, १; —हारअ. त्रि०
(-हारक) लाकड़ उपाडनार; डीपारो.
लकड़ी उठानेवाला; कठियारा. one who
cuts wood and carries the pie-
ces in bundles on his back.
अणुजो० १३१;
कहभूअ. त्रि० (काष्ठभूत) काष्ठनी पेड़े नउ;
जेतन वगरेनो. जड़; काष्ठ की नाई; अचेतन.
Lifeless; inanimate. उत० १२, ३०;
कहधर. त्रि० (कहतर) अतिथय कष्ट. बहुत
कष्टवाला Very hard; very cala-
mitous. विरो० ३२४;
कह्वा. स्त्री० (काह्वा) दशा; अपस्था. दशा;
हालत. Stage; condition. जं० प०
५, ११४; (२) प्रमाथु. प्रमाण. unit.

“ कहकट्टा पोरिसीखाया ” सू० प० १;

कठिख. त्रि० (कठिन) कठिख; आकड़; कडंस.
कठिन; कड़ी; कर्करा. Hard; difficult;
rough. आंव० २१;

कड. पुं० (कट) सादडी. चटाई. A mat.
अणुजो० १३१; १३३; ओष० नि० भा०
२८८; (२) हाथीनुं गंडस्थल. हाथी
का गंडस्थल. an elephant's temple.
नाया० १; (३) भांथो, पदंग वगैरे. पलंग;
साट; इत्यादि. a cot; a bed etc.
भग० २, ४; ८, ६; (४) पर्वतनो ओक भाग.
पर्वत का एक भाग. a part of a
mountain. नाया० १; (५) घास
(कडा पन्गथी). घास. grass. भग०
२३, १; ठा० ४;

कड. त्रि० (कृत) करेयुं; आचरेयुं; अनुष्ठान
करेयुं. कृत; किया हुआ; अनुष्ठान किया हुआ;
आचरित. Done; performed; prac-
tised. प्रव० ६, ६०; कण्ठ० ५, १२६;
६, २; राय० २६३; वव० ३, ६; ओष० ३४;
सूय० १, ८, २१; उत० १, ११; वेय० ४, १४;
नंदी० ४५; पिं० नि० १४५; नाया० १; भग०
१, ४; ७; १०; ३, १; ५, ३; ४; १७, ४;
१८, ३; (२) आर, आरनी संख्यानो
संकेत. चार २ की संख्या का संकेत qua-
ternion; a set of four. सूय० १,
२, २, २३; (३) सयिते परेयुं. सवित
से लित्त-लगा हुआ. bespattered by,
carved by a living being. निसी०
१२, १८;

कडअ. पुं० (कटक) भीत. दीवाल. A
wall. जं० प०

कडंगर. व० (कडगर) इलक्षन् ओक मतनुं
घास. कल रहित एक जाति का घास. A
kind of grass. सु० व० २, १५;

कडंब. न० (*) ओ३ मतनुं वाजिन्त्र. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. राय० ८८;

कडक्क. पुं० (कटाक्) कटाक्ष. कटाक्ष; भ्रं-
गादि हाव भाव. A glance; a side-
long look. " सकडक्क दिट्ठिओ "
नाया० ६; सु० च० २, ६८३, तंदु० जीवा० ३, ३;
जं० प० ७, १६६; —दिट्ठि. स्त्री० (-दृष्टि)
कटाक्षभरी नजर. कटाक्षभरी दृष्टि. A look;
sight full of glances. नाया० ६;
राय० ११२;

कडक्किय. त्रि० (कटाक्षित) कटाक्ष भरेज.
कटाक्ष से भरा हुआ. Full of glances.
प्रव० १३००;

कडग. पुं० (कटक) हाथमां पहरेवानुं भूषण;
कंडलु; कटु. हाथमें पहिने का आभूषण;
कंकण; कडा. A bracelet " बरकडग
तुडिय थंभियभूए " ओव० २२; जं० प०
निसी० ७, ८; राय० २७; दसा० १०, १;
सू० च० १३, ४६; सम० ३४; महों० प० ८२;
जीवा० ३, ३; ४; भन० ६, ३३; ११, ११;
नाया० १; नाया० ध० ओव० १२; २२;
पञ० २; कप्प० २, १४; ४, ६२; (२) समूह.
समूह; कुंड. a group; a collection.
जं० प० (३) सैन्य; लष्कर. फौज; सेना.
an army. परह० १, १; (४) भीतनुं
भूण; पायो. दीवाल का मूल पाया. the
base of a wall. जं० प० प्रव० ८७९;
(५) पर्वतनो तट; तलेटी. पर्वत का पैदा;
तली. the bottom of a mountain.
नाया० १; (६) पर्वतनो डपलो भाग.
पर्वतका ऊपरी हिस्सा. the brow of a
mountain. नाया० ५; (७) पर्वतनां

मेथनानो मध्यभाग. पर्वत का मध्यभाग.
the middle part of a mountain.
जं० प० —छेज्ज. न० (-छेज्ज)
सेनाना आभूषण तथा पर्वतना मध्य भागने
छेदानी कला. सुवर्ण का गहना तथा
पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the
art of piercing, cutting the
middle part of a mountain or
a golden ornament. जं० प० ३,
४५; ५, ११५; नाया० १; —तट. न०
(-तट) पर्वतनुं तलीयुं. पर्वतकी तली. the
bottom of a mountain. नाया० १;
—पल्लल. न० (-पल्लल) पर्वतनी पासेनुं
तथा. पर्वत के पासका तालाव. a lake
situated near a mountain; a
mountain-lake नाया० १; —बंध.
पुं० (-बंध) डे३ आंधवी ते. कमर का बांधना;
कमर बन्ध. girding up the waist.
" कडगबंधेहि लल्लिया बंधेहि " नाया०
१७; —मदण. न० (-मदन) सैन्य
अथवा पत्थरथी मर्दन करुं ते सैन्य द्वारा
अथवा पत्थरों से मर्दन-नाश करना मारना.
pounding, destroying by
means of stones; destroying by
means of an army. परह० १, १;

कडग्गिदाह पुं० (कटाग्गिदाह) ओ३ दावाला
वांशने अग्नि वडे आगनुं ते. दो फाकों वाले
बांस को अग्नि द्वारा जलाना. Burning,
kindling by means of the fire
of a bamboo split lengthwise
into two. (२) आगल पाछथी कट नाम-
नुं घास पीटाक्षीने सज्जगावी मुकनुं ते. कट
नामक घास को चारों ओर लपेट कर जला

* बुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. सम० ११;

कडजुम्म. पुं० २० (कृतयुग्म-कृतसिद्धं पूर्ण-
ततः परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न
त्र्योजः प्रभृतिवदपूर्णा यत् युग्मं समराशि-
विशेषः सकृतयुग्मम्) ७ संख्याने यारे
भागतां शून्य शेष रहे ते संख्या; ७२४ के १६.
जिस संख्या में चार का भाग देने से शून्य
रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any
multiple of four; any number
which when divided by four
does not leave any remainder
behind; e. g. 16.—कडजुम्म. पुं०
न० (-कृतयुग्म) भा०५. संख्या अने
लब्ध संख्या ये अनेने यारे भागतां शून्य
शेष रहे ते संख्या; ७२४ के १६ नी संख्या.
वह संख्या जिस को ४ से भागने पर शून्य
शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने
पर भा शेष शून्य रहता है; जैसे १६ की
संख्या. any figure in which the
sum divided, as also the sum
obtained by division, leaves
nothing behind when divided
by four; e. g. 16. भग० ३५, १;

—कलिञ्जो ग-य. पुं० (-कल्योज) ७
संख्याने यारे भागतां अेक शेष रहे अने
लब्ध संख्याने यारे भागतां अंश शेष न रहे
तेवी संख्या; ७२४ के सत्तरनी संख्या. जिस
संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष
रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने
से कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७.
any number which being divi-
ded by four leaves one behind,
and the sum thus got by divi-

sion when divided by four
leaves no remainder; e. g. 17.
भग० ३५ १; —तेजो ग. पुं० (-प्रयोज) ७
संख्याने यारे भागतां त्रय शेष रहे अने
लब्ध संख्याने यारे भागतां अंश शेष न रहे
तेवी संख्या; ७२४ के ओगलीशनी संख्या.
जिस संख्या को चार से भागने पर तीन बचे और
लब्ध संख्या में चार का भाग देने पर कुछ
शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १८. any
number which being divided
by four leaves three behind
and the sum thus got by divi-
sion when divided by four
leaves no remainder; e. g. 19.

भग० ३५, १; —दावरजुम्म पुं० (-द्वापर
युग्म=दो राशिः प्रतिपमयं चतुष्कापहारेणा
पक्षिमाद्यो द्विपदोवसानो भवति तत्सम-
वास्तुःपर्यं वासितापेवेति । असौ अपक्षि
माणापेक्षया द्वापरयुग्मः) ७ संख्याने यारे
भागतां शेष अे रहे अने लब्ध संख्या ने
यारे भागतां शेष न रहे तेवी संख्या; ७२४
अद्वारनी संख्या. जिस संख्या में चार का
भाग देने पर शेष दो रहे और लब्ध संख्या
में चार का भाग देने से शेष कुछ न रहे ऐसी
संख्या; जैसे १८. any number which
being divided, by four leaves 2
behind, and the sum thus got
by division when divided by
four leaves no remainder; e. g.
18. भग० ३५, १;

कडपूयणा. स्त्री० (कडपूतना) कडपूतना नाम-
नी देवी. कडपूतना नाम की देवी. Name
of a goddess. विशे० भा० २५, ४६;

* कडप्प. पुं० (*) समूह. समूह; कुंड.

* बुधो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

A group सु० च० २, २३१;

* कडभू. पुं० (कडभू) ओ नामनो ओइ इंद
इस नाम का एक कंद. A kind of bulbous root. पत्र० १;

कडय. न० (कडक) शेरडी, गन्ध. यगेरेना सांझ; इ०. जुहार वगैरह के सांझ A stalk of sugar-cane, millet etc. आया० २, १०, १६६;

* कडयडिय. त्रि० (*) पाछु इरेल. पीछे फिरा हुआ. Retreated; stepped back. सु० च० ८, १६;

कडसकरा. स्त्री० (कडसकरा) बांस की आली-शरी. बांस की सलाई कील. A peg made of bamboo. विवा० ६;

कडाय. पुं० (* कडायस) संथारे इरनार साधुनी सेवा भक्ति इरनार साधु. संथारा करने वाला साधु की सेवा भक्ति करने वाला साधु. An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santhārā (giving up food and water). भग० २, १;

कडाली. स्त्री० (कडालीका) घोड़ना स्वारने पग टेकवाने पदालुनी ओ आंजुओ अटकते पागडे. घुडसाग के पांव टिकाने के लिये जीन के दोनों और लटकते हुए रक्ताव. A stirrup. अणुत्त ३, १;

कडासण न० (कडासन) आसन, परथणु. आसन; बिछोना. A seat consisting of a mattress, carpet etc. “उगाहणं च कडासणं पद्मसुजायिजा ” आया० १, २, ५, ८६;

कडाह. पुं० (कडाह) दोहानुं क्षम; कडाह.

लोहे का बरतन; कडाई. An iron vessel: a cauldron. “ द्रुपंसुलिण कडाहे ” पि० नि० ५५२; उवा० ३, १२६: १३२; १४७; अणुत्त० ३, १; जीवा० ३, १; भग० ८, १; (२) शाल्यानी पीठ. कछुए की पीठ. the back of a tortoise. अणुत्त० ३, १; (३) पांसविना दाइडां. पमनीका हड्डियां. the ribs. प्रव० १३८३;

कडाहय. पुं० (कडाहक) जुओ ओपेला शब्द. देखो उपरका शब्द. Vide above. उवा० ३, १२६;

कडि. स्त्री० (कटि) डेड; डमर. कमर. The waist. “ घणकडित्तडच्छायं ” ओघ० नि० भा० २५६; ३१५; पिं० निं० ४२६; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३; भग० १, ६; ओव० १०; जं० प० नाया० २; १८; निर० ३, ४; —बंध. पुं० (—बंध) डेडे आंध्यानी दोरी; इंदोरे कमर पर बांधने की दोरी; कंदोरा. an ornamental belt for the waist. ओघ० नि० भा० ३१६; —बंधण. न० (—बंधन) डेडे आंध्यानुं पस्त्र; अंदोरे. कमर पर बांधने का वस्त्र; कमरबंध. a cloth for the waist. “ सेकपह कडिबंधं धारित्तण ” आया० १, ७, ७, २२३; —भाग. पुं० (—भाग) डेडो भाग; इंदी प्रदेश. कमर का हिस्सा; कटिप्रदेश. the portion of the waist; the waist. प्रव० ५४१; —सुत्त. न० (—सूत्र) डमरपटे; इंदोरे: डेडुं धरेणु. कमरपट्टा; कंदोरा: कमर का गहना; an ornamental belt for the waist. “ कडिपुत्त सुकयसाहे ” जं० प० सम० प० २३८; ओव० २७; कप्य०

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

४, १२; —सुत्तग. न० (-सूत्रक) के३नी
दोरी; कंदोरो. कमरकी दोरी कंदोरा. a thick
thread worn round the waist.
राय० १८६; —सुत्तय. न० (-सूत्रक)
जुओ “ कडिसुत्तग ” शब्द. देखो “ कडि-
सुत्तग ” शब्द. vide “ कडिसुत्तग ”
नाया० १;

कडि. पुं० (कटिन्) सादडीयालो. चटाई वाला.
One having a mattress. अणुजो०
१३१;

कडिअ. त्रि० (कटित) सादडीयालो दांडेयुं.
चटाईसे ढंका हुआ. Covered with a
mat. कण० ६, २;

कडिअकडि. त्रि० (कडितकटिन्) सादडीया
पटानी भाइके अके भीत साथे भगेस;
अत्यन्त निटिक्कर. चटाई के पटों की तरह
परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अत्यन्त
निटिक्कर. Interlinked like the
strips of a mat; having no hole.
“ चडकडिअकडिअए ” ओव० ३;

कडिण. पुं० (*) पांशभां छत्पल थपुं
अके जलतनुं धास के जेथी इल गुंथाय छे.
बांस में उत्पन्न होने वाला एक जाति की
घास, जिससे फूल गुंथे जाते हैं. A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers.
सूय० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) के३; कभर. कटि;
कमर. The waist. प्रव० ५४२; —दोर.
पुं० (—दोरक) के३नो दोरो कंदोरो. कमर
का दोरा; कंदोरा. a lace worn round
the waist. प्रव० ५४२;

कडियल. त्रि० (कटितल) कभर. कमर.

The waist. सु० च० २, ३७४;

कडिअ. पुं० न० (कटिअ) के३भा; भोली
कटाई. कडाई; बड़ी कडाई. A large
cauldron. अणुजो० १३४; ओष० नि०
५२; उवा० २, ६४;

कडु. त्रि० (कटु) के३युं; के३यारसवायुं. कटु;
कडुआ. Bitter. (२) पुं० के३यो रस.
कडुआ रस. bitter juice. ओष०
नि० भा० १४२; विरो० ८६५; क० गं०
१, ४१; उत्त० ३६, १८; जं० प० ७, १२१;
—विषाग. त्रि० (—विषाक) के३युं
इलवायुं; के३युं इल. कटोर कलदायी;
कडुआ फल. (one) having bitter
fruit or result. पचा० १२, १७;

गडुइया. स्त्री० (कटुका) के३नी गुंथडीनी वेत.
कडवा तुम्बी की लता. A creeper of
gourd bitter in taste. पच० १;

कडुग. त्रि० (कटुक) के३युं. कटु; कडवा.
Bitter. पंचा० ६, २२;

कडुच्छुग. पुं० (*) धूपनो के३छो. धूप
का चिमचा; धूपदानी. A large ladle
made of iron etc. used to burn
incense; an incense pot. जं० प०
५, १२०;

कडुलुय. पुं० न० (*) के३छो; के३छी.
चिमचा; कर्फी. A large ladle made
of iron etc. used in cooking.
जं० प० ५, १२; ३, ४३; जीवा० ३, ४;
राय० १७५; भग० ५, ७; ८, ६; निर० ३, ३;
कडु-य. त्रि० (कटुक) के३युं. कडुआ.
Pungent; bitter. जं० प० ओव० २०;
ठा० १, १; अणुजो० १३१; दस० ५, १,
६७; सू० प० ११; आवा० १, ५, ६, १७०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th.

पत्र० १, नाया० १, १६, १७; विवा० १;
 राय० २८३; उत्त० ३४, १०; जीवा० ३, १;
 भग० ६, ३३; १८, ६, २०, २; क० गं०
 १, ४२; कृष्ण० ४, ६५; ६, ५६; (२)
 [० ३३वे २२२. कडुआ. bitter juice.
 (३) अशुभ. अशुभ. inauspicious.
 दस० ४, १; —तुंगी. छा० (—तुंगी)
 ३३वीं तुंगी. कटु तुंगी. a bitter gourd.
 नाया० १६; —भासिली. छा० (—भासि-
 ली) ३३तुं भोलवावाली, (श्री.) कटु
 वचन बोलने वाली (छा.) a woman
 speaking bitter words. छा० ४, ४;
 —रस. पुं० (—रस) ३३वे २२२. कटु
 रस. bitter juice. भग० ८, १;
 —रुक्म. पुं० (—रुक्म) ३३वा २२२ वातुं
 आ३. कटु रस वाला फाड़. a tree, bitter
 in taste. भग० १५, १; —वचन. न०
 (—वचन) ३३तुं वचन. कठोर वचन.
 bitter words. नाया० ११; —वल्ली.
 छा० (—वल्ली) ३३वीं वे३. कडवी लता.
 a creeper, bitter in taste. भग०
 १५, १;

कडुव. न० (*) ओक मत तुं वाञ्छित.
 एक जाति का बाजा. A kind of
 musical instrument. राय० ८८;

कडुसगबंधण. न० (*) ओक भाग सूत
 ओक भाग जिन अने ओक भाग कथी ओ
 तथुना मिश्रणुथी. अनावे३ दोरे एक भाग
 सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल
 की जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई
 रस्सी. A string or thread made
 of cotton, wool and coir mixed
 together proportionately. निसी०

५, ७४;

✓कटु. धा० I. (कट्) ३३तुं. कहना. To
 tell; to say.

कटुति. पि० नि० ३१३;

✓कटु. धा० I. (कृष्) ३३तुं. खींचना.
 To draw. (२) ३३तुं. खेडना. to till.

कटुइ. पि० नि० २८७; निसी० १८, १५;

कटुइं. सं० क० मु० च० ६, १७;

कटुसु. सं० क० आया० २, १३, १७३;

कटुत. पि० नि० ११४; मु० च० ७, १२६;

कटुजभाण. क० वा० व० क० राय० ७१;

कटुवेति. प्रे० अंत० ३, ८;

कटुवितु. सं० क० आया० २, १३, १७३;

कटुण. न० (कर्ण) ३३तुं. खींचना.

Drawing. (२) ३३तुं खींचना; हलना.

tilling. “कटुइकरिसइ” पि० नि० ३८०;

मु० च० १५, ११६; पंचा० ५, ३७;

कटिदन. त्रि० (कट) ३३तुं. खींचाहुआ.

Drawn; pulled पंचा० ७, ४०;

कटिदय. त्रि० (कट) ३३तुं. खींचाहुआ.

Drawn; dragged. पण० १, १; क०

प० ४, १;

कटोकटु. छा० (कटपकट-कर्णपकर्ण)

३३तुं ३३तुं; नाया० १५. खींचाखींच; खींचाताना

Tugging to and fro. उत्त० १६, ५२;

कटण. पुं० (काथन) ३३तुं; उकाथतुं. उबा-

लना; औटाना. Boiling. पण० १, १;

कटिअ-य. त्रि० (कथित) ३३तुं; उकाथतुं.

औटायी हुआ; उबाला हुआ Boiled.

आष० नि० १४०; जीवा० ३, ३; भग०

४१; पि० नि० ६२४;

कटिण. त्रि० (कटिन) ३३तुं; भग० ११, १८;

मजबूत. Hard; strong. भग० ११,

६; ओव० ३८; मु० च० १, १८१; (२)
पांशनी सादरी; यटाप्र. बांसकी चटाई. a
mat; a bamboo mattress.
“ हकडं वा कडियं वा जंतुयं वा ” आया०
२, २, ३, १००;

कण. पुं० (कण) कण्टी; आभाना अंतिम
हाला. खंडित चावल; कणी. Broken
grains of rice; broken grain.
उत्त० १, ५; आया० २, १, ८, ४८; जं०
प० ५, ११५; (२) सातवां ग्रह का नाम.
सातवें ग्रह का नाम. name of the 7th
planet. सु० प० २०; ठा० २, ३;
—कुंडग. पुं० (- कुण्डक) हाथपात्र
कुसुम. दानवाता भूमा; अन्न मिश्रित भूमा.
chaff containing grain. आया० २,
१, ८, ४८; —पूवालिया. स्त्री० (- पूर-
वाला) कणमिश्रित रोटी. कणमिश्रित
रोटी. bread mixed with broken
grains. आया० २, १, ८, ४८; —विस्ति.
त्रि० (- वृत्ति) हाथ विजुनि तेना ठीकर
गुजरान यथावनाइ. दाणे चुनकर उभय
निर्वाह करने वाला. one who supports
oneself by picking up scat-
tered grains. सु० च० १२, ५;

कण्द. पुं० (कण्द) कण्द नामका साधु.
कण्द नामका साधु Name of a monk.
भग० १२, १;

कणक. पुं० (कणक) आणु. बाण An
arrow. सम०

कणकणस. पुं० (कणकण) नववां ग्रह का नाम.
नौवें ग्रह का नाम. Name of the
9th planet. सु० प० २०;

कणकणग. पुं० (कणकणक) लुओ “ कण-
कण ” शब्द. देखो “ कणकणस ” शब्द
Vide “ कणकणस ” “ दो कणकणस ”
ठा० २, ३;

कणकणालि. पुं० (कणकणालि) कणक आणु
अथवा शरंग-यन्त्र से बना हाथ में छे ते
वासुदेव. कणक—बाण या शरंग—यन्त्र
जिसके हाथ में है वह वासुदेव. Vāsudeva:
lit. one with a bow or arrow in
his hand सम० प० २३०;

कणग. न० (कणक) सुवर्ण; सोना. सुवर्ण.
सोना (gold. बं० प० १; राय० २२२;
आया० २, ५, १, १८५; जं० प० ७, १००;
मु० च० २ ४६३; पि० नि० ८०; ८०६;
नाया० १; ६, ४८; भग० ३, १; ८, ५; ६,
३३; ११, ११; २१, ६; उवा० १, ७८.
कण० ३, ३६; ४६; (२) धृतराष्ट्र के देव-
ताम्र का नाम. धृतराष्ट्र के देवता का नाम.
name of the deity of the Grita
Island. जीव० २, ४; मु० प० १६;
(३) रेखा-रहित चमकता गोला. रेखा
रहित प्रकाश वाला गोला. a ball of
light without any lines upon
it. अंग० नि० भा० ३१०; (४) आर
छट्टियावाले एक छत्र. चार इन्द्रिय वाला एक
जीव. a kind of four sensed liv-
ing creature. पत्र० १; (५) ओक
जतन आणु. एक जाति का बाण. a kind
of arrow. पत्र० १, ३, ३; (६) ओक जतन
वाद्य. एक जाति का बाजा. a kind
of musical instrument. जं० प०
—कण. न० (- कान्त = कणकस्थेय कान्त
कान्तियेणं तानि कणककान्तानि) सोनानी
भाङ्ग अथवा सोनेकी तरह चमकता. glit-
tering like gold. निसी० ७, ११;
आया० २, २, १, १४५; —काचित. त्रि०
(- काचित) सोनानी तारथी जडेय. सोनेके तार
से जड़ा हुआ. fastened with, inlaid
with golden wires. निसी० ७, ११;
भग० ६, ३३; —विज न० (- विज)

मेनेरी चित्राभूषण. सुनहरी चित्र-चित्राम.
pictures, drawings of gold.
निर्मा० ७, ११; —**जालग.** पुं० (—जालक)
सोनानी जाली; अंक जालतुं आभरण. सोने
की जाली; एक जाति का गहना. a kind
of gold ornament; a kind of
net of gold, जीवा० ३, ३; —**शिगर**
मालिया. स्त्री० (—निकरमालिका) अंक जालतुं
आभरण. एक जाति का गहना. a kind of
ornament. जीवा० ३, ३; —**निंदुस्य.**
न० (निंदुसक) सोनाना तारशी गीर्वाण
दंड. सोने के तार से बना हुआ गंद. a
ball woven with gold wires.
विवा० ६; **निलग.** पुं० (—निलक)
सोनानुं निषक. गंगे का निलक. a mark
made on the forehead with
gold; an ornament of gold worn
on the forehead. जीवा० ३, ३.
—**चित्रित.** त्रि० (—चित्रित) मेनेरी
चित्राभूषण. सुनहरी चित्राम वाला.
bearing pictures or drawings
of gold. निर्मा० ७, ११;

कण्ठकूट. पुं० (कनककूट) विद्युत्प्रभ
वज्रास पर्वतना नव इन्द्रांशु पांशुं इन्द्र-
शिखर. विद्युत्प्रभ वज्रास पर्वत के नौ कूटों
में से पांचवां कूट-शिखर. The 5th of
the 9 summits of the Vidyut-
prabha Vakhārā mountain. जं० प०

कण्ठकेतु. पुं० (कनककेतु) अहिच्छत्रा नग-
रीना इन्द्रकेतुनामे राज. अहिच्छत्रा नगरका
कनककेतु नामक राजा. Kanakakētu,
the name of a king of the city
of Ahichchatri. “ अहिच्छत्राण
कनककेतु कण्ठकेतु नाम राजा होरथा ’नाया०
१४; १५; १७; (२) दक्षिणापुर नगरना इन्द्र-
केतु नामे राज. दक्षिणापुर नगर का कनक

केतु नामक राजा name of a king of
the city of Hastināpura. नाया० १७;
कण्ठकध्वज. पुं० (कनकध्वज) तेतीक्ष नग-
रना इन्द्रकेतुनामे राज. कण्ठकध्वज
नामक पुत्र. Name of the son of
Kanakaratha king of Tetilpura.
नाया० १४; —**कुमार.** पुं० (—कुमार)
जुआ “ कण्ठकध्वज ” शब्द. देखो “ कण्ठक-
ध्वज ” शब्द. vide “ कण्ठकध्वज ”
नाया० १४;

कण्ठगपुर. न० (कनकपुर) इन्द्रपुरनामे नगर.
कनकपुर नामक नगर. Name of a town.
विवा० २, ६;

कण्ठगणभा. स्त्री० पुं० (कनकगणभा) धृतराष्ट्रना
अधिपति देवतानु नाम. धृतराष्ट्र के अधि-
पति देवता का नाम. Name of a
presiding deity of the Ghrita-
dvipa. सू० प० १६; जीवा० ३, ४; नाया० ४० ५;

कण्ठगमय. त्रि० (कनकमय) सोनानु.
गोनेका; स्वर्ण का. (Golden; made of
gold. नाया० ८; १४; सु० च० १, २६७;

—**नैदुस्य.** पुं० (—निंदुसक) सोनाना
तारशी गीर्वाण दंड. सोने के तार से बनाया
हुआ गंद. a kind of ball made of
gold. नाया० १६; —**पडिमा.** स्त्री० (—प-
डिमा) सोनानी प्रतिमा-पुतलु. सोने का प्र-
तिमा-भुति. a golden idol. नाया० ८;

कण्ठगरह. पुं० (कनकरथ) तेतीक्षपुर नगरना
इन्द्रकेतु नामना राज, के जे आवती येती-
क्षीमां पदेषा महापद्म तीर्थकर पासे दीक्षा
देशे. तेतीक्षपुर नगर का कनक रथ राजा
जो आगामांकाल की चौबीसी में पहिले
महापद्म तीर्थकर के पाम दावा लेगा. Name
of a king of Tetilpura who
will take Dikṣā from the first

Tirthaṅkara in the coming Cho-
visi. नाया० १४; विवा० ७; ठा० ८, १; १०;
कलुगलया. क्री० (कनकलता) कनक नामनी
वेद्य. कनक नाम की बेल-लता. Name
of a creeper. भग० २०, ५; (२)
यमरेन्द्रा लोकपाल सोमनी श्री ७ पदराज्ञी.
चमरेंद्र के लोकपाल सोम की द्वितीय पदराज्ञी.
the 2nd crowned queen of Soma
the Lokapāla of Chamarendra.
ठा० ४, १;

कण्णगवियाण्णग. पुं० (कनकवितानक) ३१६-
 वितान नामनेो अद्. कनकवितान नाम का
 ग्रह. Name of a planet. छ० २, ३;
कण्णगसंताण्णग. पुं० (कनकसन्तानक) ३१६-
 संतानक नामे द्द भानेो अेक् अद्. कनक-
 संतानक नामका द्द ग्रहों में का एक ग्रह.
 Name of one of the 88 planets.
 छ० २, ३;

कण्ठसंताणय. पुं० (कनकसन्तानक) सरो-
तेरभां अद्भुतं नाम. ७७ वें ग्रह का नाम.
Name of the 77th planet. "द्वो-
कण्ठसंताणय" सं० प० ३०;

कण्ठसप्तति. न० (कनकसप्तति) सुतर्थांनी
 लक्षित वायुं आगन्ना वसतनुं ओष्ठौक्षि
 शास्त्र. सुवर्ण के इतिहास वाला भूत काल का
 एक लौकिक शास्त्र. An ancient science
 giving a description of gold.
 अणुजो. ४१;

कण्णगा. स्त्री० (कनका) कनका देवी. कनका देवी.
Name of a goddess. नाया० ध० ५;
(२) राक्षसना ध० ६ बीमनी त्रीश पट्टरानी.
राक्षस के इंद्र भीम की तासरी पट्टरानी. the
third crowned queen of Bhīma,
Indra of the Rākṣasa. ठा० ४, १;
भग० १०, ४; (३) अमरेंद्रना दोकपाल सोम० पी
पहेली पट्टरानी. चमरेंद्र का लोकपाल सोम

की पहिली पट्टरानी. the first crowned
queen of Soma the Lokapāla
of Chandraendra. अ० ४, १;

कलुगामय. त्रि० (कलकमय) सुवर्णं नुं अनेक;
सुवर्णभय. सोने का बना हुआ स्वर्णमय.
(Golden; made up of gold. जं०
प० ४, ७२;

કચ્છગાવાણિ. જ્ઞાં (કનકાવાણિ) એક પ્રકારના તપનો સમૂહ જેની સ્થાપના કનકાવાણિ-દ્વારે ને આકારે થાય છે તે આપ્રમાણે—

[illegible]

आ षोडशमां चार परिपाटी (कड्डा) छे. तेमां पहेली परिपाटीमां ओक उपवासथी शरू करी छट अने अहम (त्रयु उपवास) सुधी बहडी आह अहम करी वली ओक उपवासथी सोल उपवास सुधी बडाववा. श्रीछ परिपाटीमां योत्रिथ अहम करवा. त्रीछ परिपाटी पहेली परिपाटीथी छत्रटी रीते करवी ओटले सोलथी धटाडी ओक सुधी आवी आह अहम करी अहम. छट अने ओक उपवास करवा. योथी वच्चेनी परिपाटीमां योत्रिथ अहम करवा अके परिपाटीमां ओक वरस पांच भांस अने आर दियस लागे. आरेमां पांच वरस नव भांस अने अहारदियस लागे एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकाबलिहार की तरह किया जाता है जैसे:— इस कोष्ठक में चार परिपाटी (लहे है) उनमें का पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारंभ कर छट और अष्टम (तीन उपवास) तक बढ़कर आठ अष्टम किये जाते हैं, फिर एक उपवास में मोलह उपवास तक चढ़ना पड़ता है. दूसरी में पहिली परिपाटिके विरुद्ध मोलह उपवास से घटकर एक उपवास तक करके आठ अष्टम करते हैं और अष्टम छट तथा एक उपवास करते हैं चौथा मध्य का परिपाटिमें ३४ अष्टम करते हैं. एक एक परिपाटि में एक वर्ष पांच भांस और बारह दिन लगते हैं. चारों परिपाटियां करने में पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिन लगते हैं. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. ओव १६; प्रब० १५४२;

कणगावलिपविमसि. पुं० (कनकाबलिपविमसि-अक्ति) ओक अतनुं नाय. एक जाति का नायक-नाटक. A kind of drama. राय० ६१:

कणगावली. स्त्री० (कनकावली) पांच वरस नवभांस अने अहार दियसमां थतुं ओक तप के नेनी आंकडामां स्थापना करती कनका बलिनो आकार थाय छे के ने कलुकायति शब्दमां दर्शावेछ छे. पांच वर्ष नौ मास और अठारह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसका अंकां में स्थापना करने से कनकाबलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनका बलि शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace. अंत० ८, २; निर० ७, ८; (२) डोडमां पदेरथानो सोनानो दाद. गले में पहिने का सुवर्ण का हार. a gold necklace. नाया० १; भग० ११, ११;

कणयञ्ज. पुं०. (कनक) सेनुं, सुवर्ण; सेन¹. (fold. भग० १, १; २, ५; नंदी० १२: सु० व० १, ३१; नाचा० १; (२) आहमा भदनुं नाभ. आठवें ग्रह का नाम. name of the eighth planet. सू० प० २०: —कमल. न० (—कमल) सेनानां अभय. सोने का कमल, a golden lotus. प्रब० ४५३; —सखिय. पुं० (—सखित) सेनाना नाथी भरेव. सोने के तार से जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया० १; —इंडिया. स्त्री० (—इण्डिका) सेनानी छडी नानी बाकडी. सोने की छडी-छोटी लकडी. a small stick of gold. जं० प० ३, ४८; —बज्ज. त्रि० (—बज्ज) सेना जेवा रंय बाहु. जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो. of the

colour of gold गु० च० २, ६५;
—मेल० पुं० (-शैल) भेदपर्वत; सेवानो
पर्वत. मेरु पर्वत; सुवर्ण का पर्वत. the
Meru mountain; the mountain
of gold. गु० च० २, ४६६;

कणयमय. त्रि० (कनकमय) अमूर्तमय.
सुवर्णमय. Golden; full of gold. जं०
प० १, १४; प्र० १२८३;

कणयर. पुं० (कर्वीर) क्षेपे नाम्नं यदय
मनिं जा०. कनेर नाम का मूल्य जाति का
वृक्ष. Name of a tree. पञ्च० १;

कणया. स्त्री० (कनका) यमरेन्दना लोकपाल
मायनी इनका नामनी मुख्य देवी. यमरेन्द्र के
लोकपाल मांम की कनका नाम की मुख्य देवी.
The principal queen of Soma,
the Lokapala of Chama-rendra.
भग० २०, १;

कण्यार. पुं० (कणेर) क्षेपे नाम्नं जा०. कनेर
का वृक्ष. Name of a tree. आया०
२, ११, १७६;

कणव. पुं० (कणय) क्षेपे नाम्नं अथ जलत
नं थास. कणव नाम की एक जाति की घास.
A kind of grass. भग० २२, ५;

कणवितानक. पुं० (कणवितानक) दशभि
अदनु नाम. दशविं ग्रह का नाम. Name
of the 10th planet. स० प० २०;

कणवीर. पुं० (कणवीर) क्षेपे नाम्नं यदय
कनेर का वृक्ष. Name of a tree called
Kanera. राय० ५७; जीवा० ३, ४;
पण० १, ३; जं० प० ५, १२२; (२)
क्षेपे नाम्नं यदय. कनेर का फूल. a flower of
the Kanera tree. पण० १, ३;

कणिक. पुं० (*) अथ जलतनी भन्त.

एक जाति का मत्स्य. A kind of fish.
पञ्च० १;

कणिक. त्रि० (कनिष्ठ) नन्दनो; मधु. छोटा;
लघु. Small; young; youngest.
पिं० नि० ५११; गच्छा० ६०;

कणिकद्वय. त्रि० (कनिष्ठक) नन्दनो; दक्षिण.
द्वयका; छोटा. Small; younger. क०
गं० ५, ३८;

कणिया-श्रा. स्त्री० (कणिका) अथ जलतनी
लीला. एक जाति की बीणा. A kind of
lute. जीवा० ३, ३ (२) आशानी क्षुद्र-
नाशन की कनी. broken grains of
rice. पिं० नि० २४६; तंदु०

कणियार. पुं० (कर्णिकार) थणितकुमार देव-
नाम क्षेपे नामे थित वृक्ष. स्तनिकुमार
देवता का कनेर नाम का वृक्ष वृक्ष. A
garden tree of the god Thani-
takumara, named Kanera ठा०
१०, १; नाया० ६; (२) क्षेपिकार नामना
साधु. कर्णिकार नाम के साधु. name of
a saint. भग० १५, १;

कणिर. त्रि० (*) कायना स्थायवागुं.
दुखन वाला स्वभाव वाला. Having the
nature of being hurt or cut.
गु० च० २, ४६; ३२१;

कणीयस. त्रि० (कनीयम्) नन्दनो; क्षेपे.
छोटा; कनिष्ठ. Young; small; young-
er. अंत० ३, ८; उवा० ३, १३४; कण० ८;

कणुग. न० (कणुक) आंशभि पडेक्षु कणु.
आंश में गिरा हुआ कण. A particle
of dust etc. entering the eye.
पंचा० १८, १०;

कणुव. न० (कणुक) क्षेपे; २०४क्षु; २०५.

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कण; रजकण; रज. Particles of dust.

“ सुकण्डुवं ” आया० २, १, ८, ४३;

कण. पुं० (कर्ण) कान. कान. An ear.

विवा० २; नाया० १; ८; १४; १६; भग०

३ ७; १६, १; आया० १, १, २, १६;

राय० ४०; अणुत० ३, १; जं० ५० ५,

११४; ११२; उवा० २, ६४; —अंतर.

न० (-अन्तर) मे कान्तरात् अन्तर.

दोनों कानों के बीच का अंतर. the dis-

tance between the two ears.

विवा० १; —आयय. त्रि० (-आयत)

कानभूमी क्षमायेक्ष. कान तक लम्बा खींचा

हुआ. anything long enough to

reach the ears. जं० ५० ३, ४५,

भग० ५, ६; ७, ६; —गय. पुं० (-गत)

काने संभणायेश. कान से सुना हुआ.

(anything) heard. “ कण्ठगया

हुम्माखिर्न जणति ” दस० ६. ३. ८;

—छिन्न. त्रि० (-छिन्न—छिन्नकर्ण)

कानकट्टे; गेना कान छेदाया छे ते. कानकटा;

जिमका कान कटा हुआ है वह; छिन्न कर्ण.

(one) with ears cut. आया० २,

४, २; १३६; —छेदय. न० (-छेदन)

काननुं छेदन. कान का छेदना. cutting

off or piercing of ears नाया० २;

—धार. पुं० (-धार) नाविक. मत्ताह;

नाविक. a sailor; a boat-man. नाया०

८; ६; १७; —पीठय. न० (-पीठक)

काननुं धरेत्. कानका गहना. an ear-

ornament. “ कुण्डल मट्ठगंडवस कण

पीठवारी ” पञ्च० २; भग० १५, १; ठा०

६; ओव० २२; —पूर. पुं० (-पूर) कानभां

पहेरवानुं आभरत्. कान में पहिनने का आभू-

षण. an ear-ornament. नाया० १;

८; ओव० ३८; (२) कर्णपूर नामे दाथी-

ना काननुं आभूषत्. कर्णपूर नामक दाथीके

कान का आभूषण. an ear-ornament

for an elephant. ओव० ३०; —बंध.

पुं० (-बंध) कान बांधवा ते. कानों का

बांधना. closing up, tying up of

ears. नाया० १७; —मल. न० (-मल)

कानतो मेल. कान का मेल. wax of the

ears. निसा० १, ३५; ३, ६६; —मूल.

न० (-मूल) काननी नज्जकनो प्रदेश; काननुं

भूत. कान के समीप का भाग; कान का मूल.

the neighbouring part of an

ear. नाया० ३; जं० ५० ५, ११४; —पाली.

जा० (-पाली) कानभां पहेरवानी पाली-

येक आभूषण. कान में पहिनने का बाली-

एक आभूषण. an ear-ring. जा० ३,

३; —वेद्यण. जा० (-वेदना) काननी

वेदना. कान का दुःख. pain in the ear.

नाया० १३; —वेहण. न० (-वेधन)

जुओ “ कणवेहण ” शब्द. देखो

“ कणवेहण ” शब्द. vide “ कण-

वेहण ” भग० ११, ११; —वेहणग.

न० (-वेधनक) कान पिंधवानो संस्कार.

कान बांधने का संस्कार. the ceremony

of piercing or perforating the

ears. राय० २८८; —सक्कुलिया. जा०

(-शक्कुलिका) काननुं पिंध. कान का छेद.

a hole in the ear; a perforation

made in the ear. नाया० ८; १४;

—सुह. न० (-सुख) कानने सुखरूप

शब्द. कान को सुखकारी शब्द. words

sounding sweet to the ears.

नाया० ९; —सोहण. न० (-शोधनक)

कानने आनरवानी सणी; कान आनरणी;

आटुडी. कान साफ करने की सलाई. a small

thin straw etc., used to cleanse

the ear of its wax. निसा० १, १६;

आया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

कणकला. स्त्री० (कणकला) सूर्य अेक मांड-
लेली भीमे मांडले ने गतिअ नय छे ते
गतिनुं नाम कर्णकला छे. इणुं अंतले अेक
मांडलाने बुद्धिकल्पित छे, त्यां आनीने
सूर्य कला अंतले अेके अंशे गदर निकलतो
के अंदर आवतो भीम मांडलाने छे पंदुंनि
ते इणुं कला गति. सूर्य एक मंडल मे दूसरे
मंडल मे जिय गति से जाता हे उय गति
का नाम “ कणकला ” हे; कर्ण अर्थात् एक
मंडलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां आकर सूर्य
कला अर्थात् एक २ अंश में बाहर निकल कर
वा अंदर आकर दूसरे मंडल के गिरे-अंत
तक पहुंच जाता हे उमें “ कर्णकला गति ”
कहते हैं. A name given to the
apparent motion of the sun
from one point to another.
सू० प० १;

कण्णेतुर. पुं० (कन्यांतःपुर) कन्यानुं अन्तः-
पुर; राजकन्याआने रहेयानुं स्थान. कन्या
का अन्तःपुर; राज कन्या के रहने का स्थान.
An apartment for royal girls
नाया० १६;

कण्णगा. स्त्री० (कन्यका) कुमारी; कन्या. A girl unmarried; a
girl. नाया० ८;

कण्णितिय. पुं० (-कर्णाश्रक) अेक अनतो
पांअवाले छेतो योउदिय अर. एक जान
का पंखों वाला उडता नार इंद्रिय जीव. A
kind of four-sensed insect with
wings. पञ० १;

कण्णपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) लवणु
समुद्रमां सातसे गेज्ज ७५२ आवेक्ष कर्ण
प्रावरणु नाभेने अेक अंतर द्वीप. लवण
समुद्रमें सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-
रण नाकक एक अंतर द्वीप. Name of
an island in Lavapa Samudra

at a distance of 700 Yojanas
from the shore. ठा० ४, २; (२)
ते अन्तः द्वीपमां रहेनारा भनूणे उस अंतर
द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabi-
tant of any of the islands called
Antara Dvipas. पञ० १;

कण्णलांयण. पुं० (कर्णलांचन) सतभिषक
नक्षत्रा गोत्रनुं नाम. सतभिषक नक्षत्र के
गोत्र का नाम. Name of the family
of the constellation Satabhi-
śaka. सू० प० १०;

कण्णा. स्त्री० (कन्या) कन्या; पुत्री. कन्या;
लडकी. A girl; a daughter. उत०
२२, २८; नाया० १६; पंचा० १, ११;

कण्णिआया. स्त्री० (कर्णिका) अुण्णो.
कोना. A corner. जं० प० (२)
कमलने भीमकाश; कमलने मध्यभाग.
कमल का मध्य भाग; कमल का बीच काव.
pericarp of a lotus; the middle
part of a lotus. भग० ११, २; पञ०
१, २; जं० प० अोव० ४२; जीवा० ३, १;
कप्प० ६, ४४; (३) अेक अनती वनस्पति.
एक जान की वनस्पति. a kind of
vegetation. भग० ११, ७; (४) क्षन्ती
वारी. कान का वाला an earring.
अोव० ४२; (५) छत्रने अन्दरने भाग.
छत्र का अंतरी भाग. the inner part
of an umbrella. राय० १२२;

कण्णिआर. पुं० (कर्णिकार) इणेरनुं अः
कनेर का फाड. Name of a tree. (२)
न० इणिकारनुं अः. कर्णिकार का पुष्प. a
flower of this tree. पञ० १७; भग०
१४, १०; नाया० ६;

कण्णीरह. पुं० (कर्णीरह) अेक प्रकारने
विशिष्ट रथ के ले आस अदिभंत भाजसेने
त्यांज देय ते. एक प्रकार का प्रधान रथ. जो

प्रातः आदिशालां मनुष्यां क. गतां ही हंता
ई. A particular kind of chariot
possessed only by wealthy
people. नाया० ३; — व्ययाय. त्रि०
(—प्रयात) श्रीमंत. मना विन्द यात्रा रथभां
भेसा आया गत करनार. श्रीमंताई के चिन्ह
वाले रथ में बैठ गमना गमन करने वाला.
one who drives in a chariot
which is a mark of prosperity.

“ कण्णी रहपरायावि होत्था ” नाया० ३;

कण्ड. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव. कृष्ण
वासुदेव. Kṛṣṇa Vāsudeva. पञ्च०
१; उत्त० ३६, ६८; सम० १०; नाया० ५;
प्रव० ८६२; (२) कृष्ण नामना ओक परि-
त्रासक संन्यासी. कृष्ण नामक एक परिव्राजक
संन्यासी. name of a mendicant
sannyāsi. श्रीव० ३८; (३) अत्यंत प्राज्ञ योगना
ई पुद्गलने ये. मे यना अत्यंत भक्तिन परि-
श्रुत. अत्यंत काले रंगके कम पुद्गलोंके योग
मे होता हुआ महा मतिन परिणाम. very
dark consequence resulting
from very dark Karma. सम० ६;
(४) पंचमी अक्षर-वासुदेवना पूर्वजयना
धर्मचार्य. पाँचवें बलदेव-वासुदेव के पूर्व भव
के धर्मचार्य. name of the religious
preceptor of the previous
birth of the 5th Baladeva
- Vāsudeva. सम० प० २३६; (५) काली
रंग. black colour. जीवा ३;
(६) कृष्ण नामनी वेल. कृष्ण नाम की वेल-
लना. name of a creeper. पञ्च० १;
(७) काली पुष्प. काली तुलसी. the
black holy basil. पञ्च० १; (८) ओक
भक्षरने कृष्ण नामने ई. एक जातिका कृष्ण
नामका कंद. name of a kind of bulb-
ous root. पञ्च० १; (९) क्री० ७ देखा-

भंगी कृष्ण नामनी पदेसी देखा. कृः लेखा
श्रीं मे से कृष्ण नाम की प्रथम लेखा. the
first (viz black) of the six kinds
of Leśyā. पञ्च० १७; (१०) निरयावलिका
नामना ओथा अध्ययन नाम. निरयावलिका
के चौथे अध्याय का नाम. name of the
fourth chapter of Nirayāva-
likā. निर० १, १; — कंद पुं० (—कन्द)
ओक जलनी कृष्ण ई. नामनी साधारण
वनस्पति. एक जाति की कृष्णकंद नाम
की एक साधारण वनस्पति. a kind
of bulbous root called also
Kṛṣṇa kanda. उत्त० ३६, ६८; जीवा०
१; पञ्च० १; — जयि. पुं० (—जीव) कृष्ण
वासुदेवने अ० १. कृष्ण वासुदेव का जीव. the
life of Kṛṣṇa Vāsudeva. प्रव०
५७३; — पार्श्व म-य. पुं० (पार्श्व =
कृष्णपक्षाऽस्यास्तीति कृष्णपार्श्वः) अने
अर्द्ध पुद्गल परावर्तन करतां पक्षारे संसार-
भां परिभ्रमण करवानुं होय ते अ० १. जिसे
अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भी अधिक
संसार में घुलना-भ्रमण करना है वह जीव. a
soul that has to wander in
wordly existence longer than
the time required for Ardhha
Pudgala Parāvartana. दृशा० ६, १;
भग० १३, १; २६, १; ३१, २४; डा० १,
१; — लेखा. क्री० (—लेखा) कृष्ण देखा
नामनी पदेसी देखा. कृष्ण लेखा नाम की
प्रथम लेखा. the first of the
Leśyās called the black Leśyā.
जीवा० १; ४, ७; — लेख. त्रि० (—लेख)
कृष्ण देखावाले. कृष्ण लेखा वाला. with
black Leśyā (i. e., thought-
colour or matter colour). भग०
२६, १; ३१, २२. डा० २, १; — लेख.

क्री० (-लेरया) कृष्णलेखा. कृष्ण लेखा.
the black Leśyā (i. e. thought
-tint or matter-tint). भग० २५,
६; --वासुदेव पुं० (-वासुदेव) कृष्ण
वासुदेव; यालु अवसरिषिणीना नयमां वासु-
देव. कृष्ण वासुदेव; वर्तमान अवसरिषिणी काल
के नीचे वासुदेव. Kṛṣṇa Vāsudeva;
the 9th Vāsudeva of the cur-
rent Avasarpin- नाया० ४, १६;
—सर्प. पुं० (-सर्प) शरीर सरप. काला
सर्प. a black serpent. नाया० ८;
(२) राहु देवजुं नाम राहु देव का नाम.
name of the god Rāhu. भग० १२,
९; सू० प० १६; —सीहासन. न०
(-सिंहासन) कृष्णजुं सिंहासन. कृष्ण का
सिंहासन. the throne of Kṛṣṇa.
नाया० ४० १०;

कण्वद्वयल. पुं० (कृष्णद्वयल) एक जलनी
वनस्पति. एक जाति का वनस्पति. A kind
of vegetation. भग० २१, ८;

कण्वद्विषायण. पुं० (कृष्णद्विषायण) ओ नाम
ना ओक ब्राह्मण संन्यासी. इस नाम का
एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a
Brāhmaṇa ascetic. ओव० ३८;

कण्वपरिव्यायग. पुं० (कृष्णपरिव्यायग)
नारायणजी भक्ति करनेवाला परिव्यायग. At
ascetic worshipping Nārāyaṇa
ओव० ३८;

कण्वहराह. स्त्री० (कृष्णहराजि) पांचवें देवलोक
उपर जमीननी दृष्ट जेही लोकान्तिक देवता
ना विमानने इरती काणी देवाओ छे ते;
कृष्णराज. पांचवें देवलोक के ऊपर
देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी
की दरज जैसी काली रेखाएं; कृष्णराजी.
The black lines (resembling

the cracks in the ground)
surrounding the abodes of Lo-
kāntika gods in the 5th Deva-
loka. आया० २, १५, १७६; भग०
६, ५; ८; ठा० ८, १; प्रव० ६३; १८५;
(ध्याननेदनी श्रीश पदराशिं नमः. ईशान
इंद्र की द्वितीय पहरानी का नाम. the other
name of the principal queen
of Īśānendra. भग० १०, ५;

कण्वहराह. स्त्री० (कृष्णरात्रि) कृष्णरात्री देवी.
कृष्णरात्री देवी. The goddess Kṛi-
ṣṇa Rātri. नाया० ४० १०,

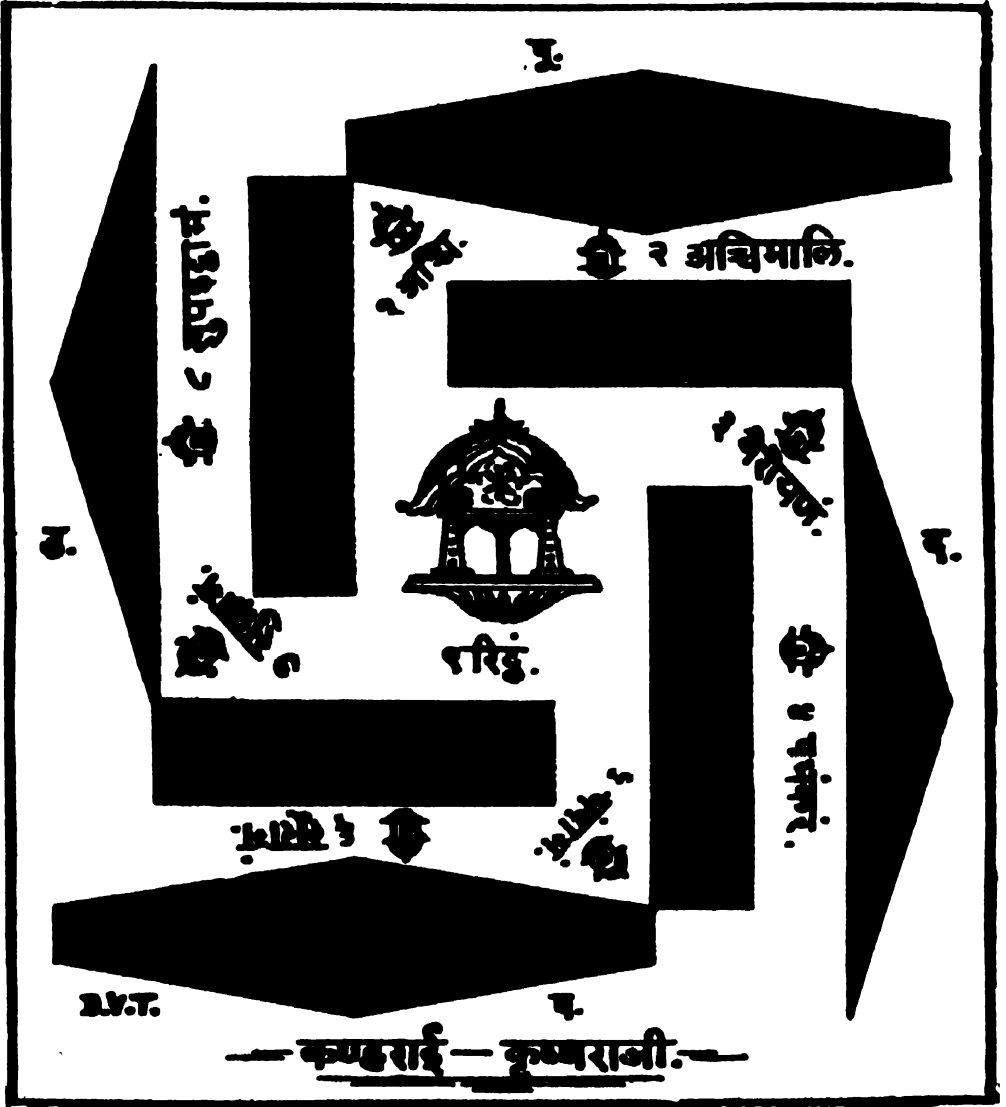
कण्वहृदिसय विमान. न० (कृष्णवतंसक
विमान) कृष्णवतंस नामकी विमान.
कृष्णवतंस नामक विमान. Name of a
heavenly abode. नाया० ४० १०;

कण्वहसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) कृष्णश्री न. मनी
ओक स्त्री. कृष्णश्री नामकी एक स्त्री. Name
of a woman. विवा० ६;

कण्वह. स्त्री० (कृष्ण) ध्याननेदनी कृष्ण-
न. मनी राज्ञी. इशान इंद्र की कृष्ण नाम की
रानी. Name of a queen of Īśā-
nendra. ठा० ४, २; भग० १०, ५; (२)
कृष्ण नामकी देवी. कृष्ण नाम की देवी.
name of a goddess. नाया ४० ६;
(३) कृष्ण नामकी नदी. कृष्ण नाम की
नदी. name of a river. वि० नि०
५०३; (४) श्रेष्ठिक राजनी ओक राज्ञी
के जे महावीर स्वामी प से दीक्षा लध, महा-
सिंहनिकीति नामजुं तप आचरी, अग्नी-
आर परसनी प्रवर्ज्या पाणी ओक भासनी
संधारे करा सिद्ध यथ. श्रेष्ठिक राजा की
रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा
लेकर महासिंहनिकीति नाम का तप किया
और ग्यारह वर्ष की प्रवर्ज्या पाल एक मास
का गंधारा कर मोक्ष का प्राप्ति ली.

ए.

सवित्र अर्थ-मागधी कोष



अर्थः एकराई कण्डू १०० ५५५५
 अर्थः ७, १; — बीला. बी० (-विक्रति)
 अर्थः २१. एकराई. 21; twenty-
 one. अर्थः १, १६; ५० ५० २, १३

एकराईय. वि० (एकराईय) अर्थः सहाय्यकर-
 तुं अर्थः सहाय रहित. Alone; help-
 less; unaccompanied. अर्थः १, ४६.

भारत के वर्तमान चौथीसी के आठवें चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chakravarti of the present cycle सम० ७०२३६; कसार. त्रि० (कर्ता कर्तृ) इतर. इती. कर्ता; करने वाला (One) who does or makes. भग० २०, २; विशेष० १७२; २११२; अणुजो० १२८; पि० नि० १७३; पंचा० ८, ७; —अभाव. पुं० (—अभाव) इतीने अभाव. कर्ताका अभाव. absence of a door or maker विशेष० २१६; कसि श्री० (कृति) यम; आभट्ट. चमडा; चर्म Leather. ओष० नि० ३६; कसिअ-य. पुं० (कार्तिक-कृतिका नक्षत्रेण युक्ता पार्श्वमासी कार्तिकी साऽस्यस्मिन्निति कार्तिकः) इति० भा०. कार्तिक मास. The month of Kārtika. जं० प० ७, १४१; ओष० नि० २८२; सम० २६; उत्त० २६, १६; कप० ४, १२३; ६, १७०; नाया० ५; भग० १८, १०; (२) हरिनापुर नगरीना रहनेवासी इति० शै० के जेजे मुनिसुवरा प्रभुनी पासै पोताना ओक दामर भुनिभनी साथै दीक्षा लीधी दीक्षा पाक्षी पईया देवलोकांना छंदपणे उत्पन्न थया. हस्तिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ जिसने मुनिव्रत स्वामी के पास अपने एक हजार मुनीमा के साथ शिक्षा ली और दाक्षा पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना. name of a merchant of the city of Hastināpura who took Dikṣā from Lord Munisuvrata accompanied with his one thousand agents. He practised asceticism and was born as the Indra of the first Devaloka. भग० १८, २; निर० ३, १; (३) अ० ७५.

दीपना भरत० ५५३मां थनार अष्टा तीर्थकरना पूर्ववत्पुं नाम. जम्बुद्वीप के भरतखंड में होनेवाले अष्ट तीर्थकर के पूर्वभव का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Tirthankara of the Bharata-khanda of Jambu Dvīpa. सम० ७०२४१; (४) इति० नामने भव्यस. कर्तक नाम का मनुष्य. name of a man. अणुजो० १३१; —अनगर. पुं० (—अनगर) इति० नामना साधु. कार्तिक नाम का साधु an ascetic so named. भग० १८, २; —चातुर्मासिय. त्रि० (—चातुर्मासिक) इति० व्याससा सं० ५१. कार्तिक चातुर्मास संबन्धी. the monsoon season of the month of Kārtika. भग० १२, १; नाया० ६; —पाडि-स्रज. पुं० (—प्रतिपद्) इति० सु० १५ पृथ्वीना पाडो ने; इति० ५६ १. कर्तिक शुक्ला १६ के पश्चात् को पड्या; मगसर वद्य १. the first day of the dark half of the month of Mārgaśīrṣa. निशी० १६, १२;

कसिया. श्री० (—कर्त्तिका-कर्त्तरी) इतर. कैरी. A pair of scissors मू० च० १० ७७;

कसिआ-या. श्री० (कृत्तिका) कृत्तिका नक्षत्र. कृत्तिका नक्षत्र. The constellation Kṛittikā. जं० प० ७, १४२; सू० प० ६, ११; सम० ६; टा० २, ३;

कसिआरक्षित. पुं० (कृतिकारक्षित) इति० इति० नामने पुरुष. कृतिकारक्षित नाम का मनुष्य. A man so named. अणुजो० १३१;

कसिगी श्री० (कार्तिकी) इति० भासनी पनेम. कार्तिक मास की राक्षिनी. The

full-moon day of the month of
Kārtika. जं० प० ५, १६१;

कसो. अ० (कुसुम) क्यांथी. कहाँ मे ?

Whence. संथा० ४८; सू० १, १, १,

१४; पन्न० ६; विवा० ६; विशेष० १४०;

कसोच्च. त्रि० (कुसुम) क्यांथी; क्या स्थानतो;

क्या आभतो. कहाँ का ? किस स्थान का ?

किस प्राम का ? Of what place or
country. पि० नि० १६८;

कसोच्चय. अ० (कौतुहल्यक) क्यांथी. कहाँ मे ?

Whence. विशेष० १०१६;

✓ कथ. धा० I. (कथ) कहेंतुं. कहना.

To say; to toll.

कथह. नंदा० ४७;

कथ. अ० (कुत्र) क्यां ? कथ थातुमे. कहाँ ?

किस ओर ? Where; on what side.

सु० च० १, १८; जं० प० विशेष० १३३; सू०

प० २०,

कथ. त्रि० (कथ) क्यांथी (शास्त्र)

नाथा वर्गरे. कथा, इतिहासाद हां बह; जाता

आदि शास्त्र. (Nāvā and other

scriptures) including stories

and historical matter. टा० ४, ४;

आवा० ३, ४; ज० प० राय० १३१;

—गोय न० (—गोय) स्थाने योग्य गेय.

कथा के योग्य गायन a narrative

song. राय० १३१;

कथह. अ० (कुत्रचित्) क्यांथपत्तु; कथापत्तु

इहाणे कहाँ भी; किमां भी स्थान पर. In

any place whatever. विशेष० २६८,

३८८; २५१; आवा० १७; भग० ३, २;

१५, १; ४०, १; नाश० २; ६, १६; प्रव०

६७४; विवा० ४;

कथवि. अ० (कुत्रापि) क्यांथपत्तु. कहाँ भी?

In any place whatever.

भग० १५, १.

✓ कद-अर्थ. धा० I, II. (कदर्थ)

कदर्थना दरी; दृश्य देतुं. दुख देना; क

पहुंचाना. To give pain to

कदर्थेह. सु० च० १२, ५४;

कदर्थ. न० (कदम्ब) कदम्बानुं आ३. कदम्ब

का झाड़. A kind of a tree. नाया० १;

—पुष्पका. न० (—पुष्पक) कदम्बाना आ३नुं

५३३६. कदम्ब के झाड़ का फल और

फूल. a flower of the Kadamba

tree नाया० १;

कदलि. पुं० (कदली) कदलानुं आ३. केले का

झाड़. The plantain tree. भग० २२, १;

कदाह. अ० (कदाचित्) कदाचित्; क्षारेक.

कदाचित्; किसी समय At some time;

perhaps. भग० २, १; ६, ३३;

कदापि अ० (कदापि) क्षारेपत्तु; कदा-

पत्तु पत्तने. कभी भी किसीभी समय. At

some time; at any time भग०

१५, १;

कहम. पुं० (कर्म) कर्म; कर्म काचद.

Mud. “ अदहदुनिषु भिषणकालिष पन-

लियकठिर कयभूमि कहमवधिकिन्तवन्तं ”

पगह० १, ३; १, ४; आवा० ३८; पि० नि०

२५३; टा० ४, २; जीवा० ३, ४; नाया० १;

भग० ६, १; ७, ६; प्रव० ८५७; क० मं०

१, २०; —उद्द. न० (—उद्द) कर्म-

वद्गु पाणी. काचदय पानी. mud with

water in it. टा० ४, ३;

कहमअ. पुं० (कर्मक) अनुवेक्षधर देवता-

ना श्रीन राजानुनाम अनुवेक्षधर देवता

के दूसरे राजा का नाम Name of the

2nd king of the Anuvach-

dhara gods. जीवा० ३, ४; भग० ३, ७;

कनककंत. त्रि० (कनककान्त) भोनेरी वरप;

भोनायेवा देवायनो पदार्थ. सुनहरी वरक;

गुण्यं गरांता वनावडा पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. आया० २,
४, १, १४५;

कञ्ज. पुं० (कण्ठ) ऋ० " कण्ठ " शब्द.

देखो " कण्ठ " शब्द. Vide " कण्ठ "

मम० ११; आया० २, ३, २, १२१;

पा० १० ५३३; १३१; दम० ८, २०;

—धार. पुं० (-धार) ऋ० " कण्ठ-

धार " शब्द. देखो " कण्ठधार " शब्द.

Vide " कण्ठधार. " मु० च० ३, १३४;

—पायरण. पुं० (-पायरण) ग० शब्द; कान्तुं

अपत्य, मनरा; कान का सहना. an orna-

ment for the ear; an earring. प्र० १४४०; —मल. पुं० (-मल) ऋ०

" कण्ठमल " शब्द; देखो " कण्ठमल "

शब्द. vide " कण्ठमल " तदु० —सर. पुं०

(-सर) कान्ते आक्षरं कान्ते ते कानो

कां तार के गान लयने वाला. anything

striking the ears as an arrow

strikes the body (e. g. harsh

words). दम० ८, ३, ६; —सोफल.

न० (-सोफल) कान्ते सुखरूप कानो को

सुखदाते anything delightful to

the ears. दम० ८, २६;

कञ्जगा. स्त्री० (कन्यका) इमारिका. कुमारी;

लड़की. A girl; a daughter. मु०

च० १४, ८; ठा० ७ १; निर० ४, १;

कञ्जा. स्त्री० (कन्या) ऋ० " कण्ठा " शब्द.

देखो " कण्ठा " शब्द. Vide

" कण्ठा " मु० च० २, ४६५; दम० ६,

३, १३;

कञ्जालीय. पुं० न० (न्यायिक) कन्या

आश्री ऋ० ओसतुं ते; नय परसनी होय

अने १४ परसनी छे ओम इरेतुं ते. कन्या

के कारण भूट बोलना; नौ वर्षकी हो और

१५ वर्षकी बताना A lie spoken for

a girl; saying that a girl is of

15 years when she is only
nine years old. पण० १, २;

कञ्जिया. स्त्री० (कञ्जिका) ऋ० " कञ्जिका "

शब्द. देखो " कञ्जिका " शब्द. Vide

" कञ्जिका ". नंदी० ७;

कण्ठ. पुं० (कण्ठ) ऋ० " कण्ठ " शब्द.

देखो " कण्ठ " शब्द. Vide " कण्ठ "

अंत० १, १; प्र० ६६०;

कर्पिजल पुं० (कर्पिजल) इति० पक्षी.

कर्पजल पक्षी. A kind of bird. दम०

६, ४; आया० ६, १०, १६६;

कर्पिन्ध्र. न० (कर्पिन्ध्र) इति०; कर्पिन्ध्र;

फल विशेष. The wood-apple tree.

अणुजो० १३१;

कर्पिल. पुं० (कर्पिल) धातुकी अंशमांता भरत

अंशमांता भरतनामकी इति नामना वासुदेव.

धातुकी खंडान्तगत भरतखंड का चम्पा नगरी

के कर्पिल नाम के वासुदेव. Name of

the Vāsudeva of the city of

Champā on the Dhātaki-

khanda. नाया० १६;

कर्पिहसित. न० (कर्पिहसित) दांता

दांती धेरे दादणीं वमर आकाशमां विजृणी

थाय ते. आकाश में बिनादां मेघों के बंदर के

दांती (कर्पिहसित) का तरह लघुत का होना.

Lightning in the sky resem-

bling the teeth of a monkey

without there being any sign

of clouds. भग० ३, ७;

कर्पोत. पुं० (कर्पोत) इत्यु०; पारेतुं. कबूतर.

A dove; a pigeon. दम० ६, ४;

✓ कप्प. धा० II. (कृत्) कप्युं; छेद्युं;

अप्युं; समर्थ थयुं; उत्पन्न करुं. काटना;

छेदना; खपना; समर्थ होना. उत्पन्न करना.

To cut.

कप्पह. नाया० १;

कल्पेह. सूय० २, २, ४५; भग० ६, ३३;

कल्पेति. सूय० नि० १, ५, १, ७६;

कल्पति. सूय० २, ११४;

कल्पेज्ज. निसी० ३, ४२;

कल्पेहि. नाया० १;

कल्पेह. भग० ६, ३३;

कल्पेत्ता. सं० कृ० ५, ११४;

कल्पेमाणा. व० कृ० २; ३६;

कल्पवेह. प्रे० क० वा० सु० च० १३, ६८;

कल्प. पुं० (कल्प) कल्प; योग्य; उचित, योग्य; उचित. Anything that is worthy or proper. उत्त० ३२, १०४; वव० १, २२; २, २७; ४, १५; विवा० १; उवा० १, ७०; (२) आचार. आचार. a sacred precept or rule. जं० प० ५, ११५; वेय० ४, १४; वव० ५, ११; ६, २; १६; भग० ३, ८; २५, ६; ओव० १७; आया० १, ३, ३, ११७; १, ६, ३, १८५; कल्प० ५, ११८; पंचा० ६, २१; ११, २७; १५, ४०; (३) कल्पशास्त्र; वेदधर्मनीति विधि अतापनार ओक धर्मशास्त्र. कल्पशास्त्र; वेदधर्म की विधि बतानेवाला एक धर्मशास्त्र. Kalpa Śāstra. भग० २, १; ५, ४; विश० ६; कल्प० १, ६; (४) ओटवानी पट्टी; साधुनुं येक उपकरण. पञ्चवटी; चादर: साधुका एक उपकरण. a kind of scarf. पि० नि० भा० ४६; ... २५६; ५१४; (५) कल्पनाभेदा द्वीप अने समुद्र. कल्प नाम का समुद्र और द्वीप. an ocean and an island named Kalpa. जीवा० ३, ४; (६) ओ नामनुं आचारनी मर्यादा अतापनार कालिक सूत्र. इस नामका आचारकी मर्यादा दिखानेवाला कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc. नंकी० ४३; (७) दिन्दुधर्मनुं

ओक शास्त्र; आचार नियार प्रतिपादन शास्त्र. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र; आचार विचार प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brahman scriptural dealing with ritual. पि० नि० १७२; ओव० ३८; (८) सौधर्म आदि लोकाना नामवाला द्वीप अने समुद्र. सौधर्म आदि देवलोकों के नाम वाले द्वीप और समुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas. e. g. Saudharma etc. पञ्च० १५; (९) आर देवलोक; कल्पराजनीति योरे व्यवहार ओ देवलोकों में ओ देवलोक. बारह देवलोक; कल्प-राज नीति इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों में है वे देवलोक. the 12 Devalokas; a Devaloka in which there is to be found political organisation etc. जीवा० १, ३, ४; पञ्च० २; उत्त० ३, १५; डा० २, ४; भग० १, २; ५; २, ७; ८, १; राय० १८; प्रव० ८८७; गम० १; कल्प० ५, १६; (१०) सरण्या; पारापर. समान; बराबर. equal to; similar to. पञ्च० ३६; पगह० १, ३; उवा० १, ७४; (११) कल्पवृक्ष. कल्पवृक्ष. a desire fulfilling tree; a sacred tree. सु० च० २, ६७;—अंतर. न० (अन्तर) देवलोकान्तर. देवलोकान्तर; अन्य देवलोक. another Devaloka. विवा० १०; (१२) जिनकल्प अने स्थविरकल्प अन्तर. जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद. the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa. भग० १, ३; —अंतरिय. त्रि० (अन्तरित) कल्प-पञ्चवटी—आदरनी अंदर रहेत. कल्प पञ्चवटी—चादर के अंदर रहा हुआ. remaining under the upper garment. प्रव०

६८०; —उद्यम. पुं० (-उपग) ३३५-नियम-
म-राज्य क्षयकारी दृष्टि में रहनेवाले देवता;
पक्षेष्वा देवलोकाधी आरमा देवलोका अधीना
वैमानिक देवता. कल्प-नियम-राजर्जात की
सीमा में रहनेवाले देवता. प्रथम देवलोक में
बाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता.
a god who has not transcended
the need of administrative or-
ganisation; any of the gods of
the heavenly worlds from the
first to the twelfth. नाय० १; उत्त०
३६, २०७; भग० २४, २०; पञ्च० १५;
—उद्यय. पुं० (-उपग) जुगो “कप्पावेग”
शब्द. देखो “कप्पावेग” शब्द. vide “कप्पा-
वेग” भग० ८, १०; —उद्यरिम. न०
(-उपरितन) पांचवां देवलोका उपरिवा
देवलोका. पांचवें देवलोक के ऊपर का देवलोक
the Devaloka situated above
the 5th Devaloka. भग० ६, ८;
—उद्यवसिय. पुं० स्त्रा० (-उपपत्तिक)
३३५-आर देवलोका में उत्पन्न श्रेष्ठ वैमा-
निक देवता. कल्प-१२ देवलोक में उत्पन्न हुए
वैमानिक देवता. a deity of the hea-
venly worlds 12 in number.
भग० १, ८; —उद्यवन्नग. पुं०
(-उपपत्तिक) जुगो “कप्पावेग” शब्द
देखो “कप्पावेग” शब्द. vide “कप्पा-
वेग” जं० प० ७, १४०; ठा० २, २;
—काल. पुं० (-काल) प्रभे; वामन. चिर
काल. बहुत समय; चिरकाल. long time.
सूय० १, १, ३, १६; —ग्रहण. न०
(-ग्रहण) आदर वगैरे वस्त्रोनु ग्रहण करने
ते. आदर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना.
accepting of clothes. प्रव०
५२५; —जुग. (-युक्त) पछेड़ी वगैरे
वस्त्रोनु युक्त आदर उग्याद वस्त्रों के पहनने.

possessed of upper garment
etc. प्रव० ५०२; — तिग. न० (-त्रिक)
तल्लु पछेडी तल्लु आदर. तीन चादर; तीन
पछेवडी. three upper garments
(used by ascetics) प्रव० ५०२;
५२६; — दुग. न० (-द्विक) भे पछेडी;
भे आदर. दो चादर; दो पछेवडी. two
upper garments (of an ascetic).
प्रव० ५०२; क०गं० ३, ११; — महाद्रुम. पु०
(महाद्रुम) इत्युभयं भोटुं वृक्ष.
कल्पद्रुम का महान् वृक्ष. the big holy
tree known as Kalpadruma.
प्रव० १०३६; — समाप्ति. श्री० (-समाप्ति)
इत्यनी-परिहार तपनी समाप्ति कल्पकी-
परिहार तपकी समाप्ति. conclusion, end
of the austerity known as
Parihara. प्रव० ६१७;

कण्ठद्व. पुं० (कण्ठस्थ) आश्रय. बालक. A
child, पि० नि० २८७; पंजा० १५, ३१;
प्रब० ४८८;

कल्पद्रि. छा० (कल्पस्थिति) साधु समा-
चारीनी स्थिति-भर्यादा साधु समाचारीकी
स्थिति मर्यादा. Practice of ascetic
scriptural rules by a Sādhu
वेग० ३, ३०;

कल्पद्रिय. पुं० (कल्पस्थित) इक्ष्वास्थित समा-
चारीनी मर्यादाभां श्रेष्ठ भुनि. कल्पस्थित
समाचारी का मर्यादा में रहा हुआ भुनि. An
ascetic observing scriptural
rules. विशेष० १२७५; प्रब० ६१३
—तच. न० (-तपस्) इक्ष्वास्थित-वाच्यना-
थार्थ का भास पर्यन्त परिहारिक नामजुं तप
करे ते (तप). कल्पस्थित वाचनाचार्य छः
माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह
(तप). a kind of austerity
named Parihārīka: practised

for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity. प्रब० ६१५;
कल्पड. पुं० (कर्पट) पुगडाने वण दधने
अनपेस गोटे. वल्ग का बट देकर बनाया
हुवा गेंद. A cloth twisted into
the shape of a ball. परह० १, ३;
प्रब० ४४०;

कल्पडिय पुं० (कर्पटिक) डापडी; डापड लध
भिक्षा मागना. कावड लेकर भिक्षा मांगने
वाला. A mendicant begging
alms with a balancing lath on
his shoulder. पि० नि० १२७; बिवा०
७; नाया० ८;

कल्पण. न० (कल्पन) छेदयुं. काटना;
छेदना. Act of cutting. सु० च० १३,
१; सय० नि० १, ५, १, ७५;

कल्पणा. स्त्री० (कल्पना) छेदना; संभावना.
अयाल; कल्पना; संभावना. Imagina-
tion; act of imagining a thing
as probable. विशे० १६; ११७;
१७३२; भग० ७, ६;

कल्पणीज्ज. त्रि० (कल्पनीय) उद्भवादि दोष रहित;
छेदयुं उद्भवादि दोष रहित; लेने योग्य.
Free from any fault (objec-
tion); acceptable. पंचा० १, ३१;

कल्पणी स्त्री० (कल्पनी-कल्पयते द्विद्यने यथा
सा कल्पनी.) डातर; छुरी. कैचा; छुरा.
A pair of scissors; a knife.
“सुरोहिं तिस्रधारोहिं दुरियाहिं कल्पणीहिं
या कल्पिषो कालिषो छिन्नो, उक्तोयग्रण-
गसो ” उक्त० १६, ६३; जं० प० परह०
१, १; बिवा० ४; —कल्पिय. न० (-क-
ल्पित) डातर डापेयुं. कैची से कटा हुआ.
cut with scissors; बिवा० ८;

कल्पनरु. पुं० (कल्पनरु) छेदयुं. कल्प
वृक्ष. A desire-yielding tree. म०

च० २, ३६६; प्रब० १५६३;

कल्पद्रुम. पुं० (कल्पद्रुम) छेदयुं. कल्प
वृक्ष. A desire-fulfilling tree; a
sacred tree; भक्त० २; प्रब० ४०;

कल्पपायव. पुं० (कल्पपायव) छेदयुं. कल्प
वृक्ष. A desire-yielding tree
सु० च० २, ६७;

कल्पकक्ष. पुं० (कल्पकक्ष) छेदयुं. जुग-
लिया अने देवताने वंछित वस्तु आपना २ जाड.
कल्पवृक्ष; जुगलिया और देवताओं का वंछित
फल देने वाला भाड. A desire-yield-
ing tree; a tree furnishing
desired objects to Jugaliyas and
gods. कल्प० ४, ६२; भक्त० १६७; जं०
प० ३, ४३;

कल्पकक्षग. पुं० (कल्पकक्ष) छेदयुं. कल्प
वृक्ष. A desire yielding tree.
जं० प० ५, १२२; भग० ६, ३३;

कल्पकक्षय. पुं० (कल्पकक्ष) जुगो
“कल्पकक्षग” शब्द. देखो “कल्पकक्षग”
शब्द. Vide. “कल्पकक्षग” नाया० १;

कल्पवह. पुं० (कल्पवह) छेदयुं. देवता-
ना अधिपति-इंद्र कल्पवासि देवताका
अधिपति-इंद्र. The lord Indra of
Kalpavāsi gods. जं० प० ४, ११२;

कल्पवडिसिआ. स्त्री० (कल्पवडिसिआ) ओ
नामगुं ओड डासिक सूत्र. इस नाम का एक
कालिक सूत्र. Name of a Kālīka
Sūtra. जं० प० गय० नंदी० ४३;

कल्पविमाणावास. पुं० (कल्पविमानावास)
देवलोडना ओड देशरूप विमानमां निवास.
देवलोक के एक देशरूप विमान में निवास.
Residence in a heavenly abode
named Deśarūpa. डा० २, ४,

कल्पविमाणोववसिया. स्त्री० (कल्पविमादो-
सिका) देवलोडमां उत्पन्न थाय

तेही आयरन्ग, जिगने देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार—आचार. Conduct leading to birth in Devaloka. उ० १२, ४.

कल्पादयः. पुं० (कल्पातीन) राज्यव्यवस्था-ना नियमन के लिये ही गये देवता; नयनीवेक अन्ये पांच अनुत्तर विमानना देवता. राज्य-व्यवस्था के नियम को उलांघ चुके हुए देव; नवप्रवेयक और पांच अनुत्तर विमानके देवता. Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Amuttara gods. उ० ३६, २०७; पञ्च० १७;

कल्पाकल्पियः. न० (कल्पाकल्पिक कल्प आ-चारः अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिन-कल्पांश्चकल्पश्चरकादिदाज्ञा, यद्वा कल्प्यं ग्राह्यमकल्पयान्यन् तन्प्रातिपादकं शास्त्रं क-ल्पाकल्पिकम्) इत्येव अकल्प दर्शयन्तरे ऐक्ये तैत्तिरीय धर्मशास्त्र. कल्प और अकल्प दिखाने वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र. A religi-ous scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. श्रुतोजो० ४१;

कल्पागः. पुं० (कल्पाक) ऐक्ये जगत्पाना यथा भाविकेपैकी ऐक्ये मृग्य भाविक इत्यपुं ते; सेगन्तरीया. एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समझ लेना; शयान्त-रीय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेय० २, १२;

कल्पागः. पुं० (कल्पाक) साधु. साधु. An ascetic. व० ४, १५; —भिक्षु. पुं० (-भिक्षु) छेदोपस्थापनीय चारित्र स्थापना-योगे साधु. छेदोपस्थापनीय चारित्र में स्थापने

योग्य साधु an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. व० ४, १३; १४;

कल्पातीनः. पुं० (कल्पातीन-कल्पमतीता अतिक्रान्ताः कल्पातीनाः) इत्येव देव-लोकभां उत्पन्न थयेत; नयनीवेकशी भांडी पांच अनुत्तरविमानभां देवता के गये इत्येव —ऐक्ये राजनीति—व्यवहारना प्रायदानुं अधिन नहीं. कल्पातीन देवलोक में उत्पन्न हुए देव; नवप्रवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजनीति के व्यवहार—कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग० ८, १; १०; २४, २०; (२) स्थितिकल्प आदि साधुना आचारनी भयदाने उल्लंघी गयेत—तीर्थकर देवशी यगेरे स्थितिकल्प आदि साधुं आचार की सामा उलांघे हुए—तीर्थकर, केवला आदि. a Tirthankara, a Kevah etc. who have transcended the necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग० २, ५; ६, ७;

कल्पातीनगवैमाणियः. पुं० (कल्पातीनकवे-मानिक) आर देवलोकशी उपरना देवलोकभां उत्पन्न थयेत वैमानिक देवता. बारह देवलोकों के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग० २४, १२;

कल्पायः. न० (कल्पक) इत्येव कल्प. Kalpa. (५. ४.) शिवा० ३;

कपास. पुं० (कार्पास) ऐक प्राचीन लैटिन् मत. एक प्राचीन लैटिन् मत. Name of an ancient creed. ओष० नि० भा० १२; (२) कपासथी उत्पन्न भवति सूत्र. कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत्र. cotton thread. अणुजो० ३७; —रोम. न० (-रोमन्) कपासनी इत्यादी. कपास के तार-न० रेशा. a fibre of cotton. भग० १५ १; —लोम. न० (-रोमन्) कपास -रेशी पुनः इत्यादी. कपास-रेश का तार. a cotton fibre. भग० ८, ६; —वण. न० (-वन) कपासनुं वन. कपास का वन. a forest of cotton. निर्या० ३, १६;

कपासस्थि. पुं० (कार्पासस्थि) त्रि० धृति-वागे ऐक कपासने श्रुत. तीन इन्द्रिय वाला एक कपास का जाँव. A kind of three-sensed living being found in cotton. पञ्च० १; जीवा० १;

कपासिञ्च. पुं० (कार्पासिक) कपासने वेपारी कपास का व्यापारी. A cotton-merchant पञ्च० १; अणुजो० १३१; (२) ऐ नामनुं कपासनुं ग्यान आपनार ऐक शास्त्र. इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र. name of a science describing the properties of cotton. अणुजो० ४१;

कपासी. स्त्री० (-कार्पासी) कपासमां रहनेवाली श्रुत. कपासमें रहने वाला एक कीड़ा. An insect living in cotton. उत्त० ३६, १३५;

कपिञ्च-य. त्रि० (कश्चित्) साधुने देया योग्य; साधुने कल्पे तेयुं. साधु के लेंन योग्य; साधु को कल्पनीय. Fit for an ascetic; acceptable to a Sādhu. दस० ६, ४८; (२) ओषधेयुं; रथेयुं;

स्थापेयुं. जमाया हुआ; रचा हुआ; स्थापित किया हुआ. arranged; established. ओष० २७; दसा० १०, १; जं० प० नाया० १; सूय० १, २, ३, १८, कप्य० ४, ६२;

कपिञ्च-य त्रि० (कश्चित्) अपेयुं; छेदयुं. काटा हुआ; छेदा हुआ Cut off; broken. जीवा० ३, ४; विवा० ४; उत्त० १६, ६३;

कपिञ्चकपिञ्च. पुं० (कपिका) ओषध-विश उत्कालिक सूत्रमांनुं गीजुं. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २९ सूत्र. The 29 of the 29 Utkālīka Sūtras. नंदी० ४३;

कपिञ्चा. स्त्री० (कश्चिका) ऐ नामनुं कालिक सूत्र; निर्यासालिका अंतर्गत उपांग सूत्र. इस नामका कालिक सूत्र; निर्यासालिका के अंतर्गत उपांग सूत्र. Name of a Kālīka Sūtra; the Upānga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदी० ४३;

कपूर. पुं० (कर्पूर) कपूर. Camphor. राय० ५६; नाया० १; १७; जीवा० ३, ४; कप्य० ३, ४३; —**पुड.** पुं० (-पुट) कपूरने पड़े-पड़िका. कपूर का पुड़ा-पुड़िया. a packet of camphor, नाया० १७;

कप्योववर्णन. पुं० (कप्योवपन्नक) जुआ " कप्योवग " शब्द. देखो " कप्योवग " शब्द. Vide " कप्योवग " भग० २४, २०; —**वैमानिक.** पुं० (-वैमानिक) जुआ " कप्योवग " शब्द. देखो " कप्योवग " शब्द. vide " कप्योवग " भग० २४, १२;

कवच. पुं० (कवच) माथायिनानुं श्रुतुं धृ. बिना सिर वाला जाता धव. A headless trunk with life in it. परा० १, ३; तंदु०

कम्पाडिगा. स्त्री० (*) पुत्री; दीकरी. लक्ष्मी-कुमारी. A daughter. पि० नि० ५७६;

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कवडी. स्त्री. (कवडी) नानी छोड़ी.
छोटी लडकी. A young girl. नि०
नि० २८५;

कवड. न० (कर्वट) नाना गदथी घिरायेजुं
शहरे. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A
city encircled by a low ramp-
part. आया० २, ७, ६, २२२; कप० ४,
८८; (२) हडकी बसतीजुं रहेहालु. छोटी
बस्ती का स्थान. an abode of mean
population. अणुजो० १३१; वं० १,
६; उत्त० ३० १६; टा० २, ४;

कवडग. पुं० (कर्वटक) कर्वटक नामने ग्रह.
कर्वटक नाम का ग्रह. Name of a
planet. टा० २, ३;

* कभल. न० (*) कभल; हीगडी. खोपडा;
खपर. The skull; a piece of a bro-
ken jar of the shape of a
skull. "कभल संहार संहिण" उवा० २,
२४; अंत० ३, ८; अणुत० ३, १;

क्रम. पुं० (क्रम) क्रम; अनुक्रम; पद्धति; नियम
सर. क्रम; अनुक्रम; नियमसर; तरताब वार.
Order; method; serial order.
सम० ७; क० प० १, १५; ६६; क० गं० २,
११; २, ७६; सु० च० १, १; नि० नि० ६०;
नाया० १; ७; १; १६; भग० ५, १; ६, ३;
२०, ५; २४, १; ३२, २; प्रब० ३७६; विरो०
७, ११०; जं० प० ७, १५७; (२) यस्सु; पग.
पाव; पग; चरण. feet. गच्छा० ३६; —
आरब्ध. त्रि० (-आरब्ध) क्रमे करीने आरं-
भेजुं. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in
serial order. क० प० ५, ६५; —उत्क्रम.
पुं० (-उत्क्रम) क्रम अने उत्क्रम. क्रम और
अनुक्रम. order and serial order.

प्रब० १०५८; —जुगल न० (-युगल) क्रम
युग्म में फा. क्रम युगल; दो पांव two
feet. गच्छा० ३६; —जोग. पुं० (-योग)
अनुक्रम -अनुपर्व जोग -व्यापार प्रवृत्ति.
क्रमानुसार जोग -व्यापार -प्रवृत्ति. serial
order; graded order. दश० ५, १, १;
क्रमंडल. न० (क्रमण्डल) क्रमंडल. क्रमंडल.
A waterpot (earthen or wood-
en) used by ascetics. नाया० ७१६;
भग० ११, ६; १४, ८;

क्रमकरिया. स्त्री० (क्रमकरिका) ओक गनतुं
वाजुन. एक जातका बाजा. A kind of
musical instrument. निसी० १७, ३५;
—सह. न० (-शब्द क्रमक्रिया शब्द -क्रम कृत
शब्द.) वाजुनता शब्द. बाजे का आवाज
sound of a musical instrument.
निसी० १७, ३५;

क्रमदग. न० (क्रमदक) कंसानी कथरोटने
आकारे साध्वीने अदार करवानुं तुंगडानुं
पात्र; क्रमंडल. कंस के पात्र के सदृश साध्वी
के आहार करने का तुम्बेका पात्र -क्रमंडल. A
dining vessel of an ascetic made
of gourd and having the shape
of a bronze pan; an earthen or
wooden waterpot of an ascetic.
आष० नि० ३६, ६७५; वव० २, २७;

क्रमदय. न० (क्रमदक) लुगो उपयो शब्द.
देखो उपर का शब्द. Vide above. प्रब०
५३६; —जुय. त्रि० (-युत) रोगन पगेरेथी
लेपित करेज तुंगडना पात्रथी युक्त. रोगन
आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहित.
(one) possessed of a painted
vessel made of a dry gourd.

* लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

प्रब० ५३६;

कमल. न० (कमल) आक्रमण करना. Attacking. ओव० १, १;

कमल. पुं० (कमल) कमल. A lotus. संथा० १५; राय० २७; नाया० १; ८; ६; भग० २, १; ६, ३३; विरो० ११०६; (२) ओ३ अतने ६२९. एक जाति का मृग. a kind of deer. जं० प० ५, ११५; १२१; अणुजो० १६; ओव० ६३; (३) छट्ठा तीर्थकरनुं लांछन. छठे तीर्थकर का चिन्ह -लांछन. the mark (insignia) of the 6th Tirthankara. प्रब० ३८१;

—आगर. पुं० (—आकर) कमलवागुं तलाव. कमलवाला तालाव. a lake with lotuses growing in it. ओव० १३; भग० २, १; अणुजो० १६; —आयर. पुं० (—आकर) कमलनां उत्पत्तिस्थान; तलाव सरोवर वगैरे. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान. तालाव, सरोवर आदि. a lake etc. where lotuses grow. कप्प० ४, ६०; —उधम. त्रि० (—उधम) कमलना सरयुं; कमल जेयुं. कमल के सदृश; कमल जैसा. lotus-like; resembling a lotus. विवा० ७; —द्विय. त्रि० (—स्थित) कमल जियर रह्युं. कमल पर रहा हुआ. situated on a lotus. कप्प० ३, ४१; —(ला)णयण. न० (—नयन) कमलना जेयी आं५. कमल जैसी आंख. an eye like a lotus. नाया० १; —दल. न० (—दल) कमलनुं पत्र. कमल का पत्ता. a leaf of a lotus. भक्त० ७८; —दलकल. त्रि० (—दलाक) कमलनी पां५डी जेनी आं५वागुं. कमलकी पलकी के समान आंखोंवाला. having eyes like lotus-buds भक्त० ७८; —वण. न० (—वन) कमलनुं वन. कमलों का वन.

the place where lotuses grow abundantly. कप्प० ३, ३६; —वणा-लंकरण. न० (—वनालंकरण) कमलवनना आभूषण. कमल वन का आभूषण. the lotus as an ornament of the forest. कप्प० ३, ३६; —(ला)सीहा-सण. न० (—सिंहासन) पिशाचना धंद डायनी पट्टराणी-कमलादेवीनुं कमलसिंहासन नामनुं आसन. पिशाचों के इंद्र काल की पट्टरानी कमलादेवी का कमल सिंहासन नाम का आसन. name of the throne of Kamalādevi the crowned queen of Kāla, the Indra of the Pisāchas. नाया० ध० ५;

कमलगाहावर पुं० (कमलगाथापति) कमल नामना गृधपति; गृधस्थ. कमल नाम का एक साहुकार. A merchant-prince so named. नाया० ध० ४;

कमलप्यभा. स्त्री० (कमलप्रभा) पिशाचना भदराग्न डायनी श्री७ पट्टरानी. पिशाचों के इंद्र काल की दूसरी पट्टरानी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Pisāchas. डा० ४, १; भग० १० ५; नाया० ध० ४;

कमलवाडिसयभवण. न० (कमलावतंसक-भवन) कमलावनंसक नामे भवन. कमला-वतंसक नाम का भवन. A celestial abode named Kamalāvatasaka. नाया० ध० ५;

कमलसिरी. स्त्री० (कमलश्री) कमलश्री नाम-नी राणी. कमलश्री नाम की रानी. Name of a queen. नाया० २; ८; —मारिया. स्त्री० (—मारी) कमलश्री नामनी स्त्री. कमलश्री नाम की स्त्री. name of a woman नाया० ध० ४;

कमला. स्त्री० (कमला) पिशाचना छद्म कागनी पद्मराणी; कमलादेवी. पिशाच का इंद्र-काल की पद्मराणी; कमलादेवी. Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. जं० प० ३, ५७; नाया० ध० ३; ठा० ६, १; भग० १०, ४; —द्वारिका. स्त्री० (—द्वारिका) कमला नाम की पुत्री. कमला नाम की लड़की. a daughter of this name. नाया० ध० ५; —राजधानी. स्त्री० (—राजधानी) कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी. the capital-city named Kamalā of Kamalādevī. नाया० ध० ५;

कमलायई. स्त्री० (कमलायती) छपुकार राजनी राणी. हथुकार राजा की राणी. Name of the queen of king Isukara. उत्त० १४, ३;

कमसो. श्व० (कमसस्) अनुक्रमणी; क्रमेकरी. क्रम से; अनुक्रम से. In order; in serial order. विशे० ११०; पि० नि० ७७; अणुजा० १२८; प्रव० १८; १३६३; क० गं० १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क० प० १, १६; ६०; उत्त० १८, १३;

कमा. स्त्री० (कमा) कामादेवी; धरणिन्द्रनी अग्रमहिषी नाम. कामादेवी; धरणिन्द्रकी अग्रमहिषी का नाम. Kamādevī; the principal queen of Dharaṇīndra. नाया० ध०

कमाड. न० (कपाट) कामाड. किवाड A door. आव० ४, ५;

कमियव्व. त्रि० (कमियव्व) आक्रमण करने; हमला करना Attacking; overpowering. नाया० १; भग० ६, ३३;

कम्म. पुं० (कर्मण) कर्मण शरीर; पांच

शरीर भागों में एक. कर्माण शरीर; पांच शरीरों में से एक. Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग० १, १; ६; २, १; ८, १; क० गं० ५, ७६; (२) कर्मण योग; १५ योगोंमें से एक. Kārmāṇa Yoga; one of the 15 Yogas. क० गं० ४, ७; २८; (३) कर्मण शरीर योग पुद्गल स्कंधनी वर्गण-समुदाय. (३) कर्मण शरीर के योग्य पुद्गल स्कंधों का समूह-समुदाय. a collection of molecules fit for the Kārmāṇa body. क० प० १, १६; —उरलद्वय. न० (—औदारिक-द्विक) कर्मण तथा औदारिक द्विक. कर्मण तथा औदारिक द्विक-युग्म. a pair of Kārmāṇa or physical bodies. क० गं० ४, ३०; —पुद्गलपरिवर्त. न० (पुद्गलपरिवर्त) एक छपुकार राजा वपतमां लोकनां तमाम पुद्गलों के कर्मण शरीर पक्षे लक्षणे परिलक्षणीने छोटे तेरहो वपत-काशने से एक विभाग. एक जोष जितने समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कर्मण शरीर द्वारा लेकर और परिलक्षणीने छोड़ता है उतना समय; काल का एक विभाग. a certain division of time. भग० १२, ४

कम्म. पुं० (कर्मन्) उत्प्रेषण, अवक्षेपण, आ-द्वयन, प्रसारण, गमन, ये पांच कर्मों में से कोई भी एक कर्म. उरवेण, अवक्षेपण, आकु-ञ्जन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों में से कोई भी एक कर्म. any of the five actions consisting of raising, lowering, contracting, expanding and moving. भग० १, १; १२, ५; पञ्च० २३; दसा० ६, १; उवा० १, ४३; (२) कर्मणरी, कर्मणरीणी अनावेणु २५-आकार कर्मणरी; कर्मणरी से बनाया हुआ आकार.

artificial shape अणुजो० १०; (३) कर्म; कार्य; क्रिया; काम धंधा. व्यापार; कर्म; काम क्रिया; बंधा action; operation; trade. अणुजो० १३१; टा० १, १; सू० १६; नाया० १, १७; सु० च० १, १; पि० नि० ६३; १०१; ४३७; पि० नि० भा० ४०; ज० ५० ७, १५१; (४) आरंभ; प्रवृत्ति. आरंभ; प्रवृत्ति. beginning of activity; activity. सू० १, १२, १५; ज० ५० (५) आत्मान्नी शक्तिने दृष्टान्तर ज्ञानावरणादि आहं कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गोत्र, अने अन्तराय, ये आहंमानुं गमे ते अहं. आत्मशक्ति को दबाने वाले आठ कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय; आयुष्य. नाम, गोत्र, और अन्तराय इन आठ में से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāvaraṇiṇya, Darśanāvaraṇiṇya, Vedaniya, Mohaniya, Āyusya, Nāma, Gōtra and Antarāya. भग० २, १; ५; ३, १, ५, ४, ७, ८; ३५, १; ३४, १; पञ० १; १४; १६; दसा० ६, १; विशेष० २४६; ३६३; सू० २, १, ६०; दस० ४, २४; ६, ३३; ६६; नाया० १; ८; कण्य० ५, ११८; आव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; —अन्त. पुं० (—अन्त-कर्मणां अन्तः पर्यन्तभागो मूलं कारणं यस्य) कर्मना कारण. कर्म का निमित्त-कारण. a cause of Karma. दसा० ६, ३१; —अंश. पुं० (—अंश) ज्ञानावरणादि कर्मोंका अंश. a portion of Karma, e. g. of knowledge-obscuring Karma etc. ओव० ४२; उत्त० ३, १०; भग० १५, १; १८, ७; (२) कर्म प्रवृत्ति. कर्म प्रवृत्ति.

Vol. II/50

a variety of Karma. क० गं० ६, १७; —अवशेष. पुं० (—अवशेष) कर्म-भाज; अवशेष-आश्रितोंका कर्म. कर्मभाज; अवशेष-बाकीका कर्म. the whole mass of Karma; the remaining Karmas. भग० १४, ७; —आजीव. त्रि० (—आजीवक) जेनी पंगरे कर्म करी छयनार. जेनी प्रवृत्ति कर्म करके जीविका चलावे वाला. one who earns livelihood by agriculture and other occupations. टा० ५, १; —आद्याण. न० (—आद्यान) पंदर प्रकारनां कर्माद्यान; श्रावकने न करवा योग्य कर्म-धंधा. पंद्रह प्रकारके कर्माद्यान; श्रावक के न करने योग्य कर्म-व्यापार. the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ६, ३३; (२) कर्मोंने आवधानो भाग. कर्मों के होने का मार्ग. a door for the coming in of Karma. भग० ५, ५; —आद्याण. न० (—आद्यान) कर्मोंनुं उपादान कारण. an efficient cause of Karma. अंत० ६, १५; —आसीविष. त्रि० (—आसीविष = कर्मणां-क्रियया शापादिमोक्षघातकरणेनाशी विषाः कर्माशीविषाः) जेने किया अनृष्टानना अक्षणी भीमनेना नाश करवाना आप आपी अनिष्ट करवाना शक्ति उत्पन्न धंधा दीय तेवा तिर्यक मनुष्य पंगरे. जेने किया-अनुष्ठान के चलते मनुष्यों का नाश करने-शाप देकर अनिष्ट करने का शक्ति उत्पन्न होगई है वह तिर्यक मनुष्य वंगरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses. भग० ८, १;
२; —उदय. पु० (-उदय) कर्मोत्थो उदय.
कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma;
maturity of Karma. भग० ६, ३२;
—उद्वीरण. न० (-उद्वीरण) कर्मोत्थो पराजिते
भेदोत्थो उदयभां लावतुं ते. कर्मों को उदय
भाव में लाना. forcing up Karma
into maturity. भग० २५, ६;
—उपग. पु० (-उपग) ज्ञानावरणादि
कर्मोत्थो अंधन. ज्ञानावरणादि कर्मों का बंधन.
bondage of Karma, e. g. that of
knowledge-obscuring Karma
etc. भग० १४, ६; —उपक्षय. पु०
(-उपक्षय) कर्मोत्थो उपक्षय-वृद्धि. कर्मों
की वृद्धि. increment of Karmas.
भग० ९, १; —उपशम. पु० (-उपशम)
कर्मोत्थो उपशमायत्ता ते. कर्मों को उपशमाना.
subsidence of Karma; assuag-
ing of Karma. भग० ६, ३२; —उपहि.
पु० (-उपहि) कर्मरूप उपहि; आठ
कर्मरूप परिग्रह. कर्म रूप उपहि; आठ
कर्म रूप परिग्रह. obstacles, fetters
in the form of the eight kinds
of Karma. ठा० १, १; भग० १८, ७;
—कर. पु० (-कर) धरतुं कामकाज
करना; कामभरी; नोकर. घर का कामकाज
करने वाला; नोकर या कर. a domestic
servant; a servant. जं० प० श्रव०
३१; दसा० ६, ४; आया० २, १, २, १२;
—करक. पु० (-कर+क) कर्मोत्थो “ कर्म-
कर ” शब्द. देखो “ कर्मकर ” शब्द.
vide “ कर्मकर ” सूत्र० २, २, ६३;
—करक. न० (-करक—कर्मविषय
करक जीवकीर्ष बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूतं
कर्म कर्मकरक) कर्मोत्थो करक, साधन;
श्रव० नीति वगेरे. कर्मों का करक-साधन;

जीव कीर्ष इत्यादि. instrumental
cause of Karma. भग० ६, १; —करी.
स्त्री० (-करी) काम करनारी; कामभरी;
दासी. काम करने वाली; दासी; नोकरानी.
a female servant, a maid-ser-
vant. आया० २, १, २, १२; —कार.
पु० (-कर) काम करना; दास. काम करने
वाला दास. a servant. नाया० ६;
—कारक. पु० (-कारक) काम करना;
दास. काम करने वाला; दास. a servant.
दसा० ६, ४; —कक्षय. पु० (-कक्षय)
कर्मोत्थो क्षय-नाश. कर्मों का क्षय-नाश.
destruction of Karma. नाया०
६; प्रव० ४४८; ६५८; भग० १३६;
—कंध. पु० (-स्कन्ध) कर्मोत्थो २३५-
अध्यासभूत. कर्म के स्कन्ध-अध्यासभूत.
collection of Karmas. क० गं० ५,
७८; —गर. पु० (-कर) कारीगर-लुहार
वगेरे. दस्तकार (कारीगर)—लुहार इत्यादि.
an artisan, e. g. a blacksmith
etc. जीवा० ३, ३; जं० प० ५, ११२;
—गुरु. त्रि० (-गुरु) कर्मोत्थो गुरु-
भारी; भारीकर्म. कर्मों से भारी; गुरु कर्मों.
(one) possessed of heavy
Karmas. नाया० ६; —गुरुयत्ता. स्त्री०
(-गुरुयत्ता) कर्मोत्थो भारीपणुं कर्मों
द्वारा भारीपण. heaviness of Karmas.
भग० ६, ३२; —गुरुयत्ता. स्त्री०
(-गुरुयत्ता) कर्मोत्थो भारीपणुं
भारीकर्मोत्थो भारीपणुं. कर्मों का भारीपण;
जिसके कर्म बड़े जबरदस्त हैं. heaviness of
Karmas; state of being one
with heavy Karmas. भग० ६, ३२;
—घन. पु० (-घन) कर्मोत्थो घन.
कर्म कभी घन. a cloud in the form
of Karma. “ विराट् कर्म पञ्चमि

दस० ८, १४; —अउक्त. न० (—चतुष्क) दर्शनावरूप, यदेनीय, नाम, अने गोत्र, अथारु कर्म. दर्शनावर्णीय, वेदनीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म, the four varieties of Karma, viz. Darśanāvārṇiya, Vedāniya, Nāma and Gotra. क० प० २, ८०; —आइमेअ. पुं० (—जातिभेद) कर्म अने अति नो भेद. कर्म और जाति का भेद. the distinctions of occupation and caste. प्रव० ११, १५; —युक्त. मि० (—युक्त) कर्म युक्त; कर्मसहित. कर्मयुक्त-सहित; यमं युक्त. possessed of Karmas: with Karmas. प्रव० १२८८; —द्वय. न० (—अष्टक) आठ कर्म. आठ कर्म. the eight Karman. क० प० १, १; प्रव० १२८६; —द्वयोदय. पुं० (—अष्टकोदय) अष्ट कर्म नो उदय. आठों कर्मों का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क० प० ७, १६; —द्विह. जी० (—स्थिति) कर्मनी स्थिति. कर्मों की स्थिति. duration of existence of Karma. भग० ६, ३; १४, ६; प्रव० १०४४; क० प० २, ७४, ३, २; —सुरवह. पुं० (—वरपति) कर्मेश्वरी राजा. कर्म स्वामी राजा. a sovereign, a king in the from of Karma. नावा० १७; —सिद्धासु. न० (—निदान=कर्म निदानं नारकवनिमित्तं कर्मवन्धनिमित्तं वा चेवां ते कर्मनिदानाः) कर्म अंधनना कारण. कर्म बंधन का कारण. a cause of Karmic bondage. भग० ४, ६; १४, ६; —सिलेअ. पुं० (—निषेक) लुप्ते "कम्म निलेअ" १५६. देखो "कम्मनिलेअ" शब्द. vide. "कम्मनिलेअ" जीवा० २; भग० ६, ३;

—द्वयवर्गमासु. पुं० (द्वयवर्गमासु) कर्म २५ द्वय वर्गमासु-कर्मो नो समूह. कर्म रूप समुदाय —कर्मों का समूह; कर्म वर्गमा. a group, collection of Karmas. भग० १, १; —निज्जरा. जी० (—निर्जरा) कर्मनी निर्जरा; कर्मो क्षय. कर्मों की निर्जरा; कर्मों का क्षय. destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३; —निज्जसि. जी० (—निर्वृति) कर्मनी उत्पत्ति. —निष्पत्ति. कर्मों की उत्पत्ति-उद्गम. birth of Karmas. भग० १६, ८; —निसेअ. पुं० (—निषेक-कर्मचो निषेको वाचोनाकर्मस्थितिः कर्मदधिक-स्यानुभवनाथो रचनाविशेषो वा कर्म-निषेकः) अथाथा काल शिवायनी कर्म स्थिति; अथाथाकाल पक्षी कर्मो अनुभव थाय तेरी इति इरेदी कर्मो अेक रचना व्यतरया. अथाथा काल रहित कर्म स्थिति; अथाथा काल के पथान् कर्मों का अनुभव हो ऐसी का दुइ कर्म रचना-व्यवस्था. a variety of Karma which is experienced after the period of its end. "अथाहृत्तिवा कम्मद्विहं कम्मनिलेअोत्ति" भग० ६, ३; —पप्पस. पुं० (—प्रदेश) कर्मोना प्रदेश. कर्मों का प्रदेश. the atomic part of Karma. क० प० १, २६; ७, ५०; क० गं० ५, ६६; —पगह. जी० (—प्रकृति) कर्मनी प्रकृति. कर्मों की प्रकृति. variety of Karma. क० गं० ६, ६६; —पगहि. जी० (—प्रकृति) कर्मनी प्रकृति अथातर भेद. कर्मों की प्रकृति-अवान्तर भेद. Karmic nature; Karmic variety. भग० ६, ३; ६, ८, १०, १६, ३; २५, ६; २६, ३; ३३, १; —पमार. पुं० (—प्रभार) कर्मो भार; कर्मो भोले. कर्म का भार; कर्मों का बोझ. heavy load of Karmas. निर० १, १; —परिग्गह. पुं०

(-परिग्रह) आहः कर्मरूप परिग्रह. आठ
कर्म रूप परिग्रह. possession in the
form of the eight kinds of
Karmas. टा० ३, १; भग० १८; ७;
—परिणति. स्त्री० (परिणति) कर्मनुं ३३.
कर्मों का फल. the result of Karma.
पंचा० ७, ८८; —परिस्. पुं० (-पुरुष) कर्म-भ-
दादेवादि तत्प्रधान पुरुष-वासुदेव. कर्म महा-
रमादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vāsudevya
whose activities mainly consist
of sinful operations. टा० ३, १;
—प्राचाय. न० पुं० (-प्रवाद) कर्म-
भेयधी विधेयत वेमां ७ ते; कर्म प्रवाद
नामने आरभो पूर्वा. जगमें कर्म संस्मन्धी
विवेचन है वह; कर्म प्रवाद नामका आठवा
पूर्व. name of the 8th Pūrva in
which there is a discourse on
Karma. नदी० ४६; सम० १४; —बंध.
पुं० (-बध) कर्मेति अंध. कर्मों का बंध.
Karmic bondage. नाया० १७; प्रव०
११११; —बहुक्त. न० (-बहुत्व) कर्मनुं
अक्षेणपक्षुं. कर्मों का बाहुल्य. multipli-
city of Karma. भग० १२, ७;
—बीज. न० (-बीज) कर्मनुं बीज राज
देवादि. कर्मों का बीज-राज देशादि. seed
of Karma. दसा० ५, ३६; —भारियता.
स्त्री० (-भारिकता=भारोऽस्ति येषां तानि
भारिकाणि तज्जवो भारिकता कर्मणो भारि-
कता कर्मभारिकता) कर्मनुं भारेपक्षुं.
heaviness of Karmas भग० ६,
३२; —महल. त्रि० (-मलिन) कर्म
पडे मलीन. कर्मों द्वारा मलीन. bespat-
tered with Karma. क० प० ७,
५७; —मल. पुं० (-मल) कर्मरूपी भेद.
कर्म रूपी मेल. dirt in the form of
Karma. क० प० १, १, —मलावेकसा स्त्री०

(-मलावेकसा) कर्मरूपी भेदनी अपेक्षा. कर्म-
रूपी मेल का अपेक्षा. reference to the
dirt in the form of Karma. प्रव०
७३५; —मूल. न० (-मूल) कर्मनुं भूत
शरीरः मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कषाय
अने योग. कर्मोंका मूल कारण; मिथ्यात्व,
अविरति, प्रमाद, कषाय और योग. any
of the five causes of Karma,
viz. Mithyātva, Avirati, Ka-
ṣāya and Yoga. “ कम्ममूलं च-
जंढरं ” आया० १, ३, १, ११७;
—रज. न० (-रजम्) कर्मरूप २०. कर्म
रूपी रज; कर्मिक रज. Karmic dust.
नाया० ८; १४; दग० ४, २०; भग० ६,
३१; २०, ८; —लेहसा. स्त्री० (-लेहसा-
कर्मणः सकाशात्ता लेहसा जावपरिणतिः सा
कर्मलेहसा) नामकर्मनी प्रवृत्तिरूप ७ लेहसा.
नाम कर्म की प्रवृत्ति रूप छः लेहसा. any
of the six Leśyās result-
ing from the Nāma Karma
of a soul. भग० १४, १; ६; —वस.
त्रि० (-वश) कर्मने वश-आधीन.
कर्माधीन; कर्मों के वश. one subject to
Karma नाया० १८; —वसगय. त्रि०
(वशगत) कर्मने वश थये. कर्मों के
वशीभूत. one under the power of
Karma. नाया० ६; —विउसग. पुं०
(-व्युत्सर्ग) कर्मने त्याग करेवा ते. कर्मों
का त्याग करना. abandonment of
Karma. भग० २५, ७; —विगम. पुं०
(-विगम) कर्मने क्षय. कर्म क्षय. des-
truction of Karma; subsidence
of Karma. पंचा० १, २; —विमुक्त.
त्रि० (विमुक्त) कर्मोत्थी मुक्त थये. कर्मोंसे
मुक्त. one, free from Karma. नाया०
६; —वियद. स्त्री० (-विगति) कर्मनी

विचित्र गति. कर्मों की विचित्र गति. the strange course of Karma. भग० ६, ३२; — विष. न० (—विष) कर्मरूप अत्र. कर्मरूप विष-जहर. a poison in the form of Karma. पंचा० ४, २८; —विशुद्धि. श्री० (—विशुद्धि) कर्मनी शुद्धि. कर्मों की निर्मलता-शुद्धता. purification of Karma. भग० ६, ३२; —विशोद्धि. श्री० (—विशुद्धि) कर्मनी शुद्धि. कर्मों की शुद्धि. purification of Karma. भग० ६, ३२; —वेद्यना. श्री० (—वेद्यना) कर्मनी वेदना. कर्मों की वेदना-पीडा. feeling of pain due to Karma. भग० ७, ३; —समारम्भ. पुं० (—समारम्भ, पापना हेतुरूप क्रियाना कारण. पाप का हेतु रूप क्रिया का कारण. a cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. आया० १, १, १, ७; —सह. त्रि० (—सह) कर्मविपादने सहन करना. कर्मविपाद को सहन करने वाला. (one) who endures the results of Karma. “कर्मसहा कावेण जंतवो” सय० १, २, १, ६; —हेतुश्च. त्रि० (—हेतुक) कर्म छे हेतु हेतु ओतुं. जिसके कर्म ही निमित्त है वह. that of which Karma is the cause. “पयत्तकट्टित्वं कर्म हेतुश्च” दस० ७, ४२;

कर्मम. पुं० (कर्मम) आः कर्मना जन्मना ३५ कामं शरीर; तेजस आने कामं शरीर संसारी द्वेष्ट अने दोष छे ते अनांतरमां पलु अतनी-साथे गत्य छे. आठ कर्मों का समूह रूप कामं शरीर; प्रत्येक संसारी जीव को तेजस और कामं शरीर होता है और भवांतर में जो जीव के साथ जाता है. Kārmāṇa Śarīra i. e. a

body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmāṇa as well as the Tejasa Śarīra and these two accompany it even in the next birth. सम० ५० २१६; जीवा० १; अणुजो० १४५;

कर्ममया. श्री० (कर्ममया) काम करता करता उत्पन्न भवेदी बुद्धि; चार बुद्धिमांती अेष्ट. काम करते २ उत्पन्न हुई बुद्धि; चार बुद्धिमां में से एक Thought excited in the mind during the course of an action. नाया० १;

कर्ममया. अ० (कर्ममः) कर्म से. Through, on account of Karma. भग० १२, ५; २०, ४;

कर्मम. न० (कर्मक=कर्मम) कामं शरीर; कर्म समूह द्रव्य. Kārmāṇa Śarīra i. e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma. विशेष० ६५८; भग० ८, ६; १२, ५; —सरीर. न० (—शरीर) कामं शरीर. कामं शरीर, Kārmāṇa Śarīra भग० २५, १; —सरीरि. पुं० (—शरीरिन्) कामं शरीर-वाला अ०. कामं शरीरवाला जीव. a soul possessed of Kārmāṇa Śarīra. जीवा० १०; डा० ६, ४; भग० १८, १;

कर्मजाय. पुं० (कर्मजयोग) वशीकरणदि व्यापार. वशीकरणदि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc. नाया० १४;

कर्मज. न० (कर्मज) मननी शक्तिशी कर्मनी यत्त करता, मांसा अनायत्त यत्त. मानविक

शक्ति से किसीको बश करना; पामल बनाना इत्यादि. Mesmerism. वि० नि० ११७; प्रब० १३३-३; क० गं० ३, २४; ४, २०; (२) कर्मण्य शरीर. कर्मण्य शरीर. the Kārmāṇya body. भग० १, ४; क० गं० १, ३३; —ओय. पुं० (-बोग) वशीकरणदि व्यापार. वशीकरणादि व्यापार. practising of enchantment etc. नावा० १४; —सरीरनाम. न० (-सरीरनाम) कर्मण्य शरीर नाम. कर्मण्य शरीर नाम. the name or appellation Kārmāṇya Śarīra. सम० २८; कर्मतर. न० (कर्मतर) अतिशय कर्म. वेहद कर्म; अत्येक कर्म. Excessive Karma. भग० २, ६; कर्मतरय. पुं० (कर्मतरक) अत्यधिक, अतिशय कर्म; अतिशय कर्म. Excessive Karma. भग० २, ६, ७, ३; कर्मतरय. पुं० (कर्मस्तव) कर्मस्तव नाम का अर्थव्यंश का तीसरा कर्मग्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the third. Karmagrantha named Karmastava. क० गं० ३, २४; कर्मधारय. पुं० (कर्मधारय) कर्मधारय समास; समासनामक प्रकार. कर्मधारय समास; समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. प्रसूजो० १३१; कर्मभूमि. वि० (कर्मभूमि) कर्मभूमिना क्षेत्रमां रहेनार; असि मसी. अने इसी (तलवार कलम अने पेटी) मे त्रय कर्म उपर निर्वाह आध्यात्मिक. कर्मभूमि में रहने वाले; असि मसी और कृषि (तलवार, कलम और पेटी) ये तीन कर्म करके निर्वाह चक्रवर्त्तन वाला. (One) living in the land

of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उक्त० २१, १६४;

कर्मभूमि. जी० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्य-तपःसंयमानुष्ठानादि कर्मप्रधानाभूमयः कर्मभूमयः) कर्मभूमि मनुष्यने रहेयाना पंदर क्षेत्र; पांच भरत, पांच इरावत, अने पांच महाविदेह मे पंदर क्षेत्र. कर्मभूमि-मनुष्य के रहने के पंदर क्षेत्र; पांच भरत, पांच इरावत और पांच महाविदेह. The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz. 5 Bharat, 5 Iravata, and 5 Mahāvideha. विश० २२६; भग० २०, ६, ८; २५, ७; नंदी० १७; पञ्च० १; आश० ८, ८;

कर्मभूमिग. वि० (कर्मभूमिक) कर्मभूमिमां पैदा थयेथ मनुष्य; असि, मसी, अने कृषि मे त्रय कर्म करी निर्वाह आध्यात्मिक मनुष्य कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; असि, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करने वाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz. military, literary, and agricultural. शेष० नि० २२६; पञ्च० १; —भूमिय. वि० (कर्मभूमिज) जुओ " कर्मभूमिय " शब्द. देखो " कर्मभूमिग " शब्द. विदे. " कर्मभूमिग " टा० ३, १;

कर्मव. न० (कर्मव—कर्मवो जातं कर्मव) कर्मण्य शरीर; आदि कर्मना समुदायकी विषय थनु विदारिकादि सार शरीरका अर्थ २५ शरीर. कर्मण्य शरीर; आदि कर्म के समुदाय से उत्पन्न औदारिकादि सार शरीर

का कारणरूप शरीर. Kārmāṇa Śarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं० प० २, २४; पञ० १२; —दृष्ट. न० (-द्रव्य) कर्मणु शरीरने योग्य द्रव्य वर्गीया. कर्मण शरीर के योग्य द्रव्य समूह. molecules of which Kārmāṇa Śarīra is made. विशेष० ६७४;

कर्ममासत्र-य. न० (कर्ममापक) पांच गुंज (रति) और काण्णी अथवा त्रय निष्पाप प्रमाणों में वजन-माप. पांचरसी चार काण्णी या तीस निष्पाप के बराबर का वजन —माप. A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kāgaṇīs or 3 Niṣpāpas i. e. equal to about 10 grains. अणुजो० १३३;

कर्मया. त्रि० (कर्मजा) काम करने करने जा बुद्धि; और प्रकारमांती तीन प्रकारकी बुद्धि 'कर्मया'. काम करते करते जा बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि: चार प्रकार की बुद्धियों में से तीसरी 'कर्मया' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नंदा० २६; ३२; ३६; दसा० ६, ४; निर० १, १;

कर्मविवाग. पुं० (कर्मविपाक) ओ नामनु कर्मग्रन्थनु प्रथम प्रकरण; प्रथम कर्मग्रन्थनु नाम. इस नामका कर्मग्रन्थ का प्रथम प्रकरण; प्रथम कर्मग्रन्थका नाम. The first Karmagrantha क० गं० १, १; ६१; (२) कर्मनु प्रकरण-६४. कर्मका

फल: the matured result of Karma.. उत्त० २, ४१; —उक्तयण. पुं० (-अध्वयन) कर्मविपाक-पुण्यपापात्मक कर्मनाशानु प्रतिपादक शास्त्र, तेना अध्वयन-अध्याय. कर्मविपाक-पुण्य पापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन-अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas. सम० ४३;

कर्मवेद्यय. पुं० (कर्मवेदक) प्रतापमाना पत्नीशर्मा पदनु नाम, जेहां ३५ कर्मने देवी रीते आंध्र छे तथा देवी रीते वेद छे तेनु वर्णन छे. प्रज्ञापना के २५वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह बांधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पञ० १;

कस्मार. पुं० (कर्मांर) लुहार. लुहार. A blacksmith. विशेष० १२६६; जीवा० ३, १;

कस्मार. पुं० (कर्मकार) काम करनेवाला; नौकर. A servant; जं० प० जीवा० २; ३; (२) कारीगर. मिर्बा. a carpenter; राय० ३२;

कस्मावादि. पुं० (कर्मवादिन्) कर्मवादी. कर्मने माननेवाला. कर्मवादी; कर्मों को मानने वाला. One who believes in the doctrine of Karma. आया० १, १; १, ५;

कस्मासरीर. न० (कर्मशरीर) कर्मणु शरीर. कर्मण शरीर. Kārmāṇa Śarīra; Kārmic body. भग० ८, १; —कायज्ञाय. पुं० (-काययोग)

कर्मेण शरीर संबन्धी कर्मानां वेपार. कामेण शरीर सम्बन्धी काया का व्यापार. physical operation connected with Kārmanā Śarīra. भग० २५, १;

कर्मिया. क्री० (कार्मिका) अभ्यास कर्तां कर्तां उत्पन्न भवेत् शुद्धि अभ्यास करते करते उत्पन्न हुई बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of study. भग० १, १; १२. ५; नाया० १; ठा० ४, ४; (२) अशेष रह्यो कर्म; कर्मोनांश. बाकी का कर्म; कर्मोका अंश. the remnant of Karma. भग० २, ५;

कय. पुं० (कच) प्लास, केश. बाल; केश. Hair. तंडु० जीवा० ३, ४; राय० ३२; —आभरण. न० (-आभरण) भाथाना पाल उपर पहरेवानुं आभूषण. गिर के बाजोंपर पहिने का आभूषण. an ornament that is worn on the hair of the head. कप्प० ४, ६२; —ग्राह. पुं० (-ग्रह) पांच आंगुली वडे केग्र ग्रहण करता ते. पाँची अंगुलीओं द्वारा केश पकड़ना. कचग्रह. catching of hair by means of five fingers. "कचग्राहदिव कच-कचग्रह विमुक्त्यै" राय० जं० प०

कय. पुं० (कच) अरीदुजु; लेजु. मोल लेना; केना. Purchasing; buying. जीवा. ३, ३; भग० ३, ७; दसा० ६, ४; गच्छा० १०३; दस० ७, ४६; —बिबाय पुं० (-विक्रय) अरीदुजु, वेंचजु; आपले करवी. करीदना, बेचना; बदला बदला करना. buying and selling; exchange. नाया० १, २, ५; दस० ३६, १३; दस० १०, १, १६;

कय-अ. त्रि० (कृत) करैस; आचरेस. किया

हुआ; आचरित. Done; performed; practised. "कयकोटवमंगलपण्डिता" विवा० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २, २, १५, १; २५, ७; नाया० १; २; ३; ५; १६; १६; अणुजो० १२८; १२६; १४७; पि० नि० १५७; ओव० ११; पज० २; बिरो० १; उवा० २, ६५; कप्प० ३, ३६; ४०; पंचा० ४, ४०; पि० नि० भा० २; दसा० ६, १५; —अंतर. न० (-अन्तर) अन्तर करैसु करैस. कार्योतर; अन्तर करण. Another action; change in action. क० प० ५, ४३; —कञ्ज. त्रि० (-कार्य) करैसु छे कार्य जेजे ते. जिसने कार्य किया है वह. an action performed. नाया० ८; ८; १८; भग० १२, ६; —करण. त्रि० (-करण) कर्मक्षय करैसुमां उधत; दर्शन मोदनीय आदि अपायवाने यथाप्रयत्यादि करैसुमां तत्पर. कर्मक्षय करने में तत्पर; दर्शनमोदनीय आदि को उपशमाकर; यथा प्रयत्यादि करण करने में उद्यत; ready to destroy Karma. क० प० २, ४१; ५, ३२; —काउत्सर्ग. पुं० (-कायोत्सर्ग) कायोत्सर्ग करैस. कायोत्सर्ग किया हुआ. one who has performed Kāyotsarga or meditation upon the soul. नाया० ५; —कारण. पुं० (-कारण) जेजे करैसु करैसु छे, योजुं छे ते. जिसने कारण किया है, योजना की है. one who has meditated. नाया० ६; —किट्ठ. त्रि० (-कृत्य) कृतार्थ; सक्ष भने. रथवालो. कृतार्थ; सफल मनोरथवाला. (one) whose desires have been accomplished or fulfilled. सु० च० १, ३६६; २, ४३५; पंचा० ६, २४; प्रव० १५६; —कोउयमंगलपायण्डित त्रि० (-कौतुकमंगलपायण्डित = कृतानि कौतुक-

मांगल्यान्वेवःप्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविवा-
तार्थमवश्यकरणीयत्वाच्चेत्ते तथा) ६४
स्वप्न आदिना दुःस्वप्ने निवारणभाटे प्रायश्चित्त
नरीके जेणे कैतुक-कपाले तिलक तथा मांग-
लिक कृत्य कर्षा छे ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको
अफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्चित्तरूपमें
कानुक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य
किया है वह. (one) who has made
an auspicious mark on the fore-
head in order to avert the
evil attendant upon a bad
dream etc. भग० २, ६; दसा० १०,
१; नाया० ४०. —नासि. पुं० (-नाश)
कुरेव-धर्म-अधर्मनो नाश. कृत-किये हुए
धर्म अधर्म का नाश. destruction of
good or evil Karma performed.
विशे० ३२३१; —नासि. त्रि० (-नाशिन)
कृतघ्न; कुरेव गुणुनो नाश करनेवाला. un-
grateful; lit. one who destroys
what is done. आंच० नि० १६६;
—पडिकह. त्रि० स्त्री० (-प्रतिकृतिक)
गुणुनो अद्वेयो वासवो ते; हुं दान आपीश
तो गुह मने शास्त्रज्ञान आपशे ओम प्रत्युप-
कारनो उद्देश मनमां राप्पी गुणादिकनी सेवा
करवी ते; लोकोपकार दिनयनो ओम प्रसार.
गुणोंका बदला चुकाना; मैं दान दूंगा तो
गुरु मुझे शास्त्रज्ञान सिखावेंगे, गेंसी, प्रत्युपकार
का मन में आशा रख गुरु आदि का सेवा
करना; लोकोपचार विनय का एक भेद.
rendering service (o. g. to a
Guru) with the expectation of
getting something in return
(o. g. knowledge). नाया० २;
—पडिकहया. स्त्री० (-प्रतिकृतिता)
जुओ “ कवपडिकह ” शब्द. देखो “ कव-

पडिकह ” शब्द. vide “ कवपडिकह ”.
भग० २५, ७; —पडिकहय. त्रि० (-प्रति-
कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः
तद्यस्यास्तीति कृतप्रतिकृतिकः) कुरेव
गुणुनो अद्वेयो वागनार. किये हुए गुणों का
बदला चुकाने वाला. one who returns
good for good. आ० ४, ४; —पुण्य.
त्रि० (-पुण्य) पुरेपुरा पुण्यवाणा; पुण्य-
वान्. पूर्ण पुण्यवान्; पुण्यत्मा. one pos-
sessed of high religious merit.
नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५,
१; पंचा० ७, २६; —बलिकर्म. त्रि०
(-बलिकर्म) कर्तुं छे अतिकर्म=कुक्षदेव गृह-
देवताने अतिदानकर्म अथवा अग्नौ यजेते कर्म
कसरत यजेरे जेणे ते. जिसने बलि कर्म-
अथवा बल वर्द्धक-शक्ति प्रद-कसरत आदि
किया है वह. one who has given
oblations to a deity or has per-
formed strength-giving activity,
physical exercise etc. भग० ७, ६;
६, ३३; दसा० १०, १; नाया० ४० नाया०
१; १२; १६; जं० ५० ३, ५०; —लक्षणा.
त्रि० (-लक्षण) संपूर्ण लक्षणवालो.
सम्पूर्ण लक्षणों युक्त. one possessed
of all the signs or marks. नाया०
१; १६; भग० ६, ३३; १५, १; —विहव.
त्रि० (-विभव) संपूर्ण वैभववाणु.
संपूर्ण वैभव वाला. (one) possessed
of full glory or prosperity.
नाया० १; —व्ययकर्म. त्रि० न० (-व्यय-
कर्मन्) श्रावकनी भीष्ट पडिमा धरनार
श्रावक के जे भे भास सुधी ज्ञान अने धर्म
पूर्वक आधुमन आदरे अने पाणे. श्रावककी
दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक वि-
ओ दो मास तक ज्ञान और इच्छा से अनुम-
धारण कर उन्हें पालता है; (a Jain

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. गम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृतान्ता) श्रावस्ती नगरीनी पास में आवेसी नगरी का नाम. भावस्ता नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Sravasti. " तीसरे कयंगलाणं नगराण् अक्षरसामंते सावस्थी ग्रामं नगरी ह्येता " भग० २, १;

कयंत. पुं० (कृतान्त) देवः; आत्मा. भाग्य; देवः; तत्काल. Fate; fortune. पण्ड० १, ३; (२) यमराज. यमराज. the god of death. सु० च० १, २३३;

कयंब. पुं० (कदम्ब) कदम्ब का फूल. Name of a tree. जाया० ३, ४; राय० पञ्च० १; अणुजो० १३१; कण० १, ४; ३, ३३; जं० प० ५, ११५; —पुष्प. न० (—पुष्प) कदम्ब का फूल. a flower of a Kadamba tree. कप० १, ५;

कयंबग. न० (कदम्बक) कदम्ब का फूल. A flower of the Kadamba tree. जाया० १, १३;

कयग. पुं० (कृतक) कृत्रिम; कृतक. कृत्रिम; बना-बटी. Artificial. विशेष० १८३७; —कयग. त्रि० (—कर्मक) अर्पित. खरीदा हुआ. bought. निसी० ६, ६; —भक्ष. न० (—भक्ष) अर्पित. अर्पित-भोजन. मोल लिया हुआ भोजन-भक्ष. purchased food. निसी० ६, ६;

कयग. पुं० (कृतार्थ) अर्थक्षेत्रना गर्ध. गोपीशीला १६ भागीर्थक्षेत्र. भरतक्षेत्र की गत काठ की चौबीसी के १६ वें तीर्थक्षेत्र. The

19th Tirthankara of Bharata Ksetra of the past cycle.

प्रव० २६१;

कयद्र. त्रि० (कृतार्थ) कृतार्थ; भाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भक्त० ५२;

कययस्य. त्रि० (कृतज्ञ) कृतज्ञ उपकारने जाणना. किये हुए उपकार का मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others पंचा० ११, ३५;

कयत्य. पुं० (कृतार्थ) कृतार्थ. पोतानुं कार्य सिद्ध कर्युं ते; कृतार्थ. जिसने अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग० १, ८; ६, ३३, २५, १; नाया० १; १३; १५; उत्त० ३२, ११०; बिवा० ७; विशेष० १००८; सु० च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, ११२; ११७;

कयज्ञ. त्रि० (कृतज्ञ) कृतज्ञ उपकारने जाणना. किये हुए उपकार का समझने वाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव० १३७२;

कयमास. पुं० (कृतमास) एक जाति का झाड़. A kind of tree. जं० प० (२) तिमिस गुफा. अधिष्ठाया देवता. तिमिस गुफा के अधिष्ठाया देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). जं० प० १, १२; ३, ५१; ३, ६५; ६, १२५;

कयमालम्-य. पुं० (कृतमालम्) वैताड्य-नी तिमिस गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisa of Vaitādhyā. जं०

प०(२)वैताढ्यनी गुफांनु नाम. वैताढ्यकी गुफा का नाम: name of a cave of the Vaitādhyā of Irāvata Kṣetra. टा० २. ३; (३) मेरुपर्वतनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आह दीर्घवैताढ्यनी आह तिमिस्र गुफाना अधिपति दैवता. मेरु पर्वत के पूर्व ओर सोता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताढ्य की आठ तिमिस्र गुफाओं के अधिपति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dirgha Vaitādhyas to the north of the river Sitā which is to the east of the Meru mount. टा० ८;

कथर. त्रि० (कतर) मे के ध्यामानो कोण - क्रो ओ३. दोया बहुनों में मे कौन एक. Which; who. "कथरे धमे अक्खाण मा- हयेयं महमया" सूय० १, ६, १, ११, १: दम० ४; १, ६, २; ८, १४: पि० नि० ३१०; म० प० १०; जीवा० १; अणुजो० ८६: उत्त० १२, ६; आव० ६३; ओघ० नि० १३७६: विश० १६०; पञ० ३; दसा० १, ३; ६, १२; नया० १६; १७; भग० १, १; ३, १, २; ४, ४; ७; १२, ६; १६, ११; १८, ४; २६, १; ६; उ० प० ७, १५६;

कयली. स्त्री० (कदली) डेगनु जा३. केले का झाड़. A plantain tree. ओघ० नि० ६६७; जं० प० सु० च० २, १६५; जीवा० ३, २; प्रब० ५११; — गद्यम. पुं० (-गद्य) डेग-कदलीना वृक्षता गर्भ. केले-कदलीके वृक्ष का गर्भ the inner part of a plantain tree. प्रब० ५११; — घर. न० (-गृह) डेगनाधर; डेगीधर. केले का गृह; केली घर. a house of plantain trees. नाया० ३; जीवा० ३, ४; — धर्मग. पुं० (-गृह) डेगनाधर. केले का घर. देखो "कवालि घर" शब्द. vide. "कवालि

घर" राय० १३६; — लया. स्त्री० (-लता) डेगनी लता-- डेग वेध. केले की लता--बेल. a creeper of plantain trees. नाया० १३; — हर. न० (-गृह) डेगना धर. केले का घर. a house of plantain trees. जं० प० ४, ११४;

कयसत. त्रि० (कृतवन्) डरनार. करवेवाला. (One) who has done. विशेष० १५५५. कयसम्म. पुं० (कृतवर्मन्) देवमा तीर्थकरना पिता. तेरहवे तीर्थकर के पिता. The father of the 13th Tirthan-kara. सम० प० २२६; प्रब० ३२४;

कयसर. पुं० (कसर) अयसो: पुर्नत: कटा: कचरा. Dirt; refuse. आया० १, १, ४, ३७. जीवा. ३, ३; भल० ८६; नाया० १; २६; जं० प० ४, ११२; — उज्जिका. स्त्री० (उज्जिका) अयसाने शोथी साध करी पादार डेकनार; पासीदु पाणनारी. कूड़े कर-कूद को निकाल साफ कर बहार फेंकने वाली; झाड़ पृष्ठ का कार्य करवेवाली. a woman who collects refuse and throws it away. नाया० ७;

कया सं० कृ० अ० (कृत्वा) करीने. करेक. Having done. पि० नि० ८८;

कया अ. न० (कदा) क्यारे. कब. When. टा० ३, ४; उत्त० १, २१; सु० च० १, ७७; दस० ७, २१; भग० १, २; जं० प० ७, १५३;

कयाह. अ० (कदाचित्) कदाचित्; कदाचित्. किसी समय; कदाचित्. At some time or other; perhaps. भग० २, १; ३, १; ४, ४; १५, १; नाया० १; विवा० १; उत्त० १, १७; २, ७; राय० १४६; जं० प० पि० नि० २०६; दसा० १०, १; सम० १३; आव० ४०. सूय० १, १, ३, ६; १, ६, १०; उवा० १, ८८;

कयाई. घ० (कयायित्) कयाई. "कयाइ"
गु०६. देको "कयाइ" शब्द. Vide
"कयाइ" विशेष० ३०६; उत्त० ३२, २१;
पि० नि० ३००;

कयायुग. न० (कयायक) करीयायुं किराना.
Grocery. सु० च० १, १८७;

कयार. न० (कयर) कयरो. कयरा. Refuse:
dirt. विशेष० ११७०;

✓कर. धा० I, II. (कृ) क२तुं; अना२तुं.
करना; बनाना. To do; to prepare;
to make.

करेइ-ति. जं० प० ५, ११६; दसा० १०, १;
निर० २, ६; नाया० १; २; ५; ८;
६; वेय० १, ३६; भग० १, २; २,
१; ३, १; ४; ७, १; ६, ६;

करन्ति. भग० १, ३; ३, ३; ५, ४; ८, १;
दसा० ६, ६; ८, २; नाया० २, ८;

करिन्ति. नाया० १. ७; ८, १४; १६; भग०
२७, १;

करेन्ति. ओष० २७; पि० नि० २०६; नाया०
१; २; ६; १४; भग० १. ६; १४,
१; २०, ८; जं० प० ५, ११६;
११२; ११३;

करेमि. नाया० १६;

करेमि. नाया० १; जं० प० ५, ११५;

करेमां. जं० प० ५, ११२;

किरिआ. पि० नि० ४८६; सु० च० ६, १२०;
भग० १, ७; १२, ७; ८; २१, १;

२४, १; ७; नाया० ३०;

करेजा. भग० ८, ६;

करेजासि. बि० भ० ए० पि० नि० ४३८;

करेजासि. सि० उ० ए० नाया० २;

करेदि. घा० नाया० २; ८; दस० ७, ४७;
भग० ३, १;

करेइ. घा० ओष० २८; भग० १, ६; ६,
३३; ११, ११; १५, १; नाया० १;

५; ८; ६; १६;

करिस्सइ. भ० भग० ८, २; १५, १; दस०
७, ६; नाया० ५;

करिस्सन्ति. भ० सप्त० १; भग० १, ३; २६,
१; नाया० ५; दस० ७, ६;

करिहिन्ति. भ० नाया० १८; भग० २, १;

करेहिन्ति. भ० नाया० ६; भग० १५, १;

करिस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
१२६; ५, १२७;

करेस्सामि. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
१२६; ५, ११७;

करेस्सं. भ० भग० १८, १०; जं० प० २,
१२६; ५, ११७;

करिस्सामो. भ० ओष० २७; जं० प० ५,
११३;

अकरिस्सं. भू० आया० १, १, १, ५;

अकरिस्सु. भू० ठा० ३, १; नाया० १; भग०
१, २; ८, २; १५, १;

करिन्ता. मं० कृ० ओष० २७; पञ्च० ११२;
ओष० नि० ३६; नाया० १६; भग०
११, ११; दसा० १०, १;

करेता. रा० कृ० ओष० २६; भग० ३, १;

करिष. मं० कृ० मंथा० १०४;

करेत्तए. दं० कृ० भग० ३, १; ८, ५; ८, १५,
१; जं० प० ५, ११२; ११५;

करिन्त. व० कृ० विशेष० ३४२०;

करेन्त. व० कृ० विशेष० ३४२०;

करेमाक. व० कृ० दस० २, ३; १०; ११; १६,
२०; वेय० ४, १; १०; ३६; ओष०
२७; नाया० १; २; २; १४;

कारेइ. प्रे० पि० नि० ४२४; निती० १, १२;
भग० ३, १;

कारावेइ. प्रे० नाया० १२; १५;

करावेइ. प्रे० नाया० २, १३;

कारवेइ. प्रे० सु० च० २, ४३; भग० ८, ५;

कारवेमि. प्रे० दस० ४;

करावे. प्रे० वि० उत्त० २, ३३;
 कारेह. प्रे० आ० आवा० १, ७, २, २०४;
 कारेह. प्रे० आ० ओव० २६; भग० ११,
 ११; राय० २८;
 कारावेह. प्रे० आ० नावा० १;
 कारवेत्ता. प्रे० सं० कृ० ओव० २६; जं० प०
 ३, ४३;
 कारावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
 कारविता. प्रे० सं० कृ० भग० ११, ११;
 कारावेत्ता. प्रे० सं० कृ०
 कारेत्ता. प्रे० सं० कृ० भग० ३, १;
 काराविता. प्रे० सं० कृ० राय० २८;
 कराविऊव. प्रे० सं० कृ०
 काराविऊव. प्रे० सं० कृ० सु० च० ३, १५;
 कारवेत्तए. प्रे० हं० कृ० भग० ८, ५;
 काराविताए. प्रे० हं० कृ० वव० ५, २०;
 कारावेत्तए. प्रे० हं० कृ० सूय० २, ४, ६;
 कारन्त प्रे० व० कृ० निसी० १, १२;
 कारेन्त. प्रे० व० कृ० भग० ११, ११;
 कारेमाव. प्रे० व० कृ० सम० ७८; भग०
 १८, २; १३, ६; पञ० २; कृष्ण०
 २, १३; जं० प० ५, ११५;
 काजिस्मह. प्रे० व० कृ० भग० २८, ६;
 कीरन्त. प्रे० व० कृ० आवा० १, ६, ४, ८;
 नावा० ११; सु० च० २, ३३०;
 पंचा० १६, ५;
 कीरमाव. प्रे० व० कृ० भग० १५, १; दम०
 ७, ४०; सु० च० ७, १४६; वव०
 २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२;
 किजमाव. प्रे० व० कृ० डा० ३, २;
 कजमाव. प्रे० व० कृ० सूय० १, ८; भग०
 १, ८; १, १०; ६, ३२; १२, ४;
 पंचा० १७;
 कारिजह. प्रे० व० कृ० सु० च० २, ४७;
 किजह. क० वा० सु० च० १, ६६; सम० ३४;
 कजह. क० वा० अणुजो० ७५, ८; भग०

१, ६; १, ६; २, ५; ३, ३; ६, ६;
 १२, ५; १७, ९; १८, ७; जं० प०
 ७, १३८;
 कीरए. क० वा० पि० नि० ५८;
 कीरह. क० वा० सूय० १, २, ६; नावा० १६;
 भग० १, ९; ६; ३३; विते० २६;
 ६६; गच्छा० ७६; प्रव० ३०; क०
 गं० १, १;
 कज्जन्ति. क० वा० पञ० १७; भग० १, २;
 ४, ६; ७, १०;
 कीरन्ति. क० वा० सु० च० २, ३२६;
 किजन्ति. क० वा० भग० १, १०; दसा० ६, ४
 किजह. क० वा० सु० च० १, ३५५;
 कर. पुं० (कर) हाथ. हाथ. A hand; an
 arm. नावा० १, ६; १६; १७; दसा० ६
 ४; विवा० १; भग० ८, १०; ४२, १; राय०
 २८; गच्छा० ८३; (२) हाथीनी सुं६.
 हाथी की सुं६. the trunk of an
 elephant. नावा० १; परह० १, ३;
 (३) त्रि० ४२ना२. करनेवाला. one who
 does; a doer. उत्त० १, २६; भग० १,
 १; ओव०; नावा० १; (४) पुं० ८२ भा
 अहनुं नाम. ८२ वें ग्रह का नाम. name
 of the 82nd planet. सू० प० २०;
 (५) ४२; वेरो. कर; महसूल. a tax;
 a duty. जं० प० पि० नि० ८७; (६)
 किरण. किरण. a ray. जीवा० ३, ३; (७)
 रागना ४२नी पेठे अदिहन्तना ४२ तरीके
 भानी वंदना ४२ ते; वंदनाना ३२ दोषभानो
 पत्नीशभो दोष. वंदना के ३२ दोषों में से २५
 वां दोष. the 25th of the 32 faults
 connected with Vandana i. e.
 bowing a Tirthaṅkara, sup-
 posing it to be a tax similar to
 the tax which is paid to a king.
 (८) अभना येवीस प्रहारभानो ओ६; रनिसं.

जाय भाटे कामना आसन वगेरे वासना ते.
काम के २४ भेदा में से एक भेद; रति
संभोगार्थ काम के आसनादि लगाना. any
of the 24 varieties of sexual
intercourse; the different
postures adopted at the time
of sexual intercourse. प्रव० १०७६:

—कमल न० (-कमल) हाथरूप कमल
हाथ रूप कमल. a hand as a lotus
(metaphorically). भक्त० १७;

—जुयलमज्ज पुं० (युगलमज्ज) ओ
हाथी वन्द्य दियजुशायी वन्दना करेते;
वन्दनाने ओक होय. दोनों हाथों के बीच
में घुटना रखकर बंदना करना; बंदना
का एक दोष. a fault connected
with Vandana (bowing) by
keeping the knees between
the two hands. प्रव० १५६; —नवग.
न० (-नवक) नव हाथ. नौ हाथ. nine
cubits (a measure of length).

प्रव० ७७५

करञ्ज. पुं० (करक) करी: गनेपुं पाज्जी. बर्फ;
ओला. leo; hail. कण० ६६, ४४;

करंज. पुं० (करंज) करंज नामतुं गड. एक
जाति का करंज नामक फल. Name of
a tree. पञ्च० १; भग० २२, २;

करंड पुं० (करण्ड) करंडियो. डिब्बा; कंडिया.
A small box or basket (made
of bamboo). भाषा० १; पण्ड १४;

करंडग. पुं० (करण्डक) करंडियो; अथवा. डिब्बा;
कंडिया. A small box or basket
(made of bamboo). ठा० ४, ४;
भग० २, १; अणुत० ३, १; जवा० ३, ४; ओष०

नि० ६६०; भाष० १६, ३६, जं० प० ५, १२०;

करंडय. पुं० (करण्डक) करंडुं हाडकी
हाड की हड्डी. The spinal cord. तंदु०

करंडु. पुं० (करण्ड) पुंडुं हाडकी
हड्डी. The back-bone. जवा० ३, ३;

करंय. पुं० (करम्ब) हड्डी आभाना मिश्रण
अनने ओक आद्य पदार्थ; करंयो. दही, चावल
के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ.
A food prepared of boiled rice
and curds mixed together.
प्रव० २३०;

करंयिय. त्रि० (करम्बित) धारयितरा रंगवाले.
नाना रंगवाला; रंग बेरंगा. Of variegan-
ted colours. सु० च० २, ५०;

करक. पुं० (करक) करी. ओला. A hail-
stone. पण्ड० १, ३; (२) करण्डोपुं ओक
पात्र; जरी. करवे जैसा एक बर्तन. (जो साधु
के काम में आता है) a water pot
(used by ascetics). अणुजो० १३२;

करकंड. पुं० (करकण्ड) ओ नामने ओक
आत्मि संन्यासी. इस नामका एक ब्राह्मण
संन्यासी Name of a Brāhmana
ascetic. आव० ३८;

करकंडु. पुं० (करकण्डु) करकंडु नामना ओक
प्रत्येकपुंड के गेने अगहनी पलटनी अवस्था.
गेने वैराग्य उत्पन्न थयो हतो. करकंडु नाम
के एक प्रत्येकपुंड जिस कि बेलकी पलटती हुई
अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था.
Name of person who felt dis-
gusted with the world upon
seeing the changes in the con-
dition of an ox. " करकंडु काँडेगु "

उत्त० १८, ४६;

करकणिय. त्रि० (करकणित) करवत वगेरेथी
हाडेल काष्ठ-पाटीयां. आरे. आदि से चीरा
हुआ काष्ठ-पाटिया. A board of wood
cut off with a saw etc. अणुजो० १३३;

करकय. पुं० न० (करकय) हाडकी वेगेरेवानुं
आभार; करवत लकड़ी चीरनेका औजार; आरा;

करवत. A saw. उत० १६, ५१; परह० १, १;
करकर. पुं० (कर) पदाब्ज-पाणीभा-पुष्पनी
वभते कङ्करीआवाज करे छे ते. जहाजका पानी
में डूबते समय करकर आवाज करना. A
croaking sound produced by a
sinking vessel. नाया० ६; उवा० २, ८४;
करकरसुंठ. पुं० (करकरसुण्ड) ऐक जलनी
वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind
of vegetation. “ एरंडे कुकुबिदे कर-
करसुंठे तहविमंगगुय ” पञ्च० १; भग० २१, ६;
करकरिग. पुं० (करकरिक) करकरिक नामने
ग्रह. करकरिक नाम का ग्रह. Name of a
planet. “ होकरकरिग ” ठा० २, ३;
सू० प० २०;

करकुटि. पुं० (*) कुंसीनी सग पाभेन.
कैदीनुं ऐक वस्त्र; फांसी का हुकम पाये हुए
कैदी का एक वस्त्र. A garment worn
by a person sentenced to
capital punishment. परह० १, ३;
करग. पुं० (करक) करवडा; कङ्करी; ऐक जलनुं
वासण. करवा; लोटा. A metal-pot.
अणुत्त० २, १; सूय० १, ६, २, १३; जीवा० ३, ३;
उवा० ७, १६७; (२) त्रि० करना२.
करनेवाला. a doer; one who does.
नदी० २८; (३) पुं० वरसादनी कथिगर्भ;
करा. बरसात का कथागर्भ; ओला a hail-
stone. दस० ४; पञ्च० १; पि० नि० भा०
१७; जीवा० १; (४) शालक पक्षिनी ऐक
जल. शालक पक्षी को एक जाति a kind
of bird. परह० १, १;

करगय. पुं० (करकय) करवती; करवत. आरा;
करवत. A saw. उत० ३४, १८;
करग. न० (करग) हाथेनो आग्रभाग;

आंगणी. हाथ की अंगुलिया. Fingers.
सू० च० १, ६५;
करड. पुं० (करट) ऐक जलनुं वाजिन.
एक जाति का बाजा. A kind of musi-
cal instrument. राय० ८८;
करडि. पुं० (करडि) ऐक जलनुं वाजिन.
एक जाति का बाजा. A kind of musi-
cal instrument. जीवा० ३, ३;
करहुयभस. न० (*) भरी भयेसानी पाण
जमल थाय ते; मृतक भोजन. मनुष्यके मरने
के पश्चात् जो भोजन होना है वह; मृतक
भोजन; आसर. Dinner for which
the occasion is the death of a
person. पि० नि० ४६४;

करण. न० (करण) साध्य क्रियाने सिध्य कर-
वाभा अत्यंत सहायक; साधन. साध्य क्रिया
को सिद्ध करने में अत्यंत सहायक; साधन.
Anything useful in accomplish-
ing an object; an instrument
or means of an action. ठा० ३, १, ८,
१; अणुजो० २७; १२६; नाया० १; जं० प० ७.
१५३; प० ११२; उवा० १, ५८; विशेष० २००८;
३६०१; राय० २१५; भग० १, १०; ६, १; १६,
९; पंचा० ३, २६; १४, २; (२) इन्द्रिय इन्द्रिय.
an organ of sense. क० ग० १, ५;
४६; जीवा० ३, ३; ओवा० १०; परह० १, २;
(३) प्रयोग करी अतायनुं. प्रयोग करके
दिखाना. actual experiment or
performance. ओवा० ४०; (४) ज्योतिः
शास्त्रभां द्दर्शविज्ञान अथ आकाशं यजेरे अगीवार
करण. ज्योतिःशास्त्र में दिखाये हुए ‘ बव ’
‘ बालव ’ इत्यादि ग्यारह करण. (in
Astrology) any of the 11

divisions of a day. भग० ११, १; ११, ६; १५, १; नाया० १; ५; ६; १४; १५; १६; श्रौव० ४०; श्रौष० नि० ८०; क० प० ४, १; आश्व० १, ५; जं० प० (५) ३२७; अभिग्रह आदि. करण; अभिग्रह आदि. a certain vow. नाया० १; (६) ३२७. करना. doing; performing. उत्त० २६, ६; श्रौव० ३१; भग० ३, १; १४, ४; नाया० १; ६; पि० नि० १६६; ४१०; पण्ड० १, १; (७) आरित्र धर्म. चारित्र धर्म, religion pertaining to right-conduct. नंदी० ३०; (८) पि० (५) श्रुति आदि वनशास्त्र प्रसिद्ध ७० ओषधो समृद्ध. पि० (५) श्रुति आदि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० ओषधो का समुदाय. the collection of 70 forms of the Śāstram such as Pīṇḍa Viśuddhi (purity of food) etc. श्रौव० १६, सम० २; श्रौष० नि० १; नदी० ४५, नाया० १; भग० २, १; प्रव० १६; (६) पूर्वे काम यन्त्रे नथी उपपन्न यथा तेना अध्ययसाय विशेषः अपूर्व ३२७. ऐसे अध्ययसाय जो पहिले कभी भी उत्पन्न न हुए हों; अपूर्व भाव. peculiar thought activity; Apūrva Karmā. उत्त० २६, ६; (१०) जे अध्ययसायथी कर्मना 'मन्धन स कर्मण्यु, विद्वन्ना, अपयन्तना, विद्वन्ना, उपशमना, निधति अने निद्रायना थाय ते; 'मन्धन आदि काय'मेदशी ३२७रूप ३२७ना पण्यु उपर द्रव्या प्रभाजे आदि प्रकार छे. जिन अध्ययसायों से कर्मों के बंधन, संक्रमण, उद्धर्तना, उदीरण, उपशमन, निधति और निकृचना होते हैं वह; बंधन आदि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार आठ भेद हैं. the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramana, Udvartana,

Apavertana Udirana etc. 's affects. प्रव० ११;—उवाच. पुं० (-उवाच-करणंक्रियाविशेषः स एवा उवाचः स्थानान्तरप्राप्तौ हेतुः करणोपायः) ३२७-क्रिया ३५ हेतु; श्रुत्यं ओषधस्थानेथी पीठे स्थाने उपपन्नाभां केवन्नाभां ३२७-कर्मरूप हेतु छे ते. करण क्रियारूप कारण; जोव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानमें करण कर्म रूप कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the cause of transmigration to the soul. "लेजहाणामण पवण पवयमाण अउकवसाण शिवल्लिण्णं कण्ठोवाण्णं सेव कालं तंठाणं शिवज्जाहता " भग० २१, ८;—कथ. त्रि० (-कृत यथा प्रवृत्त्यादि ३२७-क्रियाथी ३२७. यथा पटव्यादि करण-क्रिया ने क्रिया हुआ. performed properly. क० प० ५, १;—जोग पुं० (-योग) ३२७रूप योम-भन, यथन अने दायानो व्यापार. करणरूप योग-मन, वचन और कथा का व्यापार. activity of mind, speech and body. दग० ६, २७;—जोय. पुं० (-योग) लुओ "करणजोग" शब्द. देखो "करणजोग" शब्द. vide "करणजोग" दग० ८, ४;—नञ. पुं० (-नञ) ३२७-क्रियानय, ओषधे क्रियानेज माननारः सर्व पटु क्रियाने आधीन छे ओष माननार. करण-क्रियानय अर्थात् क्रियाकोही मानने वाला; सब चीजें क्रिया के आधीन है ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशेष ३५६१;—वीरिय. न० (-वीर्य) विधान आदि क्रिया ३५ परिश्रमपामेक्षु वीर्य. उत्थान आदि क्रियाओं के रूप में परिणाम पाता हुआ वीर्य. the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc. भग० १, ८;—
सम्ब. न० (-सम्ब) क्रियाभां देखातुं सत्य;
पडिदेह्यादि क्रिया यथोक्त रीते करवी ते. क्रिया
में दिखाइ देता सत्य; प्रतिलेखनादि क्रिया यथा-
चित रीतिसे करना. correctness appear-
ing in an action, e. g. proper
examination of clothes etc. भग०
१७, ३; उत्त० २६, २; सम० २७;

करवत्ता. अ० (करवत्तः) प्रयोग्णी. प्रयोग
से. Through actual practice or
performance. नाया० १; प्रब० १५७;
करवत्ता. स्त्री० (करवत्ता) करतुं ते. करना.
Doing; act of performing. नाया०
१; ५; ८; १६; निमी० १, ४०; भग०
३, २; ६, ३२; उवा० २, ११३;

करवत्त. त्रि० (करवत्त) करवत्त; करवा जोग.
कर्तव्य; करने योग्य. (Anything)
worthy to be done. भग० ३, १; ६,
३३; नाया० १; ३; अणुजो० २८; वव०
२, १; पंचा० १, ४३; राय० १७१;

करवत्त. न० (करवत्त) करवत्त; लाकडा वेरवानुं
साधन. आरा; लकड़ी चारने का साधन.
A saw. डा० ४, ४; नाया० १६; विवा० ६;

करम. पुं० (करम) गिरतुं अ०. उंट का बच्चा.
A young one of a camel. पण० १, १;

करमह. पुं० (करमह) करमहानुं गड.
करींदे का काड़. Name of a tree pro-
ducing berries. पण० १;

करवत्त. न० (करवत्त) हथेली; हाथनी सपाटी.
हथेली; पंजे का समचौरस भाग. The
palm of a hand दशा० १०, १;
राय० २६३; ओष० नि० भा० २७३; नाया०
५० निर० ३, ४; ओष० ११; ३०; नाया० १;
२; ६; ७; ८; १२; १४; १६; भग० २, १;
३, १; २; ७, ६, ६, ३३; १५, १; कण०

१, ६; जं० प० ५, ११२; ११४;—(ला)
—आह्वय. त्रि० (-आह्वय) हथेलीथी हथेली
—धकेले. हथेली से दबाया हुआ—ठकेला हुआ.
pushed forward or struck with
the palm of a hand. नाया० ६;
—परिगृह्य. त्रि० (-परिगृहीत)
भे हाथ जेडे. दोनों हाथ जोड़े हुए.
folding both hands together.

वव० १, ३७; कण० १, ५;—पलहरथमुह.
त्रि० (-पर्वस्तमुह) आसपर हाथ सपाटी छे
जेडे ते. जिसने गाँव पर हाथ रखा हो वह.
(one) who has rested his cheek
on the palm of his hand. निमी० ८,
११;—पुड. पुं० (-पुड) करतल संपुट;
भोभो. घोबा. the hollow cavity
formed by joining the two
palms. जं० प० ६, ११४;—मसिव. त्रि०

(-मर्दित) हथेलीभां मसनेतुं हथेली में
मसला हुआ. pressed in the palm
of a hand. विवा० २;—मेय. त्रि०
(-मेय) भुडीभां पकडी शक्य अ०. मुट्टी
में पकडा जासके ऐसा. anything that
can be caught in a fist. कण०
३, ३६;—संपुड. पुं० (-संपुड) हथेलीने
संपुट; भोभो. हथेली का संपुट. the
cavity formed by joining the
two palms together. कण० २, २१;

करव. पुं० (करव) नागवातानुं पाणी
पीवानुं पात्र. नलीदार पानी पीने का बर्तन.
A water-pot resembling a
kettle. पु० व० १०, ४२;

करवत्त. पुं० (करवत्त) करवत्त; लाकडा वेरवानुं
हथेली. करवत्त; लकड़ी चारने का औजार.
A saw. उत्त० १६, ५१; जीवा० ३, १;
पण० १, १;

करह. पुं० (करम) हाथी अथवा उटतुं अ०.

- हथी अथवा ऊँट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel. सु० च० ४, ११४;
- करही. स्त्री० (करमी) उ० ३; सां० ३; ऊँटनी; सां० ३. A she-camel. पि० नि० १६४;
- कराह. त्रि० (कराहि) दाथ पगेरे हाथ आदि. A hand etc. विशेष० २७२; —चिह्ना. स्त्री० (-बेष्टा) दाथ पगेरेनी चेष्टा-प्रवृत्ति. हाथ आदि की चेष्टा-बनाव. movement of the hand etc. विशेष० १७२;
- कराल. त्रि० (कराल) उन्नत; अदार नीक-गत. उन्नत; इति पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out. अणुत्त० ३, १; उत्त० ३०;
- करि. त्रि० (करिन्) दाथवाणो. दाथ वाला. One having a hand or hands. भग० ८, १६; (२) पुं० दाथी. हाथी. an elephant. पगह० १, ३;
- करिअ. पुं० (करिक) ८३ भां ग्रहणु नाम. ८३ वें ग्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सू० प० २०;
- करिसुगसय. न० (*) भगवती सूत्रनां २७ भां शतकनु नाम. भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नाम. Name of the 27th Sataka of Bhagavati Sūtra. भग० २७, ११;
- करिल. न० (करील) पांशना अंकुर; द्रुपद; पांशनी अग्रभाग. बांस के अंकुर; पत्ता का अग्रभाग; कौपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. अणुत्त० ३, १; विशेष० २६३;
- करिस. पुं० (करीष) करीषनु जा०. करीष का झाड़. A kind of a tree. उवा० ७, १६७;
- करिसावण. पुं० (कार्पावण) ओक मतनी सिद्धो. चाँदी का एक सिक्का. A silver coin. "जहाणगीकरिसावणो तहाबहवैक-रिसावणा" अणुजो० १४७; तंदु० विशेष० २०६;
- करिसिन. त्रि० (करित) सुक्ष्म; पतलु; दुबल. सूक्ष्म; पतला; दुबल. Fine; thin; feeble. सू० १, ३, ३, १५;
- करिर. पुं० (करीर) केरानु जा०. एक झाड़ का नाम. Name of a tree. पग० १; आया० २, १८, ४३; —अंकुर. पुं० न० (-अंकुर) केरानो अंकुरो. बांस का अंकुर. a sprout of a tree. प्रव० २४३;
- करीरअ. पुं० (करीरक) केराना नामे पाउलु केरपुखानु नाम. केराना नामेवाला कोई पुरुष. Name of a person. अणुजो० १३१;
- करीस. न० (करीष) अजायु; अजु. कंडा; गोबर का छाना A dry cow dung cake. पि० नि० २७६;
- करुण. त्रि० (करुण) दयाजनक; दयापात्र. दयाजनक; करुणापात्र. Pitiful. भग० १६०;
- करुणा. स्त्री० (करुणा) केरुणाजनक शब्द. करुणा जनक शब्द. Piteous cry. नाया० ६; (२) दया. दया. mercy. क० गं० १, ५५; —यर. त्रि० (-कर) दया करवावो दया करने वाला; दयालु. kind; merciful. सु० च० २, ६४;
- करेणु. स्त्री० (करेणु) हाथेली. हाथी. A she-elephant. उत्त० ३२, ८६; नाया० १;
- करेणुया. स्त्री० (करेणुका) हाथेली. हाथीनी. A she-elephant. सु० च० २, ५१;
- करोडि-अ-य. पुं० (करोडिक) तापस; अपासिक. तापस; अपासिक. An ascetic; an ascetic carrying a garland

of human skulls. विवा० ७; जं० ५०
नाया० ८; १३; भग० ११, ११; (२)
ताम्बूलफलीना अटवे पुगेरे विपाडनार रानु-
ना भायस. ताम्बूल आदि की कोथली उठाने
वाला राजाका मनुष्य. a servant of a
king carrying a bag etc. of
hotel-leaves etc. आव० ३२; (३)
भाडीनी भोटा मोदानी कुडी; क्षम. मिट्टी
की बड़े मुँह का कुंडा-बरतन an earth-
on basin; a cup or basin. भग०
२, १; आव० ३६; अणुजो० १३२; जीवा०
३३; जं० ५० ३, ६७; (४) ३५श. कलश.
a pitcher. भग० ११, १३;

कल. त्रि० (कल) ऐक जतनु धान्य. एक
जाति का धान्य. A kind of corn. पि०
नि० ६२३; भग० १५, १; २१, २; पत्र०
१७; दया० ६, ४; (२) हृदय अने श्रानने
मधुर आगे तेवो अत्यक्त (ध्वनि). हृदय
और कानको सुहावनी अव्यक्त आवाज (ध्वनी).
sweet and indistinct sound.
“ कलहविममहरतंतीतललाल ” नाया०
१७. प८६०२, ५; (३) श्रुत्यः प्रीत्यः कौचड.
mud. भग० ५३; १३०; - रिभिय. न०
(-रिभित्त) मधुर गीत आभेद मधुर गीत
गाया हुआ. a sweet and charming
song. नाया० १७;

कलंक. पु० न० (कलङ्क) अधी; दाग;
कलंक; लाङ्घन. Spot; stain. पंचा० ६,
२०; विवा० ३; आव० १०;

कलंकलीभाव. पु० (कलङ्कलीभाव) क्षण-
क्षणात्; दुःखना अभराट. दुःखका घबराहट
Piteous lamentation or com-
plaint. पत्र० २; आव० ४३; सूय० २, २, ८१;
(२) ससंभ्रमं अश्रुय आदिने विषे पयं दन
क्षत्रुं ते. संसार से गंभीर आदि में पर्यटन
करना; जन्ममरण चारण करना. wander-

ing in the cycle of birth and
death e.g. remaining in the
womb etc. आया० २, १६, १२;

कलंद. पु० (कलन्ड) कुण्ड विशेष. कुण्ड
विशेष. A basin of water. उवा० २, ६४;
कलंब. पु० (कदम्ब) ३६२५तुं आड. कदम्ब
का फाड़. Name of a tree. भग० ६,
३३; ३२, ३; नाया० १;

कलंबचीरपत्त. न० (कदम्बचीरपत्र) शस्त्र
विशेष. शस्त्रविशेष. A kind of weapon.
विवा० ६;

कलंबचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र)
तीक्ष्ण धारयाणु शस्त्र. तीक्ष्ण धार वाला
शस्त्र. A kind of weapon with a
sharp edge. नाया० १६;

कलंबचीरियापत्त. न० (कदम्बचीरिका-
पत्र) ऐक जतनु शस्त्र एक जाति का शस्त्र.
A kind of weapon. ठा० ४, ४;

कलंबवालुया. स्त्री० (कदम्बवालुका)
जेनी रेती यव जेनी छे ऐयी यव वेमुका
अथवा ३६२५वेमुका नामनी नदी. जिसकी
रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा
कदम्ब बालुका नाम की नदी. Name of a
river also called Vajra Volukā
on account of its sand being as
hard as adamant. उत० १६, ५०३;
(२) ३६२५ना प्रवना जेनी वेध. कदम्ब के
फूल सदृश लता a creeper resembl-
ing the flower of a Kadamba
tree. पण० १, १;

कलंबुद्र. पु० (कलम्बुक) ऐ नामनु आड, इस
नाम का फाड़. A kind of tree. सू० ५०४;

कलंबुद्र. न० (कलम्बुक) ऐक जतनी पाण्डी-
नी वनस्पति, एक जाति की पानी की वनस्पति.
A kind of aquatic plant. सूय० २,
३, १८;

कलमुखा-या. स्त्री० (कलमुखा) ओ नाभनी
पांजुंभां उगती ओ३ वनस्पति. इस नाम की
पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति A
kind of vegetation growing in
water. पत्र० १; १५; जं० प० ७, १३६;

कलकल. पुं० (कलकल) कलकलाट; यथाभाष्य-
सोना आवाज. बहुत से मनुष्यों की आवाज;
कोलाहल. Humming or bustling
noise. ओ३० २७; जं० प० ३, ४५; राय०
२१७; भग० २, १; (२) यथुंदिभिश्च जल.
चूर्णादे मिश्रित जल. water mixed
with powder. वि० १; —रख. पुं०
(-रख) कलकलाट शब्द. गडगडाट; कोलाहल.
humming or bustling sound.
भग० ३, २; जं० प० ७, १४०;

कलकलंत. त्रि० (कलकलावमान) कलकलाट
करतुं; कलकल ओ३ आवाज करतुं. कलकल
देसी आवाज करता हुआ; गुनगुनाट करता
हुआ, Humming; producing a
bustling sound. उ३० १३, १६; आव०
२१; प३३ २, ५;

कलकलित. त्रि० (कलकलित) कलकलाट
शब्द सद्गित. कलकलाट शब्द युक्त. With
a bustling or humming noise.
प३३ १, १;

कलस. न० (कलस) स्त्री. स्त्री. A wife.
सु० च० १, २४५;

कलम. पुं० (कलम) हाथीजुं अ३३. हाथी का
बच्चा. A young one of an ele-
phant. पत्र० १७; राय० ६०; ना० १;

कलमिया. स्त्री० (कलमिका) हाथी. हथिनी.
A she-elephant ना० १;

कलम. पुं० (कलम) अ३३; क३३. चावल;
उ३३ जातिके चावल. Rice which is
sown in May-June and ripens
in December-January. सू० २,

२, ६३; जी० ३, ३; जं० प० भग० ६, १०;
ओ३० नि० मा० ३०७; उ३० १, ३५;

कलमल. पुं० (कलमल) ज३३३ में रहे३ ३०५-
ने। स३३. पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह.
The contents of the stomach.
ठ० ३, ३; —अ३३३३३. पुं० (-अ३३३३३)
ज३३३३ क३३३३ ३०५३३ वसतुं ते. पेटके कल-
मल-द्रव्यमें रहना. remaining in
the contents of the stomach
भग० ६, ३३;

कलमाय. त्रि० (कलमाय) यथाभा३; यथा
ज३३३. चना मात्र; चने जितना. Of the
measure of a gram. नि३३० १२, ८;

कलयल. पुं० (कलकल) कलकलाट शब्द. गुन-
गुनाहट. Bustling noise. जी० ३, ४;
—रख. पुं० (-रख) कलकलाट शब्द. गुन-
गुनाहट. Bustling noise. सु० च० ३, ६२;

कलल. पुं० (कलल) गर्भनी प्रथम सात दि३स-
नी अ३३३३. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की
अवस्था. The condition of the
embryo during the seven days
succeeding conception. “सत्ताहं
कललं होइ, सत्ताहं होइ पु३३३३” तंदु० १६;

कलस. पुं० (कलस) ध३३; क३३३३. घड़ा;
कलश. A pot; a pitcher. पत्र० २;
ओ३० सं३३० १६; जं० प० ना० १; २;
८; १४; भग० ६, ३३; राय० ३४; जी० ३,
३; क३३० ३, ३६; (२) आ३ मांगलिक
भा३३३ ७३. आठ मांगलिक में से ६ ठा. the
6th of the 8 Māṅgalikas (aus-
picious signs). राय० ४७; जं० प० ५, १२०;
ना० १; (३) अ३३ कु३३३ दे३३३३३
वि३३-तेना भु३३३३ में रहे३ ध३३ने आ३३३
नि३३३. अ३३ कु३३३ दे३३३ का वि३३-उ३३के
मु३३३ में वि३३३३ च३३ के आ३३३ का नि३३३.
an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem. ओव० २३; (४) ओगधीशभां तीर्थकरं लांछन. १६ वें तीर्थकर का लांछन. the mark of the 19th Tirthankara. प्रव० ३६२;

कलमय. पुं० (कलमयक) ओओ 'कलस' शब्द. देखो 'कलस' शब्द. Vide 'कलस'

उवा० ७, १८४;

कलसिन्धु. स्त्री० (कलसिका) नानो कणशिये छोटा कलश. A small pitcher. अणुजो० १३२;

कलह. पुं० न० (कलह) क्लेश; क्रोध; द्विषाद; लडाई; अमर्ष. कलेश; क्रोध; लडाई; झगडा. (Quarrel; anger; strife. निसा० १२, ३३, दसा० १, ४; पञ० २, २२; सम० ११३; अणुजो १२८; जीवा० ३, ३; आया० २, ११, १७०; दस० ५, १, १२; ओव० २४; उत्त० ११, १३; महा० नि० १; नाया० १; १६; भग० १, ६; १३, ६; ७; ७, ६, १२, ४; कल्प० ६, ११७; गच्छा० १३४;—कर. पुं० (-कर) कथ्यो करनार. कलेश करनेवाला. one who is given to quarrel. "कलह करो असमाधि करे" दसा० १, १७; १८; १६; (२) असमाधिनुं १६ भुं स्थानक सेवनार. असमाधिका १६वां स्थानक सेवनेवाला. one who resorts to the 16th source of Asamadhi i. e. lack of meditation or concentration of mind. सम० २०;—वाडिया. स्त्री० (*) क्लेश निमित्त. कलेश के कारण. on account of quarrel. निसा० ६, ८;

कलहंस. पुं० (कलहंस) राजहंस. राजहंस. A swan. ओव० पञ० १; जं० प० नाया०

१; कल्प० ३, ४२;

कलहमाण. व० क० त्रि० (कलहावमाण) कथ्या करनार. लडाई, फिसाद करनेवाला. Quarrelsome; (one) who quarrels. सु० च० १, १४३;

कलहोय. न० (कलहोय) चांदी. चांदी Silver. पह० १, ४;

कला. स्त्री० (कला) भाग; अंश. भाग; अंश.

A part; a division. उत्त० ६, ४४;

नाया० ८; १६; जं० प० ७, ११०; (२) शोभा.

शोभा. beauty. नाया० ८; १६; (३)

दुभर; धारीगरी; विद्या; कला. कला; कारीगरी; विद्या; दुभर any practical art.

नाया० १; राय० २८६; विवा० २; भग० ६,

३३; ११, ११; अणुजो० ४१; १२८; सम०

७२; ओव० ४०; कल्प० ७, २१०, प्रव०

४३६; (४) चंद्रनी कला. चंद्र की कला. A

digit of the moon; (these are

sixteen) नाया० ८; सू० प० १०;

कलाद. पुं० (कलाद) सोनी. सुनार. Goldsmith. नाया० १४;

कलाय. पुं० (कलाय) सुवर्णकार; सोनी.

सुवर्णकार; सुनार. Goldsmith. पह० १,

२; नाया० ८; उवा० १, ३६; (२) ओक

नतनुं धान्य. एक जाति का धान्य. A

kind of corn. प्रव० १०१०, १०१६;

कलायरिञ्ज-य. पुं० (कलाचार्य) ७२

कला शीष्यवृत्तार; कलाचार्यनी पदवी भेगवेल

अध्यापक. ७२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य

का पद प्राप्त अध्यापक. A preceptor

teaching the 72 arts and entitled

Kalāchārya. राय० २७७; ओव०

४०; नाया० १; ५;

* ओओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कलाव. पुं० (कलाव) मोर; देव. मयूर; मोर.

A peacock; a pea-hen. नाया० ३;

(२) समूह. समूह. a collection.

नाया० ५; सूय० २, २, ५५; जीव० विरो०

१५१४; पञ० २; १५; सु० च० १, ६०;

जीवा० १; कप्य० ३, ४१; ५, ६६;

राय० ५६; ११०; "आस तोसत्तविडसव

इव ग्यारिय दाम कलावा" पञ० २, उवा०

७, २०६; (३) डोकमां पहेरवानुं आभूषण.

गले में पहिने का आभूषण. an ornament for the neck. भग० ६, ३३;

जीवा० ३, ३;

कलासिबलिया. स्त्री० (कलासिबिका) ओक

जलतनुं शींग वाणुं धान्य; पटाशा; योरा, यगेरे.

एक जाति का फली वाला धान्य; चंवरा;

बटला आदि. A kind of corn growing

in pods; e. g. peas etc. भग०

१, १;

कलाव. पुं० (कलाव) ओ नाभनुं ओक अनाज.

इस नाम का अनाज. A kind of corn.

पञ० १; भग० ६, ७;

कलावग. पुं० (कलावक) डोकमां पहेरवानुं

आभूषण. गले में पहिने का आभरण.

An ornament for the neck.

पण्ड० २, ५;

कलावि. पुं० (कलाविन्) मयूर. मयूर; मोर.

A peacock. सु० च० २, २४२;

कलि. पुं० (कलि) ओक; ओकती संख्या. एक;

एक की संख्या. The number one.

सूय० १, २, २, २३; उत्त० ६, १६; (२)

कल्लो कलेश. लड़ाई; झगडा. quarrel.

पण्ड० १, २; प्रब० ४३६; —कलुस. न०

(—कलुस्य) कलि-कलेशनुं डोणापणु.

कलि-कलेश की मलीनता-मैलापन. filthi-

ness; malignity like that of

quarrel. विवा० १;

कलिऊण. सं० क० अ० (कलिवित्ता) विधा-

रीने. विचारकर. Having thought;

thinking. सु० च० २, १५२; ३, २०७;

भक्त० १७;

कलिओअ-य. न० (कल्योज) ओ संख्याने

चार भागतां ओक शेष रहे तेवी संख्या.

जिस संख्या में चार का भाग देने से एक शेष

रहता है वह संख्या. A sum which

when divided by four leaves

one as remainder. ठा० ४, ३; भग०

१८, ४; २५, ३; ३१, १;

कलिओग. पुं० (कल्योज) लुओ " कलि-

ओअ " शब्द. देखो कलिओअ " शब्द.

Vide "कलिओअ " भग० १८, ४; ३५, १;

—कडजुग्म पुं० (—कृतयुग्म) ओ संख्याने

चार भागतां चार शेष रहे अने लब्धांकने

चार भागतां ओक शेष रहे ते संख्या;

महायुग्म संख्याने तेरभो प्रकार. जिस संख्यामें ४

का भाग देने से चार शेष बचें और लब्धि

को ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या;

महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum

which when divided by four

leaves four as remainder and

has a quotient which divided

by four leaves one as re-

mainder; the 13th variety of

Mahāyugma number. भग० ३५, १;

—कलिओग. पुं० (—कल्योज) ओ राशीने

चार भागतां ओक शेष रहे अने लब्धांकने

पणु चार भागतां ओक शेष रहे ते संख्या;

महायुग्म संख्याने सोलभो प्रकार. जिस

संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है

और लब्धि संख्या को भी चार से भागने पर

एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म

संख्या का सोलहवां भेद. the 16th

variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —तेओग. पुं० (—प्रबोत्र) ७२ संख्याने आरे भागनां त्रयु शेष रहें अने लब्धांकने आरे भागनां अेक शेष रहें ते संख्या; महायुग्म संख्याने। औदभो प्रकार. जिस संख्या में चार का भाग देने से तीन बचते हैं और लब्धांक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; महायुग्म संख्याका चौदहवां प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number; a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १; —द्वावरजुम्म. पुं० (—द्वावरजुम्म) ७२ संख्याने आरे भागनां अे शेष रहें अने लब्धांकने आरे भागनां अेक शेष रहें ते संख्या; महायुग्म संख्याने। पंदरभो प्रकार. जिस संख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं और लब्धि संख्या में चार का भाग देने से एक शेष बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का पंद्रहवां भेद. the 15th variety of Mahāyugma number; a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four. भग० ३५, १;

कलिओगता जी० (कल्योत्रता) ७२ संख्याने आरे भागनां अेक शेष रहें ते. जिस संख्या में चार का भाग देने पर एक बाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which

when divided by four leaves one as remainder. भग० ३५, १;

कलिंग. पुं० (कलिङ्ग) आर्य देशभांने कलिङ्ग नामे येथो देश. आर्यदेश का कलिंग नाम का चौथा देश. Name of an Aryan country. ओष० नि० भा० १; पञ्च० १; उत्त० १८, ४५; (२) तरशुय; कलिङ्गदं. तरबूज. a kind of fruit. जं० प०.

कलिंग. न० (कलिङ्ग) कलिङ्ग देशभां अनेल वस्त्र.

कलिंग देश का वस्त्र. A cloth made in Kalinga country. जीवा० १, १;

—रख. पुं० (रख) कलकलट शब्द. गडबडाट; कोलाहल. a humming or bustling-sound. भग० ३, ३; जं० प० ७, १४०;

कलिज. पुं० (कलिज) सुंथो. गोल हलकी टोकरा. A round shallow basket. राय० ११६;

कलिङ्ग. पुं० (कलिङ्ग) अेक आर्य जन. एक आर्य जाति. Name of an Aryan race or tribe. पञ्च० १;

कलिङ्ग. पुं० (कलिङ्ग) कलिङ्ग नामनुं अेक जनतनुं लाकड़. कलिङ्ग नामकी एक जाति की लकड़ी. A kind of wood so named. भग० ८, ३;

कलिन. न० (कलिङ्ग) डेडे आंधयानुं धुधरीनागुं भूषण; कंदोरी. कमर पर बांधनेका घुंघरुओं वाला आभूषण; कंदोरा. An ornamental waist band. ओष० नाया० १;

कलिय-अ. त्रि० (कलिन) युक्त. सहित. Planned; formed together; possessed of. “सुंदरपद्मजवत्त ववत्त कर चरत्त खयत्त सावत्त विवास कलिवा ” पञ्च० २; दसा० १०, १; विवा० १, २; राय० ३६; ४३; जं० पं० ५, ११५; ४, ३२; सम० प० २१२; ओष० जीवा० ३, ३; कण्ठ० ५, १०१; सू० प० २०; भग० १, १; ७

६; १६, ६; नाया० १; ३; नः १६; १८;
नट्वा० ८७; ओष० नि० भा० २७६; प्रब०
१२३४; कप्प० ३, ३२; (२) २२ेत्तुं. बनाया
हुआ. formed; made. जं० प० ५,
११५; ४, ६२; ३, ४३; सू० च० १, ४४;

कलिसिया. की० (कलशिका) कुक्षसीआना
आकारनुं ओक पात्रं. कलश के आकार का
एक बाजा. A musical instrument
of the shape of a pitcher. राय० ८६,
कलुण. त्रि० (कलष) कल्लु उत्पादक;
दयापात्र; अरीय करुणोत्पादक; दयापात्र;
गरीब. Exciting pity or com-
passion. ओष० २१; नाया० ६; विवा०
७; पि० नि० ३७१; सू० १, ५, १, ७;
आया० १, १, ६, १७२; (२) कल्लुअरस;
नय रसभानो ओक रस. करुणा रस; नौ रसों
में से एक. one of the nine senti-
ments, viz. that of compassion.
ठा० ४, ४; अणुजो० १३०; —भाव. न०
(-भाव) कल्लुअनक भाव. दयाजनक
भाव. sentiment exciting pity
or compassion. नाया० ६;

कलुया. की० (कल्लुया) कल्लु; दया. दया;
करुणा. Compassion; mercy.. परह०
१, १; नाया० १; दस० ६, २, ८;

कलुस. त्रि० (कलुष) उअं; भेत्तुं; अत्यन्त;
अद्वयवाणं. अस्वच्छ; कीचड़ वाला; मैला;
गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३;
७, ७, ६; अणुजो० १३०; सू० २, ३,
२१; ओष० २१; विरो० १४६६; ओष० नि०
५५५; तंतु० १६; नाया० १;

कलुस. पुं० न० (कलुष्य) पाप कर्म; यितनी
अभाओण स्थिति. पाप कर्म; बिगड़ी हुई

मनावृत्ति. Sinful action; troubled
condition of mind. सू० १, ५, १,
२७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१;
भक्त० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०;
—आउल्लेय. त्रि० (-आकुल्लेयस्)
दोष पापादि के करी नेतुं यित भलीन छे ते.
दोष पापादि ने जिसका मन मलिन है वह.
(one) whose mind is filthy on
account of sin etc. दसा० ६, १५;
२४; २५; —किम्विस्. त्रि० (-किम्विस्)
अत्यन्त भलिन. अत्यन्त मलिन. very
filthy in mind. भग० १, ७; —समा-
वण. त्रि० (-समावण) अभाओण
स्थितिने पामेक्ष. डावाडोल स्थिति को प्राप्त.
one who is troubled in mind.
भग० २, १; ६, ३३; ११, ६; नाया० ३; ८;
—हियय. पुं० न० (-हियय) दुष्ट-भलिन
दुष्ट. दुष्ट-मलीन हृदय. wicked heart.
नाया० १६;

कल्लेवर. न० (कल्लेवर) शरीर; देह. शरीर;
देह. Body; physical body. जीवा०
३; ४; सू० प० २०; ठा० ५, १; पण० १;
जं० प० नाया० १२;

कल्लेसुय. न० (कल्लेसुक) ओक जलनं धास
एक जाति की घास. A kind of grass.
सू० २, २, ११;

कल्लोवाह. की० (*) वांसनो करंडीयो.
बांस का कंडिया. A small box of
bamboo. आया० २, १, २, १०;

कल्ल. न० (कल्ल) आयती कल; अलीने
दिवस. आगामी काल; दूसरा दिन. Next
day. निर० ३, २; विवा० ७; दसा० ७, १;
नाया० ८; १४; १६; सु० च० ७, ११२;

* अणुजो ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

भग० २, १; ३, १; १२, ६; ओष० नि० १७३; विशेष० १६७३; (२) प्रातःकाल; प्रभात का समय. dawn. नाया० १; २; ५; ८; १३; १६; भग० १२, १; अणुजो० १६; उण० २०, ३४; ओष० १३; राय० २३८; उवा० १, ६३; (३) आरोग्य. नारोग; आरोग्य. health. विशेष० ३४४०;

कल्लाकर्मिल्ल. अ० (कल्पाकल्पम्) दिनदिन प्रत्ये; द्दरेऽग्नः हर एक रोज; प्रति दिन. Day by day; daily. नाया० ८; ६; १२; १४; १६; विवा० ३; ५; अंत० ३, ८; ६, ३; उवा० ७, १८४;

कल्लाण. न० (कल्याण = कल्योऽप्यन्तर्नाह- कल्या मोक्षस्वमानयानि प्रापयतीति कल्याणः सुखकर; कल्याणकारी; श्रेयस्कर. सुखकारी; कल्याणप्रद; श्रेयस्कर. Causing comfort. सु० च० २, ५८; वव० १०, १; जावा० ३, २; विशेष० ३४४१. गुण० २, ६, १२; दम० ६, ११; राय० २५; जल० १, ३८; ठा० ३, १; आया० १, ७, १, १६६; ओष० नाया० १; ३; ६; १४; १६; १६; भग० २, १; ३, १; ७, १०; ६, ३३; पगह० २, १; सू० प० १८; उवा० ७, १८७; कण्ठ० १, ४; (२) ओ नामनुं पर्वगं गतनुं गत, इस नाम का पर्वग जाति का भाव. A tree of that name. पञ्च० १; (३) ओक्ष प्रक्षरना प्रायश्चित्तनुं नाम. एक प्रकार के प्रायश्चित्त का नाम. name of a kind of expiation पि० नि० भा० ३६; (४) तीर्थ- करने का कल्याणिकमानुं गमे ते ओक्ष. तीर्थ- कर के छः कल्याणों में से कोई भी एक. one of the six precepts of Tirthankars. पंचा० ६, २०; — कर. त्रि० (-कर) कल्याण करनेवाला. कल्याण

करनेवाला. one who accomplishes welfare. नाया० १५; — कारय. त्रि० (-कारक) कल्याण करनेवाला. कल्याणकारी. one who confers welfare. नाया० १; — दियह. पुं० (-दियस) जिनेश्वरना पांच कल्याणिकमानुं दियस. जिनेश्वर के पांच कल्याण का दिन. the day of the 5 Kalyāṇakas of a Tirthāṅkara. पंचा० ६, २६; — परंपरा. स्त्री० (-परंपरा) कल्याणिकमानुं परंपरा. कल्याण का परंपरा. continuation or remote standing of Kalyāṇaka. भल० ६८; — फलविवाग. पुं० (-फलविपाक) विपाक सुखतो सुखविपाक ३५ ओक्ष भाग. विपाक सूत्र का मुखविपाक रूप एक भाग. a part of a Vipāk Sūtra called Sukha Vipāk. जं० प० १, ६; सम० ५५; — भागि. त्रि० (-भागिन्) मोक्षने भगवान्. मोक्ष का मेहन करने वाला. one who enjoys final bliss. दस० ६, १, १३; — संपत्ति. स्त्री० (-संपत्ति) कल्याणिकमानुं संपत्ति. कल्याण का संपत्ति. पंचा० २, ४१;

कल्लाणुग. पुं० (कल्याणक) पतिवैदल्यने पश्यत पीत्या पत्नी पतिवैदल्य थाय तेनुं प्रायश्चित्त ओक्ष कल्याणिक तप विशेष. प्रातिलेखना का समय बीतने के पश्चात् प्रातिलेखना काजाय उसका प्रायश्चित्त—एक कल्याणिक तप विशेष. A kind of expiatory penance for examining clothes etc. after the time for it has elapsed. ओष० नि० भा० १७४; (२) त्रि० कल्याणकारी. कल्याणकारी. advantageous. पञ्च० २; नाया० १;

कल्लाणि. पुं० (कल्याणिक) ओक्ष भतनी

वनस्पति. एक जाति का वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २१, ४; (२) त्रि० ३६५। अशरी. मुलकारी. advantageous. पंचा० २, ४२;

कललाल. पुं० (कल्यपाल) दारु-ताड़ी बेचनेवाला; पीलायाले. दारु-मद्य बेचनेवाला; कलाल. A liquor merchant. अगुजो० १३१;

ॐ कल्लुय. पुं० (कल्लुक) भे ईद्रियवाले ७५। दो इंद्रियों वाला जीव. A kind of two-sensed living being. पञ्च० १,

कल्लोल. पुं० (कल्लोल) तरंग; लहर. तरंग; लहर. A wave. प्रब० १४६५; पग० १, ३; आब० २१;

कलहार. न० (कलहार) ओक वनस्पति सईद कमल. एक जाति का मकंद कमल. A kind of lotus white in colour. पञ्च० १; कवचिया. स्त्री० (कवचिका) ओक वनस्पति। एक जाति का पात्र. A kind of vessel or utensil. भग० ११, ११;

कवड. न० (कवट) कपट; छल; धोखा. अने बेचने पकड़ने की योजनाएं अन्यथा स्वरूप में अनापजुंते. कपट; छल; धोखा और भेष को बदल कर अन्य स्वरूप का दिखाना. Fraud; deceit; disguise. नाया० २:६; जं० १० भग० ७, ६; सु० २, २, ६२; प्रब० १६७; भक्त० १२३; राय० २०७;

कवडिया. स्त्री० (कवडिका) कौड़ी. कौड़ी; एक प्रकार का सिक्का. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin). सु० च० १, १७४;

कवच. पुं० (कवच) अश्वत्थ; कवच. बख्तर; कवच. An armour. राय० ५६; आब० ३०; पञ्च० २; भग० ७, ६; नाया० २;

(२) वनस्पति; समूह. समूह; समुदाय. A collection; a net work. “ मरीचि कवचं विश्वमृच्छते ” जं० प० नाया० १;

कवल. पुं० (कवल) केशीयो. कौर. प्रास.

A morsel. आब० १६; वच० ८, १५; नाया० १; भग० ७, १; ६, ३३; २५, ७; प्रब० १६७; पंचा० १३, ४६; १६, १८;

—वर्गीस. त्रि० (वर्गीस) अतीश आशीष. वसंत कौर-कवल-प्रास. ३२ morsels. प्रब० ७४२; —बुद्धि. स्त्री०

(—बुद्धि) चान्द्रायण प्रथमा शुक्ल पक्षन पंचम्यादि दश ओंके आशीषों के बारे में छे नक्षत्रों के पंचमादि दश ओंके पक्षी अर्थात् पूजिमाना दश १५ से ३५ बुद्धि. कवल बुद्धि—चान्द्रायण प्रथमे शुक्ल पक्ष की एकमात्र दशमें एक २ कवल अधिक बढ़ाने जाना—जैसे कि एकमात्र को एक फिर अनुक्रम से पूर्णमास का १५ कवल लेना. increasing of one morsel daily; i. e. taking of one morsel on the first day of bright half of a month and then increasing of one morsel daily. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. This is observed in an austerity style. Chāndrāyana. प्रब० १४७०;

कवलजिंत. त्रि० (कवलजमान) अनाद्य खायाहुआ. Eaten; taken as food सु० च० २, ५३२;

ॐ कवल. पुं० (*) लोहा का बर्तन; कढ़ाई. लोहे की कढ़ाई. An iron vessel; a cauldron. भग० ३, ३;

कवली. स्त्री० (*) जोर उग्रप्रायः क्षम

१. लुओ ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गुड उबालने का बरतन A vessel in which treacle is boiled. विवा० ३; कवाड. न० (कपाड) भोपरी. खोपड़ी. The skull. नावा० ४;

कवाड. पुं० न० (कपाट) कपाट; आरखुं; दरवाजे. कपाट; द्वार. A gate; a door. उवा० २, ३४; प्रव० १३२७; पिं० निं० ३६७; जीवा० ३, ४; श्रोव० सम० ८; अणुजो० १४६; नाया० ज० प० सु० च० १, ४५; अंत० ६, ३; राय १७६; नाया० १८; सम० प० २१०; जं० प० ३, ४३. (२) केवल समुद्रात किया भां केवली आत्माना प्रदेशने आदर काली प्रसारी कपाटने आदरे अनावे ते. केवल समुद्रात किया में केवली की आत्मा के प्रदेश बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के आकार की भांति बना देना. Universal projection of the soul by a K. vali by expanding it in the shape of a door. पञ्च० ३६; —भयभ्र. पुं० (—मृतक) भे दाथ अथवा त्रय दाथ जमीन भोटे तो अभुक्त पैसा आपीश, अंदी सरत करी राखेला आकर. दो हाथ या तीन हाथ जमान खोदनेपर इतने पैसे दंगा. हम शर्त पर रक्खा हुआ नोकर. a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e. g. two or three arms. ठा० ४, १;

कवाल. पुं० न० (कपाड) धरानो अर्धभाग. घडे का आधा भाग; घडे का अर्ध भाग. The half of an earthen pot. बिरो० १६८७; दसा० ६, ४; आया० १, ६, ३, १०, (२) भरतक; भोपरी. मस्तक; खोपड़ी. a brain. सु० च० १, ५३; सूय० २, १, ४८;

कवि. पुं० (कवि) कविता करनेवाला. कविता बनानेवाला; कवि. A poet. ठा० ७; अणुजो० १३१;

कवि. पुं० (कवि) चांदरी. बंदर; बानर. A monkey. सूय० २, २, १०; बिरो० ८६१; श्रोव० नि० ६३३; सु० च० १, २६;

कविजल पुं० (कविजल) एक जात का पक्षी. एक जात का पक्षी. A kind of bird; the Chātaka bird. सूय० २, २, १०; पञ्च० १; उवा० ७, २१७;

कविजलग. पुं० (कविजलक) जुआ "कविजल" शब्द. देखा "कविजल" शब्द. Vide "कविजल" परह० १, १;

कविकच्छु. पुं० (कविकच्छु) एक जात की वेल के गेने अस्तां शरीरमां भरकर उत्पन्न थाय छे. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेहा शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है. A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch. जीवा० ३, १; परह० २, ५;

कविद्र. पुं० (कांवर्य—कार्पास्तद्वयमेति क. पित्तः) चांदरीने गमन अणु बीयां दुल; कानुं दुल. बहुत बीजा वाला फल जो बंदर को प्रिय—हचकर होता है; कवाट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys. जं० प० आया० २, १, ८, ४३; उवा० ३४, १२; सू० १, १८; पञ्च० १, २; प्रव० २४६; भग० १८, ६; २२, ३; दम० ५, १, २३; जीवा० १, ३, ४; निर० ३, २;

कविया. खो० (कविका) लगाम. लगाम (जो घोड़े बगैरह के मुंह में अटकाई जाती है) A bridle. सु० च० १०, ३२;

कविल. पुं० (कवि) कवि नामना भूति: कवि केवली के गे दाग पासे शुं भागनुं तेना विचार करनां, परिष्कारनी द्रव्य भेभी

उपर यत्नां, संतोष यत्नो अने त्यां केवळ
जान उत्पन्न थपुं के तत्तज्ज्ञ श.अन देवे
आपेक्ष साधुने वेप पदेनी, दीक्षा लभ यावी
नीयत्वा. कपिल नामक मुनि; कपिल नामक
केवली जो राजा से क्या मांगना ? इसका
विचार कर रहे थे कि विचार करते करते
परिणामोंकी ऊपर की ओरों पर चढ़ गये और
उस अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा
केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तब आपने तुरंतही
शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेष
पहन कर दीक्षा ली और वहाँ से चला निकले.
Name of a sage, who while
pondering upon the boon that
he should ask of a king, rose
to a high stage of thought-
activity, experienced content-
ment, attained perfect know-
ledge, became an ascetic, took
Dikṣā and set out. उत्त० ८, २०;
सु० च० १२, ५६; (२) भुरे रंग. भूरा
रंग. tawny colour. जं० प० भग०
७, ६; (३) ऐक जगतनुं कपिल नामनुं
पक्षी. एक जाति का कपिल नामक पक्षी.
a kind of bird. परह० १, १; जं० प०
श्रव० (४) कपिल भुनि-सांख्यशास्त्र प्रणेता
अने तेना अन्यायियो. कपिल मुनि और
उस मत के अनुयायि-माननेवाले name of
the founder of the Sāṅkhya
system of philosophy also a
follower of Kapila. श्रव० ३८;

कविलस्य. पु० (कपिलक) राहुना पुद्गलना
पंद्र प्रकरभांने ऐक. राहु के पुद्गल के
पंद्र प्रकर में से एक. One of the 15

varieties of the molecules of
which the body of Rāhu is
made. सू० प० २०;

कविसायस्य पु० (कपिसायस) ऐक जगतनी
भदिरा. एक जाति का दारू. A kind of
intoxicating drink. पञ० १७;

कविसीसग. पु० (कपिसीसक) भुओ.
“ कविसीसग ” शब्द. देखो “ कविसीसग ”
शब्द. Vide ‘ कविसीसग ’ राय० ००४;
जीवा० ३, ४;

कविसीसग. पु० (कपिसीसक) डोरीशः
गढभांणी अंदर ओयाने तेभां भुकेला वांढ-
राना भाथाने आकारे आंका डंभरा. गढ से
बाहिर देखने के लिये उसमें रखे हुए बंदर के
सिर के आकार के छेद. An inden-
tation or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey. श्रव० जं० प० नावा०
५; अंत० १, १;

कविहसिय. न० (कविहसिन) आकाशभां
अकस्मात् अलती अयंकर ज्वाला देखाय ते.
आकाश में अकस्मात् दिखाई देनेवाली अयं-
कर ज्वाला. Unexpected, sudden
flames in the sky. अणुजो० १२७;
जीवा० ३, ३;

कवेल्लक. पु० (*) यात्र विशेष; भेदी
कल्ल, पात्र विशेष; बड़ी कढ़ाई. A uten-
sil; a big cauldron. भग० ३, १;

कवेल्लुय. पु० (*) नलिया. कबलू A
tile. जीवा० ३, १; (२) भेदी
कल्ल; कल्लओ. बड़ी कढ़ाई. a large-
cauldron. जं० प० २, ३८;

कवोड. पु० (कवोड) पारेजु. कवूतर. A

* भुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

dove. नि० नि० २१७;

कचोतालि. जी० (*कचोतालि - कचोत पा-
लिका) विट०; पक्षिने पालवानी जग्या.
पक्षियोंको पालने की जगह. A place set
apart for taming birds. जीवा० ३, ३;

कचोय. पुं० (कचोत) कचूतर; पारेवे। कचूतर.
A dove; a pigeon. जीवा० ३; पञ्च०
१; श्लो० आया० ३, १०; १६६; उवा०
७, २१७; जं० प० २, २१; —सरीर.
न० (-सरीर) पारेवाना शरीराना रंगवाग्यु
क्ष, क्षग्यु. कचूतर के शरीर के समान रंग-
वाला फल; भूरा कोला. name of a
fruit of the colour of a dove;
a kind of pumpkin gourd. भग०
१५, १;

कचोयग. पुं० (कचोतक) पारेवुं. कचूतर.

A dove; a pigeon. स्य० २, २, १०;

कचोल. पुं० (कचोल) भाल; धमझा. गाल.

A cheek; the temples. जीवा० ३,
३; श्लो० १०; जं० प० —मूल. न०
(-मूल) गालनुं भूक्ष; धमझा. कनपटी.
the temples. कप० ३, ३३;

कच्य. न० (काच्य) काच्य; कविनी अनावेश
कृति. काच्य; कवि का बनाई हुई कविता A
poem; the work of a poet.
अणुजो० १३०; ठा० ४, ४; जं० प० प्रब०
१७४१; सु० च० १, १;

कच्यड. पुं० (कच्यट) कुत्सित नगर; अशी-
विजुं शहर. शोभा रहित शहर. A city
devoid of beauty. नाया० ८, १६;
आव० ३२; स्य० २, २, १३; पण० १,
३; जीवा० ३, ३; भग० १, १; ३, १७; ७,
६; जं० प० ३, ६६;

कच्यरझ. पुं० (कच्यर) ७६वां ग्रहनुं नाम.
७६ वें ग्रह का नाम. Name of the
76th planet. सू० प० २०;

✓कस. धा० II (कुरा) शोषवपुं; सुष्पी
नाभपुं. शोषण करना; शोखना; सुखा
डालना. To dry up; to cause to
evaporate.

कसेहि. आया० १, ४, ३, १३५;

कस. पुं० (कस = कस्ते शासनवात्रासजनंविनि
तावपति वेति तथा) आत्मभो; डारडा.
चाबुक. A whip. पण० १, १; ३; २,
५; जं० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा०
६; दसा० ६, ४; विशेष० २०४२; (२) कर्म
अथवा भव (संसार). कर्म या संसार.
Karma; worldly existence. विशेष०
१२९८; २६७८; —प्यहार. पुं०

(-प्रहार) आत्मभाना प्रहार. चाबुक का
प्रहार; चाबुक की मार. a stroke or
lash of a whip. विवा० ३; नाया० १; १७;
कस. पुं० (कच) धसीने कसोटी करपी ते.
कसोटीपर लगाना. Testing on a
touch-stone. पंचा० १४, १६;

कसहु. न० (*) कसतर; कचरो. कचरा.
Refuse; dross. श्लो० नि० ५५७;

कसहिय. पुं० (कसपह) कसोटीने पथरो।
कसोटी का पथर. A touch-stone.
भग० ५, २;

कसर. पुं० (*) अलज्जवाथी उत्पन्न
धयेभो रोग; अस. कृजाने से उत्पन्न रोग;
खाज. A skin disease caused by
scratching; itches. “ कचूकसरभि
भूवा ” भग० ७, ६; जं० प० —अभिभूय.
त्रि० (-अभिभूत) आलना रोगथी पीडा-

* जुओं पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

येलो. आज के रोग से पीड़ित. (one) suffering from itches. भग० ७, ६; कसाय. पुं० (कसाय) लगवां यस्मि. भगवत् वस्त्र. A red cloth or garment. दमा० ६, ४; (२) कसायेलो रस. कसाया हुआ रस; उतरा हुआ रस; चलित रस. Astrigent taste. जीवा० ३, १; आया० १, ५, ६, १७०; उत्त० ३६, १८; पञ्च० १; नाया० १; १७; जं० प० निसी० २, ४४; भग० २, १; १७, ३; १८, ६; २०, ५; २१, ७; २४, १; दस० ५, १, ६७; सम० २२; ठा० १, १; (३) पपल्ययणा सूत्रना त्रीन् पदनुं सातमां द्वारनुं नाम. परणवणा (प्रज्ञापना) के तीसरे पद का सातवां द्वार. name of the 7th Dvāra of the third Pada of Pannavapā Sūtra. पञ्च० ३; (४) प्रज्ञापनाया अडिहमां पदनुं नाम त्रेमां क्रोधादि चार कपायनुं पलुन आपिपुं छे. प्रज्ञापना के चौदहवें पद का नाम जिसमें क्रोधादि चार कपायों का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaṣāyās. पञ्च० १; (५) सात समुद्रातोमांती श्रीश्रु समुद्रात-त्रेमां कपाय मोहनीय कर्मनीनिर्जरा थाय छे. सात समुद्रातो में से दूसरी समुद्रात जिसमें कपाय मोहनीय कर्म का निर्जरा होता है the 2nd of the seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kaṣāya Mōhaniya Karma. पञ्च० ३६; (६) श्रुयना शुद्ध स्वभावने कर्मरूप भेद लगादी भलीन करे अने संसारनी वृद्धि करे ते क्रोध, मान, माया अने लोभ. जीवके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मालिन करने बाधे तथा संसार भ्रमण की वृद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ

रूप कसाय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence दस० ८, ४०; १०. १, ६; भग० १७, ३; २४, १; क० गं० १, ४१; ५, ६३; पञ्च० १४; भक्त० ४८; गच्छा० ६७; पंचा० १७, ५२; कण्व० ४, ६५; जीवा० १; नाया० ५; आया० १. ८, ७, २; उत्त० ३१, ६; अशुजो० १२७; ओव० १६: —अर्हय. त्रि० (-असीत) कपायरहित श्रुयः कपाय (कष + आय) संसारनी प्राप्ति करायनार; क्रोधादिथी रहित. कपाय रहित जीव; कपाय (कष + आय)-संसार की प्राप्ति-कराने वाले क्रोधादि भावोंसे रहित. (a soul) free from Kaṣāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विश० ७७७: —उदय. पुं० (-उदय) कपाय-क्रोध, लोभ अनेरेतो आविर्भाव. कपाय-क्रोध लोभ आदिका आविर्भाव (वृद्धि). rise, manifestation of Kaṣāya i. e. anger greed etc. क० प० १, ६२; ६, ७४; —कलि. पुं० (-कलि) कपाय रूपी क्लेश. कपाय रूप क्लेश. mental agony, trouble in the form of Kaṣāya, such as anger etc. भक्त० १५१: —चउक्क. न० (चतुष्क) कपायनी याकडी: क्रोध, मान, माया अने लोभ. कपाय की चोक्की: क्रोध, मान, माया, और लोभ. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed. क० गं० ६, ७७: —जय. पुं० (-जय) क्रोध, मान, माया अने लोभ अने आरगे श्रुत्य ते; कपाय जय. क्रोध, मान, माया और लोभ

इन चारों को जीतना. conquest over the four passions viz. anger, conceit deceit and greed. प्रव० ५६२; —द्रुग. न० (-अष्टक) कषायनी आदि प्रकृति; अप्रत्याख्यानी-अने प्रत्याख्यानी ग्राह्यी. कषाय का आठ प्रकृति-भेद; अप्रत्याख्यानी और प्रत्याख्यानी चोकरा. the eight-fold nature of Kaṣāya viz. four Apratyākhyāni and four Pratyākhyāni. क० गं० ६, ८२; —लिङ्गवृत्ति. स्त्री० (-निर्वृत्ति) क्रोधादि कषायनी उत्पत्ति. क्रोधादि कषायों की उत्पत्ति. the rise of Kaṣāya viz. anger, etc. भग० १६, ८; —पञ्चकखाण. न० (-प्रत्याख्यान) क्रोध आदि कषायों का त्याग. giving up, abandoning Kaṣāya i. e. anger, etc. उत्त० २६, २; —पाण्डुमेलीणता स्त्री० (-प्रतिमेलानता) कषायों का नष्ट करने का लय करना नाश करना. destruction, assuaging of Kaṣāya. भग० २५, ७; —पिशाच. पुं० (-विशाच) कषाय रूपी पिशाच. कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kaṣāy. भक्त० ५७; —प्रमाद. पुं० (-प्रमाद) कषायरूप प्रमाद. कषायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaṣāya. अ० ६, १; —मोहलिङ्ग. न० (-मोहनीय) कषायरूप मोहनीय कर्म की प्रकृति. मोहनीय कर्म का कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma in the form of Kaṣāya. उत्त० ३३, १०; —रस. त्रि० (-रस) कषायोक्त रस. कषाय-कटवा रस. astringent in taste. भग० ८, १; —वयण. न० (-वचन) कषाययुक्त वचन.

गुरुमाना शब्द. कषाययुक्त वचन: गुस्मा भरे शब्द. angry words सूय० १, ३, १, १६; —विउत्सर्ग. पुं० (-व्युत्सर्ग) कषायों का परित्याग. कषाय का परित्याग. giving up, abandonment of Kaṣāya i. e. anger etc. भग० २५, ७; —विजय. पुं० (-विजय) क्रोधादि कषायों का विजय प्राप्त करना. conquest over Kaṣāya i. e. anger etc. प्रव० १५२६; —समुद्घात. पुं० (-समुद्घात-कषायेः क्रोधादिभिर्हेतुभूतः समुद्घातः कषायेः समुद्घातः) क्रोधादि कषायों के उदये होने का प्रदेश शरीर के अन्दर अने अक्षर विस्तरवाधी नेत्र विकार के मुख्यविकारों में से एक अने कषाय मोहनीयता का कारण होती कषायों का पुद्गलोत्पत्ति निर्वृत्ति का क्रोधादि कषायों के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के अन्दर और बाहिर विस्तृत हो जाने से नेत्र विकार या मुखविकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर क्षय हो जाने से कषाय पुद्गलों का निर्जरा होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kaṣāya (passions) and destruction of the molecules of Kaṣāya after enduring them. सम० ६; जीवा० १; अ० ४, ४; भग० ११, १; २४, १; ३४, १; पञ० ३६;

कसायकुसील. पुं० (कषायकुसील = कषायेः संश्लेषनं क्रोधाद्युदयकषायेः कुसीलः कषाय-कुसीलः) कषाययुक्त; साधु; ७ प्रकार का निर्ग्रन्थमाने योग. कषायवाला साधु क्रोधादि भावयुक्त साधु; ७ प्रकार के साधुओं में से एक. An ascetic full of Kaṣāya, one

of the six kinds of Nigranthas
i. e. ascetics. भग० २५, ६; पगह० ६३;
कसाय कुसीलस. न० (कसाय कुशालस्य)
कसायकुशीलस्य. कसाय भावसे कुशीलपना.
Evil conduct arising from Ka-
sāya. भग० २५, ६;

कसायपद. न० (कसायपद) पञ्चमया सूत्रना
आथा पदं नाम. प्रज्ञापना सत्र के चौथे पद
का नाम. Name of the fourth
Paḍa of Pañcavajjā Sūtra. भग०
१८, ४;

कसायान. पुं० (कसायान्) कसायवाला
आत्मा. कसायवाला आत्मा. A soul full
of Kaṣāya. भग० १२, १०,

कसाहि. पुं० (कसाहि) ऐक्य मतनो भुक्षित
सर्प. एक प्रकार का सुकुलित सर्प. A kind
of snake. पक्ष० १;

कसि. पुं० (कृषि) भिन्नी; कृषिकर्म. खेती;
कृषि. Agriculture. जीवा० ३, ३; क०
प० २, ६२;

कसिण. त्रि० (कृत्स्न) पूरेपुर्ण; संपूर्ण. परि-
पूर्ण; संपूर्ण. Whole; full; all; entire.
दसा० १०, ११; निसी० ८, १२; ओव० ४०,
अणुजो० ५०; भग० २, १०; ६, ३१; दस०
८, ४०; नाया० १४; जं० प० ७, १६६;
(२) अभङ्ग; अजमेर नदी; अजित नथपेक्ष.
समग्र; अखंड; टुकड़े बगैरह जिसके न हुए
हों वह. unbroken; entire. कप्य० १,
१; ५, १६; क० प० ७, ३; ४५; आया० २,
१, १, २; वेय० ३, ४; निसी० ४, १६;
(३) पुं० परिपूर्ण रक्षक महारक्षक; जेना-
थी भोटे। भीजे रक्षक नहीं ते. परिपूर्ण
स्कंध, महास्कंध; सबसे बड़ा स्कंध. a per-
fect, complete Skandha or
molecule. विशेष० ८६७; —अध्वपुड.
पुं० (-अध्वपुड) संपूर्ण अध्वपुड

(आदस) ने ५३. सम्पूर्ण बादल का पडल;
सम्पूर्ण अकाशदल. The entire vault of
the sky. "कसिणदस पुडावगोमव चंदिमा"
दस० ८, ६४; —अणुय. पुं० (-चक्क)
आभा यण. अखंड चना. chick-pea;
gram. प्रव० १०१०; —संयम. पुं०
(-संयम) सर्वरति साधनता त्याग; सर्व
विरति. आशय का त्याग; पापानुष्ठान का
सर्वथा त्याग; सर्व विरति. complete re-
nunciation of sinful things.
पंचा० ६, ४०;

कसिण. त्रि० (कृष्ण) काल; कालाशवाणु.
काला. Black. "आखामिय चानरुहरत्त-
णु कसिण सिध्दभूया" जावा० ३, २, सु०
च० २, २३६; पक्ष० २; ओव० १०; ठा०
१०; कप्य० ३, ३६; क० गं० १, ४२;

कसिणा. त्रि० (कृत्स्ना) जे प्रायश्चित्तमां
अधिक सभा. शके नदी ते; प्रायश्चित्तनो ऐक्य
प्रक्षर. जिस प्रायश्चित्त में अधिक शामिल न
हो सके वह प्रायश्चित्त; प्रायश्चित्त का एक भेद.
A variety of expiation; an ex-
piation which has reached the
highest limit and which can-
not admit any more. ठा० ५, २;
सम० २८;

कसेरु. पुं० (कसेरु) पाणीमां उत्पन्न यतो
कसेरु नामनो प्रसिद्ध कंद. पानी में पैदा
होनेवाला कसेरु नामक प्रसिद्ध कंद. A
bulbous root growing in water
and named Kaseru पक्ष० १;

कसेरुग. पुं० (कसेरुग) कसेरु नामनी पाणी-
मां उत्पत्ति. पानां में उत्पन्न होने-
वाली कसेरु नामक वनस्पति. Name of
aquatic plant. स्व० २, ३, १८;
आया० २, १, ८, ४७;

कस्सर्द. अ० (कस्सर्दि) काल ऐक्यं.

किसी एक का. Of some one; be-
longing to some one. दस० ८, १०;
कह. वा० II. (कथ्) कहें; कहना;
बोलना. To tell; to speak; to say.
कहेह. निसी० ८, २; नावा० ४० उवा० १, ६०;
कहंति. ओव० २१;
कहिति. नाया० १६;
कहिजा. वि० दस० १०, १, १०;
कहिज वि० पि० नि० ३१४;
कहाहि. आ० स्य० १. ११, २;
कहसु. आज्ञा० सु० च० १. २६;
कहेसु. सु० च० ५, ६;
कहव. उत्त० २५, १६;
कहेमाव. दसा० ३, २६; सम० ३३;
कहमाव. गच्छा० ३२;
कहिउं. सु० च० ३, ८२;
कहिजए. क० वा० वि० ५८५;
कहिजठ. क० वा० सु० च० ४, २४०;
कहिजाहि. क० वा० आज्ञा० पि० नि० ४३२;
कहिजंत. क० वा० व० क० सु० च० ७, १४६;
कह. अ० (कथम्) કેમ; शाभाटे; કેવી રીતે.
कथों; किसलिये; किस तरह. Why; how.
नाया० २; ६; ७; भग० ७, ६;
कहं. अ० (कथम्) કેમ? शाभाटे? કેવી રીતે?
किस प्रकार? How? why? नाया० १;
२; ६; ७; ६; १०; १८; भग० १, ३; २, ५;
३, १; ५, ५; ६; १५, १; १६, ६; २०, ६;
२५, ८; दस० २, १; ४, ७; ६, २; २४; २६; दसा० ४,
१०५; विशेष० ३०, १२७; सु० प० १; स्य० १,
१, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१;
कहंखि. अ० (कथंचित्) કેઇ પ્રકારે; किसी
प्रकार से In some way or other;
some how or other. पंचा० ५, ३५;
✓ कहकह. ना० भा० II. (कहकह) કહકહ
એવો આવાજ કરવો. कहकह ऐसा आवाज
करना. To make a sound resem-

bling the sound of the word
Kahakaha.
कहकहति. जीवा० ३, ३;
कहकहंत. परह० १, ३; जं० प० ५, १२१;
कहकह. पुं० (कहकह) ધણા જણો ખુશ-
લીનો આવાજ. कोलाहल; शोर. Bust-
ling noise. राय० ८६;
कहकहअ. पुं० (कहकह) આતંદનો કહ-
કહ શબ્દ. आनंद का कलकल शब्द. A
joyous bustling sound. ठा० ३, १;
कहकहक. पुं० (कथकथ) કહકહ એવો
ખુશાલીનો પેઠાર. ' कहकह ' रूप हर्षोद्गार;
खुराली की पुकार. A joyous sound
resembling the pronunciation
of the word Kahakaha. आया०
२, १५, १७६;
कहकहग. पुं० (कहकह) કેલાહલ. कोला-
हल. Bustling sound. कण्ठ० ५, ६६;
कहग. पुं० (कथक) કથા કરનાર; કથા ઉપર
આશ્રિત ચલાવનાર. कथा करनेवाला; कथा
करके आजीविका करनेवाला. A profe-
ssional story-teller राय० अणुजो०
६२; ओव० जं० प० निसी० ६, २२; जीवा०
३, ३; कण्ठ० ५, ६६; प्रब० ६२६;
कहण. न० (कथन) કથન; વર્ણન; કહી બતા-
વવું. कहना; कथन; वर्णन. Telling;
describing; narrating. विशेष० ८६४;
पि० नि० ८०; १६०; १६२; सु० च० २,
३५०; नाया० ८; नंदी० ४१;
कहणा. स्त्री० (कथन) કથન. कथन. Nar-
ration विशेष० ८४६; पंचा० ६, १३; १२, १५;
कहवि. अ० (कथमपि) કેઇ પણ રીતે.
कोई भी रीति से. In some way or
other; anyhow. गच्छा० ६६;
कहा. स्त्री० (कथा) કથા; વાર્તા; સમાચાર;
કથા-વાદ, જલ્પ, વિતાંડા, પ્રકીર્ણ અને

निश्चय ये पांच प्रकारकी कथा. कथा; समा-
चार; बातों-बाद, जन्म, वितंडा, प्रकीर्ण
और निश्चय, ये पांच प्रकारकी कथा. A
story; a news; a description.

“ तिबिहा कहा पवयत्ता तंजहा
अथ कहा थम्मकहा कामकहा ” ठा० ३,

३; गच्छा० ११५; कप्प० ३, ५६;

भग० २, ५; ७, ८; ६, ३३; ११, ११; दस०

८, ४२; नाया० १; ३, ५; ८, १३, १६;

सम० ९; १२; उत्त० १६, ६; २६, २६;

ओव० ११; ३८, दसा० ३; २६; ३१;

निसा० ८, १; उवा० २, ११७;—अधिकरण.

न० (—अधिकरण) कथाना अधिकारवाणुं.

कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र. A

scripture containing stories or

teaching through stories. दसा०

६, २५; —समुज्जाव. पुं० (—समुज्जाव)

परस्पर वार्तालाप. परस्पर वार्तालाप; आपस

में बातचीत. mutual conversation.

नाया० ८; ६;

कहाणुग. न० (कथानक) कथा, बात; कथा;

कथानक; वर्णन. A story; a narra-

tion. नंदी० ५०;

कहि. त्रि० (कथित) कहेना२. कहने वाला.

(One) who tells; a teller.

“महाधम्म कही” उवा० ७, २१८; जं०

प० १, १;

कहि. अ० (क) कहां; कथे केकाले. कहां; किम

जगह. Where? at what place?

जं० प० जीवा० ३; नाया० १३; पज्ज० २;

भग० २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२,

१; १३, ४;

कहिअ-य. त्रि० (कथित) कहेलुं. कहा हुआ.

Told; narrated. नाया० १, २; ५; ८;

१६; भग० १, १; २, १; पंचा० १७, ३०;

कहि. अ० (क) कहां? कहाँ? Where?

जीवा० १; राय० नाया० ८; १३; १४; १६;

सु० व० ३, ६२; भग० २, १; ३, १३; ५,

३; ६, ५; ७, ६; ८, ३३; १४, १; १५, १;

३२, १; अणुत्त० १, १; पि० नि० ३७६;

सू० प० १;

कहि. अ० (कहा) कथारे. कब; किस समय.

When? भग० २०, ८;

कहिअि. अ० (कथित) कथायपय; केकाले.

कहीं भी; किसीभी स्थान पर. In some

place; in some place or other.

विशे० १६२७; नाया० १; आया० १, ७, २, २०२;

कहित. त्रि० (कथित) कहेलुं. कहा हुआ.

Told; said; narrated. सू० प० १;

कहिस्तार. त्रि० (कथयितुं) कहेना२; ओल-

ना२. कहनेवाला; बोलने वाला. (One)

who tells; a teller; a speaker.

दसा० ३, ३१; उत्त० १६, ८; सम० २;

कहेस्तार. त्रि० (कथयितुं) कहेना२. कथन

करने वाला; कहनेवाला. A speaker; a

teller; (one) who tells. “इत्थि-

कहं भत्तकहं रायउहं कहेत्ता भवइ” ठा०

४, २; सम० २२;

कह्लार. न० (कह्लार) संध्या विकशी सईह

कभक्ष. संध्या का फूलने वाला सफेद कमल.

A white lotus blooming in the

evening. सूय० २, ३, १८;

✓का. धा० 1. (कृ) करतुं. करना. To do.

कासिग. विध० सूय० १, २, १, १७;

काहिह-ति. भवि० भग० ३, २; ६, ३३;

११, १२; १४, ८; १५, १; १८,

१०; नाया० १५; १६; विशे० ८६८;

काही. नाया० ५० ६; दस० ४, १०;

काहिति. भग० ३, १; १६, १; नाया० १;

नाया० ५० १०; ओव० ४०; उत्त०

८, १६; पि० नि० २३६;

काजसी. भूत० सूय० १, १, ३, ८; आया०

१, १, ४, ३६; उत्त० १, १०;

काकृब्धं. जं० प० नाया० १८, १६; विशेष०

१५२; पि० नि० ३; भग० १४, २;

काठं. सं० कृ० भग० १, ८; ३, ५; ४, ३३;

१५, १; सु० च० १, २०७; दसा०

१०, १; नाया० ध०; नाया० १६;

ओष० ४०; पि० नि० भा० ३०;

काठं. हे० कृ० भग० ४, २; नाया० १८;

कदद्दु. सं० कृ० दस० ८, ३१; वेय० १, ३७;

७, १७, सू० प० १; पञ० ३६;

ओष० ११; जं० प० २, ११५; ११२;

१२२; २, ३३; ३, ४५; अणुजो०

१३; ७१; निसी० ७, ३१; १४, १२;

१८, १७; आया० १, ५ १, १४४;

२, १, ३, १५; उत्त० ३, २; ११;

नाया० १; ५, ८; १४; भग० १, १;

२, १; ५, ३, १; ५, ४; ६, ६; ७,

६; ६, ३१; १६, ५; वेय० १, १३; ५, ५;

✓ का. धा० I. सं० कृ० अ० (कृत्वा) करीने.

करके. Having done.

किष्वा. नाया० १; ६; १४; १६; आया० १,

७, ६, २२१; सूय० १, १, १०;

ओष० ३८; भग० १, १; ८; २, १;

३, १; ७, ६; ८, ५; १५, १; दस०

५, २, ४७; ८, ४६; निर० ३, १;

दसा० ६, १; ६, ११;

काह. अ० (काचित्) को; स्त्री गति विशेष

पदार्थ. काह् स्त्री जाति विशेष वस्तु.

Somebody; someone; (said of

of an object in the feminine

gender). वेय० ५, ११; विशेष० १२२;

काहय. त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण नि-

वृत्तः कायिकः) शरीरसंबन्धी; शारीरिक.

शारीरिक; शरीरसंबन्धी Physical; re-

lating to the body. आव० १, ४;

ओष० ३२; विशेष० २३३; ३५५; उत्त० ३२, १४;

काहया. स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापारधी

यती क्रिया; पांच क्रियाभांती मेक. शरीर के

व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक

क्रिया. One of the five activities

viz. physical activity. पञ० २२;

सम० ५; ठा० २, १; ओष० नि० २४१;

भग० १, ८; ३, १; २; ६, ५, ६; ८, ३;

काह्. न० (काकी) कागडी. कौवा (कौवा का

स्त्री लिङ्ग). A female crow. विवा०

३; —अंडअ. न० (-अण्डक) कागडीना

छंडा. काँवा का छंडा. an egg of a

female crow. विवा० ३;

काउ. स्त्री० (कापोता) कापोत देश्या; पादे-

याना रंग जेवा कर्म रङ्गि के जेना योगे

छवने तहन कागा नहि पछु सईदनी जांछ-

वागा परिछाम थाय ते कापोत देश्या.

कापोत लेख्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-

स्कंध, जिनके संयोग से जीव के बिल्कुल काले

परिणाम न होकर सफेदी की काँहवाले परि-

णाम हों ऐसे परिणामों को कापोत लेख्या

कहते हैं. Dove coloured tint;

grey colour of Karmic mole-

cules resembling that of a

dove. पञ० १७; उत्त० ३४, ३; ५६; क०

गं० ४, १६; जं० प० ५, ११५; —लेस्सा.

स्त्री० (-लेख्या) छ देश्याभांती त्रीछ

कापोत देश्या. छः लेख्याओं में से ताँसरा

कापोत लेख्या. the third of the six

matter or thought tint viz.

dove coloured tint. आव० ४, ७;

प्रब० ११७३; —लेस्सा. स्त्री० (-लेख्या)

कापोत देश्या; पादेयाना रंग जेवा के अक्ष-

सीना दूख जेवा कर्म रङ्गि के जेना योगे

तहन कागा नहि पछु कछ सईदनी अ.छ-

वाला आत्माना जुअरा परिछाम थाय ते.

कापोत लेख्या अर्थात् कबूतर के रंग के समान

कर्मस्कों के संयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम को बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी की भाँई लिये हुए हों. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, ३; १८, ३; २६, ६; २६, १; ३१, ४; ३३, ४; ३५, ४; सम० ६; पञ्च० २७; उत्त० ३४ ६; जीवा० १; टा० १, १;

कांडअग्निवर्णनाम. त्रि० (कपोताग्निवर्णनाम) कपोत अथवा धमेक्ष अग्निना धान्ते ज्ञेयी क्षिति ज्ञेयी ज्ञे ते. कबूतर अथवा धमो हुई ज्वलित के वर्ण समान. One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower. दत्ता० ६, १; कांडवृक्ष. पुं० (काकोदुम्बरि) अेक जलजुं अक्ष०. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जांबा० १; पञ्च० १;

कांडवृक्ष. पुं० (काकोदुम्बरि) वृक्ष विशेष. एक तरह का कांड. A kind of tree. भग० २२, ३;

कांडकाम. त्रि० (कर्तुकाम) करवाना इच्छा धान्ते करने की इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. श्रौच० नि० ५३७;

कांडज्जुयया. स्त्री० (कावर्जुयया) शरीर योगनी सरगता; सीधायु. शरीर योगका सीधायन; शरीर योग की सरलता. Straightforwardness of physical activities. टा० ४, १; भग० ८, ६;

कांडवृक्ष. पुं० (काकोद्वर) अेक जलजुं इक्षुयाणे सर्प. एक प्रकारका फन वाला सर्प. A kind of hooded serpent. पञ्च० १;

कांडरिस. पुं० (कापुक्क) क्षय२; श्रीक्षु. कायर; डरपोक. Timid; cowardly. गच्छा० २७; सु० च० ७, १६४; आड० ६४; कांडलि. स्त्री० (काकोली) अेक जलजुं यनस्पति. एक तरह की वनस्पति. A kind of vegetation. भग० २३, ५;

कांडसर्ग. पुं० (कायोत्सर्ग) क्षयाना व्यापारना त्याग काडिसर्ग करवा ते. शारीरिक क्रिया का त्याग; कायोत्सर्ग करना. Act of stopping the activities of the body and meditating upon the soul. आव० १, १; कप्प० ६, ५२; नंदी० ४३, उत्त० २६, ३८; २६, २; वेय० १, १६; नाया० १; ५; भग० २, १; (२) आदर्शक सूत्रना पांचमा अभ्ययन-जुं नाम. चावरयक सूत्र के पांचवें अध्याय का नाम. name of the fifth chapter of Āvaśyaku Sūtra. अणुजो० ५६;

काकोद्वर. पुं० (काकोद्वर) अेक जलजुं सर्प. एक प्रकार का सर्प. A kind of serpent. पण्ड० १, १;

काकोय. पुं० (कापोत) अनुमे " काड " शब्द. देखो " काड " शब्द Vido " काड " पञ्च० २,

काकोली. स्त्री० (काकोली) अे नामनी अेक यनस्पति. एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation. पञ्च० १;

कांची स्त्री० (काञ्ची) कांची नामनी अेक नगरी. कांचा नाम की नगरी. Name of a town. प्रव० ८०६;

काक. पुं० (काक) काकडे काका. A crow. भग० १;

काकंतिम. पुं० (काकन्तिक) दोकडी. लोमड़ी. A fox जं० ७०

काकंदिया. स्त्री० (काकंदिका) काकंदी नामनी नगरी. काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नावा० ६;

काकंदी. जी० (काकंदी) जितशत्रु राजनी
काकंदी नामनी नगरी के जेभां धना अत्युभार-
ने। ७-३ थयो हुतो। जितरात्रु नामक राजा
की एक नगरी जिसमें कि धना अत्युभार का
जन्म हुआ था. A town named
Kākandī belonging to king Ji-
taśatru where the ascetic Dha-
nnā was born. अणुजो० ३, १; ठा० ५, १;

काकली जी० (काकली) चक्रवर्तीना १४
रत्नमांजुं ओक रत्न. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों
में से एक रत्न. One of the fourteen
jewels of a Chakravartī. ओव० ४०;

काकलि. पुं० जी० (काकली) ओक जलनी-
वनस्पति. एक प्रकार की काकली नामक
वनस्पति. A kind of vegetation so
named. भग० २२, ६;

काग. पुं० (काक) कागडो. कौआ. A crow.
अणुजो० १३१; परह १, १; पञ्च० १; पिं०
नि० ४५४; भग० ३, २; ओष० नि० ५६३;
(२) काक नामने ग्रह. काक नामक ग्रह. &
planet so named. ठा० २, ३;

कागणि न० (राख) राज्य. A
kingdom. (२) ओ नामनी ओक
वेल. एक प्रकार की लता का नाम. &
creeper of that name. पञ्च० १;
चक्रवर्तीना आठरत्नमांजुं ओक के जेथी चक्र-
वर्ती तिमिस गुफाभां प्रकाश करवाने भांडला
आलेजे छे. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से
एक कि जिससे चक्रवर्ती तिमिस गुफा में प्रवेश
करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खींचते हैं.
one of the fourteen jewels of
a Chakravartī by which he
draws circles to produce
light in dark caves. ठा० ७, १;
पञ्च० २०; —रख. न० (—रख) चक्रवर्ती-

जुं काकिणी नामजुं रत्न. चक्रवर्ती का काकणी
नामक रत्न. a jewel named Kākīnī
belonging to a Chakravartī. ठा०
७, १; पञ्च० २०; —लकखण. न० (—लकख)
काकलि रत्नने जेवानी कणा. काकणि रत्न को
देखने की कला. the art of viewing
the Kākīnī jewel. नावा० १; ओव० ४०;

कागणी. जी० (काकिणी) डोडी; सेजुं रुपुं
भापवानुं ओक वजन; सवा अणोडीभारजुं
भाप; भासानो येथे भाग. सोना चांदी
तोलने का एक प्रकार का वजन; मासे का
चौथा भाग; सवा रत्ती (गुंजा) भर वजन.
A cowrie; a small measure or
weight equal to about two
grains used in weighing gold
and silver. अणुजो० १३३; परह० १,
३; ओव० ३८;

कागस्सर. पुं० (काकस्वर) कागडान् पेड़ो
कठोर स्वरथी गावुं ते; गायननो ओक दोष.
कौआ के समान कठोर स्वर से गाना; गायन
का एक दोष Singing with a harsh
sound like that of a crow; a
fault in singing. जं० प० ३; अणुजो०
१२८;

कागिणी. जी (काकिणी) चक्रवर्तीना १४
रत्नमांजुं ओक रत्न के जेने छ तला, आठ
भुज्या अने आठ दांसो होय छे. चक्रवर्ती के
चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ
तह आठ कोने और बारह बाजु हांती है.
One of the fourteen jewels of
a Chakravartī, having six faces-
es; eight angles and twelve
sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं०
प० प्रव० १२२८; (२) डोडी; भासानो येथे
दिस्सो. मासे का चौथा हिस्सा; दो रत्ती भर
वजन. a cowrie; a measure of

weight of about two grains.
उत्प० ७, ११; —मंस. न० (—मंस) कोडी-
ने आकारे कोडी जेवडा मांसना कड्डा शरीर
माथी कड्डा ते. शरीरमें से काँटा जैसे मांसके
टुकड़े निकालना. taking off pieces of
flesh of the size of a cowrie.
निवा० २, —आइम. न० (—आदिम) कोडी
प्रमाणे कड्डा करी पोतानुं मांस पोताने अ-
गवे ते. कोडी बराबर टुकड़े करके अपना मांस
अपने को ही खिलाना. feeding one-
self with one's own flesh in
pieces as a cowrie दसा० ६, ४;
—आविगंग. त्रि० (—आदितात्र) कोडीने
आकारे मांसना कड्डा करवा ते; ऐक
प्रकारनी शारीरिक शिक्षा. काँटा के आकर
बरोबर मांस के टुकड़े करना; एक प्रकार का
शारीरिक दंड. a kind of physical
punishment viz. slicing one's
flesh into pieces as small as a
cowrie. सूय० २, २, ६३;

कागी. स्त्री० (काकी) कायडी. कौवा. A
female crow. (२) कड्डासंधी
विद्या. कौआ सम्बन्धी विद्या. a science
in connection with crows. विशेष०
२४४३;

काण. त्रि० (काण) ऐक आंखवाला; काणो.
एक आंखवाला; काना. One-eyed.
अणुजो० १२८; परह० १, १; नाया० १४;
दस० ७, १२; पि० नि० ४७४; प्रव० ८०२;
काणक न० (काणक) आणु बाण; बान. तार.
An arrow. जं० प०

काणग. न० (काणक) काणु-शेरडीने
ऐक रोग के जेथी तेभां छिद छिद पडि अथ.
सांटे का एक रोग जिससे कि उसमें छंद पड़
जायें. A sugarcane with a
disease in it which makes

it full of small holes. (२) तेवा
छिदवाणी शेरडी. ऐसे छेदां वाला गन्ना. a
sugarcane with small pin-holes.
आया० २, १, ८; ४८;

काणग. त्रि० (काणक-मुचित) थोरेकुं. चुराया
हुआ. Stolen. प्रव० ८०३; —महिस्.
पुं० (—महिष) थोरेको पाडो; थोराव पाडो.
चुराया हुआ भैंसा. a stolen buffalo.
प्रव० ८०३;

काणण. न० (कानन) शहरेनी पासैनुं वन;
प्रकीर्ण जगैवांगु वन. शहर के पास वाला
वन; प्रकाणं भाडों वाला वन. A forest
in the outskirts of a town; a
forest with trees lying sca-
ttered here and there. परह० १,
४; नाया० १; भग० १, ७; राय० २०१;
अणुजो० १३४; सु० च० ७, ५; भत्त० २;
काणस्त. न० (काणत्व) ऐक आंखपणुं;
काणपणुं. काना वन. State of being
one-eyed. आया० १, २, ३, ७८;

काणिय. न० (काणय) काणपणुं; रोगथी के
गर्भमाथीय ऐक आंखनी आभी रही गम
होय ते; १३ रोग भांने ऐक रोग. कानापन;
रोग से अथवा गम में ही एक आंख की
न्यूनता होना; मोलह रोगों में का एक रोग.
State of being one-eyed; one
of the sixteen diseases. आया०
१, ६, १, १७२;

कार्तिक्य पुं० (कार्तिक) कार्तिक भदितो.
कार्तिक मास. The month Kārtika.
प्रव० १४७२;

कादय. पुं० (कादय) ऐक जंतुने हंस.
एक प्रकार का हंस. A kind of goose.
परह० १, १;

कादूसलिया. स्त्री० (कादूसलिका = कं आत्मानं
दूषयति तमस्काय परिब्रामेन परिब्रमनात्

कदम्बा सेव कदम्बाका-दर्शनाच्च प्राकृतत्वात्) तमस्कान्त प्रभावशी भन्द थयेसी अन्दनी कान्ति. तमस्कान्त के प्रभाव से भन्द हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the moon dimmed on account of the power of dark bodies. भग० ६, ५;

कापालिङ्ग. पुं० (कापालिक) कापालिक योगी. कापालिक योगी; खोपड़िये रखने वाला योगी.

A Kāpālīka ascetic. अणुजा० १३१;

कापिसाथण. न० (कापिसाथन) ऐकान्तनी भद्रि. एक तरह की मदिरा. A kind of intoxicating drink. जवा० ३, ४;

कापुरिस्. पुं० (कापुरिस्) कायर पुरुष. कायर पुरुष; डरपोक आदमी. A timid, worthless person. नाया० १; पण्ड० २, १;

काम. पुं० (काम काव्यन्तेऽभिलष्यन्त एव ननु विशिष्ट शरीर संस्पर्श द्वारेणोपयुज्यन्ते वे ते तथा) भनोत शब्द अने भनोत रूप. मनोज्ञ शब्द और मनोज्ञ रूप. Attractive sound and form; उवा० १, ४८; आव० ३२; (२) शब्दादि पांच विषय. the five objects of senses such as sound etc. उत्त० ३, १८; ८, १४; दस० २, १; आया० १, ५, १, १४१; मू० १, १, १, ६; नाया० १; (३) हृत्का; कामना; वासना; अभिलाषा. इच्छा; कामना; वासना; अभिलाषा desire; lust. आव० ३८; दस० ६, ४; १४; मू० प० २०; सम० ५; भग० ७, ७; नाया० ५; पञ्च० २; पंचा० १, १६; प्रव० ४०; क० प० २, १५; ज० प० ५, ११५; (४) काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. the god of love; sexual intercourse. पंचा० १, १६; भत० १०७; पञ्च० २; पण्ड०

१, ३; —आसंसा. स्त्री० (-आसंसा) काम-भनोहर शब्दादि की अभिलाषा. काम-मनोहर शब्दादि की अभिलाषा. desire for the enjoyment of the objects of senses. प्रव० ८२३; —आससपप्रोग पुं० (-आसंसाप्रयोग) विषय-वासना उपरान्ते अथवा प्रयोग विषयोत्पत्ति का प्रयोग. an activity which excites sensual desires. ठा० ४, ४; —आससत्त. त्रि० (-आससत्त) कामभां आसक्ति-वाधुं. काममे आसक्ति वाला. attached to sensual pleasures. भत० ११३; —आसा. स्त्री० (-आसा) कामनी आशा; लोभनं पर्यायनाम. काम का आशा; लोभ का पर्याय वाची नाम. desire of sensual enjoyment; a synonym for greed. सम० ५२; भग० १२, ५; —कंसिय. त्रि० (-कंसिय) कामनी हृत्का इच्छावाला. काम की इच्छा करने वाला. desirous of sensual enjoyment. भग० १, ७; —कम. त्रि० (-कम) हृत्का प्रभाषे गति करनेवाले; स्वच्छंद चलने वाला; मन मानी गती करने वाला. (one) moving wantonly at his own will उत्त० १४, ४४; (२) क्षान्त नामे लोका देवलोका अन्तर्गत मुसाकरी विमान. लातव इंद्र का मुसाकरी करने का विमान. the travelling baloon of the Indra of the sixth Deva-lōka Lānta. ठा० ८, १; १०; —कलि. पुं० (-कलि) कामनी क्लेश. काम का क्लेश. the trouble or worry caused by sexual desire. भत० ११४; —कहा. स्त्री० (-कहा) काम शत्रु संभंधी कथा. कामशत्रु अर्थात् कोकशत्रु संबंधी

कथा. talk about love matters. ठा० ३, ३;—कामञ्ज. त्रि० (—कामुक) कामनी छत्ता करवावागो. काम की इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग० १, १; —कामि. त्रि० (—कामिन्) काम वासनानो अभिलाषी; कामनी छत्तावागो. काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. आया० १, २, ५, ६२; —किञ्च. त्रि० (—कृत्य) छत्ता प्रभाजे पगर पियाथे काम करनार. इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला. (one) acting wilfully and thoughtlessly. सूय० २, ६, १७; —गम. त्रि० (—गम) छत्ता प्रभाजे गतिकरनार. इच्छानुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८; —गामि. त्रि० (—गामिन्) छत्ता प्रभाजे गतिकरनार; भरु भुज्ज्याथनार. इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुझाफिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. ओव० २४; —गिद्ध. त्रि० (—गृह) विषयासक्त; कामभोगमां गृह थयेथ. विषयासक्त; काम भोग में लङ्घीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त० ६, ४; —गुण. पुं० (—गुण) कामने-विषयने गुण करनार-उत्तेजन आपनार गुणो; शब्दादि पांथ विषय. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of senses e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त० १०, २०; सम० ५, नाया० १५; —ग्रस्त त्रि० (—ग्रस्त)

काम-विषयमां भरत-आसक्त थयेथ. कामादि विषयोंमें प्रस्त-आसक्त. attached to or plunged in sensual enjoyments. भत्त० ११४; —तिव्वहिवास. पु० (—तीव्रामिलाष) काम-विषयनी अत्यन्त छत्ता. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव० २७८;—स्थिय. त्रि० (—स्थिक) काम भोगनेो अर्थी-छत्तावागो. कामभोग का अर्थी-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments. जं० प० ३, ६७; —पिंवासिय. त्रि० (—पिंवासित) कामनी पिंवासवागो. काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure. भग० १, ७; —भोग. पुं० (—भोग—कामाः कमनीयाः भोगाशब्दादय) काम अने भोग; शब्दादि पांथ विषय. विषय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. ठा० ४, १; भग० ७, ७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ८; ६; १६; दशा० १०, २, ६; उवा० १, ५७; —भोगि त्रि० (—भोगिन्) कामी अने भोगी; शब्दादि पांथे विषयमां भरयुत्त. विषयी. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz. sound etc. भग० ७, ७; —भोग्य पुं० (—भोग्य) लुओ “कामभोग” शब्द. देखो “कामभोग” शब्द. vide “कामभोग” नाया० १; ५; १६; —रत्तिसुख. न० (—रत्तिसुख) काम रति-जुं सुख; विषय सुख. काम रति का सुख. pleasure derived from sexual enjoyment. प्रव० १०७५; —रत्त न० (—रत्त-कामः शब्दादि विषयः सत्पदः काम-

रजः) काम रूपरज-भेद. कामरूप मेल. dirt or impurity in the form of sensual desire. भग० ६, ३३; — रागविव-दुल्ल. त्रि० (—रागविवर्द्धन) काम रागने पधारना. काम राग की वृद्धि करने वाला. (one) that increases the pas- sion of attachment to sensual objects. दस० ८, ५८; — रूपिन्. त्रि० (—रूपिन्) धन्धानुसार रूप ग्रहणाना. इच्छा-नुसार रूप बनाने वाला. (one) that can assume various forms accord- ing to one's own desire. उत्त० ६, २७; — समशुभ्र. त्रि० (—समशुभ्र) काम भाग-विषय वासनाने भोगात्मानना. कामी; विषयी. विषय वासना को मनोऽज्ञ मानने वाला; कामी; विषयी. (one) who takes delight in sensual pleasures; sensual. आया० १, २, ३, ८१;

कामं. अ० (कामम्) अत्यन्त; अतिशय. अत्यन्त; अतीव. excessively. पि० नि० १११;

कामगम. पुं० (कामगम) छठा देवलोकना छद्मं विमान. छठवें देवलोक के इन्द्र का विमान. Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka; ओव० २६; जीवा० ३; (२) छठा देवलोकना छद्मना यान विमानना अस्था-पक देवता छठवें देव लोकके इन्द्रके विमान का व्यवस्थापक देव. the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka. ज० ९० ५; ओव०

कामजल. न० (कामजल) स्नान करने के लिये बनाना. A wooden seat for taking bath. आया० २, ५, १, १४८; निरी० १३, ५;

कामज्जया. स्त्री० (कामज्जया) कामध्वजा

नामनी ओक वेरया. कामध्वजा. नामकी एक वेरया. A prostitute named Kā- madhvajā. विवा० १, २;

कामदुहा. स्त्री० (कामदुहा) जेधये तेदुध दूध पूर्ण करने के लिये कामदुहा गाय. इच्छानुसार दूध देने वाली गाय; काम धेनु. A cow yielding as much milk as one desires. उत्त० २० ३६;

कामदेव. पुं० (कामदेव) ओ नामनु ओक श्रावक; महावीर स्वामिना दश श्रवकमांता ओक. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी के दस श्रावकोंमें से एक. Name of one of the ten laymen-followers of Mahāvīra. उवा० २, १००;

कामफास. पुं० (कामफास) ४७वां ग्रह का नाम. Name of the ४७th planet. सू० प० २०;

काममहावण. न० (काममहावन) काशी-वल्वा-दसी अन्दरनु ओक अत्यन्त-विमान. काशी-बनारसी नामक नगरीके बाहिरका एक उद्यान. Name of a garden situated outside the city of Benares. “तत्पथं जंभे नउत्थं पउट्ट परिहारे सेणं वाणारसीण्णाय-रीण्णं बहिया काममहावणंसि चेह्वंसि मंदि-यस्म सरीरं विषयजहामि ” भग० १६, १; अंत० ९, १६; नाया० ध० ३;

कामय. पुं० (कामुक) कामनी धन्धानागो; कामी. कामकी इच्छा करने वाला; विषयचन्दु. (One desirous of sensual enjoy- ments. भग० ३, १; दय० ५, २, ३५; उवा० २, ९४;

कामि. पुं० (कामिन्) कामनी धन्धानागो; कामी. कामी; विषयचन्दु; विषय भोग का लोभुकी. One desirous of sensual enjoyments. भग० ७, ७;

कामिजुग पुं० (कामिजुग) ओक नरकना ईश-

नी पांखवाले पक्षी. एक तरह का हँसदार
पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with
downy feathers पक्ष० १;

कामिद्वि. पुं० (कामार्थ) आर्यसुहस्तीना
शिष्य. आर्य सुहस्ती का शिष्य. Name of
the disciple of Ārya Suhastī.
कण० ८;

कामिद्वियगण पुं० (कामर्द्धिकगण) काम-
धर्द्धिक नामनेता महावीर स्वाभीना नव गण-
माने अर्द्ध गण. कामार्द्धिक नामक महावीर
के ९ गणों में का एक गण. One of the
9 Ganas (orders of saints) of
Mahāvira, named Kāmārd-
dhika. ठा० ६;

कामिय. त्रि० (कामित) इच्छेयं. इच्छित;
चाहा हुआ. Desired; longed for;
wished. पिं० नि० २७२; भक्त० १११;

कामुय. त्रि० (कामुक) कामनी इच्छावासे.
कामेच्छु; विषयेच्छु Sensual; desirous
of sexual pleasures. दस० २, २, ३, ४;
कामेमाण. त्रि० (कामयमान) इच्छते;
अभिधाया करता. इच्छा करता हुआ; अभि-
लाषा करता हुआ. Desiring; wishing;
longing for. ओष० नि० ३०४;

काय. पुं० (*) पाण्डु लावयानी काय.
पानी लाने की काय. A piece of
bamboo on two ends of which
water-pots are hung; a contri-
vance to carry water from place
to place with ease. पिं० नि० ६६;

काय-य. पुं० (काक) कायडो. कौआ. A
crow. नाया० २; १६; विशेष० २०६४;

काय-य. न० (काच) काय. काच. A

pane of glass; glass. ओष० नि०
७७२; सू० च० ६, २१;

काय. पुं० (काय = चिन् इति धातोश्चयनं
कायः चीयतेऽनेनेति वा कायः) काया; शरीर;
देह. शरीर; काया; देह. Body; physi-
cal body. दस० ४; ८, ७; ६२; १०, १, ४;
पिं० नि० ६३; १२८; ५८३; जीवा० ३, ४;
सू० प० १६; दसा० ८, १८; ६, ४; पक्ष०
३४; नाया० १; ४; ८; भग० ३, १; ७, ४;
१८, ८; १६, ३; निसी० ३, ३४; ५४; १२,
३८; उत्त० २, ३१; ५, २३; ३२, ६३; ७४;
वव० ६, ३१; १०, १; आब० १, ३; भक्त०
३२; पिं० नि० भा० २६; (२) अे नामनेता
अर्द्ध अनार्य देश. एक अनार्य देशका नाम.
name of a country of the
Non-Āryans. प्रव० १५६७; (३)
पृथिवी आदि ७ काय; पृथ्वी, जल, अग्नि,
वायु. वनस्पति, अने त्रस अे ७ काय. पृथ्वी
आदि छः काय; पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु,
वनस्पति और सूक्ष्म जंतु यह छः काय. the
six kinds of bodies, viz. those
consisting of earth, water, fire,
wind, plant and minute insects
सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८; अक्षुजो०
२०१; (४) काय देशमां रहनेवाला
मनुष्य. काय देश में रहने वाले मनुष्य
people residing in the Kāya
region. पक्ष० १; (५) अे नामनी वन-
स्पति. इस नामकी एक वनस्पति. a vege-
tation of that name. पक्ष० १; (६)
प्रकार; भेद. भेद; प्रकार. mode; variety
सूय० २, ३, १; (७) देशमां छंदनी
मण्डूना रंभेना कपाश थाय छे ते कपासन

* बुधो १४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

सुतरनुं 'मनेशुं' वस्त्र. किसी देश में इन्द्रनील मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के सूतसे बना हुआ वस्त्र. cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries. Its colour is of the colour of Indra's gem (८) ३६ भा अदनुं नाम. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the thirty-sixth planet. सू० प० २०; (६) पत्रयज्जा सूत्रना त्रीज पदना येथा द्वारनुं नाम. पत्रयज्जाके ३२ पदके चौथे द्वारका नाम. name of the 4th chapter of the third section of Pannavapi पत्र० ३; (१०) समूह. समूह. collection. अणुजो० ६७; —अगुत्ति. जी० (—अगुत्ति) पापभां प्रवर्तती कायाने न रोक्कती ते. पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोक्कना. not checking the body from doing sinful deeds. छा० ३, १; भग० २०, २; —अणुजुयया. जी० (—अणुजुयया) कायाना वेपारनी वक्कता—सरत्तानो अभाय. काया-शरीर-के व्यापार की वक्कता. absence of straight forwardness in the actions of the body. छा० ४, १; भग० ८, ६; —उद्धायण. न० (—उद्धायण) शरीरनुं आकर्षणुं करुं ते शरीर का आकर्षण करना. act of attracting a body towards oneself. नाया० १६; —करण. पुं० (करण) शरीरनुं साधन. शरीर का साधन instrumental to the body. छा० ३, १; भग० ६, १; —क्लेश. पुं० (—क्लेश=कायस्य शरीरस्य क्लेशः स्वदः षोडश काय-क्लेशः) शरीरने क्लेश आपवो ते; आसन वाग्गवा, आतापना लेवी, धमनो परिश्रम उहाववो ते शरीरको क्लेश पहुँचाना; आसन

लगाना, पाप (धूप) सहन करना. act of subjecting the body to austere penances e. g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc. भग० २५, ७; अणु० १६; छा० ६, १; उत्त० ३०, ८; सम० ६; प्रव० २७१; —गिरा. जी० (—गिरा) काया मने वाष्पी. शरीर और वाणी. body and speech. दस० ६, १, १२; —गुत्त. त्रि० (—गुत्त=कायगुत्तया गुत्तः कायगुत्तः) कायाने पापथी गोपायनार, काय गुत्ति; शरीरको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला. (one) checking the body from doing sinful deeds. " कायगुत्तो जिह्दिच्चो " उत्त० १२, ३; भग० २, १; —गुत्तया. जी० (—गुत्तया) कायाने पापथी गोपायती ते. काया को पापसे बचाना. checking the body from doing sinful deeds. उत्त० २६, २; —गुत्ति. जी० (—गुत्ति) काय गुत्ति, स. यद्य प्रवृत्तिथी कायाने गोपायती ते; पापभां कायानी प्रवृत्ति न करती ते. काय गुत्ति; पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना; शरीरको पाप प्रवृत्त न करना. controlling the body and preventing it from doing sinful deeds. आव० ४, ७; भग० २०, २; छा० ३, १; सम० ३; —चिह्वा. जी० (—चिह्वा) कायानी चेष्टा; दसन अक्षन यभरे शरीर की चेष्टा; हलन चत्तन आदि. movements or motions of the body. उत्त० ३०, १२; —कुक्क. न० (—कुक्क) पृथ्वी आदि ७. काय; पृथ्वी काय, अपकाय, तेडिकाय, वायुकाय, वनस्पति काय अने वसकाय ये ७ काय. पृथ्वी, अप, अग्नि, वायु, वनस्पति और वस ये ६ काय. the six kinds of bodies, viz.

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects. सम० १८; दस० ६, ८; —जोग. पुं० (-योग) शरीरनो व्यापार, शरीरचला. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. ठा० ३, १; भग० १, ४; १२, ५; १७, १; २५, १; भत० ८३; —जोगस्ता. स्त्री० (-योगता) काययोगपक्ष. काय योगता. that condition in which there is activity of the body. भग० २५, २; —जोगि. त्रि० (-योगिन्) काययोगी श्रव; कायानी प्रवृत्तिमा ज्ञेयार्थ. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४; भग० १, ५; ६; ३; ४; ८, २; ६, २१; ११, १; २४, १; २५, ६; २६, १; —द्विह. पुं० (-स्थिति) पृथ्वी वगैरे कायमां अवस्थित छे रहैवुंते. पृथ्वी आदि कायों में आविष्टित-अवस्थित रूपसे रहना. remaining uninteruptedly in earth-bodies etc. (२) प्रतापना सूचना अक्षरमा पदं नाम के जेमां नरकादि जेवानुं कायस्थितिनुं वर्णन आवेत्त छे. प्रज्ञापना सूत्र के अठारहवें पद का नाम जिसमें कि नरक आदि जाँवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पञ्च० १; प्रब० ४३; १०४४; —तिगिह्वा. स्त्री० (-चिकित्सा) शरीरना रोग भटावतानुं चिकित्सा दर्शयनार शास्त्र; आयुर्वेदो अथ ज्ञान. शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. a division of medical science

treating of the cure of the diseases of the body. ठा० ८, १; —तिज्ज. त्रि० (-तीर्ज्य—तरबीज) कायानी तरया योज्य. शरीर से तिरने योग्य. such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; —दंड. पुं० (-दंड = काय एव दण्डः काय-दण्डः) काया दंड; कायानी दुष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने कर्म बंधनथी दंडवो ते. काया दंड; शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबंधन से दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. श्लो० ४, ७; सम० ३; ठा० ३, १; —दुष्कृत. न० (-दुष्कृत) शरीरथी करेछु पाप. शरीर से किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. श्लो० ३, १; —दुष्पक्षिहास. न० (दुः प्रखिधान) कायानी दुष्टता; कायानो अशुभ योग काया की-शरीर की दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७; ठा० ३, १; —पञ्चोग. पुं० (प्रयोग) कायानो-प्रवर्तन. शरीर का प्रयोग. activity of the body. ठा० ३, १; भग० ६, ३८, १; —पञ्चोगपरिणय न० (प्रयोग परिणय) कायाना व्यापार रूपे परिणाम पा-भेद पुद्गल. काया के व्यापार रूप से परिणमित पुद्गल. Material molecules shaping themselves or turning themselves into the activity of the body. भग० ८, १; —पडिसंखयि. स्त्री० (-प्रसिखयिता) कायाने पड करी ते शरीर को बरीभूत करना Keeping the body under control. भग० २५, ७; —पक्षिहास. न० (-प्रखिधान) कायानुं अक्षयपक्ष. शरीर की एकप्रता. concentration of the body ठा० ३, १;

४, १; भग० १८; ७; —परिवारण. पुं० (—परिवारक) शरीरधी स्त्रीसंभोग करना शरीर से स्त्री से संभोग करने वाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. “ वासु कप्येसुदेवा कायपरिवारणापदवत्ता” ठा० २, ४; —परिवारणा. स्त्री० (परिवारणा) शरीरधी परिवारणा = मैथुन सेयुं ते. शरीर से मैथुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body. ठा० ५, १; —पाचार. न० (—प्राचार) आयदेशभां अनेक वस्त्र काय नामक देश में बने हुए वस्त्र. cloth made in the country named Kāya. निसी० ७, ११; —पीडा. स्त्री० (—पीडा) शरीर वेदना; शारीरिक दुःख. शारीरिक कष्ट; bodily pain; physical pain. पंचा० १८, ३६; —पुण्य. न० (—पुण्य) आयामे सेवा करवायी यत् पुण्य. शरीर से सेवा करने पर जो पुण्य हो वह. religious merit arising from rendering services with the body. ठा० ६, १; —यल्लिङ्ग. त्रि०. (—यल्लिङ्ग) भोज्युप शरीर यागो; आयाना अन्नयागो. मज्जुत शरीर वाला a man possessor of great physical strength. आच० १६; —भवस्थ. पुं० (—भवस्थ=काये जनम्युत्तरमवस्थवस्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय-भवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) माताना गर्भभां रह्युं ते. माता के गर्भ में रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the foetus. भग० २, ५; —वायाम. पुं० (—वायाम = कायः शरीरं, तस्य वायामो वायारः कायवायामः) आयामे, आयाने ०१५१२-भ्रूति-उद्धारिकादि शरीर युक्त आ-

त्मानि वीर्य परिश्रुति विशेष. शरीर की प्रवृत्ति; औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा की वीर्य परिश्रुति विशेष the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा० १, १; —वह. पुं० (—वह) पृथ्वी वगैरे अवनिआयनी हिंसा. पृथ्वी वगैरे जीवकायों की हिंसा. killing sentient beings such as earth-bodies etc. पंचा० ४, ४१; —विषय. पुं० (—विषय) आयाने वश करती. शरीर को वश करना. bringing the body under control. भग० २६, ७; ठा० ७; —विषय. न० (—विषय) आयाने विषय. शरीर का विषय. an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया० १७; —संफास. न० (—संस्पर्श) आयाने स्पर्श करने ते. शरीर का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; आच० ३, १; —संबेह. पुं० (—संबेह) शरीरधी स्थिति. शरीर का स्थिति. state or existence of the body. भग० २४, १; २०; —समाधारणया. स्त्री० (—समाधारणा) संयमभांज आयानु प्रवर्तन कर्युं ते. संयममे ही शरीर की प्रवृत्ति करना. engaging the body exclusively in ascetic practices. उत० २६, २; —समाहारण-ता. स्त्री० (—समाधारणा) आयाने वश करती ते. शरीर को वशकरना. act of controlling the body. भग० १७, ३; —समिह. स्त्री० (—समिह) आयाने नानाये प्रवर्तयती ते; आयामिति. यत्नाचार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना; काय समिह. controlling carefully the activities of the body. ठा० ५, १;

—समिय. त्रि० (-समित) यत्नापूर्वक
 कायाने प्रयत्नान्तर. यत्नान्तर पूर्वक काय योग.
 (one) who carefully controls
 the activities of the body. भग०
 २, १; —सुष्यणिहण न० (-सुष्यणि
 न) कायानुं सुप्रबुधान; कायाने शुभ कृत्यमां
 ऐकाग्रतायां श्रेष्ठं ते. शरीर का सुप्रधानता;
 शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त
 करना. engaging the body in sa-
 lutory activities with a concen-
 trated mind. भग० १८, ७; ठा० ३, १;
 कायंद्वग त्रि० (काकन्दक) काकंदी नगरीमां
 वसन्तर. काकंदी नामक नगरी में रहने वाला.
 (One) who resides in the
 town called Kākandī. भग० १०, ४;
 कायंदी स्त्री० (काकंदी) प्राचीन समय की
 काकंदी नामकी नगरी. प्राचीन समय का
 काकंदी नामक नगरी. Name of an
 ancient town. संस्था० १५; भग० १०, ४;
 कायंद्व न० (कदम्ब) कदम्बानुं वृक्ष. कदम्ब
 का गाड. The Kadamba tree.
 ठा० ८, १;
 कायंद्वग. पुं० (कार्द्वक) कलहंस. कलहंस.
 A species of swans. कप० ३, ४२;
 कायमंत. त्रि० (कायवत्) उंचा शरीरवाला.
 ऊंचे शरीरवाला. Tall in body. सूय०
 २, १, १३;
 कायमणि. पुं० (काचमणि) काचमणि; काच-
 की ३३३. काचमणि; काच का टुकड़ा. A
 piece of glass. भक्त० १३८;
 कायभाई. स्त्री० (काकमाषी) भीड़ुं फल आ-
 पनारी ऐक वनस्पति. मीठा फल देनेवाली
 वनस्पति. Vegetation yielding
 sweet fruit. पञ्च० १;
 कायय. त्रि० (कायक) काय देशानुं अनेधुं.
 काय नामक देश का बना हुआ. Made

or produced in the country
 called Kāya. निसी० ७, ११;
 कायर. त्रि० (कातर) क्षीर; निर्भय; नाहि-
 भय. कायर; डरपोक; कम हिम्मत. Cow-
 ardly; timid. सु० च० १२, ११; पण्ड०
 १, ३; जीवा० ३, ४; उत्त० २०, ३८; आवा०
 १, ६, ४, २५३; नाया० १; व; भग० ६,
 ३३; (२) ऐ नामनेो ऐक देश. इस नामका
 एक देश. name of a country.
 निसी० ७, ११;—पाधार. न० (—प्राधार)
 काय देशमां अनेधुं ओढवानुं वस्त्र काय देश
 में बना हुआ ओढने का वस्त्र. a kind of
 cloth used for wrapping round
 the body made in the country
 called Kāya. निसी० ७, ११;
 कायरिय. पुं० (कातरिक) गोशाला भुज्य
 श्रावधनुं नाम. गोशाला के मुख्य अनुयायी का
 नाम. Name of the principal lay-
 man follower of Goshālā. भग० ८, ५;
 कायरिय. पुं० (कातर्य) देवता विशेष.
 कातर्य नामक देव. Name of a deity.
 भग० ३, ७;
 कायरिया. स्त्री० (कातरिका) माया; ३५२.
 छत; कपट; मायाचार. Deceit; fraud.
 सूय० १, २, १, १२;
 कायवज्ज पुं० (काकवर्ज्य) ऐ नामनेोअधुं प्रह
 विशेष. A planet so named. ठा० २, ३;
 कायव्य. त्रि० (कर्तव्य) कर्तव्य योग्य. करने
 योग्य. Worthy of being done.
 पि० नि० ३; राव० ८४; सु० च० १, ७६;
 दस० ६, ६, १; उत्त० २६, ९; पञ्च० १५,
 ४; विशेष० ५०८, नाया० १४; १६; भग० १,
 ५; ३, २; व. ६; २०, ५; २२, २; २४, १;
 ३१, ५; ४१, ११; प्रव० ५०८; पंचा० ३, ७६;
 ६, ७; १५, ४१;
 कायाद्वक. त्रि० (कायाद्वक) कायवत्तनुं.

किसी समय का. Of some time or other. विशेष ७११;

कायोवग. त्रि० (कायोवग) अेक कायाभांथी
पीछ कायाभां न्तर. एक शरीर से दूसरे
शरीर में जाने वाला. (One) passing
from one body into another
सूय० २, ६; १०;

कार. पुं० (कार) कारागृह; कैदखाना. जेल:
कारागृह. A prison. पण० १, ३; डा०
१०; उवा० १, ८१: —आदि. त्रि०
(—आदि) कारागृहभां पीछ पीछा पामेन;
कैदी. जेलमें कष्ट पाया हुआ; कैदी. a prison-
er; one troubled by imprison-
ment. ओव० ३०; भग० ६, ३३; नाया० १;
कारंड. पुं० (कारण्ड) पक्षी. बंदक
पक्षी. A duck. ओव० जं० प० पण० १, १;
कारंडग. पुं० (कारण्डक) जंगल 'कारंड'
शब्द. देखो "कारंड" शब्द. Vide
"कारंड" नाया० १;

कारण. त्रि० (कारक) करने वाला.
(One) who does; a doer. विशेष
१००३; ओव० नि० १८; आ० ४१; नाया०
१; ग्रन्थजो० १३८; प्रव० ६७६; (२) न०
कारंड समझित; समझितना दश प्रकारमें
अेक. कारक समझित; समझित के दश प्रकार
में एक one of the ten varieties
of right belief called Karaka
Samakit प्रव० ३५: —आदि. त्रि०
(—आदि) कारंड आदि समझित. कारक
आदि समझित. right belief such as
Kāraka etc. प्रव० ३५;

कारण. न० (कारण) कारण; निमित्त; प्रेत-
जन्तु; हेतु. कारण; निमित्त; हेतु. (Cause:
motive; reason. प्रव० ६५; पंचा० १:
१०; ५, ७; गच्छा० ८३; जं० प० विशेष
२०६८; पण० ८; राय० ४३; २१०; दस०

६, २, १३; वव० १, २३; २, २२; ३, २३;
नाया० १; ५; ८; ८; १२; भग० १, ३; ५,
४; ८, ७; १५, १; १८, २; सम० ६:(२)
आदार लेवाना अनावेला कारण सिवाय
आदार लेवाथड़ी यमिने आगतो अेक दोष.
आहार लेने के बतलांग हुए कारणों के बिबाय
आहार लेने में यति को लगने वाला एक दोष.
a fault incurred by an ascetic
by taking food without a justi-
fying reason. पि० नि० १; —जाअ.
त्रि० (जान) कारणथी उत्पन्न अयेव.
कारण द्वारा उत्पन्न. caused; born of a
cause. प्रव० ६६१; १०३०; —वसिय.
न० (—वृत्तिक) कारणजुं यत्तु; निमित्तनी
उपस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. exis-
tence, presence of a cause or
reason. वव० १, २३;

कारणआ. अ० (कारणम्) कारण
से. Through or owing to a
cause or reason. विशेष ३;

कारणद्र. न० (कारणार्थ) कारणसे आये. का-
रण के लिये. For some reason or
cause. नाया० १;

कारणया. स्त्री० (कारणता) कारणथी.
कारण-
पन. State of being a cause or
reason विशेष ७३०;

कारणिअ. त्रि० (कारणिक) कारणजुं
निमित्त अयेव. किसी भी कारण से निष्पन्न.
Born of some cause or other.
आ० नि० ७६;

कारभारिअ. पुं० (कार्यभारिक) कारभारी;
दियात कारभारी; दिवाण. An adminis-
trator; a minister; a Dowān.
जं० प०

कारय अ. न० (कारक) कारंड नामजुं सम-
झित; सद् अनुमान अयेव अक्षरपूर्वक सारा

अनुष्ठान (कार्य) पोते करे छे अने भीमने
पूज करवे छे ते. कारक नाम का सम्यक्त्व;
मद्वचनुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं
श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने
वाला. Right belief named Kā-
raka, by which one performs
good deeds with faith and
causes others also to do the
same विशेष० २६७५; भग० ११, ११;
उत्त० १, २; ६, ३०; नाया० ७;

कारवण. न० (कारवण) करायुं ते. कराना.
(Causing (another) to do. पंचा०
१, २२;

कारवाहिआ. स्त्री० (कार्यवाहिका) कार्यवाहन
करनारी. कार्यवाहन करने वाली. (One
(woman) who discharges a
work. जं० प० ३, ६७;

कारावण. न० (कारणा) करायुं; करवाने
प्रेरुं. कराना; कराने के लिये प्रेरित करना.
Causing or exhorting (another)
to do. सूच० २, २, ६२; पण्ड० १, ३; पि०
नि० ४१०; पंचा० ६, ४२; प्रब० ५७७;

काराविय. त्रि० (कारित) करवेध. कराया
हुआ. Caused to be done. विशेष०
१०१४;

कारि स्त्री० (कारिन्) करनार. करने वाली.
(One who does; a doer. विशेष० ७४;

कारिअ-य. न० (कार्य) कार्य; प्रयोजन.
कार्य; प्रयोजन; काम. Ar. action; a
reason; a purpose. सूय० १, २, ३,
१०; दम० ६, ६५;

कारिस्तण. न० (कारित्व) करवापावुं. कर्तृत्व
शक्ति. State of being a doer.
नाया० ७;

कारिय. त्रि० (कारित) करवेध. कराया हुआ.
Caused to be done. आउ० ११;

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) करनार. करने
वाला. (One) who does, a doer.
नाया० १; उवा० ३, १३४;

कारियल्लह. स्त्री० (कारवल्ली) करेधानी वेध.
करने की बेल. A creeping plant in
which the vegetable known
as Karelā grows. पञ० १;

कारिल्लअ. न० (कारिल्लक) करेधा. करेला.
A kind of vegetable. सू० प० ११;

कारीसंग. न० (कारीषाङ्ग) जेनाथी अग्नि
प्रवृत्ति कराय ते अग्नि प्रवृत्तानो धूमो.
अग्नि प्रवृत्तित करने की. धूमन या फूंकनी.
Bellows. उत्त० १२, ४३;

कारहज्ज. पुं० (कारक) करीगर. कारीगर.
A craftsman; an artist. पञ० १, २;

कारणिय. त्रि० (कारणिक) दयागु; करुणा-
वान्. दया करने वाला. Kind; com-
passionate. सु० च० २, ५५२;

कारणण. न० (कारुण्य) करुणा; दया. दया.
करुणा. Kindness; compassion.
भत्त० १६; उत्त० ३२, १०३; नाया० १;
चउ० ३६;

कारुज्ज. न० (कारुण्य) करुणा; दया. करुणा;
दया. Kindness; compassion. भत्त०
१६;

कारेल्लय. न० (कारेल्लक) करेधुं. करेला.
A kind of vegetable. अणुत्त० ३,
१; अंत० ३, १;

काल. पुं० (काळ-कल् संस्थाने कलने क लः
कल्पने वा परिच्छिद्यते बल्लवनेनेनि काळः
कलानां वा समवायिकृपाणां समूहः काळः)
समय; वपन; अरसर. समय; वस्तु. Time.
ओव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७,
१२; १३; विशेष० १३४; १५३६; दसा० ६,
१; सू० प० १, १६; दस० १, १; २, ७,
८, ८, ३५; ६, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २, ७७; पि० नि० ५: १२५; अणुजो० २१; १३२; आया० १२, १, ६२; नाया० १; २; ६; १६; १६; १६; भग० १, १; ५, ६; ८, ६; ११, ११; १२, ६; १५, १; प्रब० १२३२; १५८८; पि० नि० भ० २०; कण्य० १, १; भक्त० ५८; जं० प० १, १; (२) स्थिति. स्थिति. condition; state. विशेष ४०६; जं० प० ५, ११३; ७, १७५; (३) प्रातःकाल. प्रातःकाल; सुबह. morning time. नाया० १; (४) पदमां प्रदनुं नाम. ६६वें ग्रह का नाम. name of the 56th planet. सू० प० २०. डा० २, ३; (५) अयानक; क्षणिकरूप. भया-नक; काल के समान; प्राण लेने वाला terrible like the god of death. उल० १२, ६; (६) विप्रभ्रम तथा प्रभ्र-जन छन्दना लोकपालनुं नाम. विलम्ब तथा प्रभ्रजन इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the two Lokapālas (guar- dians of the people) of Indra named Vilamba and Prabhāṇ- jana. डा० ४, ५; (७) वायुकुमार मति-ना देवताना छन्दनुं नाम. वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम. name of the Indra of the Vāyukumāra spe- cies of gods. भग० ३, ६; (८) जे नार-कीने कड्यामां रंधि अने पोते रंधे कालो ते; काल नामे परमाधामी री ओक जल. जो नारका को कड़ाई में रंधि और खुद कोले रंग का हा वह; काल नामक परमाधामी का एक जाति. a kind of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hell- beings in an iron cauldron. सम० १५; (९) काल नामे आहमा देवयोक्तुं ओक विमान; ओनीस्थिति अगार साभशेषमनी छे.

जे देवता नव भद्रिने आसोच्छ्वास ले छे अने अगार हमार वीं लुधा लागे छे. आठवें देव लोक का विमान जहाँ के निवासी देवों की आयु अठारह सागरोपम की होती है. वह नावें महिने में आसोच्छ्वास लेतें हैं तथा उन्हें अठारह हजार वर्षों बाद भूख लगता है. a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and eat once in 18000 years. सम० १८; (१०) पूर्वे दिशामां काल नामेो सातमेो नरकमेो नरकवासो. सातवें नरक में पूर्व दिशामें स्थित काल नामक नरकावास. an abode of the seventh hell in the east. सम० प० २०६; डा० ५, ३; सम० ३३; पञ० २; जीवा० ३; १; (११) जुनी ने नयी अने नयीने जुनी अनायनाइ, पर्यायने पञ्चायनार ओक द्रव्य; ७ द्रव्यमांनुं ओक द्रव्य. पुरानो को नई और नई को पुराना बनाने वाला-पर्याय परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. a sub- stance that transforms the old into the new and the new into the old. उल० २८, ७; (१२) चक्रवर्तिना नव निधनभानुं ओक के जेमां सर्वां करीगरी-शिष्टपदगोना समावेश थाय छे. चक्रवर्ती का नौ निधियों में की १ निधि जिसमें कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश होता है one of the nine treasures of a Chakravarti including a knowledge of all fine and mechanical arts. डा० ६, १; जं० प० (१३) त्रि० काला रंगनुं. काल रंगका. black. भग० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६; जीवा० ३, १; विशेष० २०६७; पञ० १; ओब०

२२; ३०; नाया० २; (१४) पुं० कृष्यपक्ष.
 कृष्णपक्ष. the dark half of a
 month. जीवा० ३, ४; (१५) पिशाच
 ललना व्यन्तरदेवतानो मन्द्र. पिशाच जाति के
 व्यन्तर देवों का इन्द्र. Indra of the
 Vyantara deities of the kind
 known as Pisācha. भग० ३, ८; १०,
 ६; पञ० २; ठा० २, ३; जीवा ३, ४;
 (१६) भरण; मृत्यु. मरण; मृत्यु. death.
 नाया० १; ८; पञ० १६; विरो० २०६६;
 दगा० ६, १; भग० १, १; ३, ४; पि० नि०
 ५२; आया० १, २, ३, ८०; १, ४, २, १३१;
 उत० ४, ६; (१७) निरयावलिकाना पदेका
 अभ्ययनं नाम. निरयावलिका के पहले
 अध्याय का नाम name of the first
 chapter of Niryaavalikā. निर० १, १;
 भग० ७, ६; —अहकृत. पुं० (—अतिक्रान्त)
 बुभने सभये नही पक्ष तेने उत्संधीने भगेवे
 भोराक. बुधा के समय पर न मिलकर उस
 समय के बाद मिला हुआ भोजन. food
 obtained not at the time of
 hunger but after it. नाया० ५, १६;
 भग० ७, ६; ६, ३३; (२) कालनी ने
 भयक्षा आधेक्ष होय तेने उत्संधी भयेक्ष.
 कालका जो मर्यादा बांधा हो उस का उल्लंघन
 किया हुआ. transgressing the
 limit of time fixed. प्रव० ७८४;
 ८२०; —चारि. त्रि० (—चारिन्) सभय-
 यतुर्मासादि कालं उत्संधन करी आलनार.
 समय-चतुर्मासादि काल का उल्लंघन कर के
 चलने वाला. (one) who trans-
 gresses the rules laid down to
 be observed in the rainy season
 etc. प्रव० ७८४; —अहकम. पुं०
 (—अतिक्रम) कालने उत्संधवे; सभयने
 त्यजवे. काल को उल्लंघना; समय को त्यागना.

transgression of time fixed.
 पंचा० १, ३२; —अहयर. पुं० (—अतिचर)
 काल-आयुष्यना प्रमाणं अतिचार उत्संधन
 करतुं ते; आयुष्य तोही नाभयुं ते. आयुष्य
 के प्रमाण का उल्लंघन करना; आयुष्य का
 तोड़ना. cutting short one's alio-
 ted period of life. सूय० १, १३, २०;
 —अंतर. पुं० (—अन्तर) कालान्तर;
 अन्यथा. कालान्तर; दूसरी बार. another
 time. नाया० २; पंचा० १२, ३१;
 —अगुरु. पुं० (—अगुरु) कागुं अगर;
 सुगंधि धूपनं द्रव्य; कृष्याग्र. काला अगर;
 सुगंधित द्रव्य. a kind of black sub-
 stance used as an incense. ओव०
 सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०;
 नाया० १; १६; भग० ६, ३३; ११, ११;
 दसा० १०, १; जं० प० ५, ११३; कण्ठ०
 ३, ३२; —अहुरत्त. न० (—अहुरात्र)
 अन्धारीया पक्षनी-अभासनी अर्ध्नी रात्रि.
 अंधे पक्ष की अमावस्या का आधी रात.
 midnight of the 15th day of
 the dark half of a month. भग०
 ३, २; —अनुहृद्वा. त्रि० (—अनुहृद्वाचिन्)
 यत्नसर अनुष्ठान करनार; नक्षत्रो यत्न
 नही गादनार. समय पर काम करने वाला;
 निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one)
 who is punctual in the perfor-
 mance of his duties. आया० १, २,
 ६, ८८; —अणुपुव्वी. स्त्री० (—अणुपूर्वी)
 काग विषयक अनुपूर्वी, अनुक्रम. काल
 संवधी अनुपूर्वी. proper order of
 time. अणुजो० ७१; —अभिगह. पुं०
 (—अभिग्रह) पड़ेले पड़ारे के छेले पड़ारे
 अभुक्त यत्नते भगे तोण लेतुं अभ काग
 संयंधी नियम धारवे ते. पहले पहरमें या
 अन्तिम पहरमें अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बन्धी नियमका बांधना.
vowing to take a thing either
in the first or the last of the
8 divisions of time of a day.
श्वेत० — अश्वभास. पुं० (-अश्वभास)
शष्पी शष्पः; शष्पी प्रभा. काली भाई.
black tint. नाया० २: — अश्वहि.
पुं० (-अश्वहि) अश्वहि मर्यादा; अश्वहि
२६. समय की मर्यादा. time-limit. पंचा०
२. १८; — आदेश. पुं० (-आदेश)
शस्त्री अपेक्षा. काल की अपेक्षा. rela-
tivity of time. भग० ६, ८; ६, ८;
११, १; १४, ८; २४, १: — आयस. न०
(-आयस) शष्पः शष्पः; शष्पः; शष्पः.
शष्पः; गजवेज. steel; black iron
राय० १२६; श्वेत० ३१; जं० प० — एयणा.
स्त्री० (-एयणा) शस्त्री अपेक्षा अपेक्षा
शस्त्री. काल की अपेक्षा में कंपना trem-
bling with fear, having
regard to time भग० १७, ३;
— ओगाहणा. स्त्री० (-ओगाहणा)
शस्त्री अपेक्षा अपेक्षा अपेक्षा अपेक्षा
प्रमाण. काल की अपेक्षा में अट्टाई टांग
प्रमाण अश्वभास. localisation of
time to the extent of two con-
tinents and a half. शस्त्री ४, १;
— ओभास. पुं० (-ओभास) शष्पी प्रभा.
काली प्रभा. black tint. भग० ६, ८; ७,
१०; — कलि. त्रि० (-कलिन्) शस्त्री-पं-
डितभरजुने आदित्य. पंडित मरण की इच्छा
करने वाला. (one) who desires
(natural and peaceful) death
आया० १, ३, ३. १११; — गच्छ-य. त्रि०
(-गच्छ) भरजु पापेक्ष. मृतः मृत्यु प्राप्त.
dead. नाया० १:६; १६; १८; भग० ७, १: ५;
३, १: ७, ६: ६, ३३: १५, १; सम० १०००:

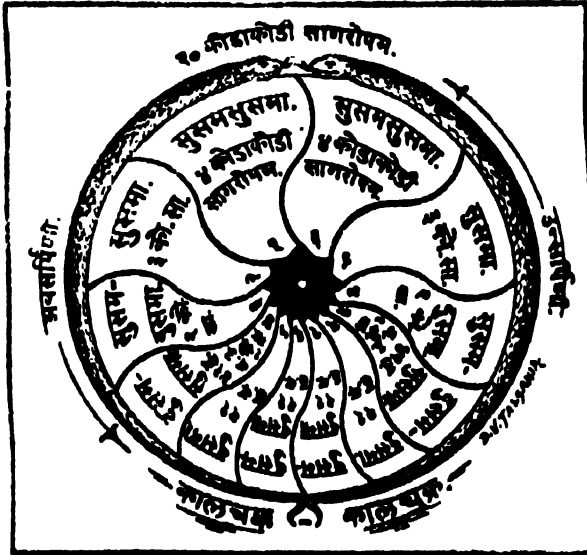
प्रव० १४७५: कल्प० ६, १८५; ओष० नि०
१११; विवा० १; — चारि. त्रि० (-चारिन्)
पेतानाः शस्त्री सभवे आये ते. अपने ठहराये
हुए समयानुसार चले बह. (one) who
punctually follows his own pro-
gramme. ओष० नि० १०७; — हिइ.
स्त्री० (-स्थिति) शस्त्रीस्थिति स्थिति;
आयुष्य. काल स्थिति; आयुष्य. fixed or
determined period of life-time;
life. भग० २४, १; — द्विति. स्त्री०
(-स्थिति) शस्त्रीस्थिति; आयुष्य काल
स्थिति. fixed or determined
period of life-time. भग० १५, १;
— एयणा. न० (-ज्ञान) शस्त्री सम्बन्धी
ज्ञान. काल सम्बन्धी ज्ञान; शुभाशुभ ज्ञान;
knowledge of (what is going
to happen in) time. “ काले काल
यावत् ” शस्त्री १०; जं० प० — एयणि.
त्रि० (-ज्ञानिन्) शस्त्रीज्ञानी; अभुक्त मायु-
सन्तु क्यारे भेत थरे ते एयणार. कालज्ञानी;
मृत्युका समय जानने वाला. (one) who
knows what is going to happen
in time, i. e. the time of death
of a particular person. “ कालं
कालणार्थं जाणह्वेज्जयं वेज्जो ” अणुजं०
१४६; — तिग. न० (-त्रि) भूत,
भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. भूत,
भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल. the
triad of times, viz. past, future
and present. प्रव० १३००; — निय.
न० (-त्रिक) भूत, भविष्य, और वर्तमान
ये तीन काल. भूत, भविष्य, और वर्तमान
ये तीन काल. the triad of times,
viz. past, future and present.
प्रव० ६०३; — तुल्य त्रि० (-तुल्यक)
शस्त्री अपेक्षा अपेक्षा अपेक्षा अपेक्षा

योग। काल की अपेक्षा से समान-सुख;
समकालीन. equal in point of
time; same as regards time;
contemporaneous. भग० १४, ७; —
धम्म. पुं० (-वर्ध-काळो मरणं स एव धर्मो
जीवपर्यायः काळधम्मः) काल धर्म; भस्म.
मरण; जीवकी पर्याय का मरण रूप स्वभाव.
death; passing from one state
of existence into another in
due course of time. विवा० २; ५;
नाया० १; ठा० ३, ३; ४, ३; —आणु. न०
(-ज्ञान) काल सम्बन्धि ज्ञान; ज्योतिष
आदिने आधारित भूत भावीनुं ज्ञान थाय ते.
काल सम्बन्धी ज्ञान; ज्योतिष आदिके आधार
से भूत भविष्य का ज्ञान का होना. know-
ledge of events in the past or
future through astrology etc.
प्रब० १२३८; —पडिलेहणया. जी०
(-प्रतिवेक्षण) काल वपत्तनुं निरिक्षणु;
जे वपत्तनुं जे काम शास्त्रमां अतात्तुं होय
तेना प्रत्ये जगृत्त रहेयुं ते. समय का निरी-
क्षण; जिस समय जो काम करने की शास्त्रने
आज्ञा दी हो वही काम करने में जाग्रत रहना.
proper circumspection about
doing things at the time pre-
scribed in scriptures. उत्त० २३,
२; —परट्ट. पुं० (-परावर्त) काल आश्री
परावर्तन-पुद्गल परावर्तन. काल आश्री
परावर्तन-पुद्गल परावर्तन. modifications
in matter in due course of
time. प्रब० १०६१; —परमाणु. पुं०
(-परमाणु) सूक्ष्ममां सूक्ष्म काण; समय.
सूक्ष्मसे सूक्ष्म काल; समय. the smallest
division of time, called a
Samaya. भग० २०, ४; —परियास.
(-वर्ध) भोतने वपत्ते इतनी सहेयना

विधि, अकृत परिहादि पंडित भस्म. अपने
समय पर करने की सहेयना विधि, भस्म
परीहादि पंडित मरण. the ceremony
known as Samlekhanā to be
performed at the time of death.
आया० १, ७, ४, २१५; —माण. पुं०
(-मान) कालनुं प्रमाण. समय का प्रमाण.
measure of time; limit of time.
पंचा० १, १३; —मास. पुं० (-मास-
काळो मरणं तस्य मासः प्रक्रमानुवसरः काळ-
मासः) भस्म समय. मरण समय. time of
death. भग० १, १; ३, १; ५, १०; नाया० १;
५, ६; १४, १६; ओव० ३८; दसा० ६, १; “काल
मासे काळ किंवा” भग० ७, ६; उवा० १, ८६;
—मासिणी. जी० (-मासिनी) प्रसव समय-
ने प्राप्त थयेल स्त्री. प्रसव-प्रसूति-समय को
प्राप्त स्त्री. a woman about to give
birth to a child. दस० २, १, ४०;
—मिग. पुं० (-मृग) काला भृगना यर्मनुं
यस्म. काल हरिण के चमड़े का वस्त्र. a gar-
ment made of the skin of a
black deer. जीवा० ३, ३; निसी० ७, ११;
—मियचम्म. न० (-मृगचर्म) काला भृगनुं
यामुं. काले मृग का चमड़ा. skin of a
black deer. नाया० १६; —लोय. पुं०
(-लोक) कालनी अपेक्षाये लोक. काल की
अपेक्षा से लोक. a world in its rela-
tion to time. भग० ११, १०; —वराण.
पुं० (-वर्ण) कालो रंग. काला रंग. black
colour. भग० ८, १; २५, ६; सम० २२;
—वराणपज्जव. पुं० (-वर्णपर्यव) काला रंग-
नी पर्याय (दशा). काले रंग की पर्याय
(अवस्था). a particular state or
condition of black colour भग०
२५, ३; —वराणपरिखय. त्रि० (-वर्णपरिखय)
काल रंगरूपे परिष्कार पांमेध. काल वर्ण-रूप

सवित्र अर्ध-मागधी कोष

कालचक्र. १० (कालचक्र) ७ आरा भली उत्सर्पिणी अटले यडतो हाव थाय छे,



तेभज ७ आरा परिमित अव-
सर्पिणी अटले उतरतो हाव
थाय छे. उत्सर्पिणी अने अव-
सर्पिणी अने हाव भली अंक
हावयक थाय छे तेनुं परिभाष्य
१० कोडाकोडी सागरोपमनुं छे
ते ७ ७ आरानुं स्वरूप अतावे
छे. सुसमसुसमाथी दुसमदुसमा
सुधी १० कोडाकोडी सागरोपम
परिमित अवसर्पिणी हाव अने
दुसमदुसमाथी सुसमसुसमापर्यंत
जमथी आगुना ७ विभाग
१० कोडाकोडी सागरोपम परिमि-
त उत्सर्पिणी हावने अतावे छे.
छः आरे (काल विभाग) मिला-
कर उत्सर्पिणी अर्थात् चढता काल

होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण १० कोडाकोडी सागरोपम का होता है. कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं. सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित अवसर्पिणी काल और दुसमदुसमा से सुसमसुसमा तक बाहना आर के नः विभाग १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित उत्सर्पिणी काल को बतलाते हैं. Utsarpiṇī time i. e. an æon of increase is equal to 6 Ārās (a measure of time); and Avasarpiṇī time i. e. an æon of decrease is also equal to 6 Ārās. The Kālachakra measuring 20 Kodākodī (1 crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken together. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpiṇī Kālā which measure 10 Kodakodī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusamadusamā to the left indicate Avasarpiṇī Kālā which, is also equal to 10 Kodakodī Sāgaropamas of time. च० १०.

में परिणत, modified into or developed into black colour. भग० ८, १; --वर्णपरिणाम. पुं० (-वर्णपरिणाम,) क्षत्रवर्णरूपे परिणाम पाभयुं ते. काले वर्णरूप में परिणत होना. modification or development into black colour भग० ८, १०; --विभाग. पुं० (-विभाग) क्षत्रो भेदः क्षत्रविभाग. काल का भेद; काल का विभाग. a division of time. "इतो काल विभागंतु, तस्मिं वाच्यं च उच्यते" उत० ३६, ११; --वासि. पुं० (-वासिन्) अभये परसन्तार, योमासाभां परसन्तार (भेद). समय पर बरसने वाला. rain falling in due season; seasonable rain. डा० ४, ४; भग० १४, २; --विशेष. पुं० (-विशेष) क्षत्रना विशेष विभाग (भेद). समय का विशेष विभाग. a particular division of time. प्रव० ६२३; --विहीण. त्रि० (-विहीन) क्षत्र द्रव्य शिवाय. काल द्रव्य रहित. excluding, excepting the category named time. प्रव० ६६०. संज्ञा पुं० (-संज्ञा) क्षत्रो भेदः काल का संज्ञा. juncture of time डा० ३, २; अनुज्ञा० १३१; --संसार. पुं० (-संसार) रात दिवस भूतल पर पश्योपम सागरोपम पर्यंत भट्टयुं ते-क्षत्र संसार. रात, दिन, महीना, वर्ष, पश्योपम, सागरोपम, संसारमें भट्टकना वह कालसंसार कहलाता है. wandering in worldly existence for indefinite periods of time. डा० ४, १; --सम. त्रि० (-सम) उदय-क्षत्र परापर. उदय काल के बराबर. simultaneously with the rise of. क० प० ५, ४२; --समय. पुं० (-समय) क्षत्ररूपी भूतल. कालरूपी समय.

a point of time viewed as time. विवा० ३; सू० प० ८;

कालजो. अ० (कालजः) क्षत्रधारी; क्षत्रनी अपेक्षायै; क्षत्रआश्री. काल की अपेक्षा से. In point of time; as regards time. श्रौत० १७; भग० २, १; ५; १०; ४, ७; ८, २; ८, ६; राय० ६६; उत्त० २४, ६; प्रव० ७७८; १२०२; जं० प० ७; १७४; कालक. न० (कालक) क्षत्रा पुद्गल. काला पुद्गल. Matter or substance black in colour. भग० ६, ६;

कालकूट न० (कालकूट) विषः अत्र. जहरः विष. Poison. उत्त० २०, ४८;

कालग त्रि० (कालक) क्षत्रा रंग. काल रंगका. Black. उत्त० २२, ४; नाया० ८; भग० १४, १; २५, ४; उवा० २, १०७; (२) पुं० क्षत्रक्षत्रार्थ. कालकाचार्य. A preceptor named Kālakāchārya. विशे० ११६६; --कृषि. स्त्री० (-कृषि) क्षत्राक्षत्रिन्; क्षत्रक्षत्रार्थ. काली कान्ति; चमई का रंग. black colour of the skin. उत्त० २२, ४;

कालगाहावह पुं० (कालगृहपति) क्षत्र नामना गृहपति श्रेष्ठ. काल नामक गृहपति-सेठ. A merchant named Kāla. नाया० ४०

कालगुण्या. स्त्री० (कालज्ञा = कालं प्रस्ताव-मुपलक्षणत्वाद् देशं च जानातीति कालज्ञ-स्तज्ञावः कालज्ञता) अयस्य गुण्यत्वात् तेः देश क्षत्रानी आगच्छात्. समयको पहिचानना; देश काल को जानने वाला. Due recognition, sense of time, place etc. श्रौत०

कालस्त. न० (कालस्त) क्षत्रापत्य. कालापन. Blackness. भग० १७, २;

कालज. त्रि० (कालजः) क्षत्ररूपी परापर;

यत्नतो गज्जुना२; उचित अनुचित समयने गज्जुना२. कर्तव्य परायण; समय को जानने वाला; उचित अनुचित समय को जानने, वाला. (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties. आदा० १, २, ७, ८८; १, ७, ३, २०६;

कालपाल. पुं० (कालपाल) ओ नामना धरजेन्द्र ओने भूतानेना लोकपाल. धरणेन्द्र और भूतानंद के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharaṇendra and Bhūtānanda. डा० ४, १;

कालागिसायकुमारिन्द्र. पुं० (कालपिशाच-कुमारिन्द्र) काय नामे पिशाचानेन्द्र. पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Piśāchas named Kāla. नाया० घ०
कालमुह पुं० (कालमुख) उत्तर भरतमाने ओक देश. उत्तर भरतका एक देश. Name of a country in Uttara Bharata. जं० प०

कालय. पुं० (कालक) कागो वर्ण. काला वर्ण. Black colour. नाया० १; भग० ५, ७; १२, ६; १८, १; २० ५;

कालयडिसयभवन. न० (कालावतंसकभवन) कालीदेवीनुं कालावतंसकनामनुं भवन. काली देवी का कालावतंसक नामक भवन. The abode of Kālīdevī named Kālāvatāmsaka. नाया० घ० —**वासि.** पुं० स्त्री० (-वासिन्) कालावत संकभवनमां गमनाश. कालवतंसक भवनमें रहने वाला. (a person) residing in Kālāvatāmsaka abode. नाया० घ०

कालपाल. पुं० (कालपाल) धरजेन्द्रना लोकपालनुं नाम. धरणेन्द्र के लोकपाल का नाम. Name of a guardian of people

of Dharaṇendra. भग० ३, ८; १०, ५; **कालसिरी.** स्त्री० (कालस्त्री) कायगृहपतिनी कायश्री नामनी धर्मपत्नी. काल गृह पति का कालश्री नामक स्त्री. Name of the wife of Kāla a householder. नाया० घ०

कालसीहासण. न० (कालसिंहासन) काय नामयागुं सिंहासन. काल नामक सिंहासन. A throne named Kāla. नाया० घ०

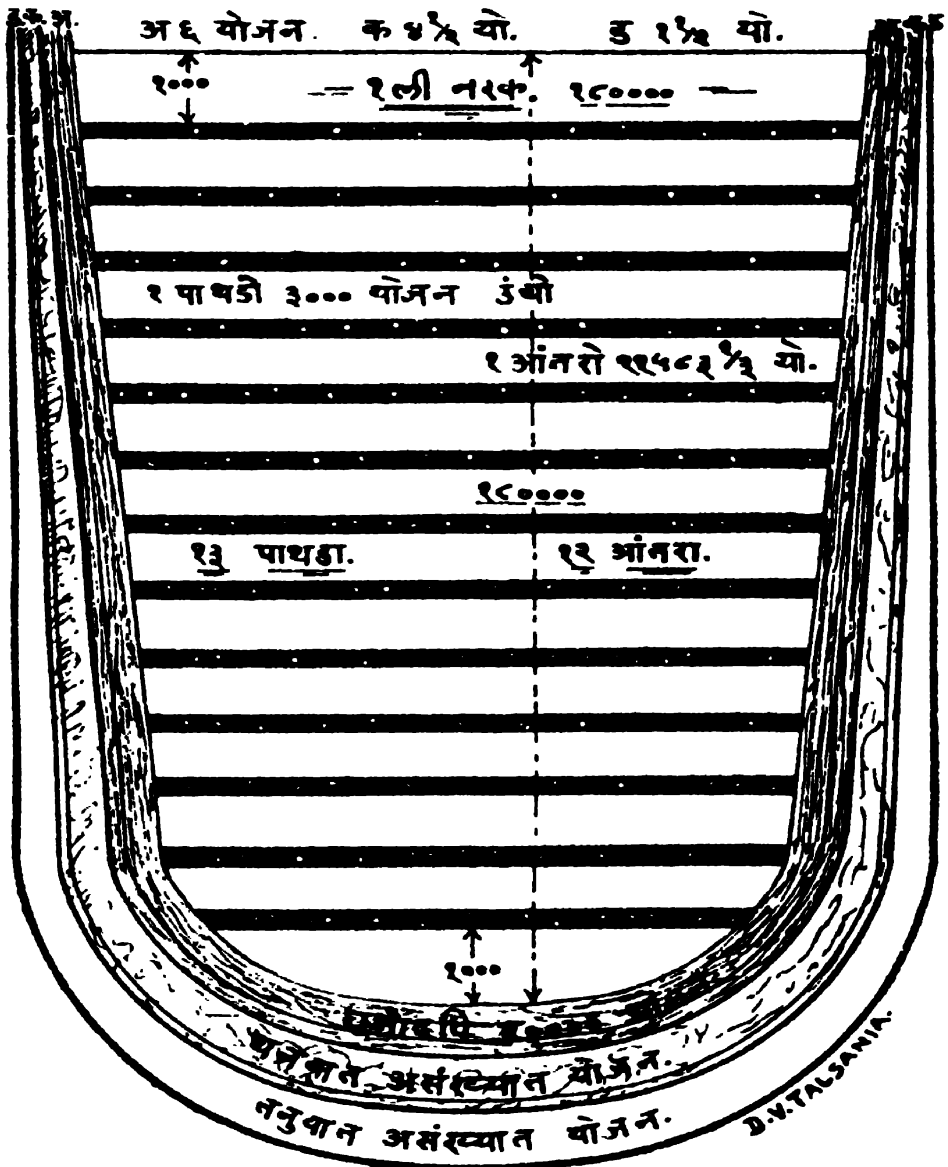
काला. स्त्री० (काला) कालेन्द्रनी काय नामनी राजधानी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kālendra. भग० १०, ५;

कालालोण. न० (काललवण) काय पर्यतमां उत्पन्न थनुं कागुं भीडुं. किसी पर्वत में उत्पन्न होनेवाला काला निमक. Black salt produced in a mountain. दस० ३, ८;

कालासवेसियपुन. पुं० (कालाश वैश्यपुत्र) श्री पार्श्वनाथप्रभुना शासनना ओक साधु; पार्श्वनाथना संतानिया के जेजे थियर साधु ओने प्रश्ना पुण्या दत्ता. श्री पार्श्वनाथ भगवान् के शामन के साधुका नाम जिसने थियर साधुओंको प्रश्न पूछे थे. Name of an ascetic belonging to the cult of Pārśvanātha who had asked some questions to Sthavira monks. भग० १, ६;

कालिअ-य. त्रि० (कालिक) रात ओने दिवसना पड़ेदे तथा छेड़े पड़ेरे अष्टाय पञ्च श्रीजे त्रीजे पड़ेरे न अष्टाय तेजुं सूत्र; आचार्य आदि कालिक सूत्र. वह सूत्र जो रात्रि और दिन के पहिले तथा अंतिम प्रहर में पढ़ा जाय; आचार्य आदि कालिक सूत्र. Kālīka Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read at the first and last of the

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



घणोदहि -(नरक)

four divisions of day or of night. विशे० ३२०; ठा० २, १; अणुजो० ४; १४६; नंदा० ४३; (२) कातांतरे भगवानुं; अनिश्चित. काळांतर में मिलने वाला; अनिश्चित. uncertain in point of time. उत्त० ५, ६; (३) अे नामने० अेक द्वीप-भेट. इस नामका एक द्वीप-बेट. name of an island. नाया० १७; —अणुजोग. पुं० (-अणुरोग) कालिक श्रुतनुं व्याख्यान. कालिक श्रुत का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kālīka scripture पंचा० ११, ३६; —द्वीप. पुं० (-द्वीप) कालीय नामने० द्वीप. कालीय नामक द्वीप. an island named Kālīya. नाया० १७; —वाय. पुं० (-वात) प्रचंड वायु; प्रतिकूल वायु. violent wind; adverse wind. नाया० ६; १७; —सुय. न० (-भ्रम) कालिक भ्रम; अचारंगदि-काये पंचायते सूत्र. कालिक सूत्र. a Kālīka Sūtra ०. g. Āchārāṅga etc. which could be read at particular times only. भग० २०, ८; निसी० १६, १०; विशे० २४६;

कालिंगी. स्त्री० (कालिङ्गी) तरुण तरवूत; मतीरा. A kind of water-melon. पञ्च० १; भग० २२, ६;

कालिंजर. पुं० (कालिंजर) अे नामने० अेक पर्वत. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. " दसा दसमे आसी मिया कालिंजरे गये " उत्त० १३, ६;

कालिज. न० (कालेय) कण्ठजुं; शरीरनी अंदरने० अेक अवयव. कलेजा; शरीर के भीतर का एक अवयव. An organ of the body viz. liver. तंदु० प्रब० १३८४;

कालियपुस्त. पुं० (कालिकपुत्र) कालिकपुत्र

नामे श्री पार्श्वनाथ प्रभुना यासनना अेक विद्वान् धियर साधु. श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु. Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha. भग० २, ६; कालिया. स्त्री० (कालिका) कालिका देवी. कालिका नामक देवी. The goddess Kālīka. सु० च० ८, १६६;

काली. स्त्री० (काली) अंतगड सूत्रना आठमा वर्गना पंडिता अभ्ययननुं नाम. अंतगड सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagāḍa Sūtra. अंत० ८, १; (२) अेजिउ रामनी राणी अने अेजिउनी औरमान माता के गेल्ले भदावीरस्यामी समीपे दीक्षा लछ रयजूवरी = रत्ना त्रि नामनुं तप आचरी आठ परसनी प्रत्ययापाणी अेक भ.संगा संथारे. इसी परम पद प्राप्त क्युं. राजा अेजिक की रानी और कालिक की संतैली मता जिवने की महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर रत्नावलि नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अंत में एक मास का संथारा किया और परमपद प्राप्त किया. the queen of Śrēpika and step-mother of Kōpika, who took Dikṣā from Mahāvīra Svāmi, practised Ratnāvali penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. अंत० ८, १; (३) कण्डानी गंध. कौण की जांघ. the thigh of a crow. उत्त० २, १; (४) काला रंगनी स्त्री. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour. अणुजो०

१२८; (२) चमरेन्दनी भुज्य देवी. चमरेन्द्र की मुख्य देवी. the principal goddess of Chamarendra. भग० १०, ४; (६) अभिनन्दन राभिनी शासन देवीनुं नाम. अभिनन्दन स्वामी की शासन देवी का नाम. name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmi. प्रव० ३७७; पंचा० १६, २४; — अज्जा. क्री०

(आर्या) डाडी आर्या. काली आर्या. a nun named Kālī. नाया० ध० — दूरिआ. क्री० (दारिका) डाडी दुमारी. काली कुमारी. a girl named Kālī. नाया० ध०

कालीदेविय. न० (काली देवीत्व) डाडी देवीपणुं काली देवीपना. State of being the goddess Kālī. नाया० ध०

कालीवडिसयभवण. न० (काल्यवतंसक-भवन) डाडीदेवीनुं डायावतंसक नामे भवन. कालीदेवी का बालावतंसक नामक भवन. An abode of Kālī Devī, named Kālāvataṁsaka. नाया० ध०

कालुणिय. वि० (कालुणिक) कलुणुणिक. कलुणाजनक; कलुणा पैदा करने वाला. Piteous. सूय० १, २, १, १७;

कालोअ य. पुं० (कलोद) डाडोदधिनाभनो समुद्र के जे धानडीपने इरतो पिटायेछ छे. कालोदधि नामक समुद्र जो कि धातकाखंडद्वीप को घेरे हुए है. An ocean named Kālodbudhi, encircling Dhātakikhaṇḍa. टा० ७; जीवा० ३; ४; अणुजो० १०३; सम० ४३; ६१; पल० १५;

कालोद. पुं० (कलोद) ऋग्वेद “ कालोअ-य ” शब्द. देखो “ कलोअ य ” शब्द. Vido “कालोअ-य” टा० २, ६; भग० ६, २;

कालोदधि. पुं० (कालोदधि) धातकीप-उनी आरे आलुअे आह धाम जेहन प्रभाजुनो डाडोदधि समुद्र. उस समुद्र का नाम जो

धातकीखंडकी चारों ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakikhaṇḍa and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदधिय. पुं० (कालोदधिय) डाडोदधि नामना अेक अन्य दर्शनी गृहस्थ. एक जैनतर गृहस्थ का नाम. Name of a householdholder belonging to a non-Jaina creed. भग० ७, ६; १०; १८, ७;

काव. पुं० (काव्य) डाव्य अनायोने संभारनार. काव्य बनाकर गुनाने वाला. A bard; a minstrel. जीवा० ३, ३; नाया० १, ८;

कावलिय. पुं० (कावलिक) इयइ आदार. कौर; कवल. A mouthful. भग० १; ७; प्रव० ११६४;

कावि. अ० (कापि) डाधपणु. कोई भी. Somebody; some one or other; anybody. नाया० ८;

काविद्र. पुं० (काविद्र) ऋषि देवलोडनुं डाविष्ट नामनुं अेक विमान; अेनी स्थिति आद सागरोपमनी छे; अे देवता सान भासे आसोआस ले छे. ऋग्वेद देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासियों की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पक्षों में एक बार आसोआस लेते हैं. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months. भग० १४;

काविल. न० (कापिल) डापिलशास्त्र; सांख्य दर्शननुं शास्त्र. कपिल शास्त्र; सांख्य दर्शन शास्त्र. The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy. अणुजो० ४१;
काविलिङ्ग. न० (काविलिङ्ग) उपनिषद्गतो
अथ. कपिल मत का एक ग्रन्थ. A book
containing an exposition of
the tenets of Kapila. नदी० ४१;
कावोय. पु० (*) शयन ईश्वरी शिक्षा
मार्गनाम अथ. कावड लेकर भिक्षा
मांगने वाला एक वर्ग. A class of men
dicants begging their food in
bags attached to the ends of
a bamboo which rests on the
shoulders. अणुजो० ६२;

कावोया. जी० (कापोनिका) पारेयी श्रुति;
इत्यन्तरनी माहक धृष्टी संख्यागथी आदारादि
लेयुं ते. एक प्रकार की वृत्त-कव्तर के
समान बड़े यन्त्राचारपूर्वक आदारादि ग्रहण
करने की श्रुति. Taking fool with
great care, like pigeons. उत्त०
१६, ३३;

✓ कास. धा० I. (कास) उधरस आसी. खाँसना. To cough.

कासिता. सं० कृ० जीवा० ३, ३; जं० प०
२, २४;

कामेत. व० कृ० पण्ड० १, ३;

कास. पु० (क स) उधरस आसी. खाँसना.
Cough. जं० प० भग० ३, ७; जीवा० ३, ३;

कास. पु० (काश) शश नामना अल. काश
नामक ग्रह. A planet named Kāśh.
" होकासा " श० २, ३; (२) शश नामनी
वनस्पतिना श्रुति. कास नामक वनस्पति
का गुच्छा. a cluster of the vege-
tation named Kāśh. पञ्च० १; उवा०
३, १४८;

कासकस. त्रि० (कासकस कस्यनःस्मिन्निति
कासः संसारस्तं कषतीति तदभिमुखोवाकांति
कासकसः) प्रभ.टी; अ२ १२४; आशुप० भा-
कुल. अस्वस्थ; बामार; आकुल व्याकुल.
Uneasy; restless. आया० १, २, ४, ६४;

कासग. पु० (कर्षक) अश्वत्; अती करनार.
किमान; खेती करने वाला. A farmer;
a peasant. उत्त० १२, १२;

कासग. पु० (काशक) अश्वत् गतनी वनस्पति.
एक प्रकार की वनस्पति. A kind of
vegetation. जीवा० ३, ४;

कासण. न० (कासन) उधरस आसी. खाँसना.
Act of coughing. आघ० नि०
२३५;

कास्य. पु० (काश्यप) काश्यप गोत्रीय-
महावीर स्वामी-आशीयमः तीर्थकर. काश्यप
गोत्र के महावीर स्वामी चौबीसवें तीर्थकर.
Lord Mahāvira the 24th Tir-
thāṅkara belonging to the
family origin named Kaśyapa.
भग० १६, १; दम० ४; मु० च० ३, १०४;
नदी० ४३; उत्त० २, १; मूय० १, २, २, ७;
१, ६, १, २; जं० प० ७, १४६; (२) काश्यप
गोत्रभा उत्पन्न धर्मज्ञ-मुनिपुत्र अने नेमी
सिवायना आशीय तीर्थकर, यक्षवर्ति पञ्चरे
क्षत्रिय, सतमा अश्वत्तर पञ्चरे आश्विपु, ४४ शु-
स्वामी पञ्चरे गाथावति. काश्यप गोत्र मे
उत्पन्न मुनि पुत्र और नेमिनाथ के सिवाय
बाईस तीर्थकर तथा चक्रवर्ति वर्गरह क्षत्रिय,
मातृवंश गणेश वर्गरह ब्राह्मण और जंबूस्वामी
वर्गरह गाथावति. the Tirthāṅkaras
(24) excepting Muni Suvrata

* अशुभा पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (•) Vide
foot-note (*) p. 15th.

origin of the constellation named Uttari Fālgunī. म० प० १०: —**गुप्त**, पुं० (-गोत्र) सिद्धार्थ नाम्न पत्रेणुं यात्र सिद्धार्थ राजा वर्गह का गोत्र. the family-origin of king Siddhartha etc. क० प० १, २, २, २०; आया० २, १२, १०३: —**गोक्ष**, पुं० (गोत्र) जम्बु स्वामी पत्रेणुं यात्र. जम्बु स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाय० १; **काम्यवग** पुं० (काश्यपक) नाई. दन्तम. नाई. A barber मय० १, ४, २, ६; **काम्यवनलिया**, स्त्री० (काश्यपनालिका) श्रीपर्वणुं इत्य. श्रीपर्वणी का फल. The fruit of Śrīpārṇī. दम० १, २, २१; आया० २, १, = ४८; **काम्यवय** पुं० (काश्यपक) ऋग्वेदा “ काम्यवग ” शब्द देखो “ काम्यवग ” शब्द. Vide “ काम्यवग ” ना० १; **काम्यवी**, स्त्री० (काश्यपी) पंचमः तीर्थ-इन्दी भुज्य स. श्री. पांचवे तीर्थकर की मुख्य गार्गी. the principal nun of the 5th Tirthankara. मम० प० २३४; **कामाङ्ग**, न० (कापाय) ऋग्वेदा “ कामाङ्ग य ” शब्द देखा “ कापाङ्ग य ” शब्द. Vide “ काम्यङ्ग य ” उवा० १, २२; **कामाङ्ग य**, न० (कापायक) श्याम-वस्त्रा रंजनी रंजितुं वस्त्रः ऋग्वेदे शरीर शुद्धयानुं वस्त्र. भगवां रंग से रंगा हुआ वस्त्रः स्नान करके शरीर पोंछने का वस्त्र. A saffron-coloured cloth generally worn by Hīndū ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जावा० ३, ४; जं० प० आन० ३१.

कासिज्ज. त्रि० (कासमन्) आंसीयाणो. कांसां
वाला One suffering from cough
विवा० ७;

कासिह. पुं० (कासिह) मत्स्यारी भक्ष्यादारी
अेक मत्तनुं पक्षी. मछली खानेवाला जन-
चारी पक्षी. A sort of crane; a
bird eating fish living in water.
सूय० १, ११, २७;

कासी. स्त्री० (काशी) काशीपुरी; बन रक्षी नगरी.
काशी नामक पुरी The town of
Benares भग० ७, ८; सुव० २, ४;
उत्त० १३, ६; कप्प० ५, १२७; (२)
काशी देश; आर्य देशभूमे अेक. काशी देश;
आर्यदेश में से एक. a country named
Kāśī. पञ्च० १; भग० १५, १; नाया० ८;
—राज्य. पुं० (—राज) काशीदेशतो राजन्. काशी
देश का राजा a king of the country
named Kāśī उत्त० १८, १८; नाया० ८;

काहल. त्रि० (काहल) अव्यक्त; अव्यक्त.
अव्यक्त; अप्रगट; अस्पष्ट Indistinct;
inarticulate; not manifest. पगह.
२, २; ठा० ७;

काहलिया. स्त्री० (काहलिका) कादलिङ्गा
नामे अेक सेनानुं आभरण. इम नामका
नौनेका आभरण. A sort of gold
ornament. प्रव १५३६;

काहार. पुं० (काहार—कं जलं हरतीति)
कायः. कावड. A contrivance to
fetch water consisting of a
piece of bamboo with ropes
attached to its ends. Pots of
water are fastened to the ends
of this rope, while the bamboo
rests on the shoulders.

काहावण. पुं० (कावाण) मुद्रा. सिङ्के.
मुद्रा; निष्ठा; झार; मुद्र. A stamp.

परह० १, २;

काहिअ-य. पुं० (काधिक = कथया चरति-
काधिकः) शृद्धयने धेर अनायी अनायी कथः
कहेनार साधु गृहस्थ के घर पर बना बना
कर कथा करने वाला साधु. An ascetic
telling long-drawn scriptural
stories at the houses of house-
holders. मय० १, २, २, २८; निस्स०
१३, ५२; गच्छा० ११६;

काहे. अ० (का) क्यारे. कब When.
अन० ६, १५; भग० २, १;

किङ्कम्म. न० (कृतिकर्म = कृतिरेव कृतेर्वा
कर्म किञ्च कृतिकर्म) शुद्धिदने विधिपूर्वक
बदना करी ने, अयी रीने के बात बगरे
रोगथी पीडित न होय तो डि अम करी
अरपडित पांडित्यार करी बदना करी;
डिअ ने अशक्त होय तो अरपडित पांडित्य
डित्यार करी बदना करी ने. गुह आदि की
विधि पूर्वक बदना करना. यां द बात रोगमे
पीडित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह
पाठोच्चार करत हुए बदना करना और उठने
में अशक्त हो तो धारा प्रवाह पाठ का
उच्चारण कर बदना करना. Rendering
obedience to a preceptor etc.
with observance of due forms
and ceremonies. प्रव० १८; १८; पं०
११, ६; आब० २०; भग० १४, ३; मम० १२;

किं. अ० (किम्) कालु; शुं; कथो. कौन; क्या-
कौनया Who; what; which. भग०
१, १; ७; २, १; ३; ५; ६; ३, १; ६; ३;
२; ४; ६, ३३; १५, १; १६, ८; १८, ७
८, २४, २३; २५, ६; २६, १; ४१, १
नाया० १; ३; ४; ८; १६; १७; अणुसो० ३;
११; वेय० १, ३३; वव० २, २२; आब० १६;
३८; पञ्च० १५; दवा० ३, २२; ३३; २४; ४,
१०, आया० १, १, १, ३; १, ४, ४, १४०;

सूय० १, १, १, १; दम० ४, १०; ५, २,
४०; ६, ६५; ८, १, ५; ९, २, १६; जं० प० ७, १४०;

किंमंगपुण. अ० (किमङ्गपुण) लुओ

“ किंपुण ” १०६. देओ “ किंपुण ” शब्द.

Vide “ किंपुण ” नाया० १; १४;

किंअणं अ० (किमन्यन्) पीअं थुं ? दूसरा
क्या ? What else ? नाया० ५;

किंकम्म. न० (किंकम्मन्) अंतगड सूत्रना ७३।
पगना पीअन् अध्ययनं नाम. अंतगड सूत्र
के इठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम.
Name of the 2nd chapter of
the 6th section of Antagāḍa
Sūtra. (२) राजगृह निवासी ओक गाथा-
पति के जे महावीर स्वामी पास दीक्षा लध
अगीआर अंग भएली गुणुरयलुतपकरी सोल
बरसनी प्रव्रज्या पाणी विपुल पर्वत उपर
परम पद पाया राजगृह निवासी एक गाथा-
पति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली,
ग्यारह अंग पढे, गुणुरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया. name
of a householder residing in
Rājagṛiha, who took Dikṣā
from Mahāvīra Svāmī, studied
11 Aṅgas, practised Guṇara-
yana penance, observed asce-
ticism for 16 years and attained
salvation on the Vipula moant.
अंत० ६, २;

किंकर. पुं० (किंकर) अनुयर, सेवक; भृत्य;
दास; आकर. नोकर; सेवक. A servant;
an attendant. नाबा० १; जीवा० ३, ४;
पल० २; ओव० ३१ राय० ६६; भग० ११, ११;

किंकिरिड. पुं० (किंकिरिड) त्रयुधद्विपवाला
शयन. ओक जल. तेइन्द्रिय जीव; तान
इन्द्रियों वाला जीव. A kind of senti-

ent being with three senses.

किंच. अ० (किञ्च) अने; वही. और. And;
moreover. भग० १८, ८;

किंचण. अ० (किञ्चन) कंभपणु; कंभक कुञ्ज;
कुञ्जभी. Anything; something. सूय०
१, १, २; १४; (२) न० द्रव्य; परिग्रह. द्रव्य
का ग्रहण करना. wealth; worldly
possessions. विशेष० १४५१, उत्त० ३२,
८; सूय० २, १, १४;

किंचि. अ० (किञ्चिन्) किंचित्मात्र; कंभक. कुञ्ज;
किंचित् मात्र. A little; something;
something at least. “ किंचि बहुवं
चयोबंभ ” पणह० १, ३; जं० प० ७, १३२;
जं० प० दमा० ६, ३५; ७, २६, भग० २, १;
८; ८, ३; २०, ६, २५, ७; ३०, १; नाया० ५; ८;
ओव० १६; ३८; उत्त० १, १४; पिं० नि०
१००; उव० ६, १७० गच्छा० १; प्रव० १४७;
—काल न० (—काल) थोडाकाल; थोडा
वधत. थोडा समय. a little time;
some little time. भग० १, ७; नाया०
१६;—विसेसाहिय. त्रि० (—विशेषाधिक)
जरा वधारे; थोडा अधिक. कुञ्ज ज्यादा. a
little more; somewhat more.
भग० २, ८; —साधम्म न० (—साधर्म्य)
सदेज समान पणु; कंभक साधर्म्य. कुञ्ज
समानता; कुञ्ज साधर्म्य भाव. a little
affinity; possession of common
qualities to a little extent.
अणुजा० १४७;

किंचिम्मस. त्रि० (—किञ्चित्मात्र) किंचित्
मात्र. कुञ्ज; किंचित्मात्र. a little; very
little; only a little. विशेष० ३११;

किंतु. अ० (किन्तु) पणु; विशेषता अनावन ने
आ अध्यय वपराय छे. मी; किन्तु; परन्तु.
But; (an adverbative conjunc-
tion). विशेष० १५३;

किंत्थुग्व. पुं० न० (किंत्थुग्व) दरेक भासना शुक्ल पक्षना पञ्चाने दिवसे आवतुं, चार थरकरथुमांनुं योयुं करथु; ११ करथुमांनुं ११ मुं करथु. प्रत्येक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण; ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karanas; the last of the four Thira-Karanas falling on the first day of the bright half of each month. ज० प० ७, १५३;

किन्नर. पुं० (किन्नर) किन्नर ज्ञातना व्यन्तर देवता. किन्नर जाति के व्यन्तर देव. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras. नाया० १; १६; भग० ३, ८; सम० ३४; ओव० २४; ठा० २, ३; राब० ४१; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; उत्त० ३६, २०५; (२) चमरेन्द्रना रथनी सेनाने उपरी. चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी. the commander of the army of chariots belonging to Chama-rendra. ठा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) किन्नर देवता आकारवाणे. किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god. भग० ८, २;

किन्नरकण्ठ. पुं० (किन्नरकण्ठ) ओक ज्ञातनुं रत्न. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem. राब० १२१;

किन्नरी. स्त्री० (किन्नरी) ओक स्त्री के होने लीधि युद्ध थयुं हुतुं. एक स्त्री जिसके लिये कि युद्ध हुआ था. Name of a woman who was the cause of a battle. परह० १, ४;

किंपाग. न० (किंपाक) किंपाक वृक्ष; ओक अरी क्षत्राक्षु वृक्ष. किंपाक वृक्ष; एक जहरी फल वाला

वृक्ष. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्त० ३२, २०; तंदु० ओव० १४; —फल. न० (—फल) किंपाक वृक्षानुं क्षत्र; स्वादे मधुर पथु परिश्रामे अरी ओक क्षत्र. किंपाक वृक्ष का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिश्राम में जहरी फल. a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous. तंदु०

किंपि. अ० (किंपि) कछुका; क्षत्रपथु. कुछ भी. Something; something at least; a little. पि० नि० भा० ३६; सु० च० १, २३४; नाया० १;

किंपुण. अ० (किंपुण) तेमां तो क्षत्रेणुं थुं अरी महत्तावाले निश्चय दशावयामां अने उपयोग थाय छे. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase eaniug, " it goes without 'ing. " गच्छा० ६५; नाया० १४;

किंपुणा. अ० (किंपुण) लुओ " किंपुण " शब्द. देखो " किंपुण " शब्द. Vide " किंपुण " दस० ७, ५;

किंपुरिस. पुं० (किंपुरिस) किंपुरिस देवता; व्यन्तरदेवतानी ओक ज्ञात. व्यन्तर देवों का ' किंपुरिस ' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods. भग० २, ५, ३, ८; १०, ५; नाया० १६; परह० १, ४; जीवा० ३, ४; अणुजो० ४७; सम० ३४; ओव० २४; उत्त० ३६, २०५; ठा० ३, २, ३; पञ्च० १, २; प्रब० ११४४; (२) वैरोचन इन्द्रना रथनी सेनाने अधिपति. वैरोचन इन्द्र के रथ की सेना का अधिपति. name of the commander of the army of chariots of Vairochana Indra. ठा० ५, १; —संठिय. त्रि० (—संस्थित) किंपुरिस देवने आकारे रदेध. किंपुरिस देव

के आकार का having a shape of
a Kimpurusa kind of gods. नग०
८, २;

किंपुरुसिकंठ पु० (किंपुरुसिकंठ) अंक-दत्त
गु रत्न. एक ज्ञान का रत्न. A kind of
gem. राय० १२१;

किंयद्गुणा अ० (किंयद्गुणा) यन्तरे शुं ?
ज्यादह क्या ? What more ? What
is the use of adding more ?
नाया० १; नग० ६, ३३;

किंमय. प्रि० (किंमय) २४३५ के प्राधान्य
विषयके प्रत्यर्थमां यपरानुं; आनुं शुं २४३५
छं के आभां प्रयानपले शुं छं अया प्रयान-
र्थमा आ उप यपराय छं. प्रश्नवाचक वाक्य
में उपयोग में आनेवाला शब्द. A form
of interrogation meaning
“ What is the essential or
prominent feature of this ? ”
भग० १६, ७;

किंमूलय. प्र० (किंमूलक) क्या मूलवाज ?
इसका मूल क्या ? Originating in
what ? नाया० ८;

किंवा. अ० (किंवा) अथवा. अथवा; या
Or; an alternative conjunction.
विशे० १२०; नाया० १; ५; भग० ३, १;

किंसुम य. पुं० (किंसुक) केशुमान् जाड;
आभरान् वक्ष. केशू का वृक्ष; टेस् का भाड.
A kind of tree bearing red
flowers. जं० प० श्रौव० १३; अणुजो०
१४; भग० २, १, ३, २; नाया० १; ८; ६;
जात० ३, १; राय० २३; कण० ४, ६०

किंसुम. पु० न० (किंसुम) लुओ “ कि-
सुम ” शब्द. देखो “ किंसुम ” शब्द.

Vide “ किंसुम ” विशे० ३३२०;

किञ्च न० (कृञ्च) कृत्य; कार्य; प्रयोजन
कृत्य; काय; काम Act; action; pur-
pose. दम० ७, ३६; ६, २, १६; भग० १,
१०; ३, १; १३, ८; सूय० २, ६, ८; उत्त०
१, ४६; नाया० ३; १६; सु० च० ३, ६६;
विशे० ३६६४; क० प० २, ७२; प्रव० २००.
(२) कृति-वन्दनाने वाचक-गुण, आचार्य
यन्तरे. कृति अर्थान् वन्दना के योग्य गुण
आचार्य आदि. worthy of salutation
o. p. a preceptor etc. उत्त० १, १८;
(३) पचन पायनादि क्रिया. पचन पाचनादि
कृत्य. process such as that of
digestion etc. सूय० १, १, ४, १;
गय. पुं० (गय) कार्यमां तत्पर.
कार्य में तत्पर busily engaged in
work. भग० ३, ४;

किञ्चण न० (-) धेयुं धाना. Wash-
ing. श्रौव० नि० १६८;

किञ्चाकिञ्च. न० (कृञ्चाकृञ्च) कृत्याकृत्य;
कार्य अने अकार्य. कर्म और अकर्म. Act
to be done and act not to be
done. दमा० ६, ३१;

किञ्च. न० (कृञ्च) कष्ट; मुश्किली. कठिनाई;
कष्ट. Difficulty; trouble. जं० प०
सु० च० ६, ७५; भग० ७, ६; नाया० ८;
विशे० २२८६; —पण. पुं० (-आत्मन्)
कष्टयुक्त आत्मा. कष्ट सहित आत्मा. a
troubled soul. नाया० ८; जं० प० ३, ५६;

किञ्ज. प्रि० (कंञ्च) परीक्षाने योग्य. खरीदने
के योग्य. Fit for purchase; worthy
of being purchased. दमा० ७, ४५;

किट्ट. भा० I, II. (कृत्) शीर्षन करने;

प्रशंसितुं, कीर्तन करना; कथन करना. To praise; to glorify; to sing the praise of.

किट्टेह. भग० २, १. नाया० ०;

किट्टेह. आया० १, ५, ४, १५८;

किट्टेमि. मय० २, १ ११;

किट्टे विवि० आया० १, २, ६, १६४, मय० २, १, ५७;

किट्टिस्ता सं० कृ० नाया० १;

किट्टिस्ता. सं० कृ० उत्त० २६, १; नाया० १;

किट्टिया. सं० कृ० वव० ६, ३७;

किट्टिलए. हे० कृ० वेय० ३, २०;

किट्ट. पु० (किट्ट) डोढानो डाट. लोहे का जंग Iron-rust. आया० २, १, १, १; —गसि. पुं० (-राशि) डोढानो डाटनो दगसो लोहे के जंग का ढेर. a heap of iron-rust. "अट्टरासिंस वा किट्टरासिसि वा" आया० २, १, १, १;

किट्टकरणदा. स्त्री० (किट्टकरणादा) संनयन डोढनी प्रथम स्थितिना त्रयु भाग धरीअे तेभांना भीम त्रिभागनी संता किट्टि करणादा छे. संनयन लोभ की प्रथम स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग की संज्ञा किट्टकरणादा कहलाती है. Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as Sanjvalana Lobha क० प० ४, ४६;

किट्टि. स्त्री० (*) सूक्ष्म. सूक्ष्म. Fine as opposed to gross. प्रब० ७१२; क० प० ३, १०;

किट्टिअ-य. त्रि० (कीर्तित) प्रशंसितुं; अश्व-वेतुं. कहा हुआ; वर्णित; वर्णन किया हुआ

Described. 'एवं से अहगकिट्टियमेव धम्मं' आया० १, ८, ४, २१७; मय० २, १, ११; अ० ७, १०;

किट्टिक. पुं० (किट्टिक) अश्व वनतनी वनस्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation भग० २३, १;

किट्टिकर त्रि० (कीर्तिकर) श्रुतिनुं गान कराना. कीर्तिका गान करने वाला. (One) that sings glory. आ० ३१;

किट्टिया. स्त्री० (कीटिका) अश्व वनतनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार का साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. पञ्च० १; भग० १, २; जीवा० १;

किट्टिस. न० (*) अश्व वनतनी यागना मिश्र-जुथी अनेधुं सूत्र. दो तीन जातिके बालों के मिश्रण से बना हुआ सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together horse-hair or hairs of different kinds. अणुजो० ३७;

किट्टी. स्त्री० (किट्टी) अश्व वनतनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पञ्च० १;

किट्टि. पुं० न० (कूटि) कूटिनाभनुं त्रीन आथा देवलोकनुं अश्व विमान कूटि नामक तामर चौध देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka. सम० ४;

किट्टिकूड. पुं० न० (कूटिकूट) कूटिकूट नामनुं त्रीन आथा देवलोकनुं अश्व विमान. कूटिकूट नामक तामर चौध देवलोक का विमान. A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

बुधो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की कूटनोट (*). Vidote (*) p. 15th.

lokas. सम० ४;

किट्टिघोस. पुं० (कट्टिघोष) दृष्टिघोष नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ६;

किट्टियुत्त. पुं० (कट्टियुक्) अ नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे और चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिज्जय. पुं० (कट्टिज्ज) दृष्टिज्ज नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे और चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिप्पभ. पुं० (कट्टिप्पभ) दृष्टिप्पभ नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टियापत्त. पुं० (कट्टिकापत्त) दृष्टिकाप नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिलेस्स. पुं० (कट्टिलेस्स) दृष्टिलेस्स नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalo-

kas. सम० ४;

किट्टिसिग. पुं० (कट्टिसिग) दृष्टिसिग नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टिसिद्ध. पुं० (कट्टिसिद्ध) दृष्टिसिद्ध नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-lokas. सम० ४;

किट्टुत्तरवाडिसग. पुं० (कट्टुत्तरावतंसक) दृष्टिवातंसक नामनुं त्रीन योथा देवलोकनुं अत्र विमान. तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम० ४;

किडकिडिया. स्त्री० (किडकिटिका) दुर्गन्ध शरीर वात्सा भोज्यसत्ता मांस पित्ताना दाह-कानो उडतां भेसतां अवाग्न धाय ते. दुर्गन्ध शरीर वाले मनुष्य के मांस रहित हाडियों का उठने बैठने पर जो आवाज हो वह. The crackling sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down. नाय० १; भग० २, १;

किडकिडियाभूय. त्रि० (किडकिटिकाभूत = किडकिटिकाभूतः प्राप्तो यः स किडकिटिकाभूतः) ३३ ३३ अवाग्न करतुं. जिसकी हाडियों की उठते बैठते आवाज हो वह. Making a crackling sound. विवा० ८; भग० २, १;

किडिभ. पुं० (किडिभ) ऋषीआर्षः २११. बिऊंटों का षर. An ant-hill, a swarm of ants, जं० १० भग० ७, ६;

(२) ओ३ लतनो रोग. एक प्रकार का रोग.

A kind of disease. भग० ७, ६;

किङ्गा. जी० (क्रीडा) डूँडा, रमत गमत; रति;

आनंद. क्रीडा; खेल; आनंद; रति; विनादे.

Sport; play; amusement. आया०

१, २, १, ६४; सूय० १, १, ३, ११; भग०

१३, ६; १४, २; पि० नि० ८८; ४२५;

किङ्गाविया. जी० (कांडाकारिका) डूँडा कराव-

नारी दासी. क्रीडा कराने वाला दासी. A maid

servant who makes one sport,

play or supplies with some

kind of amusement. नाया० १६;

किटिण. पु० (*) ओ३ लतनुं वांशनुं

हाम; तापसनुं ओ३ उपकरण; कावड की ओ

आलुना आलुना. एक प्रकार का बांस का

वर्तन; तापस का एक उपकरण; कावड के

दोनों तरफ के छबड़े. A sort of

vessel made of bamboo; a

vessel used by an ascetic;

the two flat baskets hanging

by a rope attached to the two

ends of a bamboo placed on the

shoulder. भग० ७, ६; —पट्टिकुवग.

त्रि० (—प्रतिरूपक=किटिनं वंशमयस्तापस-

सम्बन्धा भाजनवशावः तत्प्रतिरूपके

किटिनाकारे वस्तुनि) कावड की आकार की वस्तु. An

object having the shape

of a wooden pole resting

on the shoulders with two

baskets hanging at each end.

भग० १, ६; —सांकाईय. न० (—सांका-

यिक = किटिनं वंशमयस्तापसभाजन

विशेषः ततश्च सयोः साहायिकं भारोद्धारन

यन्त्रं किटिनसाहायिकम्) कावड. कावड.

A contrivance consisting of

a long piece of bamboo with

two vessels suspended one at

each end, by means of ropes.

The middle part of the bamboo

rests on any or both of the

shoulders. भग० ११, ६;

किणुर. न० (कवण) पुरीदनुं ते. खरीदना.

Act of purchasing. सु० व० २, ४४५;

किणित. न० (कणित) ओ३ लतनुं वांशनुं.

एक प्रकार का बाजा. A kind of

musical instrument. ज० प०

किणिया. खा० (कणिका) ओ३ लतनुं

वांशनुं. एक प्रकार का बाजा. A kind of,

musical instrument. राय० ८८;

किण्यं. अ० (किम्) क्युं. शं. कौन्सा. क्या

What; a particle showing in-

terrogation. नाया० १; २; ३; ७; ८;

६; १६; भग० ३, २; १३, ५; उवा० ३, १३६;

किणु. त्रि० (कीर्ण) आकीर्ण; व्याप्त.

फेनाया हुआ; व्याप्त. Scattered over

with; full of. नाया० ५; उवा० २, ६४;

किणुमुंड. पु० (कांर्यमुण्ड) ओ३ लतनुं

वांशनुं. एक प्रकार का बाजा. A kind of

musical instrument. जीवा० ३, १;

किणुर. पुं० (किवर) व्यंतर लतना देव-

ताओनी ओ३ लत. व्यंतर जाति के देवों की

एक जाति. A species of gods

known as Vyantara gods. पञ० १;

१; ओ३ व० पण्ड० १, ४; नाया० ८; भग०

२, ५; १०, ५; कण० ३, ४४; जं० प० ६, ११५।

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किण्वाह. अ० (किण्वत्) द्विधित. कृष्णः
किण्वित्मात्र. Very little; only a
little. पि० नि० ६६३;

किण्वाह. पुं० (कृष्ण) कागोरंभ. काला रंग.

Black colour. (२) कागो रंभनुं: स्थाभ.

काले रंग का; रथाम. black. भग० १२,

६; १५, १; नाया० १; ६; १०; १३; १६; १७;

राय० ६७; अणुमो० १३१; आया० १, ५,

६, १७०; ठा० १, १; उत्त० ३६, १६; सू० १०

२०; आ० १; प्र० १२२६, क० गं०

१, ४०; क० ८, ४५; अं० ५० ४, ७६;

२, १६; निर० ३, २; (३) पुं० कृष्ण नामनी ६ भा

वासुदेव. कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव. the

9th Vāsudeva named Kṛṣṇa.

निर० ५, १; (४) कृष्णपक्ष; अंधारीयुं.

कृष्णपक्ष. the dark half of a

month. पंचा० १६, २०; —आभास.

त्रि० (-आभास) कृष्ण रंग जेहुं देभाजुं;

काणी प्रभा. काले रंग के समान दाँखता हुआ;

काली प्रभा. appearing blackish;

black lustre. नाया० ७, ६; निर० ३, २;

—आभास. पुं० (-आभास) काणी प्रभा.

काली प्रभा. black lustre. नाया० १;

भग० १३, ६; १५, १; —केसर. पुं०

(-केसर) काणी केसर. black

saffron. पञ० १७; राय० —पडिक्कण. पुं०

(-प्रतिपक्ष) अंधारीयुं पञ्चरात्रीयुं. कृष्णपक्ष.

the dark half of a month. पंचा०

१६, २०; मिग. पुं० (-कृष्ण) काधीपार मृग;

कागो ६२५. कृष्ण मृग; काला हिरन. a black

deer. आया० २, ५, १, १४५; —लेखा.

जी० (लेखा) कृष्ण लेखा. कृष्ण लेखा.

black thought tint or matter-

tint. प्र० ११७३; —लेखा. जी० (-लेखा)

कृष्ण लेखा. कृष्ण लेखा. black tint;

black thought-tint or matter-

tint. भग० १, १; उत्त० ३४, ४; पञ०

१७; —सव्य. पुं० (-सर्व) कागो सर्प.

काला साप. a black serpent. भल०

८३; —सुस्तन. न० (-सूत्रक) कागो रंभनुं

सूत्र. काला सूत; thread of a black

colour. भग० १६, ६;

किण्वाहपडल. न० (कृष्णपटल) ओ नामनी

साधारण्य वनस्पति. इस नाम की एक साधा-

रण वनस्पति. Name of an ordinary

kind of vegetation. पञ० १;

किण्वाहपस. पुं० (कृष्णपत्र) आर छिद्रिययागो

ओक छि०. चार छिद्रियों वाला एक जीव. A

four-sensed living being. पञ० १;

किण्वाहसिरी. जी० (कृष्णजी) उडा यक्षवर्तीनी

कृष्णजी नामनी श्री. छठवें चक्रवर्ती की

कृष्णजी नामक श्री. Name of the

wife of the sixth Chakravarti.

सम० ५० २३४;

किण्वाह. जी० (कृष्णा) मेरुना उत्तरभां आ

वेक्षी रक्ता नदीभां ज्मने भगती ओक नदी

मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नाम

नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी. Name

of a river flowing into the

river Raktā in the north of

Meru ठा० ५, ३; १०; (२) कृष्ण लेखा

कागोभां कागो कर्मरक्षक के जेना योमथी

छरने द्विष्टभां द्विष्ट परिश्राम थाय छे

७ लेखाभांती प्रथम लेखा. कृष्ण लेखा

अत्यंत काते वर्य के रक्षक कि जिनके योग से

जीव को अत्यंत दोन और कठोर परिणाम हो.

blackest Karmic molecules

causing the direst results to

the soul; black thought-tint or

mattertint. क० वं० ४, १६; उत्त० ३४, १;

पि० नि० मा० ३०; (३) ओक जलनी वनस्पति.

एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation. भग० २३, २; (४) अणी प्रभा.
काली प्रभा. black lustre. बाया० ७;
✓ किञ्च. पा० I. (कृष्) युष्मद्दीर्घं कर्तुं;
वभाञ्चुं स्तुति कर्त्तुं. गुण कीर्तन करना;
प्रशंसा करना; स्तुति करना. To sing the
merits of; to praise.

किञ्चइस्सामि. अणुजो० ५९;

किञ्चवन्त व० क० उत्त० २४, १;

किञ्चच्च. न० (कीर्तन) वभाञ्चु; प्रशंसा;
स्तुति. प्रशंसा; स्तुति. Praise; eulogy.
विशे० ६४०; चट० ३; नाया० १६; उवा०
७, २१६; पंचा० १६, ३७;

केसवीरिअ. पुं० (कीर्तिवीर्य) भरतनी गद्दीअे
तेजवीर्य पद्धि आवेत्त तेनो पुत्र. भरत की
गद्दी पर तेजवीर्य के वांछे बैठने वाला उस का
पुत्र. The son of Tejaviryā who
succeeded the latter to the
throne. ठा० ८, १;

केसि. जी० (कीर्त्त) दानादिभ्यं उदारता
अनारवःथी धयेत्त कीर्त्ति, प्रसिद्धि; यश;
आभर. दानादे में उदारता प्रगट करने से जो
कीर्त्ति प्रसिद्धि, यश अथवा प्रतिष्ठा हुई हो
वह. Fame; reputation; glory
arising from charity etc.

“ कित्ति वच्च सह सिलोमट्ठपाए ” दस० ६,

४, २; ३; ६, २, २; उवा० २, ६४; सूय०

१, ६, २२; ओव० ३१; उल० १, ४४;

भग० १४, ५; १५, १; १६, १; पि० नि०

५०६; ६८७; नंदी० २७; ओव० नि० भा०

१४१; निर० ४, १; पञ्च० २३;

प्रव० ४६६; (२) कीर्त्तिदेवीनी प्रतिमा.

कीर्त्तिदेवी की प्रतिमा. an image of

the goddess of fame. भग० ११, ११;

(६) कीर्त्तिदेवी; नीलवंत पर्वतना केसरी

रङ्गनी अधिष्ठात्री देवी. कीर्त्तिदेवी; नीलवंत

पर्वत के केसरी रङ्ग की अधिष्ठात्री देवी. the

goddess of fame; the presiding
goddess of the lake named
Kesarī in the north of Nila-
vanta mount. ठा० २, ३; जं० प० ४;

—कूट. पुं० (—कूट) नीलवंत पर्वतना

नवकूटमांजु पांचभुं कूट—शिखर. नीलवंत

वल्गारा पर्वत के नौ कूट में का पांचवां कूट.

the 5th of the 9 summits of

the Nilavanta Vakhārā mount.

जं० प०—कर. त्रि० (—कर) कीर्त्ति प्रगट

करना; यश करना. कीर्त्ति प्रकट करने वाला;

यश करने वाला. making famous;

giving fame. कल्प० ३, ५२;

कित्ति. जी० (कृत्ति) आभरणो आभूषो कङ्को

के जे भेसवाने पाथरवाना काममा आवे ते.

चमड़े का चौकड़ा टुकड़ा जो कि बैठने के काम

में आता है. A rectangular piece

of leather used for sitting on.

प्रव० १८३;

कित्तिअ-य. त्रि० (कीर्त्तित) वभाञ्चुअ. प्रशंसित;

कीर्त्तिप्राप्त. Praised; famous. ओव०

प्रव० २१३; ४०६; ओव० २, ६; नाया० १६;

कित्तिआ. जी० (कृत्तिका) कृत्तिका नक्षत्र.

कृत्तिका नामक नक्षत्र. The constella-

tion named Kṛittikā. अणुजो० १३१;

कित्तिआदास. पुं० (कृत्तिकादास) कृत्तिका

दास नाम के कृत्तिका आशुस. कृत्तिका दास.

Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदित्त. पुं० (कृत्तिकादत्त) कृत्तिका-

दत्त नाम के आशुस कृत्तिकादत्त नामक मनुष्य.

Name of a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआदेव. पुं० (कृत्तिआदेव) कृत्तिका देव

नाम के आशुस. कृत्तिका देव. Name of

a person. अणुजो० १३१;

कित्तिआधम्म पुं० (कृत्तिकाधम्म) कृत्तिकाधर्म

नाम के आशुस कृत्तिका धर्म नामक मनुष्य

A person so named. अणुजो० १३१;
कृत्तिकासम्. पुं० (कृत्तिकासम्) कृत्तिका
शर्मा; नक्षत्र योग्यी भाष्यसंज्ञं नाम. कृत्तिका
शर्मा. A person so named after
the constellation called Krittika.
अणुजो० १३१;

कृत्तिकासमेण पुं० (कृत्तिकासेन) कृत्तिकासेन;
कृत्तिका नक्षत्र योग्यी भाष्यसंज्ञं पठेत्तुं नाम.
कृत्तिका सेन. A person so named
after the constellation called
Krittika. अणुजो० १३१;

कृत्तिकम्. न० (कृत्तिकम्) चंदन. बंदन
(नमस्कारादि कर्म). Salutation, obei-
sance to a preceptor etc. वेद्य०
३, १८;

कृत्तिकम्. त्रि० (कृत्तिकम्) अनायदी; कृत्तिक
क्रेतुं. बनाबटी; किसी का बनाया हुआ.
Artificial; made by somebody.
सूय० २, १, २२; गाथा० ७५; ज० प० १, १२;

कृत्तिकम्. त्रि० (कृत्तिकम्) क्रेतुं. कितना.
How much. " कृत्तिकम् सिद्धा " वच०
२; तंदु० विशेष० १३८८;

कृत्तिकमित्तम्. त्रि० (कृत्तिकम्) क्रेतुं
कितना. How many; how much.
म० व० ४, २८१;

कृत्तिकम्. पुं० (कृत्तिकम्) कृत्तिक गंतना देवता;
अंतर देवताओं के गंत. कृत्तिक जाति के
देवता; अंतर देवता की एक जाति. A kind
of Vyantara gods. प्रब० ११४४;
(२) धर्मनाथजी नाम. धर्मनाथजी
के यक्ष का नाम name of the Yaksha
of Dharmanāthaji. प्रब० ३०६;

कृष्ण. पुं० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव
Kṛṣṇa Vāsudeva. प्रब० १२८; (२)
त्रि० कृष्ण; कृष्ण रंग. कृष्ण; काले रंग
का. black. भक्त० ६१; —सूय० पुं०

(—सर्प) कृष्ण नाम; कृष्ण सर्प. काला नाग;
काला सर्प. A black serpent. भक्त० ६१;
किम्बिसिद्ध. त्रि० (किम्बिसिद्ध) श्रीभक्त; श्रीभक्त.
बाभक्त; भयानक. Frightful; ob-
scene; sinful. सूय० २, ३, २१; भग०
१, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) द्विष्टिप;
भाष्यसंज्ञं पर्याय नाम; पाप. पाप; भाष्यका
पर्यायवाची नाम. sin; deceit. सम० ५२;
पण्ड० १, २; भग० १२, ५;

किम्बिसिद्ध. न० (किम्बिसिद्ध) अमुरभाव;
अमुरभाव. Devilishness;
fiendishness. पण्ड० २, २;

किम्बिसिद्ध-य. पुं० (किम्बिसिद्ध) कृष्ण
गंतना देवताओं के गंत. अष्टाक्षर गेया
देवताओं के गंत. नीची जाति के अष्टम
देवों की एक जाति; चांडाल के समान देवों की
एक जाति. A kind of lower gods
performing the meanest action.
भग० १, ३३; दसा० १०, १; आब० ४१;
सूय० १, १, ३, १६; २, २, २१; ठा० ३.
४; प्रब० ६५०; (२) श्रीगणेश दसाधनार;
विद्वत् कृष्ण को हंसनेवाला; विद्वत्. A
balloon; a fool ज० प० ३, १०; आब०
३२; (३) अतुर्विध संघ तथा ज्ञानादि
अतुर्विध आधनार (साधु). अतुर्विध संघ
तथा ज्ञानादिका अवर्णवाद बोलनेवाला (साधु).
(an ascetic) defaming the four-
fold Saṅgha, and knowledge
etc. भग० १, २; प्रब० २०; —भाष्यका. श्री०
(—भाष्यका) शुद्धि-दा, शुद्धि-दा, यज्ञे दुर्गुणों
के गेयी द्विष्टिप गंतना देवताओं के उपल-
ब्ध पडे ते. गुरुनिन्दा, गुरुद्वेष आदि भाव-
नाएं जिसके कारण किम्बिसिद्ध जाति के देवों
में उत्पन्न होना पड़े. offences such as
censure, treason etc. towards a
preceptor which cause a person

to take birth among the Kil
biṣi kind of gods. उत्त० ३९, २५४;

किष्किषियसा जी० (किष्किषिकना) डिष्टि५५
दे५५७. किष्किष देवपना. State of be-
ing one of the Kilbiṣa kind of
gods. भग० ६, ३३;

किमंग. अ० (किमङ्ग) ' किमङ्ग पु० ' अ
विशेषार्थ अनान्यतर यक्षयमां सदयोगी तरीके
यक्षानु अन्य५. ' किमङ्गपुण ' यह विशेषार्थ
बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तराके
काम में आने वाला अव्यय A kind
of conjunctive phrase meaning
" What else should be told "
नाया० २, १६; भग० ८, ५. —पुण. अ०
(-पुनः) शुं कहेयुं ! तेभां तो कहेयुं शुं !
अथवा सामान्य अ म छे विशेष बात तो
शुं करी ? क्या कहना ? उसमें तो कहनाही
क्या ? अथवा सामान्य बात तो यह है और
विशेष बात तो क्या करना ! it goes
without saying; or, what more?
ओव० २७; नाया० १; भग० २, ५; ६, ३३;
१३, ६; १५, १;

किमहुं. अ० (किमर्थम्) आ भाटे. किम निय
Why ? wherefor ? भग० १, ९;

किमि. पु० (कृमि) ऐक गतने के.
कृमिया. जाव; जन्तु; काँड़ा; कृमि. A
kind of worm or insect. विवा० १;
नाया० १; सूय० १, ५, १, २०; राय० २५४;
उत्त० ३६, १२७; (२) आ५. लाव. be
used in dyeing etc. पञ्च० १७;
(३) ऐक गतनुं के६ एक प्रकार का कंद.
a kind of bulbous root. जीवा० १;
—कवल. न० (-कवल) कृमियातो कृमि-
के५पीओ. कृमि काँ कर-कवल. a mouth-
ful of a worm or of worms विवा०
८: —जासाउल. त्रि० (-जासाकुल)

कृमियाता सभूदधी व्याकुल. कृमि काँड़ा के
समूह से व्याकुल. full of swarms of
worms नाया० १२;

किमिच्छिय. न० (किमिच्छुक) "आ थी० छे ?
आ छे ?" ऐम मन्त्रा प्रभाणे भांश लेनुं ते;
साधुना ५२ अनानीजुं भांनुं ऐ६. "यह चाँज
है ? यह है ?" इस प्रकार माँग लेना; साधू के
५२ अनान्यता में से एक. Accepting an
alms various things after asking
such questions as " have you
got this ? have you got that ?"
etc.; one of the ५२ Anachirapas
of a Sadhu. दग० ३, ३; नाया० ८;

किमिण. त्रि० (कृमिवन) कृमि ७५ युक्त.
कृमि गाँहन; काँडे वाला. Containing
worms i. e. sentient beings.
पग० ७, ३; नाया० १२;

किमियकवल. पु० (कृमिक कवल) कृमियातो
के५ल-के५पीओ. कृमि कवल; काँड़ा का काँर.
A mouthful of worms, or of a
worm. विवा० ७,

किमिया आ० (कृमिका) गृहभां उत्पन्न
थ ॥ गृह-पेटमें उत्पन्न होनेवाले काँडे कृमि.
Worms produced in the stomach.
जावा० १;

किमिराग न० (कृमिराग) डि० म० २ गवायुं
अत्र; सेदी पाद डि० रे५ की५नी लागमाथी
सेदीना रे५पाग अनने अत्र किमिराग रंग
का सूत; लोही पिला कर पाँज हुए काँड़ा की
लास से लोही के रंग का बना हुआ सूत A
Crimson coloured thread pro-
duced from the saliva of a kind
of insect. अणुजा० २, ७; (२) डि० रे५
रे५; ऐक गतने पाँडे रे५. किमिराग रंग;
एक जात का पका रंग. crimson colour;
a kind of fast colour राय० ५३;

क० गं० १, २०; —कंबल. पुं० (—कम्बल)
 क्षीरभञ्ज रंभथी रंगेल क्षमण. किरमजी रंग
 से रंगा हुआ कंबल. a blanket of
 crimson colour. नाया० १७; पञ्च० १७;
 —रत्न. त्रि० (—रत्न) क्षिरभयना रंभथी
 रंगेल. किरमजी के रंग से रंगा हुआ.
 crimson-coloured. ठा० ४, २;

किमिराय. न० (कुमिराण) लुओ। “किमि-
 राण ” शब्द. देखा “ किमिराण ” शब्द.
 Vide “ किमिराण ” पृष्ठ २, ४;

किमिरासि. पुं० (कुमिरासि) ओ नामनी
 ओक वनस्पति एक वनस्पति का नाम.
 Name of a kind of vegetation.
 पञ्च० १; भग० २३, ५;

किमु. अ० (किमु) शुं; प्रश्नार्थ. क्या ? A
 particle showing interroga-
 tion; what. वि० नि० १२०;

कियकर्म. न० (कृतकर्मन्) कृतकर्म वंदना.
 कृतकर्म वंदन. The Vandana (salu-
 tation and prayer to a Guru)
 styled Kṛitakarma. प्रव० ६२५;

कियापर. त्रि० (क्वापर) कार्य करताभिं
 त्प२. काम करने में तय्यार. Devoted
 to business; (one) busily doing
 his work. “मगलसुखारिसङ्गो पदवचनविजो
 क्वापरो वेव ” पंचा० ३, ६;

किर. अ० (किर) निश्चय; अरेपर. निश्चय;
 वास्तवमें Indeed; assuredly. वि०
 नि० ६४२; विशेष० २३३; भग० ६, ७; संस्था०
 २; जं व० सु० च० २, ११; भक्त० १०८; क०
 ग० ४, ७८;

किरख. पुं० (किरख) क्षिरख; तेज; प्रभा.
 किरख; तेज; ज्योति. A ray of light;
 light. भग० ११, ११; श्रव० १०; जीव० ३, ३;

किराव. पुं० (किराव) क्षिरात नामनी ओक
 अनार्य देश किरात नाम का एक जनपद देश.

Name of an uncivilised country.

प्रव० १४६६;

किरिकिरिया जी० (किरिकिरिका) वांछनी
 अपाटथी दमाडवान् बांझोके; नुं ओक वांछनी.
 बांस की बिपासी से बजाने का भांड लोगों क
 एक प्रकारका वाजा. A musical instru-
 ment used by bards etc. played
 upon by passing a slip of bam-
 boo across its strings. आया० २
 ११, १६८;

किरिमेर पुं० (*किरिमेर) ओक जलतुं सुगंध
 द्रव्य. एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind
 of fragrant substance. जीवा० ३, ४
 किरियतर. पुं० (क्वातर) मोटी क्रिया. बर्ष
 क्रिया. A great action. भग० २, ४
 १३, ६;

किरियाविस्तार. न० (क्वाविस्तार बन्ध क्वा
 काविकारिका विस्तारः समेत्येनाभिर्ब
 बन्ते तत्) ओ नामनी आठ पूर्वमानो तेरमे
 पूरे. इस नाम का चौदह पूर्व में से तेरहवां पूर्व
 The 13th of the 14 Pūrvas, so
 named. सम० १४;

किरिया. जी० (किरा) कर्म अंधन हेतु
 क्षयिणी आदि पांय क्रिया; कर्म अंधननी येषां
 कर्म बंधन की कारण रूप काविकादि पां
 क्रिया; कर्म बंधन की चेष्टा. Any of the
 five kinds of actions which lead
 to bondage e. g. bodily action
 etc. जं० प० ७, १३८; श्रव० २०; उत्त०
 १८, २३; भग० १, २; ६; १०; २, ५; ३
 ३; ५, ६; १७, १; नाया० १; सु० २, १
 १७; २, ५, १२; आया० १, ६, १, १६; ठा० सम०
 १; ५; विशेष० ३; ४६; ६४; निजी० २, ६५
 राव० २२४; पञ्च० १, १७; २२; पृष्ठ २
 २; सु० च० ६, ३; (२) अष्टाध्यायी सूत्र-
 नीतिभा पदन् नाम के अर्थां क्षयिणी आदि

पांच क्रियानुं पक्षेन आपेक्ष्ये. प्रज्ञापना के बीसवें पद का नाम जिसमें कि कार्याकी आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पञ्च० १; (३) आत्मा तथा परलोक छे अंभ मानतुं ते. आत्मा और परलोक का मानना. belief in the existence of soul and unseen world. प्रब० ५५७; भग० २५ ७; —द्वारा. न० (-स्थान) क्रियानुं स्थानक; क्रियाना तेर स्थानकभानुं अभे ने अंभ. क्रिया का स्थानक; क्रिया के १३ स्थानकों में से कोई भी एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma. प्रब० ८३७; —द्वार. न० (-द्वार) क्रियानुं द्वार प्रकरञ्च. क्रिया का द्वार-प्रकरण. the chapter on Kriyā. प्रब० ३१६; —रुचि. ली० (-रुचि) क्रिया-अनुष्ठानमां इति-प्रकरण; अभिहितो अंभ प्रकर. अनुष्ठान में रुचि-प्रेम; सम्यक्त्व का एक भेद. liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance; one of the varieties of right belief. उत्त० २८, १६; प्रब० ६७२; —वाह. पुं० (-वादिन्-क्रिया जीवाजीवा-द्विषांऽस्त्वैवंपरुपा क्रियां वदन्ति इति क्रिया वादिनः) क्रियाने अंभ मोक्षसाधक मानना; क्रिया को मोक्ष दायक मानने वाला; क्रिया का अस्तित्व स्वीकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action. ठा० ४, ४; सूय० १, १, २, २४; —वादि पुं० (वादिन्) लुओ. “किरियावाह” शब्द. देखो “किरियावाह” शब्द. vide “किरियावाह” आवा० १, १, १, २; भग० ३०, १;

—विवाजिजय. पुं० (-विवाजित) क्रियाथी रहित. क्रिया से रहित. devoid of action. भग० ३०, १; —समय. पुं० (-समय) क्रिया करवाने समय. क्रिया करने का समय. the time for doing an action. भग० १, १०; किरियाठाण. न० (क्रियास्थान-करव क्रिया तत्त्वाः स्थानानि भेदाः सूत्र क्रियास्थानम्) सूयगङ्गासूत्रना श्रीम भुत्ररक्षणा श्रीम अभ्यपननुं नाम के जेमां क्रियाना तेर स्थान-कानुं विस्तारथी-वर्णन छे. सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुतस्कंध के दूसरे अध्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है. Name of the 2nd chapter of the 2nd Śrūta Skandha of Sūyagadāṅga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम० २३; सूय० २, २, ८५, ८६; किरियापद. न० (क्रियापद) पञ्चव्या सूत्रनुं क्रियापदनुं नाम. पञ्चव्या सूत्र के क्रियापद का नाम. Name of the Kriyāpada of Pannavapā Sūtra. भग० ८, ३; किरियाविसालपुर्व. पुं० (क्रियाविसालपूर्व) क्रियाविसाल नामे तेरमे पूर्व. क्रियाविसाल नामक तेरहवां पूर्व. The 13th Pūrva named Kriyāviśāla. नंदा० ५६; प्रब० ७२४; किरिड. न० (किरीट) भुमट. मुकुट. A crown; a diadem. सुय० १, १; किल अ० (किञ्च) निश्चय. निश्चय. Indeed; assuredly. नावा० १६; किलञ्जय. पुं० (किलञ्ज) बांसनी भुंजी के जेमां गायने भाष्य आपवाभां आवेछे ते. बांस की टोपली जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है. A basket of bamboo used for giving food to cows.

राय० २७१; गवा० २, ३६;

किलंत. त्रि० (क्लान्त) दुःखी पीडित.

दुःखमे पीडित. Troubled; pained.

भग० १९, ८; १६, ३; सु० च० १०, ६५;

गीता० ३, १; पण्ड० १, ३; वेय० ३,

१६; नाया० १; कप्प० ६, ६१;

✓ किलाम. धा० II. (क्लम्) दुःखेयुं;
दुःखप्राप्तुं. दुःख देना. To afflict; to
give pain; to trouble.

किलामेह. भग० २, ६;

किलामेसि. पभ० ३६;

किलामेसि. दस० ५, २, ६;

किलामह. भग० ८, ७;

किलामिज्जमाण. क० वा० व० कृ० स्य०

२, १, ४८;

किलाम. पुं० (क्लम) पीडा; दुःख.
Affliction; pain; trouble. भग० १,

१; विरा० २४-४; कप्प० ४; ७६; (२)

था३. थकावट. exhaustion; getting
tired. राय० २३६;

किलामणा. स्त्री० (क्लमना) पीडा; दुःख.
पीडा; दुःख. Misery; pain; afflic-
tion. भग० ३, ३;

किलामिअ. त्रि० (क्लान्त) अशानि पायेयुं;
सुखाय अयेयुं. मुरकायाहुआः सूखाहुआ.
Tired; faded; dried. अणुजो० १३०;
भग० ८, ७;

किलिच्च. न० (*) वांसनी अपाट.
बासकी बिगाली. A slip of bamboo.
निती० १, २; दस० ४;

किलिह त्रि० (क्लिह) संक्षिप्त परिधुमी;
शम द्वेयना परिधुमाणा. संक्लिह परि-
णाम बाला; रागयुक्त परिणामी. Troub-

led, agonised on account of
attachment, hatred etc. उत० ३२,

२७; क० प० ४, १६; (२) उद्वेगयुक्त;

दुःखी. क्लेशयुक्त; दुःखी. unhappy;

miserable. सु० च० ३, १५६; (३)

अशुभ; दुष्ट. अशुभ; दुष्ट. evil; wick-

ed. मत० ७८; पंचा० ३, ४१; —कम्म.

न० (—कम्मन्) क्षिप्त कर्म. क्लिष्ट कर्म.

an action causing pain, sorrow

etc. arising from anger, hatred

etc. मत० ७८; —आव. पुं० (—आव)

क्षिप्तभाव — परिधुम. क्लिष्ट परिणाम

state of being full of pain

sorrow caused by attachment

hatred etc. नाया० १६; —सत्त. पुं०

न० (—सत्त) उद्वेगी अ०. क्लेश जीव

a sentient being full of trouble

or pain. पंचा० ३, ४१;

किलिहया. स्त्री० (क्लिहया) दुष्टपणुं. दुष्ट

पना. State of being evil or

wicked. पंचा० १६, २५;

किलिएण. त्रि० (क्लिज) आर्द्र; भीजुं.

भीजा हुआ; गीला. Wet; damp. नाया०

१; उत० २; ३;

किलिअ. त्रि० (क्लिज) लुओ "किलिएण"

शब्द. देखो "किलिएण" शब्द. Vide

"किलिएण" उत० २, ३६;

✓ किलिस्स. धा० I. (क्लिज) उद्वेगप्राप्तुं;

दुःखी यत्तुं. क्लेश पाना; दुःखी होना. To

be miserable; to undergo

trouble or pain.

किलिस्सह. उत० २७, ३;

किलिस्सित. स्य० १, ३; २, १२;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ० पि० नि० १८८;

किलिस्स. पुं० (क्लेश) दुःख; क्लेश. दुःख;
क्लेश. Misery; pain; trouble.
नंदी० १३;

किली. स्त्री० (किली) शलाका; सडी; पीडी.
सलाई; खील. A small rod; a small
nail; a thin blade of grass etc.
भक्त० १०२;

✓ किलेस्. धा० I. (किलस्) क्लेश उत्पन्नयेत;
परिताप-दुःख उत्पन्न करतुं क्लेश-दुःख
उत्पन्न करना. To cause trouble; to
give pain.

किलेसंति. प्रे० आया० १, ६, २, १८६;

किलेस पुं० (क्लेश) क्लेश; दुःख. क्लेश;
द.ख. Trouble; pain. मू० प० २०;
पि० नि० १८८; नाया० १६; पंच० ४, २१;
—कर. त्रि० (-कर) क्लेश करनेवाला.
क्लेश करनेवाला. causing trouble;
troublesome. भक्त० १२३;

किवल्ल. त्रि० (क्लृण्व) दरिद्री; शंका; भिन्नारी.
क्लृण्व; कंजूस; दरिद्री; निर्धन. Poor;
indigent; miserly; beggarly.
ठा० ४, ३; मयुक्त० ३, १; भग० १, ६;
दस० ६, २, १०; जं० प० पि० नि० ४४६;
नाया० १४; आया० २, १, १, ७; कप०
२, १६; —कुल. न० (-कुल) शंका कुल;
गरीबनु कुल. दरिद्र कुल; गरीब का कुल.
poor family; indigent family. ठा०
८; दसा० १०, १०; —पिंड. पुं० (-पिंड) शंका
आपनाओ भोशक. रंक के लिये रखा हुआ
भोजन. Food to be given to the
indigent. निंसा० ८, १६;

किवल्लग. त्रि० (क्लृण्वक) क्लृण्व; कंजूस.
कंजूस. Miserly; stingy. सूय० २,
२, ६४;

किवाव. पुं० (क्लृण्व-क्लृण्वद्वली) अशुभ;
Vol. II/61.

नववार. तरवार. A sword. श्रौव०

किविल्ल. त्रि० (क्लृण्व) कंजूस; गरीब; शंका.
निर्धन; दरिद्र. Poor; stingy; miserly.
पगह० १, १; नाया० १३; मु० च० १, १४४;
✓ किल्ल. ना० धा० I. (क्लृण्व) पातयुं-दुग्धयुं
करतुं. पतला-दुबला करना. To render
weak, slender or emaciated.

किल्ल. सूय० १, २, १, १४;

किल्ल. त्रि० (क्लृण्व) पातयुं; दुग्धयुं; निर्वर्ण.
पतला; दुबला; कमजोर. Weak; feeble;
slender. उवा० १, ७२; ठा० ४, २; सूय०
१, १, १, २, १, २, १, ६; उल० २, ३;
आया० १, ६, ३, १८६, पि० नि० २६२;
भग० २, १; नाया० १; ५; —उदर. त्रि०
(-उदर) दुग्धया-पातया पेटयागो. दुबले
पेटवाला. (one) with a slender
belly. सु० च० २, ८६;

किल्लय. पुं० (किल्लय) पत्राक्षर; शिखी;
कुपत्र. कांपल. A tendril; a sprout-
ing leaf. जं० प० आ० रा० ११४;
जीवा० ३, ६; “ सत्तं वि किल्लयो कल्ल,
उग्गममाणो अण्णं अं भण्णिओ ” पत्र० १;
—पत्र. न० (-पत्र) किल्लयरूप पत्र-
नीक्षणं कामग पादं शिखी. किल्लयरूप
पत्र निकलता हुआ कामल पत्र-टहनी. A
sprouting, tender leaf. प्रव० २४०;

किल्लि. स्त्री० (क्लृषि) भेतीयाडी; भेतीकर्म.
खेती. Agriculture. ठा० ४, ४; पि०
नि० ४३८; जं० प० मु० च० १२, १६;
विशे० १६१५; पंचा० ८, ४६; —कर्म.
न० (-कर्म) भेतीयु काम. कारतकारी.
agriculture. पंचा० ४, ४;

किल्लोर. त्रि० (किल्लोर) किल्लोर-अवस्थायागो.
किल्लोर अवस्था; बाल्यावस्था. Young;
adolescent. श्रौव० नि० ६६;

किह. अ० (क) क्वा ? क्भे? क्वाये. Where ?

at what place ? भग० २, १; ३, २;
किहं च० (कथम्) केम ? केरी रीते ? क्यों ?
क्या ? How; why. विरो० १३५; १४५;
पि० नि० भा० ३६; नाया० ७; भग० २, १;
“से काहेवा किहंवा केवाधरेख वा किहं वति”
भग० ३, २;

कीय. वि० (क्रीत) वेयातुं क्षीयिषुः. मोक्ष
लिया हुआ. खरीदा हुआ. Bought;
purchased. पंचा० १३, ५;

कीड. पुं० (कीट) कीटः. जंतु; कीड़ा.
An insect; a worm. उत्त० ३, ४;
३६, १४६; दस० ४; ओष० नि० ७३५;
सूय० २, ६, ४८; पण्ड० १, ३;

कीडय. न० (कीटज) कीडानी क्षापथी उत्पन्न
यंतु सूत. कीड़ा की नारसे उत्पन्न सूत. A
thread produced from the
saliva of an insect. “ कीडयं पंच-
विहंपणातं तं जहा पहेमखए संसुए चीखंसुए
किमिरागे ” अष्टाजो० ३७;

कीडा-ली० (कीडा) रमन अभन. खेल;
बिगोद. Sport; play. भग० ११, ६;
उत्त० १, ६; नाया० १; उवा० १, ४८;
(२) भाष्यसनी दस दशाओ पैडी थीछ
दशा. मनुष्य की दस दशाओ में से दूसरी
दशा. the 2nd of the ten condi-
tions of men. तंदु० — कारी. श्री०
(-कारिणी) कीडा करानारी दासी. कीडा
कराने वाली दासी. a maid-servant
who causes to play or sport.
भग० ११, ११;

कीडास. पुं० (कीनारा = कुशिलतं नाश-
वतीति) यमराज. यमराज. The god
Yama; the god of death. सु० च०
५, १७१;

कीव. न० (कवीव) कायर; नपुंसक; नामर्द.
कायर; नपुंसक; नामर्द A cowardly

fellow; an impotent person.

उत्त० १६; ४१; सूय० १, ३, १, १७;
जंवा० ३, ३; डा० ३, ४; क० गं० ४, ४२; सु०
च० ६, ११८; वेय० ४, ४; नाया० १; भग० ६,
३३; प्रब० ७६७; (२) ओक अननं पक्षी.
एक जातका पक्षी. a kind of bird.

पण्ड० १, १; (३) क्लीवकुमार. क्लीव-
कुमार. Klivakumār. नया० १६;

कीय. वि० (क्रीत = क्लिबते स्मार्थदानेन
गृह्यते स्मेति क्रीतम्) खरीदेतुं, वेयातुं क्षीयिषुं
खरीदा हुआ. Bought; purchased.
आया० १, ८, २, २०२; २, ५, १,
१४४; दस० ६, ४४; सम० २१; दसा० २,
७; निरी० १४, १; १८ २; १६, १;
(२) साधुने भाटे अ.हारादि वेयातुं लभने
आपराधी लागतो ओक दोष; १६ उद्-
भवनभांनो आठ्ठे दोष. साधुको आहारादि
खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह; १६
उद्गमनों में का = वा दोष. the १६ of
the 16 Udgamana faults
viz. giving food etc. to a
Sādhū after purchasing it.

प्रब० ५७३; पि० नि० ६२; ३०६; भग०
६, ३३; — कड. वि० (-कृत = क्रीतेन
क्रयेण कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम्) साधुने
दारने अगाडिथी वेयातुं लभ राप्तेन. साधु
के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. pur-
chased beforehand for a Sādhū.
पण्ड० २, ५; — गड. वि० (-कृत)
लुओ “कीवकड ” शब्द. देखो “कीवकड”
शब्द. vide “ कीवकड ” भग० ५, ६;
नाया० १; ओष० ४०; उत्त० २०, ४७;
दस० ३, २; ५, १, ५५;

कीव. पुं० (कीवक) क्षीयक; नांस. कीवक;
बांस. A bamboo. दस० ६, १, १;

कीयन. पुं० (कीवक) क्षीयक नामनो शून्य.

कीयक नामक राजा. Name of a king.
 नावा० १६;
 कीया. जी० (* कीका-कानेनिका) आंभनी
 डीडी. काककी पुतली. The pupil of
 the eye. शोब०
 ✓ कील. धा० I, II. (कीड्) भेदजुं; डीडा
 करी. खेलना. To sport; to play.
 कीखेड्. सु० च० २, ३८२.
 कोकत, व० क० जं० प० ३, ९७; भग०
 १३, ६; पंचा० ७, ३६.
 कीलमाख. नाया० १४; १६; बिवा० ६;
 कील. पुं० (कील) भीति; भीति. कील;
 कील. A nail; a peg. सूय० १, २, १,
 ६; दस० २, १ ६७; उवा० ७, २७७; पंचा०
 ७, १०;
 कीलन. पुं० (कीलक) भीति. कील. A
 nail. जीवा० ३, ४; जं० प० २, ११६;
 राव० ४४;
 कीलख. न० (कीलन) डीडा; रंभन. कीडा
 खेल. Play; sport. शोब० २४; पत्र० २
 कीला. जी० (कीडा) रंभन. खेल; कीडा
 Play; sport. तंजु० निर० १, १; सु०
 च० १, २४४; —पसंग. पुं० (—प्रसंग)
 डीडा करवाने प्रसंग. कीडा करने का प्रसंग.
 an occasion of sport or play.
 प्रब० ४६८;
 कीलाखख. न० (कीलन) रंभनजुं. खिलाना.
 Causing to sport or play. नाया०
 १; १८; पि० नि० ४१०; —घाई जी०
 (—घाई) डीडा करवानारी श्री-धायमातः.
 कीडा कराने वाली जी० a wet-nurse
 who causes a child to sport or
 play. नावा० १; १६;
 कीलाखख. त्रि० (कीडाकारक) डीडा कराने
 वाला. कीडा कराने वाला. (One) who
 causes to sport. नावा० ३;

कीलिय. न० (कीलित) डीडा करेख. कीडा
 करा हुआ; खेला हुआ Sported; (one
 who has) sported. उत्त० १६, २;
 सु० च० २, ४१४; नावा० ६; छ० ९;
 कीलिय. त्रि० (कीलित) भंत्रादिथी भीती
 भुक्तेय. भंत्रादिक से कीला हुआ. Charmed-
 ed; subjugated with incanta-
 tions etc; hypnotised. सु० च०
 २, ४१४;
 कीलिया. जी० (कीलिका) जेमां दाडकाना
 सांधा भीतीथी ७२३३ होय ते संघयलु; ७
 संघयलुभांजुं पांयभुं संघयलु. जितने हड्डियों
 के जोड़ डील से जोड़े हों वन संघयलु; ६
 संघयलु में से पांचवां संघयलु. A variety
 of physical structure in which
 the bones are fastened together
 by (two) little nails; the fifth
 of the six Sanghayanas. पत्र०
 २३; क० मं० १, ३६, —संघयलु न०
 (—संघयन = रक्षास्थिति कीलिकामात्र
 बद्धान्धेव भवन्ति तत्कीलिकासंघयनम्)
 ७ संघयलुभांजुं पांयभुं डीलिका संघयलु. ६
 संघयलु में से पांचवां कीलिका संघयन. the
 fifth of the six varieties of
 physical constitutions where
 the bones are joined together
 merely by two little nails. जीवा०
 १; छ० ७, १;
 कीलियासंघयलि. त्रि० (कीलिकासंघयनि)
 डीलिका संघयलुवाला. कीलिका संघयन वाला.
 (One) possessed of a nailed
 bony frame. मय० २४, १;
 कील. पुं० (कील) डेड. कैसा Of
 what sort or nature. मय० १, १;
 कीलसा. जी० (कीलसा) डेवा. प्रभर ? दु
 २४२५. किस प्रकारका, कैसा. (Of)

what nature or sort. भग० १, १;
पत्र० २८;

कीसता. जी० (किंस्वता) दुं २१२५ ? किस
प्रकार का. (Of) what sort or
nature. "कीसताए" भग० १, १;

कु. न० (कु) दुःखित; नरक. शराव. Bad;
evil. अणुजो० १२८; पत्र० १; (२)

कुमार. कुमार; बालक. a boy. विवा० १, ६;

कुइयगण. पुं० (कुविकण) धृष्टी गायोतो
धृष्टी; गोमंढलको अधिपति. बहुतसी गायों
का स्वामी; गोमंढलका अधिपति. An
owner of many cows विशेष० ६३२;

कुडकूपमाण. पुं० (कुडकूपमान) कुडवाटा
करतो. कु-कु करताहुआ. Bustling;
noisy. विवा० ८;

कुडव. न० (कुप) कुडवु; कुडवी. मिट्टी का
छोटा बर्तन. A small earthen pot.
वि० नि० १५७;

कुओ. अ० (कुतः) कहांथी. कहां से.
Whence. सूय० २, ५, ३१;

कुंकण. पुं० (कोङ्कण) कोङ्कण देश. कोंकण
देश. The country known as
Konkapa. (२) चार इंद्रियों वाला एक जीव. a kind
of four sensed living being.
उत्त० २६, १४६;

कुंकणअ. त्रि० (कोङ्कणक) कोङ्कण देशभां
जन्मेला; कोङ्कण देशभां वासना. कोंकन में
जन्मा हुआ; कोंकन देशनिवासी. (One)
born in the country of Kon-
kapa; a resident of Konkapa.
अणुजो० १३१;

कुंकुम. पुं० (कुंकुम) देश. केशर. Saffron.
राव० ५६; ओव० ३८; अणुजो० १३३;
जं० प० उवा० १, २६; (२) कंकु. कंकु.
a kind of red powder. नाया० १;

जीवा० ३, ४; कप० ४, ६०; —पुड पुं०
(-पुड) कुंकुमनो पत्र. केशर का पुडा. a
packet of saffron. नाया० १७;

कुंव. पुं० जी० (कौव) द्वैत पक्षी. चकवा
पक्षी. A kind of bird. "अह कुवुज
संभवे कावे, कोइला पंचमं सरं। उट्टं च
सारमा कुंवा, वेसायं सप्तमं गयो" अणुजो०
१३८; सम० प० २३८; परह० १, १; (२)
द्वैत पक्षी; पांचमा तीर्थकरनुं लाञ्छन. कौव
पक्षी; पांचवें तीर्थकर का लाञ्छन. a kind
of bird which was the symbol
of the 5th Tirthankara. प्रव० ३८१;

कुंव. पुं० (कुव) द्वैत नामनो ऐक अनार्य
देश. कुंव नामक एक अनार्य देश. Name
of an uncivilised country. प्रव०
१२६८;

कुंखिअ. पुं० (कुखिअ) कुंखिअ नामनो शैव गुरु
मुनिपति नामना साधुने पोताने त्यां राज्या
हना कुंखिअ नाम का सेठ कि जिमने मुनि-
पति नामक साधू को अपने यहाँ रखा था.
Name of a merchant who had
maintained at his house an
ascetic named Munipati भक्त०
१३३;

कुंचिय. त्रि० (कुञ्चित) गोला पथेन; कुंडला-
कारे पथेन; पांडु. गोल बना हुआ; कुंडल के
आकार का बना हुआ; टेढ़ा. Curved;
bent. उत्त० २२, २४; परह० १, ४;
ओव० १०; सु० च० २, ३६८; भग० १, १;
जीवा० ३, ३; जं० प० २; —केशय. पुं०
(-केशक) पांडा पथेन देश. घुंचराले बाल.
curved locks of hair. भग० १५, १;

कुंखिया. जी० (कुञ्चिका-कुञ्चलवाचकादयति
इति कुञ्चिका) द्वैत. कुंवा. A key.
वि० नि० ३५६;

कुंजर. पुं० (कुजर-का जीवतीति कुंजरः

बदिवा कुञ्जे वनगहने रमते रतिम वप्ना-
सीति कुंजरः) मञ्जु; दाथी. हाथी; गज;
हस्ती. An elephant ठा० ६; भग०
१, ११; नाया० १: ८; १७; जीवा० ३, १;
राय० ४३; आ० उत० ११, १८; कण०
३, ३३; जं० प० ४, ११४; — अस्त्रीस-य.
पुं० (-अस्त्रीक) दाथीनी सेना. गज सेना;
हाथी का सेना. an army of
elephants. ठा० ६, १, ७, १;

कुंठ. त्रि० (कुण्ड) विकृत हाथवाला; कुंठा. हंटा;
विकृत हाथ वाला. (One) with a
defect in an arm पणह० १, १; प्रब०
८०२;

कुटस्त. न० (कुण्डल) जेने हाथ के पंगे भांड-
आपसु होय ते. जिनके हाथ पैर विकृत हों
वह. A defect in an arm or a
leg. आया० १, २, ३, ७८;

कुंड. न० (कुण्ड) कुंठा. कूडा; पानी का पात्र.
A large vessel or receptacle
of water. जं० प० पञ्ज ११; नदी० ४७;
जीवा० १;

कुंडकोलिय. पुं० (कुण्डकोलिक) अ नामना
महावीर स्वामीना अेक श्रावक; दस श्रावक
भांजा अेक. इस नाम का महावीर स्वामी का
एक श्रावक; दस श्रावक में से एक Name
of layman-follower of Mahā-
vīraswāmī; one of the ten Śrā-
vakas. उवा० १, २;

कुंडग. पुं० (कुण्डक) कुण्डसंज्ञा कानकजरा;
कान में घुसने वाला एक जन्तु. A kind
of insect. उत० १, ४;

कुंडधार. पुं० (कुण्डधार) अेक जंतुना दे०.
एक प्रकार के देव. A species of gods.
राय० १६६;

कुंडमोय. पुं० (कुण्डमोय) दाथीना पत्रना
अ कानजुं कुंडा जेजुं अ मीजुं क म; हाथीके पैरों

जैसा मिश्रा का कुंडा. An earthen vessel
of the shape of an elephant's
leg. “कंसेसु कंसवाएसु कुंडमोएसु वापुणो”
दस० ६, ५०;

कुंडय. पुं० (कुंडक) अेक जंतुना वासना कुंठा.
एक प्रकार का बर्तन. A kind of vessel
नाया. ७.

कुंडरीय. पुं० (कुण्डरीक) कुंडरीक नामना
अेक राजकुमार के जे पैराग आवे दीक्षा
लभ, अेक हज्जर वर्ष सुधी अरअर पाणी,
आअर पतित थध संसारमां आअये, थोडाज
वअत विषय सेवन करी भरखु पाअये. भरीने
सानभा नरके पोहोअये. कुंडरीक नाम का एक
राजकुमार कि जिसने वैराग्य भाव से दीक्षा
ले, एक हजार वर्ष तक बराबर पालन करके
आखिर पतित होकर संसार में आया, थोडा
समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर
सातवें नरकमें पहुंचा. Name of a prince
who became a monk and
closely practised asceticism for
1000 years but became degrad-
ed at last and again entered
the world; he enjoyed sensual
pleasures for some time and
after death went to the 7th
hell. नाया० १६; — युवराज. पुं०
(-युवराज) कुंडरीक नामना युवराज; पुंडरीक
राजना भाध. कुण्डरीक युवराज. a prince
named Kunjarika. नाया० १६;

कुंडल. पुं० (कुण्डल) कानमां पहरेवानुं
कुंडल नामनुं अेक आभूषण. कान में पहरेने
का कुंडल नामक गहना. An ear-ring.
जं० प० ४, १२३; ११६; ३, ४५; अणुजो०
१०३; नाया० १: २; भग० ३, १; २; ११,
११; १५, १; राय० २६; जीवा० ३, ३;
आया० १, २, ३, ७४; सम० प० ३३१

२३७; उत्त० ६, ४; दक्ष० २, १४; जीव० १२; २०; निर्मा० ७, ८; कण्व० २, १४; दश० १०१; (२) कुंडलनामै दशमा द्वीप अने दशमा समुद्र. दशमं द्वीप और समुद्र का नाम. name of the 10th island and also of the 10th ocean. सूय० १४; जीवा० १, ४; अश्वमे० १०३; —कुण्डल. न० (बुगल) कानमां पहरेयानां भे कुंडल. कानों में पहरेने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कण्व० १, ३६; —कुण्डल. न० (—बुगल) कुंडलनी ज्ये०. कुंडल की जोड़. a pair of ear-rings. नाया० ८; —धर. नि० (धर) कुंडलने धारण करे. ना२. कुंडल का धारण करने वाला. (one) who has put on ear-rings. नाया० ८;

कुंडलमह. पुं० (कुण्डलमह) कुंडलद्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island जीवा० १, ४;

कुंडलमहामह. पुं० (कुण्डलमहामह) कुंडलद्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island. जीवा० १, ४;

कुंडलवर. पुं० (कुण्डलवर) कुंडलवर नामने द्वीप तथा समुद्र. कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र. Name of an ocean; also that of an island. जीवा० १, ४; (२) कुंडलद्वीपने या रे तरङ्ग करते कुंडलवर नामने पर्यंत. कुंडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala island on all sides. दश० १, ४; (१) कुंडलवर समुद्रना अधिपति देवता. कुंडलवर

समुद्रके अधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kuṇḍalavara. जीवा० १, ४;

कुंडलवरमह. पुं० (कुण्डलवरमह) कुंडलवरद्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara. जीवा० १, ४;

कुंडलवरमहामह. पुं० (कुण्डलवरमहामह) कुंडलवर द्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडलवर द्वीपके मुख्य देव का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kuṇḍalavara जीवा० १, ४;

कुंडलवरोभास. पुं० (कुण्डलवरोभास) कुंडलवरोभास नामने अक्ष द्वीप तथा समुद्रजुं नाम. कुंडलवरोभास नामक द्वीप अथवा समुद्र का नाम. Name of an ocean; also that of an island. सू० प० १६; जीव० १, ४;

कुंडलवरोभासमह. पुं० (कुंडलवरोभासमह) कुंडलवरोभास द्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडलवरोभास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० १, ४;

कुंडलवरोभासमहामह. पुं० (कुण्डलवरोभासमहामह) कुंडलवरोभास द्वीपना अधिपति देवताजुं नाम. कुंडलवरोभास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the island named Kuṇḍalavarābhāsa. जीवा० १, ४;

कुंडलवरोभासमहावर. पुं० (कुण्डलवरोभासमहावर) कुंडलवरोभास समुद्रना देवताजुं नाम. कुंडलवरोभास समुद्र के

देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kuṇḍalavarāvabhāsa ocean जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभासवर. पुं० (कुण्डलवरावभास-
वर) कुंडलवरावभास न मे समुद्रना देवनां
नाम. कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम.
Name of a deity residing in
the ocean named Kuṇḍala-
varāvabhāsa, जीवा० ३, ४;

कुंडला. स्त्री० (कुण्डला) सुवच विजयनी
मुख्य राजधानी. सुवच विजय की मुख्य
राजधानी. The chief capital of
Suvachchhavijaya. 'दो कुंडलाओ'
ठा० २, २; ३; जं० प०

कुंडलोद्. पुं० (कुण्डलोद्) कुंडलोद् नामने
ओक समुद्र. एक समुद्र का नाम. Name
of an ocean. सू० प० १६; जीवा० ३, ४;

कुंडिका-या. स्त्री० (कुण्डिका) आग्न
विशेष; कुंडी; कुंडी; पात्रविशेष. A sort
of vessel. राय० अणुजो० १३२; मग०
१५, १; नाया० १५; पद० २, ५;
अणुजो० ३, १; (२) कर्मंडल. A
kind of pitcher made from
gourds etc. to hold water in.
मग० २, १; ओव० ३५;

कुंडिय. पुं० (कुण्डिक) कर्मंडल.
A sort of pitcher made from
gourds etc. to hold water in.
नाया० ५;

कुंडिकायनीय. पुं० (कुण्डिकायनीय) कुंडिका-
यनीय. कुंडिकायनीय गोत्र वाला. One
belonging to the family-line
named Kuṇḍikāyana. मग० १५, १;

कुन्. पुं० (कुन्) आधो. माला A spear.
जीवा० ३, १; मग० ६, १३; ओव० ३१; जं०
प० ३, १७; — गग. न० (—गग) आधानी

अधो. भाले की नोक. the point of a
spear. नाया० १५; — गग. त्रि० (—गग)
आधो राधना२. भाला रखने वाला. A
spearman मग० ६, १३; निसी० ५, ६, १४;
कुन्दीदेवी. स्त्री० (कुन्दीदेवी) पाण्डु राजनी
राज्ञी. पाण्डु राजा की रानी. Name of
the queen of the king Pāṇḍu.
नाया० १६;

कुन्धु. पुं० (कुन्धु) कुन्धुनाथ नामना आधु
आधीसीना १७ भा तीर्थकर अने ६ भा अक-
वर्ती. कुन्धुनाथ नाम के वर्तमान चौबीसी के
१७ वें तीर्थकर और ६ ठे चक्रवर्ती.
Name of the 17th Tirthāṅkara
and the 6th Chakravartī of
the present Chovisi. मग० २०, ५;
अणुजो० ११६; सम० २४; आध० टी० सम०
प्र० १३४; प्रव० २६४; कण० ६, १५६;
उत्त० १५, ३६; (२) त्रयु पद्विपरागे ओक
अव०; अथवा. तीन इन्द्रियों वाला एक जीव.
A kind of sentient being hav-
ing three sense-organs. " वाच
सुहमे " ठा० ५; दस० ४; मग० ७, ५;
उत्त० ३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; ओव०
नि० ३२३; पज० १; कण० ५, १६१;
— जिग्दि. पुं० (—जिग्दि) कुन्धु नामना
१७ भा तीर्थकर. कुन्धु नामक १७ वें तीर्थ-
कर. the 17th Tirthāṅkara
named Kunthū. प्रव० ४१६;

कुन्द. पुं० (कुन्द) मधुकुन्दं फूल; भोगराजं फूल.
मधुकुन्दका फूल; भोगरे का फूल. A kind
of flower. नाया० १; ६; १६; मग० ६,
३३; २२, ५; ओव० १०; पज० १; उत्त०
३४, ६; राय० ५४; जीवा० ३, ३; कण०
३, ३७, ४०; जं० प० ६, १२३; (२) कुन्द
नामनी वनस्पति; वेध. कुन्द नामक वनस्पति;
वेध. a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पञ० १; —माला. ला० (-माला) भोगराना पुष्पनी माला. भोगरा के पुष्पों की माला. a garland of Kunda flowers. कण० ३, ३६; —लया ला० (-लया) भयकुन्दना कुन्दी नी पेड़. भयकुंद के फूलकी बेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda. आ०

कुंदुरुवा. पुं० (कुन्दुरुव) ओ३ वनतनी साधारण वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation. जं० प० ५, १२२; भग० २३, ३; (२) बी० - ओ३ वनतनुं सुगंधी पुष्पद्रव्य; सीसारस. एक प्रकार की धूप; सिसारस. a kind of fragrant substance used as incense. सम० प० २१०; राय० २७; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; जीव० नाया० १; भग० ११, ११; कण० ३, ३२; कुंम. पुं० (कुम्भ) धडा; कुंम. घडा; कलश.

A pot. “ चत्वारि कुम्भापयन्ता । तं जहा-
पुत्र नाममेवे गो पुत्रं ” नाया० १७; राय० ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; अणुजो० १६; १३२, सूय० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; कण० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) १८ भा तीर्थंकरना पिता. १८ वें तीर्थंकर के पिता. the father of the 18th Tirthankara. सूय० प० २३०; प्रब० ३२४; (३) १८ भां अरनाथ तीर्थंकरना प्रथम-
अध्वरजुं नाम. १८ वें तीर्थंकर अरनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Ganadhara of Aranaṭha, the 18th Tirthankara. सम० प० २३३; प्रब० ३०६; (४) कुंभीमां नारथने पडावनार परमाधमी. कुंभी में नारकीको पकाने वाला परमाधमी. a Paru-
mādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १४; भग० ३, ७; (५)

कुम्भरपुनः धादरपुन तीर्थंकर, चक्रवर्ती की माता ननुपे छे तेभांनुं ओ३. कुम्भस्वप्रः तीर्थंकर. चक्रवर्ती की माता जो स्वप्र देवता है वहः जोदह स्वप्नों में से एक. one of the 11 dreams which the mother of a Tirthankara (Chakravarti sees. नाया० ८; (६) साः आ० ३, अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण, मान विशेष. कुम्भ में प्रमाण छे अथवा अने उद्भूत, अथवा ननुं मान डिपर अनाथ, ते. ननुदृष्ट कुंभ में आ० ३ प्रमाण गणाय छे. माठ आठक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण बाट-
तानने के वजन को कुंभ कहत है यह जघन्य और उत्कृष्ट रूप में दो प्रकार का होता है जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है और उत्कृष्ट का प्रमाण गो आठक है. तंदु० a measure of weight equal to 60 Ādhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Ādhakas.

—जुअल. (-जुगल) ओ३ धडा. दो घडा. two pots. जं० प० ७, १६६; —सहस्स. न० (सहस्र) हजार धडा. हजार घडा. one thousand pots. जं० प० ३, ४; ६;

कुम्भकार. पुं० (कुम्भकार) कुम्भार. कुम्भार. A potter. उवा० ७, २२०; भग० १४, १; —आवण. पुं० (-आपण) कुम्भारनी दुकान. कुम्भार की दुकान. a potter's shop. भग० १५, १;

कुम्भकरकडग. न० (कुम्भकारकडग) ओ३ प्राचीन नगरं नाम जयां पालके अंधकना पांचसो सिंघोने धाक्षीमां पील्या हुता. एक प्राचीन नगर का नाम जहाँ पालक ने अंधक के पांचसौ सिंघों को पानी में पेसा था. Name of an ancient city in which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill. संख्या० ५८;

कुम्भकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) कुंभार-नी स्त्री;
कुम्भारी. कुम्हारनी. A potter's wife;
a female potter. भग० ११, १;

कुम्भग. पुं० (कुम्भक) मिथिला नगरीना राजन-
नाम. मिथिला नगरी के राजा का नाम.
Name of a king of the town
of Mithilā. नाया० ८;

कुम्भगसो. अ० (कुम्भकशस्) धडा प्रमाणे.
घड़े के समान. After the size of a
pot. भग० १५, १;

कुम्भय. पुं० (कुम्भक) कुंभराज; मल्लिनाथना
पिता. कुम्भराजा; मल्लिनाथ के पिता.
Kumbharāja; the father of
Mallinātha. नाया० ८;

कुम्भराय. पुं० (कुम्भराज) कुंभराज. कुम्भराजा.
Kumbharāja; the father of
Mallinātha. नाया० ८;

कुम्भार. पुं० (कुम्भकार) कुंभार. कुम्हार. A
potter. उवा० ७, १८४; पंचा० १, ३४;

कुम्भि. पुं० (कुम्भिन्) उत्कट मोहना उदयशी
नेत्रं पुत्रं यिन्द तथा वृषण, कुंभ नेत्रं
भोटाथना होय ते; दीक्षाने अयोग्य पुरुषमां
ने अक्ष. उत्कट मोह के उदय में जिसका
पुरुष चिन्ह और वृषण, कुंभ के बराबर मोटा
होता हो वह; दाक्षा के अयोग्य पुरुष में से
एक. A person whose genera-
tive organ and testicles swell
to the size of a pot through
excessive lust or infatuation;
one of the classes of persons
unfit for Dikṣā. प्रव० ८००;

कुम्भिय. न० (कुम्भिक) भयं देश प्रसिद्ध
अक्ष प्रमाण. भयं देश प्रसिद्ध एक प्रमाण.
The standard measure of

Magadha country. राय० ६३; (२)
त्रि० कुंभ प्रमाणे; धडा नेत्रं. घड़े के
बराबर. of the size of a pot. राय०
६३; ठा० ४, १; (३) अक्ष नतनी वन-
स्पती. एक प्रकार की कुम्भिक वनस्पति. a
kind of vegetation. भग० ११, ४;

कुम्भी. स्त्री (कुम्भी) हाथीना कुंभस्थ. हाथी
का कुंभस्थल. The frontal globe on
the fore head of an elephant
जं० प० प्रव० ११००; (२) कुंड़ी. कुंरी.
a small water-pot. परह० १, १;
(३) नारकीनुं उत्पत्ति स्थान. नारकी जीव
का उत्पत्ति स्थान. the birth place of
hell-beings. परह० १, १; — पात्र. पुं०
(-पाक) कुंभी नामका पात्रमां पकावतुं. कुंभी
नामक पात्र में पकाना. cooking in a
vessel called Kumbhi. सम० ११;

कुम्भीमुह. न० (कुम्भीमुख) सांझा मोटावाणी
हाडली. सकं मुह की हंडी. A small
earthen pot with a narrow
mouth. आया० २, १, २, १०;

कुम्भ. पुं० (कुम्भ) काछा. कछुआ. A
tortoise. आया० १, ६, १, १७२;

कुम्भिम. त्रि० (कुम्भिन्) कुत्सित काम-
धर्मा करनार लुहार, कुंभार यंत्रे. कुम्भिन-
कराव धंदा करने वाला; लुहार, कुम्भार वगैरह.
(One) engaged in a bad profes-
sion e. g. an ironsmith, a potter
etc. मृग० १, ७, १८;

कुम्भम्. पुं० न० (कुम्भम्) बुरा काम. A bad or wicked
action. आघ० नि० भा० ६०; निर्मा० ४, ५५

कुम्भिर. न० (कुम्भिर) शरीरादिनी अ-
स्थिर-वृत्ति. शरीरादि की चपलता-कुचेश.
Unsteadiness of the motions
of the body etc. regarded as
a defect. वय० ६, १६;

कुकुरम्. त्रि० (कौकुचिक = कुसिनमप्रत्यु-
पचित्वादिना कुचितमवस्थान्दितं यस्य स
कुर्कुचितः कुक्कुचा अवस्थान्दनं प्रयोजनमस्येति
कौकुचिकः) द्व्यद्वयं अवे। अया० ३२॥२.
कृक्कुच आवाज करनेवाला. (One)
making a sound resembling
the pronunciation of the words
Kucha Kucha. आ० ३८; उत०
१७, १३; भग० ६, ३१;

कुकुल. पुं० (*) आ० कंडा. A cake
made of cow dung etc. used as
fuel पण० १, १;

कुकुरम्. न० (कौकुर्य) भुजनेनना विकार
वाली क्रिया येषां मुख और नेत्रोंका विकार-
वाला क्रिया-वेष्टा. An action accom-
panied with gestures of the
face and the eyes. पंचा० १, २४;

कुक्कुट. पुं० (कुक्कुट) कुक्कुटो. मुर्गा. A
cock. निमी० ६, २३; पल० १; नंदा० ४६;
पण० १, १; आ० अणुजो० १२८; आया०
२, १, ६, ३१; उत० ३६, १४६; भग०
१, १; टा० ७, १; उवा० ७, २१५;
—पंजर न० (-पंजर) कुक्कुटं पांजरं.
मुर्गेका पिजरा. a cage in which
cocks are confined. प्रव० १४१५;

—पोय. पुं० (-पोत) कुक्कुटं यद्वयं. मुर्गे
का बच्चा a chicken. भग० १८, ८;
दस० ८, २४; —मंसय. न० (-मांसक)
कुक्कुटं मांस. मुर्गे का मांस. the flesh
of a cock. (२) कालापक. काले का
पाक. a preparation made of
sugar, spices and a kind of
pumpkin gourd. भग० १५, १;

—लक्षण. न० (-लक्षण) कुक्कुटा
लक्षणं ज्ञेयानी कृणा. मुर्गे के लक्षण देखने
की कला. the art of testing the
merits or demerits of a cock.

नाया० १; जं० ५० २; आ० ४०; सम०
—यसभ. पुं० (-यसभ) मोटा कुक्कुटो.

बड़ा मुर्गा. a big cock. भग० १२, ८;

कुक्कुडग. पुं० (कुक्कुट) कुक्कुटो. मुर्गा. A
cock. भग० ६, ४;

कुक्कुडिया. स्त्री० (कुक्कुडिजा) मुर्गी; कुक्कुडि.
मुर्गी. A hen. नाया० ३;

कुक्कुडी. स्त्री० (कुक्कुटी) कुक्कुडि. मुर्गी. A
hen. प्रव० ७४३; पंचा० १६, २१; नाया०
३; विशेष० १८१८; भग० १, ६; ७, १; २५,
७; आ० १६; निर० १, १; (२) भाया;
३५२. माया; छल; कपट. deceit; fraud.
पि० नि० २६७; —अंडग. न० (-अण्डक)

कुक्कुडीना एडा. मुर्गी का अंडा. a hen's

egg. वव० ८, १५; —अंडमंस. त्रि०

(-अण्डमांस) कुक्कुडीना एडा जेटुं. मुर्गी

के अंड के आकार का. of the size of

a hen's egg. प्रव० ७४२; —पिक्कुअ.

न० (-पिक्कुअ) कुक्कुडीना पिक्कुअ. मुर्गी के

पंख. the feathers of a hen.

निर० १, १;

कुक्कुयय. न० (*) भुजनेना; धुधरो.

खनखना. A toy for children giv-

ing out a jingling sound when

shaken. सूय० १, ६, २, ७;

कुक्कुर. पुं० (कुक्कुर) कुतरो. कुत्ता. A

dog. आया० १, ३, ३, ३;

कुक्कुस. पुं० (कुक्कुस) ओक जलतं धान्य;

कुसुका. एक प्रकार का कुसका धान्य. A

kind of grain. आया० २, १, ९, ३३;

निती० ४, ५५; दस० ५, १, ३४;

कुकुह. पुं० (**कुकुह**) चार ध्रुवों वाला जीव. A four-sensed living being. पञ० १;

कुसगह. स्त्री० (**कुसगति**) अशुभ विहायस गति—
गति—आलवानी गति. अशुभ विहायस गति—
चलने की गति. Bad gait. क० गं०
२, ५; ३, ४; ५, ३२;

कुम्भह. पुं० (**कुम्भ**) जोड़ो आग्रह; द्वाग्रह.
दुराग्रह. Obstinacy in a wrong,
false cause. पंचा० ३, ५० १० ४; भल०
५३; —संका. स्त्री० (**-शङ्का**) द्वाग्रह तथा
शंका दुराग्रह तथा शंका. obstinacy
and doubt. प्रब० ११६; —**हविरह.**
पुं० (**हविरह**) मिथ्या अभिनिवेशने नाश.
मिथ्या अभिनिवेश का नाश. destruc-
tion, banishment of false
attachment पंचा० २, ४४;

कुम्भहीन. त्रि० (**कुम्भहीन**) नशरी रीति प्रयोग
करेणुं. बुरी तरह से प्रयोग किया हुआ.
Taken by, got by foul means.
उत्त० २०, ४४;

कुचर. त्रि० (**कुचर**) कुसितं चरन्तीति कुचरा.)
नशरी आचरण करनेवाले; परस्त्री अभन करने-
वाले चोरों. खराब चालचलनवाला. (One)
of bad character, e. g. a thief,
an adulterer etc. आया० १, १, २.

कुचेल. त्रि० (**कुचेल**) अशुभ वस्त्रधारी.
कुसित कपड़ों पहननेवाले. खराब कपड़े पहनने
वाला. (One) who puts on bad
clothes or garments. "बुद्धिजीवियों
कुचेलों कुचित्तों चोरो चंदाल मुद्रियों"
अष्टांगो १२८;

कुच. पुं० (**कुच**) दांतीया; बाण आगवान्
साधन. कंगवा; कंग. A comb. उत्त०

२२, ३०; (२) ओक मतनुं घास. एक
तरह की घास. a kind of grass.
पगह० २, ३; (३) दाढ़ी. दाढ़ी. beard.
ओष० नि० भा० ८३;

कुचंधर. पुं० (**कूचंधर**) दाढ़ीवाला. दाढ़ी
वाला. Bearded. ओष० नि० भा० ८३;
कुचन्धरा. न० (**कूचन्धक**) शर नामका रोपानुं
पाथरनुं जेना कुचध अने छे ते. शर नामक
पौधे का बना हुआ बिछौना. A mat
made of a plant named Sira.
आया० २, ३, ३, १००;

✓ **कुचझ. धा० I.** (**कुच**) डोढ़ायाडनुं; पला-
गनुं. सड़ाना; भिजाना. To soak in
water.

कुचजेना. विधि० अष्टांगो १३४; भग० ९, ७;
कुचिह्नहिह. पि० नि० २३८;

✓ **कुचझ. धा० I.** (**कुच**) निंदा करनेकी.
निंदा करना. To censure; to cast
blame on.

कुचमि. विशेष० ३२७६;

कुचझग. पुं० (**कुचझ**) ओक मतनुं घास.
वनस्पति. एक प्रकार की घास. A kind
of grass or vegetation. मय०
२, २, ७;

कुचझाणि. त्रि० (**कुचझ**) निंदा करनेवाले
योग्य; निंदापात्र. निंदा करने के योग्य;
निंदा पात्र. Worthy of censure or
reproach. पगह० १, ३;

कुचझा. स्त्री० (**कुचझा**) निंदा निंदा. Cen-
sure; blame; reproachful words.
पि० नि० १४१; क० गं० १, २१; ५, २, १०;

कुचिह्न. स्त्री० (**कुचिह्न**) कुचिह्न. कंचिह्न; कुचिह्न.
The interior of anything. विद्या०
१, ७; नाया० १; ८; भग० ९, ७, ७, ६;
१५, १; म० च० २, ११३; अंत० ३, ८;
पि० नि० १४२; जं० प० जीवा० ३, ३.

प्रब० १३६१; उवा० २, १०१; (२) पेट;
गर्भस्थान. पेट; गर्भस्थान. the belly;
the womb. जं० प० २, १६; २, २०;
कप्प० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६;
ओव० १०; पि० नि० ३५२; (३) भे दाथ
प्रमाण भाप; गज. दो हाथ प्रमाण नाप;
गज. a measure of length equal
to two cubits; a yard. जीवा०
३, ४; नंदी० १४; अणुजो० १३६; —किमि.
पुं० (-कृमि) कुंभमां उत्पन्न यतो कृमि-
क्षोभि. कौल में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि.
a worm generated in the belly.
पज० १; —किमिय. न० (-कृमिक)
कुंभो उत्पन्नो. कुंभ के कृमि. a worm
in the belly. निती० ३, ४२; —शूल.
न० (-शूल) कुंभमां शय्याका आवे शूल
थाय ते. कौल में शूल का होना. shooting
pain in the belly; colic. तंदु० नाया०
१३; भग० ३, ७;

कुक्षिधार. पुं० (कुक्षिधार) नावनेो न्या-
भक; सुकान्ती नाव का न्याभक; सुकानि.
One who is at the helm of a
ship; a helmsman. जं० प० ५, ११२;
नाया० ८; १७;

कुक्षिय. त्रि० (कुक्षित) अराय. सराव;
बुरा Bad; evil; deserving censure.
विशे० २६६६; पंचा० ७, १२; —सील.
त्रि० (-शील) अराय आचारवागो. बुरे
चाल चलन वाला. (one) of bad con-
duct or character. विशे० ५२०;

कुक्षियत्त. न० (कुक्षितत्त्व) अरायो;
निष्ठता. बुरापन. State of being
worthy of censure; badness.
विशे० ५२१;

कुक्षुभरिय. पुं० (कुक्षुभरिक) ओक
जतजुं वृक्ष. एक प्रकार का वृक्ष. A kind

of tree. भग० २२, ३;

कुज्ज. त्रि० (कुज्ज) जेनो जय कुक्षित-
निन्दित छे ते, जुआरि. जिसकी जीत निन्दित
है वह; जुआरि. (One) whose
victory or success deserves to
be censured i. e. a gambler
सूय० १, २, २, २३;

कुज्ज. त्रि० (कुज्ज) कुम्भो. कूबवा. Hump
backed; crooked. सु० च० १, १७

कुज्जय. पुं० (कुज्जक) गुलाब, सेवतीनु
आ० गुलाब, सेवती का वृक्ष. A rose
tree. पज० १; नाया० १, ८; जं० प० ५, १२२

✓ कुज्ज. धा० I. (कुज्ज+य) कृप करवे
कोप करना. To be angry.

कुज्जे. विधि० सूय० १, १४, ६;

कुटिल त्रि० (कुटिल) वांङ्गु युङ्गु; ५६. टेढ़
तिरछा; बक. Crooked; tortuous तंदु०

कुटुंब. पुं० (कुटुम्ब) परिवार. कुटुम्ब; परिवार.
A family; a family circle. भग० ३,
१; १८, २; —जागारिया. स्त्री० (-जागरिका)
कुटुम्बसंधी विचार करवे ते. कुटुम्ब
सम्बन्धी विचार करना. thinking about
one's family. भग० ३, १; १५, १

✓ कुट्ट. धा० I. (कुट्ट) कुट्टुं; आडुं
कूटना. To pound; to grind.

कुट्टति. आया० २, १, ६, ३४;

काईसु. भू० आया० २, १, ६, ३४;

कुट्टिजमाय. क० धा० व० कृ० राय० ५६

कुट्टिय. सं० कृ० भग० १४, ८;

कुट्टण. न० (कुट्टन) कुट्टुं; भारयुं; कूटना
मागना. Beating; Pounding. “ कुट्टी
जंतीयं कक्षभीयं चित्तविद्यायं ” राय०
ओव० ४१; सूय० २, २, ६२; दमा० ६, ४;
कुट्टितिया. स्त्री० (कुट्टिका) अनानने आड-
नारी. अनान को कूटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७;

कुट्टिम. पुं० (कुट्टिम) भूमितल भोंतणीयुं. भूमि-
तल. Ground-floor. भग० ८, ६; ओव०
३१; कण्य० ४, ६२; —तल. न० (-तल)
भोंतणीयुं. तलघर. ground-floor.
नाया० १; ओव० ३१; राय० १०५; जीवा० ३;

कुट्टिय. त्रि० (कुट्टि) कुट्टेयुं कूटा कुट्टा.
Pounded. प्रव० ८५७;

कुट्टिलम. पुं० (कुट्टिलक) ओ नाभना ओक
साधु. इस नामका एक साधु. Name of
an ascetic. विवा० ६;

कुट्ट. पुं० (कुट्ट) कोटः ओक जनतनो सुगंधी
द्रव्य. एक प्रकार की सुगंधित वस्तु. A
kind of fragrant substance. सूय०
१, ४; २, ८; विश० २६३; (२) कुष्टरोग; कोट.
कुष्ट रोग; कोट. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्टग. न० (कोटक) कोटुक; कोटि. कोटक-
कोटा. A column. दस० ५, १, २१; ८२;

कुट्टाण. न० (कुट्टान) दुष्ट स्थान. खराब
स्थान. An impure place; a bad
place. भग० ७, ६;

कुट्टि. त्रि० (कुट्टिन्) कोटि. कोटा. (One)
affected by leprosy. सुच० १३, ६४;

कुट्टिमा. स्त्री० (कोटिका) धान्य राखवाने
अनावेस भाटीनी कोटि. कोटी; धान्य रखने
की मिठी की कोटी. A large earthen
cylindrical vessel to store
grain in. आया० २, १, ७, ३०;

कुट्ट. पुं० (कुट्ट) कोटनो रोग. कोट की
बोमार. Leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्ट. पुं० (कूट) पर्वत. पर्वत. A moun-
tain. जीवा० ३, ३; दसा० ६, ४; राय०
४०; १००; (२) दृष्टान्त; दृष्टान्त. दृष्टान्त;
उदाहरण an illustration; an ex-
ample. विश० २२४०; (३) अमृत्य.

असत्य; झूठ. falsehood. राय० २०७;
भग० ७, ६; (४) ओक प्रकारनो पाश.
एक प्रकार का पाश. a kind of snare.
विवा० २; —अन्तर. न० (-अन्तर) ओ
कुट-शिखर वच्येनुं अन्तर. दो कूट-शिखर
के बीच का अन्तर. the interval, dis-
tance, between two summits.
भग० १५, १; —ग्राह. त्रि० (-ग्राह) कुट-
पाश दिशेने ग्रहण करनार. पाश रखने वाला.
(one) who holds a snare or a
trap in the hands. विवा० २; —ग्रा-
हिणी. स्त्री० (ग्राहिणी) कुट-पाशने ग्रहण
करनार-स्त्री. कूट ग्राहिणी. a woman,
who holds in her hands a snare
or a trap. विवा० २; —तुल. न० (-तुल)
आटा तोला. खोटा तोल. false weights.
दसा० ६, ४; —माण. त्रि० (-मान) आटा
माप. खोटा माप. false measure.
दसा० ६, ४;

कुट्टम-य. पुं० (कुट्टज) छंदर जवनुं आठ.
इन्द्रजव का झाड़. A kind of tree.
प्रव० ५१८; ज० प० जीवा० ३, ४; अशुजा०
१३१; आव० नाया० १; ६; पज० १;

कुट्टंग. पुं० (कुट्टङ्ग) घरनुं दांडायुं आपर.
छप्पर. A roof of a house. विवा० ३;
(२) ओ नाभनो ओक द्वीप. इस नामका एक
द्वीप name of an island. ओष० नि०
भा० २३६; दांडानुं वन. बांस का वन. a
forest of bamboo. नाया० १८;

कुट्टग. पुं० (कूटक) घडा. घडा. A pot.
विश० १४५४; नंदी० ४४; (२) ओक जननी
सईद पुत्रवाली जनस्थिति. एक प्रकार की
सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of
plant bearing white flowers.
भग० २२, ३; पज० १७;

७ कुडभि. स्त्री० (*) -क्षानी भ्यञ्ज. छोटी ध्वजा. A small flag; a small banner. " कुडभी सहस्र परिमण्डि बाभिरामो हृदयको " सम० ३४; राय० ७०; जीवा० ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडड. त्रि० (*) कुडूभो; भेदार्थ रूप-देखाव. खराब रूप; बेडौल रूप. Ugly appearance; repulsive in appearance. ओष० नि० भा० ३२०;

कुडागार. पुं० (कुटागार) पर्यंतना शिखरभां कातरैल धर; शिखरना आधारनुं भक्षान. शिखर के आकार का घर. A house carved out from the summit of a mountain; a house of the shape of the summit of a mountain. निगी० ८, ५; राय० १००; जीवा० ३, ३; —साला. स्त्री० (-शाला) शिखर-अंध शाखा-भक्षान. शिखर के आकार का घर. a house with a spire at the top. दशा० १०, ३; राय० २५५; भग० ३, १; २; १३, ४; १६, ५;

७ कुडाल. पुं० (*) दण्डो उपेक्षो भाग. हल के उपर का हिस्सा. The upper part of a plough. उवा० २, ६६;

कुडिल. त्रि० (कुटिल) बांझुंझुं टेढ़ा तिरछा. Crooked; tortuous. नाया० ८, ६; ओष० २१; भग० १५, १; मु० च० २, २०; उवा० २, ३०७;

कुडिलार न० (कुडिलार) दुष्टता; कुटिलता. दुष्टता. Wickedness; crookedness. मु० च० १२, ४७;

कुडिव्यय. पुं० (कुडिव्यय) धरभां रही कोधा-दिक कथाय के अहंकारनो त्याग करे तेवो परि-

प्राग्ध. घरमें रहकर कोषादि कथाय और अहंकार का त्याग करने वाला परिमात्रक. An ascetic getting rid of anger etc. or pride without leaving the house in which he stays. ओष० ३८;

कुडी. स्त्री० (कुटी) ओरडी; झुंपी. कोठरी. A room; a hut; a cell. ओष० नि० १०५; भग० १२३;

कुडीर. न० (कुटीर) झुंझुं; निर्धननुं धर. कोषवा; निर्धन का घर. A hut; a cottage; a hovel. तंदु०

कुडुंघ. पुं० (कुडुम्ब) कुटुम्ब परिवार. कुटुम्ब; परिवार. A family. नाया० १, २; ५; ७; १२; १६; पि० नि० ६६; उवा० ८, २३८; —जागरिया. स्त्री० (जागरिका) कुटुम्ब संशय विचार करवा. thinking about one's family. नाया० २, १४; जीवा० ७;

कुडुंबिय. त्रि० (कुडुम्बिक) कुटुम्बी; आस कुटुम्बनो भावुस. कुटुम्बी; कुटुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family; (one) belonging to a family. (२) लज्जुडी. नौकरी. an attendant e.g. on a king. ओष० कण० ३, ३६;

कुडुय. पुं० (*) पर्यंतनी टोय; शिखर. पर्वत की शिखर. Summit of a mountain. भग० १५, १;

कुडू. न० (कुडू) दीवाल; भीत. भीत; दीवाल. A wall. भग० ८, ६; विशेष १४२६; उल० २५, ४०; पगह० १, १; पि० नि० २६८; —अंतर. न० (-अंतर) भीत अथवा त्राडीनुं अंतर. भीत अथवा टट्टी

का अन्तर. interposition; inter-
vention of a wall. उत्त० १६; २;
प्रव० २६५;—अन्तरिय. त्रि० (-अन्तरित)
भीतने आन्तरे रह्य. दीवाल की आड रहा
हुआ. hidden by a wall. नाया० १६;

कुङ्कु. जी० (कुङ्कु) पातालना कलशानी हीकरी.
पाताल के घड़े की ठीकरी. A broken
piece of a pot in Pātāla
(nether world). जीवा० ३, ४; प्रव०
१५६०;

कुण. धा० I. (कृ) करुं; रचुं; अनाययुं.
करना; रचना; बनाना. To do; to make.
कुणह. उत्त० ६, २८; अणुज्ञो० १३०; विश०
२७२; पि० नि० ६८; प्रव० ६८;
कवा० १, ४८; ५३;

कुजा. उत्त० २, ३३;

कुण्ड. सु० च० १, १;

कुण. आज्ञा० विश० ६४३; सु० च० २, ४६;

कुणसु. भूत० अणुज्ञो० १२६; पि० नि० ६६६;

कुणत. उत्त० २६, २६;

कुणअ. विश० १६५;

कुणमाण. विश० ४६; सु० च० १, ३१५;

२, ११५; उत्त० १४, २४; पंचा०

१८, २६;

कुणक. पुं० (कुणक) कुणक नामनी अक
वनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुणक)
Name of a kind of vegetation.
पञ्च० १;

कुणाल. पुं० (कुणाल) कुणाल नामनी अक
देश. एक देश का नाम (कुणाल). Name
of a country. नाया० ८; पञ्च० १;
राय० २१०; (२) कुणाल राजा, जेनुं श्रीजुं
नाम संप्रति राजा हुं; मौर्यवंशी अन्ध-
शुभने प्रपात्र; सिद्धसारने पात्र अने
अशोकने पुत्र कुणाल. मौर्यवंशी चंद्रगुप्त का
प्रपौत्र; बिन्दुसार का पौत्र; अशोक का पुत्र;

कुणाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पड़
गया था. King Kuṇāla also call-
ed Samprati, the son of Aśoka
and grandson of Bindusāra.
विश० ८६१;—अधिपति. पुं० (-अधिपति)
कुणाल देशने अधिपति. कुणाल देश का
अधिपति. The king of the country
named Kuṇāla. ठा० ७, १; नाया० ८;

कुणाला. जी० (कुणाला) कुणाला नामे उत्तर
नरुनी अक नगरी; उज्जैनी नगरीनुं श्रीजुं
नाम कुणाला हुं अम पति कपाक लभत
छे. कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक
नगरी; उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी
दिया गया है. Name of a city in
the north; (in some works it
is also stated that Ujjain was
so called). वेय० १, ४६; ४, २५;
संस्थाना० ८; कण्व० ६, ११;

कुणि. त्रि० (कुणि) हाथ अथवा पग नदानी
भेदीये हाथ अथवा गलना दोपवाला. हाथ
अथवा पैर छोटे हों ऐसे गर्भ दोपवाला.
(One) developed from a defec-
tive embryo with one of the
arms or legs smaller than the
other. पण्ड० २, ५;

कुणिम. न० (कुणप) मांस. मांस. Flesh.
आव० ३४; ठा० ४, ४; सूय० १, ४, १, ८;
भग० ६, ३३; जीवा० ३, १; पि० नि० २६२;
(२) शव, भुङ्गु. शव; मुर्दा. a corpse;
a dead body. जं० प० भग० ७, ६;
अणुज्ञो० १३०; पण्ड० १, ३;—आहार.
पुं० (-आहार—कुणपः शवस्तद्रसोऽपि वसा-
दिः कुपयस्तदाहाः) मांसने आहार.
मांस का आहार. flesh food. (२) त्रि०
मांसाहारी. मांसाहारी. a flesh-eater. जं०
प० २, ३६; भग० ७, ६; ८, ६;

कृषिय. पु० (कृषिक) इण्डिक राजा; श्रेणिकेनो पुत्र. कृषिक राजा; श्रेणिक का पुत्र. King Kūnika, the son of Śreṇika. भग० ७, ६;

कृषिया. स्त्री० (कृषिना) ऐसी ऐक दाध अथवा पत्र नदानो भेड़ोटा यत्र गयो होय ते; सोण रोगभानो ऐक रोग. सोलह रोगोंमें से एक रोग; जिसमें एक हाथ अथवा एक पैर छोटा बड़ा हो जाता है. (One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other. आया० १, ६, १, १७२;

कुण्डरि. स्त्री० (कुन्दरी) कुन्दरी नामनु कंद. एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) ओ नामनी ऐक वनस्पति. एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation. पक्ष० १;

कुत्तिथि. त्रि० (कुत्तिथिन्) जुआ "कुत्तिथि य" शब्द. देखो "कुत्तिथिय" शब्द. Vide. "कुत्तिथिय" उक्त० १०, १८; प्रब० ६५१;

कुत्तिथिय. त्रि० (कुत्तिथिक) पाप ग्री; कुत्तिसन-अपत्य तीर्थ अजनार; मिथ्यात्वी. पासंडी. सराब धर्म का माननेवाला; मिथ्यात्वी. A person following a false, heretical creed. नाया० ७;

कुतुंबक. पुं० (कुतुम्बक) ऐक गतनुं यज्जित. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा० ३, १;

कुतुप. पुं० (कुतुप) धी तेष सम्पत्तानुं वासयु; कुडो. धी तेल रखनेका बर्तन. An earthen pot to keep oil, ghee etc जं० ५०

कुत्तार. त्रि० (कुत्तार) अशान ताः पोते दूमे

अने भीजने दुआडे तेवो. कवा तैराक; खुद हूबे और दूसरे को डुबावे ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा० ३१;

कुत्तिथ-य न० (कुत्तिक=कुत्ति पृथिव्याः संज्ञा तस्याधिकं कुत्तिकम्) स्वर्ग, मर्त्य अने पाताल ऐ त्रय लोक. स्वर्ग, मर्त्य और पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nether world. ओव० १६;

कुत्तिमावण. पुं० (कुत्तिकापण=कुत्तिकं स्वर्ग-मर्त्यपातालवस्तुभूतं भूतयं तत्संमवि वस्तु वि कुत्तिकं कुत्तिकापणावति व्यवहरति असौ कुत्तिकापणः) त्रय लोकों में निपजती दरेक चीज ज्योंही बेचाती भली शके तेवी भेड़ोटी दुकान. ऐसी दूकान जहां तीनों लोक में उतराज होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० १, ३३; नाया० १; ओव०

कुत्थ. अ० (कुत्थ) क्या. कहा. Where. नाया० ३;

✓ **कुत्थ. धा० I. (कुथ्)** डोडाध जुनुं; अगरी जुनुं. सडजाना; बिगडजाना. To spoil. कुत्थेजा. वि० जं० ५० २, १६;

कुत्थिअ त्रि० (कुत्तिसन) निन्दित; अशान. निन्दित. Bad, evil; deserving censure. आंघ० नि० १६४;

कुत्थुंभरि. स्त्री० (कुत्थुम्बरी) धालुनो गुम्भ; धाथभरी. धनिये का पौधा. A collection of coriander plants. पक्ष० १;

कुर्वन्. पुं० (कुर्वन्) ऐक गतनुं अधन. एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. पक्ष० १, १; नाया० १;

कुदंडग. पुं० (कुदंडक) प्रहार भारवाने केरडे. प्रहार करने का चाबुक. A whip used for flogging. पगह० १, ३;

कुदंडिम. न० (कुदंड) दुस्सित दंड; शुन्दल कर्ता ओछो दंड. धोडा दंड. Inadequate punishment. नाया० १; भग० १, ११;

कुदंसण. न० (कुदंशन) विपरीत श्रद्धा; मिथ्यात्व दर्शन. विपरीत धर्मान; मिथ्यात्व दर्शन. False, heretical faith or creed. पक्ष० १; उक्त० २८, २८; " इमं विविक्षितं कुदंसणं असम्भाव वादिषां पश्यन्वेति " पक्ष० २;

कुद्विट्टि. स्त्री० (कुद्विट्टि) मिथ्यात्व दृष्टि; विपरीत दृष्टि. मिथ्या दृष्टि; विपरीत दृष्टि. False faith; heretical faith. उक्त० २८, २६; प्रब० ६७३;

कुदाल. पुं० (कुदाल) जमीन भ्रष्टानुं हथियार; केदाली जमीन खोदने का हथियार; कुदाला. A spade. पगह० १, १; जं० प० २, १६;

कुद. त्रि० (कुद) क्रोधी; गुस्से धरने. क्रोधी. Angry; enraged. पंचा० १५, ३७; प्रब० १२८६; उक्त० २७, ६; भग० ७, १०; १४, ८;

कुपकल. त्रि० (कुपल) नीचपक्षी. नीच पक्ष का. Belonging to, espousing a cause that is low or mean. आया० २, ४, १, १३४;

✓ **कुप्य.** धा० I. (कुर) क्रोध करने; गुस्से धरने. क्रोध करना; गुस्सा होना. To be angry; to get enraged.

कुप्यह. दस० ६, २, ४;

कुप्यजा. उक्त० १, ६; दस० ८, ४८; १०, १, १८;

कुप्ये. आया० १, २, ३, ७०; दस० ५, २, ३०; १०, १, १०;

कुप्यंत सु० व० ७, ३०३;

कुप्यमाण. भग० ७, ६;

कोवे. प्रे० उक्त० १, ४०;

कोवहजा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६;

कुप्य. न० (कुप्य) आसन शय्या वगैरे राख-रखीयुं; घर-परि. आसन शय्या वगैरह. Household furniture, such as beds, chairs etc. पंचा० १, १८; —संज्ञा. स्त्री० (—संज्ञा) राख-रखीयुं के घर-परिनुं परिमाण्य आधुनुं ते. setting a limit to one's possession in the matter of household furniture. प्रब० २८०;

कुप्यर. पुं० (कुप्यर) गाड़ा के रखनी पिंजरी. गाड़ा या रथ का पिंजरी. A part of a carriage. " सेरहवरस कुप्यरासका " जं० प० ३, ४८; (२) कोष्ठी. कहुनी. the elbow. पिं० नि० ४१८; प्रब० ७४;

कुप्यावयणिय. न० (कुप्यावयणिक) पाप-डी-आना प्रत्ययने आधारे तेओने करवानुं आचरय-दिन कृत्य. पाप-डियों के शास्त्र के आधार के अनुसार उन लोगों के करने का आवश्यक दैनिक कृत्य. A daily religious rite prescribed by false, heretical scriptures. अणुजो० १८;

कुप्येवत्त. पुं० (कुप्येवत्त) ओ नामने ओक शेर. हल नामका एक नेठ. Name of a rich merchant. भक्त० ११३;

कुप्यर पुं० (कुप्यर) धोखरी; गाड़ी की धुरी. गाड़े का जुड़ा. The yoke of a carriage. (२) मल्लिनाथने पक्ष. मल्लिनाथ का पक्ष. name of the Yaksha of Mallinātha. प्रब० ३७६;

कुमोह. त्रि० (कुमोहिय) दुष्ट ओहन कराने खराब योजना करने वाला. (One)

who takes bad, unwholesome food भग० ७, ६;

कुमद. पुं० (कुमद) सातमा देवलोकांजुं कुमद नामे अक विमान; अना देवतानी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे; अ देवता साअ आठ भदिने आसोच्छ्वास ले छे अने सत्तर दानर वर्षे क्षुधा लागे छे. सातवें देव लोक के विमान का नाम; इसके निवासी देवों का स्थिति सत्रह सागरोपम का है और साठ मास बाद वे एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगता है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम० १७;

कुमद. पुं० (कुमार) आलस बालक. A boy; a lad. मु० च० २, ३८५;

कुमारत्त. न० (कुमारत्त) कुमारअवस्था. कुमार अवस्था; बाल्यावस्था. Boyhood. मु० च० १३, ५१;

कुमार. पुं० (कुमार) आठ वरसथी उपरने आलस; कुमार; कुंवर; अप्रियाक्षित. बालक; कुमार; कुंवर; अविवाहित; कुंवारा. A boy; an unmarried lad. उत्त० १२, १३; १४, ३; सूय० १, ७, १०; नाया० २; ४; ८; १४; १६; १८; भग० ५, ४; २४, १२; ज० प० अंत० ३, ८; दसा० ६, ४; निर० ३, ४; उवा० ८, २५६; (२) अराज भरलु. खराब मरण. bad, unfortunate kind of death: नाया० १४; (३) असुर कुमार आदि देवता. असुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. ज० प० भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —गह. पुं० (-गह) असुर कुमारदिने

वत्त० ३. असुर कुमारदि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. ज० प० २; भग० ३, ७; जीवा० ३, ३; —वास. पुं० (-वास) कुमार अवस्था; ब्रह्मचर्य आश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor.

“कुमारवासमज्जं वसित्ता मुंढं जव पव्वइया” ठा० ५, ३; कम्म० ७, २१०; ज० प० २, ३०; —समलु. पुं० (-समलु) कुमार-वस्थाभांती दीक्षा दीयेन प्राप्त अवस्थारी. कुमार अवस्था में ही दीक्षा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one) who has taken Dikṣā (initiation) from early boyhood. अंत० ३, ८; राय० २१५; उत्त० २३, २;

कुमारत्ता. स्त्री० (कुमारता) कुंवारापण. कुंवारापण; अविवाहितपना. State of being a maid or a bachelor. नाया० ८;

कुमारपुत्तिय पुं० (कुमारपुत्रक) अनामना अक निग्रन्थ साधु. इस नाम के निग्रन्थ साधु. Name of a Nigrantha ascetic. सूय० २, ७, ६;

कुमारभिअ. पुं० (कुमारभूषा—कुमाराणां व कानां भूषां पौषणे साधुः कुमारभूषा) आयुर्वेद शास्त्रने अक आग के अभां कानां छेकराओना रोगनी चिकित्सा अतावी छे. आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग जिसमें कि छोटे २ बच्चों की चिकित्सा बतलाई है. A division of Āyurveda medical science treating of the diseases of children. ठा० ८, १;

कुमारिअ. पुं० (कुमारक = कुमरितो मारवीव

सत्त्वस्वातीववेद्वोत्पादकत्वात्त्रिण्यो यो मारो
मारवां स विषये येषां ते कुमारकाः)
भराय शीकरी. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारी.
A bad, cruel hunter. आंघ० नि०
भा० ६०;

कुमारिया. स्त्री० (कुमारिका) कन्या; कुमा-
रिका कन्या; कुमारी. A girl. राय० ८१;
नाया० २; दस० ५, १, ४२;

कुमारी. स्त्री० (कुमारी) कुमारिका; अविवा-
हित स्त्री; कन्या. कुमारी; लडकी; अविवा-
हित कन्या. A virgin; a girl सूय०
१, ४, १, १३; नाया० १८; राय० ८१; कण्व०
३, ३८;

कुमारलेखकुर. न. (कुमारलिप्सु) कुमार-
लक्ष्मीनामनु विपाक सूत्रनुं दशमं अध्यायन.
विपाक सूत्र का कुमारलक्ष्मी नामक दशवां
अध्याय. The tenth chapter of Vi-
pāka Sūtra named Kumāra-
lachehhi टा० १०, १;

कुमुद-व. न० (कुमुद) चन्द्र विक्षशी इमल.
चंद्र देखकर फूलनवाला कमल. A moon-
lotus. राय० ४८; जं० प० दस० ४, १;
१६, १६; उल० १०, २८; सूय० २, ३, १८;
नाया० ४; जीवा० ३, १; कण्व० ४, ११६;
(२) सईद फूल. सफेद फूल. a white
flower. विश० ११०५; —ग्रन्थ. न०
(-वन) चन्द्रविक्षशी इमलनुं वन; चोपली-
नुं वन. चन्द्रविक्षशी कमल का वन. a
forest of moon-lotuses. कण्व० ३,
३८;

कुमुद. न० (कुमुद) सईद इमल; चन्द्रविक्षशी
इमल सफेद कमल; चन्द्रविक्षशी कमल. A
white lotus. पञ्च० १; राय० ४८;
नाया० १, ६; १२; भग० ६; ३३; (२)
पश्चिम महा विदेहना दक्षिण भांडवानी मेरु
तटस्थी छद्दी विजय. पश्चिम महाविदेह के

दक्षिण खंडकी मेरुकी तरफसे छटवीं विजय.
the 6th Vijaya from Meru situ-
ated in the south of the west-
ern Mahā-Videha. टा० ८; जं० प०
३, ५६; (३) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण,
भांडवानी मेरु तटस्थी छद्दी विजयना राजन.
पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खंड के मेरु
की तरफ से छटवीं विजय का राजा.
the king of the sixth Vijaya
from Meru situated in the
south of the western Mahā
Videha. जं० प० (८) आहमा देवलोडनुं
कुमुद नामे ओक विमान; ओना देवतानी
स्थिति अटार साभरोपमनी छे, ओ देवता नय
भदिने आसोआस लेछे, अने १८ हजार वर्षो
दुधा प्रां छे. आठवें देवलोक के विमान का
नाम जहाँ के निवासी देवों की आयु आठारह
सायरोपम की है और वे ६ वें मास में एकबार
आसोआस लेते हैं तथा आठारह हजार वर्ष में
उन्हें भूंक लगा करता है. name of a
heavenly abode of the eighth
Devaloka. सम० १८;

कुमुदकूट. पुं० (कुमुदकूट) भद्रसाध वनना
आह दिग्वहस्तिदृष्टमानुं पांचमुं कूट-शिखर.
भद्रमाल वन के आठ दिग्वहस्ति कूटों में का
पांचवां कूट-शिखर. the 5th of the
eight Digvasti summits of the
forest named Bhadrāsāla.
जं० प०

कुमुदग. न० (कुमुदक) ओक वननुं धान.
एक प्रकार का घांस. A kind of grass.
सूय० २, २, ११;

कुमुदगुम्भ. न० (कुमुदगुम्भ) आहमा देव-
लोडनुं कुमुदगुम्भ नामे ओक विमान; ओनी
स्थिति अटार साभरोपमनी छे, ओ देवता
नय भदिने आसोआस ले छे, अने अटार

दत्त २ वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवें देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहाँ के देवों की आयु अठारह सागरपम का है और जो नौ माह में एक बार श्रामांक्षुवास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूँख लगा करती है. Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sagaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years. सम० १८;

कुमुदगुल्मा. श्री० (कुमुदगुल्मा) अभ्युक्षणा भक्षानुपुक्षणा वनपक्षमां ५० ग्रेजन्त उपर आवेक्ष ऐक वायडी. जंबूद्वीप के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावड़ी. Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प० ४;

कुमुदा. श्री० (कुमुदा) कुमुदा नामनी महा-विदेहनी ऐक विजय. कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय. Name of Vijaya in Mahāvideha. ठा० २, ३; (२) अभ्युक्षणा भक्षानुपुक्षणा वनपक्षमां ५० ग्रेजन्त उपर आवेक्ष ऐक वायडीनुं नाम. जंबूद्वीप के ईशान कोन के वनखंड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक बावड़ी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree. जं० प०

कुमुया. श्री० (कुमुदा) दक्षिण दिशाना अंज-नक्ष पर्यंतनी कुमुदा नामनी ऐक वाय. दक्षिण दिशा के अंजनक पर्वत की कुमुदा नामक बावड़ी. Name of a well on the Añjanaka mount in the south

प्रव० १५-१; ठा० ४, २; जीवा० ३, ४; **कुम्मा** पुं० (कूर्म) शयभो. ककुमा. A tortoise. जं० प० ५, ११६; सूय० १, ७, १५; १, ८, १२; दसा० ६, ४; विशेष० ११४८; ओष० १०; १७; दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३, भग० ८, ३; २५, ७; ४२, १; उवा० २, १०१; कप्य० ३, ३६; ५, ११५; (२) शयभाना दृष्टान्तायुं ज्ञातामूत्रनुं योयुं अभ्ययन. ज्ञातामूत्र का ककुमाके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय. name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise. नाया० १, सम० १६; ओष० (३) कूर्म नामनुं ऐक ग्राम. एक नगर का नाम. (कूर्म). a village of that name. भग० १५, १; (४) वीशमां तीर्थकनुं श्रान्त. २० वें तीर्थकर का लाक्षण-चिन्ह. the symbol of the 20th Tirthankara. प्रव० ३८२; —**आवलिशा.** श्री० (—आवलिशा) शयभानी पंक्ति. ककु-ओंकी पंक्ति a row, a series of tortoises. भग० ८, ३; —**गइ.** श्री० (—गति) शयभानी गति; शयभानी यात्र. ककुओं की गति; ककुओं की चाल. the motion, the gait of a tortoise. नाया० ५; —**चलण.** न० (—चरण) शयभानी पय. ककुए का पैर. a foot of a tortoise. नाया० १;

कुम्मास य पुं० (कूर्मक) शयभो. ककुवा. A tortoise. नाया० ४;

कुम्माग. पुं० (कूर्मक) शयभो उपशो शब्द. देखो ऊपर का शब्द. Vide above. नाया० ४; **कुम्मास्थल.** न० (कूर्मस्थल) गण्डस्थल; गण्ड-गण्डस्थल. Cheek; temples. सु० च० २, २७;

कुम्मास पुं० (कूर्मास) ऐक जतनुं धान्य

अ३६. उर्द; एक तरहका अनाज. A kind of grain; black beans. आया० १, ३, ४, ४; पण० २, ५; दस० ५, १, ६८; भग० ५, २; उत्त० ८, १२; (२) कुली. कुली; एक तरहका धान्य. a kind of pulse called Kulittha पि० नि० ६२३; स्य० २, ३, २१; (३) आइथा अ३६; आइथा. पकाया हुआ उडद नामक धान्य. cooked black beans. पि० नि० भा० ३७; पि० नि० २०२; —पिडिया. आ० (—पिडिका) अ३६नी भुडी उडद का मुट्ठी. a handful of black beans. भग० १२, १;

कुम्भुल्लया. आ० (कुम्भोजता-कुम्भकल्पस्त-द्वुल्लया कुम्भोजता) शायमाना गंदी उल्लयानि-उत्पत्ति स्थान के आभासी अरिहंत. यक्षवर्ती, यक्षदेव आने वासुदेवने आने थाय छे. ककुपके समान उल्लय यानि-उत्पत्ति स्थान जिसमेंसे अरिहंत, चक्रवर्ती, बलदेव आर वासुदेवका जन्म होता है. The womb like a tortoise from which Arihanta, Chakravarti Baladeva and Vāsudeva are born "कुम्भुल्लयायां जायते त्रिविधा उत्तम पुरसा गच्छं ब्रह्मांत । तंजहा-अरिहता, चक्रवर्ता, बलदेव-वासुदेवा" टा० ३, १; नाया० ८; पण० ३;

कुयवा. आ० (कुयवा) अे नामनी अेक वेध. इस नाम की एक वेल. A kind of creeper so named. पण० १;

कुरज. पुं० (कुरजम्) अे नामनी अेक दहन वनस्पति. इस नाम की एक कूहन वनस्पती. Name of a species of vegetation. पण० १;

कुरंग. पुं० (कुरङ्ग) दस्यु; भृग. हिरन; मृग. A deer. जं० प० पि० नि० ७६; ८१; पण० १, १; पण० १;

कुरज. न० (कुराज्य) अराज्य राज्य. बराबर राज्य. A bad kingdom. जं० प० ३, ६६; --कुरथा. आ० (—कुरथा) आनी शेरि-गंदी. छोटी गली. कुवा a narrow miserable lane. प्र० १४७८;

कुरर. पुं० (कुरर) पाणीने किनारे रहनेवाला एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird residing near water; an osprey. पण० १, १;

कुररी. आ० (कुररी) अेक वनस्पति पक्षी; टीटली. एक प्रकार का पक्षी; भिगुर. A kind of bird, a female osprey. उत्त० २०, ५०;

कुरल. पुं० (कुरल) अेक वनस्पति आनी पक्षी. एक प्रकार का पक्षी. एक प्रकार का पक्षी. A kind of bird; an osprey. जावा० १; पण० १;

कुरली. आ० (कुरली) दस्युली. सख. A fold; a wrinkle. सु० प० १, १;

कुरविन्द्. पुं० (कुरविन्द्) अे नामनी पर्वत वनस्पति. इस नाम का पर्वत जाने का वृक्ष. A kind of tree. पण० १;

कुराय. पुं० (कुराजम्) अराज्य राज्य. सीमाहीन राज्य. दुष्ट राजा; सामान्त राजा. A bad king; a neighbouring king. निशा० ९, २१;

कुरिण. न० () अेक वनस्पति. बड़ा जंगल. An extensive forest. आ० नि० ४४७;

कुह. पुं० (कुह) कुह नामनी देव. कुह नामक

देश. A country named Kuru. नाया० १८; पञ० १; (२) कुरु नामनो द्वीप तथा समुद्र. Kuru name of an island; also that of an ocean. जांवा० ३, ६; पञ० १५; (३) महाविदेह क्षेत्रमां आवेत्त जुगलियाणा क्षेत्रा; देव कुरु अने उत्तर कुरु नामक क्षेत्र महाविदेह क्षेत्र संबंधी जुगलिया के क्षेत्र; देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Deva Kuru and Uttara Kuru. अणुजो० १०३; —जुगलिय. न० (जनपद) कुरु नामनो देश. कुरु देश. a country named Kuru. नाया० ८; १६; —राज्य. पुं० (राज्य) अदीनशत्रु नामे कुरु देशने राजा. अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा a king of Kurudeśa, Adinaśatru by name. नाया० ८;

कुरुअ. पुं० (कुरुअ) भाया ध्यायन्तु पर्याय नायक नाम. माया कषाय का पर्याय वाचा नाम. A synonym for Māyā Kaṣāya i. e. deceit. सम० ५२;

कुरुकुन्द. न० (कुरुकुन्द) अंक जननं धास. एक तरह का घास. A kind of grass. भग० २१, ६;

कुरुकुर्या स्त्री० (कुरुकुर्या) स्थितिं गत्वा पञ्जी आचमन क्षेत्रं, पञ्जी ध्याया पगेरे शौच किया करने के बाद आचमन लेना, पैर धोने आदि शौच किया का करना. Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc. ओष० नि० ३१८;

कुरुक्षेत्रपुत्र पुं० (कुरुक्षेत्र पुत्र) कुरुक्षेत्रपुत्र नामना श्रीमहावीर भगवानना अंक शिष्य.

धीमहावीर स्वामी का कुरुक्षेत्रपुत्र नामक शिष्य. Name of a disciple of Lord Mahāvira. भग० ३, १;

कुरुमई. स्त्री० (कुरुमति) कुरुमती नामनी १२मा चक्रवर्तिनी स्त्री चारहवें चक्रवर्ती की स्त्री का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravartī. सम० प० २३६;

कुरुया. स्त्री० (कुरुका) पञ्जी ध्याया पगेरे शौच किया. पैर धोना आदि किया Process of cleansing e. g. washing the feet etc. ओष० नि० १६६;

कुरुधिन्द्. पुं० (कुरुधिन्द्) अंक जननं धास; नागर मोथा. एक प्रकार का घास; नागर मोथा. A kind of grass. ओष० १०; (२) कुरु धास. कुरु स्तम्भ; कुरु का भाव. the trunk of a plantain tree. जांवा० ३, ३;

कुरुधिन्दावस्त न० (कुरुधिन्दावस्त) अंक नामनं अंक जननं धास. इस नाम का एक प्रकार का आभूषण. Name of a kind of ornament. कल्प० ३, ३६;

कुरुप. पुं० (कुरुप-कुरुपित रूपं कुरुपम्) अशुभ रूप; बद रूप. बुरा रूप: कुरुप. Ugly appearance. “कुरुपितं वयमभवत्वेन रूपवति मोहयतांति कुरुपम्” ज० प० १, ३६; भग० ७, ६; १२, ५; (२) मोहनीय कर्म. मोहनीय रूप कर्म. Mohaniya Karma. सम० ५०;

कुल. पुं० (कुल) पूर्वज; आपदादानी परंपरा; वंश; ओलाह; कुल. कुल: पूर्वज; पुरखे; बाप दादा; वंशपरंपरा. Family; ancestors; genealogy; family descent. ज० प० ४ ११२; ७, १२५; ७, १६१; ओष० पञ० १; राय० २१५; संस्था० ६; वव० ३, ६

नाया० १; १६; दस० ५, १, १४; २४; भग० २, ५; ८, ९; २५, ७; आया० १, ६, २, १८४; उत० २५, १; सूय० १, ४, १, ११; उवा० १, ६६, (२) पितानुं पक्ष; आपना पक्षीशोर्ना परंपरा. पिता का पक्ष; पिता के पूर्वजोंका परंपरा. paternal side; continuity of paternal ancestors. ओव० १६; तंदु० राय० ठा० ४, २; (३) आंध्रदिक् कुल; अश्विनी ओंके भाग चांद्रादिक् कुल; गण का एक भाग. family like Chandra etc.; a portion or division of a (family). ठा० ३, ४; ५, १; भग० ८, ६; १२, २; (४) कुल; गोत्र कुल; गोत्र. family genealogy or line of descent. अणुजो० १३१; गच्छा० ८७; कण० २, १३; प्रव० ४५७; भल० ७५; (५) घर. गृह; घर. a house. कण० ६; निसी० २, ४८; वेय० १, ३१; (६) समुदाय; ज्योतिष; समुद. समूह; समुदाय. a collection; a multitude. राय० २४५; ओव० पि० १० ८३; पण्ड. २, ३; नाया० ४; ८; (७) मदीनाना नामसरभा नामयात्रा नक्षत्रा, ज्योतिष की कृत्तिका, मृगशिर, पुष्य पंचमे आर नक्षत्रो. महीनों के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृत्तिका, मृगशिर. पुष्य, वगैरह बारह नक्षत्र. the twelve constellations corresponding in name to the 12 months; e.g. Kritikā, Mrigashira etc. जं० प० ३, ४५; —अणुरूप. त्रि० (—अनुरूप) कुलने अनुसार. कुल के अनुसार. such as is worthy of one's family. नाया० १६; भग० ११, ११; —अमद. पुं० (—अमद) कुलने भद न करे। ते. कुल के मद से रहित. absence of pride about one's family. भग० ८, ९; —आजीव. पुं०

(—आजीविक) कुल जल्पायी आहार लेवे। ते: आहारने। ओंके दाय. कुल बतलाकर आहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा० २, १; —आधार. पुं० (—आधार) कुलने आधार. कुलका आधार. the prop or support of a family. नाया० १; भग० ११, ११; कण० ३, ५२; —हंगाल. पुं० (—अकार) कुलनी कृत्तिने अगाउना; नक्षत्रो; कुलभा अंगारा ज्योतिष: यथा कंडरिक. कुल की कृत्तिपर ध्वजा लगाने वाला; कुल में अग्नि के समान जैसे कि कंडरिक. one who is a disgrace to the family; e. g. Kandarika. ठा० ४, १; —ज्यज. त्रि० (—उत्पन्न) कुलभा उत्पन्न यथेष्ट. born in a family. कण० १, २; —उपकुल. न० (उपकुल) त्रि० आदि कुल नक्षत्रनी पासो रक्षेत्र उपकुल नक्षत्र. त्रि० आदि नक्षत्र की पास का उपकुल नक्षत्र. the constellation Upakula near Chitrā etc. जं० प० ७, १६१; —कन्या. स्त्री० (—कन्या) कुलीन कन्या. a girl belonging to a family. भग० १८, १०; —कहा. स्त्री० (—कथा) अभुक्त कुल सारुं अभुक्त कुल अराज १२ आदि कथा करयी ते. कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि. talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २; —कितिकर. त्रि० (—कीर्तिकर) कुलनी ज्योतिष करेना. कुल की प्रशंसा करने वाला. one who is a source of fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —केउ. पुं० (—केतु-कुलस्व केतु: ध्वज:कुककुतु:) कुलनी ज्योतिष २५. कुल की

ध्वजा-पताका रूप one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family. नाया० १; भग० ११, ११; —कलश. पुं० (-कलश) कुलने नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग० ३, ७; जीवा० ३; —घर. न० (-गृह) पितृ गृह; पितृ गृह; मैका; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया० ७; भग० १२, १; —घरवर्ग. पुं० (-गृहवर्ग) माता पिता भाय भाई आदि समूह. माता, पिता, भाई बंधु आदि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया० ७; —जसकर. त्रि० (-यशस्कर) कुलजं यश वधारनार. कुल का यश बढ़ाने वाला. (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, —शुद्धिकर. त्रि० (-नन्दिकर) कुलनी शुद्धि करनेवा. कुल की शुद्धिकरने वाला. (one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —तिलक. न० (-तिलक) कुलजं तिलक; कुलभां तिलक समान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया० १; भग० ११, ११; —दीप. पुं० (-दीप=कुले दीप इव कुल दीपः) कुलने दीपः. कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया० १; भग० ११, ११; —धम्म. पुं० (-धर्म) कुलाचार. कुलाचार; कल सम्बन्धी आचार. rules of con-

duct which are observed in a family. अ० १०; —धूया. स्त्री० (-दुहितृ) कुलनी पुत्रि. कुल की पुत्री. a daughter in a family. “तत्थयं जेत इत्थि कुलत्था ते निविहा प० न० कुलमाउयाइय कुलधूयाइय” नाया० ५; —धूया. स्त्री० (-वधू) कुलनी वधू. कुल वधू. a daughter-in-law in a family. “तत्थयं जेत ते निविहा प० न० कुलकणियाइया इवा कुलमाउयाइया कुलधूयाइया” भग० १८, १०; —नन्दिकर. त्रि० (-नन्दिकर) कुलने “कुलशुद्धिकर” शब्द. देखो “कुलशुद्धिकर” शब्द. विदो “कुलशुद्धिकर” भग० ११, ११; —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) कुलने दुश्मन. कुल का शत्रु. an opponent of a family भग० ४, ३३; —पर्वत. पुं० (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वतः) कुलभां पर्वत समान. कुल म पर्वत के समान. (one) who is like a mountain (i. e. protector) in his family. नाया० १; भग० ११, ११; जं० प० २, १२०; (२) क्षेत्रनी भर्ता करनेवा. पर्वतः श्रुत दिग्भात पर्वतः क्षेत्र की भर्ता करनेवाला पर्वत, जूल. हिमवन्त आदि. mountains like Chūla Hima-vanta etc. that bound a region of plains. सम० ३८; —पायव. पुं० (पर्वत—कुलाकस्वान् आश्रयस्वाव कुलस्य पाय इव वृक्ष इव कुलपादपः) कुलने श्रुतपृक्षा पृक्ष. कुल में कल्पवृक्ष के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया० १; भग० ११, ११; —पुलिमा. स्त्री० (-पुलिमा) १५ नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. जं० प० ७, १६०-१

—मह-य. पुं० (—मह) कुलने भदः
 पिताना पक्षने भद करवे ते. कुल सम्बन्धी
 महः पिता के पक्षका मह. pride of high
 descent; pride of family. “हुसहिं
 ठावोइ अइहंसी विथं भंजा। संजहा-जाह
 मणख बा कुल मणख बा ” डा० १०; भग०
 ८, ६; डा० ८, १; —मसी. स्त्री० (—मसी)
 कुलने भेसरेप कसंके अभाज्जार. कुल को
 भेस रूप कलंक लगाने वाली. (a woman)
 who blackens the fame of a
 family. पगह० १, ३; माउया. स्त्री०
 (—माउया) कुलनी माता, कुल का माता.
 mother of a family. नाया० २, भग०
 १८, १०; —रोग. पुं० (—रोग) कुलने
 रोगः आभा कुलने प्रभु पंडे तेवे अाधि
 कुलसम्बन्धी रोग. a disease affecting
 the whole family; a disease
 from which all the members
 of a family suffer. भग० ३, ७;
 —बह. पुं० (—पति) तापस भद्रगते
 उाँरी; तापस गुरु; ऋषियोंमें अेष्ठ. तापसी
 लोगो का अधिपति; तापसी गुरु; ऋषियों में
 अेष्ठ. the head of a group of
 ascetics; the preceptor of ascet-
 ics; the highest among saints
 पिं० नि० ५०३; मू० च० ७, १८१;
 —वंस. पुं० (—वंश) कुलवंश कुलवंश.
 noble genealogy. भग० ६, ३३;
 ११, १०; नाया० १: १६; —वंसंतनु. पुं०
 (—वंशतनु) कुलवंशना संतान. कुलवंश
 की संतान. off-spring of a noble
 descent. नाया० १; —वहिसय. पुं०
 (—वतंसक) कुलनी भुज २५. कुल के
 मुकुट रूप. (one) who is like the
 crown of a family. भग० ११, ११;
 नाया० १; —बहुया. स्त्री० (—बहुया)]

कुलनी यद्. कुलवधू. a daughter-in-
 law belonging to a noble
 family. नाया० ५; —बहु. स्त्री० (—बहु)
 सारा कुलनी यद्. अष्टके कुल का बहु. a
 daughter-in law belonging to a
 noble family. प्रव० २५४; पंचा० ११,
 १८; —वित्तिकर. त्रि० (—वृत्तिकर)
 कुलनी आर्थविका अर्थपानार. कुल का आजी-
 विका चलाने वाला. (one) who sup-
 ports a family. नाया० १; —विष-
 हृष्यकर. त्रि० (—विषहर्षकर) कुलनी वृद्धि-
 करार. कुलकी वृद्धि करनेवाला. (one)
 who is a source of increase
 and prosperity to the family.
 भग० ११, ११; नाया० १; —वेयावच.
 न० (—वेयावृच) कुलनी सेवा करती ते.
 कुलकी सेवा करना. rendering ser-
 vices to the members of a
 family. वव० १०, २७; भग० २५, ७;
 आब० —संतान. पुं० (—संतान) कुलनी
 संतान-संतान कुलकी संतान. progeny
 of a (noble) family. भग० ११,
 ११; —संपरण. त्रि० (—संपरण—कुल
 पैलकः पक्षः तत्संपन्नः) जेना आप दादा अेष्ठ
 दीप ते कुल संपन्न. जिसके बापदादा अेष्ठ हो
 वह कुलसम्पन्न कहलाता है. born in a
 noble or high family. “जाई
 कुलसम्पन्न पावमंकिचन सेवईकिंच। आये-
 विठं च पच्छा नगगुणयो सम्ममाकांण ” डा०
 ८, ३, १; विवा० १; नाया० ४० भग० २,
 ५, ६, ७; —संपन्न. त्रि० (—सम्पन्न)
 जुओ “कुलसंपन्न” शब्द. देखो “कुल-
 संपन्न” शब्द. vide “कुलसंपन्न”
 नाया० १; भग० २५, ७; डा० ४, ९, ३;
 —समुत्पण. त्रि० (—समुत्पन्न) कुलमां
 उत्पन्न भवेत्. कुल में उत्पन्न हुआ. born

in a noble family. कण० १, २;
--सरिस. प्रि० (-सरस) दुस्र समान
सरमं. कुलकी अपेक्षा में समान. worthy
of the family in which one is
born; bearing family resem-
blance. भग० ११, ११; नया० १६;

कुलत्रय-य. न० (कुलक) श्लोक के गायानो
समुदाय; ओक संवन्धवाली आठ के तेथी
पदारे गायानो समुदा. श्लोक या गायका
समुदाय; एक सम्बन्ध वाला आठ या उससे
अधिक गायानोंका समूह. A collection
of verses eight or more in
number and grammatically
connected. प्रब० १२६३;

कुलकोडी. पुं० (कुलकोटि) कुलकोटि; जन्म
उत्पत्ति स्थानका प्रकार. जीव के उत्पत्ति
स्थान के प्रकार. Varieties of the
sources of birth or origin of
living beings. प्रब० ३६; ६७७;

कुलकक्ष. पुं० (कुलाक्ष) कुलाक्ष देशको मनुष्य.
कुलाक्ष देश का मनुष्य. A man belong-
ing to the country named Ku-
laksha. पगह० १, १; पक्ष० १;

कुलकक्षण. न० (कुलक्षण) अपवर्णन; अशुभ
चिन्ह. बुरे चिन्ह; अपवर्णन; कुलक्षण. A
bad sign or mark or charac-
teristic. पगह० १; १;

कुलगर. पुं० (कुलकर) जुगलीयानो राजा;
जुगलीयानी व्यवस्था करवाए. जुगलियों का
राजा. The king or governor
of the Jugaliyās. जं० प० २, २६;
सम० ६००; भग० ५, ५; कण० ७, २०६;

कुलस्थ. पुं० (कुलस्थ) कुली; ओक जन्म

मान्य. कुलस्थी. A kind of pulse.
वेय० २, १; दमा० ६, ४; जं० प० भग०
६, ७; १८, १०; २१, २; पक्ष० ११; ठा० ५,
३; नाया० ५; निर० ३, २; प्रब० १०१६;

कुलस्थ. पुं० (कुलार्थ) कुलार्थ नामे ओक
अनार्थ देश. कुलार्थ नामक एक अनार्थ देश.
Name of an Anārya i. e. bar-
barous country. प्रब० १४६८;

कुलस्था. स्त्री० (कुलस्था) कुलीन स्त्री. कुलीन
स्त्री. A nobly born woman. नाया०
५; भग० १८, १०.

कुलय. पुं० (कुलक) अर सेनिका अथवा व्यास
पञ्चसि प्रमाण मान. विशेष चार सेंतिका
अथवा आठ पसली प्रमाण ताल विशेष. A
measure of capacity equal to
eight Pasalis (a Pasali = as
much as is contained in two
hands joined together). तंदु०
अनुजं० १३२; पिं० नि० ४; प्रब० १३६६;

कुलल. पुं० (कुलल) गीध पक्षी. गंध पक्षी;
गंधक. A vulture. उत्त० १४, ४६,
सूय० १, ११, २७; (२) समझी. चाल.
A kind of bird. उत्त० १४, ४६;
पगह० १, १; (३) भीखाडे. बिलाव. A
cat. दस० ८, ४४;

कुललय. पुं० () पाथुनो डेगडो करवा
ते. पानीका कुला. A gargle. प्रब० ४३६;

कुलार्थिह. पुं० (कुलविधि) जुगो ' कुल-
कोडी , शब्द. देखो " कुलकोडी " शब्द.
Vide " कुलकोडी " भग० ७, ५;

कुलाल. पुं० (कुलाट) भाग्यर; भिक्षाडो.
बिलाव; मार्जार. A cat. सूय० २, ६, ४४;

कुलाल. पुं० (कुलाक्ष) कुलार. कुमार. A

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ को फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

potter. क० गं० १ ५२:

कुलालय. पु० (कुलाटक—कुलानि-गृहागवा
मिषान्वेषणादिना नित्यं वेष्टन्ति ते कुलाटा
-मार्जगाः कुलटा इव कुलाटका ब्राह्म .ः)
गिवादीनी पेटे गृह्थ यत् धरोधर इतार
भिन्नु. बिर्ला के समान लालुप होकर घरघर
फिरने वाला भिकारी. A greedy men-
dicant wandering from house
to house like a cat. म्य०

कुलालय. पु० (कुलालय—कुलानि वात्रयार्गद
गृहाणी नानि नित्यं विगृह्णान्वेषिकां
परतकुलाखामालया येषां ते कुलालयाः)
जुआ विपरीता शब्द. देखो उपरका शब्द.
Vide the above word. म्य० २, ६,
४४; " ज भोयण शिषण कुलालयाण "
म्य० २, ६, ४४;

कुलावकुल. पु० (कुलावकुल) अभिय, शत-
भिपक्ष. आर्द्रा, अने अनुराधा ऐ आर नक्षत्र
अभिजित शतभिषक आर्द्रा, और अनुराधा ये
चार नक्षत्र. The four lunar constel-
lations, viz. Abhiha, Śatabhi-
saka, Ārdrā and Anurādhā.
जं० प०

कुलिग. पु० (कुलिङ्ग—कुलितं लिङ्गं कुलिङ्ग)
कुलिङ्ग—शुक्ल पत्रेरेतो वेष. कुलिङ्ग—शाक्यादि
वगेरह का वेश (garments worn by
heretics, such as Śākya etc.
मम० प० २३१; (२) गीतानी ओ३ मतः
भा३३ कोरेकी जानि; खटमख. a kind of
insect; a bug. विशेष० १७५४; आंच-
नि० भा० २५५;

कुलिगच्छाय. पु० (कुलिङ्गच्छाय) अंतु विशेष.
जंतु विशेष. A kind of insect. भग०
१८, ८;

कुलिङ्गे त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुलितं लिङ्गं कुलि
ङ्गं शिवमुल्लासकं नक्षत्रते येषां ते कुलिङ्गिनिः)

इतीथी पामंडी. कुतीथी; पाखण्डी; बुरे भम
का अनुयायी; मिथ्यान्वी. A follower
of a false religion; a heretic.
आंच० पगह० १, २;

कुलिय-अ. वि० (कुलिक) क्षत्रीयुं. कौर. A
mouthful. नाया० २, ४, २, १३८;
पगह० १, १; अणुजो० ६७; (२) ६५.
हल. a plough. विशेष० ४२५; पगह० १,
१; (३) खाटी. दही. a fencing. निती०
१३, ६; १६, २७;

कुलिय. न० (कुवञ्ज) भीत. दावाल. A
wall म्य० १, २, १ १४; आया० २, १,
५, १४८;

कुलियकड. त्रि० (कुलिकीकृत) कुलजने आकारे
रुगले इत्येव मित्र के लोटे के आकार में
किया हुआ Heaped up in the
shape of an earthen pot. वेय०
२, २;

कुलीकोस. पु० (कुलीकोश) श्वेतहंस अथ
जतंगु पक्षि. सफेद हंस: एक प्रकार का पक्षी.
A kind of bird: a white swan.
पगह० १, १;

कुवञ्ज. पु० (कुवञ्ज) अन्तःगत मन्त्रना नीम
पत्रना अग्नीआरभां अष्टमन्त्रं नाम.
अन्तःगत सूत्र के तामरे वर्गक १, वें अध्यायका
नाम. Name of the 11th chapter
of the 3rd section of Anta-
gāḍya Sūtra. अन्त० ३, ११; (२)
क्षरकाना असद्वेय राजनी धारणी
राजनी पुत्र के जे नेमनाथ प्रजुपासे दीक्षा
लक्ष बीस परसनी प्रवर्जना पाणी आद पूर-
ना अध्यास इती शत्रुंश्व उपर ओ३ भास
ना संधारे करी, परम पद पाठ्या. द्वारिका
के बलदेव राजा की धारणी नामक राजी का
पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्वामी से दीक्षा ली,
चौदह वर्ष का अध्यास किया बीस वर्षोंतक

प्रमज्या का पालन किया और अंत में शत्रुजय पर्वतपर एक मास का संघारा कर के मोक्ष प्राप्त किया. the son of Dhārapi the queen of Baladeva the king of Dwārakā city. He (the son) took Dikṣā from lord Nemināth and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvās, accepted Santhārā for a month on the mount Śatruñjaya and there attained the final bliss. अंत० ३, ११;

कुवर. न० (कूवर) नायनो आगयो आग; नायनो मोरयानो आग. नौक का अगला हिस्सा. The front part of a ship or boat. “संशुशिक्ष कद्र कुवरा” नाया ६;

कुवलय. न० (कुवलय) कमल. कमल. A lotus. कण० ३; ४२; आ० जं० प० नंदी० ३१; (२) नीलोत्पल कमल. नीले पत्तों का कमल. a lotus with blue leaves. नाया० ६;

कुविभ-य. त्रि० (कुवित) कोपेक्ष: गुरुमेथेष. कुवित: नाराज; क्रोधित. Angry; enraged. “आवरियं कुविबनका, पतिपुष पसायप” नाया० १; ६; १६; दस० ६, १, ७; भग० ३, १; २; विवा० १, ६; परह० २, ५; उत्त० १, ४१; उवा० २, ६५; जं० प० ३, ५६;

कुविभ-य. न० (कुब्ज) गृहस्थ गृहेरे धर-गृहस्थ. गृह सामग्री. Household articles and furniture such as vessels etc. परह० १, ४; प्रब० ७२६; —गृह. पुं० (-गृह) धरगृहस्थे राग-वानुं धर गृह सामग्री रखने का घर. A

house in which household articles, furniture etc. are kept. निमा० ८, ८; —साला आ० (-शाखा) ०५१ धर गृहस्थे २६६ तेनुं धर. जहां घर सामग्री रहती है वह घर A house in which household furniture, vessels etc. are kept. परह० २, ३; निमा० ८, ८;

कुविद. पुं० (कुविन्द) यजुक्तर. वननवाला; जुलाहा. A weaver. सु० च० ८, २३४; **कुविद्वल्ली.** आ० (कुविन्दवल्ली) अं नामनी अंके वेक्ष. दग नामका एक वेल. Name of a creeper. पञ० १;

कुविहायगह आ० (कुविहायोगति) अशुभ विहायो गति; उडीयानी माइक अशुभ गति. उंट के समान खराब चाल. Bad repulsive gait like that of a camel. प्रब० १३०३;

कुर्वाट. आ० (कुर्वटि-कुत्सिता वृष्टि: कुर्वटि:) रोगोत्पादक परसाद; ऋतुविनाशो परसाद; भावहुं. रोगोत्पादक वर्षा; बिना ऋतु की वर्षा; मावठा. Rain out of season; unwholesome rain. जं० प० १, १०;

कुवेज. पुं० (कुवेज) अशुभ वेद्य; उंट वेद. खराब वेद्य. A bad doctor; a quack. पंचा० १५, ५;

कुवेली. स्त्री० (कुवेली) अंके गतनुं हथियार. एक प्रकार का शस्त्र. A kind of weapon. परह० १, ३;

✓ **कुव.** आ० I. (कु) करतुं. करना. To do.

कुवइ. उत्त० १, ४४; दस० ५, २, ४६

कुवति. भग० ६, ४; नाया० १;

कुविजा. वि० उत्त० १, १४;

कुवमाव. आवा० १, १, ३, १८; नाया० १, पञ० २;

कुम्भन्. सू० १, १, १, १२; २, ४ ११;
कुम्भकारिया. बा० (कुम्भकारिका) ओ नामनी
 वनस्पति. इस नाम का वनस्पति. A kind
 of vegetation so named. पञ० १;
कुवला. बा० (* करवा) धरतुं. करना. Do-
 ing; act of doing. भग० ६, ४;
कुस. पुं० (कुश) ओ३ वनतनुं धास; दलः
 दाभः। एक तरह का घास; दाभ; कांस. A
 kind of grass; Darbha grass.
 नाया० १; २; ६; अंत० ३, ८; ओ३० १४;
 पञ० १; उत ७, २३; ६, ४४; १०, २;
 २६, २६; आया० २, २, ३, १००; भग०
 ६, ७; ७, १; ८, ६; २१, ६; जीवा० ३, ३;
 ज० प० — अंत. पुं० (- अन्त) दाभजने
 अभलाग. दाभ का अग्रभाग. the point
 of the Darbha grass. राय० ६२;
 — ग. न० (- अग्र) दलने अभलाग;
 दाभःनी अण्। दाभ का अना the point
 of the Darbha grass. आया० १, ६,
 १, १४२; भग० ६, ३३; — पञ. न० (- पत्र)
 दाभनुं पादः। दाभ के पत्र-पत्र. a blade
 of the Darbha grass. निमी० १८, १८;
कुसंघयण न० (कुसंघन) दसदं संघयण
 - क्षीरने आधे। कमजोर मंहुनन शरीर का
 बांधा. Bad, mean constitution of
 the body. भग० ७, ६; ज० प०
कुसंठिय. त्रि० (कुसंस्थित) अराज आकारे
 रहे। कुसंस्थान; बुरे आकार का. Re-
 maining in, being in a bad, ugly
 conformation. भग० ७, ६;
कुसल. न० (*) दही; गोरेस. दही; गोरेस.
 Curds. पि० नि० ६०७;
कुसलिय. न० (*) दहिमां जस यमेरे

भराया नाथीने अनावेस करेया. दही में
 तकादि मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ.
 A food prepared of curds, but-
 ter milk, spices etc. mixed to-
 gether. पि० नि० २८२;

कुसल. पुं० (कुशल) पथारी उपरि निधारा-
 याना यस्मिन् अं३ वन. बिछोने पर बिछाने
 के वस्त्र का एक जाति. A kind of cloth
 used as a covering of a bed.
 “ अस्त्रय मल्लयमपतकुसलखिलीह केसर-
 पञ्चुरथण ” नाथा० १;

कुसल. पुं० (कुशावर्त) कुशावर्त नामने देश.
 कुशावर्त नामक एक देश. A country
 named Kusāvarta. पञ० १;

कुसमय पुं० (कुसमय) कुशालः पापं३भनना
 शाल. बुरे शास्त्र; पापं३ मत के शास्त्र.
 False, heretical scriptures. मम०
 २; नंदा० २२;

कुसल. त्रि० (कुशल) निपुणः कुशल; यतुर;
 क्षीयार. चतुर; पटु. कुशल; दक्ष. Pro-
 ficient; expert; clever. नाया० १;
 २; ४; ६; १३; १८; भग० २, ५; ६, ३३;
 ११ ११; राय० ३३; १२६; २६५; जीवा०
 ३, १; सू० प० २०; उत० २५, १६; आ३०
 १४; ३१; पंचा० ४, २५; ५, ३७; ८, ५;
 १२, २०; १५, १५; प्रव० २३७; भल०
 ४६; ज० प० ३, ४७; विवा० २; (२)
 शुभ; सा३ शुभ; उत्तम. wholesome;
 good. पंचा० १०, १४; प्रव० ६०३;
 — उद्वं. पुं० (- उद्वन्) क्षम कुशल-समा-
 थार. राजाकुशी के समाचार. happy
 news; good news; e. g. about
 one's health and happiness.

* जुओ पृष्ठ नं० १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

नाया० ८; १८; ---जोग. पुं० (-योग)
 मन, चयन, कायाना शुभ व्यापार. मन,
 वचन और काया के शुभ व्यापार. whole-
 some, good activity of thought
 speech and action. पंचा० १३, ४०;
 ---धम्म. पुं० (-धर्म) प्राणानिपात विरमणादि
 शुभ आचार. right, good conduct
 consisting in cessation from
 killing etc. पंचा० १०, १८; ---पविस्ति.
 स्त्री० (-प्रवृत्ति) दृश्य शुभ मन, चयन,
 अने शरीरकी प्रवृत्ति. कुशल-शुभ मन,
 वचन और शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome,
 good activity of mind, speech
 and body. प्रब० ६०३; ---पुत्त पु०
 (-पुत्र) वैद्यशास्त्रमें दृश्य अथवा पुत्र.
 वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient
 in medical science. नाया० १३;
 ---बंध. पुं० (-बन्ध) पुण्यपुण्यनि-पुण्य-
 कर्मनो बन्ध. पुण्य से बंध हुए. पुण्य कर्म
 के बंधन. bondage caused by good
 and meritorious actions. पंचा०
 ६, २३; ---मण्डरीरण. न० (-मण्डरी-
 रण) दृश्य शुभ मनकी उद्दीरण. इरी.
 कुशल मन की उद्दीरण करना. directing
 the mind towards good and
 auspicious things. दस० ६, १; भग०
 २५, ७; ---मति. स्त्री० (-मति) चतुर
 बुद्धि; चतुर बुद्धि. expert, proficient.
 intellect पंचा० १३, ४२; ---वह-
 उद्दीरण. न० (-वागुद्दीरण) दृश्य-
 शुभ चयनकी उद्दीरण. इरी. कुशल वचन
 की उद्दीरण करना. uttering kind and
 skilful words. भग० २५, ७;

कुसलया. स्त्री० (कुसलता) दृश्यपक्षः होशी-
 यारी. कुशलता; होशयारी. Skilfulness;

cleverness; proficiency. प्रब० ६४६;
 कुस्मिन्म. पुं० (कुस्मिन्) अशय शिष्य; अ-
 विनीत शिष्य. A bad dis-
 ciple; a rude disciple. भग० ६, ३३;
 १४, १;

कुम्मील त्रि० (कुम्मितं शीघ्रमाचारो यस्येति)
 दुस्सित आचारी; असद्व्यवहारेण वागो; अशु-
 च्यादी; दुष्टव्यवहारेण वागो. दुष्ट आचार वाला;
 कुम्मित व्यवहार वाला; अनाचार करने वाला;
 दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature
 or conduct; of bad character.
 पि० नि० भा० ६८; उत्त० १, १३; भग०
 २५, ६; दस० १०, १, १८; ठा० ३, २;
 नाया० ६; वच० १, ३४; आश० नि० ३०३;
 ७६३; निर्मा० ६, ३०; गच्छा० ४८; प्रब०
 १०३; ७३२; (२) न० अशुच्यार; दुष्ट-
 आचार. अनाचार; दुष्ट आचार. bad
 character; wicked conduct. सूय०
 १, ७, ५; भग० १०, ४; ---पटिसेवणा.
 स्त्री० (-प्रतिसेवन) दुशील सेवणं ते;
 अशुच्यारीय आचारिणे आश्रितेन हेतुं ते.
 कुशील सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि
 को आश्रितगन करना. act of taking to
 a dishonourable course of con-
 duct; sexual intercourse by a
 person professing to be a
 bachelor. ठा० ४, ४; ---लिंग. न० (-लिङ्ग)
 आरंभादि दुशील चेष्टा आरंभादि कुशील
 चेष्टा. a wicked action, such as
 injuring, killing etc. दस० १०, १,
 २०; ---वहुण्ठाण. न० (-वहुण्ठाण)
 अशी दुशील-दुशयार धेते. जिससे कुशील-
 दुराचार बढे वह. a source or cause
 of enhancement in wicked prac-
 tices दस० ६, ५६; ---विहारि. त्रि०
 (-विहारिन्) दुस्सितशील वायो. कुम्मित

शील वाला. (one) of bad or doubtful character. भग० १०, ४; नाया० ४; —विहारिणी. स्त्री० (-विहारिणी) अशुभ आचारावाली (स्त्री); दुराचारिणी. a woman of bad character. नाया० ४. नाया० १२: —संसर्गिणी (-संसर्गिणी) नश्वराने संग करनेवाली निष्ठाने का साथी. (one) who associates with the wicked. नाया० १०:

कुसुमपात्रभाष्ये न० (कुसुमपात्रभाष्ये) सुव्यवस्थित सुवचना सातवा अध्यायनं नाम के जेभां कुशील-असदाचारी वृत्तिगीनं वर्णन छे. सत्रकृतं के ७ वें अध्यायन का नाम जिसमें कुशील-अनाचारा कुलगा का वर्णन हे. Name of the 7th chapter of Sūvagadāṅga Sūtra dealing with or describing persons of bad character. सय० १, ७, ३०: सम० १६: २३:

कुसुमा. स्त्री० (कुसुमा) जेना अशुभ आचार छे ते. कुसुमा आचार वाला (A woman) of bad character. नाया० १५; नाया० ४०

कुसुम्भ. पुं० (कुसुम्भ) कुसुम्भवृक्षः कुसुम्भानां अ३. कुसुम्भ का झाड़: कुसुम्भ का वृक्ष. A kind of tree called Kusumbha. प्रब० २२०; आश० नि० ४४६; पञ० १: (२) ओषधितत्त्वं धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of corn; a kind of cereal. भग० २०, ३: — वन० न० (-वन) कुसुम्भानां वृक्षानां वन. कुसुम्भ के वृक्षों का वन. a forest of Kusumbha trees. निरी० ३, ७६; भग० १, १:

कुसुम्भग. पुं० (कुसुम्भग) कुसुम्भः, कुसुम्भी रंग. कुसुम्भा: कुसुम्भी रंग; कुसुम्भ रंग. A kind

of red dye. जं० १० पञ्च० १, ३: (२) ओषधितत्त्वं धान्य. एक जाति का धान्य. a kind of cereal. भग० १, ७: **कुसुम्भय**. पुं० (कुसुम्भय) कुसुम्भानां रत्ना वृक्षमांसी नीकगता लाल रंग. कुसुम्भ के लाल फूलों में से निकलता हुआ लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१:

कुसुम. न० (कुसुम) कुसुमः पुष्पः, फूल. पुष्पः. A flower. जं० १० ५, ११२: ११२; नाया० १: ८: ११: १४; भग० १, १: ७, ६: ११, ११: दसा० १०.१: पञ० १७: आश० २२: राय० २७, ३६: स० १० २०: उल० ३४, ८: अणुजो० ११८: नरी० १४: उवा० १, ३०: कप० ३, ३२: ३७: प्रब० ४४५, १११३: (२) पुं० पद्मप्रभ प्रभुना यक्षः नाम. पद्मप्रभ प्रभु के यक्ष का नाम. name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthaṅkara. प्रब० ३४४: — आम्रव. पुं० (-आम्रव) फूलों का रस. juice of flowers. नाया० १: — कुण्डल. न० (-कुण्डल) फूलों का आकार का कान का आभूषण. an ear-ornament of the shape of a flower. अंत० ३, ८: — घर० न० (-गृह) फूलों का घर. a flower-house. नाया० ३, ६: — घरयन० (-गृहक) जेभां फूल पाथरी में तेनुं घर जिस घरमें फूल बिखरे हुए हों वह. a house carpeted with flowers. राय० २३६; नाया० ३; जं० १०: — लिखर. पुं० (-लिखर) फूलों का समूह. a collection of

flowers. जं० प० १, १२२; —गिर. पुं० (-गिर) ७७५ " कुसुमगिर " शब्द. देसो " कुसुमगिर " शब्द. vide. " कुसुमगिर " जं० प० ३, ४३; —दाम. न० (दामन्) धूनी भावा. कूलो की माना. a garland of flowers. नाया० १६; —गन्धर. पुं० (गन्धर) धूनुं धीनुं; कुसुमशय्या कूलोकी शय्या; कुसुम का बिछौना. a bed of flowers. नाया० १३; —राशि. पुं० (राशि) धूनी भवो. कुसुम का समूह; कूलोका ढेर. a heap of flowers. कण० ६, ६०; —वृष्टि जी० (-वृष्टि) धूनी परसाह. कुसुम वृष्टि; कूलो का बरसना. a shower of flowers. नाया० ६; प्रब० ४४६; पंभा० २, १४; —सर. पुं० (-सर) काम-देव. कामदेव. Cupid; the god of love. सु० च० १, ६०;

कुसुमनगर. न० (कुसुमनगर) पाटलीपुत्रनं अपर नाम. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pataliputra. प्रब० ८०६.

कुसुमपुर. न० (कुसुमपुर) अ नामनं शहेर; पाटलीपुत्र (पटना). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town (also called Pataliputra). पि० नि० भा० ४४;

कुसुमसंभव. पुं० (कुसुमसंभव) वैशाख भासनुं लोकान्तर नाम. वैशाख माह का लोकान्तर नाम. The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं० प० ७, १२२;

कुसुमिष-य. त्रि० (कुसुमित—कुसुमनि पुष्पाणि सम्जातानि पचामिति कुसुमिताः) धूनीवाणं. फूल वाला. Flowery.

भग० १, १; भाव० जीवा० ३, ३; नाया० ६; राय० जं० प० ७, १७७;

कुसुमित. त्रि० (कुसुमित) ७७५ " कुसुमिष-य " शब्द. देसो " कुसुमिष-य " शब्द. Vide " कुसुमिष-य " भग० १६, ६; **कुसेजा.** जी० (कुश्या) धूनु शय्या स्थान. दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; जं० प० २;

✓ **कुह.** धा० I. (-कुह्) सधुं; डोढनुं सडना. To rot; to decay.

कुहंजा. वि० अणुजो० १३६;

कुहंज. पुं० (कुहक) ईश्वरान्त; कुतुहल. इन्द्रजाल कांतुहल. An enchantment; a charm; curiosity. दस० १०, १, २०;

कुहंड. पुं० (कुष्माण्ड) व्यन्तर देवतानी अंश भवत. व्यन्तर देव का एक जात. A species of a Vyantara gods. पराह० १, ३; भाव० २४; पञ० २;

कुहंडय. पुं० (कुष्माण्डक) लोणुं; शाकनी अंश भवत. एक जाति का फल कि जिसका भाजी (साग) बनती है; कुष्माण्ड. A kind of vegetable; a gourd. पञ० १७;

कुहंडी. जी० (कुष्माण्डी) धूनी; नर. लौकिक; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय० ४४; जीवा० ३, ४;

कुहकुह. पुं० (कुहक) धूनु धूनु अवे। अवाग. कुहु कुहु ऐसा शब्द. An onomatopoeic word meaning the sound resembling " Kuha Kuha " नाया० १६;

कुहण. न० (कुहण) अंश भवतनी वनस्पति; भूमिदेश. इस नाम की एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. पञ० १; जीवा० १; (२) त्रि० धूनु देसो

रहेवासि कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhupa. पृष्ठ १, १;

कुहवा. जी० (कुहुवा) छत्रीना आकारनी वनस्पति; भूमि के आकार का वनस्पति; भूमि फोटा. A kind of vegetation of the shape of an umbrella पृष्ठ १;

कुहम. पुं० (कुधर्म) भोटो-पापपद; धर्म. मिथ्या-पाखंड धर्म. False religion; heretical creed. अतः ६०;

कुहर. न० (कुहर) पर्वतनी गुफा. गिरि कंदरा; पर्वत की गुफा A cave of a mountain. नदी० १५; नाया० १; ४; पृष्ठ १, ४; राय० ८६;

कुहाड. पुं० (कुहार) कुदाडा; आकड़ा का पवानुं दधिआर. कुहाडी; लकड़ी काटनेका औजार. An axe. उत० १३, ६७; सूय० १, १, १, १४;

कुहिविय. अ० (कुहिवि) कथा; कोठ २५५. कही भी; किसी स्थान पर. Somewhere, in some place or other. नाया० ८;

कुहिय. वि० (कुषित) कोड़ा भ्रष्ट; सड़ी भ्रष्ट. गला हुआ; सड़ा हुआ. Rotten; decayed; decomposed. तंदु० पृष्ठ १, १; नाया० १; ४; १२; जीवा० ३, १;

कुहुण. पुं० (कुहुण) उद्भिज्ज वनस्पति; भूमि फोटा. उद्भिज्ज जाति का एक वनस्पति; भूमि फोटा. A kind of vegetation growing by germination. भग० १५, १; २३, ३;

कुहुण्य. पुं० (कुहुण्य) ओष्ठ जलनो कंद. एक जाति का कंद. A kind of bulbous

fruit. उत० ३६, ६७;

कुहेडग. पुं० न० (*) अणभो. अजवायन. Thyme. प्रब० २११; पंचा० २, ३०;

कूम्पण्या. जी० (कूज) पीडित २५२थी २३तुं ते. दुःखी स्वर से रोना. A piteous cry. ठा० ३, ३;

कूम्प न० (कूजित) पक्षिना जेवो अव्यक्त शब्द. पक्ष जेमा अव्यक्त शब्द. Indistinct sound like that of a bird. उत० १६, ६;

कूम्बिया. जी० (कूम्बिका) परपोटा. बुदबुदा. A bubble. विश० १६७;

कूजिय. न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि. अव्यक्त ध्वनि Indistinct note or sound. पृष्ठ २, ४;

कूट. पुं० (कूट) कूट नामका द्वीप तथा समुद्र. कूट नामका द्वीप और समुद्र. A continent of that name; an ocean of that name. जीवा० ३, ४; पृष्ठ १२; (२) शिखर; पर्वतनी टुक; टोय. शिखर; पर्वत की टोंक; पर्वत की चोटी. top of a mountain. भग० २, ७; नाया० १; नदी० १३, ४७; सू० ५० १६; अणुजो० १०३; १३४; ओव० १०; ३१; पृष्ठ २, ४; ठा० २, ४; जं० ५०५, ११४; (३) द्रव्य कूट-पाश; भाव कूट-स्नेह; राग अंधन. द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फाँसी होता है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव है जिससे कर्म बंध होता है a snare; a trap; excessive attachment (which is a snare). नाया० १७; वि० नि० १०६; सूय० १, १३, ६; (४) कूट कपट; मायाकथायनुं पर्याय नाम. कपट; माया कथाय का पर्यायवाची नाम.

* अणभो पृष्ठ १५ नी ५२नोः (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

deceit. सम० ५२; परह० १, २; (५)
 तोलमां-मापमां न्युनाधिकता; राखणी ते.
 नापनेल मे ज्यादह कमती देना. using
 false weights and measures.
 सू० २, २, ६२; (६) भाशेला; भाषुसने
 भत्राभांथी दिव्यानुं यंत्र. पाश; मनुष्य को
 गले में डाल कर मारने का यंत्र; कांसी.
 gallow. सू० १, ५, २. ६८; (७) नरक.
 hell. उल० ५, ४; (८) दुःखनुं उत्पत्ति
 स्थान. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source
 of pain or misery. सू० १, ५, २,
 १८; (९) दरवाजेको उपरती भाग; भाट.
 द्वार के ऊपर का भाग. the upper part
 of a gate. सू० १०७; (१०) झूठ.
 असत्य; दगाबाज. झूठ; असत्य; दगाबाज.
 falsehood; deceit. पंचा० ३, ३६;
 नाया० २; — उपमा. ली० (- उपमा) जेभ
 केम शिकारीमे पाशेला रख्यो होय तेमां जेभ
 भूभनुंज अंधन थाय छे शिकारीनुं नहि तेभ
 गृहस्थ साधुने भाटे रसेम निपलवे तेमां
 साधुने अंधन होय लागे गृहस्थने कंम नहि
 ओरी रीने उपमां आपी ते. इस प्रकार का
 उपमा दना कि जिस प्रकार कोई शिकारी के फैला-
 ये हुए जालमें मृगका हां बंधन होता है शिकारी
 का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसोई बनाने
 वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु
 को हां दोष लगता है. a false analogy;
 e. g. just as in a net spread
 by a hunter the deer is caught
 and not the hunter; in the
 same way when food is speci-
 ally prepared for a Sādhu, the
 Sādhu incurs sin and not the
 householder who has pre-
 pared it. पि० नि० १०६; — जाल.
 न० (- जाल) पाशयुक्त जाल.

कांस सहित जाल. a net that en-
 traps; a snare. उल० १६, ६४;
 — तुला. कां० (- तुला) ओटुं तोल.
 झूठा तोल. a false weight. सू० २,
 २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४;
 — पास. पुं० (- पाश) भूभक्षणे इसायवा
 कपट करीने पास रख्यो ते. मृग को फंसेने
 के लिये कपट से बंध डालना. laying a
 snare to entrap a deer. विवा० ८;
 भग० १, ८; — माण. न० (- मान)
 ओटां भाप राख्यो ते; श्रावकना त्रीण व्रतनो
 ओक अतिथार. छोटा माप रखना; श्रावक के
 तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of
 using false weights; a par-
 tial violation of the third vow
 of a Jain layman. सू० २, २,
 ६२; परह० १, २; भग० ८, ६; पंचा० १,
 १४; — माणतुलकरण. न० (- मान-
 तुलकरण) ओटुं भाप अने ओटां तोला
 वापर्यो ते; त्रीण व्रतनो ओक अतिथार.
 छोटा माप और छोटा तोल रखना; श्रावक के
 तीसरे व्रत का एक अतिचार. act of
 using false weights and mea-
 sures; partial violation of the
 third vow. प्रव० २७७; — लेखकरण.
 न० (- लेखकरण) ओटो लेख
 लिख्यो ते; त्रीण व्रतनो ओक अतिथार. झूठा लेख
 लिखना; दूसरे व्रत का पांचवां अतिचार.
 fabrication of a false document;
 the 5th kind of partial viola-
 tion of the 2nd vow. पंचा० १, १२;
 प्रव० २७६; — साक्षिज्ज. न० (- साक्ष्य)
 ओटी साक्षी भर्यो. मिथ्या-झूठी साक्षी
 देना. act of giving false evi-
 dence; false evidence. पंचा०
 १, ११; — सखिणम. त्रि० (- सखिभ)

कूट सभान; कूट जेवुं. शृंग के समान; चोटी के सदृश. resembling the top or summit. नाया० १३;

कूडग. त्रि० (कूटक) भोटुं. गलत; असुद्ध.

False; untruthful. पंचा० ३, ३४;

कूडया. की० (कूटता) तोलनुं ओऽवतापलुं.

तौल की न्यूनाधिकता-कमी वेशां. State of a weight being either above or below the standard. पण० १, ३;

कूडसामलि. पुं० (कूटशास्त्रमालिन्) कूटशास्त्रमाली

नामनुं त्रुत के जेभां जलुं वृक्षनी भाइक आऽ जेजलनी उद्यान छे अने जे गड्ड जलना वेणुदेव नामे देवताने आवास रूप छे. कूट शास्त्रमाली नामका वृक्ष जिनका जम्बु वृक्ष की तरह छाट योजन की उंचाई है तथा जिनपर गरुड जाति के बहुत देव नाम के देवता का निवास स्थान है. Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venu-

deva deities belonging to the Garuda family. "कूड सामलिबेव" टा० २, ३; सम० ८; —पेढ. पुं० (—पीठ) देवकुल क्षेत्र नापश्चिमाध्याने मध्यभागे आवे-

ल कूटशास्त्रमाली वृक्षनुं पीठ-ओटले. देवकुल क्षेत्र के पश्चिमार्द्ध के मध्य भाग में कूट शास्त्रमाली वृक्ष की पीठका ओटला the base of the tree called Kūta Śālmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Kṣetra. जं० प० ४, १००;

कूडागार. पुं० (कूटागार) शिखर अंश धर;

शिखर उपरनुं देवालय. शिखर बंध पर, शिखर ऊपर का देवालय. A house or a temple situated on the summit

of a mountain. आवा० २, ३,

३, १२७; नाया० १३; निर० ३, १; टा० २,

४; ४, १; (२) पर्वतमां डोतरेश धर. पर्वत

में खोदाहुआ गृह. a house carved

out of a rock. जं० प० २, २३;

६, १२४; —विहृत. पुं० न० (—रहान्त)

शिखरवाला धरनुं दृष्टांत शिखर वाले घर

का दृष्टांत. an illustration of a

house built on a mountain

summit. नाया० १३; —साला. की०

(—शाखा) शिखरने आकारे शाखा-सभा-

भेडक. शिखर के समूह शाखा-सभा-बैठक.

a seat in the shape of a moun-

tain summit. भग० ३, १; विवा० ६;

मृग० २, २, २४;

कूडाहच्छ. न० (कूडाहच्छ कूटे ह्य तथाविध

पाषाणसमुदायी काकाविक्रमाभावासा-

धर्मांशहस्ता इनमं चक्र तत्कूडाहच्छम)

अंक धा आरवाथी पर्वतस्थी शिखर पटे तेम

धड उपरस्थी मथुं ऊनरी नीचे पटे तेने

येअ; अंक धाये शिखरनी भाइक नीचे पाऽया

येअ. जैसे एक चोटसे पर्वत पर में शिखर

नीचे गिरपड़ताई बैमेही धडमे मिर का नीचे

गिरपड़ना; एक चोटमे शिखर की तरह नीचे

गिराने योग्य. One whose head

deserves to be severed from the

body and set rolling down like

a rock severed from the peak

of a mountain. "तोखं तवेजं तेषं

एगाहच्छ कूडाहच्छं आसरासि करेमि " भग०

१५, १; राय० २४७; भग० ५, ६, १५, १;

कृत्तिञ्च-य पुं० (कर्त्तिक) अजिह्वः राजनी

अज्ञा राज्ञीथी उत्पन्न भयेतो भोटो पुत्र

अजिह्वः अंघा नभरीना राज्ञ. अंघक राजा

की चेलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र

कर्त्तिक राजा; चम्पानगरी का नरपति.

Name of a king of the town called Champā, son of king Śreṇika and queen Chelapā.

श्रीव० ६; निर० १, १; नाया० ६; उवा० १, ६;

कृषर. पुं० (कृषर) मल्लिनाथजी का यक्ष का नाम. Name of the Yakṣa of Mallikātha. प्रव० ३०६;

कूर्मग. पुं० (कूर्मक) कछुआ. A tortoise. नाया० ६,

कूर. पुं० (कूर) भात. चावल. Rice. उल० १२, १६; (२) साथे; आवाती अंक वस्तु. मस्तु; खाने का एक वस्तु. a kind of food prepared by baking corn and grinding it. सू० प० ११; पि० नि० १६६; डा० ३, ३; मम० १; (३) अंक गतनी वनस्पति. एक जात की वनस्पति. a kind of vegetation. सू० २, ३, १६;

कूर त्रि० (कूर) क्रूर; अत्यन्त; निर्दय; घातकी. क्रूर; भयंकर; निर्दय; घातकी. Cruel; terrible. नाया० ८; आया० १, ४, २, १३२; उल० ५, ४; दसा० ६, ४; —गगड. पुं०, (ग्रह) सूर्य, मंगल, शनि, अने शङ्ख अथवा अद्वैतशक्तिः शत्रु प्रभाषि क्रूर अद्वैतवाच छे. सूयः मंगल; शनि और राहु ये चारों ग्रह अमानव शास्त्रानुसार क्रूर ग्रह कह जाते हैं. any of the four planets viz. the Sun, Mars, Saturn and Rāhu regarded in scriptures as cruel. गोष्ठी० १६

कूरता न० (कूरता) तोड़फाड़ी नामे वनस्पतिनुं २४३५. लालकनेर नामक वृक्ष का

स्वरूप. The shape of a certain kind of vegetation called Toi-Kodi. सू० २, ३, १६;

कूरि. त्रि० (कूरिन्) क्रूर; निर्दय. क्रूरः निर्दय. Cruel; ruthless. पद० १, ३;

कूल. न० (कूल) किंवा; किनारा. तटः किनारा. A bank; a shore. श्रीव० ३८; पि० नि० ५०५; ज० प० जीवा० ३, ४; नाया० १;

कूलधम. पुं० (कूलधम) नदीने किंवा डिभा रदी शेष भूमी राम शब्द पोकारी जमे तेरा तापस; तापसनी अंक गत. नदी के किनारे खड़े रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर भोजन कर गंगा तपस्वी; तपस्वी का एक जाति. A class of ascetics who take their food after blowing loudly a conch-shell, standing on the bank of a river निर० ३, ३;

कूलधमग. पुं० (कूलधमक) लुभो 'कूलधम' शब्द. देखो 'कूलधम' शब्द. Vide 'कूलधम' निर० ३, ३; भग० ११, ६;

✓ कृष. धा. I. (कृष) लुभ पाउरी राना; चिल्लाना. To shout; to bawl aloud.

कृषत. व० कृ० उल० १६, ५६;

कृषमाद्य. व० कृ० विवा० ७; नाया० १८;

कृष. न० (*) व्यास गयेली वस्तुने पाप्री यागया गये अस्तु ते. चुराई गई वस्तु को फिर प्राप्त करने के लिये उताव होना. Act of helping a man in recovering his stolen property. "जएण अहं अमर कंका रावहाणी दोवलीण कृषं गच्छामि" नाया० १६.

कृष. पुं० (कृष) कुवो. कुआ. A well. नाया० २; ८; जीवा० ३, ३; पंचा० ६, ४२;

—लाञ्छ. न० (-ज्ञात) कुयानुं उदाहरण-
दृष्टान्त. कूप का दृष्टान्त-उदाहरण. an
illustration of a well, e. g. in
a story. पंचा० ४, १०: --वसुर. पुं०
(-वसुर) कुयानो देउको. कूप का मेंढक a
frog in the well. नाया० ८; —मह.
पु० (-मह) कुयानो भोलासय. कूप का
महोत्सव. a festival connected
with a well. भग० १, ३३:

कूचय. पुं० (कूचक) कुया थांल; उदात्त डे
नन्ध्यानी पन्ध्यानी थांलसे जहाज या नाव
के मध्य का खंभा. The main-mast
of a ship. ओव० २१:

कूचिय. पु० (-) व्यापार गयेडी वस्तुनी
पारे खानार. तुराई हुई वस्तु का लाने के
लिये उद्यत होने वाला One who helps
another in rescuing stolen
property. तंदु० पि० नि० ११६;
—बल. न० (-बल) पारे खंडल अस्त्र.
युद्ध पर गया हुआ सैन्य. an auxiliary
army coming as a re-inforce-
ment. " सुबहुस्स विकुचिय बलस्स आग-
यस्सदुपमंसया विहोम्हा " नाया० १८;

कूहणत्ता. स्त्री० (कूहण्य) कुदल्य पनरपनि-
पल्य. कुहन वनस्पतिपना. State of be-
ing the vegetation called
Kuhapa. मय० २, ३, १६:

केकण. न० (केकन) बांझी वस्तु; धनुष्यनी
उमान पंगरे. टेढ़ा वस्तु; धनुष्य की कमान
वगैरह. Anything curved in
shape i. e. a bow etc. डा० ४, २:
केह अ० (कखित) कौह अ०. कोई एक.
Some one. " केह राया राणपुत्तो "

विषा० २; दसा० ६, ४; ७, १; भग० २, १;
२, ५; ३, ३; ६, १; ८, १; १३, ७; १८,
१; नाया० १; २; ८: १२; १४; १७; दस० ५,
१, ४५; क० गं० ३, १३; सम० ३०;
पल० १; पि० नि० १७२; नाया० १६;
दया० ३, १२; १३; म० न० १५, ६७;
सू० १, १, ४, ८; वव० १०, १; वेय० १,
३७; पल० ३५; भग० ८, १; दस० ३, १४;
केउ. पुं० (केतु) केतु नामनी ग्रह. केतु
नाम का ग्रह. A planet so named.
ओव० २५; सू० प० २०; राय० २०८; (२)
ध्यान. ध्वजा. a flag. (३) चिन्ह;
निशान. चिन्ह; निशान. a sign; a
signal. कप० ३, ५२; राय० १०३;
जीवा० ३, ४; ओव० नाया० १:

केउअ-य. पुं० (केतुक) लयल्य समुद्रनी
मध्यभां दक्षिण दिशाभां रदेल केतुक नामनी
महापाताल कुणशी. लवण समुद्र के मध्य में
दक्षिण दिशा का ओर केतुक नाम का महा-
पाताल कलशा. 'The Mahāpātāla
pot named Ketuka situated in
the middle of Lavan's ocean
in the south डा० ४, २; जीवा० ३, ४;
केउ. म० क० अ० (कस्ता) येयाती अर्धने.
खरीद कर; माल लेकर Having bought.
विश० १४३४;

केउग. पुं० (केतुक) केतुक नामनी लयल्य
समुद्रभां दक्षिण दिशाभां पातालकुणशी.
लवण समुद्र के दक्षिणकी ओर का केतुक
नामका पाताल कलशा. The Pātāla
pot Ketuka situated in the
south of Lavan's ocean. सम० ५२;
केउभूअ-य. न० (केतुभूत) सिद्ध भेलिआ

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

अने भायुरस सेज्जिआ परिद्धर्भेनो पांयभे
वेद अने पुः सेज्जिआदि पांय परिद्धर्भेनो
सातभे वेद. भिद्धधेणी आर मनुष्य पारिकर्म
का पांयवां भेद आर पुष्ट आंगा आदि पांय
पारिकर्मो का मानवां भेद. The fifth
division of Siddha Sepiā and
Magussa Sepiā and the 7th
division of the five Parikarmas
viz. Puttha Sepiā etc. नंदा० ५६;
सम० १२;

केउमई. श्री० (केनुमती) किन्नर देवताना छंद
किन्नरनी श्रीछ पदराष्ट्री. किन्नर देवताओं के
इंद्र किन्नर की द्वितीय पत्नरानी. The
second crowned queen of Kin-
nara, the Indra of Kinnara
gods. भग० १०.५; ठा० ४.१; नाया० ५०.५;

केऊर. पुं० (केयूर) आभूषण. ओ३ आभू-
षण. बाजूबंध; एक आभूषण. An orna-
ment worn on the arm. भग० ६,
३३; नाया० १; राय० २७; १८६; निर्मा०
७, ८; कल्प० २, १४; जं० प० ५, ११५;

केकई. स्त्री० (केकयी केकयानी राजा केकयः
तस्येयः) ईडेयी आत्मा वासुदेवनी माता.
केकयी आठवें वासुदेव की माता. Name
of the mother of the 8th
Vasudeva. सम० प० २३५; (२) पश्चिम
महाविदेहीनी सवित्रायनी विजयनी वीतसेका
नगरीनुं श्रीछ नाम. पश्चिम महाविदेह
मानवावर्ता विजयकी वीतशोका नगरी का
दूसरा नाम. the other name of the
city Vitasoka of Salivati
Vijaya in the western Mahā-
videha. सम०

केकय. पुं० (केकय) ईडेय नामने ओ३ देश.
केकय नाम का एक देश. A country of
this name. (२) वि. ते देवना रदेवसी.

उम देश का निवासी. a resident of
that country. पञ० १; पण्ड० १, १;
राय० २०५;

केकयस. पुं० (केकयास) ईडेय देशने अर्द्ध-
भाग; परदेशी राजने देश. केकय देश का
अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The
half of the Kekaya country;
the dominion of the king
named Pardeśi. राय० २०५;

केकाइय. न० (केकायित) भोरने शब्द.
मयूर का शब्द. The cry of a pea-
cock. नाया० ३;

केकारव. पुं० (केकारव) भोरने शब्द. मयूर
का शब्द. The cry of a peacock.
नाया० १;

केकय पुं० (केकय) ईडेय नामने अनार्य
देश. केकय नाम का अनार्य देश. Name of
an uncivilised country. प्रव० १५६८;

केकारव. पुं० (केकारव) ओ३ " केकारव "
शब्द. देखो " केकारव " शब्द. Vido
" केकारव " नाया० ३;

केणइ. अ० (केनायन) केना ओ३ पञ्च. किसी ने
भी. By any body; by some body
or other. दस० २, १, ४३; जं० प० नाया०
२; ८; १६; भग० १५, १;

केतई. स्त्री० (केतकी) केतकी. केतकी. A
flowering plant so named. भग०
१५, ६; -- पुड. पुं० (पुड) ईतकीने पेट.
केतकी का पुडा. a packet of Ketaki.
भग० १५, ६;

केतु. पुं० (केतु) ८८वां अक्षनुं नाम. ८८वें
ग्रह का नाम. Name of 88th con-
stellation. सू० प० २०;

केतुमई. स्त्री० (केतुमती) किन्नरनी श्रीछ राष्ट्रीनुं
नाम. किन्नर की दूसरी रानी का नाम.
Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ५;

केदार. न० (केदार) क्यारी. क्यारी. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden. नाया० ७; केदहालअ. त्रि० (कियन्महत्) डेटलुं भेदुं. कितना मोटा. How much big. जं प० ७, १३४;

केय. न० (केतन कित निवास-कियते उच्यतेऽस्मिन्निति) गृह; घर. गृह; घर. A house. "केयं गिरंति सहतेयं" प्रब० १६६; केयहअड्ड. न० (केकयार्ड) डेकय देशने अर्धा भाग. केकय देश का अर्धभाग-आधा हिस्सा. The half of the country Kekayn. " सदावदाय नयरी, केयहअड्डं चचारिचं भविचं " पल० १;

केयई. स्त्री० (केतकी) डेटकीं अड्ड. केतकी का फाड़. The Ketaki plant. राव० पल० १; जीवा० ३; ४; भग० ८, २; —पुड. पुं० (-पुट) डेटकीं पडी. केतकीका गट्टा-बंडल. A packet of Ketaki. नाया० १७; केयकंदली. स्त्री० (केतकंदली) अड्ड. जतने डंड. एक जाति का कंद. A kind of bulbous root. उल० ३६, ३७;

केयल. न० (केतन) धनुष्यनी कमान. धनुष्य का कमान. The wooden bow उल० ६, २१; (२) भरतय अंधन; गतय मत्स्य बंधन; जाल-फांस. A net; A snare. सूय० १, ३, १, १३; (३) ओ प्रकारनं केतनः— १-द्वय केतन-आदिनी अथवा समुद्र, २-लाय केतन-लोभच्छा. दो प्रकार का केतन. १-द्वय केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव केतन-लोभच्छा. A Ketana of two sorts viz. one like that of a

sieve or a ocean and the other like that of a greed. आया० १, १, २, ११३;

केयति. पुं० (केतकी) डेटलुं गृह. केवडे का फाड़. A Kevadā tree. भग० २, १; केयव्व. त्रि० (केतव्व) डेटुं; पारीडुं. लेना; खरीदना. Purchasing; buying. उल० ३५, १६;

केयाघडिया. स्त्री० (*) डेरनि डे आधेन पडी. रस्ती से बांधी हुई घड़ी. A clock fastened to the end of a string. भग० १३, ८;

केयार. पुं० (केदार) अनानना क्यारी. कनाज का क्यारी. Plots of corn. नाया० ७; केबावंती. अ० (केचन) डेटला अड्ड. कितने एक. A certain number. आया० १, ४, २, १३३;

केयूर. पुं० (केयूर) आगुअंध. बाजूबंध. An ornament worn on the arm. ओव० १२; जीवा० ३, ३; प्रब० १५, ८६;

केरिस. त्रि० (कीदरा) डेटुं; डेटा प्रकारनं; डेटानं. कैसा; किस तरह का; किस तरीका. Of what sort or nature. उल० २३, ११; पल० १७ विशेष० ३२६; भग० १, १; २, ५; ३, १; संत्वा० ३१; जीवा० ३, ३; " अलुभावे कोडसे वुत्ते " सू० प० १; जं० प० १, २१; केरिसअ-य. त्रि० (कीदराक) डेटुं? डेटा प्रकारनं? कैसा? किस तरह का? (Of what sort or nature. नाया० ८; जं० प० मिर० १, १; भग० ६, ५; ७; ७, ६; १०, ६; १३, ४; १६, १; १६, ३;

केलास. पुं० (केलास) अंतगड सुनना छडी वर्गना सातभा अभयननुं नाम. अतगड

* लुओ पृष्ठ नं० १५ नी डेटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot note (*) p. 154.

सूत्र के छठे वर्ग के मातृवै अध्ययन का नाम.
Name of the 7th chapter
of the 6th section of Antagadya
Sūtra. अंत० ६, ७; (१) साकेतन नगर
निरासी अथ गाथापति के जेजे भदायीरस्यामी
अभीपेदीक्षा लभ्यार परसनी प्रमन्या पाणी
विपुल पर्वत उपर संथारे करी सिद्धि भेगवी.
साकेतन नगर के निवास एक गाथापति, किं
जिम्हने महावार स्वामी के पास दीक्षा लेकर
बारह वर्ष तक संयम पाल विपुल पर्वत पर
संथारा कर मोक्ष प्राप्त किया. a merchant
of Sāketana city who took
Dikṣā from Mahāvīra Swāmi,
observed it for 12 years and
performing Santhārā on the
Vipula mount, attained salva-
tion. अंत० ६, ७; (३) राहुना नयमा
प्रकाशना पुद्गलनुं नाम. राहु के नव प्रकार के
पुद्गल का नाम. name of the 9th
variety of the molecule of
Rāhu. सू० ७० २०;

केलास. पुं० (कैलास) कैलास नामने पर्वत;
मेरु पर्वत. कैलास नामका पर्वत: मेरु पर्वत.
Name of a mountain; the
mount Meru. (२) कुबेरना तात्मानो
पर्वत. कुबेर के अधीन पर्वत. the moun-
tain belonging to Kubera. जं प०
(३) लवण समुद्रमां पश्चिम दिशाये ४२०००
ज्येष्ठन क्षिपर आवेक्ष आयुवेक्षधर देवेनो
निरास पर्वत. लवण समुद्र में पश्चिम दिशा
की ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलंधर
देवता का निवास स्थान पर्वत. the moun-
tain abode of Anuvēlandhara
gods situated at a distance of
42000 Yojanas in the west, in
Lavana ocean. ठा० ४, २;

केलि. स्त्री० (केलि) क्रीडा; खेल; रमन. काहा;
चेष्टा; रमत; खेल. Play; recreation.
श्लो० २२; पञ्च० २; प्रब० ४३६;

केली. स्त्री० (कदली) केलाजुं वृक्ष; केला. केले
का वृक्ष; केला. A plantain tree.
भक्त० १४४;

केवल. य. प्रि० (कियत्) केतुं; केतना
प्रमाणनुं कितना ? कितने प्रमाण का ?
How much. श्लो० ३८; पञ्च० ४; श्लो०
नि० १२३; सू० १०१; ठा० ३, १; अणुजो० १४०;
नाया० १३; भग० १, १; २, ५; ३, १; २;
५, २; ८; ९, ५; ८; ८, १; २; ८, १०; ११,
१; १२, ४; १४, ७; ८; १६, १; १६, ३;
६; ७; २४, १; १२; २२, ६; ४१, १; नाया०
४६ जं प० २, २५; ७, १३६; ७, १४६;
६, १२५; ७, १३२; १, १६; ७, १३१;
केवचिंरं. अ० (कियचिंरं) केतलो लांभो यत्नत;
क्यां सुधी ? कितना लम्बा समय; कबतक ?
How long; how far. जीवा० १; राय०
१४६; भग० २, ५; ३, ३; ८, २; ६; २२,
६; जं० प० ७, १७५;

केवचिंरं अ० (कियचिंरं) केतलो यत्नत.
कितना समय How much time.
अणुजो० ८२; भग० २५, ४; पञ्च० १८;

केवचोरिण. अ० (कियचोरिण) केतलो यत्नते.
कितने समय में. In how much time.
अंत० ६, १२; भग० २, १;

केवचित्य. प्रि० (कियत्) लुप्तो " केवद्वय "
शब्द. देखो " केवद्वय " शब्द. Vide
" केवद्वय " सू० प० १; १६; जीवा० १;
भग० १, १०; ११, १;

केवल. न० (केवल) संपूर्ण; परिपूर्ण.
संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा०
६, २; भग० १, ४; १ ८; २, ५; ७, ८;
६, ३१; १०, ५; १५, १; १८, ३; पि०
नि० २११; नाया० ५; १६; उत्त० ३३. ४

(२) अक्षयु ज्ञान; डेवग ज्ञान. अकेला ज्ञान; केवलज्ञान. perfect knowledge. नाया० ८; पक्ष० १; २०; ३६; विशेष० ८४; ४१८; पि० नि० १०; भग० १६, ६; क० गं० १, ६; ८; १०; ४, १४; जं० प० ७, १६०; (३) डेवक्ष दर्शन. केवल दर्शन. Kevala Darśana; perfect understanding. क० गं० ४, ४५; —आलोच्य. पुं० (-आलोचक) डेवक्ष ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge. पि० नि० ४७६; —जुअल. न० (-युगल) डेवक्ष युगल; डेवक्ष ज्ञान तथा डेवक्ष दर्शन. केवल द्वय; केवल ज्ञान और केवल दर्शन. a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana. क० गं० ४, ६८; —दुग. न० (-द्विक) डेवक्ष ज्ञान तथा डेवक्ष दर्शन. केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क० गं० ३, १६; ४, ८; २०; —दुगूण. त्रि० (-द्विकोन) डेवक्ष द्विक २द्वित. केवल द्विक-केवल ज्ञान और केवल दर्शनमें रहित. devoid of a pair of Kevala. क० गं० ४, ३६; —परियाय-ग. न० (-पर्याय) डेवक्षज्ञानना पर्याय. केवल ज्ञान का पर्याय. molecules of Kevala Jñāna. दसा० १०, ११; भग० १५, १; —मरण न० (-मरण) डेवक्षज्ञान सहित मरण. केवल ज्ञान सहित मृत्यु. death accompanied with Kevala Jñāna. (२) डेवक्ष-अद्वितीय मरण; पंडित मरण. अनोखा मृत्यु; पंडित मरण. good death; death in a proper way. दसा० ५, २६; २७; —वरणाखंडसल. न० (-वरज्ञान दण्ड केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेक्षया

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) प्रधान डेवक्षज्ञान अने डेवक्षदर्शन. प्रधान केवल-ज्ञान और केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया० ५; ८; १४; भग० ६, ३१; २५, १; —सिरी. स्त्री० (-स्त्री) डेवक्ष-ज्ञानरूप लक्ष्मी. केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चउ० १४;

केवलकल्प. त्रि० (केवल कल्प-केवलः संपूर्णः कल्पत इति कल्पः स्वकार्यकरणसमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलज्ञासौ कल्प-श्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानसदृश परिपूर्णतासाधर्म्यात् संपूर्णं पर्वोचो वा केवल कल्प शब्दः) स पूज्य; डेवक्ष ज्ञाननी भाक्ष परिपूर्ण. संपूर्ण केवल ज्ञान की तरह परिपूर्ण. Complete; perfect as Kevala Jñāna. दसा० २, २४; २६; नाया० ५० ठा० ३, ४; भग० ३, १; ६, ५; नाया० १३; जं० प० आव० ४२; कल्प० ७, १४;

केवलशास्त्र. न० (केवलज्ञान) डेवक्षज्ञान; संपूर्ण-परिपूर्ण ज्ञान; लोकना सर्वज्ञानने प्रत्यक्ष ज्ञानावधार ज्ञान; ज्ञानो पात्रमे प्रकर. केवलज्ञान; संपूर्ण- ब्रह्म ज्ञान; शांति के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान; ज्ञान का पांचवां भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. आव० दसा० २, २४, २५; भग० ६, ४; ८, २; नाया० १; —आवरण. न० (-आवरण) डेवक्षज्ञानजु आवरण-आच्छादन; ज्ञानावरणीय कुर्मी अक्ष प्रकृति. केवलज्ञान का आच्छादन-आवरण; ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति. obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of *Jñānāvārāṇya Karma*. सम० १७; —आवरणिज्ज. न० (—आवरणीय) केवल-जानने दयावत्तार ३०. केवल ज्ञान को दबाने वाला कर्म; ज्ञानावरणीय कर्म का एक प्रकार a Karma which obscures *Kevala-Jñāna*. भग० १, ३१; —पञ्चव. पु० (—पर्यव) केवल ज्ञानना पर्याय. केवल ज्ञान का पर्याय. divisions of *Kevala Jñāna*. भग० २५, ६; —विस्मय. पु० (—विनय) केवल ज्ञानने विनय. केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to *Kevala-Jñāna*. भग० २५, ७;

केवलणाशि. पु० (केवलज्ञानिन्) केवलज्ञानी; केवली तीर्थंकर अने सिद्ध भगवान्. केवल-ज्ञानी; केवली तीर्थंकर और सिद्ध भगवान्. An omniscient being; *Kevala Tirthankara and Siddha*. भग० ८, २; १८, १; २६, १; नाया० ८;

केवलदंसण. न० (केवलदर्शन—केवलेन संपूर्ण-वस्तुनन्वयाहकबोधविशेषरूपेण यद्दर्शनं सामान्यांशप्रदं तत्केवलदर्शनम्) केवल दर्शन. संपूर्ण दर्शन. केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन. *Kevala Darśana*; perfect vision. दसा० ५, २६; २५; भग० २, १०; ८, २; जीवा० १; काप० १, १; —आवरण. न० (—आवरण—केवलमुक्तस्वरूपं तच्छदर्शनं च, तस्यावरणं केवलदर्शनावरणम्) दर्शनावरणीय ३०. केवल दर्शन न प. मे. दर्शनावरणीय कर्म का एक प्रकार; जिसके उदय में जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of *Darśanāvarāṇya Karma* by the rise of which a soul does not acquire *Kevala Darśana* टा० १, १; सम०

१७; पञ० २३; उत० १३, ६;

केवलदंसण. पु० (केवलदर्शनिन्) केवल दर्शनी ७५. केवल दर्शन वाला आत्मा A soul possessed of *Kevala Darśana*. भग० ६, ३; टा० ४, ४;

केवलणाश. न० (केवलज्ञान) ज्ञाने " केवल-णाश " शब्द. देखो " केवलणाश " शब्द. Vide " केवलणाश " भग० २, १०; ८, २; नंदा० १; अणुजो० १; विशे० ७६; दसा० ७, १२; कप० १, १; प्रब० ७०५; —आवरणिज्ज. पु० (—आवरणीय) ज्ञाने " केवलणाश आवरणिज " शब्द. देखो " केवलणाश आवरणिज " शब्द. vide " केवलणाश आवरणिज " भग० १, ३१; —पञ्चव. पु० (पर्यव) केवल ज्ञानना अनन्त पर्याय. केवल ज्ञान के अनन्त पर्यव. infinite atoms of *Kevala Jñāna*. भग० ८, २; —लज्जि. आ० (—लज्जि) केवलज्ञाननी प्राप्ति. केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of *Kevala Jñāna*. भग० ८, २; —लज्जि. आ० (—लज्जिका) केवलज्ञाननी प्राप्ति. केवल ज्ञान का प्राप्त. attainment of *Kevala Jñāna*. भग० ८, २;

केवलणाशि. पु० (केवलज्ञानिन्) ज्ञाने " केवलणाशी " शब्द. देखो " केवलणाशी " शब्द. Vide " केवलणाशी " भग० ६, ३; ८, २; ८, १; काप० ६, १८१; (२) अतीत उत्सर्पिणी काल में अथवा पदेष्टा तीर्थंकर. अतीत उत्सर्पिणी काल में उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थंकर. the first *Tirthankara* of the past *Utsarpini* time. प्रब० २६०;

केवलि. पु० (केवलज्ञान) केवलज्ञान धरनार; केवलज्ञानी; केवली तीर्थंकर अने सिद्ध भगवान्. केवलज्ञान रखनेवाले; केवल ज्ञानी;

केवली; तार्किक और सिद्ध भगवान्. One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevali. Tirthankara and the Siddha. भग० १, ४; २, १; ५, ४; ७, ७; ६, ३१; १४, १०; १८, ७; २४, १; २५, ६; ७; दस० ४. २२; पण्ड० २, १; पि० नि० १६८; नाया० ८; १४; अष्टांगो० १२७; पञ्च० २०; ३; ओष० १०; उवा० ७, १८७; क० गं० १, ४७; ४, ४६; ६, ४; भक्त० १५६; आव० २, १; क०प० २, ४५; प्रव० ६; ६६५; (२) देवक्षत्रसमुद्घात-सात समुद्घातभांती सातभी जेभां जे प्रकारना वेदनीय कर्मनी जे प्रकारना नामकर्मनी अने जे प्रकारना गोत्र कर्मनी निर्जरा थाय छे. केवल समुद्घात-सात समुद्घातों में से सातवां, जिसमें दो प्रकार के वेदनाय, दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के गोत्र कर्मों की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghāta: Kevala Samudghāta: which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedaniya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पञ्च० ३६; —आराधना. का० (—आराधना) अवधिजानी, मनपर्यवजानी अने देवक्षत्रजानी आराधना. अवधिजानी, मनपर्यवजानी और केवलजानी का आराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna, Manaparyava Jñāna and Kevala Jñāna. छ० २, ४; —उवासग पुं० (—उपासक—केवलिनमुपासक यः अवस्थानाकीर्तितुपासनामात्रपरः सखलो केवलमुपासकः) देवक्षेत्रीनी उपासना करनेवाला तन्धारी आधिक. केवली की उपासना करनेवाला

तन्धारी भावक. a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevali. भग० ५, ४; ६, ३१; —उवासिया. का० (—उपासिका) देवक्षेत्रीनी उपासना करनेवाली आधिक. a female Jain householder who worships a Kevali. भग० ६, ३१; —पण्डित. त्रि० (—प्रज्ञप्त) देवक्षेत्रीनी अवधानं पश्येत्. केवली भगवान् द्वारा कथित. prescribed, extolled by the omniscient. राय० २३५; दसा० ७, १२; भग० ६, ३१; आव० ४, १; —परिथाग. पुं० (—पर्यायक) देवक्षेत्रीनी देवक्षेत्री तरीकेना अवस्था. केवलज्ञानों की केवलीपनेकी हालत. the Kevalihood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८; १४; अंत० ५, १; —मरण. न० (—मरण) देवक्षेत्रीनी मरण थाय ते. केवल ज्ञान होते हुए मृत्यु होना. death in the stage of Kevala Jñāna. भग० ५, ७; मम० १७; —समुद्घात य. पुं० (समुद्घात—केवलिनव्यस्तमुद्घातमवधिपरमपदेभवः समुद्घातः केवलिनसमुद्घातः) देवक्षेत्री अवधानने करेव समुद्घात; देवक्षेत्रसमुद्घात आह समयभांथती अह प्रकारनी आत्म प्रदेशने विस्तारी कर्मने अन्तर्यानी देवक्षेत्री किया केवली भगवान् द्वारा का हुइ समुद्घात. केवल समुद्घात-आठ समय में होने वाला एक प्रकार की आत्मप्रदेश का फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवली का क्रिया. the Samudghāta performed by a Kevali; Kevala Samudghāta, i. e. the activity performed by a Kevali

in eight Samayas (instants)
by expanding the molecules
of the soul to destroy the
Karmas. भग० २, २; ८, ६; २५, ६;
सम० ७; —साधग. पुं० (-भावक)
देवलिभगवान्नो आवक-वचन मुनने वाला.
an adherent of an omniscient
being. भग० ६, ३१; —साधिया. स्त्री०
(-आधिका) देवलिभगवान्नी आधिका.
केवली भगवान् की आधिका. a female
adherent of an omniscient
being भग० ६, ३१;

केवलित्त. न० (केवलित्त्व) देवज्ञानीपण्य.
केवलज्ञानीपना. The state of being
an omniscient being. प्रब० १२२१;

केवलित्य न० (केवलित्य-केवलित्य भावः केव-
लित्यम्) देवज्ञ स्वरूप; धानिकर्मेनो नियोग
केवल स्वरूप; घानि कर्म का नाश. The
perfected stage; absence of
(Mhati Karmas. विशेष० ११८०; २६८१;

केवलित्य त्रि० (केवलित्य) देवज्ञानी संघर्षी
केवल ज्ञानी सम्बन्धा. Relating to an
omniscient being. " तं सांघकारी
पुढो पश्ये । संघा इमं केवलित्यं समाहिं "

सूय० १, १६, १६; ठा० ६, २; नाया० १;
केस पुं० (केस) केशः दुःख. क्रेशः दुःख.
Misery; affliction; pain; trouble.
विशे० १६०१; उल० ७, ७;

केस पुं० (केश) बाणः केश. बालः केश.
Hair. आ० १०; जीवा० ३, ३; नाया०
१, ८; नग० १, ७, ६; ३, २; ४, ७, ६;
६, ३३; पञ्च० २; उल० १०, २१; आया०
२, ८, १६३, सम० ३६; राय० सूय० २, १,
६२; उवा० १, ५१; कण्य० ६, ५७; प्रब०
१११; ४३६; —अलंकार. पुं० (-अलं-

कार—केशाण्बालद्वाराः केशाण्बालद्वाराः)
बाण ओणवा; पटीया पाडवा अने तेज पुलेल
धातयुं ते. बाल ओणवा; भांग पाडवा और
नेल फुलेल लगाना. combing of
hair. ठा० ६, ४; भग० ६, ३३; —गा.
न० (-अण्) केशेनो अभ्रभांग. बाल का
अप्रभाग. the tip, point of a hair.
भग० ३, २; —भूमि. स्त्री० (-भूमि)
केशनी भूमि, माथानी ग्राभडी. बाल की
चमडी; मिर का चर्म. the skin of the
head. आ० १०; राय० १६६; —मंसु.
पुं० (-मंसु) माथापरना केश अने दाढी
भुंछ. मिर के बाल और दाढी मूच्छ. the
hair of the head, moustacho
and beard. प्रब० १३६८; —रोमनह.
न० (-रोमनह) माथाना केश. शरीर
रुपां अने नप. मिर के बाल; शरीर के
रोम और नाखन. the hair of the
head, furs and nails. प्रब० ४५६;
—लोअ पुं० (-लोअ) केशेनो लेय करवा;
भरतक तथा दाढीनां बाण हथेली अथी-
भुंछी कदायवा ते. केश का लुंचन करना;
मस्तक तथा दाढी के बाल हाथ से खींचकर
उखाडना. rooting out of hair;
pulling out of hair of the head,
beard etc. with the hand.
भग० १, ६; उल० १६, ३३; " संतप्ता
केस लोण्णं, बंधधरपराहवा " सूय० १,
३, १३; निर० ५, १; —वहार. पुं०
(-अपहार) केश-बाणभानुं अपहरयुं
अहार कदायुं ते. केश-बाल आदिका परि-
त्याग-बाहर निकाल देना. rooting out
of very small hair. क० गं० ५, ८५;
—वाणिज्ज. न० (-वाणिज्य) केशवाला
श्रवोतो व्यापार; पंढर कर्माधानां ओह.
केश वाले जीवों का व्यापार; पन्धर कर्मा-

दानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karṇādānas. भग० ८, ५; —हृत्थ. पुं० (-हस्त) देशना हाथ-वेष्टी; अभ्योडो. बाल का हाथ-वेष्टी; बाल का गूँथना. a braid of hair. नाया० १; कप्य० ३, ३१;

केसंत. पुं० (केशान्त) देशनो पर्यंत भाग; माथानी आभूषी. केश के नीचे का भाग; सिर की चमड़ी. The root of the hair; the skin from which the hair comes out. राय० १६४; जीवा० ३; तंदु०

केसर. पुं० न० (केशर) फूलनो केशर; पद्म योगेरे पुष्पमां यत् पुं० देशना आकारे तंतु. फूल का पराग-केशर; पद्मादि फूलों में उत्पन्न होने वाले केश सरसिले तंतु. The pollen or farina of a flower. पद्म० १; नाया० ४; नंदी ७; जीवा० ३, १; राय० १३३; (२) कम्पिलपुरनी अक्षरना ओक उद्यान-अगीथानुं नाम. कम्पिलपुर के बहार के एक बगीचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. “अह केसरमि उज्जाणे अक्षगारे लवोचये” जं० प० ३, ६१; ७, १६३; उल० १, ३; (३) प्रक्षनी अक्षरना; अक्षर-नुं जाड. वृक्ष का एक जाति; वकुल का झाड़. a kind of tree राय० ५१; (४) सिंदना डेरदा सिंह के केश. the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्य० ३, ३५; —आडोव. पुं० (-आटोष) सिंदना देश-रानो विस्तार. तसह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. भग० ११, ११; कप्य० ३, ३५; —उचवेय. पुं० (-उचपेत) अक्षर देशरथी-युक्त. कमल केशर साहित full of pollen or farina of a lotus. नाया० १३;

केसरि. पुं० (केशरिम्) डेसरी सिंह. केशरी सिंह. A lion of high breed. अणुजो० १११; परह० १, ४; (२) डेसरी रंग का कपड़ा. a cloth of saffron colour. नाया० ५; (३) डेसरि नामनो द्रव; निलवंत पर्यंत उपरनो ओक द्रव. केसरी नाम का द्रव; नीलवंत पर्यंत ऊपरका एक द्रव. a lake of this name; a lake situated on the Nilavanta mount. जीवा० ३, ४; ठा० २, ३; (४) डेसरी-आपती आगीसीना योथा प्रतिवासुदेव. केसरी-आगामीकाल की चौथांसी के चौथे प्रति वासुदेव. Kesarī, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२; —द्रव. पु० (-द्रव) गेभांथी सीतानदी नीकगे छे ते नीलवंत पर्यंत उपरनो ओक द्रव. नीलवंत पर्यंत के ऊपर का एक द्रव जिस में से सीता नदी निकलती है. the lake on the mount Nilavanta from which the river Sitā rises ठा० ३, ४; सम० ४०००; जं० प० ४, ११०;

केसरिया. स्त्री० (केशरिका) ग्रीचीन हाथ पत्र साद करवाने सन्यासीने राखवानो लुप-गनी डकटा; डाकडीअं अधिक उभाय. भूमि या हाथ पांव साफ करने के लिये सन्यासी के पास रखने का एक ब्रह्म का टुकड़ा; लकड़ा पर बांधा हुआ रमाल. A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet. भग० ३, २; ओव० ३६. (२) पत्रा पुष्पानुं सावन; पंगुली. पात्रादि पुत्रन का साधन; पूंजणी. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils. भग० २, १; पण्ड० २, ५;
शोध० नि० ६४६;

केसव. पुं० (केशव) कृष्णवासुदेव^१ नाम.
कृष्णवासुदेव का नाम. The name of
the Krishna Vasudeva. उल० २२,
२; नाया० १६; जीवा० ३, २; पण्ड० १, ४;
केसवृष्टि. स्त्री० (केशवृष्टि) केश-वातनी वृष्टि
करी पतारवाती विद्या. केश-वालों का वृष्टि
दिखलाने वाला विद्या. The lore of
making a shower of hair fall.
सूय० २, २, २७; (२) केश-वातनी वृष्टि
केश-वालों का वृष्टि. a shower of
hair. प्रब० १४६७:

केसि. पुं० (केशिन्) परदेशी राजने समग्र-
वनार पार्श्व प्रभुता संतानीया; ओ नामना
ओक कुमार समग्र-कुमारवस्थाभां प्रवर्णना
लीयेत भद्रात्मा परदेशी राजा को समझाने
वाले पार्श्वप्रभु के संतानिया; इस नाम के एक
कुमार भ्रमण कुंवारावस्था में दाखिल हुए
महात्मा. A disciple of Pārśva-
nāth who had given advice to
Pardeśi king. उल० २३, २; राय० २१५;
भग० ११, ११; उवा० ८, २६६; निर० ५,
१; (२) केशीकुमार; उदायन राजने
आनेअ. केशीकुमार; उदायन राजा का भानेज.
the prince named Keśi; the
nephew of king Udāyana. भग०
१३, ६; उवा० ८, २६६; (३) केशी-
वासुदेव. Keśi Vāsudeva प्रब० ४२३;
—सामि. पुं० (केशमिन्) केशी कुमार-श्री
पार्श्वनाथ स्वामिना शिष्यानुशिष्य केशों
कुमार-श्री पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य.
Keśi Kumāra the grand-disci-

ple of Pārśvanātha. भग० २, ५;
केसि. पुं० (केशिन्) केश वायो; दुःख वायो.
क्लेश वाला; दुःखी. Troubled; afflict-
ed. विश० ३१५४;

केसिन्ना. स्त्री० (केशिका = केश विद्यन्ते यस्याः
सा केशिका) माथा उपर दांता केश धराव-
नागी स्त्री. मिर पर लम्ब केश रखने वाला
स्त्री. A woman having long hair
on the head. सूय० १, ८, २, ३;

केसी. स्त्री० (केशरी) केशी. केश प्रकारनी.
केशों; किम तरह का; (स्त्री). Of what
sort. अणुजो० १२८;

४ कोआमिअ. त्रि० (-) पद्मनी पेडे
विशेष. पद्म कमल का तरह विकसित
Blown as a lotus. आब० १०; जं०
१० २;

कोई. अ० (काश्चत्) कोन ओक. कोई भा.
Certain, some one नाया० ७; सु०
च० ४, १८८, दस० ५, १, १६; भल० ३८;
कोइल पुं० स्त्री० (कोकिल) कोयल; वसंत
ऋतुभां पंचम स्वर मधुर आवाज करने
वाला एक पक्षी. A
lark. सु० च० २, १३६; जीवा०
३, ३; नाया० ५; ८; जं० १० निर० ५, १;
उल० ३४, ६; अणुजो० १२८; आब० ठा०
७, १;

कोइलकडुय. पुं० (कोकिलकडुय) तैल कटक
नामनी ओक पनरपति. तैल कटक नाम का
एक वनस्पति. A kind of vegetation.
पल० १७;

कोउअ-य. न० (कौतुक) कुतूहल. कुतूहल.
Curiosity. भग० ७, ४; सू० प० २०;

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देतो पृष्ठ नम्बर-१२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (r) n. 15th

मु० च० १३, ४३; प्रब० १११; ६५१;
कप० ४, ६७, (२) गर्भाधानादि संस्कारः
भोजनस्य विशेष. गर्भाधान आदि संस्कारः
महोत्सव विशेष. ceremony relating
to pregnancy. भग० ११, ११; राय० २८,
(३) उतार डाटवे योरे डैनुड कर्म. भूत
उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observ-
ance to get rid of the obses-
sion by a ghost. सूय० २, २,
५५; (४) रक्षा: रक्षाय. रक्षा: रक्षण. pro-
tection. जं० प० ३, ४३; (५) भंग्य
क्रिया; डपावे तिलक डरेय ते. मांगलिक
क्रिया; कपाल पर कंक आदि का तिलक लगाना.
an auspicious action; an auspi-
cious mark on the fore-head.
जं० प० भग० २, ५; ६, ३३; उत० २२,
६; आब० ११, २७; —कर्म. न०
(—कर्मन्) भंग्य-मांगल्य भाटे डपावे
तिलक डरेय ते. मंगल-मांगल्य के लिये
कपाल पर कंक आदि का तिलक लगाना.
the act of making an auspici-
ous mark on the fore-head.
नाया० १४; निर्मा० १३, १२; —कारक.
त्रि० (—कारक) डैनुड डरेय. कौतुक
नमाशा करने वाला. an enchanter;
a joker. आब० ४ १;

कोडग. न० (कौतुक) जुआ " कोडग य'
शब्द. देशों " कोडग-य " शब्द. Vide
" कोडग-य " मु० च० ८, ८४; पंच० १३, २४,
कोडय. पुं० (कौतुक) जुआ " काडय " शब्द.
देशों " कोडय " शब्द. Vide " कोडय "
नाया० १;

कोडहल. न० (कौतुक) डैनुड; डुनुड.
उत्सुकता. कौतुक; कुतुहल: उत्सुकता
Eagerness; curiosity. आब० ३८;
भग० ४, ३३; निर्मा० ३, ५; जीवा०

३, ३; राय० ४०; —वाडिया. स्त्रि०
(—प्रतिज्ञा) डुनुड निमित्त. कुतुहल के
लिये. for the sake of curiosity.
राय० निर्मा० १७, १;

कोडहल. पुं० (कुतुहल) डैनुड; डुनुड.
कौतुक भाव. कौतुक. Curiosity भग०
१, १; (२) अभुक्त भोगनी डरेय अभु-
क्त भोगनी स्मृति. अभुक्त भोग का आ-
कांक्षा और भुक्त भोग का स्मृति. desire
for a thing that is never tasted
and remembering of things
that are tasted. जं० प० ५, ११५;
उत० १५, ६;

कोडहलिल. वि० (कौतुकलिक) डुनुडली;
भुक्तरे. मस्करा; हंसा करनेवाला. A
joker; a buffoon. आब० निर्मा० ११३;
कोकण. पुं० (कोकण-कोकण एव कोकणः)
अ नामना अ देश. इस नाम का एक देश.
A country of this name. डोष०
निर्मा० २३३;

कोकणग. वि० (कोकणक) डैनुड देशों
देशों. कोकण देश का निवास. A re-
sident of Kokana. पञ० १; पण्ड०
१, १.

कौच. पुं० (कौच) गैर पक्षी. कौच पक्षी.
A heron. निर्मा० ४, १; पञ० १;
डा० ७, १; जं० प० नाया० ६; ८; राय०
५५; गोवा० ६, ३; उत० १४, ३३;
आब० ३४; " छट्टेय मारसा कोचा, वेसाय
मन्त्रं गच्छा " डा० ७; (२) कौच देशों
देशों. कौच देश का रहनेवाला. a resi-
dent of Koucha country. पण्ड०
१, १; पञ० १; —आरव. पुं० (—आरव)
कौच पक्षी का गैर आवाज. कौच पक्षी जैसा
आवाज. a sound resembling that
of a heron. जं० प० ३, ५३; —आमल. न०

(-आसन) એક જાતનું આસન એક પ્રકારका आसन. a kind of bodily posture.

जीवा० ३; भग० ११, ११; —स्वर. त्रि०

(-स्वर-काण्डस्थेयामयामेन विमिगंतोऽपि दीपेदेशव्यापी स्वरां येषां ते काण्डस्वराः)

કોચ પક્ષીના સરખા મધુર સ્વરવાલો.

कोच पक्षी के सदृश मधुर स्वर वाला. (one)

having a melodious voice as

the cry of a heron जीवा० ३; (२)

विज्जु कुमार देवताની घंटा. विज्जु कुमार

देव का घंटा. a bell of Vijju Ku-

mar. जं० प० ५, ११९; ५, २१;

कौटिल्य. त्रि० (कौटिल्य-कौटिल्यं ज्योतिषं

निमित्तं वा प्रयुक्तं इति कौटिल्यः) કોટલ-

જ્યોતિષ અથવા નિમિત્ત શાસ્ત્રનો જ્ઞાનાર.

कोटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञाता.

One knowing astrology and

science of omen. “ पाणि बहोति

सुगहं पठंयं कौटल यस्स नितिवंतु ”

ગ્રાંથ० નિ० મા० ૨૨૧;

કોટલક. પુ० (કોટલક) એક જાતનું

પ્રાણી એક જાત का प्राणी. A kind of

animal. ગ્રાવ०

કોત. પું० (કુન્ત) બાણ. માલા. A spear.

જં० પ० —ગ. ન० (-અગ્ર) બાણની

અગ્રી. માલા કા નોક. the point of

a spear. નાયા० ૧૬;

કૌતિય. પું० (કૌતિક) એક જાતનું ઘાસ.

एक जाति का घास. A kind of grass.

भग० २१, ६;

કોકાતિય. પું० (કોકમિક કોકો હતેયં આર-

ટીતિ) કોહડું. કોલા. A gourd.

(૨) લોકડી. લોમડી. a jackal. પરહ०

१, ૧; આયા. ૨; ૧, ૫, ૨૭; जीवा० ३; ૩;

नाया० १; पञ० १;

कोकणय. न० (कोकण-कोकणं चक्रवाकान्

नवति नावयति वेति) લાલ કમલ.

लाल कमल) A red lotus. पञ० १; सूच०

૨, ૩, ૧૮;

कोकासिञ्च-य. त्रि० (*) કોકાસ-લાલ

કમલની પેંડ વિકસિત; પ્રદુલ્લિત. કોકાસ-

लाल कमल का तरह प्रकुलित-विकसित.

Blown as a red-lotus. જાંબા० ૩,

૩; જં० ૫०

कोकिल. पुं० आ० (कोकिल) કોયલ પક્ષી.

कोयल पक्षी. A cuckoo bird. पञ० १;

कोकुश्च. पुं० (कौकुचिक) હારયજનક એજા

કરનાર; ભાંડ. માંડ; હાસ્યમય જેણ કરને-

વાલા. A joker જં० ૫०

कोकुकुश्च. त्रि० (कौकुचिक) ભાંડની પેંડ

એજા કરનાર. માંડ કાં તરફ જેણ કરનેવાલા.

One who acts like a joker.

उत्त० ३६, २६१; श्रौव० ३१; जं० ५०

कोकल. पुं० (कौल) એ નામનો એક દેશ.

इस नाम का एक देश. A country of

this name. भग० १५, १;

कोकुम्भरि. पुं० (कुस्तुम्भरि) એક જાતનું

ધાન્ય. એક જાતિ का धान्य. A kind of

corn. જં० ૫०

कोज. पुं० (कुज) कुज-એક જાતનું ઝાડ.

एक जाति का झाड़. A kind of tree.

कप० ३, ३७; नाया० ८;

कोटि. पुं० (कोटि) અગ્રભાગ; અગ્રી. અગ્ર-

भाग; नोक. The point. જં० ૫० (૨)

કરોડ; સંખ્યા વિશેષ. करोड़; वृहद् संख्या.

a crore (numerical figure).

* ભુએ ૫૪ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

विशे० १२३:

कोटिल्ल. पुं० न० (काटिल्ल) नानो भुदगर.

छांटा मुद्रल. A small club. विशे० ६:

कोट्ट धा० II. (कुट्ट) अन्ने पगपटे जमीन

पर कुट्टवुं. दोनों पाव में जमीन पर कूदना.

Jumping on the ground by

lifting both the feet upwards.

(२) कुट्टवुं. कूटना: बुझनी करना. to

pound.

कोट्टिय. सं० कू० जीवा० ३, १:

कोट्टिमाख. व० कू० भग० १४, १:

कोट्टिजमाख. व० वा० व० कू० जीवा० ३, ४:

कोट्ट पुं० (*) द्वितीया. गढ: किला. A

fortress, (२) पञ्चाङ्गवुं: कुट्टवुं. पछा-

डना: कूटना. to dash; to pound

पयह० १, १.

कोट्टिकिरिया. स्त्री० (कोट्टिकिया) अन्दिडा.

दुर्गा यंगरे रुद्रस्वरूप देवी. चंडिका: दुर्गा

आदि शैलस्वरूप वाली देवियां. The goddesses

(Chandika etc. भग० ३, १: नाया०

८: अणुत्रो० २०;

कोट्टिणी स्त्री० (*) द्वितीया उपरनी अभिधा.

किले की भूमि. The courtyard in a

fortress. जं० प० ३, ४२;

कोट्टाग पुं० (*) मुतार. मुतार: बगडं. A

carpenter. " कोट्टाग कुलाणि वा गाम-

रक्क कुलाणिवा " आया० २, १, २, ११:

कोट्टिम. पुं० (कुट्टिम) आंयतणीयुं. जमीन के

नीचे का तलघर: रूखे की भूमि. The un-

derground floor; a cellar. नाया०

६: —कार. त्रि० (-कार) आंयतणीयाने

अनायनार. मांस में तलघर का बनानेवाला.

the architect who constructs a

cellar अणुत्रो० १३१: —तल. न०

(-तल) आंयतणीयुं. नीचे का जमीन:

तलघर. a cellar. नाया० १: भग० ६,

३३. जं० प० १:

कोट्ट. पुं० (कोट्ट) द्वितीया धान्य भरणे

केलिय: कोटी. कोटा: धान्य भरने का कोठार:

कोठा. A granary. डा० ३, ८: भग०

१४, १: १०, ६: नाया० १: जावा० ३, १:

वि० नि० २११: आश० २६: ३८: प्रव०

१००६: (२) द्वितीया आनी. कोठा: छाती.

a store room; the breast. जं० प० ३,

४७: आश० २१: नाया० १६: (३) अंध

अनने सुगंधी द्रव्य: कुट्ट. एक जात का

सुगंधी द्रव्य. a kind of fragrant

substance. भग० १८, ६: राय० ४४:

धारणानुं अंध नाम. धारणा का एक नाम.

name of a Dhāraṇa. नंदी० ३३: (५)

शरीरनी अंदर पांच पांच अंग: अंग

कोटी पुत्रपते पांच अंगे अंगे छ देय छे,

अंध अंगे अंधि छे भाटे. शरीरके भीतरका

पांच अवयव: एंगे पांच कोठे पुरुष के पांच

तथा स्त्री के छ: हांने हैं, एक गले का अधिक

होता है. a hollow organ in the

body; there are five such or-

gans in the body of a man and

6 in the body of a woman. नंद०

—आउल त्रि० (—आगुल) कोटीमां नांयत

कोटीमां रक्षित. भंडार में डाला हुआ: कोठे

में रक्षित. properly stored. भग० ६,

४, ६, ६: डा० ३, २: निर्गी० १७, २२:

वैय० २, ३: —उयगय. पुं० (—उयगत)

कोटीमा प्रवेश करेन कोठे में घुसा हुआ.

(one) who has entered

* अथवा पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

into a room. भग० ८, १; — पुट्ट.

पुं० (— पुट्ट-कोट्ट वःपचयेन कामसमुदायः स कोट्ट एव, तस्वपुट्टाःपुट्टकाः कोट्ट-पुट्टाः) कोट्टो-अगधी द्रव्यतो पट्टा सुगंधा द्रव्य का पुट्टा. a packet of a fragrant substance. नाया० १७; भग० १२, १; जं० प० ४, ८६; — बुद्धि जी० (— बुद्धि-कोट्टकमोक्षतथान्यमित्व यस्य सूत्रार्थं सुचिरमपि तिष्ठतः स कोट्टबुद्धिः) कोट्टारना जेती बुद्धिः कोट्टाभां पट्टेन धान्यं जेम सट्टे के अगडे नट्टे तेम भेत्तयेज्जं जान अज्ज पय्येन नट्ट थाय नट्टिं अया प्रोत्तरी बुद्धि-शक्ति. कोट्टे जेमी बुद्धिः कोट्टे में पट्टा हुआ धान्य सवता या बिगड़ता नहा वेम हो प्राप्त हुआ जान जीवन पय्येन नट्ट नहो होता ऐमी बुद्धि शक्ति. (one) of great intellect; a kind of intellect which never spoils like corn which is stored in a granary. ओव०विशे० ७६६; समुग. पुं० (समुग) कोट्टो अगडो. कट्ट का टन्ना. a box made of wood apple. ज० प० ३, ६३;

कोट्टय य. पुं० (कोट्टक) सारथी नगरीना भ्रान्त्युज्जाना परतन उद्याननु नाम. सारथी नगरी के इशान कोने के पुरातन उद्यान का नाम. Name of an old garden situated to the north east of Savartha city. नाया० १; भग० ६, ३३; १२, १. १२, १. राय० २११; निर० ३, १; उवा० ६, १२६; (२) धान्यतो कोट्टार. धान्य का कोठा. a store room for grain; a granary. प्रब० १४१६; — कोट्टय. न० (कोट्ट) सारथी नगरीनी अट्टारनु उद्यान. सारथी नगरी के बाहर का बगीचा. a garden situated outside Savartha city. नाया० ४० २;

— बुद्धि. जी० (— बुद्धि) धान्यना कोट्टारनी बुद्धि. धान्य के कोठों की बुद्धि. increment in grain stores. प्रब० १४०८;

कोट्टग. पुं० (कोट्टक) कोट्टो; अट्टार कांठा; बुज्ज. A tower; a room. (२) ओट्टो. बड़ा कमरा. a large room. सम० प० २१०; जीवा० ३, ३; अणुजो० १४८; पज० २; (३) आरस्ती नगरीबाहरतो ओक आग. आरस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान. a garden outside the city of Srāvastī. उल० २३, ८;

कोट्टागार. पुं० (कोट्टागार) धान्य गृह; कोट्टार. धान्य घर. कांठार. A room for storing grain; a granary. निर० १, १; राय० २०६; २०२; २८२; निमा० ८, ४; ६; विशे० १८२७; नाया० १; ७; १८; भग० ११, ६; उल० १०, २६; ओव० कप० ८, ६८; जं० प० २, ३०; — माला. पुं० (शाखा) कोट्टारनु भटान. कोट्टे का मकान. a house having a granary. नसी० ६, ७;

कोट्टिय. त्रि० (कोट्टिक) कोट्ट यथो; जेती प.मे कोट्टाभां सुगंधी द्रव्य छे ते. सुगंध द्रव्य जिसके पास है वह; कोट्ट वाला. (One) having a fragrant substance known as Kothī. विशा० ७; उवा० २, ६४;

कोट्टंठ. पुं० (कंठगड) धनुष. धनुष. A bow. अं० ४, १;

कोट्टंठ. पुं० (कोट्टंठ) दृक्षनी नभेदी श.आ. तो अग्रभाग. झुके हुए वृक्ष की शाखा का अग्रभाग. The foremost portion of a bent branch of a tree. ' विसम गिरिकटग कोट्टंठमसिचिद्धा ' नाया० १८;

कोट्टंठाली. जी० (कोट्टंठाली) ओ नामनी ओक श.आ. इस नाम की एक शाखा. A

sect of this name. कल्प० ८;

कोडव. व० (*कोडव) कुटुंबु ते. कूटना.

Poundin. परह० १, ३;

कोडाकोडि. जी० (कोटिकोटि) ऐक कोडा कोड;

करोड गुण्या करोड. एक कोडा कोड; करोड

का करोड से गुण्य करना. 10000000x

10000000; a crore multiplied

by a crore. अ० २, ३; भग० ६, ३;

१६, ६; जं० प० पञ० २, ३;

कोडाल. न० (कोडाल) कोडाल नामे ऐक

गोत्र: ऋषभदत्त आत्मजु गोत्र. कोडाल

नामक गोत्र: ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र. A

lineage known as Kodāla; the

lineage of the Brahmin Risa-

bhadatta. कल्प० १, २; —सगोत्र. त्रि०

(—सगोत्र—कोडाल:समं गोत्रं वक्ष्यस:) कोडाल

गोत्रभां जन्मेव; कोडाल गोत्र यागो कोडाल

गोत्र में उत्पन्न; कोडाल गोत्र वाला (one)

born in Kodāla lineage. आया०

२, १५, १७६;

कोडि. जी० (कोटि) करोड; मेा प्राप्.

(१०००००००) एक करोड; सो लाख;

(१००००००) One hundred lacs;

one crore; 10000000. भग० २, १;

८; ३, २; ७, १; १३, ६; सु० व० १, २१८;

स० प० १८; जीवा० १; नाया० १; ८;

अशुजो० ११७; उत्त० ८, १७; अ० २, ४;

आव० ७, १८२; (२) अंशो. कोना a

corner; an angle. पञ्चा० १३,

०६; राय० १५६; पि० नि० २४०; अ० ८;

(३) छेडा; अंत्य प्रदेश. किनारा; क्षितिम

प्रदेश. end: the region of the

boundary. जं० प० (४) दधीपारती धार.

हथियार का धार. the edge of a

weapon. जीवा० ३; राय० २०४; (५)

अभि; अभिभाग. नोक; अभिभाग. point;

tip. (१) धनुष्यनी पञ्च७. धनुष्य का

धोरा. the string of a bow. जीवा०

३, ४; (७) पञ्चआजुना भागा; करोड;

अने जेभना संयोगेथी छेपल यता विडपयता

प्रकार. प्रयाख्यान के भागे; करण और योग

के संयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद. divi-

sions of Pachchakhāṇḍa; प्रब०

१६१; —पहुल. न० (—पृथक्) अेथी

भांडी नय करोड सुधी. दो से लगाकर नौ

करोड तक. from two to nine

crores. प्रब० ६३५; —सयपुहुल. न०

(—शतपृथक्) यसे करोडथी भांडी

नयसे करोड सुधी. दोसो करोड से लगा

कर नौसो करोड तक. from two

hundred crores to nine hundred

crores जं० प० ६, १२५; भग० २५, ६;

—सहस्रपुहुल. न० (—सहस्रपृथक्)

ये दसतर करोडथी भांडीने नय दसतर करोड

सुधी दोहजार करोड से लगा कर नौ हजार

करोड तक. from two thousand

crores to nine thousand crores.

भग० २६, ६; —सहिय. न० (—पहित

कोटाभ्यामेकस्य चतुर्थांशेनान्तांभागाऽपरस्य

चतुर्थांशेनान्तांभागाऽपरस्य

साहसं मिश्रितं कोटिसहितम्) ऐक पञ्च-

आजुने छेडा भीम पञ्चआजुन शउ-

आनने भयानो देय तेयुं नय, दायका तरीडि

ऐक आजुसे आठ आसगिल कुयुं भीम

दियसे अयारभां आठनुं नय पुडयनां थीम

अयगिल पञ्चमे तो पड़ेस पञ्चआजुने

छेडा भीम पञ्चआजुनी शउआन साथे

भयने भारे ते नयकोटि सदित नय कड़ेवाय.

एक प्रयाख्यान का अंत दूसरे प्रयाख्यान के

प्रारंभ में मिलना हा ऐसा नय; उदाहरणार्थ

एक मनुष्य ने आज आयाचिल किया दूसरे

दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होने ई

द्वारा आरंभित कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अन्त दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंभ से मिल जाय इस लिये इस तर्क को कोटि सहित नय कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity. भग० ७, २; डा० १०; उल० ३६, २५३; प्रत्य० १३१;

कोटिकोटि. क्री० (कोटिकोटि) अनु०
" कोटाकोटि " शब्द देखो " कोटाकोटि " शब्द. Vide " कोटाकोटि " क० प० १, २२; २, २६; — अन्तो. अ० (अन्तर) कोटाकोटीनी अन्तर कोटा काटी के अन्तर. less than a crore multiplied by a crore क० ग० ५, ३३;

कोटिकार पुं० (कोटिकार) अ० प्रकारने करीगर; हथियारनी धार सभी करनेवा. एक प्रकार का मिर्ची; हथियार की धार दुरुस्त करने वाला. An architect who sharpens or grinds the edge of a weapon. पञ० १;

कोटिल. न० (कोटिल) कोटिल नामनुं अ० नगर. कोटिल नाम का एक नगर. Name of a city. नाया० १६;

कोटिल्ल. न० (कोटिल्ल) अ० नामनुं जात्र. इस नाम का एक गोत्र. A lineage of this name. कण० ५, १०३;

कोटिन्. पुं० (कोटिन्) कोटिन्-यनामे भदा गिरी आचार्यनी शिष्य. कोटिन् नाम का महागिरी आचार्य का शिष्य. Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgiri. कण० ५; विशेष २३६०; (२) कुत्स गोत्रनी शाखा. कुत्स गोत्र की शाखा. a branch of Kutsa lineage. डा० ७, १; (३) कुत्स गोत्रनी शाखा-भांने पुत्र. कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न

पुत्र. a person belonging to Kutsa lineage. डा० ७, १; (४) वसिष्ठ गोत्रनी शाखा. वसिष्ठ गोत्र-की-शाखा. a branch of Vasiṣṭha lineage. डा० ७, १; (५) वसिष्ठ गोत्रनी शाखा-भांने पुत्र. वसिष्ठ गोत्र की शाखा-भांने पुत्र. a person of Vasiṣṭha lineage. डा० ७, १;

कोटिमा क्री० (कोटिमा) २५२ आभनी सातवीं मूर्च्छना. गंधार ग्राम की सातवीं मूर्च्छना. The 7th note of a musical scale known as Gandhāra. अणुजो० १२८;

कोटियगण. पुं० (कोटियगण) कोटिक नामने भदागिरी स्वामीने अ० अणु. कोटिक नाम का महागुरु स्वामी का एक गण. An order of ascetics styled as Kōṭika and established by Mahāvīr Svāmī. डा० ४;

कोटिकुल. न० (कोटिकुल) कोटिकुल अर्थ-शास्त्र. कोटिकुल का अर्थ शास्त्र. Political economy founded by Koutilya. अणुजो० ४१;

कोटी. क्री० (कोटी) करोडनी संख्या; सो शाखा. एककरोड की संख्या; सौ लाख; (१०००००००). 10000000; one crore; 100 lacs. पञ० २; अणुजो० १३३; नाया० १; - ईसर. पुं० (-ईसर) धनाढ्य; कोटिधनि-शाहूकार. धनाढ्य; कोटाधिपति-साहुकार. a wealthy person; a millionaire. गु० च० १, ३३;

कोटीकुगमिलल. न० (कोटिकुगमिलल) मतना मे छेड़नुं मित्रान करयुं ते; अ० मत पुनुं थयुं ते पाह्या विना भीमने आरम्भ करेते ते-मेम उपवास पुरो धये के अ० कलाभां प२२; आक्ष करेते ते; प२२-

आलुनो अ० प्रकार. व्रत के दोनों किनारों का मिश्रण करना; एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागने दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवास पूर्ण होतेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना। प्रत्याख्यान का एक भेद A variety of Pachchakhāpp; joining together of two Pachchakhāpps (vows) i. e. to undertake another vow at the end of the first. प्र० १३१:

कोडीवरिस. न० (कोटिवर्य) लाटदेशनं अनामन् अ० नगर. लाटदेश का इस नाम का एक नगर. A city of this name of the country Lāta पञ० १:

कोडीवरिसिया. स्त्री० (कोटिवरिका) अनामन् अ० शाखा. इस नाम का एक शाखा. A branch of a certain lineage क० ८;

कोडुबि. त्रि० (कुटुम्बिन्) अ० ग० कुटुम्बि यागो. बड़े कुटुम्ब वाला. (One) of a big family. ठा० ३, १; अणुजो० १३१; जवा० ३, १;

कोडुबिणी. स्त्री० (कोडुम्बिनी) कुटुम्बिनी अ० कुटुम्ब की स्त्री० A female member of a family. (२) दासी. दामा. a maid servant. भग० ११, ११:

कोडुबिय. पुं० (कोडुम्बिक-कुटुम्ब्याधिपति: कोडुम्बिकः) कुटुम्बिनो नायक. कुटुम्ब का आधिपति नायक. The head of a family. अणुजो० १३; राय० २५३; पञ० १६; भग० २, १; ७, ६; उवा० १, १२; नाया० १६; जं० प० (२) सेवक; हजुरी. a servant; an attendant. दमा० १०, १; क० ४, ५०:—पुरिस पुं० (पुरिस्) कुटुम्बिनो

आलुस; हजुरी; सेवक. कोडुम्बिक मनुष्य; हजुरी; सेवक. an attendant of a family. नाया० १; द० १४; भग० ६, ३३; विवा० ६; निर० १, १; दमा० १०, १; क० ४, ५०;

कोडुसग. पुं० (कोडुसक) अ० अनामन् भान्य; कोडुस एक प्रकार का भान्य. A kind of corn. भग० ६, ७; प्र० १०१३;

कोड. पुं० (कुट) अ० प्रकारनो रोग; कोड. एक प्रकार का रोग; कोड. A kind of disease; leprosy नाया० १३:

कोटि. त्रि० (कुटिन्—कुटमहादराभेदमस्यास्तीति कुट) द० रोग यागो; कोटिपे; कोट रोग वाला; कोटिया. (One) having leprosy पग० २, ४; आया० १, ६, १, १३२;

को.ल. पुं० (कोल) बीजा वाद्ययानो द्रव्यो याना वज्रनका दस्ता. The key note of a musical instrument. राय० १३०; (२) भुजो. कोना. a corner; an angle. प्र० ६८२; जवा० ३, १; प० १; ओष० नि० भा० १६२:

कोलाल पुं० (कोलाल) अ० विशेष जीव विशेष. A kind of living creature जं० प०

कोलालग पुं० (कोलालक) अ० अनामन् पक्षी. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पग० १, १;

कोणिय. पुं० (कोणिक) चंपा नगरीनो राजा; अ० अनामन् पुत्र. चंपा नगरी का राजा; कोणिक राजा का पुत्र. The king of the city of Champā; the son of the king Śrepika नाया० १: ६, १६; भग० ७, ६;

कोतव न (कोतव) उ० दस्ता यागनं अनावेष्टं भुत च्छे के बाल का बनाया हुआ सूत. A

thread made of the hair of a goat. अणुशब्दः ३३३:

कोशिय पुं० (कायिक) अथ यत् शयन करे नाशः न पयनी अंशं भवति. भूमि पर सोने वाला; नपयनी का एक जाति (One who sleeps on the floor. निर० ३, ३; भग० ११, ३; आश० ३८:

कोशिय. नि० (कौश) इत्येव यस्या इत्यथ यत्पुत्र पत्न्य शिवभूति पत्न्ये कृत्य गोत्र मे इत्यस्य पुत्रस्य शिवभूति आदः. Śivalbhūti etc. born in Kutsa lineage. टा० ७, ३:

कोशिय. पुं० (कोष्ठ) इति, उद्दिष्ट प्रदेश. कोशः उदर प्रदेश. 'The stomach, the belly. नाया० १: हस्त्य शत्र० (हस्तः कोष्ठे उदर प्रदेशे हस्त्य यस्या य तथा) उद्दिष्ट पर दाया छे मेंना अये. जिसका छाती पर हाथ है वह. (one) with his hand resting on the breast "गणिया गार करेण कोशय हथी" नाया० १:

कोशियर. पुं० () शङ्खी पत्राक्ष. काष्ठ की कोचर. A elf in a tree. सु० न० १८, १४:

कोशयल. पुं० () धैरे. कोथिंगे गुणः धैरा. A big bag उत्त० १६, ४०:

कोशयलगारिष्ठा स्त्री० (कोशयलकारिका) धैर्यता देव पर करनारी अमरी मिश का घर बनने वाला अमरी A fly which builds a house of the shape of a bag. आश० नि० ७४२:

कोशयलवाहिका. स्त्री० (कोशयलवाहिका) यन्त्र इन्द्रियसमा अस्ती अंशं भवति. प्रण इन्द्रिय वाले जाव की एक जाति. A kind

of three-sensed creature. पञ० १.

कौशुभ. पुं० (कौस्तुभ) शिशु आभरण. गले का आभरण. An ornament for the neck; a necklace. (२) शृङ्खलायुद्धेना शत्रुना न भवे भयं. कृष्ण वामदेव का कौस्तुभ नाम की मणि. a gem so named of Kṛṣṇa Vāsudevya पञ० १, ४:

कौशुभ. पुं० (कौस्तुभ) अशीषरमा तीर्थ इत्यादि आभरणयुक्तम्. ग्यारहवें तार्थक्य के १ ले गण पर का नाम. Name of the 1st Gāndhāra of the 11th Tīrthāṅkara. प्रव० ३०२:

कौशुभवच्च पुं० (कौस्तुभवचस्य) शैथिली कंघमार A kind of vegetable. निमा० ३, ८:

कौशुभ. न० (कौशुभ) धनुष. धनुष A bow "कौशुभ विष्य मुकेषं उलुका वाम पादांबुधं समाक्षौ" अंत० ५, भग० ७, १.

कौशुभय पुं० (कौशुभयक) दुस्ति ६३: अपेक्ष ६३. कुस्मित दण्डः अयोग्य दण्ड. Inadequate punishment. भग० ११, ११.

कौशुभय पुं० (कौशुभयक) अंशं भवतु धान्य. इन्द्रा. एक जाति का धान्य; कोदरा. A kind of corn. भग० २१, ३; पञ० १:

कौशुभ. पुं० (कौशुभ) इन्द्रा: अंशं भवतु धान्य. इन्द्रा. एक जाति का हलका धान्य. कोदरा. A kind of corn of inferior quality. पञ० १: विश० १२०४; आश० नि० भा० ३०२, नि० नि० १६२; भग० ३, २१, ३; जं० प० मूय० २, २, ११. टा० ७, १; प्रव० ६८२: १०१३:

कौशल. पुं० (कौशल) अंशं भवतु धान्य.

* अनुमे. पृष्ठ नम्बर १५ नी ५: नोट (०) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुट-नोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

some ceremony for giving notice to the people विशेषः १८०९; कौमुदी. श्री० (कौमुदी) आन्दनी. चादनी. Moon-light. जीव० ३, ३;

कोयव न० (कोयव) कोयव देशना यन्त्रनी अक्षन्त. कोयव देश के वस्त्र की एक जाति A kind of cloth of the Koyava country. नाया० १७; आया० २, ५, १, १४५; (२) कोयव नामने अक्ष देश कोयव नाम का एक देश. a country of this name. प्रथ० १४१८;

कोयवि. पु० (कोयवि) कु-आपुसणी अक्ष २५५; गुर्दी. कयम से भरी हुई रजाई. A quilt. प्रथ० ६८२;

कोर. धा० II. (कर्) कौरतुं; कौततुं. कोदना; कुतरना. To carve.

कोरेई. निमी० १८, ४६;

कोरिष. सं० कृ० निमी० १८, ४६;

कोरावेह. पुं० निमी० १४, ३०;

कोरंट. पुं० (कोरवट) कौरन्ट जलतुं अक्ष जा०; धूमना गुच्छतायुं अक्ष वृक्ष. कोरंट जाति का एक काष्ठ. कुल के गुच्छेवाला एक वृक्ष. A kind of plant bearing flowers in clusters. पञ० १; भग० ७, ६; ओष० ३१; नाया० १; राय० ५४; ६६; उवा० १, १०; ज० प० ५, १२२; — पत्त. न० (—पत्र) कौरंट वृक्षना पाँदा. कोरंट वृक्ष के पत्त. the leaves of a Koranta tree. नाया० ८; — बोट. पुं० (वृत्त) कौरंट वृक्षतुं दीर्घ-चिह्नं कोरंटवृक्ष का बोट. the stem of a Koranta tree. भग० ४२, १;

कोरंटग. पुं० (कोरवटक) जुओ "कोरंट" शब्द. देखो "कोरंट" शब्द Vide. "कोरंट" भग० २२, ५;

कोरव. न० (कोरव) कौततुं ते. नकासना;

कोरना. Carving. निमी० १८, १४; कोरव पुं० (कोरक) कौर; भंजरी. मंजरी. Pollen. (२) कति. कक्षा. a bud. डा० ४, १;

कोरव. पुं० (कोरव) कुरुवंश. कुववंश The Kuru family. (२) ते वंशभा जन्मेष्ट. उस वंश में उत्पन्न. a person born in this family. भग० ६, ३३; पञ० १; राय० २१८;

कोरविष्ठा. स्त्री० (कोरविका) पञ्च भावनी श्रीष्ठ भूषणा. शब्द ग्राम की दूसरी मूर्धना. The second note of the musical scale. अष्टाशो० १३८;

कोरव्य पुं० (कोरव्य) कुरु वंशभा उत्पन्न भव्य. कुववंश में उत्पन्न. One born in a Kuru family. ओष० १४; भग० २०, ८; जीवा० ३, १; अष्टाशो० १३१, प्रथ० १२२३;

कोरव्यिया. स्त्री० (कोरविका) पञ्च भावनी श्रीष्ठ भूषणा. शब्द ग्राम की दूसरी मूर्धना. Known as Śādajā. डा० ७, १;

कोरिग. पुं० (कोरग) अक्ष जलतुं पक्षी. एक जाति का पक्षी. A kind of bird. पण्ड० १, १;

कोरिट. पुं० (कोरवट) अक्ष जलतुं जा०. एक जाति का वृक्ष. A kind of tree. कण० ३, ३०; ४, ६२; जीवा० ३, ४; जं० प०

कोरिटग. पुं० (कोरवटक) अक्ष जलतुं प्राणी. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जं० प०

कोरिटय. पुं० (कोरवटक) अक्ष जलतुं जा०. गेदा; हजारा. A kind of plant. पञ० १;

कोरिस्तल. त्रि० (कोरिस्तक) धुआं श्रवणे कोरी भावेतुं; गुटी कुटी श्रवणे श्रवणे. पुन जावो नै कोर २२ जाया हुआ; दहा पूटा

जीर्ण. destroyed by insects which feed themselves by carving a substance. राय० २२३.

कोल. पुं० (कांज) धुलोः उद्भूतः प्राप्ति यंत्रे.

धुनः उदई; बिउटी इत्यादि. Insects
e. g. white ants etc. आया० १, ८;
७, १७; (२) भो२. बेर. berry. दम०
५, ७, २१; आया० ७, १, ८, १३; पि०
नि० ५६१; (३) पु३६२; अं३. मुअर. a
pig. पगड० १, १; उम० १५, ५४; नाया०
१. — आद्विग न० (— अस्थिक) भो२तो
ऽपि०. बेर का गुठला. a stone of a
berry अग० ६, १०; — आवास पुं०
(आवास) धुआनुं गे०स्थान. उपाशनुं स्थान.
धुन के रहने का स्थान; उदई का स्थान.
residing place of insects e. g.
white ants etc. निसा० ७, २१; १३.
४. — चुगथ. न० (— चुर्ग) भो२नुं थूथोः
भो२. द्द३. बेर का चूर्ण; बेर कुश. a
powder of berry fruits. दम० ७
१, ७१;

कोलंब. पु० (कोकम्ब-वृक्षप्रामाण्यभाग) नमोः
 प्राप्ती शाखायां अग्रभाग मुकुं हुग, भाद
 का हानी का अग्रभाग. The front
 part of a branch of a tree
 which is bent. विद्वा० ३;

कोलचरिय. वि० (कोलचरिह) ३३५२
सं०-पी. कुलचर सम्बन्धा. Relating
to father's house "कोलचरिय पुत्रिमे
महादेव" उवा० ८. २४३:

કોલવ. નં. (કોલવ) કાલવ નામનું ત્રીજું
કન્યુ; દરેક માસના શુક્ર પક્ષમાં ૪૬ અને
૧૨સને દિવસે તથા ગ્રીષ્મ અને ગોમતી રાતે.
તથા કૃષ્ણ પક્ષમાં પાંચમ અને બારસને
દિવસે તથા એકમ અને આઠમની રાતે
આવતું. સાત ચર કરજમાંનું ત્રીજું કરજ.

W 1 1166

कौलव नाम का तीसरा करणः प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की छठ और तेरम के दिन तथा वीज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष की पंचम और बारम का दिन या एकम और आठम की रात पर अनिवार्यता, सात चर करणों में ये तीसरा करण 'The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. जं० प० ७: ११३; विशे० ३३४८;

कालिदास. पुं० (कालिकाक्ष) धरमेन्द्रना भीम
 शोकाग्रनु अने भूतानंद इन्द्रना शोकाग्रनु
 नाम. धरमेन्द्र के दूसरे लोकपाल का और
 भूतानंद इन्द्र के लोकपाल का नाम. The
 name of a Lokapāla, the second
 of Dharaṇendra and of Bhūta-
 nanda. आ० ४, १; भग० ३, ८; ब्रं० ५०

कोलसुगन्ध-य. पुं० (कोलसुगन्ध) भेदः
मृत्पत्र, बड़ा मृत्पत्र. A big pig. आया-
३, १, ५, २७:

कोलसुणग. पुं० (कोलसुणक) भा० १: १५५२.
बड़ा मुँहर. (भसंडा). A big pig.
पज० १; जषि० ३, ३; जं० प० पम० १ १:

कोलासिय पुं० (कौशाक्षिक-कौशाक्षानि मृद-
भावादिभिरवयवैरेति कौशाक्षिकः) भाटीना
वास्तु पुं० यन्त्रारः ईमारः मिष्टि के बरतनों का
व्यापार; कुम्हार. A potter. अणुमो०

१३१; पल० १; उवा० ७, १६५;
कोलाह. पुं० (कोलाम) अङ्ग मत्तनी इत्यर्थः।
 सर्प एक जाति का फनवाला सर्प A kind
 of hooded serpent. पल० १;
कोलाहल पुं० (कोलहल) शेर गडगड़;
 नमस्त कोलाहल; हल्लागुल्ला. An uproar;
 bustle नाया० १६; उल० १, ५;
 ओव० ०८; जं प० पल० २; " बाब
 कोलाहल करे " सूय० १, ६, ३१; भग०
 १, ६, उवा० ६, १३६; —प्रिय. १५०
 (प्रिय) कोलाहल छे प्रिय मने ते त्रिम
 कोलाहल रिय दे वह. (one) appre-
 ciating bustle. नाया० १६;
कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूय
 कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जायोऽ
 स्मिन्तन् कोलाहलक भूयम्) कोलाहल भय
 कोलाहल सहित. Full of bustle
 जं प० २, ३६; भग० ७, ५;
कोलुगण. न० (काहण) दया; करुणा. दया;
 करुणा. Morey; pity. निमी० १३, १;
 -प्रहिया. श्री० (-प्रतिज्ञा) अनुष्ठान
 निमित्त. करुण्य माटे. दया के लिये; करुणार्थ.
 for the sake of mercy. निमी०
 १८, १;
ल कोलजा. श्री० (लबाहुत खाता करकोटिका
 विशेष) नीचे पाटनी अने उपर लबाहुत
 आकारनी केटी. नीचे बांतल और ऊपर
 सन्दक के आकर वाला कोठा A conical
 shaped pot आया० २, १७, ३७;
कोल. पुं० (कोल) कोलश. कोलहल. A
 Kola tree. कण० ३, ३७;
कोल्लाय पुं० (कोल्लाक) कोल्लाक नामने
 शनिवेश ग्राम. कोल्लाक नाम का संनिवेश-
 ग्राम A neighbouring village
 named Kollāka. भग० १५, १;
 उवा० १, ८०;

कोष. पुं० (कोष) कोष, कोष कोष; काप.
 Anger; enragement. वि० नि० २१२;
 मम० ५२; भग० १२, ६; —छर. न०
 (-गृह) कोष करवांजु ५२; शीसाधने भेजे
 ने स्थान कोष स्थान; कोषान होकर जहाँ
 जा बैठे वह जगह. resorting place
 of one who is enraged वि० ८६;
 —स्त्रीलया. श्री० (शीकता) कोषी २१भा५.
 कोषी स्वभाव high temperament.
 डा० ८, ४;
कोषिञ्च य. त्रि० (कावि) पंडित. पंडित.
 Learned. आया० १, ६, १;
कोस. पुं० (कोस) गडि. भेदगत धनुष्य
 प्रमाण दूना; कोस. गड दो हजार धनुष्य
 प्राण क्षेत्र; कोस A distance of two
 miles; a distance equal to 2000
 Dhanuśyas (a measure of
 length) उल० ३६, ६१; ओव० ६२; जं०
 प० भग० २, ८; पल० ३६; जीवा० ३, १;
 प्रव० ६६२; (२) आभने कोसे. आभ की
 पुत्रता. the pupil of the eye.
 अणुत ३, १; (३) लघुनीत-पेशाव करवांजु
 शिम. लघुनीत-पेशाव करने का बर्तन. a
 pot for passing urine in. सूय० १,
 ६, २, १२; (४) अभोभुय कमलने आकारे
 गर्भाशय; गर्भ स्थान. a womb तंदु० ८;
 (५) अउर; अमनो. भंडार; खजाना. a
 store; a treasury. जं० प० ७, १६५;
 राय० १६२; २०६; २०२; २८२; ज.या० १;
 १८; निर० १, १; भग० ११, ६; उल० ६,
 ४६; ओव० कण० ८, ५६; (६) कमलने
 कोसे कमल की फली. a lotus
 pond. पंचा० ३, १६; —दुग न० (-द्वि
 भे गडि. दो कोस. two miles. प्रव
 ८१६; —खगार. पुं० (-खगार) भंड.
 अमनो. भंडार; खजाना treasury

store. जं० प० —आकार. पुं० (—आकार)
 कमल के छेनी आकृति. कमल की कली का
 आकृत. the shape of a lotus pod.
 पंजा० ३, १६:

कोसंय पुं० (कौशम्ब) क्षत्रधारी पाण्डु मथुरा
 जहाँ यज्ञे आरतुं ऐ नामनुं ऐक वन के
 जहाँ वराहभारे दुःख भदरावने दशगुनी
 आतिथी पाण्डु मथुरा द्वारका में पाण्डु मथुरा
 जाने समय मार्ग में आने वाला एक वन जहाँ
 वराहभार ने कृष्ण महाराज को द्विज समझ
 कर वन माग था. A forest of this
 name situated between Dwarka
 and Pandu Mathura, where
 Jara Kumara had struck Krishna
 Maharaja taking him to be a
 deer through mistake. अंत० १.
 १; (२) ऐ नामनुं ऐक शब्द. इस नाम का
 एक आकृति. a kind of tree. पंजा० १;
 (३) देशभूय प्राप्तुं कृत. कोशम्ब नामक
 आकृति का फल. a fruit of Kosamba
 tree. अग० २२, २; —गंडिया. श्री०
 (—गण्डिका) देशभूय वृक्ष की गोडवाली लकड़ी a
 stick of Kosupba tree having
 knots. अग० १६, ४;

कोसंयिया. श्री० (कौशम्बिका) ऐ नामनी
 ऐक शाखा. इस नाम का एक शाखा. An
 offshoot of this name कप० ८:

कोसंथी पुं० (कौशम्बी) ऐ नामनी ऐक
 नगरी; अनार्थी मुनिनुं भूय वतन. इस नाम
 की एक नगरी. अनार्थी मुनि का मूल निवास
 स्थान. Name of a city: the resid-
 ing city of the ascetic Anāthī.
 निमी० ६, २०; अग० १२, २; वेंय० १, ४६;
 उत्त० २०, १८; नाया० पं० १०; पंजा० १;

कोस्य. पुं० (कोशक) ऐक जननुं अभ-

वास्य. एक जाति का वर्तन. A kind of
 poet. " सरावं सिवा दिदिमंसिवा कोस्यं
 सिवा " आया० २, १, ११, ६२; प्रब० ६८३;

कोसल. पुं० (कोशल) देशतः देश; श्रीरुशभ-
 देव लगानना व्यापीशभां पुत्रना भागभां
 आवेश देश. कोशल देश; श्री ऋषभदेव
 भगवान के चौबीसवें पुत्र के हिस्से में आया
 हुआ देश. Kosala country; name
 of the country which came as
 a part of property to the 24th
 son of Śrī Rishabhadeva. पंजा०
 १; नाया० ८; कप० ५, १२७; —जाणुवय.
 पुं० (जानवर) देशतः देश कोशल देश.
 the Kosala country. अग० १५, १;

कोसलक. त्रि० (कोशलक-कोशला अयोध्या
 मज्जनपट्टसि कोशला, तत्त्वसन्धिः को-
 शलकाः) देशतः देशवासी. कोशल देश
 निवासी. A resident of Kosala.
 पि० नि० ६१६; अग० ७, ६; १५, १;
 शा० ४, २;

कोसलिक-य. त्रि० (कोशलिक-कोशला
 विनीता अयोध्या, तस्या अधिपतिस्त्रय
 भवोवा कोशलिकः) देशतः देशभां जन्मेल.
 कोशल देश में उत्पन्न. (One) born in
 the country of Kosala. (२)
 अयोध्या नगरी का अधिपति राजा. अयोध्या
 नगरी का अधिपति राजा. the king of
 Kyoodyā. जं० प० २, ३०; ३१;

कोसिक य. पुं० (कोशिक) देशतः नामनुं.
 आत्र. कोशिक नाम का गोत्र. A lineage
 of this name. नंदा० २५; म० प० ११;
 शा० ७, १; (२) त्रि० देशतः आत्रभां
 उत्पन्न भवेत् कोशिक गोत्र में उत्पन्न.
 (one) born in a Kousika line-
 age. शा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार. पुं० (कोशिकार) ऐक जनतो

रेशमने की। एक जातका रेशम का कीड़ा।

A kind of silk-worm. पण्ड०

१, ३;

कोसिञ्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी कपड़ा. Silken cloth. जं० प०,

कोसी. स्त्री० (कौशी) कौशी नामकी नदी के जंगमां भगे छ. कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges.

ठा० ५, ३; उवा० २, १-१;

कोसी. स्त्री० (कौशी) तलवारकी म्यान. तलवार का कोश; म्यान. A sheath.

सूय० २, १, १४;

कोसेञ्ज. न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र. रेशमी वस्त्र. A cloth made of silk. सम० प० २३८; पण्ड० १, ४; ओव० जीवा० ३;

कोह. पुं० (क्रोध-क्रोधनं कुप्यति वा येन सः

क्रोधः) क्रोध; रोषः गुस्सा. क्रोध; गुस्सा;

रोष. Anger; rage. नाया० १; ५;

मु० च० ३, १६१; भग० १, ६; ७, १; १०;

१२, ५; दम० ४; ६, १२; ७, ५४; पि०

नि० ६३; ४०६; आया० १, ५, ६, १६५;

ठा० १, १; २, १; उत० १, १४; ४, १२;

६, ३६; दगा० ४, ८२; ६, ४; निसी० १३, ६६;

ओव० १६, ३४; विरो० १०३४; पञ० १४; सूय०

२, ६, १२; भत० ६८; १५१; प्रव० ४५७; ओव०

३, १; क० प० २, ८७; क० गं० १, १६;

पंचा० १, १०;—उदयणिरोह. पुं० (—उद-

यनिरोध) क्रोधना उदयने रोहवे। क्रोध का

उदय न होने देना. checking of anger.

भग० २५, ७;—उद्युत्त. त्रि० (—उद्युत्त)

क्रोधना उपयोक्तव्यः; क्रोधी. क्रोधी उपयोग

वाला; क्रोधी. enraged; angry. भग०

१, ५;—कसाव. व. पुं० (—कसाव)

क्रोध-गुस्सा ते रूप कपाय. क्रोध-गुस्सा वह

रूप वाला कसाव. a passion in the

form of anger. ठा० ४, १; सम० ४;

भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४,

७;—कसाव. पुं० (—कसाव) क्रोध

कपायवाला; क्रोधी. क्रोध कसाववाला; क्रोधी.

a person possessed of anger.

भग० ६, ४; ११, १; १८, १; २६, १; ३५,

१;—जुगल. न० (—युगल) क्रोधनं

युगल; अपत्यआजापरणीय क्रोध

अने पत्यआजापरणीय क्रोध. क्रोध का

जोड़ी-युगल; अपत्यआजापरणीय क्रोध

और प्रत्याख्यानपरणीय क्रोध. a pair of

Pratyākhyānāvaraniya and A-

pratyākhyānāvaraniya anger.

प्रव० ७१०;—निग्रह. पुं० (—निग्रह)

क्रोधने निग्रह करने के। क्रोध का निग्रह

करना. checking of anger. प्रव० ४५६;

—निवृत्ति. त्रि० (—निवृत्ति) क्रोध

की निवृत्ति यत्ने। क्रोध से निवृत्ति. pro-

duced, horn of anger. ठा० ४, ४;

—पिंड. पुं० (—पिंड—क्रोधः क्रोपस्त-

जेतुकः पिण्डः क्रोधपिण्डः) क्रोधपक्षु साधु

विद्या के तपने प्रभाव दर्शाती राजपक्षु-प-

क्षु के पोतानु यत्र ज्ञानाती आहार द्ये तेः

आहारने अत्र क्रोध. कोईभी साधु विद्या या

तप का प्रभाव दिखाकर या राजपक्षु-पक्षु और

अपना बल दिखा आहार ले वह आहारः

आहार का एक दांव. accepting of

food by exposing some miracle

or superhuman power or the

royal patronage; a fault con-

connected with receiving food.

पि० नि० ४६२;—मुंड. त्रि० (—मुंड)

क्रोधने निग्रह करने। क्रोध का निग्रह करने

वाला. (one) who checks anger.

ठा० ५, ३;—वसह. त्रि० (—वसह)

क्रोधने पीड़ित; क्रोधने घरी आनंद-पुं

५५३. क्रोध य दुःखित; क्रोध के कारण आत-
दुःखा. afflicted with anger: given
to anger. भग० १२, १; —विउत्सर्ग.
पुं० (—व्युत्सर्ग) क्रोधिनो त्याग. क्रोध का
त्याग. abandoning of anger.
भग० २५, ७; —विजय-य. पुं०
(—विजय—क्रोधस्य विजयं दुरम्भादि परि-
भावेनोदय निराधः क्रोधविजयः) क्रोधिनं
छुत्वे ते क्रोधिनो अट्टायवे। ते. क्रोध का
जीतना; क्रोध का रोकना. conquering
of anger; victory over anger.
उत्त० २९, २; —विवेग. पुं० (—विवेक)
क्रोधिनो त्याग. क्रोध का त्याग. abandon-
ing of anger. “एगो कोह विवेगे”
डा० १, १; भग० १७, ३; मम० २५;
—संज्ञा. स्त्री० (—संज्ञा—क्रोधोदयात्तदा
येनगर्भा प्रकृष्ट मुखनयनदन्तच्छदस्फुरणाद्
चेष्टैव संज्ञायते अनयंति क्रोधसंज्ञा) क्रोध
मोदनीयतां उदयथी क्रोधि अनुप्यना भुज नेत्र
दान्त पथेरे अशां हृष्टे छे ते क्रोधि भेता.
क्रोध मोहनार्थ के उदय से क्रोधी मनुष्य के
मुख, नेत्र, दंत आदि अंगों का भ्रूजना; क्रोध
संज्ञा. trembling of face eyes
teeth etc. of a man who is en-
raged. भग० ७, ८; डा० १०; पञ्च० ५;
कोहंगक पुं० (क्रोधाङ्क) अष्ट मतानु पक्षी.
एक जाति का पक्षी A kind of bird.
आय०
कोहंड. पुं० (कृमाण्ड) द्रोणः दूधी.
लौकी; तुम्बी. A white gourd.

अणुजो० १८३; प्रव० ११४५;
कोहण. त्रि० (क्रोधन) क्रोधि क्रोधि तपी क्रोधि
क्रोधी; असमाधिनुं नयमुं स्थाने क्रोधिना.
क्षण २ पर क्रोध करने वाला; क्रोधी; अग-
माधि का नवां स्थानक में बने वाला. (One)
getting angry every moment;
(one) undergoing the 9th stage
of uneasiness due to anger.
मय० २, २, १८; उत्त० २७, ६; मम० २०;
कोहि. त्रि० (क्रोधिन्) क्रोधिना; क्रोधी.
क्रोधी; क्रोध वाला Angry; enraged.
अणुजो० १३१; क० गं० ८, ६३;
कोहिह. त्रि० (क्रोधवन्) क्रोधिना; आरीतिः
अरी. क्रोधी; जहंग; डाहा. Angry; en-
raged. आध० नि० भा० १३३;
✓क्रिण. धा० I, II. (क्रो) येयान् क्रोः
अरीदयं. बिकता हुआ लेना; खरीदना. To
purchase; to buy.
क्रिणेह निमी० १८, १; १६, १;
क्रिणाह पि० नि० ३५८;
क्रिणे. त्रि० आया० १, २, ५, ८८;
क्रिणं. व० कृ० मूय० २, १, २४;
क्रिणन्. उत्त० ३६, १४; मु० च० १५, १७६;
क्रिणावेह. प्रे० निमी० १८, १, १६, १;
क्रिणावण. प्रे० आया० १, २, ५, ८८;
क्रिणावेमाण. प्रे० मूय० २, १, २४;
क्रिजन्नु. प्रे० परह० १, २;
✓कलोड. धा० I. () निपेद्य क्रोयो.
त्यागना. To abandon; to reject.
क्रोडिजति. भग० १३, २;

* लुओ ५४ नम्बर १५ ती पृष्ठोत्तर (*). देखां पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

ख.

ख. न० (ख) आकाश. आकाश; आस्मान.

The sky. " खं मोहह विमलं अम्भ-

मुक्तं " इम० ६, १, १५; (२) छिद्रिय.

छिद्रिय. an organ; a limb. विश० ३४४५;

खम्भ य न० (खत) धा. ७/अभ. पाव;

प्रलम्भ. A wound. मु० च० ७, २४४;

खह. त्रि० (खश्चिन्) क्षयशेषशेषो. क्षय रोगी.

Consumptive. मु० च० १३, ५४;

खहम्भ-य. त्रि० (खयिक) कर्म प्रकृतिनो

क्षय; समुत्पन्नो नाश करायी उत्पन्न यनो

भाव उद्यम जानादि क्षयिक भाव. कर्म प्रकृत

का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला

भाव-केवल जानादि क्षयिक भाव. Com-

plete destruction of Karmic

naturem. पि० नि० १५८; अणुजो० ८८;

भग० १४, ७; २५, ६; विश० ५२८; प्रब०

१५७; १३०४; क० ग० १, १५; ३, २०;

४, १५;

खह्य त्रि० (क्षयित) अपावेक्षुः क्षय करेक्षु.

नारा किंवाहुआ. क्षयिकाहुआ. Destroy-

ed. राय० २८३;

खह्य. त्रि० (खश्चित) ७३६. जडा हुआ,

पचोक्त्याहुआ. Inlaid; studded.

आया० २, २, १. १४५; उवा० ७, २०६;

खह्य. त्रि० (खाश्चित) अयायेक्षुः आयेक्ष.

खायाहुआ. Tasted; eaten. पि० नि०

१४२; पं० वा० १६, १३; ओष० नि० भा०

५८८, राय० २५८; पि० नि० ७३५;

खहर. पुं० (खदिर) पेरेनुं आः खेरका फाड.

A kind of tree known as

Khara. मु० च० ७, ६५;

खडर. न० (खडुर) सोपाराना लाकड़भायी

अनावेक्ष नापसनुं पात्र. मुपारीका लकड़ा

से बनाया हुआ तापस का एक पात्र. A pot

for an ascetic made of the

wood of a bottle-nut. विश० १४५५;

खडरिय. त्रि० (*) भेक्षुः प्राणु. मैला;

गन्दला. Turbid; dirty पि० नि० २६२;

खओवसम. पुं० (खयोपशम) क्षयोपशम

भाव कर्मनो क्षाधिक क्षय अने क्षाधिक उपशम

करेवो ते, अर्थात् उद्यमों आवेक्ष कर्मनो

क्षय अने उद्यमों न आवेक्ष कर्मनो उपशम

करेवो ते. खयोपशमभाव-कर्मका कृष्ण क्षय

और कृष्ण उपाशम करना अर्थात् क्षय करना

और उद्यम में न आवेक्ष हुअ कर्मका उपशम

करना. Destroying of Karmas

and forcing the unmatured

Karmas to mature. विश० १०४;

ओष० ४; नाया० १, १५; भग० ६, ३१;

पंचा० १, ३; उवा० १, ७४;

खओवसमिअ. न० (खयोपशमिक) क्षयोप-

शमभावे प्राप्त यथा मतिज्ञान आदि. क्षया-

पशम भावसे प्राप्त होनेवाले मतिज्ञान आदि.

Intellectual knowledge etc got

by the action of destroying

the matured Karmas and forc-

ing the unmatured Karmas to

mature. अणुजो० ८८; टा० २, १; नंद०

६; भग० १५, ७; २५, ६; विश० ५१७;

क० ग० ६, ५०; प्रब० ६३६;

✓ खंख. धा० I. (खृ) अर्थयुं. खेंचना.

To stretch.

* जुओ ५४ न० १५ नी ५८नोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

स्व. आ० सू० च० २, १८:

स्वजग. पुं० (स्वजग) गाड़नी उधलू-गाड़नी पैदा-
नो भेज-पैदा इरवाया धरी जेपः गटभेनो यी-
अपेला भांगः भेज. गाड़की उधन गाड़ के पहियो
का मेल-गहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला
निकन, काला मेल. The dirty black
grease of wheels. ओष० नि० ४०१:
क० ग० १, २; भग० ६, १; १२, ६; उल०
३६, ६; आ० सू० प० १००; (२) अंश
नानु पैदा एक जान का जाँ a kind
of hard. जा० ३, ६; (३) दीपनी
मेला: इरवा दीपक की मेला, काजल. the
soot of a lamp. डा० ६, २. पञ० १२:
प्रब० ८४३:

स्वङ्ग. धा० II. (स्वङ्ग) आ० सू०. स्वाँटना
To pound.

स्वङ्ग. सू० च० २, ३६६:

स्वङ्गिण. हे० क० नाया० ४: ८.

स्वङ्गिजल. क० वा० व० क० सू० च० २, ८२.

स्वङ्ग. न० (स्वङ्ग) भागः इटका. भागः टुकड़ा
A division; a part. ज० प० ६,
१२४; विवा० ७; विश० १६६२. नदी० ४०:
पि० नि० ४१३; भग० २, ४; १०: ६, ३१:
१२, २; नाया० १६, १३; उल० १, ३६:
भल० ८३; (२) वनअण्ड वनखंड. a
part of a jungle. नाया० ९; (३)
आ० शकर, sugar. उल० ३६, १६; जा०
३, ३; मणुजा० ६४, १३३; भग० १८, ९:
पि० नि० २८३; ज० प० पञ० १३; —
स्वङ्ग. पुं० (-स्वङ्ग) धुरी गयेला धंदा फूटा
हुआ घड़ा a broken pot. नाया० १६:
—पट्ट. त्रि० (-पट्ट) अपूर्ण अमईयाला:
भरीय अपूर्ण वस्त्रों वाला; गरीब. (one)
possessing poor clothes. (२)
अः आभारी. टग, सुझारी. a specula-
tion. विवा० ३; ६; — पट्ट. त्रि० (पट्ट)

आभरा दीसरागो. फूटे होल वाला. (one)
possessed of a broken drum.
विवा० २; —पाणु न० (पाणु) आ० सू०
आली शकर का पानी sugar water.
नाया० १७; —मल्लय न० (मल्लय)
आंगी गयेला आ० सू० सरायेला फूटा हुआ
प्याला, सरावला. a broken cup नाया०
१६; —मधुर. त्रि० (मधुर) आ० सू०
मेथुं मीठुं शकर जैसा मीठा sweet
as sugar. डा० ६, ३:

स्वङ्ग. पुं० (स्वङ्ग) इरवा (इरवा) पैदाहय
डिपन्ता नव इरवांनु यीरु इर शिखर.
कच्छावजग के वैताह्य पर के नव कुटों मे का
नीयग कूट शिखर The third of the
nine summits of the Vaitādhya
mount in Kachchha Vijaya.
ज० प० ६, १२४; (२) इरवा (इरवा) अंश-
इरवा कर्मस्थिति के स्वङ्ग-इरवा. part,
divisions of Karma क० प० १,
६८; —मल्लय. पुं० (-मल्लय) आंगी गयेला
अमईया; आंगित सकेड. फूटा हुआ प्याला
अथवा मिट्टी. a broken earthen
cup. नाया० १६; —विचङ्ग. पुं० (-वि-
चङ्ग) इरवा स्थितिअपुनो विचङ्ग-
अभाव. कर्मका स्थिति खंड वा विचङ्ग-
अभाव. absence of a division of
the duration of Karma. क० प०
३, ६८;

स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास. पुं० (स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास) जूझा
“स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास” शब्द. देखो “स्वङ्ग-
पञ्चाशद्व्यास” जगद. Vide. “स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास”
डा० २, ३;

स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास. श्री० (स्वङ्गपञ्चाशद्व्यास)
अथवा नाभनी भरतना पैदाहयनी श्रीध गृहा:
उत्तर भरतमांथी अक्षरनीना अक्षरने पाछे
दक्षिण भरतमां आचने पैदाहय परवर्तनी

१२३ गुहा रूप भाग' संहकप्रपात गुहा इस नाम का भरत के बेटाव्य का दूसरी गुहा-उत्तर भरतमें मे चक्रवर्ती के लहर को पाया दक्षिण भरत में आने को बेटाव्य पर्वत में का गुहाप्रमर्ग. Name of the second cave of Vaitādhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravarti from the northern Bharata to the southern Bharata. "संहव्याय गुहायं यद्वा जोष-बाहू" ठा० ८; मम० ५०;

संहव्यायगुहा. का० (संहकप्रपातगुहा) बेटाव्य पर्वत १२३ पूर्वा आमुनी ओके गुहा जेभांथी यक्षपती उत्तर भरतदेशी साधी पाठा दक्षिण भरतभां यक्षे छे बेटाव्य पर्वत में की पूर्वे बाजू की एक गुहा, जिसमें मे चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जातकर पांच दक्षिण भरत में लौटते है. Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitādhya through which Chakravarti returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata जं० १० ३, ६५; ६, १२५; १, १३;

संहव्यायगुहाकूट. पुं० (संहकप्रपातगुहा-कूट) बेटाव्य पर्वत उपरना नवकूटभांनुं तीनुं कूट-शिखर. बेटाव्य पर्वत के नवकूट में कां तासरा कूट-शिखर. The third of the 9 summits of the Vaitādhya mount. जं० १०

संहकप्रपात. पुं० (संहकप्रपात) दक्षिण; दक्षिण

लेनार. दक्षिण, दक्षिण लेनेवाला. A custom inspector. (२) डेटाव्य. कोतवाल. the head of the police. पल्ल० १, १, ३; ओष० नाया० १८;

संहकप्रपात. न० (संहकप्रपात) अंतिमपक्ष. कांडितपना. The state of being broken पंच० १४, १२;

संहकसिरी का० (संहकसी) विजयनामे देव सेनापतिनी श्रीमं नाम. विजय नाम के नांग सेनापति का आवा नाम. Name of the wife of Vijaya the Lord of thieves. विवा० ३;

संहकसिरी. य० (संहकसिरी) अंतिमपक्ष. ५५३ ५५३. संह संह; टुकड़े टुकड़े. Pieces into pieces "संहकसिरी करेमि" उता० २, ६५; नाया० ६;

संहकभट्ट. पुं० (संहकभट्ट) ५५३ ५५३ आंगु ते अंतिम; ५५३; थाप नेरी रीने अंतिम ते. टुकड़े टुकड़े करना. संह-टुकड़े हांगाय इस तरहसे छेदन करना Breaking or piercing into pieces. पल्ल० ११;

संहकिय. पुं० (संहकिय) शिष्य; विद्यार्थी शिष्य, छात्र, विद्यार्थी. A pupile; a disciple. उत० १२, ३०; ओष० ३२ भग० १८, १०;

संहकिय. त्रि० (संहकिय) अक्षिप्त; आडेन संहकिय, संहकिय. Broken. प्रब० ५८८ तंनु० आब० १, ४; ५, १; (२) ओके देश थी अंगायें अक्षिप्त थयेन. एक ओर में टूटा हुआ-संहकिय. broken on one side नाया० ६;

संहक. का० (*) गदभां पाडेनी आरी; छी डी. गद में पाडी हुई जारी; छेद. An

* बुआ ५४ न० १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vico foot-note (*) p. 15th.

opening made in a fortress.
नावा० २; १८; (२) आग्नः; द्दिधरा. साजा;
काय विशेष. a kind of entable sub-
stance. प्रब० १४२७;

संयुक्त. न० (संयुक्त) आंशः; अंश; विभाग.
संयुक्त; विभाग. Division; part. प्रब०
६१७;

संयुक्त. पुं० (संयुक्त) अंतः; पक्षी विशेष.
अंतः; पक्षी विशेष. A kind of swan.
श्राव्य०

संयुक्त. त्रि० (संयुक्त) आनन्द-आनन्द-
क्षमा योगः. क्षमा वाक्का. (One) pos-
sessed of a tranquil mind;
patient. "संयुक्तो आनन्दरिणः, संयुक्तो
विनश्यति" नाया० १४; गच्छा० २३;
सूय० २, १२, ६, ५; ठा० ८; (२) पुं०
पिता; आप पिता; बाप. father. "जामा
हपुत्र पद्मापण्ड्य संयुक्तमिष्टं" नि० नि०
६३०;

संयुक्त. त्रि० (संयुक्त) आनन्द-सहन-
शीलता क्षमा योगः. क्षान्त-सहन शीलता-
क्षमा योगः. Patience; forbear-
ance. प्रब० ८४६,

संयुक्त. जा० (संयुक्त) सहन शीलताः कोपनो
निग्रह करने के; क्षमा. सहन शीलता;
कोप का निग्रह करना; क्षमा. Patience;
forbearance. पण्ड० २, १; श्राव० १६;
२०; जं० ५० दस० ४, २७; नाया० १; भग०
२, १; २५, ७; सु० च० ३, ४७; सम० १०;
उल० १, ६; २६; २; ठा० ८, १; राय०
२१६; क० गं० १, ५५; कण्ठ० ५, ११६;
प्रब० ५६१; पंचा० ११, १६; १३६८;
—क्षमा. जा० (क्षमा) कोपनो रोड़ीने सहन
शीलता राखी ते. कोप को रोककर सहन-
शीलता रखना. the state of being
patient by checking anger.

भग० १६, १; ठा० ३, ३; —सूर. पुं० (-सूर)
क्षमा राखनामा सूर धीरज धीरः. जेवा के
अरिहंत, भद्रावीर. क्षमा रखने में सूर, धैर्य
धारि; जैसे कि अरिहंत, महावीर. (one)
possessing the power of check-
ing anger; like Arihanta,
Mahāvira etc. ठा० ४, ३;

संयुक्त. जा० (संयुक्त) जननी, माता.
जननी, माता. A mother. "कहिजाहि
संयुक्त्या पुं" नि० नि० ६३३; ५७६;
श्राव० नि० भा० २६१;

संयुक्त. पुं० (संयुक्त) कर्तिक स्वामीः कर्तिकेय
नामक शंकर भद्रावीर पुत्र. कर्तिक स्वामी;
कर्तिकेय नामक शंकर का बड़ा पुत्र. Name
of a person: Kartikavāmī; the
eldest son of Śaṅkara Kār-
tika by name भग० ३, १; जं० ५०
जीवा० ३, ३; अणुजा० २०. नाया० ३;
—मह. पुं० (-मह) कर्तिक स्वामीना यक्ष-
गात्र. कर्तिक स्वामी का लगना. under
the influence of Kārtikavāmī;
subject to the influence of Kār-
tikavāmī. जीवा० ३, ३; जं० ५० भग०
३, ७; —मह न० (-मह) कर्तिक स्वामी-
ना उत्सव. कर्तिक स्वामी का उत्सव. the
festival in honour of Kārtika
vāmī. आया० २, १, २, १२; नाया० १;
निर्मा० १६, १२, भग० ६, ३३; राय० २१७;

संयुक्त-य. पुं० (संयुक्त) अंधक संन्यासी गढ़
जातिना शिष्य के रूप में श्री आनन्द स्वामिना
भिरुदता; जेने पिगल निग्रह में भ्रमा पूछा
दता; ते भ्रमाना ज्ञान न आपी शकाथी
भद्रावीरस्वामी पास जेतां भ्रमनाता भ्रमा
भेगवी श्रीभद्रावीर स्वामी पास दीक्षा लीधी.
अंधक सम्बासी गढ़जाति के शिष्य थे; जिन
से पिगल निग्रहने प्रश्न पूछे थे, जब उन प्रश्नों

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर लौट आये। Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmi. He accepted initiation from Mahavira for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Piṅgala on being asked. भग० २, १: (२) कर्तिक स्वामी. कार्तिक स्वामी. Kartikaswāmi. नाया० २: संक्षिप्त. (स्कन्ध) सिद्धमणि के शिष्य: स्कन्धनाथ. The disciple of Sanha-Suri; Skandilācharya. नंदो० स्वयं पुं० (स्कन्ध) आदि भाषां रूप, वेदान, विज्ञान, संज्ञा अने संस्कार ये पांचने स्कन्ध कहें। भाषां आवेष्टे: तेभां पृथ्वी आदि तेभ्यो रूपादिने रूप स्कन्ध, सुखदुःख अने अदुःख सुखने वेदाना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञानने विज्ञान स्कन्ध, पदार्थना नामादिने संज्ञा स्कन्ध अने पुण्या पुण्यादि धर्म समुदायने संस्कार स्कन्ध कहें छे। बौद्ध मत में रूप, वेदान, विज्ञान, संज्ञा और संस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने में आता है उनमें से पृथ्वी आदि उमी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदाना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म समुदाय को संस्कार स्कन्ध कहते हैं। A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vi-dyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name. जं० प० ३, ४८; सूय० १, १, १, १७; पण्ड० १, २; भग० २०, २: (२) कंधा; अंगो. कंधा. a shoulder. उत्त० ११, १६; राय० ३२; पि० नि० १६: ३३३; नाया० ८; १४; आया० १, १, २, १६; जीवा० ३, १; सु० व० २, ३६; कण्व० ३, ३४; प्रब० ८८७; १११५, (३) द्विप्रदेशादिक भोजा परमावृत्ता भक्षिने अनेन अत्र भक्ष्ये. द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बना हुआ एक स्कंध. a collection of various particles. भग० १, ८; १०: २, १०. ४, ७; ११, ११: १८ १०: १८, ६; ८: २४, ३: ४; नाया० १: १६; विश० ३२४; ८५४; अणुजो० ४४; १४४: उत्त० ३ १८; ३६, १०; टा० १, १; आब० क० ग० ७५, (४) आशुं थः. कांड का धड़. the trunk of a tree. ओब० राय० १६६; भग० ३, ४ २१, ३; सूय० २, ३, २: ४: पण० १. (५) समग्र वस्तु: संपूर्ण पदार्थ. समग्र वस्तु: संपूर्ण पदार्थ. a complete thing. पण० १; भग० ८, ६; (६) भाता विशेष. माता विशेष. a kind of granulated matter. निसा० १६, २८; (७) दम्यो. ढेर. a heap. नंदो० १८; निसा० १३, ७; आया० २, ५, १, १४८; (८) ये भक्ष्यं यातो अत्र भुज्ये दो इन्द्रिय वाला एक जीव. a two-sensed living being. पण० १: (९) कर्मना स्कंध. कर्म का स्कंध. a heap of Karma. क० प० ७, ४७: —उत्तराश्रय० अ० (-उत्तरतल) पूर्व पूर्वना कर्म स्कंध थी उत्तरोत्तर. पूर्व पूर्व के कर्म स्कंध से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क० प० ७, ४७: —वेत्त. पुं० (-वेत्ता) स्कन्धने अत्र आशी परतुने भाग. स्कन्ध का -मारा वस्तु का एक भाग. a part

division of a group. भग० २, १०; २, १; उत्त० ३६, १; —पुण्यस्य. पुं० (-प्रदेश) पञ्चमो अक्षः आदीक-भां आदीक अक्षः वस्तु वा एक वारीक में वारीक अंशः the infinitesimal part of a thing. अक्षुजो० १४६; भग० १०, १; —पुण्यस्य. पुं० (-प्रदेश) २३-धनी-धनी उत्पत्ति. स्कन्ध की पीछे की उत्पत्ति. origin of a tree. " मूलाक्षो संवत्सरो द्युमस्त " दस० २, २, १. —वीज. त्रि० (-वीज) अर्ध-धन्य श्रीरु न्नेन छेत्ते; यः पायवाथी न्ने थाय तेः भोगरे अभेदी-धुपेद्रा विभेदे. पोषे कृत्वा बीजं जिकृत्वा है, वह पोषा लगाने से जो होते हैं, भोगरा-बमेली वगैरा. the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc. आया० २, १, ८, ४८; डा० ४, १; दस० ४;

संस्कारदी. बी० (स्कन्धकरवी) साध्वीने अर्धे नाभ्यामुं यत्नः संधारिभ्यो. साध्वी के कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of a female ascetic worn on the shoulder. आया० नि० ६७७;

संघग. पुं० (स्कन्धक) लुभ्यो 'संघ' शब्दः. देखो 'संघ' शब्दः. Vide " संघ " मू० प० १०१;

संघकरवी. बी० (स्कन्धकरवी) लुभ्यो 'संघकरवी' शब्दः. देखो 'संघकरवी' शब्दः. Vide " संघकरवी " प्रब० ४३८; ४४६;

संघस्था. बी० (स्कन्धस्था) आध्या धन्यो आया-२२२५. आध के पीछे का गाव-स्वरूप.

The state of being a trunk of a tree. सूत्र० २, १, २;

संधार. पुं० न० (स्कन्धाधार) सेनातो पञ्चः अक्षरं नुं निवासस्थान-आयुजी. सेन्य का पहावः करकर का निवासस्थान, छावनी. Encampment; the halting place of an army. उत्त० ३०, १७; प्रब० १२३३; —मालु. पुं० (-माल) सेन्यते आश्रयानी कृत्वा. सेन्य रचना की कला. the art of arraying an army. नाया० १; आया० ४०;

संधाधार. पुं० (स्कन्धाधार) लुभ्यो " संधार " शब्दः. देखो " संधार " शब्दः. Vide " संधार " नाया० ८; १६; विश० ७४२; जं० प०.

संधास्थ. न० (*) अर्धपञ्चः अक्षः उपरि नाभ्यामुं यत्नः कर्तव्यः शब्द पर डालने का वस्त्र. A winding sheet. पु० च० १, १४२;

संभ. पुं० (स्कन्ध) धामधोः धंभः संभः स्तंभः. A post; a pillar. उवा० १, १४०; जं० प० २, ११४; १, २४; ३, ६८; ४, ६०; ६६; भग० २, ७; ८, ६; ९, ३३; १०, २, १२, ६; नाया० १; ८; १३; १६; अक्षुजो० १५३; जीवा० ३, ३; प्रब० २४६; राव० १०४; मू० प० २०; सूत्र० २, ७, ४; गरुडो० ८; —उग्राय. त्रि० (-उग्रत) धामधो उपरि २६६. स्तंभके ऊपर रहा हुआ. resting on a post or pillar. जं० प० २, ११४; नाया० १; —संघ. न० (-संघ) से। धंभः सो स्तंभः. one hundred pillars. जं० प० २, ११२;

संस्कारविभक्ति. न० (संस्कारविभक्ति) अ अन्तरना आधारी २२२५; नाटकः

* लुभ्यो पृष्ठ १२५२ १२५३ १२५४ (*) देखो दृष्ट नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

३२ प्रकार की नाट्यभानुं ओ३. ल अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक. A kind of drama based on the shape of the letter 'ल' (kha); one of the 32 kinds of dramas. राय० ३३;

लगा. पुं० (लग) आकाशभां उज्ज्वल प्राप्ति; पक्षी. आकाश में उड़नेवाला प्राणी, पक्षी. A bird. उत्त० ६, १०, जं० प० ७४, १०२;

लगाह. स्त्री० (लगति) आत; गति. चाल; गति. (Gait; motion. क० गं० २, ३२; ६, ३; क० प० १, ७१; —लेहा. स्त्री० (—लेहा) आतयानी-गति करनेवाली यष्टि. चलने की-गति करने की चेष्टा. the act of moving. क० प० १, ७१; —लुग. न० (लिङ्) शुभ अने अशुभ विहायोगति-आत. शुभ और अशुभ विहायोगति-चाल. auspicious and unauspicious movements क० गं० २, २१; ५, ७३;

लगा. पुं० (लग्न) तलवार. तलवार. लग्न. A sword. ठा० ६, १; सु० न० ४, २८; ज० प० क० गं० १, १२; प्रब० १२२८; आं० १२; जीवा० ३, ६; (२) गेडा. a rhinoceros. पद० १, १, २, ६; —धारा. स्त्री० (—धारा) तलवार की धार. the edge of a sword. क० गं० १, १२;

लगगपुरा. स्त्री० (लगगपुरी) सुवर्ण विजय की मुख्य राजधानी. सुवर्णविजय की मुख्य राजधानी. The chief capital city of Suvalgu Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

लगगा. स्त्री० (लग्गा) आवर्तीविजय की मुख्य राजधानी. आगामी विजय की मुख्य राजधानी.

The chief capital city of the coming Vijaya. जं० प०

लग्गि. पुं० (लग्गि) गेडा; ओ३ लिङ्गवाले गेडा. गेडा; एक सोंगवाला जंगल पशु. A rhinoceros. पद० १; कप० ५, ११६; आं० १०;

लग्गी. स्त्री० (लग्गी) लुआ ' लग्गा ' शब्द. देखो " लग्गा " शब्द. Vide ' लग्गा " ठा० २, ३;

लग्गुड. प्रि० (ल) अशुभ स्वभाववाले; दुष्ट; दुष्ट. बुरा स्वभाववाला; बदमारा; धर्महीन. A roguish; of wicked nature. वि० नि० ३२२; शीघ्र० नि० ३५.

ललिय. प्रि० (ललित) ललित; ललित. जड़ा हुआ; सिंचा हुआ. Studded; inlaid. नाया० १; कप० ३, ६०; राय० ५८; जं० प० जीवा० ३, ६; (२) केशर विगेरेधी रंग. केशर बंगरह से रंगा हुआ. dyed with saffron etc. नाया० १;

लज्ज. न० (लज्ज) आल पगेरे भावा शोभ पदार्थ. लज्ज रंगरह जाने शोभ पदार्थ. Crisp bread etc. नाया० १०; पद० १, २; प्रब० १४२७;

लज्जग. न० (लज्जग) लुआ " लज्ज " शब्द. देखो " लज्ज " शब्द. Vide " लज्ज " विशेष १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४; पदा० ५, २७; —विधि. पुं० (—विधि) आल, धेवर, लापसी पगेरे अनावराने विधि. लज्ज, धेवर, लापसी बंगरह बनाने की विधि. the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc. प्रब० २०८;

लज्जू. पुं० स्त्री० (लज्जू) लुआ; अशुभ.

* लुआ ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

काजः कुजली. Itch. छ० १;
 सञ्जूर. न० (सञ्जूर) अञ्जूर; ओष्ठ जलने
 भेजे। सञ्जूर; एक प्रकार का मेवा; A kind
 of dried date. उत्त० १४, १५; आया०
 २, १, ८, ४३; प्रब० २१०; १०१६; पंचा०
 ५, २६; —मत्थय. पुं० (-मत्थक)
 अञ्जूरने भर्भ-पीसी. सञ्जूर का गर्भ-मग्न.
 the interior of dried dates.
 “ काजिप्रमत्थय वा सञ्जूरमत्थय वा ”
 आया० २, २, ८, ८८; —सार. पुं० (-सार)
 अञ्जूरने आसव-दाइ. सञ्जूर का आसव-
 शराब. the essence. wine pre-
 pared from dried dates. जीवा० १;
 पञ्च० १७;

सञ्जुरी. स्त्री० (सञ्जुरी) अञ्जुरीन् ज्ञि.
 सञ्जूर का काष्ठ. A kind of palm
 tree bearing dates. जं० प० २, १६;
 भग० २२, १; जीवा० ३, ३; पञ्च० १;
 गच्छा० ७६; —पत्त. न० (-पत्त)
 अञ्जुरीन् पाँड़ु. सञ्जूरका पत्ता, the leaf
 of a palm tree. गच्छा० ७६;

सञ्जोत. पुं० (सञ्जोत—जेजोतले इति)
 पतंगीओ; अञ्जुओ. पतङ्ग; जुगन्. A
 glow-worm. अणुजो० १४७;

सञ्जोय. पुं० (सञ्जोत) अञ्जुओ डिपले; श०६.
 देखो ऊपर का शब्द. Vide above. मृ०
 व० १, २२६; क० गं० १, ४६;

सञ्जोयम. पुं० (सञ्जोतक) अञ्जुओ ‘सञ्जोत’
 श०६. देखो ‘सञ्जोत’ शब्द. Vide
 ‘सञ्जोत’ नावा० ८;

सञ्जु. स्त्री० (*) आहुं. सहा. Sour.
 पञ्च० १; —उद्वग. न० (-उद्वक) आहुं
 पाथी. सहा पानी. the sour water.

पञ्च० १; —मेह. पुं० (-मेव) आटा पाथी
 पाथी परसाह. सहे पानी वाली बरसाह. A
 sour rain. भग० ७, ६;

सङ्ग. पुं० (सङ्गात्र) आटलाना अञ्जु-पाया
 यगेरे. साट के अंग-पाये बंगरह. The
 legs etc. of a cat. सोव०

सङ्गा. स्त्री० (*) आड; आभ. सङ्गा;
 साह. A ditch. पंचा० ७, १६; --सङ्ग.
 पुं० (-सङ्ग) आडने-आभने डाँडा. साह
 का किनारा. the verge of a ditch.
 पंचा० ७, १६;

सङ्गिआ. स्त्री० (सङ्गिका , गंधार आभनी
 श्री० भूछंन। गंधार ग्राम की दूसरी
 मछंन। The second note of the
 musical scale Gandhāra. अणुजो०
 १३८;

सङ्गहुग. न० (*) अञ्जुलीयां पहेरवानी
 पीठी, देखा यगेरे धरेआ. अंगुली में पहनने
 का वृत्ता, मूंदकी बगैरह गहना. A ring
 worn on the finger. भग० ६, १३;

सङ्गहुय. पुं० (*) अञ्जुओ “सङ्गहुग”
 श०६. देखो “सङ्गहुग” शब्द. Vide
 “सङ्गहुग” दम० १०, १; नावा० १;

सङ्गहुया. स्त्री० (सङ्गहुका) अञ्जुलीया टडारा;
 आंजुलीया भारतुं ने. अंगुली की टडार;
 अंगुली में मारना. Tapping with
 fingers. उत्त० १, ३८;

✓ सङ्ग. धा० I. (सङ्ग) आहयुं; अञ्जु.
 साँदना. To dig.

सङ्गह. नावा० १७;

सङ्गति. पु० व० २, १६३; नावा० १७;
 जं० प० २, ११४;

सङ्गे. दस० १०, १, २;

* अञ्जुओ ५४ नम्बर १५ नी हुटनोट (*). देखो ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
 foot-note (*) p 15th.

अक्षार्हि-आ. सूच० १, ४, २, १२;

अक्षह. उत्त० १२, २६;

अक्षितु. सं० क० आया० २. १३, १७३;

अक्षमाक्ष. व० क० पि० नि० ५६०; विवा०

१; नाया० १२;

अक्षिता. सं० अं० प० ५ ११४;

अक्षायह. प्रे० दस० १०, १, २;

अक्षायप. दस० १०, १, २;

अक्षायितुं. सं० क० नाया० १३;

अक्षायितप. हे० क० नाया० १३;

अक्षितु. पि० नि० १६८;

✓ अक्ष. धा० I. (अक्ष) मारतुं; दिसा
करपी. मारना; हिसा करना. To kill.

अक्षह. आ० आया० १, ७, २, २०४;

अक्षत. आ० सूच० २, १, १७.

अक्ष. पुं० (अक्ष) अवसर; वृत्त. अवसर,
समय. An instant; a moment.

सूच० २, ४, ६; मत्त० ८४; क० प० २, ८२; ४,

२१; गच्छा० ६०; आया० १, ७, १, ७०; कण्य०

५, ११७; (२) न्दानाभां न्दानो क्षण

विभाग; समय. क्षोभे में छोटा काल विभाग;

समय. the shortest division of

time; an instant. सूच० १, २८; भग० १,

१३; नाया० १, १६; दस० २, १, ६३; पि० नि०

७६७; तंदु० मत्त० ५०; पंचा० १, ४८;

(३) संख्यात प्राणरूप काल विभाग;

भुक्तुं. संख्यात प्राणरूप, काल विभाग,

मुहूर्त. a measure of time com-

prising countable breaths;

a time equal to 48 minutes.

अं० प० ७, १५१; ठा० २, ४; —अक्षे.

त्रि० (—बोगिन्—वरं विहङ्गकः कश्चं

स विहङ्गे वस्य इति) प्रतिक्षेत्रे नाश

पातना२; क्षणिक. प्रतिक्षण नष्ट पाने वाला;

अक्षिक; अक्ष भंगुर. decaying every

moment; momentary. सूच० १, १, १,

१७; —(अक्ष) अ. न० (—अक्ष) अर्थ क्षण.

आधा क्षण. half a moment. गच्छा०

६०; —अ. त्रि० (—अक्ष) अवसर. गच्छा०

ना२. समय को पहचानने वाला. (one)

knowing the proper time. आया०

१, ७, २, २०६; —अक्ष. पुं० (—अक्ष)

समय के प्रति अक्ष; स्थिति अक्ष. समय

रूप अक्ष; स्थिति अक्ष. limitation in

relation to time. क० प० ७, ४२;

—अक्ष. पुं० (—अक्ष) क्षणमात्र के अवसर

वैराग्यभावार्थी ध्यान करने में; तीर्थकर नाम.

मात्र आध्यात्मिक प्रकाशमानों में अक्ष क्षण

मात्र के लक्ष्यमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना;

तीर्थकर नाममात्र बोधने के लक्ष्य प्रकार में

का एक. dispassionate medita-

tion for a moment only;

one of the 20 ways of distin-

guishing oneself as a Tir-

thankara. नाया० ८; प्रव० ३१२;

—संज्ञोद्भव. त्रि० (—संज्ञोद्भव) क्षण-

अंतमुहूर्त पर्यंत के लक्ष्य समय दोष ते. अंत-

मुहूर्त तक जिसका संयोग हो वह. remain-

ing or lasting for less than

48 minutes. क० प० ७, १६; —संज्ञ.

त्रि० (—संज्ञ) क्षण-क्षेत्रों आधी छे तेवुं;

अक्ष जिस में बाकी है ऐसा. less by a

moment. क० प० २, ८२;

अक्षयक्ष. त्रि० (अक्षयक्ष—अक्षयं वरं निकृष्ट

कारणं जानातीति) वृत्त-अवसरने। गच्छा०

ना२. समय-अवसर को जानने वाला (One)

knowing the proper time आया०

१, २, ५, ८८;

अक्षि. जी० (अक्षि) आक्ष. अक्षय; अक्ष.

A mine. पि० नि० २२६; नाया० ७;

१. न० (अक्ष) धा; आक्षे; अक्षय. आक्ष;

अक्षय. A wound, अक्षय० १४७;

अनघ. पुं० (अतक) राहुना पुद्गली ५६२
अनघांनी अंक अन. राहु के पुद्गल की
पंढरह जात में की एक जात One of
the 15 sorts of the molecules
of Rāhu. सू० ५० १६;

अस. पुं० (अत्र) क्षत्रिय; आर यजुंभातो
अग्नि यजुं. क्षत्रिय; चार वर्णों में से दूसरा
वर्ण. Ksatriya; the second of the
four castes. (२) दासीपुत्र; यजुंभकर.
दासीपुत्र; वर्ण संकर. one belonging
to a mixed caste. उत्त० १२, १८;

अस. त्रि० (०) आभुग्ग्या २२५५. गोबर जमा
रस वाला. Resembling liquid cow-
dung. जं० ५० (२) आतर पाटल. खात
लगाया हुआ. (a wall etc.) bored
through by a thief त्रि० नि० भा०
१३. (३) आतर पाटल; अतिभां आंदुं करतुं ते.
खात लगाना; भीत में छेद करना boring
through the wall विवा० ३; नाया०
१८; - अलुगु. न० (- अलन - चान्नं सनताति)
आतर पाटल; चोरी कराने अंदर दाखल
थवा अतिभां आंदुं पाटल ते. खात
लगाना; चोरी करने को अंदर जानेके लिये
भीत में छेद करते हैं वह. breaking
into a house for the sake
of comitting theft. विवा०
३; नाया० १८; — मेह. पुं० (- मेघ -
चात्रेण करिष्य साकं सकरीषा वा
मेघा वज्रैः) आभुना २२५ १२५६.
झाल के रस सरीसृप वरमात. rain
resembling liquid cowdung.
जं० ५० २, ३६; अग० ७, ६;

अस. पुं० (अतक) क्षत्रक; राहुदेव का नाम.

राहु देव का नाम. Name of god
Rāhu. अग० १२. ६;

असिध-अ. पुं० (अत्रिध) क्षत्रिय अति; आर
यजुंभातो अग्नि यजुं. क्षत्रिय जाति; चार
वर्णों में का दूसरा वर्ण. The second of
the four castes. जं० ५० ४, ११२;
उत्त० ३, ४; ६, १८; १६, ६; राय० २१८;
२६६; विवा० १; निमा० ८, १४; ६, २१;
दम० २, २, २, ६, २; अग० १, ६; ११,
६; सू० न० २, ३४२; अलुगु० १३१; आश०
१४; २७; ३८; कल्प० २, १७; प्रब० ३८६;

— कुमार पुं० (कुमार) क्षत्रिय कुमार;
राजपुत्र. क्षत्रिय कुमार; राजपुत्र. a prince;
the son of a Ksatriya. अग० ६, ३३.

— कुल. न० (कुल) सामान्य क्षत्रिय तरीके
स्थापित कुल. a family ranked as an
ordinary Ksatriya family. आया०
२, १, २, ११; — जायस. त्रि० (- जातक)
क्षत्रिय अतिभा उत्पन्न थये. क्षत्रिय जाति
में उत्पन्न. (one) born in the
Ksatriya caste. सू० १, १३; १०;

— दारग. पुं० (दारक) क्षत्रिय के आश्रय
क्षत्रिय का बालक. a child of a
Ksatriya. विवा० ४; — पुत्र. पुं०

(- पुत्र) क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय अग्नेय.
क्षत्रिय पुत्र; क्षत्रिय का बच्चा. a son
of a Ksatriya अग० ६, ३३;

— विज्ञा. की० (- विद्या) क्षत्रिय की धनु-
विद्यादि विद्या; ४० विद्या भांती अंक. क्षत्रिय
की धनुर्विद्यादि विद्या; ४० विद्या में का एक
the science of archery possessed
by a Ksatriya; one of the 40

* अथवा ५४ न० १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

lores. सू० २, २, २०;

कवियकुंडगाम. पुं० (कवियकुंडगाम)
क्षत्रियकुंडगामे ग्राम जहां जहांसि रहेता
हता. कवियकुंड नाम का गांव जहां प्रमाल
रहने थे. Name of a city the
residence of Jamāli. भग० ६, ३३;
कप्य० २, २०;

कवियकुंडपुर. न० (कवियकुंडपुर) भद्रा-
वीरराभीनी जन्मभूमिं ग्राम; सिद्धार्थ
राजनी राजधानी. महावीर स्वामी की जन्म-
भूमि का ग्राम; सिद्धार्थ राजा की राजधानी.
The city which is the birth
place of Mahāvira Swāmi; the
capital city of king Siddhārtha.
आया० २, १५, १७६;

कौस्तुभ्यामी. स्त्री० (कवियामी) क्षत्रियनी स्त्री.
कविय की स्त्री. A wife of a Ksh-
atriya. कप्य० ३, ४८;

कविरसार. पुं० (कविरसार) भेस्सार. केर
का सार. A powder prepared of
Kher. पञ्च० १०;

कद-क. त्रि० (काव) मनोह; स्वादिष्ट; रसभर.
मनोह; स्वादिष्ट; रसभर. Delicious;
tasteful. सम० ३३; प्रव० ५२६;

कद्व. त्रि० (*) प्रभूत; अधिक;
प्रभाष्य १५३. प्रभूत; अधिक; प्रमाद्य से
विशेष. Abundant; much more
than enough. आया० २, १, १;
२६; पि० नि० १८८; ४८१; ५२६;
जोष० नि० ८६; ७२२; ११६० २, ४; प्रव०
१३०; दत्ता० ३, १६; १०; १८; १६;
—पञ्चक. न० (—पञ्चक) भेद
पुरुषि-६ (भिन्ना). बड़ा पुरुषविन्द

(इन्द्रिय). a big organ of genera-
tion. प्रव० ५२६; —सद्व. पुं० (—सद्व)
भेदो ११८. बड़ा शब्द. a loud sound.
प्रव० १३८;

कद्व. क० (कद्व) जलदी; जिताने. जल्दी;
शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५;
कद्वार्त्तावध. त्रि० (*) समृद्धि वाणुं.
समृद्धिमान. Prosperous. जोष० नि०
८६;

कपुष्प. न० (कपुष्प) आकाशना पुष्पनी
पेड़ें ५५. आकाश के फूल की समान शून्य.
Anything impossible or non-
existent like the flower in the
sky. विशेष० ३२;

कर्म. भा० I. (कर्म) क्षमा करनी. क्षमा
करना. To forgive; to pardon.

कर्म-ति. आया० २, १५, १७६; जंत०
६, ३;

कर्मन्तु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६
कर्म. वि० वव० १०, १;

कर्म. आ० नाया० ५;

कर्मह. आ० सु० व० ४, १२३;

कर्महि. नाया० ६;

कर्मह. दत्ता० ६, २, १८;

कर्मि. हे० क० सु० व० ४; १२४;

कर्मन्त. व० क० दत्ता० ५, ३;

कर्मनाक. व० क० भग० १५, १; २०, ६;
विवा० १;

कर्मह-ति. प्रे० भग० २, १; ३, १; ४,
८; १५, १; नाया० १; ५; ८; १४;
सु० व० ७, २०८;

कर्मति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

सामेति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

सामेति. भग० ३, २; नाया० ८; १६;

महा० प० ६;

सामेति. भग० ३, १;

सामेति. ना० नाया० ८;

सामेति. सं० कृ० नि० ४, ३२;

सामेति. सं० कृ० भग० २, १; ५, ८; १५,

१; नाया० १;

सामेति. नाया० ५;

सम. त्रि० (सम—समते इति समः) शक्ति

मान्; समर्थ. ताकतदार; समर्थ. Power-

ful; able. शेष० नि० ७६३; भग० १,

१; ३, १; नाया० १; १०; मु० च० १, २६;

३१६; आया० १, ७, ४, २१५; दमा० ७,

१; त्रि० नि० ७१; (२) शुभ; हितकर

शुभ; हितकारक. auspicious; bene-

ficial. उत्त० ३२, १३;

सम. पुं० (समक) भास अभव्य आदि तप

करना; तपस्वी साधु. मास समण करने

वाला; तपस्वी साधु. One practising

fasts for a month etc.; an ascetic

given to austerity. त्रि० नि० ४७६;

सम. पुं० (समक) सदनशीलता राखना

साधु. सहनशीलता रखनेवाला साधु. An

ascetic of forgiving nature.

अणु० १३१; प्रब० १५२७; उवा० १,

७७; (२) तप; उपवास. तप; उपवास.

a fast; an austerity. प्रब० १५३१;

—सय पुं० (-सय) सौ उपवास. सौ

उपवास. one hundred fasts. प्रब०

१५३१;

सम. त्रि० (समई) क्षमा करने के योग्य.

क्षमा करने के योग्य. Deserving par-

don. भग० ३, २;

सम. स्त्री० (समा) क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

लता; क्षमा. Absence of anger;

forgiveness. भग० ३, ३२; १०, ३;

नाया० १०; १३; शेष० नि० ५८१; सम०

२७; नंदी० ३६; ज० प० राय० १०१;

उवा० २, ११३; आया० ३, १; काय० ८;

समावृणया स्त्री० (समावृणया) अपराधनी

माफी मागती अभायु, मित्राणि दुष्टाः

तेन ते अपराध का माफी मागना; क्षमा-

याचना, मित्राणि दुष्टाः लेना. Begging

of pardon for a fault committed;

a particular way of confessing

a sin. भग० १०, ३; उत्त० २६, २;

समासमय पुं० (समासमय) क्षमाधारी

साधु. क्षमाधारी साधु. An ascetic of a

calm and quiet nature. कल्प० ८;

सय. पुं० (सय) भूयथी उत्पन्न; समुत्पन्न

साधु. मूल में उत्पन्न जालना; समुत्पन्न नाश.

Utter destruction. भग० ३,

८; ७, ८; ३, ३१; ११, ११; उत्त० ३, १७;

क० सं० २, २६; भल० ५०; —सय. त्रि०

(-सय) क्षय पाये. क्षय पाया हुआ, दुष्ट.

destroyed; decayed. दमा० ५; ३२;

३३; —सावि. पुं० (-साविन्) सर्वथा

आपदभूता क्षयथी उत्पन्न धर्म के विनाशना-

यान् क्षयगी. सर्वथा साविण के क्षय के जयें

(द्वारा) ज्ञानवान् केवली. one possess-

ed of perfect knowledge due

to the destruction of cover in

the form of Karma. वि० २, १८;

—निष्कण्ठ त्रि० (-निष्कण्ठ) क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

क्षमा. क्षमा. क्षमा. क्षमा.

शमायां जायते नन्) विहीरित मिथ्यात्वने
क्षय अने अनुदीरितने उपशम करवायी
वितपन धनुं क्षयोपशम समझित. उदीरित
मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम
करनेमें उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समझित.
destruction of false belief which
is forced to mature and forc-
ing of immature false belief
to mature. विशे० ४२८;

जयर पुं० (जयर) भरतनुं आ३. जेर का फाड़.

A kind of tree known as Kher.

अने० ३, ७; तंदु०—इंगाल. पुं० (—जंगार)
भरना आकृष्टना अंगारा. जेर की लकड़ी
के जंगार. burning charcoals of a
Kher wood. राय० ६६;

त्वयिष्य. त्रि० (जायिक) जुआ " जहज "
शब्द. देखो " जहज " शब्द Vide
" जहज " अणुजो० १२१०

✓ जर. धा० I. (जर) नाश पाभयुं. नाश
पाना. To be ruined.

जरह. विशे० ४२४;

जर. नि० (जर) कडिभुः भरभरी; कडिश;
तीक्ष्ण. कठिन, जरदरा, कंका, तीव्र.
Harsh; rough क० गं० १, ४१; ४२;
गच्छा० ४४; अग० ७, ६; १६, १; नावा०
१; ८, ६; तंदु० दत्ता० ३, २२, २३; २४;
उत्त० ३६, ७१; वि० नि० ३२७; जीवा०
१; पञ० १; जं० ५० अणुजो० १२८;
(२) तक्षु तेध. तिळीका तैल. sesame
oil. जोष० नि० ४, ६; (३) भेषी. गधा.
an ass जोष० ३८; जीवा० ३, ३; गच्छा०
१२५; (४) राहुने अपर नाम. राहुका
पर्यायवाची नाम. a synonym for
Rahu. सू० ५०१४;—जाहज. पुं० (—जा-
वर्त) कठिनचकनी पेडे पाथीनुं गोलपुंजुं
वाय ते; पभम. कठिन चक लीखा पानी का

गोल कुंडल होता है वह; बमक. a whirl-
pool डा० ६, ८;—कंट पुं० (—कण्ट)
तीक्ष्ण आंशानरभो; श्रीआमपुद्गेन २ आपुने
दुःखिनः आंशायी पीधनः आयक. नांदण
कांटे मग्या; उपदेश देनेवाले माथुकां दुर्बल
रूपी कांटोंमें छेदने वाला आवक. one
sharp as a thorn; a layman
who gives advice to an ascetic
in severe words. डा० ६, ३;

—कंट. पुं० (काण्ड) भिन भाग. कठिन
हिस्सा. the hard portion. (२)

पडेडी नरकना पडेडी आ३. पहले नरक का
पहला काण्ड the first division of
the first hell. जीवा० ३, १;—ककस.

त्रि० (—कंका) कंकाशं कंका; अतिकंका.
कंका में कंका; अतिकंका very harsh.

प्रब० १६२;—कठम न० (कर्म) कठोः
कर्म, कृत्य. कठोर कर्म; कृत्य. wickoc

actions. पंचा० १, २१;—पवणसंग
पुं० (—पवनसंग) प्रथमः पवनने संग

प्रचण्ड वायु का संग. uniting with
fierce wind. प्रब० २५१;—पृथ्वी
कां० (—पृथ्वी) कठिन पृथ्वी. कठिन पृथ्वी

hard ground or earth. प्रब० १११२;
क० ५० ४, ६७;—फकस. त्रि० (—फक)

पठुं कठोर. बहुत कठोर. very harsh.
" जरकस पृथ्वीमहा " नावा० २० भग०

७, ६;—वायरपुडविकाहय. पुं० (—वायर-
पृथ्वी कायिक) कंका आ३२ पृथ्वीआयाना
७१. कठिन वायर पृथ्वीकावा के जीव.

hard and visible earth-beings.
जीवा० १;—विलास न० (—विवाह)

भेषीनुं सीमं गवेका सींग. the horn of
an ass. विशे० ३५;

जरज. पुं० (जरर) अभरी; नो३२; हाथ
काम करने वाला, नौकर, हाथ. A boy

वस्तु. शेष. नि. ६१८;

॥ **अवरुन्धत्या.** कां० (*) निंदा; निन्दः। २ः
अपमान. निन्दा; निरुत्कार; अपमान. Dis-
grace; contempt; dishonour. पंचा०
१२, १; आप्र० नि० ४०; वि० नि० २२४;
अरमुह. पुं० (**अरमुन्**) अरमुन् नामे अरमु
अनायं देश. अरमुन् नामक एक अनायं देश.
A non-Aryan country. प्रब०
१४६६;

सुरमुहिया: बी० (सुरमुहिका) वाद्य विशेषः
 शब्दार्थः वाद्य विशेष, सुरमुह। A kind of
 musical instrument. अंग० २. ४;
सुरमुही: बी० (सुरमुकी) शब्दार्थः अंग
 १११ वाद्यत्र. सुरमुहः; एकप्रकार का बाजा.
 A kind of musical instrument.
 आया० २. ११, १६८; राय० ८२, ८८;
 जांवा० ३, ३; आब० ३३; जं० ५० क० ५०
 २, १०१;

सरमुहीसह. पुं० (सरमुह्यःशब्द) कादधानो
शब्द. सरमुहीका शब्द. 'The sound of a
musical instrument. निर्या० १७, ३६;

अरय. पुं० (अरक) राहुदेवजुं अरक नाम
राहुदेवका एक नाम. A synonym of
the deity Rahu. अग० १७, ६; (२)
त्रि० कृत्ति. कटिन. hard. नाया० ६;

अरसादिया. कां० (अरसादिका अरसा-
सादिका) अरसादिया अरसादिका अरसादिका
अरसादिया में की एक. One of the 18
scripts. सम० १८;

कारस्वर ५० (कारस्वर) १५५ १०० १००
 वागा साधमशी ५५५ ५५५ ५५५ ५५५
 गंधाना १०० १०० १०० १००
 तेम १०० १०० १०० १००

बाले शास्त्रों में इस पर नारकी को बड़ा क्रूर
गंधे मरीखा जावात्र निकालते हुए नारकी को
इधर उधर खेचते हैं वे परमाधामी. The
infernal gods known as Perma-
dhams who mount the hell-
beings on a Sālmah tree hav-
ing thorns as hard as adamant
and drag them hither and
thither while uttering a cry
like the braying of a ass. मम-
१७. अग० ३, ५; प्रब० ११-१.

શ્રવણ. જ્ઞા. () દારી. દારી. A
masil servant. જોષ. નિ. ૬૨૮;

सर्पिस्तुत्र पु० (सर्पिस्तुत्र) ३-८ विशेषः कन्दः
विशेषः. A kind of bulbous root.
प्रप० २४०;

स्त्रियुक्ता. छा० (स्त्रिकुता) नगर आर्देर
 के नगरभां रदेनारी वेश्यानां आव २५५.
 गहर के बाहर या बजार में रहो वाली
 वेश्या का भाव स्वकार. 'The state of
 being a prostitute living out-
 side the city or in a bazar.'
 भग० १४, १;

सुरोद्विधा. स्त्री० (सुरोद्विहा) अदा० त्रिपि-
भांती अक्ष. अदा० निर्दिष्ट में की एक.
One of the 18 scripts. सम० १८;

महाराष्ट्र शा. (महाराष्ट्र) म. शा. "महाराष्ट्र शा."
 म. शा. देव. " महाराष्ट्र शा " शब्द. Vide
 " महाराष्ट्र शा " पृ. १.

१. मूल भा. ! (मूल) अमृत; इतराः.
विगलना: दूर जाना. To slip away;
to go away. (२) पद; अमल
भा. पदजाना; पतन होना to fall.

जलज. सु० व० २, ३३;

जलजि. जा० उल० १२, ७;

जलजि. वि० उल० १२, १८;

जलज. व० सु० भग० ७, ६; जं० प०

जल. पुं० (जल) अश्वत्थ. खाना A threshing floor place in a field where the corn is husked. सोव० १७; गह० २, ३; जं० प० कण्य० २, ११०; (२) त्रि० सु० २; दुर्जन. बदमाश; दुर्जन. a rogue; a wicked person. सू० २, २, ४४; जलजा. जी० (जलजा) भूत; त्रुटि. भूल; त्रुटि. A Mistake. तदु०

जलज. पुं० (जलज) लुओ " जल " शब्द. देखो " जल " शब्द. Vide " जल " नावा० ७;

जलजाड. पुं० (जलजाड) अश्वत्थ. जलजाड. A barn yard; a place where any sort of grain is heap- ed for separating the husk from the corn. राव० २७३;

जलजि. न० (जलजि) अपभ्रंश. भूत; अतिथार. पतन; अतिथार. Degradation; mistake. (२) त्रि० शीलथी अपभ्रंशना पामेक्ष. शीलसे पतन पावा हुआ. (one) degraded; fallen. नावा० १; चउ० १; जलुजो० ६८; जोव० नि० ५४१; विसे० ६०२; व२४; पंचा० १२, ६; सु० व० ६, ६;

जलजि. न० (जलजि) पेशानी लगाम; थोड़ा. छोटे की लगाम; चौकड़ा. A bridle of a horse. राव० २४६; (२) नदीनी भेजनी नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १; — बंध. पुं० (— बंध)

पेशानी लगाम का बन्ध. the reins. नावा० १७; — मिट्टी. जी० (— मिट्टी) भेजनी नदी. नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

जलील. न० (जलील) लगाम; थोड़ा लगाम; चौकड़ा. The reins. सु० व० २, ६३;

जलु. अ० (जलु) निश्चय अपभ्रंश अर्थ भां अपने वाक्यना अर्थकार साथे अत्रु शब्द आवे छे निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ जलु शब्द आता है. Verily; indeed; (used also to add grace to a sentence). जं० प० ७, १३१; २, ११२; ११५; भग० १, ३; २, १; ७, १; ८, ५; २५, ३; ३१, १; नावा० १; ६; १४; १६; दसा० १, ३; दस० ४; ७, १; ८, ६, १; आया० १, १, १, ८; १, १, १, १८; १, १, २, १५; पञ्च० १; २३;

सू० १, २, १, १; उल० १, १५; सोव० ३८; निर० १, २; उवा० १, २; क० गं० १, ६;

जलुज. पुं० (जलुज) पशुनी ओड़ी. पैर की एड़ी. The heel. विवा० ६;

जलुंक. पुं० (जलुंक) अविनीत; शूद्र अने वांछा स्वभाववाला शिष्य. विनवहीन; जोड़े और टेढ़े स्वभाव वाला शिष्य. Immor- dest; a disciple of crooked na- ture. उल० २७, २; (२) अशुभे अशुभ के थोड़े. मस्त बैल जववा घोड़ा. an unruly bull or a horse. छ० ४, १; उल० २७, २; (३) प्रस. अशुभ विमोदे शूद्र वृत्तु डाँस, मच्छर वगैरह छोटे जीव. small insects, such as mosqui- toes, bugs, etc. उल० २७, २;

जुं० (*) अपभ्रंशना पदमने पड़ीये.

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पुष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पत्तास के पत्तों का दोना. A cup made
of leaves of a Khākarā tree.

वि० नि० २०६; (२) जेडा; मेजडी:
५२२५५. जाडा, मोत्रडी, जूना. a pair of
bliss. प्रब० १८३;

बल्लभूट. पुं० (बल्लभूट) अंड्र मत्तले ३-६.
एक जात का कन्द. A kind of bul-
bous root. पत्र १; जीवा ३, ६;

✓ कव. धा० I, II. (वि+णि) क्षय करणे; भ्रष्ट करणे; अंत करना. 'To destroy; to make an end; to waste.

कवेह. भग० ६, ३१: नाया० १: आब० ६३:

उत्त० २६, १; सुय० १. २, १, १४:

प्रब० ७०५,

स्वामिति भग० १६, ४; सूय० १, १२, १४;

अवति. दस० ६, '५८; नु० व० १, १८;

अथ यन्ति. भग० १६. ४, १८, ७:

ब्रह्मवेत्ता. सं० कृ० भग० ६. ३९: १५. १;

नाथा० १: ६;

हविर्वेत्ता. मं० कृ० नाया० ५: श्रौव० ४१;

उत्तर- २८, ३६; दक्ष- ३, १५;

स्वविप्र. सं० कृ० दस० ६, २, ७४:

सप्तमोऽध्यायः ॥ ५० ॥ नाया ॥ २॥

अथेमाद्य. व. कृ. नाया. १८;

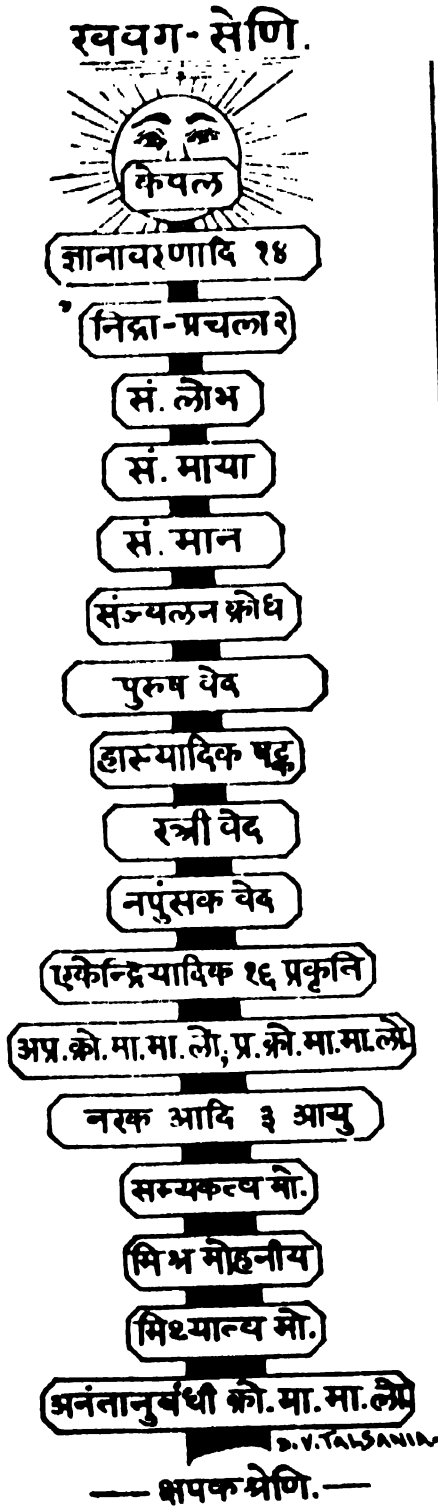
स्वर्गेत. क० १० २, ६६; ४, ४१; ७, ३६:

त्वविठं सं० कृ० क० गं० २, ३५:

कवच पुं० (कपक) कर्मों को नाश करनेवाला; क्षयक अस्त्रियुक्त साधु. कर्मों का क्षय करने वाला; क्षयक आश्रमगत साधु. One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Kṣapaka Śreṇi (a stage of evolution).
भग० २५, ७; भक्त० १५७;

अवग. पुं० (अवक) क्षयः श्रेष्ठिप्राप्ते साधु.
 अवक श्रेष्ठिप्राप्त साधु. An ascetic
 who has reached a certain
 spiritual stage. पि० नि० २०६;
 अग० २६, ६; अत० ६३; प्रब० ७०६; क०
 प० २, १७; (२) मोहनीयने अपायका
 रूप-क्षयः श्रेष्ठि. मोहनीय को दवाने वाला-
 अवक श्रेष्ठि. & certain stage in
 which Mohaniya Karma is
 wasted away. क० गं० २, २६; ४, ८२;
 —**आव. पुं० (- आवप) आयुष्यने अपा-**

पतार-सहस्र संपराय अने अपूर्व धराज
 गुणस्थान पावेला ७५ वाक्य का लय
 करने वाला सूक्ष्म संपराय और अपूर्व करण
 गुणस्थान वाला जीव. a living being
 possessed of Sūksamasanipā-
 tāya and Apūrvakarapa which
 waste away the period of
 life. क० गं० १, ६७: —कम. ५-
 (-कम) ६५५ श्रेणिनी कम. लपक
 श्रेणि का कम. the order of Kṣa-
 paka Śreni. कप० २, ४३: —संदि.
 जी० (-श्रेणि) ५५५ श्रेणि लपक श्रेणि.
 Kṣapaka Śreni; the spiritual
 evolution of a soul made by des-
 troying the different Karmas
 in succession. प्रब० २०: —सेलि. जी०
 (-श्रेणि) ६५५ श्रेणि. लपक श्रेणि the
 spiritual evolution of a soul
 made by destroying the dif-
 ferent Karmas in succession.
 (२) घातीकर्मनी प्रकृतिआने अपायवाना
 कर्मे ६५५श्रेणि कहेवासां आवे छे
 तेमां अनंतानुमेत्री क्रोध, मान, माया अने
 लोभने अपायवानी शुरुआत करी बित्रमां
 अतावेर कम प्रभाजे मोहनीयनी अभी
 प्रकृतिआने अपायवतां दशनावरणीय, जाना-
 वरणीय, अने अंतरायना प्रकृतिआने
 अपात्री १२ मां गुणस्थान छेदने समये
 देवतजनन अने देवतदशन प्राप्ति आवे
 छे. घातकर्म का प्रकृतियों के लय करने के
 अनुक्रम का लपकश्रेणि कहते हैं. उसमें
 अनतानुबाध क्रोध, मान, माया, और लोभ
 इनका लय करने का आरंभ करके बित्रम
 बनलाये हुए कमके अनुगार मोहनीय का
 मपूर्ण प्रकृतियों का लय करने पर दशनावर-
 णाय, जानावरणाय और अंतराय का प्रकृत-
 यों का लय करने के पश्चात् १२वें गुणस्थान
 के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन
 का प्राप्ति होती है. the serial order
 of destroying the Ghāti Kar-
 mas is called Kṣapaka Śreni.
 The course of destroying the
 said Karmas begins from the
 destruction of anger, pride,



deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Darśanāvṛṇā, Jñānāvṛṇā and Antarāya Karmas, Kevalānā and Kevala Darśana are obtained at the end of the 120 spiritual evolution પ્રવ. ૨૩૬.

સ્વયમ. પું. (સ્વયમ) જુએ. મહત્ત્વ 'શાસ્ત્ર'.
દશા 'સ્વયમ' 'શાસ્ત્ર' Vide 'સ્વયમ' પ્રવ. ૭૦૦.

સ્વયમ. ન. (સ્વયમ) ક્રમની દાય કરેલો તે:
અમુક અંશે ક્રમની નિર્ગત કરેલી તે ક્રમ
કા હવ કરના: અમુક અંશતક ક્રમો કા
નિર્ગત કરના Destroying of
Karmas; destroying the
Karmas to a certain limit.
વિશે. ૨૨૧૪, ૨૨૧, ૨૨૫; પંચા. ૧૮,
૨૧; ૧૦. જા. મા. ૧; મુ. વ. ૧, ૩૮૪;
(૨) પ્રકરણ; અધ્યયન. અધ્યાય; અધ્યયન.
chapter; division. વિશે. ૨૬૨;
(૩) સાધુ; મુનિ. માણ; મુનિ. ૪
Sadhu; an ascetic. પંચા. ૧૬, ૩૪;

સ્વચિત્. મા. (સ્વચિત) અધ્યયનનું અપર
નામ. અધ્યયન કા અપર નામ. A syno-
nym for a chapter. અનુજો. ૧૪૪;
સ્વચિત્. પું. (*) એક જાતનું માણુ. પૃષ્ઠ
જાતના મત્સ્ય. A kind of fish પંચા. ૧;
સ્વચિત્. ત્રિ. (સ્વચિત) અપાવેલ: હવ કરેલ હવ
કર્યા હુઆ. destroyed; wasted. સમ.
૨૧;—સ્વચિત્. ત્રિ. (—સ્વચિત) અનંતાનુ-
ર્બંધી ચાર કલાય, મિથ્યાત્વ મોહનીય, સમ-
કિત મોહનીય, અને મિશ્ર મોહનીય એ સાત
પ્રકૃતિ જેણે ક્ષોભ કરી છે તે. અનંતાનુર્બંધી
ચાર કલાય મિથ્યાત્વ મોહનીય, સમકિત
મોહનીય ચાર મિશ્ર મોહનીય, इन सात प्रक-
तियों का जिसने हव किया है वह. (One)
who has destroyed the seven
natural impurities; fourfold
passions known as Anantaanubandhi. સમ. ૨૧;

* જુએ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ની પુટનોટ (*).
દેશો પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ કી પુટનોટ (*). Vide
foot-note (*) p 15th.

अधिय-अ. त्रि० (अविष्ट) अपावेष्टुं. क्षय
किया हुआ. Destroyed; wasted. क०
गं० २, १; क० प० ७, १६; ४४; —कम्म.
पुं० (—कर्मन्) अपाव्या छे कर्म णेत्थे ते.
कर्मन्तो क्षय करनेवाले (साधु). कर्मोका क्षय
करने वाला (साधु); जिसने कर्मों का क्षय
किया है वह. one who has destroy-
ed, wasted the Karmas. क० प०
२. ६६; ६, २०;

अस. पुं० (अस) अस नामन्तो अयं अनायं
देश. अस नाम का एक अनायं देश. Name
of a non-Aryan country. (२)
त्रि० ते देशन्तो रक्षेयमी उम देश कानिवासी.
a resident of this country. पण०
१, १; प्रव० १५६७;

असस्वासिय. पुं० (असस्वासिक) अस-
वासिक नामन्तो अयं देश. असस्वासिक नाम
का एक देश. Name of a country.
पण० १; (२) त्रि० ते देशमा रक्षेयमात्रा
भाज्यसे. उस देश के निवासी मनुष्य. a
resident of this country. पण० १;

अस्तर. पुं० (*) असतो रोग; अस.
स्वस्व का रोग; स्वस्व. Itch; a kind
of skin disease. जीवा० ३, ३; जं० प०

आह. न० (आ) आकाश. आकाश. The
sky. भग० २०, २;

आह्वर. पुं० (आह्वर-हे आकाशे चरन्तीनि)
आकाशमां उड्गार पक्षी, निर्यय पञ्चिन्द्रियनी
अेक जन्त. आकाश में उड़ने वाले पक्षी
आदि; पञ्चैश्वर्य की एक जाति. A bird;
a kind of five-sensed animal.
भग० २४, १; उत्त० ३६, १७; —विहाराण.
न० (—विधान) पक्षियोंका भेद-प्रकार.

पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of
birds. भग० १५, १; नाया० १६;

आह्वरी. स्त्री० (आह्वरी) आकाशमां उड्गार
पक्षी; कायस वगेरे पक्षिपुष्पी. आकाश में
उड़ने वाला चिड़िया; कोयल आदि पक्षी
(स्त्री). Birds that fly in the
sky; the cuckoo etc. छ० ३, १;

आह्वर. पुं० (आह्वर) पक्षी पक्षी. A bird.
(२) विद्याधर. विद्याधर. a god
possessed of wonderful powers.
अणुजो० १३६; जं० प० भग० ७, ४; ८,
१; उत्त० ३६, १८६; आवा० ८१; जीवा० १;
पण० १; —अंस. न० (—अंस) तेनर,
कुक्कुट वगेरे पक्षीजुं भास. तीतर, मुर्गे आदि
पक्षियोंका मांस. the flesh of a cuckoo
partridge etc. प्रव० २२२;

आह्वरी. स्त्री० (आह्वरी) पक्षिपुष्पी स्त्रीलिंग
पक्षी. A female bird. जीवा० १;

✓ आ. १. (आह्) आहुं. आना. To out.
आह्व. अणुजो० १२८; दम० ६, १, ६;
त्रि० नि० २७४;

आह. सु० च० १२, ४५; राय० २६०;

आह्व. आ० उत्त० १२, २६;

आह्वमाह. जीवा० ३; विवा० १;

आह्वियन्त. प्र० व० कृ० विवा० २;

आह्व. क० वा० राय० २७६; उत्त० १२, १०;

आह्वन्त. क० वा० व० कृ० भल० १६०;

आह्वमाह. क० वा० व० कृ० मंथा० ६६;

आह्व-य. त्रि० (आह्वत) प्रख्यात; प्रसिद्ध.
प्रख्यात; प्रसिद्ध. Famous; renowned.
पंचा० ११, ४; उत्त० १४, २; नंदी० २७;

आह्व-य. त्रि० (आह्व) आह्वेष्टुं. क्षय हुआ.
Dug. कण्व० ६, २; आवा० (२) आडा; कुवे

आदी; कृया. a ditch; a well. अणुत्रो०
१३३; (३) आदि. आदि. a ditch. जं०
५० ३, ४३; गम० ५० २०६;

आइ. आ० (कयाति) प्रख्याति; प्रसिद्धि.
प्रख्याति, प्रसिद्ध. Pamo. भग० १२, २;
१३, २; आ० ४१;

आइया-या. आ० (कानिका) नीचि अने
उप० अरणी आदि आ० नीचि आ० ऊपर
बराबर खुदा हुई आइ; गहा. A ditch
uniformly dug from its mouth
to the bottom. पण० १, १; अणुत्रो०
१३४; भग० ५, ७; ८, ६;

आइम. त्रि० (आइम=आय) सुअरी,
मेवा, वगेरे आवादायक पदार्थ. मेवा, मिठाई
आदि आने योग्य पदार्थ. Sweetmeats,
dried fruits etc. उवा० १, ५८;
आया० १, ७, १, १९३; २, ११, १७०;
भग० २, १; ५, ५, ६, ७, १; नाया० १;
६; १६; १०० नि० १६६; राय० २२६;
दम० ५, १, ४६; १०, १, ८; वेय० १, १६;
मम० २१; ३३; आ० ३६; पंजा० ५, ७६;
कप० ५, १०२; प्रव० १६८; आ० ६, १;
—आइम त्रि० (आइम=आय)
सुअरी मेवा अने वगेरे आइम-सुअरास सोपारी
अणि वगेरे. मेवा मिठाई आदि स्वादम-
सुपाशी लौग आदि मसवास. sweet-
meats, dried fruits, cardamom,
cloves etc दम० ५, १, ६१;

आइय त्रि० (आइय) अवरावेत्त; अक्षय
अशवेत्त. मिलाया हुआ; भक्षण कराया हुआ.
(Any thing) caused to be
tasted or eaten. आ० ३८;

आइय. त्रि० (कयात) प्रगट करेत्त; अक्षय.

प्रगट किया हुआ; कहा हुआ. Revealed;
exposed; told. भग० २, १०;

आइय. न० (कायक) क्षयिकभावे क्षय
समयित क्षयमान वगेरे. क्षायक भाव
क्षायक मय्यकत्व केवल ज्ञान आदि. The
state of destroying Karmas
etc. विशे० ४६;

आइयड. पुं० (आइयड) अ नामने आधी
नरकना अड नरकावासा. इस नाम का चौथा
नरक का एक नरकावासा. A division
of the ४th hell so named. डा० ६, १;

आइयडिल पुं० () जेना शरीरपर
धोला तथा काला पट्टा होय छे तेनु अड
प्राणी. जमका देह पर संकट तथा काले पट्ट
हो ऐसा एक प्राणी. An animal hav-
ing black and white stripes on
the body e.g. the zebra. पण० १, १;
आणि. आ० (आनि) आ० ५२; आ०. ज्ञान
खदान. A mine. नंदी० ४१; उत्त० १२,
१३; सु० च० १५, ६१;

आइयआ. आ० (आनिआ) ओओ "आणि"
शब्द. देखो " आणि " शब्द. Vide
" आणि " आया २, १०, ११६;

आणु. पुं० (स्थाणु) आ० ५३. डाला पत्ते
रहित मूलहुए काष्ठ का टूंडा. A dried
trunk of a tree without branch-
es. आया० २, १, ५, २७; दसा० ७, १;
नाया० १; जावा० ३, ३; जं० ५० १, १०;
उत्त० १४, २३; (२) आ०. भुंटा. काला;
लूटा. a big nail; a peg. वेय० ६, १३;
जं० ५० ४, १११; —समाण त्रि० (—समान)
सकल आ०ना हुंटा जेवे; पोतानी ओटी छे
छोटे नदि; ओटी अ मड करनार. सूके हुए

काह के दूँडे जैसा: अपनी मिथ्या हट न स्वाग
ने बान्ता: कुछ आग्रह करने वाला. (one)
like a dried trunk of a tree;
(one) who never gives up one's
false idea; obstinate. छं० ४, ३;

काव्य पुं० (स्थावक) लुभो " काव्य "
शब्द. देखो " काव्य " शब्द. Vide
" काव्य " आवा० २, १०, १६६: २, १३,
१०२; नावा० २;

काव. न० (काव) ओरिष्ठ. कुदाहुका. Dug.
पत्र० २: (२) आध. काह. a ditch.
भग० १५, १; पत्र० २; --उद्ग. पुं०
(-उद्ग) आधनु पाज्जि. काह का पानी.
water of a ditch. भग० १५, १;

काविया. स्त्री० (काविका) लुभो " काविका "
शब्द. देखो " काविका " शब्द. Vide
" काविका " पद. १, १;

काव. न० (काव) आतर भित में कात
लगाना. Opening in a wall (made
by a thief). नावा० १६; --काव. त्रि०
(-काव) आतर पातर; ओर. कात
लगाने वाला; बोर (one) who bores
through a wall; a thief. नावा० १६;
काव. न० (काव) अभावपुं. क्षमा.
Begging of pardon. दशा० ४, १०२;
भत० ५०; नावा० २;

काव. स्त्री० (काविका-काविका) अपराधीनी
भाड़ी भागरी; अभावपुं ते अपराध की माफी
मांगना; क्षमा मांगना. Begging of
pardon. प्र० ६६; १०२; भत० १६;

काविक-व. त्रि० (*काविक-काविक) क्षमा
द्वेष, भाड़ी आपेक्ष क्षमा किया हुआ: माफी
दिया हुआ. Pardoned. पुं० च० १,
३०३; भग० ३, १; १५, १; दशा० १, १४;
भत० २०;

कार. त्रि० (कार) आह. कार. Salt. (२)

पुं०. न० आर वगेरे आर पदार्थ. त्रि० अ-
कार इत्यादि कार पदार्थ. thing-having
salt taste. "कारस्तोवस्तु ज्ञानमहम्"
नावा० १६; सूत्र० १, ४, १, २१, २, ३,
२५; आवा० २, १०; १६६: राव २५८;
निधी० १२, ३३; जं० ५० विवा० १: (३)
साभसाभो आर; वेर. दूसरों से डाह; वैर.
enmity towards others. जीवा० ३,
भग० ३, ३०; (४) पुं० आर २५. कार रस.
salt juice. पत्र० १०; सु० च० ७, २६४;
(५) स्त्री० आरवाही लुभि कार वाला भूमि.
saline soil. पि० नि० ना० १३: (६) लुभ-
पर संपत्ति ऐक्य भुवरा सर्व की एक जाति.
a kind of serpent. पत्र० १: --उद्ग
न० (-उद्ग) श्रेष्ठ आह पाज्जि. बोहा कार
पानी. water having some what
salty taste. पत्र० १; भग० १५, १;
--गालव. न० (गालव) साष्टआर
विगेरेने आरवाह पात्र. मग्नाकार आदि
गलाने का पात्र. a pot for liquifying
carbonate of soda etc. सूत्र० १, ४;
२, १२: --वेह. न० (-वेह) आह तेह.
कार तेह. salty oil. विवा० ६;
--दाह पुं० (-दाह) साष्टआरदि पत्रा-
वानी नृपा. सग्री, कार आदि पकाने का
स्थान. a place where carbonate
of soda etc are boiled. निधी० १
७५; --मेह. पुं० (-मेह) साधुक्षेत्रा
रसज्येवा नृपा याने मेह-वरसाह. लालवृक्ष के
रस समान जलवाला मेह-वरसाह. resin
resembling the juice of a Sals
tree. भग० ७, ६; च० ५० २, ३६; --वह.
पुं० (-वह) आरवाही क्षयरे. कार मव
हुआ. salty dirt निधी० ३, ५०;
--वहिव. त्रि० (-वहिव) आरवाही क्षयरे.
आरवाही क्षयरे. नमक से मरा हुआ; नमक

में भिगोया हुआ. salt-soaked मय०
२. १, ६३; आ० ३८, दमा० ६, ४.—मंज.
पु० (चारमंत्र) त्रिंशु द्रव्यादि पात्र करण
शास्त्र आयुर्वेदो अथ आयुर्वेद विद्
आदि वाग्ज करण शास्त्र आयुर्वेद का एक
भाग. a section of Āyur Veda
(medical science) dealing with
the excitement of amorous
desire by means of aphrodi-
siacs. डा० ८, १०;

आरायण. पु० (चारयण) भंड्य भैरवी
शाखा. मंडा गाय का एक शाखा. A
branch of Maudgaly lineage.
(२) ते शाखानो पुरुष उग शाखा का
पुरुष. a man of that branch.
डा० २, १;

अरिश्म. पु० (चारिक) आरीश; भूरा पत्रे-
ना पांदासो भंड्य अरिश्म अथावा अरि-
श्वरायामां आवे छे ते नमकोनः मूने आदि
के पत्रों में नमक डालकर अचार जैसा बनाया
जाता है वह. Pickles. आ० नि०
भा० १३६;

हारी ली० (हारा) अथ मृगशृंग प्राणी.
एक जात का प्राणी. A kind of crea-
ture. जा० १;

आरुणस्य. पु० (आरुणिक) अथ नामने
अथ अनार्य देश. इस नाम का एक अनार्य
देश. Name of a non-Āryan
country. (२) त्रि० ते देशान् अर्यसो
उग देश का निवासो a resident of
this country. भग० ६, ३३;

आसिद्य. त्रि० (आसित) धोआहुआ.
Washed. सु० च० १, २४३ ७, ११;

आवृत्ति. न० (आवृत्ति) प्रसिद्धि; प्र-
सिद्धि; कवाति. Fame; reputation
देवा० १०, ७;

आस्य. पु० (आस्य) आस्यो देश; उधरस.
आस्यो देश; दमा. (Anas). नाया०
१३. भग० ३, ७;

आसिद्य. न० (आसित) अनुआ " आस्य "
शब्द. देवा " आस्य " शब्द. Vide
" आस्य " विशेष २०१: नदी० ३८;

आसिद्य. पु० (आसिक) अथ नामने अथ
देश इस नाम का एक देश. Name of
a country. (२) ते देशेनो अर्यसो.
उग देशका निवासो. a resident of this
country. पण्ड० १, १: प्रब० १६४७:
आ० १, ७

असि. आ० (असि) पृथ्वी. पृथ्वी. The
earth; the world. क० प० १, ६२:
४, ३२;

असि. आ० (असि) पृथ्वी: अथ
पृथ्वी. पृथ्वी: अथ पृथ्वी. A small
bell नाया० १: डा० १०, १;

असि. न० (असि) अनुआ
" असि " शब्द. देवा " असि " शब्द. Vide
" असि " नाया० १:
उवा० २, ११३;

असि. आ० (असि) पृथ्वी: अथ
पृथ्वी. A small bell. अ० प०
राग० १०६: जोवा० ३, ३: उवा० ६, १६६;

असि. भा० I. (असि) निन्दा करनी.
निन्दा. निन्दा करना. To blame; to
censure. (२) क्रोध करनी: क्रोध
करना: क्रोध करना. to get
angry; to despise.

असि. ति. मय० १: १३, १४: २, २:
१७, नाया० ४० ति० नि० ३९८:
उत० १७, ६: मम० ३०: दमा० ६,
२०: २१;

असि. भग० ३, १: अंत० ६, ३: नाया० ८:
असि. वि० इम० ८, २६: आया० १,

२, ४, ८२;

विस्मृता. दस० ६, ३, २१;

विस्मृ. भग० ५, ४; १२, १;

विस्मृति. नाया० १६;

विस्मृ(ति) सा. सं० क० भग० ५, ६; ठा० ३, १;

विस्मृता. नाया० १६; भग० ३, १;

विस्मृ. न० (विस्मृ) निन्दा; तिरस्कार; अपमान. निन्दा; तिरस्कार; अपमान. Con-
sure; contempt; dishonour. पण्ड० १, १; श्रौ० २१;

विस्मृता. क्रा० (विस्मृ) लोक सभस भर्ष
उपास पाडी अयता करी. लोगों के सामने
गुप्त रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना Dis-
regarding anyone by exposing
his weakness in the public
श्रौ० ४०; राय० २६६;

विस्मृति. त्रि० (विस्मृति) निरस्कार
करता योग्य. तिरस्कार करने योग्य. Cen-
surable; disgraceful. नाया० ३;

विस्मृ. क्रा० (विस्मृ) निन्दा. निन्दा. Cen-
sure. पंचा० १७, २५;

विस्मृति. त्रि० (विस्मृति) भर्षा भेदी पथनयी
निरस्कार करे. मर्म भेदी वचन से तिरस्कृत.
Disgraced with piercing words.
ठा० ६, १; प्रब० १३३५; —व्यय. न०
(-वचन) भीषणी अर्त्तना (निरस्कार)
करवानुं पथन. दूसरों का घृणा-तिरस्कार
करने योग्य वचन. the words of
rebuke. ठा० ६, १; वं० ६, १;

विस्मृति. त्रि० (विस्मृति) अवि-
शुद्ध करने, ती, तो. स्मृति शब्द करना
हुआ-हुई. (One) making a sound
like ' Khi Khi. ' पण्ड० १, ३;

विस्मृता. क्रा० (विस्मृता-वेदिका)
भेद. वेद. Pain; trouble. नाया० १८;

विस्मृति. त्रि० (वेदिका) भेद करवाने
योग्य. रंज करने योग्य. Regrettable.
नाया० १६;

विस्मृता. त्रि० (विस्मृता) भीषणी-
शीशीया स्वभाव वाला. काजताहुआ चिरंदा
स्वभाव वाला. (One) of an irritable
nature. जीवा० ३, ४; नाया० १८;
राय० ११२;

विस्मृति. त्रि० (विस्मृ) भेद पाभेद. वेद
प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया० ६;

विस्मृकर. त्रि० (कट) भिदभिदिया करने.
गुदगुदा चलाने वाला. (One) who
tickles. सु० च० २, ६४३;

विस्मृति. क्रा० (विस्मृ) पृथ्वी. पृथ्वी The
earth; the world. विशेष० १२०८;

विस्मृ. न० (वेद) आकाश प्रदेश. आकाश
प्रदेश. The firmament; the space
of the sky. उत्त० ३३, १६; क० गं०
५, ८६; (२) आर्य अनार्य देश. आर्य
अनार्य देश. a country of Aryans
and Anaryas. गण्ड० १४, उत्त० ३,
१८; (३) द्विपने अक्षभाग; अक्ष विजय;
जैम भरत क्षेत्र. द्वीप का एक भाग; खंड
विजय; जैम भरत क्षेत्र. a part of a
continent. ठा० २, ३; (४) भुव्दी
शुभीन; धान्यवायवानी शुभीन. खुली
जमीन; धान्य बोने की जमीन. a field; an
open plot of ground आया० १, २,
३, ७६; अणुत्रि० ८०; दस० ८, ३५; प्रब०
१८; ६०४; भग० २, १; २५, ५; पण्ड० १६;
उत्त० ३०, १८; श्रौ० नि० भा० ८२;
सु० च० १, २३; कट० ५, ११७; —नि-
वासि. त्रि० (-निवासि) अक्ष क्षेत्रभां
निवास करने. एक क्षेत्र में निवास करने
वाला. residing in one country.
प्रब० ७८६; —कुसुमा. क्रा० (-स्पर्शना

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना.
क्षेत्र का स्पर्श; आकाश प्रदेश का अवगाहना.
occupying the atmosphere or
space विशेष १०९; —बहिर्द्विष्य. त्रि०
(—बहिः स्थित) क्षेत्रणी-वसतिणी अन्तर
क्षेत्र. क्षेत्र में बाहर रहा हुआ. situated
outside the inhabited region.
प्रब० १२०;—बहिर्द्विष्य. श्री० (—बहिः) क्षेत्रनी
वृद्धि. क्षेत्र का वृद्धि. increment in
space. प्रब० २८१; —संस्थिति. श्री०
(—संस्थिति) क्षेत्रनी आकाश. क्षेत्र का
आकार. the shape of the space
or region. जं० प० ३७. १३५;
—सहाय पुं० (—स्वभाव) क्षेत्रनी
स्वभाव. क्षेत्र का स्वभाव. the nature
of the space. प्रब० १०८८;

विस्त. त्रि० (विस्त) डेंडुं. फेंका हुआ.
Thrown. क० गं० ४, ८६; नाया० १७;
—विस्त. त्रि० (—विस्त) पुत्रशोक पंगरे
थी निक्षिप्त थयुं छे यित वंजुं अंगे. पुत्र-
शोक आदि में जिसका चित्त कुम्भ है वह.
(one) maddened on account
of the death of a son etc. ठा०
४, १; वव० २, १०; १०, १८;

विस्तम. त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीणी उपज्जेवां छे-
करी. श्री में उत्पन्न लड़के. (Children
born of a woman. ठा० १०;

विस्तमो. म० (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथडी; क्षेत्रनी
अपेक्षाये; क्षेत्रआधी. क्षेत्र से; क्षेत्र का
अपेक्षा; क्षेत्र के सम्बन्ध में. In relation
to space. उत० २४, ६; ओष० १७;

विस्तपाल. पुं० (क्षेत्रपाल) देव विशेष; अंत-
रपाल. देव विशेष; क्षेत्रपाल. A kind of

doity. सु० च० ७, ७०;

विस्त. त्रि० (विस्त) अं६ पाभेजुं. दुःखी; वेद
पाया हुआ. Troubled; afflicted.
आं६० नि० १२४;

विस्त्य. त्रि० (विस्त) वृद्धी; तीव्रगुं. जल्दी;
कुतलि. Speedily. आग्र० १, ६, ७, ९;
२, ३, २, १२१; उत० १, ४४; ओष०
नि० ७७५; भग० १, ९; २, १; ३, १; ३;
दम० ६, २८; ८, ३१; नाया० १; १६;
विशे० २८०; मय० १, ८, १४; कप० २,
२५; ४, ४८; उवा० १, २६; राय० २८;
३४; ३२; ओष० २६; क० प० २, ८८; ६,
१६; मम० ३४; दसा० ४, ३८;

विस्त्यगह. पुं० (विस्त्यगति) दिशाकुमार
लोकापालगुं नाम. दिशाकुमार के लोकपाल का
नाम. Name of a Lokapāla of
Dīśākumara. भग० ३, ८; (२)
अमितगति तथा अमितवाहन ईशना लोक-
पालगुं नाम अमितगति तथा अमितवाहन
इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a
Lokapāla of the Indras named
Amitagati and Amitvāhana.
ठा० ४, १;

विलीकय. त्रि० (विलीकृत) भीषी भारीने
कर्मने नियत करेज; निकालितमन्धने आधित.
काल ठोककर कर्म को हट किया हुआ; निका-
वित बंध से बंधे हुए. (The Karmas)
nailed or bound very tightly.
भग० ६, १;

विल्लुड. पुं० (*) कन्द विशेष. कन्द
विशेष. A kind of bulbous root.
प्रब० २४०;

विल्लुड. पुं० (*) कन्द विशेष; अस्पति.

* जुओ ५४ नम्बर १५ नी ५८नोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

वनस्पति; कंद विरोध. A kind of bulbous root; a kind of vegetation.

जीवा० १;

कल्लिज्जेउं. मं० क० अ० (कीडवित्वा) भक्षिने;
रभीने. खेलकर; क्रीडा करके. Having
played. सु० च० ७, ११३;

विधित्वा. मं० क० (विपत्ता) ड़ीने. फेंककर.
Having thrown. भग० ३ २;

निधिय. त्रि० (धित) ड़ेनुं. फेंका हुआ.
Thrown. सु० च० १, १७;

जीव. पुं० (जीव) अपी अयेस; नाश पायेस.
नष्ट; खाण. Wasted; destroyed.

नाया० २; ६; अणुजो० १२७; १३६; जं०
प० पञ० १; भग० १, ६; ५, ४; ६, ७;

१५, १; २५, १; ७; सम० ७; डा० २, १;
क० प० ४, १८; ५, १८; प्रब० १३१३;

कप० २, १८; ५, १४६; क० गं० २, २;
२०; ४, ७६; (२) आरभा क्षीयुमेदयुक्षु

स्थानकं दुं नम बारहवें छाण मोहनां
गुण स्वानक का लक्षित नाम. a short

name of the 12th variety of
spiritual evolution known as

Kṣīṇamoha. क० गं० ६, ४५; —ड-

वृज. त्रि० (-डवक) पाथीविनाजुं; निर्जल.
पानी रहित; निर्जल. devoid of water;

waterless. भग० १५, १, —डवसंत.

न० (-डवसंत) क्षीयुमेद तथा उपशान्त-

मेद नामे युक्षुस्थानक; आरभुं अने अभी-

आरभुं युक्षुस्थानक. जीव मोह तथा उपशान्त

मोह नाम का गुणस्वानक; बारहवें और

ग्यारहवें गुणस्वानक the eleventh
and the twelfth spiritual stages
known as Kṣīṇamoha and
Upaśāntamoha. क० गं० ४, ६१;
—कसाह. त्रि० (-कषावन्) लुओ
“ जीवकसावि ” शब्द. देखो “ जीव-

कसावि ” शब्द. vide “ जीवकसावि ”

भग० १, ३१; —कसाव. त्रि० (-कषाव)

क्षय पाया छे काम कोषादि क्षय जेना ते.

त्रिमके काम कोषादि क्षय छय होण है.

(one) whose passions i. e.
anger, hatred etc. are destroy-

ed or decayed. क० प० ७, ४८;

—कसायि. त्रि० (-कषाविन्) क्षयने

नाश-क्षय कये छे जेजे ते; क्षयकरित.

जिसने क्षय का नाश--क्षय किया है वह;

क्षय रहित. (one) who has de-

stroyed the passions. भग० २५, ६;

—दुह. त्रि० (-दुःख) क्षीय धयुं छे दुःख

जेनुं; दुःख विनाजुं. त्रिमका दुःख क्षीय

होगया है वह; दुःख रहित. freed from

pain or misery. सम० प० २४०;

—मोह. त्रि० (-मोह) जेना मोह विनाश

क्षीय धया छे जेजे. जिसके मोह विनाश

क्षीय होगये है वह. freed from wordly

enjoyments. नाया० ६; —मोहि. त्रि०

(-मोहिन्—मोहो जीवस्व वप्राहित तद्-

मोहि, शरीर तत्क्षीय तपोरोगादिनिर्वस्व

सः जीवमोही) दुःख शरीर वालुं. पतले

शरीर वाला; दुर्बल. (one) of weak

constitution. भग० ७, ७; —मोह.

त्रि० (-मोह) मोहनीकर्म जेनुं क्षीय

धयेस छे ते. त्रिमका मोहनीय कर्म क्षय

होगया है वह. (one) freed from

Karma known as Mohaniya.

क० गं० ४, ६३; क० प० ६, ६; डा० ३, ५;

—दय. त्रि० (-दयम्) जेजे कर्मरूप

रहने नाश कये छे ते. कर्म रज का नाश

किया है वह. (one) freed from

dust in the form of Karma.

सम० प० २४०, —राग त्रि० (-राग)

जेजे राग दुःख क्षय कये छे ते. त्रिमने राग

होना क्षय किये है वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८; ४२; गण्य० ३३; —वेद्य. त्रि० (-वेद्य) श्री वेद, पुराण वेद, नपुंसक वेद, आदि वेदा काम विकार नष्ट यंत्र है ते. जगत्के श्री वेद्य, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० ४, ३१; २५; ६;

जीवकसाय. न० (जीवकसाय) आरम्भ गुणस्थानक के १२वां कथायने संस्था क्षय करवाया आवे छे. बारहवां गुणस्थानक का जहां कथाय का संस्था क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क० गं० ६, ८४; —वीतराग. पु० (-वीतराग) क्षयाय रहित वीतराग. आरम्भ गुणस्थानवर्ति. कथाय रहित वीतराग. बारहवां गुणस्थानकचारी. a soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

क्षीर. न० (क्षीर) दूध. दूध. Milk. सू० प० ११; १६; पञ० २; आया० २, १, ४, २४; विशेष० ७६६; निती० ६, २२; निर० ३, ४; जीवा० ३, ३; पि० नि० १३१; भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; औष० १०; ३८; पि० नि० भा० २०; उवा० १, २४; पंचा० ५, २७; १३, १०; कण्य० ३, ३८; ६, १७; (२) क्षीर नामने पांचवें समुद्र अने पांचवें क्षीप. क्षीर नामका पांचवां समुद्र और पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. अथुजा० १०३; पञ० १; जीवा० ३, ४; —कुंभ पुं० न० (-कुंभ) दूधने पड़े. दूध का पड़ा a pot of milk. भग० १६ ३; —दुग्ध पुं० (-दुग्ध) दूध पाणी का; क्षीर, आदि का यंत्र. दूधवाले फाद; दूधर,

आकर आदि. trees that give milk ०. ५. the Asvattha tree. पंचा० १५, २०; पि० नि० भा० १२; —धाई. क्षी० (-धाई) आसने धाव-रावनारी; धायमाता. बालक को दूध पिलाव वाली; धायमाता. a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया० १, १६; विवा० २; —भोजन. न० (-भोजन) भीरुं नम्र. क्षीर का भोजन. a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४; —मधुर. त्रि० (-मधुर) दुधना जेयुं भीड़. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा० ४, ३; —मेघ. पुं० (-मेघ) भरत क्षेत्रमां उत्सर्पिणीने भीमे आरो भेसनां सात दिवस पुष्कर संवत् नामने मेघ परस्था पड़ी भीमे मेघ सात दिवस सुधी परसे तेनुं नाम. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूधरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुष्कर संवत् नामका मेघ बरसता है पधान दूधरा मेघ सात दिन तक बरसता है उमका नाम. name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd moon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puskara Samvart. जं० प० —वृष्टि. क्षी० (-वृष्टि) दूधनी वृष्टि; दूधने परसा. दूध की वृष्टि; दूध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —समुद्र. पुं० (-समुद्र) क्षीर सागर. जग सागर. the ocean of milk पु० च० २, २५१; —सर. न० (-सर) दूध जेवा पायिवाणुं तलाय. दूध जैसा पानीवाले तलाय. a tank having milky water. पु० च० १५, ३२; —सागर.

(-सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. name of an ocean. कल्प० ३, ३३; —साक्षा. क्षी० (शाखा) क्षीरनी साक्षा दुकान. दूध की शाखा-दुकान. a shop of milk. (नयी० १, ७.

बीरकाकोली क्षी० (बीरकाकोली) अनामनी साधारण्य वनस्पति. इस नाम का साधारण्य वनस्पति. A kind of vegetation पञ्च० १;

बीरकाकोलि. क्षी० (बीरकाकोली) जुआ "बीरकाकोली" शब्द. देखो "बीरकाकोली" शब्द. Vide " बीरकाकोली " भग० बीरली. क्षी० (बीरली) वृक्ष विशेष; फिरनी, दूध विशेष; किरनी. A kind of tree bearing sweet fruit. भग० २२, २; पञ्च० १;

बीरभुस. पुं० (बीरभुष) अनामनी पर्वत वनस्पति. इस नाम का पर्वत जात का एक भाग. A kind of tree of Parvata sort. पञ्च० १;

बीराद्वय. त्रि० (बीराद्वय) जेमा क्षीर-रस उत्पन्न हुआ है वह. (A substance) in which juice has been produced. " तपस्वतेमाक्षीकणुपुष्पेक्षं चावयगंधा बीरा-द्वया बद्धकसा " नाया० ७;

बीरासव. त्रि० (बीरासव) जेमुं पवन क्षीर-ना जेमुं आभगनारने मधुर आने नेवा शक्ति-शक्तियागे भाष्य. जिसके बचन मुनवानों का दूध रस मिष्ट मालूम हो जेमा शाक्त-कम्पिताका मनुष्य. (One) pronounced of sweet speech like milk. भाव० १६; पञ्च० २, १;

बीरिलिया. क्षी० (बीरिलिका) क्षीरसागर; क्षीरक्षी दूधकाली; दुधाल. A milch cow etc. भाषा० २, १, २, २३;

बीरिली. क्षी० (बीरिली) क्षीरसागर; क्षीरक्षी वन. चाँडवाने भाद की वन. A kind of creeper. पञ्च० १;

बीरोद्वय. पुं० (बीरोद्वय) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. भा० ४, ४;

बीरोद्वय. पुं० (बीरोद्वय) क्षीर समुद्र क्षीर-सागर. क्षीर समुद्र; क्षीर सागर. Name of an ocean. भग० ८, ६; ३० पञ्च० १; —समुद्र. पुं० (-समुद्र) क्षीरोद्वय समुद्र जेमुं पाणी दूध जेमुं छे अवे समुद्र. क्षीरोद्वय समुद्र-जिमका पानी दूध सरासा है जेमा समुद्र. An ocean the water of which is like milk. नाया० ८;

बीरोदा. क्षी० (बीरोदा) पश्चिम महाविदेहा दक्षिण आग्नेयानी भीष्म विजयानी पश्चिम सरस्वती उपरानी महाविदेहा. पश्चिम महाविदेह के दक्षिण सरस्वती की दूसरी विजय की नामा पर बहनी हुई महाविदेहा. Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha. ३० पञ्च० ८, १०२.

बीरोष. न० (बीरोष) क्षीर सागर. क्षीर सागर. Name of an ocean. ३० पञ्च० १, १२०; कल्प० ३, ४३; —सागर. पुं० (-सागर) क्षीर समुद्र. क्षीर समुद्र. Name of an ocean. कल्प० ३, ४३;

बीरोषा. पुं० (*) जुआ " बीरोषा "

* जुआ 'पृष्ठ १५२ १५३ की फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

शब्द. देखो " बीरोदा " शब्द. Vile
" बीरोदा " ठा० २, ३;

बीज. पुं० न० (बीज) बीजा. काल. A
mail. चाप० नि० ६८८;

बीजग. पुं० (बीजक) बीजा " बीज "
शब्द. देखो " बीज " शब्द. Vile
" बीज " म० प० ८; चाप० नि० भग० २७१;

बु. ब० (बु-बु) वाक्यालंकार; वाक्यने
शोभायनार अभ्यय. वाक्यालंकार; वाक्य
को सुंदर बनानेवाला अभ्यय. A particle
used to add grace to a sen-
tence. चाया० १, ६, ३, १८४;
दसा० २, ४; ८, ४६; (२) निश्चय. निश्चय.
certainly; verily. गच्छा० ६३;

बु. बी० (बुति-बबबं बुतिः) बीक. बीक.
A sneeze. चाया० २; १६; भग०
१२, १;

बुबु. पुं० (बुबु) घोडा घोडाने " बुबु ",
शब्द थाप छे ते. गीत हूए बांटे का बुबु
शब्द. A sound which is produc-
ed when a horse is running.
भग० १० ३;

बुज्ज. पुं० (बुज्ज) गंगा दाग पत्र भरतक
अने बीजा- ३३ लक्ष्म्युक्त प्रभाषिते दाय
अने पेट अनी पीठ पंगरे लक्ष्म्य दान दाय
ते संस्थाननं नामः ७ संज्ञाभानं व्यायुं
संज्ञाभु. जिसके हाथ, पाँच, सिर और घा-
गदन लक्षणयुक्त प्रमाणानुसार हो और पेट,
जाती पीठ आदि लक्षणहीन हो ऐसे संस्थानका
नामः छ मंठाशोमें से चौथा संज्ञा. Name
of a bodily structure in which
hands, feet, the head and the
neck are in proportion while,
stomach, the back, the breast
etc. are disproportionate; the
4th of the 6 bodily structures

अणुमो० ११८; ठा० ६, १; पत्र० १; सम०
प० २७७; (२) त्रि० दुपदा. कुञ्जः कुबडा.
(one) hump-backed. म० च० २, ३६६;
पगद० १, १; चाप० नि० भा० ८७; पि०
नि० ४७४; पंचा० १८, १७; प्रब० ४६३;
८०२; (३) न० वं प्रज्ञाना उदयथी दुपदा-
पायुं प्राप्त थाप ते नामकर्तनी अंश प्रज्ञानि.
जिग प्रज्ञानि के उदय में कुबडापना प्राप्त हो
उस नाम कर्म का एक प्रजात. a variety
of Nama Karma by the rise of
which one becomes hump-
backed. क० ग० १, ६०;

बुज्जकरणी. आ० (बुज्जकरणी) - पानी
आधी उपरके भोदन पाये ते सार ३६३
अनायमाने अथा उपर राखमाना अथारी-
आ पत्थने अथानीय पीठ उपर अंश पटाथी
आधी राखनुं ते. रूपवती साध्या पर काई मोह-
न हो इसलिये सुंदरता को कल्पना में परिणत
करने के वास्ते कंधे के बन्ध को पीठ से नीचे
पेट पर एक पट्टे में बांध रखना. Wrap-
ping of a shoulder garment
round the breast and the back
on the part of a female ascetic
in order that nobody should be
tempted by her beauty चाप०
नि० भा० ३२०; प्रब० ४६६;

बुज्जस्त न० (बुज्जस्त) दुपदा पायुं. कुबडा
पन. The state of being hump-
backed. चाया० १, २, ३, ७८.

बुज्जा. बी० (बुज्जा) दुपदा दासी. कुबडा:
दासी. A hump-backed female; a
maid. चाप० ३३; दसा० १; १; नाया०
१० ८; अंत० ३, ८; जं० प० भग० ६, ३३;
विवा० ६; (२) दुपदादेश नी दासी. कुञ्ज
देश की दासी. a maid of the
country named Kubjā. निती० ६-

२५; विवा० ४; निर० १०१: (३)
युंक्वानुं पात्र (युंक्दानी) धारण करनेारी
दासी. युंक्ने का पात्र (पीकराना) उठाने
वाली दासी. & female attendant
who holds a spittle-pot. विशे०
१८, १, १; विवा० ४;

सुखिया. स्त्री० (कुञ्जिता) सोझ रोगभोगी
अेक रोग: मुंघापात्रुं. सोझह रंगों में का
एक रोग; कुबडापन. One of the 16
diseases; crookedness. आया० १,
६; १, १०२;

सुखय. त्रि० (सुखक) न्दानुं; लघु; दलक्ष.
छोटा; लघु; हलका. Trifling; small.
ज० प० वच० १०, १८;

सुखग. त्रि० (सुखक) न्दाना-नी-ने।
छोटा-टी. Small. निमा० ४, ७१; अंत०
८, ३; ओष० १६; भग० १३, ६; ३१, १;
नाया० ७;

सुखिब. त्रि० (सुखक) लुओ "सुखय"
शब्द. देखो 'सुखय' शब्द. Vide. 'सुखय'
वच० ६, ४११ १०, १८;

सुख. भा० I. (बुद्ध) तोड़ना. To
break.

सुखान. भग० १५, १;

सुखिता. सं० कृ० १५, १;

सुख. त्रि० (सुद) न्दानो छोटा. Small.
गच्छा० १०६: —भव पुं० (-भव)
क्षुद्रभय; न्दानोभय निगोदिया अयनो २५६
आवलिकानो अेक भय. सुद भय: सुद भय;
निगोदिया जीव का २५६ आवलिका का एक
भव. & small period of life; &
period of life of hell-beings
lasting for 256 Āvalikān (&
measure of time) क० सं० ५, ३८;

सुख. पुं० (सुद) मदिरा. दारु. Wine. जं०
प० २, ३६; —आहार. त्रि० (-आहार)

मदिरापान करनेार. दारु पीने वाला. &
drunkard. जं० प० २, ३६;

सुखसुख. त्रि० (सुखक) न्दानाभ
न्दानो; अल्प न्दानो. छोटे से छोटा; बहुत
छोटा. Smallest. राय० १३४;

सुख. त्रि० (सुखक) न्दानो; लघु. छोटा
लघु. Small; short. निमा० १४, ६
भग० १३, ६; —भव. पुं० (-भव)
न्दानाभां न्दानो २५६ आवलिकानो अेक
भव. the shortest period of life
lasting for 256 Āvalikān. भग०
८, ६; जीवा० ८;

सुखतर. त्रि० (सुदतर) अनिरप लघु. अति
शय लघु-थोडा. Shorter; smaller
जं० प० ४, ७४;

सुखय. त्रि० (सुखक) दलक्ष; थोड़ा. हलका
सुद; थोडा. Short; trifling. वि० नि०
भा० ४६; विशे० ६१६; जं० प० प्रव० १२८
कण्य० ६, २०;

सुखलय. पुं० (सुखालय) थोडा मुंघापात्रुं
गाम; न्दानुं गाम. थोडा बस्ता वाला गाम;
छोटा ग्राम. A small village. ओष०
नि० ३१;

सुखलिय. त्रि० (सुखक) नाजुक; न्दानुं.
नाजुक; छोटा. Delicate; small. ओष०
नि० २१७;

सुखय. त्रि० (सुखक) लुओ "सुखय"
शब्द. देखो "सुखय" शब्द. Vide
"सुखय" आया० २, १, ६, २६; ओष०
६२; नाया० ७;

सुखसुखिय. त्रि० (सुदसुदक) न्दानाभां न्दानो
छोटे से छोटा. Smallest; shortest.
जं० प० ४, ८८;

सुखान. त्रि० (सुखक) न्दानो-नी-नुं. छोटा-
टी-टे. Small; short. वच० १८; नाया०

७; भग० ३१, १; शोध० १६; —कुम्भ.
न० (—कुम्भ) बार आठ बार बिगेरे
न्दानी शशिना गेड्यां. बार, आठ, बारह
आठ छोटी गांश के जोड़े. a pair of
small figure. भग० ३१, १;
—मय. पुं० (—मय) क्षुद्रक भय; २५;
आयसिका प्रभाजु निगोदने अक भय. कुद्र
मय; २५६ आर्वालका जितना निगोद का एक
मय. a short period of life
equal to 256 Āvalikās. क० प०
१, ७८; —भयमहल. न० (भयमहल)
२६; आयसिको निगोदने अक भय करेये
ते. २५६ आर्वालका का निगोद का एक मय
करना. a period of hell life equal
to 256 Āvalikās. भग० ८, ६;

कुटिआ. स्त्री० (कुलिका) न्दानी साध्वी
आयां. छोटी आर्वा साध्वी. A child-
female ascetic. गच्छा० १०७;

कुटिय. त्रि० (—कुलक) लुप्ता: " कुटिय "
सम्भ. देखो " कुटिय " शब्द. Vido
" कुटिय " भग० ७, ८; सूय० १. ३, २,
३; सम० १७; जांबा० ३, १; ४; आया० २,
१, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३; ४,
१; भग० १३, ६; निर्मा० १४, ६;

कुटियामायपिडमा. स्त्री० (कुटिकामोक-
प्रतिमा) मात्राना अभिप्रदरूप बार पडिमा
भांगी पडेथी आहार का मात्राका अभिप्रदरूप
बार प्रातेमाओ में से पहिला प्रतिमा. The
first of the four particular vows
in relation to take a limited
portion of food. ठा० ४, १,

कुटियविमाणपविमसि. स्त्री० (कुटिका-
विमानप्रविमसि) ऐ नामनु अक कालिक

मृत. इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name
of a Kālika scripture. नदी० ४३;
वव० १०, २६;

कुलिय. त्रि० (कुलित—कुलक) भूमिउपर
भुटेनु. भूम पर कटा हुआ. Trampled;
pounded. भग० ६, ३३;

कुल. त्रि० (*) भुम्पी भयेत्त; दुष्पी भयेत्त.
निम; हुआ हुआ; निमम Plunged. सु०
च० ३, १६१, शोध० नि० २३;

✓कुह. पा० 1. (कुह) अध्यवसायादि
उपक्रम कारयेथी विनाश करेये; आयुष्य
दृष्ट करेनु. अध्यवसायादि उपक्रम कारणों से
विनाश करना; आयुष्य कम करना To
shorten the life period.

कुहए. हे० क० उत्त० ३२, २०;

कुह. त्रि० (कुह) दुष्ट; नीच. दुष्ट; नीच.
Wicked.(२) दुष्टकृत दुष्टकृत हलका; छोटा.
trifling; mean. (३) लघु; न्दानी.
छोटा, लघु. small; short उत्त० ३४,
२१; ठा० ६. पण्ड० १, १; कल्प० ५, १२८;
प्रव० ६४६; पंचा० ३, ४८; ७, ६; दमा०
५, ६; राय० २०७; नाया० ६; —कहा.

स्त्री० (—कथा) क्षुद्र-दुष्टकथा; काम कथा. a bad story;
a talk about sinful actions.

प्रव० ६४६; —प्राण पुं० (—प्राण) क्षुद्र
प्र. लुप्ति-विकर्षोदय अने समुत्प्रेतमानरूप.
क्षुद्र प्राणा-विकर्षोदय और समुत्प्रेतमानरूप.
very very small insect. ठा० ४, ४;

—मिग. पुं० (—मग) दुष्टमनरूपी मृग.
दुष्ट मनुष्य रूपी मृग. a wicked deer.

पंचा० ३, ४८; —सत्त. पुं० (—सत्त)
क्षुद्र प्राणी. क्षुद्र प्राणी. an insignifi-

* लुप्ताः ५४ न० १२ १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vido
foot-note (*) p. 15th.

ciant creature. पंचा० १४, २६;

खुरग. त्रि० (खुरक) जुओ " खुर " शब्द.
देखो " खुर " शब्द. Vido " खुर "
स्य० २, ५, ६;

खुरास. त्रि० (खुरक) जुओ " खुर "
शब्द. देखो " खुर " शब्द. Vido " खुर "
जांवा० ३, १;

खुरिमा. स्त्री० (खुरिमा) क्षुरिमा नामनी आंधार
आमनी श्रीश भूयना. खुरिमा नाम की
गांधार ग्राम की दूसरी मूर्धना. The
second note named Ksudrimā
of the musical scale named
Gāndhāra. अ० ७, १;

खुरिय. त्रि० (क्षुरित) अप्रिय. भूख.
Hungry. स्य० १, १, १, ७;

*✓ खुर्य. धा० I. (मरु) भुयी भुयुं;
भुयी भुयुं. मम रहना; लिम रहना. To
be immersed; to be drowned.

खुर्यंत. आंध. नि० २३;

खुर्यिवासा. स्त्री० (खुर्यिवासा) भुय्य अने
तरस. भूख और प्यास. Hunger and
thirst. नाया० १३; —परिचय. त्रि०
(-परिगत) भुय्य अने तरसथी धेरायेस.
भूख और प्यास से प्रसित. overpower-
ed by hunger and thirst.
अम० ६, २, ८;

✓ खुर्य. धा० I. (खुर) अक्षमण्युं; अभ
रायुं; श्लोभ पाभवे. गबराना; क्षोभित होना;
हकावका होजाना. To be agitated.

खुरमह. भग० ३, ३;

खुरभापजा. वि० भग० ६, ५;

खुर्यमाव. क० वा० कप्य० ३, ४३;

✓ खुर्य. धा० II. (खुर) अभरायुं; श्लोभ
पाभवे. गबराना; खुर्य होना. To be
agitated or disturbed.

खोमेह. प्रे० नाया० ३.

खोमेति. प्रे० नाया० ४;

खोभहं. प्रे० हे० क० उत्त० ३२, १६;

खोभितप्. प्रे० हे० क० नाया० ६, ६;

खोमेत. प्रे० व० क० भग० ३, २;

खुरिय. त्रि० (*खुर्य) क्षोभ पाभेस; श्लो-
भमान थयेस. खोभित; खुर्य; दिगा हुसा.
Agitated. भग० ६, ८; —अल. न०
(-अल) क्षोभ पाभेसुं पाथी खुर्य पानी.
agitated water. भग० ६, ८;

खुरिय. त्रि० (*खुरित) नमेयुं; क्षात्र्यानी
पेहे दली गयेयुं. कच्छप की तरह मुका हुसा;
नमा हुसा. Bent like a tortoise;
sloping. " खुरिय खुरिय खुरिय "
नाया० १;

खुर. पुं० (खुर-खुरासन) उत्तर भरतमाने
भुरासान देश उत्तर भरत का खुरासान देश.
Name of Khurasāna country
in Uttara Bharata. जं० १०.

खुर. पुं० (खुर) पगनी भरी; गाय भैस, धोडा,
गधेडा वगैरे वागेयानारां पशुने पगना
आंगणाने पगनी देखाये ने नय्य नेयुं देया
छे ते. खुर; गाय, भैस, घोड़े, गधे आदि
वागेयाने वाले पशु के पांव की अंगुलियों के
स्थान पर जो नाखून जमा होता है वह.
A hoof भग० ५, २; १२, ७; स्य० २,
३, १६; जं० १०. वि० नि० ३३१; पल० १;
नाया० ३;

खुर. पुं० (खुर) अरतरे; अक्षयो. उत्तरा.
A razor भग० ६, ३३; स्य० १, ५, १,
८; १, १५, १६; अणुजा० १३४; नाया० १;
२; उत्त० १६, ६३; पगह० १, १; २, ५;
—घार. त्रि० (-घार-खुर्य हव घारा व-
र्य) सक्षायाना नेयी धारवायु. उत्तरे त्रिती
धार वाला. having the edge like
the edge of a razor. भग० ५, ७;
नाया० ८; ६; टवा० २, ६५; (२) स्त्री०

अस्तरेनी धार. उत्तर की धार. the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. प्रि० (मुण्ड) क्षुर-अर्थात् मुंडित. उत्तर में मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, १४; ६, ४७; प्रब० १००७;

खुरदुग. प्रि० (खुरदिक) गाय जैसे योरेनी यः मृगिभिः उत्पन्न यथा इति योरे. गाय भैम आदि की चमड़ी में उत्पन्न होने वाले कीड़े आदि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals मू० २, ३, २६;

खुरपत्त. न० (खुरपत्र) छुरा; उस्तरा. A dagger; a razor. डा० ४, ४; (२) छुरपत्तो. खुरा. a dagger. विवा० १; (३) छुरी जैसा पाँदरा यात्रु. खुरा के समान पत्त बाजा. a tree having leaves like a dagger. जवा० ३, १; (४) अस्तरेनी धार उत्तर की धार. the edge of a razor. नाया० १६;

खुरप्प. पुं० (खुराम) अस्तरे; छुरपत्तो. उस्तरा; खुरा. A razor; a large knife. (२) दातर; दापरा. a sickle. मू० २, ३, ६६; जं० प० प्रब० १११६; पत्र० २; —संडाण-संठिय प्रि० (-संस्थानसंस्थित) सहाया आकारे (२६३). उत्तरे के आकार का (रहा हुआ). razor-shaped. दमा० ६, १;

खुरमुंडम पुं० (खुरमुण्डक चरेषमुण्डवतीति) दामभत करनेवाले; नाई. हजामत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा० ६, २;

खुरि प्रि० (चरिन्—चरिन् खुरोऽस्वातीति) अश्व तन्त्रु मनवर खर वाले प्राणी. A hooped animal. अणुजो० १३१; ओष० ३;

खुरल. पुं० न० (-खुर) भे छिन्दिषवाया ७१; नाना संभवा. दो हँसिव वाले जाँव: छोटे शंख आदि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पत्र० १; जीवा० १;

खुल्लय. पुं० न० (*) कोड़ी. कोठी. A shell. नाया० १८;

खुव. पुं० (खुवप) नानो छोटा पे. छोटा मार. A small plant. " खवा वा वरवी वा खाणुं वा खुवेवा " नाया० १;

● खुवग. पुं० (*) आभे. पस; धोवा. The cavity formed by joining the palms together. वव० २, २७;

खुह. पुं० (*) अंकुशाकार. अंकुश के आकार का. Goad shaped. राय० ६१; (२) अंकुशाकार आकाश प्रदेशनी भेषी. आकाश की अंकुशाकार भेषी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग० ३४, १;

खुहा की० (खुवा) क्षुधा; भुप. खुवा; भूक. Hunger. प्रब० ६३२; जावा० ३, १; जीवा० ३, १; नाया० १; २; ओष० ३६; दस० ८, २७; भग० २, १; ७, ८; —सह. प्रि० (-सह तृषां सहनेतम्) भुजने सहन करनेवाले. भूक को सहने वाला. (one) or during hunger. भग० १५, १;

खुहिय. प्रि० (खुभित) क्षोभयामेव; दास क्षोभयमेव. खुन्ध; हाल बेहाल. Agitated; distracted. महा० प० ७६; ओष० नि० ७;

खुहिय. प्रि० (खुभित) भुभेय; भुभुक्षित. भूखा; भुभुक्षित. Hungry; starving. पण्ड० २, १;

* भुभे १४ नम्बर १५ नी पृष्ठोत् (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

लेख-य. पुं० (लेख) भेद. भ्रम. लेखः भ्रमः.

Exhaustion. आश्व० ११; सु० च० १, १८१;

(२) कर्मभेदे भेद करायनार संयम. कर्म को
लेख करने वाला संयम. self restraint
which exhausts the Karma.

उत्त० १६, १६;

लेखक. न० (लेखक) आश्रयः; आश्रयः.

काज. A crisp thin cake. निर० १, ६;

लेख. पुं० (लेख) भ्रम करती भेदोटी अने

शहर करती नदानी वसतिनु स्थान जेने करती

धरती गढ़ होय ते भेद. ग्राम का अपेक्षा बड़ी

और शहर का अपेक्षा छोटा बस्ती; जिनके

चारों ओर धूल का गढ़ हो वह लेख A

town surrounded by a wall.

उत्त० ३०, १६; ठा० २, ४; भग० १, १;

३, ७; ७, ५; अणुजो० १३५; पगढ़० १, ३;

आवा० १, ७; ६, २२२; नाया० ८; १६;

वेय० १, ६; आश्व० ३२; जावा० ३, ३; बिबा०

१; सूय० २, २, १३३; विश० २४; २४;

लेखक. पुं० (लेखक) लक्ष्यकरती या लक्ष्यकरती

अथ दक्षिणः दक्ष. तलवार का घाव भेदन

का हार्थवार; दाल. A shield; a defen-

sive armour to protect oneself

from the stroke of a sword

पगढ़० १, १; ६;

लेखक. न० (लेखक) भेदक. दलना. Tilling.

सु० च० १२, ४२;

लेखक पु० (लेखक) लक्ष्यकरती नानी पटी.

लकड़ी का छोटी पट्टा. A small strip of

wood. जं० ५०

लेख. न० (लेखक) भेद; ६६ कलाओं की भेद.

खेल; ६६ कला में का एक. Play; one

of the 64 lores. आश्व० ६०; जं० ५०

१, ६७;

लेखक. जी० (लेखक) हीरा; व्यापार मंजुषा

यगेरे रमत. कीड़ा; रमत; व्यापार मंजुषा

आदी. Play viz. playing of cards

etc गच्छा० ८२;

लेखक. पुं० (लेखक) आकाशआयु; शस्त्र

विशेष. श्याम बाण; शस्त्र विशेष. A kind

of weapon. जावा० १; १;

लेख. न० (लेख) आकाश; जेमां जेमां

पदार्थ निवास करीशके ते. आकाश जियमें

जीवादि पदार्थ निवास कर गह है वह. The

space of the universe where

living beings live. विश० ४०४;

१४०६; २०८८ ३३४३; दगा० ४, ४८;

नाया० १६; सु० ५० १; अणुजो० ६०;

१३२; भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १४;

जं० ५० ७, १३३; ७, १४८; (२) देश.

देश. a country. वेय० १, ४९; (३)

जगत्; स्थान. जगद्; स्थान. a place. पक्ष०

१, भग० १, १; (४) व्यापार-मंजुषा जमीन

धान्यनाभितर; जगत् जमीन जमान; धान्य

का खेत an open plot of ground.

प्रथ० २४३; ७२८; पं० वा० १, १२; १२,

२०; सूय० २, १, ३४; आश्व० जं० ५० (५)

राहुनं नाम राहु का नाम name of

Rahu. सु० ५० १४; (६) पञ्चवक्त्र

पञ्च पदना व्यापारमां दारुनं नाम पञ्चवक्त्र

के नामर पद के पञ्चवक्त्र का नाम name

of the 24th chapter of the 3rd

section of Pannavapā Sūtra.

पक्ष० ३: — आश्विन. प्रि० (-अश्विन)

लेखनी भवति उत्पत्तिनी प्रथम आवेष्ट लेख

की मोमा लोचकर ले आया हुआ. (some-

* जुआ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vido
foot-note (*) p. 15th.

thing') that is brought having transgressed the limit of space.

“ असाह कने पाव भोयके ” भग० ७, १;

—अर्हय. त्रि० (—अतीत) क्षेत्रनी भयाह।

असाही भयेत क्षेत्रकी सीमा लाया हुआ।

(one) who has transgressed the limit of space. प्रब० ३७;

—अणुपुष्पी. स्त्री० (—अनुपूर्वी) क्षेत्र

विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. क्षेत्र विषयकी

अनुक्रमणिका-अनुपूर्वी. serial order of

regions. अणुजो० ७१; —अभिग्रह.

पुं० (—अभिग्रह) गाभमां के आदर अभुक्त

जन्मा भक्षे तोर क्षेत्रुं अनी रीते क्षेत्र आशी

नियम धारये। ते. ग्राम में या बाहर अमुक

स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा क्षेत्र मध्यस्थ

का नियम धारण करना. a kind of vow

to accept food etc. only when

it is got at a certain place in a

city or outside it. शिव० —अभि-

ग्रहचरिया. स्त्री० (—अभिग्रहचर्या)

क्षेत्र आशी अभिग्रह धारण करीने गोचरी

करती ते. क्षेत्र का अभिग्रह धारण कर गोचरी

करना. begging of food only

when it is got at a desired

place. भग० २५, ७; —आदेश. पुं०

(—आदेश) क्षेत्रनी अपेक्षा. क्षेत्र की अपेक्षा.

relating to a place. भग० ५, ८; १४,

४; —एजण. स्त्री० (—एजण) क्षेत्रनी

अपेक्षामें उभयपुं० ते. क्षेत्रकी अपेक्षा से कंपना.

trembling in relation to a cer-

tain place. भग० १०, ३; —ओगाह.

त्रि० (—अवगाह) क्षेत्रने अवभाही

रहेस. क्षेत्र का अवगाह कर रहा हुआ.

occupying space. भग० ६, १०;

—ओगाहवा. स्त्री० (—अवगाहवा) क्षेत्र-

आशी अवभाहना. क्षेत्र संवन्धी अवगाहना.

length and breadth in relation to a place or space ठा० ४, १;

—तुल्य. त्रि० (—तुल्य) क्षेत्र आशी

तुल्य; क्षेत्र जेजुं. क्षेत्र तुल्य; क्षेत्र जैसा.

resembling a place or space.

भग० १४, ७; —एप्स. पुं० (—प्रदेश)

क्षेत्र-आकाश प्रदेश. क्षेत्र-आकाश प्रदेश.

the firmament. प्रब० १०४०; —पर-

माणु. पुं० (—परमाणु) क्षेत्र आशी पर-

माणु; आकाश प्रदेशने अवभाही रहैत

पुद्गल परमाणु. क्षेत्रकी अपेक्षा परमाणु

आकाश प्रदेश की अवगाहना करनेवाले पुद्गल

परमाणु. the molecules of matter

occupying space. भग० २, ५

—एलिय. न० (—एलिय) क्षेत्रपक्ष; क्षेत्र

आशी पक्षोपम; पक्षोपमना अक्ष प्रकार.

क्षेत्रपक्ष; क्षेत्रकी अपेक्षा पक्षोपम; पक्षो-

पम का एक भेद. a measure of time

in relation to a place. प्रब० १०३२,

—लांय. पुं० (—लांय—क्षेत्रमेवलोकः)

क्षेत्ररूप लोक; लोकआकाश क्षेत्र रूप लोक

लोकआकाश. the space in the form of

the world भग० ११, १०; —वत्थु. न०

(—वास्तु) क्षेत्र भुल्ली जमीन अने चारतु-

धर-दांडी जमीन. क्षेत्र-खुली हुई जमीन

आर वास्तु-घर-ढकी हुई जमीन. the open

plot and the covered plot

(with a house etc.) प्रब० २७६;

—वासि. त्रि० (—वर्षिन्) जेतमां परस-

नार. जेत में बरसने वाला. (rain)

falling in a field. ठा० ४, ४;

—विवागा. स्त्री० (—विषाकी) क्षेत्रविषाकी,

उभयपुं०. क्षेत्र विषाकी कर्म प्रकृति. a

variety of Karmic nature.

which matures at a certain

place. क० गं० ५, १४; —जुधि. स्त्री०

(-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिष्कारभां
उभेरुं ते. क्षेत्रकी वृद्धि; वृद्धता. extension
of space. पंचा० १, २०; —संजोग.
पुं० (-संयोग) क्षेत्रनो संयोग. क्षेत्र का संयोग.
joining of two regions. अणुजो०
१३१; —संसार. पुं० (-संसार) आकाश
परिभित क्षेत्र; क्षेत्रस्य संसार-लोक. चंद्रह
राज, पारामित क्षेत्र; क्षेत्र रूप संसार-लोक.
the world consisting of 14 Rāja-
loka; the world having many
divisions. डा० ८, १;

केलधो. य० (क्षेत्रम्) क्षेत्रनी क्षेत्र मे.
From a Kṣetra. प्रव० ७७३; भग०
२, १, २०; ५, ८, ८, २;

खेलि. प्रि० (क्षेत्रिन्) क्षेत्रवासे क्षेत्र वासा.
(One) possessed of Kṣetra.
विश० १४६२;

खेद. पुं० (खेद) पीडा; भेद; पीडा; खेद.
Affliction; trouble. भग० १४, १;

खेम. पुं० (खेम) दुःखान्तर; उपद्रवना अन्तर.
कल्याण; उपद्रव का अन्तर. Welfare;
absence of trouble. भग० २, १.
उल० ६, २८; १०, ३६; २१, ६; आच०
१०, ७, ५१; ६, ८, २३; जावा० ३, ४;
दमा० ८, ८; नाया० २, ५; पञ्च० २; भल०
३६; —रूप. प्रि० (-रूप) दुःखान्तरक;
उपद्रवरहित कल्याणकारी; उपद्रव रहित.
beneficial; happy, free from
trouble. डा० ८, २.

खेमम. पुं० (खेमक) अन्तर्गत्ययना उद्गा
यनीना पांथमा अध्ययनान् नाम. अंतर्गत
मूत्र के छट्टे वर्ग के पांचवें अध्याय का नाम.
Name of the 5th chapter of
the 6th section of Antagāḍa
Sūtra. अंत० ६, ५; (२) कांडी
नभरीना रक्षेयामी अक्षेयवापति. के जेजे

महावीर पासे दीक्षा लक्ष सोण वर्षनी
भवनया पाणी विपुलपर्वत उपर संचारे
करी सिद्धि भेगपी. काकंदी नगरा के रहने
वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी
के पास दीक्षा ले सोलह वर्षका प्रव्रज्या पाल
विपुल पर्वत पर संचारा कर सिद्ध गति प्राप्त
की. a merchant of the Kākandī
city who was initiated by Ma-
hāvira. He practised asceti-
cism for sixteen years gave up
food and drink for ever and ob-
tained final bliss on the Vipulā
mountain अंत० ६, ५;

खेमंकर. प्र० (खेमकर-खेम करोमीति) खेम
दुःख (रक्षा) इत्यादि. खेम कुशल (रक्षा)
करने वाला. A protector. मय०
२, ६, ८; आच० (२) पुं० अे नामना अक्षसद-
मे भदाभट. इस नाम का अष्टमदशां महाग्रह.
name of the 68th great con-
stellation म० प० २०. डा० २, ३;
(३) पांथमां दुःखयन्त्र नाम पांचवें कुल-
कर का नाम. name of the 5th
Kulagara जं० प० (४) जलद्विपमां
अश्वत्थ क्षेत्रमां यनाय आथा दुःखद. जंबु-
द्वीप में अश्वत्थ क्षेत्र में होने वाले चौथे कुल-
कर. the fourth would-be Kula-
gara of Airavata country in
Jambudvīpa मय० प० २८०;

खेमंधर. पुं० (खेमंधर-खेम धारयति अन्यकृमम्
यः) जलद्विपमां अश्वत्थ यत्रमा यनाय
पांथमां दुःखद. जंबुद्वीप के अश्वत्थ क्षेत्र में
होने वाले पांचवें कुलकर. Name of the
5th would-be Kulagara of Airā-
vata country in Jambudvīpa
मय० प० २८०; म० प० (२) उद्गा दक्ष
इत्ये नाम. छट्टे कुलकर का नाम. mām

of the 6th Kankara. (१) ७५-
६५ ६२ ३२१२. उपद्रव नष्ट करने वाला.

one who removes troubles. ओव-

कर्मकर. त्रि० (कर्मकर) सुखकारी. सुखकारी.

Beneficial; giving happiness.

पणह० २, १;

कर्मपुरा. जी० (कर्मपुरी) सुखदायिनी

मुख्य नगरी; राजधानी. सुखदायिनी

मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the

chief capital of Sukachchha

Vijaya. जं० प० ठा० २, ३;

केमा. जी० (केमा) सुखदायिनी सुखदायिनी

राजधानी मुख्य राजधानी. कच्छ विजय के

कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The

chief capital of the king Kach-

chha of Kachchha Vijaya. ठा०

२, ३; जं० प०

केयल. त्रि० (केयल-केयलः अमः संसार

पर्यटनजनितः सं जानातीति) संसारना

भेदने दुःखने लज्जानार. संसार के वेद-दुःख

का ज्ञाता. (One) having know-

ledge of the miseries of the

world. आया० १, १, ६, ३२;

केयल. त्रि० (केयल) लुप्ता ' केयल

शब्द. देखा ' केयल ' शब्द. Vide

' केयल ' सूच० १, ६, ३; ओप० नि० ६४७;

आया० १, २, २, ८८, १, ७, ३, २०७;

केयल. त्रि० (केयल) आकाश गामोः पक्षी

आकाश विहारी; पक्षी. A bird. (२) पुं०

विद्याधर. विद्याधर. a kind of deity.

सु० च० १, २६१;

✓केल. भा० I. (क्रीडा) रमन करने की क्रीडा

करना. To play.

केलेज. विधि० ओप० नि० भा० ६८; उत्त०

८, १८;

केल. त्रि० (केलक-नट) रंशत्रे भिक्षु कर-

ना२ नट विशेष. बांस पर खेलने वाला; नट.

An actor; one who performs

acrobatic feats on a rope or

a bamboo. तर० २, २२;

केल पुं० (केल्मन्) नाक तथा मुखमांसी

भीक्ष्णायुं कक्ष नीक्षण ते. नाक और मुँह से

निकलने वाला कफ निकलता है वह; कफ. The

phlegm that comes out of the

the mouth and the nose. कप्प० ५,

११६; ६, २६; प्रव० ४३६; गच्छा० ६६; ओव०

१, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ४, ३३;

१२, ७; २०, २; नाया० १; ५; दस० ८,

१८; तंदु० वेद० १, १४; आया० २, १,

१६, २६; पण० १; उत्त० १४, १६; सम० ४;

ओव० —आसव. पुं० (—आसव) कक्ष

आधार नीक्षण. कफ का बाहर निकलना.

coming out of phlegm. भग० ३,

३; नाया० १; ८; दमा० १०, ६; —ओ-

सहि. त्रि० (—ओसहि) ओस प्रसारणी

लक्ष्मि-शक्ति; युक्ती दर्शितुं दर्शनी लक्ष्मि

ओसि गतनी शक्ति. एक प्रकार की लक्ष्मि-

शक्ति; युक्त से रोग भिद्यमान ऐसा शक्ति. a

kind of attainment or spiritual

power; a certain kind of power

which cures diseases by the

application of salina only. विश०

७७६; ओव० १६; पणह० २, १; प्रव०

१४०६; —पहि. त्रि० (—पहि) अक्ष-

आमां पट्टे. सर्द से प्रसूत. troubled

with cold. गच्छा० ६६; —संचाल.

पुं० (—संचाल) अक्षमां संयोज्य युक्त.

कफ का संचार होना. affected with

cough. आ० १, ५;

केलावस्थाधारे. जी० (क्रीडाधारी) आलसने

रमायानुं कर्म करनेवाला भाव माना. बालक

को रमाने का काम करने वाली भाव माना.

A nurse who makes children play. आवा० १, १५, १७१;

*कोला. न० (कोला) बीजा; रभत. कीला; रमत. Play. उत्त० ८, १८।

कोलागा. जी० (कोला+क) रभत रभत. रमत गमत; कोलकूद. Play; recreation. निर० ३, ४;

कोल्मुड. पुं० (*) कंदली ओक वस्तु. कंद की एक जाति. A kind of bulbous root. भग० ७, ३;

कोव. पुं० (कोप) धेड़नुं ते. फेंकना. Throwing. क० गं० २, १५;

कोचिय. त्रि० (कोचिन) धेड़वेष्ट. फेंका हुआ Thrown. उत्त० १६, ४२।

कोउद्वम. पुं० (कोउद्वक) क्षोद शेरडीना रस जेयुं जेयुं पाणी छे ते, शेरडीना रस जेया पाणीयागे ओक समुद्र. क्षोद-मांठे के रस जेस जिसका पानी है वह; मांठे के रस जेमे पानी वाला समुद्र. An ocean the water of which is like the juice of sugar-cane. सूय० १, १, २०;

कोरुधुममायु. त्रि० (कोरुधुममाय) अनिशय क्षोभा पाभतुं; आक्षुप्त व्याकुल यतुं. अनिशय कुपध; आकुल व्याकुल होना हुआ. Exceedingly agitated. आच० २१;

*कोड. पुं० (*) भेड़ातुं डाकतुं. बड़ा लकड़. A big log of wood. पगह० १, ३; (२) भेष्ट; विभाग; स्थल. प्रदेश; विभाग; स्थल. a division; a part; a place. आच० नि० भा० ७९;

कोड. पुं० (कोटग) वस्त्र धिकनुं पड़िसेद्व करतां ओक भाग जेया पड़ी तेना उपरती २०४ तरङ्ग के कोड जेनुने अमेरवाने ते

भावनुं प्रभाजन करतुं ते; आक्षिपा अभोडा तरीछे भागपाय छे, ओकेक वस्त्रना तथु भाग करीने पड़िसेद्व करतां नय अभोडा भवा जेछेमे ओम विधान करेछ छे. बजादिक कां प्रतिलेखना करते समय एक भाग देखे पश्चात् उस पर की रज, तृण वा कोई जन्तु को हटाने के वास्ते उस भाग का प्रभाजन करना. इस क्रिया का अस्त्रोडा कहत है, एक एक वस्त्र के तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ अस्त्रोडे होने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है. The cleansing of a part of a garment for the sake of getting rid of particles of dust, straw or any insect after having examined that part at the time of Pratilekhanā; this process is known as Akhodā, which, according to scriptural injunction, has to be repeated nine times, each garment being divided into three parts for Pratilekhanā छा० ६, १; उत्त० २१, २५; आच० नि० २६५;

*कोडियडव. त्रि० (*) नष्टया योग्य; निषेध करवा योग्य. छोड़ने योग्य; त्यागने योग्य. Worth rejecting; worth abandoning. भग० १२, ६; १६, ४; २४, २४;

कोणी. जी० (कोणी) पृथ्वी. पृथ्वी. The world; the earth सू० च० १२, ५८;

कोतवर. पुं० (कोदवर) क्षोदवर नामनेा द्वीप क्षोदवर नाम का द्वीप. Name of a continent. सू० १०, १९;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

१. पुं० (जोशोद) क्षोदोदनामनो समुद्र
क्षोदोद नाम का समुद्र. Name of an
ocean सू० प० १६;

जोशोदग. न० (जोशोदक) शेरडीना रस जे
पाण्णी. मटि के रस जैसा पानी. Water
resembling the juice of sugar-
cane. पक्ष० १;

जोह. न० (जोह) भय मय; शहद Honey.
भग० ७, ६; —आहार. पि० (—आहार)
भयना आनन्द से. शहद का आहार वाला
(one) who eats honey. भग०
७, ६;

जोभ पुं० (जोभ) भय; क्षोभ. भय; डर.
Fear; agitation. विश० १४०४;

जोभण न० (जोभन) विन्दयता; आकुलता.
आकुलता; चयराहट Agitation; dis-
traction. पि० नि० ४८४;

जोभिय पि० (जोभन) रय नहीं था. ये
क्षोभ पमादित स्थान में चालन; क्षोभन.
Agitated; distracted. राय० १२८;

जोम. न० (जोम) सुतराउ कपड़. मून का
कपड़ा; सूता काड़ा A cotton cloth
जोवा० ३, ३; सू० प० २०; राय० १६२;
निर्वा० ३, ११; उवा० ५, २८; ५, १२३;

—जुगल. न० (जुगल) सुतराउ रेशमी
तेल. सूता वस्त्र का जोड़ा. A pair of
pieces of cotton cloth. भग० ११,

११; —जुगुल. न० (जुगुल) सुतराउ, तथा
अर्धसी (रेशम) पुं० वस्त्र. सती तथा रेशमी
वस्त्र half-silken cloth जाया० १;

जोभिय न० (जोभिक) शय तथा सुतराउ

वस्त्र. मन वा सूत का कपड़ा. A cloth
made of cotton or jute. प्रब०
८६०; जोष० नि० ७२४; आया० २, ५,
१, १४१; १४५; भग० ११, ११; ठा० ३,
३; (२) रेशमी वस्त्र रेशमी वस्त्र. silken
cloth. पि० नि० भा० ४६;

जोय. पुं० (जोड) शेरडी इंस; सांठा. A
sugar cane. पक्ष० १५; राय० १३३,
(२) सातवां द्वीप अने सातवां समुद्र
नाम. सातवे द्वीप और सातवे समुद्र का नाम.
name of the 7th continent and
the 7th ocean. अणुज्ञा० १०३;
—रस. पुं० (—रस) शेरडीना रस. इंस
रस the juice of sugar cane.
सम० प० २३२. जीवा० ३, ३; सूय० २,
१, १६;

जोय. न० () ओड मतनुं गोण वासण.
एक जाति का गोल बरतन. A kind of
round shaped pot. जीवा० ३;

जोल. पुं० (जोल) ओण; तत्र यगेरेनो कुम्भो.
खल; तिलो बगरह का फोक. Oil-cakes
etc. आया० २, १, ८, ४६; (२) गुम-
थर; जमुस. गुमथर; जामूम. a spy.
पि० नि० १२७;

*जोसिय पि० (*) जुनुं करी नापेनुं.
जाण; पुराना कर के डाला हुआ. Old;
discarded as being old. पि० नि०
३२१;

जोह. पुं० (जोभ) भय; क्षोभ. भय; डर;
जोभ. Fear; agitation of the
mind. सू० च० १५, १८६;

ग.

गह. क्री० (गति) अनि; यात्र; भ्रमन; धर्मा-
 रितक्रियानुं आस अक्षय. गति; चाल; गमन;
 चर्मास्तक्रय का साम लक्षण. Gait;
 motion, the result; the fulcrum
 of motion. क० गं० २, २३; ५, ६१;
 कण० १, ५; भग० ३, २; ४, १०; ७, १०;
 १६, ८; नाया० १; १७; सम० १; उल०
 २८, ८; ५०० ६, २, १७; सू० प० १; विश०
 ५४०; सू० च० ५, ६; (२) अेक भ्रमं-
 थी भीम भ्रमं गतुं ते. गत्यंतरमां गतुं
 ते. एक भव से दूसरे भव में जाता; अन्य
 गति में जाता. passing from one
 birth to another birth. आश०
 १, ३, ३, ११६; ज० प० पञ्च० १३; (३)
 निस्तार इतार; आश्रय स्थान; शरण्योप्य.
 निस्तारा करने वाला; आश्रय दान; शरण के
 योग्य. a benefactor, a patron
 ओव० कण० २, १५; (४) भरीने गतुं
 गतुं ते अनि चार अथवा पांच; नरक,
 तिर्यच मनुष्य अने देवता. (पांचभी भोक्ष-
 गति). मरकर जड़ा जाना होता है वे चार
 या पांच गति; नरक, तिर्यच, मनुष्य और
 देवगति (पांचवां मोक्षगति). the four
 or five states of passing from
 one birth to another birth viz
 that of hell, beasts, human be-
 ings and gods. the 5th is that
 of Mokṣa (salvation). पञ्च० १३;
 २३; उल० ३६, २; अणुत्रां० १२०; दम०
 ४, १४; ६, ३, १५; १०, १, २३; भग०
 १, ८; ६, ३; प्रव० ४; १२७६; कण० ५,
 ११६; क० प० २, १३; ४, ६; (५) हिता-
 हित भोक्ष शान हिताहित बोधक ज्ञान, वह
 ज्ञान जिसमें हित और अहित का बोध हो.

the power of discrimination
 उल० २०, १; (६) नामकर्मनी अेक प्रकृति
 के जेना उदयथी अथ नरक आदि गतिमां
 गत्य छे. नामकर्मकी एक प्रकृति एक जमक
 द्वारा जीव नरक आदि गतियों में जाता ह.
 a variety of Nāmakarma the
 maturity of which leads a soul
 to hell. क० गं० १, २४; ३३; ४३;
 (७) पञ्चयज्ञा सयना त्रीम पदना भीम
 द्वारनुं नाम के जेमां नरक आदि गतिआश्री
 अवेनुं अदयामदुत कथुं छे. पञ्चयज्ञा-प्रज्ञा-
 पना मृगक तीमरे पद के दूसरे द्वार का नाम
 कि जिस में नरकादि गतियों के सम्बन्ध में
 ज्ञान का अन्वेषण-न्यूनाधिक्य कहा ह.
 name of the second section of
 the third Pada (chapter)
 of Pannavāṇi dealing with the
 duration of life in hell. पञ्च० ३;
 —कल्लाल. प्रि० (-कठयाण) इत्यादि २५
 विध्यगति पावनार मंगलक-कठयाणमय ऊंकां
 गति के प्राप्त करने वाला leading to
 welfare in the form of attaining
 to the condition of a god or
 heavenly being. “अणुत्तरेणवाइयाण
 गहकल्लालाणं डिहकल्लालाणं ” कण० ६; ज०
 प० २, ११; सम० ८००:—नम पुं० (-प्रम)
 गति आश्री प्रम; तेउ काय तथा वायु इम.
 गति का आश्रय करके प्रम; तेप्रकाय आं
 वायु काय the living beings of
 fire and wind in relation to
 the state of their existence. क०
 गं० ३, १४; ४, २२; —मुल्ल. प्रि० (-मुल्ल)
 येन तेतानी अनि सभान. अपनार गति के
 नुन्य-समान according to one's

own state of existence. क० प० ९, ३०; —नाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी नरकादिक गति प्राप्त थाय ते नाम उमनी अक प्रकृति. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिनके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. मम० ६२; —परिहा जो० (-प्रतिघात) शुभगतिनो प्रतिघात अटकायत. शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. ठा० १, १; —परिणाम. पुं० (-पीर-वाम) गतिनुं परिणाम-स्थलाय. गति का परिणाम स्वभाव. the nature of duration of life. भग० ७, १; —पुत्राय. पुं० (-प्रवाह) जेभां गतिनुं विवरण छे अथा अक अप्ययननुं नाम. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग० ८, ७; —विज्ञान. न० (-विज्ञान) गतिनुं ज्ञानपात्रुं. गति का ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा० २, २५; —विभ्रम. पुं० (-विभ्रम) गति-व्याप्तनी शोभा. गति-चाल का शोभा. the beauty of the gait, motion or existence. गच्छा० १२१; —विषय. पुं० (-विषय) गतिनो विषय; गति शक्ति. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. " असुरकुमाराद्यं देवाद्यं च गङ्गा विसृजे सिन्धु " भग० ३, २; भग० २०, ६; —समावृत्तग. त्रि० (-समावृत्त) पाटे पड़ेता छय; अक अवपूरोकरी श्रीम अवभां गतिभां जेतो छय. जन्म मृत्युरूप प्रवाह में

बहामाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं० प० ७, १४०; ठा० २, २;

गङ्गमंत. त्रि० (गतिमन्) गतिमान्, गतिवालो. गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Mov- i g; going. विशेष० ११५७;

गंत. पुं० (गङ्गा) भूम्यादे नदी उत्तरतां पगे हंडी अने भावे गरीभीनो अनुभव थाय छे भाटे अक समये जे उपयोग होछे शके अम स्थापना करतार गंग नामनो पांथयो निन्दय. गङ्गा नामक पांचवां निम्नह-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय में दो क्रियाओं का ज्ञानभान हुआ था अर्थात् गंगा नदी पार करत समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा ' एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं ' इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था. The fifth of the propounders, named Gāṅga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions: simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशेष० २३०१; ठा० ७, १; गंगदत्त पुं० (गङ्गदत्त) जे नामनो अक भाष्यस के जेनुं राजनेत्रीधि पतन थयुं. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ. A man of that name who got a spiritual fall on account of passion. मत० १३०; (२) गंगदत्त-नरभा वासुदेवना श्रीम पूर्व अवतुं नाम; नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व अवत का नाम. the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३६; (३) ऋषि अश्वदेव-वासुदेवना पूर्वजन्मना धर्माचार्य. ऋषि बलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३६; दस्तिनापुरतो रदेरासी अेक गाथापति हास्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति. a merchant-prince of Hastināpur. भग० १६, ५; —देव. पुं० (-देव) अे नामने सानामा देवलोकोतो अेक भद्रासामानिक देवता. सातवें देवलोक के एक महासामानिक देवता का नाम. name of a Mahāsāmānīca. deity of the 7th Devaloka (heavenly abode).

भग० १६, ५;

गङ्गा. स्त्री० (गङ्गा) गङ्गा नामे अेक स्त्री इस नाम की एक स्त्री. Name of a woman. विवा० ७;

गङ्गाप्रवाह. पुं० (गङ्गाप्रवाह) हिमवत पर्वत उपरथी नीकगती गङ्गा नदीनो दरेठा न्यां पडे छे ते कुंड. वह कुण्ड जिसमें हिमवत पर्वत से निकली हुई गङ्गा नदी का प्रवाह गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls. डा २, १;

गङ्गा. स्त्री० (गङ्गा) गङ्गा नदी-युद्धिभवंत पर्वत उपरथी नीकणी वैताक्षमां थछ लयल्ल समुद्रमां पूरं तरङ्ग भगती भरत क्षेत्रनी अेक भेदी नदी. गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल बतःक्ष पर्वत के बीचों बीच होकर लवण समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी. A large river of Bharata-Kṣetra flow-

ing to the east into Lavana ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaidhya. सम० १६; नाया० १; ४; ६; १६; भग० ५, ७; ७, ६; ६, १३; १५, १; ओष० १०; जं० प० ५, १२०; ३, ४१; १८; उत्त० १२, १८; जावा० ३, ४; सू० प० २०; अणुजो० १३४; कप० १, १२; —आवसलकुण्ड. पुं० (-आवसलकुण्ड) युद्ध दिभवंत पर्वतना पश्चिमथी ५०० ग्नेजन पूरं तरङ्ग गङ्गावर्त नामे अेक शिखर छे ते न्यां गङ्गा नदीनो आवर्तन थाय छे. हिमालय पर्वत के पश्चिम नामक द्रुह से पूर्व का ओषा ५०० योजन की दूरी पर गङ्गावर्त नामक एक शिखर है, कि जहाँ गङ्गा नदी का आवर्तन होता है. name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn. जं० प०—कुण्ड. पुं० (-कुण्ड) कुण्ड विजयनी गङ्गा नदीनो कुंड; चित्रकूट गङ्गा पर्वतनी पश्चिमे ऋषभकूट पर्वतनी पूरें नीकवंत पर्वतने दक्षिण कांठे उत्तरार्ध कुण्ड विजयमानो गङ्गा नदीनो कुंड. कच्छविजय की गङ्गा नदी का कुण्ड; चित्रकूट बल्लारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नीलवंत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्ध कच्छ विजय में स्थित गङ्गा नदी का एक कुण्ड. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nila-vanta mountain, in the east of Rishabhakūṭa mountain, and in the west of Chitrakūṭa Vakhā-

rk mountain. जं० १०. कुट्ट. पुं०
(-कूट) युद्धदिभिर्न पतित उपरना ११३२मां
नं पांयम् ३२ शिपर. चुन्न हिमवान् पवन क
११कूटों में से पाँचवाँ कूट शिखर. the 5th
of the eleven summits of Chula
Himavanta mount जं० १०—कुल
न० (-कूल) गंगा नदीनी किनारे-कडा
गंगानदी का तीर. a bank of the river
(Gangos. भग० ११, ६;—दीप. पुं० (-दीप)
गंगा प्रपात कुंडनी उभये रवेत्त द्वीप. गंगा
प्रपात कुंड के बीच में आया हुआ एक द्वीप.
an island in the lake (Gangā-
prapāta जं० १०—प्रमाण. पुं० (-प्रमाप)
गंगानदीनुं प्रमाण गंगानदीका प्रमाण the
extent of the Gangos. भग० १२, १;
—पुलिनबालुया का० (पुलिनबालुका)
गंगानदीनी काली रेती. गंगा के तीर की
बाहु रेती. the sand of the banks
of the river (Gangos. भग० ११, ११;
—व्याय. पुं० (-प्रपात) युद्धदिभिर्न
पतित उपरशी पडते गंगानदीनी दरेते. चुन्न
हिमवत पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगा-
नदी का प्रपात करना. the fall of the
Gangā river from the Chula
Himavanta mountain जं० १० अ०
२, ३;—व्यायवृद्ध पुं० (प्रपातवृद्ध)
ज्येष्ठा गंगानदीनी दरेते पतित उपरशी पडते ते
वृद्ध. गंगा प्रपातवृद्ध जिसमें पर्वत पर से गंगा
नदी की धारा गिरती है. the lake into
which the Gangā river falls
from the mountain. अ० २, ३;
—महानदी. स्त्री० (महानदी) गंगा नामनी
मोटी नदी. गंगा नाम की महानदी. the
large river named Gangos.
नाया० १६;—महानदी. स्त्री० (-महानदी)
अथो "गंगामहानदी" शब्द देसो "गंगा

महानदी" शब्द. vide "गंगामहानदी"
निर० ३, ३;—बालुया या. स्त्री० (-बालुका)
गंगानदीनी रेती. गंगा नदी की रेती. the
sands of the river Gangos. भग०
१२, १; अणुतो० १०३;

गंगामयमहस्स न० (-गङ्गायमहस्स) गोशा-
लाया भव नुमन् गंगा ऐक काल प्रमाण,
तेनी ऐक काल संख्या. गङ्गाया के मतानु-
सार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी
एक लाख संख्या. According to Go-
śāla, a division of time called
Gangā also a lac of such
divisions. भग० १२, १;—मल्लि.
न० (मल्लिक) गंगानदीनुं पाण्ण गंगा
नदी का जल; गंगाजन. water of the
(Gangos. नाया० ८;

गंगाउल. पुं० (गङ्गाकुल) गंगानदीने कडे
रेतेवर तपस्वी ऐक जन गंगानदी के तीर
पर रहने वाले तपस्वी का एक जति. A
class of ascetics residing on
the bank of the river Gangos.
निर० ३, ३;

गंगादेवी. स्त्री० (गङ्गादेवी) गंगानदीनी
अपिष्टत्री देवी. गंगानदी की अपिष्टात्री देवी.
The persiding goddess of the
river Gangos. जं० १०३, ६४;—भवण.
न० (-भवन) गंगादेवीनुं भवन. गंगादेवी
का भवन. the palace of the god-
dess (Gangā जं० १० ३, ६४;

गंगावत्त पुं० (गङ्गावत्त) ज्येष्ठमते ऐक
द्रव. इस नाम का एक द्रव. Name of a
lake. कप० ३, ६३;

गंगेय. पुं० (गङ्गाय) पार्श्वनाथना संतनीया
ज्येष्ठमते ऐक मुनि के जेछे भद्रवीर
रवाभने नरक आदिना जमाना भ्रमने
पुण्या छे जे गंगीयाना अंगी नगरे

ओशभाय थे. इस नामका पार्श्वनाथ का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक आदि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे और जो गङ्गेयभागा नामसे प्रसिद्ध है. An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvira Svāmi these questions are known as Gāṅgeya-bhāṅgā. भग० ६, ३२; (२) गंगानो पुत्र-भीष्म पितामह. गंगा का पुत्र भीष्म पितामह. Pihismapitāmaha, the son of Gaṅgā. नाया० १६;

गङ्गा. पु० (गङ्गा) गङ्गा; गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा. A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower. परह० २, ७; भग० २२, ६; पञ्च० १; —साला की० (-शाखा) गङ्गानो दुष्टान. गांजे की दुकान. a shop of hemp flower. निरी० १, ७;

✓ गंठ. धा० I (ग्रंथ) गुंथन; रचना. गुंथना. To knit; to bind; to tie to compose.

गठहू. निरी० १, २३;

गंठत. निरी० १, २३;

गंथिजहू. क० वा० विरो० १३८३;

गंठि. पु० (-ग्रन्थि) गाँ. ग्रंथि; गाँठ. A tie, a knot e. g. that of love and hatred caused by Karma. राय० १६६; जीवा० ३, ४; सु० च० ११, २२; ओच. नि० ६९३; विरो० ११६४; नाया० ६; भग० १, ६; प्रब० २००; ५०५; पंचा० ३, ३०; (२) कर्म अनित राग द्वेष पञ्चेन्द्रनी गाँ. कर्म अनित रागद्वेष आदि की गाँठ a

knot in the form of passions born of Karma. विरो० ११८४; —छेदक. त्रि० (-छेदक) गाँ. छोड़ी च्यारी इतना गाँठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. सुय० २, २, २८; —छेदय. पु० (-छेद) जुआ " गंठिछेदक " राय० देखा " गंठिछेदक " राय०. vido " गंठिछेदक " नाया० १८; —भेद्य. त्रि० (-भेद) इत्यन्ती कायणी अद्वैत, इत्यन्ती धेरी तोड़ी च्यारी इतना. रुपयो की धेरी काट कर चोरी करने वाला. a cut-purse. उल० ६, २८; ओच० पणह० १, २; वि० ३; भग० १, १;

गंठिआ. कां० (ग्रन्थिका) भेदकर्मनी राय० देखा २५ गाँ. माँह कर्मों की राग द्वेष रूप गाँठ. The knot of infatuation or fascination with worldly things, the knot of delusion भग० ४, १;

गंठिग. त्रि० (ग्रन्थिक) कर्मग्रन्थि-कर्मनी गाँ. सद्दिन. कर्मों की गाँठ युक्त. (One) having a knot of Karma; (one) in Karma bondage. सुय० २, ६, ६;

गंठिम. त्रि० (ग्रन्थिमन्) गाँ. धमने गुंथेन गाँठें लगाकर गुंथा हुआ. Knitted after tying a knot. डा० ६; भग० ६, १३; पञ्च० १; नाया० १; (२) गुंथेन पुष्पनी माला गुंथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers. नाया० १७;

गंठिमग. न० (ग्रन्थिमग) ओ नामन् फल गुंथम वनतं पुष्प. इस नाम का गुच्छ प्राणि का कोई एक वृक्ष. A kind of flowering plant. पञ्च० १;

गंठिय. त्रि० (ग्रन्थिन) गुंथेधु; गाँठेधु गुंथा हुआ; गाँठा हुआ. Knit; interwoven निरी० १, ५१; —सत्य पु० (-सत्य

भेद ही नियत गंडे होते. अजन्म ज्ञान. मोह
की मजबूत गाँठ बनाकर अक्षय प्रवृत्ति. a soul
incapable of untying Karmic
knots and so of being liberated
उत्त० ३३, १३; क० प० ५, ४;

गंडिल. प्रि० (प्रस्थित) गंडियाँ गाँठ बना
Knotty; knotted. ओष० नि० ७३७.
गंडिल प्रि० (प्रस्थितम्) कर्म संबन्धी गंडे
याँ. कर्म संबन्धी गाँठ बना. Having
(Karmic) knots भग० १६, ४;

गंड. पुं० (गण्ड) कपोल; भाग. गाल. A
cheek. आया० १, १, २, १३; पञ० २;
सू० प० २०; ओष० प्रव० ६३६; जं० प०
५, ११५; (२) गंड, गुमट्ट, इत्यादि
रसेली निमिरे. कण्टा, कण्टमान वर्गह.
a boil; an ulcer etc. " जं च अण
सुषादं तं गंड " निमा० ३, ३६; ५, १३;
उत्त० ८, १८, १०, २७; सूय० १, ३, ४,
१०१, २, १, १७; (३) देश गंड; सोमन
का एक साधन कंबुक. a bull जं० प०
१४) गंडु; ११ भा तीर्थक्षेत्रं ज्ञान. ११ वे
तीर्थकर का लक्षण-चिन्ह. a distinction
sign of the 11th Tirthankara
पञ० १; प्रव० ३८१; (५) रगतः पृष्ठ.
धानोदो. स्तन. a breast. पि० नि० ४१६;
—आदिप्र पुं० (आदिप्र) गंड; गंडे
निमिरे. गाल; कपोल आदिक a cheek etc.
निमा० ६, १२; —उषहाणय. न०
(-उषधानक) गंड भस्त्रियुं. गल तकिया.
a small round pillow for the
cheeks. राय० १६१;

गंडउषहाणिय. पुं० (गण्डोषधानिक) गंड
भस्त्रियुं. सिराने लेनेवा तकिया. A
pillow; a small round pillow
for the cheeks. जीवा० ३, ४; —लल.

न० (-लल) गंडनी संपाटी; प्रदेशो
भस्त्रियुं. गाल. मुँह का मांसय प्रदेश.
a cheek; the middle fleshy
part of the face आ० २२;
—देव पुं० (-देश) देश (भाग)
गो भाग. गाल प्रदेश; कपोल का भाग.
that part which forms a cheek.
नाया० ८; —यल. प्र० (-लल) जुआ
" गंडल " शब्द. देवो " गंडल " शब्द
Vaid " गंडल " सु० न० १, ८०;
—लल. आ० (-लल) गल ३५२ देश
कण्टी गंडेनी रेखा; कपोल पट्टी कपोल-
गालों पर कटुग बगैरह गुगान्धन पदार्थों की
बनाई हुई रेखा; एक प्रकार का गुंगार-कपोल
पाला. a kind of decorative
streak or mark of musk or
some other fragrant substance
made on the cheek. ज० ४०

गंड प्र पुं० (गण्डक) देखीआ. मुखिया. A
watchman. (२) देशे गिटनार. ज्ञांटा
घाटने वाला. one who announces
or makes a proclamation. ओष०
नि० ६४५;

गंडमखिया आ० (गण्डमाखिका) देश
विशेष प्रसिद्ध भाग. किसी देश का प्रसिद्ध
भाग. Current, well known, mea-
sures of weight etc. of any
country; रा० २७१;

गंडाग. पुं० (गण्डक) दण्डभ; चापेद; नापी.
नाई; नापित; बाल बनाने वाला. A
barber. आया० २, १, २, ११;

गंडि. प्रि० (गण्डि) कंडाभा; गंडा सोण
रोगभानो ओष देश गण्डमाल. Boils,
ulcers etc on the throat; (this
is one of the sixteen great
diseases) (२) ने रोगवालो. इस रोग

**बाला. (one) suffering from
boils, ulcers etc. on the throat.**

आवा० १, ६, १, १२; पयह० २, ५;

गंधिका-वा. जी० (गन्धिका) सामान्य
अर्थात् अधिकार वाली श्रम्य पद्धति साधारण
अर्थ के अधिकार वाली प्रथम पद्धति.
Style of composition fitted for
or entitled to convey ordinary
thought or matter. नं०-१६: (२)
सोनीनी ओरल. सुनार का णरुण. the
anvil of a goldsmith दम० १, २६;
(१) शेरडीनी अठेरी. गंधेरी; गांठे के छोटें २
टुकड़े. small bits of sugar-cane.
आवा० ३, ७, ३, १९;

गंडियासुखोऽग. पुं० (गण्डिकासुखोऽग) दृष्टि
वाद् सुखान्तर्गत अनुयोगेनो अेक विभाग
के अेभां अेक सरप्ता अर्थना वाक्यनी रचना
रूप गंडिकानी व्याख्या कदाभां आनी छे
अने तेनां तीर्थकर गणेश्वर चक्रवर्ती दशार्द
अक्षदेव हरिचंश यगदेनो अधिकार छे.
दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक
विभाग, जिसमें एक अेम् अर्थ वाले वाक्यों
की रचनाकर गंडिका की व्याख्या की गई
हे और उसमें तीर्थकर, गणेश्वर, चक्रवर्ती,
दशार्द, वलदेव, हरिचंश आदि का अधिकार
हे. Name of a division of a sec-
tion of Dṛṣṭivāda Sūtra;
here an explanation of the
composition of a sentence uni-
form in sense, is given; it treats
of Tirthaṅkaras, Gaṇadharas
etc. सम० १२; मंदी० २६;

મંત્રી. જી. (નવકી). સોનીની એરજી થી
વાનું થાક્યાનું દીમચું જેમાં એરજી ઓલવામાં
આવે છે તે થાક્યું. જ્યારે કી દેરજ રજવેલ
જલ લઈને કા હાંપા; ચિત્ર મેં દેરજ નવજૂત

हो कर टिक जाती है वह हाँवा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. जावा० १, २, २, १३३; (२) कमलनी कलिका. कमल की कली. a bud of a lotus. उल० १६; १०६; (३) गंडी पुस्तक; जे पड़ोसाधमां अने जगधमां सरभुं होय ते मयिक पुस्तक. गयरी पुस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बराबर हो. a book which is equal in length and breadth. प्रब० ६०१; —पद. त्रि० (- वद) मयिक-से-नीनी अरभु अथवा कमलनी कलिका जेया पुत्रायणा जनावर; दाही, जेडा, जगेरे. हाँवा, गेंडा, बगैर पशु; ऐरज जववा कमल की कली के समान पाँववाला पशु. (An animal) having feet like a goldsmith's anvil; e. g. an elephant, a rhinoceros. मय० १२, १; डा० ४, ४; सूय० २, १, २१; —पद. पुं० (- पद) जुओ 'गंडी-वद' शब्द. देखा 'गंडी-वद' शब्द. Vide 'गंडी वद' उल० १६, १०६, पब० १; जीवा० १; —पोतख. न० (- पुस्तक) जुओ 'गंडी' शब्द. देखा 'गंडी' शब्द. vide 'गंडी' प्रब० ६०२;

अंगद्वयस्य पुं- (सर्वहृत्तद-गदद्वयः सर्वव-
स्तानिगदितानि पदयि वस्तु) मे अङ्गि-
यात्रे। अत्र-मेने अत्ररात्रीमां मित्रेऽ। ६दे ७
हो हृत्तिवो वाता एक जीवः केपुजा। गंधोवा
जादिक. A sentient being with
two sense-organs. पृष्ठ १;

Worth going to, worth approach
ing. अच् = २, १; १८, २; कावा = १; (२)
नक्षत्र; सप्तम्यु. समझना; जानना. to
know; to understand. पच् = २;
नक्षत्र. मि. (नक्षत्र) नक्षत्र; आश्विन.

बलने वाला; गमन करने वाला a goer, (one) who goes. सम० २३; दसा० २, २;
गंतुपञ्चागया. जी० (गन्धा प्रत्यागता - गन्धा
प्रत्यागतं वदन्नाम्) अ० १२६ गोचरी करना
उ० ७७ श्री ७ अ० १२६ गोचरी करी ते.
एक और गोचरी करनेर जन्त में जाकर दूसरी
भेरी का और गोचरी करना. Beginning
to beg in the opposite line of
houses after reaching the end
of one line. ठा० ९, १; दसा० ७, १;

गंतुमण. पु० (गंतुमणस्) गन्तानी छत्र
प्राप्ति, अर्थात् अमुक स्त्र सभरिणु करो तो
पत्नी अर्जुने के सांभरिने नउं अ० ७७ गो-
नार अतिनीत दि० ५. जाने की इच्छा वाला;
अर्थात् अमुक सूत्र करीण करो तो बाद पढकर
या सुनकर जावू इस प्रकार बोलने वाला
अविनीत शिष्य. A disciple desirous
of going, saying to the precep-
tor impolitely that he would
go after hearing a particular
Sūtra. ओष० नि० भा० २०६; विरो० १४४६;

गंतुय. सं० ह० ज० (गन्धा) गन्ते. जाकर.
Having gone. पञ० २; सु० च० १,
१३४; गच्छा० ११४;

गंध. पु० (ग्रन्थ-ग्रन्थतेऽमेन अस्मादास्मिन् वा
कर्त्तव्यः) सूयगदंगना १४ भा अ० ५५५ ननु नाम.
के जेभां ग्रन्थपरिमदो त्याग करनार साधु
अ० ६११ रीते देराना आपनी केम ओसजुं तेनुं
व्याप्यान छे. सूयगदंगना के १४ वें अध्याय
का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिमद त्याग किये हुए
साधुने किस प्रकार देराना देन, बोलना आदि
का आक्षेप है. Name of the 14th
chapter of Sūyagadāṅga ex-
plaining the mode of speech to
be adopted by a monk who
has given up the possession of

books. सं० प० ५, १२२; सूच० १,
१, १; २७; सम० १६; २३, (२)
ऽभने. अधु कर्मनी गांठ कर्मों का बन्ध;
कर्मों का गांठ. knot of Karma. आया०
१, १, २, १६; (३) ग्रंथः पुस्तक. ग्रन्थः
पुस्तक. a book अणुजो० ४२; राय० ११०;
विरो० १२७८; (४) आक्षेप अने अ० ५५५ ननु
परिमदः त्याग धन प० आदि, अ० ५५५ ननु
आदि बाह्य और अन्तरपरिमदः बाह्य अन्त-
रपरिमद तथा अन्तरपरिमदः external
and internal possessions,
such as wealth corn etc and
attachments to worldly things.
आया० १, ३, २, ११६; १, ७, २, २०४;
सूच० १, ६, ४; १, १४, १; उत्त० ८, ६;
विरो० २४६१; प्रब० ७२७; (५) सूत्रार्थः
शब्दोक्तो मतार्थः. सूत्रों का अर्थ; शास्त्रों का
मतलब. the meaning of Sūtras;
the purport of scriptures. सूच०
१, १, १, ६;

गंधिम. त्रि० (ग्रंथिम) देरानी गांठिने
अनावेद पुस्तकी भागा विनरे. दोरे से गांठ
कर-गुंथ कर बनाई हुई फूलमाला बगरह.
A garland of flowers etc. knit
up with a thread. ओष० ३८; ठा०
४, ४; अणुजो० १०; आया० २, १२, १७१;
जवा० ३, ३; नाया १३; निरी० १२, २०;
भग० ६, ३२;

गंध. पु० (गन्ध) नासिका (प्राणेंद्रिय) ने
विषय; सुगंध के दुर्गंध. प्राणेंद्रिय का विषय
-सुगंध और दुर्गंध. Fragrance; smell;
e. g. of flower etc. which is
the subject of nose. ओष० १०;
२२; अणुजो० १६; १०३; १३०; सम०
१, ४; राय० ३७; निरी० १, ११; दंडी०
१३; सं० प० ५, ११४; ११६; ११२;

नावा० १; व० १२; १६; १७; ठा० १. १;
 उत्त० २८, १२; ३२, ४८; ३४. २; भग०
 १, १; २, ३; ७; ६, १०; ७, ७; ८, १;
 २०, २; २५, ४; विशेष० २०६; दशा० ६, ८;
 दस० २, २; मूय० १, १, १३; सू० १०
 १७. पञ्च० १; प्रब० ६८७; माव० ४, ७;
 क० १० १, २७; कल्प० ३, ३७; भक्त
 १२१; क० ग० १, २४; (२) यथा नाम्ना
 द्वीप तथा समुद्र इम नामका द्वीप और समुद्र.
 an island of that name; also an
 ocean of that name. जावा० ३४; पञ्च०
 १; (१) आधा कर्म आदि द्वेष; ७ द्विभक्तना
 द्वेष. आधा कर्म आदि दोष; उद्गमनके लः दोष.
 a fault like that of Adhakarma
 etc. any of the six faults of
 Udgaman. आया० १. २, १, ८७;
 —अंग. पुं० (-अङ्ग) यथा प्रधान पदार्थ
 सात प्रकार के मूल, त्वचा, कण्ठ, निपांस,
 पत्र, पुष्प इक्ष, मूल-यलो वगैरे, त्वचा-
 सुवर्णकादिप्रभुष, कण्ठ-यदनाद, निपांस-
 कपूर आदि पत्र-तमात्र आदि, पुष्प-
 मलयत्री वगैरे इक्ष-वर्गिण वगैरे गन्ध के
 अङ्ग; गन्ध प्रधान वस्तु के सात भेद होते हैं,
 यथा-मूल, त्वचा, काष्ठ, निपांस-कपूर, पत्र,
 पुष्प, और फल. the seven varieties
 of fragrant things viz. roots
 bark, wood, exudation etc
 leaves, flowers and fruits.
 जावा० ३, २; —आदेस. पुं० (-आदेस)
 मन्त्रनी अपेक्षा. गन्ध की अपेक्षा. relat-
 ing to fragrance. पञ्च० १;
 —आरुहण. न० (-आरुहण) सुग-
 न्धन पधारतुं ते. सुगन्ध को बढ़ाना.
 increasing the fragrance of a
 substance. नावा० २; —उद्ग-य.
 न० (-उद्ग) सुगन्धिपाष्णी. सुगन्धि-

द्रव्य मिश्रपाष्णी. सुगन्धित जल; सुगन्ध वाले
 पदार्थों में मिश्रित जल. scented water.
 माव० प्रब० ४५५; कल्प० ४, ४८;
 भग० ६, ३३; १२, १; नाया० १; ज० प०
 ५, ११४. —उद्ग. न० (-उद्ग) सुगन्धि
 " गन्धोद्ग " २०६. देखा " गन्धोद्ग "
 शब्द. vide " गन्धोद्ग " भग० ७, ६;
 नाया० १; १६; पंचा० २, १३; —उद्ग-
 द्वाय न० (-उद्ग द्वाय) सुगन्धि पाष्णी
 वगैरे सुगन्धित जल को वर्षा. a rain of
 scented water. पंचा० २, ८३;
 —उद्गवृष्टि. स्त्री० (-उद्ग वृष्टि)
 सुगन्धिपाष्णीनी वृष्टि सुगन्धित जल की
 वृष्टि. a shower of scented rain.
 प्रब० ४५५; —उद्गुषाभिराम. पुं०
 (-उद्गुषाभिराम) सुगन्धे निरुपमापी-
 भनादर. सुगन्ध निकलने से अभिराम मनो-
 हर. charming on account of the
 irradiation of fragrance. भग०
 ११, ११; नाया० १, ज० प० ५, ११२;
 —उद्गवृत्त. न० (-उद्गवृत्त) सुगन्धि पदार्थ
 यथा उद्गमन पीछे करी ते सुगन्ध वाले
 पदार्थों में उद्गमन करना; सुगन्धित पदार्थों
 को मिला कर, कूट खान कर चूर्ण-उबड़ना
 बनाना mixing, pounding etc. of
 fragrant substances. नावा० १६; —
 उद्गवास. पुं० (-उद्गवास) सुगन्ध या
 दुर्गन्धवाले उद्गवास सुगन्ध या दुर्गन्धवाला
 उद्गवास. fragrant or stinking
 breath. भग० ६, ३३; —करण. न०
 (-करण) सुगन्ध करनेवाले; पुष्पादि.
 सुगन्ध करने वाला, पुष्प वगैरे (any-
 thing) which imparts fra-
 grance; e g. a flower etc. भग०
 १६, ६; —कासाव. त्रि० (-कासो-
 विह) अंग सुगन्धानु, सुगन्धि करने वाला.

अंग सूखने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. अंग० १, ११; आया० २, १५, १०४; नाया० १; २; १६; काय० ६, ६२; राय० १५५; जं० प० २, १०२; —कासाई. जी० (—कासाई.) लुओ "गंधकासाइय" शब्द देखो "गंधकासाइय" शब्द. vide "गंधकासाइय" "गंधकासाइय नाकाई बूंद" अंग० १५, २; —जुसि. जी० (—जुसि) सुगंधि नेत्र अंतर विभेरे अनाययानी युजितुं विमान भुगन्धत मैल, इत आदि बनाने की युक्ति-तरकीब knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc. आब० —इय न० (—इय) सुगंधि अलु. सुगंधि चूर्ण. scented powder. "गन्धददकं उल्लिखितं" ठा० १, १; —वृ. त्रि० (—आज) सुगंध अनेत्र. सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंवा० २, १५, ८, २४; —सिद्धासि जी० (—सिद्धासि) अंधनी निष्पत्ति. गन्ध की निष्पत्ति-प्रादुर्भाव. rise of fragrance. अंग० ११, ८; —सुसिद्ध. पुं० (—सिद्धासि) अंधनी अंध नेत्रे. सुगंधी निष्पत्ति. कमल की सुगन्धि के समान सुलका आत. fragrant breath. नाया० ८; —सुग न० (—सिद्धासि) सुगंध अने दुर्गन्ध सुगन्ध और दुर्गन्ध. fragrance and stink. क० गं० २, १२; —सुगन्धि. जी० (—सुगन्धि) अंधनी अंधनेत्रे; अंध अंध सुगन्धका समुदाय-संग्रह. a collection of perfumes. ओव० नाया० १; ८; १६; जं० प० ४, १५०; —नाम. न० (—नाम गन्धसे इतिग० ३; लोकोत्पत्त्यात्-नामकर्म) अंध नामे नाम अंधनी ओह प्रज्ञेने नेत्रे ६६५वीं श्रव अंधवाधुं शरीर पावे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karma known as Gandhanama. सम० २८; —परिखन. त्रि० (—परिखन) दुर्गन्धि रूपे के सुगन्ध रूपे परिखाम पावेत. सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना change of a substance into fragrance or stench अंग० ८, १; —परिखाम. पुं० (—परिखाम) सुगन्धनु दुर्गन्ध रूप धनु तथा दुर्गन्धनु सुगन्धी धनु ते. सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. "गंधपरिखामिकं भवेत्" पञ्च० ११; ठा० ४, १; अंग० ८, १०; —मद्यचारि. न० (—मद्यचारि) सुगन्धी मद्यरूपे अनेत्रुं पावुं. सुगन्धित मद्यरूप में करता हुआ जन water trickling like scented wine. नाया० १; —चट्टि. जी० (—चट्टि) सुगन्धनी वाट; अमरयती, सुगन्धमय युटिका. धूबती; अगन्धती या सुगन्ध मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill. ओव० २६; राय० २८; अंग० ११, ११; जं० प० ५, १२१; (२) कस्तूरीना गोटा. कस्तूरीका गोदा-गोला. a ball of musk. नाया० १; —इरिध पुं० (—इरिध) भेद-भक्त ढाधी-नेत्रा अदःशब्दभाषी सुगन्धित मद्य अने छे अने नेत्री अंधनी अंधनी ढाधीनेत्रा नाशी लय ते अंध इरिध. गन्ध-इरिधः जिसके गन्धरूप से सुगन्धित मद्य करता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी मान जाते हैं मद्योन्मत्त हाथी. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephants

शिव० राय० २३; नाश० १; कल्प० २, १५;
आव० ६-११; (२) कृष्ण वासुदेवो
विष्णु नाम्नो हाथी कृष्ण वासुदेव का
विजय नामक हाथी. an elephant of
Krishna Vāsudeva named
Vijaya. नाश० ४;

गंधर्वो. अ० (गन्धर्व) गन्ध आशी. गन्ध
से; गन्ध का आश्रयकर. Through, from
fragrance उत्त० ३६, १६; भग० ८;
१; १८, १०.

गंधर्व. पुं० (गन्धर्व) गन्धन करनेवाला सर्प, किं
न्तु भूकेश अरु मंत्र प्रयोगशील पाशुं सुसी से
छे. गन्धन जानिवा एक साँप, कि जो मंत्र
बल से अपने विष को वापिस ले जाता है. A
kind of serpents named Gandharva which sucks the poison
back again by the power of
spells दम० २, ८; उत्त० २२, ४४;

गंधर्मत. त्रि० (गन्धर्व) गन्धवायु. गंध
वाला. Smelling; fragrant. भग०
२, १. १०; २०, ४;

गंधर्मावध. पुं० (गन्धर्मावध) ऋग्वेदा " गंध-
मावध " श्लो६. देखो " गंधर्मावध "
शब्द. Vide " गंधर्मावध " सम० ५००;

गंधर्मावध पुं० (गन्धर्मावध) नीलवर्त पर-
वर्तनी दक्षिण मेरुनी उत्तरे अधिष्ठातृनी
विष्णुनी पूर्वे अने उत्तरे कृश्वेतनी पश्चिमे
शेषाना अधने आशारे अक्ष वज्रात् परित
छे तेनु नाम. गौडवर्त पर्वत के दक्षिण, मेरु
पर्वत के उत्तर की ओर गन्धर्वावध नामक
पूर्व और उत्तर कृश्वेत की पश्चिम दिशा में
चोरे के ऊँचे ऊँचा बसाया पर्वत. Name
of a Vakkhā mountain in the
shape of a horse's shoulder;
it is situated to the south of
Nihavanta mount, to the north

of Meru, to the east of Gan-
dhilāvati Vijaya and to the
west of Uttara Kuru Kṣetra.

ठा० २ ३; परा० २, २; अं० १० — कूट.
पुं० (-कूट) गंधर्मावध पर्वतना सात
कूटमानुं श्रीमान् कूट-शिखर. गन्धर्मावध
पर्वत के सात कूटों में से दूसरा कूट-शिखर.
the second of the seven sum-
mits of Gandharvādāna mount.
अं० १० ६, ६६;

गंधर्व. पुं० (गन्धर्व) गन्ध; सुगन्ध सुगंधि.
Small; fragrance सु० अ० १, २६४;
गंधर्वहिम्वर-अ. त्रि० (गन्धर्वहिम्वर)
ज्येष्ठा उत्तम सुगंधि होय तेरी सुदिश
त्रिम से उत्तम सुगंधि हो ऐसी गूटिका. (A
pill) having high fragrance in
it. सम० १० २१०; नाश० १; १६; कल्प०
२, ३२; अं० १० ३, ४३;

गंधर्व. पुं० (गन्धर्व) गायनप्रिय व्यन्तर
देवनी अक्ष वृत्त. गान प्रिय स्वस्वर देवों
का एक जाति; गन्धर्व. A species of
Vyantara gods fond of music.
सम० ३४; आव० २४; भग० २, ४; २४,
१२; ठा० २, २; उत्त० १, ४८, ३६, २०४;
अथुजां० ४२; विवा० २; पञ्च० १; प्रब०
१-४४; श्रीवा० ३, ४; कल्प० ३, ४४; अं०
१० ७, १५२; ३, ६६ (२) अक्ष वृत्तनी
त्रिपि एक प्रकार का लिपि; गन्धर्व लिपि.
a particular kind of script
पञ्च० १; (३) कृष्णावधना पक्षुं नाम
कृष्णवर्ण स्वामी के बच का नाम. name of
the Yaka of Kunthunāth
Swāmi. प्रब० ३०६; (४) ग्रीष्म; गन्ध
प्रदायक. ग्रीष्म; आवक; जाने वाला. a
singer. विवा० ६; भग० ७, ६; नाश०
१६ (५) अक्ष अक्षराणि ग्रीष्म प्रकृत

मान् २२ भुं मुहूर्त. एक अहोरात्रि कं
१० मुहूर्तों में से २२वां मुहूर्त. the 22nd
of the 30 Muhūrtas of a day
and a night. जं० प० सम० ३०;
सू० प० १०; (६) अथर्व विद्या;
नाटक. गंधर्व विद्या. नाटक. a kind of
lore; drama. जीवा० १, ३; नाया०
१, १८; —अण्डिय-अ. पुं० (-अर्वाक)
अन्धैलीनी सेना-नाटकना अन्धरे; (गायन
करना)। गंधर्वों की सेना; नाटक के गाय
(गायन करने वाले). a party of Gan-
dharvas or singers and actors
भग० १८, ६१ ठा० ७, १; —कन्या.
स्त्री० (-कन्या) अथर्वनी पुत्री. गन्धर्व
कन्या. a daughter of a Gan-
dharva. नाया० ८; —छरग. पुं०
(-गृहक) जेभां गीत नृत्य थाय तेजुं धर;
नाटक शाळा. नाटक-शाला; जिस में गीत
नृत्य हो वह घर. a theatre; a house
for singing and dancing. राय०
१२७; —देव. पुं० (-देव) अथर्व देव.
गंधर्व देवता. Gandharva celestial
being. भग० ८, १; —नगर. पुं०
(-नगर) आकाशमां अथर्व नगरने
आकाशे येतो वादमानो देवाय. गन्धर्व नगर
के आकार में आकाश में बनता हुआ बादलों
का बनाव-रूप. an appearance of
a Gandharva city in the sky
formed by clouds. अणुजो० १२७;
भग० १, ७; —लिपि. स्त्री० (-लिपि)
अथर्व लिपि; अक्षर लिपिभांसी अक्ष. अष्टा-
रह लिपियों में से एक लिपि; गन्धर्व लिपि.
one of the 18 scripts; the Gan-
dharva script. सम० १८; —संक्षिप्त.
त्रि० (-संक्षिप्त) अथर्वने आक्षरे रक्षे.
गंधर्व के सरल-आकार में स्थित. beauti-

ful in appearance like a Gan-
dharva. भग० ८, २;

गंधर्वकण्ठ. पुं० (गन्धर्वकण्ठ) अक्ष जलजुं
रज. एक प्रकार का रज. A kind of
green. राय० १२१;

गंधर्वमंडलविभक्ति. पुं० न० (गंधर्व-
मण्डलविभक्ति) अथर्वमण्डली विशेष
अन्धावाणुं नाटक विशेष. गंधर्वमण्डल का
विशेष रचना युक्त नाटक विशेष. (A
drama) with a particular
arrangement of the party of
actors. राय० ४२;

गंधहारक त्रि० (गन्धहारक—गान्धारक)
कंदहार देशमां रहेना. कंदहार-गान्धार
देश में बसने वाला. A resident of
Kandahār पद० १, १;

गंधहारग. पुं० (गन्धहारक) अन्धहार देशमां
निवासी. गान्धार देश निवासी. A resi-
dent of the country of Gan-
dhāra. पद० १.

गंधार. पुं० (गान्धार) नाभिथी उठेन वायु
क्षयस्थान प.भां जे आस स्वरूप धरे छे ते;
सात स्वर माने त्रीन्ने स्वर. नाभी से उठा
हुआ वायु कण्ठ प्रवेश को प्राप्त करके जो
कास-असाधारण स्वरूप को धारण करता है
वह-गंधार; सात स्वरों में से तीसरा स्वर.
The third of the seven ascend-
ing tones of music; ३. ग. सा, री,
ग etc. अणुजो० १२८; ठा० ७, १; (१)
गंधार नामको देश. दाक्षिणां जेने क्षत्र
क्षेत्र छे छे. गंधार नामक देश; हल में
जिसे काबुल कंधार कहते हैं. the country
of Gandhāra or Kandahār.
उत्त० १८, ४२;

गंधारनाम. पुं० (गन्धारनाम) नदी आदि
सात भूतनामो आभयभूत भुति सभ.

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत भुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandi etc. जगुजो० १२८;

गंधारी. जी० (गान्धारी) अंतम ५ सूत्रना पांचमा वर्गना त्रीन अभ्ययनं नाम. अंत-कृत सूत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे अप्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagadha Sūtra. अंत० ५, १; (२) कृष्य वासुदेवनी ओ३ पद२. श्री के ७ नेमनाथ प्रभुनी देशना सांजगी यक्षिणी आर्यानी पासे दीक्षा ल० ११ अ० ग० लक्ष्मी वीस वर्गनी प्रयत्न्या पागी ओ३ मासुनी संघारो इरी परमपद पाभ्यां. कृष्ण वासुदेव का एक पदरात्री, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर—उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अंगों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रमत्तया पाल एक मास का संघारा—अनशन कर परमपद को प्राप्त हुई. name of a queen of Kṛṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Neminātha and took Dikṣā from a nun of the Yakṣa class. She studied eleven Aṅgas, practised asceticism for twenty years, performed Saṁthārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss. अंत० ५, १; डा० ८, १; (१) नमिनाथजी देरीनु नाम. नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha. प्र० १७८; (४) ओ नाम० ती ओ३ विद्या. इस नाम की एक विद्या—गंधारी विद्या. a science, a branch of knowledge so named.

सू० २, २, २७;

गंधावह. पुं० (गन्धावातिह) ओ नामने। हरिवं क्षेत्रमाने वाटसे। वेताळ पर्वत. इस नाम का एक वेताळ पर्वत. Name of a mountain in Harivara Kṣetra. "गंधावहवासा जगन्नादेवी" डा० २, १; प्र० १६; डा० २, १; भग० १, ११; जीवा० १, ४;

गंधावाति. पुं० (गन्धावातिह) रम्यवास क्षेत्रना मध्यभागमां आवेत् ओ३ आटसे। वेताळ पर्वत रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक वेताळ पर्वत. Name of a mountain in the middle of Ramyakaśāra Kṣetra. जं० ५० जीवा० १, ४;

गंधि पुं० (गन्धिह) मध्यात्तु. गन्ध वाला. Smelling; fragrant. नावा० १;

गंधिय. त्रि० (गन्धित) सुवासित; मध्यात्तु सुवासित. गन्धयुक्त. Smelling; fragrant. आं० भग० ११, ११; नावा० १; १६; जं० ५० ५, १२३; (२) इरीयात्तु गंधीयात्तु किराणा. groceries. व० १, २१; २४; —शाखा. जी० (शाखा) गंधीयात्तु वेत्यानी ज्ञ्या गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला; इत्र आदि बेचने की दुकान a place for selling grocery. व० १, २१; २४; २५; ३०; (२) इराहनी दुकान. कनाल की दुकान. a liquor-shop. व० १, २१;

गंधिल पुं० (गन्धिल) पश्चिम मध्यादिदेशना उत्तर आश्रयानी सीतोदायुध ७१ न२३थी ७ भी विजय पांचम महाविहारे सीतोदायुध वन का ओर से ७ की विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodāmukha forest, in the north of western Mahāvideha.

(२) ओ विजयतो राज्ञः उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. "गंधिलेविजय अउक्का रायहावाईदेव वक्कायवव्व" जं० प० ६;

गंधिला. श्री० (गन्धिला) अधिवाविजय गंधिलावती विजय. (Gandhila Vijaya.

" दो गंधिला " ठा० २, ३;

गंधिलावई श्री० (गन्धिलावती) पश्चिम महाविदेहा उत्तर आश्रयानी सीतोदामुख पनथी अउमा विजय. पश्चिम महाविदेह के उत्तर अउम के सीतोदामुख वन से आठवीं विजय. The eighth Vijaya from the Sitodamukha forest in the north of western Mahā-vidha " गंधिलावई विजय अउक्का रायहावा " जं० प० ठा० २, ३. (२) पुं० अथमादन परंतना सात कूटमांजु विजुं कूट-शिखर. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से तीसरा कूट शिखर the third of the seven summits of Gandha mādana mount जं० प०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) तोड़ने नदी ते; सागर पेड़ा; गंभीर. सागर के समान, गंभीर. (grave; deep sounding; serious. उल० २७, १७; ओब० १७; नंदी० स्थ० २८; नाया० १; १६; (२) उं०; अगाध; धाग विनाजु. गहरा; अथाह. unfathomable. जं० प० ५, १, १५; ४, ७४ ठा० ४, ४; ओब० २१; नाया० ४; राय० २५; (३) गहन; गीयमाडीयाजु. गहन; सघन; बहुत मक्खियों वाला. of dense thicket. नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ४; ११, ११; पंशे० ३४०४; पज० २; कण० ३, ३२; (४) प्रकाशरहित; अधिरायाजु. प्रकाश रहित; अंधकारमय. without light. नाया० १; दस० ५, १, ६६;

—उद्धि. पुं० (-उद्धि) उडा पाप्पीयालो हरियो. गहरे पानीवाला हवाई-समुद्र. deep sea; sea with deep water. ठा० ४, ४; —आंभलि त्रि० (-अवभासि) गंभीर देखाय ओउ गंभीर प्रतीत होनेवाला. of settled or of grave appearance. ठा० ४, ४; —पयथ. पुं० (-पदार्थ) गहन पदार्थ अथ, न गल्थी गूढ़ाय ओया पदार्थ. गहन-काठन पदार्थ का अर्थ मतलब, न जाना जायके ऐसा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४; २४; —पोयपहुण. न० (-पोत-पत्तन) पदाभुना हादवानी गल्था. जहाज के ठहरने की जगह; पत्तन; बन्दरगाह. a place where ships are anchored. " जेथेव गंभीर पोयपहुणे तेथेव उवा गच्छति " नाया० ८; १७;

गंभीरमासिली. श्री० (गम्भीरमासिली) गुणगुणविजयनी पूर्वी सरहद उपरनी ओउ अन्तरनदी सुवल्गुविजय की पूर्वीय सीमा ऊपर की एक अन्तरनदी. A small river on the eastern border of Suvalguvijaya. " दो गंभीरमासिली " ठा० २, ३; जं० प०

गंभीरविजय. पुं० (गम्भीरविजय—गम्भीरम प्रकाश विजय आशयः) अगाध अ.अप-अंधारायाजु स्थान. गंभीर—अंधकारमय विजय—आशय—स्थान. A dark place. दस० ६, ५६;

गंभीरा श्री० (गम्भीरा) चार छदियवाला छवनी ओउ अन. चार हाँदियों वाला एक जीव. A living being with four senses. पज० १;

गकारपाविभक्ति. पुं० (गकारपाविभक्ति) नाटकनो ओउ प्रकाशः ३२ प्रकाशना नाटकमांजु

એક નાટક કા એક ભેદ; ૩૨ પ્રકારકે નાટકો
મેં હે એક. A kind of drama; one
of 32 kinds of drama. રાય. ૬૩;
ગગન. ન. (ગગન) આકાશ; અન. આકાશ.
The sky: “ ગગનમિવનિરાકલં ” ઠા.
૬; પિ. નિ. ૧૭૫; શ્લોક. ૧૭; ૩૧; નાયા. ૧;
મગ. ૨૦, ૨; ઝીવા. ૩, ૪; રાય. ૬;
કવ્ય. ૧૩, ૩૮; —ગણ. પું. (-ગચ્છ)
અનન્યરૂપી અનંત; સમૂહ. આકાશરૂપી સમૂહ
a multitude in the form of the
sky; sky appearing like a heap.
“ સસિષ્વ દ્વાચં ગગણુગચં સંત ” નિસી.
૨૦, ૨; —તલ. ન. (-તલ) આકાશ
તલ. આકાશ તલ. the surface,
vault of the sky. “ ગગચ્ચતલવિમલ-
વિપુલ ગમચ્ચ ગદ્ચ્ચ હલચલિવમલચ્ચચ્ચ
જહ્ચ્ચ સિચ્ચવેચ્ચા ” મગ. ૬, ૩૩; જં. ૫૦
૫, ૧૧૭; સમ. ૫૦. ૨૧૩; નાયા. ૫; ૬;
૬; ૧૬; નિર. ૫, ૧; —મંડલ. ન. (-મંડલ)
આકાશમંડલ. આકાશમંડલ.
the circle or sphere of the sky.
કવ્ય. ૩, ૩૮, ૪૫;
ગગણુવજ્જમ. ન. (ગગનવજ્જમ) વૈતાલ્યવર્ત-
તની દક્ષિણ તરફની વિદ્યાધર શ્રેણીનું મુખ્ય
નગર વૈતાલ્યવર્ત કે દક્ષિણ ગોર કા વિદ્યા-
ધર શ્રેણી કા મુખ્ય નગર. The princi-
pal town of the Vidyādhara
Śreṇī to the South of Vaitā-
dhyā mountain. જં. ૫૦ ૧, ૧૨;
ગગણુવજ્જહ. ન. (ગગનવજ્જહ) જુઓ “ ગગ-
ચ્ચવજ્જમ ” ૪૫૬. દેહો “ ગગચ્ચવજ્જમ ” શબ્દ.
Vide “ ગગચ્ચવજ્જમ ” જં. ૫૦ ૧, ૧૩;
ગગન. પું. (ગગચ્ચ) ગાગચ્ચગાગમાં ઉત્પન્ન થયેલ
અર્ચનામના આચાર્ય કે જે પોતાના અવિનીત
શિષ્યોથી કંટાળી જઈ ઉતરે તેમનો ત્યાગ
કરી એકાદી સમાધિજન્યમાં રજા અને આત્મ-

શ્રેય હયું. ગાગચ્ચ ગોત્ર મેં ઉત્પન્ન ગર્ગનામ કા
આચાર્ય, જો અપને આવેનીત શિષ્યો સે તંગ
આકર અન્ત મેં ઉત્તકા ત્યાગ કર અકેલા દી
સમાધિભાવ મેં સ્થિત હુઆ જૌર આત્મકલ્પાણ
કો પ્રાપ્ત હુઆ. An ascetic of the
name of Garga, born in the
Gārgya family. He was disgust-
ed with his impudent disciples
and so he abandoned them and
secured spiritual bliss by prac-
tising meditation in solitude.
ઉત્ત. ૨૭, ૧ (૨) ગાતમગોત્રની એક
શાખા અને તેમાં ઉપજેલ પુત્ર. ગૌતમ ગોત્ર
કો એક શાખા જૌર ઉત્તમે ઉત્પન્ન મનુષ્ય.
an offshoot of the Gautama
line of descent; a person born
in that offshoot. ઠા. ૭, ૧;
ગગચ. ત્રિ. (ગગચ) ગદ્દ ૨૫૨. ગદ્દ સ્વર-
આવાજ. A low and inarticulate
sound expressing joy or grief.
સુ. ૫. ૩, ૬૮;
ગગચ. ન. (ગગચ) આસ ક્ષાનાં બોલયું
તે; ગદ્દ ૨૫૨. ૨૫૨. ગદ્દ સ્વર.
Speaking with obstructed
breath. મગ. ૩, ૨; જં. ૫૦ ૭;
૧૬૬;
ગચ્છાગમિ. જાં. (ગચ્છાગમિ-ગમિજ્ઞાગમિ-
જ્ઞાનિ) ગતિ અને આગતિ; અનુકૂલ અમન
કરવું તે-ગતિ-પ્રતિકૂલ આવવું તે આગતિ.
ગતિ જૌર આગતિ; ગમનાગમન; ગતિ-અનુ-
કૂલ ગમન, આગતિ પ્રતિકૂલ આગમન.
Coming and going; passing and
repassing. વિશે. ૨૧૫૬;
ગચ્છાગમિ. ત્રિ. (ગચ્છાગમિજ્) અતિવડે આવ-
નાર, આશીને આવનાર. ગતિ દ્વારા જાને
વાળા; વળતર જાને વાળા One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विशेष ३१५६;

✓ गच्छ. धा० I. (गम् गच्छ) गृध्; आसयुं. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छद्. भग० ७, १; निरी० १६; २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वच० १, २३; २, २३; सू० प० १; मय० १, १, २, १६; दम० ५, २, ३२; ५, ४४; राय० ३८;

गच्छंति. नाया० २; ८; १६; दम० ४, २८; जं० प० ७, १३७;

गच्छं. ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि. नाया० ५; ८; १२; १६; भग० २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प० ५, ११५;

गच्छेजामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो. भग० २, १; ५; ३, २; नाया० ५; ८; १३; १८; जं० प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६; सू० २, ७, १२; आच० २७;

गच्छेज. वि० पञ० ३६;

गच्छेजा. वि० भग० ३, २; ६, ५; १३; ६; नाया० ६, वच० १, २३; २, २३;

गच्छेजाहि. आ० नाया० ६;

गच्छेजा. वि० भग० ४; दम० ४;

गच्छंतु. नाया० १६;

गच्छ. नाया० १, २; ३;

गच्छद्. नाया० १; ३; ५; ८; १२, १३, १४; १५; १६;

गच्छेद्. नाया० ८;

गच्छाहि. भग० ३, ४, नाया० १; ८; जं० प०

गच्छिहिति. भग० २, १; ७, ६; १४, ८; १५, १; १७, १; आच० ४८;

गच्छिहिति. भग० ३, १; ७, ६; नाया० १;

नाया० ५०

गच्छिना; सं० कृ० नाया० २; ३;

गच्छंत व० कृ० आच० २०; सू० १, १, १ २७; आया० २, १, ३; उत्त० ५,

१३; पंचा० १२, १८; भग० १८, ३;

गच्छमाच. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२, ६; २५, ६; ७; निर्मा० ८, ११;

गच्छ. पुं० (गच्छ) समुदाय; समूह. समुदायः

समूह. A group; a multitude o. g. of the followers of

an Āchārya. आणुजो० ६७; (२)

गच्छ; संध; सधु समुदाय. गच्छ; संघ;

साधु समुदाय a collection, an

assembly of Sādhus " गच्छमि

सम्बन्धिताम् " गच्छा० २; ७५; प्रव० ६२३;

पंचा० १८, ७;—छर त्रि० (-छर) सभ्रम गच्छ

-समुदायभां श्रेष्ठ. सब संघ गच्छ में श्रेष्ठ.

the best among all groups. गच्छा०

११७;—यास्य पुं० (-वास) साधु समुदायभां

रह्युं ते. साधु समुदाय में रहना. resid-

ing amongst Sādhus. प्रव० ५३१;

गच्छागच्छ. अ० (गच्छागच्छ—गच्छेन

गच्छेन भूत्वा) अक आगम्यतो परिवार ते

गच्छ अने गच्छ गच्छत. साधुओं के साथ मिल

ठेयामां आश्रय ते गच्छगच्छि कहेयाय.

एक आचार्य का परिवार-शिष्य प्राश्रय गच्छ

होता है. और वह एक गच्छों के साथ मिल

कर मगडनी रूप में हो नां गच्छाधिगच्छ

होता है. A multitude of the

followers of one Āchārya or

head of an order of saints as-

sembling together with other

similar multitudes. आच० २१;

गजसुमाल पुं० (गजसुमार) देवप्रीयते

न्दाने. पुत्रः कृत्य भद्राश्रयना न्दाना आश्र

ये न्दो देवप्रीयते. भां नेमनाथप्रभु पासे

दीक्षा लब्ध आरभी निष्पुपडिमा आदरी
अभिने असन्न परिपद अती देवसमान
मेघःपुं, दीक्षा लब्ध ओङ्ग दिवसमां मेक्षे
पहोन्मा. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण
महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारवस्था
में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु
की बरहवी प्रतिमा का पालन कर अग्नि का
असन्न परिवह जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त
हुआ, दक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष
को प्राप्त हुआ Name of the young-
er son of Devaki, and younger
brother of Lord Kṛiṣṇa. He
took Dikṣā from Lord Nema-
nātha in young age, practised
the 12th ascetic vow, bore the
intense pain caused by fire
and attaining perfect know-
ledge became Siddha, (all
this took place in one day).
ठा० ४, १;

✓ गञ्ज. भा० १. (गञ्ज) आर्यपुं; अर्जना
हर्यी. गर्जना; गर्जना करने। To roar; to
thunder.

गञ्ज-ति. नाया० १; भग० ३, २;

गञ्जंति. राय० १२३; जीवा० ३, ४; जं० प०
३, १२१;

गञ्जिषा. सं० कृ० भग० ३, २;

गञ्ज न० (गञ्ज) अक्षयध; कविता के उद्देश
विनाशुं क्षपायु. गद्यबन्ध; छन्द बिना का
रचना. Prose writing. ठा० ४, ४;
जीवा० ३, ४; राय० १२१;

गञ्जफल. न० (गञ्जक) आर्यक्षेत्रीन अर्थेपुं
अरभयअ. फलालेन; एक प्रकार का रईशर

गरम वस्त्र. Warm cloth known by
the name of gauze flannel. आवा०
२, २, १, १४५;

गञ्जर. न० (गृज्ज) आर्य२. गाजर. A
turnip. प्रब० २३६;

गञ्जितार. वि० (गर्जित) आर्यना२; अर्जना
हर्यना२. गर्जना करने वाला. Roaring;
thundering. ठा० ४, ४;

गञ्जियस. न० (गर्जित) अर्जना; आर्य२ ते.
गर्जना. Thundering; roaring. जीवा०
३, ३; सु० च० २, २४२; भग० ३, ७;
नाया० १; ६; ६; ठा० १०, १; अणुजी०
१२७; आष० नि० ६४३; जं० प० कल्प० ३,
३३; ४४; गज्जा० ६५; प्रब० १४६६;

गञ्ज प्रि० (ग्राञ्ज) अक्षय हर्यया योअ.
ग्रहण करने के योग्य. Worthy of
being taken; acceptable. विशेष०
६४६;

गङ्ग. पुं० (गर्त) आर्य. खाड़ा. A pit; a
ditch. भग० ३, २; ७, ६; (२) आर्य२.
भेड. a she-goat; a ewe. सु० च०
४, १५७;

गङ्गय. पुं० (गर्तक) आर्य; आर्य. खाड़ा. A
pit; a ditch. भग० ६, ३१;

गङ्गय. न० (*) आर्य. गादी. A
cart. सु० च० १२, ५६;

गङ्गा. जी० (गर्त) मोटी आर्य. बड़ी खाड़ा
A large ditch जं० च० इमा० ७, १;
जीवा० ३; निर० ३, ३;

गङ्गा. जी० (*) आर्य. गादी. A
cart. सु० च० १४, ६९;

गहिङ्ग. प्रि० (गृह) आसक्ति भावेन.
मूर्च्छित; आसक्त. Infatuated; deeply

attached; greedy. दया० ६, १;

आया० १, १, २, १६;

गङ्गा. पुं० (*) किलो; गङ्गा. किला;

गङ्गा. A castle; a fort. सु० च० १,

१२६; १, ६०;

गङ्गाय त्रि० (गृह) गृह; आसक्त. आसक्त.

Very greedy; wistful भग० ७,

१; पि० नि० २०६; नाय० २; ५; (२)

अत्यन्त. बहुत ज्यादा. too much.

पण्ड० १, २;

गङ्गाय त्रि० (ग्रन्थित) ग्रन्थित; अग्रन्थ. बन्धा

हुआ; बद्ध. Tied; knitted सू० १,

१, २, १५; आया० १, ५, ६, १६५;

✓ गङ्गा. धा० I. (गङ्गा) गङ्गा करती.

गिनती करना. To count

गङ्गा. हे० कृ० सु० च० ४, १६२;

गङ्गा. व० कृ० भग० १५, १;

गङ्गा. क० वा० अणुजो० १३३;

गङ्गा. पुं० (गङ्गा) समुदाय; समूह; टोण्ड.

समूह; समुदाय. A crowd; a mul-

titude. भग० १, १; २, ६; १, ५;

७, ९; व० १२, २; १६, ५; १८, ७;

उवा० १, ५८; जं० प० सम० ६; नाया०

१; ५; पण्ड० २, ३; नंदी० ८; आवा० राय०

२५३; उत्त० १५, ६; अणुजो० ५७; प्रव०

५५७; क० गं० १, ३२; कप० ४, ६२;

(२) गङ्गा; गङ्गा करती. गिनना; गिनता

करना. reckoning; calculation.

अणुजो० १३३; (३) भद्र आदिना

समुदाय. मल्ल-पहलवान आदि का समुदाय.

a party of athletes etc. पि० नि०

४८१; (४) भद्र; समान विषयाया साधुतो

समुदाय. गङ्गा; समान विषय-आचार विचार

वाला माधु समुदाय. an order of

asceticism observing the same

rules of conduct. सम० ८; वसा०

२, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०,

११; निती० १६, १०; नाया० ८; ओष०

नि० ६८८; पि० नि० १६३; भग० २५, ७;

(५) चान्द्रादि कुलनो समूह; कोटिकादि

गङ्गा; सधनो अंक भाग. चात्रादि कुल

का समूह; कोटिकादि गङ्गा; सध का एक

भाग. a collection of families

like Chāndra etc.; a por-

tion or sub-division of a religi-

ous sect. आवा० २०; पण्ड० २, ३;

डा० ३, ४; —अभिज्ञान. पुं० (—अभि-

ज्ञान) गङ्गा-समुदायनी आता. गङ्गा-समु-

दाय की आज्ञा; गङ्गा का आदेश. com-

mand of a Ganga or an order

of saints under one head. भग०

७, ६; प्रव० ६५३; —दुकर. पुं० (—अर्थ-

कर) गङ्गा-समुदाय का काम करनेवाला. गङ्गा-

समुदाय का कार्य करने वाला. (one)

who transacts the business of

the brothers of the same order

of saints. डा० ४, ३; —आयग पुं०

(—नायक) गङ्गा-समुदायनी आगे

वाला भाज्य. समुदाय-मनुष्य समूह का

अगुआ. the leader of a multi-

tude. नाया० १; —स्थकर. पुं० (—अर्थ-

कर) लुओ " गङ्गाकर " शब्द. देखो

" गङ्गाकर " शब्द. Vide " गङ्गाकर "

वव० १०, ४; ६; ६; —धर्म. पुं०

(धर्म) महावीर स्वामिन् स्थपेय साधुआदि

समुदाय रूप गङ्गा धर्म-धर्म आरिध रूप

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

अशुतीथिनो धर्म-अशुमन भद्रावतादि २५.
 गण-गच्छ का धर्म-आचार; महावीर स्वामी
 द्वारा स्थापित साध्यादि समुदाय रूप गणका
 धर्म-श्रुत चारित्र रूप; गण-तीर्थ का धर्म-
 अनुमत महाव्रतादि रूप. the religious
 principles of an order of saints
 e. g. that established by Ma-
 hāvīrasvāmī; religious princi-
 ples of a sect; e. g. minor
 vows, great vows etc. ठा०
 १०, जं० ५० २. ३५; —नायक. पुं०
 (-नायक) लुओ " गणनायक " शब्द.
 देवों " गणनायक " शब्द. vide " गण-
 नायक " अणुजो० १२८; श्लो० नाया०
 १; राय० २५३; —पड़िलीय. त्रि०
 (-प्रत्यनीक) अशुनी शत्रु. गण का शत्रु
 an enemy of an order of saints.
 भग० ४, ३३; —माख. न० (-मान) अशु;
 मान प्रमाण. गण का मान; गच्छ का प्रमाण.
 the limit of an order of ascetics.
 प्रब० ६३३; —राय. पुं० (-राज-समुत्पत्ते
 प्रयोजने से गण कुर्वन्ति ते) समूहनी राजन्यकार्य
 यन्त्रिते सर्वेने ऐक्य करी शक्ति से सामन्त. समूह
 का कार्य पढ़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा;
 सामन्त बगैरह. a sovereign king
 having feudatory princes under
 him. भग० ७, ८; —खिडरसग. पुं०
 (व्युत्सर्ग) अशु अ०७. परित्याग. गच्छ
 का परित्याग. desertion, abandon-
 ment of an order of saints. भग०
 २५, ७; —वैयावृत्त. पुं० (-वैयावृत्त)
 अशुनी सेवा, वैयवृत्तनी नवमे भेद. गण की
 सेवा; वैयावृत्त का नौवा भेद. ninth
 variety of serviceableness, viz.
 service to an order of monks.
 बब० १०, ८; १०; भग० २५, ७;

—संग्रहकर. पुं० (-संग्रहकर) समुदाय-
 नी आधार अने ज्ञान वनेरधी संग्रह करनेवाला.
 one who preserves or
 extends the circle of his sect
 by food, knowledge etc. बब०
 १०; ४, २, ६; ७; —संग्रहण. पुं०
 (-संग्रहण) साधु समुदाय ओकठो करने
 ते. साधु समुदाय को एकत्रित करना.
 assembling a multitude of
 Sādhus or saints. गणि० २७;
 —संपदा श्री० (-सम्पत्) अशु-अ०७-
 समुदायनी संपदा. गच्छ-समुदाय की
 सम्पत्ति. the power or authority
 of an order of ascetics
 regarded as wealth. प्रब० ५५३;
 —सामायारी. श्री० (-समाचारी) साधुना
 समुदायनी समाचारी. साधुओं के समुदाय
 की समाचारी. education of an order
 of monks in austerities etc. बसा०
 ४, ७०; —शोभाकर. त्रि० (-शोभाकर)
 समुदायने शोभायना. समुदाय को सुशोभित
 करने वाला; गच्छ की शोभा बढ़ाने वाला.
 one who is an ornament or a
 jewel of an order of saints. बब०
 १०, ८; ६; —सोदिकर. त्रि० (-सोदिक-
 कर) अशुनी शुद्धि करने २; अशुनी संभाल
 देनेवाला. गण की शुद्धि करने वाला; गच्छ की
 देखरेख करने वाला. one who bestows
 care on an order of saints; one
 who refines an order of saints.
 बब० १०, ८; ५, ६; ७;

गणग. पुं० (गणक) अशु, ज्योतिष शास्त्र
 अशुना; ज्योतिषी. गणक; ज्योतिषी; गणित
 विद्या को जाननेवाला. An astrologer.
 श्लो० नाया० १; कप० ८, ६२;

गणक न० (गणक) अशुजु; अशुत्री ३२री
गिनती करना; गिनना. Calculation;
reckoning वि० ६४१;

गणका. जी० (गणना) अशुनी, अशु ६२,
सो ४२६६ ६४थीअशुना. गणना गिनना;
एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Cal-
culation; counting. अशुजो० १४६;
—अहारित्त. वि० (-जातिरिक्त) अशुना-
संख्याथी अशुना. संख्या से अतिरिक्त; गिनती
से बाहिर. beyond calculation; dif-
ferent from calculated amount.
निसी० १९, २५; —अशुतअ. पु० (-अनन्तक)
अशुयानी अपेक्षासे अनन्त; संख्या अशु
अनन्त. गणना की अपेक्षासे अनन्त; संख्या के
विहाज से अनन्त. incalculable; count-
less; beyond calculation. डा० २,
१; —अशुपुष्पी जी० (-अनुपूर्वी)
संख्या विषयक अनुपूर्वी; अनुक्रम. संख्या
विवक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order;
order of numerical calculation.
अशुजो० ७१;

गणहर. पु० (गणहर) अशुप२; तीर्थहरना
मुख्य शिष्य. गणहर; तीर्थहर का मुख्य
शिष्य. The principal disciple of
Tirthāṅkara; the Gaṇadhara.
जं० १० २, ११; नावा० ८; वेद० ४, १५;
अग० ४२, १; वि० ५२०; अत० १०४;
(२) आशार्पणी आशानुसार साधु
समुदायने लक्ष्मीमंडलमां विचरनार समर्थ
साधु. आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय
को लेकर लक्ष्मीमण्डल पर विचरने वाला
समर्थ साधु. the able ascetic who
wanders over the world along
with other ascetics by the
order of the head preceptor.
आवा० २, १, १०, २६; पञ० १६; सम०

८; गत० २७; १; नंदी० स्व० २१;
—प्रमाण न० (-प्रमाण) अशुप२-
तीर्थहरना मुख्य शिष्यों में प्रमाण. गणहर-
तीर्थहरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the
authority of the chief disciples
of Tirthāṅkara, known as Ga-
ṇadhara. प्र० १२२;

गणावच्छेदय. पु० (गणावच्छेदक) अशुना
साधुओंके साथे साधु ७२ महीमण्डलमां
विचरे ते. दूसरे साधुओं को साथ लेकर
पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला. One
who wanders over the world
along with other ascetics.
कप० ६, ४६;

गणावच्छेदणी जी० (-गणावच्छेदिनी)
अशुनी साधुओंकी सारसंभाषा करने
वाली. गण की साधुओं की देखरेख करने
वाली साधु. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order.
वव० ५, १;

गणावच्छेदय. पु० (गणावच्छेदक) अशुना
साधुओंकी सारसंभाषा करने
वाली. गण के साधुओं की देखरेख करने
वाली. One who provides necessary things
to the monks belonging to the
same order आवा० २, १, १०, २६;
वव० १, २६; २७; २८; २६; २, ७; ३.
१५; वेद० ४, १५;

गणावच्छेदयत्त. न० (गणावच्छेदकत्व)
अशुवच्छेदकत्व. गणावच्छेदकता; गण
संचालकत्व. State of being a pro-
vider of necessary things to an
order of saints वव० १, १५; वेद०
४, १६;

गणावच्छेदयत्ता. जी० (गणावच्छेदकतां)

श्रुओ " गद्यावच्छेदवत् " श्रु० ६. देखो " गद्यावच्छेदवत् " शब्द. Vide " गद्यावच्छेदवत् " पृ० १, ७;

गद्यावच्छेद. पुं० (गद्यावच्छेदक) साधु समुदायनी पत्र पात्रादि आहारथी सार संभाल करनेवाला साधु. साधु समुदाय की वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेक करने वाला साधु. A Sādhu who provides the monks of an order of saints with food, clothes, vessels etc. पृ० १६;

गणि. पुं० (गणित-गणः साधुसमुदायोऽस्ति-वत्स्य) आचार्य; सूरि; भट्टना ठीपरी. आचार्य; सूरि; गद्यकाशितपति. The head of an order of saints; an Āchārya. अणुजो० ४२; ठा० ४, १; आया० २, १, १०, २६; सम० १; दस० ६, १; ६, १५; वि० नि० ११२; निसी० १४, ५; पञ्च० १६ उवा० २, ११६; भक्त० २३; कण्ठ० ८; पंचा० १२, ४७; प्रव० १६८; २२७; गण्य० २०, ११२; —आ-गमसंपन्न. न० (—आगमसंपन्न) अक्षि-आचार्यना शास्त्रोभां कुशल. गणि आचार्य के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस० ६, १; —विद्वज्. न० (—विद्वज्-गद्यो गद्योऽस्ति वत्स्य स गद्यी तस्य विद्वज्) जिन प्रवचन; जिन तत्त्वोभां अज्जना; आचार्यनी पेटी के जेनी अन्दर शास्त्रीय तत्त्वो भवनाभा आचार्य होय ते-आचार्यभादि सूत्र जिन प्रवचन; जिन तत्त्वों का खजाना; आचार्यों की पेटी-तिजोरी, जिसमें शास्त्रीय तत्त्व भरे हुए हों; आचारादिक संग्रह. the treasury of Jaina canonical scriptures; literally, the box of an Āchārya filled

with scriptures. भग० १६, ६; २०, ८; ४२, १; सम० २७; संत्वा० ८१; शेष० नि० ७६०; —विद्वज्. न० (—वि-द्वज्) श्रुओ " गद्यि-विद्वज् " श्रु० ६. देखो " गद्यि-विद्वज् " शब्द. vide गद्यि-विद्वज् " भग० २५, १; —विद्वज् न० (—विद्वज्) श्रुओ ' गद्यि-विद्वज् ' श्रु० ६. देखो ' गद्यि-विद्वज् ' शब्द. vide ' गद्यि विद्वज् ' शेष० १६; —आच. पुं० (—आच) आचार्यपक्ष; अक्षि-आचार्यना भाव. आचार्यत्व; आचार्यवना. status of an Āchārya; Āchāryahood. उत्त० २७, १; —वत्स्य. पुं० (—वत्स्य) अक्षि-आचार्योभां भेद. आचार्यों-सूरियों में भेद. the chief among the Āchāryas. भक्त० २२; —संपन्ना. स्त्री० (—संपन्ना) आचार्यनी ६४ संपन्ना. आचार्य की ६४ सम्पदाएं. the 64 ac-quisitions of an Āchārya. भक्त० २३; दस० ४, १०६;

गणित. वि० (गणक) अक्षितवेत्ता; ज्योतिषी. गणितवेत्ता; ज्योतिषी. A mathemati- cian. अणुजो० १४६; जं० प० २, १६; गणित्यी. स्त्री० (गणित्यी) अक्षिभां भेदता साक्षी; प्रवर्तक साक्षी. गण में बड़ी साक्षी-प्रवर्तिका साक्षी. The principal female ascetic of the order. गण्य० ११६;

गणित. न० (गणित-गणवत्स्य इति) अक्षितकला. गणितकला. A numerical script. नाया० १; (२) अक्षिपि. अक्षिपि. a particular kind of script. पञ्च० १; —व्यवहार. वि० (—व्यवहार) अक्षि ७ प्रधान जेभां ते. गणित व्यवहार. an art in which mathematics occupies a prominent part. नाया० १;

गणितशा. जी० (गणितशा) गणितशास्त्र; गणितशा-
स्त्राधीन पद्धति. गणितशा; गणितशास्त्र की पद्धति.
Headship of an order of saints.
ठा० १, १; बब० १, ७;

गणितम. त्र० (गणित) गणित; अंक के गणित
यंत्रों से संख्याओं का गणना. एक, दो, तीन
आदि संख्या से जो गिना जा सके. Capable
of numerical calculation; cap-
able of countable. अणुत्रा० ११२;
नाया० ८, ६; १५; बिबा० २;

गणित्य. न० (गणित) गणित कला; हिसाब की कला
Art of mathematics; numeri-
cal calculation. आब० ४०; अणुत्रा०
१४६; तदु० भग० ६, ७; नाया० १, ८;
पण० १, ६; जं० ५०. आब० नि० भा० ५;
(२) गणित; संख्या करने का गणना हुआ.
counted बेय० ४, २८; निता० ६, २०;
प्रब० १२११; —व्यवहार त्रि० (—प्रधान)
जो भां गणितकला मुख्य है वह; उद्योगि-
शास्त्र का एक अंग that in which
mathematics is the prominent
factor; a division of astrology.
कप्य० ७, २१; —लिपि. जी० (—लिपि)
गणितलिपि; १८ लिपियों में से एक लिपि one
of the 18 scripts; the script of
numbers. सम० १८;

गणित्या-आ. जी० (गणित्या) गणित्या;
वेश्या. बरया; बाजार का औरत. A
harlot; a public woman. भग०
११, ११; नाया० १; १; ५; १६; बिरो०

१२८; अंन० १, १; निर० ५, १; कप्य० ५,
१०१; बिबा० २; अणुत्रा० ६६; —सहस्र-
न० (—सहस्र) दसहजार वेश्याओं. हजार
बरयाएँ. a thousand harlots.
बिबा० २;

गणित्विज्ञा जी० (गणित विज्ञा) २६ वेत्ता-
विज्ञा सूत्रमंत्रों की सूत्र २६ उत्कालिक
सूत्रों में से बावन्ना सूत्र. The 20th of
the 29 Utkālīkā Sūtras.
नंदा० ४३;

गणेशिया. जी० (*) दाथनी भेरिया;
संख्यासीनां दाथनी आभरण संख्यामी के
दाथ का एक आभरण. A rosary for
the hand; an ornament in the
case of an ascetic. आब० ३६; भग०
२, १; नाया० १६;

गत त्रि० (गत) गये. गया हुआ; पहुंचा
हुआ Gono. (२) प्राप्त यत्ने. प्राप्त.
obtained; acquired. नाया० १;

गति जी० (गति) नरक आदि गति में गत्युं
ते नरक आदि गति में जाने. Passing
from one state of existence in-
to the state of hell etc. ठा० १,
१; (२) नरक आदि चार गति. नरक
आदि चार गतियाँ. the four states of
existence viz. hell etc उत्त० २, १२;
(३) गमन; आग; गत्युं ते. गमन;
चाल. the act of going. भग० ३, १;
२५, ३; ६; ८; पण० १३; सू० ५० १०;
- नामनिहत्ताड-य. त्रि० पुं० (—नाम-
निहत्ताड) गतिने अनुसार नामधर्मा
पुद्गल की साथ आयुधधर्मा अंश. गति के
अनुसार नाम कर्म के पुद्गलों के साथ आयुध

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

कर्म का बन्ध. Kārmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is भग० ६, ८; पञ० ६;

—रागति. जा० (-रागति) गति अने अगति, ओक प्रतिभांथी जीउ प्रतिभां जीउ अने जीउ प्रतिभांथी आ प्रतिभां आजीउ ते. गति और आगति-गमनागमन; एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें जाना. coming and going back from one state of life into another. भग० ११, १:२१, १:२४, १; —लक्षणा. न० (-लक्षणा)

अतिरूप धर्मास्त्रिकायन लक्षणा. गति रूप धर्मास्त्रिकाय का लक्षण. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion. भग० १३, ४; —विसय.

पुं० (-विसय) अतिना विषय-गत्यानी शक्ति. गति का विषय; चलने की शक्ति. the object of motion; the power of movement भग० २०, ६;

गस्त. न० (गस्त) शरीर. शरीर; शरीर के अंग. Body: a bodily limb. जीव० २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया० १:२; ६; सु० च० २. ७०: १३, २४; पञ० २; कण्य० ४, ६२;

गस्त. पुं० (गस्त) खाडी. खाडी. A pit; a ditch. भग० १५, १; जीवा० ३, ३; नाया० १;

गस्तग. न० (गस्तग) पञ्चमादिनी छल्लु अने छिपछि. पञ्चमादि के ईस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stand etc. राव० १६१;

गस्त. जी० (गर्ज) बड़ेटी आर्ध. बड़ी-गहरी खाई. A large ditch. जं० ९०

गहलोच. पुं० (गहलोच) पांचभां देवलोकी नीचे पृथ्वीराज विमानमें रहेता लोकान्तिक देवतानी नव गति पैदा ओक गति. पांचवे देवलोक के नीचे कृष्णराज विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Kṛṣṇarāji heavenly abode under the fifth Deva loka. “ गहलोच तुलिकाच देवाच सप्त देवा सप्त देवसहस्रावच्छता ” ठा० ७; प्रब० १४६२; सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, ४; नाया० ८;

गहम. पुं० (गहम) अंधेडा. गहम; गधा. An ass; a donkey. पञ० १; सूच० १, ३, ४, ५; २, २, ४५; दसा० ६, १२;

गहमासि. पुं० (गहमासि) अर्द्धासि नाम-ना साधु: संजति रागने सभलवनार: संजनिना युग. इस नाम का एक साधु: संजति राजा को समझाने वाला; संजति राजा का गुरु. An ascetic named Gardabhāli who enlightened king Saṅjati. उत० १८, १६; (२) अंधक सन्यासिना युग. अंधक संन्यासी का गुरु. the preceptor of Khandhak a Sanyāsi. भग० २, १;

गहह. पुं० (गहह) ओंओ “ गहह ” शब्द देखा “ गहह ” शब्द. Vide “ गहह ” मम० ३०; पि० नि० १४६;

गजा. जी० (गजा) संख्या; गजना. गंजना; गजना; गिनती. Calculation; reckoning. सु० च० १४, १०३;

गज्ज. पुं० (गज्ज) गर्भाशय; गर्भाशय में रहेवानु स्थान. गर्भ; गर्भाशय; गर्भ के रहने का स्थान; जहां युक्त योगित मिलकर रहते हैं वह स्थान. The womb. जीव० ४०; ७३;

निर० १, १; दसा० ६, १; नंदी० ३७;
 नाया० १, २; १३; १४; भग० १, ७; २, ४; २;
 ११, ११; १२, ५; २०, २; पि० नि० ३६७;
 पञ० १७; सूय० १, १, १, २२; १२४; आया०
 १, ५, ३; प्रब० २६०; क० प० ४ १६; कण० १, १;
 (२) रेशमना कीड़ा पोतानी आसमांथी
 उत्पन्न करने रेशमना को कोटा. रेशम के कीट
 ने अपनी लाव में से उत्पन्न किया हुआ रेशम
 का कोटा. milk thread produced
 by a silkworm. अणुजो० ३७;
 (३) मध्य; अन्तर्गत भाग. मध्य; बीच
 का हिस्सा. middle part; interior.
 राय० ५७; आंच० नि० ६१७; —अज्ञोपा.
 जी० (-अज्ञोपा) गर्भधारण करने के अयोग्य
 स्त्री; अंधा. गर्भधारण करने के अयोग्य
 स्त्री; बाँझ. a barren woman. प्रब० ५७;
 —आधान. न० (-आधान) गर्भाधान
 संस्कार. गर्भाधान संस्कार. the cere-
 mony relating to pregnancy.
 भग० ११, ११; —आधान. न० (-आधान)
 गर्भाधान; गर्भजुं रहनें ते. गर्भ का रहना;
 गर्भाधान. pregnancy. विशेष० २३०;
 —उद्भव. त्रि० (-उद्भव) गर्भजुं
 उत्पन्न भवेत्; गर्भजुं-निर्गम्य अने गर्भजुं
 गर्भ से उत्पन्न; निर्गम्य और गर्भजुं. fetus-
 born; i. e. men and animals.
 विशेष० ४२३; —करा. जी० (-करी) स्त्री
 भलावे गर्भ उत्पन्न थाय तेरी विद्या; ४०
 विद्यामांथी अथ जिसके प्रभाव से गर्भ रहे
 वह विद्या; ४० विद्याओं में से एक विद्या. a
 science dealing with the
 cure of sterility; one of the 40
 sciences. सूय० २, २, २७; —गत. त्रि०
 (-गत) गर्भजुं-गर्भमां रहनें. गर्भगत;
 गर्भ में स्थित. embryonic; in em-
 bryo. विद्या० १; भग० १, ७; —घर.

न० (-गृह) सौथी अन्तर्गत ओर, अन्त-
 र्गत. गर्भगृह; मध्य के बीच का कमरा;
 अन्दर का कोठा. inner room; central
 hall. अणुजो० १४६; (२) आंतरा विमो.
 रहना; अन्तर्गत अन्तर्गत बनाया हुआ घर.
 a cave; an interior cavity. जीवा०
 ३, ३; नाया० ६; —घर. न० (-गृह)
 अन्तर्गत ओर अन्तर्गत घर. a toilette
 chamber. राय० १३६; नाया० ६;
 —घर. न० (-गृह) अन्तर्गत; अन्तर्गत
 शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
 नाया० ८; —द्वय. त्रि० (-द्वय-गर्भा-
 द्वाय-गर्भा-द्वय) गर्भमां आः ४१.
 गर्भ में आठवां वर्ष. the 8th year
 from conception. नाया० १; —द्वि.
 जी० (-स्थिति) गर्भमां स्थिति गर्भ का
 स्थिति. condition of embryo. प्रब०
 ५४; १३७३; —द्वि. त्रि० (-स्थिति)
 गर्भमां रहनें. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ.
 remaining in the womb. प्रब० ५५;
 —स्थ. त्रि० (-स्थ) गर्भमां रहनें. दो-
 ती. गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the
 interior; in embryo. राय० २६७;
 नाया० १; कण० ४; २४; —वसति. जी०
 (-वसति) गर्भमां निवास; गर्भमां
 रहनें ते. गर्भ में रहना. remaining in
 the womb. ठा० ३, ३; गच्छा० ६६;
 —वास. पुं० (-वास) गर्भमां निवास;
 माता अन्तर्गत रहनें ते. गर्भ में निवास
 करना; माता के उदर में रहना staying.
 residence in the womb of one's
 mother. सूय० २, २, ६१; पञ० २; नाया०
 १; प्रब० १३७५; —जुंति. जी० (-जुं-
 त्वांति) गर्भमां उत्पत्ति; गर्भमां
 आवं ते. गर्भ में जाना. birth in
 the womb. ठा० २, ३; दसा० ८, १

—**बुद्धितिय**. त्रि० (—बुद्धितिक) भर्त्तु-
भर्त्तुप्राप्ति ७-म पावनः, भा आपना
शुद्ध शोषितधी उत्पन्न भवुं. गर्भाशय द्वारा
उत्पन्न होने वाला; माता पिता के शुद्ध शोषित
से उत्पन्न होने वाला. born from a
womb; fetus-born. अणुशो० १३६;
उत्त० ६, १६; जीवा० १; भग० ५, ८; ८,
१; ६; सम० १; —**संभूत**. जी० (—संभूति)
भर्त्तुनी उत्पत्ति. गर्भ का उत्पात्ति produc-
tion of the embryo प्रब० ५६;
१३७७; —**साहज**. न० (—साहन) भर्त्तुं
साहजुं-भर्त्तु पाउवा विजरे. गर्भ का नाश
करना; गर्भ का छोटना. causing abor-
tion etc. विवा० १; —**हरण**. न०
(हरण) भर्त्तुं हरणुं ते, अथ ईडाज्ये
भीजे ईडाज्ये भर्त्तुने लभ ७७वुं ते. गर्भ का
हरण करना; एक स्थान से दूसरे स्थान पर
लेजाना. stealing or transferring
embryo from one womb to an-
other. प्रब० ८६०; —**गण्डमुद्रा**. जी०
(—गर्भता) भर्त्तुप्राप्ति. गर्भत्व; गर्भवनं
embryonic condition. विवा० १;
नावा० ८; कण० १, २;

गण्डमुद्रा. पुं० (गण्डमुद्रक) प्रजापना सूत्र-
ना अथ उद्देशानुं नाम. प्रजापना सूत्र के एक
उद्देश का नाम. Name of a chapter
of Prajñāpanā Sūtra. भग० १६, २;

गर्भिणी-या. जी० (गर्भिणी) भर्त्तुनी स्त्री.
गर्भवती स्त्री; सगर्भा नारी. A pregnant
woman. दस० ७, १५; नावा० ७;

गर्भिणी. जी० (गर्भिणी) भर्त्तुनी स्त्री.
गर्भिणी; गर्भवती स्त्री. A pregnant
woman. त्रि० नि० ५१०;

गर्भित. त्रि० (गर्भित) भर्त्तुत; यत्ने पोष
सहित. गर्भ वाला; भीतर पोष वाला.
Hollow. प्रब० ७६; (२) अ६२ भर्त्तु-

पावुं. भीतर गर्भ वाला. hollow in the
middle. पंचा० १, २१;

गभीर. पुं० (गभीर) अतमः सूत्रना पदेष्टा
वर्त्तुना ४ था अभ्ययननुं नाम. अंतगर्भ सूत्र
के पहिले वर्ग के चौथे अभ्ययन का नाम.
Name of the fourth chapter
of the first section of Anta-
gāda Sūtra. (२) अभ्ययननुं नाम.
सूत्रना पुत्र व्याथा दशर के ने नमनाथ प्रभु
पासे दीक्षा लभ्य और परस प्रवर्त्तुना पाणी
शत्रुं ७५ उपर अथ भासने संभारे ३री
भेक्ष भया. अन्धकवृष्णि राजा का चौथा
पुत्र-दशार्ह, कि जो नमनाथ प्रभु से दीक्षा
लेकर बारह वर्ष तक प्रवर्त्तुना पाल शत्रुं ७५
पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को
प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka
Vṛṣṇi, the fourth Dāśārha,
who took Dikṣā from Lord
Nemanātha, practised asceti-
cism for twelve years, per-
formed Santhārā (gave up
food and drink) for one month
on Śatruñjaya and became
Siddha. अ० १, ८; (३) उ६. गहरा.
deep. गय० १७; (४) उ६. बड़ा.
big; large प्रब० ४५६; —**घोष**. त्रि०
(—घोष) भेदा अवाजपावुं. बड़ी आवाज
वाला. deep sounding. प्रब० ४५६;

✓ **गम**. भा० I. (गम्भ) ७७वुं; गति हरती.
जाना; गति करना. To go; to move.

गमह. आवा० २, १, १, ४;

गमिह. त्रि० नि० ११०;

गमिस्समि. भ० भग० १, १;

गमिस्समि. भ० नावा० १;

गमिस्समि. भ० आवा० १८;

गमेह. भ० क० सु० च० २, १५;

गमित्त्व. हे० क० द्वा० ७, १; उल० १०,
३८; ओष० १८; मम० ३, ४; ७,
७; १६, ४; नाया० ८; ६; १६; १६;
गममाद्य. व० क० भग० ८, ७;

गम. पुं० (गम) आश्लेष-सन्तो आश्लेषो;
अर्थ विषयं प्रतिपादन करने पर वाक्य समुदा-
यं प्रकृतम्. आश्लेष-छोटा प्रकरण; एक
ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों
का समूह; सूत्र पाठ. A supplemen-
tary chapter. नंदी० ४६५; विरो० ६६८;
जं० प० नाया० १; पि० नि० ६२१; भग०
३, १०१ ६, ६; १६, ३; २४, १; (२)
अर्थ; अर्थान्त; कथन; वर्णन. narration
पञ० १५, (३) अर्थ; आश्लेष. जाना;
चलना; moving; going पञ० २; (४)
प्रकार; भेद. varieties.
ओष० नि० २५; विरो० १४६२; (५)
अर्थ परिच्छेद; अर्थान्ती गृही गृही भंगी;
अर्थ का परिच्छेद; अर्थ के अलग २ भाग.
the distinctions of meaning.
गम० प० १६६;

गम-य. पुं० (गमक-गमयतीति) आश्लेषो;
संज्ञा प्राप्तो वाक्य समुदाय. एकार्थ वाक्य
वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. Text in a
uniform style of composition.
राव० २३६; नाया० १३; भग० १२, ६;
१३, १; २४, १२; १७; ३२, १; नाया० ५०
३; (२) वर्णन; अधिकार वर्णन; अधिकार.
description. निती० १, ४१; ६, १२;
पञ० ५; नाया० ५० ६; (४) अभनशील.
गमन शील. having the nature of
going. भग० २५, ३; ४, २६, १;

गमन. पुं० (गमक) लुओ " गमक "
शब्द. देखो " गमक " शब्द. Vide
" गमक " भग० २४, १;

गमनस्त. न० (गमकत्वा) लुओपवाच्य.

सूचना करने का भाव; जाहिर करने का भाव.
State of being a proper sub-
ject for information. विरो० ३१२;

गमन्त. न० (गमन) आश्लेष; अर्थ;
अर्थ. गमन; जाना; गति करना. Motion;
going; movement भग० २, १; ५,
४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५, ७;
ओष० २१; उल० २९, ६; नाया० १, ७,
४, २१६; मम० प० १६८; नाया० १; १५;
१६; १७; पि० नि० ८३; १६०; २०६;
मु० व० ३, २३३; विरो० २४६२; वेद्य० १,
३६; ४५; राय० ४६; पंचा० १, १६; ४३;
भल० ८०; प्रव० १५६६; कल्प० ३, ४३;
उवा० २, ८९; —आगमन्त. न० (—आ-
गमन) अर्थ आश्लेष. जाना जाना. pass-
ing and repassing; coming and
going. प्रव० १३४; ओष० ४, ३; भग०
२, ५; नाया० १६; निती० ११, २०; दस०
५, १, ८६; —गुण. पुं० (—गुण-गमनं
गतिः तद्गुणः) अतिरूपगुणधर्मस्ति-ज्ञायं
लक्षण. गतिरूप गुण; धर्मास्तिकाय का लक्षण.
the characteristic mark of Dha-
rmāstikāyā, viz. motion. भग० २;
१०; —मन्त. त्रि० (—मनस्) अर्थान्ती
छन्दोवाच्य. जाने की इच्छा वाला. desir-
ous of going. मु० व० २, १८२;

गमन्तया. स्त्री० (गमन) अति; अभन. गति;
गमन. State of being in motion;
state of being going. " गमन्ते
लोकं गमन्तवाप " ठा० ६; नाया० १;

गमन्तिष्ठ. त्रि० (गमन्तिष्ठ) अभन्तु; अर्थान्ती.
अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ.
Pleasant; charming. ओष० ३२;
जं० प० ३, ६७; (२) उत्तमपदा-पार
पःभवा योऽय. उत्तमपदे योग्य; पार पदे लायक.
worth transgressing. निती० १६.

१७; (१) लक्ष्यः योऽयः; प्रकाशयः योऽयः।
जानने योग्य; प्रकाश करने लायक. worth
knowing; capable of throwing
light upon. भग० १, १;

गमयित्री. स्त्री० (गमयी) ऐक लतनी (उडवानी)
विद्या; विद्याधरोनी विद्या. एक प्रकार की
आकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरा की
विद्या. A science of flight; (this
is possessed by Vidyādhara).
नाया० १६;

गमिष्ठ-य. न० (गमिष्ठ) जेभां ऐक सरभा
धनुषा पाठ दोष ते आरभुं दृष्टिवाद नामे
अंगसूत्र. जिसमें एक समान बहुत से पाठ
हैं वह बारहवां दृष्टिवाद नामक अंगसूत्र.
Name of the 12th Aṅga Sūtra
named Dṛṣṭivāda having
many chapters of the same
nature. नंदी० ४३; विरो० ५४६; क० गं०
१, ६;

गम्य. त्रि० (गम्य) भेगरी शक्य तेजुं;
पहोथी शक्य तेजुं. प्राप्त हो सके ऐसा;
That which can be acquired;
that which can be reached.
पह० २, २; पंचा० ७, १७; (२) अमन
करवा योऽयः. गमन करने योग्य. worth
going to. भग० ११३;

गम्य-अ. त्रि० (गम्य) अयेस; अदृश्य धयेस.
गया हुआ; चरख जो है वह. Gone;
passed out of sight. भग० २, १;
३, १; ५, ४; ७, ६; ८, ३३; ११, १०;
१५, १; नाया० १; ६; ७; १३; १६;
नाया० ५० दस० ३, २, २४; उवा० १,
११; मत्त० ३५; क० प० ६, २५; कण्ठ०
२, २७; (२) ग्राम धयेस. प्राप्त किया हुआ.
got; obtained. भग० ३, १; १५, ७;
पञ्च० ३६; नाया० १; ३; ६; १६; अणुजो०

१६; राव० २३; विद्या० ३; उत्त० १, २१;
(३) गति; आस. गति; चल. gait;
motion. जोष० सं० प० २, ११४; ७,
११३; ३, ५६; (४) रहेस. रहा हुआ. re-
maining; stayed. जोष० १०; विरो० ३३;
—सहृद. त्रि० (-गृह्य) गृह्या विनाजुं.
गृह्यारहित. free from greed. प्रव०
४७३;—तेष त्रि० (-तेजस्) तेजदीन; तेज-
विनाजुं. तेजहीन; तेजरहित. lack-lustre;
having no lustre; dull. भग० १२,
१; —वृत्त. त्रि० (वृत्त) जेना दंत
पडी ग्या दोष ते; दंत यमरने। जिसके दांत
गिर पड़े हों वह; दांतरहित. (one)
without teeth. गच्छा० ६२;

गम्य. पुं० (गम्य) दापी. दापी. An ele-
phant. अणुजो० २१; १३१; ट० ४, ३;
दसा० १०, १; दम० ५, १, १२; ६, २, ४;
सु० व० २, ६४१; कण्ठ० १, ६; पंचा० १२,
२४; पि० नि० ७६; ८३; राव० ५०; जीवा०
३, ३; पञ्च० १; नाया० १; ५; ६, १६; भग०
१६, ६; ७, ६; ८, ३३; (२) गुच्छा.
गुच्छा. a cluster. पञ्च० १; (३) अंत-
गच्छना त्रीज वर्गना अहमा अष्टयनजुं
नाम. अंतगच्छना के तीसरे वर्ग के आठवें
अध्याय का नाम. name of the 8th
chapter of the third section of
Antagāḍa Sūtra. (४) वसुदेव राजनी
देवकी राष्ठीना साधी न्दाना पुत्र-दृष्टुं भदा-
राजना न्दाना आष के जे नेमनास प्रभुपासे
दीक्षा लई तुरतज निष्पुत्री आरभी पडिमा
आदरी श्मशान भूमिमां कडिसम्प हरी उला
रका त्यां मोमस आम्हजे अग्निने परिषद
आप्पे। ते श्मशाने सदन कर्ता नरतज
के वसुदेव राजा की देवकी रानी के सब से छोटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर गुरन्तरी भिक्षु की वारहवीं पहिमा का आंगकार कर समस्त भूमि में काउ-मग्न कर, सब रहे यही नामन ब्राह्मणों जमि का वारण दिया उमें समभार से गहन करने हुए गुरन्तरी कवन ज्ञान का प्राप्ति कर मोक्षगति को पहुँच गये the youngest son of Devaki, the queen of king Vasudeva and the younger brother of Lord Krishna. He took Dikṣā from Lord Neminātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. संज्ञ० १, ८, पगह० १, ४; नाया० १६; (४) सातमां देवलोका ४३० (चिन्हा-निशानी. गतव देवलोके के चिह्न का चिन्ह-निशान. the badge of the Indra of the 7th Devaloka. आश० २६; (५) दिशकुमार ज्ञाना देवतां चिन्हा; तेना भुवटमां दाथीने आकारे निशानी देव से दिशकुमार जाति के देवता का चिह्न; उस के मुकुट में हाथी के आकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind. आश० २३; (६) श्रीम तीर्थकरं चिह्न. द्वितीय तीर्थकर का चिह्न. the symbol of the second Tirthānkara. अश० १८१; —अर्लीय न० (-अलीक)

दाथीनु सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया० १; उल० १८, २; —कलम. पुं० (-कलम) दाथीनुं अर्धु. नाया० दाथी. हाथी का बच्चा; छोटा हाथी a young elephant. नाया० १; —गद्य. त्रि० (-गद्य) दाथी उपर भेड़ु. हाथी के ऊपर बैठा हुआ. mounted on an elephant भग० १५, १; आश० —चर्म, न० (-चर्मन्) दाथीनुं अर्धु. आश० हाथी का चर्म-चमड़ा. skin of an elephant. नाया० ८; —चलल. न० (-चलल) दाथीना पग. हाथी का पैर. the foot or leg of an elephant. गम० ११; —जोहि. त्रि० (-जोहिन्) दाथीमाथे युद्ध करनेवाले. हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant गम० २९२; नया० १; —नालुगममाण. त्रि० (-नालुग समान) दाथीना नावरा समान. हाथी के नाव के समान similar to, resembling the temple of an elephant. नाया० १६; —इत. पुं० (-इत) दाथी दांत. हाथी दांत tusk of an elephant. सू० प० १०; जं० प० ७, १२६; —पंक्ति आ० (-पंक्ति) दाथीओनी पंक्ति-दार हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग० १६, ६; —भक्त. न० (-भक्त) दाथीनुं आशु; भक्षि. हाथी की खुराक; मनीषा. food cooked for elephants. निमी० ६, ६; —लक्षल. न० (-लक्षल) दाथीना शुभाशुभ दक्षिण निशानी इत्यादि. हाथी के शुभाशुभ लक्षण जानने की कला art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया० १; —लोम. न० (-लोमन्) दाथीन

इत्यादि। हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग० ८, ६; —चर. पुं० (-चर) श्रेष्ठ दायी. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant; a noble elephant. नाया० ६; १६; —विक्रम. पुं० (-विक्रम) दायीनी यात्र. हाथी की चाल. the gait of an elephant. सू० ५० १०; जं० ५० ७, १५६; —विलंबिय. पुं० (-विलम्बित) दायीनी विशेष अनियोज्य नाटक; नाटकनो ऐक प्रकार. हाथी की विशेष गति वाला नाटक; नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राव० ६३; —संठिय. त्रि० (-संस्थित) दायीने आकारे रहुँय. हाथी के आकार का. of the shape of an elephant; a kind of drama. भग० ८, २; —ससल. न० (-ससन) दायीजुं युं. हाथी की सूँड. the trunk of an elephant. ओव० १०; —साला. की० (-साला) दायीआजुं. हाथी शाला. the place where elephants are kept. निसी० ८, १०;

गद्यं. पुं० (गजेन्द्र) दायीमां भन्द्रसमान; औरावन दायी. हाथीयों में इन्द्र; ऐरावन हाथी. An Indra among elephants; the Airāvata elephant. मंथा० १६; —भाय पुं० (-भाय) भजेन्द्रनो भाव-स्वरूप. गजेन्द्र का भाव-स्वरूप. State of being an Indra among elephants. नाया० १;

गद्यकण. पुं० (गद्यकणं) भजकणुं नामना ७१ अन्तर द्वीपमां रदेनार भनुय. गद्यकणं नामक छठे अंतर द्वीप में रहने वाला भनुय. Name of a person living in the sixth Antara Dvīpa. जीवा० ३, १;

पद्य० १. (१) ७५५ अन्तर द्वीपमांजुं ऐक. छप्पन अंतर द्वीप में का एक. one of the fiftysix Antara Dvīpas. जीवा० ३, ३; पद्य० १; ठा० ४, २; —दीप. पुं० (-द्वीप) लवजुं समुद्रमां यारसो योजनपर यूलहिम-यंतनी ३३७५२ आवेसो भजकणुं नामनो अन्तरद्वीप. लवजुं समुद्र में चारसो योजन पर यूलहिमवन्त के उपर आया हुआ गद्यकण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavapa Samudra at a distance of 400 Yojanas. ठा० ४, २;

गद्यकण. पुं० (गद्यकणं) ऐ नामनो ऐक अनार्य देश. इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रब० १५६९; (२) भजकणुं नामनो ऐक अन्तर द्वीप. गद्यकणं नामक एक अन्तर द्वीप. name of an Antara Dvīpa. प्रब० १४३७;

गद्यल. न० (गगन) आकाश. आकाश. The sky. उक्त० २९, १६; भग० ४, ३३; सु० ४० १, २२; जं० ५० —द्विय. त्रि० (-स्थित) गगनमां रहुँय गगन में रहा हुआ. remaining in the sky. प्रब० ४५२;

गद्यपुर. न० (गद्यपुर) कुरुदेशमांजुं ऐक प्रसिद्ध नगर; हरिननापुर. कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध (हरिनापुर) नगर. A famous city in Kurudēśa; viz. Hastināpura. पद्य० १;

गद्यमुह. पुं० (गद्यमुह) भजमुह नामे अनार्य देश. गद्यमुह नामक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रब० १५६६;

गद्यदीप्ति. की० (गद्यदीप्ति) ऐद्विषी आदि भजुं नक्षत्रमां शुभ अनि करे ते. गद्यदीप्ति.

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति हो वह गणवीर्य. The movement of Venus in the three constellations viz. Rohini etc. ठा० ३, १;

गणसुकुमाल पुं० (गणसुकुमाल) कौर्त्ति
 ओ३ शादुकारने पुत्र के नेले वैराग्य भवे
 दीक्षा शीघ्री ने ओ३दा प्रतिमापारी थछ छठि-
 सग्गा करी उभा दना-ओ३ नले भार्ग
 पूज्यो न्याय न भवतां नेले कपायमान
 थन्न नमीन उपर पछाडी दरे३ अंने भीक्षा
 भारी नमीन साथे नडी दीयो तो पश्य ते
 भुनिओ समभाव राप्पी भरथु आराधुं.
 कोई एक माहुकार का पुत्र कि जिनने वैराग्य
 भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमापारी
 बन, काउसग कर करे थे-एक व्यक्ति ने
 रास्ता पूछा-उत्तर न मिलने पर उसने
 कोणावमान हो, पृथ्वी पर पटक कर
 प्रत्येक क्षेत्र में लीने ठोक कर जमीन से साथ
 उभे मिटा दिया, तद्वि उम मुनिने सम भाव
 रख कर मृत्युका आराधना की. Name of
 a merchant's son who had
 entered the religious order be-
 ing disgusted with the world.
 He once stood contemplating
 upon the soul and practising
 a vow when some passer by
 asked him about the road.
 Not receiving a reply he
 knocked the ascetic down and
 fixed him to the ground with
 nails hammered over his
 whole body. The ascetic en-
 dured all this quietly and died
 संस्था० ३६; (२) कृ३य मकारान्ते न्द ने:
 आर्ध के ने नानी उभरमां नेमनाथप्रभु
 पासे दीक्षा ग्रथितेन रात्रे सोमत्र आ३यु

तरुणी अपायेस अभिने परिषद समभावे
 सदन करी तरकास मोक्ष गया. कृष्ण महा-
 राज के लघु बन्धु कि जो छोटा उममें नेमनाथ
 प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिवे हुए
 अग्नि के परिषद को समभाव में सहन कर
 तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए. the younger
 brother of Lord Kṛṣṇa. He
 took Dikṣā from Lord Nema-
 nātha in young age and after
 quietly enduring the pain of
 fire at the hands of Somala
 Brāhmana became Siddha im-
 mediately on the same night.
 अंत० १, ८;

गया. जी० (गया) कैमोदकी नामे भदा;
 विष्णुनुं ओ३ आयुष. कैमोदकी नामक गया;
 विष्णु का एक आयुष. A mace of
 Viṣṇu, named Kaumodaki.
 जीवा० १, २, उत्त० ११, २१; १६, ६२;
 सम० ५० २३७; आंच०

गर. पुं० (गर-गरत्पाहारं तत्प्रभवति कामंश्च
 वा) भ्रेर; वि० वि०. Poison. आंच० नि०
 ४८७; पण० १, १;

✓ गरह. धा० I. (गर्ह) निन्दा करनी;
 निन्द्युं. निन्दा करना. To censure.

गरहह. सू० २, २, १७; २०; भग० १, ३;
 गरहप. पि० नि० ४१३;

गरहामो. सू० २, ६, १२;

गरहंति. अंत० १, ३;

गरहेजा. वि० बेय० ४, २४;

गरहह. आ० भग० १, ६; ५, ४; १२, १;

गरहंत. सू० १, १, २, ३२;

गरहखण्डा. जी० (गर्हका) गुहनी साक्षिओ
 पेनाना अनियार-दोषोनी निन्दा करनी-
 पथ ता० ५ करवो ते. गुह के सन्मुख खपने
 जांतवार-दोषों की निन्दा करना-पथात्तव

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor; repentance for one's own faults. भग० १७, ३; उत्त० २६, २;

गरहणा. जी० (गरहणा) निन्दा. निन्दा.

Censure राय० २६४; आश० ४०;

गरहणिलिङ्ग. पुं० (गरहणा) निन्दानीय; निन्दाया
सायक निन्दनीय; निन्दापात्र Censurable;
blameworthy. भग० ६, ३३;
पयह० १, २;

गरहण जी० (गरह) निन्दा. निन्दा. Cen-
sure. भग० १, ४; उत्त० १, ४२;

गरहण. त्रि० (गरह) निन्दाने पात्रः निन्दा-
नीय. निन्दापात्र; निन्दनीय. Censurable.
आया० २, १, २, ११;

गरहणमात्र. त्रि० (गरहण) दोषसमक्ष
निन्दाने योग्य. लोका के समक्ष निन्दा पात्र.
Deserving public censure नाया०
१६;

गरहित. त्रि० (गरहित) निन्दित. निन्दित.
Censured. पंचा० ६, ७;

गरहित्य. त्रि० (गरहित) निन्दित; गदा
करेण. निन्दित. Censured. दश० ६, १३;
वि० नि० ५३२; सूय० १, १३, ३६; पंचा०
२, ४३;

गराह. न० (गराहि) दरेक भासना शुद्ध
पक्षभां सातम अने ध्यांसने दिवसे तथा
नीज अने इसभनी गते तेभज कुंभ
पक्षभां ७६ अने तेरसने दिवसे तथा भीज
अने नेभनी राते अ.प.नं सात अरुदरज्य-
भांनुं पांचभुं करज्यः ११ करज्यभंनुं
पांचभुं करज्य. प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में
सप्तमी व अशुद्धी के दिन व वृत्तिया व
दशमी की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में
वती व त्रयोदशी के दिन व द्वितीया व
अष्टमी के रात्रि को आनेवाला मान करकरण

में का पांचवा करण; ११ करणमें से पांचवा
करण. The 5th of the seven
movable Karanas (divisions
of a day) occurring on the
7th and the 11th day, as
also on the 3rd and the 10th
night of the bright half of
every month; also the one
occurring on the 6th and 13th
day as also on the 2nd and the
7th night of the dark half of
every month. The 5th of the
11 Karanas भं० १० ७ १२३;

गरिहृ. वि० (गरिह) मीथी भेदुं सब मे
बडा. Eldent. गु० च० १, १२६.

✓ गरिह. धा० I. (गरह) निन्दय. निन्दा
करना. To censure.

गरिहन्ति. दम० ४, २, ४०; नाया० ८;
नाया० ४०

गरिहतिभि. भग० ८, ६; दम० ४;

गरिहिता. म० कृ० ठा० ३, १. भग० ४,
६; आया० २, १४, १८८;

गरिहितप. इ० कृ० ठा० २, १.

गरिहणा जी० (गरहणा) निन्दा. निन्दा
Censure. भल० ४०;

गरिहणिलिङ्ग. त्रि० (गरहणीय) गुरु सन्मुख
निन्दय योग्य. गुरु के सम्मुख निन्दा करने
योग्य. Censurable in the very
presence of a preceptor. नाया० १

गरिहण जी० (गरह) गुरुनी साक्षीमें निन्दा
अर्थात् पेने करेला प.पनी गुरुनी साक्षीमें
निन्दा करी ते. गुरु के सम्मुख निन्दा;
अर्थात् स्वतः ने किये हुए पाठकों की गुरु
के सम्मुख निन्दा करना. Censure of
one's own faults in the pre-
sence of a preceptor विज्ञ० ३१०२;

अ० १, १; दस० ४; प्र० १४००;

गङ्गा-व. नि० (गङ्गा) आरे; ५७१६१२.

भारी; वजनदार; बजनी. Heavy. दस०

६, १; आवा० १, ५, ६, १००; भग० २,

१, ५, ६; —बृह. पुं० (-बृह) आरे

६५३. भारी बृह. a heavy stick.

दस० ६, ४;

गङ्गा. जा० (गुर्वी) भोदी; आरे. बड़ी;

भारी. Big; heavy. भग० ६, ६३;

पंचा० ६, २६;

गङ्गा. पुं० (गङ्गा) सान्तिनाथ ॥ ५क्षिं नाम.

सान्तिनाथजी के यक्ष का नाम. Name of

a Yakṣa of Śāntinātha. प्र० ३७६;

गङ्गास्य. न० (गङ्गास्य) अ० ३५१॥ अ. ६२

जेयु आसन. गङ्गाकार आसन. A bodily

posture resembling an eagle

in shape. भग० ११, ११;

गङ्गावत्. न० (गङ्गावत्) आरेपञ्चु भारीपन

गुणवत्. Heaviness; weightiness.

मु० व० २, ६४२;

गङ्गावेषाद्य. पुं० (गङ्गावेषाद्य) ७२ सूत्रभांजुं

अे. ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the

72 Sūtras. वव० १, २८; मंदी० ४३;

गङ्गा. पुं० (गङ्गा) अ० ३५१. गङ्गा पक्षी.

An eagle. जीवा० १, १; ओष० १०; सूय०

१, ६, २१; नावा० ८; (२) वायु-पन्तर

देवतांनी अे. ७१. वायुपन्तर देवता की

एक जाति. a species of Vāyu-

vyantara deities. सम० ८; ३४;

नावा० ८; भग० २, ५; (३) सुवर्णकुमार

देवतांजुं बिन्हा तेना भुवःभां रहेस अ० ३५३

निशानी. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह; उसके

मुकुट में का गङ्गाकार निशान the em-

blem, badge viz. an eagle in the

crown of Suvarṇakumāra god.

ओष० २३; वव० १, ४; —ओषा. न०

(-आसन) लुओ. " गङ्गास्य " १०६.

देखो " गङ्गास्य " शब्द. vāro " गङ्गा-

स्य " जीवा० १; राव० १३६; —केटुं.

पुं० (-केटु) अ० ३५१। बिन्हावाही जेनी

प्यन छे ते; वासुदेव. गङ्गा के बिन्हा

मुक्त बिसयी चक्रा है वह; वासुदेव. Vāsu-

deva whose banner bears the

badge of an eagle. सम० २३६;

—बृह पुं० (-बृह) अ० ३५१ आकारे व्युह

—संशुद्धनी रचना करवानी हवा गङ्गा के

आकार में व्युह (सरकर) की रचना करने

की कला. a battle order in the

shape of an eagle ओष० ४०; निर०

१, १; नावा० १;

✓ गल. धा० I. (गङ्गा) जभजुं; आहुं;

बिगना; भोजन करना. To eat; to take

meals. (२) अक्षजुं; उल्लुजुं. जानना.

to filter.

गङ्गांत. सूय० १, ५, १, २३;

गङ्गांत. व० क० पि० नि० ५८०; ५८३;

६४५; नावा० ८;

गाङ्गा. प्रे० निसो० ६, ८;

गाङ्गा. प्रे० नावा० १२;

गाङ्गा. प्रे० पि० नि० ३६८;

गाङ्गा. प्रे० सं० क० नावा० १२;

गाङ्गा. प्रे० सं० क० प० २, ६६;

गाङ्गा. प्रे० व० क० नावा० १२;

गल. पुं० (गङ्गा) अहुं; ३५३; अ० ३५१ कवठ;

गला; गर्दन. Throat; neck. ओष० १०;

३१; आवा० १, १, २, २६; सूय० १, ५,

१, १०; ज० व० पि० नि० ३१४; ६२३;

(२) भाउभांजुं अहुं विपनार लभनी अ-ह-र-

नी छिः. गङ्गा के गले में छेद करने वाला

जाल के छन्द का काँटा. a hook in

a net which pierces the throat

of a fish. उत० १६, ६५; नावा० १०;

काठन गाँठ. a hard knot of a buffalo's horn. नावा० १; ५; ब; ६;
(२) नील भुषिका विशेष. नील. indigo.
नावा० ५; राब०

गवा. जी० (गां) भाष. गौ; गाय. A cow.

उत्त० ६, ५; ६ १०; दृष्टा० ६, १२; दम०
७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०,
२७०; (२) भृम आदि पशु. भृम आदि
पशु a deer and such other
animal. सूय० १, २, ३, ५; — झलीय
न० (— झलीक) भाष आशी भुङ्गुं भोजयुं
तें. गां के बिबर में बरस बोलना. tolling
a lie about a cow. परह० १, २;

गवाली. जी० (गवाली) भाषोन आवाली
तथा रईयानी जग्या; भम. लु. गाँधों को
खाने की ब रहने की जगह. A cow-pen.
आवा० २, १०, १६६;

गविह. त्रि० (गवेविह) भेय्या भवेय्या
दोष रहित शेषित्. भोजेय्य एवणा-गवेयणा
दोष रहित हंडा-खोत्रा हुआ. Searched
after without committing the
fault of Eṣṇāḍ-gaveṣṇāḍ;
searched after. वि० त्रि० ५१३; सु०
ब० ४, ३२;

गविह. त्रि० (गविह) अभिमानी. अभिमानी.
Proud; vain. भक्त० १४४;

गवेषण. पुं० (गो+एकक) भ. ३२; भेरो. भेड
A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग०
१, ११ २, ५; ७, ६; राब० २६६; अणुप्रो०
१२८; ओव० परह० १, ४;

गवेषण. पुं० (गो+एकक) अ३री: भेरो.
बकरा. A he-goat परह० १, २; दसा०
६, ४; जं० ५०

१. गवेष. धा० II. (गवेच) शेषित्; भवे-
य्या इरपी. हूटना; गवेयणा करना. To
search.

गवेषह. निरी० १०, ४२;

गवेषेखा. वि० परह० २, २;

गवेषण. दस० ५, १, १; बब० २, २;

गवेषमात्र. ब० क० वि० नि० २०७;

नावा० २; ४;

गवेषण पुं० (गवेचक) अ-वेय्या-शेष इर-
ना२. जमेवणा-खोज करने वाला. One
who searches after. उत्त० १, ४०;
२६, ९; ओव०

गवेषण. न० (गवेचण गवेचतेऽनेन) व्यति-
रेक धर्मन् आलोचन, जेम पाणीनी शेष
इरपी होय त्परे पाणीना असद्वारी
धर्मोन् आलोचन इरतुं इ ग्राही नथी सुधी
दसा छे नदी के तत्राय नथी भारे अन्दी
पाणी न होयुं जेममे व्यतिरेक धर्म का
आलोचन जिस प्रकार जल का पता लगाना
हो, तब जल के असद्वारी धर्मों का आलो-
चन करना कि कहीं नदी है, सूखी हवा है,
नदा या गालाव नदी है इस लिये बहागर जल
न होना चाहिये. Search; observing
qualities or things which can-
not co-exist with the object of
search, e. g. deciding the
absence of water from the
absence of trees etc. ओव० ३९;
भग० ६; ३१; जं० ५० ३, ७०१ (२)
शेष; तपास. खोज; जांच. inquiry;
search. नावा० १; भग० १५, १;

गवेषणता. जी० (गवेचता) भोजययलुं
गवेयणा. State of being in
search after. भग० १२, ६;

गवेषणया. जी० (गवेच) शेष; तपास
तलाक; खोज जांच. Wandering in
search; searching after. ओव०
२०; नंदी० ३१;

गवेषणा. जी० (गवेचणा) भुजो "गवेषण

५०६. देखो " गवेषण " शब्द. Vide

" गवेषण " विशेष १६६; जं० प० पृ०

नि० ७३; शोध० मि० ६३; उत्त० २४,

११; नावा० १; २; पंचा० १३, २५;

गवेषिण. त्रि० (गवेषितक) शै.धी-तपासी
आखेडुं. खोज किया हुआ. Search-
ed out; searched after. निंसा०
२, २७; ३१;

गर्व. पुं० (गर्व) गर्व-मान; अहंकार. अहं-
कार; गर्व. Pride; conceit; a kind
of moral impurity. सम० ५२;
अग० १२, ५;

गर्वित त्रि० (गर्वित) अभिमानी. गर्वित;
अभिमान युक्त. Proud; conceited.
नावा० १७; कल्प० ३, ४२; जं० प० ७
१६६;

✓ गल. वा० I. (गल) आतु; गला गल.
खाँसा प्राण लेवाभां आ भातुं
प्रयास थाय छे. गलित होना. किसी के
प्राण लेना इस मतलब के कियारद में टम
धानु का उपयोग किया जाता है To eat:
to swallow; (used often in the
sense of taking another's life).
गलह. सु० च० १, ३५२;

गलित. क० वा० सु० च० २, ५६३.

गलित. त्रि० (गलित) असाष्ट अर्थधृ.
प्रलित; निगला हुआ. Swallowed.
नावा० ४;

गह. न० (गृह) घर; निवास स्थान. घर;
निवास स्थान. A house. कल्प० ४, ६६;

गह. पुं० (गह) ८८ अक्ष-ज्योतिषी देवता की
तीस जनि. ८८ गह-उद्योतिषी देवता की
तृतीय जनि. 88 constellations; the
3rd kind of deities known as
Jyotiṣi deities. शोध० २६; ३१; उत्त०
२६, १७; ३६, २०४, नावा० १; ४; अग०

६, ५; १५, ७; पञ्च० १०; सु० प० १०;

नदी० १०; दशा० ६, १; जीवा० १; सु० च०

२, ५५; विशेष १५७५; प्रब० ११४७;

(२) आरंभना आरंभना आरंभ. गाने के

आरंभ का आरंभ. the commencing

note of singing. जं० प० ७, १६७

७, १७० जीवा० ३; ४; (३) लेना; ५३५.

लेना; पकड़ना. taking; catching.

क० गं० १, ३१; प्रब० ६१३; —अवस्य.

न० (—अवस्य) अक्षेणी वंश की अक्षेणी

की वक्रगति. oblique, crooked

motion of planet. अग० ३, ७; ११,

१; —गलित. न० (—गलित) अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

thundering of clouds due to

the motions of planet. अग० ३, ७.

—गल. पुं० (—गल) अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी a group of constellations.

जं० प० ७, १६०; अग० ३, ७; कल्प० ३,

३६; —गुह. न० (—गुह) अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी अक्षेणी

त्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet; under such a constellation Dikṣa is forbidden.

गणि. १६; —मुसल. न० (-मुसल) भुशधने आकारे भद्रेनी डीली श्रेणी प्रहों की उत्पन्न भेली. planets forming themselves into the shape of a pestle. भग० १, ७; —बेह. पुं० (-बेह) सूर्य अंशदि साथे भद्रेनी वेध सूर्य चन्द्रादि के साथ क प्रह का बेध. a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc. प्रब० १४२२; —सिंघाहण. न० (शिंगाटक प्रहः शृंगाटका इव शृंगाटककलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः) शींगिप्रना इतनी पेडे भद्रेनु रंइतु ते. सिंघाह के फल के समान प्रहों का रहना. a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śringāhātaka. भग० १, ७;

गह्व. न० (गहन) जड़ी वाजु जंगल. झांडा वाला जंगल. A dense forest. सूय० १, १, १, १; १, १२, १४; २, २, ८; नाया० १८; दस० ८, ११; भग० १, ८; (२) जेनी पार पामा न शकाय तेजु जिसकी थाह न मिल सके ऐसा. profound; immeasurable. नदी० ४; भत० २; (३) निर्जल प्रदेश. जंगल प्रदेश. a waterless tract of country. आया० २, १, १, १२७; (४) अन्यने छेतरवा भाटे करेन पयन प्रपंच; भःपा ३५८. अन्य को ठगने के लिये किया हुआ बचन प्रपंच; माया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others. भग० १२, ६; परह० १, २; मम० ४२;

गह्व. न० (गह्व) भद्रेनु करेनु; रीतिरनु; लेजु. ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance. भग० २, १; ४, १०; ११, ४; नाया० ३१; दस० ४, १, ६०; पञ्च० ११. उत्त० २६, ११; वि० नि० भा० १४; वि० नि० ६६; सु० न० १, ३१६; मम० १, अणुता० १६०; क० प० १, ४; भत० ८०; पंचा० १, ३४; ४, ६; १०, ४०; प्रब० २७, (२) आकर्षण करेना; ज्ञाना. आकर्षण करने वाला; आचने वाला. (one) who attracts; an attraction. उत्त० ३२, २२; (३) आद्य; भद्रेनु करेना योग्य. प्रायः ग्रहण करने योग्य. worthy of acceptance, acceptable. क० प० १, २१; —आगरिस. पुं० (-आकर्ष— एकस्मिन्ने भवे देवांगधकर्मपुण्ड्रानां ग्रहणकरो व आकर्षः सः) ऐया पथिक निमिगरी कर्मेना पुद्गलेनु भद्रेनु करेनु ते ऐया पथिकानामित्तम कर्म के पुद्गला का ग्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyūpathika (faults connected with walking) भग० ८, ८; —स्वध. पुं० (-स्वध) अपने भद्रेनु करेना योग्य पुद्गल स्वध. जीव को ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्वध. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul. क० प० १, २१; —वृद्ध. न० (-वृद्ध) अपने शरीरादि रूपे भद्रेनु करेना योग्य वृद्ध. जीव को शरीरादि रूप से ग्रहण करने योग्य वृद्ध. matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क० प० १, २१; —धारणजोग. न० (-धारणयोग) भद्रेनु करेना तथा धारण करेना योग्य. ग्रहण करने को वा धारण करने के योग्य.

worth accepting. क० प० ४, ४६;
—विदुम्ना. न० (-विदुम्न) पर्वतनी ओ
तरङ्ग पुं पन. पर्वत का एक तरङ्ग का वन.
a forest on one side of a moun-
tain. भग० २, ४; सूत्र० २, २, ४;
—समय. पुं० (-समय) भक्ष्य करवाने
समय. ग्रहण करने का समय. time of
acceptance or taking. भग० १,
१; क० प० १, १६;

गह्वर. न० (गह्वर) आभूषण; परेणु.
आभूषण; गहना. An ornament. सु०
च० ७, १०६;

गह्वरा. जी० (गह्वर) भक्ष्य करवुं;
धारवुं. ग्रहण करना. Putting on; ac-
ceptance. शेष० २७; भग० २, ५;
६, ११;

गह्वरी. जी० (गह्वरी) आगने रोग; अति-
सार रोग; संभक्ष्य. अतिसार रोग;
संगह्वरी. Dysentery. शेष० मि० भा०
१२१; (२) गुदास्थ; गुदास्थान. गुदास्थ;
गुदास्थान. rectum. शेष० १०; जीवा० १, १;
पृष्ठ० १, ४; अं० प०

गह्वर. पुं० (गृध्र) गीध पक्षी. गीध पक्षी.
A vulture. पञ्च० १;

गह्वर. पुं० (गृहपति) गृहपति; गृहस्थ.
गृहपति; गृहस्थ. A house holder; a
merchant. भग० १६, १; —उगाह.
पुं० (जवप्रद) गृहपतिनी आज्ञा. गृहपति
की आज्ञा. the command of a
Grihapati. भग० १६, १;

गह्वरी. जी० (गृहपती) पत्नी; गृहपति;
(गृहपतिनी) गृहस्वामिनी. The
housewife. सु० च० १०, ७;

गहिर. व. त्रि० (गृहीत) लीधेयुं; भक्ष्य
करेयुं. लिया हुआ; ग्रहण किया हुआ.
Taken; accepted. भाष० २१; १६;

विशे० ६१६; वि० मि० १६१, १६६
भाषा० १, ४, २, १११; उत्त० ४, १; १२,
७६; भव० १, १; २, १०; ७, ६; ६, ११;
११, ११; ११, ४; १२, १; भाषा० १; २;
४; १६; १७; दस० ५, १, ६; सु० च० २,
१२१; मत० ७६; कल्प० ४, ७२; पंचा० ७,
२०; १५, १०, ११; प्रव० ७६०; ४, १७;
उवा० ७, १६१; —गाउह. त्रि० (-जावुष)
भक्ष्य करेयुं उ आधुष गेये अवे। ग्रहण
किये हैं जावुष जिसने ऐसा. (one) who
has taken up arms; armed. विवा०
२; —आगमय. विसिध. त्रि० (आगमय-
प्रवृत्ति) भक्ष्य करी उ अगमय पधारवा-
नी यातो गेये अवे। जिसने अगमय के
पधारने की बातों ग्रहण की हैं ऐसा. (one)
who has heard or known
the intelligence about the com-
ing of the lord भाषा० १; —आचार-
मंडकमेवत्य. त्रि० (आचारमंडकमेवत्य)
स्वीकार उ आचारमंडक मे पथ-वेग गेये
अवे। जिसने आचार मंडक और पथ-वेग
का स्वीकार किया है ऐसा. (one) who
has assumed the garb of Achā-
rabhāṇḍaka दस० ६, २; —ह. त्रि०
(-अर्थ-गृहीतो मोक्षमार्गों का स्वीकार)
गेये मोक्षमार्ग स्वीकार्यो उ अवे। त्रि०
जिसने मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा
(one) who has accepted the
path of salvation. सूत्र० २, ७, १;
(२) गेये शास्त्रो अर्थ गण्यो उ ने.
जिसने शास्त्र के अर्थ का ज्ञान किया है वह.
one who has understood the
meaning of a scripture. भग० २, ५;
गहिर. त्रि० (गंभीर) अदृष्ट; अगम्य. गहिरा;
अगम्य. Deep; unfathomable. सु०
च० १, १६;

✓ गा. ग. I. (गै) गां. गाना To sing.

गावति जं० प. ५, १२१;

गाव्य. वि० निरी० १७, १७;

गावत व० क० आ० ३१; आ० २, ११,

१००; सु० व० २, १६४; जं० ८०

१, ६७; ६४३, निरी० १२, १४;

गाववाच. व० क० भग० १५, १;

✓ गा. भा I. (गै) गां. गाना. To sing.

गिज्ज क० वा० रा० २७४;

गिज्जत. क० वा० सु० व० १, २७४; २, १११;

गाहर. पुं० (* गावक गावतीति) आहार;

भरीया. गावताना; गवैया. A singer.

सु० व० २, १२१;

गाड. पुं० (गव्यूति) भे भ. भूत; गाडि. दो

मांस; एक कोस. Two miles. विशेष० १४३;

गाड. पुं० (गो) गाय; गधद. गौ; बैल. An

ox; a cow. आ० १, ४, १, २३; पल०

११; अणुजो० १२६; —जूहियठाण. न०

(-बुधिकस्थान) भरीया टोमाने रखेनी

गया. गौघों के कुंड को रहने का स्थान.

a cow-pen; a cow fold. निरी०

१२, ११;

गाडव. न० (गव्यू) भे भूत धनुष्य परि

मित क्षेत्र जमीन; गाडि. दो मइल धनुष्य

परिमित क्षेत्र जमीन; कोस. Two miles;

land measuring two thousand

bows. जं० प० नंदी० १२; आ० २, ३;

अणुजो० १३४. भग० ६, ७; २४, १; १२;

२२; २३; ३८, १. सु० व० १४, १८; विशेष०

१०६; ओष० नि० भा० १३; पल० २; ३३;

ओष० नि० १२; प्र० १११८; जं० प० ७,

१६६; २, २५; —पुस्त न० (-पुस्तक)

भे आडिथी भांडीनी भांडी सुधी. दो कोस से

भेकर नव कोस पर्यंत. ranging from

4 miles to 18 miles. भग० ११, ३.

गागर. पुं० (गागर) अ० गगनं भांड्यु.

एक तरह का मच्छी. A kind of fish

पल० १;

गागरी. स्त्री० (गर्गरी) प. भू. भरतीनी गागर.

जल भरने का गागरी. A water-pot.

अणुजो० १३२;

गगद. त्रि० (गाड) गाड; द०; भग० गगद;

मजबूत Firm; strong. उल० १०, ६; पि०

नि० २०५; ओष० नि० ३२६; नंदी० १२;

(२) न० सर्पिभेरीनी तान वेदना; भरज्जित

कष्ट. सर्पादि विष का तान वेदना; मरणात्

कष्ट. excessive; ०. g pain of

serpents-bite वेद० ५, ३८; नाय० १६;

(३) अत्यंत; धनुष्य. अत्यंत; बहुत. much;

more; excessive. पंचा० ८, १०;

—गिलास. त्रि० (--गलन) "गु दुःखी;

अत्यंत थके हुए. बहुत दुःखी; अत्यंत. यका

हुआ. greatly afflicted; very,

very tired. पंचा० ८, १०; —गहारी

कय. त्रि० (गहारीकय) अत्यंत प्र० २

करीत; धनुष्य भारत. अत्यंत प्रहार किया

हुआ; बहुत मारा हुआ. severely

punished or flogged. भग० ७, ६;

—रोगाहस. त्रि० (--रोगाहस) अत्यंत

रोगी आतं-दुःखी थके हुए. अत्यंत रोग से

आतं-दुःखी. greatly afflicted; very

sickly. प्र० १६६;

✓ गाडगहारीकर. भा० II. (गाड-

प्रहार+क) अत्यंत मार मारने. अत्यंत

मार मारना. To beat severely.

गाडगहारीकर. भग० ७, ६;

गाडीकय. त्रि० (--गाडीकय-जगाडं गडं भव-

तीति) भग० ७, ६. द० किया हुआ.

Strengthened भग० ६, १; १६, ४;

गाडगणिका. त्रि० (गाडगणिका) ७ भांडीनी

अङ्क ३३ मध्य छोटी जीम मन्त्रमां दायन
थना२. छः माम के अंदर एक गण छोडकर
दूसरे गण में प्रवेश करने वाला (One)
who changes his religious
order and joins another within
six months. उल० १७, १७:

गाव न० (गाव) शरीरका अवयवों शरीर
के अवयव गाव. A limb of the
body. राय. ३२; नाया० ५;

गाथा. जी० (गाथा) आर्या पंथ के छंद श्लोक
श्लोक, आर्या आदि छंद. A verso etc.
सम० २३; भग० १६, ८;

गाम. पुं० (ग्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशानां शास्त्रे
प्रसिद्धानां कशाखाम्) गाम ग्रामों साधारण
पसति रहेती होय अने व्यापारों साधन न
होय ते. वह गांव कि जिसमें साधारण वस्ता
रहती हो व व्यापार का साधन न हो. A
village. ठा० २, ८; अणुजो० १०७; सूय०
२, २, १३; दसा० ६, १३; १८; दग० ५, १,
२; वेय० १, ६; पल० १६; उल० ३०, १५;
ओव० १७; २१; ३२; नाया० १; १८; १६;
विशे० ३६५; पि० नि० १६२; आया० १, २,
६, १६४; प्रव० ५६७; ७६३; (२) समूह.
समूह. a group; a collection. भग०
१, ६; राय० २६४; उल० ५, ८; ३१, १२;
सम० ३०; विशे० २८६६; ओव० (३)
संगीत शास्त्र प्रसिद्ध भुजंगाना आश्रय रूप
पञ्चमि नक्षत्र गाम. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध
मूर्धना के आश्रय रूप बह्मादि तीन ग्राम. a
gramut; a scale of music with
all the notes. अणुजो० १२८; १३१;
—अंतर. न० (-अंतर) ये गाम पश्चिमें
अंतर-अंतर. दो गांवों का मध्यस्थ अंतर.
the distance between two vil-
lages or towns. निरी० १४, ४७; (२)
जीम गाम. अन्य गांव. another vil-

lage or town. दसा० १०, ४;—अंतिय.
।त्र० (-अन्तिक) गामनी पास रहेतार गांवके
पास रहने वाला. (one) who resides
near a village. सूय० २, २, २१; दसा०
१०, ४; -अणुगाम. अ० (-अणुग्राम) अंक
गाम पछी जीम जीमपछी जीम अम
अनुक्रमे नदानी छोटा छोटा गम. एक गांव
के बाद दूसरा, दूसरे पछी तीसरा, इस प्रकार
क्रमशः छोटा छोटा प्रत्येक गांव. every
village in order. ओव० २१; राय०
२३०; नाया० १, १, १३; १६; काय० ६,
८७; (२) अंक गामथी जीम गाम. एक
गांव से दूसरे गांव. from one village
to another निरी० ८, ११; भग० १, १;
१६, ४; १८, १०; वय० ६, २२; उल० २,
१८; आया० २, १, १, ८; —कंटक. पुं०
(कण्टक) गाम-छिद्रय समूहने छिद्राकृप
छिद्रियाने दुःख दायक. गांव छिद्रय समूह को
कंटक समान; छिद्रियों से दुःख दायक. one
like a thorn to the senses; one
intriguing; causing pain to
the senses. दम० १०, १, ११; नाया०
१; —कुमारिय. ।त्र० (-कौमारिक)
गामजना छिद्रियाने नर्तन. गांव के
लड़कों के विषय में. (anything of g.
play) concerning village child
ren. सूय० १, ६, २६; —घाय. पुं० (-घात)
गाम आग में ते गांव का दहन-नष्ट होना.
destruction of a village. विवा० ३,
(२) गाम आगदार-पुटनार. गांव का
लूटने वाला. one who plunders a
village. नाया० १८; —दाह पुं० (-दाह)
गामनो दाह; (पक्षीजंतु ने) गांव का दाह
जल उठना. the conflagration (be-
ing on fire) of a village. भग० ३, ७;
निरी० १२, २७; —द्वार. न० (-द्वार) द्वार

आमने जाँपो; आमभां निकलना पेसवानो इर-
पाणे. गांवका दरवाजा; गांवमें प्रवेश करनेका व
बाहर निकलने का द्वार. *a village gate*.
आँष० नि० ६६; —घम्म. पुं० (चर्म)
आम छिद्रिय समदना धर्म-३७६-२५ २५
अन्ध अने २५० अ पांय विपय. ग्राम-हृदिय
समूहका धर्म-शब्द-रूप रम गन्ध व स्पर्श ये
पाँव विषय. *a longing, desire, for*
the five objects of senses viz.
sound, form, taste, smell and
touch. सूय० १, २, २, २५; ठा० १०, १; पद०
१, ४; आवा० २, १, १, १४; (२) आमझाना
आचार दिया. गांवके का आचार विचार.
the practices and customs of
villages. ठा० १०, १; —नगर.
न० (नगर) आमधुं अने शहर.
ग्राम व नगर; गांव व शहर. *a village*
and a city. प्रब० ५६३; —पह. पुं०
(-वच) आमने २२तो. ग्राम का मार्ग. *a*
village road. निंसा० १२, २६; —पहं-
त्तर. न० (-वचान्तर) आमना मे मार्ग-
नुं आंतरे. ग्राम के दो मार्गों का अन्तर.
the distance between the two
roads of a town. निंसा० १४, ६७,
मारी. स्त्री० (मारी) आमने क्षय करनेपर
भरती. गांव का क्षय करने वाला. *plague*;
a kind of disease. भग० १, ७;
—रक्षक. पुं० (-रक्ष-रक्षक) आमनुं
रक्षय करनेपर; डोतवाल. ग्राम का रक्षक
करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी. *one*
who guards a town. आवा० २,
१, २, ११; —रक्षिण्य पुं० (-रक्षिक)
डोतवाल-आमेति. डोतवाल-नगर रक्षक कर्म-
चारी. *a village constable*. निंसा०
४, ६२; —रक्ष. न० (-रक्ष) आमना
नेवे आकार. गांव के समान आकार. *the*

proper form, outlines of a
village. भग० २, ६; —रोग. पुं०
(रोग) आभा आमभां हाटी नीकमेले
रोग. मारे गांवमें फट निकला हुआ उपद्रव-
रोग. *a disease spreading over*
the whole village. भग० १, ७; जं०
५० —बाह. पुं० (-वच) आमने भाखुं ते.
गांवका नष्ट करना. *destruction of a*
village. निंसा० १२, २६; —बाह. पुं०
(-बाह) आमनुं खदेतुं-तथापुं. नामका बहजाना.
wiping off of a town or a vil-
lage. भग० १, ७; —संक्षिप्त. न० (-संक्षिप्त)
आंभने आकार रहेले. गांवके आकारसे रहा
हुआ *the shape, arrangement of*
a village. भग० ८, २; —सय. न०
(-सय) आ गाम. सय गांव; सौ ग्राम. *a*
hundred villages. विवा० १;
—सामि पु० (-स्वामिन्) आमने धृष्टी;
आंभने नायक. ग्राम का धनी; ग्राम का
नायक. *the owner of a village*; *a*
village headman. आँष० नि० मा० ४४;
गामि. त्रि० (गामिन्) जनार; पटोयनार.
जाने वाला; पहुंचने वाला. (*One*) *who*
goes or reaches. आँष० १७; पंचा० ६, ७;
गामिज्ज. त्रि० (ग्राम्य) आमवासी; आमडीयो.
ग्रामवासी; गंवार; *Resident in a*
village; *rustic*. नंदी० ४०;
गामेज्जय. त्रि० (ग्राम्य) आमझाने रक्षि.
गांव का रहने वाला. *A villager*. भग०
१४, १; विरो० १४११; विवा० १;
गाय. पुं० (गो) अक्ष. गौ; बैल. *A*
bullock. पञ्च० ११; —बाह. पुं०
(-बाह) न्यां निभार अक्षदेने अभ
(दाह) देवाता होय ते स्थान. जहां विमार
पशुओं को दाह दिने जाते हैं वह स्थान. *a*
veterinary hospital. “ कार दाह”

सिवा गाय शङ्खं सिवा तुम दाहं सिवा "

निर्सा० ३, ७२;

गाय. न० (गात्र) शरीरता अस्त्वो. शरीर
के अवयव. A limb of the body.

ओष० आया० १, ६, १, २०; दम० ३, ५;

६, ६६; उत्त० २, ९; जीवा० ३, ३; पञ्च०

१७; भग० १, १; १५, १; २५, ७; नाया०

१; ६; १६; वेद्य० ६, ४०; दसा० ७, १२;

उवा० ३, १२६; कप० ४, ६१; -अभ्यंग

पुं० (-अभ्यंग) तेन यन्त्रे अङ्गि पदार्थो

शरीरे आपद्यते. तैले इत्यादि सुगन्धित पदा-

र्थोंका शरीर पर मर्दन करना. smearing

the body with fragrant oil etc.

दम० ३, ६; —अभ्यंगविभूषण न०

(-अभ्यंगविभूषण) अङ्गयन्त्रे भर्तनं कृती

शरीरे शङ्खगारयुं ते; आप्नुता ५२ अनाभ्याङ्ग-

भानुं अ३. अभ्यंगन मर्दन कर, शरीर को

सुशोभित करना; माधु क ५२ अनाचार्यो मे

का एक. anointing the body with

ointments etc; one of the 52

minor faults of an ascetic. दम०

३, ६; —भेद्य. पुं० (-भेद्य) शरीरको

नाश करी क्षुत्तनाद आर. शरीर का नाश कर

के लूटने वाला चोर. a thief who des-

troys the body and commits

robbery. भग० १, १; —लङ्घि. जी०

(-लङ्घि) शरीर रूपी लाट्टी शरीर रूप

जकड़ी. the body appearing like

a stick. सम० ३४; भग० ६, ३३; नाया०

१; राय० १६४; जीवा० ३, ६;

गारस्थ. पुं० (गारस्थ) गृहस्थाश्रमी; धर-

पारी. गृहस्थाश्रमी; घरदारवाला. A

house-holder. उत्त० ५, २०; सूय०

२, १, ४३; २, ७, १४;

गारविष्मिणी. जी० (गारस्था) गृहस्थनी स्त्री.

गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house-

holder. निर्सा० ३, ४;

गारस्थिय. अ. पुं० (गारस्थिय) गृहस्थ

गृहस्थ. A house holder आया० २,

१, १, १६; निर्मा० १, १२; ३, ६; —घ-

यण न० (-घयण) गृहस्थयुं ययनः गृह-

स्थी भोले तेवी रीते भावयुं ते गृहस्थ का

वचनः गृहस्थी बोलें ऐसा बोलना. the

manner of speech of a house

holder ठा० ६, १; वेद्य० ६, १;

गारव्य न० (गारव्य) अभिमानयते आत्माने

अशुभभावं आरे इरेवे ते; गृहपायुं; मेटाद्य.

आभमान मे आत्माको अशुभ भाव से भारी

करना; बहपन; गृहव. Pride; pride

of greatness; heaviness. नाया०

१६; सम० ३; उत्त० १६, ६२; ठा० ३, ६;

आय० निर्मा० ४००; द० ५; आउ० १६; प्रब०

११६; (२) गृह्णः आसक्ति. आसक्ति.

greed; excessive attachment.

उत्त० २७, ६; (३) गर्व अभिमान तेना

त्रय प्रकार—अद्वितीय गर्व; दसोती गर्व; अने

पानाने भोग्य सुखशान्तिनो गर्व. गर्व अभि-

मान उमके तीन प्रकार—आद्व का गर्व; रम

का गर्व. व स्थितः को जो सुख व शान्ति प्राप्त

हुई है उमका गर्व. pride of three sorts

e.g. of prosperity, of pleasures,

and of calmness acquired

by one. उत्त० ३१, ६; आब० ४,

७; —कारण. न० (-कारण) गर्वयुं

कारण. गर्व का कारण. the cause of

pride प्रब० १६१; —पङ्कमिषु. त्रि०

(-पङ्कमिषु) गर्वयुं पङ्कमिषु पङ्कम.

गर्वयुं कीचड़ में डूबा हुआ. (one)

immersed in mud in the form

of pride. प्रब० १०२५;

गारविष्म-य. त्रि० (गर्विष्ठ) गर्विष्ठ; गर्व-

वाक्. गर्विष्ठ; गर्वयुक्त. Proud; con-

coited. चाप० नि० ११३; पण० १, २;
गारुडस्थया. क्री० (गारुडस्थिका) गृहस्थनी
भाषा; भेटा, आप, मामा इत्यादि. The
language used by a house-hold-
er. प्रब० १३३२;

गारुडिन्ध. पुं० (गारुडिन्ध) गारुडीविद्या-
(सर्प उन्नासनी पक्ष्यानी विद्या) ज्ञान-
नार. गारुडिन्ध का जाननेवाला. A
snake-charmer. सू० च० ९, १३;

गालण. न० (गालन) आणयुं; आणयुं.
छानना. Filtration. पण० १, १; विवा०
१;

गालित. त्रि० (गालित) आणयुं. छाना हुआ.
Filtered. त्रिवा० ३, ४;

गाली. क्री० (गाली) आण देनी ते. गाली-
कट्ट बचन-अपराध कहना. Abusing.
प्रब० ४३६;

गाव. पुं० (गो) गलद. बल. An ox; a
bullock. अणुजो० १२८;

गावी. क्री० (गो) आप. गाय. A cow.
आया० २, १, ४, २३; जं० प० --- अजिण.
न० (अजिन) आणयुं अभि. गौका चर्म.
the hide of a cow. प्रब० ६८३;

गास. पुं० (गास-प्रसवते इति) कृष्णोः
कवल. निवाला; गास. A mouthful
of food. उत्त० २, ३०; पि० नि० ७७;
विशे० ७४५; --- एषणा. क्री० (एषणा)
आहारनी अपेक्षा. आहार की एषणा.
seeking of food or alms. प्रब० २२;

गाह. पुं० (गाह) भगवन्मन्त्रः जलचर प्राणी विशेष. An
aquatic animal; an alligator.
उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१; सू० २, २,
६३; तंदु० विवा० १; दसा० ९, ४; जीवा०
१; नावा० ४; पि० नि० ३३२; पण० १; (२)

५३५पुं. पकड़ना. holding; catching.
राय० ३५; (३) ग्रहण करी आपनार. ग्रहण
करके चलने वाला. one who walks
after having accepted. चाप० ३३;
✓ गाह. धा० II. (गाह) स्थापयुं. स्थापन
करना. To establish; to install
गाहेह. दसा० १०, १;

✓ गाह. धा० I. (गह) प्रवेश करेवा; प्रवेश
करना. To enter.
ग्राह. सू० १, २, १, ४;

गाहग. त्रि० (ग्राहक) स्वीकारनार; लेनार
स्वीकार करने वाला लेने वाला. (One
who takes or accepts. पि० नि०
भा० ७७; ३०; विशे० १४५६; (२) गुरु
विद्या आपनार. गुरु; विद्या देने वाला
(one) who instructs like a
Guru. विशे० १४५६;

गाहग न० (गाहाग्र) आणयुं परिभाष्य.
गाथाका परिमाण. The limit of
verses. क० गं० ६, ६३;

गाहा. क्री० (गाथा) प्राकृत भाषा ५६;
श्लोक; आर्या आदि भाषा प्राकृत भाषा का
पद्य; श्लोक आर्या आदि गाथा. A verse; a
Māgadhī etc. verse; the metre
known as Āryā etc. उत्त० १३,
१२; भग० १, १; २; २, १०; १०; ६, ४; २२.
३; ३१, १; नाया० १: ६; ८; अणुजो०
१३१, १४६; वेय० ३, २०; आव० ४, ७
भल० १७२; प्रब० ६२६; जं० प० ७, १५६.
(२) सामान्य प्राकृत भाषा जनपदानि तथा
जलपदानि कृत्वा. सामान्य प्राकृत भाषा बनाने
व जानने की कला. the art of compo-
sing or knowing ordinary Prā-
krita verses. चाप० ४०; (३) सूय अजिग
सूत्रना प्रथम भुतरक-धना १६भा अभ्ययन-
नाम के जेभां आचार्ये अभय भाटव

भिष्णु अने निग्रन्थ शब्देना वक्ष्योद्देश्यां
छे. सुयगाङ्ग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध
के १६ वे अध्यायन का नाम की जिसमे
गाथा रूपमे भ्रमर, माहण, भिक्षु व
निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया
है. name of the 16th chapter of
the first Sruta Skandha of
Suyagadaṅga Sūtra. Here
meanings of the words Śrama-
ṇa, Māhṇa, Bhikkhu and Ni-
grantha are given in verses.
सूय० १, १६: ६; सम० १६; उत्त० ३३,
१३; पण्ड० २, ५;

गाहावर्ह. पुं० (= गाथावति गृहपति) द्रुष्टुं अने
निष्ठावन्तः नायकः द्रुष्टवन्ति कुटुम्ब का नि-
र्वाणवाला; कुलपति. The head of
the family. कण० ५, ११६; ६, २०;
आया० २, ७, २, १६२. निर० ३, १;
(२) केदारना उपरी: अक्षयनीना १४
रत्नमांजुं अक्ष. कोठार का उपरी भाग
चक्रवर्ती के १४ रत्नमे से एक. the part
above the store; one of the 14
jewels of a Chakravarti. सम०
१६; ठा० ७, १, (३) अ नामना अक्ष
अन्य तीर्थी विद्वान्. इस नामका एक परिव्रा-
जक गन्यासी. a wandering ascetic
of this name. भग० ७, १०;

गाहावर्ह. पुं० (गृहपति) घरवासी; अदरथ
गृहस्वामी; गृहस्थ. A householder.
आया० १, ७, २, २०२; २, १, ३, १५;
सूय० २, २, ४२; २, ७, २; भग० २, १;
३, १; ५, ६; ७, १०; ८, ६; १०, ४;
नाया० १; अंत० ३, १; वेष० १, ३१, राग०
२६६; विवा० १; सु० व० ११, ७; प्रव०
१२२८; — करंडक. (-करण्डक) भद्र-
स्थाने इत्येतां के जेभां रत्न के सुवर्ण

होय. गृहस्थ की टोकरी कि जिसमे रत्न या
सुवर्ण हो. a basket, a receptacle
belonging to a householder
(containing gold, jewels etc)
ठा० ४, ४; — कुल न० (४.स गृहपति
गृहस्थस्तस्य कुलम्) गाथावतिनं कुल
गाथावति का कुल. the family of a
patriarch. वर० ८, २; निर्या० ३, १;
३, ७, दया० २, २; — दयलु. न० (--रत्न)
अक्षयनीना १४ रत्नमांजुं अक्ष चक्रवर्ती के
१४ रत्नमे से से एक. one of the 14
gems of a Chakravarti, named
Gāthapati. पण० २०;

गाहावर्हणी. स्त्री० (गृहपत्नी) घर प्रणीयाणी
गृह स्त्रामिनी. A housewife. अंत०
३, ८; आया० २, १, ३, १५; भग० १५,
१; नाया० ५;

गाहावर्ह-ती. स्त्री० (ग्राहवती) नीलवन्त
परंतप्री नीलगी दक्षिण नदी आसनी २८
हजार नदीआना पोरपारे शीता नदीमा
भगवती सुदन्त अने भद्राक्षयविजयने जुड़ी
पासनी अक्ष भद्रानदी. नीलवन्त पर्वत से
निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहता हुई २८
गहख नांदयो के परिवार मांहन शीता नदी मे
मिलनी हुई मुकरण्ड व महाकरण्ड विजय को
विभक्त करता हुई एक भद्रानदी. Name
of a large river separating
Sukachelha and Mahāka-
chelha Vijaya and flowing in-
to the river Shita, with 28
thousand tributary rivers. It
starts from Nilavanta moun-
tain and flows towards the
south. ठा० २, ३; ज० प० ३, ६०;
— कुंड. पुं० (-कुण्ड) सुदन्त विजयनी
पर्वी भद्राक्षय विजयनी पश्चिमे नीलवन्त

पर्वतनं दक्षिणं अंते ग्राहवती नद्यानां इरेडो
नेभां पडे छे ते कुण्ड. सुकण्ड विम्व की
पूर्व में व महाकण्ड विम्व की पार्श्व में
नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती
नदी की धारा मिली गिरती है वह कुण्ड.
name of a lake receiving the
torrent of the waters of Grā-
havati river. It is to the south
of Nilavanta mountain, to the
west of Mahākachchha Vijaya
and to the east of Sukachchha
Vijaya. जं० प० — द्वीप. पु० (- द्वीप)
ग्राहवती कुण्ड पश्चिमी द्वीप. ग्राहवती
कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप. an island in
the lake into which the river
Grāhavati pours down her
torrent. जं० प०

ग्राहिय-अ. त्रि० (ग्राहित) शीघ्रावेक्ष;
अद्वय करावेक्ष. ग्राह्याया हुआ; ग्रहण कराया
हुआ. Taught, caused to accept
or take. दसा० ६, २०; सूच० १, २,
१, २०; सम० ३०; नंश० २७;

✓ गिज्ज. भा० I. (गृह) गृह यजुं;
भुंजाय यजुं. लालची होना; आसक्त होना
To be greedy; to be confound-
ed.

गिज्जह. नाया० १७; सु० च० ४, २८०;
निसी० १२, ३५;

गिज्जेजा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिज्ज. वि० आया० १, २, ३, ७७;

गिज्जह. आ० नाया० ८;

गिज्जहिति. भ० ओष० ४०;

गिज्ज. सं० क० उत्त० २६, ३५;

गिज्ज. त्रि० (ग्राह) अद्वय कराया योज्य.
ग्रहण करने योग्य. Worthy of accept-
ance; worthy of being taken.

विरो० २४०; २७०; उत्त० १३, १४;
—वचन त्रि० (-वचन) नेजुं वचन अद्वय
कराया योज्य छे ते. जिसके वचन ग्रहण करने
योग्य हो वह. (one) whose words
are worth accepting. क० गं० १.
५१;

गिज्जयत्त त्रि० (गृहयत्त) लालचु थाया
लायक. लोभी होनेके लायक. Worthy
of being greedy for परह० २, ५;
—गिज्जियाहरमल्ल. न० (-गिज्जिकादिरमल्ल)
अदीक्ष्य पजेरेनी रमत. गेंद व हस्तके का
खेल. (संघर्षी रमत हॉकी के समान) a
game like hockey. प्रब० ४४१;

✓ गिरह. भा० I, II. (गृह) अद्वय कराया;
लेजुं; स्वीकारण. ग्रहण करना; लेना; स्वीकार
करना. To accept.

गिरहह. नाया० ५, ८; १३;

गिरहह. उत्त० २५, २४; निसी० २, ४;
नाया० १; १४; १६; पञ० ११; भग०
२, १; ५; राय० २६६; जं० प० ५,
११७;

गेरहह. नाया० ८; भग० १२, ५; २५, २;

गेरहह. मृ० च० १, २६५;

गिरहति. विरो० २०५; नाया० १; २; १४;
भग० २, १; राय० ८६; दस० ९,
१५; जं० प० ५, ११४;

गेरहति. भग० १८, ३; २५, २;

गिरहामि. नाया० ७; ८;

गिरहात्रो. नाया० ८; ओष० ३६;

गेरहामो. भग० ८, ७;

गिरहज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिरह. वि० पि० नि० २०५;

गेरहज्जा. वि० विरो० २१२;

गेरहज्जा. वि० भग० ३, १; ५, ५, ६;

गिरह. आ० सु० च० ४, १५०; दस० ७
४५; भग० १, १; २, १;

गिरहहि. आ० नाया० ७, १२; १४; दस०
६, ३, ११; आया० २, ३, २, १२०;

गिरहहु. आ० सु० व० १, ३५६;

गिरहह. आ० नाया० १२;

गिरहह. आ० नाया० ७;

गिरह. धा० I. (ग्रह) ग्रहण करने के लिये। To take.

गिरहहि. भवि० वशि० १-२३;

गिरहहि. भवि० पि० नि० ६८१;

गिरहहि. भवि० वशि० ११२७;

गिरहहि. भवि० पि० नि० २८१;

गिरह. सं० क० सु० व० २, १००;

गिरह. सं० क० नाया० ६; उल० ७, १४;

गिरह. सं० क० पि० नि० १६३; प्रव० १२८;

गिरहहि. सं० क० नाया० ८; १३; १४;

गिरहहि. सं० क० भग० २, १;

गिरहहि. सं० क० नाया० २, विवा० ७;

गिरहहि. सं० क० नाया० ६;

गिरहहि. सं० क० नाया० १, ८; २; ४; ७;

६; १२; १६; भग० २, ४; ज० व०

५, ११४;

गिरहहि. सं० क० भग० २, २;

गिरहहि. सं० क० उल० २६, १३; पि० नि०

१८४;

गिरहहि. सं० क० भग० ३, २; ३; ७, १०;

७; ८, ७; नाया० १;

गिरहहि. सं० क० विवा० १; वेश० ६, ७;

दया० २, १६, १६; द्या० ४, २;

मम० २१;

गिरहहि. गि० सु० व० १३, ६६;

गिरहहि. गि० विवा० ६, नाया० ५; १२;

गिरहहि. गि० आया० २, १४, १३४;

गिरहहि. गि० भू० नाया० १;

गिरहहि. गि० सं० क० नाया० ८;

गिरह. धा० I. (ग्रह क० वा०) ग्रहण

करने के लिये। To take.

गिरहहि. क० वा० सु० व० ४, १६८;

गिरहहि. क० वा० पि० नि० १५६;

गिरहहि. क० वा० वि० विरो० २८७;

गिरहहि. क० वा० व० क० भग० १, १;

गिरहहि. न० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Catching; holding पि० नि० १८१;

नाया० ६;

गिरहहि. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

गिरह. प्रि० (ग्रह) ग्रहण करने के लिये।

Worth being

accepted or taken अणुजो० १४६;

वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc सम० १७;

मिदि जी० (गृहि) आकांक्षा; आसक्ति; आतुरता आकांक्षा, आनांक; उत्सुकता. (Greed; longing; attachment.

आया० १, ६, २, १८३; प्रब० १०३०; मिह पुं० (ग्रीष्म) ग्रीष्म ऋतु; गरमी की मौसम. Summer. आया० १७; ३६;

भग० ४. १; ७, ३; १४, ८; नाया० १;

वा० ९; सू० १. ३, १, ६; अ० प० ७,

१६२; आया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, १;

विशे० १२७२; निर० २, १; सु० च० ३,

७४०; दस० ३, १२; नि० नि० ८३; बेय०

१, ७; सू० प० ८; कप० १, २; ४, १६;

गण० ०७; प्रब० ४११; ६११; —उड.

पुं० (—ऋतु) ग्रीष्म ऋतु; उनायो. ग्रीष्म

ऋतु. summer season. नाया० ६;

—काल. पुं० (—काल) उनायो; वैशाख

जेष्ठ भासना समय ग्रीष्म; वैशाख जेष्ठ

मासका समय. summer. नाया० १;

—कालसमय. पुं० (—कालसमय)

उनायो. ग्रीष्म का समय. time

of summer. नाया० १३;

मिहृष. शि० (ग्रीष्मक) ग्रीष्म ऋतुभां
यथेष्ट. ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ. belong-
ing to the hot season. अणुजो०
१३३;

मिरा. जी० (गिर) वाणी. वाणी; शब्द-
Speech; words. भग० ३, २; ६, ३३;

नाया० १; उत० १२, १५; निसी० १६, १५;

दस० ७, ३; ४४; उड० १८;

मिरि. पुं० (मिरि-गुणित शब्दावन्ते जगति-
वासमृतत्वेन) पर्वत; पुं० २; ५६३. पर्वत;
पहाड़; गिर. A mountain. भग० २;

१; ३, ७; ७, ६; नाया० १; २, १८; आया०

३१; ३८; उत० ११, २६; १२, २६;

आया० २, १, २, १२; आया० नि० ७८४;

अ० प० ३, ४७; महा० प० ८२;

दस० ६, १, ६; भग० १६१; —ईसर. पुं०

(—ईसर) पर्वतों का श्रेष्ठ; मोटा पर्वत.

पर्वतों का ईसर, महान् पर्वत. the

highest mountain. प्रब० १५०५;

कंदूर. पुं० (कन्दूर) पर्वतनी गुहा. पर्वत

की गुफा. a mountain cave. विवा० २;

नाया० २; १६; प्रब० ८८४; —कटक. पुं०

(कटक) पर्वत पार्सेनी जमीन. पर्वत के

पार्स की जमीन. the side or ridge

of a mountain नाया० १८; —गुहा

जी० (गुहा) पर्वतनी गुहा; पर्वत की

गुफा. a mountain cave. आया० १,

७, २, २०२; —जसा जी० (—यात्रा)

पर्वतनी यात्रा (यात्रा) पर्वत की यात्रा.

a pilgrimage to a mountain.

नाया० १; निमा० ६, १६; —खुयर. न०

(—नगर) पर्वत पार्सेनी नगर; शहर. पर्वत

के पार्स (निकट) का शहर—नगर. a town

near a mountain. अणुजो० १३१;

—पहाड़. न० (—पर्वत) पर्वतस्थी पर्वत

भरतु निपन्नपर्वतुं अत्र प्रकारतुं आलभतु.

पर्वत से गिर कर मरना होना. death by

fall from a mountain. ठा० २, ४;

भग० २, १, निमी० ११, ४१; नाया० १६;

—पादमूल. न० (—पादमूल) पर्वतनी

तले. पर्वत की तली. the bottom of

a mountain. भग० १४, ८; —मह.

पुं० (—मह) पर्वतों का उत्सव. पर्वत का

उत्सव. a mountain festivity. राय०

२१७; —राय. पुं० (—राय) पर्वतों का राजा,

मे ३ पर्वत. पर्वतों का राजा; मे ३ पर्वत. the

king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १८; जं० प०
—रेहा. श्री० (—रेहा) पर्वतमां पडेडी
हाट. पहाड म पहा हुआ चाराटा. the
crack in a mountain. क० गं० ५, ६३;
—सिहर. न० (—सिहर) पर्वतनुं शिखर
टेय. पर्वत का शिखर. the summit of
a mountain. नाया० ५; ६;
गिरिकविक्रमा. श्री० (गिरिकविक्रमा) गिरि
इन्द्रिजा नमनी अंश वेय गिरिकर्णका नाम
का एक वेल. A kind of creeper so
named. पल० १;
गिरिकर्णी. श्री० (गिरिकर्णी) गिरि इन्द्रिजा
नामनी अंश. गिरि कर्णका नामका एक वेल
A kind of creeper प्र० २६०;
गिरिकुमार पु० (गिरिकुमार) युद्धदिभरंत
पर्वत अमनी अंश शिखरना अधिपति
देवता. चून हिमवत पर्वत मध्यस्था एक
शिखर का अधिपति देवता. The pre-
siding deity of the summit of
Chulahimavanta mountain. जं
प० ६, ७६;
गिरिखर. पु० (गिरिखर) अष्ट पर्वतः मेः
पर्वत अंश पर्वतः मेः पर्वत. Meru
mountain, the loftiest and the
greatest of all. अल० ११६. —गुरु.
त्रि० (गुरु) अंश पर्वत अमनी अंश
अंश. मेरु पर्वत के समान महान-अंश.
great as Meru. अल० ११६;
गिरिमिया. श्री० (गिरिमिका) अंश अननु
याष्ट. एक प्रकार का वाद्य. A kind
of musical instrument. गय० ८६;
गिलमालु त्रि० (गिलमालु) अगतेः पथुं
पटमां उतादी गते गलित होता हुआ; पुनः
पेट में उतारना हुआ. Swallowing;
swallowing back again into the
belly. देव० ५. १०;

✓ गिला. भा० I. (गी) अशनि पाभवी;
सुखाद्यपुं. ग्लानि पाना; केशुकु होना. To
wither; to suffer mental pain.
गिलाह. आया० १, २, ६, १००; अग० २,
१; नाया० १;
गिलावति. अग० ५. ८;
गिलामि. आया० १. ७, ६, २२१; अग० २. १;
गिलावमाय व० क० दमा० ५, १०६; वव०
२. ५; ६, १३; ५. १३; देव० ६. १०६;
गिलावु. त्रि० (गिलावु) अशनिपाभेय; अशक्तः
शेगी; दुर्बल ग्लानि युक्त; अशक्त; शेगी;
दुर्बल. Withered; enfeebled; sick-
ly; afflicted in mind. उल० ५, ११;
गम० ३०; डा० ३, ६, सूय० १, ३, ३, १२;
पगड० २, ३; वि० नि० भा० २७; वि० ७;
विश० ६; दमा० ६, २३; २६; निमी० १०,
४२; १६, ६; अग० ८, ८; १२, २; नाया०
१३; कप० ६, १८; गव० ११६; प्र०
१८५; १८२; २२५; ८७२; —एछोग. पु०
(—प्रयोग) अशक्तने अनुकूल पडे अंश
प्रयोग-उपचार. अशक्त को अनुकूल हो ऐसा
प्रयोग. treatment, remedy agree-
able to an enfeebled person.
निमी० १०, ६६. —अल. न० (—अल)
शेगी-अशक्तने माटे तयार करेनुं आजन.
शेगी अशक्त के लिये तयार किया हुआ
आजन. food for an invalid. आ०
६०; अग० ६, ६, ६, ३३; नाया० १; निमी०
६, ६; —वेयावच. न० (वेयावच-व्या-
नस्य अक्षयानां भक्षकपट्टम्) शेगीनी वेया-
वच-अंश. शेगी की " वेयावच " सेवा.
tending the sick; service
rendered to a sick person. डा०
६, १; वव० १; २; ७; अग० २५, ७;
गिलामाधि. पु० (गिलामाधि) अरभः शेगी;
अरभः व्याधि. अरभः रोगः अरभः व्याधि.

A kind of disease. आवा० १, ६, १, १०२;

मिश्रित. मि० (मिश्रित) आगी भवेत्; अग्नीये उनारेत्. मलित; मले के नीचे उतारा हुआ. Eaten; consumed. मि० नि० १८२;

● मिश्रित. जी० (*) दाधीना अयादी. हाथी का ढोहरा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. जं० प० भग० १, ४, ५, ७, ८, ९, ११, ११; (२) मे भाष्यसोमे उपाडेत् अग्नी-उता। वा मनुष्यां ने उठाई हुई मोली -होली a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा० ६, ४; सू० २, २, ६२; (३) उटनं पदसायु. उट की काठी the saddle which is tied on the back of a camel. नृप० २, २, ६२; जीवा० १, ११

मिश्र. न० (गृह) घर; भवन; रहेशायु. घर; भवन. A house; a residence. आवा० १, ५, ६, १२४; २, ४, २, १२६; ओष० ११; भग० १, ७; १२, १; १५, १; नावा० १; २; ३; ५; ८; १३; १४; १६; १८; वव० ८, १; निसी० १, ५६; ६, १२; वेय० १, १२; ४, २६; सु० च० २, ५००; दस० ७, २०; उदा० १, ५८; —छांगल. न० (-छांगल) घरनु आंगल-हणीयु. घर का आंगन. a court-yard in front of a house. निसी० १, ६३; —छांतर. न० (-छांतर) गृहान्तर-मे घर वयेने आंग; घरनु अन्तरास. गृहान्तर-दो घर का मध्यस्थ भाग. an interval of space be-

tween two houses; the inside of a house. आवा० १, ६, ५, १२४; —छांतरमिश्रिता. जी० (-छांतरमिश्रिता) मे घरनी वयेने मेह ३२वीं ते. दो घर के बीचमें बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा० १, ६; —दलुग. न० (-दलुग) उभरे-आरभाने नीयेने आंग. देहली-द्वार के नीचे का भाग. the threshold. आवा० २, ५, १, १४८; —दलुय. न० (-दलुय-अधिव) घरने उभरे. घर की देहली. the threshold. निसी० १, ६३; ११, ६; —दुवार. न० (-द्वार) घरनु आरभु. घर का दरवाजा. a house-door. निसी० १, ६३; —धम्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थने धर्म (अतिथि सत्कार वयेने). गृहस्थ का धर्म (अतिथि सम्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नावा० ८; १५; —मुह. न० (-मुख) घरने आंगने आंग. घर का आंग का भाग. the front of a house. निसी० १, ६३; —सिंग. पुं० (-सिंह) गृहस्थने वेय. गृहस्थ का वेय. the garb of a householder. भग० २६, ६; ७; —वह. पुं० (-वसि) घरने धर्मी. घर का मालिक. the owner of a house; the lord of a house. दस० ५, १, १५; १६; प्रव० ६८८; —वडव. न० (-वर्ष) घरने क्यरे. घर का कूड़ा. the dirt or refuse of a house. निसी० ३, ७३; —वास. पुं० (-वास) घरने वास; गृहस्थाश्रममां रहेनुं ते. गृहवास; गृहस्थाश्रम में रहना. state

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vice foot-note (*) p. 15th.

of being a householder. उत्त० ५,
२४; २६, २। —संघि. पु० (-संघि)
जे धरतुं जेअथ; जे धरती वर्येने प्रदेस.
दो घर का संघान; दो घरों के बीच का प्रदेश.
the interval of space between
two houses. उत्त० १, २६;

निहकोकिसिवा. जी० (गृहकोकिसिवा) गृह-
अपिहा-देहमरेदी. कियकला. A lizard.
विरो० २४५६;

निहत्थ. पुं० (गृहत्थ-गृहमगारं तत्तत्तिहति सः)
गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ. गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ.
A householder. उत्त० २, १६; ५,
२२; भग० १, १। नावा० ११; १५; दस० ५,
२, ४५; पु० ४० १५, ७०; निरी० १२,
१६; गच्छा० ११०; आव० ६, ६; पंचा०
११, १५; भग० १४, १७०; —धम्म.
पुं० (-धर्म) गृहस्थेनो धर्म; आवक धर्म.
गृहस्थ का धर्म, आवक धर्म. the duties
or the rules of a layman. गच्छा०
१२; —पट्ठमवस. न० (-प्रत्यक्ष) गृहस्थ-
नी अभि-प्रत्यक्ष; गृहस्थेना देवतां. गृहस्थ
के समक्ष-समीप-प्रत्यक्ष गृहस्थ का दृष्टिके
सामने. in the presence of a
householder. गच्छा० ११०; —भावा.
पुं० (-भाव) गृहस्थपत्ति. गृहस्थपत्ति. the
status of a householder. पंचा० १०,
१६; —भासा. जी० (-भाषा) गृहस्थनी
भाषा; भाषा, आधि, आधि यजेरे ओसतुं ते.
गृहस्थ की भाषा; भाषा, माता, भाई इत्यादि
बोलना. the householder's mode
of addressing relations. गच्छा०
११०; —संसृष्ट. त्रि० (-संसृष्ट)
गृहस्थेना बी वजेरे पदाधिथी अरुअयेव
(दाध वजेरे) गृहस्थ के दो हस्तादि पदार्थ
से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands
of a householder smeared

with ghee etc. आव० ६, ६;
निदि. पुं० (गृहिद-गृहमत्वास्तीति) गृहस्था-
श्रमवर्ती; गृहस्थ. गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ.
A householder. दस० १, ६; ६, १४;
५, ५१; ४, १, १२; पि० नि० भा० १२;
पि० नि० १४१; १४६; विरो० ११७२;
उवा० १, १२; पंचा० १, ११, ४, ७;
गच्छा० १२४; प्रव० २; —जोम. पुं०
(-योग) गृहस्थेनो योग-समाश्रम.
गृहस्थ का परिचय समाश्रम. contact
with a householder. दस० ५, २१,
१०, १, ६; —शिसिजा. जी० (-विचिवा)
गृहस्थनी ओस पदार्थ आदि. गृहस्थ की
शय्यापसंग आदि. the seat e.g. a cot
etc. used by a householder.
निरी० १२, १६; —तिगिजा. जी०
(-चिकित्सा) गृहस्थेनो वैदुं हरतुं ते.
गृहस्थ का वैदिक उपचार करना. medical
treatment of a householder.
निरी० १२, १७; —धम्म. पुं० (-धर्म-
गृहं वत्वास्तीति तद्धर्मः) गृहस्थधर्मनेन
अपरकर माननार धर्म; त्याग धर्मतुं उति
पन हरनार. गृहस्थ धर्मको ही अचरका
मानने वाला धर्म; त्याग धर्म का उच्चापन
करने वाला. one who regards the
duties of a householder as the
highest duties; one opposed to
asceticism. गच्छा० २०१ (२) आव
कना पार वनरूप गृहस्थ धर्म. आवक से
द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the pre-
cepts or the 12 vows of a Jain
layman. विवा० १; राव० २२३; नावा०
१४; —निसिजा. जी० (-निषा) गृह-
स्थेनी ओस. गृहस्थ की बैठक- the
seat of a householder. गच्छा०
१२६; —पट्ठिमवस न० (-प्रतिक्रमवस)

गृहस्थ-आचरण प्रतिभूय. गृहस्थ का-
आवक का प्रतिक्रमण. Pratikramana
(prayer and confession of
faults) to be practised by a
layman. प्रब० २; —आयण. न०
(-आचरण) गृहस्थनां वासयु-थाणी विधेरे.
गृहस्थ के पात्र-पाली इत्यादि. house-
hold utensils. सम० १८; दस० ६,
८; ५२; —मस्य. न० (-आचरण) गृहस्थना
आचरण यात्री कृश्या यजेरे. गृहस्थ के बरतन
पात्र पाली कलश आदि. cups, dishes
etc. used by a householder दस०
३, ३; निर्वा० १२, १४; —वस्त्र. पुं० (-वस्त्र)
गृहस्थनां रत्न गृहस्थ के वस्त्र. clothes
worn by a householder; dress
of a householder. निर्वा० १२, १४;
—वचन. न० (-वचन) गृहस्थनां व्रतः
आचरन्ता व्रत. गृहस्थ के व्रत; आवक के
व्रत. the vows or precepts of
a layman. प्रब० ५८; —संस्पर्श. न०
(-संस्पर्श) गृहस्थनां विशेष परिचय. गृह-
स्थका विशेष पारस्पर्य. close contact
with a householder. दस० ८, ५३;
निदिभूय. नि० (गृहीभूय) गृहस्थ सरंभा
गृहस्थ के समान. Resembling a
householder. वच० २, २१; —लिङ्ग.
न० (लिङ्ग) गृहस्थनां चिह्नं वेद्य
गृहस्थ का चिह्न वेद्य. a mark of a
householder; dress; garb. उत्त०
३६, ४३; सम० ५० २३१; पल० १; प्रब०
११; ५७६; —लिङ्गसिद्ध. पुं० (लिङ्ग-
सिद्ध) गृहस्थना वेद्य धारण करी सिद्ध
भवेत्तः (भवेत्तः भवेत्तः). गृहस्थ का वेद्य
धारण कर सिद्ध आ हुआ है वह (यथा मह
देवी). one who has become a
Siddha in the condition of a

householder; e. g. Marudevi.
पल० १;

गीतार्थ. त्रि० (गीतार्थ) अद्वैत.
बहुसूत्री. Learned; well-versed.
गव्या० ४१;

गीत. जी० (गीति) गीत; ७८६ विशेष. गीतः
सुन्द विशेष. Art of music;
name of a metre. नाया० १;

गीतय. पुं० (गीतिक) गीत-कविता अनाय-
यानी विधि. गीत-कविता बनाने का विधि.
A poet; a composer of songs.
नाया० १;

गीति. न० (गीति) गायन-गीत. गाना-गीत. A
song. अनुमे० १२; ८; ओष० २८; पंचा० ६,
५; (७) अथ तथा अर्थने जनस्यार; विद्वा० १.
सूत्र व अर्थ का जानने वाला; विद्वान्. A
learned person; one knowing
the original text and its mean-
ing पंचा० १०, ४६;

गीति-आ न० (गीति) गीत-गायन कृश्या.
गीत-गायन कृश्या. Art of song;
music. भग० ७, ६; ११, ११; नाया०
१; ८; १४; सू० व० २, ३२६; जीवा०
३, ४; ओष० ३२; ३८; उत्त० १३, १४;
१६, ५; सू० ५० १८; राय० १६; कप०
२, १३; आया० २, ११. १७०; (२)
गीतार्थ; आचरणेना ज्ञाय. गीतार्थ; आचरण
का ज्ञान. one knowing the
Āgamas (scriptures). जं० ५०
७, १४०; प्रब० ८६६; पंचा० ११, ८;
—वाद्य. न० (-वाद्य) गीत अने
वाद्य. राग और सात Singing and
music. जं० ५० ५, ११२;

गीतयज्ञस्य. पुं० (गीतयज्ञस्य) मन्त्र-ज्ञान
व्यन्तर देवताओं की ओर. गन्धर्व
जातिके व्यन्तर देवता का द्वितीय इहं. The

second Indra of Gandharva class of Vyantara gods. ठा० २, ३; भग० ३, ८; १०, ५; जीवा० ३, ४; पञ्च० २; गीतरथ. पुं० (गीतार्थ) शास्त्रना अर्थने अनभुनारः अनुभूत. शास्त्र क अर्थ का ज्ञानेनवाना; बहुधुत. One well-versed in scriptures. प्रब० ७७७; गच्छा० १००; —मीमिक्ष. त्रि० (—मिश्रित) गीतार्थ अने अजीतार्थ अनेगुं मिश्रण. गीतार्थ न अजीतार्थ इन दोनों का मिश्रण. consisting of a mixture of both Gītārtha and Ajītārtha i. e. the well-versed in scriptures and the ignorant. प्रब० ७७७;

गीतरथ. पुं० (गीतरथि) दक्षिण तरफ़ना अन्धर्व देवताओं छन्द. दक्षिण तरफ़ के गन्धर्व देवता का छन्द. Indra of the southern Gandharva gods. भग० ३, ८; १०, ५; पञ्च० २; जीवा० २; ठा० २, ३; गीता. स्त्री० (गीता) ड़ाक, अरुद्धन अर्ध कण्ठ; गरदन; गला. Neck; throat. आया० १, १, २, १६; अणुजो० १५३; ओव० १०; उत्त० ३४, ६; नाया० २; ४; १४; जीवा० ३, ३; पर्व० १७; रात्र० ५२; जं० ५० उवा० २, १०८;

गुंजत. त्रि० (गुंजन्) गुंजनरु करतो...ती-जु. गुनगुन करता हुआ. Humming: giving out a low sound. ओव० नाया० १; गुंजन्. न० (गुंजा) अर्ध अणु; अर्ध रति. अर्धरति. Half a Guñja (q. v.) in weight; a little less than one grain. भग० २, १; नाया० १; —राग. पुं० (—राग) अर्ध अणु; रति. राग. tune of a half grain. दण्य० ४, ६०;

गुंजा. स्त्री० (गुंजा) अणु; रति एक जाति

का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काळा ऐसा बने के दाने के प्रमाणका फल कि जो सोना, चाँदी इत्यादिको तोलने में काम आता है; रत्ता. A red black berry of a shrub of the same name equal to two grains in weight. ओव० १३; अणुजो० १६; १३३; पञ्च० १७; राय ५३; ८६. —बल्ली स्त्री० (—बल्ली) अणु; रति. एक जाति के लाल परन्तु उपरमें काले रंगसे मिश्रित बने के दाने के समान फल की बेल कि जो सोना चाँदी इत्यादि को तोलने में काम आता है; रत्ता. A line of the red black berries of a shrub of the same name. पञ्च १;

गुंजाबिजा-या. स्त्री० (—गुंजाबिका) चाँदी पाय, नीक, नदीर यन्त्रे. टेढ़ी बाबडी, नहर इत्यादि. A canal or a channel of water which is not straight. ओव० ३८; अणुजो० १३४; निसी० १२, २१; जीवा० ३, ४; राय० १३२; भग० ५, ७; ८, ६; नाया० १; २; पञ्च० २, ५;

गुंजाबाय. पुं० (—गुंजाबाय) शब्द करतो सुंसाटा भारतो पवन शब्द करता हुआ सुंसाटा मारता हुआ पवन. Hissing wind. उत्त० ३६, ११८; पञ्च० १;

गुंजिय. त्रि० (गुंजित) गुंजनरु करेन. गुंजारव किया हुआ. Sounding lowly; humming. पण्ड० १, ३; प्रब० १४७१;

गुंजण. न० (गुंजण) रत्ती भरपायुं ते. रत्त में भरमाना-बिगड़ना. Spoiling smearing with dust etc. नाया० १;

गुंजिज-य. त्रि० (गुंजित) रत्ती भरपायुं येन. रत्तमें भरा हुआ. Smearred with dust. पि० नि० ४४२; नाया० १; (२) पीटाअणु; घेराअणु. घेराहुआ; लिपटा हुआ. rolled; wrapped. ओव० नि०

भा० १६१; पण्ड० १, ३; सूत्र० १, २, १, १५;
गुंरुदण्ड. पु० (गुंरुदण्ड) ऐक ज्ञातुं आ३.
(पुं०) एक जाति का काष्ठ-वृक्ष. A
kind of tree having fruits
equal in size to hog-plum; a
tree full of gum. भग २२, १;

गुंरुद. न० (गुंरुद) ईडा; भ्रम. कीड़ा खेल.

Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ. पुं० (गुच्छ) रीमञ्जी प्रमुञ्चना गुच्छा.

इच्छादि का गुच्छा. A cluster of trees
etc. जं० १, १०; नाया० १; ४; भग०
७, ६; १६, १; जीवा० १; पत्र १; (२)
गुच्छो० शरीर वस्त्रे उपरि २०७ के गुच्छे
पुच्छे ६२ इत्यादि ऐक साधन-धर्म
उपकरण. (२) गुच्छा; छरार इत्यादि के
ऊपर से रज व धनुं हट करने का एक साधन
— धर्म का उपकरण. a kind of brush
made of woollen threads to
remove dust or insects from
body etc. चाव० ४, ८;

गुच्छग. पुं० (गुच्छक) गुच्छो. गुच्छा. A
cluster. प्रव० १०६;

गुच्छय-छ. पुं० (गुच्छक) शरीर अने वस्त्र
पात्र पुञ्जानो उनो गुच्छो-गोच्छो.
शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का
ऊनका गुच्छा. A wollen brush to
cleanse the body, vessels
clothes etc. उक्त० २६, २३; जोष०
नि० ६६८;

गुज्ज. त्रि० (गुज्ज) गुप्त वात; पहारना
मायुसो आभग प्रकाशवा योय नदि ते.
गुप्त वर्धन; बाहर के मनुष्यों के समीप प्रका-
शित करने योग्य नहीं वह. (Anything)
secret; private. प्रव० ४४२; ६१६;
राय० २१०; नाया० २; ७; (२) गुज्ज
आभ; गुप्तैरिष. गुज्ज भाग; गुप्तैरिष. a

secret part of the body. जोष०
नि० भा० २१२; पण्ड० १, ४; जोष० १०;
अणुजो० १३०; नाया० १; २; (१)
अवनपति देवताओ ऐक अवनपति देव.
अवनपति देवता का एक अवान्तर देव.
a sub-division of gods known
as Bhavanapati. दत्त० ७, ४३;

—अन्तर. न० (—अन्तर) गुज्जस्थानो
यद्यतो आभ. गुज्ज स्थान का मध्यस्थ भाग.
the middle portion of a private,
secret part (e. g. of the body).
नाया० १६; नाया० ४० —अन्तराय. पुं०
(—अन्तराय) गुज्जस्थानो अन्तराय-मध्य
आभ. गुज्ज स्थान का अन्तराल-मध्य भाग. a
middle portion of secret parts
(e. g. of the body). “गुज्जस्थानं
चोदेति ” निर० ४, १; —अणुचरित. न०
(—अणुचरित) गुज्ज जलना अवनपति
देवोऽपि सेवेयुं (स्थान). गुज्ज जाति के
अवनपति देवों ने संकित किया गुज्ज (स्थान).
(a place) resorted to by gods
styled Gahyas. दत्त० ७, ४३;

गुज्जग. पुं० (गुज्जक) अवनपति देवनी
ऐक जल. अवनपति देव की एक जाति.
A particular kind of deities; a
Bhavanapati (lords of the
lower parts of the earth)
god. दत्ता० ६, २६; पि० नि० ४६२; दत्त०
६, २, १०; (२) गुज्ज; अदृश्य. गुप्त;
अदृश्य. secret. सम० १०; जोष० नि०
भा० २३८;

गुज्जदेस. पुं० (गुज्जदेस) गुज्ज स्थान. गुज्ज
स्थान. Rectum. प्रव० २४३; —रक्षक. न०
(—रक्षक) गुज्जस्थाननी रक्षाभाटे.
गुज्ज स्थान की रक्षा के लिये. for the
safety of rectum. प्रव० ५३६;

गुग्गुलुसाखा. जी० (गुग्गुलुसाखा) गुग्गु ५२.

गुग्गु घर. A secret house; a private room. निरी० =, १७; —गव. त्रि० (—गव) गुग्गु ५२मा रहेल गुग्गु घर में रहा हुआ. (one) gone in a private room. निरी० =, १७;

गुग्गु. पुं० (गोष्ठ) आपोने रहेवानो वंछो. गीचो को रहने का बाड़ा. A cow-pen. भक्त० १६२;

गुग्गु. पुं० (गुग्गु) गोष्ठा; शेरीना रसथी अनेक भाव पदार्थ. गुग्गु; गवो के रस में बना हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पि० नि० भा० १; अणुजो० ६२; जीवा० १. ३; प्रव० २०६; कप० ६, १७;

गुग्गुयादि. त्रि० (गुग्गुयादि) पोतानो दुष्कार ५५. ५५. ५५. अपना दुष्कार छिपाने बाड़ा. (one) hiding one's own misconduct. दसा० ६, ८;

✓ गुग्गु. भा० I, II. (गुग्गु) गुग्गुतुं; आ०-त० ४२पुं. गुग्गुना; आवर्तन करना. To multiply.

गुग्गुह. पु० व० १४, ६१;

गुग्गुसि. ओष० नि० ६६३;

गुग्गुसा. सं० क० जं० ७, १३५;

गुग्गु. पुं० (गुग्गु) गुग्गु-मूलगुग्गु अने उत्तर गुग्गु; मूलगुग्गु-महावत; उत्तरगुग्गु-समिति आदि. गुग्गु-मूलगुग्गु व उत्तरगुग्गु; मूलगुग्गु-महावत, उत्तरगुग्गु-समिति आदि. A quality; it is classified into Mālaguṇa i. e. a full vow and Uttaraguṇa i. e. Samiti etc. निरी० १; अणुजो० २१; दसा० ८, ६१; (२) आपोनी गुग्गु गुग्गु मत; ६ ५ ७ गुग्गु अने ८ गुग्गु मत. आपोने के तीन गुग्गु मत. कथ कथमा व कथमा मत. the three vows viz. the 6th, the 7th and

the 8th of a Jaina layman.

भग० २, ४; ७, ८; नाया० ८; पञ्च० २०;

(३) द्रव्यमां रहेल धर्म; वस्तुस्वभाव.

द्रव्य में रहा हुआ धर्म; वस्तुस्वभाव. the

nature of a thing. ओष० पञ्च० १५;

पि० नि० भा० १; (४) सम्पद, रूप, रस आदि

क्षमना गुग्गु; धर्म ११५. शब्द, रूप, रस

आदि काम के गुग्गु; इन्द्रिय विषय the

object of senses viz. sound,

sight, taste etc. पि० नि० १२८; नाया०

१, १, ४, ३४; १, २, १, ६२; (५) क्षमा.

विनय, क्षान, सौभाग्य, सरलता आदि सद्-

गुग्गु. क्षमा, विनय, क्षान, सौभाग्य, सरलता

इत्यादि सद्गुग्गु. the virtues e.g. for-

givenness, modesty, knowledge,

straightforwardness etc. भग०

२, १; ७, २; ८, ४; २५, ४; ४२, १;

नाया० १; ३; ८; १०; १६; दसा० ६, २,

४४; ६, ६; ७, २६; ६, १, १७; ६, ३,

११; राव० ८०; २१५; नंदी० दश० ४;

अणुजो० १२८; पि० नि० ११२; उवा० १,

६६; क० प० १, २६; क० ग० २, ९; (६)

सूतना ताँतिया; दोरा. सूत के तंतु; दोर

cotton threads. जीवा० ३; राव०

१०६; कप० ३, ३४; (७) मध्यपुं; गुग्गु ४२

४२वो; गिनना; गुना करना. counting.

जं० प० २, १२१; पञ्च० २; २८; कप० ३, ३४;

—अणुराज. पुं० (—अणुराज) गुग्गुने

अनुराज-प्रेम. गुग्गु का अणुराज-प्रेम. love

for merit. मत० २४; —अहिंस. त्रि०

(—अहिंस) गुग्गु ४२ अहिंस. गुग्गु से करके

अधिक. surpassing by reason of,

in point of qualities. उवा० ३२, ५;

—आसाज. पुं० (—आसाज) विनयना

सम्पद आदि गुग्गुमां आसाज; आसक्ति. विषय

के शब्दादि गुग्गु में आसाज-आसक्ति.

पुं० (-मागर) गुणज्ञो। समुद्र. गुणसागर;
गुण का समुद्र. an ocean of quali-
ties or virtues. दम० ६, १, १४;
गणका० १०१; —सुद्धिअण्व. त्रि०
(सुविद्यमाणम्) ज्ञेयो आत्मा गुणभिं
सारी रीते स्थित छे ते. जिसकी आत्मा गुणमें
बड़ी तरहमें स्थित है वह. (one)
whose soul is strictly given to
virtues. दम० ६, ७; १; —हासि. जी०
(-हानि) गुण अने हानि; नष्टादो अने
प्राप्ति। गुण व हानि; चाधिकता . व्यूनता.
loss and gain. क० प० १, १०; १,
२; —हीन त्रि० (-हीन) गुणविनाश.
गुणरहित devoid of attributes.
गणका० १०६; क० प० १, ७८;

गुणज्ञो. घ० (गुणतत्त्व) गुणधी; गुणआशी.
गुणमें, गुणप्राप्ती. By reason of
qualities; in point of qualities.
उप० १२, ५; भग० २, १०;

गुणल. न० (गुणन) आधृति; ग्रंथविचार.
आधृति; ग्रंथविचार. Multiplication;
revision; reflecting upon the
contents of a book. पि० नि० ६६४;
विशे० १११३;

गुणरयण. न० (गुणरज) सोण भद्दीनानुं
अंक तप के जेभां पहले भद्दिने अंक ७५.
वास, श्रीजि नमो, पावन सोणमें भद्दीने सोण
३५ वास करवा पड़े छे, दिनेमें ७५ आसने
सुखी सन्मुख अने रात्रे वीर आसने
पत्न रहित भेसवानुं होय छे; सोण भासे
आतप पूर्य भाय छे. सोलह मास का एक
तप कि जिसमें प्रथम मास में एक एक उप-
वास, दूसरे में दो दो, तिसरे सोलहवें मास
में सोलह उपवास करने पड़ते हैं, जिसमें दिनको
उड़ुड आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि
को शर आसन से वक्र रहित बैठने का होता

है, सोलह मास में वह तप संपूर्ण होता है.

A kind of penance lasting for
sixteen months in which one
fasts for a day in the first
month, for two days in the
second and so on for sixteen
days in the 16th month. Du-
ring day one has to sit in a
certain bodily posture facing
the sun and at night in an-
other posture without clothes
on the body. The day posture
is Oukhadu Khana while the
night posture is Virasana. संत०
१, १; कप० ७, ६; —वैतर. न०

(-वसर) गुणरज संवत्सर नामनुं. गुणरज
संवत्सर नामका. name of a kind of
austerity. प्रब० १५८०; —संवत्सर. न०
(-संवत्सर) गुणरज संवत्सर अने नामनुं अंक
तप छे. गुणरज संवत्सर इस नामका एक तप
है. name of a kind of austerity.
भग १, १; नाया० १;

गुणसंत त्रि० (गुणवत्-गुणा मूलोत्तर विष्णु-
स्वाधर्मो विचिन्ते वेदां ते) गुणधी; गुणयुक्त.
गुणवान; गुणवृक्ष. Possessed of
qualities or virtues. गुणवज्रो. व०
ए० अणुशो० ५८;

गुणवेरमण. न० (गुणवेरमण) आनन्द ७३
सातभुं अने आठभुं अने त्रय मत. भावकंक
कंठ, सातवें और आठवें वह ३ मत. The
three vows viz. the 6th, 7th
and 8th of a Jaina layman. राव०
२२६; नाया० ८;

गुणव्यय. न० (गुणव्यय) व्यय। " गुण-
वेरमण " सं० ६. देखो " गुणवेरमण "
सं०. Vide " गुणवेरमण " आठ०

४; ठा० ४, ३; दम० ६, २; पंवा० ११, १६;

गुणसंकम. न० (गुणसंकम) अप्रत्यक्षमान
अत्युन्नत प्रकृतिना दृष्टिमाने अप्रत्यक्षमान प्रकृ-
तिमां प्रतिस्मय असंख्यातगुणं गृहिणे
उभेयता ते अवस्थमान अगुण प्रकृति के
समूह को बध्यमान प्रकृतिमें प्राप्तमय अवस्थ
गुण वृद्धि से जोड़ना. Adding infi-
nitely of sinful molecules
every instant in the acquired
good. क० प० २, १००;

गुणसंकमण. पुं० (गुणसंकमण) लुप्त
" गुणसंकम " शब्द. देखो " गुणसंकम "
शब्द. Vide " गुणसंकम " क० प० २, १००;

गुणोमल. न० (गुणशील) ऐ नाभन् २०४
गृह नगरी पासमें ऐक उद्यान इस नामका
राजगृह नगरी के समीप का एक उद्यान -
बगीचा. Name of a garden in
the vicinity of Rajagruha.
कण० १, ६३;

गुणोमल-य पुं० (गुणशालक) राजगृह-
नगर के बाहर आया हुआ इस नाम का
एक बगैच उद्यान. Name of a garden
outside Rajagruha. भग० १, १; २.
१; ७, १०; अणुल० १, १; नाया० १८; (२)
ऐ नाभन् ५११ मन्दिर इस नाम का यक्ष
मन्दिर. name of a temple of Yak-
sha निर० ३, १; — जेहूय न० (—विष)
लुप्त " गुणसिख-य " शब्द. देखो " गुण-
सिख-य " शब्द. vide " गुण सिख-य "
नाया० १३;

गुणसेढि. स्त्री० (गुणसेढि) गुणाकारे प्रदेशनी
देशना; कथां गुणनी वृद्धिसे असंख्यात गुणी
निर्गन्ता ऐकेक समये अधिक भाव ते गुण
भेदि. गुणभेदि; गुणाकार प्रदेश की रचना;
जहाँ गुण की वृद्धि से असंख्यात गुणी के

निर्गन्ता हर समय पर अधिक हो वह गुण
भेदि. The spiritual stages of
evolution in succession. क० पं०
४, ८२;

गुणसेढी स्त्री० (गुणसेढी) सर्वथा उपरनी
स्थितिना कर्म दृष्टियाने लक्ष्यविषयता पदेय
समयधी प्रति समये असंख्यात गुण वृद्धि से
नाभतां अन्तर्गुणं सभी तेरी अधिक भेदि
अन्ते तेने गुणगुणा इहेरामा आवे छे; लांणी
स्थितिना दृष्टीया भाग्यरानी ऐक दीनि सब
में उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उच्च
के पुन समय से प्रति समय पर असंख्यात
गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्गुणं पर्यन्त
ऐसी आरक प्रणा चालू रहें उमें गुण भेदि
कहते हैं. लम्बा स्थिति के समूह को
भुगत मान करने की रीति. The process
of enduring the Karma of a
long duration उत्त० २४, ६; अंश० १७;

गुणित त्रि० (गुणित) गुण पाव-ली-ले. गुण
युक्त. Having a quality; meritori-
ous. नाया० १२; क० प० ४, २६;

गुणित्त्वमात्र. त्रि० (गुणवत्त्वमात्र) गुणाकार
इहेर. गुना किया जाता. Multiplied.
प्र० ६३७;

गुणित-य त्रि० (गुणित) गुणित; गुणाकार
इहेर. गुना हुआ; गुना किया हुआ. Multipli-
ed. उत्त० २, १२; विशे० ७६० भग० २४;
७१; क० प० २, ७८;

गुणित. त्रि० (गुणित) गुणित लायक, गुणित योग्य.
Worthy of attributes कण० ४, ६०;

गुण न० (गोत्र) गोत्र; अटक. गोत्र; कुल
नाम. Surname; family name.
नंदा० २६; उत्त० १८, २१; भग० २४, ६;
कण० ११ २; (२) सातवें गोत्र कर्म.
सातवां गोत्रकर्म. the 7th Gotra
Karma. भग० २४, ६;

गुप्त. त्रि० (गुप्त) अभियन्त; मन वचन अने
 हाथाने पापमां न जरा देतां आपत्ती
 राखता. गुप्तवन्त; मन वचन व काया को
 पाप में जाने में बचा रखने वाला.
 (One) who protects himself
 against sins of mind, body and
 speech. ओष० नि० भा० ४६; ओष० १७;
 उत० १२, १७; आया० १, ३, ३, ११७;
 भग० २, १, ३, १; २; १३, ४; नावा० ४;
 सूय० २, १, ६०; गच्छा० ४३; (२) २१५५;
 दिग्मूढ अने स्तब्ध; दिग्मूढ; बना हुआ.
 confounded; bewildered. ओष०
 नि० भा० १०६; (१) छुपावेन; छिपेन;
 आपवेन. छुपाया हुआ; छिपा हुआ; गुप्त रखा
 हुआ. concealed; protected; a
 hidden cave etc. जीवा० ३, ४; नावा०
 १४; राव० २५४; निसी० २०, १; कप्प० ६, २;
 (४) रक्षयु इरेन; अपावेन. रक्षय किया
 हुआ; बचाया हुआ. protected. पञ० २;
 (६) गुप्तवर-आपत्ति वनेरे. गुप्तवर-मल-
 वर इत्यादि. a collar. ठा० ४, १;—हंक्षिप्य.
 त्रि० (-हंक्षिप्य) पांशु छिपियो जेणे पशु इरी
 पापशी आपत्ती छे ते. पांशु हंक्षियों को जिसने
 बंधाकर, पाप में बचाई है वह. (one) who
 has controlled his senses नावा०
 ४; भग० २, १, २५, ७; दसा० ५, १८; कप्प०
 ५, ११६;—दुवार. न० (-द्वार) जानुं
 जानुं आरुपु; गुप्तद्वार गुप्तद्वार. a hidden
 door. ठा० ५, २; भग० ३, १;—बंश-
 चारि. त्रि० (-बंशचारि) ब्रह्मचर्यं
 रक्षयु. इरना. ब्रह्मचर्य का रक्षय करने
 वाला. (one) who observes celi-
 bacy or chastity. दसा० ५, २१;
 भग० १२, १; १८, २; नावा० १४; १६;
 नावा० ४० निर० २, १;
 गुप्तास. पुं० (गोत्रास) विपाकस्यनुं ओ नामनुं

भीष्मं अभ्यस्य. विपाक सूत्र के द्वितीय
 अध्यायन का नाम. Name of the 2nd
 chapter of Vipāka Sūtra. ठा० १०;
 गुप्ति. जी० (गुप्ति-गोचरनं गुप्ति) मन वचन
 अने हाथाने अशुभ प्रवृत्तिशी रीती आपत्ती
 राखतां ते. मन वचन व काया को अशुभ
 प्रवृत्ति में रोककर बचा रखना. Control
 of mind, speech and body. i. e.
 guarding them against sins.
 सम० ३; सम० ५० १६८; उत० १२, १७;
 २४, १; नावा० १; १०; निसी० २०, १;
 ५४०१; भग० १४०; प्रव० २००; पंचा० १५, ३१;
 विसं० ११३०;—विमेय. पुं० (-विमेय)
 अभि-वचन गुप्तिने विमेय-अं. गुप्ति-वचन
 गुप्ति का विवेक-अंग. the breach in
 control of speech. गच्छा० १३१;
 गुप्तिय. पुं० (गुप्तिक) डेटवाल. नगर रक्षक
 अधिकारी, कोतवाल. A village con-
 stable. परा० १, २; कप्प० ४, ६०;
 गुप्तिमेव. पुं० (गुप्तिमेव) जंभुदीपना और-
 पत क्षेत्रमां यासु अवासर्पिणीमा कपेक्ष सोक्षमां
 तीर्थइर. जंभुदीप के ऐरवत क्षेत्र में वर्तमान
 अवसरपिणी में उत्पन्न सोलहवें तीर्थंकर.
 The 16th Tirthāṅkara of the
 present Avasarpinī in the
 Airavata region of Jambū
 dvīpa. सम० ५० २४०;
 गुद्. न० (गुद्) गुद्; गुच्छरधान. गुदा; गुच्छ-
 स्त्रान Anus; rectum. संदु० प्रव०
 १३८६;
 गुप्पमालु. व० इ० त्रि० (गुप्पमालु) व्याकुल
 भुजु. व्याकुल. Getting troubled or
 distracted. ओष० २१;
 गुप्फ. (गुप्फ) पुं० पयनी ओडी; धुंटी. पुं०;
 एडी. A heel. ओष० १०; आवा० १, १,
 २, १६; जीवा० ३, ३;

गुमगुमत. त्रि० (गुमगुमत) गुमगुमाट करतो;
गुमगुम ऐवो अवाज करतो. गुमगुमाट
करता हुआ; गुम गुम ऐसी आवाज करता हुआ.
Buzzing; humming. जो०-

गुमगुमायंत. व० क० त्रि० (गुमगुमावमाव)
धमधमाट करतुं, मधुमधुमाट करतुं, मधुर
शब्द करतुं. धमधमाट करता हुआ; निर्माग-
माट करता हुआ; मधुर शब्द का उच्चार करता
हुआ. Tinkling; buzzing. कण० १,
१७;

गुम्म. पुं० (गुम्म) पं० मल नवमासिका
आदि; दक्षिणी ओकमल. वंशजाल नवमालिका
आदि वृक्ष का एक जाति. A cluster
of bamboo trees etc. नाया० १,
५; मग० ७, ८; जं० प० जीवा० १; पञ्च० १;
(२) सभूद; परिवार. समूह; परिवार. a
group; a collection. विशेष० १३;
जं० प० १, १०; मृग० २, २, ५५;

गुम्मरस. त्रि० (गुम्मत) भुंआंऐतुं; भूदभनेल.
मूढचना हुआ. Puzzled; bewildered
जो० नि० १३६;

गुम्मागुम्मि. अ० (गुम्मागुम्मि) गुम्मानो अंक
आम ते गुम्म; अंक उपाध्याय अधिष्ठित
साधुओं नेमा थाय ते. गुम्म का एक भाग-
गुम्म, एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग
एकत्र हो रह. A portion of an
order of saints; saints under
one preceptor assembled toge-
ther. जो० २१;

गुम्मि. पुं० (गुम्मिक) शन भजुरे. जानकद्वारा.
A centiped. उत० ३६, १३७;

गुम्मिय-अ. पुं० (गुम्मिक) क्षीत्रांतुं रक्षयु
करना; योक्षीकर. गह का रक्षण करने वाला.
A guard of a fort; a watchman.
जो० नि० १६३; ७६६; लुप्त विनेरे ५५
आ५ जुई आदि के फल के वृक्ष. a kind of

flowering plant. जीवा० १, २;

गुह. पुं० (गुह-सं शास्त्रार्थमिति गुह्यासि वचा-
वस्थि) शास्त्रेणा सदुपदेश आपनार; गुरु.
शास्त्र का सदुपदेश करने वाला; गुरु. A tea-
cher; a preceptor. मग० ७, ८; व.
७; ११, ११; १७, ३; नाया० १; ७; व;
पि० नि० भा० २७; अणुमो० १३; ६६; उपा०
३, १३५; पंचा० १, ५; ५, १२; मल० १७;
६६; आच० ६, २; (२) त्रि० आरे; पञ्चन-
दार. भारी; वजनदार. heavy. विशेष०
६६०. जीवा० ३, १; पि० नि० १२७; उत०
३६, १६; क० मं० १, ४७; आया० १, २,
१, १६१; (३) अधेगति लक्ष्म ज्ञानार
भददीप. अधोगति को लेजानेवाला महा-
दोष. a great sin leading to low-
er condition of existence. पि०
नि० १०२; ११२; जं० प० २, २६१ (४)
पटीय; आचार्य. बहाल; आचार्य. an old-
er; a head of an order of saints.
दम० २, १, ८८; पंचा० ७, ५; उत० १,
२; २६, ७; अणुमो० १००; (५) ज्ञेना
उदयधी श्रय दोषा ज्ञेनुं आरे शरीर पात्रे ते
नामकर्मनी अंक प्रकृति. जिसके उदय से जीव
लोह के समान भारी शरीर प्राप्त कर उस
नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of
Nama Karma by the rise of
which a soul gets body as hard
as iron क० मं० १, ४१; ४२; — असास.
पु० म० (—असास) आरे असास-दुःख
भारी दुःख. great pain. क० प० ४,
८४; — उदयस. पुं० (—उदयस) गुम्मानो
उपदेश. गुरु का उपदेश. words of ad-
vice of a Guru. विशेष० १; प्रव० १;
७७६; — उदयसाणुसार. पुं० (—उद-
यसाणुसार) गुम्मानो उपदेश प्रभावे. गुरु के
उपदेश के अनुरार. according to

the advice of a preceptor. पंचा० ८, १; —अणु. पु० (-अन) भेदाभाज्यः पडीत, बडा मनुष्य; वडील, an elderly person; an older, नाया० १, १८; कथ० १, ४९; पंचा० ४, ३४; प्रव० १००. —अणुप्र. प्रि० (-अणुप्र) गुरुनी रदामे आचनार; दुर्विनात; विनय-विनाती गुरु में अनुसरन बोखने वाला दुर्विनात; विनय रहित, impolite; irreverent पण्ड० १, २; —आग. पु० (-आग) गुरुनी समागम गुरु का समागम, contact with a preceptor. पंचा० २, ४; —गियोग. पु० (-गियोग) गुरुनी आज्ञा, गुरु का आज्ञा, command of a preceptor. पंचा० १२, १८; —दक्ष-मेसभायण. न० (-दक्षमेसभाजन) गुरुके पोते आतां गरी रदेपुं आपेज अद्वय गुरुने भाजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भाजन, the remnant of food given by a preceptor. प्रव० २१४;

देवता. श्री० (-देवता) गुरुदेवता, देवता भवान गुरु देवता; देवता के समान; गुरु (one) who regards a preceptor as his god. नाया० ८, १८; पंचा० १, ४५; —दोष. पु० (-दोष) भेदाभा. बडा दोष, a major fault; a grave fault. प्रव० २१०; —निगृह. पु० (-निगृह) गुरुनी आज्ञा; गुरुनी आज्ञाभां रदेपुं ते, गुरु की आधीनता; गुरु की आज्ञा में रहना, the control of a preceptor. प्रव० १५१; —नियोग. पु० (-नियोग) गुरु-पडीक्षने दुकम, गुरु, वडील का आज्ञा, the order of a preceptor or elderly person. क० प० ५, २४; —गमुह. प्रि० (-गमुह) गुरुमहाराज वधेरे; आ-आर्वादि. गुरु महाराज इत्यादि-आचार्यादिक.

preceptor etc. प्रव० १०; —पसाय. पु० (-प्रसाद) गुरुनी कृपा, गुरु की कृपा, favour of a preceptor नाया० १२; दम० ६, १; १०; —पसायभिमुह. पु० (-प्रसादाभिमुह) गुरुनी प्रसन्नता रस्यमाने केप्रमगीत, गुरु की प्रसन्नता रखने की उद्यमशील, one active in keeping one's preceptor pleased दम० ६, १, १०; —पुच्छा. श्री० (-पुच्छा) गुरुने पुछी दरेक काम करपुं ते गुरु में पछ कर प्रत्येक काम करना, performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ८१; —पूया. श्री० (-पूजा) शिष्ये गुरुने यथेयित आ-दादि आती भेदा अक्षित करती ते, शिष्यने गुरु की यथाञ्जन आदाराद लाकर सेवा भाक करना, service of a disciple to his preceptor by bringing food etc. for him. उल० २६, ७; —काम. पु० (-स्पर्श) गुरु स्पर्श, आरे-पपु; आः स्पर्शमानो अक्ष. गुरु स्पर्श; भागपन; आठ स्पर्श में से एक, heaviness. सम० २२; क० गं० ५, ३२; —भलिय. प्रि० (-भक्षित) गुरुमें कहेपुं, गुरुने कहा हुआ, explained by a preceptor. प्रव० १३६; —भक्ति. श्री० (-भक्ति) गुरुनी अक्षित-सेवा, गुरु की भक्ति; सेवा, devotion towards a preceptor. क० गं० १, ५५; पंचा० २, ३७; —भूनेवघाहली. श्री० (-भूता-पघातनी) महाभूतानो नाश करनारी (भाषा), महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा), a language which destroys ghosts. दन० ७, ११; —मुह. न० (-मुख) आचार्यपुं मुख. आचार्य का मुख, the mouth of a

preceptor. पंचा० १, १०; —**गुरुत्व**. न० (-गुरुत्व) गुरुतां प्रत्यय. गुरु के लक्षण. the attributes or qualifications of a preceptor. गुरुत्वा० ००; —**लघुग**. त्रि० (-लघुग) लघुगो " गुरुलघुग " शब्द. देखा " गुरुलघुग " शब्द. vide " गुरुलघुग " क० प० ४, ४६; —**लघुत्व**. न० (-लघुत्व) भारी व हलका. heavy and light. प्रब० २१७; —**वचन**. न० (-वचन) गुरुनं वचन. गुरु का वचन. the words of a preceptor. प्रब० २१; —**संभारिवत्ता**. स्त्री० (-संभारिवत्ता) पदपर प्रयोगिता प्रयोगिता भारी. परस्पर संबंधों के प्रयोग में भारी. heavy on account of being interlinked. भग० १, ३; —**सगास**. पुं० (-सगास) गुरुपति; गुरुसमीप गुरु के के पास; गुरु के समीप near a preceptor. पंचा० १, ४३; —**सम्भव**. त्रि० (-सम्भव) गुरुने भव्यः गुरु होने योग्य मान आपना देना. गुरु को मान्यः गुरु त्रिम को बहुत मान देने का वह. admissible to a preceptor. पंचा० १२, २६; —**सुस्मृत्तया**. स्त्री० (-सुस्मृत्तया) गुरुनी सुस्मृता; गुरु सेया; गुरु आश्रित. गुरु की सुस्मृता; गुरु सेवा; गुरु भाव. service to a preceptor. उल० २६, २; —**संज्ञासंसारग**. पुं० (-संज्ञासंसारग) गुरुनं शय्या अने सथारे-पथरी. गुरु का शय्या व संधारा-पथरी. the bed of a preceptor. प्रब० १४६; —**हीनता**. स्त्री० (-हीनता) गुरुनी हेतना-निन्दा. गुरु का हेतना-निन्दा. censure of a preceptor. " मया विमुक्तो गुरुहीन-वाद् " दम० ६, १, ७;

गुरुत्व व. त्रि० (गुरुत्व) भगवती सूत्रना पदिला सतकना ६ भां उद्देशानं नाम. भगवती सूत्र के पहिले सतक के ६ वें उद्देशाका नाम. Name of the 9th chapter (Uddesā) of the first Sataka of Bhagavati Sutra. भग० १, १, (२) पञ्चनदर वजनदार; भारी heavy. भग० १, ४; १, २३, १८, ६; २०, ६; दम० ६, २, ३२; नाया० १; ६; पण० १, २; पण० १; पंचा० १०, २६. —**भारिवत्ता** स्त्री० (भारिवत्ता) गुरुता के व भारीपाव. गुरुता का; भारिवत्ता. the state of being heavy, heaviness. उवा० २, १०२; नाया० ६; — **लघुत्व**. पुं० (-लघुत्व) अधिक अपेक्षाओं भारी अने पीछे अपेक्षाओं हलका अथवा वायु कायादि पदार्थ. एक अपेक्षामें भारी व अन्य अपेक्षा में हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air-bodied being etc. भग० १, ६; —**संभारिवत्ता**. स्त्री० (-संभारिवत्ता) विशेष भारीपाव. अधिक गुरुता; बिशेष भारी वन. extra heaviness भग० ७, १;

गुरुह स्त्री० (गुरुह) भेदी; भारी (स्त्री). बड़ा; वजनदार (स्त्री). Heavy; great; (a woman). बिश० १२००; नाया० १; ६;

गुरुक त्रि० (गुरुक) भारी; भेदी. भारी; वजनदार. Big; heavy. क० प० ४, ४७;

गुरुकुल. न० (गुरुकुल) अध्यास कृत्याभाते गुरु समीप रहनेवाले; गुरुनं निवास स्थान. अध्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना; गुरु का निवास स्थान. A group of ascetics under one preceptor; residence with a preceptor for study; residence of a preceptor. उल० ११, १४; पि० मि० ४३६; —**वास**

पुं० (-बाम) धर्मगुरुनी पासं निवास
करेवो ते. धर्मगुरु क पास निवास करना.
residing near a religious pro-
ceptor. पदा० ११, १;

गुरुग. त्रि० (गुरुक) भारे, भेदादुः परतदार
भारी; बडा, बजनदार. Heavy; big.
पदा० ११, १२.

गुरुतरग. त्रि० (गुरुतरक) अतिभारे; अद्भुत
भेदादुः. अतिबजनी, बहुतबडा Very
heavy. पदा० ८, २८.

गुरुयत्न. न० (गुरुयत्न) भारीपात्रु भारिपना.
Heaviness. भग० १, ८, १२, २;
नाया० ६; राय० २६०; पञ० १४;

गुरुयत्ना श्री० (गुरुयत्ना) अद्भुत "गुरुयत्न"
शब्द. देखो "गुरुयत्न" शब्द. Vido.
"गुरुयत्न" भग० ४, ६; ७, १, १२, नाया० ६;

गुरुलघु. त्रि० (गुरुलघु) अंशान्त भारे नदी
अने अंशान्त द्रव्यं नदी किन्तु अंश अपेक्षा
आरे अने भीष्म अपेक्षा द्रव्य. एकांत
बजनी नही व एकांत हलका नही किन्तु एक
अपेक्षा से बजनी व अन्य अपेक्षा से हलका.
Heavy and light from dif-
ferent points of views; rela-
tively heavy and light सम० २२;

-परिलाम. पुं० (परिबाम) अपेक्षा
द्रव्य भारेपुद्गल परिलाम, गुडलघु पदांय.
एक की अपेक्षा से बजनी व अन्यकी अपेक्षा
से हलका; गुड लघु पदांय. relatively
light or heavy. सम० २२;

गुल. पुं० (गुड) गुड; गोम. गुड Mol-
asses; treacle. 'संलगुलम पक्षीमारुहं'
श्लोक० १८; अष्टांग० १२७; ठा० ७, १;
नाया० ८, १७; पं० नि० ५४, २१०; पञ०
१७; अं० ५० पंवा० ४, ११; ८, २३; प्रव०
२१४; अष्टांग० १८; —पाण्ड. न० (-बाम)
गोमनुं पाण्डुपीतुं ते. गुड का पानीपीना.

drinking of water mixed with
treacle. नाया० १७;

गुलहय. त्रि० (गुलहय) गुड-द्रव्य
अपेक्षा नदीना जडा. गुड क कयम मिले
हुए खांटे हय. A cluster of small
trees. श्लोक० भग० १, १;

गुलगुल. न० (गुलगुल) दाधीनी गुलगुलाट
शब्द; गुलगुल अवे ध्वनि. हाथा का गुल
गुलाट शब्द; गुलगुल ऐसा ध्वनि. The
gurgling sound of an elephant

गुलगुलंत व० क० त्रि० (गुलगुलंत) गुल
गुलाट करता; गुलगुल अवे आवाज करता.
गुलगुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी आवाज.
Making a gurgling sound like
that of an elephant. श्लोक० ३०;

गुलगुलाहय. न० (गुलगुलाहय) दाधीनी
गुल गुल आवाज. हाथी का गुलगुल आवाज.
Grunting of an elephant. राय०
१८३; जीवा० १, ६; भग० ३, २;

गुलगुल्य श्री० (गुलगुल्य) दाधीना
हाथा की दला गुला किया हुआ. Making
a bustle or noise म० व० ६, २७;
—लावणिया श्री० (लावणिका) गोम
पाण्डु गुड की परदा. a cake of
malasses प्रव० १४२५;

गुलहाली. श्री० (गुलहानी) गोम मिश्रीन
धान्य. गुड मिश्रीन धानी. Parched
grains mixed with malasses.
प्रव० २३५; १४२८;

गुलिस्या-या. श्री० (गुलिस्या) अतिडा; इयानी
गोम. गुडिका; बर्दाई की गोला. Indigo;
a medicinal pill. श्लोक० २३; ठा० ४,
२; सूय० १, ४, २, ७; राय० ४०; अंत० ३,
८; विवा० १; जीवा० ३, ४; नाया० १३;
१७; पञ० २; १७; उवा० २ ६५; अष्टांग०
३, १;

गुह. पुं० (गुह) लुओ " गुह " शब्द.
देखो " गुह " शब्द. Vide. " गुह "
नावा० २, १, ४, २४;

✓ गुह. वा० I. (गुह) व्याकुल भवुं व्याकुल
होना. To become distracted.

गुहंति. भग० १५, १;

गुहिल. त्रि० (गुहिल-कुटिल) कुटिल. कुटिल.
Deep; crucked; intricate. सु०
ब० ७, २५०; (२) व्याप्त. व्याप्त. per-
vaded. पण्ड० १, १;

गुहिलस्त्री जा० (गुहिली) सगर्भा स्त्री; गर्भ-
वती स्त्री. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A
pregnant woman. भग० १५, १;
वि० नि० ३६२; दसा० ७, १; बब० १०,
१; दस० ५, १, ३३; प्रब० ७६६;

गुहा. जा० (गुहा) गुहा. गुहा. A cave.
सु० १, ५, १, १२; भग० ४, ७; जं० प०
नंदी० १४; ४७;

गुहिर. त्रि० (गुहिर) गंभीर; गहिर. गंभीर;
गहरा. Thick; deep; profound.
पञ० २; कप्प० ३; ३८;

गूढ. त्रि० (गूढ) गुह; गुह; जानु. गूढ;
गुप्त. Hidden; mysterious. जा०
१०; वि० नि० २०६; नावा० ८; — छायावर.
त्रि० (- छायावर) धुतारे; छाया; गंभी
छाया. धूत; ठग. (one) who cheats.
सु० २, २, १६; — छायावर. पुं० (- छा-
यावर) गुह-गुह-आवरण संभ. यत्रेरेने! यत्र.
गूढ-गुप्त-छायावर-संभ. इत्यादि का मोह.
A curve; e. g. of a conch etc.
ठा० ४, ४; — सामर्थ्य. न० (- सामर्थ्य)
जानु पुराण. गुह्य पराक्रम. A secret
bravery. प्रब० ८३८; — हिंस्र. त्रि०
(- हिंस्र) भाषावी-कपटी हृदयवादी.
मायावी-कपटी हृदयवादी. deceitful;
fradulant. गण्डका० ६५; क० मं० १, ६८; !

गूढवंत. पुं० (गूढवंत) आशुतरौपयार्थ भव-
ना भीम वर्गना आधा अभयवनं नाम.
अशुतरौपयार्थ के अशु हिताय वन के
अशु अभयवन का नाम. Name of the
fourth chapter of the second
section of Apuyogadvara. (२)
अशुतरौपयार्थ धारणी शशीनी पुत्र के गे
दीक्षा लभ ११ अम अशु गूढरयण तप
करी १६ वर्षनी प्रव्रज्या पाणी विपुलपर्वत
उपर अंश भासनी संथारो करी वैश्वं
अनुतरविमानमां उत्पन्न भया, त्यांथी अंश
अवतर करी मोक्षे गरी आशुकर राजा का
धारणी राधा का पुत्र १६ मां दाक्षा लेकर ११
अंशों का पठन कर गूढरयण तप कर, १६
वर्षों का प्रव्रज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर
एक मास का संथारा कर, वैश्वं अशुतर
विमान में उत्पन्न हुआ. वहाँ एक अवतार का
संयुक्त करके मोक्ष गति का प्राप्त करेगा.
name of the son of queen
Dhārīni of king Śrēṇika. He
took Dikṣā, studied 11 Aṅgany,
practised the Guṇarāyana
penance, observed asceticism
for 16 years and was born in
the Vaijayanta abode above
the heavens after practising
one month's Santhārā (giving
up food and drink) on Vipul
mountain. After one more
birth he will attain salvation.
अशुत० २, ४, (३) गूढरयणीपना अशुतमा
आरणी उत्सर्पिणीमा धनार श्रीम अ-
वनी. गूढरयण के भग्न में जागती उत्सर्पिणी
में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती. the third
future Chakravartī of the com-
ing Utsarpini in the Bharata

of Jambū Dvīpa. मम० प० २४२; (४) यत्प्रसमुद्रमां नयसो र्द्वेज्जन पर आवेत्प्र मुद्र-त नामनो अंश अन्तरद्वीप. जम्बू समुद्र में जो सां योजन पर आया हुआ गूढ-द्वन्त नामक एक अंतरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas. ठा० ४, २; ८, १; प्रब० १४४१; (४) २७ भां अन्तरद्वीपमां र्द्वेनार भाष्यस. २७ वे अंतरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dvīpa. पञ० १;

गूढपद. न० (गूढपद) गुप्त पद; सांकेतिक शब्द. गुप्तपद; सांकेतिक शब्द. A code word. प्रब० ८६४; --आलोचयता. कां० (-आलोचना) गुप्तपद -मे आलोचना सांकेतिक शब्दधी अनियारनी आलोचना करी ते गुप्तपद दो आचार्यों की सांकेतिक शब्द से आलोचना की आलोचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रब० ८६४;

गूढसिराज. न० (गूढसिराज) जेना पांडुआमां सिरा-रेस गुप्त दीप अर्थात् प्रगट न देखाय तेरी अंश साधारण्य वनस्पति. जिसके पत्तों में रेखा गुप्त हैं अर्थात् प्रगट न दिखी देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पञ० १;

गूढलुपा. कां० (गूढल) पेटाना रूपने छुपावी देवुं ते; छुपावुं अपर नाम. छुपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. मम० १२, ५; सम० २२;

गेय. न० (गेय) गाया जायक; गीत. गाने योग्य; गीत. A song. पद० २, ४;

गेय-स्य. न० (गेय) उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक-अने शयितावसान-अे आर भीतमां-नो अमे ते अंश ज्ञानं गीत. उत्क्षिप्त-पादान्त मन्दक व शयितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहें तो एक जाति का गीत. Any of the four kinds of song viz. Utksipta, Padānta Mandaka and Rochitāvāsāna. राव० ८८; ६६; अष्टांग० १२८; ठा० ४, ४; जं० प० ५, १२९; —उच्छ्वि. पुं० (-ध्वनि) गीतनो ध्वनी-शब्द. गीत का ध्वनि-शब्द. the sound of a song. सु० ब० ५, ६२;

गेरिक. पुं० (गेरिक-गिरौ जवः) गेरिक धातु; गेर. गेरिक धातु; गेर. Red chalk; a mountain-born substance or metal. दस० ५, १, ३४;

गेरय. पुं० (गेरु) लभ्यां वस्त्र पहेरनारः परित्राजक; संन्यासी. गेरु वस्त्र पहनने वाला; परित्राजक; संन्यासी. An ascetic with clothes dyed with red chalk. आया० २, १, ६; ३३; पि० नि० ३५८; ४४५; निशी० ४, ४५; उत्त० ३६, ७६; प्रब० ७३८; (२) अंश ज्ञानो भुज्जी. एक जाति का मणि. a kind of gem. पञ० १;

गेलरण न० (ग्लान्ध) ग्लानि धरी; भुज्जातुं अक्षुभो. ग्लानि से व्याकुल होना; बेचैनी; अरुचि. Mental discomfort. पि० नि० भा० २५;

गेलस्य. न० (ग्लान्ध) लुभो " गेलस्य " शब्द. देखो " गेलस्य " शब्द. vide " गेलस्य " पि० नि० ४८०; विशेष० ५६७; आद० नि० ७२; प्रब० ८६०;

गेय. त्रि० (गेय) कंठ संन्यासी. कंठ; गला; गरदन. Neck; throat. " गेयपुण्ड्रका " आद० ३८;

मेवञ्ज. न० (प्रियेव) न० प्रियेयक. नव प्रियेयक.
The nine heavenly abode. पञ्च०
१८, ८०;

मेविञ्ज. न० (प्रियेव-प्रीवावां वदमकंकर-
वम्) कङ्कं धरेयुः शङ्कं आभरत. कंठ
का आभूषणः गले का गहना A neck-
lace. श्लो० ३१; पञ्च० ६१०; मावा० १;
३, ३. भग० ७, ६; राव० ८१; अ० १०
७, १६८; का० ४, ६०; (३) प्रियेयक
नामं १. भान. प्रियेयक नामक विमान.
A heavenly abode styled as
Graiveyaka. प्रच० ११३०; ११३०;
—विमान. न० (विमान) प्रियेयक देव-
नामा नित्यसंस्थान. प्रियेयक देवना का नि-
वास स्थान. name of any heavenly
abode between the 12th and
the 29th Devaloka भग० १३,
२; १४, १०;

मेविञ्ज. न० (प्रियेयक) प्रियेयक विमान.
प्रियेयक विमान. A heavenly abode
named Graiveyaka. नावा० १;
मु० च० २, ३०; (२) न० प्रियेयक रासी
देव. न० प्रियेयक वासी देव. the gods
residing in the nine heavenly
abodes known as Graiveyaka.
पञ्च० १; उच० ३६, २१०; डा० २, ३;

मेवेञ्ज. न० (प्रियेव) जुओ " मेविञ्ज "
श०६. देवो " मेविञ्ज " शब्द. विदो
" मेविञ्ज " नावा० १; भग० २, १०; ५,
८; १, ३३; श्लो० ८१; राव० २, ८३;
—कल्याणीय. पुं० (-कल्याणीय) आर
देवदेव उपाय प्रियेयक रासी देवो के ७० कल्या-
णीय अत्राकार भवांशधी अतीत छे. द्वादशवें
देवलोक के ऊपर प्रियेयक वासी देव कि जो
कल्याणीय व्यवहार भवांश से अतीत है.
pram of the gods above the

12th Devaloka. भग० २, १;
—विमान. न० (-विमान) जुओ
" मेविञ्जविमान " श०६. देवो " मेविञ्ज-
विमान " शब्द. विदो " मेविञ्जविमान "
अवुजा० १०४;

मेवेञ्ज. न० (प्रियेव) जुओ " मेवेञ्ज "
श०६. देवो " मेवेञ्ज " विदो " मेवेञ्ज "
भग० १८, ८; २०, ६; —कल्याणीय. पुं०
(-कल्याणीय) जुओ " मेवेञ्जकल्याणीय "
श०६. देवो " मेवेञ्जकल्याणीय " शब्द.
विदो " मेवेञ्जकल्याणीय " भग० २, १;

मेवेञ्ज. पुं० (प्रियेव) प्रीवानुः प्रीवासंनर
(अंजन). प्रीवा संबंधी (वस्त्र). Re-
lating to neck. नावा० २;

मेवेय न० (प्रियेव) कङ्कं भूषण. कंठ का
भूषण. An ornament for the
neck. श्लो० ३०;

मेह. न० (मेह) घर; भवन. गृह; मकान.
A house; a building. वि०नि० १६३;
भग० २, ५, ६, ४, १३, ६, १८, २;
नावा० २; ८; १६; अत० ११३; मध्य०
११३; —आगार. पुं० (-आगार)
धरती पेटे टाढा टाढा अने घरसादृशी पया-
यनार धरने आकारे परिष्कृत भवेय कङ्कपृष्ठ.
घर के समान ठंडी, ताप व वहां से
बचानेवाला; गृह की आकृति में परिष्कृत
कल्पवृक्ष. a desire-yielding tree
protecting against heat and
cold like a house. सम० १०; जीवा०
३, ३; —आगार. पुं० (-आगार) धरतुक्त
आगार. गृहयुक्त बाजार. a market hav-
ing a line of houses. भग० ६, ४;
—वास. पुं० (-वास) धरतास; गृहस्थायम.
गृहस्थाना; गृह संसार; घरवास. status of
a householder. गृह० २, १, ६०;
मेहमेह. न० (गृहगृह) धरतः; इरेह धर

घरघर; प्रत्येक घर घर. From house to house. नाग० १९;

गेहसम. न० (गेहसम) गीत विनोद या छन्दो
अथ गेहसम उपायों द्वारा गेह २१२ भां भां
ने. जिस घर का बीगा इत्यादि वाजिन में
उठाया हा उसी घर में गाना. Singing
in the same pitch in which a
song is begun on a musical
instrument. अणुभा० १२८;

गेहि जा० (गुहि) आसक्ति, प्रीति. आसक्ति;
इच्छा. (greed; desire. सू० १, १, ८,
११; १, ६, २६; उल० ६, ८, ३४, २३;
सम० ३०; ५२; अथ० नि० ८०; भग० १२,
५; पद्य० १, ३;

गेहिणी. जा० (गेहिनी) स्त्री; पत्नी गृहिणी;
जी; पत्नी. A wife. सू० ब० ५, ६;

गा पुं० (गो-गच्छति) गाय; गायक. गाँ; बैल
A bull; ox. भग० १, १; २, ५; अथ०
अणुभा० १११; सम० ४०; भाषा० ३, १;
नदी० ४५० ४६; नि० १०० १३२; राय०
२८६; दवा० ६, ४, ४५० ७, २६; सू० प०
१०; उवा० १, ४; पंवा० १, १०; जं० प०
५, ११८. —कलिङ्ग. न० (—कलिङ्ग)
गायने आशु अपरने असने सुंसे
गोषों को बाँटा देने के काम में आने
वाली टोकरी. a basket from which
cows are fed गोवा० ३, ४; —कीर.
न० (—कीर) गायुं दूध. गाय का दूध.
cow's milk. नाग० १; १६; कर्प०
३, ३६; जं० प० ५, १२२; १७, १२६;
—गहल. न० (—गहल) गायने पक्षी-
भक्ष लेनी ते. गोषों को पकड़ना-ले जाना.
taking away of cows नाग० १६;
विवा० ३; —वायव्य. पुं० (—वायव्य)
गायने भरनार; गेह १ भरनार; कसाध.
गोषों को मारने वाला, गोह कने वाला;

कसाई. a butcher; one who kills
cows. सू० २, २, २६; —कर. न०
(—कर) गायने भरनारुं नम्र गोषों को
चरने का जंगल. a pasture-ground;
भग० १२, १७; —जिह्वा. जा० (—जिह्वा)
गायनी छत्त. गो का जिह्वा. a cow's
tongue, उल० १८, १८; —होहि. त्रि०
(—होहिन्) गायने दोनार. गोका दुहनेवाला.
(one) who milches a cow. प्रव०
५६३; पंवा० १८, १७; —होहिया. जा०
(—होहिका) गाय देनेवाले न आसने भे-
साय ते आसने भेरी ध्यान भरुं के आता-
पता लेनी ते गोका दूध दुहनेको जिस आस-
नार बैठा जाना है उस आसन पर बैठ कर
ध्यान धरना या आनापना लेना. practice
of meditation or austerity on
a seat used at the time of milk-
ing a cow आया० २, १५, १०६;
ठा० ५, १; कर्प० ५, ११६; दवा० ७, १०;
—गुहक. न० (—गुहक) गायुं पुं० पुं०.
गाय की पूंछ. a cow's tail. जं० प० १,
४, ४, १०३; राय० १०४; —गुहक. न०
(—गुहक) गायने वांसे-भरने. गोकी पीठ.
a cow's back. भग० १५, १; —मल.
न० (—मल) गायुं मालु. गोषों का बाँटा
the fodder for cows प्रव० ११६;
—मललिङ्ग. न० (—मललिङ्ग) गाय-
ने आशु आपनाने आलीये. गोका को बाँटा
देनेका बर्तन. a fodder pot. प्रव० ११६;
—मंडक. न० (—मंडक) गायने भंडा-
भंडो. गोषों का मंडर. a house for
cows. विवा० २; —मंस. न० (—मांस)
गाय अथवा गायुं मांस. गो या बैल का
मांस. beef. पि० नि० १६४; —मंड. व०
(—मंड) गाय के गण्डुं भंडुं-कनेवर. गं
वा बैल की लोव. a calf ११३ ७६ ११४

OF AN OX. उत्त० ३४, १६; नावा० ८; १२;
 --महिषी. स्त्री० (-महिषी) माय अने
 भे.स. गौ व महिषा; गाव व भे.स. a cow
 and a she-buffalo. प्रब० २१६;
 --मुस. न० (-मूत्र) मायनुं मूत्र. गौमूत्र.
 urine of a cow. पि० नि० भा० १०;
 जांब० नि० भा० ६४; --कूब. त्रि० (-कूब)
 गोरूप; माय जेपुं. गौवत्; गौरुप; गौ के
 समान. like a cow. विवा० २; --लेह.
 लिय्या स्त्री० (-लेखनिका) मायेने मर्यानी
 जग्या (भीः). गौच्छेका चरने की भूमि; चरा-
 गाह. a meadow for the grazing
 of cows. निर्वी० १, ७७; --बृह.
 पुं० (-वर्त) भोटो जगद. बडा बैल. a
 big ox नाया० ६; --खग. पुं०
 (-वर्ग) दस द्धनर मायेनुं टोणु. दस
 सहस्र गौछों का युव. a herd of cows
 10 thousand in number. " एगं च
 खं महं सेवं गावगं पामिनाखं पडिबुदे "
 ठा० १०; भग० १६, ६; --वाल. पुं०
 (-वाक) गोवालिओ; माये मर्यानर.
 गोवाल; गौछों का चरानेवाला. a cow-
 herd. उत्त० २२, ४६; --वालख. पुं०
 (-वाकक) मायेने पालनार गोवाण.
 गौछों का पालन करनेवाला; गोवाल; गवली.
 a cowherd. मूय० २, २, २८; पि० नि०
 ३६७; --व्वहृ. त्रि० (-व्रतिक) मायनुं
 मन राप्पनार; माय अद्दर निकले त्पारे अद्दर
 जनुं; मायना भाया पथी आनुं; पाथी पीथा
 पथी पाथी पीनुं अने मायना सुया पथी
 मुनुं ओ मन धरनार. गांका मन रखने वाला;
 गौ बाहर निकले तब बाहर जाना, गांके
 जाने के पश्चात् जाना, पानी पीने के पश्चात्
 मल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐसे
 मन को धारण करने वाला. (one) who
 has taken a vow to go out, eat

drink and sleep when the cow
 has done all these things.

खगुजो० २०; जांब० १८;

गोखम. पुं० (गौतम) महावीरस्वामिना
 प्रथम मज्झिम-जानमर्यामी. महावीरस्वामी
 के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी. Gautama
 Swāmi, the first Gaṇadhara
 of Mahāvira Swāmi. जांब० १८;
 कप्प० १, २; गच्छा० ७६; (२) छद्भुति
 मज्झिम-जान. इन्द्रभूति गणधर का गोत्र.
 the lineage of the Gaṇadhara
 Indrabhūti. जं० १० ६, १२४; कप्प०
 ५, १२५; (३) विवित्र जगदने शब्दगारी
 तेनी भाईत भिक्षा उपासनार अक भिक्षुवर्ग.
 बैल को विवित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा
 भिक्षा एकत्र करने वाला; एक भिक्षुवर्ग.
 a class of beggars who deco-
 rate an ox and beg in its name.
 खगुजो० २०;

गोखर. पुं० (गोखर) आदार क्षेत्रानी विधा;
 गोयरी; मधुकरि. आहार लेने की विधा;
 गोबरी; मधुकरि. Process of begging
 food. नंदी० ४५; --भूमि. स्त्री० (-भूमि)
 गोयरीनी आठ भूमिका. गोबरीका आठ
 भूमिका. the eight places of beg-
 ging alms. गच्छा० ७३;

गोउर. न० (गोपुर-गोमिः पूर्वने इति)
 नभरने दरवाजे. नगर का दरवाजा. A
 city-gate. सम० १० २१०;

गोकुल. पुं० (गोकुल) भे भुरियागो मायना
 नर्या जानवागो पशु विशेष दो कुर वाला
 गौ के समान कान वाला पशु विशेष. A
 kind of animal with ears re-
 sembling those of cows and
 having two hoofs. जं० १० पण्ड०
 १, १; गच्छ० १; (२) सानभा अंतर्द्विपम;

रहेनार भाज्यस. सातवें चंद्रद्वीप में रहने वाला मनुष्य. a resident of the 7th Devaloka. जीवा० १, १; पद्य० १; —द्वीप. पुं० (-द्वीप) सवज्य समुद्रमां आरसे। गेअन पर ब्रह्मदिभयंननी ३४१ ७५२ आवेस गोक्ष्य नामनो अन्तर द्वीप. सवज्य समुद्रमें चारसी योजन पर ब्रह्मदिभयंत पर्वत के ऊपर आवा हुआ गोक्ष्य नामक अंतर द्वीप. name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavapa Samudra at the distance of 400 Yojanas. डा० ४, २;

गोचर. पुं० (गोचर) आगेने चरवानी रीति. गीषों की चरने की रीति. The way of grazing of cows. आवा० ४, २;

गोचरी. जी० (गोचरी) भिक्षा; गोचरी. भिक्षा; गोचरा. Begging; alms. आवा० ४, २;

गोक्ष्य. पुं० (गोक्ष्य) गुच्छा; पुं० गुच्छा गुच्छा अक्ष ७५३२७. गुच्छा; पूजने का एक उपकरण. A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग० ८, ६;

गोक्ष्य-ब्र. पुं० (गोक्ष्य) ब्रह्म-पात्र-गुच्छवानो (उननो) गोक्ष्य; ब्रह्म-पात्र साफ करने की बूझी. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पण्ड० १, २; दत्त० ४. वेय० १, १३; प्रव० ४६८;

गोक्ष्य. त्रि० (गोक्ष्य) गुच्छना गुच्छा वागु. फूलों के गुच्छे वाला. Having clusters of flowers. जोष० भग० १, १;

गोजलोका. जी० (गोजलोका) गोक्ष्योका नामनो वेष्टिद्य श्रु. गोजलोका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka. पद्य० १;

गोष्ठाभाहित. पुं० (गोष्ठाभाहित) गोष्ठाभाहित नामना सातवा निन्दव ३ गेछे श्रवने ३ भनो २५२१ थाय पञ्च अन्ध न थाय अंभ २थापन ३पुं. गोष्ठाभाहित नामक सातवें निन्दव कि जिन्दाने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया. Name of the 7th Nindhava who established that a soul is touched by Karma but not bound by them. डा० ७, १;

गोष्ठि. पुं० (गोष्ठि) अक्ष गोष्ठी-मण्डलीमां रहेनार; मित्र; दोस्त. एक गोष्ठी-मण्डलीमे रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. अणुशो० १४८;

गोष्ठिग. पुं० (गोष्ठि) मित्र; गोष्ठीमा. मित्र समुदाय; साथी. A friend. पंचा० १३, १५;

गोष्ठिज. त्रि० (गोष्ठिज) विट् पुरोहित गोष्ठी मण्डलीमां भाग सेनार; गोष्ठीमा. विट् पुरुषों की गोष्ठी-मंडली में भाग लेने वाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. अंत० ६, ३; विवा० २;

गोष्ठिग. पुं० (गोष्ठिग) गुच्छे "गोष्ठि" ५६. दोको "गोष्ठि" शब्द. Vide गोष्ठि " विवा० २; —गुच्छ. पुं० —गुच्छ) व्यभिचारी मंडलीमां रहेनार भाज्यस. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया० १६;

गोष्ठी. जी० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरोहित मण्डली. व्यभिचारी पुरुषों की मंडली. A circle of unchaste persons. अंत० ६, ३; (२) मित्र मण्डली. मित्र

मंडली. a circle of friends. पि०
वि० २४५; सु० ब० २, ३८९; नावा० १६;
गौड. पुं० (गौड) भा० देशना २६०। २. गौड
देश का रहने वाला. A resident of
Gauda country. पण्ड० १, १;
पञ० १;

गौडु. वि० (गौड) शु० सं० धी. गुड.
Treachle; (anything) sweet
(२) मधुर; मीठु. मधुर; मीठा. sweet,
delicious. भग० १८, ६;

गौडु. वि० (गौड-गुणविशेष) शु० धी
अनेकु-वधाधर् गुण निष्पन्न. गुण निष्पन्न;
गुणसे बना हुआ. Possessed of
proper qualities. अणुजो० १८०;
जोष० ४०; नावा० १; १६; भग० ११,
११; १२, १;

गौड. पुं० (गौड) अश्व; गृध्र. आश्वो.
बैल; हथभ; साँड़. An ox; a bull.
नावा० २, १, ५, २७; २, ३, ३, १३०;
सूत्र० २, २, ४२; जं० प० पु० ब० १२,
२७; जीवा० ३, ३; पञ० १; पण्ड० १, १;
२; भग० ८, ३; ६, ३३; ११, ११; १२,
१; नावा० ३; जोष० उवा० ८, २४२; (२)
अे नामने अेक अनार्य देश. इस नामका
एक अनार्य देश. name of an un-
civilised country. प्रब० १२६७;
—आवसिया. जी० (आवसिका) अण-
दोनी पतिन. बैलों की पंक्ति. a herd of
oxen. भग० ८, ३; —गिह. न० (-गृह)
अश्वदने २६०। ५२-२५। ५. बैलों को रहनेका
स्थान-घर. a fold for bullocks.
मिसी० ८, ६; १५, २७; —सकलसु. न०
(-सकल) अश्वदनां सक्षम जेतानी कला
बैल के लक्ष्यों को परखने की कला. an
art of testing the merits of an
ox. नावा० १; —सासा. जी० (-साका)

अश्वद सासा. बैलों का घर; बैल सासा. a
stable for bullocks. मिसी० ८, ६;
गौडुसा. जी० (गौडसा) अश्वदपक्षुः भूर्भता.
मूर्खता; बैलपन. State of being an
ox; foolishness. विवा० १;

गौडस. पुं० (गौडस) ईशु पिनाना सर्प.
पञ्च राहित सर्प. A serpent without
a hood. (२) सर्प, पिच्छि वनेरे. सर्प,
बिरछु इत्यादि. snake, scorpion etc.
पञ० १, जीवा० १; नावा० ८; पण्ड० १, १;

गौडी. जी० (गो) माय. गौ; माय. A cow
जोष० वि० भा० २३; पि० वि० ११६;
विशे० १४११;

गौडसु. वि० (गौड) शु० निष्पन्न नाम;
प्रभृति प्रत्ययना अधिने अनुसरण नाम.
गुण निष्पन्न नाम; प्रकृत प्रत्यय के लक्ष्य के
अनुसार नाम. A name according to
attributen. नावा० २; पण्ड० १, १;
अणुजो० १३१; (२) गौडु; मु० प० नदि
ते. गौड; मुख्य नहीं रह. minor. पि०
वि० भा० ३;

गौतम. पुं० (गौतम) अंतमः सुत्रना पदेसा
वर्भना पदेसा अभ्ययननु नाम. अतनगसुत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम अभ्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antyagāṇa
Sūtra. (२) अश्वकृष्णराजने प्रथम
पुत्र के लक्ष्ये नेमनाथप्रभु पासे दीक्षा लक्ष्य
आर २२२ प्रत्ययना पाणी सजुं ७५ ७५२
अेक भासने संधारे कगी भोक्ष भवा. अंधक-
राजा का प्रथम पुत्र, किं जियने
नेमनाथ प्रभु ने दीक्षा लेकर बारह वर्ष
पर्यंत प्रत्ययना का पालन कर शत्रुघ्नके ऊपर
एक मास का संवारा कर मोक्ष प्राप्त किया.
the first son of king Andhaka-
vripi who took Dikṣā from

Neimanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhāra for 1 month on Śatruñjaya mount and attained final bliss. अंत० १, १; (२) गौतम गज्जपर; महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य. the (Gajpadhara named Gautama भग० ८२, १; नाया० १६; (३) रोहिणी नक्षत्रम् आत्र. रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohini. सू० प० १०; (४) गौतम आत्रमां उत्पन्न भवेत्. गौतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुआ है वह. (one) born in the Gautama family. सू० प० १;

गोमिश्र न० (गोनीयं गोमार्थमिव) तमा-
मां उतरयाने। आरे। तालाव में उतरने का
आरा। A path to descend into a
pond. जीवा० १, ४;

गोत्र. न० (गोत्र-गृहणे संशयान्ते उवाचयैः
सर्वैरेवं तत्) वंशतो भूष पु३५-७ नामथी-
अ२३थी-५१ आ॥आतो होय ते वंश का
मूल पुत्र जिस नाम से-गोत्र से जो
वंश पहचाना जाता हो वह. The pro-
genitor of a line of descent,
from whom the surname of a
family is derived सू० १, २, ७,
५; ब्री० ११; त्रि० ५०६; रा० २६;
सू० प० १; भग० ३, १; नाया० १६; उवा०
१, ७६; जं० प० ७, १५५; (३) त्रि०
(नां वाचं ब्राह्मण इति गोत्रं सर्वानामाधार
भूतम्) सर्व आश्रयतो आधार. सर्व आगम
का आधार. the source of all the
scriptures. सू० १, १३, ६; (३)
मे० ३४; आ३भां० सा० ३४. गोत्र कर्म;
जाठमे से सातवां कर्म. Gotra Karma.

the 7th of the eight Karmas. મગ. ૮, ૧૦; —અગાર. પું. (-અગાર) ગોત્રની આનેકીનું ધર. ગોત્ર કે સ્વામિત્વ કા ગૃહ. a house of the same lineage. “ વહીવટ ગોસાગારાહ કા ” રબ્ધિજ ગોસાગારાહ કા ” મગ. ૧, ૭; —કર્મ. ન. (-કર્મજ) જેથી જીવ ઉચ નીચ ગોત્રમાં--કુલમાં ઉત્પન્ન થાય તે ક્રમ. જિનસે જીવ ઉચ નીચ કુલ મેં, ઉત્પન્ન હો વહ કર્મ. a kind of Karma causing birth in a high or low family. ઠા. ૨, ૪; —લુગ. ન. (-લુક) નામ અને ગોત્ર. નામ જ ગોત્ર. name and lineage. પ્રવ. ૧૨૧૨; —મેદ. પું. (-મેદિન્) ઇન્દ્ર. इन्द्र. the god Indra. સુ. ૧૦, ૨, ૧૫;

गोप्त. न० (गौतम) भाष्यपुत्रः गोत्वरूप सा-
मान्य भवति गौत्वः गोत्वस्य सामान्य जाति.
(Meaning of a cow. विशे० २१११;

गोपूज. पुं० (गोल्फूज) शयन समुद्रमा
 यारे दिशारे जंजुद्धापना जमतायी भेतालीस
 हलार जेजन उपरे आवेत वेदंधर देवाने
 रहेपानो पर्यंत. लवण समुद्रमे चारो दिशाओं
 मे जंजुद्धीय की सीमा से बयालीस सहस्र योजन
 के ऊपर आया हुआ बेलंधर देवों को रहने
 का पर्यंत. A mountain-residence
 of Velandhara gods at a dis-
 tance of 42 Yojanas in the
 east, in the Lavana Samudara.
 छ० ४, २. सम० ४२; जीवा० ३. ४; भग०
 १, ८: (२) ११ मां भेवांसनाथना प्रथम
 मलयधरुं नाम. ११वें भेवांसनाथ के प्रथम
 गणधर का नाम. name of the first
 Gṇadhara of the 11th Śre-
 yānsanātha. सम० ५० २३३;

गोधूमा. बी० (गोसूमा) पश्चिम दिशान.

अंजनकपर्वतनी-पश्चिम तराईनी वायव्यं नाम. पश्चिम दिशा के अंजनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावली का नाम. Name of a well on the Anjanaka mountain in the west. अ० ४, २; जीवा० १, ४; प्रब० १५०२;

गोदास. पुं० (गोदास) ऐ नामना भुनि. इस नाम के मुनि. Name of an ascetic. कण० ८;—गोदास. पुं०—(ग ८) महावीरस्वामिना नवमधुभिर्नामैः मधु-साधु समुदाय. महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण साधु समुदाय. One of the nine Gṛham or groups of saints founded by Mahāvira Swami. अ० १;

गोधूम. पुं० (गोधूम) गोधूम; ५३. गोधूम; गेहूँ. Wheat. भग० १४, ७; ११; १; अ० १, १; जीवा० १, १; जं० ५०

गोपुर. न० (गोपुर गोमः पूर्वेते द्वारं) धर्मेन्दो देवाभिः शहर का दरवाजा. A city-gate. भाषा० ५; १६; भग० २, ७; ८, १; उत्त० ६, १८; आब० अणुजं० ११४; राब० २०१; गिरी० ८, १; जीवा० १, १; जं० ५० सू० ५० १;

गोप्यव. न० (गोप्यव) आपना पत्रा गेटुं—गेभां पत्र पुत्रे तेष्टुं आपोयति। गो के पैर जितने प्रमाण का कड़ा जिसमें गाय का पैर मात्र डूब सके. A puddle having the depth of the measure of a cow's foot. "उहा समुहो महा गोप्यव" अणुजो० १४०; अ० ४, ४; विते० १४६६;

गोप्यवमिष. त्रि० (गोप्यवमात्र) आपनी भरी गेटुं। नाम्नां आपोयति गो के कुर जितना; कौय कण्ठ. Of the measure of a cow's hoof. e. g. a pit. इ० ३, १४;

गोप्यहेमिषा. स्त्री० (गोप्यहेमिषा) आपोने भरवाभाटे बोझ पास पाणी भूमि. गौओं का चरने के लिये बोटे घास वाली भूमि. A pasture ground for cows having thinly growing grass. आवा० २, १०, १६६;

गोफ. पुं० (गुफ) पुटी-पत्रनी ऐरी. पुटी-एरी. A heel. पण० १, ४;

गोबहुल. पुं० (गोबहुल) शरवधु नामना ग्राममां रहंनार अहं आधुजुं नाम. शरवध नामक ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम. Name of a Brahmana living in a village named Śravan. भग० १५, १;

गोवर्ध. पुं० (गोवर्ध) भगवत् देशमानुं अहं नाम. भगवत् देश का एक ग्राम. Name of village in the Magadha country. वि० वि० १६६;

गोभक्षित. त्रि० (गोभक्षित) आपनी पेट आहार करनार. गो के समान आहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow. भाषा० १५; गोमंत. त्रि० (गोमन्) आपवायो. गौओं का रक्षक; गवली. A cowherd; (one) having cows. विते० १६६८;

गोमय. न० (गोमय) आधु. गोबर. Cow-dung. निर्मा० १२, १८; भग० ५, २; आवा० १, १, ४, १७; २, १, १, १; भग० १६२; दण० ५, १, ७;—कीट. पुं०—(कीट) आधुनो गीति-अगुरि द्वि ७४. गोबरका कीटा-चतुरिदिव जीव. an insect in cowdung; a four-sensed being. भग० १५, १; जीवा० १; पण० १;—राशि. पुं०—(राशि) आधुनो अमेले. गोबर का ढेर. a heap of cow-dung. भग० ८, २; १५, १;

गोमाउ. पुं० (गोमाउ) कृमाव; विषाध.

तृणक; सिवार; A jackal. नावा० ४;
गोमायुपुत्र. पुं० (गोमायुपुत्र) गोमायुपुत्र
नामना अ० सा०. गोमायुपुत्र नाम के एक
सा०. An ascetic so named.
भग० १२, १;

गोमायुसिद्धा-वा. जी० (गोमायसिद्धा)
शय्या; पथारी. शय्या; बिछौना. A bed.
(२) बांभे ओटभे. लंबा चोटला. A
long verandah. सं० प० राय० १०६;
गोमायुसी. जी० (गोमायसी) शय्या. शय्या.
A bed. जीवा० १, ४;

गोमिच्छ. त्रि० (गोमिच्छ नावस्तमित कस्वेति)
लुभे। " गोमंत " श०६. देवी " गोमंत "
शम्भ. Vido " गोमंत " अणुगो० १११;
पण्ड० १, २; इम० ७, १६; १६;

गोमिच्छज. पुं० (गोमिच्छ) अ० गतने।
मणि; समित कठिन पृथ्वीने। अ० गत।
गोमिच्छ-एक जाति का मणि; समित कठिन
पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त०
१६, ७६;

गोमिच्छी. जी० (गोमिच्छी) आयासी स्त्री.
गववासी जी. A woman. possess-
ing a cow. इत० ७, १६;

गोमुसिद्धा. जी० (गोमुसिद्धा) आसती आय
भुतरे तेने आकारे वांछी आयरी करी ते;
धरनी मे पक्षितमां अ० वार अ० पक्षितना
अ० धरे ओहरी पछी रहानी पक्षितनुं अ०
धरे ओहरे वगीपाछे पहेली पक्षितमां अ०
धरे मुकी आयरी करे अ० आयुत्रिधाने
आकारे धरे ओहरे तेभिक्षानुं नाम आयुत्रिधा;
भिक्षाना अभिप्रदाने। अ० प्रहार. जिस
प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी
आकार में वह गोचरी करना जबत बरों की
हो पक्षितनी में से एक बार एक पक्षित के एक
बार में से निहा केकर कबीर की पक्षि के
एक बार से निहा लेना; पुनः पहिली पक्षि

में एक बार झोंद गोचरी करना इस प्रकार
गोमुसिद्धा के आकार से बार बार निहालेना
उसका नाम गोमुसिद्धा; निहा के अभिप्रदान का
एक प्रकार. A vow to beg food; a
particular mode or fashion viz.
in imitation of the zigzag
course described when a cow
moves on shedding a stream
of urine as she walks; e. g.
while begging food from two
rows of houses the ascetic
would begin with the first
house of one row and then go
to the first house of the oppo-
site row then to the second
house of the first row and so
on. उत्त० १०, १६; ठा० ४, २; ६, १;
इमा० ७, १; प्रब० ७२२;

गोमुसी. जी० (गोमुसिद्धा) आय के अर्द्ध
भुतरे तेने अ० आकार थाय ते. गौ का बेल
मूत्र करे उसका जो आकार हो वह. The
zigzag shape which is formed
while a cow or a bullock passes
urine while it moves. क०
गं० १, २०;

गोमुद. पुं० (गोमुद) लवण समुद्रमां पायसे।
नेज्ज ७५२ दृष्टान प्रुषांमां आवेस आयुष
नामने अ० अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में
वांचसी योजना पर इरान कोन में जावा हुआ
गोमुद नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvipa (an island)
in the north-east in Lavana
Samudra at a distance of 500
Yojanas. ठा० ४, २; प्रब० १४३६; (२)
१२मां द्वीपमां रहेनार आयुष. १२वें द्वीप में
रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पञ्च० १; (३) श्रीशङ्करदेव स्वाधीना यक्षनु नाम. श्रीशङ्कर-
देव स्वाधी के यक्ष का नाम. name of
the Yakṣa of Śrī Rṣabhadeva
Swāmi. प्रच० १७१;

गोमुदी. जी० (गोमुदी) अनामनु अक्ष
वाञ्छित; आयना भुञ्जेषु-शाल मञ्जनीया
विभेरे. इस नामका एक वाजित्र; गीके मुख के
जाकरका वाजित्र विशेष. A kind of
wind instrument; ०. ५. a
bugle etc. अष्टाशो० १२८; ठ० ०. १;
नावा० १८; राव० ८८;

गोमेख. पुं० (गोमेख) अक्ष जनना भक्षि.
एक जातिक माण. A kind of gem.
पञ्च० १;

गोमेख. पुं० (गोमेख) नेमिनाथशुना यक्षनु
नाम. नेमिनाथजी के यक्ष का नाम. Name
of the Yakṣa of Neminātha.
प्रच० १७६;

गोहि. पुं० (गोहिन्) त्रय प्रन्द्रिय वाला
शुचि; ३११ अशुचि. तीन इन्द्रिय वाला जीव;
कन चत्वार. A three-sensed being;
a centiped. पञ्च० १;

गोत्र. पुं० न० (गोत्र) सांतभु जात्रकन
जेना सिद्धथी शुचि उच्च अथवा नीच जात्र
पावे छे. सा.वा गोत्रकर्म जिसके उदयसे
जीव उच्च किंवा नीच गोत्र पाता है. The
7th variety of Karma known
as Gotra Karma by the rise
of which a soul gets high or
low lineage. पञ्च० २०; २२; जोष०
२०; नावा० ८; भग० २६, १; विशे०
११८७; क० व० १, २६, २, २; क० गं०
१, २, २२; २, ७५; उत्त० २२, २; प्रच०
१२६४; (२) जेना; वंश; अट्ठ. गोत्र;
वंश; कुलसम. lineage; family !

name. जोष० २७; भग० २, २; (२)
(गो बाही जावत इति गोत्रव) गौन धारण
करतुं ते; वाङ्मयम. मौन धारण करना;
वाङ्मयम. keeping of silence.

सूच० १, १८, २०; — कर्म. न०
(-कर्मन्) जुआ जाय शब्दने पीजे
अर्थ. देखो "गोव". शब्द का द्वितीय अर्थ.
vide the second meaning of the
word "गोव". उत्त० २२, १८; — पुन.

न० (-द्विक) जात्र द्वि; उच्च जात्र अने
नीच जात्र अने जात्रकर्मनी अने प्रकृति गोत्र
द्विक; उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो
प्रकृति. the two varieties of
Gotra Karma viz. high and
low lineage. क० गं० २, १८; — प्रच.

पु० (-मद) उच्च जात्र भजे तेना भद
करवे ते. उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका
मद करना. pride of high family.
सूच० १, १३, १४;

गोयम. पुं० (गौतम — गौमि: तमो ध्वरतं वस्व)
जुआ " गौतम " शब्द. देखो " गौतम "
शब्द Vide " गौतम " " गोवमोष गो-
तम " गं० १० उवा० १, ७६; अष्टाशो० ८६;
१३४; जोष० २, ८, उत्त० १०, १; १८,
२०; २२, ६; नंदी० स्व० २८; भग० ७, १;
१८, १०; नावा० १; ८७; १०; ११; १२; १३;
राव० ७८; (२) सुरिषक (धरण्य समुद्र
स्वामि) देवतेना गौतम नामे द्वीप. सुस्थिक
देवता का गौतम नामक द्वीप. name of
an island of the god Susthika
the lord of Lavana Samudra.
जीवा० २, ८, (२) गौतम जे तमां उत्पन्न
धर्म-भूनि सुमत अने नेमि तीर्थकर नारायण
अने पञ्चसिद्धावना वासुदेव, अश्वदेव, छन्दभूनि
आदि तक्षु तक्षुकर वनेरे. गौतम गोत्र जे
उत्पन्न सुमि सुमत व नेमि तीर्थकर.

नारायण व पद्मे निवास वासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूति आदि तीन गणेश्वर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and NemiTirthahkara Vāmadeva-Baladeva, excepting Nārāyaṇa and Padma; the three Gaṇadharas e. g. Indrabhūti etc. डा० ७, १; (४) पुं० गो-शासनो ऽडा ५३३ परिदार-इतिवत् अन्तर्गतं नाम. गोशाला का कृत्र पत्र परिहार काव्यत आदित्य का नाम the imaginary sixth incarnation of Gośālā. भग० ११, १; —गोस. न० (-गोत्र) इन्द्रभूति गणेश्वरं गौतम गोत्र इन्द्रभूति गणेश्वर का गौतम गोत्र. the family named Gautama to which the Gaṇadharma Indrabhūti belonged. भग० १, १; १, १; —स्वामि पुं० (स्वामिन्) गौतमस्वामी गौतम स्वामी (Gautama Swāmi. नावा० १६;

गोविन्दकुमार. पुं० (गौतमकुमार) अ५३ पुं० निरागने कुमारः दश दशरथानो अ३. अथकृष्ण राजा का कुमारः दश दशरथ में से एक. A son of king Andhaka Vriṣṇi; one of the ten Daśārāṇa. जंत० १, १;

गोविन्दद्वीप. पुं० (गौतमद्वीप) लवण समुद्रां गौतमद्वीप नामनो टापु उ त्वां सुस्थित नामनो लवणसमुद्रो अपिपति रडे उ. लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहां सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है. Name of an island in Lāvāṇa Samudra where the lord of that ocean resides, सम० ६७;

गोविन्दपुत्र. पुं० (गौतमपुत्र) गौतमनो पुत्र

अर्जुन. गौतम का पुत्र अर्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmi. भग० ११, १;

गोवर. पुं० (गोवर-गौरिव चराते वस्मिन् नः) गायत्री; साधुं गायतिथी, शिक्षा सेवा अर्जुने. गोवरी; साधु का गौतमि मे शिक्षा सेवा के वास्ते जाना. Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. वि० नि० १६४; राय० २३१; सम० ७० १६८; उत्त० ११, ५१; ओष० नि० भा० ६६; नाया० १; भग० २, १; वेद० ६, १६; दसा० ७, १; (२) स्थान स्थान. a place. वि० १६६; भग० ७, ६; (३) सम्मुख; प्रत्यक्ष. in front of; in presence. दसा० २, २१ (४) वि० १५; सम्बन्धी विषयों, संबंधों. relating to. जं० १० ३, ३६; पंचा० १, ३; —काल. पुं० (काल) गौतमिनी समय. गोवरीका समय. time of begging food. दसा० ७, १; —चरिया. को० (-चर्चा-गोवर-रथं गावर इव चर्चा) गौतमिनी चर्चा. गोवरी की चर्चा. mode of proceeding to beg alms दसा० ७, १;

गोवरम्मा. न० (गावराज्य) अत्र-प्रधान-अध-गोवर-मिक्षा; आपा इमादि दोष रहित मिक्षा-गोवरी. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Adhākarma etc. उत्त० २, २६; ३०, २६; दस० १, १, २; १६; ६, २०; —गच्छ. नि० (-गत) मिक्षा-भाटे अपेक्ष. मिक्षा के लिये गया हुआ. gone to beg alms. दस० १, १, २; —पचट्टि. नि० (-प्रविष्ट) लुभो " गोवरम्माज "

५७६. देखो " गोवरगगज " शब्द.
vide "गोवरगगज " दम० ४, १, १४;
६, ५७;

गोवादाय. पुं० (गोत्रवाद) गोत्रना नामधेय
क्रीडने गोत्रावतु-रूप के द्वे गोत्रम. गोत्र के
नाम से कक्षा को पुकारना; यथा-हे गोत्रम.
Addressing a person by his
family-name.. सू० १, ६, २७;

गोर. त्रि० (गौर) सङ्केदः किरणः धातुः श्वेतः
उज्ज्वलः मफेद. White. आद्य० २६; पञ०
२; उवा० १, ७६; —खर. पुं० (खर)
धातो मर्द-मर्दित. श्वेत गर्भः; मफेद
गवा. a white muzz. पञ० १; —मिग.
पुं० (—मृग) सङ्केद दशज श्वेत मृग; मफेद
हिरन. a white deer. आद्या० २, २,
७, १४६; —मिग. न० (—मृग) सङ्केद
दशज. श्वेत मृग. a white deer. निर्मा०
७, ११;

गोरव. न० (गौरव) गौरव; भद्रिभा;
भेदादि. गौरव; मादमा; बडाई. (Glori-
ous; glory. विश० ३६७३; जं० ७०
सू० ७० २०;

गोरस. पुं० (गोरस गवां रसः व्युत्पत्ति-
रूपेण-प्रवृत्तिस्तु महीरवादीनां दुग्धादि
रूप रसे) दधि-दूध-भास्य पमेरे. दहा-दूध
छाछ इत्यादि. Milk, curds, whey
etc. पि० निर्मा० ५०; नाया० ८; १७. प्रव०
१४२२;

गोरहज. पुं० (गोरवक) त्रय वर्षीय-नालो
याउडा. तीन वर्ष का-छोटा बछ्हा. A
young ox three years old.
आद्या० २, ४, २, १३६; सू० १, ४, २,
१३६ दम० ७, २४;

गोरी. स्त्री० (गोरी) अंतःसूत्रना पांशुभां
वर्तना पीत अभ्यवननं नाम. अतमद
सूत्र के पांशुवे वर्त के द्वितीय अभ्यवन का

नाम. Name of the second chap-
ter of the fifth section of
Antyagada Sutra. (२) कृष्ण वासु-
देवनी अंक पदशती के जे नेमनाथ प्रभु की
देवता सामग्री विरक्त था पक्षिणी आया
पांशु दीक्षा अंगीकार करी ११ अम लक्ष्मी
पीत वर्णनी प्रयत्नया पाणी अंक भासनी
संभारो करी निर्वाणपद पांशु. कृष्ण वासु-
देव का एक पहचान कि जो नेमनाथ प्रभु की
देशना का प्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी
आया से दोहा अंगीकार का व ११
अंगो का अभ्यास कर बांस वर्ष की प्रमत्तया
का पालन कर एक मास का संधारा कर
निर्वाण पद का प्राप्त हुई. name of a
principal queen of Krishna
Vasudeva. She gave up world-
ly attachment as a result of
the preaching of Nemanatha
and took Dikṣā from a nun
named Yaksini. After study-
ing 11 Āṅgas and practising
asceticism for twenty years
she attained to salvation after
one month's Santhārā (giving
up food and water). अत० ४, २;
टा० ८, १; (२) पार्वती. पार्वती the
goddess Pārvatī. सू० २२, २७.
सू० ३० २, ३३; (३) गोत्रवर्णवाणी स्त्री.
गौर वर्ण वाला स्त्री. a woman with
fair skin. अणुशो० १२८; टा० ७ १;
गोरोवक न० (गोरोवन) अङ्ग यद्वन्. लाल
चंदन. The bezoar stone. पंचा०
४, १३;

गोस. त्रि० (गोस) गोस; धांभांटा, भेष्ठा
पमेरे. गोस; गोटी, गोसी इत्यादि. A
small ball etc for play. अणुशो०

३, १; भग० १०, ४; १३, २; पञ० १; जं० ५० ७, १७; सू० प० १८; (२) कश्यप गोत्रणी अंश शाखा अने तेमां उत्पन्न थयेत पुश्च. कश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kasyapa family; a person born in it. डा० ७, १; (३) कौश्र अंश देशमां वपरायेथ अपमान सूचक संज्ञा-धन. किंश मुक्त में प्रचलित जयमान गूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect). नावा० ३; आया० २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं० (गोलगुल) यान२. बंदर. A monkey. भग० १२, ८; —वस्त्रम.

पुं० (—वस्त्रम) भेदोत्त यान२. बड़ा बंदर. a big monkey. भग० १२, ८;

गोलब. पुं० (गोलब) गोला; गोला पिष्टोः इति. गोला; गेद; A ball. उत्त० २६, ४०;

गोलबहु. त्रि० (गोलबहु) गोलाकारे; वर्तुल. गोलाकार; वर्तुलाकृतिये. Round; circular. सम० ३५; जं० ५० ७, १७०; २, १३;

गोलकायल. न० (गोलकायल) अनुश्रुता नक्षत्रं गोत्र. अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā. सू० प० १०;

गोलीकायल. पुं० (गोलीकायल) कैशिक गोत्रणी शाखा. कैशिक गोत्र की शाखा. A branch of the lineage named Kaudika. (१) ते शाखाभिर्ना पुश्च. उस शाखामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage. डा० ७, १;

गोलीकलासा. स्त्री० (गोलीकलासा) गोली वेधवाणी दुकान. कुछ वेधने की दुकान. A

shop for selling treacle. (२) शायेने डोढ़वानुं स्थान गौवांका दूध निकालने का स्थान. a place for milking cows. वच० ३, १; ७;

गोलुकि सह. पुं० (गोलुकि शब्द) श्रेष्ठगी नामना या अत्रने शब्द. एक प्रकारके वादित्त का शब्द. Sound of a musical instrument. निशा० १७, ३३;

गोलोम. पुं० (गोलोम) अने ईदियवात्रो अत्र; (आजुमां थाय छे ते.) दो हंडिय वाला जांव-गोबर में होता है वह. A two-hensed being; (found in cow-dung). पञ० १; निशा० १०, ५०; (२) शायनुं शब्द. गौ का रूवा. the fur of a cow. कप० ३, ५७;

✓ गोब. धा० I, II. (गुप्) अयावतु; छुपावतु. बचाना; छिपाना. To hide; to protect.

गोबेह. नावा० १६;

गोबलि. सु० व० १५, ६;

गोबिता. सं० ह० नावा० १६;

गोबिलप. हे० ह० नावा० १६;

गोब. पुं० (गोब. गां भूमि का पालि रक्षति) गोवाला. गवली; माला. A cowherd.

विश० २३५९; वि० नि० ६६७; मत० ८१;

गोबलायल. न० (गोबलायल) पूर्वां शब्दगुनी नक्षत्रं गोत्र. पूर्वां काशगुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Pūrvāśāl guni constellation. सू० प० १०; जं० ५० ७, १५६;

गोवालिआ. स्त्री० (गोवालिआ) गोवालिआ नामनी आर्वा. गोवालिआ नामक आर्वा. Name of a nun. नावा० १६;

गोवाली. स्त्री० (गोवाली) अने नामनी अने वेध. इस नाम की कता. Name of a creeper. वच० १;

गोवीहि. जी० (गोवीहि) शुक्रनी प्रति विशेष.
 छुट की गति विशेष. A particular
 kind of motion; the motion of
 Venus. अ० ६, १;

गोस. पुं० (*) प्रातःकाल; सवार.
 प्रातःकाल; सवेरा. Morning; dawn.
 म० व० २, ११; ४, २०२; प्रव० १६१;
 पंचा० १, २०; —करणीय. त्रि० (—कर-
 णीय) सवारभां करवा लायक (धर्म-
 भ्यानादि). प्रातःकाल में करने योग्य (धर्म-
 भ्यानादि). (anything) to be done
 in the morning; i. e. religious
 meditation etc. म० व० २, ७५;

गोसाक. पुं० (गोसाक) गोसाक्षी-भ्रातृपुत्र,
 पुत्र, जेनुं विवरण भगवती सूत्रना १२ भा
 शतकभां छे. गोसाक्षी भ्रातृपुत्र, जिस
 का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक
 में है. Gōṣākā—the son of Man-
 khali, described in the 15th
 Śataka of Bhagavati Sūtra
 म० १२, १; भाषा० १६; उवा० ७, १८८;
 गोसाकस. पुं० (गोसाकस) जुआ उपदे
 श०६. देखो ऊपर का शब्द. Vide above.
 प्रव० ७४०; —मन्त्र. न० (—मन्त्र) गोसाक्षी-
 ना भत. गोसाका का मन्त्र. the tenet
 of Gōṣākā. प्रव० ७४०;

गोसीस. न० (गोसीस) गोसाक्षी भ्रातृपुत्र
 निःशङ्कु गोसाक्षी. गौ के मस्तक में से निक-
 लने वाला गोरोचन. A yellow pig-
 ment found in the head of a
 cow. अ० ५० १, ११४; पञ्च० २; स्रज० ५०
 २१०; भाषा० १; म० ९, १३; १५, १;
 जोव० (२) गोसाक्षी भ्रातृपुत्र. गौ का मस्तक.

the head of a cow. म० ५० १०;
 —जावलि. जी० (—जावलि) गोसाक्षी
 भ्रातृपुत्र की पंक्ति. गौ के मस्तक की पंक्ति.
 a line of the heads of cows.
 म० ५० १०;

गोह. पुं० (गोह) जुआ " गोहा " शब्द.
 देखो " गोहा " शब्द. Vide " गोहा "
 पण्य० १, १; उवा० १६; १८०; जीवा० १;
 वसा० ९, ४;

गोहा. जी० (गोहा) धो; स्रज ७२५ जेनुं ओ
 २५६ प्राणी ओने जीवों में और ५५
 होय छे, रात्रि सिद्धार सारं चंद्र नीक छे
 ओनी ओ लत छे—चंद्रनीक ओ पंढरा धो.
 चां जैसा एक चण्डा प्राणी उसके शरीर पर
 बिलके व चार पैर हांते हैं, रात्रि को सिद्धार
 के वास्ते निकलती है उसकी दो छाति है—
 चंद्रनीक व पाटलाचां. A lizard-like
 animal having scales and four
 feet. It moves out in search
 of prey at night. It is of
 two kinds. (1) Chandanagho
 and (2) Pātlaḡho. भाषा० ८; स्रज०
 २, १, ६३; २, १, २५; म० ८, १; १५, १;
 —जावलिवा. जी० (—जावलिवा) धोनी
 पंक्ति. गो की पंक्ति. a row of lizard-
 like animals. म० ८, १;

गोहिजा-वा. जी० (गोहिजा) भास दोहनुं
 ओ लतनुं वाद्यं. गौ कोनों का एक
 तरह का वाद्य. A kind of musical
 instrument used by tumblers
 etc. जङ्गुवो० १२८; जीवा० २, ११, १६८;
 अ० ७, १; विवा० ७१. (२) गोहिजा धो.
 गोहिजा धो A kind of lizard. जीवा०

* जुआ पुत्र १५ नी फुटने (*). देखो पुत्र १५ नी फुटने (*). Vide
 foot-note (*) p. 15th.

१: —सह पु० (—सह) आंजना वाजि-
यने। सह. मांको के वाजि का सह.
the sound of a musical instru-
ment of a bard. निरी० १०, १५;
गोही. जी० (गोही) गोलू. गोहरी. A
female lizard-like animal.
जीवा० १;
गोहूम. पु० (गोहूम) धरु; धान्यनी अंश
गत. गेहूं; धान्य की एक जाति. Whont;
a kind of corn. पञ० १; वेय० २, १;
प्र० १००६;
✓ ग्राह. पा० II. (ग्राह) ग्रहण करुं.
ग्रहण करना. To accept.
गह्व. निरी० १, ५४;
गह्वी. भ० पु० प० ८, १६७;
गह्वि. सं० ह० पु० प० १२, १७६;
गह्वर. सं० ह० नाया० १६;
गहाव. डल० ६, २; अणुमो १६८; भग०

२, १; ३, १; ४, १०; ६, ३३;
११, ६; १३, ६; १४, १; १६, १;
नाया० १; २; ३; ४; ७; ८; १९;
१८; दमा० ७, १; १०, ३; विवा०
२; ९; ७; निरी० ३, ८२; ७, २६;
६, ४; वय० ७, १७; ८, ११; राय०
३३; वेय० १, १७; निर० ३, ३;
गह्व. प्रे० नाया० ५; आं० ३०;
गहावड. प्रे० नि० पु० प० १०, १२६;
गह्विनि. प्रे० भ० भग० ७, ६; जं० प०
२, ३६;
गह्वरसं. प्रे० भ० विशेष० १४५६;
गह्विना. प्रे० मं० क० भय० ७, ९; कोष०
३०;
गह्वर. प्रे० मं० क० नाया० ५;
✓ ग्रा. (ग्रा) सुंधने. सुंधना. To smell.
ग्रिह्व. निरी० १, ८; ६, ५;
ग्रिह्वंत. निरी० १, ६;

घ.

कंच. त्रि० (०) गरीब अनाथ. गरीब; अनाथ.
Poor; destitute. वि० नि० ३४६;
—साहा. जी० (—साहा) अनाथाश्रम;
धर्मसाहा. अनाथालय; धर्मसाहा. A
house of charity for the help-
less. जीव० नि० ६३६;
पुं० (वरद) पट्टी; टोडरी. घंटी. A
bell. भग० ९, ३३; पु० प० २, ३०३;
प्र० ११७७; जं० प० ६, ११५; —रघ.
पुं० (—रघ) पट्टी अनाथ. घंटी की आवाज.
घंटा का आद. Sound of a bell
नाया० ५;

घंटा. जी० (घंटा) पट्टी; टोडरी. घंटी. A
bell. जीव० नि० भा० ८६; जीव० ३०;
नाया० १, ३; राय० ३७; जं० पं० ५, ११५;
उवा० ७, २०६; —आवाज. जी० (—आ-
वाज) पट्टी की पंक्ति. घंटों की पंक्ति. A
series of bells. नाया० १; राय० जीव०
घण्टि-घ. पुं० (घण्टि-घण्टिवा करति तां
वाद्यन्तीति घण्टिकाः) पट्टी आदी शिक्षा
भाषना; राउलिक. घंटा बजाकर भिक्षा
मांगने वाला; राउलिक. One who
begs alms by ringing a bell; a
Raulika. नाया० ६; कण्ठ० ५, १०७;

* लुमो १४ नम्बर १५ नी फुटनोट (०). देखो दृष्ट नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

घंटिका-वा. जी० (घटिका) ५५८डी;
 पुष्परी. घंटी; पुष्परी. A bell; a small
 bell. रा० ४४; जीवा १, १; नावा० १;
 प्र० १११; (२) ओ३ लृ० नृ० आ० अ०
 एक जातिका आभरण. a kind of
 ornament. जं० प० ४, ११२; उवा०
 ७, २०६; नावा० ६; —आल. न० (—आल)
 घंटीओना, पुष्परीओना समूह. घंटियों का
 समूह; पुष्परियों का समूह. a collection,
 bunch of small bells भग० ४, ११;
 घंनु. वि० (घातुक) भादनार; घात करनेवाला.
 मारनेवाला; घात करनेवाला. A killer;
 a destroyer “रमणिदेन घनुचा”
 उत० १८, ७;
 घंसल न० (घर्षण) घसलुं, घिसना, घर्षण
 Rubbing; friction. विशेष० २०४३;
 नावा० १;
 घंसल-घ. वि० (घर्षिक) घंस्ननी पेंडे
 घमेनुं; लरेलुं. घन्दन का तरह घिसा हुआ
 Rubbed against a hard sub-
 stance; e. g. Sandal-wood. जा०
 १८;
 घकारम्पविमसि पुं० (घकारमविमसि)
 “घ” ना आकार लेनुं ३२ नाटकभानुं ओ३.
 “घ” की आकृति जैसा; ३२ नाटक में से
 एक. Anything of the shape of
 the letter “घ” one of the 32
 draughts. रा० ६३;
 ✓ घट्ट. वा० I, II. (घट्ट) २५४ करेवो;
 दहावतुं स्पर्शकरना; हिलाना To touch;
 to give motion.
 घट्ट. मय० १, १; रा० २६६;
 घट्ट. नावा० १;
 घट्टि. नावा० ४;
 घट्टिजा. वि० दस० ४;
 घट्टेजा. वि० दस० ४;

Vol. II 53.

घट्टाविजा. वि० वि० दस० ४;
 घट्टावेजा. वि० वि० दस० ४;
 घट्टि. सं० कु० वि० नि० २५४;
 घट्टे. जा० नि० १००
 घट्टेन. व० कु० दस० ४.
 घट्टन. न० (घट्टक) घसवाने पाओ; घिसने
 का पत्थर. A hard stone used for
 rubbing things against जा०
 १००१,
 घट्टल न० (घट्टन) संप्रदायवो; अथवा
 मचन होना; मचनाना Clash, collision.
 दस० ४; डा० ४, ४; पं० १४, ११.
 घट्टलया. जी० (घट्टना) संप्रदाय करवो;
 आरंभने पसलुं. मचन करना; मोरसे दहा
 कर घिसना. Rubbing with great
 pressure वज० १६; जा० १८;
 घट्टिय. वि० (घट्टिन) भादोभादि २५४
 थाप लेनी गीने दहावेन; घट्टना—करसना
 पामेन. परस्पर स्पर्श हो इन तरह हिलाना
 हुआ. caused to collide; moved
 in a way to cause friction.
 “घट्टिवाए कट्टिवाए जोमिवाए” जं० प०
 १; रा० १२८; वि० नि० ५२३; (२)
 २५४. स्पृष्ट. touched. पद० १, १;
 (३) प्रेरणा करेन. प्रेरणा किवा हुआ;
 प्रारन. directed; instructed. पद०
 १, १
 घट्ट. वि० (घट्ट) घमेनुं; पाटील करेनुं;
 पथनी पेंडे साध करेनुं घिसा हुआ; पत्थर
 के समान माफ किवा हुआ. Rubbed;
 polished. जा० ४३; नावा० २, २,
 १, ६४; २, ५, १, १४४; अणुमो० २१;
 मू० प० जीवा० १, ६; मय० २, ४; जं०
 १० जा० नि० ६८; वज० १; दस०
 १४४; मय० २११; रा० कण० १, १२,
 ६, २;

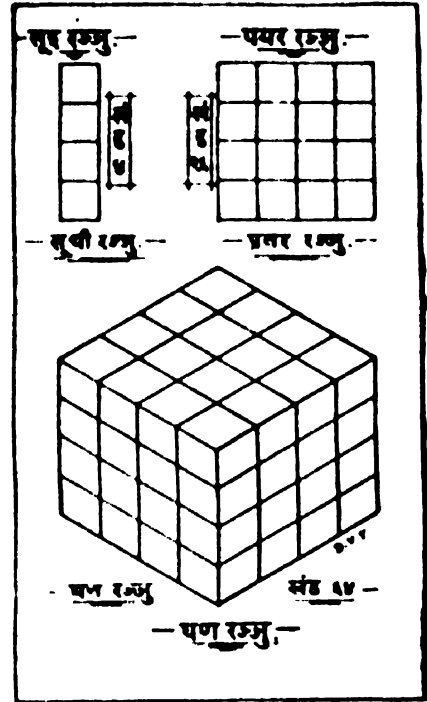
✓ घट. वा० I, II. (घट्) ५३५; टीपणुं.
 घटना; घमाना. To hammer; to fa-
 shion. (२) ५८५ ३२१. घटना करना.
 to mould
 घटह. पु० व० २, १८२;
 घटो. नाया० व;
 घटित. इ० क० नाया० व;
 घटित. भग० ४७;
 घटित. भग० ११, १; जं० प० ५, ११४;
 घटिता. सं० क० जं० प० ५, ११४;
 घट. पुं० (घट-घटनेऔ घटनाद् वा घटः)
 प५; ४५१ घटा; कलश. A pot; a
 pitcher. विशेष० ११; भग० ५, ४, ८,
 १०; प५० २; पि० नि० ८८; १२२; घोष०
 चण्डुजो० १२१; सम० २५; पं५० १, ११;
 प्र५० ६४५; --कार. पुं० (--कार)
 ५५५० अनायनार; ५५२. घट बनान वाला
 कुंमकार; कुंमार. a potter. विशेष० १८१५;
 --दास पुं० (--दास) पाण्डी भरभार
 नोकर. पानी भरने वाला नौकर. a servant
 employed to fetch water.
 नाया० २, ४, १, १२८; --दासी. जी०
 (--दासी) पाण्डी भरभारी दासी. पानी
 भरने वाली दासी. a servant-maid
 employed to fetch water. सू५०
 १, १४, ८; --मुह. पुं० (--मुह)
 ५५५० मोह. घटका मुह; घट का मुह.
 the mouth of a pot. सम० १४;
 घटक. पुं० (घटक) ५३. घटा; घट. A
 pot. चण्डुजो० १२२;
 घटन. पुं० (घटक) ५३. घटा; घट. A
 pot. नाया० १६; जं० प०
 घटव. न० (घटन) उद्यम; प्रयत्न. उद्यम;
 प्रयत्न. Effort; industry. प५० २, १;
 घटवा. जी० (घटना) ५८५ ३२१; मोहपुं.
 घटना करना; योजना करना Formation.

विशे० १२०१७; पं५० १२, ४२;
 घटव. न० (घटव) ५५५० आ५; ५८५५.
 घटे का भाव; घटत्व. State of being
 a pot. भग० २, २;
 घटवा. जी० (घटना-घटा समुदायरचना
 तद्भावः तत्ता) समुदाय रचनाना आ५.
 समुदाय रचना का भाव. Formation
 of group. जीवा० ३, २; भग० ५, ३;
 ११, १०; १८, १०;
 घटव. पुं० (घटक) लुगो " घटन " शब्द.
 देखो " घटन " शब्द Vide " घटन "
 नाया० ७; उवा० ७, १४४;
 घटि. प्रि० (घटिद्) ५५५५०. घटा वाला.
 (One) having a pot. चण्डुजो० १२१;
 घटिगा. जी० (घटिका) भाटीनी कुंमडी.
 मिह का कुलशी. A small earthen
 vessel. सू५० १, ४, २, १४;
 घटिमत्तव. न० (घटिमात्रक) ५५५० आ५दे
 भाटिपुं० हा५. छोटा मिहका बरतन. A
 small earthen pot. देख० १, १६;
 घटिय. प्रि० (घटित) ५८५ ३२५; मेसने५.
 घट । किवा हुआ. Formed; joined.
 जीवा० ३, ३;
 घटियव. प्रि० (घटितव) ५८५ ३२१;
 सांघ मेणवरी. संयुक्त करना; सांघ जुडाना.
 Uniting together; bringing
 together. नाया० १; ५; भग० ३, ३३;
 घण. पुं० (घन) ६६५० अभि५ य५५. दही का
 जमा हुआ बसा. thick curd. " दहि
 बसो " प५० १७; जं० प० ५, ११२; ७, १४०;
 ५, १२१; (२) नकर वाञ्छन क्षिपि,
 आं५ १५२२. ओं५ वाञ्छन, आं५५ ह्वादि.
 a bronze musical instrument.
 वं० प० १, १२; जीवा० ३, ४; सव० ६६;
 जव० ३, ४; म० २, ३, ४, ४; (३)

६६; ३६; मञ्जु; छिद्रमरुतं. रट; कठिन; छिद्र रहित. hard; firm; free from holes. राव० ३३; १०६; २५४; विते० ११३३; वि० नि० भा० १७; पञ्च० १; २; ३६; सू० प० १६; कोष० ४३; भग० २, ३; (४) धातुं; आद; लङ्. वड; गावा; मोटा. thick; dense. वि० नि० भा० ३२; कोष० नि० भा० ११३; कण्ठ० ३, ४४; प्रच० २१२; २३०; क० गं० १, २०; (५) विस्तार. विस्तार. extent; area. विते० २६०१. (६) भेद मंघ. a cloud. भग० २, १; पञ्च० २; पद० १, ३; भाषा० ६; वि० नि० १७२; कण्ठ० ३, ३३; गच्छा० ६४; (७) आत्माना असंख्यात प्रदेशं धनरूपे पिप्पल आत्मा के असंख्यात प्रदेश का वह रूप विचर. body consisting of countless atoms of the soul. भग० ३, ६; (८) सभान् गतिना आंकडा त्रय वपत श्रुत्याथी ते आंकडा आवे ते; नेम ते भेनो धन आड, त्रयुतो सत्ताविम, आरनो मोसड वनेरे. समान जाति के चंद्र तीन बार गुनने से जो चंद्र जाता है वह; तथा दो का चब छाठ, तीन का सत्तावीस, चार का चाँस हत्ताई. number got by cubing a numerical quantity. पञ्च० १२; (९) संपा. पदोद्याध अने लडाअ अ त्रयुतं मान नेमा आवे ते; धनरूपे आधोडनुं परिभाषु सागराज छे. मंघाई चौघाई व मोटाई इन तीनों का मान जिसमें जाता है वह; धनरूप मे इस लोक का परिमाण सात रात्र है. a cubic measure as that of this world "अक्षरभुमावधो" क० गं० २, ३०; (१०) धञ्जु; लङ्. बहुत; अतिरक्त. much; more. प्रच० १४०६; (११) नाभरमे व वावरमोव. a fruit of a medicinal

plant. सु० च० ५, ७०; (१२) आसिवा वनेरे वाञ्जनु शब्द. आंक हत्ताई वाञ्जिन का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze. भग० ३, ४. --आचल न० (-आचल) लडाअ अने पदोद्याध धुन आचल संपा; लङ्कर परतुनी संपा. आचल मंडाछ; ठोल वस्तु का मंघाई, चौघाई व मोटाई. having length and breadth. भग० २५, ३; --करख. न० (-करख) कर्मना त्रय मञ्जुन करवे, निष्प. कर्म त्रय करवे ने कर्मों का बांधना, रट करना; निष्प. कर्म-बन्ध करना. tightening the bond of Karma. वि० नि० १०१; --चउरंस न० (-चउरस) लङ्कर परतुनुं चौरस संपा ठोल वस्तु का चौरस मंडाअ. a quadrangular solid भग० २५, ३; --संख. न० (-संख) लङ्कर रूप त्रिकोण संपा. ठोल त्रिकोण संपा (anything) triangular. भग० २६, ३; --सख. न० (सख) भनने भंजि गुप्ता करती धन थाप, अथवा संपा पदोद्याध अने लडाअ संपा दीप ते धन; दाप्पसा तुरीके आर कोष्टकी भंजी दीप तो भोग कोष्टना प्रनरने आरे गुप्ता आस के छे थाप; प्रनना भोग कोष्टने आरना अनारता, धन कोष्ट थाप; नेम संपा थाप नदी, संपा प्रनर तप प्रभाषेण आरनर तप करायी, धन तप थाप छे, ते सभछ भेनुं. प्रनर व भोग का गुना करने मे धन होना है, अथवा मंघाई, चौघाई व मोटाई समान है वह धन; उदाहरण-चार कोष्ट की भंछा हो तो सोलह कोष्ट के प्रनर का चार से गुनने से चौबठ कोष्ट हो; प्रनर के सोलह कोष्ट की चार गुना करने से धन

કોઈક હો; હવ તરફ લિખા નહીં જા સહા
 હવ સિવે પ્રતર તપ કે હી મમાન પાર વાર
 તપ કરને મેં ધન તપ મમદ મેના. the
 cubic measure of an austerity;
 supposing an austerity to re-
 present ૧, (Ghana Tapas would
 represent ૧ નવ-૧૦, ૧૦૧ - પરિ-
 મંદલ ન- (-પરિમંદલ) નક્કર કે પે
 વર્તુલ આકાર; ધન પરિમંદલ સંકલ્પ ટોમ
 વર્તુલાકાર; ધન પરિમંદલ મંદાળ (any-
 thing) circular in shape. મગ-
 ૨૪, ૧. -માલા શ્રી- (માલા) મેધ
 મામા મેધ માલા. a line of clouds.
 મળ- ૧૨૪; -મણિ. ધિ- (-મણિ)
 ધણા મણિ. વદન મણિ many goms.
 ધન- ૧૨૮૪; -મુદગ પું- (મુદગ)
 મોટા મુદગ. મુદગ; દાંડ. વદા નરકાર.
 a big drum મં- ૫- ૪, ૧૧૪, ૪૫૭-
 ૨, ૧૧; -રડ્ડુ. શ્રી- (રડ્ડુ) જેની
 રંગાણ પદોમાન અને મગ્રમ સરખી થાય
 એવી રીતે રડ્ડુનું પરિમાણ કરવું તે જિમકા
 લંબાઈ, ચોડાઈ થ મોટાઈ સમાન હો હવ રીતિ
 મેં રાજ કા પરિમાણ કરના a unit of
 measure in which length,
 breadth and thickness are
 equal. (૨) રડ્ડુ એમને રડ્ડુ કે જે
 લોકના લોકનું પરિમાણ બતાવે છે. આને લોક
 ઉક્તરાગ્રથી માપતા ૧૪ રાજ પરિમિત થય
 છે આ માપ રડ્ડુ પ્રકારે બતાવેલ છે મુચિ,
 પ્રતર અને ધન જેમા રંગાણ બતાવવામાં
 આવે પહોચાણ નદિ. તે સુચિ. જેમાં રંગાણ
 અને પહોચાણ અને દર્શાવવામાં આવે તે
 પ્રતર. જેમા રંગાઈ પહોચાણ અને ઉચાઈ
 એ ત્રણે બતાવવામાં આવે તે ધન ત્રણે
 પ્રકાર આ ચિત્રમાં બતાવવામાં આવ્યા છે.
 રડ્ડુ બતાવે રાજ કિ જો લોક કે લેજ કા



પરિમાણ બતાવતા હે. મારા લોક ઉક્ત રાજ
 મેં માપને પર ૧૪ રાજ વારમિત હોતા હે. વદ
 માત્ર ત્રીણ પ્રકાર મેં બતાવ્યા ગયા હે. સૂચિ;
 પ્રતર ઓર ધન. જિમમે કેવલ લંબાઈ બત-
 નાઈ જાતી હે વદ સુચિ જિસમે લંબાઈ ઓર
 ચોડાઈ દોનો બતાવ્યાઈ જાતિ હે વદ પ્રતર.
 જિમમે લંબાઈ, ચોડાઈ ઓર ઉંચાઈ મેં ત્રીણ
 બતાવ્યાઈ જાતી હે વદ ધન. ત્રીણે પ્રકાર હવ
 ચિત્ર મેં બતાવ્યાઈ ગયે હે. Rajju means
 Raja (a measure of length
 breadth and thickness) which
 is used in measuring Loka (re-
 gion). the whole world when
 measured with the above unit,
 measures 14 Raja this me-
 asure is displayed in three
 ways, viz. Sūchi, Pratar and
 Ghana. The measure by which

length and breadth are calculated is called Pratura and Gghana is that by which length breadth and thickness are measured. All these three ways are exhibited in the picture. प्र० ६२१, —बहु न० (वृत्त) नक्षत्र भेदाभासर; बाहुनी बाहु ठोम गोलाकार. (anything) solid and globular or round like a ball भग० २२, ३. —बात. पुं० (-बात) बहुआ ' बह-बाव " शब्द. देखो " बहबाव " शब्द. vide " बहबाव " भग० २०, ६; —बाय पुं० (-बात) धनेदधि अथवा विमान आदिना आधारभूत नभेक्षा अरु नरेवो अथवा धीन्रेक्षा धी नरेवो अथ प्रक्षरेनो हस्ति यायु. धनोदधि अथवा विमान आदि के आधारभूत जमा हुआ बरक जैसा अथवा जमे हुए हल जैसा एक प्रकार का गाढ़ा वायु. a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter). उल० २६, ११८; भग० १, ६, २. १०; १२, २; १०, ११; पल० १; जीवा० ३, १. —बायबलय. पुं० (बायबलय) यथया-कारे रदेक्ष धनयायु बलुनाकार में रहा हुआ धनवायु; बलयाकार में रहा हुआ धनवायु. thick, condensed air remaining in a circular form भग० १०, ११; —संगालक्ष. पुं० (संगाल-नक) इरीश्रीयानु प०. मकड़ी का जाला. a cobweb. बां० नि० २६२१; —संगह पुं० (-संगह) जे भेजभां अद्र अने-भुय अद्र तथा नक्षत्रनी यन्त्रभां अद्र अने ते भेज मिल बोन में अद्र व नूबं, प्रह व नक्षत्र के नक्षत्र होकर गति करते हैं यह बोन

the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation. मू० प० १३; —सह. न० (-सह) नक्षत्र यात्रा-शब्द नक्षत्र बांधन के शब्द the sound of a certain musical instrument निमी० १०, १३;

घणसार. पुं० (घनसार घनस्थ कुलकस्थ सारः) कर्पूर. Camphor. मू० व० २, १५;

घण्टाघण्टाह्वय न० (घनघण्टाह्वय) धनेना धन धन अनेना अथवा थाय ते रथका घण्टा घण्टा ऐसा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chariat. राव० १८३; पण० १, ३; भग० १, २; जीवा० ३, ८;

घण्टाघाह्वय न० (घनघण्टाह्वय) धनयात्री कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय अने अनन्य अथवा धर्म धनयात्री कर्म; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अंतराय ये चार कर्म. The four Karmas viz Jñānāvarāṇiya, Mohaniya, Darśanāvarāṇiya and Antarāya; these four Karmas are known as Ghaṇṭāghāti Karmas. क० मं० २, २७;

घण्टादन्त. पुं० (घनदन्त) धनदन्त नामना अनन्तरदीपभां रदेक्ष भनूय. घनदन्त नामक अंतर दीपमें रहने वाला मनुष्य. A resident of an island named Ghaṇṭādanta. पल० १, जीवा० ३, १; (२) अथवा सप्तदशमां नक्षत्रां भेजनापर धनदन्त नामना अनन्तर दीप. लवण समुद्र में लवणों बोजन पर धनदन्त नामक अंतर दीप. name of an island in Lavana Samudra at a distance of 900;

घन. न० (घृत) पी. ची. घृत. (Ghee; clarified butter. म० प० १६.

१ घन. धा० १. (घन) तपास करवा. तपास करना to search (२) चल करवा प्रयत्न करना to try.

वलिहामि. भ० उ० ग०। वधा० १. ६;

घन. १३० (गन्ध) घात करवा घात करने योग्य. Worthy to be killed; to be killed म० २, ७, ६;

घन. १३० (घन) पकड़नेवाला; घेरनेवाला पकड़ा हुआ; घिरा हुआ. Caught; surrounded; overpowered म० नि० ११६; वन० १, १; भग० १२, ६. म० २० २, २११; (२) घनाई अथवा. घनाई अथवा घिस गया हुआ; काट काया हुआ worn out; rusted. म० १८.

घन. त्रि० (घन) गहिरा; गहिरा. Deep; sound; thick. क० १, ३८; (२) मेघ; परसाह. मेघ; वर्षा. rain. प्र० १४८०; —पडलकलिय. त्रि० (-पडलकलिय) परसाहना यादगायी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त. full of clouds bearing rain. प्र० १४८०;

घन. पुं० (घन) धाम; अरमा. धर; गरमा; गर. Heat; heat of the sun. डा० ८, ४; पि० नि० १०१; —ठाक न० (-स्थान) ठाक. ताप स्थान; ताप क्षेत्र. उष्ण-गरमा का स्थान; ताप क्षेत्र. a region of heat. म० १, ५, १, १२; —पकड़ त्रि० (-पकड़) अरमा-नरमायी पकड़. गरमा-धूप से पका हुआ. ripened by the heat of the sun. वि० ८;

घन. ली० (घन) पड़ेवाली नरकनु नाम.

प्रथम नरक भूमि का नाम. Name of the first hell जीवा० १, १; भग० १२, १; प्र० १११; १०८४;

अथ-अ. पुं० न० (घृत) पी. ची. Ghee; clarified butter. वि० १, ६; दस० ४, १, ६२. नावा० ८. जीवा० १, १; उवा० १, १६; भग० ११, ६; १४, १; पि० नि० २१०; म० २० २, ६४०; उल० १, १२; डा० ४, १; अष्टुमां० १८; आवा० २, १, ४, २६; प्र० २०८; १४३०. मन्त्रा० ६६; क० १, ८; ४, ११, ८, २३; (२) घृत नामक द्वीप तथा समुद्र नाम. घृत नामक द्वीप व समुद्र name of an island; also that of an ocean. जीवा० १, ८; वन० १४; अष्टुमां० १०१;

—उद्ग. न० (उद्ग) धीना जेजु घृत समुद्र पानी. ची के समान घृत समुद्र का जल. water of the Ghorin ocean resembling clarified butter. वन० १; म० २० २०; जीवा० १; —किहि. ली० (-किहि) धीना मेघ-हीटु. ची का काट मल the dirt of ghee प्र० २११; —कुंम. पुं० (-कुंम) धीना पत्र. ची का पात्र पत्र. a pot of ghee or clarified butter. भग० ११, ६; —मेह. पुं० (-मेह) गरम क्षेत्रमा उत्सर्पित धीना आरी अंसना १८ दिवस सुधी मेघ परसा पडी सात दिन सुधी तीन मेघ परसे तेनु नाम. भरत देश में उत्सर्पित का दूसरा जारा जगतही १८ दिन दो मेघ के बरसने के पश्चात् सात दिन परसे नामका मेघ बरसता है वह. the name of the last of the 3 downpours of rain (each last.

* लुओ ५४ नम्बर १५ की फुटनोट (०). देखो ५४ नम्बर १६ की फुटनोट (०). Vide foot note (०) p. 15th.

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utmarpipi in Bharata ksetra जं० १०

वयपुग्व न० (वृत्तवृत्त) पें१२. वेव. An article of food prepared with a great quantity of ghee. पि० नि० ४६१;

वयपूर. पुं० (वृत्तवृत्त) पें१२. ववर. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. पि० नि० ४६१;

घर. पुं० न० (गृह) भक्षानां रहैवान् स्थानः प२ गृह; रहनेका स्थान, मकान. A house; a residence. जीव० १७; अणुशो० १२७; १११, ११४; उत्त० ६, २६; १०, १८; राय० २७; पि० नि० १६२; भग० १, ६; २, २; ३, ७; ४, ६; नाया० १, ८; १६; गृ० व० १, ११; जं० १० ठा० २, १; उवा० १, ७०; रं० १४, ४२; प्रव० १६७; कट० ४, ११०; —अंतर. पुं० न० (-अन्तर) अ० प२ व२येन आंतरं दो गृह का मध्यस्थ अंतर. the distance between the two houses. कट० ६, २७; —आमा-उय पुं० (-आमायुक्) प२ अ०भा०. गृह आमात, घर जवाई. a son-in law who remains under the roof of his father-in-law. नाया० १६; —समुदाय. न० (-समुदाय गृहेषु समुदायं भिक्षादनं गृहसमुदायम्) साधु सामान्य प्रकारे अर्पे प२थी गोचरी उरे ते. साधु सामान्य रीति से सर्व घरों से गोचरी करे वह. the way of begging alms i. e. begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction; indiscriminate begging of alms

from all houses. नव० २, २; १, १; —समुदायि. पुं० (-समुदायिक-गृह-समुदाये प्रतिगृहं भिक्षा वेत्तं ब्राह्मणस्ति ते गृहसमुदायिकः) अनिप२-६३६ प२ भिक्षा देनाउ गोशायना भनो अनुयायी. अंतवर से भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मत का अनुयायी. one who begs alms at each house; a follower of the tenet of Gṛhālā जीव० ४१;

घरक न०(गृहक) प२. गृह A house. जीव० घरकोइला. जी० (गृहकोटिका) अ०गी; भीनअरीगी क्षिपकली. A lizard. वट० १०; पि० नि० १२२;

घरकोइलिया. जी० (गृहकोटिका) लुभे। १५३ श०६. देका उपराङ्ग शब्द. Vido above सूय० २, ३, २४;

घरणी. जी० (गृहिणी) प२ प०पु०वा०, अं, आयां गृह-स्थासनी; जी०; भावां. A house-wife; a wife प२ १७; उत्त० २१४;

घरय. न० (गृहक) प२-अ०न०. गृह-मवन. A house. जीवा० १; भावा० १; प्रव० ४०८; घरिणी. जी० (गृहिणी) अं; प२प०पु०वा०. जी०; गृहस्वामिनी. A housewife; a wife. पु० व० १, ४०;

घरोइला. जी० (गृहकोटिका) ना० अ०री. छोटी क्षिपकली. A small lizard. प२ १;

घस. न० (घस) जमीननी ग्रेडीरी हाटः प्राची जमीनतो भीरीयो. जमीन की बड़ी दरार; काली जमीन की दरार. A large crack in land. भावा० २, १०, १६६;

घसा. जी० (घसा) क्षरताण्य भूमि. क्षार-वाली भूमि. Saline soil. वट० ६, ६२;

घसिष्ठ. वि० (घर्षित) पसेधुं. पिता हुआ (Any thing) rubbed. वट० ६, ४; सूय० २, २, ६३;

कविर. वि० (कविर) अधरायो; अन्ध
भानार. अधिक आहार करने वाला. Vorn-
cious; gluttonous. ओष० नि० भा०
११३;

कसी. जी० (कसी) ऋभीननो दोसाव. जमीन
का उतार. Sloping ground (२)
आवरण. a cellar जावा० १, २.

काह वि० (काह) घात करने २ घात करने
वाला. (One) who kills. ओष० नि०
भा० २१; क०प० १, २७, २, ४४; —कर्म
न० (कर्म) जननपरज्जीव, दर्शनायन्त्राय,
भेदनाय अने अंतनाय अथार कर्म आ
त्रिभुज्जीनी घात करनेवाले कर्म ज्ञानावर-
णाय, दर्शनावरणीय, मोहनाय व अंतनाय य
कार कर्म, चाण्डिक गूणो का घात करने वाला
कर्म Karmas destructive of the
qualities of the soul & those
which obscure knowledge,
faith, and those which delude
and obstruct. अणुजा० १२०;

काहय वि० (काहय) भावी नष्टाये ३.
घात करनेवाले. मार डाला हुआ; घात कराया
हुआ. Caused to be killed. नाया०
८, अग० ७, ६; वि० नि० १७७; ७७४;

काउकाम वि० (हनुकाम) लूटनेवाला छिन्ना
काम. लूटने का हन्कावाला. (One) de-
sireous to rob, spoil. नाया० १८,

कण्डाल. न० () पन्नी. घानो
Parched grains. वि० नि० भा० ४०,

काण्ड. न० (काण्ड) प्राणिन्द्रिय, नासिका; नाक.
प्राणिन्द्रिय; नासिका; नाक. A nose; the
sense of smell " दोषावा " पञ्च०
१४; छ० विशे० २०६; उल० ३२, ४८;

छा० २, १; सूच० २, १, ४२; राव० ५५
ओष० नि० २८७; पञ्च० २३; प्रब० २६५
७६४; भल० १४४; —पुद्गल. पु० (-पु
द्गल) सुभेषा ६२५; सुभेषानो पुद्गल
सुगन्धित द्रव्य; सुघने का पुद्गल. a
fragrant substance. पञ्च० २६

प्राणिन्द्रिय पु० न० (पुद्गल) नासिका
लेखनेवाले पुद्गल नासिकासे ग्रहण करने योग्य
पुद्गल atoms for or of the sense
of smell अग० ८, १०. ओष० ४२;

—काम. न० (काम) प्राणिन्द्रिय साधक.
प्राणिन्द्रिय का सामर्थ्य power of the
sense of smell. उल० १०, २३,

—प्रणनिद्रुहकर वि० (मनोविह्वलि-
कर) नासिका अने मनने नासिका से उत्पन्न
नासिका व मनने शांत करने वाला (any-
thing) quieting the mind and
the nose नाया० ६, —विमय. पु०

(-विमय) नासिकासे विमय करने
नासिका का विषय सुघना काम लेना.
smell; smelling नाया० १७, —म

हमय पु० (महमय) नासिकासे उत्प-
न्न पुद्गल नासिका के महकाय पुद्गल.
atoms which are associated
with the sense of smell. अग
१८, १, १८, १

प्राणिन्द्रिय न० (प्राणिन्द्रिय) नासिका;
नसिका अन्तर्गत अंतर्गत छिद्रिय, नाक
नासिका, प्राणिन्द्रिय; नाक. A nose.
organ of smell पञ्च० १०, नाया० ४;
अग० ८, १० ३३ १, नाया० ४, १३,
ओष० ४४; यम० ६. निम्नह पु०
(निम्नह) प्राणिन्द्रिय नासिकासे उत्पन्न

राज्यी ते. घातं हि व-नामिक को बराये
रखना. one who controls the
reign of anelli उत्त० २६; २.

✓ घात भा० I, II (हन्) दञ्जु मारना;
घात-वध करना. To kill.

घातृ. विवा० ३;

घातृनि. विश० १२६८.

घातृत्वा सं० क० नाया० १८;

घातृत्वा. हे० क० नाया० १;

घातृत्वाच्च क० वा० व० क० नाया० १८;

✓ घात. भा० I (हन्) दञ्जु. घात
करावती. घात करना. To cause to be
killed.

घातय् प्रे० दग० ६, १०; मूय० १, १, १, १, १;

घातयत् प्रे० आ० मू० न० ८, १८०;

घातयामाच्च प्रे० व० क० नाया० १, ६, ६,
१६२; मूय० २, १, २८;

घात. पुं० (घात) भारजु. घात करना; वध
करना. Killing; murder. भग० १२,
१, (२) नरक. नरक. hell मूय० १, २, १, २.

घातय् त्रि० (घातक) घात करना; भार
नरु घातक. Destructive, (any-
thing) that kills. जं० प०.

घातृ. त्रि० (घातृ) दञ्जु. घात करना;
घात-वध करने वाला (One) who
kills. घात० १८;

घातयि य. त्रि० (घातृ) दञ्जु. घात करना;
घात किया हुआ. Killed, murdered.
भग० १६, ६; नाया० ८;

घात पुं० (घात) वध करने; घात करने.
वध करना; घात करना. Killing; des-
truction. त्रि० नि० ४८८; नाया० १;
उवा० ८, २४१; पंचा० ६, १२; क० प०
२, ६६; —उज्ज्वल. पुं० (—उज्ज्वल) घात
कराने विकरात. घात करने के समय

assuming a cruel and terrible
appearance at the time of
killing. नाया० ८, —कर. त्रि० (—कर)
नाश करक. विनाशक destructive.
क० सं० १, १८;

घातय् त्रि० (घातक) दञ्जु. "घातय"
शब्द. देखा "घातय" शब्द. Vide.
"घातय" विश० १२६३;

घातय् त्रि० (घातक) घात करना; घात
करवाना. (One) who kills जांवा०
३, ३; नाया० २;

घातय् त्रि० (घातक) श्रु दिसा करना;
जांवा दिसा करवाना. (One) who
kills living beings. पंचा० ६, २२;

घातयत्ता. स्त्री० (घातकता) घातकता;
करवाना; घातकता; करपन Cruelty;
destructiveness; murderous-
ness भग० १२, ७;

घातयत् न० (घातक) भारजु. घात करती.
मारना, घात करना Killing; murder.
सं० व० ८, १३६;

घातयत्ता. स्त्री० (घातक) घातकरती ते. घात
करना. Murder; killing. पण्ड० १, १;

घातयत्ता. न० (घातक) घातक करवाना;
घात कराना. Causing (another)
to wound or kill विवा० ३;

घात. पुं० (घात) भारजु. भार; निवाला;
घात A morsel of food. (२)
भोजन. भोजन. food मूय० १, १, ४, ४;
घात० १६; उत्त० ८, ११; ३; २१; नि० नि०
६२६; भग० ७, १; वध० ८, ११; नाया०
१, ६, ४, ६;

घातक. पुं० (घातक) अरिसो; दर्पण.
घरमी. दर्पण. A mirror. विवा० २;
—परिमंडित. त्रि० (—परिमंडित)
अति शीघ्र निमित्त करवाना दर्पण के अगो.

- मित. adorned with mirrors.
 "वासर वासक परिमंथित कटिज" विवा० १;
 विज. न० (वृत्) बी. बी. वृत्. Ghee;
 clarified butter. तं०
 विजोदय. पुं० (वृत्तोरक) धृतोदधि समुद्र;
 बीना जेवा पाज्जीवागे समुद्र वृत्तोदाय
 समुद्र. बी के समान जलपुल्ल समुद्र. Name
 of an ocean having water
 like clarified butter ठा० १, ४;
 विसु. पुं० (वीष्म) अरभीन भोसम; उनागे.
 वीष्म अनु Summer. सूय० १, ६, २,
 १०; उत्त० २, ६;
 विसिद्ध. त्रि० (वृषावन्) दयालु; दयावान्.
 दयालु. दयावान Kind; compassionate
 १० नि० १०६;
 घुघुयन्. त्रि० (*) घु घु अये शब्द
 इरेतु. घु घु ऐमा शब्द करना हुआ.
 Sounding "ghu ghu" नाया० ८,
 ✓ घुह. भा० I (वृह) पाज्जी पीतु. जल
 पीना To drink water. (२) धुंत्तु
 घट लेना to sip
 घुहान. नदी० स्थ० ६४;
 घुहण. पुं० (*) त्रि० अये पथने शुद्ध
 इरेतुने पथरे. कंचिड लंग हुए पायका
 शुद्ध करने का पथर. A stone used
 to cleanse a bespattered vessel
 १० नि० भा० १२,
 घुह. त्रि० (वृह) त्रि० अये अये अये; उर
 धीमज्जा इरेतु उर स्वर से बोला हुआ, उठा-
 ववा किया हुआ. Spoken aloud,
 proclaimed aloud. भग० १४, १;
 उत्त० १२, २६; उवा० ८, २६१;
 घुल. पुं० (वृष) धुल्ल; १००० विरोधने के

- साहसने डोरी नाये छे. लकड़ कोर काट-
 जम्मु विरोध. A kind of worm eat-
 ing into wood. ठा० ४, १;
 घुसा. बी० (वृष) साहसने डोरी धुल्ले.
 लकड़ का काटा. An insect found
 in wood or timber. राव० २२४;
 घुम्मंत. व० क० त्रि० (वृन्त) अमज्ज,
 इरेतु. भ्रमण करना हुआ, फिरता हुआ.
 Wandering; roaming; moving.
 भाव० २१;
 घुम्ममाण. व० क० त्रि० (वृन्त) अमज्ज
 अमज्ज इरेतु. भ्रमण करना हुआ
 Wandering, roaming नाया० ६
 छपुजा बी० (*) अ० छिद्रियवागे छप
 रा अजा अयेरे. दो इन्द्रिय वाला जीव,
 संस्र आदि A two-sensed being.
 पत्र० १;
 घुमिल न० (वृमण) डेमर. केसर. Soft
 from गु० भ० १०; २८८; प्रव० १/६८
 छपुसुलित व० क० त्रि० (मस्थन्) ६६
 अयेरेनु म-थन इरेतु; आस अयेरेनु
 दहा इयांदि का मथन करना हुआ
 Churning curds etc. into whey
 etc. १० नि० २०१;
 घुमूअंठअ न० (वृकावठक) धुमूअना ईअ.
 घुमू का अंठा. An egg of a sho-
 owl. विवा० १;
 घुमंत व० क० त्रि० (वृममान) अमयी
 विन्दय थोना भय से विहल होना हुआ
 Being distracted by fear of
 danger पत्र० १, १;
 घुय पु० (वृक) धुयः धुः धुयः उल्ल.
 An owl नाया० ८, पत्र० १, १;

पूरा. ली० (पूरा) लम्बे चरिरेना
अथवा मंडा इत्यादि शरीर के अवयव,
A limb of the body such as
thigh etc मृ० २, २, ४३;

वेत्तव्य. त्रि० (प्रहीतव्य) मंदानु कर्त्तव्य योग्य
महत्त्व करने योग्य. Worthy to be
accepted. विश० १२;

वेत्तव्य. त्रि० (प्रहीतव्य) अनुभा " वेत्तव्य "
शब्द देना " वेत्तव्य " शब्द. Vido
" वेत्तव्य " भग० ८, ३;

वेरोलिया. ली० (गृहकोकिला) भरोली.
छिद्रकला A lizard, a small house-
lizard जी० १;

घोड पु० (घोट-अथ) घोडा. अथ घोडा.
A horse गण० १२३,

घोडा पु० (घोटक) अथ मतनी घोडा
एक जात का अथ A kind of horse.
मृ० २४४, पञ० १, मृ० २, २, ४३;

घोडापु. पु० (घोटक) घोडा. अथ, घोडा. A
horse उवा० २, व० १ - मुह. न०
(मुह) घोडा का लक्षणों के अनुसार शास्त्र
अथ के विन्दों की परीक्षा करने का शास्त्र.
A science treating of the
marks by which a horse can be
tested. अणुशो० ४१;

घोर त्रि० (घोर) घोर. अथ घोर; दारुण घोर;
अथ घोर; दारुण. Dreadful. "घोरनिर्दरं
कंदरपक्षं कीमथमावाहं" भग० १६, ६;
पण० १, १; नावा० १; १२; भग० १, १३, २;
दस० १, ११; २, १४; उवा० १, ७६, घोड०
२१; ३४; उत० ४, ६; ४, ४२; २३, ३८;
मृ० २४१; पंचा० ७, १२; १८, १२; भत०
१११; गण० ३; (२) जेमां अथवा
पक्ष सशय रहे तेजुं दुःख कृप विषमें
जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुःख
कृप a perilous, hazardous

undertaking जावा० १, ६, ४, १३६;
—अंसुपाव. पु० (-अंसुपाव) आंसुनी
धेनु धार. अंसुओं की धारा; अंसुपाव.
stream of tears. नावा० ६; —आगार.
पु० (-आकार) अथ कर आकार; आगुनि.
अथ कर आकृति. terrible appear-
ance भग० ३, २; —गुह. पु० (-गुह
घोरोअपेदुर्गुह गृहा मृगगुणा वरु सः)
सौतम गुनवान् सर्वोत्तम गुहवान्.
(one) extraordinarily virtuous;
(one) possessed of insuper-
able qualities भग० १, १; —तव.
न० (तवस) संसाधना सुखनी धन
रहित तपस्या. संसार के सुख की इच्छा
रहित तपस्या austerly without
desire of worldly happiness.
ठ० ४ २; —तवसि पु० (-तवसिन्)
दुःख (धेनु) तपस्या भवान्, महान्
तप वाला one practising austere
penance. नावा० १; भग० १, १;
—वंधवेरवासि. त्रि० (-वंधवेर
वासिन्) मंद अथवा पावनार; अथ
सत्ता व जाने दुःख अथवा अथवा पावन
करार महा वंधवेर पालने वाला (one)
practising strict or austere
continence. नावा० १; भग० १, १;
—रुध न० (-रुध) घोररुध; पिदा-
भयं रुध. डरीना रूप आकृति- dreadful
appearance उत० १२, २६; भग०
१६, ६; —विष न० (विष) अथ कर
अथ; जेनी अथवा दुःख अथ अथ तेजुं.
अथ कर विष; जितकी गंध से अतंज जीवों
का नाश हो. deadly poison. भग०
१२, १; —वेदना, ली० (-वेदना) महा
दुःख; अथ कर पीडा. महा दुःख; अथ कर
पीडा. severe pain, affliction. भत०

१९०; — बोल. सि० (-मत) दु०१२
महाभारते पाणना. दुष्कर महाभारतों को
पाठने वाला. (one) who observes
full vowels difficult to practise
नावा० १;

बोल. पु० (बोल) द्दिने ३५३भा आंधी
भागी नाभयु--पाथी कही नाभयु ते रही
को कपडे में बांधकर जल डालना-पानी
निकास देना The process of ex-
tracting water out of curds
by tying it in a cloth प्र० २३०.

बोलंत. त्रि० (बोलचल) धेयायमान भयु,
भयु. हिलताहुआ; डीला चलायमान होना
हुआ. Swinging, shaky. बोध० १२;
कण० २, १४;

बोलच. न० (बोलचल) धेयायु; अमूला अने आ-
भगीवती डेरीनी पे धेयायु मसलनु. बोलना;
मंगूला व उंगली से कहीं के समान बोलना;
मसलकना. Pressing round by
means of the thumb and the
fingers; e g. a mango. विशेष०
२०६३;

बोलमाच. व० क० त्रि० (बोलचल) धेयायु
इत्यु बोलना हुआ. Rubbing. क० १०
२, १०३;

बोलचट. न० (बोलचटक) द्दि धेयायु
तेमां यज्ञ नाम ते; द्दि०१५ रही को बोलचट
उममे बड़े डालना; दहीबड़े A kind of
food prepared of tiny cakes
dipped in curds mixed with
salt etc This is known as
Dahi-bada प्र० २३०;

बोलिअ य. त्रि० (बोलचल) यक्षे वेधु. भ-धे
यु; डेरीनी पे धेयायु. मचन दिया हुआ,
जल के समान चला हुआ. Churned,
pressed round (e g. a mango)

to take out juice. लु० २, १;
१३, बोध० १६;

बोलित. त्रि० (बोलचल) लु० १५५५ ४०८.
देखो ऊपर का लक्ष्य. Vide above.
रत्ना० १, ४;

बोलिर. न० (बोलचल) ५४५५ १२५ ते.
वर्तुलाकार चलना. Circular, tortuous
motion. लु० ५० १, ४;

बोल. भा० I, II. (लु०) उम स्वर
आधुन उच्च स्वर से बोलना. To speak
loudly.

बोलेति नावा० ५;

बोलेह नावा० ५, १३; १४; १५; लु० ५० २,
१८१; म० १० ५, १२३.

बोलिमा. म० क० नावा० १२;

बोलिअ बोध० नि० १८५.

बोलावह नावा० १६;

बोला. पु० (बोध) आधुन; आधेने देवेयानुं
स्थान. गोकुल; गौधों का स्थान. A house
for keeping cows in. उत्त० ३०, १०;
अ० २, ४; मम० ३२, देव० १, १, (२) धेया
नामनुं तीन अने आधा देवेदेवनुं विमान.
धेया नामक तीनों व चौथे देवलोक का
विमान. name of a heavenly
abode of the third and the
fourth Devaloka मम० १; (३)
२५२; अ० १०८. स्वर; आवाज sound.
दी० १५० १; नावा० ६; मम० १४, १; लु० ५०
२, ३८२, म० १० (८) उमनुं नीयु है
समय-विशेष विचार-विधानादि २४२
आधुन ते ऊंचा आवाज व समस्वर विशेष
उच्चार उच्चारणादि स्वर का उच्चार करना.
speaking in high, low or
middle accent. विशेष० ४५१; नि० नि०
४४०; अलु० १३२ (५) रत्नानुं कुमार
रत्नाना अरत्नानिना भन्त. ललित कुमार

ज्ञान के भवन्तीन का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumara kind नावा० पृ० १; (२) घोम नामन् घोमः देवोऽयम् (भगवान् देवता) देवता इत्येवमायम् आयुष्य ओ घोम नामक पाँचवें देवमोक का एक विमान कि वही के देवताओं को दृष्टि मागों का आयुष्य प्राप्त होता है name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live on Sagaras of time मय० १०;

विमुक्तिकारण. वि० (विमुक्तकारक) उदात्त अनुदात्त स्वरित आदि शुद्ध उच्चारण करने का (one) using high, low and circumflex accents in speech दमा० २, १४; —हीन वि० (-हीन) मूल पाठो उच्चारण करने में हीन होना त्याग न्यूनता, ओ भाषा होय त्याग्य भाषा ओपरी ने; जनना १४ अनियारभणो अक्ष मूल पाठ का उच्चारण करने में हीन हो वही -ह्रस्व, दो भाषा हो वही एक भाषा बोलना; ज्ञान के १४ अनियारभणो अक्ष मूल पाठ का उच्चारण करने में से एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge. चाव० २, १;

घोमल न० (घोमल) पटानो रुद्र पटा का नाद Sound of a bell. राव० २०; घोमला का० (घोमला) गदगद अक्षर; दृष्टि. प्रसिद्ध पत्रिका; इंदिरा. Proclamation प्र० पृ० १, १२१; ११२, अंत० २, १; नावा० ११, १४;

घोमल्य पु० () अक्षरी; नाना अभिने. दर्शन; चाइना; छोटा दर्शन. A small mirror. भग० ११, ११;

घोमाह पु० न० (घोमाह) बीसेडा; शाक वनस्पति की ओक जन. गुराई; शाक वनस्पति का एक जाति. A kind of vegetable प्रव० २४३;

घोमाहर्द का० (घोमाहर्द) बीसेडा; गुरीयानी वेन गुराई की बेल. A cropper yielding fruit which is used as vegetation. पव० १३ १७;

घोमाहर्दिया. का० (घोमाहर्दिया) वनस्पति विशेष; बीसे डी. वनस्पति विशेष; टाहोर की बेल. A kind of vegetation जीवा० ३, ४; राव० ४४;

घोमिन्न वि० (घोमिन्न) गदगद करनेवाला. साक्षर वेत्ता. प्रसिद्ध किया हुआ; दूरी गिराईहुई Publicly proclaimed घोष० नि० १४३

हु.

हकारप्रविभक्ति. पु० (हकारप्रविभक्ति) उच्चारण आकार के अनुसार नाटक विशेष. ह कार का आकार के मान, नाटक विशेष. Any-

thing) of the shape of the letter " ह "; a kind of a drama. राव०

* जुमो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १२ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

+

neutrons etc. क० ग० २, १४;
- नवहृ. श्री० (नवमि) आशुः
६४ वासनवे, ६४, ninety-four, 94.
गम० १४, - ज्ञानोद्भव वि० (ज्ञानो-
द्भव) मति, श्रुति, अविधि और मनःपर्व
ये चार ज्ञान की युक्त मति, श्रुति, अवधि
और मनःपर्व इन चार प्रकार के ज्ञानों में
युक्त Possessed of four kinds
of knowledge viz. Mati, Śruti,
Avadhi and Manahpariyava.
नावा० ; नावा० ५- तस्य पुं० (तस्य)
शरीर यत्न, शरीर नामकर्म, अंगोपांग
नामकर्म संपन्न नामकर्म अने सहाय
नामकर्म ये चार प्रकृतियों समूह. शरीर
यत्नकर्म; शरीर नामकर्म, अंगोपांग नामकर्म,
संहनन नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन
चार प्रकृतियों का समूह the fourfold
Karmic matter viz. Śarira
Nama Karma, Aṅgoपांग
Nama Karma, Saṅghayana
Nama Karma and Sopaṅga
Nama Karma क० ग० ४, २१;
- तीस्र. वि० (त्रिंशत्) आदिशः १४
तीताम, ३४, Thirty four, 34.
"चतुर्तामसपुत्रवयवनिमेषेपत्त" आश० १;
नावा० ८; - तीस्रम न० (त्रिंशत्तम)
सोण उपवास मेषा कृता ते, तेरीस अक्ष-
ट कृता त्वाम करी आदिमेषे २३के पदार्थ
करुं ते. सोलह उपवास इच्छे करना, ३३
अक्षभोजन का त्याग कर ३४ वें समय
पारणा करना. sixteen fasts; tak-
ing food after a fast of thirty-
three months. नावा० १; - द्वांस्र
न० (-द्वंश) दशनावरणीय कर्मनी
अक्षदशनावरणीय आदि चार प्रकृति.
दशनावरणीय कर्म की चतुर्दशनावरणीय

चतुर्दश चार प्रकृतियों. the fourfold
Karmic variety of the Karma
called Dāśanāvaranīya क०
ग० २, १२; - द्वांस्र. पुं० (-द्वंश) चार
दशनावरणीय दशनावरणीय; चार दांतों
वाला हाथी an elephant with
four tusks. भग० १२, १; नावा०
१, डा० ६; कपा० ३, ३३; - द्वांस्रम. वि०
(-द्वंश) आदिम. चतुर्दश. four-
teenth. बब० ६, ६१; भग० १२, १४;
२५, २ नावा० १, १४; - द्वांस्र. घ०
(-द्वंश) पूर्व, पश्चिम, उत्तर अने दक्षिण
ये चार दिशाओं चार दिशाएं; पूर्व, पश्चिम,
उत्तर और दक्षिण. the four quarters
east, west etc. नावा० ६, १३;
- नवहृ. श्री० (नवमि) आशुः ६४वीं
संख्या. ६४ की संख्या. ninety-four;
the number 94. क० ग० ३, १३; १२;
- नाण न० (चान) मति, श्रुति, अविधि
अने मनःपर्व ये चार ज्ञान. चार ज्ञानः
मातज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनः
पर्वज्ञान. the four kinds of know-
ledge viz. Mati, Śruti, Ma-
nahpariyava and Avadhi. प्र०
१३-१; - नाण. वि० (-ज्ञानिन्)
आरक्षण वाग्. चार ज्ञान वाक्. posses-
sed of the four kinds of know-
ledge. सु० ब० ३, १; १६, ४७; भग०
८, २; - साखोद्यम. पुं० श्री० (-ज्ञानो-
द्भव) केवल ज्ञानों छोड़ी अन्य चार
ज्ञानों युक्त केवल ज्ञान को छोड़कर शेष
चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all
(the remaining four) kinds of
knowledge except Kevala Jñā-
na. भग० १, १; - पंचम. न० (-पञ्चमे)
चार पांच, four or five. दशा०

६. १। —पञ्चवासिय. त्रि० (—चरंचलित)
 आर्यारना षोडशरनां जेभां आर शेष रदे ते.
 बार २ का बोक करने पर त्रिसमें बार शेष
 रहे वह-संख्या. any sum in which
 the remainder is four, after
 it has been divided into parts
 each containing four. भग० १८,
 ४; २१, १। —पञ्चाय. पुं० (—पञ्चाय)
 नाम-स्थापना द्रव्य-भाव ये आर पञ्चाय.
 बार पञ्चाय; नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव.
 the four Paryāyas viz Nāma,
 Sthāpanā, Dravya and Bhāva.
 वश० ७३; —पगलु. स्त्री० (—पञ्चाकम्)
 आपननी संख्या. चोपन की संख्या. fifty -
 four त्र० १० २, ११; —पञ्चाहिय. त्रि०
 (—चरंचलित) आर पञ्चोपमे अधिक. बार
 पञ्चोपम अधिक. exceeding by four
 Palyopama (a measure of
 time). क० १० २, १००; —पेरिसिय.
 त्रि० (—चरंचलित) आर पञ्चोपमे. बार पहर
 वाला. of or extending to four
 Prahara (one Prahara = 3
 hours) भग० ११, ११; —प्यपसिख.
 य. त्रि० (—प्रदेशिक) जेभां आर परमाणु
 ओ भजेष्टांते नेवे (२५-५). अनुप्रदेशिक
 चतुप्रदेशी (कष). त्रिसमें बार परमाणु मिले
 रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule con-
 sisting of four atoms. ककुभा०
 ७४; भग० १, ७; —प्यहोवार त्रि० (—प्रत्य-
 वलार) आर विभाज्य विभज्य. बार भागों
 में विभक्त-बंटा हुआ. divided into
 four parts. भग० २१, ७; —प्यगलु.
 त्रि० (—पञ्चाकम्) आपन; ५४. चोपन; ५४.
 fifty-four; 54. नावा० ४० ३; ४; भग०
 २३, ६; ७; —प्यदी. स्त्री० (—चदी) निर्यय
 भी; आपनी. निर्यय ज्ञान की स्त्री; चतुर्दशी-

मिना पशु. a female quadruped.
 जीवा० १. —प्यहोसिख त्रि० (—प्रदेशिक)
 अनुओ "चतुष्पदसिख" शब्द. देखा "चतुष्प-
 सिख" शब्द. vide "चतुष्पदसिख" भग० १०.
 ४; —प्यय-ख. त्रि० (—चरंचलित) आपन
 वादावस्थ) आपन; आर पञ्चाय. आप पञ्चा
 दापी विनेरे. चोपन बार पञ्चावाला; नाय.
 पञ्चा हाथी बगैरह. a quadruped; ६.
 ५. a cow, horse etc. नावा० ४; भग०
 ७, ४, ८, १. जीवा० १; ३; ४; ५० त्रि०
 ७६; त्र० १० ७, १०३; पञ्च० १; त्र० ३६;
 उल० १३, २४; आवा० १, २, ३, ८०; टा०
 ४, ४; अनुजी० ६१; १३१; (२) इरेड
 भासनी अभावस्थाने दिवसे आपन आर
 स्थिरकरणां नुं श्रीं करण; ११ करणां नुं
 नयं करण. प्रत्येक मास की अभाव के
 दिन आन बाल बार स्थिरकरणों में से दूसरा
 करण; ११ करणों में से तीसरा करण. the
 second of the four Sthira-
 Karana, falling on the fif-
 teenth day of the dark half
 of every month; the ninth of
 the eleven Karana. उवा० १,
 १८, त्र० १० वश० १३५०; —प्यवार.
 पुं० (—प्रकार) आर प्रकाश-जड. बार प्रकाश
 भेद. four variations. क० त्र० ६, ९६;
 —प्यय. पुं० (—वार) अनुओ "चतुष्पद"
 शब्द. देखा "चतुष्पद" शब्द. vide "चतु-
 पद" शब्द. भग० १२, १; —प्युडय.
 त्रि० (—पुट-क) आर ५३ या ५४. बार पुटवाला.
 Having four folds. "चतुष्पद
 उडय" शब्द. भग० १, २;
 नावा० १; —काल. पुं० (—काल) आर
 २५४. बार स्पर्श. four kinds of
 touch. भग० २०, १; क० त्र० १, ७८;
 —आन. पुं० (—आन) अनुर्थक; आपनी

आम. औषाहिम्मा; चतुर्थांश, one-fourth.
उत्त० २६, ४; १०, २१; अणुशो० १३२;
--भेग. पुं० (-भेग) च२ (१३२५-भेद
आभंगी चार विकल्प-भेद, four varia-
tion. " मृदुस्वादि एते मृदे मृदेस्वादि एते
अमृदे अमृदेस्वादि एते मृदे अमृदेस्वादि एते
अमृदे चटभगा " अ० ४, १; पं० २, ६;
१२, २२, भग० ६, ६; --भेगी. स्त्री०
(भङ्गा--कवारी भेगा; सम्राट्ठना.) आ-
भगी. चार भदका रचना, four varia-
tion पञ्च० १०; पद० १०१; मास पुं०
(-मास) च२ मास मरीना. चार मास
four months. क० ग० १, १८;
--इमुह. त्रि० (-मुल--कवारी मुल्ल
नवव्य) च२ मु नवव्य; जेना च२ दिशा-
भा दस्ताव दार-दोय तेरो प्रासाद दवेरी.
चार मुह वाला अर्थात् चारों ओर दिशाओं
में चार द्वार हो वेना प्रासाद-महल four-
faced; a palace having gates
facing all the four directions.
क० ४, ८६; भग० २, २, ३, १; ७, २;
७, ओ० २७; राग० २०१; नाया० १, १६;
--राह. स्त्री० (रात्रि) च२ रात्री. चार
रात्रि, four nights. क० प० ४, २३;
--राय. न० (राय) च२ रात्री. चार
रात four nights. विमी० ६, ७;
--रुच. त्रि० (रुच) च२ रुचि (रुचि)
चार रुचियों वाला, four-shapod; hav-
ing four shapes. म० न० ३, ६१;
--वहरिण. त्रि० (-व्यतिरिक्त) च२ ती
भिन्न. चारों में भिन्न different from
four. पञ्च० ३०३; --वज्र. त्रि० (पञ्चा-
शब्द) आभन; ५६. शोभन; ४४. fifty-
four; ५४, मम० ४४; --वज्र. पुं० (-वज्र)
वर्षाचक्र; ४७, ४८, २६ और २५४ अंश
नामकर्मनी च२ प्रति. वज्रचक्र; वज्र.

रम, गंर, और स्पशं ये नामकर्म की चार
प्रकृतियाँ. the four varieties of
Namakarma viz. colour, smell,
taste and touch. क० ग० ५, ६;
--व्याप्तपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यावक)
च२ वर्षानी दीक्षायोग. चार वर्ष की दीक्षा
वाना; चार वर्षका दीक्षित. (one) with
a Dikṣā (asceticism) of four
years, standing. व० १०, २१; २२;
२३; २४; --व्यिगदर. पुं० (-विकल्प)
च२ (१३२५ प्रकृत. चार विकल्प प्रकार.
four varieties. क० प० २, ३; --मह-
हणा स्त्री० (-अहण) च२ सहदया; शुभा-
शुभादि तत्त्वों अहंसा करवे, परमार्थ-
दर्शा अन्य धर्मों से सा करवी, निन्द्योक्तों
संग न करवे और पापपुद्गीना परिचय न
करवे अं च२ समझिनी सहदया. चार
भद्राण; जोन अत्राव आदि तत्त्वों अहंसा
करना, परमार्थदर्शा आचार्यों से सेवा करना,
निन्द्यों कमन प्रवर्तकों का संग न करना, और
पाप्माद्यों से परिचय तक न करना. the
four varieties of right faith
viz. spiritual study, attendance
upon a spiritually enlightened
preceptor, avoidance of Nin-
havas and of heretics. प्र० ६४०;
--समय. त्रि० (-सामयिक) च२
अभयन. चार समय-काल वा. of four
Samayas (or units of time).
भग० २५, ८; --समयसिद्ध. पुं० (-सम-
यसिद्ध) जेने-सिद्ध थाया च२ समय थाया
छे ते. जिमे सिद्ध हुए चार समय हुए हैं
वह. one after whose Siddha-
hood 4 Samayas have elapsed.
पञ्च० १; --सय. न० (-शत) ओ० ३०
ने च२ एक सौ और चार. one hundred

and four. क० ग० २, १५; —सयरि.
जी० (—सहसि) अमेतेर; ७४वीं स०
बाइस; ७४ की संख्या. seventy-four;
74. क० ग० २, ४; —सरण. न०
(—सरण) अरिहन्त, सिद्ध, साधु अने धर्म
अं यादुं शरण (आश्रय) लेजुं ते. आरि-
हन्त, सिद्ध; साधु और धर्म इन चारों की
शरण लेना—आश्रय लेना. resigning
oneself to these four viz. Ari-
hanta, Siddha, Sadhu and
Dharma. (२) दसपञ्चाशे पद्ये अंक
पद्ये (पुस्तक) नु नाम. दस पद्येपञ्चा-
शे में से एक पद्ये—पुस्तक. name of
one of the ten books known as
Painnas. चउ० ११; —सरणमण.
न० (—सरणमण) आर शरण लेना. चार
शरण—आश्रय लेना. resigning one-
self to the four e.g. Arihanta
etc. पंचा० २, २७; —सास. त्रि०
(—सास) अनुशासन; आर भाषायां (५२).
चार छटाई वाला मकान; चार मजला घर.
four-storeyed. जीवा० १, १; —सिर.
न० (—सिर—कवारि शिरसि बन्धित)
बन्धना आर पथन गुठने भरतक नभायुं
ते. बन्धना करेन समय चार चार गुठ के
कांग मस्तक नमाना-टेकना. act of bow-
ing one's head four times while
saluting a preceptor. सम० १२;
—हेउ. पुं० (—हेउ) भिष्यान् आदि धर्म
अन्यना आर हेउ. मिथ्यात्व आदि धर्म
के चार हेउ. the four causes of
Karmic bondage viz. heresy
etc. क० ग० ४, २१;

—ज. पुं० (—ज) आर ररना जेना भना
दोष ते उधर—आक; आयाटा. चोक; वह
उत्तर जनी चार मार्ग आकर मिलने हां.

A square where four roads
meet. जोर० २७; उत्त० १६, ४;
अनुजो० १३४; भग० २, ५; १, ७, १.
७; क० ४, ८, ८८; नावा० १; २; वेव०
१, १२. (२) आरने सभूद-ग्रथो.
चारका समूह. a group of four. भग०
८, १; ११, १; १२ ४, १८, ४, २०, ४,
२४, १२, ११, १; १५ (नि० १; जीवा० १,
१; पञ्च० २१; राव० २०१; अनुजो० ४;
प्रब० १३७; क० ग० १, ७; —खण्ड. पुं०
(—खण्ड) आर नयन मानना अंक आठ-
विध भन चार नयो को मानने वाला एक
आर्थाधिकमत-संप्रदाय. a tenet named
Ājīvika believing in four
standpoints. सम० १२; —खण्ड
त्रि० (—खण्ड) आर नयनी परजुते विचार
उद्वार; जे नयनना सामान्य अंशने संभ-
दभा अने विशेष अंशने व्यवहारमा समानी
जुनु शब्दनयने अंक रूपे भानी संभद,
व्यवहार, अनुसुत अने शब्द-अंश आर
नय मानना दता ते. चार नयो में वस्तु का
विचार करने वाला; जो नैगम के सामान्य
अंश का समझ में और विशेष अंश का व्यव-
हार में समावेश कर माना शब्द नयो का एक
रूप में स्वीकार कर समझ, व्यवहार, अनुसुत
आर शब्द ये चार नय मानने वाला. (one)
who looks at a thing from four
standpoints; (one) who believes
in the four standpoints viz. Sa-
ṅgraha, Vyavahāra, Rujasūtra
and Śābda, including Saṅgraha
Vidya in Vyavahāra and
taking the three Śābda Nayas
to be one सम० २२; —संयोग. पुं०
(—संयोग) आर जोडने जोडण-संयोग.
चार चीजों का संयोग. conjunction of

four words प्रगुणो १२३;
 चउत्तर. पुं० न० (चतुष्पद) जुओ " च-
 उत्तर " शब्द देओ " चउत्तर " शब्द.
 Vide " चउत्तर " भग० १०, ५;
 चउत्तर. पुं० न० (चतुष्पद) जुओ " च-
 उत्तर " शब्द देओ " चउत्तर " Vide
 " चउत्तर " भग० ११, १;
 चउत्तर. पुं० (चतुष्पद) चार बार.
 बार बार Four times क० प०
 ७, १६;
 चउत्तर. स्त्री० (चतुर्गति) नरक तिर्थय मनुष्य
 अने देवता ओ चार गति. नरक, तिर्थय,
 मनुष्य और देव वे चार गतियां. The four
 states of existence viz. hellish,
 beast, human and divine.
 चउ० ११; क० गं० ५, ९५; --मिच्छा.
 स्त्री० (-मिच्छा) चार भनिना मिच्छादिष्टि
 ओ चार गति के मिच्छादिष्टि जीव
 heretical souls in the four
 states of existence. क० गं०
 ५, ९५;
 चउत्तर. वि० (चतुर्गति) चार गतिमां
 १२३४. चार गतियों में घूमने वाला.
 Incarnating in the four states
 of existence. प्र० २६;
 चउत्तर. पुं० (चतुर्वर्ग धर्म) चार
 महाव्रत रूप धर्म; आदिता, सत्य, अयौष्य
 अने अपरिमल ओ चार महाव्रतरूप धर्मोना
 आपीस तीर्थक्षेत्रो ओ अतावेध धर्म. चार
 महाव्रत रूप धर्म; आदिता, सत्य, अयौष्य और
 अपरिमल इन चार महाव्रतों वाला धर्म के २२
 तीर्थक्षेत्रों द्वारा कहा हुआ धर्म. The creed
 in the form of the four vows
 viz. non-killing, truth, non-
 stealing and non possession
 of worldly effects—this was

taught by the 22 intermediate
 Tirthankarās. नावा० १२;
 चउत्तीसद्वय. न० (चतुर्विंशत्यम्) सोल ७५-
 वास. सोलह उपवास Sixteen faste.
 भग० २, १;
 चउत्तर. वि० (चतुर्थ) चौथी; चौथा नम्र० २२.
 चौथा, चौथी मर्यादा वाला. Fourth. जं०
 प० ७, १२१; १२२; नावा० २, ४, १,
 १२२; सम० ५; छ० ६, २; उत्त० २६, १६;
 भग० १, ६; २, १; ४; ४, १०; ५, ६;
 ७, ८; १०; १५, १; १६, ४; २४, १;
 १६; २६, १; ३२, १०; उवा० १, ७१; नावा०
 ८; ७; ८; १६; नावा० ५०४; वि० वि० भा०
 १८; २६४; वि० वि० २२३; दस० ४; ६,
 ४, १, दमा० ७, ५; पञ्च० ४; कण्व० १, २;
 ८. (२) चौथे भक्त; ओ ७ उपवासनी
 सतः एक उपवास. a term denoting
 one fast. नावा० १; ५; १६; पंचा०
 १६, ७; —अहिंस. पुं० (-अहिंस)
 चौथे २ दिवसे आगतो ताव. चौथारा;
 चौथिया अर; तीन २ दिन के बाद जाने
 वाला हुआ. fever making its
 appearance every fourth day.
 जं० प० —पद. न० (-पद) चौथी पद;
 आधानुं छेदनुं पद. चौथा पद; गाथा का
 अन्तिम वरण. the last or fourth
 line of a verse. दस० ६, ४, २; ३;
 —मल. न० (-मल) चौथे भक्त तप-
 ओ ७ उपवास-अर्थात् ७ उपवास करने वाले आभवे
 दिवसे ओ ४ व्रत नम्रनुं अने उपवास
 पछीना दिवसे पञ्च ओ ४ व्रत नम्रनुं
 ओ ६ उपवासना ने भक्त अने आभग
 पाछा दिवसने ओ ३ भक्त भणी
 चार भक्त- (भोजन) ने त्याग ते उप-
 वास अथवा चौथे भक्त हरेवाच. चतुर्थ मल
 नामक तप; एक उपवास अर्थात् जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक बरत भोजन करना, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और जागे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा व्रतर्थात्मक कहलाता है. A fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days. विशेष- १२७२; जोष- १६; भग- १, १; २५, ७; पण्ड- २, १; जीवा- ३, ३; नावा- ८; पञ्च- २६; —मण्डिक. वि० -मण्डिक) ३५ अ३१- ३६; उपवास ३२-३२. एकेक उपवास करने वाला. (one) who does one fast as described above. भग- १६, ८; कण्ठ- ६, २१; —मास. पु० (-मास) ३०; अदिने चौथा मास. fourth month. नावा- ८;

चउत्तरघण्टा. पुं० (चतुर्थक) येथीथो तार; तक्ष
 द्विसने आन्तरे आवे ते. चौथिया घुण्टा;
 तीन २ दिन के बाद सांज वाजा ऊपर.
 Fever that makes its appear-
 ance every fourth day. चौथा.
 १, १: (२) येथो. चौथा. fourth.
 वव० १, १३:

चडखण. पुं० (चनू भंड) जुमो। "चडखण"
 श०६. देखो "चडखण" शब्द. Vide
 "चडखण" विरो० २३४;

ଚତୁର୍ଥୀ. ଜାଂ (ଚତୁର୍ଥୀ) ୧୫ମୀ ଥିଏରୀ ନିବି;
 ଥିଏ. ୧୫ ଥିଏ ଚତୁର୍ଥୀ ନିବି; ଚତୁର୍ଥୀ-ଚତୁର୍ଥୀ.
 The fourth day of a fortnight.
 ଥିଏ. ୧୦ ୦, ୧୧୧; (୧) ଥିଏ. ୧ ୩୨ମୀ
 ଚତୁର୍ଥୀ ଚତୁର୍ଥୀ ଚତୁର୍ଥୀ. fourth (feminine).
 ଚତୁର୍ଥୀ. ୧୦, ୧୦; ଚତୁର୍ଥୀ. ୧୧୧; ୧୧୧;

વિશે- ૧૬૫; વસા- ૧, ૨; વચ- ૩;
 ઝીવા-૨; નાવા-૭; વ- મળ-૧, ૨, ૬, ૮; ૧૦, ૧;
ચતુદશ્ય. ત્રિ- (ચતુર્દશ્ય ચતુરધિકારણ)
 યૈદ- ૬૪ અને ૫૨. ચૌદહ; ૬૪ ચૌર ચાર.
 Fourteen. જં- ૫-૨, ૧૧૬; તમ-૧૪;
 જોવ-૧૮; જાજો-૧૭૨; મળ- ૧, ૧૩, ૮;
 ૧૧, ૧૧૩, ૧; ૨૬, ૬; ૩૧, ૧; ક- ગં-
 ૧, ૨૩; ૨, ૩૦; નાવા- ૧; વ- ૧૩; ધ્રુ-
 વ- ૨, ૧૭; વચ- ૧૦, ૨; વચ- ૪;
 —**ત્રિચક્રાણ.** ન- (-ત્રિચક્રાણ) યૈદ
 છત્રસ્થાન-ગુણદાણ. ચૌદહ ત્રિચક્રાણ-ગુણ-
 સ્થાન. the fourteen Guṇadhānas
 or spiritual stages. ક- ગં- ૪, ૨;
 —**પુરુષ.** ન- (-પુરુષ) યૈદ પૂર્વ-આગમ.
 વિશેષ કે જે દાસ ત્રિચક્રાણ ૨૫ મેલ છે.
 ચૌદહ પૂર્વ-આગમ વિશેષ, જો કર્મમાન એ
 વિચલેલ હો ગયે છે. the fourteen
 Pūrvas—a portion of scripture
 not now extant. મળ- ૨૨, ૭;
 નાવા- ૫; ૧૪; ૧૨; —**પુરુષિ.** પુ-
 (-પુરુષિ) યૈદ પૂર્વના મનુષ્યનાર (સાધુ).
 ચૌદહ પૂર્વો કો આગમે શાલા (સાધુ). a
 Sadhu learned in the fourteen
 Pūrvas. જોવ- ત્રિ- ૧; નાવા- ૮, મળ-
 ૧, ૧; પ્રવ- ૬; ૧૨૩; કવ- ૪, ૧૨૬;
 —**પુરુષી.** ન- (-પૂર્વો) યૈદ પૂર્વના
 સમૂહ. ચૌદહ પૂર્વો કા સમૂહ. the collec-
 tion of the fourteen Pūrvas.
 જં- ૫-૨, ૩૧; પ્રવ- ૩૬૨; —**મણ.** ન-
 (-મણ) ૭ ઉપવાસ એકા દરેક તે. જ-
 રાજાસ દરેક કરના six consecutive
 fasts. જોવ- ૧૬; મળ- ૨૨, ૭; —**મળા-**
ચતુદશ્ય. ન- (-મળાચાસ્થાન) યૈદ મૂળ
 આર્મણના સ્થાન. ચૌદહ મૂળ આર્મણના
 કા સ્થાન. the fourteen original
 characteristics by which mun-

[illegible]

बडहसहा. म. (चतुर्वेत्तया) या प्रमाणे
 चौदा प्रकार वा In fourteen modes
 or variations क. गं. १, २.

चउदसां. छा० (चतुर्विंशी) भादश. चतुर्विंशी;
पक्ष की चौदहवां तिथि The four-
teenth day of a fortnight जं०
प० ७, १५३; विवा० ४; दसा० ६, २;
पंचा० १०, १७;

ચડઢા ળ. (ળતુષાં) ળાર પ્રકારે ળાર પ્રકાર
 સે; ળાર પ્રકાર. In four modes or

varieties. 5-7 2, 3; 4, 5.

अङ्गुष्ठाद्वया धानं (अङ्गुष्ठाद्वया) ५२.२ गम-
 त्तया अङ्गुष्ठां अपरिणीतः ५२.१. चार पेश
 धानं भूतान्मपेदी एक जति A spe-
 cies of serpents with four feet
 पञ्च १. ५५२ २, ३, २५. त्रिधा १.

अङ्गुष्ठिया श्री. (अङ्गुष्ठिया) नाडी
 यथाश्री ने. रिमटी बजाना Act of
 snapping a finger with the
 thumb, नायाः ३;

सुडभाइआ आ० (अनुभांगिका) भा० १००
 मे० १००, २०० भा० १०० भा० १००
 मे० १००, २०० भा० १०० भा० १००
 A measure of capacity equal
 to the fourth of a M. १००, २००
 १००.

चतुर्भागः पुनः (चतुर्थभागः) यैथि आगः
चायस्य सोषा भागः चतुर्थांशः. Fourth
part. क० गं० ४, ६२; —**कटिष्ठाः त्रयो-**
(कायमः) यैथि आगो यो नंदी तेष्टुः
तेष्टुविह उदना चांडाया इत्यादि तिसरे चतु-
र्थांश बाकी रहता है। boiled so long
as to be reduced to a fourth
part. क० गं० ५, ६३;

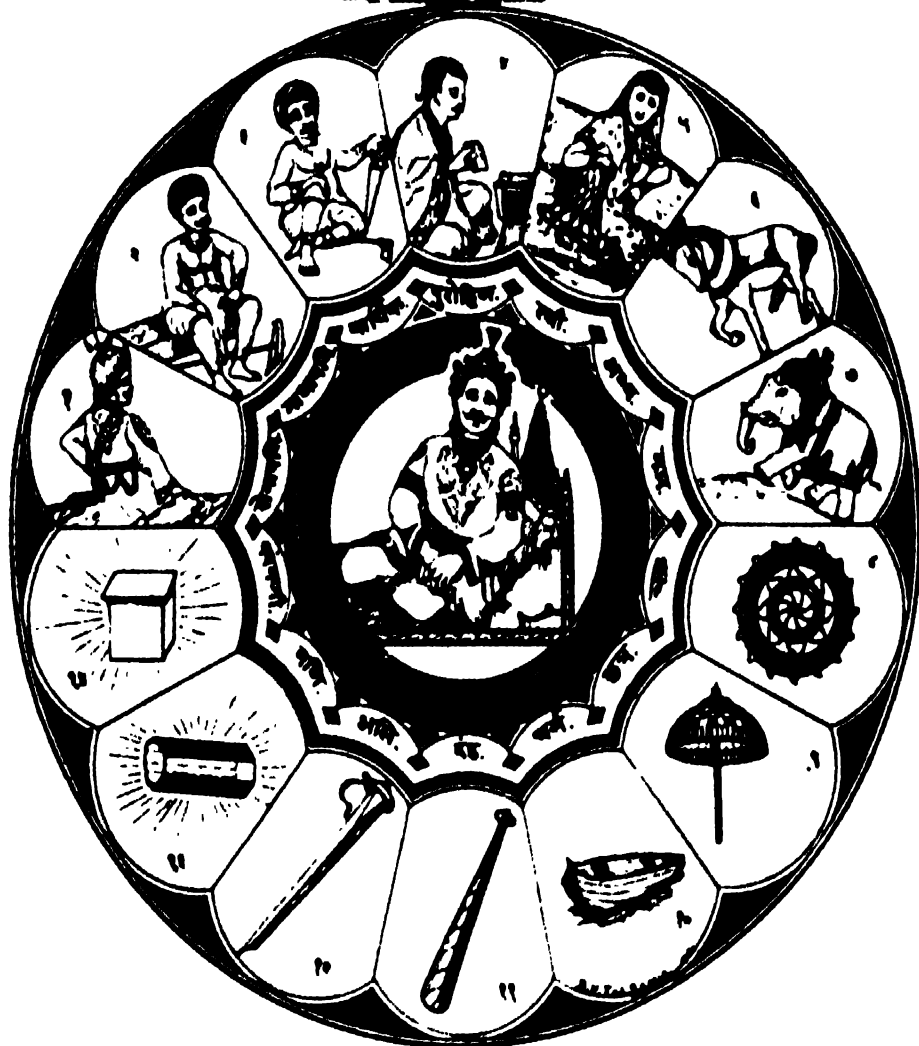
चतुर्मासा. श्री० (चतुर्मासी-चतुर्मासा मासानां
समाहारः) आर भासनेन सन्दृष्ट, ग्रामासु.
वार मासका समुदायः चैवमा. A group
of four months; the monsoon
season. पृ० न० ८, १२३:

अउमासिय. न० (चानुर्मासिक) याभास
तयः चार भासना उपवास करवा ते. चानु
र्मासिक तयः चार मास तक उपवास करना
Austerity in the form of fast
ing for four months. अ० १४:

સહમાસિયા આ. ત્રી. (વાતુમાસિકા
વિષ્ણુની ચોથી પદ્ધિ ૩ જેમઃ એક મા

सवित्र अर्ध-माणधीकोष

— चरसयण — १४ रत्न. —



१, १; १, १; ७, १; सम० ५० १०६; उत्त० १६, २१; भग० ६, ५, ८, १; १४, ७; २६, २; नावा० ८; जीवा० १, १; ३१ वच० १; जीव० वि० २५६; दहा० ६, १; विष्टे० ६०१; प्रव० ६७१; व० ५० १, ११; —छत्ती. जी० (-छत्तीति) ३२।३।, ५४. चौरासी; ८४. eighty-four; 84. जं० ५० ५, ११५; " सुवचनेषं चत्तीह सर्वत्रि-रिवाचार्हं चउरासीच त्रिरिवाचार्हं " १।व० भग० १, ५; १, १। २; ६, ७; १२, ६; २०, ५; नावा० ५; नंदी० ४३; पञ्च० ४। -छत्तीहमि. त्रि० (-छत्तीति चतुर्वाचका चत्तीमि) ३२।३।, ८४। चौरासी; ८४. eighty-four; 84. उत्त० १, ७४। जं० ५० भग० १५, १; २५, ७; सम० ५४; चां० ३८; जं० ५० २, १५; —इन्द्रिय. पुं० (-इन्द्रिय) २५४।-प्राप्ति-रसना-नेत्र-अं आर धिन्दय तातो अत्र चतुर्इन्द्रिय जीव; एतौ प्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव. a living being with four senses viz. touch, smell, taste and sight. छ० १, १; उत्त० १, १। उत्त० १६, १२५; भग० १, १; ५; २, १; १०; ५, ६; ५, १; २४, १, १२; १५; २६, १; दम० ४; वि० नि० भा० ६; जीवा० १; वच० १। —इन्द्रियकाय. पुं० (-इन्द्रियकाय) २।२ धिन्दय वाला अत्र चतुर् शरीर. चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर. body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२।

चउर. त्रि० (चतुर) ३।५। दोहीअर. चतुर; कुशल; दक्ष; Clever; skilful. चतुर्गो० १२५।

चउरम. पुं० (चकौरक) ५३।२ ५६।। चकौर. the bird Chakora. पण० १, १;

चउरमह. पुं० (चतुरमहि) भी शीअर २।।न।

३१ (५३२) पुं० नाम. जीव का एक दूत-जीवर. Name of a servant of king Śrī Śekhara. छ० ५० १, ११२।

चउचीस. त्रि० (चतुर्विंश) ३२।३।; पीस अने २४. चौबीस; बीस और चार; २४. Twenty-four; 24. चतुर्गो० ५६; छ० १, १; भग० २, ५; ५; १, १। ५, ५; १५, १; २; ५। २४, १; १२; वच० ४; उवा० १०; २७७; प्रव० २; सम० २४। वच० ५, १५। जीव० १६; —स्वयं. नं० (-स्वयं) भीष्म आ५२५३ सूत्र जेभां तीर्थंकरनी स्तुति छे. दूराव चाव-रवक सूत्र, मिस में तीर्थंकरों की स्तुति की गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tirthankaras. नंदी० ४३; उत्त० २६१२; —स्वयं. पुं० (-स्वयं) भीष्म आ५२५३ सूत्र; क्षेमरसने ५।६ जेभा २४ तीर्थंकरनी स्तुति छे. देवा ऊपरका शब्द. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tirthankaras in the text " Longassa " etc. नंदी० ४३; उत्त० २९, २। —इंद्रज. नं० (-इंद्रज) ३०।३। ६५३। चौबीस इन्द्रज. twenty-four Daṇḍakas. छ० १, १। —इंद्रज. पुं० (-इंद्रज) ३०।३। ६५३। देवो ऊपर का शब्द. twenty-four Daṇḍakas भग० २०, ७; छ० २, २;

चउचीसहम. पुं० (-चतुर्विंशतिलम) ११ ७५।। ११ उपवास. Eleven fasts. भग० २, १; नावा० १; (२) ३०।३। ३०। चौबीसवां. twenty-fourth. भव० २४, १; छ० ९, १;

चउरविह. त्रि० (चतुर्विंश) ३२ ३३।२।

चार प्रकार का. Four-fold; of four kinds. क० प० २, १६; ४, २०; ८०; क० सं० १, १६; ९, २४; भग० १, १; २; २, १; ५, ३; २३, १; नाया० १; ५; १६. सु० व० ६, १११; दला० ४, ११; २३, ६३; जलुमा० १३२; जोष० १७; मय० ४; विशेष० २४; ७८, दल० ३, ८, १. उवा० १; ४३; भग० ४२, १२८. मय्या० १००; कप० ८, ६१; —भंडग. न० (भवडक) आ२ प्र३.२ना इरीयाजा. चार प्रकार का कर बाना-बचने का सामान. four kinds of groceries विवा० २;

चउसहि. जी० (चतुस्रहि) आसहः ५४. चौसठ; ६४. Sixty-four; 64. मय० ६४; जोष० ३८; भग० ३, १; २; ४, ४; १०, ५; १६, ७; २८, ४; नाया० ३; वय० ६, ३८; विवा० २; ५; प्र० प० २६, १२४; २, २६; —कला. जा० (कला) आसह ३६ चौसठ कला. sixty-four artm. नाया० ३;

चउसहिवा-जा. जी० (चतुःषडिका) २४ तोलवान् माष्ठीना आसहमा आनन् आप रस मापने-तोलने का माप का चौसठवा भाग-हिस्सा. A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Māṇa जलुमा० १३२; राव० २७२.

चउसेया. जी० (चौकुसिका) आहुनामना देशनी स्त्री चौकुश नाम के देश की स्त्री. A female of the country named Choukusha. मय० ६, ३३;

चउहा. म० (चतुर्धा) आ२ प्र३.२. चार प्रकार से. In four ways or parts; four-fold क० सं० १, २, ४; ४३.

मय० १३, ४; राव० २६१;

चकोर. पु० (चकोर) अ३. पक्षी चकोर पक्षी. The bird called Chakorn. सु० व० २, १५१

चकोरचक्र. १४० (चकोरचक्र) चक्राधिक घनाः अयोपयय दानित्वा नामनाः. न्यूनाधिक होने वाला, घटना बढ़ना होने वाला; बृद्ध छुट घनि वाला Subject to decrease and increase. आवा० १, १, २, ४६.

चंकमंत. व० क० प्रि० (चंकमन्) आनन्, पयला अ२न्. चलता हुआ Moving, stopping चकमंता व० प० ६० प० १, ११; जोष० ३०.

चंकमन् न० (चंकमन्) आनन् तेम इ२न् ते इतर उ२र फेरना. Moving here and there मय० प० १६८;

चंकमिअ. प्रि० (चंकमित) अनिश्चय बालेअ अनिश्चय बला हुआ (One) that has moved too much न० प० २, १६९;

चंकीमया. सं० क० अ० (चंकम्भ) अनीत इ२नि; पयले इ२नि, अनीत करके, गुमार कर Having passed on spent. आवा० १, ८, २, ६.

चंकममय. व० क० प्रि० (चंकमवान्) इ२न्; आनन्; इ२न् चलता हुआ; कटिपन होता हुआ. Moving; walking; quaking कप० ३, ३८.

चंकार. पु० (चकार) अ३. अ३. च चकार, चकार. The letter Cha. मय० १०, १;

चंगवेर पु० (चंगवेर) इ२ने२; अ३. अ३.

क्रेती. A large metal pan, "वीडप्
चगंधाव नगळे महं विवा" दस० ७, २८;
नावा० २, ४, २, १३८;

बर्गिस (वि० (बर्गिसम्) सु६८. ५५५५.
सुन्दर; बर्ग; सुकयवान्. Beautiful;
handsome. पु० प० २, १५५५

बर्गिसा. बी० (*) ५५५५ राजानी
आपडी. कुल रखनेकी टोकरी A flat
basket to keep flowers in. राय०
१४;

बर्गिसी बी० (*) ५५५५ आप; आपडी.
पुष्प रखनेकी जावडा बर्ग. A flat
basket to keep the flowers in;
a flat basket. मग० ७१०; जं० ५०
नावा० १, ४, राय० १५५५;

बर्गल (वि० (बर्गल) अ५५५; अ५५५.
बनन. आस्था, बाल. Unsteady,
moving; quick जं० ५० ५, ११२.
आवा० १४, २१; भग० १, १; २, ४, ११३;
१४, १, पग० २, नावा० १, ४, १; उवा०
२, १००; कुडल न० (- कुडल)
अ५५५मान ५५५५. बर्गलमान कुडल. an
unsteady earring कप० २, १३;

बर्गलायमान. वि० (बर्गलायमान) अ५५५-
मान, अ५५५. बर्गल. Unsteady;
moving जं० ५० १ ५२.

बर्गु बी० (बर्गु) राजानी अ५५५. पक्षी की
बोव Bird's beak जं० ५० ७, १६५;

बर्गुबिष न० (- बर्गुबिष) पोपटनी आंखनी
माइय पय पडा आने उवा राजनी उवा रहेंतुं
के आसतु ते: पोपटनी अंके प्रहारनी अनि
शुद्ध बुझा-तोते की बोव की तरह वेरों को

देहा बींग ऊंचा रखकर खड़े रहना वा चलना,
एक प्रकार की बाँव की गति. Act of
standing or walking with foot
bent like the beak of a parrot;
a kind of gait peculiar to a
horse. आवा० ३१, जं० ५० ७, १६६;

बर्गुमाहाय. वि० (*) ५५५५ वि५५५
पामेय शैमाय थपेय. हर्ष में विकसित-कुता
हुआ. मृता के मारे शैमायित. Bristling
with joy. "बराहगवीय बुरहिबुम
बर्गुमाहायक" जं० ५० ५, ११५; भग०
११, ११;

बर्ग. वि० (बर्ग) अ५५५; तीक्ष्ण; होपना
आवेशवाग्. प्रवर्ग; तीक्ष्ण. क्रोध के आवेश
वाला. Fierce; keen; hot with
anger. उल० १, १३; १०, ४; ओव०
२१, मृ५० १, २, १७, ६२; भग० १, १;
७, ५; १, ३३; ११, १११ १२, १; नावा०
१, ४; १, इला० ६, ४; पग५० १, १;
नावा० १, १; दस० १, २, ३; जं० ५० राय०
२०७; २०३; उवा० २, १०७; कप० २,
२७; २८; - कर्म. वि० (- कर्म) ६२
३५३२२२ कूर कर्म करनेवाला. (one)
who does fierce or cruel deeds.
प्र० १६००. —वि०. न० (- वि०) शरी-
रमा अ५५५ी अ५५५ी म५५ तेरुं अ५५; तीव्र अ५५.
शरीर में अ५५ी प्रावेष्ट होने वाला विष; ताम्र
जव deadly poison. नावा० १; भग०
१२, १;

बर्गपिंगल. पु० (बर्गपिंगल) ओ नामने
अंक भाष्य के नेने मोहने बीधे नाश थपे
होता. इस नाम का एक मनुष्य, जिसका नाम
मोहवरा हुआ था. Name of a person

* बुओ पु५ न५५२ १५ नी ५५५५ (*). देखो पु५ नंबर १५ की ५५५५ (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

who was lost on account of infatuation. मत० ११०।

चंडकह. पुं० (चण्डक) ओ नामना ओइ होषी आआव। इस नाम का एक कोषी जाकार्य. Name of a preceptor given to anger. पंजा० ११, ३४।

चंडा. स्त्री० (चण्डा) अमरेन्द्र चंडेरीली मध्यम पर्वदा सभा. चण्डेन्द्र चंडा का मध्यम सभा The middle council of Chmarendra etc. टा० १, २; भग० १, १०; श्रीवा० १, ४; (२) नेत्रम होषी भाजुसने भ्रम न जाने नेत्रम नेत्रमा भ्रम न जलाय अनी देवता नी ओइ प्रति जिस प्रकार कोषी मनुष्य का भ्रम नहीं होता उही प्रकार जिस में भ्रम न हो ऐसी देवता को एक गति a sort of gait of gods involving no strain to a man given to anger or to them selves " विपुला कलसा पनाहा चंडा बुहा लिप्ता दुराहवांस "। इबा० १; मय० २६; नाया० २०।

चंडाल पुं० (चण्डाल) अंडस्थी मंडपी अ. अ. पीमा उग्रम धर्मम जननीय जन चाण्डाल-शुद्रादि नीच में ब्राह्मणा में उग्रम प्रति; नीच प्रति. A low-caste person having a Brahman's mother and a Śūdra father. उल० १, ४, (२) अग्नी; ३; भंगा A sweeper, persons of low caste. भग० १००, मृ० ब० १०, ११; नाया० २; अणुशो० १२८;

चंडासन. न० (चण्डाक) देवपुत्र निमित्त पुत्र राजपुत्रा नाना पुत्रासु के देने अथु-राधां अंग्राम इदे डे; देवपुत्रा के निमित्त कुल रक्षके का लिये का एक वात्र; जिसे मयुगमें 'चंडाक' कहते हैं. A copper vessel, so called, in Mathurā, used for

holding flowers for the worship of gods. सूत्र० १, ४, १, ११;

चंडासिय न० (चण्डाक) अण्डालना के पुत्र अथवा अना कर्म. A deed worthy of a low-caste person. उल० १, १०;

चंडिक पुं० न० (चण्डिकण) अण्डिकण-होष काय, गुस्सा. Anger fury. मय० १२; पण० २, २; भग० १२, ४;

चंडिकिण य प्रि० (चण्डिकिण-चण्डिकण-होष काय, गुस्सा. Anger fury. मय० १२; पण० २, २; भग० १२, ४; नाया० १, १६; भग० १, १, २;

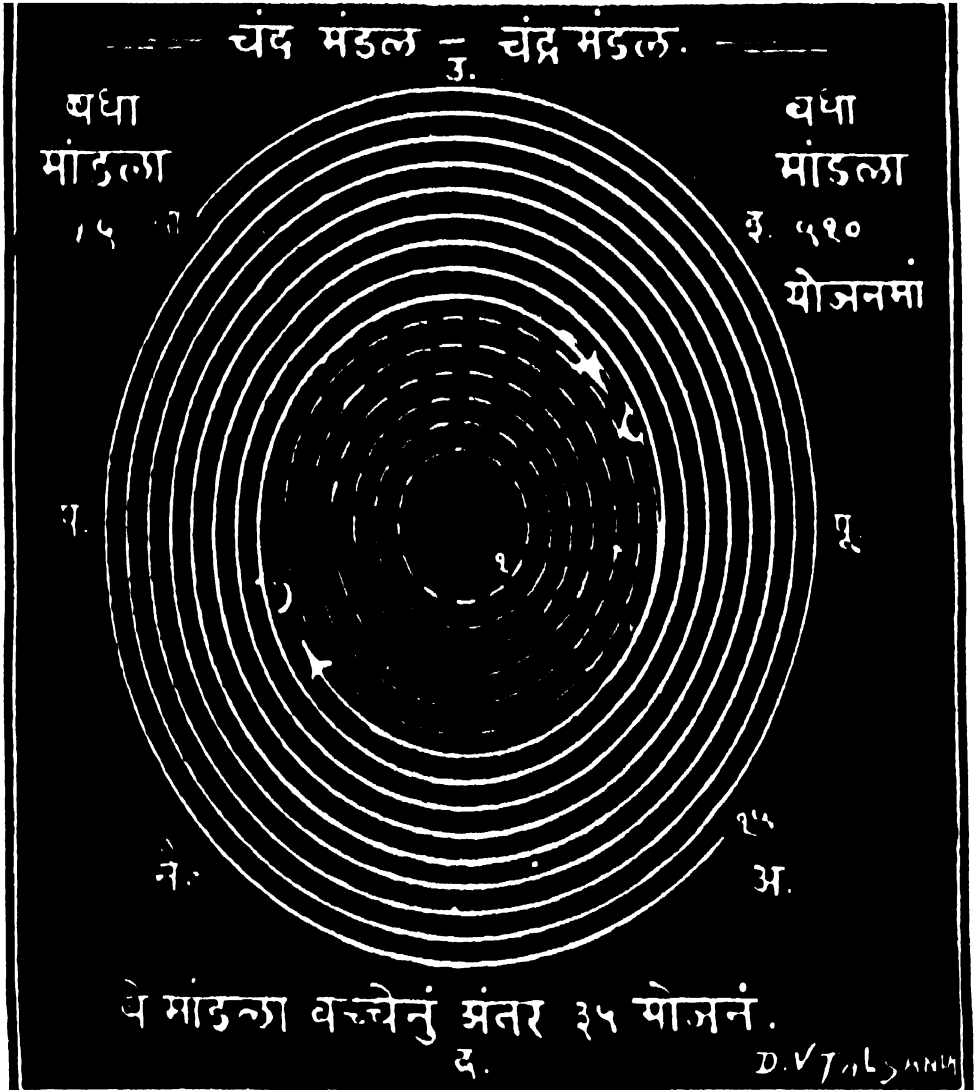
चंडी स्त्री० (चण्डा) ओ नामनी आध्यात्म्य प्रत्यक्ष इस नाम की एक साधारण जन प्रति. Name of a common vegetation, पण० १, भग० २, ३ (२) अण्डा देवी, चण्डा; चण्डिका देवा the goddess Chandi. पण० १, २;

चंड पुं० (चण्ड) अण्ड अण्डम अण्ड, चण्डा The moon. उल० १० ३, १४३, आश० १०; भग० १, २, ८, १, १, २, भग० १, १, नाया० १, १०; अणुशो० १०२; मय० १; ३२; उल० ११, २४, २४, १६, काश० ३३६; २३; पंजा० २३६, आश० २, २, विमो० २३६; पण० १, अंडा० १, (२) अण्ड नामनी नीच देवताओं में अण्ड विमान नामक देवताओं का चण्ड नामक एक विमान, an abode of the name of Chandra in the third Devaloka. मय० १, (१) अथवा अण्डा नीच अण्ड, उग्रम; पंजा० १४३, चण्डिकण के पुत्र कोमा कर का वनाग पर्वत. the Vakhara

mountain on the eastern boundary of Vapra vijaya. श्रं० प० (४) ज्योतिष इत्यनेन उक्तं ज्योतिषी इवां का इन्द्र. the Indra of the Jyotiṣa-god. श्रं० १; उक्त० १६, २०६; श्रं० २, १; श्रं० २६, (१) उत्तर कुण्डलभागां अत्र दक्ष के जने में पासे ५ यन्त्र पर्वत हैं. उत्तर कुण्डल में का एक दक्ष, जिसके एक दोनो किनारों पर कवनक पर्वत हैं a lake in Uttara Kurukṣetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain. श्रं० १, ४; (६) चंद्र नामने दीप अने समुद्र चंद्र नामक दीप और समुद्र a continent of the name of Chandra; also ocean of that name. श्रं० १, ४, पञ्च० १, (२) जे वर्षा आधिक मास न होय ते के तसर जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर an ordinary year; an year not intercalary. श्रं० प० मू० प० १०; प्रब० ४०८; (८) चन्द्रपुष्पिका नाम पदमे अथवा चन्द्रपुष्पिका का पहला अध्याय the first chapter of Chandrapuspika. श्रं० १, १; (९) आठवा तर्कितरु त्रिकुण आठवे तर्कितरु का चन्द्र the emblem or symbol of the eighth Tirthankara. प्रब० १८१. —अक्ष. न० (—अर्धचन्द्र) अर्धमा चंद्र; अर्धमासे चंद्र. आधा चन्द्र; अर्धमा का चंद्र. half-moon; the moon on the eighth day of every fortnight. श्रं० १११; —आभा जी० (—आभा) चंदनी आभा ज्योति. चन्द्र की उजाला; चन्द्र की आभा. moon-light. भग० ६, ४; ७; —उच्च-

पु० (—उच्चराग) चंद्र भद्रमा चंद्र ग्रहण. lunar eclipse. अक्षुषो० १२७; भग० १, ७; श्रं० १, १; —ज्योति पु० (—ज्योति) नक्षत्रों साथे चंदनी ज्योति. नक्षत्र के साथ चंद्र का ज्योति. the moon in conjunction with a lunar asterisk. श्रं० १०७, १९०; —दिक्. न० (—दिक्) चंदनी दिक्; सोमवार चंद्र का दिन, सोमवार. monday. श्रं० २८; —परिहारा जी० (—परिहारा) चंद्र नामनी प्रतिमा—अभिप्रेत के ज्योति चंद्र काली पंडे शुक्ल पक्षमां दशरथ अर्धमा ज्योतिमा पक्षरतां अने शुक्लपक्षमां अर्धमा ज्योतिमा पक्षरतां अभावस्थायि अर्धमा ज्योतिमा लेखां आवे ते; अर्धमा प्रक्षरतुं उनीदरी तप चन्द्र नाम की प्रतिमा—अभिप्रेत, जिसमें चन्द्रमा की कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कल-प्राप्त बढाने और कृष्णपक्ष में एक एक प्राप्त बढाने अभावस्थ के दिन एक ही प्राप्त लिया जाता है; उनीदरी तप दिक्. A sort of austeri-ty in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half. प्रब० ११७२; श्रं० १६, ठा० २, १, वच० १०, १. —परिहारा पु० (—परिहारा) चंदनी पुत्रो; चंदनी इत्यं भव्यप्राप्तिरे देवता. चन्द्रमा के जगों और गोलाकार का चंद्र-रत्न the halo of light round the moon. अक्षुषो० १२७; भग० १, ७; —पञ्चदश-अ. पु० (—पञ्चदश) धातुही अर्धमा भद्राविदेवभागे अर्धमा पर्वत.

मन्त्रिषु अर्ध-भागध्री काण



धातकी कहल के महाविदेह का एक पर्वत. name of a mountain of the Mahāvīdeha of Dhātākī continent. अ० २. १: (२) ओ नाभनी सितादा नदीनी वक्षरकार पर्वत. इस नाम का सितादा नदी का बखारा पर्वत. name of a Vakārā mountain on the river Sitadā. अ० ८. १: —मंडल न० (—मंडल) चन्द्रमां भांडल. चन्द्र मंडल. the discus of the moon. सम० ६१: (१) चन्द्रमांने आकाशमां आक्षयनी नियम भाभ. चन्द्रमा के चलने के निबे आकाश का निबत मार्ग. the orbit of the moon. (४) आकाशमां चन्द्र के प्रदेस छिपे आये छे ते प्रदेसनी लाभनने चन्द्रमण्डल कहेयाभां आवे छे. तेरा चन्द्रमा भांडला १४ छे अटले चन्द्र पदेसे भांडलेथी १२ दिवसे १४ में भांडले वनय छे, अने पक्षी अंदर आरतां १४ में भांडलेथी १२ दिवसे पदेसे भांडले आवे छे. ओभ पंदर पंदर दिवसे चन्द्रनी आवृत्ति थाय छे. आकाश में चंद्र जिस प्रदेश पर किरता है उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं ऐसे चंद्रके मंडल १४ हैं अर्थात् चंद्र प्रथम मण्डल से १४ वें दिन १५ वें मण्डल में जाता है और फिर वापस १२ दिन में १४ वें मण्डल में १ ले मण्डल में आता है. इस प्रकार पंचरे २ दिन में चंद्र की आवृत्ति हानी है the path of the moon in the sky is called the circle of the moon. There are such 15 circles. The moon begins her course from the first circle and reaches the 15th circle on the 15th day and when she retreats her motion back from the 15th circle takes again 15 days to

come to the first circle. Thus the whole course is completed in every fortnight. अ० ८. १: १४२; चंद्रमण्डलपरचिह्नमिति. पु० (चन्द्रमण्डलपरचिह्नमिति) चन्द्र मण्डली विशेष रचना वाला नाटक. A drama in which the scenery of the moon is exhibited. राव० ६२:—रांचजोग. पु० (—रांचजोग) चन्द्र अने सूर्यो योग. चंद्र और सूर्य का योग. the moon in conjunction with the sun. अ० १०. ७: १४२: —विमानचंद्रावस्थित. पु० (—विमानचंद्रावस्थित) चन्द्रमा विमानमां रहेनार व्यापितिक हेत. चन्द्रमाके विमानमें रहने वाला ज्योतिषक देव a deity living in the heavenly abode of the moon. अ० १०. ७, १६४; भग० २४, १२: —सूर. पु० (—सूर) चन्द्र अने सूर्य. चन्द्र और सूर्य moon and sun. प्रव० ८६२: —होरा. जी० (—होरा) चन्द्रनी देरा; चन्द्र लभे चन्द्रलभ; चन्द्रमा की होरा-लभ विशेष a particular duration of time in the position of the moon in its orbit. गण० ६४: चंद्रक. पु० (चन्द्रक) भार पीठ छिपने आये. मार की पिच्छ ऊपर का एक प्रकार का चन्द्राकार चमकीला आकार विशेष. A star-like spot on the feather of a peacock नावा० १: चंद्रकान्त पु० (चन्द्रकान्त) चन्द्रकान्त नामजुं राज देवताइजुं अंक विमान. चन्द्रकान्त नाम का नाम देवलोका का विमान. Name of a heavenly abode in the third Devaloka. सम० १: चंद्रकान्त जी० (चन्द्रकान्त) आशु अरुचि-

पुं० (चन्द्रकूट) अर्धमान चन्द्र-
मणिकी के द्वासे कुलकर की जी० Name
of the wife of the second Kula-
kara of the present or current
descending cycle (Avasarpini)

मम० प० २२४;

चन्द्रकूट. पुं० (चन्द्रकूट) अर्धकूट (३८)
नामनु श्रीमन् देवलोकांशु अंश विमान. इस
नाम का तीसरे देवलोकांशु का एक विमान.
Name of a heavenly abode of
the third Devaloka. मम० ३;

चन्द्रकूटवेधक न० (चन्द्रकूटवेध) राधावेध
अक्षरती राधा पुनर्गतीने तत्परावेधेति आद्य
विधिनी ने राधा वेध; चक्रकी तरह घूमती
हुई पुनर्गती की चोख वेधना. A feat in
archery - piercing the eye of
a rotating doll चोख० नि० ८०७;
मम० १२१; आ३० १४;

चन्द्रगुप्त. पुं० (चन्द्रगुप्त) मौर्यवंशी अर्धगुप्त
गुप्त मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King
Chandragupta of the Maurya
dynasty. वि० ८६२; वि० नि० भा० ४५;

चन्द्रचरित्रा. जी० (चन्द्रचरित्रा) अर्धनी अति
अभ्युपानी विद्या चन्द्र की गति जानने की
विद्या. The science of the motions
of the moon. सू० २, २, २१,

चन्द्रचक्राक्ष-य पुं० (चन्द्रचक्राक्ष) अर्धचक्राक्ष नाम
अंश देशने राजा. चन्द्रचक्राक्ष नाम का अंश
देश का राजा, Name of a king of
the country called Ariga अ०
७, १; नाया० ८;

चन्द्रजस्ता. जी० (चन्द्रजस्ता) विभक्त वाहन
कुलकर की जी०. विमल वाहन कुलकर की जी०.
Name of the wife of the Kula-
kara Vimala-Vāhana. मम० प०
२२४;

पुं० (चन्द्रचक्राक्ष) अर्धचक्राक्ष नामनु
श्रीमन् देवलोकांशु विमान. चन्द्रचक्राक्ष नाम का
तीसरे देवलोकांशु का विमान Name of a
heavenly abode of the third
Devaloka मम० ३;

चन्द्रक. न० (चन्द्रक) मलयामर-अर्धन. मल-
यागर-चन्दन. Sandal-wood. (२) सुअ-
शुं ११३. चन्दन का वृक्ष. sandal tree.
चोख० भग० १, ११; २२, १; नाया० १;
१, ८; सु० च० २, ५८४; राय० १६; जीवा०
१, ४, पञ्च० १; कप० १, ११८; प्रथ० ११०;
उवा० १, २४, जं० प० १, ११४; (३)
अक्ष-भेदने अथ, भेदद्वय अथने अंश
प्रकाश अक्ष-कौंच (चोखा) का जीव; दो
इन्द्रिय जाव का एक प्रकार. a variety
of two sensed living beings.
उत्त० १६, १२८; पञ्च० १; (४) अर्धनमज्जि.
सन्निपत इति पृथ्वीने अंश प्रकाश. चन्दन-
माण; सन्निपत कठिन पृथ्वी का एक प्रकार.
a kind of centient hard earth
called Chandanamamni. उत्त० १६;
७६; पञ्च० १; —उच्छिन्नसगाय. वि०
(उच्छिन्नसगाय) अर्धनथी देवायुं छे
शरीर अंशु अवे। चन्दन से लेपन किया हुआ
शिरका शरीर है वह. (one) whose
body is smeared with sandal-
paste. भग० १, ११; —कलस. पुं०
(कलस) अर्धन धूम्र कलस; अंश
कलस चन्दन मिला कलस मंगल कलस.
a pot smeared with sandal-
paste; an auspicious pot. राय०
१८; जं० प० १, १२०; —पावक. पुं०
(पावक) अर्धननुं कलस चन्दन का वृक्ष. a
sandal-tree. विवा० १; —वेसिका.
जी० (वेसिका) अर्धन पञ्चनारी दासी.
चन्दन मिलने वाली दासी. a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone. भग० ११, ११.
—विशेषण. न० (- विशेषण) २५-तन्त्रो
द्वेष इत्ये. त. चंदन का लेप करना
smearing the body with sandal
paste पंथा० ८, १४;

चंद्रनखा. सां० (चन्द्रनावां) नेपालीशभा तीर्थ-
इन्दी मुख्य सः॥॥; चन्द्रनावा नामनी
आत्मन चौकीसवे तथंहुग की मुख्य माप्वा
चंद्रनखाना नामका आराजा A nun
named Chandsnabala; the chief
nun of the 24th Tirthankara.
सम० प० २१८;

चंद्रशेखर शर्मा (चन्द्रशेखर) चन्द्रशेखर शर्मा
चन्द्रशेखर शर्मा. The man named
Chandrasekhara शर्मा २, ११८.

संस्कृती. श्री० (चण्डी) आयमन. आयमन.
 Holy water. आया० २, १, ५, ३२;
 —उदय. न० (—उदक) आयमननु पाणी
 ज्यां देवुं देवांते रक्ष. आयमन का जल
 जहावर बहता हो वह स्थल. a place
 where holy water is flowing.
 आया० २, १, ५, ३२;

चंद्रायमक्षपक्षिभिः । ज्ञा० (चन्द्रायमक्ष-
पक्षिभिः) अन्धत्वं अन्धायमक्षपक्षिभिः विशेष-
रसनापात्रं नात्र चन्द्रायमक्ष विशेष रसना-
पुत्र नात्रक । A drama in which
there is a scene of the setting
moon. यय० १०.

चन्द्रदीप पु० (चन्द्रदीप) चन्द्र नामनेटा द्वीप.
चंद्र नाम का द्वीप. A continent or
island named Chandra. प्राचा-
३, ४:

संझन. न० (सन्झन) = २६१. संझन. Sandal
paste; sandal wood संझ०

बंदूकवागरी की० (बंदूकवागरी) से नामनी
 से। शाखा, इस नाम की एक शाखा, An
 off-shoot of that name ४१७० ८:

चंद्रप्रकाशिति शां० (चन्द्रप्रकाशिति) जेभा
 मन्दस्यमन्त्री यजुर्न इत्युं मे ते मन्दप्रभामि
 नामनु अत्र प्रसिद्धं स्यात्. त्रिभवे चन्द्रप्रकाशिते
 वगैरे किंवा मया हे वह चन्द्रप्रभामि नाम का
 एक काव्यक मंत्र Name of a Kalika
 Sutra in which a description
 of the moon is given टा० १. १;
 ८. १; नदी० ४३;

चन्द्रप्रभ १० (चन्द्रप्रभ चन्द्रप्रभ ह्य प्रभा-
उपायना चन्द्र) अ० २४, तमः (१) चन्द्रप्रभ नाम
A precious stone called Chandrakanta नाया० १, पञ्च० १; उत्त०
२२, २३, (२) चन्द्रप्रभ दण्डे चन्द्रप्रभ दण्डे
the handle of an umbrella. नाया०
१; (३) चन्द्रप्रभ नामन् चन्द्रप्रभ देवदेव
अथ चन्द्रप्रभ नाम का नासरे देवदेव
का एक विमान name of a heavenly
abode of the third Devaloka.
मम० १, (४) चन्द्रप्रभ चन्द्रप्रभ तीर्थकर
देवदेव तीर्थ चन्द्रप्रभ देवदेव तीर्थ कर
नासरे कि चन्द्रप्रभ नाम का नाम
the 8th Tirthankara with
moon-like lustre. अ० २, ४;
—माहात्म्य १० (माहात्म्य) चन्द्रप्रभ
नामना चन्द्रप्रभ नाम श्रेष्ठ चन्द्रप्रभ नाम के
एक चन्द्रप्रभ मन्त्र name of a mor-
eliant नाया० २०, २१.

अंशुप्रभा. कां० (चन्द्रप्रभा-चंद्रकव प्रभा
काकाश वरुवाः) अंशुप्रभा नाम्नी भद्रिः
१०. चन्द्रप्रभा नाम की भद्रिः काका. A
part of wine called (Chandra-
praba. कां० १, १; वरु० १०५ (१)
अंशुप्रभा भद्रिः १०५. चन्द्रप्रभा प्रभा

पहराणी. the senior queen of the moon god अ० ४, १; मम० १०, २; वृ० १० १५. शीवा० ४; अ० ५० ०, ११०; १) चन्द्रप्रभा देवी. चन्द्रप्रभा देवी. Chandraprabha Devi. नावा० ५० ५. (४) दशमा अने चैत्रिष्ठमा तीर्थहरेनी प्रचरणा पादपत्नी नाम. दशमं चौर चौदी. मय तीर्थहरकी प्रचरणा पादपत्नीका नाम. name of the Palanquin of the 10th and 24th Tirthankara at the time when he took holy ordens. कण० २, १०३; मम० १० २३१; - दारिया. जी० (- दारिका) चन्द्रप्रभा नामकी अथ चन्द्रा चन्द्रप्रभा नाम की एक कन्या a girl named Chandraprabha. नावा० ५० ८;

चन्द्रपद्म. पु० (चन्द्रप्रभ) वर्तमान चैत्रिणीना आत्मा तीर्थहरना नाम. वर्तमान चौदावीं के चाटव तीर्थहर का नाम Name of the 8th Tirthankara of the current (Chovina) चणुमा० ११३; मम० २४, कण० १, ४९, ५, १४८, आच० २, २, ५५०२३१;

चन्द्रपद्मा. जी० (चन्द्रप्रभा) जुम्मा " चन्द्रपद्मा " शब्द देखा " चन्द्रपद्मा " शब्द Vaid " चन्द्रपद्मा " आवा० २, १४, १७४.

चन्द्रपद्माविमान न० (चन्द्रप्रभाविमान) ओ नामजुं ओ विमान. इस नाम का एक विमान. Name of a heavenly abode. नावा० ५० ६;

चन्द्रभागा. जी० (चन्द्रभागा) चन्द्रभागा नामनी ओ नदी के शिपुमां लुभने भगे थे. चन्द्रभागा नाम की नदी कि ओ सिन्धु में जाकर मिलती है वह. The river named Chaudrabhāgā. अ० ५, १;

चन्द्रम. पु० (चन्द्रमस्) चन्द्रमा. चन्द्रमा The moon. " चाणक्याक्षेप चन्द्रमा " नावा०

१; वृ० ५० १;

चन्द्रमस्. पु० (चन्द्रमस्) अग्नि; चन्द्रमा. चन्द्रमा; चन्द्र, सति. The moon. वृ० ५० १;

चन्द्रमहत्तर. पु० (चन्द्रमहत्तर) ओ नामना ओ आत्मा के लेखे समानता नामे प्रथे २५०० थे इस नाम के एक आचार्य कि ग्रिहोंने नक्षत्रिका नाम का ग्रंथ रचना है. Name of a preceptor who was the author of a book named Saptatikā. क० ५० ९, ४३;

चन्द्र. पु० (चन्द्रक) मेर पीलने आंखो. मोर पंख का चंद A star in the feather of a peacock. नावा० १;

चन्द्रगुप्त पु० (चन्द्रगुप्त) पाटली पुत्रने प्रचीन राजा; चन्द्रगुप्त नामे भाषं वरुने. ओ राजन. पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा; चन्द्रगुप्त नाम का मोर्वंशी एक राजा. Chandragupta of the Maurya dynasty संस्था० ७०;

चन्द्रलेखस् पु० (चन्द्रलेख) चन्द्रलेश नामजुं चीन देवलोडजुं ओ विमान. चन्द्रलेख नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान. A heavenly abode named Chandraleśa in the third Devaloka. मम० ३;

चन्द्रलेखस्. जी० (चन्द्रलेख) चन्द्रना विमान. नी शंती. चन्द्र के विमान की कान्ति. The splendour of the heavenly abode of the moon. मम० १२, १;

चन्द्रावलिख. पु० (चन्द्रावलिख) चन्द्रभाजुं विमान. चन्द्रमाका विमान. The heavenly abode of the moon. अ० ५० विर० १, १; नावा० ५० ५;

चन्द्रवर्ष न० (चन्द्रवर्ष) ओषा देवलोकजुं चन्द्रवर्ष नामजुं ओ विमान. चौथे देवलोक का चन्द्रवर्ष नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० १;

चंद्रसाक्षिका. श्री० (चंद्रसाक्षिका) मेरी; भाग; भोज्ये. मयसा; मंथिल. Upper floor; top-floor. वरह० १, १; मावा० १; जीवा० १, १;

चंद्रसिद्धि. न० (चन्द्रसिद्धि) श्रील-मोषा देव-धोःनु ओः विमान. तीसरे, चौथे देवलोक का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka. सम० १;

चंद्रसिद्धि. न० (चन्द्रसिद्धि) चन्द्रसिद्ध नामनु श्रील देवधोःनु ओः विमान. चन्द्रसिद्ध नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० १;

चंद्रसिद्धि. श्री० (चंद्राक्षी) यन्त्राक्षी नामनी श्री; यक्षुभन नामना श्रील कुलकरनी माता. चन्द्राक्षी नाम की श्री; यक्षुभन नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman—the mother of the second Kulakara named Chaksumat. मावा० ४० ८;

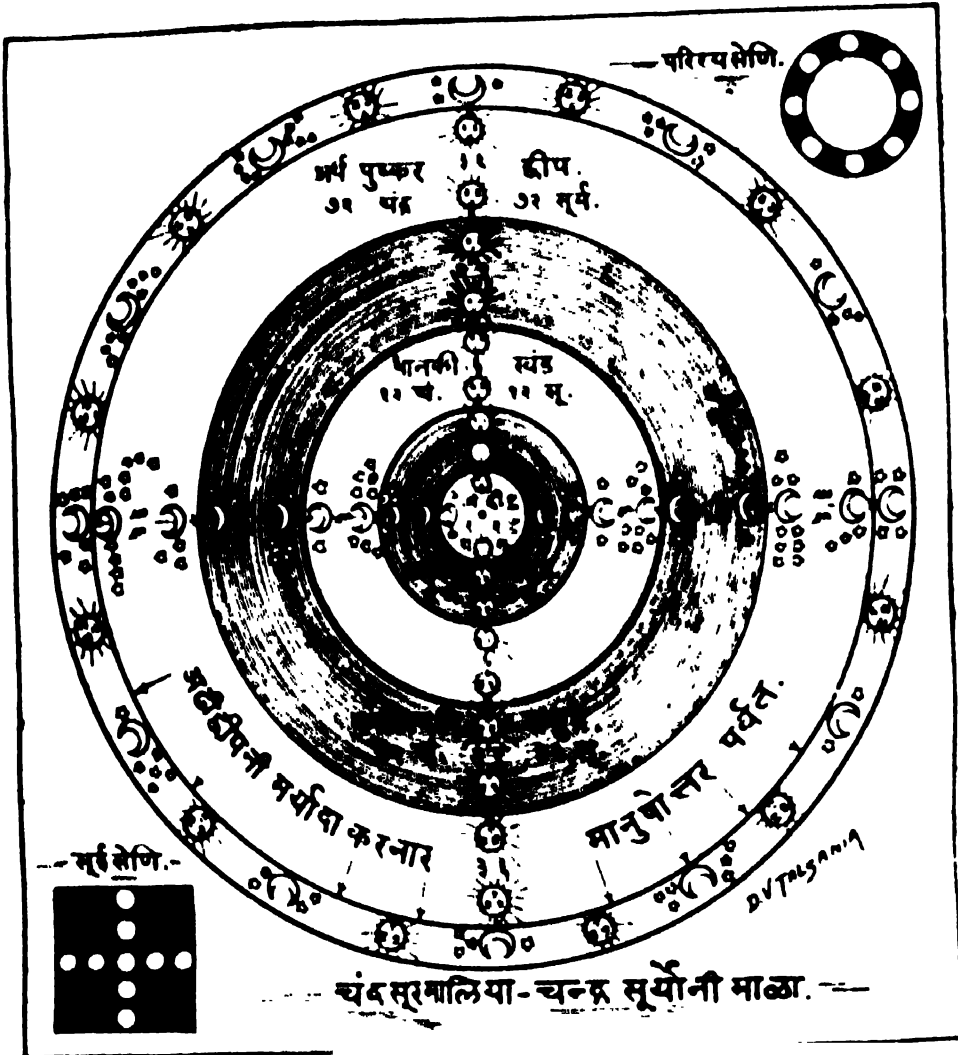
चंद्रसूरमाक्षिका श्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शिका) आसक्तने नन्मथी श्रील दिग्मे कुल-वामां आसक्तुं सूर्य यन्त्रं दर्शन. जन्म पावे हुए बालक को तीसरे दिन कगवा जता सूर्य चन्द्र का दर्शन. The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth. भग० ११, ११;

चंद्रसूरमाक्षिका. श्री० (चन्द्रसूर्यमाक्षिका) ओः लानुं धरेलुः दक्षिणे. एक प्रकार का जाम्बूवृक्ष-जसंकर. A kind of ornament. (२) नन्मदीपमां मे चंद्र आने मे सूर्य, धरतु सभुद्धमां

आर चंद्र आने आर सूर्य, धातकी अष्टमा १२ चंद्र आने १२ सूर्य, कालोदधि सभुद्धमां ४२ चंद्र आने ४२ सूर्य आने अर्धपुष्कर द्वीपमां ७२ चंद्र आने ७२ सूर्य अंभ अदीक्षपमा १३२ चंद्र आने १३२ सूर्य छे अंभ अर्धपुष्कर प्रतिमान छे आने पोत-पोताना माःये ६२ छे अदीक्षप नहार असंख्यात चंद्र आने असंख्यात सूर्य छे ते स्थिर छे. अदीक्षपमा १३२ चंद्र सूर्य देवी स्थितिमां छे ते आश्रितमां जतावेछ छे. जंबूद्वीप मे २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र मे ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातकी समुद्र मे १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र मे ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्धपुष्कर द्वीप मे ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य हाईद्वीप मे है. ये सब चंद्र अशोक गतिमान है और अपने २ मण्डल मे फिरते है हाईद्वीप के बाहर जो असंख्यात चंद्र और सूर्य है वे स्थिर है. हाई-द्वीप के अंदर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते है यह हम चित्र मे बतलावा है. there are 2 moons and 2 suns in Jambhu Dvipa, 4 moons and 4 suns in the Lavana ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātaki Kshapā, 42 moons and 42 suns in Kalodadhi ocean and 72 moons and 72 suns in Ardra Pu kara Dvipa. Thus there are 132 moons and 132 suns in Adhi Dvipa and these moons and suns are not stationary e. g. they move in their own circles. There are also innumerable moons and suns outside Adhi Dvipa

and they are steady. The respective positions of the moons and the suns of Adhi Dvipa are shown in the diagram जीवा = १, १।

मल्लि) नाम विशेष; चंद्राचक्रनि रचना
एवम् नाम विशेष; चंद्राचक्रनि रचना
वृत्त A kind of drama in which
the moon figures जीवा = १२;
चंद्राचक्र. १० (चंद्राचक्र) १०१६१५५५



चंद्रा जी० (चंद्रा) चंद्राचक्राणि रचना
चंद्रा जी० (चंद्रा) चंद्राचक्राणि रचना
The capital city of the moon god
जीवा = १, १; जीवा = १, १, १२४;
चंद्राचक्राणि रचना जीवा = १ (चंद्राचक्राणि रचना

चंद्राचक्राणि रचना जीवा = १ (चंद्राचक्राणि रचना
चंद्राचक्राणि रचना जीवा = १ (चंद्राचक्राणि रचना
The first Tirthankara of the current
cycle. मम = १० २४०; प्रथम = ४६५;

चन्द्रावली. जी० (चन्द्रावली) शास्त्रणी जिन प्रतिमाओ पैड़ी चौथी प्रतिमांनु नाम शास्त्रणी जिन प्रतिमाओ में से तीसरी प्रतिमा का नाम. Name of the third Jaina everlasting vow (Pratimā). भाषा० १, ८; छं० ८, २; राब० १३६.

चन्द्राम पु० (चन्द्राम) देवाभनामनु पाचमा देवताइनु अइ विमान चन्द्राम नाम का पांचवें देवलोका का एक विमान. Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka सम० ८; भग० ६, १, प्रब० १४६०; (२) अनायास्या दुप्रभरनु नाम रमारहवें कुलगर का नाम. name of the eleventh Kulagara. सं० ५०.

चन्द्रायक्ष. न० (चन्द्रायक्ष) ऋग्वेदा " चंद्र-पांडमा " २०६. देखो " चंद्र-चंडिमा " शां०. Vide "चंद्र चंडिमा" पं० १६, १८;

चन्द्रावली पु० (चंद्रावली) चन्द्रावली नाम तीसरी देवताइनु अइ विमान चंद्रावली नाम का तीसरे देवलोका का एक विमान. Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० १;

चन्द्रावरकपविमलि. न० (चन्द्रावरकपविमलि) चन्द्रावली देवताइनु विशेष न्यूना पाणु नाट्य विमेल. चन्द्रमा को आच्छादित करने का विशेष रचना युक्त नाट्य विमेल. A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view. राब० १२.

चन्द्रावलीपविमलि. न० (चन्द्रावलीपविमलि) चन्द्रावली पविमली विशेष न्यूना पाणु अइ नाट्य चन्द्रमा की विशेष रचना युक्त एक नाट्य. A drama exhibiting a particular position of the moon. राब० ११;

चन्द्रावलीपुत्र. न० (चन्द्रावलीपुत्र) २६ ३-३३

(१३५५५५५ १४ भं. २६ उष्कालिक सूत्रो में से १५ वां The fifteenth of the 29 Utkālika Sūtras. नक्ष० ४१;

चंद्रिमा. पु० (चन्द्रिमा) चन्द्रमा. चन्द्रमा. The moon. भग० १, ७, ८, ९, १२, २३, ११, १५; भाषा० १; पञ्च० २ राब० १००.

(२) चन्द्रमावाट्टाव पाणु भाषा पु० नु १० में अप्यपन चन्द्रमा के दृष्टावयुक्त भाषावय का १० वां अध्यायन. The tenth chapter of Jñāta Sūtra giving an illustration of the moon. सम० ११. --सूर्यचरण. पु०

(-- सूर्यचरण) चन्द्रमदनु तथा सूर्य मदनु. चन्द्रमदण व सूर्यमदण. lunar and Solar eclipses. प्रब० १८५१;

चंद्रिमासूरिय पु० (सूर्याचरणमयी) चंद्र अने सूर्य. चंद्र और सूर्य. Sun and Moon. भग० १८, २.

चंद्रिमा. पु० जी० (चंद्रिका) आनुपरोषवाट न्यूना तीसरी पविमली अइ अप्यपननु नाम अनुपरोषवाट सूत्र के तीसरे वर्ग के छठे अध्यायन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Anupavāṭi Sūtra. (२) छठरी नवमी निवामी अनायास्यारदीना पु० ६ के टीका अर्थ अइ छठरी प्रतिमा अइ १० अत्र अप्पी पञ्चा पदमनी प्रत्यन्या पाणी अइ भाषना अधरो छठी सारांशिक विमले पदोन्मेषा पाणी अइ अप्यपन छठी भाषा १२मे. काकरी नवमी निवामी अनायास्य वादी के पुत्र कि चिन्होंने दीक्षा लेकर ब्रह्म को प्रतिष्ठा लेकर ११ अग पद कर बहुत वर्षोंका प्रव्रज्या का वासन कर एक मास का मंचारा कर महाचंद्रिमा विमान में प्राप्त हुये बहाने एक अवनार लेकर मोक्ष को प्राप्त करेंगे. name of the son of Bha-

पक्षपात पुं० (पक्षपात) स्थान पक्ष-
 पक्षपात, स्थान पक्ष, पक्षपात पक्षः A
 kind of bird. पक्षः १ १.

बकुरबाय पु- (बकुराक) - १८७६ पृष्ठ १३
 बाक पछा A kind of bird बाक-
 नाया १; ४, ६, ८.

[illegible]

ब्रह्मदाता श्रीः (ब्रह्मदाता) मन्त्रः ॥ १ ॥
मन्त्रादाय मे भर्ता A current had
the १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥
॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

[illegible]

१. कक्षा उद्ग. पुनः (बकायुग) में प्रथम भागित प्र
 तीति: २००० प्रथम अनुसंधान नाम मातृह
 तत्पश्चात् प्रथम नामांकन नाम. Name of
 the first person (question)

of September the 16th Thursday
Chinkara 290 1-4 44-70-112.

[illegible]

नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००)
 नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००) नमः (५००)

[illegible][illegible]

सर्वोत्तम ५० (सकाशा) मर्यादा मर्यादा
मर्यादा मर्यादा A maryaada maryaada
maryaada maryaada maryaada मर्यादा मर्यादा

- **बिन्दु** (**बिन्दु**) **बिन्दु**
 - **बिन्दु** (**बिन्दु**) **बिन्दु**
 - **बिन्दु** (**बिन्दु**) **बिन्दु**
 - **बिन्दु** (**बिन्दु**) **बिन्दु**

જાહેરાત: શ્રી (સદાચારી) સંપાદનકર્તા પ્રભુ

✓ **बच. पा०** [(बच) बचने से अर्थ ।
 पूज्य. बचन इत्यादि का लेन करना, पूजा
 करना. To smear with sandal-
 paste etc. to worship

बचह ३० १० १०, १००.

बचका पु० (बचक) बचक । बचका
 Sprinkling गव० १०४;

बचक न० (बचक) बचक. आदमी (पात्रे
 मन्त्रादिना यथा देव ने अथवा, अथवा
 बोधना, बच में बचक गहन एकत्र होने का
 वह स्थान, लोक A place where
 more than four roads meet.
 देव० १, १२; अथवा० ११०, उल० १०,
 ८, आ० २३, भग० १, २, ना० २, १६,
 गी० १, १, का० १, ८, ८, वि० १, ८,
 गव० २०१.

बचका ली० (बचक) बचक. बचक में
 १२३ ने. बचक इत्यादि में लान करना
 Act of smearing with sandal
 paste etc. गी० १, ८, गे० १०१, १२१.

बचकय ली० (बचक) बचक. बचक में
 (बचक) बचक. बचक इत्यादि में
 बचक (बचक) बचक. Smear with
 sandal-paste etc. ना० १; ग
 २, १०३; दगा० १०, १.

बचका ली० (बचक) बचक. बचक में
 बचका, बचका बचका Technical
 language, conventional termi-
 nology. वि० २०२८.

बचक पु० (बचक) बचक. एक बचक
 बचक. A sparrow. गव० २, २, १०;
 (२) बचक. बचक a servant.
 भग० ७, १, १, ११;

बचक पु० (०) बचक; बचक. बचक;
 बचक. A group, an assemblage
 अ० १० ना० १०; १६; गव० २११;

(३) बचक; बचक a servant; an
 attendant ना० १; (३) बचक
 बचक. प्रधान बचक a principal
 warrior, a chief fighter ना० १;
 गव० १०. (४) बचक देना. बचक देने
 देने बचक. दग देने बचक anything
 which bites or stings, a mosquito etc.
 वि० १; बचक पु० (बचक) बचक. बचक
 बचक. बचक का बचक An assemblage
 of horse men. ना० १६.

बचक पु० (बचक) बचक. बचक.
 बचक बचक A sound resembl-
 ing that of the word बच बच.
 वि० १.

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. बचक. बचक. Slapp
 ing. गव० १, १;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. Mounted; raised; risen.
 गव० २० ६, २६;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. बचक. बचक. बचक. Having
 mounted; having
 risen. गव० २, १६०;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. बचक. बचक. बचक. (One) who does what
 is agreeable to others; trying
 to please other वि० नि० १०८; ११६;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. बचक. बचक. बचक. One who flatters वि० नि० ४८१;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.
 बचक. बचक. बचक. बचक. Unsteady
 in mind. गव० १, १;

बचक ली० (बचक) बचक. बचक.

अमम नो अग्नि चाग रे पूं के अम
भाग की जलन Fire or burning
portion of the top most portion
a bundle of hay. नदी० १०.

अलग पु० (अलक) अल. अ. १३. अ. १३. अ. १३
अल. अना; एक प्रकार का धान्य A kind
of corn, gram. अणुश्री० १४३. पना०
१०. २१.

अनु १२० (अनु०) अना. नार. Poma प्र०
१२११. आंगमुष्म १२० (आंगमुष्म
आर. वे. अथी पुन अ३३ अथी अनुवेग
मे युक्त. चरक मयोरी. Possessed of
four fold Yoga. प्र० १२११.

अनुस्था श्री० (अनु०) निष्कृत वा-
पडिमाभनी अथी प्रीति. अमरुत की बाह्य
वाहमाम म अथा प्रीति. The 11th of
the 12 vows of an ascetic
नाया० १.

अल न० (१) अलक. अलक अलकनी अलनी
अलक. अलक. अलक अलकनी अलनी
का अलक. An iron instrument
for spinning cotton पना० ८. २०.

अल. अि० (अलक) अलक अलक; अलक
अलक. अलक अलक अलक अलक
Abandoned, given up. प्र० १८४.
अल० ८. १५; अणुश्री० ८. १८. अल० ८.
१; नाया० ७.

अलाल अि० (अलालिअ अ. अ. २०
वालीअ; ४०. Forty; 40. क०००८८०.
अलालिअ. श्री० (अलालिअ) अ. अ. २०.
वालीअ; ४०. Forty; 40 अल० १.
४; २. ८; १०. १; १८. ८; २०. ४ २८. १.
८१; नाया० ४; ८; अल० ४०. अल० ४०.

अल० ४०. अल० ४०. ११८. १११

अलाल अि० (अलक) अलक अलक अलक.
Quick unsteady नाया० ८.

अलालिअ श्री० (अलालिअ) अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ A punch
नाया० ४.

अलालिअ अल० (अलालिअ) अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ Act of injuring or hurt
अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ श्री० (अलालिअ) अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ Pressing अलालिअ अलालिअ

(०) अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
effacing. (१) अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ act of kicking अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ act of
troubling or vexing or teasing
अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ पु० (अलालिअ) अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ
अलालिअ अलालिअ अलालिअ अलालिअ

शीवा० १, १, पञ्च० १ क० १, १, १, १,
 मय० ११, ११, १०, १०, १, १०, ११,
 (१) पञ्चम विद्वत्पञ्च १३ अक्षरान्
 नाम, पाँचव नामका क पाँचव गणना का
 नाम name of the first Chama-
 ndra of the fifth Tirthankara
 पञ्च० १-१, उपास्य पु० (उपास्य)
 समुद्र, गङ्गा, नर्मदा, यमुना, गोमती
 देवीके समान हैं, इस अर्थमें नाम
 और समान शब्द का साथ लटन का
 प्रथम दृष्टान्त मया मादृश आदर्शजनक
 प्रजापति में मया एक one of the
 ten wonderful events viz the
 going up of Chamaraṇḍra to
 fight with Śakraṇḍra in the
 1st Devaloka पञ्च० ११, —विहा
 म्य ग० (विहायन)—(विहाय)
 मया समान का विहायन the throne
 of Chamaraṇḍra मय० १-१, १,

(विमरबन्वा शीत (वमरवन्वा) वमरवन्वा.
नाम वमरवन्वा शीत वमरवन्वा नामक
वमर का नाम Name of the
capital of Chittor was am-
... .. मम-
... ..

अमस्य. गुं (अमस्य) भा. १. १. १. अमस्य
अमस्य. कटका. An amon or a wadon
spoon; a ladle भा. १. १. १. (अमस्य
भा. १. १. १. अमस्य अमस्य कटका
name of a country भा. १. १. १.
अमस्य. भा. १. १. १. भा. १. १. १.
अमस्य. An amon भा. १. १. १. भा. १. १. १.
१. भा. १. १. १.

चमड़ा. न. (चर्मन्) चम. चमड़ी चमड़ा.
 चमड़ा; चमड़ी Skin, leather. भग०
 १, १; १०; २, ८, ६; १०, ११; बीया १.

१८. मयः १६. १०८, २; विनिनि-भा-१००;
 वेव-३। ३१०८ ६१, २१०१३, ३३३, १००८,
 १००८ १००८ १००८ १००८ १००८ १००८
 a leather cover for the finger
 just like a thumb. मयः १०८;

कह नं० (४२) अमरनी आसी
अमर का बगैर. a mattress made
of leather गं० ४, ६, - कह नं०
(४३) अमरनी अमर नी अमर.
अमर. अमर मे अमरनी अमर
अमर a bed, pillow etc. with a
cover of leather गं० ११, ६;

काम्यस्र १० (-कांशक) आमयानी
 मयसी नमर का घेना, a leathern
 strap आया० * २, ३, दव. आय० ५०
 ७०. **काम्यसा**, सा (-कांशिका)
 मयसी केप II नमर का घेना, a
 leathern strap मय० २, ३, दव.

बर्हिद्वय च प्र० (लविहक)
 नामधेयानां तत्त्व विपर्ययेन भेषजानां भेदः
 प्रत्यक्षं च समवेष्टेयं यत्र उपकरणं का
 र्यमनवाया एव लब्धुं कर्तुं शक्यं तत्त्वानां
 properties who make use of mate-
 rials (e. g. aluminium etc)
 made of leather only समुद्रो-

३०. नाया० १३. **उत्तुङ्ग** न० (उत्त-
ङ्ग) म.प्र. उत्तुङ्ग नम्य वमदा काटने
का शस्त्र an instrument for cutting
leather (०) व.प. सिनेनेका कटने, पट्टी
वमदे के पट्टे इत्यादि का टुकड़ा पट्टा. a
band of leather etc. आया० वि०

१०८. - **खेयलुम. १० (खेयलुम)**
 लेमन काटने के लिए एक प्रकार का
 एक an instrument for cutting
 leather आया २. २, ३, ८८; - **उद्गम.**
 न० (- **उद्गम**) आया १०१ अमिथी धमनेत्र.

चमड़े का चम्पनसे भरा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather भग० १, २. — पृथिव्युपल. न० (—चरिषण्डम) आभरणं ३३६। चमड़े का टुकड़ा a piece of leather. वर० ८, १. — पाय. (वात्र) आभरणं वा चमड़े का पात्र a vessel or receptacle made of leather. भग० १, ४. — पात्र पु० (वात्र) आभरणं वा चमड़े का पात्र a net or trap made of leather (न० १२, १. — शयल. न० (—रथ) अस्त्रादिना नौक जलमान् अस्त्रे रथे नदी नभः आदि स्थले नावनादीनी) अस्त्र आदि. चक्रवर्ती के चौरह (चतुर्दश) रत्नोमें एक कि मो नदी समुद्र आदि स्थलो में नाव का काम देने one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a boat to cross a river, sea etc. न० २, १; पत्र० २०; मं० १०.

चमड़ा पु० (चमड़े) आभरणी पृथ्वी. पवनने तथे आभरणी पृथ्वी. चमड़े का तना, पैर के नीचे बांधने का पट्टा. A sole made of leather. शेष० (न० ३२८.

चमड़ा. न० (चमड़े) पादुका. सन्धानीन् अस्त्र उपाकरण. पादुका; सन्धाना का एक उपकरण A kind of shoe put on by an ascetic मृ० २, २, २८.

चम्पकिल. पु० (चम्पकिल) पक्षि विशेष. अमर्यादी पक्षि विशेष; विमगाधर, चमगाधर A kind of bird. पत्र० १, १.

चमड़ापक्षि. पु० (चमड़ापक्षि) आभरणी पक्षि पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चमड़ा का पात्र वाल पक्षि; निरन्तर पक्षिपक्षि का एक भेद. A variety of birds with

leather wings; a variety of sub human beings with five senses. उल० १६, १८६. न० १, ४; मृ० १, १, २६. भग० १४, १. शेष० १ पत्र० १.

चम्पकिल पु० (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि विशेष. चम्पकिल पक्षिपक्षि विशेष. A kind of tree. भग० २२, १.

चम्पकिल पु० (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल पु० (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल पु० (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल. न० (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

✓ चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

चम्पकिल १.११ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

✓ चम्पकिल १ (चम्पकिल) अमर्यादी पक्षि पक्षि: आपा पात्रा पवनने, निरन्तर निरन्तर पक्षिपक्षि: अस्त्र अस्त्र चम्पकिल विशेष० २६८८८

from heaven

चरंति. भग० १, २, ३, ४, १०, ११, २,
१२, १, ११, २ १०, १०; सू०
१० ११.

चरुहृत्. उल० १, १;

चरुणा भग० १, १, १, ११, १२, २, १३,
१; नासा० २, १०, ११, १२, २ २,
१२, १३, १४, १५;

चरुत. भग० १, ११, विभ० १२ २२.

चरुमाद्य कर्म० १, १, २, १;

१ चरु पा० I (चरु) अथ चरु १२१ गुरुप्र
कृत्वा To gather; to collect

चरु आया० १, २, ३, ४, ५, भग० ११,
चरंति पत्र० १

चरु न० (चरुण) चरुणम् १११ नि
देवलाक मं मे चरुन होना Fall from,
degradation from Devadaka
जाय० १०, नासा० १, २, ११, भग०
११, १, १२, १, १३;

चरु १२ (चरुण) चरुणम् १११
Abandoning, leaving; giving
up, नासा० १, १२, भग० ११, ११, १२, २.

चरु पु० (चरु) चरुः A body, नासा०
२, १२; भग० ११ ११; १२, २.

चरुण न० (चरुण) चरुणम् १११ नि
देवलाक मं मे चरुन होना Fall from,
degradation from Devadaka
जाय० १०, नासा० १, २, ११, भग०
११, १, १२, १, १३;

चरुणचरुण वि० (चरुणचरुण) चरुण
पदम्, चरुणचरुण चरुण, चरुणचरुण होने
वाला Increasing and decreasing;
waxing and waning जाया० १,
२, ३, १२०.

चरुणचरुण वि० (चरुणचरुण) चरुण
पदम्, चरुणचरुण चरुण, चरुणचरुण होने
वाला Increasing and decreasing;
waxing and waning जाया० १,
२, ३, १२०.

dorserving Chyavana (spiri-
tual fall, abandonment, death
etc.) भग० ११, १;

१ चरु पा० I (चरु) अथ चरु १२१ गुरुप्र
कृत्वा To follow the
path of asceticism (१) चरु
गति करना, to walk; to move.
चरु दम० १, १, २, मम० १, भग० २,
३; प्र० १० १, ११, ११;

चरु चोच० २२, वि० १२ २२०; प्र० १०
१, १२१.

चरु वि० उल० २, १; २, २, ३, ४, १०,
११; जाया० १, २, ३, ४, १, २,
३, ४, १०, ११, १२, १, २; दम०
२, २, ३, ४, १, २; ११, २, २२,
२३, ४, १, १२.

चरु वि० दम० २, १, ११.

चरुणा वि० मय० १, २, १, २२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरुणा वि० म० प्र० १० १, १२.

चरु पु० (चरु) चरुणम् १११ नि
देवलाक मं मे चरुन होना Fall from,
degradation from Devadaka
जाय० १०, नासा० १, २, ११, भग०
११, १, १२, १, १३;

चरु पु० (चरु) चरुणम् १११ नि
देवलाक मं मे चरुन होना Fall from,
degradation from Devadaka
जाय० १०, नासा० १, २, ११, भग०
११, १, १२, १, १३;

शोच० १६; सं० १० (२) सेवना२; आश्रयना२
लेवन करने वाला; आचरण करने वाला.
one who resorts to; one who
practises उत्प० १०, २४; (३) धा२
पा२-दक्षो इरी भिक्षाभननारयन. दक्षा-
शोर करके भिक्षा मांगने वाला वर्ग a class
of beggars who get food by
violent means नाश० १२;

चरण पुं० (चरक) धा२ पा२ दक्षो इरी
भिक्षा लेनारयन. दक्षा शोर करके भिक्षा
लेने वाला वर्ग A class of beggars
who get their food by violent
means. अशुभो० १६; नाश० १२, पञ०
२०; (२) दक्षः भ-छर इत्यादि, शयः
मच्छर इत्यादि. a flea; a mosquito
etc मू० १, २, ३, १४; --परिच्छाद्यन
पुं० (-परिच्छाद्यन) नाशय विशेष; त्रिद्वी.
नाशय विशेष; त्रिद्वी one of a parti-
cular class of ascetics called
Tridandī. भग० १, २; सं० १०

चरण. न० (चरण) अश्वम; अश्वि संश्वम;
चारित्र. Ascetic conduct, asceti-
cism. सम० २; उत्प० २६, ६; टा० २,
१; विशेष० १; शोच० नि० १; भग० २, १.
नाश० १, ४; वि० नि० ६०; १०५; मू०
२, १, ६०; भग० ६३; मच्छा० २०; प्रव०
१६; क० सं० १, ११; (२) अश्वमट;
अश्वमट अश्वमट-चारण. a bard; a
minstrel विशेष० १६१३. (३) चरण-यन
चरणपद a foot; a leg नाश० १, २;
१; १४; --आश्रय. पुं० (आश्रय) अश्वि
कपी आश्रयः आश्रयकपी. चारित्रकपी
आश्रयः चारित्रकपी. soul as consist-
ing of ascetic conduct; ascetic
conduct regarded as soul. वि०
नि० १०४; --आचार. पुं० (-आचार)

आश्रयना आश्रय. चारित्र का आचार.
practice of asceticism प्रव० २००;
--कुलीन वि० (-कुलीन) आश्रयनी
विशेषना इत्यादि. चारित्र का विशेषना करने
वाला (one) who shows hatred
towards ascetic conduct प्रव०
११०. - कुल वि० (कुल) आश्रयनी अश्व
अश्व. चारित्र्य से अश्व जो है वह. degrad-
ed from ascetic conduct,
spiritually degraded नाश० १.
--कुल वि० (कुल) आश्रयकपी. चारित्र
कपी Possessed of ascetic con-
duct; ascetic in conduct. प्रव०
२४०; --ठिक्क वि० (ठिक्क) आश्रयना
सेवेन स्थः अश्व. चारित्र्य से रहा हुआ
steadily in ascetic conduct नाश०
१; --भेद पुं० (भेद) आश्रयना भेद
चारित्र का भेद difference, distinc-
tion in right-conduct. प्रव० ११४.
--मोह पुं० (मोह) आश्रित अश्वने
अश्वमटार मोहनीय विनाश; अश्वि मोह-
नीय चारित्र अश्व का रोकेन वाला मोहनीय
विनाश. चारित्र मोहनीय. anything that
checks or hinders right con-
duct. क० सं० १, १०. --मोहनीय
न० (-मोहनीय) मोहनीय इमानी अश्व
प्रवृत्ति से अश्वना उदयनी अश्व अश्व
न पाये, मोहनीय कर्म का एक प्रवृत्ति कि
विनाश. उदयन मोह चारित्र अश्व प्राप्त न कर
मके a variety of Mohaniya
Karma the maturing of which
hinders right conduct. उत्प० ११, ८
चरणचन वि० (चरणचन) आश्रित यान्
चारित्र कपी Possessed of right
conduct. पञ० १६, २१;
चरणविधि. पुं० (चरणविधि) २६ उदयनिः

अनुष्ठान, सदाचार. Right conduct, ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma. अ० १, १; आ० १६; २०; अलुप्तो० १११; १२२; अग० २, १; २४, १; नाशो १; २, १, १०; आ० नि० ६६६; वि० १०; १२२६; वेद० १, २२; राश० २११; पञ्च० १, वि० नि० ६४; गण्डा० १०१, पञ्च० १, २०; — (सं) अंतर, न० (-अन्तर—अन्तर्धारितं चारित्रात्मकं) आश्रित आश्रित पक्षे अन्तर-मंद वि० ७५७१ आश्रित. चारित्र चारित्र के अंतर में अन्तर देव उत्पन्न होता हुई आकाश, doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another. अग० १, १; —आत्मा, पु० (-आत्मन्) आश्रितके आत्मा चारित्र के आत्मा soul as consisting of right (i.e. ascetic) conduct अग० १२, १०; —आचार, पु० (-आचार) पाप अश्रित अने पाप अश्रित से आश्रित अश्रित, पाप अश्रित से तीन पाप से ठाट चारित्र के आचार, right-conduct consisting of the observance of the 5 Samitis and 3 Gupitis. अ० २, १, २, अग० १० १६६. —आराधना, जी० (-आराधना) आश्रितकी आराधना-अन्तर्धर्मे अने चारित्र की आराधना-मन्त्रक सेवन, proper observance of right-conduct. अग० ८, १०; —ईदृ, पु० (-ईदृ) पक्षे अश्रित आश्रित वचकवात चारित्रवान्, one strictly observing rules of right-conduct. अ० १, १, —कुलीन, वि० (-कुलीन) आश्रित

द्विज अनार्यनार चारित्र की पावन बनाने वाला, (one) that fulfils or violates the rules of right conduct अ० २, १, - धर्म पु० (धर्म) आश्रितके धर्म चारित्रके धर्म religion as consisting of right conduct, अ० १०; — मास पु० (मास) आश्रितके मास, चारित्र के मास, violation of the rules of right-conduct, गण्डा० ११२, — पञ्चद, पु० (-पञ्चद) आश्रितके पञ्चद, आश्रित अश्रितके विभक्ति अश्रित विभक्ति चारित्र पञ्चद चारित्र के लक्ष्य में विभक्ति का अश्रित विभाग, subdivisions of expiation for faults in right conduct, वि० नि० आ० २८, अग० २२, ६, पाप पु० (पाप) आश्रितके पाप चारित्रात्मक पाप life or vitality as consisting of right-conduct अग० १२६; — पाप विद्वत्, न० (प्रायश्चित्त) आश्रितकी यदि अश्रित अश्रितके प्रायश्चित्त सेवन, चारित्र की ग्राह के लक्ष्य अश्रितके प्रायश्चित्त सेवन, act of expiating for faults in right-conduct अ० २, १; - पुरिष्ठ पु० (-पुरुष) आश्रितके पुरुष चारित्रवान् पुरुष, a man possessed of right conduct अ० १, १; - पु मास य पु० (-पुमाक) आश्रितके मास आश्रितके पुरुष अश्रितके पुरुष, चारित्र की निपात बनाने वाला पुमाक, लक्ष्य-वन मास, an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right conduct, अ० १, १; अग० २१, ६; - पुष्ट, पु० (-पुष्ट) आश्रितके पुष्ट पापके, चारित्र के पाप पाप, one awake to (i.e. follow-

ing) the rules of right conduct after knowing them ઝા. ૧, ૨; —**મોહિ** જી. (વાચ) આરિયને પમને પ્રાપ્તિ થતી ને. વાચન થયે તે પમને કો પ્રાપ્તિ હોવા attainment of religion in the form of right conduct ઝા. ૧, ૨; —**મોહ** પું. (મોહ) જુએ “વચ-મોહ” શબ્દ દેવો “વચ-મોહ” શબ્દ. vido “વચ મોહ” મગ. ૨, ૨, ૬. ૭. ૨, ૧૨, ૧, ૨૦, પ્રમ. ૬૬૬; **મોહજ** ન. (મોહન) આરિયને અટકાવનાર રોકનાર મોહનીય કમને પ્રાપ્તિ, મોહ કામ અને નાનકેપણ એ પચીસ પ્રાપ્તિ. વાચન કો રોકને કામો મોહનીય કમે કો વચાન પ્રકાર, ૧૬ કથાવ વીર ૬ નાકથાવ જે ૧૬ પ્રકાર the 16 Kasāyas and 9 Nokasāyas which hinder the attainment of right conduct ઝલ. ૧૧, ૧૦; —**મોહાશિજ** ન. (-મોહનાશ) જુએ “વરિણ-મોહજ” શબ્દ દેવો “વરિણ મોહજ” શબ્દ. vido “વરિણ મોહજ” ઝા. ૨, ૬, અશુભ. ૧૦૦, મગ. ૨, ૬, ૬, ૭; ૨૦, ૭; —**મોહાશિવ** ન. (મોહનાશ) જુએ “વરિણ મોહજ” શબ્દ. vido “વરિણ મોહજ” ક. મ. ૧, ૧૦; —**ભાવિયા** જી. (-ભાવવકા) આરિયને પ્રાપ્તિ વરિણ કો પ્રાપ્તિ attainment of right-conduct. મગ. ૨, ૨; —**ભોગ** પું. (-ભોગ) સામાન્યાર્થ પ.મ આરિય ૨૫ એક સામાન્યાર્થ નાંચ વાચનજી સોક the world or region of the five items of right conduct viz. Samāyika o/c ઝા. ૧, ૨; —**ચિત્ત** પું. (-ચિત્ત) આરિયનું સ-

ચેત પ્રકારે પાલન કરવું ને. વાચન કો નમ્યક પ્રકાર ને પાલન કરવા. dho observance of the rules of right-conduct મગ. ૨, ૨; —**ચિરાદવા** જી. (-ચિરાદવા) આરિયનું અવસ્થા કરવું ને, યતના અમ પ.તેને વાચન કો અવસ્થા કરવા, યત કો અમ કરવા violation of the rules of right-conduct મગ. ૧, વાચ. ૬, ૭; —**ચેવલજ** ત્રિ. (-ચેવલ) ચરિત જુએથી અ.પૂ. વાચન-ગુણ જે અમૂલ, well accomplished in right conduct મગ. ૨, ૧, ૨૧, ૨; —**ચેવલજા** જી. (ચેવલજા) સઃ પ્રાપ્તિ આરિ આરિય વિચિત્રતા. સામાન્ય આરિ વાચન ચિરાદવા. state of being well accomplished in right conduct viz. Samāyika o/c ઝલ. ૨૪, ૨, મગ. ૧૦, ૧; —

હરિભાષણસિદ્ધ ન. (હરિભાષણસિદ્ધ) એક દેમે આરિય અને એક દેમે અમારિય-આરિ મગ; વિ. ૧, ૧૨૬; અ. ૧૩૫૭; એક દેમે વાચન થ વેક દેમે અવાચન વાચન; યતના-ચિરાદ; અવલજના. Partial observance (e. g. by a Jain layman) of the rules of right-conduct. મગ. ૨, ૨; —**જાવિ** જી. (જાવિ) દેહરિય પ.મ આરિયની પ્રાપ્તિ દેશરિય-વાચનજી કો પ્રાપ્તિ Stavak-hood, partial observance of the rules of right-conduct. મગ. ૨, ૨.

હરિભાષણસિદ્ધ ન. (હરિભાષણસિદ્ધ) આરિયને કાનર ચરિત મોહનીય કમે વાચન કો રોકને કામો વાચન મોહનીય કમે. Karma that hinders right-conduct. મગ. ૨, ૧૧; —**કમ્મ** ન.

इति अनन्तरी भवति अथ उद्देशः नाम ते
वामद्विषक नामक भगवता सूत्रका एक
इति Name of an Uddesha of
Bhagavati Sutra. भग० १४, ४.

कर्मि न० (कर्मि) अथवा, चित्
आवर्ण, कर्मि. Conduct, beha-
viour गद्य० २, ११, प्रब० ११४

कर्मि पु० (कर्मि) वनस्पति (वन-
स्पति विषय) A kind of Vegeta-
tion भग० २१, १;

कर्मि न० (कर्मि) चित् आया-
कर्मि आवर्ण, Conduct, behaviour
प्रब० ११४.

कर्मि विषय न० (कर्मि विषय) ३२
नाटकानां ३२ भू नाटक के प्रकारों में से
ते ३२ नाटकना अथवा ३२ नाटक
आये हैं ३२ नाटक में ३२ वा नाटक कि
विषयों में से ३२ वा नाटक कि
का वर्णन किया गया है. The list of
the ३२ kinds of dramatic per-
formances in which is given
an account of the conduct of
the six Kalyāṇikas of a Pu-
thankar. भग० २२;

कर्मिद्वय. १६ (कर्मिद्वय) अथवा
अथवा आवर्ण करने योग्य, Worthy
of being practised भग० २, ११.

कर्मि. आ० (कर्मि) आ० ११, १६-१७
ने चलना; विहार करना Moving out,
peregrination गद्य० १, ११, ११,
१, १, १०; प्रब० १६२, १, २; अथवा स. भ. नि
ईर्षा मामा. carefulness in walk-
ing. भग० ७, १०, (१) अथवा स.
परिवह चलने का परिषद endurance
of the trouble caused in walk-
ing भग० ८, २; प्रब० १६८; (४)

अथवा, अथवा भिक्षा; गोपनी
अथवा भिक्षा. आ० २१; — निषिद्ध.
प्र० (निषिद्ध) अथवा निषिद्ध
अथवा चलने में जो निषिद्ध हुआ है वह.
(one) who has ceased walking.
प्रब० १, २२; — परिषद. पु० (परिषद)
अथवा निषिद्ध अथवा निषिद्ध चलने
का परिषद होने का परिषद trouble or
affliction caused by walking
or peregrination भग० २२;

परिषद प्र० (परिषद) अथवा
प्र० अथवा चलने में जो प्रचल है वह
(one) who has commenced
walking or peregrination प्रब०
१, २२;

अथ पु० (अथ) अथवा, अथ, अथवा
देवों में पालन अथवा अथवा अथवा
अथ, अथवा देवों में अथवा अथवा
An earthen pot or a vessel
in which an oblation is offered
to gods in a sacrifice आ०
१; भग० ११, २.

अथवा न० (अथ) अथवा, अथ, अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा
A bird with downy feathers.
प्रब० १;

अथ आ० I, II (अथ) अथवा, चलना
To walk; to move.

अथवा नाया० १ भग० ३, ३, गद्य० २१६
प्र० १०१, १११;

अथवा भग० १७, ३, नाया० ८, प्र० १०
१, ११३.

अथवा नाया० ८;
अथवा भग० १७, २;
अथवा भग० १७, ३;
अथवा, दम० १, १, ११;

चलं. आच० २१; भाषा० १;

चल (छे) माद. भग० १, १; १०; ४, ११.

आवा० २, ७, १, ११८.

चासेह. प्रे० भाषा० १; राव० १६६;

चासेति. प्रे० भाषा० ८.

चासिचि. प्रे० पु० प० २, ५८७;

चासिचिद्. प्रे० हे० क० भाषा० ८, ४.

चासिचि प्रे० सं० क० आवा० २, १, ६, १२.

चासिचिह. प्रे० क० वा० पु० प० ४, २८.

चल त्रि० (चल) आसृज्; अस्थिर चलना हुआ; अस्थिर. Moving; unsteady. भग० १, ६, ११, ८, १२, १. भाषा० ८. (वशे० १३०; आच० नि० १; ५१६. गम० प० २११; — चलत्वा त्रि० (-चलत्वा) अस्थायः अस्थिर. चलान्तः, अस्थिर. unsteady; moving; changing. दम० १, १, १५; निगी० ११, ७; — उच- गरत्वा न० (-उचकरत्वा) अस्थिर उच- गरत्वा आस्थिर उचकरत्वा an unsteady implement (e. g. an alms bowl etc. used by an ascetic). भग० १, ६. चलत्वा त्रि० (-चलत्वा) अस्थिर अने अस्थिरावात्. चल व चलाना युक्त. quick and changing. भाषा० ८; — चित्वा त्रि० (-चित्वा) अस्थिर चित्वा अस्थिर चित्तवान्. fickle-minded; unstable in mind. प्रव० २६०; — जीव त्रि० (-जीव) जीवी जीवा-पञ्च अस्थिर छे अच (पञ्च). मिस्रका बावा- बोरी चल-आस्थिर छे देवा (चनुष्य). (a bow) with an unsteady or quickly moving string. न० प० १, ४२; — चलत्वा त्रि० (-चलत्वा) अस्थिर अस्थिरावात्. अस्थिर चलवान्. unsteady in mind; unsteady in spirit. अ० ४, १; १, १:

चलत्वा पुं० (चलत्वा) अस्थिर. चलत्वा. पैर.

A foot. भग० ४२, १. चलत्वा०

१२८; भाषा० १, ५. पु० प० १, ४८०;

आच० १०, नि० नि० १८१. भाषा० १, १;

न० प० क० १, १६, ४, ६०, भग०

१०१, (२) अचरणीना प्रथम शतका

देवता विदेहनाम अचरणीके प्रथम शतक

के दशमे उद्देशा का नाम. the name of

the 10th chapter of the first

section of Bhagawati Sutra.

भग० १, १, — चलत्वा न० (चलत्वा) चलना

तलीय पैर का नाला. the sole of a

foot. भाषा० ७; — चासिचि आ० (चा-

सिचि) चलना परेह; (तारा अली पनेह)

पैर का आभूषण an ornament for

foot भाषा० १, १;

चलत्वा न० (चलत्वा) आसृज्. चलना. Act

of walking or moving. तदु० भग०

१७, १; उवा० २, १०१, — चलत्वा पुं०

(चलत्वा) आसृज् अस्थिर छे चलत्वा चलना

वहा चलत्वा चलत्वा चलत्वा चलत्वा

whose duty or nature is to

walk or move. दम० १०, ८; ४;

चलत्वा आ० (चलत्वा) चलत्वा चलत्वा

चलत्वा चलत्वा चलत्वा चलत्वा

A waist cloth used by a nun.

आच० नि० ६०५; " चासिचिमा चलत्वा

चलत्वा चलत्वा चलत्वा " (२) आसृज्.

चलत्वा. a sieve प्रव० ११७;

चलत्वा आ० (चलत्वा - चलत्वा चलत्वा

चलत्वा चलत्वा) चलत्वा चलत्वा चलत्वा

just reaching the ankles; knee-deep

mud प्रव० ५६१; भाषा० १, १; भग०

७, ६; न० प० २, १६;

चासिचि ज्ञ त्रि० (चासिचि) अस्थिरमान

gives up or abandons भग०
२, १; दशा० २, २;

वापस न० (स्वनित्य) (वापस) पदः । त्याग
पदः Renunciation. भू० च० २, १४;

वाहय वि० (वाहय) शान्तवन्तः, अनर्थः ।
शाहवन्तः समर्थः Powerful, capable
उप० १२, १६;

वाङ्मय पु० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
दा मयः, व दा मयः, व दा मयः, व दा
दिन के वा मयः, The four points
of day and night viz. two
twilights, midday and mid-
night. भाष० ११, १२

वाङ्मय वि० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
भाष० ११, १२; दशा० २, २;

वाङ्मय पु० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
भाष० ११, १२; दशा० २, २;

वाङ्मय पु० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
भाष० ११, १२; दशा० २, २;

वाङ्मय न० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
भाष० ११, १२; दशा० २, २;

essence and pepper. श्रीवा०
१, १;

वाङ्मय पु० (वाङ्मय) । ये संस्थापने
ये संस्थापने संस्थापने संस्थापने संस्थापने
भाष० ११, १२; दशा० २, २;

observance in the form of the four great vows. नावा० ११.

वाउडासव त्रि० (चतुर्दशी) अक्षने
दिने जन्मन चतुर्दशी क दिन मध्य रात्रि
हुवा Born on the 14th day (of
the bright or dark half of a
month). उवा० २, १२.

वाउडसा. श्री० (चतुर्दशी) अक्ष चतुर्दशी.
14th day (of the bright or
dark half of a month) " वाउ
दशी पक्षसि वज्जेवा चतुर्दशी मयमाच "
[वग० नावा० १, ८, राव० २२१, भग०
८, २१, २, ३, ३, नावा० २; ४, विवा० १,

चंद्र पु० (चंद्र) चतुर्दशी अक्ष
चतुर्दशी का चंद्र. the moon of the
14th night (of the bright or
dark half of a month) नावा० १०;

वाउडसाव त्रि० (चतुर्दशी) [विश्रामना आ-
पाया चमन, विरेचन भर्जन अने श्लेष्म-
विश्रामना चार पावे चमन, विरेचन भर्जन व
श्लेष्म the four basic operations
of medical treatment; vomit-
ing, purging, rubbing and
perspiring. (२) वैद्य, अ. १५१, १२६
अने साउर १२५५ भाजस वैद्य, जीवपा,
वरवी व लेवा सुद्धा कर्न वाळा मनुष्य.
the physician, medicine, the
patient and who nurses. (३)
अभ्यसन-चमन भेषन अने भर्जन. अभ्य-
सन, लेवन व भर्जन. application of
an ointment, bandaging, smear-
ing and rubbing. उल० २०, २३;

वाउडासवा. श्री० (चतुर्दशी) अक्ष
भाग. चतुर्थ भाग. चौथा भाग. The
fourth part. राव० २०२.

वाउडसाव. न० (चतुर्दशी) अक्षसां:

आजुभास. वर्षी चतुः चतुर्मास. The
rainy season; the four months
(of the rainy season). उव०
१०३; वंवा० १, ११;

वाउडसांसव त्रि० (चतुर्मासिक) आजुभा
सि; आउ मदिना. (प्रतिष्ठमय वनेरे)
चतुर्मासिक; चारमास का (प्रतिष्ठमय
हवादि). Pertaining to the four
months (of the rainy season)
नावा० १, (नवी० २०, १३; ११, ४१; वव०
१, २; वव० १, १६; २, १०; — मज्झिम
न० (मज्झिमक) आजुभासिमां वेता मज्झिम
भर्जित्तर चतुर्मास मे इतिवासा मज्झिम मर्ज-
ित्तव the great festival of ablu-
tion occurring in the four months
(of the rainy season) नावा० ८;

वाउर. त्रि० (चतुर) चार; आनी मज्झिमा.
चार. चार का संख्या. Four;
the number four चांव० — छांग.
न० (छांग) चार अक्ष. चार छंग the
four limbs or divisions विवा० ३;
वाउरगिज्ञ न० (चतुरगिज्ञ) उत्तराध्यायना
तीन अभ्यासन नम उत्तराध्यायन के
तृतीय अध्यायन का नाम. Name of the
third Adhyayana of Uttarā-
dhyayana. चतुर्मा० १३१;

वाउरगिज्ञी. श्री० (चतुरगिज्ञी) जुआ
" चउरगिज्ञी " शब्द. हेनो " चउरगिज्ञी "
शब्द. Vide " चउरगिज्ञी " ओव० २६;
भग० १, ७; ७, ६; नावा० १; २, ८; १६;
१६; उवा० १०, १; वं० ५०

वाउरजंन. त्रि० (चतुरजंन) नारदी-निर्देश-
मनुष्य अने देवता मे चार भात छे अन्त-
अवयव जेनी ते, चार अतिरूप चार अवयव
वाजे संस्कार. नारदी-निर्देश-मनुष्य व देवता
मे चार भाति हैं अन्त-अवयव चित्ती वद.

का नानेकाय का कवक वृक्ष नाना.
Worldly existence consisting
of divisions which has got for
its end the four conditions
viz. hell beings, lower animals,
man, and celestial beings.

उदा० ७, २१८; उल० १४, ४६; मृ० १,
१, ८२; धर्म० १, १, २, १, नाया० १, १.

(२) आरं दिशायां अरं विभाग वृक्ष con-
sisting of four divisions of
the four quarters. उदा० २, १, (२)

पञ्च पञ्च समुद्र अरं अरं दिग्गज अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

दिग्गज अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

prepared from sugar, jaggery,
sugar-candy and milk उदा० १, १.

काउटरक पु० (काउटरक) अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं
अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं अरं

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

उदा० १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,
१, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १,

• बुद्धि १४ नमः १५ नी १८ नमः (०) देवे १४ नमः १५ नी १८ नमः (०). Vide
foot-note (०) p. 15th.

नावां १; १, २, १६ राव० १० प्रव०
१८१; कण० ८, १३. कोष० भा० भा०
८२; सू० प० १०, पञ्च० ११ विधा० ८.
—उपलब्ध. पु० (उपलब्ध) आन० १८१
ने चर उद्यम waving of (Chawan
३० प० २ १२२, नावां १६. समाह
वि० (साह) आन० ३०८ क० ८
चर प्रहण करने वाला (a person)
who carries a chain (chawan)
३० प० ३, ६३ निमा० १, २४. —आर
वि० (आर) अ० ३० १०८, १०९
अभी नावां १०. चर प्रहण करने वाला;
हाथ में चर उद्यम वाला (one) who
holds a chain in his hand, राव० १८८. —शालीशाय
लाया० श० (शालीशायिका) अ० ३०
अने शीतल—च० चर व पञ्च ८
chawan and a fan अग० १, ३३

शामरा श० (शामरा-शपराश पाक/पराश)
अभी नावां चर चर A chawan
३० प०

शामीकर न० (शमीकरा—शुद्ध) अ० ३०
शुद्ध, मोनां Gird, नदीय ३४० १०
१, १.

शामीकर न० (शमीकरा—शुद्ध) अ० ३०
शुद्ध, मोनां Gird, नदीय ३४० १०
नावां १, सू० प० ८, १३८, ३० प०
१, ८१.

शाय पु० (शाय १ १४३, अ० ३०, शाय,
अभाव, Forsaking; absence, वि० ०
१८८, १८९; सू० प० १, १४१; प्रव० १८१.)

शार. पु० (शार) अ० ३०, शूल शीतल,
गुण १८, शाय, A spy; a secret
emissary. शि० वि० १८१; सू० १, १,
१, १२; उवा० १, १०, (२) अन्तर्द्विती
अनि-अध. शरीरिष्ठ की शाय nation

of the moon etc. ३० प० ३ १३३,
१०८, आवा० १४; नावां १० १६, अग०
१० १६, १. शीतल १, १, १३. शि० १०
अन शाय शरीरिष्ठ शाय शीतल का शाय
अनुमान करने की कला the art of es-
timating the strength of an
army आवा० ८, नावां १, (२) अ० ३०
३०, ३३. चर चर चर चर चर चर चर
wandering roaming गम० १,
—उद्यमशाय १२०१ उद्यमशाय अ० ३०
शाय शाय शाय possessed of motion,
३० प० १८०. पुरिष पु० (पुरिष)
अ० ३० १८०. अ० ३० १८०. अ० ३० १८०
मिथि शाय शाय शाय a spy; a secret
emissary नावां ३

शारिष न० (शारिष) ३० प० १, १८०, १८०,
१८०. शाय शाय शाय A nation,
३० १, १.

शारिष १० १० १० (शारिष) १८०, १८०
१८०. शाय शाय शाय शाय शाय शाय
for the
purpose of wandering on the
ground राव० ८ १३ १३.

शारिष न० (शारिष) अ० ३० १८०, १८०
१८०. शाय शाय शाय शाय शाय शाय
शाय शाय शाय शाय शाय शाय शाय
A dungeon for confin-
ing a criminal, a prison अग०
११ १०, नावां १ १०, सू० प० १ ११,
आवा० १८, प० १ १, १, शाय १, १,
१८० १ १३. शालिष पु० (शालिष)
१८०. शाय शाय शाय शाय शाय शाय
the keeper of a prison
वि० ०. शाय शाय न० (शाय)
१८०. शाय शाय शाय शाय शाय शाय
कामशुद्ध का चर चर imprisonment
नावां १, ८. —शाय पु० (शाय)

शेनना (भेरीये रिमेरे) शपन
के (बेरी इत्यादि) वाचन. instru-
ments such as fetters etc. of
a prison. वि० १; — वसति शी०
(-वसति) शेनमां निवास करे। ने. कारा-
गृहमें निवास करना confinement in a
prison वस० १, १;

चारककण्ड न० (चारककण्ड) ओ३
शपनं इत्यस्य पुंश एव कानि का कलवाणा
वृक्ष. A kind of fruit tree मत०
१२, १; — व्याजा. शी० (काका)
शेनमां शेनमां भक्षण कारागृह. a
prison. भा० २; १४. — मोक्षक न०
(-मोक्षक) शेनमांभी शेरिमांने छुटा करे।
ने. कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना.
releasing criminals from im-
prisonment भा० १;

चारक पु० (चारक - चरकं गमनं विज्ञतं
वेचाम्) चारकं गमिष्य १ गग साधु ने मे
प्रभारना छे गंगामारक्य अने विद्यावारक्य.
आम्य आभना तपशी छेपनेपदेमा प्रभारना
गमिष्यतागा साधु ओ३ ७८ १४६ तेरमे १५३५२
होपे पदेमी सके. गगना मेरने सीअरे
विस.मे सभ नीं छे उतपाते मभ गगनामे
पदेमी; छे ७३५ तपशी ३५३६ स नीं
प्रभारना गमिष्यतागा मे छेपाने मेरतिअर
अने आमे न-रांअरहोपे पदेमी अने
गगनां ओ३ ७८ छेपाने मभ गगनामे पदेमी
चारक गमिष्यतागा साधु वे दो प्रकार के होत
हैं—बंकाचारक व विद्याचारक. जहुम जहुम
के तपने उत्तम पहिले प्रकार की सांख्य
एक ही महत्त्वमे तेरवे डचकर हांय तक पहुंच
लके, सीढेत समव मेद के शिखर पर विभाम
लेकर द्वितीय उपपात मे मूल स्थान पर पहुंचे
कहु कहु के तपने उत्तम द्वितीय प्रकारकी
संख्यवासा दो उत्पात मे मेद शिखर व जहुम

मन्दीवर हांय की पहुंचे व सीढेत समव एसी
उत्पात मे मूल स्थान पर पहुंचत है. An
ascetic possessed of the power
known as Châraka Labdhi, which
is of two sorts namely Jâghâ-
châraka and Vidyâchâraka. The
power of the first kind is born
of austerities of 3 days con-
secutive fasts, performed on
enables one to reach in a single
jump, the 13th Ruchakavarn
Dripa and come back to the
starting point in the next
spring after resting on the
summit of Meru while return-
ing. (One who is possessed of
the other power produced from
austerities of 2 days conse-
cutive fasts, performed every
6th day of a fortnight, can reach
the summit of Meru and the
8th Nandiswara Dripa in two
bounds and can come back to
the starting point in a single
spring while returning. वस०
६०२; जीव० १६; लम० १७; मत० २०; २;
भा० १; २; वि० ७५०; जीव० १, ४; वस० १;
— भाषणा न० (-भाषणा) चारक्य
आवना चारक्यगमिष्य छेपन भाव तेरी
आवना. चारक्यभावना. चारक्य सांख्य उत्तम
हा ऐसी भाषणा. abstract medita-
tion on the rise of Châraka
Labdhi. वस० १०, १०; ११; १२;
चारककण्ड. पुं० (चारककण्ड) ओ३ नामने
महावीर रत्नाभीने ओ३ मधु. इस नाम का
महावीर स्वामी का एक कण्ड. Name

of a body of followers of
Mahāvira Svāmī. अ० ०;

कारक. पुं० (कारक) धुल्ल. कुल्ल.

A clever warrior. (१) अ० २.

तस्कर; चोर a thief. वच० १, १;

कारि. वि० (कारि) अचन०; अचन०

२२५५ वायु. चक्रे वाता; चक्रे के

स्वभाव वाता. Moving; capable

of movement अ० २१; व०; भावा०

४; वि० वि० १०२;

कारि. पुं० (कारि—बहुवचनविशेषः) आ० १;

पाश वसु मय विदेव; कारा; पाश.

Food of beasts; grass अ० वि०

२२३; २३५;

कारि. पुं० (कारि) लघु. ज्ञान.

ज्ञान दूत. A spy; a secret emissary.

भावा० २, ४, १. ११४; (२) अ० ३३३;

यो. यो. यो. यो. यो. यो. यो. यो. यो. यो.

fighter. वि० २३५४; (१) दे०; अ० २.

चोर; तस्कर. a thief. वच० १, २;

कारिका. स्त्री० (कारिका) परिमार्जिता:

अ० ३. परिमार्जिता; कारिका. A female

ascetic who has renounced the

world. अ० वि० २३५;

कारिक. व० (कारिक) अ० ३. नाश करने

अ० ३. नाश करने; निश्चय दृष्टि अ० अ० ३.

२२५५ अने अ० ३. दृष्टि अ० अ० ३.

३१. अने का नाश करने वाला एक जीव

परिमाण; निश्चय दृष्टि अ० अ० ३.

स्वभाव दृष्टि अ० अ० ३. स्वभाव दृष्टि

of Jiva (soul) which destroys

Karma; the nature of self from

the stand-point of will and the

practice of self-control from

the practical, worldly stand-

point. अ० २५, २३; व० २५

२५, २३; अ० २५; अ० २५; अ० २५;

११, १; —कुल्ल. पुं० (—कुल्ल) अ० २-

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

the characteristic of self-

control. वच० १०२; —कुल्ल. वि०

(—कुल्ल) अ० २. अ० २. अ० २.

possessed of self-control.

अ० २४६; —परिमाण. पुं० (—परिमाण)

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

the thought-

activity in relation to right-

conduct or self-restraint.

अ० १, २०; —रक्षक. व० (—रक्षक)

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

the guarding of self-

restraint. वच० २१;

कारिक. वि० (कारिक) अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

अ० २. अ० २. अ० २. अ० २.

नामा विनाय मुन्दर बेया (नायका
गायिका) A beautiful harlot or
courtesan अ० १० चौम १०
(भाष) मु० १० १० १० १० १० १०
मुन्दर अथ गायिका अथवा अथवा
A beautiful form अ० १० १०
आरुण्य वि० आरुण्य वि० आरुण्य
अथवा आरुण्य आरुण्य आरुण्य
A beautiful form अ० १० १०

(निज न०) आरुण्य (आरुण्य)
मुन्दर अथवा A beautiful picture
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अ० १० १० १० १०
अथवा अथवा अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अ० १० १० १० १०

हाथ (हाथ) अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा
आरुण्य अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० आरुण्यस्य वि० आरुण्यस्य
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्य वि० (आरुण्य) अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा
The name of the first Guna
dharma of the first Tirthankara
Supriyavastha अ० १० १०

आरुण्यस्य वि० (आरुण्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A kind of vegetation अ० १० १०

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा

अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

आरुण्यस्य वि० (आरुण्यस्य) अथवा अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा
A beautiful form अथवा अथवा

मृदु लक. बाबा- १, १, ४३; (१)
 बाबाजी अनादी युग, अति बाल का
 कालिय युग. an artificial man
 made of hay पु. ब. ४, १४४,
 -- (कृष्ण. जी. (कृष्ण) अनादी-
 काल एक प्रकार का मृदु लक (बाली)
 बुना a bangle made of bamboo
 and wood. बाबा- १,

विचित्रलिखा ला- (२) आरुक्षीय पुष्प
इसको का रस. A tamarind tree.
चोप- वि- २५.

✓ विम. पा. I, II. (विम) विचारः
आलोचन. विचार. विमर्शन इत्यादि
विचार इत्यादि. To meditate, to
think over

चिनह. ६१५१० ११

विंशद् दश० १, १४३

चिंतमणि पत्र- ११:

दिनांक दि. तल. ५६, १५।

वित्तिक्रय. सं. कु. विंश. १६१. पु. अ.
१३१.

विनिवृत्त द्वे. क. मृ. व. २, १४२.

विलस. व- क० प्राप- नि- १०१, मु- ४.
१, २४४:

चिन्तिमह. ६० वा. सु. व. २. ४४०.

वित्तियमाद्य क- वा- व- ह- नाया- ४,

वित्तिग्रन्त ६० वा० ६० क० १० वा० १०;

चिंतन वि० (चिन्त) चिन्तयन्तः चिंतयन्
करमेवात्ता. (One) who meditates
or thinks over गणना = १२४;

चित्तवृत्तिः न० (चिन्तन) विचारणं, चिन्तन
 १२३ ते. विचारना; चिन्तन करना. Con-
 templation पंचा० १, ४४;

ध्यानशा. न० (विमल) धि १२१ ३२३;
 ध्यानशा. काना. Contemplation.
 अक्षरान० १, १;

१. वे. ने. मन्त्रं विद्या कुर्यात्. Contem-
 plation जाव. १, १,

विनय पुं० (विनय) विचार करनेवाला.
विचार करनेवाला (One who contem-
plates. नाया० १५, ४;

चिन्ता. आ० (चिन्ता) चिन्ता, चिन्तन, मनन
 व्यमना. चिन्ता; मनन व्यमना. Dis-
 traction of mind; anxiety. आङ्ग-
 २१. सूत्र० १, १, २, २४. अजुमो० ११०;
 अम० ३, २. भाषा० १; १२; १६; नंदा०
 ११. टीका० २, २६; उवा० १०, २१४; राय०
 २४३; - आउव चि० (आसुर) चिन्ता
 अरुध धर्मोत्त। चिन्तामयन. साराण्य, दिव-
 तात्त्विक सू० ब० ४, २००;

चिन्ताकर चिन् (चिन्ताकर-चिन्ता चिन्ता)
 तैव वरमा प्रवामा वल्ल कलौ चिन्तापरः
 चिन्ता तत्परः चिन्तायतो चिन्ता वृद्धः
 Andromach ३०० १८, २१; — सुमिल
 न० (स्वप्न) चिन्तायी २५० नु जेयु ते.
 चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना dream
 through anxiety. नग० १६, ४;
 --सोमसागर पु० (-शेकसागर)
 चिन्ता २५ शीःतो सभुद्ध. चिन्ता क्व शांक
 का सभुद्ध the ocean in the form
 of anxieties. निरी० ८, ११;

ચિન્તામણિ. પુ. (ચિન્તામણિ) સં. ૫૨.૭
 ૫૫. ૩૨નાર મણિ; ચિન્તામણિ રત્ન. મર્વ
 દૃષ્ટાણો કો પૂર્ણ કરને કાલા મણિ; ચિન્તા
 મણિ રત્ન A wish-fulfilling gem

पञ्च. १. ४६; अण. १६७;

विनिश्च-प्र. वि० (विनिश्च) विनिश्च
विनिश्च विनिश्च विनिश्च Contemplated.
अ० १० १, २१; आ० ११, अ० २, १,
१, २; १, ११, आ० १, ११, ११; १०,
११, आ० १, २, अ० २, ११, १, ११,
उ० १, ११; आ० ११;

चिह्न. न० (चिन्ह) चिन्हः लक्षणः निशानी.
 चिन्हः लक्षणः निशान Symbol, in-
 sign, mark लो० २२; भाषा० ६,
 १६, अम० ७, १ मृ० ४० १, ११; २,
 ६१२; विशा० २०१० पंथा० १४, ४६;
 प्रब० १६४; पञ्च० २; ग्रं० प० — उच्चा-
 ली० (- ध्वजा) चिन्हवाली ध्वज चिन्ह
 ध्वज भाषा. a flag bearing a
 symbol, भाषा० १६; — पट्ट. पु०
 (- बट्ट) आदः आम आगलभागी निशानी
 पात्रो पट्टो चोदः चिह्नः काम पहिचान
 करने के चिन्ह वाला १. model, sign,
 mark. भाषा० १; मन्त्र० २०४, पण्ड०
 १, १; — पुगिल. पुं० (- पुक) दाढ़ी-
 भुजवाला प२११; प३१११ चिन्हवाली प३१
 दाढ़ी- भुज वाला पुकः पुक के चिन्ह वाला
 पुक a person having the marks
 of a man viz. beard, mustaches
 etc. अ० १, १;

विषय प्रि- (विषय) शिक्षायाः विषयः
नाई वाता. Sticky. मग ९, १, १९,
२: दम ९, ९९: मंडु ९, १, १:
प्रि- प्रि- ९९:

ॐ विष्णवे नमः (विष्णु-कर्म) श्री २३, १११
 विष्णु. Mud. अक्षुभा. १११; मय. २.
 २, १६; सोम. वि. ३११; वसु. १, १;

१: वज्र० २: वज्रा० ६, १

●**विराटपथ** पु० (०) प० पु० ते० ॥
 ॥१४४५॥ आन०. पिर गड जाव उतये कांचड
 वाला मार्ग. The path having some
 mud. अग० = ८, ६॥ सोब० = २१; लख० = ११,
 सोब० = नि० आ० १३; पल्ल० = १, ३;

१ विमिष्य भा. १. (विम) विमिष्य
क.पी. शिखरी परीक्षा क.पी विमिष्य कर्मा.
गंग की परीक्षा कर्मा To dingpash.
विमिष्य इत. १४, ७४;

ସିଂହଦା ଗୀ- (ସିଂହଦା) ଯାହା ଦିଶେ.
 ଯାହା ଦିଶେ A kind of musical
 instrument ଯାହା- ବାଦ୍ୟ;

✓ विहिता भा- I, II. (कथा-निष्ठ) उदा
 नंदन, विधवा-नी अथवा होना, विधवा होना.
 To stand, to stay.

विद्यार्थ. अम० १, १; २, १; ३०; नावा० १, ६;
१७; १८. उल० १०, २; मृग्य० १,
१, ४, ५, आदि० १४, ४२; अ.
ब० २, ४०४; अ० प० १, २४;

विट्ठलि जाया- १. ४. ११, १४. १७.
 अग-१, ५, ४, १; १८. १. पञ्च- २;
 म-५-१८; अ-५- ४, १११, ११२;

चिह्नवि नावा - १:

विष्णु'मि भग० ७. १:

चिदाभां. माया- ८, १८; मृत्यु- २, ७, १४;

चिह्न वि. उल. १ ११; दल. ४, ८;
आंश. वि. ३.

विद्वि-जा वि०अ०११, १०, ११, ११:

चिदम्बर. वि. पञ्च. १६;

चिदंशका. वि० अग० १, २, १२, १; दश० ४;

विष्णु आ० इम० ७, ४७; ८, १३.

विद्युत्. आ० विद्या० १; माया० ३, ८; ८;

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૨ ની ફૂટનોટ (*) તેઓ વૃદ્ધ વયના ૧૨ થી કુટુંબોટ (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

Vol 11/21

१३, १५, ११४० २२१.

चिंतुष, आ० नाया० व,

विशिष्टादि वष. ८, १२, मासा. १६

शिंदुभावा माया. ६ अग. १०, ।

चिह्नं. भाषा- १६;

विद्युत् ६० क० म० ०, १ २, १०.

91, 4 10, 2, 44-1, 11; 1, 1

विद्वज्जय. इ. १. भाषा. १.

विद्युत व. द. मग. म, १: ०, १.

विद्युद्भाष्य ५० क० भाग : १ १, १, १

४७-३, ३१, १११-४ • १, १, १.

३३; १५१० १, ४०.

विद्यमानाह क० वा० आ० नाथा० ।

विहं अ० (भण्ड) ५५. २५५१ बहुनः
अन्तः Very much आवाः १. ५. ५
११२:

(ବିହାର) ନଂ (ସୋନ) ବିଭାଗ ନଂ ୧
 ଉପାଧେନ ଦାନା The act of standing.
 ପୃଷ୍ଠା ୧୪୫

विद्यार्थी- (पेरा) दाया कर्मकाण्ड-
अथ न. दाया इत्यादि म. नृणां कर्मा
(Constructing by means of hands
etc., अम० ३, ४; १८ वि० २, ३, १९१-१९२)

चिह्नित-य न = (चिह्नित) - १२५: ५५५:२
 अथ अथ न ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१
 अथ अथ न ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१ ५५५:१
 of the body अथ=१, ११, अथ=१, ११
 अथ=१, १=११=

बिहिन. न- (बोलन) अन्धा : बिहिन "
 अन्ध. बन्धा : बिहिन " अन्ध. Vado
 " बिहिन " अ- न- न-

विहितम् न० (२५५२६) दि. २०/१२/२००८
 दि. २०/१२/२००८ दि. २०/१२/२००८
 दि. २०/१२/२००८ दि. २०/१२/२००८

बिड़िय. प्रि. (१८५८) १८५८ २२५८ १८५८
 गदा हवा Steady firm १८५८ १८५८

विहिताय प्र० (स्थान) ०१०० देनादे
महादेव बाबा (1100) who stands

॥ अ० ११; इति० २ १, ४, ०; ६; ७; ८;

9, 1, 10, 11,

विहक १०. (बरक) २५३: एक मति ६।
 गुरु A kind of bird गुरु. १. १.

बिहगा श्री. (बरहा) ब. ११. २११
बिहगा. A sparrow ब. १.

To collect

विद्यार्थि ४ ११० दि० १६.

बिनाह (पृ. १०, ११) भाग- १, ०;

ବିଜୟସି. ନମ- ୧, ୨, ୩- ୧୫; ଶି- ୨,
 ୪; ୫, ୬,

সিদ্ধান্ত ২১-৬, ৭.

।बलम्, ५० नं० ६, १०६;

वि.सं. १० अ. १, १,

ବିଜ୍ଞାନୀଙ୍କ ମତ - ୧, ୨, ୩, ୪, ୫, ୬.

Accepted, collected by

मिथिला (प. प्र. प्र.) मीनदेगां अन्तर्गत
मिथिला नान देगा मे मीन प्रो दुसा है नद
Born or produced in China
country नमः ३. ११

ब्रिगाद न० (सिंह) निशान, नि० ५ निशान.
 अन्ध Mark sign; symptom.
 नावो १ — पट्टा नि० (पट्टा) नावो.
 नाव निशानी युक्त पट्टा नावो नाव.
 विशेष निशानी युक्त, विशेष बान्ना, a badge
 bearing a special mark, नावो १:

शिविनि. श्वा. (शिविनि) शिविनि. श्वेद. शिविनि.
 Funeral pyre. पण्ड. १, १।

श्रीमि. श्री. (सैय) मि. ३५२५ २५२३.

बिला के ऊपर का स्मारक. A memorial
on the funeral pyre वसा० १, १६;
८, ११.

विनिष. न० (वैज्य) अनुज्ञा "विनिषि" शब्द
 देको " विनिषि " शब्द Vāda " विनिषि "
 शब्द २१४; --मह पुं० (मह) निज
 नदीत्यत्र. वैज्य महोत्सव a ceremony
 concerning the memorial on a
 funeral pyre शब्द २१४;

१. चित्रण भा. I (चित्र) चित्रण भा. I
 २. चित्र चित्रण To picture to
 portray

चिन्ता नमो ८.

विषेह आ० नाया० ८:

चिंतना मं. क. नाया. ८.

[illegible]

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Chhatta Mun's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless अण० १५, २, ४. (३) पद०-१-अनंते आरथी ते के नामना व्याप नमः यथा ह्यतः अनंते के जे पदेमी नामने श्रीगुरु गी द्याय धर्म पद०-१-तेज नन. प्रदेशा राजा के माया जाक रहने से राजा के बड़ भाई के और विमल प्रदेशा राजा का कर्मा स्वामा द्वारा धर्म प्रकाशा प्रारण कराया the character of king Pradesh and also his elder brother He initiated king Pradesh into religion through Kesiswami अण० १८, २; १०; शय० २२०; तस० १, १. (६) ७९४, नेवन जाव; वदन life soul, vitality पद० २७. (१) मीन. ज्ञान. knowledge दया० १, ६१ :—अनुग्रह. प्रि० १ अनुग्रह) श्रीगुरु आवायना निमित्त अनुग्रही चरिता २२७७-७८-७९ की नां. १ आचार्य के नियम को अनुसरणा हुआ में आचरण करना है यह, स्वच्छदावादी कहा है यह (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor अण० १, ११.

व्यसङ्गः न० (व्यसङ्गतिः) विनियोग-
 स्थानः; अनन्या व्यसङ्गं विनियोगं न विना का
 व्यसङ्गात्; विनियोगं आशयं उच्यते इति,
 extra ordinary thoughts of mind
 गच्छन्ति ॥४८॥ —**व्यासः** पु० (व्यासः)
 भगवन्त्यासः पञ्चन व्यासः; विद्यापुत्रः
 विनियोग-व्यासः; व्यास देवः; विचार करमा
 meditation; contemplation. पञ्चा०
 १, ४८. —**येऽसङ्गः** न० (अस्वैयं) अनन्यी

विश्रान्त। विश्व की विश्रान्त। calmness
or peace of mind. वंश० २, ७;
--विश्रान्त वि० (वंश) विश्व ज्ञाने
व्यक्तिः। विश्व-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला,
(one) who adds to the know-
ledge. वंश० २, ११। विश्वज्ञान पुं०
(विश्वज्ञान) मनो विज्ञान (२४) विश्व
विज्ञान। विश्व का विज्ञान-विश्व विश्व
में विज्ञान करना meditation with
calmness of mind. वंश० १, २७,
--विश्राम, पुं० (विश्राम) विश्राम,
प्रेषण, विश्राम, पागवत, derange-
ment of mind, insanity; mad-
ness. भाष० नि० १७४, --समूह पुं०
(-समूह) विश्व और समूह नाम के दो मूत्र, two
mūtras named Chitta and Sam-
bhūta. तल० ११, १; --समाहिता वि०
(समाहित) विश्व (ज्ञान) में साधन।
विश्व (ज्ञान) में साधन attentive
or awake to knowledge वंश०
१०, १, १, --समाहिता वि० (समा-
विश्राम) विश्व की समाधि स्थान विश्व
की समाधि का स्थान a place for
abstract contemplation or de-
vout meditation. वंश० २, १, २;
१, १६;

विश्व, न० (विश्व) विश्वरामः, उग्रः, क्रोधा-
विश्व विश्वकाम, विश्व, तस्मात् Picture,
portrait. भाषा० १; भग० १४, ६,
अनुमो० १०, वंश० २, राव० २१, जोह-
न० १० २०; विश्वो० ४६०; विश्वो० ६; निरी०
२, ११, तनु० (२) वि० विविध नाना
प्रकारों, विविध, विविध प्रकार का, vari-
ed, wonderful, several, dis-
tinct. वंश० १, ४२; वंश० ११२, वंश०

४, २; भग० १६, ६; उग्र० ६, ११; १०,
१०; राव० २१; विश्वो० १७०, (१) पुं०
विश्वो, अ० ७२ वही भोसाहरी पशु,
बोना, एक प्रेक्षणी बोसाहरी पशु, loo-
pard, a carnivorous or flesh-
eating beast भाषा० २, १, २, २७;
भाषा० २; (२) अ-अर्थः (३) नाना जे-
आश्चर्यकारक wonderful uncom-
mon वंश० २, वंश० १, १७, वंश० २,
२; (४) विश्व नामने अ० पर्वत, विश्व
नामक एक पर्वत a mountain called
Chitra. भग० १४, ६; (५) वेणुदेव
अने वेणुदासि देवा देवतासु नाम,
वेणुदेव वेणुदासि इन्द्र के सोढास का
नाम, name of the god of Venu-
deva and Venudali Indra. डा० ४;
१; (६) भूतानेन्द्र प्रथम देवतासु नाम,
भूतानेन्द्र के प्रथम सोढास का नाम, name
of the first Lokapala of Bhu-
tanendra. भग० २, ६; १०, ६; --कर्म,
न० (-कर्म) विश्व (श्रीरत्न) ग्राम
विश्व काम a pictorial work. भाषा०
२, १२, १२१; भग० ११, ११; नाना० १;
११, नि० नि० भा० ०; नि० नि० १४६;
निरी० १२, २०; वंश० १, १२; --कार
पुं० (-कार) विश्व कर्तृ; विश्वो, विश्व-
कार, painter, draftsman, अनुमो०
१११; --घरन, न० (-घरन) विश्वो
४२, २०, ११, ४२, विश्वकाम में सुनमित घर;
रंगीन घर, a house beautified or
adorned with painting or pic-
ture. वंश० १२, ६; राव० ११६;
--ताव, पुं० (-ताव) विश्व विविध
तः, अने धातों तनु विश्व विविध
धातु-वर्ण का तनु, a variegated
or parti-coloured thread; a long

thread of a cloth. मग० ११, ११:

- ਕੰਡਾ. ਗੁੰ (-ਕਥਾ) ੨ ਮੋਲੀ ਆਈ.
੨ਵੀਂ ਹੁੰ ਲਫਜ਼ੀ. a painted stick

अण० ४, ११: — पञ्चस्र पुं० (चक्र)
 त्रिचरणः, त्रिचरित्रिच पाञ्चचरो मेघद्वि
 चर विशेषः त्रिचरणकः त्रिचित्र पाञ्चचरा
 चतुर्चरणियं चारु विशेषः a kind of four-
 sensed living-being with parti-
 coloured wings. अण० १८, १००.

—पद्मपुत्र इ० (—पद्मपुत्र) विभिन्न
पद्मपुत्र पद्मपुत्र; विभिन्न पद्मपुत्र (one)
possessed of wonderful feet.
पद्मा १३, १४; —पद्मपुत्र पु० (—पद्मपुत्र)
अपुत्र; पद्मपुत्र विभिन्न पद्मपुत्र भार वावुक
हस्तपद्म का विभिन्न प्रहार भार. a won-
derful stroke or blow of a lash
etc नाया १०, —पद्मपुत्र, न० (—पद्मपुत्र)
विभिन्न पद्मपुत्र विभिन्न का पद्मपुत्र. a paint-
ing-board or sheet “ विभिन्नपद्म
पद्मपुत्र ” अया १३, १, नाया ८;

--मिनि कां० (मिनि) चित्ररेख आन
चित्र ले माझन मांन. a pictured wall.
दस० ८, ४१; --मार्ज्जद्वि. त्रि० (-माज
द्विदस) जेनु चित्र आन-दरागुं छे ते.
प्रसन्न मनवाहुं. त्रिमळा बिता आनंदवृत्तन हो
जेमा; प्रसन्न बिता. (one) promulgated
of jolly or gay mind. नावा० १;
जं० १० १, ४१; --माळा. जी० (-माळा)
विचित्र भाषा. विचित्र माळा. a variegated
garland. " सोईस विकसंनविता
माळा " दसा० १०, १; --रखल. न०
(-रख) चित्ररेख विविध मननना जेने
चित्ररत्न-विविध जाति के रत्न. various
kinds of jewels. अम० ८, ११;
--रखहरल. न० (-रखहरल) चित्र
विचित्र रत्नेहरल. चित्र विविध रत्नहरल.

a wonderful broom-stick. नवसूत्र.

१११. - कव न० (-का) विविध रूप.
विविध का = wonderful appearance or form मन्त्रा० ११२. - वि-
विमलकलम पु० (-विमलकलक) शिव
विश्वेश्वर नाम्ना ३५३: विमल विमल
मन्त्रा० (one) possessed of parti-
coloured wings मन्त्र० ११३. ५:

...बसिष्ठा जी० (-बीसा) विविध
 बीजा सार, विविध फल (बीसा)
 सार, a wonderful guitar with
 six strings, राब० २२: --स्यमा, जी०
 (-समा) विविध आश्चर्यकारी सभा
 विच्युक्त-आश्चर्यकारक सभा an extra-
 ordinary meeting, वि० वि० २०,
 नावा-८, ११; --स्यसा, जी० (-सासा)
 विचित्र सिखावनी शाखा; विचित्रशाखा,
 विचित्रकर्म सीखने की शाखा; विचित्रशाखा,
 a school of arts or painting
 जीवा० १, १;

चित्त पुं० न० (चैत्र) अथ अक्षय्ये, चैत्र
 मास, Name of a Hindoo month
 called Chaitra. उल० २९, ११; भाषा०
 ४ अग० ११, ११; आष० नि० २८१, अं०
 ९० २, ११; ४ ११४; ४, १२०; काप० ४,
 ४६, ४, २०८.

बिलडल. पुं० (विग्रह) अ० १५५ १८५
 १५५ अ० १५५ १५५ १५५ १५५ १५५
 विग्रह अ० १५५ के अ० १५५ के १५५
 १५५ १५५ १५५ १५५ १५५ १५५
 would-be Tirthankara in
 Bharat's Khanda of Jambu
 Dvīpa. अ० १५५ १५५

विभाग पुं० (विभाग) रंम मेरंवी ५५
आपनर-५५१ ११ विविध रंम के कृष
संवेना-५५१५५. (One) yielding

of drawing picture. भाषा० ८.

चित्रिणी जी० (- चित्रिणी) चित्रकारिणी
पति। चित्रकारी की पत्नी. a line of
painters भाषा० ८. —चित्रगुप्त पु०

(चित्रगुप्त) चित्रगुप्त नामे जन्म लेवया
आवना चित्रिणीमां यना १६ भा. दीर्घः
चित्रगुप्त नामक अरन क्षेत्र मे आगामा
प्राचीना मे होने वाले १६ वे नाथकर.

Chitrāgupta, the 16th of the
24 would-be Tirthankaras of
Bharat Ksetra प्र० २६८ ८३१

चित्रगुप्ता जी० (चित्रगुप्ता) चित्रगुप्ता
ने चित्रावती की ओर अभिमुख हो कर
क लोक राजा की पत्नी व अमरावती की
The principal queen of the 3rd
Lokapala of Chamarendra.

अ० ४, १. अ० १०, २. (-) चित्रगुप्त
चित्रावती के यहाँ परवत पर पत्नी की आ
चित्रावती की पत्नी आती है चित्रा
के हवक परवत पर रहने वाली आठ दिशा
कुमारी मे स सातवां. the seventh of
the eight Disha Kumaris resi-
ding on the Ruchaka mountain
of the southern direction
अ० १० ११८.

चित्रगुप्त पु० (चित्रगुप्त) भन्ने मनुष्य-
जन की आनन्दवाता. (One) who
reads the heart. चित्र० १३१.

चित्रवक्त्र पु० (चित्रवक्त्र) वेदुदेव और
वेदुदेवी के पुत्रों के नामों का नाम.
Name of the Lokapala of
Vepudra and Vepudli
Indra. अ० ४, १; अ० १, ८; (-)
आर्य चन्द्रिका के अ० ७३. आर्य चन्द्रिका
का एक जीव a four-sensed living

being प्र० १.

चित्रवक्त्र वि० (चित्रवक्त्र) चित्रवक्त्र
नरकवासी) अर्थः ४७४ ४७५. चित्रवक्त्र
नरकवासी. A living being on
thing उ० २४ २८. अ० १, १ १
२; भाषा० १, १ २, १८८. अ० २१
२५ २६, १८ अ० २१ २, १८, १८१.
अ० २२;

चित्रवक्त्र पु० (चित्रवक्त्र-चित्रा चित्रावती)
मनुष्यः मनुष्ये वक्त्रात्) चित्रवक्त्र
नरकवासी आर्य पदार्थ आर्यपदार्थ १८५७३
चित्रवक्त्र मनुष्य मनुष्य मनुष्य पदार्थ देवदत्त
कल्पवृक्ष A tree yielding eatables
and diet of various tastes प्र०
१८८३. अ० १०; अ० २, १ भाषा०
३ ३

चित्रवक्त्र पु० (चित्रवक्त्र) चित्रवक्त्र
मनुष्य मनुष्य मनुष्य. A wild beast, a
leopard भाषा० ३, ३ (३) चित्रवक्त्र
मनुष्य मनुष्य मनुष्य. चित्रवक्त्र मनुष्य, चित्रवक्त्र
variegated. —चित्रवक्त्र वि० (चित्रवक्त्र)
चित्रवक्त्र मनुष्य मनुष्य मनुष्य. (one) having various colours
अ० १० २, ३६ अ० २, ६;

चित्रवक्त्र वि० (चित्रवक्त्र) चित्रवक्त्र
मनुष्य मनुष्य मनुष्य मनुष्य. (Of various colours आर्यपदार्थ १८५७३

चित्रवक्त्र पु० (चित्रवक्त्र) मनुष्य मनुष्य
मनुष्य मनुष्य मनुष्य मनुष्य. (one) having various colours
मनुष्य मनुष्य मनुष्य मनुष्य. A kind of serpent
प्र० १.

चित्रा जी० (चित्रा) चित्रा नामक नक्षत्र
चित्रा नामक नक्षत्र A constellation
of this name. " दो चित्राजी " अ०

४७५। १५०० नं० ११। एक प्रग-वा ५५।
५७५। १५०० नं० ११। एक प्रग-वा ५५।

विज्ञानां शा. (विज्ञान) विभिन्न शास्त्राणां नामसंग्रहः । यस्याः प्रथमः भागः । The name of the principal question of the book is **विज्ञानां शा.**

[illegible][illegible]

१८. गोडा-१,३, पञ्च-१,११, ब्र-१-०,३६
 दो. लु. काना बगना पशु. A two-headed
 wild animal viz elk etc. बग- १,

संज्ञित. प्रि० () यथार्थतया प्रथम
युगोन्मत्त, प्रदाय Admired, highly.
पृ० ७० ३०;

শিঞ্জিৎ ব. (১) : ১ম; ১৪৭
 ১ম; প্রকাশিত Shining, bright.
 আব. ২৪; মন. ১. ১১; জীবা. ১. ২;

— **ସମ୍ଭବ** ୩୦ (- ୩୪) ଦିନି ଯୋଗ ଆସନ୍ତୁ
 ୩୩୩ ଦିନି ଯୋଗ ଆସନ୍ତୁ thesaur
 ୩୩୩ of a bright earth ବାସା- ୩.
 ୩୩- ୩ ୩୩

विश्लेषण - विद्यापीठानामधील वन-
प्रकार हे गवसरी, हरा वनस्पति. A kind
of green vegetation. पृष्ठ- २.

विहृ ५- (विहृ) १२. ५ ॥ व.स; वा.स
॥ ५. ५. ५. ५.

चीन १० (चीन) चीन देश चीन देश
 China (१) चिन् चीन देश का चीन
 चीन देश का रहने वाला a resident
 of China. पत्र- ११४८, बी० १, १;
 पत्र- १, १, पत्र- १, (१) चिन् चीन,
 चू चीन चीनी भाषा—**संस्कृत**
च १० (चक्र) चीन देश का चीन
 चीन देश चीन देश का चीन देश का
 चीनी चीन China silk भाषा- १, १,
 १४८, भाषा- १, ११, भाषा- १०, ११ (१)
 चीन देश, चीन देश, चीन देश, चीन देश
 चीन देश, चीन देश चीन देश का चीन देश का
 चीन देश चीन देश, चीन देश, a sort of
 silk thread got from the silkworm
 of a certain insect in China.
 भाषा- १०, १०

श्रीमान्.पट्ट प० (बालविद्य) मि-ए- सिन्धु
Red road राय ४३. (२) दि. मंदि
द्वितीय Vermlon. यक ५३

Vermandon પ્રાશ- ૩ ૩.

જીવન (સાં) વચ્ચે, જમણે, વચ્ચે, વચ્ચે
(Sunder, સુન્દર, સુન્દર, સુન્દર)
સુન્દર, સુન્દર, (સુન્દર) સુન્દર, સુન્દર

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની નોંધ (૧) જેમાં મુદ્દા નંબર ૧૬ ની જગ્યાએ (*). Vide foot note (*) p. 15th

एक की छाल का रस. A cloth made
of bark. ३१- १, २१.

चिरकः पु० (चिरक) औ० भ०; पक्षी विशेषः ।
 चिरकः पक्षी विशेषः । A kind of bird.
 पक्षः १, १. — पक्षिणः पु० । — चिरकः,
 औरत जनादरने के लिये चलाता चलाता चिरक
 बजाकर का शोचण पालन करने वाला ।
 one who keeps or tames a
 bird named Chirka. निर्णय-१, ११ ।

જીવિન. પું- (સારિક) મેનીના કે ૨૨ માં
 પદ્મ મીથમનો જુરનો ખાલી પાળ્ય
 ૫૨નાર એક પદ્મ મળી એ કિવા માર્ય એ
 કાંચમે પદ્મે દુગ ચીપદ કા પદ્મ વનાક
 પારના કામે વાળા એક વર્ગ. A class
 of people who put on a face
 cover of a rag thrown on a
 road or street સજ્જનો. ૨૦

वीरिय पुं० (वायव्य) नदी " वायव्य "
 शब्द देखो " वायव्य " शब्द Vaido
 " वीरिय " नाश = १२;

जीवर. न- (जीवर) १५५ : १ ३ ५७४
A cloth, clothes डा० १. २. अम०
१. १। आमा० २. ३. १. १२१। अम० १-
५१। प्र० ७०

पुनः वि० (पुनः) अष्ट पदेयः, नयेयः
मन्त्रः पाभेक्ष भवः, मृग्य प्राप्तः
Ducenod; fallen, degraded
आद्यां० १, १, १, १, १, २, ३, १२४, ३५०
१, १७; १९, वः १४, १, १६, वः आद्यः
१८; लज्जाः १९, प्र० प० ७, १४१; आद्यः
१९० ६२; कल्पः १, १; ३; ४, ६२; दस्ता-
वः १; मायाः ७; वः ६; भगः ७, १; सु-
चः १२, ६५; पल्लवः २, ५, विशेषः १६१६।

--**अथर्व. त्रि. (२३)** धर्मं नी भट्टः
धर्मं नी भिन्न धर्म न भट्ट, धर्म न धर्मिन.
Ilion from the path of religion.
दशम. ८, ११.

पुष्पावृक्षमंत्रिया का-(गुणाधुनोक्तः)
युना युन भेजी यज्जा; इतिहा-लभं
वि-भने मेक निः वृक्षाधुन भेजी
गज्या, हाहवादागत वादसं का एक
मेद A division of Parikarma in
Drastrivada गम-१२.

बुद्धाबुद्धमंलियापरिक्रमः न० (पुष्पाब्ज-
 त्तिकक वारिकर्म) : इतिवद्वत्तनं पति
 इत्यनेन आत्मने । इतिवादात्मगतं परिक्रमं
 वा यावदाभेदः The 7th division of
 Parikrama in Drishtiavada नंद०
 १६;

पुष्पापुष्पायन न० (पुष्पापुष्पायनं) पुष्पा-
पुष्पा मे.पुष्पा पा.पुष्पा मे.पुष्पा मे.
पुष्पापुष्पा मे.पुष्पापुष्पा मे.पुष्पापुष्पा मे.
The 14th division of Parikar-
ma in D is ivada, नदी० २८.

पुस्तक. ३० (१८५८) में नामे मेक अनारं
 देश हव नामका एक जनारं देश. An
 uncivilised country of this
 name प्र० १२१५

पुस्तक नं० (४३३३) अ० आर्य समाज-
मार्ग एव आर्य आदि An Aryan
race. पृष्ठ- १.

पुस्तक १० - (अष्टक) अथर्व मन्त्रो अंश
अथ अथर्व मन्त्रो अंश एव अंश. A
sub-division of non-Aryan race
अंशः १, १;

पुं.ी का. (•) नानी पुम. पोश कइया.

• જુઓ ૧૪ નંબર ૧૫ ની પુટનોટ (*) જેમાં શ્રી અમર ૧૨ થી કુટનાટ (*) Video foot-note (*) p. 13th

उप० ११, १; लघु १० ११४; जीवा० १;
पुष्पनी जी० (पुष्पनीति) चोरासी; ८४
चोरासी ८४ Eighty four उप० ४,
पुष्पनीह जी० (पुष्पनीति) चोरासी ८४.
चोरासी की संख्या, ८४ Eighty
four क. सं० ८, ५१, अम० १०, १०,
८४, १; भाषा० ८ लु० १० १; - लघु-
लिय. पुं० (लघुलिय) चोरासी-
संख्या की संख्या-आठवें भाग में चोरासी
का लघु भाग सप्तहोत्र भाग होवे वह a
sum which can be divided
by eighty-four. अम० २०, १०।

७ पुष्प. नि० (*) लघु लघु छोटा;
लघु Small, tiny उप० १६; अ० १०
उपा० १, २; —कण्डलुज. अ० (—कण्ड
लुज) २२ उत्कलिहानु त्रीज. २३
उत्कलिहानु से म तीवरा, the third of
the 29 Utkalika (Sūtra).
मंदा० ८१; —विहज. पुं० (विहज)
पिता की दाई, भा०, छोटा, पिता का छोटा
भाई, काका, uncle; the younger
brother of a father " काका वका
काकि वपो वकाविहजि व " उप० ७, १४;
माड. जी० (माड) लु० " का
माडवा " उप० २०; देखा " पुष्पमाडवा "
शब्द. side " पुष्पमाडवा " भाषा० १,
—माडवा जी० (—माडवा) आ० म० न
म० न। मैत्री की माता step mother
" कृष्णवस्त्रवती पुष्पमाडवा " अम० ८,
१; निर० १, १, विवा० १;

पुष्प पुं० (*) आ०, चोरासी, भाग,
भुगत, Food. लं० नि० ४४;

पुष्पनीदेवी जी० (पुष्पनीदेवी) ६५६ भागनी

पुष्पनी नामनी देवी (२५५) इषद राजा
की पुष्पनी नामकी देवी (राणी). Name
of the queen of the king
Drapada. भाषा० १६.

पुष्पसपत्न. अ० (पुष्पसपत्न) पुष्पसपत्न
नामनी भद्रापी स्वामिनः अ० भाषा०,
१६ भाषाभाषा अ०, पुष्पसपत्न नाम का
महावार स्वामी एक का भावक, एक भावकमें
एक, One of the 10 layman fol-
lowers of Mahāvīra. उपा० १, २.

पुष्प हिमवंत. पुं० (पुष्प (कण्ड) हिमवन्)
अरुण क्षेत्र की भव्या आधुनार पर्वत; अरुण
अने देवपर्वत लुङ् पावनार (मैत्री पर्वत
अ. पर्वत) पर्वत भाग क्षेत्र की भव्या
पर्वत वाला पर्वत. A mountain
bounding the limit of Bharata
Kṣetra. जीवा० १, १; लघु० ७, अम० ४,
१; सं० १० २, १२० ११८; १; १०, उप०
१६; उपा० १, १८; —कण्ड. (—कण्ड) पुष्प
हिमवन् पर्वत उपरान्त अर्थात् पुष्प
पर्वत पुष्प. हिमवन् पुष्प हिमवन्
पर्वत क उपा० कण्ड में वे द्वितीय कण्ड हिमवन्
the second out of 11 summits
of the mountain Chullahima-
vanta. हा० २, १;

पुष्प हिमवंता. जी० (पुष्प हिमवन्)
पुष्प हिमवन् शिखर पुष्प देवता की शि-
खर नाम. पुष्प हिमवन् शिखर पुष्प
देवता का शिखर नाम का नाम Name of
the capital city of the great
Chulla Himavātagirikumāra
अ० १०.

पुष्प जी० (पुष्प) पुष्प, पुष्प, चोरासी

* लु० १५ नम्र १५ नी ५८ नम्र (*), देखा १५ नम्र १५ नी ५८ नम्र (*), Vise
foot-note (*) p 15th.

यूरो। बग्दा, छोटा बग्दा. A small
 station. 11. दि. २०४ श्रीवा. १ १.
 दशा. १. ४४.

[illegible]

सूडानसि. पुं० (सूडानसि) सुडानसि.
 भुमट. सूडानसि; मुकुट. Crown:
 diadem. उल० २२, १०; मावा० १.
 पञ० २; जोवा० १, १;

बूतलकोस. पु. (बूतकोस) भागाने: ५६.५.
काय वदार्थ. Entable ५६.० ३, ५.

पृथग्वर्तिय न. (दूधकाचमंजक) अ
 नाम्नी मेरु पदं विमान इम नाम्ना नृ
 इत्येव विमान A Name of an
 island of India, गण० १०३ अम०
 १, २;

बुधवारिमा आ- (बुधावसथा) मंगलमे-दली
मन्थन, ती देना - १४ तली, मांसमेऽहं ही
अपमादेवा दवे वा गजधाना The
espital city of the principal qu
con f Saurharendra आ- २, ३

[illegible]

चूड. भा. १. चूड) पूरे ५-वो; आस
 बुगदना, नादना, To pound; to
 reduce to atoms. चूड. नावा. १६:
 चूडा सं. कू. नावा. १६:

જુલની શી. (જુલની) અદ્યતન ચાલતીની
 માતા. મદ્યતન ચાલતીની શી માતા. The
 mother of Brahmadatta
 (Chakravarti) ગ્રંથ ૩: ૧.

चूला का० (चूरा) चैती. शिखा; चोटली.
 शिखा, चोटली. Summit; peak. मदी०
 १२.—उद्यमशूल न० (उपनयन) चैतली
 डिन न० नै.—मुद्राशूलनयनोत्तरकार शिखा
 उपासन का-मुद्राशन कशन का संस्कार
 the ceremony concerning
 shaving. शिव० २६८;

बुलामणि ३. (बुलामणि) ५५८ मुद्र.
 (Crown, dinden). खोब. २२. राव.
 १५६;

प्रमाणिक-१० (प्रमाणिक) योरासी नाम
प्रमाणिक योरासी नाम योरासी नाम
प्रमाणिक योरासी नाम योरासी नाम A measure
of time equal to 84 lacs of Pra-
yuta मयः १, २, ३; प्रमाणिक-

११३. छ० २, ४; सं० ४०

बृहस्पतिः का० (बृहस्पति) दृष्टिः अंगना
पायविभाजमानो पांशुभ्योऽङ्गो विभाज
रति वाह संन के पांशु विभाज मे मे पांशु-
जानिष विभाज. The fifth or the
last division of Drishti-
Anga. मंदी० २६; (२) मृपसुत्रमां न
अनावेष्ट दृष्टिगत संमद हरी अंतमा
अनारती ने मृममृम मे अग्रकाशित वलन
का संमद कर संन मे प्रकट करना a com-
mentary which exposes that
description which is not
given in the original text
मंदी० २६. (२) अंगनां नाम अंगि
अंग मृममृमनां नाम विभाज. चौराणी लक्ष
चूनि संन प्रमः का काय विभाज. a
measure of time equal to 84
lacs of Chūliāṅga मग० २, १; ९,
७; ११, १०; २३, २; जीवा० १, ४; अङ्गु-
जो० ११३; छ० २, ४; सं० ४० (४)
अंगि-अंगनीः (अंगि. बृहस्पति-वादी;
शिखर summit; peak. मग० १२;
मंदी० २७-१७, सं० ४०

बृहस्पतिः पुं० (बृहस्पति) अंगि देश. चूनि-
देश. Name of a country. (२)
अंगि ते देशमा वसुनाह. उम देश मे रहने
वाला. a resident of the above
country. पग० १, १;

बृहस्पतिः का० (बृहस्पति) अंगि; सग्री.
पृष्ठा; विग्री. A stove; a fire place.
मग० १०२;

वेदवशाः जी० (वेदवशा) ज्ञानादि अंतना;
अंत-व. ज्ञानादि वेदना; वेदव्य. Con-
sciousness. विसे० ४१;

वेदव-व. नि० (वेदव) अंगि; अनावेष्ट;
अंगवेष्ट. विभा दृष्टि; वनावा दृष्टि. Per-

formed; prepared. ' ज्ञानादि
जानादि वेदवशा ज्ञाने ' जावा० २, २,
२, ८१; २, २, २, ८३; वेद० २, १४;
वेदवशा हं० क० (वेदवशा) अंगवेष्ट. रहने
की. For the sake of living or
residing पग० १, २२;

वेदव. व० (वेदव विवेक वा वा कय वा
वेदव) वक्ष अंगरे अंगरे देवतां आपन-
रधान; देवधान के अंग आपना अंगरा तेना
पृष्ठरीरता अंगिदाद अंगाने स्थाने, अंगरा
अंगरे देवरीके, अंगरावां आपनां, अंग
अंगरे सग्रीमृमिनी आ-अंगनी आंगराणी
तेनी पयुपासना अंगरे तेनी अंगमा सापु
अंगरेनी पयुपासनामां आपरां आपनी
अंग. वक्ष अंगरे अंगरे देवतां आपन रधान;
विभा के ऊपर अंगरे वा अंगरे का मे वनावा
दृष्टि स्मारक विष्ट. संसारी लोग इनकी इन
आंक के मुक्तों की दृष्टिमे उपानना करते हैं.
The abode of ghosts or infer-
nal gods; the memorial or
temple which was erected in
olden times on the funeral
pyre or in a garden and people
used to worship these with a
view to get their worldly de-
sires fulfilled. जावा० २, १३, १०४;
मग० ६; मावा० १; मग० १, १; म० ४०
१; अंग० वि० १, २; कय० २, ६३; क०
म० १, २१; अंग० वि० ६५; " कदाच
अंगरे देवरे वेदव वगुवाकति " म० २,
७, ८१; " कदाच अंगरे देवरे वेदव वगु-
वाकति " मग० १०, १; " कदाच
अंगरे देवरे वेदव वगुवाकति " पग० १०,
१; " कदाच अंगरे देवरे वेदव वगुवाकति "
(देवरे अंगवेष्ट-टी) छ० १, १; मग० २,
१; " कदाच अंगरे देवरे वेदव वगुवा-

१, १२०. (६) वि० मिलने आनंद उप-
नयनार. विल की जानंद देवाका de-
lightful; pleasant. " तोलव कोले-
नयुवाकं पुरां कचारिमणि वदिकाका "
(विचारवदिकाका केवा; स्तुवा; मणि-
वदिकाका) छ० ८, २; मम० १२;
दमा० १०, १, वव० १०, १; (७) छ०
मदापुराणी येद उपरना रमार; अरसेमा
राय अरथ उदा नेरे. किनी महापुष्य की
विना ऊपर के स्मारक अवशेष-राय. छान्द
द्वारा the memorial on the
funeral pyre of a man of im-
portance. " चरहं वा चरहम वेदवाणि
वा कचारि वा भाविववाको कोलाय. उहु
उपरवह " मम० १, २; (८) छ०
उपारयु. गुरत; शीघ्र. उतावला. speedy.
" मिलने चरह चरह मुरिं वेदवे " नावा०
४. —छम. पु० (- स्तंभ) सुधर्मा सभा की
पुष्प मणिपीठिका उपर के आने नैज्ज
उमा भाजुवड नामनी रतम के ने. मिलने
आनंद उपनयनार यम सुधर्मा ममा की
मर मे मणिपीठिका के ऊपर मो काठ यंत्रन
उवा माकवड नामक स्तंभ है वड. विल की
आनंदविन कनेवाका स्तंभ a pillar
named Mapvaka 60 Yojanas
in height situated on Mani-
pithika in the Council-hall of
Sudharma. " सुधर्माय ममाय माक-
वड वेदववाये " मम० १२; दमा० १२१.
—सुध पु० (स्तुव) येन पुष्य अने
प्रसा परनी येन मणिपीठिका उपर
मिलने आनंद छ० १२१. केव वड व
प्रेकामुह के मम मे मणिपीठिका के ऊपर का
विल की जानंद दावी स्तुव. a beauti-
ful pillar situated on Mani-
Pithika and in the middle of

a memorial tree and a parti-
cular house. 'कचारि कचारिवेदववा'
म० व० २, ११. छ० ८, २; जीवा० १, ४;
—मह पु० (मह) येनो मदेसव.
केव का महोत्तर. a ceremony con-
cerning a memorial on a
funeral pyre. आवा० २, १, २, १२;
मम० १, ११; नावा० १. —कचवा. पु०
(- वृक्ष) पाजुवडरनी सुधर्मासभा की
आमग मणिपीठिका उपर रतमय पुष्य के
नेनी आने नैज्जनी उमा के वाकववा
की सुधर्मा ममा के मधुम मणिपीठिका
के ऊपर रतमव वड का मम के काठ यंत्रन
की ऊपर है a tree 8 Yojanas in
height, made of gem and
situated on the Mani Pithika
in front of the council-hall
of Sudharma. मम० ४; छ० १, १ (२)
नेनी नीवे नीवेने केवतान यमु
देव ने पुष्य मम के मम नीवेकर का
केवम मम मम हुवा हो वड वड
a tree under which Tirthan-
kara obtained supreme or
perfect knowledge. मम० ४०
२११; (३) देवताओं की ममा के
देवताओं आनंद मदापन अने येन
मुधना येन पुष्य. देवताओं की ममा के
प्रवेक देवताओं के नामने महापुष्य के
व येन मम के ममवव का वड. a tree
situated in the middle of a
flag and a memorial tree
which is in front of the doors
of the council-halls of gods.
छ० १, १; जीवा० १, ४; दमा० १२४;
—कचवा. म० (- वरवड) येन
पुष्य के वड का वड. the descrip-

tion of a memorial on a funeral
pyre. दवा० ४, ६;

केहा. जी० (केहा) हिवा. किरा. Gestures;
movements. दवा० ४, २;

केहुन. वि० (केहुन) अंष्टा इरेम केहुन.
(featured. दवा० १, ४५; नावा० १.
राव० २६१;

केह. पु० (केह) पमपासे देदेनार नोकर
पैरी के वास रहने वाला नौकर A close
attendant. दल० ४, ६१; वि० नि०
१६५; जोष० राव० १२१; नावा० १, (१)

आवा० बालक baby. वि० नि० भा० १२६;

केहटा. पु० (केहटा) विद्याना नमरीनो अंष्टा
नामनो राजा के नो महावीर प्रभुनो परम,
आन दनो. विद्याना नमरी का केहटा नाम
का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम
अपन वा. Chetaka, the king of
Vidāna and a great devotee
of Mahāvīra. भग० १२, २/निर० १, १;

केहटा. पु० (केहटा) कुमारो जीवरो कुमार;
नरका. An unmarried boy; a
boy. नावा० २; (२) दास; नोकर दास;
नौकर. a servant; an attendant.
नावा० २; पु० ४० १४, १२४;

केहिवा. जा. जी० (केहिवा) दासी; आनारी.
दासी A maid. भग० ६, ११, ११, ११;
जोष० ११; नावा० १, ४; १६; राव० २४६;
उवा० ७, २०४; — काकावास. न० (-का.
वाक) दासीनो समूह. दासी का समूह A
group of maids निर० १, ४; नावा०
१४; नावा० ४०

केहिवा. न० (केहिवा) जुओ " केहुन " रा० ६.
देखो " केहुन " रा० ६. Vide " केहुन "
पर० १, १;

केह. पु० (केह) अंष्टाभास, वैपवास. The
month of Chaitra. भग० १६; भग०

१६, १०; — सुख. पु० (-सुख-सुख)

अंष्टाभास शुभ पक्ष वैपवास का सुख
पक्ष. the bright-half of the
month of Chaitra नावा० ४;

केहरी. जी० (केहरी) अंष्टाभासनी पुनेम वैप
वास का पक्षिका. The fifteenth
bright day of the Chaitra
month सं० १० ०, १६१;

केहि. पु० (केहि) अंष्टा नामनो देश. केहि
नामक देश. A country of this
name. दवा० १,

✓ केव. पा० II. (का) आपणा दान इरेजु.
देना; दान करना. To give; to give
as charity.

केव. नावा० २, १, १, ६;

केव. नावा० १, ०, २, २०२;

✓ केव. पा० II. (केव) संकल्प इरेजो.
संकल्पकरना. To resolve. (२) निप.
निराजु; उत्पन्न करना. to produce.
(१) अचपु. बनाना. to pile; to
construct.

केव. सम० १०; निरी० ४, २; ११ १;
नावा० १६;

केव. नावा० १६;

केव. नावा० २, १, ४, ४६;

केव. निरी० ५, २;

केव. नावा० ११;

केव. नावा० ४० ना० दवा० १, १६; १७;

केव-ज. न० (केवज) चित्त. चित्त. The
mind. केव. न० ए० भग० ७, १०;

दवा० ४, १, २; नावा० १; भग० ६, ११;

दवा० ६, ५; दवा० ६, ६७; (२) विद्याना.

विद्याना. science. निरी० १६६२; (१)

श्रुति, आत्मा. जीव; आत्मा. soul. भग०

२०, २. — कहु. नि० (-कहु) अनर्थ

इरेम. मनसे किया हुआ. heartily per-

formed. अर्थ० १८, १;

वेद्यः क० (दृष्ट) अभिप्रायः, यथाशक्ति, देवताही.
निश्चयः. Verily; certainly. वि००
१८५;

वेद्यमयः न० (वेद्यमय) अ०१८; अ०१८५
जीवत्वं; जीवित्वम्. Life, vitality.
वि०० १८५; १८५१; १११५; अ० ५०
१, १८०; —बुद्धिः वि० (-बुद्धि) वेद्यमा
यासु वेद्यमा वाक्का vital; living.
अर्थ० १८५६; —आयः पुं० (-आय)
अ०१८. ज्ञानः पञ्चिन्मात्रं जीवः का ज्ञानः पञ्चि-
न्मात्रं. intellectuality. वि०० १८५७;

वेद्यः क० (वेद्यः) वेद्यमा; ज्ञानशक्तिः
वेद्यमा; ज्ञानशक्तिः. Intellect वि००
१८५७;

वेद्यः न० (वेद्यः) पञ्च; पुनः पुनः. वस्त्र; कपडा.
Cloth. वि०० १८, १८; आया० २, ६,
१, १८२. जीवा० १, ८, अर्थ० ८, ५; अर्थ०
८; अर्थ० १८२; —हृत्. न० (-हृत्)
पुनः पुनः अभिप्रायः. वस्त्र का प्रयोगः. the
cupboard for keeping a cloth. अर्थ०
१, १८; —उच्छेद्यः पुं० (-उच्छेद्य)
पञ्चमं वेद्यं. पञ्चमी दृष्टिः. वस्त्रों का वेद्यः;
वस्त्रों का दृष्टः. the shower of clothes.
वि०० १; अर्थ० १, १; अर्थ० १८, १;
—ऊच्छेद्यः क० (-ऊच्छेद्य) पुनः पुनः
पुनः पुनः. वस्त्र का वेद्यः. the border
of a cloth. वि०० १८, १८; अर्थ० ८;
—गोला. पुं० (-गोला) पुनः पुनः वेद्यः
वेद्यः. वस्त्र का गोलाकार काया a ball of
cloth. अर्थ० १, ८, २, १८; —विशिष्ट
विशिष्टः क० (•) पञ्चमी दृष्टिः.
वस्त्र की रस्सी. a string of cloth.

अर्थ० १, १८; —वेद्यः क० (-वेद्यः)
पुनः पुनः वेद्यः, वेद्यः. वस्त्र की वेद्यः; वस्त्रः.
a box for clothes; a bundle of
clothes. अर्थ० १८, १; अर्थ० १०, १;

वेद्यः क० (वेद्यः) अ०१८ " वेद्यः " अ०१८.
वेद्यः " वेद्यः " अ०१८. Vido " वेद्यः "
अर्थ० १८.

वेद्यः न० (वेद्यः) अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
An implement of an ascetic.
अर्थ० १, २, ४८.

वेद्यः क० (वेद्यः) अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
The queen
of the king Śrenika; the dau-
ghter of the king Chodā. अर्थ०
१, १; आया० ५०.

वेद्यः क० (•) विद्या (विद्या)
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
A maid born in Kirāta
country. आया० ११;

वेद्यः क० (वेद्यः) निश्चयः. निश्चयः.
Certainly; verily. अर्थ० १८, १८५;
अर्थ० १, १; अर्थ० १, १; अर्थ० १, १;
अर्थ० १, १८, १८५. अर्थ० १, १, १; अर्थ० १,
८१. वि०० १८; अर्थ० १, ११; आया०
५० १, १०.

वेद्यः पुं० (वेद्यः) अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
A kind of fruit.
अर्थ० १११;

वेद्यः न० (वेद्यः) अ०१८. अ०१८. अ०१८.
अ०१८. अ०१८. अ०१८. अ०१८.
Investigation. अर्थ० ११;

कोषणा. जी. (बांदना) प्रेषणा १२०१ मे.
 प्रेषणा दुसरा Investigation. मरणा १२.
 १२०१

बोकाबाबा का - (बुद्धबाहिरान्) मुद्रापीन
 बुद्धाबास Forty four मे. व. ७,
 १८८, विम - ३१-८.

बौद्ध धर्म - (बौद्ध) प्रे. पृ. ३, प्रे. पृ.
 ४२५, पृ. १६८, १७०, १७१, १७२, १७३, १७४,
 १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१,
 १८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८,
 १८९, १९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५,

चांदक (चि- (चांद) २५००, २५११, आ-
 २५२५, पाव १, माक (Chavan, chavan,
 puro; apollo) " चांदेचाचंद्राचा
 हनुमान्" म- ५० २, १०६, आ- १०;
 १०, मग- १, १, १, ११, ११ १, नया-
 १, २, १६; १०६- १, ११ नया- १, १,
 वि११- ११

बोधकांक्ष. वि० (बांछनीका) नेमाये, सरीर
 (स्वच्छने माधुन) रचनार शरीर वना
 (इह का स्वच्छ रक्षनेवावा) (One) who
 keeps the body and the clothes
 clean. वि० (न० १०२)

बोङ्गला. ला- (बोङा) भाक्षः नामनी
 पारवर्जिता र-भाक्षः बोङा नामकपात्रा-
 त्रका; संव्यासना A man of this
 name. नाया- ८;

शब्द न० (२) आशय, १९२५
 आशय, विस्मय. Wonder, surprise.
 पृ० प० १, १२२:

लो. न. (चीबं) मं.री: १२१२ ५०५. बोरी.
 लस्तरत! Theft; stealing उत्त.
 १५. १;

कोवि. वि० (०) मङ्गु: शुभ.मङ्गु
गदना वृक्षा वेदा हो देना. Duty;
turbid वि० वि० १८७.

थोर्नाम वा. (कृत्रिमम्, ३५ श्लोकैः)।
 Thirty four. अम० १, १, १; १.
 अम० १८.

सांख्य १७० (अनुसंग) श्री ६ श्रीवह.
Pouratona मग० ३, १; ५, ९, ८, ८,
महा० १२; उवा- १, ५६, प्र० प० १, ४९.

पुण्य न० (पुं०) सं० ५१-४५.
 सं० ५१-४५. the scriptures
 known as fourteen Purvas.
 नमः २. १४. १५.—पुण्यधर. १०
 (पुं० ५१) सं० ५१-४५. सं० ५१-४५
 पुं० ५१-४५. one having knowledge
 of fourteen Purvas. १४-१५.

पुर्विह. पुं० (पूर्वह्) उत्प. ६५३
 (विने) बौद्ध धर्मके अष्टादशी उपपादपूर्व
 इयाद बौद्ध धर्म के अष्टादशी one hav-
 ing the knowledge of fourteen
 Purvas ० पुं० Uppāka Purva
 ० विशे० ३३६, अण० १. ४; नावा०
 १. १; नावा० २, —आग पुं० (-आग)
 -१६ अण०; बौद्ध २०४ (२०४) बौद्ध आग;
 बौद्ध राज आग, the fourteen divi-
 sions, the fourteen Rājās (a
 measure of length) विशे० २३०;

चौदहम अ० (चतुर्दशम) श्री २५ चौदहवां.
 Fourteenth अ० २. १: ३०-२, ११;
 (२) ७ ३१५.४ ६ उपवास १३ first.
 अ० २. १; नारा० ८.

कृष्णोष्णह. पुं० () तेन विभेदे योऽपःतुं
ते तेन इत्यादि का मदन. Smearing

of oil etc. कोष० वि० ४०१;

कोष्ठास. पु० (कोष्ठास) सुवर्ण देवता
आयुष्यासारः दक्षिण २ साक्षात् नाम.
सुवर्ण देव का अनुमानः; सस्य सासा का
नाम. Name of the house for
weapons of the deity Sūryabha.
राव० १९२;

कोष्ठासग. न० (.) मत्तपारम्भ-दार्ढ्य
हाथी. An elephant. जे० प० ४, ५५;

कोमंग. पु० (कमुमंग) ग्रेमा आर १४५
५३ ने; अ. ल. श्री विमले कार विद्वत् पदने
है वह; कमुमंग. That which can be
classified in four different
ways. प्रव० १४५.

✓ कोष. भा० I, II. (कष) प्रेरणा करी
प्रेरणा करना. To instigate.

कोषर. लब्धा० २०; कोषरंति. भावा० १;

कोषरज्जाव क० वा० व० कु० भावा०
१९।

कोष. पु० (.) त्रया; भा. क .
Bark, skio. जीवा० १, ४; राव० २६;
पक्ष० १०;

कोषक. पु० (कोषक) कोष जननं १६.
एक भाग का कम. A kind of fruit.
जे० १०.

कोषग वि० (कोषक) संज्ञा करी; प्रथम पृष्ठ-
नार विष्णु संज्ञा करने वाला; प्रथम पृष्ठने
वाला-विष्णु. One who questions
and doubts. सू० २, ४, २; वि० वि०
२६०; राव० १२३; (२) जी० ५५नी
भा. कुमकी सुवरी a flower-basket.
भावा० २, ७, २, १९०;

कोषका. जी० (कोषका) प्रेरणा; अ. १२५नी;

प्रेरणा, चेतावनी. Instruction; caution.
प्रव० १२४; वि० (वि० ४०३);

कोषास पु० (.) अ. १२५२ मेसराज
स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A
seat on a fort. जीवा० १, ३; क० व०
६, ४५.

कोषास. जी० (कमुकन्वारिक्) नृभाषीस
पुष्पाजीस Forty-four पक्ष० १
को (का) वासीस जी० (कमुकन्वारिक्)
नृभाषीस पुष्पाजीस. Forty-four जे०
प० ७, १४६; १४७; अम० १, १, २४,
१२; लम० ४४;

कोर पु० (कार) आर; दे०; १२३३. कोर
तफ़्फ़र. A thief अम० ७, १; जी०-
१२; अमु० १२५; भावा० १; १५; पक्ष०
७, १२; अम० १०५; पक्ष० १, १; राव०
२६०; —अभिमंकी पु० (-अभिमंकी)
आरणी स० राखनार; आरणी स० भाषी.
कोरने स० रकनेवाला; कोर की सहायता.
suspicious of a thief. भावा० १२
—आकीस. वि० (-आकीस) आरने
आवेपु. कोरों का भावा हुआ. brought
by thieves. प्रव० २०७ —आवग.
पु० (-आवक) आरनेना नावक. कोरोंका
माथक the head of thieves. भावा०
१५; —विगति. जी० (-विगति) आरनेनी
भावा-६५८. कोरों की भावा करद.
the deceit or tricks of thieves.
भावा० १५; —पक्षी. जी० (-पक्षी)
आरनेने रकनेनी गत्या. कोरों क रकने का
स्थान. the residing place of
thieves. विवा० १. —अमंनि वि०
(-अमंनि) आरनेनी कोरने करनार. कोर

• लुमे ५४ नमर १५ नी ५८ने (•). देखो दृष्ट गमर १६ की फुटनोट (•). Vide
foot-note (•) p. 15th.

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. भाषा- १५. --संसृष्ट पुं (संघ) चोरों के विचार. का का विचार. the thoughts of a thief. भाषा- १५. महिसा; का- (महिना) चोरनी श्री. का की का a wife of a thief विधा- १. --माया. श्री- (माया) चोरनी भाषा. चोर की माया the deceptions or tricks of a thief. भाषा- १५. --विट्ठा का- (विट्ठा) चोर (अथवा चोरनी) विधा. चोरों करने का विधा. the art of breaking the house by thieves. भाषा- १५. --सन्त. न- (सन्त) में चोर सन्त चोर, सौ चोर one hundred thieves विधा- १. --सा- हिव. पुं- (साधिव) चोरों के साधारण भाग. चोरों का साधारण भाग. a common division of thieves मत- १, १५. --सेवाचर पुं- (सेवाचर) चोरों के सेवा- चर; चोरों के अधीन. चोरों का सेना; चोरों का सेनाचर, the head of thieves विधा- १; भाषा- ५;

चोरछा. पुं- (चोरछा) में नामनी में सुमधि वनस्पति जने ने नाममा अनेक छे छे. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepal. पद्य- १, मत- ११, ५.

चोरिह. न- (चोरिह) चोरी. चोरी. Thoft. मत- १०९; १११, चोच- वि- ७५०; महा- वि- १; पद्य- १, १; --करक. न- (करक) चोरी करने के.

the act of stealing. पद्य- ११; चोरिह वि- (चोरिह) चोरी; चोरी की; चोरी. चोरी. चोरी के चोरी. St. den वि- ७१०; वि- १०९; चोरिह. पुं- (चोरिह) चोरी के चोरी चोरी करने वाले. A looter; a burglar; one who murders and steals. पद्य- १, १; विधा- १;

चोरी. का- (चोरी ; चोरी; चोरों के. चोरी करना. Thoft. पद्य- १५०;

चोसक न- (चोसक) चोसक; चोसक. पुं- प्रथम चोसक; चोसक के. चोसक; चोसक का प्रथम चोसक (चोसक) करना पड़. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. पद्य- १, १, १, ७; चोसक पुं- (चोसक) चोसक नीचे चोसक. चोसक. चोसक के चोसक चोसक का चोसक; चोसक. The waist cloth of an ascetic. पद्य- १५९;

चोसक. पुं- (चोसक) चोसक; चोसक. चोसक का चोसक चोसक. The waist cloth of ascetics. चोच- वि- १५; १००; पद्य- १, १; पद्य- १५१; १०९ चोसक. पुं- (चोसक) चोसक चोसक. देको ऊपर का चोसक. Vide above मत- ५, १;

चोसक. न- (चोसक) चोसक " चोसक " चोसक. देको " चोसक " चोसक. Vide " चोसक " भाषा- १; मत- ११, ११, जीवा- १, १; चोसक. न- () चोसक; चोसक;

• जुमो पुष्ट १२१२ १२ नी ५२०६ (•) देको १५ नम्बर १२ की फुटनोट (•) Vide foot-note (•) P 15th.

क्षोर्क्षिन् आ० १३;

क्षि० उ० २, २,

क्षि० आ० १६, ३; द० ८, १०,

क्षि० आ० १, १, २, ११३,

क्षि० उ० ६, ८, ११०-२००; द० ६, ८,

क्षि० आ० १, २,

क्षि० आ० आ० १, २, २, २००,

क्षि० आ० म० १, १३;

क्षि० म० म० १, २, १६६;

क्षि० म० म० १, २, २१;

क्षि० म० म० १, २; म० ५, ६;

१४, ८, ना० १८;

क्षि० म० म० २, १, २, १३१

म० १४, ५; २२, ६;

क्षि० म० म० १४; द० १; ४१;

क्षि० म० म० १६, ६; ना० १;

क्षि० म० म० १, १३, १४; नि०

२८०; म० १, ६,

क्षि० म० म० ५;

क्षि० म० म० २, २,

क्षि० म० म० १, १, १, १, १, १, १, १,

द० ४, ५;

क्षि० म० म० १, १३; १०, ४; १५, २,

क्षि० म० म० ७;

क्षि० म० म० १५,

क्षि० म० म० ५, १, आ० १, २,

१, ५३, म० १, २; म० १०, ७

१३३, ७, १४५, म० २, २, ६;

म० १०;

क्षि० म० म० २३, ७; उ० ७, १;

क्षि० म० म० ६, ७, म० ५,

क्षि० म० म० १६, १, १४०

२७३, अक्षर १३५, आ० १;

१, १, ११६;

क्षि० म० म० ६, १; म० २, १३३;

क्षि० म० म० २, ७, १५, १०,

अक्षर १३५;

क्षि० म० म० ५, ५, १६५;

क्षि० म० म० १, १;

क्षि० म० म० १, १, ५, ६; ११, ११;

वि० २,

क्षि० म० म० १६१;

✓ क्षि० म० I (क्षि) २५३; ३२५;

अक्षर १३५; म० म० १, १;

to be in contact with.

क्षि० म० म० २, २;

क्षि० म० म० १०;

✓ क्षि० म० I. (क्षि) ३३३; के० म०

To throw

अक्षर १३५; नि० १८२;

क्षि० म० म० ११; नि० १८८;

क्षि० म० म० १०; नि० १०१,

✓ क्षि० म० II (क्षि) ५५५; ५५५;

अक्षर १३५; म० म० १, १;

to be agitated or frightened

क्षि० म० म० ६;

✓ क्षि० म० I. (क्षि) ३३३; ना० ३३३;

के० म० To throw, to cast away.

क्षि० म० नि० २२१;

क्षि० म० म० १३, १४;

क्षि० म० म० १५, २;

✓ क्षि० म० I (क्षि) २५३; ३२५;

अक्षर १३५; म० म० १, १;

to be in contact with.

क्षि० म० नि० २५३, म० ६, २२, २३;

✓ क्षि० म० I. (क्षि) ३३३; ३३३;

अक्षर १३५; म० म० १, १;

To chop off outer bark, husk

etc. of anything.

क्षि० म० म० ७;

कुलंति ' प्र० ६२३; —सङ्घि. जी०
(-वटि) ७६६-नी सं० वा. कुलंति, ६६ की
मक्या sixty six; 66 क० सं० २, १०; २,
२६; —सवार जी० (सल्लो) ७६६-नी
७६ नी सं० वा. कुलंति; ७६ का मक्या
seventy-six; 76. क० सं० २, १०;

कुर. पुं० (कुरि) ६६ पुना १५५ नाम.
रहापु के पिता का नाम. Name of the
father of Drishayu. सं० १, १;
कुरय त्रि० (कुरयिन्) ६६५ उंछा हुआ
Covered. वा० १;

कुडम न० (कुपय कुरवति क. नादिकं गुण-
मन्त्रम हनि) ७६२५ अरथा; ससम दया
सताप दया; कुपय अवस्था Condition
in which one is not free from
Attachment. (२) आत्मान् आच्छादन
हस्त्यार मन्त्रावरणीय आदि आ६ ६५.
आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावर-
णिवर्ति जाठ कर्म. the eight varia-
ties of Karma such as Jñāna-
varāṇya etc. which obscure
the qualities of the soul. उल०
२, ६३; लम० १; जोष० म० ५, १,
सं० ५० ६, ११२; क० ५० २, ६०;

कुडमन्त्र. त्रि० (कुपय-कुपयि निवृत्तानि)
अ५५५५ ज्ञानान् माक्ष्मन्त्रा देवमानी नदि.
ममदेव सदिन. अपूर्ण ज्ञानवाला मनुष्य;
ज्ञानदेव नदिन. One, possessed of
imperfect knowledge; one not
omniscient. " कुडमन्त्रं चेव कांठं
करिस्वीति " म० १२, १; जा० १, ३, ८,
१२; जोष० ४२; उल० २०, ११; अ० २, १;
३, ४; कालुष्यो० १२७; पञ्च० १; म० १,
४, ३, २; ४, ४; १८, १०; १२, १; २२,
७; विष्टे० ७३; १६६; सं० ५० जी० १;
वि० त्रि० २२२; कृष्ण० २, १३१; रं० १;

५, ११. क० ५० ४, ४; प्र० ७०; ६६६;
—कुरवमन्त्र. न० (कुरवमन्त्र) ७६२५.
५६ नी५५५. कुपयवत से निकलना;
कुपयवतासे बाहर जाना. the act
of coming out in the con-
dition of a Chhadmanatha प्र० ६,
११. -कुरिवा जी० (-कुरिवा)
७६२५ राधरी उंछा रा०. कुपय काय की
अन्तिम रात the last night of the
period during which one is
Chhadmanatha. म० ११, ६;

—परिवाय. पुं० (-वर्षाव) ७६२५५६
दीक्षा. कुपय अवस्था में दीक्षा. entering
religious order in the condi-
tion of a Chhadmanatha लम० २४;
—मरव. न० (-मरव) ७६२५५६ पु५,
मरव ने कुपय अवस्था में मरने, मृत्यु.
death in the condition of a
Chhadmanatha. म० २, ७; लम० १७;

कुडमान्त्रय त्रि० (कुपयिन्) ७६२५ अ५-
२५५५ २६५५२. कुपय दशा में रहने वाला.
One living in the condition of
a Chhadmanatha. म० २, १;

✓ कुडु. वा० I. (कुडु) ज्ञेयवापु; निभं,
२७ दे५. पुनामा. To call; to invite.

कुडिच सं० क० लम० १०, १, ६;

✓ कुडु. वा० II. (कुडु-लव) ७६५;
मु५५; १७५ जोषा; शानमा. To
abandon; to leave off.

कुडिहि रा० २०४;

कुडिवा रा० २०४;

कुडु. पुं० न० (कुडु) ७६५; म२७; अमि-
प्र५. कुरिवाय, मरवी. Will, opinion;
pleasure. प्र० १०१; लम० १, २, २,
२२; २, २, ७०; जा० १, २, ४, ४४;
उल० ४, ८, १६, २०; वा० २; म०

jivāṅkayā । अम० ८.

बहुवच. न० (०) मीमांसा. १०१.
निबिना, छोटना The conative पु० ८०
८, ११.

बहुव. वि० (बहुव) छट्ठः, छठी प्रत्यय लभ्यते.
छटा Sixth. अम० ८, पञ्चा० १८, १९.
क० ८; ११० (०) मे उपवास नवा
करता मे दो उपवास एक साथ करना two
consecutive fasts अम० १, १; ११;
१, १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०; नाया० १,
६, ७, ८, १३, १४, पञ्च० २; सूत्र० १, १,
१, १२, अम० ८, पु० ८० ८, १४८ पञ्च०
४, अम० ८; पञ्च० ४, ८, १४८; वि० १४९;
वि० नि० ४३०, नाया० ५० ६, हस्ता० ६,
११ ७, १११ — छट्ठमः पु० (—छट्ठम) मे
अथवा नव उपवास करताते—छट्ठम अष्टम.
वा अथवा नव उपवास करना. पञ्च छट्ठम
अथ. the (Chhattha) or (attha-
ma) consecutive fasts नाया० १३;
—छट्ठमः न० (—छट्ठम) छट्ठः नवा मे
उपवास स मे करता मे पञ्च नवा दो उपवास
एक साथ करना. two consecutive
fasts नाया० १३, अम० १, ८; अम० ८
८. —अल न० (अल) अलं २४
छट्ठम बी छट्ठम मे अलं २४, मे उपवास
अथ करता मे पञ्च मोहन बनाया. वा माग
कर के छठे वरु मोहन करना. वा उपवास
एक साथ करना. taking food after
two consecutive fasts आर० अम०
१, १; पञ्च० २८. —अलिय १३०
(—आलियक) मे मे उपवास करेवा यमो. दो
दो उपवास करेन वाया. (one) ob-
serving two consecutive fasts.

अम० ८, ८, १४, ७; १६, ८.

बहुव छट्ठम अ० (बहुवचन) छट्ठमने पारले
छट्ठम २४ मे छट्ठम के पारमे मे पञ्च
नवा बना Practising an austerity
in which fast is to be broken
once a month. बहुव छट्ठम तयो
कमेव अमृतम० १, १; नाया० १३, १६,
अम० ८, ११

बहुवच न० (बहुवच) छट्ठः छटा. Sixth.
अम० ८, १

बहुवच. न० (बहुवचन) अनन्त आन
दीनाधिक, असंख्यात आन दीनाधिक,
संख्यात आन दीनाधिक, संख्यात अणु
दीनाधिक, असंख्यात अणु दीनाधिक, अन
अनन्त अणु दीनाधिक, अं छानि इतिना ७
स्थानक संख्या. अनन्त आन होमाधिक,
असंख्यात आन होमाधिक, संख्यात अणु
होमाधिक, असंख्यात अणु होमाधिक, व
अनन्त अणु होमाधिक, इन हान कृष्टि क व
स्थानक आ सत्रा. Name of the six
stages of rice and foil namely
more or less or than infinite
parts or divisions; more or less
than immeasurable parts or
divisions; more or less measur-
able or limited virtues or pur-
ities more or less than limit-
able virtues and more or less
than infinite virtues. वि० नि० आ०
२४; —सय वि० (सय) ७ स्थानकमां प्रोक्त
संख्या: १ अनन्त आन, २ असंख्या आन,
३ संख्या आन, ४ अनन्त अणु, ५ असंख्या
अणु, ६ संख्या अणु अं ७ स्थानक सांख्ये

दीनापि २ पे ३५५ अथेय. ६ स्थानको मे
पहुँका हुआ; १ अर्ध भाग, २ अर्ध भाग,
१ लक्ष भाग, २ अर्ध भाग, ३ अर्ध भाग
गुण, ६ अर्ध भाग, इन ६ स्थानको के साथ
न्यूनाधिक प्रमाण मे सर्वप्रथम वाचा
One who has reached or ob-
tained the 6 stages (1) Infi-
nite divisions, (2) immeasurable
parts, (3) measurable or limited
parts, (4) infinite virtues (5)
virtues by and measure (6) vir-
tues that can be counted or
reckoned. One who keeps con-
cern with the above six
forms of stages in a more or
less measure. वि० १६२:—कठिवा.
वि० (कठिवा) ७ स्थानको मे
६ स्थानको मे गतिन. one resorting to
six stages भग० २३, ६;

कठिवा. की० (कठिवा) ७८/७८५नि. ७८/८५
१८-५. कठिवा मन्त्र. Sixth birth. "हमा-
लो कठिवा माहं" उल० १३, ७.

कठिवा. की० (कठिवा) ७८५; ५५५/७८५निवि.
परी: पद्य की कठिवा निवि. The sixth
day of a fortnight. सं० ५०७, १३३;
(२) ७८५ विविध. कठिवा विविध. the
genitive case. सं० ५०७५ २; ३;
कठिवा १२५; वि० ६६७; (३) ७८५
नरक; भवा नामे ७८५ ५५५. कठिवा नरक;
महा नामे कठिवा नरक भूमि. the sixth
hell; the sixth world named
Maghā. भावा० १५; —कठिवा. की०
(—कठिवा) भवा नामे ७८५ ५५५. महा

नामक कठिवा नरक भूमि. the sixth hell
named Maghā. भावा० १५; भावा० १५;
कठिवा. वि० (०) ५८५; ७८५.
(भावा ६६७ ५५५) कठिवा मे कठिवा कठिवा
नामा के भवा मे कठिवा करना 'Thrashed
with a flail, pounded' " कठिवा कठिवा
नामा " भावा० ११५, ५५५ भावा० ३, ४;

१ कठिवा भा० १, ११ (कठिवा) ७८५; १५५.
कठिवा, भावा करना 'To hand on; to
leave; to release.

कठिवा. भग० १ ५;
कठिवा उवा० २, ६५;
कठिवा. वि० (वि० १६१५)
कठिवा भावा० २;
कठिवा वि० १५० १, १, ५५;
कठिवा भावा. भावा०
कठिवा. सं० ५०० वि० १६०५;
कठिवा वि० (वि० ५०० १५, १५५;

१ कठिवा भा० १, ११ (कठिवा) ७८५; १५५;
कठिवा भावा० २, १, ३, १५;
कठिवा भावा० २, १, ३, १५;

कठिवा ५० (कठिवा) कठिवा मे कठिवा कठिवा
भावा० के भावा० भावा० के ७८५ ७८५ भावा०
भावा० ७८५ ७८५ भावा०. कठिवा कठिवा मे
भावा० An onomatopoeic word
expressive of its sound भावा० ७;

कठिवा. न० (कठिवा) ५८५; १५५; भावा
भावा. (getting rid of (७८५ feces);
abandoning वि० वि० १२०; १५५;
भावा० २, १, १, ३२;

न० (कठिवा) ७८५; १५५;
कठिवा, भावा करना. Causing to
abandon. भावा० वि० भा० २१५;

* सुमो १५ १५५ १५ ५५५ (०) देवी दृष्ट मन्त्र १५ की सुमो (०) . Vide
font-note (०) p. 15th.

कटिप. वि० (कटिप) ३३२ ३२५; ३३५
३२५ वसन, वसन दिखावडा. Vomitted
(२) ३३५ ३२५ ३२५ ३२५ ३२५ ३२५
आपने भागने के आगे आगे आगे आगे
दिने हुए के हाथ में दिखा देने के भाग के
कलाना हुआ एक कलाना का शेष. A
fault connected with alms-
begging viz. accepting food
at the hands of one who has
vomited. भा० ११, २६, ३५; २०६;
१० वि० १००.

✓ कलाना भा० (कल) दि० ३२५
३५ ३२५. दिना करवा; वच करवा To
kill

कल. वि० भा० १, १, २, ११५ १, २,
१, १;

कल. भा० भा० १, १, १०;

✓ कलाना भा० (कल) ३३५; ३३५. नमन,
कलाना. Tumor, moment (२) दि० ३३५.
दिना. killing (१) ३३५. उमन न
festivity भा० वि० २२. — कल
दिना. वि० (कलाना) ३३५. भेद-
उने भेदना आगे आगे उमन महोत्सव के
प्रसंग पर कलाने व कलाने का holiday
apparel. वि० ११, १२. — कल. न०
(कल) दि० ३३५; दि० ३३५. दिना
का कलाना an abode of the sin of
killing. भा० १, २, ५, १०२;

कलाना. वि० (कलाना) ३३५ ३३५ कल
भेद. Transitory; transient. (२)
भेदना महोत्सव. a great festivity.
भा० ३;

कलाना. वि० (कल) ३३५; ३३५. भा०
नका हुआ; दिना हुआ; गुन Covered;
concealed; hidden. वि० १२, ६;
भा० १५५; (२) ३३५ सभाने

भा० ३३५ ३२५ ने भा० नमन
festivity, a feast; a dinner-
party. भा० २, (१) ३३५ ३३५ भेद-
ना महोत्सव का महोत्सव. a festivity
of Indra etc. भा० ३, ११; भा० १;

कलाना भा० न० (कलाना) ३३५.
भा० ३३५ ३३५ ३३५ ३३५. दिना
कलाना का एक उमन. A wooden
implement used by a Sanny-
asi (an ascetic). भा० २, १;
भा० ३; भा० ३३५;

कलाना भा० (कलाना) ३३५ भा० ३३५
भा० ३३५ भा० ३३५ भा० ३३५. Name
of a butcher. वि० ३.

कलाना न० (कलाना का कलाना भा०) ३३५;
३३५ कलाना; भा०. An umbrella.
भा० २, ३, ३, ३३५, ३३५. भा०
१०; ३३५. कलाना ३३५; भा० १, ३, ३,
३, ३३५ ३, ३. भा० १३; ३३५; भा० १;
३; ३, ३, ३३५. भा० १ १; ३, १०५ ३,
३, ३, ३; ३, १०; भा० १; १; ३; ३३५
३, ३, ३३५ ३; ३३५ ३, ३३५; भा०
भा० ३३५, ३३५; भा० ३३५ ३, ३३५; भा० ३;
भा० ३३५ ३३५ ३, ३, ३३५ १, १३;
(२) ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५
भा० ३३५; ३३५ ३३५ ३३५ का कलाना
के भा० कलाना का कलाना का कलाना भा०
भा०. कलाना the conjunction of
the moon etc with a constel-
lation presenting the appear-
ance of an umbrella भा० ३३५ ३३५;
— कलाना भा० न० (कलाना) भा० ३३५
भा० ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ भा० ३३५ ३३५
३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५
भा० ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५ ३३५

औं an umbrella कर्म. ८, १०१
कर्मसू. १२१.

कुलोह. ८० (कुलीह) कर्मसू. १२१. १०१
नमः कुलीहः अथ कुलीहः १०१. कुलीहः
मीनः कुलीहः १०१. १०१. कुलीहः
के कुलीहः कुलीहः १०१. कुलीहः
एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग
कहते हैं A kind of umbrella-
shaped vegetation sprouting
up immediately after the set-
ting in of monsoon; mush-
rooms; fungi. कर्म. १०१.

कुलोह. १. कु. (कुलोह) अथ कुलोहः १०१.
एक प्रकार का वृक्ष A kind of tree,
को. १०१. १०१.

कुलोह. कु. (कुलीह) अथ कुलीहः १०१.
विशेष. इन नाम का एक; एक विशेष.
Name of a particular kind of
tree. कर्म. १०१. १०१. १०१. —कु.
१०१. (कुलीह) अथ कुलीहः १०१. कुलोहः
आम के वृक्षों का वन a forest of the
trees of the Chhatroha kind.
कर्म. १०१, १०१.

कुल. ८० (कुल) अथ कुलः १०१. १०१.
A wing; a feather. कर्म. १०१, १०१.

कुल. ८० (कुल-वर्णः कुलः) अथ कुलः १०१.
कुलः प्रकाशः In six ways or modes.
विशेष. १००. ८०. १०१, १०१.

कुल. ८० (कुल) अथ कुलः १०१. १०१. १०१.
अथ कुलीहः अथ कुलीहः १०१. १०१. १०१.
Hidden; secret; dissimulated.
कर्म. १०१, १०१; कर्म. १०१, १०१. (१) कुलीहः १०१.
न कुलीहः ते ही रीति कुल स-रेखा पदोपाध्याय

अथ कुलीहः कुलीहः १०१. कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
अथ कुलीहः कुलीहः १०१. कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
A female
servant who conveys a mes-
sage without letting others
know it कर्म. ८, १०१; वि. वि. १०१;
—कुल कु. (-कुल) कुलीहः १०१. १०१.
अथ कुलीहः कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
the sun
hidden behind clouds. वि. वि. १०१;
—कुल कु. ८० (-कुल) १०१. १०१.
कुलः कुलः १०१. कुलः १०१. कुलः १०१.
deceit; fraud; foul
play. कर्म. १०१, १०१, १०१. —कुल. ८०
(-कुल) कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
कुलः deceit; fraud; foul play.
कर्म. १०१, १०१, १०१.

कुल. ८० (कुल) अथ कुलीहः १०१.
देखो " कुलः " कर्म. Vido " कुलः
कुलः " कर्म. १०१, १०१, १०१.

कुल. कु. (०) कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
अथ कुलीहः कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
A store of
harmful. कुल. १०१, १०१, १०१. कुल. १०१.
वि. १०१; वि. वि. १०१.

कुल. कु. (०) कुलीहः १०१. कुलीहः १०१.
A wooden board on which
bread is made. वि. वि. १०१.

कुल. कु. (कुलीहः) अथ कुलीहः १०१.
Six classification, कर्म. १०१, १०१.

कुल. कु. (कुलीहः) कुलीहः १०१.
A harp; a flute. कुल. १०१.

कुल. कु. (कुलीहः) कुलीहः १०१.
Name of a Yaksha of Vimala-

दध्या बनेरह ही बमकी की जाने वाया
 (अथ यथा कथं चित् शक्यं विप्रैः
 नित्यं विधीयते ।) लाङ्ग न० - (आद्य)
 आसीत् यदा नृपः सः स्य कथं विधिं
 स्वया का रक्षितं कथं वाचः कथं कथं
 रम्यं any kind of cloth (e.g.
 a blanket etc.) protecting the
 skin, उप- १, ०. (अथ पु० - (आद्य)
 नित्यं विधीयते ।) शब्द रम्यं 'आवृण्वते'
 शब्द विद्वा 'विधीयते' आ- १, १,
 मग- २, १ ११ १०; १४, २, १४ १;
 - कथं पु० (अथ) दाध, १५ न ३, १०
 (नित्यं) यथा नित्यं विधीयते इत्यं नित्यं
 दाध, १५, कान, नाक, दायाद का काटना,
 इम नामकी दृष्ट नित्यं punishment
 by mutilation of limbs दाया-
 १, १, मग- १६०, मग- नाराय- ४ पद्या- १,
 १०, पृथक् न० - पद्य) यथा दाया आद्य
 जने मग्य विधीयते इत्यं विधीयते
 यथा शरीर मग्य दाया ही मग्य दाया
 बनेरह है the physical body con-
 sisting of bones, skin etc. उप-
 १, १६.

Destruction, ruin भगवद्गीता २

हरण (क) प्रयोग
जो जीवों का लुप्त करन वाला (one)
who destroy or kills living
being, भगवद् गीता, २.

कृषि विज्ञान - (प्राथमिक) : अंश संख्या
T-8447-वि. विभा. १:

प्रकार का. Of six kinds or modes.

मम. ६, मम. १०, १, दम. ६, १८.
११, १६; ०, १.

बर्बाद हो (कविता) शक्ति-शक्ति.
 नया, बर्बाद Beautiful, lun-
 1911-12 भाग १०, भाग २, ४, २, ११५.

क्याचवह वि० (बहावित्र) क प्रकरणेन। व
प्रकार का (Different kinds or modes)
बैत० १, २, ३, विमो० ४, प्रम० १, २, ३, ४, ५,
६, ७, ८, विमो० १-००; — बंधव वि०
(—बन्धव) मोद अने आशुपक्षमे कोडी
पारीतः क प्रमाणं पण्यन इत्येतरे माह
सो आशुपक्षमे को बांडकर संघ वा कमों
का बंधन करन राजा one who incurs
Karma of six kinds i. e. all
save those called Mohya and
Agyas भग० १, ४;

କୁହା ଯ (କୋହା) ଓ ପ୍ରକାରେ କା ପ୍ରକାଶିତ
 ଫିଲମର ସଂଖ୍ୟା ଏବଂ ମାପାଂଶୁର. ୧୦ ମି.ମି.
 ୧. ୨. ୩

भारत का बंद Hungary वि० नि० ८६३:

छाया का० (शब्द) अर्थः ५३ अर्थः छाया
 Shadow; shadow अर्थः ५३ अर्थः ५३

कादय १२० (कादय) संकेत संख्याका.
(Covered नावा० १)

॥३॥ अथ ॥३॥ (॥३॥) ॥३॥ ॥३॥
 अथ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥
 अथ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥
 अथ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥ ॥३॥

क्राउमेलियव पुं० (क्राउमेलियव) ७५२५
 अ. १२५ भां २२९११: क्राउमेलियव नामे रहने
 वाला. One in the stage of being
 Chhadravanthu. (i. e. one not

* अनु. १४ नं० १५ की धारा (३) देखें वृत्त नम्बर १३ की फुटनोट(*). Vide foot-note (*) p. 15th

free from attachment, मग. ११,
१०;

જાનસિદ્ધ. પું. (જાનસિદ્ધ) ખે. ૧૩૫ મારનાર
 કસાઈ કનાઈ. A butcher. ૧૩૬. ૧.

७. **कृष्ण** पुं० न० (कृष्ण) दामप्रदिशो ५१.
 ७१. **दामोदर** वा **अन. A cover of**
ग्रन्थालेख "कृष्णद्विपाद" अग० २, ६:

●**दुःख. न० ()** उज्ज्वल गोबर
Dang म० २२०. — उज्ज्वल गो.
(-उज्ज्वल) उज्ज्वल गोबर गोबर
उज्ज्वल गोबर गोबर गोबर गोबर
गोबर गो. गोबर उज्ज्वल गो. गोबर
servant who cleaves off dung,
refuse etc गो. ३.

कानून नं० (कानून) १९३८ कायदा
कायदा Act of covering नं० १९३८
 १९; अर्थात् १, ७, पंचा० १२, १२; पत्रिका
 २, ११

କ୍ଷ. ସି. (କ୍ଷ.) ପ୍ରାୟ: ୧୫ ବର୍ଷ
 କ୍ଷ. ସି. (କ୍ଷ.) ପ୍ରାୟ: ୧୫ ବର୍ଷ Not wounded
 by blow etc. ୧୫/୧୨/୦୫

क्रावन्ति. त्रि० (० क्रावन्ति) अत्र-शरीर-
 शोभावात्. त्रि० शरीर-शोभावात्. त्रि० शरीर-
 Beautiful; possessed of physical
 beauty. अत्र- १० १११

छायाङ्क. म० (छादन) र्ध्वं विनोदयेत्। छिद्यते
आच्छादयति। रश्मि वशीकृत्य ये दांत दन्ता-छायाङ्काः
इव कुर दन्ता Art of covering with
anything e. g. Durbha grass
etc. आद्या= २, ३, १, ८३; पद्या= १२,
१३; प्रप० ८३४; (२) यत्र शिवान्नं यन्न
अपात विनोदेन भाग्यन्-प्राप्त्य चर का
हृत् a roof of a house. दि० वि०

३-३. (३) वस्त्र. ३४५ वस्त्रः ३४५
cloth, a garment. माया- १: ३४५

छाया श्री० (छाया) अर्थः, छाया छायाः
 छाया Shadow; shadow अर्थः २०,
 १३, ४० २, ४, ११० मि० भा० १४: ११
 मि० १५५; अशुद्धि० १००, १५० २, १,
 मृग० २ १, ४३, १४० १६ अर्थः १, ६:
 १५, ६: ११ १, नाश० ११० छाया० ५,
 १००, छाया० १४१: (१) छाया छिन्नि,
 छाया, छाया lustre; brightness,
 छाया० १०, २३, ४५० ४१, १४० २; अ-
 र्थ० नाश० १०, अर्थ० १ ६: २, ५, (१)
 अर्थ० १५५ (१४५५) ने अर्थ० अर्थि-
 यत् नाश० अर्थ० के अर्थ० अर्थ० अर्थ० अर्थ०
 row of persons sitting at
 dinner. अर्थ० १० २ १४५५;

জায়ালা. বা. (বড় বায়ালা) ১০.২৫
 'জায়ালা' ১০.২৫ 'জায়ালা'
 ১০২ Valis 'জায়ালা' ১০.২৫
 ১০ ৬ ১০.

क्षुण्णालोम. का० (पराचवादिना) ॐ ३३३
 ४६ क्षुण्णालोम; ४९. Forty six; 46.
 गम० ४६; पि० नि० ६३६.

कृषांशक १० (कृषांशक) ५०१ आग २ /
 म. नदम कृषांशक १० A densely
 closely tree २० ४, २, निरी-३, ५१.

कृष्ण नं. (कृष्ण) नं. १०५; १०५ नं. १०५
 मध्य. A. १०५. १०. वि. १०५, वि. १०५.
 १०५. १०५. १०५. १०५. १०५. १०५. १०५.
 १०५ (१०५) नं. १०५. any kind
 of १०५. १०५. १०५. १०५. १०५.
 १०५ (१०५) नं. १०५. १०५. १०५.
 १०५. १०५. १०५. १०५. १०५. १०५. १०५.

* सुभो १५ नवंबर १२ की दुनोद (+) देवो दुष्ट नवंबर १२ की दुनोद (+) Video first-note (+) P 13th.

who swoops off Ashw. ३० १०.
 क्षारिज्य य ३० (क्षारिज) अरम. गज.
 मरम. Ashw. मग २, ३. --शारि
 १० (गज) अममो मरम. गज ३
 २२ who swoops off Ashw. २० २, १, ३.
 क्षारिज्यय १० (क्षारिज्य यज. अरम
 मरम. मरमोनि) गज २, ३, १, २.
 गज ३० यना यना दृष्टा Reduced to
 Ashw. मग १, २, ३, १.

જાણિયા. જા. (જાણિયા) ગા. ૧૫
 ૧૫/૧૫ ૧૫/૧૫ ૧૫/૧૫

क्षारिभूय १२० (क्षारीभूय) १२० " क्षारि-
 वभूय " १२० " क्षारिभूय " १२०
 Vaido " क्षारिभूय " १२० १, १,

कावदित् जी० (वावदि) जयभाई, ३६,
बाइर, १९ Sixty-six, 66, ब० व०
७, ११४, विष्टो-८१२, ७१८, मम-५६;
भाग-१४, २०, दस-४।

बालक पुं० (शाब्द) *balak*, आशु, बालक.
 बाला A young one, a baby, बाली.
 बाल ४६, सुपुं० १, १६, १.

कृष्णलालि आ० (चरुमलालि) छे:ने३. २.
 लक्ष्मणलाल, २६ Seventy ५६, 75.
 लक्ष्मण २६, भग० २६, १३, २० ७० २, १३६.

६. सवि. जी- (वरविधि) ७१ मः, . . . ६५;
६६ Sixty मः, ६६. भग० ८, १, १८, ११।

दासीर जी. (पद्यगीति) ७५. ११. ८१.
 दिवानी. = ९ Eighty-six, ३६ अम.
 ३०. ३.

बिंदी. जी० (*) ग्रीसी—माने मजरा,
आरी-वासी, छोटा बिकड़ा. A small
back-door; a small window or
gate. वाचा० ३;

• **द्विज वि. (छात्र) जी.जी. १२५ निरस्त.**
 Disposed, condemned. विरो. ११०;
 १२८, ११० वि. १०१; १२१; १०० वि.
 भा. १०;

ৱাৰ্ডেন ৱা. (০) ৱা. ৱা. ৱা. ৱা.
 Smeozing ৱা. ৱা. ৱা. ৱা.

झिआइकाइ कुं (झिआइकाइ) इस पंथ में
 दान देने की क्रिया इन इन पंथ में यह उद्देश्य
 १. कुल वंश के अनायास के लिए झिआइ
 इन इन वंश के शब्दों का कहना, **Uter-**
ing the sound Chhi-Chhi or
any similar sound to drive
away dogs etc. वि० वि० ४२१; १०
 वि० भा० १-४;

विद्वा न- (विद्वा) विद्वा; शब्दः अ. १. ३. ३. विद्वा.
 A hole, an opening. विलो० १८६२;
 (२) देव. शब्द. आशयः a bluish.
 a fault शब्द० २८१; (३) आशयः.
 आकाशः the sky. शब्द० २०, २;

शिक्षा विभाग (विविध विद्यालय शिक्षण)
 स्वायत्ति) - २०१५-१६ वर्ष. A २०१०
 भाग २.

विभाग. प्र. (विद्य) छेदः अपेक्ष. आटा
 हुआ. Broken; cut off. उल. १४,
 २१; १४, ७, आध. १४; मम. १२; आधा.
 १. १, ४, ४६. मम. ४, १; ६. ४, १३;
 १३, ४, १६, ६; नाथा. १; १६, १४; पक्ष.
 १४, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००.

११:—आवाह मि० (—आवाह—विद्य
अवगत आवाहते. व्याख्यान आगतवत् वस्तिव)
७२भा० अजु आवाह ॥ अने अजु स्थान-पर्वत
अवगत वसेरी. जितमें आवा आवा न हो लडे
ऐसा स्थान-पर्वत अगत वसिह. (any-
thing) inaccessible e. g. a

* જુઓ યુદ્ધ નવમર ૧૨ ની ૫૬નોંદ (૧) રેલો દુર્ઘટના ૧૨ થી કુચનોંદ (૧). Vide foot-note (૧) p. 15th

mountain, a forest etc. नावा- १५; भग- १३, १; देव- ४, २६; —झाखा-
की- (-खा) छेदःप्रेष अभिनी शिपः
जेनी लय-लयाः छेदः २४ छे ने बिदा
हुई जमिनी शिपः शिपकी ग्याना बिद
गई हो ५. broken flame of fire:
(fire) with broken flame. नावा-
१; —झिगझिग शि- (शिग) झिग झिग
झिगझिग शिप शिप बना हुआ scattered;
at sixes and sevens; in
a condition of disorder " झिगझिग
झिगझिग बाहिरिवाहिर " बिदा- १. —टहा
की- (-का) —काकविज्जका पुनरागमनामि)
आपी आपी देव नेट्ट देवे जेनी अक
मननी पुनर्वा (पुनर्वा) काट दाखा
मोवे सब हो उगे एसा एक प्रकार की बन
हानि. a species of vegetation
which grows only if it is
pruned. (G. १०००) १. पल- १;
बिदा- १; भग- २, १. —स्यस्य शि-
(-स्यस्य) जेन स्यस्य छेदःप्रेष जेनी
अपेय छे अपेय अपेय जेने एसा मोमे शिप
मे पवन बिद कर गिर गया हो ५. road
etc. obstructed by a mountain
which has broken and collapsed
नावा- १५; —स्यस्य शि- (स्यस्य)
जेनी स्यस्य प्रवट छेदः अपेय छे ने
शिप का संसार प्रवाह छेदा गया है वह one
whose worldly relations are
cut off. जं- ५० २, ११;

कविप. शि- (•) -पय छेदः; आःछेदः
लसं बिदा हुआ; हुआ हुआ. Touched.
in contact with. शि-मि-२२५;

विपारा की- (•) कापः, वन वन
A roof; a ceiling " विपारा
शिपारा " भग- ५, ६.

विपार. शि- (शिप) छेदः ३३५२. जस २२
नाग बास करने वाला One who cuts
off or destroys आवा- १ ३ १
३०४; प्रव- १११.

विप न- (शिप) ज्ञेयः " विपु " २०२
देखा " विपु " २०२ Vide " विपु "
भग- १, १; नावा- २, ८, १५२ ५४
पल- २; —वेदहि शि- (-वेदहि) छेदः
वेदना बिद को देखने वाला (One)
who looks to the weak
points of others. २०४ १.
—संम पु- (संम) छिन्नः अपन छेद
बिद का अन्त-बिना end of a hole.
" बिदने हुयेने " भग- १ ८;

विप. शि- (शिप) ज्ञेयः " विपण " २०२
देखा " विपण " २०२ Vide " विपण "
उल- २, ४ शि- नि- १८८, भग- ४
भग- १० (२) निरमित शिप ज्ञे; पाप १,
शिप २२४. निरमित शिप न विपण.
divided, separated शि- नि- १११.
१८८. —कटकट शि- (कटकट-विप)
छेदाकटा कटकटा शिप २२४ २०२ आवा-
६- ४१ छेदः अपेय अपेय छेदः २२४ जेने शिप
ने शिप बिनाप्राप्तक कटा हुआ कटा है वह
(one) who has banished
talk involving passion, hatred
etc. आवा- १, १, ६, २२२.

मंथ. शि- (-मंथ) मथ पति
मदनी मथ आसक्ति जेने छेदी नापी छे
ने. प्रव पारमद की आसक्ति शिपने दहा

४। हाँ वर (one) who has cut off
the knot of attachment to
worldly possessions. ५५०१, ११६;
—५५५५ (१०१ वर) ५५५५ ५५५५
५५५५ ५५५५ ५५५५. having the
wings cut off ५५०१, ११६;

द्विजस्य काश्यपः (विना विप्रस्येदमविक) ये भूय
 वे माया रत्नत्रय अर्थ इति चेत् प्रीति भूय वे
 मायात्वात् अपाता न रात्रि ते विप्र उद्वेगपराय
 उद्वेगाय तेन भूमेः मम भूक्तिरसि.
 या भूय वा माया स्वयम् अर्थ वना गच्छे.
 इति भूय वा माया की अवेष्टा न रत्नता वा
 (An aphorism or a verse)
 which is complete in sense
 without dependance on any
 other aphorism or verse, e. g.
 "religion is the highest good"
 अथ = २२

ଶିକ୍ଷାଳୟ ୨- (୦) ଶ୍ୟାମଳୀ ଗୋବିନ୍ଦୀ ଗ୍ରାମ
 ଡି.ଏଫ୍. ଡାକ୍ତର ଶାନ୍ତ କା ବିନୟା ଶାନ୍ତା . An
 or a horse of a low breed
 ପୃଷ୍ଠ- ୧୨, ୩;

द्विप्य प्रि० (स्पर्श) अर्थ ३२११ भाष्य
हसं दर्शने के योग्य. Worthy of
being touched. म० अ० ८, २३;

क. द्विपद न० (२) १०१; पृष्ठ: १५.
A tail. १५० ३;

क्षिप्र. न० (क्षिप्र) शस्त्रीः ३५५ ते अर्थः
 शीघ्रता से Soon, quickly विधा० १.
 भाषा० १७; —सूत्र. न० (पूर्व) ३५५
 गायनार वाजुं. जोर से बजने वाला जो
 a musical instrument which
 gives out tunes in rapid suc-

१०५५।११।११ - "विष्णुर्देवः कर्ममात्रेण" विष्णु-
१; भाषा- १५।

विष्णुसर. वि० (विष्णुस) ३१:१५ उमावला.
Hasty; very quick. वि० १;

शिरा. की० (शिरा) नः ३१; नक्ष. नाडी. An
artery. माया० १; मूत्र० २, २, १८;
मग० १, २, २, ३३।

सिरिया का० (सीरिका) अ० १०२५११:
१०२५११: एक प्रकारका, बन्द पत्राक्ष. A
kind of vegetable with bulbous
root. ग्रीका० १;

७ **व्यङ्ग्य**, न० () स्त्रीलिंगः द्वयोः ने
मा ३ वा आवाज बरना. Art of utter-
ing a sibilant sound. पण० १, ३;

विषयः वि० (मेवां) लेखकः संभवतः
संभवतः लेखकः संभवतः संभवतः
लेखकः संभवतः The last of the
six kinds of Saṅghayogas (i.
e. physical structures of bones
etc) इ० पृ० ३, वृ० १, ४४;

• **झिवा की-** () आमतः तो ताज्जुः
अ. य. में बमर का चाबुक. A leathern
whip. पद. १, ३: — प्यहार पुं०
(प्रहार) अ. य. य. में भार. चाबुक की मार.
a lash of a whip. नाबा. ३: १०:

० **किराहिया** श्री. (•) ज्योत्सनायः
ममानी. ममकी A ground-nut.
पत्र. ११: (•) ममनी मम मम की
मम. bark of a tree. दला. ६, ४:

द्विबाही क्रो. (२) सी. ३; १ गी. कमी.
 A प्रथम बायां २, १, १, २; दक्ष ४.
 २, २०; जीवां ३, ४; राव ४४; १४-६५१;
 —प्राथ. नं. (-प्रत्यक्ष) प्रत्यक्षता पांथ

* જાઓ ૫૪ નંબર ૧૨ ની પુનોઃ (*) રજા ૧૪ નંબર ૧૨ થી ફુલનોટ (*) Vide fine-note (*) p. 15th.

પ્રકારમાંના એક, જે પુસ્તકની પદોમાં
વધારે અને ભયમ્મ એટલી હોય તે પુસ્તક.
પુસ્તક કે ૫ પ્રકારો છે જે દરેક વિષે પુસ્તક
કો વૈવાદ અધિક વ ઘેરમાં કમ હો તેના
પુસ્તક. one of the five varieties
of the shapes of books; viz. a
book which is very thin but
whose breadth is very great.
પ્રવ. ૧૦૧; —. વિષ. ત્રિ. (-માત્ર)
સિ ન-૧થી પ્રમાણ. કક્ષા કે પાંચમાથ કા.
of the size of a pool પ્રવ. ૧૦૨.

ક્રીડ. ન. (કુન) છીડ. ક્રીડ A sneeze.
કાવ. ૧, ૨, ૪, ૫;

ક્રીડિતા. સં. ક. અ. (*) છીડ આપીને,
છીડીને. ક્રીડકર. Having sneezed
સં. ૧. ૨, ૨૧, ગ્રીવા. ૧, ૧.

ક્રીડ. ન. (કુન) છીડ તે ક્રીડ કાકના,
ક્રીડ. Sneezing; a sneeze વિશે.
૫૦૧; મંદી ૧૫;

ક્રીડા. કી. (કુના) છીડ આવી ક્રીડ
જાના; ક્રીડ. Act of sneezing; a
sneeze. સં. ૫૦૧; ૧૫૨;

ક્રીડ. કી. (કીર) સીડ દુધમાંથી એક
સાધારણ વનસ્પતિ કૃષ ટેન્ડરન થાકી વૃદ્ધ
સાધારણ વનસ્પતિ. A vegetation
containing milky juice and
having infinite lives. પ્રવ. ૧૫,
૧; વચ. ૧;

ક્રીડિતા. કું. (ક્રીડ) બુદ્ધિપર સર્પ વિશેષ
મુક્તર સર્પ વિશેષ A particular
kind of serpent. વચ. ૧, ૧;

ક્રીડિતા. કા. કી. (ક્રીડિતા. કા.) ૧-૬
વિશેષ. કમ્પ વિશેષ. A particular

kind of bulbous root પ્રવ. ૭, ૧;
વચ. ૧; ગાંધુ. ૧;

કુચ્છુકાર. કું. (કુચ્છુકાર) કુચ્છુકારે કુ કુ-
અ પ્રમાણે ૨૦૬ ૧૨૧૦ તે. કુચ્છુકારે કુ કુ
તેને સમ્પ્રદાય. Calling a dog by
the sound "chhu chhu" ગ્રા. ૧,
૧, ૨, ૩, ૪;

કુચ્છિયકર. ન. (*) આભરણ વિશેષ.
આભરણ વિશેષ A particular kind
of ornament ગ્રીવા. ૧, ૨,

કુચ્છિયકર. ત્રિ. (* કુચ્છિયકર) નયન નયનકા નામદે
Important. ૧૦૧; ૧૦૨,

કુચ્છિયકર. ત્રિ. (કુચ્છિયકર) આવી ભરેલ.
આભરણ. સં. ૫૦૧ ગ્રા. ૧૫૨
Faulty or defective in right
conduct. વચ. ૬, ૨૦;

કુચ્છિયકર. કું. (કુચ્છિયકર) અન્ધા, અધર્મિયા. કમનસ
A razor. વં. ૧૦, ૧૨, ૧૩.
ન. (કુચ્છિયકર) વાવડની અન્ધા અને
સાધારણ ક્રીડા નાઈ કી કમનસ ક્રીડા
રક્તને કી વં. a barber's bag for
keeping in razor etc. ૫. ૫.
૧૦, ૧૦, ૧૦, ૧૦, ૧૦; મુંડ ત્રિ.

(-કુચ્છિયકર) અન્ધાની મધુ મુદ્રાના.
કમનસ કી નિર મુંડાને જાના (one)
who gets his head shaved by
means of a razor વં. ૧૦, ૧૨;

કુચ્છિયકર. કું. (કુચ્છિયકર) નિચકા ગ્રા. ૧૦, ૧૨
કુચ્છિયકર અને નમના કુચ્છિયકર થાય છે
નમના કુચ્છિયકર અને નમના કુચ્છિયકર થાય છે.
નિચકા કા કુચ્છિયકર; નિચકા કુચ્છિયકર કુચ્છિયકર થાય છે
નિચકા કુચ્છિયકર કુચ્છિયકર થાય છે. A variety
of the same kind.

• કુચ્છિયકર ૧૫ નમના ૧૫ ની કુચ્છિયકર (*). વં. ૧૦, ૧૨, ૧૩ કી કુચ્છિયકર (*).

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits, the Tilaka tree. पत्र० १;

सुरेया का० (सुरेया) उगी मुगी. A small knife. उल० १६, ६१;

सुहा जी० (सुहा) मुनी; क्षेममुनी पुना. Time; chunam चाव० नि० १०८;

सुहा जी० ((सुहा) मु. भू. सुहा.

Hunger "ब्रह्मसमावेवशासि" गच्छा०

१; नि० वि० ६६१, नावा० १; ११; १८.

पत्र० २; राव० २५६; सु० व० १. १५१;

—कर्मण न० (कर्मण) सुपापि० १५१;

आश्रयने रमेरु निपापयस्य स्थानं सुपा

परिकर्म; आश्रयको रमेरु वनां का स्थान

a place for a Brahmins to

cook food a kitchen. दमा० १० १.

—परिस्वह. पु० (परिस्वह) अमुने

परिस्वह; अमुनमन इती ते. सुपा मदन

करना. bearing the affliction

caused by hunger. भग० ८, ८.

—वेदनिष्ठ न० (वेदनीष्ठ) सुपा वेदनी

१५१, वेदा वेदनी सुपा वाने के ते १५१

सुपा वेदनीष्ठ कर्म. त्रिपदे उदयने

सुपा लगना दे वद कर्म the Karma

by the rise of which one feels

hunger. डा० ४, ४.

सुहिव मि० (सुहिव) मु. भू. अमुन

सुपना, सुपापु. Hungry. नावा० १४.

सुहिव मि० (•) नापिपु. ई केपु केकादुका:

कालादुका Thrown; Hung मि० नि०

१४. २२४, २२२; उल० २१, ४०;

क्षेप-य मि० (क्षेप) अपसरने अमुनार.

क्षेप; दोर(१५.२. लय को पहिचानने वाता,

सुहिव; लयव सुहिव Clover; (one)

who knows what to do at a

particular time. सु० १, १८, १;

चाव० १०; ११; बीवा० १, १; नावा० १,

१, १, १८८, भग० १, १, २, ८, नावा० १;

१६; पत्र० १, १, वि० ११८२; कप०

२, ६२; दम० २, ११, राव० १२६, २६२;

(२) वि० ६६; अटकापन विरुद्ध. अटकाप

interruption; hindrance. वेव०

२, ८, १०, १; चाव० २०; उल० १०;

१; (१) वि० ६६; नृसानी. विनाश, मुह-

मानी, हरा destruction; loss. उल०

२, १६. (४) अ. १. ६६. का. टुटका

a piece, a fragment राव० २३.

—आशीर्वय पु० (-आशीर्व) निपुण अ. १

संज्ञना आशीर्व. शिवादे निपुण आशीर्व a

proficient teacher of arts 'सुपाव

विषयवसमहकपराविगम्यहि' भग० २, १

—करा व० (-कर) नारा इत्यादि. जेही

नाम १२ नारा करेन वाता (one) who

destroys destructive. पंचा० १, १६;

—विविधान पु० (-विविधान) आशने

अ. १. विभा. हिस्से का हिस्सा a sub-

division. क० पं० ४, २९;

सुसंयुक्तवक्त्र न० (सुसंयुक्तवक्त्र) अ. नाम १

भीपु आरत. पूरा पंचानने जेही मदानेनापु

आशीर्वय इत्यु ते. इय नामका द्वारा वारिभ;

पूर्ववक्त्रका सुहन करे मद्र;मनोका चारोप

करना. Name of the right-con-

duct in which an ascetic is de-

graded from his position due to

faults and again initiated with

the five great vows. वि० ११६.

* अनुमो ५४ नमर १२ नी ४८नोट (•). देखो पृष्ठ नमर १२ की फुट नोट (•)

Vide foot-note (•) p. 15th

वैशेषिकसूत्रादि. त्रि० (वैशेषिकस्थानीय)
 उद्देशस्थानीय नामे नीम् अरित्र. वैशेषिक
 स्थानीय नाम का दूसरा अरित्र Name
 of the right-conduct in which
 an ascetic is degraded from
 his position due to faults and
 again initiated with the five
 great vows चां० २०; अग० २२,
 ६; ७; वेद० ६, २०; पञ्च० १; —संज्ञक
 पु० (—संज्ञक) अथवा उपनि० ४०६ दोषो
 ऊपर का लक्ष्य. vide above. अग० २२,
 ६; —संज्ञक. त्रि० (—संज्ञक) उद्देश
 स्थानीय अरित्राद्य. वैशेषिकस्थानीय
 अरित्रनामा an ascetic possessed
 of the right conduct as stated
 above. वेद० ६, २०;

કુલ્લ. ત્રિ- (લેખ) ઊંચા થાય; (આદરને) ઊંડે કરવેક થાય; પારખકા કર **Worthy of being cut off; degraded from right-conduct.** વિશે- ૧૨૯૪:

क्षेत्र. न० (क्षेत्र) स्थान; स्थान, स्थान.
A place; a region. क्षेत्र.

छेत्तार. वि० (छेत्) छेदना२; काटना२. छेदने
 काटने वाछा. (One) who cuts off.
 छाया० १, २, १, ५५; मृ० १, ७, ४

हिंद. १० (द्वि) अ३; अ३. अ३. विभाग
 A division, a portion. आ० १०;
 अ० ५, ४; अ० ३, ३;

क्षेपेणद्वयवच न० (क्षेपेणद्वयवच) ७५५।
 'क्षेपेणद्वयवच' शब्द दत्तो 'क्षेपेणद्वय-
 वच' शब्द. Vide. 'क्षेपेणद्वयवच'
 उक्तं २८, १३; ४०, १, ६; १, १;

केदारगुहावर्णिक न० (केदारगुहावर्णिक) अमु।
 'केदारगुहावर्णिक' स० २. देवा । केदार
 गुहावर्णिक' स० १. Vide. 'केदारगुहावर्णिक'
 मय० ८, २;

सुत्र ३० (वेद) नितीथ आदि छे सुत्र
 नितीथ आदि छेदसुत्र Niditha and
 other Chhoda Sutra. प्र० ७६६;
 ...
सुत्र ३१ (अग्नि) अग्नि नितीथ पंथे
 छे सुत्र. अग्नि नितीथ वेद सुत्र.
 Chhoda Sutra such as Vyav-
 hāra, Niditha etc. प्र० ७६६—**सुत्र**
 ३२ (अग्नि) अग्नि-प्रायश्चित्त विधि यत्नाभार
 सुत्र नितीथ, दशमस्कंध, वेदसुत्र अग्नि
 अग्नि-प्रायश्चित्त विधि यत्नाभार
 सुत्र. अग्नि-प्रायश्चित्त विधि यत्नाभार
 सुत्र नितीथ; दशमस्कंध, वेदसुत्र
 आदि अग्नि-प्रायश्चित्त सुत्र Sutra which deal
 with modes of expiation viz.
 Niditha, DasamSkandha, Ve-
 dakalpa and Vyavahāra प्र० ११

સેવગમાય પુ.(સેવગમાય) ૭૬૧/૫૩૬ દિવાલ.
The state of being cut વિશે-૨૧૧;

ક્રેવલ. ન. (ક્રેવલ) અગ્ર વિશેષી કાપનું ને.
 કટન વર્ણનને કારણ Act of cutting
 with a sword etc. ડા. ૨. ૨. ૧; ભા. ૦
 ૧૧; ડા. ૨. ૧ (૨) કપની સિધિનો પાત
 કરવો ને. કર્મ કી સિધિજીવાન કરના cut
 ting off the existence of Karma.
 ડા. ૧. ૧, (૧) જેનાથી વસ્તુના અવશેષ-
 પડી શકાય ને; કા. ભ. કા. an instru-
 ment for cutting ડ. ૦. ૫. ૧, ૧.

कुचका ३० (कुचका) में ३०५ ३२५ में ३०
 कुचका, Cutting into two, ३०५
 ३०; (३) व्यापकता में ३०५ ३२५ में ३०
 कुचका मल A tool or instrument
 to cut leather. ३०५ ३, ३, ३०;

क्षुद्रकण. न० (क्षुद्रकण) अर्थः "क्षुद्रकण"
 क्षुद्र. देवो, क्षुद्रकण 'क्षुद्र. Vido.
 'क्षुद्रकण' न० २, ३, ४

केन्द्रीय विहार, पुं० (केन्द्रीय विहार) मरिचने। ७६
मने ५१६३२५५ मरिचने का केन्द्रीय विहार।

વરિહારનવ. Lapse in right conduct, austerity or penance. વચ્ચ-૧, ૧૬; ૨૦, ૨૫; ૨૬.

કુરચિરાશિષ્યા શાં (કુરચિરાશિષ્યા) ૧૧. રૂપિન વિરોધ. વચ્ચનિ વિરોધ. A kind of vegetation. શાં-૧.

કુચિશ્ચ વચ્ચ (•) વાંચી જીવું માલ કોડવા. Act of clearing away the mucus of the nose by expelling it from the nostrils વંદા-૧૧, (૨) મીરી આરી ને. મીટા વચ્ચા act of whistling વિશે-૨૦૧.

કુચિયા શાં (•) ડાબી, વાલી આરી શાંટી વચ્ચી A young who goat. વચ્ચ-૧, ૧.

કુચદ્વ. વૃં (સેવાર્) ડાબા વચ્ચામાં જુ મ વચ્ચા જેમાં દાડામાંનો વચ્ચા રાસે માલ સેવે રહે છે, ખીચી વિના છે: નેડાંને રહે છે, તેમ વચ્ચેની માલિય આદિ મેલની અપેક્ષા રાખે છે ને. ૧૮મને દુકીયાં કા વચ્ચા રાતે માલ કા મચલ રહતા દે, વિના મેલ પ્રવેશ કુચ જુદાદુષા દો, ને વચ્ચે માલના કો અપેક્ષા રહતા દો વચ્ચા મચલ કા વચ્ચા. The last of the six kinds

of bony structures (Saṅgha-ayana) in which the bones are kept together without being fastened by a bandage and nails. વચ્ચ-૨૧; શાં-૧; વચ્ચ-૨૪, ૧, ૬-૧૦ ૧, ૧૬; ૧, ૨; ૨, ૧૬. —સંચયજ્ઞ વચ્ચ (સંચય) ડેવડ મંચવજ્ઞ કુચદ્વ the Saṅgha-ayana known as Chhevattis. ડા-૧, ૬. —સંચયજ્ઞિ. વિ. (—સંચયજ્ઞિ ડેવડ મંચવજ્ઞ વચ્ચી કુચદ્વ મંચવજ્ઞ વચ્ચા. (one) possessed of Chhevattis Saṅgha-ayana વચ્ચ-૨૪, ૧.

કુચ. વૃં (કુચ) ડેવડ. વિચ્ચ. Outer hander and useless parts, particularly of vegetable substances chopped off with a knife etc વચ્ચ-૨, ૬, ૧૬.

કુચિય વિ. (•) ફેડેલું કોણ દુષા. Exploded, discharged, broken. વચ્ચ-૧૦.

કુચમ. વચ્ચ (•) આશ; કચકે રાગ; વચ્ચા; કચકે A stain; a blemish. વિ. વિ. ૪૨૦.

જ.

જ. ૧૦ (વચ્ચ) જે. જો A relative pronoun meaning who or which વચ્ચ-૧, ૧; ૧૨, ૪; ૧૦; વચ્ચા-૧; ૧૬; વિશે-૧૦, ૧૬૨.

જ. ૧૧. વિ. (વચ્ચ) વચ્ચાવંત સાચવેત; અમમાદિ વચ્ચ કરમે વચ્ચા; વચ્ચવેત; અમમાદિ. Self-

controlled; self-possessed; circumsp. વચ્ચ-૧, ૨૧; વચ્ચા-૧, ૨, ૧૧૧.

જ. ૧૨. વૃં (વચ્ચ) વચ્ચાવંત સાધુ. મુનિ, વચ્ચિ. વચ્ચાવંત સાધુ. વચ્ચિ, મુનિ. An ascetic; a Sadhu. વચ્ચ-૨૪; વચ્ચ-૨૪, ૧૨.

वि० वि० १२४; लिङ० वचः ४८३; पंचा०
 १, ३१; मत्त० १९; क० व० १, ४९; कु०
 व० १, २३९; प्रब० ६०; १२१४; —कण्य.
 त्रि० (—कण्य) मुनिने ६९३ तेतु. मुनि को
 ग्रहण करने बाध्य. such as would be
 proper for an ascetic प्रब० २९;
 —किञ्च. न० (कण्य) अनि साधु
 की ७५ वान-साधु का कर्मत्व. duty of
 an ascetic. पंचा० १३, ४० —असु.
 पुं० (—असु) साधु पृ३५. साधु पु३५. an
 ascetic; a monk; a saint “वसो
 वसो व सवा सुवप्यमासो गृहमेवेषु ”
 सूच० वि० १, २, १, ४१; —आंग पु०
 (—आंग) स्थाप्याय आदि साधुने व्यापार
 स्थाप्याय आदि साधु का व्यापार. activity
 or function of an ascetic e. g.
 study of scriptures etc. पंचा० ६,
 १९; —धम्म. पुं० (—धम्म) ६४ प्र३३३३.
 प्रति-साधुनाधर्म. दस प्रकार के वान साधु
 के धर्म. duties of an ascetic classifi-
 fied into ten kinds. “ संतिअसव-
 मएव सुखी तवमंजरेव बोधवेवा सव बोध आ-
 र्हियं व वं व गृह धम्मो नावा० १५; प्रब०
 २९१;—परिखा जी० (—वर्त) साधु धोडोनी
 सभा साधु लोगो की मभा an assembly
 of ecclesiastics. आंव० ३४; १५०.
 —पुच्छा जी० (—पुच्छा) साधुने शरीर नियंत्रण
 में लगी बातों पृच्छा शरीर नियंत्रण संबंध
 में साधु में बातचीत करना. act of con-
 sulting a Sādhu in the matter
 of control of body or self. पंचा०
 १, ४३; —विस्सामव. न० (—विस्सामव)
 अनि-साधुना शरीर-आदिनी सेवापथ ६९३
 ते. वान-साधु के शरीर आदि की सेवा
 करना-सेवापथ करना. rendering acts
 of service to an ascetic e. g.

removing his fatigue, nursing etc etc 1, 11;

अहं वि० (अविद्) अथ मेधवन्तरः यव प्रा
 यमे वाला Victorious; conquer
 ing यव० ६६४.

अहं च० (बलि) ४८३. शिवमा. An in-
declinable meaning "as much
in the proportion in which".
अम० ७, १, ८, १: १०: पञ्च० १४१

अह. ख० (वदि) ग्ने हदि; ग्ने३; ग्ने; वदि.
 मोक्षभा; योक्तः वदि. If over; though;
 if भाषा० १; ५३ व, ४, १५, १६; अण०
 १, ६, ६; २, ६; ३, १; २५, ५३ व१, १३
 वण० ५, १, ३४, ५, १२; अणुमो० ३;
 विश० ५;

जहाज. वि० (अविक) वि० ४३५२. विजय
करने वाला; जय प्राप्त करने वाला.
Victorious; conquering. क० ४,
४६;

अनुसंधान न० (बलित्व) प्रथम १२५।
प्रथम कर्मा; कोशिक कर्मा. Act of
making an effort or attempt.
"अनुसंधाना" प्रथम०, ११; भाषा० १:४;
प्रथम० १; संज्ञा० १४, २०;

अदृक्का वी० (अदृक्का) अजु पातुं पातुं
ने, आम्राने मेअतु अने तावने पातुने यह
अपेक्ष विना इच्छा के प्राप्त होना यह;
कान का बैठना व हाजी का निरमा.
Accidental occurrence; unex-
pected happening; e. g. fall-
ing down of a palm tree
coinciding with the perching
of a crow upon it. यह० १, २.
—आह. पु० (आहिव) इति पदार्थनी
आहवित अजुपाती उभनि पाव के अत्र
यह० ३. अत्रेक पदार्थ की विना आह

अडका जी० (यमुना) यमुना नदी.
यमुना, यमुना नदी. The river
Yamunā. वि० ८; अ० १, २; २, २.

अडकाचक. न० (यमुनाचक) यमुना नदी
के किनारे नगर. यमुना नदी के
किनारे एक नगर. Name of
a city on the banks of the
river Yamuna स.वा०

अडकाचक पु० (यमुनाचक) चार वेदों में से एक
वेद. चार वेदों में से एक. One of the
four Vedas so named. अ० १,
११; वि० १, २, ३; अ० १, १.

अडका च० (यमुना) यमुना नदी.
यमुना नदी. From
which, since, because. अ० १,
०; आ० १, २, १, १०१; अ० २, १,
१०, १; वि० १, १; आ० २,
११; अ० २, ११; अ० २, ११;

अडका च० (यमुना) यमुना नदी. Where;
in which. अ० १०;

अडका च० (यमुना) यमुना नदी. So that;
reason for which; that for
which. आ० २; १२; १०, १०; अ०
१, १; १०, १; अ० १, १, ११; २,
८; अ० १, ११;

अडका च० (यमुनाचक) यमुना नदी के किनारे
नगर. Any extent to which; any-
thing which. आ० १;

अडका. वि० (अडका) अडका नदी. Moveable;
moveable property. अ० १, १; अ० १, १; (२) पु० अडका
नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.

venom of a serpent etc. अ० १;
अडका पु० (अडका) अडका नदी. Name of
an Aryan country. अ० १

अडका य न० (यमुनाचक) यमुना नदी के
किनारे नगर. यमुना नदी के किनारे नगर.
यमुना नदी के किनारे नगर. Yoh,
wool etc produced from the
limbs of moving sentient
beings such as silkworms etc.
"अडकायचकणि नमुनाचकणिदिबचकणिदि"
अ० १, १, २, १; अ० २, २; आ० २,
२, २, १, १०१.

अडका न० (यमुनाचक) यमुना नदी के किनारे नगर.
यमुना नदी के किनारे नगर. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी के किनारे नगर. That part
of medical science which deals
with the cure of evil effects
caused by the poison of
serpents etc. वि० १, ३;

अडकाजी. जी० (यमुनाचक) यमुना नदी के किनारे नगर.
यमुना नदी के किनारे नगर. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी के किनारे नगर. Science dealing with anti-
dotes to snake bites etc. अ० २, १.

अडका जी० (यमुनाचक) यमुना नदी के किनारे नगर.
यमुना नदी के किनारे नगर. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी के किनारे नगर. A thigh अ० १; अडका १; १;
अडका नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.
अडका नदी. अडका नदी. अडका नदी के किनारे नगर.

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmādānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. अम० ८, ३;—**साहस** जी० (-वहि) वंयना ७५येयभां आरुं नाहं; सीमेऽनं नाहं. वंय के उपयोग से जाता हुआ लकड़. wood used in constructing a mill e.g. that for pressing out juice from sugar-cane. अम० ७, २८;—**साहस** पु० (-वहक) शेरडी पीयवान् २५५; शेरडीने वास वसे का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane. शीवा० १, १;—**साहस** पुष्पि. जी० (-वहक-पुष्पि) शेरडीने २५ ५५५वानी २५. वसे का रस वकने का मही. an oven where the juice of sugar-cane is heated. भावा० १, १;—**साहस** न० (-वहक) वंय यथा २५ ने. वंय चलाना working a mill e. g. an oil-mill etc. अम० २६८;

अविच शि० (वंयित) निवर्धित; निवर्धित. १५५ १२५. विवर्धित; विवर्धित; वरा विवा हुआ. Kept under restraint. उच० १२, १२;

जंतु पुं० (जन्तु) जन्तु; जन्तु. प्राणी; जीव. A living being. उच० १, १; अम० ९, ७; २०, २; (२) अवास्तिनाय नामन् ज्ञानादि शुभ्रार्थं इत्यः इत्यनेन अंश म्हा२. जीवस्तत्त्वज्ञान आवक ज्ञानादि शुभ्र वार्ता इत्यः इत्य का एक प्रकार. a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc. and named Jivātīkāya.

उच० २८, ७;

जंतु पुं० (जन्तु) अंश ५५५ वास १ ५५५ ५५ ५५५ ५५५. एक प्रकार का जीव कि (जन्तु) के रूप में जाना है. A kind of grass used in knitting to gather flowers अम० २, २, ७; अम० २, २;

जंतु न० (जन्तु) जन्तु नामक वास ५५५ ५५५ ५५५ नाम के जीव का विशेषता Bed made of the grass called Jātuka भावा० ८, २, ३; १००;

✓ **जंघ** भा० १. (जंघ) जंघा १६५. बोधना, वदना To speak, to say जंघा. पु० अ० १, १०१;

जंघा पु० अ० १, १०१;

जंघा वि० १०१;

जंघा ५५० १, १, १, १०;

जंघा ५५० १, १, २२५;

जंघा न० ५५० १, १०;

जंघा ५५० १, १, २, ४; जोघ-

वि० ५५०; जाघ० १२; अम०

२, १; अ० ५५०, १११, २, ५००;

जंघा १२, ८७;

जंघा ५५० ५५० ५५० ५५० ५५० ५५०

५५० ५५० ५५० ५५० ५५० ५५०

५५० ५५० ५५० ५५० ५५० ५५०

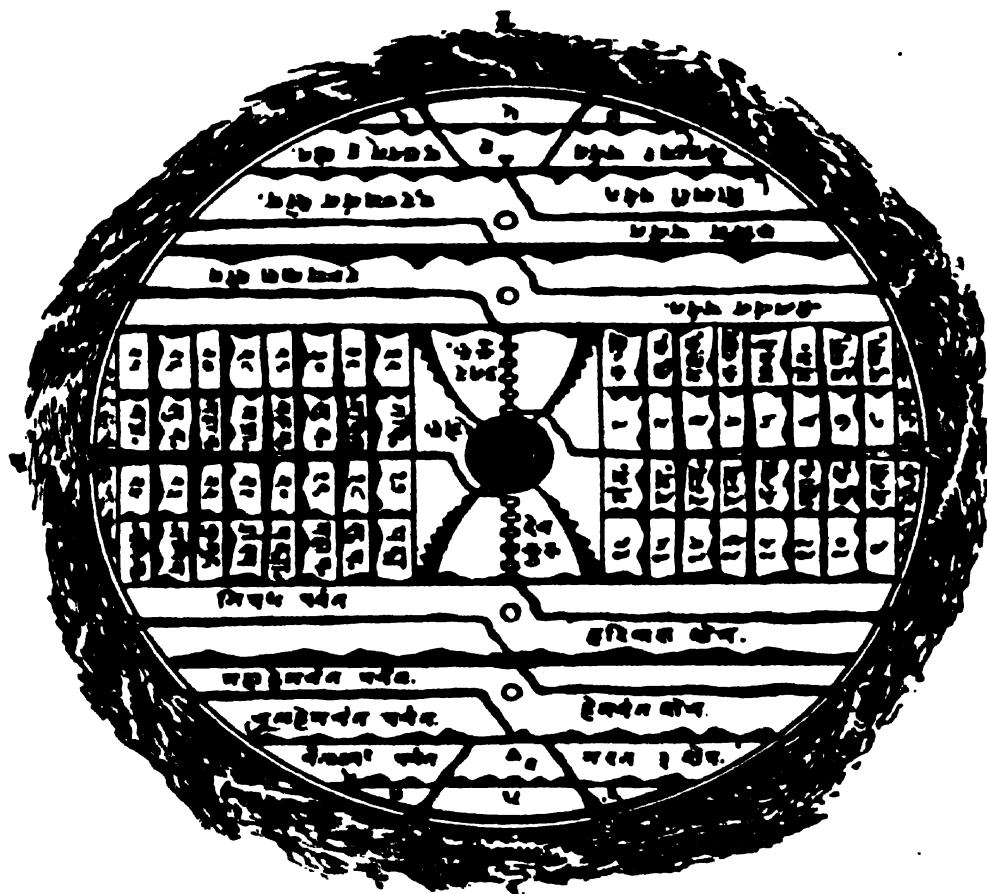
जंघा शि० (जंघा) जंघा १६५. बोधना वार्ता (One) who speaks. अम० १, १;

जंघा न० (जंघा) अंश ५५५ ५५५ ५५५ ५५५ ५५५ ५५५. एक प्रकार का वाहन; वाहन विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin अ० अ० १०. ११२; अ० ८, १.

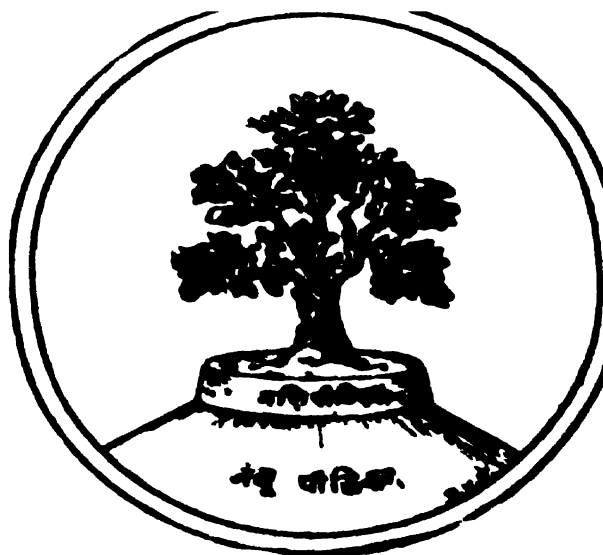
जंघा शि० (जंघा) जंघा १६५. बोधना वार्ता. वार्ता वार्ता. Uttered, spoken. उच० १२, १४; अम० ११, ११;

जंघा शि० (जंघा) जंघा १६५. बोधना

सवित्र अर्थ सागर्या कोष



अंगुलीय - जंगुलीय



अनन्त न० (अगती) १२५५ अनन्त The world, the universe (अ० १६६५,

अनन्त आ० (अगती) ११११, अगती The earth, "भूवाक अनन्त अगती" अ० ११६६,

अ० १६६६, अ० १६६६ (२) अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अगती अ० १६६६ अ० १६६६ अ० १६६६

अनन्त अगती (अगती) १६६६

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती (अगती) अ० १६६६

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती (अगती) अ० १६६६

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

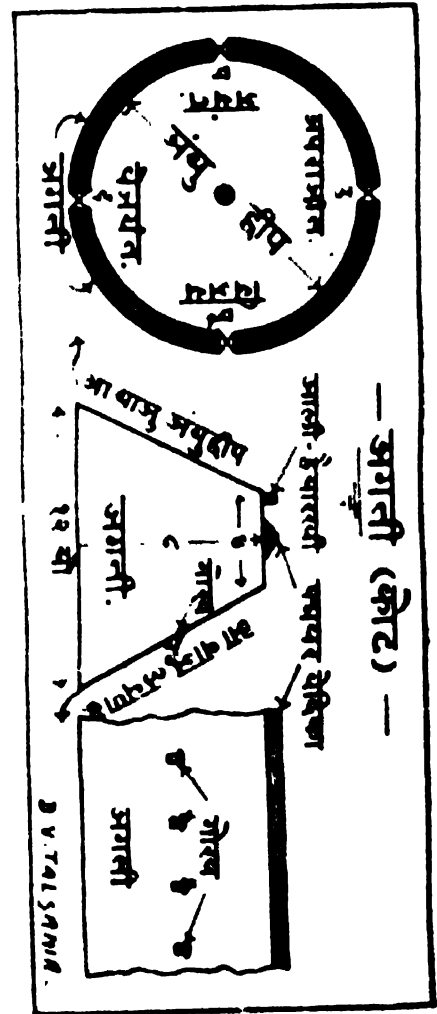
अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

अनन्त अगती अगती अगती

इस के ऊपर पद्यावर वेदिका और बीचमें कई
झरोखें हैं इस का विस्तार न बताने सांवा-
भिमम मृगम (दवा नवा है the forti-
fication surrounding Jambudvipa
and other regions. This wall



is 8 Yojanas in height. The
breadth at the bottom is 12
Yojanas and at the top 4
Yojanas. There are many
lattice windows in the wall.
full particulars can be had

from Jivābhigami Sūtra. जीवा०
१, ४;

जगती(ति)पञ्चव. पु० (जगति ववंत)
जुमे। " जगह पञ्चवम " स०६ देखा
" जगह पञ्चवम " स०६. Vide " जगह
पञ्चवम " जीवा० १, ४;

जगप्यह. पु० (जगप्यति) जगत्प्यामी The
lord of the universe जे० प० १,
११२;

जगय. न० (वक्रय) क्लेशु. कलजा; हृदय
The liver. (२) ते आयेना रोम कलजे
का विमारी; हृदय का रोग. a disease
of liver. मग० १०, ३;

जगरी का० (*) राजपरे; अक्ष जननं
धान्य. राजगरा, एक प्रकार का धान्य. A
kind of corn. " जलसं सोपय गमुग
मुग जगरीह " देखा० १, २०;

जग. धा० १. (जाय) जनयु; जगयरे
करे। जागना; जाग्रत करना. To remain
awake; to wake.

जगह. सोप० नि० ६६;

जगज्ज. विते० १६६;

जग्रावेह. आवा० १, ६, २, ६;

जगज्ज. न० (जागरज) जगज्ज. निद्रा न
लेना ते, जगज्जरे करे। ते. जागरण;
निद्रा न लेना रह; जगज्ज रहना. Remain-
ing awake; a vigil. पण० १, १;
चाप० नि० १०६.

जगुल. वि० (वदुल) जेटया मय. विनना
जुना. Multiplied as many times;
taken as many times. प्रव० १२;

जगज्ज. न० (जगज) जगज्ज. नीचिने आग;
आयध. कमर से नीचे का भाग. The

fleshy part below the waist.
कण० १, १६;

जगज्ज. वि० (जगज्ज) जगज्ज. जगज्ज;
आजमां ओष्ठ. कम से कम. Mini-
mum; least. लु० प० १८;

जगज्जिज्ज. वि० (जगज्ज) जगज्ज. जगज्ज;
स०६. देखा ऊपर का सङ्घ. Vide above.
लु० प० ११;

जगज्ज. वि० (जगज्ज) जगज्जिज्ज. स्वाभाविक.
Natural; innate. पण० १, ४ (२)
जगज्जान्. जगज्जिज्ज; प्रधान; भेद; जगज्ज
जगज्जान्; प्रधान; भेद; उत्तम. promi-
nent; excellent of its kind. कण०
१, १५; प्र० प० १, ११; मंदा० ११; सोप० १०;
१०; ११; विते० १४००; लु० प० १, ६;
६६६; मग० ११, ११; १५, १; नावा० १२.

—जगज्ज न० (जगज्ज) शुद्ध अजगज्ज
शुद्ध जगज्ज pure collyrium (for
the eye). " जगज्ज भिगमेव रिद्ध
जगज्जविषय गुहिव कज्ज जगज्जमेव "
नावा० १; कण० १, १६; —कज्ज न०
(कज्ज) जगज्जिज्ज सान्; शुद्ध अजगज्ज.
शुद्ध सुवर्ण. pure gold कण० १, १६.

—जिज्ज वि० (जगज्ज) जगज्ज. जगज्जिज्ज.
जगज्ज. जगज्ज. जगज्ज. जगज्ज. जगज्ज.
hooly horn; born in a high
family. लु० १, १३, ०; —जिज्ज.
वि० (जगज्ज) जगज्ज. जगज्जिज्ज. स०६.
देखा ऊपर का सङ्घ. vide above. लु०
१, १३, ०;

जगज्जिज्ज. पु० (जगज्जिज्ज) आर वेदभांने
जीने वेद; आजिज्ज पमंजुं मूध पुनः।
बागे वेद मे का द्वितीय वेद; आजिज्ज पमं

* जुमे पुष्ट नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*). देखो पुष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

जेवा करायारी: एक प्रकार का गीं A
kind of serpent having a mane
like that of a lion. 'उत्तर कुण्ड-
द्विचतुस्रस्य उत्तरपदादौ चतुस्रस्य'
भग० १३, १. भाषा० ३:

अनु. ३. (+) दीयी हवा. An
elephant आष. वि. २१८. ११. १०.
१८९.

अबु नि० (अब) मोक्षदात्र, ईश्वरदाता अर्थात्
 ३००० भा १०३ मुष्ण ३ ०० ००० ३०० ३००
 नयी बांनने मे, दिवने मे व बांन बांन मे
 अब-मुष्ण कि मा बांन मेन बांन न हां.
 (One) who is stupid in speech,
 appearance and actions and so
 unfit to enter the religious
 order " बांन बांन नमुष्ण बांन अबु
 बांन " प्र० १०३;

॥ अहं नि. (हीन) १७ दिने; छे. २५, ३५ दि.
 ॥ एवम विवा दुःखाः मरुतः Abandoned;
 ॥ ७५ दि. दन. ६, ६१; मरुतः आच. नि.
 ॥ १८१, २२१,

V. 'अम. पा० I, II (अम) अमृत; अमृत
 अमृत दना; दना अमृत To give
 birth to, to produce
 अमृत अमृत अमृत, १००;
 अमृत. दम. १, १०.

अथर्वान्ति आया० १, २, १, ६१:

ଅନୁସନ୍ଧାନ ଆଧାର ୧, ୨, ୩,

अधिला, सं० कृ० अं० १२;

अधिशठं. हे. इ. म. व. २, २२६:

महोदय व. ह. वि. नि. १८६.

अथ पुं० (जय-जायते इति जयः) दोहाः
भाजुसः भजुषः भजुवः जायसो. A ॥५॥

person; people माया= १; २; ७.
 १४, १७, १८, अण= १, १, २, ३, ७, ८.
 पि= मि= १२४; १६४; लृ= य= १; राय=
 अलुयो= १३०, उल= १०, १९, आय= लृ=
 य= ४, १४२; वय= १, २३; नदी= क;
 गंवा= ७, १६; कय= ३, ४०, क= ग= १,
 ४०; (२) जन्म स्थानादयः, अत्र लक्षणाया
 relative= आया= १, ८, १, १०३।

—आसुद् पुं० (आसुद्) मन नमः मन
मन-द आसुद्. मन नमः का आसुद्
that pleases or de-
lights mankind or human
society. गव० १६६; —उडिष पुं०
(उडिष) तदभ्याथी तदभ्याथी तदी रीति
भाज्यते तदभ्याथी. नीति न. तिस प्रका
तं न मे न तं न विकल्पी है उनी प्रकार
मनुष्यों के समूह के समूह विकल्प
surging crowd of men. गव०
आ० २२; (उडिष) उडिष. पुं०
(उडिष) उडिष. तदभ्याथी
यनी पुन. उडिष. स्वयं न मे होना मुद्
पूजा worship or honour paid
by relatives or other people.
गं० २, १६; ८, १२; —कलकल पुं०
(कलकल) भाज्यते ' कल कल ' अथ
अथ. मनुष्यों का कलकल ऐसा आवाज.
hurting sound made by a con-
course of men. गव० —कलकल पुं०
(कलकल) भाज्यते क्षय; मनुष्य का
क्षय; मरण. death of a man. गव०
१, ७; ० ४; —कलकल वि० (कल-
कल) क्षय. क्षय. क्षयों का क्षय
करने वाला. (कलकल) that destroys

womb of a mother संघ. —संघ
 पुं. (—संघ) संघना संघात् संघात्
 संघात्. the womb of a mother.
 संघ. ११८१;

अनुपय. १- (अनुपय) देश. देश. A
country अनु. १. ५.

प्रत्यय पु० (प्रत्यय) पि०, पिता A
 father, प्रत्यय, --नाम पु० (नाम)
 पिता, पिता का नाम, name of
 one's father, पि० व०

अथर्वश्रुति. पुं० (अथर्व) देश. अ० दश.
राष्ट्र A country उ० २६, २८,
आ० १, ३, ४, ११३; १, ६, ७, १०४,
ना० १, ४, ८, १२, १२, १६, १८; प० १,
१, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३,
१४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६,
२७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६,
३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७,
४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८,
५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९,
७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०,
८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१,
९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०१,
१०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९,
११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७,
११८, ११९, १२०, १२१, १२२, १२३, १२४, १२५,
१२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१,
१४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९,
१५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७,
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६५,
१६६, १६७, १६८, १६९, १७०, १७१, १७२, १७३,
१७४, १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१,
१८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, १८९,
१९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७,
१९८, १९९, २००, २०१, २०२, २०३, २०४, २०५,
२०६, २०७, २०८, २०९, २१०, २११, २१२, २१३,
२१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१,
२२२, २२३, २२४, २२५, २२६, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५, २३६, २३७,
२३८, २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४४, २४५,
२४६, २४७, २४८, २४९, २५०, २५१, २५२, २५३,
२५४, २५५, २५६, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१,
२६२, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६८, २६९,
२७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७,
२७८, २७९, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५,
२८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३,
२९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१,
३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९,
३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७,
३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५,
३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३,
३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१,
३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९,
३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७,
३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५,
३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३,
३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१,
३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९,
३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७,
३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५,
४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३,
४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१,
४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९,
४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७,
४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५,
४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३,
४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१,
४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९,
४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७,
४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५,
४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३,
४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१,
५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९,
५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४,

minent, renowned in a country

“भस्मिहं प्रवक्ष्यामि॥॥॥”

पृष्ठ-१, ४; अथवा पु-१ (- वरी) ईसवी
समय, देशों का समूह a collection
or group of countries अथवा १

५. —**सूत्रम् १०** । (—सायं जलपश्यन् शैलेषु
 यद् यद् ईशानकृतम् । कुरु शैलान्तराद्यं तत्तु
 तत्तथावक्तव्यम् । प्रमुखाद्यानि सार्वभौमिणः
 निजिन जलपश्यन्त्यम्) इति प्राचीना स्मृतिः ।

पिंडो प्रका- दश प्रकार के सत्य का पहला
प्रकार the first of the ten kinds
of truth अ० १०, — सत्यता का-

(२२३) अनवरत्नाधिकृतवैद्यार्थमानपात्र
अनकनवा व्यवहार हेतुः २२३ अनवर
व्याख्या) २२३ भाष्ये २२३ प्रकाशमाने

पदेना प्रदान, मर भाषा के दस प्रकारों में
में पहला प्रकार, the first of the 10
kinds truthful speech. पृष्ठ- १८.

आणखी या वि० (आनिम) वि० मध्ये येत.

उत्पन्न Born; produced. आन०
२६; नाया० १; अग० ६, ११; पु० अ०
१, १६; —प्रसाध. ५० (प्रसाध)

प्रमाण उपलब्ध नभैना, त्रिभुक्त प्रमाण उपलब्ध
नहुना हो नद कोष who has com-
mitted an act of negligence

નાયા = ૧૦, -- માંદ પ્રિ. (માંદ) ઉપજ
 ક્યોં ઉ માંદ જેનું ને ગિયન માંદ અપજ
 કિયા જદ (માંદ) થાત હાન અપજદ

or produced infatuation. अम-
१२०; —संवेग. प्रि० (-संवेग) भाषा-
विशेषा ३. ५५ संवेग प्रियका संवेगादिनामा

एक ही है। (one) in whom a desire for salvation has been generated ॥१॥ — द्वाय १॥

(-हाम) ६.२५ कि.म. अग्रे, जिसकी वृत्ति
उत्पन्न हुआ हां (an-) in whom is

has been produced. नावा० व०
 प्रत्यय पु० (वत्त) पुन न. मादिनी पुन देव
 वत्त नावादिनी पुन होम इवन A sacrific-
 tice, worship of supports etc.
 अग० १, ११, उप० १, १८, नावा० १, २,
 (२) २१ २१ २४ २४ २४ २४ २४ २४ २४ २४
 इह देव की पुन. worship of one's
 own special or family-deity.
 अग० नावा० १, ११, उप० पु० (वत्त) पुन
 पुन इवत्त पुन इवन नावा one who
 performs a sacrifice or wor-
 ship, अग० इ पु० (वत्त) पुन
 अग० पुन (वत्त) पुन इवन नावा (one)
 having sacrifice or worship
 as a motive or end " प्रवत्त वत्त
 दिवा " उप० २४, ७, इह पु० (वत्त)
 पुन (वत्त) पुन इवन नावा (one)
 desirous of a sacrifice in a
 spiritual sense. " प्रवत्त वत्त इह " उप० २४, ११.

अथर्वसू. पुं० (बल्लरुण) में नामना माधु
इस नाम का माधु Name of an yajno-
lit कर्त्त० २. —बाह पुं० (—बाह)
यज्ञ बाह्यो यज्ञ यज्ञस्थल के ते यज्ञा यज्ञाः
यज्ञ का बाह्य, यज्ञों पर यज्ञ होता है यज्ञ
स्थान, a place where a sacrifice
is performed उत० १२, १. —सिद्ध
पुं० (—वेह-बहेषु अहो यज्ञ भेदः) उतम
यज्ञ उतम यज्ञ, the highest kind
of sacrifice " बोसह कावा सुहस्यवेहा
महायज्ञं अवह अवहोसिद्धं " उत० १२, ४३:

अथवा. पुं० (वहिव्) यत् करनेवाला तापसनी
ओ३ स्वत. वह करने वाले तापसका एक
व्यक्ति. One who performs a
sacrifice; a kind of an ascetic.

આંશ- ૧૮, મન- ૧૧, ૬;

प्रमाणद्वारा नं० (कडीय) के नाम ११२१
 ११२१ नं० ११२१ के नाम ११२१ इम नाम
 का प्रमाणद्वारा नं० ११२१ के नाम ११२१
 Name of the 24th chapter of
 Uttanadhyayana Sutra ११२१.
 अथवा ११२१.

अन्यत्वं च- (यद्य) १३३; प्रोक्तम् Any
thing, whatever चाद्य- १३; १०;
नाया- १; भग- १, १; २, २; (२) १०५.
१०५। ५३३; १३ भा३) त्रिसकं कारण, त्रिस
वाये, by which; so that भग- १,
१, २, ४, ५४- १, २१; नाया- १४;

પ્રત્યાહાર્ય ન. (વસ્ત્રોપધાન) જેને ઇ.
 વસ્ત્રોપધાન A sacred thread worn
 on the body. મળ.૧૧, ૬; ન યા.૧૯;
 પ્રત્યાહ. ઇ. (વસ્ત્રાન્) જેથી; જે માટે. ત્રિવ
 ને. પ્રત્ય ત્રિવ. For which, from
 which તાવા. ૫;

जागहर्षी. श्री० (गान्धर्वी) मन्त्रा नदी गंगा
नदी. The river Ganges. प्र० १२७२.

अनमालु प्रि- (बनमान) धनधान. बल-
वान. Carefully trying or at-
tempting, making efforts to
accomplish an object. आया- १,
४, ३, ४, १, ४, १, १३४;

प्रति. अ. (वदि) जुमे. " जइ " शब्द.
इका " जइ " शब्द. Vide " जइ "
भग. १२, १;

अति. पुं० (वति) साधुः भुनि. साधुः मुनि.
 An ascetic; a saint पंजा० ५, ११;
 १०, १४; १२, १;

अतिथय्य वि० (कलितय्य) ५८५ ३२५ ५०५।
यत्न करने के योग्य. Worthy of being
accomplished by efforts; worth
attempting. वंश० १३, २०;

अनु. न० (अनु) शब्दः श्वेतपुष्पी. काशः
बारी. Low; a dark-red trans-
parent resin. अण० १०, २; लृ० १,
४, १, २६; —कुंज. पु० (-कुंज) शब्दः
नो पत्रे. लाक का बड़ा a pot of lac.
लृ० १, ४, १, २६; —गोला पु० (गोला)
शब्दः श्वेतपुष्पीनो श्वेतो. लाक बारा का
गोला a globe of lac; a ball of
lac अण० १५, ३; —गोलावसाव प्रि०
(गोलावसाव) शब्दः श्वेतपुष्पी. लाक के
बारे श्वेतो. resembling a ball of
lac अण० १५, ३;

अनु. प्रि० (अनु) श्वेत. आ; वह. जो. गो.
That-which. anybody. उल० १,
२३;

अनु. प्रि० (अनु) श्वेत. अतिना. As
much; to the extent to which
गच्छा० ११८.

अनु. पु० (अनु) श्वेत; प्रयास, मेहनत. बल,
प्रयास, विहनन. Effort; attempt;
labour. दण० ६, ३, १३; अण० ६, ३३.
पदा० १, २६; (२) प्रि० श्वेतपुष्पी. बल
बल. full of effort; carefully
attempting. आश० १, १, ४, ३३;

अनु. जी० (अनु) श्वेत; प्रयास.
निकलना, रवाना होना, (going; setting
out. आश० २६; आश० ८; ८; (२)
संयम निर्वाह, संयम पालन; नया नियम
संयम; २५; श्वाश आदिमां चितने सत्पराय
ने संयम निर्वाह; संयम पालन; नया नियम
संयम; स्वाभ्यास आदि में चित को लगाना.
observance of ascetic rules
and practices; applying the
mind to the study of scriptures
etc. " किंसे संयम कहा? सो भिक्षा !"
अण० १८, १०; आश० ६; उल० २३, ३२;

अनु० ६, १; अण० ६६; —अभिमुह. प्रि०
(-अभिमुह) श्वेत-ममन. अतिने तैयार
बने. सन्मुख बने. बाबा-गहन करन
को तैयार, सम्मुख आया हुआ prepared,
ready to set out or start. आश०
२६. —वाहिविपत्त. प्रि० (-वाहिविपत्त)
श्वेत उरी पाछा. वने. बाबा करके वापस
लौटा हुआ. returned from travel,
pilgrimage etc. निवा० ६, २४;
—अवस्य पु० (अनुक -अवस्य इति
अनुक. अवावो बाबा-वा अनुक. बाबा-अनुक.)
श्वेतपुष्पी. मुसादरी करती. वने. संधे. नो.
नो. देता-अवस्य मे बाबा करके लवण लव
रहने बाबा नीकर. a servant en-
gaged to serve during a foreign
travel. अण० ४, १; —अवस्य. पु०
(अनुक) अनुमा उपायो अ० ६. देता ऊपरका
श्वेत. vide above अण० ४, १; —संय
श्वेत. प्रि० (संयमित) श्वेतमे श्वेताने
तैयार बने. बाबा करके को (के श्वेत)
माने का तैयार. bound for, prepar-
ed for starting on a travel or a
pilgrimage. निवा० ६, १३; —सिद्ध.
पु० (-सिद्ध) श्वेत आर वपन समुदनी
बाबा उरी श्वेत सुद्य-सदीश्वरामन पदे
आने ने बाबा सिद्ध उद्योग बाह बाह
समुद्रबाबा श्वेत-कुतल-सदीश्वरामन करके बा
प आने उने बाबा सिद्ध उद्योग बाबा है. one
returning safely after twelve
sea voyages. अण०

अक्षिप. प्रि० (अनु) श्वेत; श्वेतमा प्रया-
सने. अतिना; अतिमे प्रयास का. As
much, of as much extent or
proportion उल० १०, २०; उल० ३;
अण० १, ६, २, १३, २; १५, ७, १०; नि०
—काश. पु० (-काश) श्वेतपुष्पी. अतिना

तमस्य as much time; as much extent of time उ० ग० ४, ४३, अणो. अ० (वसम्) ८२१; ८२ ५. २११ (वसमे), तिमसं म; From which; whence; ति० ति० ४३,

अण्य. अ० (वस) ७५; ८२५; ८२ २५२ १८ ८२५ २५ ति० मे; जहा, तिम स्थान पर Where, in which; at which place. अणुमो० ८; उल० ३, ३६, नावा० ५० ति० ४, १, ति० ति० ७६; वस० १, १०, वस० ४, १, २१; ७, ३, नावा० ११, १६, मग० १, १, ८, १; १९, ४, १६, ७, वस० १, २६; ४, १०; गच्छा० १८; मग० ७३, २८०;

अण्येव अ० (वस्यैव वस) ७५; जहा; तिम स्थान पर. Where; at which place मग० ८, ४; १३, १।

अणो अ० (वस) ७५, २, ८२ ५५२, ४४; तिम तमस्य. When; at the time when. मग० १२, ६;

अदि. अ० (वदि) ८२५ " अह " २०६. देको " अह " शब्द. Vide " अह " मग० १२, १। २०, ४। २४, २०,

अविच्छिन्न. अ० (वदिच्छिन्न) ५५२, ७५. अचरमान अने देवयोग से बना हुआ Accidental; fortuitous. ति० ११२;

अनुकृष्ट. पु० (वदुमन्त्र) श्री० ५ अहम्. The god Krishna अ० ८;

अन. पु० (अन) मनु० ५ मनु० ४. A man. मग० ३, ११; ति० १४;

अनय. पु० (अनय) ८२५ " अणय " २०६. देको " अणय " शब्द. Vide " अणय " पु० ४० १, ८८;

अ वज. पु० (अनवर) दे० २। २५. देश; राष्ट्र A country. ति० १२, १०;

अज. पु० (वज) ८२५ " अणय " २०६.

देको " अणय " Vide " अणय " ति० उल० २१, ४; १८२; जीवा० १, १; पु० ४० ४ १०१. —ह ति० (-अयं) ५१ ७२ प्रयोग ८२५ अणो; ५१५ ति० मे० तिमस्य प्रयोग वस है वद; वस मे तिमस्य having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice. उल० २५, ७; —वाह पु० (वादिन्) ५१ वादि; अणमेवादि ८२५ ५११ २५५ १२५२. वदवादि; अणमेवादि इत्य वद की स्थापना करने वाला one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc for religious purpose. उल० २६, १८;

अण. न० (अण) मन्त्रादि ८२५. मन्त्रादि का अण. Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc अणुमो० २९; अण्य. अ० (अण) श्री० ८ युगाजने ७२५. ति० १५५ गुलाब का पेड़ा. A plant of China rose रा० ३१;

अण्य पु० (अण्य) अण्युते. ओमपु० ने. वदवदहट करना, बोलना. Prattle; act of speaking at random अ० ६;

अण्यभिह. अ० (वदयति) ८२ ५५२१; ८२ ५५२१; ७५२१. तिम कान मे; तिम तमस से; अब से From the time when; since the time when. " अण्यभिह वको अहं एव दारय " कण० ४, २०; मग० १०, ४, नावा० ५० मं० ५० २, ११;

✓ अण. पा० II. (वज) ति० ५१२ ५१२. विषमता मिटा कर बराब स्थिति मे रचना. To make even; to place in order by removing inequalities. (२) निरुप वज. निरुप होना.

to retire; to cease from

અમાવેહ શ્રે. વિદી. ૧, ૪૦,

અમ. પું. (વચ) પ્રાણનિરતાર્થિનિ આદિ
પાંચ મહત્તર પ્રાજ્ઞાપનાભરણિ આદિ પાંચ
મહાવચ. The five major vows
such as abstaining from killing
etc. ' અમાહ અમઅર્થામિ ' ડભ. ૨૨, ૧.
ઠા. ૨, ૧. (૨) યજ્ઞ નથા ઇન્દ્રાણ દ્વિદા દિગ્દા
દિગ્દા ને ઇન્દ્રાણ નામ. શક વ દશાન દર
કે શક્તિ દશા કે ભોક્તાન કા નામ
a name of the guardian deity
of the southern quarter of
Sakra and Janendra. ઠા. ૨,
૧; વિદી. ૧૨૨૧; મુ. ૧૦. ૧૦; અમ.
૧, ૨, શ્રે. ૧૦. ૧૦૬ ૧, ૧; (૩) અરુણી
નક્ષત્રો અવિષ્ણા દેવતા. અરુણા નક્ષત્ર કા
આધિપતિ દેવતા. the presiding
deity of the constellation B a
rupa અમુમા. ૧૧૧; મુ. ૧૦. ૧૦; શ્રે.
૧૦. ૨, ૧૨૨, ઠા. ૨, ૧; —કાહ્ય પું.
(-કાવક) દિગ્દા પદના પમ પદના દેવ
દિગ્દા દિશાકે વચ માનિકે દેવ a deity
of the south belonging to the
kind known as Yama. ૧૦૬. ૧, ૧,
અમ. ૧ ૨; —અમ પું. (-અમ) અદિ સા,
અમ, અમતેષ, અમતેષ અને અમતેષ એ
૫ પમ-સપ્તમ કે ૫ પદ, આ ૫ પદ આદિયા,
મત, અમતેષ, અમતેષ, ૫ આદિય દેવ પાંચ
વચ-સંવચ કા વચ. આ ૫ વચ a sacrific-
ice taken in a spiritual sense
consisting of the observance of
five rules or vows viz abstain-
ing from killing, truthfulness,
abstaining from theft, abstain-
ing from sexual intercourse
and non possession of worldly

objects. ડભ. ૨૨, ૧. દેવકાહ્ય

પું. (દેવકાવક) ૫મ દેવતાઓની
એક જાત. ૫મ દેવતાઓ કી એક જાત
a group of the gods known
as Yama Devatas અમ. ૧, ૨,

—પુરિમલકુલ ૧૪૦ (પુરિમલકુલ
અમતેષ દિગ્દાદેવતાઓ પુરિમલ અમાદેવો
પુરિમલવાર્ધા: અકુલા એ ને નથા) ૫૨મ.
૫ મી કપી ૫૨મ, ૫૨મ પુ. ૫૨મ, ૫૨મા-
પાનીપાની ૫૨ પુ. ૫૨મ અપમિયો
૫ ૫મા, ૫મ પુ. ૫મ અપમ મનુષ્ય ૫
અકુલ full of demons known
as Paramadhamis. ૫૦૬. ૧, ૧,

પુરિમલકુલ ૧૪૦ (-પુરિમલકુલ)
૫૨મા પાનીપા ૫૨ પુ. ૫૨મા પાની કે અમાન
કુલ. (cruel) like a demon
known as Paramadhami. ૫૦૬.
૧, ૧, ભોદ્ય પું. (-ભોદ્ય) ૫-મા
પાની પંદરે ૫મ દેવતાની દેવતા. ૫૨મા પાની
આદિ ૫મ ભોદ્ય કાની દેવતા. a god
living in Yamaloka, ૦. ૫ a
Paramadhami etc મુ. ૧, ૧૨, ૧૧;

અમદાશ ન. (અમદાશ) એ નામનુ મુવનમન
૫૪૫ ૧૧ મું અમદાશ દમ નામ કા મુવ
મદાશ મુવ કા ૧૧ મું અમદાશ. Name
of the ૧૧th chapter of Suya
gradang. ૫૦. ૧૨; ૨૧;

અમદાશ; ૫૦. ૧૨. ૨૧. (અમદાશ) ૫૨મા પાની:
૫૨મા પાની ૫૨મ અનિવિચિત ૫૨મિ: ૫૨-
૫૨ આદિ ૫૨ પાનીપાની ૫૨મિ: અમા
કા; આ ૫ પાની ૫૨મિ: ૫૨મા આદિ
કા કે. અમદાશ દોકા Having
fixed on settle, having become
thoroughly familiar with આમ-
૧૧;

અમળ પું. (વચક) દેવકાહ્ય ઉપરકાહ્ય ઉપર

माना अं नामना परंत. "कविं संत उवा
कुण्ड कुण्ड अमर नाम पुं वदववा
पण्डिता ।" श्रीवा. १, ८, सं. १० अम.
१८, ८, (१) अमर परंतवासी देवतां
नाम अमर परंतवासी देवता का नाम.
Name of the god residing on
the Jamag mountain सं. १०३,
११२; श्रीवा. ११, श्रीवा. १, ८; —एकद्व
पुं (-वर्तन) अमर देवता शब्दना अमर
पण्डिता अमर देवता का नाम. vide above.

सं. १० ८ वद, १, ११२, अम. १०००;
अमरकामर. अं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर अमर एक नाम; पुं अमर;
एकद्व अमर पर. At one and the
same time, simultaneously सं.
१० ८ वद, १, ११२, श्रीवा. १, ८, श्रीवा.
११, श्रीवा. १, २, श्रीवा. ८, ८, अम. ११,
१०, श्रीवा. ८, ११८, १११; का. १० ८, १०१;

अमरकामर. अं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर देवता का नाम, अमर देवता
का नाम. The capital of the
gods known as Jamaka. श्रीवा.
१, ८, सं. १० ८, वद;

अमरकामर. अं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर देवता का नाम, अमर देवता
का नाम. The capital of the
gods known as Jamaka. श्रीवा.
१, ८, सं. १० ८, वद;

अमरकामर. पुं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर देवता का नाम, अमर देवता
का नाम. The capital of the
gods known as Jamaka. श्रीवा.
१, ८, सं. १० ८, वद;

Jamadagni; Parashurama. श्रीवा.
१, १;

अमरकामर. पुं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर देवता का नाम, अमर देवता
का नाम. The capital of the
gods known as Jamaka. श्रीवा.
१, ८, सं. १० ८, वद;

अमरकामर. पुं (अमरकामर) अमरकामर;
पुं अमर देवता का नाम, अमर देवता
का नाम. The capital of the
gods known as Jamaka. श्रीवा.
१, ८, सं. १० ८, वद;

व दूतरे जात संखे का दूतरा अमल वर.
a numerical sum containing 8
figures; e. g. 32548633. अमल-
१४३; वर- १२; —पाणि पुं० (-पाणि)
भुक्ति, मुक्ति. the first of a hand अम-
१४, १;

अमलसा. जी. (वमलसा) अमलसा. गुण
मला. State of being a pair
विवा- ४;

अमलसि. वि० (वमलसि-वमलसि नाम लज्जामां
वयोवृद्धं ननु संज्ञात्मिकां मे वमलसिनाः) दिशा-
मां समवेष्टीमे रदेष्ट. एकही दिशा में सम
धेकी मे स्थित. Remaining in jur-
tuposition; remaining in a
straight line जोर- अम- १, १;

अमा जी० (वायवा-वयो देवता वरवाः वा
वायवा) दक्षिण दिशा. दक्षिण दिशा. The
southern direction अम- १०, १.
(२) यमयोऽपान्ती राज्यानी नरदेव का
राज्यनगर. the capital of good
Yama अम- १०, ३;

अमलसि पुं० (अमलसि) मे नामना सवित्र
राजकुमार; महावीरस्य भिना अमलसि के
नेत्रे अमलसि जीता वीथी मने पाठमथी
मेक पथ अमलसि. हन नाम का कवि
राजकुमार, महावीर स्वामी का बचि कि
किहोने प्रभु के महीन शका की और कि
एक पंथ की स्थापना की A Kautriya
prince, the son in law of Mahā-
vira Svāmi who received Dikṣā
from him and afterwards
founded a sect. " लम्बक कांनरकुं-
नामे कवरे अमलसिनाम कवि व कुमारे परि-
वर्द्ध " अम- ४, १३; भाषा- ८; विर- ४,
१; अ- ०, १; —अमलसि अम (अ-
वमल) अमलसि अमलसि अमलसि अमलसि

दाम ७१३-५५ नहीं अमलसि अमलसि अमलसि
अमलसि कि जो किमहा अमलसि अमलसि
name of the 6th chapter of
Antyagādya (it is no longer
extant) अ- १०.

अमिना जी० (वमिना) अमलसि अमलसि
देवता राज्यानी. अमलसि अमलसि अमलसि
का राजनगर. The capital of the
gods residing on the Janaka
अ- १०, ४, ४४.

अमिष वि० (वमिष) अमलसि अमलसि
दिशा दिशावा दुआ. Guided, govern-
ed. अ- १०, १, २४;

अमलसा. जी० (वमलसा) अमलसि अमलसि
नदी. The Jannā river अ- १०,
५, ४;

अमल. पुं० न० (अमल) अमल. अमल
उत्पत्ति, अमल. Production; birth
माया- १, २, १३; १४; १४, माया- ५-
अम- ४, १३; १३, १, अ- १०, १, १४-
१०४, १, १४३; विर- ३०४, दमा- ४, १,
विर- १, १; जोर- ४४; अम- १, १, १,
२१; वि- १०- ३४, दमा- २, ११३; क- १-
२, १४, २४- ४; अम- १४४; —अमल
अमल. न० (अमलसि) अमलसि अमलसि
अमलसि अमलसि. birth, old age
and death अमल- १, ३; —अमलसि अमल-
न० (अमलसि) अमलसि अमलसि
अमलसि अमलसि the fruit of life
अम- १४, १; माया- १३. —अमल न०
(अमल) अमल अमल अमल अमल अमल
अमल अमल अमल अमल अमल, the
town where one is born. अ- १०,
१, १२३; २, ११०; —अमल न० (अमल
अमलसि अमलसि अमलसि अमलसि
अमलसि) अमलसि अमलसि अमलसि

ये नाममा २२-म धर्मो द्वौ ते नाम. जन्म
नगर, उत्पत्ति स्थान the town where
one is born, birth place सं० ५०
५, १०१. —द्विभि. (२०) (द्वितीय) २२-मना
मर २२-मना द्वितीय जन्म क बाष्पाविक
मरण का देखन वाता (one) who
understands the real nature of
birth (life). ' जन्मद्विभि मे जन्म
द्विभि जन्मद्विभि मे मारद्विभि ' वावा० १, १,
५, १०१. —द्विभि ५० (दोष) २२-म २२
आती २२ २२-मली २२. जन्म दोष the
defect from the very birth ठा० १०.

मन्वन्त न-(-मन्वन्) २२-मन्वन् नक्षत्र
मन्मन्वन् the natal star कथ०
५, १०५. पञ्च. वि० (-वचन) २२-मन्वन्
मन्वन् नक्षत्र ५५५ जन्म मे ही स्वयं
पारिवर्तन बना हुआ fully developed
on nature from the very
birth विवा० १, ५. -कथ. न० (कथ)
२२-मन्वन् ५५५ मन्वन् जीवन् का कथ प्रवा
नन the name or object of life.
पंचा० ५, ११. —भूमि. जी० (भूमि)
२२-म भूमि. मन्वन् भूमि. जन्म भूमि, मातृ
भूमि birth-place, mother land
" जन्मभूमि निम्नवर्ग निम्नवर्ग जन्म
भूमि " मन्वन् ५० १११. सम्यक् पुं०
(-वचन) २२-मन्वन् ५५५ जन्म समय
the hour of birth. प्रव० ५.

अठमोऽध्यायः न० (अठमोऽध्यायः अठमोऽध्यायः
अठमोऽध्यायः) अ० १ २२-मः ५५५ २२-मः ५५५
जन्म. Previous birth गच्छा० ५.
मन्वन् ११५. -कथ. वि० (कथ)
२२-मन्वन् ५५५. पूर्व जन्म मे किया हुआ
done in the previous life गच्छा०
५.

अठमोऽध्यायः न० (अठमोऽध्यायः) २२-मः ५५५; ५५५

५. अ० ११२. जन्म, उत्पत्ति, कथनार.
Birth, production; incarnation.
" जन्मद्विभि जन्मद्विभि करण मन्वीर दुष्क
वचनमिच्छ " वचन० १, १; वावा० १, १, ५;
मन्वन् ११, ११; १२, ५, १५, २, २५, ५;
मन्वन् १, मन्वन् २१, मन्वन् ११, मन्वन्
मन्वन् १११; मन्वन् ५०१, ११२, मन्वन् ११२;
११२मन्वन् १, १, --वचन न० (वचन)
२२-म मन्वन् ५५५ मन्वन् जन्म वचन;
मन्वन् वचन account of one's life;
biography. वावा० ५५५. —वचन
मन्वन् न० (वचनमिच्छ) मन्वन् ११२-५
२२-मन्वन् ५५५ १२ मन्वन् ५५५ मन्वन्
मन्वन् मन्वन् के मन्वन्मन्वन् के मन्वन् वचन
मन्वन्, १२ मन्वन् मे मे मन्वन् a drama-
tic performance showing the
birth of a Tirthankara; one
of the ३२ dramas वावा० - मन्वन् न०
(-मन्वन्) मन्वन् ५५५ मन्वन् ५५५
lying in chamber. मन्वन् ५० १;
११२. —मन्वन् पुं० (-मन्वन्) २२-म
मन्वन् ५५५. जन्म मन्वन् ५५५. festivity in
connection with birth. मन्वन् १,
--मन्वन् पुं० (-मन्वन्) २२-मन्वन् ५५५.
मन्वन् ५५५. festivity in connection
with birth. मन्वन् १५, २, मन्वन् ५० १,
११२, ११२;

अठमोऽध्यायः (वचन) द्विभि द्विभि. दक्षिण
दिता. The South. प्रव० ७५५;

५. अथ. पा० I. (जी) ५५५; २२-मन्वन् ५५५;
५५५ मन्वन् जन्म प्राप्त करना; लक्ष्यता
पाना. To conquer, to succeed.
अथ०-मन्वन् ५५५, १, १, १, १, १, १;
अथ०. मन्वन् ५० ७, १५२;

अथ० मन्वन् ७, १;

अथ०. ठा० १, २;

इस दशका की अवधि १२ मासोंमें ही
होता है १६ माहमें म बदला आलोच्छ्वास
में है और इन्हें १० हजार वर्ष में क्षुधा
लगती है the third of the five
principal celestial abodes
known as Jayanta The life-
period of the gods of this
abode is 32 Sagaras They
breathe once in 16 months
and feel hungry once after
every 32 thousand years "विष्णवे
ब्रह्मणे शर्वणे अवरामय्य सर्वद्विष्टे"
अ० ४. ३. ५, मन्त्र० १२, भग० ४. ८
२८, २९ जाया० ७, प्रव० ११११;
(३) ते विमानाग्नी देवा उभ विमान म
रुद्रं वायु दक्षता द्यौश्च रसांसि in
celestial palaces or abodes.
मन्त्र० वन० १६, २३३, यज० १; (४)
मेरु पर्वतानी चतुर दिग् मे अपतेषा रुद्राः (२)
पर्वताना आर्धमांशु १० मु कृत मेरु पर्वत
की उत्तर दिशा के लक्ष ऊपर हुए व्यवस्था
पर्वत के आधार कुट में से गारवा कुट the
7th of the eight summits of
Ruchakavyara mountain situa-
ted to the north of Meru. अ०
४, (४) आग्नी आग्नीमीथ नार प्रथम
पद्मदेव। कागयो कोचामी मे होमे वागे प्रथम
वलदेव. the first Baladeva
of the coming cycle मन्त्र० प्र० २२२;
(६) वज्रमेन सूरीना अर शिष्याभिना
शील शिष्यां नाम अने वेनापी नीलेय
शास्त्रां नाम. वज्रमेनम्बी के चार शिष्यों
में से तात्त्विक शास्त्र का नाम व इनमें
निकली हुई शास्त्रा का नाम. name of
the third of the four disciples
of Vajrasena Sūri as also the

school that sprang from him.
 ४१० २. — **चक्र. १०** (३४४) श्रीं
 अनुसर विमल नीला चक्रर सेवान.
 the third chief celestial abode
 known as Anutara Naala.
अवती का. (अवती) वैशी नदी
 जिसकी प्रवाह नमो भद्रादीर स्वामीनी
 भोती अविष्ट. कीमती नमो विवाही
 अवती नमो का भद्रादीर स्वामी का वक्र
 — **पावक.** Name of the great
 female disciple of Mahāvīra
 Svami living at Kāśāmbi.
मम. १२, २. (२) सावती अमरीनी
 मातृ नाम अवे अमरीनी की माता का नाम.
 name of the mother of the
 seventh Bahubhava मम. १० २३२;
 (३) सावती दिशकुमारी मातृ दिशा-
 कुमारी the seventh Dīśakumārī.
 (४) सावतीनी अम अमरीनीमाती
 श्री अमरीनीनी नमो सर्व प्रहो की चार
 अवतीनी मे मे नीला अवतीनी का नाम.
 name of the third of the four
 principal queens of the planets.
म. १० २, ११४ **मोवा. ४. ४० ८, ११**
मम. १०, १; (२) भद्राप्रविष्टनी
 भुव्य राजधानी. भद्राप्र विष्ट का मुख्य
 राजधानी. the chief capital of
 Mahāvīra Vajraya. **म. १० ४०**
२, १; (३) उत्तर दिशाना अमरीनी परतीनी
 अमरीनीनी नावनी नाम. उत्तर दिशा के
 अमरीनीनी की पश्चिम तरफ की एक वादी
 का नाम. name of a well situated
 to the west of the northern
 mountain, Anjana. **जीवा. १, ४**
प्रव. १२०३; (७) पञ्चाशीनीनी पंढर
 रतिनीनी ६ भी रतिनी नाम. पञ्च की १२

[illegible]

श्रीगुरुः. Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every aquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jainas ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerities. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmana explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana wonned his brother and initiated him in his order. ३१५ २४, ५;

अथ अथ. पुं० (अथ अथ) ११५ धा०. ११५
धा०. अथे ५१५. अथ हां अथ हां ऐसा
अथि. The exclamation Jaya !
Jaya' (victory). मन्० १, ११:
—एव. पु० (- एव) ११५ धा०. अथे अ थि-
विं० वा०५५ स०५. अथ हां ऐसा काशीवां०
च० सन्. the benedictory excla-
mation Jaya, Jaya (victory).
मन्० १, ११:—एव. पुं० (- एव) ११५ ११५
अथे. आ०५५५ स०५. अथअथ देवा काशीवां०
सन्. The benedictory ex-
clamation Jaya Jaya (victory).

आंश. सं १० व १११

अथवा २० (पञ्चम) अध्याये, ने अथवा दान
द्वारा (Divine Assistance of Rich-
ty पण्ड- २, १).

प्रयत्न न० (बन्ध) प्राप्तिनि र्दाय ३२३.
 प्राणी का रक्षण करना Protection of
 living beings. पणह० २, १. (२)
 बन्ध ३२३ो ने, प्रयत्न ३२३ो ने बन्ध करना,
 effort, exertion. नवा० १, पणह० २,
 १.—(ला)आवागमिउत्त न०(जावरावाव)
 ज्यो प्राप्ति-प्रयत्नमा अन्तर्गत ५० नेली
 ५००ली अथ प्राप्ति प्रयत्न मे प्रयत्न-
 प्रयत्न मे बिन्दु हो एही कर्म की एक प्रकृति,
 a kind of Karma which
 hinders efforts भग० १, ३३.

[illegible]

अथवा श्री- (अथवा) 'यही' यदि उपर अनु-
मेसने अभी है। यही यदि सब गतिओं
के ऊपर सफरना प्राप्त कर लेता है। यही
गति The great or the speed of
good which is the highest of
all. "अथवा यह" कथन २, २०;
साधन १; अथवा ३, १; साधन २३;

अवस्था. श्री० (कन्या) सभ.सितभां ७७ प्र.३२२नी
 ५तना-विषे. सत्यकृष् में छः प्रकार का
 विषे. The six forms of discrimi-
 nation in Samyaktva. प्र०. ६७१;
 प्रवृद्ध. श्री० (अवग्रह) ओ नाभनी ओ ३ रा०-

प्रमाण. इन नाम का एक मात्र प्रमाण. Name
of the printer "महेश्वरप्रसाद प्रसाद"
मा. १६,

अथवा कृत्वा Endeavouring; striving
पंथा० १२, ११;

जया ज० (वदा) ७५१२ ४५५० जय;
 त्रिभू लक्ष्म. When. नाया० ११ ७; ११;
 १९. नाया० ज० भग० ४, १; दमा० ४,
 १०; १०, १; दम० ४, ४. जा० १२; उम०
 २४, १४, विशेष० ६३, क० मं० १, ७;

अथा. श्री० (अथा) आरम्भ तीर्थकर वासु-
पुत्रजी मातुल नाम. बारहवें तीर्थकर वासु-
पुत्र की माता का नाम. Name of
the mother of the twelfth Tir-
thankara, Vasupujya. सम० प०
२१०, पृष्ठ० ११; (२) अथा, अष्टम अने
तेरहवीं - रिता नाम. तृतीया, चतुर्था और
प्रदोदमा की रात्रियों के नाम. name of
the 3rd, 5th and 13th night of
a fortnight. सम० प० १०; (३) अथा
चतुर्वर्तीनी श्री (२०५). चौथे चतुर्वर्ती की
या the wife of the fourth (Cha-
kriavarti सम० प० २१०; (४) अथा
मन्दरी मिष्ठ. एक प्रकार की मिठाई. a
kind of sweetmeat जं० प० ४,
११२.

अथाऽमथार. पुं. (अकारमकार) ०४१२म११२
२५ अ०११०६. अकार मथार रूप अपठम्
A corrupted word having the
sound 'ja' and 'ma'. न०४१२म११२;

✓ जर. पा. I, II. (३) अयं १२३.
 जीर्ण करना To grow old; to decay.
 जरेहि. जावा. १, ४, १; ११५;

अर. पुं० (उच्चार) ताव; ओ३ जलने शैव.
कुमार; ताव; एक प्रकार की बिजारी. A

जसि कि विष्णु सरीर बल के कारण
विष्णु के अङ्गि हो गया हो. an order
of hermits; one whose body has
been hardened by the frequent
sprinkling of water. मन्० ११,
११; —उत्तर. पुं० (-उत्तर) पाप्मी
उतरतुं ते. जलमें उतरना. descending
or getting into water. प्र० ६७८;
—उत्तरिहृद् वि० (-उत्तरिहृद्)
७४ उ१२ २६-१२. जलके ऊपर रहने वाला.
(one) living above water. भा०
६; —काव. न० (-काव) अ१३५५ पाप्मी.
जलका, जल water. क० मं० ८, ११;
—किट्ट. न० (-किट्ट) पाप्मीने भेद;
सेवा; हीन जल का भेद; कदी. dirt in
the water; मोक्ष राव १०१; —कीडा
जी० (-कीडा) पाप्मीनी अ१२ १२३; कुली
भारी रीति भूमि जल के भीतर तैरना;
कुदम इत्यादि खेल sporting or gam-
boling in water. रा० १०१;
मन्० ११, ६; वि० ०; —कीडा. जी०
(-कीडा) लुमे उ१३ स०. देखो ऊपर
का शब्द. vide above. मन्० ११, ६;
—कुंज. पुं० (-कुंज) पाप्मीने पत्र. जल
का बहा-पाव. a pot of water.
पं० १२, ११; —जल वि० (-जल)
पाप्मीमां रदेधुं जल में रहा हुआ. living
in water. मिकी० १२, २०; (२) पुं०
पाप्मीनी अ१२ रदेधुं छा. जल के भीतर
रहा हुआ जीव. a creature living
in water; an aquatic animal.
प्र० १, १; —जलवि. वि० (-जलवि)
पाप्मीनी अ१२ स० १२; पाप्मी पाना२. जल
पिकाने काज (ops) looking
after water arrangements.

१२; —जलजल. न० (-

पाप्मीने जल कुंज. जल का बहा-पाव.
a ring, a circle of water. प्र० १,
१; —जल. न० (-जल) नासिनुं
पाप्मीमां अक्षतुं ते; पक्षिणुं ७३. जल
चरित का जल में चरना; जहाज का चलना.
moving of a boat or vessel in
the water. भा० वि० १, १, १,
०६; —जलिका. जी० (-जलिका)
आर उ१३५५ मे० नतने छव. चार
इंद्रिय वाला एक जाति का जीव. a kind
of four-sensed creature. प्र०
१; —जलजल. न० (-जलजल) पाप्मी
अक्षतुं ते. जल का टिपकना oozing or
trickling of water. पं० ४, ११;
—जल. न० (-जल) ७४५५; पाप्मीनी
२५१. जलाशय; जल का स्थान. a pond;
a reservoir of water. प्र० २;
—जलजल. वि० (-जलजल) ७४ अने
२२५५ उ१५५ भेद; भूमि भूमि रीति.
जल व स्थल में उत्पन्न; कलस, गुलाब इत्यादि
produced in water and on earth;
the lotus, the rose etc. मन्०
१८; —जोष. पुं० (-जोष) दोष भ्रमाक्ष
पाप्मी दोष के प्रमाण से जल. a cup-
ful of water. प्र० १२२८; —जारा.
जी० (-जारा) पाप्मीनी पार. जल-पारा;
पानी की चार. a stream or current.
or flow of water. मन्० ६, ११;
—जलजल. न० (-जलजल) पाप्मीमां
कुली भरोरुं ते; पाप्मी भरोरुं मे० भ्रमर.
जलमें डूब मरना; जल-कुलुष एक प्रकार.
drowning in water; premature
death. मिकी० ११, ११; —जलजल. न०
(-जलजल) लुमे उ१३ स०. देखो
ऊपर का शब्द. vide above. मिकी० ११,
४१; —जलजल. न० (-जलजल) लुमे "जल-

वर्ण्यं " २०६. देको " अक्षरवर्ण्यं " शब्द.
 ४०० " अक्षरवर्ण्यं " शिरी. ११, ११,
 -एवेमिह वि. (-वेमिह) ४४५
 प्रवेग ३२५३ अन में प्रवेग करने वाला.
 (one) who enters into the
 water शब्. १४, -एवेमिह न.
 लुभा " अक्षरवर्ण्यं " २०६ देको " अक्ष-
 रवर्ण्यं " शब्द ४०० " अक्षरवर्ण्यं " ३०
 २, ४५ मग. २, १, भाषा. १६; —ईदु.
 पुं. (विदु) भाषीनी ११५ अन का दूरी
 a drop of water भाषा. १; ६१-
 १, २१. वासि पुं. (-वासिह) ४४५
 अक्षर वमनार १४५५ मग. अन अन
 के भीतर रहने वाला तापन की एक वासि
 an order of ascetics living in
 water " अक्षरवासिहो वि " मग.
 ११, १, शि. १, १. बुब्बुल न.
 (बुबुल) भाषीनी ४२५५५, अन का
 बुलबुल. A bubble of water.
 " विमल सुदं अक्षरबुलबुलमाहं " शब्.
 -बुब्बुल पुं. (बुबुल) लुभा ११५५५ २०६
 देको अक्षर का शब्द ४०० above
 मग. १, ११. मय न. (मय) भाषी
 नु ४५ अन का मय four of water
 मग. १००. भूमिमा की. (भूमिका)
 भाषी भाषी ४४५५५ अन वाली धरती. land
 having water मग. २. —मउअल
 न. (मउअल) ४४५ २५५५ अन स्नान.
 bathing or ablution in water
 भाषा. २१, २, मग. ११, १; वि. ३;
 —मउअल न. (-मय) भाषीनी ४५५;
 ४४५ अन के बीच में, अन में. the
 midst part of water. मग. १११;
 —माहा की. (-माहा) ५५५ ५५५. बहुत
 अन. plenty of water. मग. नि. १, १,
 १६१; —रक्षल पुं. (-रक्षल) २५५५

ने पांचमो अक्षर अक्षर का वाचवा अक्षर.
 the fifth variety of demons.
 मग. १; —रक्षल न. (-रक्षल) ४४५५५
 अक्षरवा sporting in water. भाषा.
 ११, —रक्ष. पुं. (रक्ष) ४४५५५ पेदा
 अनार अनरपति. ३५५५ ११५५५ अनरे. अनरे
 पेदा हुनेवाला वनस्पति; वन, वनस्पति.
 vegetation growing in water.
 the lotus etc 'मेकने अक्षरवा'. अन
 रक्ष अक्षरवावा वनस्पति. मग. १, भाषा. १.
 -रेहा की. (रेहा) ४५५५५ भाषी
 अनरेपी ३५५५५ पीपी अनरेमकरा अनरेहने
 की दूरी रेहा a line made by means
 of a stick etc in the water म.
 म. १, ११. -विदुल पुं. (विदुल) ४४५
 ने १५५ अन का विदुल a prawn मग.
 १. —विदुल वि. (-विदुल) ४४५५५
 शुद्ध भवे. अन में शुद्ध purified
 by means of water मग. १११;
 ---सिह. वि. (-सिह) ५५५५५ सिह
 ३२५. अन में सिहन किया हुआ. sprin-
 kled or moistened with water
 मग. १, २, १२; —सिह. की.
 (सिह) ४४५५५ अनार अनार सिह
 पांचने अन में स्नान करने करने सिह
 वाचे वह. perfection attained
 while bathing in water.
 " सुने वने अक्षरसिहमाह " मग. १, २,
 १२; —सोववाह. पुं. (-सोववाह)
 ५५५५५ शुद्ध माननार तापननी मे ४५५५.
 अन से शुद्ध मानने वाले तापन की एक
 जाति. an order of ascetics who
 be here in purity by means of
 water. मग. नि. १, ०, १०;
 अक्षर-व. पुं. (अक्षर) मे. ५२५५५.
 वली; मे. A cloud. शि. ४५५;

१०१०; कण० १, १४।

अलङ्कार पुं० (अलङ्कार) अलङ्कार मणि.
सन्निवृत्ति पृथ्वीने अलङ्कार अलङ्कार
मणि, सन्निवृत्ति पृथ्वी का एक प्रकार
The moon-gem; a variety of
hard animate earth उल० १६,
०६, वल० १; लल० १२, (२) अलङ्कार १०.
१०६ उलङ्कारमणिः उलङ्कार नाम अलङ्कार
नरक के उलङ्कारमणि के एक का नाम.
name of Indra of Udalhi
Kumara (son of the ocean)
of the south. अ० २, २; वल० २;
(१) अलङ्कार उलङ्कार अलङ्कारमणि नाम
अलङ्कार इन्द्र के नाम अलङ्कार का नाम.
name of the third Lokapala
of Jalakanta Indra अ० २, १,
वल० १, ८;

अलङ्कारि पुं० (अलङ्कारि) अलङ्कारि ७२
विशेष. अलङ्कारि नामक चतुर्विध जीव विशेष.
A kind of four sensed creature
of this name. उल० १६, १४०.

अलङ्कार पुं० (अलङ्कार) अलङ्कार ७२
अलङ्कार अलङ्कार पञ्चिन्द्रिय विषय अलङ्कार
उलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
विषय. A five sensed aquatic
animal. अलङ्कार ७२; वल० ८, १, १४;
१, २४, १; प्रब० १७६;—विद्वान्. न०
(-विद्वान्) अलङ्कार विषय पञ्चिन्द्रिय
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
A kind of five sensed aquatic
animal वल० १६, १;

अलङ्कारी स्त्री० (अलङ्कारी) अलङ्कारी अलङ्कार
अलङ्कारी; अलङ्कारी अलङ्कारी; अलङ्कारी विषय
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
A fish living
in water: the female of an

aquatic animal. अ० १, १;

अलङ्कार न० (अलङ्कार) अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार. अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार.
The lotus etc. produced in
water. वल० १०,

अलङ्कारि वि० (अलङ्कारि) अलङ्कारि ७२
अलङ्कार, अलङ्कार, अलङ्कार. Blazing:
burning कण० १, १६.

अलङ्कार वि० (अलङ्कार) अलङ्कारि ७२
अलङ्कार, अलङ्कार अलङ्कारि ७२; अलङ्कार, अलङ्कार.
Blazing fire, fire. प्रब० १००१;
क० ग० १, ४४, अलङ्कार ७६; अलङ्कार २,
२६; ४, ४४, अलङ्कार २०; २१४, अलङ्कार
१११, ११४; अलङ्कार १; १७ अलङ्कार ६, १,
११; अलङ्कार ४, २१०; अलङ्कार १४; अलङ्कार
२, १; (२) पुं० (अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार) अलङ्कार, अलङ्कार
अलङ्कार, अलङ्कार. Angor, agor वल० १, १,
४, १२, (१) अलङ्कार अलङ्कार; अलङ्कार, अलङ्कार.
burning; kindling वल० १, १;
(२) अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार. enlighten-
ment in the form of knowledge
etc. प्रब० १७८, (२) अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार. अलङ्कार अलङ्कार the Agni
kumara deity वल० १, ४;
—अलङ्कार न० (अलङ्कार) अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार; अलङ्कार one having a lun-
tious form; fire क० ग० ४, १२;
—अलङ्कार न० (अलङ्कार) अलङ्कार
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार अलङ्कार
burning to death by
falling into the fire; a form of
premature death. अलङ्कार ११, ११;
—अलङ्कार न० (-अलङ्कार) अलङ्कार अलङ्कार

२८६ अश्वत्थना श्रीम श्रीपादम् नाम.
इदमिदम्नाम के इन्द्र अश्वत्थ के इन्द्र लोक
पाल का नाम Name of the second
Lokapala (regent of a quarter
of the world) of Indra Jalakānta of Uddhikūma. अश्व.
१. ६१

असवीरिच पुं० (असवीरिचं) आर्य-इन्द्र के
असवीरिच, आर्य इन्द्र का नाम (विवेच.
A kind of four sensed creature
आकाश १. (२) अश्वत्थ के इन्द्र श्रीपाद नाम
अश्वत्थ के इन्द्र का नाम नाम. अश्वत्थ के
इन्द्र के इन्द्र के नाम का नाम का नाम.
name of a king born in the
race of Rishabhadeva. Svami
and seventh from him. अश्व. २.

असवृत्त पुं० (असवृत्त) अश्वत्थ के इन्द्र
श्रीम श्रीपादम् नाम अश्वत्थ के इन्द्र
इन्द्र लोकपाल का नाम Name of the
second Lokapala (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. अश्व. ६, १.

असहृत्त पुं० (असहृत्त) अश्वत्थ के इन्द्र
अश्वत्थ के इन्द्र का नाम Name of the
second Lokapala (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. अश्व. ६, १.

असहि पुं० (असहि) अश्वत्थ के इन्द्र
अश्वत्थ के इन्द्र का नाम Name of the
second Lokapala (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. अश्व. ६, १.

असहृत्त पुं० (असहृत्त) अश्वत्थ के इन्द्र
अश्वत्थ के इन्द्र का नाम Name of the
second Lokapala (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. अश्व. ६, १.

असहृत्त पुं० (असहृत्त) अश्वत्थ के इन्द्र
अश्वत्थ के इन्द्र का नाम Name of the
second Lokapala (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta Indra. अश्व. ६, १.

पुं० (अश्वत्थ) अश्वत्थ; अश्वत्थ
अश्वत्थ-अश्वत्थ अश्वत्थ. अश्वत्थ के
अश्वत्थ का नाम Name of the
second Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Indra Jalakānta of Uddhikūma. अश्व.
१. ६१

असिच (अश्वत्थ) अश्वत्थ. अश्वत्थ का नाम
Name of the second Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Indra Jalakānta of Uddhikūma. अश्व.
१. ६१

असिच (अश्वत्थ) अश्वत्थ. अश्वत्थ का नाम
Name of the second Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Indra Jalakānta of Uddhikūma. अश्व.
१. ६१

असिच (अश्वत्थ) अश्वत्थ. अश्वत्थ का नाम
Name of the second Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Indra Jalakānta of Uddhikūma. अश्व.
१. ६१

अथ प्रज्ञानी धर्मः; मेधना स्वर्गं याति । अथ
मेधा प्रज्ञानी शक्तिः। एवं प्रकार की शक्ति,
मन के द्वारा में योग का प्राप्त हो इस प्रकार
की शक्ति. a kind of acquisition;
the power by which a disease
is destroyed by means of
contact with dirt. चांव० १२;
पण्ड० ३, १, विवे० १३८. — आत्महि-
स्युः १३० (-आवधिमान वस्तो यत्तं न
कृषीवधिर्वशीकश्चिन्ता प्राप्ता वस्तोऽविश्रामः)
मेधा भावना स्वर्गं याति मदी मन मेधा
शक्तियने प्राप्त येमेध. मन मान के द्वारा में
योग नष्ट हो वे ही शक्ति जिसका प्राप्त हुए है
बद. (one) possessed of the
power of getting rid of a
disease by mere contact with
dirt. "अज्ञानहिरणा" पण्ड० ३, १;
--परिवह पु० (-परिवह—वह.
हानिमयः न, एवं परिचयो वहपरिवहः)
शरीरना मेधना परिचयः २३ भोगो १८ मे
परिवह शरीरके मन का परिवह. २३ में से
१८ वा परिवह affliction or trouble
due to dirt of the body due to
perspiration; the 18th of the
22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly. मन० २३-
भग० ८, ८; —पेक्षा जी० (-पेक्षा-वर-
साक्षिककारा रमोन्नपाठका इत्यपरे तेष्वा पेक्षा
जलपेक्षा) शरीरी पर मदी मेधनादेना मेध
मेधा ने. रस्तेपर बहकर समारो घरेनेकोय नट
का समारा देखना. witnessing the
exhibition of skill of performers
in the streets जीका० १, १;
--मल पु० (-मल—मांसि च कल्पति
येति मलः स्यात्तो मलः बहुमलः) शरी-
रना मेध. शरीर का मल. dirt or im-

purity of the body. " स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
कच्छं स्रग्ध्रं दो स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं ११; —सिद्धांत. न०
(सिद्धांत) स्रग्ध्रं मेघ अनं नागो
मेघ स्रग्ध्रं नद का मेघ. bodily dirt
and snot. पाठ ४, ७;

अक्षर. न० (अक्षर—अक्षर) स्रग्ध्रं मेघ.
स्रग्ध्रं मेघ. Hard dirt. दशा ७, १.
अक्षरि का० (अक्षरि) अक्षर. काय. A
girl. वं १०

अक्षरि. न० (अक्षर) स्रग्ध्रं मेघ स्रग्ध्रं
का मेघ. Dirt or impurity of the
body. " स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
अक्षरि " दशा १४, १४; अक्षर ८, १.

अक्ष. पुं० (अक्ष) स्रग्ध्रं, अक्ष स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
मेघ; एक प्रकार का स्रग्ध्रं. Barley, a
kind of corn. अक्ष १, १, १, २; १.
११; १४, ७; ११, १; नाग १; स्रग्ध्रं
उत्त ४, ४४; डा १, १; पक्ष १, स्रग्ध्रं
१, १; स्रग्ध्रं १, १; स्रग्ध्रं १४; पक्ष १.
२०; (१) अक्ष स्रग्ध्रं अक्ष स्रग्ध्रं एक प्रकार
का स्रग्ध्रं a kind of medicine.
पक्ष १; (१) अक्ष स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं; अक्ष स्रग्ध्रं अक्ष स्रग्ध्रं. आठ स्रग्ध्रं
प्रमाण स्रग्ध्रं दशा, स्रग्ध्रं आठवा हिस्सा
the eighth part of a finger
which is equal to a barley
corn स्रग्ध्रं ११४; अक्ष ८; (१) अक्ष
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं एक
प्रकार का स्रग्ध्रं का स्रग्ध्रं का स्रग्ध्रं.
A sort of breast-coat for a girl.
विशे ७-८; (१) अक्ष स्रग्ध्रं अक्ष स्रग्ध्रं.
एक नाम का एक स्रग्ध्रं. name of a
person. दशा ७०; —उत्त. न०
(-उत्त) स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं. मेघ का स्रग्ध्रं-गरी.
water mixed with barley-corn.

अक्ष १, १.—उत्त. पुं० (उत्त) स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं. स्रग्ध्रं उत्त स्रग्ध्रं sro
above. " स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
उत्त १४, १४. नाग १०, १०; प्रक्ष ०
२०४; पक्ष १, २०, स्रग्ध्रं १, २०;
—स्रग्ध्रं. न० (-स्रग्ध्रं) स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं sro
above. " स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
उत्त १४, १४. —उत्त. न० (-उत्त)
अक्ष स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
प्रक्ष का स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं sro
article of food consisting of
barley म-१० २०, स्रग्ध्रं. पुं०
(-स्रग्ध्रं) स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं, स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं a sprout of barley corn
" स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं ८ २१.

अक्ष पुं० (अक्ष) स्रग्ध्रं, स्रग्ध्रं, स्रग्ध्रं, स्रग्ध्रं.
स्रग्ध्रं Speed, swiftness. उत्त ११, ११.
अक्ष स्रग्ध्रं पुं० (अक्ष) अक्ष स्रग्ध्रं अक्ष
स्रग्ध्रं. एक नाम का एक स्रग्ध्रं A kind of
corn of this name अक्ष १, २, १४,
७; स्रग्ध्रं २, १, स्रग्ध्रं १० डा १, १, दशा ०
१, १, पक्ष १. —अक्ष स्रग्ध्रं पुं० (-अक्ष
स्रग्ध्रं) स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
" स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं sro " स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
अक्ष २१, १; अक्ष स्रग्ध्रं पुं० (अक्ष)
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं sro, swiftness;
voluntarily. अक्ष १४, १. —अक्ष स्रग्ध्रं पुं०
(-अक्ष) स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं sro an out cast; one
residing in a foreign country
स्रग्ध्रं १, १, पक्ष १; म-१० २०, (२)
अक्ष स्रग्ध्रं अक्ष स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं
स्रग्ध्रं स्रग्ध्रं a non-Aryan
country of this name स्रग्ध्रं

1440) --विधि ३० (-दीप) १३११
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
a country inhabited by non-
Aryans मं० १० --अव-गा-
विद्या (-गा-विद्या) १३११) १३११)

१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
निर्दिष्ट गरीब निवास, गरीब निवास, live
lihood, maintenance. उल० १, १३;
(१) १३११) १३११) १३११) १३११)
maintenance of asceticism
मं० १, १३, १३, १३; प्र० १३,
(१) १३११) १३११) १३११) १३११)

(१) १३११) १३११) १३११) १३११)
प्रत्यय, अर्थ, संयमक्य बाल १३११) १३११)
प्रत्यय utility of bearing the bur-
den in the shape of restraint
" अवमरम्भ विमल मधु " उल० १, १३,
१३११) १३११) १३११) १३११)

अव-गा-विद्या जी० (-वर्ण-विद्या) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
kind of script or character
मं० १,

अव-गा-विद्या जी० (-वर्ण-विद्या) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
kind of breast coat for a girl
नदी० (१) १३११) १३११) १३११) १३११)
मं० १३११) १३११) १३११) १३११)
मं० १३११) १३११) १३११) १३११)

अव-गा-विद्या (१) (-वर्ण-विद्या) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
Fit for
being a pastime (१) छंदियो
अने मनने छंदियो ते. हाहा व मन को
जीतना. conquering the
senses and the mind. " अव-गा-विद्या
अव-गा-विद्या विमल मधु " मं० १, १३;
१३११) १३११) १३११) १३११)

अव-गा-विद्या जी० (-वर्ण-विद्या) १३११) १३११)
A curtain बाबा० १, मं० ११, ११;
प्र० १३११) १३११) १३११) १३११)
(-वर्ण-विद्या) १३११) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११)
screened or protected by a
curtain " अव-गा-विद्या विमल मधु " मं० १, १;
१३११) १३११) १३११) १३११)

अव-गा-विद्या जी० (-वर्ण-विद्या) १३११)
" अव-गा-विद्या " १३११) १३११)
विद्या " १३११) १३११) १३११)
मं० १३११)

अव-गा-विद्या ३० (-वर्ण-विद्या) १३११) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
प्रमाण का एक भाग A measure of
length equal to the middle
part of a barley-corn. मं० १० २,
१३ मं० २३, १; १, प्र० १३११); (१)
१३११) १३११) १३११) १३११)
the interior of a barley-corn.
मं० १, १; १३११) १३११) १३११)
(१) १३११) १३११) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११)
the form of the middle part of a
barley-corn. मं० १, १; १३११)

अव-गा-विद्या जी० (-वर्ण-विद्या) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११) १३११)
प्रमाण का एक भाग A measure of
length equal to the middle
part of a barley-corn. मं० १० २,
१३ मं० २३, १; १, प्र० १३११); (१)
१३११) १३११) १३११) १३११)
the interior of a barley-corn.
मं० १, १; १३११) १३११) १३११)
(१) १३११) १३११) १३११)
१३११) १३११) १३११) १३११)
the form of the middle part of a
barley-corn. मं० १, १; १३११)

प्रविष्टिदिष्टः सर्वत्र वसत्यः) सर्व दि-
शामा यत्र मेवतनारं न' दिशाओं में वस-
ताम कहे जाय। (१०७) attaining
fame or glory everywhere.
नाम० १, तं० (१) अथर्व २१ भीमो
अ नामो नामो गीते। अथर्वद्वय नामो
का इम नाम का २१ वा पुत्र नाम of
the 1st son of Kṛṣṇahelva
Swami. अ० १, १२१. -- अथर्व. पु०
(१०७) - यत्रासी वस इव सर्वत्रास इव
वसोवसाः) यत्रास यत्र यत्रास यत्र a
glorious family 'सर्वत्रो नामद्वय'।
नाम० - अथर्व. पु० (१०७) अथर्व
पर्वतः thanksgiving, thanks
' सर्वत्रास वसुधा' अथर्व. २, १०.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) महावीर नाम
पुत्रो अ नाम, महावीर नाम का पुत्र
का एक नाम One of the names of
the father of Mahavira
Swami अ० १ १०१.

प्रमत्ति (१०७) (वसतिवत्) प्रमत्त यत्रासी,
पुत्री यत्रासी नाम प्रमत्ति मेवतन
प्रमत्त, प्रमत्ति, प्रमत्त यत्रासी वदुं अ
केवा दुर्द हा वद Famous, glorious,
(१०७) whose fame has spread
everywhere. ' अथर्व नामद्वय ' अ
मत्ति " अ० १, १०१, अ० १० ११२,
अ० ११, नाम० १ अ० १, ११, अ०
११२, अ० २, १, (२) महावीर २१ भीम
आपुत्र अपुत्र नाम महावीर नाम का पुत्र
का अथर्व नाम another name of the
father of Mahavira Swami.
अ० १, ११, १०२, अ० २, १०१.

प्रमत्ति, जी० (वसतिवत्) अ० १, ११;
आपुत्रः प्रमत्ति वसः जीतिः विद्वान्ते
Fame; reputation; glory अ०

१, १; अ० १, ११; अ० १० १, ११;
अ० १२००. -- अथर्व अ० (- अथर्व)
नामद्वय मेव प्रमत्ति है अथर्व अथर्व
अथर्व १०१ अथर्व अथर्व प्रमत्ति मेवतन.
नामद्वय एक प्रमत्ति है अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
a variety of Namakarana by
the name of which a Jiva (a
soul) attains fair fame where-
ever he goes. अ० १२००.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
The third word is
Tarthakara of Airāvata
Kṛṣṇa अ० १०१.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
of this name अ० १२, १.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
a zink pot. " अथर्व अथर्व अथर्व
अथर्व १०१.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
of this name. तं०.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
Name of the fifth day of
a fortnight. अ० १० १, १२२.

प्रमत्त पु० (वसतिवत्) अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
Name of a disciple
of Śivayāghava Sūri. अथर्व अथर्व
(१) अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व
अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व अथर्व

तिष्ठ ६१। इस नामके एक जाकार है कि जो
 माधवन मोक्ष के कार्य सम्पूर्णकर के शिष्य
 थे. name of a teacher who was
 a disciple of Ārya Saṃbhūta
 vijaya of Mātharāna race
 कर० ६; (३) यथःश्रीमान् यद-
 रियममना अथ दियसु नम यथा के
 पंद्रह दिवस में में चौथ दिन का नाम.
 name of the fourth day of a
 fortnight. म० य० १०; ३-
 य० ३, १२०, (४) न० यमोऽदधी
 नीलंतेर अ-नमन् इति यशोभर में उतम
 इस नाम का कुल, a family of this
 name sprang from Yaśo-
 bhadrā. कर० ६, (४) पु० अ-नमन्
 श्रीराशिनाथना अथ मन्त्र०, इस नाम का
 श्रीराशिनाथ का एक गणपति. a Gop-
 dhara of this name of Śrī
 Parāśarāṭha म० ६;

असमं. पुं० (बलीमन्) अं नाम्ना अं
 ५५५२ हन नाम्ना एक कुलगर (कुलगर)
 A Kulgarar no namod. सम-
 ७० २२६, डा. ६.

अन्यथा जी० (वसोमान) श्री० लक्ष्मी
 यशस्वीनी मता. द्वितीय नगर चक्रवर्ती
 की माता. The mother of the
 2nd Singara Chakravarti. मन्त्र-
 पं० २१४; (३) अथर्वभूषण श्रीमदाचार्यनी
 पुत्रीना पुत्रानु नाम. भगवान् भगवान् श्री
 महादेव के पुत्री का पुत्री का नाम name
 of the daughter of the
 daughter of the great
 ascetic Mahāvira. कप० ३, १०१.
 (१) तीन आराम करने देखने के प्रत्येक
 शक्तिनी निधि. तृतीया चक्रवर्ती व प्रबोधरी:
 इन तीन शक्तियों की निधि. the three

nights viz of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight.
 न० १०. प्र० १०. १५५;

असहर्ता की- (बकोमती) नुमा ७५मे।
 १०६. बेको ऊपर का हाथ Vaid above
 मम- १० २१४. अ- १० ७, ११०.

प्रत्यक्षित. वि० (सहाय्य) यलवान्. आवा
वाले. द्वितीयत यलवान् वासिबत.
Famous, glorious आवा ०, ०,
१, ११.

[illegible]

Sudarsana कव० १, पं० १०

अलोहरा का० (वलाह) केशविना नीला १०५
पत्नी श्री अन्तःपत्नी माता केशावा का
रहाम केशवा का आर काव का माता
The mother of Keshava and
wife of Kasyapa, the resident
of Kausambi कव० ५, (२) मय
पुरादत्तनी श्री. मय पुरादत्त का आ
पन० १, १५, १.

अलो० पु० (वलाह) अलो० आलो० श्री
मय, श्री Fame, reputation
पु० व० २, ११५; -कामि पु० (-का
मिन्) पञ्चाली १०५ पञ्चाल वला का इन्द्रा
कान बाबा one aspiring to fame
of reputation " विरपु न त्रि
कामा " दण० २, १०५, ११५; -कामि
लो० (कामि) लु० " अलो० कामि
लो० देवा " अलो० कामि " लो० Vido
" अलो० कामि " लो० २१; -कामिनाम
न० (कामिनाम) लु० " अलो० कामि
निकाम " लो० देवा " अलो० कामिनाम
लो० Vido " अलो० कामिनाम " लो० २१.

लो० न० (कामि) लो० कामिनाम
लो० अलो० कामिनाम १०५ पञ्चाल वला
के नामकमे का एक प्राज्ञा १६ कामिने
उदर मे तीव्र पण प्राप्त करना है, a
variety of Nava Karns by
the use of which a soul attains
glory मय० २५.

अलो० दे० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २२, १;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
लो० १०; -लो० १० (-लो० लु०
" अलो० दे० " लो० २१. देवा " अलो० दे०

लो० Vido. " अलो० दे० " लो० १०.

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;
अलो० पु० (वलाह) लु० " अलो० दे०
लो० देवा " अलो० दे० " लो० Vido
" अलो० दे० " लो० २१, १; लु० १० १०;

kara of the coming cycle of
Bhārat Kātra नं० १०० २, ११०.

प्र० ११०; ८३).

प्रसोहता. जी० (वसोधरा) दक्षिण दिशि ना
उत्तम परितःपत्नी अत्र दिशः कुमारिणी
नीची दिशः कुमारी दक्षिण दिशः के देवदे
वदेन पर की जाट दिशः कुमारा मे मे नीची
दिशः कुमारी. The fourth of the
eight Dīśa Kumārīs living
on the southern Ruchaka
mountain. नं० १०० ३, ११०. (२)
०८३ सुदर्शनम् अत्र नाम. प्र० सुदर्शन
कः अत्र नाम. another name of
Jambū Sudarśana जी० १, ८;
प्र० अ० (वधा) नं० ३. नीची दिशि. वधा,
विन दह. In which manner, just
अ०. ना० १, ८; ३. अ० ८; ११३; १२; १६.
१८, वि० २२; २३; वि० नि० ७१, उवा०
२, ४८, ग० १०.

प्रहस्यमान. न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

प्रहस्यमान. न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

प्रहस्यमान. न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

प्रहस्यमान. न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

according to circumstances नं०
१०० १, ११३; ग० ११.

न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

अष्टमस्क न० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

अष्टमस्क. वि० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

अष्टमस्क. वि० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

अष्टमस्क. वि० (वधाकर्म) नं० अनुसन्धः ३३
अ०, अनुसन्धः कमानुसारः पदान्तरं पूर्वक. In
due succession, regularly. उ० ०
१८, १; अ० ८, ८५-५, १, ८३; प्र० ८३;

बोझां बोझा १५५५ कोठमें बोझा लम्ब.
shortest space of time भग० २८,
१, ११. — गुणकात्मन पुं० (गुणकात्मा-
क — अथर्वेन अथर्वसंख्याविशेषैकेकेवया-
गुणो गुणन नाहनवत्तव न नवाविशः काळां
वर्षीं वेपाने अथर्वगुणकात्माका) आ०
भा० आ० म० ११; १२; १३; १४; १५; १६;
कमने कम काळा, एक गुण काळा. of
least black colour अ० १, १;
— हिंदु श्री० (स्थिति) १४५-५-आ० ३, भा०
आ० १ स्थिति. अथर्व कमने कम स्थिति
shortest period. क० प० ४, ८८.
— हिंदु श्री० (स्थिति) अथर्व अथर्व
संख्यासंख्याविशेषा विधानवैषा ने अथर्व
स्थितिः) १४५-म बोझां बोझा स्थिति
पा० १. अथर्व कोठमें बोझा स्थितिवाना. of
the shortest period. अ० १, १; — ए
एनिय. पुं० (अथर्व — अथर्वान्वाक्याः
अथर्वान्वाक्याः ना० १ वेपाने अथर्व
अथर्वान्वाक्याः) आ० भा० आ० अथर्वान्वाक्याः
कमने कम अथर्वान्वाक्या. consisting of
a small number of atoms अ० १, १. — एव
न० (एव — एवने
लम्बने हुनि एव एवनेकात्मानं लम्बानक
वेपाने अथर्वान्वाक्यां एव अथर्वान्वाक्यां)
आ० भा० आ० म० १५, आ० भा० आ० म० १५
५६ कोठमें बोझा लम्बानक. lowest
number भग० १८, २. — एव
न० (एव) अ० १५; १६. देवा ऊपर
का शब्द. vide above. अ० २, २;
भग० ११, १०; अ० प० ७, १०१; — एव
न० पुं० (एव) १५-५ पु० १५; १६
भा० १५. अथर्व पु० १५; नीच मनुष्य. a
low, vile person. अ० १, १; — सामि.
पुं० (एव) अ० १५-५-१६ ना० २२-नी
१५-५ १६-नी १६-नी. अथर्व-कर्म के

एव का अथर्व उदीयका करने वाला. one
who grows into maturity a
small number of Karma
into maturity. क० प० ४, ८२;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) आ० भा० आ०
आ० भा० आ० म० १५; १६. कम से कम; कोठे से बोझा
least; slightest. भग० २८, ११;
२२, ५;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० ४, १; १२, १;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

अथर्वान्वा. वि० (अथर्व) अ० १५ "अथर्व"
शब्द देवा "अथर्व" शब्द. Vide
"अथर्व" भग० २, १; २, १; १०; ११;
११; १२, २, २३, ११ अ० प० ७, ११८;

स्वयं से ऊपर किया हुआ. *commen-*
ced from the lowest place. क० व० ०, १०; —द्वय. वि० (-द्वय)
 लुओ। " अद्वय-द्वय " ल०। देखो
 " अद्वय-द्वय " ल०। *vide* ' अद्वय-
 द्वय " क० व० १, १२; —काय पु०
 (-काय) १५-१-ओ०। भा०। भा०। भा०।
 अद्वय-कर्म के कम समय. *shortest*
space of time प्र० १०१; —वह.
 जी० (-वह) १५-१ ३१। अद्वय गति
shortest condition or position.
 क० व० ४, ०१; —द्वय. न० (स्वयं)
 १५-१२१। अद्वयस्वयं. *lowest*
place. क० व० १, ४१; —द्विह. जी०
 (-द्विह) लुओ। " अद्वयद्विह " ल०।
 देखो " अद्वयद्विह " ल०। *vide* " अद्वय-
 द्विह " क० व० १, ११, १, २०;
 —द्विहसंज्ञ. पु० (-द्विहसंज्ञ) १५-१
 रि०। ३१। ३१। ३१। ३१। अद्वय स्थिति
 काय होता हुआ कर्मबंध. *Karmic*
bondage lasting for a very
short period. क० व० १, १०;
 —द्विहसंज्ञ. पु० (-द्विहसंज्ञ)
 १५-१ रि०। ३१। ३१। ३१। ३१। अद्वय
 स्थिति का संक्रमण. *transition of*
the shortest period of Karma. क० व० २, ५०;
 —देवद्विह जी०
 (-देवद्विह) ११ ३१। ११। ११। ११।
 देव गति की अद्वयस्थिति. *the shortest*
period of the state of being a
god. क० व० २, ८५; १, २०;
 —द्विहसंज्ञ. पु० (-द्विहसंज्ञ) १५-१ रि०। ३१।
 ३१। ३१। ३१। अद्वय -
 बोधे कर्मों के विनाश. *dis-*
carding or destroying the sins
in the form of a few Karman

क० व० १, ५; —द्विह. पु० (-द्विह) १५-१
 ३१। ३१। अद्वय कर्म बंध *incurring*
the karma of the lowest kind. क०
 व० २, १२; —अद्वय-द्वय. वि० (-अद्वय-
 द्वय) लुओ। " अद्वय-द्वय " ल०।
 देखो " अद्वय-द्वय " ल०। *vide* " अद्वय-
 द्वय " ल०। *vide* " अद्वय-द्वय " ल०।
 वि०। १५०; अद्वय-द्वय ११२;

अद्वय-द्वय. वि० (अद्वय-द्वय) १५-११।
 अद्वय से. *From the shortest*
state. प्र० १५०;

अद्वय-द्वय (अद्वय-द्वय) लुओ। " अद्वय-द्वय "
 ल०। देखो " अद्वय-द्वय " ल०।
Vide " अद्वय-द्वय " क० व० १, १२;
 —द्वय-द्वय वि० (-द्वय-द्वय) १५-११।
 अद्वय-द्वय से अद्वय-द्वय; अद्वय-द्वय.
other than the shortest; long.
 क० व० १, १२;

अद्वय-द्वय वि० (अद्वय-द्वय) लुओ। " अद्वय-द्वय "
 ल०। देखो " अद्वय-द्वय " ल०। *vide*
 " अद्वय-द्वय " ल०। ११, १२; ल०। १२ व०
 १०, १०;

अद्वय-द्वय. न० (अद्वय-द्वय) १५-११। अद्वय-द्वय.
Reality, truth; real nature. ल०
 १, १;

अद्वय-द्वय. न० (अद्वय-द्वय) १५-११; १२, १२;
 १२, १२ अद्वय-द्वय; अद्वय-द्वय. *As deserv-*
ing; appropriate; actual. क० व०
 ५, १००;

अद्वय-द्वय. न० (अद्वय-द्वय) १५-११। अद्वय-द्वय
 न०. अद्वय न०. *As long as as long*
as. ल० व० १, १११;

अद्वय-द्वय. न० (अद्वय-द्वय) १५-११। अद्वय-द्वय
 न०। अद्वय न०। *According*
to narration; as related. वि०
 वि० १५५;

१. न० (अद्वय-द्वय) १५-११।

योग्य रीति. वया योग्य. योग्य रीति के
Proper, right; properly वि० नि०
११३.

अवसाधि. जी० न० (वयावधि) यथावधि;
तथा प्रमाणां वया गाढ; तस्मिन् के अनुसार.
As far as possible, to the ut-
most of one's power. वि० नि०
११४;

✓ अष्टा. पा० I. (हा) तत्प. ओ३प.
त्याग करना. छोड़ देना. To abandon;
to give up.

अष्टा वि० वच० १०, ८, १, भग० २०,
६१, ७.

अष्टा आवा० १, २; ६, ८८.

अष्टावि० उल० ४, २१;

अष्टाव भ० क० उल० १८, २.

अष्टिता. ग० क० उल० १, १०. वि० नि०
८१७; आवा० १, ८, ८, ११७.

अष्टमाव. भग० २३, ६, ७.

अष्टा. अ० (वया) ने (रीति) ने, प्रमाणां, अनुसार.
In which manner; just as भग०
१, १; १; २, १, १, १, २, १, ४, ४; ६,
२; १२, १०; १८, २, १०; १९, १, १८,
१, ८१, ८. आवा० १, २, ३, ८; ६; १०;
१३; १६. वच० २, २१; २८; वच० १, २,
८, १, वच० ६, १ वि० नि० ११६; १२१,
अ० व० अष्टाव० १, उल० १, ४४;
आवा० १, ६, १, १८२; वच० १, १, १,
६; उवा० १, २; ६; १२, ६६; २, ६७; ८,
२३६; व० भ० १, १६; २३, व० व० २,
११८; ४, ११२;

अष्टाकाव. न० (वयाकाव) यथावसर, अथ
सर मधे त्वारे. वयावसर. मौख विसे तव.
When proper time comes. भग०
४९;

अष्टावधि. न० (वयावधि) ने (रीति)
प्रमाणां प्रेय के प्रमाणां. जिस प्रकार वया,
दिया हुआ है उस प्रकार. As accepted
or taken. वच० २, १, ८०; आवा० १८;
अष्टावर्द्ध. पु० (वयावर्द्ध) स्व-
वर्द्ध. self-willed; unrestricted.
उल० ४, १;

अष्टावर्द्ध वि० (वयावर्द्ध) न-भगी वया-
वर्द्ध रीति ने, नम. वया के नमव ही
स्थिति के प्रेय, वया. As born; naked.
उल० २२, १८, आवा० नि० आ० ४८; वच०
१२;

अष्टावर्द्ध. न० (वयावर्द्ध) यथायोग्य; नेम
प्रेय तेम. वया योग्य; जिस प्रकार उचित हो
उस प्रकार. Proper; appropriate.
विसे० २१; ८०;

अष्टावर्द्ध. न० (वयावर्द्ध) प्रेय प्रेयाना
अनुमानने अनुप-अभिन्न स्थान; उदादि
प्रेय. जामे जामे अनुमान के अनुप उचित
स्थान; उदादि वद. Appropriate po-
sition suited to one's occupa-
tions; the position of Indra
etc. उल० १, १७;

अष्टावर्द्ध. वि० (वयावर्द्ध) नेमो नाम
निर्देश प्रेय नहीं ते; प्रेय प्रेय. जिसका
नाम निर्देश न किया हो; कोई वद. Cer-
tain; some; any. भग० २३, ११;
वच० १६;

अष्टावर्द्ध. न० (वयावर्द्ध) अथवा
प्रमाणां; नेम प्रेय प्रेय तेम. अनुमान के
अनुसार; प्रेय प्रेय हो प्रेय. As
guessed; as anticipated. वच० १,
६, २१

अष्टावर्द्ध. न० (वयावर्द्ध) प्रेय प्रेय
अनुमान प्रेय प्रेय; अनुमान के अनुमान.
Successively; in regular order.

અવ. ૧, ૧૦; ૮, ૧;

અહાલક. વ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧; ૫૨૫; ૫૨૫૨. વાલકલ; લવ; વલુવ. True; real; actual. અવ. ૧, ૧, ૧;

અહાલક. વ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧ ૫૨૫ તેમજ ૫૨૫૨ ૧ એમ ૫૨૫ ૫૨૫૨ રીતે છે. અવલોકન નુ કા તેરજા અવલોકન દિ કિવ મે ૫૨૫ લલાલિ અવલોકન કા ઠીક ઠીક વર્ણન કિવા છે. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi) etc. along with similes. "વાલકલિં કિવલુ અહા લલે" અવ. ૧, ૧, ૧; ૧, ૨, ૧, ૧;

અહાલકલ. વ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧ ૧૩૫ ૫૨૫૨. અવલોકન અવ કા ૧૩ જા અવલોકન. The 13th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra. અવ. ૧, ૧૧;

અહાલકલ. વ. (વાલકલ) એમ લે. તેમ. કિવ પ્રકાર હો અવ પ્રકાર. Somehow or other. અવ. ૧૨, ૧;

અહાલક. વિ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧; ૫૨૫. એમ. વાલ નામ; વાલકલ. Possibility; certain; know. અવ. ૧, ૨; વાલ. ૧૦;

અહાલકલ. વિ. (વાલકલ) એમ લે. ૫૨૫ ૫૨૫૨ ૫૨૫૩. એમ લે. ૫૨૫ ૫૨૫૨. એમ લે. ૫૨૫ ૫૨૫૩. As for example. (૧) ૫૨૫૫૨. ૫૨૫. વાલકલ. A word used to add grace to a sentence. વાલ. ૧; ૨; ૧, ૧;

અહાલક. વ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧; ૫૨૫૨; ૫૨૫૩. એમ લે. ૫૨૫ ૫૨૫૨. એમ લે. ૫૨૫ ૫૨૫૩. According to justice;

rightly; properly. અવ. ૧૧, ૧૦;

અહાલક. વ. (વાલકલ) ૨૫૫; ૫૨૫૨. અવ; વલુવ. Clear; distinct; true. અવ. ૧૧, ૧૧;

અહાલક. વ. (વાલકલ) એમ પ્રમાણે; ૫૨૫૨. અવલોકન કિવા છે. અવલોકન. According to share; proportionately. અવ. ૧, ૧, ૧૧;

અહાલક. વિ. (વાલકલ) એમ રીતે અવલોકન લે. તેમ રીતે, અવલોકન. કિવ રીતે છે વાલકલ હો અવ રીતે છે; અવ વાલ. According to what has happened; fact. "અહાલકલિવલોકનલે" વાલ. ૧;

અહાલક. વ. (વાલકલ) એમ. 'અહાલક' ૫૨૫. એમ "અહાલક" અવ. Vido "અહાલક" વાલ. ૧;

અહાલકલિવ. વ. (વાલકલ) એમ ૫૨૫ ૫૨૫ છે તેમ. કિવ પ્રકાર વાલકલ કિવા હો અવ પ્રકાર. As assumed. "અહાલકલિવ લોકલે" અવ. ૧૧, ૧૧;

અહાલકલિવ-અ. (વાલકલ) એ પ્રમાણે આપ્યું લે. તે પ્રમાણે. કિવ પ્રકાર વાલકલ કિવા હો અવ પ્રકાર. As practised. અવ. ૨૨;

અહાલક. વ. (વાલકલ) ૫૨૫૧૧, એમ ૫૨૫ તેમ. વાલકલ; કિવ પ્રકાર અવલોકન હો. Proper; suitable. અવ. ૧, ૧૧; અવ. ૧, ૧૦; વાલ. ૧; ૫૨૫; અવ. ૧, ૧૧;

અહાલક. વિ. (વાલકલ) એમ પ્રમાણે. પ્રાપ્તિ છે વાલકલ; કિવલે છે વાલકલ. According to gain or acquisition; equal to attainment. અવ. ૧, ૧;

અહાલક. વિ. (વાલકલ) એમ પ્રમાણે; ૫૨૫ ૫૨૫૨; ૫૨૫ એમ ૫૨૫૨. અવલોકન; એમ અવલોકન કરમે વાલકલ; અવ અવલોકન કરમે

वाक्ता. (One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. " जो अहावाह महम्मदीयाईव भवह " शा० २,

अहाविमव न० (वचाविमव) १३५ प्रभाषे; सति प्रभाषे वैमव के अनुसार सति के प्रमाण में. In proportion to wealth; according to means. भग० १, ११;

अहावेमव न० (वचावमव) ३५५ प्रभाषे; ३५५१. क्रमशः; क्रमशः के अनुसार Successively; respectively. सु० प० ५, ११;

अहावेमव न० (वचावमव) १२५ मंभवे तेम. वचानमव; वेना ममव हो उती प्रकार Possible, possibly. क० म० ५, १२.

अहावसि की० न० (वचावसि) सति प्रभाषे. यथा सति. सति के अनुसार; वचा वसित. As far as possible; to the utmost of one's power. पंचा० १, १६;

अहावमाहि न० (वचावमाहि) मम मि प्रभाषे. ममाहि के अनुसार. According to agreement or promise. पंचा० १, ४;

अहावुव न० (वचावुव) १२५ सांभसुं दोष तेम; सांभसु प्रभाषे. जिस प्रकार अवच विवा हो उस प्रकार; अवचावुवार. As heard of or listened to उत्त० १, ११; भाषा० १, १, १, १;

अहावुह न० (वचावुह) १२५ सुभ ५३ तेम. जिस प्रकार वृत्त हो उस प्रकार At ease; according to happiness. वि० १;

अहि० न० (वच) ७५; ७५१; ७५१२.

अही, जिन स्थान पर; अहीर. Where; at which place भग० १, ३; ७; ७, ७; ११, ११; १२, १; १७, २; दृष्ट० २, १; ७०; भाषा० १०; मच्छा० १७;

अहिच्छ न० (वचेच्छ) ४२५ प्रभाषे. वचेष्ट; इच्छा के अनुसार. Agreeably to desire. भाषा० ७; सु० प० १, १०१;

अहिच्छिषकामकामि. पुं० (वचेच्छिषकाम-कामिन्-वचेच्छिषकाम-कामिनाम् कामान्-कामादीन्-कामवन् इत्येकंसीका वचेच्छिष-कामकामिः) मनोवांछित सुख प्राप्तकार. मनोवांछित वृत्त का भोगमे वाला One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart " अहिच्छिष काम कामिनां " जे० प० जीवा० १;

अहुत न० (वचेत्त) १३५ प्रभाषे. उपमा-नगर; कहे के अनुसार. As said or told previously पंचा० १०, १२;

अहेह न० (वचेह) ५१ ममज; ४२५ अनु१. वित्त रोचक; मिलवत; वचेह. As desired; as wished for; pleasing to the heart वि० मि० २०६;

अहेह न० (वचेह) १२५ १२५ रीति. जिस प्रकार; जिस रीति से. As; in which manner. भाषा० १, भग० १, ७, ७, २; १५, १; १६, ७; २२, १७; २३, १; ११, २;

अहोहव न० (वचेहित) ५५५ मि० ५५५. वचावोम; वचेहित. Proper; suitable. वि० २; पंचा० १, १५;

अहोवित न० (वचेवित) १२५ ५३ तेम. उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा० ७, १७;

अहोविष न० (वचेविष) १२५ ५३ तेम; ५५५ ५५५. उचित रीति से; वचावोम. Properly; suitably. वि० १, १;

काम० १;

अष्टाध्यायी. व० (वकीलविह) अथी रीते हरे-
याथा उपदेशयथा आभ्युं देव ते प्रभाषे.
विह रीति हं कहेने मे-उपदेश मे जावा हा
उच रीति से. According to advice
or orders. "

एव० १, १, २; उत्त० १, ४४।

अष्टाधी. जी० (कावली) मं० नदी. गंगा
नदी. The river Ganges. सं० व०

✓ जा. का० I. (क्) पेदा यजुं; ६५५
यजुं. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be
born or produced.

कावह. कावा० ७; १०; विते० ४१५; उत्त०
११, ७१;

कावह. विते० ४१५;

✓ जा. का० I. (का) ज्युं; मति ३२३।
जावा; मति करना. To go; to walk.

जाह. उच० १, १२; विते० ६४४; १६०५;
कावा० ६, ६;

मति. कावा० १, १, ४, १२१; वृ० व० १, ६२१;

कावमाव. व० वृ० म० १, १;

✓ जा. का० I. (का+वि) निर्वमन ३२३;
निर्वम ३२३. निर्वमन करना; निर्वाह करना.
To go out; to support oneself.
(२) आत्मानी सयमभां प्रवृत्ति ३२३।
आत्मको संयमं प्रवृत्त करना. to urge
the soul in self-restraint.

अविधि. प्रे० वि० वि० ६१६;

अविचय. प्रे० वृ० वृ० १, १, २, १-

अविच. व० वृ० सं० व०

✓ जा. का० I. (का+वि) पीतासुं; आसुं.
म्यकीत करना. To cause to go; to
pass.

आविधि. प्रे० वि० वि० ६१६;

आवय. वि० वृ० १, १, ४, २;

आवेत उ० व० प्रे० व० १, ६०;

जा. व० (कावय) अविधिपी. कावय; कावयक;
कावयक. So long; as long as; as
far as. प्रव० व० २, ६० सं० १, १६; उवा०
१, ५१;

जाह. जी० (कावि-जयवे कावि) अ-म;
उत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति Birth; produc-
tion. कावा० १, १, १, ११; उत्त० ६, १;

१२, ७, व० व० ६, १; प्रव० १२७६;

१०००; व० सं० १, १११ २, ६१; (२)

ओडेदिव ओडेदिव आदि पांच जति कुलेश्वर,

द्विर्दिव आदि पांच जति. five kinds

(of creatures) viz. one sensed

two-sensed etc. व० व० ४, ६; म०

४, ६; ७, ५; ६, ११; उत्त० १, २; ६, २;

अजुजो० ११७; उ० ६, ४४; म० १; व०

म० १; (१) जति; जाली; यजुं; जालिय

आदि जति जाति; जाली; वरु; जालिय

आदि जाति. kind; caste; Katriya

etc. उत्त० १, २; १२, ६; ११, १; विते०

१६१; व० १; वृ० व० १, १५४; म०

७, २१; ८, १०; वि० वि० ११२; जीवा०

३, १; कावा० ५; विवा० १; राव० २१४;

(४) माता पक्ष. माता पक्ष. maternal

side. काव० वृ० १, ६, ११; (२)

जालिनु पक्ष. जालिनु पक्ष. the jasmine

flower. राव० २६१; म० व० —काव.

जु० (-काव) अ-म अय; अ-मथीअ

आपिदे. जन्म से ही जन्म; जन्मज. blind

from the very birth, born blind.

" केहं पुंरुषे कावयं कावयकाकहे "

विवा० १; वृ० १, १, २, ११; —आलोच.

वि० (-आलोच) जति अजुपी आलोच

वेदी. जति वयकाकर काहल केने काका.

(one) who accepts food hav-

ing exposed one's caste. उ० २, १;

—आलोच-व. ६६ (-आलोच)

બુદ્ધિ. " જાદુકાલીય " યાદ દેશો " જાદુ-
કાલીય " જાદુ. video " જાદુકાલીય "
યાદ ૨, ૧: — જાદુવિદ્ય. પું. (જાદુ)
અનિત્યે રૂપી આય, ઈન્દ્ર અનિત્યી આયી
કેવલ સ્વેન અનિ અન્દ્ર, રિતિ, રિદેદ,
રિદેદા, દરિતા અને ચુચુલા એ ૩ આય
અનિ જાતિ તે ૬૨ ૬ જાય; હૃન્ન જાતિ દા
જાને રત્નક દુદ જાતિ, અન્દ્ર, અન્દ્ર,
રિદેદ, રિદેદા, દરિતા વ ચુચુલા વ જાદુ જાતિ
જાતિવા Aryan by birth; the caste
sprung from a woman of Ibhya
caste; the six Aryan castes
viz Ambayta, Kalinda, Vudohya,
Vudohatha, Harita and Chuni-
chupa. યાદ ૬, ૧. — જાદુવિદ્ય પું.
(-જાદુવિદ્ય—જાદુવો રૂપદા જાતિ વિષ
દેશો તે જાદુકાલીય) યાદ ૧૦૧ મેરી, સપ
રિતિ આદિ. જાદુ હી ને રૂપેલા; નાં,
રિદેદુ રૂપેલ. venomous from the
very birth; a snake, a scorpion
etc. યાદ ૬, ૧. — જાદુ ન. (કન)
યાદ ૧૨૨ જાદુ મેરીકા ceremony
connected with birth યાદ ૧૧,
૧૧: — જાદુ જા. (-જાદુ) અમુક અનિ
સાગી અમુક અમુક અમુક અમુક અમુક
અમુક જાતિ અમુક જાતિ અમુક જાતિ
કરના જા. speaking of the supe-
riority of a certain caste and
inferiority of some other caste.
યાદ ૬, ૧. — જાદુ ન. (કન) જાદુ
અને રૂપ જાતિ ૨ કન. caste and
lineage. " તેલિયં જાતે જીવાજં કદ
જાદુ કુલકોઈ જીવિયજુદ સવનહસા
વચ્ચા " જીવા. ૧: — જોદ. ન. (-જોદ)
અનિ અને જોદ. જાતિ ૨ જોદ. caste
and family. યાદ ૬, ૬; — જોદવિ-

દુદ. વિ. (જોદવિદ્યુદ) નિઃચિત્ત અનિ
જોદવિદ્યુદ નિઃચિત્ત જાતિ જોદ વચ્ચા. one
of a settled caste and family.
યાદ ૬, ૬. — જોદવિદ્યુદ વિ. (-જોદ-
વિદ્યુદ) અનિ જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ
જોદવિદ્યુદ જાતિ જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ
જોદવિદ્યુદ જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ
જોદવિદ્યુદ જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ
Karma atoms established ac-
cording to caste and lineage.
યાદ ૬, ૬: — જોદવિદ્યુદવિદ્યુદ ન.
(-જોદવિદ્યુદવિદ્યુદ) અનિ જોદવિદ્યુદ સાથે
નિઃચિત્ત જોદવિદ્યુદ આપુદ. જાતિ જોદવિદ્યુદ એ ૩
નિઃચિત્ત જોદવિદ્યુદ આપુદ. life-period
appointed or fixed along with
caste and lineage. યાદ ૬, ૬:
— જોદવિદ્યુદ. ન. (-જોદવિદ્યુદ) યાદ
જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ. જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ. old-
age and death. યાદ ૬, ૬: — જોદવિદ્યુદ. ન.
(-જોદવિદ્યુદ) નામકર્મની
એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે
એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે એ ૩ પ્રકારે
a variety of Namakarma caus-
ing the birth of a soul in dif-
ferent castes or classes. " જાતિ
જાદુજં મેરી કન પુદ્ગા " યાદ ૨૧
— જાદુજોદવિદ્યુદ. વિ. (-જાદુજોદ-
વિદ્યુદ) નિઃચિત્ત અનિ જાદુજોદવિદ્યુદ એ ૩
જોદવિદ્યુદ આદિ. નિઃચિત્ત જાતિ જાદુ જોદ
જાદુ, જોદવિદ્યુદ એ ૩ પુદ્ગ (one) having an
appointed class or caste, name
and family, whole-being etc યાદ
૬, ૬: — જાદુજોદવિદ્યુદવિદ્યુદ વિ.
(-જાદુજોદવિદ્યુદવિદ્યુદ) અનિ જાદુ જોદ
અનિ નિઃચિત્ત આપુદ જોદવિદ્યુદ. જાતિ જાદુ
જોદવિદ્યુદ નિઃચિત્ત આપુદવચ્ચા. (one)

tructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births वाय० ११ — ह्यस्य गु० (-स्वर) ७३३१ ' ब्राह्मण ' श० १६ देवो " ब्राह्मण " श० १६ विद्वा " ब्राह्मण " विश० १६ ११;

विंगुल्य ५० (- विंगुल्य) स. २०
 ६१ म. २० - २०० विंगुल्य. superior
 vermilion माया. १. १०० १.

आह्वितकृत-य प्र. (आह्वितकृत) भूतना
प्रमाण १०-१२ इत्यनुसार वनां वरने
वाला. (One) acting to one's
wish विशेष. २५।

ନାହାନ୍ତି. ବି. (ବାବଦ) ୧୦୩୫୫
 ଆଦି. ଗାନ୍ଧୀ ଗାନ୍ଧୀ ହୁଅ. (1110)
 1110 to 1110 ବାବଦ ୧, ୧.

जाइमेल प्र० (कानिबन) म० ११८८, सा०
म० ११८८, उच्च जातका Belonging to
a high caste. जाया- १;

आइमेस. नं० (आतिमात्र) अनि०: अ०: ३३
 अनि०: आति मात्र, केवल आति ही. More
 taste. " अ आत्मता व आइमेस "
 पं०- १, ४३.

આશય વિ. (વાર્ષિક) ભાગ્યેયું; માંગેયું.
 માંગા ક્રુષ્ણ, વાચન Begged; asked
 વિ. માતા ૨, ૧૫; ઉત્તર ૨, ૨૮.

आहवचहलव. ३. (आहवचहलव) मे
नामं स्थानं धनं योयं विमान. इत्यादि
वा कीदृशं विमान. The 4th celestial
abode of Ityanendra. अण. ४, १;

ଆର୍ଦ. ଜି. (ଜାତୀ) ଭୁଞ୍ଜେ । " ଜାହ " ଶ. ୧୫.
ଦେଖି " ଜାହ " ଶବ୍ଦ Video " ଜାହ "
ପଦ. ୧; ଖେ. ପ. ୧, ୧୧୨; କର୍ମ. ୧, ୧୭;
—ମୁଦ୍ରଣ. ପୁ. (-ମୁଦ୍ରଣ) ଭୁଞ୍ଜେ ।
" ଜାହମୁଦ୍ରଣ " ଦେଖି " ଜାହମୁଦ୍ରଣ "
ଶବ୍ଦ. video " ଜାହମୁଦ୍ରଣ " ଖେ. ପ.

--सरस्व. न० (-स्वरस्य) जु०। " जाह-
सरस्य " स०-६. देखो " जाहसरस्य " स०।
video " जाहसरस्य " ना०- १, १६;
अ०- ११, ११; --सरस्वावरसिद्धि. न०
(स्वरस्वावरसिद्धि) जु०। " जाहसरस्वावर-
सिद्धि " स०-६. देखो " जाहसरस्वावरसिद्धि "
स०। " _video " जाहसरस्वावरसिद्धि "
ना०- १, -- दिगुल्लय पुं० (--दिगुल्लय)
जु०। " जाहदिगुल्लय " स०-६. देखो " जाह-
दिगुल्लय " स०। video जाहदिगुल्लय ना०- १;

आड. १० (आधु) १५१; आस. १५१; जीष. १५१.
A medicine पं. वि. १५१.

जाडया. श्री० (वामू) देसाजी. देवराजी;
 देवर-जिन के छोटे भाई की श्री. Brother-
 in law's wife; wife of husband's
 brother. "जय जाडयाजी" नावा. १६;

आइल. गु० (जायक) में प्रसारी भुज-
 पत्रादि एक तरह की वृक्ष वनस्पति.
 A kind of vegetation growing
 in cluster. पृष्ठ १;

जाउकल्ल, न. (जाउकल्ल) मे नाम नुं मे
मे. एक गोत्र. Name of a family.
पं. पं. ०. १२५;

આઠકુળનીય. નં. (આઠકુળીય) એ નામના
 મેત્ર વધુ. હવે મોત્ર. ય. One belong-
 ing to this family. સુ. ૧૦ ૧૦;

जादूचय. न० (जाम्बवद) ओर प्रभारजुं सोनुं
१६ तरह का मुद्रा. A kind of gold
जं० १०.

ज्ञान पुं० (वान) यत्, अथमेवाहि यत्.
यत्; अथमेव प्रयुक्त यत्. A sacrifice
such as Aśvamedha (horse-
sacrifice) etc. जोष० नि० वि० ४४०;
अं० प० २, ११२;

✓ जागर. वा. I. (जागृ) जागृतुं. जागृतुं.
जागृत होना. To be awake, to be

sleepless.

आगरे. वच० ११;

आगरिचर. हे० क० वे० १, १४;

आगरवाच. व० क० म० १, ०; २, १; ३,

१; भा० १; ५, १४, १६; द० १,

१०; वच० ११; छ० ३, ४;

उवा० १, १६, २१; व० २, २२;

द० ४;

आगर. व० क० प्र० १३४; क० १, ६;

आगर. पु० (आगर) अक्षयमक्ष निद्रावशतो;

अशतो; निद्राया अभाव वातो. अक्षयमक्ष

निद्रा से रहित; अक्षय हुआ; निद्रा के अभाव

वाला; प्रबुद्ध. One who is free from

sleep of want of self-restraint;

one who is wakeful or wide

awake " सुषा अशुषो उषवा सुषी

उषुता विजागरा इति " भा० १, ३,

१, १०; छ० ५, २; वच० ३, २३; वच०

११, ११; १६, १६;

आगरवक्षार वि० (आगरविष) अमृतार.

अमृत वाला. Wakeful. वच० १२, २;

आगरव न० (आगरव) अमृतार; निद्रातो

क्षय. अमृत; निद्रा का अभाव. Wakeful-

ness; sleeplessness भा० १, २;

आगरिचर वि० (आगरिचर) अमृतार.

अमृत वाला; उषिह. Wakeful; sleep-

less. छ० ४, २;

आगरिच. वि० (आगृत) अमृत. अमृत

हुआ. (One) who has kept a-

wake. वच० १२, १; उवा० १, १३;

६, २५२;

आगरिचर. न० (आगरिचर) अमृतार;

अमृतार. आगरव; निद्रा का अभाव.

Wakefulness; sleeplessness.

वच० १२, २;

आगरिवा. जी० (आगरिवा) आगरवा अमृत

पक्षी उड़ी रात्रे भरता आगृतो रात्रे अमृतार

हरे ते. आगर के अमृत के वाद सुदी रात्रि में

परिवार का आगरव करना A vigil

kept by the relatives on the

sixth night after the birth of

a child. " कइ विहाय मंडे आगरिवा

वच० ११, ११; वच० ४०;

भा० १; रा० २५६, क० ३, ६६;

आगरिवा. जी० (आगरवा) विचारना; विचार

रत्ना विचारना; विचारना. Contempla-

tion; thought. भा० १, २१; व० २५२;

आगरिच. व० (आगरिचर) अमृतार.

अमृत परमेश. अमृत तत्त्व. Throughout

life. व० मं० १, १०;

✓ आग्र वा० १. (आ) अमृत. जानना.

To know.

आग्र. वच० १, १, २, १; ३, ६; ४, ४;

६, ४; व० २, १०, ५; भा० १;

व० १६; वच० २०; भा० १, १,

७, २६; १, ७, १, १६६; छ० २,

२; वच० २, ३३; वि० ६; द०

४, २३;

आग्रति वच० ४, ४; ६, ४; १४, ५; १०,

३; वि० ११; भा० १६;

आग्रमि. भा० १४; १६; वच० २, १;

१४, १; उवा० २४, ११;

आग्रमि. भा० १; ७; व० ३, ६;

४, ६; १०, २;

आग्रमो. वच० १, ६; २, १; ३, २; ४, ५;

१५, १; १०, ७;

आग्र. उवा० १०, २५;

आग्रि वि०-आ. द० ० व० २४, १;

१२; वे० २, २; ३, ६; वच० १७;

अग्रुयो० व० १११; भा० १, १,

१, ७; १, ६, ४, १६१; द० २,

१, ४६; द० ६, ११; वि० ६, १२;

वाणह. चाप० नि० १०, वि० ०२; नावा० १०,
वाणनि. पु० ४० ४, ४८, भग० १, ४,
वाणार्थ. पु० ४० ०, १११,
वाणह वि० १, भग० १, २;
वाणह भू० १, २, १६,
वाणह वि० नि० भा० २४, वि० नि० १०२,
नदी० ४३,
वाणहि आवा० १, २, १, २०, गच्छा० २६,
वाणह भू० ४० ४, ४२, नावा० ४, १६,
वाय० २२, भग० १, ४;
वाणहसि नावा० १८,
वाणह भ० क० दग० १८, १, १८;
वाणहस. भ० क० भू० ४० १, १०१;
नावा० ४,
वाणहा. भ० क० नावा० २, ४, ३, ८, ४,
१२, १४, १६, १८, भग० २, १;
३, ४, ४, १२, १४, १, आवा०
४०, उल० १४१,
वाणहा. भ० क० नावा० १८, दग० २, ४८,
वाणह दे० क० आवा० १, २, १, ४८,
दग० ८, १२,
वाणहग दे० क० दगा० ४, १८, २१,
भग० १०; नावा० ४, भग० १, ८;
वाणहा भ० क० भग० २, १, १, १;
वाणहाव भ० क० उल० ११, २४; भग०
१, २०; निमी० १, ४०, भग० २, ११;
वि० २१६; वि० १; दगा० ४,
१०, पु० ४० १, ११८, दगा० ४,
१२८,
वाणह. भ० क० भू० १, १, १, १, दगा०
४, २; दगा० ४, १०; ४, ११, वि०
नि० भा० ११; नावा० १४; वि०
४२; पद्य० ११; वि० नि० १११;
वाण. भ० (वाण) आ०, भा०, २४, सभाभ
१२२; २४री. वाण-वाही, रथ आदि सवारी
योग्य वाहन. A vehicle, carriage

chariot etc. उल० ३, १४, २४, ११;
२२, ८, आवा० २, ४, २, ११८, भू० २,
२, ६२; भू० ४० २, २०६; चाप० भग०
२, २; ३, ३, ४, १७, ४, ४, ११, ११;
नावा० १, २; उवा० १, ६१, ७, २०६;
दग० ३, २४, आवा० १, १, २०००
दगा० ६, ६१०, १, प्रव० २०४, पद्य० २, २;
आ० ४, १, भग० १, १, २) विमान. विमान.
aeroplane नावा० ४० (३) यानवाण;
१२; भू० नीका; बहाव बगैरह a boat, a
vessel etc. भग० १६२, गच्छा० ८;
वाय. वि० (गच्छ) आ०, भा०, २४. यान-
वाण, गाड़ी से गया हुआ driven in a
carriage. चाप० - गिह. भ० (गृह) रथ
मुद्रा १४; रथगाना, गाड़ी आदि के रखने
का घर a coach-house, a carriage-
shed " वाणनिहाविवा " आवा० २, २,
४, ८०; निमी० ८, २; १४, २१; - पद्य०.
भ० (-प्रवर) प्रधान रथ; उत्तम वाहन
उत्तम रथ; प्रधान गाड़ी, an excellent
chariot, an excellent vehicle.
दगा० १०, १; भग० १, ११; -रथ पु०
(-रथ) भ० प्रवरने रथ. एक प्रकार का
रथ a kind of chariot आवा० १, २;
-रथ वि० (रथ) १, ३३ श्री आदिना
रथ आकार. वाण-यानका बगैरह का
आकार the shape of a palan-
quin etc. " समाहववाणहसि "
भग० १, ४; -विमान. वि० (-विमान -
वाणाव गमनाव विमान वावाविमान) दे०
ताने भवन इत्यादि-मुद्रा १२; विमान.
देवताओंका मुद्राकारी विमान; देवताओंके वाणा
करनेका विमान, a celestial car of the
gods. " दसवहं दंशवहं दस परिवाविवा
वावाविवावावावावा " टा० १०; ४, १;
वाय० ६०; भ० ४० ४, ११२, ११३, ११४

मम० १६, २; —साक्षात्. जी० (-काका)
मा० २५ पदेय पदेरेने सप्तमानी ७७५
रथ कासा; मा० कासा a coach-house;
a carriage shed. "आवृत्ताकाकोषा"
कासा० २, २, २, ८०; जी० २०; मा०
२, १६; दसा० १०, १; वरह० २, १.
विश० ८, ०; —साक्षिज. पुं० (-साक्षिज)
मा० २५ पदेरे सप्तमानी सप्तमानी
ऊपरी भाग. रथशाला के ऊपर की छतरी
the upper floor of a coach-
house or carriage shed.
जी० २०; दसा० १०, १. —आवृत्तय.
वि० (-आवृत्त) लज्जुना०. अनज्ज-
ना०. मा० जानने वाला. समझने
वाला, समझदार; जाना. (one) who
knows, comprehends or under-
stands. आवृत्तो० १८; २०, जी० उवा०
२, १८२; विश० ४४, ४६, (०) पुं० पितृ
लज्जुना० ७७५ ५७५ लज्जुना० मानने
वाले. हि स्वयं कुछ भी न जानने हुए, अपने
को जानकार मानने वाला बौद्ध बंगरह a
follower of Buddha etc. who
pretends to know without
knowing anything himself.
मृ० १, १, १, १८; आवृत्तो० १८६; मं०
५० १, ४२; —स्वरीय न० (-स्वरीय)
आवृत्तय आदि सा० लज्जुना० ५२ पुं०
देहेषु येन-य म-य स्त्री. आवृत्तयक मृ०
आदि सा० के जानकार का वृत्ता हुआ
मृ० -वेतन्य शून्य स्त्री. the lifeless
body of one who knows
scriptures such as Āvadyaka
etc. आवृत्तो० १८;

आवृत्त. पुं० (वाचक) २५ रथ. A chariot.
दसा० १०, १;

आवृत्त. वि० (-आवृत्त) लज्जुना०; समझना०.

समझने वाला. (One) who knows
or understands वि० नि० मा० ११;
जी० नि० ११८; पं० २, १

आवृत्त. न० (-आवृत्त) सा० लज्जुना०. जानना.
जान, समझ Knowing; knowledge
comprehension. प्र० १. —विशेष
न० (-विशेष) जानना करने का कारण
का कारण-हेतु cause or motive
of knowledge प्र० १;

आवृत्त. जी० (-आवृत्त) केनापी वस्तु
निज्जुना० या न विज्जुना० वस्तु का ज्ञान प्र० १
प्रतीत ज्ञान आ गये वह, ज्ञान That by
which the real nature of a
thing can be known, know-
ledge. आवृत्तो० १८६;

आवृत्त. जी० (-आवृत्त) ज्ञान ज्ञान Know-
ledge जग० १, १,

आवृत्त. न० (-आवृत्त) पदाजु जी०.
नाव. A boat पं० १, १८

आवृत्त. प्र० (-आवृत्त) देशमा जग०.
अथवा आवृत्त. देश में रहने वाले
जन हुए वा आवृत्त हुए लोग. People
habitually residing in a country
or emigrants. "वर्तव्य आवृत्तवा ज्ञानिनु"
विश० १; जग० १, ११, ११, मृ० १०१; जी०

आवृत्त. प्र० (-आवृत्त) लज्जुना०. जाना हुआ
Known पं० ४२;

आवृत्त. वि० (-आवृत्त) लज्जुना०
मानने वाला. Worth being
known. मम० १, २, २, १; १२, ६
१६, १; १६, ०; २०, ५ ११; २६, १२;
२०; २६, १; ४१० १, ४२

आवृत्त. न० (-आवृत्त) ज्ञान पुं०. जी०.
पुं०. The knee मा० १, २; जी०
१०, २१; मम० ०, ०; मं० ५० २, ११५;
जी० १, १ मा० १, २, २, १६; वि०

मि० ८१५; मय० २०; १६६; उवा० २, ६८; विवा० ५; प्र० २१; पवा० १, १७; कण० २, १६. — उदमेद्वयमावमिसि मि० (-उदमेद्वयमावमाव) दी० २५ सु० १; दि० २५ सु० १. पु० १८; मातु प्रमाण reaching as far as the knees, equal to the knees in height. मय० २८; -कोणर. न० (-कुरं) दी० २५ सु० १. मातु-पु० १८ और पु० १८ मातु के बीच की मंजी-गाँठ. the knee and the elbow नावा० २; -कोणरमाया जी० (कुरं-मातु) १६५ आ; मातु १६५. बालि जी० a barren or sterile woman नावा० २. — प्रमाण मि० (-प्रमाण) पु० २५ सु० १. मातु. पु० १८; मातु १८ प्रमाण बाल. reaching the knees. प्र० २८१; — पायपट्टिय. मि० (पायपट्टिय) दी० २५ सु० १. पु० १८ पर पटा हुआ; पंजर गिरा हुआ. knelt down विवा० ५; — मिस १५ (मातु) दी० २५ सु० १. पु० १८ या प्रमाण. touch- ing the knees, knee-deep प्र० २८५. — हि० च० (च०) दी० २५ सु० १. पु० १८ के नीचे. below the knees. प्र० १६०;

मातु जी० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३ ५५५ नीति मय० २८ ६८८ की हुई पार की निवृत्ति Deliberate abstin- ence from sin उ० २, ६;

मातु. पु० (मातु) सु० १८ ३२३ देको 'मातु' शब्द. Vide. 'मातु' उवा० २, ६८;

मातु. मि० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३ सभ० का अनुसर. Conversant with the scriptures. 'मातु' मातु' मातु'

मातु० ११; — पु० १८ (- १८) सभ० सु० १८ ३२३ सभ० का पु०. the son of one who is conversant with the Scriptures. मा० ११;

मातु. जी० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३ सभ० का पु०. The Ganges. उ० ६;

मातु. मि० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३ सभ० का पु०. Born; pro- duced. मा० ११; मय० १२, १३ (१) न० २८३२. प्र० २८३२. variety; species. पण० २, १; — कुरं. न० (-कुरं) सभ० सु० १८ ३२३२. सभ० का पु०. ceremony in connection with birth नावा० १. — मातु मि० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३२ सभ० का पु०. one in whom faith has been in- spired नि० १, १;

मातु. मि० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३२ सभ० का पु०. Produced; born. नावा० १;

मातु. जी० (मातु) सभ० सु० १८ ३२३२ सभ० का पु०. Pain; agony. पण० १, १;

मातु. मि० (मातु) सु० १८ ३२३२ सभ० का पु०. Shining; glitter- ing (१) न० २८३२. सु० १८ ३२३२. gold. मा० १०; (१) पु० १८ ३२३२-सभ० सु० १८ ३२३२ ११ मे विभाज. मातु- सु० १८ ३२३२ का मातु; मातु का ११ व हिस्सा a lamp of gold; the 13th portion of Khara-kāpāla. जी० १, १;

माति. जी० (माति) सु० १८ ३२३२ सभ० का पु०. देको "माति" शब्द. Vide. "माति" मा० १६; पण० २, १०; १६; जी० १, ४; न० २० (१) मे १८ ३२३२ सभ० का पु०.

आनि की शक-मद्य a kind of intoxicating drink or wine. वि० २.

—आमर्ष. वि० (-आमर्ष) अनि भद्र

रहित. आनि के मद्य ने रहित. free from the pride of caste. भग० ८, ६.

—आहकम्प. न० (-आहकम्प) अनु०.

" आहकम्प " शब्द देखा " आहकम्प " शब्द. वि० " आहकम्प " भाषा० ३.

—आमानिहन्ताडव. वि० (आमानिहन्ता

पुत्र) अनु० " आहकामिहन्ताडव " शब्द देखा " आहकामिहन्ताडव " शब्द. वि०

" आहकामिहन्ताडव " शब्द० ६. नृ-
मद्य पु० (-मद्य) अनु० अनि भद्र

एक प्रकार का मद्य. a kind of intoxicating drink शब्द० १, १; —पुष्ट

न० (-पुष्ट) अनु० " आहपुष्ट " शब्द देखा " आहपुष्ट " शब्द. वि० " आहपुष्ट "

भाषा० १३. —प्यस्वजा. जा० (-प्यस्वजा) अनु० अनि भद्र

एक प्रकार का मदिरा a kind of wine. शब्द० १; —मद्य

पु० (-मद्य) अनि भद्र भद्र. आनि का महकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. भग० ८;

—मद्य. पु० (-मद्य) अनु० अनि भद्र देखा ऊपर का शब्द. vide above. भग०

८, ६; —संयम वि० (-संयम) अनु० " आहसंयम " शब्द देखा " आहसंयम "

शब्द. वि० " आहसंयम " भग० १३, ३ भाषा० १; —स्वरस्य न० (-स्वरस्य)

अनु० " आहस्वरस्य " शब्द देखा " आहस्वरस्य " शब्द. वि० " आहस्वरस्य " भाषा० ८;

आनिमंत. वि० (आनिमंत) अनि भद्र. आनिवान्. Of a high rank or

caste. दृष्ट० ७, ११; आनिव. वि० (आनिव) आनिव; आनिव

आनिव दृष्टा; बर्हिष. Beggard;

entreated भग० १८, १०;

आम. पु० (आम) भद्राभय; तर्था आमा-
निपानवेभ्य आदि भद्राभय भद्राभय;

आमातिपानिभिरमल जाद बह भग. Any of the great vows, e. g. com-

plete abstention from killing etc. भाषा० १, ७, १, १००; (३) भद्राभय.

द्विष के भद्राभय भद्राभय भद्राभय. दिन

या रात्रि का चौथा अंश any of the eight periods into which a day

(24 hours) is divided " तर्था

आमा वदना न भद्रा वदने आमा आमा-
आमा वदने आमा " शब्द० १, २, आमा-

वि० ८६०, शब्द० १, आमाउय आ पु० (आमाउय) भद्राभय.

आमाउय. आमाउय. A woman law. वि० १, १, आमाउय १११.

आमिष्य पु० (आमिष्य) भद्राभय, भद्राभय
रक्षक, वदनेवाला. वि० १, १, आमाउय

A guard, a watchman. पु० ८, ७, १५.

आमुक्कुसुम न० (आमुक्कुसुम) शब्द० १५
भाषा० १५ भाषा० १५ भाषा० १५ भाषा० १५

A flower of the China rose " आमुक् कुसुमेई वा " शब्द०

आम्य भा० I, II (आम्य) भद्राभय;
भद्राभय, भाषा० १५ भाषा० १५ भाषा० १५

भगिना Tobogg. आमह वि० १, २०; १५, १५;

आमह भाषा० १५. आहजा. वि० भाषा० ३

आवाहि जा० उत० २६, ६; आवाह्य. जा० वि० वि० ८२०;

आहकामि. भाषा० १, ६, १, १००; आहकम्प. न० ६० भाषा० १, ७, ६, २२०;

वि० १, २०; १, २२; १, १२; भग० ८, ६;

આવૃત્ત્ય દે. ક. નાવા. ૭; ૧૪;

આવંત વ. ક. વિશી. ૧, ૨૦; ૧૩૬. ૧, ૩;

આવ. પું. (કાળ) ૧૫; પૂન વક; વૃજ. A
sacrifice; worship. નાવા. ૧; ૨;
વળ. ૧૧, ૧૧; કવ. ૫, ૧૦૧;

આવ-જા. વિ. (કાળ) ઉત્પન્ન થયેલ, ૧૫

એમ, જ-મેમ જન્મ વાકા દુજા; જન્મ પ્રાપ્ત
Born; produced. નાવા. ૧; ૧, ૩; ૪;

૬, ૭, ૮, ૧૨; ૧૧; ૧૪; ૧૬; ૧૭; ૧૮;

૨, ૧૧, ૧, ૨, ૬, ૧૩; ૧૨, ૬, ૧૬, ૧,

૨૪, ૧, ૨, ૧૦. વિ. ૧૬૬, ૧૮૦; ૨૫-૨,

૬, ૨, ૨૫-૨, ૨૦, ૬, ૧, ૮, ૧; ૨૫-૬,

૨૧; ૫-૮-૧, ૧૫, આંવ. ૨૫, ૩૫-૦

૨, ૨, વિશી. ૫, ૫૫-૦ ૬૧; કવ. ૧, ૧;

(૨) પુત્ર, દીકરી. પુત્ર, નવકા. ૧૫૦૫.

નાવા. ૧; ૫; ૬; ૧૫-૬, ૧૩૧, ૧૧, ૧૧;

પૂવ. ૧, ૪, ૨, ૧૧૧. ૫-૮-૨, ૧૧૦,

૧૫-૦, ૬, ૧. (૩) વિ. પ્રાપ્ત થયેલ, મેલ

મેલ પ્રાપ્ત થયેલ દુજા obtained; got

" સુદ મિથા પ્રાપ્ત ન દુલ્લક્ષી " ૫૫-૧,

૧૦૧ ૧૩. (૪) પ્રકાર, એક પ્રકાર, એક a

variety, a division. ડા. ૪, ૧,

૧૦; (૫) વિ. શુદ્ધ, પવિત્ર. વિકાર

રહિત, શુદ્ધ. puro, of a high caste.

" આવદિગુણે " ૧૫-૨૧; (૬)

અંકુર, એક, sprout ૨૫-૪. (૭)

સામ્રાજિય પદ્મનાર, શ્રીમદ્. શાકાચાર

કો જાને નાના. one knowing the

precepts of scriptures; a learn-

ed. ૨૫-૧૦૦; —એકદલ પું. (—એક-

દલક-જાતે એકદલ એકદલ નવનવો રાહિત

દલ અભિવ્યક્તે કુલિતે બાકરું વસ્ત્રાલો)

આંધમે અને કુલિત આંધમે; એકદલ

સરીર થામે. એક વ કુલિત એક નાના;

કુલિત સરીર નાના. one who is blind

and deformed in body. વિશી. ૧;

—કવ. પું. (—કવ) ચીનાથને ૧૬૫.

નીતિવેદા કવ a resolution of Gi-

tartha. ૨૫-૨૪. —કવ. ૫. (—કવ)

જ-મ સરસાર; ના: છેલ નિમેરે. કવ

સરસાર, ના: છેલ નિમેરે. ceremonies

like cutting of the umbilical

cord (navel cord) etc. after

the birth of a child. " કિલ્લ

અલુદે આવ કામ કાલે " ડા. ૧;

આંવ. ૧૦; નાવા. ૫. —કોઠુદલ.

વિ. (—કુલ્લક જાને કુલ્લક વરવ ન જાત-

કુલ્લક:) એને કુલ્લક ઉત્પન્ન થયેલ દેવ

ને વદ કિલ્લક કુલ્લક ડા. ૧૫

(one) in whom curiosity

is roused or excited. નાવા. ૧;

—પ્રધાન. વિ. (—પ્રધાન) ૫૫ ઉત્પન્ન

થયેલ; ૫૫-૧૫ થયેલ, વલ-પ્રાપ્ત. grown

strong. " વલ્લો દલ આવવાને " ડા. ૬;

—મિદુલા લી. (—મિદુલા—જાતાવલ્લુ-

મિ મિદુલા લી. જાતાવલ્લુ-જાતાવલ્લુ-

જ-મેલ નાના નાના મરજી પામે છે

અથવા મરજી અનરે છે તે માતા.

કિલ્લક જન્મ પામે કુલે નાના કુલ્લક મર

જાને દે અથવા મરજી પેદા હોને દે વદ માતા.

a woman whose children die

immediately after birth or

are born dead. " સુદ નાના જાતાવલ્લુ

જાતાવલ્લુ નાના હોવા " વિશી. ૨; ૭;

—વદલ. ૫. (—વલલ) અંકુર ઉપર

રહેલ. એકુર વર રહા દુજા. anything

resting upon or supported by

a sprout. ૨૫-૪. —વલલ. વિ.

(—વલ) એને પાંખ ઉત્પન્ન થયેલ છે તે.

વિશી એક જા નવે દે વદ (a bird)

having wings. " આવવલ્લુ જાતા

હવા " ડા. ૨૦ ૧૪; —વલ. ૫.

(-बुद्ध) जन्म-मयीन् भूमे. जन्म ही से
 मूढ़. dumb from birth. विवा० १;
 —विस्मय. वि० (-विस्मय) विस्मय
 प्रमेय. विस्मित; अस्मित. astonished;
 surprised. वावा० ११; —संवेग. वि०
 (-संवेग) नेने धवेय-मुमुक्षुता ३२५५
 ५७ ७ ते. विस्मये संवेग-मुमुक्षुता
 उपाय हुं हो वह. one seeking
 emancipation. मत० ११; —संशय.
 वि० (-संशय—ज्ञानः संशयो यस्य सञ्जात
 संशयः) सस्य ३३५५ धवेय. संशय
 प्रमेय. thrown into doubt; (one)
 in whom doubt or suspicion is
 engendered. मत० १, १; १०, २;
 वावा० १; —सह वि० (-आह—अहंता वन्
 किवते सह आहं तां अहंता आहं ह्यहं
 विवेको वस्वासी ज्ञानआहः) ५६१ ३२५५
 धवेय. अहंता. (one) in whom
 faith is born; having faith. वावा०
 १, १; मत० १, १; १०, २; १४, ६;

काव्य. वि० (काव्य) ५५४; ५६ ३२५१२.
 काव्य; वक्त्र करमेकाता. (One) per-
 forming a sacrifice; a sacrificer.
 "सो नव एव पतिविद्वेज् काव्येण महा-
 बुद्धी" उत० २२, ६;

काव्य. व० (काव्य) भावयुं ते; वाचयुं
 ते. वाचना; वाचना. Begging; solicit-
 ing. उत० १२, १०; पंचा० १०, १;
 —जीवन्. वि० (-जीवन-वाचनेन जीवन्
 वाचकारवन्त्येति वाचजीवनः) नेना
 ७१५१० अः ५१२ भावय ३५२ ७ ते;
 भिक्षु; भिक्षु; भिक्षु जीवन्वाच जीवन्
 वाचकार विवर्त है वह. (one) who
 lives by begging; a beggar.
 "आवाहि मे काव्य जीवन्वाचि" उत०
 १२, १०;

काव्य. व० (काव्य) ५५१ ३२५१ ते. दुःखी
 करना; कष्टा. Giving pain or
 trouble. वक्त्र० १, २;

काव्य. जी० (वाचना) वाचना; भावयुं;
 भिक्ष भावयुं ते. जीवन् वाचना; वाचना
 करना. Begging; solicitation.
 वक्त्र० १, १, १, १; मत० ५, ५; मत०
 ११२; —परिहृ. पुं० (-परिहृ—वाचने-
 वाचनं वाचनेनैव परिहृ वाचनपरिहृः)
 भिक्षाने ५१५६, ५१६६ नेने ५१५१२. भिक्षा
 का परिहृ; परिहृ का एक प्रकार. bear-
 ing the affliction or trouble
 caused by having to beg. वक्त्र०
 २२; —वाच. व० (-वाच) लक्षणां
 ५५५ भोवी. भिक्षा का वक्त्र; कोली. a
 piece of cloth (like a swinging
 bag) to keep alms in. विवा० १२, १४;

काव्य. जी० (वाचना) ५५१. दुःख; वीर्य;
 कष्ट. Pain; trouble; affliction.

"आवाचाकरवन्वाचि" वक्त्र० १, १, १, १;

काव्य. जी० (वाचना) ५५१११६११
 भावयुं ३२५११ ५५११. आवाचादि के सिधे
 वाचना करनेकी भाषा. Words used in
 soliciting or begging food etc.
 डा० ४, १; वक्त्र० ११; मत० १०, १; वक्त्र०
 १, १; मत० १०, १;

काव्येण व० पुं० (काव्येण) अग्नि. अग्नि.
 Fire. "काव्येण अग्निरग्न वक्त्रो कर्मका
 मया" वक्त्र० १०; वक्त्र० १, ११; मत० १
 १, १, १; वक्त्र० १, १, १५; वक्त्र० १, १
 वक्त्र० १, १५;

काव्यमित्र व० (काव्यमित्र) जन्म-मयीन्
 जन्म होते ही, जन्म ही से. Immedi-
 ately upon being born; from
 the very birth. विवा० १;

काव्यमित्र. वि० (काव्यमित्र) ३३५५ ५५१ ११

आराधविमर्षि. पुं० (आराधविमर्षि) ओ३
प्र३२नी नाट३ विधि; ल३२-ओ३ लतनु
ल३२२ प्र३३ तेनी ओ३ प्र३२नी र३२नी
वा३३ नाट३. एक प्रकार की नाटक विधि;
जहाँ-एक जाति का बलपर प्राणी उसकी
एक प्रकार की रचना द्वारा नाटक. A
kind of dramatic representa-
tion, having an arrangement
resembling a Jārā i. e. a kind
of aquatic animal. रा३० ११;

आरामार. पुं० (आरामार) ल३२२ प्र३३नी
ओ३ ल३२. जलपर प्राणी की एक जाति.
A kind of aquatic animal.
जी३० १; ७;

आरामारविमर्षि. स्त्री० (आरामारवि-
मर्षि) ल३२२-ल३२२ प्र३३नी ओ३
ल३२-तेनी र३२नी वा३३ १२ नाट३भांनु ओ३
नाट३. आरामार-जलपर प्राणी की एक
जाति उसकी रचना द्वारा १२ नाटक में से
एक नाटक. One of the 32 kinds
of dramas, with a scenic repre-
sentation of Jārāmāra i. e. a
kind of aquatic animal. रा३० ११;

आरिस त्रि० (आरिस) ओ३३; ओ३२प्र३२नुं.
त्रैता; जिस प्रकार का आ३; of the
nature of which. " आरिसको जं
जाजा जलकको आरिस कहते " प३३३-
१, १; वि० वि० १२३; म३० १, १; उ३०
२, ७, ८; ल३० १, २, २, २३;

आरिसव. त्रि० (आरिसव) ओ३३; ओ३२
प्र३२नुं. त्रैता; जिस प्रकार का. आ३; of
the nature or quality of which.
जा३० ८; १६; म३० १, २; १२, १;

आरु. पुं० (आरु) ओ३ ना३नी ओ३ आ३२नुं
२२२३ति; ३३३नी ओ३ ल३३. इस नाम की
आकारण बलरति: कंद की एक जाति A

kind of plant; a kind of bul-
bous root. रा३० १;

आरुकाव. पुं० (आरुकाव) व३३३ ओ३२नी
ओ३ आ३३. व३३३ ओ३३ की एक जाति.
An offshoot of the Vāṭiśa
family-origin. (२) ते ओ३२नी पु३३.
उ३३ ओ३३-का पु३३. a person belong-
ing to the above family-origin.
म३० ७, १;

आस. पुं० (आस) भा३३ ५३३नी ल३३.
म३३३ व३३३ की आस. A net to
catch fish. रा३० ११; जा३० १, १;
वि० वि० १२३; वि३० ८; उ३० १४, १५;
(२) भु३३ आदि प३३ने ५३३नी पा३३.
भु३३ आदि प३३ की व३३३ का क३३. a
snare to catch deer etc. म३० १०
(१) भु३३नी भु३३. भु३३का का
गु३३. a cluster of pearls. ल३०
१, १६; (४) म३० ओ३ ल३२नुं प३३नुं
प३३३ एक प्रकार का पैरोंमें पहिने का
जंवर. a kind of ornament for
the feet. जा३० (४) ल३३; न३३नी
न३३नी ३३३नी आ३३. ज३३नी; छोटे छोटे
छेद वाली छिड़छिड़. a barred window;
a window made up of small
apertures. रा३० २, जा३० १; जी३०
१, ८; जा३० ११, म३० १० २३३; (२)
स३३३. स३३३. a group; a collection.
रा३० ४८, १०६; जी३० १, २; म३० १०
जा३० १०; उ३० ७, २०६; —आस३३.
न० (आस३३) ल३३-आ३३ २३३नुं
आ३३. जा३३-छिड़छिड़ के मध्य का
अंतर. an interval between the
apertures or open spaces of a
barred etc. window. जा३० १, ८;
—आस३३व. त्रि० (आस३३व) ओ३३

building. की० १, ४; एव० १०७;
आलय. पुं० (आलय) लुप्तो 'आलय' लुप्त.

देखो 'आलय' लुप्त. Vide 'आलय' की०
१, १;

आला. की० (आला) अला-आला; अमिनी
हिप्पा. आला की आला. A flame
of fire. "आलाहुरं च वृद्धि" भाषा.
१; १६; म० १, २; १४, ७; प० १;
पु० १, १०; द० ४; अ० २, १;
उत्त० १६, १०६; वं० १, २२; (१)
६ मा अक्षरिणी भाता. ६ वें चक्रवर्ती की
माता. the mother of the 9th
Chakravarti. ल० १० २१४; (१)
अक्षरिणी रक्षिणी सासनं चन्द्रप्रभ
स्वामी की सासन देवी. the tutelary
goddess of Chandraprabha
Śrāmi. प्र० १७०; —उज्ज्वल त्रि०
(-उज्ज्वल) अज्ज्वली उज्ज्वल. उज्ज्वल से
उज्ज्वल brightened with flame
ल० १, ४६; —पवर. पुं० (-पवर)
अज्ज्वली अज्ज्वल. उज्ज्वली का अज्ज्वल. A
collection of flames. ल० १, ४६;
—आला. की० (-आला) अज्ज्वली
भाषा; पंक्ति. आला की आला; पंक्ति. A
row of flames. म० १, २;

आलाह. पुं० (आलाह) अ० प्रभवे अ०
प्रि० ७१. एक प्रकार का दो सन्नेव वाला
जीव. A kind of two-sensed liv-
ing being. प० १;

आलाह. पुं० (आलाह) लुप्तो उपलो लुप्त.
देखो ऊपर का लुप्त. Vide above. प० १;

आशि. पुं० (आशि) अंतर्गच्छना अ०
प० १० प्रथम अक्षरानु नाभ. अंतर्गच्छ
लुप्त के पीछे वर्त के प्रथम अक्षरानु का नाम.
Name of the first chapter of
the 4th section of Antagāḍa

Sūtra. अंत० ४, १; (१) आशुदेव
राजनी पाशुपी राक्षीना पुत्र, १० नेमनाथ
प्रभु पासे दीक्षा लभ्यते अक्षरानु
हरी सोम वरसनी प्रवक्ष्या पाषी लुप्त
प० १० उपर अ० भाष्यो संभारो हरी सिद्ध
यथा. आशुदेव राजा की धारकी राक्षी के पुत्र
कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वावत
संभो का अक्षरानु कर मोक्ष वर्त की
प्रवक्ष्या का पाशुन कर, लुप्त वर्त के
ऊपर एक मात्र का संभारा कर सिद्ध हुए.
name of the son of queen
Dhārapi, wife of the king
Vānudeva. He took Dīkṣā
from Nemanatha Prabhu
(lord), studied the 12 Aṅgas,
practised asceticism for 16
years and after a month's
Santhāra (giving up food
and water) on Śātruhjaya,
became a Siddha. अंत० ४, १; (१)
अक्षरानुपाशुनना प्रथम प० १० प्रथम
अक्षरानु नाभ. अक्षरानुपाशुनना लुप्त के
प्रथम वर्त के प्रथम अक्षरानु का नाम.
name of the 1st chapter of
the 1st section of Anutta-
rovavāi Sūtra. अक्षरानु १, १; (१)
अक्षरानु राजनी पाशुपी राक्षीना पुत्र १०
महावीर समीपे दीक्षा लभ्यते अक्षरानु
तपसी सोम वरसनी प्रवक्ष्या पाषी विपुल
प० १० उपर अ० भाष्यो संभारो हरी सिद्ध
यथा. अक्षरानु नाभ. अक्षरानु विमान
भां अक्षरानु यथा. अक्षरानु राजा की धारकी
राक्षी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप
दीक्षा से गुणवत्त लभ्य कर के मोक्ष वर्त
की प्रवक्ष्या पाशुनकर विपुल वर्त के ऊपर
एक मात्र का संभारा कर अक्षरानु का नाम कर

अनुत्तम विमानं उवाच ॥७॥ name of the son of queen Dhārapti, wife of king Śrughṇa He took Dikṣa from Mahāvira Svāmi, practised Cūṇḍaravaga austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Saṁthāra (giving up of food and water) on Vipulā mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya. अनुत्त- १, १;

आमिबा बी- (आमिबा) मधी. मिराणी
पारी माया. मोहं वी मिराणी. A
lattice window. पण- १. १.

आवृत्ति - (वाचन) कथा सुधी, कथा शरी,
 अथवा गद्दी पद, गद्यपद्य; प्रितना A
 long एव, नव far नव, नव much नव.
 न० प० १, १११, ११४, ११२, ३, ३१,
 भाषा- १, ५, १०, १४, १६। मग० १, १,
 ५, ९, १; २५, १० आवृत्ति- आणुमो- १,
 लघु- १, १, १, १; भाषा- १, २, १, २१,
 प्रत्यय- ४, ११; विधेय- १, ४८, ११ (वि० ५१),
 यजु- १, निधी- २०, १०; निधी- १०;
 विधा- ५, दशांश- १, १; दशांश- १, २१, ५,
 १६; निधि- १, १, उपा- १, ७४, ५, २५१,
 कथन- १, १०, पद्य- १०;

आद्य. १०- (आद्य) मय. म-मालिङ्ग उच्चार-
 १५. आद्य; म-मालिङ्ग का उच्चारण. Toll-
 ing beads upon a rosary; repe-
 titon of Mantras i. e. sacred
 charms etc. पद० १, २;

आजकल पुं. (वाक्य) ११५ अतीत १२१
 ११२२ हेतु. आज अतीत काले काला हेतु
 The cause to pass time. ११५, १२१

જાણક. વિ. (વાણ) જેટલું. ચિત્તા.
(Lasting) as long as; (going)

७५ आर आ. 'अहसा और जलन कायदो'

पंथा- ६, ३; अग- १, ६; ७: १, ३; ४:
 ६, १; ७: ६; ८, १०: १४, ७: १३, १:
 १६, ६; अथ- ६, ४१; अं- १०- २, १६:

आर्वा. बी. (बावली) मु० ७ ५-१२ फीनि
अ० ५५.२ गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार
A kind of vegetation growing
in clusters वन० १: (२) अ० ५५ फीनि
५६ एक जड़ का कंद. a kind of bul-
bous root. उल० १९, ६०:

आद्यं च. (वाचन) १७५। सुधी वाचनः
 अहं नह, प्रवचन. As long as; till;
 ॥१॥ अगं १, १;

आशंकलं. य- (वाच्य) ग्रेटतमां. समय
 (६ मिन दसवाव Time etc. during
 which. मू- २, १, ६;

प्राच्यं. १०. (वाचम्) ग्रेटा. जितमेः
 जितना. As many; as much. " आ-
 वसि विष्ठा पुष्टिना " उत० ६, १; पि०
 नि० १४२; अग० ३, १; दम० ६, १०;
 (२) अचरती भूना प्रथम शतकना ७५
 उद्देशात् नाम. अचरती वृत्त के प्रथम शतक
 के लक्ष उद्देश का नाम. name of the
 6th Uddesh of the 1st Sa-
 tak of Bhagavati Sūtra. अग०
 १, १;

જાહેરનિમ. અ. (વાચનનિમ) ઉપરે મુખી.
 અમ્મ પર્યન Up to the last. વિશે.
 ૨૭૪.

गणितशास्त्र. च० (वाचनावन्) अ० प्र० १२ नं०
 मन्त्रिणः स पञ्चानो अ० प्र० १२. एक प्रकार
 का गणितः संख्या का एक प्रकार. A kind
 of arithmetical calculation; a
 mode of numerical calculation.
 अ० १०:

आषाढ. पुं० (वायव्य) ३१ अक्षेप ७२५१२ रेनुः

देनुमे मेः ५११२. हेनु का एक प्रकार. A variety of causes. अ० ८. १;

आवचयं. च० (वाचय) जुमे "आवचयं" शब्द. देवा "आवचयं" शब्द. Vile "आवचयं" भग० २. १; १. १; २. ६;

आवचयिष्य. च० (वाचयिष्य) श्रुते त्वां भूषी; श्रुते ५५११. जीवन वर्षन; जीना रं उम समय तक. Till death; as long as life endures. अ० १. १; भाषा० १. २, ६, १२; भग० १. १; वच० १. २०; भाषा० १. ११; १६; दशा० ६. ४; दन० ६. २६; गच्छा० १०४; —बन्धन. न० (-बन्धन) श्रुते त्वां भूषी. न० ५५११. जीवन वर्षन बन्धन. life-long bondage. दशा० ६. ४;

आवचयिष्यिष्य. च० (वाचयिष्यिष्य) न० ५५११. श्रुते त्वां भूषी जीवन वर्षन. As long as life lasts. भग० २. ६;

आवचय न० (वाचय) निर्याद करणे. निर्याद करना. Supporting (life), spending; passing; (७. ११ time) वि० वि० २१०;

आवचयिष्य. वि० (वाचय) ५५११. विनया; विव हृद तक. As much as; as many as; to the extent to which. वि० वि० २४२; वच० १४; अ० ५०

आवचयी. जी० (आवचयी) न० ५५११. मे नाम न० ५५११. २६. आवचयी; इन नाम का एक प्रकार का वृक्ष. The outer skin of the nutmeg; name of a tree. वच० १;

आवचय्य. न० (वाचय्य) १०११. २६. त्वां भूषी २६. ते. वस्तु के अस्तित्व वर्षन रहे वरु. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. वि० २१५;

आवचय पु० (वाचयतीति वाचयः) २१५ ६५११. जीना ५२११२. राम हृद का त्याग करने वाला. One who abandons, renounces passion and hatred. भाषा० ११. अ० ५०. २, ११४; गज० ११. भाष० १२. ५५०. २, १४;

आवचय. पु० (वाचय) २१५ ६५१११२. रामहृद विनाशवाला. One that causes to conquer passion and hatred. भाष० १२; गज० १;

आवचयिष्य. पु० (• आवचयिष्य) ५५११. भाग ५५११२. राम के वस्तु जाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling) भाष० (न० २१५;

आवचय. पु० (वाच) पिशाचमेः ५११२. पिशाच का एक प्रकार. A kind of ghost or fiend. वच० १.

आवचय. न० (आवचय) न० ५५११. २४. माधु के पुष्प. A Jambu flower. भाष० ६. १०१

आवचय. पु० (आवचयमन्त्र) जुमे ५५११. शब्द. देवा ऊपरका शब्द. Vile above. भाषा० १;

आवचय. न० (आवचयमन्त्र) न० ५५११. २४. चापा कुसुम; माधु के पुष्प. A flower of the China-rose "आवचय कुसुमेष्टवा" वच० १; भाषा० १. भाष० ५६; वच० १. ६; भग० १४, ६; अ० ५०

आवचय. पु० (आवचयमन्त्र) न० ५५११. २४. माधु के पुष्प. A flower of the China-rose. भाषा० १. १; ६;

आवचय. न० (आवचय) ५५११. २४. जीवन; जीवन. Life; the state of life. व० न० ४, ५६;

आवचय. न० (वाचय) ५५११. १४. वाचय-गा. Real or correct nature; true character. वि० १२०६;

brother सं० प० ०, ११६.

शिवसूक्त. पुं० (शिवसूक्त) जेनी पुनमे
ज्येष्ठा नक्षत्राक्षरानी स.वे अदमा जेन
ते भदिने; जे अ.स. जिनकी दक्षिमा के
दिन शिवसूक्तनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग
लाभन करता है वह मास, शिव मास.
Name of a lunar month in
which the full moon stands in
the constellation Jyeshtha (cor-
responding to May June)
उप० २९, १६.

शिवसूक्त न० () जेन जिनकी दक्षिमा एक
प्रकार का खेल A kind of game
प्र० २२१.

१ शिव आ० I (शिव) शिव, जिनका, परा
जिन करना To win, to conquer
शिव क० वा० वि० उप० २, २२;
शिव वि० ल० ६, १६, दम० ८, १६;
शिव आ० ज्ञा० १२;

शिवसूक्त क० वा० प० ८० उप० ०, १०

शिव. पुं० (शिव-शक्ति विराटशक्ति शक्ति
वादिशक्तिशक्तिशक्तिशक्ति) शक्ति (शक्ति)
शक्तिशक्तिशक्ति, शक्तिशक्तिशक्तिशक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति का लक्षणा शक्तिशक्ति, शक्तिशक्ति,
शक्तिशक्ति. One who
has completely subdued pas-
sion and hate. a Tirthankara,
a Kevāli etc. " शक्तिशक्तिशक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति " सूत्र० १, ६, २; " शक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति " भाषा० १; कथा० भाषा० १;
१; १२; जग० १, १; १; २, १; ३, १;
१२, १ २२, ६, २; दम० ८, २२; १, १;
६२; पञ्च० १; सू० प० १८, दमा० ६, १८;

शक्ति० १; वि० वि० १८८, अस्तुमा० १६;
१२७; जग० १, १०; ज्ञा० उप० २, १८;
१०, ११; भाषा० १, २, १, ११२; उपा०
१, ०१; ३, १०८, दम० २, १६; क० ग०
१, १, १, १६, ६०, ६१; १, १६; अ.प०
२, १, १०० १, सं० प० १, ११२, ११३;

—शक्तिशक्ति. न० (शक्तिशक्ति) शक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति शक्ति, जे शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्ति
शक्तिशक्ति शक्ति शक्तिशक्ति के शक्तिशक्ति शक्ति,
शक्तिशक्तिशक्ति के शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति
the interval of time between
two Tirthankaras. जग० २०, २;

प्र० २१८, —शक्तिशक्ति (शक्तिशक्ति)
जिने जगदानने अनुमान लक्षणा शक्ति
जगदानने अनुमान लक्षणा, acceptable
to, permitted by a Tirthan-
kara etc. भाषा० १. —शक्तिशक्ति
शक्ति (शक्तिशक्ति) शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति and by Tirthankara.
प्र० १०८; —शक्तिशक्ति. शक्ति (शक्तिशक्ति)
जिने शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति. शक्ति जगदानने शक्ति-
शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति established by,
propounded by a Tirthankara.
" शक्तिशक्तिशक्तिशक्तिशक्ति " सूत्र० १, १, ६;

—शक्तिशक्ति. न० (शक्तिशक्ति) शक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति, शक्तिशक्ति, शक्तिशक्ति, शक्तिशक्ति शक्ति
शक्तिशक्ति शक्ति शक्तिशक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति
शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति शक्तिशक्ति
a group of the eleven Prak-
tis viz. Jinanāmakarma, Deva-
trika, Vaikriyakadvika, Āhāra-
kadvika and Narakatrika.

* सुमो पृष्ठ १२१२ १२ नी दृष्टने (२) देको दृष्ट नम्य १२ की दृष्टने (२) Vide
foot-note (२) p 13th

क० नं० १, १८; -इजायस्य म० (-इडा
दलक) ज्ञानेन शिवने मन्त्र देवोः इतर का
मन्त्र vidya abhyas क० न० १, १८.

— ईश्वर १० (— ईश्वर) तीर्थंकर तीर्थंकर.
Tirthankara १०- १०५, - उल्लस.
१० (उल्लस) तीर्थंकर तीर्थंकर 'Tir-
thankara' 'महा विराटिन्' (मिथुनमास)
उल्ल- १०, १०५, - उद्दिष्ट. वि- (उद्दिष्ट)
म.म.पु.म. उद्दिष्ट. चाप पुद्गल दशाया
द्वय- shown by relative म.म.पु.म.
१०- - उल्लस १० (उल्लस) तीर्थं-
कर तीर्थंकर तीर्थंकर का उद्दिष्ट (Tir-
thankara of Tirthankara) 'वि म.म.पु.म.
' मिथुनमास' म.म.पु.म. १०५, १०५,

[illegible]

३१वीं आयुः ३१४ आयारी आयुः त्रिं
 वृत्तीं नायुः अष्टक आयारी नायुः a Jain
 monk, a Sādhu following the
 conduct prescribed for monks
 in Jain Sāstras. प्र० १, २१,
 प्र० १३; ४३१; ४४२, ४३०. —काशिका.
 त्रि० (—काशिका) त्रिं तीर्थंकरा काशिका-
 नेदी दयातीमा नेदी दयाती देव ते. त्रि-
 तीर्थंकरे काशिके उनके काशिकायमे मे जीवित
 हो यह. contemporary to a Jain
 Tirthāṅkara. " त्रिं काशिका म-
 नुष्यो " ३० प्र० ५, ३२; —गुण. १०-
 (गुण) तीर्थंकरा गुण तीर्थंकर के गुण.
 the attributes of a Tirthāṅkara.
 म० १६८. —घट. म० (—गुह) त्रि-
 गुह. देवमदिन. त्रिगुह; देवमदिन a
 Jain temple. नावा० १६; पंचा० ७,
 १. —चंद्र १० (—चंद्र) चंद्र नेदी
 तीर्थंकर त्रिं अमरात्. चंद्र त्रिं शालम
 त्रिं अमरात् a Tirthāṅkara, cool
 and cooling like the moon
 प्र० २, १ ३० म० १, १; —चिह्न. त्रि०
 (—चिह्न) त्रिं अमरेषु त्रिं द्वारा का-
 शिके अमरात् त्रिं अमरेषु. practised
 by a Tirthāṅkara. " चक्रो मा
 हाइ त्रिचक्रो " पंचा० ४, २८; —अह.
 १० (—आन) त्रिं अमरेषु त्रिं अमरेषु. a
 Jain motto. प्र० १६२; —अकल.
 १० (—अकल) तीर्थंकरा अकल अमरेषु
 अकल अमरेषु अमरेषु अमरेषु. तीर्थंकर की
 अकल करने में अकल अमरेषु अमरेषु अमरेषु.
 a Yakṣa (e. g. Gaumukha
 etc.) devoted to the worship
 of a Tirthāṅkara. प्र० ७; —अकली.
 ती० (—अकली) तीर्थंकरा मातृ. तीर्थंकर
 की माता: the mother of Tirthāṅ-

kara. પ્રવૃત્તિ: —વિષ્ણુ કી. (-વીણ)
 ઐત્યમની રીત પ્રમાણે ઠીકા-પ્રવૃત્તિ યેવી
 તે. કેવલ વર્તે છે રીતિ કે વ્યવસ્થા રીતિ-
 પ્રવૃત્તિ સેવા. entering into an
 order according to the pre-
 scribed rules. વંશ. ૨, ૧; —દેવિય.
 ત્રિ. (-દેવિય) જિન અવતારને હદેય.
 જિન અવતારને કહા હુવા. said by, pro-
 pounded by a Tirthāṅkara.
 " ધર્મોષ મિત્રદેવિયો " તંતુ. ગ્રંથ. ૧;
 —ધર્મ. ગુ. (-ધર્મ) જિન ધર્મ. જિન
 ધર્મ. Jainism. ટા. ૨, ૨; ૬. ગં. ૧,
 ૧૬; —માહ. ગુ. (-માહ) જિન-
 આમા-૧ કવચીના નામ-રત્નામી; તીર્થંકર.
 જિન-મામાવ્ય કેવલોંકે નામ-સ્વામી, તીર્થંકર
 the lord of the omniscients of
 the ordinary type; a Tirthāṅ-
 kara. પ્રવૃ. ૧૪; —પરિમા કી. (-
 મિત્ર) રૂપ, વર્તમાન, ચક્રાવર્ત અને વારિ-
 મેજ એ નામથી આત્માની સ્થિતિ પ્રતિમા
 રૂપ, વર્તમાન, ચક્રાવર્ત વ વારિમેજ દેવ નામો
 ન વ્યવસ્થિત સાચી પ્રતિમા. the
 eternal abode called by the
 names Vrisabha, Vardhaman,
 Chandraman like the statue of
 Jina. પ્રવૃ. ૧૪૪; નામ. ૧૬. વિશં.
 ૨૦; —વજ. ન. (-વજ) ગુપ્ત: " મિત્ર-
 વજ " સંદ. રેકો " મિત્રવજ " સંદ.
 વીલ " મિત્રવજ " ૬. ગં. ૧, ૧૨;
 —વજ. ન. (-વજ) જિન નામકર્મ,
 દેવદિક અને વૈદિકદિક એ વાચ પ્રતિ-
 આત્મા સમૂહ. જિન માનકર્મ, દેવદિક વ
 વૈદિકદિક દેવ વાચ પ્રતિમાઓં છે વજ. a
 group of the five varieties-
 Jivāṅmakarm, Devdvika
 and Vaikriyadvika. ૬. ગં. ૧, ૧૪;

—વજ. ન. (-વજ) વીનસામે
 પ્રવૃત્તિ-હદેય. વીનસામે કહા હુવા.
 propounded by a Tirthāṅkara
 etc. સમ. ૧૦૦; નામ. ૧૨; —વરિયાવ.
 ગુ. (-વરિયાવ) જિનવર્તિ ૫૫૧, જિન
 પ્રવૃત્તિ. કેવલોંકે વર્તિયાવ; કેવલોંકે
 પ્રવૃત્તિ. a Kevāl ascetic. પ્રવૃ.
 ૨૦, ૨૧; —વસાવ. ત્રિ. (-વસાવ)
 તીર્થંકરે આજીવ તીર્થંકર દ્વારા પ્રસાદિત.
 praised by a Tirthāṅkara. " વજુલ
 કાલેષ મિત્રવસાવેસુ " વજ. ૨, ૨; ગ્રંથ. ૧;
 —વાવજુ. ન. (-વાવજુ) તીર્થ-
 કરના ચરણ કમલની અગમ. તીર્થંકર કે
 ચરણ કમલ કે સમીપ. near the lotus-
 feet of a Tirthāṅkara. પ્રવૃ. ૧૪૪૨.
 —વુલ. ગુ. (-વુલ) જિનના તીર્થંકરના
 શિષ્ય. જિનના તીર્થંકરના શિષ્ય. a dis-
 ciple of a Tirthāṅkara. પ્રવૃ. ૧.
 —વુલદિ. ગુ. (-વુલદિ) —જિનવર્તિ
 વુલદિવર્તિ વ વજિન વુલદિ) ગોસામદિની
 પેદા જિનવર્તિ વુલની અગમ રાખના.
 ગોસામદિકે સમાન જિન અવતારની વુલ છે
 દેવદિકા અને વાના. one who desires
 to be worshipped like a Jina;
 ૦૨. ગ્રંથ. ૦૨. સમ. ૧૦, ૧૧. ૧૦;
 —વર્તિયાવ ત્રિ. (-વર્તિયાવ) જિન અવતાર
 ને હદેય. જિન અવતાર ને કહા હુવા. pro-
 pounded by, uttered by a Tir-
 thāṅkara. " મિત્રવર્તિયાવ મિત્રવર્તિયાવ "
 ગ્રંથ. ૧. —વર્તિયાવ ત્રિ. (-વર્તિયાવ
 ન) જિન અવતારને પ્રવૃત્તિ. જિન અવતાર
 ને કહા હુવા. propounded by,
 taught by a Tirthāṅkara etc.
 ગ્રંથ. ૧; —વર્તિયાવ ગુ. (-વર્તિયાવ)
 જેવાને જિન તરીકે હદેય; ગોસામદિ.
 સ્વ. એ જિન જેવા કહેને વાના; ગોસામદિ

—वीर. पुं० (-वीर) महावीर अथवा
महावीर जयवान. the lord Mahāvira
अन० १०१; —संकाल. पुं० (-संहान)
सर्वज्ञ ज्ञेय; जिनपुत्र सर्वज्ञता. जिन
पुत्र. one who is like or similar
to an omniscient i. e. a Tirthan-
kara etc. 'सर्वज्ञां सर्वसंकलां'

—संयुक्त पुं० (-सम्बन्ध) विन स्तुति
विनस्तुति. praise in honour of

a Tirthankara. दम. १, १
 ३१: - स्वकहा. को. (- मकिव) विन
 अन्याननी सद. विनमगवान को दाद.
 the molar of a Tirthankara.
 मग. १०, १; प्रं. १०, ४, ४४;

—सह. पुं० (शब्द) वि० अथवा
विन शब्द. words of a man
अथ० ११. ११. —साम्बल न० (शब्द)

ଜିନିଷମାନ : ଚୂନା ୩୫୦, ସିନ ଦହାନ ୨୧୪୫
Jinnium, ଆବେଶ୍ୟକ କ୍ରିୟା ବାସ୍ତବ୍ୟ ୮୩୦
୧୯, ୨୬ ହଲ ୯, ୧୭; ମଧ୍ୟ ୧, ୩
୪, ୫; ଅଳ୍ପ ୨; ୧୧, ପ୍ରସ୍ତୁତ ୮୮୫

--सासकपानुद. त्रि- (शासन
परिकल्प) देन आभासी विमुख 'मन
शासन के विमुख. opposed to or
averse to the tenets of Jainsm
"मन शासन परिकल्प" मन्त्र १. ३. ४. ५.

—सि.सि. पु. (—सि.सि.) जिनना शिष्यः।
अनुयायीः। शिष्यः शिष्यः। गुरुवर्यादि।
disciple of a Jinn; a Jinn-palhar
etc. " शिष्यसीमाय केव " सम० — गुरु
न० (—गुरु) देव भद्रः देव भद्रः।
temple. विशेष० ३४०४.

असुख. प्रि० (असुख) परिषदने श्रुताः
 परिषद का जीवन वाचा. (One) who
 bears afflictions (Parishas)

without feeling mentally
troubled ६५० १, २३;

शिवदत्त. पु० (शिवदत्त) :- यानवरी निवासी
 अथ साधुसद्वृत्त ब्राह्मण का नाम । Name of a
 merchant, a resident of the
 city Champa. भाषा- १३. - पुन.
 पु० (—पुन) यानवरीनिवा शिवदत्त
 अथ साधुसद्वृत्त ब्राह्मण के शिवदत्त
 साधुसद्वृत्त का पुत्र. the son of the
 merchant Jivadatta of the city
 of Champa. भाषा- १३.

१. **प्रिन्सिपल** (प्रिन्सिपल) **मे** नामने
 २. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ३. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ४. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ५. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ६. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ७. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ८. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 ९. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने
 १०. **मे** नामने **मे** नामने **मे** नामने

त्रिभुवनेश्वर पुं० (त्रिभुवनेश्वर) त्रिभुवनेश्वर
न मे आर्थं वादः न मे नवरीतः अहंती मेनेनो
पुत्रः केनेन अमुदीनी न नमीयान् मुपाकरी
इत्यां गोदानं नदीनां दानं० इत्यान् आख्या अने
नवान् देवानां इत्यन् इत्यान् त्रिन गान्
माधवाद्, आः नवग क माकरी मेद
का पुत्र कि त्रिभुव वादहरी वा मुपाकरी
कने सम्य नृकान मे देवान दिवा या श्री
इत्या देवा के कने मे कया, None of
a Jaina layman who was a
trading merchant His father
was Makand by name. He
(Jinarakaita) in his twelfth
sea-voyage was troubled by
a storm His vessels were
wrecked and was caught in
the trap of the golden Rayapā. नावा० ४;

त्रिपुपात्रिय. पुं० (त्रिपुपात्रिय) त्रिपा
नमनीने देवताची भावनी-आर्चनादेने

त्रिप्यामय. वि०, त्रिप्यामय) ७३ त ५ पी.
 त्रिप्या के संबंध में. Relating to the
 tongue. डा० ४ ४ :--**दुःख** न०
 (-दुःख) ७३ने प्रविष्ट संपीयशी यत्
 दुःख त्रिप्या के प्रविष्ट संबंध में होता
 हुआ दुःख. painful sensation
 to the tongue by contact with
 a uncongential object. डा० ४ ४ :
 --**सौख्य** न० (-सौख्य) ७३ने प्रिय
 संपीयशी यत् दुःख त्रिप्या के प्रिय
 संबंध में होता हुआ दुःख. pleasant
 sensation caused to the tongue
 by tasting of agreeable i. e.
 delicious substance. " त्रिप्याम-
 यशी सौख्याशी चवर्तांशान् भवद् " डा०
 ४, ४

शिशिरिका श्री० (शशिवा) [संस्कृत]
मृत्तुवत् जलः । यजुर्वेद-गीतापदीय-भाष्य-
[संस्कृत] मुक्त के जागर के समान गती
[संस्कृत] की परमाणु A spout or an
outlet of water in the form
of an open mouth, a gargoyle.
‘ब्रह्मास्त्रक शिशिरिक’ अथ० ब० प० १८।२।

श्रित्तिमन्त्रियः न० । श्रित्तमन्त्रियः) अमेरिका
 रचना: प्रथम. रसमन्त्रियः रसना. विष्ठा. The
 organ of taste, the tongue.
 मंदा० १: विशे० १८१: सम० ९, अध्याया-
 १४३; कोष० १६: अम० १, १, २, १;
 २४, १२: ११, १; भाषा० २ १७: —शि-
 वस्तु. पुं० (-मित्रह) मित्रा. उद्दिष्टने
 आधुमां सञ्चरी ने. विष्ठा इन्द्रिय को बताने
 में रचना. controlling the sense
 of taste i. e. tongue. " श्रित्तिम-
 न्त्रिय विष्णवेष्टेयं संज्ञे " इत्त० १६, ५४:

—पहिलंतीक्या. जी. (पहिलंतीक्या)
 निम्न छविने अगुन येवपी अगुनी

शुभभां जीव करी ने, शिष्टा हाँसव बा
 अशुभ बां ने रोकर कर शुभ में जीव
 करना, controlling the sense of
 taste (i. e. tongue) so as to
 guard it against improper ob-
 ject and to direct it towards
 salutary object शं. ४, २, अक्ष.
 पुं. (ब्रह्म) अशुभां जीव प्रयत्नः रने-
 विपरीत शक्ति वन का एक प्रकार, हाँसव
 की शक्ति the power of the sense
 of taste (i. e. tongue). शं. १०-
 —सुहृद पुं. (- सुहृद) शिष्टा हाँसव
 ७-११२. शिष्टा हाँसव का जीवने वाला
 one who has subdued the
 sense of taste शं. १०, ल
 शिष्टा, जी. (- हाँसवका) रने-यवली

प्राणि संज्ञास्य का श्रापः the attainment of the sense of taste
अगन् वरः संज्ञा. नन् (मर) ने
नित्यता अगन् अगन् अगन् अगन्
संज्ञास्य का मरः stoppage of the
influr of Karma due to (lack
of control over) the sense of
taste i.e. the tongue मरः मरः

द्विदिनादिगना. का. (द्विदिगद्वयना) २५॥
 अन्विष पादु रगना द्विदिगद्वयना ॥ २५ ॥
 ॥ २५ ॥ २५ ॥ २५ ॥ २५ ॥ २५ ॥

५३। नीतिव. प्रियंने भोजन कर निवा है वर.
 (One) who has dined or
 taken his meal वाचा १: १०: १६:
 १०: विवा १: ६: उवा १, ६६: डा १:
 ६, १०३:

शिमम. त्रि० (शिख) कपरी; माया चालें.
कपरी; मायाचाल. Crooked; deceit-
ful. " शमिमम कनकचाला " पं० १०

umphed over deceit i. e. never practises it. वाचा० १; भव० २, ४; —राज. त्रि० (-राज) शम्भने शतना२. राज को जीतने वाचा. (one) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. कव० ४० १४०; प्र० ६८१; —राजदोष. त्रि० (-राजदोष) शम्भने शतना२. राजदोषको जीतने वाचा. (one who has subdued love or passion and hatred. 'त्रिचोद्वि त्रिच राजदोषोद्वि' पंचा० १, ११; प्र० ११८; —लोभ. त्रि० (-लोभ) शम्भने शतना२. लोभ को जीतने वाचा. (one) who has subdued greed or avarice. भव० १, ४; —लोभ. त्रि० (-लोभ) शम्भने शतना२. लोभ को जीतने वाचा. (one) who has triumphed over the world i. e. worldly existence; (one) not fettered by the bonds of worldly existence. दु० ४० १, ११४; —लोभ. त्रि० (-लोभ) शम्भने शतना२. लोभ को जीतने वाचा. (one) who has conquered greed or avarice i. e. subdued it. वाचा० १; —विजय. त्रि० (-विजय) शम्भने शतना२. विजय को जीतने वाचा. (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. वाचा० १; त्रिचंतन. पुं० (त्रिचान्तक) ओ नामनी ओ३ भव२नी वन२५नि. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation. भव० २, ७; त्रिचंतन. व० (त्रिचान्तक) वीवी वन२५निनी ओ३ भव२. हरी वनस्पति की एक जाति.

A kind of green vegetation. वच० १; त्रिचंतनी जी० (त्रिचान्ती) ओ३ भव२नी वच० एक जाति की वृत्ता. A kind of creeper. वच० १; त्रिचंतन. त्रि० (त्रिचान्तक) भव० भव२ने. विजय-प्राप्त; त्रिचने जब वाचा है वच० ('One) who has acquired victory. वच० १, १; त्रिचसत्तु. पुं० (त्रिचसत्तु) शत्रुने शतना२. शत्रु को जीतने वाचा. A conqueror of enemies. वच० १, ४; (२) अजितनाथ स्वामिना पितापुं नाम. अजितनाथ स्वामी के पिता का नाम. name of the father of Ajitanatha Swami कव० ४० १११; प्र० १११; (३) वानिज्य नामने: राज०. वानिज्य नाम का राजा. name of a king of Vanijy city 'लक्ष्मण बावणिज्यां त्रिचसत्तु' उवा० १, १; (४) चंपा नगरीने राज०. चंपानगरी का राजा. name of a king of the city of Champā. 'चंपानां नगरी होला, पुष्यमंदे वंश त्रिचसत्तु' उवा० १, १२; वाच० टी० वाचा० १२; १४; (५) उज्जयिनी नगरी ने राज०. उज्जयिनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain उवा० टी० १; (६) सर्वतोभद्र नगरीने राज०. सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvato-bhadra. 'लक्ष्मण मंदे वंश त्रिचसत्तु चामरावाहोला' विवा० ४; (७) मिथिला नगरीने राज०. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithila. दु० ४० १; वं० ४०१, १; (८)

पञ्चाश देशतो राज्ञे केन्द्रे मन्थीनधन-
भावे विष्णु मीमा दन्ती गीतासदृश का
राजा कि (मन्थेन मन्थानाय के नाथ राजा का
भी name of a king of the
country of Panchala. He had
taken Diksa along with
Mallinatha. भाषा० व. शा० २, १;
उवा० ६, १५१ (४) आमपञ्चम नमस्ति
गन्. आमनकल्पा नगरी का राजा. name
of a king of the city of Āmalaka-
kalpā. भाषा० पञ् (१०) अमली
नगरी का राजा. भाषा० नगरी का राजा
name of a king of the Sivar-
th-city. उवा० १, २६०, २२२, भाषा०
पञ् (११) वनपद्मी नगरी का राजा
का राजा. भाषा० name of a
king of Vanarasi-city. उवा० १,
११५ व. १०९, (१२) अश्विनी नगरी
का राजा. भाषा० name of a king of the city of
Ālabhya. उवा० १, १११, १११)
पञ्चासपुर नगरी का राजा. भाषा० name of a king of the
city of Polasipura. उवा० २, १००;

२ राजशिरसि पु० (-राजाई) राजशिर-
सि राजशिरसि राजाई. the Rajarsi
(a royal saint) named Jita-
dātru भाषा० १२. --राष्ट्र पु० (राज)
जितराष्ट्र राज. जितराष्ट्र राजा. king
Jitadātru भाषा० १२;

त्रिपञ्च. पु० (त्रिपञ्च) भरत क्षेत्र का त्रिपञ्च
क्षेत्र नाम. भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर्त
का नाम. Name of the third Kula-
kārṇ of Bharat Kṣētra. सम० प०
२२४;

त्रिपञ्च. पु० (त्रिपञ्च) त्रिपञ्च तीर्थ १२ संभव

नाथना गिता नामों तीर्थकर संभवनाथ के
गिता. The father of the 3rd
Tirthakārṇ Saṁbhavanātha.
" संभाव त्रिपञ्च नमः " सम० प०
२२४, प्र० २२३;

जीमूत य. पु० (जीमूत) जीमूत नामों
में से ७२ अक्षरों में से १२५२५ सुधि
प्राप्ति के लिए १६२५२५. जीमूत नामक वेश
कि जो एक बार वरम प्राप्त हो इस वेश तक
पृथ्वी में इसका मोक्षपत्र रहे. Name of
a particular cloud which keeps
the soil wet for ten years as
a result of one downpour only.
शा० १, १.

जीमूत पु० (जीमूत) जीमूत ३५२५२५
देखो ऊपर का शा० १, १२५२५२५. उवा०
१२, १, भाषा० १२, १२५२५२५, पञ् १२५;
जीव पु० (जीव) जीव. Soul; a
living being. भाषा० १२५; जीवा० १;
(२) जीव, जीवनी. जीवन. life. पु० प०
१, २५२; उवा० १, १२५२५२५. -- जीव वि० (-जीव)
जीवन के लिए जीव के लिए; जीवन के
लिए for the sake of life. पु० प०
१, २५२.

जीव ज. व० (जीव) परंपराधी आधे
आधे परंपरा वंशचरित्र से प्रचलित
संस्कार. Traditional usage or
convention. भाषा० १, १२५, १२५;
पञ् १०, १, पं० प० १, १२५; सम० प०,
१; पञ् २५१ (२) १२५२५२५. धर्म;
कर्तव्य. duty; that which ought
to be done. पं० प० ५, १२५; (१)
भुज. भुज. a scripture. नदी० (४)
भुज. भुज. limit. नदी० २६;

जीवकल्प. पु० (जीवकल्प) पृथ्वी पर
परंपराधी आधे आधे परंपरा. पृथ्वी पर

સ્થિતિય ત્રિ. (-વિશિત) જીવને આધિન. જાવ કે આધિન. depending upon, associated with the soul. ઝા. ૭; —ચિસ્થિય ત્રિ. (-ચિઃસ્થ—જીવંસ્થો વિઃકૃનો વિર્ગનો ઝિઃવિઃકૃનઃ) જીવની નીતિય. જાવને નિકલા દુષ્ઠા; જાવને રત્નય. issued out of a soul or a living being. ઝા. ૭; —ત્ત્વ ન. (-જાવ) જીવત્ત્વ; એવન પદાર્થ. જાવત્ત્વ; એવન પદાર્થ. the soul regarded as an element. પ્રવ. ૧૨૧૧; —શિષ્ટકાવ. પું. (-જાસ્તિ કાવ) એવન ૩૫૫૦મ ૫૬૫૫૫૫; ૭૬૫૫-માનું એક ૬૫૫. એવન-રૂપોન ભક્ષ્યવાના; જાવ દ્વય મે લે એક દ્વય. one of the six substances having consciousness for its connotation " જોશિકાવદ્ એવ. જાવાલે કિ વચ્ચદ્ " મગ. ૧૨.૧૨. ૧૦; ૭.૧૦; ૨૦.૨. મગ. ૧; જાવુ મો. ૧૦; ૧૧૧; —દ્વય. પું. (-દવ) એવનરૂપી જીવના દાતા મંચમ કરી જીવકે દાતા the giver of a life in the form of self-restraint. કવ. ૨.૧૨; જાવ. ૧.૧૧; —દ્વય. ત્રિ. (-દવ - જીવેવુ દવા વચ્ચ જીવદવ.) જીવદવા પાપન ૨; દવાપુ. જીવદવા પાલનેવાના; દવાલુ. one who is kind to living beings. મદ. ૧; મ. ૫. ૨. ૧૧૨; —દ્વયા. જી. (-દવા) જીવની દવા. જીવ-દવા. compassion towards living beings. મગ. ૧૧; ૧૦૪; —દ્વય. ન. (-દવ) જીવદવ; ૭૬૫૫માનું એક. જીવદવ; જાવ દ્વય મે લે દ્વ. soul; the element known as soul. મગ. ૧૧.૧૦; ૧૨. ૪; ૨૨. ૨; —ચિદ્વિષ્ટા. જી. (-ચિદ્વિષ્ટ) જીવને જોડે; જાવ રૂપોન ૬૨૫૫થી જાવની કિવા. જાવ જો દેવને મે રાવ દેવદિ કરને લે જો

કિવા જાવની દેવદ. Karma incurred by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being ઝા. ૨. ૧; —દેસ પું. (-દેસ) જીવનો દેસ-એક વિભાગ. જીવ જાવ દેસ દેક વિભાગ a portion of the soul મગ. ૧૦.૧; ૧૧. ૧; ૨૦. ૨; ૬. ૧૦. ૧. ૨૧; —જાવ. પું. (-જાવ) જીવનો નાશ. જીવન જાવ નાશ. death, destruction of life દમ. ૧. ૧. ૨; —મિદ્વિષ્ટા. જી. (-મિદ્વિષ્ટ) જીવની નિરૂપિ-નિરૂપિત; એવનિદ્વિષ્ટા ૭૬૫૫. જીવની નિરૂપિ-નિરૂપિત; એવનિદ્વિષ્ટા. જાવ રૂપોન. birth of the soul in the form of one-sensed etc. living beings. મગ. ૧૨. ૫. —જીવ-દિવ ત્રિ. (-જાવિદવ) જીવની અવદ રૂપ. જાવ કે જાવ રૂપ દુષ્ઠા. residing in a living being " જાવિદા જાવરૂપિદ્વા " મગ. ૧. ૧; નિર્ગી. ૭. ૨૧; —જીવમ પું. (-જીવમ) જીવના પ્રદેશ; અવિભાગ્ય એક. જીવ જાવ પ્રદેશ-અવિભાગ્ય મગ. an indivisible particle of the soul. મગ. ૨. ૧૦; ૨. ૧; —જીવ-મિય. પું. (-જીવમિય—જીવ પ્રદેશાવ જીવ પ્રદેશિકા) જીવના અવિભાગ્ય પ્રદેશમાં એક પ્રદેશમાં જીવ માનનાર નિષ્કામ આચાર્યના અનુયાયી જીવકે જાવજાવ પ્રદેશને મે જાવિમ પ્રદેશને દી જીવ જાવજાવને નિષ્કામ જાવાલે જાવ જાવજાવ. a follower of the preceptor Tisya Gupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or consciousness in it ઝા. ૧. જોવ. ૪૧; —જીવ-વંચ. પું. (-જીવવંચ) જીવના પ્રદેશ-આ

५२५पी ३५। ५-५. जीवके प्रयोग--आहार मे
 होना हुआ बंध. bondage caused by
 the activities of the soul. भग० १०, २. --पञ्चकल्याणकर्मिणा
 जी० (ब्रह्माकल्याणकर्मिणा) ७१ ५२५ ५२५-
 ५। ५५ ५२५पी ३५। ५ जीवके संबंध
 मे प्रयासवान न करने मे जो किया लगती
 है वह. Karma incurred by neg-
 lecting Panchakhāṇa relating
 to living beings ५०-२, १. --पञ्चव
 पुं० (-वर्ष) ७५५ ५५५. जीवके वहां
 any of the modifications of the
 soul भग० २३, ४. --पञ्चवृक्षा. जी०
 (ब्रह्मावृक्षा--जीवामी ब्रह्मावृक्षा जीवब्रह्मा-
 वृक्षा) ७५५ ५५५। जीवकी प्रकृता.
 exposition of the nature of liv-
 ing beings or souls. " के कि नं
 जीववृक्षवृक्षा " ५५-१। --पद. न० (५५)
 ७५५ ५५५। जीवका पद स्थान condi-
 tion or, stage of a living being
 भग० १५, १। २५, १। २५, १। --पदेव
 पुं० (-वदेव) ७५५ ५५५ जीवके भाग-भाग. an
 indivisible particle of a soul. भग०
 २५, ४. --परिणाम पुं० (परिणाम)
 ७५५ ५५५। जीवके परिणाम
 modification, development of
 the soul. भग० ५, ५। १५, ४। ५०
 १० ५, १५५. --पाउ-जो किया जी०
 (पाउविधि) १५५५ ७५ १५५ ५५५
 ५५५पी ५५५ ५५५। कोइ जीव मे द्वेष
 करने मे जो किया लगती है वह. Karma
 incurred by showing hatred
 towards and living being. भग०
 १, २। ५० १, १। --पाहुविधा. जी०
 (-प्रतीतिविधा--जीव प्रतीति विधा करने-
 का विधा) ७५५ ५५५ ५५५ ५५५।

જીવ છે નંવંપમે યો દિવા સમઘી દે વર.
 Karma incurred in connection
 with a living being or a soul. ઇ.
 ૨, ૧; —વ્યવસ્થા પું. (વ્યવસ્થા) ઇતિ પ્રદેશ-
 અંતઃ જીવ વ્યવસ્થા જીવ કા વંશ. a por-
 tion, a particle of the soul-
 substance. મગ. ૮, ૧; ૧૦, ૧;
 —વ્યવસ્થા પું. (વ્યવસ્થા) ઇતિ પ્રદેશ-
 અંતઃ જીવ કા વ્યવસ્થા-વંશ. a portion,
 a particle of the soul-substance
 મગ. ૧૬, ૫; —વ્યવસ્થા પું. (વ્યવસ્થા-
 વ્યવસ્થા) ઇતિ અપ્રમાણવત્. જીવો કા
 અપ્રમાણવત્. suavitiness or the
 profusion of life. ઇ. ૫. ૧,
 ૨૧; —કુટ મિ. (કુટ) ઇતિ
 રૂપાં દેશ. જીવને દર્શાવે દિવા
 દુષ્ટા. touched by, in contact
 with a soul or living being.
 ઇ. ૮, ૨; —માત્ર પું. (માત્ર) ઇતિ.
 માત્ર. જીવત્વ, જીવનના. state of being
 a living being. " વરણે માત્ર-
 માત્રે જીવમાત્ર ઉચ્ચેત્સુ " મગ. ૨, ૧૦;
 ૧૮, ૧; —માત્રકરણ ન. (માત્રકરણ)
 ઇતિ ૫ર્વાણુ ૩૨૩ું તે જીવ ૫ર્વાણુ કા કરમા.
 modification of the soul.
 વિંશ. ૨૨૨૮; —મધ્યમવંશ પું.
 (મધ્યમવંશ) ઇતિ મધ્યપ્રદેશ. જીવ
 કા મધ્યપ્રદેશ. the middle portion
 of the particles of the soul.
 મગ. ૮, ૧; —મિશ્રિત્વા. લી. (મિશ્રિત્વા)
 સત્વામૃતા આપાનો એક પ્રકાર; જ્યાં થોડા
 મરોમવા દોષ અને થોડા ઇતિ દોષ ત્યાં
 મધ્ય મરોમવા છે એમ કહેવું તે. સત્વા
 મૃદા માત્રા કા દુઃક પ્રકાર; જ્યાં કોઈ મર મર
 હો વ કોઈ મરોમવા હો જ્યાં સ્વ મર મર
 દે રેતા કરવા. a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive पञ्च० १; —राशि. पुं० (-राशि) श्रवणे समूह-जोषो. जीवों का समूह a group of a collection of living beings. मत० १; जाव० ७, १; —स्रोत पुं० (-स्रोत) श्रवणे से। संचार. जीव लोक; संसार. the world of living beings. नावा० १; कल्प० ४, ६०; क० प० १, ४४; सं० प० १, ११; —वध. पुं० (-वध) श्रवणे। वध-घात. जीवों का वध घात. slaughter of animals. मत० ६१; —व्यापार. पुं० (-व्यापार) श्रवणे। व्यापार-क्रिया. जीवों का व्यापार-क्रिया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशेष० १६१; —विजय पुं० (-विजय) श्रवणा २१२५ नुं विजय ४२३ नुं ते जीव के स्वरूप का चिन्तन करना. meditation upon the nature of the soul मत० १; —विष्यज्जहं. त्रि० (-वि-प्रहीन) प्रामुः श्रव० २६११. जीव रहित; प्रामुक. deprived of life; faultless " देवदिव्यस्य ह्यगस्त्य मदीरं निष्पाद्य विविधं जीवोत्पत्त्यहं कृण्वे वरकरोति " नावा० २; १६; १८; निर० १, ११; —वि-मक्षि. जी० (-विमक्षि) श्रवणी विमक्षित-विभाव; श्रवणं पृथक्पृथक्-विवेचन. जीव की विमर्श-विभाव; जीव का पृथक्पृथक्-विवेचन. discussion upon, explication of the nature of the soul. उत्त० १६, ४०; —विमर्शना जी० (-वि-मर्शना—जीव एवं विचारः स्वच्छिद्रीय-वचनो विचरो वार्ता वा जीवविचारः) श्रवणे विचारः स्वच्छिद्रीय ३५ प्रामुनि. जीव को

विचार विचराने वाली कर्म प्रकृति. Kar- mic nature which displays its immaturity to the soul. क० व०—सं-जा. जी० (-संजा) श्रवणी संजा जीवों की संजा. a number of living beings प्र० २८; —संज्ञेय. पुं० (-सं-ज्ञेय—जीवाना संज्ञेय जीवसंज्ञेयः) अ५-यमि ओडेदिव आदि श्रवणा स्थान के ज्ञान श्रवणे संज्ञेय-संज्ञेयमां रहेतुं ५३ ७. जयवर्त एकेन्द्रव जादि जीव के स्वामि जहापर जीव को संज्ञेय-संज्ञेय स्थितिमें रहना पड़ता है any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc. has to remain in a contract- ed condition क० न० ६, १६१; —संगद्वि. त्रि० (संगुहीन—जीवः संगुहीनः स्वीकृता जीवसंगुहीनः) श्रवणी स्वीकारपेल, जीव में स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. " जजीवा जीव संगद्वि " अ० २, १; —साहस्य या. जी० (-साहस्य—साहस्यलोचन गुहीमेन जीवं मारयति सा जीवसाहस्यिका) अ५ प्रामुनी विचारः पालाना दावणी श्रवणे प्रामुनी विचारः विचारः एक प्रकार की विचारः जयने हाथ से जीव को मारने से जो विचार जयनी है वह. Karma in- curred by taking life i. e. kill- ing with one's own hand. अ० २, ११; —हिंसा. जी० (-हिंसा) श्रवणी हिंसा. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings. मत० ६१; —हित. न० (-हित) श्रवणं हित. जीव का हित. welfare of the life मत० ६८; जीवत. त्रि० (जीवत) श्रवणे जीवित.

living, existing (મગ-૨૨૧૬).

ત્રીવર્ગીય પું- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫ અને અજીવ-
જીવન કા અર્થ support of
life, subsistence અનુ- ૧, ૧,
નાવા-૧૮૦ (૧) ૭૮૫ની ગાંધી ત્રીવર્ગી
માર્ગ the vital power of the
soul મગ-૨૨૧ (૧) એક જાતનું
જીવન એક જાત કા વસ્તુ a kind of
kind મ-૫૦ પગ-૧.

ત્રીવર્ગીયક પું- (ત્રીવર્ગીયક) એક જાતનું
પક્ષી, એક જાત કા વસ્તુ, એક જાત A
kind of bird, the Chakora bird
પગ-૧, ૧, એક-૧.

ત્રીવર્ગીયક પું- (ત્રીવર્ગીયક) એક જાતનું
વસ્તુ વસ્તુ The Chakora bird
મગ-૧૧, ૧૧ (૨) એક જાતનું વસ્તુ,
એક વસ્તુ કા વસ્તુ a kind of
vegetation મગ-૨૧, ૨.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, પ્રાણ-૧૦
જીવન, જાણ-જાણ 1. 10, living
મગ-૧૨, ૧૨.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય ન- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય (૧) ૭૮૫, જીવ-
જાણ 1. 10, living
મગ-૨, ૨, ૨૬.

ત્રીવર્ગીય પું- (ત્રીવર્ગીય) ૭૮૫ અને અજીવ-
જીવન કા અર્થ support of
life, subsistence અનુ- ૧, ૧,
નાવા-૧૮૦ (૧) ૭૮૫ની ગાંધી ત્રીવર્ગી
માર્ગ the vital power of the
soul મગ-૨૨૧ (૧) એક જાતનું
જીવન એક જાત કા વસ્તુ a kind of
kind મ-૫૦ પગ-૧.

ननु इमं जीवनं क्व फलं accomplish-
ed aim or object of life. भाषा-
० ११; ११; वि० १, ४. — भाषा-
जी० (भाषणा) ११ ११ ११ ११
नारी अथवा जीवन का समाधान करने
वाली भाषणा. meditation which
reconciles one to (his or her)
life सू० १, ११, ४. — ब्रह्मज्ञ १०
१० १० १० १० १० १० १० १०
जीवन का अन्त the end of
life क० १० १, ११.

जीविजा या जी० (जीविका) आ० ११.
जी० आजीविता; जी० Liveliness,
maintenance of life सू० २, ४
११ ११ ११ ११ ११ ११ ११ ११

जीविता १० क० १० (जीविता) ११ ११
जी० जीवन का अन्त In order to
live or maintain life भाषा० १,
१, १, ११.

जीविता ११ (जीविता) ११ ११
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
shows of continuing to live
जीविता के आजीविता ११ ११ ११
१, १, ११.

जीविता ११ (जीविता) ११ ११
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
Pitiable life. Life
deserving compassion उ० १० ११

जीविता ११ (जीविता) ११ ११
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
A variety of ordinary gross veget-
able life सू० ११

जी० जी० (जी०) जी० जी० जी० जी०
The tongue; the sense
of taste भाषा० १, ४; ११ ११ ११ ११

११, ११, १, ११ ११ ११ ११ ११
११ ११ ११ ११ ११ ११ ११ ११
११ ११ ११ ११ ११ ११ ११ ११
जी० ११ ११ ११ ११ ११ ११ ११
१० ११ ११ ११ ११ ११ ११ ११
— जी० जी० (जी०) जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०
जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी० जी०

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke
सू० पृ० ११;

सुखस्य न० (सुगच्छ) स्त्री; मेनी मेनी. सुगच्छ;
सोका जोडा. A couple; a pair. सू०
पृ० ५, १२३; शेष १०; प्रप० १०८६;
क० ग० २, २१; कण० १, १६; पंथा० १,
२; — सुग. न० (- द्विक) मे युग्म दो
सुगच्छ. two pairs. क० ग० १, ८;
— सुग. पुं० (- चर्म) अश्वत्थीवत्. धर्म.
अश्वत्थमे उत्पन्न भवतु पत्नये. सुगच्छिका धर्म;
सुगच्छ अवस्था मे उत्पन्न होना इत्यादि tak-
ing of birth in the form of a
pair i. e. Jugalīyā. प्रप० १०९८.

सुख लो० (काम) स्त्री, तेजः, शक्ति. कति;
तेजः, शक्ति. Lustre; light, splen-
dour. नावा० १; क० १०; मय० १०, भग०
१३; १; शिख० १८८३; शिख० १८, उल०
१, ७७; १, २६. आ० ७, ३. (२) अनामक
निरयावलिता सूत्रना पाठ्यमा धर्मं १;
अध्यायन. इय नाम का निरयावलिता सू.
के पाँचवें वर्ग का ६३ः अथर्वन नाम
of the 6th chapter of the 5th
section of Nirayāvalikā Sūtra
क० ० १, १०१;

सुख ल० (सुखि) युक्ति; निःशङ्कः संपाद.
सु १; संबोधन Joining together;
u. ion; contact. आ० १, ३; नावा० १;
प्रप० १; उवा० ६, १६७;

सुखमेव त्रि० (सुखिमेव कतिदीप्तिरिति कति
तेजसो वदतः) क्षिप्रान्ते; तेजःशक्ति.
कान्तिकार; तेजस्वी. Lustrous; bright;
powerful. उल० १, १८; (२) अश्वत्थ.
संनय Asceticism; monkhood.

आवा० १, ७, १, २०७; (१) मोक्ष. मोक्ष.
final emancipation. आवा० १, ७,
१, २०७;

सुखिमेव त्रि० (सुखिमेव) कति, धर्म अने
शरीर-शरी इति दोष ते जाति, कर्म व शरीर
मे दूषित हो रह. (One) of a low
nature in caste, action and
body. प्रप० ७३८; — सुग. त्रि०
(- चर्म) अश्वत्थ; अश्वत्थीवत्. धर्म. अश्वत्थ
अश्वत्थमे उत्पन्न भवतु पत्नये. अश्वत्थ, अश्वत्थ
इत्यादि अवस्था मे उत्पन्न होना इत्या. multi-
lated or disabled in any of
the limbs of the body o. g. a
hand, a leg etc. त्रि० नि० ८८६, आ०
१, ३;

सुखिमेव ल० (सुख) निःशङ्कः. मोक्षना.
To join together (-) संपादना
इत्यादि. मगच्छ करना. to unite. (३)
उचित होना उचित करना; संगत करना
to fit; to harmonise; to make
fit for.

सुखिमेव. प्रप० १६.

सुखिमेव. प्रप० १, ३, १, १०;

सुखिमेव. उल० १, १८; प्रप० ८, २३;

सुखिमेव. पंथा० १०, ४६;

सुखिमेव. क० वा० त्रि० नि० १६; १८३; सु-
क० ८, ६३;

सुखिमेव. त्रि० १०२, १८६; त्रि० नि० ७६;
सु० पृ० २, २८७;

सुखिमेव न० (सुखिमेव) संगत; संगत;
इत्यादि ते संगत; संगत; संगत करना.
Joining together; uniting.
conducting a business or an
operation. "इतिहास व सुखिमेव" उल०
२८, २४; त्रि० ११३८;

सुखिमेव लो० (- सुखिमेव) अश्वत्थ. अश्वत्थ

सुंम देवी ऊपर बाजल Vaid above
आर० २०;

सुंम न० (सुम) २३ (२३) ; २३ (२३) ;
अम २३५ गति विमल, अम अक्षर A
particular sign of the zodiac:
(Gemini) even number अ०
६, १.

सुम न० (सुम) आर दास परिमित अ०
अ०. आर दास परिमित एक आर A
measure of length equal to
four arms सम० १६; अ० ६, २;
अनुमा० १११ न० १० (२) पेशक;
पेशक, देवी a yoke of a carriage
उम० २२, २; मोटा० १, १, १० नि०
२२, २५, ३, ४, २, ६, ३० १०२, १११,
११६, २, १, अ० १०२, ११६, २, १,
६, ११० ० २०६ (१) अ० पेशक
अ० १०२, ११६, २, १, अ० १०२, ११६, २, १
होने के पश्चात् आर दास परिमित एक आर
A mark of the shape of a yoke
of a carriage in the head or
foot of a male human being
(१) १०२, ११६, २, १, अ० १०२, ११६, २, १
सुम गण, दास, देवी, अम न आर सुम -
अम any of the four ages
viz. Satya, Dvapara, Treta,
and Kali वि० २२२, (१)
२२२ प्रमाणों का विभाग, अम वर्ष
प्रमाण का अम विभाग a period of
time equal to five years. अम०
६, ११ २३, २, अनुमा० १११; मोटा० १६;
१० १० ६; ११६, २, १, अ० २, ४, अम०
६१; ३० १० ३० मोटा० १, २; ११६ ११६; (१)
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
kind of fish, अ० १; (२) मोटा देवी
प्रमाण अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १

आर दास, मोटा देवी अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
देवी दास अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
of palanquin of the size of two
arms length made in the
country named Gola मोटा १, १;
—अम० २० (अम०) पेशक प्रमाणों
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
interval (in point of space)
of the measure of a yoke of
a carriage अम० २, १; —आर दास.
सुंम (आर दास) सुंम देवी देवी देवी देवी
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
the first Tirthankara of the
age, अम० १, —वि० २२, २, —अ० ११६, २, १
आर दास अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
a house or hall in which palan-
quins are kept वि० २२, २, —वि० २२, २, —अ० ११६, २, १
सुंम (वि०) पेशक अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
of a carriage, अम० १० १;
—अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
सुंम अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
सुंम अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
(अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १) सुंम अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
a prominent person of an age
(Yuga), ० १ Bhadrabahu
Swami etc. वि० ११६, २, १, —अ० ११६, २, १
अ० (अ०) अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
Vaid above, अम० ६२, २, १, —अ० ११६, २, १
अ० (अ०) सुंम (अ०) सुंम अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
a preceptor etc. renowned in a
certain age, अम० ६२, २, १, —अ० ११६, २, १
अ० (अ०) पेशक अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १
अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १, अ० ११६, २, १

मान प्रमाण जुग का मान a measure of time equal to five years or 62 months प्र० १०८;

—संमिश्र त्रि० (-संमिश्र) अ२ ६५ प्रमाणानुसार चार हाथ प्रमाण के त्रिमा. similar to, analogous to a measure of the length of four arms. ' जगमिताम वैश्वरूप वैश्वर पञ्चमैत्रि ' जीवा० १; —संमिश्रकुर. पु० (-संमिश्र) पंच सयसः प्रमज्ज समय; १८३० दिवस प्रमाण जुग सयसः पाच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमाण जुग सयसः a Yuga Samvat equal to 1830 days म० प० १०, प्र० १००, १२१; अ० २, ३; —साक्षा. जी० (-साक्षा) पापभी नश्यती मया मानका रत्नं का शाला a palm tree a hall in which palm-trees are kept निधा० ८, ५;

जुगमकडभूमि. जी० (जुगमकडभूमि) जुगानि काकमानवितेषा. नाम च कस्य-मिति नृपाध्याये कसमानेना गुरुशिष्य प्रतिष्ठाऽद्विष्टाः पुत्राः नष्टे जुगानि नः प्राप्तान्मकडभूमिजुगाम्मकडभूमिः) गुरु-शिष्य पंचपरमं अतिउत्तमं सत्सत्ता अत्र करिनाः छेदना पंचपरा. गुरु शिष्य परमरा म कविपुत्रता मे समार का मन्त्र करने वाले जीवा० का परमरा. The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation. अ० १, ५; नावा० ८; अ० प० १, ११;

जुगमकडभूमि. जी० (जुगमकडभूमि) अ० १५६. देना ऊपर का मन्त्र.

Vide above नावा० ८.

जुगमकडभूमि. जी० (जुगमकडभूमि) युगना अत्र करिनाः भूमि जुग का अत्र करने वाली भूमि. A land or region finishing a Yuga (a period of time.), क० १० ४, १८२;

जुगमकड. पु० (जुगमकड) २५ अनायासा ७५-१५५ आवागु अत्र अत्र साक्ष. २५ वनाम के उपयोग में आता हुआ एक प्रकार का लकड़. A kind of timber used in making chariots प्र० प० १;

जुगमकड. पु० (जुगमकड) ६ भा तीर्थकरन तीर्थ पुर अत्र नाम ६ वे तीर्थकर के तृतीय पूर्व भव का नाम. Name of the third previous birth of the 9th Tirthankara. मम० प० २३०, विवा० २, (२) भावा ८५, अत्र अत्र हाथ, बाहु a long arm, अ० १,

जुगमकड. पु० (जुगमकड) अ० ११ " जगमकड " नावा० ८५ " जगमकड " म० १०८. Vide " जगमकड " म० प० १०

जुगमकड पु० (जुगमकड) अ० ११ अत्र अत्र एक प्रकार का मन्त्र. A kind of fish विवा० ८, प० १, जीवा०

जुगमात्र. त्रि० (जुगमात्र) धातु प्रमाणानुसार. जुग के प्रमाण का. Measuring a yoke. भावा० २, १, ५, ११८, दवा० ९, १; दम० १, १, १,

जुगमित्र त्रि० (जुगमात्र) अ० ११ " जुगमात्र " अ० १६. देना " जुगमात्र " शब्द. Vide " जुगमात्र " उवा० २६, २,

जुगमेत. म० (जुगमात्र) युग धातु प्रमाणानुसार. अ० १५६. प्रमाण. जुग-जुग के अनुसार; चार हाथ प्रमाण A particular measure equal to four arms. प्र० १०८;

मृगज. न० (बुगज) हिंदी. चोरा, युग. A couple, a pair (२) यु० जी० जुगजीवा मुगजवा Jugahā. भग० १, २; १२, १. **पदम्. पु०** (चर्म) जुगजीवाला धर्म, युगय धर्म आ युगय दावा का चर्म, युगय धर्म = combination of the characteristic functions or qualities of both a male and female नद०

धर्मिय पु० (धार्मिक) श्री युगय युगयना धर्मयुक्ता आ युगयय युगय क धर्मवाना one who combines within him the characteristic functions or qualities of both viz. a male and female नद०

मुगजग न० (बुगजक) हिंदी. भेली नि. मोहना. दो की मोह A pair, a couple भ० ५०

मुगजय. न० (बुगजक) जुगय; हिंदी. युगय; वावा A couple; a pair भग० २१.

मुगजिय वि० (बुगजिय) हिंदी. युग युगय युगय, मजद (Coupled together), consisting of a pair. " निचं मुगजवा " वावा० १.

मुगयं. वि० (युगयय) भगना उपात्ती रहित. तीन तथा चोपा आगना ग-मे१. काम के कारण से रहित नृदीय व वस्तुयें आरिमें मय प्राप्त. Free from molestation caused by time, born in the third and the fourth **Āra** (a part of a cycle of time) मोहा० १, १; भग० १४, १; ११, १; राव० १, २; उवा० ७, ११६;

मुगयं. च० (बुगयय) ओझी उपते; ओ१ भावे; ओ१ साधे. एकही समय पर; एकही

कालमें; एक साथ Simultaneously. उवा० २६, २६, १६, ४६; पु० च० १, ४; २, १६१. डा० १, ८; विते० १६६; प्रव० ६१८, चोव० ६१;

मुग वि० (चोरा) पा० ५१. चोरा Proper. भग० १२, प्रव० ११२०;

मुग न० (बुग) देश देशमां प्रसिद्ध अथ जननी पासपी के अने दुन्नी या जुगपी के साथ प्रमज्जे वेदिता कडोले होय छे. मोहक देश में प्रसिद्ध एक प्रकार की चालकी कि जिसके चारों ओर किरनी औरन दो हाथ प्रमाण की वेदिता (कडहवा) होता है A kind of palanquin with a square railing of the height of two arm's length. It is made in the country named Golla. भग० १, ८, ८, ३; ८, ६. विते० २१६२; १००० १, ११२; चोव० चतुस्रो० ११६; (२) हिंदी मृगा. a yoke; that part of the pole of a carriage which is fastened to the shoulder of an ox, a horse etc. डा० ४, ३. भग० ४, ११. (३) युग-पौसरी देनाए पैसा जयय जमेरे युग-मृही का उअनवावा-चोरा, वेन हयगाद. an ox, a horse etc. harnessed to a carriage. " चत्तारि मुगा वयववा " डा० ८, ३ (४) युगपी उवाय अजुं मिमन. युग से उठा जा सकें ऐसा आकार विमान a kind of balloon. सू० २, २, ६२. — **आययिया. जी०** (-आयवां- युगवायवहनं गमन युगवायवां) युग-रहनमां अजुं ते. युग-वाहन में जाना. going in, moving in a carriage or conveyance. डा० ८, ३;

मुग्गजादिवा. जी० (युग्वाचवां) जुग्मे

शुनि. जी० (प्रां) शान्ति शास्त्र Light;
luntro मादा. १, मम. १, १; प्रां.
११, सू. १० १२, मम. १०.

द्वय वि० (पुंल) युग्म, अर्द्धन नादिन, युक्त,
संबन्धन Accompanied with. (२)
जोडित जुड़ा हुआ joined, united.
अ० ग० १, १९१, ३, ६४, ७, २०; नावा०
१, ३, ५, ८, ९; १४; १६; भग० ७, ८;
६, १३, २१० ३, १०, ८, १३, ६४; ६, ९,
१४; ९, ८, ९, ३, ११- नि० १६४; नंदी०
६, ३१० १, ८, ३, २३; राव० १२२;
२गा० ८, १३, १०, १, पंचा० ६, ४२; ३,
१६, क० ग० १, १७, ४४; क० ग० ४,
प्रब० ८१३; गच्छा० १०८; क्षण० ३, १६;
सांव० १०, २३, सखुआ० ११३; ठा० ४,
३; उदा० ३, १०१; ७, २०६, (३) मे० अ०
योग्य proper, fit, worthy. विशेषः—
१३३। पु० व० १, १४४, २, ४३१, निर०
१, १, नावा० ८, (३) अभिज्ञान अने
अनंतनी अक्ष प्रसार असंख्यात व अनंत
का एक प्रकार a variety of the in-
numerable and infinite. समुच्चो-
१४६. —असंख्येय अक्ष पु० (असंख्येयक)
अभिज्ञाननी अक्ष प्रसार असंख्यात का एक
प्रकार, a kind of innumerable
समुच्चो- १४६; क० ग० ४, ८१;
---अहिगरह म० (-अधिकारह) अधि-
तरभू द्विसाना उपकरण अधि अधिक
योग्य ते; आह्मा जननी पांथमे अनियार.
अधिकारह—हिता के उपकरण अधिक अधिक
योग्य; आठवे मत का योग्य अनियार. us-
ing more and more the means
of injury, the fifth Atichara of
the eighth vow. प्रब० २८३;—जोग.
वि० / -कोम) करीर विमेरेनी येअ येष्ट
पाथा. करीर इत्यादि की योग्य वेष्ट वास्त

(one) possessing proper activity of the body etc वंचा० १३, २१; —परिपुष्ट वि० (-परिपुष्ट) सादी सामर्थ्यी युक्त पदार्थों आदि. सुख लाभार्थ मे कुछ पानकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e g a palanquin etc). अ० ४, १; —पालिव वि० (-पातिव) —बुला परस्परसंबन्ध न तु बुद्धन्तराका-
—पातिः सेतुबंध न बुल्लपात्रिकः) पाले
पाले=सप्त- पूजायुं पालगाम-कमोत्तम-
नरक पुन बाता. having bridges situated near one another. राव०
—कुलिव न० (-रवले) उचित निद्रु-
पाणिना ज्ञातुं यत्नं. उचित विन्दु-प्रस-
के बुद्ध का भित्ति. & shower of pro-
per (desirable) drops of water.
“ मृणमुविष मिहवरचोक्ष्व ” नम० १८;
—ऊव. वि० (ऊव) प्रशस्त स्वभाव वाचा. possessed
of praiseworthy temperament. अ० ७, १. —शोभ. वि० (-शोभ—बुद्धं
शोभामे बुद्धस्थ वा शोभा यस्य तद्भवत्यशो-
भम्) मे.२१ शोभायायु. योग्य शोभायुक्त.
possessed of just or proper beauty. अ० ४, १;

सुत. न० (बोक) जे १२. जोन का रस्सा.
a rope with which an animal
is tied to the pole of a carriage.
उत्त. ११, २६;

कुम्भि. क्री० (कुम्भ) युक्तिः. ३भा; शक्ति. कुम्भि;
 कला; कौशल Skill; art; mode; pro-
 cess. विशेष० ११४; शब्द० मि० १८६;
 वादा० १०; अङ्गुली० १२८; (१) मेघदूतम्.
विधत्त. joining together; mix-
 ture; union. शब्दा० १, १; वृत्ता० २, १;

(३) मे नामना मेऽ कुमार इव नामका
एक कुमार. name of a Kumāra (a
boy). नि० १, ११ (४) मे नामनु
पुनरुत्थापनम् मेऽ अपरपुनः. इव नामका
वाग्देवता पुनः का एक अवस्था. name
of a chapter of Vāuhidāśā
Sūtra नि० १, १; —कलम. वि० (—कलम)
युक्तिनं सदन इत्युं ने. युक्ति का नदन
करना. remaining unrefuted by
logical reasoning “ नाममनुक्ति
कलमे होइ ” वि० १११; —कलम वि०
(—कलम) युक्ति सदिन, युक्तिपानः; युक्ति
महितः युक्ति वाक्ता. logical; pos-
sessing reason. पं० १२, १६; —कलम
(—कलम युक्ति कावर्तामि) युक्तिनं मनुनार,
इमाणाः युक्ति का जानन वाक्ता; कलावात्र
(one) well versed or skillful in
any art. “ मंकारे मंकारमिना ” अ०
१ —कलम. वि० (—कलम) युक्तिनी
आदिन-अदिन मंकार युक्त मे कलम
कलमिन. refuted by logical
argument. “ मंकार मंकारमिना
विना विनाममो होइ ” पं० १८, ४४;
—कलम. वि० (—कलम) मनाली मनु
कलमि सुवर्ण. बनावरी सुवः artificial
gold. पं० १८, ११;

तुलितेव. पुं० (तुलितेव) अमुदी मंनः
मैरवमंकेमं आयु अममिपुमी मंय
आमं मंमं. मंमं मं मं मं मं
के मंमं मंमं मं मं मं मं
मंमं. The eight's Tirthankara
of the current Avasarpini in
the Airavata region of the
Jambū Dvīpa. अ० १० २६०; (२)
मैरव मंमं मंमं ११ मा मंमं.
मैरव मंमं के मंमं ११ मे मंमं. the

present 11th Tirthankara of
the Airavata Kṣetra. अ० १११;
तुल. पुं० (तुल) यु० मंमं; मंमं मंमं.
यु० वि०; मंमं की कला Battle;
engagement; art of fighting a
battle. पं० १०; ४०; ना० १; २.
१६; ना० १, १; पं० नि० १२१; अ०
१, १, १२; —कलम. वि० (—कलम)
२२ यु० यु० यु० यु० यु० यु० यु० यु०
यु०. terrible battle; thick of the
fight ना० १. पं० १०; —कलम.
न० (—कलम) मंमं मंमं यु० मंमं
मंमं मंमं मंमं मंमं मंमं मंमं मंमं
मंमं के मंमं यु० मंमं मे मंमं मंमं
यु० मे मंमं मंमं मंमं. useful in
fighting against Karma; useful
in moral war e. g. against pro-
nations ना० १, ११, १११; —कलम.
तुलितेव पुं० (तुलितेव) मंमं “ मंमं
कलितेव ” मंमं. मंमं “ मंमं
कलितेव ” मंमं. वि० “ मंमं कलितेव ”
मंमं —कलम. वि० (—कलम) मंमं
नीन मंमं. यु० मंमं-मंमं. mili-
tary tactics or strategy. अ० १०
—कलम. वि० (—कलम) यु० मंमं
नीन. यु० मंमं की मंमं. the tactics
of fighting. अ० १२६०; —कलम.
वि० (—कलम) मंमं “ मंमं कलितेव ” मंमं.
मंमं “ मंमं कलितेव ” मंमं. वि० “ मंमं
कलितेव ” मंमं —कलम. वि० (—कलम)
मंमं “ मंमं कलितेव ” मंमं. मंमं “ मंमं
कलितेव ” मंमं. वि० “ मंमं कलितेव ” मंमं १,
१; —कलम. पुं० (—कलम) मंमं मंमं.
मंमं; मंमं, यु०. a warrior; a
combatant. अ० ४, १;
तुल. वि० (—कलम) मंमं “ मंमं ” मंमं.

देखा " युवक " गल्द. Vido " युवक " चाव० वि० १२२, गु० व० २, २२४, आवा० १, ४, १, ११२.

सुधा का० (राधाका) यादली गन कादली गन Moonlight गु० व० ०, १४४.

सुधम व० (युग्म) जुगल, जेदी, जेजू जेजू. युग्म आवा. A pair, a couple " कइ क मन सुधमा वगवला ? लोचमा । वलाहि सुधमा वगवला " आ० ८, १, अग० १५, ४, २१, ८, ११, २, ८१, ११ वि० वि० १, ---वर्धमिव (व० (आदेशिक) लम लज्जा जेदी प्रेक्षणी विपन्न धर्म, सम गंधवा ने राज, produced from, resulting from an even number. अग० २४, १.

सुध पु० (युग) युग; पाय म लम प्रमले लम विमान युग, पाय गंधवा के प्रमाक कावरावमा A Yuga, a period of time measuring two Samvat वर्षम अग० ३, १ (०) वि० (लज्जा गंधवा) वि० : गंधवावक) an expression for the number 2. गु० व० १, २२२.

सुध पु० (युव) युवपदम प्रमलम A sacerdotal post. वि० वि० ४२.

सुध पु० (युवक) युवक लममना अर अदेरा पावरावमलम जो अर, नरक ममुड म के बार वदे वा गंधकलम के का ए० One of the four nether world pots of the Lavana ocean. अग० १२४६.

सुध ल० (युगल) जेदी, जेजू, जोड़ा; युगल. A pair; a couple. आवा० १; ४, ५; जीवा० १, १; १, गु० व० १२, ४, राव० १२१, उवा० १, १००; ---वर्धमिव पु० (-वर्धमिव) जुमो " युवराज्य " अ०६. देखा " युवराज्य " गल्द. vide

" युवराज्य " गल्द.

सुध पु० (युवक) युवक; युवक; युवक; युवक. A young man; a youth. अग० १, २२, वि० १६१४; आवा० २, ४, २; ११८, अग० ११, १.

सुध का० (युवनि) युवनी, युवनी अं. युवनी, युवा (जी) A youthful woman अग० १, १; १, २; १, १; आवा० ५; वि० २१०, २२२; आवा० गु० व० ८, १६८, ---वर्धमिव पु० (-वर्धमिव) युवनी, अं. युवनी; जी-मन. a youthful woman; a woman. अग० १.

सुध पु० (युवक) युवक यक्षनी जीम अने सीमने अन्धम; युवक वक का द्वितीया व नृतीया का वद The moon of the 2nd and 3rd days of the bright half of a month अग० १, १.

सुध नि का० (युवनि) युवनी; युवनी अं. युवनी; युवा जी. A youthful lady. गु० १, ४, १, १२, अग० १, १.

सुधराज न० (युवराज) युवराज नृपति अने वि० योवराज २०५ युवराज के समान अतिवि० जो है उमका राजव Kingdom of one who is crowned while he is still an heir-apparent आवा० २, १ १, ११६.

सुधराज पु० (युवराज) युवराज अग० ११६ अग० २०२, २०२, २०२, अं. अं. राज पादली युवा वनमान राजा के पदाद राज का इकदा-बारम, आवा० का राजा; पादवा कुमार. A crown-prince; an heir-apparent उवा० ११, २; अग० १६; वि० ६; अं० व० आवा० १२, वि० २११.

सुधराज का० (युवराज) युवराज अग० ५० युवराज्या; युवराज वद. Statu

of a crown-prince; state of being an heir-apparent. मच० ११, ७।

मुचस. न० (मुचस) जे०। मुचस; जोड़ा।

A couple; a pair. मच० १, १; ११, ११;

मुचसग. पुं० (मुचस) जुओ ३५ओ ४०८.

देखो ऊपर का लम्ह. Vide above. नि० १, ४;

मुचसव. न० (मुचस) जुओ ' मुचस '

४०८. देखो " मुचस " लम्ह. Vide " मुचस " म० प० १, ४०; पच० १।

मुचसिय. त्रि० (मुचसिय) जे० ३५ २६५.

मुचस रूप में रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. जोव० मग० १, १।

मुचाव. पुं० (मुचव) जुवान-पुवारस्थाने

आम भयेथ. युवक; युवावस्था का प्राप्त Youthful; attaining puberty. भावा० १; १; मग० १, १; २; ५. ६; जोव० नि० ७२१; जकुमो० ११०; टा० ४, २; प्रव० ४२०;

मुचावग. त्रि० (मुचव) जुवान: युवक युवक.

Young; youthful. लव० १, ७, १०;

मुचावव. त्रि० (मुचव) जुओ ३५ओ ४०८.

देखो ऊपर का लम्ह. Vide above मग० १, ११; उवा० ७, २०६;

मुचव. न० (वीचव) युवावस्था. युवावस्था.

Youth; puberty. भावा० १; म० प० १, ११७; मं० प० ५, १२१; —जकुमस.

त्रि० (—जकुमस) युवावस्थाने आम भयेथ.

युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. दवा० १०, १;

—रही जी० (—जी) युवान जी. युवती. a youthful lady. " लकड़पट्टे लड़ि-

वारं लकड़पट्टे मुचवकीर " संतु०

मुचवव. न० (वीचव) युवावस्थापक्षः

जुवानपक्ष. युवावस्था Youth; young-age. कच० १, २१।

मुचववस. न० (वीचव) युवावस्थापक्ष.

युवावस्था की स्थिति. Condition of youth or puberty. द० प० ११, २१;

मुसिय. त्रि० (मुस) प्रसन्न; प्रीत. संतुष्ट; कुल.

Pleased; propitiated. " वाच्य देह लोको उपनारिषु परिचिद व मुसिय वा " म० ४, ४;

मुदिदिस. पुं० (मुदिदिस) दस्तिनापुत्र नमरना

पांडुराजना भेद। पुत्र-धर्मराज. दस्तिना-पुर के वाचदुपराजे जेष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmaraja i.e. the eldest son of the king Paṇḍu of Hastinapura " मुदिदिस नामोक्ताः वचवहं वचवाहं " जंग० २, १; भावा० १६;

जूआ-वा जी० (जूआ) जु; आधामां धने।

मे० ७७. जू; लिर मे पैदा होनेवाला एक मनु। A louse. मं० प० २, १६; मंदा० १४; भावा० २, ११, १७२; पच० १, मग० ६, ४; १६, १; प्रव० ४२२; १४४४. (२)

आधाम आधाम अधम आध धाम अधम मे० ७७. ६४ नामाध जववा = लिर

प्रमाण का एक माप. a measure of length equal to 64 hair-points

or 8 mts. जकुमो० ११४; —सेजावर.

पुं० (—जकुमस) जुने स्थान आपनार.

जुं के स्थान देनेवाला. one who gives a place of resort to a louse or lice. मग० १४, १;

जूच. पुं० (जूच) वन स्तंभ. वन स्तंभ. A

sacrificial post. नि० १, ४; (२) मे नामजु पुनना काध अधम पमजु जकुम.

इस नाम का पुच के हाथ का पैर का चिह्न. a characteristic mark of a leg

or hand of a male human

बुलबुल. सुप. २, १, २१;

का. द. १ १, ४, ५;

ਘੁਰਾਘੁਰਾ. ਭੀ. (ਘੁਰਾਘੁਰਾ) ਘੁਰਾਘੁਰਾ; ਘੁਰਾਘੁਰਾ. Pining away; want-
 ing away. ਟੁਕਾ. ੨, ੪, ੬;

મુગ્ધવચ્ચ. મ. (શુભ) સરીસી ઇર્ષ્યાના થાવ
ને સરીસ કા ગ્રાહ્ય હોના. Wearing
or wasting away of the body.
મન. ૧, ૧;

मुरिअ. वि० (जीव) अयं वयस जीव
 Worn out; decayed; grown old
 अक्षरं० १४६;

सूच. पुं० (वृष) यत्तु स्त्रीयं वत्तु स्त्रीयं. A
sacrificial post to which the
victim is fastened मि० १, १;
उत्प० ११, ११, प्र० १, १, ११, ११;
म० १० (१) अत्रिभ्यो हिन्तिभ्यो वाचसं
३५५, वाचसं दिशा वा वाचसं कवशा A
post of the nether world in the
western direction. ग्रीकाः १, ४,
प्र० १०११; --विहृ जी० (विहि)
अत्रिभ्यो " अत्रिभ्यो " अत्रिभ्यो " अत्रिभ्यो"
अत्रिभ्यो, vido " अत्रिभ्यो " अत्रिभ्यो

मृगमं (पृष्ठ) : १०० " मृगमं " १००.
देखा " मृगमं " १०० Vide " मृगमं
१०० :

जुलै. पूं. (पूरक) शुद्ध पक्षमा प्रथम तृतीया
 द्वितीया तृतीया प्रभा अने चंद्रनी प्रभा
 अथ चंद्र तृतीया ते. शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन
 में मण्ड्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र
 होना Blending together of the
 light of the setting sun and
 the rising moon on the
 first three days of the bright
 half of a month. बभ्रुकी. ११०;
 अ. ४, १;

ગુજ. પં. (કુચ) ૪૬; મોક્ષમય. કઠી
 Soup; broth. જાંબ. વિ. ૧૪૭; પ્ર. ૧૪૨૬;

जूलवा. बी० (अंतर्वा) विनाश. विनाश.
 Destruction. कण. ६, २१;

ਸੇਵਾ. ਸੀ. (ਸੇਵਾ) ਸੇਵਾ, ਸੇਵਾ. ਸੇਵਾ.
 Service; worship. ਭ. ੪, ੧; ਯੋਧ-
 ੧੪;

कृषिच. वि० (कृष) सेवन ६२५. सेवन विद्या
 द्वारा Served; worshipped; re-
 sorted to नावा० १; अ० ४, १;

सूद. पुं० (सूद) लूय; टोह; अयः अयो.
 लूय; कुंठ. A crowd; a band; a
 herd. वाचा० १; ४; सि० वि० २१६;
 उल० ११, १६; प० १, १; सु० य० ६,
 २२; विवा० ४; —अडिबह पुं० (-अडि-
 बान) टोहानो २१॥ कुंठ लूयका स्वामी.
 the head of a group or a band.
 उल० ११, १६; —बह. पुं० (-बहि)
 टोहानो मासिक-भूषी लूय का स्वामी. a
 owner of, a lord of crowds; the
 leader of a group. वाचा० १; सु०
 य० ६, २६; सि० वि० २१०;

सुदिन-व. न० (वृषिक) ज्येष्ठा ५५.
 सुई का फूल A jasmine flower.
 सं० ५०

जूहिवा. जी० (जूहिवा) ७५५ यई. A
 kind of jasminee राब० ११; यव०
 १; जीवा० १, ४; —बुह. व० (—बुह)
 ७५५ने १३६. यई का बुहा. a packet
 of jasminee flowers. वावा० १५;
 —मंडव. पुं० (—मवव) ७५५ने मंडवे.
 यई का मवव. a bunch of jas-
 mine. राब० ११०; —मंडवव. पुं०
 (—मववव) ७५५ने मंडवे. यई का

नयनस्य. a bower of jessamine. प्रीति-
१; प्री. ५.

कूही की० (कुलिका) गुग्गुली वेला राई की
 वेला A. *jasmint* creeper. (१)
 गुग्गुली ५५ राई का फूल A. *jasmint*
 flower. वट० १. १०.

अ. अ० (७) वाक्यान्त तथा वाक्यान्त शब्दां
वाक्यान्त अन्तर्गत वाक्यान्त व वाक्यान्तकार से
उपसर्ग की व्यवस्था. An indeclinable
used copulatively. भाषा- १;

पुत्र पि० (पौत्र) अर्थात् पुत्रः प्रथम
उत्पन्न भ्राता। यद्येव वहीनः प्रथम सो उत्तम
हुवा हो वह Senior, oldest; first-
born. मा० १, १, २, ३; ४; ५, ६, ७, ८,
९; १०, ११, १२; १३, १४; भाषा० १; २;
३। सु० क० २, ११६; मं० प० सू० प० १।
मा० १०४; ज्योति० १०; विरो० १४३।
उदा० १, ११; २, १०६; ७, २१०, १०,
२०४; क० प० १, १२; ४, ६०। प्र०
२०६; क० प० २, १०३; संभा० १०, १,
—**पुत्र पुं०** (पुत्र) अर्थात् पुत्र मेघ पुत्र
the oldest son भाषा० १, २; १२,
१३; १४; —**भ्राता पुं०** (ब्राम्) अर्थात्
आप्त मेघ भ्राता वहीन वयु the oldest
or senior brother. भाषा० १२.
—**कनिष्ठ**, पि० (- कनिष्ठ) अर्थात् कनिष्ठ
यायो। रक्षित, लाक्षणिक बुद्धि. (one) power
retaining good powers क० प० ७,
२३; —**सुहृद्वा**, जी० (- सुहृद्) मेरी
पत्नी, अर्थात् वयु wife of the oldest
son; senior daughter-in-law.
भाषा० ७;

ઝેહુગ. વિ. (ઝેહુક) ખેડુ. ઝેહ-કહીલ.
 Elder or eldest. વંશ. ૨. ૭.

जेष्ठ. ली० (जेष्ठा) भेदी नदेन. जेष्ठ मणिनी.
Elder or eldest sister. वाया० ८;

(१) गंगाई देवकी. wife of husband's elder brother कस. १;

(१) अथवा नामानुसारेण. अथवा नामानुसारेण
 मन्त्राणां नामानुसारेण of a constellation.
 अथवा नामानुसारेण. अथवा नामानुसारेण.

જિહ્વામૂલ. ૩૦ (જ્યેષ્ઠામૂલ) જેમાસ; જે
 મહિને મંથ માસ. The month of
 Jyestha " ગિરિકાન્થ સમવર્ત્તિનિ જ્યે-
 શ્ઠામૂલમિતિ માસમિતિ " સાં. ૧૬; સાં. ૧૦
 ૨૫૬; જન. ૧૫, ૧૦; મા. ૧૧; -- માસ.

ପ୍ର- (ସାଧ) ଗୃହମାସ ଯେହ ସାଧ the
month of Jyestha ସାଧା- ୧୧;

अष्टमूली. जी० (अष्टमूली) के महीना
पुनः अष्टम मास की पूर्णिमा. The full
- moon day of the month of
Jyestha. अ० १० ०, १९११.

त्रैकाक्षिक च. (संक्षेप-सप्त) व्याख्यान
 विषय स्थान पर. Place where. उदा.
 १. १०, नाशः १; १४, भगः २, ७; प्रं.
 ५० १, ४१;

प्रत्येक च० (कवैच) १५५; १६ भागमां. यहाँ
 १५५ स्थान में Where; place
 where. जोष० ११; जंग० १, १; नावा०
 १, ४, ५; व० ४; १२; १४; १६; भग० १,
 १; ४; १, १; २; १, १, २, ४; ७, ६; उवा०
 १, १०; १८. २, ६२; यं० ४- २, ११२;
 ११४;

१. क्रि. भा० II. (विष्) लभ्; भोजन
 १२. भोजन करना; सोचना To dine;
 to take food.

ਐਸੇਵ. ਤਲ. ੧੭, ੧੮:

अभिष. भग. १. १:

जेमव. न० (जेवन) मिष्ट भोजन मिष्ट
मोदन. Sweet food; dinner con-
sisting of sweet or delicious
food. जोष० मि० ५८; उदा० १, ४०; १०,

२००; प्र० ४४२;

जेमन्वन. न० (जिवन) पाठः आतांसीन
ते प्रथमे संहार इत्यादि आये ते. वास्तव
का कथ प्रथम संस्कार. Rites or cere-
mony performed at the time
when a child first learns to
take food. रा० १८८;

जेमन्वन. न० (जेवन) भोजन इत्यादि ते.
भोजन कराना (giving food, dinner.
अ० ११, ११;

जेमिनि पु० (जमिनि) मीमांसा दर्शनना
स्थापक भूति. मीमांसा दर्शन के स्थापक भूति.
Name of a saint who was the
founder of the Mīmāṃsā school
of philosophy. नदी०

जेवार. वि० (जेव) ७११२; ७१४ इत्यादि.
जिने वाला-विजयी. (One) who
conquers; a victor. " जेवा-विवा "
अ० २०, २; ना० १; सू० १, १, १, १;

जेविस पु० (जेविस) जे नामना यति
भोजन के पक्ष-आर्चनायना शिष्य
विपरीत भूति. इस नाम के वशिष्ठ मोक्षोत्पन्न
कार्यनाम के शिष्य विपरीत भूति. Name of
a Sthavira ascetic born in the
Vāṣiṣṭha family--origin and
disciple of Āryaṇāga क० ८,

जेव. पु० (जेव) संवत् १५५२; विवा.
नंदन व्यापार; विवा. ascetic practice
viz. contemplation upon the
soul; activity of the mind,
speech or body. उ० २०, २; वि०
१८९; प्र० ४४२; द० १, २६; (२) संक्रमण
मे. व. संक्रमण का योग. conjunction of
the moon with a constellation
etc. जेव. ११; सू० १० १२; (२) योनि
-भन द्यन भवने व्यापार. योग-जन

वचन कथा का व्यापार. the activity of
the mind, speech and body.

ना० २; अ० १८, ८; प्र० ७४८;

जोखन. न० (जोखन) जेवन; आर या
अथवा आर इत्यादि या विप्रभाष जेव जेवन
भाष जोखन; आर जोख प्रभाष जेव
१००० जोख प्रभाष जेव का नाम विशेष.
A Yojana (equal to 8 miles
or (the larger one) equal to
800 miles). नदी० १०; अ० १० २,
११२; १. १२५;

जे. पु० (जेविस) अग्नि; प्रकाश, तेज,
अपौरुषेय अग्नि, प्रकाश, तेज, उजाला Fire;
light; lustre उ० २, १, ८, ८२;
अ० १, १; सू० १, १६, ८; जेव. वि०
८८२; रा० २६, ८; नदी० १०; द० १०,
१; अ० ८, १; अ० ८, ८; (२) ज्ञान
अभिरुचि. ज्ञानवस्तुत्व. possessed of
the vision of knowledge. अ०
८, १; (१) अद. नक्षत्र, नारा आदि.
अद, नक्षत्र, नारा आदि. a heavenly
body such as a planet, star
etc. अ० १; क० १, ११, (४) अपौरुषेय
अभिरुचि विमान विशेष. जेविस जेविस का
विमान विशेष. name of a particular
lustrous heavenly abode. (५)
अपौरुषेय संवत् ११ ज्ञानवास्तुत्व. जेविस
विषयका ज्ञान देवताका शास्त्र. the science
of the astronomy or astrology.
नदी० १, १; (६) नदीयानी अपौरुषेय. शेषक ८
जेविस. lamp light प्र० २००; (७)
वि० अ० ११ इत्यादि जेवन द्यनवस्तुत्व.
नक्षत्र करके के उज्ज्वल स्वभाव वाला.
possessed of cheerfulness of
spirit or nature imparted by
performance of good deeds. अ०

४. १: (४) जेभांभी अग्नि उत्पन्न थाव
तेवी जलनी १०५१३. इय जाति के कल्पवृक्ष
जिसे के जाति उत्पन्न हो a variety
of Kalpavriksha (desire-yielding
tree) emitting or supply-
ing with fire. प्र० १००१; वस० १०;
—संज्ञ ५० (—संज्ञ) जेभां ज्योतिःप्र-
काश उत्पन्न तेवा १०५१ १३१नी अ३ जल.
जिन के ज्योतिःप्रकाश इतिहास हो ऐसे
कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of
Kalpavriksha (desire-yielding
tree) emitting light. अ० १०;
तदु- -दुग्ध. न० (—संज्ञ) अग्नि
स्थान; अग्नि (—संज्ञ) जाति का स्थान
place or abode of fire. " केन माई
के व से माईदुग्ध " उप० १३, ४१. — वस
वि० (—वस—उपेतिज्ञान वस वरव स
नवा) सत्पराय रातो; जान रातो गदा
चारी, ज्ञानी. personified of the power
of knowledge or right-conduct.
अ० ४, १: —संज्ञ. न० (—मावह)
अग्नि हाथ जाति का वात्र. a vessel
containing fire; a receptacle of
fire. " जोहजोहय रातो विव कुहराग
विनामाधो " तदु०

जोह. पु० (कोविद्) योग भग्नो अनुयायी.
योग दशमनेर मानदार. योग मत का अनु-
यायी योग दर्शन का ही मानने वाला. a
follower of the tenets of the
Yoga school of philosophy
जोह० १५:

जोहयका. पु० (उपोतिष्ठ) छिन्नी ज्योति
दीपक की उपोति. The light of a
lamp. प्र० १००.

जोहयूव. वि० (उपोतिष्ठ) ज्योतिर्भव
ज्योतिः उपोतिष्ठ जो है वह. (That

which has) become full of
light and illumination. " उपो
ज्योतिष्ठयूव " विवा० १, ४; दृष्ट० १, १, २,
१६:

जोहय वि० (वीरिण) योगि १००१: जेना
प्रज्ञा प्रत्यक्षता अर्थ १००१मां पडे ते; वी;
गिरि शब्द जिन के प्रकृत प्रत्यक्ष का अर्थ
शब्द से योग्य वाचन हो वह A word
bearing out its etymological
signification. प्र० २, २; (२) योग्यता
योग वाचा. personified of Yoga.
अग० १, ११.

जोहय वि० (वीरिण) योगि १००१: जेना
योग्यता किवा दृष्टा, मुहा दृष्टा. Joined;
united; planned अग० २३, ८;
उदा० २, २०६.

जोहय न० (उपोतिष्ठ) अ३ जलानु न
एक जाति का वस्त्र A kind of gown
जाया० १, ४५०: २१, १०५०: ३ ४; वस०
२, २६:

जोहय. न० (उपोतिष्ठ) जलानु न
उपायन वस्त्र. The system or group
of heavenly bodies. प्र० १० १.
११३; प्र० १; वाच० २१ (२) पु०
ज्योतिष यज्ञी अदर जेना ज्योतिः अर्थ
अदरने उपोतिष्ठ वस्त्र से रहे हुए दस
मूर्त वस्तु वीरिण any of the deities
forming a part of the group
of heavenly bodies. ०. २. the
sun, the moon etc. क० ३, १४;
उप० १४, ११; १६, २००; वस० १०१;
१५३०; प्र० नि० ८३; अग० २, ७; वस०
२; (१) ज्योतिष शास्त्र. उपोतिष्ठ शास्त्र.
the science of Astronomy.
अग० २, १; पु० व० ४, ६: —संज्ञ-
वि० (—संज्ञविद्—उपोतिष्ठ उपोतिष्ठ)

अंगीतिः आकाशजाति च विदुमि वे वे अंगी-
 विषयविदः) अंगीतिः आकाश पथेरे वेदनां
 अंगीने अङ्गनार. अंगीतिष आकाश वरीरह वर
 के अंगीने के अंगीने आका. (one) pro-
 ficient in the Aṅgas (sub-
 diary or auxiliary branches)
 of Veda such as astronomy
 etc. उत्त० २२, ७; —आका. पु० (-आका)
 अंगीतिष आकाश अंगीने अंगीने. अंगीतिष चक का
 अङ्ग. the boundary-line of the
 system of heavenly orbis. मन्त्र०
 ११. —आकाश पु० (आकाश - अंगी-
 निराकाशयो सुहं वेदां वे अंगीतिराकाशः)
 अंगीतिष आकाश देव अंगीतिष के देव. a hea-
 venly body regarded as deity;
 e. g. the sun, the moon etc.
 " वंछा आकाशका " उत्त० १६, २०६;
 अंगीतिष मन्त्र-तारे मन्त्र हराह का मन्त्र
 उत का आकाश मन्त्र वा सुहं. king of the
 heavenly bodies such as stars,
 constellations etc. the sun or
 the moon. मं० १० १; —आकाश न०
 (-आका) अंगीतिष आकाशः सुहं आकाश
 मन्त्र पथेरेना आकाश. अंगीतिष चकः सुहं
 मन्त्र तारे मन्त्र वरीरह का मन्त्र. the
 system or the group of the
 heavenly bodies such as the
 sun, moon and stars etc.
 —इन्द्र. पु० (-इन्द्र) अंगीतिष आकाश
 सुहं आकाश अंगीतिष के इन्द्र. सुहं, मन्त्र
 the Indra of the heavenly
 bodies; the sun or the moon
 " अङ्गिनिराकाशका सुहं सुहं आकाशका
 निराकाशका वरीरहका " मं० १० १, मन्त्र०
 १, १; १०, ६; ११, ६; १२, ७; निर० १.
 १; वंछा २, १२; अङ्ग १७७;

राव. पुं० (-नक्षत्राण) ज्योतिषमन्त्र-नाम
 नक्षत्र यथेतेन समुक्तं, तेनोक्तं यत् सप्त.
 king of the planetary sys-
 tem viz. the sun or moon.
 लम्० ११, क० सं० १, ४६; —पृष्ठ. पुं०
 (-वय) सप्त यन्त्र आदि ज्योतिष मन्त्रो
 भाग. सप्त यन्त्र आदि ज्योतिष मन्त्र का भाग.
 the path of the heavenly bodies
 such as the sun, the moon etc.
 लम्० —पृष्ठ. त्रि० (-वय) ज्योतिष देवता
 ज्योतिषादेः। ज्योतिष देवता लक्षण
 कश्चित्। possessed of a lustre
 like that of a heavenly body
 लम्० (२) अग्निना ज्योतिषादेः।
 अग्नि के लक्षण कश्चित्। possessed
 of a lustre like that of fire.
 लम्० —पृष्ठ. त्रि० (-वय) ज्योतिष
 देव समान ज्योतिष भाग. ज्योतिष देव लक्षण
 कश्चित्, यथा. lustre or brightness
 like that of a heavenly body.
 दमा० ६, ११; —राव. पुं० (-नक्षत्र) यत् सप्त यन्त्र
 सप्त, सप्त. the sun and moon.
 “मोक्षद्वारावस्थानं यथा” सं० १०, ११, भग० १,
 १, १८, ७. —विमान. न० (-विमान)
 ज्योतिषादेः देवता विमान. ज्योतिषादेः देवता के
 विमान. a heavenly abode of the
 heavenly bodies such as the
 sun, moon etc. लम्० ११, ४६; —विमान.
 (-विमान) ज्योतिषादेः देवता ज्योतिषादेः देवता के
 विमान. devoid of heavenly bodi-
 es. लम्० २, १; —संज्ञा. पुं०
 (-संज्ञा) ज्योतिष मन्त्र १२३. ज्योतिष
 मन्त्र का विमान motions of the
 heavenly bodies. लम्० १;

being united or joined with.

पद्य० १०; भाषा० ८;

ॐ. दु० (सोव) सं० ५; मिथ्या५; ज्येष्ठ५.
 सम्बन्ध; मिश्रण. Union; contact;
 combination. वि० २; भाषा० ११;
 वि० मि० १७ स्व० ६; दु० ५० ६; वच०
 ११; वच० १, २; (२) अंशभा ने नक्षत्रने
 सं० ५. वज्र व वज्रस्य का सम्बन्ध. con-
 junction of the moon with a
 constellation. भाषा० २; (१)
 अश्वत्थ वस्तुनी श्रमि. अश्वत्थ वस्तु की
 श्रमि. acquisition of an unac-
 quired object सं० ५० ७, १२६;
 १२१; १२६; भाषा० २; (४) बुद्धि;
 उपाय बुद्धि; उपाय. plan; means
 to accomplish an object. वि०
 मि० ४०० (२) पञ्चभूया भवना त्रीण
 पञ्चना सं० ५१; ५२; ५३; ५४; ५५.
 दुष्ट के तीनों वर के पाँचों द्वार का नाम.
 name of the 5th Dvāra of the
 third Pada of Pannavagā
 Sūtra. वच० १; (१) यथीकृत्य आदि-
 योऽयं वरीकरक आदि बांज. the art of
 fascination etc. वच० २, २; वि० ११,
 १२; वच० २, २१; वि० मि० ४०६;
 (७) चित्तनी हनिने निरोध. चित्तहनि का
 विरोध control of the vibratory
 activity of the mind. उक्त० २
 १४; (८) पटिलेहस्य चारे शुभम्भापार-
 शरणि. पटिलेहस्य चारे शुभम्भापार-प्रदान.
 salutary physical activity
 such as Padīlehasya (inspec-
 tion of clothes) etc. उक्त० २,
 १४; (९) भन वचन अने भाषाने
 व्यापार. वचन वचन व व्यापार का व्यापार.
 vibratory activity of the mind

speech and body. was 1. 1: 0.

५: ८, ७; १७: १; २८, १; २९, १, लुक्.

१. १, ४, ६; ऋजु २१, ६० १, ४:

१४: वीणा० १, ८५, ०४: प्रथ० २६२:

दल० ४, १६; ७, ४०; ८, ४१; भाषा० १:

उत्तरा. ११. १०; सू. प. १; आंध्र. १५५.

८३. १५; २१; मही० ११; पक्ष० ३४६।

संख्या० १९; (१०) अं० ५५ संवत्.

self-restraint 5. 7. 9, 11;

—**कथम्. न० (-वेन) योऽसंख्यः, अथ।**

મનની પ્રાપ્તિ અને પ્રાપ્તિ રાખવા માટે:

जबान वस्तु की प्राप्ति व प्राप्ति का रक्षण

acquisition of a desired object

and safe protection of what

is already acquired कक्षा- ५,

—आचार्य, पं० (—आचार्य) पं० आचार्य

योगवार the conduct of Yours

सम. १ : - वाक्यान्तः शी. (- वाक्यान्तः) म.

यमनादि योमेनं अर्थात् अमपानं

बादि मांकोर। बादिमिमाकाका "Hart"

blotter of the fixed speech and

lately, 1750-1800, 1800-1850, 1850-1900, 1900-1950, 1950-2000, 2000-2010, 2010-2020, 2020-2030, 2030-2040, 2040-2050, 2050-2060, 2060-2070, 2070-2080, 2080-2090, 2090-2100, 2100-2110, 2110-2120, 2120-2130, 2130-2140, 2140-2150, 2150-2160, 2160-2170, 2170-2180, 2180-2190, 2190-2200, 2200-2210, 2210-2220, 2220-2230, 2230-2240, 2240-2250, 2250-2260, 2260-2270, 2270-2280, 2280-2290, 2290-2300, 2300-2310, 2310-2320, 2320-2330, 2330-2340, 2340-2350, 2350-2360, 2360-2370, 2370-2380, 2380-2390, 2390-2400, 2400-2410, 2410-2420, 2420-2430, 2430-2440, 2440-2450, 2450-2460, 2460-2470, 2470-2480, 2480-2490, 2490-2500, 2500-2510, 2510-2520, 2520-2530, 2530-2540, 2540-2550, 2550-2560, 2560-2570, 2570-2580, 2580-2590, 2590-2600, 2600-2610, 2610-2620, 2620-2630, 2630-2640, 2640-2650, 2650-2660, 2660-2670, 2670-2680, 2680-2690, 2690-2700, 2700-2710, 2710-2720, 2720-2730, 2730-2740, 2740-2750, 2750-2760, 2760-2770, 2770-2780, 2780-2790, 2790-2800, 2800-2810, 2810-2820, 2820-2830, 2830-2840, 2840-2850, 2850-2860, 2860-2870, 2870-2880, 2880-2890, 2890-2900, 2900-2910, 2910-2920, 2920-2930, 2930-2940, 2940-2950, 2950-2960, 2960-2970, 2970-2980, 2980-2990, 2990-3000, 3000-3010, 3010-3020, 3020-3030, 3030-3040, 3040-3050, 3050-3060, 3060-3070, 3070-3080, 3080-3090, 3090-3100, 3100-3110, 3110-3120, 3120-3130, 3130-3140, 3140-3150, 3150-3160, 3160-3170, 3170-3180, 3180-3190, 3190-3200, 3200-3210, 3210-3220, 3220-3230, 3230-3240, 3240-3250, 3250-3260, 3260-3270, 3270-3280, 3280-3290, 3290-3300, 3300-3310, 3310-3320, 3320-3330, 3330-3340, 3340-3350, 3350-3360, 3360-3370, 3370-3380, 3380-3390, 3390-3400, 3400-3410, 3410-3420, 3420-3430, 3430-3440, 3440-3450, 3450-3460, 3460-3470, 3470-3480, 3480-3490, 3490-3500, 3500-3510, 3510-3520, 3520-3530, 3530-3540, 3540-3550, 3550-3560, 3560-3570, 3570-3580, 3580-3590, 3590-3600, 3600-3610, 3610-3620, 3620-3630, 3630-3640, 3640-3650, 3650-3660, 3660-3670, 3670-3680, 3680-3690, 3690-3700, 3700-3710, 3710-3720, 3720-3730, 3730-3740, 3740-3750, 3750-3760, 3760-3770, 3770-3780, 3780-3790, 3790-3800, 3800-3810, 3810-3820, 3820-3830, 3830-3840, 3840-3850, 3850-3860, 3860-3870, 3870-3880, 3880-3890, 3890-3900, 3900-3910, 3910-3920, 3920-3930, 3930-3940, 3940-3950, 3950-3960, 3960-3970, 3970-3980, 3980-3990, 3990-4000, 4000-4010, 4010-4020, 4020-4030, 4030-4040, 4040-4050, 4050-4060, 4060-4070, 4070-4080, 4080-4090, 4090-4100, 4100-4110, 4110-4120, 4120-4130, 4130-4140, 4140-4150, 4150-4160, 4160-4170, 4170-4180, 4180-4190, 4190-4200, 4200-4210, 4210-4220, 4220-4230, 4230-4240, 4240-4250, 4250-4260, 4260-4270, 4270-4280, 4280-4290, 4290-4300, 4300-4310, 4310-4320, 4320-4330, 4330-4340, 4340-4350, 4350-4360, 4360-4370, 4370-4380, 4380-4390, 4390-4400, 4400-4410, 4410-4420, 4420-4430, 4430-4440, 4440-4450, 4450-4460, 4460-4470, 4470-4480, 4480-4490, 4490-4500, 4500-4510, 4510-4520, 4520-4530, 4530-4540, 4540-4550, 4550-4560, 4560-4570, 4570-4580, 4580-4590, 4590-4600, 4600-4610, 4610-4620, 4620-4630, 4630-4640, 4640-4650, 4650-4660, 4660-4670, 4670-4680, 4680-4690, 4690-4700, 4700-4710, 4710-4720, 4720-4730, 4730-4740, 4740-4750, 4750-4760, 4760-4770, 4770-4780, 4780-4790, 4790-4800, 4800-4810, 4810-4820, 4820-4830, 4830-4840, 4840-4850, 4850-4860, 4860-4870, 4870-4880, 4880-4890, 4890-4900, 4900-4910, 4910-4920, 4920-4930, 4930-4940, 4940-4950, 4950-4960, 4960-4970, 4970-4980, 4980-4990, 4990-5000, 5000-5010, 5010-5020, 5020-5030, 5030-5040, 5040-5050, 5050-5060, 5060-5070, 5070-5080, 5080-5090, 5090-5100, 5100-5110, 5110-5120, 5120-5130, 5130-5140, 5140-5150, 5150-5160, 5160-5170, 5170-5180, 5180-5190, 5190-5200, 5200-5210, 5210-5220, 5220-5230, 5230-5240, 5240-5250, 5250-5260, 5260-5270, 5270-5280, 5280-5290, 5290-5300, 5300-5310, 5310-5320, 5320-5330, 5330-5340, 5340-5350, 5350-5360, 5360-5370, 5370-5380, 5380-5390, 5390-5400, 5400-5410, 5410-5420, 5420-5430, 5430-5440, 5440-5450, 5450-5460, 5460-5470, 5470-5480, 5480-5490, 5490-5500, 5500-5510, 5510-5520, 5520-5530, 5530-5540, 5540-5550, 5550-5560, 5560-5570, 5570-5580, 5580-5590, 5590-5600, 5600-5610, 5610-5620, 5620-5630, 5630-5640, 5640-5650, 5650-5660, 5660-5670

1945 年 10 月 11 日 - 1945 年 11 月 1 日

(the largest of the ...)

the lowest, efficient Yoga 4.

५० १, ७५, — अथर्ववेद ५० (७५

1974) અને સમવૃદ્ધિ. ચામરચા-નં. ૧૮૮

नमः शान्तिं वाग्व्यासः, the Yoga

stages lasting for eight hours.

१५५५ ५० १० १, ७७; - कुम्हार म०

(-वांछन) इति ध्याय ज्ञाहिमां चारुतानं

ਪੰ. ੭੪ ਤੇ ਲਿਖਾਯਾਵ ਆਦਿ ਦੇ ਆਰਥਕ ਹਾਂ।

बोधना. setting (i. e. helping)

another to study the scriptures

୧୯୮୭ ବ୍ଲକ୍ ନମ୍ବର ୧୦୧; —~~ଅନୁସୂଚିତ~~ ଶା. ୦

(-वीक्षण) व्युत्पत्ति- ३५३३ ३५४. देवी।

काशिका शब्द. vide above. अम. १२. ३;

—युक्त चि० (युक्त) योग-मन यत्न
 અને કાયાના અવયવી યુક્ત મદિત્ત માન-
 મન વચન વ કાયાકે વ્યભાર ને યુક્ત નાદિત
 possession of the activity of
 the mind, speech and body.
 યવ- ૧૦૦; —દ્વાયુ ન૦ (સ્થાન -
 ધારી રીધે મરવ સ્થાન યોગસ્થાન) યોગ
 રીધેનું સ્થાન યોગરીધે કા સ્થાન the
 rock or repository of the
 seminal fluid or heroic power
 ક૦ ૫૦ ૨, ૪૪; ક૦ ૫૦ ૩ ૬૩. — નિ-
 ચોગ યુ० (નિચોગ) યોગસ્થાન
 યેમનું નેરુ ને વરીકરના આદિ યોગ કા
 યાત્રા directing the activity
 of mind etc. towards concentra-
 tion etc. નદ૦ —નિર્વાણ શી०
 (નિર્વાણ) યેમનું નિર્વાણ યોગ કા
 અભ્યાસ accomplishment of Yoga
 અવ- ૧૧, ૨. —મા શુચોગ યુ० (—શુચોગ-
 શાસ્ત્ર) શુચોગ યોગ યોગના ૨ દેવે યોગ-
 શાસ્ત્ર વરીકરના આદિ માન વચન વચન
 દમનનારી માન A science such
 as Hatanohala etc. dealing
 with the ways and means of
 fixation etc. અવ- ૧૧. —નિ-
 મિલ નિ० (—નિમિલ) મન (યન
 કાયાના યોગને નિમિલે થયેનું મન વચન
 કાયા કે યોગ કે નિમિલ જો દુજા હો વદ
 caused by the activities of the
 mind, speech and body. અવ- ૧,
 ૧; —વચકલાયુ ન૦ (—વચકલાય)
 યોગ મન ચન અને કાયાને આધાર નેનો
 પરિહારસ્થાન યોગ-મન વચન વ કાયા કા
 આધાર-કન કા પરિહારસ્થાન abandon-
 ment of, giving up of the ac-
 tivities of the mind, speech

and body. અવ- ૧૧, ૨; —વ
 ન૦ (—વનિકલાય) યોગ મન ચન અને
 કાયાના યોગનું પ્રતિષ્ઠાન ૧૨૩ ને. યોગ-
 મન વચન વ કાયા કે યોગ કા પ્રતિષ્ઠાન
 કરના self-analysis and repentan-
 ce for the faults connected with
 the activity of the mind, speech
 and body ક૦ ૨, ૧; —વરિચ-
 લિલિતા શી० (વરિચલિલિતા) મન,
 ચન અને કાયાને વચ રાખવા ને મન
 વચન વ કાયા કો વરીમન કરના. con-
 trol over mind, speech and
 body અવ- ૧૧, ૨. —વરિકામ. ન૦
 (—વરિકામ) યુગના પશ્ચિમને એક
 પ્રા. ૨. મરવ કા યોગના કા નદ કાચર a
 kind of thought-activity of a
 soul or living being ક૦ ૨;
 —વરિકાદુષ્ટા શી० (વરિકાદુષ્ટા)
 મન, ચિત્ત, ચન, વચન, ચન, ચન, ચન, ચન,
 નમનાસ્થ વચકલાય, નમનાસ્થ, a
 man practicing Samadhi or
 contemplation યાવ- ૧; —મરિ
 વચદ ૧૨- (મરિવચન) યમ' આધાર-યોગ
 રિષેન મરિન પુરિયાનું યન આધાર ને
 વિશવ પ્રાપ્ત વચકલાય. one whose
 knowledge is especially im-
 pressed by religious activities.
 યવ- ૧, ૨૨. —મરિ. યુ० (મરિ) અધ્યાત્મ
 ન અને, મરિ. અધ્યાત્મ શાસ્ત્ર કા મરિ. the
 path of philosophy. યવ- ૧૧, ૨૨;
 —વચ. યિ० (—વચ) યેમને વચ.
 યોગ કે કાચીન. (one) dependent
 on Yoga ક૦ ૫૦ ૧, ૬; —વિચુદ-
 ચિ० (વિચુદ) નિરાદ આધાર-વિચુદ
 યવ ૫. ૨ માનું નિરવચ આધાર-વિચુદ આધાર
 ચન (one) of pure, sinless

activity. "इन्द्रासं जगद्विबुधा" वंश०
१८, ४४; —वार्ताह. नि० (-वार्ताह)
सांख्येयाने यह शब्दनार भवन इन्द्रा
अवस्थ दिने बुद्धे के स्वरूप में रहने वाला,
मनन करने वाला. (one) who re-
flects upon what he has heard.
अ० १०; —संग्रह. पुं० (-संग्रह) भन
पथन-अ.पाना व्यापारके प्रसरण में, अने.
संग्रह मन वचन का वा के व्यापारका प्रसरण
योग के संग्रह. bringing together,
accepting the salutary activity
of the mind, speech and body.
मम० १२, आ० १, ७; -सुद्धि. क०
(-सुद्धि) पानना सुद्धि विमुद्धि योग का सुद्धि-
विमुद्धि. purity of the activities
of the mind, speech and body.
प्र० १२१४; —संग्रहा. स्त्री० (-संग्रहा) पान-
मनी संघर्ष वि मुद्धि. योग के मध्यका वि-
शिष्ट शक्ति. the special power of
the activity of the mind, speech
and body. प्र० १२१; —संग्रह. न०
(-संग्रह) भन पथन अने प्रपान व्यापारके
अन्य प्रवर्तारके ने मन वचन व का वा के
व्यापारके मध्य में प्रवर्ण करना directing
the processes of the mind,
speech and body towards the
right path. उल० ४१, २; मम० २२, मम०
१७, १; —संग्रह. न० (-संग्रह) पानना
सांख्य, अथवा मम. योग के शास्त्र.
सांख्यशास्त्र. the scriptures deal-
ing with metaphysics. वंश० १, २७;
—हीन. न० (-हीन) पान-अथवा
आपार हीन. योग-मनन व्यापार हीन.
devoid of self-control or acco-
ticism. ओ० ४, ७;

ગોમતી. જી. (ગોમતી) ૬૫ની આંધ

प्रियो प. २५२ अन्तर्गत ३री-सप्तम अंगारी
 शिल्पिनी आज उदरपथे नामी चरनांगी
 पाद उन्धारना पाथअथ (ये तीव्रज्ज, मे
 दास अने अन्तः) नभावाते हाथ की
 उन्धविही की परस्पर अन्तरित करके मयुह
 बनाकर कुट्टनी का द्विपा उदर के निकट रख
 कर बंदना के पाद का उच्चार करने हुए पाथ
 अथ (दो मुंठरे, दो हाथ बयस्नक) अन्तः।
 Bending the five parts of the
 body (viz. two knees, two hands
 and head) while paying
 respects or salutation, having
 kept the elbow near the ab-
 domen and folding hands leav-
 ing some interval amongst the
 fingers पद्यां १, १९; २५०-७१।

आंगनिया. बी० (बोरवन्तिका—बंगिमि
सबोनिदेवजिमि सप्तमसाध्यात्मः वनेतो
बाया सा मवा) ये प्रुतिभ्यो नमे भूय
मां अत आने के तदा कम प्रुतिभा.
मि प्रुतिनी का तेरदवे गुणवान पर अत
जाता हे ऐसी कम प्रुतिवा Such varia-
tion of Karmic matter wheel
gradat the 13th spiritual stage
कृ० २, १४;

झोमबोल. शि० (झोमबन) अथवा येन पुनः
नयन बो। सुवन. Possessed or pre-
tending self control or ascetic-
ism. मू० = १, २, १, ११; उल०=११,१८:

ज्ञाति (न० (बांशव)) यम सद्भिः नयः
 यम सद्भिः नयः. With concentra-
 tion; an ascetic नम० २; ६० न०
 १, १६; ६०-१०८, १; — बाह्य, न० (- ज्ञाय)
 नम०. " बाह्यबाह्य " नम०. देखो " बाह्य-
 बाह्य " नम०. vide " बाह्यबाह्य " नम० २;

ग्रामिणः वि० (सामिक) ७७७७ " गोरु "

गन्ध दद्या " वाह्व " वाह्व. Vido
" वाह्व " वाह्व २, २.

जोषण वि० (वाह्व) वाह्व, प्रतिपत्तिः कृषितः
वाह्वः, वाह्वः वाह्व, वाह्व, वाह्व.
Proper, fit, worthy. वि० २, १११;
११ १, वाह्व ११, वि० वि० ८८; वाह्व
८८, वि० १, १, ८८ १० ८, १८; वाह्व
१११, वाह्व १० ८, १११;

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Worthiness, fitness;
propriety. सु० १, १८०; वाह्व
१, २, वाह्व १८, १८; १, १८;

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Multiplication अर्थः ११,
१११ वाह्व (१) वाह्वणः वाह्वणः
study. (१) वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
waib fit for conception. तंदु०

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Joined, united,
attached वाह्व १८, १८.

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Having joined or unit
ed सु० १, १८, १८८.

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Joined, united सु० १, १८, १८;

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. One of the
Anarya countries. वाह्व १;

जोषणवा जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. Name of
a country in Uttara Bharata.
वाह्व १.

जोषि जी० (वाह्वण) वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः. The womb; the

origin; the female generative
organ. अर्थः १, १८, १८; १, १८, १;

१८, १, वाह्व १, तंदु० १८, १८; १, १;
वाह्व ११, वि० वि० १८०; वाह्व १, १;
वाह्व १, १, १, ८; वाह्व १, १; वाह्व
१, १८, वाह्व १८; वाह्व १८०; (१)

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
name of the
9th Pada of the Pannavapi
Sutra. वाह्व १; (१) वाह्वणः वाह्वणः

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
a variety of
song. वाह्वणः १८८; (१) वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
name of a good, also styled
Bhaga. अर्थः १, १; (१) वाह्वणः वाह्वणः

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
the
constellation Purvāṣṭhāni hav-
ing Bhaga as its lord. अर्थः १,

१; (१) वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
—वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
a womb etc. वाह्वणः १; —वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः

वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
a mouth or entrance of the
womb. वाह्वणः १; वाह्वणः ८८; वाह्वणः १;

—वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः वाह्वणः
84 lots of lives वाह्वणः

१८१—विहाव. व० (-विहाव) पैनिना
३३१२. कौमि के प्रथम any of the
varieties of a birth विहा० १

—संगमह पु० (-संगमह—बोविकरणि हेतु,
बोविकर मया संगमहःकेवमिकरणिभ
काविकरं बोविकरहः) पैनि ३०१२५,
नोने ममः बोनि उपनि-स्थाने का ममह
the word "birth" taken in
the abstract or collective sense.
मम० २, ३; १०० २, १; ८, ३३३० १,

ममुच्येय पु० (-ममुच्येय) पैनिने
नाष्ट बोनि का नाम destruction of
birth " एव बोनी ममाव विहा
म कावह बोविकरमुच्येयो " मम० २, ३
—मूय पु० (-मूय) पैनिने येन बोनि
येन a disease of the womb
विहा० २, मम० १, ३

अभिधुव वि० (बोवीधुव) पैनि अवरधाने
प्राप्त भवेत् (श्रीर आदि) बोनि जयःकाको
प्राप्त (बोनि जादि) Developed into
a womb or origin मम० १; मम० २, ३;

अभिधुव वि० (बोविक) पैनिना उपनिभवेत्
यानि मे उत्पन्न, Born in a womb
उवा० २, १११, मम० २८, १; (२) पैनि
देशमा उपनि भवेत्, बोनि देश मे उत्पन्न
produced or born in the coun-
try named Yona मम० १;

अभिधुव जी० (बोविका) पैनि-उपनि
स्थान बोनि-उत्पनि स्थान. A womb;
origin मम० १८, ६;

अभिधुव. जी० (बोविका) पैनि नामना
अनाथ देशमा उपनिभवी हामी बोनि नाम के
जगदी देशमे उत्पन्न प्राप्त राजी. A maid
servant born in the Anārya
country named Yona. बोव० ११;
म० १० ममा० १; मम० २, ११;

अभिधुव. व० (बोविकर) पैनिना अपिहाः
२५ १८१२५ मम० ३, १५; बोनिने
अपिहा कावा वजवला मम का वक मम
Name of a Pada of Pannavagga
Sutra dealing with the subject
of births. मम० १०, १

अभिधुव जी० (बोविका) पैनिना मम०
बोविका Moonlight ममा० ३; बोविका
१ १, १०० २, १, १२

अभिधुव व० (उपोनिष) पैनिना "बोह" मम०
देवो "बोह" मम० Vide "बोह"
मम० १ १२, ८,

अभिधुव. वि० (बोविकर) पैनिनेय, ममा हया
Yoked to a cart, plough etc.
ममा० १,

अभिधुव. पु० (उपोनिष) पैनिनेय मम०
अभिधुव नाम आन उपोनिष कावह;
का कावह का हवा नाम Jyotirasa
Kapla i. e. the 9th division
of Khara Kapla. ममा० १, १;

अभिधुव. व० (उपोनिष) पैनिनेय शास्त्र
उपोनिष शास्त्र Astronomy and
astrology; the science of the
course of the heavenly bodies.
बोव० १८;

अभिधुव. पु० (उपोनिष) पैनिना "बोह"
विष "मम० देवो " बोविकर " मम०
Vide " बोविकर " मम० १०;

अभिधुव. पु० (उपोनिष) पैनिनेय
अभिधुव नाम उपोनिष युवकीयाने युव० उपोनि
ममा० मम० ३, १११११ की एक बोनि वि
विष मे मे युवकीयाने का मम० ममान प्रकाश
मिलता है. A species of Kalpa
Vriksha (desire-yielding tree)
from which the Jugaliyas get
light like that of the sun.

जीवा - १, १.

ଶ୍ରୀମତୀ ଏ. (ସାବିତ୍ରୀ) ଦିବିଃ ଶ୍ରୀମତୀ A rope
 by which animal is tied to the
 pole of a carriage, halter.
 "ଲୁହାଣା ନବଲିନା ଶ୍ରୀମତୀବ" ୧୩୫୦, ୨,
 ୩; ୧୩୫୦, ୨, ୩୫୦. ୩୫୦, ୩୫୦ ୩୫୦, ୩୫୦, ୩୫୦,
 ୩୫୦ ୩୫୦, ୩୫୦, ୩୫୦ ୩୫୦;

योग-भा. I, II (बुद्ध) संज्ञा. योग-
भा. संज्ञा. योग-भा. योग-भा. To
yoke, to unite, to yoke.

ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਾ ਸ. ੧੦ ੦, ੧੦੧;

ਸਾਹਿਬ ਆਖਿ ॥ ੧੦ ॥ ਅੰਗ ॥ ੨੨ ॥ ॥ ਸਮ ॥
੨ ॥ ਜਾਗਾ ॥ ੧੨ ॥

आशुनि. गृ. प. १०. भागा- ४. अं. १०.
 आशुनि १, ११६.

क्रमांक १६- विभा. १, १०, ति. १३- ७९.

मांसाहार न० १० ०. १११.

श्रीकृष्ण वाचा० १४: १०.

मार्गसंख्या न० ७०७, १५१.

सायबेह माया . १३

श्रीसाधना नावा. १०.

पञ्चम भाग - १, ११ (योग) २५ स ५२०
पञ्चम भाग - To shine to emit
light

आवृत्ति मासिक - १ ४

प्रकाशः प्रकाशितः दानः समस्तः
shina; to court light

श्रीबुद्धि मय. १२:

अंश ५० नं० ५० '१, १२९:

१. जोष. पा० । (इग्) निङ् । २५१.
देवना. To see, to perceive.

आवह नं० व० १९, १००;

आ. आल म. नं. २, १६६:

જોય. નં (લોચ) નેતર; નેતર જોત.
The rope by which an animal

is tied to the pole of a car
ago.

प्रोत्थन प्र० (बोधक : प्र० १३ पदः ५, ४२,
[[८] ३-७६] यावत् १३, ५, १३, इत्यदि
अन्तर्गते । A suggestive word; a
proposition such as Pro, Para,
etc modifying in some way
the sense of the verb or noun
before which it is placed विज्ञे०
१००)

जोयज्ज न० (योजन) या० अ० ३: ५० अ० ३
 प्रमाणे दोन चार कोण, चार कोण के प्रमाण
 का क्षेत्र A Yojana (namlova, area
 covering eight miles म० १०
 १, ११, १११; १, १२; मम० १;
 म० १६, १७, चौ० १८; सखुमो ११८
 नापा० १; म० १० १८, पंचा० १, १८
 ११ ८०, म० ८६६; क० २, १६
 म० २, १; ६, २; ११, १; १६, ८; १६
 १, नापा० १, ८; १६; वि० १८१
 १८८८; श० २६; म० ८० १, ७०
 चौ० ८२; उ० १, ८३; ८, २४३
 (२) निःपु ने जोड़ना, joining;
 uniting प० १, १; —निह्वाणि. (म०
 १ निह्वाणि) या० अ० ३: ५० अ० ३ पाभना०
 चार कोण में विस्तृत, extending,
 stretching over 8 miles “जोयज्ज
 निह्वाणि म० १८; —परिमंडल.
 (१) (-परिमंडल-योजन योजनप्रमाण
 परिमंडलं गृह्यमाणोऽं निर्देष्टविरि-
 माण्डलं वरुण स योजनपरिमंडलः)
 म० १ योजन प्रमाणे अ० ३५-११११. एक
 योजन के प्रमाण का मण्डल-वर्तुल. of
 the circumference of a Yojana
 (8 miles) ‘जोयज्जपरिमंडलं’ दुसरे पं०
 शब्द — द्वायज्ज न० (-प्रमाण) योजन

आर आठप्रमाण'. योजन-आर जोष प्रमाण.
measure of a Yojana (8 miles).
अव० १, ७; सं० व० १, १६०; —मिषा.
त्रि० (—मात्र) आर आठप्रमाण; मेनजन
प्रमाण. केवल चारकोन; मात्रन प्रमाण
measuring 8 miles only. अव० १६८;
—विदिक्क. त्रि० (—विदिक्क) मेनजन
विस्तारमात्र जोष के विस्तार वाला.
extending 8 miles. अव० १०१२;
—वेला. जी० (—वेला) मे० मेनजन आसता
ने०मे० पथन धामे ने०मे० एक योजन चलने
में प्रितना समय लगता है उतना. the
time required in walking one
Yojana (8 miles) तनी० १८, १२;
—सहस्रविदिक्क त्रि० (—सहस्रविदिक्क) मे०
से. मेनजनमा विस्तार पामे०. एक सौ योजन
में विस्तृत. extended as far as
one hundred Yojanas. अव० १२६०;
—सहस्रहस्त. न० (—सहस्रहस्त) मे०
साथ मेनजन. एक सह सयन. hundred
thousand Yojanas (8 miles).
अव० ३, ७; —सहस्र. न० (—सहस्र)
मे० ६७२ मेनजन. एक हजार योजन; एक
सहस्र योजन. 1000 Yojanas. सं० व०
६; क० व० ४, ७६;
जोषव. न० (यौवन) युवावस्था; युवा.
युवावस्था. Youth; puberty. जीवा०
१, १; नावा० १६; राव० २०;
जोषव. न० (यौवन) युवा. पथ
युवक; युवावस्था. Youth; puberty.
विवा० १; नावा० १;
जोषव. न० (यौवन) यौवन; युवावस्था.
यौवन; युवावस्था. Youth; puberty.
पथ० १६; विर० १, ४; जीव० २२; लृव०
१, १, ६, १६; आवा० १, २, १, ६६;
नावा० १, १; व० १४; १६; लृ० १० २०;

अव० ११, ११; अत० १२६; —गुण.
पुं० (गुण) युवावस्थाना गुण. युवावस्थाके
गुण any of the characteristic
qualities of puberty. नावा० १,
—ह्वा. न० (—स्वा) युवावस्थानु
स्थान युवावस्था का स्वा. condition,
stage, of puberty अव० १२, ६;
—स्थ. त्रि० (स्थ) युवावस्था वाली.
युवावस्था वाला; युवक. in the prime
of life, attaining puberty. अव०
६, ११;
जोषव. न० (यौवन) युवावस्था युवा-
वस्था. Youth; puberty नावा० १,
११; १६; अव० १२, १; क० १, ६,
जोषव. न० (यौवन) युवावस्था.
युवावस्था. Youth. राव०
✓ जोष. वा० १. (लृ०) शोधन करण;
सुधकरण; क्षयनाश करण. क्षोषण करना;
सुखाना; क्षय-नाश करना. To dry up;
to destroy.
जोष. आवा० १, १, २, ११२;
जोषव. त्रि० (युवन्) सेवा करने. मेव
करता हुआ. Serving; rendering
service. आवा० १, ६, ६, १०२;
जोषवा. जी० (जोषवा) प्रीति. प्रीति. Af-
fection; love. (२) सेवा. सेवा.
service; devotion to. जोष० नम०
जोषिजा-वा. जी० (जोषिन्) अ. जी.
A woman. नंद०
जोषि. त्रि० (लृ०) सेवे०. मेवम किया
हुआ Accepted; resorted to;
served. लृ० १, २, १, २;
जोष. पुं० (जोष) योद्धा; योद्धा. युद्ध.
योद्धा; युद्ध; मेविक. A warrior; a
combatant. जीव० ११; दवा० १०, ११;
लृ० १, ६, २२; जीवा० १, ७; नावा० २;

मं० १० म० ००, १; प्र० १०००. -- द्वाक
व० (-काम) धा० १; -- वृद्ध धा०.
a battle-field श० १; -- वृद्ध म०
(वृद्ध) धा० १; मेमिड का वृद्ध.
strength, might of a comba-
tant. वि० १.

जोहार १० (वीर्य) धा० १, ५५ १२१२.
वीर्य; वृद्ध करने वाला. A warrior, a
combatant. ना० १; भग० १, २; मृ०
१, १, २०;

जोहार १० (*) लकार १२१२ धा०
१० के भाषा में अर्थात् लकार करने के
लिए का लोचन करना व परस्पर मिलना.
shaking of hands or embracing
each other as a sign of hos-
pitality. प्र० १०१;

जोहि (वि०) (वीर्य) धा० १२१२ वृद्ध
करने वाला. A warrior, a comba-
tant. धा० १०.

जोहिया. जी० (वीर्य) धा० १२१२ धा०
१० लोचन धा० १० वीर्य; एक प्रकार का विष
प्राणी. A kind of poisonous
reptile. जी० १, २.

जोहूत. म० (वीर्य) धा० १२१२ धा०
१० वीर्य; वीर्य Warlike qual-
ity; valour. ना० ११.

✓ उज्जल धा० १ (उज्जल) धा० १; धा० १;
जलना; प्रकाशित होना To burn; to
shine.

उज्जल धा० १११;

जोहिया जी० १, २; धा० १० १, १११;
ना० १०, उ० १, ११;

जोहि वि० धा० १०, १, २;
जोहिया ना० १; २; धा० १, १, १,
२; ११, १, धा० १, १२, ११;
जोहि ११, १२, ना० १० १, १०,
२, १११, उ० ११, १२; ११, ११
जोहिया ११, नदी ११, वि०
१; ०१ धा० १, १;

जोहिया वि० धा० १११;
जोहिया धा० १० धा० १० १०, १, १;

✓ उज्जल धा० १ (वीर्य) धा० १२१२; १२१२;
धा० १० धा० १० धा० १० धा० १०
To meditate upon; to recollect.
जोहिया ना० १, १, १, १०; उ० १०, १;
जोहिया धा० १० (११);
जोहिया वि० उ० १, १०.
जोहिया धा० धा० १० १, ११२;
जोहिया धा० धा० ना० १;
जोहिया धा० धा० धा० १११; धा० धा०
१, १२;

✓ उज्जल धा० १ (धा०) धा० १२१२; धा० १२१२;
धोना To blow, or g. a hollow.
(१) धा० १२१२, धा० १२१२, धा० १२१२;
जोहिया ना० १; भग० १२१२; धा० १, २, १२;
जोहिया धा० १० १, ११;
जोहिया धा० धा० १०, १;
जोहिया धा० धा० १, १, १२;
जोहिया धा० धा० धा० १, १, १२;
जोहिया धा० धा० धा० १११;

✓ कृ. पा० १. (५१) अ० १. ३५०५
अ० १. ५५१ अना, क्षान्ति गाना. To
drop down, to fall in drops
अ० १. ५० ३, ३५०५

अंश ११, नं. ८८;

ଉତ୍ତର. ପୃ. (୫) ଉଲ୍ଲେଖିତ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ନାମ
ବାବୀ (୧) no) who remembers
ନଦୀ- ଡେଇଁ ସହ.

✓ **ਅਨੁਵਾਦ** ਖਾ- I. (੭ਵਾਂ) ਅਰਥ :
ਜਲਨਾ To burn, to be kindled
ਅਨੁਵਾਦ, ਪੰ- ੧੦੮, ੧੧੨

झङ्गरी श्री- (झङ्गरी) अथवा झङ्गरा A
fringe. भासा० १, ७, तबी० १०
११, आ० २, ३, अथवा ११, भाषा०
पद० कर्मा० १, १०६, (४) झङ्गरी झङ्गरी
मन्त्रायामुक्तिः एक प्रकार का वाद्ययंत्र,
अथवा, a kind of musical instru-
ment played with the hand
आल्पाभा० १२५, भाषा० १, ८; पञ्ज० ११;
प्रब० १४००१ (१) अथवा, आ० १; अथवा
अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा
एक प्रकार का वाद्ययंत्र या वाद्य यंत्र मान
होता है, a sort of musical instru-
ment narrow in the middle part
and flat and round at the two
ends with leather fastened on
to them, (the Ayudhiyana of
astrologers bears this shape)
विशे० १०६, (४) अथवा अथवा अथवा
अथवा a sort of musical appa-
ratus consisting of two met-
talic dishes which when
struck together make a jingling

around कारा० २. ११, ११८: —संहा-
कार्द्वय त्रि० (- लम्बाकर्मिण) अथ०ने
आकारे उदंभ कारा० के कारा० के
ममान रहा हुआ of the shape of a
fringed प्र० ११००. —संक्षिप्त. त्रि०
(आधिन — प्रक्षेपद्वावकाः महा विस्तार
स्वायत्त नियमलोककन डांका प्रक्षेपीकर्मिणः)
अथ०ने म०अ०ने आकारे उदंभ. कारा० का
कारा० में रहा हुआ of the shape of
a fringed. अ० ११, १०:

ਅਭਿਨਵ ੧੨੦ (ਭਾਰਤ) ਨਿਰਮਾਣ ੧੯੪੫ :
 ਪਾਸੀ ਨਾਮਿਕ ਤੇ ਸੁੰਝ ਤਿਵਾਨੁਆ; ਸਫ
 ਨੇ ਹਟਾ ਦਿਤਾਨੁਆ Destroyed; oradi-
 cated. ੧੯੪੦-੧੯੪੧.

अहं वि० - (अहं) भा० ३. मन्त्रोऽ।
 ति० १५०. १४९, १८२६; श्रीरा० १;
 न० १० नाग० १, जोष० १०; उप० २२.
अ० प्र० - १४९. (२) ननी भा० ३.
 क्षात्री मन्त्रोऽ। ग्याली ति० १७६० १, १;
आहं वि० (आहिम्) श्वानउरनाउ; श्वान
 उरयो, शुनिवायो, श्वान ऊरेवाया, श्वान
 वाया, शुनिवाया (One) who
 meditates upon; (one) who
 praises or extols. जोष० नि० १;
 छाया० १, १, ४, १;

भूतल. न० (स्वात्म-स्वात्मनः चिन्तनेऽपेक्ष)
 १। मीमांसा । गौरी; अथर्व २२ । १५। ओ३
 भः २२, धर्मवान् वरारुह, अथर्वतर तव का
 एक प्रकार. A kind of inner aust-
 erity such as religious medita-
 tion etc माया० १, १६; भग० व.
 ७, १८, १०; २४, ७; उवा० २, ६६;
 प्रब० २७२; भग० १९०; (२)

चिन्तनं मेधावत्तुं चित्तं की एकामता.
concentration of the mind. भव०
५, ६; १२; आश० २०; १८, उल० २६, १२;
वि० मि० २६०; सूत्र० १, १, १६; विशेष०
१०७; उप० ५, ११४; (३) भवनः
श्मृतिः भवनः स्मृतिः. meditation;
recollection. भु० प० १, १; भग०
२, २; १, १; दशा० २, २०; —आन-
विद्या. की० (आनन्दिका-आनन्दस्य विद्या-
स्य करणमन्तरिका आनन्दस्यानन्दिका
आनन्दमन्तरिका) आनन्दस्य आनन्दी समाधि
अने अपूर्वस्थाना आनन्दस्य; अं आनन्दी
अप्यनन्तरिका. आनन्दस्य विद्यास्य आनन्द का
समाधि आनन्दस्थान का समाधि; आनन्द
की मध्यस्थता. the state between
the end of one meditation
and the beginning of another,
a temporary break in medi-
tation. भव० २, ४; १२, १; (२)
शुद्धस्थान विशेष. शुद्धस्थान विशेष. a
particular kind of purifying
meditation o. g. upon the
soul etc. भ० प० २, ११; —काहु-
तु० (—कोट) आनन्दस्य अन्तर. आनन्दस्य
अन्तर. a treasure in the form
of meditation. वि० १; —काहु-
वगम तु० (—काहुवगम) अं आन-
रूपी काहुमां निभमं देय ते. जो आनन्द
रूपी कोट में निभम हो वह. (one) who
is immersed in the treasure of
meditation. भ० प० २, ११; भग०
१, १; —सोपान. न० (—सोपान) आनन्द
सेवन इत्युं ते; आनन्द इत्युं ते. उपाय का

सेवन करना; आनन्द करना. act of prac-
tising meditation. भव० ११५;
आकाशविभाषि. की० (आकाशविभाषि-आकाश
विभाषयं ब्रह्माणा) २६ उक्तानि सुत्राणां
२१ भु. २४ उक्तानि सुत्रा मे ते २१ वा
सुत्र The 21st of the 29 U-
kalika Sūtras मदी० २१;
आकाश. वि० (आकाश-स्य) अनेपुं, सामपुं.
जला हुआ. Burnt; scalded आकाश
२, १, १, १; जीवा० २, १; पण्ड० १, २;
—आकाश. न० (आकाश) आकाशस्य
अद्वैतस्य, अतीत्यस्य अतीत्यस्य साधना. उक्त-
लता मे हानं वर्यः जले हुए का रंग-आकाश.
black clour like that of an
object burnt. भव० ७, ६;
आकाशस्य. न० (आकाश) आकाशस्य; भुजा-
पुं पुकाया हुआ. Extinguished.
भग० २, २, सूत्र० २, १, १४;
आकाश. की० (आकाश) अद्वैत विशेष. काट.
विशेष A kind of insect. भु० प०
१२, ४६;
किङ्किरी आ० (किङ्किरी) नेत्रस्य अन्तरी
अन्तरी. त्रिभुजो १ हांसवां हो ऐना एक
जीव. A kind of three-soned
living being. पण्ड० १;
किङ्किरी वि० (किङ्किरी) भुजापुं. भुजा.
Hungry पण्ड० ४, २६;
✓ किङ्किरी आ० I (किङ्किरी) अन्तरीपुं; कील-
पुं अन्तरीपुं का प्रात होना; कील होना. To
be destroyed; to waste away;
to decay.
किङ्किरी विशेष० १२०६;
किङ्किरी की० (किङ्किरी) अन्तरीपुं

वेष्टी. एक जाति की छोटी वन. A kind of small creeper. जावा० २, १, २, २३.

शिविवा जी० (०) ०३३५; क्रीडाः अथवा अथवा अथवा; मोक्षोत्तमानो अथवा रोम. प्रथमा, शरीर क अथवा का अथवा जावा, १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz paralysis of the limbs of the body. जावा० १, ९, १, १०२;

√ शिविवा. भा I. (शिव) आन प्रत्यु; शिव-न ३०१ आन प्रथमा; शिवन करना. To contemplate, to meditate upon. शिवार. सुव० १, ९, १६१ अग० १, १, जावा० १: १६, उवा० १, ७७.

शिवारव. जावा० १: १, ६, १६;

शिवारवति. अ० प० १, २६.

शिवारवति. सुव० १, ११, १६; जावा० १६.

शिवारवति जावा० १;

शिवारि, जावा० १, २, १६.

शिवारि. वि० अग० २, ५.

शिवारि, जावा० १६;

शिवारि. जावा० १: ६;

शिवारि. अ० ६०, अग० १, २;

√ शिविवा. भा I (शिव) अथवा, दीप्त अथवा. प्रथमा; दीप्त होना. To burn, to be ignited. (२) अथवा. प्रथमा to extinguish

शिवारि अग० १, ३.

शिवारि. अग० १६, ५; देव० २, ९.

शिवारि. जावा० १: १६, १६; अग० २, १, १, २; ६, ६; देवा० १०, १: २, २६१

शिविवा. जी० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा A kind of three vented living being. अग० १.

शिविवा जी० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा Name of a kind of vegetation अग० १.

शिविवा. वि० (शिव) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा Destroyed, wasted away, consumed जावा० १६.

शिविवा. पु० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा Hungry; troubled by hunger. अग० १६, २;

शिविवा वि० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा Hungry, weak on account of hunger जावा० १.

शिविवा जी० (शिविवा) अथवा. जावा०. Sound. अ० प० १, २१;

√ शिविवा. भा I. (शिव) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा To cry, to weep; to pine away. कुशिर, देवा० २, १, ६.

शिविवा पु० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा To pine away; to repent. अग० ६, १;

शिविवा पु० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा The place for burning chaff or husk शिविवा० १, ६२;

शिविवा वि० (शिविवा) अथवा अथवा अथवा अथवा अथवा Having leaks or

holes; hollow. (१) न० शिष्ट; पे. ५. ६६. दोलान्. hole hollowness. १०६० १, २; सू० १०१, ८. (विधा० १३, १९, २१० १, १, १६; मे० १० उवा० ३, १८. नावा० ८; १०६०-८८, ८) वांसवादि आदि स्रग्ज वांसि वा वायुवा आदि वांसि वायुवा. a musical instrument with holes ० २२ n flute etc. जीवा० १, २१ गव० ६२; (३) आकाश आकाश sky अग० २०, २; (४) वांसवादि आदि स्रग्ज वांसि वा वायुवा आदि वायुवा वायुवा वायुवा. sound of a flute etc अग० २, ४. (५) पुष्पवादि अमोन वायुवा वायुवा space. नावा० १; -- गोलगोलिङ्ग. १२० (गोलगोलिङ्ग) आसी वायुवा अ ६२ दे० वायुवा गोले के आकार में रहित of the shape of a hollow globe. अग० ११, १०;

✓ भूमि. वा० II. (तुम्) सेवयु; अराधयु सेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षय करेवा; दूध करेयु खव करना; दूध करना to destroy; to reduce.

कृमेह. नावा० ५०

कृमेह. अग० १०, ४;

कृमिवा. अग० १, १; नावा० १; उवा० १, ८१;

कृमिवा. नावा० ५०

भूमिवा. जी० (जोषवा) क्षेपेना क्षय करेवा कर्मों का खव करना. Act of destroying Karinas. अग० २, १; नावा० १; (२) सेव करेवा; अराधय करेयु. सेवा करना; अराध करना. act of worshipping; act of accepting. नावा० १; अ० २, २;

भूमिवा-व (व०) क्षेपेना क्षय करेवा; सेवने. खव किया हुआ, सेवना किया हुआ. Dried up anfeebled, sucked up उवा० ८, २२२; जीवा० १, १. अग० २, १; (२) सेव करेवा, आराधय. सेवन किया हुआ, आराधन किया हुआ. worshipped; served. नावा० १. उवा० २, २;

भूमिवा. पुं० (तुम्) सेवेयु सेवन Worshipped; served. (२) क्षय करेवा क्षय करेवा खव किया हुआ. (one) who has destroyed the Karma अग० २, १;

झोड़ पुं० (०) आसमायी पत्रादिन अमरपुं वृक्ष से से पत्रादि के नीचे गिराना Felling of leaves etc from a tree (२) पत्र रहित वृक्ष पत्रों से रहित वृक्ष. a bare tree. नावा० ११;

झोड़व. न० (०) दृष्टादिने अमरपुं; क्षातिने पास्य वृक्षादि के कोटारना; कलादि के गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. १०६० १, १;

✓ झोड़. वा० II (वि तुम्) क्षय करेवा खव होना, करना. To waste away; to be destroyed; (२) सेवयु सेवन करना. to resort to; to serve.

झोड़. अग० १०, २.

झोड़वा. सं० १००-१००, २; नावा० १०१, १६;

झोड़वा. व० १००-१०० १, १, १८४; नावा० १, १, २, १८४;

झोड़वा. जी० (जोषवा) सेवना. सेवन. Act

of resorting to serving मम० ७,
श्रीमन्मित्र वि० (दृष्ट) पत्रावेन, ४५ १२४.

खर बिना हुआ Destroyed; caused
to waste away. भाषा० १, २, १, १२१;

ट.

टंक. पु० (दृष्ट) जेना ता जूरीमया देव तेजु
नया मिसका किमारा टंक मया हो केना
तमाय A pond or a lake with
its embankments broken. मदी०
२० (२) पत्रावेनी देव दृष्ट. पर्वत का
शिखर-शिखर. the summit of a
mountain. अष्टुमी० ११४ (१) अं
नरप्री जूरीम पर्वत. एक तरफ से टंडा हुआ
पर्वत a mountain broken on one
side. भाषा० १; मग० २, १७; पत्र० २;
(४) न० अं३३ नाभुं, १२३०; ७५५ मिसका
अप्या देवा हुआ मिसका a stamp; a
stamped coin पत्रा० १, १२;

टंकव. पु० (दृष्टव) पत्रावेनी अं३३ अं३
नय. म्लेचव की एक जाति; पर्वत का
आश्रय करने वाली एक म्लेचव जाति
A race of barbarians living in
hilly districts पत्र० १, १, १, १५.
विशे० १००४ (२) टंकव नामों देश
टंकव नाम का देश a country of
that name. मग० १, २;

टकारवगपविमलि पु० न० (टकारवर्ण
प्रविमलि) टकर वर्मना आकर विशेषी
पुत्र. १२ प्रहारना नाट्यमाने अं३ प्रहार.
टकार वर्ण के आकार विशेष से पुत्रा. १२
प्रकार के नाटक व से एक. Bearing
the shape of any of the letters
of the lingual class; one of the

32 varieties of dramatic तव० २२;
टाक न० (टाक) जेमा मोटप्री के दिवा
पत्रावेन देव तेजु १५. मिस कल में पुठनी
न बनी हा वह कल. A fruit with
its stone unformed. भाषा० १, ६,
२, ११५; पत्र० ७, १२;

✓टिहिवाच पा० II. (•) पत्रावेनी
अं३ १२३०. अटकाकर ककर करना. To
make a sound by shaking an
object close to an ear.

टिहिवाचेंद भाषा० १;

टिहिवाचिमलि. म० प० २, ११८;

टिहिवाचिमलाच. भाषा० १;

टिहिमी. जी० (टिहिमी) टिरोडी; अथेमावे
मटकाअर अं३ पत्रावेनी मग टिरोडी; बीध
की चोर चिरकरके मटक में बासा एक पक्षी.
A kind of birds hanging head
downwards, from trees. विवा० १;
- अटका. म० (-अटका) टिरोडी-मटका.
टिरोडी-पक्षीविशेष का अण्डा. an egg of
a kind of bird. विवा० १;

टोपिआ. पु० (•) पत्रावेनी. टोपी.
पगड़ी, टोपी. A turban; a cap. पु०
प० १२, १२५;

टोस पु० (• मलम) पत्रावेनी. Moth.
मग० ७, ६; (२) ती३. टिहु; लीव.
Locust. पत्र० १२०; —मलि. जी०
(-मलि) पत्रावेनीना जेपी मलि. वत-

गिया की की गति. Gait like that of a moth. मग० ७, ६;

टोडनर. की० (टोडनरि) टोड-लीली
पेरे हुदने हुदने वंदन करे ते; वंदनाना
गनीक टोडमाने पांथमे टोड. चकफुडव
केले कुरते हुद वंदना करे वासा; वन्दना
के १२ दोसो मे से ५, वा दोष. (One of
the 32 faults of salutation to
a Guru viz. hopping in the
act like a grasshopper. प्रव० १२०;

✓ टडव. पा० I, II. (स्था + वि) स्थापयु;
स्थापना करी. स्थापना; स्थापना करना
To fix; to place; to set.

टवह. मं० प० ५, ११०;

टवह. मं० प० ५, ११०; देव० १, १७;
कोव० १२, निदी० ४, १०; राव०
७१; नावा० १, २; ७; १६; नावा०
४० मग० ७, ६, १२, ७; उवा०
१, ६५; ६, १६४;

टवंसि. चाव० ११;

टविति. मं० प० ५, ११२;

टवेंति. मं० प० ५, ११४; २, ११;

टववंति. दूव० २, ७, १०;

टवेति. नावा० १२;

टविज. वि० उल० १, ६;

टवेदि. जा० पव० १;

टवहु जा० हु० प० ४, ११६;

टवितु सं० हु० उल० ६, १;

टविजा. सं० हु० मं० प० ५, ११२, ११४;
नावा० ५; वव० ५, ६; देव० २,
१२; उवा० १, ६६; वव० २, १;

टवेजा. नावा० १; २; १६; नावा० ४०
मग० ७, ६;

टविजह. ड० वा० वंदी० २६; जगुमे० १०;
वि० नि० ६०६;

टविजंति. दू० प० २, ११५;

टवेसं. वव्या० २०;

✓ हा. पा० I. (स्था) ठेका रहेयु; स्थिर
यु. कडा रहना; स्थिर होना. To
stand. वंदी० ४६;

हाह. मग० ५, ६; ७, ६; विले० ४००; ६०४;

हाहव. सं० हु० मं० १० १, ६२;

हाहव. हे० हु० वं० १, १६; नावा० १,
६, २, १७;

हाहवा. मग० १५, १;

ठिका. सं० हु० मग० १, १, २, ६, ७, ६;
६, ११; ११; १०, १; ११, १०;
१२, १; १६, ५; १५, १०; राव०
२४१; नावा० १; १४; निदी० ५, १;
पव० १०; देव० ५, २२; उवा० १, १०;

✓ हा पा० I, II. (स्था) ठेका रहेयु;
स्थिर यु. कडा रहना; स्थिर रहना. To
stand; to be steady.

हावेह प्रे० मग० ६, ६; ११, ११; नावा०
२; ७; १६; वव० ६, ४, २;

हाववह प्रे० " ठिको वरं हाववह वरंवि "
दल० १०, १, २०;

हावहंति. प्रे० कोव० २७;

हावेति. प्रे० विवा० ४; मग० १५, २;

हावेति. प्रे० नावा० २; ५; मग० ११, ६;
१६, ६; १५, २;

हावेजा. प्रे० नावा० १६;

हावेदि. जा० नावा० १२;

हावेह. जा० नावा० ५; मग० १५ २;

हावहस्मानि. प्रे० दल० ६, ८, २;

हाविजा. सं० हु० हा० १, १; मग० १, १;
नावा० १६;

हावेज. सं० हु० नावा० ६; ७; ६; १२;
मग० ११, ६; ११, ६; ६; उल०
६, १२; मग० ५, ११; ११, ११; १५, २;

हाविज. व० हु० दू० प० १, ५०;

हाविजंति. ड० वा० वव० १;

be another thing. Sthāpanā Nikāya. प्र० ११; वि० २६; २४; वि० २०; अथर्व० २; प्र० २, १०; (२) साधुने भाटे अथर्व ३३५५-१ स्थापनीने शिष्य आदारादि आपराधी धारणेने अर्थः १५ उद्गमनामिति ५ मे छेद नाथु के उद्गम ने किसी समय तक एक छोटा हुआ आहार खादि देवने लवनेवाला दोष; १६ उद्गमयो मे ने २ वां दोष the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Śādhu after specially reserving it for him for some time. प्र० २००; प्र० ११, ४; वि० २६; (१) धारणं न अत्र नाम धारणः का एक नाम. another name for Dhāraṇā. मंदी० ११; —अक्षेपः. वि० (-अक्षेपः) स्थापनाधी अनन्त छेद नदि आवे ते. स्थापना ने अनन्त-अनन्त नहीं जाना वह. endless in the matter of Sthāpanā. अ० २, १; —अक्षुण्णधी. जी० (-अक्षुण्णी) स्थापेयी -अपेयी अनृषी-अनृषम. स्थापन कल्पित अक्षुण्णी-अक्षुण्ण. imagined no ritual order; imagined graded order अथर्व० २१; —(वि) इह. पुं० (-इह) छेद पञ्च यस्मां छेदनी स्थापना करी ने. किसी भी वस्तु में इह की कल्पना करना. imagining a particular object to be Indra. अ० १, १; वि० २१; —कर्म न० (-कर्म) परमपुत्रं स्थापना करी परमपुत्रं स्थापना करी ने कर्म कर्म का उत्पत्ति कर स्वयं का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. अ०

२, १; —कर्म न० (-कर्म) छेदपञ्च परमपुत्रं करी स्थापना करी अथर्व परमपुत्रं करी स्थापना. इतिहास, लवण आदि हाथका का लवण वा परमपुत्रं के कर्म हुआ आहार. a shape or figure of a sword or a myth carved in a piece of wood or stone. (वि० ११००;

उद्विषा वि० (स्थापनीय) स्थापना योग्य; अत्र नाथु भूरी देवा योग्य. स्थापित कर रखने के योग्य; एक जो एक छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. अथर्व० २; प्र० २, १;

उद्विषा य वि० (स्थापित) साधु स्थापनीने भाटे स्थापनी शिष्य (आदर करने) नाथुनाथी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; ० g. final etc. प्र० २, २; प्र० २, १, १५; प्र० १, १६; नाथ० १; २; अ० ५, ६;

उद्विषा वि० (स्थापित) अथर्व "उद्विषा" शब्द देखा " उद्विषा " शब्द. Vide " उद्विषा " प्र० १०६; —छेद. वि० (-छेद) साधुने भाटे स्थापनी शिष्य देवा नेने अनन्तः स्थापना छेद अनन्तः (अथर्व). नाथु के लिये स्थापित कर रक्खा हो उने अनन्तः स्थापना दोष का भक्षण करनेवाला (नाथु) (one) who enjoys final etc. specially reserved for a Śādhu and thus incurring the fault known as Sthāpanā. प्र० १०६;

उद्विषा. जी० (स्थापित) शिष्य अनन्त स्थापनी भूते ते; अनन्तः छेदनी देवाअथर्व आधान यो तेथी उद्गमं प्र. वि० २१.

ચિન્ ૪૪૦; ચિત્તે ૪૪૦; (૧૨) સ્થાન-
 ચિન્નિશ્ચ મુલ. સ્થાન-સ્થાનિક મુલ. the
 quality of being stationary. ઇ. ૧, ૧; (૧૪) યોમ-મન, વચન, કાયાના
 વ્યાપારના સ્થાન; યોમ-મન, વચન, કાયા
 કે સ્વાચાર કા સ્વાચક. an abode or
 source of the activity of the
 mind, speech or body. ક. ૧૦-૧, ૨;
 (૧૪) ઉભા રહેવું તે. કાયા રહના.
 act of standing. પ્ર. ૦ ૨૨૩;
 —ચંતર. મ. (-ચંતર) સ્થાનાન્તર;
 યોમના એક સ્થાનથી બીજું સ્થાન સ્થાના-
 ન્તર; યોમ કે એક સ્થાન ને દુસરા સ્થાન
 another place; change of
 stage. g. from one sort of
 activity to another. ક. ૧૦-૧, ૪૦;
 —કર્મચિત્તસંચિત્ત કા. (કાર્મચિ-
 ત્તસંચિત્ત) ઉડ્ડ; આસને બેસનાર સ્ત્રી.
 ઉડ્ડ જાનમ ને વૈદ્યવાલી સ્ત્રી a
 female sitting in a knee-chest
 posture વે. ૦ ૨, ૨૪; —કર્મચિત્ત
 પું. સ્ત્રી. (-કર્મચિત્ત) કાર્મચિત્ત
 કરીને ઉડ્ડ; આસને ઉભા બસીયે બેસનાર.
 કાર્મચિત્ત કરકે ઉડ્ડ જાનમને-કર્મચિત્ત
 વૈદ્યવાલી. one who sits on his legs
 after performing Karyotanga
 (meditation upon the soul).
 ના. ૦ ૧, ૨૪; ૨, ૨૪; ૨, ૨૪; ૨, ૨૪; ૨, ૨૪;
 ૨, ૨૪; —કર્મ. પું. (-કર્મ) સ્થાન યોમચિ
 સ્થાનકને અનુક્રમ. સ્થાન યોમચિ સ્થાનકક
 અનુક્રમ a graded order or order
 of the sources of the activity of
 the mind, speech and body etc.
 ક. ૧૦ ૨, ૨૪; —મુલ. પું. (-મુલ-સ્થાન)
 ચિન્નિશ્ચ; કાર્મ વચન મ:) અપાર્થિતિશ્ચ
 ચિન્નિશ્ચ સ્થાન કરનારો એવો મુલ છે તે.

अधर्मास्तिस्रयः स्थिति मे बहाव करने वा
 भिन का गुण है वह one that has
 the property of helping sta-
 tionary condition; Adharmas-
 tikāya; fulcrum of root. अ० २,
 १०:—गुणवत्ता का० (स्थायित्व) अ० १
 उभा रहे १ ने एक स्थान पर खड़े रहना,
 not of remaining stationary.
 अ० २११, —अवस्थान न० (अवस्था) न०
 गुणवत्ता, नै गुणवत्ता न० (गुणवत्ता-
 नान्य (stages of spiritual devel-
 opment) : " विवर्णा अक्षयवर्णाणि अव-
 स्थान " उ० १० ३, १ : —स्थिति वा वि०
 (स्थिति) सन्ध्या स्थानवर्णे विधि स्थिति
 पावेन, संवत् के स्थानक के विवर्णों स्थिति
 प्राप्त (one) who has reached
 the stage of asceticism अ० १,
 २, १, १६; अ० १० ३, १८१: —वर्द्धिमा.
 का० (—मानसा) स्थानती प्रतिभा, आस-
 त्रि आसिमा न० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 की प्रतिभा, आस-त्रि आसिमा के संवत् में
 अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 a particular vow in
 connection with bodily posture
 or Kayotsarga (contemplation
 upon the soul) अ० १, १:—अ० अ० अ०
 (अ०) अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 degraded, fallen down
 from asceticism वा० १, —अ०
 अ० अ० (मानसा-अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 the search for a way;
 descending of incarnation.
 अ० १:—अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
 अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

इति लक्षणं पुं (अधर्मलक्षण) with the characteristic of Adharmastikāya (fulcrum of rest) अग- ११, ८. -विश्वामित्रं पुं- (-विश्वामित्र-स्थानं विश्वामित्रं) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ योग्य स्थान में बोलना; बोलना करना apt or proper application, proper use. वि. ११२; —समवायश्च पुं- (समवायश्च) ३१३३ अने समवाय में बोलना परजु. १८३३ २. ठाकुर और सम-वाय में गुरु को धारण करने वाला ज्ञाने-वाला one who knows the two Sūtras viz. Phamāṅga and Samvayaṅga अग- १०, १९।

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

अग- १, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

ठाकुरं अ- (स्थाकुर) ३१३३ जे. नि. ३. ५०२३ अने From one place. अग- १, १, २, १.

Iravati Ksetras. मन्त्र० १२, १, ७; वि० १२६६; वंश० ११, १; प्र० १११, २२६, —आ. पुं० (—आत्मन्,) जेन मन भूमिं शिखर होव ते शिखर का मन धर्म मे स्थिर हो रह. one whose mind is steady in the matter of religion मन्त्र० १, २०, १०, १, १३, (२) मोक्षमार्गम गेह अन्ध मोक्ष मार्ग मे रही हुं आत्मा, a soul steady in the path of salvation भाषा० १, १, १ ११४

वि०. का० (वि०) अ० पु० भ०. १२६६ भा. आकुर्वमान, जीवन काल. Period of life: life time नंदो० ११२, मन्त्र० १, १; १, २, १, ३, २; १, २, ११, १, २४, १२; १६, २; भाषा० २; २ १, १६; ११; भाषा० ४० २, भाषा० १; मं० १० भाषा० १२, प्र० ८, आनुभा० १००; क० १० २ १००; उवा० २, १२१; (२) पञ्चभूतना मेधा: पञ्च नाम पञ्चवला के योगे पदका नाम name of the 4th Pada of Panvavaga प्र० १, (३) मन्त्रावलीवर्गः कर्मन्ती शिखि अ० भ० भा. भाषावरकोशाद कर्म की शिखि, अवस्थान काल the duration of Karma such as Jñānavaragya etc क० म० १, २; २, २६; मन्त्र० ८, मन्त्र० २, १; भाषा० १, वि० वि० २६, उवा० १६, २; (४) निशुन शिखर भृ. वेदना; शिखर होना remaining steadily; act of sitting प्र० २३; भाषा० १; वि० वि० २६, पु० ४०२, १६१; —कंडक (—कण्डक) कर्मन्ती शिखि अ० भ० भा. कर्म के शिखि संग्रह का समूह a collection of the various durations of Karma क० २. १३;

१६;—कण्डक म० (—कर्मन्) शिखि कर्म अ० भ० भा. कर्म, कर्मन्ती शिखि शिखि कर्म से बंधा हुआ कर्म; कर्म की शिखि. duration of Karma, म० ४, ४; (२) शिखि कर्म; मन्त्र स० २३० शिखि कर्म; मन्त्र स० २३०. Karma causing birth in a particular condition. भाषा० १६, —कण्डकाय वि० (—कण्डकाय-शिखि: अवस्थितमन्त्रावलीवर्ग: अवस्थ कण्डकाय वेदनि:) १२४० ५ १३३४ भा. १३३४ शिखि भाषा. शिखि कण्डकाय उवाच मे उवाच शिखि भाषा. possession of the highest duration मन्त्र० २००, मं० १० २ ११, —कण्डक पु० (—कण्डक) शिखि कर्म शिखि की उदात्तता का काल-मन्त्र time of forcing up or hastening the maturity of Karma क० १०४, १२; —कण्डक. पु० (—कण्डक) शिखिने भा. आयुष्यकी समाप्ति शिखि का अन्त आयुष्य की समाप्ति end of life-period, end of fixed duration. भाषा० १, ०, १०; ११, मन्त्र० २ १, १, १३, २१ २, क० १० १, २; क० १०६, —कण्डक. पु० (—कण्डक) कर्मन्ती शिखि अ० भ० भा. कर्म की शिखि के संग्रह हुं अ० भ० भा. or detachment of the duration of Karma क० १० २, १२;—कण्डक. म० (—कण्डक) कर्म शिखि अ० भ० भा. कर्म शिखि के अन्त, different conditions of Karma क० १० १, २०; —मासमिह. भा. म० (—मासमिहकायुः) मन्त्र अ० भा. आदि नाम कर्मन्ती भूतन्ती शिखिने अ० भ० भा. अ० भ० भा. मन्त्र काव ने, मन्त्र मन्त्र आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

जायुष्यं अथ होतः the formation of Ayukarma determined by the nature of the duration of Namakarma such as Jati, Jati etc. मन्. १, ७. —विशेष. पुं. (—विशेष) इमं नी स्थितिमां इमं नी स्थितिमां नाशयते. कर्म की स्थिति में कर्मों के मन्त्र को जानना. incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क. प. १, ७१, १, १५; —वृद्धिदात्र. पुं. (—प्रतिपक्ष) पुं. स्थितिना नाशयते. उच्च स्थिति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. अ. १. १. —वेद्य. पुं. (—वेद्य) स्थितिना भेद प्रकार स्थिति के भेद प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क. मं. १, ११. —रस्य. पुं. (रस्य) इमं नी स्थिति अने रस. कर्म की स्थिति की रस the duration and intensity of Karma. क. प. १, १०; —रसदात्र पुं. (रसदात्र) इमं नी स्थिति अने रस की नाश कराना. destruction of the duration and intensity of Karma. क. प. १, १०. —विशेष पुं. (—विशेष) इमं नी स्थिति विशेष विशेष प्रकार की स्थिति. कर्म की स्थिति विशेष: प्रत्यक्ष प्रकार की स्थिति. a particular duration of Karma. क. प. १, ७; क. मं. १, १०. —संज्ञक पुं. (—संज्ञक) इमं नी अने स्थिति अथवा नी दोष दोषों में आने स्थिति नाशयते. कर्म की एक स्थिति भोजने हुए उनमें दूसरी स्थिति जानना. mixing up the

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. क. प. १, १८; ४, ३२; —संनडाद्य. म. (—सम्प्रदाय) ३५^१ स. १^१ ११ रिचतिना स्थानक. कर्म मंत्रकी स्थिति के स्थानक. the sources which determine the duration of Karma. क. प. ७, २०.

टिप्पण. ४० (विष्णुविषय) प्रजापत्या सूत्रना
 २५३ ५६३ नाम. प्रजापत्या सूत्र के चतुर्थ
 पद का नाम. Name of the 4th
 Pada of Prajñāpāṇa Sūtra.
 अण० ११, ११;

द्विद्वयं. पु० (स्थितिबन्ध — अथर्वसाधन-
 विशेषणुद्गीतस्य कर्मसंज्ञिकस्य स्थितिःकाक
 निबन्धनम्) ३५०। स्थितिना ५-५; ३५०
 ३५५। कर्म की स्थिति का बन्ध; कर्म का
 कालमान. Duration of the attach-
 ment of Karmic matter to the
 soul. क० मं० ४, ५३; १, २१; ६५; क०
 ५० १, १२; अ० ४, २; — अथर्वसाधन.
 पु० (— अथर्वसाधन) स्थिति ५५५। हेतु
 ५५५ अथर्वसाधनो. स्थिति बंध के हेतुभूत
 अथर्वसाधन thought activity caus-
 ing Karmic matter to remain
 attached to the soul for a
 certain fixed duration. क० मं०
 ४, ५३; १, ६३; — भाष्य. न० (— द्वाय)
 स्थिति स्थिति २५५। स्थिति बंध के द्वा-
 नक. a source of or cause of the
 duration of Karma. क० ५०१, २२।

डिप्टाडिया. जी० (रिचविकलिका-रिचली कु-
खरब मर्वादाया बसिता पुनःप्रजादेकिका)
कुम ता ओकेनी रिचनि; भर्पाडा; कुमनी पर-
२।१।थी आमी आपती न्म-भ भवेत्तुसादि

११५. कुछ वा सोकरी शिवरि; कर्वादा; कुछ
 परंपरावे चली आली जन्म महोत्सवारी शिरा.
 A practice handed down from
 one generation to another e.g.
 celebrating the birth of a
 son. जोर० ४०; मावा० १; १४; मम०
 ११, ११; हाव० १२१; कप० ३, १०१;

डिग्गि वि० (स्थिति) उभुं २६५; रिप
 भेषुं. कदा रहा हुआ: स्थिर. Be-
 come steady; standing. उदा० १.
 ०६, जोर ३३: (२) स्थितियोगे
 स्थितियोग. steady; standing. अम-
 १, ३३: १२, ३;

डिहया. जी. (स्थितिका) स्थिति. स्थिति.
 Condition; state; state of last
 ing. उदा० ७, १०५; अथ० १४, ९;

दिन वि० (स्थिर) चित्तमा स्थिर रवेमं.
चित्त में स्थिर रहा हुआ. Steadily re-
maining in the mind अक्षुण्णो-११:

द्विनि. पुं० (स्थिति) अनिरो। अभाप गति
 का अभाव. Absence of motion.
 जीवा० १, ४; (२) (२३नि; आद्युपपत्त्य
 साव्युपपत्त्य. existence; duration
 of life. अम० २०, १; २४, २०, ३० १०
 जीवा० १; ११४ २५१; सू० १० १४; (१)
 मर्यादा मर्यादा. limit. ईवा० २, २४;
 —आत्मनिष्ठसाध्य. पुं० (-मात्राविवक्षा-
 युक्त) ओक प्रमाणो। आद्युपपत्तेः न-प.
 नरकादि अत्र अनि ओरोहिण्यदि पांच अनि
 अने अरमादनादि३५ ते न-प्रकर्मनी प्रप्ति
 तेनी साथे आद्युपपत्तं निपत्त वत्तु. नरकादि व
 अनि द्यौर्दिवादि पांच अनि ओर अरमादनादि
 ३५ ओ न-प्रकर्म की प्रप्ति उसके साथ आद्यु
 कर्म का निपत्त होय. determination
 of Ayukarma in relation to

the various kinds of Nama-karma such as the four Gatis e. g. hell etc., the five Jatis e. g. possession of one-sense etc.; a sort of Karma bondage in relation to the duration of life. १५०. १. —**એજા ફું** (—એજ) ઇમંની જે રિશનિ બાંધેલ દોષ તેમાં અપ્પરસાવાદિ અથથી નૂનાપકતા કરી તે. કર્મદ. એ રિશનિ વચ્ચે હુંદે હો રસમે અપ્પરસાવાદિ વસ ને મૂનાચિકતા કરવા. act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc. ૧૫૦. ૧, ૨; —**હથિવા. જી.** (—વચિવા) કુચકમાયત; કુચમાં આવેલી રિશનિ પ્રમાણે; જ-એસાવાદિ કિવા. કુચ-કમાયત; કુચ ને જાદે હુંદે રિશનિને અનુસાર અપ્પરસાવાદિ કિવા. traditionally handed down from one generation to another in a family. ૧૫૦. ૧, ૧; —**જાણવ મ.** (—જાણવ) રિશનિ-આચ.૨ પ્રવાંસ સાથી અપરવરી-સારવરી ને. રિશનિ-જાણા પ્રવાંસ દો બાધવા કર દિવાના. act of pointing out rules of conduct by practising them ૧૫૦. ૧, ૨૨;

द्विनिष्ठ पुं (द्विनिष्ठ) उभया रसेनार वाचा
 रहते वाचा. One who attends. अम०
 २८, १०; (२) द्वि० रिचानसंज्ञे. द्विनि
 वाचा. attending; steadily, lasting.
 अ० १, १;

रि. वि. (विन) २६५. री हुन Re-
maining, posted; standing. २९.
७२;

उद्दिष्टादि. कु. व. १०, ११३;

उपस्थ-सि. क. वा. उत्तर-१, १४; आवा-
१, २, ४, ५; १, २, ३, ११६;
सि. सि. ११४; २००;

उच्यते. सु. ५. ४, २११;

उपदेव द. वा. वि. वि. ११०;

हरिश्चन्द्रा क.वा.म.प्र. ९.कु.ख.१.४०;

४०००० रु० वा० ५० रु० जाया० १; लब्ध०
 ५० २१०; कु० ५० २, ५५५; कर्मा०
 १, ११;

**उपसमाप्त. क- वा- व- ह- लृ- १, २, ३,
७; उल्ल- ६, १४; शु- व- ३. ३६;**

उद्दह. वि० (उद्दह) 'आ०' असावा. Act
of burning; setting fire to. वि०
वि० ४०९:

● छद्म. वि० (•) ८५५; गु३७, १५५.
 हलका, मुदक; छोटा. Mean; trivial;
 insignificant ओष० वि० १०८; ११४;
 ओष० वि० भा० २६०; निक्षि० १२, १४.
 क० व० १, ८०; (२) पाथः बालक n
 child. सूच० १, २, १, २; २, १, २; २;
 आवा० २, ११, १००; अंत० ६, १; दृग०
 ६, १, १२; (१) निक्षि० गु३७ नवका;
 मुदक young; youthful इना० २,
 २, २६;

डाहडी. लं० (डाहिनी) ५१४. वगैर.
डाहडी. A female ghost, a
wench. पद० १, १:

જાન. ૬૦ - (હાલ) ૨૬મી પ્રાચીની; ૧૫મી પ્રાચી
 રજબી હાલ; હોંડી સામા A tender
 twig of a tree આશા ૨, ૧૦; ૧૯૬.
 (૨) અંબે સમુદ્ર તુરેની બાજુ. નાકોડે
 વિશ્વ ૨ પ્રકાર. variation of rope.

tables used as salads. 24-1422;

डायरेक्ट. वि० (डायरेक्ट) वि० १२५।२.
वि० डायरेक्ट. (One) who
wages a war. वरुह- १,२:

डा. वु. (०) संतो वसुध शिव वनेश्वरी
 आश. माजी के विषय २ प्रसार. A
 variety of vegetables used as
 salads. दवा. १, १६; वि. वि. १२०;
 प्रव. १४२०; आवा. १, १, ६, २०; (२)
 वि. सा. १. जवहा. good. नम. ११;

કારણિયો, જી. (કારણિયો) જે રિશતિથી
 માંડીને તે પ્રકૃતિની પ્રકૃષ્ટ રિશતિને અપ
 થાય ત્યાં સુધીની અધી રિશતિઓની ક્રમ
 રિશતિ એવી સજ્ઞા છે. કિમ રિશતિ તે
 સગાકર પ્રજ્ઞતિ કો અગ્રહ રિશતિ કા સંપ
 ન હો તેમ નહ કો નરે રિશતિયો
 કો કારણિયો એવી સજ્ઞા છે. A term
 denoting all the intermediate
 stages from a particular stage
 of duration to the highest
 stage of duration of a parti-
 cular kind of Karma. જ. ૧૦. ૧;
 ૧૧; ૧, ૧;

८६।३३ न० (१) शाखा: शाखी शाख
 शाखा, शाख की शाखी A branch of
 a tree; a bough of a tree. महा-
 न० १००; पद्या० १०३६;

ଚଢ଼ାଘାଟ. ପୁଂ (୨) ଡାଆନି: ଐଃ ଖାସ;
 ଗାଞ୍ଜି ଶାଖା ଡାଘ ଗାଞ୍ଜ; ଛୋଟ ଡାଞ୍ଜି.
 A small branch of a tree, an
 offshoot of a tree. ଡାଞ୍ଜି-୧, ୨, ୩,
 ୪; (୨) ଡାଞ୍ଜି ଗାଞ୍ଜି; ଡାଞ୍ଜି ଛୋଟ ଡାଞ୍ଜି.
 ଡାଞ୍ଜି ଛୋଟ ଡାଞ୍ଜି-୧, ୨, ୩, ୪. A small slice

* ଉଦାହରଣ ସ୍ୱରୂପ ନିମ୍ନଲିଖିତ (+) ରେକର୍ଡ଼ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରମାଣିତ । Video foot-note (+) p. 15th

- ० g. of fruit कावा० २, ७, २, ११०;
 छडावा जी० (•) छाया; अथ शाखा;
 शाखी. A branch of a tree; an
 offshoot of a tree. दु० व० २, १०;
 हाह पु० (हाह) अथपुः शम्पुः जलना;
 दाह होना Act of burning; act
 of catching fire पि० मि० २००.
 छिछिम न० (छिछिम) राघ विशेषः नानो
 द्रव्य. राघ विशेष. A kind of drum.
 गाय० व०, जीवा० १, १;
 छिछिमव पु० (छिछिमव) छिछिमाने रममाने.
 न०-३० देम बालको को केने का छोटा
 द्रव्य A small drum used as a
 toy by children. दूव० १, ४, २, १४;
 छिब पु० (छिब) छिबनः अथवे. उदाह.
 वनवा. Trouble; rebellion. (२)
 द०-१०, रि०-१०, वि०-१०, लूकान obstruc-
 tion; riot. जीवा० १, १, सोव० दूव०
 २, १, ११; आवा० २, ११, १००१ भग०
 १, २, वि०-११, ११, मे० १० १, १०;
 छेन पु० (छेन) आनन बालक A
 child. सोव० १० भा० २०२; पि० मि०
 २००;
 छिमव न० पु० (छिमव) न०-११ बालक.
 A child. सोव० २, ११; वि० २, २.
 नावा० २; २; १२.
 छिमिया जी० (छिमिया) अथिया; ४-११
 बालिका; कथा A young girl नावा०
 १०;
 छुंगर पु० (•) छुंगरः पर्वत पर्वतः
 पहाड़ी. A mountain; a hill. मे०-१०
 छुव पु० (•) भाग्न नावत. An
 elephant-driver. पि० मि० १०३;

- (२) धाम (भवेत्तः). बांदाव (भवेत्तः).
 a person belonging to the
 untouchable class दु० व० २, ८२;
 दुहु मि० (दुहु) दुष्टः दुष्टः दुष्टः दुष्टः.
 Wicked, bad; evil. दवा० ४, ४२;
 दूतिपलाकक. पु० (दूतिपलाकक) दूतिपलाक
 नामे उद्यान दूतिपलाक नाम का उद्यान. A
 garden named Datipalaक दवा०
 २, ६;
 दुहव न० (•) दुहवपन; मोक्षपुः.
 दुहवन, दुहावना Act of transgress-
 ing or going beyond; crossing.
 आवा० मि० १०; गदवा० ४२;
 दुहवाम मि० (•) अनिहमय करने.
 आतंकमय होता हुआ. (One) who
 transgresses, crosses or goes
 beyond. भग० ११, ६;
 छुडोवा पु० (•) छाडोवा आटोवा
 लकड़ी का चाद; दान लीवरी दिवानेके काम
 में जाने वाली बस्तु का नाम. A sort of
 ladle used for stirring broth
 etc. पि० मि० २२०;
 डोंगर पु० (डोंगरः शिवापुरा कोरापुरा
 लम्बित वन) पर्वत; आरोहने रवेराग स्थान.
 पर्वत, आरोहने रवेराग का स्थान. A mount-
 ain; a place or abode of
 thieves " वज्रवतिरिडोंगर वज्रवतिरिडोंगर-
 मादीव " भग० ७, ९; —डोंग. पु० (डोंग)
 डोंग देश डोंग देश. Dompha country.
 (२) मि० डोंगदेश निवासी. डोंग देश
 निवासी. an inhabitant of the
 country called Dompha. वद० १,
 १; वद० १;

डॉबिस्मन. वि० (डॉबिस्मन) अनिष्टरेण निवासि डॉबिस्मन देश निवासी. An inhabitant of the country called Dombila. पद० १, १; पद्य० १;

डोडिणी जी० (•) आःडिणी; आःडिणी स्त्रीलिंगा श्री. ब्राह्मण स्त्री जी. A female Brāhman; a female of the Brāhman caste. चतुर्वि० १, ११.

डोड. पुं० (•) महुआ वृक्ष. महुआ का फल. A fruit of a Mahua tree " विगडूंको मेमाचं डोकाहुं न विगडूंको " प्र० २२०;

डोडक. व० (डोडक) त्रीण भविष्य १२३५१ भविष्यी श्रीने भविष्या शुभना भवि अनुसार सुरी सुरी शुभ ५.५ ते. डोडके. तीसरे माहमे के दरम्यान गर्भवती की ओ गर्भ के जीव के भावी के अनुसार विष विष इच्छाएं हो वर. A variety of desires experienced by a woman in the third month of her pregnancy, these desires foreshadowing the future of the child in the womb. भाषा० १; २; विवा० ७; तद० ११; प० ५० १, १०१;

ढ.

ढंक पुं० (ढंक) ढंङ ५५५; पापुनीना शुभे। ५२ निरांङ १२५२ अंङ ५५५। ढंक पक्षी; पानीके त्रीशोपर निर्वाह करने वाला एक पक्षी. A kind of bird feeding upon insects living in the water पद्य० १. भाषा० १; उग० ११, १४; पद्य० १, १, १, १, ११, २०; भग० १, १, १२, २; भं० ५०

ढंकक. पुं० (•) म० ३२ प्रदिग्गवाया शुभरी अंङ ५५५। म० ३३ बार इन्द्रिय वाला म० ३४ म० ३५ A four-sensed being; a bug. पद्य० १;

ढंककुण्ड. पुं० (•) म० ३३. कटमल A bug. भं० ५० (२) अंङ ५५५। वाजि० ३. एक वाजि का वाजि ३ a kind of musical instrument. भाषा० १, ११, ११८; —मह०. व० १ (—मह०) ढंङ ५५५। नामना वाजि म० ३४. ढंकक नाम के वाजि का म० ३४. sound of a musical inst-

trument named Dhāṅkapa. विवा० १३, १८;

ढंककपुष्प. पुं० (ढंककपुष्प) सा० ५५५५-निनी अंङ ५५५ १० शुभना अनन्तपुष्प देव के अने छेला पक्षी प्रत्येक वायु मं. साक बनसि की एक जाति कि जो ऊर्ध्वपर वर्तन काविक होती है और ऊपर हासने के बाद प्रत्येक होती है. A sort of vegetable which contains infinite lives during growth but which becomes Pratyeka (having one life) after it is cut off. प्र० २८२;

ढंकडर पुं० (ढंकडर) अनुसृत्य म० ३० २५२-आवाजमां १२५२ वायु ते. आवाज अनन्त. अनुसृत्य म० ३०. विष स्वर की आवाज हर हर मा होती है वर. A sound resembling that produced by the pronunciation of Dhara-

dhara, an onomatopoeic word
१० (वि० ११२०; काव० वि० भा० २१६;
(१) राहुदेव नाम राहुदेव का नाम
name of the god Rahu म० १०
२०; प्र० १६८. — स्वर. पु० (- स्वर)
७६२। ११२-आवाज. वरा स्वर-आवाज.
a loud sound. प्र० १०१;

कटिक्क. पु० (०) भा३३, अ२मम.
कटमल. A bug. उल० १६, १८०;

हेमियालन. पु० (हमियालन) ५६३ (वि० १;
२५ (वि० १) वरा (वि० १); मोरनी, मयुरी.
A particular kind of bird re-
sembling a peo-hen. प्र० १, १;
हेमियालिया. बी० (हमियालिया) ५६३;
२५ (वि० १) मोरनी, मयुरी. A kind of
bird, a bird resembling a peo-
hen जगुल० १, १;
होला. पु० (०) ३८. ६८. A camel. सं० १०

ए.

क (न) न११२; ना; नदि; निम्न नदर;
ना, नदी; निम्न A negative, not;
१०. नावा० १; २; ३; न; १८; १२, १६;
१०, भग० १, २; ३, १, १, ३, ३६, १.
उल० १, १८, म० १, १, १, २०;

कुरी. बी० (नदी) नदी. नदी A river
नावा० १; कोव० १८; सं० १० १, १०;
— कुरी. म० (कुरी) नदीनी पासैनी
नीम जडी नदी के नमराक की जरी जडा
a dense thicket of trees in
the vicinity of a river नावा० १;

कुडल-य. वि० (नवल) ६०; नेपु १० न११
90; ninety. " ललकडय् जीवकडय्
जगहाय् जंगरे वलकले " भग० १८, २.
सं० १० ६, १२३;

कुडल-य. न० (निपुल) ८८ भा३ निपुनाम
प्रभाजु ३४५ वि० १ वलक निपुनाम प्रभाजु
काल विशेष. A period of time
measuring 84 laes of Niyu-
tāṅga. डा० १, ८; भग० २२, २;

कुडल(य)न. न० (निपुल) ८८ भा३

अपुन प्रभाजु ३४५ वि० १ वलक निपुन
प्रभाजु काल विशेष. A period of
time measuring 84 laes of
Ayuctas. डा० २, ८; भग० २२, २;

कुडल. बी० (नवल) नेपु ६०. न११; ६०.
Ninety; 90. सं० १० भग० २०, २;

कुडल. पु० (नकुल) नेपु ६०. न११; ६०.
A woman. नावा० २, १६; प्र० १;
उवा० २, १२; भग० १२, १; (२) न०
११५ वि० १ काव विशेष a particular
kind of musical instrument
नावा० २२; (१) पु० ५९५ गजने ६३२;
५९५ गजने ६३२ गजने ६३२. गजने
६३२ का पुन. गज गजने ६३२ में ६३२ गजने
६३२ भाई. one of the five sons of
the king Pāṇu, so named.
नावा० १६;

कुडली बी० (नकुली) २५ ने १२ ३२३ नी
वि०. तर को वल करने की वि०. The
art of charming serpents. नावा०
१; ६५०

કું. જા. (૦) આપાત્તાર; વાતવના અથ
હાર ૧૫ એક જા. વાતવત્તાર; વાતવ
કે વાતવર કા. ૬૬ જા. A particle
used as an expletive. " જે વા
કાલેકે કેલે જાલે વા " વા. ૧; જા. ૧૦
૬; જા. ૧, ૧; ૨, ૨; ૬, ૬; ૬૫ ૭, ૧,
૬૨; ૬, ૧૧; ૬૬ ૧, ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

કું. જા. (૦) જા. ૨; વા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧; ૨૨; જા. ૧૦ જેવ
૧, ૧૦; ૬૬ ૧;

• જુએ ૫૪ નંબર ૧૨ ની પૃષ્ઠા: (૦) રેવો ૫૪ નંબર ૧૨ ની પૃષ્ઠા: (૦) Vide
fin-note (૦) p. 15th.

Vol II/113

pamas, breathe once in fifteen
 fortnights and feel hungry
 once in 15000 years. क० १३;
 (१५) गार गतना पाछं येने आये क० १३
 १३ये ते वारह कानि के वांमयौ क एह काव
 कव्य करमा. a sound produced by
 playing upon twelve kinds of
 musical instruments at once.
 प० १३, १३; (१६) ओ नामने ओ १ राज-
 कुमार. इन नाम क एह राजकुमार नाम
 of a royal prince. वा० १३; (१७)
 १३ये, ७३ अने अमीवारस अने यन् निधि-
 नाम. अ० १३ " कंदा " क० १३ प्रतिपदा
 पाँच और उपवास इन तीन तिथियों क नाम
 देवो " कंदा " शब्द. a term denot-
 ing the first, sixth & eleventh
 days of a fortnight. vide. 'कंदा'
 प० १३.

સુવર્ણ પું- (સુવર્ણ) માત્રા દેવમે. ૭૭
 એક વિષય છે જેની રીતિ ૧૫ સામયોપ-
 મની છે. એ ૧૧ દેવતા ૧૫ પદ્માડીએ
 આમોદ્યાસ મે છે એન ૧૫૦૦૦ વર્ષ સુધા
 આમે છે માનવ દેવલોક કા નુક વિશ્વવિદિ
 વિવદી રીતિ ૧૧ માગમેદમી દેવી દે ઉગદ
 ૧૧૧ ૧૧૧૧ આમોદ્યાસ મેને દે ચીર ઉગદે
 ૧૧૦૦૦ વર્ષ મે સુધા અગતી દે. Name
 of a heavenly abode of the 7th
 Devaloka the gods in which
 live for fifteen Sagaropamsa,
 breathe once in 15 fortnights
 and feel hungry once in 15000
 ૧૦૦૦૦. મમ ૧૦

संस्कृत पु० (मन्दहर) भातया देवभोजनं
 भक्त विमान नमो विमानि भोरे मन्दहर
 विमान प्रमोदित उ० गानने देवभोज का एक
 विभागः उगका विभात इत्यादि संस्कृत विमान

के वसव ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to "वसव" in point of duration of the life of its gods etc. उव. १३;

સંસ્કૃત. ૭૦. (અષ્ટ) એ નામની પુષ્કર-
 દેવી નખતી. દુન માનવી કૃષ્ણ વાસુદેવ એ
 તત્ત્વર. Name of the sword of
 Krishna Vasudeva વરદ. ૧, ૪.
સંસ્કૃત. ૭૦. (અષ્ટ) આમાં દેવોના
 એક વિમાન. એની રચના ત્રણે ' સંસ્કૃત '
 વિમાન પ્રમાણે છે. ત્રણે દેવનોદ આ વડ
 વિમાન, કવચી રિતિ દુર્વાદિ ' સંસ્કૃત '
 વિમાન કે તત્ત્વર છે A heavenly
 abode of the seventh Devaloka
 similar to " સંસ્કૃત " in the du-
 ration of the life of its gods
 etc તત્ત્વર- ૧૪

संपत्ति. पुं० (सम्पन्न) समृद्धि लक्ष्यति. *Prosperity; wealth* मंदी० (१) पुनः पुनः लब्धम् *a gain*. पक्ष० १, १; (१) भारतोत्पत्त्या सातमा जन्मदेवः भरतः क्षेत्र के मातये वनदेव का नाम. *the 7th Bala-dava of Bharat-ksetra* प्र० ११२३; तम० " दिविमादु संपत्तयामं केहृद् हतेषां " भव० १, १; (४) मेरुपर्वत उपरि देव-ताम्रिने ईडा अरान्जं वन. मेरु पर्वत पर का देवताकांठे कीडा करनेका वन *the forest of sport for gods on the Meru mountain*. " कथेषु का संपत्त माहु मेहुं " लृङ्० १, ६, १६; अ० १, १; (४) भूत-प्रायश्चित्त-मित्रो पूर्व भवः माहिः माध स्थायी का पूर्व भवः *the previous birth of Mallinatha Svami*. तम० (६) मे.अया नभसीनी पद्मरज्जु उद्यानः मांछवा नवरी के बाहिर का उद्यान.

દિકાકુમારી. પૂર્વ દિકા કે કચ્છ વર્તક કે
કચ્છ વચ્ચે વાલી જાડમે કે કૌલી દિકા-
કુમારી. The fourth of the eight
Dikākumārīs residing on the
Ruchaka mountain in the
east. સં. ૪.

કંદર્પિન. ૬. (વચ્ચું) સાતમાં દેવભોજનું
એક વિમાન; જુએ. " કંદર્પકંઠ " સં. ૧.
વાનવે દેવલોક કા એક વિમાન; દેવી " કંદર્-
કંઠ " શબ્દ. A heavenly abode
of the 7th Devaloka; vide
" કંદર્પકંઠ " સમ. ૧૨;

કંદર્પિન. ૭. (વચ્ચું) સાતમાં દેવભોજનું
એક વિમાન; જુએ. " કંદર્પકંઠ " સં. ૧.
વાનવે દેવલોક કા એક વિમાન; દેવી " કંદર્-
કંઠ " શબ્દ. A heavenly abode
of the seventh Devaloka; vide
" કંદર્પકંઠ " સમ. ૧૨;

કંદા જી. (વચ્ચું) ૫૨૫૦, ૭૫ અને અગ્રી
વારસ એ ત્રણ તિથીનું નામ પ્રતિપદા,
વાદ જીર ચારણ દિન ત્રિવિધી કા નામ
A term denoting the ૧st ૬th
and ૧૧th dates of a fortnight.
(૧) સીતલ નામની માતાનું નામ. સીતલ
નામ કી માતા કા નામ. name of the
mother of Sitalanātha. પ્રવ. ૧૨૨;
સમ. (૩) પૂર્વ કચ્છ પર્વત પર વસનારી
આડમાંની બીજી દિકા કુમારી. પૂર્વ કચ્છ
વર્તક કે કચ્છ વચ્ચે વાલી જાડમે કે દુનરી
દિકા કુમારી the 2nd of the 8 Di-
kākumārīs residing on the Ru-
chaka mount in the east. સં.
૪. (૪) રતિહર પર્વત ઉપર ઇન્દ્રાન દેવની
અમમદિલીની રાજ્યાની. રતિહર વર્તક
કે કચ્છ રાજ્ય દેવ કી અમમદિલી કા વાદ-
નગર. the capital city of the

principal queen of Indras Indra
on the mount Ratikara. સં. ૪, ૧;
(૨) અંજન પર્વત ઉપરની એક કાવરું
નામ કે એક કાવરું નેમની બાંધી પહેલી
અને ૧૦ નેમની ઉંડી છે. કચ્છ વર્તક કે
કચ્છ કી એક કાવરી કા નામ કે એ એક કચ્છ
ચોમન કૌલી જીર દશ ચોમન વધરી છે.
name of a well on the mount
Añjana having length and
breadth of one lac Yojanas
and ૧૦ Yojanas in depth. જીવા.
૧, ૪; ડા. ૪, ૧; નાવા. ૧; વિતી. ૧.
૧; સંત. ૧, ૧; (૬) સેવિકા રાજની
એક રાણી. સેવિકા રાજા કા એક રાણી. a
queen of the king Sreṇika. સં.
૪. ૫, ૧૧૪; ૧૨૩; નાવા. ૧;

કંદાપુષ્પારણી. જી. (વચ્ચું) (વચ્ચું)
મેરુથી વાચન પૂર્વે ૫૦ મેઝન ઉપર બદ-
સાત વચ્ચાની ચાર ચારીઆ મેઝ સે વાચ-
ન કામે સં ૨૦ ચોમન પર મહાનાથ વન કી
ચાર વાવરી. The ૪ wells in Bha-
drasala forest at a distance of
૫૦ Yojanas in the north-west
of Meru. સં. ૪. ૧, ૧૦૨; નાવા. ૧૨;
(૨) સપ્તભિન્ના વચ્ચાનાના મહેન્દ્રાદિવા
આમમની એક વાવ કે એ ૧૦૦ મેઝન
બાંધી ૨૦ મેઝન પહેલી અને ૧૦ મેઝન
ઉંડી છે. સુર્યામહે વનકાદ મે કે મહેન્દ્રાદિવા
કે જામે કી એક વાવરી હિ યો ૧૦૦
ચોમન કૌલી ૨૦ ચોમન જીર દશ ચોમન
વધરી છે. a well ૧૦૦ Yojanas in
length, ૫૦ Yojanas in breadth
and ૧૦ Yojanas in depth in the
vicinity of Mahendradhvaja in
a forest of Sūryābha. સમ. ૧૨૪;
(૩) સંપૂર્ણ નગરીની મદારની એક નાગરી

नाम. रंग बगरी के बाहर की एक कारी
का नाम. name of a well outside
the town named Champā बाबा.
५;

कंदारपुष्करिणी. जी० (कन्दारपुष्करिणी)
 ७५. " कंदारपुष्करिणी " सभ्य देखो
 " कंदारपुष्करिणी " सभ्य. Video " कंदार
 पुष्करिणी " नावा० ११;

कदाचित् १०. (मन्दावतं) पांचमा देवलोका
 मन्दा विमानो व्यवस्थापक देवता. पांचवें
 देवलोकाके इन्द्रके विमानका व्यवस्थापक देवता
 The deity in charge of the
 heavenly abode of the Indra of
 the 5th Devaloka. सं० १०. ४. (२)
 आगमा देवलोकां अं३ (विमान; अं३ विमान
 १५ आगमोपमनी अं३. अं३ ५६२. ५५५३३३
 आलोकास अं३. अं३ ५०००. ५००० ५०००
 आनेके. मानवें देवलोकाका एक विमान. इन
 का स्थिति १२ मानवोपम की है. वहाँ के
 देवता १२ पक्ष में दशमोपम मान लेने हैं व
 १२००० वर्षों में उड़ें भूत जगता है.
 name of a heavenly abode of
 the 7th Devaloka similar to
 Nandakānta in the matter of
 life of its gods etc. सम० १४;
 (१) ननगुप्ता यज्ञे सायीमो. नी काने
 वाजा वादिवा. a kind of auspicious
 mark with nine angles. सं० १०१,
 १२२; राव० पञ्च० (४) आर मन्दिप यज्ञे
 ८५ विज्ञे. नार इन्द्र वाजा जीव विज्ञे.
 a kind of four-vented sentient
 being. अं३० १.

अदि. पु० (कन्दि-कन्दम् कन्दिः, कन्दलि
 प्राक्षिवांश्चेवादिभ्यश्चेति नादिः) आ० १६
 अथे० कानन्दः प्रसन्नः Joy; rejoicing.
 अ० ३, २; काना० १, १, २, ३; काना० १;

(३) नाच मोहनीय ३भं. गीळ मोहनीय
कर्म. secondary or subordinate
Mohanīya karmas. मसं० २१; (४)
आर प्रसारना पाछ येने समुदाय बारह
प्रकार के वाद्योंका समुदाय a collection
or set of twelve kinds of musi-
cal instruments. मसं० ११४, ३७०-११५,
१७५ (५) अंश मूलतः आर एक जात का
वृक्ष. a kind of tree. भाषा० १; (६)
अंश नामो अंश द्वीप अंश अंश समुद्र द्वीप
नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name
of an island, also of an ocean.
मसं० १६; --आर. शि० (--कर) गति
होना. गति करनेवाला (one) that
causes prosperity. भाषा० १; --चोख.
पुं० (--चोख) आर प्रसारना पाछ येने
असाध. बारह प्रकार के वाद्यों की
आवाज. a sound produced by
playing upon twelve kinds of
musical instruments at once.
मसं० १०, ११३, मसं० ११४; (७) नदिना
येने असाध होना. नदी के समान आवाज
कामे वाला (one) who produces
the above kind of sound. भाषा०
१०; मसं० --सुगन्ध. पुं० (--सुगंध)
अमृत द्रव्यना अंगोमयी अनायेतु सुगंध.
अमृत द्रव्य के संयोग से बनाया हुआ सुगंध.
powder prepared by mixing
together particular ingredien-
ts. मसं० १, ४, १, १. --रास पुं०
(--रास) समृद्धि की उन्नति. ३. मसं० ११४, ६१.
नवृद्धि के उत्पन्न. हर्ष. joy arising
from prosperity. मसं० २, ३;
--हसर. पुं० (--हसर) आर प्रसारना
पाछ येने असाध. बारह प्रकार के वाद्यों
की आवाज. chorus of sound

produced by 12 kinds of musical instruments कोक०

१, सं० रा० ११४;

कंदिकावत पु० (कन्दिकावत) नवप्रभुप्राये
आशीमे नी कंदे वाता कंदिका An
auspicious mark with nine
angles. कोक० सं० १, ११४;
(१) पाचमा देवलोका मंदु विमान.
पाच देवलोका के हुए का विमान the
heavenly car of the Indra of
the 5th Devaloka. को० ११.

कंदिकावत की० (कंदिकावत) यजुः ३ भार
देवलोका मंदु विमान कुमार देवलोका मंदु
The bell of the deity named
Thapita Kumara. सं० १०

कंदिका न० (कंदिका) २५५२ आय० १०५५
५५५२ कंदिका न० २५५२ आय० १०५५
आय० १०५५ के मंदिकावत २५५२ का
पाचकोक. The 5th family off-
shoot of Uddahagaya originat-
ing from Sthavira Arya-
haga. क० ०;

कंदिकावत वि० (कन्दिकावत) कंदिका ५५
मे: कंदिका वदताहुका Causing
growth or advance in prosperi-
ty को०

कंदिकावत पु० (कंदिकावत) सवर्था
नमरीना देवलोका मे नामनी भाषावत.
नामनी नमरी का देवलोका इस नामका
भाषावत. Name of a Gathapati
(merchant) residing in the town
of Savarthi. 'कंदिकावत कंदिकावत
विता कंदे कंदिकावत' उवा० १, ११४;

कंदिकुर. न० (कंदिकुर) कंदिका देवलोका
कंदिकावत देवलोका का कंदिकुर. The
capital of the country called

Sandila. क० ११०१;

कंदिकावत. न० (कंदिकावत) मे नामनी देव.
देव नाम का देव. Name of a tree.
नाम० १; (१) मेनु प्रविष्टा ११ ११४
नामनी देवलोका मंदु विमान. इसका प्रति-
पादन करेवाला कता मंदु का तीवरा
कंदिकावत the 3rd chapter of Jñā-
tāra describing the above.
नाम० १.

कंदिमित्र. पु० (कंदिमित्र) मंदिमित्र का
दीक्षा मेना. नंदिमित्र कुमार. कंदिमित्र
के नाम दीक्षा मेनेवाला कंदिमित्र कुमार.
Nandimitra prince or a young
boy who took Dikṣa (entered
the order of monks) along
with Mallinātha नाम० ०१

कंदिमुद्र न० (कंदिमुद्र) मे ५५५२
पाचिका. एक प्रकार का वाद्य. A sort
of musical instrument रा०

कंदिमुद्र पु० (कंदिमुद्र) मे नामनी प्रभाष
कंदिकावत ५५५२ वि०. दो उंगलियों के
प्रमाण का कंदिकावत ५५५२ वि०. A
kind of bird with a body of
the size of two fingers. रा० १,
१, को० सं० १०

कंदिका. की० (कंदिका) कंदिका नामनी
मांधार नामनी ५५५२ मंदिका नाम
की मांधार नाम. की प्रमाण कंदिका. The
primary tune of the Gandhārā
pitch in music. क० ०, १;

कंदिकावत. पु० (कन्दिकावत) नवप्रभुप्राये
आशीमे नव कंदे वाता कंदिका. An
auspicious mark with nine
angles. को० १, १; रा० (१) कंदिका
देवलोका मंदु विमान. कंदिका देव-
लोका के हुए का विमान. the heavenly

car of the Indra of Brahma Devaloka. अ० ८, १, (२) ने उद्दिष्ट-
यथेष्टचरिते। दो द्विविध नाम जीव विज्ञेय-
a kind of two sensed sentient being. पद्य० १; (४) येय अने महा-
येय उक्त मोगाधन नाम जोव और महा-
जोव इन के जोरनाम का नाम. name of
the protector of the quarters
owing allegiance to the Indras
named Ghona and Mahaghona.
अ० ८, १;

संदिग्धका. पु० (वनिकर—कुसुमा भूमि
सिद्धिर्वाणि) पीपलो; ओ३ लतनु अ३.
पीपल; एक प्रकार का वृक्ष A kind of
tree; the Pipala tree, ficus
religiosa जोव० जीवा० मम० २५, १;
पद्य० १; मम० १० २११;

संदिग्धका पु० (वनिकर) अ० नामने
ओ३ राजकुमार. इन नाम का एक राजकुमार
A prince of this name. पद्य० १;

संदिग्धका जी० (वनिकर) अ० नामने
पर्वत उ३रनी ओ३ काशी के ओ३ नाम
जोवननी बांभी पदोषी अने दस जोवननी
उ३री के जोवन पर्वत के ऊपर का एक बावरी
का नाम; जो एक बहुत बालन जेवा बाँरी है
और दस बांजन बहते हैं Name of a
well on the mount Anjana, one
hoo of Yojanas in length and
breadth and ten Yojanas in
depth. जीवा० १, ४; अ० ८, २; (२)
२५३ पर्वत उ३रनी ओ३ दिग्ग पु३री
दण्ड पर्वत के ऊपर की एक दिग्ग-कुमारी
a Dākumari on the mountain
Ruchaka. अ० ८; म० १० ४, ११४;

संदिग्धका जी० (वनिकर) अ० नामने
पर्वत उ३रनी ओ३ ग३री. वनिकर जोवन

पर्वत के ऊपर की एक बावरी. A well on
the western Anjana mount.
जीवा० १, ४;

संदिग्धका पु० (वनिकर) अ० नामने
१. म राजना पु३रनु नाम मधुरा नगरी के
राज राजा के पु३र का नाम Name of
the son of the king Dama of
the town of Mathura अ० १, (०)
अनभने पु३र; ननिकरनाम सि३य जीनम
का पु३र, वनिकरनाम सि३य a son of
Gautama and disciple of Nan-
divardhana नदु

संदिग्धका जी० (वनिकर) पु३र अ० नामने
पर्वत उ३रनी ओ३ काशी न३. पूर्व जोवन
पर्वत के ऊपर की एक बावरी का नाम
Name of a well on the eastern
Anjana mount जीवा० १, ४; (२)
पु३र २५३ पर्वत उ३र २६०-री दिग्गपु३री.
पूर्व दण्ड पर्वत के ऊपर रहने वाली दिग्ग-
कुमारी the Dākumari residing
on the eastern Ruchaka mount
जि० अ० ८,

संदिग्धका जी० (वनिकर) अ० नामने
नामने नामने के नामने अ० नामने
१. म राजना अ० नामने नामने अ० नामने
मा ओ३ ओ३ नामने नामने के नामने
अ० नामने अ० नामने नामने के नामने
के नामने अ० नामने अ० नामने
The queen of
the king Śreṇika mentioned in
the ४th chapter of the 7th
section of Antagadāśa
Sūtra अ० ८, ४;

संदिग्धका पु० (वनिकर) अ० नामने
पर्वत उ३रनी ओ३ ग३री. वनिकर जोवन
पर्वत के ऊपर की एक बावरी. A well on
the western Anjana mount.
जीवा० १, ४;

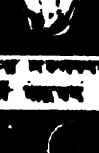
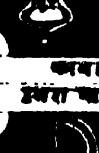






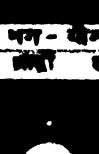


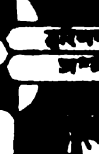
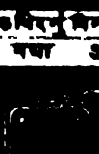

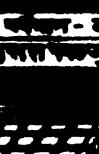









१. २; श्रीव पु० (द्वीप) नदीपुत्र नामने।
अर्थात् द्वीप नदीपुत्र नाम का एक द्वीप।
Name of the 8th island or continent
named Nandivara अ० १०, ३;
संक्षिप्तव्यास जी० (मन्त्रिपुत्र) १५३५.
१००१ पक्ष वायुक्रम देवता का पक्ष।
The bull of the deity named
Vayukumara अ० १०.
संक्षिप्त जी० (मन्त्रि) अ० १० " मन्त्रि " स० ३.
देवता " मन्त्रि " स० ३. Vido " मन्त्रि "
स० ३, ४. " पुनःपुनः न० (पुनः)
क० १००१ " मन्त्रिपुत्र " स० ३. देवता
वायुक्रम " मन्त्रि vido " मन्त्रिपुत्र
ग० १० १, ४, २, ३.
संक्षिप्तव्यास पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० १० " मन्त्रिपुत्र "
स० ३. देवता " मन्त्रिपुत्र " मन्त्रि. Vido
" मन्त्रिपुत्र " स० ३. अ० १० १, ११३;
संक्षिप्तपुत्र पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० १० ११३.
पक्ष विशेष. A kind of bird पक्ष
११३. श्रीव पु० (द्वीप) १००१ उ० १००१
स० ३. देवता ऊपर का शब्द vido above.
नाम ३;
संक्षिप्तव्यास पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् द्वीप पुत्र नाम का एक द्वीप। Name
of an island अ० १, २, ३. अ० १.
संक्षिप्तव्यास पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् मन्त्रि पुत्र नाम का एक मन्त्रि। Name
of an island अ० १.
संक्षुत्तर पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् मन्त्रिपुत्र नाम का एक मन्त्रि। Name
of an island अ० १.
संक्षुत्तरा जी० (मन्त्रिपुत्र) १००१ पक्ष
उ० १००१ मन्त्रिपुत्र नाम का एक मन्त्रि।
रतिकर पक्ष के ऊपर की इशान ईश की !

संक्षुत्तरा जी० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् द्वीप पुत्र नाम का एक द्वीप। Name
of an island अ० १, २, ३. अ० १.
संक्षिप्तव्यास पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् मन्त्रि पुत्र नाम का एक मन्त्रि। Name
of an island अ० १.
संक्षुत्तरा जी० (मन्त्रिपुत्र) १००१ पक्ष
उ० १००१ मन्त्रिपुत्र नाम का एक मन्त्रि।
रतिकर पक्ष के ऊपर की इशान ईश की !

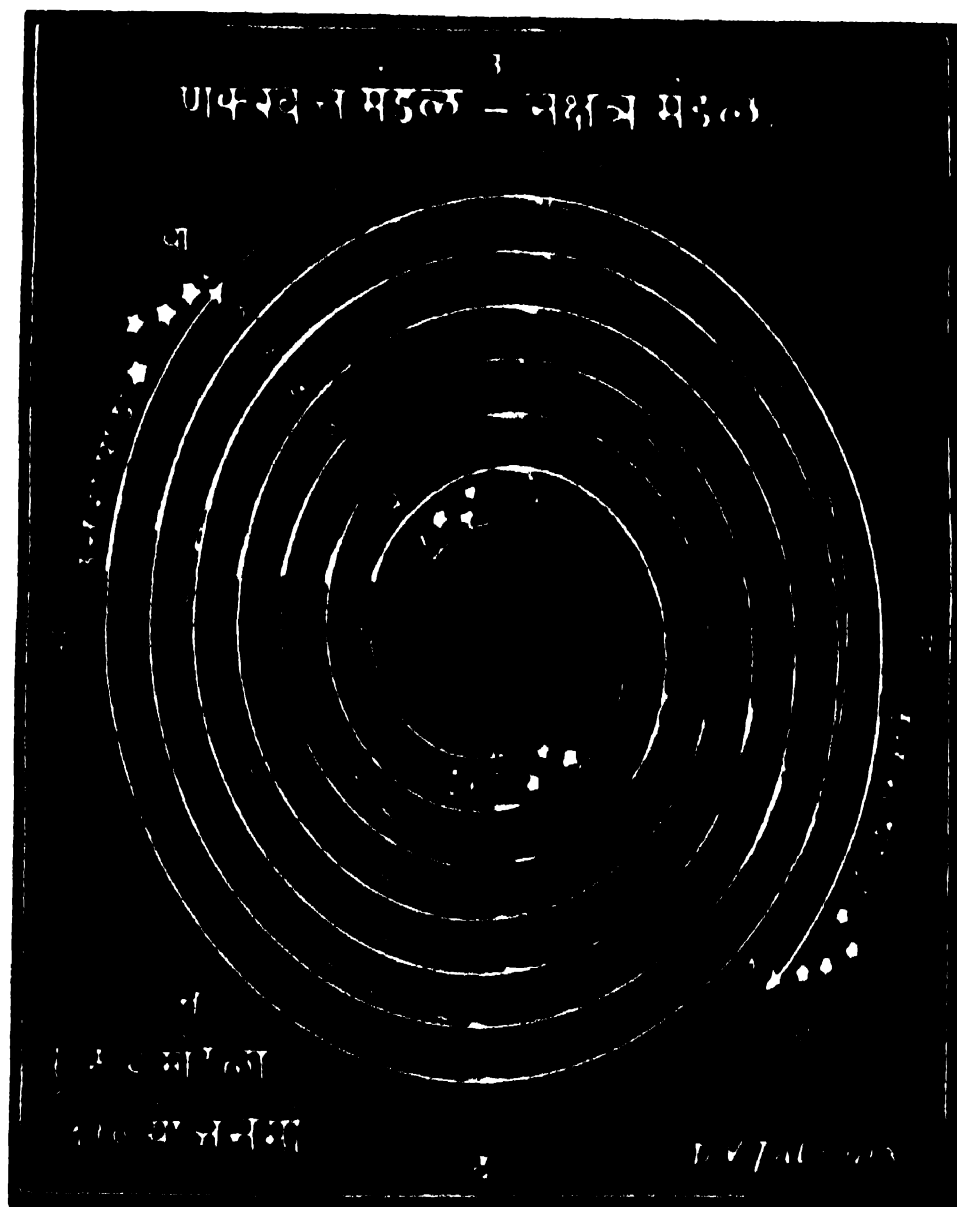
संक्षुत्तरावलिखन पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् मन्त्रि पुत्र नाम का एक मन्त्रि। Name
of an island अ० १.
संक्षिप्तव्यास पु० (मन्त्रिपुत्र) अ० नामने
अर्थात् मन्त्रि पुत्र नाम का एक मन्त्रि। Name
of an island अ० १.
संक्षुत्तरा जी० (मन्त्रिपुत्र) १००१ पक्ष
उ० १००१ मन्त्रिपुत्र नाम का एक मन्त्रि।
रतिकर पक्ष के ऊपर की इशान ईश की !

मंत्रिष्वत्र अध-भाग्या काय

— जकययक - नंकाय.

 <p>मकरन्द मकरन्दमकर पुष्प १</p>	 <p>कामद उपरा कामद १</p>	 <p>पवित्र विमर. पुष्प १</p>	 <p>विमरापन्न पुष्प. पुष्प १</p>
 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>
 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>
 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>
 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>
 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>	 <p>पुष्प १</p>

सावित्र अर्ध-मागधी कोष



month; the time during which
 28 constellations complete
 their conjunction with the
 moon नम० १०; -विश्वस्य पं०
 (-विश्वस्य विश्वस्यं विश्वस्य नक्षत्राणां विश्वस्यः
 स्वकर्मविशेषः) नक्ष० १०१ २१० पं० निष्प० १०
 नक्षत्रकस्वराक्षरनिर्णय determinant
 of the form or nature of a
 constellation. पृ० पं० १;--विमान.
 न० (विमान) नक्ष० १०१ (विमान)
 नक्षत्र वा विमान. a celestial abode
 of a constellation न० पं० १, १००;

-सिंहचक्र. १० (-सकासर) १०००
 पञ्चम्या सरं गङ्गायः मृगशीरा साधे नैमि नैमि
 रवे तैत्तिरीयपत्तः ३२० अर्द्धरात्रि अने नैमि
 अर्द्धरात्रि १० भाग इतीत्यं तैत्तिरीय १० भाग
 प्रभात्यं नक्षत्र सप्तमरे तमने मयस मे मय
 नक्षत्र मृग के बाध योग आठकर रहन हं
 उतना मयसः १०० अर्द्धरात्रि और एक अर्द्धरा
 त्रि के १० भाग कर एना १० भाग प्रभात्य
 नक्षत्र मयस the time taken by
 the sun to finish its round of
 conjunction viz. 327 days and
 nights and 11/67 of a day and
 night 30° 5, 1, 40 40 ७, १२१;
 ५२ 70 १०;

नख पु० (नख) नख नख. A nail on
 a finger. सं० प० —खेचनख. न०
 (खेचनख) नख दःष्ठी नेचष्ठी. नख
 हराही; नेचष्ठी. barber's instrument
 used in paring finger-nails.
 निरी० १, १६;

सुग. पुं० (वग—गच्छतीति वः व नः वगः)
 पर्वत. पर्वत. A mountain. “अहो
 वगवर्गं पर्वते सुगर्भं मन्दरो गिरी” उत० ११.

१६; दूब० १, ६, ६; कसा० १; —ईद. पु०
(-इद्द) मेरु. मंड. the mount Meru.
दूब० १, ६, ११; —राव. पु० (-राव)
परांतना राजा; मेरु परांत. सर्वत का राजा;
वरा नयन मंड. king of mountains
i. e. Meru. झ० ६;

नगर न० (नगर—वास्तिव् करोज्जतीनि
 नगरम्) १८ मंभारना हर रदित सदरे.
 १८ प्रकार के कर रहित नगर. A town
 not subject to any of the 18
 variations of taxes. वच० १; छ० २,
 ४, ११६-१, १; अक्षुषां० १२७; १११;
 आवा० १, ६, ३, १४४; वेव० १, ६; जं०
 १-१, २०; नावा० १, २; १६।
 —आवास्य पु० (-आवास) नगरना
 मंभारना आवास भेदित. नगर के लोगों का
 आवास भेदन an urban mansion.
 नम० —गावो जी० (-गी) सदरेनी भाषा.
 नगर की गाँव. an urban cow. “ ग-
 व हा व अखाहा व खनर गावियों ”
 विवा० २; —गुप्तिक पु० (-गुप्तिक)
 नगरनं रक्षण करनेवाला. नगर का
 रक्षण करने वाला कौटवाल. a protector
 or guard of a town; a Kotwala.
 “ तलेवं ते खनर गुप्तिवा सुभदं स्वयवाहं
 काकगव आक्षिका ” विवा० २; नावा० १८;
 ११६-१, २; —गोकुल पु० (-गोकुल)
 नगरना आवास-भाषा अक्षर भेदे. नगर के
 आवास-भाव बैल इत्यादि. urban
 cattle &c. &c. a cow, ox etc.
 विवा० २; —घात पु० (-घात) नगरने
 भुटनार. नगर को लूटने वाला. one who
 pillages a town. नावा० १८; —ह्रास्य
 न० (-ह्रास्य) नगरना भेदित. नगर के
 संहरा, हरे, हरे नगर. ruined
 or devastated building in a

want belonging to the Katriya caste. जोव० १०;

कर्मोद्. पु० (प्रयोग) १३५ आ: वरदा वर.

A banyan tree. व० १००, १६५, १७०-१;

व० १००, १०० (२) १३५ आ: १३५ वर

के आकार का संज्ञा. a type of phy-

sical constitution resembling

the shape of a banyan tree.

व० २०, १; -परिमल वि० (वर

मलवक प्रयोगवत्परिमलवत् वरव न नवा)

१३५ आ: १३५ आ: १३५ देव १३५ ने

प्रयोग परिमल संज्ञा १३५ आ: १३५

आकार वर के वर नवा दो वर; प्रयोग

परिमल संज्ञा वर. (one) pos-

sess of a type of physical

constitution resembling a

banyan tree in shape. व० १०

० १६५, १६५. वरवा० १३ —वरवाव

पु० (वरवाव-परिमलवत्परिमलवत्परि-

विपत्तीति) १३५ देव: १३५ वर; वर वर

a banyan tree; a large banyan

tree व० १, २, १.

कट्ट. व० (वर) नदि. नही. No, not.

व० १०.

कट्ट. व० (वर) नदि; ने. नाथ. वरवा;

व० Dancing. a dance. व० १,

१७०-२;

कट्ट. व० (वरवाव) व० १०० अति

व० नदि ने. वरवाव वरवाव नही वर.

Not excessive; short of excessive-

ness. व० १, २, २०.

कट्ट. व० (वरवाव) नदि; नाथ; ने. वरवा;

व० A dance; not of dancing.

व० २०; --व० व० पु० (-व०)

नदि; व० २०; व० २०; व० २०; व० २०

व० व० व०. व०. one given to

dancing; a peacock. व० २१

कट्टा व० १०० व० (व०) व० १३५; व०

१३५ व० १३५; व० १३५ Having

known or understood " व०

व० व० १३५ " व० १, २, १, १३५ १,

१, १, २०, व० १, १, १, १००; १, १, २,

१३५; व० १, २२, १, १३५

कट्टाव० व० (व०) नदि; व०

व० ने व० व०, व० व०. Act of

causing to dance or move. व०

१; व० व० व० २२५;

कट्टाव० व० (व०) नदि; व० व०

ने व० व० व० नही व०. Not close

to, not very near व० १, १०;

व० १, १; व० १००; व० १०० १, १२२;

कट्टाव० व० (व०) नदि; व० व०

Dance. (one) that has dance-

ed. व० १३

कट्ट. व० (व०) नदि; व० व०; व० व०;

व० व०, व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

व० व० व० व० व० व० व० व० व०

भाष्येने ५५६. नाट्यकाणं का कण्ड.
 a drama, of actors or drama-
 tists. अ० १० २, ११०; अ०
 १४, ६;—विहि. पु० (-विह) नाट्यकाः
 नाट्य इत्येता विहि-रिति. नाट्यकाः
 नाटक करने की विधि-रिति. the
 art of dramatic representation.
 अ० ११, २; जीका० १, अ० १० २, १११;
 कहूत. वि० (कर्तृक) १५५ इत्यादि. कृत् करके
 बाना. A dancer. अ० १०
 कहूमाक पु० (कलमाक) १५५ विहि. वृक्ष
 विशेष. A particular kind of tree.
 जीका० १, १; अ० १० १, १२;
 कहूमाक-व. पु० (कृत्माक) १५५
 पर्याप्त अथवा अथवा युक्त २५५ इत्यादि.
 ईशान्य वरुन की कवचकाल मुद्रा का रक्षा-
 देवता. The presiding deity of
 the cave Klapda Prapata of
 the Vaitadhya mount. अ० २, १;
 कहूवन्तु. व० (काहवन्तु) ना. नाट्यविज्ञ
 प्रतिपादन इत्यादि अर्थः २६ अथवा नाट्य
 अर्थ. नाट्य, नाटक कावि का प्रतिपादन करने
 वाला काव्य; २६ वाचकन में ये वृक्ष. One
 of the 29 Pāṇi Śrutās (secular
 sciences) viz. the science of
 dramatic representation. वृक्ष-
 २, १;
 कहू वि० (कर्तृ) नाट्य पामेय; १५५ पामेय.
 नाट्य नाट्य वृक्ष; कर्तृ. Destroyed.
 " कहूवन्तु अथवा " वृक्ष- १, १, १, १०;
 नाका० १०१ ११; जीका० १, ४; अ० २७;
 अ० १२, १; (२) शतविज्ञान १०५
 मुद्रा रात्रि विज्ञान १०५ मुद्रा the
 17th Muhūrta of a day and
 night. अ० १० ५, १५१; अ० १०१
 —कहू. वि० (-कहू) केव- ३५६-३६

पामेय के नेत्रों में विज्ञान केव-कहूवन्तु
 होना है वृक्ष. (one) whose lustre
 or brightness is destroyed;
 look-lustre अ० १५, १; —कहू.
 वि० (-कहू) नाट्य पामेय के मुद्रा
 नेत्रों. वृक्ष मुद्रा बाना. (one)
 whose intellect is destroyed;
 a black head. नाका० १५; १०;
 —कहू वि० (कहू—कहू सर्वकाहूवन्तु-
 कृत रक्त कर्तृ कर्तृ) १५५ १५५ १५५
 रहित; रहित clean; free from dust
 or passion, जीका० १;—कहू वि० (-कहू)
 मुद्रा मुद्रा मुद्रा. देवी ऊपर का लक्ष.
 vide above. अ० १०१, १११; —कहू
 वि० (-कहू) मननी आनिताये; नेत्रों
 अर्थात् नाट्य पामेय के नेत्रों का प्रतिपादन;
 वृक्ष कर्तृ बाना deluded in
 mind; (one) whose intelli-
 gence has faded away. नाका० १५;
 १०; —कहू. पु० (-कहू) पुत्र नेत्रों
 नाट्य पामेय के अर्थ; नाट्य अथवा नाट्य (१-
 २५२ इत्यादि अर्थ. विज्ञान कर्तृ वृक्ष होना है
 है देवी; नाट्य अथवा नाट्य कर्तृ के
 अर्थ. (one) incapable of distin-
 guishing between true and
 false scriptures. नाका० १, १०;
 कहूवन्तु. पु० (कहूवन्तु) अर्थात् १५५
 मुद्रा. अर्थात् का १५ वा मुद्रा. The
 26th Muhūrta of a day and
 night. अ० १०;
 कहू पु० जी० (कर्तृ) नाट्य इत्यादि अर्थ
 अर्थ; १२. नाटक कर्तृका; कर्तृ. An
 actor in a drama अर्थ- अ० १० २,
 १५; अ० १; —कहू. जी० (-कहू)
 —कहूवन्तु अर्थात् कर्तृका-
 कर्तृका-कहूवन्तु कर्तृका-कहूवन्तु कर्तृका

६६१. पुत्र का पुत्र। सं पुत्र। A son and
daughter. वि० १.

कानूनिज प्र० (अष्टम) पुरातन प्रमाणिक
पुरा का पुरा. पात्र. A son's son, a
grandson. इति- २, १८.

କଳ୍ପସିଦ୍ଧାନ୍ତ-ସା. ୩୦ (ବନ୍ଧୁକା) ଶି.
 ଶାଳି ଶିଳି. ପ୍ରଥା ବା ପ୍ରଥା A. ୧୦୫
 ତା'ର ଶାଳିତା ୧୦୫ ୨, ୧୧.

कृष्ण १२० (१९५५) साहित्यिक साहित्यिक साहित्यिक
 १२१. मधु व. वार्धन मधु वार्धन मधु वार्धन
 served for an association मधु १२२. १२३
 १२४ (१) (१) साहित्यिक साहित्यिक
 कृष्ण १२५ (१) साहित्यिक साहित्यिक
 १२६ (१) साहित्यिक साहित्यिक
 १२७ (१) साहित्यिक साहित्यिक
 १२८ (१) साहित्यिक साहित्यिक
 १२९ (१) साहित्यिक साहित्यिक
 १३० (१) साहित्यिक साहित्यिक

[illegible]

विश्वप्रज्ञा (विश्वविद्यालय) का नाम: विश्वविद्यालय
 (विश्वविद्यालय) का नाम: विश्वविद्यालय
 (विश्वविद्यालय) का नाम: विश्वविद्यालय
 (विश्वविद्यालय) का नाम: विश्वविद्यालय
 (विश्वविद्यालय) का नाम: विश्वविद्यालय

अस्तित्व, न० (वास्तविक) नास्तिकता, अस्तित्व
नास्तिकता, अस्तित्व का अभाव
Absence of existence, non-
being, न० १३

नदी धारः (नदी) नदी, नदी. A river
 व० प० शब्द २, ४, (३) अं नामने मेव
 द्विध अने अर्ध समुद्र इन नाम का बहु द्वीप
 कोर एक समुद्र. name of an island,
 also that of an ocean. शब्दां १, ४;
 —सह. पु० (-सह) नदीना भद्रोत्सव.
 नदी का महोत्सव festivity in
 honour of a river. शब्द २, १७;

६६६६ ६० (६६६६) ६६६ ६६६६ ६६६६

ଏକ ଦ୍ଵାଦଶି ବା ଆଦ୍ୟ. Following
list of names etc ଦ୍ଵାଦଶ

Bound and over.

[illegible]

(ence, १९०१, विनविद, ५-
 (१९११) १५ १५ १५ १५ १५
 १ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५
 of १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५ १५

[illegible]

१०, ७; अम० ११. — संस्कृत पु० (चक्र)
ननु भवेदिति ७२. अतएव वेद वाचा
मात्रं न स्यात् with the अवर-विश
पु० ११, १.

१८. १. २८. १: १९. १. -बोधय पु०
(ब०८) बुद्धिं विवर्तयति २०: देवा
कपयन्त्यस्मिन्. vide *almavo*. भव० २९,
१: --बोध. पु०(-ब०) बुद्धिं 'बुद्धयः'
ब०' शब्द. देवें 'बुद्धयः' शब्द.
vide "बुद्धयः" भव० २१: २१:

[illegible]

various stand-points without involving contradiction with any वच० ११; —निष्ठुण्णि वि० (—निष्ठुण्णि) नेत्रम आने नयमा निष्ठुण्णि -इत्यत्र. नेत्रम आने नयमे निष्ठुण्णि कृतम्. profi-
cient, well versed in the stand-
points viz. Nagoms etc. वच० १;

प्रधानम् वि० (प्रधानम्) नयनी आने
प्रधान नयने अने प्रधान. the chief
or principal among the stand-
points वच० —विचिह्नि पुं० (—विचिह्नि)
नयना प्रसार. नयने के प्रसार. variation
of stand-points; various modes
of stand-points वाचा० ११ —वि-
दिताम् वि० (विचिह्नि) नयना प्रसारो
म ज्ञाते नयने के प्रकार को जानने वाचा
(०१०) who knows well the
various modes of stand-points
वाचा० ११

कुण्डलम् न० (कुण्डलम्) आ.अ. नेत्रः अक्षु
आल; नेत्रः अक्षु An eye. वाचा० १,
४, ६, १०, वच० १, २; ६, ११, १२,
१३; वाचा० १, २; वच० २०; ओष०
—अक्षु पुं० (आक्षुण्ण) आनेने
आनन्द आल का आनन्द. delight of
the eyes. वाचा० १; —विषय. न०
(विषय) आ.अ. नेत्र रोग-ग्रस्ते.
आल का विषय-दोष resentment
or anger expressed in the
eyes वाचा० ६; —वर्णम् पुं० (—वर्णम्)
आनेने रंग. आल का रंग. color of
the eyes. वाचा० ४१ —माला. जी०
(माला) आ.अ. नेत्रा आनेनेनी
आनेनेनी पल्लि जोरु म कर्ण दुर् मकुण्णी
के आलः की रंजित a line or
series of the eyes of persons

standing in rows. वच० ६, ११;
—कीर्ण. जी० (—कीर्ण-कर्म विद्या)
नेत्र आनेनी रंजित. नेत्र-आल का पुनरी.
the pupil of an eye वच० २०;
ओष०

कुण्डलम् न० (कुण्डलम्) नयः अक्षु दक्षिणी वक्षु
उपः ३२ न नेत्र नेत्रु सक्षे नयः. महा
हमकी वक्षु के ऊपर ३२ न हा नेत्रा सक्षे.
A town, a city; a town in
which taxes are not levied
on trivial articles. वाचा० १; ४;
११; १२, १३, वच० १, ११; ४, १६,
२; ओष० १०, १२; —गुणितम्-य पुं०
(—गुणितम्) नयः २३३, ३२३, ४. नयः
रक्षक. अक्षुण्ण. a protector or
guard of a city; a Kotawala. ओष०
१०; वाचा० २; —विगम पुं० (—विगम)
नयः ११ निगम अक्षुण्ण २३४ नेत्र के
निगम सक्षुण्ण-वक्षुण्ण. a trader re-
siding in a city. वाचा० २, —वर्ण.
वक्षु पुं० (वक्षु-वक्षु) नयनेनी गुणितम्
अक्षु गुणित. नय का सक्षु a bull
residing in a city. वच० २; —म
द्विजा जी० (द्विजा) नयनेनी आ-
नेनी नयः की जी-नारी. a woman
residing in a city. वाचा० २१

कुण्डलम् जी० (कुण्डलम्) नयने रंजितानि
सक्षे. नयरी, सक्षुनयः. A city, a
capital-city वाचा० १, २; ४; ५; ६;
वच० १, ११ वच० २० २, १०४; १, ११
वच० ४;

कुण्डलम् पुं० (कुण्डलम्) नयः अक्षुण्णः पुण्डः नयः
अक्षुण्णः पुण्ड. A man; a person;
a human being वाचा० १; २; ४;
वच० ४३; वच० २० २, ११०; —अक्षुण्ण.
पुं० (—अक्षुण्ण) राज. राजा. a king.

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. सं० ५०
 कुरग. पुं० (नरक—नराय काशिम कल्पवृत्ति
 वीरवतावा जमिबन कर्मकाऽऽकारवांम
 मन्मन् स्वस्ववचनं इति नरका) न० १११.
 यासा; नारकीना एवेने रदेयाना रथान
 नरकावासा; नारकी जीवों का रहने
 का स्थान. A hell-abode for sinn-
 ers. अ० १, १; १५०. १. —आवाण.
 पुं० (—आवाण) न० १११। १। नारकीना
 रथान. नरकावासा; नारकी का स्थान a
 hell-abode. अ० ५; —इय पुं० (—इय)
 भेदीभा भेदी न० १११। १। वर मे वडा
 नरकावासा the largest hell-abode.
 अ० १; —लज्ज. न० (—लज्ज) न० १११। १।
 नरक का तल the bottom of hell
 वन० १, १; —वाक्य पुं० (—वाक्य)
 न० १११। १। ५६२ अनना ५२भा
 भाषिं नरक के रक्त; चन्द्र ज्ञान
 के परमाधमिक. any of the 15
 kinds of the torturers or
 guard of hell called parama-
 dharmikas मू० मि० १, २, १, ७४;
 —विभक्ति जी० (—विभक्ति विभक्ति
 विभक्ति:नरकावा विभक्ति:नरक विभक्ति:)
 न० १११। १। नरक के विभाग. sub-
 divisions of hell. (२) तेन प्रसि-
 धात ३२ना ३५५५५५ मू० १११। १।
 अ० ५५५५५५ उलका प्रतिपादन करने वाला मू०
 न० १११। १। ५५५५५५ the 5th
 chapter of Sayaga-jāṅga deal-
 ing with the above. मू० १, ५, १;
 लज्ज०

कुरग. न० (नरक) नारकी ५५५५५५ नार
 की वन. State of a hell-being.
 म० १११, ७१

कुरग. पुं० (नरक) भाष्यने २५५५५५
 न० १११; अ० ५५५५५५ का स्वादी-नरक;
 राजा. A lord of men; a king.
 ना० १; १; १११; जो० १११; ५५५५५५ १,
 ४; अ० ५० १, ४१; —इयववार. पुं०
 (—इयववार) राजपे आपे ५५५५५५ राज
 की दी हुई वक्त-विचार. power con-
 ferred by a king. ना० १११; —वि-
 यववार. पुं० (—इयववार) मू० १११।
 ५५५५५५ देवां कर का मन्त्र. vide
 above. ना० १११;

कुरि. पुं० (नरक नरकिक नरक) राज;
 अ० ५५५५५५ आदि. राजा; चक्रवर्ती आदि. A
 king; a Chakravarti etc. वन०
 १, ४; जो० ना० १; ५. —इयव
 पुं० (—इयव) भेदी राज. वडा
 राजा. a great king. a sovereign
 prince. " इह नरिद्वयदा विरजना
 विजयामास " उ० १५, १५;

कुरीसरलज्ज न० (—नरक) न० १११। १।
 राजपद. राजा; इय King-
 ship; royalty. " नामनं मन्त्रने चम्राचो
 कुरीसरलज्ज " व० १, १०;

कुर पुं० (नरक) अ० ५५५५५५ ५५५५५५ न०.
 एक प्राणि का वनस्थान. A kind of
 vegetation. जी० १, १; अ० २, ७;
 कुराव न० (नरक) अ० ५५५५५५ अ०
 ५५५५५५. इन नाम का एक कुरा वनने
 वाला; मुनाह. Name of a weaver.
 अ० १, १;

कुरि. न० (कलिव) वै० १११। १।
 कमल; पोंडा लाल कमल. A lotus; a
 reddish lotus. जी० १, १; राज० ४५५५५५
 ना० १; वन० १; (२) ५५५५५५ नरि-
 नः प्रभाषने अ० वि० ५५५५५५ वर कुरि
 नाम प्रभाव का कलिव विभाग A period

कलिवी. को० (कलिवी) ३५५-५६-
५७१. कलिवी; वंशजना A lotus-
creepers. को० ना० ११;

कलिवीवत् न० (कलिवीवत्) मे ना०
मे० १६१. इव नाम का एक उदाह-
रणीय. Nine of a garden. ना०
१६.

कुव वि० (कवत्) १११ ६. बी; ६. Nine;
७ "कवत्तुमाकावत्" ना० १४, न० १२, ६;
१४, १२, २, २४, १; २२. ६; २१, ७, २१,
१. ना० १, १७, १६, १६; वि० १४,
१२; म० १० १; म० १० ७, १४, —कावत्.
कुं० (-कावत्) ११६५ म० १५ मी हाथ
की लम्बाई length measuring
nine arms (an arm from the
tip of the middle finger to
the elbow). ना० १, —कोटि
परिपुष्ट. वि० (-कोटिपरिपुष्ट) १२
प्रकार्थी पु०-निर्दोष मी प्रकार से पुष्ट-
निर्दोष. faultless or pure in nine
modes or ways. "कवकोटि परिपुष्टे
निर्दोषे वचने" अ० ६; —विपुष्ट. वि०
(-विपुष्ट) ११, ६ वि० १६ ना०. मी विपुष्ट
वाक्ता. having nine holes. तृ०
—कोवत्. कुं० (कोवत्) १११ योजन.
मी योजन. nine Yojanas (1 Yo-
jana = 8 miles) ना० ७; —कोवत्.
विपिपुष्ट. वि० (-कोवत्परिपुष्ट) ११
योजन विपुष्ट. मी योजन विपुष्ट having
an extent of 9 Yojanas. ना० ७;
—कोवत्विपुष्ट वि० (-कोवत्विपुष्ट) ११
योजन मी योजन ना०. मी योजन की लम्बाई
ना०. of the length of nine
Yojanas (1 Yojana = 8 miles).
"कवकोटि परिपुष्टे इति कवकोटिका लम्बा "
अ० ६; —कुवत्. को० (-कवत्) ६६;

नवत्तु. विपुष्ट. ninety-nine. कव०
६६; म० १० ७, ११२; १४७; —कुव-
विपुष्ट. को० (-कवविपुष्ट-कव कवविपुष्ट
विपुष्ट कवत् का कवविपुष्ट) १२ १२३-
८१ दिवस मी० कविपुष्ट-१२, नेमां
मे० ६ दिवसे अ० ॥ १२१२ दिवसे मे० ६
६१ अ० ५५५ मी १५२२१ १२ ६१ सुवि
१५२ मी ६६५ ७; ११ ६१ ७५२१ ७५५५
दिवसे अ० ५५५ मी ६६५ ७५५ ७५५
८१ दिवस सुवि १२२२१ १२ १२ ७५५ ७५५
दिवस क० कविपुष्ट-१२, विपुष्ट एक एक दिवस
को कवत् मी मी दिवस को एक एक दान
कवत् मी ७५५ मी ७५५ मी दान कवत्
कवत् मी ७५५ मी ७५५ मी दान कवत्
कोई मी दिवस को कवत् मी ७५५ मी ७५५
दिवस क० दिवस क० कवत् मी ७५५ मी ७५५
an
austerity, so named, lasting
for 91 days, in this austerity
food and water are limited
to the maximum amount of 9
Dāṭa (a measure). Starting
with the minimum of one
Dāṭa. The performer of
this austerity may increase
one Dāṭa every day or every
nine days. अ० १; को० ११२ १२३
—कव. कुं० (-कव) अ० १५५; अ० १५५
१५५ १५५. कवत् मी० कविपुष्ट १५५
मी कव nine verbal forms such
as Chalmāṇo, Chāṇo etc. कव०
१, १; —कुवत्. न० (-कुवत्) १२ १२३
—कवत्. मी कवत्-कवत्. nine Pāṭha
or scriptures. कव० १६, ६;
—कवत्. न० (-कवत्) १२ १२३
कवत् मी० कविपुष्ट १२२२२ कवत् मी०
कुवत् १५५ मी १५५; कवत् मी० कविपुष्ट

न० २७१५५५ नों प्रकार के अन्नपूर्व का प्रति-
पादन करनेवाला आचार्य स्वयं का प्रथम अनु-
संधः आचार्य के प्रथम नों अनुसंधान The
first nine chapters of Āchā-
rāṅga explaining the nine
modes of continence विलो० ११,
१५; —विनय का० (-विष्णुनि) १५ (१६
५) तेषां चतरे नव आ० २० विष्णुनि विनय
द्वय, दहा, ची, नव इत्यादि नौ प्रकारके विनय
विनय nine kinds of trans-
formations e. g. milk, curds,
ghee, oil etc " सब विनयको समान
साको " अ० १; —हस्तुस्मद १०-
(-हस्तोन्मेष) न० २५५५५ ३५५५. नौ
हाथ का ऊँचाई height measuring
nine arms-length नावा० ५०

नुव्वं वि० (नव) नवनः नवु, तावुं, नवीन,
 नया; तावा Now, fresh, novel
 तावा० १, १२, गम० २०; ताव० नु० थ०
 १, ३१८; —निम्बुकावममय, पुं०
 (-निम्बुकावममय) नृपति म. ५५ ३५.
 नवा म्मं कव न् opening mummam.
 तावा० १; —महं पुं० (-मह) नव
 मन्नु ३२; ने नवा महम करना. now
 or fresh acceptance. नुव० १, १,
 २, ११; —महं पुं० (-मह) नव
 थ३, नवा म्मा. a now pot; a
 now-made pot. तावा० १०. —पुव्व-
 वव्व, न० (-वव्व) धैर्यं तावां
 तावां नुव्वं इति पावुं पावुं तावां
 ने, नुं पावुं थ. १३३ ने महे कं ताव मे
 ताव तावव कर कं पुवः तावां मे ताववा;
 नवा पावी वववा. act of dipping
 heated and sharpened iron
 again into water, with a view
 to make it stronger. “वववव

बरुणं वासिष्ठं वातसाधिका " नव०
 १४, ७। मावा० ३। — तापुला. व०. (- वा.
 ह्य) पुनः ३। ३। धा. ला. उवा
 हुका वात fresh-grown grass.
 मावा० १; — सुय मि०. (- ल्य) १५।
 २५२ ३: ३। नवे ल्ग वाता. having or
 containing of new-spun thread.
 " वासिष्ठं वातसाधिका लज्ज-
 हाय " नव० १, ४, ९, १६; — सुरमि.
 पुं० । - सुरमि) १११ गुम-ध. नवा
 गुमय fresh, new perfume.
 मावा० १;

सुसह. सं. (नवविंशति) त्रिंशत् संख्या: ६०
 नवविंशत् संख्या: ९०. Ninety; १०. विं-
 शत् १०, ११.

सुवर्णं न० (वराह) मे कान, मे ज्ञान, मे व्याप, मे
नार्त्तना (होला) छम, रक्ष्य अने मन
मे ना भय मन्त्र पता सुबानी प्रये
छे. सो कान, सो जाय, सो वाक्कि, सिद्धा,
दशों जीर मन वे नी जन जावन होवे पर
गुणावरण प्रकट होनी है. The nine
organs or senses viz. two ears,
two eyes, two nostrils, tongue,
touch and mind (which in
their bloom cause puberty).
गव० २११; भाषा० ३; —सुलभविद्या-
विद्या. बी० १ —सप्तस्तिरोधना-वराहनि
कर्मादि सप्तसाधन ब्रह्म प्रसिद्धोक्त्यानि
संवदेन वराहाः सा तथा) न० ५८५ श्री.
अथ संज्ञना बी. A woman in her
prime. विद्या० २, १; गव० १०:

बनवाइवा. जी० (बनवाइवा) ओ० ५५२-॥
 ५२५॥ ५६ प्रकार का बनवाइवा. A
 kind of vegetation. " बनवाइवा
 मृत्ता " सं० १० पृष्ठ १;

कायदा-व. नं० (१९५५) ५५५ कायदा.

कदम्बमाला. वि० (वरवत्) स-भायं पी
वधावमान धनो-विभुष धनो. कदम्बमं मे
वत्तवधान होत हुत्त Sliding back,
falling off from the right path.
उदा० ७, २१०;

कदम्ब. व० (वरवत्) आकाश. आकाश Sky.
firmament. उदा० ७, २१०;

कदम्ब. पुं० (वरवत्) नम. वरवत्, नावुन. A
finger-nail. वादा० १; ४; ८; मय० २,
१; वादा० १, १, २, ११; १, १, १, ४२;
कोदा० १, १; राव० २२; नृव० २, १, १;
(२) कदम्ब, देव. कदा; कदम्ब a debt
तदु० मय० —कदम्बक. व० (—कदम्ब
कदम्ब) नम. उ१२४३३ ६११२; न२४५
नावुन उगारने का औजार; वेदी an
instrument for pairing
finger-nails. वादा० २, १, ७, १;

—कदम्बक. व० (—कदम्ब) नम. उ१२४
३३३३ ने. वरवत् कदम्ब करवा. act of pair-
ing the finger-nails. विदा० ६;

—कदम्ब. व० (—कदम्ब) नम. उ१२४
३३३३ ने. वरवत् कदम्ब करवा. the fore-part
or tip of a finger-nail. मय० २,
४; —कदम्ब. वी० (—कदम्ब) नम. उ१२४
३३३३ ने. वरवत् कदम्ब करवा. the fore
part of a finger-nail. विदा० १, ४१;

कदम्बक. व० (वरवत्) आकाश.
आकाश. Sky; firmament. वादा० १;

कदम्ब. व० (वरवत्) नम. नही. No; not.
वादा० ४;

कदम्ब. वि० (वरवत्) नम. उ१२४. उ१२४.
Known. कोदा० (२) व० ६११२. उ१२४.
illustration. वेदा० १, १०;

कदम्ब. व० (वरवत्) नम. नही. No; not. वादा०
२, ७; —कदम्ब. वि० (—कदम्ब) नम. उ१२४.
५०५१११. कदम्बक; कदम्ब के कदम्ब. not

deserving worship or rever-
ence. वादा० ७;

कदम्ब. वी० (कदम्ब) कति; नम. नम.
कदम्ब, कति. A community; a
caste; kin. (२) कदम्बीय. मातापिता-
दि कदम्बीय कदम्बीय; मातापितादि कदम्बीय.
of the same class relatives.

वादा० १; ७; ४; २; ७; ६; १४; १२;
१०; मय० १६, २; १०, २; कोदा० ४०;
उदा० १२, २२; नृव० १, २, १, १२; २,
१, १२; वादा० ४० —कदम्ब. पुं०

(—कदम्ब) माता. पिता, पुत्र, औ
आदिने। कदम्ब-कदम्ब माता, पिता, पुत्र.
कदम्ब कदम्ब कदम्ब. a family consist-
ing of mother, father, wife,
son etc. नृव० १, १, २, २;

कदम्ब. वि० (कदम्ब) नम. उ१२४. उ१२४.
कदम्बक. कदम्ब के कदम्ब. कदम्ब. Omni-
scient; (one) to whom all
things are known. नृव० २, ९,
२४; म० २, १;

कदम्ब. व० (कदम्ब) कदम्ब; कदम्ब कदम्ब;
कदम्ब. Not much; a little. मय०
७, १०; —कदम्ब. वि० (—कदम्ब)
कदम्ब; कदम्ब कदम्ब. not very
bitter. वादा० १; —कदम्ब. वि०
(—कदम्ब) कदम्ब-१ कदम्ब-१ कदम्ब
कदम्ब न हो कदम्ब not very long or far
off; not excessively long. विदा०
१;

कदम्ब-कदम्ब. वि० (कदम्ब) नम. उ१२४;
५१७ के कदम्ब. कदम्ब; कदम्ब कदम्ब कदम्ब
कदम्ब; कदम्बक. Sounded; reverbe-
rated; ringing with a loud
sound. वादा० १; वी० ४० २, ११०;

અંશ- ૧૧;

॥ ५० ॥ (वागिक) आर्यं वज्रसेना
 अत्यश्ली, तेना, उपर्युक्ती आर्यं नामग्रा
 माया निरुती आर्यं वज्रसेना दा शिव वि
 त्तनदे कर्मण आर्यनागमा शान्ता विद्वत्
 Name of the disciple of
 Arya Vajrasena from whom
 the offshoot named Arya
 Nagila originated. कण० ५;

କାହାଙ୍କ ନିଃ (ଆମିକ୍ସ) ଟାଣିନୀ,
 ନାନିନୋ, ବ୍ଲୋଗାସ, ଘରନୋ ଆମିକ୍ସାଲା
 (1) Ono's own (2) Ono's own
 maturity, 'ମିକ୍ସ କାହାଙ୍କ ଟାଣି' ଟାଣି ୧,
 ୧୦,

भाऊल. १० (आधा) न.लि. समझने
 जान का, समझ का Having known
 or understood. आधा=१२, १४=१, १५=

कृष्णः पुं० । नागः गच्छद्वाति नाः, न ग
 अगः नागहीन न अग नागः, अगम धर्म
 लघुलुः) अनायाः देवीली नागकुमार नाम
 अत्र अत्र, देव नागमा अनाया देव
 (अन्धदेवी) अत्र नागहीन नागकुमार
 अवगाता इति नागकुमार नाम का गच्छ
 आति, अत्रक मरुत्तम नाग के कृष्ण वा
 गच्छ विद्म इति गच्छ देव वा अत्र,
 नागमार. A class of Bhavona
 pati gods called Nagakumara
 gods, a class of gods whose
 diadem bears a sign of the
 hood of a serpent नागः ३; ८;
 अत्र० २३; अवा० ३, ३; (०) नाग
 वसतः उत्पन्न भवेत् नाग वंशमे अत्रज,
 born in the family of
 Nagakumara gods अ० १, ४३;
 (३) दास्य इषी, an elephant, अत्र०
 ३३; अग० ३, ३३; ३३ ८; अवा० ३, ३३

(४) नागकुमार देवता को भद्रे-स्य नाम-
कृष्ण देवता का महोत्सव. a festivity
of the Nagakumara gods वादा.
(५) नाग कुं. a snake, a serpent
कोष- (६) आर्याभट्टाचार्य विनयका
आचार्य काय गङ्गा के शिष्य इस नाम से
जायाये. a preceptor who named
a disciple of Āryabhaṭta वा.
ब. (७) नाग क्षेत्र. his land वा.
नागक्षेत्र, एक जमीन का पुर. a kind of
tree (८) नागनीध' नृपति-वा. वा.
नागेश्वर का क्षेत्र वा. a forest tree
in many of the 8th Tattvaka
ग्रन्थों में; (९) अमरकान्त क्षेत्र
अमरकान्त (१०) निपरञ्जित वा. वा.
अमरकान्त का क्षेत्र की जाने वाला
नाम (११) द्विवार वार में लक्षण करना,
the time of the four Diruva
Karamas falling on the night
of the dark-half of a month.
वा. वा. वा. (१२) अमरकान्त
क्षेत्र अमरकान्त, इस नाम का एक द्वीप
या एक समुद्र नामों of an island;
also name of an ocean वा. वा. वा.
मु. वा. वा. वा. वा. (१३) बह्म-
विशाल वा. बह्मविशाल नाम का प्रदेश
बहुविशाल का देश गोमा वा. बादा दुष्प्र
बसात वा. वा. a Vahkara mount on
the eastern boundary of
Valguvijaya. वा. वा. इन्द्र. पु.
(१४) नागकुमार देवता को. नाम-
कृष्ण का इन्द्र. the Indra of
the Nagakumara gods. वा. वा. वा.
कुर्विदलामिता' नमः ६७० वा. वा. वा. वा.
गङ्गा पु. (१५) नागकुमार देवता
आवेशी प्रेष देवता का क्षेत्र नाम

देवता के कारण से उत्पन्न रोग; ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nāgākumāra god e. g. fever etc. जीवा० १, १; —घट. व० (—घट) नामदेवतां ५२. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nāgākumāra god. नावा० व; —अवध. पु० (—वध) नाम देवता की पूजा; (महेस्वर). नाग देवता की पूजा; (महोत्सव). a festivity held in honour of Nāgākumāra gods. नावा० व; —अज्ञा. जी० (—अज्ञा) नामदेवता की यात्रा. नागदेवता की यात्रा. a pilgrimage to propitiate Nāgākumāra gods. नावा० व; —घट. पु० (—घट) ६१११ ५१११ ५१११. हाथी को पकड़नेवाला मनुष्य. a person who catches an elephant. जी० (—अज्ञा) नामदेवता की प्रतिमा. नाग देवता की प्रतिमा. an image of a Nāgākumāra god. 'मेदिनी' किंवा 'कठिना' पुराणों से 'नागवर्धन' के पद का जो' जीवा० १, १; —परिवाचविधा. जी० (—परिवाच- नाम नागकुमारसेवा करिष्या वरदा संवत्सरी का नागपरिवाच) मे नामजु मे ११११ ५१११. एक नाग का एक विशेष रूप name of a Kalika scripture. वही० —पुष्प. व० (—पुष्प) नाम देवता १५. नाग के फूल का फूल a flower of the tree named Nāgakotara. वं० व० —पञ्च. जी० (—पञ्च) ५५५५ देव. ठीक का कण्ठ. the hood of a serpent. (१) नामकुमार देवतां भुवने १६५५ ५१५५. नाग कुमार देवता का सुपुत्र

वे रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgākumāra gods. जीव० ११; —अवध. पु० (—वध) नामदेवता की महेस्वर. नाग देवता का महोत्सव. a festivity held in honour of Nāgākumāra gods. नावा० १, १, १, ११; ११११ ११११; वन० १, ११; —घट. पु० (—घट) ५५५५ ५१११. उल्लेख. प्रभाव हाथी; उल्लेख हाथी an excellent elephant जीव० वं० व० ११११ वन० १, ११; (१) नामकुमार की अधिपति देवता नागकुमार का अधिपति देवता. the presiding deity of Nāgākumāra (ocean). व० व० ११११ —वीही. जी० (—वीही) ५१११ ५१११ ५१११. शुक्र के दो मार्गों में से एक. one of the २ orbits of the planet Venus. अ० १; —साहस्य जी० (—साहस्य) मे ५१११ नामकुमार देवता. एक सहस्र नागकुमार देवता. a thousand deities of the Nāgākumāra class. वन० ५१;

नागकुमार. पु० (नागकुमार) नामकुमार देवता; भववर्धन की ५१११. नाग कुमार देवता; भववर्धन की एक कालि A class of Bhavannati gods; a deity of the Nāgākumāra class of gods. वन० १, १; ११, १०; अ० १, १; —(रि) मधु. पु० (—मधु) नामकुमार देवता ५१११; धरमेन्द्र. नागकुमार का राजा; धरमेन्द्र. Dharagendra, the king of Nāgākumāras. वन० १०, ५; —राव. पु० (—राव) नाम कुमार देवता ५१११. नागकुमार का राजा धरमेन्द्र. Dharagendra, the king of Nā-

gākumāra ५०. १०. १

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) ६५११ आया-
५१११ शि०. ६५११ कानगुप्त का शिष्य.
Name of a disciple of the
preceptor named Himvanta.
श्री० ११; ४०१

कानगुप्त. न० (कानगुप्त) नम आ॥ निम०-५
आ॥; ५५५ अनुपान. नम माव; निम० माव;
नमम अनुपान. Nudity; possession-
lessness asceticism. ६५०१, ७, २१

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) अ॥ ११॥ श्री ११.
नम; नमरी. A peg attached to a
wall जीवा० १४; रा०

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) ओ नामना ओ
रा० पु०. इन नाम का एक राजपुत्र.
Name of a royal prince. ४० १,
४; (२) अक्षराज्जी ओ सुभद्रा पु०
महाभारत १०५ ५११ अ० १ ओमां
ते अक्षिपुत्र नमरमां ओ नाम पुरातो ६तो.
वसराज की ओ सुभद्रा का पुत्र महाभारत
कुमार का पुत्र अ० ६ त्रिभुवने वद अक्षिपुत्र
नगर में इस नाम के पारका करना वा. the
previous birth of prince Mahā-
bala son of Subhadrā queen of
Balarāja In that birth he bore
the name given and lived in
the town of Magipura. वि० ७;

कानगुप्ता की० (कानगुप्ता) ११ भां तीर्थ १२१
अ० ५५ अक्षिपुत्र नाम. ११ वे तीर्थकर
की प्रवृत्ति वाक्की का नाम. Name of
a palanquin of the 16th Tir-
thakara at the time of his
initiation into the ascetic
order. ५० २११;

कानगुप्त. न० (कानगुप्त) सिद्धावतनी पश्चिम
दिशा में नामगुप्तना आ॥ ११॥ ६१२.

सिद्धावतनी की पश्चिम दिशा में

कानगुप्त का द्वार. The gate of the
abode of Nāgakumāra in the
west of Siddhāyatana. ४० ४, १;

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) अ० ११॥
अ० १११११ पश्चिमे सीतोदा नदीनी उत्तरे
आवेतो ओ ५१११. अक्षिपुत्र के मंदर पर्वत
के पश्चिम में सीतोदा नदीकी उत्तर में काना
हुवा एक पर्वत. Name of a mount-
ain in the north of the river
Sitodā in the west of the mount
Mandara of Jambūdvīpa. ४० १, १;

कानगुप्त. न० (कानगुप्त) अक्षिपुत्रापुरा ११११
अ० ५५ नमर. हस्तिकापुरा; कुदरेत का कुदरेत
नगर. The capital city of the
country called Kuru. ४० १०;
नम० ५० ५;

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) ओ नामना
दि० (दे०) ओ०. एक जाति का दि०
(दे०) ओ०. A kind of celestial
horse. जीवा० १;

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) नामदीपने अक्षि-
पति दे०. नाम दीप का अक्षिपति देवता.
The presiding deity of Nāga-
dvīpa. ५० ४० ११;

कानगुप्त. न० (कानगुप्त) आ० ११११
१५११११ नी० ११११ उद्देवमन्त्र ५५५ पु०.
अक्षिपुत्र स्वामि से निकला हुआ उद्दे-
वमन्त्र प्रथम पुत्र The first brother-
hood of saints of Uddelā Ga-
pa originating from Ārya-
hapā. ५० ७;

कानगुप्त. पुं० (कानगुप्त) नामदीपने
अक्षिपति दे०. नाम दीप का अक्षिपति
देवता. The presiding deity of
Nāgadvīpa. ५० ४० ११;

रिच. A citizen; a person residing in a city. अ० १; दृ० १, १, ११; —अव्य. पुं० (-अव) नगर-निवासी. नगर के कोई. A citizen; citizens.

नागमहादेव पुं० (नागमहादेव) नागधर्मदेवता. अभिषिक्त देवता. नागसमुद्र का जाये प्रति देवता The presiding deity of Nāgasaṃudra दृ० १; ११;

नागमिश्र. पुं० (नागमिश्र) अ० १ महाशिविरी ॥ अ० १; दि० १. कार्य महाशिविरी का एक शिष्य. Name of a disciple of Ārya Mahāśivī. अ० १, १.

नागर. पुं० (नागर) नगरभां रहनेवाला मनुष्य; नागरिक. नगर में रहने वाला मनुष्य; नाग जाति० १;

नागराज पुं० (नागराज) नागधर्मदेवतादेवता १॥ नाग. नागकुमार देवता का राजा. A king of the Nāgakumāra deities. "वेदंवर नागराज" अ० १०;

नागवृक्ष. पुं० (नागवृक्ष) नाग वृक्ष. नागवृक्ष. A kind of tree. " नाग वृक्षे मृन्मार्ग " अ० २; अ० ११, ११

नागवला. स्त्री० (नागवला) नागवला; नगर वेष्ट. नागवला, नागर वेष्ट; नाग की वेष्ट. A creeper of betel-leaves. अ० ११०; —अव्य. पुं० (-अव्य. वृक्ष) नागर वेष्टदेवता भांवे. नागर वेष्ट का मूलवृक्ष. व however of a creeping plant named Nīgaravala. अ० ११०; अ० १, १;

नागविली. स्त्री० (नागविली) प्रतिज्ञावृक्ष. नगरना नागरवृक्ष विली अ० ११० नागरविली जाता. प्रतिज्ञावृक्ष विली के नागरवृक्ष, की विली को नागरविली काका. The wife of Nīgaravīṣa a wife of the town of Pratiṣṭhānapura, and

mother of Nāgadatta. वाचा० १४;
(२) यथा नमसीता सोम ब्रह्मचारी स्त्री ते
नेष्टुने धर्मश्चिनामना तपसवी पुत्रीने हारी
गुप्तीनु साह चोराभ्युं हनुं. यथानमरी के
सोम मातुल्य की स्त्री कि विवने धर्मश्चि
नामक तपसवी पुत्री को हनुं पुत्री का साह
बहाव. वा. the wife of Soma, a
Brahmārpa of Cīnapuṣṣagari
who served an ascetic named
Dharmatruchi with cooked ve-
getables prepared from a bit-
ter gourd वाचा० १५;
वाचल्लुह. व० (वाचल्लुह) मे नामनुं
मे। दोहा साह. हव नाम का एक लौहिक
साहव. Name of a secular science.
वाचुलो० ४१;
वाचल्लुह. पु० (वाचल्लुह) आचनन्दि
ब्रह्मचारी स्त्री. आचनन्दि ब्रह्मचारी के
स्त्री. Name of a disciple of
Ārya-Nandi Lakṣmaṇa. क० ४;
वाचोह. पु० (वाचोह) मे नामने अमुह.
हव नाम का वमुह. Name of an
actor. व० ४० १४;
वाचल्लुह. व० (वाचल्लुह) न० १ वाचल्लुह
A drama; a play. व० ४० १, ११४;
वि० १;
वाचल्लुह. वि० (वाचल्लुह) न० १४ वाचल्लुह
मे० १४. वाचल्लुह के वाचल्लुह. (One)
acting in a drama; an actor
in a drama. वाचा० १; व० ४० (१)
न० १४. an actress. व० ४०; व० ४०
वाचल्लुह पु० (वाचल्लुह) न० १४ १४४; न० १४
१४४. वाचल्लुह के वाचल्लुह; वाचल्लुह वाचा.
A player in a drama; a dan-
cer. वाचा० १, ४;
वाचल्लुह व० (वाचल्लुह) व० ४; व० ४४; मे० १.

'तदुच्यते' (सत्य व सर्वे) को बिना गुन रखके
लेखना वे साठ श्लोकोपर्यंत अनुष्ठान करना
कराया। due observance of
the eight points regarded as
requisite in acquiring sound
knowledge, viz (1) regularity;
(2) modesty (3) reverence (4)
attentive repetition (5) non-
concealment (6) non-suppres-
sion of senses (7) non suppres-
sion of words and (8) non sup-
pression of both words and
senses. अ०.२.१: १, २; उच्य० २३:
—आराधनं न० (-आराधन) ज्ञान की
आराधना इति ते. ज्ञान की आराधना
करना. devotion to, worship of
knowledge अ० १, ४; —आराधका.
जी० (-आराधका) ज्ञानी आराधना
ज्ञान की आराधना. devotion to,
worship of knowledge. अन०.५.१०:
—आरियं पु० (-आर्य) ज्ञानशील और
ज्ञान के कारण आर्य. civilised (Ārya)
by reason of the possession of
knowledge. बच० १; —इंद्र. पु०
(-इन्द्र) ज्ञान अध्यात्मिकी में प्रथम-श्रेणी
के ज्ञानी ज्ञान चरित शास्त्री के इन्द्र-जैष्ठः
केवलज्ञानी. highest among those
who are possessed of knowled-
ge; one possessed of perfect
knowledge अ० २.८.१.१; —उत्तरायण-
दिवा. जो० (-उत्तरायणादिना -गहिरा) तीर्थ-
भारती के ज्ञान के उत्तरायण दिवस के उत्तर-
भां आने से ज्ञान के अधिकार-प्रदेश पर। लौकिक
का क्षेत्र का क्षेत्र केवलज्ञान प्राप्त होता है तब
की जाने वाली समझ की कहना-महत्त्व.
a festivity celebrated at the

[illegible]

निवे श्रद्धावान् करना. expiation
undergone for the purification
of one's knowledge. छ० १, ५;
अ० १, १; —बुद्धिः पुं० (—बुद्ध) ज्ञान-
वान् पु०, ज्ञानप्रधान पु०, ज्ञानवान् पु०,
ज्ञानप्रधान पु० a person possessed
of knowledge, an educated
person छ० १, १; अ० २, ५;
—बुद्ध्यान्त्रः पुं० (—बुद्धाङ्क) ज्ञानने निःसार
प्राप्त्यनार पु०, बुद्ध्यान्त्रिकायां सायु, ज्ञान को
निःसार बनानेवाला बुद्ध्यान्त्रिकायां
सायु, an ascetic who renders
his right knowledge useless
by lapse in the observance
of primary vows. छ० १, १;
अ० २, ५, ६; —व्यसोक्तः पुं०
(—व्यसोक्त) ज्ञान आदिज्ञानमा अपरा
ज्ञानीमा अप्रीति देय इत्ये. ते; ज्ञानादप्रीति
रूपं प्राप्तवानो व्यसोक्तेषु ज्ञान प्रार्थना मां
जगत्वा ज्ञानीमे अप्रीति दैव ज्ञाना, ज्ञानापरकीय
कर्म वाचनेद्य हेतु, showing disre-
spect or hatred towards the
five kinds of knowledge or the
persons possessed of them, a
fault which leads to knowledge
obscuring Karma. अ० ४, ६;
—व्यवहारः न० (—व्यवहृ) भक्तिज्ञान आदि
पांच ज्ञान संपत्ती परस्पर इत्ये. ते. कति
ज्ञान यदि पांच ज्ञान के संबंध में प्रत्यक्ष
करना. act of explaining the
five kinds of knowledge such
as Matijñāna etc. उ००. —वस्तु.
न० (—वस्तु) ज्ञानं १५. ज्ञान का फल.
fruit of (right) knowledge
म० २, ३; —वस्तुः पुं० (—वस्तु) ज्ञान-
शक्ति १५. ज्ञान की शक्ति. power,

strength in the form of knowledge. अ० १०; —बुद्ध. वि० (-बुद्ध) ज्ञानपरस्त्रीयता क्षयेऽप्यस्य आदिषी भवेत् ज्ञानवत् भवेत् पामेय. ज्ञानपरस्त्रीय के क्षयोऽप्यस्य आदिषे के उत्पत्ति दृष्ट ज्ञान के बाँध बाधा हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. अ० २, ४; —बोद्धि जी० (बोधि) ज्ञान परस्त्रीयता क्षयेऽप्यस्य भवेत् भवेत् ज्ञानवत् भवेत् ज्ञानपरस्त्रीय के क्षयोऽप्यस्य भवेत् भवेत् ज्ञानवत् भवेत् attainment of true religion by the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karma. अ० ३, २, -- अष्ट. वि० (-अष्ट) ज्ञानपी अष्ट भवेत्. ज्ञान के अष्ट degraded from right knowledge. आवा० १, १, १, १०; -- आवाक्या. जी० (-आवाक्या) ज्ञानपी आवाक्या. ज्ञान वाक्या. meditation upon right knowledge. आवा० २, १, १, १; —बुद्ध. वि० (-बुद्ध) ज्ञानपरस्त्रीयता क्षयेऽप्यस्य ज्ञानवत् भवेत् भवेत् ज्ञानपरस्त्रीय के क्षयेऽप्यस्य ज्ञानवत् भवेत् भवेत् foolish, ignorant on account of the immaturity of knowledge obscuring Karma. अ० २, ४; —मोह. पु० (-मोह) ज्ञान क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. infatuation, delusion in point of right knowledge. अ० २, ८, —राशि. पु० (-राशि) ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. mass of knowledge. अ० १२, ४५; —बोद्धि. पु० (-बोद्धि)

ज्ञान आदिषी भवेत्. देवता ज्ञानवत् लोक. the world of omniscience etc. अ० १, २; -- विबुध. पु० (-विबुध) पामेय भवेत् ज्ञानपी ज्ञानवत् भवेत् ज्ञान के बाँध बाधा के क्षय का विवर्धन करना. showing reverence towards the five kinds of knowledge. अ० २, ४; -- विबुधपरिहीन वि० (-विबुधपरिहीन) ज्ञान आवाक्या रक्षित ज्ञान आवाक्या के क्षय devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge अ० २, २०; -- विराट्का जी० (-विराट्का) ज्ञानपी विराट्का क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान की विवर्धन करना, ज्ञान का क्षय करना. act of offending against right knowledge i. e. refuting it. अ० १; -- विविध. यक्षाज्ञान पु० (-विविध. यक्षाज्ञान) ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. act of entering into false and vexatious discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvaraṇya Karma. अ० २, ४; -- विविध. जी० (-विविध) ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञानपी क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. ज्ञान के क्षयेऽप्यस्य भवेत्. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of knowledge by practice. अ० १०;

—संका. जी० (कर्तुं) ज्ञानना विषयमा
संका द्वितीये ने. ज्ञान के विषय में संका
करना. doubt or misgiving
in the matter of know-
ledge सू० १, ११, १: —संपन्नस.

वि० (-जन्मन्) ज्ञान संयमः, ज्ञानभा
 पूज्. ज्ञान संयमः; ज्ञान में पूर्ण. perfect
 of knowledge; perfect
 in knowledge. अण० २, ३; २३, ३;
 —संयमंयुया. जी० (-जन्मन्) ज्ञानं
 संपादन. ज्ञान का संग्रहण. acquire-
 ment of knowledge. " वाच
 संग्रहणाय सं यजेत : जीवे हि मयस्य "

उत्प. २६, २७; अग. ११, ११

साङ्गुता. पुं० न० (साङ्गुत) नाना प्रभारः
 नानाभावाः नानाप्रभं विविध प्रकारः विविध
 भावः विविधता. Variety; difference;
 state of being different or
 having difference. भग० १, १; २;
 १, १; १२, ७; १०, १; १६, १; २०, १;
 २६, १; २६, २; मावा० २; पञ० १२; मे०
 प० २, ११०; १, २६; ७, ७, ११६;

वाक्पत्रकार. वि० (नामाप्रकार) नाम
 प्रकारः विविध. विविध प्रकारका; विविध.
 Of various modes; of different
 kinds; strange न० १, ११, १;

वाक्का. ज० (वाक्का) नाना प्रकार; अनेक;
 विविध विविध प्रकार; अनेक विविध ले.
 Various; of various modes or
 forms. वाक्का० १; ७; ६; जव० १, २;
 व० १; १२, ६; राव० ४२; जोव० १५, ३३;
 उल० १, २; अलुलो० २४; प्र० १० २,
 ११४;

कालागार. पि० (कालागार) विविध
 आकारों के विविध आकार का. Of various
 shapes; bearing various shapes

or forms. प्र० ११२०;

कालाभोस पुं० (कालाभोस) नामा प्रभारना
 आर० १७८-२४३ विविध प्रकार की आवाज -
 स्वर. Various kinds of sounds
 or tunes. अम० १, १;

वाक्याच्छब्दः त्रि० (नामाच्छब्द-नामा विद्यः
 व्युत्पत्तिमित्राद्यो वेदा न सन्तः) नामा प्रकृत्या
 भिन्न भिन्न २०६-अभिप्रायवासा; लुप्त
 लुप्त अभिप्रायवासा. विविध प्रकार के
 मित्र २ २०६ अभिप्राय वासा; मित्र मित्र
 अभिप्राय वासा of various, differ-
 ing opinions or likes and
 dislikes. सूच० २, २, १०१

वाक्वाङ् वि० (वाक्वाचं) नाम्ना प्रकृत्या
अर्धं छेदनात्; अनेक अर्थवात्. वाक्
प्रकार के अर्थ वाक्वा; अनेक अर्थ वाक्.
Possessed of, bearing various
meanings, homonymous. अ० १, १;

कालादिदि. वि. (कालादि—कालादि दृष्टि-
 दर्शन के लिये) (भिन्न भिन्न दृष्टि-
 दर्शन) आदि. भिन्न भिन्न दृष्टि दर्शन काला.
 Possessed of, various creeds;
 possessed of various points of
 view. सूच. १, १, १०;

साक्षिदेस त्रि- (मानादेश) नाना प्रसार-
जुस जुस देसना वनी मानाप्रकारमिज
मिज देस के वनी. (Persons) re-
siding in various countries. अम-
१, ३३;

वाङ्मयस्य वि० (वाचावृद्ध -- वाचावृद्धरा
 विविधवृद्धरावात् प्रवृद्धवृद्धवृद्धवृद्ध
 प्रवृद्ध वा विविधा वेदां वेदां) ॥१॥
 प्रवृद्धा नी भति ॥१॥ विविध प्रवृद्ध की
 मति वाचा. Possessed of various
 moods of intellect. सू० १, २, ३०;

શ્રી: શ્રી: વિદ્યુત વિ. (વાવાવિદ્યુત) અને:

प्रकारेणा आदरादि विषयमां आसक्त
अनेक प्रकार के आदरादि विषय में आसक्त
Attached to, passionately fond
of various kinds of food etc.
“ वाक्यामयिदया दया तेन पुनर्नि वाहुयो ”
दश० १, २;

वाक्यामयि. पुं० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
मयि. नाना प्रकार के रत्न Various
kinds of gems “ वाक्यामयि कथय
रत्न विमल ” ग००

वाक्यामयिरत्न न० (वाक्यामयिरत्न) नाना
प्रकारों मयिरत्न. विविध प्रकार के मयिरत्न
Various kinds of excellent
gems. वि०० २;

वाक्यामयि न० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
युक्त नाना प्रकार के फूल Various
kinds of flowers “ वाक्यामयिविषय ”
ग०० त्रि०० १.

वाक्यामयि वि० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
धर्मांगुष्ठान यत्न. नाना प्रकार के धर्मांगुष्ठान
वाक्या. Performing various kinds
of religious practices. ग०० २,
३, १०;

वाक्यामयि वि० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
अभिप्राय प्रत्यय विविध प्रकार की राय
अभिप्राय वाक्या. Possessed of,
having various kinds of opi-
nions or likes and dislikes. ग००
२, २, १०;

वाक्यामयि न० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
ना प्रकारों अंगुष्ठान अंगुष्ठान. नाना प्रकार
के अंगुष्ठानों अंगुष्ठान अंगुष्ठान. Various
observances such as Ka etc.
ग०० १, १;

वाक्यामयि. पुं० (वाक्यामयि) ज्ञानावरण;
ज्ञान भाव दृष्टिमां आते आनन्द आदिम-

भानु पदेयु ६५. ज्ञानावरण, ज्ञान ज्ञान
कार्य में विघ्नकारी जात कर्मों में से पहिला
कर्म. The first of the eight divi-
sions of Karma called know-
ledge obscuring Karma. दश०
१, १२, १३, वाक्या० १.

वाक्यामयि. न० (वाक्यामयि) ज्ञान
अभिनने ज्ञानावरण आदि ६५ भाग पदेयु
६५. ज्ञान शक्ति को दबाने वाला जात कर्मों
में से पहिला कर्म The first of the
eight kinds of Karma viz.
that which obscures or checks
the power of acquiring know-
ledge वाक्या० १०; १२, १३, ग०० २,
३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३.

वाक्यामयि. वि० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
अनेक प्रकारों नाना प्रकार का अनेक
प्रकार वाक्या. Of various kinds; of
different kinds. वाक्या० ११, १२; ग०
१, १२, ग०० १०, ११, १२; वाक्या० १,
त्रि०० १;

वाक्यामयि वि० (वाक्यामयि) नाना
प्रकारों अंगुष्ठानादि. अंगुष्ठान अंगुष्ठान
अंगुष्ठान नाना प्रकार के अंगुष्ठान वाक्या; विभिन्न
विभिन्न आकार का. Bearing various
shapes or conformations ग००
१२, १३;

वाक्यामयि. वि० (वाक्यामयि) नाना प्रकार
अंगुष्ठानादि अंगुष्ठानादि. अंगुष्ठान अंगुष्ठान
अंगुष्ठान नाना प्रकार के अंगुष्ठान वाक्या.
Given to various kinds of (re-
ligious) practices or por-
formances. ग०० २, २, १०;

वाक्यामयि. पुं० (वाक्यामयि) ज्ञानि; अंगुष्ठानादि
अंगुष्ठानादि अंगुष्ठानादि. ज्ञानि, अंगुष्ठान अंगुष्ठान
अंगुष्ठान का अंगुष्ठान वाक्या. A person

possessed of right knowledge;
a true philosopher. अम० २, १;
५, २; ११, १; १६, १, १८, १; २८, १;
२९, १; अम० २३२;

ज्ञान. पुं० (ज्ञान) पञ्चविंशतिमां ज्ञान
धर्म. संसारसंघर्षे उत्पन्न. Born
in a particular family. भाषा०
५; (१) अं नाम्नां अं अयं पुंस्ये
के मां महावीर स्वामी उत्पन्न भवा दत्ता.
इह नामका एक जातं कुल किं त्रिमये
महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे name of
an Ārya (civilised) family
in which Mahāvīra Svāmī
was born. अम० १, (१) त्रि०
ज्ञान पुंस्यमां उत्पन्न धर्म. ज्ञान कुलमे
उत्पन्न. born in the Jñāta
family अणुको० १११;

ज्ञानकुमार पुं० (ज्ञानकुमार) ज्ञानविशाल
अं रात्र्युपर ज्ञान संस्था एक रात्रकुमार.
A prince born in the Jñāta
family. भाषा० ८.

ज्ञानकोट. न० (ज्ञानकोट) अं नाम्नां
अं पुंस्ये के मां महावीर स्वामीने दीक्षा
लीयी दत्ता. इह नाम का एक वन किं
महा महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी.
Name of a forest where
Mahāvīra Svāmī was initiated
into religious order. अ० १०;

ज्ञानि. जी० (ज्ञानि) स्वयंभू; सम्पत्ति.
स्वयंभू; विरतेदार. A caste-fellow;
a relative. अम० २, ५, १०;

ज्ञान. पुं० (ज्ञान) ध्वनि; अशब्द. शब्द;
आवाज. Sound; loud sound. जीवा०
१, ५; अ० ५० १६;

ज्ञानित. वि० (ज्ञानित) नाह हरेय; अशब्द
हरेय. नाह दियाहुका; आवाज दियाहुका.

Sounded. अम० १६, ५;

ज्ञानित. वि० (ज्ञानित) अशब्द; अशब्द
हरेय. देवो ऊपरका शब्द. Vīdo above.
भाषा० १;

ज्ञानि. जी० (ज्ञानि) भाषाये अं भाष. नाह-
हरेय का एक भाष. A particular
part of a cart. 'मंतकट्टीय नावी का'
अम० २, २८; (२) नाभि; पुं०. नाभि;
हरेय. the navel अं ५० २, ११८;
भाषा० १, १, २, १६; जीव० १०; जीवा०
१, १; (३) पुं० अशब्द; अशब्द
पितामह नाम; पं०. भाषाये. 'अशब्द-
देवयभु के पिता का नाम; पं०. हरेय
name of the father of Lord Ri-
ṣabhadeva; the 15th Kulakara.
अम० ५०२२६. --दृष्टव्य. वि० (-अशब्द)
नाभिमांसी उत्पन्न धर्म. नाभि मे से उत्पन्न.
born from the navel. तं० --दृष्ट-
हरेय. जी० (दृष्टहरेय) नाभिमांसी नाभि.
नाभिमांसी नाभि. the navel duct or
canal. तं०

ज्ञान. पुं० न० (ज्ञान-ममं नामः) परिष्कार;
आवृत्ति; संज्ञा विज्ञान. परिष्कार; आवृत्ति; संज्ञा
विज्ञान. Sense-perceptions and
their objects; substance; a par-
ticular name. " क्व विज्ञेयं मंते ज्ञानं
वक्तव्ये " अम० २२, ५, ६; १, १, १०, १;

ज्ञान. अ० (ज्ञानम्) आश्रय; आवृत्ति.
आश्रय. आश्रय; आवृत्ति. An
expletive used as an ornament
of speech or completing metre.
अ० ५, १; अम० १, १; (२) अ०
अभिधान; नाम. अभिधान; नाम a
name. अं ५० २, ११२; ११३;
राव० १६; १२; विवा० १; भाषा० १; ५;
४; २; ५; ६; १२; १४; १६; १६; जीव० ११;

वच० १: (१) जेना येने सरीर, ३५, भाषि, आपति, लति यमेरे साररिह संपति शुभ हे अशुभ प्राप्त थाप छे ते नामधर्म. जिनके योग से सरीर, रूप, बनावट, जाइति, जाति इवारि साररिह मण्डि शुभ वा अशुभ प्राप्त होनी हे वह नामधर्म. Karmas by the rise of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc. of a soul are determined. वच० १० भव० २६, ६; २६, १, जोव० १०; (२) संभावना. संभावना an indolent expressing conjecture, probability etc. भव० १, १:—जोकि य भि० (-जडिग) न भासित; नामधर्म नाम-वाला. having a name; marked by a name. वावा० १६. -इंद्र. पुं० (इन्द्र) नामने छे. जेना छेना भुजु नपी पजु केवम नाम जेना छे ते. नाम का इन्द्र जिनमे इन्द्र के गुण नही हे परंतु केवम नाम जिनका इन्द्र हे वह one who is Indra in name only. अ० १, १:—कडम. न० (-कडम) नामधर्म; आठधर्मभानु मू० धर्म. नाम धर्म; आठ धर्म मे से कुछ धर्म the birth of the eight kinds of Karmas "अष्टमधर्म दुर्विद्वद्वचन" अ० १, १, भव० १२:—कडम. न० (-कडम) नामधर्म सरीर; अरुमा दितमे आठधर्म नाम रथापयुं ते नामधर्म मंडार, वाइवें जिनके वाकड का नाम स्थापन करने का किया. the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth. वावा० १; २:—मुक्त. न० (-जीव) नाम जने जेनाधर्मनी प्रति हे जेना

उदयपी आध्या साश या नरसां नाम योय धामी छे. नाम जीव जीव धर्म की प्रकृत कि जिनके उदय से जाता शुभ वा अशुभ नामधर्म प्राप्त कर छे. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc. व० १० ११; वावा०—जीव. न० (-जीव) ज्यो. ज्यो. स० ६. रंको ऊपरका स० ६. vide above वावा० १२; वावा० ५० दवा० १०, १:—जंमज्ज व. न० (-जंमज्ज) नामपी अनन. नाम से जंमज्ज one endless in names; one named endless अ० १, १: १०. —दुदित. पुं० (-दुदित) नामने पुन अथवा जेनुं नाम पुन छे ते नाम का पुन अथवा जिनका नाम पुन हे वह a man in name only; (one) bearing the name "Man" अ० १, १:—जोम. पुं० (-जोम) नामने ओम; जेनुं नाम जोम शब्दवाचा आधुं होय ते. नाम का जोम; जिनका नाम जोम रकमेले जाया हे वह Lok or world in name only; (one) bearing the name a Lok or world. अ० १, २:—जग. पुं० (-जग) नाम भुजिने समुदाय. नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakṛiti. जीवा० १:—जीव. पुं० (-जीव—वचन जीवका जीवक वा अर्थवर्धन जीव इति नाम जिनमे क नाम-जीव: वावाजीव:) जीव जेनुं नाम पशयनर छे वा अथवा पशय. जीव देव नाम वाकड करमेकाका जीव वा जीव पशय. anything or anybody bearing

७७६. देखो " कावच " छन्द. Vide
" कावच " विही० २, १२;

कावच. पुं० (कावच) ना०; नेता; २. ११.
अधिपति. नायक; नेता; राजा; अधिपति
A leader; a king; a lord सम०
१; १०; दशा० १, १६; पद० २, ४; (२)
अज्ञातः ३२५; ३२५; ३२५; ३२५; ३२५;
one who explains e. g. a
religious text सू० १, १२, १३

कावचकथय. न० (कावचकथय) ज्ञान
सूत्रं अथवा. ज्ञान सूत्र का अध्याय
A chapter of Jñātā Sūtra.
भा० २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११;

कावचपुत्र. पुं० (कावचपुत्र) ज्ञान ४८५
७८५. अथवा; ज्ञान-प्रमाण-विज्ञान
राज्यना पुत्र महावीर स्वामी. ज्ञान वरा मे
उत्पन्न. ज्ञान प्रदान विज्ञान राजा के
पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahā-
vira, the son of the famous
king Siddhārtha; born in the
family named Jñāta. उल० १,
१०; मग० १०, ७; सू० १, ६, २४.
—कावच. न० (-कावच) महावीर
स्वामिना वचन. महावीर स्वामी के वचन.
words of Mahāvira Svāmi
दश० १०, १.

कावच. वि० (कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. (One) who knows भा० २;
कावच. वि० (कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. Worthy of being known;
act of knowing. अलु० १२०;
१३०; विही० २०, १०; मग० १०, ७;
का० ४० ६;

कावच. वि० (कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. (One) who knows भा० २;
कावच. वि० (कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. Worthy of being known;
act of knowing. अलु० १२०;
१३०; विही० २०, १०; मग० १०, ७;
का० ४० ६;

कावचकथ. न० (कावचकथ) ज्ञान ४८५
पुत्री महावीर स्वामी; ज्ञान महावीर स्वामी.

मे दीक्षा लीपी. कविप कुम्हपुर के बाहर
का उद्यान जहाँ महावीर स्वामी ने दीक्षा लीपी.
The garden outside Kṣatriya
Kumhāpura where Mahāvira
Svāmi was initiated into the
order of monks. भा० २, १, १२;
—कावच. न० (-कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. Jñātākathā. उल०
२, ११३;

कावच. जी० (कावच) ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. ज्ञानात्. ज्ञानमे
वाक्ता. Jñātākathā. उल०
२, ११३;

कावचकथ. जी० (कावचकथ-ज्ञाना-
त्. ज्ञानमे वाक्ता. ज्ञानमे
वाक्ता. Jñātākathā. उल०
२, ११३;

कावच-व. पुं० (कावच) ना०; ज्ञान. ज्ञान;
ना० The saint Nārada. जी० २०;
(२) ज्ञानपुर नगर का राजा समुद्राजय
दीक्षी. कौम्हपुर नगर का राजा समुद्र
विजय का पुत्र. name of the son of
Samudravijaya the king of

Souryapura. जोष० (१) ३-५१-ना
अ३३२ने अपिपति मं५१. गन्धर्व के सरदार का
अधिकारी गन्धर्व the Gandharva
commander-in-chief of the
army of Gandharvas. अ० ०;

कारवपुत्र. पुं० (कारवपुत्र) अथवा महावीर
श्यामीना ओ नामना ओ३ शिष्य जनवान्
महावीर स्वामी का इन नाम का एक शिष्य
Name of a disciple of lord
Mahāvira. अ० ४, ५;

काराच. न० (काराच) साम सामे मे १२१ने
म३६ अ५; ७ स ५५ अ५मां १ीं ५ स ५५
आमने सामने दो वस्तुओं का मंडल वंश
वः संवयव मे से दूतीव संवयव 'The
third of the six kinds of phy-
sical constitutions in which
the bones are loosely tied to-
gether by the sinews. अ० १० जी३० १

काराचक्षु. पुं० (काराचक्षु) १३२५ रामना
पुत्र रामना काष्ठ अक्षमभुजं अपर नाम;
अरत क्षेत्रना आ अरसिपिंधीना अ३मां
वासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के माई
लक्ष्मण का अग्र नाम; भरत क्षेत्र की इस
अवस्थिती का जाठवा वासुदेव. Another
name of Laxman, son of
Dāśaratha and brother of Rāma
the 8th Vāsudeva of Bharata-
keetra in the current Avanta-
pini. अ० १११६; अ० ०

कारिकेता. जी० (कारिकास्ता) नीधरंत
परंतपी नीधरी उत्तर तर १२५३वास
क्षेत्रमां ओती ओ३ म३नदी. नैलवंत परंत
से निकलकर उत्तर तरफ रम्यकाल क्षेत्र मे
बहती हुई एक महानदी. Name of a
great river issuing from the
Nilavanta mountain and flow-

ing in the north into Rama-
kavāsa Ksetra. अ० १, १२२; अ०
अ० २, १;

कारिकेताकूट. न० (कारिकास्ताकूट) नीध-
रंत परंतपुं ७३ १२ नैलवंत परंत का
छठम कूट The sixth summit of
th Nilavanta mount. अ० ६;

कारी. जी० (कारी) नारी; ओ नति. नारी;
औ जाति. A woman; womankind.
सूत्र० १, १, ४, १९;

कारिकेता. जी० (कारिकास्ता) लुओ
" कारिकेता " अ० १ रेखो " कारिकेता "
सदर. Vide " कारिकेता " अ० १०

कास. न० (कास) १५५ अ३ने १३३; १३
७५३ने आम. कमल कारि का रंका; कंद
के ऊपर का भाव. A stalk of a lotus
plant etc. काश० १, १, १, ५; (१)
नाम; १३३. नास; हुंसी the navel. अ०
५० १, ११४;

कासंद्विउग्र. न० (कासंद्वीव) सुप्रमंथ
सूत्रना पीन सुप्रमंथना ७३३ अ३अनं
नाम. नृवगडां वृक्ष के द्वितीय अंतस्त्व के
छठे अध्याय का नाम. Name of the
6th chapter of the 2nd Śrūta-
skandha of Sūyagadāṅga
Sūtra सूत्र० १, ६;

कासंदा. जी० (कासंदा) ओ नामने १३०-
२३ अ३ने ओ३ अने. राजवद नगर
का एक मार्ग; इन नाम का एक मोड़ना.
Name of a street of the
city of Rajagriha. सूत्र० १, ७, १;

कासंद्विउग्र न० (कासंद्वीव) नासंद्वीव नामे
सुप्रमंथ सूत्रं १३ पुं अ३अन. कासंद्वीव
नाम का नृवगडां वृक्ष का १३ वां अध्याय.
The 23rd chapter of the Sūyagadāṅga Sūtra so named. अ० १३;

काशियर. गुं. (कारिकेय) नाथीमेरी,
नाथीमेरी गुं. कारिकेय का दूध. A co-
conut tree. वन० १; भाषा० २, १,
१, व; ग्रं० व० भाषा० ६; (२) व० तेना
६३; (नाथीमेरी). उल के फल; (कारिकेय)
A coconut tree गंधी० भाषा० ६;
—निष्क. व० (-केय) नाथीमेरी गुं
तेन; टापेरी गुं तेन. कारिकेय का तेल
coconut oil. भाषा० ६; —अश्वत्थ.
व० (-अश्वत्थ) नाथीमेरीना गुं: टापेरी
आम कारिकेय के दूध का ऊपरका हिस्सा.
the top of a coconut tree.
भाषा० २, १ १, ८;

मासिपत्र. न० (मासपत्र) नः १५५-१५६
 पृष्ठ १५; १५५ १५६ भा. १५६. १५६ १५६
 १५६ १५६; १५६ १५६ १५६. A flower
 growing on a stalk पद १;

कालिका. ली० (नादिका) १५४ आदि-
 ६६; नादिका. कमल आदि की डी.
 A stalk of a lotus etc. सं० ८;
 वि० १, (२) वृ० ६६. वृ० की०
 gambling. भ० १, ०, २५०
 १, १, १०; (२) १५-पु० नाम० ३५.
 कलम्बुका नाम का वृक्ष. a tree named
 Kalambukā. वृ० १० वृ० (१) अं
 नाम० ३५. इस नाम की वेल name of
 a creeper. प० १:—वृक्ष. व० (१५४)
 नादिका-६६ नाम १५. डी०वाले फूल. a
 flower growing on a stalk. प० १:

શાસિયાએટ-૩. ૧૦. (કાલિકાંઠર) ધૂન
 ઠીસ ત્રિયે; એ પ્રકારનો ભુખાર. જન
 ધીરા રિયે; એ પ્રકાર ના મુશ. A
 kind of gambling. ૧૦. ૧૦.
 કાલાં (૨) . મેદોની મનિ લમનપાને મારે
 પછી જેવી નથી ગમતપણા આવે તે. મદો
 એ મનિ આવેલી પછી જેવી નથી. a con-

trivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. वाच. १०; (४) अथ अग्निर्वा नाभिरा उदयानी इति. कश्चिज्जादि वा उदरी कायदेव कला. the art of cutting stalks of lotuses etc. वाच. १;

જાણી. જી. (જાણી) વખત માપવાની યંત્રી.
 સમય માપવેંદી યંત્રી. A chronometre
 યંત્રાંશ ૧: (૧) એક જાતની યેલ, દર
 પ્રકાર દ્વારા યેલ, a sort of crozier.
 વજન ૧;

लुपता जी० (बी) नाव; पदार्थ; १८८१७.
 नाव, जहाज A ship; a boat.
 नावा० ८, ९, १६; अण० १, १; ४, ८; पत्र०
 १६; मू० १० १०, मू० १, १, २, ११, निरी०
 १८, ११, १७, २०; सं० १, ६, अं० १०
 ७, ११६; १, ६४; ६२; —उत्सिखक.
 न० (-उत्सिखक) नावानी अर्थात् पाणी
 अस्तरणन ते पुंसिथानां हाथ में ये.
 जहाज में पानी एकत्र हुवा हो उसे बाहर
 निकाल कर फेंकनेका बरतन सामरी इत्यादि.
 a bucket etc. used for pumping
 out the water that accumulates
 in a ship. निरी० १८, १७ —नव.
 नि० (-नव) नौकायां अर्थात् नौका में बैठ
 हुआ. seated in a boat: on board
 a ship. निरी० १८, २०; —वसिष्ठ.
 पुं० (-वसिष्ठक) नाव दारा व्यापार करने वाला. A
 naval merchant. नावा० ८; १०;
 —संसारिण न० (-सेनार्थ) नौका पदार्थ
 यात्री को लेनेवाला पाणी. जहा जहाज
 वन लड़े उगवा पानी. a navigable
 river, stream etc. नावा० १, १, १, १;
 वासिष्ठ. पुं० (वासिष्ठ -वासा जीवधि

काविकः) नाविक; नौका यथायनार; 'उदाय
यथायनार. नाविक; नौका यथायनार; उदा-
या; नौका. A sailor; a boatman
भावा० ६, भग० २, ४;

काविका. जी० (नौका) नौका; उदाय
नौका; उदाय. A boat, a ship. भग०
२, ४;

कास पु० (नास) नास नाक The nose.
भग० ११;

कास. पु० (स्वास) स्वास; कास स्वास;
धरोन. Putting down; laying
down; a deposit. भग०

कासा जी० (नासा) नासा; नास; नासिका.
नाक; नासिका. 'The nose जोव० १०;
भावा० १, १, २, १६; सं० ५० जीवा० १, १.
निजी० ४, २०; -कलेयज. न० (-कलेयज)
नासुं मेदन ३२; ते. नाक का मेदन. act
of piercing, cutting off the nose.
भावा० २; -गिर्यास्योउम. त्रि० (-नि.
कासका) नासना पीमा आसपी ५५ उड़ी
२५ ते ६५३ नाक के पीमे आस से जी
उदकाय एवा हलका (anything) so
light that even a gentle
breath from the nose would
cause it to move. भग० ६, ११;
जीवा० १, १; -गिर्यास्य. न० (-नि.
कास) नासिकाते वायु नासिका का वायु
breath exhaled from the nose.
भावा० १; -पुड. पु० (-पुड) नासा पुड;
नासना होयजा-नसोउर. नाक के पुड. the
nostril. भावा० १४; -वंध. पु० (-बंध)
नासुं आंधुं ते. नाक को दाबना. act
of closing up the nose. भावा० १०;
-मेव. पु० (-मेव) नासिकां ३६३३
ते. नासिका में छिद करना. act of
perforating the nose. पद० १, १;

कासिकापुर. न० (नासिकापुर) मोदारी
नदीनी दक्षिणे आवेत्तु के. नासुं नगर.
मोदारी नदी के दाहिने में कासा हुआ इस
नाम का नगर. Name of a town in
the south of the river Godavari.
नदी०

कासिकापुर. न० (नासिकापुर) नुओ "का-
सापुर " सं० ६. देवी " कासापुर " शब्द.
Vide " कासापुर " भावा० ६;

कासिकासिकासु न० (नासिकासिकासु)
नासो मेम; लीट, गुंमा ५३२. नाक का
मल Dirt of the nose. नंद०

काह. पु० (नाह) नाह; पक्षी; रक्षक ३२-
नार; आश्रय आपनार; योगक्षम ३२नार.
नाह; स्वामी; रक्षक; आश्रय दाता; योगक्षम
करने वाला. A lord; a master; a
husband; a protector; a support-
er. भावा० ६; उल० २०, ११; भग० १;

कि ज० (नि) पधारता अर्थभा; निमय
विरोध के अर्थ में; निमय. An inde-
clinable used to express the
sense of " In addition to, "
'Indeed' विवा० ६;

किज. त्रि० (निज) स्वकीय; अपना. निज का;
अपना One's own; belonging to
oneself. सू० ५० २०;

किजग. त्रि० (निजक) अपना; स्वकीय.
अपना; स्वकीय. One's own; belong-
ing to oneself. जोव० ११; सं० ५०
५, १११; २, ११;

विजयिवाह. त्रि० (विजयिवाह) आठवा
अध्यायनाम ११ नार. आठवें गुह्यस्थानक
में रहने वाला. One who has attain-
ed the 8th Gupasthānaka, or
stage of spiritual evolution.
सम० २०;

विश्वविद्यालय. जी० (विद्युति) भाषा; भाषा.
ठगार्ह; धोखा; धावा. Decoit; mean-
ness. ओप० १४;

विश्वस्य. न० (विमल) धमनी भेदी; भेदानी
म. ३५ पैर की बेहिया; लोहे की सांकेत.
Iron chains, fetters. ओप० १४;

विश्वस्य. त्रि० (विश्व) निरुप; विश्व २२ भाग
वायु; अविनाशी. निरुप; विश्व स्वभाव
वाला; अविनाशी. Permanent;
steady; everlasting. सूच० १, १,
४, ६; प्र० प० ७, १०२;

विश्वस्य. त्रि० (विमल) निरुप-निमित्त
मुक्तवायु. निरुप-निमित्त मुक्तवायु. Pos-
sessed of effective merits or
virtues. पं० ११, २०;

विश्वस्य. त्रि० (विमल) निरुप; दोषित; २२
भाग; अमर. भाषा. निरुप; दोषित;
कुशल; अमर; अमर. Clover; effici-
ent; skilful " संविश्वस्य वायु
निमित्त दूध धर्म" उच० ६, २०;
भाषा० १, १; ६, पं० २०; २०; २०;
२२, २०, सू० प० १, २०; --उचिष्य.
त्रि० (-उचिष्य) निरुप (दोषित) अना-
देन निरुप शिष्टी मे वनावा हुका. Made
by a skilful artist. भाषा० १;

--कुशल त्रि० (-कुशल) धमनी अमर-
निरुप. अति अमर-निरुप very clever;
very skilful. सूच० २०; --अमर-
निरुप.

त्रि० (-अमर-निरुप) अमर नीतिनो विचार
करना. सूचन नीति का विचार करने वाला
(one) devoting attention to
fine or minute points of ethics.

पं० २, १; --कुशि. जी० (-कुशि)
अमर कुशि. सूचन कुशि. sharp intel-
lect. पं० ११, २०; --मिच्छोपनय.
(-मिच्छोपनय) मिच्छोपनय आदिमा १४४

अपेक्ष. विमलकला आदि में कुशल.
(one) trained or skilful in
a handicraft etc भाषा० १;

विश्वस्य त्रि० (विमल -- विमल) सूचन
भाषा में वनावायु विमलकला.) सूचन
भाषा. सूचन भाषावाला. (One)
possessed of expert knowledge.
"मर विश्वस्य वायु वनावा" सू० ६;

विश्वस्य. त्रि० (विमल) भाषा ३२४;
मिच्छोपनय विमलकला, विमल. Set
about; started; planned भाषा० ६;

विश्वस्य त्रि० (विमलकला) निमित्त
अमर विमलकला त्रि० A content
being residing in the Nigoda
class of vegetation. त्रि० ६.

विश्वस्य त्रि० (विमल) अमर-निरुप त्रि०. एक
प्रकार का वृक्ष. A kind of tree भाषा० ४;

विश्वस्य त्रि० (विमलकला) अमर-
निरुप. A group, a collection "मर-
महामर विश्वस्य वृक्ष" भाषा० १, ११;
(२) त्रि० २४ विमल वृक्ष विशेष. A
particular kind of tree. भाषा० ६;

विश्वस्य त्रि० (विमल) व्यापार; क्रिया.
व्यापार; क्रिया Process, action.
प्र० १०

विश्वस्य त्रि० (विमल) आना. सूचन.
आना; हुक्म. Order; command.
प्र० १० ६, ११७; पं० ६, २०;

विश्वस्य त्रि० (विमल) अमर शरीरमा
अमर-निरुप दोष अमर-निरुप; अमर-
निरुप एक शरीर में अनन्त जीव हो
देवी अनन्त. A vegetation with
infinite lives in its body. प्र०
२१, २;

विश्वोप-स. त्रि० (विमल) अमर-
निरुप. देवी अनन्त वृक्ष. Vide above.

पत्र० १; १; जीवा० ६; (२) कुटुम्ब
कुटुम्ब. a family. सं० १०

विन्दव. न० (विन्दव) निन्दा करती; देखना
करती. निन्दा. Act of censur-
ing. नावा० २; मग० १०, १; (२)
पश्चात्ताप. act of repent-
ing. penitence. नावा० १६;

विन्दवत्या जी० (विन्दव) अपना काम
के दोषों की निन्दा करती है. अपने दोष का
काम की निन्दा करना. Act of cen-
suring or adversely criticising
one's own Karman or faults.
मग० १०, १;

विन्दवा. जी० (विन्दवा) निन्दा, निन्दन;
देखना करती. निन्दा; निन्दा करना, अवगणना
करना. Censure; act of censur-
ing; speaking ill of. जीव० ४०;

विन्दवित्त. वि० (विन्दवित्त) निन्दा
योग्य; निन्दा करने योग्य. निन्दा करने
योग्य. Deserving censure;
censurable नावा० १, १४;

विन्दिया. जी० (विन्दिया) जेमा जेका वार
बास पमेरे निन्दाओं आवे ते कुम्भि.
जिसमें एक बार बास इत्यादि बीजोंमें
जाता है वह कुम्भि. Cultivation of
land requiring weeding out
of grass etc. once &c. &c.

विन्दु जी० (विन्दु) मृत्प्रायः स्त्री; भूत
आश्रयों जन्म आश्रयों भाता. मृत संतति
जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने वाली
माता. A woman who gives
birth to dead children सं० १, २;

विन्दु. पु० (विन्दु) शीमेला. निम्ब का वृक्ष.
A Nimba tree. वृक्ष० १; मग० १०,
६; ११, १; (१) म० शीमेला; शीमेला
१४. निम्बोली; निम्ब के वृक्ष. a seed of

a Nimba tree. वृक्ष०

विन्दुवित्तिया. जी० (विन्दुवित्तिया) शीमेली;
शीमेला का निम्बोली, निम्ब के वृक्ष.
A seed of the Nimba tree.
नावा० १६,

विकार पु० (विकार) समूह. समूह. A
collection; a group नावा० १;

विकारिय. प्र० (विकार) मृत्प्रायः म०
मृत्प्रायः मृत्प्रायः मृत्प्रायः मृत्प्रायः
हुआ. Drawn out like a wire
from a die. जीव० १०;

विकारय. प्र० (विकारय) मृत्प्रायः मृत्प्रायः
बीजों, दाहरण इत्यादि; जन्मदाता वृक्षों
वित्तु) देव उदाहरण आदि में निम्ब वृक्ष.
Established or proved with
the help of logical reason, illus-
tration etc. मग० १० ११६, (२)
निश्चित; दृढ़ नदि तेजु निश्चित; न
टूट देता. firmly fastened, such as
would not break ' चरन्निहे विकार-
दृष्ट वृक्षते ' &c. ४, २;

विकारय. पु० (विकारय-निर्गतः काय जीवार्थिका-
इतिर्वचनाद् वाच्यम् वा मति स विकारयः)
मोक्ष. मोक्ष. Salvation. नावा०
१, १, १, १०; (२) मृत्प्रायः. अप्रकाश
तेजःकाय, वायुकाय, वनस्पतिकाय, अग्नि
काय, अकाशकाय, तेजकाय, वायुकाय, वनस्पति
काय, और असंख्य इन छः प्रकार के जीवों
का समूह a collection of the six
kinds of sentient beings viz.
those with bodies of earth,
water, fire, wind, vegetable,
and imobile sentient beings
(Trāsikāya). जीव० १४; वृक्ष० १,

४, १; वच० १२; वच० ४; —पडिबसव
वि० (-वसिबस -विमिबः कय चौदारेक
अविबसवार् वसिबस वा लवि व विकारो
मोचः सं वसिबसो विकारमांसवस) मोक्षने
आम भवेध. मोच को प्राप्त. (one)
who has attained salvation
जावा० १, १, १, १८;

विहाव. पुं० (विहाव -विकारयं विहावः)
निमंत्रय ३२५; आमंत्रय ३२५.
निमंत्रय करवा; आमंत्रय करवा Act
of calling or inviting. सम० १२;
विहाव. सं० क० च० (विहाव) २५. पी
ने स्थापन करदे Having establish-
ed; having placed. " विहाव समं
पनेवं वनेवं पुष्पिस्सामां " जावा० १, ४,
१, १११;

विकुञ्चिब सं० क० च० (विकुञ्च) शरीर
नीचु करीने. शरीर को कुञ्चका. Hav-
ing bent or lowered the body.
विही० १७, २१;

विकुञ्च. न० (विकुञ्च) समूह. समूह.
A group; a collection. मोक्ष० भग०
१, १; भावा० ७; (२) काली मेघवटा.
काली मेघवटा. a series of black
clouds; जीवा० १, १;

विडेव-व. पुं० (विडेव) आवास; घर. आवास;
घर. A house; an abode. जावा० १६.

विह वि० (*) शुद्ध. मेघवटा
शुद्ध; निर्मल. Pure; free from dirt.
जावा० १;

विहिकर. वि० (विहिकर) निरावरोध;
आवरण रहित. निरावरण; आवरण रहित.
Uninterrupted; free from any

obstacle. सम० जीवा० १, ४; —वहाव.
वि० (-वहाव) निरावरोध-आवरण
रहित प्रकाशवान् निरावरण आवरण रहित
प्रकाश वृक्ष. having uninterrupted
light. जावा० सं० व० १, १२;

विहिकरिब. वि० (विहिकरिब) अन-
वरोधनी आकाशा रहित. अन्य दर्शनको
आकाशा रहित. (One) free from a
desire of knowing or practicing
another creed. मू० १, ७, १६;

विहिकर. वि० (विहिकर) दुःख; शरीरवाले.
दुःख ल शरीरवाला. Loan; reduced.
झ० ४, ४, (५) उदार भेदने. बाहर लावा
हुआ drawn out जावा० १४;

विहिकर. वि० (विहिकर कः कः कः कः कः
निर्मलः कामाचार (विहिकर) शरीरवाली
उदार शरीर भेदने बाहर निकाला हुआ.
Taken out from a forest;
led out of a forest. " कः कः कः
विहिकर कः कः " झ० १, १;

विहिकर पुं० (विहिकर-विहिकरः कः कः
विहिकर) मोक्ष मांछ. Salvation. (२)
संवर. नवर cessation of the
influx of Karma. " विहिकरवर्षा इह
महिर्दि " जावा० १, ४, ४, ११८;

—वि० (-विहिकर -विहिकर) मोक्ष
मार्ग वा सं प्रवृत्त जीवमन्वेति विहिकर-
विहिकर) मोक्ष मार्गने प्रवृत्त. १४
प्रवृत्त जीव. मोक्ष मार्ग को जानने वाला;
कर्मबंधन से मुक्त. (one) who knows
the path of salvation; freed
from Karminic bondage. जावा० १,
१, ४, ११८;

a dramatic representation ex-
hibiting scenes of festivity
celebrating the Dikṣā of the
lord Mahāvira etc. वाच०—महिमा.
पुं० स्त्री० (—महिमा) दीक्षा भदो० स०.
दीक्षा महोत्सव. festivity of Dikṣā
i. e. initiation into the ascetic
order. वाचा० व; —सङ्कार. पुं० (—स-
ङ्कार) दीक्षाने सङ्कार दीक्षा का महोत्सव
honour paid to Dikṣā or initia-
tion into an ascetic order. वाचा० १.
कोपिप्लव. त्रि० (विप्लव) छेड़ना. भेदना.
छोड़ दिया हुआ; रखना हुआ. Kopt;
placed; put down; left. वाचा० १.
भन० १२, १; पद० १, २; (२) व्यवस्थापन
करना; संभलना. व्यवस्थापन दिया हुआ; रखना
हुआ. arranged; put in order
वाचा० २, १, १, ७; —चरक. त्रि०
(—चरक) रसोपद्रव वास्तव्यमयी पदार्थ
हृदिस्थि न दोष तेन आहृतं भवेत्पुनः ह-
नान् रसोहं के वाच मे मे बाहर निकाला
न हो उस आधार की मरिचका करने वाला.
(one) who seeks only that
food which is not taken out of
a cooking-vessel. उ० १, १;
वाच०—हूँह. त्रि० (—हूँह—विहिताः
विशेषं विज्ञास्यन्ताश्चरका. प्रागुक्तमर्थं
कारिणो वरदा विले लवा) भन० १२० अने
आपना हूँने लपनार. भन. वचन. जीरा
आवाडे हूँहके लाने वाला. (one) who
avoids sins connected with
the mind, body and speech.
वाचा० १, ४, १, ११४; —पुण्य. त्रि०
(—पुण्य) भदोकां भेदने आटे भनवेन.
पहिले भिन्न-स्वतः के लिये बनाया हुआ.
prepared in the first instance

for oneself. आवा० २, १, १, ४४.
—**सत्यमुत्सव**. वि० (—सत्यमुत्सव)
नेत्रं यस्य आदि सत्यं त्यज्जीयां ह्येव ते.
इत्यनेन आदि आदि सत्यां को त्याग दिया हो.
(one) who has left off or
abandoned weapons such as
a sword etc. अग० ७, १.

विकल्पमात्र (३०) (विकल्पमात्र) पदाने
 स्थाने भुक्ता योग्यतायाम् रक्षता हुवा।
 Putting (anything) in its
 proper place, keeping in the
 proper place, "अन्यविद् विकल्पमात्र
 वेदाद् आचारवद् विकल्पमात्र " आचार-
 ३, १, २, २४

५. **निर्विकल्पक** भा० १.११ (वि० ७२) १४१:
नाशय ककुना, डामना To throw; to
cast out

विश्वविद्यालय नं. १४।

કાર્તિકાશિલા. નાથા- ૧૬, ધન- ૧૬, ૧;
 ૪૪- ૧, ૧૫;

विश्वामित्राय नमः १६. १:

विदिष्यद्विषयम्. प्र० (विदिष्यत्) ५५॥
 वाच्य. रत्नं वाच्य. Worth being put
 or kept. ११६० २, १।

विषयसूच. १० (निष्कृत) ५५११ विहीय.
 पर्वत विहीय. A certain mountain.
 (२) निष्कृत; स्थिर निष्कृत; स्थिर.
 steady; firm. ३० पं ३, ४२;

विकृत्यर्थः. पुं० (विकृत) राप्पत्वं ते. रचना.
 Act of putting or keeping.
 भाषा० ८१ (२) नाम स्थापनादिकेपे
 निमित्तं इत्येते. नामस्थापनादि रूपे ये विकृत
 कृता. attribution of a name
 without reference to its con-
 notation. भाषा० वि० १, २, १, १६४;
 विकृत्यर्थः. पुं० (विकृत) ग्राह्यार्थः.

कावापक. A depositor; a speaker
 नावा० ५०१; (१) रा० ५०१. act of
 keeping or putting. अ० २०, १;
 विनियोग. वि० (वि० कोष) कोष २६१.
 शांति रहित Free from agitation;
 free from disturbance. अ० २;
 ✓ विनियोग. भा० I. (वि० कोष) नीति
 निकलना. To come out; to get out.
 विनियोग. नावा० १; २; १४; वि० ७;
 विनियोग. नावा० १;
 विनियोग. नावा० १०१, १६; अ० १२, १;
 विनियोग. भा० नावा० १६;
 विनियोग. लं० ६० नावा० २; ५; ११;
 १४; अ० ११, ११; वि० ७;
 विनियोग. व० ६० नावा० १; अ० १, ११;
 विनियोग. पु० (विनियोग) व्यापारीभांति निवास
 स्थान; जहाँ व्यापारी आये-पसना होय
 ते स्थान. व्यापारियों का निवास स्थान; जहाँ
 पर बहुत से वैश्य रहते हैं वह स्थान
 A place of abode for merchants
 or traders; a place where many
 traders reside. अ० २, ४; उ० २,
 १५; नावा० १; द० ४, १६; प० १,
 १; अ० १, १; (२) व्यापारीभांति समूह.
 वैश्य समूह. a group of traders or
 merchants. अ० १, १; (१) अभिमत
 विशेष. अभिमत विशेष. a particular
 kind of vow. रा० (४) व्यापार.
 व्यापार; वैचार. trade; commerce.
 अ० १०; (२) निमित्त अर्थों को.
 निमित्त अर्थों का बोध. knowledge of
 settled principles. अ० ७, ९;
 —राखिय. वि० (राखिय) जेसे व्यापारी
 भांति रह्यो उसी भांति होय ते व्यापारीभांति
 स्थान-आवेधान. जिससे व्यापारियों की
 रक्षा की हो वह; व्यापारियों में प्रचार-

मुक्ति. (one) who has protect-
 ed merchants; a lending, pro-
 minent merchant. वि० १, ९;
 विनियोग. पु० (वि० कोष) समूह; ७०; ६५.
 समूह; ढेर. A collection; a pile; a
 heap. नावा० ५; ६; अ० १२, १; वि० १,
 १; वि० ९;
 विनियोग. वि० (विनियोग) शोधन करे.
 शोधन किया हुआ. Refined; purified.
 जीवा० १, १;
 विनियोग. वि० (विनियोग) शोधन करे.
 करे. साफ़ कर दिया हुआ. Purified
 by filtration. अ० ५० तंदु.
 विनियोग. पु० (वि० कोष) रेखा. रेखा. A
 line. प० ६० १, ६;
 विनियोग. वि० (वि० कोष) अतिशय; १६.
 अति; बहुत. Too much; excessive.
 अ० २, २; —वृद्धिसेविही. जी० (—वृद्धि
 सेविही—विक्रमचर्य वृद्धिसे वाच्य पु.
 एवं वृद्धिसे वृद्धि इत्येवंगीका विक्रमवृद्धिसे-
 विही) अ० ५० पुरतो पतिने सं १२१
 अ०. इत्यादि प्रवाचसे वृद्धिसे संग करेवाली
 जी०. a woman who cohabits with
 her husband not longer than
 the time of natural gratifica-
 tion. अ० २, २;—साह. पु० (—सा-
 विह) ६६ उपरंत सुनार. इहसे अधिक
 सोमेवासा; प्रवाचसे अधिक निद्रा सोमेवासा.
 (one) who sleeps too much.
 अ० ४;
 विनियोग. पु० (वि० कोष) परस्पर मेवा १२१
 ते आपस में मिलना. Mutual union
 or intercourse. अ० १२, ७;
 विनिवृत्त वि० (वस्त्र) ५२१ रहित. वस्त्र
 रहित; नंगा; नग्न. Naked; without
 clothes. अ० १, २, १, ६;

विनिर्दिष्ट. व० (वाक्य) नभता; नभताम्.
कर्मता; कर्मताम्. Nakedness; nudity
उत्त० २, ११;

✓ वि-निर्दिष्ट. वा० I, II. (वि+निर्दिष्ट) ५३-
३३; निम्न ३२०. पकडना; निम्न करना. To
catch hold of; to control; to sub-
due.

विनिर्दिष्ट. व० ३, ११;

विनिर्दिष्टार. वि० (विपुलीम्) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्टार. वि० (विपुलीम्) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्ट. वि० (विपुलीम्) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्ट. वि० (विपुलीम्) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्ट. वि० (विपुलीम्) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्ट. व० (निम्न) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

विनिर्दिष्ट. व० (निम्न) निम्न
३२०; २. निम्न करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
व० ४, २४;

आदि परिमल, अशुद्धि-संसार के कलहारे
वश से रहित; वाक्ता-अशुद्धि परिमल रहित
(निम्न) निम्न (वाक्ता). A Jaina
monk (or a nun) free from
the tie or fetter of internal
impurity due to passions
and also from that of
worldly possessions. वा० १, २;
२; १, १०; ११; व० १, १, १, १; १६,
२, निम्न १०, १०; जोष १६; १६, १०;
१०; जोष १, १, — अशुद्धि. पु० (अशुद्धि)
निम्न ५५५; निम्न ५५५. निम्न का अर्थ,
निम्न ५५५ the creed of the
Jainism. Jainism व०
२, १, १०; — अशुद्धि व० (अशुद्धि-
वश) निम्न १६११, निम्न आशुद्धि. निम्न निम्न-
वश निम्न; निम्न निम्न The Jaina
scriptures. वा० १; १२; १३; १४;
वा० ५०

विनिर्दिष्ट. वा० (निम्न) निम्न. वा०. A
man. " अशुद्धि निम्न ५५५ वश ५५५ "
वा० १, १, १, १; १, १; वा० १, १; १;
१०, १०; ११; ११; वा० ५०

विनिर्दिष्टार व० व० (निम्न) निम्न
१६११, १६११. निम्न ५५५ वा०, वा०
वा० वा०. Coming out; going
out. जोष १२;

विनिर्दिष्ट. पु० (निम्न) निम्न ५५५ निम्न ५५५.
Act of coming out; coming out.
वा० ५; १०;

विनिर्दिष्ट व० (निम्न) निम्न ५५५ निम्न ५५५.
निम्न ५५५ का अर्थ. A way out; an
exit वा० १;

विनिर्दिष्ट. व० (निम्न) निम्न ५५५.
निम्न ५५५. Come out; got out.
वा० १; १; १; १०; १३; १४; १६; १६;

११; मग० १, १; १०, १; सं० प० १, १;
(१) रूढ़िः, अविद्यमान, रहित, अविद्यमान
devoid of; not possessed of. डा०
१; —अग्रदन्त. वि० (-अग्रदन्त) आ
मस दांत पहल नीहोम छे रूढ़ि अये.
अनके आगे के दांत बाहर निकले हुए हैं
देना. (one) whose fore-teeth
are come out. भाषा० व;

विष्णुह. पुं० (विष्णुह) निम्नः, कमजोर
राज्यः, निर्धन इत्यादि; अनायासी प्रयत्नः
असफल. विष्णुह वन में रचना, निर्धन
करना; अनायासी प्रयत्न को रोकना. Act
of keeping under control; act
of preventing or checking; act
of checking sinful activity.
भाषा० १; ५; मग० २१२. सम० १, ११;
सं० १२; निष्ठा० १, १; मग० ०, १.
—हान्. न० (-हान्) पहला
प्रतिपक्षी रूढ़िणी पक्षीय ने निम्न स्थान
बाद में प्रत्यक्षी विनये पक्ष में जाना है
वह निम्न स्थान. the weak point by
which an adversary is de-
feated in argument डा० १;
—दोष. पुं० (-दोष) पक्षीय स्थान ३५
दे. पक्षीय स्थान वर दोष faultiness
०. p. of an argument, which
leads to defeat. डा० १०; —अग्रदन्त
वि० (-अग्रदन्त) अनायासी प्रयत्नो निर्धन
करना में प्रधान अनायासी प्रयत्नो निवेष्ट
करने में प्रधान. (one) who is fore-
most in preventing sinful acti-
vities. विष्ठा० १, १; सोप०

वेष्णुह. वि० (विष्णुह) निम्न इत्यादि.
निम्न करनेवाला. (One) who con-
trols or subdues. डा० २२, २;
विष्णुह. जी० (विष्णुह) ओ३ प्रथम

पुं० वनस्पति. एक प्रकारकी वृक्ष वनस्पति.

A kind of vegetation. पक्ष० १;

विष्णुह. वि० (विष्णुह) अविद्यमान, रहित.
(One) not possessed of merits.
डा० १, १; मग० २०५; सं० प० (२)
अविद्यमान रूढ़ि. वृक्षप्रयोगे रहित (one)
devoid of the three (super-
lative. भाषा० व; मग० १२, व;

विष्णुह. पुं० (विष्णुह) वृक्ष. वृक्ष
वृक्ष A banyan tree. सम० प० २११;
भाषा० १; (२) पक्षीय नाभिकर वृक्ष
वृक्ष वृक्ष नाभिकर वृक्ष वृक्ष the
Chaitanya tree of the first Tir-
thankara सम० प० २११; (२) नाभि
उपरी अविद्यमान सुंदर दे. व अने तेनी नी-
मेना सः पक्षीय दे. व तेनी सुंदर दे. व अने सः सः.
नाभिके ऊपर के अविद्यमान सुंदर हो और उबक
नीचे के अविद्यमान हो देना सरीर का एक संज्ञक-
वाचा. A type of physical consti-
tution in which the parts above
the navel are graceful while
those below it are plain. सम०
प० २२७; —विरिहल. न० (-विरिहल)
वृक्ष वृक्ष पक्षीय नाभि उपरी अविद्यमान
सुंदर अने नीमेना अविद्यमान दे. व तेनी
सरीर अने सः सः वृक्ष के वृक्ष के समान
नाभि के ऊपर के अविद्यमान सुंदर और नीचे के
कुत्त हो देना सरीर का एक संज्ञक-वाचा. A
type of physical constitution
in which the parts above
the navel are graceful while
those below are ugly as in the
case of a banyan tree. डा० १, १;
पक्ष० १२;

विष्णुह. पुं० (विष्णुह) वैदिक दे. व निष्णुह
दे. व वैदिक दे. व; विष्णुह दे. व. The

lexicon of Vedic words. को०-१८;
विष्वाहव. वि० (विवर्धित) १८१२-१११३३.
बाहर निकला हुआ. Came out; got
out. वावा० १२;

क्षिप्रयाव. पुं० (विष्णोर्व) वैदिक ४२४ ५४५
 ५५५. वैदिक सं (कदा कदा वज्रस्य विना.
 Falling of a thunderbolt cre-
 ated by Vaikriya procons
 जीवा० १; पञ्च० १; (२) विष्णोर्व ५५५
 विज्रस्य विना a lightning
 stroke जीवा० १; पञ्च० १, (३) अष्ट-
 नाना ४३४. वज्रस्य वोर सप्त, a peal
 of thunder. डा० १०; अथुषो० १२३;
 (४) अष्टन ५४५ ते. क्षत्रस्य वज्रस्य
 flowing of a stream. " क्षिप्रयाव
 वज्रस्य " अथ० १, १४, २३;

विध्वंसक. न० (विनाशक) दञ्जु. भा० १ ;
ना० १-वे. हनना, नाशना; नाशकाना. Act
of killing or destroying. ज०-
११; सं० ५०.

विश्विक्ल वि० (विश्व- + क्लिप्ते कृत्वा प्राप्-
 तुगुप्याकृत्वा वच् स विश्विक्लः) पूजा,
 १५। अन्तः ५। २६। १। निर्दयः। दुष्टा दया
 अनुत्था रहितः। निर्दयः। Unkind; cruel;
 without compassion. पद० १, १;
 भाषा० १; —**व्रद** वि० (-व्रति) ५। २६।
 २५। धेयानां जेना भवि छं ते। विश्विक्ल पयसा
 धनं छेयेकं भवि हे वद. (one) who
 is greedy, covetous of an-
 other's wealth. पद० १, १;

विशेषः पुं० (विशेष) अ० ११५; ११६;
 स० १; म० ५१ नि. अक्षरः स्वरः शब्दः महा-
 शब्दः Sound; a loud sound;
 voice. आ० ११; १५; भा० १; ८; मं०
 ५० १, ११६; ११८; अ० ४; ११; अ० १;
 १; १; अ० ०

विषंहु. पुं० (विषहन्) એ નામનો વૈદિક યોગ,
જન નામક વૈદિક શબ્દ A Vedic dic-
tionary of this name. "વિષહુ જ
શબ્દ સંજોગનાં જગદ્ગુરુશાસ્ત્ર" ધન-૨, ૧,

विशेष. पु० (विशेष) समूह, गण। समूहः
अर्थात्. A collection; a group
संज्ञा० ११. (२) १५' संज्ञा; १५'
१५. कर्मसंग्रह, कर्मसंग्रह. a collection;
of Karma; Karmic bondage
सूत्र० १. १०. ११

विशेषः वि० (विशिष्ट) मृदुः, पक्वः, नम्रः
निबट्ट, बड़ा, गाढ़ा, Domo; thick. राज-
पत्रः खाँडा= १, १, अण० १४; ३;

विश्व. वि० (विश्व) नित्य, दमैशुनः सानुः.
 शाश्वत, नष्टरहित विश्व; हमेशाका, सदाका,
 काश्वत, नाशरहित Permanent, over-
 lasting. " मे विश्वं ब्रह्म विश्वं मे व
 अस्मिन् ब्रह्मे " उक्तं ११, १; भाषा० १;
 २; ४; ५; अम० १, ११, १८, ७, ४५, १;
 नम० ११; ब्राह्म० — अविश्व. वि० (अ-
 विश्व) नित्यानित्य विश्वविश्व per-
 manent and impermanent. अ० १;
 — उच्छ्वा. शब्० (—अशुक्ल) नित्य २२२२
 सावत्री श्री ३ ७ २४३ पारम्पर्य ४३ ४४३
 १४३. विश्व रत्नभाषाणी श्री ३ ७ २४३
 पारम्पर्य व कर नक्षत्री ४३. a woman hav-
 ing daily menstrual discharge
 and so incapable of conceiving
 a child. अ० १, १; — उच्छ्वा. वि०
 (—अशुक्ल) ७२३ ७२३ ७२३ ७२३
 आवर्तों ७२३ ७२३ ७२३ ७२३
 कक्षकून ७२३ ७२३ ७२३ ७२३
 puts forth flowers and
 fruits in all the seasons.
 अम० १० १११; — उच्छ्वा. वि० (उ-
 विश्व) सदा ७२३३३३; दमैशुनः ७२३३३३

दशादीनः दमेगा शिषः. (one) who
 is over gloomy or moody.
 दण० ३, ३, ३३; - दृक्कामिय. दि० (-
 गिह किम्ब सर्वदा वक्ता इत्यादि वक्ताः
 निम्बकामियः) गदिं मे. २४ उदाहरणः -
 माननाः सर्वदा वनवासा उदाहरणा,
 मानन्द मननिवासा (one) who is al-
 ways enjoying pleasure नावाः २;
 - मल्लिकम्. दि० (मल्लिकम्) गदिं गदिं
 गदिं एव (one) who is always
 roily गवां १०, ११. — दुक्किय.
 दि० (दुक्किय) दमेगाने दुक्का यमेग
 निरंतर दुक्का (one) who is perma-
 nently miserable दण० ११. — दोस पुं०
 (दोस) गवां न य मे तेने दोस नह न हो
 एग दोस a permanent or con-
 stant fault. ठा० ११. — भाव पुं०
 (- भाव) गिय भाव. निम्ब भाव
 constant, permanent exis-
 tence गण० १२, ७; — लमि लो०
 (लमि) गदिं रमय १२५ ते निम्ब
 रमय कना constant rememb-
 rance गवां १, १५;

निःशब्दः हा. लमस. १०. (निःशब्दकारणमस.)
 निःशब्देन शब्दकारणमसं येषु ते तथा)
 दमेना नवा अक्षरं छेत्ते, नरक विमोरे
 अहो हमेसा संस्कार द्वे बहुः नरक इत्यादि.
 (A place) permanently dark
 ० g. hell etc. इया० १, १;

शिक्षाभक्त. न० (शिक्षाभक्त) ६२ रे. ७७ मे. ७७-८०
 मे. ७७ ते. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal.
 तम० प- २३२;

निश्चयः पुं० (निश्चय) निश्चयः, निश्चयः, निश्चयः
 १११ निश्चयः, निश्चयः, निश्चयः। Determination; decision; certainty.
 शब्द- ११०;

विश्राम. प्रि० (विश्राम) स्थिर, अस्थ. स्थिर.
 चरन. Steady; permanent; motionless नावा० २; व; १०; —एव.
 पुं० (—वह) निश्चय, भेद, विश्राम वह
 मोक्ष. absolution, salvation. राव०

શિષ્યાભાંગ. ૫૦ (વિશ્વાકોષ) ૧૧ મો. મહા-
મદ ૧૫^મ પ્રતિમિની મહત્તરી પ્રમાણે અને
શિષ્યાન મુત્તરી મહત્તરી પ્રમાણે ૧૪ મો. ૧૨
વા મહામદ (૫^મ પ્રમાણથી ગિતનાંક અનુસાર)
ચાર ઠાણાન મુત્તરી નિતનાંક દિવાલને ૧૪
વા 'The 62nd great planet ac-
cording to the calculation of
Surya Prajñapti and 64th ac-
cording to that of Thāpāṅga
Sūtra. " શાં શિષ્યાકોષા " ઇ. ૨, ૧:

विद्यालय पु. (गिरगाव) मु. मे.
 " विद्यालय " स. २६. देवा " विद्यालय "
 स. ६६. Vaid " विद्यालय " मू. ५. २०.

विष्णुसूत्रोक्तयः । (विरोधादुक्तं) १३ भो
महाभरत सुखं प्रतप्तिनी मन्त्री प्रभाषे अने
शब्दां मन्त्री मन्त्री प्रभाषे १५ भो । १२
वा महाभरत सुखं प्रतप्ति की भित्ती के
अनुसार और ठाढ़ांग मन्त्री की भित्तीके अनु-
सार १२ वां The 63rd great planet
according to the calculation
of Surya Prājñapti and 65th
according to that of Thāpānga
Sūtra. " विष्णुसूत्रोक्तयः " ३० २, ३:

विशेषज्ञ प्र. (निवेदन) मेधा रत्न. मेधा
रत्न. Motionless, notional: २२.

ନାସାଂ ୨, ୧୫;

विशेषणसुख. न० (विशेषणक) धन-
 यमरुजुं शरीर; मृतदेह. कैतव्य साधन
 शरीर; मृतदेह. A corpse; a dead
 body. संज्ञ०

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (૦) અવગતો
અભિજ્ઞ. યોગ્ય પ્રસંગે જા સમય છે જાણ
(One) not knowing the proper
or opportune time. વાકા. ૬;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) નિર્ણય; નિશ્ચય.
નિર્ણય; વિચાર. Resolve; deter-
mination; decision. વાકા. ૧, ૧૧૦.
૧૧૧; મત. ૨, ૬, ૧૦, ૨; (૨) અભિ-
ચારી નિર્ણય અભિચાર રહિત વિચાર. a
view free from any aim; discre-
pancy. મત. ૩; (૩) નિઃ-નિર્મલ નિર્ણય
અર્થે છે અર્થ નર્મ અમુદ. જેન થી અર્થનો
અમુદ નીકળી અર્થ છે એવો મેક્ષ વિચાર
નિઃ-નર્મલ નિર્ણય વાકા હૈ. ૧૧-કર્મનમુદ;
કર્મના મુદ નિર્ણયના હાથ માંથી that
from which the collection of
Karmas has passed away i. e.
salvation or final bliss. વાકા. ૧,
૧; (૪) વાસ્તવિક પદાર્થનો જાણનાર
દ્રવ્યાર્થ નવ વાસ્તવિક વર્ણવનાર હા જાણનાર
વાકા દ્રવ્યાર્થ નવ. a real or essen-
tial point of view e. g. calling
a thing in its reality. મત. ૩;

—જ્ઞ. વિ. (જ્ઞ) દ્રવ્યાર્થ નવ;
નિશ્ચય નવ દ્રવ્યાર્થ નવ; વિચાર નવ. a
real or essential point of view;
e.g. calling a pitcher of clay a
pitcher of clay. વાકા. ૦, ૪૬; મત. ૩;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) નિશ્ચય
અભિજ્ઞ. નિશ્ચય જાણનાર. (One)
whose knowledge is certain
or positive. વાકા. ૨, ૬, ૧૬;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) યોગ્ય વર્ણવનાર;

દેહપે. કીમ્બા દેહિત; કુલ્પ. Ugly;
deformed. વાકા. ૧, ૨; વાકા. ૧, ૨;
વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) યોગ્ય વર્ણવનાર.
૩૫. વાકા વિચાર દિવા દુખા. Driven
out; pushed out. વાકા. ૧;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) યોગ્ય વર્ણવનાર.
કિનારે છે વર્ણવ દુખા. (One) who
has gone to the opposite
shore, crossed. વાકા. ૧૬;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) હોરદિત.
ફોરદિત Free from holes. વાકા. ૬.

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) નિશ્ચય. નિશ્ચય
દેહપે વિચાર. નક્કી કિયા દુખા. Cer-
tain; assured, & doubted. વાકા.
૧, ૦, મત. ૬, ૧૧; મત. ૧૧;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) નિર્ણય નીર્ણય
વાકા નિર્ણય દુખા. Come out;
taken out. વાકા. ૫, ૧૬;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) અભિજ્ઞ. નિર્ણય
૨. અભિજ્ઞ; નિર્ણય Act of rebuking,
scolding or insulting. વાકા. ૧૬;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) અભિજ્ઞ
હાડી મુકે. વાકા વિચાર દિવા દુખા.
Driven out; pushed out. વાકા. ૦;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) યુક્તિ ને વૃક્તિ.
Act of spitting “જા વર્ણવનારો
હાડીમુકો વિષ્ણુજ્ઞ” વાકા. ૧, ૨;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) અભિજ્ઞ. હાડી
મુકે. વાકા વિચાર દિવા દુખા. Pushed
out; driven out. વાકા. ૧૬; ૧૫;

વિષ્ણુજ્ઞ. વિ. (વિચાર) અભિજ્ઞ. નિર્ણય.
નિર્ણય. અભિજ્ઞ. Act of
rebuking, scolding or insulting

अन० १३, १; भाषा० १६;

✓ विभक्त्यः पा० I, II. (वि+गम्य (वञ्च्) =
 वञ्च्) निधनशीलम् अर्जुः आर्जुः आर्जन
 अर्जुः निधनमे प्राप्त करमा, वांधनः, वंधनकरन्.
 To acquire; to tie; to fasten.
 विवच्यमि गम० २३; लृट्० २, ६, १६;
 निवच्यमि. लृट्० १, ८, ८;

किमुक्त. वि० (किमुक्त) निर्भेदः, गेयमे त्वां
 गेयमेतुं विवर्ण कृत्वा दुष्प्रा, योग्य स्थान पर
 प्रमाणा दुष्प्रा. Appointed; arranged
 in proper place. सो० २६;

जिबुद्धः न० (जिबुद्ध) ३३३ यत्न मन्त्री
समाद भवि स्तीकार सामान्य अवे नेतुं युद्ध
काई भी प्रकार की युद्ध गांध स्तीकरण न
की माय देना युद्ध. A battle in
which the opposing hosts are
not prepared to accept any
terms of peace. कोष० नाया० १५

विज्ञान्य. वि० (विज्ञान्य) सत् राहित (आ-
 ज्ञान्य). मय राहित (भोजन). (Food)
 devoid of substance. पद० १,
 ५ : - वास्तव्योक्त न० (वास्तव्योक्त)
 सत् राहित आज्ञान्य पाप्म मय राहित
 भोजन वापी food and drink de-
 void of substance or nutriment.
 पद० १, ५;

**विष्णुसूक्त. म० (निर्विश्व १) निर्विश्वः । अमं नृ
पर्यु । निरस्त धमेय-भोगाभायेन अमं नृ
अग्निने ह्रस्वपुं. निर्विश्वः कर्म का गिर पचना;
गिरत भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर ले
दूर होना. Falling off, frittering
away of Karma from the soul
after bearing fruit. ओष० २१;**

विष्णुव्रता. श्री० (विष्णुव्रता) ३ भा० अ० देवकी
अरजुं-अरजुं ते; आत्माधी ३ भा० अ० उ० ३ भा०
नर नरमां अ०. एक देव से कर्म का

करना निरना; जान्ना वे कर्म का दृक्-
होना Falling off of Karma from
the soul; e. g. after bearing
their fruit अ० १, १; २, १; २, ४;
४, ४; मम० १, १; १८, ३; वच० १६;
सम० १; आ० ३४, ४२; पंचा० ६, १४;

—वेदि. त्रि० (वेदिन्-निर्देरा वेदिनुं कोक-
मत्स्यनिर्दिष्टा वेदी) निर्जरात्त्व लघुना२.
निर्देरात्त्व जाननेवाला. (one) who has
knowledge of the category call-
ed Nirjarā. " मन्त्रयो विचारवेदी
नवादिमन्त्रावाक् " आवा० १, २, ३, ४; उत०
२ ३६:—योगसू. पुं० (—पुद्गल) आत्माशी
छुटा भवेत्त ३मं ना पुद्गल. आत्मा ते मित्र
दृष्ट कर्म के पुद्गल. Karmic matter
separated from the soul by
Nirjarā. भग० १८, ३:—हेतु पुं०
(—हेतु) निर्जरात्तुं हारयु; ३मं क्षयने
हेतु निर्जरा का कारण; कर्म छव का हेतु.
cause of Nirjarā or destruc-
tion of Karma. पञ्च० १२, २६;

विग्रहविग्रहमात्र. वि० (विच्छिन्नमात्र)
 अर्थात् पुनर्मात्रमात्र अर्थात् कर्म के पुनर्मात्र
 का कर्म करता हुआ. (One) who
 is destroying Karmic matter.
 भग० १, १, २; ४, ११;

विजयतिष्ठ. त्रि० (विजयतिष्ठ) क्षय इत्यर्थः
 निष्ठा इत्यर्थः विजयतिष्ठ; क्षय इति वा कृत्वा.
 (One) who has destroyed
 or caused to be wasted away.
 " विजयतिष्ठ जगत्पतिर्वा विजयतिष्ठ
 महावीर " तदु०

विश्रवसः वि० (विवाह) २५॥ २५-
 भिल्लो निराह १२॥२. वडे प्रवर्धित का
 निवाह करने वाला. (One) who goes
 through a great expiation.

अ० ५, १;

विज्ञापन. पुं० (विवांरु-विवांरुवि कवा करोति मुपेति प्रावादिषु विप्लो विवांरुवतीति विवांरुः) भेदा प्रवर्धितने निर्वाह ३१५-ना२. कहे प्रवर्धित को विवांरु कराने वाला (मुह). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. अ० ५, १; १०; अम० २२, ७;

विज्ञापका जी० (विवांरुका) प्राप्तिमाना प्राप्तिने प्रवाज ३२५-नु ३५; दि०सां अ० ५-ना३. प्राप्तिवो के प्राक् को प्रवाज कराने का क्रम; हिमाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings; a sort of Himsa. पद० १, १;

विज्ञापक. न० (विवांरु) अर्थात् प्राप्ति आरुपुं न दोष तेनुं अमन; भेक्ष अमन चहा से वापिस जाना न हो 'ता गमन; मोक्ष गमन. Going with retreat; salvation. अ० १४; अ० ५-५, ११०; (२) स्वतंत्र अमन. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. अ० (३) अर्जुनादि शरीरभांषी आत्मानुं अद्वार नीक्षपुं ने. मृत्यु के समय शरीर से से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. अ० १, ४; (४) नगरां नीक्षपुं ने. नगर से बाहर निकलना. act of going out of a town. अ० १, ४; (५) नगरभांषी नीक्षपुं ने. २२०। नगर से से निकलनेका रास्ता. a road leading out of a town. " बाह्यविवां विज्ञापकं विज्ञापिका कर्मजने वा कर्मज संविज्ञापकं "

विदी० पू० ५, ६० ५० ४; अ० ५० (२) निस्तार; उ०. विस्तार; अन्त. end; decision अ० १, १, २७; —कहा. जी० (-कवा) राजनी स्वारी नीक्षपे तेनी वान ३२५। ते; राजकाणे को ३१२ राजा की स्वारी निकलने की बात करना; राजका का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. अ० ४, २; —भूमि जी० (भूमि) २० ३१५। निर्वांरु ५२५। दोष तेनुं भूमि. जिन स्थान पर निर्वांरु ५२५। दोष तेनुं भूमि. a place where one has attained salvation. अ० ५-१, ११०; —मार्ग. पुं० न० (-मार्ग-विवांरुव मोक्ष-पदक मार्गो विवांरुवमार्गो) भेक्षमार्ग. मोक्षमार्ग the path of salvation. अ० ६, १११ (२) अने नीक्षपुं ने. मार्ग जीवकी निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body). ' रंकावहे जीवस्त विज्ञापकजने पदकजने ' अ० ५, १, अम० १६, १; २६, २; अम० १; १; (३) नीक्षपुं ने. २२०। अद्वार अ० ५२५। मार्ग. निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. अ० ५०

विज्ञापकविवांरु. न० (विवांरुविवांरु) नगरभांषी निक्षपुं ने. मार्ग अ० १, ४; अम० ११, ६;

विज्ञापक-व. पुं० (विवांरु) अर्थात्; सुखी. नीक्ष वाहक. A sailor; a helmsman. अ० २१; अम० १०;

विज्ञापक. पुं० (विवांरु) अर्थात्. नाविक; नौका. A sailor; a mariner; अ० २१; अम० १०;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) સેવક. સેવક; વહર.

A servant; an attendant. વાવા. ૧;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) સેવક. વહર.

સેવક. An attendant; a servant.

વાવા. ૧; (૨) વચ, વાવાદિ ઉપકરણ.

વચ, વાવાદિ ઉપકરણ. articles of use

for an ascetic such as clothes,

vessels etc વાવા. ૨૦;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) પહાડમાંથી વરતું

પાણી; ઝરી વહાર જે જે કાતા હવા પાતી;

કરના. A stream of water; a

brook issuing from a mountain.

વચ. ૧; ઝરિયા. ૧, ૨; વાવા. ૧;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) ગરી.

ગરી અપમેદન કરીને, ગરીનીમાં ચિત્ત

કરીને. દુષ્કર્મ ઠીક જે જવલોકન કરે; સહ

દુષ્કર્મ ચિત્તવન કરે Having closely

or minutely observed or

thought upon. વાવા. ૧, ૧, ૬, ૧૦;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) અતિ ચિંતા

કરના. અતિ ચિંતા કરી વાવા. (One)

given to excessive worry and

anxiety. ડું. ૬;

શિશ્યોન. ડું. (ચિલ્લ) પૂર્વના

કર્મોના કારણે. પૂર્વ કે કિંચે દુષ્કર્મ

કર્મોના કારણે કરે વાવા. (One) who

causes a destruction of the

Karmas done by him in his

past lives. વાવા. ૧, ૨, ૩, ૧૧૬;

✓ શિ-કુલ. વા. I, II. (ચિલ્લ)

અમામ કરતું; પૂર્ણ કરતું. કરના.

To complete; to bring to a

close.

શિલ્પિ. ડું. વચ. ૧૬, ૧, ૨;

શિલ્પિ. વા. (ચિલ્લ) નિપજાવતું. વેદ

કરના; કરના કરના. To produce; to

cause to be produced. વચ. ૧, ૧;

શિલ્પિ. વા. (ચિલ્લ) ૩૧૧' શિલ્પિ; ૩૧૧'

અમામ. કરના શિલ્પિ; કરના હી કરના.

Successful termination of work;

completion of work. વચ. ૧, ૧૨,

૨૧; વચ. ૧૬, ૪;

શિલ્પિ. વા. (ચિલ્લ) ૩૧૧' મુખ્યમુખ્ય-

અર્થાર્થ મોખ્ય. વચ. ૧૨૩ વાવા મોખ્ય.

Wholesome food. " શિલ્પિ. વા.

શિલ્પિ. " વચ. ૧, ૨૨; —કહા. વા.

(કહા) મોખ્યના ૨૩ અને અર્થ અર્થ પી

અર્થાર્થ કરીને મોખ્ય કે વાવા વાવા

કર્મ મોખ્ય વાવાવા. a talk about

taste and cost of food. ડું. ૪, ૨;

શિલ્પિ. વા. (ચિલ્લ) ૫૫૫' ૫૫૫' ૫૫૫'

મમ રહેતર પર્વ જે અર્થાર્થ મમ

રહેતર વાવા, પર્વ શિલ્પિ. (One) who

devotes himself faithfully to

religion વચ. ૧, ૨;

શિલ્પિ. વા. (ચિલ્લ) ૨૨૩૧' શિલ્પિ ૩૨૩,

પૂર્ણ ૩૨૩. કરના કરના વચ. ૩૨૩, ૩૨૩

વચ. ૩૨૩. કરના કરના કરના કરના કરના

વચ. ૩૨૩; વચ. ૩૨૩; વચ. ૩૨૩; વચ. ૩૨૩;

૩૨૩; વચ. ૩૨૩; (૨) ડું. મોખ્ય; પર્વ

અમામ. મોખ્ય; શિલ્પિ. final liberation;

completion. વાવા. ૧, ૨, ૬, ૧૬૫;

(૨) શિલ્પિ. અર્થાર્થ; નિપજાવતું. વચ. ૩૨૩;

અર્થાર્થ. potent; steadfast. વચ. ૬, ૧; (૨)

અર્થાર્થ; અર્થાર્થ. વચ. ૩૨૩; અર્થાર્થ;

અર્થાર્થ. conviction; assurance;

faith " શિલ્પિ. વચ. ૧૬, ૧;

—કહા. શિલ્પિ. (-કર્મ) ૩૧૧; ૩૧૧' અર્થ

અર્થાર્થ શિલ્પિ ૩૧૧' ૩૧૧' ૩૧૧' ૩૧૧'

શિલ્પિ. કરના શિલ્પિ ૩૧૧' ૩૧૧' ૩૧૧'

whose object is fulfilled. વચ. ૧, ૧૨, ૧૬; વાવા. ૧, ૨, ૬, ૧૬૫;

विश्वरूप. पुं० (विश्व) लुभे " विश्वरूप "
 सन्. देखो " विश्वरूप " सन्. Vido
 " विश्वरूप " सन्. ७;

विश्वरूप. पुं० (विश्वरूप) धृष्टार्जु ते.
 विषया. Act of concealing. वि० २;

विश्वरूप. पुं० (विश्वरूप) ५२११ नी ३३; ५२११ नी
 श्रुति भाग. वर्तन के मध्य वा जानपाल का
 भाग. The lower or middle part
 of a mountain. (२) श्रीनी ३३ नी
 ५३ नी भाग. श्री का कमर का विस्तृत
 भाग. a hip of a woman behind
 her waist. " ब्रह्मवर्तस्य बालहर-
 वरस्य दादिदिष्टे विष्टे " सन्. १, १०;
 विनिर्दिष्टात् न० (निश्चितमात्र निश्चितमात्र
 प्रत्ययः स्वस्वरूपवर्णवर्णेषु तासि तथा)
 ७५१ साधु निरूप्य वर्णवर्ण सन् ते ३३
 महा साधु निरूप्य मोक्षी को मायं वह कुल.
 A family where Jaina monks
 go for food every day. कावा०
 २, १, १, ६;

विनिर्दिष्ट. वि० (विनिर्दिष्ट) निरूप्य निश्चित.
 कावय; निश्चित. Regular; fixed.
 सन्. ४, १३; (२) निरूप्य पिं ३३ नी २.
 प्रतिदिन निरूप्य-दान मेन वाका. a Jaina
 monk who receives his food
 at one and the same house
 every day. वि० ४, १३;

विनिर्दिष्ट. वि० (निरूप्य) ६३३ नी; ६३३ नी.
 दमेका का; निरूप्य का; सन्. Daily,
 every day; always. वि० २, १३;
 —(वा) वाह. वि० (वाह) ५६५ नी
 मे ३३ नी निरूप्य २५५ नी २. दमेका का
 ५६५ नी श्री स्वरूप स्वरूप करे वाका.
 (one) who affirms the exis-
 tence of a thing in absolute
 and unqualified terms. दका० १,

१: —(वा) वाह. पुं० (—वाह)
 ६३३ नी ३३ नी निरूप्य ३३ नी; निरूप्य.
 दमेका एक सन् दमेका; स्वरूप.
 permanent stay; living in one
 place only. वि० २, १०;

विनिर्दिष्ट. श्री० (निरूप्य) ७७३ नी ३३ नी
 ५२११ नी. जम्बूद्वीप (दक्ष) का दक्ष
 भाग-वर्णव. A kind of tree also
 named the Jambū tree. श्री०
 १, ४;

विनिर्दिष्ट. न० (निरूप्य) निरूप्य; निरूप्य
 सन्. An eye. सन्. १, १;

विनिर्दिष्ट. वि० (निरूप्य) ६३३ नी १
 ३३ नी ३३; अनिर्दिष्ट सन्; अनिर्दिष्ट.
 Unfinished; incomplete. " निरूप्य
 निरूप्य निरूप्य अनिर्दिष्ट " सन्. १५; १;

विनिर्दिष्ट. वि० (निरूप्य) ३३ नी ३३ नी
 निरूप्य. निरूप्य रहित; निरूप्य-विना निरूप्य-
 केका. Free from husk; clean.
 सन्. २, ४;

विनिर्दिष्ट. वि० (निरूप्य) निरूप्य रहित.
 निरूप्य; निरूप्य-विना; निरूप्य-विना. Without
 lustre; having no lustre. कावा०
 १; (२) श्री ३३ नी ३३ नी. निरूप्य रहित.
 weak; impotent. सन्. ४, १३;

विनिर्दिष्ट. न० (निरूप्य) ५२ ५३ नी.
 वाह होना, उभार पहुँचाना. Act of
 crossing or reaching the
 other end; a successful per-
 formance. सन्. ५० कावा० १३; १३;

विनिर्दिष्ट. वि० (निरूप्य) ५२
 ५३ नी ३३ नी, ३३ नी श्री ३३ नी
 वाह होना, उभार पहुँचाना. Worthy
 or capable of being success-
 fully performed; fit to be
 crossed. कावा० १, ५;

विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) २५५ अ०.
स्वानाथ; (अवशे) स्वान मे विश्वनाथ,
स्वानाथ. Fallen from one's place;
degraded. भाषा० १५, वि० ११

विश्वार. पु० (विश्वार) ५२. उ०.
अन्त; वार, वार. End; completion
e. g. of a journey. भाषा० ४;

विश्वारवा सी० (विश्वारवा) ५२ अ० पु०
ते. वारवा, विश्वारवा. Act of
successfully going to the other
end; act of finishing. अ० ५०

विश्वरूप. न० (विश्वरूप) उ० ५२ अ०. उदाहरणः
नमूना. Example. (२) निरन्तर वृत्तं ते
वार २ दृश्यते; ततः अन्तरेण. seeing
repeatedly. अ० १, ११

विश्वरूपी० (विश्वरूप-विश्वरूपी विश्व) वेदना;
पीडा. वेदना; पीडा; क्लेश. Pain;
oppression; affliction. अ० १५, २.

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) ज्येष्ठमासं ज्येष्ठ-
मासं नाम. ज्येष्ठ मासका जोडोतर नम.
The summer month of Jy-
estha so named अ० ५०

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) अ० ५२ अ० वेदना.
ज्ञान-अनुभवपूर्वक वेदना Conscious
pain. अ० १५, २१

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) ज्येष्ठ मासं ज्येष्ठ-
मासं नाम. ज्येष्ठ मासका विश्वरूप. The
month of Jyestha so named.
अ० ५० १;

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) सीमन्त-
नरकेषु ५२ अ० आरक्षीकामानो २१
मे नरकायासे. सीमन्त-
नरकेषु पूर्व की जावनीका का २१ वीं
नरकायासे. The २१st abode of the
hell of the eastern line of the
region of hell called Simant-

akaprbha Narakendra. अ० २, १;
विश्वरूप पु० (विश्वरूप) सीमन्त-
नरकेषु ५२ अ० आरक्षीकामानो २१
मे नरकायासे. सीमन्त-
नरकेषु पूर्व की जावनीका का २१ वीं
नरकायासे. The २१st abode of the
hell of the northern line of the region of
hell called Simantaka Prabha
Narakendra. अ० ६.

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) सीमन्त-
नरकेषु ५२ अ० आरक्षीकामानो २१ मे
नरकायासे. सीमन्त-
नरकेषु पूर्व की जावनीका का २१ वीं
नरकायासे. The २१st abode of the
hell of the northern line of the region of
hell called Simantaka Nar-
kendra. अ० ६.

विश्वरूप पु० (विश्वरूप) सीमन्त-
नरकेषु ५२ अ० आरक्षीकामानो २१ मे
नरकायासे. सीमन्त-
नरकेषु पूर्व की जावनीका का २१ वीं
नरकायासे. The २१st
abode of hell of the northern
line of Simantaka Narakendra
region of hell. अ० ६;

विश्वरूप. वि० (विश्वरूप) निःशुभः ५२ अ० निःशुभः. नि-
शुभः कष्टः; पापकष्टः Cruel; piti-
less. अ० १, १;

विश्वरूप. वि० II. (विश्वरूप) उ० ५२ अ०; उ०.
कष्टः; निःशुभः; निःशुभः. To sleep.
विश्वरूप. अ० १;

विश्वरूप. वि० (विश्वरूप) निःशुभः; उ० ५२ अ०; निःशुभः; निःशुभः;
कष्टः sleep. अ० १५; भाषा० १, ६, २,
३, भाषा० १२; अ० २३; दशा० ६, १;
राव० २१२; —कष्टः पु० (—कष्ट) नि-
शुभः ५२ अ०. विश्वरूप कष्टः, विश्वरूप व कष्टः;
एक राव. loss of sleep; insomnia.

अ० २, २; —विद्या. जी० (-विद्या)
यस्य निद्राः कठोरी नीदः profound sleep.
पद्य० २३; अ० ६; कर्म० —वसाज्ज पुं०
(-वसाज्) निद्राधी प्रमादः निद्राकं कारण
उत्पन्न प्रकारः; वसावसायी; निद्राप्रकारः. inad-
vertence or negligence through
sleep. अ० ६, १;

विद्यारिच. वि० (विद्यारिच) ६३३. कटा-
हुता; विद्यारिच. Torn; rent. पद्य० १, १;

विद्युत्. वि० (विद्युत्) ६३३; ६३३. ६३३
कटाहुता; वनमावाहुता. Said pointed
out; mentioned. पद्य १, १२;

विद्युत्विद्या. जी० (विद्युत्विद्या) ६५ २६१
(भाष्ये १२३२). दूध विहीन (नाय जादि) (A
cow etc) not giving milk मद्य०

विद्युत्. पुं० (विद्युत्) आता. आज्ञाः हुक्मः;
अनुमति. Command; order. भाषा०
६, १६; —कर्मिन्. वि० (कर्मिन्) आता
प्रमाणे १२३२. आज्ञाधारकः हुक्मकं मुना
विद काम करनेवाला. obedient to a
command "विद्युत् वनी पुनः जे मुक्त"
पद्य० १, २, १२;

विद्युत्. वि० (विद्युत्) निर्धनः; दोषरहित
निर्दोषः; दोषरहित; निर्धन. Blameless;
innocent; free from fault or
defect. अ० ७, १३० ७; १३;

विद्युत्. वि० (विद्युत्) शीघ्रगतायुः; शिघ्रः.
विद्युत्; स्निग्ध. Oily; greasy. भाषा०
१, ६; ५; मद्य० १; १; ६, ६; १०, ६;
२०, ५; जीव० पद्य० १; (२) स्नेहवायुः.
स्नेहवाता; स्नेही. affectionate; lov-
ing. कर्म० भाषा० ५; (१) सुगन्धः.
सुगन्धः. smooth; soft. अ० ७, ७,
१६६; २, २०; ३, ४३; (७) अन्तः;
तेजस्वी; कर्मः; स्नेहस्वी; विद्युत्. lovely;
lustrous. पद्य० १, ४; जीव० जीव० २३.

—ओमास वि० (-ओमास) शीघ्रः
नेपु आसुं देवायुः. विद्युत् विद्युत्
देवा हुता. oily in appearance.
भाषा० १; राव० —ओमास. म० (-ओ-
मास) शीघ्रः पुद्गल. विद्युत् पुद्गल पदार्थः.
oily, sticky substance. मद्य० ७, ६;
—कालः पुं० (-कालः) दिनः २५७;
शीघ्रः. (वक्रमाहः; स्निग्ध स्पर्शः; सुवेधे वि-
द्युत्. oily; greasy in touch. मद्य०
२२;

विद्युत्. वि० (विद्युत्) अग्निभां नाभी
धमेधः; १५३. १५३. १५३. अग्निपूतः;
अग्निमे वनाकर शुद्ध (कटा हुता. Passed
through the fire and purified;
heated in a furnace. पद्य० ३;
भाषा० १; भाष० १०; मद्य०

विद्युत्. वि० (विद्युत्) निर्धनः; गरीबः. निर्धनः;
आर्द्धवन्, गरीब, गरीब. Without wealth;
indigent, poor. भाषा० १५; विद्या० २,
विद्युत्विद्युत् वि० (विद्युत्विद्युत्) ५५-५ अन्तः
२६१. अन्नरहितः; धान्यरहितः. With-
out food-grain; barren of corn
or food stuffs. मद्य०

विद्युत्. म० (विद्युत्) आधः भोरी. मोरीः
मोरी; नदी. A duct or outlet of
water. अ० २, १; मद्य०

विद्युत्. वि० (विद्युत्-विद्युत्) अन्तः पुनः
अन्तःपुनःपुनः (५५) २६१. विद्या
धर्मः; अन्तःपुनः. Irreligious; un-
righteous. पद्य० १, १;

विद्युत्. वि० (विद्युत्) ६२ ६२३. दूरविद्या
हुता; निष्काशित. Thrown away;
shaken off; removed. भाष०

विद्युत्. म० (विद्युत्) नाशः; ५५ १५५५; ७३.
नाशः; पदोन्मूलनः; अन्तःपुनः; अन्तः. Death;
termination; end. पद्य० १, १;

रहित; विराम Gloomy; dark. " ऐसे
बहुलाकीति बरह विष्णुका बरहानं
विष्णुकां वारित " अ० १, १।

विष्णुविष्णुद्वय. पु० (विष्णुविष्णुद्वय-
विष्णुका वारितहसपीरत्य कः) परिमदनी
५२७५ ५२२०। विष्णुके वारितह को
हृदय न हो. Free from the
desire of worldly belongings.
वच० १, २।

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) भाष्य २६१।
विष्णुविष्णु; वतप्रवृत्ति; प्राय विहीन. Lifeless;
dead. भाषा० १; १६; १०।

विष्णुविष्णु. पु० (विष्णुविष्णु) भाष्य; ओ३ लन०
५१-५. एक भाग्य विरोध A kind of
corn. " विष्णु हं वरहानं वं वारितहस-
हृदयका ६६ ६६ " अ० १, १; ३० ५०

विष्णुविष्णु वि० (विष्णुविष्णु) विष्णुविष्णु-
विष्णुविष्णु-रहित. वारितह-हृदय रहित; निरि-
च्छा; उदासीन. Free from greed.
भाषा० १; १६; वच० १, १; (२) २०६
२६१। स्नेह रहित. devoid of love.
वच० १, १।

विष्णुविष्णु. पु० (विष्णुविष्णु) भाष्यनी ७८५-
विष्णुविष्णुभां वारितहसपीरत्य १४ भा तीर्थार-
व्यवस्था उत्तरविष्णु के वारितह के होने का
१४ वे तीर्थार. Name of the 14th
would be Tirthankara in the
coming Utsarpini cycle. वच०

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) वचन आदि विष्णु
२६१; विष्णु वति होव; स्थिर. Motion-
less; steady. भाषा० १; ५; १०।

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) भाष्य; अ२५२।
अ२५२. पूर्ण; वरह; वरह हुआ. Com-
pleted; full; perfect. (२) वेद
वर्णन; ७५७५७५ उरह हुआ. emerged;
created; produced. ओ३०५०; १५०

५, १६।

विष्णुविष्णु. व० ६० व० (विष्णुविष्णु) ७८५५
११०० वरह करके; उत्तर करके. Having
produced वचा० ०, ११।

विष्णुविष्णु. पु० (विष्णुविष्णु) भाष्य; ओ३ लन०
५१-५. एक भाग्य विरोध. A kind of
corn. वच० १, ५० ५०

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) ७८५५ १२५।
वच ५१५५। वरह विष्णु हुआ; वरह हुआ;
विष्णु हुआ. Taken away; seized.
अ० १, ५।

✓ विष्णुविष्णु. भा० १० (वि + वरह) भाष्यपुं.
वर्णन; वरह। To bind; to fasten
विष्णुविष्णु. वच० १००।

विष्णुविष्णु. व० (विष्णुविष्णु) ७८५५ १२५।
वच०. Cause; motive. भाषा० १५।

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) भाष्य; भाष्य
वच हुआ; वरह हुआ. Knitted;
bound together भाषा० १; वच० १;
वच० १२, १; — वारितह व० (— वारितह)
भाष्य भाष्य. विष्णु वारितह. life-
period pre-determined by
Karma. भाषा० ११।

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) भाष्य ७८५। वच०
वच०; वरह. Weak; feeble;
lacking in strength. भाषा० १, २,
५, १२५; — वारितह. पु० (— वारितह)

विष्णुविष्णु. वि० (विष्णुविष्णु) भाष्य; अ२५२।
वच० १२५। वच०. विष्णु वरह वच०-वच० वरह
वच० वच० करके वच० वच० वच० वच० वच०

a Sādhu who has made up
his mind to take only such
food as is lacking strength giv-
ing or invigorating ingredients.
भाषा० १, २, ५, १२५।

विष्णुविष्णु. व० (विष्णुविष्णु) भाष्य; अ२५२।

बहुवचन द्वेयः, त्रयेण त्रैवेद्यं ते. आवेश्यते
वाक्ये द्वेयं बहुवचनं कदा, उक्तवत्ता देना.
Act of reproaching or rebuk-
ing in loud and threatening
words अम० १२, १३ पदम् १, १

विषमव्युक्ता श्री० (विमर्शना) १५३.३३।
 उवाचना देना. Reproach, harsh
 words. अम० १२, १; माथा० १६।

विप्लवटिप्पण वि० (निर्वाचित) १५१। आयेन.
उत्पादाजनन; उत्पादना दिवा दुखा; मारना
दिवादुखा Reproached; rebuked
मावा० १८.

विष्णुसूक्त. वि० (विष्णुसूक्तविष्णुसूक्त) अथ
 रीति. निमय, अथर्वविष्णु, निमय. ई००००
 निमय अथर्व १; १०, १०, १०००, १, १.

विभिन्नप्रमाण (प्र० (विभिन्नप्रमाण)
 अनिष्टान्तरात्. एवं मदा दृष्टा. Excess-
 sively pierced; excessively
 torn. "आय केनह पुत्राद्यं वा जगुवाचाम
 विभिन्नप्रमाण विभिन्नप्रमाण आद्यं वा"
 भग० १०. २. अ० १०. श्रुति० १.

विश्व. वि. (विष) १६६: १२५; १२५.
 समान, मरिचा: मुरच. Like, similar;
 resembling: equal कोष- ११;
 अणुको- ११०, ३० १० १;

विभङ्ग. पु० (विभङ्ग) भागजुः पूरजुः ते.
 पूरनाः पूरना. Act of breaking
 or being broken. पृष्ठ० १, १:

✓ वि-प्रत्यय. पा० II. (वि + प्रत्यय)
तिरस्कार करने. To
reproach; to insult.

विजयवन्ति. नाया. १६।

विजयवेदिमिति. मत्त. १५, १;

विमिश्रित सं. ह. च. (विमिश्र) अति
 भेदिने, अतिभेदन करके; बहुत खूब छेदकर
 Having broken or pierced

too much. AGI- 10, 21;

✓ वि. संज्ञ. का० II. (वि + मन्) मे०
 (१५२ १२३) ते. एकत्र विचार करना; गुप्त
 मन्त्रणा करना. To think or consult
 in a private, retired place.

विमलवर्ति. सूच- १, १, १, १५;

चिन्तयेत् सूत्र- १, १, २, १६:

विंशत्योऽपि आद्याः १, २, ३, ४०ः

ସିମ୍ବଳଦ୍ୱା. ଜୀ. (ସିମ୍ବଳଦ୍ୱା) ଆଧାନୟ
 ୧୨୩. ଆମନ୍ତ୍ରଣକରଣ. Act of inviting.
 (୧) ଆଧାନୟ ୧୨୩ ପ୍ରାର୍ଥନା କରଣ. act
 of requesting. ଅନ. ୧୫, ୭; ଶୁଦ୍ଧ.
 ୧ ୩, ୧, ୧୧; ଦଶା. ୧୨;

विश्रम. वि. (विना) पुनः, पुनः
पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः
Drowned; sunk in mud; plung-
ed or absorbed in. अर्थः १०
शब्दाः १, १; पदः १, १।

विश्वम्भराजः जी० (विश्वम्भराज) निभिम
प्राप्ति अहमदपुरी नदी तिम्बिळ पुष्प
के भीतर बहनेवासी नदी. A river
flowing in a cove named
Timirra. जे १०३, २२;

✓ वि मउञ्ज. पा० I. (वि+मउञ्ज) स्नान
 ३२५. नहाना; स्नान करना. To bathe;
 to take bath.

विमलावेष्ट. प्रे. अं. ५० १, ४५;

विमोक्षजल. पुं० (विमोक्षज) पुनः भारी स्नान
 ३२ नार तापसनी मे० १११. दुष्यं सवाकर
 स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति
 विशेष. A class of ascetics whose
 characteristic is to remain
 submerged in water for some
 time while bathing. वि० ४, १;
 भव० ११, १;

डुबाना. व० (विनाश) अथवा प्रवेष्ट
 करने। डुबाना करने। वस्तु डुबाना; वस्तु
 डुबाना. Act of plunging
 oneself into water; act of
 diving into water. पद० १, १

विमि. पु० (विमि) परिधः वर्तुल. चक्र,
कोलाकर, परिधि; वर्तुल. A circle; a
circumference जीवा० ३, ४;

विभित्तः दु० (विभित) ३२५; हेतुः कारणः हेतुः उदरकः मत्ता. Cause; immediate cause. भाषा १; १४; पंथा००, १६; (२) ओ३ प्रसारनं ज्ञानः निमित्त साधनी भूत. अविष्म ज्ञानं ते. एक प्रकरणं ज्ञानः विभित्तं साधनं ते भूत, अविष्म ज्ञानात् a branch of knowledge; knowing past and future events by the help of omens etc. प्र० ११;—विभित्तः दु० (-विभित्त) साधने निमित्त अनावेष्टा ति०—आहार साधु के लिए तयार किया हुआ भोजन. food prepared for a Sadhu भाषा० छ० १, १, १, १०।

शिमिल. पु० (विविध) आश्रित १५५११
 चीन का इलाहा; वसुध कान्ता. A twin-
 kling of an eye. चीन० १, १;

विमिश्रित. ३० (द्विचक्र) आ. ५५५ ५५५५
 ५५५ ५५५. वरुण नामे इतना कवर;
 विमिश्र. Time required for the
 twinkling of an eye. टीका १;

(विशेष) आंखें पलकें;
 आंखें पलकें ३२१। ते. आंखें पलकें
 पलकें; पलकें पलकें. A twinkling of
 an eye: act of winking. मे. १४, १;

विशेष. नि. (निर्वाण) भावः रूपात्तं मांसं
 विना, विना मांसं च. Without flesh;
 fleshless. अथा. १;

विष्णुसूक्त. पु० (विर्मलक) व्याख्याने भार्गवे
 भे.री ३२५१; धृतरा. हत्या करके चोरी
 करे वाना; सुदंश (One who commi-
 nates theft with murder; a
 robber. पद १, १;

सिम्पल्लिख त्रि० (विवेकित) मर्दिन करेयः
 अथ, मर्दिन, पीसा हुआ; दसत किया हुआ;
 पुरपुर किया हुआ Pressed; ground.
 पद- १, १।

विष्णुसूक्त. वि० (विवेक) निमंश, २१२७.
 मलरहित; लघु; स्वच्छ. Pure; pollu-
 cid; stainless. भाषा० १; अम० १, १,
 १५, १; अम० ४० २११; भाषा० १; उद्गु-
 षण् २; (२) पु० अमंशुषी मेक्षणी तिशुद्ध
 अपेक्ष; सिद्ध अमयान. कर्मकरी भक्त ते
 शुद्ध; सिद्ध अनयान. free from the
 impurities of Karma; a per-
 fected soul. ओष० (१) अमंशुषीना
 ७ विमानमानं आयुं विमान. ब्रह्म लोक क
 लः विमानो-विमान स्थानोर्ध्वे ४ वा विमान.
 the 4th of the 6 heavenly
 abodes of Brahmaloка. अ० १;

विष्णुसहस्रनाम. वि० (विष्णुसहस्रनाम) ५५५
 पर्वत ३५१ ३२५२; ३५१३६ मेघ ५५२.
 लक्षणा प्रति तत् कार्य करि वाका; दत्त
 निवर्त; कार्यमे लक्षणा जानेवाका. (One)
 who works on till success is at-
 tained; (one) who accomplishes
 the work undertaken (by him).
 म० ४, ४;

विजयविजयराजरोस. वि० (विजयविजयराज)
नेने २:५ दे० मधी नाश्त आहे ते विजय
राज देव वर विजय राजा है वर; राज देव
रहित. (One) who has subdued
or crushed out attachment
and hatred जीवः १;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) निम्न ३२५.
बनाया हुआ; निर्मित. Produced or
created. को० ११;

विष्णुवाच. पु० (विनीत) निम्न ३२५.
बनाया हुआ. Made or created.
वा० १; सं० १० १, ४१,

विष्णुवाचिन्. वि० (विनीत) निम्न ३२५;
अंश. बनाया हुआ; रचित. Made; con-
structed; caused to be made. "च-
मदमदवा चक्षिन्मवा चक्षिन्मवाच-
काचक्षिन्मवा " सू० १, १, १०;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) निम्न ३२५.
बनाया हुआ; रचित; निर्मित. Created;
produced. सू० १, १, २२; वा० १;
छा० ८, को० १०. — वा०. वि० (-वादिन्)
अन्त १५२२ अनादेश छे अंश अंश-
मन्त्र परमात्मा का बनाया हुआ है जो कहने
वाला (one) who affirms that
the universe is created by
God छा० ८;

विष्णुवाचिन्. वि० (विनीत) अ. अ. पी. अंश;
आंशो पक्षः ३२५ आरेख. जो क बन्द दिया
हुआ; पक्ष मारा हुआ; निर्मित नेत्र.
(One) with eyes closed; (one)
who has winked (his) eyes.
मन्त्र १४, १;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) अ. अ. १५२२. नून
रहित. Having no root; useless.
"विष्णुवाचुव कचकोटु वासिका विष्णुवाच
वाचा " सू० १, १, १;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) अ. अ. १५२२.
निरीक्षण; अपर; बर्बरता रहित; बेहद. Dis-
respectful; immodest, unlim-
ited. सू० १००; छा० १, १, मन्त्र १२, ८;
सं० १० १;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) अ. अ. १५२२.

विष्णुवाच. वि० (विनीत) अ. अ. १५२२.
The slough
of a serpent " वाच कोटु वचुव
वचुव विष्णुवाच विष्णुवाच "
उत्त० १४, १४;

विष्णुवाच. वि० (विनीत) अ. अ. १५२२.
अपना; निम्न. One's own; pertain-
ing to one's self; personal.
" वाच विष्णुवाच विष्णुवाच " को० १,
१, १, १; को० १०; — कुर्वन्. जी०
(-कुर्वन्) पे. १५२२. निम्न कोच;
कुर्वन्. one's own womb. वा० १;
— योगवाचिन्. जी० (-योगवाचिन्)
पे. १५२२. अंश. अपनी निम्न कोच
योग वाचिन्. one's own physical,
mental or moral activity. वा० १,
१५; — विनि. वि० (विनि) पे. १५२२.
अंश. निम्न कोच वाचिन्. (one)
devoted to or holding one's
own creed. जी० १; — स्वयम्. पु०
(-स्वयम्) पे. १५२२. स्वयम्.
निम्न-अपना-वचुव का स्वयम्. one's
own time or opportunity. वा०
१, १४;

विष्णुवाच. जी० (विनि-विनि-विनि)
देव; अ. देव; नाम Fate; destiny;
providence. सू० छा० १, १, १, १;
छा० १, (२) आरी आरी. होहार; विनि.
destined or fated event. — वा०.
वि० (-वा०) देव ३२५; अंश आरी
अंश. देव सम्पादित; होहार वाचिन्-
विनि हुआ. fated; decreed by
fate; destined. सू० १, १, १, १;
— वा०. पु० (-वादिन्) अंश आरी
अंश. होहार-वाचिन् वर वाचिन्
वाचिन्. a fatalist; (one) who be-
lieves in the power of destiny

or fate. अति.

विषयः जी० (विडुषि) भाषा; १५८ भाषा;
 कपट; धुध. Dishonesty; cheating,
 deceit. पद० १, १; कर्म० —कर्म.
 म० (—कर्म) भाषा १२५१ ले; १६ भी
 भाषा मैत्री. कपट धर्म; कर्म; १२५१ नीति
 कोटी. deceit; a deceitful net;
 29th species of minor or se-
 condary thefts. पद० १, १;
 —पदभाषा. वि० (—प्रकाश विडुषिभाषा
 मनुष्ये प्रकाशं कर्म म तथा) १५८
 मनुष्यः कपटीः भाषावी; क्षणी. deceit-
 ful; (one) conscious of deceit.
 कर्म० १०;

विश्वरूपप्रकाश. पुं० (विवर्तिवर्त) ओ नामने।
 ओ३ परंत हे जगां वायुमयतर देवे। हांसार्य
 वैदिक शरीरनां भिन्न भिन्न रूपे। परंत
 हरे छे एक वर्तत विशेष दिग्गहा वायुमयतर
 देवना कदा के लिए वैदिक शरीर के भिन्न
 भिन्न रूप धारण करते है। Name of a
 mountain where the gods of
 the Vāpavyantara class
 change their bodies into vari-
 ous shapes by the Vaikriya
 process for sport. ग्रीष्म० १; राघ०

ચિત્તરૂપ. વ. (ચૈતનિક) નિશ્ચય; અનિવર્યતા; નિશ્ચિનતા; દિશ્વરતા; અનિવાર્યતા; નિશ્ચય ને
 સ્વરૂપ Certainty; state of be-
 ing absolutely certain. વચ. ૧૪;
 ચૈતન્ય. ચિ. (ચિત્તચિત્ત) પ્રત્યક્ષ ને
 એ પ્રકારે મને તે બુદ્ધિનિવેશ દેવ કતા
 વચ્ચે આજુ ને ઉડ્યાં ને. જે પ્રકારે આ
 પ્રવાહવાન; આદે કૌટી સ્થિતિમાં મેં બી
 પ્રવાહવાન-વચ્ચે આજુ ને નાંદવાં. A
 mode of the vow of abstinence
 viz. maintaining it under any

circumstance. p. 10;

શિવંદ. પું. (શિવંદ) નામ અને અર્થ-૧૨
 મન્વ-પરિશદ્ ૨૬૧: શાપુ. અસ્તર્વાંશ અન્વ-
 શરિશ્વ હરિન; શાપુ. One not passion-
 ed of worldly wealth nor
 internally attached to it; an
 ascetic. અન્વ- ૫, ૧, ૧૪, ૧. મન્વ ૧,
 ૨, ૨, ૩

विषं हन्त. न. (विषं हन्त) निधं-पत्तुः
 भवत्परदिन साधुत्वं. विषं हन्ता, जगत्-
 विहीन साधुता Asceticism, monk-
 hood bereft of all attachments.
 भग. २४, ८;

विपंडित. वि. (विशेषिक) नमं ५ अ १५।
विशेष विषयक Pertaining to an
anecdot; pertaining to a Tirtha-
nkarn. सूत्रं १. १. २५।

✓ वि संज्ञ. भा० II (वि + वञ्ज्) दि० १.
 धारण करणं, पहनना; धारण करना To
 wear; to put on.

विषं०५५. अवि०१, १, ११०१५१; नाया०१;
विषं०५५. अं० १०

विश्वविद्यालय संस्था. २. ४; १५५. १५५.

निर्वस्त्र न० (निर्वस्त्र) १५, पे. १५; वस्त्र;
 पात्राक Dress, garment, attire
 आ० १५; पत्र १, १; भाषा २, पत्र २;
 निर्वी ११, ११;

विद्युत प्रि- (विमर्श) शिवानन्द, गौरी।
अवधः, विमर्श, कृष्ण () १०४ व १०५ वादां
१२, ६; ७, ८; अथ ३, १३; १२, ९; १३, १;
१९, २; ६; विद्यापद; आवा १, २, १, ६८;

—परिचालन पुं० (परिचार) पैदाना
परिचार निम्न परिचार, अपना कुटुंब,
मानव's own attendants, family.

• निधनमात्रमात्रक नहि मरीतुं" ॥ १५० ॥

विश्ववि. ला. - (विद्युत्) अक्षरानि, अक्षरानी

ये प्रमाणों के अर्थों में होने तथा ने, भाषा
१५२ १५५ ने वगुना भाषन; वकवरा; वगु-
नेक वगान विद्या भाषिक होन विनाकर-
करातृपद कोनोंको उगना Hypocrisy,
act of deluding others by affec-
tion of holiness. मृ० २, २, १२,
भाषा २, १०, पद० १, २; अग १२,
११ - वगुनाक वि० (वगुना) भाषा
१५२ १५५-१२, भाषावी, वगुनी, familiar
with fraudulent and deceitful
practices. मृ० २, २६, १४;

विषयविज्ञाना जी० (विज्ञान) भाषा; १५२;
भाषा; वगुना; वगुना. Deceit, fraud. अग ०
२, २, ३१-४, २;

विषयविज्ञान. वि० (विज्ञान) पेशपेशाना;
अपना अदका, अपना अपना. One's own
(the use of this is rather po-
culiar to Indian vernaculars;
in English it can be conveyed
by the following example—
They want to their houses each
to his own) मृ० २, १२, — निरय
न० (नीचे) पेशपेशाना लिखित प्रामा-
अपने २ विज्ञान प्रवचन. each one's
religious creed. मृ० २, १६;

विषय वि० (विषय) अक्षय साधन, निर-
नर, अनन Everlasting; eternal
अ० २, १,

विषय जी० (विषय) अक्षय " विषय "
अक्षय. देखो 'विषय' शब्द. Vido 'विषय'
मृ० २, १, २६; - वादक. वि० (-वा-
दक) आदिवादी देश नेत्र अने प्रमाणों
अतिशय से अक्षय अक्षय २ देशवादी;
भाषा अक्षय अक्षय वाता; जो होनहार हो,
वही होता है, वादकी कुछ नहीं कर सकता,
अक्षय अक्षय अक्षय. a fatalist; (one)

who does not believe in the
power of human effort. मृ० २,
१, २६;

विषयविज्ञान पु० (विषयविज्ञान) अक्षय
नामने अक्षय अक्षय इन नाम का एक अक्षय.
Name of a mountain मृ० २, ४;
विषय वि० (विषय) निरुप; निरुपि
अक्षय. विषय. मृ० २, ४; Retired;
free; (one) who has abstained
from. "वैश्याहारम विषय हाता" उग-
१६, ४१;

विषय वि० (विषय) अक्षय अक्षय; अक्षय
अक्षय; अक्षय. Cut; mowed.
मृ० १, २, १०;

विषयविज्ञान. न० (विषयविज्ञान) अक्षय
अक्षय; अक्षय एक अक्षय मृ०. A kind
of measure of space. अग ० १, १;
— अक्षय पु० (-अक्षय) अक्षय अक्षय
अक्षय अक्षय अक्षय अक्षय space
measured by the length of the
body. अग ० १०, १;

विषय वि० (विषय) अक्षय अक्षय
अक्षय अक्षय अक्षय अक्षय. Worn; put on. मृ० १, १६;

विषय पु० (विषय) विषय; अक्षय.
विषय; अक्षय; अक्षय. A vow; a
species of vow called Abhi-
graha. अग ० २, १४; १०, १०; २०, ८;
४२, १; मृ० १, १६; पद० २१२;
मृ० (२) वि० विषय आदि अक्षय
अक्षय. वि० विषय आदि अक्षय अक्षय.
minor qualities such as purity
relating to food etc. मृ० २०
१६०, पद० २, ४; अग ० २०, ८; (१) विषय;
अक्षय; अक्षय; अक्षय. cer-
tainty; surety. मृ० १, १०; अग ०

११, १०; १६, ८; अमुको० ८१, (४)
 अवश्य आवना. अवश्यता. unavoidable
 necessity. तम० १; एव०
 वि० १, ११; १२१: —अंतर पु०
 (—अन्तर) नियम वशे अंतर-संज्ञा-ने
 विषय विषय अन्तर-वेद संज्ञा. dif-
 ference between one rule and
 another. " सर्ववरेहि विषयवरेहि " तम०
 १, १; —विषयकल्प. वि० (—वि-
 षयकल्प) अथवा विना नियम पाधना२.
 नियम पाधनामां मु२१-६६६. कटकविषय
 वाक्य; एव विज्ञाप्य वाता. unailing
 in the observance of vows. तम०
 १, १; —एवहाव. वि० (—अथवा)
 उक्तम नियम-मन अभिप्राय वायो. कटक
 संज्ञा; उक्तम विषय वाता. (one) pro-
 tising hard and austere vows.
 तम०

विवक्षितो. व० (विवक्षित) नियमधी.
 विषय से; विषयानुसार. From a vow,
 through a vow, as a rule or
 vow. संज्ञा० १०, ४०;

विवक्षित. व० (विवक्षित) अथवा संवम;
 आत्म कृति निरोध Act of control-
 ling; e. g. the sense; self-re-
 straining. " उदेरगतिम चरये समाय
 वरयेविवक्षितं प्रविष्टं " आवा० वि० १,
 ४, १, २१६;

विषय. वि० (विषय) संज्ञा; नि० २६०२.
 इमेका एवमे वाता; साधन-विषय स्वादी.
 Eternal; everlasting एव० १, ८,
 १२; जीवा० १, १; —आदि. वि०
 (—आदि) अतिम १२२ वि० ६२०२.
 स्वतंत्रवादी; स्वतंत्रवादी. (one) roam-
 ing or moving unobstructed
 from one place to another.

" आदिसे आदिसे आदिस्वकारी " एव०
 १, ४, २८; —वि० पु० (—वि०)
 इमेकां मे० पंथां वेतामां आपनो पि०
 आ०१२. तदैव एव ही वर से शिवा आमे
 वाता भोजन food daily received
 as alms from one and the
 same house तम० १०;

विषय वि० (विषय) पैतानु वि०; अथवा;
 कुर का (one's own. भावा० १; २; १८;
 भग० १२, ६; —वृत्तिविज्ञ. वि० (—वृत्ति-
 विज्ञ) पैतानु दृष्टिमे १४वेथन ६२४-नि० १४
 ६२४मे २५. अथवा एवमे विवेचन करनेवाला.
 आत्म दृष्टि से विवेचन करने वाला lit to
 be explained from a particular
 accepted standpoint. " विषयवच
 विज्ञानवा व्यवस्था विवाक्यं मोहा " तम०
 १; —कुर. व० (—कुर) पैतानु न०
 ६२४ ६२४. अथवा वि० विवेचन करनेवाला.
 one's own proscribed or set-
 tled duty. भावा० १६; —कुर. व०
 (—कुर) पैतानु १२. विज्ञ कुर; वर का वर.
 one's own house. भावा० ६; —वृ-
 विज्ञान. व० (—वृत्तिविज्ञ) २५ विज्ञान;
 पैतानु भत. स्वाभिप्राय; अथवा एव, विज्ञा
 मन्मथि. one's own view or opi-
 nion; " विषयवद्विज्ञाना " भावा० १;
 —वृत्ति. पु० (—वृत्ति) पैतानु १५; अथवा
 मथ आत्मवच, स्वस्थित; आत्मवच.
 one's own strength of the mind
 or body. भावा० १६.

विषय पु० (वि०) समूह; अथवा समूह;
 कुट. A multitude; a collection
 भावा० १; ६; १०;

विषय वि० (वि०) म० ५१; मे०. वेदी;
 वंश; केश का मञ्जर. Fellers.
 भावा० वि० २६०;

न्याये दखन मिय है देवे नव वाका. A believer in the doctrine that the things are overhating
अ० अ. ३

चिबुच. वि० (चिबुच) नियुक्त १२६;
नियुक्त चिबुच हुका; स्थापित; चुका
हुका; चुकाया हुका. Employed;
appointed; joined. वाका० ६;

चिबुच. व० (चिबुच) म० २५ ३५. वदत.
वाको को कुरीत; मल्लबुद्ध. Wrestling.
अ० ५०

चिबोम. पु० (चिबोम—चिबोमो चिबोमो का
बोमः सम्बंध इति चिबोमः) अनुपेय;
आधार. अनुरोध; व्यापार. Employ-
ment; application; activity.
(२) निश्चय; भोक्तृ. विषय; पंचन.
certainty; surety. वंश० अ. १०;

चिरक. वि० (चिरक) धीन; आसक्त. मग्न;
हुका हुका; च. वचन; जीव. Attached
to; absorbed in. वचन० २, १;

चिरर. जी० (चिररि) राक्षस. पाचव. A
kind of demon. (२) भूय नक्षत्रो
अभिजात देवता. नृप नक्षत्र का अभिजात
देवता. presiding deity of the
constellation Mitha. " जो चिरर "
अ० २, १; अ० ५० ७, १२२;

चिरवचार. पु० (चिरवचार) पदेय। अने
उपेय। तीर्थारना वचनभां अतिशय काम्या
निम्न ने काम्यानि आरित्ये उपाय नीलु
आरित्य आरिपणभां अने उपाय, उपायपण-
पणीय आरित्यो नीले भेद. रहिते और
अभिव्यक्त तीर्थार के समय में विना अति-
कार कवाये काम्यानि चरित्र के विचार
द्वारा चरित्र का आरोपन; क्षेत्रे स्वय-
नीय चरित्र का दण्ड प्रहार. The 2nd
variety of Chhedopasthāy

nlya Chāritra; (during
the times of the first and
the last Tirthahkars) the
practice of taking the second
step of ascetic discipline pass-
ing over the 1st viz. Samāyika
chāritra (this did not involve
in those days the sin of
Atichāra) अ० २५, ७; (२) वि०
अतिशय रहित. अतिशय रहित. free
from the sin of partial trans-
gression. वाका० ७;

चिरमज. वि० (चिरमज) धन रहित.
धनरहित; विरही. Free from pas-
sion. वच० ११;

चिरमज. वि० (चिरमज—चिरमो रणमो
वस्त्रादयः) रामणी रहित; धुल. राम
रहित; मुक्त. Devoid of attach-
ment; liberated; free from
worldly attachment. " संकट इव
चिरमज " अ० १, १;

चिरंतर. व० (चिरंतर) निरंतर; हमेशा.
हमेशा; वरिष्ठ. Constantly; inces-
santly. वच० ११, ५; १५, १; २, ७
४१, १; एव० १४; जीव० अ० १, १,

चिरतरिच. वि० (चिरतरिच—चिरतरि-
चरिका चरित्रचरिका चेका के चिरतरिचः)
अ० १५५ अंतर रहित. अंतर-चिरिच रहित;
वेद ह्यम्. Without any interval.
जीव० १; एव० अ० ५०

चिरवृद्धव. वि० (चिरवृद्धव) अनुपेय
रहित; निर्दय. अनुपेय विहीन; उदरः
निर्दय. Merciless; unsympathe-
tic; cruel. वचन० १, १; वाका० २;

चिरबुद्धोक्त. वि० (चिरबुद्धोक्त) दण्ड रहित.
दण्डरहित; निर्दय. Callous; ruthless.

भावा० १;

विराजुनाथ. वि० (विरजुनाथ) ५५.१५५
२६१. वचनान्तर रहित. Unrepented;
remorseless. भावा० १;

विराजुनाथ. वि० (विरजुनाथ) ३१६८; निरर्थक.
मुक्त. निरर्थक; उपर्य; दवा. Useless;
in vain. वच० १, २;

विराजिदमन. वि० (विरजिदमन) अंन
रहित; आकाश-नर ६०५ परिशुद्ध रहित;
निरर्थक. अन्न रहित; आकाश-नर इव
परिशुद्ध होय; निरर्थक; निरर्थक. Free
from attachment to worldly
objects; free from desire.
वच० १, २२;

विरच. वि० (विरच) आसक्त. आसक्त;
आसक्त; अन्न Attached to. अन्न०

विरच. पुं० (विरच) १२३. नरक Hell.
(२) १२३१५ ७५; १२३१. नरक के जीव;
नारकी. hell beings. वच० २; वच०
१, १; वच० १, ४; —आवसिवा. जी०
(-आवसिवा) १२१-१२३१५ आसिवा-
मेधी-पति ५-५ १२३१५५. नरक की
आवास-भूमि; पंचनख नरकवास. a
row of abodes in hell; a series
of abodes of hellish beings.
वच० १; (२) ओ नामन् ओ ५५
हृद विरच. name of a Sūtra. अं०
५० १; वि० १, २; —आवास. पुं०
(-आवास—आवसिवा देवु के आवास;
विरच के आवासके) १२३१५५.
नरक वास; नरकस्थिति. an abode
of hellish beings. "हृदी के ओ
रचनान्तर पुत्रोद कइ विरचवासन
कइसा वचन" अ० १, ४; वच० २२. १०,
१२; ४०; ४१; ५१; ५५; ७४; ७४; —आव.
जी० (-आव) १२३ ५५; ५२ अतिमांसी

ओ. नरकस्थिति; नरक स्थिति के ओ ५५.
existence in hell; one of the ६
conditions of existence. अं० ५, १,
१०; —आवसि. वि० (आवसि) १२३१५
७-१२. नरक वासी; नरक के जाने वाला.
(one) destined to hellish
life. अं० ५० १, २५; —आवस. पुं०
(-आवस) १२३१५ २६-१२ ७५; १२३१.
नरक के रहने वाला जीव; नारकी. an in-
mate of hell; a hellish being.
वच० १, २; —आवसिवा. वि० (-आवसि-
वा) १२३ ५५-१२ ७५; १२३१५ १५-१२.
नरकवासी; नरक स्थिति प्रवास. hellish;
like hell भावा० १; —आवस. पुं०
(-आवस) १२३१५ ५५-१२. नरक व ५ अंतर
-वा. A stratum of hell वच० १;
—आवसिवा. पुं० (-आवसिवा) १२३-
५५-१२ ७५ ५५ नरकवास की सीमा.
the boundary-line of a hel-
lish abode. अ० १२, ४; १२३ ५;
—आवस. पुं० (-आवस) १२३१५ ५५-१२.
५२५५५५. नरक वास; वरमावासी.
a custodian or sentinel of
hell called Paramādhāmi. अं०
४; १; —आवस. पुं० (-आवस)
१२३१५ ५५. नरकवास वास; नरकवास.
residence in hell. "विरचवास
वचनविद" वच० १, १; —आवसि.
जी० (-आवसि) १२३१५ ५५-१२. नरक के
विभाग, नरकस्थिति. divisions of hell.
(२) ओ नामन् ५५५५ ५५५५ ५५५५
५५५५५५. हृदवासन हृद के वांछे अवा-
स वचन name of the ६५th
chapter of Sūyagādāhṛa
Sūtra. वच० १, १; —विरचवास. जी०
(-विरचवास—विरचवास—नरकवास) वि०

हान् देवविजायाव प्रसीदन्त्य मतिर्विद्यं विरच-
 विरचयतिः) १२३भां वक्ष्यति ७१ ते.
 वरकर्म देवी कतिपे जावा. passing of
 the soul to hell by an irregu-
 lar motion or progress. अ. १०;
 —देवविजय. व. (-देवविज) १२३भां
 देव विजय ७१. वरकर्म कर्तुं न लेवेदाव
 कर्म. Karma bearing fruit in
 hell. " देवविज विरच देवविजय
 कर्मणि. " अ. ४, १;

विरहार्कवि. को० (विरहार्कवि०) १:६१-
७७१२६१ विरहः आकाङ्क्षायाः । Hav-
ing no desire; free from desire
वाच० १;

क्षिप्रवत्त. वि० (विरक्त) निर्दोष निर्वोद;
 अनन्व. Innocent; harmless. " न
 संवत्त समन्वत्त क्षिप्रवत्तान्नाहो वे विक्त "
 दस० वि० ३, १;

१; पाठा- १; ६;

विरहसंब. वि० (विरहसंभव) अ० १३१११
 २६१५; आ० १२-२३ १३२१०. विरावार, विर-
 वत्तव; आवारसंदोष. Without any
 support to rest on वयद० १, १:

किरणसाह प्रि० (गिरवकार) डेपनी १११
 श्रीगने १ ह्री दे११२. एवरोकां किंकी वान
 न कदेवासा. (O 10) not communi-
 cating to others a secret con-
 fided to (him or her).. वम० ११:

विशदलेख. त्रि० (वि०लेख) अ० १५१ : अथवा
अथवा : अथवा : अथवा. Full; complete;
whole. अथवा - १, १; १२, १; १२, १; १२,
अथवा : १२, अथवा : २४, २०; २२, १; २२, ११;

का. १० १३

विरहिणरक्ष. वि० (विरहिणरक्ष) मे० १५ भा०
 २०१५ १५ १५ १५ १५. वरु वारिणरक्ष वरु वरु
 वरु. Not possessed of weapons
 used for inflicting injury. वरु-
 १५, १५;

विनिर्दिष्ट. वि. (विनिर्दिष्ट) अधि.
३२५ २६१. ३२५ २६१. विनिर्दिष्ट ३२५.
विनिर्दिष्ट. वि. ३२५. Not possessed of
offensive weapons. अधि. ३२५, १.

विराडिका. सं. क. नं. (विराडिक) १३
 ४२।ने, त्याचीने, दूर करके; त्यावर; सोडकर.
Having repudiated, having given up "सोकोवाय विराडिका" नं-
 १. १. १, १०;

विदार्यद् मि० (विदार्यद्) आ० ६ २६१.
 निराम्यद्; आनन्द रहित. Devoid of the
 feeling of joy. अ० १० १, ११;
 आ० ११

विशेषतः प्रि. (विशेषतः-विशेषतः) ज्ञातः
 लोकविशेषः (वस्तुतः) प्रि. वि. वि. वि. वि. वि.
 विशेषतः, स्वस्थः, Healthy; free
 from disease. वस्तु. १, ४; ज्ञातः.
 वस्तु.

विद्यामित्रान्. वि० (विद्यामित्रान्-विद्यार्थी जनि-
राजी विद्यामित्रान्) अति सु० ६२. अति सु० ६२,
बहुन् २०१. Surpassingly beautiful.
२५६० १, २,

शिराज्जलंघ शि० (शिराज्जलंघ) आभय ५-
 भुजोत्तर मुत्तपञ्चा १५६५ तेषां ३६१.
 ज्ञानक ३ भुजोत्तर मुत्तपञ्चा १५६५ तेषां ३६१.
 Free from the guilt of a breach of fundamental or secondary
 virtues." ३ तेषां ३६१ तेषां ३६१ तेषां ३६१
 शिराज्जलंघ शि० (शिराज्जलंघ) आभय ५-

विराचक. वि० (विराचक) भुमे। " विरा.

नञ् " ४०६. देखो " विराजन्त " कृष्ण.

Vide ' विराजन्त ' कोश १, ३।

विराजमान. वि० (विराजमान) भेदना क्षीयकृषी
रहित. केवलरहित; कष्टरहित; कष्ट; कष्ट.
(One) having no cause for
sorrow पद ० १, ४;

विराजमान. वि० (विराजमान) आश्रय
आधार रहित. विराजमान; आधार-महाव
रहित. Having no support to
rest on "नञ्कृषी विराजमान" अ० १;
भाषा ४;

विराजमान. वि० (विरचयामास) आश्रय
रहित; निरुद्ध. आश्रय रहित; निरुद्ध;
निरुद्ध Having no desire; unrel
fish. " निरुद्ध महाव विराजमान की कायं
विक मेव विराजमान " कृष्ण १, १०, १६;

विराजमान. वि० (विरचयामास) अपेक्षा
रहित. विरचयामास न हो पद; निरुद्ध.
Having no desire; unrelfish.
भाषा ४; पद ० १, ३;

विराजमान. वि० (विराजमान) अपेक्षा रहित
आश्रय रहित. Free from ob
struction, unhindered. भाषा १४;

विराजमान. वि० (विराजमान) निराश भवेत्.
होताशाहित. निराश. Hopeless. पद ०
१, ३;—कृष्ण. वि० (कृष्ण) अनि निराश
भाषा. अत्यधिक निराशापूर्व. extremely
despondent. पद ० १, ३;

विराजमान. वि० (विराजमान) आश्रय रहित.
आश्रय रहित; आश्रय रहित. Not incur
ring sin; free from inflow of
Karmic matter पद ० १, ३;

विराजमान. वि० (विरचयामास) उभय-
भूतकृषी. अभास. ईश्वर की कृषी; कृषी
कृषी का अभास. Absence of fuel
पद ० १, ३;

न० (विरचयामास) अपेक्षा रहित
भेद; अपेक्षा रहित भेद; अपेक्षा रहित
देखना. निरुद्ध कृषी. Minute ex
amination; minute, careful
observation. कोश ०

विराजमान. वि० (विरचयामास) अपेक्षा
रहित; निरुद्ध रहित निरुद्ध; अपेक्षा रहित
देखना. Observed; scrutinized
कोश ०

✓ वि०-कृष्ण. भा० I, II (वि०-कृष्ण) अ० ३।
पद ० १, ३; २, ४; ३, ५; अ० ३।
विरोध करना To obstruct; to de
tain; to hinder. (१) स-भाषा अपेक्षा
रहित मन्त्र की व्यवस्था करना. to
devote to some good purpose.
विरोध रहित. पद ० १, ३, १, ४;

विरोध रहित. पद ० १, ३; १, ४;

विरोध रहित. पद ० १, ३; १, ४, १, २, ३, ४;
विरोध रहित. न० (विरोध-विरोध रहित रचित
कोश) अ० ३। पद ० १, ३; २, ४; अ० ३।
रहित; विरोध; विरोध; अन्तरास. Deten
tion; obstruction; hindrance.
पद ० १, ३;

विरोध रहित. वि० (विरोध) अपेक्षा रहित
देखना. इति नाम की एक देवी. Name of
a goddess. भाषा ४.

विरोध रहित. न० (विरोध) रचित
पद ० १, ३; अ० ३। अ० ३। अ० ३।
कोश रचित की अ० ३। अ० ३। अ० ३।
नकार. Prohibition to go out
of the city even for answer
ing calls of nature. भाषा ० ४;
पद ० १, ३;

विरोध रहित. वि० (विरोध) अपेक्षा रहित.
रहित रहित; विरोध. Devoid of
energy; not industrious; inac

सिंह. वं. १०, १, १६।

विद्युत. वं. (विद्युत-व्याख्याको वरिष्ठ)
येनमे अभाव. विरोधः; एवम् अभाव
Absence of disease; health
वं. १६, १७।

विद्युत. वं. (विद्युत) निश्चयः, वेदभां
आवेष्टां सन्धेनी निश्चित-व्युत्पत्ति इति
पुनरुक्तम्. निश्चयः वेदां वे जाये ह्य
सन्धेनी की व्युत्पत्ति वस्तुत्वे वाका शास्त्र
A Vedic etymological lexicon.
वं. १७;

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ६७५५
निमित्तधी जेनु आयुष्य पुरे नदी ते;
जेदुं आयुष्य दे.न तेदुं आयुष्य
मे.नरे ते किं जी कारण मे विलकी
आयुष्य ह्य न हो; निवन आयुष्य भोक्ता.
(One) who is not liable to
death by any accidental circum-
stances before the life-period
fixed by Karma, is over. वा. १०;
१०; (१) भनना सै ६ आदिथी २६।
मानसिक लोक जादे के रहित. free from
mental trouble or sorrow. वं. ११, ७;
—जादव. वि. (-जादव)
निश्चयि अ गुण राक्षे; मने ने निमित्त आय
तो ५५ जेदुं आयुष्य आयुष्य दे.न
तेदुं पुरे पु. मे.नरे ते. निश्चयि आयु
वाका; जाहे विद जाका के रहते ह्य जी
निश्चयि आयु का पूर्य भोक्ता. (one)
who does not die before the
life-period fixed by Karma
in spite of any kind of acci-
dental circumstances what-
ever their nature. वं. १०, १०;
—जाद. पुं. (-जाद) ६७५५ अ११
मे.नरे; निश्चयि ६७५५ ६७५५ ३५६७५

अंभार. कर्मों का अनिवार्य मोल विद्युत्कोषता;
कर्म के उपक्रम का अभाव. inevitable
unavoidable bearing of the
fruits of Karma. वं. १, १६।

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) २७५५ सै।
आदि ६७५५ २६।. जातः लोक क्लेश जादे
के रहित. Free from mental or in-
ternal sorrow; untroubled in
mind. "इदं लक्षणं विद्युत्कोष-
मे.नरे" वा. १०, ७; वं. १०
१, १६;

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) सै।
आदि ५५५ २६।. साह जादि वाकाको के
रहित. Free from worry and
sorrow. वं. ७;

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ७५५५ नदि
६७५५. तिहाकार रहित, उाकार रहित
(One) who has not observed
proper forms of respect. वा. ५।

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ७५६५ २६।.
निहादव; उादव रहित. Free from
troubles or obstacles. वं. १, १;
जाद.

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ७५५५ २६।.
निहादव; उादव-मुनना रहित; अनय; अन-
यम. Matchless; incomparable.
वा. १, १।

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ७५५५
" विद्युत्कोष " ७५५५. देना " विद्युत्कोष-
व " स७५. Vile " विद्युत्कोष "
वा. ५।

विद्युत्कोष. वि. (विद्युत्कोष) ६७५५
२६।. कर्म बाधन के रहित. Unmoun-
ted by Karma; untouched by
Karma. वं. १; (१) २६६ ५७५५.
देह होन. free from attachment.

वपुः १, ४;

विद्यवत्सल पुं० (विद्यवत्सल) अन्ध भस्म
आदि विपत्तयः रक्षितः भवति. अन्धभस्मकारि
उपमयो मे रहितः मोक्ष Freedom from
such troubles as birth, death,
etc.; salvation नावा० ४;

विद्यवद्गम वि० (विद्यवद्गम) व्युत्पत्तिः " वि-
द्यवद्गम " उ० १. देवाः " विद्यवद्गम " कथं
Vide " विद्यवद्गम " नावा० १;

विद्यवद्गम वि० (विद्यवद्गम) रोगादिभिः नदि
अनुपेक्ष. रोगादि मे मुक्त Unharmed
by unaffected with disease etc.
अन्ध ० ४, १; २, २३; नावा० १; १; २;
१; ७; वपुः १, ४; (२) वि० २
रक्षितः अविकारी, विकार हीन. free from
transformation or modification.
वपुः १४० (१) अन्धदि वि० १४१ रक्षितः.
अन्धदि उद्भव रहित free from such
troubles as fever etc. जीवा० १.

विद्यवद्गम वि० (विद्यवद्गम) उद्भव रक्षितः
अन्धनी अन्धभस्मना अन्धनी. विद्यवद्गम विद्यवद्गम;
अन्धभस्म; अन्धभस्मी Free from
mental distress; unworried.
नावा० १; १०;

विद्यवत्साह वि० (विद्यवत्साह) उत्साह-उद्भव
रक्षितः उत्साह-मोक्ष हीन. David of
zeal or enthusiasm; lazy. "अन्ध
अन्धविकल्पाहो" नृप० वि० १, ४, १, ११;

विद्यवत्सल सं० पुं० अन्ध (विद्यवत्) आ-
लोचना करीने. आलोचना करके; नृपम अन्ध-
लोचना करके. Having made a full
confession; having seen or
perceived. वपुः ४; १०;

विद्यवत्सल वि० (विद्यवत्सल) आलोचना
योग्य. आलोचना के योग्य. Worthy
of being confessed; worthy

of being seen or perceived.
वपुः ११, २०;

विद्यवद्गम पुं० (विद्यवद्गम) नाडीभांषी भेदी अन्ध
ने. अन्धमे मे रक्त निकालना. Act of let-
ting out blood by opening a
vein. " अन्धभस्मवैद्यिणं वपुः कथमेव
विद्यवद्गम विद्यवद्गमिणं " नावा० ११;

विद्यवद्गम वि० (विद्यवद्गम) निःशब्दः निःशब्दः.
निःशब्दः; निःशब्दः; अन्ध Firm;
steady; motionless अन्ध ० २, ७; २२, ७;
विद्यवद्गम वि० (विद्यवद्गम—विद्यवद्गम उद्भविका-
रा वेद्यवत्सल) नाना पेटवायो; उद्भविका
विद्यवद्गम. सामान्य पेटवायो; पेट तन्मयता
कोटिगी मे रहित (One) with a
small belly; (one) free from
any disease of the belly. जीवा०
१; वपुः १, ४;

विद्यवद्गम पुं० (विद्यवद्गम) निरोधः अन्धभस्म
निरोधः; अन्धभस्म Obstruction; check;
prohibition. नावा० १; अन्ध ० २२, ७;
(२) उद्भविकादिना निरोध करवा मे. इन्द्रिय
निरोध. act of subduing the senses
etc उत्त० ४, ४;

✓ विद्यवद्गम. वा० I (विद्य + ईप्) लेजु;
निरीक्षण करजु. देखना; निरीक्षण करना. To
see; to observe carefully.

विद्यवद्गम. नावा० ४;

विद्यवद्गमि नावा० ४;

विद्यवद्गमि नावा० ४;

✓ विद्य-तद् वा० I, II. (विद्य + तद्) ५; ३
आभजुः; अन्ध आभजु. आभजना; अन्ध
करना. To complete; to bring to
an end.

विद्यवत्सल. वे० नावा० ४;

विद्यवद्गम. नावा० ४;

विद्यवद्गमो. वि० नावा० १०;

चिरविशिष्ट. मन् ० व० वावा० १०;

चिरवारीकृत. क० वा० व० व० व० व०

✓चिर-वाच. पा० I. (चिर + वाच)

६३३; ६३३ ६३३. चेतना; चेतने भावना.

To run; to move swiftly.

चिरवाच. वावा० ०; १०;

✓चिर-वृक्ष. पा० I. (चिर + वृक्ष)

रीति ६३३; ६३३ ६३३. चरकर

केना; चेतन वाचना. To shake off;

to remove by shaking.

चिरवृक्ष 'चिरवृक्षे वृक्षवत् पुरेष्ठ' दत्त.

०, २०;

चिरवृक्षवाच उत्त० १२, २०;

✓चिर-वृक्ष. पा० I. (चिर + वृक्ष + चिन्)

निधनशी १३३३; ६३ ६३३. निधनवृक्ष

वनावा; दूर करना. To subdue en-

tirely; to remove.

चिरवृक्ष ३० वि० वृक्ष० १, १३, १३;

✓चिर-वे. पा० II. (चिर + वे) ०६३

वाच; ६३३३. बाहर लाना; निष्कासन.

To take out; to bring out.

चिरवेति. जीव० १०; निष्का० २, २३;

वावा० ४; ०; दत्ता० १०, १;

चिरवेत्त. मं० वृक्ष० जीव० १०;

✓चिर-वृक्ष. पा० I. (चिर + वृक्ष)

निधनशी १३३३; ६३३३ वेदादोना; उत्पन्नो I.

To be produced; to be born.

चिरवृक्ष. मं० वृक्ष० २, १३;

'चिरवृक्षवत्. मन् ० १२, १;

✓चिर-वृक्ष. पा० II. (चिर + वृक्ष)

तिरस्कार ६३३३. तिरस्कार, वाक्काय वा वृक्ष

करवा. To show contempt to-

wards; to scold.

चिरवृक्षवत्. मन् ० १२, १; वावा० १०;

✓चिर-वृक्ष. पा० II. (चिर + वृक्ष)

तिरस्कार ६३३३; ६३३३ ६३३. वाक्काय

करवा; तिरस्कार करना. To scold; to threaten; to reproach.

चिरवृक्षवत्. दत्त० २, १;

✓चिर-वृक्ष. पा० I. (चिर + वृक्ष)

६३३३ ६३३३. वाच कोचना और

वाचना; वृक्ष वाचना. To wink.

चिरवृक्षवत्. वि० मन् ० १०, १;

✓चिर-वृक्ष. पा० I, II. (चिर + वृक्ष)

६३३ ६३३; ६३३३३. संकुचित करना; छोटा

करवा. To shorten; to contract.

चिरवृक्षवत् मं० वृक्ष० "चिरवृक्षवत् चिरवृक्षवत्

चिरवृक्षवत् चिरवृक्षवत् चिरवृक्षवत्

चिरवृक्षवत्" दत्त० २० १;

चिरवृक्षवत्. व० वृक्ष० दत्त० २० २; ०

००, १३३;

✓चिर-वृक्ष. पा० I, II. (चिर + वृक्ष)

६३३ ६३३; ६३३३३. उत्पन्नकरवा; वनावा.

To make; to produce. (२)

६३३ ६३३; निरति १३३३. पूर्णकरवा; निरति

वावा to complete; to be free from

from; to be free from.

चिरवृक्षवत्. वावा० ०;

चिरवृक्षवत्ति. ३० मन् ० १२, १;

चिरवृक्षवत्. वा० वावा० ०;

चिरवृक्षवत्. क० वा० मन् ० १२, ४;

चिरवृक्षवत्. व० वृक्ष० मन् ० १२, १; १०; १;

चिरवृक्षवत्. ३० वृक्ष० वावा० ०;

✓चिर-वृक्ष. पा० I, II. (चिर + वृक्ष)

निधन ६३३३; आचरित ६३३३.

निधन करवा; आचरित वनावा. To

maintain; to maintain one's

livelihood.

चिरवृक्षवत्. वि० वृक्ष० १, २, २३;

चिरवृक्षवत्. दत्त० १, १२, २०;

चिरवृक्षवत्. वावा० १०;

✓चिर-वा. पा० I. (चिर + वा + चि)

अने आये आये-२२. कुत्ते मुँह में से
सबसाली जीभ का जलमान; निष्ठाप.
the tip of the tongue issuing
repeatedly out of the opened
mouth. भाषा० ८१ — अग्नजीवा. जी०
(-अग्नजीवा) मेःदाभांती अग्नय धने

अग्नि नीलधने शुभने आये आये. मुँह
में से सबसालीहुई जीभका जल मान. the
tip of tongue repeatedly issu-
ing out of the mouth. भाषा० ८२;

विशेष. वि० (विशेष) सेप रदित. विशेष;
सेपहीन. Free from smearing,
dirt. भग० ६, ७;

विशेषव. न० (विशेष) सेपने अभाप;
सेपने अभाप. सेपका अभाव; निर्मल.
Absence of smearing; absence
of dirt. भग० ७, ८;

विश्व पुं० (विश्व) राजा; नरपति पृथ; राजा.
A king; a lord of men. पंथा० १८,
२०; — कर. पुं० (-कर) राजने दाध.
राजा का हाथ as arm of a king.
पंथा० १८, २०;

विश्वस्ता. वि० (विश्वस्त) ७१२१२; ५३१२.
गिरने वाला; उतरने वाला. (One) com-
ing down; falling down. डा० ४, ८;

विश्वस्त. वि० (विश्वस्त) ५३५ गिरा हुआ.
Fallen. भाषा० १; (२) न० अके प्रभा-
रनु अर; तथा अर; दृष्टि अर आदि.
एक प्रकारका विष; विषाविष, दृष्टिविष आदि.
a sort of poison e. g. of sight,
of touch etc. डा० ४, ८;

विश्वस्तव. पुं० (विश्वस्तव) ७५३ ३३
अरु ५३३ नीचे ५३३ भाव तेज प्रभा-
रनु अर; ३३ १२३३३३३ अर; एक बारक
विश्वस्त विस में गहिने अर; वरकर फिर नीचे
गिरना हो; १२ अरु ३३ में से एक. One

of the 32 varieties of dramas
involving rising up and falling
down डा० ४.

विश्वस्त. न० (विश्वस्त) नीचे ५३३. नीचे
गिरना. Act of falling down. पंथा०
१, २.

विश्वस्त. वि० (विश्वस्त) नीचे ५३३.
गिरा हुआ; नीचे गिरा हुआ. Fallen
down भग० १४, १;

✓ विश्वस्त. भा० I, II. (विश्वस्त) निवर्तित;
अटित. निवर्त होना; अटकना, रूक होना.
To return; to desist from; to
stop.

विश्वस्त. उक्त० २, ४१;

विश्वस्त भाषा० १;

विश्वस्त भाषा० १, ८, ४, १३०;

विश्वस्त. (वि० (विश्वस्त) पीली अथवा ५३३
अथवा. पीला हुआ; भूत; गत. Past;
elapsed; gone. विभा० ४; — वास्तव.
वि० (वास्तव) १२ दिवस पीली अथवा
५३३ अथवा. विश्व के बाद वास्तव दिन बीत
गये हो वह; (that) since the
happening of which twelve
days have passed विभा० ४;

विश्वस्त. जी० (विश्वस्त) अथवा ५३३.
बंद होना; अटकना; रुकना. Act of
coming to a close; act of stop-
ing. डा० ८, १; (२) निवर्तित. विश्वस्त.
production; result; coming
into existence. डा० ४, ८;

✓ विश्वस्त. भा० II (विश्वस्त) निवर्तित
अथवा ५३३. निवर्तित करना; रुकना. To
check; to stop; to restrain.

विश्वस्त वि० भाषा० १५; १८; भाषा० ५०

विश्वस्त. भाषा० २;

विश्वस्त. भाषा० ३;

विश्वनाथ. हे० क० भाषा० १;
 विश्वनाथ क० वा० भग० ६, ११;
 विश्वनाथ. क० वा० ५० क० भग०
 १६, ११;
 विश्वनाथ. न० (विश्वनाथ) १५. वच० ६५११
 A cloth; a garment. भाषा० १६;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) नीच पादेन.
 नीचे गिराया हुआ, जख्मनाथ. Thrown
 down; caused to fall down.
 भाषा० १६;
 विश्वनाथ. व० क० वि० (विश्वनाथ)
 नीच पादेन. नीचे गिराया हुआ (One)
 causing to fall down भाषा० २;
 विश्वनाथ. न० क० व० (विश्वनाथ)
 भगवतीने, नीच पादेने, जगद्वर; नीचे गिरा
 कर. Having caused to fall down;
 having attached or applied.
 "आद्य चरितनक्षत्रे विदुः विश्वनाथ"
 भाषा० १;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) नीच पादेन
 नीचे गिराया हुआ. Fallen down. भग०
 १५, ११;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) नीच पादेन
 नीचे गिराया हुआ. Vide above.
 वि० १;
 विश्वनाथ. पुं० (विश्वनाथ विश्वनाथ-विश्वनाथः)
 नीच पादेन. नीचे गिराकर; जख्मनाथ; विश्वनाथ.
 Act of falling down; downfall.
 "आद्यवत्त विश्वनाथ" उक्त० २, १०; (२)
 भेद्यते. कैलाश act of sitting वच०
 १, २; (१) विश्वनाथः १५१२५ लाभे प्रति
 ५, ५५ आदि अन्वय विश्वनाथः आदरक शास्त्र
 प्रसिद्ध च, वा आदि अन्वय. an inde-
 clinable particle such as च वा
 etc. वच० १, २; भाषा० (५) ५५२१
 वनाथी ते. पुच्छी वनाथी act of

snapping the thumb with
 the middle finger. वच० १६;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ-विश्वनाथः)
 वायु संसार रक्षित. विश्वनाथ; वायुनाथ हीन.
 Free from draughts of wind.
 " संनिष्येण अन्वयारा इन्द्रनाथ विश्वनाथ
 मति " भाषा० १, ६, २, ११; भग० १
 ११ ७, ६; ११, ११, भाषा० १६; —मंदीर.
 वि० (-मंदीर) वायु आदिना प्रवेष्ट
 रक्षित; मंदीर. वायु आदि के प्रवेष्ट में शून्य.
 मंदीर. free from draughts of
 wind; calm. भग० ७, ६;
 विश्वनाथ. न० (विश्वनाथ) आश्रय ईश्वर.
 को-मंदीर में डेढ़ना; विश्वनाथ Act of
 throwing into a ditch or pit.
 वच० १, २.
 विश्वनाथ. न० (विश्वनाथ) अश्रय ते.
 विश्वनाथ, रोक; अश्रय Act of re-
 straining or checking. भग० ६,
 ११ (१) २६ त ५५ २६११२ ५२, ६५५
 ५५२ ५५२ ५५२ ५५२ ५५२ ५५२ ५५२
 पर, ६५५ आदि a house, a man-
 sion etc which checks the
 rigour of cold and heat. उक्त०
 २, ११;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) विश्वनाथ ६२११२;
 अश्रय ६२११२. विश्वनाथ करनेवाला; रोकने
 वाला; विश्वनाथ. (One) who stops,
 checks; (one) who restrains
 or prohibits. भाषा० १६;
 विश्वनाथ. पुं०, विश्वनाथ-विश्वनाथ वनाथि वना-
 थि (विश्वनाथः) विश्वनाथः २६११२. विश्वनाथः रहने की
 जगह. A place of residence; an
 abode. वि० १, १;
 विश्वनाथ. वि० (विश्वनाथ) विश्वनाथः ६२११२.
 विश्वनाथ हुआ; प्राप्त विश्वनाथ हुआ. Göt;

acquired. " सोच बहु विविधम् "

अ० १, २, (२) आश्रित. attached; passionate. सूत्र० १, २, १;

—कल्पद्विह. जी० (—कल्पस्थिति) परिदार
विशुद्ध नष्ट पृथक् इति ३२५ स्थितिः साधु
आश्रितरी विशेष. परिहार विशुद्ध नष्ट पृथक्
विशुद्ध की कल्पस्थिति; साधु समाचार। विशेष.

a particular stage of ascetic-
conduct to which a monk has
risen अ० १, २; —काह्यकल्पद्विह.

जी० (—काह्यकल्पस्थिति) परिदार
विशुद्ध नष्ट इति अक्षर नीतिमेव साधुनी
इति ३२५ स्थिति. परिहार विशुद्ध नष्ट के बाद
बाहर निकलने हुए साधु की कल्पस्थिति.
state of an ascetic who has
completed the austerity
known as Parihāra Visuddha.
सं० १, २०;

विशेषिणी जी० (विशेषि विवेकवा विवेकमे
विशेषि) आरंभ नष्टे साधुनी नियुक्त भव्यं
ने आरंभ आदि पापों से विमुक्ति. ab-
stinence from actions which
involve injury to or killing of
living beings e g. from flesh
eating, drinking etc सं० १, २२;
—प्रकाश. वि० (—प्रकाश) आरंभनी नियुक्त
प्रकाश प्रकाश-मेव आरंभ से विमुक्त होने
से प्रकाश-मेव. prominent or excel-
lent in abstaining from injury
or act which involves injury
to living being. सं० १, २२;

वि-विश्व का० II. (वि+विश्व) प्रवेष्ट इति.

प्रवेष्ट करना; वीतर प्रकाश. To enter.

विश्विदेव. वि० देव० १, १२;

विश्विदेव. सं० कु० भाषा० ३;

विश्विदेव. सं० कु० सं० १, १६; २४;

विश्वेदेह सं० भाषा० ३; १६;

विश्वेदेहि. भाषा० १६;

विश्वेदेह. भाषा० १६;

विश्वेदेहि. भा० विधा० ६;

विश्वेदेह. भा० भाषा० ३; १६;

विश्वेदेह. सं० कु० भाषा० १६; राव २२;

विश्वेदेह. विधी० १, ४;

विश्विदेव. जी० (विश्विदेव. वि-
विश्विदेव) परिदार विशुद्ध ३२५ आश्रितरी-
नी ३२५ स्थिति. परिहार विशुद्ध कल्पा-
वादी की कल्पस्थिति State of one
who is going through the aus-
terity known as Parihāra Visu-
ddha सं० १, २०;

विश्वेदेह. वि० (विश्वेदेह) निवेदन इति. विवे-
देह; प्रार्थना. Made known; de-
clared भाषा० २.

✓ वि-वेद. भा० I II. (वि+विद+वि)

निवेदन इति. १२५. १२५. १२५. १२५. निवेदन
करना; प्रकाश करना To declare or
make known.

विश्वेदेह. भाषा० ३; १६;

विश्वेदेहि. भाषा० २;

विश्वेदेहि. भाषा० ११, भाषा० १;

विश्वेदेहि. भाषा० ११, ११; भाषा० १०, १;

विश्वेदेहि. भाषा० १०, १;

विश्वेदेह. भा० १० १;

विश्वेदेह. भाषा० ३; १६; १७;

विश्वेदेह. भाषा० १६.

विश्वेदेहि. भाषा० ३; १६;

विश्वेदेहि. भाषा० १; २१;

विश्वेदेहि. भा० भाषा० १६;

विश्वेदेह. सं० (विश्वेदेह) निवेदन; अर्थात् इति
ने. निवेदन; प्रकाश. Act of declar-
ing; act of making known.
भाषा० २;

विशेष. पु० (विशेष) २५५५ १२५ ते; मेधा १३५
ते. स्थापन करना. वैधाना, प्रविष्टा करना.

Act of fixing or establishing;
placing. भाषा० ५; ११;

विश्वहृत्. न० (निर्वर्ण) ५२२ भाषी न०
भाषी भाषी. नगर बाहर होने का मार्ग A
way leading out of a town; an
exit from a town भा १ २;

विश्वहिता सं० ह० च० (निर्वर्ण) ७२
भेदस्थान शरीरने श्रुद्धि इति शब्द प्रदर्शन
शरीरका विलय करके Having dis-
sociated the body from the
soul. अ० २, ६;

विश्वज्ज १२० (विश्व) ३६५ ५५५ अदि-
०५५५ ५५५ पाव रहित; मन्त्रादिन छोड़े
कुली आदिने रहित Free from nails,
wounds etc. भाषा० १०, भाषा० १, २;
भाषा० १, सं० ५० ७, १६६;

विश्वस्य वि० (विश्व) ५५५ २६५ नत
रहित मन्त्रादिन Vowless; devoid
of a vow. भाषा० २०५;

विश्वस्य वि० (विश्व) ५५५ ५५५ निवृत्त भवेन विश्व
वृत्तावृत्ता. मुक्त. Retired from;
turned back from. अ० १; भव०
११, ११; (२) अनिर्वाच्य इति. जनि-
कमल विवा हुवा. transgressed;
crossed. भाषा० १; अ० ५० १, २१;
(३) उत्पाद भवेन. उत्पन्न. born; pro-
duced. भाषा० १५५ — अह. पु० (अह)
निवृत्त-पुर्ण भवेन भवेत्तः विश्व वृत्तावृत्तः
कावन्त वृत्तावृत्त. A festivity
which has been completed.
भाषा० १;

विश्वस्य व० (विश्व) ५५५ १२५
उत्पन्न करना; जन्म देना. Act of pro-
ducing; creation; production.

वच० २२;

विश्वस्य व० (विश्व) ५५५ ५५५ निर्वर्ण; वि-
दि. निवृत्ति विधि मन्त्रादिन Act of
finishing; completion; final re-
sult. ' नव. विश्वस्य व० नवो वरिवाह-
वृत्ता ' वच० १०;

विश्वस्य व० (विश्व) ५५५ ५५५ निवृत्त
भवेन मुक्त इति वृत्तावृत्ता State of be-
ing free from the bondage of con-
viction. भाषा० १०, १०, (२) अ० ५० १५ ते
act of making or producing

११, ११;—अदिगर्भविवा व० (अदिगर्भ
विवा) ५५५ ५५५ अदिगर्भभवेन उत्पन्न
वृत्तावृत्ता इति वृत्तावृत्ता विवा. निवृत्त
वृत्तावृत्ता वृत्तावृत्ता वृत्तावृत्ता वृत्तावृत्ता
वृत्तावृत्ता वृत्तावृत्ता the sin incurred
by preparing absolutely new
weapons such as swords etc
अ० २, १; भव० १, १;

वि. वासि. व० (विश्व) ५५५ ५५५ उत्पत्ति:
अनादित वस्तु की उत्पत्ति; वृत्तावृत्त, वृत्तावृत्त
विवा. Making or creation of a
thing (२) विवृत्ति. निवृत्ति. crea-
tion; coming into existence.
" अह विवाह वृत्त अदिगर्भवृत्ति वृत्तावृत्ता "
भव० ११, ६१ वच० १;

विश्वस्य वि० (विश्व) ५५५ ५५५ उत्पन्न इति:
अनादित; उत्पन्न इति उत्पन्न विवा
हुवा; वृत्तावृत्ता हुवा; उत्पन्न Produced;
made; acquired. भाषा० १, २,
भव० १५, १५; वच० १५; अ० २, ४; (२)
अदिगर्भभवेन उत्पन्न. अदिगर्भभवेन विवा हुवा
arranged, managed. वच० २१;

विश्वस्य वि० (विश्व) ५५५ ५५५ नत
रहित; वृत्तावृत्त. Devoid of vow;
vowless. अ० १, १; २५ भाषा० ६१

अम० १३, अ, अं० ४० ३, १६:

विष्णुसूक्त. म० (विंशत्यं) पृष्ठ. १०. अथ १०.

१०;

[illegible]

विश्वामित्राय नमः (विश्वामित्राय) २१ अ
 विष्णुः इन्द्राय, शिवः शक्त्या, आचार्याय न
 अनेकः प्रकृतिकः, वैश्विकः, कुर्यात्, अक्षयम्
 Natural; not artificial १७७१२०

विष्णुसूक्त. १०. ४० (विवांश) मोक्ष. मुक्ति. वा-
च. विवांशः परमार्थ प्रसिद्धि. Salvation;
freedom from Karma, final be-
atitude due to the destruction
of all Karma. भाषा. १. ४. १२.
१०; अ. १. १. सूत्र. १. २. २६. सूत्र.
वि. १. ११. ११२; (२) अथर्ववेदा-
भेदार्थ क्षेत्रमा आसीत् क्षेत्रमा आसीत्
क्षेत्र तीर्थ ३२. क्षेत्रार्थ के क्षेत्रार्थ क्षेत्र में
आसीत् क्षेत्रार्थमें क्षेत्रार्थ क्षेत्रार्थ क्षेत्रार्थ.
the 3rd would be Tirthankara
of Airavata Ksetra in Jam-
budvīpa in the coming Chau-
vin. भाषा. १०. २०२; — अर्थ १०
(-वर्त) भक्ति ३२. मुक्ति

कारण; मांस हेतु. cause or
means of salvation. पञ्चा. ११. ४३;

—नमः १० (नमः) निःशङ्कः भैः नमः.

निर्वाण नवव; मोक्ष-मुक्ति। अन्तः-प्राप्तिः, attainment of salvation; final emancipation. भाषा. १, --

मन्त्र पुं० (मन्त्रं) भिक्षुना आत्मं सा-
धका मन्त्रं, मुक्तिपथ Path of salva-
tion नाम० १, अमं ६, ११;—आह.

द्वि (वाहिन्) माक्षमात्रेण उपदिष्ट
 आत्मानं मोक्षमार्गं । उपदेशं देववाक् ।
 (one) who teaches the path
 of salvation. " परमार्थं वा गच्छेत् पुरु
 शं विद्वत्परां हि साह मावतुषे । " सूक्त-

१. ६, २१. - **मार्गक.** न- (मार्ग)
 मोक्ष-मार्गः. मार्गका मार्गन. means
 of salvation; cause of final
 emancipation. **मार्ग** = १; --**कुड.**

न० (—सुख) मोक्षार्थं सुखं, आनन्द
मोक्षार्थं सुखं; मुक्तिर्वा आनन्द. bliss of
salvation; final beatitude. आवा०
प्र० १, १, १, २-८;

विष्णुसूक्त. नि० (विहंग) वायु मंदन नि
 बान, वायुमंडल, बिना हवाका. Free
 from draughts of wind. भाषा० १:

निष्पादित. शि० (निष्पादित) शीतल ३२३;
 शि० पादित. शि० निष्पादित: शीतल, शीतल
 निष्पादित. cooled; extinguished.
 शीतल ३२३;

विजयामिह. प्रि० (निर्वादिन) २६५।२ ३२५
निर्वादिनः ३२ वहाय विजयामिह, Rn-
nished; driven out by a fiat.
वाया० =

विश्वविद्यालय नं० (विविक्तविध) १५ भा. १
२५०० प्रतिष्ठापन; विमर्शना ५२५५ भा. १, १५
१५११ १५०० विविक्तविध, विमर्शना ५२५५ भा. १.

Abstinence from, giving up
of, such substances as milk and
its transformations 490 24, 2.

विनिवृत्तः १. (विविह) गेजे परिहारविशुद्धः
 आरिज भवेत्तु ते ने न.पु ज्ञानमे पारहार
 विशुद्ध आरिजको पाप्मा हे वह वापु An
 ascetic who has practised the
 austerity known as Parihāra-
 viśuddhi. डा० १, ४; भाषा० १९: —
 कल्पविद्ध जी. (-कल्पविद्धि) परिहार
 विशुद्ध आरिजने पुनः कनार न.पुनी १९: —
 रिशति परिहार विशुद्ध आरिजको पुनः
 करेवाले वापुको कल्पविद्धि the
 stage reached by an ascetic
 after the performance of the
 austerity known as Parihāra-
 viśuddhi. डा० १, ४; काव्य. १९
 (काव्य) परिहार विशुद्ध आरिजने पुनः
 इति मे आरिजको अदार नीतिनार न.पु.
 परिहार विशुद्ध आरिजको समाप्तकर, इन वाह-
 जने बाहर निवालाहुवा, जाने वहाइका वापु,
 an ascetic who has duly per-
 formed the austerity known
 as Parihāravīśuddhi and has
 stepped into the next higher
 stage. भग० २१, १५

हिमिपल्ल. वि. (विपिण्ड) भिज. १२५५
 विज. दुःखितः कष्टपूर्व. Fatigued or
 afflicted in mind; sorrowful.
 "ओ एतिर्विपिणे दण्डह मो को म
 शिष्यको" भाषा० १, २, ३, १४४; भाषा०
 ८१ (२) निवृत्तः निवृत्त भवेत्. retired
 from; turned back from; ab-
 staining from. भाषा० ४; ४; १०; १३.
 —कारि.वि० (-कारिह) भिज. १२५२
 विज-दुःखी होकर किरमवाला. fatigued

or troubled in mind, afflicted in mind — मेदिनियसकी काने वरान् ”
 कावा. १, २, ३. १२४: — वरा. जी.
 (—वरा निर्वेदका वरा: वरिष्ठेनारी काने
 न: निर्वेदकावरा:) विद्वत्पतिवती श्री.
 विद्वत्पतिवती जी. १. का वरान् वरा
 विराण ही a woman whose hus-
 band is disgusted with the
 world and its ways and is
 ascetic in spirit. २२०. १.

ਕਿਸ਼ਿਕਾ ਸਿ. (ਸਿਧਾਂ) ਨਿਧਿ ਪ੍ਰਭੇਸ਼:
 ਪ੍ਰਾ. ਪ੍ਰਭੇਸ਼. ਸਿਧਾਂ ਗ੍ਰਾਮ. ਪ੍ਰਭੇਸ਼: ਸਮਾਪ.
 Finished, completed ਆਦਿ. ਪ੍ਰਭੇਸ਼:

विषयान्तरं च त्रि. (विविक्तिक) १२ भां
 इयं बी १२ मे निनिने त्याम इत्याभां आवे
 छे ने तथ नी नी. वद नय जिनमे दृष जीरे
 उमक वावध वक्तानको का त्याम दिवा जाता
 है. नीवी. A kind of austerity
 requiring abstinence from
 milk, ghee and its products;
 this is also called Nivi.
 पं० १४:

क्रिश्चन प्र. (निविष्ट) वि. प्रेक्षी-दि. १.
 १५५ दीन प्रहृष्ट गहम Free from
 | १००० " विनिष्ठां वंदुं जीवं " कोष.

विप्रियस्य वि० (विप्रियस्य) विप्रिय अति-
मया गदित. विप्रिय वाचना काम वाचना
गदित: विप्रिय: नवमी. Free from
sensuality inst. उक्तं १४, ४४; (२)
देश गदित ३, २५; देश ३ अथेन विप्रियत,
देश से निकाला हुआ. exiled: banish-
ed from a country. परद० १, १;
नवमी १६:

क्रिष्णलिंग वि. (विवाहित) देवशी नगर
उत्तर प्रदेश देश बाहर विवा पुत्र. Ban-
nished, exiled, turned out of a

Country. भाषा- ८; १८; अम- १८, १;
 सिन्धिलेख. वि० (विशिलेख) विशेष २८८;
 अधि-२५. विस्तृतता एहिण, वावाग्ग; भाषा १८.
 Common; free from peculiarity
 or particularity ननु.

विष्णुजः वि० (निर्मुक्त) शान्त भवेत् शासन
 वरा; निर्मुक्त. *Coolest*; *peaceful*. आवा० १,
 ५, १, २००; (१) निर्वाण-भेद भवेत् मोक्ष
 का प्राप्तः निर्वाण प्राप्त free from the
 cycle of birth and death: finally
 liberated. प्रब० ११, (१) २२२५
 आर्या स्वस्थ-सुख-विशेष आर्या.
 a calm, peaceful soul आवा० १;

विशुद्ध का- (विह्वर्ति) मनः शुद्धिः ।
 समधि । म. नामक स्वस्वता, समधि । Calm-
 ness or tranquillity of mind,
 peace of mind पद० १, २ (२)
 क्षीण मोहादयथा, क्षीण मोहादयथा, happy-
 ness, freedom from delusion,
 मय० नि० १, ११, १११ : (१) अ. नामना
 अथ आचार्य के गुरु ३५२४१ निवृत्ति
 कायाः नीक्षी. इन नाम के गुरु आचार्य कि
 मिनके ऊपर से गुरु आचार्य निकली, name
 of a lineage styled after the
 preceptor of this name वर्थ० ८ :
 —कुर. नि० (-कुर) अथ 'मना' अथ
 ४२१२२. नव० वमो का 'सुव' वरने नामा.
 (one) that destroys all
 Karma. पद० १; तनु० म० १० २,
 १२ : (२) सुप्र० ४२; क्षा. ४५११११२;
 सुप्र०, giving peace and happi-
 ness, पद० १११; मया० १५८ : —कुर.
 वृ० (-वम) अथ 'मना' नाम नामः सुप्र०

पथ. path of salvation. मदी-
—कार वि० (-कार) कान् ४२५२.
शान्तिदाता; निरुपकार. peace giving;
happiness giving. मावा- १.

विष्णुकाण्डिका. वि. (०) निर्धन
 ३२५. ७: भूमयां छेदय निर्मायित; वे अह
 दित्वा दत्ता, अकृत्य वे दित्वा दत्ता; अकृत्य
 नष्ट Rooted out; eradicated.
 पद- १, १.

विशुद्ध. वि० (निर्दुष्) शीलन-13 अर्थ-
 शीलन-बरा किंवा दूषा (Cooled, cool,
 आवा० १, ४ ३: ११६. (०) निर्विकल्प
 धर्मन लेख पाठ्ये. तस्यां पाया दूषा;
 मोक्ष पायादूषा free from the cycle
 of birth and death; (one) who
 has attained final abolution.
 “ अकिञ्च विज्जुहा गणे ” अ० १, १५, २१:

(विद्युत्) वि० (विद्युत्) इत्युत्पत्तिः ।
 इत्युत्पत्तिः । (विद्युत्) इत्युत्पत्तिः ।
 इत्युत्पत्तिः । (विद्युत्) इत्युत्पत्तिः ।

निष्पत्ति का (वि. वृत्ति) निराकरण
 निवास तथा मोक्षसुख Happiness of
 salvation. अध्या. १, ४

विष्णुसूत्र. त्रि० (विष्णु) सुष्पी; सन्तोषी.
सुखा; संतोषी. Happy; contented.
आश० (२) ह्येव यन्त्रे इव पराशी दान
संयत्न. कर्मणां दूर हाने मे शास्त्र.
tranquil on account of the
banishment of anger etc.
from the mind. " वे विष्णुवा कर्मणां
कर्मणि " आश० १, १२, १. २००;

विष्णु. पु० (विष्णु) ६३०। श्रेष्ठ नामः
 ६३१। इत्यस्य एक नामः शंखः परमात्म

* सुमो १४ नम्बर १२ नी पृष्ठोत्तर (*). देकां १४ नम्बर १२ की पुस्तक (*). Vido
o d-note (*) P. 15th

दीकारी बागनाथ वा दीमां बाखू का।
दिवादाहः भाग A particular part
of a door; a wooden block pro-
jecting from each of the
upper ends of the door of a
house धीरा- १, ४;

विश्वदेवकी कथा (निर्देशिका) संसारगी-
 तिरुका "नानाकार रोगरोगी तथा मन्त्रा के
 विरक्ति उपाय करने वाली देवी का कथा। A
 story which produces disgust
 with the world and its ways,
 in the mind of the hearer.
"विश्वदेवी महापठ विश्वकर्मका" टा-
 ४, २; भाग- ११;

किष्कण. पुं० (निर्वेग निर्वेद) अमरः ११।
 निरति नाराजो निराश्रित, नाराज न
 उदासीनता, Disgrunt with, repul-
 sion from the world अम० १०, ११

विष्णवेनकी. जी० (संवर्धनी विवेचना)
 अनुभा " विष्णवेनकी " शब्द. वंश
 "विष्णवेनकी" शब्द. Vulo "विष्णवेनकी"
 टी० ४, २;

द्विष्येत्. पु० (निर्द्वै) वैराग्य. न मारया
 विरक्त्या वैराग्य, संसार मे विरक्ति
 Dislike for or disgust with
 the world and its ways; renun-
 ciation. जावा० १, ४, १, १५१ उत्त०
 १०, १०; २३, २; (२) मेक्षणी अभि-
 शप्त. मोक्षेष्टाः सुखितो अभिजाता. de-
 sire „for salvation or final libe-
 ration. प्र० १४;

विद्यमान. पुं० (विवेक) भा. भा. लाभ; फायदा.
Benefit; gain अ० १, २;

दिवा. न० (विमान) विमान विमान
 आवास. Shelter; rest. वा. १०;
 (२) घर घर a house. वा. १०; ११;

क्षिप्तं वि० (विह्वल-विपरीत) कायेन ।
 (विह्वलः) अत्यन्तं प्रभुत्वात् । अत्यन्तं
 ज्ञानं प्रकृतं वा ; अत्यन्तं, अत्यन्तं ।
 Extremely calm; serene. उ०-
 १, ८, (१) अत्यन्तं सुखं । heard.
 आवा १ १ २, ८०; नावा १; २, १३;
 १८, १९, नावा १० ८० ८० १, १३; १०
 १, (१) (विह्वल-विह्वलं विह्वलं)
 अत्यन्तं प्रभुत्वात् । अत्यन्तं अत्यन्तं
 ज्ञानं ; अत्यन्तं, अत्यन्तं ।
 down; time of day-break. उ०-
 १, १, नावा १० ८० (१) अत्यन्तं प्रभुत्वात्
 अत्यन्तं अत्यन्तं अत्यन्तं अत्यन्तं
 or retained in the mind. अत्यन्तं
 अत्यन्तं अत्यन्तं अत्यन्तं

विशेष. प्र० (मुकेश गुहा व समिति विरु
कोटि) १२३म १२४२ क्रु करे करवाला
कराई, डी Wicked, cruel, पगल- २
१, भाषा- २:

शिष्य-त पुं० (निमित्तः) प्रथमः प्रश्नः क्व
 भवति, प्रकृतिः, निमित्तः Nature. छां०
 २०. छां० २. १. — क्व जी० (इति) उपदेष्ट
 साधनम् । यत्र बुद्धिः जीने यन्ती धर्मं । यत्र
 जीने भवति । उपदेष्ट केन युज्यते बुद्धिः जी
 त्वासाधिकाया उपदेष्ट होतुं कस्य धार्मिक
 भावः Intuitive liking for or faith
 in religion; inherent love of
 religion. छां० २. १. १०. अथ २३. ०
 पञ्च १; वाक् ० च २;

बिलासपुर. वि. (वैश्विक) ५५५३
 आसने बैसना २ वक्क-एक जावन बिठेले
 बैठेकाला. (One) sitting in a
 squatting posture. वनहं २, ११.

एव नहु. वि० (विभुज) निःशेष विहतादुःखः
निभृतः प्रसूयित. C. भाग out; gut
out. (२) अःपेय. विहतादुःखः नरस

given; presented. શવ. જાવા. ૧, ૨, ૨, ૨૦૨; જાવા. ૧, ૨૨૦. ૨, ૧૪; (૩) મુક્ત; છુટા. મુક્ત; મુક્તમુક્ત; રત્નવ. free; liberated. જમ. ૨; જાવા. ૨, ૨, ૧, ૨૨; (૪) ફેંકા. ફેંકામુક્ત. thrown; flung. જમ. ૧૨, ૧;

શિવહ. પું. (ચિવવ ચિત્તો ભદ્રે-વર્ષે જાવા હોતિએ જાતિયિ ચિવવ) અથવા જમ. વૃષભ. An. ૨૨. એ. ૧૦. ૨. (૨) ચિવવ નામે એક વાદ્ય કુમાર. ચિવવ જાવક દુક વાદ્ય કુમાર. Yadvakumara named. જાવા. ૧૬. (૩) મહાવિદ્યની મહાસા નામની મેદીની રાજ્ય રાજ્યે. નિવવ નામે પર્વત. મહાવર્ણકા ગાંધારીન-કારેવાલા મેદકા રાજ્ય જોરકા ચિવવ વર્ણ. the mountain named Nivada in the south of Meru, forming the boundary line of Mahavidya. "કહિય મને કંઈકે રીવ ચિવહ જાવે વાલદરવરવ વજ્યને" એ. ૧૦. ૨; "દો ચિવહ" ઝા. ૨, ૧; જોવા. ૨, ૨; — જુદ. ન. (-જુદ) બિહાર પર્વતનું બીજું જુદ-ચિવર. ચિવવ વર્ણકા-વર્ણી જોડા ચિવર. the Zudsummit of the mount Nivada. ઝા. ૨, ૧; એ. ૧૦. — જુદ. પું. (-જુદ) મ-દર પર્વતની રાજ્યે દેવકુમારને મોટા. ૬૬-૭૨. મન્દર વર્ણકા રાજ્યે રિવાકે દેવકુમાર વજા-વિશાલ જોગ-કરવા. a large stream of water in Devakuru in the south of the Mandara mount. કહિય મને દેવ-કુમાર ચિવહરું જાવે રાજ્યવજ્યને. એ. ૧૦. ૨, ૨૨; ઝા. ૨, ૨; — જાવહર. પું. (-વર્ણકર) એ નામને એક પર્વત. દુન-મકા દુક વર્ણ નામે of a mountain. જાવા. ૨;

ચિત્રવ. વિ. (ચિવવ) બોધ; યેદાદુષા. Deoted. જાવા. ૧, ૨, ૧, ૧૨; જમ. ૭, ૬; જાવા. ૨૦. જોવ. વિ. ૨, જોવ. ૧૧; ઝા. ૨, ૨;

ચિત્રવ. જ. ક. જ. (ચિત્રવ) વિચારીને, હૃદયથી અવધારીને. ચિત્રવર; હૃદયને યોચિત કરકે. Having thought; having thought or decided in the mind. જાવા. ૧; ૨, ૨; ૨, ૧૨; ૧૨; ૧૨; જમ. ૨, ૧૧, ૧૧, ૧૧; ૧૨, ૧; જોવા. ૨, ૨; જોવ. ૧૨; જાવા. ૨, ૧, ૨, ૧૨; ૨, ૧, ૨, ૧૨; ઝા. ૨, ૨; — જાવિ વિ. (ચિવર) વિચારીને બોધનાર. ચિત્રવરુંક જોવવવાલા. (cou) who speaks thoughtfully; considerate in speech. જાવા. ૨, ૨, ૨, ૧૨; જુદ. ૧, ૧૦, ૧૦;

✓ ચિ-જર. જા. I (ચિવ) જર નિવ-જર વાદર નિવજર. To get out; to come out.

ચિવર ૧૨. ૧૧.

ચિવરંતિ શવ. ૨૨.

ચિવરવ. જ. (ચિવર) નીકળું ને. ચિવર-વ; વાદર નિવજર કરકે. Act of getting out; moving out. જાવા. ૧૨;

ચિવર. વિ. (ચિવર) માવા, નિવાળ અને ચિવરવજ્ય એ વજ્ય રાજ્ય રાજ્ય. માવા, નિવાળ જોર ચિવરવજ્ય દુન તોવ જાવજો રાજ્ય Devoid of, free from the thorns in the form of desire for the fruit of actions and heresy. જાવા. વિ. ૧;

ચિવહ. પું. (ચિવવ) બુધો "ચિવહ" ઝા. ૨. દેવો "ચિવહ" જાવ. Vide "ચિ-વહ" જુદ. ૨, ૬, ૨૨; એ. ૧૦. ૧૨. ૧૨;

१००० १: —कुरु पुं० (कुरु) लुप्ते
 'विष्णुः' उपरि देवो " विष्णुः
 वि० "विष्णुः" डा० ६; सं० १०
 —कुरु पुं० (कुरु) देवपुत्रो विष्णुः
 पुं० ११०० ११०० विष्णुने माताया मार
 भाग देवरे मीना नदीना यन्त्रे आवेष्ट
 ओ० ६६. देवपुत्रो विष्णुः कुरु पर्वतमे
 व१० योजनके (अनुमानतः) पार माग
 उत्तराक्षी चोर मीना नदीदे वीचमे कायेकाया
 एक भ्रमा a lake, stream in the
 middle of the river sita to the
 north of Chitravihara peak
 of Devakuru at an approxi-
 mate distance of ४३३ Yoj-
 nas. डा० ६, २; सं० १०

विष्णुः जी० (विष्णु) रात्रिना ज्ञेया अ-
 ध्यासात् रात्रिनाम. तावत्त मातुः वरुः
 रात ज्ञेये अंधारेकाता वरुः. Hail which
 is as dark as night. व० २, ६, ८६;

✓ विष्णुः न. डा० I.II. (विष्णुः)
 सावन्तः लुप्ते. सुवना, ज्ञाना. To
 hear, to know.

विष्णुमेव. ना० १६; भग० १६, १.

विष्णुमित्रा. वि० सू० १, १, ६, २;

विष्णुमेव. जा० भग० १६, १.

विष्णुमित्रा. सं० ६० सू० १, १६, २६;
 जा० १, ६, १, २००;

विष्णुमेव. दे० ६० ना० २, १२, १६;

विष्णुमेव. दे० ६० ना० १०;

विष्णुः जी० (विष्णु) आसनः ने०
 कातः; बैठक. A seat; posture. डा०
 १, १; सू० १, ६, २१;

विष्णु-व. वि० (विष्णु) तीक्ष्णः ५५५-
 ६६; तीक्ष्ण धारया. तीक्ष्णः शरीरः
 तेव चरणा. Sharp; sharp-edged;
 spirited. सू० १, २, १, ५, १, ६, १;

विष्णुः वि० (विष्णु) दे० ६०. केव द्रुवा.
 Thrown: flung. व० १२, १; (२)
 मुक्त, रक्षित. released. व० ६;

विष्णुः वि० (विष्णु) निषिद्धः अ-
 रक्षित. मगदितः; निषिद्ध. Check-
 ed; restrained; prohibited. व०
 १२, २२; —प्रोक्त पुं० (प्रोक्त) सद्भाषारणे
 अ० ११ निषिद्धः अ० ११. वदनापर का निषेध
 दितः द्रुवा (On) prohibited from,
 checked in voluntary activity
 व० १२; २२;

✓ वि-विष्णु. पा० I (वि-विष्णु) न. ५५.
 दे० ६०, ७६; ज्ञाना. केवना. दाना. To
 give; to hand over, to present;
 to throw; to fling; to leave.

विष्णुः ना० १६;

विष्णुः सू० २, २, २;

विष्णुः ना० १६; भग० १६, १;

विष्णुः ना० २, २, ६, ४६;

विष्णुः सं० ६० भग० १६, १;

विष्णुः व० ६० सू० २, २, १;

विष्णुः सू० २, २, ६;

विष्णुः न० (विष्णु) नीक्ष्यते ते
 विस्तार-कार काया. वहिरागमन. Act
 of getting out: starting out.
 व० ११;

विष्णुः जी० (विष्णु) दान. दान.
 Act of giving away in charity.
 (२) त्याग. दान. abandoning.
 जा० २, १, १०, १६;

विष्णुः वि० (विष्णु) दे० ६०. केव द्रुवा.
 Throwing; being flung व० ६, ७;

विष्णुः वि० (विष्णु) तक्षे; धुके.
 त्याग द्रुवा. दानः द्रुवा. Left; aban-
 doned. व० १२, १;

विशीलव्य. वि० (विशीलव्य) नेष्य
व्य० (भूमि) बैठने योग्य भूमि-स्थल.

(Place) worthy of, fit for,
being a seat. अ० १, १.

✓ वि-सीव. अ० I. (वि+वृ) नेष्यु.
बैठना. To sit.

विशीलव्य. अ० १; अ० १६; १६;

विशीलव्य. अ० १६;

विशीलव्य. अ० १;

विशीलव्य. अ० १; १; १६; अ० १.
१, ११७;

विशीलव्य. अ० १, ७, १२;

विशीलव्य. अ० १६;

विशीलव्य. अ० १६; अ० ११,
११;

विशीलव्य. अ० १६; अ० ११, १; अ० १,
१६; १, १;

विशीलव्य. अ० १६; अ० ११, ११;

विशीलव्य. अ० १६; अ० ११, ११;
११४;

विशीलव्य. (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने का
कार्य; बैठना. Act of sitting. अ० ११,
१; १२, ७; अ० ७;

विशीलव्य. वि० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon;
worthy of being a seat or
sitting place. अ० १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने का
कार्य; बैठना. Act of sitting. अ० ११,
१; १२, ७; अ० ७;

ascetic-conduct. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

विशीलव्य. अ० (विशीलव्य) नेष्यु ते. बैठने
योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or
sitting place. अ० ११, १;

doubted; free from doubt.

पञ्च० १, १;

विश्वसंधार. वि० (विश्वसंधार) संसार रक्षितः
ने नगरमा भाग्यमाने अत्रा न्यायं न्याय
देव ने नगरा कागमन-राहा. वह नगर
(अथवा आनंद राहा हा वंश हा (A
town etc.) where movement
of men etc. is prohibited; free
from movement of men etc.
still नावा० ०;

विश्वसंश्रुति वि० (विश्वसंश्रुति) अत्यन्त निश्चय
मात्र.) अत्यन्त सत्य धर्म. अतिशय
साध. Extremely tranquil on
account of control of anger
etc. उच० १, २; १, ३.

विश्वसंदेह वि० (विश्वसंदेह) सदेह रक्षित
संदेह राहित. निश्चयदेह. Free from
doubt; clear of doubt. उच० १, १.

विश्वसंदेह वि० (विश्वसंदेह) सदेह रक्षित
निश्चयदेह; सदा राहित. Free from
doubt; clear of doubt. नावा० २.

विश्वसंधि. वि० (विश्वसंधि) संधि रक्षित.

विश्वसंधि. वि० (विश्वसंधि) संधि रक्षित. Having no
joint or hole. "विश्वसंधिवाश्विवा"
पण्ड० १, १;

विश्वसंश्रुति वि० (विश्वसंश्रुति) प्रशंसा रक्षित.
प्रशंसा राहित Free from praise; de-
void of praise. पण्ड० १, १;

विश्वसंश्रुति वि० (विश्वसंश्रुति) पापि १२. कालपी;
हावारा; क्रूर. Cruel; wicked.
पण्ड० १, १; नावा० १;

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) संसार रक्षित.
लेखा रक्षित; वेदात्म. Devoid of name,
consciousness etc. सूच० वि० १,
२, १, ३१;

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) संसार रक्षित.

पञ्च० १, १. कर्म को दूर करके नाका. (One)
who gets rid of Karma; (one)
who separates himself from
Karma. नावा० २, ४, १, ६;

विश्वसंधार न० (विश्वसंधार) नदीप्रवाह
वाहर विश्वसंधार, राहिर मन. Act of com-
ing out or getting out; exit
अ० १, १. -कौटि. वि० (विश्वसंधार) नदीप्रवाह
नदीप्रवाहमा आदि पापन राहिर विश्वसंधार
नदीप्रवाहमा आदि पापन राहिर विश्वसंधार
नदीप्रवाहमा आदि पापन राहिर विश्वसंधार
delight in getting out अ० १, १.

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) भाग्य निश्चय
अने भवभयान्तर में सत्य सत्य रक्षित
भावा, निश्चय और विश्वसंधार इन तीन
शक्तियों में शुद्ध. Free from the three
thorns in the form of deceit,
attachment to the fruit of ac-
tions and heresies. उच० १; नावा०

विश्वसंधार न० (विश्वसंधार) नीचि भाग्य
भुजने. सात कोटिमा, एक भाग्य Act of
breathing out; act of exhaling.
नावा० १;

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) अति अशक्त.
बहुत कमजोर. Extremely weak or
feeble. उच० १;

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) अतिशय
अशक्त. बहुत कमजोर. अतिशय कमजोर.
Extremely weak or feeble
उच० १;

विश्वसंधार वि० (विश्वसंधार) आश्रय; आश्रय
आश्रय; आश्रय. Shelter; resort.
उच० १, १; निती० १४, ४१; उच० १;

-हावा. न० (विश्वसंधार) आश्रय-आ-
श्रय. आश्रय या आश्रय का
स्थान, a place of resort; an ob-
ject which serves as a sup-

port or resting place. अ० १, १;
—उपसृ. व० (-उपसृ) उभने प्रति-
येष १५॥३५ने उभ तेरा मुमुषावा
१५॥३५ने आसृते. किसी को समझाने के
लिए किसी उदाहरण या उदाहरण
देकर समझाना. an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. अ०
४, १;

विस्तार. सं० क० च० (विस्तार) नेपा-
आश्रय लभने. जाकर बैठकर. Having
resorted to; having rested on;
depending on. अ० १, १, १;
विस्तार. सं० क० च० (विस्तार) आश्रित
जाकर बैठकर. Resting on; having
resorted to; having connection
with. अ० १५, १;

विस्तार. पु० (विस्तार) निश्वास;
अधोमाथी श्वास. नीचे की ओर श्वास
होना. Sigh; downward breath.
अ० १६, ११;

विस्तारविद्या. सं० क० च० (विस्तार)
जो वास्तव्यमांथी नीम वास्तव्यमांथी नीमने
एक वात्र से दूसरे वात्र में डालकर. Having
poured from one vessel into
another. अ० ५, १, ११;

विस्तार. वि० (विस्तार विस्तार विस्तार
संबद्ध विस्तार) नेषवेष्ट. विस्तार हुआ.
Got; obtained; joined; mixed.
अ० १, १, १, १; (१) निधये आश्रित. विस्तार
के बांधा हुआ. securely fastened;
firmly bound. अ० १, १, १, १, १, १;
(१) वि०, प्रति. वि०. a charac-
teristic. (४) आश्रित. जाकर, जाकर
विस्तार हुआ. resting on; resorting to;
depending on अ० १०; अ० अ०

१, १, १, १०; अस्तुते० ११०; (५)
आश्रित शेष. आश्रित. attached to;
passionately fond of. अ० १, १,
१, १०; अ० ५, १; (६) पु० श्वास, आश्रित
आश्रित शेष. श्वास, आश्रित आश्रित की
इच्छा; संस्तुता. passion for, greed
of food etc. अ० ५;

विस्तार. वि० (विस्तार) निधये.
विस्तार हुआ; विस्तार. Come out; got
out; started " संस्तुतव्यो संस्तुत-
विस्तार " वि० १५, १;

विस्तार. वि० (विस्तार) आश्रित श्वास
रहित; दुःखी. नष्टावस्था; दुःखी;
दुष्टावस्था. (Of an evil nature or dis-
position. अ० १, १, १; नाश. १०;
शब्द २०५; (२) आश्रित रहित. आश्रित
रहित. devoid of ascetic conduct.
अ० १०, १, १६; (३) सभाषि-शांति
रहित. सभाषि-शांति रहित. devoid of
concentration or calmness
of mind. अ० १२, ५; (४)
शीघ्र श्वास; अश्रित श्वास रहित.
शीघ्र श्वास; अश्रित श्वास; अश्रित श्वास. in-
continent; unchaste. अ० १, १;
१; शब्द २०५; (५) महाश्रित अश्रित
रहित. महाश्रित और अश्रित रहित.
not observing the major and
the minor vows. अ० ४, १;

विस्तार. लो० (विस्तार) निधये. विस्तार.
A ladder. अ० १, १;

विस्तार. व० (विस्तार) श्वास.
कल्याण; भला. Welfare; bliss. अ०
१, ४, १; —कर वि० (-कर) श्वास
१२५२. कल्याण करने वाला. (one)
causing or giving welfare.
अ० ५;

विश्वेच्छासिद्धि. वि० (विश्वेच्छा—वि. शेषतः
 मोक्षविच्छासिद्धि विश्वेच्छासिद्धि) मे. श्रु. श्रु. ११;
 बुद्धि. मोक्ष की इच्छा वात्सा; तुल्य.
 One desirous of or longing for
 final liberation. अम. १२, १;
 विश्वेच्छा. पु० (विश्वेच्छा) मे. श्रु. मोक्ष;
 मुक्ति. Salvation; final libera-
 tion. " विश्वेच्छाद ब्रह्मणाश्रित्याद "
 भाषा. १; ११;

विश्लेषः. वि० (वि.श्ले) सम्पूर्णं तत्त्वं,
 तत्त्व. Complete; full; perfect.
 वच० १, २, ३ — कर्ममुक्त. वि० (-कर्म-
 मुक्त) सम्मत्तं भूतयेव; सम्मत्तं भूतयेव
 भूतेन सर्वं कर्म ते मुक्तः; कर्म बन्ध रहित
 entirely freed from Karma; rid
 of Karma bondage. वच० १, २, ३:

विह. शि० (विह-विहग्येव विहः) भाषाया.
 दावायी Deceitful. वाचा० १, २, १,
 ७१; (१) ३।५ आदिथी प्रसित. कोच आदि
 से वीकित. toubled or afflicted on
 account of anger. सूत्र० १, १, १, ११;
 (१) (विहग्येवे प्राशिवःप्रेमद्वयता
 यस्मिन् तत्प्रियम्) व्यापातनं ३।४; यातना
 स्थान. वेदना स्थलः वातना स्थान; वह
 स्थान जहाँ से पीडा होती है. source
 of punishment or affliction.
 सूत्र० १, २, १, ११;

विह. वि० (विह-विमर्शो विमर्शो बहव्यस-
 रेष कर्मणा-द्वि विहः) रात्री, मन्त्र-पद्यो-
 रात्री; बहव्यस वाचा. Full of attach-
 ment and hatred; full of ego-
 tism. जावा० १. ४. १, ११२; दू० १,
 १, १, १०; (१) न० तेव. तैस. oil.
 जीवा० १, १,

✓वि-हृत्. क० I. (वि + हृत्) ग्राह्यः मरेः,
हृत्पुं. ग्राह्यः मरणा; मरणा. To kill,

to destroy.

विहसंवि. सं. १० २, ११४;

विद्ययाहं. अ. अया. १;

विहसिमा सं. कु. सं. १. ५, ११४;

विह्वल १०. (विह्वल) विनाश; भेद. विनाश;
अन्त Destruction; end. भाषा- १।

विद्युत्. न० (विद्युत्) ५२२५२ मथेन ४मं
पुद्गलेने दृश्ये पाश्च १२वे ते; ४मं
७-५ते। ओ३ प्र३१२ वरदार मिथ कर्म
पुद्गलों को रहता पूर्वक कारक करने का कार्य;
कर्म कथन दि० व. Firm adherence
or holding together of Karmic
molecules in mutual combina-
tion; a mode of Karmic
bondage अ० ४, २; जव० १, १;

विहव. वि० (विहव) दवेन; भारेव. वारा
 हुवा; नह. Killed; destroyed.
 " जपका हुवेवावहिं कर्नेवि कम्हा उवर
 विहवामुमारा " उत० ११, ११, वसा० १,
 ११; —कंडव. वि० (—कंडव) नेवे
 वि० नेवा प्रतिपक्षिनि भारेव छे ते. किले
 कंडव रूप सिपवी का वारा विवा है
 (वह). (one) who has des-
 troyed adversaries who were
 troublesom like thorns. स० १,

-દસ. ત્રિ. (-સપ્ત) બેમાં ૨૦-

મેથ દૂર કપેદ છે તે. ચિહ્ન રમ-ગ્રીમ કહી
 દે વદ વિધેય; રમ શાંદ; કાચિય. freed
 from dirt or dust; clean. "જાણેવ
 વિદા દેવા ચિહ્નવાવં કહુવાવં કહુવાવં" સીમા-
 ૧; રાવ. —જાણ. વિ. (-કય) કયુને
 માર્યા છે એવે. કયુદગ્ધ; વિજયવત. (one)
 who has destroyed enemies.

**“सोहनसपु सिद्धः सपु मण्डित सपु सिद्धि
सपु” रावः**

✓ वि-हर. क० I, II. (वि+ह) ५२८

३६७. चीर-विच्छेदक. To extract; to pull out.

विहरद्. विही० १, ४२; दृ० १, १, २०;

विहरेद्. विही० १, १५;

विहरित्वाप्ति. विही० १, १६;

विहरितद्. हे० दृ० विहा० २;

विहरन्. व० दृ० विही० १, १२;

विहरामेति. प्रे० दृ० १; २, १५;

विहस. दु० (विहस) ३३०टी; ३३०टी ३३०पाने.
५५२. कवीटः वरीकपादः, विहसमा.

A touch-stone. वच० १०;

विहा. जी० (विहा-विहस्यन्ते प्राणिनः
वसो जा विहा) भाषा. वावा; वस; कपट.

Deceit; fraud. "उचकते विहे को"

दृ० १, २, १२;

विहास व० (विहास) ३३०टीना ११ निपा-
न; ५५२. वचसि के जीविषाव कां; वच-
मेति. A treasure; the nine
treasures of a Chakravartī. अ०
१, १; वचुनो-

विहास. व० दृ० व० (विहास) २५५पीने
स्थापना करके. Having placed or
established. दृ० १, ७, ११; (१)
१२०. छोड़कर; त्यागकर. having left
or abandoned. दृ० १, ११, ११;

विहार व० (विहार) निहार; शैश्वर्या.
शौच किया, रिसा, संवत् को जाना. Act
of answering calls of nature;
getting rid of excrements. अ० २;

विहि. दु० (विहि) ३३२; ५५२. मंडा;
कोष; कज्जल. A treasure; a store.

"द्वयं विही वचसः" अ० २, १; वच०

१; वी० १, १; विही० ११, १६;

(१) मे, ५५२. मे, ५५२. मे, ५५२.

५५२. दृ० वच० का दृ० हीन चीर दृ० वच०.

name of an island; also that of

an ocean. वच० १२; वी० १, ७;

—वच. दु० (-वचि) ३३२टी; ५५२.

५५२. वचसि; कोषाचर. a trea-

surer. वच० १२; १; —दृ० वच०.

(-वच) ३३२टी'दु' निपात-वचसि.

वचसि का कोष. a treasure belong-

ing to a Chakravartī. व० व०.

विही. जी० (विही) अनंत उपवासी वच-
सिनी मे, ५५२. वचसि जीववासी वच-

सिनी की एक जाति. A species of ve-

getation with infinite living

beings in it वच० १;

विह. दु० (विह) मे, ५५२. मे, ५५२. वच-
सिनी वच वच की एक वचसिनी, कंद

विहस. A kind of vegetation, a

particular sort of bulbous root.

वी० १; वच० १;

विहस. वि० (विहस) निपुन वचसि; प्रयुति
२६१. विहस; प्रयुति दृ० वच०. Retired;

free from activity. दृ० १, २, १२;

(१) प्रयुति वच वच. प्रयुति वच

वच. calm and quiet in mind.

वच० २१; (१) निधन; वचसि. विहस;

वचसि; विर. firm; steady; motion-

less वच० १२, ४१; वच० १, १;

विही. व० (वच) नीचे नीचे; वच०.
Low; below; down. " विहीनं

वचसि वचसि " दृ० १, २, १, २;

वी० वच०. व० (वी० वच०) मे, ५५२. मे, ५५२.
वचसि वचसि. वचसि वच की वचसि वचसि.

An evil variety or class of

Gotra-Karma. वचसि० १२०;

वी० जी० (वी०) मे, ५५२. वच० ११. वचसि
वचसि वच-वच. A logical stand-

point such as Naigama etc.

अ० २, २; (१) नीचे—५५२; वचसि०;

अमर-नीति चमेरे नीति-व्याय; राजनीति;
न्याय नीति कौरव. morals; jus-
tice; politics. " निविदा बीहूँ वचनका
काये दूँ मेव " अ० १, १; भावा० १;
बीच. वि० (बीच) नीति; ६५१०। बीचा; चटिवा;
उतरता हुआ. Low; mean. अ० १, १;
बीचूह. न० (निचूत) ५११५. चूँचा हुआ.
(Saliva) spit out or ejected
from the mouth. बीही०
बीचूहण. न० (निचूहण) ५११५। बीचो;
बीचो. दरवाजों का बाँधना A block of
wood jutting out from each of
the two upper ends of a
gate or door of a house. भावा० १;
बीचूहवंतर. न० (निचूहकामर) मे
१०१५। ५११५। अंतर. १ कोठरी के
बीच का अंतर. The distance or
space between two blocks of
wood each projecting from
the upper end of a gate or
door of a house. भावा० १;
बीचिय. वि० (निचित) ५११५। बहार
बिखाया हुआ Brought out. भावा० १;
बिचिया. बी० (बीचिका) ५११५। नीति
५११५। अ० १। चार इंद्रिय वाला जीव
विशेष. A kind of four-sensed
living being. बीचा० १; वच० १;
बीति. बी० (बीति) नीति--५११५। नीति;
व्याय; व्यवसाय; इत्यादि; Politics;
justice. भावा० १;
बीज पु० (बीज) ५११५। ५११५। कदम्ब का
वृक्ष. The Kadamba tree. वच० १;
बीच. वि० (बीच) लावेन; आलेख. लावा
हुआ. Brought; carried. भावा० १;
११; १०;
बीच. वि० (बीच) नीति; ६५१०। १११५।

विल; नष्ट रहने वाला Constant;
permanent; eternal. अ० १०;
बीच-ब. वि० (बीच) नीति; ५११५;
नीच। बीचा; ठिक्का; छोटा. Low;
dwarfish; small. वच० १, १; १;
११, १; (१) नीच; ६५१०। नीचा पुनो.
नीच कुल का. mean; low-born. अ०
१, १। वच० १, १। चकुचो० ११०;
—अव. वि० (—अव) नीच नीतिनी
मायुष. नीच जाति का मनुष्य. a person
of a low family or caste. " बीच-
अव किलेविचो कोमलरहविच " ११०१, १;
—दुवार. वि० (—द्वार) नीचा ५११५।
बीचे वा छोटे दरवाजे वाला. having
low gates or doors. वच० ५, १, १०;
बीचवच. न० (बीचव) नीच ५११५।
बीचता. Lowness; meanness.
" निचतवे वहर लच्छवार् " वच० ५, १, १;
बीचवर. वि० (बीचवर) अति नीच। बहुत
नीचा. Very low. वच० १, १;
बीचानोच. न० (बीचानोच) अशुभ नीति
अशुभ प्रभुति. मोत्र कर्म की वसुध प्रभुति.
Evil Gotra-Karma causing
birth in a low family. " उच्छानोच
केने बीचानोचाकेने " वच० १, १, ११;
—कर्म. न० (—कर्म) अशुभ नीति
अशुभ प्रभुति, के अने ५११५। अ० १ नीच
अशुभ नीति ५११५। मोत्र कर्म की वसुध प्रभुति,
कि जिसके उदय से जीव को नीच मोत्र प्राप्त हो।
a variety of Gotra-Karmas
(family-determining Karmas)
evil in its effects because by
its rise or maturity a man is
born in a low family. वच० ५, १;
बीचव. वि० (बीचव) १११५। ५११५।
रूपी १११५। १११५। कर्मलक्ष्मी मन्त्र के

रदिन. Free from dust & dirt;
free from dirt in the form of
Karmas सं० १० अ० १, १, १, १२:
१२, १;

ॐ (प्रह्लाद) मूल नक्षत्रम्
 आश्विन ११। मूल नक्षत्र का अर्थ
 ज्ञान देना The presiding deity
 of a constellation bearing the
 same name. मू १० १।

श्रीकृष्णाय नमः (विष्णवे) ३३३३ ३३३३
 श्रीन. ३३३३. श्रीकृष्णाय नमः ३३३३ ३३३३
 Chaitanya, free from worry.
 वाचः ३३३३

लामेन. प्र० (बीमो) रोग रहित निमो.
 स्वस्थ. From from disease.
 healthy. अ० १०; भाषा- १. (०)
 अर्थात् रहित निमो, निमो रहित; अर्थात्
 रहित from from mental disturbance
 or worry. अ०-

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ (अतिथेय) वेद वेदः ॥ अथ
 वेद-वेद वेद वेदः ॥ अथ वेद वेदः ॥ अथ वेद वेदः ॥
 वेद वेद वेद वेदः ॥ अथ वेद वेदः ॥ अथ वेद वेदः ॥

नील वि० (नील) १५५३; नील उवम;
नीला; काला. Dark, black; blue
अ० १०. (२) पुं० नीले २५ बाला रंग
blue colour. पद० १; गद्य० २०. (१)
नीलम; अङ्ग अनामि अङ्गि. नीलम. एक
प्रकार का मार्म. a kind of gem; a
sort of blue gem नीला० १; (२) २५
या अङ्कजुं न. न. २२ वैश्व का नाम. name
of the 25th planet. "देविता"

६३. १. नू० ७० : (५) ली० नीम
येरगा; ७ येरगा; १ श्रीश्रु येरगा. मीनवेष्टा,

सुखदुःखानां द्वे द्वे दशदा. the 2nd of the
six kinds of thought or matter-
tints, viz. blue tint. दश= 10;

(१) पानु समूह, बाणों का समूह, तार समूह.
a collection of arrows, etc.

—पक्ष. १३. (- १४) श्री ४५ पादप. ४५
हरे पत्ता वाला. having green leaves.

पत्र. १. - पाणि १०. १. पाणि -
 न. न. कायककाय पाणि के पाणि के पाणि

साक्षर) जेना दाखला जाऊने समुद्र ते
सा समुद्र का धारण करणे बाबा, साक्षर।

(one) holding a number of
arrows in the hand, **शर-समूह**

ସିଂ (ସଂ) ବିଧି ସମାପ୍ତ, ହରି ଭାବନ
 ବାମା ମହାପାତ୍ର ଓ ପ୍ରମୋଦ କୁମାର

भाया० १. - बगल ४० (- वर्ष)
 २५० भागाः । ३५० भागाः । ४५० भागाः ।

black colour, blue colour अश०
५. १. २. ३. — अश्वः । अश्वः १०. (अश्वः)

A modification of black

colour. अम०१,३ — बालनाशिवम्

माहेतक ७७. (०००) who has
out on a list of garment of

blue colour. 1970-1971

कृष्णकंड पु० (शिवकंड) पृ०-२१ मदिह भेनाये
अविर्भा ३५१. गड्डः एव महिष देवा
एव मायदेवता The commanding
deity of the army of buffaloes
belonging to Śakraṇdra. अ०४,३:

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ (श्रीगणेशाय) भोः नमः, नमः;
 नमः. A peacock नावा. १;

પીત્તલકાકોર. ૬. (પીત્તલકાકોર) નીચી.
 રંગની હલેડા, યુક્તની એક જાત. કીકો ત્રણ
 થી વધારે; રજ વિશેષ. A kind of tree
 blue in colour. ૪૫.

बलिकुट. ३० (बलिकुट) - ११५१ ५१'५२
 ५१'१५" अ० ३१'५२". बलिकुट पर्वत पर्वत
 का एक शिखर. A summit of the
 mountain named Nilavanta
 Varadhara ४० १, १;

श्रीलङ्काया श्री- (श्रीलङ्का) : ११-१
 "एक रत्न विशेषः एक प्रकार का रत्न A
 kind of gem." श्रीलङ्कायामहम्मद-
 शाहा "जीवाः १, ४; रावः नावाः १;

लीलवतुज्ज्वि. पुं० (लीलवतुज्ज्वि) - नीला
रमना पुष्प याद्वि अत्र नाना आस. वीति
रंग के फूल वाला एक वृक्ष। इति। A kind
of tree putting forth blue
flowers. इति०

ग्रीन कलर पुं० (नीलक) बीजे २५. दश रंग.
(Green colour मग० १८, ६; २०५.)

नीललेख्य. (१०) (नीललेख) नील लेख. १. ३
 ७३. नील लेखा वाखा जीव. (A soul)
 having blue thought-tint
 (Lobhā). डा. १, १; भग. १०, १;
 २१, १; — भवसिद्धि. ३. (—भवसि-
 द्धि) नील लेखावासा भव्य ७१. नील
 लेखा वाले भव्यजीव. A soul having
 blue tint and destined to attain
 salvation, eventually. भग. १५, ०.

वीजल्लेखा. वी० (वीजल्लेखा) : लेखा-
मांजी जी० लेखा. १ लेखाजो वें वी दूरी
लेखा. The 2nd of the six kinds
of thought or matter-tint
(Ledyas). पृ० १, १०; अ० १, २;

શ્રીકવિંત. પું. (જી.કવિ) જન્મ ૫૪૧૫
ધર્મિક દિશાએ ૮૩૪ જિન્મ અને ૪ સાતીયા

आम उपर सीता नदीने बन्धमाये आवेथ
मे नाम्ने मे ६६ हे नेने पावे वीठ
हंयन पुरंत छे. जवन एवं छि रहिल्ल
दिता में ०१४ बोझन चौर बार सातीवा मान
ऊपर चौर बीना नदी के मध्य में जाने बाबा
एक बलासव भिमके दोनो चोर बीच डबलक
वंत है Name of a great lake in
the south of Jambga mount in
the middle of the course of
the river Sitā on two of its
sides it is bounded by twenty
Kūrichauka mountains. प्र० २०

(२) नेमावासी नामक २३०. ३४ (४४)
के निवासी नामक २३०. ४४ Nāgava
nara kind of deities residing
in the above lak. प्र. ४० (२)

मन्दर पर्वतनुं पीपुं शिखर. मन्दर पर्वत
का दूसरा शिखर. the second peak of

Mandara mount. मं० प० (४ ,
नीचरंत पर्वत; मंदारिदेवनी उत्तर तराई

सोभा आश्विनार परत नीसवंग
महाश्वेद की उत्तरी सीमा बनान वाला

पर्वत. the mount Nilavanta
forming the northern bound-

ary of Mahavidela. " कहियं
मंत मंगुरांवे बीकसेते वाम वासहरवन्व

पुस्तकें " अं. प. म. २, १, पत्र. १८;
जीवा. १, ८; -- कृ. १. (- कृ.)

नीक्षयंत राधे परंतुं भांजुं विष्णु
नीक्षयन राधे परंतुं का हनरा सिद्धर हूद.

the second peak of the Nilavanta Varsidhara mountain.

" दो गीतकेत कृपा " अ० १, १, सं० ५०
—इहकमार. पुं० (—इहकमार) श्रीध

संत इह का अभिप्राति नमस्तुते देव. न

Nagakumara kind of deity presiding over the lake named Nilavanta. बीजा० १, ४; —वृक्षव. पु० (—वृक्ष) नीलवन्त पर्वत. नीलवन्त पर्वत. the mount Nilavanta. नावा० १६.
बीजा. बी० (बीजा) नील सेवता. नील मेरवा. Blue thought-tint or matter-tint. नाम० (१) १७ पुदीपना मेरवी केतरे रक्ता भद्रानदीने मधनी मे नामनी मे० भद्रानदी प्रवृद्धा के मेर की उत्तर तरफ रक्ता महामदी मे मिलती हुई इन नाम की एक महामदी. name of a great river flowing into another great river named Rakta in the north of the Meru mount of Jambudvīpa. अ० १०;

बीजाभावा. पु० (बीजाभावा) २६वां भद्रा भद्र. २६ वां महामह. The 26th of the great planets 'बीजाभावा' अ० २, १. व० १० सू० १०.

बीजाकोक. पु० (बीजाकोक) नीला अमृत अशोक पुष्प नील रंग का अशोक वृक्ष. An Ashoka tree blue in colour धन० (२) मे नामनं सुदर्शन मेनं उद्यान. इन नाम का सुदर्शन मेरु का उद्यान name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नावा० १; —उद्यानव. व० (—उद्यान) मे नामनं मे० उद्यान. इन नाम का एक उद्यान—वनीच. name of a park or garden. बीजा० २;

बीजाकीच. व० (बीजाकोक) अमरपिष्टा नदीनी पद्मार्जु मे० उद्यान. अमरपिष्टा नदी के ऊपर का एक उद्यान. Name of a garden or park outside

the city of Saugandhika. नावा० १, २;

बीसी. बी० (बीसी) नीली-बली. नील. Indigo. नावा० १६; बीजा० १, ४; व० १, ४४; (२) भुवने वनस्पतिमे० मे० प्रसार नृक्षोदार वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves. व० १;

बीसुप्यव. व० (बीसुप्यव) नीलोप्यव. १४४. बीसुप्यव; नील कमल. A blue lotus नावा० १, १, २. व० ४; १४; अ० १, १३; —मणि पु० (मणि) नीलोप्यव १४४ नेली नयनार. नील कमल प्रेमी नयनार a word like a blue lotus. नावा० ४; —वृक्ष व० (—वृक्ष) नीलोप्यव १४४ नं० १४. बीसुप्यव कमल का वन. a forest of blue lotuses. तं०.

बीसोभावा. वि० (बीजावभावा) भुवना नभा १२१ प्रकाश मान. मार के कट के ममान प्रकाशमान Shining, bright like the neck of a peacock. बीजा० धन० (२) २६वां भद्रं नाम. २६ वे भद्र का नाम. name of the 26th planet. व० १० २०;

बीव पु० (बीव) १६ नं० आ०. कदम्बका वृक्ष. A Kadamba tree. बीजा० नावा० ४, (२) व० नेना १४. उव (कदंब) के फल. a fruit of a Kadamba tree. नावा० १; व० २२, १;

बीवार. पु० व० (बीवार) मे० १४४ वनस्पति १७ नीला उमेय पा-४ विशेष नामो मे० १४ प्रभृति. बिना इन की हुई भूमिमें उत्पन्न साम्य विशेष; बीजा, चावल आदि. Rice etc. growing in uncultivated land. व० १, १, २, १०; १, १२, १२;

बीजक. वि० (बीजक) अंश २६१. अंश-

तहित; निर्दोष Free from doubt.

अम० १, १;

बीकड. वि० (विःकृष्ट) हे भेय; भुगेय.
छेका हुआ; त्यक्त; छोड़ा हुआ Left;
abandoned; given up; freed;
given out. अम० १, १;

बीकसिडकसिडकसम. न० (विःकसितो-
न्वयसिडकसम) ॐ यो नीत्या स्वरवायुं मान.
ऊंच नीचे स्वर वाता मान. A musical
tune with rising and falling
arguments. अ० ७;

बीकसिड न० (विःकसित) न मेथाल भुगेय.
निवाहकामना Act of breathing
out or exhaling; a sigh आवा० ६;

बीकसा. बी० (•) पट्टी, पट्टी; पट्टी A
mill to grind corn etc. " दम-
कारावला गिहिय बीकसा वीकडका " दत०
१, १, १४;

बीकसास पु० न० (विःकाल) नीमे थाल
भुगेय। ते. काल छोडना. Act of ex-
haling or breathing out. बीव०
१६; आवा० १; अ० १, १; १७, १२;

बीकसासमास वि० (विःकाल) थालभु ते।
नाल मेलाहुका; दम करता हुआ. Breath-
ing out; exhaling. आवा० ६;

बीकसेवस. न० (विःसेवस) निमित्त अन्त्यायुः
मेक्ष। निमित्त कस्वाय; मोक्ष Final,
certain bliss; salvation. बीवा० १, ४;

बीकडिवा. बी० (विःकडिवा) पिरसजु.
परोका; कार्यवत्ता जानेमे चलमय किली
मिच जादिके वहाँ मेथोदुई भोजन की चाली.
A dish of food etc. sent to a
relative or friend who has not

been able to partake of a gene-
ral feast. देव० १, १७;

बीकडर न० (विःकडर) मरत्य संस्कार.
कृतुमरधार; समवांश विवा. Funeral
rite or ceremony बीवा० २, ४;
आवा० १६; अम० १६, १; (२) निधनुं
ते. निकलना. getting out; starting
out. आवा० २;

बीकडरमास. वि० (काडर) निधनुं १२१.
दुखन होता हुआ; चारन हाता हुआ Ex-
pelling; getting rid of; answer-
ing calls of nature देव० ६, १.

बीकडरिवा. दे० ६० न० (विःकडर) निधनुं
१२१। ने. मुक्त हानक। काडर निधनन के
लिए In order to expel; in order
to clear or get rid of e. g.
excrements. देव० ६, १;

बीकडर. पु० (विःकडर) निधनुं-१२१। निधनुं
१२१। दिता-तोव किवाकि। आवा० Act
of earning oneself; answering
calls of nature. अम० १४;

बीकडा न० (विःकडर) गडी भुगेय.
निधन देना. चला देकर निधन देना. Act
of driving away; pushing out
अ० १, ४;

बीकडरि. वि० (विःकडरि) व्यापी अनार;
विस्तार प्रमनर. केव जानेवाला; विस्तार
जानेवाला. Extending; pervading.
having the property of exten-
sion. अम० १४; बीव० १४; (२) मेथ-अन्त्यायु
वायुं. बीव०-सम्पदाका. full of sound;
possessed of sound. अ० १०;

बीकडरि. न० (•) मेथ सन्धु निध-

रथ-अभिषेकस्तत्र यमेरे भरथु संस्तार यथ
 को देव स्थमे संस्तारो हरेयो ते. ऐसे
 स्वागार वंचाए करवा कि जिससे कर्तुंकार
 उपरि अन्येदि किमदि जायनी ते होउके.
 Act of giving up food and
 water in such a place so that
 after death the corpse can be
 removed for the purpose of
 funeral rites such as crema-
 tion etc. अ० १, ४; अ० २, २४, ७; १,
 ११, ७; (२) पथे हर सुधी पदार्थ तेनु.
 बहुत दूरतक पहुँचनेवाला. (one) reach-
 ing a long distant place.

बीह. बी० (बीह) अ० ११ ओ३ अ० १. एक
 कश्च विस्व. A species of bulbous
 roots. अ० २, ३; २१, १; उ० १६, १०;
 बी० (बी) अ० ११; अ० २४-अ० २४.
 An indeclinable marking
 question. अ० ७, ११; (२) चित्त.
 चित्त; आचार्य (अ० १). An indeclinable
 marking imagination or sup-
 position. अ० १०;

✓ सुह-कर. वा० II (अ० २४) चित्तारु.
 चित्तारु; दुरात्मका कदवा. To reproach
 to show contempt towards.
 सुहोवि. अ० १०२;

सुहार. सु० (अ० २४) सुहार अ० १०२ ते.
 सुहोवि अ० १०२. A sound expres-
 sive of contempt. अ० १०२;

सुहं च० (सुहं) अ० ११; अ० ११. अ० ११.
 अ० ११; अ० ११; अ० ११. Indeed; assured-
 ly अ० १; अ० १; अ० ११; अ० १, १;
 २, १; अ० १, १; १०, १; उ० २, १०;
 अ० १०; अ० ११; (२) अ० ११, अ० ११,
 हेनु अ० ११ अ० ११ अ० ११ अ० ११, अ० ११,
 अ० ११, हेनु अ० ११ अ० ११ अ० ११. an

indeclinable used to mark sup-
 position, question, reason etc.
 अ० १; अ० १; अ० १;

सुह. व० (सुह) अ० ११ अ० ११. अ० ११ अ० ११;
 अ० १, अ० १; (२) अ० ११ अ० ११ अ० ११;
 अ० ११ अ० ११. a mountain-cave etc.
 अ० ११, ११; अ० १, १, १, १; १,
 १, अ० १; (३) अ० ११ अ० ११. covering;
 act of covering. अ० १, १; (४)
 अ० ११; अ० ११. अ० ११; अ० ११. deceit;
 fraud. अ० ११, ११ अ० ११; अ० ११
 १, १, १, ११; (५) अ० ११ अ० ११;
 Karma अ० १, अ० १, अ० ११; — अ० ११.
 अ० (-अ०) अ० ११ अ० ११ अ० ११ अ० ११.
 अ० ११ अ० ११. a house surrounded
 by trees. अ० १, १, १, ११०;

वे अ० (वे) अ० ११ अ० ११. अ० ११ अ० ११.
 An expletive; an indeclinable
 used as an expletive. अ० १.

वे. अ० (वे) अ० ११ अ० ११ अ० ११. अ० ११,
 अ० ११ अ० ११. We; our. अ० १, १;
 १, १; ११, ११ अ० १, १;

वे अ० अ० (वे) अ० ११ अ० ११; अ० ११ अ० ११;
 अ० ११ अ० ११ अ० ११. अ० ११ अ० ११;
 अ० ११. Based on sound logical
 reasoning. अ० ११; अ० १, १,
 १, ११; (२) अ० ११ अ० ११ अ० ११
 अ० ११. अ० ११ अ० ११ अ० ११ अ० ११
 अ० ११ अ० ११ अ० ११ अ० ११. a path
 surely and invariably leading
 to salvation. अ० १०, ११; (३)
 अ० ११ अ० ११ अ० ११. अ० ११ अ० ११;
 (one) proficient. in logic
 अ० ११;

वे अ० (वे) अ० ११ अ० ११; अ० ११.

विदुषः, वदुरः, दुसलः. Expert; wise; skilful. अम० १, १, ११;

नेटुर न० (नटुर) नटन आभरणः; मंत्रः, रीर का नटन, मंत्रा A log-ornament; an anklet. भाषा० १, १, १६; मीमा० १, १, (१) मे छेदित्वा यत्ने, अथ विशेषः. दो इत्यत्र बाबा मंत्र इत्येष a species of living beings with two senses. अम० १, (१) आ० छेदित्वा यत्ने अथ. बार इत्यत्र बाबा मंत्र a living being with four senses. अम० १;

नेमस्य. पु० (नेमस्य निमस्य वरिष्ठः, जल्लोका स्थानं नेमस्य) वणिज्या व्यापारीभिरनुं निवास-स्थानं व्यापारिणां निवासस्थानं A quarter of a town etc. where traders or merchants reside अम० १०, १३; (२) इत्यत्रा अर्थः भा० १११. शास्त्रोक्तं अर्थेण इत्यत्र proficient in scriptural texts and their meaning. अम० १, १३ (१) आ० नवमानो पदेभ्यो नयः आ० नय मे मे प्रथमं व्यावृत्तं नयः the first of the seven logical standpoints of Jain philosophy अम० १; अम० १६; - नय पु० (-नय) इत्यत्र इति-अभिमत आ० नयमनो प्रथमं नयः अत्र प्रथमं के आ० नयो मे मे पहिला नयः the first of the seven logical standpoints in the Jain philosophy इत्ये० १११ — पट्टमा-व्यवृत्तिः. वि० (प्रथमाव्यवृत्तिः) व्यापारी-भ्योभा प्रथम आसनं पश्यन्ना०. व्यापारिणो मे अत्र पहिले आसन का अधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants अम० १०, १; वेदवृत्त पु० (वेदवृत्त) निधन नयः. निधन वाक्य नयः. A standpoint by

which a thing is named after the substance of which it is evidently made. अम० १०, १;

वेदवृत्त. पु० (वेदवृत्त) मे नामनु मेऽन्यत्वे. एक जगत् वेत्त. Name of a Andrya country. (२) नेना वासी भट्टन उम के निवासी नाम a person residing in the above country अम० १, १;

वेत्तव्य. न० (वेत्तव्य) ममञ्जु मेनु. लभक मेवा; जानमाना. Grasping the meaning of; understanding, comprehending. अम० १०, २०;

वेत्तव्य. वि० (ज्ञानव्य) नयत्वा वेत्त. जानने योग्य; जानव्य. Worthy to be known. अम० १, १; २४, १;

वेत्तार वि० (वेत्त) नयत्वा. अधिगमि; नेता; नायक (One) who leads; a leader. अं० १०

वेत्त. न० (वेत्त) आ० नय जाँव; नयन; पट्ट. An eye. अम० १०, २३; (२) ने० १३. रस्सी. a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking. उवा० २, ६६; (१) ने० १३ नी ७३; मे० ३. वेत्त, वेत्त वृत्त का वृत्त. a cane; a birch rod. अम० २, २, १०; — नय. न० (-नय) ने० म० ३. आ० नयो १६१. वेत्त वीणा. आ० नय का दर्द pain in the eye; sore i- eye. भाषा० १३;

वेत्त पु० जी० (वेत्त) नयनी ३३ उमे नी० ३३. प्रदेशः भित्ति ३३ नारी. जमीन से ऊँचा उम्र हुआ भवन; दिशा का विस्तार. Region or portion protruding from ground level. अं० १०, ६२; १०३;

केसि. पु० (केसि) पैमने पैसावे, पैसानी पार.
चहियेस वेराव: चकई चरवि. Circum-
ference of a wheel. कोर० ११:
अ० १० १, ४७; अ० १, १; दूब० १, ४,
१, ६; —चहियेस. व० (-चहियेस)
सकपास सभान. पुनसरेपान. प्रकपास
सभान, नैसाकर. (any thing) cir-
cular in shape like a wheel
अव० १४, ६;

केसिमिच. व० (मिचिच) निमित्तसःअ.
३६ पाप सःअभांनु मेः. मिचिमिचसःअ.
२६ पापसःअ मे से एक. The science
of omen, one of the २९ Pāpa
Śāstra (secular sciences) अ० १;

केसिमा. जी० (•) जमीनपी नीसने
अरे. जमान मे ऊचा उछा हुआ भाग-अरे.
Region higher in level than
the ground. गव० ४३;

केस. व० (केस) ज्ञानुस पैम. ज्ञान;
जानने वाक. Worthy to be
known. गव० २१६; वच० २१; वावा०
११; १२;

केसमिच वि० (चरविक) निच. निच;
सचन Constant; permanent;
eternal अव० १, २;

केसवच. वि० (ज्ञानवच) ज्ञानुस पैम
जानने कोरव; ज्ञानवच. Worthy to be
known; worth being known.
अ० २, १; अव० २, २; अ० २, ४; १२, १०;
२३, ४; २६, ११; वावा० १६; मिमी० ६,
२, ११, १६; १८, २; दवा० १०, १; अ०
१० ७, १३३; ६, १३४;

केसवच. वि० (ज्ञानवच) ज्ञानुस पैम

पैम. कहने वा कहव कहने कोरव.
Worthy to be told or describ-
ed; worthy to be conveyed or
communicated. कोर० २०; अ० १०
४, ११६;

केसावच. वि० (वैसाविक-व्यावेस कालि
वैसाविक.) व्यावपुन. व्यावपुन; कववे
ने चकने वावा. Logically sound;
just; in accordance with just-
ice. उत० १, ६; दवा० १०, १; ६, १७;
(२) व्यावपुन नैनप्रसावेने ज्ञानुस.
व्याव दसंन नीतव साक को जानने वावा.
(one) proficient in the sys-
tem of logic propounded by
Gautama. दूब० अ० १, १, १, ६;
(३) वैसाविक ज्ञानुस व्यावपुन
सावे. वैसाविक का वेतवाने वावा व्यावसाक.
a scripture based on logic
and guiding one on the path
to salvation. वावा० १;

केसावच. वि० (ज्ञान) ज्ञानुस ज्ञान;
जावक; ज्ञानवच. (One) who leads;
a leader. दूब० १, १, २, १७; १६, १७;

केरद्वय. पु० (वैरविक) नरसभा रवेनार
अरे नारदी. नरसभा जीव; नारदी. A
hell being; a soul born in hell.
अ० १, १, २, ४; ३, १; उत० १०, १४;
अव० २०; ३४; ज्ञानुस० १४०; अव०
२, १; ६, ४; अ० २, १६, १; १६, ४; २०,
१०; २४, १; ३२, १; वावा० २; दवा०
६, १; ४; वच० १; जीवा० १; (२)
नरसभा नरि. नरसभा ज्ञान-अवपुनार
नरसभा; नारक का अव-अव-अवपुनार.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell.

कोव० १०; —जाडव-व. न० (-जाडव)

नारदीन आधुन्य. नारदीन आधुन्य. life-period of a denizen of hell.

नम० ८, ४; १०, १; छ० ४, १; —जा-

वाच. पुं० (-जावाच) नारदीनारसे.

नरकावास; नरक में निवास स्थान. abode in hell. नम० १०, ४; १०, ४; छ० २, ४;

—विति जी० (-विति) नारदीनी

स्थिति. नारदी की स्थिति-वस्था condition of a hellish being. नम०

१४, १; —दुग्गद जी० (-दुग्गद)

नरकपुनर्जन्म. नरकपुनर्जन्म. bad plight in the form of birth in hell. छ० ४, १; —पवेसव

न० (-पवेसव) नरकमां प्रवेस. नरक

में प्रवेस. entrance into hell नम० ८, १२; —जव पुं० (-जव) नारदीनी

जन्म. नारदी का जन्म. birth of a

denizen of hell छ० ४, १; —सं-

सार. पुं० (-सार) नरक मनुष्य

संसार. नरक मातृ संसार. नारदी संसार.

worldly existence akin to an

abode in hell. छ० ४, १; नम० १५, ७;

केरवच. न० (केरवच) नारदीपक्ष.

नारदी पक्ष. State of being a deni-

zen of hell. नम० १२, ४;

केरवचता. जी० (केरवचता) नारदीपक्ष.

नारदी पक्ष. State of being a

denizen of hell. नावा० २, ११; १२;

नम० १२, ७; १२, १; १०, १; छ० ४, ४;

वता० १०, १;

केरई. जी० (केरई) नैमिनि-राक्षस जेने

देवता से भेजुं नक्षत्र; भूय नक्षत्र. नैमिनि-

राक्षस के अधिकार वाला मूल-वचन. A

constellation named Mula hav-
ing for its presiding deity a
demon. नम० ७, १;

केल न० (केल) मदीने रिकार. नील का
विद्यार. A product of indigo. नम०
१, १;

केलचंन. पुं० (केलचंन) महाविदेही की उत्तर

सहस्र की उत्तर. महाविदेह की उत्तरी

सीमा बला पर्वत. A mountain on

the northern boundary of

Mahāvideha. (२) नीलचंन पर्वत

केल रवेनार तेने अधिष्ठाता देवता

नीलचंन पर्वत पर रहने वाला उनका अधि

ष्ठाता देवता. the presiding deity

of the Nilavanta mount, resi-

ding upon that mount. न० ८.

केलचर. न० (केलचर) वेद; अक्षर. वेद

पेक्षाक Drama; e. g. in a drama

कोर० २४; पक्ष० २; पक्ष० १, ४; छ० ४

२; नावा० १; १६; (२) पक्ष० १

a curtain; e. g. in a drama

नावा० १; (२) अधिष्ठाता; आभूषण

अभूषण; आभूषण; केर; नक्षत्र. an orn-

ament; a decoration पक्ष० ८, २१

न० ८-७, १२०;

केरवास. न० (केरवास) भुक्ति; मोक्ष मुक्ति

मोक्ष; मुक्ति Salvation; final bliss

" एतीह कल केर परम केरवासने

विराजते " पक्ष० ८, १२;

केलजि. पुं० (केलजि) निमिषा पक्ष

आसने भेसवार. आसनी वाला नारक

आसन से बैठने वाला. (One) who sits

with his legs crossed. पक्ष० १०,

१२; पक्ष० २६१;

केलजिवा जी० (केलजिवा) निमिषा पक्ष

आसने भेसवार (जी). पक्ष० १०-११

देखने वाली(जी). (A woman) sitting
with her legs crossed. अ० ५, ११
पं० २, १९;

मेकानिवा. जी० (वैकुण्ठिजी) प्रथम पत्रे
 १०३वां अध्याय ११वां पत्राचार पत्रक
 में होने वाला कर्म बंध. Karma in-
 curred by throwing a stone
 etc अ० ३, ११

सुन्दर पुं - (गैर) नय निधानमनि. ओ३ः
 नयः याम नयः आदिनुं यत्नं न ये न
 नय निधान मे का एक निधान, शिव मे याम
 नयः आदि का वस्तु है (One of the
 nine Nidhanas अं १० अ० १ः)

मेवाय जुं (विषाद) निपाः नामनोस्वरः
स. १ १. म. १० अंक विषाद नामका संगीत
का एक स्वर; मान प्रचार क स्वर में से एक.
(One of the seven musical
notes so named डा. ७. १;

बद्ध. पुं. (स्नेह) स्नेह; अनुशासन. प्रति स्नेह.
 अनुशासन; प्रीति; प्रेम. Affection; love;
 attachment. भाषा० ११ भाट०
 (२) शिखर विकलापन. stickiness
 भाषा० १६; —अवगाह. वि० (-अव-
 गाह) स्नेहपूर्ण आत्म. स्नेह में परिपूर्ण
 full of, absorbed in the emotion
 of love. भाषा० १६; —इन्मुग्धवत्.
 वि० (-इन्मुग्धवत्) स्नेह राक्ष्ण क्षीर.
 स्नेहपूर्ण क्षीर. स्नेहमय भाव. a body full
 of the feeling of love. वि० २३
 —व्याघ्र. पुं. (-व्याघ्र) शिखर. नाश
 विध्वंस का व्यवसाय. destruction of
 stickiness or viscosity. भाषा०
 १६; —व्याघ्र. म० (-व्याघ्र) पुत्र आदिना
 स्नेह, प्रीति. दुर्प्रतीति. अंग प्रसार. पुत्र
 आदि के स्नेह का प्रसार; दुर्प्रति विवेक
 a sort of undesirable conduct

plation, viz. that upon filial affection, conjugal blind etc. ११३.

જા. વિ. (વ:) અમારું. હમારા. (Our; ours.
અમ = ૧, ૧૧;

श्लो. अ० (को) नदि, निर्दिष्ट. महा; विविध.
 No; 100; अम० १, १, १, १, १, १;
 २; ३, ३, ३, ३, १०, १, २०, १०; ३२,
 ३, २३, २, ६, नावा० १; ३, ७, ८; १४,
 १४; १८; आवा० १, १, १, १, १; १, १,
 २; अणुश्लो० २; श्लो १८;

बोधोक्तसंवाह. प्र० (बोधोक्तसंवाह—
 चक्षुःसंवाहिनो बोधोक्तसंवाहः) अथ
 म० ५५१ (अथ. चक्षुःसंवाहः म० ५५१.
 Bearing a relation different
 from that due to or caused by
 letters. अ० १, १:

वाचमनस्य न० (वाचमनस्य) भन भा.
 केवल एक मन, मन मात्र. Mind alone;
 nothing except mind. म० १, १.

शीलवचन. न० (शीलवचन) १५१ भा. १.
 केवल वचन ही. एक वचन मात्र. Speech
 alone; nothing except speech.
 अ० १, १;

[illegible]

ध्यानाभावः पुं० (वाक्यकाश) आशयः
 भवति, अत्रायमर्थः पञ्चविंशत्यदि-
 वाक्यान् भवति, आकाश इदम् पञ्चविंशत्यदि-
 Dhammapadam 80 to 90 (Sanskrit)
 translated from Tibetan etc. by - P. S.

मोक्षविषय ॥० (मोक्षमार्ग) ॥०-२५ (भिन्न
 अ. ॥०२५म२५) अत्र इन्द्रिय नाम एवं
 इन्द्रिय मरण; अत्र Mind ॥० १, अग-
 १०, १०; -- प्रत्यक्षिण ॥० (- वाचनीय)
 अत्र अत्र ॥०५ मे मन का मयम निगम
 contemplation of mind, अग- १५, १०,
 नागा - १, अत्र ॥० (- अर्थ) अत्रो
 इन्द्रिय मन का विषय an object of
 perception for the mind. ॥० १;

જાંડકામગ પું. (નોડબામગ) ઉત્ક્રામ
પતીમ પંજી નપા પૂર્ણ કરી ને. તમને
અવરમ પવોમ પૂર્ણ ન હી હો. (One)
that has not fully developed
the power of respiration
“જરહા દુરિહા અવરમ પંજી ઉત્ક્રામ-
અવ હોઉત્ક્રામગોવર” ડા. ૨, ૨;

लोकायस्य पुं० (लोकायस्य) क्षयः, रतिः,
 अरतिः, भयः, शोकः, अमुष्यसा, अविदः,
 प्रहस्येदः, नपुंसक्येः अं नर मोक्षनीय कर्मनी
 प्रजाय, ३५५ (विज-३५५) मध्य विपमुंता
 ६ प्रजायतो नपुंसक्यः हास्य, रतिः, अरतिः, भयः,
 शोकः, दुःखः, अविदः, पुत्रवेदः, नपुंसक्येद
 ये मोक्षनीय कर्म की नी प्रजाय, कथाय विज
 कथाय सरस हास्येन की प्रकृति का लक्ष्
 दाव. The aggregate of the nine
 varieties of Mohantya Karma
 not classed under Kasyāya
 though akin to it: viz. laugh-
 ter, pleasure, disgust, fear,
 grief, dismay, male sex-feeling,
 female sex-feeling, and neuter

— ७४ —
न - (बंदनीय) मोहनीय प्रमानी दास्यादि
ना प्रमृति मोहनोप कर्म की दास्यादि नौ
प्रकार, the most variation of Mo-
hanitya Karma & g. laughter
etc - बसंतदे मोहपाव देवविशेष कामे
बंदनीये " अं ३.

श्रीकेशवशायन. न० (श्रीकेशवशायन) ११५
 शास्त्रिनः शिवशायनं नदृष्ट्वा, अपरिचिन्त्य अने
 भावस्थितेन श्रीकेशवशायनं निजं शिवशायनं
 मत्वा, अत्राह श्रीमन्नारायणशायन. *Avadhū*
Jñāna and *Mānasa-paryāya*
Jñāna as differentiated from
Kovāla Jñāna " श्री केशवशायने
 दुर्दिहे पदस्थाने न श्रद्धा बोद्धव्याये शिव भक्त-
 शायनं शायनं " शा० २, १;

જોડાણવાદ. પું. (જોડાણવાદ) જાનાચાર
 બિન્ન, દર્શનાચાર પાંચે જાનાચાર બિન્ન;
 દર્શનાચાર ચાર. Right faith etc.
 as differentiated from right
 knowledge. જોડાણવાદે દુષિત
 વચનને દર્શનાવાદે સેવ જો દર્શનાવાદ વાં
 ડા. ૨. ૧.

श्री नमो भगवते वासुदेवाय । पुं० (मोक्षपनोद्धार)
 तत्तन्नाह अने स्थावर नहीं है; मिद्ध जग
 यान्. सो प्रम और स्थावर दोनों नहीं है
 वह; मिद्ध जगयान्. A being neither
 mobile or immobile; a liberated
 soul. श्रीरा० १०;

सोईस गायार. पुं० (सोईसनाचार, रक्षणा
 आर निम्नः गानाआर चमेरे. रक्षणाचार
 निम्नः गानाआर आदि. Right know-
 ledge etc. as differentiating!
 from right faith "इतिहो सोईस-
 नाचो वचनमे" ठा० १, ३।

सांख्य. श्रि. (सांख्य) प्रेरणा; ७७

Bathed, (one) who has bathed.

भाषा० १, २; ३; ४, १२; १३; १४; १५;
अन० १, २; ३, १३; १४, २१ दशा० १०,
१; शेष० ११; उत० १२, ४६;

गृहाण न० (स्नान) स्नान; नद्यायुं ते स्नान;
गृहाना. Bath; bathing. न० व० १,
११२; अन० ११, ११; १०; विशेष० १०२६;
दशा० ६, ४, निनी० १, ६१ — उद्भव. न०
(-डाक) नद्यायुं पायु. स्नान करमेका
वाली water for bathing. भाषा० ११;
— शिड. न० (-बीड) स्नान पीड;
नद्यायुं पायु. स्नान पीड; गृहानेका
वायोद, पाद आदि. a seat for taking
bath. भाषा० १; अ० व० १, ४३;
— मंडप पुं० (-मण्डप) स्नान करवाने
भाषा०. स्नान मंडप. a bower used as
a bath room. अ० व० १, ४३;
— मण्डिका. वि० (-मण्डिका) स्नानभां ७५.
येनी मे० अननं सुमंभी १३; मोटी
भाषा०. स्नानोपयोगी एक सुगन्धन एक
विशेष; मोटी मालती jasmine; a
plant bearing fragrant flowers.

जीवा० १; अ० व० १४० ५६;

गृहाण. न० (स्नायु) स्नायु; नद्य. स्नायु;
अन०; मोटी. A muscle; a nerve; a
sinew. अन० १, २; ३, ६; १, ६;
जीवा० १; — आस. पुं० (-आस)
स्नायुनी लक्ष-समूह. तंतुवाद्यः स्नायु
जाल. a net-work of muscles
or sinews. अन० १, १३;

गृहाणसी. जी० (स्नायु) स्नायु-भांश तंतु.
स्नायु-मोनंतु. A tendon; a muscle;
a sinew. भाषा० १, १, ६, ५३; सूत्र०
१, २, ६; अ० व०

गृहायिवा. जी० (स्नायिका) स्नान कराने
नारी दासी. स्नायिका; स्नानकराने वाली
दासी. A maid-servant whose
duty is to bathe her master or
mistress. अन० ११, ११;

गृहायिवा. जी० (सुसुता) पुत्रनी पत्नी छोडरानी
अ० पुत्र पत्नी; पद्म. A son's wife;
a daughter-in-law. सूत्र० १, २,
२; उत० ६, १; भाषा० १, २, १, ६३;

इति श्रीश्रीमद्भगवद्गीतासहितकामायनीसूत्राद श्री १००८ श्री गुरुदेवस्य

शिरसाभिहित श्रीशिवकामायनीसूत्राद-कामायनी-विहित

प्रवरगुहिराज श्री १०८ श्री दत्तात्रेयस्य

विरचिते गुरुदेवस्यगीतासहितकामायनी

विरचिते

इति

द्वितीयो भागः

